Quran Fiction or Fact

- This book has been compiled through contributions from many free thinkers from various communities including many Muslims.
- Its purpose is to present the message of the Qur'an from a critical perspective.
- Context, interpretation, and discussions of potential contradictions have been included to help readers better understand the text.

क़ुरआन कल्पना या सत्य

- यह पुस्तक विभिन्न समुदायों के अनेक स्वतंत्र विचारकों, जिनमें कई मुसलमान भी शामिल हैं, के योगदान से संकलित की गई है।
- इसका उद्देश्य क़ुरआन के संदेश को एक आलोचनात्मक दृष्टिकोण से प्रस्तुत करना है।
- पाठ को बेहतर ढंग से समझने में पाठकों की सहायता के लिए इसमें संदर्भ, व्याख्या और संभावित विरोधाभासों पर चर्चा शामिल की गई है।

- **Quran's revelation:**

- To Muslims, the Quran is regarded as the perfect and unaltered word of Allah, delivered without error by the angel Gabriel to the Prophet Muhammad (pbuh). From that time onward, it has been transmitted without any change and preserved in the same form. At the age of forty, Prophet Muhammad (pbuh) began receiving divine revelations, which continued until shortly before his death. The first revelation is traditionally believed to have occurred around 610 CE while the Prophet was meditating in the Cave of Hira near Mecca. According to Islamic sources, the angel Gabriel appeared to him and commanded him to "Read" or "Recite." After this initial experience, the Prophet returned home in distress and shared the event with his wife Khadijah. She took him to her cousin Waraqa bin Nawfal, a learned man familiar with earlier scriptures. Waraqa is reported to have affirmed that the experience resembled the revelations received by earlier prophets and predicted that Muhammad (pbuh) would face opposition from his people. The revelations continued gradually over a period of about twenty-three years. The original language of Quran in Arabic as it was revealed in Mecca and Medina (parts of Saudi Arabia).

- During the Prophet's lifetime, many of the Prophet's companions memorized large portions of the Quran, while scribes wrote down the verses on materials such as parchment, leather, bones, and palm leaves. After the death of the Prophet Muhammad (pbuh) in 632 CE, efforts were made to collect the Quranic text into a single compilation. During the caliphate of Uthman, an official written version was prepared and distributed to various regions of the Muslim world in order to standardize the recitation. This compilation became the basis of the text of the Quran that has been transmitted throughout Islamic history.

- **क़ुरआन का अवतरण (वही):**

- मुसलमानों के अनुसार, क़ुरआन अल्लाह का पूर्ण और अपरिवर्तित वचन है, जिसे फ़रिश्ता जिब्रील द्वारा बिना किसी त्रुटि के पैग़म्बर मुहम्मद ﷺ तक पहुँचाया गया। उस समय से लेकर आज तक इसे बिना किसी बदलाव के उसी रूप में सुरक्षित रखा गया है। चालीस वर्ष की आयु में पैग़म्बर मुहम्मद ﷺ को दिव्य प्रकाशन (वही) प्राप्त होना शुरू हुआ, जो उनकी मृत्यु से कुछ समय पहले तक जारी रहा। पहली वही परंपरागत रूप से 610 ईस्वी के आसपास मानी जाती है, जब पैग़म्बर मक्का के पास हिरा की गुफा में ध्यान कर रहे थे। इस्लामी स्रोतों के अनुसार, फ़रिश्ता जिब्रील उनके सामने प्रकट हुए और उन्हें "पढ़ो" या "सुनाओ" का आदेश दिया।

- इस प्रारंभिक अनुभव के बाद, पैग़म्बर अत्यंत व्याकुल अवस्था में अपने घर लौटे और इस घटना को अपनी पत्नी ख़दीजा के साथ साझा किया। वे उन्हें अपने चचेरे भाई वरक़ा बिन नवफ़ल के पास ले गईं, जो एक विद्वान व्यक्ति थे और पूर्ववर्ती धर्मग्रंथों से परिचित थे। बताया जाता है कि वरक़ा ने इस अनुभव की पुष्टि की कि यह पूर्व के नबियों को मिलने वाली वही के समान है, और उन्होंने यह भी भविष्यवाणी की कि मुहम्मद ﷺ को अपने लोगों के विरोध का सामना करना पड़ेगा। लगभग तेईस वर्षों की अवधि में ये वही धीरे-धीरे जारी रहीं। क़ुरआन की मूल भाषा अरबी है, जैसा कि यह मक्का और मदीना (सऊदी अरब के भाग) में प्रकट हुआ।

- पैग़म्बर के जीवनकाल के दौरान, उनके अनेक साथियों ने क़ुरआन के बड़े हिस्सों को कंठस्थ कर लिया था, जबकि लेखक आयतों को चर्मपत्र, चमड़े, हड्डियों और खजूर के पत्तों जैसी सामग्रियों पर लिखते थे। 632 ईस्वी में पैग़म्बर मुहम्मद ﷺ की मृत्यु के बाद, क़ुरआन के पाठ को एक ही संकलन में एकत्रित करने के प्रयास किए गए। ख़लीफ़ा उस्मान के शासनकाल में, एक आधिकारिक लिखित संस्करण तैयार किया गया और इसे मुस्लिम दुनिया के विभिन्न क्षेत्रों में वितरित किया गया ताकि पाठ के उच्चारण (किराअत) को मानकीकृत किया जा सके। यह संकलन क़ुरआन के उस पाठ का आधार बना, जो इस्लामी इतिहास के दौरान प्रचलित रहा है।

- **How to understand:**

- Many readers often find the Quran difficult to understand for several reasons. First, the text is written in classical Arabic in a poetic style, which non-Arabic speakers cannot easily comprehend. Although numerous translations are available, they are often difficult to understand without knowledge of the historical context of revelation (Asbab al-Nuzul), and many cryptic terms require explanation. In some translations, the meaning may also appear obscured due to apologetic interpretations and confirmation bias.

- The primary source used in this work is the English translation of the Quran by Sahih International. In addition, the translation by Muhammad Marmaduke Pickthall was also consulted and reviewed for comparison. For Hindi translation, work of Farooq Khan and Suhail Nadwi was used. Classical works of Quranic interpretation were referred to in order to understand the traditional explanations of the verses. These include *Asbāb al-Nuzūl* by Al-Wāḥidī, as well as the well-known commentaries *Tafsir Ibn Kathir* and *Tafsir al-Jalalayn*. Since different traditions often report varying circumstances for the revelation of particular verses, usually one or two of the commonly cited reports were selected.

- Among modern critical studies, *The Critical Quran* by Robert Spencer was also consulted for a non-Islamic perspective. Various digital tools were also used during the preparation of this work. ChatGPT was used primarily for locating relevant Quranic verses by topic, as well as for assistance with Hindi commentary and transliteration.

- **इसे कैसे समझें:**

- कई पाठकों को क़ुरआन को समझना कठिन लगता है, इसके कई कारण हैं। पहला, इसका मूल पाठ शास्त्रीय अरबी में एक काव्यात्मक शैली में लिखा गया है, जिसे गैर-अरबी भाषी लोग आसानी से नहीं समझ पाते। यद्यपि अनेक अनुवाद उपलब्ध हैं, फिर भी वे अक्सर अवतरण की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि (असबाब अल-नुज़ूल) के ज्ञान के बिना कठिन प्रतीत होते हैं, और कई गूढ़ शब्दों के लिए विस्तृत व्याख्या की आवश्यकता होती है। कुछ अनुवादों में अर्थ अस्पष्ट भी लग सकता है, जिसका कारण कभी-कभी पक्षसमर्थन (पक्ष-समर्थक व्याख्या) और पुष्टि पूर्वाग्रह (पूर्वधारणा के अनुसार अर्थ निकालना) होता है।

- इस कार्य में मुख्य स्रोत के रूप में "सहीह इंटरनेशनल" द्वारा किया गया क़ुरआन का अंग्रेज़ी अनुवाद उपयोग किया गया है। इसके अतिरिक्त, तुलना के लिए मुहम्मद मार्माड्यूक पिकथॉल के अनुवाद का भी परामर्श और समीक्षा की गई। हिंदी अनुवाद के लिए फ़ारूक़ ख़ान और सुहैल नदवी के कार्य का उपयोग किया गया। आयतों की पारंपरिक व्याख्या को समझने के लिए क़ुरआन की क्लासिकल तफ़सीर पुस्तकों का सहारा लिया गया। इनमें "असबाब अल-नुज़ूल" (अल-वाहिदी द्वारा), "तफ़सीर इब्न कसीर", तथा "तफ़सीर अल-जालालैन" जैसी प्रसिद्ध व्याख्याएँ शामिल हैं। चूँकि विभिन्न परंपराएँ अक्सर किसी आयत के अवतरण के अलग-अलग संदर्भ प्रस्तुत करती हैं, इसलिए सामान्यतः एक या दो प्रचलित विवरणों को ही चुना गया।

- आधुनिक समालोचनात्मक अध्ययनों में "द क्रिटिकल क़ुरआन" (रॉबर्ट स्पेंसर द्वारा) का भी गैर-इस्लामी दृष्टिकोण के लिए संदर्भ लिया गया। इस कार्य की तैयारी के दौरान विभिन्न डिजिटल उपकरणों का भी उपयोग किया गया। चैटजीपीटी का उपयोग मुख्यतः विषय के अनुसार संबंधित क़ुरआनी आयतों को खोजने, तथा हिंदी टिप्पणी और लिप्यंतरण में सहायता के लिए किया गया।

- After the Quran, the most important source of Islamic teachings is the Hadith literature, which records the sayings and actions of the Prophet Muhammad. Some important Hadiths are Sahih Bukhari, Sahih Muslim, Sunan Abi Dawud, Tirmidhi, and aN-Nisai. Each Hadith is accompanied by a chain of narration (Isnad) and is classified by scholars into categories such as Sahih (authentic), Hasan (good), and Daif (weak). Together, the Quran and Hadith form the foundation of Islamic law, known as Sharia.

- **Common themes:**

- The Quran contains 114 chapters called Surahs, which consist of varying numbers of verses known as Ayahs. The arrangement of these verses is neither chronological nor strictly organized by topic. Consequently, there is scholarly debate among Islamic scholars regarding the timing and circumstances of the revelation of various verses. The earlier verses revealed in Mecca primarily focus on monotheism, moral reform, and the call to faith while addressing the pagan society of Mecca. During this period, the message also engaged with Jews and Christians in dialogue. In the later Medinan period, when the Muslim community had formed a social and political structure, the revelations increasingly addressed legal matters, communal relations, and issues of conflict (Jihad). In between the verses discussing articles of faith and stories of earlier prophets, there are verses revealed in response to various circumstances, events, and questions faced by the early Muslim community.

- कुरआन के बाद इस्लामी शिक्षाओं का सबसे महत्वपूर्ण स्रोत हदीस साहित्य है, जिसमें पैग़म्बर मुहम्मद ﷺ के कथन और कर्म दर्ज हैं। कुछ प्रमुख हदीस संग्रह हैं: सहीह बुख़ारी, सहीह मुस्लिम, सुनन अबी दाऊद, तिर्मिज़ी, और अन-नसाई। प्रत्येक हदीस के साथ रिवायत की एक श्रृंखला (इसनाद) होती है, और विद्वान इन्हें विभिन्न श्रेणियों में वर्गीकृत करते हैं, जैसे सहीह (प्रामाणिक), हसन (अच्छी), और दईफ़ (कमज़ोर)। कुरआन और हदीस मिलकर इस्लामी क़ानून की नींव बनाते हैं, जिसे शरीअत कहा जाता है।

- **सामान्य विषय:**

- कुरआन में 114 अध्याय (सूरह) हैं, जिनमें अलग-अलग संख्या में आयतें होती हैं। इन आयतों का क्रम न तो कालानुक्रमिक है और न ही पूरी तरह विषय के अनुसार व्यवस्थित है। इसी कारण, विभिन्न आयतों के अवतरण के समय और परिस्थितियों को लेकर इस्लामी विद्वानों के बीच मतभेद पाए जाते हैं। मक्का में अवतरित प्रारंभिक आयतें मुख्यतः एकेश्वरवाद, नैतिक सुधार और ईमान की ओर बुलावे पर केंद्रित हैं, तथा मक्का के बहुदेववादी समाज को संबोधित करती हैं। इस अवधि में यह संदेश यहूदियों और ईसाइयों के साथ संवाद भी स्थापित करता है।

- बाद के मदीनी काल में, जब मुस्लिम समुदाय ने एक सामाजिक और राजनीतिक संरचना विकसित कर ली, तब अवतरित आयतों में अधिकतर क़ानूनी विषयों, सामाजिक संबंधों और संघर्ष (जिहाद) से जुड़े मुद्दों पर ध्यान दिया गया। ईमान से संबंधित विषयों और पूर्व नबियों की कथाओं के बीच-बीच में ऐसी आयतें भी हैं जो प्रारंभिक मुस्लिम समुदाय के सामने आने वाली विभिन्न परिस्थितियों, घटनाओं और प्रश्नों के उत्तर में अवतरित हुईं।

- The Quran frequently refers to ruins and destroyed civilizations of the past as reminders of the consequences faced by communities that rejected their prophets. Stories of earlier prophets such as Adam, Noah, Abraham, Moses, and Jesus are included to illustrate moral lessons, continuity of divine guidance, and the recurring pattern of prophets being rejected by their people. Although earlier prophets were claimed to have shown miracles, no miracles were given to Prophet Muhammad (pbuh). The verses of Quran (Ayahs) itself are presented as signs intended to guide people toward belief. Natural phenomena such as the creation of the heavens and the earth, the alternation of day and night, rain, plants, and the diversity of life are also described as signs pointing toward the existence and power of God. These signs are intended to encourage reflection and recognition of divine authority.

- One of the central themes is the distinction between believers, disbelievers, and hypocrites. Believers (Momin) are those who accept the message of Allah, Prophet Muhammad (pbuh) and follow His commandments with faith and obedience. They are promised guidance, mercy, and reward in the hereafter. Disbelievers (Kafir) are described as those who reject the message of Quran and frequently warned of consequences in the life of hereafter. Hypocrites (munafiq) are those who outwardly profess belief but inwardly reject it. The Quran also addresses earlier religious communities, particularly Jews and Christians, who are collectively referred to as “People of the Book.” The Quran recognizes elements of shared belief with these communities and also engages with them in theological debates.

- क़ुरआन अक्सर अतीत की नष्ट हो चुकी सभ्यताओं और उनके खंडहरों का उल्लेख करता है, ताकि यह याद दिलाया जा सके कि जिन्होंने अपने नबियों को अस्वीकार किया, उन्हें किन परिणामों का सामना करना पड़ा। आदम, नूह, इब्राहीम, मूसा और ईसा जैसे पूर्व नबियों की कहानियाँ इसमें शामिल हैं, जिनका उद्देश्य नैतिक शिक्षा देना, दैवी मार्गदर्शन की निरंतरता को दिखाना, और यह बताना है कि नबियों को उनकी क़ौमों द्वारा बार-बार अस्वीकार किया गया। यद्यपि पूर्व नबियों को चमत्कार दिए जाने का वर्णन मिलता है, लेकिन पैग़म्बर मुहम्मद ﷺ को कोई भौतिक चमत्कार नहीं दिया गया; बल्कि क़ुरआन की आयतों को ही ऐसे संकेत (निशानियाँ) के रूप में प्रस्तुत किया गया है, जो लोगों को ईमान की ओर मार्गदर्शन दें। प्राकृतिक घटनाएँ जैसे आकाश और पृथ्वी की रचना, दिन और रात का परिवर्तन, वर्षा, पौधे, और जीवन की विविधता भी अल्लाह के अस्तित्व और उसकी शक्ति की ओर संकेत करने वाली निशानियाँ बताई गई हैं। इनका उद्देश्य लोगों को चिंतन करने और दैवी सत्ता को पहचानने के लिए प्रेरित करना है।

- मुख्य विषयों में से एक ईमान वालों, काफ़िरों और मुनाफ़िकों के बीच अंतर करना है। ईमान वाले (मोमिन) वे हैं जो अल्लाह और पैग़म्बर मुहम्मद ﷺ के संदेश को स्वीकार करते हैं और उसके आदेशों का विश्वास और आज्ञाकारिता के साथ पालन करते हैं। उनके लिए आख़िरत में मार्गदर्शन, रहमत और इनाम का वादा किया गया है। काफ़िर वे हैं जो क़ुरआन के संदेश को अस्वीकार करते हैं, और उन्हें बार-बार आख़िरत के परिणामों के बारे में चेतावनी दी जाती है। मुनाफ़िक वे हैं जो बाहरी रूप से ईमान का दावा करते हैं, लेकिन अंदर से उसे अस्वीकार करते हैं। क़ुरआन पूर्व धार्मिक समुदायों, विशेषकर यहूदियों और ईसाइयों, को भी संबोधित करता है, जिन्हें सामूहिक रूप से “अहल-ए-किताब” कहा जाता है। क़ुरआन इन समुदायों के साथ कुछ साझा विश्वासों को स्वीकार करता है, और साथ ही उनके साथ धार्मिक (थियोलॉजिकल) संवाद भी करता है।

- The Quran addresses a wide range of themes that guide the beliefs, conduct, and worldview of Muslims. The oneness of God (Tawhid) is the central theological principle of the Quran. It emphasizes that there is only one God worthy of worship, and associating partners with God (shirk) is strongly condemned. The Quran places strong emphasis on the concept of the Day of Judgment (Qiyamat). According to this teaching, all human beings will be resurrected and held accountable for their actions. The hereafter (Akhirah) is described in vivid terms, including the rewards of Paradise (Jannah) for the righteous and the punishments of Hell (Jahannam) for those who reject faith and commit wrongdoing.

- **Argument and criticism:**

- An important concept discussed in Islamic scholarship is abrogation (Naskh), which refers to the understanding that the rulings of some earlier Quranic verses were superseded or modified by later revelations according to changing circumstances. While discussing the Quran, some scholars always try to highlight the peaceful verses revealed during the Meccan period, sometimes quoting them without their historical context. Some Muslim scholars argue that verses concerning Jihad were specific to the circumstances of that time and should be interpreted within that historical framework. However, for devout Muslims, the Quran represents a complete code of life and is considered eternally relevant.

- कुरआन विभिन्न विषयों को संबोधित करता है, जो मुसलमानों के विश्वास, आचरण और विश्वदृष्टि का मार्गदर्शन करते हैं। अल्लाह की एकता (तौहीद) क़ुरआन का केंद्रीय धार्मिक सिद्धांत है। यह इस बात पर ज़ोर देता है कि इबादत के योग्य केवल एक ही ईश्वर है, और अल्लाह के साथ किसी को साझी ठहराना (शिर्क) अत्यंत निंदनीय है। क़ुरआन क़यामत के दिन (क़ियामत) की अवधारणा पर भी विशेष बल देता है। इस शिक्षा के अनुसार, सभी मनुष्यों को पुनर्जीवित किया जाएगा और उनके कर्मों के लिए उनसे हिसाब लिया जाएगा। आख़िरत (परलोक) का वर्णन जीवंत रूप में किया गया है, जिसमें नेक लोगों के लिए जन्नत के इनाम और ईमान को अस्वीकार करने वालों तथा बुरे कर्म करने वालों के लिए जहन्नम की सज़ा का उल्लेख है।

- **तर्क और आलोचना:**

- इस्लामी विद्वता में एक महत्वपूर्ण अवधारणा "नस्क़" (अभिन्यास या निरसन) है, जिसका अर्थ है कि कुछ प्रारंभिक क़ुरआनी आयतों के आदेशों को बाद में अवतरित आयतों द्वारा परिस्थितियों के अनुसार परिवर्तित या प्रतिस्थापित किया गया। क़ुरआन पर चर्चा करते समय कुछ विद्वान मक्का काल में अवतरित शांतिपूर्ण आयतों को विशेष रूप से उजागर करते हैं, और कभी-कभी उन्हें उनके ऐतिहासिक संदर्भ से अलग करके प्रस्तुत करते हैं। कुछ मुस्लिम विद्वानों का तर्क है कि जिहाद से संबंधित आयतें उस समय की विशेष परिस्थितियों से जुड़ी थीं और उन्हें उसी ऐतिहासिक संदर्भ में समझा जाना चाहिए।

- **Purpose of book:**

- This work aims to help readers understand the meanings of the Quran more clearly, including the context of revelation and the background of various Islamic practices. It also highlights areas of debate and differing interpretations where relevant. The author acknowledges the efforts of various researchers and communities, including members of the ex-Muslim community and Christian scholars, who have contributed to this work. Their work has helped promote critical analysis and dialogue, thereby contributing to efforts aimed at peaceful coexistence. There may be inadvertent errors, and readers are encouraged to examine the sources themselves and form their own conclusions. This work does not address certain issues such as possible scribal or writing variations in the Arabic text, differences among Quranic recitation traditions (for example, the Hafs reading), or discussions related to other reported codices attributed to early companions such as Ibn Masud. It also does not examine in detail the scholarly debates concerning the compilation of the Quran in the early Islamic period. In addition, the place of revelation has not been specified for many verses where Islamic scholars themselves differ regarding whether the verses were revealed in Mecca or Medina.

- **पुस्तक का उद्देश्य:**

- यह कार्य पाठकों को क़ुरआन के अर्थ को अधिक स्पष्ट रूप से समझने में सहायता देने के लिए तैयार किया गया है, जिसमें अवतरण की पृष्ठभूमि और विभिन्न इस्लामी प्रथाओं का संदर्भ भी शामिल है। जहाँ आवश्यक हो, वहाँ यह विभिन्न मतभेदों और व्याख्याओं को भी उजागर करता है। लेखक उन अनेक शोधकर्ताओं और समुदायों के प्रयासों को स्वीकार करता है, जिनमें पूर्व-मुस्लिम समुदाय के सदस्य और ईसाई विद्वान शामिल हैं, जिन्होंने इस कार्य में योगदान दिया है। उनके कार्य ने समालोचनात्मक अध्ययन और संवाद को बढ़ावा दिया है, जिससे शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के प्रयासों में सहायता मिली है।

- संभव है कि इसमें अनजाने में कुछ त्रुटियाँ रह गई हों, इसलिए पाठकों को प्रोत्साहित किया जाता है कि वे स्वयं स्रोतों का अध्ययन करें और अपने निष्कर्ष निकालें। इस कार्य में कुछ विषयों को शामिल नहीं किया गया है, जैसे अरबी पाठ में संभावित लेखन या लिपिकीय भिन्नताएँ, क़ुरआन की विभिन्न क़िराअत (पाठ परंपराओं) के बीच अंतर (उदाहरण के लिए हफ़्स की क़िराअत), या प्रारंभिक सहाबा जैसे इब्न मसऊद से संबंधित अन्य संहिताओं पर चर्चा।

- इसी प्रकार, प्रारंभिक इस्लामी काल में क़ुरआन के संकलन से संबंधित विद्वानों के बीच होने वाली बहसों का भी यहाँ विस्तार से विश्लेषण नहीं किया गया है। इसके अतिरिक्त, कई आयतों के लिए अवतरण का स्थान भी निर्दिष्ट नहीं किया गया है, क्योंकि इस विषय में स्वयं इस्लामी विद्वानों के बीच मतभेद पाए जाते हैं कि वे आयतें मक्का में अवतरित हुई थीं या मदीना में।

Arabic Transliteration	English Comment	English Sahih International	Verse	फ़ारूक़ ख़ान अहमद सुहेल नदवी	हिंदी टिप्पणी
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Al-Fatiha (The Opening)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**1:1**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अल-फ़ातिहा (आरंभ)**
Alhamdu lillahi rabbi alAAalameena	Majority scholars are of the opinion that this surah was revealed in Mecca and one among the first Surahs of the Qur'an. **[Entire Surah in voice of a believer. There is concept of seven worlds / earths (also in 65:12) which no one knows where exist.]**	[All] praise is [due] to Allah, Lord of the worlds -	1:2	प्रशंसा अल्लाह ही के लिए हैं जो सारे संसार का रब हैं	ज़्यादातर विद्वानों का मानना है कि यह सूरत मक्का में नाज़िल हुई थी और क़ुरआन की शुरुआती सूरतों में से है। **[पूरी सूरत एक मोमिन की ज़ुबान में है। सात आसमानों/ज़मीनों का भी एक विचार मिलता है (देखें 65:12), जिनका असली स्थान किसी को नहीं पता।]**
Alrrahmani alrraheemi	**[This verse (1:3) says Allah is merciful; Verse Q 4:56 says he will torture.]**	The Entirely Merciful, the Especially Merciful,	1:3	बड़ा कृपालु, अत्यन्त दयावान हैं	**[यह आयत (1:3) बताती है कि अल्लाह बहुत दयालु है; जबकि आयत 4:56 में कहा गया है कि वह यातना देगा।]**
Maliki yawmi alddeeni	Means Day of Judgement (Qiyamat)	Sovereign of the Day of Recompense.	1:4	बदला दिए जाने के दिन का मालिक हैं	इसका मतलब है वह दिन जब अल्लाह सबका हिसाब लेगा (क़यामत)।
Iyyaka naAAbudu waiyyaka nastaAAeenu	x	It is You we worship and You we ask for help.	1:5	हम तेरी बन्दगी (उपासना) करते हैं और तुझी से मदद माँगते हैं	x
Ihdina alssirata almustaqeema	x	Guide us to the straight path -	1:6	हमें सीधे मार्ग पर चला	x
Sirata allatheena anAAamta AAalayhim ghayri almaghdoobi AAalayhim wala alddalleena	Those evoke anger are Jews and Christians, and those astray are who left Islam.	The path of those upon whom You have bestowed favor, not of those who have evoked [Your] anger or of those who are astray.	1:7	उन लोगों के मार्ग पर जो तेरे कृपापात्र हुए, जो न प्रकोप के भागी हुए और न पथभ्रष्ट	जिन पर प्रकोप हुआ वे यहूदी और ईसाई हैं, और जो भटक गए वे वे लोग हैं जिन्होंने इस्लाम छोड़ दिया।

Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Al-Baqrah (The Cow)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**2:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अल-बक़रह (गाय)**
Aliflammeem	Mysterious letters; the meaning only Allah knows. **[Why Allah will reveal something which no one could understand.]**	Alif, Lam, Meem.	2:1	अलीफ़° लाम° मीम°	रहस्यमयी अक्षर; उनका असली अर्थ सिर्फ़ अल्लाह ही जानता है। **[अल्लाह ऐसी चीज़ क्यों उतारी जिसे कोई समझ न सके?]**
Thalika alkitabu la rayba feehi hudan lilmuttaqeena	**[Yes of course, a book from Allah should produce no doubt in mind.]**	This is the Book about which there is no doubt, a guidance for those conscious of Allah -	2:2	वह किताब यही हैं, जिसमें कोई सन्देह नहीं, मार्गदर्शन हैं डर रखनेवालों के लिए,	**[हाँ, निश्चित रूप से, अल्लाह की ओर से आई किताब दिल में कोई संदेह पैदा नहीं करनी चाहिए।]**
Allatheena yuminoona bialghaybi wayuqeemoona alssalata wamimma razaqnahum	**[Believing in unseen things is OK but it should be logical and could be proved indirectly]**	Who believe in the unseen, establish prayer, and spend out of what We have provided for them,	2:3	जो अनदेखे ईमान लाते हैं, नमाज़ क़ायम करते हैं और जो कुछ हमने उन्हें दिया हैं उसमें से कुछ खर्च करते हैं;	**[अदृश्य चीज़ों पर विश्वास करना ठीक है, लेकिन वह तार्किक होना चाहिए और उसे परोक्ष रूप से साबित किया जा सके।]**
Waallatheena yuminoona bima onzila ilayka wama onzila min qablika wabialakhirati hum yooqinoona	What has been revealed to you means Quran. Revealed before you means, Torah, Zaboor, Injil. Hereafter means life after death in Paradise or Hell. **[But as per Islamic belief, the earlier scriptures have been corrupted, then how one can believe in them; Also one may consider the possibility of hereafter but how one can be certain.]**	And who believe in what has been revealed to you, [O Muhammad], and what was revealed before you, and of the Hereafter they are certain [in faith].	2:4	और जो उस पर ईमान लाते हैं जो तुम पर (रसूल) उतरा और जो तुमसे पहले अवतरित हुआ हैं और आख़िरत पर वही लोग विश्वास रखते हैं;	आप पर जो उतारा गया है उससे मतलब क़ुरआन है। आपसे पहले जो उतारा गया उससे मतलब तौरात, ज़बूर और इंजील है। आख़िरत से मतलब मौत के बाद की ज़िंदगी है, जन्नत या जहन्नम। **[लेकिन इस्लामी मान्यता के अनुसार पहले की किताबों में बदलाव हो चुका है, तो उन पर कैसे विश्वास किया जाए? और आख़िरत की संभावना तो मानी जा सकती है, लेकिन उस पर पूरा यक़ीन कैसे हो?]**

Olaika AAala hudan min rabbihim waolaika humu almuflihoona	Right guidance means guidance of Quran. Guidance and Success are awarded to the Believers	Those are upon [right] guidance from their Lord, and it is those who are the successful.	2:5	वही लोग हैं जो अपने रब के सीधे मार्ग पर हैं और वही सफलता प्राप्त करनेवाले हैं	सही मार्गदर्शन से मतलब क़ुरआन का मार्गदर्शन है।
Inna allatheena kafaroo sawaon AAalayhim aanthartahum am lam tunthirhum la yuminoona	This was revealed about Abu Jahl and his household, some say this refers to the Jews. **[This verse says that the disbeliever will not believe; however, many disbelivers converted to Islam; Also this contradicts concept of free will.]**	Indeed, those who disbelieve - it is all the same for them whether you warn them or do not warn them - they will not believe.	2:6	जिन लोगों ने कुफ़्र (इनकार) किया उनके लिए बराबर हैं, चाहे तुमने उन्हें सचेत किया हो या सचेत न किया हो, वे ईमान (विश्वास) नहीं लाएँगे	यह आयत अबू जहल और उसके घरवालों के बारे में उतरी बताई जाती है; कुछ विद्वान कहते हैं कि इससे यहूदियों की ओर भी इशारा है। **[इस आयत में कहा गया है कि काफ़िर ईमान नहीं लाएँगे; लेकिन बहुत से काफ़िर बाद में इस्लाम में आ गए। साथ ही यह बात स्वतंत्र इच्छा सिद्धांत से टकराती है।]**
Khatama Allahu AAala quloobihim waAAala samAAihim waAAala absarihim ghishawatun walahum AAathabun	**[Why would Allah seal someone hearts, Other Qur'an passages hold that it is Satan who leads the believers astray (4:119, 15:39, 114:5). While some passages say the disbelivers themselves to blamed (6:12, 9:70, 30:9).**	Allah has set a seal upon their hearts and upon their hearing, and over their vision is a veil. And for them is a great punishment.	2:7	अल्लाह ने उनके दिलों पर और कानों पर मुहर लगा दी है और उनकी आँखों पर परदा पड़ा है, और उनके लिए बड़ी यातना है	**[अल्लाह किसी के दिलों पर मुहर क्यों लगा देगा? क़ुरआन के कुछ दूसरे स्थानों पर कहा गया है कि शैतान लोगों को बहकाता है (4:119, 15:39, 114:5)। जबकि कुछ आयतें कहती हैं कि काफ़िर खुद ही दोषी हैं (6:12, 9:70, 30:9)।]**
Wamina alnnasi man yaqoolu amanna biAllahi wabialyawmi alakhiri wama hum	Refers to Jew, Christians (Also called people of book)	And of the people are some who say, "We believe in Allah and the Last Day," but they are not believers.	2:8	कुछ लोग ऐसे हैं जो कहते हैं कि हम अल्लाह और अन्तिम दिन पर ईमान रखते हैं, हालाँकि वे ईमान नहीं रखते	यह यहूदियों और ईसाइयों की ओर संकेत करता है (जिन्हें अहल-ए-किताब / किताब वाले भी कहा जाता है)।
YukhadiAAoona Allaha waallatheena amanoo wama yakhdaAAoona illa anfusahum wama yashAAuroona	**[How one can decieve Allah or even think about this.]**	They [think to] deceive Allah and those who believe, but they deceive not except themselves and perceive [it] not.	2:9	वे अल्लाह और ईमानवालों के साथ धोखेबाज़ी कर रहे हैं, हालाँकि धोखा वे स्वयं अपने-आपको ही दे रहे हैं, परन्तु वे इसको महसूस नहीं करते	**[कोई अल्लाह को कैसे धोखा दे सकता है या ऐसा सोच भी कैसे सकता है?]**

Fee quloobihim maradun fazadahumu Allahu maradan walahum AAathabun aleemun bima kanoo	Disease is the doubt that they brought to Islam. **[Why Allah will increase their disease, rather than guiding them.]**	In their hearts is disease, so Allah has increased their disease; and for them is a painful punishment because they [habitually] used to lie.	2:10	उनके दिलों में रोग था तो अल्लाह ने उनके रोग को और बढ़ा दिया और उनके लिए झूठ बोलते रहने के कारण उनके लिए एक दुखद यातना है	**[अल्लाह उन्हें मार्गदर्शन देने के बजाय उनकी बीमारी क्यों बढ़ा देगा?]**
Waitha qeela lahum la tufsidoo fee alardi qaloo innama nahnu muslihoona	**[Here corruption does not means dishonesty or immorality, but following another religion.]**	And when it is said to them, "Do not cause corruption on the earth," they say, "We are but	2:11	और जब उनसे कहा जाता है कि "ज़मीन में बिगाड़ पैदा न करो", तो कहते हैं, "हम तो केवल सुधारक	**[यहाँ "फ़साद/बिगाड़" से मतलब बेईमानी या अनैतिकता नहीं, बल्कि दूसरे धर्म का अनुसरण करना है।]**
Ala innahum humu almufsidoona walakin la yashAAuroona	**Corruption is disobeying Allah's commands. [If Allah will not make them perceive their error, how will they correct it.]**	Unquestionably, it is they who are the corrupters, but they perceive [it] not.	2:12	जान लो! वही हैं जो बिगाड़ पैदा करते हैं, परन्तु उन्हें एहसास नहीं होता	**[यदि अल्लाह उन्हें अपनी गलती समझने ही न दे, तो वे उसे कैसे सुधारेंगे?]**
Waitha qeela lahum aminoo kama amana alnnasu qaloo anuminu kama amana alssufahao ala innahum humu alssufahao walakin la yaAAlamoona	**[If they don't know their error, how would they correct it; Also 2:6 already tells that disbelievers will not believe, so what is the point of telling them.]**	And when it is said to them, "Believe as the people have believed," they say, "Should we believe as the foolish have believed?" Unquestionably, it is they who are the foolish, but	2:13	और जब उनसे कहा जाता है, "ईमान लाओ जैसे लोग ईमान लाए हैं", कहते हैं, "क्या हम ईमान लाए जैसे कम समझ लोग ईमान लाए हैं?" जान लो, वही कम समझ हैं परन्तु जानते नहीं	**[यदि उन्हें अपनी गलती का पता ही न हो, तो वे उसे कैसे सुधारेंगे? और 2:6 में तो पहले ही कहा गया है कि काफ़िर ईमान नहीं लाएँगे, तो फिर उन्हें बताने का क्या मतलब है?]**
Waitha laqoo allatheena amanoo qaloo amanna waitha khalaw ila shayateenihim qaloo inna maAAakum innama nahnu mustahzioona	**[This usually happens when people have to show off their religious belief due to social coercion, otherwise, in a free society no one does that.]**	And when they meet those who believe, they say, "We believe"; but when they are alone with their evil ones, they say, "Indeed, we are with you; we were only mockers."	2:14	और जब ईमान लानेवालों से मिलते हैं तो कहते, "हम भी ईमान लाए हैं," और जब एकान्त में अपने शैतानों के पास पहुँचते हैं, तो कहते हैं, "हम तो तुम्हारे साथ हैं और यह तो हम केवल परिहास कर रहे हैं।"	**[यह आम तौर पर तब होता है जब लोगों को सामाजिक दबाव के कारण अपनी धार्मिक आस्था दिखानी पड़ती है; वरना एक स्वतंत्र समाज में लोग ऐसा नहीं करते।]**

Allahu yastahzio bihim wayamudduhum fee tughyanihim yaAAmahoona	**[The concept of Allah is like a revenge-seeking person.]**	[But] Allah mocks them and prolongs them in their transgression [while] they wander blindly.	2:15	अल्लाह उनके साथ परिहास कर रहा है और उन्हें उनकी सरकशी में ढील दिए जाता है, वे भटकते फिर रहे हैं	**[अल्लाह की धारणा एक बदला लेने वाले व्यक्ति जैसी प्रतीत होती है।]**
Olaika allatheena ishtarawoo alddalalata bialhuda fama rabihat tijaratuhum wama kanoo muhtadeena	x	Those are the ones who have purchased error [in exchange] for guidance, so their transaction has brought no profit, nor were they guided.	2:16	यही वे लोग हैं, जिन्होंने मार्गदर्शन के बदले में गुमराही मोल ली, किन्तु उनके इस व्यापार में न कोई लाभ पहुँचाया, और न ही वे सीधा मार्ग पा सके	x
Mathaluhum kamathali allathee istawqada naran falamma adaat ma hawlahu thahaba Allahu binoorihim watarakahum fee thulumatin la yubsiroona	**[The concept of Allah is like a revenge-seeking person.]**	Their example is that of one who kindled a fire, but when it illuminated what was around him, Allah took away their light and left them in darkness [so] they could not see.	2:17	उनकी मिसाल ऐसी है जैसे किसी व्यक्ति ने आग जलाई, फिर जब उसने उसके वातावरण को प्रकाशित कर दिया, तो अल्लाह ने उसका प्रकाश ही छीन लिया और उन्हें अँधेरों में छोड़ दिया जिससे उन्हें कुछ सुझाई नहीं दे रहा है	**[अल्लाह की धारणा एक बदला लेने वाले व्यक्ति जैसी प्रतीत होती है।]**
Summun bukmun AAumyun fahum la yarjiAAoona	**[The disbelievers are predestined for doom; Also it is an insulting way of addressing someone.]**	Deaf, dumb and blind - so they will not return [to the right path].	2:18	वे बहरे हैं, गूँगे हैं, अन्धे हैं, अब वे लौटने के नहीं	**[काफ़िरों का अंजाम पहले से तय है; साथ ही यह किसी को संबोधित करने का अपमानजनक तरीका भी है।]**

Aw kasayyibin mina alssamai feehi thulumatun waraAAdun wabarqun yajAAaloona asabiAAahum fee athanihim mina alssawaAAiqi hathara almawti waAllahu muheetun bialkafireena	Encompassing means Allah has covered the disbelivers.	Or [it is] like a rainstorm from the sky within which is darkness, thunder and lightning. They put their fingers in their ears against the thunderclaps in dread of death. But Allah is encompassing of the disbelievers.	2:19	या (उनकी मिसाल ऐसी है) जैसे आकाश से वर्षा हो रही हो जिसके साथ अँधेरे हों और गरज और चमक भी हो, वे बिजली की कड़क के कारण मृत्यु के भय से अपने कानों में उँगलियाँ दे ले रहे हों - और अल्लाह ने तो इनकार करनेवालों को घेर रखा हैं	अल्लाह ने काफ़िरों को चारों ओर से घेर रखा है (अपने ज्ञान और शक्ति से)।
Yakadu albarqu yakhtafu absarahum kullama adaa lahum mashaw feehi waitha athlama AAalayhim qamoo walaw shaa Allahu lathahaba bisamAAihim waabsarihim inna Allaha AAala kulli shayin qadeerun	**[Contradiction: Allah seals the hearts – 2:7, 4:155, 7:100, 7:101, 9:87, 9:93, 10:74, 16:108, 30:59, 40:35, 45:23, 47:16, 63:3; Does not seals – 2:20, 42:24, 6:46]**	The lightning almost snatches away their sight. Every time it lights [the way] for them, they walk therein; but when darkness comes over them, they stand [still]. And if Allah had willed, He could have taken away their hearing and their sight. Indeed, Allah is over all things competent.	2:20	मानो शीघ्र ही बिजली उनकी आँखों की रौशनी उचक लेने को है; जब भी उनपर चमकती हो, वे चल पड़ते हो और जब उनपर अँधेरा छा जाता हैं तो खड़े हो जाते हो; अगर अल्लाह चाहता तो उनकी सुनने और देखने की शक्ति बिलकुल ही छीन लेता। निस्सन्देह अल्लाह को हर चीज़ की सामर्थ्य प्राप्त है	**[विरोधाभास: अल्लाह दिलों पर ठप्पा लगा देते हैं – 2:7, 4:155, 7:100, 7:101, 9:87, 9:93, 10:74, 16:108, 30:59, 40:35, 45:23, 47:16, 63:3; नहीं लगाते – 2:20, 42:24, 6:46]**
Ya ayyuha alnnasu oAAbudoo rabbakumu allathee khalaqakum waallatheena min qablikum laAAallakum tattaqoona	The expression (O mankind) is an address to the people of Mecca while (O ye who believe) is an address to the people of Medina. This verse address to the Meccan idolaters.	O mankind, worship your Lord, who created you and those before you, that you may become righteous -	2:21	ऐ लोगो! बन्दगी (उपासना) करो अपने रब की जिसने तुम्हें और तुमसे पहले के लोगों को पैदा किया, ताकि तुम बच सको;	"ऐ लोगो" का संबोधन मक्का के लोगों के लिए है, जबकि "ऐ ईमान वालो" का संबोधन मदीना के लोगों के लिए होता है। यह आयत मक्का के मूर्ति-पूजकों को संबोधित करती है।

Allathee jaAAala lakumu alarda firashan waalssamaa binaan waanzala mina alssamai maan faakhraja bihi mina alththamarati rizqan lakum fala tajAAaloo lillahi andadan waantum taAAlamoona	The word "sama" is used for heaven and sky both. **[In past rain was supposed to come from heaven; Sky was thought to be a flat roof. 2:22, 21:32, 21:104, 22:65, 67:3; however, its an optical illusion; Also earth was though to be flat.]**	[He] who made for you the earth a bed [spread out] and the sky a ceiling and sent down from the sky, rain and brought forth thereby fruits as provision for you. So do not attribute to Allah equals while you know [that there is nothing similar to Him].	2:22	वही है जिसने तुम्हारे लिए ज़मीन को फर्श और आकाश को छत बनाया, और आकाश से पानी उतारा, फिर उसके द्वारा हर प्रकार की पैदावार की और फल तुम्हारी रोजी के लिए पैदा किए, अतः जब तुम जानते हो तो अल्लाह के समकक्ष (बराबर) न ठहराओ	“समा” शब्द का प्रयोग आकाश और स्वर्ग—दोनों अर्थों में होता है। **[प्राचीन समय में माना जाता था कि बारिश स्वर्ग से आती है और आकाश एक सपाट छत की तरह है (देखें 2:22, 21:32, 21:104, 22:65, 67:3); लेकिन आकाश एक दृष्टि-भ्रम है। साथ ही, पहले धरती को भी सपाट समझा जाता था।]**
Wain kuntum fee raybin mimma nazzalna AAala AAabdina fatoo bisooratin min mithlihi waodAAoo shuhadaakum min dooni Allahi in kuntum sadiqeena	"Surah the like thereof" mean like Quran. Nadr Bin Harith claimed to make verses like Quran; however, he was executed after being taken as prisoner in battle of Badr. **[Another verse (11:13) says to bring ten surah. Verse 22:52 says that Shaytan mixes words in Allah's Revelation, which are corrected later. It should not be possible for anyone to do something like that. Even if someone claims to have produced a surah, who will Judge whether such a work is truly equivalent.]**	And if you are in doubt about what We have sent down upon Our Servant [Muhammad], then produce a surah the like thereof and call upon your witnesses other than Allah, if you should be truthful.	2:23	और अगर उसके विषय में जो हमने अपने बन्दे (रसूल) पर उतारा हैं, तुम किसी सन्देह में न हो तो उस जैसी कोई सूरा ले आओ और अल्लाह से हटकर अपने सहायकों को बुला लो जिनके आ मौजूद होने पर तुम्हें विश्वास हैं, यदि तुम सच्चे हो	“उस जैसी सूरह” से मतलब क़ुरआन जैसी सूरह लाने की चुनौती है। नद्र बिन हारिस ने क़ुरआन जैसी आयतें बनाने का दावा किया था; लेकिन बद्र की लड़ाई में क़ैदी बनने के बाद उसे मौत की सज़ा दी गई। **[दूसरी आयत (11:13) में दस सूरह लाने को कहा गया है। आयत 22:52 में आता है कि शैतान अल्लाह की वह्यी (संदेश) में कुछ मिला देता है जिसे बाद में ठीक कर दिया जाता है। वास्तव में किसी के लिए वैसा कुछ करना संभव नहीं होना चाहिए। और यदि कोई दावा करे कि उसने वैसी सूरह बना ली, तो यह फैसला कौन करेगा कि वह सचमुच क़ुरआन के बराबर है?]**

Fain lam tafAAaloo walan tafAAaloo faittaqoo alnnara allatee waqooduha alnnasu waalhijaratu oAAiddat lilkafireena	**[When it is sure that no one can produce surah like Quran, then why to change the levels of challenge from one to ten surah; Also what is the point of putting stones in Hell.]**	But if you do not - and you will never be able to - then fear the Fire, whose fuel is men and stones, prepared for the disbelievers.	2:24	फिर अगर तुम ऐसा न कर सको और तुम कदापि नहीं कर सकते, तो डरो उस आग से जिसका ईधन इनसान और पत्थर हैं, जो इनकार करनेवालों के लिए तैयार की गई है	**[जब यह निश्चित है कि कोई क़ुरआन जैसी सूरह नहीं बना सकता, तो चुनौती का स्तर एक से दस सूरह तक क्यों बदला गया? और जहन्नम में पत्थर जलाने का क्या उद्देश्य है?]**
Wabashshiri allatheena amanoo waAAamiloo alssalihati anna lahum jannatin tajree min tahtiha alanharu kullama ruziqoo minha min thamaratin rizqan qaloo hatha allathee ruziqna min qablu waotoo bihi mutashabihan walahum feeha azwajun mutahharatun	Means they will be given fruits similar to what they used to eat on earth, but various interpretations possible. **[The paradise will be in physical form having rivers and mankind will have food and spouses; Also every man will have many wives, a typical man's point of view]**	And give good tidings to those who believe and do righteous deeds that they will have gardens [in Paradise] beneath which rivers flow. Whenever they are provided with a provision of fruit therefrom, they will say, "This is what we were provided with before." And it is given to them in likeness. And they will have therein purified spouses, and they will abide therein eternally.	2:25	जो लोग ईमान लाए और उन्होंने अच्छे कर्म किए उन्हें शुभ सूचना दे दो कि उनके लिए ऐसे बाग़ है जिनके नीचे नहरें बह रहीं होगी; जब भी उनमें से कोई फल उन्हें रोजी के रूप में मिलेगा, तो कहेंगे, "यह तो वही हैं जो पहले हमें मिला था," और उन्हें मिलता-जुलता ही (फल) मिलेगा; उनके लिए वहाँ पाक-साफ़ पत्नियाँ होगी, और वे वहाँ सदैव रहेंगे	अर्थात उन्हें वही फल दिए जाएंगे जो वे धरती पर खाते थे, लेकिन विभिन्न व्याख्याएँ संभव हैं। **[जन्नत भौतिक रूप में होगी, जिसमें नदियाँ होंगी और मनुष्य को भोजन और जीवनसाथी मिलेंगे; प्रत्येक पुरुष के पास कई पत्नियाँ होंगी, यह एक पुरुष दृष्टिकोण है।]**

Inna Allaha la yastahyee an yadriba mathalan ma baAAoodatan fama fawqaha faamma allatheena amanoo fayaAAlamoona annahu alhaqqu min rabbihim waamma allatheena kafaroo fayaqooloona matha arada Allahu bihatha mathalan yudillu bihi katheeran wayahdee bihi katheeran wama yudillu bihi illa	When Allah mentioned mosquitos and spiders in Quran and used them to coin similitudes for the disbelievers, the Jews laughed and said: this does not resemble Allah's speech, and so Allah revealed this verse. [Why would Allah misguide anyone.]	Indeed, Allah is not timid to present an example - that of a mosquito or what is smaller than it. And those who have believed know that it is the truth from their Lord. But as for those who disbelieve, they say, "What did Allah intend by this as an example?" He misleads many thereby and guides many thereby. And He misleads not except the defiantly disobedient,	2:26	निस्संदेह अल्लाह नहीं शरमाता कि वह कोई मिसाल पेश करे चाहे वह हो मच्छर की, बल्कि उससे भी बढ़कर किसी तुच्छ चीज़ की। फिर जो ईमान लाए है वे तो जानते है कि वह उनके रब की ओर से सत्य हैं; रहे इनकार करनेवाले तो वे कहते है, "इस मिसाल से अल्लाह का अभिप्राय क्या है?" इससे वह बहुतों को भटकने देता है और बहुतों को सीधा मार्ग दिखा देता है, मगर इससे वह केवल अवज्ञाकारियों ही को भटकने देता है	जब अल्लाह ने क़ुरआन में मच्छरों और मकड़ियों का उल्लेख किया और उन्हें काफ़िरों के लिए उदाहरण के रूप में इस्तेमाल किया, तो यहूदियों ने हँसकर कहा: यह अल्लाह के कथन जैसा नहीं है। तब अल्लाह ने यह आयत उतारी। **[अल्लाह किसी को गुमराह क्यों करेगा?]**
Allatheena yanqudoona AAahda Allahi min baAAdi meethaqihi wayaqtaAAoona ma amara Allahu bihi an yoosala wayufsidoona fee alardi olaika humu alkhasiroona	Here corruption does not means illegal work, but following other religions.	Who break the covenant of Allah after contracting it and sever that which Allah has ordered to be joined and cause corruption on earth. It is those who are the losers.	2:27	जो अल्लाह की प्रतिज्ञा को उसे सुदृढ़ करने के पश्चात भंग कर देते हैं और जिसे अल्लाह ने जोड़ने का आदेश दिया है उसे काट डालते हैं, और ज़मीन में बिगाड़ पैदा करते हैं, वही हैं जो घाटे में हैं	यहाँ “बिगाड़” का अर्थ ग़लत आस्था अपनाना या दूसरों धर्म का पालन करना है, न कि अवैध काम करना।

Kayfa takfuroona biAllahi wakuntum amwatan faahyakum thumma yumeetukum thumma yuhyeekum thumma ilayhi turjaAAoona	Here the word used is "lifeless" while Pickthall used "dead", means you were non-existent (before birth).	How can you disbelieve in Allah when you were lifeless and He brought you to life; then He will cause you to die, then He will bring you [back] to life, and then to Him you will be returned.	2:28	तुम अल्लाह के साथ अविश्वास की नीति कैसे अपनाते हो, जबकि तुम निर्जीव थे तो उसने तुम्हें जीवित किया, फिर वही तुम्हें मौत देता हैं, फिर वही तुम्हें जीवित करेगा, फिर उसी की ओर तुम्हें लौटना हैं?	यहाँ जिस शब्द का इस्तेमाल हुआ है वह “निर्जीव" है, जबकि पिक्थल ने इसे “मृत" अनुवादित किया है। इसका अर्थ है कि आप जन्म से पहले अस्तित्वहीन थे।
Huwa allathee khalaqa lakum ma fee alardi jameeAAan thumma istawa ila alssamai fasawwahunna sabAAa samawatin wahuwa bikulli shayin AAaleemun	Hadith described who who inhabit the different heavens e.g. Jesus in the 2nd heaven, Joseph in 4th, Aaron in 5th, Moses in 6th, and Abraham in the 7th heaven, and Allah above the 7th heaven, to mention some. **[How it is possible to create everything on earth like plants, animals before making Sun, which is in heaven as per Islamic belief; Contradiction: Verse 2:29 says earth was created first and then heaven, Verse 79:30 heaven created first then earth was spread.]**	It is He who created for you all of that which is on the earth. Then He directed Himself to the heaven, [His being above all creation], and made them seven heavens, and He is Knowing of all things.	2:29	वही तो है जिसने तुम्हारे लिए ज़मीन की सारी चीज़े पैदा की, फिर आकाश की ओर रुख़ किया और ठीक तौर पर सात आकाश बनाए और वह हर चीज़ को जानता है	हदिस में बताया गया है कि सातों आसमानों में अलग-अलग लोग रहते हैं, जैसे ईसा दूसरा आसमान, यूसुफ चौथा आसमान, हारून पाँचवाँ आसमान, मूसा छठा आसमान, इब्राहीम सातवाँ आसमान, और अल्लाह सातवें आसमान के ऊपर। **[यह कैसे संभव है कि सूर्य बनने से पहले पृथ्वी पर सब कुछ (पौधे, जानवर) बनाया गया, जबकि इस्लामी विश्वास के अनुसार सूर्य आसमान में है; विरोधाभास: आयत 2:29 कहती है कि पहले पृथ्वी बनाई गई और फिर आकाश, जबकि आयत 79:30 कहती है कि पहले आकाश बनाया गया और फिर पृथ्वी फैलाई गई।]**

Waith qala rabbuka lilmalaikati innee jaAAilun fee alardi khaleefatan qaloo atajAAalu feeha man yufsidu feeha wayasfiku alddimaa wanahnu nusabbihu bihamdika wanuqaddisu laka qala innee aAAlamu ma la taAAlamoona	Caliph is the authority appointed by Allah. **["mention, O Muhammad", is not in arabic text giving impression that someelse is speaking; Also this verse implies that Angles knew the future; [Contradiction: Who has knowledge of unseen "Ghaib", only Allah 6:59, 27:65; Allah and Prophets 18:74, 72:26-27, Angels also 2:30; Propohets don't have 6:50, 11:31, Iblis has 7:17, 17:62]**	And [mention, O Muhammad], when your Lord said to the angels, "Indeed, I will make upon the earth a successive authority." They said, "Will You place upon it one who causes corruption therein and sheds blood, while we declare Your praise and sanctify You?" Allah said, "Indeed, I know that which you do not know."	2:30	और याद करो जब तुम्हारे रब ने फरिश्तों से कहा कि "मैं धरती में (मनुष्य को) खलीफ़ा (सत्ताधारी) बनानेवाला हूँ।" उन्होंने कहा, "क्या उसमें उसको रखेगा, जो उसमें बिगाड़ पैदा करे और रक्तपात करे और हम तेरा गुणगान करते और तुझे पवित्र कहते हैं?" उसने कहा, "मैं जानता हूँ जो तुम नहीं जानते।"	ख़लीफ़ा अल्लाह द्वारा नियुक्त अधिकार है। ["हे मुहम्मद" का उल्लेख अरबी पाठ में नहीं है, जिससे यह प्रभाव पड़ता है कि कोई और बोल रहा है; साथ ही यह आयत यह संकेत देती है कि फ़रिश्तों को भविष्य का ज्ञान था; **[विरोधाभास: ग़ैब (अदृश्य) का ज्ञान किसके पास है—केवल अल्लाह के पास 6:59, 27:65; अल्लाह और पैग़म्बरों के पास 18:74, 72:26-27; फ़रिश्तों के पास भी 2:30; पैग़म्बर के पास नहीं 6:50, 11:31; इब्लीस के पास 7:17, 17:62]**
WaAAallama adama alasmaa kullaha thumma AAaradahum AAala almalaikati faqala anbioonee biasmai haolai in kuntum sadiqeena	**[What is the logic of asking names of creations from Angels without teaching them; Also it is impossible to remember names of all creature by one human being.**	And He taught Adam the names - all of them. Then He showed them to the angels and said, "Inform Me of the names of these, if you are truthful."	2:31	उसने (अल्लाह ने) आदम को सारे नाम सिखाए, फिर उन्हें फ़रिश्तों के सामने पेश किया और कहा, "अगर तुम सच्चे हो तो मुझे इनके नाम बताओ।"	**[सभी जीवों के नाम फ़रिश्तों से पूछने का तर्क क्या है, जबकि उन्हें सिखाया नहीं गया था? ;साथ ही, एक इंसान के लिए सभी जीवों के नाम याद रखना असंभव है।]**
Qaloo subhanaka la AAilma lana illa ma AAallamtana innaka anta alAAaleemu alhakeemu	Yes, of course Allah should be all knowing and wise. **[Here Angels say, they have no knowledge except what is taught to them. How they predicted that humans will cause corruption and bloodshed 2:30]**	They said, "Exalted are You; we have no knowledge except what You have taught us. Indeed, it is You who is the Knowing, the Wise."	2:32	वे बोले, "पाक और महिमावान है तू! तूने जो कुछ हमें बताया उसके सिवा हमें कोई ज्ञान नहीं। निस्संदेह तू सर्वज्ञ, तत्वदर्शी है।"	हाँ, बिल्कुल, अल्लाह को सर्वज्ञानी और बुद्धिमान होना चाहिए। **[यहाँ फ़रिश्ते कहते हैं कि उनके पास केवल वही ज्ञान है जो उन्हें सिखाया गया है। फिर उन्होंने यह कैसे भविष्यवाणी की कि इंसान भ्रष्टाचार और रक्तपात करेंगे (2:30)?]**

Qala ya adamu anbihum biasmaihim falamma anbaahum biasmaihim qala alam aqul lakum innee aAAlamu ghayba alssamawati waalardi waaAAlamu ma tubdoona wama	**[If here, Allah is speaking to Angels, then it is false attribute, as Angels don't conceal anything from Allah. Some scholars say concealing part was about Iblis; Also Allah likes to Show-off his knowledge like some people do.]**	He said, "O Adam, inform them of their names." And when he had informed them of their names, He said, "Did I not tell you that I know the unseen [aspects] of the heavens and the earth? And I know what you reveal and what you have concealed."	2:33	उसने कहा, "ऐ आदम! उन्हें उन लोगों के नाम बताओ।" फिर जब उसने उन्हें उनके नाम बता दिए तो (अल्लाह ने) कहा, "क्या मैंने तुमसे कहा न था कि मैं आकाशों और धरती की छिपी बातों को जानता हूँ और मैं जानता हूँ जो कुछ तुम ज़ाहिर करते हो और जो कुछ छिपाते हो।"	**[अगर यहाँ अल्लाह फ़रिश्तों से बात कर रहे हैं, तो यह गलत विशेषता होगी, क्योंकि फ़रिश्ते अल्लाह से कोई बात छुपाते नहीं हैं। कुछ विद्वान कहते हैं कि छुपाने का हिस्सा इब्लीस के बारे में था। साथ ही, अल्लाह अपने ज्ञान का प्रदर्शन करना पसंद करते हैं, जैसे कुछ लोग करते हैं।]**
Waith qulna lilmalaikati osjudoo liadama fasajadoo illa ibleesa aba waistakbara wakana mina alkafireena	**[The identification of Iblis as an angel here contradicts 18:50, which states that Iblis is a jinn (Also see 7:11); Also prostration is allowed for whom: Only Allah Q 22:18, For Adam Also Q 2:34, Parents also 12:100]**	And [mention] when We said to the angels, "Prostrate before Adam"; so they prostrated, except for Iblees. He refused and was arrogant and became of the disbelievers.	2:34	और याद करो जब हमने फ़रिश्तों से कहा कि "आदम को सजदा करो" तो, उन्होंने सजदा किया सिवाय इबलील के; उसने इनकार कर दिया और लगा बड़ा बनने और काफ़िर हो रहा	**[यहाँ इब्लिस को फरिश्ता बताया जाना 18:50 के साथ विरोधाभासी है, जिसमें कहा गया है कि इब्लिस एक जिन्न है (देखें 7:11); साथ ही, सिज्दा किसके लिए अनुमति है: केवल अल्लाह के लिए (क़ुरआन 22:18), आदम के लिए भी (क़ुरआन 2:34), माता-पिता के लिए भी (क़ुरआन 12:100)]**
Waqulna ya adamu oskun anta wazawjuka aljannata wakula minha raghadan haythu shituma wala taqraba hathihi alshshajarata fatakoona mina	Thalimun (Zalimoon) are wrong doers, also used for people associating someone with Allah (shirk).	And We said, "O Adam, dwell, you and your wife, in Paradise and eat therefrom in [ease and] abundance from wherever you will. But do not approach this tree, lest you be among the wrongdoers."	2:35	और हमने कहा, "ऐ आदम! तुम और तुम्हारी पत्नी जन्नत में रहो और वहाँ जी भर बेरोक-टोक जहाँ से तुम दोनों का जी चाहे खाओ, लेकिन इस वृक्ष के पास न जाना, अन्यथा तुम ज़ालिम ठहरोगे।"	ज़ालिम का अर्थ है अन्यायी या गलत करने वाले, और यह उन लोगों के लिए भी इस्तेमाल होता है जो अल्लाह के साथ किसी को जोड़ते हैं (शिर्क)।

Faazallahuma alshshaytanu AAanha faakhrajahuma mimma kana feehi waqulna ihbitoo baAAdukum libaAAdin AAaduwwun walakum fee alardi mustaqarrun wamataAAun ila	**[How satan (Iblis) reached heaven when Allah removed him from there, The Tawrah stated that Iblis hid inside the snake's mouth and entered Paradise; Why would Allah put enmity in human heart?; Who is "all of you" if they were only two, Adam and Eve; And if it were only Adam and Eve then they did not become enemy of each other.]**	But Satan caused them to slip out of it and removed them from that [condition] in which they had been. And We said, "Go down, [all of you], as enemies to one another, and you will have upon the earth a place of settlement and provision for a time."	2:36	अन्ततः शैतान ने उन्हें वहाँ से फिसला दिया, फिर उन दोनों को वहाँ से निकलवाकर छोड़ा, जहाँ वे थे। हमने कहा कि "उतरो, तुम एक-दूसरे के शत्रु होगे और तुम्हें एक समय तक धरती में ठहरना और बिसलना है।"	**[सवाल उठते हैं: जब अल्लाह ने शैतान (इब्लीस) को स्वर्ग से हटा दिया, तो वह कैसे वहाँ पहुँचा? तौरा में कहा गया है कि इब्लीस ने साँप के मुंह में छिपकर स्वर्ग में प्रवेश किया; अल्लाह ने इंसान के दिल में बैर क्यों रखा? ; “तुम सब” कौन हैं, अगर केवल दो ही थे – आदम और हव्वा?; और अगर केवल आदम और हव्वा ही थे, तो वे एक-दूसरे के दुश्मन नहीं बने।]**
Fatalaqqa adamu min rabbihi kalimatin fataba AAalayhi innahu huwa alttawwabu alrraheemu	x	Then Adam received from his Lord [some] words, and He accepted his repentance. Indeed, it is He who is the Accepting of repentance, the Merciful.	2:37	फिर आदम ने अपने रब से कुछ शब्द पा लिए, तो अल्लाह ने उसकी तौबा क़बूल कर ली; निस्संदेह वही तौबा क़बूल करने वाला, अत्यन्त दयावान है	x
Qulna ihbitoo minha jameeAAan faimma yatiyannakum minnee hudan faman tabiAAa hudaya fala khawfun AAalayhim wala hum yahzanoona	**[There were only two person whom Allah has send down, Who are "All of you", Also Allah has already send Adam on earth in verse 2:36 and accepted his repentence in 2:37, now again where they are being send.]**	We said, "Go down from it, all of you. And when guidance comes to you from Me, whoever follows My guidance - there will be no fear concerning them, nor will they grieve.	2:38	हमने कहा, "तुम सब यहाँ से उतरो, फिर यदि तुम्हारे पास मेरी ओर से कोई मार्गदर्शन पहुँचे तो जिस किसी ने मेरे मार्गदर्शन का अनुसरण किया, तो ऐसे लोगों को न तो कोई भय होगा और न वे शोकाकुल होंगे।"	**[केवल दो ही व्यक्ति थे जिन्हें अल्लाह ने भेजा, “तुम सब” कौन हैं। साथ ही, अल्लाह ने पहले आदम को पृथ्वी पर भेजा (आयत 2:36) और उनकी तौबा स्वीकार की (2:37)। अब फिर से उन्हें कहाँ भेजा जा रहा है?]**

Waallatheena kafaroo wakaththaboo biayatina olaika ashabu alnnari hum feeha khalidoona	**[Eternal punishment for a limited period of crime is not a justice.]**	And those who disbelieve and deny Our signs - those will be companions of the Fire; they will abide therein eternally."	2:39	और जिन लोगों ने इनकार किया और हमारी आयतों को झुठलाया, वहीं आग में पड़नेवाले हैं, वे उसमें सदैव रहेंगे	**[सीमित समय में किए गए अपराध के लिए अनंत सज़ा देना न्यायपूर्ण नहीं है।]**
Ya banee israeela othkuroo niAAmatiya allatee anAAamtu AAalaykum waawfoo biAAahdee oofi	**[Why Allah command someone to be afraid of Him, if He is merciful.]**	O Children of Israel, remember My favor which I have bestowed upon you and fulfill My covenant [upon you] that I will fulfill your covenant [from Me], and be afraid of	2:40	ऐ इसराईल का सन्तान! याद करो मेरे उस अनुग्रह को जो मैंने तुमपर किया था। और मेरी प्रतिज्ञा को पूरा करो, मैं तुमसे की हुई प्रतिज्ञा को पूरा करूँगा और हाँ मुझी से डरो	**[अगर अल्लाह बहुत रहम करने वाले हैं, तो उन्होंने किसी को उनसे डरने का आदेश क्यों दिया?]**
Waaminoo bima anzaltu musaddiqan lima maAAakum wala takoonoo awwala kafirin bihi wala tashtaroo biayatee thamanan qaleelan waiyyaya faittaqooni	Allah ask them to believe in Quran.. **[Although there are similiarities with Torah and Injil, there are many differences also. One may read new Testament]**	And believe in what I have sent down confirming that which is [already] with you, and be not the first to disbelieve in it. And do not exchange My signs for a small price, and fear [only] Me.	2:41	और ईमान लाओ उस चीज़ (क़ुरआन) पर जो मैंने उतारी है, जो उसकी पुष्टि में है, जो तुम्हारे पास (तोरा, इंजील) है, और सबसे पहले तुम ही उसके इनकार करनेवाले न बनो। और मेरी आयतों को थोड़ा मूल्य प्राप्त करने का साधन न बनाओ, मुझसे ही तुम डरो	तोरा=बाइबल, पुराना नियम; इंजील =बाइबल, नया नियम; अल्लाह ने उनसे क़ुरआन में ईमान लाने के लिए कहा… **[हालांकि तोरा और इंजील में कुछ समानताएँ हैं, पर कई अंतर भी हैं। कोई नया नियम पढ़ सकता है]**
Wala talbisoo alhaqqa bialbatili wataktumoo alhaqqa waantum taAAlamoona	**[However, Hadiths justify Takaiya (hiding truth) and Kitmaan (Half truth). Ibn Majah 2544, Tirmidhi 1939, Bukhari 120]**	And do not mix the truth with falsehood or conceal the truth while you know [it].	2:42	और सत्य में असत्य का घाल-मेल न करो और जानते-बुझते सत्य को छिपाओ मत	**[हालांकि, हदीस तक़य्या (सत्य को छिपाना) और क़ित्मान(आधा-सत्य) को सही ठहराती हैं। इब्न माज़ाह 2544, तिर्मिज़ी 1939, बुख़ारी 120]**

Waaqeemoo alssalata waatoo alzzakata wairkaAAoo maAAa	Zakah or Zakat = poor-tax; Allah asking jews to convert to Islam, by offering Salaat (Namaaz) and paying zakat.	And establish prayer and give zakah and bow with those who bow [in worship and obedience].	2:43	और नमाज़ क़ायम करो और ज़कात दो और (मेरे समक्ष) झुकनेवालों के साथ झुको	ज़कात = गरीबों का कर; अल्लाह यहूदियों से इस्लाम कबूल करने के लिए कह रहे हैं, नमाज़ (सला) अदा करने और ज़कात देने के द्वारा।
Atamuroona alnnasa bialbirri watansawna anfusakum waantum tatloona alkitaba afala taAAqiloona	This was revealed about the Jews of Medina, who used to enjoin people to follow Islam while abstained themselves from doing so.	Do you order righteousness of the people and forget yourselves while you recite the Scripture? Then will you not reason?	2:44	क्या तुम लोगों को तो नेकी और एहसान का उपदेश देते हो और अपने आपको भूल जाते हो, हालाँकि तुम किताब भी पढ़ते हो? फिर क्या तुम बुद्धि से काम नहीं लेते?	किताब = तोरा, इंजील; यह उन मदीना के यहूदियों के बारे में नाज़िल हुआ, जो लोगों से इस्लाम मानने का आदेश देते थे, लेकिन खुद उससे परहेज़ करते थे।
WaistaAAeenoo bialssabri waalssalati wainnaha lakabeeratun illa AAala	This verse is an address to the people of the Book (Jews, Christians).	And seek help through patience and prayer, and indeed, it is difficult except for the humbly submissive [to Allah]	2:45	धैर्य और नमाज़ से मदद लो, और निस्संदेह यह (नमाज) बहुत कठिन है, किन्तु उन लोगों के लिए नहीं जिनके दिल पिघले हुए हो;	यह आयत किताब वालों (यहूदी और ईसाई) के लिए संबोधन है।
Allatheena yathunnoona annahum mulaqoo rabbihim waannahum ilayhi	x	Who are certain that they will meet their Lord and that they will return to Him.	2:46	जो समझते है कि उन्हें अपने रब से मिलना हैं और उसी की ओर उन्हें पलटकर जाना है	x
Ya banee israeela othkuroo niAAmatiya allatee anAAamtu AAalaykum waannee	Children of Israel=Jews; **[Why would God give prefererance to one particular race if He is the creater of all Mankind.]**	O Children of Israel, remember My favor that I have bestowed upon you and that I preferred you over the worlds.	2:47	ऐ इसराईल की सन्तान! याद करो मेरे उस अनुग्रह को जो मैंने तुमपर किया और इसे भी कि मैंने तुम्हें सारे संसार पर श्रेष्ठता प्रदान की थी;	इसराईल की सन्तान=यहूदी; **[अगर अल्लाह सारी मानव जाति के निर्माता हैं, तो वे किसी विशेष जाति को क्यों प्राथमिकता देंगे?]**

Waittaqoo yawman la tajzee nafsun AAan nafsin shayan wala yuqbalu minha shafaAAatun wala yukhathu minha AAadlun wala hum yunsaroona	**[Contradiction: No intercession accepted (2:48, 2:123, 6:51, 6:94, 23:101, 32:4, 39:43-44, 42:46). Intercession is accepted with Allah's permission (2:255, 4:64, 10:3, 19:87, 20:109, 21:28, 34:23, 53:26); "Allah will not take compensation" is not a logical statement.]**	And fear a Day when no soul will suffice for another soul at all, nor will intercession be accepted from it, nor will compensation be taken from it, nor will they be aided.	2:48	और डरो उस दिन से जब न कोई किसी भी ओर से कुछ तावान भरेगा और न किसी की ओर से कोई सिफ़ारिश ही क़बूल की जाएगी और न किसी की ओर से कोई फ़िद्या (अर्थदंड) लिया जाएगा और न वे सहायता ही पा सकेंगे।	**[विरोधाभास: कोई शफ़ाअत (सिफ़ारिश) स्वीकार नहीं की जाएगी (2:48, 2:123, 6:51, 6:94, 23:101, 32:4, 39:43-44, 42:46)। शफ़ाअत केवल अल्लाह की अनुमति से स्वीकार की जाती है (2:255, 4:64, 10:3, 19:87, 20:109, 21:28, 34:23, 53:26); "अल्लाह कोई मुआवज़ा नहीं लेगा" यह कथन तार्किक रूप से स्पष्ट नहीं है।]**
Waith najjaynakum min ali firAAawna yasoomoonakum sooa alAAathabi yuthabbihoona abnaakum wayastahyoona nisaakum wafee thalikum balaon min rabbikum AAatheemun	Pharoah were Egyptian kings who enslaved Jews, also mentioned in Bible.	And [recall] when We saved your forefathers from the people of Pharaoh, who afflicted you with the worst torment, slaughtering your [newborn] sons and keeping your females alive. And in that was a great trial from your Lord.	2:49	और याद करो जब हमने तुम्हें फ़िरऔनियों से छुटकारा दिलाया जो तुम्हें अत्यन्त बुरी यातना देते थे, तुम्हारे बेटों को मार डालते थे और तुम्हारी स्त्रियों को जीवित रहने देते थे; और इसमं तुम्हारे रब की ओर से बड़ी परीक्षा थी	फ़िरऔन मिस्र के राजा थे जिन्होंने यहूदियों को गुलाम बनाया; उनका उल्लेख बाइबिल में भी मिलता है।
Waith faraqna bikumu albahra faanjaynakum waaghraqna ala firAAawna waantum	**[Moses split the sea and made way for Jews and When Pharoah came behind them, they were drowned.]**	And [recall] when We parted the sea for you and saved you and drowned the people of Pharaoh while you were looking on.	2:50	याद करो जब हमने तुम्हें सागर में अलग-अलग चौड़े रास्ते से ले जाकर छुटकारा दिया और फ़िरऔनियों को तुम्हारी आँखों के सामने डूबो दिया	**[मूसा ने समुद्र को चीर दिया और यहूदियों के लिए रास्ता बना दिया, और जब फ़िरऔन उनके पीछे आया तो वे डुबो दिए गए।]**

Waith waAAadna moosa arbaAAeena laylatan thumma ittakhathtumu alAAijla min baAAdihi waantum thalimoona	Moses went to meet Allah, meanwhile the Jews started worshipping staue of Calf.	And [recall] when We made an appointment with Moses for forty nights. Then you took [for worship] the calf after him, while you were wrongdoers.	2:51	और याद करो जब हमने मूसा से चालीस रातों का वादा ठहराया तो उसके पीछे तुम बछड़े को अपना देवता बना बैठे, तुम अत्याचारी थे	मूसा अल्लाह से मिलने गए, इस बीच यहूदियों ने बछड़े की मूर्ति की पूजा शुरू कर दी।
Thumma AAafawna AAankum min baAAdi thalika laAAallakum tashkuroona	**[Contradiction: In many places the Quran says Allah will not forgive Shirk (idol-worship or associating someone with Him)]**	Then We forgave you after that so perhaps you would be grateful.	2:52	फिर इसके पश्चात भी हमने तुम्हें क्षमा किया, ताकि तुम कृतज्ञता दिखालाओ	**[विरोधाभास: कई स्थानों पर क़ुरआन कहता है कि अल्लाह शिर्क (मूर्तिपूजा या उसके साथ किसी को साझी ठहराना) को माफ़ नहीं करेगा।]**
Waith atayna moosa alkitaba waalfurqana laAAallakum	"Furqan" in arabic means criterion to judge between right and wrong.	And [recall] when We gave Moses the Scripture and criterion that perhaps you would be guided.	2:53	और याद करो जब मूसा को हमने किताब और कसौटी प्रदान की, ताकि तुम मार्ग पा सको	अरबी में "फ़ुरक़ान" का अर्थ सही और गलत के बीच फ़ैसला करने का मानदंड होता है।

Waith qala moosa liqawmihi ya qawmi innakum thalamtum anfusakum biittikhathikumu alAAijla fatooboo ila bariikum faoqtuloo anfusakum thalikum khayrun lakum AAinda bariikum fataba AAalaykum innahu huwa alttawwabu alrraheemu	"Kill yourself" Ibn Kathir explains: “Allah ordered Musa to command his people to kill each other. He ordered those who worshipped the calf to sit down and those who did not worship the calf to stand holding knives. When they started killing them, a great darkness suddenly overcame them. After the darkness lifted, they had killed seventy thousand of them. Those who were killed among them were forgiven, and those who remained alive were also forgiven. **[But verse 2:52 says Allah has forgiven these people so that they may be grateful; Various interpretation of "Kill**	And [recall] when Moses said to his people, "O my people, indeed you have wronged yourselves by your taking of the calf [for worship]. So repent to your Creator and kill yourselves. That is best for [all of] you in the sight of your Creator." Then He accepted your repentance; indeed, He is the Accepting of repentance, the Merciful.	2:54	और जब मूसा ने अपनी क़ौम से कहा, "ऐ मेरी कौम के लोगो! बछड़े को देवता बनाकर तुमने अपने ऊपर ज़ुल्म किया है, तो तुम अपने पैदा करनेवाले की ओर पलटो, अतः अपने (लोगों) को स्वयं क़त्ल करो। यही तुम्हारे पैदा करनेवाले की स्पष्ट में तुम्हारे लिए अच्छा है, फिर उसने तुम्हारी तौबा क़बूल कर ली। निस्संदेह वह बड़ी तौबा क़बूल करनेवाला, अत्यन्त दयावान है।"	“खुद को क़त्ल करो”— इब्न कसीर इसकी व्याख्या करते हैं: अल्लाह ने मूसा को आदेश दिया कि वे अपनी क़ौम को एक-दूसरे को क़त्ल करने का हुक्म दें। जिन्होंने बछड़े की पूजा की थी, उन्हें बैठ जाने का और जिन्होंने पूजा नहीं की थी, उन्हें चाकू लेकर खड़े रहने का आदेश दिया गया। जब उन्होंने उन्हें क़त्ल करना शुरू किया, तो अचानक गहरा अंधेरा छा गया। अंधेरा हटने के बाद, उन्होंने उनमें से सत्तर हज़ार को क़त्ल कर दिया था। जो मारे गए थे, उन्हें माफ़ कर दिया गया और जो जीवित रहे, उन्हें भी माफ़ कर दिया गया। **[लेकिन आयत 2:52 कहती है कि अल्लाह ने इन लोगों को माफ़ कर दिया ताकि वे कृतज्ञ बनें; “खुद को क़त्ल करो” के विभिन्न अर्थ संभव हैं।]**
Waith qultum ya moosa lan numina laka hatta nara Allaha jahratan faakhathatkumu alssaAAiqatu waantum	x	And [recall] when you said, "O Moses, we will never believe you until we see Allah outright"; so the thunderbolt took you while you were looking on.	2:55	और याद करो जब तुमने कहा था, "ऐ मूसा, हम तुमपर ईमान नहीं लाएँगे जब तक अल्लाह को खुल्लम-खुल्ला न देख लें।" फिर एक कड़क ने तुम्हें आ दबोचा, तुम देखते रहे	x

Thumma baAAathnakum min baAAdi mawtikum laAAallakum tashkuroona	**[Allah revives Jews after killing them with thunderbolt.]**	Then We revived you after your death that perhaps you would be grateful.	2:56	फिर तुम्हारे निर्जीव हो जाने के पश्चात हमने तुम्हें जिला उठाया, ताकि तुम कृतज्ञता दिखलाओ	**[अल्लाह ने यहूदियों को बिजली के कड़कने से मारने के बाद उन्हें फिर जीवित कर दिया।]**
Wathallalna AAalaykumu alghamama waanzalna AAalaykumu almanna waalssalwa kuloo min tayyibati ma razaqnakum wama thalamoona walakin kanoo anfusahum yathlimoona	Manna (bread-like substance that fell from heaven) and quails (bird) refer to the food provided by God to the Israelites during their journey in the wilderness. **[Bread and birds were send directly from heaven.]**	And We shaded you with clouds and sent down to you manna and quails, [saying], "Eat from the good things with which We have provided you." And they wronged Us not - but they were [only] wronging themselves.	2:57	और हमने तुमपर बादलों की छाया की और तुमपर 'मन्न' और 'सलबा' उतारा - "खाओ, जो अच्छी पाक चीजें हमने तुम्हें प्रदान की है।" उन्होंने हमारा तो कुछ भी नहीं बिगाड़ा, बल्कि वे अपने ही ऊपर अत्याचार करते रहे	सलबा= बटेर; मन्ना (आकाश से गिरने वाला रोटी जैसा पदार्थ) और बटेर (एक पक्षी) उस भोजन को संदर्भित करते हैं जो इस्राएलियों को जंगल की यात्रा के दौरान ईश्वर द्वारा प्रदान किया गया था। **[रोटी और पक्षी सीधे आकाश से भेजे गए थे।]**
Waith qulna odkhuloo hathihi alqaryata fakuloo minha haythu shitum raghadan waodkhuloo albaba sujjadan waqooloo hittatun naghfir lakum khatayakum wasanazeedu almuhsineena	x	And [recall] when We said, "Enter this city and eat from it wherever you will in [ease and] abundance, and enter the gate bowing humbly and say, 'Relieve us of our burdens.' We will [then] forgive your sins for you, and We will increase the doers of good [in goodness	2:58	और जब हमने कहा था, "इस बस्ती में प्रवेश करो फिर उसमें से जहाँ से चाहो जी भर खाओ, और बस्ती के द्वार में सजदागुज़ार बनकर प्रवेश करो और कहो, "छूट हैं।" हम तुम्हारी खताओं को क्षमा कर देंगे और अच्छे से अच्छा काम करनेवालों पर हम और अधिक अनुग्रह करेंगे।"	x

Fabaddala allatheena thalamoo qawlan ghayra allathee qeela lahum faanzalna AAala allatheena thalamoo rijzan mina alssamai bima kanoo yafsuqoona	Mean the people who made changes in the scripture revealed by Allah.	But those who wronged changed [those words] to a statement other than that which had been said to them, so We sent down upon those who wronged a punishment from the sky because they were defiantly disobeying.	2:59	फिर जो बात उनसे कहीं गई थी ज़ालिमों ने उसे दूसरी बात से बदल दिया। अन्ततः ज़ालिमों पर हमने, जो अवज्ञा वे कर रहे थे उसके कारण, आकाश से यातना उतारी	अर्थ: वे लोग जिन्होंने अल्लाह द्वारा उतारी गई किताब में बदलाव किए।
Waithi istasqa moosa liqawmihi faqulna idrib biAAasaka alhajara fainfajarat minhu ithnata AAashrata AAaynan qad AAalima kullu onasin mashrabahum kuloo waishraboo min rizqi Allahi wala	**[How could hitting a stone with a staff (stick) can cause twelve springs to gush forth.]**	And [recall] when Moses prayed for water for his people, so We said, "Strike with your staff the stone." And there gushed forth from it twelve springs, and every people knew its watering place. "Eat and drink from the provision of Allah, and do not commit abuse on the earth, spreading corruption."	2:60	और याद करो जब मूसा ने अपनी क़ौम के लिए पानी की प्रार्थना की तो हमने कहा, "चट्टान पर अपनी लाठी मारो," तो उससे बारह स्रोत फूट निकले और हर गिरोह ने अपना-अपना घाट जान लिया - "खाओ और पियो अल्लाह का दिया और धरती में बिगाड़ फैलाते न फिरो।"	**[लाठी से पत्थर पर मारने से बारह चश्मे कैसे फूट सकते हैं?]**

Waith qultum ya moosa lan nasbira AAala taAAamin wahidin faodAAu lana rabbaka yukhrij lana mimma tunbitu alardu min baqliha waqiththaiha wafoomiha waAAadasiha wabasaliha qala atastabdiloona allathee huwa adna biallathee huwa khayrun ihbitoo misran fainna lakum ma saaltum waduribat AAalayhimu alththillatu waalmaskanatu wabaoo bighadabin mina Allahi thalika biannahum kanoo yakfuroona biayati Allahi	Jews disbelieved in many prophets send to them and killed them. Also they disbelieved in Muhammad (pbuh). **[Humans have learned agriculture gradually over a period of time, but here Jews are asking Allah to produce vegetables from field.]**	And [recall] when you said, "O Moses, we can never endure one [kind of] food. So call upon your Lord to bring forth for us from the earth its green herbs and its cucumbers and its garlic and its lentils and its onions." [Moses] said, "Would you exchange what is better for what is less? Go into [any] settlement and indeed, you will have what you have asked." And they were covered with humiliation and poverty and returned with anger from Allah [upon them]. That was because they [repeatedly] disbelieved in the signs of Allah and killed the prophets without right. That was because they disobeyed and were [habitually] transgressing.	2:61	और याद करो जब तुमने कहा था, "ऐ मूसा, हम एक ही प्रकार के खाने पर कदापि संतोष नहीं कर सकते, अतः हमारे लिए अपने रब से प्रार्थना करो कि हमारे वास्ते धरती की उपज से साग-पात और ककड़ियाँ और लहसुन और मसूर और प्याज़ निकाले।" और मूसा ने कहा, "क्या तुम जो घटिया चीज़ है उसको उससे बदलकर लेना चाहते हो जो उत्तम है? किसी नगर में उतरो, फिर जो कुछ तुमने माँगा हैं, तुम्हें मिल जाएगा" - और उनपर अपमान और हीन दशा थोप दी गई, और अल्लाह के प्रकोप के भागी हुए। यह इसलिए कि वे अल्लाह की आयतों का इनकार करते रहे और नबियों की अकारण हत्या करते थे। यह इसलिए कि उन्होंने अवज्ञा की और वे सीमा का	यहूदियों ने उनकी ओर भेजे गए कई नबियों का इंकार किया और उन्हें क़त्ल किया। उन्होंने पैग़म्बर मुहम्मद (स.) का भी इंकार किया। **[मनुष्यों ने कृषि को समय के साथ धीरे-धीरे सीखा, लेकिन यहाँ यहूदी अल्लाह से खेत से सब्ज़ियाँ पैदा करने की मांग कर रहे हैं।]**

Inna allatheena amanoo waallatheena hadoo waalnnasara waalssabieena man amana biAllahi waalyawmi alakhiri waAAamila salihan falahum ajruhum AAinda rabbihim wala khawfun AAalayhim wala hum yahzanoona	When Salman al-Farisi related to the Prophet (pbuh), the story of the monks, the Prophet told him that they will dwell in hell fire. Salman said: 'The whole earth became gloomy for me, but then this verse was revealed by Allah (2:62), and it was as if a mountain had been lifted away from him.**[This verse has been abrogated by 3:85, 5:72, where Allah says only Islam will be accepted; Also there is a contradiction about who will attain salvation: All righteous people: 2:62, 5:69, Only Muslims: 3:19, 3:85]**	Indeed, those who believed and those who were Jews or Christians or Sabeans [before Prophet Muhammad] - those [among them] who believed in Allah and the Last Day and did righteousness - will have their reward with their Lord, and no fear will there be concerning them, nor will they grieve.	2:62	निस्संदेह, ईमानवाले और जो यहूदी हुए और ईसाई और साबिई, जो भी अल्लाह और अन्तिम दिन पर ईमान लाया और अच्छा कर्म किया तो ऐसे लोगों का उनके अपने रब के पास (अच्छा) बदला है, उनको न तो कोई भय होगा और न वे शोकाकुल होंगे -	जब सलमान अल-फ़ारसी ने पैग़म्बर मुहम्मद (स.) से संन्यासियों की कहानी बयान की, तो पैग़म्बर मुहम्मद (स.) ने उनसे कहा कि वे जहन्नुम की आग में रहेंगे। सलमान ने कहा: "पूरी धरती मेरे लिए अंधेरी हो गई," लेकिन फिर अल्लाह ने यह आयत (2:62) नाज़िल की, और ऐसा लगा मानो उनके ऊपर से एक पहाड़ हटा दिया गया हो।**[इस आयत को 3:85 और 5:72 से निरस्त माना गया है, जहाँ कहा गया है कि केवल इस्लाम ही स्वीकार होगा; साथ ही यह प्रश्न उठता है कि नजात किसे मिलेगी: सभी नेक लोग (2:62, 5:69) या केवल मुसलमान (3:19, 3:85)]**
Waith akhathna meethaqakum warafaAAna fawqakumu alttoora khuthoo ma ataynakum biquwwatin waothkuroo ma feehi laAAallakum tattaqoona	Children of Israel = Jews	And [recall] when We took your covenant, [O Children of Israel, to abide by the Torah] and We raised over you the mount, [saying], "Take what We have given you with determination and remember what is in it that perhaps you may become	2:63	और याद करो जब हमने इस हाल में कि तूर पर्वत को तुम्हारे ऊपर ऊँचा कर रखा था, तुमसे दृढ़ वचन लिया था, "जो चीज़ हमने तुम्हें दी हैं उसे मजबूती के साथ पकड़ो और जो कुछ उसमें हैं उसे याद रखो ताकि तुम बच सको।"	इस्राएल की संतान = यहूदी

Thumma tawallaytum min baAAdi thalika falawla fadlu Allahi AAalaykum warahmatuhu lakuntum mina	**[Although they transgressed many time, but Allah continued to guide them, However, after coming of Muhammad (pbuh), Allah deprived them of His guidance]**	Then you turned away after that. And if not for the favor of Allah upon you and His mercy, you would have been among the losers.	2:64	फिर इसके पश्चात भी तुम फिर गए, तो यदि अल्लाह की कृपा और उसकी दयालुता तुम पर न होती, तो तुम घाटे में पड़ गए होते	**[[हालाँकि उन्होंने कई बार अवज्ञा की, फिर भी अल्लाह उन्हें मार्गदर्शन देता रहा; लेकिन पैग़म्बर मुहम्मद (स.) के आने के बाद अल्लाह ने उन्हें अपनी हिदायत से वंचित कर दिया।]**
Walaqad AAalimtumu allatheena iAAtadaw minkum fee alssabti faqulna lahum koonoo qiradatan khasieena	**[Allah made some Jews apes due to disobedience 2:65, 5:60, 7:166, but the mechanism is unknown; Also why Allah will hate Apes.]**	And you had already known about those who transgressed among you concerning the sabbath, and We said to them, "Be apes, despised."	2:65	और तुम उन लोगों के विषय में तो जानते ही हो जिन्होंने तुममें से 'सब्त' के दिन के मामले में मर्यादा का उल्लंघन किया था, तो हमने उनसे कह दिया, "बन्दर हो जाओ, धिक्कारे और फिटकारे हुए!"	**[अल्लाह ने अवज्ञा के कारण कुछ यहूदियों को बंदर बना दिया (2:65, 5:60, 7:166), लेकिन इसकी प्रक्रिया अज्ञात है; साथ ही अल्लाह बंदरों से नफ़रत क्यों करेंगे?]**
FajaAAalnaha nakalan lima bayna yadayha wama khalfaha wamawAAithatan lilmuttaqeena	x	And We made it a deterrent punishment for those who were present and those who succeeded [them] and a lesson for those who fear Allah.	2:66	फिर हमने इसे सामनेवालों और बाद के लोगों के लिए शिक्षा-सामग्री और डर रखनेवालों के लिए नसीहत बनाकर छोड़ा	x
Waith qala moosa liqawmihi inna Allaha yamurukum an tathbahoo baqaratan qaloo atattakhithuna huzuwan qala aAAoothu biAllahi an akoona mina	**[What will Allah get from slaughtering a cow]**	And [recall] when Moses said to his people, "Indeed, Allah commands you to slaughter a cow." They said, "Do you take us in ridicule?" He said, "I seek refuge in Allah from being among the ignorant."	2:67	और याद करो जब मूसा ने अपनी क़ौम से कहा, "निश्चय ही अल्लाह तुम्हें आदेश देता है कि एक गाय जब्ह करो।" कहने लगे, "क्या तुम हमसे परिहास करते हो?" उसने कहा, "मैं इससे अल्लाह की पनाह माँगता हूँ कि जाहिल बनूँ।"	**[अल्लाह को गाय की क़ुर्बानी से क्या मिलेगा?]**

Qaloo odAAu lana rabbaka yubayyin lana ma hiya qala innahu yaqoolu innaha baqaratun la faridun wala bikrun AAawanun bayna thalika faifAAaloo ma tumaroona	x	They said, "Call upon your Lord to make clear to us what it is." [Moses] said, "[Allah] says, 'It is a cow which is neither old nor virgin, but median between that,' so do what you are commanded."	2:68	बोले, "हमारे लिए अपने रब से निवेदन करो कि वह हम पर स्पष्ट कर दे कि वह गाय कौन-सी है?" उसने कहा, "वह कहता है कि वह ऐसी गाय है जो न बूढ़ी है, न बछिया, इनके बीच की रास है; तो जो तुम्हें हुक्म दिया जा रहा है, करो।"	x
Qaloo odAAu lana rabbaka yubayyin lana ma lawnuha qala innahu yaqoolu innaha baqaratun safrao faqiAAun lawnuha tasurru alnnathireena	x	They said, "Call upon your Lord to show us what is her color." He said, "He says, 'It is a yellow cow, bright in color - pleasing to the observers.' "	2:69	कहने लगे, "हमारे लिए अपने रब से निवेदन करो कि वह हमें बता दे कि उसका रंग कैसा है?" कहा, "वह कहता है कि वह गाय सुनहरी है, गहरे चटकीले रंग की कि देखनेवालों को प्रसन्न कर देती है।"	x
Qaloo odAAu lana rabbaka yubayyin lana ma hiya inna albaqara tashabaha AAalayna wainna in shaa Allahu lamuhtadoona	x	They said, "Call upon your Lord to make clear to us what it is. Indeed, [all] cows look alike to us. And indeed we, if Allah wills, will be guided."	2:70	बोले, "हमारे लिए अपने रब से निवेदन करो कि वह हमें बता दे कि वह कौन-सी है, गायों का निर्धारण हमारे लिए संदिग्ध हो रहा है। यदि अल्लाह ने चाहा तो हम अवश्य। पता लगा लेंगे।"	x

Qala innahu yaqoolu innaha baqaratun la thaloolun tutheeru alarda wala tasqee alhartha musallamatun la shiyata feeha qaloo alana jita bialhaqqi fathabahooha wama kadoo yafAAaloona	Despite of so many instructions from God, the Jews reluctantly did that. **[Muslims also follow these characterstics while choosing sacrificial animal for Eid-ul-Adha.]**	He said, "He says, 'It is a cow neither trained to plow the earth nor to irrigate the field, one free from fault with no spot upon her.' " They said, "Now you have come with the truth." So they slaughtered her, but they could hardly do it.	2:71	उसने कहा, " वह कहता हैं कि वह ऐसा गाय है जो सधाई हुई नहीं है कि भूमि जोतती हो, और न वह खेत को पानी देती है, ठीक-ठाक है, उसमें किसी दूसरे रंग की मिलावट नहीं है।" बोले, "अब तुमने ठीक बात बताई है।" फिर उन्होंने उसे ज़ब्ह किया, जबकि वे करना नहीं चाहते थे	इतनी सारी हिदायतों के बावजूद यहूदियों ने इसे अनिच्छा से किया। **[ईद-उल-अज़हा के लिए क़ुर्बानी का जानवर चुनते समय मुसलमान भी इन विशेषताओं का पालन करते हैं।]**
Waith qataltum nafsan faiddaratum feeha waAllahu mukhrijun ma kuntum taktumoona	A person was killed, but killer was not identified.	And [recall] when you slew a man and disputed over it, but Allah was to bring out that which you were concealing.	2:72	और याद करो जब तुमने एक व्यक्ति की हत्या कर दी, फिर उस सिलसिले में तुमने टाल-मटोल से काम लिया - जबकि जिसको तुम छिपा रहे थे, अल्लाह उसे खोल देनेवाला था	एक व्यक्ति की हत्या हुई, लेकिन हत्यारे की पहचान नहीं हो सकी।
Faqulna idriboohu bibaAAdiha kathalika yuhyee Allahu almawta wayureekum ayatihi laAAallakum taAAqiloona	**[Allah commanded the dead man to be hit by a piece of Cow's meat, then he became alive and revealed the killer.]**	So, We said, "Strike the slain man with part of it." Thus does Allah bring the dead to life, and He shows you His signs that you might reason.	2:73	तो हमने कहा, "उसे उसके एक हिस्से से मारो।" इस प्रकार अल्लाह मुर्दों को जीवित करता है और तुम्हें अपनी निशानियाँ दिखाता है, ताकि तुम समझो	**[अल्लाह ने आदेश दिया कि मृत व्यक्ति को गाय के मांस के एक टुकड़े से मारा जाए, फिर वह जीवित हो गया और उसने हत्यारे का खुलासा कर दिया।]**

Thumma qasat quloobukum min baAAdi thalika fahiya kaalhijarati aw ashaddu qaswatan wainna mina alhijarati lama yatafajjaru minhu alanharu wainna minha lama yashshaqqaqu fayakhruju minhu almao wainna minha lama yahbitu min khashyati Allahi wama Allahu bighafilin AAamma	**[Stones don't produce water, but they store, filter, and direct it, which is why water appears from rocks in mountains; Stones too fall down from fear of Allah]**	Then your hearts became hardened after that, being like stones or even harder. For indeed, there are stones from which rivers burst forth, and there are some of them that split open and water comes out, and there are some of them that fall down for fear of Allah. And Allah is not unaware of what you do.	2:74	फिर इसके पश्चात भी तुम्हारे दिल कठोर हो गए, तो वे पत्थरों की तरह हो गए बल्कि उनसे भी अधिक कठोर; क्योंकि कुछ पत्थर ऐसे भी होते है जिनसे नहरें फूट निकलती है, और कुछ ऐसे भी होते है कि फट जाते है तो उनमें से पानी निकलने लगता है, और उनमें से कुछ ऐसे भी होते है जो अल्लाह के भय से गिर जाते है। और अल्लाह, जो कुछ तुम कर रहे हो, उससे बेखबर नहीं है	**[पत्थर पानी पैदा नहीं करते, बल्कि उसे संचित, छानते और उसकी दिशा तय करते हैं, इसलिए पहाड़ों में चट्टानों से पानी निकलता हुआ दिखाई देता है; पत्थर भी अल्लाह के डर से गिर पड़ते हैं।]**
AfatatmaAAoona an yuminoo lakum waqad kana fareequn minhum yasmaAAoona kalama Allahi thumma yuharrifoonahu min baAAdi ma AAaqaloohu wahum yaAAlamoona	Here it is claimed that the Jewish scholars used to accept bribes from people to alter certain injunctions to suit their desires. Also, many Islamic scholars are of the opinion that it was revealed about those who had changed the verse of stoning and the description of Muhammad (pbuh) in Torah. **[Contradiction: God's word can't be changed 6:34, 6:115, 10:64; Yes could be changed:**	Do you covet [the hope, O believers], that they would believe for you while a party of them used to hear the words of Allah and then distort the Torah after they had understood it while they were knowing?	2:75	तो क्या तुम इस लालच में हो कि वे तुम्हारी बात मान लेंगे, जबकि उनमें से कुछ लोग अल्लाह का कलाम सुनते रहे हैं, फिर उसे भली-भाँति समझ लेने के पश्चात जान-बूझकर उसमें परिवर्तन करते रहे?	यहाँ दावा किया गया है कि यहूदी विद्वान लोगों से रिश्वत लेकर कुछ आदेशों को उनकी इच्छानुसार बदल देते थे। साथ ही, कई इस्लामी विद्वानों का मत है कि यह उन लोगों के बारे में नाज़िल हुआ जिन्होंने तोरात में रज्म (पत्थर मारने) की आयत और पैग़म्बर मुहम्मद (स.) का वर्णन बदल दिया था। **[विरोधाभास: अल्लाह के शब्द बदले नहीं जा सकते (6:34, 6:115, 10:64); हाँ, बदले जा सकते हैं: (2:75, 2:106, 16:101)]**

Waitha laqoo allatheena amanoo qaloo amanna waitha khala baAAduhum ila baAAdin qaloo atuhaddithoonahum bima fataha Allahu AAalaykum liyuhajjookum bihi AAinda rabbikum afala taAAqiloona	About Jews and hypocrites. Hypocrite - a person who outwardly professes faith/belief but inwardly denies or disbelieves; a hypocritical believer.	And when they meet those who believe, they say, "We have believed"; but when they are alone with one another, they say, "Do you talk to them about what Allah has revealed to you so they can argue with you about it before your Lord?" Then will you not reason?	2:76	और जब वे ईमान लानेवाले से मिलते है तो कहते हैं, "हम भी ईमान रखते हैं", और जब आपस में एक-दूसरे से एकान्त में मिलते है तो कहते है, "क्या तुम उन्हें वे बातें, जो अल्लाह ने तुम पर खोली, बता देते हो कि वे उनके द्वारा तुम्हारे रब के यहाँ हुज्जत में तुम्हारा मुक़ाबिला करें? तो क्या तुम समझते नहीं!"	यह यहूदियों और मुनाफ़िकों के बारे में है। मुनाफ़िक — वह व्यक्ति जो ऊपर से ईमान/विश्वास का दिखावा करे लेकिन भीतर से इंकार या अविश्वास रखे; यानी कपटपूर्ण आस्तिक।
Awala yaAAlamoona anna Allaha yaAAlamu ma yusirroona wama yuAAlinoona	x	But do they not know that Allah knows what they conceal and what they declare?	2:77	क्या वे जानते नहीं कि अल्लाह वह सब कुछ जानता है, जो कुछ वे छिपाते और जो कुछ ज़ाहिर करते हैं?	x
Waminhum ommiyyoona la yaAAlamoona alkitaba illa amaniyya wain hum illa yathunnoona	x	And among them are unlettered ones who do not know the Scripture except in wishful thinking, but they are only assuming.	2:78	और उनमें सामान्य बेपढ़े भी हैं जिन्हें किताब का ज्ञान नहीं है, बस कुछ कामनाओं एवं आशाओं को धर्म जानते हैं, और वे तो बस अटकल से काम लेते हैं	x

Fawaylun lillatheena yaktuboona alkitaba biaydeehim thumma yaqooloona hatha min AAindi Allahi liyashtaroo bihi thamanan qaleelan fawaylun lahum mimma katabat aydeehim wawaylun lahum mimma	It is claimed that Jewish rabbis changed the real description of prophet Muhammad (pbuh) in Torah, so that they may not loose their position and gains. It is for this reason that they had changed it to white and tall while the Prophet muhammad (pbuh) was brown and of medium height.	So woe to those who write the "scripture" with their own hands, then say, "This is from Allah," in order to exchange it for a small price. Woe to them for what their hands have written and woe to them for what they earn.	2:79	तो विनाश और तबाही है उन लोगों के लिए जो अपने हाथों से किताब लिखते हैं फिर कहते हैं, "यह अल्लाह की ओर से है", ताकि उसके द्वारा थोड़ा मूल्य प्राप्त कर लें। तो तबाही है उनके हाथों ने लिखा और तबाही है उनके लिए उसके कारण जो वे कमा रहे हैं	यह दावा किया जाता है कि यहूदी रब्बियों ने पैग़म्बर मुहम्मद (स.) का असली विवरण तोरात में बदल दिया, ताकि वे अपनी स्थिति और लाभ न खो दें। इसी कारण उन्होंने पैग़म्बर मुहम्मद (स.) को गोरा और लंबा दिखा दिया, जबकि पैग़म्बर मुहम्मद (स.) का रंग भूरे और कद मध्यम था।
Waqaloo lan tamassana alnnaru illa ayyaman maAAdoodatan qul attakhathtum AAinda Allahi AAahdan falan yukhlifa Allahu AAahdahu am taqooloona AAala Allahi ma la taAAlamoona	Jews of Medina used to say that they will be tormented in hell fire only for certain number of days.	And they say, "Never will the Fire touch us, except for a few days." Say, "Have you taken a covenant with Allah? For Allah will never break His covenant. Or do you say about Allah that which you do not know?"	2:80	वे कहते है, "जहन्नम की आग हमें नहीं छू सकती, हाँ, कुछ गिने-चुने दिनों की बात और है।" कहो, "क्या तुमने अल्लाह से कोई वचन ले रखा है? फिर तो अल्लाह कदापि अपने वचन के विरुद्ध नहीं जा सकता? या तुम अल्लाह के ज़िम्मे डालकर ऐसी बात कहते हो जिसका तुम्हें ज्ञान नहीं?	मदीना के यहूदी कहते थे कि उन्हें सिर्फ़ कुछ दिनों के लिए ही जहन्नुम की आग में दंड मिलेगा।
Bala man kasaba sayyiatan waahatat bihi khateeatuhu faolaika ashabu alnnari hum feeha khalidoona	Encompassed means surrounded.	Yes, whoever earns evil and his sin has encompassed him - those are the companions of the Fire; they will abide therein eternally.	2:81	क्यों नहीं; जिसने भी कोई बदी कमाई और उसकी खताकारी ने उसे अपने घरे में ले लिया, तो ऐसे ही लोग आग (जहन्नम) में पड़नेवाले है; वे उसी में सदैव रहेंगे	बदी=बुराई

Waallatheena amanoo waAAamiloo alssalihati olaika ashabu aljannati hum feeha	**[Only good deeds are of no use without believing in Allah and Prophet Muhammad (pbuh)]**	But they who believe and do righteous deeds - those are the companions of Paradise; they will abide therein eternally.	2:82	रहे वे लोग जो ईमान लाए और उन्होंने अच्छे कर्म किए, वही जन्नतवाले हैं, वे सदैव उसी में रहेंगे।	**[केवल अच्छे कर्म ही पर्याप्त नहीं हैं, यदि इंसान अल्लाह और पैग़म्बर मुहम्मद (स.) पर विश्वास नहीं करता।]**
Waith akhathna meethaqa banee israeela la taAAbudoona illa Allaha wabialwalidayni ihsanan wathee alqurba waalyatama waalmasakeeni waqooloo lilnnasi husnan waaqeemoo alssalata waatoo alzzakata thumma tawallaytum illa qaleelan minkum waantum muAAridoona	**[Jews address God as Yahweh not Allah, poor-alm as Tzedakah, General prayer as tefillah]**	And [recall] when We took the covenant from the Children of Israel, [enjoining upon them], "Do not worship except Allah; and to parents do good and to relatives, orphans, and the needy. And speak to people good [words] and establish prayer and give zakah." Then you turned away, except a few of you, and you were refusing.	2:83	और याद करो जब इसराईल की सन्तान से हमने वचन लिया, "अल्लाह के अतिरिक्त किसी की बन्दगी न करोगे; और माँ-बाप के साथ और नातेदारों के साथ और अनाथों और मुहताजों के साथ अच्छा व्यवहार करोगे; और यह कि लोगों से भली बात कहो और नमाज़ क़ायम करो और ज़कात दो।" तो तुम फिर गए, बस तुममें से बचे थोड़े ही, और तुम उपेक्षा की नीति ही अपनाए रहे	**[यहूदी ईश्वर को "याहवे" कहते हैं, गरीबों के लिए दान को "तज़ाक़ाह" कहते हैं, और सामान्य प्रार्थना को "तेफिल्लाह" कहते हैं।]**

Waith akhathna meethaqakum la tasfikoona dimaakum wala tukhrijoona anfusakum min diyarikum thumma aqrartum waantum tashhadoona	God is addressing Jews in this verse. **[There are so many religions and communities in world; however, God is addressing only Jews, Christians and Idolators in His universal book, God is not familiar with Veda, Buddhism; Also contrary to this verse the same God gave command for killing of many Jews and their eviction from**	And [recall] when We took your covenant, [saying], "Do not shed each other's blood or evict one another from your homes." Then you acknowledged [this] while you were witnessing.	2:84	और याद करो जब तुमसे वचन लिया, "अपने ख़ून न बहाओगे और न अपने लोगों को अपनी बस्तियों से निकालोगे।" फिर तुमने इक़रार किया और तुम स्वयं इसके गवाह हो	ईश्वर इस आयत में यहूदियों से संबोधित हैं। **[दुनिया में अनेक धर्म और समुदाय हैं; फिर भी, ईश्वर अपनी सार्वभौमिक पुस्तक में केवल यहूदियों, ईसाइयों और मूर्तिपूजारियों को संबोधित कर रहे हैं। ईश्वर वेद या बौद्ध धर्म से परिचित नहीं हैं; इसके अलावा, इस आयत के विपरीत, उसी ईश्वर ने कई यहूदियों को मारने और उन्हें अरब से निकालने का आदेश भी दिया।]**

Thumma antum haolai taqtuloona anfusakum watukhrijoona fareeqan minkum min diyarihim tathaharoona AAalayhim bialithmi waalAAudwani wain yatookum osara tufadoohum wahuwa muharramun AAalaykum ikhrajuhum afatuminoona bibaAAdi alkitabi watakfuroona bibaAAdin fama jazao man yafAAalu thalika minkum illa khizyun fee alhayati alddunya wayawma alqiyamati yuraddoona ila	**[Contrary to this verse Muslims also used to ransom the pagan Quraysh.]**	Then, you are those [same ones who are] killing one another and evicting a party of your people from their homes, cooperating against them in sin and aggression. And if they come to you as captives, you ransom them, although their eviction was forbidden to you. So do you believe in part of the Scripture and disbelieve in part? Then what is the recompense for those who do that among you except disgrace in worldly life; and on the Day of Resurrection they will be sent back to the severest of punishment. And Allah is not unaware of what you do.	2:85	फिर तुम वही हो कि अपने लोगों की हत्या करते हो और अपने ही एक गिरोह के लोगों को उनकी बस्तियों से निकालते हो; तुम गुनाह और ज़्यादती के साथ उनके विरुद्ध एक-दूसरे के पृष्ठपोषक बन जाते हो; और यदि वे बन्दी बनकर तुम्हारे पास आते है, तो उनकी रिहाई के लिए फिद्‌ए (अर्थदंड) का लेन-देन करते हो जबकि उनको उनके घरों से निकालना ही तुम पर हराम था, तो क्या तुम किताब के एक हिस्से को मानते हो और एक को नहीं मानते? फिर तुममें जो ऐसा करें उसका बदला इसके सिवा और क्या हो सकता है कि सांसारिक जीवन में अपमान हो? और क़यामत के दिन ऐसे लोगों को कठोर से कठोर यातना की ओर फेर दिया जाएगा। अल्लाह उससे बेखबर नहीं है जो	**[इस आयत के विपरीत, मुसलमान भी मूर्तिपूजक क़ुरैशियों को फिरौती देकर छोड़ते थे।]**

Olaika allatheena ishtarawoo alhayata alddunya bialakhirati fala yukhaffafu AAanhumu alAAathabu wala	x	Those are the ones who have bought the life of this world [in exchange] for the Hereafter, so the punishment will not be lightened for them, nor will they be aided.	2:86	यही वे लोग है जो आख़िरात के बदले सांसारिक जीवन के ख़रीदार हुए, तो न उनकी यातना हल्की की जाएगी और न उन्हें कोई सहायता पहुँच सकेगी	x
Walaqad atayna moosa alkitaba waqaffayna min baAAdihi bialrrusuli waatayna AAeesa ibna maryama albayyinati waayyadnahu biroohi alqudusi afakullama jaakum rasoolun bima la tahwa anfusukumu istakbartum fafareeqan kaththabtum wafareeqan taqtuloona	**[In Islamic faith, Pure spirit are Angels, while in Christianity Holy spirits are sepearate from Angels.]**	And We did certainly give Moses the Torah and followed up after him with messengers. And We gave Jesus, the son of Mary, clear proofs and supported him with the Pure Spirit. But is it [not] that every time a messenger came to you, [O Children of Israel], with what your souls did not desire, you were arrogant? And a party [of messengers] you denied and another party you killed.	2:87	और हमने मूसा को किताब दी थी, और उसके पश्चात आगे-पीछे निरन्तर रसूल भेजते रहे; और मरयम के बेटे ईसा को खुली-खुली निशानियाँ प्रदान की और पवित्र-आत्मा के द्वारा उसे शक्ति प्रदान की; तो यही तो हुआ कि जब भी कोई रसूल तुम्हारे पास वह कुछ लेकर आया जो तुम्हारे जी को पसन्द न था, तो तुम अकड़ बैठे, तो एक गिरोह को तो तुमने झुठलाया और एक गिरोह को क़त्ल करते हो?	**[इस्लामी विश्वास में, पवित्र आत्माएँ फरिश्ते होती हैं, जबकि ईसाई धर्म में पवित्र आत्माएँ, फरिश्तों से अलग होती है।]**
Waqaloo quloobuna ghulfun bal laAAanahumu Allahu bikufrihim faqaleelan ma yuminoona	**[No one says that their hearts are hardened; Also Why Allah will curse someone as humans do during emotional outbursts.]**	And they said, "Our hearts are wrapped." But, [in fact], Allah has cursed them for their disbelief, so little is it that they believe.	2:88	वे कहते हैं, "हमारे दिलों पर तो प्राकृतिक आवरण चढ़े है" नहीं, बल्कि उनके इनकार के कारण अल्लाह ने उनपर लानत की है; अतः वे ईमान थोड़े ही लाएँगे	**[कोई यह नहीं कहता कि उनके दिल कठोर हैं; इसके अलावा, अल्लाह किसी पर उसी तरह श्राप क्यों लगाएगा जैसे मनुष्य भावनात्मक उथल-पुथल में करते हैं।]**

Walamma jaahum kitabun min AAindi Allahi musaddiqun lima maAAahum wakanoo min qablu yastaftihoona AAala allatheena kafaroo falamma jaahum ma AAarafoo kafaroo bihi falaAAnatu Allahi AAala alkafireena	Book refers to Quran here, "Which they recognized" to Prophet Muhammad (pbuh). The Jews of Khaybar prayed God to send the promised prophet so that they can defeat their enemies. And when they said this supplication, their enemies were defeated. However, when Muhammad (pbuh), came to them, they disbelieved in him. Jews said: all the messengers were from the descendants of Jacob, how is it that this one is a descendent	And when there came to them a Book from Allah confirming that which was with them - although before they used to pray for victory against those who disbelieved - but [then] when there came to them that which they recognized, they disbelieved in it; so the curse of Allah will be upon the disbelievers.	2:89	और जब उनके पास एक किताब अल्लाह की ओर से आई है जो उसकी पुष्टि करती है जो उनके पास मौजूद है - और इससे पहले तो वे न माननेवाले लोगों पर विजय पाने के इच्छुक रहे है - फिर जब वह चीज़ उनके पास आ गई जिसे वे पहचान भी गए हैं, तो उसका इनकार कर बैठे; तो अल्लाह की फिटकार इनकार करने वालों पर!	किताब से तात्पर्य यहाँ क़ुरआन से है, और "जिसे पहचान गए" से तात्पर्य पैग़म्बर मुहम्मद (स.) से है। खैबर के यहूदियों ने परमात्मा से प्रार्थना की कि वह वादा किया हुआ पैग़म्बर भेजे ताकि वे अपने दुश्मनों पर विजय प्राप्त कर सकें। और जब उन्होंने यह दुआ की, तो उनके दुश्मन पराजित हो गए। हालांकि, जब पैग़म्बर मुहम्मद (स.) उनके पास आए, तो उन्होंने उन पर विश्वास नहीं किया। यहूदियों ने कहा: “सभी रसूल याकूब की संतान से थे, तो यह इशमाएल की संतान कैसे हो सकता है।”
Bisama ishtaraw bihi anfusahum an yakfuroo bima anzala Allahu baghyan an yunazzila Allahu min fadlihi AAala man yashao min AAibadihi fabaoo bighadabin AAala ghadabin walilkafireena AAathabun muheenun	The Jews disbelieved in Quran which was revealed on Muhammad (pbuh) and incurred Allah's anger.	How wretched (Evil) is that for which they sold themselves - that they would disbelieve in what Allah has revealed through [their] outrage that Allah would send down His favor upon whom He wills from among His servants. So they returned having [earned] wrath upon wrath. And for the disbelievers is a humiliating punishment.	2:90	क्या ही बुरी चीज़ है जिसके बदले उन्होंने अपनी जानों का सौदा किया, अर्थात जो कुछ अल्लाह ने उतारा है उसे सरकशी और इस अप्रियता के कारण नहीं मानते कि अल्लाह अपना फ़ज़्ल (कृपा) अपने बन्दों में से जिसपर चाहता है क्यों उतारता है, अतः वे प्रकोप पर प्रकोप के अधिकारी हो गए है। और ऐसे इनकार करनेवालों के लिए अपमानजनक यातना है	यहूदियों ने क़ुरआन जो पैग़म्बर मुहम्मद (स.) पर प्रकट हुआ, उस पर ईमान नहीं लाए और इसके कारण उन्होंने अल्लाह का क्रोध अर्जित किया।

Waitha qeela lahum aminoo bima anzala Allahu qaloo numinu bima onzila AAalayna wayakfuroona bima waraahu wahuwa alhaqqu musaddiqan lima maAAahum qul falima taqtuloona anbiyaa Allahi min qablu in kuntum mumineena	When Jews were asked to believe in Quran they said we already believe in Torah. Also it is said that Quran is continuation of revelation from God similar to Torah. Also allegation is made against them for not believing many prophets which were send by God in past, as they did with prophet Muhammad (pbuh). **[In reality, no old religion recognizes the new religion; Even muslims have killed many self declared prophets like Musailamah; Ahmaddiya Muslims are persecuted badly by Sunni Muslims.]**	And when it is said to them, "Believe in what Allah has revealed," they say, "We believe [only] in what was revealed to us." And they disbelieve in what came after it, while it is the truth confirming that which is with them. Say, "Then why did you kill the prophets of Allah before, if you are [indeed] believers?"	2:91	जब उनसे कहा जाता है, "अल्लाह ने जो कुछ उतारा है उस पर ईमान लाओ", तो कहते है, "हम तो उसपर ईमान रखते है जो हम पर उतरा है," और उसे मानने से इनकार करते हैं जो उसके पीछे है, जबकि वही सत्य है, उसकी पुष्टि करता है जो उसके पास है। कहो, "अच्छा तो इससे पहले अल्लाह के पैग़म्बरों की हत्या क्यों करते रहे हो, यदि तुम ईमानवाले हो?"	जब यहूदियों से कहा गया कि वे क़ुरआन पर ईमान लाएँ, तो उन्होंने कहा कि “हम पहले ही तौरा पर ईमान रखते हैं।” इसके साथ ही यह कहा गया कि क़ुरआन उस संदेश की निरंतरता है जो अल्लाह ने पहले भेजा था, जैसे तौरा में था। इसके अलावा उन पर आरोप लगाया गया कि उन्होंने कई पैग़ंबरों पर विश्वास नहीं किया जो अल्लाह ने अतीत में भेजे थे, जैसे उन्होंने पैग़म्बर मुहम्मद (स.) के साथ किया। **[वास्तव में, कोई भी पुरानी धर्म प्रणाली नए धर्म को स्वीकार नहीं करती; यहाँ तक कि मुसलमानों ने भी कई आत्म-घोषित पैग़ंबरों को मार डाला, जैसे मुसैलमाह; अहमदिया मुसलमानों को सुन्नी मुसलमानों द्वारा बुरी तरह सताया जाता है।]**
Walaqad jaakum moosa bialbayyinati thumma ittakhathtumu alAAijla min baAAdihi waantum thalimoona	**[Similar phenomenon happened in Muslims also in form of shrine worshipping, despite of guidance from Quran.]**	And Moses had certainly brought you clear proofs. Then you took the calf [in worship] after that, while you were wrongdoers.	2:92	तुम्हारे पास मूसा खुली-खुली निशानियाँ लेकर आया, फिर भी उसके बाद तुम ज़ालिम बनकर बछड़े को देवता बना बैठे	**[मुसलमानों के साथ भी इसी प्रकार की घटना हुई, जब उन्होंने क़ुरआन की हिदायतों के बावजूद मक़बरों / दरगाहों की पूजा की।]**

Waith akhathna meethaqakum warafaAAna fawqakumu alttoora khuthoo ma ataynakum biquwwatin waismaAAoo qaloo samiAAna waAAasayna waoshriboo fee quloobihimu alAAijla bikufrihim qul bisama yamurukum bihi eemanukum in	**[No one openly tells God that they hear yet choose to disobey; and in the Abrahamic traditions, worship directed to anything other than God is considered a grave offense.]**	And [recall] when We took your covenant and raised over you the mount, [saying], "Take what We have given you with determination and listen." They said [instead], "We hear and disobey." And their hearts absorbed [the worship of] the calf because of their disbelief. Say, "How wretched is that which your faith enjoins upon you, if you should be believers."	2:93	कहो, "यदि अल्लाह के निकट आख़िरत का घर सारे इनसानों को छोड़कर केवल तुम्हारे ही लिए है, फिर तो मृत्यु की कामना करो, यदि तुम सच्चे हो।"	**[कोई भी खुलेआम अल्लाह से नहीं कहता कि वह सुनता है, फिर भी वह अवज्ञा करना चुनता है; और इब्राहीमी परंपराओं में, अल्लाह के अलावा किसी और की पूजा को गंभीर अपराध माना जाता है।]**
Qul in kanat lakumu alddaru alakhiratu AAinda Allahi khalisatan min dooni alnnasi fatamannawoo almawta in kuntum sadiqeena	Here Jews are rebuked for claiming that they alone will live in heaven with God in hereafter. **[An extra-ordiary demand from Jews is to wish for death to prove their truthfullness.]**	Say, [O Muhammad], "If the home of the Hereafter with Allah is for you alone and not the [other] people, then wish for death, if you should be truthful.	2:94	अपने हाथों इन्होंने जो कुछ आगे भेजा है उसके कारण वे कदापि उसकी कामना न करेंगे; अल्लाह तो ज़ालिमों को भली-भाँति जानता है	यहाँ यहूदियों को फटकारा जा रहा है कि उन्होंने दावा किया कि केवल वही पारलौकिक जीवन में अल्लाह के साथ जन्नत में रहेंगे। **[यहूदियों से एक असाधारण मांग यह भी है कि वे अपनी सच्चाई साबित करने के लिए मृत्यु की कामना करें।]**
Walan yatamannawhu abadan bima qaddamat aydeehim waAllahu AAaleemun bialththalimeena	x	But they will never wish for it, ever, because of what their hands have put forth. And Allah is Knowing of the wrongdoers.	2:95	अपने हाथों इन्होंने जो कुछ आगे भेजा है उसके कारण वे कदापि उसकी कामना न करेंगे; अल्लाह तो जालिमों को भली-भाँति जानता है	x

Walatajidannahum ahrasa alnnasi AAala hayatin wamina allatheena ashrakoo yawaddu ahaduhum law yuAAammaru alfa sanatin wama huwa bimuzahzihihi mina alAAathabi an yuAAammara waAllahu baseerun bima yaAAmaloona	Here Jews are said to be more greedy for life than idol-worshippers. **[In practice, even Muslims try to save their ailing relatives as long as possible and grieve when they pass away.]**	And you will surely find them the most greedy of people for life - [even] more than those who associate others with Allah. One of them wishes that he could be granted life a thousand years, but it would not remove him in the least from the [coming] punishment that he should be granted life. And Allah is Seeing of what they do.	2:96	तुम उन्हें सब लोगों से बढ़कर जीवन का लोभी पाओगे, यहाँ तक कि वे इस सम्बन्ध में शिर्क करनेवालो से भी बढ़े हुए है। उनका तो प्रत्येक व्यक्ति यह इच्छा रखता है कि क्या ही अच्छा होता कि उस हज़ार वर्ष की आयु मिले, जबकि यदि उसे यह आयु प्राप्त भी जाए, तो भी वह अपने आपको यातना से नहीं बचा सकता। अल्लाह देख रहा है, जो कुछ वे कर रहे है	यहाँ कहा गया है कि यहूदी, मूर्ति-पूजा करने वालों की तुलना में जीवन के लिए अधिक लालची हैं। **[व्यवहार में, मुसलमान भी अपने बीमार रिश्तेदारों को जितना संभव हो सके बचाने की कोशिश करते हैं और जब वे गुजर जाते हैं तो शोक मनाते हैं।]**
Qul man kana AAaduwwan lijibreela fainnahu nazzalahu AAala qalbika biithni Allahi musaddiqan lima bayna yadayhi wahudan wabushra lilmumineena	The Jews asked Prophet Muhammad (pbuh), which angel comes to him with revelations. He replied: ‘it is Gabriel’. They said, He brings severity. If Michael had come instead, we would have followed you.”	Say, "Whoever is an enemy to Gabriel - it is [none but] he who has brought the Qur'an down upon your heart, [O Muhammad], by permission of Allah, confirming that which was before it and as guidance and good tidings for the believers."	2:97	कहो, "जो कोई जिबरील का शत्रु हो, (तो वह अल्लाह का शत्रु है) क्योंकि उसने तो उसे अल्लाह ही के हुक्म से तम्हारे दिल पर उतारा है, जो उन (भविष्यवाणियों) के सर्वथा अनुकूल है जो उससे पहले से मौजूद हैं; और ईमानवालों के लिए मार्गदर्शन और शुभ-सूचना है	यहूदियों ने पैग़म्बर मुहम्मद (स.) से पूछा कि कौन सा फरिश्ता उनके पास ईश्वरीय संदेश (प्रकटीकरण) लाता है। उन्होंने उत्तर दिया: “यह जिब्रील है।” उन्होंने कहा, “वह कठोरता लाता है। यदि मिखाइल आता, तो हम तुम्हारा पालन करते।”

Man kana AAaduwwan lillahi wamalaikatihi warusulihi wajibreela wameekala fainna Allaha AAaduwwun	The Jews said: 'Gabriel was commanded to place Prophethood amongst us, but he placed it with others'. **[Envy toward human beings does not befit the attributes of an Almighty God.]**	Whoever is an enemy to Allah and His angels and His messengers and Gabriel and Michael - then indeed, Allah is an enemy to the disbelievers.	2:98	जो कोई अल्लाह और उसके फ़रिश्तों और उसके रसूलों और जिबरील और मीकाईल का शत्रु हो, तो ऐसे इनकार करनेवालों का अल्लाह शत्रु है।"	यहूदियों ने कहा: "जिब्रील को हमारे बीच नुबुव्वत (पैग़ंबर की पदवी) रखने का आदेश मिला था, लेकिन उन्होंने इसे दूसरों के पास रखा।" **[मानवों के प्रति ईर्ष्या करना सर्वशक्तिमान अल्लाह के स्वभाव के अनुरूप नहीं है।]**
Walaqad anzalna ilayka ayatin bayyinatin wama yakfuru biha illa alfasiqoona	This is a reply to Ibn Suwriya who said: 'O Muhammad! You did not bring anything that we know, and no clear token has been revealed to you by means of which we follow you'. **[According to Islamic belief, the verses of the Qur'an are considered sufficient evidence for faith; however, critics argue that Islam employed jihad in the course of its historical expansion]**	And We have certainly revealed to you verses [which are] clear proofs, and no one would deny them except the defiantly disobedient.	2:99	और हमने तुम्हारी ओर खुली-खुली आयतें उतारी है और उनका इनकार तो बस वही लोग करते हैस जो उल्लंघनकारी हैं	यह इब्न सुव्रिया के उत्तर में है, जिन्होंने कहा: "हे मुहम्मद! तुम कुछ ऐसा नहीं लाए जो हम जानते हों, और तुम्हारे पास कोई स्पष्ट प्रमाण नहीं है जिसके माध्यम से हम तुम्हारा पालन करें।" **[इस्लाम के अनुसार, क़ुरआन की आयतें विश्वास के लिए पर्याप्त प्रमाण मानी जाती हैं; हालांकि, आलोचक कहते हैं कि इस्लाम ने अपने ऐतिहासिक विस्तार के दौरान जिहाद का प्रयोग किया।]**
Awakullama AAahadoo AAahdan nabathahu fareequn minhum bal aktharuhum la yuminoona	Addressing to Jews.	Is it not [true] that every time they took a covenant a party of them threw it away? But, [in fact], most of them do not believe.	2:100	क्या यह एक निश्चित नीति है कि जब कि उन्होंने कोई वचन दिया तो उनके एक गिरोह ने उसे उठा फेंका? बल्कि उनमें अधिकतर ईमान ही नहीं रखते	यह यहूदियों को संबोधित है।

Walamma jaahum rasoolun min AAindi Allahi musaddiqun lima maAAahum nabatha fareequn mina allatheena ootoo alkitaba kitaba Allahi waraa thuhoorihim kaannahum la	"messenger" refers to Prophet Muhammad (pbuh), "them" referes to Jews, Christians, "given the scripture" mean ealier holy books, "Scripture of Allah" is Quran. **[Although the Qur'an describes itself in many places as a clear book, these verses cannot be fully understood without explantion (Tafsir).]**	And when a messenger from Allah came to them confirming that which was with them, a party of those who had been given the Scripture threw the Scripture of Allah behind their backs as if they did not know [what it contained].	2:101	और जब उनके पास अल्लाह की ओर से एक रसूल आया, जिससे उस (भविष्यवाणी) की पुष्टि हो रही है जो उनके पास थी, तो उनके एक गिरोह ने, जिन्हें किताब मिली थी, अल्लाह की किताब को अपने पीठ पीछे डाल दिया, मानो वे कुछ जानते ही नही	"रसूल" से तात्पर्य पैग़म्बर मुहम्मद (स.) है, "वे" से तात्पर्य यहूदी और ईसाई हैं, "उनके पास थी" से तात्पर्य पहले की पवित्र किताबों से है, और "अल्लाह की किताब" से तात्पर्य क़ुरआन है। [हालांकि क़ुरआन कई स्थानों पर स्वयं को स्पष्ट किताब बताता है, इन आयतों को पूरी तरह समझने के लिए तफ़सीर (व्याख्या) आवश्यक है।]

WaittabaAAoo ma tatloo alshshayateenu AAala mulki sulaymana wama kafara sulaymanu walakinna alshshayateena kafaroo yuAAallimoona alnnasa alssihra wama onzila AAala almalakayni bibabila haroota wamaroota wama yuAAallimani min ahadin hatta yaqoola innama nahnu fitnatun fala takfur fayataAAallamoona minhuma ma yufarriqoona bihi bayna almari wazawjihi wama hum bidarreena bihi min ahadin illa	People in Solomon's time wrote magic and practiced it. Solomon took all the magical writing and buried it under his throne. When he died, a devil appeared in the human shape asked a group amoung the Jews to unearth it. Then devil said: 'It is by means of these that Solomon controlled the jinn, humans, devils and birds'. The Jews used those writings from then on, and magic became widespread among them. Allah absolved Solomon of this deed. **[There is disagreement who were harut and marut. If they were angels, why they were teaching magic (Angels only follows Allah's Instructions and have no free will) and why would Allah allow the magic to affect people. Contradiction: Can angels walk on earth. No 17:95, Yes 2:102, 3:124, 8:9, 22:75,**	And they followed [instead] what the devils had recited during the reign of Solomon. It was not Solomon who disbelieved, but the devils disbelieved, teaching people magic and that which was revealed to the two angels at Babylon, Harut and Marut. But the two angels do not teach anyone unless they say, "We are a trial, so do not disbelieve [by practicing magic]." And [yet] they learn from them that by which they cause separation between a man and his wife. But they do not harm anyone through it except by permission of Allah. And the people learn what harms them and does not benefit them. But the Children of Israel	2:102	और जो वे उस चीज़ के पीछे पड़ गए जिसे शैतान सुलैमान की बादशाही पर थोपकर पढ़ते थे - हालाँकि सुलैमान ने कोई कुफ़्र नहीं किया था, बल्कि कुफ़्र तो शैतानों ने किया था; वे लोगों को जादू सिखाते थे - और उस चीज़ में पड़ गए जो बाबिल में दोनों फ़रिश्तों हारूत और मारूत पर उतारी गई थी। और वे किसी को भी सिखाते न थे जब तक कि कह न देते, "हम तो बस एक परीक्षा है; तो तुम कुफ़्र में न पड़ना।" तो लोग उन दोनों से वह कुछ सीखते है, जिसके द्वारा पति और पत्नी में अलगाव पैदा कर दे - यद्यपि वे उससे किसी को भी हानि नहीं पहुँचा सकते थे। हाँ, यह और बात है कि अल्लाह के हुक्म से किसी को हानि पहुँचनेवाली ही हो - और वह कुछ सीखते है जो उन्हें	सुलैमान के समय लोग जादू लिखते और उसका अभ्यास करते थे। सुलैमान ने सभी जादुई लेखन को इकट्ठा किया और उसे अपने सिंहासन के नीचे दफन कर दिया। जब वे मर गए, तो एक शैतान मानव रूप में प्रकट हुआ और यहूदियों के एक समूह से उसे खोदने के लिए कहा। फिर शैतान ने कहा: “इनके माध्यम से सुलैमान ने जिन्न, मानव, शैतान और पक्षियों पर नियंत्रण किया।” इसके बाद यहूदियों ने उन लेखनों का उपयोग करना शुरू कर दिया, और उनके बीच जादू व्यापक हो गया। अल्लाह ने सुलैमान को इस कृत्य से मुक्त कर दिया। **[यह विवादास्पद है कि हारुत और मारुत कौन थे। यदि वे फरिश्ते थे, तो वे जादू क्यों सिखा रहे थे (फरिश्ते केवल अल्लाह के आदेश का पालन करते हैं और उनके पास स्वतंत्र इच्छा नहीं होती) और अल्लाह जादू को लोगों पर प्रभाव डालने की अनुमति क्यों देते। विरोधाभास: क्या फरिश्ते पृथ्वी पर चल सकते हैं? नहीं – 17:95, हाँ**
Walaw annahum amanoo waittaqaw lamathoobatun min AAindi Allahi khayrun law kanoo yaAAlamoona	x	And if they had believed and feared Allah, then the reward from Allah would have been [far] better, if they only knew.	2:103	और यदि वे ईमान लाते और डर रखते, तो अल्लाह के यहाँ से मिलनेवाला बदला कहीं अच्छा था, यदि वे जानते (तो इसे समझ सकते)	x

Ya ayyuha allatheena amanoo la taqooloo raAAina waqooloo onthurna waismaAAoo walilkafireena AAathabun aleemun	Arabs initially used the expression [ra‘ina] for Prophet Muhammad (pbuh); however, in Jewish usage it carried an abusive connotation. The Jews began using it for the Prophet and would laugh. Allah commanded believers to say “Look upon us” [unzurna] in place of “Listen to us” [ra‘ina].	O you who have believed, say not [to Allah 's Messenger], "Ra'ina" but say, "Unthurna" and listen. And for the disbelievers is a painful punishment.	2:104	ऐ ईमान लानेवालो! 'राइना' न कहा करो, बल्कि 'उनज़ुरना' कहा और सुना करो। और इनकार करनेवालों के लिए दुखद यातना है	शुरुआत में अरबों ने पैग़म्बर मुहम्मद (स.) के लिए [रा‘इना] शब्द का उपयोग किया; हालांकि, यहूदी उपयोग में इसका अपमानजनक अर्थ था। यहूदियों ने इसे पैग़म्बर के लिए इस्तेमाल करना शुरू कर दिया और हँसते थे। अल्लाह ने विश्वासियों को आदेश दिया कि वे “हमारी ओर देखें” [उन्ज़ुरना] कहें, बजाय “हमारी बात सुनो” [रा‘इना] के।
Ma yawaddu allatheena kafaroo min ahli alkitabi wala almushrikeena an yunazzala AAalaykum min khayrin min rabbikum waAllahu yakhtassu birahmatihi man yashao waAllahu thoo alfadli	"to you" refers to Prophet Muhammad (pbuh). Whenever the Muslims asked their jewish allies to believe in Muhammad (pbuh), They would say: This to which you are inviting us is not better than what we have.	Neither those who disbelieve from the People of the Scripture nor the polytheists wish that any good should be sent down to you from your Lord. But Allah selects for His mercy whom He wills, and Allah is the possessor of great bounty.	2:105	इनकार करनेवाले नहीं चाहते, न किताबवाले और न मुशरिक (बहुदेववादी) कि तुम्हारे रब की ओर से तुमपर कोई भलाई उतरे, हालाँकि अल्लाह जिसे चाहे अपनी दयालुता के लिए ख़ास कर ले; अल्लाह बड़ा अनुग्रह करनेवाला है	“तुमपर” से तात्पर्य पैग़म्बर मुहम्मद (स.) है। जब भी मुसलमान अपने यहूदी सहयोगियों से पैग़म्बर मुहम्मद (स.) पर विश्वास लाने के लिए कहते, वे कहते: “जिसकी ओर आप हमें बुला रहे हैं, वह हमारे पास जो है उससे बेहतर नहीं है।”

Ma nansakh min ayatin aw nunsiha nati bikhayrin minha aw mithliha alam taAAlam anna Allaha AAala kulli shayin qadeerun	The idolaters said that Muhammad (pbuh) commands his Companions with something and then forbids them or commands them to the exact opposite, and Qur'an is nothing but his own invention only. This verse is an order for abrogation means cancelling one verse with another verse. **[Why abrogation is needed if everything is already written on a preserved tablet; Contradiction: God's word can't be changed 6:34, 6:115, 10:64; Yes could be changed: 2:75, 2:106, 16:101]**	We do not abrogate a verse or cause it to be forgotten except that We bring forth [one] better than it or similar to it. Do you not know that Allah is over all things competent?	2:106	हम जिस आयत (और निशान) को भी मिटा दें या उसे भुला देते है, तो उससे बेहतर लाते है या उस जैसा दूसरा ही। क्या तुम नहीं जानते हो कि अल्लाह को हर चीज़ का सामर्थ्य प्राप्त है?	काफ़िरों ने कहा कि पैग़म्बर मुहम्मद (स.) अपने साथियों को किसी चीज़ का आदेश देते हैं और फिर उसे मनाही कर देते हैं, या बिल्कुल विपरीत आदेश देते हैं, और क़ुरआन केवल उनकी अपनी रचना है। यह आयत नस्ख़ का आदेश देती है, यानी एक आयत को दूसरी आयत द्वारा रद्द करना। **[यदि सब कुछ पहले से ही संरक्षित तख़्ती पर लिखा हुआ है, तो नस्ख़ की आवश्यकता क्यों है; विरोधाभास: अल्लाह का शब्द बदला नहीं जा सकता 6:34, 6:115, 10:64; हाँ, कुछ आयतें बदली जा सकती हैं: 2:75, 2:106, 16:101]**
Alam taAAlam anna Allaha lahu mulku alssamawati waalardi wama lakum min dooni Allahi min waliyyin	x	Do you not know that to Allah belongs the dominion of the heavens and the earth and [that] you have not besides Allah any protector or any	2:107	क्या तुम नहीं जानते कि आकाशों और धरती का राज्य अल्लाह ही का है और अल्लाह से हटकर न तुम्हारा कोई मित्र है और न सहायक?	x

Am tureedoona an tasaloo rasoolakum kama suila moosa min qablu waman yatabaddali alkufra bialeemani faqad dalla sawaa alssabeeli	This verse was revealed about Quraysh who had said: 'O Muhammad! Turn al-Safa mountain into gold, expand the land of Mecca and make rivers gush out throughout it, if you do this, we will believe in you; The soundness of way means the road to Paradise.**[This verse discourages Muslims from asking unnecessary questions that may lead to doubt in faith.]**	Or do you intend to ask your Messenger as Moses was asked before? And whoever exchanges faith for disbelief has certainly strayed from the soundness of the way.	2:108	(ऐ ईमानवालों! तुम अपने रसूल के आदर का ध्यान रखो) या तुम चाहते हो कि अपने रसूल से उसी प्रकार से प्रश्न और बात करो, जिस प्रकार इससे पहले मूसा से बात की गई है? हालाँकि जिस व्यक्ति ने ईमान के बदले इनकार की नीति अपनाई, तो वह सीधे रास्ते से भटक गया	यह आयत उन क़ुरैश के बारे में उतारी गई थी जिन्होंने कहा: "हे मुहम्मद! सफ़ा पर्वत को सोने में बदल दो, मक्का की भूमि को विस्तृत कर दो और इसमें नदियाँ बहा दो; यदि तुम ऐसा कर दो, तो हम तुम पर विश्वास करेंगे।"; सही मार्ग का अर्थ है जन्नत तक पहुँचने वाला रास्ता।**[यह आयत मुसलमानों को अनावश्यक प्रश्न पूछने से रोकती है, जो विश्वास में शंका उत्पन्न कर सकते हैं।]**
Wadda katheerun min ahli alkitabi law yaruddoonakum min baAAdi eemanikum kuffaran hasadan min AAindi anfusihim min baAAdi ma tabayyana lahumu alhaqqu faoAAfoo waisfahoo hatta yatiya Allahu biamrihi inna Allaha	This verse was revealed about a group of Jews who said to the Muslims after defeat in Battle of Uhud: If you were truly following the truth, you would not have been defeated. **[The order to pardon abrogated by later Jihadi verses: 2:191, 2:193, 3:28, 3:85, 5:33, 5:72, 8:12, 8:39, 8:60, 9:5, 9:14, 9:29, 9:33, 9:73, 9:123, 25:36, 25:52, 33:61, 33:73, 47:4, 66:9]**	Many of the People of the Scripture wish they could turn you back to disbelief after you have believed, out of envy from themselves [even] after the truth has become clear to them. So pardon and overlook until Allah delivers His command. Indeed, Allah is over all things competent.	2:109	बहुत-से किताबवाले अपने भीतर की ईर्ष्या से चाहते है कि किसी प्रकार वे तुम्हारे ईमान लाने के बाद फेरकर तुम्हे इनकार कर देनेवाला बना दें, यद्यपि सत्य उनपर प्रकट हो चुका है, तो तुम दरगुज़र (क्षमा) से काम लो और जाने दो यहाँ तक कि अल्लाह अपना फ़ैसला लागू न कर दे। निस्संदेह अल्लाह को हर चीज़ की सामर्थ्य प्राप्त है	यह आयत उन यहूदियों के समूह के बारे में उतारी गई थी, जिन्होंने उहूद की लड़ाई में मुसलमानों की हार के बाद कहा: "यदि आप वास्तव में सत्य का पालन कर रहे होते, तो आप पराजित नहीं होते।" **[क्षमा करने का आदेश बाद की जिहादी आयतों द्वारा रद्द कर दिया गया: 2:191, 2:193, 3:28, 3:85, 5:33, 5:72, 8:12, 8:39, 8:60, 9:5, 9:14, 9:29, 9:33, 9:73, 9:123, 25:36, 25:52, 33:61, 33:73, 47:4, 66:9]**

Waaqeemoo alssalata waatoo alzzakata wama tuqaddimoo lianfusikum min khayrin tajidoohu AAinda Allahi inna Allaha bima taAAmaloona baseerun	x	And establish prayer and give zakah, and whatever good you put forward for yourselves - you will find it with Allah. Indeed, Allah of what you do, is Seeing.	2:110	और नमाज़ कायम करो और ज़कात दो और तुम स्वयं अपने लिए जो भलाई भी पेश करोगे, उसे अल्लाह के यहाँ मौजूद पाओगे। निस्संदेह जो कुछ तुम करते हो, अल्लाह उसे देख रहा है	x
Waqaloo lan yadkhula aljannata illa man kana hoodan aw nasara tilka amaniyyuhum qul hatoo burhanakum in kuntum sadiqeena	x	And they say, "None will enter Paradise except one who is a Jew or a Christian." That is [merely] their wishful thinking, Say, "Produce your proof, if you should be truthful."	2:111	और उनका कहना है, "कोई व्यक्ति जन्नत में प्रवेश नहीं करता सिवाय उससे जो यहूदी है या ईसाई है।" ये उनकी अपनी निराधार कामनाएँ है। कहो, "यदि तुम सच्चे हो तो अपने प्रमाण पेश करो।"	x
Bala man aslama wajhahu lillahi wahuwa muhsinun falahu ajruhu AAinda rabbihi wala khawfun AAalayhim wala hum yahzanoona	**[Pickthall translate "surrender to Allah" instead of Islam.]**	Yes [on the contrary], whoever submits his face in Islam to Allah while being a doer of good will have his reward with his Lord. And no fear will there be concerning them, nor will they grieve.	2:112	क्यों नहीं, जिसने भी अपने-आपको अल्लाह के प्रति समर्पित कर दिया और उसका कर्म भी अच्छे से अच्छा हो तो उसका प्रतिदान उसके रब के पास है और ऐसे लोगो के लिए न तो कोई भय होगा और न वे शोकाकुल होंगे	x

Waqalati alyahoodu laysati alnnasara AAala shayin waqalati alnnasara laysati alyahoodu AAala shayin wahum yatloona alkitaba kathalika qala allatheena la yaAAlamoona mithla qawlihim faAllahu yahkumu baynahum yawma alqiyamati feema kanoo feehi yakhtalifoona	This was revealed when the Christian delegation of Najran came to the Prophet (pbuh) and the Jewish rabbis came to see them. The Jews and Christians had a heated debate with each other and that they blaimed each other for not following the true religion. **[The same is true about Muslim and Christian debates; also as soon as Muslims gained power they started acting on behalf of Allah rather than leaving things for Him.]**	The Jews say "The Christians have nothing [true] to stand on," and the Christians say, "The Jews have nothing to stand on," although they [both] recite the Scripture. Thus the polytheists speak the same as their words. But Allah will judge between them on the Day of Resurrection concerning that over which they used to differ.	2:113	यहूदियों ने कहा, "ईसाईयों की कोई बुनियाद नहीं।" और ईसाइयों ने कहा, "यहूदियों की कोई बुनियाद नहीं।" हालाँकि वे किताब का पाठ करते है। इसी तरह की बात उन्होंने भी कही है जो ज्ञान से वंचित है। तो अल्लाह क़यामत के दिन उनके बीच उस चीज़ के विषय में निर्णय कर देगा, जिसके विषय में वे विभेद कर रहे है	यह तब प्रकट हुआ जब नज़रान के ईसाई प्रतिनिधिमंडल पैगंबर (स.) के पास आया और यहूदी रब्बी उन्हें मिलने आए। यहूदी और ईसाइयों के बीच तीव्र बहस हुई और वे एक-दूसरे को सच्चे धर्म का पालन न करने का दोष देते थे। **[मुसलमानों और ईसाइयों की बहसों के बारे में भी यही सच है; जैसे ही मुसलमानों को सत्ता मिली, उन्होंने अल्लाह की ओर से काम करना शुरू कर दिया बजाय इसके कि चीज़ों को उसके लिए छोड़ दें।]**
Waman athlamu mimman manaAAa masajida Allahi an yuthkara feeha ismuhu wasaAAa fee kharabiha olaika ma kana lahum an yadkhulooha illa khaifeena lahum fee alddunya khizyun walahum fee alakhirati AAathabun	This refers to Bukhtunassar or Romans and his army who conquered the Jews and destroyed Jerusalem. Some traditions, says this is about idolators who prohibited muslims from visiting Kabaah. **[Pickthall mentioned "sanctuaries of Allah" instead of "mosques".]**	And who are more unjust than those who prevent the name of Allah from being mentioned in His mosques and strive toward their destruction. It is not for them to enter them except in fear. For them in this world is disgrace, and they will have in the Hereafter a great punishment.	2:114	और उससे बढ़कर अत्याचारी और कौन होगा जिसने अल्लाह की मस्जिदों को उसके नाम के स्मरण से वंचित रखा और उन्हें उजाड़ने पर उतारू रहा? ऐसे लोगों को तो बस डरते हुए ही उसमें प्रवेश करना चाहिए था। उनके लिए संसार में रुसवाई (अपमान) है और उनके लिए आख़िरत में बड़ी यातना नियत है	इसका तात्पर्य बुख़्तुनस्सार या रोमन और उनकी सेना से है जिन्होंने यहूदियों को जीतकर यरूशलेम को नष्ट किया। कुछ परंपराओं के अनुसार, यह मूर्ति पूजको के बारे में है जिन्होंने मुसलमानों को काबा की यात्रा करने से रोका। **[पिकथाल ने 'मस्जिदों' के बजाय 'अल्लाह के संरगृहों' का उल्लेख किया।]**

Walillahi almashriqu waalmaghribu faaynama tuwalloo fathamma wajhu Allahi inna Allaha wasiAAun AAaleemun	Some Muslims were praying, but because of dark night they could not determine the direction of the qiblah. Each man prayed in a direction which he thought was correct. **[Despite the whole universe belonging to Allah, Muslims have to face towards Kabah**	And to Allah belongs the east and the west. So wherever you [might] turn, there is the Face of Allah. Indeed, Allah is all-Encompassing and Knowing.	2:115	पूरब और पश्चिम अल्लाह ही के है, अतः जिस ओर भी तुम रुख करो उसी ओर अल्लाह का रुख़ है। निस्संदेह अल्लाह बड़ा समाईवाला (सर्वव्यापी) सर्वज्ञ है	कुछ मुसलमान प्रार्थना कर रहे थे, लेकिन अँधेरी रात के कारण वे किब्ला की दिशा निर्धारित नहीं कर पा रहे थे। हर व्यक्ति उस दिशा में प्रार्थना कर रहा था जिसे वह सही समझता था। **|पूरी ब्रह्मांड अल्लाह की है, फिर भी मुसलमानों को प्रार्थना करते समय काबा (मक्का) की ओर मुंह करना होता है|**
Waqaloo itakhatha Allahu waladan subhanahu bal lahu ma fee alssamawati waalardi kullun lahu qanitoona	This was revealed about the Jews who said: “Ezra is the son of Allah”, and the Christians of Najran who said: “Christ is the son of Allah”, and also the Arab idolaters who said: “The angels are Allah’s daughters”. **[If everything is obedient to Allah, why there are so many criminal, idolators and Atheists.]**	They say, "Allah has taken a son." Exalted is He! Rather, to Him belongs whatever is in the heavens and the earth. All are devoutly obedient to Him,	2:116	कहते है, अल्लाह औलाद रखता है - महिमावाला है वह! (पूरब और पश्चिम हीं नहीं, बल्कि) आकाशों और धरती में जो कुछ भी है, उसी का है। सभी उसके आज्ञाकारी है	यह उन यहूदियों के बारे में प्रकट किया गया जिन्होंने कहा: “एज़रा अल्लाह का बेटा है”, और नज्रान के ईसाइयों के बारे में जिन्होंने कहा: “मसीह अल्लाह का बेटा है”, और साथ ही अरब मूर्तिपूजकों के बारे में जिन्होंने कहा: “फरिश्ते अल्लाह की बेटियाँ हैं”। **|अगर सब कुछ अल्लाह की आज्ञाकारक है, तो फिर इतने अपराधी, मूर्तिपूजक और नास्तिक क्यों हैं।|**
BadeeAAu alssamawati waalardi waitha qada amran fainnama yaqoolu lahu kun fayakoonu	This is the concept of "Kun fayakoon" means Allah only says "Be" and the thing happens.	Originator of the heavens and the earth. When He decrees a matter, He only says to it, "Be," and it is.	2:117	वह आकाशों और धरती का प्रथमतः पैदा करनेवाला है। वह तो जब किसी काम का निर्णय करता है, तो उसके लिए बस कह देता है कि "हो जा" और वह हो जाता है	यह 'कुन फ़ैयकून' की संकल्पना है, जिसका मतलब है कि अल्लाह सिर्फ कहते हैं 'हो जा' और वह चीज़ हो जाती है।

Waqala allatheena la yaAAlamoona lawla yukallimuna Allahu aw tateena ayatun kathalika qala allatheena min qablihim mithla qawlihim tashabahat quloobuhum qad bayyanna alayati liqawmin yooqinoona	"those before them" refers to people who were destroyed by Allah in past. **[People used to ask for signs so that they can differentiate between an ordinary person and one chosen by God; Also in the past the prophets have produced miracles to convince their nations; Showing miracles is important for people who are in doubt, while there is no point of showing miracles who are already certain.]**	Those who do not know say, "Why does Allah not speak to us or there come to us a sign?" Thus spoke those before them like their words. Their hearts resemble each other. We have shown clearly the signs to a people who are certain [in faith].	2:118	जिन्हें ज्ञान नहीं हैं, वे कहते है, "अल्लाह हमसे बात क्यों नहीं करता? या कोई निशानी हमारे पास आ जाए।" इसी प्रकार इनसे पहले के लोग भी कह चुके है। इन सबके दिल एक जैसे है। हम खोल-खोलकर निशानियाँ उन लोगों के लिए बयान कर चुके है जो विश्वास करें	“इनसे पहले के लोग” का अर्थ उन लोगों से है जिन्हें अल्लाह ने पहले नष्ट कर दिया था। **[लोग अक्सर संकेत मांगते थे ताकि वे सामान्य व्यक्ति और उन लोगों में अंतर कर सकें जिन्हें ईश्वर ने चुना था; अतीत में भी नबियों ने अपने लोगों को आश्वस्त करने के लिए चमत्कार दिखाए; जो लोग संदेह में हैं उनके लिए चमत्कार दिखाना महत्वपूर्ण है, जबकि जो पहले ही निश्चित हैं उनके लिए चमत्कार दिखाने का कोई अर्थ नहीं है।]**
Inna arsalnaka bialhaqqi basheeran wanatheeran wala tusalu Aaan ashabi aljaheemi	**[However, Islam has never been a good tiding for non-muslims.]**	Indeed, We have sent you, [O Muhammad], with the truth as a bringer of good tidings and a warner, and you will not be asked about the companions of Hellfire.	2:119	निश्चित रूप से हमने तुम्हें हक़ के साथ शुभ-सूचना देनेवाला और डरानेवाला बनाकर भेजा। भड़कती आग में पड़नेवालों के विषय में तुमसे कुछ न पूछा जाएगा	**[हालाँकि, इस्लाम कभी भी गैर-मुस्लिमों के लिए शुभ-सूचना नहीं रहा।]**

Walan tarda AAanka alyahoodu wala alnnasara hatta tattabiAAa millatahum qul inna huda Allahi huwa alhuda walaini ittabaAAta ahwaahum baAAda allathee jaaka mina alAAilmi ma laka mina Allahi min waliyyin wala naseerin	When Allah directed prophet (pbuh) to pray toward the Kabah, Jews and christians were disappointed and despaired of him ever following their religion. And so this verse was revealed; **[Guidance of Allah means Quran, and it is the only guidance; Practically no religion in the world approves another religion, not even sects do this.]**	And never will the Jews or the Christians approve of you until you follow their religion. Say, "Indeed, the guidance of Allah is the [only] guidance." If you were to follow their desires after what has come to you of knowledge, you would have against Allah no protector or helper.	2:120	न यहूदी तुमसे कभी राज़ी होनेवाले है और न ईसाई जब तक कि तुम अनके पंथ पर न चलने लग जाओ। कह दो, "अल्लाह का मार्गदर्शन ही वास्तविक मार्गदर्शन है।" और यदि उस ज्ञान के पश्चात जो तुम्हारे पास आ चुका है, तुमने उनकी इच्छाओं का अनुसरण किया, तो अल्लाह से बचानेवाला न तो तुम्हारा कोई मित्र होगा और न सहायक	जब अल्लाह ने पैगंबर (स.) को काबा की ओर नमाज़ करने का निर्देश दिया, यहूदियों और ईसाइयों को निराशा हुई और उन्होंने कभी भी उनके धर्म का पालन करने की उम्मीद छोड़ दी। और इसी कारण यह आयत नाज़िल हुई; **[अल्लाह की हिदायत का मतलब है कुरआन, और यह ही एकमात्र हिदायत है; व्यावहारिक रूप से दुनिया का कोई धर्म किसी अन्य धर्म को स्वीकार नहीं करता, यहाँ तक कि संप्रदाय भी ऐसा नहीं करते।]**
Allatheena ataynahumu alkitaba yatloonahu haqqa tilawatihi olaika yuminoona bihi waman yakfur bihi faolaika humu alkhasiroona	This was revealed about those Jews who converted to Islam or about Companions of Messenger (pbuh). **[Quran claims that the Jews and Christians have corrupted their scripture and made changes in it, then how some Jews can get the uncorrupted**	Those to whom We have given the Book recite it with its true recital. They [are the ones who] believe in it. And whoever disbelieves in it - it is they who are the losers.	2:121	जिन लोगों को हमने किताब दी है उनमें वे लोग जो उसे उस तरह पढ़ते है जैसा कि उसके पढ़ने का हक़ है, वही उसपर ईमान ला रहे है, और जो उसका इनकार करेंगे, वही घाटे में रहनेवाले है	यह उन यहूदियों के बारे में प्रकट किया गया जो इस्लाम में परिवर्तित हो गए या पैगंबर के साथी (स.) के बारे में। **[कुरआन का दावा है कि यहूदी और ईसाई अपनी किताब को भ्रष्ट कर चुके हैं और उसमें बदलाव किए हैं, फिर कुछ यहूदी कैसे बिना बदलाव वाली किताब पा सकते हैं।]**
Ya banee israeela othkuroo niAAmatiya allatee anAAamtu AAalaykum waannee	**[Why would an Almigthy God will prefer one particular nation or race.]**	O Children of Israel, remember My favor which I have bestowed upon you and that I preferred you over the worlds.	2:122	ऐ इसराईल की सन्तान! मेरी उस कृपा को याद करो जो मैंने तुमपर की थी और यह कि मैंने तुम्हें संसारवालों पर श्रेष्ठता प्रदान की	**[एक सर्वशक्तिमान परमेश्वर किसी एक विशेष राष्ट्र या जाति को क्यों पसंद करेगा।]**

Waittaqoo yawman la tajzee nafsun AAan nafsin shayan wala yuqbalu minha AAadlun wala tanfaAAuha shafaAAatun wala hum yunsaroona	Day refers to Day of Judgement (Qiymat). **[There are two contradictions: (1) Each soul will bear its own burden 2:123, 6:164, 17:15, 35:18, Burden of others as well 16:25, 29:13, 37:33. (2) No intercession accepted (2:48, 2:123, 6:51, 6:94, 23:101, 32:4, 39:43-44, 42:46). Intercession is accepted with Allah's permission (2:255, 4:64, 10:3, 19:87, 20:109, 21:28, 34:23, 53:26); This verse is repetition of 2:48]**	And fear a Day when no soul will suffice for another soul at all, and no compensation will be accepted from it, nor will any intercession benefit it, nor will they be aided.	2:123	और उस दिन से डरो, जब कोई न किसी के काम आएगा, न किसी की ओर से अर्थदंड स्वीकार किया जाएगा, और न कोई सिफ़ारिश ही उसे लाभ पहुँचा सकेगी, और न उनको कोई सहायता ही पहुँच सकेगी	"दिन" से तात्पर्य क़ियामत (न्याय दिवस) है। **[दो विरोधाभास हैं: (1) प्रत्येक आत्मा अपने ही बोझ को वहन करेगी (2:123, 6:164, 17:15, 35:18), लेकिन दूसरों का बोझ भी वहन करेगी (16:25, 29:13, 37:33)। (2) कोई शफ़ाअत (सिफ़ारिश) स्वीकार नहीं की जाएगी (2:48, 2:123, 6:51, 6:94, 23:101, 32:4, 39:43-44, 42:46), जबकि शफ़ाअत केवल अल्लाह की अनुमति से स्वीकार की जाती है (2:255, 4:64, 10:3, 19:87, 20:109, 21:28, 34:23, 53:26); यह आयत 2:48 की पुनरावृत्ति है।]**
Waithi ibtala ibraheema rabbuhu bikalimatin faatammahunna qala innee jaAAiluka lilnnasi imaman qala wamin thurriyyatee qala la yanalu AAahdee aliththalimeena	Zalimin (polytheists and wrongdoers). Allah told Abraham that your descendents will be wrongdoers. **[Contradiction to 2:124: Many prophets came from the lineage of Abraham, 29:27]**	And [mention, O Muhammad], when Abraham was tried by his Lord with commands and he fulfilled them. [Allah] said, "Indeed, I will make you a leader for the people." [Abraham] said, "And of my descendants?" [Allah] said, "My covenant does not include the wrongdoers."	2:124	और याद करो जब इबराहीम की उसके रब से कुछ बातों में परीक्षा ली तो उसने उसको पूरा कर दिखाया। उसने कहा, "मैं तुझे सारे इनसानों का पेशवा बनानेवाला हूँ।" उसने निवेदन किया, " और मेरी सन्तान में भी।" उसने कहा, "ज़ालिम मेरे इस वादे के अन्तर्गत नहीं आ सकते।"	ज़ालिम (मुशरिक और अत्याचारी)। अल्लाह ने इब्राहिम से कहा कि आपके वंशज अत्याचारी होंगे। **[विरोधाभास, 2:124 के विपरीत: इब्राहिम की वंशावली से कई नबी आए, 29:27]**

Waith jaAAalna albayta mathabatan lilnnasi waamnan waittakhithoo min maqami ibraheema musallan waAAahidna ila ibraheema waismaAAeela an tahhira baytiya lilttaifeena waalAAakifeena waalrrukkaAAi alssujoodi	"House" refers to Kabah (Mecca) and "the standing place of Abraham" is footmark in a stone (Maqam Ibrahim), it was formed when Abraham stood there and built the Kabah. **[However, it is very illogical that foot marks occur on solid stone due to standing; Bible mentioned that God has made convenant with Issac not Ishmael and this book for written a thousand year before the advent of Islam; Contradiction: Whether any prophet was send to Mecca before Prophet Muhammad (pbuh), No 28:46, 34:44, Yes 2:125, 10:47]**	And [mention] when We made the House a place of return for the people and [a place of] security. And take, [O believers], from the standing place of Abraham a place of prayer. And We charged Abraham and Ishmael, [saying], "Purify My House for those who perform Tawaf and those who are staying [there] for worship and those who bow and prostrate [in prayer]."	2:125	और याद करो जब हमने इस घर (काबा) को लोगों को लिए केन्द्र और शान्तिस्थल बनाया - और, "इबराहीम के स्थल में से किसी जगह को नमाज़ की जगह बना लो!" - और इबराहीम और इसमाईल को ज़िम्मेदार बनाया। "तुम मेरे इस घर को तवाफ़ करनेवालों और एतिकाफ़ करनेवालों के लिए और रुकू और सजदा करनेवालों के लिए पाक-साफ़ रखो।"	"इब्राहीम के स्थल" एक पत्थर में पैर के निशान (मक़ाम इब्राहीम) हैं, यह तब बने जब इब्राहीम वहां खड़े हुए और काबा का निर्माण किया। **[हालांकि, यह काफी तर्कहीन है कि खड़े होने से ठोस पत्थर पर पैर के निशान पड़ जाएं; बाइबल में उल्लेख है कि परमेश्वर ने इसहाक के साथ गठबंधन किया, इश्माइल के साथ नहीं, और यह किताब इस्लाम के उदय से हजार साल पहले लिखी गई थी; विरोधाभास: क्या मक्का में पैगंबर मुहम्मद (स.) से पहले कोई पैगंबर भेजा गया था, नहीं 28:46, 34:44, हाँ 2:125, 10:47]**

Waith qala ibraheemu rabbi ijAAal hatha baladan aminan waorzuq ahlahu mina alththamarati man amana minhum biAllahi waalyawmi alakhiri qala waman kafara faomattiAAuhu qaleelan thumma adtarruhu ila AAathabi alnnari wabisa almaseeru	"City" means Mecca here. **[However, Mecca has been attacked many times in history e.g by Yazid, Abu Tahir al-Jannabi, Juhayman al-Otaybi]**	And [mention] when Abraham said, "My Lord, make this a secure city and provide its people with fruits - whoever of them believes in Allah and the Last Day." [Allah] said. "And whoever disbelieves - I will grant him enjoyment for a little; then I will force him to the punishment of the Fire, and wretched is the destination."	2:126	और याद करो जब इबराहीम ने कहा, "ऐ मेरे रब! इसे शान्तिमय भू-भाग बना दे और इसके उन निवासियों को फलों की रोज़ी दे जो उनमें से अल्लाह और अन्तिम दिन पर ईमान लाएँ।" कहा, "और जो इनकार करेगा थोड़ा फ़ायदा तो उसे भी दूँगा, फिर उसे घसीटकर आग की यातना की ओर पहुँचा दूँगा और वह बहुत-ही बुरा ठिकाना है!"	यहाँ 'भू-भाग' का अर्थ मक्का है। **[हालाँकि, मक्का को इतिहास में कई बार हमले हुए हैं, जैसे यज़ीद, अबू तहिर अल-जन्नाबी, जुहैमान अल-ऊतैबी द्वारा]**
Waith yarfaAAu ibraheemu alqawaAAida mina albayti waismaAAeelu rabbana taqabbal minna innaka anta alssameeAAu alAAaleemu	"House" refers to Kabah (Mecca), **[However as per Old testament, Genesis 21:20-21 Ismael lived in forest of Paran (Desert area of Sinai, between Egypt and Canon / Palestine). His mother brought his wife from Egypt.]**	And [mention] when Abraham was raising the foundations of the House and [with him] Ishmael, [saying], "Our Lord, accept [this] from us. Indeed You are the Hearing, the Knowing.	2:127	और याद करो जब इबराहीम और इसमाईल इस घर की बुनियादें उठा रहे थे, (तो उन्होंने प्रार्थना की), "ऐ हमारे रब! हमारी ओर से इसे स्वीकार कर ले, निस्संदेह तू सुनता-जानता है	"घर" का आशय काबा (मक्का) से है, **[हालांकि पुराने नियम के अनुसार, उत्पत्ति ग्रंथ 21:20-21 में इश्माएल पारन के जंगल में रहते थे (सिनाई के रेगिस्तानी क्षेत्र में, मिस्र और कनान / फिलिस्तीन के बीच)। उसकी मां ने उसकी पत्नी मिस्र से लाई थी।]**

Rabbana waijAAalna muslimayni laka wamin thurriyyatina ommatan muslimatan laka waarina manasikana watub AAalayna innaka anta alttawwabu	**[Why would Abraham pray God to make him and his descendents Muslims, nowhere in history we get its reference.]**	Our Lord, and make us Muslims [in submission] to You and from our descendants a Muslim nation [in submission] to You. And show us our rites and accept our repentance. Indeed, You are the Accepting of repentance, the Merciful.	2:128	ऐ हमारे रब! हम दोनों को अपना आज्ञाकारी बना और हमारी संतान में से अपना एक आज्ञाकारी समुदाय बना; और हमें हमारे इबादत के तरीक़े बता और हमारी तौबा क़बूल कर। निस्संदेह तू तौबा क़बूल करनेवाला, अत्यन्त दयावान है	**[इब्राहीम अल्लाह से क्यों प्रार्थना करते कि वे उन्हें और उनकी संतान को मुस्लिम बना दें? इतिहास में इसका कोई संदर्भ नहीं मिलता।]**
Rabbana waibAAath feehim rasoolan minhum yatloo AAalayhim ayatika wayuAAallimuhumu alkitaba waalhikmata wayuzakkeehim innaka anta alAAazeezu	x	Our Lord, and send among them a messenger from themselves who will recite to them Your verses and teach them the Book and wisdom and purify them. Indeed, You are the Exalted in Might, the Wise."	2:129	ऐ हमारे रब! उनमें उन्हीं में से एक ऐसा रसूल उठा जो उन्हें तेरी आयतें सुनाए और उनको किताब और तत्वदर्शिता की शिक्षा दे और उन (की आत्मा) को विकसित करे। निस्संदेह तू प्रभुत्वशाली, तत्वदर्शी है	x
Waman yarghabu AAan millati ibraheema illa man safiha nafsahu walaqadi istafaynahu fee alddunya wainnahu fee alakhirati lamina alssaliheena	**[There is no proof in history that religion of Abraham was Islam.]**	And who would be averse to the religion of Abraham except one who makes a fool of himself. And We had chosen him in this world, and indeed he, in the Hereafter, will be among the righteous.	2:130	कौन है जो इबराहीम के पंथ से मुँह मोड़े सिवाय उसके जिसने स्वयं को पतित कर लिया? और उसे तो हमने दुनिया में चुन लिया था और निस्संदेह आख़िरत में उसकी गणना योग्य लोगों में होगी	**[इतिहास में कोई प्रमाण नहीं है कि इब्राहीम का पंथ इस्लाम था।]**

Ith qala lahu rabbuhu aslim qala aslamtu lirabbi alAAalameena	Quran claims that Abraham became Muslim.	When his Lord said to him, "Submit", he said "I have submitted [in Islam] to the Lord of the worlds."	2:131	क्योंकि जब उससे रब ने कहा, "मुस्लिम (आज्ञाकारी) हो जा।" उसने कहा, "मैं सारे संसार के रब का मुस्लिम हो गया।"	कुरान का दावा है कि इब्राहीम मुसलमान बन गए।
Wawassa biha ibraheemu baneehi wayaAAqoobu ya baniyya inna Allaha istafa lakumu alddeena fala tamootunna illa waantum muslimoona	**[Contradiction: Who was the first Muslim: Prophet Muhammad (pbuh) 6:14, 6:163, 39:12, Moses 7:143, Abraham 2:132, Jesus 3:52, 5:111]**	And Abraham instructed his sons [to do the same] and [so did] Jacob, [saying], "O my sons, indeed Allah has chosen for you this religion, so do not die except while you are Muslims."	2:132	और इसी की वसीयत इबराहीम ने अपने बेटों को की और याक़ूब ने भी (अपनी सन्तानों को की) कि, "ऐ मेरे बेटों! अल्लाह ने तुम्हारे लिए यही दीन (धर्म) चुना है, तो इस्लाम (ईश-आज्ञापालन) को अतिरिक्त किसी और दशा में तुम्हारी मृत्यु न हो।"	**[विरोधाभास: पहला मुस्लिम कौन था: पैगंबर मुहम्मद (स.) 6:14, 6:163, 39:12, मूसा 7:143, इब्राहीम 2:132, ईसा 3:52, 5:111]**
Am kuntum shuhadaa ith hadara yaAAqooba almawtu ith qala libaneehi ma taAAbudoona min baAAdee qaloo naAAbudu ilahaka wailaha abaika ibraheema waismaAAeela waishaqa ilahan wahidan wanahnu lahu muslimoona	This was revealed about the Jews when they said: "Do you not know that when Jacob was about to die he advised his sons to follow Judaism?"	Or were you witnesses when death approached Jacob, when he said to his sons, "What will you worship after me?" They said, "We will worship your God and the God of your fathers, Abraham and Ishmael and Isaac - one God. And we are Muslims [in submission] to Him."	2:133	(क्या तुम इबराहीम के वसीयत करते समय मौजूद थे? या तुम मौजूद थे जब याक़ूब की मृत्यु का समय आया? जब उसने बेटों से कहा, "तुम मेरे पश्चात किसकी इबादत करोगे?" उन्होंने कहा, "हम आपके इष्ट-पूज्य और आपके पूर्वज इबराहीम और इसमाईल और इसहाक़ के इष्ट-पूज्य की बन्दगी करेंगे - जो अकेला इष्ट-पूज्य है, और हम उसी के आज्ञाकारी (मुस्लिम) हैं।"	यहूदियों के बारे में यह उस समय प्रकट हुआ जब उन्होंने कहा: "क्या आप नहीं जानते कि जब याकूब मरने वाले थे, उन्होंने अपने पुत्रों को यहूदी धर्म का पालन करने की सलाह दी?"

Tilka ommatun qad khalat laha ma kasabat walakum ma kasabtum wala tusaloona AAamma kano yaAAmaloona	x	That was a nation which has passed on. It will have [the consequence of] what it earned, and you will have what you have earned. And you will not be asked about what they used to do.	2:134	वह एक गिरोह था जो गुज़र चुका, जो कुछ उसने कमाया वह उसका है, और जो कुछ तुमने कमाया वह तुम्हारा है। और जो कुछ वे करते रहे उसके विषय में तुमसे कोई पूछताछ न की जाएगी	x
Waqaloo koonoo hoodan aw nasara tahtadoo qul bal millata ibraheema haneefan wama kana mina almushrikeena	Both the Jews and Christians said to the Muslims: 'Follow our religion, for there is no other true religion except ours'; Hanif is generally translated as "monotheist," (believe in one true god). **[Contradiction: Was ever Abrahan committed shirk (worship anything other than God): Never 2:135, 16:120, For some time 6:76-79]**	They say, "Be Jews or Christians [so] you will be guided." Say, "Rather, [we follow] the religion of Abraham, inclining toward truth, and he was not of the polytheists."	2:135	वे कहते हैं, "यहूदी या ईसाई हो जाओ तो मार्ग पर लोगे।" कहो, "नहीं, बल्कि इबराहीम का पंथ अपनाओ जो एक (अल्लाह) का हो गया था, और वह बहुदेववादियों में से न था।"	यहूदी और ईसाइयों ने मुसलमानों से कहा: 'हमारे धर्म का पालन करो, क्योंकि हमारा धर्म ही सच्चा धर्म है'; हनीफ को आमतौर पर 'एकेश्वरवादी' (एक सच्चे भगवान पर विश्वास रखने वाला) के रूप में अनूदित किया जाता है। **[विरोधाभास: क्या कभी इब्राहीम ने शिर्क (भगवान के अलावा किसी और की पूजा) की? कभी नहीं 2:135, 16:120, कुछ समय के लिए 6:76-79]**

Qooloo amanna biAllahi wama onzila ilayna wama onzila ila ibraheema waismaAAeela waishaqa wayaAAqooba waalasbati wama ootiya moosa waAAeesa wama ootiya alnnabiyyoona min rabbihim la nufarriqu bayna ahadin minhum wanahnu lahu	Believers refers to Muslims.**[Contradiction: Allah makes no distinction between any of prophets. While in hadith it is said that prophet Muhammad (pbuh) was superior to other prophets, as only he will be right for intercession; Also verse 2:253, some prophets are highter than others.]**	Say, [O believers], "We have believed in Allah and what has been revealed to us and what has been revealed to Abraham and Ishmael and Isaac and Jacob and the Descendants and what was given to Moses and Jesus and what was given to the prophets from their Lord. We make no distinction between any of them, and we are Muslims [in submission] to Him."	2:136	कहो, "हम ईमान लाए अल्लाह पर और उस चीज़ पर जो हमारी ओर से उतरी और जो इबराहीम और इसमाईल और इसहाक़ और याक़ूब और उसकी संतान की ओर उतरी, और जो मूसा और ईसा को मिली, और जो सभी नबियों को उनके रब की ओर से प्रदान की गई। हम उनमें से किसी के बीच अन्तर नहीं करते और हम केवल उसी के आज्ञाकारी हैं।"	"हम" मुसलमानों को संदर्भित करता है। **[विरोधाभास: अल्लाह नबियों के बीच किसी के साथ भेदभाव नहीं करते। जबकि हदीस में कहा गया है कि पैगंबर मुहम्मद (स.) अन्य नबियों से श्रेष्ठ थे, क्योंकि सिर्फ वही मध्यस्थता के लिए सही होंगे; साथ ही सूरा 2:253 में, कुछ नबी दूसरों से ऊँचे हैं।]**
Fain amanoo bimithli ma amantum bihi faqadi ihtadaw wain tawallaw fainnama hum fee shiqaqin fasayakfeekahumu Allahu wahuwa alssameeAAu alAAaleemu	"They" refers to people of book (Jews, Christians) and "you" for Prophet Muhammad (pbuh) or Muslims.	So if they believe in the same as you believe in, then they have been [rightly] guided; but if they turn away, they are only in dissension, and Allah will be sufficient for you against them. And He is the Hearing, the Knowing.	2:137	फिर यदि वे उसी तरह ईमान लाएँ जिस तरह तुम ईमान लाए हो, तो उन्होंने मार्ग पा लिया। और यदि वे मुँह मोड़े, तो फिर वही विरोध में पड़े हुए है। अतः तुम्हारी जगह स्वयं अल्लाह उनसे निबटने के लिए काफ़ी है; वह सब कुछ सुनता, जानता है	“वे” से तात्पर्य किताब वाले लोग (यहूदी, ईसाई) और "तुम" पैगंबर मुहम्मद (स.) या मुसलमानों के लिए है।
Sibghata Allahi waman ahsanu mina Allahi sibghatan wanahnu lahu AAabidoona	This verse was revealed regarding dipping of newborns in holy water for purification. Christians claimed that this baptism takes the place of circumcision.	[And say, "Ours is] the religion of Allah. And who is better than Allah in [ordaining] religion? And we are worshippers of Him."	2:138	(कहो,) "अल्लाह का रंग ग्रहण करो, उसके रंग से अच्छा और किसका रंह हो सकता है? और हम तो उसी की बन्दगी करते हैं।"	यह आयत नवजात शिशुओं को शुद्धिकरण के लिए पवित्र जल में डुबोने के संबंध में प्रकट हुई थी। मसीहियों ने दावा किया कि यह बपतिस्मा खतना की जगह लेता है।

Qul atuhajjoonana fee Allahi wahuwa rabbuna warabbukum walana aAAmaluna walakum aAAmalukum wanahnu lahu	Addressing to people of book.	Say, [O Muhammad], "Do you argue with us about Allah while He is our Lord and your Lord? For us are our deeds, and for you are your deeds. And we are sincere [in deed and intention] to Him."	2:139	कहो, "क्या तुम अल्लाह के विषय में हमसे झगड़ते हो, हालाँकि वही हमारा रब भी है, और तुम्हारा रब भी? और हमारे लिए हमारे कर्म हैं और तुम्हारे लिए तुम्हारे कर्म। और हम तो बस निरे उसी के है।"	किताब के लोगों को संबोधित है।
Am taqooloona inna ibraheema waismaAAeela waishaqa wayaAAqooba waalasbata kanoo hoodan aw nasara qul aantum aAAlamu ami Allahu waman athlamu mimman katama shahadatan AAindahu mina Allahi wama Allahu bighafilin AAamma	"you" refers to People of book. "testimony" means Quran.	Or do you say that Abraham and Ishmael and Isaac and Jacob and the Descendants were Jews or Christians? Say, "Are you more knowing or is Allah?" And who is more unjust than one who conceals a testimony he has from Allah? And Allah is not unaware of what you do.	2:140	या तुम कहते हो कि इबराहीम और इसमाईल और इसहाक़ और याक़ूब और उनकी संतान सब के सब यहूदी या ईसाई थे? कहो, "तुम अधिक जानते हो या अल्लाह? और उससे बढ़कर ज़ालिम कौन होगा, जिसके पास अल्लाह की ओर से आई हुई कोई गवाही हो, और वह उसे छिपाए? और जो कुछ तुम कर रहे हो, अल्लाह उससे बेखबर नहीं है।"	“तुम” का मतलब किताब वालों से है। “गवाही” का मतलब कुरान है।
Tilka ommatun qad khalat laha ma kasabat walakum ma kasabtum wala tusaloona AAamma kanoo yaAAmaloona	x	That is a nation which has passed on. It will have [the consequence of] what it earned, and you will have what you have earned. And you will not be asked about what they used to do.	2:141	वह एक गिरोह थी जो गुज़र चुका, जो कुछ उसने कमाया वह उसके लिए है और जो कुछ तुमने कमाया वह तुम्हारे लिए है। और तुमसे उसके विषय में न पूछा जाएगा, जो कुछ वे करते रहे है	x

Sayaqoolu alssufahao mina alnnasi ma wallahum AAan qiblatihimu allatee kanoo AAalayha qul lillahi almashriqu waalmaghribu yahdee man yashao	This was revealed about the change of the qiblah from Jerusalem towards Mecca. The foolish among people are Jews, who asked why this was done.	The foolish among the people will say, "What has turned them away from their qiblah, which they used to face?" Say, "To Allah belongs the east and the west. He guides whom He wills to a straight path."	2:142	मूर्ख लोग अब कहेंगे, "उन्हें उनके उस क़िबले (उपासना-दिशा) से, जिस पर वे थे किस चीज़ ने फेर दिया?" कहो, "पूरब और पश्चिम अल्लाह ही के है, वह जिसे चाहता है सीधा मार्ग दिखाता है।"	यह मक्के की ओर किबला बदलने के बारे में प्रकट किया गया था। लोगों में मूर्ख यहूदी हैं, जिन्होंने पूछा कि यह क्यों किया गया।

Wakathalika jaAAalnakum ommatan wasatan litakoonoo shuhadaa AAala alnnasi wayakoona alrrasoolu AAalaykum shaheedan wama jaAAalna alqiblata allatee kunta AAalayha illa linaAAlama man yattabiAAu alrrasoola mimman yanqalibu AAala AAaqibayhi wain kanat lakabeeratan illa AAala allatheena hada Allahu wama kana Allahu liyudeeAAa eemanakum inna Allaha bialnnasi laraoofun raheemun	Here "Messenger" refers to Muhammad (pbuh) and "you" are Muslims. Some of the Companions of the Messenger (pbuh) had died before change in qiblah. Their tribes came to the Prophet and said: Our brothers have died while praying toward the first qiblah. What will happen to our brothers now that Allah has directed you to pray toward the qiblah of Abraham (mean Kabah).	And thus we have made you a just community that you will be witnesses over the people and the Messenger will be a witness over you. And We did not make the qiblah which you used to face except that We might make evident who would follow the Messenger from who would turn back on his heels. And indeed, it is difficult except for those whom Allah has guided. And never would Allah have caused you to lose your faith. Indeed Allah is, to the people, Kind and Merciful.	2:143	और इसी प्रकार हमने तुम्हें बीच का एक उत्तम समुदाय बनाया है, ताकि तुम सारे मनुष्यों पर गवाह हो, और रसूल तुमपर गवाह हो। और जिस (क़िबले) पर तुम रहे हो उसे तो हमने केवल इसलिए क़िबला बनाया था कि जो लोग पीठ-पीछे फिर जानेवाले है, उनसे हम उनको अलग जान लें जो रसूल का अनुसरण करते है। और यह बात बहुत भारी (अप्रिय) है, किन्तु उन लोगों के लिए नहीं जिन्हें अल्लाह ने मार्ग दिखाया है। और अल्लाह ऐसा नहीं कि वह तुम्हारे ईमान को अकारथ कर दे, अल्लाह तो इनसानों के लिए अत्यन्त करूणामय, दयावान है	यहाँ "रसूल" से तात्पर्य मुहम्मद (स.) से है और "तुम" मुसलमान हैं। रसूल (स.) के कुछ साथी क़िब्ला बदलने के पहले मर चुके थे। उनके कबीले नबी के पास आए और कहा: हमारे भाई पहले क़िब्ला की दिशा में नमाज़ अदा करते हुए मर गए। अब जब अल्लाह ने आपको इब्राहीम (काबा) की क़िब्ला की ओर नमाज़ अदा करने का निर्देश दिया है, तो हमारे भाइयों का क्या होगा?

Qad nara taqalluba wajhika fee alssamai falanuwalliyannaka qiblatan tardaha fawalli wajhaka shatra almasjidi alharami wahaythu ma kuntum fawalloo wujoohakum shatrahu wainna allatheena ootoo alkitaba layaAAlamoona annahu alhaqqu min rabbihim wama Allahu bighafilin AAamma yaAAmaloona	Pickthall translates "Inviolable Place of Worship" instead of "al-Masjid-al-Haram". Believers means Muslims. **[This verse is regarding changing direction of prayer (Qibla) toward Mecca; If the people of scripture knew it is truth, they would have accepted Islam. It's a false allegation]**	We have certainly seen the turning of your face, [O Muhammad], toward the heaven, and We will surely turn you to a qiblah with which you will be pleased. So turn your face toward al-Masjid al-Haram. And wherever you [believers] are, turn your faces toward it [in prayer]. Indeed, those who have been given the Scripture well know that it is the truth from their Lord. And Allah is not unaware of what they do.	2:144	हम आकाश में तुम्हारे (रसूल) मुँह की गर्दिश देख रहे है, तो हम अवश्य ही तुम्हें उसी क़िबले का अधिकारी बना देंगे जिसे तुम पसन्द करते हो। अतः मस्जिदे हराम (काबा) की ओर अपना रूख़ करो। और जहाँ कहीं भी हो अपने मुँह उसी की ओर करो - निश्चय ही जिन लोगों को किताब मिली थी, वे भली-भाँति जानते है कि वही उनके रब की ओर से हक़ है, इसके बावजूद जो कुछ वे कर रहे है अल्लाह उससे बेखबर नहीं है	पिक्थल ने 'मस्जिद-अल-हरम' के बजाय 'अभेद्य पूजा स्थल' का अनुवाद किया है। **[यह आयत नमाज़ की दिशा (क़िबला) को मक्का की ओर बदलने के बारे में है; अगर किताब वाले जानते कि यह सत्य है, तो वे इस्लाम को स्वीकार कर लेते। यह एक झूठा आरोप है]**

Walain atayta allatheena ootoo alkitaba bikulli ayatin ma tabiAAoo qiblataka wama anta bitabiAAin qiblatahum wama baAAduhum bitabiAAin qiblata baAAdin walaini ittabaAAta ahwaahum min baAAdi ma jaaka mina alAAilmi innaka ithan lamina alththalimeena	There will be everlasting hostility betweem Muslims and Jews, also see Sahih Bukhari 2926; **[Contradiction: Although Christians have been given Scripture, they have no Qiblah means specific direction for prayer, only Jews have]**	And if you brought to those who were given the Scripture every sign, they would not follow your qiblah. Nor will you be a follower of their qiblah. Nor would they be followers of one another's qiblah. So if you were to follow their desires after what has come to you of knowledge, indeed, you would then be among the wrongdoers.	2:145	यदि तुम उन लोगों के पास, जिन्हें किताब दी गई थी, कोई भी निशानी ले आओ, फिर भी वे तुम्हारे क़िबले का अनुसरण नहीं करेंगे और तुम भी उसके क़िबले का अनुसरण करने वाले नहीं हो। और वे स्वयं परस्पर एक-दूसरे के क़िबले का अनुसरण करनेवाले नहीं हैं। और यदि तुमने उस ज्ञान के पश्चात, जो तुम्हारे पास आ चुका है, उनकी इच्छाओं का अनुसरण किया, तो निश्चय ही तुम्हारी गणना ज़ालिमों में होगी	मुसलमानों और यहूदियों के बीच हमेशा के लिए शत्रुता होगी, साथ ही देखें सहिह बुख़ारी 2926; **[विरोधाभास: हालांकि ईसाइयों को धर्मग्रंथ दिया गया है, उनके पास कोई किब्लाह नहीं है जिसका मतलब है प्रार्थना के लिए विशेष दिशा, केवल यहूदियों के पास है]**
Allatheena ataynahumu alkitaba yaAArifoonahu kama yaAArifoona abnaahum wainna fareeqan minhum layaktumoona alhaqqa wahum yaAAlamoona	Said 'Abd Allah ibn Salam: "I knew Allah's Messenger (pbuh) better than I knew my son. Because I bear witness that Muhammad is the Messenger of Allah truly but I cannot bear witness that my son is mine. **[If the people of scripture has conviction that Muhammad (pbuh) is a real Prophet, they would have accepted it. It's a false allegation.]**	Those to whom We gave the Scripture know him as they know their own sons. But indeed, a party of them conceal the truth while they know [it].	2:146	जिन लोगों को हमने किताब दी है वे उसे पहचानते है, जैसे अपने बेटों को पहचानते है और उनमें से कुछ सत्य को जान-बूझकर छिपा रहे हैं	अब्दुल्ला इब्न सलाम ने कहा: "मैं अल्लाह के रसूल (स.) को अपने बेटे से भी बेहतर जानता था। क्योंकि मैं गवाही देता हूँ कि मुहम्मद अल्लाह के रसूल हैं, वास्तव में, लेकिन मैं यह गवाही नहीं दे सकता कि मेरा बेटा मेरा है। **[अगर किताब वाले लोगों को यह विश्वास होता कि मुहम्मद (स.) एक असली नबी हैं, तो उन्होंने इसे स्वीकार कर लिया होता। यह एक झूठा आरोप है।]**

Alhaqqu min rabbika fala takoonanna mina almumtareena	**[Raising any suspicion is forbidden for Muslim.]**	The truth is from your Lord, so never be among the doubters.	2:147	सत्य तुम्हारे रब की ओर से है। अतः तुम सन्देह करनेवालों में से कदापि न होगा	**[किसी भी संदेह को उठाना मुसलमान के लिए मना है।]**
Walikullin wijhatun huwa muwalleeha faistabiqoo alkhayrati ayna ma takoonoo yati bikumu Allahu jameeAAan inna Allaha AAala kulli shayin qadeerun	**[Contradiction: Although Christians have been given Scripture, they have no Qiblah means specific direction for prayer, Also such a thing can not be claimed about all religions]**	For each [religious following] is a direction toward which it faces. So race to [all that is] good. Wherever you may be, Allah will bring you forth [for judgement] all together. Indeed, Allah is over all things competent.	2:148	प्रत्येक की एक ही दिशा है, वह उसी की ओर मुख किए हुए है, तो तुम भलाईयों में अग्रसरता दिखाओ। जहाँ कहीं भी तुम होगे अल्लाह तुम सबको एकत्र करेगा। निस्संदेह अल्लाह को हर चीज़ की सामर्थ्य प्राप्त है	**[विरोधाभास: हालांकि ईसाईयों को धर्मग्रंथ दिया गया है, उनके पास किसी विशेष प्रार्थना की दिशा (किब्लाह) नहीं है। इसके अलावा, ऐसी बात सभी धर्मों के बारे में नहीं कही जा सकती]**
Wamin haythu kharajta fawalli wajhaka shatra almasjidi alharami wainnahu lalhaqqu min rabbika wama Allahu bighafilin AAamma taAAmaloona	x	So from wherever you go out [for prayer, O Muhammad] turn your face toward al- Masjid al-Haram, and indeed, it is the truth from your Lord. And Allah is not unaware of what you do.	2:149	और जहाँ से भी तुम निकलों, 'मस्जिदे हराम' (काबा) की ओर अपना मुँह फेर लिया करो। निस्संदेह यही तुम्हारे रब की ओर से हक़ है। जो कुछ तुम करते हो, अल्लाह उससे बेख़बर नहीं है	x

Wamin haythu kharajta fawalli wajhaka shatra almasjidi alharami wahaythu ma kuntum fawalloo wujoohakum shatrahu lialla yakoona lilnnasi AAalaykum hujjatun illa allatheena thalamoo minhum fala takhshawhum waikhshawnee waliotimma niAAmatee AAalaykum walaAAallakum	**["And whenever you go out, turn your face" repetition from 2:149]**	And from wherever you go out [for prayer], turn your face toward al-Masjid al-Haram. And wherever you [believers] may be, turn your faces toward it in order that the people will not have any argument against you, except for those of them who commit wrong; so fear them not but fear Me. And [it is] so I may complete My favor upon you and that you may be guided.	2:150	जहाँ से भी तुम निकलो, 'मस्जिदे हराम' की ओर अपना मुँह फेर लिया करो, और जहाँ कहीं भी तुम हो उसी की ओर मुँह कर लिया करो, ताकि लोगों के पास तुम्हारे ख़िलाफ़ कोई हुज्जत बाक़ी न रहे - सिवाय उन लोगों के जो उनमें ज़ालिम हैं, तुम उनसे न डरो, मुझसे ही डरो - और ताकि मैं तुमपर अपनी नेमत पूरी कर दूँ, और ताकि तुम सीधी राह चलो	**“जहाँ से भी तुम निकलो” [2:149 से पुनरावृत्ति]**
Kama arsalna feekum rasoolan minkum yatloo AAalaykum ayatina wayuzakkeekum wayuAAallimukumu alkitaba waalhikmata wayuAAallimukum ma lam takoonoo	x	Just as We have sent among you a messenger from yourselves reciting to you Our verses and purifying you and teaching you the Book and wisdom and teaching you that which you did not know.	2:151	जैसाकि हमने तुम्हारे बीच एक रसूल तुम्हीं में से भेजा जो तुम्हें हमारी आयतें सुनाता है, तुम्हें निखारता है, और तुम्हें किताब और हिकमत (तत्वदर्शिता) की शिक्षा देता है और तुम्हें वह कुछ सिखाता है, जो तुम जानते न थे	x

Faothkuroonee athkurkum waoshkuroo lee wala takfurooni	**[Allah's concept is like a Human being.]**	So remember Me; I will remember you. And be grateful to Me and do not deny Me.	2:152	अतः तुम मुझे याद रखो, मैं भी तुम्हें याद रखूँगा। और मेरा आभार स्वीकार करते रहना, मेरे प्रति अकृतज्ञता न दिखलाना	**[अल्लाह की अवधारणा एक मनुष्य की तरह है।]**
Ya ayyuha allatheena amanoo istaAAeenoo bialssabri waalssalati inna Allaha maAAa	x	O you who have believed, seek help through patience and prayer. Indeed, Allah is with the patient.	2:153	ऐ ईमान लानेवालो! धैर्य और नमाज़ से मदद प्राप्त। करो। निस्संदेह अल्लाह उन लोगों के साथ है जो धैर्य और दृढ़ता से काम लेते है	x
Wala taqooloo liman yuqtalu fee sabeeli Allahi amwatun bal ahyaon walakin la tashAAuroona	This was revealed about those Muslims who were killed at Badr and people used to say “So-and-so has died and will miss all the comfort and pleasures of this worldly life”.	And do not say about those who are killed in the way of Allah, "They are dead." Rather, they are alive, but you perceive [it] not.	2:154	और जो लोग अल्लाह के मार्ग में मारे जाएँ उन्हें मुर्दा न कहो, बल्कि वे जीवित है, परन्तु तुम्हें एहसास नहीं होता	यह उन मुसलमानों के बारे में प्रकट हुआ जो बद्र में मारे गए थे और लोग कहते थे 'इस-इस की मौत हो गई और वह इस दुनिया की सभी आरामों और सुखों से वंचित रहेगा'।
Walanabluwannakum bishayin mina alkhawfi waaljooAAi wanaqsin mina alamwali waalanfusi waalththamarati wabashshiri	We = Allah, you = Muslims.	And We will surely test you with something of fear and hunger and a loss of wealth and lives and fruits, but give good tidings to the patient,	2:155	और हम अवश्य ही कुछ भय से, और कुछ भूख से, और कुछ जान-माल और पैदावार की कमी से तुम्हारी परीक्षा लेंगे। और धैर्य से काम लेनेवालों को शुभ-सूचना दे दो	हम = अल्लाह, तुम = मुसलमान।
Allatheena itha asabathum museebatun qaloo inna lillahi wainna ilayhi rajiAAoona	x	Who, when disaster strikes them, say, "Indeed we belong to Allah, and indeed to Him we will return."	2:156	जो लोग उस समय, जबकि उनपर कोई मुसीबत आती है, कहते है, "निस्संदेह हम अल्लाह ही के है और हम उसी की ओर लौटने वाले है।"	x

Olaika AAalayhim salawatun min rabbihim warahmatun waolaika humu	On Allah blessing for the believers, see 33:43 and 33:56. "Salwatun"	Those are the ones upon whom are blessings from their Lord and mercy. And it is those who are the [rightly] guided.	2:157	यही लोग है जिनपर उनके रब की विशेष कृपाएँ है और दयालुता भी; और यही लोग है जो सीधे मार्ग पर हैं	विश्वासियों के लिए अल्लाह की आशीर्वाद के बारे में देखें 33:43 और 33:56। "सलवातुम"
Inna alssafa waalmarwata min shaAAairi Allahi faman hajja albayta awi iAAtamara fala junaha AAalayhi an yattawwafa bihima waman tatawwaAAa khayran fainna Allaha shakirun AAaleemun	There was on al-Safa an idol of a man called Isaf, and on al-Marwah an idol of a woman called Na'ilah. People claimed that they had committed adultery in the Kabah and Allah turned them into two stones. But after a long time had passed, they were worshipped and people went in between them and used to stroke the two idols. When Islam came these idols were destroyed; however, the Muslims disliked going between al-Safa and al-Marwah. Then this verse was revealed. **[Many pre-Islamic practices was included into Islam after removing idols. See Sahih**	Indeed, as-Safa and al-Marwah are among the symbols of Allah. So whoever makes Hajj to the House or performs 'umrah - there is no blame upon him for walking between them. And whoever volunteers good - then indeed, Allah is appreciative and Knowing.	2:158	निस्संदेह सफ़ा और मरवा अल्लाह की विशेष निशानियों में से हैं; अतः जो इस घर (काबा) का हज या उमपा करे, उसके लिए इसमें कोई दोष नहीं कि वह इन दोनों (पहाडियों) के बीच फेरा लगाए। और जो कोई स्वेच्छा और रुचि से कोई भलाई का कार्य करे तो अल्लाह भी गुणग्राहक, सर्वज्ञ है	अल-सफ़ा पर एक आदमी इसफ़ की और अल-मरवह पर एक औरत नाइलाह की एक मूर्ति थी। लोगों ने दावा किया कि उन्होंने काबा में व्यभिचार किया और अल्लाह ने उन्हें दो पत्थरों में बदल दिया। लेकिन लंबा समय बीत जाने के बाद, उन दोनों की पूजा की जाने लगी और लोग उनके बीच जाते और उन दोनों मूर्तियों को सहलाया करते। जब इस्लाम आया, तो इन मूर्तियों को नष्ट कर दिया गया; हालांकि, मुसलमानों को अल-सफ़ा और अल-मरवह के बीच जाने में अरुचि हुई। फिर यह आयत उतरी। **[कई प्राचीन इस्लामी रीति-रिवाजों को मूर्तियों को हटा कर इस्लाम में शामिल किया गया। देखें सहिह बुख़ारी 1648]**

Inna allatheena yaktumoona ma anzalna mina albayyinati waalhuda min baAAdi ma bayyannahu lilnnasi fee alkitabi olaika yalAAanuhumu Allahu wayalAAanuhumu	This was revealed about the scholars of the people of the Book (Jews, Christians) and their concealment of the verse of stoning [the adulterers who are married] and the detail of Muhammad (pbuh) which was mentioned in their books. **[Whoelse has power to curse apart from Allah; Also does it suits an Almighthy God]**	Indeed, those who conceal what We sent down of clear proofs and guidance after We made it clear for the people in the Scripture - those are cursed by Allah and cursed by those who curse,	2:159	जो लोग हमारी उतारी हुई खुली निशानियों और मार्गदर्शन को छिपाते है, इसके बाद कि हम उन्हें लोगों के लिए किताब में स्पष्ट कर चुके है; वही है जिन्हें अल्लाह धिक्कारता है - और सभी धिक्कारने वाले भी उन्हें धिक्कारते है	यह यहूदियों और ईसाइयों (किताब के लोगों) के विद्वानों के बारे में प्रकट किया गया कि उन्होंने पत्थर मारने के आयत [जो विवाहित व्यभिचारियों के लिए है] और मोहम्मद (स.) का विवरण, जो उनकी किताबों में था, को छुपाया। **[अल्लाह के अलावा और किसे धिक्कारने (शाप देने) की शक्ति है; क्या यह सर्वशक्तिमान भगवान के अनुकूल है]**
Illa allatheena taboo waaslahoo wabayyanoo faolaika atoobu AAalayhim waana alttawwabu alrraheemu	x	Except for those who repent and correct themselves and make evident [what they concealed]. Those - I will accept their repentance, and I am the Accepting of repentance, the Merciful.	2:160	सिवाय उनके जिन्होंने तौबा कर ली और सुधार कर लिया, और साफ़-साफ़ बयान कर दिया, तो उनकी तौबा मैं क़बूल करूँगा; मैं बड़ा तौबा क़बूल करनेवाला, अत्यन्त दयावान हूँ	x
Inna allatheena kafaroo wamatoo wahum kuffarun olaika AAalayhim laAAnatu Allahi waalmalaikati waalnnasi ajmaAAeena	**[Again Allah and Angels are cursing. When Allah has created hell for wrong doers and will do Judgment on the doomsday, while He will bother to curse.]**	Indeed, those who disbelieve and die while they are disbelievers - upon them will be the curse of Allah and of the angels and the people, all together,	2:161	जिन लोगों ने कुफ़्र किया और काफ़िर (इनकार करनेवाले) ही रहकर मरे, वही हैं जिनपर अल्लाह की, फ़रिश्तों की और सारे मनुष्यों की, सबकी फिटकार है	**[फिर से अल्लाह और फ़रिश्ते श्राप दे रहे हैं। जब अल्लाह ने काफ़िरों के लिए नरक बनाया है और क़यामत के दिन फ़ैसला करेगा, तो वह श्राप क्यों दे रहा है।]**
Khalideena feeha la yukhaffafu AAanhumu alAAathabu wala hum yuntharoona	Addressing people of the Book (Jews, Christians).	Abiding eternally therein. The punishment will not be lightened for them, nor will they be reprieved.	2:162	इसी दशा में वे सदैव रहेंगे, न उनकी यातना हल्की की जाएगी और न उन्हें मुहलत ही मिलेगी	किताब वाले लोगों (यहूदी, ईसाई) को संबोधित।

Wailahukum ilahun wahidun la ilaha illa huwa alrrahmanu alrraheemu	**[However, Islam even does not accepts people who worship one God, citing some reasons like not believing in Muhammad (pbuh) or adding new practices in Religion; Also God is formless and can not be counted.]**	And your god is one God. There is no deity [worthy of worship] except Him, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.	2:163	तुम्हारा पूज्य-प्रभु अकेला पूज्य-प्रभु है, उस कृपाशील और दयावान के अतिरिक्त कोई पूज्य-प्रभु नहीं	[हालांकि, इस्लाम उन लोगों को भी स्वीकार नहीं करता जो एक ईश्वर की पूजा करते हैं, कुछ कारणों का हवाला देते हुए जैसे कि मुहम्मद (स.) में विश्वास न करना या धर्म में नई प्रथाओं को जोड़ना; साथ ही ईश्वर निराकार है और गिना नहीं जा सकता।]
Inna fee khalqi alssamawati waalardi waikhtilafi allayli waalnnahari waalfulki allatee tajree fee albahri bima yanfaAAu alnnasa wama anzala Allahu mina alssamai min main faahya bihi alarda baAAda mawtiha wabaththa feeha min kulli dabbatin watasreefi alrriyahi waalssahabi almusakhkhari bayna alssamai waalardi laayatin liqawmin yaAAqiloona	When verse [2:163] was revealed, the pagan Quraysh in Mecca remarked: "How can one Allah suffice for all people?" In response, this verse was sent down. **[Of course, all natural phenomena are manifestations of the Almighty God, but they are governed by laws that He has established. Descriptions such as "He sends rain from heaven" or "He directs the winds" do not literally suit His transcendent nature. Furthermore, any claim made in the name of God must undergo rigorous scrutiny, and no one should be compelled to believe anything solely on that basis.]**	Indeed, in the creation of the heavens and earth, and the alternation of the night and the day, and the [great] ships which sail through the sea with that which benefits people, and what Allah has sent down from the heavens of rain, giving life thereby to the earth after its lifelessness and dispersing therein every [kind of] moving creature, and [His] directing of the winds and the clouds controlled between the heaven and the earth are signs for a people who use reason.	2:164	निस्संदेह आकाशों और धरती की संरचना में, और रात और दिन की अदला-बदली में, और उन नौकाओं में जो लोगों की लाभप्रद चीज़े लेकर समुद्र (और नदी) में चलती है, और उस पानी में जिसे अल्लाह ने आकाश से उतारा, फिर जिसके द्वारा धरती को उसके निर्जीव हो जाने के पश्चात जीवित किया और उसमें हर एक (प्रकार के) जीवधारी को फैलाया और हवाओं को गर्दिश देने में और उन बादलों में जो आकाश और धरती के बीच (काम पर) नियुक्त होते है, उन लोगों के लिए कितनी ही निशानियाँ है जो बुद्धि से काम लें	जब आयत [2:163] को नाज़िल किया गया, तो मक्का के मूर्तिपूजक कुरैश ने कहा: "सभी लोगों के लिए केवल एक अल्लाह कैसे पर्याप्त हो सकता है?" इसके जवाब में यह आयत नाज़िल की गई। **[बेशक, सभी प्राकृतिक घटनाएँ सर्वशक्तिमान ईश्वर की अभिव्यक्तियाँ हैं, लेकिन वे उन कानूनों द्वारा संचालित होती हैं जो उन्होंने स्थापित किए हैं। "वह आसमान से बारिश भेजता है" या "वह हवाओं को निर्देशित करता है" जैसी व्याख्याएँ उनके पारलौकिक स्वभाव के लिए सीधे तौर पर उपयुक्त नहीं हैं। इसके अतिरिक्त, भगवान के नाम पर किया गया कोई भी दावा कड़े परीक्षण से गुजरना चाहिए, और किसी को केवल ईश्वर आधार पर कुछ मानने के लिए बाध्य नहीं किया जाना चाहिए।]**

Wamina alnnasi man yattakhithu min dooni Allahi andadan yuhibboonahum kahubbi Allahi waallatheena amanoo ashaddu hubban lillahi walaw yara allatheena thalamoo ith yarawna alAAathaba anna alquwwata lillahi jameeAAan waanna Allaha shadeedu alAAathabi	**[Most of people worship idols or other dieties as a manifestation of God or as forms of God not as His equals. If you discuss with them, they will explain. For example, Muslims believe Prophet Muhammad is beloved of Allah despite of being a Human being and Allah will listen to him, similiarly other faith have their dieties.]**	And [yet], among the people are those who take other than Allah as equals [to Him]. They love them as they [should] love Allah. But those who believe are stronger in love for Allah. And if only they who have wronged would consider [that] when they see the punishment, [they will be certain] that all power belongs to Allah and that Allah is severe in punishment.	2:165	कुछ लोग ऐसे भी है जो अल्लाह से हटकर दूसरों को उसके समकक्ष ठहराते है, उनसे ऐसा प्रेम करते है जैसा अल्लाह से प्रेम करना चाहिए। और कुछ ईमानवाले है उन्हें सबसे बढ़कर अल्लाह से प्रेम होता है। और ये अत्याचारी (बहुदेववादी) जबकि यातना देखते है, यदि इस तथ्य को जान लेते कि शक्ति सारी की सारी अल्लाह ही को प्राप्त हो और यह कि अल्लाह अत्यन्त कठोर यातना देनेवाला है (तो इनकी नीति कुछ और होती)	**[ज्यादातर लोग मूर्तियों या अन्य देवताओं की पूजा इस विश्वास से करते हैं कि वे भगवान का प्रतीक या उसके रूप हैं, न कि उसके बराबर। अगर आप उनसे बातचीत करेंगे, तो वे समझाएंगे। उदाहरण के लिए, मुसलमान यह मानते हैं कि पैगंबर मोहम्मद अल्लाह के प्रिय हैं, भले ही वे एक मानव हैं, और अल्लाह उनकी सुनेंगे। इसी प्रकार अन्य धर्मों में भी उनके देवता होते हैं।]**
Ith tabarraa allatheena ittubiAAoo mina allatheena ittabaAAoo waraawoo alAAathaba wataqattaAAat	**[Quran says that the false dieties does not exist, then who will dissociate; Contradiction: Does false dieties exist: Don't 10:18, 12:40, 17:42, 21:22, 53:23; Yes, 2:166, 7:194, 16:86, 18:51, 21:43, 25:17, 26:98]**	[And they should consider that] when those who have been followed disassociate themselves from those who followed [them], and they [all] see the punishment, and cut off from them are the ties [of relationship],	2:166	जब वे लोग जिनके पीछे वे चलते थे, यातना को देखकर अपने अनुयायियों से विरक्त हो जाएँगे और उनके सम्बन्ध और सम्पर्क टूट जाएँगे	**[कुरान कहता है कि झूठे देवता नहीं हैं, तो कौन अलग होगा; विरोधाभास: क्या झूठे देवता होते हैं: नहीं 10:18, 12:40, 17:42, 21:22, 53:23; हाँ, 2:166, 7:194, 16:86, 18:51, 21:43, 21:99]**

Waqala allatheena ittabaAAoo law anna lana karratan fanatabarraa minhum kama tabarraoo minna kathalika yureehimu Allahu aAAmalahum hasaratin AAalayhim wama hum bikharijeena	Allah's eternal punishments will move the sinners to repent (see 2:7, 2:10, 2:165). **[Contradiction: Quran also says that the disbelivers are so stubborn that even if they will be send back to earth, they will again disbelieve, 6:27-28.]**	Those who followed will say, "If only we had another turn [at worldly life] so we could disassociate ourselves from them as they have disassociated themselves from us." Thus will Allah show them their deeds as regrets upon them. And they are never to emerge from the Fire.	2:167	वे लोग जो उनके पीछे चले थे कहेंगे, "काश! हमें एक बार (फिर संसार में लौटना होता तो जिस तरह आज ये हमसे विरक्त हो रहे हैं, हम भी इनसे विरक्त हो जाते।" इस प्रकार अल्लाह उनके लिए संताप बनाकर उन्हें कर्म दिखाएगा और वे आग (जहन्नम) से निकल न सकेंगे	अल्लाह की शाश्वत सज़ाएँ पापियों को पश्चाताप करने के लिए प्रेरित करेंगी (देखें 2:7, 2:10, 2:165)। **[विरोधाभास: क़ुरआन यह भी कहता है कि अविश्वासी इतने ज़िद्दी हैं कि यदि उन्हें पृथ्वी पर वापस फिर भेजा जाए, तो भी वे फिर से अविश्वास करेंगे, 6:27-28]**
Ya ayyuha alnnasu kuloo mimma fee alardi halalan tayyiban wala tattabiAAoo khutuwati alshshaytani innahu lakum AAaduwwun mubeenun	This was revealed about some arab tribes who forbade themselves certain foods and meats (meat of some camels according to pagan traditions).	O mankind, eat from whatever is on earth [that is] lawful and good and do not follow the footsteps of Satan. Indeed, he is to you a clear enemy.	2:168	ऐ लोगों! धरती में जो हलाल और अच्छी-सुथरी चीज़ें हैं उन्हें खाओ और शैतान के पदचिन्हों पर न चलो। निस्संदेह वह तुम्हारा खुला शत्रु है	यह कुछ बहुदेववादी क़बीलों के बारे में प्रकट हुआ जिन्होंने खुद को कुछ खाद्य और मांस से मना कर लिया था (कुछ ऊँट के मांस को मूर्तिपूजा परंपराओं के अनुसार)।
Innama yamurukum bialssooi waalfahshai waan taqooloo AAala Allahi ma la	Refering to Shaytan **[But there is no proof that such creature exists.]**	He only orders you to evil and immorality and to say about Allah what you do not know.	2:169	वह तो बस तुम्हें बुराई और अश्लीलता पर उकसाता है और इसपर कि तुम अल्लाह पर थोपकर वे बातें कहो जो तुम नहीं जानते	शैतान का उल्लेख किया गया **[लेकिन इसका कोई प्रमाण नहीं है कि ऐसा कोई प्राणी मौजूद है।]**

Waitha qeela lahumu ittabiAAoo ma anzala Allahu qaloo bal nattabiAAu ma alfayna AAalayhi abaana awalaw kana abaohum la yaAAqiloona shayan wala yahtadoona	x	And when it is said to them, "Follow what Allah has revealed," they say, "Rather, we will follow that which we found our fathers doing." Even though their fathers understood nothing, nor were they guided?	2:170	और जब उनसे कहा जाता है, "अल्लाह ने जो कुछ उतारा है उसका अनुसरण करो।" तो कहते है, "नहीं बल्कि हम तो उसका अनुसरण करेंगे जिसपर हमने अपने बाप-दादा को पाया है।" क्या उस दशा में भी जबकि उनके बाप-दादा कुछ भी बुद्धि से काम न लेते रहे हों और न सीधे मार्ग पर रहे हों?	x
Wamathalu allatheena kafaroo kamathali allathee yanAAiqu bima la yasmaAAu illa duAAaan wanidaan summun bukmun AAumyun fahum la yaAAqiloona	**[Very bad words for people who follow other religions, While in some places Quran says not to insult others.]**	The example of those who disbelieve is like that of one who shouts at what hears nothing but calls and cries cattle or sheep - deaf, dumb and blind, so they do not understand.	2:171	इन इनकार करनेवालों की मिसाल ऐसी है जैसे कोई ऐसी चीज़ों को पुकारे जो पुकार और आवाज़ के सिवा कुछ न सुनती और समझती हो। ये बहरे हैं, गूँगें हैं, अन्धें हैं; इसलिए ये कुछ भी नहीं समझ सकते	**[अन्य धर्मों का पालन करने वाले लोगों के लिए बहुत बुरी बातें, जबकि कुछ जगहों पर कुरान दूसरों का अपमान न करने के लिए कहता है।]**
Ya ayyuha allatheena amanoo kuloo min tayyibati ma razaqnakum waoshkuroo lillahi in kuntum iyyahu taAAbudoona	x	O you who have believed, eat from the good things which We have provided for you and be grateful to Allah if it is [indeed] Him that you worship.	2:172	ऐ ईमान लानेवालो! जो अच्छी-सुथरी चीज़ें हमने तुम्हें प्रदान की हैं उनमें से खाओ और अल्लाह के आगे कृतज्ञता दिखलाओ, यदि तुम उसी की बन्दगी करते हो	x

Innama harrama AAalaykumu almaytata waalddama walahma alkhinzeeri wama ohilla bihi lighayri Allahi famani idturra ghayra baghin wala AAadin fala ithma AAalayhi inna Allaha ghafoorun raheemun	**[Although Quran forbids only four types of meats, Muslims follow hadith to decide which meat to be eaten, because there are so many options available. Also meat of Donkey was forbidden later on at the time of Siege of Khyber; Same thing repeated thrice: 6:145, 2:173, 16:115; Meat-law verses: 2:173, 5:1 (grazing livestock, 5:3, 5:5 (food of Jew, christians), 5:96 (seafood), 6:118-121, 6:145, 16:115, 22:34, 22:36]**	He has only forbidden to you dead animals, blood, the flesh of swine, and that which has been dedicated to other than Allah. But whoever is forced [by necessity], neither desiring [it] nor transgressing [its limit], there is no sin upon him. Indeed, Allah is Forgiving and Merciful.	2:173	उसने तो तुमपर केवल मुर्दार और ख़ून और सूअर का माँस और जिस पर अल्लाह के अतिरिक्त किसी और का नाम लिया गया हो, हराम ठहराया है। इसपर भी जो बहुत मजबूर और विवश हो जाए, वह अवज्ञा करनेवाला न हो और न सीमा से आगे बढ़नेवाला हो तो उसपर कोई गुनाह नहीं। निस्संदेह अल्लाह अत्यन्त क्षमाशील, दयावान है	**[हालाँकि कुरआन केवल चार प्रकार के मांस को ही मना करता है, मुस्लिम यह तय करने के लिए हदीस का पालन करते हैं कि कौन सा मांस खाया जाए, क्योंकि कई विकल्प उपलब्ध हैं। साथ ही गधे का मांस बाद में खैबर की घेराबंदी के समय मना कर दिया गया था; यही बात तीन बार दोहराई गई: 2:173, 6:145, 16:115; मांस-सम्बन्धी आयतें: 2:173, 5:1 (चरने वाले चौपाये), 5:3, 5:5 (यहूदियों और ईसाइयों का भोजन), 5:96 (समुद्री भोजन), 6:118–121, 6:145, 16:115, 22:34, 22:36]**
Inna allatheena yaktumoona ma anzala Allahu mina alkitabi wayashtaroona bihi thamanan qaleelan olaika ma yakuloona fee butoonihim illa alnnara wala yukallimuhumu Allahu yawma alqiyamati wala yuzakkeehim walahum	This was revealed about the leaders and doctors of the Jews. They changed the traits of Muhammad (pbuh) in Torah for the fear of losing income. When ordinary jews looked at the changed traits, they found them different than those of Muhammad, and so they did not believe in him.**[Speaking with humans show that Allah has human characterstics.]**	Indeed, they who conceal what Allah has sent down of the Book and exchange it for a small price - those consume not into their bellies except the Fire. And Allah will not speak to them on the Day of Resurrection, nor will He purify them. And they will have a painful punishment.	2:174	जो लोग उस चीज़ को छिपाते है जो अल्लाह ने अपनी किताब में से उतारी है और उसके बदले थोड़े मूल्य का सौदा करते है, वे तो बस आग खाकर अपने पेट भर रहे है; और क़ियामत के दिन अल्लाह न तो उनसे बात करेगा और न उन्हें निखारेगा; और उनके लिए दुखद यातना है	यह यहूदियों के नेताओं और विद्वानों के बारे में प्रकट किया गया था। उन्होंने आय खोने के डर से तोराह में मुःम्मद (स.) के गुण बदल दिए। जब आम यहूदी बदले हुए गुणों को देखते थे, तो उन्हें मुःम्मद के गुणों से अलग पाए और इसलिए उन्होंने उन पर विश्वास नहीं किया। **[मानवों से बात करना दिखाता है कि अल्लाह में मानवीय गुण हैं।]**

Olaika allatheena ishtarawoo alddalalata bialhuda waalAAathaba bialmaghfirati fama asbarahum AAala alnnari	Referrring to Jews.	Those are the ones who have exchanged guidance for error and forgiveness for punishment. How patient they are in pursuit of the Fire!	2:175	यहीं लोग हैं जिन्होंने मार्गदर्शन के बदले पथभ्रष्टका मोल ली; और क्षमा के बदले यातना के ग्राहक बने। तो आग को सहन करने के लिए उनका उत्साह कितना बढ़ा हुआ है!	यहूदियों का उल्लेख करते हुए।
Thalika bianna Allaha nazzala alkitaba bialhaqqi wainna allatheena ikhtalafoo fee alkitabi lafee shiqaqin baAAeedin	x	That is [deserved by them] because Allah has sent down the Book in truth. And indeed, those who differ over the Book are in extreme dissension.	2:176	वह (यातना) इसलिए होगी कि अल्लाह ने तो हक़ के साथ किताब उतारी, किन्तु जिन लोगों ने किताब के मामले में विभेद किया वे हठ और विरोध में बहुत दूर निकल गए	x

Laysa albirra an tuwalloo wujoohakum qibala almashriqi waalmaghribi walakinna albirra man amana biAllahi waalyawmi alakhiri waalmalaikati waalkitabi waalnnabiyyeena waata almala AAala hubbihi thawee alqurba waalyatama waalmasakeena waibna alssabeeli waalssaileena wafee alrriqabi waaqama alssalata waata alzzakata waalmoofoona biAAahdihim itha AAahadoo waalssabireena fee albasai waalddarrai waheena albasi	A man asked the Prophet (pbuh) about righteousness, this verse was revealed. **[Regarding promise 2:177 is abrogated by verse 5:89: Grammer mistakes: aaman should be tu'minuu, aata should be tu'tuu (2 times), aqaama should be tuqimuu, sasbriina should be saabiruuna]**	Righteousness is not that you turn your faces toward the east or the west, but [true] righteousness is [in] one who believes in Allah, the Last Day, the angels, the Book, and the prophets and gives wealth, in spite of love for it, to relatives, orphans, the needy, the traveler, those who ask [for help], and for freeing slaves; [and who] establishes prayer and gives zakah; [those who] fulfill their promise when they promise; and [those who] are patient in poverty and hardship and during battle. Those are the ones who have been true, and it is those who are the righteous.	2:177	नेकी केवल यह नहीं है कि तुम अपने मुँह पूरब और पश्चिम की ओर कर लो, बल्कि नेकी तो उसकी नेकी है जो अल्लाह अन्तिम दिन, फ़रिश्तों, किताब और नबियों पर ईमान लाया और माल, उसके प्रति प्रेम के बावजूद नातेदारों, अनाथों, मुहताजों, मुसाफ़िरों और माँगनेवालों को दिया और गर्दनें छुड़ाने में भी, और नमाज़ क़ायम की और ज़कात दी और अपने वचन को ऐसे लोग पूरा करनेवाले है जब वचन दें; और तंगी और विशेष रूप से शारीरिक कष्टों में और लड़ाई के समय में जमनेवाले हैं, तो ऐसे ही लोग है जो सच्चे सिद्ध हुए और वही लोग डर रखनेवाले हैं	एक आदमी ने पैगंबर (स.) से धर्मपरायणता के बारे में पूछा, यह आयत प्रकट हुई। **[वादे के संबंध में 2:177 आयत 5:89 द्वारा निरस्त की गई है: व्याकरण की गलतियाँ: आमान को तू'मिनू होना चाहिए, आता को तू'तू होना चाहिए (2 बार), अक़ामा को तुक़ीमू होना चाहिए, सस्बिरीना को साबिरून्ना होना चाहिए]**

Ya ayyuha allatheena amanoo kutiba AAalaykumu alqisasu fee alqatla alhurru bialhurri waalAAabdu bialAAabdi waalontha bialontha faman AAufiya lahu min akheehi shayon faittibaAAun bialmaAAroofi waadaon ilayhi biihsanin thalika takhfeefun min rabbikum warahmatun famani iAAtada baAAda thalika falahu AAathabun aleemun	Fighting took place between two Arab tribes. One tribe had more power than the other and, therefore, they said: 'For every slave of ours that you kill, we will kill a free man of yours, and for every woman of ours a man of yours'. And then this verse was revealed. **[This verse is very illogical which mean if a person has killed someone's wife, then his wife should be killed; Verse 2:178 abrogated by 5:45 (Life for life); Also rich man can escape death penality by paying blood-money]**	O you who have believed, prescribed for you is legal retribution for those murdered - the free for the free, the slave for the slave, and the female for the female. But whoever overlooks from his brother anything, then there should be a suitable follow-up and payment to him with good conduct. This is an alleviation from your Lord and a mercy. But whoever transgresses after that will have a painful punishment.	2:178	ऐ ईमान लानेवालो! मारे जानेवालों के विषय में हत्यादंड (क़िसास) तुमपर अनिवार्य किया गया, स्वतंत्र-स्वतंत्र बराबर है और ग़ुलाम-ग़ुलाम बराबर है और औरत-औरत बराबर है। फिर यदि किसी को उसके भाई की ओर से कुछ छूट मिल जाए तो सामान्य रीति का पालन करना चाहिए; और भले तरीके से उसे अदा करना चाहिए। यह तुम्हारें रब की ओर से एक छूट और दयालुता है। फिर इसके बाद भो जो ज़्यादती करे तो उसके लिए दुखद यातना है	दो अरब जनजातियों के बीच लड़ाई हुई। एक जनजाति दूसरी से अधिक ताकतवर थी और इसलिए उन्होंने कहा: "हमारे हर गुलाम की हत्या के बदले, हम तुम्हारे एक आज़ाद आदमी की हत्या करेंगे, और हमारे हर महिला के बदले तुम्हारे एक पुरुष की।" और फिर यह आयत नाज़िल हुई। **[यह आयत बहुत ही तर्कहीन है, जिसका मतलब यह है कि यदि किसी ने किसी की पत्नी को मारा, तो उसकी पत्नी को मार दिया जाना चाहिए; आयत 2:178 को 5:45 द्वारा निरस्त किया गया (जीवन के बदले जीवन); साथ ही, एक अमीर व्यक्ति रक्त-मूल्य देकर मृत्यु-दंड से बच सकता है।]**
Walakum fee alqisasi hayatun ya olee alalbabi laAAallakum tattaqoona	x	And there is for you in legal retribution [saving of] life, O you [people] of understanding, that you may become righteous.	2:179	ऐ बुद्धि और समझवालों! तुम्हारे लिए हत्यादंड (क़िसास) में जीवन है, ताकि तुम बचो	x

Kutiba AAalaykum itha hadara ahadakumu almawtu in taraka khayran alwasiyyatu lilwalidayni waalaqrabeena bialmaAAroofi haqqan AAala almuttaqeena	**[This verse was later modified by other verses of inheritence, 4:11, 4:12, 4:176; In Islamic Sharia property is divided as per Quran, Will of person has limited role (maximum upto one third)]**	Prescribed for you when death approaches [any] one of you if he leaves wealth [is that he should make] a bequest for the parents and near relatives according to what is acceptable - a duty upon the righteous.	2:180	जब तुममें से किसी की मृत्यु का समय आ जाए, यदि वह कुछ माल छोड़ रहा हो, तो माँ-बाप और नातेदारों को भलाई की वसीयत करना तुमपर अनिवार्य किया गया। यह हक़ है डर रखनेवालों पर	**[इस आयत को बाद में विरासत से संबंधित अन्य आयतों द्वारा संशोधित किया गया, 4:11, 4:12, 4:176; शरीअत में विरासत का बँटवारा मूल रूप से कुरआनी नियमों के अनुसार होता है; वसीयत की भूमिका सीमित (अधिकतम एक-तिहाई) होती है।]**
Faman baddalahu baAAdama samiAAahu fainnama ithmuhu AAala allatheena yubaddiloonahu inna Allaha sameeAAun	x	Then whoever alters the bequest after he has heard it - the sin is only upon those who have altered it. Indeed, Allah is Hearing and Knowing.	2:181	तो जो कोई उसके सुनने के पश्चात उसे बदल डाले तो उसका गुनाह उन्हीं लोगों पर होगा जो इसे बदलेंगे। निस्संदेह अल्लाह सब कुछ सुननेवाला और जाननेवाला है	x
Faman khafa min moosin janafan aw ithman faaslaha baynahum fala ithma AAalayhi inna Allaha ghafoorun raheemun	x	But if one fears from the bequeather [some] error or sin and corrects that which is between them, there is no sin upon him. Indeed, Allah is Forgiving and Merciful.	2:182	फिर जिस किसी वसीयत करनेवाले को न्याय से किसी प्रकार के हटने या हक़ मारने की आशंका हो, इस कारण उनके (वारिसों के) बीच सुधार की व्यवस्था कर दें, तो उसपर कोई गुनाह नहीं। निस्संदेह अल्लाह क्षमाशील, अत्यन्त दयावान है	x

Ya ayyuha allatheena amanoo kutiba AAalaykumu alssiyamu kama kutiba AAala allatheena min qablikum laAAallakum tattaqoona	"Before you" - not mentioned, may be Jews.	O you who have believed, decreed upon you is fasting as it was decreed upon those before you that you may become righteous -	2:183	ऐ ईमान लानेवालो! तुमपर रोज़े अनिवार्य किए गए, जिस प्रकार तुमसे पहले के लोगों पर किए गए थे, ताकि तुम डर रखनेवाले बन जाओ	“तुमसे पहले” – इसका स्पष्ट उल्लेख नहीं है, संभवतः इसका संकेत यहूदियों की ओर हो सकता है।
Ayyaman maAAdoodatin faman kana minkum mareedan aw AAala safarin faAAiddatun min ayyamin okhara waAAala allatheena yuteeqoonahu fidyatun taAAamu miskeenin faman tatawwaAAa khayran fahuwa khayrun lahu waan tasoomoo khayrun lakum in kuntum taAAlamoona	Fasting law: 2:183-187, Expiation / other fasting mentions: 4:92, 5:89, 5:95, 19:26, 33:35, 58:4 **[(Those able to fast, but with hardship, a ransom of feeding poor) is abrogated]**	[Fasting for] a limited number of days. So whoever among you is ill or on a journey [during them] - then an equal number of days [are to be made up]. And upon those who are able [to fast, but with hardship] - a ransom [as substitute] of feeding a poor person [each day]. And whoever volunteers excess - it is better for him. But to fast is best for you, if you only knew.	2:184	गिनती के कुछ दिनों के लिए - इसपर भी तुममें कोई बीमार हो, या सफ़र में हो तो दूसरे दिनों में संख्या पूरी कर ले। और जिन (बीमार और मुसाफ़िरों) को इसकी (मुहताजों को खिलाने की) सामर्थ्य हो, उनके ज़िम्मे बदलें में एक मुहताज का खाना है। फिर जो अपनी ख़ुशी से कुछ और नेकी करे तो यह उसी के लिए अच्छा है और यह कि तुम रोज़ा रखो तो तुम्हारे लिए अधिक उत्तम है, यदि तुम जानो	रोज़े का क़ानून: 2:183–187, कफ़्फ़ारा / अन्य रोज़े के उल्लेख: 4:92, 5:89, 5:95, 19:26, 33:35, 58:4 **[(मुहताजों को खाना खिलाकर फ़िद्या देने का प्रावधान था) इसे बाद में निरस्त कर दिया गया।]**

Shahru ramadana allathee onzila feehi alquranu hudan lilnnasi wabayyinatin mina alhuda waalfurqani faman shahida minkumu alshshahra falyasumhu waman kana mareedan aw AAala safarin faAAiddatun min ayyamin okhara yureedu Allahu bikumu alyusra wala yureedu bikumu alAAusra walitukmiloo alAAiddata walitukabbiroo Allaha AAala ma hadakum walaAAallakum tashkuroona	**[Contradiction: Quran was revealed gradually over periord of 23 years not in a particular month.]**	The month of Ramadhan [is that] in which was revealed the Qur'an, a guidance for the people and clear proofs of guidance and criterion. So whoever sights [the new moon of] the month, let him fast it; and whoever is ill or on a journey - then an equal number of other days. Allah intends for you ease and does not intend for you hardship and [wants] for you to complete the period and to glorify Allah for that [to] which He has guided you; and perhaps you will be grateful.	2:185	रमज़ान का महीना जिसमें कुरआन उतारा गया लोगों के मार्गदर्शन के लिए, और मार्गदर्शन और सत्य-असत्य के अन्तर के प्रमाणों के साथा। अतः तुममें जो कोई इस महीने में मौजूद हो उसे चाहिए कि उसके रोज़े रखे और जो बीमार हो या सफ़र में हो तो दूसरे दिनों में गिनती पूरी कर ले। अल्लाह तुम्हारे साथ आसानी चाहता है, वह तुम्हारे साथ सख़्ती और कठिनाई नहीं चाहता, (वह तुम्हारे लिए आसानी पैदा कर रहा है) और चाहता है कि तुम संख्या पूरी कर लो और जो सीधा मार्ग तुम्हें दिखाया गया है, उस पर अल्लाह की बड़ाई प्रकट करो और ताकि तुम कृतज्ञ बनो	**[विरोधाभास: क़ुरआन किसी एक विशेष महीने में नहीं, बल्कि लगभग 23 वर्षों की अवधि में धीरे-धीरे अवतरित हुआ।]**

Waitha saalaka AAibadee AAannee fainnee qareebun ojeebu daAAwata alddaAAi itha daAAani falyastajeeboo lee walyuminoo bee laAAallahum yarshudoona	**[If Allah responds to invocations, then how things can be predestined; Many Islamic Scholars say Allah is at 7th heaven]**	And when My servants ask you, [O Muhammad], concerning Me - indeed I am near. I respond to the invocation of the supplicant when he calls upon Me. So let them respond to Me [by obedience] and believe in Me that they may be	2:186	और जब तुमसे मेरे बन्दे मेरे सम्बन्ध में पूछें, तो मैं तो निकट ही हूँ, पुकार का उत्तर देता हूँ, जब वह मुझे पुकारता है, तो उन्हें चाहिए कि वे मेरा हुक्म मानें और मुझपर ईमान रखें, ताकि वे सीधा मार्ग पा लें	**[यदि अल्लाह दुआओं का उत्तर देता है, तो फिर चीज़ें पूर्वनियोजित (तक़दीर) कैसे हो सकती हैं? कई इस्लामी विद्वान कहते हैं कि अल्लाह सातवें आसमान पर है।]**

Ohilla lakum laylata alssiyami alrrafathu ila nisaikum hunna libasun lakum waantum libasun lahunna AAalima Allahu annakum kuntum takhtanoona anfusakum fataba AAalaykum waAAafa AAankum faalana bashiroohunna waibtaghoo ma kataba Allahu lakum wakuloo waishraboo hatta yatabayyana lakumu alkhaytu alabyadu mina alkhayti alaswadi mina alfajri thumma atimmoo alssiyama ila allayli wala tubashiroohunna waantum AAakifoona fee	At the beginning of the prescription of fasting, one used to fast from the night to the following night. Once one went to sleep, one could not touch one's wife or eat. That was until Umar (and some others) went to their wives and slept with them. Sirma ibn Anas once slept he could not eat or drink and fainted next day. Then this verse was revealed; "dont have relations ....in the mosque" was a prohibition pertaining to one who used to leave [the mosque], whilst in a state of itikaaf, have sexual intercourse with his wife, and then return. **[Problem of observing ramadhan in polar regions where there is day for 6 month and night for 6 month.]**	It has been made permissible for you the night preceding fasting to go to your wives [for sexual relations]. They are clothing for you and you are clothing for them. Allah knows that you used to deceive yourselves, so He accepted your repentance and forgave you. So now, have relations with them and seek that which Allah has decreed for you. And eat and drink until the white thread of dawn becomes distinct to you from the black thread [of night]. Then complete the fast until the sunset. And do not have relations with them as long as you are staying for worship in the mosques. These are the limits [set by] Allah, so do	2:187	तुम्हारे लिए रोज़ों की रातों में अपनी औरतों के पास जाना जायज़ (वैध) हुआ। वे तुम्हारे परिधान (लिबास) हैं और तुम उनका परिधान हो। अल्लाह को मालूम हो गया कि तुम लोग अपने-आपसे कपट कर रहे थे, तो उसने तुमपर कृपा की और तुम्हें क्षमा कर दिया। तो अब तुम उनसे मिलो-जुलो और अल्लाह ने जो कुछ तुम्हारे लिए लिख रखा है, उसे तलब करो। और खाओ और पियो यहाँ तक कि तुम्हें उषाकाल की सफ़ेद धारी (रात की) काली धारी से स्पष्टा दिखाई दे जाए। फिर रात तक रोज़ा पूरा करो और जब तुम मस्जिदों में 'एतकाफ़' की हालत में हो, तो तुम उनसे न मिलो। ये अल्लाह की सीमाएँ हैं। अतः इनके निकट न जाना। इस प्रकार अल्लाह अपनी आयतें लोगों के लिए खोल-	रोज़े के आदेश की शुरुआत में व्यक्ति रात से लेकर अगली रात तक रोज़ा रखता था। यदि कोई सो जाता, तो उसके बाद वह न तो अपनी पत्नी के पास जा सकता था और न ही कुछ खा-पी सकता था। यह स्थिति तब तक रही जब तक उमर (और कुछ अन्य लोग) अपनी पत्नियों के पास गए और उनके साथ सोए। सिरमा इब्न अनस एक बार सो गए, इसलिए वे खा-पी न सके, और अगले दिन बेहोश हो गए। इसके बाद यह आयत अवतरित हुई। "मस्जिदों में (एतकाफ़ की अवस्था में) अपनी पत्नियों से संबंध न बनाओ"— यह निषेध उन लोगों के लिए था जो एतिकाफ़ की हालत में मस्जिद से निकलकर अपनी पत्नी से संबंध बनाते थे और फिर वापस आ जाते थे। **[ध्रुवीय क्षेत्रों में रमज़ान के रोज़े रखने की समस्या, जहाँ छह महीने दिन और छह महीने रात रहती है।]**

Wala takuloo amwalakum baynakum bialbatili watudloo biha ila alhukkami litakuloo fareeqan min amwali alnnasi bialithmi waantum taAAlamoona	This verse was revealed about two men who came to the Prophet (pbuh) with a dispute regarding a piece of land. This verse was revealed and the land was given to one of them.	And do not consume one another's wealth unjustly or send it [in bribery] to the rulers in order that [they might aid] you [to] consume a portion of the wealth of the people in sin, while you know [it is unlawful].	2:188	और आपस में तुम एक-दूसरे के माल को अवैध रूप से न खाओ, और न उन्हें हाकिमों के आगे ले जाओ कि (हक़ मारकर) लोगों के कुछ माल जानते-बूझते हड़प सको	यह आयत दो व्यक्तियों के बारे में अवतरित हुई, जो ज़मीन के एक टुकड़े को लेकर अपने विवाद के साथ पैग़म्बर मुहम्मद (स.) के पास आए थे। यह आयत अवतरित हुई और वह ज़मीन उनमें से एक को दे दी गई।
Yasaloonaka AAani alahillati qul hiya mawaqeetu lilnnasi waalhajji walaysa albirru bian tatoo albuyoota min thuhooriha walakinna albirra mani ittaqa watoo albuyoota min abwabiha waittaqoo Allaha laAAallakum tuflihoona	Here utility of moon is told in calculating months; During pre-Islamic time, People used to enter the house from the back upon assuming the Ihram (While cloth wore with intention to perfrom Hajj). **[There is no concept of Solar year in Islam.]**	They ask you, [O Muhammad], about the new moons. Say, "They are measurements of time for the people and for Hajj." And it is not righteousness to enter houses from the back, but righteousness is [in] one who fears Allah. And enter houses from their doors. And fear Allah that you may succeed.	2:189	वे तुमसे (प्रतिष्ठित) महीनों के विषय में पूछते है। कहो, "वे तो लोगों के लिए और हज के लिए नियत है। और यह कोई ख़ूबी और नेकी नहीं हैं कि तुम घरों में उनके पीछे से आओ, बल्कि नेकी तो उसकी है जो (अल्लाह का) डर रखे। तुम घरों में उनके दरवाड़ों से आओ और अल्लाह से डरते रहो, ताकि तुम्हें सफलता प्राप्त हो	यहाँ चाँद की उपयोगिता महीनों की गणना के लिए बताई गई है। इस्लाम से पहले के समय में लोग इहराम (हज करने के इरादे से विशेष वस्त्र धारण करने) की अवस्था में घर के पीछे की ओर से प्रवेश किया करते थे। **[इस्लाम में सौर वर्ष की कोई अवधारणा नहीं है।]**

Waqatiloo fee sabeeli Allahi allatheena yuqatiloonakum wala taAAtadoo inna Allaha la yuhibbu almuAAtadeena	After the treaty of Hudaybiyyah, the following year, the Messenger and his companions got ready to perform the lesser pilgrimage (Umrah); however, they were afraid that Quraysh would not honor the treaty and there may be fighting during the Sacred months and in the Sacred house. **[This verse abrogated by later**	Fight in the way of Allah those who fight you but do not transgress. Indeed. Allah does not like transgressors.	2:190	और अल्लाह के मार्ग में उन लोगों से लड़ो जो तुमसे लड़े, किन्तु ज़्यादती न करो। निस्संदेह अल्लाह ज़्यादती करनेवालों को पसन्द नहीं करता	हुदैबिया की संधि के बाद, अगले वर्ष अल्लाह के रसूल (स.) और उनके साथियों ने उमरा (छोटी तीर्थयात्रा) करने की तैयारी की। हालांकि उन्हें डर था कि क़ुरैश इस संधि का पालन नहीं करेंगे और पवित्र महीनों तथा पवित्र घर (काबा) में लड़ाई हो सकती है। [इस आयत को बाद में आने वाली जिहाद संबंधी आयतों द्वारा निरस्त कर दिया गया]
Waoqtuloohum haythu thaqiftumoohum waakhrijoohum min haythu akhrajookum waalfitnatu ashaddu mina alqatli wala tuqatiloohum AAinda almasjidi alharami hatta yuqatilookum feehi fain qatalookum faoqtuloohum kathalika jazao alkafireena	This aayat was revealed as muslims raided an caravan on last day of sacred months. then allah said fitnah is worse than killing. **[Muslims need not feel themselves bound by those "high moral principles" until Islamic law is established in the society where they live. Tafsir al-Jalalayn says that this verse was abrogated by Surat at-Tawba 9:5 "kill them wherever you find them" (the others are at 4:89 and 9:5)]**	And kill them wherever you overtake them and expel them from wherever they have expelled you, and fitnah is worse than killing. And do not fight them at al-Masjid al-Haram until they fight you there. But if they fight you, then kill them. Such is the recompense of the disbelievers.	2:191	और जहाँ कहीं उनपर क़ाबू पाओ, क़त्ल करो और उन्हें निकालो जहाँ से उन्होंने तुम्हें निकाला है, इसलिए कि फ़ितना (उत्पीड़न) क़त्ल से भी बढ़कर गम्भीर है। लेकिन मस्जिदे हराम (काबा) के निकट तुम उनसे न लड़ो जब तक कि वे स्वयं तुमसे वहाँ युद्ध न करें। अतः यदि वे तुमसे युद्ध करें तो उन्हें क़त्ल करो - ऐसे इनकारियों का ऐसा ही बदला है	यह आयत उस समय अवतरित हुई जब मुसलमानों ने पवित्र महीनों के आख़िरी दिन एक काफ़िले पर हमला किया था। तब अल्लाह ने कहा कि फ़ितना (अराजकता या धार्मिक भटकाव) हत्या से भी बढ़कर है। **[मुसलमानों को उन "उच्च नैतिक सिद्धांतों" से बंधा हुआ महसूस करने की आवश्यकता नहीं है जब तक कि जिस समाज में वे रहते हैं वहाँ इस्लामी क़ानून स्थापित न हो जाए। तफ़सीर अल-जलालैन के अनुसार, इस आयत को बाद में सूरह अत-तौबा 9:5 "उन्हें जहाँ कहीं पाओ क़त्ल करो" द्वारा निरस्त कर दिया गया (अन्य संदर्भ 4:89 और 9:5 भी हैं)।]**

Faini intahaw fainna Allaha ghafoorun raheemun	x	And if they cease, then indeed, Allah is Forgiving and Merciful.	2:192	फिर यदि वे बाज़ आ जाएँ तो अल्लाह भी क्षमा करनेवाला, अत्यन्त दयावान है	x
Waqatiloohum hatta la takoona fitnatun wayakoona alddeenu lillahi faini intahaw fala AAudwana illa AAala alththalimeena	**[Muslims must fight until Allah's religion prevails. This is one of the foundations for the supremacist notion that Muslims must wage war against unbelievers until those unbelievers are either converted to Islam or subjugated to pay Jiziya as 9:29 states. The idea that Islam will prevail over all other religions is additionally at 8:39, 9:33, and 61:9]**	Fight them until there is no [more] fitnah and [until] worship is [acknowledged to be] for Allah. But if they cease, then there is to be no aggression except against the oppressors.	2:193	तुम उनसे लड़ो यहाँ तक कि फ़ितना शेष न रह जाए और दीन (धर्म) अल्लाह के लिए हो जाए। अतः यदि वे बाज़ आ जाएँ तो अत्याचारियों के अतिरिक्त किसी के विरुद्ध कोई क़दम उठाना ठीक नहीं	**[मुसलमानों को तब तक लड़ना चाहिए जब तक अल्लाह का धर्म प्रबल न हो जाए। इसे उस धारणा की एक बुनियाद माना जाता है कि मुसलमानों को अविश्वासियों के विरुद्ध युद्ध करना चाहिए, जब तक कि वे या तो इस्लाम स्वीकार न कर लें या फिर अधीन होकर जिज़िया (कर) न देने लगें, जैसा कि 9:29 में कहा गया है। यह विचार कि इस्लाम अन्य सभी धर्मों पर प्रबल होगा, 8:39, 9:33 और 61:9 में भी उल्लेखित है।]**
Alshshahru alharamu bialshshahri alharami waalhurumatu qisasun famani iAAtada AAalaykum faiAAtadoo AAalayhi bimithli ma iAAtada AAalaykum waittaqoo Allaha	The year following the treaty of Hudaybiyyah, prophet and his companions entered Mecca and performed the lesser pilgrimage (‘umrah). The idolaters were proud that they turned them back on the day of Hudaybiyyah, and so Allah instructed muslims to retaliate in the same Manner. See also 5:45 and 16:126. **[Abrogated by 9:5]**	[Fighting in] the sacred month is for [aggression committed in] the sacred month, and for [all] violations is legal retribution. So whoever has assaulted you, then assault him in the same way that he has assaulted you. And fear Allah and know that Allah is with those who fear Him.	2:194	प्रतिष्ठित महीना बराबर है प्रतिष्ठित महिने के, और समस्त प्रतिष्ठाओं का भी बराबरी का बदला है। अतः जो तुमपर ज़्यादती करे, तो जैसी ज़्यादती वह तुम पर के, तुम भी उसी प्रकार उससे ज़्यादती का बदला लो। और अल्लाह का डर रखो और जान लो कि अल्लाह डर रखनेवालों के साथ है	हुदैबिया की संधि के अगले वर्ष, पैग़म्बर मुहम्मद (स.) और उनके साथियों ने मक्का में प्रवेश किया और उमरा (छोटी तीर्थयात्रा) अदा की। मूर्तिपूजक इस बात पर गर्व कर रहे थे कि उन्होंने हुदैबिया के दिन मुसलमानों को वापस लौटा दिया था, इसलिए अल्लाह ने मुसलमानों को उसी प्रकार प्रत्युत्तर देने का निर्देश दिया। देखिए 5:45 और 16:126 भी। [इसे बाद में 9:5 द्वारा निरस्त कर दिया गया]

Waanfiqoo fee sabeeli Allahi wala tulqoo biaydeekum ila alttahlukati waahsinoo inna Allaha yuhibbu almuhsineena	The Ansar (Mulsim converts of Medina) used to give to charity and feed others, but they stopped this when they were hit by a drought. And so Allah revealed this verse.	And spend in the way of Allah and do not throw [yourselves] with your [own] hands into destruction [by refraining]. And do good; indeed, Allah loves the doers of good.	2:195	और अल्लाह के मार्ग में ख़र्च करो और अपने ही हाथों से अपने-आपकोतबाही में न डालो, और अच्छे से अच्छा तरीक़ा अपनाओ। निस्संदेह अल्लाह अच्छे से अच्छा काम करनेवालों को पसन्द करता है	अंसार (मदीना के मुस्लिम धर्मांतरित) दान दिया करते थे और दूसरों को भोजन कराते थे, लेकिन जब सूखा पड़ा तो उन्होंने ऐसा करना बंद कर दिया। तब अल्लाह ने यह आयत अवतरित की।

Waatimmoo alhajja waalAAumrata lillahi fain ohsirtum fama istaysara mina alhadyi wala tahliqoo ruoosakum hatta yablugha alhadyu mahillahu faman kana minkum mareedan aw bihi athan min rasihi fafidyatun min siyamin aw sadaqatin aw nusukin faitha amintum faman tamattaAAa bialAAumrati ila alhajji fama istaysara mina alhadyi faman lam yajid fasiyamu thalathati ayyamin fee alhajji wasabAAatin itha rajaAAtum tilka	Kab ibn Ujrah had informed the Prophet (pbuh) that he had lice in his head [while in a state of ritual consecration (Ihram), when shaving head was forbidden. Prophet said to him: Shave your head and, as expiation, fast three days, offer a sacrifice, or feed six poor people. **[To quote Yusuf Ali: There is disagreement among jurists whether residents of Mecca are allowed to make 'tamattu' or not.]**	And complete the Hajj and 'umrah for Allah. But if you are prevented, then [offer] what can be obtained with ease of sacrificial animals. And do not shave your heads until the sacrificial animal has reached its place of slaughter. And whoever among you is ill or has an ailment of the head [making shaving necessary must offer] a ransom of fasting [three days] or charity or sacrifice. And when you are secure, then whoever performs 'umrah [during the Hajj months] followed by Hajj [offers] what can be obtained with ease of sacrificial animals. And whoever cannot find [or afford such an animal] - then a fast of three days during Hajj and of seven	2:196	और हज और उमरा जो कि अल्लाह के लिए है, पूरे करो। फिर यदि तुम घिर जाओ, तो जो क़ुरबानी उपलब्ध हो पेश कर दो। और अपने सिर न मूड़ो जब तक कि क़ुरबानी अपने ठिकाने न पहुँच जाए, किन्तु जो व्यक्ति तुममें बीमार हो या उसके सिर में कोई तकलीफ़ हो, तो रोज़े या सदक़ा या क़रबानी के रूप में फ़िद्याी देना होगा। फिर जब तुम पर से ख़तरा टल जाए, तो जो व्यक्ति हज तक उमरा से लाभान्वित हो, जो जो क़ुरबानी उपलब्ध हो पेश करे, और जिसको उपलब्ध न हो तो हज के दिनों में तीन दिन के रोज़े रखे और सात दिन के रोज़े जब तुम वापस हो, ये पूरे दस हुए। यह उसके लिए है जिसके बाल-बच्चे मस्जिदे हराम के निकट न रहते हों। अल्लाह का डर रखो और	काब इब्न उजरह ने पैग़म्बर मुहम्मद (स.) को बताया कि उनके सिर में जुएँ हो गई हैं, जबकि वे इहराम (धार्मिक पवित्र अवस्था) में थे, जब सिर मुंडवाना मना होता है। तब पैग़म्बर (स.) ने उनसे कहा: अपना सिर मुंडवा लो और कफ़्फ़ारे के रूप में तीन दिन रोज़ा रखो, या एक क़ुर्बानी दो, या छह ग़रीब लोगों को भोजन कराओ। [यूसुफ़ अली के अनुसार: फ़ुक़हा (इस्लामी विधिवेत्ता) के बीच इस बात पर मतभेद है कि मक्का के निवासी 'तमत्तु' कर सकते हैं या नहीं।]

Alhajju ashhurun maAAloomatun faman farada feehinna alhajja fala rafatha wala fusooqa wala jidala fee alhajji wama tafAAaloo min khayrin yaAAlamhu Allahu watazawwadoo fainna khayra alzzadi alttaqwa waittaqooni ya olee alalbabi	On "And take provisions" : The People of Yemen were in the habit of going to the pilgrimage without taking any provision with them. They used to say: 'We are the ones who trust in Allah'. But once in Mecca, they used to beg from people.	Hajj is [during] well-known months, so whoever has made Hajj obligatory upon himself therein [by entering the state of ihram], there is [to be for him] no sexual relations and no disobedience and no disputing during Hajj. And whatever good you do - Allah knows it. And take provisions, but indeed, the best provision is fear of Allah. And fear Me, O you of understanding.	2:197	हज के महीने जाने-पहचाने और निश्चित हैं, तो जो इनमें हज करने का निश्चय करे, को हज में न तो काम-वासना की बातें हो सकती है और न अवज्ञा और न लड़ाई-झगड़े की कोई बात। और जो भलाई के काम भी तुम करोंगे अल्लाह उसे जानता होगा। और (ईश-भय) पाथेय ले लो, क्योंकि सबसे उत्तम पाथेय ईश-भय है। और ऐ बुद्धि और समझवालो! मेरा डर रखो	"और सामान (ज़ाद-ए-राह) साथ ले लो" — इस पर कहा गया है कि यमन के लोग हज के लिए बिना कोई राशन या सामान लिए निकल पड़ते थे। वे कहते थे: "हम अल्लाह पर भरोसा करने वाले हैं।" लेकिन जब वे मक्का पहुँचते थे, तो लोगों से माँगने लगते थे।
Laysa AAalaykum junahun an tabtaghoo fadlan min rabbikum faitha afadtum min AAarafatin faothkuroo Allaha AAinda almashAAari alharami waothkuroohu kama hadakum wain	On "no blame for seeking bounty" : People used to avoid trade during the Pilgrimage. They used to say: 'These are days for the remembrance of Allah. Then this verse was revelead which permitted trading.	There is no blame upon you for seeking bounty from your Lord [during Hajj]. But when you depart from 'Arafat, remember Allah at al- Mash'ar al-Haram. And remember Him, as He has guided you, for indeed, you were before that among those astray.	2:198	इसमे तुम्हारे लिए कोई गुनाह नहीं कि अपने रब का अनुग्रह तलब करो। फिर जब तुम अरफ़ात से चलो तो 'मशअरे हराम' (मुज़दल्फ़ा) के निकट ठहरकर अल्लाह को याद करो, और उसे याद करो जैसाकि उसने तुम्हें बताया है, और इससे पहले तुम पथभ्रष्ट थे	"रोज़ी (अल्लाह की कृपा) तलाश करने में कोई दोष नहीं है" — इस पर कहा गया है कि लोग हज के दौरान व्यापार करने से बचते थे। वे कहते थे: "ये दिन अल्लाह के स्मरण के लिए हैं।" तब यह आयत अवतरित हुई, जिसमें व्यापार करने की अनुमति दी गई।

Thumma afeedoo min haythu afada alnnasu waistaghfiroo Allaha inna Allaha ghafoorun raheemun	During the season of pilgrimage, in the pre-Islamic era, people used to stay and remember their fathers, events and lineages and, then, boasted about them to each other.	Then depart from the place from where [all] the people depart and ask forgiveness of Allah. Indeed, Allah is Forgiving and Merciful.	2:199	इसके पश्चात जहाँ से और सब लोग चलें, वहीं से तुम भी चलो, और अल्लाह से क्षमा की प्रार्थना करो। निस्संदेह अल्लाह अत्यन्त क्षमाशील, दयावान है	हज के मौसम में, इस्लाम से पहले के समय में, लोग ठहरते थे और अपने पूर्वजों, घटनाओं तथा वंशावली को याद करते थे, और फिर एक-दूसरे के सामने उनका घमंड करते थे।
Faitha qadaytum manasikakum faothkuroo Allaha kathikrikum abaakum aw ashadda thikran famina alnnasi man yaqoolu rabbana atina fee alddunya wama lahu fee alakhirati min khalaqin	x	And when you have completed your rites, remember Allah like your [previous] remembrance of your fathers or with [much] greater remembrance. And among the people is he who says, "Our Lord, give us in this world," and he will have in the Hereafter no share.	2:200	फिर जब तुम अपनी हज सम्बन्धी रीतियों को पूरा कर चुको तो अल्लाह को याद करो जैसे अपने बाप-दादा को याद करते रहे हो, बल्कि उससे भी बढ़कर याद करो। फिर लोगों सें कोई तो ऐसा है जो कहता है, "हमारे रब! हमें दुनिया में दे दो।" ऐसी हालत में आख़िरत में उसका कोई हिस्सा नहीं	x
Waminhum man yaqoolu rabbana atina fee alddunya hasanatan wafee alakhirati hasanatan waqina AAathaba alnnari	x	But among them is he who says, "Our Lord, give us in this world [that which is] good and in the Hereafter [that which is] good and protect us from the punishment of the Fire."	2:201	और उनमें कोई ऐसा है जो कहता है, "हमारे रब! हमें प्रदान कर दुनिया में भी अच्छी दशा और आख़िरत में भी अच्छा दशा, और हमें आग (जहन्नम) की यातना से बचा ले।"	x
Olaika lahum naseebun mimma kasaboo waAllahu sareeAAu alhisabi	x	Those will have a share of what they have earned, and Allah is swift in account.	2:202	ऐसे ही लोग है कि उन्होंने जो कुछ कमाया है उसकी जिन्स का हिस्सा उनके लिए नियत है। और अल्लाह जल्द ही हिसाब चुकानेवाला है	x

Waothkuroo Allaha fee ayyamin maAAdoodatin faman taAAajjala fee yawmayni fala ithma AAalayhi waman taakhkhara fala ithma AAalayhi limani ittaqa waittaqoo Allaha waiAAlamoo annakum ilayhi tuhsharoona	Refering to Hajj. The specified Days are the Days of 11, 12, 13th of Dhul-Hijjah) and recitation of Takbir (Allahu Akbar) should be done in these days after the compulsory prayers.	And remember Allah during [specific] numbered days. Then whoever hastens [his departure] in two days - there is no sin upon him; and whoever delays [until the third] - there is no sin upon him - for him who fears Allah. And fear Allah and know that unto Him you will be gathered.	2:203	और अल्लाह की याद में गिनती के ये कुछ दिन व्यतीत करो। फिर जो कोई जल्दी करके दो ही दिन में कूच करे तो इसमें उसपर कोई गुनाह नहीं। और जो ठहरा रहे तो इसमें भी उसपर कोई गुनाह नहीं। यह उसके लिए है जो अल्लाह का डर रखे। और अल्लाह का डर रखो और जान रखो कि उसी के पास तुम इकट्ठा होगे	हज के संदर्भ में।
Wamina alnnasi man yuAAjibuka qawluhu fee alhayati alddunya wayushhidu Allaha AAala ma fee qalbihi wahuwa aladdu alkhisami	This was revealed about al-Akhnas ibn Shurayq, who came to the Prophet (pbuh) in Medina and pretended to embrace Islam.	And of the people is he whose speech pleases you in worldly life, and he calls Allah to witness as to what is in his heart, yet he is the fiercest of opponents.	2:204	लोगों में कोई तो ऐसा है कि इस सांसारिक जीवन के विषय में उसकी बाते तुम्हें बहुत भाती है, उस (खोट) के बावजूद जो उसके दिल में होती है, वह अल्लाह को गवाह ठहराता है और झगड़े में वह बड़ा हठी है	यह अल-अख़नस इब्न शुरीक के बारे में प्रकट हुई थी, जो पैग़म्बर मुहम्मद (स.) के पास मदीना में आए और इस्लाम स्वीकार करने का दिखावा किया।
Waitha tawalla saAAa fee alardi liyufsida feeha wayuhlika alhartha waalnnasla waAllahu la yuhibbu alfasada	Continuation of 2:204, Upon returning he burned the field and hamstrung the asses of Muslims.	And when he goes away, he strives throughout the land to cause corruption therein and destroy crops and animals. And Allah does not like corruption.	2:205	और जब वह लौटता है, तो धरती में इसलिए दौड़-धूप करता है कि इसमें बिगाड़ पैदा करे और खेती और नस्ल को तबाह करे, जबकि अल्लाह बिगाड़ को पसन्द नहीं करता	2:204 की निरंतरता में: लौटने के बाद उसने मुसलमानों के खेतों को जला दिया और गधों की नसें काट दीं।

Waitha qeela lahu ittaqi Allaha akhathathu alAAizzatu bialithmi fahasbuhu jahannamu walabisa almihadu	Gehenna (Jahanna) is the word used in the New Testament (Matthew 5:22, 5:29, 5:30) and generally understood as referring to Hell.	And when it is said to him, "Fear Allah," pride in the sin takes hold of him. Sufficient for him is Hellfire, and how wretched is the resting place.	2:206	और जब उससे कहा जाता है, "अल्लाह से डर", तो अहंकार उसे और गुनाह पर जमा देता है। अतः उसके लिए तो जहन्नम ही काफ़ी है, और वह बहुत-ही बुरी शय्या है!	गेहन्ना (जहन्ना) वह शब्द है जो न्यू टेस्टामेंट (मत्ती 5:22, 5:29, 5:30) में प्रयोग किया गया है और सामान्यतः इसे नरक के रूप में समझा जाता है।
Wamina alnnasi man yashree nafsahu ibtighaa mardati Allahi waAllahu raoofun bialAAibadi	The idolaters captured Suhayb who was emigrating to Medina to live with Muslims. However, he negotiated with them to leave him in exchange of his money. The companions of prophet told, You made a prosperous transaction.	And of the people is he who sells himself, seeking means to the approval of Allah. And Allah is kind to [His] servants.	2:207	और लोगों में वह भी है जो अल्लाह की प्रसन्नता के संसाधन की चाह में अपनी जान खता देता है। अल्लाह भी अपने ऐसे बन्दों के प्रति अत्यन्त करुणाशील है	मूर्तिपूजकों ने सुहैब को पकड़ लिया, जब वे मुसलमानों के साथ रहने के लिए मदीना की ओर हिजरत कर रहे थे। लेकिन उन्होंने उनसे समझौता किया कि वे उन्हें जाने दें, इसके बदले वे अपना धन उन्हें दे देंगे। पैग़म्बर मुहम्मद (स.) के साथियों ने उनसे कहा: “तुमने बहुत लाभदायक सौदा किया।”
Ya ayyuha allatheena amanoo odkhuloo fee alssilmi kaffatan wala tattabiAAoo khutuwati alshshaytani innahu lakum AAaduwwun mubeenun	Abd Allah ibn Salam and his followers, were observing the laws brought by Prophet Muhammad (pbuh) as well as Jewish practices. They said to the Prophet (pbuh): 'The Torah is the Book of Allah, so let us observe its teachings'. Then this verse was revealed. **[This verse asks to embrace Islam in its entirety and to avoid abandoning any part of it. Also all previous acts of worship etc. are works of Shaytan.]**	O you who have believed, enter into Islam completely [and perfectly] and do not follow the footsteps of Satan. Indeed, he is to you a clear enemy.	2:208	ऐ ईमान लानेवालो! तुम सब इस्लाम में दाख़िल हो जाओ और शैतान के पदचिन्ह पर न चलो। वह तो तुम्हारा खुला हुआ शत्रु है	अब्दुल्लाह इब्न सलाम और उनके अनुयायी पैग़म्बर मुहम्मद (स.) द्वारा लाए गए नियमों का पालन करते थे, साथ ही यहूदी प्रथाओं का भी पालन करते थे। उन्होंने पैग़म्बर मुहम्मद (स.) से कहा: “तौरात अल्लाह की किताब है, इसलिए हमें इसकी शिक्षाओं का भी पालन करने दीजिए।” तब यह आयत प्रकट हुई। **[यह आयत इस बात का आदेश देती है कि इस्लाम को पूरी तरह अपनाया जाए और उसके किसी भी हिस्से को छोड़ा न जाए। साथ ही, पहले के सभी उपासना-कर्म आदि को शैतान के कार्य बताया गया है।]**

Fain zalaltum min baAAdi ma jaatkumu albayyinatu faiAAlamoo anna Allaha AAazeezun hakeemun	**[Allah warns of vengeance if someone leave Islam after accepting.]**	But if you deviate after clear proofs have come to you, then know that Allah is Exalted in Might and Wise.	2:209	फिर यदि तुम उन स्पष्ट दलीलों के पश्चात भी, जो तुम्हारे पास आ चुकी है, फिसल गए, तो भली-भाँति जान रखो कि अल्लाह अत्यन्त प्रभुत्वशाली, तत्वदर्शी है	**[अल्लाह चेतावनी देता है कि यदि कोई व्यक्ति इस्लाम स्वीकार करने के बाद उसे छोड़ देता है, तो उस पर प्रतिशोध होगा।]**
Hal yanthuroona illa an yatiyahumu Allahu fee thulalin mina alghamami waalmalaikatu waqudiya alamru waila Allahi turjaAAu alomooru	Angels descend on the shadows of clouds, while Allah comes as He wills.	Do they await but that Allah should come to them in covers of clouds and the angels [as well] and the matter is [then] decided? And to Allah [all] matters are returned.	2:210	क्या वे (इसराईल की सन्तान) बस इसकी प्रतीक्षा कर रहे है कि अल्लाह स्वयं ही बादलों की छायों में उनके सामने आ जाए और फ़रिश्ते भी, हालाँकि बात तय कर दी गई है? मामले तो अल्लाह ही की ओर लौटते है	फ़रिश्ते बादलों की छायाओं में उतरते हैं, और अल्लाह अपनी इच्छा के अनुसार आता है।
Sal banee israeela kam ataynahum min ayatin bayyinatin waman yubaddil niAAmata Allahi min baAAdi ma jaathu fainna Allaha shadeedu alAAiqabi	x	Ask the Children of Israel how many a sign of evidence We have given them. And whoever exchanges the favor of Allah [for disbelief] after it has come to him - then indeed, Allah is severe in penalty.	2:211	इसराईल की सन्तान से पूछो, हमने उन्हें कितनी खुली-खुली निशानियाँ प्रदान की। और जो अल्लाह की नेमत को इसके बाद कि वह उसे पहुँच चुकी हो बदल डाले, तो निस्संदेह अल्लाह भी कठोर दंड देनेवाला है	x

Zuyyina lillatheena kafaroo alhayatu alddunya wayaskharoona mina allatheena amanoo waallatheena ittaqaw fawqahum yawma alqiyamati waAllahu yarzuqu	**[Allah states that He has made the life of this world beautiful for the disbelievers.]**	Beautified for those who disbelieve is the life of this world, and they ridicule those who believe. But those who fear Allah are above them on the Day of Resurrection. And Allah gives provision to whom He wills without account.	2:212	इनकार करनेवाले सांसारिक जीवन पर रीझे हुए है और ईमानवालों का उपहास करते है, जबकि जो लोग अल्लाह का डर रखते है, वे क़ियामत के दिन उनसे ऊपर होंगे। अल्लाह जिस चाहता है बेहिसाब देता है	**[अल्लाह कहता है कि उसने इस दुनिया की ज़िंदगी को काफ़िरों के लिए सुन्दर बना दिया है।]**

Kana alnnasu ommatan wahidatan fabaAAatha Allahu alnnabiyyeena mubashshireena wamunthireena waanzala maAAahumu alkitaba bialhaqqi liyahkuma bayna alnnasi feema ikhtalafoo feehi wama ikhtalafa feehi illa allatheena ootoohu min baAAdi ma jaathumu albayyinatu baghyan baynahum fahada Allahu allatheena amanoo lima ikhtalafoo feehi mina alhaqqi biithnihi waAllahu	Ibn Kathir explains that they disagreed about the "day of Congregation": The Jews made it Saturday while the Christians chose Sunday. Allah guided the Muslim Ummah [community] to Friday. **[There is no historical proof that mankind was one religion. Also see 2:213, 10:19; Allah has not made mankind one nation but He can 5:48, 11:118, 42:8]**	Mankind was [of] one religion [before their deviation]; then Allah sent the prophets as bringers of good tidings and warners and sent down with them the Scripture in truth to judge between the people concerning that in which they differed. And none differed over the Scripture except those who were given it - after the clear proofs came to them - out of jealous animosity among themselves. And Allah guided those who believed to the truth concerning that over which they had differed, by His permission. And Allah guides whom He wills to a straight path.	2:213	सारे मनुष्य एक ही समुदाय थे (उन्होंने विभेद किया) तो अल्लाह ने नबियों को भेजा, जो शुभ-सूचना देनेवाले और डरानवाले थे; और उनके साथ हक़ पर आधारित किताब उतारी, ताकि लोगों में उन बातों का जिनमें वे विभेद कर रहे है, फ़ैसला कर दे। इसमें विभेद तो बस उन्हीं लोगों ने, जिन्हें वह मिली थी, परस्पर ज़्यादती करने के लिए इसके पश्चात किया, जबकि खुली निशानियाँ उनके पास आ चुकी थी। अतः ईमानवालों को अल्लाह ने अपनी अनूज्ञा से उस सत्य के विषय में मार्गदर्शन किया, जिसमें उन्होंने विभेद किया था। अल्लाह जिसे चाहता है, सीधे मार्ग पर चलाता है	इब्न कसीर समझाते हैं कि वे "सभा के दिन" के बारे में असहमत हो गए थे: यहूदियों ने इसे शनिवार बना लिया, जबकि ईसाइयों ने रविवार को चुन लिया। अल्लाह ने मुस्लिम उम्मत (समुदाय) को जुमे (शुक्रवार) के दिन की ओर मार्गदर्शन दिया। [**इस बात का कोई ऐतिहासिक प्रमाण नहीं है कि सम्पूर्ण मानवता कभी एक ही धर्म पर थी। साथ ही देखें 2:213, 10:19।]**

Am hasibtum an tadkhuloo aljannata walamma yatikum mathalu allatheena khalaw min qablikum massathumu albasao waalddarrao wazulziloo hatta yaqoola alrrasoolu waallatheena amanoo maAAahu mata nasru Allahi ala inna nasra Allahi qareebun	This verse was revealed about the Battle of the Ditch (Khandaq) when Muslims were stricken with exhaustion, hardship, heat, fear, cold, tightness of living and all kinds of harm. This verse is reassurance to the believers. Prophet (pbuh) said: The saw would be placed on the middle of the head of one of those who were before you (believers) and he would be sawn until his feet, and he would be combed with iron combs between his skin and bones, yet that would not make him change his religion.	Or do you think that you will enter Paradise while such [trial] has not yet come to you as came to those who passed on before you? They were touched by poverty and hardship and were shaken until [even their] messenger and those who believed with him said, "When is the help of Allah?" Unquestionably, the help of Allah is near.	2:214	क्या तुमने यह समझ रखा है कि जन्नत में प्रवेश पा जाओगे, जबकि अभी तुम पर वह सब कुछ नहीं बीता है जो तुमसे पहले के लोगों पर बीत चुका? उनपर तंगियाँ और तकलीफ़े आई और उन्हें हिला मारा गया यहाँ तक कि रसूल बोल उठे और उनके साथ ईमानवाले भी कि अल्लाह की सहायता कब आएगी? जान लो! अल्लाह की सहायता निकट है	यह आयत खंदक की लड़ाई के बारे में प्रकट हुई थी, जब मुसलमान थकावट, कठिनाई, गर्मी, भय, ठंड, तंगी और हर प्रकार की हानि से पीड़ित थे। यह आयत ईमान वालों के लिए दिलासा और आश्वासन है। पैग़म्बर मुहम्मद (स.) ने कहा: तुमसे पहले जो ईमान वाले थे, उनमें से किसी के सिर के बीच में आरा रखा जाता था और उसे पैरों तक चीर दिया जाता था। उसकी त्वचा और हड्डियों के बीच लोहे की कंघियों से कंघी की जाती थी, फिर भी यह सब उसे अपने धर्म से नहीं फेर पाता था।
Yasaloonaka matha yunfiqoona qul ma anfaqtum min khayrin falilwalidayni waalaqrabeena waalyatama waalmasakeeni waibni alssabeeli wama tafAAaloo min khayrin fainna	A person asked the Prophet (pbuh), what should we spend in charity? And on whom should we spend it?' And so this verse was revealed. **[Q 9:60 Abrogated it.]**	They ask you, [O Muhammad], what they should spend. Say, "Whatever you spend of good is [to be] for parents and relatives and orphans and the needy and the traveler. And whatever you do of good - indeed, Allah is Knowing of it."	2:215	वे तुमसे पूछते हैं, "कितना ख़र्च करें?" कहो, "(पहले यह समझ लो कि) जो माल भी तुमने ख़र्च किया है, वह तो माँ-बाप, नातेदारों और अनाथों, और मुहताजों और मुसाफ़िरों के लिए ख़र्च हुआ है। और जो भलाई भी तुम करो, निस्संदेह अल्लाह उसे भली-भाँति जान लेगा।	एक व्यक्ति ने पैग़म्बर मुहम्मद (स.) से पूछा: “हमें दान में क्या खर्च करना चाहिए? और किस पर खर्च करना चाहिए?” तब यह आयत प्रकट हुई। **[क़ुरआन 9:60 ने इसे निरस्त कर दिया।]**

Kutiba AAalaykumu alqitalu wahuwa kurhun lakum waAAasa an takrahoo shayan wahuwa khayrun lakum waAAasa an tuhibboo shayan wahuwa sharrun lakum waAllahu yaAAlamu waantum la taAAlamoona	Jihad is must for Muslims even if they dislike it. See hadith Bukhari 26, Ibn Majah 2794, Nisai 3591, Abi Dawud 3462, Sahih Muslim 4931. **[Allah commands for fighting.]**	Fighting has been enjoined upon you while it is hateful to you. But perhaps you hate a thing and it is good for you; and perhaps you love a thing and it is bad for you. And Allah Knows, while you know not.	2:216	तुम पर युद्ध अनिवार्य किया गया और वह तुम्हें अप्रिय है, और बहुत सम्भव है कि कोई चीज़ तुम्हें अप्रिय हो और वह तुम्हारे लिए अच्छी हो। और बहुत सम्भव है कि कोई चीज़ तुम्हें प्रिय हो और वह तुम्हारे लिए बुरी हो। और जानता अल्लाह है, और तुम नहीं जानते।"	मुसलमानों के लिए जिहाद अनिवार्य है, चाहे वे उसे नापसंद ही क्यों न करें। देखें हदीस: सहीह बुख़ारी 26, इब्न माजह 2794, नसाई 3591, अबू दाऊद 3462, सहीह मुस्लिम 4931 **[अल्लाह लड़ने का आदेश देता है।]**

Yasaloonaka AAani alshshahri alharami qitalin feehi qul qitalun feehi kabeerun wasaddun AAan sabeeli Allahi wakufrun bihi waalmasjidi alharami waikhraju ahlihi minhu akbaru AAinda Allahi waalfitnatu akbaru mina alqatli wala yazaloona yuqatiloonakum hatta yaruddookum AAan deenikum ini istataAAoo waman yartadid minkum AAan deenihi fayamut wahuwa kafirun faolaika habitat aAAmaluhum fee alddunya waalakhirati	Messenger of Allah (pbuh) sent a military expedition to Nakhlah where they found Amr ibn al-Hadrami leading a trade caravan for the Quraysh. That day was the last day of the sacred month. The Muslims were divided in their opinion; however, they attacked Ibn al-Hadrami, killed him and seized his camels. Ibn al-Hadrami was the first person to be killed in a fight between the Muslims and the disbelievers. The pagan Quraysh heard about the incident and sent a delegation to the Prophet (pbuh) and asked: 'Do you allow fighting in the sacred month?' **[Allah says that disbelief is worst than fighting in sacred month, so waging war could be justified during the sacred month. This verse legalizes all action including killing to stop shirk (associating anything with**	They ask you about the sacred month - about fighting therein. Say, "Fighting therein is great [sin], but averting [people] from the way of Allah and disbelief in Him and [preventing access to] al-Masjid al-Haram and the expulsion of its people therefrom are greater [evil] in the sight of Allah. And fitnah is greater than killing." And they will continue to fight you until they turn you back from your religion if they are able. And whoever of you reverts from his religion [to disbelief] and dies while he is a disbeliever - for those, their deeds have become worthless in this world and the Hereafter, and those are the companions of the Fire,	2:217	वे तुमसे आदरणीय महीने में युद्ध के विषय में पूछते है। कहो, "उसमें लड़ना बड़ी गम्भीर बात है, परन्तु अल्लाह के मार्ग से रोकना, उसके साथ अविश्वास करना, मस्जिदे हराम (काबा) से रोकना और उसके लोगों को उससे निकालना, अल्लाह की स्पष्ट में इससे भी अधिक गम्भीर है और फ़ितना (उत्पीड़न), रक्तपात से भी बुरा है।" और उसका बस चले तो वे तो तुमसे बराबर लड़ते रहे, ताकि तुम्हें तुम्हारे दीन (धर्म) से फेर दें। और तुममे से जो कोई अपने दीन से फिर जाए और अविश्वासी होकर मरे, तो ऐसे ही लोग है जिनके कर्म दुनिया और आख़िरत में नष्ट हो गए, और वही आग (जहन्नम) में पड़नेवाले है, वे उसी में सदैव रहेंगे	अल्लाह के रसूल (स.) ने नख़ला की ओर एक सैन्य दल भेजा। वहाँ उन्हें क़ुरैश के एक व्यापारिक काफ़िले का नेतृत्व करते हुए अमर इब्न अल-हद्रमी मिले। उस दिन पवित्र महीने का आख़िरी दिन था। मुसलमानों में इस बारे में मतभेद था; फिर भी उन्होंने इब्न अल-हद्रमी पर हमला किया, उन्हें मार डाला और उनके ऊँटों को अपने कब्ज़े में ले लिया। इब्न अल-हद्रमी वह पहले व्यक्ति थे जो मुसलमानों और काफ़िरों के बीच संघर्ष में मारे गए। जब मक्का के क़ुरैश को इस घटना की खबर मिली, तो उन्होंने पैग़म्बर मुहम्मद (स.) के पास एक प्रतिनिधिमंडल भेजा और पूछा: “क्या आप पवित्र महीने में लड़ाई की अनुमति देते हैं?” [अल्लाह कहता है कि कुफ़्र पवित्र महीने में लड़ाई से भी अधिक बुरा है, इसलिए पवित्र महीने में युद्ध करना उचित ठहराया जा सकता है। यह आयत शिर्क (अल्लाह के साथ किसी को साझी ठहराना) को रोकने के लिए सभी प्रकार की कार्रवाई, यहाँ तक कि हत्या को भी वैध ठहराती है।]

Inna allatheena amanoo waallatheena hajaroo wajahadoo fee sabeeli Allahi olaika yarjoona rahmata Allahi waAllahu ghafoorun	**[[Those migrating and fighting for the sake of Allah will be greatly rewarded; however, elsewhere Quran says that Allah does not need anythings from His creation.]**	Indeed, those who have believed and those who have emigrated and fought in the cause of Allah - those expect the mercy of Allah. And Allah is Forgiving and Merciful.	2:218	रहे वे लोग जो ईमान लाए और जिन्होंने अल्लाह के मार्ग में घर-बार छोड़ा और जिहाद किया, वहीं अल्लाह की दयालुता की आशा रखते है। निस्संदेह अल्लाह अत्यन्त क्षमाशील, दयावान है	**[जो लोग अल्लाह के लिए हिजरत करते हैं और लड़ते हैं, उन्हें बड़ा प्रतिफल मिलेगा; हालांकि क़ुरआन के अन्य स्थानों पर कहा गया है कि अल्लाह को अपनी सृष्टि से किसी भी चीज़ की आवश्यकता नहीं है।]**
Yasaloonaka AAani alkhamri waalmaysiri qul feehima ithmun kabeerun wamanafiAAu lilnnasi waithmuhuma akbaru min nafAAihima wayasaloonaka matha yunfiqoona quli alAAafwa kathalika yubayyinu Allahu lakumu alayati laAAallakum	Some Ansar (Muslim converts of Medina) asked prophet about the intoxicants and games of chance. **[Contradiction: 16:67: Alcohol is a sign from Allah, 2:219: Great sin but some benefits in Alcohol, 4:43: Don't approach the prayer in drunken state, 5:90: Work of Satan, which would rule out its being beneficial at all, and completely prohibited it.]**	They ask you about wine and gambling. Say, "In them is great sin and [yet, some] benefit for people. But their sin is greater than their benefit." And they ask you what they should spend. Say, "The excess [beyond needs]." Thus Allah makes clear to you the verses [of revelation] that you might give thought.	2:219	तुमसे शराब और जुए के विषय में पूछते है। कहो, "उन दोनों चीज़ों में बड़ा गुनाह है, यद्यपि लोगों के लिए कुछ फ़ायदे भी है, परन्तु उनका गुनाह उनके फ़ायदे से कहीं बढकर है।" और वे तुमसे पूछते है, "कितना ख़र्च करें?" कहो, "जो आवश्यकता से अधिक हो।" इस प्रकार अल्लाह दुनिया और आख़िरत के विषय में तुम्हारे लिए अपनी आयते खोल-खोलकर बयान करता है, ताकि तुम सोच-विचार करो।	कुछ अंसार (मदीना के मुसलमान) ने पैग़म्बर मुहम्मद (स.) से नशीली चीज़ों और जुए के बारे में पूछा। **[विरोधाभास: 16:67: शराब अल्लाह की एक निशानी है, 2:219: शराब में बड़ा पाप है लेकिन कुछ लाभ भी हैं, 4:43: नशे की हालत में नमाज़ के पास न जाओ, 5:90: यह शैतान का काम है, जो इसके किसी भी लाभकारी होने को नकार देता है और इसे पूरी तरह निषिद्ध कर देता है।]**

Fee alddunya waalakhirati wayasaloonaka AAani alyatama qul islahun lahum khayrun wain tukhalitoohum faikhwanukum waAllahu yaAAlamu almufsida mina almuslihi walaw shaa Allahu laaAAnatakum inna Allaha AAazeezun hakeemun	When the verse (Indeed, those who devour the property of orphans) [4:10] was revealed people separated their own wealth from the wealth of orphans they were incharge of, however, it created difficulty fo them. Then Allah revealed this verse to abrogate the previous and upon which they mixed their own wealth with the wealth of orphans. **[Leaving home, waging Jihad against disbeliever are not overburdens?; Also why many people commit suicide due to difficult circumstances.]**	To this world and the Hereafter. And they ask you about orphans. Say, "Improvement for them is best. And if you mix your affairs with theirs - they are your brothers. And Allah knows the corrupter from the amender. And if Allah had willed, He could have put you in difficulty. Indeed, Allah is Exalted in Might and Wise.	2:220	और वे तुमसे अनाथों के विषय में पूछते है। कहो, "उनके सुधार की जो रीति अपनाई जाए अच्छी है। और यदि तुम उन्हें अपने साथ सम्मिलित कर लो तो वे तुम्हारे भाई-बन्धु ही हैं। और अल्लाह बिगाड़ पैदा करनेवाले को बचाव पैदा करनेवाले से अलग पहचानता है। और यदि अल्लाह चाहता तो तुमको ज़हमत (कठिनाई) में डाल देता। निस्संदेह अल्लाह प्रभुत्वशाली, तत्वदर्शी है।"	जब यह आयत “जो लोग अनाथों के माल अन्याय के साथ खाते है…” (4:10) प्रकट हुई, तो लोगों ने अपने धन को उन अनाथों के धन से अलग कर दिया जिनकी देखभाल वे कर रहे थे। लेकिन इससे उनके लिए कठिनाई उत्पन्न हो गई। तब अल्लाह ने यह आयत प्रकट की, जिसने पहले के आदेश को निरस्त कर दिया, जिसके बाद वे अपने धन को अनाथों के धन के साथ मिलाने लगे। **[क्या घर छोड़ना और काफ़िरों के विरुद्ध जिहाद करना अधिक बोझिल नहीं है?; और कठिन परिस्थितियों के कारण बहुत से लोग आत्महत्या क्यों कर लेते हैं?]**

Wala tankihoo almushrikati hatta yuminna walaamatun muminatun khayrun min mushrikatin walaw aAAjabatkum wala tunkihoo almushrikeena hatta yuminoo walaAAabdun muminun khayrun min mushrikin walaw aAAjabakum olaika yadAAoona ila alnnari waAllahu yadAAoo ila aljannati waalmaghfirati biithnihi wayubayyinu ayatihi lilnnasi	This verse was revealed because Muslims were still looking forward to marry idolatresses and marry their own daughters to idolaters, out of desire for their noble lineages. However, verse 5:5 allows marriages with Jewish and Christian women are allowed, although Muslim women are not allowed to marry Jewish or Christian men. **[There should be complete segregation between believers and non-believers; otherwise, fighting and hatred between them would not be possible.]**	And do not marry polytheistic women until they believe. And a believing slave woman is better than a polytheist, even though she might please you. And do not marry polytheistic men [to your women] until they believe. And a believing slave is better than a polytheist, even though he might please you. Those invite [you] to the Fire, but Allah invites to Paradise and to forgiveness, by His permission. And He makes clear His verses to the people that perhaps they may remember.	2:221	और मुशरिक (बहुदेववादी) स्त्रियों से विवाह न करो जब तक कि वे ईमान न लाएँ। एक ईमानदारी बांदी (दासी), मुशरिक स्त्री से कहीं उत्तम है; चाहे वह तुम्हें कितनी ही अच्छी क्यों न लगे। और न (ईमानवाली स्त्रियाँ) मुशरिक पुरुषों से विवाह करो, जब तक कि वे ईमान न लाएँ। एक ईमानवाला गुलाम आज़ाद मुशरिक से कहीं उत्तम है, चाहे वह तुम्हें कितना ही अच्छा क्यों न लगे। ऐसे लोग आग (जहन्नम) की ओर बुलाते है और अल्लाह अपनी अनुज्ञा से जन्नत और क्षमा की ओर बुलाता है। और वह अपनी आयतें लोगों के सामने खोल-खोलकर बयान करता है, ताकि वे चेतें	यह आयत इसलिए प्रकट हुई क्योंकि मुसलमान अब भी मूर्तिपूजक स्त्रियों से विवाह करने और अपनी बेटियों का विवाह मूर्तिपूजकों से करने की इच्छा रखते थे, उनके उच्च वंश के कारण। हालाँकि क़ुरआन 5:5 में यहूदी और ईसाई स्त्रियों से विवाह की अनुमति दी गई है, लेकिन मुस्लिम स्त्रियों को यहूदी या ईसाई पुरुषों से विवाह करने की अनुमति नहीं है। **[विश्वासियों और अविश्वासियों के बीच पूर्ण अलगाव होना चाहिए, अन्यथा लड़ाई और घृणा संभव नहीं होगी।]**

Wayasaloonaka AAani almaheedi qul huwa athan faiAAtaziloo alnnisaa fee almaheedi wala taqraboohunna hatta yathurna faitha tatahharna fatoohunna min haythu amarakumu Allahu inna Allaha yuhibbu alttawwabeena wayuhibbu almutatahhireena	**[Many Hadith mention that Prophet (pbuh) used to kiss his wives while they were in menstruation. Sahih Bukhari: 299, 300, 301, 322]**	And they ask you about menstruation. Say, "It is harm, so keep away from wives during menstruation. And do not approach them until they are pure. And when they have purified themselves, then come to them from where Allah has ordained for you. Indeed, Allah loves those who are constantly repentant and loves those who purify themselves."	2:222	और वे तुमसे मासिक-धर्म के विषय में पूछते है। कहो, "वह एक तकलीफ़ और गन्दगी की चीज़ है। अतः मासिक-धर्म के दिनों में स्त्रियों से अलग रहो और उनके पास न जाओ, जबतक कि वे पाक-साफ़ न हो जाएँ। फिर जब वे भली-भाँति पाक-साफ़ हो जाए, तो जिस प्रकार अल्लाह ने तुम्हें बताया है, उनके पास आओ। निस्संदेह अल्लाह बहुत तौबा करनेवालों को पसन्द करता है और वह उन्हें पसन्द करता है जो स्वच्छता को पसन्द करते है	**[कई हदीसों में उल्लेख है कि पैग़म्बर मुहम्मद (स.) अपनी पत्नियों को उनके मासिक धर्म के दौरान भी चूमते थे। — सहीह बुख़ारी: 299, 300, 301, 322]**

Nisaokum harthun lakum fatoo harthakum anna shitum waqaddimoo lianfusikum waittaqoo Allaha waiAAlamoo annakum mulaqoohu wabashshiri almumineena	This verse was revealed because of the Jews used to say that when one comes to one's wife through the vagina, but being on her back, the child born will have squint. Allah has refuted that and allowed Muslims whatever position they prefer. The types of sex is not mentioned in this verse; however, Hadiths forbid anal sex. **[Women are your farming; For women status in Islam read, Sahih Bukhari 511, 4425, 5825, 6161, 7099, 3241, 6449, 6546]**	Your wives are a place of sowing of seed for you, so come to your place of cultivation however you wish and put forth [righteousness] for yourselves. And fear Allah and know that you will meet Him. And give good tidings to the believers.	2:223	तुम्हारी स्त्रियों तुम्हारी खेती है। अतः जिस प्रकार चाहो तुम अपनी खेती में आओ और अपने लिए आगे भेजो; और अल्लाह से डरते रहो; भली-भाँति जान ले कि तुम्हें उससे मिलना है; और ईमान लानेवालों को शुभ-सूचना दे दो	यह आयत इसलिए प्रकट हुई क्योंकि यहूदी कहा करते थे कि यदि कोई व्यक्ति अपनी पत्नी के पास योनि के माध्यम से, लेकिन पीछे की ओर से आए, तो पैदा होने वाला बच्चा भेंगा होगा। अल्लाह ने इस बात का खंडन किया और मुसलमानों को अनुमति दी कि वे जिस भी स्थिति को पसंद करें, उसे अपनाएँ। इस आयत में संभोग के प्रकारों का उल्लेख नहीं है; हालांकि हदीसों में गुदा मैथुन को निषिद्ध बताया गया है। **["स्त्रियाँ तुम्हारी खेती हैं"; इस्लाम में स्त्रियों की स्थिति के बारे में पढ़ें: सहीह बुख़ारी 511, 4425, 5825, 6161, 7099, 3241, 6449, 6546।]**
Wala tajAAaloo Allaha AAurdatan liaymanikum an tabarroo watattaqoo watuslihoo bayna alnnasi waAllahu sameeAAun AAaleemun	This was revealed about Abd Allah ibn Rawahah to warn him against boycotting the husband of his sister. He had sworn that he will never visit him, speak to him or reconcile between him and his sister. One should not vows in Allah's Name to refrain from pious acts and severing the relations with the relatives.	And do not make [your oath by] Allah an excuse against being righteous and fearing Allah and making peace among people. And Allah is Hearing and Knowing.	2:224	अपने नेक और धर्मपरायण होने और लोगों के मध्य सुधारक होने के सिलसिले में अपनी क़समों के द्वारा अल्लाह को आड़ और निशाना न बनाओ कि इन कामों को छोड़ दो। अल्लाह सब कुछ सुनता, जानता है	यह अब्दुल्लाह इब्न रवाहह को चेतावनी देने के बारे में प्रकट हुई थी (उन्हें अपनी बहन के पति का बहिष्कार करने के लिए)। उन्होंने कसम खाई थी कि वे कभी उससे मिलने नहीं जाएंगे, उससे बात नहीं करेंगे और न ही उसके और अपनी बहन के बीच सुलह कराएँगे। अल्लाह के नाम की कसम खाकर नेक कामों से रुकना और रिश्तेदारों से संबंध तोड़ना उचित नहीं है।

La yuakhithukumu Allahu biallaghwi fee aymanikum walakin yuakhithukum bima kasabat quloobukum waAllahu ghafoorun haleemun	Prophet (pbuh) said: If I vow to do a thing and then see a better act, but I would do what is better and break my vow. **[Upon breaking oath also see Sahih Bukhari 4614, 5518, 6621**	Allah does not impose blame upon you for what is unintentional in your oaths, but He imposes blame upon you for what your hearts have earned. And Allah is Forgiving and Forbearing.	2:225	अल्लाह तुम्हें तुम्हारी ऐसी कसमों पर नहीं पकड़ेगा जो यूँ ही मुँह से निकल गई हो, लेकिन उन क़समों पर वह तुम्हें अवश्य पकड़ेगा जो तुम्हारे दिल के इरादे का नतीजा हों। अल्लाह बहुत क्षमा करनेवाला, सहनशील है	पैग़म्बर मुहम्मद (स.) ने कहा: “यदि मैं किसी काम के लिए कसम खाऊँ और फिर मुझे कोई बेहतर काम दिखाई दे, तो मैं वह बेहतर काम करूँगा और अपनी कसम तोड़ दूँगा।” **[कसम तोड़ने के संबंध में देखें: सहीह बुख़ारी 4614, 5518, 6621]**
Lillatheena yuloona min nisaihim tarabbusu arbaAAati ashhurin fain faoo fainna Allaha ghafoorun raheemun	Ila is a type of vow (but it is not divorce) where a man swears not to sleep with his wife for a certain period. If the vow of Ila was for less than four months, the man has to wait for the vow's period to end and then is allowed to have sexual intercourse with his wife. She has to be patient and she cannot ask her husband (in this case) to end his vow before the end of its term.	For those who swear not to have sexual relations with their wives is a waiting time of four months, but if they return [to normal relations] - then indeed, Allah is Forgiving and Merciful.	2:226	जो लोग अपनी स्त्रियों से अलग रहने की क़सम खा बैठें, उनके लिए चार महीने की प्रतिक्षा है। फिर यदि वे पलट आएँ, तो अल्लाह अत्यन्त क्षमाशील, दयावान है	इला एक प्रकार की क़सम है (लेकिन यह तलाक नहीं है), जिसमें कोई पुरुष यह कसम खाता है कि वह एक निश्चित समय के लिए अपनी पत्नी के साथ शारीरिक संबंध नहीं रखेगा। यदि इला की क़सम चार महीने से कम की हो, तो पुरुष को उस क़सम की अवधि समाप्त होने तक इंतजार करना होगा और उसके बाद वह अपनी पत्नी के साथ शारीरिक संबंध रखने के लिए अनुमति प्राप्त करेगा। इस दौरान पत्नी को धैर्य रखना होगा और वह अपने पति से (इस स्थिति में) यह नहीं मांग सकती कि वह क़सम की अवधि से पहले उसे समाप्त करे।

Wain AAazamoo alttalaqa fainna Allaha sameeAAun AAaleemun	If the period of Ila is for more than four months, the wife is allowed in this case to ask her husband, upon the end of the four months, to end the Ila and have sexual relations with her. Otherwise, he should divorce her, by being forced to do so by the authorities if necessary, so that the wife is not harmed. If the man swears to Ila' from his wife, then divorce does not occur automatically even after the four months have passed.	And if they decide on divorce - then indeed, Allah is Hearing and Knowing.	2:227	और यदि वे तलाक़ ही की ठान लें, तो अल्लाह भी सुननेवाला भली-भाँति जाननेवाला है	यदि इला की अवधि चार महीने से अधिक की हो, तो इस स्थिति में पत्नी को यह अधिकार है कि वह अपने पति से चार महीने पूरे होने पर इला समाप्त करने और उसके साथ शारीरिक संबंध रखने का अनुरोध करे। यदि पुरुष ऐसा नहीं करता, तो उसे अपनी पत्नी को तलाक देना होगा, और आवश्यक होने पर अधिकारियों द्वारा मजबूर किया जा सकता है, ताकि पत्नी को कोई नुकसान न पहुँचे। यदि पुरुष अपनी पत्नी के प्रति इला की कसम खाता है, तो चार महीने पूरे होने के बाद भी तलाक स्वतः नहीं होता।

Waalmutallaqatu yatarabbasna bianfusihinna thalathata qurooin wala yahillu lahunna an yaktumna ma khalaqa Allahu fee arhamihinna in kunna yuminna biAllahi waalyawmi alakhiri wabuAAoolatuhunna ahaqqu biraddihinna fee thalika in aradoo islahan walahunna mithlu allathee AAalayhinna bialmaAAroofi walilrrijali AAalayhinna darajatun waAllahu AAazeezun	When this verse 2:228 was revealed, the ruling that made the third divorce irrovocable was not been revealed yet (2:230). Although Quran does not says to pronounce all three Talaq at one time, this practice is accepted in many sects of Islam based on practices of caliphs. **[Men are higher degree over women over authoriy.]**	Divorced women remain in waiting for three periods, and it is not lawful for them to conceal what Allah has created in their wombs if they believe in Allah and the Last Day. And their husbands have more right to take them back in this [period] if they want reconciliation. And due to the wives is similar to what is expected of them, according to what is reasonable. But the men have a degree over them [in responsibility and authority]. And Allah is Exalted in Might and Wise.	2:228	और तलाक़ पाई हुई स्त्रियाँ तीन हैज़ (मासिक-धर्म) गुज़रने तक अपने-आप को रोके रखे, और यदि वे अल्लाह और अन्तिम दिन पर ईमान रखती है तो उनके लिए यह वैध न होगा कि अल्लाह ने उनके गर्भाशयों में जो कुछ पैदा किया हो उसे छिपाएँ। इस बीच उनके पति, यदि सम्बन्धों को ठीक कर लेने का इरादा रखते हों, तो वे उन्हें लौटा लेने के ज़्यादा हक़दार है। और उन पत्नियों के भी सामान्य नियम के अनुसार वैसे ही अधिकार हैं, जैसी उन पर ज़िम्मेदारियाँ डाली गई है। और पतियों को उनपर एक दर्जा प्राप्त है। अल्लाह अत्यन्त प्रभुत्वशाली, तत्वदर्शी है	जब यह आयत 2:228 प्रकट हुई, तब तीसरे तलाक को अपरिवर्तनीय बनाने वाला नियम (2:230) अभी प्रकट नहीं हुआ था। हालाँकि क़ुरआन में यह नहीं कहा गया कि सभी तीन तलाक एक ही समय में बोलने चाहिए, लेकिन कई इस्लामी संप्रदायों में यह प्रथा खलीफाओं की प्रथाओं के आधार पर स्वीकार की गई है। **[पुरुषों का अधिकार और पद महिलाओं पर उच्च स्तर पर है।]**

Alttalaqu marratani faimsakun bimaAAroofin aw tasreehun biihsanin wala yahillu lakum an takhuthoo mimma ataytumoohunna shayan illa an yakhafa alla yuqeema hudooda Allahi fain khiftum alla yuqeema hudooda Allahi fala junaha AAalayhima feema iftadat bihi tilka hudoodu Allahi fala taAAtadooha waman yataAAadda hudooda Allahi faolaika humu alththalimoona	The norm was that when a man divorced his wife, he had the right to take her back before the end of her waiting period, even if he divorced her a thousand times. One particular man divorced his wife and then waited for her until the waiting period was about to elapse and then took her back. He then divorced her immediately and said to her: 'By Allah! I will not take you back nor will I ever allow you to marry someone else'. Then this verse was revealed.	Divorce is twice. Then, either keep [her] in an acceptable manner or release [her] with good treatment. And it is not lawful for you to take anything of what you have given them unless both fear that they will not be able to keep [within] the limits of Allah. But if you fear that they will not keep [within] the limits of Allah, then there is no blame upon either of them concerning that by which she ransoms herself. These are the limits of Allah, so do not transgress them. And whoever transgresses the limits of Allah - it is those who are the wrongdoers.	2:229	तलाक़ दो बार है। फिर सामान्य नियम के अनुसार (स्त्री को) रोक लिया जाए या भले तरीक़े से विदा कर दिया जाए। और तुम्हारे लिए वैध नहीं है कि जो कुछ तुम उन्हें दे चुके हो, उसमें से कुछ ले लो, सिवाय इस स्थिति के कि दोनों को डर हो कि अल्लाह की (निर्धारित) सीमाओं पर क़ायम न रह सकेंगे तो यदि तुमको यह डर हो कि वे अल्लाह की सीमाओ पर क़ायम न रहेंगे तो स्त्री जो कुछ देकर छुटकारा प्राप्त करना चाहे उसमें उन दोनो के लिए कोई गुनाह नहीं। ये अल्लाह की सीमाएँ है। अतः इनका उल्लंघन न करो। और जो कोई अल्लाह की सीमाओं का उल्लंघन करे तो ऐसे लोग अत्याचारी है	रिवाज यह था कि जब कोई पुरुष अपनी पत्नी को तलाक देता था, तो उसे उसकी प्रतीक्षा अवधि (इद्दत) समाप्त होने से पहले उसे वापस लेने का अधिकार था, भले ही उसने उसे हज़ार बार तलाक दे दिया हो। एक विशेष पुरुष ने अपनी पत्नी को तलाक दिया और प्रतीक्षा अवधि के समाप्त होने तक उसका इंतजार किया, फिर उसे वापस ले लिया। इसके तुरंत बाद उसने उसे फिर तलाक दे दिया और कहा: “वह अल्लाह की क़सम! मैं तुम्हें कभी वापस नहीं लूँगा और न ही कभी तुम्हें किसी और से शादी करने दूँगा।” तभी यह आयत प्रकट हुई।

Fain tallaqaha fala tahillu lahu min baAAdu hatta tankiha zawjan ghayrahu fain tallaqaha fala junaha AAalayhima an yatarajaAAa in thanna an yuqeema hudooda Allahi watilka hudoodu Allahi yubayyinuha liqawmin yaAAlamoona	After a third divorce, a man cannot take his former wife back unless she has married another man and that marriage has ended in divorce. Although this situation rarely arises if the first two divorces are followed by the required three months of iddat each. The practice of triple talaq (where all three divorces are pronounced at once) has been recognized in Hanafi tradition (majority Sunni in Indian subcontinent). Sometime, due to anger or conflict, a husband may pronounce all three divorces in one sitting which becomes irrevocable immediately. Once tempers cool, he may wish to reconcile. However, the wife must first enter into a temporary marriage with another man, consummate that marriage, and then obtain a divorce before she can reunite with her first	And if he has divorced her [for the third time], then she is not lawful to him afterward until [after] she marries a husband other than him. And if the latter husband divorces her [or dies], there is no blame upon the woman and her former husband for returning to each other if they think that they can keep [within] the limits of Allah. These are the limits of Allah, which He makes clear to a people who know.	2:230	(दो तलाक़ो के पश्चात) फिर यदि वह उसे तलाक़ दे दे, तो इसके पश्चात वह उसके लिए वैध न होगी, जबतक कि वह उसके अतिरिक्त किसी दूसरे पति से निकाह न कर ले। अतः यदि वह उसे तलाक़ दे दे तो फिर उन दोनों के लिए एक-दूसरे को पलट आने में कोई गुनाह न होगा, यदि वे समझते हो कि अल्लाह की सीमाओं पर क़ायम रह सकते है। और ये अल्लाह कि निर्धारित की हुई सीमाएँ है, जिन्हें वह उन लोगों के लिए बयान कर रहा है जो जानना चाहते हो	तीसरे तलाक के बाद, कोई पुरुष अपनी पूर्व पत्नी को तब तक वापस नहीं ले सकता जब तक कि उसने किसी अन्य पुरुष से शादी न की हो और वह शादी तलाक पर समाप्त न हुई हो। हालाँकि, यदि पहले दो तलाक के बाद प्रत्येक इद्दत की तीन महीने की अवधि पूरी की जाए, तो यह स्थिति बहुत कम उत्पन्न होती है। तीन तलाक की प्रथा (जिसमें सभी तीन तलाक एक साथ दिए जाते हैं) हनफ़ी परंपरा (जो भारतीय उपमहाद्वीप में सुन्नी समुदाय में अधिकांश है) में मान्यता प्राप्त है। कभी-कभी क्रोध या विवाद के कारण पति सभी तीन तलाक एक साथ दे देता है, जिससे तलाक तुरंत अपरिवर्तनीय हो जाता है। शांत होने के बाद, यदि पति पुनः मेल-जोल चाहता है, तो पत्नी को पहले किसी अन्य पुरुष के साथ अस्थायी शादी (मुत'अह) और संभोग करना होगा, और तलाक प्राप्त करना होगा। इसके बाद ही वह अपने पहले पति के साथ फिर से मिल सकती है। **[इस प्रथा**

Waitha tallaqtumu alnnisaa fabalaghna ajalahunna faamsikoohunna bimaAAroofin aw sarrihoohunna bimaAAroofin wala tumsikoohunna diraran litaAAtadoo waman yafAAal thalika faqad thalama nafsahu wala tattakhithoo ayati Allahi huzuwan waothkuroo niAAmata Allahi AAalaykum wama anzala AAalaykum mina alkitabi waalhikmati yaAAithukum bihi waittaqoo Allaha waiAAlamoo anna Allaha bikulli shayin AAaleemun	The waiting period (Iddah) is to make sure paternity of child in case woman becomes pregnant. **[In sharia, the custody of Children after Divorce is as following: Boy - With mother until about 7 years old, then father becomes custodian. Girl - With mother until puberty or around 9–12 years, then father becomes custodian, or girl may be allowed to choose. The mother may lose custody if she remarries another man, or unable to care for the child.]**	And when you divorce women and they have [nearly] fulfilled their term, either retain them according to acceptable terms or release them according to acceptable terms, and do not keep them, intending harm, to transgress [against them]. And whoever does that has certainly wronged himself. And do not take the verses of Allah in jest. And remember the favor of Allah upon you and what has been revealed to you of the Book and wisdom by which He instructs you. And fear Allah and know that Allah is Knowing of all things.	2:231	और यदि जब तुम स्त्रियों को तलाक़ दे दो और वे अपनी निश्चित अवधि (इद्दत) को पहुँच जाएँ, जो सामान्य नियम के अनुसार उन्हें रोक लो या सामान्य नियम के अनुसार उन्हें विदा कर दो। और तुम उन्हें नुक़सान पहुँचाने के ध्येय से न रोको कि ज़्यादती करो। और जो ऐसा करेगा, तो उसने स्वयं अपने ही ऊपर ज़ुल्म किया। और अल्लाह की आयतों को परिहास का विषय न बनाओ, और अल्लाह की कृपा जो तुम पर हुई है उसे याद रखो और उस किताब और तत्वदर्शिता (हिकमत) को याद रखो जो उसने तुम पर उतारी है, जिसके द्वारा वह तुम्हें नसीहत करता है। और अल्लाह का डर रखो और भली-भाँति जान लो कि अल्लाह हर चीज को जाननेवाला है	इद्दत (प्रतीक्षा अवधि) यह सुनिश्चित करने के लिए होती है कि यदि महिला गर्भवती हो जाए, तो बच्चे की पिता का पता स्पष्ट हो सके। **[शरीयत के अनुसार, तलाक के बाद बच्चों की हिरासत इस प्रकार होती है: लड़का – लगभग 7 साल तक माँ के पास रहता है, उसके बाद पिता उसकी देखभाल का जिम्मेदार बन जाता है। लड़की – जन्म से लेकर किशोरावस्था तक या लगभग 9–12 साल तक माँ के पास रहती है, उसके बाद पिता उसकी देखभाल का जिम्मेदार बन जाता है, या लड़की को चुनाव करने की अनुमति दी जा सकती है। यदि माँ किसी अन्य पुरुष से पुनर्विवाह कर लेती है, या बच्चे की देखभाल करने में असमर्थ होती है, तो वह हिरासत खो सकती है।]**

Waitha tallaqtumu alnnisaa fabalaghna ajalahunna fala taAAduloohunna an yankihna azwajahunna itha taradaw baynahum bialmaAAroofi thalika yooAAathu bihi man kana minkum yuminu biAllahi waalyawmi alakhiri thalikum azka lakum waatharu waAllahu yaAAlamu waantum la taAAlamoona	This means 1st or 2nd divorce. Maqil ibn Yasar married his sister to a cousin. He then divorced her a revocable divorce, waited until her waiting period elapsed and came to ask for her hand. Then he said to him: I will never marry her to you. The woman however wanted to go back to her husband, and so this verse was revealed.	And when you divorce women and they have fulfilled their term, do not prevent them from remarrying their [former] husbands if they agree among themselves on an acceptable basis. That is instructed to whoever of you believes in Allah and the Last Day. That is better for you and purer, and Allah knows and you know not.	2:232	और जब तुम स्त्रियों को तलाक़ दे दो और वे अपनी निर्धारित अवधि (इद्दत) को पहुँच जाएँ, तो उन्हें अपने होनेवाले दूसरे पतियों से विवाह करने से न रोको, जबकि वे सामान्य नियम के अनुसार परस्पर रज़ामन्दी से मामला तय करें। यह नसीहत तुममें से उसको की जा रही है जो अल्लाह और अन्तिम दिन पर ईमान रखता है। यही तुम्हारे लिए ज़्यादा बरकतवाला और सुथरा तरीक़ा है। और अल्लाह जानता है, तुम नहीं जानते	इसका मतलब पहला या दूसरा तलाक है। मक़ील इब्न यासर ने अपनी बहन की शादी अपने चचेरे भाई से करवाई। इसके बाद उसने उसे एक (रद्द होने योग्य) तलाक दिया, प्रतीक्षा अवधि समाप्त होने तक इंतजार किया और फिर उसका हाथ मांगने आया। फिर उसने कहा: “मैं उसे कभी तुम्हारे साथ नहीं जोड़ूँगा।” लेकिन महिला अपने पति के पास लौटना चाहती थी, और तभी यह आयत प्रकट हुई।

Waalwalidatu yurdiAAna awladahunna hawlayni kamilayni liman arada an yutimma alrradaAAata waAAala almawloodi lahu rizquhunna wakiswatuhunna bialmaAAroofi la tukallafu nafsun illa wusAAaha la tudarra walidatun biwaladiha wala mawloodun lahu biwaladihi waAAala alwarithi mithlu thalika fain arada fisalan AAan taradin minhuma watashawurin fala junaha AAalayhima wain aradtum an tastardiAAoo	If the husband divorces his wife, with whom he had a child, and she suckles that child, he is required to provide for the mother's expenses and clothes within reason. And if you decide on a foster suckling-mother for your children, there is no sin on you, provided you pay (the mother) what you agreed (to give her) on a reasonable basis. Also see 65:6.	Mothers may breastfeed their children two complete years for whoever wishes to complete the nursing [period]. Upon the father is the mothers' provision and their clothing according to what is acceptable. No person is charged with more than his capacity. No mother should be harmed through her child, and no father through his child. And upon the [father's] heir is [a duty] like that [of the father]. And if they both desire weaning through mutual consent from both of them and consultation, there is no blame upon either of them. And if you wish to have your children nursed by a substitute, there is no blame upon you as long as	2:233	और जो कोई पूरी अवधि तक (बच्चे को) दूध पिलवाना चाहे, तो माएँ अपने बच्चों को पूरे दो वर्ष तक दूध पिलाएँ। और वह जिसका बच्चा है, सामान्य नियम के अनुसार उनके खाने और उनके कपड़े का ज़िम्मेदार है। किसी पर बस उसकी अपनी समाई भर ही ज़िम्मेदारी है, न तो कोई माँ अपने बच्चे के कारण (बच्चे के बाप को) नुक़सान पहुँचाए और न बाप अपने बच्चे के कारण (बच्चे की माँ को) नुक़सान पहुँचाए। और इसी प्रकार की ज़िम्मेदारी उसके वारिस पर भी आती है। फिर यदि दोनों पारस्परिक स्वेच्छा और परामर्श से दूध छुड़ाना चाहें तो उनपर कोई गुनाह नहीं। और यदि तुम अपनी संतान को किसी अन्य स्त्री से दूध पिलवाना चाहो तो इसमें भी तुम पर कोई गुनाह नहीं,	"यदि पति अपनी पत्नी को तलाक देता है, जिससे उसका कोई बच्चा है, और वह महिला उस बच्चे को स्तनपान कराती है, तो उसे माँ के खर्च और वस्त्रों का उचित प्रावधान करना आवश्यक है। और यदि आप अपने बच्चों के लिए किसी दाई (स्तनपान कराने वाली महिला) का चयन करते हैं, तो इस पर कोई पाप नहीं है, बशर्ते आप उसे उस राशि का भुगतान करें जिस पर आप दोनों ने उचित रूप से सहमति की हो। इसके संबंध में आयत 65:6 भी देखें।"

Waallatheena yutawaffawna minkum wayatharoona azwajan yatarabbasna bianfusihinna arbaAAata ashhurin waAAashran faitha balaghna ajalahunna fala junaha AAalaykum feema faAAalna fee anfusihinna bialmaAAroofi waAllahu bima taAAmaloona khabeerun	A man from Taif went to Medina. This man later died in Medina and his matter was reported to the Prophet. The Prophet gave reasonably to the man's parents and children but did not give anything to his wife. However, he ordered them to spend on her from her husband's bequest for a year. The wisdom of iddat is that during this period, it will become evident if she is pregnant. **[This Ayah (2:234) abrogates the Ayah (2:240) in terms of waiting period.]**	And those who are taken in death among you and leave wives behind - they, [the wives, shall] wait four months and ten [days]. And when they have fulfilled their term, then there is no blame upon you for what they do with themselves in an acceptable manner. And Allah is [fully] Acquainted with what you do.	2:234	और तुममें से जो लोग मर जाएँ और अपने पीछे पत्नियों छोड़ जाएँ, तो वे पत्नियों अपने-आपको चार महीने और दस दिन तक रोके रखें। फिर जब वे अपनी निर्धारित अवधि (इद्दत) को पहुँच जाएँ, तो सामान्य नियम के अनुसार वे अपने लिए जो कुछ करें, उसमें तुमपर कोई गुनाह नहीं। जो कुछ तुम करते हो, अल्लाह उसकी ख़बर रखता है	एक आदमी ताइफ से मदीना गया। यह व्यक्ति बाद में मदीना में मृत्यु हो गया और उसकी स्थिति पैग़म्बर मुहम्मद (स.) को बताई गई। पैग़म्बर मुहम्मद (स.) ने उस व्यक्ति के माता-पिता और बच्चों को उचित रूप से दिया, लेकिन उसकी पत्नी को कुछ नहीं दिया। हालांकि, उन्होंने आदेश दिया कि पति की वसीयत से एक वर्ष तक उसकी पत्नी पर खर्च किया जाए। इद्दत यह सुनिश्चित करने के लिए होती है कि इस अवधि के दौरान यह स्पष्ट हो जाएगा कि क्या महिला गर्भवती है। **[यह आयत (2:234) प्रतीक्षा अवधि के संदर्भ में आयत 2:240 को रद्द करती है।]**

Wala junaha AAalaykum feema AAarradtum bihi min khitbati alnnisai aw aknantum fee anfusikum AAalima Allahu annakum satathkuroonahunna walakin la tuwaAAidoohunna sirran illa an taqooloo qawlan maAAroofan wala taAAzimoo AAuqdata alnnikahi hatta yablugha alkitabu ajalahu waiAAlamoo anna Allaha yaAAlamu ma fee anfusikum faihtharoohu waiAAlamoo anna Allaha ghafoorun	This verse means one should not directly propose to a widow during the iddat periord; however, she can be indirectly proposed such as saying, "I desire someone like you."	There is no blame upon you for that to which you [indirectly] allude concerning a proposal to women or for what you conceal within yourselves. Allah knows that you will have them in mind. But do not promise them secretly except for saying a proper saying. And do not determine to undertake a marriage contract until the decreed period reaches its end. And know that Allah knows what is within yourselves, so beware of Him. And know that Allah is Forgiving and Forbearing.	2:235	और इसमें भी तुम पर कोई गुनाह नहीं जो तुम उन औरतों को विवाह के सन्देश सांकेतिक रूप से दो या अपने मन में छिपाए रखो। अल्लाह जानता है कि तुम उन्हें याद करोगे, परन्तु छिपकर उन्हें वचन न देना, सिवाय इसके कि सामान्य नियम के अनुसार कोई बात कह दो। और जब तक निर्धारित अवधि (इद्दत) पूरी न हो जाए, विवाह का नाता जोड़ने का निश्चय न करो। जान रखो कि अल्लाह तुम्हारे मन की बात भी जानता है। अतः उससे सावधान रहो और अल्लाह अत्यन्त क्षमा करनेवाला, सहनशील है	इस आयत का मतलब यह है कि इद्दत की अवधि में किसी विधवा को सीधे शादी का प्रस्ताव नहीं देना चाहिए; हालांकि, उसके लिए अप्रत्यक्ष प्रस्ताव देना संभव है, जैसे कि कहना: "मैं किसी ऐसे व्यक्ति की तलाश में हूँ जैसा आप हैं।"

La junaha AAalaykum in tallaqtumu alnnisaa ma lam tamassoohunna aw tafridoo lahunna fareedatan wamattiAAoohunna AAala almoosiAAi qadaruhu waAAala almuqtiri qadaruhu mataAAan bialmaAAroofi haqqan AAala almuhsineena	This verse allows divorce after the marriage contract but before the Mahr is specified and marriage is not consummated, a reasonable gift should be given to her. See Sahih Bukhari 5256.	There is no blame upon you if you divorce women you have not touched nor specified for them an obligation. But give them [a gift of] compensation - the wealthy according to his capability and the poor according to his capability - a provision according to what is acceptable, a duty upon the doers of good.	2:236	यदि तुम स्त्रियों को इस स्थिति मे तलाक़ दे दो कि यह नौबत पेश न आई हो कि तुमने उन्हें हाथ लगाया हो और उनका कुछ हक़ (महन) निश्चित किया हो, तो तुमपर कोई भार नहीं। हाँ, सामान्य नियम के अनुसार उन्हें कुछ ख़र्च दो - समाई रखनेवाले पर उसकी अपनी हैसियत के अनुसार और तंगदस्त पर उसकी अपनी हैसियत के अनुसार अनिवार्य है - यह अच्छे लोगों पर एक हक़ है	यह आयत उस स्थिति में तलाक की अनुमति देती है जब विवाह का अनुबंध तो हो गया हो लेकिन महर तय नहीं हुआ हो और शारीरिक संबंध नहीं बना हो; ऐसी स्थिति में महिला को उचित उपहार देना चाहिए। देखिए सहिह बुखारी 5256।

Wain tallaqtumoohunna min qabli an tamassoohunna waqad faradtum lahunna fareedatan fanisfu ma faradtum illa an yaAAfoona aw yaAAfuwa allathee biyadihi AAuqdatu alnnikahi waan taAAfoo aqrabu lilttaqwa wala tansawoo alfadla baynakum inna Allaha bima taAAmaloona baseerun	The Wife gets half of Her Mahr (promised dowry) if she is divorced before the Marriage is consummated, unless the women relieves the husband from financial responsibility	And if you divorce them before you have touched them and you have already specified for them an obligation, then [give] half of what you specified - unless they forego the right or the one in whose hand is the marriage contract foregoes it. And to forego it is nearer to righteousness. And do not forget graciousness between you. Indeed Allah, of whatever you do, is Seeing.	2:237	और यदि तुम उन्हें हाथ लगाने से पहले तलाक़ दे दो, किन्तु उसका महर-निश्चित कर चुके हो, तो जो महर तुमने निश्चित किया है उसका आधा अदा करना होगा, यह और बात है कि वे स्वयं छोड़ दे या पुरुष जिसके हाथ में विवाह का सूत्र है, वह नर्मी से काम ले (और महर पूरा अदा कर दे) । और यह कि तुम नर्मी से काम लो तो यह परहेज़गारी से ज़्यादा क़रीब है और तुम एक-दूसरे को हक़ से बढ़कर देना न भूलो। निश्चय ही अल्लाह उसे देख रहा है, जो तुम करते हो	यदि पत्नी को विवाह पूर्ण होने से पहले तलाक दिया जाए, तो वह अपने महर (प्रतिज्ञात दहेज) का आधा हिस्सा प्राप्त करती है, सिवाय इसके कि महिला अपने पति को आर्थिक जिम्मेदारी से मुक्त कर दे।
Hafithoo AAala alssalawati waalssalati alwusta waqoomoo lillahi qaniteena	**["the Middle Prayer" Islamic Scholars differ as to the correct meaning; however, majority consider it as Asr prayer; Also there is no mention of five prayers in a day.]**	Maintain with care the [obligatory] prayers and [in particular] the middle prayer and stand before Allah, devoutly obedient.	2:238	सदैव नमाज़ों की और अच्छी नमाज़ों की पाबन्दी करो, और अल्लाह के आगे पूरे विनीत और शान्तभाव से खड़े हुआ करो	**["मध्य प्रार्थना" – इस्लामी विद्वान इसके सही अर्थ पर भिन्न मत रखते हैं; हालाँकि अधिकांश इसे असर नमाज़ मानते हैं। इसके अलावा, दिन में पाँच नमाज़ों का कहीं उल्लेख नहीं है।]**

Fain khiftum farijalan aw rukbanan faitha amintum faothkuroo Allaha kama AAallamakum ma lam takoonoo taAAlamoona	x	And if you fear [an enemy, then pray] on foot or riding. But when you are secure, then remember Allah [in prayer], as He has taught you that which you did not [previously] know.	2:239	फिर यदि तुम्हें (शत्रु आदि का) भय हो, तो पैदल या सवार जिस तरह सम्भव हो नमाज़ पढ़ लो। फिर जब निश्चिन्त हो तो अल्लाह को उस प्रकार याद करो जैसाकि उसने तुम्हें सिखाया है, जिसे तुम नहीं जानते थे	x
Waallatheena yutawaffawna minkum wayatharoona azwajan wasiyyatan liazwajihim mataAAan ila alhawli ghayra ikhrajin fain kharajna fala junaha AAalaykum fee ma faAAalna fee anfusihinna min maAAroofin waAllahu	**[The waiting period of one year is abrogated by 4 months and 10 days (2:234); however this verse (2:240) abrogated the woman's Iddah confined to her family, and she may observe her Iddah wherever she wants (Hadith An-Nisai 3531)]**	And those who are taken in death among you and leave wives behind - for their wives is a bequest: maintenance for one year without turning [them] out. But if they leave [of their own accord], then there is no blame upon you for what they do with themselves in an acceptable way. And Allah is Exalted in Might and Wise.	2:240	और तुममें से जिन लोगों की मृत्यु हो जाए और अपने पीछे पत्नियों छोड़ जाए, अर्थात अपनी पत्नियों के हक़ में यह वसीयत छोड़ जाए कि घर से निकाले बिना एक वर्ष तक उन्हें ख़र्च दिया जाए, तो यदि वे निकल जाएँ तो अपने लिए सामान्य नियम के अनुसार वे जो कुछ भी करें उसमें तुम्हारे लिए कोई दोष नहीं। अल्लाह अत्यन्त प्रभुत्वशाली, तत्वदर्शी है	**[एक वर्ष की प्रतीक्षा अवधि को 4 महीने और 10 दिनों से रद्द कर दिया गया है (2:234); हालाँकि यह आयत (2:240) महिला की इद्दत को केवल अपने परिवार तक सीमित करने वाले नियम को रद्द कर देती है, और वह अपनी इद्दत जहां चाहे वहीं पूरी कर सकती है (हदीस अन-निसाई 3531)]**
Walilmutallaqati mataAAun bialmaAAroofi haqqan AAala almuttaqeena	**[But this is not clearly spelt here.]**	And for divorced women is a provision according to what is acceptable - a duty upon the righteous.	2:241	और तलाक़ पाई हुई स्त्रियों को सामान्य नियम के अनुसार (इद्दत की अवधि में) ख़र्च भी मिलना चाहिए। यह डर रखनेवालो पर एक हक़ है	**[लेकिन यह यहाँ स्पष्ट रूप से वर्णित नहीं किया गया है।]**

Kathalika yubayyinu Allahu lakum ayatihi laAAallakum taAAqiloona	**[Any reasonable man will know how vague these verses are.]**	Thus does Allah make clear to you His verses that you might use reason.	2:242	इस प्रकार अल्लाह तुम्हारे लिए अपनी आयतें खोलकर बयान करता है, ताकि तुम समझ से काम लो	**[कोई भी समझदार व्यक्ति जान सकता है कि ये आयतें कितनी अस्पष्ट हैं।]**
Alam tara ila allatheena kharajoo min diyarihim wahum oloofun hathara almawti faqala lahumu Allahu mootoo thumma ahyahum inna Allaha lathoo fadlin AAala alnnasi walakinna akthara alnnasi la yashkuroona	This verse is about four thousand persons who left their land to escape the plague; however, when reached a land Allah said to them: ("Die") and they all died. Afterwards, one of the Prophets passed by them and supplicated to Allah and Allah brought them back to life.	Have you not considered those who left their homes in many thousands, fearing death? Allah said to them, "Die"; then He restored them to life. And Allah is full of bounty to the people, but most of the people do not show gratitude.	2:243	क्या तुमने उन लोगों को नहीं देखा जो हज़ारों की संख्या में होने पर भी मृत्यु के भय से अपने घर-बार छोड़कर निकले थे? तो अल्लाह ने उनसे कहा, "मृत्यु प्राय हो जाओ तुम।" फिर उसने उन्हें जीवन प्रदान किया। अल्लाह तो लोगों के लिए उदार अनुग्राही है, किन्तु अधिकतर लोग कृतज्ञता नहीं दिखलाते	यह आयत उन चार हज़ार लोगों के बारे में है जो महामारी (प्लेग) से बचने के लिए अपनी भूमि छोड़कर चले गए थे। लेकिन जब वे एक स्थान पर पहुँचे, तो अल्लाह ने उनसे कहा: “मर जाओ,” और वे सभी मर गए। बाद में एक नबी वहाँ से गुज़रे और उन्होंने अल्लाह से दुआ की, तब अल्लाह ने उन्हें फिर से जीवित कर दिया।
Waqatiloo fee sabeeli Allahi waiAAlamoo anna Allaha sameeAAun AAaleemun	**[Muslims are commanded to fight for sake of Allah, as abandoning Jihad does not alter destiny .]**	And fight in the cause of Allah and know that Allah is Hearing and Knowing.	2:244	और अल्लाह के मार्ग में युद्ध करो और जान लो कि अल्लाह सब कुछ सुननेवाला, जाननेवाले है	**[मुसलमानों को अल्लाह के मार्ग में लड़ने का आदेश दिया गया है, क्योंकि जिहाद को छोड़ देने से तक़दीर (नियति) नहीं बदलती।]**
Man tha allathee yuqridu Allaha qardan hasanan fayudaAAifahu lahu adAAafan katheeratan waAllahu yaqbidu wayabsutu wailayhi	This verse encourages Muslims to spend their wealth in the way of Allah (in other words, helding needy, to propogate Islam).	Who is it that would loan Allah a goodly loan so He may multiply it for him many times over? And it is Allah who withholds and grants abundance, and to Him you will be returned.	2:245	कौन है जो अल्लाह को अच्छा ऋण दे कि अल्लाह उसे उसके लिए कई गुना बढ़ा दे? और अल्लाह ही तंगी भी देता है और कुशादगी भी प्रदान करता है, और उसी की ओर तुम्हें लौटना है	यह आयत मुसलमानों को अल्लाह के मार्ग में अपना धन खर्च करने के लिए प्रोत्साहित करती है (दूसरे शब्दों में, जरूरतमंदों की सहायता, इस्लाम के प्रसार के लिए)।

Alam tara ila almalai min banee israeela min baAAdi moosa ith qaloo linabiyyin lahumu ibAAath lana malikan nuqatil fee sabeeli Allahi qala hal AAasaytum in kutiba AAalaykumu alqitalu alla tuqatiloo qaloo wama lana alla nuqatila fee sabeeli Allahi waqad okhrijna min diyarina waabnaina falamma kutiba AAalayhimu alqitalu tawallaw illa qaleelan minhum waAllahu AAaleemun bialththalimeena	Only a few of Jews kept their promise, but the majority abandoned Jihad.	Have you not considered the assembly of the Children of Israel after [the time of] Moses when they said to a prophet of theirs, "Send to us a king, and we will fight in the way of Allah "? He said, "Would you perhaps refrain from fighting if fighting was prescribed for you?" They said, "And why should we not fight in the cause of Allah when we have been driven out from our homes and from our children?" But when fighting was prescribed for them, they turned away, except for a few of them. And Allah is Knowing of the wrongdoers.	2:246	क्या तुमने मूसा के पश्चात इसराईल की सन्तान के सरदारों को नहीं देखा, जब उन्होंने अपने एक नबी से कहा, "हमारे लिए एक सम्राट नियुक्त कर दो ताकि हम अल्लाह के मार्ग में युद्ध करें?" उसने कहा, "यदि तुम्हें लड़ाई का आदेश दिया जाए तो क्या तुम्हारे बारे में यह सम्भावना नहीं है कि तुम न लड़ो?" वे कहने लगे, "हम अल्लाह के मार्ग में क्यों न लड़े, जबकि हम अपने घरों से निकाल दिए गए है और अपने बाल-बच्चों से भी अलग कर दिए गए है?" - फिर जब उनपर युद्ध अनिवार्य कर दिया गया तो उनमें से थोड़े लोगों के सिवा सब फिर गए। और अल्लाह ज़ालिमों को भली-भाँति जानता है। -	केवल कुछ यहूदियों ने अपना वादा निभाया, लेकिन अधिकांश ने जिहाद को त्याग दिया।

Waqala lahum nabiyyuhum inna Allaha qad baAAatha lakum taloota malikan qaloo anna yakoonu lahu almulku AAalayna wanahnu ahaqqu bialmulki minhu walam yuta saAAatan mina almali qala inna Allaha istafahu AAalaykum wazadahu bastatan fee alAAilmi waaljismi waAllahu yutee mulkahu man yashao waAllahu wasiAAun	Talut = Saul; When the Israelites asked their Prophet to appoint a king over them, he appointed Talut (Saul), who was then a soldier or dyer. But, Talut was not a descendant of Yahudha (Judah). This is why Jews said: How can he be a king over us. **[This verse reminds that the Jews disbelieved in prophethood of Muhammad (pbuh) similiar to what they did with Saul, because their lineages were different.]**	And their prophet said to them, "Indeed, Allah has sent to you Saul as a king." They said, "How can he have kingship over us while we are more worthy of kingship than him and he has not been given any measure of wealth?" He said, "Indeed, Allah has chosen him over you and has increased him abundantly in knowledge and stature. And Allah gives His sovereignty to whom He wills. And Allah is all-Encompassing [in favor] and Knowing."	2:247	उनसे नबी ने उनसे कहा, "अल्लाह ने तुम्हारे लिए तालूत को सम्राट नियुक्त किया है।" बोले, "उसकी बादशाही हम पर कैसे हो सकती है, जबबकि हम उसके मुक़ाबले में बादशाही के ज़्यादा हक़दार है और जबकि उस माल की कुशादगी भी प्राप्त नहीं है?" उसने कहा, "अल्लाह ने तुम्हारे मुक़ाबले में उसको ही चुना है और उसे ज्ञान में और शारीरिक क्षमता में ज़्यादा कुशादगी प्रदान की है। अल्लाह जिसको चाहे अपना राज्य प्रदान करे। और अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है।"	तालूत = साऊल; जब इस्राएलियों ने अपने नबी से कहा कि वे उनके ऊपर एक राजा नियुक्त करें, तो उन्होंने तालूत (साऊल) को राजा नियुक्त किया, जो उस समय एक सैनिक या रंगरेज़ था। लेकिन तालूत, यहूदा (याहूधा) की संतान में से नहीं था। इसी कारण यहूदियों ने कहा: वह हमारे ऊपर राजा कैसे हो सकता है? **[यह आयत इस बात की याद दिलाती है कि जिस प्रकार यहूदियों ने साऊल को इसलिए अस्वीकार किया क्योंकि उसकी वंशावली अलग थी, उसी प्रकार उन्होंने पैग़म्बर मुहम्मद (स.) की पैग़म्बरी को भी नहीं माना।]**

Waqala lahum nabiyyuhum inna ayata mulkihi an yatiyakumu alttabootu feehi sakeenatun min rabbikum wabaqiyyatun mimma taraka alu moosa waalu haroona tahmiluhu almalaikatu inna fee thalika laayatan lakum in kuntum	Sakeena (Hebew word) = Assurance / Mercy. The angels came down while carrying the Tabut (Chest) between the sky and the earth, until they placed it before Saul while the people were watching and then they obeyed him.	And their prophet said to them, "Indeed, a sign of his kingship is that the chest will come to you in which is assurance from your Lord and a remnant of what the family of Moses and the family of Aaron had left, carried by the angels. Indeed in that is a sign for you, if you are believers."	2:248	उनके नबी ने उनसे कहा, "उसकी बादशाही की निशानी यह है कि वह संदूक तुम्हारे पर आ जाएगा, जिसमें तुम्हारे रह की ओर से सकीनत (प्रशान्ति) और मूसा के लोगों और हारून के लोगों की छोड़ी हुई यादगारें हैं, जिसको फ़रिश्ते उठाए हुए होंगे। यदि तुम ईमानवाले हो तो, निस्संदेह इसमें तुम्हारे लिए बड़ी निशानी है।"	सकीना (हिब्रू शब्द) = आश्वासन / दया। फ़रिश्ते आकाश और पृथ्वी के बीच ताबूत (सन्दूक) को उठाकर नीचे आए, यहाँ तक कि उन्होंने उसे लोगों के देखते-देखते साऊल के सामने रख दिया, और तब लोगों ने उसकी आज्ञा का पालन किया।

Falamma fasala talootu bialjunoodi qala inna Allaha mubtaleekum binaharin faman shariba minhu falaysa minnee waman lam yatAAamhu fainnahu minnee illa mani ightarafa ghurfatan biyadihi fashariboo minhu illa qaleelan minhum falamma jawazahu huwa waallatheena amanoo maAAahu qaloo la taqata lana alyawma bijaloota wajunoodihi qala allatheena yathunnoona annahum mulaqoo Allahi kam min fiatin qaleelatin	The river test is also mentioned in the story of Gideon (Judges 7:4-7). The soldiers were only allowed to take some amount of river's water in the hollow of his hand; however, those who drank freely from it could not cross the river. **[This verse says that a small group of devoted people can overcome a mighty host by Allah's leave.]**	And when Saul went forth with the soldiers, he said, "Indeed, Allah will be testing you with a river. So whoever drinks from it is not of me, and whoever does not taste it is indeed of me, excepting one who takes [from it] in the hollow of his hand." But they drank from it, except a [very] few of them. Then when he had crossed it along with those who believed with him, they said, "There is no power for us today against Goliath and his soldiers." But those who were certain that they would meet Allah said, "How many a small company has overcome a large company by permission of Allah. And Allah is with the patient."	2:249	फिर तब तालूत सेनाएँ लेकर चला तो उनने कहा, "अल्लाह निश्चित रूप से एक नदी द्वारा तुम्हारी परीक्षा लेनेवाला है। तो जिसने उसका पानी पी लिया, वह मुझमें से नहीं है और जिसने उसको नहीं चखा, वही मुझमें से है। यह और बात है कि कोई अपने हाथ से एक चुल्लू भर ले ले।" फिर उनमें से थोड़े लोगों के सिवा सभी ने उसका पानी पी लिया, फिर जब तालूत और ईमानवाले जो उसके साथ थे नदी पार कर गए तो कहने लगे, "आज हममें जालूत और उसकी सेनाओं का मुक़ाबला करने की शक्ति नहीं हैं।" इस पर लोगों ने, जो समझते थे कि उन्हें अल्लाह से मिलना है, कहा, "कितनी ही बार एक छोटी-सी टुकड़ी ने अल्लाह की अनुज्ञा से एक बड़े गिरोह	नदी की परीक्षा का उल्लेख गिदोन की कथा में भी मिलता है (जजेज़ 7:4–7)। सैनिकों को केवल अपने हाथ की हथेली में थोड़ा-सा नदी का पानी लेने की अनुमति थी; लेकिन जिन्होंने उससे खुलकर पानी पिया, वे नदी पार नहीं कर सके। **[यह आयत बताती है कि समर्पित लोगों का एक छोटा समूह भी अल्लाह की अनुमति से एक बड़ी सेना पर विजय प्राप्त कर सकता है।]**

Walamma barazoo lijaloota wajunoodihi qaloo rabbana afrigh AAalayna sabran wathabbit aqdamana waonsurna AAala alqawmi alkafireena	x	And when they went forth to [face] Goliath and his soldiers, they said, "Our Lord, pour upon us patience and plant firmly our feet and give us victory over the disbelieving people."	2:250	और जब वे जालूत और उसकी सेनाओं के मुक़ाबले पर आए तो कहा, "ऐ हमारे रब! हमपर धैर्य उडेल दे और हमारे क़दम जमा दे और इनकार करनेवाले लोगों पर हमें विजय प्रदान कर।"	x
Fahazamoohum biithni Allahi waqatala dawoodu jaloota waatahu Allahu almulka waalhikmata waAAallamahu mimma yashao walawla dafAAu Allahi alnnasa baAAdahum bibaAAdin lafasadati alardu walakinna Allaha thoo fadlin AAala alAAalameena	**[Allah punishes disbelievers by hand of believers.]**	So they defeated them by permission of Allah, and David killed Goliath, and Allah gave him the kingship and prophethood and taught him from that which He willed. And if it were not for Allah checking [some] people by means of others, the earth would have been corrupted, but Allah is full of bounty to the worlds.	2:251	अन्ततः अल्लाह की अनुज्ञा से उन्होंने उनको पराजित कर दिया और दाऊद ने जालूत को क़त्ल कर दिया, और अल्लाह ने उसे राज्य और तत्वदर्शिता (हिकमत) प्रदान की, जो कुछ वह (दाऊद) चाहे, उससे उसको अवगत कराया। और यदि अल्लाह मनुष्यों के एक गिरोह को दूसरे गिरोह के द्वारा हटाता न रहता तो धरती की व्यवस्था बिगड़ जाती, किन्तु अल्लाह संसारवालों के लिए उदार अनुग्राही है	**[अल्लाह अविश्वासियों को मोमिनों के हाथों दंड देता है।]**
Tilka ayatu Allahi natlooha AAalayka bialhaqqi wainnaka lamina almursaleena	x	These are the verses of Allah which We recite to you, [O Muhammad], in truth. And indeed, you are from among the	2:252	ये अल्लाह की सच्ची आयतें है जो हम तुम्हें (सोद्देश्य) सुना रहे है और निश्चय ही तुम उन लोगों में से हो, जो रसूस बनाकर भेजे गए है	x

Tilka alrrusulu faddalna baAAdahum AAala baAAdin minhum man kallama Allahu warafaAAa baAAdahum darajatin waatayna AAeesa ibna maryama albayyinati waayyadnahu biroohi alqudusi walaw shaa Allahu ma iqtatala allatheena min baAAdihim min baAAdi ma jaathumu albayyinatu walakini ikhtalafoo faminhum man amana waminhum man kafara walaw	If Allah had willed, the nations would have believed the prophets sent to them, but this was not his will. **[It would have been interesting to know why he sent prophets while willing that they not be believed, but this is left unexplained. Contradiction: All prophets equal 2:285; no, they have grades 2:253, 17:55]**	Those messengers - some of them We caused to exceed others. Among them were those to whom Allah spoke, and He raised some of them in degree. And We gave Jesus, the Son of Mary, clear proofs, and We supported him with the Pure Spirit. If Allah had willed, those [generations] succeeding them would not have fought each other after the clear proofs had come to them. But they differed, and some of them believed and some of them disbelieved. And if Allah had willed, they would not have fought each other, but Allah does what He intends.	2:253	ये रसूल ऐसे हुए है कि इनमें हमने कुछ को कुछ पर श्रेष्ठता प्रदान की। इनमें कुछ से तो अल्लाह ने बातचीत की और इनमें से कुछ को दर्जों की स्पष्ट से उच्चता प्रदान की। और मरयम के बेटे ईसा को हमने खुली निशानियाँ दी और पवित्र आत्मा से उसकी सहायता की। और यदि अल्लाह चाहता तो वे लोग, जो उनके पश्चात हुए, खुली निशानियाँ पा लेने के बाद परस्पर न लड़ते। किन्तु वे विभेद में पड़ गए तो उनमें से कोई तो ईमान लाया और उनमें से किसी ने इनकार की नीति अपनाई। और यदि अल्लाह चाहता तो वे परस्पर न लड़ते, परन्तु अल्लाह जो चाहता है, करता है	यदि अल्लाह चाहता, तो जिन क़ौमों के पास नबी भेजे गए थे वे उन पर ईमान ले आतीं, लेकिन यह उसकी इच्छा नहीं थी। **[यह जानना रोचक होता कि जब वह यह चाहता ही नहीं था कि उन पर ईमान लाया जाए, तो फिर नबी क्यों भेजे गए—लेकिन इसका स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है। विरोधाभास: सभी नबी समान हैं (2:285); नहीं, उनके अलग-अलग दर्जे हैं (2:253, 17:55) l]**

Ya ayyuha allatheena amanoo anfiqoo mimma razaqnakum min qabli an yatiya yawmun la bayAAun feehi wala khullatun wala shafaAAatun waalkafiroona humu	**[See the next verse: Allah permits intercession for some.]**	O you who have believed, spend from that which We have provided for you before there comes a Day in which there is no exchange and no friendship and no intercession. And the disbelievers - they are the wrongdoers.	2:254	ऐ ईमान लानेवालो! हमने जो कुछ तुम्हें प्रदान किया है उसमें से ख़र्च करो, इससे पहले कि वह दिन आ जाए जिसमें न कोई क्रय-विक्रय होगा और न कोई मित्रता होगी और न कोई सिफ़ारिश। ज़ालिम वही है, जिन्होंने इनकार की नीति अपनाई है	**[अगली आयत देखें: अल्लाह कुछ के लिए सिफ़ारिश (शफ़ाअत) की अनुमति देता है।]**

Allahu la ilaha illa huwa alhayyu alqayyoomu la takhuthuhu sinatun wala nawmun lahu ma fee alssamawati wama fee alardi man tha allathee yashfaAAu AAindahu illa biithnihi yaAAlamu ma bayna aydeehim wama khalfahum wala yuheetoona bishayin min AAilmihi illa bima shaa wasiAAa kursiyyuhu alssamawati waalarda wala yaooduhu hifthuhuma wahuwa alAAaliyyu	This is known as the Verse of Throne (Ayat al-Kursi). **[Who is speaking; Allah knows the past, present and future; Contradiction: Man has Freewill 18:29, 76:3, 81:26-28; Everything is decided by Allah: 2:255, 10:100, 18:74, 18:80–81, 57:22, See Sahih Bukhari 3332, Sahih Muslim 2653; Contradiction: No intercession accepted (2:48, 2:123, 6:51, 6:94, 23:101, 32:4, 39:43-44, 42:46). Intercession is accepted with Allah's permission (2:255, 4:64, 10:3, 19:87, 20:109, 21:28, 34:23, 53:26)]**	Allah - there is no deity except Him, the Ever-Living, the Sustainer of [all] existence. Neither drowsiness overtakes Him nor sleep. To Him belongs whatever is in the heavens and whatever is on the earth. Who is it that can intercede with Him except by His permission? He knows what is [presently] before them and what will be after them, and they encompass not a thing of His knowledge except for what He wills. His Kursi extends over the heavens and the earth, and their preservation tires Him not. And He is the Most High, the Most Great.	2:255	अल्लाह कि जिसके सिवा कोई पूज्य-प्रभु नहीं, वह जीवन्त-सत्ता है, सबको सँभालने और क़ायम रखनेवाला है। उसे न ऊँघ लगती है और न निद्रा। उसी का है जो कुछ आकाशों में है और जो कुछ धरती में है। कौन है जो उसके यहाँ उसकी अनुमति के बिना सिफ़ारिश कर सके? वह जानता है जो कुछ उनके आगे है और जो कुछ उनके पीछे है। और वे उसके ज्ञान में से किसी चीज़ पर हावी नहीं हो सकते, सिवाय उसके जो उसने चाहा। उसकी कुर्सी (प्रभुता) आकाशों और धरती को व्याप्त है और उनकी सुरक्षा उसके लिए तनिक भी भारी नहीं और वह उच्च, महान है	यह आयत "आयतुल कुरसी" (आयत अल-कुर्सी) के नाम से जानी जाती है। **[यहाँ कौन बोल रहा है; अल्लाह भूत, वर्तमान और भविष्य सब जानता है; विरोधाभास: मनुष्य के पास स्वतंत्र इच्छा है 18:29, 76:3, 81:26-28; जबकि सब कुछ अल्लाह द्वारा तय किया गया है: 2:255, 10:100, 18:74, 18:80–81, 57:22, देखें सहीह बुखारी 3332, सहीह मुस्लिम 2653; विरोधाभास: कोई शफ़ाअत (सिफ़ारिश) स्वीकार नहीं की जाएगी (2:48, 2:123, 6:51, 6:94, 23:101, 32:4, 39:43-44, 42:46), जबकि शफ़ाअत केवल अल्लाह की अनुमति से स्वीकार की जाती है (2:255, 4:64, 10:3, 19:87, 20:109, 21:28, 34:23, 53:26)]**

La ikraha fee alddeeni qad tabayyana alrrushdu mina alghayyi faman yakfur bialttaghooti wayumin biAllahi faqadi istamsaka bialAAurwati alwuthqa la infisama laha waAllahu sameeAAun AAaleemun	A man from the Ansar had two sons who had converted to Christianity before the migration of the Prophet, (pbuh) to Medina. These two sons came to Medina along a group of Christians to trade in food. Their father went to them and refused to leave them until they become Muslim. They refused to become Muslim and they all went to the Messenger of Allah (pbuh) to settle their dispute. The father said: O Messenger of Allah! How can I leave a part of me enter hell fire while I just sit and look? This verse was then revealed after which he let them go. **[Taghut is an Ethiopic word, according to Tafsir al-Jalalayn , it means Shaytan or idols; Abrogated by later Jihadi verses: 2:191, 2:193, 3:28, 3:85, 5:33, 5:72, 8:12, 8:39, 8:60, 9:5, 9:14, 9:29, 9:33, 9:73, 9:123, 25:36, 25:52,**	There shall be no compulsion in [acceptance of] the religion. The right course has become clear from the wrong. So whoever disbelieves in Taghut and believes in Allah has grasped the most trustworthy handhold with no break in it. And Allah is Hearing and Knowing.	2:256	धर्म के विषय में कोई ज़बरदस्ती नहीं। सही बात नासमझी की बात से अलग होकर स्पष्ट हो गई है। तो अब जो कोई बढ़े हुए सरकश को ठुकरा दे और अल्लाह पर ईमान लाए, उसने ऐसा मज़बूत सहारा थाम लिया जो कभी टूटनेवाला नहीं। अल्लाह सब कुछ सुनने, जाननेवाला है	अंसार में से एक व्यक्ति के दो बेटे थे, जो पैग़म्बर मुहम्मद (स.) के मदीना हिजरत करने से पहले ही ईसाई बन चुके थे। ये दोनों बेटे कुछ ईसाइयों के साथ खाने-पीने के सामान का व्यापार करने के लिए मदीना आए। उनके पिता उनके पास गए और तब तक उन्हें छोड़ने से इंकार कर दिया जब तक वे मुसलमान न बन जाएँ। लेकिन उन्होंने मुसलमान बनने से इंकार कर दिया। तब वे अपना विवाद सुलझाने के लिए अल्लाह के रसूल (स.) के पास गए। पिता ने कहा: “ऐ अल्लाह के रसूल! मैं अपने ही एक हिस्से को जहन्नम में जाते हुए कैसे छोड़ दूँ, जबकि मैं बैठा देखता रहूँ?” तब यह आयत नाज़िल हुई, जिसके बाद उसने उन्हें जाने दिया। **[ताग़ूत एक इथियोपिक शब्द है, तफ़्सीर अल-जलालैन के अनुसार इसका अर्थ शैतान या मूर्तियाँ है; बाद में आने वाली जिहाद से संबंधित आयतों द्वारा इसे निरस्त माना गया: 2:191, 2:193, 3:28, 3:85, 5:33, 5:72, 8:12, 8:39, 8:60, 9:5, 9:14, 9:29, 9:33, 9:73, 9:123, 25:36,**

Allahu waliyyu allatheena amanoo yukhrijuhum mina alththulumati ila alnnoori waallatheena kafaroo awliyaohumu alttaghootu yukhrijoonahum mina alnnoori ila alththulumati olaika ashabu alnnari hum	x	Allah is the ally of those who believe. He brings them out from darknesses into the light. And those who disbelieve - their allies are Taghut. They take them out of the light into darknesses. Those are the companions of the Fire; they will abide eternally therein.	2:257	जो लोग ईमान लाते है, अल्लाह उनका रक्षक और सहायक है। वह उन्हें अँधेरों से निकालकर प्रकाश की ओर ले जाता है। रहे वे लोग जिन्होंने इनकार किया तो उनके संरक्षक बढ़े हुए सरकश है। वे उन्हें प्रकाश से निकालकर अँधेरों की ओर ले जाते है। वही आग (जहन्नम) में पड़नेवाले है। वे उसी में सदैव रहेंगे	x
Alam tara ila allathee hajja ibraheema fee rabbihi an atahu Allahu almulka ith qala ibraheemu rabbiya allathee yuhyee wayumeetu qala ana ohyee waomeetu qala ibraheemu fainna Allaha yatee bialshshamsi mina almashriqi fati biha mina almaghribi fabuhita allathee kafara waAllahu la yahdee alqawma	The king who disputed with Abraham was King Nimrod, who denied the existence of a god other than himself. **[Rather than showing a miracle or sign, the disbelievers are asked to perform an impossible task.]**	Have you not considered the one who argued with Abraham about his Lord [merely] because Allah had given him kingship? When Abraham said, "My Lord is the one who gives life and causes death," he said, "I give life and cause death." Abraham said, "Indeed, Allah brings up the sun from the east, so bring it up from the west." So the disbeliever was overwhelmed [by astonishment], and Allah does not guide the wrongdoing people.	2:258	क्या तुमने उनको नहीं देखा, जिसने इबराहीम से उसके 'रब' के सिलसिले में झगड़ा किया था, इस कारण कि अल्लाह ने उसको राज्य दे रखा था? जब इबराहीम ने कहा, "मेरा 'रब' वह है जो जिलाता और मारता है।" उसने कहा, "मैं भी तो जिलाता और मारता हूँ।" इबराहीम ने कहा, "अच्छा तो अल्लाह सूर्य को पूरब से लाता है, तो तू उसे पश्चिम से ले आ।" इसपर वह अधर्मी चकित रह गया। अल्लाह ज़ालिम लोगों को सीधा मार्ग नहीं दिखाता	इब्राहीम से वाद-विवाद करने वाला राजा निमरूद था, जिसने अपने सिवा किसी अन्य ईश्वर के अस्तित्व से इंकार किया। **[खुद किसी चमत्कार या निशानी को दिखाने के बजाय, अविश्वासियों से एक असंभव कार्य करने को कहा जाता है।]**

Aw kaallathee marra AAala qaryatin wahiya khawiyatun AAala AArooshiha qala anna yuhyee hathihi Allahu baAAda mawtiha faamatahu Allahu miata AAamin thumma baAAathahu qala kam labithta qala labithtu yawman aw baAAda yawmin qala bal labithta miata AAamin faonthur ila taAAamika washarabika lam yatasannah waonthur ila himarika walinajAAalaka ayatan lilnnasi waonthur ila alAAithami kayfa	Uzayr said: How will Allah ever bring it to life after its death. So Allah caused him to die for a hundred years. The city was rebuilt seventy years after Uzayr has died, and its inhabitants increased. When Allah raised him again, he observed the bones of his donkey. Then Allah sent a wind that collected all the bones to form a completly organized skeleton. Then these bones were covered by flesh, nerves, veins and skin. Finally Allah sent an angel who blew life in the donkeys' nostrils, and the donkey started to bray.	Or [consider such an example] as the one who passed by a township which had fallen into ruin. He said, "How will Allah bring this to life after its death?" So Allah caused him to die for a hundred years; then He revived him. He said, "How long have you remained?" The man said, "I have remained a day or part of a day." He said, "Rather, you have remained one hundred years. Look at your food and your drink; it has not changed with time. And look at your donkey; and We will make you a sign for the people. And look at the bones [of this donkey] - how We raise them and then We cover them with flesh." And when it became clear to him, he	2:259	या उस जैसे (व्यक्ति) को नहीं देखा, जिसका एक ऐसी बस्ती पर से गुज़र हुआ, जो अपनी छतों के बल गिरी हुई थी। उसने कहा, "अल्लाह इसके विनष्ट हो जाने के पश्चात इसे किस प्रकार जीवन प्रदान करेगा?" तो अल्लाह ने उसे सौ वर्ष की मृत्यु दे दी, फिर उसे उठा खड़ा किया। कहा, "तू कितनी अवधि तक इस अवस्था नें रहा।" उसने कहा, "मैं एक या दिन का कुछ हिस्सा रहा।" कहा, "नहीं, बल्कि तू सौ वर्ष रहा है। अब अपने खाने और पीने की चीज़ों को देख ले, उन पर समय का कोई प्रभाव नहीं, और अपने गधे को भी देख, और यह इसलिए कह रहे है ताकि हम तुझे लोगों के लिए एक निशानी बना दें और हड्डियों को देख कि किस प्रकार हम उन्हें उभारते है, फिर,	उज़ैर ने कहा: “अल्लाह इसकी मृत्यु के बाद इसे फिर कैसे जीवित करेगा?” तब अल्लाह ने उन्हें सौ वर्षों के लिए मृत्यु दे दी। जिस नगर में उज़ैर थे, मृत्यु के सत्तर वर्ष बाद फिर से बस गया और उसके निवासी बढ़ गए। जब अल्लाह ने उज़ैर को पुनः जीवित किया, तो उन्होंने अपने गधे की हड्डियों को देखा। फिर अल्लाह ने एक हवा भेजी जिसने सभी हड्डियों को इकट्ठा कर दिया और उनसे एक पूरी तरह व्यवस्थित कंकाल बना दिया। इसके बाद उन हड्डियों पर मांस, नसें, रगें और त्वचा चढ़ा दी गईं। अंत में अल्लाह ने एक फ़रिश्ता भेजा जिसने गधे की नथुनों में जीवन फूँक दिया, और वह गधा रेंकने लगा।

Waith qala ibraheemu rabbi arinee kayfa tuhyee almawta qala awalam tumin qala bala walakin liyatmainna qalbee qala fakhuth arbaAAatan mina alttayri fasurhunna ilayka thumma ijAAal AAala kulli jabalin minhunna juzan thumma odAAuhunna yateenaka saAAyan waiAAlam anna Allaha AAazeezun	Now the topic changed to Prophet Abraham. He asked Allah: how He brings the dead back to life. **[The dead birds were made alive.]**	And [mention] when Abraham said, "My Lord, show me how You give life to the dead." [Allah] said, "Have you not believed?" He said, "Yes, but [I ask] only that my heart may be satisfied." [Allah] said, "Take four birds and commit them to yourself. Then [after slaughtering them] put on each hill a portion of them; then call them - they will come [flying] to you in haste. And know that Allah is Exalted in Might and Wise."	2:260	और याद करो जब इबराहीम ने कहा, "ऐ मेरे रब! मुझे दिखा दे, तू मुर्दों को कैसे जीवित करेगा?" कहा," क्या तुझे विश्वास नहीं?" उसने कहा,"क्यों नहीं, किन्तु निवेदन इसलिए है कि मेरा दिल संतुष्ट हो जाए।" कहा, "अच्छा, तो चार पक्षी ले, फिर उन्हें अपने साथ भली-भाँति हिला-मिला से, फिर उनमें से प्रत्येक को एक-एक पर्वत पर रख दे, फिर उनको पुकार, वे तेरे पास लपककर आएँगे। और जान ले कि अल्लाह अत्यन्त प्रभुत्वशाली, तत्वदर्शी है।"	अब विषय पैग़म्बर इब्राहीम की ओर बदल जाता है। उन्होंने अल्लाह से पूछा कि वह मृतकों को किस प्रकार फिर से जीवित करता है। **[मरे हुए पक्षियों को फिर से जीवित कर दिया गया।]**
Mathalu allatheena yunfiqoona amwalahum fee sabeeli Allahi kamathali habbatin anbatat sabAAa sanabila fee kulli sunbulatin miatu habbatin waAllahu yudaAAifu liman yashao waAllahu wasiAAun AAaleemun	A man once gave away a camel, with its bridle on, in the cause of Allah and the Messenger of Allah said, on the Day of Resurrection, you will have seven hundred camels with their bridles.	The example of those who spend their wealth in the way of Allah is like a seed [of grain] which grows seven spikes; in each spike is a hundred grains. And Allah multiplies [His reward] for whom He wills. And Allah is all-Encompassing and Knowing.	2:261	जो लोग अपने माल अल्लाह के मार्ग में ख़र्च करते है, उनकी उपमा ऐसी है, जैसे एक दाना हो, जिससे सात बालें निकलें और प्रत्येक बाल में सौ दाने हो। अल्लाह जिसे चाहता है बढ़ोतरी प्रदान करता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, जाननेवाला है	एक व्यक्ति ने अल्लाह की राह में लगाम सहित एक ऊँट दान कर दिया। इस पर अल्लाह के रसूल, पैग़म्बर मुहम्मद (स.) ने कहा: क़यामत के दिन तुम्हें लगाम सहित सात सौ ऊँट मिलेंगे।

Allatheena yunfiqoona amwalahum fee sabeeli Allahi thumma la yutbiAAoona ma anfaqoo mannan wala athan lahum ajruhum AAinda rabbihim wala khawfun AAalayhim wala hum yahzanoona	This verse was revealed about Uthman ibn Affan and Abd al-Rahman ibn Awf who gave good amount of money as charity to prophet (pbuh). The he said: Upon me is the equipment of anyone who has no equipment for the Battle of Tabuk. And so he equipped the Muslims with one thousand camels with their hunches and saddle blankets and also gave to charity a well that he owned.	Those who spend their wealth in the way of Allah and then do not follow up what they have spent with reminders [of it] or [other] injury will have their reward with their Lord, and there will be no fear concerning them, nor will they grieve.	2:262	जो लोग अपने माल अल्लाह के मार्ग में ख़र्च करते है, फिर ख़र्च करके उसका न एहसान जताते है और न दिल दुखाते है, उनका बदला उनके अपने रब के पास है। और न तो उनके लिए कोई भय होगा और न वे दुखी होंगे	यह आयत उस्मान इब्न अफ़्फ़ान और अब्दुर्रहमान इब्न औफ़ के बारे में नाज़िल हुई, जिन्होंने पैग़म्बर मुहम्मद (स.) को बहुत-सा धन सदक़ा के रूप में दिया। उस्मान ने कहा: जिसके पास ग़ज़वा-ए-तबूक के लिए कोई सामान नहीं है, उसके उपकरण की ज़िम्मेदारी मुझ पर है। इस प्रकार उन्होंने मुसलमानों के लिए काठी और कंबलों सहित एक हज़ार ऊँटों की व्यवस्था की, और अपने स्वामित्व का एक कुआँ भी दान कर दिया।
Qawlun maAAroofun wamaghfiratun khayrun min sadaqatin yatbaAAuha athan waAllahu ghaniyyun	x	Kind speech and forgiveness are better than charity followed by injury. And Allah is Free of need and Forbearing.	2:263	एक भली बात कहनी और क्षमा से काम लेना उस सदक़े से अच्छा है, जिसके पीछे दुख हो। और अल्लाह अत्यन्कृत निस्पृह (बेनियाज़), सहनशील है	x

Ya ayyuha allatheena amanoo la tubtiloo sadaqatikum bialmanni waalatha kaallathee yunfiqu malahu riaa alnnasi wala yuminu biAllahi waalyawmi alakhiri famathaluhu kamathali safwanin AAalayhi turabun faasabahu wabilun fatarakahu saldan la yaqdiroona AAala shayin mimma kasaboo waAllahu la yahdee alqawma alkafireena	Allah praises those who spend in His cause, and then refrain from reminding those who received the charity. Also causing harm to those whom they gave the charity will annul the charity.	O you who have believed, do not invalidate your charities with reminders or injury as does one who spends his wealth [only] to be seen by the people and does not believe in Allah and the Last Day. His example is like that of a [large] smooth stone upon which is dust and is hit by a downpour that leaves it bare. They are unable [to keep] anything of what they have earned. And Allah does not guide the disbelieving people.	2:264	ऐ ईमानवालो! अपने सदक़ो को एहसान जताकर और दुख देकर उस व्यक्ति की तरह नष्ट न करो जो लोगों को दिखाने के लिए अपना माल ख़र्च करता है और अल्लाह और अंतिम दिन पर ईमान नहीं रखता। तो उसकी हालत उस चट्टान जैसी है जिसपर कुछ मिट्टी पड़ी हुई थी, फिर उस पर ज़ोर की वर्षा हुई और उसे साफ़ चट्टान की दशा में छोड़ गई। ऐसे लोग अपनी कमाई कुछ भी प्राप्त नहीं करते। और अल्लाह इनकार की नीति अपनानेवालों को मार्ग नहीं दिखाता	अल्लाह उन लोगों की प्रशंसा करता है जो उसकी राह में खर्च करते हैं और फिर जिनको उन्होंने दान दिया है, उन्हें इसका एहसान नहीं जताते। साथ ही, जिन लोगों को दान दिया गया है उन्हें कष्ट पहुँचाना भी उस दान को निष्फल कर देता है।

Wamathalu allatheena yunfiqoona amwalahumu ibtighaa mardati Allahi watathbeetan min anfusihim kamathali jannatin birabwatin asabaha wabilun faatat okulaha diAAfayni fain lam yusibha wabilun fatallun waAllahu bima taAAmaloona	The verse indicates that believer's good deed is like a fertile garden, for if it recieves heavy rain its yields double and only hit by drizzles, then also it produces well.	And the example of those who spend their wealth seeking means to the approval of Allah and assuring [reward for] themselves is like a garden on high ground which is hit by a downpour - so it yields its fruits in double. And [even] if it is not hit by a downpour, then a drizzle [is sufficient]. And Allah, of what you do, is Seeing.	2:265	और जो लोग अपने माल अल्लाह की प्रसन्नता के संसाधनों की तलब में और अपने दिलों को जमाव प्रदान करने के कारण ख़र्च करते है उनकी हालत उस बाग़ की तरह है जो किसी अच्छी और उर्वर भूमि पर हो। उस पर घोर वर्षा हुई तो उसमें दुगुने फल आए। फिर यदि घोर वर्षा उस पर नहीं हुई, तो फुहार ही पर्याप्त होगी। तुम जो कुछ भी करते हो अल्लाह उसे देख रहा है	यह आयत संकेत करती है कि मोमिन का नेक कर्म एक उपजाऊ बाग़ के समान है; यदि उस पर तेज़ बारिश हो तो उसकी उपज दुगुनी हो जाती है, और यदि केवल हल्की फुहार ही पड़े तब भी वह अच्छी पैदावार देता है।

Ayawaddu ahadukum an takoona lahu jannatun min nakheelin waaAAnabin tajree min tahtiha alanharu lahu feeha min kulli alththamarati waasabahu alkibaru walahu thurriyyatun duAAafao faasabaha iAAsarun feehi narun faihtaraqat kathalika yubayyinu Allahu lakumu alayati laAAallakum	This is the condition of the disbeliever on the Day of Resurrection, for he will not have any good deeds to provide a refuge for him, just as the man in the parable had no strength to replant the garden.	Would one of you like to have a garden of palm trees and grapevines underneath which rivers flow in which he has from every fruit? But he is afflicted with old age and has weak offspring, and it is hit by a whirlwind containing fire and is burned. Thus does Allah make clear to you [His] verses that you might give thought.	2:266	क्या तुममें से कोई यह चाहेगा कि उसके पास ख़जूरों और अंगूरों का एक बाग़ हो, जिसके नीचे नहरें बह रही हो, वहाँ उसे हर प्रकार के फल प्राप्त हो और उसका बुढ़ापा आ गया हो और उसके बच्चे अभी कमज़ोर ही हों कि उस बाग़ पर एक आग भरा बगूला आ गया, और वह जलकर रह गया? इस प्रकार अल्लाह तुम्हारे सामने आयतें खोल-खोलकर बयान करता है, ताकि सोच-विचार करो	क़यामत के दिन अविश्वासी की यही स्थिति होगी, क्योंकि उसके पास ऐसा कोई नेक कर्म नहीं होगा जो उसे सहारा दे सके, ठीक वैसे ही जैसे उदाहरण में उस व्यक्ति के पास अपने बाग़ को फिर से लगाने की कोई शक्ति नहीं थी।
Ya ayyuha allatheena amanoo anfiqoo min tayyibati ma kasabtum wamimma akhrajna lakum mina alardi wala tayammamoo alkhabeetha minhu tunfiqoona walastum biakhitheehi illa an tughmidoo feehi waiAAlamoo anna	The Prophet (pbuh) commanded that the Zakat al-Fitr was to be one measure (Sa') of dates. One man brought low quality dates, as a result of which this verse was revealed. Allah commands to spend from the pure and best types of their money and prohibited spending from dishonest money.	O you who have believed, spend from the good things which you have earned and from that which We have produced for you from the earth. And do not aim toward the defective therefrom, spending [from that] while you would not take it [yourself] except with closed eyes. And know that Allah is Free of need and Praiseworthy.	2:267	ऐ ईमान लानेवालो! अपनी कमाई को पाक और अच्छी चीज़ों में से ख़र्च करो और उन चीज़ों में से भी जो हमने धरती से तुम्हारे लिए निकाली है। और देने के लिए उसके ख़राब हिस्से (के देने) का इरादा न करो, जबकि तुम स्वयं उसे कभी न लोगे। यह और बात है कि उसको लेने में देखी-अनदेखी कर जाओ। और जान लो कि अल्लाह निस्पृह, प्रशंसनीय है	पैग़म्बर मुहम्मद (स.) ने आदेश दिया कि ज़कातुल-फ़ित्र खजूर का एक माप (सा‘) दिया जाए। एक व्यक्ति निम्न गुणवत्ता की खजूर ले आया, जिसके परिणामस्वरूप यह आयत नाज़िल हुई। इसमें अल्लाह ने आदेश दिया कि लोग अपने शुद्ध और उत्तम माल ख़र्च करें और बेईमानी से प्राप्त धन को देने से मना किया।

Alshshaytanu yaAAidukumu alfaqra wayamurukum bialfahshai waAllahu yaAAidukum maghfiratan minhu wafadlan waAllahu wasiAAun	Shaytan forbids you from spending in charity because of the false fear of becoming poor,	Satan threatens you with poverty and orders you to immorality, while Allah promises you forgiveness from Him and bounty. And Allah is all-Encompassing and Knowing.	2:268	शैतान तुम्हें निर्धनता से डराता है और निर्लज्जता के कामों पर उभारता है, जबकि अल्लाह अपनी क्षमा और उदार कृपा का तुम्हें वचन देता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है	शैतान तुम्हें दान करने से रोकता है, क्योंकि वह तुम्हें ग़रीब हो जाने का झूठा डर दिखाता है।
Yutee alhikmata man yashao waman yuta alhikmata faqad ootiya khayran katheeran wama yaththakkaru illa oloo alalbabi	**[Allah gives wisdom to whom He wishes.]**	He gives wisdom to whom He wills, and whoever has been given wisdom has certainly been given much good. And none will remember except those of understanding.	2:269	वह जिसे चाहता है तत्वदर्शिता प्रदान करता है और जिसे तत्वदर्शिता प्राप्त हुई उसे बड़ी दौलत मिल गई। किन्तु चेतते वही है जो बुद्धि और समझवाले है	**[अल्लाह जिसे चाहता है उसे हिकमत (बुद्धि) प्रदान करता है।]**
Wama anfaqtum min nafaqatin aw nathartum min nathrin fainna Allaha yaAAlamuhu wama lilththalimeena min	x	And whatever you spend of expenditures or make of vows - indeed, Allah knows of it. And for the wrongdoers there are no helpers.	2:270	और तुमने जो कुछ भी ख़र्च किया और जो कुछ भी नज़र (मन्नत) की हो, निस्सन्देह अल्लाह उसे भली-भाँति जानता है। और अत्याचारियों का कोई सहायक न होगा	x

In tubdoo alssadaqati faniAAimma hiya wain tukhfooha watutooha alfuqaraa fahuwa khayrun lakum wayukaffiru AAankum min sayyiatikum waAllahu bima	Regarding the verse [2:272], the Companions asked: 'O Messenger of Allah! Is giving alms in secret better or giving it in the open?' In response Allah revealed this verse". This indicates that concealing charity is better as it protects one from showing off and boasting.	If you disclose your charitable expenditures, they are good; but if you conceal them and give them to the poor, it is better for you, and He will remove from you some of your misdeeds [thereby]. And Allah, with what you do, is [fully] Acquainted.	2:271	यदि तुम खुले रूप मे सदक़े दो तो यह भी अच्छा है और यदि उनको छिपाकर मुहताजों को दो तो यह तुम्हारे लिए अधिक अच्छा है। और यह तुम्हारे कितने ही गुनाहों को मिटा देगा। और अल्लाह को उसकी पूरी ख़बर है, जो कुछ तुम करते हो	आयत (2:272) के संबंध में सहाबा ने पूछा: 'ऐ अल्लाह के रसूल! क्या सदक़ा छिपकर देना बेहतर है या खुले तौर पर?' इसके उत्तर में अल्लाह ने यह आयत नाज़िल की।" यह इस बात की ओर संकेत करता है कि सदक़ा छिपकर देना बेहतर है, क्योंकि इससे दिखावे और घमंड से बचाव होता है।
Laysa AAalayka hudahum walakinna Allaha yahdee man yashao wama tunfiqoo min khayrin falianfusikum wama tunfiqoona illa ibtighaa wajhi Allahi wama tunfiqoo min khayrin yuwaffa ilaykum waantum la tuthlamoona	**[Allah shows right path to whom He Wishes suggests predestination.]**	Not upon you, [O Muhammad], is [responsibility for] their guidance, but Allah guides whom He wills. And whatever good you [believers] spend is for yourselves, and you do not spend except seeking the countenance of Allah. And whatever you spend of good - it will be fully repaid to you, and you will not be wronged.	2:272	उन्हें मार्ग पर ला देने का दायित्व तुम पर नहीं है, बल्कि अल्लाह ही जिसे चाहता है मार्ग दिखाता है। और जो कुछ भी माल तुम ख़र्च करोगे, वह तुम्हारे अपने ही भले के लिए होगा और तुम अल्लाह के (बताए हुए) उद्देश्य के अतिरिक्त किसी और उद्देश्य से ख़र्च न करो। और जो माल भी तुम्हें तुम ख़र्च करोगे, वह पूरा-पूरा तुम्हें चुका दिया जाएगा और तुम्हारा हक़ न मारा जाएगा	**[अल्लाह जिसे चाहता है उसे सही मार्ग दिखाता है—यह पूर्वनियति की ओर संकेत करता है।]**

Lilfuqarai allatheena ohsiroo fee sabeeli Allahi la yastateeAAoona darban fee alardi yahsabuhumu aljahilu aghniyaa mina alttaAAaffufi taAArifuhum biseemahum la yasaloona alnnasa ilhafan wama tunfiqoo min khayrin fainna Allaha bihi	This verse refers to the migrants who migrated for Allah and His Messenger, resided in Al-Madinah and did not have resources that sufficiently provided them with their needs. Ignorant people thought that they are well-off, because they were modest in their clothes and speech.	[Charity is] for the poor who have been restricted for the cause of Allah, unable to move about in the land. An ignorant [person] would think them self-sufficient because of their restraint, but you will know them by their [characteristic] sign. They do not ask people persistently [or at all]. And whatever you spend of good - indeed, Allah is Knowing of it.	2:273	यह उन मुहताजों के लिए है जो अल्लाह के मार्ग में घिर गए कि धरती में (जीविकोपार्जन के लिए) कोई दौड़-धूप नहीं कर सकते। उनके स्वाभिमान के कारण अपरिचित व्यक्ति उन्हें धनवान समझता है। तुम उन्हें उनके लक्षणो से पहचान सकते हो। वे लिपटकर लोगों से नहीं माँगते। जो माल भी तुम ख़र्च करोगे, वह अल्लाह को ज्ञात होगा	यह आयत उन मुहाजिरों के बारे में है जो अल्लाह और उसके रसूल के लिए हिजरत करके मदीना में आकर बसे और जिनके पास अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त साधन नहीं थे। अनजान लोग उन्हें समृद्ध समझते थे, क्योंकि वे अपने कपड़ों और बातचीत में सादगी और संकोच रखते थे।
Allatheena yunfiqoona amwalahum biallayli waalnnahari sirran waAAalaniyatan falahum ajruhum AAinda rabbihim wala khawfun AAalayhim wala	x	Those who spend their wealth [in Allah 's way] by night and by day, secretly and publicly - they will have their reward with their Lord. And no fear will there be concerning them, nor will they grieve.	2:274	जो लोग अपने माल रात-दिन छिपे और खुले ख़र्च करें, उनका बदला तो उनके रब के पास है, और न उन्हें कोई भय है और न वे शोकाकुल होंगे	x

Allatheena yakuloona alrriba la yaqoomoona illa kama yaqoomu allathee yatakhabbatuhu alshshaytanu mina almassi thalika biannahum qaloo innama albayAAu mithlu alrriba waahalla Allahu albayAAa waharrama alrriba faman jaahu mawAAithatun min rabbihi faintaha falahu ma salafa waamruhu ila Allahi waman AAada faolaika ashabu alnnari hum feeha	On the Day of Resurrection, those who consume Riba (interest) will be resurrected while insane and suffering from seizures. **[Although it is prohibited in Islam, there is no clarity about how the banking system system should operate. Also see 2:275, 2:279, 3:130]**	Those who consume interest cannot stand [on the Day of Resurrection] except as one stands who is being beaten by Satan into insanity. That is because they say, "Trade is [just] like interest." But Allah has permitted trade and has forbidden interest. So whoever has received an admonition from his Lord and desists may have what is past, and his affair rests with Allah. But whoever returns to [dealing in interest or usury] - those are the companions of the Fire; they will abide eternally therein.	2:275	और लोग ब्याज खाते है, वे बस इस प्रकार उठते है जिस प्रकार वह क्यक्ति उठता है जिसे शैतान ने छूकर बावला कर दिया हो और यह इसलिए कि उनका कहना है, "व्यापार भी तो ब्याज के सदृश है," जबकि अल्लाह ने व्यापार को वैध और ब्याज को अवैध ठहराया है। अतः जिसको उसके रब की ओर से नसीहत पहुँची और वह बाज़ आ गया, तो जो कुछ पहले ले चुका वह उसी का रहा और मामला उसका अल्लाह के हवाले है। और जिसने फिर यही कर्म किया तो ऐसे ही लोग आग (जहन्नम) में पड़नेवाले है। उसमें वे सदैव रहेंगे	क़यामत के दिन जो लोग रिबा (सूद) खाते हैं, वे ऐसे उठाए जाएँगे जैसे कोई व्यक्ति पागल हो गया हो और उसे दौरे पड़ रहे हों। **[इस्लाम में यह निषिद्ध है, यह स्पष्ट नहीं है कि बैंकिंग व्यवस्था किस प्रकार संचालित होनी चाहिए। देखें: 2:275, 2:279, 3:130।]**
Yamhaqu Allahu alrriba wayurbee alssadaqati waAllahu la yuhibbu kulla kaffarin atheemin	x	Allah destroys interest and gives increase for charities. And Allah does not like every sinning disbeliever.	2:276	अल्लाह ब्याज को घटाता और मिटाता है और सदक़ों को बढ़ाता है। और अल्लाह किसी अकृतज्ञ, हक़ मारनेवाले को पसन्द नहीं करता	x

Inna allatheena amanoo waAAamiloo alssalihati waaqamoo alssalata waatawoo alzzakata lahum ajruhum AAinda rabbihim wala khawfun AAalayhim wala	**[Righteous deed without belief and rituals will not be sufficient.]**	Indeed, those who believe and do righteous deeds and establish prayer and give zakah will have their reward with their Lord, and there will be no fear concerning them, nor will they grieve.	2:277	निस्संदेह जो लोग ईमान लाए और उन्होंने अच्छे कर्म किए और नमाज़ क़ायम कीय और ज़कात दी, उनके लिए उनका बदला उनके रब के पास है, और उन्हें न कोई भय हो और न वे शोकाकुल होंगे	**[सत्कर्म, आस्था और धार्मिक अनुष्ठानों के बिना पर्याप्त नहीं होंगे।]**
Ya ayyuha allatheena amanoo ittaqoo Allaha watharoo ma baqiya mina alrriba in kuntum mumineena	This verse was revealed about al-Abbas and Khalid ibn al-Walid who used to lend money to others with usury. When Islam came, people owed huge sums of money to them because of usury. Then this verse was revealed and the Prophet (pbuh) said: Any usurious transaction agreed in the pre-Islamic period is cancelled.	O you who have believed, fear Allah and give up what remains [due to you] of interest, if you should be believers.	2:278	ऐ ईमान लानेवालो! अल्लाह का डर रखो और जो कुछ ब्याज बाक़ी रह गया है उसे छोड़ दो, यदि तुम ईमानवाले हो	यह आयत अल-अब्बास और ख़ालिद इब्न अल-वालिद के बारे में नाज़िल हुई, जो लोगों को सूद पर धन उधार दिया करते थे। जब इस्लाम आया, तो लोगों पर उनके सूद के कारण बहुत बड़ी रकम बकाया थी। तब यह आयत नाज़िल हुई और पैग़म्बर मुहम्मद (स.) ने कहा: 'जाहिलीयत (इस्लाम-पूर्व काल) में किए गए सभी सूदी लेन-देन रद्द कर दिए गए हैं।'
Fain lam tafAAaloo fathanoo biharbin mina Allahi warasoolihi wain tubtum falakum ruoosu amwalikum la tathlimoona wala tuthlamoona	Whoever kept dealing with Riba and did not refrain from it, then the Muslim Leader should require him to repent. If he still did not refrain from Riba, the Muslim Leader should cut off his head.	And if you do not, then be informed of a war [against you] from Allah and His Messenger. But if you repent, you may have your principal - [thus] you do no wrong, nor are you wronged.	2:279	फिर यदि तुमने ऐसा न किया तो अल्लाह और उसके रसूल से युद्ध के लिए ख़बरदार हो जाओ। और यदि तौबा कर लो तो अपना मूलधन लेने का तुम्हें अधिकार है। न तुम अन्याय करो और न तुम्हारे साथ अन्याय किया जाए	जो व्यक्ति रिबा (सूद) का लेन-देन जारी रखे और उससे बाज़ न आए, तो मुस्लिम शासक को चाहिए कि उसे तौबा करने का आदेश दे। यदि वह फिर भी रिबा से न रुके, तो मुस्लिम शासक को उसका सिर काट देना चाहिए।

Wain kana thoo AAusratin fanathiratun ila maysaratin waan tasaddaqoo khayrun lakum in kuntum taAAlamoona	Banu Amr ibn Umayr said to Banul-Mughirah: Give us our capitals and we will spare you the payment of the usury on them. They said: We are now in straitened circumstances, please give us some respite until the time of the harvest.	And if someone is in hardship, then [let there be] postponement until [a time of] ease. But if you give [from your right as] charity, then it is better for you, if you only knew.	2:280	और यदि कोई तंगी में हो तो हाथ खुलने तक मुहलत देनी होगी; और सदक़ा कर दो (अर्थात मूलधन भी न लो) तो यह तुम्हारे लिए अधिक उत्तम है, यदि तुम जान सको	बनू अम्र इब्न उमैर ने बनू अल-मुग़ीरा से कहा: “हमें हमारी मूल धनराशि लौटा दो, और हम तुम पर लगाए गए सूद को माफ़ कर देंगे।” उन्होंने उत्तर दिया: “हम इस समय तंगी की हालत में हैं; कृपया हमें फ़सल के समय तक कुछ मोहलत दे दें।”
Waittaqoo yawman turjaAAoona feehi ila Allahi thumma tuwaffa kullu nafsin ma kasabat wahum la yuthlamoona	This is last verse of Quran to be revealed.	And fear a Day when you will be returned to Allah. Then every soul will be compensated for what it earned, and they will not be treated unjustly.	2:281	और उस दिन का डर रखो जबकि तुम अल्लाह की ओर लौटोगे, फिर प्रत्येक व्यक्ति को जो कुछ उसने कमाया पूरा-पूरा मिल जाएगा और उनके साथ कदापि कोई अन्याय न होगा	यह क़ुरआन की नाज़िल होने वाली अंतिम आयत मानी जाती है।

Ya ayyuha allatheena amanoo itha tadayantum bidaynin ila ajalin musamman faoktuboohu walyaktub baynakum katibun bialAAadli wala yaba katibun an yaktuba kama AAallamahu Allahu falyaktub walyumlili allathee AAalayhi alhaqqu walyattaqi Allaha rabbahu wala yabkhas minhu shayan fain kana allathee AAalayhi alhaqqu safeehan aw daAAeefan aw la yastateeAAu an yumilla huwa falyumlil waliyyuhu bialAAadli waistashhidoo	**[Two women equals one man, as witness 2:282, in inheritence 4:11, Even for Akikah ceremony; Sahih Bukhari 304, 2658, Tirmidhi 1513; Men are authority over women 2:228]**	O you who have believed, when you contract a debt for a specified term, write it down. And let a scribe write [it] between you in justice. Let no scribe refuse to write as Allah has taught him. So let him write and let the one who has the obligation dictate. And let him fear Allah, his Lord, and not leave anything out of it. But if the one who has the obligation is of limited understanding or weak or unable to dictate himself, then let his guardian dictate in justice. And bring to witness two witnesses from among your men. And if there are not two men [available], then a man and two women from those whom you accept as witnesses -	2:282	ऐ ईमान लानेवालो! जब किसी निश्चित अवधि के लिए आपस में ऋण का लेन-देन करो तो उसे लिख लिया करो और चाहिए कि कोई लिखनेवाला तुम्हारे बीच न्यायपूर्वक (दस्तावेज़) लिख दे। और लिखनेवाला लिखने से इनकार न करे; जिस प्रकार अल्लाह ने उसे सिखाया है, उसी प्रकार वह दूसरों के लिए लिखने के काम आए और बोलकर वह लिखाए जिसके ज़िम्मे हक़ की अदायगी हो। और उसे अल्लाह का, जो उसका रब है, डर रखना चाहिए और उसमें कोई कमी न करनी चाहिए। फिर यदि वह व्यक्ति जिसके ज़िम्मे हक़ की अदायगी हो, कम समझ या कमज़ोर हो या वह बोलकर न लिखा सकता हो तो उसके संरक्षक को चाहिए कि न्यायपूर्वक बोलकर लिखा दे। और	**[दो स्त्रियाँ एक पुरुष के बराबर मानी गई हैं, गवाही (2:282); विरासत (4:11); यहाँ तक कि अकीक़ा के मामले में भी — सहीह बुख़ारी 304, 2658; तिर्मिज़ी 1513; पुरुष स्त्रियों पर अधिकार रखते हैं (2:228)]**

Wain kuntum AAala safarin walam tajidoo katiban farihanun maqboodatun fain amina baAAdukum baAAdan falyuaddi allathee itumina amanatahu walyattaqi Allaha rabbahu wala taktumoo alshshahadata waman yaktumha fainnahu athimun qalbuhu waAllahu bima taAAmaloona	x	And if you are on a journey and cannot find a scribe, then a security deposit [should be] taken. And if one of you entrusts another, then let him who is entrusted discharge his trust [faithfully] and let him fear Allah, his Lord. And do not conceal testimony, for whoever conceals it - his heart is indeed sinful, and Allah is Knowing of what you do.	2:283	और यदि तुम किसी सफ़र में हो और किसी लिखनेवाले को न पा सको, तो गिरवी रखकर मामला करो। फिर यदि तुममें से एक-दूसरे पर भरोसा के, तो जिस पर भरोसा किया है उसे चाहिए कि वह यह सच कर दिखाए कि वह विश्वासपात्र है और अल्लाह का, जो उसका रब है, डर रखे। और गवाही को न छिपाओ। जो उसे छिपाता है तो निश्चय ही उसका दिल गुनाहगार है, और तुम जो कुछ करते हो अल्लाह उसे भली-भाँति जानता है	x
Lillahi ma fee alssamawati wama fee alardi wain tubdoo ma fee anfusikum aw tukhfoohu yuhasibkum bihi Allahu fayaghfiru liman yashao wayuAAaththibu man yashao waAllahu AAala kulli shayin	"Allah will take into account for what is your heart" Abrogated by 2:286.	To Allah belongs whatever is in the heavens and whatever is in the earth. Whether you show what is within yourselves or conceal it, Allah will bring you to account for it. Then He will forgive whom He wills and punish whom He wills, and Allah is over all things competent.	2:284	अल्लाह ही का है जो कुछ आकाशों में है और जो कुछ धरती में है। और जो कुछ तुम्हारे मन है, यदि तुम उसे व्यक्त करो या छिपाओं, अल्लाह तुमसे उसका हिसाब लेगा। फिर वह जिसे चाहे क्षमा कर दे और जिसे चाहे यातना दे। अल्लाह को हर चीज़ की सामर्थ्य प्राप्त है	अल्लाह तुम्हारे मन में जो कुछ है उसका भी हिसाब लेगा। इसे आयत 2:286 द्वारा निरस्त माना गया है।

Amana alrrasoolu bima onzila ilayhi min rabbihi waalmuminoona kullun amana biAllahi wamalaikatihi wakutubihi warusulihi la nufarriqu bayna ahadin min rusulihi waqaloo samiAAna waataAAna ghufranaka rabbana wailayka almaseeru	**[Contradiction: Are all prophets equal 2:285; No, they have grades 2:253, 17:55]**	The Messenger has believed in what was revealed to him from his Lord, and [so have] the believers. All of them have believed in Allah and His angels and His books and His messengers, [saying], "We make no distinction between any of His messengers." And they say, "We hear and we obey. [We seek] Your forgiveness, our Lord, and to You is the [final] destination."	2:285	रसूल उसपर, जो कुछ उसके रब की ओर से उसकी ओर उतरा, ईमान लाया और ईमानवाले भी, प्रत्येक, अल्लाह पर, उसके फ़रिश्तों पर, उसकी किताबों पर और उसके रसूलों पर ईमान लाया। (और उनका कहना यह है,) "हम उसके रसूलों में से किसी को दूसरे रसूलों से अलग नहीं करते।" और उनका कहना है, "हमने सुना और आज्ञाकारी हुए। हमारे रब! हम तेरी क्षमा के इच्छुक है और तेरी ही ओर लौटना है।"	**[विरोधाभास: सभी नबी समान हैं (2:285); नहीं, उनके अलग-अलग दर्जे हैं (2:253, 17:55)]**

La yukallifu Allahu nafsan illa wusAAaha laha ma kasabat waAAalayha ma iktasabat rabbana la tuakhithna in naseena aw akhtana rabbana wala tahmil AAalayna isran kama hamaltahu AAala allatheena min qablina rabbana wala tuhammilna ma la taqata lana bihi waoAAfu AAanna waighfir lana wairhamna anta mawlana faonsurna AAala alqawmi alkafireena	The companions of prophet went to him and said: We have been entrusted with prayer, fasting, Jihad, almsgiving which we could bear; and now Allah has revealed this verse [2:284] which we are not able to bear. Then Allah abrogated it by His revelation [2:286]. **[Who is speaking; Also why do people commit suicide.]**	Allah does not charge a soul except [with that within] its capacity. It will have [the consequence of] what [good] it has gained, and it will bear [the consequence of] what [evil] it has earned. "Our Lord, do not impose blame upon us if we have forgotten or erred. Our Lord, and lay not upon us a burden like that which You laid upon those before us. Our Lord, and burden us not with that which we have no ability to bear. And pardon us; and forgive us; and have mercy upon us. You are our protector, so give us victory over the	2:286	अल्लाह किसी जीव पर बस उसकी सामर्थ्य और समाई के अनुसार ही दायित्व का भार डालता है। उसका है जो उसने कमाया और उसी पर उसका वबाल (आपदा) भी है जो उसने किया। "हमारे रब! यदि हम भूलें या चूक जाएँ तो हमें न पकड़ना। हमारे रब! और हम पर ऐसा बोझ न डाल जैसा तूने हमसे पहले के लोगों पर डाला था। हमारे रब! और हमसे वह बोझ न उठवा, जिसकी हमें शक्ति नहीं। और हमें क्षमा कर और हमें ढाँक ले, और हमपर दया कर। तू ही हमारा संरक्षक है, अतएव इनकार करनेवालों के मुक़ाबले में हमारी सहायता कर।"	पैग़म्बर मुहम्मद (स.) के सहाबी उनके पास आए और कहा: “हमें नमाज़, रोज़ा, जिहाद और ज़कात का आदेश दिया गया है, जिन्हें हम निभा सकते हैं; लेकिन अब अल्लाह ने यह आयत (2:284) नाज़िल की है, जिसे हम निभाने में असमर्थ हैं।” तब अल्लाह ने अपनी अगली आयत द्वारा इसे (2:286) से हल्का कर दिया। **[यहाँ कौन बोल रहा है? साथ ही लोग आत्महत्या क्यों करते हैं?]**
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Sura al-Imran**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**3:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**[सूरह अल इमरान]**
Aliflammeem	Mysterious letters **[Why Allah will reveal somethings which no one could understand.]**	Alif, Lam, Meem.	3:1	अलीफ़° लाम° मीम°	रहस्यमय अक्षर – **[अल्लाह ऐसी बातें क्यों प्रकट करेंगे जिन्हें कोई समझ नहीं सकता।]**
Allahu la ilaha illa huwa alhayyu alqayyoomu	x	Allah - there is no deity except Him, the Ever-Living, the Sustainer of existence.	3:2	अल्लाह ही पूज्य हैं, उसके सिवा कोई पूज्य नहीं। वह जीवन्त हैं, सबको सँभालने और क़ायम रखनेवाला	x

Nazzala AAalayka alkitaba bialhaqqi musaddiqan lima bayna yadayhi waanzala alttawrata waalinjeela	**[Quran say it confirms what was written in Torah and Gospel; however, there are many differences.]**	He has sent down upon you, [O Muhammad], the Book in truth, confirming what was before it. And He revealed the Torah and the Gospel.	3:3	उसने तुमपर हक़ के साथ किताब उतारी जो पहले की (किताबों की) पुष्टि करती हैं, और उसने तौरात और इंजील उतारी	**[क़ुरआन कहता है कि यह तौरा और इंजील में लिखी हुई बातों की पुष्टि करता है; हालांकि, इनमें कई अंतर हैं।]**
Min qablu hudan lilnnasi waanzala alfurqana inna allatheena kafaroo biayati Allahi lahum AAathabun shadeedun waAllahu AAazeezun thoo intiqamin	In contrast to the Jews' and Christians' corrupted scriptures, Allah has now revealed the furqan. Furqan means either Criteria or Quran.	Before, as guidance for the people. And He revealed the Qur'an. Indeed, those who disbelieve in the verses of Allah will have a severe punishment, and Allah is exalted in Might, the Owner of Retribution.	3:4	इससे पहले लोगों के मार्गदर्शन के लिए और उसने कसौटी भी उतारी। निस्संदेह जिन लोगों ने अल्लाह की आयतों का इनकार किया उनके लिए कठोर यातना हैं और अल्लाह प्रभुत्वशाली भी हैं और (बुराई का) बदला लेनेवाला भी	यहूदी और ईसाई लोगों की भ्रष्ट पुस्तकें के विपरीत, अल्लाह ने अब फुरकान प्रकट किया है। फुरकान का अर्थ है या तो मानदंड या कुरआन ।
Inna Allaha la yakhfa AAalayhi shayon fee alardi wala fee alssamai	x	Indeed, from Allah nothing is hidden in the earth nor in the heaven.	3:5	निस्संदेह अल्लाह से कोई चीज़ न धरती में छिपी हैं और न आकाश में	x
Huwa allathee yusawwirukum fee alarhami kayfa yashao la ilaha illa huwa alAAazeezu alhakeemu	**[Then who is responsible for various congenital malformations.]**	It is He who forms you in the wombs however He wills. There is no deity except Him, the Exalted in Might, the Wise.	3:6	वही हैं जो गर्भाशयों में, जैसा चाहता हैं, तुम्हारा रूप देता हैं। उस प्रभुत्वशाली, तत्वदर्शी के अतिरिक्त कोई पूज्य-प्रभु नहीं	**[तो विभिन्न जन्मजात असामान्यताओं / रोगों के लिए जिम्मेदार कौन है?]**

Huwa allathee anzala AAalayka alkitaba minhu ayatun muhkamatun hunna ommu alkitabi waokharu mutashabihatun faamma allatheena fee quloobihim zayghun fayattabiAAoona ma tashabaha minhu ibtighaa alfitnati waibtighaa taweelihi wama yaAAlamu taweelahu illa Allahu waalrrasikhoona fee alAAilmi yaqooloona amanna bihi kullun min AAindi rabbina	**[This is the only verse (3:7) which says that there are some verses in Quran which are allegorical or cryptic; however, at many places it is mentioned that Quran is clear and easy to understand, Q12:1, Q26:2, Q27:1, Q16:89, Q24:46, Q41:3, Q54:17, Q54:32; Why would Allah include material in his revelation Which is difficult to understand and a source of confusion.]**	It is He who has sent down to you, [O Muhammad], the Book; in it are verses [that are] precise - they are the foundation of the Book - and others unspecific. As for those in whose hearts is deviation [from truth], they will follow that of it which is unspecific, seeking discord and seeking an interpretation [suitable to them]. And no one knows its [true] interpretation except Allah. But those firm in knowledge say, "We believe in it. All [of it] is from our Lord." And no one will be reminded except those of understanding.	3:7	वही हैं जिसने तुमपर अपनी ओर से किताब उतारी, वे सुदृढ़ आयतें हैं जो किताब का मूल और सारगर्भित रूप हैं और दूसरी उपलक्षित, तो जिन लोगों के दिलों में टेढ़ हैं वे फ़ितना (गुमराही) का तलाश और उसके आशय और परिणाम की चाह में उसका अनुसरण करते हैं जो उपलक्षित हैं। जबकि उनका परिणाम बस अल्लाह ही जानता हैं, और वे जो ज्ञान में पक्के हैं, वे कहते हैं, "हम उसपर ईमान लाए, जो हर एक हमारे रब ही की ओर से हैं।" और चेतते तो केवल वही हैं जो बुद्धि और समझ रखते हैं	**[यह एकमात्र आयत (3:7) है जो कहती है कि क़ुरआन में कुछ आयतें संकेतित या उपलक्षित हैं; जबकि कई स्थानों पर कहा गया है कि क़ुरआन स्पष्ट और समझने में आसान है 12:1, 26:2, 27:1, 16:89, 24:46, 41:3, 54:17, 54:32। फिर अल्लाह अपनी वही में ऐसा विषय क्यों शामिल करेगा जो समझने में कठिन हो और भ्रम का कारण बन सकता हो?]**
Rabbana la tuzigh quloobana baAAda ith hadaytana wahab lana min ladunka rahmatan innaka anta alwahhabu	x	[Who say], "Our Lord, let not our hearts deviate after You have guided us and grant us from Yourself mercy. Indeed, You are the Bestower.	3:8	हमारे रब! जब तू हमें सीधे मार्ग पर लगा चुका है तो इसके पश्चात हमारे दिलों में टेढ़ न पैदा कर और हमें अपने पास से दयालुता प्रदान कर। निश्चय ही तू बड़ा दाता है	x

Rabbana innaka jamiAAu alnnasi liyawmin la rayba feehi inna Allaha la yukhlifu almeeAAada	**[Doubt may or may not arise depending on a person's faith.]**	Our Lord, surely You will gather the people for a Day about which there is no doubt. Indeed, Allah does not fail in His promise."	3:9	हमारे रब! तू लोगों को एक दिन इकट्ठा करने वाला है, जिसमें कोई संदेह नही। निस्सन्देह अल्लाह अपने वचन के विरुद्ध जाने वाला नही है	**[किसी व्यक्ति के विश्वास के आधार पर संदेह उत्पन्न हो भी सकता है और नहीं भी हो सकता।]**
Inna allatheena kafaroo lan tughniya AAanhum amwaluhum wala awladuhum mina Allahi shayan waolaika hum waqoodu alnnari	x	Indeed, those who disbelieve - never will their wealth or their children avail them against Allah at all. And it is they who are fuel for the Fire.	3:10	जिन लोगों ने इनकार की नीति अपनाई है अल्लाह के मुकाबले में तो न उसके माल उनके कुछ काम आएँगे और न उनकी संतान ही। और वही हैं जो आग (जहन्नम) का ईधन बनकर रहेंगे	x
Kadabi ali firAAawna waallatheena min qablihim kaththaboo biayatina faakhathahumu Allahu bithunoobihim waAllahu shadeedu	x	[Theirs is] like the custom of the people of Pharaoh and those before them. They denied Our signs, so Allah seized them for their sins. And Allah is severe in penalty.	3:11	जैसे फ़िरऔन के लोगों और उनसे पहले के लोगों का हाल हुआ। उन्होंने हमारी आयतों को झुठलाया तो अल्लाह ने उन्हें उनके गुनाहों पर पकड़ लिया। और अल्लाह कठोर दंड देनेवाला है	x

Qul lillatheena kafaroo satughlaboona watuhsharoona ila jahannama wabisa almihadu	After the Messenger (pbuh) defeated the Quraysh at Badr, he asked the Jews to embrace Islam. Jews said: 'O Muhammad! Be not deluded because you have defeated inexperienced people who have no knowledge of warfare. By Allah, if we were to fight, you will realize that we are the real thing'.	Say to those who disbelieve, "You will be overcome and gathered together to Hell, and wretched is the resting place."	3:12	इनकार करनेवालों से कह दो, "शीघ्र ही तुम पराभूत होगे और जहन्नम की ओर हाँके जाओगं। और वह क्या ही बुरा ठिकाना है।"	जब पैग़म्बर मुहम्मद (स.) ने बद्र में क़ुरैश पर विजय प्राप्त की, तो उन्होंने यहूदियों से इस्लाम स्वीकार करने का आग्रह किया। यहूदियों ने कहा: 'हे मुहम्मद! अपने आप को मत धोखा देना कि तुमने ऐसे लोगों पर जीत हासिल कर ली जिनके पास युद्ध का अनुभव और ज्ञान नहीं है। अल्लाह की कसम, यदि हम लड़ते, तो तुम जान लेते कि असली ताकत हम हैं।'
Qad kana lakum ayatun fee fiatayni iltaqata fiatun tuqatilu fee sabeeli Allahi waokhra kafiratun yarawnahum mithlayhim raya alAAayni waAllahu yuayyidu binasrihi man yashao inna fee thalika laAAibratan liolee alabsari	This is regarding battle of Badr where Muslims defeated a bigger opposition.	Already there has been for you a sign in the two armies which met - one fighting in the cause of Allah and another of disbelievers. They saw them [to be] twice their [own] number by [their] eyesight. But Allah supports with His victory whom He wills. Indeed in that is a lesson for those of vision.	3:13	तुम्हारे लिए उन दोनों गिरोहों में एक निशानी है जो (बद्र की) लड़ाई में एक-दूसरे के मुक़ाबिल हुए। एक गिरोह अल्लाह के मार्ग में लड़ रहा था, जबकि दूसरा विधर्मी था। ये अपनी आँखों देख रहे थे कि वे उनसे दुगने है। अल्लाह अपनी सहायता से जिसे चाहता है, शक्ति प्रदान करता है। दृष्टिवान लोगों के लिए इसमें बड़ी शिक्षा-सामग्री है	यह बद्र की लड़ाई से संबंधित है, जहाँ मुसलमानों ने एक बड़ी और मजबूत ताकत वाले विरोधी पर विजय प्राप्त की।

Zuyyina lilnnasi hubbu alshshahawati mina alnnisai waalbaneena waalqanateeri almuqantarati mina alththahabi waalfiddati waalkhayli almusawwamati waalanAAami waalharthi thalika mataAAu alhayati alddunya waAllahu AAindahu husnu	**[Why would Allah nearly always talk from the male's point of view.]**	Beautified for people is the love of that which they desire - of women and sons, heaped-up sums of gold and silver, fine branded horses, and cattle and tilled land. That is the enjoyment of worldly life, but Allah has with Him the best return.	3:14	मनुष्यों को चाहत की चीजों से प्रेम शोभायमान प्रतीत होता है कि वे स्त्रियाँ, बेटे, सोने-चाँदी के ढेर और निशान लगे (चुने हुए) घोड़े हैं और चौपाए और खेती। यह सब सांसारिक जीवन की सामग्री है और अल्लाह के पास ही अच्छा ठिकाना है	**[अल्लाह लगभग हमेशा पुरुष के दृष्टिकोण से क्यों बात करते हैं?]**
Qul aonabbiokum bikhayrin min thalikum lillatheena ittaqaw AAinda rabbihim jannatun tajree min tahtiha alanharu khalideena feeha waazwajun mutahharatun waridwanun mina Allahi waAllahu baseerun	Description of physical Heaven.	Say, "Shall I inform you of [something] better than that? For those who fear Allah will be gardens in the presence of their Lord beneath which rivers flow, wherein they abide eternally, and purified spouses and approval from Allah. And Allah is Seeing of [His] servants -	3:15	कहो, "क्या मैं तुम्हें इनसे उत्तम चीज का पता दूँ?" जो लोग अल्लाह का डर रखेंगे उनके लिए उनके रब के पास बाग़ है, जिनके नीचे नहरें बह रहीं होगी। उनमें वे सदैव रहेंगे। वहाँ पाक-साफ़ जोड़े होंगे और अल्लाह की प्रसन्नता प्राप्त होगी। और अल्लाह अपने बन्दों पर नज़र रखता है	जन्नत (स्वर्ग) का भौतिक वर्णन

Allatheena yaqooloona rabbana innana amanna faighfir lana thunoobana waqina AAathaba alnnari	x	Those who say, "Our Lord, indeed we have believed, so forgive us our sins and protect us from the punishment of the Fire,"	3:16	ये वे लोग है जो कहते है, "हमारे रब हम ईमान लाए है। अतः हमारे गुनाहों को क्षमा कर दे और हमें आग (जहन्नम) की यातना से बचा ले।"	x
Alssabireena waalssadiqeena waalqaniteena waalmunfiqeena waalmustaghfireena bialashari	x	The patient, the true, the obedient, those who spend [in the way of Allah], and those who seek forgiveness before dawn.	3:17	ये लोग धैर्य से काम लेनेवाले, सत्यवान और अत्यन्त आज्ञाकारी है, ये ((अल्लाह के मार्ग में) खर्च करते और रात की अंतिम घड़ियों में क्षमा की प्रार्थनाएँ करते हैं	x
Shahida Allahu annahu la ilaha illa huwa waalmalaikatu waoloo alAAilmi qaiman bialqisti la ilaha illa huwa alAAazeezu alhakeemu	Two Jewish rabbi from Syria asked the Messenger (pbuh) about the greatest witness in Allah's Scripture. Allah revealed that Allah Himself is the Witness. And the angels and the men of learning (too are witness). The two men embraced Islam. [If Allah is witness that there are no dieties, which dieties He is going to put	Allah witnesses that there is no deity except Him, and [so do] the angels and those of knowledge - [that He is] maintaining [creation] in justice. There is no deity except Him, the Exalted in Might, the Wise.	3:18	अल्लाह ने गवाही दी कि उसके सिवा कोई पूज्य नहीं; और फ़रिश्तों ने और उन लोगों ने भी जो न्याय और संतुलन स्थापित करनेवाली एक सत्ता को जानते है। उस प्रभुत्वशाली, तत्वदर्शी के सिवा कोई पूज्य नहीं	सीरिया के दो यहूदी रब्बियों ने पैग़म्बर मुहम्मद (स.) से अल्लाह की किताब में सबसे बड़ा गवाह कौन है, इसके बारे में पूछा। अल्लाह ने प्रकट किया कि अल्लाह स्वयं गवाह है, और उसके साथ फ़रिश्ते और विद्वान लोग भी गवाह हैं। उन दोनों पुरुषों ने इस्लाम कबूल किया। [यदि अल्लाह गवाह हैं कि कोई ईश्वर नहीं है, तो वह किन ईश्वरों को नरक में डालेंगे; और यह कौन बोल रहा है।]

Inna alddeena AAinda Allahi alislamu wama ikhtalafa allatheena ootoo alkitaba illa min baAAdi ma jaahumu alAAilmu baghyan baynahum waman yakfur biayati Allahi fainna Allaha sareeAAu	**[Allah states that there is no religion accepted with Him from any person, other than Islam. All paths to Allah closed except through Muhammad (pbuh); Contradiction: Who will attain salvation: All people with good deed: 2:62, 5:69, Only Muslims: 3:19, 3:85]**	Indeed, the religion in the sight of Allah is Islam. And those who were given the Scripture did not differ except after knowledge had come to them - out of jealous animosity between themselves. And whoever disbelieves in the verses of Allah, then indeed, Allah is swift in [taking] account.	3:19	दीन (धर्म) तो अल्लाह की स्पष्ट में इस्लाम ही है। जिन्हें किताब दी गई थी, उन्होंने तो इसमें इसके पश्चात विभेद किया कि ज्ञान उनके पास आ चुका था। ऐसा उन्होंने परस्पर दुराग्रह के कारण किया। जो अल्लाह की आयतों का इनकार करेगा तो अल्लाह भी जल्द हिसाब लेनेवाला है	**[अल्लाह कहते हैं कि उनके यहाँ किसी व्यक्ति से कोई धर्म स्वीकार्य नहीं है सिवाय इस्लाम के। अल्लाह तक पहुँचने के सभी रास्ते बंद हैं सिवाय पैग़म्बर मुहम्मद (स.) के; विरोधाभास: कौन मोक्ष पाएगा – अच्छे कर्म करने वाले सभी लोग: 2:62, 5:69; केवल मुसलमान: 3:19, 3:85]**
Fain hajjooka faqul aslamtu wajhiya lillahi wamani ittabaAAani waqul lillatheena ootoo alkitaba waalommiyyeena aaslamtum fain aslamoo faqadi ihtadaw wain tawallaw fainnama AAalayka albalaghu waAllahu baseerun bialAAibadi	**[However, when Muslims became strong, they started converting people with force and this verse was abrogated.]**	So if they argue with you, say, "I have submitted myself to Allah [in Islam], and [so have] those who follow me." And say to those who were given the Scripture and [to] the unlearned, "Have you submitted yourselves?" And if they submit [in Islam], they are rightly guided; but if they turn away - then upon you is only the [duty of] notification. And Allah is Seeing of [His] servants.	3:20	अब यदि वे तुमसे झगड़े तो कह दो, "मैंने और मेरे अनुयायियों ने तो अपने आपको अल्लाह के हवाले कर दिया हैं।" और जिन्हें किताब मिली थी और जिनके पास किताब नहीं है, उनसे कहो, "क्या तुम भी इस्लाम को अपनाते हो?" यदि वे इस्लाम को अंगीकार कर लें तो सीधा मार्ग पर गए। और यदि मुँह मोड़े तो तुमपर केवल (संदेश) पहुँचा देने की ज़िम्मेदारी है। और अल्लाह स्वयं बन्दों को देख रहा है	**[हालाँकि, जब मुसलमान मजबूत हुए, तो उन्होंने लोगों को बलपूर्वक इस्लाम स्वीकार कराने की शुरुआत की और यह आयत रद्द कर दी गई)]**

Inna allatheena yakfuroona biayati Allahi wayaqtuloona alnnabiyyeena bighayri haqqin wayaqtuloona allatheena yamuroona bialqisti mina alnnasi	Referred to Jews.	Those who disbelieve in the signs of Allah and kill the prophets without right and kill those who order justice from among the people - give them tidings of a painful punishment.	3:21	जो लोग अल्लाह की आयतों का इनकार करें और नबियों को नाहक क़त्ल करे और उन लोगों का क़त्ल करें जो न्याय के पालन करने को कहें, उनको दुखद यातना की मंगल सूचना दे दो	यह यहूदियों को संदर्भित करता है।
Olaika allatheena habitat aAAmaluhum fee alddunya waalakhirati wama	x	They are the ones whose deeds have become worthless in this world and the Hereafter, and for them there will be no helpers.	3:22	यही लोग हैं, जिनके कर्म दुनिया और आख़िरत में अकारथ गए और उनका सहायक कोई भी नहीं	x

Alam tara ila allatheena ootoo naseeban mina alkitabi yudAAawna ila kitabi Allahi liyahkuma baynahum thumma yatawalla fareequn minhum wahum muAAridoona	When the Prophet (pbuh) called the Jews to embrace Islam, al-Numan ibn Awfa said to him: 'Come, O Muhammad, and let the rabbis judge between us'. The Prophet said: 'Let the Scripture of Allah be judge between us'. They said: 'No! Let the rabbis judge'. **[Muslims believe that the Torah and Gospel (Injil) frequently mentioned in the Qur'an is not identical with what is present today but the original one which has been lost. Otherwise it will be difficult for them to address the discrepancies]**	Do you not consider, [O Muhammad], those who were given a portion of the Scripture? They are invited to the Scripture of Allah that it should arbitrate between them; then a party of them turns away, and they are refusing.	3:23	क्या तुमने उन लोगों को नहीं देखा जिन्हें ईश-ग्रंथ का एक हिस्सा प्रदान हुआ। उन्हें अल्लाह की किताब की ओर बुलाया जाता है कि वह उनके बीच निर्णय करे, फिर भी उनका एक गिरोह (उसकी) उपेक्षा करते हुए मुँह फेर लेता है?	जब पैग़म्बर मुहम्मद (स.) ने यहूदियों को इस्लाम स्वीकार करने का बुलाया, तो अल-नुमान इब्न औफ़ा ने उनसे कहा: 'आओ, हे मुहम्मद, और हमारे बीच फैसला करने के लिए रब्बियों को बुलाओ।' पैग़म्बर (स.) ने कहा: 'हमारे बीच फैसला अल्लाह की किताब (क़ुरआन) करे।' उन्होंने कहा: 'नहीं! हमारे बीच फैसला रब्बी करें।' **[मुसलमान मानते हैं कि तौरा और गॉस्पेल (इंजील), जिनका कुरआन में बार-बार उल्लेख है, वे आज जो मौजूद हैं उससे अलग हैं; वे मूल पुस्तकें थीं जो खो गईं। अन्यथा उनके बीच मतभेदों को समझाना कठिन होगा]**
Thalika biannahum qaloo lan tamassana alnnaru illa ayyaman maAAdoodatin wagharrahum fee deenihim ma kanoo	Referred to Jews, who said that they will be in Hell for a little time.	That is because they say, "Never will the Fire touch us except for [a few] numbered days," and [because] they were deluded in their religion by what they were inventing.	3:24	यह इसलिए कि वे कहते, "आग हमें नहीं छू सकती। हाँ, कुछ गिने-चुने दिनों (के कष्टों) की बात और है।" उनकी मनघड़ंत बातों ने, जो वे घड़ते रहे हैं, उन्हें धोखे में डाल रखा है	यह यहूदियों को संदर्भित करता है, जिन्होंने कहा कि वे नरक में थोड़े समय के लिए ही होंगे।

Fakayfa itha jamaAAnahum liyawmin la rayba feehi wawuffiyat kullu nafsin ma kasabat wahum la yuthlamoona	x	So how will it be when We assemble them for a Day about which there is no doubt? And each soul will be compensated [in full for] what it earned, and they will not be wronged.	3:25	फिर क्या हाल होगा, जब हम उन्हें उस दिन इकट्ठा करेंगे, जिसके आने में कोई संदेह नहीं और प्रत्येक व्यक्ति को, जो कुछ उसने कमाया होगा, पूरा-पूरा मिल जाएगा; और उनके साथ अन्याय न होगा	x
Quli allahumma malika almulki tutee almulka man tashao watanziAAu almulka mimman tashao watuAAizzu man tashao watuthillu man tashao biyadika alkhayru innaka AAala kulli shayin	When the Messenger (pbuh) conquered Mecca and promised his nation the kingdoms of Persia and Byzantium, the hypocrites and Jews said: How on earth can Muhammad (pbuh) conquer the kingdoms of Persia and Byzantium? They are too mighty and strong for that.	Say, "O Allah, Owner of Sovereignty, You give sovereignty to whom You will and You take sovereignty away from whom You will. You honor whom You will and You humble whom You will. In Your hand is [all] good. Indeed, You are over all things competent.	3:26	कहो, "ऐ अल्लाह, राज्य के स्वामी! तू जिसे चाहे राज्य दे और जिससे चाहे राज्य छीन ले, और जिसे चाहे इज़्ज़त (प्रभुत्व) प्रदान करे और जिसको चाहे अपमानित कर दे। तेरे ही हाथ में भलाई है। निस्संदेह तुझे हर चीज़ की सामर्थ्य प्राप्त है	जब पैग़म्बर मुहम्मद (स.) ने मक्का पर विजय प्राप्त की और अपनी उम्मत को फारस और बाइज़ेंटिन साम्राज्यों के राज्य देने का वादा किया, तो मुनाफ़िक़ों और यहूदियों ने कहा: 'मुहम्मद (स.) कैसे फारस और बाइज़ेंटिन के साम्राज्यों को जीत सकते हैं? ये बहुत शक्तिशाली और मजबूत हैं।
Tooliju allayla fee alnnahari watooliju alnnahara fee allayli watukhriju alhayya mina almayyiti watukhriju almayyita mina alhayyi watarzuqu man tashao bighayri hisabin	**[Night is merely absence of Sunlight over that part of earth; How living can come out of dead.]**	You cause the night to enter the day, and You cause the day to enter the night; and You bring the living out of the dead, and You bring the dead out of the living. And You give provision to whom You will without account."	3:27	"तू रात को दिन में पिरोता है और दिन को रात में पिरोता है। तू निर्जीव से सजीव को निकालता है और सजीव से निर्जीव को निकालता है, बेहिसाब देता है।"	**[रात केवल उस हिस्से पर सूर्य के प्रकाश की अनुपस्थिति है; मृत से जीव कैसे उत्पन्न हो सकता है।]**

La yattakhithi almuminoona alkafireena awliyaa min dooni almumineena waman yafAAal thalika falaysa mina Allahi fee shayin illa an tattaqoo minhum tuqatan wayuhaththirukumu Allahu nafsahu waila Allahi almaseeru	A group of Jews used to keep close company with a group of Ansar. And so some Muslims said to them: Stay away from these Jews and beware of keeping their company lest they drive you away from your religion. The group of Helpers refused to stop seeing them, and Allah revealed this verse. **[Believers (Muslims) are not permitted to take non-believers as intimate friends, except when necessary for outward dealings.]**	Let not believers take disbelievers as allies rather than believers. And whoever [of you] does that has nothing with Allah, except when taking precaution against them in prudence. And Allah warns you of Himself, and to Allah is the [final] destination.	3:28	ईमानवालों को चाहिए कि वे ईमानवालों से हटकर इनकारवालों को अपना मित्र (राज़दार) न बनाएँ, और जो ऐसा करेगा, उसका अल्लाह से कोई सम्बन्ध नहीं, क्योंकि उससे सम्बद्ध यही बात है कि तुम उनसे बचो, जिस प्रकार वे तुमसे बचते है। और अल्लाह तुम्हें अपने आपसे डराता है, और अल्लाह ही की ओर लौटना है	एक समूह यहूदियों का अक्सर अंसार के एक समूह के साथ घनिष्ठ संबंध रहता था। कुछ मुसलमानों ने उनसे कहा: 'इन यहूदियों से दूर रहो और उनका संग मत करो, ताकि वे तुम्हें तुम्हारे धर्म से दूर न कर दें।' लेकिन अंसार का समूह उन्हें देखना बंद नहीं कर सका, और इसी के संदर्भ में अल्लाह ने यह आयत नाज़िल की। **[मुसलमानों को गैर-मुसलमानों को घनिष्ठ मित्र बनाने की अनुमति नहीं है, सिवाय जब बाहरी मामलों या आवश्यक सामाजिक संपर्क के लिए हो।]**
Qul in tukhfoo ma fee sudoorikum aw tubdoohu yaAAlamhu Allahu wayaAAlamu ma fee alssamawati wama fee alardi waAllahu AAala kulli shayin qadeerun	x	Say, "Whether you conceal what is in your breasts or reveal it, Allah knows it. And He knows that which is in the heavens and that which is on the earth. And Allah is over all things competent.	3:29	कह दो, "यदि तुम अपने दिलों की बात छिपाओ या उसे प्रकट करो, प्रत्येक दशा में अल्लाह उसे जान लेगा। और वह उसे भी जानता है, जो कुछ आकाशों में है और जो कुछ धरती में है। और अल्लाह को हर चीज़ की सामर्थ्य प्राप्त है।"	x

Yawma tajidu kullu nafsin ma AAamilat min khayrin muhdaran wama AAamilat min sooin tawaddu law anna baynaha wabaynahu amadan baAAeedan wayuhaththirukumu Allahu nafsahu waAllahu raoofun bialAAibadi	x	The Day every soul will find what it has done of good present [before it] and what it has done of evil, it will wish that between itself and that [evil] was a great distance. And Allah warns you of Himself, and Allah is Kind to [His] servants."	3:30	जिस दिन प्रत्येक व्यक्ति अपनी की हुई भलाई और अपनी की हुई बुराई को सामने मौजूद पाएगा, वह कामना करेगा कि काश! उसके और उस दिन के बीच बहुत दूर का फ़ासला होता। और अल्लाह तुम्हें अपना भय दिलाता है, और वह अपने बन्दों के लिए अत्यन्त करुणामय है	x
Qul in kuntum tuhibboona Allaha faittabiAAoonee yuhbibkumu Allahu wayaghfir lakum thunoobakum waAllahu ghafoorun raheemun	The prophet said: O Quraysh! You have contravened the religion of Abraham and Ishmael. They responded: We worship the idols out of love for Allah and so that they bring us closer to Him.	Say, [O Muhammad], "If you should love Allah, then follow me, [so] Allah will love you and forgive you your sins. And Allah is Forgiving and Merciful."	3:31	कह दो, "यदि तुम अल्लाह से प्रेम करते हो तो मेरा अनुसरण करो, अल्लाह भी तुमसे प्रेम करेगा और तुम्हारे गुनाहों को क्षमा कर देगा। अल्लाह बड़ा क्षमाशील, दयावान है।"	पैग़म्बर (स.) ने कहा: 'हे क़ुरैश! तुमने इब्राहीम और इस्माइल के धर्म के खिलाफ काम किया है।' उन्होंने उत्तर दिया: हम मूर्तियों की पूजा अल्लाह से प्रेम के कारण और ताकि वे हमें उसके करीब लाएँ, करते हैं।
Qul ateeAAoo Allaha waalrrasoola fain tawallaw fainna Allaha la yuhibbu alkafireena	It is equally imprtant to obey both Allah and Prophet Muhammad (pbuh).	Say, "Obey Allah and the Messenger." But if they turn away - then indeed, Allah does not like the disbelievers.	3:32	कह दो, "अल्लाह और रसूल का आज्ञापालन करो।" फिर यदि वे मुँह मोड़े तो अल्लाह भी इनकार करनेवालों से प्रेम नहीं करता	अल्लाह और पैग़म्बर मुहम्मद (स.) दोनों की आज्ञा मानना समान रूप से महत्वपूर्ण है।
Inna Allaha istafa adama wanoohan waala ibraheema waala AAimrana AAala	**[Why would an Almighty God will prefer some people over others, also most of prophets were send in those.]**	Indeed, Allah chose Adam and Noah and the family of Abraham and the family of 'Imran over the worlds -	3:33	अल्लाह ने आदम, नूह, इबराहीम की सन्तान और इमरान की सन्तान को सारे संसार की अपेक्षा प्राथमिकता देकर चुना	**[एक सर्वशक्तिमान अल्लाह कुछ लोगों को दूसरों पर क्यों प्राथमिकता देंगे, अधिकांश पैग़ंबर भी उन्हीं लोगों के बीच भेजे गए थे?]**

Thurriyyatan baAAduha min baAAdin waAllahu sameeAAun AAaleemun	Pickthall translate "they were descendants one of another" [Meaning completely changes here.]	Descendants, some of them from others. And Allah is Hearing and Knowing.	3:34	एक नस्त के रूप में, उसमें से एक पीढ़ी, दूसरी पीढ़ी से पैदा हुई। अल्लाह सब कुछ सुनता, जानता है	x
Ith qalati imraatu AAimrana rabbi innee nathartu laka ma fee batnee muharraran fataqabbal minnee innaka anta alssameeAAu alAAaleemu	Imran is Amram, the father of Moses, Aaron (see Exodus 6:20) and Miriam. Some 1200 years later, another woman named Mary gave birth to Jesus. In Arabic both Miriam and Mary are written as Maryam. **[In this verse, Imran's wife is supposed to have given birth to Mary (mother of Jesus). Also see verse 66:12, Mary (mother of Jesus) is daughter of Imran. Verse 19:28, Mary (mother of Jesus) is sister of Aaron. Mirium and Mary are confused with each other].**	[Mention, O Muhammad], when the wife of 'Imran said, "My Lord, indeed I have pledged to You what is in my womb, consecrated [for Your service], so accept this from me. Indeed, You are the Hearing, the Knowing."	3:35	याद करो जब इमरान की स्त्री ने कहा, "मेरे रब! जो बच्चा मेरे पेट में है उसे मैंने हर चीज़ से छुड़ाकर भेट स्वरूप तुझे अर्पित किया। अतः तू उसे मेरी ओर से स्वीकार कर। निस्संदेह तू सब कुछ सुनता, जानता है।"	इमरान, अमराम हैं, जो मूसा, हारून (देखें: Exodus 6:20) और मीरियम के पिता थे। लगभग 1200 साल बाद, एक और महिला मेरी ने ईसा को जन्म दिया। अरबी में दोनों का नाम मरीयम लिखा जाता है। **[इस आयत में इमरान की पत्नी से मेरी (ईसा की माता) का जन्म माना गया है। आयत 66:12 भी देखें, जहाँ मेरी (ईसा की माता) इमरान की पुत्री बताई गई है। आयत 19:28 में मेरी (ईसा की माता) हारून की बहन बताई गई है। मीरियम और मेरी को आपस में भ्रमित कर दिया गता है।]**

Falamma wadaAAatha qalat rabbi innee wadaAAtuha ontha waAllahu aAAlamu bima wadaAAat walaysa alththakaru kaalontha wainnee sammaytuha maryama wainnee oAAeethuha bika wathurriyyataha mina alshshaytani alrrajeemi	Hadith: No child is born but he is pricked by the satan and he begins to weep because of the pricking of the satan except the son of Mary and his mother. **[Ideally it should have been Mirium, but from now onwards, the story of Mary (Mother of Jesus) is discussed.]**	But when she delivered her, she said, "My Lord, I have delivered a female." And Allah was most knowing of what she delivered, "And the male is not like the female. And I have named her Mary, and I seek refuge for her in You and [for] her descendants from Satan, the expelled [from the mercy of Allah]."	3:36	फिर जब उसके यहाँ बच्ची पैदा हुई तो उसने कहा, "मेरे रब! मेरे यहाँ तो लड़की पैदा हुई है।" - अल्लाह तो जानता ही था जो कुछ उसके यहाँ पैदा हुआ था। और वह लड़का उस लडकी की तरह नहीं हो सकता - "और मैंने उसका नाम मरयम रखा है और मैं उसे और उसकी सन्तान को तिरस्कृत शैतान (के उपद्रव) से सुरक्षित रखने के लिए तेरी शरण में देती हूँ।"	हदीस: कोई भी बच्चा पैदा नहीं होता, सिवाय इसके कि शैतान उसे चुभो देता है और वह शैतान के चुभोने के कारण रोने लगता है, सिवाय मेरी के पुत्र (ईसा (स.)) और उसकी माता के। [वैसे तो इसमें मीरियम का उल्लेख होना चाहिए था, लेकिन अब से मेरी (ईसा की माता) की कहानी पर चर्चा है।]
Fataqabbalaha rabbuha biqaboolin hasanin waanbataha nabatan hasanan wakaffalaha zakariyya kullama dakhala AAalayha zakariyya almihraba wajada AAindaha rizqan qala ya maryamu anna laki hatha qalat huwa min AAindi Allahi inna Allaha yarzuqu man yashao bighayri hisabin	**[Provisions miraculously appeared and Mary addressed God as "Allah" rather than "Yahweh".]**	So her Lord accepted her with good acceptance and caused her to grow in a good manner and put her in the care of Zechariah. Every time Zechariah entered upon her in the prayer chamber, he found with her provision. He said, "O Mary, from where is this [coming] to you?" She said, "It is from Allah. Indeed, Allah provides for whom He wills without account."	3:37	अतः उसके रब ने उसका अच्छी स्वीकृति के साथ स्वागत किया और उत्तम रूप में उसे परवान चढ़ाया; और ज़करिया को उसका संरक्षक बनाया। जब कभी ज़करिया उसके पास मेहराब (इबादतगाह) में जाता, तो उसके पास कुछ रोज़ी पाता। उसने कहा, "ऐ मरयम! ये चीज़े तुझे कहाँ से मिलती है?" उसने कहा, "यह अल्लाह के पास से है।" निस्संदेह अल्लाह जिसे चाहता है, बेहिसाब देता है	**[चमत्कारिक रूप से आवश्यक चीज़ें उपलब्ध हो गईं और मेरी ने ईश्वर को 'अल्लाह' कहा, 'याहवे' नहीं।]**

Hunalika daAAa zakariyya rabbahu qala rabbi hab lee min ladunka thurriyyatan tayyibatan innaka sameeAAu aldduAAai	Referring to Birth of John the Baptist (Yahya). **[In the Bible, Mary is a young woman from Nazareth, engaged to Joseph. There is no temple-care or guardianship by Zechariah.]**	At that, Zechariah called upon his Lord, saying, "My Lord, grant me from Yourself a good offspring. Indeed, You are the Hearer of supplication."	3:38	वहीं ज़कारिया ने अपने रब को पुकारा, कहा, "मेरे रब! मुझे तू अपने पास से अच्छी सन्तान (अनुयायी) प्रदान कर। तू ही प्रार्थना का सुननेवाला है।"	यूहन्ना (याह्या) के जन्म का संदर्भ। **[बाइबिल में, मेरी एक युवती है जो नासरत (एक प्राचीन शहर) की है और जोसेफ के साथ सगाई में है। वहाँ मंदिर में देखभाल या ज़कारिय्याह द्वारा संरक्षण का कोई उल्लेख नहीं है।]**
Fanadathu almalaikatu wahuwa qaimun yusallee fee almihrabi anna Allaha yubashshiruka biyahya musaddiqan bikalimatin mina Allahi wasayyidan wahasooran wanabiyyan mina	Angels informing Zechariah.	So the angels called him while he was standing in prayer in the chamber, "Indeed, Allah gives you good tidings of John, confirming a word from Allah and [who will be] honorable, abstaining [from women], and a prophet from among the righteous."	3:39	तो फ़रिश्तों ने उसे आवाज़ दी, जबकि वह मेहराब में खड़ा नमाज़ पढ़ रहा था, "अल्लाह, तुझे यह्याि की शुभ-सूचना देता है, जो अल्लाह के एक कलिमें की पुष्टि करनेवाला, सरदार, अत्यन्त संयमी और अच्छे लोगो में से एक नबी होगा।"	फ़रिश्ते ज़कारिय्याह को सूचित कर रहे हैं।
Qala rabbi anna yakoonu lee ghulamun waqad balaghaniya alkibaru waimraatee AAaqirun qala kathalika Allahu yafAAalu ma yashao	**[Allah does what He wills, breaking His own Laws.]**	He said, "My Lord, how will I have a boy when I have reached old age and my wife is barren?" The angel said, "Such is Allah; He does what He wills."	3:40	उसने कहा, "मेरे रब! मेरे यहाँ लड़का कैसे पैदा होगा, जबकि मुझे बुढापा आ गया है और मेरी पत्नी बाँझ है?" कहा, "इसी प्रकार अल्लाह जो चाहता है, करता है।"	**[अल्लाह वही करता है जो वह चाहे, और वह अपने ही बनाए नियमों को तोड़ देता है।]**

Qala rabbi ijAAal lee ayatan qala ayatuka alla tukallima alnnasa thalathata ayyamin illa ramzan waothkur rabbaka katheeran wasabbih bialAAashiyyi waalibkari	Means Zechariah will not be able to speak except with signals for three days, when he will be about to have his son.	He said, "My Lord, make for me a sign." He Said, "Your sign is that you will not [be able to] speak to the people for three days except by gesture. And remember your Lord much and exalt [Him with praise] in the evening and the morning."	3:41	उसने कहा, "मेरे रब! मेरे लिए कोई आदेश निश्चित कर दे।" कहा, "तुम्हारे लिए आदेश यह है कि तुम लोगों से तीन दिन तक संकेत के सिवा कोई बातचीत न करो। अपने रब को बहुत अधिक याद करो और सायंकाल और प्रातः समय उसकी तसबीह (महिमागान) करते रहो।"	इसका अर्थ है कि ज़करिय्याह (स.) तीन दिनों तक बोल नहीं पाएँगे और केवल इशारों के माध्यम से ही बात करेंगे, जब उनकी संतान जन्म लेने वाली होगी।
Waith qalati almalaikatu ya maryamu inna Allaha istafaki watahharaki waistafaki AAala	**[Contradiction: Here, a group of angels speak to Mary, but at 19:17, she is addressed only by "our spirit" in "the likeness of a perfect man.]**	And [mention] when the angels said, "O Mary, indeed Allah has chosen you and purified you and chosen you above the women of the worlds.	3:42	और जब फ़रिश्तों ने कहा, "ऐ मरयम! अल्लाह ने तुझे चुन लिया और तुझे पवित्रता प्रदान की और तुझे संसार की स्त्रियों के मुक़ाबले मं चुन लिया	**[विरोधाभास: यहाँ (ईसा के जन्म के समय) एक समूह फ़रिश्ते मेरी से बात कर रहे हैं, जबकि 19:17 में उन्हें केवल 'हमारी रूह' द्वारा 'संपूर्ण पुरुष के रूप में' संबोधित किया गया है।]**
Ya maryamu oqnutee lirabbiki waosjudee wairkaAAee maAAa	x	O Mary, be devoutly obedient to your Lord and prostrate and bow with those who bow [in prayer]."	3:43	"ऐ मरयम! पूरी निष्ठा के साथ अपने रब की आज्ञा का पालन करती रह, और सजदा कर और झुकनेवालों के साथ तू भी झुकती रह।"	x
Thalika min anbai alghaybi nooheehi ilayka wama kunta ladayhim ith yulqoona aqlamahum ayyuhum yakfulu maryama wama kunta ladayhim ith yakhtasimoona	Allah disclosed these facts to you (Mohammad, pbuh) as if you were a witness, when they conducted a lottery to choose the custodian of Mary.	That is from the news of the unseen which We reveal to you, [O Muhammad]. And you were not with them when they cast their pens as to which of them should be responsible for Mary. Nor were you with them when they disputed.	3:44	यह परोक्ष की सूचनाओं में से है, जिसकी वह्य हम तुम्हारी ओर कर रहे है। तुम तो उस समय उनके पास नहीं थे, जब वे अपनी क़लमों को फेंक रहे थ कि उनमें कौन मरयम का संरक्षक बने और न उनके समय थे, जब वे आपस में झगड़ रहे थे	अल्लाह ने ये बातें तुम्हें (मुहम्मद (स.)) इस प्रकार प्रकट की जैसे तुम गवाह हो, जब उन्होंने मेरी की संरक्षकता चुनने के लिए लॉटरी करवाई थी।

Ith qalati almalaikatu ya maryamu inna Allaha yubashshiruki bikalimatin minhu ismuhu almaseehu AAeesa ibnu maryama wajeehan fee alddunya waalakhirati wamina	**[Contradiction: How many angels informed Mary about Jesus birth: Many 3:42, 3:45, One 19:17; The word Christ / Messiah was not his name, but a title of honour, and it only emerged years after his death.]**	[And mention] when the angels said, "O Mary, indeed Allah gives you good tidings of a word from Him, whose name will be the Messiah, Jesus, the son of Mary - distinguished in this world and the Hereafter and among those brought near [to Allah].	3:45	और याद करो जब फ़रिश्तों ने कहा, "ऐ मरयम! अल्लाह तुझे अपने एक कलिमे (बात) की शुभ-सूचना देता है, जिसका नाम मसीह, मरयम का बेटा, ईसा होगा। वह दुनिया और आख़िरत मे आबरूवाला होगा और अल्लाह के निकटवर्ती लोगों में से होगा	**[विरोधाभास: मेरी को ईसा के जन्म के बारे में कितने फ़रिश्तों ने सूचित किया – कई (3:42, 3:45), या केवल एक (19:17); 'मसीह / क्राइस्ट' शब्द उनका नाम नहीं था, बल्कि यह सम्मान का शीर्षक था, जो उनके निधन के कई साल बाद प्रचलित हुआ।]**
Wayukallimu alnnasa fee almahdi wakahlan wamina alssaliheena	**[How could a child in cradle start speaking for her mother.]**	He will speak to the people in the cradle and in maturity and will be of the righteous."	3:46	वह लोगों से पालने में भी बात करेगा और बड़ी आयु को पहुँचकर भी। और वह नेक व्यक्ति होगा। -	**[एक पालने में पड़ा बच्चा अपनी माँ के लिए कैसे बोल सकता है?]**
Qalat rabbi anna yakoonu lee waladun walam yamsasnee basharun qala kathaliki Allahu yakhluqu ma yashao itha qada amran fainnama yaqoolu lahu kun fayakoonu	**[As per science, a male can't come from a female alone, without fertilization. Contradiction: Could Allah can give birth to a son to someone without spouse, Yes 3:47, 66:12; No 6:101]**	She said, "My Lord, how will I have a child when no man has touched me?" [The angel] said, "Such is Allah; He creates what He wills. When He decrees a matter, He only says to it, 'Be,' and it is.	3:47	वह बोली, "मेरे रब! मेरे यहाँ लड़का कहाँ से होगा, जबकि मुझे किसी आदमी ने छुआ तक नहीं?" कहा, "ऐसा ही होगा, अल्लाह जो चाहता है, पैदा करता है। जब वह किसी कार्य का निर्णय करता है तो उसको बस यही कहता है 'हो जा' तो वह हो जाता है	**[वैज्ञानिक दृष्टि से, एक पुरुष केवल महिला से अकेले उत्पन्न नहीं हो सकता, बिना निषेचन के। विरोधाभास: क्या अल्लाह किसी को बिना जोड़े के पुत्र दे सकते हैं – हाँ: 3:47, 66:12; नहीं: 6:101]**
WayuAAallimuhu alkitaba waalhikmata waalttawrata	x	And He will teach him writing and wisdom and the Torah and the Gospel	3:48	"और उसको किताब, हिकमत, तौरात और इंजील का भी ज्ञान देगा	x

Warasoolan ila banee israeela annee qad jitukum biayatin min rabbikum annee akhluqu lakum mina altteeni kahayati alttayri faanfukhu feehi fayakoonu tayran biithni Allahi waobrio alakmaha waalabrasa waohyee almawta biithni Allahi waonabbiokum bima takuloona wama taddakhiroona fee buyootikum inna fee thalika laayatan lakum in kuntum mumineena	**[Jesus made a bird with clay and it became living, he cured blind and leper, made dead people alive.]**	And [make him] a messenger to the Children of Israel, [who will say], 'Indeed I have come to you with a sign from your Lord in that I design for you from clay [that which is] like the form of a bird, then I breathe into it and it becomes a bird by permission of Allah. And I cure the blind and the leper, and I give life to the dead - by permission of Allah. And I inform you of what you eat and what you store in your houses. Indeed in that is a sign for you, if you are believers.	3:49	"और उसे इसराईल की संतान की ओर रसूल बनाकर भेजेगा। (वह कहेगा) कि मैं तुम्हारे पास तुम्हारे रब की ओर से एक निशाली लेकर आया हूँ कि मैं तुम्हारे लिए मिट्टी से पक्षी के रूप जैसी आकृति बनाता हूँ, फिर उसमें फूँक मारता हूँ, तो वह अल्लाह के आदेश से उड़ने लगती है। और मैं अल्लाह के आदेश से अंधे और कोढ़ी को अच्छा कर देता हूँ और मुर्दे को जीवित कर देता हूँ। और मैं तुम्हें बता देता हूँ जो कुछ तुम खाते हो और जो कुछ अपने घरों में इकट्ठा करके रखते हो। निस्संदेह इसमें तुम्हारे लिए एक निशानी है, यदि तुम माननेवाले हो	**[ईसा ने मिट्टी से एक पक्षी बनाया और वह जीवित हो गया, उन्होंने अंधे और कुष्ठ रोगियों को ठीक किया, और मृतकों को जीवित किया।]**

Wamusaddiqan lima bayna yadayya mina alttawrati waliohilla lakum baAAda allathee hurrima AAalaykum wajitukum biayatin min rabbikum faittaqoo Allaha waateeAAooni	Jesus have made certain things permissible, which were forbidden for Jews.	And [I have come] confirming what was before me of the Torah and to make lawful for you some of what was forbidden to you. And I have come to you with a sign from your Lord, so fear Allah and obey me.	3:50	"और मैं तौरात की, जो मेरे आगे है, पुष्टि करता हूँ और इसलिए आया हूँ कि तुम्हारे लिए कुछ उन चीज़ों को हलाल कर दूँ जो तुम्हारे लिए हराम थी। और मैं तुम्हारे पास तुम्हारे रब की ओर से एक निशानी लेकर आया हूँ। अतः अल्लाह का डर रखो और मेरी आज्ञा का पालन करो	ईसा ने कुछ ऐसे कार्य या चीज़ें हलाल कर दीं, जो यहूदियों के लिए मना थीं।
Inna Allaha rabbee warabbukum faoAAbudoohu hatha siratun	[Who is speaking. Jesus used "Yahweh" for God.]	Indeed, Allah is my Lord and your Lord, so worship Him. That is the straight path."	3:51	"निस्संदेह अल्लाह मेरी भी रब है और तुम्हारा रब भी, अतः तुम उसी की बन्दगी करो। यही सीधा मार्ग है।"	[यह कौन बोल रहा है। ईसा ने अल्लाह के लिए 'याहवे' शब्द का प्रयोग किया।]
Falamma ahassa AAeesa minhumu alkufra qala man ansaree ila Allahi qala alhawariyyoona nahnu ansaru Allahi amanna biAllahi waishhad bianna muslimoona	**[Jesus's disciples were Muslims; How can someone help Allah; Contradiction: Who was the first Muslim: Prophet Muhammad (pbuh) 6:14, 6:163, 39:12, Moses 7:143, Abraham 2:132, Jesus 3:52, 5:111]**	But when Jesus felt [persistence in] disbelief from them, he said, "Who are my supporters for [the cause of] Allah?" The disciples said, "We are supporters for Allah. We have believed in Allah and testify that we are Muslims [submitting to Him].	3:52	फिर जब ईसा को उनके अविश्वास और इनकार का आभास हुआ तो उसने कहा, "कौन अल्लाह की ओर बढ़ने में मेरा सहायक होता है?" हवारियों (साथियों) ने कहा, "हम अल्लाह के सहायक हैं। हम अल्लाह पर ईमान लाए और गवाह रहिए कि हम मुस्लिम है	**[ईसा के शिष्यों ने मुसलमानों की तरह ईमान रखा; अल्लाह की मदद कौन कर सकता है? विरोधाभास: पहला मुसलमान कौन था? पैग़म्बर मुहम्मद (स.) – 6:14, 6:163, 39:12; मूसा – 7:143; इब्राहीम – 2:132; ईसा – 3:52, 5:111]"**
Rabbana amanna bima anzalta waittabaAAna alrrasoola faoktubna maAAa alshshahideena	x	Our Lord, we have believed in what You revealed and have followed the messenger Jesus, so register us among the witnesses [to truth]."	3:53	"हमारे रब! तूने जो कुछ उतारा है, हम उसपर ईमान लाए और इस रसूल का अनुसरण स्वीकार किया। अतः तू हमें गवाही देनेवालों में लिख ले।"	x

Wamakaroo wamakara Allahu waAllahu khayru almakireena	Allah as the “best of schemers” refers to Allah’s plan to cause Jesus to ascend to heaven, as is stated in the following verse, and thereby foil the plot of the Jews to crucify him. **[Allah deceives the disbelievers. Allah is depicted as a schemer or plotter at 3:54, 7:99, 8:30, and 10:21.]]**	And the disbelievers planned, but Allah planned. And Allah is the best of planners.	3:54	और वे चाल चले तो अल्लाह ने भी उसका तोड़ किया और अल्लाह उत्तम तोड़ करनेवाला है	अल्लाह को ‘सबसे श्रेष्ठ योजनाकार’ कहना ईसा को स्वर्ग में ऊपर उठाने की अल्लाह की योजना को संदर्भित करता है, जैसा कि निम्नलिखित आयत में कहा गया है, और इस प्रकार यह यहूदियों की साजिश को विफल कर देता है जो उन्हें क्रूस पर चढ़ाना चाहते थे। **[अल्लाह अविश्वासियों को छल देता है।]**
Ith qala Allahu ya AAeesa innee mutawaffeeka warafiAAuka ilayya wamutahhiruka mina allatheena kafaroo wajaAAilu allatheena ittabaAAooka fawqa allatheena kafaroo ila yawmi alqiyamati thumma ilayya marjiAAukum faahkumu baynakum	**[Jesus is not crucified as Christians believe (also see 4:157).]**	[Mention] when Allah said, "O Jesus, indeed I will take you and raise you to Myself and purify you from those who disbelieve and make those who follow you [in submission to Allah alone] superior to those who disbelieve until the Day of Resurrection. Then to Me is your return, and I will judge between you concerning that in which you used to differ.	3:55	जब अल्लाह ने कहा, "ऐ ईसा! मैं तुझे अपने क़ब्ज़े में ले लूँगा और तुझे अपनी ओर उठा लूँगा और अविश्वासियों (की कुचेष्टाओं) से तुझे पाक कर दूँगा और तेरे अनुयायियों को क़ियामत के दिन तक लोगों के ऊपर रखूँगा, जिन्होंने इनकार किया। फिर मेरी ओर तुम्हें लौटना है। फिर मैं तुम्हारे बीच उन चीज़ों का फ़ैसला कर दूँगा, जिनके विषय में तुम विभेद करते रहे हो	**[ईसा को क्रूस पर नहीं चढ़ाया गया जैसा कि ईसाई मानते हैं (देखें: 4:157)]**

Faamma allatheena kafaroo faoAAaththibuhum AAathaban shadeedan fee alddunya waalakhirati wama lahum min nasireena	**[Allah will punish the non-muslims by the hands of muslims in this world in addition to punishement of Hell.]**	And as for those who disbelieved, I will punish them with a severe punishment in this world and the Hereafter, and they will have no helpers."	3:56	"तो जिन लोगों ने इनकार की नीति अपनाई, उन्हें दुनिया और आख़िरत में कड़ी यातना दूँगा। उनका कोई सहायक न होगा।"	**[अल्लाह इस दुनिया में भी गैर-मुस्लिमों को मुसलमानों के हाथों सजा देगा, इसके अलावा नरक की सजा भी होगी।]**
Waamma allatheena amanoo waAAamiloo alssalihati fayuwaffeehim ojoorahum waAllahu la yuhibbu	x	But as for those who believed and did righteous deeds, He will give them in full their rewards, and Allah does not like the wrongdoers.	3:57	रहे वे लोग जो ईमान लाए और उन्होंने अच्छे कर्म किए उन्हें वह उनका पूरा-पूरा बदला देगा। अल्लाह अत्याचारियों से प्रेम नहीं करता	x
Thalika natloohu AAalayka mina alayati waalththikri alhakeemi	Referring to Quran.	This is what We recite to you, [O Muhammad], of [Our] verses and the precise [and wise] message.	3:58	ये आयतें है और हिकमत (तत्वज्ञान) से परिपूर्ण अनुस्मारक, जो हम तुम्हें सुना रहे हैं	कुरआन के संदर्भ में

Inna mathala AAeesa AAinda Allahi kamathali adama khalaqahu min turabin thumma qala lahu kun fayakoonu	Christian delegation of Najran said to the Messenger (pbuh): 'Why do you insult Jesus by saying that he is a servant of Allah? Have you ever seen a human being who was born without a father? If you are truthful, show us such a person. And so this verse was revealed. **[Jesus is like Adam as both were created by the word of Allah. But jesus was not from clay in contrast to Adam; Kun fayakoonu should be Kun fayakaana.]**	Indeed, the example of Jesus to Allah is like that of Adam. He created Him from dust; then He said to him, "Be," and he was.	3:59	निस्संदेह अल्लाह की दृष्टि में ईसा की मिसाल आदम जैसी है कि उसे मिट्टी से बनाया, फिर उससे कहा, "हो जा", तो वह हो जाता है	नजरान के ईसाई प्रतिनिधियों ने पैग़म्बर मुहम्मद (स.) से कहा: 'आप ईसा को अल्लाह का बंदा कहकर अपमान क्यों करते हैं? क्या आपने कभी ऐसा इंसान देखा है जो बिना पिता के जन्मा हो? यदि आप सच्चे हैं, तो हमें ऐसा व्यक्ति दिखाइए।' और इसी के संदर्भ में यह आयत नाजिल हुई। **[ईसा और आदम समान हैं क्योंकि दोनों अल्लाह के शब्द द्वारा पैदा हुए। लेकिन ईसा मिट्टी से नहीं बने, जबकि आदम मिट्टी से बने; 'कुन फैयाकून' के स्थान पर 'कुन फैयाकाना' होना चाहिए]**
Alhaqqu min rabbika fala takun mina almumtareena	x	The truth is from your Lord, so do not be among the doubters.	3:60	यह हक़ तुम्हारे रब की ओर से हैं, तो तुम संदेह में न पड़ना	हक़ = सच
Faman hajjaka feehi min baAAdi ma jaaka mina alAAilmi faqul taAAalaw nadAAu abnaana waabnaakum wanisaana wanisaakum waanfusana waanfusakum thumma nabtahil fanajAAal laAAnata Allahi AAala	This verse is regarding the Mubahala event which was a debate between prophet (pbuh) and some Christians. Prophet (pbuh) came with Ali (ra), Fatima, Hasan and Hussain; but christians chosee not to participate. **[Christians claim that God's punished all those who were present at Mubahala.]**	Then whoever argues with you about it after [this] knowledge has come to you - say, "Come, let us call our sons and your sons, our women and your women, ourselves and yourselves, then supplicate earnestly [together] and invoke the curse of Allah upon the liars [among us]."	3:61	अब इसके पश्चात कि तुम्हारे पास ज्ञान आ चुका है, कोई तुमसे इस विषय में कुतर्क करे तो कह दो, "आओ, हम अपने बेटों को बुला लें और तुम भी अपने बेटों को बुला लो, और हम अपनी स्त्रियों को बुला लें और तुम भी अपनी स्त्रियों को बुला लो, और हम अपने को और तुम अपने को ले आओ, फिर मिलकर प्रार्थना करें और झूठों पर अल्लाह की लानत भेजे।"	यह आयत मुबाहला की घटना के बारे में है, जो पैग़म्बर मुहम्मद (स.) और नजरान के कुछ ईसाइयों के बीच एक वाद-विवाद से संबंधित थी। पैग़म्बर मुहम्मद (स.) इस अवसर पर अली (रज़ि.), फ़ातिमा (रज़ि.), हसन (रज़ि.) और हुसैन (रज़ि.) को अपने साथ लेकर आए; लेकिन ईसाइयों ने इसमें भाग नहीं लिया। **[कुछ ईसाइयों का दावा है कि मुबाहला में उपस्थित सभी लोगों को ईश्वर ने दंडित किया।]**

Inna hatha lahuwa alqasasu alhaqqu wama min ilahin illa Allahu wainna Allaha lahuwa alAAazeezu	x	Indeed, this is the true narration. And there is no deity except Allah. And indeed, Allah is the Exalted in Might, the Wise.	3:62	निस्संदेह यही सच्चा बयान है और अल्लाह के अतिरिक्त कोई पूज्य नहीं। और अल्लाह ही प्रभुत्वशाली, तत्वदर्शी है	x
Fain tawallaw fainna Allaha AAaleemun	"Corrupters" means people who disobey Allah.	But if they turn away, then indeed - Allah is Knowing of the corrupters.	3:63	फिर यदि वे लोग मुँह मोड़े तो अल्लाह फ़सादियों को भली-भाँति जानता है	“फ़सादियों” से तात्पर्य उन लोगों से है जो अल्लाह की अवज्ञा करते हैं।
Qul ya ahla alkitabi taAAalaw ila kalimatin sawain baynana wabaynakum alla naAAbuda illa Allaha wala nushrika bihi shayan wala yattakhitha baAAduna baAAdan arbaban min dooni Allahi fain tawallaw faqooloo ishhadoo bianna muslimoona	This verse is asking Christians to become Muslims and stop claiming that Jesus is son of God.	Say, "O People of the Scripture, come to a word that is equitable between us and you - that we will not worship except Allah and not associate anything with Him and not take one another as lords instead of Allah." But if they turn away, then say, "Bear witness that we are Muslims [submitting to Him]."	3:64	कहो, "ऐ किताबवालो! आओ एक ऐसी बात की ओर जिसे हमारे और तुम्हारे बीच समान मान्यता प्राप्त है; यह कि हम अल्लाह के अतिरिक्त किसी की बन्दगी न करें और न उसके साथ किसी चीज़ को साझी ठहराएँ और न परस्पर हममें से कोई एक-दूसरे को अल्लाह से हटकर रब बनाए।" फिर यदि वे मुँह मोड़े तो कह दो, "गवाह रहो, हम तो मुस्लिम (आज्ञाकारी) है।"	यह आयत ईसाइयों से मुसलमान बनने और यह दावा करना छोड़ने के लिए कहती है कि यीशु ईश्वर के पुत्र हैं।
Ya ahla alkitabi lima tuhajjoona fee ibraheema wama onzilati alttawratu waalinjeelu illa min baAAdihi afala taAAqiloona	x	O People of the Scripture, why do you argue about Abraham while the Torah and the Gospel were not revealed until after him? Then will you not reason?	3:65	"ऐ किताबवालो! तुम इबराहीम के विषय में हमसे क्यों झगड़ते हो? जबकि तौरात और इंजील तो उसके पश्चात उतारी गई है, तो क्या तुम समझ से काम नहीं लेते?	x

Haantum haolai hajajtum feema lakum bihi AAilmun falima tuhajjoona feema laysa lakum bihi AAilmun waAllahu yaAAlamu waantum la taAAlamoona	**[Allah rebukes the Jews and Christians for arguing over something.]**	Here you are - those who have argued about that of which you have [some] knowledge, but why do you argue about that of which you have no knowledge? And Allah knows, while you know not.	3:66	"ये तुम लोग हो कि उसके विषय में वाद-विवाद कर चुके जिसका तुम्हें कुछ ज्ञान था। अब उसके विषय में क्यों वाद-विवाद करते हो, जिसके विषय में तुम्हें कुछ भी ज्ञान नहीं? अल्लाह जानता है, तुम नहीं जानते"	**[अल्लाह यहूदियों और ईसाइयों को किसी बात पर आपस में विवाद करने के लिए फटकारता है।]**
Ma kana ibraheemu yahoodiyyan wala nasraniyyan walakin kana haneefan musliman wama kana mina almushrikeena	**[Ishmael (Son of Abraham) and his descendants settled from Havilah to Shur, which is opposite Egypt in the direction of Syria (Genesis 25:18). And this part of the Bible was written more than 1000 years before the origin of Islam. So, its impossible to make changes in this Bible which was with so many people; Also this verse says Abraham was a Muslim; however, there is historical**	Abraham was neither a Jew nor a Christian, but he was one inclining toward truth, a Muslim [submitting to Allah]. And he was not of the polytheists.	3:67	इबराहीम न यहूदी था और न ईसाई, बल्कि वह तो एक ओर को होकर रहनेवाला मुस्लिम (आज्ञाकारी) था। वह कदापि मुशरिकों में से न था	**[इश्माएल (इब्राहीम के पुत्र) और उनके वंशज हविला से शूर तक बस गए, जो मिस्र के सामने सीरिया की दिशा में स्थित है (उत्पत्ति 25:18)। और बाइबिल का यह भाग इस्लाम से 1000 वर्ष से भी पहले लिखा गया था। इसलिए इतनी बड़ी संख्या में लोगों के पास मौजूद इस बाइबिल में परिवर्तन करना असंभव था। साथ ही इस आयत में कहा गया है कि इब्राहीम एक मुसलमान थे; हालांकि, इसके लिए कोई ऐतिहासिक प्रमाण नहीं है।]**
Inna awla alnnasi biibraheema lallatheena ittabaAAoohu wahatha alnnabiyyu waallatheena amanoo waAllahu waliyyu	The leaders of the Jews said that they have the better claim to Abraham's religion than anybody else; and he was a Jew. And so this verse was revealed.	Indeed, the most worthy of Abraham among the people are those who followed him [in submission to Allah] and this prophet, and those who believe [in his message]. And Allah is the	3:68	निस्संदेह इबराहीम से सबसे अधिक निकटता का सम्बन्ध रखनेवाले वे लोग है जिन्होंने उसका अनुसरण किया, और यह नबी और ईमानवाले लोग। और अल्लाह ईमानवालों को समर्थक एवं सहायक है	यहूदियों के नेताओं ने कहा कि इब्राहीम के धर्म पर उनका दावा किसी और से अधिक है और वे यहूदी थे। इसी कारण यह आयत अवतरित हुई।

Waddat taifatun min ahli alkitabi law yudilloonakum wama yudilloona illa anfusahum wama yashAAuroona	This was revealed about Muadh ibn Jabal, Hudhayfah and Ammar ibn Yasir when the Jews called them to embrace their religion.	A faction of the people of the Scripture wish they could mislead you. But they do not mislead except themselves, and they perceive [it] not.	3:69	किताबवालों में से एक गिरोह के लोगों की कामना है कि काश! वे तुम्हें पथभ्रष्ट कर सकें, जबकि वे केवल अपने-आपकों पथभ्रष्ट कर रहे है! किन्तु उन्हें इसका एहसास नहीं	यह आयत मुआज़ इब्न जबल, हुदैफ़ा और अम्मार इब्न यासिर के बारे में अवतरित हुई, जब यहूदियों ने उन्हें अपने धर्म को अपनाने के लिए बुलाया।
Ya ahla alkitabi lima takfuroona biayati Allahi waantum	**[If the Jews and Christians were convinced, they would have easily converted.]**	O People of the Scripture, why do you disbelieve in the verses of Allah while you witness [to their truth]?	3:70	ऐ किताबवालों! तुम अल्लाह की आयतों का इनकार क्यों करते हो, जबकि तुम स्वयं गवाह हो?	**[यदि यहूदी और ईसाई आश्वस्त होते, तो वे आसानी से धर्म परिवर्तन कर लेते।]**
Ya ahla alkitabi lima talbisoona alhaqqa bialbatili wataktumoona alhaqqa waantum taAAlamoona	Claim: The Jews and Christians know that Islam is true but conceal the fact for their own selfish gain.	O People of the Scripture, why do you confuse the truth with falsehood and conceal the truth while you know [it]?	3:71	ऐ किताबवालो! सत्य को असत्य के साथ क्यों गड्ड-मड्ड करते और जानते-बूझते हुए सत्य को छिपाते हो?	दावा: यहूदी और ईसाई जानते हैं कि इस्लाम सत्य है, लेकिन वे अपने स्वार्थ के लिए इस तथ्य को छिपाते हैं।
Waqalat taifatun min ahli alkitabi aminoo biallathee onzila AAala allatheena amanoo wajha alnnahari waokfuroo akhirahu laAAallahum yarjiAAoona	Some Jewish rabbis conspired and said: Pretend to join the religion of Muhammad at the beginning of the day and declare your disbelief in it at the end of the day. Then say: 'We have looked in our Scriptures and consulted our scholars and found that Muhammad is not genuine; so that his companions may doubt Islam and embrace yours.	And a faction of the People of the Scripture say [to each other], "Believe in that which was revealed to the believers at the beginning of the day and reject it at its end that perhaps they will abandon their religion,	3:72	किताबवालों में से एक गिरोह कहता है, "ईमानवालो पर जो कुछ उतरा है, उस पर प्रातःकाल ईमान लाओ और संध्या समय उसका इनकार कर दो, ताकि वे फिर जाएँ	कुछ यहूदी रब्बियों ने षड्यंत्र किया और कहा: दिन की शुरुआत में मुहम्मद के धर्म को स्वीकार करने का दिखावा करो और दिन के अंत में उससे इनकार कर दो। फिर कहो: 'हमने अपने धर्मग्रंथों को देखा और अपने विद्वानों से परामर्श किया और पाया कि मुहम्मद वास्तविक नहीं हैं'; ताकि उनके साथियों को इस्लाम पर संदेह हो जाए और वे तुम्हारे धर्म को अपना लें।

Wala tuminoo illa liman tabiAAa deenakum qul inna alhuda huda Allahi an yuta ahadun mithla ma ooteetum aw yuhajjookum AAinda rabbikum qul inna alfadla biyadi Allahi yuteehi man yashao waAllahu wasiAAun AAaleemun	Muslims should only trust Muslims.	And do not trust except those who follow your religion." Say, "Indeed, the [true] guidance is the guidance of Allah. [Do you fear] lest someone be given [knowledge] like you were given or that they would [thereby] argue with you before your Lord?" Say, "Indeed, [all] bounty is in the hand of Allah - He grants it to whom He wills. And Allah is all-Encompassing and Wise."	3:73	"और तुम अपने धर्म के अनुयायियों के अतिरिक्त किसी पर विश्वास न करो। कह दो, वास्तविक मार्गदर्शन तो अल्लाह का मार्गदर्शन है - कि कहीं जो चीज़ तुम्हें प्राप्त हो जाए, या वे तुम्हारे रब के सामने तुम्हारे ख़िलाफ़ हुज्जत कर सकें।" कह दो, "बढ़-चढ़कर प्रदान करना तो अल्लाह के हाथ में है, जिसे चाहता है प्रदान करता है। और अल्लाह बड़ी समाईवाला, सब कुछ जाननेवाला है	मुसलमानों को केवल मुसलमानों पर ही भरोसा करना चाहिए।
Yakhtassu birahmatihi man yashao waAllahu thoo alfadli alAAatheemi	Allah can choose whomsoever He will, like He has chosen Muhammad (pbuh) for prophethood.	He selects for His mercy whom He wills. And Allah is the possessor of great bounty.	3:74	"वह जिसे चाहता है अपनी रहमत (दयालुता) के लिए ख़ास कर लेता है। और अल्लाह बड़ी उदारता दर्शानेवाला है।"	अल्लाह जिसे चाहे चुन सकता है, जैसे उसने पैग़म्बर मुहम्मद (स.) को पैग़म्बरी के लिए चुना।

Wamin ahli alkitabi man in tamanhu biqintarin yuaddihi ilayka waminhum man in tamanhu bideenarin la yuaddihi ilayka illa ma dumta AAalayhi qaiman thalika biannahum qaloo laysa AAalayna fee alommiyyeena sabeelun wayaqooloona AAala Allahi alkathiba wahum yaAAlamoona	“Unlearned” refers to Gentiles (non-Jews). Jews considered their community to be the one chosen by God, and all other people were regarded as Gentiles. This verse indicates that some Jews believed it was permissible to be dishonest with Gentiles. **[In a similar way, among Muslims, people outside the faith are often referred to as non-Muslims.]**	And among the People of the Scripture is he who, if you entrust him with a great amount [of wealth], he will return it to you. And among them is he who, if you entrust him with a [single] silver coin, he will not return it to you unless you are constantly standing over him [demanding it]. That is because they say, "There is no blame upon us concerning the unlearned." And they speak untruth about Allah while they	3:75	और किताबवालों में कोई तो ऐसा है कि यदि तुम उसके पास धन-दौलच का एक ढेर भी अमानत रख दो तो वह उसे तुम्हें लौटा देगा। और उनमें कोई ऐसा है कि यदि तुम एक दीनार भी उसकी अमानत में रखों, तो जब तक कि तुम उसके सिर पर सवार न हो, वह उसे तुम्हें अदा नहीं करेगा। यह इसलिए कि वे कहते है, "उन लोगों के विषय में जो किताबवाले नहीं हैं हमारी कोई पकड़ नहीं।" और वे जानते-बूझते अल्लाह पर झूठ मढ़ते है	"अनपढ़" से तात्पर्य जेंटाइल (ग़ैर-यहूदी लोगों) से है। यहूदी अपने समुदाय को ईश्वर द्वारा चुना हुआ मानते थे और अन्य सभी लोगों को जेंटाइल कहा जाता था। यह आयत संकेत करती है कि कुछ यहूदियों का यह मानना था कि जेंटाइल के साथ बेईमानी करना स्वीकार्य है। **[इसी प्रकार, मुसलमानों में भी अपने धर्म के बाहर के लोगों को प्रायः ग़ैर-मुस्लिम कहा जाता है।]**
Bala man awfa biAAahdihi waittaqa fainna Allaha yuhibbu	x	But yes, whoever fulfills his commitment and fears Allah - then indeed, Allah loves those who fear Him.	3:76	क्यों नहीं, जो कोई अपनी प्रतिज्ञा पूरी करेगा और डर रखेगा, तो अल्लाह भी डर रखनेवालों से प्रेम करता है	x

Inna allatheena yashtaroona biAAahdi Allahi waaymanihim thamanan qaleelan olaika la khalaqa lahum fee alakhirati wala yukallimuhumu Allahu wala yanthuru ilayhim yawma alqiyamati wala yuzakkeehim walahum AAathabun aleemun	A person has a property dispute with someone. So, the prophet asked him: 'do you have a proof'. He said: 'No!' Then the prophet said: 'Then the other man should swear'. He said: 'So let him swear'. Another tradition says that this is about the Jewish chiefs, who had made changes in Torah regarding the identity of Muhammad (pbuh) in order not to miss the gains and earning from their followers. **[Allah will not speak or look, suggests human characters.]**	Indeed, those who exchange the covenant of Allah and their [own] oaths for a small price will have no share in the Hereafter, and Allah will not speak to them or look at them on the Day of Resurrection, nor will He purify them; and they will have a painful punishment.	3:77	रहे वे लोग जो अल्लाह की प्रतिज्ञा और अपनी क़समों का थोड़े मूल्य पर सौदा करते हैं, उनका आख़िरत में कोई हिस्सा नहीं। अल्लाह न तो उनसे बात करेगा और न क़ियामत के दिन उनकी ओर देखेगा, और न ही उन्हें निखारेगा। उनके लिए तो दुखद यातना है	एक व्यक्ति का किसी दूसरे व्यक्ति के साथ संपत्ति का विवाद था। इसलिए पैग़म्बर मुहम्मद (स.) ने उससे पूछा: "क्या तुम्हारे पास कोई प्रमाण है?" उसने कहा: "नहीं।" तब पैग़म्बर मुहम्मद (स.) ने कहा: "तो दूसरे व्यक्ति को शपथ लेनी होगी।" उसने कहा: "ठीक है, उसे शपथ लेने दीजिए। एक अन्य परंपरा के अनुसार यह बात यहूदी सरदारों के बारे में है, जिन्होंने अपने अनुयायियों से मिलने वाले लाभ और कमाई को खोने से बचने के लिए तौरात में पैग़म्बर मुहम्मद (स.) की पहचान से संबंधित परिवर्तन कर दिए थे। ["अल्लाह न उनसे बात करेगा और न उनकी ओर देखेगा" — यह अभिव्यक्ति मानवीय गुणों का संकेत देती है।]

Wainna minhum lafareeqan yalwoona alsinatahum bialkitabi litahsaboohu mina alkitabi wama huwa mina alkitabi wayaqooloona huwa min AAindi Allahi wama huwa min AAindi Allahi wayaqooloona AAala Allahi alkathiba wahum	Referring to Jews.	And indeed, there is among them a party who alter the Scripture with their tongues so you may think it is from the Scripture, but it is not from the Scripture. And they say, "This is from Allah," but it is not from Allah. And they speak untruth about Allah while they know.	3:78	उनमें कुछ लोग ऐसे है जो किताब पढ़ते हुए अपनी ज़बानों का इस प्रकार उलट-फेर करते है कि तुम समझों कि वह किताब ही में से है, जबकि वह किताब में से नहीं होता। और वे कहते है, "यह अल्लाह की ओर से है।" जबकि वह अल्लाह की ओर से नहीं होता। और वे जानते-बूझते झूठ गढ़कर अल्लाह पर थोपते है	यह यहूदियों की ओर संकेत करता है।
Ma kana libasharin an yutiyahu Allahu alkitaba waalhukma waalnnubuwwata thumma yaqoola lilnnasi koonoo AAibadan lee min dooni Allahi walakin koonoo rabbaniyyeena bima kuntum tuAAallimoona alkitaba wabima kuntum tadrusoona	A man said: O Messenger of Allah! we greet you as we greet each other? Should we not prostrate to you? Then this verse was revealed.	It is not for a human [prophet] that Allah should give him the Scripture and authority and prophethood and then he would say to the people, "Be servants to me rather than Allah," but [instead, he would say], "Be pious scholars of the Lord because of what you have taught of the Scripture and because of what you have studied."	3:79	किसी मनुष्य के लिए यह सम्भव न था कि अल्लाह उसे किताब और हिकमत (तत्वदर्शिता) और पैग़म्बरी प्रदान करे और वह लोगों से कहने लगे, "तुम अल्लाह को छोड़कर मेरे उपासक बनो।" बल्कि वह तो यही कहेगा कि, "तुम रबवाले बनो, इसलिए कि तुम किताब की शिक्षा देते हो और इसलिए कि तुम स्वयं भी पढ़ते हो।"	एक व्यक्ति ने कहा: “ऐ अल्लाह के रसूल! क्या हम आपको वैसे ही सलाम करें जैसे हम एक-दूसरे को करते हैं? क्या हमें आपको सज्दा नहीं करना चाहिए?” तब यह आयत अवतरित हुई।

Wala yamurakum an tattakhithoo almalaikata waalnnabiyyeena arbaban ayamurukum bialkufri baAAda ith	x	Nor could he order you to take the angels and prophets as lords. Would he order you to disbelief after you had been Muslims?	3:80	और न वह तुम्हें इस बात का हुक्म देगा कि तुम फ़रिश्तों और नबियों को अपना रब बना लो। क्या वह तुम्हें अधर्म का हुक्म देगा, जबकि तुम (उसके) आज्ञाकारी हो?	x
Waith akhatha Allahu meethaqa alnnabiyyeena lama ataytukum min kitabin wahikmatin thumma jaakum rasoolun musaddiqun lima maAAakum latuminunna bihi walatansurunnahu qala aaqrartum waakhathtum AAala thalikum isree qaloo aqrarna qala faishhadoo waana maAAakum mina alshshahideena	Quran claims that there are prophecies of Muhammad (pbuh) in earlier scriptures 3:81, 7:157, 48:29, 61:6. **Some of the references quoted by Muslims -** Deuteronomy 18:15: “The Lord your God will raise up for you a prophet like me from among you, from your brothers”. Song of Solomon 5:16 His mouth is most sweet, and he is altogether desirable. This is my beloved and this is my friend, O daughters of Jerusalem. **[Jews think it should be a Jew. Christians believe that this prophet was Jesus Christ.]**	And [recall, O People of the Scripture], when Allah took the covenant of the prophets, [saying], "Whatever I give you of the Scripture and wisdom and then there comes to you a messenger confirming what is with you, you [must] believe in him and support him." [Allah] said, "Have you acknowledged and taken upon that My commitment?" They said, "We have acknowledged it." He said, "Then bear witness, and I am with you among the witnesses."	3:81	और याद करो जब अल्लाह ने नबियों के सम्बन्ध में वचन लिया था, "मैंने तुम्हें जो कुछ किताब और हिकमत प्रदान की, इसके पश्चात तुम्हारे पास कोई रसूल उसकी पुष्टि करता हुआ आए जो तुम्हारे पास मौजूद है, तो तुम अवश्य उस पर ईमान लाओगे और निश्चय ही उसकी सहायता करोगे।" कहा, "क्या तुमने इक़रार किया? और इसपर मेरी ओर से डाली हुई जिम्मेदारी को बोझ उठाया?" उन्होंने कहा, "हमने इक़रार किया।" कहा, "अच्छा तो गवाह किया और मैं भी तुम्हारे साथ गवाह हूँ।"	क़ुरआन यह दावा करता है कि पहले के धर्मग्रंथों में पैग़म्बर मुहम्मद (स.) के बारे में भविष्यवाणियाँ हैं (3:81, 7:157, 48:29, 61:6)। मुसलमानों द्वारा उद्धृत कुछ संदर्भ हैं — व्यवस्थाविवरण 18:15: ‘तुम्हारा परमेश्वर यहोवा तुम्हारे बीच से, तुम्हारे भाइयों में से, मेरे समान एक भविष्यद्वक्ता को तुम्हारे लिए खड़ा करेगा।’ सुलेमान का श्रेष्ठगीत 5:16: ‘उसका मुँह अत्यंत मधुर है, और वह सर्वथा मनोहर है। हे यरूशलेम की पुत्रियो, यह मेरा प्रिय है और यह मेरा मित्र है। **[यहूदी मानते हैं कि यह रसूल यहूदी ही होना चाहिए। ईसाई मानते हैं कि यह रसूल यीशु मसीह थे।]**
Faman tawalla baAAda thalika faolaika humu alfasiqoona	x	And whoever turned away after that - they were the defiantly disobedient.	3:82	फिर इसके बाद जो फिर गए, तो ऐसे ही लोग अवज्ञाकारी है	x

Afaghayra deeni Allahi yabghoona walahu aslama man fee alssamawati waalardi tawAAan wakarhan wailayhi yurjaAAoona	The Jews and the Christians went to the Messenger (pbuh) to settle a dispute regarding who is following the Abraham's religion. The Prophet (pbuh) said: 'None of the parties has anything to do with the religion of Abraham'. They became angry said: 'By Allah, we do not accept your judgement nor are we going to follow your religion!' **[Everything on earth and heaven is a Muslim, as they have submitted to Allah.]**	So is it other than the religion of Allah they desire, while to Him have submitted [all] those within the heavens and earth, willingly or by compulsion, and to Him they will be returned?	3:83	अब क्या इन लोगों को अल्लाह के दीन (धर्म) के सिवा किसी और दीन की तलब है, हालाँकि आकाशों और धरती में जो कोई भी है, स्वेच्छापूर्वक या विवश होकर उसी के आगे झुका हुआ है। और उसी की ओर सबको लौटना है?	यहूदी और ईसाई पैग़म्बर मुहम्मद (स.) के पास इस विवाद को सुलझाने के लिए आए कि इब्राहीम के धर्म का पालन कौन कर रहा है। पैग़म्बर मुहम्मद (स.) ने कहा: "तुममें से किसी का भी इब्राहीम के धर्म से कोई संबंध नहीं है।" इस पर वे क्रोधित हो गए और बोले: अल्लाह की क़सम! हम न तो आपके निर्णय को स्वीकार करेंगे और न ही आपके धर्म का अनुसरण करेंगे। **[पृथ्वी और आकाश में जो कुछ भी है, वह सब मुसलमान है, क्योंकि उसने अल्लाह के प्रति समर्पण किया है।]**

Qul amanna biAllahi wama onzila AAalayna wama onzila AAala ibraheema waismaAAeela waishaqa wayaAAqooba waalasbati wama ootiya moosa waAAeesa waalnnabiyyoona min rabbihim la nufarriqu bayna ahadin minhum wanahnu lahu muslimoona	**[But in reality, the status of Prophet Muhammad (pbuh) is regarded to be higher by Muslims, like taking his name in all prayers. Also some verse of Quran says that there are distinction between prophets, verse 2:253.]**	Say, "We have believed in Allah and in what was revealed to us and what was revealed to Abraham, Ishmael, Isaac, Jacob, and the Descendants, and in what was given to Moses and Jesus and to the prophets from their Lord. We make no distinction between any of them, and we are Muslims [submitting] to Him."	3:84	कहो, "हम तो अल्लाह पर और उस चीज़ पर ईमान लाए जो हम पर उतरी है, और जो इबराहीम, इसमाईल, इसहाक़ और याकूब़ और उनकी सन्तान पर उतरी उसपर भी, और जो मूसा और ईसा और दूसरे नबियो को उनके रब की ओर से प्रदान हुई (उसपर भी हम ईमान रखते है) । हम उनमें से किसी को उस ओर से प्रदान हुई (उसपर भी हम ईमान रखते है) । हम उनमें से किसी को उस सम्बन्ध से अलग नहीं करते जो उनके बीच पाया जाता है, और हम उसी के आज्ञाकारी (मुस्लिम) है।"	**[लेकिन वास्तव में मुसलमानों के बीच पैग़म्बर मुहम्मद (स.) का दर्जा अधिक ऊँचा माना जाता है, जैसे सभी नमाज़ों में उनका नाम लिया जाता है। साथ ही क़ुरआन की कुछ आयतों में यह भी कहा गया है कि पैग़म्बरों के बीच भेद हैं, जैसे आयत 2:253]**
Waman yabtaghi ghayra alislami deenan falan yuqbala minhu wahuwa fee alakhirati mina alkhasireena	This verse abrogates previous verses like 2:62. **[Contradiction: Who will attain salvation: All people with good deed: 2:62, 5:69, Only Muslims: 3:19, 3:85]**	And whoever desires other than Islam as religion - never will it be accepted from him, and he, in the Hereafter, will be among the losers.	3:85	जो इस्लाम के अतिरिक्त कोई और दीन (धर्म) तलब करेगा तो उसकी ओर से कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। और आख़िरत में वह घाटा उठानेवालों में से होगा	यह आयत पहले की आयतों, जैसे 2:62, को निरस्त करती है। **[विरोधाभास: मुक्ति किसे मिलेगी? — अच्छे कर्म करने वाले सभी लोगों को (2:62, 5:69); केवल मुसलमानों को (3:19, 3:85)।]**

Kayfa yahdee Allahu qawman kafaroo baAAda eemanihim washahidoo anna alrrasoola haqqun wajaahumu albayyinatu waAllahu la yahdee alqawma alththalimeena	A man from the Ansar renounced Islam and joined the idolaters, and these verses (3:86-89) were revealed. When they were read to him, he said: By Allah, my people are not telling a lie about the Messenger of Allah (pbuh) and he went back repentant. **[Allah does not guide wrongdoers, but they are the ones who need the guidance; Also Quran does not address why people who once believed became disbeliever.]**	How shall Allah guide a people who disbelieved after their belief and had witnessed that the Messenger is true and clear signs had come to them? And Allah does not guide the wrongdoing people.	3:86	अल्लाह उन लोगों को कैसे मार्ग दिखाएगा, जिन्होंने अपने ईमान के पश्चात अधर्म और इनकार की नीति अपनाई, जबकि वे स्वयं इस बात की गवाही दे चुके हैं कि यह रसूल सच्चा है और उनके पास स्पष्ट निशानियाँ भी आ चुकी हैं? अल्लाह अत्याचारी लोगों को मार्ग नहीं दिखाया करता	अंसार में से एक व्यक्ति इस्लाम छोड़कर मुश्रिकों के साथ जा मिला, और तब ये आयतें (3:86–89) अवतरित हुईं। जब ये आयतें उसे सुनाई गईं, तो उसने कहा: “अल्लाह की क़सम! मेरे लोग अल्लाह के रसूल (स.) के बारे में झूठ नहीं कह रहे हैं।” इसके बाद वह पश्चाताप करते हुए वापस लौट आया। **[अल्लाह अत्याचारी को मार्गदर्शन नहीं देता, जबकि वास्तव में मार्गदर्शन की आवश्यकता तो उन्हीं को होती है। साथ ही क़ुरआन यह नहीं बताता कि जो लोग एक समय विश्वास करते थे, वे बाद में अविश्वासी क्यों बन गए।]**
Olaika jazaohum anna AAalayhim laAAnata Allahi waalmalaikati waalnnasi ajmaAAeena	They are Jewish rabbis of Arabia. **[Again Allah is cursing.]**	Those - their recompense will be that upon them is the curse of Allah and the angels and the people, all together,	3:87	उन लोगों का बदला यही है कि उनपर अल्लाह और फ़रिश्तों और सारे मनुष्यों की लानत है	वे अरब के यहूदी रब्बी हैं। **[फिर से अल्लाह की ओर से शाप/लानत का उल्लेख किया गया है।]**
Khalideena feeha la yukhaffafu AAanhumu alAAathabu wala hum yuntharoona	About Hell	Abiding eternally therein. The punishment will not be lightened for them, nor will they be reprieved.	3:88	इसी दशा में वे सदैव रहेंगे, न उनकी यातना हल्की होगी और न उन्हें मुहलत ही दी जाएगी	नरक के बारे में।
Illa allatheena taboo min baAAdi thalika waaslahoo fainna Allaha ghafoorun raheemun	Means those who repented before their death.	Except for those who repent after that and correct themselves. For indeed, Allah is Forgiving and Merciful.	3:89	हाँ, जिन लोगों ने इसके पश्चात तौबा कर ली और अपनी नीति को सुधार लिया तो निस्संदेह अल्लाह बड़ा क्षमाशील, दयावान है	अर्थात वे लोग जिन्होंने अपनी मृत्यु से पहले पश्चाताप कर लिया।

Inna allatheena kafaroo baAAda eemanihim thumma izdadoo kufran lan tuqbala tawbatuhum waolaika humu alddalloona	This was revealed about the Jews and Christians who disbelieved in Muhammad (pbuh) after they had believed in his attributes and description, and then added to their disbelief by remaining disbelievers.	Indeed, those who reject the message after their belief and then increase in disbelief - never will their [claimed] repentance be accepted, and they are the ones astray.	3:90	रहे वे लोग जिन्होंने अपने ईमान के पश्चात इनकार किया और अपने इनकार में बढ़ते ही गए, उनकी तौबा कदापि स्वीकार न होगी। वास्तव में वही पथभ्रष्ट हैं	यह आयत उन यहूदियों और ईसाइयों के बारे में अवतरित हुई जो पैग़म्बर मुहम्मद (स.) के गुणों और विवरण पर पहले विश्वास रखते थे, लेकिन बाद में उन्होंने उनका इनकार कर दिया और अपने अविश्वास पर बने रहकर उसे और बढ़ा दिया।
Inna allatheena kafaroo wamatoo wahum kuffarun falan yuqbala min ahadihim milo alardi thahaban walawi iftada bihi olaika lahum AAathabun aleemun wama lahum min nasireena	**[Allah does not accepts ransom.]**	Indeed, those who disbelieve and die while they are disbelievers - never would the [whole] capacity of the earth in gold be accepted from one of them if he would [seek to] ransom himself with it. For those there will be a painful punishment, and they will have no helpers.	3:91	निस्संदेह जिन लोगों ने इनकार किया और इनकार ही की दशा में मरे, तो उनमें किसी से धरती के बराबर सोना भी, यदि उसने प्राण-मुक्ति के लिए दिया हो, कदापि स्वीकार नहीं किया जाएगा। ऐसे लोगों के लिए दुखद यातना है और उनका कोई सहायक न होगा	**[अल्लाह फिरौती स्वीकार नहीं करता।]**
Lan tanaloo albirra hatta tunfiqoo mimma tuhibboona wama tunfiqoo min shayin fainna Allaha bihi AAaleemun	x	Never will you attain the good [reward] until you spend [in the way of Allah] from that which you love. And whatever you spend - indeed, Allah is Knowing of it.	3:92	तुम नेकी और वफ़ादारी के दर्जे को नहीं पहुँच सकते, जब तक कि उन चीज़ो को (अल्लाह के मार्ग में) ख़र्च न करो, जो तुम्हें प्रिय है। और जो चीज़ भी तुम ख़र्च करोगे, निश्चय ही अल्लाह को उसका ज्ञान होगा	x

Kullu alttaAAami kana hillan libanee israeela illa ma harrama israeelu AAala nafsihi min qabli an tunazzala alttawratu qul fatoo bialttawrati faotlooha in kuntum sadiqeena	When the Prophet (pbuh) said: 'We follow the religion of Abraham'. The Jews responded: 'How can this be so when you eat the meat of camels and drink their milk'. He said: 'That was lawful for Abraham and so we make it lawful too'. The Jews said: 'Everything that we take for unlawful today was unlawful to Noah and Abraham and so on and so forth until our time'. Allah says that Jewish dietary laws were fabricated by the Jews.	All food was lawful to the Children of Israel except what Israel had made unlawful to himself before the Torah was revealed. Say, [O Muhammad], "So bring the Torah and recite it, if you should be truthful."	3:93	खाने की सारी चीज़ें इसराईल की संतान के लिए हलाल थी, सिवाय उन चीज़ों के जिन्हें तौरात के उतरने से पहले इसराईल ने स्वयं अपने हराम कर लिया था। कहो, "यदि तुम सच्चे हो तो तौरात लाओ और उसे पढ़ो।"	जब पैग़म्बर मुहम्मद (स.) ने कहा: "हम इब्राहीम के धर्म का पालन करते हैं।" तब यहूदियों ने उत्तर दिया: "यह कैसे हो सकता है, जबकि तुम ऊँट का मांस खाते हो और उसका दूध पीते हो?" उन्होंने कहा: "यह इब्राहीम के लिए वैध था, इसलिए हम भी इसे वैध मानते हैं।" यहूदियों ने कहा: "जो कुछ आज हम अवैध मानते हैं, वह नूह और इब्राहीम के समय से ही अवैध था और इसी तरह हमारे समय तक रहा। अल्लाह कहता है कि आहार संबंधी नियम यहूदियों द्वारा गढ़े गए थे।
Famani iftara AAala Allahi alkathiba min baAAdi thalika faolaika humu althalimoona	x	And whoever invents about Allah untruth after that - then those are [truly] the wrongdoers.	3:94	अब इसके पश्चात भी जो व्यक्ति झूठी बातें अल्लाह से जोड़े, तो ऐसे ही लोग अत्याचारी है	x
Qul sadaqa Allahu faittabiAAoo millata ibraheema haneefan wama kana mina almushrikeena	x	Say, "Allah has told the truth. So follow the religion of Abraham, inclining toward truth; and he was not of the polytheists."	3:95	कहो, "अल्लाह ने सच कहा है; अतः इबराहीम के तरीक़े का अनुसरण करो, जो हर ओर से कटकर एक का हो गया था और मुशरिकों में से न था	x

Inna awwala baytin wudiAAa lilnnasi lallathee bibakkata mubarakan wahudan lilAAalameena	The Muslims and the Jews boasted to each other; the Jews said: ‘Jerusalem is better’; while the Muslims said: ‘No, the Ka‘bah is better’. **[The word written here in arabic is Bakka " bibakkata" not Makkah. Some muslims apologetics explain this by saying that Bakka is the name of the mosque or the House itself that is located in Makkah. Bible mentions this term in Psalms 84:6 as valley of Bekka.]**	Indeed, the first House [of worship] established for mankind was that at Makkah - blessed and a guidance for the worlds.	3:96	"निस्संदेह इबादत के लिए पहला घर जो 'मानव के लिए' बनाया गया वहीं है जो मक्का में है, बरकतवाला और सर्वथा मार्गदर्शन, संसारवालों के लिए	मुसलमान और यहूदी आपस में गर्व करते थे; यहूदियों ने कहा: “यरूशलेम बेहतर है”, जबकि मुसलमानों ने कहा: “नहीं, काबा बेहतर है।” **[यहाँ अरबी में लिखा शब्द बक्का है, न कि मक्का। कुछ मुस्लिम व्याख्याकार इसका स्पष्टीकरण यह देते हैं कि बक्का मस्जिद या स्वयं उस घर का नाम है जो मक्का में स्थित है। बाइबिल में भी यह शब्द भजन संहिता 84:6 में बेक्का की घाटी के रूप में मिलता है।]**
Feehi ayatun bayyinatun maqamu ibraheema waman dakhalahu kana aminan walillahi AAala alnnasi hijju albayti mani istataAAa ilayhi sabeelan waman kafara fainna Allaha ghaniyyun AAani alAAalameena	**[But actually people have been killed in premises of Kabah and masjid haraam e.g. Abdullah ibn Khatal at the time of Fateh-Mecaa, Follows of Juhayman al-Otaybi during Seige of great mosque in 1979; If Allah is free from need, when why He wishes to be prayed, and commands Muslims to fight on his behalf.]**	In it are clear signs [such as] the standing place of Abraham. And whoever enters it shall be safe. And [due] to Allah from the people is a pilgrimage to the House - for whoever is able to find thereto a way. But whoever disbelieves - then indeed, Allah is free from need of the worlds.	3:97	"उसमें स्पष्ट निशानियाँ है, वह इबराहीम का स्थल है। और जिसने उसमें प्रवेश किया, वह निश्चिन्त हो गया। लोगों पर अल्लाह का हक़ है कि जिसको वहाँ तक पहुँचने की सामर्थ्य प्राप्त हो, वह इस घर का हज करे, और जिसने इनकार किया तो (इस इनकार से अल्लाह का कुछ नहीं बिगड़ता) अल्लाह तो सारे संसार से निरपेक्ष है।"	**[लेकिन वास्तव में काबा और मस्जिद हराम के परिसर में भी लोगों की हत्या हुई है, जैसे फ़तह-ए-मक्का के समय अब्दुल्लाह इब्न ख़तल की हत्या, और 1979 में ग्रैंड मस्जिद की घेराबंदी के दौरान जुहैमान अल-ओतैबी के अनुयायियों की मौत। यदि अल्लाह किसी चीज़ का मोहताज नहीं है, तो फिर वह क्यों चाहता है कि उसकी इबादत की जाए और मुसलमानों को उसके लिए लड़ने का आदेश देता है?]**

Qul ya ahla alkitabi lima takfuroona biayati Allahi waAllahu shaheedun AAala ma taAAmaloona	x	Say, "O People of the Scripture, why do you disbelieve in the verses of Allah while Allah is Witness over what you do?"	3:98	कहो, "ऐ किताबवालों! तुम अल्लाह की आयतों का इनकार क्यों करते हो, जबकि जो कुछ तुम कर रहे हो, अल्लाह की दृष्टिअ में है?"	x
Qul ya ahla alkitabi lima tasuddoona AAan sabeeli Allahi man amana tabghoonaha AAiwajan waantum shuhadao wama Allahu bighafilin AAamma taAAmaloona	Mean, Why the Jews and Christians misguide Muslims to leave Islam.	Say, "O People of the Scripture, why do you avert from the way of Allah those who believe, seeking to make it [seem] deviant, while you are witnesses [to the truth]? And Allah is not unaware of what you do."	3:99	कहो, "ऐ किताबवालो! तुम ईमान लानेवालों को अल्लाह के मार्ग से क्यो रोकते हो, तुम्हें उसमें किसी टेढ़ की तलाश रहती है, जबकि तुम भली-भाँति वास्तविकता से अवगत हो और जो कुछ तुम कर रहे हो, अल्लाह उससे बेख़बर नहीं है।"	अर्थ: यहूदी और ईसाई मुसलमानों को इस्लाम छोड़ने के लिए क्यों गुमराह करते हैं।
Ya ayyuha allatheena amanoo in tuteeAAoo fareeqan mina allatheena ootoo alkitaba yaruddookum baAAda eemanikum	x	O you who have believed, if you obey a party of those who were given the Scripture, they would turn you back, after your belief, [to being] unbelievers.	3:100	ऐ ईमान लानेवालो! यदि तुमने उनके किसी गिरोह की बात माल ली, जिन्हें किताब मिली थी, तो वे तुम्हारे ईमान लाने के पश्चात फिर तुम्हें अधर्मी बना देंगे	x
Wakayfa takfuroona waantum tutla AAalaykum ayatu Allahi wafeekum rasooluhu waman yaAAtasim biAllahi faqad hudiya ila siratin mustaqeemin	x	And how could you disbelieve while to you are being recited the verses of Allah and among you is His Messenger? And whoever holds firmly to Allah has [indeed] been guided to a straight path.	3:101	अब तुम इनकार कैसे कर सकते हो, जबकि तुम्हें अल्लाह की आयतें पढ़कर सुनाई जा रही है और उसका रसूल तुम्हारे बीच मौजूद है? जो कोई अल्लाह को मज़बूती से पकड़ ले, वह सीधे मार्ग पर आ गया	x

Ya ayyuha allatheena amanoo ittaqoo Allaha haqqa tuqatihi wala tamootunna illa waantum	A Muslims should never die as disbeliever.	O you who have believed, fear Allah as He should be feared and do not die except as Muslims [in submission to Him].	3:102	ऐ ईमान लानेवालो! अल्लाह का डर रखो, जैसाकि उसका डर रखने का हक़ है। और तुम्हारी मृत्यु बस इस दशा में आए कि तुम मुस्लिम (आज्ञाकारी) हो	एक मुसलमान को कभी भी अविश्वासी की अवस्था में नहीं मरना चाहिए।
WaiAAtasimoo bihabli Allahi jameeAAan wala tafarraqoo waothkuroo niAAmata Allahi AAalaykum ith kuntum aAAdaan faallafa bayna quloobikum faasbahtum biniAAmatihi ikhwanan wakuntum AAala shafa hufratin mina alnnari faanqathakum minha kathalika yubayyinu Allahu lakum ayatihi	The two tribes of the Aws and Khazraj had fought each other in the pre-Islamic period. One day, a Jew sat in an assembly and recited some poetry which was composed during their war time. This incited them again to take up arm. Then this verse was revealed. **[However, today there are so many sects in Islam, why they don't respect this verse.]**	And hold firmly to the rope of Allah all together and do not become divided. And remember the favor of Allah upon you - when you were enemies and He brought your hearts together and you became, by His favor, brothers. And you were on the edge of a pit of the Fire, and He saved you from it. Thus does Allah make clear to you His verses that you may be guided.	3:103	और सब मिलकर अल्लाह की रस्सी को मज़बूती से पकड़ लो और विभेद में न पड़ो। और अल्लाह की उस कृपा को याद करो जो तुमपर हुई। जब तुम आपस में एक-दूसरे के शत्रु थे तो उसने तुम्हारे दिलों को परस्पर जोड़ दिया और तुम उसकी कृपा से भाई-भाई बन गए। तुम आग के एक गड्ढे के किनारे खड़े थे, तो अल्लाह ने उससे तुम्हें बचा लिया। इस प्रकार अल्लाह तुम्हारे लिए अपनी आयते खोल-खोलकर बयान करता है, ताकि तुम मार्ग पा लो	इस्लाम-पूर्व काल में औस और ख़ज़राज नामक दो क़बीलों ने आपस में युद्ध किया था। एक दिन एक यहूदी किसी सभा में बैठा और उनके युद्ध के समय की रची हुई कुछ कविता पढ़ी। इससे वे फिर से भड़क गए और हथियार उठाने लगे। तब यह आयत अवतरित हुई। **[लेकिन आज इस्लाम में इतने अधिक संप्रदाय हैं; फिर वे इस आयत का सम्मान क्यों नहीं करते?]**

Waltakun minkum ommatun yadAAoona ila alkhayri wayamuroona bialmaAAroofi wayanhawna AAani almunkari waolaika humu almuflihoona	Mean Muslim Ummah.	And let there be [arising] from you a nation inviting to [all that is] good, enjoining what is right and forbidding what is wrong, and those will be the successful.	3:104	और तुम्हें एक ऐसे समुदाय का रूप धारण कर लेना चाहिए जो नेकी की ओर बुलाए और भलाई का आदेश दे और बुराई से रोके। यही सफलता प्राप्त करनेवाले लोग है	मुस्लिम उम्माह, पूरी दुनिया के सभी मुसलमानों का सामूहिक समुदाय
Wala takoonoo kaallatheena tafarraqoo waikhtalafoo min baAAdi ma jaahumu albayyinatu waolaika lahum AAathabun AAatheemun	**[Contradiction: Why Muslim scholars are divided on many relgious issues when they have received clear proof.]**	And do not be like the ones who became divided and differed after the clear proofs had come to them. And those will have a great punishment.	3:105	तुम उन लोगों की तरह न हो जाना जो विभेद में पड़ गए, और इसके पश्चात कि उनके पास खुली निशानियाँ आ चुकी थी, वे विभेद में पड़ गए। ये वही लोग है, जिनके लिए बड़ी (घोर) यातना है। (यह यातना उस दिन होगी)	**[विरोधाभास: जब मुसलमान विद्वानों के पास स्पष्ट प्रमाण मौजूद हैं, तो वे धार्मिक मुद्दों पर इतने विभाजित क्यों हैं?]**
Yawma tabyaddu wujoohun wataswaddu wujoohun faamma allatheena iswaddat wujoohuhum akafartum baAAda eemanikum fathooqoo alAAathaba bima kuntum takfuroona	**[When the life is a test; why Allah is so concern about people who disbelive, or disbelieve after belief; Also He created shaytan for misguiding Muslims.]**	On the Day [some] faces will turn white and [some] faces will turn black. As for those whose faces turn black, [to them it will be said], "Did you disbelieve after your belief? Then taste the punishment for what you used to reject."	3:106	जिस दिन कितने ही चेहरे उज्ज्वल होंगे और कितने ही चेहरे काले पड़ जाएँगे, तो जिनके चेहेर काले पड़ गए होंगे (वे सदा यातना में ग्रस्त रहेंगे। खुली निशानियाँ आने का बाद जिन्होंने विभेद किया) उनसे कहा जाएगा, "क्या तुमने ईमान के पश्चात इनकार की नीति अपनाई? तो लो अब उस इनकार के बदले में जो तुम करते रहे हो, यातना का मज़ा चखो।"	**[जब ज़िन्दगी एक परीक्षा है, तो अल्लाह उन लोगों की इतनी परवाह क्यों करते हैं जो अविश्वासी हैं, या धर्मत्यागी हैं? साथ ही, उन्होंने मुसलमानों को गुमराह करने के लिए शैतान भी बनाया।]**

Waamma allatheena ibyaddat wujoohuhum fafee rahmati Allahi hum feeha khalidoona	**[What about African race, will they become white.]**	But as for those whose faces will turn white, [they will be] within the mercy of Allah. They will abide therein eternally.	3:107	रहे वे लोग जिनके चेहरे उज्ज्वल होंगे, वे अल्लाह की दयालुता की छाया में होंगे। वे उसी में सदैव रहेंगे	**[क्या अफ़्रीकी नस्ल के लोग सफ़ेद हो जाएंगे?]**
Tilka ayatu Allahi natlooha AAalayka bialhaqqi wama Allahu yureedu thulman lilAAalameena	**[But, killing non-muslims is not injustice.]**	These are the verses of Allah. We recite them to you, [O Muhammad], in truth; and Allah wants no injustice to the worlds.	3:108	ये अल्लाह की आयतें है, जिन्हें हम हक़ के साथ तुम्हें सुना रहे है। अल्लाह संसारवालों पर किसी प्रकार का अत्याचार नहीं करना चाहता	**[लेकिन बिना वजह गैर-मुसलमानों को मारना ज़ालिमाना नहीं माना जाता।]**
Walillahi ma fee alssamawati wama fee alardi waila Allahi turjaAAu alomooru	**[Means, there should be a single religion (rule) and a single caliph (ruler) for the whole world. And of course that religion will be Islam and ruler will be a Muslim.]**	To Allah belongs whatever is in the heavens and whatever is on the earth. And to Allah will [all] matters be returned.	3:109	आकाशों और धरती मे जो कुछ है अल्लाह ही का है, और सारे मामले अल्लाह ही की ओर लौटाए जाते है	**[इसका मतलब है कि पूरी दुनिया के लिए एक ही धर्म और एक ही शासक होना चाहिए। और वह धर्म इस्लाम होगा और शासक एक मुसलमान होगा।]**
Kuntum khayra ommatin okhrijat lilnnasi tamuroona bialmaAAroofi watanhawna AAani almunkari watuminoona biAllahi walaw amana ahlu alkitabi lakana khayran lahum minhumu almuminoona waaktharuhumu alfasiqoona	Two Jews said: 'Our religion is better than that to which you call us; and we are also more virtuous and better than you'. This verse was revealed. **[Muslims are the "best of people" amoung the mankind]**	You are the best nation produced [as an example] for mankind. You enjoin what is right and forbid what is wrong and believe in Allah. If only the People of the Scripture had believed, it would have been better for them. Among them are believers, but most of them are defiantly disobedient.	3:110	तुम एक उत्तम समुदाय हो, जो लोगों के समक्ष लाया गया है। तुम नेकी का हुक्म देते हो और बुराई से रोकते हो और अल्लाह पर ईमान रखते हो। और यदि किताबवाले भी ईमान लाते तो उनके लिए यह अच्छा होता। उनमें ईमानवाले भी हैं, किन्तु उनमें अधिकतर लोग अवज्ञाकारी ही हैं	दो यहूदी लोग बोले: 'हमारा धर्म उस धर्म से बेहतर है, जिसे तुम हमें मानने को कह रहे हो; और हम भी तुमसे ज़्यादा पुण्यशील और श्रेष्ठ हैं। इसी कारण यह आयत उतरी। **[क़ुरान में मुसलमानों को इंसानों में 'सबसे बेहतरीन लोग' कहा गया है]**

Lan yadurrookum illa athan wain yuqatilookum yuwallookumu aladbara thumma la yunsaroona	Many Jewish chieftains went to Abd Allah ibn Salam and his followers, who had believed, and hurt them because of their acceptance of Islam and so Allah, revealed this verse. This verse says that Non-muslims can not hard Muslims except for annoying them as they are coward. **[But in history, Muslims are defeated many times.]**	They will not harm you except for [some] annoyance. And if they fight you, they will show you their backs; then they will not be aided.	3:111	थोड़ा दुख पहुँचाने के अतिरिक्त वे तुम्हारा कुछ भी बिगाड़ नहीं सकते। और यदि वे तुमसे लड़ेंगे, तो तुम्हें पीठ दिखा जाएँगे, फिर उन्हें कोई सहायता भी न मिलेगी	कई यहूदी सरदार अब्दुल्लाह इब्न सलाम और उनके साथियों के पास गए, जिन्होंने इस्लाम स्वीकार कर लिया था, और उनके इस्लाम अपनाने के कारण उन्हें कष्ट पहुँचाया; इसी पर यह आयत उतरी। यह आयत कहती है कि गैर-मुस्लिम मुसलमानों को केवल उन्हें परेशान करने तक ही नुकसान पहुँचा सकते हैं, क्योंकि वे कायर हैं। **[लेकिन इतिहास में मुसलमान कई बार पराजित हुए हैं।]**
Duribat AAalayhimu alththillatu ayna ma thuqifoo illa bihablin mina Allahi wahablin mina alnnasi wabaoo bighadabin mina Allahi waduribat AAalayhimu almaskanatu thalika biannahum kanoo yakfuroona biayati Allahi wayaqtuloona alanbiyaa bighayri	This verse says that Muslims will dominate the Jews and Christians. Allah has placed humiliation and disgrace on them wherever they may be, and they will never be safe (except when pay the Jizyah and are accept the authority of Islamic Law). **[The opposite is happening.]**	They have been put under humiliation [by Allah] wherever they are overtaken, except for a covenant from Allah and a rope from the Muslims. And they have drawn upon themselves anger from Allah and have been put under destitution. That is because they disbelieved in the verses of Allah and killed the prophets without right. That is because they disobeyed and [habitually] transgressed.	3:112	वे जहाँ कहीं भी पाए गए उनपर ज़िल्लत (अपमान) थोप दी गई। किन्तु अल्लाह की रस्सी थामें या लोगों का रस्सी, तो और बात है। वे ल्लाह के प्रकोप के पात्र हुए और उनपर दशाहीनता थोप दी गई। यह इसलिए कि वे अल्लाह की आयतों का इनकार और नबियों को नाहक़ क़त्ल करते रहे है। और यह इसलिए कि उन्होंने अवज्ञा की और सीमोल्लंघन करते रहे	इस आयत का अर्थ है कि मुसलमान यहूदियों और ईसाइयों पर हावी होंगे। अल्लाह ने उन्हें हर जगह अपमान और शरमिंदा किया है, और वे कभी सुरक्षित नहीं रहेंगे (सिवाय इसके कि जब वे जज़िया दें और इस्लामी कानून की सत्ता स्वीकार करें)। **[लेकिन आज इसका उल्टा हो रहा है।]**

Laysoo sawaan min ahli alkitabi ommatun qaimatun yatloona ayati Allahi anaa allayli wahum yasjudoona	This refers to Jews and Christians who accepted Islam.	They are not [all] the same; among the People of the Scripture is a community standing [in obedience], reciting the verses of Allah during periods of the night and	3:113	ये सब एक जैसे नहीं है। किताबवालों में से कुछ ऐसे लोग भी है जो सीधे मार्ग पर है और रात की घड़ियों में अल्लाह की आयतें पढ़ते है और वे सजदा करते रहनेवाले है	यह उन यहूदियों और ईसाइयों की तरफ़ इशारा करता है जिन्होंने इस्लाम को स्वीकार कर लिया।
Yuminoona biAllahi waalyawmi alakhiri wayamuroona bialmaAAroofi wayanhawna AAani almunkari wayusariAAoona fee alkhayrati waolaika mina	x	They believe in Allah and the Last Day, and they enjoin what is right and forbid what is wrong and hasten to good deeds. And those are among the righteous.	3:114	वे अल्लाह और अन्तिम दिन पर ईमान रखते है और नेकी का हुक्म देते और बुराई से रोकते है और नेक कामों में अग्रसर रहते है, और वे अच्छे लोगों में से है	x
Wama yafAAaloo min khayrin falan yukfaroohu waAllahu AAaleemun	x	And whatever good they do - never will it be removed from them. And Allah is Knowing of the righteous.	3:115	जो नेकी भी वे करेंगे, उसकी अवमानना न होगी। अल्लाह का डर रखनेवालो से भली-भाँति परिचित है	x
Inna allatheena kafaroo lan tughniya AAanhum amwaluhum wala awladuhum mina Allahi shayan waolaika ashabu alnnari hum feeha khalidoona	Meaning, nothing can avert Allah's torment and punishment from striking disbeliever.	Indeed, those who disbelieve - never will their wealth or their children avail them against Allah at all, and those are the companions of the Fire; they will abide therein eternally.	3:116	रहे वे लोग जिन्होंने इनकार किया, तो अल्लाह के मुक़ाबले में न उनके माल कुछ काम आ सकेंगे और न उनकी सन्तान ही। वे तो आग में जानेवाले लोग है, उसी में वे सदैव रहेंगे	अर्थात, कोई भी चीज़ काफ़िर पर अल्लाह का सज़ा और दंड पड़ने से उसे नहीं रोक सकती।

Mathalu ma yunfiqoona fee hathihi alhayati alddunya kamathali reehin feeha sirrun asabat hartha qawmin thalamoo anfusahum faahlakathu wama thalamahumu Allahu walakin	Meaning, Disbeliever will distroy their good deeds due to their disbelief, as the frost destroys the crop.	The example of what they spend in this worldly life is like that of a wind containing frost which strikes the harvest of a people who have wronged themselves and destroys it. And Allah has not wronged them, but they wrong themselves.	3:117	इस सांसारिक जीवन के लिए जो कुछ भी वे ख़र्च करते है, उसकी मिसाल उस वायु जैसी है जिसमें पाला हो और वह उन लोगों की खेती पर चल जाए, जिन्होंने अपने ऊपर अत्याचार नहीं किया, अपितु वे तो स्वयं अपने ऊपर अत्याचार कर रहे है	अर्थात, काफ़िर अपने अच्छे कामों को अपने अविश्वास की वजह से खो देंगे, जैसे ठंड (पाला) फसल को नष्ट कर देती है।
Ya ayyuha allatheena amanoo la tattakhithoo bitanatan min doonikum la yaloonakum khabalan waddoo ma AAanittum qad badati albaghdao min afwahihim wama tukhfee sudooruhum akbaru qad bayyanna lakumu alayati in kuntum taAAqiloona	This verse was revealed concerning a group of believers who formed close ties with certain hypocrites and maintained relationships with some Jewish men due to kinship, friendship, alliances, neighborhood, and milk kinship. The verse warns that non-Muslims often harbor ill intentions toward Muslims, and therefore, they are not suitable as intimate friends or confidants. **[In reality, it is often the non-Muslims who grant Muslims nationality and protection in their lands. They generally do not have problems with individual Muslims, but are concerned**	O you who have believed, do not take as intimates those other than yourselves, for they will not spare you [any] ruin. They wish you would have hardship. Hatred has already appeared from their mouths, and what their breasts conceal is greater. We have certainly made clear to you the signs, if you will use reason.	3:118	ऐ ईमान लानेवालो! अपनों को छोड़कर दूसरों को अपना अंतरंग मित्र न बनाओ, वे तुम्हें नुक़सान पहुँचाने में कोई कमी नहीं करते। जितनी भी तुम कठिनाई में पड़ो, वही उनको प्रिय है। उनका द्वेष तो उनके मुँह से व्यक्त हो चुका है और जो कुछ उनके सीने छिपाए हुए है, वह तो इससे भी बढ़कर है। यदि तुम बुद्धि से काम लो, तो हमने तुम्हारे लिए निशानियाँ खोलकर बयान कर दी हैं	यह आयत उन कुछ मुसलमानों के बारे में उतरी थी, जिन्होंने कुछ मुनाफ़िक़ (दोगले) लोगों से घनिष्ठ संबंध बनाए और कुछ यहूदी पुरुषों के साथ रिश्ते बनाए रखे — जैसे कि क़रीबी, दोस्ती, गठबंधन, पड़ोसीपन या दूध के रिश्ते की वजह से। आयत यह चेतावनी देती है कि गैर-मुसलमान अक्सर मुसलमानों के प्रति बुरी नीयत रखते हैं, इसलिए उन्हें बहुत करीब का दोस्त या भरोसेमंद नहीं बनाना चाहिए। **[असलियत में, अक्सर गैर-मुसलमान ही मुसलमानों को अपनी जमीन पर नागरिकता और सुरक्षा देते हैं। आमतौर पर उन्हें व्यक्तिगत मुसलमानों से कोई समस्या नहीं होती, लेकिन वे कट्टर विचारधारा से परेशान या नाराज़ हो सकते हैं।]**

Haantum olai tuhibboonahum wala yuhibboonakum watuminoona bialkitabi kullihi waitha laqookum qaloo amanna waitha khalaw AAaddoo AAalaykumu alanamila mina alghaythi qul mootoo bighaythikum inna	x	Here you are loving them but they are not loving you, while you believe in the Scripture - all of it. And when they meet you, they say, "We believe." But when they are alone, they bite their fingertips at you in rage. Say, "Die in your rage. Indeed, Allah is Knowing of that within the breasts."	3:119	ये चो तुम हो जो उनसे प्रेम करते हो और वे तुमसे प्रेम नहीं करते, जबकि तुम समस्त किताबों पर ईमान रखते हो। और वे जब तुमसे मिलते है तो कहने को तो कहते है कि "हम ईमान लाए है।" किन्तु जब वे अलग होते है तो तुमपर क्रोध के मारे दाँतों से उँगलियाँ काटने लगते है। कह दो, "तुम अपने क्रोध में आप मरो। निस्संदेह अल्लाह दिलों के भेद को जानता है।"	x
In tamsaskum hasanatun tasuhum wain tusibkum sayyiatun yafrahoo biha wain tasbiroo watattaqoo la yadurrukum kayduhum shayan inna Allaha bima yaAAmaloona muheetun	Referring to disbelievers.	If good touches you, it distresses them; but if harm strikes you, they rejoice at it. And if you are patient and fear Allah, their plot will not harm you at all. Indeed, Allah is encompassing of what they do.	3:120	यदि तुम्हारा कोई भला होता है तो उन्हें बुरा लगता है। परन्तु यदि तुम्हें कोई अप्रिय बात पेश आती है तो उससे वे प्रसन्न हो जाते है। यदि तुमने धैर्य से काम लिया और (अल्लाह का) डर रखा, तो उनकी कोई चाल तुम्हें नुक़सान नहीं पहुँचा सकती। जो कुछ वे कर रहे है, अल्लाह ने उसे अपने धेरे में ले रखा है	यह बात काफ़िरों (अविश्वासियों) के बारे में है।

Waith ghadawta min ahlika tubawwio almumineena maqaAAida lilqitali waAllahu sameeAAun AAaleemun	Here begins a discussion of lessons of the Battle of Uhud and the Battle of Badr.	And [remember] when you, [O Muhammad], left your family in the morning to post the believers at their stations for the battle [of Uhud] - and Allah is Hearing and Knowing -	3:121	याद करो जब तुम सवेरे अपने घर से निकलकर ईमानवालों को युद्ध के मोर्चों पर लगा रहे थे। - अल्लाह तो सब कुछ सुनता, जानता है	यहाँ उहुद और बदर की लड़ाइयों के सबक और सीखों की चर्चा शुरू होती है।
Ith hammat taifatani minkum an tafshala waAllahu waliyyuhuma waAAala Allahi falyatawakkali almuminoona	This is regarding the two groups of Muslims almost deserted during battle of Uhud.	When two parties among you were about to lose courage, but Allah was their ally; and upon Allah the believers should rely.	3:122	जब तुम्हारे दो गिरोहों ने साहस छोड़ देना चाहा, जबकि अल्लाह उनका संरक्षक मौजूद था - और ईमानवालों को तो अल्लाह ही पर भरोसा करना चाहिए	उहुद की लड़ाई में दो मुसलमान समूहों ने लगभग लड़ाई छोड़ दी थी, और यह उस स्थिति के बारे में है।
Walaqad nasarakumu Allahu bibadrin waantum athillatun faittaqoo Allaha laAAallakum tashkuroona	x	And already had Allah given you victory at [the battle of] Badr while you were few in number. Then fear Allah; perhaps you will be grateful.	3:123	और बद्र में अल्लाह तुम्हारी सहायता कर भी चुका था, जबकि तुम बहुत कमज़ोर हालत में थे। अतः अल्लाह ही का डर रखो, ताकि तुम कृतज्ञ बनो	x
Ith taqoolu lilmumineena alan yakfiyakum an yumiddakum rabbukum bithalathati alafin mina almalaikati munzaleena	Allah send down Angels to fight alongside Muslims in battle of Badr. **[Contradiction: Does angles walk on earth: No 17:95, Yes 2:102, 3:124, 8:9, 22:75, 26:193]**	[Remember] when you said to the believers, "Is it not sufficient for you that your Lord should reinforce you with three thousand angels sent down?	3:124	जब तुम ईमानवालों से कह रहे थे, "क्या यह तुम्हारे लिए काफ़ी नही हैं कि तुम्हारा रब तीन हज़ार फ़रिश्ते उतारकर तुम्हारी सहायता करे?"	"अल्लाह ने बदर की लड़ाई में मुसलमानों के साथ लड़ने के लिए फरिश्तों को उतारा। **[विरोधाभास: क्या फरिश्ते धरती पर चलते हैं? कुछ आयतों के अनुसार नहीं (17:95), और कुछ आयतों में हाँ (2:102, 3:124, 8:9, 22:75, 26:193)]**

Bala in tasbiroo watattaqoo wayatookum min fawrihim hatha yumdidkum rabbukum bikhamsati alafin mina almalaikati musawwimeena	Allah will increase the numbers of Angels from 3000 to 5000 if Muslims will have patience. **[What is the point of increasing Angels to dedicated people, more angels are needed for those who are weak in faith; Contradiction: 8:9 mentions one thousand angels.]**	Yes, if you remain patient and conscious of Allah and the enemy come upon you [attacking] in rage, your Lord will reinforce you with five thousand angels having marks [of distinction]	3:125	हाँ, क्यों नहीं। यदि तुम धैर्य से काम लो और डर रखो, फिर शत्रु सहसा तुमपर चढ़ आएँ, उसी क्षण तुम्हारा रब पाँच हज़ार विध्वंशकारी फ़रिश्तों से तुम्हारी सहायता करेगा	अगर मुसलमान धैर्य रखेंगे, तो अल्लाह फरिश्तों की संख्या 3000 से बढ़ाकर 5000 कर देंगे। **[समर्पित लोगों के लिए फरिश्तों की संख्या बढ़ाना क्यों? जबकि जो लोग ईमान में कमजोर हैं, उनके लिए अधिक मदद की जरूरत हैं? विरोधाभास: 8:9 में एक हज़ार फरिश्तों का ज़िक्र है।]**
Wama jaAAalahu Allahu illa bushra lakum walitatmainna quloobukum bihi wama alnnasru illa min AAindi Allahi alAAazeezi	Victory only comes from Allah.	And Allah made it not except as [a sign of] good tidings for you and to reassure your hearts thereby. And victory is not except from Allah, the Exalted in Might, the Wise -	3:126	अल्लाह ने तो इसे तुम्हारे लिए बस एक शुभ-सूचना बनाया और इसलिए कि तुम्हारे दिल सन्तुष्ट हो जाएँ - सहायता तो बस अल्लाह ही के यहाँ से आती है जो अत्यन्त प्रभुत्वशाली, तत्वदर्शी है	कोई भी जीत अल्लाह की मदद के बिना नहीं मिल सकती।
LiyaqtaAAa tarafan mina allatheena kafaroo aw yakbitahum fayanqaliboo khaibeena	**[With the help of Muslims, Allah will defeat the disbelievers, as happened at battle of Badr.]**	That He might cut down a section of the disbelievers or suppress them so that they turn back disappointed.	3:127	ताकि इनकार करनेवालों के एक हिस्से को काट डाले या उन्हें बुरी पराजित और अपमानित कर दे कि वे असफल होकर लौटें	**[मुसलमानों की मदद से अल्लाह काफ़िरों को हराएगा, जैसा कि बदर की लड़ाई में हुआ था।]**

Laysa laka mina alamri shayon aw yatooba AAalayhim aw yuAAaththibahum fainnahum thalimoona	On the day of Uhud, one of the molar teeth of the Messenger (pbuh) was broken and his face bled. He said: 'How can a people ever succeed when they stain the face of their Prophet with blood while he is calling them to their Lord?' **[After the defeat of Muslims at Uhud, Now there is some change in tone, Allah can forgive disbeliever also, See 3:127.]**	Not for you, [O Muhammad, but for Allah], is the decision whether He should [cut them down] or forgive them or punish them, for indeed, they are wrongdoers.	3:128	तुम्हें इस मामले में कोई अधिकार नहीं - चाहे वह उसकी तौबा क़बूल करे या उन्हें यातना दे, क्योंकि वे अत्याचारी है	उहुद के दिन, पैग़म्बर मुहम्मद (स.) के एक दाढ़ के दांत टूट गए और उनका चेहरा खून से लथपथ हो गया। उन्होंने कहा: 'ऐसे लोग कैसे सफल हो सकते हैं, जो अपने पैग़म्बर के चेहरे पर खून लगाते हैं जबकि वह उन्हें उनके रब की ओर बुला रहे हैं?' [उहुद में मुसलमानों की हार के बाद, अब स्वर थोड़ा बदल गया है—अल्लाह काफ़िरों को भी माफ़ कर सकते हैं (देखें 3:127)।]
Walillahi ma fee alssamawati wama fee alardi yaghfiru liman yashao wayuAAaththibu man yashao waAllahu ghafoorun	x	And to Allah belongs whatever is in the heavens and whatever is on the earth. He forgives whom He wills and punishes whom He wills. And Allah is Forgiving and Merciful.	3:129	आकाशों और धरती में जो कुछ भी है, अल्लाह ही का है। वह जिसे चाहे क्षमा कर दे और जिसे चाहे यातना दे। और अल्लाह अत्यन्त क्षमाशील, दयावान है	x
Ya ayyuha allatheena amanoo la takuloo alrriba adAAafan mudaAAafatan waittaqoo Allaha laAAallakum	x	O you who have believed, do not consume usury, doubled and multiplied, but fear Allah that you may be successful.	3:130	ऐ ईमान लानेवालो! बढ़ोत्तरी के ध्येय से ब्याज न खाओ, जो कई गुना अधिक हो सकता है। और अल्लाह का डर रखो, ताकि तुम्हें सफलता प्राप्त हो	x
Waittaqoo alnnara allatee oAAiddat lilkafireena	x	And fear the Fire, which has been prepared for the disbelievers.	3:131	और उस आग से बचो जो इनकार करनेवालों के लिए तैयार है	x

WaateeAAoo Allaha waalrrasoola laAAallakum turhamoona	**[Follwing the Messenger (pbuh) is equally important along with Allah.]**	And obey Allah and the Messenger that you may obtain mercy.	3:132	और अल्लाह और रसूल के आज्ञाकारी बनो, ताकि तुमपर दया की जाए	अल्लाह का पालन करने के साथ-साथ पैग़म्बर मुहम्मद (स.) की आज्ञा का पालन करना भी उतना ही ज़रूरी है।
WasariAAoo ila maghfiratin min rabbikum wajannatin AAarduha alssamawatu waalardu oAAiddat lilmuttaqeena	**[Contradiction: How wide is paradise: 3:133 Equals skies/heavens (pleural) and earth, 57:21 Sky/heaven (singular) and earth. Also how garden (paradise) can be equal to that of heavens and earth togather, despite of being located inside these.]**	And hasten to forgiveness from your Lord and a garden as wide as the heavens and earth, prepared for the righteous	3:133	और अपने रब की क्षमा और उस जन्नत की ओर बढ़ो, जिसका विस्तार आकाशों और धरती जैसा है। वह उन लोगों के लिए तैयार है जो डर रखते है	**[विरोधाभास: स्वर्ग कितना बड़ा है? 3:133 में कहा गया है आसमानों (बहुवचन) और पृथ्वी), 57:21 में कहा गया है आसमान (एकवचन) और पृथ्वी; सवाल यह है कि जन्नत (स्वर्ग का बगीचा) कैसे सभी आसमानों और पृथ्वी के बराबर या उनसे भी बड़ा हो सकता है, जबकि वह इन्हीं के अंदर स्थित है।]**
Allatheena yunfiqoona fee alssarrai waalddarrai waalkathimeena alghaytha waalAAafeena AAani alnnasi waAllahu yuhibbu almuhsineena	Abrogated by later Jihadi Surah.	Who spend [in the cause of Allah] during ease and hardship and who restrain anger and who pardon the people - and Allah loves the doers of good;	3:134	वे लोग जो ख़ुशहाली और तंगी की प्रत्येक अवस्था में ख़र्च करते रहते है और क्रोध को रोकते है और लोगों को क्षमा करते है - और अल्लाह को भी ऐसे लोग प्रिय है, जो अच्छे से अच्छा कर्म करते है	बाद की जिहादी सूरह द्वारा इसे रद्द कर दिया गया।

Waallatheena itha faAAaloo fahishatan aw thalamoo anfusahum thakaroo Allaha faistaghfaroo lithunoobihim waman yaghfiru alththunooba illa Allahu walam yusirroo AAala ma faAAaloo wahum yaAAlamoona	This was revealed about Nabhan, the seller of dates. A beautiful woman came to buy dates from him. He hugged and kissed her but then he regretted his action.	And those who, when they commit an immorality or wrong themselves [by transgression], remember Allah and seek forgiveness for their sins - and who can forgive sins except Allah? - and [who] do not persist in what they have done while they know.	3:135	और जिनका हाल यह है कि जब वे कोई खुला गुनाह कर बैठते है या अपने आप पर जुल्म करते है तौ तत्काल अल्लाह उन्हें याद आ जाता है और वे अपने गुनाहों की क्षमा चाहने लगते हैं - और अल्लाह के अतिरिक्त कौन है, जो गुनाहों को क्षमा कर सके? और जानते-बूझते वे अपने किए पर अड़े नहीं रहते	यह आयत नाभान के बारे में उतरी थी, जो खजूर का व्यापारी था। एक सुंदर महिला खजूर खरीदने आई। उसने उसे गले लगाया और चूमा, लेकिन बाद में उसने अपने किए पर पछताया।
Olaika jazaohum maghfiratun min rabbihim wajannatun tajree min tahtiha alanharu khalideena feeha waniAAma ajru alAAamileena	x	Those - their reward is forgiveness from their Lord and gardens beneath which rivers flow [in Paradise], wherein they will abide eternally; and excellent is the reward of the [righteous] workers.	3:136	उनका बदला उनके रब की ओर से क्षमादान है और ऐसे बाग़ है जिनके नीचे नहरें बहती होंगी। उनमें वे सदैव रहेंगे। और क्या ही अच्छा बदला है अच्छे कर्म करनेवालों का	x
Qad khalat min qablikum sunanun faseeroo fee alardi faonthuroo kayfa kana AAaqibatu almukaththibeena	**[All the civilizations which were destroyed due to natural calamities or war, were those who rejected Allah. A recurring theme in Quran 4:6, 10:13, 11:60, 11:67, 11:95, 12:109, 15:74, 15:80-83, 16:26, 17:16-17, 19:98, 20:128, 21:6, 21:9, 22:48, 23:41, 25:36-27, 25:38-39, 28:43, 43:6-8]**	Similar situations [as yours] have passed on before you, so proceed throughout the earth and observe how was the end of those who denied.	3:137	तुमसे पहले (धर्मविरोधियों के साथ अल्लाह की) रीति के कितने ही नमूने गुज़र चुके है, तो तुम धरती में चल-फिरकर देखो कि झुठलानेवालों का परिणाम हुआ है	**[जो भी सभ्यताएँ प्राकृतिक आपदाओं या युद्ध की वजह से नष्ट हुईं, वे वे लोग थे जिन्होंने अल्लाह का इंकार किया। क़ुरान में यह एक बार-बार आने वाला विषय है, जैसे आयतें: 4:6, 10:13, 11:60, 11:67, 11:95, 12:109, 15:74, 15:80-83, 16:26, 17:16-17, 19:98, 20:128, 21:6, 21:9, 22:48, 23:41, 25:36-27, 25:38-39, 28:43, 43:6-8।]**

Hatha bayanun lilnnasi wahudan wamawAAithatun lilmuttaqeena	**[Quran is clear then what are Motashabihat 3:7 and Why so many different conclusions Muslims draw from same verses.]**	This [Qur'an] is a clear statement to [all] the people and a guidance and instruction for those conscious of Allah.	3:138	यह लोगों के लिए स्पष्ट बयान और डर रखनेवालों के लिए मार्गदर्शन और उपदेश है	**[क़ुरान स्पष्ट है, फिर भी 3:7 में मुतशबिहात (अलंकृत या अस्पष्ट आयतें) क्यों हैं, और मुसलमानों ने एक जैसी आयतों से अलग-अलग निष्कर्ष क्यों निकाले?]**
Wala tahinoo wala tahzanoo waantumu alaAAlawna in kuntum mumineena	The Companions of the Messenger (pbuh) were defeated at the Battle of Uhud. Then, the Messenger (pbuh) said: O Allah! Make that they are not above us. **[This verse says, that while Muslims may be defeated, the ultimate victory and triumph will be**	So do not weaken and do not grieve, and you will be superior if you are [true] believers.	3:139	हताश न हो और दुखी न हो, यदि तुम ईमानवाले हो, तो तुम्हीं प्रभावी रहोगे	पैग़म्बर मुहम्मद (स.) के साथियों को उहुद की लड़ाई में हार का सामना करना पड़ा। फिर पैग़म्बर (स.) ने कहा: 'हे अल्लाह! यह लोग हम पर हावी न हों।' [इस आयत का मतलब है कि मुसलमानों को अस्थायी हार मिल सकती है, लेकिन आख़िरी जीत और सफलता हमेशा उनके साथ होगी।]
In yamsaskum qarhun faqad massa alqawma qarhun mithluhu watilka alayyamu nudawiluha bayna alnnasi waliyaAAlama Allahu allatheena amanoo wayattakhitha minkum shuhadaa waAllahu la	When the Messenger (pbuh) returned from Uhud, sad and dejected, women whose relatives were killed went to him crying and slapping their faces. Seeing this, the Messenger (pbuh) exclaimed: 'Is this how a Messenger is treated?' This verse says: Did the believers really think they would enter Paradise without Allah testing them through war and hardship.	If a wound should touch you - there has already touched the [opposing] people a wound similar to it. And these days [of varying conditions] We alternate among the people so that Allah may make evident those who believe and [may] take to Himself from among you martyrs - and Allah does not like the wrongdoers -	3:140	यदि तुम्हें आघात पहुँचे तो उन लोगों को भी ऐसा ही आघात पहुँच चुका है। ये युद्ध के दिन हैं, जिन्हें हम लोगों के बीच डालते ही रहते है और ऐसा इसलिए हुआ कि अल्लाह ईमानवालों को जान ले और तुममें से कुछ लोगों को गवाह बनाए - और अत्याचारी अल्लाह को प्रिय नहीं है	जब पैग़म्बर मुहम्मद (स.) उहुद से उदास और निराश होकर लौटे, तो उन महिलाओं ने, जिनके रिश्तेदार मारे गए थे, रोते हुए और अपने चेहरे थप्पड़ मारते हुए उनके पास गईं। इसे देखकर पैग़म्बर (स.) ने कहा: 'क्या इस तरह आपके पैग़म्बर के साथ व्यवहार किया जाता है?' इस आयत का मतलब है कि क्या मुसलमानों ने सच में सोचा था कि बिना युद्ध और कठिनाइयों के वे जन्नत में प्रवेश कर लेंगे।
Waliyumahhisa Allahu allatheena amanoo wayamhaqa alkafireena	x	And that Allah may purify the believers [through trials] and destroy the disbelievers.	3:141	और ताकि अल्लाह ईमानवालों को निखार दे और इनकार करनेवालों को मिटा दे	x

Am hasibtum an tadkhuloo aljannata walamma yaAAlami Allahu allatheena jahadoo minkum wayaAAlama alssabireena	**[Allah will test Muslims by war, and Muslims should wish for martyrdom.]**	Or do you think that you will enter Paradise while Allah has not yet made evident those of you who fight in His cause and made evident those who are steadfast?	3:142	क्या तुमने यह समझ रखा है कि जन्नत में यूँ ही प्रवेश करोगे, जबकि अल्लाह ने अभी उन्हें परखा ही नहीं जो तुममें जिहाद (सत्य-मार्ग में जानतोड़ कोशिश) करनेवाले है। - और दृढ़तापूर्वक जमें रहनेवाले है	**[अल्लाह मुसलमानों को युद्ध के माध्यम से आज़माएंगे, और मुसलमानों को शहीद होने की इच्छा रखनी चाहिए।]**
Walaqad kuntum tamannawna almawta min qabli an talqawhu faqad raaytumoohu waantum tanthuroona	x	And you had certainly wished for martyrdom before you encountered it, and you have [now] seen it [before you] while you were looking on.	3:143	और तुम तो मृत्यु की कामनाएँ कर रहे थे, जब तक कि वह तुम्हारे सामने नहीं आई थी। लो, अब तो वह तुम्हारे सामने आ गई और तुमने उसे अपनी आँखों से देख लिया	x
Wama muhammadun illa rasoolun qad khalat min qablihi alrrusulu afain mata aw qutila inqalabtum AAala aAAqabikum waman yanqalib AAala AAaqibayhi falan yadurra Allaha shayan wasayajzee Allahu	In the Battle of Uhud between Muslims and pagan Quraysh, people ran away and some of them said: 'Muhammad (pbuh) has been killed, why not surrender to them, they are your brothers after all?' But some said: 'If Muhammad (pbuh) is killed, why do you not continue what your Prophet was doing until you join him?' ; Abu Bakr (ra) recited this verse at the time of prophet death as well.	Muhammad is not but a messenger. [Other] messengers have passed on before him. So if he was to die or be killed, would you turn back on your heels [to unbelief]? And he who turns back on his heels will never harm Allah at all; but Allah will reward the grateful.	3:144	मुहम्मद तो बस एक रसूल है। उनसे पहले भी रसूल गुज़र चुके है। तो क्या यदि उनकी मृत्यु हो जाए या उनकी हत्या कर दी जाए तो तुम उल्टे पाँव फिर जाओगे? जो कोई उल्टे पाँव फिरेगा, वह अल्लाह का कुछ नहीं बिगाडेगा। और कृतज्ञ लोगों को अल्लाह बदला देगा	मुसलमानों और काफ़िर कुरैश के बीच उहुद की लड़ाई में, कुछ लोग भाग गए और बोले: 'मुहम्मद (स.) का निधन हो गया है तो हम क्यों न हार मान लें, आखिर वे हमारे भाई हैं?' लेकिन कुछ लोगों ने कहा: 'अगर मुहम्मद (स.) का निधन हो गया है, तो आप उनके काम को जारी क्यों नहीं रखते जब तक कि आप उनके पास नहीं पहुँचते?' अब्दुल बकर (रा) ने पैग़म्बर (स.) की मृत्यु के समय भी यह आयत पढ़ी थी।"

Wama kana linafsin an tamoota illa biithni Allahi kitaban muajjalan waman yurid thawaba alddunya nutihi minha waman yurid thawaba alakhirati nutihi minha wasanajzee alshshakireena	**[If all deaths occur due to permission of Allah, then why death penality for killers. Also what about suicides.]**	And it is not [possible] for one to die except by permission of Allah at a decree determined. And whoever desires the reward of this world - We will give him thereof; and whoever desires the reward of the Hereafter - We will give him thereof. And we will reward the grateful.	3:145	और अल्लाह की अनुज्ञा के बिना कोई व्यक्ति मर नहीं सकता। हर व्यक्ति एक लिखित निश्चित समय का अनुपालन कर रहा है। और जो कोई दुनिया का बदला चाहेगा, उसे हम इस दुनिया में से देंगे, जो आख़िरत का बदला चाहेगा, उसे हम उसमें से देंगे और जो कृतज्ञता दिखलाएँगे, उन्हें तो हम बदला देंगे ही	**[अगर सभी मौतें अल्लाह की इजाजत से होती हैं, तो फिर हत्या करने वालों के लिए मौत की सज़ा क्यों है? और आत्महत्या करने वालों का क्या होगा?]**
Wakaayyin min nabiyyin qatala maAAahu ribbiyyoona katheerun fama wahanoo lima asabahum fee sabeeli Allahi wama daAAufoo wama istakanoo waAllahu yuhibbu alssabireena	Pickthall translates "devoted men" in place of "religious scholars" (There were no relgiious scholars in the battles). **[Contradiction: This verse says that prophet and devoated man never lost assurance; however, 3:152 says they lost courage.]**	And how many a prophet [fought and] with him fought many religious scholars. But they never lost assurance due to what afflicted them in the cause of Allah, nor did they weaken or submit. And Allah loves the steadfast.	3:146	कितने ही नबी ऐसे गुज़रे है जिनके साथ होकर बहुत-से ईशभक्तों ने युद्ध किया, तो अल्लाह के मार्ग में जो मुसीबत उन्हें पहुँची उससे वे न तो हताश हुए और न उन्होंने कमज़ोरी दिखाई और न ऐसा हुआ कि वे दबे हो। और अल्लाह दृढ़तापूर्वक जमे रहनेवालों से प्रेम करता है	**[विरोधाभास: इस आयत में कहा गया है कि पैग़म्बर (स.) और समर्पित पुरुष कभी हिम्मत नहीं हारते, लेकिन 3:152 में कहा गया है कि उन्होंने साहस खो दिया।]**

Wama kana qawlahum illa an qaloo rabbana ighfir lana thunoobana waisrafana fee amrina wathabbit aqdamana waonsurna AAala alqawmi alkafireena	x	And their words were not but that they said, "Our Lord, forgive us our sins and the excess [committed] in our affairs and plant firmly our feet and give us victory over the disbelieving people."	3:147	उन्होंने कुछ नहीं कहा सिवाय इसके कि "ऐ हमारे रब! तू हमारे गुनाहों को और हमारे अपने मामले में जो ज़्यादती हमसे हो गई हो, उसे क्षमा कर दे और हमारे क़दम जमाए रख, और इनकार करनेवाले लोगों के मुक़ाबले में हमारी सहायता कर।"	x
Faatahumu Allahu thawaba alddunya wahusna thawabi alakhirati waAllahu yuhibbu almuhsineena	x	So Allah gave them the reward of this world and the good reward of the Hereafter. And Allah loves the doers of good.	3:148	अतः अल्लाह ने उन्हें दुनिया का भी बदला दिया और आख़िरत का अच्छा बदला भी। और सत्कर्मी लोगों से अल्लाह प्रेम करता है	x
Ya ayyuha allatheena amanoo in tuteeAAoo allatheena kafaroo yaruddookum AAala aAAqabikum fatanqaliboo khasireena	x	O you who have believed, if you obey those who disbelieve, they will turn you back on your heels, and you will [then] become losers.	3:149	ऐ ईमान लानेवालो! यदि तुम उन लोगों के कहने पर चलोगे जिन्होंने इनकार का मार्ग अपनाया है, तो वे तुम्हें उल्टे पाँव फेर ले जाएँगे। फिर तुम घाटे में पड़ जाओगे	x
Bali Allahu mawlakum wahuwa khayru alnnasireena	**[Who is speaking.. It is not Allah]**	But Allah is your protector, and He is the best of helpers.	3:150	बल्कि अल्लाह ही तुम्हारा संरक्षक है; और वह सबसे अच्छा सहायक है	[यह कौन बोल रहा है… यह अल्लाह की आवाज़ नहीं है।]

Sanulqee fee quloobi allatheena kafaroo alrruAAba bima ashrakoo biAllahi ma lam yunazzil bihi sultanan wamawahumu alnnaru wabisa mathwa alththalimeena	After the victory in Uhud, the idolaters headed toward Mecca. But after they travelled a certain distance, they said let's go back and exterminate them'. But then, Allah cast terror in their hearts. **[Allah cast terror in heart of disbelivers.]**	We will cast terror into the hearts of those who disbelieve for what they have associated with Allah of which He had not sent down [any] authority. And their refuge will be the Fire, and wretched is the residence of the wrongdoers.	3:151	हम शीघ्र ही इनकार करनेवालों के दिलों में धाक बिठा देंगे, इसलिए कि उन्होंने ऐसी चीज़ो को अल्लाह का साक्षी ठहराया है जिनसे साथ उसने कोई सनद नहीं उतारी, और उनका ठिकाना आग (जहन्नम) है। और अत्याचारियों का क्या ही बुरा ठिकाना है	उहुद में जीत के बाद, मूर्तिपूजक मक्का की ओर बढ़े। लेकिन कुछ दूरी तय करने के बाद उन्होंने कहा, 'चलो वापस जाएँ और उन्हें खत्म कर दें'। फिर अल्लाह ने उनके दिलों में भय और आतंक पैदा कर दिया। **[अल्लाह काफ़िरों के दिलों में डर पैदा करता है।]**
Walaqad sadaqakumu Allahu waAAdahu ith tahussoonahum biithnihi hatta itha fashiltum watanazaAAtum fee alamri waAAasaytum min baAAdi ma arakum ma tuhibboona minkum man yureedu alddunya waminkum man yureedu alakhirata thumma sarafakum AAanhum liyabtaliyakum walaqad AAafa AAankum waAllahu thoo fadlin AAala	After the defeat of Uhad, some of prophet's Companions said: 'From whence did this come to us when Allah has promised us victory?' So this verse was revealed. **[Contradiction: Belivers does not weaken 3:146; Believers kill disbelievers by the permission of Allah.]**	And Allah had certainly fulfilled His promise to you when you were killing the enemy by His permission until [the time] when you lost courage and fell to disputing about the order [given by the Prophet] and disobeyed after He had shown you that which you love. Among you are some who desire this world, and among you are some who desire the Hereafter. Then he turned you back from them [defeated] that He might test you. And He has already forgiven you, and Allah is the possessor of bounty for the believers.	3:152	और अल्लाह ने तो तुम्हें अपना वादा सच्चा कर दिखाया, जबकि तुम उसकी अनुज्ञा से उन्हें क़त्ल कर रहे थे। यहाँ तक कि जब तुम स्वयं ढीले पड़ गए और काम में झगड़ा डाल दिया और अवज्ञा की, जबकि अल्लाह ने तुम्हें वह चीज़ दिखा दी थी जिसकी तुम्हें चाह थी। तुममें कुछ लोग दुनिया चाहते थे और कुछ आख़िरत के इच्छुक थे। फिर अल्लाह ने तुम्हें उनके मुक़ाबले से हटा दिया, ताकि वह तुम्हारी परीक्षा ले। फिर भी उसने तुम्हें क्षमा कर दिया, क्योंकि अल्लाह ईमानवालों के लिए बड़ा अनुग्राही है	उहुद की हार के बाद, पैग़म्बर (स.) के कुछ साथी बोले: 'यह हमारे साथ कैसे हुआ, जबकि अल्लाह ने हमें जीत का वादा किया था?' इसी कारण यह आयत उतरी। [विरोधाभास: एक जगह कहा गया कि ईमान वाले ढीले नहीं पड़ते (3:146); ईमान वाले काफ़िरों को अल्लाह की अनुमति से मारते हैं।]

Ith tusAAidoona wala talwoona AAala ahadin waalrrasoolu yadAAookum fee okhrakum faathabakum ghamman bighammin likayla tahzanoo AAala ma fatakum wala ma asabakum waAllahu khabeerun bima taAAmaloona	Since, Muslims disobeyed the Messenger at battle of Uhud, Allah defeated them.	[Remember] when you [fled and] climbed [the mountain] without looking aside at anyone while the Messenger was calling you from behind. So Allah repaid you with distress upon distress so you would not grieve for that which had escaped you [of victory and spoils of war] or [for] that which had befallen you [of injury and death]. And Allah is [fully] Acquainted with what you	3:153	जब तुम लोग दूर भागे चले जा रहे थे और किसी को मुड़कर देखते तक न थे और रसूल तुम्हें पुकार रहा था, जबकि वह तुम्हारी दूसरी टुकड़ी के साथ था (जो भागी नहीं), तो अल्लाह ने तुम्हें शोक पर शोक दिया, ताकि तुम्हारे हाथ से कोई चीज़ निकल जाए या तुमपर कोई मुसीबत आए तो तुम शोकाकुल न हो। और जो कुछ भी तुम करते हो, अल्लाह उसकी भली-भाँति ख़बर रखता है	क्योंकि मुसलमानों ने उहुद की लड़ाई में पैग़म्बर (स.) की आज्ञा नहीं मानी, अल्लाह ने उन्हें हार दिलाई।

Thumma anzala AAalaykum min baAAdi alghammi amanatan nuAAasan yaghsha taifatan minkum wataifatun qad ahammathum anfusuhum yathunnoona biAllahi ghayra alhaqqi thanna aljahiliyyati yaqooloona hal lana mina alamri min shayin qul inna alamra kullahu lillahi yukhfoona fee anfusihim ma la yubdoona laka yaqooloona law kana lana mina alamri shayon ma qutilna hahuna qul law kuntum fee buyootikum labaraza allatheena	Referring to battle of Uhad. **["the matter belongs completely to Allah" this goes against the concept of free will; Predestination is one of the arguments used to incite people to battle e.g. In combats, the soldiers are said, you will be killed only if your name is written on the bullet.]**	Then after distress, He sent down upon you security [in the form of] drowsiness, overcoming a faction of you, while another faction worried about themselves, thinking of Allah other than the truth - the thought of ignorance, saying, "Is there anything for us [to have done] in this matter?" Say, "Indeed, the matter belongs completely to Allah." They conceal within themselves what they will not reveal to you. They say, "If there was anything we could have done in the matter, some of us would not have been killed right here." Say, "Even if you had been inside your houses, those decreed to be killed would have come out to their	3:154	फिर इस शोक के पश्चात उसने तुमपर एक शान्ति उतारी - एक निद्रा, जो तुममें से कुछ लोगों को घेर रही थी और कुछ लोग ऐसे भी थे जिन्हें अपने प्राणों की चिन्ता थी। वे अल्लाह के विषय में ऐसा ख़याल कर रहे थे, जो सत्य के सर्वथा प्रतिकूल, अज्ञान (काल) का ख़याल था। वे कहते थे, "इन मामलों में क्या हमारा भी कुछ अधिकार है?" कह दो, "मामले तो सबके सब अल्लाह के (हाथ में) हैं।" वे जो कुछ अपने दिलों में छिपाए रखते है, तुमपर ज़ाहिर नहीं करते। कहते है, "यदि इस मामले में हमारा भी कुछ अधिकार होता तो हम यहाँ मारे न जाते।" कह दो, "यदि तुम अपने घरों में भी होते, तो भी जिन लोगों का क़त्ल होना तय था, वे निकलकर अपने अन्तिम शयन-स्थलों कर पहुँचकर	यह उहुद की लड़ाई का संदर्भ है। **['मामला पूरी तरह अल्लाह के हाथ में है' यह मनुष्य की स्वतंत्र इच्छा के विचार के खिलाफ जाता है। ; पूर्वनिर्धारण का इस्तेमाल लोगों को लड़ाई में प्रेरित करने के लिए किया जाता है। उदाहरण के लिए, लड़ाई में सैनिकों से कहा जाता है: 'तुम केवल तभी मरोगे जब तुम्हारा नाम उस गोली पर लिखा होगा।]**

Inna allatheena tawallaw minkum yawma iltaqa aljamAAani innama istazallahumu alshshaytanu bibaAAdi ma kasaboo walaqad AAafa Allahu AAanhum inna Allaha ghafoorun haleemun	The Muslims brought defeat at Uhud by falling under the influence of Satan.	Indeed, those of you who turned back on the day the two armies met, it was Satan who caused them to slip because of some [blame] they had earned. But Allah has already forgiven them. Indeed, Allah is Forgiving and Forbearing.	3:155	तुममें से जो लोग दोनों गिरोहों की मुठभेड़ के दिन पीठ दिखा गए, उन्हें तो शैतान ही ने उनकी कुछ कमाई (कर्म) का कारण विचलित कर दिया था। और अल्लाह तो उन्हें क्षमा कर चुका है। निस्संदेह अल्लाह बड़ा क्षमा करनेवाला, सहनशील है	मुसलमानों ने शैतान के प्रभाव में आकर उहुद में हार को आमंत्रित किया।
Ya ayyuha allatheena amanoo la takoonoo kaallatheena kafaroo waqaloo liikhwanihim itha daraboo fee alardi aw kanoo ghuzzan law kanoo AAindana ma matoo wama qutiloo liyajAAala Allahu thalika hasratan fee quloobihim waAllahu yuhyee wayumeetu waAllahu bima taAAmaloona baseerun	**[If one is predestined to death he will even die sitting at home, thus no one should fear fighting.]**	O you who have believed, do not be like those who disbelieved and said about their brothers when they traveled through the land or went out to fight, "If they had been with us, they would not have died or have been killed," so Allah makes that [misconception] a regret within their hearts. And it is Allah who gives life and causes death, and Allah is Seeing of what you do.	3:156	ऐ ईमान लानेवालो! उन लोगों की तरह न हो जाना जिन्होंने इनकार किया और अपने भाईयों के विषय में, जबकि वे सफ़र में गए हों या युद्ध में हो (और उनकी वहाँ मृत्यु हो जाए तो) कहते है, "यदि वे हमारे पास होते तो न मरते और न क़त्ल होते।" (ऐसी बातें तो इसलिए होती है) ताकि अल्लाह उनको उनके दिलों में घर करनेवाला पछतावा और सन्ताप बना दे। अल्लाह ही जीवन प्रदान करने और मृत्यु देनेवाला है। और तुम जो कुछ भी कर रहे हो वह अल्लाह की स्पष्ट में है	**[यदि किसी की मृत्यु पहले से तय है, तो वह घर पर बैठे हुए भी मर जाएगा, इसलिए किसी को लड़ाई से डरना नहीं चाहिए।]**

Walain qutiltum fee sabeeli Allahi aw muttum lamaghfiratun mina Allahi warahmatun khayrun mimma yajmaAAoona	Getting killed for the cause of Allah is better than wordly gains.	And if you are killed in the cause of Allah or die - then forgiveness from Allah and mercy are better than whatever they accumulate [in this world].	3:157	और यदि तुम अल्लाह के मार्ग में मारे गए या मर गए, तो अल्लाह का क्षमादान और उसकी दयालुता तो उससे कहीं उत्तम है, जिसके बटोरने में वे लगे हुए है	अल्लाह की राह में शहीद होना सांसारिक लाभों से बेहतर है।
Walain muttum aw qutiltum laila Allahi tuhsharoona	x	And whether you die or are killed, unto Allah you will be gathered.	3:158	हाँ, यदि तुम मर गए या मारे गए, तो प्रत्येक दशा में तुम अल्लाह ही के पास इकट्ठा किए जाओगे	x
Fabima rahmatin mina Allahi linta lahum walaw kunta faththan ghaleetha alqalbi lainfaddoo min hawlika faoAAfu AAanhum waistaghfir lahum washawirhum fee alamri faitha AAazamta fatawakkal AAala Allahi inna Allaha yuhibbu almutawakkileena	After Uhud, Allah caused the Prophet (स.) to treat the Muslims with patience and kindness, since they were feeling disheartened and voicing their grievances.	So by mercy from Allah, [O Muhammad], you were lenient with them. And if you had been rude [in speech] and harsh in heart, they would have disbanded from about you. So pardon them and ask forgiveness for them and consult them in the matter. And when you have decided, then rely upon Allah. Indeed, Allah loves those who rely [upon Him].	3:159	(तुमने तो अपनी दयालुता से उन्हें क्षमा कर दिया) तो अल्लाह की ओर से ही बड़ी दयालुता है जिसके कारण तुम उनके लिए नर्म रहे हो, यदि कहीं तुम स्वभाव के क्रूर और कठोर हृदय होते तो ये सब तुम्हारे पास से छँट जाते। अतः उन्हें क्षमा कर दो और उनके लिए क्षमा की प्रार्थना करो। और मामलों में उनसे परामर्श कर लिया करो। फिर जब तुम्हारे संकल्प किसी सम्मति पर सुदृढ़ हो जाएँ तो अल्लाह पर भरोसा करो। निस्संदेह अल्लाह को वे लोग प्रिय है जो उसपर भरोसा करते है	उहुद के बाद, अल्लाह ने पैग़म्बर मुहम्मद (स.) को मुसलमानों के प्रति धैर्य और कृपा से पेश आने की क्षमता दी, क्योंकि वे हताश हो रहे थे और अपनी शिकायतें व्यक्त कर रहे थे।

In yansurkumu Allahu fala ghaliba lakum wain yakhthulkum faman tha allathee yansurukum min baAAdihi waAAala Allahi falyatawakkali	x	If Allah should aid you, no one can overcome you; but if He should forsake you, who is there that can aid you after Him? And upon Allah let the believers rely.	3:160	यदि अल्लाह तुम्हारी सहायता करे, तो कोई तुमपर प्रभावी नहीं हो सकता। और यदि वह तुम्हें छोड़ दे, तो फिर कौन हो जो उसके पश्चात तुम्हारी सहायता कर सके। अतः ईमानवालों को अल्लाह ही पर भरोसा रखना चाहिए	x
Wama kana linabiyyin an yaghulla waman yaghlul yati bima ghalla yawma alqiyamati thumma tuwaffa kullu nafsin ma kasabat wahum la yuthlamoona	Some red velvet or robe acquired as booty from the idolaters at the Battle of Badr was unaccounted for, and some people said: 'Perhaps it is the Prophet (pbuh), who took it'. Then this verse was revealed.	It is not [attributable] to any prophet that he would act unfaithfully [in regard to war booty]. And whoever betrays, [taking unlawfully], will come with what he took on the Day of Resurrection. Then will every soul be [fully] compensated for what it earned, and they will not	3:161	यह किसी नबी के लिए सम्भव नहीं कि वह दिल में कीना-कपट रखे, और जो कोई कीना-कपट रखेगा तो वह क़ियामत के दिन अपने द्वेष समेत हाज़िर होगा। और प्रत्येक व्यक्ति को उसकी कमाई का पूरा-पूरा बदला दे दिया जाएँगा और उनपर कुछ भी ज़ुल्म न होगा	बदर की लड़ाई में मूर्तिपूजकों से लूटी गई कुछ लाल मखमली चादर या ओढ़नी का हिसाब नहीं मिला, और कुछ लोगों ने कहा: 'शायद इसे पैग़म्बर मुहम्मद (स.) ने लिया है।' फिर यह आयत प्रकट हुई।
Afamani ittabaAAa ridwana Allahi kaman baa bisakhatin mina Allahi wamawahu jahannamu wabisa almaseeru	x	So is one who pursues the pleasure of Allah like one who brings upon himself the anger of Allah and whose refuge is Hell? And wretched is the destination.	3:162	भला क्या जो व्यक्ति अल्लाह की इच्छा पर चले वह उस जैसा हो सकता है जो अल्लाह के प्रकोप का भागी हो चुका हो और जिसका ठिकाना जहन्नम है? और वह क्या ही बुरा ठिकाना है	x
Hum darajatun AAinda Allahi waAllahu baseerun bima yaAAmaloona	Muslims will be granted different ranks in Paradise according to their obedience to Allah.	They are [varying] degrees in the sight of Allah, and Allah is Seeing of whatever they do.	3:163	अल्लाह के यहाँ उनके विभिन्न दर्जे है और जो कुछ वे कर रहे है, अल्लाह की स्पष्ट में है	मुसलमानों को जन्नत में उनके अल्लाह के प्रति पालन और आज्ञाकारिता के अनुसार अलग-अलग दरजा दिया जाएँगा।

Laqad manna Allahu AAala almumineena ith baAAatha feehim rasoolan min anfusihim yatloo AAalayhim ayatihi wayuzakkeehim wayuAAallimuhumu alkitaba waalhikmata wain kanoo min qablu	x	Certainly did Allah confer [great] favor upon the believers when He sent among them a Messenger from themselves, reciting to them His verses and purifying them and teaching them the Book and wisdom, although they had been before in manifest error.	3:164	निस्संदेह अल्लाह ने ईमानवालों पर बड़ा उपकार किया, जबकि स्वयं उन्हीं में से एक ऐसा रसूल उठाया जो उन्हें आयतें सुनाता है और उन्हें निखारता है, और उन्हें किताब और हिक़मत (तत्वदर्शिता) का शिक्षा देता है, अन्यथा इससे पहले वे लोग खुली गुमराही में पड़े हुए थे	x
Awalamma asabatkum museebatun qad asabtum mithlayha qultum anna hatha qul huwa min AAindi anfusikum inna Allaha AAala kulli shayin qadeerun	Umar ibn al-Khattab said that they were punished at the Battle of Uhud because of taking ransom in past in exchange for releasing the prisoners of the disbelievers. And then this verse was revealed.	Why [is it that] when a [single] disaster struck you [on the day of Uhud], although you had struck [the enemy in the battle of Badr] with one twice as great, you said, "From where is this?" Say, "It is from yourselves." Indeed, Allah is over all things	3:165	यह क्या कि जब तुम्हें एक मुसीबत पहुँची, जिसकी दोगुनी तुमने पहुँचाए, तो तुम कहने लगे कि, "यह कहाँ से आ गई?" कह दो, "यह तो तुम्हारी अपनी ओर से है, अल्लाह को हर चीज़ की सामर्थ्य प्राप्त है।"	उमर इब्न अल-खत्ताब ने कहा कि उन्हें उहुद की लड़ाई में इसलिए दंडित किया गया क्योंकि उन्होंने पहले काफ़िर बंदियों को छोड़ने के बदले फिरौती ली थी। और फिर यह आयत प्रकट हुई।
Wama asabakum yawma iltaqa aljamAAani fabiithni Allahi waliyaAAlama almumineena	The loss at Uhud showed which Muslims were truly faithful and which were not. **[But Allah knows everything even whats concealed inside the heart.]**	And what struck you on the day the two armies met was by permission of Allah that He might make evident the [true] believers.	3:166	और दोनों गिरोह की मुठभेड़ के दिन जो कुछ तुम्हारे सामने आया वह अल्लाह ही की अनुज्ञा से आया और इसलिए कि वह जान ले कि ईमानवाले कौन है	उहुद की हार ने यह दिखा दिया कि कौन से मुसलमान सच में ईमानदार थे और कौन नहीं। **[लेकिन अल्लाह सब कुछ जानता है, यहाँ तक कि जो दिल के भीतर छुपा हुआ है।]**

WaliyaAAlama allatheena nafaqoo waqeela lahum taAAalaw qatiloo fee sabeeli Allahi awi idfaAAoo qaloo law naAAlamu qitalan laittabaAAnakum hum lilkufri yawmaithin aqrabu minhum lileemani yaqooloona biafwahihim ma laysa fee quloobihim	Allah is rebuking people who did not participate in battle of Uhud.	And that He might make evident those who are hypocrites. For it was said to them, "Come, fight in the way of Allah or [at least] defend." They said, "If we had known [there would be] fighting, we would have followed you." They were nearer to disbelief that day than to faith, saying with their mouths what was not in their hearts. And Allah is most Knowing of what they conceal -	3:167	और इसलिए कि वह कपटाचारियों को भी जान ले जिनसे कहा गया कि "आओ, अल्लाह के मार्ग में युद्ध करो या दुश्मनों को हटाओ।" उन्होंने कहा, "यदि हम जानते कि लड़ाई होगी तो हम अवश्य तुम्हारे साथ हो लेते।" उस दिन वे ईमान की अपेक्षा अधर्म के अधिक निकट थे। वे अपने मुँह से वे बातें कहते है, जो उनके दिलों में नहीं होती। और जो कुछ वे छिपाते है, अल्लाह उसे भली-भाँति जानता है	अल्लाह उन लोगों को डांट रहे हैं जिन्होंने उहुद की लड़ाई में हिस्सा नहीं लिया।
Allatheena qaloo liikhwanihim waqaAAadoo law ataAAoona ma qutiloo qul faidraoo AAan anfusikumu almawta in kuntum sadiqeena	x	Those who said about their brothers while sitting [at home], "If they had obeyed us, they would not have been killed." Say, "Then prevent death from yourselves, if you should be truthful."	3:168	ये वही लोग है जो स्वयं तो बैठे रहे और अपने भाइयों के विषय में कहने लगे, "यदि वे हमारी बात मान लेते तो मारे न जाते।" कह तो, "अच्छा, यदि तुम सच्चे हो, तो अब तुम अपने ऊपर से मृत्यु को टाल देना।"	x

Wala tahsabanna allatheena qutiloo fee sabeeli Allahi amwatan bal ahyaon AAinda rabbihim yurzaqoona	Messenger of Allah (pbuh) said: “When your brothers were killed at Uhud, Allah placed their spirits inside green birds which go to the rivers of Paradise and eat of its fruits and reach to lamps hanging in the shade of the Throne. When they tasted the wholesomeness of their food, drink and abode, they said: 'Who would inform our brothers, on our behalf, that we are being provided in Paradise, so that they do not shy away from Jihad or shirk away from war?' **[Those killed in**	And never think of those who have been killed in the cause of Allah as dead. Rather, they are alive with their Lord, receiving provision,	3:169	तुम उन लोगों को जो अल्लाह के मार्ग में मारे गए है, मुर्दा न समझो, बल्कि वे अपने रब के पास जीवित हैं, रोज़ी पा रहे हैं	पैग़म्बर मुहम्मद (स.) ने कहा: “जब आपके भाई उहुद में शहीद हुए, तो अल्लाह ने उनकी आत्माओं को हरे पक्षियों में डाल दिया, जो जन्नत की नदियों तक जाते हैं, उसके फलों का सेवन करते हैं और सिंहासन की छाया में लटक रहे दिए तक पहुँचते हैं। जब उन्होंने अपने भोजन, पेय और आवास की भलाई चखी, तो उन्होंने कहा: ‘हमारे भाईयों को हमारे स्थान पर कौन बताएगा कि हमें जन्नत में हर सुविधा मिल रही है, ताकि वे जिहाद से पीछे न हटें और युद्ध से कतराएँ नहीं?’ [जिहाद में शहीद हुए लोग जन्नत में जीवित रहते हैं।]
Fariheena bima atahumu Allahu min fadlihi wayastabshiroona biallatheena lam yalhaqoo bihim min khalfihim alla khawfun AAalayhim wala hum yahzanoona	**[Those killed in Jihad are rejoicing and looking forwards for those yet to join them.]**	Rejoicing in what Allah has bestowed upon them of His bounty, and they receive good tidings about those [to be martyred] after them who have not yet joined them - that there will be no fear concerning them, nor will they grieve.	3:170	अल्लाह ने अपनी उदार कृपा से जो कुछ उन्हें प्रदान किया है, वे उसपर बहुत प्रसन्न है और उन लोगों के लिए भी ख़ुश हो रहे है जो उनके पीछे रह गए है, अभी उनसे मिले नहीं है कि उन्हें भी न कोई भय होगा और न वे दुखी होंगे	**[जिहाद में शहीद हुए लोग खुश हैं और उन लोगों का इंतज़ार है जो अभी उनके साथ जुड़ने वाले हैं।]**
Yastabshiroona biniAAmatin mina Allahi wafadlin waanna Allaha la yudeeAAu ajra almumineena	x	They receive good tidings of favor from Allah and bounty and [of the fact] that Allah does not allow the reward of believers to be lost -	3:171	वे अल्लाह के अनुग्रह और उसकी उदार कृपा से प्रसन्न हो रहे है और इससे कि अल्लाह ईमानवालों का बदला नष्ट नहीं करता	x

Allatheena istajaboo lillahi waalrrasooli min baAAdi ma asabahumu alqarhu lillatheena ahsanoo minhum waittaqaw ajrun AAatheemun	Messenger (pbuh) made a general call to arms after the Battle of Uhud, when the idolaters had departed, and seventy men answered his call. The group set off, despite of their extreme exhaustion, after the army of the idolaters.	Those [believers] who responded to Allah and the Messenger after injury had struck them. For those who did good among them and feared Allah is a great reward -	3:172	जिन लोगों ने अल्लाह और रसूल की पुकार को स्वीकार किया, इसके पश्चात कि उन्हें आघात पहुँच चुका था। इन सत्कर्मी और (अल्लाह का) डर रखनेवालों के लिए बड़ा प्रतिदान है	पैग़म्बर मुहम्मद (स.) ने उहुद की लड़ाई के बाद, जब मूर्तिपूजक चला गए, आम हथियारबंद होने की घोषणा की, और सत्तर लोगों ने उनके बुलावे का जवाब दिया। यह समूह, अपनी अत्यधिक थकान के बावजूद, मूर्तिपूजकों की सेना के पीछे चल पड़ा।
Allatheena qala lahumu alnnasu inna alnnasa qad jamaAAoo lakum faikhshawhum fazadahum eemanan waqaloo hasbuna Allahu waniAAma alwakeelu	When they reached Dhu'l-Hulayfah, some people came to them, saying: 'Abu Sufyan is going to attack you', but they only said: 'Allah is Sufficient for us! Most Excellent is He in Whom we trust!' And this verse was revealed. They went; however, Abu Sufyan went ahead of him and entered Mecca.	Those to whom hypocrites said, "Indeed, the people have gathered against you, so fear them." But it [merely] increased them in faith, and they said, "Sufficient for us is Allah, and [He is] the best Disposer of affairs."	3:173	ये वही लोग है जिनसे लोगों ने कहा, "तुम्हारे विरुद्ध लोग इकट्ठा हो गए है, अतः उनसे डरो।" तो इस चीज़ ने उनके ईमान को और बढ़ा दिया। और उन्होंने कहा, "हमारे लिए तो बस अल्लाह काफ़ी है और वही सबसे अच्छा कार्य-साधक है।"	जब वे धूल-हुलैफ़ा पहुँचे, कुछ लोग उनके पास आए और कहने लगे: “अबू सूफ़्यान आप पर हमला करने वाला है।” लेकिन उन्होंने केवल कहा: “अल्लाह ही हमारे लिए पर्याप्त है! वही अत्युत्तम है, जिस पर हम भरोसा करते हैं।” और फिर यह आयत प्रकट हुई। वे आगे बढ़े; हालांकि, अबू सूफ़्यान उनसे पहले मक्का पहुँच गया।
Fainqalaboo biniAAmatin mina Allahi wafadlin lam yamsashum sooon waittabaAAoo ridwana Allahi waAllahu thoo fadlin AAatheemin	x	So they returned with favor from Allah and bounty, no harm having touched them. And they pursued the pleasure of Allah, and Allah is the possessor of great bounty.	3:174	तो वे अल्लाह को ओर से प्राप्त होनेवाली नेमत और उदार कृपा के साथ लौटे। उन्हें कोई तकलीफ़ छू भी नहीं सकी और वे अल्लाह की इच्छा पर चले भी, और अल्लाह बड़ी ही उदार कृपावाला है	x

Innama thalikumu alshshaytanu yukhawwifu awliyaahu fala takhafoohum wakhafooni in kuntum mumineena	Here "Me" mean Allah.	That is only Satan who frightens [you] of his supporters. So fear them not, but fear Me, if you are [indeed] believers.	3:175	वह तो शैतान है जो अपने मित्रों को डराता है। अतः तुम उनसे न डरो, बल्कि मुझी से डरो, यदि तुम ईमानवाले हो	यहाँ “मुझी” से तात्पर्य अल्लाह है।
Wala yahzunka allatheena yusariAAoona fee alkufri innahum lan yadurroo Allaha shayan yureedu Allahu alla yajAAala lahum haththan fee alakhirati walahum AAathabun	**["they will never harm Allah at all" - very illogical.]**	And do not be grieved, [O Muhammad], by those who hasten into disbelief. Indeed, they will never harm Allah at all. Allah intends that He should give them no share in the Hereafter, and for them is a great punishment.	3:176	जो लोग अधर्म और इनकार में जल्दी दिखाते है, उनके कारण तुम दुखी न हो। वे अल्लाह का कुछ भी नहीं बिगाड़ सकते। अल्लाह चाहता है कि उनके लिए आख़िरत में कोई हिस्सा न रखे, उनके लिए तो बड़ी यातना है	**[यह वाक्य सुनने में तर्कसंगत नहीं लगता: “वे अल्लाह का कुछ भी नहीं बिगाड़ सकते।]**
Inna allatheena ishtarawoo alkufra bialeemani lan yadurroo Allaha shayan walahum AAathabun aleemun	x	Indeed, those who purchase disbelief [in exchange] for faith - never will they harm Allah at all, and for them is a painful punishment.	3:177	जो लोग ईमान की क़ीमत पर इनकार और अधर्म के ग्राहक हुए, वे अल्लाह का कुछ भी नहीं बिगाड़ सकते, उनके लिए तो दुखद यातना है	x

Wala yahsabanna allatheena kafaroo annama numlee lahum khayrun lianfusihim innama numlee lahum liyazdadoo ithman walahum AAathabun	**[Allah extents time for disbelievers to increase their sin.]**	And let not those who disbelieve ever think that [because] We extend their time [of enjoyment] it is better for them. We only extend it for them so that they may increase in sin, and for them is a humiliating punishment.	3:178	और यह ढील जो हम उन्हें दिए जाते है, इसे अधर्मी लोग अपने लिए अच्छा न समझे। यह ढील तो हम उन्हें सिर्फ़ इसलिए दे रहे है कि वे गुनाहों में और अधिक बढ़ जाएँ, और उनके लिए तो अत्यन्त अपमानजनक यातना है	**[अल्लाह काफ़िरों को उनका पाप बढ़ाने के लिए समय देता है।]**
Ma kana Allahu liyathara almumineena AAala ma antum AAalayhi hatta yameeza alkhabeetha mina alttayyibi wama kana Allahu liyutliAAakum AAala alghaybi walakinna Allaha yajtabee min rusulihi man yashao faaminoo biAllahi warusulihi wain tuminoo watattaqoo falakum ajrun AAatheemun	Messenger (pbuh) said: The members of my community were shown to me in their forms, as they were shown to Adam, and I was informed about who would believe in me and who would disbelieve. When the hypocrites heard this, they mocked him, saying: "Muhammad claims that he knows who would believe in him and who would not. Yet, we are in his midst and he does not know us", and so Allah revealed this verse.	Allah would not leave the believers in that [state] you are in [presently] until He separates the evil from the good. Nor would Allah reveal to you the unseen. But [instead], Allah chooses of His messengers whom He wills, so believe in Allah and His messengers. And if you believe and fear Him, then for you is a great reward.	3:179	अल्लाह ईमानवालों को इस दशा में नहीं रहने देगा, जिसमें तुम हो। यह तो उस समय तक की बात है जबतक कि वह अपवित्र को पवित्र से पृथक नहीं कर देता। और अल्लाह ऐसा नहीं है कि वह तुम्हें परोक्ष की सूचना दे दे। किन्तु अल्लाह इस काम के लिए जिसको चाहता है चुन लेता है, और वे उसके रसूल होते है। अतः अल्लाह और उसके रसूल पर ईमान लाओ। और यदि तुम ईमान लाओगे और (अल्लाह का) डर रखोगे तो तुमको बड़ा प्रतिदान मिलेगा	पैग़म्बर मुहम्मद (स.) ने कहा: "मेरे समुदाय के सदस्य मुझे उनके रूपों में दिखाए गए, जैसे आदम को दिखाए गए थे, और मुझे यह जानकारी दी गई कि कौन मुझ पर विश्वास करेगा और कौन नहीं।" जब मुनाफ़िकों ने यह सुना, तो उन्होंने उनका मज़ाक उड़ाया और कहा: "मुहम्मद दावा करते हैं कि उन्हें पता है कि कौन उन पर विश्वास करेगा और कौन नहीं। फिर भी, हम उनके बीच हैं और वह हमें नहीं जानते।" तब अल्लाह ने यह आयत प्रकट की।

Wala yahsabanna allatheena yabkhaloona bima atahummu Allahu min fadlihi huwa khayran lahum bal huwa sharrun lahum sayutawwaqoona ma bakhiloo bihi yawma alqiyamati walillahi meerathu alssamawati waalardi waAllahu bima taAAmaloona khabeerun	This verse was revealed about those who refused to pay the poor-due (Zakat) to Prophet (pbuh).	And let not those who [greedily] withhold what Allah has given them of His bounty ever think that it is better for them. Rather, it is worse for them. Their necks will be encircled by what they withheld on the Day of Resurrection. And to Allah belongs the heritage of the heavens and the earth. And Allah, with what you do, is [fully] Acquainted.	3:180	जो लोग उस चीज़ में कृपणता से काम लेते है, जो अल्लाह ने अपनी उदार कृपा से उन्हें प्रदान की है, वे यह न समझे कि यह उनके हित में अच्छा है, बल्कि यह उनके लिए बुरा है। जिस चीज़ में उन्होंने कृपणता से काम लिया होगा, वही आगे कियामत के दिन उनके गले का तौक़ बन जाएगा। और ये आकाश और धरती अंत में अल्लाह ही के लिए रह जाएँगे। तुम जो कुछ भी करते हो, अल्लाह उसकी ख़बर रखता है	यह आयत उन लोगों के बारे में प्रकट हुई जिन्होंने पैग़म्बर मुहम्मद (स.) को गरीबों का हक़ (ज़कात) देने से इंकार किया।

Laqad samiAAa Allahu qawla allatheena qaloo inna Allaha faqeerun wanahnu aghniyaon sanaktubu ma qaloo waqatlahumu alanbiyaa bighayri haqqin wanaqoolu thooqoo AAathaba alhareeqi	One day Abu Bakr (ra) said to a Jewish scholar: “Fear Allah and embrace Islam and grant Allah a goodly offering and He will make you enter the Garden and multiply your reward”. He responded: “O Abu Bakr, you claim that our Lord is asking us to lend Him our wealth, it follows that Allah is poor and we are rich”. Abu Bakr al-Siddiq became very angry and struck his face with a mighty blow. This man was Finhas the Jew, and it is also this man who said: (Allah’s hand is fettered) [5:64].	Allah has certainly heard the statement of those [Jews] who said, "Indeed, Allah is poor, while we are rich." We will record what they said and their killing of the prophets without right and will say, "Taste the punishment of the Burning Fire.	3:181	अल्लाह उन लोगों की बात सुन चुका है जिनका कहना है कि "अल्लाह तो निर्धन है और हम धनवान है।" उनकी बात हम लिख लेंगे और नबियों को जो वे नाहक क़त्ल करते रहे है उसे भी। और हम कहेंगे, "लो, (अब) जलने की यातना का मज़ा चखो।"	एक दिन अबू बक्र ने एक यहूदी विद्वान से कहा: “अल्लाह से डरो, इस्लाम को अपनाओ और अल्लाह को अच्छा दान दो, और वह तुम्हें जन्नत में दाखिल करेगा और तुम्हारा पुरस्कार बढ़ाएगा।” उसने जवाब दिया: “हे अबू बक्र, तुम दावा करते हो कि हमारे प्रभु हमसे अपने धन का ऋण माँग रहे हैं; इसका मतलब यह है कि अल्लाह गरीब है और हम धनी हैं।” अबू बक्र अल-सद्दीक बहुत क्रोधित हुए और उन्होंने उसे एक जोरदार मुक्का मारा। यह व्यक्ति यहूदी फिन्हास था, और यह वही व्यक्ति है जिसने यह भी कहा: “अल्लाह का हाथ बंधा हुआ है” [5:64].
Thalika bima qaddamat aydeekum waanna Allaha laysa bithallamin lilAAabeedi	x	That is for what your hands have put forth and because Allah is not ever unjust to [His] servants."	3:182	यह उसका बदला है जो तुम्हारे हाथों ने आगे भेजा। अल्लाह अपने बन्दों पर तनिक भी ज़ुल्म नहीं करता	x

Allatheena qaloo inna Allaha AAahida ilayna alla numina lirasoolin hatta yatiyana biqurbanin takuluhu alnnaru qul qad jaakum rusulun min qablee bialbayyinati wabiallathee qultum falima qataltumoohum in kutum sadiqeena	Some jews went to the Messenger (pbuh) and said: 'You claim that Allah has sent you to us as a messenger and that He revealed a Scripture to you. Well, Allah has charged us in the Torah that we do not believe in any messenger who claims to have been sent by Allah until he brings us an offering which is devoured by fire. If you do that, we will believe in you'. And so this verse was revealed. **[This verse shows inability of prophet (pbuh) to show miracles. Some self declared prophets were killed by Muslims also e.g. Musailmah Qazzab.]**	[They are] those who said, "Indeed, Allah has taken our promise not to believe any messenger until he brings us an offering which fire [from heaven] will consume." Say, "There have already come to you messengers before me with clear proofs and [even] that of which you speak. So why did you kill them, if you should be truthful?"	3:183	ये वही लोग है जिनका कहना है कि "अल्लाह ने हमें ताकीद की है कि हम किसी रसूल पर ईमान न लाएँ, जबतक कि वह हमारे सामने ऐसी क़ुरबानी न पेश करे जिसे आग खा जाए।" कहो, "तुम्हारे पास मुझसे पहले कितने ही रसूल खुली निशानियाँ लेकर आ चुके है, और वे वह चीज़ भी लाए थे जिसके लिए तुम कह रहे हो। फिर यदि तुम सच्चे हो तो तुमने उन्हें क़त्ल क्यों किया?"	कुछ यहूदियों ने पैग़म्बर मुहम्मद (स.) के पास जाकर कहा: "तुम दावा करते हो कि अल्लाह ने तुम्हें हमारे लिए पैग़म्बर के रूप में भेजा और उसने तुम्हें कोई किताब प्रकट की। ठीक है, तोराह में अल्लाह ने हमें यह आदेश दिया है कि हम किसी भी पैग़म्बर पर विश्वास न करें जो दावा करता है कि अल्लाह ने उसे भेजा है, जब तक कि वह हमें ऐसा चढ़ावा न दिखाए जिसे आग में भस्म कर दिया जाए। अगर तुम ऐसा कर सको, तो हम तुम पर विश्वास करेंगे।" और तब यह आयत प्रकट हुई। [यह आयत पैग़म्बर मुहम्मद (स.) की चमत्कार दिखाने की अक्षमता को दर्शाती है। कुछ आत्म-घोषित पैग़म्बर भी मुसलमानों द्वारा मारे गए, जैसे मुसैलमा कज़्ज़ाब।]
Fain kaththabooka faqad kuththiba rusulun min qablika jaoo bialbayyinati waalzzuburi waalkitabi almuneeri	x	Then if they deny you, [O Muhammad] - so were messengers denied before you, who brought clear proofs and written ordinances and the enlightening Scripture.	3:184	फिर यदि वे तुम्हें झुठलाते ही रहें, तो तुमसे पहले भी कितने ही रसूल झुठलाए जा चुके है, जो खुली निशानियाँ, 'ज़बूरें' और प्रकाशमान किताब लेकर आए थे	x

Kullu nafsin thaiqatu almawti wainnama tuwaffawna ojoorakum yawma alqiyamati faman zuhziha AAani alnnari waodkhila aljannata faqad faza wama alhayatu	The life of this world is only delusion and real life is in hereafter. **[Then why there was so much infighting for power amoung Muslims, read Battle of Jamal, Battle of Naharwan, Battle of Siffin, Assasination of Uthman, Ali, Hussain and Hasan.]**	Every soul will taste death, and you will only be given your [full] compensation on the Day of Resurrection. So he who is drawn away from the Fire and admitted to Paradise has attained [his desire]. And what is the life of this world except the	3:185	प्रत्येक जीव मृत्यु का मज़ा चखनेवाला है, और तुम्हें तो क़ियामत के दिन पूरा-पूरा बदला दे दिया जाएगा। अतः जिसे आग (जहन्नम) से हटाकर जन्नत में दाख़िल कर दिया गया, वह सफल रहा। रहा सांसारिक जीवन, तो वह माया-सामग्री के सिवा कुछ भी नहीं	इस दुनिया की ज़िंदगी केवल भ्रम है और असली ज़िंदगी परलोक में है। **[फिर मुस्लिमों के बीच सत्ता के लिए इतनी अंदरूनी लड़ाइयाँ क्यों हुईं, यह समझने के लिए आप जमाल की लड़ाई, नहरवान की लड़ाई, सिफ़्फ़िन की लड़ाई, और उस्मान, अली, हुसैन और हसन की हत्या के इतिहास को पढ़ें।]**
Latublawunna fee amwalikum waanfusikum walatasmaAAunna mina allatheena ootoo alkitaba min qablikum wamina allatheena ashrakoo athan katheeran wain tasbiroo watattaqoo fainna thalika min AAazmi alomoori	When the Prophet (pbuh) went to Medina, he wanted to be in good terms with all its people who were a mixture of Muslims, idolaters and Jews. The Jews and idolaters; however, used to harm him, and his Companions. Allah commanded his Prophet (pbuh) to endure their harm and this verse was revealed. **[When Allah knows what is our heart and what we will do in future, then what is being tested.]**	You will surely be tested in your possessions and in yourselves. And you will surely hear from those who were given the Scripture before you and from those who associate others with Allah much abuse. But if you are patient and fear Allah - indeed, that is of the matters [worthy] of determination.	3:186	तुम्हारे माल और तुम्हारे प्राण में तुम्हारी परीक्षा होकर रहेगी और तुम्हें उन लोगों से जिन्हें तुमसे पहले किताब प्रदान की गई थी और उन लोगों से जिन्होंने 'शिर्क' किया, बहुत-सी कष्टप्रद बातें सुननी पड़ेगी। परन्तु यदि तुम जमें रहे और (अल्लाह का) डर रखा, तो यह उन कर्मों में से है जो आवश्यक ठहरा दिया गया है	जब पैग़म्बर मुहम्मद (स.) मदीना गए, तो वह उसके सभी लोगों के साथ अच्छे संबंध बनाए रखना चाहते थे, जो मुसलमानों, मूर्तिपूजकों और यहूदियों का मिश्रण थे। हालांकि, यहूदी और मूर्तिपूजक उन्हें और उनके साथियों को हानि पहुँचाते थे। अल्लाह ने अपने पैग़म्बर (स.) से उनकी हानि सहन करने का आदेश दिया, और फिर यह आयत प्रकट हुई। [जब अल्लाह जानता है कि हमारे दिल में क्या है और हम भविष्य में क्या करेंगे, तो फिर परीक्षण किसलिए है?]

Waith akhatha Allahu meethaqa allatheena ootoo alkitaba latubayyinunnahu lilnnasi wala taktumoonahu fanabathoohu waraa thuhoorihim waishtaraw bihi thamanan qaleelan fabisa ma	Allah is rebuking Jews for concealing their scripture.	And [mention, O Muhammad], when Allah took a covenant from those who were given the Scripture, [saying], "You must make it clear to the people and not conceal it." But they threw it away behind their backs and exchanged it for a small price. And wretched is that which they purchased.	3:187	याद करो जब अल्लाह ने उन लोगों से, जिन्हें किताब प्रदान की गई थी, वचन लिया था कि "उसे लोगों के सामने भली-भाँति स्पट् करोगे, उसे छिपाओगे नहीं।" किन्तु उन्होंने उसे पीठ पीछे डाल दिया और तुच्छ मूल्य पर उसका सौदा किया। कितना बुरा सौदा है जो ये कर रहे है	अल्लाह यहूदियों को उनकी किताब छुपाने के लिए डांट रहे हैं।
La tahsabanna allatheena yafrahoona bima ataw wayuhibboona an yuhmadoo bima lam yafAAaloo fala tahsabannahum bimafazatin mina alAAathabi walahum	A group of hypocrites were in the habit of failing to join the Messenger (pbuh) whenever he set off for a military expedition. But then they would come and apologize to him the moment he came back, swearing to him [about their sincerity] and wishing to be praised for that which they had not done.	And never think that those who rejoice in what they have perpetrated and like to be praised for what they did not do - never think them [to be] in safety from the punishment, and for them is a painful punishment.	3:188	तुम उन्हें कदापि यह न समझना, जो अपने किए पर ख़ुश हो रहे है और जो काम उन्होंने नहीं किए, चाहते है कि उनपर भी उनकी प्रशंसा की जाए - तो तुम उन्हें यह न समझाना कि वे यातना से बच जाएँगे, उनके लिए तो दुखद यातना है	कुछ मुनाफ़िकों की आदत थी कि जब भी पैग़म्बर मुहम्मद (स.) किसी सैन्य अभियान पर निकलते, वे उसमें शामिल नहीं होते। लेकिन जैसे ही वह लौटते, वे उनके पास आकर माफी मांगते, उन्हें अपनी ईमानदारी की कसम देते और उस कार्य के लिए प्रशंसा चाहते जो उन्होंने वास्तव में किया ही नहीं था।
Walillahi mulku alssamawati waalardi waAllahu AAala kulli shayin	x	And to Allah belongs the dominion of the heavens and the earth, and Allah is over all things competent.	3:189	आकाशों और धरती का राज्य अल्लाह ही का है, और अल्लाह को हर चीज़ की सामर्थ्य प्राप्त है	x

Inna fee khalqi alssamawati waalardi waikhtilafi allayli waalnnahari laayatin liolee alalbabi	The people of Quraysh went to the Prophet (pbuh) and said: 'Ask your Lord to turn the hill of al-Safa into gold' then this verse was revealed. **[These natural phenomenon does suggest a creator, but a divine book should have high moral standards, free from flaws and contradictions.]**	Indeed, in the creation of the heavens and the earth and the alternation of the night and the day are signs for those of understanding.	3:190	निस्सदेह आकाशों और धरती की रचना में और रात और दिन के आगे पीछे बारी-बारी आने में उन बुद्धिमानों के लिए निशानियाँ है	कुरैश के लोग पैग़म्बर मुहम्मद (स.) के पास गए और कहने लगे: "अपने रब से कहो कि अल-सफ़ा की पहाड़ी को सोने में बदल दे।" तब यह आयत प्रकट हुई। [ये प्राकृतिक घटनाएँ एक सृजनकर्ता का संकेत जरूर देती हैं, लेकिन एक दिव्य पुस्तक में उच्च नैतिक मानक होने चाहिए, जो त्रुटियों और विरोधाभासों से मुक्त हो।]
Allatheena yathkuroona Allaha qiyaman waquAAoodan waAAala junoobihim wayatafakkaroona fee khalqi alssamawati waalardi rabbana ma khalaqta hatha batilan subhanaka	x	Who remember Allah while standing or sitting or [lying] on their sides and give thought to the creation of the heavens and the earth, [saying], "Our Lord, You did not create this aimlessly; exalted are You [above such a thing]; then protect us from the punishment of the Fire.	3:191	जो खड़े, बैठे और अपने पहलुओं पर लेटे अल्लाह को याद करते है और आकाशों और धरती की रचना में सोच-विचार करते है। (वे पुकार उठते है,) "हमारे रब! तूने यह सब व्यर्थ नहीं बनाया है। महान है तू, अतः हमें आग की यातना से बचा ले	x
Rabbana innaka man tudkhili alnnara faqad akhzaytahu wama lilththalimeena min	**[Who is speaking.. It is not Allah's voice.]**	Our Lord, indeed whoever You admit to the Fire - You have disgraced him, and for the wrongdoers there are no helpers.	3:192	"हमारे रब, तूने जिसे आग में डाला, उसे रुसवा कर दिया। और ऐसे ज़ालिमों का कोई सहायक न होगा	**[यह कौन बोल रहा है... यह अल्लाह की आवाज़ नहीं है।]**

Rabbana innana samiAAna munadiyan yunadee lileemani an aminoo birabbikum faamanna rabbana faighfir lana thunoobana wakaffir AAanna sayyiatina watawaffana maAAa alabrari	**[Who is speaking.. It is not Allah's voice.]**	Our Lord, indeed we have heard a caller calling to faith, [saying], 'Believe in your Lord,' and we have believed. Our Lord, so forgive us our sins and remove from us our misdeeds and cause us to die with the righteous.	3:193	"हमारे रब! हमने एक पुकारनेवाले को ईमान की ओर बुलाते सुना कि अपने रब पर ईमान लाओ। तो हम ईमान ले आए। हमारे रब! तो अब तू हमारे गुनाहों को क्षमा कर दे और हमारी बुराइयों को हमसे दूर कर दे और हमें नेक और वफ़ादार लोगों के साथ (दुनिया से) उठा	**[यह कौन बोल रहा है... यह अल्लाह की आवाज़ नहीं है।]**
Rabbana waatina ma waAAadtana AAala rusulika wala tukhzina yawma alqiyamati innaka la tukhlifu almeeAAada	**[Who is speaking.. It is not Allah's voice.]**	Our Lord, and grant us what You promised us through Your messengers and do not disgrace us on the Day of Resurrection. Indeed, You do not fail in [Your] promise."	3:194	"हमारे रब! जिस चीज़ का वादा तूने अपने रसूलों के द्वारा किया वह हमें प्रदान कर और क़ियामत के दिन हमें रुसवा न करना। निस्संदेह तू अपने वादे के विरुद्ध जानेवाला नहीं है।"	**[यह कौन बोल रहा है... यह अल्लाह की आवाज़ नहीं है।]**

Faistajaba lahum rabbuhum annee la odeeAAu AAamala AAamilin minkum min thakarin aw ontha baAAdukum min baAAdin faallatheena hajaroo waokhrijoo min diyarihim waoothoo fee sabeelee waqataloo waqutiloo laokaffiranna AAanhum sayyiatihim walaodkhilannahum jannatin tajree min tahtiha alanharu thawaban min AAindi Allahi	Umm Salamah said: O Messenger of Allah! Allah has not mentioned women with regard to migration at all, and this verse revealed. **[Who is speaking.]**	And their Lord responded to them, "Never will I allow to be lost the work of [any] worker among you, whether male or female; you are of one another. So those who emigrated or were evicted from their homes or were harmed in My cause or fought or were killed - I will surely remove from them their misdeeds, and I will surely admit them to gardens beneath which rivers flow as reward from Allah, and Allah has with Him the best reward."	3:195	तो उनके रब ने उनकी पुकार सुन ली कि "मैं तुममें से किसी कर्म करनेवाले के कर्म को अकारथ नहीं करूँगा, चाहे वह पुरुष हो या स्त्री। तुम सब आपस में एक-दूसरे से हो। अतः जिन लोगों ने (अल्लाह के मार्ग में) घरबार छोड़ा और अपने घरों से निकाले गए और मेरे मार्ग में सताए गए, और लड़े और मारे गए, मैं उनसे उनकी बुराइयाँ दूर कर दूँगा और उन्हें ऐसे बाग़ों में प्रवेश कराऊँगा जिनके नीचे नहरें बह रही होंगी।" यह अल्लाह के पास से उनका बदला होगा और सबसे अच्छा बदला अल्लाह ही के पास है	उम्म सलामा ने कहा: “हे पैग़म्बर मुहम्मद (स.)! अल्लाह ने हिज्रत के बारे में महिलाओं का कोई ज़िक्र नहीं किया है।” तब यह आयत प्रकट हुई। [यहाँ कौन बोल रहा है?]
La yaghurrannaka taqallubu allatheena kafaroo fee albiladi	One Muslim has commented: The enemies of Allah are enjoying that which we see of goodly life while we are dying of hunger and toil, and as a result this verse was revealed. **[The believers should not envy the unbelievers even if they prosper, for Allah will send them to hell while the believers will enjoy the**	Be not deceived by the [uninhibited] movement of the disbelievers throughout the land.	3:196	बस्तियों में इनकार करनेवालों की चलत-फिरत तुम्हें किसी धोखे में न डाले	एक मुसलमान ने टिप्पणी की: “अल्लाह के दुश्मन उस अच्छी ज़िंदगी का आनंद ले रहे हैं जो हम देख रहे हैं, जबकि हम भूख और श्रम से मर रहे हैं।” इस पर यह आयत प्रकट हुई। [**विश्वासियों को काफ़िरों से ईर्ष्या नहीं करनी चाहिए, चाहे वे समृद्ध हों, क्योंकि अल्लाह उन्हें नर्क में भेजेंगे, जबकि विश्वासियों को जन्नत के बाग़ों का आनंद मिलेगा।**]

MataAAun qaleelun thumma mawahum jahannamu wabisa almihadu	x	[It is but] a small enjoyment; then their [final] refuge is Hell, and wretched is the resting	3:197	यह तो थोड़ी सुख-सामग्री है फिर तो उनका ठिकाना जहन्नम है, और वह बहुत ही बुरा ठिकाना है	x
Lakini allatheena ittaqaw rabbahum lahum jannatun tajree min tahtiha alanharu khalideena feeha nuzulan min AAindi Allahi wama AAinda Allahi khayrun lilabrari	Description of Heaven with rivers	But those who feared their Lord will have gardens beneath which rivers flow, abiding eternally therein, as accommodation from Allah. And that which is with Allah is best for the righteous.	3:198	किन्तु जो लोग अपने रब से डरते रहे उनके लिए ऐसे बाग़ होंगे जिनके नीचे नहरें बह रही होंगी। वे उसमें सदैव रहेंगे। यह अल्लाह की ओर से पहला आतिथ्य-सत्कार होगा और जो कुछ अल्लाह के पास है वह नेक और वफ़ादार लोगों के लिए सबसे अच्छा है	जन्नत का वर्णन नदियों के साथ किया गया है
Wainna min ahli alkitabi laman yuminu biAllahi wama onzila ilaykum wama onzila ilayhim khashiAAeena lillahi la yashtaroona biayati Allahi thamanan qaleelan olaika lahum ajruhum AAinda rabbihim inna Allaha sareeAAu alhisabi	Prophet (pbuh) said to his Companions: “Get up and perform the prayer of the dead on your brother the Negus”. Some hypocrites said to others: “He is asking us to pray on a non-believer from Abyssinia!” so this verse was revealed.	And indeed, among the People of the Scripture are those who believe in Allah and what was revealed to you and what was revealed to them, [being] humbly submissive to Allah. They do not exchange the verses of Allah for a small price. Those will have their reward with their Lord. Indeed, Allah is swift in account.	3:199	और किताबवालों में से कुछ ऐसे भी है, जो इस हाल में कि उनके दिल अल्लाह के आगे झुके हुए होते है, अल्लाह पर ईमान रखते है और उस चीज़ पर भी जो तुम्हारी ओर उतारी गई है, और उस चीज़ पर भी जो स्वयं उनकी ओर उतरी। वे अल्लाह की आयतों का 'तुच्छ मूल्य पर सौदा' नहीं करते, उनके लिए उनके रब के पास उनका प्रतिदान है। अल्लाह हिसाब भी जल्द ही कर देगा	पैग़म्बर मुहम्मद (स.) ने अपने साथियों से कहा: “उठो और अपने भाई नेगुस पर नमाज़-ए-जनाज़ा पढ़ो।” कुछ मुनाफ़िकों ने दूसरों से कहा: “वह हमें एबीसिनिया के एक गैर-मुस्लिम पर नमाज़ पढ़ने को कह रहे हैं!” तब यह आयत प्रकट हुई।

Ya ayyuha allatheena amanoo isbiroo wasabiroo warabitoo waittaqoo Allaha laAAallakum tuflihoona	x	O you who have believed, persevere and endure and remain stationed and fear Allah that you may be successful.	3:200	ऐ ईमान लानेवालो! धैर्य से काम लो और (मुक़ाबले में) बढ़-चढ़कर धैर्य दिखाओ और जुटे और डटे रहो और अल्लाह से डरते रहो, ताकि तुम सफल हो सको	x
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**An-Nisha (The Women). Laws for the conduct of women and Islamic family life**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**4:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अन्-निसा (महिलाएँ) महिलाओं के आचरण और इस्लामी पारिवारिक जीवन से संबंधित नियम।**
Ya ayyuha alnnasu ittaqoo rabbakumu allathee khalaqakum min nafsin wahidatin wakhalaqa minha zawjaha wabaththa minhuma rijalan katheeran wanisaan waittaqoo Allaha allathee tasaaloona bihi waalarhama inna Allaha kana AAalaykum	Eve was created from Adam's rib. **[Man could not come from a single person, there had to be at least a male and female. But even if there was a couple, that would be too little – the DNA variety would be too small for the "tribe" to be viable; Also it implies that incest was permitted in the beginning.]**	O mankind, fear your Lord, who created you from one soul and created from it its mate and dispersed from both of them many men and women. And fear Allah, through whom you ask one another, and the wombs. Indeed Allah is ever, over you, an Observer.	4:1	ऐ लोगों! अपने रब का डर रखों, जिसने तुमको एक जीव से पैदा किया और उसी जाति का उसके लिए जोड़ा पैदा किया और उन दोनों से बहुत-से पुरुष और स्त्रियाँ फैला दी। अल्लाह का डर रखो, जिसका वास्ता देकर तुम एक-दूसरे के सामने माँगें रखते हो। और नाते-रिश्तों का भी तुम्हें ख़याल रखना हैं। निश्चय ही अल्लाह तुम्हारी निगरानी कर रहा हैं	हवा को आदम की पसली से बनाया गया। **[एक अकेले आदमी से मानव नहीं बन सकता था, कम से कम एक पुरुष और एक महिला होना ज़रूरी था। लेकिन यदि केवल एक जोड़ा होता, तो डीएनए की विविधता इतनी कम होती कि "कुल" के जीवित रहने की संभावना कम हो जाती; इसके अलावा, इसका मतलब यह भी है कि शुरुआत में विवाहेतर रिश्तों (इंसैस्ट) की अनुमति थी।]**

Waatoo alyatama amwalahum wala tatabaddaloo alkhabeetha bialttayyibi wala takuloo amwalahum ila amwalikum innahu kana hooban kabeeran	This was revealed about a man from Ghatafan who had in his possession an abundant fortune which belonged to his orphaned nephew. When this orphan reached the age of puberty he claimed this fortune but his uncle refused to give it to him.	And give to the orphans their properties and do not substitute the defective [of your own] for the good [of theirs]. And do not consume their properties into your own. Indeed, that is ever a great sin.	4:2	और अनाथों को उनका माल दे दो और बुरी चीज़ को अच्छी चीज़ से न बदलो, और न उनके माल को अपने माल के साथ मिलाकर खा जाओ। यह बहुत बड़ा गुनाह हैं	यह आयत ग़टाफ़ान के एक व्यक्ति के बारे में प्रकट हुई, जिसके पास अपने अनाथ भतीजे की काफी दौलत थी। जब यह अनाथ किशोर अवस्था तक पहुँचा, तो उसने इस दौलत का दावा किया, लेकिन उसके चाचा ने उसे देने से इंकार कर दिया।
Wain khiftum alla tuqsitoo fee alyatama fainkihoo ma taba lakum mina alnnisai mathna wathulatha warubaAAa fain khiftum alla taAAdiloo fawahidatan aw ma malakat aymanukum thalika adna alla taAAooloo	People used to be wary of the wealth of orphans but took liberty with women and married whoever they liked. And sometimes they were fair to them and sometimes they were not. Then this verse was revealed, which says, marry only as many as you can fulfil their rights. **[Here word "other" added before women is not in arabic text; This verse also justifies polygamy up to 4 wives; In addition one can have female slaves (4:24); Contradiction: Here Allah says that you can marry more than one if you can do justice but in 4:129 Allah say you can't do justice between**	And if you fear that you will not deal justly with the orphan girls, then marry those that please you of [other] women, two or three or four. But if you fear that you will not be just, then [marry only] one or those your right hand possesses. That is more suitable that you may not incline [to injustice].	4:3	और यदि तुम्हें आशंका हो कि तुम अनाथों (अनाथ लड़कियों) के प्रति न्याय न कर सकोगे तो उनमें से, जो तुम्हें पसन्द हों, दो-दो या तीन-तीन या चार-चार से विवाह कर लो। किन्तु यदि तुम्हें आशंका हो कि तुम उनके साथ एक जैसा व्यवहार न कर सकोंगे, तो फिर एक ही पर बस करो, या उस स्त्री (लौंड़ी) पर जो तुम्हारे क़ब्ज़े में आई हो, उसी पर बस करो। इसमें तुम्हारे न्याय से न हटने की अधिक सम्भावना है	लोग अनाथों की दौलत को लेकर सतर्क रहते थे, लेकिन महिलाओं के साथ वे मनमानी करते और जिसे चाहा, उससे शादी कर लेते थे। कभी वे उनके प्रति न्यायपूर्ण थे और कभी नहीं। फिर यह आयत प्रकट हुई, जिसमें कहा गया: केवल उतनी महिलाओं से शादी करें जिनके अधिकार आप पूरा कर सकते हैं। **[यह आयत अधिकतम 4 पत्नियों तक की बहुपत्नीता को भी वैध ठहराती है; इसके अलावा पुरुष लौंड़ी भी रख सकता है (4:24); विरोधाभास: यहाँ अल्लाह कहते हैं कि यदि आप न्याय कर सकते हैं तो एक से अधिक से शादी कर सकते हैं, लेकिन 4:129 में अल्लाह कहते हैं कि आप पत्नियों के बीच पूरी तरह न्याय नहीं कर सकते।]**

Waatoo alnnisaa saduqatihinna nihlatan fain tibna lakum AAan shayin minhu nafsan fakuloohu haneean mareean	The wife may choose to free the husband from this obligation of dowry (Mehr). The system of dowry is not the gift from bridal side, but it is the money which is promised by husband to be given to wife.	And give the women [upon marriage] their [bridal] gifts graciously. But if they give up willingly to you anything of it, then take it in satisfaction and ease.	4:4	और स्त्रियों को उनके मह्र ख़ुशी से अदा करो। हाँ, यदि वे अपनी ख़ुशी से उसमें से तुम्हारे लिए छोड़ दे तो उसे तुम अच्छा और पाक समझकर खाओ	पत्नी चाहे तो मेहर (दहेज) की इस बाध्यता से पति को मुक्त कर सकती है। मेहर की व्यवस्था में दहेज का अर्थ लड़की वालों की ओर से दिया जाने वाला उपहार नहीं होता, बल्कि यह वह धनराशि होती है जिसे पति अपनी पत्नी को देने का वादा करता है।
Wala tutoo alssufahaa amwalakumu allatee jaAAala Allahu lakum qiyaman waorzuqoohum feeha waoksoohum waqooloo lahum qawlan maAAroofan	x	And do not give the weak-minded your property, which Allah has made a means of sustenance for you, but provide for them with it and clothe them and speak to them words of appropriate kindness.	4:5	और अपने माल, जिसे अल्लाह ने तुम्हारे लिए जीवन-यापन का साधन बनाया है, बेसमझ लोगों को न दो। उन्हें उसमें से खिलाते और पहनाते रहो और उनसे भली बात कहो	x

Waibtaloo alyatama hatta itha balaghoo alnnikaha fain anastum minhum rushdan faidfaAAoo ilayhim amwalahum wala takulooha israfan wabidaran an yakbaroo waman kana ghaniyyan falyastaAAfif waman kana faqeeran falyakul bialmaAAroofi faitha dafaAAtum ilayhim amwalahum faashhidoo AAalayhim wakafa biAllahi haseeban	A person asked: The son of my brother is an orphan under my care, what is lawful for me from his wealth? And when should I give him back his wealth?" And this verse was revealed.	And test the orphans [in their abilities] until they reach marriageable age. Then if you perceive in them sound judgement, release their property to them. And do not consume it excessively and quickly, [anticipating] that they will grow up. And whoever, [when acting as guardian], is self-sufficient should refrain [from taking a fee]; and whoever is poor - let him take according to what is acceptable. Then when you release their property to them, bring witnesses upon them. And sufficient is Allah as Accountant.	4:6	और अनाथों को जाँचते रहो, यहाँ तक कि जब वे विवाह की अवस्था को पहुँच जाएँ, तो फिर यदि तुम देखो कि उनमें सूझ-बूझ आ गई है, तो उनके माल उन्हें सौंप दो, और इस भय से कि कहीं वे बड़े न हो जाएँ तुम उनके माल अनुचित रूप से उड़ाकर और जल्दी करके न खाओ। और जो धनवान हो, उसे तो (इस माल से) से बचना ही चाहिए। हाँ, जो निर्धन हो, वह उचित रीति से कुछ खा सकता है। फिर जब उनके माल उन्हें सौंपने लगो, तो उनकी मौजूदगी में गवाह बना लो। हिसाब लेने के लिए अल्लाह काफ़ी है	एक व्यक्ति ने पूछा: "मेरे भाई का बेटा एक अनाथ है और मेरी देख-रेख में है। उसके धन में से मेरे लिए क्या लेना वैध है? और मुझे उसका धन उसे कब वापस करना चाहिए?" तब इस बारे में यह आयत प्रकट हुई।

Lilrrijali naseebun mimma taraka alwalidani waalaqraboona walilnnisai naseebun mimma taraka alwalidani waalaqraboona mimma qalla minhu aw kathura naseeban mafroodan	In the pre-Islamic period women and children (of any gender) did not inherit anything but only older man did. They used to say: 'Only those who fight riding horses and capture booty are entitled to inherit. An Ansari man has died and survived by a wife and three daughters. Two men, who were his cousins tool all his wealth. His wife went to Messenger (pbuh) to seek justice. Then this verse was revealed.	For men is a share of what the parents and close relatives leave, and for women is a share of what the parents and close relatives leave, be it little or much - an obligatory share.	4:7	पुरुषों का उस माल में एक हिस्सा है जो माँ-बाप और नातेदारों ने छोड़ा हो; और स्त्रियों का भी उस माल में एक हिस्सा है जो माल माँ-बाप और नातेदारों ने छोड़ा हो - चाह वह थोड़ा हो या अधिक हो - यह हिस्सा निश्चित किया हुआ है	इस्लाम से पहले के दौर में महिलाओं और बच्चों (चाहे किसी भी लिंग के हों) को विरासत में कुछ नहीं मिलता था, बल्कि केवल बड़े पुरुष ही वारिस बनते थे। वे कहा करते थे: "विरासत का हक़ केवल उन्हीं को है जो घोड़े पर सवार होकर लड़ाई करते हैं और युद्ध की लूट हासिल करते हैं।" एक अंसारी व्यक्ति की मृत्यु हो गई और उसके पीछे एक पत्नी और तीन बेटियाँ रह गईं। उसके दो चचेरे भाइयों ने उसकी सारी संपत्ति ले ली। तब उसकी पत्नी न्याय की तलाश में पैग़म्बर मुहम्मद (स.) के पास गई। इसके बाद यह आयत प्रकट हुई।
Waitha hadara alqismata oloo alqurba waalyatama waalmasakeenu faorzuqoohum minhu waqooloo lahum qawlan maAAroofan	**[However, this ruling is vague.]**	And when [other] relatives and orphans and the needy are present at the [time of] division, then provide for them [something] out of the estate and speak to them words of appropriate kindness.	4:8	और जब बाँटने के समय नातेदार और अनाथ और मुहताज उपस्थित हो तो उन्हें भी उसमें से (उनका हिस्सा) दे दो और उनसे भली बात करो	**[हालाँकि, यह आदेश अस्पष्ट है।]**

Walyakhsha allatheena law tarakoo min khalfihim thurriyyatan diAAafan khafoo AAalayhim falyattaqoo Allaha walyaqooloo qawlan	x	And let those [executors and guardians] fear [injustice] as if they [themselves] had left weak offspring behind and feared for them. So let them fear Allah and speak words of appropriate justice.	4:9	और लोगों को डरना चाहिए कि यदि वे स्वयं अपने पीछे अपने निर्बल बच्चे छोड़ते तो उन्हें उन बच्चों के विषय में कितना भय होता। तो फिर उन्हें अल्लाह से डरना चाहिए और ठीक सीधी बात कहनी चाहिए	x
Inna allatheena yakuloona amwala alyatama thulman innama yakuloona fee butoonihim naran wasayaslawna saAAeeran	This verse was revealed about a man, who had devoured the fortune of his young, orphaned nephew who was under his charge	Indeed, those who devour the property of orphans unjustly are only consuming into their bellies fire. And they will be burned in a Blaze.	4:10	जो लोग अनाथों के माल अन्याय के साथ खाते है, वास्तव में वे अपने पेट आग से भरते है, और वे अवश्य भड़कती हुई आग में पड़ेगे	यह आयत एक ऐसे व्यक्ति के बारे में प्रकट हुई थी, जिसने अपने संरक्षण में रह रहे अपने कम उम्र के अनाथ भतीजे की संपत्ति हड़प ली थी।

Yooseekumu Allahu fee awladikum lilththakari mithlu haththi alonthayayni fain kunna nisaan fawqa ithnatayni falahunna thulutha ma taraka wain kanat wahidatan falaha alnnisfu waliabawayhi likulli wahidin minhuma alssudusu mimma taraka in kana lahu waladun fain lam yakun lahu waladun wawarithahu abawahu faliommihi alththuluthu fain kana lahu ikhwatun faliommihi alssudusu min baAAdi wasiyyatin yoosee biha aw daynin abaokum waabnaokum la	The Messenger of Allah (pbuh) and Abu Bakr came to visit Jabir at Banu Salamah when he was sick. He found him unconscious. He asked for some water, performed minor ritual ablution and then sprinkled some of the water on him and Jabir woke up. He said: 'O Messenger of Allah! What shall I do with my wealth?' And so this verse was revealed. **[This verse contains a linguistic error. In Arabic it says that if there are more than two daughters, they should get two thirds of the estate. However, the translators mention two or more daughters because the prophet divided the estate after the verse of inheritance and He gave two thirds to the two daughters (In Jami` at-Tirmidhi 2092). There is also a mathemetical problem**	Allah instructs you concerning your children: for the male, what is equal to the share of two females. But if there are [only] daughters, two or more, for them is two thirds of one's estate. And if there is only one, for her is half. And for one's parents, to each one of them is a sixth of his estate if he left children. But if he had no children and the parents [alone] inherit from him, then for his mother is one third. And if he had brothers [or sisters], for his mother is a sixth, after any bequest he [may have] made or debt. Your parents or your children - you know not which of them are nearest to you in benefit. [These shares are] an obligation [imposed] by	4:11	अल्लाह तुम्हारी सन्तान के विषय में तुम्हें आदेश देता है कि दो बेटियों के हिस्से के बराबर एक बेटे का हिस्सा होगा; और यदि दो से अधिक बेटियाँ ही हो तो उनका हिस्सा छोड़ी हुई सम्पत्ति का दो तिहाई है। और यदि वह अकेली हो तो उसके लिए आधा है। और यदि मरनेवाले की सन्तान हो जो उसके माँ-बाप में से प्रत्येक का उसके छोड़े हुए माल का छठा हिस्सा है। और यदि वह निस्संतान हो और उसके माँ-बाप ही उसके वारिस हों, तो उसकी माँ का हिस्सा तिहाई होगा। और यदि उसके भाई भी हो, तो उसका माँ का छठा हिस्सा होगा। ये हिस्से, वसीयत जो वह कर जाए पूरी करने या ऋण चुका देने के पश्चात है। तुम्हारे बाप भी है और तुम्हारे बेटे भी। तुम नहीं जानते कि उनमें से	अल्लाह के रसूल पैग़म्बर मुहम्मद (स.) और अबू बक्र बनू सलमा में जाबिर की बीमारी के समय उनसे मिलने आए। उन्होंने देखा कि जाबिर बेहोश थे। उन्होंने पानी मंगवाया, वुज़ू किया और उस पानी में से कुछ उन पर छिड़का, जिससे जाबिर को होश आ गया। जाबिर ने कहा: “ऐ अल्लाह के रसूल! मैं अपनी संपत्ति के बारे में क्या करूँ?” तब इस बारे में यह आयत प्रकट हुई। [इस आयत में एक भाषाई समस्या बताई जाती है। अरबी पाठ में कहा गया है कि यदि दो से अधिक बेटियाँ हों तो उन्हें संपत्ति का दो-तिहाई हिस्सा मिलेगा। लेकिन अनुवादक इसे “दो या अधिक बेटियाँ” बताते हैं, क्योंकि विरासत की आयत के बाद पैग़म्बर (स.) ने संपत्ति का बँटवारा करते समय दो बेटियों को ही दो-तिहाई हिस्सा दिया (जामिअ अत-तिर्मिज़ी 2092)। इसके अलावा एक गणितीय समस्या भी बताई जाती है, जिसमें हिस्सों का योग कुल संपत्ति से अधिक हो जाता है, जिसे अल-औल के सिद्धांत से हल किया जाता है।]

Walakum nisfu ma taraka azwajukum in lam yakun lahunna waladun fain kana lahunna waladun falakumu alrrubuAAu mimma tarakna min baAAdi wasiyyatin yooseena biha aw daynin walahunna alrrubuAAu mimma taraktum in lam yakun lakum waladun fain kana lakum waladun falahunna alththumunu mimma taraktum min baAAdi wasiyyatin toosoona biha aw daynin wain kana rajulun yoorathu kalalatan awi imraatun walahu akhun aw okhtun	There is confusion regarding the word "Kalala". Ibn Kathir asserts that the word means that “the person’s heirs come from other than the first degree of relative.” Others insisted that it meant “he who has no child and no parent.”	And for you is half of what your wives leave if they have no child. But if they have a child, for you is one fourth of what they leave, after any bequest they [may have] made or debt. And for the wives is one fourth if you leave no child. But if you leave a child, then for them is an eighth of what you leave, after any bequest you [may have] made or debt. And if a man or woman leaves neither ascendants nor descendants but has a brother or a sister, then for each one of them is a sixth. But if they are more than two, they share a third, after any bequest which was made or debt, as long as there is no detriment [caused]. [This is] an ordinance from Allah, and	4:12	और तुम्हारी पत्नि यों ने जो कुछ छोड़ा हो, उसमें तुम्हारा आधा है, यदि उनकी सन्तान न हो। लेकिन यदि उनकी सन्तान हो तो वे छोड़े, उसमें तुम्हारा चौथाई होगा, इसके पश्चात कि जो वसीयत वे कर जाएँ वह पूरी कर दी जाए, या जो ऋण (उनपर) हो वह चुका दिया जाए। और जो कुछ तुम छोड़ जाओ, उसमें उनका (पत्नियों का) चौथाई हिस्सा होगा, यदि तुम्हारी कोई सन्तान न हो। लेकिन यदि तुम्हारी सन्तान है, तो जो कुछ तुम छोड़ोगे, उसमें से उनका (पत्नियों का) आठवाँ हिस्सा होगा, इसके पश्चात कि जो वसीयत तुमने की हो वह पूरी कर दी जाए, या जो ऋण हो उसे चुका दिया जाए, और यदि किसी पुरुष या स्त्री के न तो कोई सन्तान हो और न उसके माँ-बाप ही जीवित हो और	“कलाला” शब्द के अर्थ को लेकर कुछ भ्रम है। इब्न कसीर के अनुसार इसका अर्थ यह है कि उस व्यक्ति के वारिस प्रथम दर्जे के रिश्तेदारों के अलावा अन्य रिश्तेदारों में से हों। दूसरों का कहना है कि इसका अर्थ है ऐसा व्यक्ति जिसके न तो कोई संतान हो और न ही माता-पिता।

Tilka hudoodu Allahi waman yutiAAi Allaha warasoolahu yudkhilhu jannatin tajree min tahtiha alanharu khalideena feeha wathalika alfawzu alAAatheemu	x	These are the limits [set by] Allah, and whoever obeys Allah and His Messenger will be admitted by Him to gardens [in Paradise] under which rivers flow, abiding eternally therein; and that is the great attainment.	4:13	ये अल्लाह की निश्चित की हुई सीमाएँ है। जो कोई अल्लाह और उसके रसूल के आदेशों का पालन करेगा, उसे अल्लाह ऐसे बाग़ों में दाख़िल करेगा जिनके नीचे नहरें बह रही होंगी। उनमें वह सदैव रहेगा और यही बड़ी सफलता है	x
Waman yaAAsi Allaha warasoolahu wayataAAadda hudoodahu yudkhilhu naran khalidan feeha walahu AAathabun muheenun	x	And whoever disobeys Allah and His Messenger and transgresses His limits - He will put him into the Fire to abide eternally therein, and he will have a humiliating punishment.	4:14	परन्तु जो अल्लाह और उसके रसूल की अवज्ञा करेगा और उसकी सीमाओं का उल्लंघन करेगा उसे अल्लाह आग में डालेगा, जिसमें वह सदैव रहेगा। और उसके लिए अपमानजनक यातना है	x

Waallatee yateena alfahishata min nisaikum faistashhidoo AAalayhinna arbaAAatan minkum fain shahidoo faamsikoohunna fee albuyooti hatta yatawaffahunna almawtu aw yajAAala Allahu lahunna sabeelan	Allah prescribes home imprisonment until death for women found guilty of "lewdness," or adultery on the testimony of four witnesses. According to Islamic law, these four witnesses must be male Muslims; women's testimony is inadmissible in cases of a sexual nature, even in rape cases in which she is the victim. **[This aayat was abrogated by ruling of flogging (24:2) or stoning to death. Also, there is no corresponding ruling for men.]**	Those who commit unlawful sexual intercourse of your women - bring against them four [witnesses] from among you. And if they testify, confine the guilty women to houses until death takes them or Allah ordains for them [another] way.	4:15	और तुम्हारी स्त्रियों में से जो व्यभिचार कर बैठे, उनपर अपने में से चार आदमियों की गवाही लो, फिर यदि वे गवाही दे दें तो उन्हें घरों में बन्द रखो, यहाँ तक कि उनकी मृत्यु आ जाए या अल्लाह उनके लिए कोई रास्ता निकाल दे	अल्लाह उन महिलाओं के लिए, जो "अश्लीलता" या व्यभिचार की दोषी पाई जाएँ, चार गवाहों की गवाही पर उनके लिए मृत्यु तक घर में कैद रहने का आदेश देता है। इस्लामी क़ानून के अनुसार ये चारों गवाह मुस्लिम पुरुष होने चाहिए; यौन मामलों में महिलाओं की गवाही स्वीकार नहीं की जाती, यहाँ तक कि बलात्कार के मामलों में भी, जहाँ वह स्वयं पीड़िता हो। [**इस आयत को बाद में रद्द कर दिया गया और इसकी जगह कोड़ों की सज़ा (24:2) या पत्थर मारकर मृत्यु-दंड का नियम बताया गया। साथ ही, पुरुषों के लिए ऐसा कोई समान नियम उल्लेखित नहीं है।**]
Waallathani yatiyaniha minkum faathoohuma fain taba waaslaha faaAAridoo AAanhuma inna Allaha kana tawwaban raheeman	Tafsir al-Jalalayn says that this verse refers to men who commit "fornication or sodomy." They are to be punished "by cursing them and beating them with sandals; but if they repent and reform their behaviour, leave them alone and do not harm them." **[This verse was abrogated by the hadd punishment for fornication, 24:2.]**	And the two who commit it among you, dishonor them both. But if they repent and correct themselves, leave them alone. Indeed, Allah is ever Accepting of repentance and Merciful.	4:16	और तुममें से जो दो पुरुष यह कर्म करें, उन्हें प्रताड़ित करो, फिर यदि वे तौबा कर ले और अपने आपको सुधार लें, तो उन्हें छोड़ दो। अल्लाह तौबा क़बूल करनेवाला, दयावान है	तफ़सीर अल-जलालैन के अनुसार यह आयत उन पुरुषों के बारे में है जो "व्यभिचार (शादी से पहले) या समलैंगिक कृत्य" करते हैं। उन्हें डाँटने, उन पर लानत भेजने और जूतों से मारने की सज़ा दी जानी चाहिए; लेकिन यदि वे तौबा कर लें और अपना व्यवहार सुधार लें, तो उन्हें छोड़ दिया जाए और उन्हें कोई हानि न पहुँचाई जाए। [बाद में इस आयत को रद्द कर दिया गया और इसकी जगह व्यभिचार के लिए हद की सज़ा, क़ुरआन 24:2, लागू की गई।]

Innama alttawbatu AAala Allahi lillatheena yaAAmaloona alssooa bijahalatin thumma yatooboona min qareebin faolaika yatoobu Allahu AAalayhim wakana Allahu AAaleeman	x	The repentance accepted by Allah is only for those who do wrong in ignorance [or carelessness] and then repent soon after. It is those to whom Allah will turn in forgiveness, and Allah is ever Knowing and Wise.	4:17	उन्ही लोगों की तौबा क़बूल करना अल्लाह के ज़िम्मे है जो भावनाओं में बह कर नादानी से कोई बुराई कर बैठे, फिर जल्द ही तौबा कर लें, ऐसे ही लोग है जिनकी तौबा अल्लाह क़बूल करता है। अल्लाह सब कुछ जाननेवाला, तत्वदर्शी है	x
Walaysati alttawbatu lillatheena yaAAmaloona alssayyiati hatta itha hadara ahadahumu almawtu qala innee tubtu alana wala allatheena yamootoona wahum kuffarun olaika aAAtadna lahum	x	But repentance is not [accepted] of those who [continue to] do evil deeds up until, when death comes to one of them, he says, "Indeed, I have repented now," or of those who die while they are disbelievers. For them We have prepared a painful punishment.	4:18	और ऐसे लोगों की तौबा नहीं जो बुरे काम किए चले जाते है, यहाँ तक कि जब उनमें से किसी की मृत्यु का समय आ जाता है तो कहने लगता है, "अब मैं तौबा करता हूँ।" और इसी प्रकार तौबा उनकी भी नहीं है, जो मरते दम तक इनकार करनेवाले ही रहे। ऐसे लोगों के लिए हमने दुखद यातना तैयार कर रखी है	x

Ya ayyuha allatheena amanoo la yahillu lakum an tarithoo alnnisaa karhan wala taAAduloohunna litathhaboo bibaAAdi ma ataytumoohunna illa an yateena bifahishatin mubayyinatin waAAashiroohunna bialmaAAroofi fain karihtumoohunna faAAasa an takrahoo shayan	It was the custom that, when a man died, his heirs had a better right to his wife, if one of them wished he would marry her, if not they married her off to somebody else or, alternately, left her unmarried, for they had a better right to her than her own family. This verse was revealed about this issue.	O you who have believed, it is not lawful for you to inherit women by compulsion. And do not make difficulties for them in order to take [back] part of what you gave them unless they commit a clear immorality. And live with them in kindness. For if you dislike them - perhaps you dislike a thing and Allah makes therein much good.	4:19	ऐ ईमान लानेवालो! तुम्हारे लिए वैध नहीं कि स्त्रियों के माल के ज़बरदस्ती वारिस बन बैठो, और न यह वैध है कि उन्हें इसलिए रोको और तंग करो कि जो कुछ तुमने उन्हें दिया है, उसमें से कुछ ले उड़ो। परन्तु यदि वे खुले रूप में अशिष्ट कर्म कर बैठे तो दूसरी बात है। और उनके साथ भले तरीक़े से रहो-सहो। फिर यदि वे तुम्हें पसन्द न हों, तो सम्भव है कि एक चीज़ तुम्हें पसन्द न हो और अल्लाह उसमें बहुत कुछ भलाई रख दे	यह प्रथा थी कि जब किसी पुरुष की मृत्यु हो जाती थी, तो उसके वारिसों का उसकी पत्नी पर अधिक अधिकार समझा जाता था। यदि उनमें से कोई चाहता, तो वह उससे विवाह कर लेता; और यदि नहीं चाहता, तो उसे किसी और से विवाह करा देते या फिर उसे अविवाहित ही रहने देते थे, क्योंकि वे उसके अपने परिवार से भी अधिक उस पर अधिकार समझते थे। इसी मुद्दे के बारे में यह आयत प्रकट हुई।
Wain aradtumu istibdala zawjin makana zawjin waataytum ihdahunna qintaran fala takhuthoo minhu shayan atakhuthoonahu buhtanan waithman mubeenan	When one of you wants to divorce a wife and marry another one, he must not take any portion of the dowry he gave to the first wife.	But if you want to replace one wife with another and you have given one of them a great amount [in gifts], do not take [back] from it anything. Would you take it in injustice and manifest sin?	4:20	और यदि तुम एक पत्नी की जगह दूसरी पत्नी लाना चाहो तो, चाहे तुमने उनमें किसी को ढेरों माल दे दिया हो, उसमें से कुछ मत लेना। क्या तुम उसपर झूठा आरोप लगाकर और खुले रूप में हक़ मारकर उसे लोगे?	जब तुममें से कोई अपनी पत्नी को तलाक देकर दूसरी से विवाह करना चाहे, तो उसे पहली पत्नी को दिए गए मेहर (दहेज) में से कोई भी हिस्सा वापस नहीं लेना चाहिए।

Wakayfa takhuthoonahu waqad afda baAAdukum ila baAAdin waakhathna minkum meethaqan	Means, one can not take back the dowry from the woman with whom he had sexual relations.	And how could you take it while you have gone in unto each other and they have taken from you a solemn covenant?	4:21	और तुम उसे किस तरह ले सकते हो, जबकि तुम एक-दूसरे से मिल चुके हो और वे तुमसे दृढ़ प्रतिज्ञा भी ले चुकी है?	अर्थ: जिस स्त्री के साथ पति ने वैवाहिक संबंध (यौन संबंध) स्थापित कर लिए हों, उससे दिया हुआ मेहर (दहेज) वापस नहीं लिया जा सकता।
Wala tankihoo ma nakaha abaokum mina alnnisai illa ma qad salafa innahu kana fahishatan wamaqtan wasaa sabeelan	When a Muslim of Medina died, his son proposed to one of the wives of his father (stepmother). She said to him: ‘But I consider you like my son. I will consult the Messenger (pbuh) to see what he commands. Then this verse was revealed.	And do not marry those [women] whom your fathers married, except what has already occurred. Indeed, it was an immorality and hateful [to Allah] and was evil as a way.	4:22	और उन स्त्रियों से विवाह न करो, जिनसे तुम्हारे बाप विवाह कर चुके हों, परन्तु जो पहले हो चुका सो हो चुका। निस्संदेह यह एक अश्लील और अत्यन्त अप्रिय कर्म है, और बुरी रीति है	जब मदीना के एक मुसलमान की मृत्यु हो गई, तो उसके बेटे ने अपने पिता की पत्नियों में से एक (सौतेली माँ) से विवाह का प्रस्ताव रखा। उसने उससे कहा: मैं तुम्हें अपने बेटे की तरह समझती हूँ। मैं इस बारे में अल्लाह के रसूल पैग़म्बर मुहम्मद (स.) से सलाह करूँगी कि वे क्या आदेश देते हैं। तब इस विषय में यह आयत प्रकट हुई।

Hurrimat AAalaykum ommahatukum wabanatukum waakhawatukum waAAammatukum wakhalatukum wabanatu alakhi wabanatu alokhti waommahatukumu allatee ardaAAnakum waakhawatukum mina alrradaAAati waommahatu nisaikum warabaibukumu allatee fee hujoorikum min nisaikumu allatee dakhaltum bihinna fain lam takoonoo dakhaltum bihinna fala junaha AAalaykum wahalailu	The Stepdaughter is prohibited in marriage even if she was not under the guardianship of her stepfather; "milk mothers" means lady who suckled the person.	Prohibited to you [for marriage] are your mothers, your daughters, your sisters, your father's sisters, your mother's sisters, your brother's daughters, your sister's daughters, your [milk] mothers who nursed you, your sisters through nursing, your wives' mothers, and your step-daughters under your guardianship [born] of your wives unto whom you have gone in. But if you have not gone in unto them, there is no sin upon you. And [also prohibited are] the wives of your sons who are from your [own] loins, and that you take [in marriage] two sisters simultaneously, except for what has already occurred. Indeed, Allah is ever	4:23	तुम्हारे लिए हराम है तुम्हारी माएँ, बेटियाँ, बहनें, फूफियाँ, मौसियाँ, भतीतियाँ, भाँजिया, और तुम्हारी वे माएँ जिन्होंने तुम्हें दूध पिलाया हो और दूध के रिश्ते से तुम्हारी बहनें और तुम्हारी सासें और तुम्हारी पत्नियों की बेटियाँ जिनसे तुम सम्भोग कर चुक हो। परन्तु यदि सम्भोग नहीं किया है तो इसमें तुमपर कोई गुनाह नहीं - और तुम्हारे उन बेटों की पत्नियाँ जो तुमसे पैदा हों और यह भी कि तुम दो बहनों को इकट्ठा करो; जो पहले जो हो चुका सो हो चुका। निश्चय ही अल्लाह अत्यन्त क्षमाशील, दयावान है	सौतेली बेटी से विवाह निषिद्ध है, चाहे वह अपने सौतेले पिता के संरक्षण में पली-बढ़ी हो या नहीं।

Waalmuhsanatu mina alnnisai illa ma malakat aymanukum kitaba Allahi AAalaykum waohilla lakum ma waraa thalikum an tabtaghoo biamwalikum muhsineena ghayra musafiheena fama istamtaAAtum bihi minhunna faatoohunna ojoorahunna fareedatan wala junaha AAalaykum feema taradaytum bihi min baAAdi alfareedati inna Allaha kana AAaleeman hakeeman	A group of muslims captured female prisoners of war on the day of Awtas and because they were already married, they disliked having any physical relationship with them. Then this verse came. **[Permission of sex with female slaves / captives include married slaves / captives. Pleasure marriage (mutah) is a practice of entering into a marriage with a time limit. Sunnis acknowledge that prophet initially allowed this but contend that he forbade it later. Shiites, however, maintain that the caliph Umar abolished the practice. See Sahih Bukhari 2229, 4350, Sahih Muslim 3544, 3608, Abi Dawud 2155; Mutah or Temporary marriage, See Sahih Bukhari 4615, 5075]**	And [also prohibited to you are all] married women except those your right hands possess. [This is] the decree of Allah upon you. And lawful to you are [all others] beyond these, [provided] that you seek them [in marriage] with [gifts from] your property, desiring chastity, not unlawful sexual intercourse. So for whatever you enjoy [of marriage] from them, give them their due compensation as an obligation. And there is no blame upon you for what you mutually agree to beyond the obligation. Indeed, Allah is ever Knowing and Wise.	4:24	और विवाहित स्त्रियाँ भी वर्जित है, सिवाय उनके जो तुम्हारी लौंडी हों। यह अल्लाह ने तुम्हारे लिए अनिवार्य कर दिया है। इनके अतिरिक्त शेष स्त्रियाँ तुम्हारे लिए वैध है कि तुम अपने माल के द्वारा उन्हें प्राप्त करो उनकी पाकदामनी की सुरक्षा के लिए, न कि यह काम स्वच्छन्द काम-तृप्ति के लिए हो। फिर उनसे दाम्पत्य जीवन का आनन्द लो तो उसके बदले उनका निश्चित किया हुए हक़ (महि) अदा करो और यदि हक़ निश्चित हो जाने के पश्चात तुम आपम में अपनी प्रसन्नता से कोई समझौता कर लो, तो इसमें तुम्हारे लिए कोई दोष नहीं। निस्संदेह अल्लाह सब कुछ जाननेवाला, तत्वदर्शी है	औतास के दिन मुसलमानों के एक समूह ने युद्ध में कुछ महिला बंदियों को क़ैद किया। चूँकि वे पहले से विवाहित थीं, इसलिए मुसलमान उनके साथ शारीरिक संबंध बनाने से हिचकिचा रहे थे। तब इस बारे में यह आयत प्रकट हुई। **[इस आयत के अनुसार महिला दासियों/युद्ध बंदियों के साथ संबंध की अनुमति बताई गई है, जिसमें विवाहित बंदियाँ भी शामिल मानी गईं। मुतअ या अस्थायी विवाह का अर्थ है निश्चित समय के लिए विवाह करना। सुन्नी मानते हैं कि पैग़म्बर मुहम्मद (स.) ने प्रारम्भ में इसकी अनुमति दी थी, लेकिन बाद में इसे मना कर दिया। जबकि शिया मत के अनुसार खलीफ़ा उमर ने इस प्रथा को समाप्त किया। देखें: सहीह बुख़ारी 2229, 4350; सहीह मुस्लिम 3544, 3608; सुन्नन अबू दाऊद 2155; मुतअ (अस्थायी विवाह) — देखें: सहीह बुख़ारी 4615, 5075।]**

Waman lam yastatiAA minkum tawlan an yankiha almuhsanati almuminati famin ma malakat aymanukum min fatayatikumu almuminati waAllahu aAAlamu bieemanikum baAAdukum min baAAdin fainkihoohunna biithni ahlihinna waatoohunna ojoorahunna bialmaAAroofi muhsanatin ghayra masafihatin wala muttakhithati akhdanin faitha ohsinna fain atayna bifahishatin faAAalayhinna nisfu ma AAala	The word "unmarried" before women is not in Pickthall's translation. The Slave Girl's Punishment for Adultery is Half that of a Free Woman .	And whoever among you cannot [find] the means to marry free, believing women, then [he may marry] from those whom your right hands possess of believing slave girls. And Allah is most knowing about your faith. You [believers] are of one another. So marry them with the permission of their people and give them their due compensation according to what is acceptable. [They should be] chaste, neither [of] those who commit unlawful intercourse randomly nor those who take [secret] lovers. But once they are sheltered in marriage, if they should commit adultery, then for them is half the punishment for free	4:25	और तुममें से जिस किसी की इतनी सामर्थ्य न हो कि पाकदामन, स्वतंत्र, ईमानवाली स्त्रियों से विवाह कर सके, तो तुम्हारी वे ईमानवाली जवान लौडियाँ ही सही जो तुम्हारे क़ब्ज़े में हो। और अल्लाह तुम्हारे ईमान को भली-भाँति जानता है। तुम सब आपस में एक ही हो, तो उनके मालिकों की अनुमति से तुम उनसे विवाह कर लो और सामान्य नियम के अनुसार उन्हें उनका हक़ भी दो। वे पाकदामनी की सुरक्षा करनेवाली हों, स्वच्छन्द काम-तृप्ति न करनेवाली हों और न वे चोरी-छिपे ग़ैरो से प्रेम करनेवाली हों। फिर जब वे विवाहिता बना ली जाएँ और उसके पश्चात कोई अश्लील कर्म कर बैठें, तो जो दंड सम्मानित स्त्रियों के लिए है, उसका आधा उनके लिए होगा। यह तुममें से	व्यभिचार के लिए लौंडी (ग़ुलाम लड़की) की सज़ा, स्वतंत्र स्त्री की सज़ा की आधी होती है।

Yureedu Allahu liyubayyina lakum wayahdiyakum sunana allatheena min qablikum wayatooba AAalaykum waAllahu AAaleemun	x	Allah wants to make clear to you [the lawful from the unlawful] and guide you to the [good] practices of those before you and to accept your repentance. And Allah is Knowing and Wise.	4:26	अल्लाह चाहता है कि तुमपर स्पष्ट कर दे और तुम्हें उन लोगों के तरीक़ों पर चलाए, जो तुमसे पहले हुए है और तुमपर दयादृष्टि करे। अल्लाह तो सब कुछ जाननेवाला, तत्वदर्शी है	x
WaAllahu yureedu an yatooba AAalaykum wayureedu allatheena yattabiAAoona alshshahawati an	x	Allah wants to accept your repentance, but those who follow [their] passions want you to digress [into] a great deviation.	4:27	और अल्लाह चाहता है कि जो तुमपर दयादृष्टि करे, किन्तु जो लोग अपनी तुच्छ इच्छाओं का पालन करते है, वे चाहते है कि तुम राह से हटकर बहुत दूर जा पड़ो	x
Yureedu Allahu an yukhaffifa AAankum wakhuliqa alinsanu	**[However, still Muslims are expected to offer 5 daily prayers, join Jihad.]**	And Allah wants to lighten for you [your difficulties]; and mankind was created weak.	4:28	अल्लाह चाहता है कि तुमपर से बोझ हलका कर दे, क्योंकि इनसान निर्बल पैदा किया गया है	**[हालाँकि, फिर भी मुसलमानों से अपेक्षा की जाती है कि वे रोज़ पाँच वक्त की नमाज़ अदा करें और जिहाद में भाग लें।]**
Ya ayyuha allatheena amanoo la takuloo amwalakum baynakum bialbatili illa an takoona tijaratan AAan taradin minkum wala taqtuloo anfusakum inna	Alllah prohibits illegally acquiring each other's property using various dishonest methods. After this verse, another verse was revealed for some clarification 24:61.	O you who have believed, do not consume one another's wealth unjustly but only [in lawful] business by mutual consent. And do not kill yourselves [or one another]. Indeed, Allah is to you ever Merciful.	4:29	ऐ ईमान लानेवालो! आपस में एक-दूसरे के माल ग़लत तरीक़े से न खाओ - यह और बात है कि तुम्हारी आपस में रज़ामन्दी से कोई सौदा हो - और न अपनों की हत्या करो। निस्संदेह अल्लाह तुमपर बहुत दयावान है	अल्लाह विभिन्न बेईमानी के तरीकों से एक-दूसरे की संपत्ति को अवैध रूप से हासिल करने से मना करता है। इसके बाद इस विषय में कुछ स्पष्टीकरण के लिए एक और आयत (24:61) प्रकट हुई।

Waman yafAAal thalika AAudwanan wathulman fasawfa nusleehi naran wakana thalika AAala Allahi	x	And whoever does that in aggression and injustice - then We will drive him into a Fire. And that, for Allah, is [always] easy.	4:30	और जो कोई ज़ुल्म और ज़्यादती से ऐसा करेगा, तो उसे हम जल्द ही आग में झोंक देंगे, और यह अल्लाह के लिए सरल है	x
In tajtaniboo kabaira ma tunhawna AAanhu nukaffir AAankum sayyiatikum wanudkhilkum mudkhalan kareeman	Minor sins will be pardoned if one refrains from major sins.	If you avoid the major sins which you are forbidden, We will remove from you your lesser sins and admit you to a noble entrance [into Paradise].	4:31	यदि तुम उन बड़े गुनाहों से बचते रहो, जिनसे तुम्हे रोका जा रहा है, तो हम तुम्हारी बुराइयों को तुमसे दूर कर देंगे और तुम्हें प्रतिष्ठित स्थान में प्रवेश कराएँगे	यदि कोई व्यक्ति बड़े पापों से बचता है, तो उसके छोटे पाप क्षमा कर दिए जाएँगे।
Wala tatamannaw ma faddala Allahu bihi baAAdakum AAala baAAdin lilrrijali naseebun mimma iktasaboo walilnnisai naseebun mimma iktasabna waisaloo Allaha min fadlihi inna Allaha kana bikulli shayin	Umm Salamah asked: O Messenger of Allah! how the men go out in military conquests and we do not; and how come we have half of the inheritance. Then this verse came.	And do not wish for that by which Allah has made some of you exceed others. For men is a share of what they have earned, and for women is a share of what they have earned. And ask Allah of his bounty. Indeed Allah is ever, of all things, Knowing.	4:32	और उसकी कामना न करो जिसमें अल्लाह ने तुमसे किसी को किसी से उच्च रखा है। पुरुषों ने जो कुछ कमाया है, उसके अनुसार उनका हिस्सा है और स्त्रियों ने जो कुछ कमाया है, उसके अनुसार उनका हिस्सा है। अल्लाह से उसका उदार दान चाहो। निस्संदेह अल्लाह को हर चीज़ का ज्ञान है	उम्म सलमा ने पूछा: “ऐ अल्लाह के रसूल पैग़म्बर मुहम्मद (स.)! पुरुष सैन्य अभियानों (जिहाद) में जाते हैं और हम नहीं; और हमें विरासत में आधा हिस्सा क्यों मिलता है?” तब इस बारे में यह आयत प्रकट हुई।

Walikullin jaAAalna mawaliya mimma taraka alwalidani waalaqraboona waallatheena AAaqadat aymanukum faatoohum naseebahum inna Allaha kana AAala	Meaning, relatives (such as children) will later inherit what you inherited from your own parents and relatives. To those whom your oaths have bound mean oath of brotherhood e.g. Ansar oath with emigrants.	And for all, We have made heirs to what is left by parents and relatives. And to those whom your oaths have bound [to you] - give them their share. Indeed Allah is ever, over all things, a Witness.	4:33	और प्रत्येक माल के लिए, जो माँ-बाप और नातेदार छोड़ जाएँ, हमने वासिस ठहरा दिए है और जिन लोगों से अपनी क़समों के द्वारा तुम्हारा पक्का मामला हुआ हो, तो उन्हें भी उनका हिस्सा दो। निस्संदेह हर चीज़ अल्लाह के समक्ष है	अर्थ: जिन संपत्तियों को तुम अपने माता-पिता और रिश्तेदारों से विरासत में पाते हो, उन्हें बाद में तुम्हारे अपने रिश्तेदार (जैसे बच्चे) विरासत में प्राप्त करेंगे। "जिन लोगों से तुम्हारी क़समें बंधी हुई हैं" से तात्पर्य भाईचारे की क़सम से है, जैसे अंसार और मुहाजिरों के बीच किया गया भाईचारे का समझौता।

Alrrijalu qawwamoona AAala alnnisai bima faddala Allahu baAAdahum AAala baAAdin wabima anfaqoo min amwalihim faalssalihatu qanitatun hafithatun lilghaybi bima hafitha Allahu waallatee takhafoona nushoozahunna faAAithoohunna waohjuroohunna fee almadajiAAi waidriboohunna fain ataAAnakum fala tabghoo AAalayhinna sabeelan inna Allaha	It happened once an Ansar hit his wife on the face because she rebelled against him. Then her father went with her to see the Prophet, (pbuh). He said to him: 'I gave him my daughter in marriage and he slapped her'. The Prophet (pbuh) said: 'Let her have retaliation against her husband'. Then this verse was revealed and retaliation was then suspended. **[Many translators added words like "first", "next" and "last" so that beating your wife appears to be the last resort. In addition, some added the word "lightly" in brackets after "beating them", despite the fact that this word or connotation is not found in the source text; Men are incharge as they spend on**	Men are in charge of women by [right of] what Allah has given one over the other and what they spend [for maintenance] from their wealth. So righteous women are devoutly obedient, guarding in [the husband's] absence what Allah would have them guard. But those [wives] from whom you fear arrogance - [first] advise them; [then if they persist], forsake them in bed; and [finally], strike them. But if they obey you [once more], seek no means against them. Indeed, Allah is ever Exalted and Grand.	4:34	पति पत्नियों संरक्षक और निगराँ है, क्योंकि अल्लाह ने उनमें से कुछ को कुछ के मुक़ाबले में आगे रहा है, और इसलिए भी कि पतियों ने अपने माल ख़र्च किए है, तो नेक पत्नियाँ तो आज्ञापालन करनेवाली होती है और गुप्त बातों की रक्षा करती है, क्योंकि अल्लाह ने उनकी रक्षा की है। और जो पत्नियों ऐसी हो जिनकी सरकशी का तुम्हें भय हो, उन्हें समझाओ और बिस्तरों में उन्हें अकेली छोड़ दो और (अति आवश्यक हो तो) उन्हें मारो भी। फिर यदि वे तुम्हारी बात मानने लगे, तो उनके विरुद्ध कोई रास्ता न ढूढ़ो। अल्लाह सबसे उच्च, सबसे बड़ा है	एक बार ऐसा हुआ कि एक अंसारी ने अपनी पत्नी को चेहरे पर मार दिया क्योंकि वह उसके विरुद्ध हो गई थी। तब वह अपने पिता के साथ पैग़म्बर मुहम्मद (स.) के पास गई। उसके पिता ने कहा: "मैंने अपनी बेटी का विवाह इससे किया था और इसने उसे थप्पड़ मारा।" पैग़म्बर (स.) ने कहा: "उसे अपने पति से बदला (क़िसास) लेने दो।" फिर इस विषय में यह आयत प्रकट हुई और उसके बाद क़िसास (प्रतिशोध) को रोक दिया गया। [कई अनुवादकों ने "पहले", "फिर" और "अंत में" जैसे शब्द जोड़ दिए ताकि पत्नी को मारना अंतिम उपाय जैसा दिखाई दे। इसके अतिरिक्त, कुछ ने कोष्ठक में शब्द भी जोड़ दिया, जबकि मूल पाठ में यह शब्द या उसका संकेत नहीं मिलता। साथ ही यह भी कहा गया है कि पुरुष महिलाओं के प्रभारी हैं क्योंकि वे उन पर खर्च करते हैं।]

Wain khiftum shiqaqa baynihima faibAAathoo hakaman min ahlihi wahakaman min ahliha in yureeda islahan yuwaffiqi Allahu baynahuma inna Allaha kana AAaleeman khabeeran	Appointing two arbitrators when the possibility of estrangement between Husband and Wife occurs.	And if you fear dissension between the two, send an arbitrator from his people and an arbitrator from her people. If they both desire reconciliation, Allah will cause it between them. Indeed, Allah is ever Knowing and Acquainted [with all things].	4:35	और यदि तुम्हें पति-पत्नी के बीच बिगाड़ का भय हो, तो एक फ़ैसला करनेवाला पुरुष के लोगों में से और एक फ़ैसला करनेवाला स्त्री के लोगों में से नियुक्त करो, यदि वे दोनों सुधार करना चाहेंगे, तो अल्लाह उनके बीच अनुकूलता पैदा कर देगा। निस्संदेह, अल्लाह सब कुछ जाननेवाला, ख़बर रखनेवाला है	जब पति-पत्नी के बीच अलगाव (विवाद) की आशंका हो, तब दो पंच/मध्यस्थ नियुक्त करना।
WaoAAbudoo Allaha wala tushrikoo bihi shayan wabialwalidayni ihsanan wabithee alqurba waalyatama waalmasakeeni waaljari thee alqurba waaljari aljunubi waalssahibi bialjanbi waibni alssabeeli wama malakat aymanukum inna Allaha la yuhibbu man kana	**[Contradiction: Give good care to parents 2:83, 2:215, 4:36, 6:151, 17:23, 46:15, Disassociate with them if they reject Islam, 9:23, 58:22, 60:4]**	Worship Allah and associate nothing with Him, and to parents do good, and to relatives, orphans, the needy, the near neighbor, the neighbor farther away, the companion at your side, the traveler, and those whom your right hands possess. Indeed, Allah does not like those who are self-deluding and boastful.	4:36	अल्लाह की बन्दगी करो और उसके साथ किसी को साझी न बनाओ और अच्छा व्यवहार करो माँ-बाप के साथ, नातेदारों, अनाथों और मुहताजों के साथ, नातेदार पड़ोसियों के साथ और अपरिचित पड़ोसियों के साथ और साथ रहनेवाले व्यक्ति के साथ और मुसाफ़िर के साथ और उनके साथ भी जो तुम्हारे क़ब्ज़े में हों। अल्लाह ऐसे व्यक्ति को पसन्द नहीं करता, जो इतराता और डींगें मारता हो	**[विरोधाभास: माता-पिता के साथ अच्छा व्यवहार और उनकी देखभाल करो (2:83, 2:215, 4:36, 6:151, 17:23, 46:15); लेकिन यदि वे इस्लाम को अस्वीकार करें तो उनसे संबंध तोड़ लो (9:23, 58:22, 60:4)]**

Allatheena yabkhaloona wayamuroona alnnasa bialbukhli wayaktumoona ma atahumu Allahu min fadlihi waaAAtadna lilkafireena AAathaban	This was revealed about the Jews as they concealed the description of Muhammad (pbuh).	Who are stingy and enjoin upon [other] people stinginess and conceal what Allah has given them of His bounty - and We have prepared for the disbelievers a humiliating punishment -	4:37	वे जो स्वयं कंजूसी करते है और लोगों को भी कंजूसी पर उभारते है और अल्लाह ने अपने उदार दान से जो कुछ उन्हें दे रखा होता है, उसे छिपाते है, जो हमने अकृतज्ञ लोगों के लिए अपमानजनक यातना तैयार कर रखी है	यह आयत यहूदियों के बारे में प्रकट हुई थी, क्योंकि उन्होंने पैग़म्बर मुहम्मद (स.) के वर्णन को छिपा लिया था।
Waallatheena yunfiqoona amwalahum riaa alnnasi wala yuminoona biAllahi wala bialyawmi alakhiri waman yakuni alshshaytanu lahu qareenan fasaa qareenan	x	And [also] those who spend of their wealth to be seen by the people and believe not in Allah nor in the Last Day. And he to whom Satan is a companion - then evil is he as a companion.	4:38	वे जो अपने माल लोगों को दिखाने के लिए ख़र्च करते है, न अल्लाह पर ईमान रखते है, न अन्तिम दिन पर, और जिस किसी का साथी शैतान हुआ, तो वह बहुत ही बुरा साथी है	x
Wamatha AAalayhim law amanoo biAllahi waalyawmi alakhiri waanfaqoo mimma razaqahumu Allahu wakana Allahu	x	And what [harm would come] upon them if they believed in Allah and the Last Day and spent out of what Allah provided for them? And Allah is ever, about them, Knowing.	4:39	उनका बिगड़ जाता, यदि वे अल्लाह और अन्तिम दिन पर ईमान लाते और जो कुछ अल्लाह ने उन्हें दिया है, उसमें से ख़र्च करते है? अल्लाह उन्हें भली-भाँति जानता है	x

Inna Allaha la yathlimu mithqala tharratin wain taku hasanatan yudaAAifha wayuti min ladunhu ajran AAatheeman	Here the word use is "tharratin" means small particle (zarra), as people were not aware of atom in that era.	Indeed, Allah does not do injustice, [even] as much as an atom's weight; while if there is a good deed, He multiplies it and gives from Himself a great reward.	4:40	निस्संदेह अल्लाह रत्ती-भर भी ज़ुल्म नहीं करता और यदि कोई एक नेकी हो तो वह उसे कई गुना बढ़ा देगा और अपनी ओर से बड़ा बदला देगा	यहाँ प्रयुक्त शब्द “थर्रतिन” है, जिसका अर्थ छोटा कण (ज़र्रा, रत्ती) होता है।
Fakayfa itha jina min kulli ommatin bishaheedin wajina bika AAala haolai shaheedan	x	So how [will it be] when We bring from every nation a witness and we bring you, [O Muhammad] against these [people] as a witness?	4:41	फिर क्या हाल होगा जब हम प्रत्येक समुदाय में से एक गवाह लाएँगे और स्वयं तुम्हें इन लोगों के मुक़ाबले में गवाह बनाकर पेश करेंगे?	x
Yawmaithin yawaddu allatheena kafaroo waAAasawoo alrrasoola law tusawwa bihimu alardu wala yaktumoona Allaha	x	That Day, those who disbelieved and disobeyed the Messenger will wish they could be covered by the earth. And they will not conceal from Allah a [single] statement.	4:42	उस दिन वे लोग जिन्होंने इनकार किया होगा और रसूल की अवज्ञा की होगी, यही चाहेंगे कि किसी तरह धरती में समोकर उसे बराबर कर दिया जाए। वे अल्लाह से कोई बात भी न छिपा सकेंगे	x

Ya ayyuha allatheena amanoo la taqraboo alssalata waantum sukara hatta taAAlamoo ma taqooloona wala junuban illa AAabiree sabeelin hatta taghtasiloo wain kuntum marda aw AAala safarin aw jaa ahadun minkum mina alghaiti aw lamastumu alnnisaa falam tajidoo maan fatayammamoo saAAeedan tayyiban faimsahoo biwujoohikum waaydeekum inna Allaha kana	This was revealed about some people who were Companions of the Messenger of Allah, (pbuh). They were in the habit of drinking wine and then going to pray while still drunk. Because of this they did not know how many units of prayer they performed or what they said in their prayers. In the last part of verse, process of Tayammum (dry abultion) has been mentioned. **[Contradiction: 16:67: Alcohol is a sign from Allah, 2:219: Great sin but some benefits in Alcohol, 4:43: Don't approach the prayer in drunken state, 5:90: Work of Satan]**	O you who have believed, do not approach prayer while you are intoxicated until you know what you are saying or in a state of janabah, except those passing through [a place of prayer], until you have washed [your whole body]. And if you are ill or on a journey or one of you comes from the place of relieving himself or you have contacted women and find no water, then seek clean earth and wipe over your faces and your hands [with it]. Indeed, Allah is ever Pardoning and Forgiving.	4:43	ऐ ईमान लानेवालो! नशे की दशा में नमाज़ में व्यस्त न हो, जब तक कि तुम यह न जानने लगो कि तुम क्या कह रहे हो। और इसी प्रकार नापाकी की दशा में भी (नमाज़ में व्यस्त न हो), जब तक कि तुम स्नान न कर लो, सिवाय इसके कि तुम सफ़र में हो। और यदि तुम बीमार हो या सफ़र में हो, या तुममें से कोई शौच करके आए या तुमने स्त्रियों को हाथ लगाया हो, फिर तुम्हें पानी न मिले, तो पाक मिट्टी से काम लो और उसपर हाथ मारकर अपने चहरे और हाथों पर मलो। निस्संदेह अल्लाह नर्मी से काम लेनेवाला, अत्यन्त क्षमाशील है	यह आयत अल्लाह के रसूल पैग़म्बर मुहम्मद (स.) के कुछ सहाबियों के बारे में प्रकट हुई थी। वे शराब पीने के आदी थे और कभी-कभी नशे की हालत में ही नमाज़ पढ़ने चले जाते थे। इसके कारण उन्हें यह पता नहीं चलता था कि उन्होंने नमाज़ की कितनी रकअतें पढ़ीं या नमाज़ में क्या कहा। इस आयत के अंतिम भाग में तयम्मुम (सूखे वुज़ू) की प्रक्रिया का उल्लेख किया गया है। **[विरोधाभास: 16:67: शराब अल्लाह की एक निशानी है, 2:219: शराब में बड़ा पाप है लेकिन कुछ लाभ भी हैं, 4:43: नशे की हालत में नमाज़ के पास न जाओ, 5:90: यह शैतान का काम है]**
Alam tara ila allatheena ootoo naseeban mina alkitabi yashtaroona alddalalata wayureedoona an tadilloo alssabeela	x	Have you not seen those who were given a portion of the Scripture, purchasing error [in exchange for it] and wishing you would lose the way?	4:44	क्या तुमने उन लोगों को नहीं देखा, जिन्हें सौभाग्य प्रदान हुआ था अर्थात किताब दी गई थी? वे पथभ्रष्टता के खरीदार बने हुए है और चाहते है कि तुम भी रास्ते से भटक जाओ	x

WaAllahu aAAlamu biaAAdaikum wakafa biAllahi waliyyan wakafa biAllahi naseeran	x	And Allah is most knowing of your enemies; and sufficient is Allah as an ally, and sufficient is Allah as a helper.	4:45	अल्लाह तुम्हारे शत्रुओं को भली-भाँति जानता है। अल्लाह एक संरक्षक के रूप में काफ़ी है और अल्लाह एक सहायक के रूप में भी काफ़ी है	x
Mina allatheena hadoo yuharrifoona alkalima AAan mawadiAAihi wayaqooloona samiAAna waAAasayna waismaAA ghayra musmaAAin waraAAina layyan bialsinatihim wataAAnan fee alddeeni walaw annahum qaloo samiAAna waataAAna waismaAA waonthurna lakana khayran lahum waaqwama walakin laAAanahumu Allahu bikufrihim fala yuminoona illa qaleelan	**[Allah is cursing Jews.]**	Among the Jews are those who distort words from their [proper] usages and say, "We hear and disobey" and "Hear but be not heard" and "Ra'ina," twisting their tongues and defaming the religion. And if they had said [instead], "We hear and obey" and "Wait for us [to understand]," it would have been better for them and more suitable. But Allah has cursed them for their disbelief, so they believe not, except for a few.	4:46	वे लोग जो यहूदी बन गए, वे शब्दों को उनके स्थानों से दूसरी ओर फेर देते है और कहते हैं, "समि'अना व 'असैना" (हमने सुना, लेकिन हम मानते नही); और "इसम'अ ग़ै-र मुसम'इन" (सुनो हालाँकि तुम सुनने के योग्य नहीं हो और "राइना" (हमारी ओर ध्यान दो) - यह वे अपनी ज़बानों को तोड़-मरोड़कर और दीन पर चोटें करते हुए कहते है। और यदि वे कहते, "समिअ'ना व अ-त'अना" (हमने सुना और माना) और "इसम'अ" (सुनो) और "उनज़ुरना" (हमारी ओर निगाह करो) तो यह उनके लिए अच्छा और अधिक ठीक होता। किन्तु उनपर तो उनके इनकार के कारण अल्लाह की फिटकार पड़ी हुई है। फिर वे ईमान थोड़े ही लाते है	**[अल्लाह यहूदियों को शाप दे रहा है।]**

Ya ayyuha allatheena ootoo alkitaba aminoo bima nazzalna musaddiqan lima maAAakum min qabli an natmisa wujoohan fanaruddaha AAala adbariha aw nalAAanahum kama laAAanna ashaba alssabti wakana	"confirming that which is with you" means earlier scriptures like Torah and Injeel. **[As we cursed the Sabbath-breakers," that is, being transformed into apes and pigs (2:63-65).]**	O you who were given the Scripture, believe in what We have sent down [to Muhammad], confirming that which is with you, before We obliterate faces and turn them toward their backs or curse them as We cursed the sabbath-breakers. And ever is the decree of Allah accomplished.	4:47	ऐ लोगों! जिन्हें किताब दी गई, उस चीज़ को मानो जो हमने उतारी है, जो उसकी पुष्टि में है, जो स्वयं तुम्हारे पास है, इससे पहले कि हम चेहरों की रूपरेखा को मिटाकर रख दें और उन्हें उनके पीछ की ओर फेर दें या उनपर लानत करें, जिस प्रकार हमने सब्तवालों पर लानत की थी। और अल्लाह का आदेश तो लागू होकर ही रहता है	"जो तुम्हारे पास है" से तात्पर्य पहले की धर्मग्रंथों, जैसे तौरात और इंजील, से है। **[जैसे हमने सब्त का उल्लंघन करने वालों को शाप दिया था, अर्थात् उन्हें बंदरों और सूअरों में बदल दिया गया था (2:63–65)]**
Inna Allaha la yaghfiru an yushraka bihi wayaghfiru ma doona thalika liman yashao waman yushrik biAllahi faqadi iftara ithman AAatheeman	[Contradiction: Allah will forgive anything except shirk (4:31, 4:48, 4:116), Could be pardoned 4:153, 39:53; **Latest stand of Islamic scholars is that if someone has repented before death then it could be pardoned, for example the idolator Quraysh who later became Muslim.]**	Indeed, Allah does not forgive association with Him, but He forgives what is less than that for whom He wills. And he who associates others with Allah has certainly fabricated a tremendous sin.	4:48	अल्लाह इसके क्षमा नहीं करेगा कि उसका साझी ठहराया जाए। किन्तु उससे नीचे दर्जे के अपराध को जिसके लिए चाहेगा, क्षमा कर देगा और जिस किसी ने अल्लाह का साझी ठहराया, तो उसने एक बड़ा झूठ घड़ लिया	**[विरोधाभास: कहा गया है कि अल्लाह शिर्क को छोड़कर हर चीज़ को माफ़ कर देगा (4:31, 4:48, 4:116); लेकिन कहीं यह भी कहा गया है कि शिर्क भी माफ़ हो सकता है (4:153, 39:53)। इस्लामी विद्वानों की वर्तमान व्याख्या यह है कि यदि कोई व्यक्ति मृत्यु से पहले तौबा कर ले, तो उसे माफ़ किया जा सकता है—जैसे क़ुरैश के वे मूर्तिपूजक जो बाद में मुसलमान बन गए।]**

Alam tara ila allatheena yuzakkoona anfusahum bali Allahu yuzakkee man yashao wala yuthlamoona fateelan	This was revealed about a group of Jewish men who said: 'By Him by means of Whom we swear, we are just like them; there is no sin that we commit during the day except that it is expiated comes the night, and there is no sin that we commit at night except that it is expiated comes the day'. This is how they praised themselves for	Have you not seen those who claim themselves to be pure? Rather, Allah purifies whom He wills, and injustice is not done to them, [even] as much as a thread [inside a date seed].	4:49	क्या तुमने उन लोगों को नहीं देखा जो अपने को पूर्ण एवं शिष्ट होने का दावा करते हैं? (कोई यूँ ही शिष्ट नहीं हुआ करता) बल्कि अल्लाह ही जिसे चाहता है, पूर्णता एवं शिष्टता प्रदान करता है। और उनके साथ तनिक भी अत्याचार नहीं किया जाता	यह आयत उन यहूदी पुरुषों के एक समूह के बारे में प्रकट हुई, जिन्होंने कहा: "उसकी क़सम जिसके नाम पर हम क़सम खाते हैं, हम भी उनकी ही तरह हैं; हम दिन में जो भी पाप करते हैं, वह रात आने पर मिट जाता है, और हम रात में जो भी पाप करते हैं, वह दिन आने पर मिट जाता है।" इस प्रकार वे अपनी पवित्रता की स्वयं प्रशंसा कर रहे थे।
Onthur kayfa yaftaroona AAala Allahi alkathiba wakafa bihi ithman mubeenan	x	Look how they invent about Allah untruth, and sufficient is that as a manifest sin.	4:50	देखो तो सही, वे अल्लाह पर कैसा झूठ मढ़ते हैं? खुले गुनाह के लिए तो यही पर्याप्त है	x

Alam tara ila allatheena ootoo naseeban mina alkitabi yuminoona bialjibti waalttaghooti wayaqooloona lillatheena kafaroo haolai ahda mina allatheena amanoo sabeelan	Once Abu Sufyan asked some Jewish chieftain: Who is more guided in his way and closer to the truth, is it us or Muhammad?' Abu Sufyan said: We slaughter camels for the benefit of pilgrims, give them water to drink, welcome the guest, populate the House of our Lord, and circumambulate around it. Muhammad (pbuh), on the other hand, has left the religion of his forefathers, severed his ties of kinship and went away from the Sacred Precinct. Chieftain said: 'By Allah, you are more guided in	Have you not seen those who were given a portion of the Scripture, who believe in superstition and false objects of worship and say about the disbelievers, "These are better guided than the believers as to the way"?	4:51	क्या तुमने उन लोगों को नहीं देखा, जिन्हें किताब का एक हिस्सा दिय् गया? वे अवास्तविक चीज़ो और तागूत (बढ़ हुए सरकश) को मानते है। और अधर्मियों के विषय में कहते है, "ये ईमानवालों से बढ़कर मार्ग पर है।"	एक बार अबू सुफ़यान ने एक यहूदी सरदार से पूछा: “सही मार्ग पर और सत्य के अधिक निकट कौन है—हम या मुहम्मद?” अबू सुफ़यान ने कहा: “हम तीर्थयात्रियों के लिए ऊँटों की क़ुर्बानी करते हैं, उन्हें पीने के लिए पानी देते हैं, मेहमानों का स्वागत करते हैं, अपने रब के घर (काबा) को आबाद रखते हैं और उसके चारों ओर तवाफ करते हैं। जबकि मुहम्मद (स.) ने अपने पूर्वजों के धर्म को छोड़ दिया है, अपने रिश्तों को तोड़ दिया है और पवित्र स्थान से दूर चले गए हैं।” तब उस सरदार ने कहा: “अल्लाह की क़सम, तुम अपने मार्ग में उससे अधिक सही मार्ग पर हो।”
Olaika allatheena laAAanahumu Allahu waman yalAAani Allahu falan tajida lahu naseeran	This verse was revealed about Kab ibn al-Ashraf and Huyayy ibn Akhtab, two Jews from Banu'l-Nadir, who met the people of Quraysh in the season of pilgrimage and were asked by the idolaters: 'Who is more guided to the way of the truth us or Muhammad?	Those are the ones whom Allah has cursed; and he whom Allah curses - never will you find for him a helper.	4:52	वही है जिनपर अल्लाह ने लातन की है, और जिसपर अल्लाह लानत कर दे, उसका तुम कोई सहायक कदापि न पाओगे	यह आयत कअब इब्न अल-अशरफ़ और हुऐय्य इब्न अख़तब, जो बनू नज़ीर के दो यहूदी थे, के बारे में प्रकट हुई। वे हज के मौसम में क़ुरैश के लोगों से मिले। तब मूर्तिपूजकों ने उनसे पूछा: “सच्चे मार्ग पर हम अधिक हैं या मुहम्मद?”
Am lahum naseebun mina almulki faithan la yutoona alnnasa naqeeran	x	Or have they a share of dominion? Then [if that were so], they would not give the people [even as much as] the speck on a date seed.	4:53	या बादशाही में इनका कोई हिस्सा है? फिर तो ये लोगों को फूटी कौड़ी तक भी न देते	x

Am yahsudoona alnnasa AAala ma atahumu Allahu min fadlihi faqad atayna ala ibraheema alkitaba waalhikmata waataynahum	x	Or do they envy people for what Allah has given them of His bounty? But we had already given the family of Abraham the Scripture and wisdom and conferred upon them a great kingdom.	4:54	या ये लोगों से इसलिए ईर्ष्या करते है कि अल्लाह ने उन्हें अपने उदार दान से अनुग्रहित कर दिया? हमने तो इबराहीम के लोगों को किताब और हिकमत (तत्वदर्शिता) दी और उन्हें बड़ा राज्य प्रदान किया	x
Faminhum man amana bihi waminhum man sadda AAanhu wakafa bijahannama saAAeeran	x	And some among them believed in it, and some among them were averse to it. And sufficient is Hell as a blaze.	4:55	फिर उनमें से कोई उसपर ईमान लाया और उसमें से किसी ने किनारा खीच लिया। और (ऐसे लोगों के लिए) जहन्नम की भड़कती आग ही काफ़ी है	x
Inna allatheena kafaroo biayatina sawfa nusleehim naran kullama nadijat julooduhum baddalnahum juloodan ghayraha liyathooqoo alAAathaba inna Allaha kana AAazeezan	Assumes a physical hell where the bodies of the unbelievers are perpetually renewed so that they can be tortured again and again. **[Contradiction: Allah is merciful 1:3; No, he will torture 4:56]**	Indeed, those who disbelieve in Our verses - We will drive them into a Fire. Every time their skins are roasted through We will replace them with other skins so they may taste the punishment. Indeed, Allah is ever Exalted in Might and Wise.	4:56	जिन लोगों ने हमारी आयतों का इनकार किया, उन्हें हम जल्द ही आग में झोंकेंगे। जब भी उनकी खालें पक जाएँगी, तो हम उन्हें दूसरी खालों में बदल दिया करेंगे, ताकि वे यातना का मज़ा चखते ही रहें। निस्संदेह अल्लाह प्रभुत्वशाली, तत्वदर्शी है	यह एक भौतिक नरक की धारणा प्रस्तुत करता है, जहाँ अविश्वासियों के शरीर बार-बार नए कर दिए जाते हैं ताकि उन्हें लगातार यातना दी जा सके। **[विरोधाभास: अल्लाह दयालु है (1:3); नहीं, वह यातना देगा (4:56)]**

Waallatheena amanoo waAAamiloo alssalihati sanudkhiluhum jannatin tajree min tahtiha alanharu khalideena feeha abadan lahum feeha azwajun mutahharatun wanudkhiluhum thillan thaleelan	Description of virgins (Houris) of paradise.	But those who believe and do righteous deeds - We will admit them to gardens beneath which rivers flow, wherein they abide forever. For them therein are purified spouses, and We will admit them to deepening shade.	4:57	और जो लोग ईमान लाए और उन्होंने अच्छे कर्म किए, उन्हें हम ऐसे बाग़ो में दाखिल करेंगे, जिनके नीचे नहरें बह रहीं होगी, जहाँ वे सदैव रहेंगे। उनके लिए वहाँ पाक जोड़े होंगे और हम उन्हें घनी छाँव में दाखिल करेंगे	स्वर्ग की कुँवारी स्त्रियों (हूरों) का वर्णन।
Inna Allaha yamurukum an tuaddoo alamanati ila ahliha waitha hakamtum bayna alnnasi an tahkumoo bialAAadli inna Allaha niAAimma yaAAithukum bihi inna Allaha kana sameeAAan baseeran	This verse was revealed about Uthman ibn Talhah, the caretaker of the Kabah. When the Messenger (pbuh) entered Mecca upon its conquest. He refused to give the key of Kabah to Ali ibn Abi Talib. He then twisted the hand of Uthman and took the key and opened the door of the Kabah for Messenger (pbuh). Then this verse was revealed and the Messenger (pbuh) commanded Ali to give the key back to Uthman and apologize to him.	Indeed, Allah commands you to render trusts to whom they are due and when you judge between people to judge with justice. Excellent is that which Allah instructs you. Indeed, Allah is ever Hearing and Seeing.	4:58	अल्लाह तुम्हें आदेश देता है कि अमानतों को उनके हक़दारों तक पहुँचा दिया करो। और जब लोगों के बीच फ़ैसला करो, तो न्यायपूर्वक फ़ैसला करो। अल्लाह तुम्हें कितनी अच्छी नसीहत करता है। निस्सदेह, अल्लाह सब कुछ सुनता, देखता है	यह आयत उस्मान इब्न तल्हा, जो काबा के संरक्षक थे, के बारे में प्रकट हुई। जब पैग़म्बर मुहम्मद (स.) मक्का की विजय के समय मक्का में प्रवेश किए, तो उस्मान इब्न तल्हा ने अली इब्न अबी तालिब को काबा की चाबी देने से इंकार कर दिया। तब अली ने उस्मान का हाथ मोड़कर चाबी ले ली और काबा का दरवाज़ा खोलकर उसे पैग़म्बर मुहम्मद (स.) के लिए खोल दिया। इसके बाद यह आयत प्रकट हुई और पैग़म्बर (स.) ने अली को आदेश दिया कि चाबी वापस उस्मान को दे दें और उनसे माफी माँगें।

Ya ayyuha allatheena amanoo ateeAAoo Allaha waateeAAoo alrrasoola waolee alamri minkum fain tanazaAAtum fee shayin faruddoohu ila Allahi waalrrasooli in kuntum tuminoona biAllahi waalyawmi alakhiri thalika khayrun waahsanu taweelan	The Messenger of Allah (pbuh) sent Khalid bin Walid in a military expedition to one of the Arab clans. He was accompanied in this expedition by Ammar ibn Yasir. They had dispute regarding giving amnesty to a man. Then they both went to the Prophet (pbuh) and informed him about the man. The Prophet (pbuh) sanctioned the amnesty that Ammar had given to the man and then forbade him from giving amnesty to anyone in the future without the express permission of his leader. Then this verse was revealed. **This verse is one of the foundations for the authority of the hadith. Also belivers have to follow both Allah and**	O you who have believed, obey Allah and obey the Messenger and those in authority among you. And if you disagree over anything, refer it to Allah and the Messenger, if you should believe in Allah and the Last Day. That is the best [way] and best in result.	4:59	ऐ ईमान लानेवालो! अल्लाह की आज्ञा का पालन करो और रसूल का कहना मानो और उनका भी कहना मानो जो तुममें अधिकारी लोग है। फिर यदि तुम्हारे बीच किसी मामले में झगड़ा हो जाए, तो उसे तुम अल्लाह और रसूल की ओर लौटाओ, यदि तुम अल्लाह और अन्तिम दिन पर ईमान रखते हो। यदि उत्तम है और परिणाम की स्पष्ट से भी अच्छा है	अल्लाह के रसूल (स.) ने खालिद बिन वलीद को एक अरब क़बीले के विरुद्ध सैन्य अभियान पर भेजा। इस अभियान में अम्मार इब्न यासिर भी उनके साथ थे। एक व्यक्ति को अमान (सुरक्षा) देने के मामले में दोनों के बीच विवाद हो गया। फिर वे दोनों पैग़म्बर (स.) के पास गए और उस व्यक्ति के बारे में उन्हें बताया। पैग़म्बर (स.) ने उस व्यक्ति को दी गई अमान को स्वीकार कर लिया, जो अम्मार ने दी थी, लेकिन साथ ही उन्हें यह भी मना कर दिया कि भविष्य में अपने नेता की स्पष्ट अनुमति के बिना किसी को अमान न दें। तब इस विषय में यह आयत प्रकट हुई। यह आयत हदीस के अधिकार के आधारों में से एक मानी जाती है। साथ ही इसमें यह बताया गया है कि ईमान वालों को अल्लाह और उसके रसूल दोनों की आज्ञा का पालन करना चाहिए।

Alam tara ila allatheena yazAAumoona annahum amanoo bima onzila ilayka wama onzila min qablika yureedoona an yatahakamoo ila alttaghooti waqad omiroo an yakfuroo bihi wayureedu alshshaytanu an yudillahum dalalan baAAeedan	Abu Burdah al-Aslami was a soothsayer who used to settle the disputes that the Jews had amongst themselves. When a group of people from Aslam took their dispute to him, then this verse was revealed.	Have you not seen those who claim to have believed in what was revealed to you, [O Muhammad], and what was revealed before you? They wish to refer legislation to Taghut, while they were commanded to reject it; and Satan wishes to lead them far astray.	4:60	क्या तुमने उन लोगों को नहीं देखा, जो दावा तो करते है कि वे उस चीज़ पर ईमान रखते हैं, जो तुम्हारी ओर उतारी गई है और तुमसे पहले उतारी गई है। और चाहते है कि अपना मामला तागूत के पास ले जाकर फ़ैसला कराएँ, जबकि उन्हें हुक्म दिया गया है कि वे उसका इनकार करें? परन्तु शैतान तो उन्हें भटकाकर बहुत दूर डाल देना चाहता है	अबू बुर्दा अल-असलमी एक काहिन (भविष्य बताने वाला/ज्योतिषी) था, जो यहूदियों के आपसी विवादों का फैसला किया करता था। जब असलम क़बीले के कुछ लोग अपना विवाद उसके पास ले गए, तब इस बारे में यह आयत प्रकट हुई।
Waitha qeela lahum taAAalaw ila ma anzala Allahu waila alrrasooli raayta almunafiqeena yasuddoona AAanka sudoodan	x	And when it is said to them, "Come to what Allah has revealed and to the Messenger," you see the hypocrites turning away from you in aversion.	4:61	और जब उनसे कहा जाता है कि आओ उस चीज़ की ओर जो अल्लाह ने उतारी है और आओ रसूल की ओरस तो तुम मुनाफ़िको (कपटाचारियों) को देखते हो कि वे तुमसे कतराकर रह जाते है	x
Fakayfa itha asabathum museebatun bima qaddamat aydeehim thumma jaooka yahlifoona biAllahi in aradna illa ihsanan watawfeeqan	x	So how [will it be] when disaster strikes them because of what their hands have put forth and then they come to you swearing by Allah, "We intended nothing but good conduct and	4:62	फिर कैसी बात होगी कि जब उनकी अपनी करतूतों के कारण उनपर बड़ी मुसीबत आ पडेगी। फिर वे तुम्हारे पास अल्लाह की क़समें खाते हुए आते है कि हम तो केवल भलाई और बनाव चाहते थे?	x

Olaika allatheena yaAAlamu Allahu ma fee quloobihim faaAArid AAanhum waAAithhum waqul lahum fee anfusihim qawlan baleeghan	x	Those are the ones of whom Allah knows what is in their hearts, so turn away from them but admonish them and speak to them a far-reaching word.	4:63	ये वे लोग है जिनके दिलों की बात अल्लाह भली-भाँति जानता है; तो तुम उन्हें जाने दो और उन्हें समझओ और उनसे उनके विषय में वह बात कहो जो प्रभावकारी हो	x
Wama arsalna min rasoolin illa liyutaAAa biithni Allahi walaw annahum ith thalamoo anfusahum jaooka faistaghfaroo Allaha waistaghfara lahumu alrrasoolu lawajadoo Allaha tawwaban raheeman	The believers will have no actual faith unless they make the messenger the “judge" all matters of what is in dispute between them. Absolute authority to Messenger.	And We did not send any messenger except to be obeyed by permission of Allah. And if, when they wronged themselves, they had come to you, [O Muhammad], and asked forgiveness of Allah and the Messenger had asked forgiveness for them, they would have found Allah Accepting of repentance and Merciful.	4:64	हमने जो रसूल भी भेजा, इसलिए भेजा कि अल्लाह की अनुमति से उसकी आज्ञा का पालन किया जाए। और यदि यह उस समय, जबकि इन्होंने स्वयं अपने ऊपर ज़ुल्म किया था, तुम्हारे पास आ जाते और अल्लाह से क्षमा की प्रार्थना करता तो निश्चय ही वे अल्लाह को अत्यन्त क्षमाशील और दयावान पाते	मुमिनों का वास्तविक ईमान तब तक पूर्ण नहीं होगा जब तक वे पैग़म्बर (स.) को अपने विवादों में सभी मामलों का "न्यायाधीश" न मानें। पैग़म्बर (स.) को पूर्ण अधिकार दिया गया है।
Fala warabbika la yuminoona hatta yuhakkimooka feema shajara baynahum thumma la yajidoo fee anfusihim harajan mimma qadayta wayusallimoo tasleeman	Al-Zubayr ibn al-'Awwam had a dispute with a man and the Messenger of Allah (pbuh) judged in his favour. The man said that he judged in his favour because he was his cousin. And so this verse was revealed.	But no, by your Lord, they will not [truly] believe until they make you, [O Muhammad], judge concerning that over which they dispute among themselves and then find within themselves no discomfort from what you have judged and submit in [full, willing] submission.	4:65	तो तुम्हें तुम्हारे रब की कसम! ये ईमानवाले नहीं हो सकते जब तक कि अपने आपस के झगड़ो में ये तुमसे फ़ैसला न कराएँ। फिर जो फ़ैसला तुम कर दो, उसपर ये अपने दिलों में कोई तंगी न पाएँ और पूरी तरह मान ले	अल-जुबैर इब्न अल-अव्वाम का एक व्यक्ति से विवाद हुआ और पैग़म्बर मुहम्मद (स.) ने जुबैर के पक्ष में फैसला दिया। उस व्यक्ति ने कहा कि आपने उनके पक्ष में फैसला इसलिए किया क्योंकि वह आपके चचेरे भाई हैं। और तब यह आयत अवतरित हुई।

Walaw anna katabna AAalayhim ani oqtuloo anfusakum awi okhrujoo min diyarikum ma faAAaloohu illa qaleelun minhum walaw annahum faAAaloo ma yooAAathoona bihi lakana khayran lahum waashadda	**[Quran condemns killing oneself, then how can Allah ask such a thing; Many meanings possible.]**	And if We had decreed upon them, "Kill yourselves" or "Leave your homes," they would not have done it, except for a few of them. But if they had done what they were instructed, it would have been better for them and a firmer position [for them in faith].	4:66	और यदि कहीं हमने उन्हें आदेश दिया होता कि "अपनों को क़त्ल करो या अपने घरों से निकल जाओ।" तो उनमें से थोड़े ही ऐसा करते। हालाँकि जो नसीहत उन्हें दी जाती है, अगर वे उसे व्यवहार में लाते तो यह बात उनके लिए अच्छी होती और ज़्यादा ज़माव पैदा करनेवाली होती	**[कुरआन आत्महत्या की निंदा करता है, तो अल्लाह ऐसा कार्य कैसे मांग सकते हैं; इसके कई अर्थ संभव हैं।]**
Waithan laataynahum min ladunna ajran	x	And then We would have given them from Us a great reward.	4:67	और उस समय हम उन्हें अपनी ओर से निश्चय ही बड़ा बदला प्रदान करते	x
Walahadaynahum siratan mustaqeeman	x	And We would have guided them to a straight	4:68	और उन्हें सीधे मार्ग पर लगा देते	x
Waman yutiAAi Allaha waalrrasoola faolaika maAAa allatheena anAAama Allahu AAalayhim mina alnnabiyyeena waalssiddeeqeena waalshshuhadai waalssaliheena wahasuna olaika rafeeqan	It was mentioned to us that some men said to the Prophet, (pbuh): 'O Prophet of Allah, we now see you in this world. But in the Afterlife, you shall be raised above us because of your merit and we will not see you then', and so this verse revealed.	And whoever obeys Allah and the Messenger - those will be with the ones upon whom Allah has bestowed favor of the prophets, the steadfast affirmers of truth, the martyrs and the righteous. And excellent are those as companions.	4:69	जो अल्लाह और रसूल की आज्ञा का पालन करता है, तो ऐसे ही लोग उन लोगों के साथ है जिनपर अल्लाह की कृपा स्पष्ट रही है - वे नबी, सिद्दीक़, शहीद और अच्छे लोग है। और वे कितने अच्छे साथी है	हमें बताया गया कि कुछ पुरुषों ने पैग़म्बर मुहम्मद (स.) से कहा: "हे पैग़म्बर अल्लाह, हम आपको इस दुनिया में देख रहे हैं। लेकिन आने वाले जीवन में, आप अपनी योग्यता के कारण हमसे ऊपर उठाए जाएंगे और तब हम आपको नहीं देख पाएंगे।" और तब यह आयत अवतरित हुई।
Thalika alfadlu mina Allahi wakafa biAllahi AAaleeman	x	That is the bounty from Allah, and sufficient is Allah as Knower.	4:70	यह अल्लाह का उदार अनुग्रह है। और काफ़ी है अल्लाह, इस हाल में कि वह भली-भाँति जानता है	x

Ya ayyuha allatheena amanoo khuthoo hithrakum fainfiroo thubatin awi infiroo jameeAAan	Allah commands His faithful servants to take precautions against their enemies.	O you who have believed, take your precaution and [either] go forth in companies or go forth all together.	4:71	ऐ ईमान लानेवालो! अपने बचाव की साम्रगी (हथियार आदि) सँभालो। फिर या तो अलग-अलग टुकड़ियों में निकलो या इकट्ठे होकर निकलो	अल्लाह अपने ईमानदार बंदों को अपने दुश्मनों से सावधान रहने का आदेश देते हैं।
Wainna minkum laman layubattianna fain asabatkum museebatun qala qad anAAama Allahu AAalayya ith lam akun maAAahum	Refraining from joining Jihad is a sign of Hypocrites.	And indeed, there is among you he who lingers behind; and if disaster strikes you, he says, "Allah has favored me in that I was not present with them."	4:72	तुमसे से कोई ऐसा भी है जो ढीला पड़ जाता है, फिर यदि तुमपर कोई मुसीबत आए तो कहने लगता है कि अल्लाह ने मुझपर कृपा की कि मैं इन लोगों के साथ न गया	जिहाद में शामिल होने से परहेज़ करना मुनाफ़िकों (धूर्तों) का लक्षण है।
Walain asabakum fadlun mina Allahi layaqoolanna kaan lam takun baynakum wabaynahu mawaddatun ya laytanee kuntu maAAahum faafooza fawzan	Means, if victory comes in Jihad, then hypocrites will say this.	But if bounty comes to you from Allah, he will surely say, as if there had never been between you and him any affection. "Oh, I wish I had been with them so I could have attained a great attainment."	4:73	परन्तु यदि अल्लाह की ओर से तुमपर कोई उदार अनुग्रह हो तो वह इस प्रकार से जैसे तुम्हारे और उनके बीच प्रेम का कोई सम्बन्ध ही नहीं, कहता है, "क्या ही अच्छा होता कि मैं भी उनके साथ होता, तो बड़ी सफलता प्राप्त करता।"	इसका अर्थ है कि यदि जिहाद में विजय मिलती है, तो मुनाफ़िक यह कहेंगे।
Falyuqatil fee sabeeli Allahi allatheena yashroona alhayata alddunya bialakhirati waman yuqatil fee sabeeli Allahi fayuqtal aw yaghlib fasawfa	This promise that a warrior will be rewarded “whether he is killed or victorious” constitutes a great deal of the reason why Muslim armies have fought with such tenacity throughout history.	So let those fight in the cause of Allah who sell the life of this world for the Hereafter. And he who fights in the cause of Allah and is killed or achieves victory - We will bestow upon him a great reward.	4:74	तो जो लोग आख़िरत (परलोक) के बदले सांसारिक जीवन का सौदा करें, तो उन्हें चाहिए कि अल्लाह के मार्ग में लड़े। जो अल्लाह के मार्ग में लड़ेगी, चाहे वह मारा जाए या विजयी रहे, उसे हम शीघ्र ही बड़ा बदला प्रदान करेंगे	यह वादा कि एक योद्धा को "चाहे वह मारा जाए या विजयी हो" इनाम मिलेगा, इस बात का बड़ा कारण है कि मुसलमान सेनाओं ने इतिहास भर में इतनी दृढ़ता और उत्साह के साथ लड़ाई लड़ी।

Wama lakum la tuqatiloona fee sabeeli Allahi waalmustadAAafeen a mina alrrijali waalnnisai waalwildani allatheena yaqooloona rabbana akhrijna min hathihi alqaryati alththalimi ahluha waijAAal lana min ladunka waliyyan waijAAal lana min ladunka	Allah encouraged Muslims to perform Jihad in His cause and to strive hard to save the oppressed Muslims in Makkah, men, women and children who were restless because of having to remain there.	And what is [the matter] with you that you fight not in the cause of Allah and [for] the oppressed among men, women, and children who say, "Our Lord, take us out of this city of oppressive people and appoint for us from Yourself a protector and appoint for us from Yourself a helper?"	4:75	तुम्हें क्या हुआ है कि अल्लाह के मार्ग में और उन कमज़ोर पुरुषों, औरतों और बच्चों के लिए युद्ध न करो, जो प्रार्थनाएँ करते है कि "हमारे रब! तू हमें इस बस्ती से निकाल, जिसके लोग अत्याचारी है। और हमारे लिए अपनी ओर से तू कोई समर्थक नियुक्त कर और हमारे लिए अपनी ओर से तू कोई सहायक नियुक्त कर।"	अल्लाह ने मुसलमानों को अपने रास्ते में जिहाद करने और मक्का में सताए जा रहे मुसलमानों—पुरुषों, महिलाओं और बच्चों—को बचाने के लिए कड़ी मेहनत करने के लिए प्रोत्साहित किया, जो वहां रहने के कारण परेशान थे।
Allatheena amanoo yuqatiloona fee sabeeli Allahi waallatheena kafaroo yuqatiloona fee sabeeli alttaghooti faqatiloo awliyaa alshshaytani inna kayda alshshaytani kana	**{Disbelievers are allies of Satan.]**	Those who believe fight in the cause of Allah, and those who disbelieve fight in the cause of Taghut. So fight against the allies of Satan. Indeed, the plot of Satan has ever been weak.	4:76	ईमान लानेवाले तो अल्लाह के मार्ग में युद्ध करते है और अधर्मी लोग तागूत (बढ़े हुए सरकश) के मार्ग में युद्ध करते है। अतः तुम शैतान के मित्रों से लड़ो। निश्चय ही, शैतान की चाल बहुत कमज़ोर होती है	**[काफ़िर शैतान के मित्र हैं।]**

Alam tara ila allatheena qeela lahum kuffoo aydiyakum waaqeemoo alssalata waatoo alzzakata falamma kutiba AAalayhimu alqitalu itha fareequn minhum yakhshawna alnnasa kakhashyati Allahi aw ashadda khashyatan waqaloo rabbana lima katabta AAalayna alqitala lawla akhkhartana ila ajalin qareebin qul mataAAu alddunya qaleelun waalakhiratu khayrun limani ittaqa wala	When command of fighting came, some muslims wish that Jihad was delayed until a later time, because it means bloodshed. Therefore, Allah says that every soul shall taste death and nothing can save any person from it, whether he performed Jihad or not. Everyone has an appointed time, and a limited term of life.	Have you not seen those who were told, "Restrain your hands [from fighting] and establish prayer and give zakah"? But then when fighting was ordained for them, at once a party of them feared men as they fear Allah or with [even] greater fear. They said, "Our Lord, why have You decreed upon us fighting? If only You had postponed [it for] us for a short time." Say, The enjoyment of this world is little, and the Hereafter is better for he who fears Allah. And injustice will not be done to you, [even] as much as a thread [inside a date seed]."	4:77	क्या तुमने उन लोगों को नहीं देखा जिनसे कहा गया था कि अपने हाथ रोके रखो और नमाज़ क़ायम करो और ज़कात दो? फिर जब उन्हें युद्ध का आदेश दिया गया तो क्या देखते है कि उनमें से कुछ लोगों का हाल यह है कि वे लोगों से ऐसा डरने लगे जैसे अल्लाह का डर हो या यह डर उससे भी बढ़कर हो। कहने लगे, "हमारे रब! तूने हमपर युद्ध क्यों अनिवार्य कर दिया? क्यों न थोड़ी मुहलत हमें और दी?" कह दो, "दुनिया की पूँजी बहुत थोड़ी है, जबकि आख़िरत उस व्यक्ति के अधिक अच्छी है जो अल्लाह का डर रखता हो और तुम्हारे साथ तनिक भी अन्याय न किया जाएगा।	जब युद्ध का आदेश आया, तो कुछ मुसलमान चाहते थे कि जिहाद को टाल दिया जाए, क्योंकि इसका मतलब रक्तपात था। इसलिए, अल्लाह कहते हैं कि हर जीव मृत्यु का स्वाद चखेगा और कोई भी व्यक्ति इसे टाल नहीं सकता, चाहे उसने जिहाद किया हो या नहीं। हर किसी का एक निश्चित समय और जीवन की एक सीमित अवधि है।

Aynama takoonoo yudrikkumu almawtu walaw kuntum fee buroojin mushayyadatin wain tusibhum hasanatun yaqooloo hathihi min AAindi Allahi wain tusibhum sayyiatun yaqooloo hathihi min AAindika qul kullun min AAindi Allahi famali haolai alqawmi la yakadoona	When some Muslims were martyred in Uhud, the hypocrites who failed to join in the fighting said: 'If our brothers who were killed remained with us, they would not have died'. Then revealed this verse. **[Here by mistake it was said all things (including evil) are from Allah, but corrected in next Aayat.]**	Wherever you may be, death will overtake you, even if you should be within towers of lofty construction. But if good comes to them, they say, "This is from Allah "; and if evil befalls them, they say, "This is from you." Say, "All [things] are from Allah." So what is [the matter] with those people that they can hardly understand any statement?	4:78	"तुम जहाँ कहीं भी होंगे, मृत्यु तो तुम्हें आकर रहेगी; चाहे तुम मज़बूत बुर्जों (क़िलों) में ही (क्यों न) हो।" यदि उन्हें कोई अच्छी हालत पेश आती है तो कहते है, "यह तो अल्लाह के पास से है।" परन्तु यदि उन्हें कोई बुरी हालत पेश आती है तो कहते है, "यह तुम्हारे कारण है।" कह दो, "हरेक चीज़ अल्लाह के पास से है।" आख़िर इन लोगों को क्या हो गया कि ये ऐसे नहीं लगते कि कोई बात समझ सकें?	जब कुछ मुसलमानों को उहुद की लड़ाई में शहीद किया गया, तो वे मुनीफ़क जो लड़ाई में शामिल नहीं हुए, कहने लगे: "यदि हमारे भाई जो मारे गए, हमारे साथ रहते, तो वे नहीं मरते।" तब यह आयत अवतरित हुई। **[यहाँ गलती से कहा गया कि सभी चीज़ें (बुराई सहित) अल्लाह से हैं, लेकिन इसे अगली आयत में सही किया गया।]**
Ma asabaka min hasanatin famina Allahi wama asabaka min sayyiatin famin nafsika waarsalnaka lilnnasi rasoolan wakafa biAllahi shaheedan	**[Evil comes from yourself not Allah. But verse 4:78 says everything comes from Allah.]**	What comes to you of good is from Allah, but what comes to you of evil, [O man], is from yourself. And We have sent you, [O Muhammad], to the people as a messenger, and sufficient is Allah as Witness.	4:79	तुम्हें जो भी भलाई प्राप्त" होती है, वह अल्लाह को ओर से है और जो बुरी हालत तुम्हें पेश आ जाती है तो वह तुम्हारे अपने ही कारण पेश आती है। हमने तुम्हें लोगों के लिए रसूल बनाकर भेजा है और (इसपर) अल्लाह का गवाह होना काफ़ी है	[बुराई स्वयं से उत्पन्न होती है, अल्लाह से नहीं। लेकिन 4:78 में कहा गया है कि हर चीज़ अल्लाह से आती है।]

Man yutiAAi alrrasoola faqad ataAAa Allaha waman tawalla fama arsalnaka AAalayhim hafeethan	He who obeys the Messenger, has indeed obeyed Allah. **[Contradiction: Whether prophet (pbuh) was a common man or not: Common, 6:50, 18:110, 38:65, 41:6, 46:9, 17:93; Special status: 4:80, 21:107, 33:56,**	He who obeys the Messenger has obeyed Allah; but those who turn away - We have not sent you over them as a guardian.	4:80	जिसने रसूल की आज्ञा का पालन किया, उसने अल्लाह की आज्ञा का पालन किया और जिसने मुँह मोड़ा तो हमने तुम्हें ऐसे लोगों पर कोई रखवाला बनाकर तो नहीं भेजा है	जो कोई पैग़म्बर (स.) की आज्ञा मानता है, उसने वास्तव में अल्लाह की आज्ञा मानी है। **[विरोधाभास: पैग़म्बर (स.) सामान्य इंसान थे या विशेष? सामान्य: 6:50, 18:110, 38:65, 41:6, 46:9, 17:93; विशेष दर्जा: 4:80, 21:107, 33:56, 94:4]**
Wayaqooloona taAAatun faitha barazoo min AAindika bayyata taifatun minhum ghayra allathee taqoolu waAllahu yaktubu ma yubayyitoona faaAArid AAanhum watawakkal AAala Allahi wakafa biAllahi wakeelan	Hypocrites plot at night among themselves while they pretend when they are with you.	And they say, "[We pledge] obedience." But when they leave you, a group of them spend the night determining to do other than what you say. But Allah records what they plan by night. So leave them alone and rely upon Allah. And sufficient is Allah as Disposer of affairs.	4:81	और वे दावा तो आज्ञापालन का करते है, परन्तु जब तुम्हारे पास से हटते है तो उनमें एक गिरोह अपने कथन के विपरीत रात में षड्यंत्र करता है । जो कुछ वे षड्यंत्र करते है, अल्लाह उसे लिख रहा है। तो तुम उनसे रुख़ फेर लो और अल्लाह पर भरोसा रखो, और अल्लाह का कार्यसाधक होना काफ़ी है!	मुनाफ़िक रात में अपने बीच षड़यंत्र रचते हैं, जबकि जब वे आपके पास होते हैं तो दिखावा करते हैं।
Afala yatadabbaroona alqurana walaw kana min AAindi ghayri Allahi lawajadoo feehi ikhtilafan katheeran	**[Quran challenges to find out any contradiction in it. But there are so many discripancies which muslims apologetics need to explain. Also many verses are abrogated by others.]**	Then do they not reflect upon the Qur'an? If it had been from [any] other than Allah, they would have found within it much contradiction.	4:82	क्या वे क़ुरआन में सोच-विचार नहीं करते? यदि यह अल्लाह के अतिरिक्त किसी और की ओर से होता, तो निश्चय ही वे इसमें बहुत-सी बेमेल बातें पाते	**[क़ुरआन चुनौती देता है कि इसमें कोई विरोधाभास खोजें। लेकिन इसमें बहुत-सी बेमेल बातें हैं जिन्हें मुसलमानों को समझाना पड़ता है। साथ ही, कई आयतें अन्य आयतों द्वारा निरस्त भी हो चुकी हैं।]**

Waitha jaahum amrun mina alamni awi alkhawfi athaAAoo bihi walaw raddoohu ila alrrasooli waila olee alamri minhum laAAalimahu allatheena yastanbitoonahu minhum walawla fadlu Allahi AAalaykum warahmatuhu laittabaAAtumu alshshaytana illa qaleelan	When Umar was informed that the Messenger (pbuh) divorced his wives and people were discussing it, he went to the Prophet to ask him about what had truly happened, asking him, "Have you divorced your wives?" The Prophet said, "No." Umar said Allahu Akbar and he stood by the door of the Masjid and shouted "The Messenger of Allah did not divorce his wives" Then, this Ayah was revealed.	And when there comes to them information about [public] security or fear, they spread it around. But if they had referred it back to the Messenger or to those of authority among them, then the ones who [can] draw correct conclusions from it would have known about it. And if not for the favor of Allah upon you and His mercy, you would have followed Satan, except for a few.	4:83	जब उनके पास निश्चिन्तता या भय की कोई बात पहुचती है तो उसे फैला देते है, हालाँकि अगर वे उसे रसूल और अपने समुदाय के उतरदायी व्यक्तियों तक पहुँचाते तो उसे वे लोग जान लेते जो उनमें उसकी जाँच कर सकते है। और यदि तुमपर अल्लाह का उदार अनुग्रह और उसकी दयालुता न होती, तो थोड़े लोगों के सिवा तुम सब शैतान के पीछे चलने लग जाते	जब उमर को बताया गया कि पैग़म्बर मुहम्मद (स.) ने अपनी पत्नियों को तलाक दे दिया और लोग इसके बारे में चर्चा कर रहे थे, तो वह पैग़म्बर (स.) के पास जाकर सच जानने के लिए पूछने गए, "क्या आपने अपनी पत्नियों को तलाक दिया? पैग़म्बर (स.) ने कहा, "नहीं।" उमर ने कहा, "अल्लाहु अकबर," और मस्जिद के दरवाजे पर खड़े होकर जोर से कहा, "अल्लाह के पैग़म्बर ने अपनी पत्नियों को तलाक नहीं दिया।" तब यह आयत अवतरित हुई।
Faqatil fee sabeeli Allahi la tukallafu illa nafsaka waharridi almumineena AAasa Allahu an yakuffa basa allatheena kafaroo waAllahu ashaddu basan waashaddu tankeelan	Allah commands His servant and Messenger (pbuh) to himself fight in Jihad and not to be concerned about those who do not join Jihad. Also he is inciting the believers to participate in Jihad.	So fight, [O Muhammad], in the cause of Allah; you are not held responsible except for yourself. And encourage the believers [to join you] that perhaps Allah will restrain the [military] might of those who disbelieve. And Allah is greater in might and stronger in [exemplary] punishment.	4:84	अतः अल्लाह के मार्ग में युद्ध करो - तुमपर तो बस तुम्हारी अपनी ही ज़िम्मेदारी है - और ईमानवालों की कमज़ोरियो को दूर करो और उन्हें (युद्ध के लिए) उभारो। इसकी बहुत सम्भावना है कि अल्लाह इनकार करनेवालों के ज़ोर को रोक लगा दे। अल्लाह बड़ा ज़ोरवाला और कठोर दंड देनेवाला है	अल्लाह अपने बंदे और पैग़म्बर (स.) को आदेश देते हैं कि वे स्वयं जिहाद में लड़ें और उन लोगों की परवाह न करें जो जिहाद में शामिल नहीं होते। इसके साथ ही, वह ईमानदारों को जिहाद में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं।

Man yashfaAA shafaAAatan hasanatan yakun lahu naseebun minha waman yashfaAA shafaAAatan sayyiatan yakun lahu kiflun minha wakana Allahu	x	Whoever intercedes for a good cause will have a reward therefrom; and whoever intercedes for an evil cause will have a burden therefrom. And ever is Allah, over all things, a Keeper.	4:85	जो कोई अच्छी सिफ़ारिश करेगा, उसे उसके कारण उसका प्रतिदान मिलेगा और जो बुरी सिफ़ारिश करेगा, तो उसके कारँ उसका बोझ उसपर पड़कर रहेगा। अल्लाह को तो हर चीज़ पर क़ाबू हासिल है	x
Waitha huyyeetum bitahiyyatin fahayyoo biahsana minha aw ruddooha inna Allaha kana AAala kulli shayin haseeban	**[If a Muslim greets another muslims with the Salam, then he should be greeted with a better Salam, However, they should not initiate greeting the Jews and Christians with the Salam]**	And when you are greeted with a greeting, greet [in return] with one better than it or [at least] return it [in a like manner]. Indeed, Allah is ever, over all things, an Accountant.	4:86	और तुम्हें जब सलामती की कोई दुआ दी जाए, तो तुम सलामती की उससे अच्छी दुआ दो या उसी को लौटा दो। निश्चय ही, अल्लाह हर चीज़ का हिसाब रखता है	**[यदि कोई मुसलमान दूसरे मुसलमान को सलाम करे, तो उसे उससे बेहतर सलाम के साथ उत्तर देना चाहिए। हालाँकि, यहूदियों और ईसाइयों को सलाम की पहल नहीं करनी चाहिए।]**
Allahu la ilaha illa huwa layajmaAAannakum ila yawmi alqiyamati la rayba feehi waman asdaqu mina Allahi hadeethan	x	Allah - there is no deity except Him. He will surely assemble you for [account on] the Day of Resurrection, about which there is no doubt. And who is more truthful than Allah in statement.	4:87	अल्लाह के सिवा कोई इष्ट - पूज्य नहीं। वह तुम्हें क़ियामत के दिन की ओर ले जाकर इकट्ठा करके रहेगा, जिसके आने में कोई संदेह नहीं, और अल्लाह से बढ़कर सच्ची बात और किसकी हो सकती है	x

Fama lakum fee almunafiqeena fiatayni waAllahu arkasahum bima kasaboo atureedoona an tahdoo man adalla Allahu waman yudlili Allahu falan tajida lahu sabeelan	A group of people initially accompanied the Messenger (pbuh) to Uhud but then turned back. The Muslims were divided in their opinions about them. Some said that they should be killed while others thought they should be spared, and so this verse was revealed. **[Allah decieves the hypocrites.]**	What is [the matter] with you [that you are] two groups concerning the hypocrites, while Allah has made them fall back [into error and disbelief] for what they earned. Do you wish to guide those whom Allah has sent astray? And he whom Allah sends astray - never will you find for him a way [of guidance].	4:88	फिर तुम्हें क्या हो गया है कि कपटाचारियों (मुनाफ़िक़ो) के विषय में तुम दो गिरोह हो रहे हो, यद्यपि अल्लाह ने तो उनकी करतूतों के कारण उन्हें उल्टा फेर दिया है? क्या तुम उसे मार्ग पर लाना चाहते हो जिसे अल्लाह ने गुमराह छोड़ दिया है? हालाँकि जिसे अल्लाह मार्ग न दिखाए, उसके लिए तुम कदापि कोई मार्ग नहीं पा सकते	एक समूह लोगों ने शुरू में पैग़म्बर मुहम्मद (स.) के साथ उहुद की लड़ाई में शामिल होना तय किया, लेकिन बाद में लौट गए। मुसलमान उनके बारे में विभाजित हो गए—कुछ ने कहा कि उन्हें मार दिया जाना चाहिए, जबकि अन्य ने सोचा कि उन्हें माफ़ कर देना चाहिए। तब यह आयत अवतरित हुई। [अल्लाह मुनाफ़िकों को भ्रमित करता है।]
Waddoo law takfuroona kama kafaroo fatakoonoona sawaan fala tattakhithoo minhum awliyaa hatta yuhajiroo fee sabeeli Allahi fain tawallaw fakhuthoohum waoqtuloohum haythu wajadtumoohum wala tattakhithoo minhum waliyyan	**[This verse is a foundation for Islam's death penalty for apostasy. Also see Ibn Majah 2535, 2539, Tirmidhi 1458, Buhari 3017, 6922, 6923, An-Nisai 4064-4070]**	They wish you would disbelieve as they disbelieved so you would be alike. So do not take from among them allies until they emigrate for the cause of Allah. But if they turn away, then seize them and kill them wherever you find them and take not from among them any ally or helper.	4:89	वे तो चाहते है कि जिस प्रकार वे स्वयं अधर्मी है, उसी प्रकार तुम भी अधर्मी बनकर उन जैसे हो जाओ; तो तुम उनमें से अपने मित्र न बनाओ, जब तक कि वे अल्लाह के मार्ग में घरबार न छोड़े। फिर यदि वे इससे पीठ फेरें तो उन्हें पकड़ो, और उन्हें क़त्ल करो जहाँ कही भी उन्हें पाओ - तो उनमें से किसी को न अपना मित्र बनाना और न सहायक -	**[यह आयत इस्लाम में धर्म त्याग पर मृत्यु दंड का आधार है। देखें: इब्न माजा 2535, 2539; तिर्मिज़ी 1458; बुखारी 3017, 6922, 6923; अन-निसाई 4064-4070]**

Illa allatheena yasiloona ila qawmin baynakum wabaynahum meethaqun aw jaookum hasirat sudooruhum an yuqatilookum aw yuqatiloo qawmahum walaw shaa Allahu lasallatahum AAalaykum falaqatalookum faini iAAtazalookum falam yuqatilookum waalqaw ilaykumu alssalama fama jaAAala Allahu lakum AAalayhim	**[This verse was later abrogated by 9:5. The Tafsir al-Jalalayn makes it clear that this command to remain at peace with some unbelievers refers only to those who submit to Islamic rule. Otherwise fight them]**	Except for those who take refuge with a people between yourselves and whom is a treaty or those who come to you, their hearts strained at [the prospect of] fighting you or fighting their own people. And if Allah had willed, He could have given them power over you, and they would have fought you. So if they remove themselves from you and do not fight you and offer you peace, then Allah has not made for you a cause [for fighting] against them.	4:90	सिवाय उन लोगों के जो ऐसे लोगों से सम्बन्ध रखते हों, जिनसे तुम्हारे और उनकी बीच कोई समझौता हो या वे तुम्हारे पास इस दशा में आएँ कि उनके दिल इससे तंग हो रहे हों कि वे तुमसे लड़े या अपने लोगों से लड़ाई करें। यदि अल्लाह चाहता तो उन्हें तुमपर क़ाबू दे देता। फिर तो वे तुमसे अवश्य लड़ते; तो यदि वे तुमसे अलग रहें और तुमसे न लड़ें और संधि के लिए तुम्हारी ओर हाथ बढ़ाएँ तो उनके विरुद्ध अल्लाह ने तुम्हारे लिए कोई रास्ता नहीं रखा है	**[यह आयत बाद में 9:5 द्वारा निरस्त (अभोगित) कर दी गई। तफ़सीर अल-जलालयन स्पष्ट करता है कि कुछ काफ़िरों के साथ शांति बनाए रखने का यह आदेश केवल उन लोगों के लिए है जो इस्लामी शासन के अधीन आते हैं; अन्यथा, उनके साथ युद्ध करो।]**

Satajidoona akhareena yureedoona an yamanookum wayamanoo qawmahum kulla ma ruddoo ila alfitnati orkisoo feeha fain lam yaAAtazilookum wayulqoo ilaykumu alssalama wayakuffoo aydiyahum fakhuthoohum waoqtuloohum haythu thaqiftumoohum waolaikum jaAAalna lakum	x	You will find others who wish to obtain security from you and [to] obtain security from their people. Every time they are returned to [the influence of] disbelief, they fall back into it. So if they do not withdraw from you or offer you peace or restrain their hands, then seize them and kill them wherever you overtake them. And those - We have made for you against them a clear authorization.	4:91	अब तुम कुछ ऐसे लोगों को भी पाओगे, जो चाहते है कि तुम्हारी ओर से निश्चिन्त होकर रहें और अपने लोगों की ओर से भी निश्चिन्त होकर रहे। परन्तु जब भी वे फ़साद और उपद्रव की ओर फेरे गए तो वे उसी में औधे जो गिरे। तो यदि वे तुमसे अलग-थलग न रहें और तुम्हारी ओर सुलह का हाथ न बढ़ाएँ, और अपने हाथ न रोकें, तो तुम उन्हें पकड़ो और क़त्ल करो, जहाँ कहीं भी तुम उन्हें पाओ। उनके विरुद्ध हमने तुम्हें खुला अधिकार दे रखा है	x

Wama kana limuminin an yaqtula muminan illa khataan waman qatala muminan khataan fatahreeru raqabatin muminatin wadiyatun musallamatun ila ahlihi illa an yassaddaqoo fain kana min qawmin AAaduwwin lakum wahuwa muminun fatahreeru raqabatin muminatin wain kana min qawmin baynakum wabaynahum meethaqun fadiyatun musallamatun ila ahlihi watahreeru raqabatin muminatin faman lam yajid fasiyamu shahrayni	Al-Harith ibn Shadid was hard on the Prophet (pbuh). He was on his way to embrace Islam when he was met by Ayyash ibn Abi Rabiah, and not realising that al-Harith wanted to embrace Islam, he killed Al-Harith. Then this verse was revealed. **[But if one reads islamic history; most of Muslims were killed by fellow Muslims. Even during freeing a slave it should be a Muslim slave only, no mercy on non-muslim slaves.]**	And never is it for a believer to kill a believer except by mistake. And whoever kills a believer by mistake - then the freeing of a believing slave and a compensation payment presented to the deceased's family [is required] unless they give [up their right as] charity. But if the deceased was from a people at war with you and he was a believer - then [only] the freeing of a believing slave; and if he was from a people with whom you have a treaty - then a compensation payment presented to his family and the freeing of a believing slave. And whoever does not find [one or cannot afford to buy one] - then [instead], a fast for two months consecutively,	4:92	किसी ईमानवाले का यह काम नहीं कि वह किसी ईमानवाले का हत्या करे, भूल-चूक की बात और है। और यदि कोई क्यक्ति यदि ग़लती से किसी ईमानवाले की हत्या कर दे, तो एक मोमिन ग़ुलाम को आज़ाद करना होगा और अर्थदंड उस (मारे गए क्यक्ति) के घरवालों को सौंपा जाए। यह और बात है कि वे अपनी ख़ुशी से छोड़ दें। और यदि वह उन लोगों में से हो, जो तुम्हारे शत्रु हों और वह (मारा जानेवाला) स्वयं मोमिन रहा तो एक मोमिन को ग़ुलामी से आज़ाद करना होगा। और यदि वह उन लोगों में से हो कि तुम्हारे और उनके बीच कोई संधि और समझौता हो, तो अर्थदंड उसके घरवालों को सौंपा जाए और एक मोमिन को ग़ुलामी से आज़ाद करना होगा।	अल-हारीथ इब्न शादिद पैग़म्बर मुहम्मद (स.) के प्रति कठोर थे। वह इस्लाम स्वीकार करने के रास्ते पर थे, जब अय्याश इब्न अबी रबिया उनसे मिले। अय्याश यह नहीं जान पा रहे थे कि अल-हारीथ इस्लाम अपनाना चाहते थे, और उन्होंने अल-हारीथ को मार दिया। तब यह आयत अवतरित हुई। [लेकिन यदि कोई इस्लामी इतिहास पढ़े, तो अधिकांश मुसलमानों की हत्या अन्य मुसलमानों ने की। यहाँ तक कि किसी दास को मुक्त करने के समय भी केवल मुसलमान दास ही शामिल होते थे; गैर-मुस्लिम दासों पर कोई दया नहीं।]

Waman yaqtul muminan mutaAAammidan fajazaohu jahannamu khalidan feeha waghadiba Allahu AAalayhi walaAAanahu waaAAadda lahu AAathaban AAatheeman	Miqyas was send by the prophet (pbuh) to a tribe to collect blood money. While returning he killed the man from Fihr and returned to Mecca with camels and became a disbeliever. This verse was then revealed. The Prophet (pbuh) sentenced him to death upon the conquest of Mecca. He was chased and captured by some people in the market place and executed.	But whoever kills a believer intentionally - his recompense is Hell, wherein he will abide eternally, and Allah has become angry with him and has cursed him and has prepared for him a great punishment.	4:93	और जो व्यक्ति जान-बूझकर किसी मोमिन की हत्या करे, तो उसका बदला जहन्नम है, जिसमें वह सदा रहेगा; उसपर अल्लाह का प्रकोप और उसकी फिटकार है और उसके लिए अल्लाह ने बड़ी यातना तैयार कर रखी है	मिकयास को पैग़म्बर मुहम्मद (स.) ने एक जनजाति के पास रक्तदान (ख़ून का मुआवजा) वसूल करने के लिए भेजा। लौटते समय उसने फ़िहर के एक व्यक्ति को मार डाला और ऊँटों के साथ मक्का लौट आया तथा काफ़िर हो गया। तब यह आयत अवतरित हुई। मक्का की विजय के बाद पैग़म्बर (स.) ने उसे मृत्यु दंड सुनाया। उसे बाज़ार में कुछ लोगों ने पकड़कर मार डाला।
Ya ayyuha allatheena amanoo itha darabtum fee sabeeli Allahi fatabayyanoo wala taqooloo liman alqa ilaykumu alssalama lasta muminan tabtaghoona AAarada alhayati alddunya faAAinda Allahi maghanimu katheeratun kathalika kuntum min qablu famanna Allahu AAalaykum fatabayyanoo inna Allaha kana bima taAAmaloona khabeeran	A man from Sulaym who had sheep with him passed by a group of Companions of the Messenger. He greeted them with the greeting of peace, but they said to each other: 'He greeted you with the greeting of peace only to seek refuge from you'. And so they killed him and took his sheep and went to the Messenger (pbuh) after which the following verse came.	O you who have believed, when you go forth [to fight] in the cause of Allah, investigate; and do not say to one who gives you [a greeting of] peace "You are not a believer," aspiring for the goods of worldly life; for with Allah are many acquisitions. You [yourselves] were like that before; then Allah conferred His favor upon you, so investigate. Indeed Allah is ever, with what you do, Acquainted.	4:94	ऐ ईमान लानेवालो! जब तुम अल्लाह के मार्ग से निकलो तो अच्छी तरह पता लगा लो और जो तुम्हें सलाम करे, उससे यह न कहो कि तुम ईमान नहीं रखते, और इससे तुम्हारा ध्येय यह हो कि सांसारिक जीवन का माल प्राप्त करो। अल्लाह ने तुमपर उपकार किया, जो अच्छी तरह पता लगा लिया करो। जो कुछ तुम करते हो अल्लाह उसकी पूरी ख़बर रखता है	सुलेम का एक आदमी, जिसके पास भेड़ें थीं, वह पैगंबर के कुछ साहाबियों के पास से गुजर रहा था। उसने उन्हें सलाम किया, लेकिन उन्होंने एक-दूसरे से कहा: 'उसने तुमसे केवल अपनी रक्षा के लिए ही सलाम किया।' और फिर उन्होंने उसे मार दिया और उसकी भेड़ों को ले लिया और पैगंबर (स.) के पास गए, जिसके बाद यह आयत आयी।

La yastawee alqaAAidoona mina almumineena ghayru olee alddarari waalmujahidoona fee sabeeli Allahi biamwalihim waanfusihim faddala Allahu almujahideena biamwalihim waanfusihim AAala alqaAAideena darajatan wakullan waAAada Allahu alhusna wafaddala Allahu	When the verse (Not equal are those believers...) was revealed, the Messenger (pbuh) called Zayd to write this verse. But Ibn Umm Maktum complained about the fact that he is blind, and so the verse came with this amended form (...other than the disabled..) was revealed, See Sahih Bukhari 4990. **[This verse clearly refutes the claim that jihad refers only to an internal or spiritual struggle. It also appears to raise questions about the lack of foresight in Allah.]**	Not equal are those believers remaining [at home] - other than the disabled - and the mujahideen, [who strive and fight] in the cause of Allah with their wealth and their lives. Allah has preferred the mujahideen through their wealth and their lives over those who remain [behind], by degrees. And to both Allah has promised the best [reward]. But Allah has preferred the mujahideen over those who remain [behind] with a great	4:95	ईमानवालों में से वे लोग जो बिना किसी कारण के बैठे रहते है और जो अल्लाह के मार्ग में अपने धन और प्राणों के साथ जी-तोड़ कोशिश करते है, दोनों समान नहीं हो सकते। अल्लाह ने बैठे रहनेवालों की अपेक्षा अपने धन और प्राणों से जी-तोड़ कोशिश करनेवालों का दर्जा बढ़ा रखा है। यद्यपि प्रत्यके के लिए अल्लाह ने अच्छे बदले का वचन दिया है। परन्तु अल्लाह ने जी-तोड़ कोशिश करनेवालों का बड़ा बदला रखा है	जब आयत (दोनों समान नहीं हो सकते...) प्रकट हुई, तो रसूल (स.) ने ज़ैद को यह आयत लिखने के लिए बुलाया। लेकिन इब्न उम्म मक्तूम ने शिकायत की कि वह अंधा है, और इस प्रकार इस संशोधित रूप (...जो बिना किसी कारण के...) वाली आयत प्रकट हुई। देखिए सहिह बुखारी 4990। **[यह आयत स्पष्ट रूप से इस दावे को खारिज करती है कि जिहाद केवल आंतरिक या आध्यात्मिक संघर्ष को ही संदर्भित करता है। यह अल्लाह में दूरदर्शिता की कमी के बारे में भी सवाल उठाता है।]**
Darajatin minhu wamaghfiratan warahmatan wakana Allahu ghafooran raheeman	x	Degrees [of high position] from Him and forgiveness and mercy. And Allah is ever Forgiving and Merciful.	4:96	उसकी ओर से दर्जे है और क्षमा और दयालुता है। और अल्लाह अत्यन्त क्षमाशील, दयावान है	x

Inna allatheena tawaffahumu almalaikatu thalimee anfusihim qaloo feema kuntum qaloo kunna mustadAAafeena fee alardi qaloo alam takun ardu Allahi wasiAAatan fatuhajiroo feeha faolaika mawahum jahannamu wasaat maseeran	Some people in Mecca who professed Islam but did not migrate; they showed faith outwardly but were hypocrites inwardly. At the Battle of Badr, they joined the idolaters in their fight against the Muslims and were killed therein. The Angels struck their faces and backs and mentioned this verse. **[The Muslims should migrate to a land where there is Islamic rule and should not fight alongside disbelievers. See Abi Dawud 2645, 2787]**	Indeed, those whom the angels take [in death] while wronging themselves - [the angels] will say, "In what [condition] were you?" They will say, "We were oppressed in the land." The angels will say, "Was not the earth of Allah spacious [enough] for you to emigrate therein?" For those, their refuge is Hell - and evil it is as a destination.	4:97	जो लोग अपने-आप पर अत्याचार करते है, जब फ़रिश्ते उस दशा में उनके प्राण ग्रस्त कर लेते है, तो कहते है, "तुम किस दशा में पड़े रहे?" वे कहते है, "हम धरती में निर्बल और बेबस थे।" फ़रिश्ते कहते है, "क्या अल्लाह की धरती विस्तृत न थी कि तुम उसमें घर-बार छोड़कर कहीं ओर चले जाते?" तो ये वही लोग है जिनका ठिकाना जहन्नम है। - और वह बहुत ही बुरा ठिकाना है	मक्का में कुछ लोग थे जिन्होंने इस्लाम कबूल किया लेकिन हिजरत नहीं की; उन्होंने बाहर से आस्था दिखाई लेकिन अंदर से वे पाखंडी थे। बद्र की लड़ाई में, उन्होंने मूर्तिपूजकों के साथ मुसलमानों के खिलाफ लड़ाई में भाग लिया और वहीं मारे गए। फ़रिश्तों ने उनके चेहरे और पीठ पर प्रहार किया और इस आयत का उल्लेख किया। **[मुसलमानों को ऐसी भूमि में जाना चाहिए जहाँ इस्लामी शासन हो और उन्हें मुसलमानों के खिलाफ लड़ाई में काफ़िरों से गठबंधन नहीं करना चाहिए। देखें अबी दाऊद 2645, 2787]**
Illa almustadAAafeena mina alrrijali waalnnisai waalwildani la yastateeAAoona heelatan wala yahtadoona sabeelan	x	Except for the oppressed among men, women and children who cannot devise a plan nor are they directed to a way -	4:98	सिवाय उन बेबस पुरुषों, स्त्रियों और बच्चों के जिनके बस में कोई उपाय नहीं और न कोई राह पा रहे है;	x
Faolaika AAasa Allahu an yaAAfuwa AAanhum wakana Allahu AAafuwwan	x	For those it is expected that Allah will pardon them, and Allah is ever Pardoning and Forgiving.	4:99	तो सम्भव है कि अल्लाह ऐसे लोगों को छोड़ दे; क्योंकि अल्लाह छोड़ देनेवाला और बड़ा क्षमाशील है	x

Waman yuhajir fee sabeeli Allahi yajid fee alardi muraghaman katheeran wasaAAatan waman yakhruj min baytihi muhajiran ila Allahi warasoolihi thumma yudrikhu almawtu faqad waqaAAa ajruhu AAala Allahi wakana Allahu ghafooran raheeman	When the Muslims of Mecca heard the verse 4:97, Habib ibn Damrah al-Laythi, who was an old man, said to his sons to transport him to Medina. When he got to al-Tan'im, death descended on him and he died an easy death. When his news reached the Companions of the Messenger (pbuh) they said: 'His reward would have been more complete had he reached Medina', and this verse was revealed. **[Cardinal importance of "emigration for the cause of Allah," that is, moving to a new land with the intention of Islam.]**	And whoever emigrates for the cause of Allah will find on the earth many [alternative] locations and abundance. And whoever leaves his home as an emigrant to Allah and His Messenger and then death overtakes him - his reward has already become incumbent upon Allah. And Allah is ever Forgiving and Merciful.	4:100	जो कोई अल्लाह के मार्ग में घरबार छोड़कर निकलेगा, वह धरती में शरण लेने की बहुत जगह और समाई पाएगा, और जो कोई अपने घर में सब कुछ छोड़कर अल्लाह और उसके रसूल की ओर निकले और उसकी मृत्यु हो जाए, तो उसका प्रतिदान अल्लाह के ज़िम्मे हो गया। अल्लाह बहुत क्षमाशील, दयावान है	जब मक्का के मुसलमानों ने सूरह 4:97 की आयत सुनी, हबीब इब्न दमरा अल-लैथी, जो एक वृद्ध व्यक्ति थे, ने अपने पुत्रों से कहा कि उन्हें मदीना ले जाएँ। जब वे अल-तनीम पहुँचे, तो मृत्यु उनके ऊपर आ गई और उनका निधन सहज तरीके से हुआ। जब उनके समाचार पैगंबर (स.) के साथियों तक पहुँचा, तो उन्होंने कहा: 'अगर वे मदीना पहुँच जाते तो उनका इनाम़ा और पूरा होता', और यह आयत उतरी। **["अल्लाह के मार्ग में घरबार छोड़कर" का महत्वपूर्ण महत्व, अर्थात् किसी नई भूमि में इस्लाम के इरादे से स्थानांतरित होना।]**
Waitha darabtum fee alardi falaysa AAalaykum junahun an taqsuroo mina alssalati in khiftum an yaftinakumu allatheena kafaroo inna alkafireena kanoo lakum AAaduwwan mubeenan	x	And when you travel throughout the land, there is no blame upon you for shortening the prayer, [especially] if you fear that those who disbelieve may disrupt [or attack] you. Indeed, the disbelievers are ever to you a clear enemy.	4:101	और जब तुम धरती में यात्रा करो, तो इसमें तुमपर कोई गुनाह नहीं कि नमाज़ को कुछ संक्षिप्त कर दो; यदि तुम्हें इस बात का भय हो कि विधर्मी लोग तुम्हें सताएँगे और कष्ट पहुँचाएँगे। निश्चय ही विधर्मी लोग तुम्हारे खुले शत्रु है	x

Waitha kunta feehim faaqamta lahumu alssalata faltaqum taifatun minhum maAAaka walyakhuthoo aslihatahum faitha sajadoo falyakoonoo min waraikum waltati taifatun okhra lam yusalloo falyusalloo maAAaka walyakhuthoo hithrahum waaslihatahum wadda allatheena kafaroo law taghfuloona AAan aslihatikum waamtiAAatikum fayameeloona AAalaykum maylatan wahidatan wala junaha AAalaykum in kana	Companions performed the prayer of Zuhr with the Messenger (pbuh) upon which the idolaters exclaimed: ‘They were in a vulnerable situation, why did we not attack them by surprise?’ Then they said: ‘There shall come another prayer which is more beloved to them than their own fathers, which is the midafternoon (Asr) prayer’. Then this verse came.	And when you are among them and lead them in prayer, let a group of them stand [in prayer] with you and let them carry their arms. And when they have prostrated, let them be [in position] behind you and have the other group come forward which has not [yet] prayed and let them pray with you, taking precaution and carrying their arms. Those who disbelieve wish that you would neglect your weapons and your baggage so they could come down upon you in one [single] attack. But there is no blame upon you, if you are troubled by rain or are ill, for putting down your arms, but take precaution. Indeed, Allah has prepared for the disbelievers a	4:102	और जब तुम उनके बीच हो और (लड़ाई की दशा में) उन्हें नमाज़ पढ़ाने के लिए खड़े हो, जो चाहिए कि उनमें से एक गिरोह के लोग तुम्हारे साथ खड़े हो जाएँ और अपने हथियार साथ लिए रहें, और फिर जब वे सजदा कर लें तो उन्हें चाहिए कि वे हटकर तुम्हारे पीछे हो जाएँ और दूसरे गिरोंह के लोग, जिन्होंने अभी नमाज़ नही पढ़ी, आएँ और तुम्हारे साथ नमाज़ पढ़े, और उन्हें भी चाहिए कि वे भी अपने बचाव के सामान और हथियार लिए रहें। विधर्मी चाहते ही है कि वे भी अपने हथियारों और सामान से असावधान हो जाओ तो वे तुम पर एक साथ टूट पड़े। यदि वर्षा के कारण तुम्हें तकलीफ़ होती हो या तुम बीमार हो, तो तुम्हारे लिए कोई गुनाह नहीं कि अपने हथियार रख दो, फिर	सहयोगियों ने पैगंबर (स.) के साथ ज़ुहर की नमाज़ अदा की, जिस पर मूर्तिपूजकों ने कहा: 'वे तो असुरक्षित स्थिति में थे, हमने उन पर अचानक हमला क्यों नहीं किया?' फिर उन्होंने कहा: 'एक और नमाज़ आयेगी जो उनके लिए उनके अपने पिता से भी अधिक प्रिय होगी, वह है मध्याह्न (असर) की नमाज़।' फिर यह आयत आयी।

Faitha qadaytumu alssalata faothkuroo Allaha qiyaman waquAAoodan waAAala junoobikum faitha itmanantum faaqeemoo alssalata inna alssalata kanat AAala almumineena kitaban mawqootan	x	And when you have completed the prayer, remember Allah standing, sitting, or [lying] on your sides. But when you become secure, re-establish [regular] prayer. Indeed, prayer has been decreed upon the believers a decree of specified times.	4:103	फिर जब तुम नमाज़ अदा कर चुको तो खड़े, बैठे या लेटे अल्लाह को याद करते रहो। फिर जब तुम्हें इतमीनान हो जाए तो विधिवत रूप से नमाज़ पढ़ो। निस्संदेह ईमानवालों पर समय की पाबन्दी के साथ नमाज़ पढना अनिवार्य है	x
Wala tahinoo fee ibtighai alqawmi in takoonoo talamoona fainnahum yalamoona kama talamoona watarjoona mina Allahi ma la yarjoona wakana Allahu AAaleeman hakeeman	Muslims have a much stronger incentive to fight.	And do not weaken in pursuit of the enemy. If you should be suffering - so are they suffering as you are suffering, but you expect from Allah that which they expect not. And Allah is ever Knowing and Wise.	4:104	और उन लोगों का पीछा करने में सुस्ती न दिखाओ। यदि तुम्हें दुख पहुँचता है; तो उन्हें भी दुख पहुँचता है, जिस तरह तुमको दुख पहुँचता है। और तुम अल्लाह से उस चीज़ की आशा करते हो, जिस चीज़ की वे आशा नहीं करते। अल्लाह तो सब कुछ जाननेवाला, तत्वदर्शी है	मुसलमानों के पास लड़ाई करने के लिए बहुत अधिक प्रेरणा है।

Inna anzalna ilayka alkitaba bialhaqqi litahkuma bayna alnnasi bima araka Allahu wala takun lilkhaineena khaseeman	One man from the Ansar by the name of Tumah stole an armour from his neighbour. The armour was in a sac of wheat. Tumah then took the armour and hid it with a Jew. People followed the trail of ground wheat which led them to the house of the Jewish man. The clan of Tumah requested the Prophet to argue in favour of their man. The Messenger (pbuh) was on the verge of doing as he was requested for his heart was with them and punish the Jew, when this verse came.	Indeed, We have revealed to you, [O Muhammad], the Book in truth so you may judge between the people by that which Allah has shown you. And do not be for the deceitful an advocate.	4:105	निस्संदेह हमने यह किताब हक़ के साथ उतारी है, ताकि अल्लाह ने जो कुछ तुम्हें दिखाया है उसके अनुसार लोगों के बीच फ़ैसला करो। और तुम विश्वासघाती लोगों की ओर से झगड़नेवाले न बनो	अंसार के एक आदमी जिसका नाम तुमा था, ने अपने पड़ोसी से एक बख्तरपुश चुराया। बख्तरपुश गेहूं की एक झोली में था। फिर तुमा ने बख्तरपुश लेकर उसे एक यहूदी के पास छुपा दिया। लोग जमीन पर बिखरे गेहूं के निशान का पीछा करते हुए उस यहूदी आदमी के घर पहुँच गए। तुमा के कबीले ने पैगंबर से अपने व्यक्ति के पक्ष में दलील देने की विनती की। पैगंबर (स.) उनके प्रति अपने दिल के साथ थे और वह यहूदी को दंडित करने वाले थे कि तभी यह आयत आई।
Waistaghfiri Allaha inna Allaha kana ghafooran raheeman	x	And seek forgiveness of Allah. Indeed, Allah is ever Forgiving and	4:106	अल्लाह से क्षमा की प्रार्थना करो। निस्संदेह अल्लाह बहुत क्षमाशील, दयावान है	x
Wala tujadil AAani allatheena yakhtanoona anfusahum inna Allaha la yuhibbu man kana khawwanan	x	And do not argue on behalf of those who deceive themselves. Indeed, Allah loves not one who is a habitually sinful deceiver.	4:107	और तुम उन लोगों की ओर से न झगड़ो जो स्वयं अपनों के साथ विश्वासघात करते है। अल्लाह को ऐसा व्यक्ति प्रिय नहीं है जो विश्वासघाती, हक़ मारनेवाला हो	x

Yastakhfoona mina alnnasi wala yastakhfoona mina Allahi wahuwa maAAahum ith yubayyitoona ma la yarda mina alqawli wakana Allahu bima yaAAmaloona muheetan	x	They conceal [their evil intentions and deeds] from the people, but they cannot conceal [them] from Allah, and He is with them [in His knowledge] when they spend the night in such as He does not accept of speech. And ever is Allah, of what they do, encompassing.	4:108	वे लोगों से तो छिपते है, परन्तु अल्लाह से नहीं छिपते। वह तो (उस समय भी) उनके साथ होता है, जब वे रातों में उस बात की गुप्त-मंत्रणा करते है जो उनकी इच्छा के विरुद्ध होती है। जो कुछ वे करते है, वह अल्लाह (के ज्ञान) से आच्छदित है	x
Haantum haolai jadaltum AAanhum fee alhayati alddunya faman yujadilu Allaha AAanhum yawma alqiyamati am man yakoonu AAalayhim	x	Here you are - those who argue on their behalf in [this] worldly life - but who will argue with Allah for them on the Day of Resurrection, or who will [then] be their representative?	4:109	हाँ, ये तुम ही हो, जिन्होंने सांसारिक जीवन में उनको ओर से झगड़ लिया, परन्तु क़ियामत के दिन उनकी ओर से अल्लाह से कौन झगड़ेगा या कौन उनका वकील होगा?	x
Waman yaAAmal sooan aw yathlim nafsahu thumma yastaghfiri Allaha yajidi Allaha ghafooran raheeman	x	And whoever does a wrong or wrongs himself but then seeks forgiveness of Allah will find Allah Forgiving and Merciful.	4:110	और जो कोई बुरा कर्म कर बैठे या अपने-आप पर अत्याचार करे, फिर अल्लाह से क्षमा की प्रार्थना करे, तो अल्लाह को बड़ा क्षमाशील, दयावान पाएगा	x
Waman yaksib ithman fainnama yaksibuhu AAala nafsihi wakana Allahu AAaleeman hakeeman	x	And whoever commits a sin only earns it against himself. And Allah is ever Knowing and Wise.	4:111	और जो व्यक्ति गुनाह कमाए, तो वह अपने ही लिए कमाता है। अल्लाह तो सर्वज्ञ, तत्वदर्शी है	x

Waman yaksib khateeatan aw ithman thumma yarmi bihi bareean faqadi ihtamala buhtanan waithman	x	But whoever earns an offense or a sin and then blames it on an innocent [person] has taken upon himself a slander and manifest sin.	4:112	और जो व्यक्ति कोई ग़लती या गुनाह की कमाई करे, फिर उसे किसी निर्दोष पर थोप दे, तो उसने एक बड़े लांछन और खुले गुनाह का बोझ अपने ऊपर ले लिया	x
Walawla fadlu Allahi AAalayka warahmatuhu lahammat taifatun minhum an yudillooka wama yudilloona illa anfusahum wama yadurroonaka min shayin waanzala Allahu AAalayka alkitaba waalhikmata waAAallamaka ma lam takun taAAlamu wakana fadlu Allahi	x	And if it was not for the favor of Allah upon you, [O Muhammad], and His mercy, a group of them would have determined to mislead you. But they do not mislead except themselves, and they will not harm you at all. And Allah has revealed to you the Book and wisdom and has taught you that which you did not know. And ever has the favor of Allah upon you been great.	4:113	यदि तुमपर अल्लाह का उदार अनुग्रह और उसकी दयालुता न होती तो उनमें से कुछ लोग तो यह निश्चय कर ही चुके थे कि तुम्हें राह से भटका दें, हालाँकि वे अपने आप ही को पथभ्रष्टि कर रहे है, और तुम्हें वे कोई हानि नहीं पहुँचा सकते। अल्लाह ने तुमपर किताब और हिकमत (तत्वदर्शिता) उतारी है और उसने तुम्हें वह कुछ सिखाया है जो तुम जानते न थे। अल्लाह का तुमपर बहुत बड़ा अनुग्रह है	x

La khayra fee katheerin min najwahum illa man amara bisadaqatin aw maAAroofin aw islahin bayna alnnasi waman yafAAal thalika ibtighaa mardati Allahi fasawfa nuteehi ajran	x	No good is there in much of their private conversation, except for those who enjoin charity or that which is right or conciliation between people. And whoever does that seeking means to the approval of Allah - then We are going to give him a great reward.	4:114	उनकी अधिकतर काना-फूसियों में कोई भलाई नहीं होती। हाँ, जो व्यक्ति सदक़ा देने या भलाई करने या लोगों के बीच सुधार के लिए कुछ कहे, तो उसकी बात और है। और जो कोई यह काम अल्लाह की प्रसन्नता प्राप्त करने के लिए करेगा, उसे हम निश्चय ही बड़ा प्रतिदान प्रदान करेंगे	x
Waman yushaqiqi alrrasoola min baAAdi ma tabayyana lahu alhuda wayattabiAA ghayra sabeeli almumineena nuwallihi ma tawalla wanuslihi jahannama wasaat maseeran	The Punishment for contradicting and opposing the Messenger and following a path other than that of the believers.	And whoever opposes the Messenger after guidance has become clear to him and follows other than the way of the believers - We will give him what he has taken and drive him into Hell, and evil it is as a destination.	4:115	और जो क्यक्ति, इसके पश्चात भी मार्गदर्शन खुलकर उसके सामने आ गया है, रसूल का विरोध करेगा और ईमानवालों के मार्ग के अतिरिक्त किसी और मार्ग पर चलेगा तो उसे हम उसी पर चलने देंगे, जिसको उसने अपनाया होगा और उसे जहन्नम में झोंक देंगे, और वह बहुत ही बुरा ठिकाना है	पैग़म्बर (स.) के विरोध और उनके मार्ग के बजाय किसी अन्य मार्ग का पालन करने का दंड।

Inna Allaha la yaghfiru an yushraka bihi wayaghfiru ma doona thalika liman yashao waman yushrik biAllahi faqad dalla dalalan baAAeedan	**[Contradiction: Shirk could not be pardoned 4:48, 4:116; could be pardoned 4:153, 39:53]** Stand of Islamic scholars is that if someone has repented before death then it could be pardoned.	Indeed, Allah does not forgive association with Him, but He forgives what is less than that for whom He wills. And he who associates others with Allah has certainly gone far astray.	4:116	निस्संदेह अल्लाह इस चीज़ को क्षमा नहीं करेगा कि उसके साथ किसी को शामिल किया जाए। हाँ, इससे नीचे दर्जे के अपराध को, जिसके लिए चाहेगा, क्षमा कर देगा। जो अल्लाह के साथ किसी को साझी ठहराता है, तो वह भटककर बहुत दूर जा पड़ा	**[विरोधाभास: शिर्क (अल्लाह के साथ किसी को साझेदार ठहराना) को माफ़ नहीं किया जा सकता 4:48, 4:116; माफ़ किया जा सकता है 4:153, 39:53]।** इस्लामी विद्वानों का दृष्टिकोण यह है कि यदि कोई व्यक्ति मृत्यु से पहले तौबा कर ले, तो शिर्क भी अल्लाह द्वारा माफ़ किया जा सकता है।
In yadAAoona min doonihi illa inathan wain yadAAoona illa shaytanan mareedan	x	They call upon instead of Him none but female [deities], and they [actually] call upon none but a rebellious Satan.	4:117	वे अल्लाह से हटकर बस कुछ देवियों को पुकारते है। और वे तो बस सरकश शैतान को पुकारते है;	x
LaAAanahu Allahu waqala laattakhithanna min AAibadika naseeban mafroodan	Means Shaytan will mislead and from every one thousand, nine hundred and ninety-nine will go to the Fire and one to Paradise.	Whom Allah has cursed. For he had said, "I will surely take from among Your servants a specific portion.	4:118	जिसपर अल्लाह की फिटकार है। उसने कहा था, "मैं तेरे बन्दों में से एक निश्चित हिस्सा लेकर रहूँगा	इसका अर्थ है कि शैतान भटका देगा और प्रत्येक एक हज़ार में से नौ सौ निन्यानवे लोग जहन्नुम में जाएंगे और केवल एक जन्नत में पहुंचेगा।

Walaodillannahum walaomanniyannahum walaamurannahum falayubattikunna athana alanAAami walaamurannahum falayughayyirunna khalqa Allahi waman yattakhithi alshshaytana waliyyan min dooni Allahi faqad khasira khusranan mubeenan	Slitting the ears of camels was to designate them as Bahirah, Sa'ibah, and a Wasilah (means marking them not to be slaughtered as per pagan cutoms). "change the creation of Allah" means tattooing, plucking (facial) hairs, making spaces between teeth for the purpose of beauty. **[However, shaving mustaches, circumcision does not comes under this; Contradiction: Who misguides: Allah 6:25, 28:56, 35:8, 10:100; Allah does not misguide 9:115, Shaytan 4:119, 15:39, 114:4-5, Humans themself 6:12, 9:70, 30:9]**	And I will mislead them, and I will arouse in them [sinful] desires, and I will command them so they will slit the ears of cattle, and I will command them so they will change the creation of Allah." And whoever takes Satan as an ally instead of Allah has certainly sustained a clear loss.	4:119	"और उन्हें अवश्य ही भटकाऊँगा और उन्हें कामनाओं में उलझाऊँगा, और उन्हें हुक्म दूँगा तो वे चौपायों के कान फाड़ेंगे, और उन्हें मैं सुझाव दूँगा तो वे अल्लाह की संरचना में परिवर्तन करेंगे।" और जिसने अल्लाह से हटकर शैतान को अपना संरक्षक और मित्र बनाया, वह खुले घाटे में पड़ गया	ऊँटों के कान काटकर उन्हें बहेराह, सै'बह और वासिला के रूप में चिह्नित किया जाता था (जिसका अर्थ था कि उन्हें मूर्तिपूजक रीति-रिवाजों के अनुसार चिह्नित करना)। अल्लाह की सृष्टि में बदलाव" का मतलब है टैटू बनाना, (चेहरे के) बाल उखाड़ना, या सुंदरता के लिए दांतों के बीच जगह बनाना। **[हालाँकि, मूँछों को काटना और लिंग का खतना इसके अंतर्गत नहीं आता। विरोधाभास: कौन भटका देता है – अल्लाह 6:25, 28:56, 35:8, 10:100; अल्लाह नहीं भटका देता 9:115, शैतान 4:119, 15:39, 114:4-5, मनुष्य स्वयं 6:12, 9:70, 30:9]**
YaAAiduhum wayumanneehim wama yaAAiduhumu alshshaytanu illa ghurooran	x	Satan promises them and arouses desire in them. But Satan does not promise them except delusion.	4:120	वह उनसे वादा करता है और उन्हें कामनाओं में उलझाए रखता है, हालाँकि शैतान उनसे जो कुछ वादा करता है वह एक धोके के सिवा कुछ भी नहीं होता	x
Olaika mawahum jahannamu wala yajidoona AAanha maheesan	x	The refuge of those will be Hell, and they will not find from it an escape.	4:121	वही लोग है जिनका ठिकाना जहन्नम है और वे उससे अलग होने की कोई जगह न पाएँगे	x

Waallatheena amanoo waAAamiloo alssalihati sanudkhiluhum jannatin tajree min tahtiha alanharu khalideena feeha abadan waAAda Allahi haqqan waman asdaqu mina Allahi qeelan	x	But the ones who believe and do righteous deeds - We will admit them to gardens beneath which rivers flow, wherein they will abide forever. [It is] the promise of Allah, [which is] truth, and who is more truthful than Allah in statement.	4:122	रहे वे लोग जो ईमान लाए और उन्होंने अच्छे कर्म किए, उन्हें हम जल्द ही ऐसे बाग़ों में दाख़िल करेंगे, जिनके नीचे नहरें बह रही होंगी, जहाँ वे सदैव रहेंगे। अल्लाह का वादा सच्चा है, और अल्लाह से बढ़कर बात का सच्चा कौन हो सकता है?	x
Laysa biamaniyyikum wala amaniyyi ahli alkitabi man yaAAmal sooan yujza bihi wala yajid lahu min dooni Allahi waliyyan wala naseeran	The people of the Book, the adherents of the Torah and the adherents of the Gospel, as well as the muslims sat together one day and each claimed that they were better than the others. This verse was revealed regarding this. **[Again no one has any say in religion neither muslims not non-muslims. Everyone should accept Islam.]**	Paradise is not [obtained] by your wishful thinking nor by that of the People of the Scripture. Whoever does a wrong will be recompensed for it, and he will not find besides Allah a protector or a helper.	4:123	बात न तुम्हारी कामनाओं की है और न किताबवालों की कामनाओं की। जो भी बुराई करेगा उसे उसका फल मिलेगा और वह अल्लाह से हटकर न तो कोई मित्र पाएगा और न ही सहायक	किताब वालों, तौरा के अनुयायी और इंजील के अनुयायी, साथ ही मुसलमान एक दिन एकत्र हुए और हर किसी ने दावा किया कि वे दूसरों से श्रेष्ठ हैं। इस बारे में यह आयत अवतरित हुई। **[फिर से यह स्पष्ट है कि किसी को धर्म में कोई अधिकार नहीं है—ना मुसलमानों को, ना गैर-मुसलमानों को। हर किसी को इस्लाम स्वीकार करना चाहिए।]**
Waman yaAAmal mina alssalihati min thakarin aw ontha wahuwa muminun faolaika yadkhuloona aljannata wala yuthlamoona	Without believe, righteous deed will be of no avail.	And whoever does righteous deeds, whether male or female, while being a believer - those will enter Paradise and will not be wronged, [even as much as] the speck on a date seed.	4:124	किन्तु जो अच्छे कर्म करेगा, चाहे पुरुष हो या स्त्री, यदि वह ईमानवाला है तो ऐसे लोग जन्नत में दाख़िल होंगे। और उनका हक़ रत्ती भर भी मारा नहीं जाएगा	विश्वास के बिना, अच्छे कर्म किसी लाभ के लिए नहीं होंगे।

Waman ahsanu deenan mimman aslama wajhahu lillahi wahuwa muhsinun waittabaAAa millata ibraheema haneefan waittakhatha Allahu ibraheema khaleelan	The Messenger (pbuh) asked Gabriel: Why did Allah chose Abraham as a friend? He said: O Muhammad, it was because of his feeding of others. **[Why would an Almighty God need friends.]**	And who is better in religion than one who submits himself to Allah while being a doer of good and follows the religion of Abraham, inclining toward truth? And Allah took Abraham as an intimate friend.	4:125	और दीन (धर्म) की स्पष्ट से उस व्यक्ति से अच्छा कौन हो सकता है, जिसने अपने आपको अल्लाह के आगे झुका दिया और इबराहीम के तरीक़े का अनुसरण करे, जो सबसे कटकर एक का हो गया था? अल्लाह ने इबराहीम को अपना घनिष्ठ मित्र बनाया था	पैग़म्बर मुहम्मद (स.) ने जिब्रईल से पूछा: अल्लाह ने इब्राहीम (स.) को मित्र क्यों चुना? उन्होंने कहा: 'हे मुहम्मद (स.), यह इसलिए कि उन्होंने दूसरों को भोजन कराया।' [यह प्रश्न उठता है कि सर्वशक्तिमान अल्लाह को मित्र की आवश्यकता क्यों होगी।]
Walillahi ma fee alssamawati wama fee alardi wakana Allahu bikulli shayin muheetan	x	And to Allah belongs whatever is in the heavens and whatever is on the earth. And ever is Allah, of all things, encompassing.	4:126	जो कुछ आकाशों में और जो कुछ धरती में है, वह अल्लाह ही का है और अल्लाह हर चीज़ को घेरे हुए है	x

Wayastaftoonaka fee alnnisai quli Allahu yufteekum feehinna wama yutla AAalaykum fee alkitabi fee yatama alnnisai allatee la tutoonahunna ma kutiba lahunna watarghaboona an tankihoohunna waalmustadAAafeen a mina alwildani waan taqoomoo lilyatama bialqisti wama tafAAaloo min khayrin fainna Allaha kana bihi AAaleeman	Men were warned against marrying the orphaned just because of their beauty or out of desire for their wealth, unless one was prepared to deal with them fairly, for the trend was that men shunned those orphans who had no wealth or were not beautiful.	And they request from you, [O Muhammad], a [legal] ruling concerning women. Say, "Allah gives you a ruling about them and [about] what has been recited to you in the Book concerning the orphan girls to whom you do not give what is decreed for them - and [yet] you desire to marry them - and concerning the oppressed among children and that you maintain for orphans [their rights] in justice." And whatever you do of good - indeed, Allah is ever Knowing of it.	4:127	लोग तुमसे स्त्रियों के विषय में पूछते है, कहो, "अल्लाह तुम्हें उनके विषय में हुक्म देता है और जो आयतें तुमको इस किताब में पढ़कर सुनाई जाती है, वे उन स्त्रियों के, अनाथों के विषय में भी है, जिनके हक़ तुम अदा नहीं करते। और चाहते हो कि तुम उनके साथ विवाह कर लो और कमज़ोर यतीम बच्चों के बारे में भी यही आदेश है। और इस विषय में भी कि तुम अनाथों के विषय में इनसाफ़ पर क़ायम रहो। जो भलाई भी तुम करोगे तो निश्चय ही, अल्लाह उसे भली-भाँति जानता होगा।"	पुरुषों को चेतावनी दी गई कि वे अनाथ लड़कियों से केवल उनकी सुंदरता या धन के कारण विवाह न करें, जब तक कि वे उनके साथ न्यायपूर्वक व्यवहार करने के लिए तैयार न हों। उस समय का रुझान यह था कि पुरुष उन अनाथों से विवाह करने से कतराते थे जिनके पास धन नहीं था या जो सुंदर नहीं थीं।

Waini imraatun khafat min baAAliha nushoozan aw iAAradan fala junaha AAalayhima an yusliha baynahuma sulhan waalssulhu khayrun waohdirati alanfusu alshshuhha wain tuhsinoo watattaqoo fainna Allaha kana bima taAAmaloona khabeeran	This was revealed a woman who does not bear children for her husband or he disliked her and wants to divorce her. So she tells her husband who intends to divorce her: 'Do not divorce me; keep me with you and, in exchange, I forgo all the rights due to me'. And so this verse was revealed. **[Prophet's wives, Sawdah, “feared that he might divorce her.” So she said: “O Messenger of Allah! Do not divorce me; give my day to Aisha". See Hadith Tirmidhi 3040, Bukhari 5212]**	And if a woman fears from her husband contempt or evasion, there is no sin upon them if they make terms of settlement between them - and settlement is best. And present in [human] souls is stinginess. But if you do good and fear Allah - then indeed Allah is ever, with what you do, Acquainted.	4:128	यदि किसी स्त्री को अपने पति की और से दुर्व्यवहार या बेरुख़ी का भय हो, तो इसमें उनके लिए कोई दोष नहीं कि वे दोनों आपस में मेल-मिलाप की कोई राह निकाल ले। और मेल-मिलाव अच्छी चीज़ है। और मन तो लोभ एवं कृपणता के लिए उद्यत रहता है। परन्तु यदि तुम अच्छा व्यवहार करो और (अल्लाह का) भय रखो, तो अल्लाह को निश्चय ही जो कुछ तुम करोगे उसकी खबर रहेगी	यह उस महिला के बारे में अवतरित हुआ जो अपने पति के लिए संतान नहीं पैदा कर रही थी या जिसे उसके पति नापसंद करता था और वह उसे तलाक देना चाहता था। तब वह अपने पति से कहती है, जो उसे तलाक देना चाहता था: "मुझे तलाक मत दो; मुझे अपने पास रखो और इसके बदले मैं अपने सभी हक़ों से वंचित हो जाती हूँ।" और तब यह आयत अवतरित हुई। [पैग़म्बर की पत्नी सावदा को डर था कि वह उसे तलाक दे सकते हैं। इसलिए उसने कहा: "हे पैग़म्बर मुहम्मद (स.)! मुझे तलाक मत दो; मेरा दिन आइशा को दे दो।" देखें हदीस: तिर्मिज़ी 3040, बुखारी 5212]
Walan tastateeAAoo an taAAdiloo bayna alnnisai walaw harastum fala tameeloo kulla almayli fatatharooha kaalmuAAallaqati wain tuslihoo watattaqoo fainna Allaha kana ghafooran raheeman	**[Allah says in 4:3 that you can marry more than one if you can do justice between then, but in 4:129 Allah say you can't do justice between wives.]**	And you will never be able to be equal [in feeling] between wives, even if you should strive [to do so]. So do not incline completely [toward one] and leave another hanging. And if you amend [your affairs] and fear Allah - then indeed, Allah is ever Forgiving and Merciful.	4:129	और चाहे तुम कितना ही चाहो, तुममें इसकी सामर्थ्य नहीं हो सकती कि औरतों के बीच पूर्ण रूप से न्याय कर सको। तो ऐसा भी न करो कि किसी से पूर्णरूप से फिर जाओ, जिसके परिणामस्वरूप वह ऐसी हो जाए, जैसे उसका पति खो गया हो। परन्तु यदि तुम अपना व्यवहार ठीक रखो और (अल्लाह से) डरते रहो, तो निस्संदेह अल्लाह भी बड़ा क्षमाशील, दयावान है	**[अल्लाह 4:3 में कहते हैं कि यदि आप उनके बीच न्याय कर सकते हैं तो एक से अधिक विवाह कर सकते हैं, लेकिन 4:129 में अल्लाह कहते हैं कि आप पत्नियों के बीच पूर्ण न्याय नहीं कर सकते।]**

Wain yatafarraqa yughni Allahu kullan min saAAatihi wakana Allahu wasiAAan hakeeman	x	But if they separate [by divorce], Allah will enrich each [of them] from His abundance. And ever is Allah Encompassing and Wise.	4:130	और यदि दोनों अलग ही हो जाएँ तो अल्लाह अपनी समाई से एक को दूसरे से बेपररवाह कर देगा। अल्लाह बड़ी समाईवाला, तत्वदर्शी है	x
Walillahi ma fee alssamawati wama fee alardi walaqad wassayna allatheena ootoo alkitaba min qablikum waiyyakum ani ittaqoo Allaha wain takfuroo fainna lillahi ma fee alssamawati wama fee alardi wakana Allahu ghaniyyan hameedan	**[Here it is said that Allah is free of need, but he takes friends, wish to be worshipped, asks Muslims to fight in His cause.]**	And to Allah belongs whatever is in the heavens and whatever is on the earth. And We have instructed those who were given the Scripture before you and yourselves to fear Allah. But if you disbelieve - then to Allah belongs whatever is in the heavens and whatever is on the earth. And ever is Allah Free of need and Praiseworthy.	4:131	आकाशों और धरती में जो कुछ है, सब अल्लाह ही का है। तुमसे पहले जिन्हें किताब दी गई थी, उन्हें और तुम्हें भी हमने ताकीद की है कि "अल्लाह का डर रखो।" यदि तुम इनकार करते हो, तो इससे क्या होने का? आकाशों और धरती में जो कुछ है, सब अल्लाह ही का रहेगा। अल्लाह तो निस्पृह, प्रशंसनीय है	निस्पृह = जिसे किसी चीज़ की कोई इच्छा या लालसा न हो **[यहाँ कहा गया है कि अल्लाह किसी चीज़ का इच्छुक नहीं है, फिर भी वह मित्र बनाता है, उसकी पूजा की इच्छा रखता है, और मुसलमानों से अपने रास्ते में लड़ने को कहता है।]**
Walillahi ma fee alssamawati wama fee alardi wakafa biAllahi wakeelan	x	And to Allah belongs whatever is in the heavens and whatever is on the earth. And sufficient is Allah as Disposer of	4:132	हाँ, आकाशों और धरती में जो कुछ है, अल्लाह ही का है और अल्लाह कार्यसाधक की हैसियत से काफ़ी है	x
In yasha yuthhibkum ayyuha alnnasu wayati biakhareena wakana Allahu AAala thalika qadeeran	x	If He wills, He can do away with you, O people, and bring others [in your place]. And ever is Allah competent to do that.	4:133	ऐ लोगों! यदि वह चाहे तो तुम्हें हटा दे और तुम्हारी जगह दूसरों को ले आए। अल्लाह को इसकी पूरी सामर्थ्य है	x

Man kana yureedu thawaba alddunya faAAinda Allahi thawabu alddunya waalakhirati wakana Allahu sameeAAan baseeran	x	Whoever desires the reward of this world - then with Allah is the reward of this world and the Hereafter. And ever is Allah Hearing and Seeing.	4:134	जो कोई दुनिया का बदला चाहता है, तो अल्लाह के पास दुनिया का बदला भी है और आख़िरत का भी। अल्लाह सब कुछ सुनता, देखता है	x
Ya ayyuha allatheena amanoo koonoo qawwameena bialqisti shuhadaa lillahi walaw AAala anfusikum awi alwalidayni waalaqrabeena in yakun ghaniyyan aw faqeeran faAllahu awla bihima fala tattabiAAoo alhawa an taAAdiloo wain talwoo aw tuAAridoo fainna Allaha kana bima taAAmaloona khabeeran	A poor man and a rich man went to Messenger (pbuh) to settle a dispute. He was inclined to judge in favour of the poor man because he thought that a poor man cannot wrong a rich person. Then this verse was revealed.	O you who have believed, be persistently standing firm in justice, witnesses for Allah, even if it be against yourselves or parents and relatives. Whether one is rich or poor, Allah is more worthy of both. So follow not [personal] inclination, lest you not be just. And if you distort [your testimony] or refuse [to give it], then indeed Allah is ever, with what you do, Acquainted.	4:135	ऐ ईमान लानेवालो! अल्लाह के लिए गवाही देते हुए इनसाफ़ पर मज़बूती के साथ जमे रहो, चाहे वह स्वयं तुम्हारे अपने या माँ-बाप और नातेदारों के विरुद्ध ही क्यों न हो। कोई धनवान हो या निर्धन (जिसके विरुद्ध तुम्हें गवाही देनी पड़े) अल्लाह को उनसे (तुमसे कहीं बढ़कर) निकटता का सम्बन्ध है, तो तुम अपनी इच्छा के अनुपालन में न्याय से न हटो, क्योंकि यदि तुम हेर-फेर करोगे या कतराओगे, तो जो कुछ तुम करते हो अल्लाह को उसकी ख़बर रहेगी	एक गरीब और एक अमीर व्यक्ति पैग़म्बर मुहम्मद (स.) के पास एक विवाद निपटाने गए। पैग़म्बर (स.) झुकाव रखते थे कि गरीब के पक्ष में फैसला करें, क्योंकि उन्हें लगता था कि एक गरीब व्यक्ति अमीर को अन्याय नहीं कर सकता। तब यह आयत अवतरित हुई।

Ya ayyuha allatheena amanoo aminoo biAllahi warasoolihi waalkitabi allathee nazzala AAala rasoolihi waalkitabi allathee anzala min qablu waman yakfur biAllahi wamalaikatihi wakutubihi warusulihi waalyawmi alakhiri	This was revealed about some people who said: O Messenger of Allah, we believe in you and in your Scripture, just as we believe in Moses, the Torah and Ezra, but we disbelieve in other messengers and scriptures other than these. **[If present Bible (which has Torah and Injeel) has been corrupted, why Allah is asking to believe these earlier scriptures.]**	O you who have believed, believe in Allah and His Messenger and the Book that He sent down upon His Messenger and the Scripture which He sent down before. And whoever disbelieves in Allah, His angels, His books, His messengers, and the Last Day has certainly gone far astray.	4:136	ऐ ईमान लानेवालो! अल्लाह पर ईमान लाओ और उसके रसूल पर और उस किताब पर जो उसने अपने रसूल पर उतारी है और उस किताब पर भी, जिसको वह इसके पहले उतार चुका है। और जिस किसी ने भी अल्लाह और उसके फ़रिश्तों और उसकी किताबों और उसके रसूलों और अन्तिम दिन का इनकार किया, तो वह भटककर बहुत दूर जा पड़ा	यह कुछ लोगों के बारे में अवतरित हुआ जिन्होंने कहा: हे पैग़म्बर मुहम्मद (स.), हम आप और आपकी किताब में विश्वास करते हैं, जैसे हम मूसा (स.), तौरा और एज़रा में विश्वास करते हैं, लेकिन हम अन्य पैग़म्बरों और उनकी किताबों में अविश्वास रखते हैं। [यदि वर्तमान बाइबल (जिसमें तौरा और इंजील शामिल हैं) भ्रष्ट हो चुकी है, तो अल्लाह पहले की इन किताबों पर विश्वास करने के लिए क्यों कह रहे हैं।]
Inna allatheena amanoo thumma kafaroo thumma amanoo thumma kafaroo thumma izdadoo kufran lam yakuni Allahu liyaghfira lahum wala liyahdiyahum	**[A person believe or disbelieve due to his conviction; And how this matters to Allah who has created Hell and Heaven for the purpose of Judgment.]**	Indeed, those who have believed then disbelieved, then believed, then disbelieved, and then increased in disbelief - never will Allah forgive them, nor will He guide them to a way.	4:137	रहे वे लोग जो ईमान लाए, फिर इनकार किया; फिर ईमान लाए, फिर इनकार किया; फिर इनकार की दशा में बढते चले गए तो अल्लाह उन्हें कदापि क्षमा नहीं करेगा और न उन्हें राह दिखाएगा	**[कोई व्यक्ति अपने विश्वास या अविश्वास के आधार पर ईमान लाता या नहीं लाता; और यह अल्लाह के लिए कैसे महत्वपूर्ण है, जिसने न्याय के उद्देश्य से जन्नत और जहन्नुम की सृष्टि की है।]**
Bashshiri almunafiqeena bianna lahum AAathaban aleeman	x	Give tidings to the hypocrites that there is for them a painful punishment -	4:138	मुनाफ़िको (कपटाचारियों) को मंगल-सूचना दे दो कि उनके लिए दुखद यातना है;	x

Allatheena yattakhithoona alkafireena awliyaa min dooni almumineena ayabtaghoona AAindahumu alAAizzata fainna alAAizzata lillahi jameeAAan	**[Unbelievers should not be taken as friends.]**	Those who take disbelievers as allies instead of the believers. Do they seek with them honor [through power]? But indeed, honor belongs to Allah entirely.	4:139	जो ईमानवालों को छोड़कर इनकार करनेवालों को अपना मित्र बनाते है। क्या उन्हें उनके पास प्रतिष्ठा की तलाश है? प्रतिष्ठा तो सारी की सारी अल्लाह ही के लिए है	काफ़िरों को दोस्त मत बनाओ।
Waqad nazzala AAalaykum fee alkitabi an itha samiAAtum ayati Allahi yukfaru biha wayustahzao biha fala taqAAudoo maAAahum hatta yakhoodoo fee hadeethin ghayrihi innakum ithan mithluhum inna Allaha jamiAAu almunafiqeena waalkafireena fee jahannama jameeAAan	One should not consort with hypocrites while they ridicule Islam. The penalty for this became death in light of several ninth-century accounts of how Abu Afaq, Asma, Kab bin Ashraf were executed. **[Anyone who insults prophet should be killed (Gustakhi-e-Rasool). See Hadith an-Nisai 4075, Abi Dawud 4361, But what amounts to insult is not clear.]**	And it has already come down to you in the Book that when you hear the verses of Allah [recited], they are denied [by them] and ridiculed; so do not sit with them until they enter into another conversation. Indeed, you would then be like them. Indeed Allah will gather the hypocrites and disbelievers in Hell all together -	4:140	वह 'किताब' में तुमपर यह हुक्म उतार चुका है कि जब तुम सुनो कि अल्लाह की आयतों का इनकार किया जा रहा है और उसका उपहास किया जा रहा है, तो जब तब वे किसी दूसरी बात में न लगा जाएँ, उनके साथ न बैठो, अन्यथा तुम भी उन्हीं के जैसे होगे; निश्चय ही अल्लाह कपटाचारियों और इनकार करनेवालों - सबको जहन्नम में एकत्र करनेवाला है	किसी को भी उन मुनीफ़कों के साथ मेल-मिलाप नहीं करना चाहिए जो इस्लाम का मज़ाक उड़ाते हैं। इसका दंड मृत्यु बन गया, जैसा कि नौवीं सदी के कई वर्णनों से पता चलता है कि अबू अफ़ाक़, अस्मा, क़ब बिन अशरफ़ को फांसी दी गई थी। **[जो कोई पैग़म्बर की बेइज़्ज़ती करता है उसे मार दिया जाना चाहिए (गुस्ताख़ी-ए-रसूल)। देखें हदीस: अन-निसाई 4075, अबी दाऊद 4361। लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि कौन-सी बात बेइज़्ज़ती मानी जाएगी।]**

Allatheena yatarabbasoona bikum fain kana lakum fathun mina Allahi qaloo alam nakun maAAakum wain kana lilkafireena naseebun qaloo alam nastahwith AAalaykum wanamnaAAkum mina almumineena faAllahu yahkumu baynakum yawma alqiyamati walan yajAAala Allahu lilkafireena AAala	"never will Allah give the disbelievers over the believers a way" means authority or triumph. In a Muslim country, it is not permitted for a non-muslim to hold power or authority. **[But in present time there are so many Muslims living under non-muslim governments peacefully.]**	Those who wait [and watch] you. Then if you gain a victory from Allah, they say, "Were we not with you?" But if the disbelievers have a success, they say [to them], "Did we not gain the advantage over you, but we protected you from the believers?" Allah will judge between [all of] you on the Day of Resurrection, and never will Allah give the disbelievers over the believers a way [to overcome them].	4:141	जो तुम्हारे मामले में प्रतीक्षा करते है, यदि अल्लाह की ओर से तुम्हारी विजय़ हुई तो कहते है, "क्या हम तुम्हार साथ न थे?" और यदि विधर्मियों के हाथ कुछ लगा तो कहते है, "क्या हमने तुम्हें घेर नहीं लिया था और ईमानवालों से बचाया नहीं?" अतः अल्लाह क़ियामत के दिन तुम्हारे बीच फ़ैसला कर देगा, और अल्लाह विधर्मियों को ईमानवालों के मुक़ाबले में कोई राह नहीं देगा	कभी भी अल्लाह काफ़िरों को मुमिनों पर अधिकार या विजय देने वाला नहीं है" का अर्थ है सत्ता या प्रभुत्व। इसलिए, एक मुस्लिम देश में गैर-मुसलमान का सत्ता या अधिकार में होना अनुमत नहीं है। **[हालांकि, वर्तमान समय में कई मुसलमान शांतिपूर्वक गैर-मुसलमान सरकारों के अधीन रहते हैं।]**
Inna almunafiqeena yukhadiAAoona Allaha wahuwa khadiAAuhum waitha qamoo ila alssalati qamoo kusala yuraoona alnnasa wala yathkuroona Allaha	Allah is person enemy of hypocrites and disbelivers. He decieves them. **[The reality is, if some has been converted by force or social pressure, obviously he will behave in that way.]**	Indeed, the hypocrites [think to] deceive Allah, but He is deceiving them. And when they stand for prayer, they stand lazily, showing [themselves to] the people and not remembering Allah except a little,	4:142	कपटाचारी अल्लाह के साथ धोखबाज़ी कर रहे है, हालाँकि उसी ने उन्हें धोखे में डाल रखा है। जब वे नमाज़ के लिए खड़े होते है तो कसमसाते हुए, लोगों को दिखाने के लिए खड़े होते है। और अल्लाह को थोड़े ही याद करते है	अल्लाह मुनीफ़कों (कपटाचारी) और काफ़िरों का प्रत्यक्ष शत्रु है। वह उन्हें भ्रमित करता है। **[असल में, यदि कोई व्यक्ति जबरदस्ती या सामाजिक दबाव में धर्म स्वीकार करता है, तो स्वाभाविक है कि वह उसी तरह व्यवहार करेगा।]**

Muthabthabeena bayna thalika la ila haolai wala ila haolai waman yudlili Allahu falan tajida lahu sabeelan	x	Wavering between them, [belonging] neither to the believers nor to the disbelievers. And whoever Allah leaves astray - never will you find for him a way.	4:143	इसी के बीच डाँवाडोल हो रहे है, न इन (ईमानवालों) की तरफ़ के है, न इन (इनकार करनेवालों) की तरफ़ के। जिसे अल्लाह भटका दे, उसके लिए तो तुम कोई राह नहीं पा सकते	x
Ya ayyuha allatheena amanoo la tattakhithoo alkafireena awliyaa min dooni almumineena atureedoona an tajAAaloo lillahi AAalaykum sultanan mubeenan	Don't make non-Muslims friend 4:144, 5:81.	O you who have believed, do not take the disbelievers as allies instead of the believers. Do you wish to give Allah against yourselves a clear case?	4:144	ऐ ईमान लानेवालो! ईमानवालों से हटकर इनकार करनेवालों को अपना मित्र न बनाओ। क्या तुम चाहते हो कि अल्लाह का स्पष्ट तर्क अपने विरुद्ध जुटाओ?	गैर-मुसलमानों को अपना दोस्त मत बनाओ। (4:144, 5:81)
Inna almunafiqeena fee alddarki alasfali mina alnnari walan tajida lahum naseeran	Allah condemns the hypocrites for their lack of faith and steadfastness.	Indeed, the hypocrites will be in the lowest depths of the Fire - and never will you find for them a helper -	4:145	निस्संदेह कपटाचारी आग (जहन्नम) के सबसे निचले खंड में होंगे, और तुम कदापि उनका कोई सहायक न पाओगे	अल्लाह मुनीफ़क़ों की आस्था और स्थिरता की कमी के लिए उनकी निंदा करता है।

Illa allatheena taboo waaslahoo waiAAtasamoo biAllahi waakhlasoo deenahum lillahi faolaika maAAa almumineena wasawfa yuti Allahu almumineena ajran AAatheeman	x	Except for those who repent, correct themselves, hold fast to Allah, and are sincere in their religion for Allah, for those will be with the believers. And Allah is going to give the believers a great reward.	4:146	उन लोगों की बात और है जिन्होंने तौबा कर ली और अपने को सुधार लिया और अल्लाह को मज़बूती से पकड़ लिया और अपने दीन (धर्म) में अल्लाह ही के हो रहे। ऐसे लोग ईमानवालों के साथ है और अल्लाह ईमानवालों को शीघ्र ही बड़ा प्रतिदान प्रदान करेगा	x
Ma yafAAalu Allahu biAAathabikum in shakartum waamantum wakana Allahu shakiran	x	What would Allah do with your punishment if you are grateful and believe? And ever is Allah Appreciative and Knowing.	4:147	अल्लाह को तुम्हें यातना देकर क्या करना है, यदि तुम कृतज्ञता दिखलाओ और ईमान लाओ? अल्लाह गुणग्राहक, सब कुछ जाननेवाला है	x
La yuhibbu Allahu aljahra bialssooi mina alqawli illa man thulima wakana Allahu sameeAAan AAaleeman	Pickthall translates "harshness" in place of "evil". One man sought hospitality with some people. However, because they did not show him proper hospitality, he complained about them. And so this verse was revealed.	Allah does not like the public mention of evil except by one who has been wronged. And ever is Allah Hearing and Knowing.	4:148	अल्लाह बुरी बात खुल्लम-खुल्ला कहने को पसन्द नहीं करता, मगर उसकी बात और है जिसपर ज़ुल्म किया गया हो। अल्लाह सब कुछ सुनता, जानता है	एक व्यक्ति ने कुछ लोगों के यहाँ मेहमानदारी चाही। लेकिन क्योंकि उन्होंने उसे उचित मेहमानदारी नहीं दी, उसने उनकी शिकायत की। और तब यह आयत अवतरित हुई।
In tubdoo khayran aw tukhfoohu aw taAAfoo AAan sooin fainna Allaha kana AAafuwwan qadeeran	x	If [instead] you show [some] good or conceal it or pardon an offense - indeed, Allah is ever Pardoning and Competent.	4:149	यदि तुम खुले रूप में नेकी और भलाई करो या उसे छिपाओ या किसी बुराई को क्षमा कर दो, तो अल्लाह भी क्षमा करनेवाला, सामर्थ्यवान है	x

Inna allatheena yakfuroona biAllahi warusulihi wayureedoona an yufarriqoo bayna Allahi warusulihi wayaqooloona numinu bibaAAdin wanakfuru bibaAAdin wayureedoona an yattakhithoo bayna thalika sabeelan	Allah warns that true faith requires complete acceptance of Islamic rules. Attempting to pick and choose or remain indecisive is not acceptable. **[Means, there is no personal choice in following faith.]**	Indeed, those who disbelieve in Allah and His messengers and wish to discriminate between Allah and His messengers and say, "We believe in some and disbelieve in others," and wish to adopt a way in between -	4:150	जो लोग अल्लाह और उसके रसूलों का इनकार करते है और चाहते है कि अल्लाह और उसके रसूलों के बीच विच्छेद करें, और कहते है कि "हम कुछ को मानते है और कुछ को नहीं मानते" और इस तरह वे चाहते है कि बीच की कोई राह अपनाएँ;	अल्लाह चेतावनी देते हैं कि सच्चा ईमान इस्लामी नियमों को पूर्ण रूप से मानने की मांग करता है। किसी चीज़ को चुनने या अनिर्णयात्मक रहने का प्रयास स्वीकार्य नहीं है। **[इसका अर्थ है कि धर्म का पालन करने में व्यक्तिगत चुनाव की अनुमति नहीं है।]**
Olaika humu alkafiroona haqqan waaAAtadna lilkafireena AAathaban	x	Those are the disbelievers, truly. And We have prepared for the disbelievers a humiliating punishment.	4:151	वही लोग पक्के इनकार करनेवाले है और हमने इनकार करनेवालों के लिए अपमानजनक यातना तैयार कर रखी है	x
Waallatheena amanoo biAllahi warusulihi walam yufarriqoo bayna ahadin minhum olaika sawfa yuteehim ojoorahum wakana Allahu ghafooran raheeman	Whoever rejects only one of Allah's Prophets, he will have disbelieved in all of them; Mean beliving in prophet Muhammad is mandatory. **[However, at the same time, no future prophet will come and who so ever declares prophethood after prophet Muhammad is a false prophet.]**	But they who believe in Allah and His messengers and do not discriminate between any of them - to those He is going to give their rewards. And ever is Allah Forgiving and Merciful.	4:152	रहे वे लोग जो अल्लाह और उसके रसूलों पर ईमान रखते है और उनमें से किसी को उस सम्बन्ध में पृथक नहीं करते जो उनके बीच पाया जाता है, ऐसे लोगों को अल्लाह शीघ्र ही उनके प्रतिदान प्रदान करेगा। अल्लाह बड़ा क्षमाशील, दयावान है	जो कोई अल्लाह के किसी एक पैग़म्बर को भी नकारता है, वह सभी पैग़म्बरों में से इन्कार करने वाला माना जाएगा; इसका अर्थ है कि पैग़म्बर मुहम्मद (स.) पर विश्वास करना अनिवार्य है। [हालाँकि, इसके साथ ही, कोई भविष्य का पैग़म्बर नहीं आएगा और जो कोई पैग़म्बरी का दावा पैग़म्बर मुहम्मद (स.) के बाद करेगा, वह झूठा पैग़म्बर माना जाएगा।]

Yasaluka ahlu alkitabi an tunazzila AAalayhim kitaban mina alssamai faqad saaloo moosa akbara min thalika faqaloo arina Allaha jahratan faakhathathumu alssaAAiqatu bithulmihim thumma ittakhathoo alAAijla min baAAdi ma jaathumu albayyinatu faAAafawna AAan thalika waatayna	This was revealed about the Jews. They said to the Prophet (pbuh): “If you are truly a prophet, bring us an actual Book from heaven as Moses did”. **[Shirk (associating partners with Allah) cannot be pardoned according to 4:48 and 4:116, but forgiveness is possible as indicated in 4:153 and 39:53. Islamic scholars reconcile this by ruling that those who commit shirk but sincerely repent can indeed be forgiven by Allah.]**	The People of the Scripture ask you to bring down to them a book from the heaven. But they had asked of Moses [even] greater than that and said, "Show us Allah outright," so the thunderbolt struck them for their wrongdoing. Then they took the calf [for worship] after clear evidences had come to them, and We pardoned that. And We gave Moses a clear authority.	4:153	किताबवालों की तुमसे माँग है कि तुम उनपर आकाश से कोई किताब उतार लाओ, तो वे तो मूसा से इससे भी बड़ी माँग कर चुके है। उन्होंने कहा था, "हमें अल्लाह को प्रत्यक्ष दिखा दो," तो उनके इस अपराध पर बिजली की कड़क ने उन्हें आ दबोचा। फिर वे बछड़े को अपना उपास्य बना बैठे, हालाँकि उनके पास खुली-खुली निशानियाँ आ चुकी थी। फिर हमने उसे भी क्षमा कर दिया और मूसा का स्पष्ट बल एवं प्रभाव प्रदान किया	यह यहूदियों के बारे में अवतरित हुआ। उन्होंने पैग़म्बर मुहम्मद (स.) से कहा: यदि आप सचमुच पैग़म्बर हैं, तो हमें वह वास्तविक किताब स्वर्ग से लाकर दिखाइए जैसे मूसा (स.) ने किया। [शिर्क (अल्लाह के साथ किसी को साझेदार ठहराना) को 4:48 और 4:116 के अनुसार क्षमा नहीं किया जा सकता, लेकिन 4:153 और 39:53 में संकेत मिलता है कि क्षमा संभव है। इस्लामी विद्वानों ने इसे इस प्रकार सुलझाया है कि जो लोग शिर्क करते हैं लेकिन ईमानदारी से तौबा करते हैं, उन्हें अल्लाह वास्तव में माफ़ कर सकते हैं।]
WarafaAAna fawqahumu alttoora bimeethaqihim waqulna lahumu odkhuloo albaba sujjadan waqulna lahum la taAAdoo fee alssabti waakhathna minhum meethaqan ghaleethan	Referring to Jews.	And We raised over them the mount for [refusal of] their covenant; and We said to them, "Enter the gate bowing humbly", and We said to them, "Do not transgress on the sabbath", and We took from them a solemn covenant.	4:154	और उन लोगों से वचन लेने के साथ (तूर) पहाड़ को उनपर उठा दिया और उनसे कहा, "दरवाज़े में सजदा करते हुए प्रवेश करो।" और उनसे कहा, "सब्त (सामूहिक इबादत का दिन) के विषय में ज़्यादती न करना।" और हमने उनसे बहुत-ही दृढ़ वचन लिया था	यह यहूदियों का उल्लेख करते हुए है:

Fabima naqdihim meethaqahum wakufrihim biayati Allahi waqatlihimu alanbiyaa bighayri haqqin waqawlihim quloobuna ghulfun bal tabaAAa Allahu AAalayha bikufrihim fala yuminoona illa qaleelan	Referring to Jews.	And [We cursed them] for their breaking of the covenant and their disbelief in the signs of Allah and their killing of the prophets without right and their saying, "Our hearts are wrapped". Rather, Allah has sealed them because of their disbelief, so they believe not, except for a few.	4:155	फिर उनके अपने वचन भंग करने और अल्लाह की आयतों का इनकार करने के कारण और नबियों को नाहक़ क़त्ल करने और उनके यह कहने के कारण कि "हमारे हृदय आवरणों में सुरक्षित है" - नहीं, बल्कि वास्तव में उनके इनकार के कारण अल्लाह ने उनके दिलों पर ठप्पा लगा दिया है। तो ये ईमान थोड़े ही लाते है	यह यहूदियों का उल्लेख करते हुए है:
Wabikufrihim waqawlihim AAala maryama buhtanan AAatheeman	x	And [We cursed them] for their disbelief and their saying against Mary a great slander,	4:156	और उनके इनकार के कारण और मरयम के ख़िलाफ ऐसी बात करने पर जो एक बड़ा लांछन था -	x

Waqawlihim inna qatalna almaseeha AAeesa ibna maryama rasoola Allahi wama qataloohu wama salaboohu walakin shubbiha lahum wainna allatheena ikhtalafoo feehi lafee shakkin minhu ma lahum bihi min AAilmin illa ittibaAAa alththanni wama qataloohu yaqeenan	Denial of crucifixtion: Christians believe that Jesus was put on cross and given death penalty. However, as per Quran, Allah changed Jesus with another person. **[Word Messiah or Christ for Jesus came many years after crucifixtion, so how Jews could call him Messiah at that time; Also, Jews does not believe in Jesus, so why they will address him as Messiah or Messenger of Allah.]**	And [for] their saying, "Indeed, we have killed the Messiah, Jesus, the son of Mary, the messenger of Allah." And they did not kill him, nor did they crucify him; but [another] was made to resemble him to them. And indeed, those who differ over it are in doubt about it. They have no knowledge of it except the following of assumption. And they did not kill him, for certain.	4:157	और उनके इस कथन के कारण कि हमने मरयम के बेटे ईसा मसीह, अल्लाह के रसूल, को क़त्ल कर डाला - हालाँकि न तो इन्होंने उसे क़त्ल किया और न उसे सूली पर चढाया, बल्कि मामला उनके लिए संदिग्ध हो गया। और जो लोग इसमें विभेद कर रहे है, निश्चय ही वे इस मामले में सन्देह में थे। अटकल पर चलने के अतिरिक्त उनके पास कोई ज्ञान न था। निश्चय ही उन्होंने उसे (ईसा को) क़त्ल नहीं किया,	क्रूस पर चढ़ाने से इनकार: ईसाई यह मानते हैं कि ईसा (स.) को क्रूस पर चढ़ाया गया और मृत्यु दंड दिया गया। हालाँकि, कुरआन के अनुसार, अल्लाह ने ईसा (स.) को किसी अन्य व्यक्ति के साथ बदल दिया। [शब्द "मसीह" या "क्राइस्ट" ईसा के लिए क्रूस पर चढ़ाए जाने के कई वर्षों बाद आया, तो उस समय यहूदियों ने उन्हें मसीह कैसे कहा; साथ ही, यहूदियों का ईसा पर विश्वास नहीं था, तो वे उन्हें मसीह या अल्लाह का रसूल क्यों कहेंगे।]
Bal rafaAAahu Allahu ilayhi wakana Allahu AAazeezan	Allah raised Jesus to Heaven alive.	Rather, Allah raised him to Himself. And ever is Allah Exalted in Might and Wise.	4:158	बल्कि उसे अल्लाह ने अपनी ओर उठा लिया। और अल्लाह अत्यन्त प्रभुत्वशाली, तत्वदर्शी है	अल्लाह ने ईसा (स.) को जीवित अवस्था में आकाश की ओर उठा लिया।
Wain min ahli alkitabi illa layuminanna bihi qabla mawtihi wayawma alqiyamati yakoonu AAalayhim	It mean that Jesus will return to earth and then the Christians will know the truth. **[Quran is refuting the Christian's belief.]**	And there is none from the People of the Scripture but that he will surely believe in Jesus before his death. And on the Day of Resurrection he will be against them a witness.	4:159	किताबवालों में से कोई ऐसा न होगा, जो उसकी मृत्यु से पहले उसपर ईमान न ले आए। वह क़ियामत के दिन उनपर गवाह होगा	इसका अर्थ है कि ईसा (स.) फिर पृथ्वी पर लौटेंगे और तब ईसाई सत्य को जानेंगे। [कुरआन ईसाई विश्वास का खंडन कर रहा है।]

Fabithulmin mina allatheena hadoo harramna AAalayhim tayyibatin ohillat lahum wabisaddihim AAan sabeeli Allahi katheeran	Allah forbidden for Jews every (animal) with undivided hoof, fat of the ox and the sheep except what adheres to their backs or their entrails, because of their transgression and defying their Messengers.	For wrongdoing on the part of the Jews, We made unlawful for them [certain] good foods which had been lawful to them, and for their averting from the way of Allah many [people],	4:160	सारांश यह कि यहूदियों के अत्याचार के कारण हमने बहुत-सी अच्छी पाक चीज़े उनपर हराम कर दी, जो उनके लिए हलाल थी और उनके प्रायः अल्लाह के मार्ग से रोकने के कारण;	अल्लाह ने यहूदियों पर हर ऐसे जानवर पर प्रतिबंध लगाया जिसका खुर विभाजित न हो, और बैल व भेड़ की चर्बी पर भी रोक लगाई, सिवाय उस चर्बी के जो उनकी पीठ या आंतों से जुड़ी हो, क्योंकि उन्होंने उल्लंघन किया और अपने पैग़म्बरों की अवहेलना की।
Waakhthihimu alrriba waqad nuhoo AAanhu waaklihim amwala alnnasi bialbatili waaAAtadna lilkafireena minhum AAathaban aleeman	Usury was forbidden for Jews but they continued this practice.	And [for] their taking of usury while they had been forbidden from it, and their consuming of the people's wealth unjustly. And we have prepared for the disbelievers among them a painful punishment.	4:161	और उनके ब्याज लेने के कारण, जबकि उन्हें इससे रोका गया था। और उनके अवैध रूप से लोगों के माल खाने के कारण ऐसा किया गया और हमने उनमें से जिन लोगों ने इनकार किया उनके लिए दुखद यातना तैयार कर रखी है	यहूदियों के लिए सूद (सूदखोरी) वर्जित था, लेकिन वे इस प्रथा को जारी रखते रहे।
Lakini alrrasikhoona fee alAAilmi minhum waalmuminoona yuminoona bima onzila ilayka wama onzila min qablika waalmuqeemeena alssalata waalmutoona alzzakata waalmuminoona biAllahi waalyawmi alakhiri olaika sanuteehim ajran	This verse asserts Jews who are “well-grounded in knowledge” believe in Muhammad (pbuh) and Islam. **[4:162: mukiimiin (feminine plural) should be mukiimuun (masculine plural - see 7:160)]**	But those firm in knowledge among them and the believers believe in what has been revealed to you, [O Muhammad], and what was revealed before you. And the establishers of prayer [especially] and the givers of zakah and the believers in Allah and the Last Day - those We will give a great reward.	4:162	परन्तु उनमें से जो लोग ज्ञान में पक्के है और ईमानवाले हैं, वे उस पर ईमान रखते है जो तुम्हारी ओर उतारा गया है और जो तुमसे पहले उतारा गया था, और जो विशेष रूप से नमाज़ क़ायम करते है, ज़कात देते और अल्लाह और अन्तिम दिन पर ईमान रखते है। यही लोग है जिन्हें हम शीघ्र ही बड़ी प्रतिदान प्रदान करेंगे	यह आयत उन यहूदियों की पुष्टि करती है जो "ज्ञान में ठोस हैं" कि वे पैग़म्बर मुहम्मद (स.) और इस्लाम में विश्वास रखते हैं। [4:162: मुक़ीमीन (स्त्रीवचन बहुवचन) को मुक़ीमून (पुल्लिंग बहुवचन – देखें 7:160) होना चाहिए।]

Inna awhayna ilayka kama awhayna ila noohin waalnnabiyyeena min baAAdihi waawhayna ila ibraheema waismaAAeela waishaqa wayaAAqooba waalasbati waAAeesa waayyooba wayoonusa waharoona wasulaymana waatayna dawooda zabooran	x	Indeed, We have revealed to you, [O Muhammad], as We revealed to Noah and the prophets after him. And we revealed to Abraham, Ishmael, Isaac, Jacob, the Descendants, Jesus, Job, Jonah, Aaron, and Solomon, and to David We gave the book [of Psalms].	4:163	हमने तुम्हारी ओर उसी प्रकार वह्यड की है जिस प्रकार नूह और उसके बाद के नबियों की ओर वह्यु की। और हमने इबराहीम, इसमाईल, इसहाक़ और याक़ूब और उसकी सन्तान और ईसा और अय्यूब और यूनुस और हारून और सुलैमान की ओर भी वह्यक की। और हमने दाउद को ज़बूर प्रदान किया	x
Warusulan qad qasasnahum AAalayka min qablu warusulan lam naqsushum AAalayka wakallama Allahu moosa takleeman	**[Prophet Moses had direct speech with God; it shows a Human character in God.]**	And [We sent] messengers about whom We have related [their stories] to you before and messengers about whom We have not related to you. And Allah spoke to Moses with [direct] speech.	4:164	और कितने ही रसूल हुए जिनका वृतान्त पहले हम तुमसे बयान कर चुके है और कितने ही ऐसे रसूल हुए जिनका वृतान्त हमने तुमसे बयान नहीं किया। और मूसा से अल्लाह ने बातचीत की, जिस प्रकार बातचीत की जाती है	[पैग़म्बर मूसा (स.) का अल्लाह से सीधे संवाद हुआ; यह दर्शाता है कि अल्लाह में मानव जैसा कोई स्वरूप है।]

Rusulan mubashshireena wamunthireena lialla yakoona lilnnasi AAala Allahi hujjatun baAAda alrrusuli wakana Allahu AAazeezan	x	[We sent] messengers as bringers of good tidings and warners so that mankind will have no argument against Allah after the messengers. And ever is Allah Exalted in Might and Wise.	4:165	रसूल शुभ समाचार देनेवाले और सचेत करनेवाले बनाकर भेजे गए है, ताकि रसूलों के पश्चात लोगों के पास अल्लाह के मुक़ाबले में (अपने निर्दोष होने का) कोई तर्क न रहे। अल्लाह अत्यन्त प्रभुत्वशाली, तत्वदर्शी है	x
Lakini Allahu yashhadu bima anzala ilayka anzalahu biAAilmihi waalmalaikatu yashhadoona wakafa biAllahi shaheedan	The leaders of Mecca went to the Messenger of Allah (pbuh) and said to him: 'We have asked the Jews about you and they claimed they do not know you. Therefore, bring us somebody who would testify to us that Allah has sent you to us as a messenger', and so this verse was revealed, which says Allah is witness of Quran and Muhammad (pbuh).	But Allah bears witness to that which He has revealed to you. He has sent it down with His knowledge, and the angels bear witness [as well]. And sufficient is Allah as Witness.	4:166	परन्तु अल्लाह गवाही देता है कि उसके द्वारा जो उसने तुम्हारी ओर उतारा है कि उसे उसने अपने ज्ञान के साथ उतारा है और फ़रिश्ते भी गवाही देते है, यद्यपि अल्लाह का गवाह होना ही काफ़ी है	मक्का के नेताओं ने पैग़म्बर मुहम्मद (स.) के पास आकर कहा: "हमने आपके बारे में यहूदियों से पूछा और उन्होंने दावा किया कि वे आपको नहीं जानते। इसलिए, हमें कोई ऐसा व्यक्ति लाओ जो हमें यह गवाही दे कि अल्लाह ने आपको हमारे लिए पैग़म्बर के रूप में भेजा है।" तब यह आयत अवतरित हुई, जिसमें कहा गया कि अल्लाह ही कुरआन और पैग़म्बर मुहम्मद (स.) का गवाह है।
Inna allatheena kafaroo wasaddoo AAan sabeeli Allahi qad dalloo dalalan baAAeedan	x	Indeed, those who disbelieve and avert [people] from the way of Allah have certainly gone far astray.	4:167	निश्चय ही, जिन लोगों ने इनकार किया और अल्लाह के मार्ग से रोका, वे भटककर बहुत दूर जा पड़े	x
Inna allatheena kafaroo wathalamoo lam yakuni Allahu liyaghfira lahum wala liyahdiyahum	**[Allah will not guide the disbeliever.]**	Indeed, those who disbelieve and commit wrong [or injustice] - never will Allah forgive them, nor will He guide	4:168	जिन लोगों ने इनकार किया और ज़ुल्म पर उतर आए, उन्हें अल्लाह कदापि क्षमा नहीं करेगा और न उन्हें कोई मार्ग दिखाएगा	**[अल्लाह काफ़िरों का मार्गदर्शक नहीं होगा।]**

Illa tareeqa jahannama khalideena feeha abadan wakana thalika AAala Allahi yaseeran	**[In fact Allah will guide the disbelievers towards Hell.]**	Except the path of Hell; they will abide therein forever. And that, for Allah, is [always] easy.	4:169	सिवाय जहन्नम के मार्ग के, जिसमें वे सदैव पड़े रहेंगे। और यह अल्लाह के लिए बहुत-ही सहज बात है	**[असल में, अल्लाह उन काफ़िरों को नरक की ओर मार्गदर्शित करेगा।]**
Ya ayyuha alnnasu qad jaakumu alrrasoolu bialhaqqi min rabbikum faaminoo khayran lakum wain takfuroo fainna lillahi ma fee alssamawati waalardi wakana Allahu AAaleeman hakeeman	x	O Mankind, the Messenger has come to you with the truth from your Lord, so believe; it is better for you. But if you disbelieve - then indeed, to Allah belongs whatever is in the heavens and earth. And ever is Allah Knowing and Wise.	4:170	ऐ लोगों! रसूल तुम्हारे पास तुम्हारे रब की ओर से सत्य लेकर आ गया है। अतः तुम उस भलाई को मानो जो तुम्हारे लिए जुटाई गई। और यदि तुम इनकार करते हो तो आकाशों और धरती में जो कुछ है, वह अल्लाह ही का है। और अल्लाह सब कुछ जाननेवाला, तत्वदर्शी है	x

Ya ahla alkitabi la taghloo fee deenikum wala taqooloo AAala Allahi illa alhaqqa innama almaseehu AAeesa ibnu maryama rasoolu Allahi wakalimatuhu alqaha ila maryama waroohun minhu faaminoo biAllahi warusulihi wala taqooloo thalathatun intahoo khayran lakum innama Allahu ilahun wahidun subhanahu an yakoona lahu waladun lahu ma fee alssamawati wama fee alardi wakafa biAllahi wakeelan	This verse refutes the concept of Trinity in Christianity (Father, Son, Holy spirits) and belief that Jesus is son of God. **["sufficient is Allah as Disposer of affairs", but Allah keeps angels and Messenger to accomplish His tasks.]**	O People of the Scripture, do not commit excess in your religion or say about Allah except the truth. The Messiah, Jesus, the son of Mary, was but a messenger of Allah and His word which He directed to Mary and a soul [created at a command] from Him. So believe in Allah and His messengers. And do not say, "Three"; desist - it is better for you. Indeed, Allah is but one God. Exalted is He above having a son. To Him belongs whatever is in the heavens and whatever is on the earth. And sufficient is Allah as Disposer of affairs.	4:171	ऐ किताबवालों! अपने धर्म में हद से आगे न बढ़ो और अल्लाह से जोड़कर सत्य के अतिरिक्त कोई बात न कहो। मरयम का बेटा मसीह-ईसा इसके अतिरिक्त कुछ नहीं कि अल्लाह का रसूल है और उसका एक 'कलिमा' है, जिसे उसने मरमय की ओर भेजा था। और उसकी ओर से एक रूह है। तो तुम अल्लाह पर और उसके रसूलों पर ईमान लाओ और "तीन" न कहो - बाज़ आ जाओ! यह तुम्हारे लिए अच्छा है - अल्लाह तो केवल अकेला पूज्य है। यह उसकी महानता के प्रतिकूल है कि उसका कोई बेटा हो। आकाशों और धरती में जो कुछ है, उसी का है। और अल्लाह कार्यसाधक की हैसियत से काफ़ी है	यह आयत ईसाई धर्म में त्रिमूर्ति (पिता, पुत्र, पवित्र आत्मा) और ईसा को अल्लाह का पुत्र मानने की अवधारणा का खंडन करती है। **["अल्लाह कार्यसाधक की हैसियत से काफ़ी है", फिर भी अल्लाह अपने फरिश्तों और पैग़म्बर के माध्यम से अपने कामों को अंजाम देता है।]**

Lan yastankifa almaseehu an yakoona AAabdan lillahi wala almalaikatu almuqarraboona waman yastankif AAan AAibadatihi wayastakbir fasayahshuruhum ilayhi jameeAAan	The delegation of Najran said: ‘O Muhammad, why do you insult our lord Jesus? He said to them: ‘It is not shameful for Jesus to be the slave of Allah’. But they said: ‘It is shameful’, and then the verse was revealed.	Never would the Messiah disdain to be a servant of Allah, nor would the angels near [to Him]. And whoever disdains His worship and is arrogant - He will gather them to Himself all together.	4:172	मसीह ने कदापि अपने लिए बुरा नहीं समझा कि वह अल्लाह का बन्दा हो और न निकटवर्ती फ़रिश्तों ने ही (इसे बुरा समझा) । और जो कोई अल्लाह की बन्दगी को अपने लिए बुरा समझेगा और घमंड करेगा, तो वह (अल्लाह) उन सभी लोगों को अपने पास इकट्ठा करके रहेगा	नज्रान के प्रतिनिधि ने कहा: "हे मुहम्मद, आप हमारे प्रभु ईसा की बेइज़्ज़ती क्यों करते हैं?" उन्होंने उन्हें उत्तर दिया: "ईसा का अल्लाह का बंदा होना किसी भी प्रकार अपमानजनक नहीं है।" लेकिन उन्होंने कहा: "यह अपमानजनक है।" तब यह आयत अवतरित हुई।
Faamma allatheena amanoo waAAamiloo alssalihati fayuwaffeehim ojoorahum wayazeeduhum min fadlihi waamma allatheena istankafoo waistakbaroo fayuAAaththibuhum AAathaban aleeman wala yajidoona lahum min dooni Allahi waliyyan	x	And as for those who believed and did righteous deeds, He will give them in full their rewards and grant them extra from His bounty. But as for those who disdained and were arrogant, He will punish them with a painful punishment, and they will not find for themselves besides Allah any protector or helper.	4:173	अतः जो लोग ईमान लाए और उन्होंने अच्छे कर्म किए, जो अल्लाह उन्हें उनका पूरा-पूरा बदला देगा और अपने उदार अनुग्रह से उन्हें और अधिक प्रदान करेगा। और जिन लोगों ने बन्दगी को बुरा समझा और घमंड किया, तो उन्हें वह दुखद यातना देगा। और वे अल्लाह से बच सकने के लिए न अपना कोई निकट का समर्थक पाएँगे और न ही कोई सहायक	x

Ya ayyuha alnnasu qad jaakum burhanun min rabbikum waanzalna ilaykum nooran mubeenan	**[If the message were completely self-evident, universal conversion would have occurred. Yet, despite its clarity, Muslims themselves have split into various sects over time. Contradiction: Quran was revealed for whom: Illiterate (62:2), Arabs (41:44), all mankind (4:174) or both humans and jinn**	O mankind, there has come to you a conclusive proof from your Lord, and We have sent down to you a clear light.	4:174	ऐ लोगों! तुम्हारे पास तुम्हारे रब की ओर से खुला प्रमाण आ चुका है और हमने तुम्हारी ओर एक स्पष्ट प्रकाश उतारा है	**यदि यह संदेश पूरी तरह स्पष्ट होता, तो सभी लोग इस्लाम कबूल कर लेते। फिर भी, इसकी स्पष्टता के बावजूद, मुसलमान समय के साथ विभिन्न संप्रदायों में बंट गए। विरोधाभास: कुरआन किसके लिए अवतरित हुआ: अनपढ़ लोगों के लिए (62:2), अरबों के लिए (41:44), सभी मानवों के लिए (4:174), या मानव और जिन्न दोनों के लिए (55:33)।**
Faamma allatheena amanoo biAllahi waiAAtasamoo bihi fasayudkhiluhum fee rahmatin minhu wafadlin wayahdeehim ilayhi siratan mustaqeeman	x	So those who believe in Allah and hold fast to Him - He will admit them to mercy from Himself and bounty and guide them to Himself on a straight path.	4:175	तो रहे वे लोग जो अल्लाह पर ईमान लाए और उसे मज़बूती के साथ पकड़े रहे, उन्हें तो शीघ्र ही अपनी दयालुता और अपने उदार अनुग्रह के क्षेत्र में दाख़िल करेगा और उन्हें अपनी ओर का सीधा मार्ग दिया देगा	x

Yastaftoonaka quli Allahu yufteekum fee alkalalati ini imruon halaka laysa lahu waladun walahu okhtun falaha nisfu ma taraka wahuwa yarithuha in lam yakun laha waladun fain kanata ithnatayni falahuma alththuluthani mimma taraka wain kanoo ikhwatan rijalan wanisaan falilththakari mithlu haththi alonthayayni yubayyinu Allahu lakum an tadilloo waAllahu bikulli shayin AAaleemun	This renewed discussion of inheritance laws belongs with 4:11.	They request from you a [legal] ruling. Say, "Allah gives you a ruling concerning one having neither descendants nor ascendants [as heirs]." If a man dies, leaving no child but [only] a sister, she will have half of what he left. And he inherits from her if she [dies and] has no child. But if there are two sisters [or more], they will have two-thirds of what he left. If there are both brothers and sisters, the male will have the share of two females. Allah makes clear to you [His law], lest you go astray. And Allah is Knowing of all things.	4:176	वे तुमसे आदेश मालूम करना चाहते है। कह दो, "अल्लाह तुम्हें ऐसे व्यक्ति के विषय में, जिसका कोई वारिस न हो, आदेश देता है - यदि किसी पुरुष की मृत्यु हो जाए जिसकी कोई सन्तान न हो, परन्तु उसकी एक बहन हो, तो जो कुछ उसने छोड़ा है उसका आधा हिस्सा उस बहन का होगा। और भाई बहन का वारिस होगा, यदि उस (बहन) की कोई सन्तान न हो। और यदि (वारिस) दो बहनें हो, तो जो कुछ उसने छोड़ा है, उसमें से उनके लिए दो-तिहाई होगा। और यदि कई भाई-बहन (वारिस) हो तो एक पुरुष को हिस्सा दो स्त्रियों के बराबर होगा।" अल्लाह तुम्हारे लिए आदेशों को स्पष्ट करता है, ताकि तुम न भटको। और अल्लाह को हर चीज का पूरा ज्ञान है	यह वारिसों के अधिकारों के कानूनों पर नवीनीकृत चर्चा 4:11 के साथ संबंधित है।

Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Surah Maida (Table), Title is taken from 5:112–115, in which the disciples ask Jesus to ask Allah to send down a table laden with food.**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**5:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**सूरह माइदा (भोजन की मेज़): इसका शीर्षक आयत 5:112–115 से लिया गया है, जिसमें हज़रत ईसा के शिष्यों ने उनसे कहा कि वे अल्लाह से प्रार्थना करें कि वह भोजन से भरी एक मेज़ आसमान से उतारे।**
Ya ayyuha allatheena amanoo awfoo bialAAuqoodi ohillat lakum baheematu alanAAami illa ma yutla AAalaykum ghayra muhillee alssaydi waantum hurumun inna Allaha yahkumu ma yureedu	Meat-law verses: 2:173, 5:1 (grazing livestock, 5:3, 5:5 (food of Jew, christians), 5:96 (seafood), 6:118-121, 6:145, 16:115, 22:34, 22:36. **[The literal meaning of word "bahimat al-an'am" is "four-footed cattle" or "beast of cattle". However, Donkey was later prohibited. Many types of birds are also prohibited.]**	O you who have believed, fulfill [all] contracts. Lawful for you are the animals of grazing livestock except for that which is recited to you [in this Qur'an] - hunting not being permitted while you are in the state of ihram. Indeed, Allah ordains what He intends.	5:1	ऐ ईमान लानेवालो! प्रतिबन्धों (प्रतिज्ञाओं, समझौतों आदि) का पूर्ण रूप से पालन करो। तुम्हारे लिए चौपायों की जाति के जानवर हलाल हैं सिवाय उनके जो तुम्हें बताए जा रहें हैं; लेकिन जब तुम इहराम की दशा में हो तो शिकार को हलाल न समझना। निस्संदेह अल्लाह जो चाहते है, आदेश देता है	मांस से संबंधित आयतें: 2:173, 5:1 (चरने वाले मवेशी), 5:3, 5:5 (यहूदियों और ईसाइयों का भोजन), 5:96 (समुद्री भोजन), 6:118–121, 6:145, 16:115, 22:34, 22:36। **["बहिमत अल-अनआम" का शाब्दिक अर्थ "चार पैरों वाले मवेशी" या "पशुधन के जानवर" होता है। हालांकि बाद में गधे को निषिद्ध कर दिया गया। कई प्रकार के पक्षी भी निषिद्ध माने जाते हैं।]**

Ya ayyuha allatheena amanoo la tuhilloo shaAAaira Allahi wala alshshahra alharama wala alhadya wala alqalaida wala ammeena albayta alharama yabtaghoona fadlan min rabbihim waridwanan waitha halaltum faistadoo wala yajrimannakum shanaanu qawmin an saddookum AAani almasjidi alharami an taAAtadoo wataAAawanoo AAala albirri waalttaqwa wala taAAawanoo AAala alithmi	The Messenger (pbuh) and his Companions were in Hudaybiyyah when the idolaters barred them from entering the Sacred House. The Muslims were devastated. Then, a group of idolaters passed by them, they were in their way to perform the lesser pilgrimage. Some of the Companions of the Messenger (pbuh) said: 'Let us bar these people as their friends have barred us. Then this verse was revealed. **[Contradiction: Number of sacred months in Islam: Four 9:36, one 5:2 (singular is used).]**	O you who have believed, do not violate the rites of Allah or [the sanctity of] the sacred month or [neglect the marking of] the sacrificial animals and garlanding [them] or [violate the safety of] those coming to the Sacred House seeking bounty from their Lord and [His] approval. But when you come out of ihram, then [you may] hunt. And do not let the hatred of a people for having obstructed you from al-Masjid al-Haram lead you to transgress. And cooperate in righteousness and piety, but do not cooperate in sin and aggression. And fear Allah; indeed, Allah is severe in penalty.	5:2	ऐ ईमान लानेवालो! अल्लाह की निशानियों का अनादर न करो; न आदर के महीनों का, न क़ुरबानी के जानवरों का और न जानवरों का जिनका गरदनों में पट्टे पड़े हो और न उन लोगों का जो अपने रब के अनुग्रह और उसकी प्रसन्नता की चाह में प्रतिष्ठित गृह (काबा) को जाते हो। और जब इहराम की दशा से बाहर हो जाओ तो शिकार करो। और ऐसा न हो कि एक गिरोह की शत्रुता, जिसने तुम्हारे लिए प्रतिष्ठित घर का रास्ता बन्द कर दिया था, तुम्हें इस बात पर उभार दे कि तुम ज़्यादती करने लगो। हक़ अदा करने और ईश-भय के काम में तुम एक-दूसरे का सहयोग करो और हक़ मारने और ज़्यादती के काम में एक-दूसरे का सहयोग न करो। अल्लाह का डर रखो; निश्चय ही अल्लाह बड़ा	पैग़म्बर मुहम्मद (स.) और उनके सहाबा हुदैबिया में थे, जब मुशरिकों ने उन्हें बैतुल-हराम (काबा) में प्रवेश करने से रोक दिया। मुसलमान इससे बहुत दुखी हो गए। तभी मुशरिकों का एक समूह वहाँ से गुज़रा, जो उमरा करने के लिए जा रहा था। रसूल (स.) के कुछ सहाबाओं ने कहा: "आओ, हम भी इन लोगों को रोक दें, जैसे इनके साथियों ने हमें रोका था।" तब यह आयत प्रकट हुई। [विरोधाभास: इस्लाम में पवित्र महीनों की संख्या — चार 9:36, एक 5:2 (यहाँ अरबी में एकवचन का प्रयोग हुआ है)।]

Hurrimat AAalaykumu almaytatu waalddamu walahmu alkhinzeeri wama ohilla lighayri Allahi bihi waalmunkhaniqatu waalmawqoothatu waalmutaraddiyatu waalnnateehatu wama akala alssabuAAu illa ma thakkaytum wama thubiha AAala alnnusubi waan tastaqsimoo bialazlami thalikum fisqun alyawma yaisa allatheena kafaroo min deenikum fala takhshawhum waikhshawni alyawma akmaltu lakum deenakum	This verse was revealed on Friday, on the Day of Arafah, at the farewell pilgrimage, after Asr prayer in the tenth year of the Hijrah while the Prophet (pbuh) was present in Arafat on the back of his camel al-Adba. **[This verse says that Relgion has been perfect today and there is no scope of any change or modification. See Hadith Nisai 1578, 1579, 5012, Ibn Majah 1275, Abi Dawud 4340, 4607. Although Quran came around 700 years after Jesus due to change in circumstances; for last 1400 year despite of so many changes no new book is needed?]**	Prohibited to you are dead animals, blood, the flesh of swine, and that which has been dedicated to other than Allah, and [those animals] killed by strangling or by a violent blow or by a head-long fall or by the goring of horns, and those from which a wild animal has eaten, except what you [are able to] slaughter [before its death], and those which are sacrificed on stone altars, and [prohibited is] that you seek decision through divining arrows. That is grave disobedience. This day those who disbelieve have despaired of [defeating] your religion; so fear them not, but fear Me. This day I have perfected for you your religion and	5:3	तुम्हारे लिए हराम हुआ मुर्दार रक्त, सूअर का मांस और वह जानवर जिसपर अल्लाह के अतिरिक्त किसी और का नाम लिया गया हो और वह जो घुटकर या चोट खाकर या ऊँचाई से गिरकर या सींग लगने से मरा हो या जिसे किसी हिंसक पशु ने फाड़ खाया हो - सिवाय उसके जिसे तुमने ज़बह कर लिया हो - और वह किसी थान पर ज़बह कियी गया हो। और यह भी (तुम्हारे लिए हराम हैं) कि तीरो के द्वारा किस्मत मालूम करो। यह आज्ञा का उल्लंघन है - आज इनकार करनेवाले तुम्हारे धर्म की ओर से निराश हो चुके हैं तो तुम उनसे न डरो, बल्कि मुझसे डरो। आज मैंने तुम्हारे धर्म को पूर्ण कर दिया और तुमपर अपनी नेमत पूरी कर दी और मैंने तुम्हारे धर्म के रूप में इस्लाम को पसन्द	यह आयत शुक्रवार के दिन, अरफ़ा के दिन, विदाई हज के अवसर पर, हिजरत के दसवें वर्ष में अस्र की नमाज़ के बाद प्रकट हुई थी, जब पैग़म्बर मुहम्मद (स.) अरफ़ात में अपनी ऊँटनी अल-अदबा पर सवार थे। [यह आयत कहती है कि आज धर्म को पूर्ण कर दिया गया है और इसमें किसी परिवर्तन या संशोधन की कोई गुंजाइश नहीं है। देखें: हदीस नसाई 1578, 1579, 5012; इब्न माजह 1275; अबू दाऊद 4340, 4607। हालांकि कुरआन हज़रत ईसा के लगभग 700 वर्ष बाद परिस्थितियों के बदलने के कारण आया; लेकिन पिछले 1400 वर्षों में इतने बदलावों के बावजूद किसी नई किताब की आवश्यकता नहीं हुई?]

Yasaloonaka matha ohilla lahum qul ohilla lakumu alttayyibatu wama AAallamtum mina aljawarihi mukallibeena tuAAallimoonahunn a mimma AAallamakumu Allahu fakuloo mimma amsakna AAalaykum waothkuroo isma Allahi AAalayhi waittaqoo Allaha inna Allaha sareeAAu alhisabi	Two men asked: ‘O Messenger of Allah, we are people who hunt using dogs and falcons and some of animal are slaughter before they are killed while some are killed before we get to slaughter them. What is lawful for us in this case since eating the flesh of dead animals is forbidden. And so this verse was revealed. The beast should be trained and Allah's Name should have been mentioned while sending the beast, then this game is allowed according to the consensus of scholars, even if it was killed. But the beast should not have eaten the	They ask you, [O Muhammad], what has been made lawful for them. Say, "Lawful for you are [all] good foods and [game caught by] what you have trained of hunting animals which you train as Allah has taught you. So eat of what they catch for you, and mention the name of Allah upon it, and fear Allah." Indeed, Allah is swift in account.	5:4	वे तुमसे पूछते है कि "उनके लिए क्या हलाल है?" कह दो, "तुम्हारे लिए सारी अच्छी स्वच्छ चीज़ें हलाल है और जिन शिकारी जानवरों को तुमने सधे हुए शिकारी जानवर के रूप में सधा रखा हो - जिनको जैस अल्लाह ने तुम्हें सिखाया हैं, सिखाते हो - वे जिस शिकार को तुम्हारे लिए पकड़े रखे, उसको खाओ और उसपर अल्लाह का नाम लो। और अल्लाह का डर रखो। निश्चय ही अल्लाह जल्द हिसाब लेनेवाला है।"	दो व्यक्तियों ने पूछा: “ऐ अल्लाह के रसूल, हम ऐसे लोग हैं जो कुत्तों और बाज़ों से शिकार करते हैं। कुछ जानवरों को हम उनके मरने से पहले ज़बह कर लेते हैं, जबकि कुछ हमारे पहुँचने से पहले ही मर जाते हैं। ऐसी स्थिति में हमारे लिए क्या हलाल है, क्योंकि मरे हुए जानवर का मांस खाना मना है?” तब यह आयत प्रकट हुई। जानवर (शिकारी पशु) प्रशिक्षित होना चाहिए और उसे शिकार के लिए भेजते समय अल्लाह का नाम लिया जाना चाहिए। तब विद्वानों की सर्वसम्मति के अनुसार वह शिकार हलाल है, भले ही वह मारा गया हो। लेकिन शिकारी पशु ने उस शिकार को खाया नहीं होना चाहिए।

Alyawma ohilla lakumu alttayyibatu wataAAamu allatheena ootoo alkitaba hillun lakum wataAAamukum hillun lahum waalmuhsanatu mina almuminati waalmuhsanatu mina allatheena ootoo alkitaba min qablikum itha ataytumoohunna ojoorahunna muhsineena ghayra musafiheena wala muttakhithee akhdanin waman yakfur bialeemani faqad habita AAamaluhu wahuwa fee	Muslim men are permitted to marry the women of Jews and christian, modification of verse 2:221. **[However, Qur'an says nothing about Muslim women being permitted to marry men from the people of the book; this is prohibited in Islamic law. This will facilitate Muslim community to grow.]**	This day [all] good foods have been made lawful, and the food of those who were given the Scripture is lawful for you and your food is lawful for them. And [lawful in marriage are] chaste women from among the believers and chaste women from among those who were given the Scripture before you, when you have given them their due compensation, desiring chastity, not unlawful sexual intercourse or taking [secret] lovers. And whoever denies the faith - his work has become worthless, and he, in the Hereafter, will be among the losers.	5:5	आज तुम्हारे लिए अच्छी स्वच्छ चीज़ें हलाल कर दी गई और जिन्हें किताब दी गई उनका भोजन भी तुम्हारे लिए हलाल है और तुम्हारा भोजन उनके लिए हलाल है और शरीफ़ और स्वतंत्र ईमानवाली स्त्रियाँ भी जो तुमसे पहले के किताबवालों में से हो, जबकि तुम उनका हक़ (मेहर) देकर उन्हें निकाह में लाओ। न तो यह काम स्वछन्द कामतृप्ति के लिए हो और न चोरी-छिपे याराना करने को। और जिस किसी ने ईमान से इनकार किया, उसका सारा किया-धरा अकारथ गया और वह आख़िरत में भी घाटे में रहेगा	मुस्लिम पुरुषों को यहूदी और ईसाई महिलाओं से विवाह करने की अनुमति दी गई है, जो आयत 2:221 में संशोधन के समान माना जाता है। **[हालाँकि क़ुरआन में मुस्लिम महिलाओं को अहले-किताब (यहूदियों और ईसाइयों) के पुरुषों से विवाह करने की अनुमति के बारे में कुछ नहीं कहा गया है; इस्लामी क़ानून में इसे निषिद्ध माना गया है। इससे मुस्लिम समुदाय के बढ़ने में सहायता होती है।]**

Ya ayyuha allatheena amanoo itha qumtum ila alssalati faighsiloo wujoohakum waaydiyakum ila almarafiqi waimsahoo biruoosikum waarjulakum ila alkaAAbayni wain kuntum junuban faittahharoo wain kuntum marda aw AAala safarin aw jaa ahadun minkum mina alghaiti aw lamastumu alnnisaa falam tajidoo maan fatayammamoo saAAeedan tayyiban faimsahoo biwujoohikum waaydeekum minhu ma yureedu Allahu liyajAAala	Rule of abultion (Wudhu) to be perfromed before prayer. Tayammum in case water is not available.	O you who have believed, when you rise to [perform] prayer, wash your faces and your forearms to the elbows and wipe over your heads and wash your feet to the ankles. And if you are in a state of janabah, then purify yourselves. But if you are ill or on a journey or one of you comes from the place of relieving himself or you have contacted women and do not find water, then seek clean earth and wipe over your faces and hands with it. Allah does not intend to make difficulty for you, but He intends to purify you and complete His favor upon you that you may be grateful.	5:6	ऐ ईमान लेनेवालो! जब तुम नमाज़ के लिए उठो तो अपने चहरों को और हाथों को कुहनियों तक धो लिया करो और अपने सिरों पर हाथ फेर लो और अपने पैरों को भी टखनों तक धो लो। और यदि नापाक हो तो अच्छी तरह पाक हो जाओ। परन्तु यदि बीमार हो या सफ़र में हो या तुममें से कोई शौच करके आया हो या तुमने स्त्रियों को हाथ लगया हो, फिर पानी न मिले तो पाक मिट्टी से काम लो। उसपर हाथ मारकर अपने मुँह और हाथों पर फेर लो। अल्लाह तुम्हें किसी तंगी में नहीं डालना चाहता। अपितु वह चाहता हैं कि तुम्हें पवित्र करे और अपनी नेमत तुमपर पूरी कर दे, ताकि तुम कृतज्ञ बनो	नमाज़ से पहले वुज़ू (अज़ू) करने का नियम। यदि पानी उपलब्ध न हो तो तयम्मुम किया जा सकता है।

Waothkuroo niAAmata Allahi AAalaykum wameethaqahu allathee wathaqakum bihi ith qultum samiAAna waataAAna waittaqoo Allaha inna Allaha AAaleemun bithati	**[Questioning is not permitted in any matter of religion.]**	And remember the favor of Allah upon you and His covenant with which He bound you when you said, "We hear and we obey"; and fear Allah. Indeed, Allah is Knowing of that within the breasts.	5:7	और अल्लाह के उस अनुग्रह को याद करो जो उसने तुमपर किया हैं और उस प्रतिज्ञा को भी जो उसने तुमसे की है, जबकि तुमने कहा था - "हमने सुना और माना।" अल्लाह जो कुछ सीनों (दिलों) में है, उसे भी जानता हैं	**[धर्म के किसी भी मामले में प्रश्न करना अनुमत नहीं है।]**
Ya ayyuha allatheena amanoo koonoo qawwameena lillahi shuhadaa bialqisti wala yajrimannakum shanaanu qawmin AAala alla taAAdiloo iAAdiloo huwa aqrabu lilttaqwa waittaqoo Allaha inna Allaha	x	O you who have believed, be persistently standing firm for Allah, witnesses in justice, and do not let the hatred of a people prevent you from being just. Be just; that is nearer to righteousness. And fear Allah; indeed, Allah is Acquainted with what you do.	5:8	ऐ ईमान लेनेवालो! अल्लाह के लिए खूब उठनेवाले, इनसाफ़ की निगरानी करनेवाले बनो और ऐसा न हो कि किसी गिरोह की शत्रुता तुम्हें इस बात पर उभार दे कि तुम इनसाफ़ करना छोड़ दो। इनसाफ़ करो, यही धर्मपरायणता से अधिक निकट है। अल्लाह का डर रखो, निश्चय ही जो कुछ तुम करते हो, अल्लाह को उसकी ख़बर हैं	x
WaAAada Allahu allatheena amanoo waAAamiloo alssalihati lahum maghfiratun waajrun	x	Allah has promised those who believe and do righteous deeds [that] for them there is forgiveness and great reward.	5:9	जो लोग ईमान लाए और उन्होंन अच्छे कर्म किए उनसे अल्लाह का वादा है कि उनके लिए क्षमा और बड़ा प्रतिदान है	x

Waallatheena kafaroo wakaththaboo biayatina olaika ashabu aljaheemi	x	But those who disbelieve and deny Our signs - those are the companions of Hellfire.	5:10	रहे वे लोग जिन्होंने इनकार किया और हमारी आयतों को झुठलाया, वही भड़कती आग में पड़नेवाले है	x
Ya ayyuha allatheena amanoo othkuroo niAAmata Allahi AAalaykum ith hamma qawmun an yabsutoo ilaykum aydiyahum fakaffa aydiyahum AAankum waittaqoo Allaha waAAala Allahi falyatawakkali almuminoona	The prophet (pbuh) and some of his companions went to Kab al-Ashraf, to seek help from Banu'l-Nadir to pay the blood money. When they sat down, jews gathered close by and said to each other: 'Muhammad will never be as close to you as he is now; who can climb up to the top of the house, throw a rock on him and rid us of him? Umar ibn Jihash ibn Kab said: 'I will do it!' He got hold of a huge millstone intending to throw it on the Prophet, but Allah prevented him from doing so. When Gabriel informed the Prophet (pbuh) of what happened, he left that house, and this verse was revealed.	O you who have believed, remember the favor of Allah upon you when a people determined to extend their hands [in aggression] against you, but He withheld their hands from you; and fear Allah. And upon Allah let the believers rely.	5:11	ऐ ईमान लेनेवालो! अल्लाह के उस अनुग्रह को याद करो जो उसने तुमपर किया है, जबकि कुछ लोगों ने तुम्हारी ओर हाथ बढ़ाने का निश्चय कर लिया था तो उसने उनके हाथ तुमसे रोक दिए। अल्लाह का डर रखो, और ईमानवालों को अल्लाह ही पर भरोसा करना चाहिए	पैग़म्बर मुहम्मद (स.) और उनके कुछ साथियों ने कअब बिन अल-अशरफ़ के पास जाकर बनू नज़ीर से रक्त भुगतान अदा करने में सहायता माँगी। जब वे वहाँ बैठ गए, तो यहूदी आपस में इकट्ठा होकर कहने लगे: "मुहम्मद अब तुम लोगों के इतना क़रीब कभी नहीं होंगे; कौन घर की छत पर चढ़कर उन पर एक पत्थर गिरा दे और हमें उनसे छुटकारा दिला दे?" उमर बिन जिहाश बिन कअब ने कहा: "मैं यह काम करूँगा!" उसने एक बड़ा चक्की का पत्थर उठा लिया ताकि उसे पैग़म्बर पर गिरा दे, लेकिन अल्लाह ने उसे ऐसा करने से रोक दिया। जब जिब्रील ने पैग़म्बर (स.) को इस घटना की सूचना दी, तो वे उस घर से निकल गए, और तब यह आयत प्रकट हुई।

Walaqad akhatha Allahu meethaqa banee israeela wabaAAathna minhumu ithnay AAashara naqeeban waqala Allahu innee maAAakum lain aqamtumu alssalata waataytumu alzzakata waamantum birusulee waAAazzartumoohu m waaqradtumu Allaha qardan hasanan laokaffiranna AAankum sayyiatikum walaodkhilannakum jannatin tajree min tahtiha alanharu faman kafara baAAda thalika	**[Why would Allah take convenant or demand loan from anyone, as He does not need anything.]**	And Allah had already taken a covenant from the Children of Israel, and We delegated from among them twelve leaders. And Allah said, "I am with you. If you establish prayer and give zakah and believe in My messengers and support them and loan Allah a goodly loan, I will surely remove from you your misdeeds and admit you to gardens beneath which rivers flow. But whoever of you disbelieves after that has certainly strayed from the soundness of the way."	5:12	अल्लाह ने इसराईल की सन्तान से वचन लिया था और हमने उनमें से बारह सरदार नियुक्त किए थे। और अल्लाह ने कहा, "मैं तुम्हारे साथ हूँ, यदि तुमने नमाज़ क़ायम रखी, ज़कात देते रहे, मेरे रसूलों पर ईमान लाए और उनकी सहायता की और अल्लाह को अच्छा ऋण दिया तो मैं अवश्य तुम्हारी बुराइयाँ तुमसे दूर कर दूँगा और तुम्हें निश्चय ही ऐसे बाग़ों में दाख़िल करूँगा, जिनके नीचे नहरें बह रही होगी। फिर इसके पश्चात तुमनें से जिनसे इनकार किया, तो वास्तव में वह ठीक और सही रास्ते से भटक गया।"	**[अल्लाह किसी से वाचा (अहद) क्यों लेगा या किसी से ऋण क्यों माँगेगा, जबकि उसे किसी भी चीज़ की आवश्यकता नहीं है?]**

Fabima naqdihim meethaqahum laAAannahum wajaAAalna quloobahum qasiyatan yuharrifoona alkalima AAan mawadiAAihi wanasoo haththan mimma thukkiroo bihi wala tazalu tattaliAAu AAala khainatin minhum illa qaleelan minhum faoAAfu AAanhum waisfah inna Allaha yuhibbu almuhsineena	God has cursed Jew and Christians. He also sealed their hearts from receiving guidance. [**Also this verse which says to pardon them, was abroaged by later verses of Jihad.]**	So for their breaking of the covenant We cursed them and made their hearts hard. They distort words from their [proper] usages and have forgotten a portion of that of which they were reminded. And you will still observe deceit among them, except a few of them. But pardon them and overlook [their misdeeds]. Indeed, Allah loves the doers of good.	5:13	फिर उनके बार-बार अपने वचन को भंग कर देने के कारण हमने उनपर लानत की और उनके हृदय कठोर कर दिए। वे शब्दों को उनके स्थान से फेरकर कुछ का कुछ कर देते है और जिनके द्वारा उन्हें याद दिलाया गया था, उसका एक बड़ा भाग वे भुला बैठे। और तुम्हें उनके किसी न किसी विश्वासघात का बराबर पता चलता रहेगा। उनमें ऐसा न करनेवाले थोड़े लोग है, तो तुम उन्हें क्षमा कर दो और उन्हें छोड़ो। निश्चय ही अल्लाह को वे लोग प्रिय है जो उत्तमकर्मी है	ईश्वर ने यहूदियों और ईसाइयों को शाप दिया है। उसने उनके दिलों को मार्गदर्शन स्वीकार करने से भी मुहरबंद कर दिया है। **[साथ ही, यह आयत जिसमें उन्हें क्षमा करने की बात कही गई है, बाद में आई जिहाद से संबंधित आयतों द्वारा निरस्त कर दी गई मानी जाती है।]**

Wamina allatheena qaloo inna nasara akhathna meethaqahum fanasoo haththan mimma thukkiroo bihi faaghrayna baynahumu alAAadawata waalbaghdaa ila yawmi alqiyamati wasawfa yunabbiohumu Allahu bima kanoo yasnaAAoona	**[Allah has caused enmity amoung various sects of Christians.]**	And from those who say, "We are Christians" We took their covenant; but they forgot a portion of that of which they were reminded. So We caused among them animosity and hatred until the Day of Resurrection. And Allah is going to inform them about what they used to do.	5:14	और हमने उन लोगों से भी दृढ़ वचन लिया था, जिन्होंने कहा था कि हम नसारा (ईसाई) हैं, किन्तु जो कुछ उन्हें जिसके द्वारा याद कराया गया था उसका एक बड़ा भाग भुला बैठे। फिर हमने उनके बीच क़ियामत तक के लिए शत्रुता और द्वेष की आग भड़का दी, और अल्लाह जल्द उन्हें बता देगा, जो कुछ वे बनाते रहे थे	**[अल्लाह ने ईसाइयों के विभिन्न संप्रदायों के बीच आपसी शत्रुता पैदा कर दी है।]**
Ya ahla alkitabi qad jaakum rasooluna yubayyinu lakum katheeran mimma kuntum tukhfoona mina alkitabi wayaAAfoo AAan katheerin qad jaakum mina Allahi noorun wakitabun	The Jews and Christians should accept Islam, as it reveals what they have concealed.	O People of the Scripture, there has come to you Our Messenger making clear to you much of what you used to conceal of the Scripture and overlooking much. There has come to you from Allah a light and a clear Book.	5:15	ऐ किताबवालों! हमारा रसूल तुम्हारे पास आ गया है। किताब की जो बातें तुम छिपाते थे, उसमें से बहुत-सी बातें वह तुम्हारे सामने खोल रहा है और बहुत-सी बातों को छोड़ देता है। तुम्हारे पास अल्लाह की ओर से प्रकाश और एक स्पष्ट किताब आ गई है,	यहूदियों और ईसाइयों को इस्लाम स्वीकार करना चाहिए, क्योंकि यह उन बातों को प्रकट करता है जिन्हें उन्होंने छिपा रखा है।

Yahdee bihi Allahu mani ittabaAAa ridwanahu subula alssalami wayukhrijuhum mina alththulumati ila alnnoori biithnihi wayahdeehim ila siratin mustaqeemin	x	By which Allah guides those who pursue His pleasure to the ways of peace and brings them out from darknesses into the light, by His permission, and guides them to a straight path.	5:16	जिसके द्वारा अल्लाह उस व्यक्ति को जो उसकी प्रसन्नता का अनुगामी है, सलामती की राहें दिखा रहा है और अपनी अनुज्ञा से ऐसे लोगों को अँधेरों से निकालकर उजाले की ओर ला रहा है और उन्हें सीधे मार्ग पर चला रहा है	x
Laqad kafara allatheena qaloo inna Allaha huwa almaseehu ibnu maryama qul faman yamliku mina Allahi shayan in arada an yuhlika almaseeha ibna maryama waommahu waman fee alardi jameeAAan walillahi mulku alssamawati waalardi wama baynahuma yakhluqu ma yashao waAllahu AAala kulli shayin	This verse is quite clear that those who believe in the divinity of Christ are unbelievers.	They have certainly disbelieved who say that Allah is Christ, the son of Mary. Say, "Then who could prevent Allah at all if He had intended to destroy Christ, the son of Mary, or his mother or everyone on the earth?" And to Allah belongs the dominion of the heavens and the earth and whatever is between them. He creates what He wills, and Allah is over all things competent.	5:17	निश्चय ही उन लोगों ने इनकार किया, जिन्होंने कहा, "अल्लाह तो वही मरयम का बेटा मसीह है।" कहो, "अल्लाह के आगे किसका कुछ बस चल सकता है, यदि वह मरयम का पुत्र मसीह को और उसकी माँ (मरयम) को और समस्त धरतीवालो को विनष्ट करना चाहे? और अल्लाह ही के लिए है बादशाही आकाशों और धरती की ओर जो कुछ उनके मध्य है उसकी भी। वह जो चाहता है पैदा करता है। और अल्लाह को हर चीज़ की सामर्थ्य प्राप्त है।"	यह आयत स्पष्ट रूप से कहती है कि जो लोग मसीह की दिव्यता पर विश्वास करते हैं, वे अविश्वासी हैं।

Waqalati alyahoodu waalnnasara nahnu abnao Allahi waahibbaohu qul falima yuAAaththibukum bithunoobikum bal antum basharun mimman khalaqa yaghfiru liman yashao wayuAAaththibu man yashao walillahi mulku alssamawati waalardi wama	**[From this logic, Muslims should not be punished, but history mentions that prophet (pbuh) was poisoned, most of caliph were assasinated.]**	But the Jews and the Christians say, "We are the children of Allah and His beloved." Say, "Then why does He punish you for your sins?" Rather, you are human beings from among those He has created. He forgives whom He wills, and He punishes whom He wills. And to Allah belongs the dominion of the heavens and the earth and whatever is between them, and to Him is the [final] destination.	5:18	यहूदी और ईसाई कहते है, "हम तो अल्लाह के बेटे और उसके चहेते है।" कहो, "फिर वह तुम्हें तुम्हारे गुनाहों पर दंड क्यों देता है? बात यह नहीं है, बल्कि तुम भी उसके पैदा किए हुए प्राणियों में से एक मनुष्य हो। वह जिसे चाहे क्षमा करे और जिसे चाहे दंड दे।" और अल्लाह ही के लिए है बादशाही आकाशों और धरती को और जो कुछ उनके बीच है वह भी, और जाना भी उसी की ओर है	**[इस तर्क के अनुसार मुसलमानों को दंडित नहीं होना चाहिए, लेकिन इतिहास बताता है कि पैग़म्बर मुहम्मद (स.) को ज़हर दिया गया था और अधिकांश ख़लीफ़ाओं की हत्या कर दी गई थी।]**

Ya ahla alkitabi qad jaakum rasooluna yubayyinu lakum AAala fatratin mina alrrusuli an taqooloo ma jaana min basheerin wala natheerin faqad jaakum basheerun wanatheerun waAllahu AAala kulli shayin qadeerun	x	O People of the Scripture, there has come to you Our Messenger to make clear to you [the religion] after a period [of suspension] of messengers, lest you say, "There came not to us any bringer of good tidings or a warner." But there has come to you a bringer of good tidings and a warner. And Allah is over all things competent.	5:19	ऐ किताबवालो! हमारा रसूल ऐसे समय तुम्हारे पास आया है और तुम्हारे लिए (हमारा आदेश) खोल-खोलकर बयान करता है, जबकि रसूलों के आने का सिलसिला एक मुद्दत से बन्द था, ताकि तुम यह न कह सको कि "हमारे पास कोई शुभ-समाचार देनेवाला और सचेत करनेवाला नहीं आया।" तो देखो! अब तुम्हारे पास शुभ-समाचार देनेवाला और सचेत करनेवाला आ गया है। अल्लाह को हर चीज़ की सामर्थ्य प्राप्त है	x
Waith qala moosa liqawmihi ya qawmi othkuroo niAAmata Allahi AAalaykum ith jaAAala feekum anbiyaa wajaAAalakum mulookan waatakum ma lam yuti ahadan mina alAAalameena	**[Why would an universal God favor one particular Nation.]**	And [mention, O Muhammad], when Moses said to his people, "O my people, remember the favor of Allah upon you when He appointed among you prophets and made you possessors and gave you that which He had not given anyone among the	5:20	और याद करो जब मूसा ने अपनी क़ौम के लोगों से कहा था, "ऐ लोगों! अल्लाह की उस नेमत को याद करो जो उसने तुम्हें प्रदान की है। उसनें तुममें नबी पैदा किए और तुम्हें शासक बनाया और तुमको वह कुछ दिया जो संसार में किसी को नहीं दिया था	**[एक सार्वभौमिक ईश्वर किसी एक विशेष राष्ट्र का पक्ष क्यों लेगा?]**

Ya qawmi odkhuloo alarda almuqaddasata allatee kataba Allahu lakum wala tartaddoo AAala adbarikum fatanqaliboo khasireena	**[Verse 5:21, 7:129 and 17:104 are often invoked today to show that, despite all the conflict over Israel, the Qur'an actually promises the land of Israel to the Jews. However, in 14:14, the Muslims are made to dwell in the land after the "wrongdoers" are expelled.]**	O my people, enter the Holy Land which Allah has assigned to you and do not turn back [from fighting in Allah 's cause] and [thus] become losers."	5:21	"ऐ मेरे लोगो! इस पवित्र भूमि में प्रवेश करो, जो अल्लाह ने तुम्हारे लिए लिख दी है। और पीछे न हटो, अन्यथा, घाटे में पड़ जाओगे।"	**[आयत 5:21, 7:129 और 17:104 का आज अक्सर यह दिखाने के लिए उल्लेख किया जाता है कि इस्राइल को लेकर जितना भी संघर्ष हो, क़ुरआन वास्तव में यहूदियों को इस्राइल की भूमि का वादा करता है। हालांकि 14:14 में कहा गया है कि "अत्याचारियों" को निकाल दिए जाने के बाद मुसलमानों को उस भूमि में बसाया जाएगा।]**
Qaloo ya moosa inna feeha qawman jabbareena wainna lan nadkhulaha hatta yakhrujoo minha fain yakhrujoo minha fainna dakhiloona	x	They said, "O Moses, indeed within it is a people of tyrannical strength, and indeed, we will never enter it until they leave it; but if they leave it, then we will enter."	5:22	उन्होंने कहा, "ऐ मूसा! उसमें तो बड़े शक्तिशाली लोग रहते है। हम तो वहाँ कदापि नहीं जा सकते, जब तक कि वे वहाँ से निकल नहीं जाते। हाँ, यदि वे वहाँ से निकल जाएँ, तो हम अवश्य प्रविष्ट हो जाएँगे।"	x
Qala rajulani mina allatheena yakhafoona anAAama Allahu AAalayhima odkhuloo AAalayhimu albaba faitha dakhaltumoohu fainnakum ghaliboona waAAala Allahi	These two righteous men among them, were Yuwsha, the son of Nun, and Kalib, the son of Yufna.	Said two men from those who feared [to disobey] upon whom Allah had bestowed favor, "Enter upon them through the gate, for when you have entered it, you will be predominant. And upon Allah rely, if you should be believers."	5:23	उन डरनेवालों में से ही दो व्यक्ति ऐसे भी थे जिनपर अल्लाह का अनुग्रह था। उन्होंने कहा, "उन लोगों के मुक़ाबले में दरवाज़े से प्रविष्ट हो जाओ। जब तुम उसमें प्रविष्टि हो जाओगे, तो तुम ही प्रभावी होगे। अल्लाह पर भरोसा रखो, यदि तुम ईमानवाले हो।"	उनमें दो धर्मी व्यक्ति थे — यूशा बिन नून और कालीब बिन युफ़ना।

Qaloo ya moosa inna lan nadkhulaha abadan ma damoo feeha faithhab anta warabbuka faqatila inna hahuna qaAAidoona	This is how the Jews declined to join Jihad, defied their Messenger.	They said, "O Moses, indeed we will not enter it, ever, as long as they are within it; so go, you and your Lord, and fight. Indeed, we are remaining right here."	5:24	उन्होंने कहा, "ऐ मूसा! जब तक वे लोग वहाँ है, हम तो कदापि नहीं जाएँगे। ऐसा ही है तो जाओ तुम और तुम्हारा रब, और दोनों लड़ो। हम तो यहीं बैठे रहेंगे।"	इस प्रकार यहूदियों ने जिहाद में शामिल होने से इनकार कर दिया और अपने रसूल की अवज्ञा की।
Qala rabbi innee la amliku illa nafsee waakhee faofruq baynana wabayna alqawmi alfasiqeena	x	[Moses] said, "My Lord, indeed I do not possess except myself and my brother, so part us from the defiantly disobedient people."	5:25	उसने कहा, "मेरे रब! मेरा स्वयं अपने और अपने भाई के अतिरिक्त किसी पर अधिकार नहीं है। अतः तू हमारे और इन अवज्ञाकारी लोगों के बीच अलगाव पैदा कर दे।"	x
Qala fainnaha muharramatun AAalayhim arbaAAeena sanatan yateehoona fee alardi fala tasa AAala alqawmi	When Musa supplicated against the Jews for refusing to fight in Jihad, Allah forbade them from entering the land for forty years.	[Allah] said, "Then indeed, it is forbidden to them for forty years [in which] they will wander throughout the land. So do not grieve over the defiantly disobedient people."	5:26	कहा, "अच्छा तो अब यह भूमि चालीस वर्ष कर इनके लिए वर्जित है। ये धरती में मारे-मारे फिरेंगे तो तुम इन अवज्ञाकारी लोगों के प्रति शोक न करो"	जब मूसा ने यहूदियों के खिलाफ दुआ की क्योंकि उन्होंने जिहाद में लड़ने से इनकार कर दिया था, तब अल्लाह ने उन्हें चालीस वर्षों तक उस भूमि में प्रवेश करने से मना कर दिया।

Waotlu AAalayhim nabaa ibnay adama bialhaqqi ith qarraba qurbanan fatuqubbila min ahadihima walam yutaqabbal mina alakhari qala laaqtulannaka qala innama yataqabbalu Allahu mina almuttaqeena	This is the story of Habil (Abel) and Qabil (Cain), two sons of Adam. Allah allowed Adam to marry his daughters to his sons because of the necessity of such action. Habil's sister was not beautiful while Qabil's sister was beautiful, resulting in Qabil wanting her for himself, instead of his brother. Adam asked them to offer a sacrifice, and he whose sacrifice was accepted, would marry Qabil's sister. Habil's sacrifice was accepted buy Allah. Then Qabil killed him out of envy. The murdered brother earned forgiveness for his sins and was admitted into Paradise, while the murderer failed and earned a losing deal in both the lives. **[Many of the humans are the lineage of a murderer.]**	And recite to them the story of Adam's two sons, in truth, when they both offered a sacrifice [to Allah], and it was accepted from one of them but was not accepted from the other. Said [the latter], "I will surely kill you." Said [the former], "Indeed, Allah only accepts from the righteous [who fear Him].	5:27	और इन्हें आदम के दो बेटों का सच्चा वृतान्त सुना दो। जब दोनों ने क़ुरबानी की, तो उनमें से एक की क़ुरबानी स्वीकृत हुई और दूसरे की स्वीकृत न हुई। उसने कहा, "मै तुझे अवश्य मार डालूँगा।" दूसरे न कहा, "अल्लाह तो उन्हीं की (क़ुरबानी) स्वीकृत करता है, जो डर रखनेवाले है।	यह हाबिल (एबेल) और क़ाबिल (कैन) की कहानी है, जो आदम के दो पुत्र थे। आवश्यकता के कारण अल्लाह ने आदम को अनुमति दी कि वे अपनी बेटियों का विवाह अपने बेटों से कर दें। हाबिल की बहन सुंदर नहीं थी, जबकि क़ाबिल की बहन सुंदर थी, इसलिए क़ाबिल उसे अपने लिए चाहता था, न कि अपने भाई के लिए। आदम ने उनसे कहा कि वे एक बलि चढ़ाएँ, और जिसकी बलि स्वीकार की जाएगी, वही क़ाबिल की बहन से विवाह करेगा। हाबिल की बलि अल्लाह द्वारा स्वीकार कर ली गई। तब क़ाबिल ने ईर्ष्या के कारण उसे मार डाला। मारा गया भाई अपने पापों की माफी पाकर जन्नत में प्रवेश कर गया, जबकि हत्यारा असफल हुआ और दोनों ही जीवनों में घाटे का सौदा कर बैठा। **[कहा जाता है कि मनुष्यों में से बहुत से लोग एक हत्यारे की वंशावली से आते हैं।]**
Lain basatta ilayya yadaka litaqtulanee ma ana bibasitin yadiya ilayka liaqtulaka innee akhafu Allaha rabba alAAalameena	Pios Habil said this to unjust Qabil. **[However, Quran says such a behavior is amoung Muslims only. Non-muslims are dealt differently (See later Jihadi verses).]**	If you should raise your hand against me to kill me - I shall not raise my hand against you to kill you. Indeed, I fear Allah, Lord of the worlds.	5:28	"यदि तू मेरी हत्या करने के लिए मेरी ओर हाथ बढ़ाएगा तो मैं तेरी हत्या करने के लिए तेरी ओर अपना हाथ नहीं बढ़ाऊँगा। मैं तो अल्लाह से डरता हूँ, जो सारे संसार का रब है	धर्मी हाबिल ने यह बात अत्याचारी क़ाबिल से कही थी। **[हालांकि क़ुरआन के अनुसार ऐसा व्यवहार केवल मुसलमानों के बीच बताया गया है। गैर-मुसलमानों के साथ अलग प्रकार से व्यवहार किया जाता है (देखें आगे की जिहाद संबंधी आयतें)।]**

Innee oreedu an tabooa biithmee waithmika fatakoona min ashabi alnnari wathalika jazao alththalimeena	[Various interpretation possible regarding sin of whom.]	Indeed I want you to obtain [thereby] my sin and your sin so you will be among the companions of the Fire. And that is the recompense of wrongdoers."	5:29	"मैं तो चाहता हूँ कि मेरा गुनाह और अपना गुनाह तू ही अपने सिर ले ले, फिर आग (जहन्नम) में पड़नेवालों में से एक हो जाए, और वही अत्याचारियों का बदला है।"	[यहाँ यह प्रश्न उठता है कि पाप किसका था — इसके बारे में विभिन्न प्रकार की व्याख्याएँ संभव हैं।]
FatawwaAAat lahu nafsuhu qatla akheehi faqatalahu faasbaha mina alkhasireena	x	And his soul permitted to him the murder of his brother, so he killed him and became among the losers.	5:30	अन्ततः उसके जी ने उस अपने भाई की हत्या के लिए उद्यत कर दिया, तो उसने उसकी हत्या कर डाली और घाटे में पड़ गया	x
FabaAAatha Allahu ghuraban yabhathu fee alardi liyuriyahu kayfa yuwaree sawata akheehi qala ya waylata aAAajaztu an akoona mithla hatha alghurabi faowariya sawata akhee faasbaha mina alnnadimeena	**[When his brother died, Qabil left him on the bare ground and did not know how to bury him. Allah sent two crows, which fought with each other until one of them killed the other. So it dug a hole and threw sand over the dead corpse (which it placed in the hole). When Qabil saw that, he said, Woe to me! Am I not even able to be as this crow and to hide the dead body of my brother!; Then Allah made him feel sorrow after the loss that he earned.]**	Then Allah sent a crow searching in the ground to show him how to hide the disgrace of his brother. He said, "O woe to me! Have I failed to be like this crow and hide the body of my brother?" And he became of the regretful.	5:31	तब अल्लाह ने एक कौआ भेजा जो भूमि कुरेदने लगा, ताकि उसे दिखा दे कि वह अपने भाई के शव को कैसे छिपाए। कहने लगा, "अफ़सोस मुझ पर! क्या मैं इस कौए जैसा भी न हो सका कि अपने भाई का शव छिपा देता?" फिर वह लज्जित हुआ	**[जब उसके भाई की मृत्यु हो गई, तो क़ाबिल ने उसे ज़मीन पर ही छोड़ दिया और उसे यह नहीं पता था कि उसे कैसे दफ़नाया जाए। तब अल्लाह ने दो कौओं को भेजा, जो आपस में लड़ने लगे, यहाँ तक कि उनमें से एक ने दूसरे को मार डाला। फिर उसने एक गड्ढा खोदा और मरे हुए कौए को उसमें डालकर उस पर मिट्टी डाल दी। जब क़ाबिल ने यह देखा तो उसने कहा: “हाय मुझ पर! क्या मैं इस कौए जैसा भी नहीं हो सका कि अपने भाई के मृत शरीर को छिपा सकूँ?” तब अल्लाह ने उसे उसके किए हुए अपराध के कारण गहरे पश्चाताप का अनुभव कराया।]**

Min ajli thalika katabna AAala banee israeela annahu man qatala nafsan bighayri nafsin aw fasadin fee alardi fakaannama qatala alnnasa jameeAAan waman ahyaha fakaannama ahya alnnasa jameeAAan walaqad jaa thum rusuluna bialbayyinati thumma inna katheeran minhum baAAda thalika fee alardi lamusrifoona	This is one of the most oft-quoted verses of the Qur'an. However, this command is for children of Israel and is really saying is that Allah gave a command to the children of Israel, and they transgressed against it. **[However, Muslims don't have to follow this verse after revelation of Jihadi verses.]**	Because of that, We decreed upon the Children of Israel that whoever kills a soul unless for a soul or for corruption [done] in the land - it is as if he had slain mankind entirely. And whoever saves one - it is as if he had saved mankind entirely. And our messengers had certainly come to them with clear proofs. Then indeed many of them, [even] after that, throughout the land, were transgressors.	5:32	इसी कारण हमने इसराईल का सन्तान के लिए लिख दिया था कि जिसने किसी व्यक्ति को किसी के ख़ून का बदला लेने या धरती में फ़साद फैलाने के अतिरिक्त किसी और कारण से मार डाला तो मानो उसने सारे ही इनसानों की हत्या कर डाली। और जिसने उसे जीवन प्रदान किया, उसने मानो सारे इनसानों को जीवन दान किया। उसने पास हमारे रसूल स्पष्टि प्रमाण ला चुके हैं, फिर भी उनमें बहुत-से लोग धरती में ज़्यादतियाँ करनेवाले ही हैं	यह क़ुरआन की सबसे अधिक उद्धृत की जाने वाली आयतों में से एक है। हालांकि यह आदेश बनी इस्राईल (इस्राइल की संतानों) के लिए है और वास्तव में इसका अर्थ यह है कि अल्लाह ने बनी इस्राईल को एक आदेश दिया था, और उन्होंने उसका उल्लंघन किया। **[हालाँकि जिहाद से संबंधित आयतों के प्रकट होने के बाद मुसलमानों को इस आयत का पालन नहीं करना है।]**

Innama jazao allatheena yuhariboona Allaha warasoolahu wayasAAawna fee alardi fasadan an yuqattaloo aw yusallaboo aw tuqattaAAa aydeehim waarjuluhum min khilafin aw yunfaw mina alardi thalika lahum khizyun fee alddunya walahum fee alakhirati AAathabun AAatheemun	A group of people from Ukal and Uraynah were send by the prophet (pbuh) to a shepherd and asked to drink the milk and urine of camel. Later they killed the shepherd and took off with the camels. The Messenger (pbuh) sent after them and when they were captured and he cut off their hands and feet, and gouged their eyes. They were left in this state in a very hot place in Medina until they died. Hadith an-Nasai 4039, 4040 **[This verse continues from 5:32 and makes clear the dire punishment for anyone who goes against the Messenger (pbuh) or Allah (means scripture)]**	Indeed, the penalty for those who wage war against Allah and His Messenger and strive upon earth [to cause] corruption is none but that they be killed or crucified or that their hands and feet be cut off from opposite sides or that they be exiled from the land. That is for them a disgrace in this world; and for them in the Hereafter is a great punishment,	5:33	जो लोग अल्लाह और उसके रसूल से लड़ते है और धरती के लिए बिगाड़ पैदा करने के लिए दौड़-धूप करते है, उनका बदला तो बस यही है कि बुरी तरह से क़त्ल किए जाए या सूली पर चढ़ाए जाएँ या उनके हाथ-पाँव विपरीत दिशाओं में काट डाले जाएँ या उन्हें देश से निष्कासित कर दिया जाए। यह अपमान और तिरस्कार उनके लिए दुनिया में है और आख़िरत में उनके लिए बड़ी यातना है	उकल और उरैना क़बीले के कुछ लोगों को पैग़म्बर मुहम्मद (स.) ने एक चरवाहे के पास भेजा और उन्हें ऊँट का दूध और मूत्र पीने के लिए कहा। बाद में उन्होंने उस चरवाहे को मार डाला और ऊँटों को लेकर भाग गए। तब रसूल (स.) ने उनके पीछे लोगों को भेजा। जब उन्हें पकड़ लिया गया, तो उनके हाथ-पाँव कटवा दिए गए और उनकी आँखें फोड़ दी गईं। उन्हें मदीना में एक बहुत गर्म जगह पर इसी हालत में छोड़ दिया गया, जहाँ वे मर गए। हदीस अन-नसाई 4039, 4040 [यह आयत 5:32 के बाद आती है और यह स्पष्ट करती है कि जो कोई भी रसूल (स.) या अल्लाह (अर्थात् उसकी किताब) के विरुद्ध जाता है, उसके लिए कठोर दंड निर्धारित है।]
Illa allatheena taboo min qabli an taqdiroo AAalayhim faiAAlamoo anna Allaha ghafoorun raheemun	The Punishment of those who wage war Against Allah and His Messenger is annulled if they repent before their apprehension.	Except for those who return [repenting] before you apprehend them. And know that Allah is Forgiving and Merciful.	5:34	किन्तु जो लोग, इससे पहले कि तुम्हें उनपर अधिकार प्राप्त हो, पलट आएँ (अर्थात तौबा कर लें) तो ऐसी दशा में तुम्हें मालूम होना चाहिए कि अल्लाह बड़ा क्षमाशील, दयावान है	जो लोग अल्लाह और उसके रसूल के खिलाफ युद्ध करते हैं, यदि वे पकड़े जाने से पहले तौबा कर लें तो उनकी सज़ा समाप्त कर दी जाती है।

Ya ayyuha allatheena amanoo ittaqoo Allaha waibtaghoo ilayhi alwaseelata wajahidoo fee sabeelihi laAAallakum	**[Muslims should strive for the cause of Allah.]**	O you who have believed, fear Allah and seek the means [of nearness] to Him and strive in His cause that you may succeed.	5:35	ऐ ईमान लानेवालो! अल्लाह का डर रखो और उसका सामीप्य प्राप्त करो और उसके मार्ग में जी-तोड़ संघर्ष करो, ताकि तुम्हें सफलता प्राप्त हो	**[मुसलमानों को अल्लाह के उद्देश्य के लिए प्रयास करना चाहिए।]**
Inna allatheena kafaroo law anna lahum ma fee alardi jameeAAan wamithlahu maAAahu liyaftadoo bihi min AAathabi yawmi alqiyamati ma tuqubbila minhum walahum	**[Allah will not accept any Ransom.]**	Indeed, those who disbelieve - if they should have all that is in the earth and the like of it with it by which to ransom themselves from the punishment of the Day of Resurrection, it will not be accepted from them, and for them is a painful punishment	5:36	जिन लोगों ने इनकार किया यदि उनके पास वह सब कुछ हो जो सारी धरती में है और उतना ही उसके साथ भी हो कि वह उसे देकर क़ियामत के दिन की यातना से बच जाएँ; तब भी उनकी ओर से यह सब दी जानेवाली वस्तुएँ स्वीकार न की जाएँगी। उनके लिए दुखद यातना ही है	**[अल्लाह कोई भी फिरौती स्वीकार नहीं करेगा।]**
Yureedoona an yakhrujoo mina alnnari wama hum bikharijeena minha walahum AAathabun	x	They will wish to get out of the Fire, but never are they to emerge therefrom, and for them is an enduring punishment.	5:37	वे चाहेंगे कि आग (जहन्नम) से निकल जाएँ, परन्तु वे उससे न निकल सकेंगे। उनके लिए चिरस्थायी यातना है	x

Waalssariqu waalssariqatu faiqtaAAoo aydiyahuma jazaan bima kasaba nakalan mina Allahi waAllahu AAazeezun	This was revealed about Tumah ibn Ubayriq who stole an armour. See 4:105 **[One hand or both hands? Islam normally says one hand first time, but the text is not clear as pleural is used here.]**	[As for] the thief, the male and the female, amputate their hands in recompense for what they committed as a deterrent [punishment] from Allah. And Allah is Exalted in Might and Wise.	5:38	और चोर चाहे स्त्री हो या पुरुष दोनों के हाथ काट दो। यह उनकी कमाई का बदला है और अल्लाह की ओर से शिक्षाप्रद दंड। अल्लाह प्रभुत्वशाली, तत्वदर्शी है	यह आयत तुमाह इब्न उबैरिक के बारे में प्रकट हुई थी, जिसने एक कवच (ज़िरह) चुरा लिया था। देखें 4:105। **[एक हाथ या दोनों हाथ? इस्लाम में सामान्यतः पहली बार चोरी पर एक हाथ काटने की बात कही जाती है, लेकिन यहाँ स्पष्ट नहीं है।]**
Faman taba min baAAdi thulmihi waaslaha fainna Allaha yatoobu AAalayhi inna Allaha ghafoorun raheemun	x	But whoever repents after his wrongdoing and reforms, indeed, Allah will turn to him in forgiveness. Indeed, Allah is Forgiving and Merciful.	5:39	फिर जो व्यक्ति अत्याचार करने के बाद पलट आए और अपने को सुधार ले, तो निश्चय ही वह अल्लाह की कृपा का पात्र होगा। निस्संदेह, अल्लाह बड़ा क्षमाशील, दयावान है	x
Alam taAAlam anna Allaha lahu mulku alssamawati waalardi yuAAaththibu man yashao wayaghfiru liman yashao waAllahu AAala	Allah owns everything and decides what He wills for it and no one can resist His judgment.	Do you not know that to Allah belongs the dominion of the heavens and the earth? He punishes whom He wills and forgives whom He wills, and Allah is over all things competent.	5:40	क्या तुम नहीं जानते कि अल्लाह ही आकाशों और धरती के राज्य का अधिकारी है? वह जिसे चाहे यातना दे और जिसे चाहे क्षमा कर दे। अल्लाह को हर चीज़ की सामर्थ्य प्राप्त है	अल्लाह हर चीज़ का मालिक है और वह उसके बारे में वही फैसला करता है जो वह चाहता है, और कोई भी उसके फ़ैसले का विरोध नहीं कर सकता।

Ya ayyuha alrrasoolu la yahzunka allatheena yusariAAoona fee alkufri mina allatheena qaloo amanna biafwahihim walam tumin quloobuhum wamina allatheena hadoo sammaAAoona lilkathibi sammaAAoona liqawmin akhareena lam yatooka yuharrifoona alkalima min baAAdi mawadiAAihi yaqooloona in ooteetum hatha fakhuthoohu wain lam tutawhu faihtharoo waman yuridi Allahu	Allah consoles the messenger for the Jews' and Christians' rejection of him.	O Messenger, let them not grieve you who hasten into disbelief of those who say, "We believe" with their mouths, but their hearts believe not, and from among the Jews. [They are] avid listeners to falsehood, listening to another people who have not come to you. They distort words beyond their [proper] usages, saying "If you are given this, take it; but if you are not given it, then beware." But he for whom Allah intends fitnah - never will you possess [power to do] for him a thing against Allah. Those are the ones for whom Allah does not intend to purify their hearts. For them in this world is disgrace, and for them in the Hereafter is a great	5:41	ऐ रसूल! जो लोग अधर्म के मार्ग में दौड़ते है, उनके कारण तुम दुखी न होना; वे जिन्होंने अपने मुँह से कहा कि "हम ईमान ले आए," किन्तु उनके दिल ईमान नहीं लाए; और वे जो यहूदी हैं, वे झूठ के लिए कान लगाते हैं और उन दूसरे लोगों की भली-भाँति सुनते है, जो तुम्हारे पास नहीं आए, शब्दों को उनका स्थान निश्चित होने के बाद भी उनके स्थान से हटा देते है। कहते है, "यदि तुम्हें यह (आदेश) मिले, तो इसे स्वीकार करना और यदि न मिले तो बचना।" जिसे अल्लाह ही आपदा में डालना चाहे उसके लिए अल्लाह के यहाँ तुम्हारी कुछ भी नहीं चल सकती। ये वही लोग है जिनके दिलों को अल्लाह ने स्वच्छ करना नहीं चाहा। उनके लिए संसार में भी अपमान और	अल्लाह पैग़म्बर मुहम्मद (स.) को यहूदी और ईसाई लोगों द्वारा अस्वीकार किए जाने पर सांत्वना देते हैं।

SammaAAoona lilkathibi akkaloona lilssuhti fain jaooka faohkum baynahum aw aAArid AAanhum wain tuAArid AAanhum falan yadurrooka shayan wain hakamta faohkum baynahum bialqisti inna Allaha yuhibbu almuqsiteena	One day, the Messenger (pbuh) passed by a Jewish man who had just been flogged and had his face darkened with coal for adultery. He then summoned one of their scholars and asked him: 'I implore you by Allah what your Scripture decrees as punishment for the adulterer'. He said: Our Scripture rules that the punishment of the adulterer is stoning. But it became widespread among our notables, so we agreed on darkening the face with coal and flogging to replace stoning. And he ordered that the Jewish man be stoned. Then this verse was revealed. **[In the eyes of Allah, stoning is the proper justice for adultry.]**	[They are] avid listeners to falsehood, devourers of [what is] unlawful. So if they come to you, [O Muhammad], judge between them or turn away from them. And if you turn away from them - never will they harm you at all. And if you judge, judge between them with justice. Indeed, Allah loves those who act justly.	5:42	वे झूठ के लिए कान लगाते रहनेवाले और बड़े हराम खानेवाले है। अतः यदि वे तुम्हारे पास आएँ, तो या तुम उनके बीच फ़ैसला कर दो या उन्हें टाल जाओ। यदि तुम उन्हें टाल गए तो वे तुम्हारा कुछ भी नहीं बिगाड़ सकते। परन्तु यदि फ़ैसला करो तो उनके बीच इनसाफ़ के साथ फ़ैसला करो। निश्चय ही अल्लाह इनसाफ़ करनेवालों से प्रेम करता है	एक दिन, पैग़म्बर मुहम्मद (स.) एक यहूदी पुरुष के पास से गुज़रे, जिसे व्यभिचार के लिए कोयले से चेहरा काला कर दिया गया और उसे कोड़े मारे गए थे। फिर उन्होंने उनके एक विद्वान (स्कॉलर) को बुलाया और पूछा: “मैं अल्लाह की कसम खाकर जानना चाहता हूँ कि तुम्हारी पुस्तक में व्यभिचारी के लिए क्या सज़ा तय है?” उसने उत्तर दिया: “हमारी पुस्तक में व्यभिचारी के लिए सज़ा पत्थर से मारने की है। लेकिन हमारे कुलीन व्यक्तियों में यह आम हो गया, इसलिए हमने पत्थर मारने की बजाय चेहरा काला करना और कोड़े मारना तय कर लिया।” इसके बाद पैग़म्बर (स.) ने आदेश दिया कि उस यहूदी पुरुष को पत्थर मारकर सज़ा दी जाए। तब यह आयत प्रकट हुई। [अल्लाह की नज़र में, व्यभिचार के लिए इनसाफ़ पत्थर मारकर सज़ा देना ही है।]

Wakayfa yuhakkimoonaka waAAindahumu alttawratu feeha hukmu Allahi thumma yatawallawna min baAAdi thalika wama olaika	x	But how is it that they come to you for judgement while they have the Torah, in which is the judgement of Allah? Then they turn away, [even] after that; but those are not [in fact] believers.	5:43	वे तुमसे फ़ैसला कराएँगे भी कैसे, जबकि उनके पास तौरात है, जिसमें अल्लाह का हुक्म मौजूद है! फिर इसके पश्चात भी वे मुँह मोड़ते है। वे तो ईमान नहीं रखते	x
Inna anzalna alttawrata feeha hudan wanoorun yahkumu biha alnnabiyyoona allatheena aslamoo lillatheena hadoo waalrrabbaniyyoona waalahbaru bima istuhfithoo min kitabi Allahi wakanoo AAalayhi shuhadaa fala takhshawoo alnnasa waikhshawni wala tashtaroo biayatee thamanan qaleelan waman lam yahkum bima anzala Allahu faolaika humu	Ibn Kathir states that Allah chastises the Jews for their false ideas and deviant desires to abandon what they believe is true in their Book.	Indeed, We sent down the Torah, in which was guidance and light. The prophets who submitted [to Allah] judged by it for the Jews, as did the rabbis and scholars by that with which they were entrusted of the Scripture of Allah, and they were witnesses thereto. So do not fear the people but fear Me, and do not exchange My verses for a small price. And whoever does not judge by what Allah has revealed - then it is those who are the disbelievers.	5:44	निस्संदेह हमने तौरात उतारी, जिसमें मार्गदर्शन और प्रकाश था। नबी जो आज्ञाकारी थे, उसको यहूदियों के लिए अनिवार्य ठहराते थे कि वे उसका पालन करें और इसी प्रकार अल्लाहवाले और शास्त्रवेत्ता भी। क्योंकि उन्हें अल्लाह की किताब की सुरक्षा का आदेश दिया गया था और वे उसके संरक्षक थे। तो तुम लोगों से न डरो, बल्कि मुझ ही से डरो और मेरी आयतों के बदले थोड़ा मूल्य प्राप्त न करना। जो लोग उस विधान के अनुसार फ़ैसला न करें, जिसे अल्लाह ने उतारा है, तो ऐसे ही लोग विधर्मी है	इब्न कासिर ने कहा है कि अल्लाह यहूदियों को उनके झूठे विचारों और अपने ग्रंथ में सही चीज़ों को छोड़ने की विचलित इच्छाओं के कारण दंडित करता है।

Wakatabna AAalayhim feeha anna alnnafsa bialnnafsi waalAAayna bialAAayni waalanfa bialanfi waalothuna bialothuni waalssinna bialssinni waaljurooha qisasun faman tasaddaqa bihi fahuwa kaffaratun lahu waman lam yahkum	This verse establishes the Islamic principle of Qisas, legal retribution. **[It abrogates verse 2:178.]**	And We ordained for them therein a life for a life, an eye for an eye, a nose for a nose, an ear for an ear, a tooth for a tooth, and for wounds is legal retribution. But whoever gives [up his right as] charity, it is an expiation for him. And whoever does not judge by what Allah has revealed - then it is those who are the wrongdoers.	5:45	और हमने उस (तौरात) में उनके लिए लिख दिया था कि जान जान के बराबर है, आँख आँख के बराहर है, नाक नाक के बराबर है, कान कान के बराबर, दाँत दाँत के बराबर और सब आघातों के लिए इसी तरह बराबर का बदला है। तो जो कोई उसे क्षमा कर दे तो यह उसके लिए प्रायश्चित होगा और जो लोग उस विधान के अनुसार फ़ैसला न करें, जिसे अल्लाह ने उतारा है जो ऐसे लोग अत्याचारी है	इस आयत में इस्लामी सिद्धांत क़िसास (कानूनी प्रतिशोध) की स्थापना की गई है। **[यह आयत 2:178 की जगह लेती है।]**
Waqaffayna AAala atharihim biAAeesa ibni maryama musaddiqan lima bayna yadayhi mina alttawrati waataynahu alinjeela feehi hudan wanoorun wamusaddiqan lima bayna yadayhi mina alttawrati wahudan wamawAAithatan	**[But Muslims believe Gospel has been corrupted, then how there could be correct guidance.]**	And We sent, following in their footsteps, Jesus, the son of Mary, confirming that which came before him in the Torah; and We gave him the Gospel, in which was guidance and light and confirming that which preceded it of the Torah as guidance and instruction for the righteous.	5:46	और उनके पीछ उन्हीं के पद-चिन्हों पर हमने मरयम के बेटे ईसा को भेजा जो पहले से उसके सामने मौजूद किताब 'तौरात' की पुष्टि करनेवाला था। और हमने उसे इनजील प्रदान की, जिसमें मार्गदर्शन और प्रकाश था। और वह अपनी पूर्ववर्ती किताब तौरात की पुष्टि करनेवाली थी, और वह डर रखनेवालों के लिए मार्गदर्शन और नसीहत थी	**[लेकिन मुसलमान मानते हैं कि इंजील (गॉस्पेल) में परिवर्तन और भ्रष्टाचार हुआ है, तो फिर उसमें सही मार्गदर्शन कैसे हो सकता है?]**

Walyahkum ahlu alinjeeli bima anzala Allahu feehi waman lam yahkum bima anzala Allahu faolaika humu alfasiqoona	Also this verse suggests that Sharia should be followed as it is Allah's Law. **[How could people judge by Injil (Gospel) if it has already been corrupted as claimed; It seems to suggest that at the time the Quran was compiled, the Muslims assumed that the Christian Scriptures was in original form.]**	And let the People of the Gospel judge by what Allah has revealed therein. And whoever does not judge by what Allah has revealed - then it is those who are the defiantly disobedient.	5:47	अतः इनजील वालों को चाहिए कि उस विधान के अनुसार फ़ैसला करें, जो अल्लाह ने उस इनजील में उतारा है। और जो उसके अनुसार फ़ैसला न करें, जो अल्लाह ने उतारा है, तो ऐसे ही लोग उल्लंघनकारी है	यह आयत यह भी सुझाती है कि शरिया का पालन किया जाना चाहिए क्योंकि यह अल्लाह का कानून है। **[अगर जैसा दावा किया जाता है कि इंजील पहले ही भ्रष्ट हो चुकी थी, तो लोग उससे न्याय कैसे कर सकते थे? ऐसा प्रतीत होता है कि कुरआन के समय मुसलमानों का यह मानना था कि ईसाई ग्रंथ मूल रूप में मौजूद थे।]**

Waanzalna ilayka alkitaba bialhaqqi musaddiqan lima bayna yadayhi mina alkitabi wamuhayminan AAalayhi faohkum baynahum bima anzala Allahu wala tattabiAA ahwaahum AAamma jaaka mina alhaqqi likullin jaAAalna minkum shirAAatan waminhajan walaw shaa Allahu lajaAAalakum ommatan wahidatan walakin liyabluwakum fee ma atakum faistabiqoo alkhayrati ila Allahi marjiAAukum jameeAAan	In this verse Allah says that He has made different religions and respective scriptures, and He will test them according. If Allah wished he could have united and guided everyone. **[Abrogated by: Allah will not accept any other religion except Islam and Muslims should bring the world under one rule and one religion; Contradiction: Mankind was one nation (community / religion) 2:213, 10:19; Allah has not made mankind one nation but He can 5:48, 6:35, 11:118, 42:8]**	And We have revealed to you, [O Muhammad], the Book in truth, confirming that which preceded it of the Scripture and as a criterion over it. So judge between them by what Allah has revealed and do not follow their inclinations away from what has come to you of the truth. To each of you We prescribed a law and a method. Had Allah willed, He would have made you one nation [united in religion], but [He intended] to test you in what He has given you; so race to [all that is] good. To Allah is your return all together, and He will [then] inform you concerning that over which you used to differ.	5:48	और हमने तुम्हारी ओर यह किताब हक़ के साथ उतारी है, जो उस किताब की पुष्टि करती है जो उसके पहले से मौजूद है और उसकी संरक्षक है। अतः लोगों के बीच तुम मामलों में वही फ़ैसला करना जो अल्लाह ने उतारा है और जो सत्य तुम्हारे पास आ चुका है उसे छोड़कर उनकी इच्छाओं का पालन न करना। हमने तुममें से प्रत्येक के लिए एक ही घाट (शरीअत) और एक ही मार्ग निश्चित किया है। यदि अल्लाह चाहता तो तुम सबको एक समुदाय बना देता। परन्तु जो कुछ उसने तुम्हें दिया है, उसमें वह तुम्हारी परीक्षा करना चाहता है। अतः भलाई के कामों में एक-दूसरे से आगे बढ़ो। तुम सबको अल्लाह ही की ओर लौटना है। फिर वह तुम्हें बता देगा, जिसमें तुम विभेद करते रहे हो	इस आयत में अल्लाह कहते हैं कि उन्होंने विभिन्न धर्म और उनके संबंधित ग्रंथ बनाए हैं, और उसी के अनुसार लोगों को आजमाएँगे। अगर अल्लाह चाहता तो वह सभी को एकीकृत कर सकता था और सबको सही मार्ग दिखा सकता था। देखें: 6:35। **["हमने तुममें से प्रत्येक के लिए एक ही घाट (शरीअत) और एक ही मार्ग निश्चित किया है। " …..सही हिंदी अनुवाद है…. "हर समूह के लिए हमने एक नियम और एक जीवन की राह निर्धारित की है।"; अल्लाह द्वारा रद्द: अल्लाह इस्लाम के अलावा किसी अन्य धर्म को स्वीकार नहीं करेगा और मुसलमानों को दुनिया को एक शासन और एक धर्म के अधीन लाने का आदेश है।]**

Waani ohkum baynahum bima anzala Allahu wala tattabiAA ahwaahum waihtharhum an yaftinooka AAan baAAdi ma anzala Allahu ilayka fain tawallaw faiAAlam annama yureedu Allahu an yuseebahum bibaAAdi thunoobihim wainna katheeran mina	A group of Jews said: 'O Muhammad, you know that we are the nobles of the Jews, and if we were to follow you, all the Jews will follow. We will believe in you in exchange for a favour: we have a dispute with some people and we want you to judge in our favour against them. The Messenger (pbuh) refused to do so, and then this verse was revealed.	And judge, [O Muhammad], between them by what Allah has revealed and do not follow their inclinations and beware of them, lest they tempt you away from some of what Allah has revealed to you. And if they turn away - then know that Allah only intends to afflict them with some of their [own] sins. And indeed, many among the people are defiantly disobedient.	5:49	और यह कि तुम उनके बीच वही फ़ैसला करो जो अल्लाह ने उतारा है और उनकी इच्छाओं का पालन न करो और उनसे बचते रहो कि कहीं ऐसा न हो कि वे तुम्हें फ़रेब में डालकर जो कुछ अल्लाह ने तुम्हारी ओर उतारा है उसके किसी भाग से वे तुम्हें हटा दें। फिर यदि वे मुँह मोड़े तो जान लो कि अल्लाह ही उनके गुनाहों के कारण उन्हें संकट में डालना चाहता है। निश्चय ही अधिकांश लोग उल्लंघनकारी है	एक समूह यहूदियों ने कहा: "हे मुहम्मद (स.), आप जानते हैं कि हम यहूदियों में कुलीन हैं, और यदि हम आपकी बात मान लें तो सभी यहूदी आपका पालन करेंगे। हम आपके प्रति आस्था व्यक्त करेंगे, लेकिन इसके बदले हमें एक लाभ चाहिए: हमारा कुछ लोगों के साथ विवाद है और हम चाहते हैं कि आप हमारे पक्ष में उनका निपटारा करें।" पैग़म्बर मुहम्मद (स.) ने ऐसा करने से इंकार कर दिया, और तभी यह आयत नाज़िल हुई।
Afahukma aljahiliyyati yabghoona waman ahsanu mina Allahu hukman liqawmin yooqinoona	x	Then is it the judgement of [the time of] ignorance they desire? But who is better than Allah in judgement for a people who are certain [in faith].	5:50	अब क्या वे अज्ञान का फ़ैसला चाहते है? तो विश्वास करनेवाले लोगों के लिए अल्लाह से अच्छा फ़ैसला करनेवाला कौन हो सकता है?	x

Ya ayyuha allatheena amanoo la tattakhithoo alyahooda waalnnasara awliyaa baAAduhum awliyao baAAdin waman yatawallahum minkum fainnahu minhum inna Allaha la yahdee alqawma alththalimeena	Ubadah ibn al-Samit said: 'O Messenger of Allah! I have numerous clients from amongst the Jews, who are ever ready to support me. However, I stand before Allah and His Messenger to absolve myself from the guardianship of the Jews. Hearing this, Abd Allah ibn Ubayy said: I will not absolve myself from the guardianship of the Jews. The Messenger (pbuh) then said: 'O Abu'l-Hubab, that which you reserve to yourself of the guardianship of the Jews apart from 'Ubadah ibn al-Samit is all yours and none of it is his. He said: 'I accept'. **[Contradiction: Are Christians worth of taking allies by Muslims: No 5:51, May be 5:82. Also guidance is needed for wrongdoing people more than righteous ones.]**	O you who have believed, do not take the Jews and the Christians as allies. They are [in fact] allies of one another. And whoever is an ally to them among you - then indeed, he is [one] of them. Indeed, Allah guides not the wrongdoing people.	5:51	ऐ ईमान लानेवालो! तुम यहूदियों और ईसाइयों को अपना मित्र (राज़दार) न बनाओ। वे (तुम्हारे विरुद्ध) परस्पर एक-दूसरे के मित्र है। तुममें से जो कोई उनको अपना मित्र बनाएगा, वह उन्हीं लोगों में से होगा। निस्संदेह अल्लाह अत्याचारियों को मार्ग नहीं दिखाता	उबादा इब्न अल-सामित ने कहा: "हे अल्लाह के रसूल (स.)! मेरे पास यहूदियों में कई ग्राहक हैं, जो हमेशा मेरी सहायता के लिए तैयार रहते हैं। लेकिन मैं अल्लाह और उनके रसूल के सामने खड़ा हूँ ताकि खुद को यहूदियों की संरक्षकता से मुक्त कर सकूँ।" यह सुनकर अब्दुल्लाह इब्न उबै ने कहा: "मैं खुद को यहूदियों की संरक्षकता से मुक्त नहीं करूँगा।" फिर पैग़म्बर मुहम्मद (स.) ने कहा: "हे अबु अल-हुबाब, जो यहूदियों की संरक्षकता का अधिकार आपने उबादा इब्न अल-सामित से अलग अपने लिए रखा है, वह सब आपका है और उसका कोई हिस्सा उसका नहीं है।" उन्होंने कहा: "मैं इसे स्वीकार करता हूँ।" [विरोधाभास: मुसलमानों को ईसाइयों के साथ साझेदारी करना: मना है: 5:51, मित्रता संभव है: 5:82; मार्गदर्शन की आवश्यकता हमेशा पापी/गलत करने वाले लोगों के लिए अधिक है, न कि केवल धर्मपरायण लोगों के लिए।]

Fatara allatheena fee quloobihim maradun yusariAAoona feehim yaqooloona nakhsha an tuseebana dairatun faAAasa Allahu an yatiya bialfathi aw amrin min AAindihi fayusbihoo AAala ma asarroo fee anfusihim nadimeena	"disease" means doubt, hesitation and hypocrisy. Referring to hypocrites keeping friendship with Jews and Christians.	So you see those in whose hearts is disease hastening into [association with] them, saying, "We are afraid a misfortune may strike us." But perhaps Allah will bring conquest or a decision from Him, and they will become, over what they have been concealing within themselves, regretful.	5:52	तो तुम देखते हो कि जिन लोगों के दिलों में रोग है, वे उनके यहाँ जाकर उनके बीच दौड़-धूप कर रहे है। वे कहते है, "हमें भय है कि कहीं हम किसी संकट में न ग्रस्त हो जाएँ।" तो सम्भव है कि जल्द ही अल्लाह (तुम्हे) विजय प्रदान करे या उसकी ओर से कोई और बात प्रकट हो। फिर तो ये लोग जो कुछ अपने जी में छिपाए हुए है, उसपर लज्जित होंगे	“रोग” का मतलब है संदेह, हिचकिचाहट और पाखंड। यह उन पाखंडियों की ओर इशारा करता है जो यहूदियों और ईसाइयों के साथ मित्रता बनाए रखते हैं।
Wayaqoolu allatheena amanoo ahaolai allatheena aqsamoo biAllahi jahda aymanihim innahum lamaAAakum habitat aAAmaluhum	x	And those who believe will say, "Are these the ones who swore by Allah their strongest oaths that indeed they were with you?" Their deeds have become worthless, and they have become losers.	5:53	उस समय ईमानवाले कहेंगे, "क्या ये वही लोग है जो अल्लाह की कड़ी-कड़ी क़समें खाकर विश्वास दिलाते थे कि हम तुम्हारे साथ है?" इनका किया-धरा सब अकारथ गया और ये घाटे में पड़कर रहे	x

Ya ayyuha allatheena amanoo man yartadda minkum AAan deenihi fasawfa yatee Allahu biqawmin yuhibbuhum wayuhibboonahu athillatin AAala almumineena aAAizzatin AAala alkafireena yujahidoona fee sabeeli Allahi wala yakhafoona lawmata laimin thalika fadlu Allahi yuteehi man yashao waAllahu wasiAAun	Allah is threatening to replace the believers with another people if they revert from Islam. **[Muslims should keep fighting in the way of Allah, and never fear the blame of the critics.]**	O you who have believed, whoever of you should revert from his religion - Allah will bring forth [in place of them] a people He will love and who will love Him [who are] humble toward the believers, powerful against the disbelievers; they strive in the cause of Allah and do not fear the blame of a critic. That is the favor of Allah; He bestows it upon whom He wills. And Allah is all-Encompassing and Knowing.	5:54	ऐ ईमान लानेवालो! तुममें से जो कोई अपने धर्म से फिरेगा तो अल्लाह जल्द ही ऐसे लोगों को लाएगा जिनसे उसे प्रेम होगा और जो उससे प्रेम करेंगे। वे ईमानवालों के प्रति नरम और अविश्वासियों के प्रति कठोर होंगे। अल्लाह की राह में जी-तोड़ कोशिश करेंगे और किसी भर्त्सना करनेवाले की भर्त्सना से न डरेंगे। यह अल्लाह का उदार अनुग्रह है, जिसे चाहता है प्रदान करता है। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है	अल्लाह इस बात की चेतावनी दे रहे हैं कि यदि कोई ईमान वाले लोग इस्लाम से लौट जाएँ, तो उन्हें किसी अन्य लोगों से बदल दिया जाएगा। **[मुसलमानों को अल्लाह की राह में लड़ते रहना चाहिए और आलोचकों की निंदा से कभी भयभीत नहीं होना चाहिए।]**
Innama waliyyukumu Allahu warasooluhu waallatheena amanoo allatheena yuqeemoona alssalata wayutoona alzzakata wahum	Abd Allah ibn Sallam went to the Prophet (pbuh) and complained about the bad treatment he received from the Jews, and so this verse was revealed.	Your ally is none but Allah and [therefore] His Messenger and those who have believed - those who establish prayer and give zakah, and they bow [in worship].	5:55	तुम्हारे मित्र को केवल अल्लाह और उसका रसूल और वे ईमानवाले है; जो विनम्रता के साथ नमाज़ क़ायम करते है और ज़कात देते है	अब्दुल्लाह इब्न सल्लाम पैग़म्बर मुहम्मद (स.) के पास गए और उन्होंने यह शिकायत की कि यहूदियों ने उनके साथ बुरा व्यवहार किया है। इसी कारण यह आयत प्रकट हुई।

Waman yatawalla Allaha warasoolahu waallatheena amanoo fainna hizba Allahi humu alghaliboona	Therefore, those who accept the allegiance of Allah - His Messenger and the faithful believers - will gain success in this life and the Hereafter.	And whoever is an ally of Allah and His Messenger and those who have believed - indeed, the party of Allah - they will be the predominant.	5:56	अब जो कोई अल्लाह और उसके रसूल और ईमानवालों को अपना मित्र बनाए, तो निश्चय ही अल्लाह का गिरोह प्रभावी होकर रहेगा	इसलिए, जो लोग अल्लाह, उनके पैग़म्बर (स.) और सच्चे मुमिनों को स्वीकार करते हैं, वे इस दुनिया और आने वाले दिन (आख़िरत) में कामयाबी हासिल करेंगे।
Ya ayyuha allatheena amanoo la tattakhithoo allatheena ittakhathoo deenakum huzuwan walaAAiban mina allatheena ootoo alkitaba min qablikum waalkuffara awliyaa waittaqoo Allaha in	Rifaah ibn Zayd and Suwayd ibn al-Harith were among the hypocrites. Some Muslim men used to show affection to them, and so this verse came. **[Don't make those friends if they ridicule your religion.]**	O you who have believed, take not those who have taken your religion in ridicule and amusement among the ones who were given the Scripture before you nor the disbelievers as allies. And fear Allah, if you should [truly] be believers.	5:57	ऐ ईमान लानेवालो! तुमसे पहले जिनको किताब दी गई थी, जिन्होंने तुम्हारे धर्म को हँसी-खेल बना लिया है, उन्हें और इनकार करनेवालों को अपना मित्र न बनाओ। और अल्लाह का डर रखों यदि तुम ईमानवाले हो	रिफ़ाह इब्न ज़ैद और सुइद इब्न अल-हरिथ मुनाफ़िक़ों में से थे। कुछ मुस्लिम पुरुष उनसे स्नेह दिखाते थे, और इसी कारण यह आयत (वाक्य) प्रकट हुई। **[यदि कोई आपके धर्म का मज़ाक उड़ाता है तो उनसे दोस्ती न करें।]**
Waitha nadaytum ila alssalati ittakhathooha huzuwan walaAAiban thalika biannahum qawmun la yaAAqiloona	When the Muslims performed prayer, the Jews used to mock the Muslims and make fun of them.	And when you call to prayer, they take it in ridicule and amusement. That is because they are a people who do not use reason.	5:58	जब तुम नमाज़ के लिए पुकारते हो तो वे उसे हँसी और खेल बना लेते है। इसका कारण यह है कि वे बुद्धिहीन लोग है	जब मुसलमान नमाज़ पढ़ते थे, यहूदी मुसलमानों का मज़ाक उड़ाते और उनका उपहास करते थे।

Qul ya ahla alkitabi hal tanqimoona minna illa an amanna biAllahi wama onzila ilayna wama onzila min qablu waanna aktharakum fasiqoona	A group of Jews went to the Messenger (pbuh) and asked him about what he believed in. He replied: I believe (…Abraham, and Ishmael, and Isaac, and Jacob, and the tribes, and that which Moses and Jesus). But when he mentioned Jesus, they rejected his prophethood.	Say, "O People of the Scripture, do you resent us except [for the fact] that we have believed in Allah and what was revealed to us and what was revealed before and because most of you are defiantly disobedient?"	5:59	कहो, "ऐ किताबवालों! क्या इसके सिवा हमारी कोई और बात तुम्हें बुरी लगती है कि हम अल्लाह और उस चीज़ पर ईमान लाए, जो हमारी ओर उतारी गई, और जो पहले उतारी जा चुकी है? और यह कि तुममें से अधिकांश लोग अवज्ञाकारी है।"	एक यहूदियों का समूह पैग़म्बर मुहम्मद (स.) के पास गया और उनसे पूछा कि आप किस पर विश्वास करते हैं। उन्होंने उत्तर दिया: "मैं (…इब्राहीम, और इस्माइल, और इशाक, और याकूब, और उनके क़बीलों, और वही जिस पर मूसा और ईसा ने विश्वास किया)।" लेकिन जब उन्होंने ईसा का उल्लेख किया, तो उन्होंने उनकी नबूवत (पैग़म्बरी) को नकार दिया।
Qul hal onabbiokum bisharrin min thalika mathoobatan AAinda Allahi man laAAanahu Allahu waghadiba AAalayhi wajaAAala minhumu alqiradata waalkhanazeera waAAabada alttaghooti olaika sharrun makanan waadallu AAan sawai alssabeeli	The People of the scriptures deserve the worst torment on the Day of Resurrection **[Jews were converted into apes and pigs by Allah (2:65, 5:60, 7:166)]**	Say, "Shall I inform you of [what is] worse than that as penalty from Allah? [It is that of] those whom Allah has cursed and with whom He became angry and made of them apes and pigs and slaves of Taghut. Those are worse in position and further astray from the sound way."	5:60	कहो, "क्या मैं तुम्हें बताऊँ कि अल्लाह के यहाँ परिणाम की स्पष्ट से इससे भी बुरी नीति क्या है? कौन गिरोह है जिसपर अल्लाह की फिटकार पड़ी और जिसपर अल्लाह का प्रकोप हुआ और जिसमें से उसने बन्दर और सूअर बनाए और जिसने बढ़े हुए फ़सादी (ताग़ूत) की बन्दगी की, वे लोग (तुमसे भी) निकृष्ट दर्जे के थे। और वे (तुमसे भी अधिक) सीधे मार्ग से भटके हुए थे।"	किताब वालों (यहूदी और ईसाई) को कयामत के दिन सबसे भयानक सजा मिलने की हक़दारी है। **[अल्लाह ने कुछ यहूदियों को बन्दर और सूअर में बदल दिया था (2:65, 5:60, 7:166)]।**

Waitha jaookum qaloo amanna waqad dakhaloo bialkufri wahum qad kharajoo bihi waAllahu aAAlamu bima kanoo yaktumoona	The Hypocrites pretend to be believers but hide their Kufr.	And when they come to you, they say, "We believe." But they have entered with disbelief [in their hearts], and they have certainly left with it. And Allah is most knowing of what they were concealing.	5:61	जब वे (यहूदी) तुम लोगों के पास आते है तो कहते है, "हम ईमान ले आए।" हालाँकि वे इनकार के साथ आए थे और उसी के साथ चले गए। अल्लाह भली-भाँति जानता है जो कुछ वे छिपाते है	मुनाफ़िक़ लोग ईमान वाले होने का दिखावा करते हैं, लेकिन अपने कुफ़्र (अविश्वास) को छुपाते हैं।
Watara katheeran minhum yusariAAoona fee alithmi waalAAudwani waaklihimu alssuhta labisa ma kanoo yaAAmaloona	x	And you see many of them hastening into sin and aggression and the devouring of [what is] unlawful. How wretched is what they have been doing.	5:62	तुम देखते हो कि उनमें से बहुतेरे लोग हक़ मारने, ज़्यादती करने और हरामख़ोरी में बड़ी तेज़ी दिखाते है। निश्चय ही बहुत ही बुरा है, जो वे कर रहे है	x
Lawla yanhahumu alrrabbaniyyoona waalahbaru AAan qawlihimu alithma waaklihimu alssuhta labisa ma kanoo yasnaAAoona	This verse is criticizing Rabbis and learned religious men for giving up on forbidding evil.	Why do the rabbis and religious scholars not forbid them from saying what is sinful and devouring what is unlawful? How wretched is what they have been	5:63	उनके सन्त और धर्मज्ञाता उन्हें गुनाह की बात बकने और हराम खाने से क्यों नहीं रोकते? निश्चय ही बहुत बुरा है जो काम वे कर रहे है	यह आयत रबियों और ज्ञानी धर्म पुरुषों की निंदा कर रही है क्योंकि उन्होंने बुराई रोकने का फ़र्ज़ (कर्तव्य) छोड़ दिया।

Waqalati alyahoodu yadu Allahi maghloolatun ghullat aydeehim waluAAinoo bima qaloo bal yadahu mabsootatani yunfiqu kayfa yashao walayazeedanna katheeran minhum ma onzila ilayka min rabbika tughyanan wakufran waalqayna baynahumu alAAadawata waalbaghdaa ila yawmi alqiyamati kullama awqadoo naran lilharbi atfaaha Allahu wayasAAawna fee alardi fasadan waAllahu la	By this the Jews are “implying that Allah is unable to send provision to them and that He is miserly. **[Contradiction: Allah is unlike His creation 42:11, Has Face 55:27, Loves 20:39, Hands 5:64, Two hands 38:74-75, Fist 39:67, Shin 68: 42, sits on throne 69:17; It is unclear what Jewish concept, if any, the Qur’an is referring to in this case.]**	And the Jews say, "The hand of Allah is chained." Chained are their hands, and cursed are they for what they say. Rather, both His hands are extended; He spends however He wills. And that which has been revealed to you from your Lord will surely increase many of them in transgression and disbelief. And We have cast among them animosity and hatred until the Day of Resurrection. Every time they kindled the fire of war [against you], Allah extinguished it. And they strive throughout the land [causing] corruption, and Allah does not like corrupters.	5:64	और यहूदी कहते है, "अल्लाह का हाथ बँध गया है।" उन्हीं के हाथ-बँधे है, और फिटकार है उनपर, उस बकबास के कारण जो वे करते है, बल्कि उसके दोनो हाथ तो खुले हुए है। वह जिस तरह चाहता है, ख़र्च करता है। जो कुछ तुम्हारे रब की ओर से तुम्हारी ओर उतारा गया है, उससे अवश्य ही उनके अधिकतर लोगों की सरकशी और इनकार ही में अभिवृद्धि होगी। और हमने उनके बीच क़ियामत तक के लिए शत्रुता और द्वेष डाल दिया है। वे जब भी युद्ध की आग भड़काते है, अल्लाह उसे बुझा देता है। वे धरती में बिगाड़ फैलाने के लिए प्रयास कर रहे है, हालाँकि अल्लाह बिगाड़ फैलानेवालों को पसन्द नहीं करता	इससे यहूदियों का यह “इशारा” है कि अल्लाह उन्हें रज़क (भोजन और रोज़ी) भेजने में असमर्थ हैं और कि वह कंजूस हैं। **[विवाद: अल्लाह अपनी मख़लूक़ से अलग हैं (42:11), उनका चेहरा है (55:27), वह प्यार करते हैं (20:39), उनके हाथ हैं (5:64), दो हाथ (38:74-75), मुट्ठी (39:67), टख़ने (68:42), सिंहासन पर बैठते हैं (69:17); यह स्पष्ट नहीं है कि इस मामले में क़ुरान किस यहूदी अवधारणा का हवाला दे रहा है।]**
Walaw anna ahla alkitabi amanoo waittaqaw lakaffarna AAanhum sayyiatihim walaadkhalnahum	x	And if only the People of the Scripture had believed and feared Allah, We would have removed from them their misdeeds and admitted them to Gardens of Pleasure.	5:65	और यदि किताबवाले ईमान लाते और (अल्लाह का) डर रखते तो हम उनकी बुराइयाँ उनसे दूर कर देते और उन्हें नेमत भरी जन्नतों में दाख़िल कर देते	x

Walaw annahum aqamoo alttawrata waalinjeela wama onzila ilayhim min rabbihim laakaloo min fawqihim wamin tahti arjulihim minhum ommatun muqtasidatun wakatheerun minhum saa ma yaAAmaloona	If they have followed Torah, Gospel and believed in Quran then tremendous provision that would have descended to them from the sky and grown for them on the earth. Amoung people of book are mostly who wrong themselves and some who follow a middle course.	And if only they upheld [the law of] the Torah, the Gospel, and what has been revealed to them from their Lord, they would have consumed [provision] from above them and from beneath their feet. Among them are a moderate community, but many of them - evil is that which they do.	5:66	और यदि वे तौरात और इनजील को और जो कुछ उनके रब की ओर से उनकी ओर उतारा गया है, उसे क़ायम रखते, तो उन्हें अपने ऊपर से भी खाने को मिलता और अपने पाँव के नीचे से भी। उनमें से एक गिरोह सीधे मार्ग पर चलनेवाला भी है, किन्तु उनमें से अधिकतर ऐसे है कि जो भी करते है बुरा होता है	अगर उन्होंने तौरा, इनजील का पालन किया होता और कुरान पर ईमान लाते, तो उनके लिए आकाश से अपार रज़क बरसता और धरती पर उनके लिए उगता। किताब वालों में अधिकतर लोग अपने ही खिलाफ़ अन्याय करते हैं, और कुछ लोग एक मध्यम मार्ग अपनाते हैं।
Ya ayyuha alrrasoolu balligh ma onzila ilayka min rabbika wain lam tafAAal fama ballaghta risalatahu waAllahu yaAAsimuka mina alnnasi inna Allaha la yahdee alqawma alkafireena	The Messenger of Allah (pbuh) used to be guarded. Abu Talib used to send every day men from the Banu Hashim to guard him until this verse was revealed. Allah addresses the Messenger (pbuh) and commands him to convey all that He has sent him and do not have any fear for none will be able to harm him. **[But Prophet died due to poison consumed at Khyber, Sahih Muslim 2588, 4428, 5705 (INT 2190a), Abi Dawud 4512, 4513]**	O Messenger, announce that which has been revealed to you from your Lord, and if you do not, then you have not conveyed His message. And Allah will protect you from the people. Indeed, Allah does not guide the disbelieving people.	5:67	ऐ रसूल! तुम्हारे रब की ओर से तुम पर जो कुछ उतारा गया है, उसे पहुँचा दो। यदि ऐसा न किया तो तुमने उसका सन्देश नहीं पहुँचाया। अल्लाह तुम्हें लोगों (की बुराइयों) से बचाएगा। निश्चय ही अल्लाह इनकार करनेवाले लोगों को मार्ग नहीं दिखाता	अल्लाह के पैग़म्बर (स.) की हमेशा हिफाज़त की जाती थी। अबू तालिब हर रोज़ बनू हाशिम के लोगों को भेजकर उनकी सुरक्षा कराते थे, जब तक कि यह आयत प्रकट नहीं हुई। अल्लाह पैग़म्बर (स.) से फ़रमाते हैं कि वह जो कुछ भी उन्हें भेजा गया है, सब लोगों तक पहुँचाएँ और किसी से डरें नहीं, क्योंकि कोई भी उन्हें नुकसान नहीं पहुँचा सकेगा। [हालाँकि पैग़म्बर (स.) का देहांत ज़हरीली चीज़ खाने के कारण हुआ था, जो ख़ैबर में लिया गया था, सहीह मुस्लिम 2588, 4428, 5705 (INT 2190a), अबी दाउद 4512, 4513]

Qul ya ahla alkitabi lastum AAala shayin hatta tuqeemoo alttawrata waalinjeela wama onzila ilaykum min rabbikum walayazeedanna katheeran minhum ma onzila ilayka min rabbika tughyanan wakufran fala tasa AAala alqawmi alkafireena	This verse tells Jews and Christians they will have “no real religion until you adhere to and implement the Torah], Injil [Gospel] and Quran". **There is no salvation except through faith in the Quran.**	Say, "O People of the Scripture, you are [standing] on nothing until you uphold [the law of] the Torah, the Gospel, and what has been revealed to you from your Lord." And that which has been revealed to you from your Lord will surely increase many of them in transgression and disbelief. So do not grieve over the disbelieving people.	5:68	कह दो, "ऐ किताबवालो! तुम किसी भी चीज़ पर नहीं हो, जब तक कि तौरात और इनजील को और जो कुछ तुम्हारे रब की ओर से तुम्हारी ओर अवतरित हुआ है, उसे क़ायम न रखो।" किन्तु (ऐ नबी!) तुम्हारे रब की ओर से तुम्हारी ओर जो कुछ अवतरित हुआ है, वह अवश्य ही उनमें से बहुतों की सरकशी और इनकार में अभिवृद्धि करनेवाला है। अतः तुम इनकार करनेवाले लोगों की दशा पर दुखी न होना	यह आयत यहूदियों और ईसाइयों को बताती है कि “तब तक उनका कोई असली धर्म नहीं होगा जब तक वे तौरा, इंजील और क़ुरान का पालन नहीं करते। **क़ुरान में ईमान के बिना कोई मुक्ति नहीं है।**
Inna allatheena amanoo waallatheena hadoo waalssabioona waalnnasara man amana biAllahi waalyawmi alakhiri waAAamila salihan fala khawfun AAalayhim wala hum yahzanoona	**["in Prophet Muhammad" is not in original arabic text, it only says those believed (in Allah); Saabbi’uuna should be Sabi’iina. (= Sabians); Contradiction: Who will attain salvation: All righteous people: 5:69, 2:62, Only Muslims: 3:19, 3:85; This verse has been abrogated]**	Indeed, those who have believed [in Prophet Muhammad] and those [before Him] who were Jews or Sabeans or Christians - those [among them] who believed in Allah and the Last Day and did righteousness - no fear will there be concerning them, nor will they grieve.	5:69	निस्संदेह वे लोग जो ईमान लाए है और जो यहूदी हुए है और साबई और ईसाई, उनमें से जो कोई भी अल्लाह और अन्तिम दिन पर ईमान लाए और अच्छा कर्म करे तो ऐसे लोगों को न तो कोई डर होगा और न वे शोकाकुल होंगे	**[साब्बिऊना को साबिईना होना चाहिए (= साबिईन); विरोधाभास: कौन लोग मुक्ति पाएँगे — सभी धर्मी लोग: 5:69, 2:62; केवल मुसलमान: 3:19, 3:85; इस आयत को निरस्त माना गया है।]**

Laqad akhathna meethaqa banee israeela waarsalna ilayhim rusulan kullama jaahum rasoolun bima la tahwa anfusuhum fareeqan kaththaboo wafareeqan yaqtuloona	Quran alleges that Jews used to deny their prophets and kill them.	We had already taken the covenant of the Children of Israel and had sent to them messengers. Whenever there came to them a messenger with what their souls did not desire, a party [of messengers] they denied, and another party they	5:70	हमने इसराईल की सन्तान से दृढ़ वचन लिया और उनकी ओर रसूल भेजे। उनके पास जब भी कोई रसूल वह कुछ लेकर आया जो उन्हें पसन्द न था, तो कितनों को तो उन्होंने झुठलाया और कितनों की हत्या करने लगे	क़ुरआन यह आरोप लगाता है कि यहूदी अपने नबियों का इनकार करते थे और उन्हें क़त्ल करते थे।
Wahasiboo alla takoona fitnatun faAAamoo wasammoo thumma taba Allahu AAalayhim thumma AAamoo wasammoo katheerun minhum waAllahu baseerun	They were blinded from the truth and became deaf, incapable of hearing the truth.	And they thought there would be no [resulting] punishment, so they became blind and deaf. Then Allah turned to them in forgiveness; then [again] many of them became blind and deaf. And Allah is Seeing of what they do.	5:71	और उन्होंने समझा कि कोई आपदा न आएगी; इसलिए वे अंधे और बहरे बन गए। फिर अल्लाह ने उनपर दयादृष्टि की, फिर भी उनमें से बहुत-से अंधे और बहरे हो गए। अल्लाह देख रहा है, जो कुछ वे करते है	वे सत्य से अंधे हो गए थे और बहरे बन गए थे, इसलिए सत्य को सुनने में असमर्थ हो गए थे।

Laqad kafara allatheena qaloo inna Allaha huwa almaseehu ibnu maryama waqala almaseehu ya banee israeela oAAbudoo Allaha rabbee warabbakum innahu man yushrik biAllahi faqad harrama Allahu AAalayhi aljannata wamawahu alnnaru wama	Repetation of message of 5:17.	They have certainly disbelieved who say, "Allah is the Messiah, the son of Mary" while the Messiah has said, "O Children of Israel, worship Allah, my Lord and your Lord." Indeed, he who associates others with Allah - Allah has forbidden him Paradise, and his refuge is the Fire. And there are not for the wrongdoers any helpers.	5:72	निश्चय ही उन्होंने (सत्य का) इनकार किया, जिन्होंने कहा, "अल्लाह मरयम का बेटा मसीह ही है।" जब मसीह ने कहा था, "ऐ इसराईल की सन्तान! अल्लाह की बन्दगी करो, जो मेरा भी रब है और तुम्हारा भी रब है। जो कोई अल्लाह का साझी ठहराएगा, उसपर तो अल्लाह ने जन्नत हराम कर दी है और उसका ठिकाना आग है। अत्याचारियों को कोई सहायक नहीं।"	5:17 के संदेश की पुनरावृत्ति।
Laqad kafara allatheena qaloo inna Allaha thalithu thalathatin wama min ilahin illa ilahun wahidun wain lam yantahoo AAamma yaqooloona layamassanna allatheena kafaroo minhum AAathabun	**[This is a wrong allegation; Christian although believe in trinity but consider God as the manifestation in three forms.]**	They have certainly disbelieved who say, "Allah is the third of three." And there is no god except one God. And if they do not desist from what they are saying, there will surely afflict the disbelievers among them a painful punishment.	5:73	निश्चय ही उन्होंने इनकार किया, जिन्होंने कहा, "अल्लाह तीन में का एक है।" हालाँकि अकेले पूज्य के अतिरिक्त कोई पूज्य नहीं। जो कुछ वे कहते है यदि इससे बाज़ न आएँ तो उनमें से जिन्होंने इनकार किया है, उन्हें दुखद यातना पहुँचकर रहेगी	**[यह एक गलत आरोप है; ईसाई यद्यपि त्रिएकता में विश्वास करते हैं, परन्तु वे परमेश्वर को तीन रूपों में प्रकट होने वाला मानते हैं।]**
Afala yatooboona ila Allahi wayastaghfiroonahu waAllahu ghafoorun raheemun	x	So will they not repent to Allah and seek His forgiveness? And Allah is Forgiving and Merciful.	5:74	फिर क्या वे लोग अल्लाह की ओर नहीं पलटेंगे और उससे क्षमा याचना नहीं करेंगे, जबकि अल्लाह बड़ा क्षमाशील, दयावान है	x

Ma almaseehu ibnu maryama illa rasoolun qad khalat min qablihi alrrusulu waommuhu siddeeqatun kana yakulani alttaAAama onthur kayfa nubayyinu lahumu alayati thumma onthur anna	Refutation of Christian belief that Jesus was son of God.	The Messiah, son of Mary, was not but a messenger; [other] messengers have passed on before him. And his mother was a supporter of truth. They both used to eat food. Look how We make clear to them the signs; then look how they are deluded.	5:75	मरयम का बेटा मसीह एक रसूल के अतिरिक्त और कुछ भी नहीं। उससे पहले भी बहुत-से रसूल गुज़र चुके हैं। उसकी माण अत्यन्त सत्यवती थी। दोनों ही भोजन करते थे। देखो, हम किस प्रकार उनके सामने निशानियाँ स्पष्ट करते है; फिर देखो, ये किस प्रकार उलटे फिरे जा रहे है!	ईसाइयों के इस विश्वास का खंडन कि ईसा परमेश्वर के पुत्र थे।
Qul ataAAbudoona min dooni Allahi ma la yamliku lakum darran wala nafAAan waAllahu huwa alssameeAAu alAAaleemu	x	Say, "Do you worship besides Allah that which holds for you no [power of] harm or benefit while it is Allah who is the Hearing, the Knowing?"	5:76	कह दो, "क्या तुम अल्लाह से हटकर उसकी बन्दगी करते हो जो न तुम्हारी हानि का अधिकारी है, न लाभ का? हालाँकि सुननेवाला, जाननेवाला अल्लाह ही है।"	x
Qul ya ahla alkitabi la taghloo fee deenikum ghayra alhaqqi wala tattabiAAoo ahwaa qawmin qad dalloo min qablu waadalloo katheeran wadalloo AAan	x	Say, "O People of the Scripture, do not exceed limits in your religion beyond the truth and do not follow the inclinations of a people who had gone astray before and misled many and have strayed from the soundness of the	5:77	कह दो, "ऐ किताबवालो! अपने धर्म में नाहक़ हद से आगे न बढ़ो और उन लोगों की इच्छाओं का पालन न करो, जो इससे पहले स्वयं पथभ्रष्ट हुए और बहुतो को पथभ्रष्ट किया और सीधे मार्ग से भटक गए	x

LuAAina allatheena kafaroo min banee israeela AAala lisani dawooda waAAeesa ibni maryama thalika bima AAasaw wakanoo	The disbelieving Jews are cursed by both David and Jesus for their disobedience.	Cursed were those who disbelieved among the Children of Israel by the tongue of David and of Jesus, the son of Mary. That was because they disobeyed and [habitually] transgressed.	5:78	इसराईल की सन्तान में से जिन लोगों ने इनकार किया, उनपर दाऊद और मरयम के बेटे ईसा की ज़बान से फिटकार पड़ी, क्योंकि उन्होंने अवज्ञा की और वे हद से आगे बढ़े जा रहे थे	अविश्वासी यहूदियों को उनकी अवज्ञा के कारण दाऊद और ईसा दोनों द्वारा शापित बताया गया है।
Kanoo la yatanahawna AAan munkarin faAAaloohu labisa ma kanoo yafAAaloona	They did not forbid each other from committing sins and the prohibitions.	They used not to prevent one another from wrongdoing that they did. How wretched was that which they were doing.	5:79	जो बुरा काम वे करते थे, उससे वे एक-दूसरे को रोकते न थे। निश्चय ही बहुत ही बुरा था, जो वे कर रहे थे	वे एक-दूसरे को पाप करने और निषिद्ध कार्यों से नहीं रोकते थे।
Tara katheeran minhum yatawallawna allatheena kafaroo labisa ma qaddamat lahum anfusuhum an sakhita Allahu AAalayhim wafee alAAathabi hum khalidoona	x	You see many of them becoming allies of those who disbelieved. How wretched is that which they have put forth for themselves in that Allah has become angry with them, and in the punishment they will abide eternally.	5:80	तुम उनमें से बहुतेरे लोगों को देखते हो जो इनकार करनेवालो से मित्रता रखते है। निश्चय ही बहुत बुरा है, जो उन्होंने अपने आगे रखा है। अल्लाह का उनपर प्रकोप हुआ और यातना में वे सदैव ग्रस्त रहेंगे	x
Walaw kanoo yuminoona biAllahi waalnnabiyyi wama onzila ilayhi ma ittakhathoohum awliyaa walakinna katheeran minhum fasiqoona	Rebuking hypocrites for taking Jews as allies. **[Don't make non-Muslims friend 5:81, 4:144-145]**	And if they had believed in Allah and the Prophet and in what was revealed to him, they would not have taken them as allies; but many of them are defiantly disobedient.	5:81	और यदि वे अल्लाह और नबी पर और उस चीज़ पर ईमान लाते, जो उसकी ओर अवतरित हुईस तो वे उनको मित्र न बनाते। किन्तु उनमें अधिकतर अवज्ञाकारी है	मुनाफ़िक़ों को यहूदियों को सहयोगी बनाने के लिए फटकार। **[ग़ैर-मुस्लिमों को मित्र न बनाओ: 5:81, 4:144–145]**

Latajidanna ashadda alnnasi AAadawatan lillatheena amanoo alyahooda waallatheena ashrakoo walatajidanna aqrabahum mawaddatan lillatheena amanoo allatheena qaloo inna nasara thalika bianna minhum qisseeseena waruhbanan waannahum la	When the Messenger (pbuh) was in Mecca, the he used to fear the idolaters' persecution of his Companions. He send a group of companions to Negus and asked them to remain there until Allah creates relief for the Muslims. Then they went to him, the Negus honored them. It is about them this verse was revealed. **[Are Christians worth of taking allies by Muslims: No 5:51, May be 5:82]**	You will surely find the most intense of the people in animosity toward the believers [to be] the Jews and those who associate others with Allah; and you will find the nearest of them in affection to the believers those who say, "We are Christians." That is because among them are priests and monks and because they are not arrogant.	5:82	तुम ईमानवालों का शत्रु सब लोगों से बढ़कर यहूदियों और बहुदेववादियों को पाओगे। और ईमान लानेवालो के लिए मित्रता में सबसे निकट उन लोगों को पाओगे, जिन्होंने कहा कि 'हम नसारा हैं।' यह इस कारण है कि उनमें बहुत-से धर्मज्ञाता और संसार-त्यागी सन्त पाए जाते हैं। और इस कारण कि वे अहंकार नहीं करते	जब पैग़म्बर मुहम्मद (स.) मक्का में थे, तब वे अपने साथियों पर मुशरिकों के अत्याचार से चिंतित रहते थे। उन्होंने साथियों के एक समूह को नजाशी के पास भेजा और उनसे कहा कि वे वहाँ रहें जब तक अल्लाह मुसलमानों के लिए राहत का रास्ता न पैदा कर दे। फिर वे उसके पास गए और नजाशी ने उनका सम्मान किया। इन्हीं के बारे में यह आयत उतरी थी। **[क्या मुसलमानों को ईसाइयों को सहयोगी बनाना चाहिए: नहीं 5:51; संभवतः 5:82]**
Waitha samiAAoo ma onzila ila alrrasooli tara aAAyunahum tafeedu mina alddamAAi mimma AAarafoo mina alhaqqi yaqooloona rabbana amanna faoktubna maAAa alshshahideena	Referring to some Christians.	And when they hear what has been revealed to the Messenger, you see their eyes overflowing with tears because of what they have recognized of the truth. They say, "Our Lord, we have believed, so register us among the witnesses.	5:83	जब वे उसे सुनते है जो रसूल पर अवतरित हुआ तो तुम देखते हो कि उनकी आँखे आँसुओ से छलकने लगती है। इसका कारण यह है कि उन्होंने सत्य को पहचान लिया। वे कहते हैं, "हमारे रब! हम ईमान ले आए। अतएव तू हमारा नाम गवाही देनेवालों में लिख ले	कुछ ईसाइयों की ओर संकेत।

Wama lana la numinu biAllahi wama jaana mina alhaqqi wanatmaAAu an yudkhilana rabbuna maAAa alqawmi	x	And why should we not believe in Allah and what has come to us of the truth? And we aspire that our Lord will admit us [to Paradise] with the righteous people."	5:84	"और हम अल्लाह पर और जो सत्य हमारे पास पहुँचा है उसपर ईमान क्यों न लाएँ, जबकि हमें आशा है कि हमारा रब हमें अच्छे लोगों के साथ (जन्नत में) प्रविष्ट, करेगा।"	x
Faathabahumu Allahu bima qaloo jannatin tajree min tahtiha alanharu khalideena feeha wathalika jazao	x	So Allah rewarded them for what they said with gardens [in Paradise] beneath which rivers flow, wherein they abide eternally. And that is the	5:85	फिर अल्लाह ने उनके इस कथन के कारण उन्हें ऐसे बाग़ प्रदान किए, जिनके नीचे नहरें बहती है, जिनमें वे सदैव रहेंगे। और यही सत्कर्मी लोगो का बदला है	x
Waallatheena kafaroo wakaththaboo biayatina olaika ashabu aljaheemi	x	But those who disbelieved and denied Our signs - they are the companions of Hellfire.	5:86	रहे वे लोग जिन्होंने इनकार किया और हमारी आयतों को झुठलाया, वे भड़कती आग (में पड़ने) वाले है	x

Ya ayyuha allatheena amanoo la tuharrimoo tayyibati ma ahalla Allahu lakum wala taAAtadoo inna Allaha la yuhibbu almuAAtadeena	The Messenger (pbuh) sat down one day and described the Day of Judgement to them and did not mention anything other than things which would instill fear in them. Some of the companions agreed to fast the day and stand in prayer at night, never to sleep in their beds, eat meat or fat, never to sleep with their wives or use perfume. They also agreed to wear coarse wool garments, reject the worldly life, wander through the land and become monks, and cut off their male organs. Then the Messenger said: Those who were before you perished because of their extremism; they made things hard on themselves. Then this verse was revealed.	O you who have believed, do not prohibit the good things which Allah has made lawful to you and do not transgress. Indeed, Allah does not like transgressors.	5:87	ऐ ईमान लानेवालो! जो अच्छी पाक चीज़े अल्लाह ने तुम्हारे लिए हलाल की है, उन्हें हराम न कर लो और हद से आगे न बढ़ो। निश्चय ही अल्लाह को वे लोग प्रिय नहीं है, जो हद से आगे बढ़ते है	पैग़म्बर मुहम्मद (स.) एक दिन बैठे और उन्होंने उन्हें क़यामत के दिन का वर्णन किया। उन्होंने ऐसी ही बातें बताईं जो उनमें भय उत्पन्न करती थीं। तब कुछ सहाबियों ने निश्चय किया कि वे दिन में रोज़ा रखेंगे और रात में नमाज़ में खड़े रहेंगे; अपने बिस्तरों पर नहीं सोएँगे, मांस और चर्बी नहीं खाएँगे, अपनी पत्नियों के पास नहीं जाएँगे और इत्र का प्रयोग नहीं करेंगे। उन्होंने यह भी तय किया कि वे मोटे ऊनी कपड़े पहनेंगे, सांसारिक जीवन को त्याग देंगे, धरती में घूमते फिरेंगे और सन्यासी बन जाएँगे, और अपने पुरुष अंगों को भी काट देंगे। तब पैग़म्बर (स.) ने कहा: “तुमसे पहले के लोग अपनी अतिशयोक्ति (कट्टरता) के कारण नष्ट हो गए; उन्होंने अपने ऊपर चीज़ों को कठिन बना लिया था।” इसके बाद यह आयत उतरी।
Wakuloo mimma razaqakumu Allahu halalan tayyiban waittaqoo Allaha allathee antum bihi muminoona	x	And eat of what Allah has provided for you [which is] lawful and good. And fear Allah, in whom you are believers.	5:88	जो कुछ अल्लाह ने हलाल और पाक रोज़ी तुम्हें ही है, उसे खाओ और अल्लाह का डर रखो, जिसपर तुम ईमान लाए हो	x

La yuakhithukumu Allahu biallaghwi fee aymanikum walakin yuakhithukum bima AAaqqadtumu alaymana fakaffaratuhu itAAamu AAasharati masakeena min awsati ma tutAAimoona ahleekum aw kiswatuhum aw tahreeru raqabatin faman lam yajid fasiyamu thalathati ayyamin thalika kaffaratu aymanikum itha halaftum waihfathoo aymanakum kathalika yubayyinu Allahu lakum	**[This verse allows muslims to break their oath but must feed 10 needy people or freeing a slave. However, there is no blanket condemnation of slavery anywhere in Quran. Slavery was practiced by Muslim till very recent time.]**	Allah will not impose blame upon you for what is meaningless in your oaths, but He will impose blame upon you for [breaking] what you intended of oaths. So its expiation is the feeding of ten needy people from the average of that which you feed your [own] families or clothing them or the freeing of a slave. But whoever cannot find [or afford it] - then a fast of three days [is required]. That is the expiation for oaths when you have sworn. But guard your oaths. Thus does Allah make clear to you His verses that you may be grateful.	5:89	तुम्हारी उन क़समों पर अल्लाह तुम्हें नहीं पकड़ता जो यूँ ही असावधानी से ज़बान से निकल जाती है। परन्तु जो तुमने पक्की क़समें खाई हों, उनपर वह तुम्हें पकड़ेगा। तो इसका प्रायश्चित दस मुहताजों को औसत दर्जे का खाना खिला देना है, जो तुम अपने बाल-बच्चों को खिलाते हो या फिर उन्हें कपड़े पहनाना या एक गुलाम आज़ाद करना होगा। और जिसे इसकी सामर्थ्य न हो, तो उसे तीन दिन के रोज़े रखने होंगे। यह तुम्हारी क़समों का प्रायश्चित है, जबकि तुम क़सम खा बैठो। तुम अपनी क़समों की हिफ़ाजत किया करो। इस प्रकार अल्लाह अपनी आयतें तुम्हारे सामने खोल-खोलकर बयान करता है, ताकि तुम कृतज्ञता दिखलाओ	**[यह आयत मुसलमानों को अपनी क़सम तोड़ने की अनुमति देती है, लेकिन इसके बदले उन्हें 10 ज़रूरतमंद लोगों को खाना खिलाना होगा या एक गुलाम को आज़ाद करना होगा। हालांकि, क़ुरआन में कहीं भी गुलामी की पूर्णतः निंदा नहीं की गई है। मुसलमानों के बीच गुलामी बहुत हाल के समय तक प्रचलित रही।]**

Ya ayyuha allatheena amanoo innama alkhamru waalmaysiru waalansabu waalazlamu rijsun min AAamali alshshaytani faijtaniboohu laAAallakum tuflihoona	A group of Emigrants and Helpers had roasted camel's head and a barrel of wine. They ate and drank, then a person said: The Emigrants are better than the Ansar. One of the Ansar grabbed the camel's the jawbones and hit him. When the Messenger came to know this, the following verse was revealed. In another tradition, Hamzah ibn Abd al-Muttalib cut off the humps of two camels of Ali ibn Talib in a drunken state. When the Messenger (pbuh) arrived to the house where Hamzah was drinking. Hamzah looked at the Messenger(pbuh) and said: 'Are you not but the slaves of my father? The Messenger of Allah (pbuh) realized that he was very drunk and stepped back. This incident was among the reasons which made incumbent the revelation of forbidding intoxicants.	O you who have believed, indeed, intoxicants, gambling, [sacrificing on] stone alters [to other than Allah], and divining arrows are but defilement from the work of Satan, so avoid it that you may be successful.	5:90	ऐ ईमान लानेवालो! ये शराब और जुआ और देवस्थान और पाँसे तो गन्दे शैतानी काम है। अतः तुम इनसे अलग रहो, ताकि तुम सफल हो	मुहाजिरों और अंसार के एक समूह ने ऊँट का भुना हुआ सिर और शराब का एक मटका रखा था। उन्होंने खाया और पिया, फिर एक व्यक्ति ने कहा: "मुहाजिर, अंसार से बेहतर हैं।" इस पर अंसार में से एक व्यक्ति ने ऊँट की जबड़े की हड्डी उठाई और उसे मार दिया। जब पैग़म्बर मुहम्मद (स.) को इसकी खबर हुई, तो इसके बाद यह आयत नाज़िल हुई। एक दूसरी रिवायत में आता है कि हमज़ा इब्न अब्दुल-मुत्तलिब ने नशे की हालत में अली इब्न अबी तालिब के दो ऊँटों के कूबड़ काट दिए। जब पैग़म्बर मुहम्मद (स.) उस घर में पहुँचे जहाँ हमज़ा शराब पी रहे थे, तो हमज़ा ने पैग़म्बर (स.) की ओर देखा और कहा: "क्या तुम मेरे पिता के गुलामों के अलावा कुछ और हो?" तब अल्लाह के रसूल (स.) ने समझ लिया कि वह बहुत अधिक नशे में है और पीछे हट गए। यह घटना उन कारणों में से थी जिनके परिणामस्वरूप नशीले पदार्थों (शराब) के निषेध की आयत नाज़िल की गई।**|विरोधाभास: 16:67: शराब**

Innama yureedu alshshaytanu an yooqiAAa baynakumu alAAadawata waalbaghdaa fee alkhamri waalmaysiri wayasuddakum AAan thikri Allahi waAAani alssalati fahal antum	x	Satan only wants to cause between you animosity and hatred through intoxicants and gambling and to avert you from the remembrance of Allah and from prayer. So will you not desist?	5:91	शैतान तो बस यही चाहता है कि शराब और जुए के द्वारा तुम्हारे बीच शत्रुता और द्वेष पैदा कर दे और तुम्हें अल्लाह की याद से और नमाज़ से रोक दे, तो क्या तुम बाज़ न आओगे?	x
WaateeAAoo Allaha waateeAAoo alrrasoola waihtharoo fain tawallaytum faiAAlamoo annama AAala rasoolina albalaghu almubeenu	x	And obey Allah and obey the Messenger and beware. And if you turn away - then know that upon Our Messenger is only [the responsibility for] clear notification.	5:92	अल्लाह की आज्ञा का पालन करो और रसूल की आज्ञा का पालन करो और बचते रहो, किन्तु यदि तुमने मुँह मोड़ा तो जान लो कि हमारे रसूल पर केवल स्पष्ट रूप से (संदेश) पहुँचा देने की ज़िम्मेदारी है	x

Laysa AAala allatheena amanoo waAAamiloo alssalihati junahun feema taAAimoo itha ma ittaqaw waamanoo waAAamiloo alssalihati thumma ittaqaw waamanoo thumma ittaqaw waahsanoo waAllahu yuhibbu	A group of Companions of the Prophet (pbuh) died while drinking wine was permissible. When intoxicants were made unlawful, some said: 'What will happen to our companions? They have died while still drinking wine'. And so this verse was revealed	There is not upon those who believe and do righteousness [any] blame concerning what they have eaten [in the past] if they [now] fear Allah and believe and do righteous deeds, and then fear Allah and believe, and then fear Allah and do good; and Allah loves the doers of good.	5:93	जो लोग ईमान लाए और उन्होंने अच्छे कर्म किए, वे पहले जो कुछ खा-पी चुके उसके लिए उनपर कोई गुनाह नहीं; जबकि वे डर रखें और ईमान पर क़ायम रहें और अच्छे कर्म करें। फिर डर रखें और ईमान लाए, फिर डर रखे और अच्छे से अच्छा कर्म करें। अल्लाह सत्कर्मियों से प्रेम करता है	पैग़म्बर मुहम्मद (स.) के कुछ सहाबी उस समय मर गए जब शराब पीना अभी वैध (अनुमेय) था। जब नशीले पदार्थों को हराम कर दिया गया, तो कुछ लोगों ने कहा: "हमारे उन साथियों का क्या होगा? वे तो उस समय मर गए जब वे अभी भी शराब पीते थे।" तब इस बारे में यह आयत नाज़िल हुई।
Ya ayyuha allatheena amanoo layabluwannakumu Allahu bishayin mina alssaydi tanaluhu aydeekum warimahukum liyaAAlama Allahu man yakhafuhu bialghaybi famani iAAtada baAAda thalika falahu AAathabun aleemun	This verse was revealed during the Umrah of Al Hudaybiyyah, when wild game and birds were coming to the Muslim camping area. Allah prohibited them from hunting the game while in the state of Ihram.	O you who have believed, Allah will surely test you through something of the game that your hands and spears [can] reach, that Allah may make evident those who fear Him unseen. And whoever transgresses after that - for him is a painful punishment.	5:94	ऐ ईमान लानेवालो! अल्लाह उस शिकार के द्वारा तुम्हारी अवश्य परीक्षा लेगा जिस तक तुम्हारे हाथ और नेज़े पहुँच सकें, ताकि अल्लाह यह जान ले कि उससे बिन देखे कौन डरता है। फिर इसके पश्चात जिसने ज़्यादती की, उसके लिए दुखद यातना है	यह आयत हुदैबिया की संधि के दौरान उमरा के समय नाज़िल हुई थी, जब जंगली जानवर और पक्षी मुसलमानों के पड़ाव (कैंप) के पास आने लगे थे। अल्लाह ने उन्हें इहराम की अवस्था में शिकार करने से मना कर दिया।

Ya ayyuha allatheena amanoo la taqtuloo alssayda waantum hurumun waman qatalahu minkum mutaAAammidan fajazaon mithlu ma qatala mina alnnaAAami yahkumu bihi thawa AAadlin minkum hadyan baligha alkaAAbati aw kaffaratun taAAamu masakeena aw AAadlu thalika siyaman liyathooqa wabala amrihi AAafa Allahu AAamma salafa waman AAada fayantaqimu Allahu minhu waAllahu	x	O you who have believed, do not kill game while you are in the state of ihram. And whoever of you kills it intentionally - the penalty is an equivalent from sacrificial animals to what he killed, as judged by two just men among you as an offering [to Allah] delivered to the Ka'bah, or an expiation: the feeding of needy people or the equivalent of that in fasting, that he may taste the consequence of his deed. Allah has pardoned what is past; but whoever returns [to violation], then Allah will take retribution from him. And Allah is Exalted in Might and Owner of Retribution.	5:95	ऐ ईमान लानेवालो! इहराम की हालत में तुम शिकार न मारो। तुम में जो कोई जान-बूझकर उसे मारे, तो उसने जो जानवर मारा हो, चौपायों में से उसी जैसा एक जानवर - जिसका फ़ैसला तुम्हारे दो न्यायप्रिय व्यक्ति कर दें - काबा पहुँचाकर क़ुरबान किया जाए, या प्रायश्चित के रूप में मुहताजों को भोजन कराना होगा या उसके बराबर रोज़े रखने होंगे, ताकि वह अपने किए का मज़ा चख ले। जो पहले हो चुका उसे अल्लाह ने क्षमा कर दिया; परन्तु जिस किसी ने फिर ऐसा किया तो अल्लाह उससे बदला लेगा। अल्लाह प्रभुत्वशाली, बदला लेनेवाला है	x

Ohilla lakum saydu albahri wataAAamuhu mataAAan lakum walilssayyarati wahurrima AAalaykum saydu albarri ma dumtum huruman waittaqoo Allaha allathee ilayhi tuhsharoona	In state of Ihram, water game is allowed for those who fish it from the sea, as well as, when it is salted and used as food for travelers inland.	Lawful to you is game from the sea and its food as provision for you and the travelers, but forbidden to you is game from the land as long as you are in the state of ihram. And fear Allah to whom you will be gathered.	5:96	तुम्हारे लिए जल की शिकार और उसका खाना हलाल है कि तुम उससे फ़ायदा उठाओ और मुसाफ़िर भी। किन्तु थलीय शिकार जब तक तुम इहराम में हो, तुमपर हराम है। और अल्लाह से डरते रहो, जिसकी ओर तुम इकट्ठा होगे	इहराम की अवस्था में समुद्री शिकार की अनुमति है—उन लोगों के लिए जो उसे समुद्र से पकड़ते हैं, और जब उसे नमक लगाकर संरक्षित किया जाता है तथा अंदरूनी क्षेत्रों में यात्रा करने वालों के भोजन के रूप में उपयोग किया जाता है।
JaAAala Allahu alkaAAbata albayta alharama qiyaman lilnnasi waalshshahra alharama waalhadya waalqalaida thalika litaAAlamoo anna Allaha yaAAlamu ma fee alssamawati wama fee alardi waanna Allaha bikulli shayin	x	Allah has made the Ka'bah, the Sacred House, standing for the people and [has sanctified] the sacred months and the sacrificial animals and the garlands [by which they are identified]. That is so you may know that Allah knows what is in the heavens and what is in the earth and that Allah is Knowing of all things.	5:97	अल्लाह ने आदरणीय घर काबा को लोगों के लिए क़ायम रहने का साधन बनाया और आदरणीय महीनों और क़ुरबानी के जानबरों और उन जानवरों को भी जिनके गले में पट्टे बँधे हो, यह इसलिए कि तुम जान लो कि अल्लाह जानता है जो कुछ आकाशों में है और जो कुछ धरती में है। और यह कि अल्लाह हर चीज़ से अवगत है	x
IAAlamoo anna Allaha shadeedu alAAiqabi waanna Allaha ghafoorun raheemun	x	Know that Allah is severe in penalty and that Allah is Forgiving and Merciful.	5:98	जान लो अल्लाह कठोर दड देनेवाला है और यह कि अल्लाह बड़ा क्षमाशील, दयावान है	x

Ma AAala alrrasooli illa albalaghu waAllahu yaAAlamu ma tubdoona wama taktumoona	x	Not upon the Messenger is [responsibility] except [for] notification. And Allah knows whatever you reveal and whatever you conceal.	5:99	रसूल पर (सन्देश) पहुँचा देने के अतिरिक्त और कोई ज़िम्मेदारी नहीं। अल्लाह तो जानता है, जो कुछ तुम प्रकट करते हो और जो कुछ तुम छिपाते हो	x
Qul la yastawee alkhabeethu waalttayyibu walaw aAAjabaka kathratu alkhabeethi faittaqoo Allaha ya olee alalbabi laAAallakum tuflihoona	When wine was prohibited, a Bedouin said: “O Messenger of Allah, I made some money from trading wine, will that money be of any benefit to me if I used it in Allah’s obedience. The Prophet (pbuh) answered him: “It would not benefit you a bit if you were to spend it on pilgrimage, Jihad or charity, for Allah does not accept except that which is wholesome.	Say, "Not equal are the evil and the good, although the abundance of evil might impress you." So fear Allah, O you of understanding, that you may be successful.	5:100	कह दो, "बुरी चीज़ और अच्छी चीज़ समान नहीं होती, चाहे बुरी चीज़ों की बहुतायत तुम्हें प्रिय ही क्यों न लगे।" अतः ऐ बुद्धि और समझवालों! अल्लाह का डर रखो, ताकि तुम सफल हो सको	जब शराब को हराम कर दिया गया, तो एक बद्दू ने कहा: “ऐ अल्लाह के रसूल (स.), मैंने शराब के व्यापार से कुछ पैसा कमाया है। यदि मैं उस धन को अल्लाह की आज्ञाकारिता में खर्च करूँ, तो क्या वह मेरे लिए लाभदायक होगा?” पैग़म्बर मुहम्मद (स.) ने उत्तर दिया: “यदि तुम उसे हज, जिहाद या सदक़ा में भी खर्च करो, तो भी वह तुम्हें तनिक भी लाभ नहीं देगा; क्योंकि अल्लाह वही चीज़ स्वीकार करता है जो पवित्र (हलाल और उत्तम) हो।”
Ya ayyuha allatheena amanoo la tasaloo AAan ashyaa in tubda lakum tasukum wain tasaloo AAanha heena yunazzalu alquranu tubda lakum AAafa Allahu AAanha waAllahu ghafoorun haleemun	Some people used to put questions to the Prophet (pbuh) to mock him. One would ask him: 'Who is my father?' and another who has lost his camel: 'Where is my camel?' And so this verse was revealed. **[This passage destroys the possibility of free inquiry in Islam.]**	O you who have believed, do not ask about things which, if they are shown to you, will distress you. But if you ask about them while the Qur'an is being revealed, they will be shown to you. Allah has pardoned that which is past; and Allah is Forgiving and Forbearing.	5:101	ऐ ईमान लानेवालो! ऐसी चीज़ों के विषय में न पूछो कि वे यदि तुम पर स्पष्ट कर दी जाएँ, तो तुम्हें बूरी लगें। यदि तुम उन्हें ऐसे समय में पूछोगे, जबकि क़ुरआन अवतरित हो रहा है, तो वे तुमपर स्पष्ट कर दी जाएँगी। अल्लाह ने उसे क्षमा कर दिया। अल्लाह बहुत क्षमा करनेवाला, सहनशील है	कुछ लोग पैग़म्बर मुहम्मद (स.) से मज़ाक उड़ाने के लिए प्रश्न पूछा करते थे। कोई पूछता: “मेरा पिता कौन है?” और कोई, जिसकी ऊँटनी खो गई होती, पूछता: “मेरी ऊँटनी कहाँ है?” तब इस पर यह आयत नाज़िल हुई। [यह अंश इस्लाम में स्वतंत्र प्रश्न-पूछने की संभावना को समाप्त कर देता है।]

Qad saalaha qawmun min qablikum thumma asbahoo biha	**[The believers are again warned not to ask questions.]**	A people asked such [questions] before you; then they became thereby disbelievers.	5:102	तुमसे पहले कुछ लोग इस तरह के प्रश्न कर चुके हैं, फिर वे उसके कारण इनकार करनेवाले हो गए	**[ईमान वालों को फिर से चेतावनी दी गई है कि वे प्रश्न न पूछें।]**
Ma jaAAala Allahu min baheeratin wala saibatin wala waseelatin wala hamin walakinna allatheena kafaroo yaftaroona AAala Allahi alkathiba waaktharuhum la yaAAqiloona	Bahira is a she-camel whose milk is kept for the idols and nobody is allowed to milk it; Saiba was the she-camel which they used to set free for their gods and nothing was allowed to be carried on it. Wasila is the she-camel which gives birth to a she-camel on first as well as second delivery. People (in the Pre-Islamic period) used to let that she camel loose for their idols. 'Ham' was the male camel which was used for copulation. When it had finished the number of copulations assigned for it, they would let it loose for their idols.	Allah has not appointed [such innovations as] bahirah or sa'ibah or wasilah or ham. But those who disbelieve invent falsehood about Allah, and most of them do not reason.	5:103	अल्लाह ने न कोई 'बहीरा' ठहराया है और न 'सायबा' और न 'वसीला' और न 'हाम', परन्तु इनकार करनेवाले अल्लाह पर झूठ का आरोपण करते है और उनमें अधिकतर बुद्धि से काम नहीं लेते	बहीरा वह ऊँटनी थी जिसका दूध मूर्तियों के लिए रख दिया जाता था और किसी को उसका दूध दुहने की अनुमति नहीं होती थी। सायबा वह ऊँटनी थी जिसे वे अपने देवताओं के नाम पर छोड़ देते थे और उस पर कोई बोझ नहीं लादा जाता था। वसीला वह ऊँटनी थी जो पहली और दूसरी बार दोनों प्रसव में मादा ऊँटनी को जन्म देती थी। लोग (इस्लाम-पूर्व काल में) ऐसी ऊँटनी को अपने देवताओं के नाम पर छोड़ देते थे। हाम वह नर ऊँट था जिसे प्रजनन के लिए उपयोग किया जाता था। जब वह उसके लिए निर्धारित संबंध पूरे कर लेता था, तो वे उसे अपने देवताओं के नाम पर छोड़ देते थे।

Waitha qeela lahum taAAalaw ila ma anzala Allahu waila alrrasooli qaloo hasbuna ma wajadna AAalayhi abaana awalaw kana abaohum la yaAAlamoona shayan wala yahtadoona	x	And when it is said to them, "Come to what Allah has revealed and to the Messenger," they say, "Sufficient for us is that upon which we found our fathers." Even though their fathers knew nothing, nor were they guided?	5:104	और जब उनसे कहा जाता है कि उस चीज़ की ओर आओ जो अल्लाह ने अवतरित की है और रसूल की ओर, तो वे कहते है, "हमारे लिए तो वही काफ़ी है, जिस पर हमने अपने बाप-दादा को पाया है।" क्या यद्यपि उनके बापू-दादा कुछ भी न जानते रहे हों और न सीधे मार्ग पर रहे हो?	x

Ya ayyuha allatheena amanoo AAalaykum anfusakum la yadurrukum man dalla itha ihtadaytum ila Allahi marjiAAukum jameeAAan fayunabbiokum bima kuntum taAAmaloona	The Messenger sent a letter to the people of Hajar inviting them to Islam, or to pay the Jizyah if they chose not to embrace Islam. They agreed to pay the Jizyah and disliked embracing Islam. The hypocrites among the Arabs said: 'How strange! Muhammad (pbuh) claims that Allah has sent him to fight all people until they surrender to Allah and does not accept the Jizyah except from the people of the Book. But he has accepted Jizyah from the idolaters of the people of Hajar which he had rejected from the Arab idolaters. **[Why then many Islamic countries ban free speech and other religion websites.]**	O you who have believed, upon you is [responsibility for] yourselves. Those who have gone astray will not harm you when you have been guided. To Allah is you return all together; then He will inform you of what you used to do.	5:105	ऐ ईमान लानेवालो! तुमपर अपनी चिन्ता अनिवार्य है, जब तुम रास्ते पर हो, तो जो कोई भटक जाए वह तुम्हारा कुछ नहीं बिगाड़ सकता। अल्लाह की ओर तुम सबको लौटकर जाना है। फिर वह तुम्हें बता देगा, जो कुछ तुम करते रहे होगे	पैग़म्बर मुहम्मद (स.) ने हजर के लोगों को एक पत्र भेजा, जिसमें उन्हें इस्लाम की ओर बुलाया गया था, या यदि वे इस्लाम स्वीकार न करें तो जिज़्या देने के लिए कहा गया। उन्होंने जिज़्या देने पर सहमति जताई और इस्लाम स्वीकार करना पसंद नहीं किया। अरबों में से मुनाफ़िक़ों ने कहा: ‘यह कितनी अजीब बात है! मुहम्मद (स.) दावा करते हैं कि अल्लाह ने उन्हें सभी लोगों से लड़ने के लिए भेजा है जब तक कि वे अल्लाह के आगे समर्पण न कर दें, और वे जिज़्या केवल अहल-ए-किताब से ही स्वीकार करते हैं। लेकिन उन्होंने हजर के लोगों के मुशरिकों से जिज़्या स्वीकार कर ली, जबकि अरब के अन्य मुशरिकों से उन्होंने इसे स्वीकार नहीं किया था। [फिर कई इस्लामी देशों में मुक्त अभिव्यक्ति और अन्य धर्मों की वेबसाइटों पर प्रतिबंध क्यों लगाया जाता है?]

Ya ayyuha allatheena amanoo shahadatu baynikum itha hadara ahadakumu almawtu heena alwasiyyati ithnani thawa AAadlin minkum aw akharani min ghayrikum in antum darabtum fee alardi faasabatkum museebatu almawti tahbisoonahuma min baAAdi alssalati fayuqsimani biAllahi ini irtabtum la nashtaree bihi thamanan walaw kana tha qurba wala naktumu shahadata Allahi inna ithan	On one occasion, a man from Quraysh, travelled with other two men. However, this man died and he had to entrust them with his belongings. When the two of them arrived, they gave his belongings to his family but kept to themselves a silver bowl adorned with layers of gold. The two men were taken to the Prophet (pbuh); however, when they swore, he let them go. Later this bowl was sold to someone by these two men and it was discovered.	O you who have believed, testimony [should be taken] among you when death approaches one of you at the time of bequest - [that of] two just men from among you or two others from outside if you are traveling through the land and the disaster of death should strike you. Detain them after the prayer and let them both swear by Allah if you doubt [their testimony, saying], "We will not exchange our oath for a price, even if he should be a near relative, and we will not withhold the testimony of Allah. Indeed, we would then be of the sinful."	5:106	ऐ ईमान लानेवालों! जब तुममें से किसी की मृत्यु का समय आ जाए तो वसीयत के समय तुममें से दो न्यायप्रिय व्यक्ति गवाह हों, या तुम्हारे ग़ैर लोगों में से दूसरे दो व्यक्ति गवाह बन जाएँ, यह उस समय कि यदि तुम कहीं सफ़र में गए हो और मृत्यु तुमपर आ पहुँचे। यदि तुम्हें कोई सन्देह हो तो नमाज़ के पश्चात उन दोनों को रोक लो, फिर वे दोनों अल्लाह की क़समें खाएँ कि "हम इसके बदले कोई मूल्य स्वीकार करनेवाले नहीं हैं चाहे कोई नातेदार ही क्यों न हो और न हम अल्लाह की गवाही छिपाते है। निस्सन्देह ऐसा किया तो हम गुनाहगार ठहरेंगे।"	एक अवसर पर क़ुरैश का एक व्यक्ति दो अन्य व्यक्तियों के साथ यात्रा कर रहा था। यात्रा के दौरान उस व्यक्ति की मृत्यु हो गई और उसने अपना सामान उन दोनों के भरोसे छोड़ दिया। जब वे दोनों उसके परिवार के पास पहुँचे, तो उन्होंने उसका सामान परिवार को दे दिया, लेकिन सोने की परतों से सजी एक चाँदी की कटोरी अपने पास रख ली। उन दोनों को पैग़म्बर मुहम्मद (स.) के पास लाया गया; लेकिन जब उन्होंने क़सम खाई, तो उन्होंने उन्हें जाने दिया। बाद में यह कटोरी उन दोनों व्यक्तियों द्वारा किसी को बेच दी गई और इस प्रकार उसका पता चल गया।

Fain AAuthira AAala annahuma istahaqqa ithman faakharani yaqoomani maqamahuma mina allatheena istahaqqa AAalayhimu alawlayani fayuqsimani biAllahi lashahadatuna ahaqqu min shahadatihima wama iAAtadayna	x	But if it is found that those two were guilty of perjury, let two others stand in their place [who are] foremost [in claim] from those who have a lawful right. And let them swear by Allah, "Our testimony is truer than their testimony, and we have not transgressed. Indeed, we would then be of the wrongdoers."	5:107	फिर यदि पता चल जाए कि उन दोनों ने हक़ मारकर अपने को गुनाह में डाल लिया है, तो उनकी जगह दूसरे दो व्यक्ति उन लोगों में से खड़े हो जाएँ, जिनका हक़ पिछले दोनों ने मारना चाहा था, फिर वे दोनों अल्लाह की क़समें खाएँ कि "हम दोनों की गवाही उन दोनों की गवाही से अधिक सच्ची है और हमने कोई ज़्यादती नहीं की है। निस्सन्देह हमने ऐसा किया तो अत्याचारियों में से होंगे।"	x
Thalika adna an yatoo bialshshahadati AAala wajhiha aw yakhafoo an turadda aymanun baAAda aymanihim waittaqoo Allaha waismaAAoo waAllahu la yahdee	x	That is more likely that they will give testimony according to its [true] objective, or [at least] they would fear that [other] oaths might be taken after their oaths. And fear Allah and listen; and Allah does not guide the defiantly disobedient people.	5:108	इसमें इसकी सम्भावना है कि वे ठीक-ठीक गवाही देंगे या डरेंगे कि उनकी क़समों के पश्चात क़समें ली जाएँगी। अल्लाह का डर रखो और सुनो। अल्लाह अवज्ञाकारी लोगों को मार्ग नहीं दिखाता	x

Yawma yajmaAAu Allahu alrrusula fayaqoolu matha ojibtum qaloo la AAilma lana innaka anta AAallamu alghuyoobi	x	[Be warned of] the Day when Allah will assemble the messengers and say, "What was the response you received?" They will say, "We have no knowledge. Indeed, it is You who is Knower of the unseen"	5:109	जिस दिन अल्लाह रसूलों को इकट्ठा करेगा, फिर कहेगा, "तुम्हें क्या जवाब मिला?" वे कहेंगे, "हमें कुछ नहीं मालूम। तू ही छिपी बातों को जानता है।"	x

Ith qala Allahu ya AAeesa ibna maryama othkur niAAmatee AAalayka waAAala walidatika ith ayyadtuka biroohi alqudusi tukallimu alnnasa fee almahdi wakahlan waith AAallamtuka alkitaba waalhikmata waalttawrata waalinjeela waith takhluqu mina altteeni kahayati alttayri biithnee fatanfukhu feeha fatakoonu tayran biithnee watubrio alakmaha waalabrasa biithnee waith tukhriju almawta biithnee waith kafaftu banee	The miracle of bringing clay birds to life does not appear in the canonical Gospels, but it is in the second-century Infancy Gospel of Thomas. **[Child speaking in cradle, Allah teaching writing, Bird of clay becoming alive, these proof are not seen since camera have been invented.]**	[The Day] when Allah will say, "O Jesus, Son of Mary, remember My favor upon you and upon your mother when I supported you with the Pure Spirit and you spoke to the people in the cradle and in maturity; and [remember] when I taught you writing and wisdom and the Torah and the Gospel; and when you designed from clay [what was] like the form of a bird with My permission, then you breathed into it, and it became a bird with My permission; and you healed the blind and the leper with My permission; and when you brought forth the dead with My permission; and when I restrained the Children of Israel from [killing] you when you came to them	5:110	जब अल्लाह कहेगा, "ऐ मरयम के बेटे ईसा! मेरे उस अनुग्रह को याद करो जो तुमपर और तुम्हारी माँ पर हुआ है। जब मैंने पवित्र आत्मा से तुम्हें शक्ति प्रदान की; तुम पालने में भी लोगों से बात करते थे और बड़ी अवस्था को पहुँचकर भी। और याद करो, जबकि मैंने तुम्हें किताब और हिकमत और तौरात और इनजील की शिक्षा दी थी। और याद करो जब तुम मेरे आदेश से मिट्टी से पक्षी का प्रारूपण करते थे; फिर उसमें फूँक मारते थे, तो वह मेरे आदेश से उड़नेवाली बन जाती थी। और तुम मेरे आदेश से मुर्दों को जीवित निकाल खड़ा करते थे। और याद करो जबकि मैंने तुमसे इसराइलियों को रोके रखा, जबकि तुम उनके पास खुली-खुली निशानियाँ लेकर पहुँचे थे, तो उनमें से जो	मिट्टी के पक्षियों को जीवित करने का चमत्कार प्रामाणिक सुसमाचारों (कैनोनिकल गॉस्पेल्स) में नहीं मिलता, लेकिन यह दूसरी शताब्दी के इन्फ़ेन्सी गॉस्पेल ऑफ़ थॉमस में पाया जाता है। **[पालने में बोलने वाला बच्चा, अल्लाह द्वारा लिखना सिखाया जाना, और मिट्टी के पक्षी का जीवित हो जाना—इन जैसे प्रमाण कैमरे के आविष्कार के बाद से नहीं देखे गए हैं।]**

Waith awhaytu ila alhawariyyeena an aminoo bee wabirasoolee qaloo amanna waishhad biannana muslimoona	**[Contradiction: Who was the first Muslim: Prophet Muhammad (pbuh) 6:14, 6:163, 39:12, Moses 7:143, Abraham 2:132, Jesus 3:52, 5:111]**	And [remember] when I inspired to the disciples, "Believe in Me and in My messenger Jesus." They said, "We have believed, so bear witness that indeed we are Muslims [in submission to Allah]."	5:111	और याद करो, जब मैंने हबारियों (साथियों और शागिर्दों) के दिल में डाला कि "मुझपर और मेरे रसूल पर ईमान लाओ," तो उन्होंने कहा, "हम ईमान लाए और तुम गवाह रहो कि हम मुस्लिम है।"	**[विरोधाभास: पहला मुस्लिम कौन था: पैगंबर मुहम्मद (स.) 6:14, 6:163, 39:12, मूसा 7:143, इब्राहीम 2:132, ईसा 3:52, 5:111]**
Ith qala alhawariyyoona ya AAeesa ibna maryama hal yastateeAAu rabbuka an yunazzila AAalayna maidatan mina alssamai qala ittaqoo Allaha in	x	[And remember] when the disciples said, "O Jesus, Son of Mary, can your Lord send down to us a table [spread with food] from the heaven? [Jesus] said," Fear Allah, if you should be believers."	5:112	और याद करो जब हवारियों ने कहा, "ऐ मरयम के बेटे ईसा! क्या तुम्हारा रब आकाश से खाने से भरा भाल उतार सकता है?" कहा, "अल्लाह से डरो, यदि तुम ईमानवाले हो।"	x
Qaloo nureedu an nakula minha watatmainna quloobuna wanaAAlama an qad sadaqtana wanakoona AAalayha mina alshshahideena	**[If the disciples of Jesus wish to see a miracle for reassurance, then the disbeliever at the time of Prophet (pbuh) should have been shown some miracle as proof.]**	They said, "We wish to eat from it and let our hearts be reassured and know that you have been truthful to us and be among its witnesses."	5:113	वे बोले, "हम चाहते हैं कि उनमें से खाएँ और हमारे हृदय सन्तुष्ट हो और हमें मालूम हो जाए कि तूने हमने सच कहा और हम उसपर गवाह रहें।"	**[यदि ईसा के शिष्य आश्वासन के लिए कोई चमत्कार देखना चाहते थे, तो पैग़म्बर मुहम्मद (स.) के समय के अविश्वासियों को भी प्रमाण के रूप में कोई चमत्कार दिखाया जाना चाहिए था।]**

Qala AAeesa ibnu maryama allahumma rabbana anzil AAalayna maidatan mina alssamai takoonu lana AAeedan liawwalina waakhirina waayatan minka waorzuqna waanta	x	Said Jesus, the son of Mary, "O Allah, our Lord, send down to us a table [spread with food] from the heaven to be for us a festival for the first of us and the last of us and a sign from You. And provide for us, and You are the best of providers."	5:114	मरयम के बेटे ईसा ने कहा, "ऐ अल्लाह, हमारे रब! हमपर आकाश से खाने से भरा खाल उतार, जो हमारे लिए और हमारे अंगलों और हमारे पिछलों के लिए ख़ुशी का कारण बने और तेरी ओर से एक निशानी हो, और हमें आहार प्रदान कर। तू सबसे अच्छा प्रदान करनेवाला है।"	x
Qala Allahu innee munazziluha AAalaykum faman yakfur baAAdu minkum fainnee oAAaththibuhu AAathaban la oAAaththibuhu ahadan mina alAAalameena	**[However, no such story exists in New testament.]**	Allah said, "Indeed, I will sent it down to you, but whoever disbelieves afterwards from among you - then indeed will I punish him with a punishment by which I have not punished anyone among the worlds."	5:115	अल्लाह ने कहा, "मैं उसे तुमपर उतारूँगा, फिर उसके पश्चात तुममें से जो कोई इनकार करेगा तो मैं अवश्य उसे ऐसी यातना दूँगा जो सम्पूर्ण संसार में किसी को न दूँगा।"	**[हालाँकि, ऐसी कोई कहानी न्यू टेस्टामेंट में नहीं मिलती।]**

Waith qala Allahu ya AAeesa ibna maryama aanta qulta lilnnasi ittakhithoonee waommiya ilahayni min dooni Allahi qala subhanaka ma yakoonu lee an aqoola ma laysa lee bihaqqin in kuntu qultuhu faqad AAalimtahu taAAlamu ma fee nafsee wala aAAlamu ma fee nafsika innaka anta AAallamu	**[Mother of Jesus was not part of trinity.]**	And [beware the Day] when Allah will say, "O Jesus, Son of Mary, did you say to the people, 'Take me and my mother as deities besides Allah?'" He will say, "Exalted are You! It was not for me to say that to which I have no right. If I had said it, You would have known it. You know what is within myself, and I do not know what is within Yourself. Indeed, it is You who is Knower of the unseen.	5:116	और याद करो जब अल्लाह कहेगा, "ऐ मरयम के बेटे ईसा! क्या तुमने लोगों से कहा था कि अल्लाह के अतिरिक्त दो और पूज्य मुझ और मेरी माँ को बना लो?" वह कहेगा, "महिमावान है तू! मुझसे यह नहीं हो सकता कि मैं यह बात कहूँ, जिसका मुझे कोई हक़ नहीं है। यदि मैंने यह कहा होता तो तुझे मालूम होता। तू जानता है, जो कुछ मेरे मन में है। परन्तु मैं नहीं जानता जो कुछ तेरे मन में है। निश्चय ही, तू छिपी बातों का भली-भाँति जाननेवाला है	[ईसा की माता त्रिएकता का हिस्सा नहीं थीं।]
Ma qultu lahum illa ma amartanee bihi ani oAAbudoo Allaha rabbee warabbakum wakuntu AAalayhim shaheedan ma dumtu feehim falamma tawaffaytanee kunta anta alrraqeeba AAalayhim waanta	x	I said not to them except what You commanded me - to worship Allah, my Lord and your Lord. And I was a witness over them as long as I was among them; but when You took me up, You were the Observer over them, and You are, over all things, Witness.	5:117	"मैंने उनसे उसके सिवा और कुछ नहीं कहा, जिसका तूने मुझे आदेश दिया था, यह कि अल्लाह की बन्दगी करो, जो मेरा भी रब है और तुम्हारा भी रब है। और जब तक मैं उनमें रहा उनकी ख़बर रखता था, फिर जब तूने मुझे उठा लिया तो फिर तू ही उनका निरीक्षक था। और तू ही हर चीज़ का साक्षी है	x

In tuAAaththibhum fainnahum AAibaduka wain taghfir lahum fainnaka anta alAAazeezu	x	If You should punish them - indeed they are Your servants; but if You forgive them - indeed it is You who is the Exalted in Might, the Wise.	5:118	"यदि तू उन्हें यातना दे तो वे तो तेरे ही बन्दे ही है और यदि तू उन्हें क्षमा कर दे, तो निस्सन्देह तू अत्यन्त प्रभुत्वशाली, तत्वदर्शी है।"	x
Qala Allahu hatha yawmu yanfaAAu alssadiqeena sidquhum lahum jannatun tajree min tahtiha alanharu khalideena feeha abadan radiya Allahu AAanhum waradoo AAanhu thalika alfawzu	**[Who is speaking.]**	Allah will say, "This is the Day when the truthful will benefit from their truthfulness." For them are gardens [in Paradise] beneath which rivers flow, wherein they will abide forever, Allah being pleased with them, and they with Him. That is the great attainment.	5:119	अल्लाह कहेगा, "यह वह दिन है कि सच्चों को उनकी सच्चाई लाभ पहुँचाएगी। उनके लिए ऐसे बाग़ है, जिनके नीचे नहेर बह रही होंगी, उनमें वे सदैव रहेंगे। अल्लाह उनसे राज़ी हुआ और वे उससे राज़ी हुए। यही सबसे बड़ी सफलता है।"	**[कौन बोल रहा है?]**
Lillahi mulku alssamawati waalardi wama feehinna wahuwa AAala kulli shayin	x	To Allah belongs the dominion of the heavens and the earth and whatever is within them. And He is over all things competent.	5:120	आकाशों और धरती और जो कुछ उनके बीच है, सबपर अल्लाह ही की बादशाही है और उसे हर चीज़ की सामर्थ्य प्राप्त है	x
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Al-Anam (Cattle)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**6:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अल-अनआम (पशु)**

Alhamdu lillahi allathee khalaqa alssamawati waalarda wajaAAala alththulumati waalnnoora thumma allatheena kafaroo birabbihim	[Allah praises and glorifies His Most Honorable Self.]	[All] praise is [due] to Allah, who created the heavens and the earth and made the darkness and the light. Then those who disbelieve equate [others] with their Lord.	6:1	प्रशंसा अल्लाह के लिए है, जिसने आकाशों और धरती को पैदा किया और अँधरों और उजाले का विधान किया; फिर भी इनकार करनेवाले लोग दूसरों को अपने रब के समकक्ष ठहराते है	**[अल्लाह अपने अत्यंत सम्मानित स्वरूप की प्रशंसा और महिमा करता है।]**
Huwa allathee khalaqakum min teenin thumma qada ajalan waajalun musamman AAindahu thumma antum tamtaroona	x	It is He who created you from clay and then decreed a term and a specified time [known] to Him; then [still] you are in dispute.	6:2	वही है जिसने तुम्हें मिट्टी से पैदा किया, फिर (जीवन की) एक अवधि निश्चित कर दी और उसके यहाँ (क़ियामत की) एक अवधि और निश्चित है; फिर भी तुम संदेह करते हो!	x
Wahuwa Allahu fee alssamawati wafee alardi yaAAlamu sirrakum wajahrakum wayaAAlamu ma	x	And He is Allah, [the only deity] in the heavens and the earth. He knows your secret and what you make public, and He knows that which you earn.	6:3	वही अल्लाह है, आकाशों में भी और धरती में भी। वह तुम्हारी छिपी और तुम्हारी खुली बातों को जानता है, और जो कुछ तुम कमाते हो, वह उससे भी अवगत है	x
Wama tateehim min ayatin min ayati rabbihim illa kanoo AAanha muAArideena	x	And no sign comes to them from the signs of their Lord except that they turn away therefrom.	6:4	हाल यह है कि उनके रब की निशानियों में से कोई निशानी भी उनके पास ऐसी नहीं आई, जिससे उन्होंने मुँह न मोड़ लिया हो	x

Faqad kaththaboo bialhaqqi lamma jaahum fasawfa yateehim anbao ma kanoo bihi yastahzioona	x	For they had denied the truth when it came to them, but there is going to reach them the news of what they used to ridicule.	6:5	उन्होंने सत्य को झुठला दिया, जबकि वह उनके पास आया। अतः जिस चीज़ को वे हँसी उड़ाते रहे हैं, जल्द ही उसके सम्बन्ध में उन्हें ख़बरे मिल जाएगी	x
Alam yaraw kam ahlakna min qablihim min qarnin makkannahum fee alardi ma lam numakkin lakum waarsalna alssamaa AAalayhim midraran wajaAAalna alanhara tajree min tahtihim faahlaknahum bithunoobihim waanshana min baAAdihim qarnan akhareena	**[For their unbelief, Allah destroys the unbelievers.]**	Have they not seen how many generations We destroyed before them which We had established upon the earth as We have not established you? And We sent [rain from] the sky upon them in showers and made rivers flow beneath them; then We destroyed them for their sins and brought forth after them a generation of others.	6:6	क्या उन्होंने नहीं देखा कि उनसे पहले कितने ही गिरोहों को हम विनष्ट कर चुके है। उन्हें हमने धरती में ऐसा जमाव प्रदान किया था, जो तुम्हें नहीं प्रदान किया। और उनपर हमने आकाश को ख़ूब बरसता छोड़ दिया और उनके नीचे नहरें बहाई। फिर हमने आकाश को ख़ूब बरसता छोड़ दिया और उनके नीचे नहरें बहाई। फिर हमने उन्हें उनके गुनाहों के कारण विनष्ट कर दिया और उनके पश्चात दूसरे गिरोहों को उठाया	**[उनके अविश्वास के कारण अल्लाह अविश्वासियों का विनाश करता है।]**

Walaw nazzalna AAalayka kitaban fee qirtasin falamasoohu biaydeehim laqala allatheena kafaroo in hatha illa sihrun mubeenun	The idolaters of Mecca said: 'O Muhammad, by Allah we will not believe until you bring us a book from Allah along with four angels with it, bearing witness that it is from Allah and that you are His messenger', and so this verse was revealed. **[In this passage, as in many others, the onus for unbelief is entirely upon the unbelievers. Also it is a hypothetical allegation, without presenting a real proof.]**	And even if We had sent down to you, [O Muhammad], a written scripture on a page and they touched it with their hands, the disbelievers would say, "This is not but obvious magic."	6:7	और यदि हम तुम्हारे ऊपर काग़ज़ में लिखी-लिखाई किताब भी उतार देते और उसे लोग अपने हाथों से छू भी लेते तब भी, जिन्होंने इनकार किया है, वे यही कहते, "यह तो बस एक खुला जादू हैं।"	क़ुरैश के कुछ मुशरिकों ने पैग़म्बर मुहम्मद (स.) से कहा: "ऐ मुहम्मद, अल्लाह की क़सम! हम तब तक ईमान नहीं लाएँगे जब तक तुम हमारे पास अल्लाह की ओर से एक किताब न ले आओ और उसके साथ चार फ़रिश्ते न हों, जो यह गवाही दें कि वह अल्लाह की ओर से है और तुम उसके रसूल हो।" तब इस पर यह आयत नाज़िल हुई। [इस अंश में, जैसे कई अन्य स्थानों पर भी, अविश्वास का पूरा दोष अविश्वासियों पर ही डाला गया है। साथ ही यह एक काल्पनिक आरोप है, जिसमें कोई वास्तविक प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया गया है।]

Waqaloo lawla onzila AAalayhi malakun walaw anzalna malakan laqudiya alamru thumma la yuntharoona	“No further time would be allowed them" means “they would be destroyed immediately with no chance for repentance or excuse, as was the custom of Allah with people of the past who were destroyed when what they asked for appeared and they failed to have faith.” **[People asked to show angels coming to prophet. Also Allah send angel Gabriel on earth but it was invisible to others. On one occasion Angel Gabriel came in form of Dihya al-Kalbi which one of wives of prophet saw (Hadith).]**	And they say, "Why was there not sent down to him an angel?" But if We had sent down an angel, the matter would have been decided; then they would not be reprieved.	6:8	उनका तो कहना है, "इस (नबी) पर कोई फ़रिश्ता (खुले रूप में) क्यों नहीं उतारा गया?" हालाँकि यदि हम फ़रिश्ता उतारते तो फ़ैसला हो चुका होता। फिर उन्हें कोई मुहल्लत न मिलती	“"उन्हें कोई मुहल्लत न मिलती" का अर्थ है कि ‘उन्हें तुरंत नष्ट कर दिया जाएगा और तौबा या कोई बहाना पेश करने का कोई अवसर नहीं मिलेगा; क्योंकि अतीत के लोगों के साथ अल्लाह का यही तरीका रहा है कि जब उनकी माँगी हुई चीज़ प्रकट हो जाती थी और फिर भी वे ईमान नहीं लाते थे, तो उन्हें नष्ट कर दिया जाता था।’ **[लोगों ने माँग की थी कि फ़रिश्ते नबी के पास आते हुए दिखाए जाएँ। जबकि अल्लाह ने फ़रिश्ता जिब्रील को पृथ्वी पर भेजा था, लेकिन वह दूसरों के लिए अदृश्य था। एक अवसर पर फ़रिश्ता जिब्रील दिह्या अल-कलबी के रूप में आए थे, जिसे नबी की एक पत्नी ने देखा था (हदीस)।]**
Walaw jaAAalnahu malakan lajaAAalnahu rajulan walalabasna AAalayhim ma yalbisoona	x	And if We had made him an angel, We would have made him [appear as] a man, and We would have covered them with that in which they cover themselves.	6:9	यह बात भी है कि यदि हम उसे (नबी को) फ़रिश्ता बना देते तो उसे आदमी ही (के रूप का) बनाते। इस प्रकार उन्हें उसी सन्देह में डाल देते, जिस सन्देह में वे इस समय पड़े हुए है	x
Walaqadi istuhzia birusulin min qablika fahaqa biallatheena sakhiroo minhum ma kanoo bihi	x	And already were messengers ridiculed before you, but those who mocked them were enveloped by that which they used to ridicule.	6:10	तुमसे पहले कितने ही रसूलों की हँसी उड़ाई जा चुकी है। अन्ततः जिन लोगों ने उनकी हँसी उड़ाई थी, उन्हें उसी न आ घेरा जिस बात पर वे हँसी उड़ाते थे	x

Qul seeroo fee alardi thumma onthuroo kayfa kana AAaqibatu almukaththibeena	x	Say, "Travel through the land; then observe how was the end of the deniers."	6:11	कहो, "धरती में चल-फिरकर देखो कि झुठलानेवालों का क्या परिणाम हुआ!"	x
Qul liman ma fee alssamawati waalardi qul lillahi kataba AAala nafsihi alrrahmata layajmaAAannakum ila yawmi alqiyamati la rayba feehi allatheena khasiroo anfusahum fahum la yuminoona	Onus for not believing is on disbelivers. **[Contradiction: Who misguides the disbelievers: Allah 6:25, 28:56, 35:8, 10:100; Allah does not misguide 9:115, Shaytan misguides 15:39, 114:4-5, 4:119, Humans themself 9:70, 6:12, 30:9]**	Say, "To whom belongs whatever is in the heavens and earth?" Say, "To Allah." He has decreed upon Himself mercy. He will surely assemble you for the Day of Resurrection, about which there is no doubt. Those who will lose themselves [that Day] do not believe.	6:12	कहो, "आकाशों और धरती में जो कुछ है किसका है?" कह दो, "अल्लाह ही का है।" उसने दयालुता को अपने ऊपर अनिवार्य कर दिया है। निश्चय ही वह तुम्हें क़ियामत के दिन इकट्ठा करेगा, इसमें कोई सन्देह नहीं है। जिन लोगों ने अपने-आपको घाटे में डाला है, वही है जो ईमान नहीं लाते	अविश्वास न करने की ज़िम्मेदारी अविश्वासियों पर ही है। **[विरोधाभास: अविश्वासियों को कौन गुमराह करता है—अल्लाह: 6:25, 28:56, 35:8, 10:100; अल्लाह गुमराह नहीं करता: 9:115; शैतान गुमराह करता है: 15:39, 114:4–5, 4:119; मनुष्य स्वयं: 9:70, 6:12, 30:9]**
Walahu ma sakana fee allayli waalnnahari wahuwa alssameeAAu alAAaleemu	The disbelievers of Mecca went to the Messenger of Allah, (pbuh) and said to him: 'O Muhammad, we know that it is need that drives you to that which you are inviting us. We will therefore give you part of our wealth so that you become the richest man amongst us, on condition that you abandon this matter'. And then this verse was revealed.	And to Him belongs that which reposes by night and by day, and He is the Hearing, the Knowing.	6:13	हाँ, उसी का है जो भी रात में ठहरता है और दिन में (गतिशील होता है), और वह सब कुछ सुनता, जानता है	मक्का के अविश्वासी पैग़म्बर मुहम्मद (स.) के पास आए और उनसे कहा: "ऐ मुहम्मद, हम जानते हैं कि तुम्हें जिस बात की ओर तुम हमें बुला रहे हो, उसकी ओर आवश्यकता (गरीबी) ही तुम्हें ले जा रही है। इसलिए हम तुम्हें अपनी संपत्ति का कुछ हिस्सा दे देंगे, ताकि तुम हमारे बीच सबसे धनी व्यक्ति बन जाओ—इस शर्त पर कि तुम इस मामले को छोड़ दो।" तब इस पर यह आयत नाज़िल हुई।

Qul aghayra Allahi attakhithu waliyyan fatiri alssamawati waalardi wahuwa yutAAimu wala yutAAamu qul innee omirtu an akoona awwala man aslama wala takoonanna mina almushrikeena	**[Contradiction: Who was the first Muslim: Prophet Muhammad (pbuh) 6:14, 6:163, 39:12, Moses 7:143, Abraham 2:132, Jesus 3:52, 5:111]**	Say, "Is it other than Allah I should take as a protector, Creator of the heavens and the earth, while it is He who feeds and is not fed?" Say, [O Muhammad], "Indeed, I have been commanded to be the first [among you] who submit [to Allah] and [was commanded], 'Do not ever be of the polytheists.' "	6:14	कहो, "क्या मैं आकाशों और धरती को पैदा करनेवाले अल्लाह के सिवा किसी और को संरक्षक बना लूँ? उसका हाल यह है कि वह खिलाता है और स्वयं नहीं खाता।" कहो, "मुझे आदेश हुआ है कि सबसे पहले मैं उसके आगे झुक जाऊँ। और (यह कि) तुम बहुदेववादियों में कदापि सम्मिलित न होना।"	**[विरोधाभास: पहला मुस्लिम कौन था: पैगंबर मुहम्मद (स.) 6:14, 6:163, 39:12, मूसा 7:143, इब्राहीम 2:132, ईसा 3:52, 5:111]**
Qul innee akhafu in AAasaytu rabbee AAathaba yawmin AAatheemin	x	Say, "Indeed I fear, if I should disobey my Lord, the punishment of a tremendous Day."	6:15	कहो, "यदि मैं अपने रब की अवज्ञा करूँ, तो उस स्थिति में मुझे एक बड़े (भयानक) दिन की यातना का डर है।"	x
Man yusraf AAanhu yawmaithin faqad rahimahu wathalika alfawzu almubeenu	x	He from whom it is averted that Day - [Allah] has granted him mercy. And that is the clear	6:16	उस दिन वह जिसपर से टल गई, उसपर अल्लाह ने दया की, और यही स्पष्ट सफलता है	x
Wain yamsaska Allahu bidurrin fala kashifa lahu illa huwa wain yamsaska bikhayrin fahuwa AAala kulli shayin qadeerun	x	And if Allah should touch you with adversity, there is no remover of it except Him. And if He touches you with good - then He is over all things competent.	6:17	और यदि अल्लाह तुम्हें कोई कष्ट पहुँचाए तो उसके अतिरिक्त उसे कोई दूर करनेवाला नहीं है और यदि वह तुम्हें कोई भलाई पहुँचाए तो उसे हर चीज़ की सामर्थ्य प्राप्त है	x
Wahuwa alqahiru fawqa AAibadihi wahuwa alhakeemu alkhabeeru	x	And He is the subjugator over His servants. And He is the Wise, the Acquainted [with all].	6:18	उसे अपने बन्दों पर पूर्ण अधिकार प्राप्त है। और वह तत्वदर्शी, ख़बर रखनेवाला है	x

Qul ayyu shayin akbaru shahadatan quli Allahu shaheedun baynee wabaynakum waoohiya ilayya hatha alquranu lionthirakum bihi waman balagha ainnakum latashhadoona anna maAAa Allahi alihatan okhra qul la ashhadu qul innama huwa ilahun wahidun wainnanee	The chiefs of Mecca said: 'O Muhammad, we see that no one believes in what you say concerning the matter of messengership. We have asked the Jews and Christians about you and they claim that there is no description or mention of you in their Scriptures. So show us someone who will testify that you are a messenger, as you claim'. As a response this verse came.	Say, "What thing is greatest in testimony?" Say, "Allah is witness between me and you. And this Qur'an was revealed to me that I may warn you thereby and whomever it reaches. Do you [truly] testify that with Allah there are other deities?" Say, "I will not testify [with you]." Say, "Indeed, He is but one God, and indeed, I am free of what you associate [with Him]."	6:19	कहो, "किस चीज़ की गवाही सबसे बड़ी है?" कहो, "मेरे और तुम्हारे बीच अल्लाह गवाह है। और यह क़ुरआन मेरी ओर वह्यी (प्रकाशना) किया गया है, ताकि मैं इसके द्वारा तुम्हें सचेत कर दूँ। और जिस किसी को यह अल्लाह के साथ दूसरे पूज्य भी है?" तुम कह दो, "मैं तो इसकी गवाही नहीं देता।" कह दो, "वह तो बस अकेला पूज्य है। और तुम जो उसका साझी ठहराते हो, उससे मेरा कोई सम्बन्ध नहीं।"	मक्का के प्रमुखों ने कहा: "ऐ मुहम्मद, हम देखते हैं कि तुम्हारे कहे हुए संदेश के विषय में कोई विश्वास नहीं करता। हमने तुमसे संबंधित यहूदियों और ईसाइयों से पूछा और उन्होंने कहा कि उनकी क़िताबों में तुम्हारा कोई वर्णन या उल्लेख नहीं है। इसलिए हमें कोई ऐसा व्यक्ति दिखाओ जो यह गवाही दे कि तुम वास्तव में रसूल हो, जैसा कि तुम दावा करते हो।" इस पर प्रतिक्रिया स्वरूप यह आयत नाज़िल हुई।
Allatheena ataynahumu alkitaba yaAArifoonahu kama yaAArifoona abnaahum allatheena khasiroo anfusahum fahum la yuminoona	**[False allegation of Jew and christians. If they knew it, they would have been converted. The allegation is that their unbelief in Islam is not a sincere rejection based on honest conviction but sheer perversity.]**	Those to whom We have given the Scripture recognize it as they recognize their [own] sons. Those who will lose themselves [in the Hereafter] do not believe.	6:20	जिन लोगों को हमने किताब दी है, वे उसे इस प्रकार पहचानते है, जिस प्रकार अपने बेटों को पहचानते है। जिन लोगों ने अपने आपको घाटे में डाला है, वही ईमान नहीं लाते	**[यहूदी और ईसाइयों का झूठा आरोप। यदि उन्हें सच में पता होता, तो वे ईमान ला चुके होते। यह आरोप है कि इस्लाम में उनका अविश्वास ईमानदार समझ या सही विश्वास पर आधारित अस्वीकार नहीं है, बल्कि पूरी तरह से जिद और हठ है।]**
Waman athlamu mimmani iftara AAala Allahi kathiban aw kaththaba biayatihi innahu la yuflihu alththalimoona	"lie against Allah" involves "ascribing a partner to him. **[Shirk is worst than murder, rape and genocide.]**	And who is more unjust than one who invents about Allah a lie or denies His verses? Indeed, the wrongdoers will not succeed.	6:21	और उससे बढ़कर अत्याचारी कौन होगा, जो अल्लाह पर झूठ गढ़े या उसकी आयतों को झुठलाए। निस्सन्देह अत्याचारी कभी सफल नहीं हो सकते	" अल्लाह पर झूठ गढ़ना" का मतलब है "उसे कोई साझेदार ठहराना।" [शिर्क (साझेदारी) हत्या, बलात्कार और नरसंहार से भी भयानक है।]

Wayawma nahshuruhum jameeAAan thumma naqoolu lillatheena ashrakoo ayna shurakaokumu allatheena kuntum tazAAumoona	x	And [mention, O Muhammad], the Day We will gather them all together; then We will say to those who associated others with Allah, "Where are your 'partners' that you used to claim [with Him]?"	6:22	और उस दिन को याद करो जब हम सबको इकट्ठा करेंगे; फिर बहुदेववादियों से पूछेंगे, "कहाँ है तुम्हारे ठहराए हुए साझीदार, जिनका तुम दावा किया करते थे?"	x
Thumma lam takun fitnatuhum illa an qaloo waAllahi rabbina ma kunna mushrikeena	x	Then there will be no [excuse upon] examination except they will say, "By Allah, our Lord, we were not those who associated."	6:23	फिर उनका कोई फ़िला (उपद्रव) शेष न रहेगा। सिवाय इसके कि वे कहेंगे, "अपने रब अल्लाह की सौगन्ध! हम बहुदेववादी न थे।"	x
Onthur kayfa kathaboo AAala anfusihim wadalla AAanhum ma kanoo yaftaroona	x	See how they will lie about themselves. And lost from them will be what they used to invent.	6:24	देखो, कैसा वे अपने विषय में झूठ बोले। और वह गुम होकर रह गया जो वे घड़ा करते थे	x

Waminhum man yastamiAAu ilayka wajaAAalna AAala quloobihim akinnatan an yafqahoohu wafee athanihim waqran wain yaraw kulla ayatin la yuminoo biha hatta itha jaooka yujadiloonaka yaqoolu allatheena kafaroo in hatha illa asateeru alawwaleena	Some Quraysh asked al-Nadr: 'What does Muhammad say?' He said: 'I do not know what he is saying, except that I see his lips moving, muttering something. But what he says is nothing but the fables of the people of old, like the stories I used to relate to you regarding bygone nations'. **[Some who reject the messenger are doing so not out of their own free choice, but because Allah has "placed veils upon their hearts," so that they do not understand the message. Who misguides the disbelievers: Allah 6:25, 28:56, 35:8, 10:100; Allah does not misguide 9:115, Shaytan 15:39, 114:4-5, 4:119, Humans himself 9:70, 6:12, 30:9]**	And among them are those who listen to you, but We have placed over their hearts coverings, lest they understand it, and in their ears deafness. And if they should see every sign, they will not believe in it. Even when they come to you arguing with you, those who disbelieve say, "This is not but legends of the former peoples."	6:25	और उनमें कुछ लोग ऐसे है जो तुम्हारी ओर कान लगाते है, हालाँकि हमने तो उनके दिलों पर परदे डाल रखे है कि वे उसे समझ न सकें और उनके कानों में बोझ डाल दिया है। और वे चाहे प्रत्येक निशानी देख लें तब भी उसे मानेंगे नहीं; यहाँ तक कि जब वे तुम्हारे पास आकर तुमसे झगड़ते है, तो अविश्वास की नीति अपनानेवाले कहते है, "यह तो बस पहले को लोगों की गाथाएँ है।"	कुछ क़ुरैशियों ने अल-नद्र से पूछा: "मुहम्मद (स.) क्या कहते हैं?" उन्होंने कहा: "मुझे नहीं पता कि वह क्या कह रहे हैं, बस इतना जानता हूँ कि मैं उनके होंठ हिलते हुए देखता हूँ और कुछ बड़बड़ा रहे हैं। लेकिन जो वह कहते हैं, वह बस पुराने लोगों की कथाएँ हैं, जैसे मैं तुम्हें पहले बीती हुई जातियों की कहानियाँ सुनाया करता था। [कुछ लोग पैग़म्बर (स.) को नकारते हैं, यह उनकी अपनी स्वतंत्र इच्छा से नहीं, बल्कि इसलिए कि अल्लाह ने उनके दिलों पर पर्दा डाल दिया है, ताकि वे संदेश को समझ न सकें। अविश्वासियों को गुमराह करता है: अल्लाह – 6:25, 28:56, 35:8, 10:100; अल्लाह नहीं गुमराह करता – 9:115, शैतान – 15:39, 114:4-5, 4:119; इंसान स्वयं – 9:70, 6:12, 30:9]
Wahum yanhawna AAanhu wayanawna AAanhu wain yuhlikoona illa anfusahum wama yashAAuroona	This was revealed about the unbelievers of Mecca. They used to forbid people from following Muhammad (pbuh) and they themselves stayed away from him **[However, Islam does not allows a Muslim to change his religion and prescribes death penalty.]**	And they prevent [others] from him and are [themselves] remote from him. And they do not destroy except themselves, but they perceive [it] not.	6:26	और वे उससे दूसरों को रोकते है और स्वयं भी उससे दूर रहते है। वे तो बस अपने आपको ही विनष्ट कर रहे है, किन्तु उन्हें इसका एहसास नहीं	यह मक्का के अविश्वासियों के बारे में प्रकट हुआ था। वे लोगों को पैग़म्बर मुहम्मद (स.) का अनुसरण करने से रोकते थे और स्वयं भी उनसे दूर रहते थे। [हालांकि, इस्लाम भी किसी मुस्लिम को अपने धर्म को बदलने की अनुमति नहीं देता और इसके लिए मृत्यु दंड निर्धारित करता है।]

Walaw tara ith wuqifoo AAala alnnari faqaloo ya laytana nuraddu wala nukaththiba biayati rabbina wanakoona mina almumineena	x	If you could but see when they are made to stand before the Fire and will say, "Oh, would that we could be returned [to life on earth] and not deny the signs of our Lord and be among the believers."	6:27	और यदि तुम उस समय देख सकते, जब वे आग के निकट खड़े किए जाएँगे और कहेंगे, "काश! क्या ही अच्छा होता कि हम फिर लौटा दिए जाएँ (कि माने) और अपने रब की आयतों को न झुठलाएँ और माननेवालों में हो जाएँ।"	x
Bal bada lahum ma kanoo yukhfoona min qablu walaw ruddoo laAAadoo lima nuhoo AAanhu wainnahum lakathiboona	**[How someone can be so sure about future. A hypothetical allegation.]**	But what they concealed before has [now] appeared to them. And even if they were returned, they would return to that which they were forbidden; and indeed, they are liars.	6:28	कुछ नहीं, बल्कि जो कुछ वे पहले छिपाया करते थे, वह उनके सामने आ गया। और यदि वे लौटा भी दिए जाएँ, तो फिर वही कुछ करने लगेंगे जिससे उन्हें रोका गया था। निश्चय ही वे झूठे है	**[कैसे कोई भविष्य के बारे में इतना सुनिश्चित हो सकता है। एक काल्पनिक आरोप।]**
Waqaloo in hiya illa hayatuna alddunya wama nahnu bimabAAootheena	x	And they say, "There is none but our worldly life, and we will not be resurrected."	6:29	और वे कहते है, "जो कुछ है बस यही हमारा सांसारिक जीवन है; हम कोई फिर उठाए जानेवाले नहीं हैं।"	x
Walaw tara ith wuqifoo AAala rabbihim qala alaysa hatha bialhaqqi qaloo bala warabbina qala fathooqoo alAAathaba bima kuntum takfuroona	x	If you could but see when they will be made to stand before their Lord. He will say, "Is this not the truth?" They will say, "Yes, by our Lord." He will [then] say, "So taste the punishment because you used to disbelieve."	6:30	और यदि तुम देख सकते जब वे अपने रब के सामने खड़े किए जाएँगे! वह कहेगा, "क्या यह यर्थाथ नहीं है?" कहेंगे, "क्यों नही, हमारे रब की क़सम!" वह कहेगा, "अच्छा तो उस इनकार के बदले जो तुम करते रहें हो, यातना का मज़ा चखो।"	x

Qad khasira allatheena kaththaboo biliqai Allahi hatta itha jaathumu alssaAAatu baghtatan qaloo ya hasratana AAala ma farratna feeha wahum yahmiloona awzarahum AAala thuhoorihim ala saa	x	Those will have lost who deny the meeting with Allah, until when the Hour [of resurrection] comes upon them unexpectedly, they will say, "Oh, [how great is] our regret over what we neglected concerning it," while they bear their burdens on their backs. Unquestionably, evil is that which they bear.	6:31	वे लोग घाटे में पड़े, जिन्होंने अल्लाह से मिलने को झुठलाया, यहाँ तक कि जब अचानक उनपर वह घड़ी आ जाएगी तो वे कहेंगे, "हाय! अफ़सोस, उस कोताही पर जो इसके विषय में हमसे हुई।" और हाल यह होगा कि वे अपने बोझ अपनी पीठों पर उठाए होंगे। देखो, कितना बुरा बोझ है जो ये उठाए हुए है!	x
Wama alhayatu alddunya illa laAAibun walahwun walalddaru alakhirati khayrun lillatheena yattaqoona afala	**[However, if someone goes through Islamic history, there was so much bloodshed for power.]**	And the worldly life is not but amusement and diversion; but the home of the Hereafter is best for those who fear Allah, so will you not reason?	6:32	सांसारिक जीवन तो एक खेल और तमाशे (ग़फलत) के अतिरिक्त कुछ भी नहीं है जबकि आख़िरत का घर उन लोगों के लिए अच्छा है, जो डर रखते है। तो क्या तुम बुद्धि से काम नहीं लेते?	**[हालाँकि, अगर कोई इस्लामी इतिहास पर नजर डाले, तो सत्ता के लिए बहुत अधिक रक्तपात हुआ है।]**
Qad naAAlamu innahu layahzunuka allathee yaqooloona fainnahum la yukaththiboonaka walakinna alththalimeena biayati Allahi yajhadoona	The Messenger of Allah (pbuh) once passed by Abu Jahl and his companions, and they asked: 'O Muhammad, by Allah, we do not give you the lie, for we consider you truthful. What we deny is that which you have brought'. And so this verse was revealed.	We know that you, [O Muhammad], are saddened by what they say. And indeed, they do not call you untruthful, but it is the verses of Allah that the wrongdoers reject.	6:33	हमें मालूम है, जो कुछ वे कहते है उससे तुम्हें दुख पहुँचता है। तो वे वास्तव में तुम्हें नहीं झुठलाते, बल्कि उन अत्याचारियो को तो अल्लाह की आयतों से इनकार है	अल्लाह के पैग़म्बर (स.) एक बार अबू जहल और उनके साथियों के पास से गुजर रहे थे, और उन्होंने कहा: “हे मुहम्मद (स.)! अल्लाह की कसम, हम तुम्हारे झूठे होने को नहीं मानते, हम तुम्हें सत्य मानते हैं। जिस चीज़ से हम इनकार करते हैं, वह वही है जो तुम लाए हो।” और इसी कारण यह आयत प्रकट हुई।

Walaqad kuththibat rusulun min qablika fasabaroo AAala ma kuththiboo waoothoo hatta atahum nasruna wala mubaddila likalimati Allahi walaqad jaaka min nabai almursaleena	**[Contradiction: Allah's word can't be changed 6:34, 6:115, 10:64; Yes could be changed: 2:75, 2:106, 16:101]**	And certainly were messengers denied before you, but they were patient over [the effects of] denial, and they were harmed until Our victory came to them. And none can alter the words of Allah. And there has certainly come to you some information about the [previous] messengers.	6:34	तुमसे पहले भी बहुत-से रसूल झुठलाए जा चुके है, तो वे अपने झुठलाए जाने और कष्ट पहुँचाए जाने पर धैर्य से काम लेते रहे, यहाँ तक कि उन्हें हमारी सहायता पहुँच गई। कोई नहीं जो अल्लाह की बातों को बदल सके। तुम्हारे पास तो रसूलों की कुछ ख़बरें पहुँच ही चुकी है	**[विरोधाभास: अल्लाह का वचन बदल नहीं सकता – 6:34, 6:115, 10:64; हाँ, बदल सकता है – 2:75, 2:106, 16:101]**
Wain kana kabura AAalayka iAAraduhum faini istataAAta an tabtaghiya nafaqan fee alardi aw sullaman fee alssamai fatatiyahum biayatin walaw shaa Allahu lajamaAAahum AAala alhuda fala takoonanna mina	**[Here in 6:35 and 6:37, it is assumed that the messenger has not brought any proof; Also, Allah knows that even producing miracles will be of no use, if Allah wanted, He could have given guidance to disbeliever.]**	And if their evasion is difficult for you, then if you are able to seek a tunnel into the earth or a stairway into the sky to bring them a sign, [then do so]. But if Allah had willed, He would have united them upon guidance. So never be of the ignorant.	6:35	और यदि उनकी विमुखता तुम्हारे लिए असहनीय है, तो यदि तुमसे हो सके कि धरती में कोई सुरंग या आकाश में कोई सीढ़ी ढूँढ़ निकालो और उनके पास कोई निशानी ले आओ, तो (ऐसा कर देखो), यदि अल्लाह चाहता तो उन सबको सीधे मार्ग पर इकट्ठा कर देता। अतः तुम उजड्ड और नादान न बनना	**[यहाँ 6:35 और 6:37 में यह माना गया है कि पैग़म्बर (स.) कोई प्रमाण नहीं लेकर आए हैं; साथ ही, अल्लाह जानता है कि चमत्कार दिखाने से भी कोई लाभ नहीं होगा। अगर अल्लाह चाहता, तो वह अविश्वासियों को मार्गदर्शन दे सकता था।]**
Innama yastajeebu allatheena yasmaAAoona waalmawta yabAAathuhumu Allahu thumma ilayhi yurjaAAoona	The disbelievers are dumb and dead.	Only those who hear will respond. But the dead - Allah will resurrect them; then to Him they will be returned.	6:36	मानते हो वही लोग है जो सुनते है, रहे मुर्दे, तो अल्लाह उन्हें (क़ियामत के दिन) उठा खड़ा करेगा; फिर वे उसी के ओर पलटेंगे	**[अविश्वासी गूँगे और मृत हैं।]**

Waqaloo lawla nuzzila AAalayhi ayatun min rabbihi qul inna Allaha qadirun AAala an yunazzila ayatan walakinna aktharahum la yaAAlamoona	**[Another verse to prove that Prophet (pbuh) had no miracles. While Hadiths describe many.]**	And they say, "Why has a sign not been sent down to him from his Lord?" Say, "Indeed, Allah is Able to send down a sign, but most of them do not know."	6:37	वे यह भी कहते है, "उस (नबी) पर उसके रब की ओर से कोई निशानी क्यों नहीं उतारी गई?" कह दो, "अल्लाह को तो इसकी सामर्थ्य प्राप्त है कि कोई निशानी उतार दे; परन्तु उनमें से अधिकतर लोग नहीं जानते।"	**[एक और आयत यह साबित करने के लिए कि पैग़म्बर (स.) के पास कोई चमत्कार नहीं थे, जबकि हदीसों में कई चमत्कारों का वर्णन किया गया है।]**
Wama min dabbatin fee alardi wala tairin yateeru bijanahayhi illa omamun amthalukum ma farratna fee alkitabi min shayin thumma ila rabbihim yuhsharoona	**[Not all creatures live in community e.g. Leopard, Mantis, many snakes. Also not everything is mentioned in Quran.]**	And there is no creature on [or within] the earth or bird that flies with its wings except [that they are] communities like you. We have not neglected in the Register a thing. Then unto their Lord they will be gathered.	6:38	धरती में चलने-फिरनेवाला कोई भी प्राणी हो या अपने दो परो से उड़नवाला कोई पक्षी, ये सब तुम्हारी ही तरह के गिरोह है। हमने किताब में कोई भी चीज़ नहीं छोड़ी है। फिर वे अपने रब की ओर इकट्ठे किए जाएँगे	**[सभी जीव गिरोह में नहीं रहते, उदाहरण के लिए: चीता, मांटिस, कई साँप। इसके अलावा, कुरआन में सब कुछ वर्णित नहीं है।]**
Waallatheena kaththaboo biayatina summun wabukmun fee alththulumati man yashai Allahu yudlilhu waman yasha yajAAalhu	**[It is up to Allah to give guidance, so why would the disbelievers be punished.]**	But those who deny Our verses are deaf and dumb within darknesses. Whomever Allah wills - He leaves astray; and whomever He wills - He puts him on a straight path.	6:39	जिन लोगों ने हमारी आयतों को झुठलाया, वे बहरे और गूँगे हैं, अँधेरों में पड़े हुए हैं। अल्लाह जिसे चाहे भटकने दे और जिसे चाहे सीधे मार्ग पर लगा दे	**[मार्गदर्शन देना अल्लाह के हाथ में है, तो फिर अविश्वासियों को क्यों दंडित किया जाएगा?]**

Qul araaytakum in atakum AAathabu Allahi aw atatkumu alssaAAatu aghayra Allahi tadAAoona in kuntum sadiqeena	x	Say, "Have you considered: if there came to you the punishment of Allah or there came to you the Hour - is it other than Allah you would invoke, if you should be truthful?"	6:40	कहो, "क्या तुमने यह भी सोचा कि यदि तुमपर अल्लाह की यातना आ पड़े या वह घड़ी तुम्हारे सामने आ जाए, तो क्या अल्लाह के सिवा किसी और को पुकारोगे? बोलो, यदि तुम सच्चे हो?	x
Bal iyyahu tadAAoona fayakshifu ma tadAAoona ilayhi in shaa watansawna ma tushrikoona	**[It is up to Allah to give guidance, so why would the disbelievers be punished.]**	No, it is Him [alone] you would invoke, and He would remove that for which you invoked Him if He willed, and you would forget what you associate [with Him].	6:41	"बल्कि तुम उसी को पुकारते हो - फिर जिसके लिए तुम उसे पुकारते हो, वह चाहता है तो उसे दूर कर देता है - और उन्हें भूल जाते हो जिन्हें साझीदार ठहराते हो।"	**[मार्गदर्शन देना अल्लाह के हाथ में है, तो फिर अविश्वासियों को क्यों दंडित किया जाएगा?]**
Walaqad arsalna ila omamin min qablika faakhathnahum bialbasai waalddarrai laAAallahum yatadarraAAoona	**[Messengers have been sent to every nation (16:36). Yet the Quran is preoccupied primarily with the Biblical prophets, no mention of other cultures and civilizations.]**	And We have already sent [messengers] to nations before you, [O Muhammad]; then We seized them with poverty and hardship that perhaps they might humble themselves [to Us].	6:42	तुमसे पहले कितने ही समुदायों की ओर हमने रसूल भेजे कि उन्हें तंगियों और मुसीबतों में डाला, ताकि वे विनम्र हों	**[हर क़ौम को पैग़म्बर भेजे गए हैं (16:36)। फिर भी, क़ुरआन मुख्यतः बाइबिल के पैग़म्बरों पर केंद्रित है और अन्य संस्कृतियों और सभ्यताओं का उल्लेख नहीं करता।]**
Falawla ith jaahum basuna tadarraAAoo walakin qasat quloobuhum wazayyana lahumu alshshaytanu ma kanoo yaAAmaloona	**[Satan is also a creation of Allah, which misguides disbelivers.]**	Then why, when Our punishment came to them, did they not humble themselves? But their hearts became hardened, and Satan made attractive to them that which they were doing.	6:43	जब हमारी ओर से उनपर सख्ती आई तो फिर क्यों न विनम्र हुए? परन्तु उनके हृदय तो कठोर हो गए थे और जो कुछ वे करते थे शैतान ने उसे उनके लिए मोहक बना दिया	**[शैतान भी अल्लाह की सृष्टि है, जो अविश्वासियों को गुमराह करता है।]**

Falamma nasoo ma thukkiroo bihi fatahna AAalayhim abwaba kulli shayin hatta itha farihoo bima ootoo akhathnahum baghtatan faitha hum mublisoona	**[Allah also increases their disbelief by providing them provisions.]**	So when they forgot that by which they had been reminded, We opened to them the doors of every [good] thing until, when they rejoiced in that which they were given, We seized them suddenly, and they were [then] in despair.	6:44	फिर जब उसे उन्होंने भुला दिया जो उन्हें याद दिलाई गई थी, तो हमने उनपर हर चीज़ के दरवाज़े खोल दिए; यहाँ तक कि जो कुछ उन्हें मिला था, जब वे उसमें मग्न हो गए तो अचानक हमने उन्हें पकड़ लिया, तो क्या देखते है कि वे बिल्कुल निराश होकर रह गए	**[अल्लाह उन्हें रोज़ी-रोटी देकर उनके अविश्वास को भी बढ़ा देते हैं।]**
FaqutiAAa dabiru alqawmi allatheena thalamoo waalhamdu lillahi rabbi alAAalameena	x	So the people that committed wrong were eliminated. And praise to Allah, Lord of the worlds.	6:45	इस प्रकार अत्याचारी लोगों की जड़ काटकर रख दी गई। प्रशंसा अल्लाह ही के लिए है, जो सारे संसार का रब है	x
Qul araaytum in akhatha Allahu samAAakum waabsarakum wakhatama AAala quloobikum man ilahun ghayru Allahi yateekum bihi onthur kayfa nusarrifu alayati thumma hum yasdifoona	**[Contradiction: Allah Seals hearts: 2:7, 4:155, 7:100, 7:101, 9:87, 9:93, 10:74, 16:108, 30:59, 40:35, 45:23, 47:16, 63:3; Does not seals: 42:24, 6:46]**	Say, "Have you considered: if Allah should take away your hearing and your sight and set a seal upon your hearts, which deity other than Allah could bring them [back] to you?" Look how we diversify the verses; then they [still] turn away.	6:46	कहो, "क्या तुमने यह भी सोचा कि यदि अल्लाह तुम्हारे सुनने की और तुम्हारी देखने की शक्ति छीन ले और तुम्हारे दिलों पर ठप्पा लगा दे, तो अल्लाह के सिवा कौन पूज्य है जो तुम्हें ये चीज़े लाकर दे?" देखो, किस प्रकार हम तरह-तरह से अपनी निशानियाँ बयान करते है! फिर भी वे किनारा ही खींचते जाते है	**[विरोधाभास: अल्लाह दिलों पर ठप्पा लगा देते हैं – 2:7, 4:155, 7:100, 7:101, 9:87, 9:93, 10:74, 16:108, 30:59, 40:35, 45:23, 47:16, 63:3; नहीं लगाते – 42:24, 6:46]**

Qul araaytakum in atakum AAathabu Allahi baghtatan aw jahratan hal yuhlaku illa alqawmu alththalimoona	x	Say, "Have you considered: if the punishment of Allah should come to you unexpectedly or manifestly, will any be destroyed but the	6:47	कहो, "क्या तुमने यह भी सोचा कि यदि तुमपर अचानक या प्रत्यक्षतः अल्लाह की यातना आ जाए, तो क्या अत्याचारी लोगों के सिवा कोई और विनष्ट होगा?"	x
Wama nursilu almursaleena illa mubashshireena wamunthireena faman amana waaslaha fala khawfun	**[But there have been many self proclaimed Messengers of Allah, Should one believe whosoever claims so.]**	And We send not the messengers except as bringers of good tidings and warners. So whoever believes and reforms - there will be no fear concerning them, nor will	6:48	हम रसूलों को केवल शुभ-सूचना देनेवाले और सचेतकर्ता बनाकर भेजते रहे है। फिर जो ईमान लाए और सुधर जाए, तो ऐसे लोगों के लिए न कोई भय है और न वे कभी दुखी होंगे	**[लेकिन कई लोग स्वयं को अल्लाह का पैग़म्बर घोषित कर चुके हैं। क्या किसी को भी उस पर विश्वास कर लेना चाहिए जो ऐसा दावा करता है?]**
Waallatheena kaththaboo biayatina yamassuhumu alAAathabu bima	x	But those who deny Our verses - the punishment will touch them for their defiant disobedience.	6:49	रहे वे लोग, जिन्होंने हमारी आयतों को झुठलाया, उन्हें यातना पहुँचकर रहेगी, क्योंकि वे अवज्ञा करते रहे है	x
Qul la aqoolu lakum AAindee khazainu Allahi wala aAAlamu alghayba wala aqoolu lakum innee malakun in attabiAAu illa ma yooha ilayya qul hal yastawee alaAAma waalbaseeru afala tatafakkaroona	**[Contradiction: Who has knowledge of unseen "Ghaib", only Allah 6:59, 27:65; Allah and Prophets 18:74, 72:26-27, Angels also 2:30; Propohets don't have 6:50, 11:31, Iblis has 7:17, 17:62]**	Say, [O Muhammad], "I do not tell you that I have the depositories [containing the provision] of Allah or that I know the unseen, nor do I tell you that I am an angel. I only follow what is revealed to me." Say, "Is the blind equivalent to the seeing? Then will you not give thought?"	6:50	कह दो, "मैं तुमसे यह नहीं कहता कि मेरे पास अल्लाह के ख़ज़ाने है, और न मैं परोक्ष का ज्ञान रखता हूँ, और न मैं तुमसे कहता हूँ कि मैं कोई फ़रिश्ता हूँ। मैं तो बस उसी का अनुपालन करता हूँ जो मेरी ओर वह्य की जाती है।" कहो, "क्या अंधा और आँखोंवाला दोनों बराबर हो जाएँगे? क्या तुम सोच-विचार से काम नहीं लेते?"	**[विरोधाभास: ग़ैब (अदृश्य) का ज्ञान किसके पास है—केवल अल्लाह के पास 6:59, 27:65; अल्लाह और पैग़म्बरों के पास 18:74, 72:26-27; फ़रिश्तों के पास भी 2:30; पैग़म्बरों के पास नहीं 6:50, 11:31; इब्लीस के पास 7:17, 17:62]**

Waanthir bihi allatheena yakhafoona an yuhsharoo ila rabbihim laysa lahum min doonihi waliyyun wala shafeeAAun laAAallahum yattaqoona	**[Contradiction: No intercession accepted (2:48, 2:123, 6:51, 6:94, 23:101, 32:4, 39:43-44, 42:46). Intercession is accepted with Allah's permission (2:255, 4:64, 10:3, 19:87, 20:109, 21:28, 34:23, 53:26)]**	And warn by the Qur'an those who fear that they will be gathered before their Lord - for them besides Him will be no protector and no intercessor - that they might become righteous.	6:51	और तुम इसके द्वारा उन लोगों को सचेत कर दो, जिन्हें इस बात का भय है कि वे अपने रब के पास इस हाल में इकट्ठा किए जाएँगे कि उसके सिवा न तो उसका कोई समर्थक होगा और न कोई सिफ़ारिश करनेवाला, ताकि वे बचें	**[विरोधाभास: कोई शफ़ाअत (सिफ़ारिश) स्वीकार नहीं की जाएगी (2:48, 2:123, 6:51, 6:94, 23:101, 32:4, 39:43-44, 42:46)। शफ़ाअत केवल अल्लाह की अनुमति से स्वीकार की जाती है (2:255, 4:64, 10:3, 19:87, 20:109, 21:28, 34:23, 53:26)]**
Wala tatrudi allatheena yadAAoona rabbahum bialghadati waalAAashiyyi yureedoona wajhahu ma AAalayka min hisabihim min shayin wama min hisabika AAalayhim min shayin fatatrudahum	This verse was revealed about six companions: it was revealed about Saad, Abd Allah ibn Masud, Suhayb al-Rumi, Ammar ibn Yasir, al-Miqdad ibn Amr and Bilal ibn Rabah. The Quraysh said to the Messenger (pbuh): 'We do not accept to be followers of these, so repel them'. Some of what they said entered the heart of Allah's Messenger (pbuh) as much as Allah willed it to enter.	And do not send away those who call upon their Lord morning and afternoon, seeking His countenance. Not upon you is anything of their account and not upon them is anything of your account. So were you to send them away, you would [then] be of the wrongdoers.	6:52	और जो लोग अपने रब को उसकी ख़ुशी की चाह में प्रातः और सायंकाल पुकारते रहते है, ऐसे लोगों को दूर न करना। उनके हिसाब की तुमपर कुछ भी ज़िम्मेदारी नहीं है और न तुम्हारे हिसाब की उनपर कोई ज़िम्मेदारी है कि तुम उन्हें दूर करो और फिर हो जाओ अत्याचारियों में से	यह आयत छह साथियों के बारे में प्रकट हुई: यह साद, अब्दुल्लाह इब्न मसऊद, सुहैब अल-रूमी, अम्मार इब्न यासिर, अल-मिक़दाद इब्न अम्र और बिलाल इब्न राबाह के बारे में प्रकट हुई। क़ुरैश ने पैग़म्बर (स.) से कहा: "हम इनका अनुयायी बनने को तैयार नहीं हैं, इसलिए इन्हें टाल दो।" जो कुछ उन्होंने कहा, उसका असर अल्लाह के पैग़म्बर (स.) के दिल पर उतना ही पड़ा जितना अल्लाह ने चाहा।
Wakathalika fatanna baAAdahum bibaAAdin liyaqooloo ahaolai manna Allahu AAalayhim min baynina alaysa Allahu biaAAlama bialshshakireena	x	And thus We have tried some of them through others that the disbelievers might say, "Is it these whom Allah has favored among us?" Is not Allah most knowing of those who are grateful?	6:53	और इसी प्रकार हमने इनमें से एक को दूसरे के द्वारा आज़माइश में डाला, ताकि वे कहें, "क्या यही वे लोग है, जिनपर अल्लाह न हममें से चुनकर एहसान किया है ?" - क्या अल्लाह कृतज्ञ लोगों से भली-भाँति परिचित नहीं है?	x

Waitha jaaka allatheena yuminoona biayatina faqul salamun AAalaykum kataba rabbukum AAala nafsihi alrrahmata annahu man AAamila minkum sooan bijahalatin thumma taba min baAAdihi waaslaha	This verse was revealed about those whom Allah had forbidden His Prophet (pbuh) from repelling. Whenever the Prophet (pbuh) saw them, he greeted them first with the greeting of peace.	And when those come to you who believe in Our verses, say, "Peace be upon you. Your Lord has decreed upon Himself mercy: that any of you who does wrong out of ignorance and then repents after that and corrects himself - indeed, He is Forgiving and Merciful."	6:54	और जब तुम्हारे पास वे लोग आएँ, जो हमारी आयतों को मानते है, तो कहो, "सलाम हो तुमपर! तुम्हारे रब ने दयालुता को अपने ऊपर अनिवार्य कर लिया है कि तुममें से जो कोई नासमझी से कोई बुराई कर बैठे, फिर उसके बाद पलट आए और अपना सुधार कर तो यह है वह बड़ा क्षमाशील, दयावान है।"	यह आयत उन लोगों के बारे में प्रकट हुई जिनसे अल्लाह ने अपने पैग़म्बर (स.) को टालने से मना किया था। जब भी पैग़म्बर (स.) उन्हें देखते थे, तो सबसे पहले उन्हें सलाम से अभिवादन करते थे।
Wakathalika nufassilu alayati walitastabeena sabeelu almujrimeena	**[It's a crime if you don't believe in Quran.]**	And thus do We detail the verses, and [thus] the way of the criminals will become evident.	6:55	इसी प्रकार हम अपनी आयतें खोल-खोलकर बयान करते है (ताकि तुम हर ज़रूरी बात जान लो) और इसलिए कि अपराधियों का मार्ग स्पष्ट हो जाए	**[कुरआन पर विश्वास न करना एक अपराध है।]**
Qul innee nuheetu an aAAbuda allatheena tadAAoona min dooni Allahi qul la attabiAAu ahwaakum qad dalaltu ithan wama ana mina	x	Say, "Indeed, I have been forbidden to worship those you invoke besides Allah." Say, "I will not follow your desires, for I would then have gone astray, and I would not be of the [rightly] guided."	6:56	कह दो, "तुम लोग अल्लाह से हटकर जिन्हें पुकारते हो, उनकी बन्दगी करने से मुझे रोका गया है।" कहो, "मैं तुम्हारी इच्छाओं का अनुपालन नहीं करता, क्योंकि तब तो मैं मार्ग से भटक गया और मार्ग पानेवालों में से न रहा।"	x

Qul innee AAala bayyinatin min rabbee wakaththabtum bihi ma AAindee ma tastaAAjiloona bihi ini alhukmu illa lillahi yaqussu alhaqqa wahuwa khayru alfasileena	This verse was revealed about al-Nadr ibn al-Harith and the chiefs of Quraysh. They used to say mockingly to the Prophet: 'O Muhammad bring on us the chastisement you promised us', and so this verse was revealed.	Say, "Indeed, I am on clear evidence from my Lord, and you have denied it. I do not have that for which you are impatient. The decision is only for Allah. He relates the truth, and He is the best of deciders."	6:57	कह दो, "मैं अपने रब की ओर से एक स्पष्ट प्रमाण पर क़ायम हूँ और तुमने उसे झुठला दिया है। जिस चीज़ के लिए तुम जल्दी मचा रहे हो, वह कोई मेरे पास तो नहीं है। निर्णय का सारा अधिकार अल्लाह ही को है, वही सच्ची बात बयान करता है और वही सबसे अच्छा निर्णायक है।"	यह आयत अल-नद्र इब्न अल-हरिथ और क़ुरैश के सरदारों के बारे में प्रकट हुई थी। वे पैग़म्बर (स.) से हँसी-मज़ाक में कहते थे: "हे मुहम्मद (स.)! वह सजा ला दो जिसकी तुमने हमें चेतावनी दी है।" और इसी कारण यह आयत प्रकट हुई।
Qul law anna AAindee ma tastaAAjiloona bihi laqudiya alamru baynee wabaynakum waAllahu aAAlamu bialththalimeena	x	Say, "If I had that for which you are impatient, the matter would have been decided between me and you, but Allah is most knowing of the wrongdoers."	6:58	कह दो, "जिस चीज़ की तुम्हें जल्दी पड़ी हुई है, यदि कहीं वह चीज़ मेरे पास होती तो मेरे और तुम्हारे बीच कभी का फ़ैसला हो चुका होता। और अल्लाह अत्याचारियों को भली-भाती जानता है।"	x
WaAAindahu mafatihu alghaybi la yaAAlamuha illa huwa wayaAAlamu ma fee albarri waalbahri wama tasqutu min waraqatin illa yaAAlamuha wala habbatin fee thulumati alardi wala ratbin wala yabisin illa fee	**[Contradiction: Who has knowledge of unseen "Ghaib", only Allah 6:59, 27:65; Allah and Prophets 18:74, 72:26-27, Angels also 2:30; Propohets don't have 6:50, 11:31, Iblis has 7:17, 17:62]**	And with Him are the keys of the unseen; none knows them except Him. And He knows what is on the land and in the sea. Not a leaf falls but that He knows it. And no grain is there within the darknesses of the earth and no moist or dry [thing] but that it is [written] in a clear record.	6:59	उसी के पास परोक्ष की कुंजियाँ है, जिन्हें उसके सिवा कोई नहीं जानता। जल और थल में जो कुछ है, उसे वह जानता है। और जो पत्ता भी गिरता है, उसे वह निश्चय ही जानता है। और धरती के अँधेरों में कोई दाना हो और कोई भी आर्द्र (गीली) और शुष्क (सूखी) चीज़ हो, निश्चय ही एक स्पष्ट किताब में मौजूद है	**[विरोधाभास: ग़ैब (अदृश्य) का ज्ञान किसके पास है—केवल अल्लाह के पास 6:59, 27:65; अल्लाह और पैग़म्बरों के पास 18:74, 72:26-27; फ़रिश्तों के पास भी 2:30; पैग़म्बर के पास नहीं 6:50, 11:31; इब्लीस के पास 7:17, 17:62]**

Wahuwa allathee yatawaffakum biallayli wayaAAlamu ma jarahtum bialnnahari thumma yabAAathukum feehi liyuqda ajalun musamman thumma ilayhi marjiAAukum thumma yunabbiokum bima	**[Allah states that He brings death to His servants in their sleep at night, for sleep is minor death.]**	And it is He who takes your souls by night and knows what you have committed by day. Then He revives you therein that a specified term may be fulfilled. Then to Him will be your return; then He will inform you about what you used to do.	6:60	और वही है जो रात को तुम्हें मौत देता है और दिन में जो कुछ तुमने किया उसे जानता है। फिर वह इसलिए तुम्हें उठाता है, ताकि निश्चित अवधि पूरा हो जाए; फिर उसी की ओर तुम्हें लौटना है, फिर वह तुम्हें बता देगा जो कुछ तुम करते रहे हो	**[अल्लाह कहते हैं कि वह अपने बंदों की आत्मा को उनकी रात में नींद के समय ले लेते हैं, क्योंकि नींद एक छोटी मृत्यु है।]**
Wahuwa alqahiru fawqa AAibadihi wayursilu AAalaykum hafathatan hatta itha jaa ahadakumu almawtu tawaffathu rusuluna wahum la yufarritoona	x	And He is the subjugator over His servants, and He sends over you guardian-angels until, when death comes to one of you, Our messengers take him, and they do not fail [in their duties].	6:61	और वही अपने बन्दों पर पूरा-पूरा क़ाबू रखनेवाला है और वह तुमपर निगरानी करनेवाले को नियुक्त करके भेजता है, यहाँ तक कि जब तुममें से किसी की मृत्यु आ जाती है, जो हमारे भेजे हुए कार्यकर्त्ता उसे अपने क़ब्ज़े में कर लेते है और वे कोई कोताही नहीं करते	कार्यकर्त्ता, निगरानी करनेवाले = फ़रिश्ते
Thumma ruddoo ila Allahi mawlahumu alhaqqi ala lahu alhukmu wahuwa asraAAu alhasibeena	x	Then they His servants are returned to Allah, their true Lord. Unquestionably, His is the judgement, and He is the swiftest of accountants.	6:62	फिर सब अल्लाह की ओर, जो उसका वास्तविक स्वामी है, लौट जाएँगे। जान लो, निर्णय का अधिकार उसी को है और वह बहुत जल्द हिसाब लेनेवाला है	x

Qul man yunajjeekum min thulumati albarri waalbahri tadAAoonahu tadarruAAan wakhufyatan lain anjana min hathihi lanakoonanna mina alshshakireena	x	Say, "Who rescues you from the darknesses of the land and sea [when] you call upon Him imploring [aloud] and privately, 'If He should save us from this [crisis], we will surely be among the thankful.' "	6:63	कहो, "कौन है जो थल और जल के अँधेरो से तुम्हे छुटकारा देता है, जिसे तुम गिड़गिड़ाते हुए और चुपके-चुपके पुकारने लगते हो कि यदि हमें इससे बचा लिया तो हम अवश्य की कृतज्ञ हो जाएँगे?"	x
Quli Allahu yunajjeekum minha wamin kulli karbin thumma antum tushrikoona	x	Say, "It is Allah who saves you from it and from every distress; then you [still] associate others with Him."	6:64	कहो, "अल्लाह तुम्हें इनसे और हरके बेचैनी और पीड़ा से छुटकारा देता है, लेकिन फिर तुम उसका साझीदार ठहराने लगते हो।"	x
Qul huwa alqadiru AAala an yabAAatha AAalaykum AAathaban min fawqikum aw min tahti arjulikum aw yalbisakum shiyaAAan wayutheeqa baAAdakum basa baAAdin onthur kayfa nusarrifu alayati laAAallahum	**[Does it means, Almighty God is responsible for all wars.]**	Say, "He is the [one] Able to send upon you affliction from above you or from beneath your feet or to confuse you [so you become] sects and make you taste the violence of one another." Look how We diversify the signs that they might understand.	6:65	कहो, "वह इसकी सामर्थ्य रखता है कि तुमपर तुम्हारे ऊपर से या तुम्हारे पैरों के नीचे से कोई यातना भेज दे या तुम्हें टोलियों में बाँटकर परस्पर भिड़ा दे और एक को दूसरे की लड़ाई का मज़ा चखाए।" देखो, हम आयतों को कैसे, तरह-तरह से, बयान करते है, ताकि वे समझे	**[क्या इसका मतलब है कि सर्वशक्तिमान अल्लाह सभी युद्धों के लिए जिम्मेदार हैं?]**

Wakaththaba bihi qawmuka wahuwa alhaqqu qul lastu AAalaykum biwakeelin	**[Abrogated by Jihadi verses.]**	But your people have denied it while it is the truth. Say, "I am not over you a manager."	6:66	तुम्हारी क़ौम ने तो उसे झुठला दिया, हालाँकि वह सत्य है। कह दो, मैं "तुमपर कोई संरक्षक नियुक्त नहीं हूँ	**[जिहादी आयतों द्वारा रद्द कर दी गई।]**
Likulli nabain mustaqarrun wasawfa taAAlamoona	x	For every happening is a finality; and you are going to know.	6:67	"हर ख़बर का एक निश्चित समय है और शीघ्र ही तुम्हें ज्ञात हो जाएगा।"	x
Waitha raayta allatheena yakhoodoona fee ayatina faaAArid AAanhum hatta yakhoodoo fee hadeethin ghayrihi waimma yunsiyannaka alshshaytanu fala taqAAud baAAda alththikra maAAa alqawmi alththalimeena	x	And when you see those who engage in [offensive] discourse concerning Our verses, then turn away from them until they enter into another conversation. And if Satan should cause you to forget, then do not remain after the reminder with the wrongdoing people.	6:68	और जब तुम उन लोगों को देखो, जो हमारी आयतों पर नुक्ताचीनी करने में लगे हुए है, तो उनसे मुँह फेर लो, ताकि वे किसी दूसरी बात में लग जाएँ। और यदि कभी शैतान तुम्हें भुलावे में डाल दे, तो याद आ जाने के बाद उन अत्याचारियों के पास न बैठो	x
Wama AAala allatheena yattaqoona min hisabihim min shayin walakin thikra laAAallahum	x	And those who fear Allah are not held accountable for the disbelievers at all, but [only for] a reminder - that perhaps they will fear Him.	6:69	उनके हिसाब के प्रति तो उन लोगो पर कुछ भी ज़िम्मेदारी नहीं, जो डर रखते है। यदि है तो बस याद दिलाने की; ताकि वे डरें	x

Wathari allatheena ittakhathoo deenahum laAAiban walahwan wagharrathumu alhayatu alddunya wathakkir bihi an tubsala nafsun bima kasabat laysa laha min dooni Allahi waliyyun wala shafeeAAun wain taAAdil kulla AAadlin la yukhath minha olaika allatheena obsiloo bima kasaboo lahum sharabun min hameemin waAAathabun aleemun bima kanoo yakfuroona	**[Contradiction: No intercession accepted (2:48, 2:123, 6:51, 6:94, 23:101, 32:4, 39:43-44, 42:46). Intercession is accepted with Allah's permission (2:255, 4:64, 10:3, 19:87, 20:109, 21:28, 34:23, 53:26)]**	And leave those who take their religion as amusement and diversion and whom the worldly life has deluded. But remind with the Qur'an, lest a soul be given up to destruction for what it earned; it will have other than Allah no protector and no intercessor. And if it should offer every compensation, it would not be taken from it. Those are the ones who are given to destruction for what they have earned. For them will be a drink of scalding water and a painful punishment because they used to disbelieve.	6:70	छोड़ो उन लोगों को, जिन्होंने अपने धर्म को खेल और तमाशा बना लिया है और उन्हें सांसारिक जीवन ने धोखे में डाल रखा है। और इसके द्वारा उन्हें नसीहत करते रहो कि कहीं ऐसा न हो कि कोई अपनी कमाई के कारण तबाही में पड़ जाए। अल्लाह से हटकर कोई भी नहीं, जो उसका समर्थक और सिफ़ारिश करनेवाला हो सके और यदि वह छुटकारा पाने के लिए बदले के रूप में हर सम्भव चीज़ देने लगे, तो भी वह उससे न लिया जाए। ऐसे ही लोग है, जो अपनी कमाई के कारण तबाही में पड गए। उनके लिए पीने को खौलता हुआ पानी है और दुखद यातना भी; क्योंकि वे इनकार करते रहे थे	**[विरोधाभास: कोई शफ़ाअत (सिफ़ारिश) स्वीकार नहीं की जाएगी (2:48, 2:123, 6:51, 6:94, 23:101, 32:4, 39:43-44, 42:46)। शफ़ाअत केवल अल्लाह की अनुमति से स्वीकार की जाती है (2:255, 4:64, 10:3, 19:87, 20:109, 21:28, 34:23, 53:26)]**

Qul anadAAoo min dooni Allahi ma la yanfaAAuna wala yadurruna wanuraddu AAala aAAqabina baAAda ith hadana Allahu kaallathee istahwathu alshshayateenu fee alardi hayrana lahu ashabun yadAAoonahu ila alhuda itina qul inna huda Allahi huwa alhuda waomirna linuslima lirabbi alAAalameena	x	Say, "Shall we invoke instead of Allah that which neither benefits us nor harms us and be turned back on our heels after Allah has guided us? [We would then be] like one whom the devils enticed [to wander] upon the earth confused, [while] he has companions inviting him to guidance, [calling], 'Come to us.' " Say, "Indeed, the guidance of Allah is the [only] guidance; and we have been commanded to submit to the Lord of the worlds.	6:71	कहो, "क्या हम अल्लाह को छोड़कर उसे पुकारने लग जाएँ जो न तो हमें लाभ पहुँचा सके और न हमें हानि पहुँचा सके और हम उलटे पाँव फिर जाएँ, जबकि अल्लाह ने हमें मार्ग पर लगा दिया है? - उस व्यक्ति की तरह जिसे शैतानों ने धरती पर भटका दिया हो और वह हैरान होकर रह गया हो। उसके कुछ साथी हो, जो उसे मार्ग की ओर बुला रहे हो कि हमारे पास चला आ!" कह दो, "मार्गदर्शन केवल अल्लाह का मार्गदर्शन है और हमें इसी बात का आदेश हुआ है कि हम सारे संसार के स्वामी को समर्पित हो जाएँ।"	x
Waan aqeemoo alssalata waittaqoohu wahuwa allathee	x	And to establish prayer and fear Him." And it is He to whom you will be gathered.	6:72	और यह कि "नमाज़ क़ायम करो और उसका डर रखो। वही है, जिसके पास तुम इकट्ठे किए जाओगे,	x

Wahuwa allathee khalaqa alssamawati waalarda bialhaqqi wayawma yaqoolu kun fayakoonu qawluhu alhaqqu walahu almulku yawma yunfakhu fee alssoori AAalimu alghaybi waalshshahadati wahuwa alhakeemu alkhabeeru	"Horn is blown" will be a deafening noise produced before Day of Judgment.	And it is He who created the heavens and earth in truth. And the day He says, "Be," and it is, His word is the truth. And His is the dominion [on] the Day the Horn is blown. [He is] Knower of the unseen and the witnessed; and He is the Wise, the Acquainted.	6:73	"और वही है जिसने आकाशों और धरती को हक़ के साथ पैदा किया। और जिस समय वह किसी चीज़ को कहे, 'हो जा', तो वह उसी समय वह हो जाती है। उसकी बात सर्वथा सत्य है और जिस दिन 'सूर' (नरसिंघा) में फूँक मारी जाएगी, राज्य उसी का होगा। वह सभी छिपी और खुली चीज़ का जाननेवाला है, और वही तत्वदर्शी, ख़बर रखनेवाला है।"	“सुर” फूँका जाएगा” एक भयंकर ध्वनि होगी जो क़यामत के दिन से पहले उत्पन्न होगी।
Waith qala ibraheemu liabeehi azara atattakhithu asnaman alihatan innee araka waqawmaka fee dalalin mubeenin	x	And [mention, O Muhammad], when Abraham said to his father Azar, "Do you take idols as deities? Indeed, I see you and your people to be in manifest error."	6:74	और याद करो, जब इबराहीम ने अपने बाप आज़र से कहा था, "क्या तुम मूर्तियों को पूज्य बनाते हो? मैं तो तुम्हें और तुम्हारी क़ौम को खुली गुमराही में पड़ा देख रहा हूँ।"	x
Wakathalika nuree ibraheema malakoota alssamawati waalardi waliyakoona mina	**[Even Abraham was shown the heavens, but no miracles for disbelievers so that they could have believed.]**	And thus did We show Abraham the realm of the heavens and the earth that he would be among the certain [in faith]	6:75	और इस प्रकार हम इबराहीम को आकाशों और धरती का राज्य दिखाने लगे (ताकि उसके ज्ञान का विस्तार हो) और इसलिए कि उसे विश्वास हो	**[यहाँ तक कि इब्राहीम को स्वर्ग दिखाया गया, लेकिन अविश्वासियों के लिए कोई चमत्कार नहीं दिखाए गए ताकि वे विश्वास कर सकें।]**

Falamma janna AAalayhi allaylu raa kawkaban qala hatha rabbee falamma afala qala la ohibbu alafileena	**[Contradiction: Has ever Abrahan committed shirk: Never, 2:135, 16:120, For some time 6:76-79]**	So when the night covered him [with darkness], he saw a star. He said, "This is my lord." But when it set, he said, "I like not those that disappear."	6:76	अतएवः जब रात उसपर छा गई, तो उसने एक तारा देखा। उसने कहा, "इसे मेरा रब ठहराते हो!" फिर जब वह छिप गया तो बोला, "छिप जानेवालों से मैं प्रेम नहीं करता।"	**[विरोधाभास: क्या इब्राहीम ने कभी शिर्क किया? कभी नहीं – 2:135, 16:120; कुछ समय के लिए – 6:76-79]**
Falamma raa alqamara bazighan qala hatha rabbee falamma afala qala lain lam yahdinee rabbee laakoonanna mina alqawmi alddalleena	x	And when he saw the moon rising, he said, "This is my lord." But when it set, he said, "Unless my Lord guides me, I will surely be among the people gone astray."	6:77	फिर जब उसने चाँद को चमकता हुआ देखा, तो कहा, "इसको मेरा रब ठहराते हो!" फिर जब वह छिप गया, तो कहा, "यदि मेरा रब मुझे मार्ग न दिखाता तो मैं भी पथभ्रष्ट! लोगों में सम्मिलित हो जाता।"	x
Falamma raa alshshamsa bazighatan qala hatha rabbee hatha akbaru falamma afalat qala ya qawmi innee bareeon mimma tushrikoona	**[Abraham rejected polytheism by noting the deficiencies of various pagan objects of worship: the stars, the moon, the sun.]**	And when he saw the sun rising, he said, "This is my lord; this is greater." But when it set, he said, "O my people, indeed I am free from what you associate with Allah.	6:78	फिर जब उसने सूर्य को चमकता हुआ देखा, तो कहा, "इसे मेरा रब ठहराते हो! यह तो बहुत बड़ा है।" फिर जब वह भी छिप गया, तो कहा, "ऐ मेरी क़ौन के लोगो! मैं विरक्त हूँ उनसे जिनको तुम साझी ठहराते हो	**[इब्राहीम ने बहुदेववाद को अस्वीकार किया, विभिन्न मूर्तिपूजा के वस्तुओं की कमियों को देखकर: सितारे, चाँद, सूरज।]**
Innee wajjahtu wajhiya lillathee fatara alssamawati waalarda haneefan wama ana mina almushrikeena	x	Indeed, I have turned my face toward He who created the heavens and the earth, inclining toward truth, and I am not of those who associate others with	6:79	"मैंने तो एकाग्र होकर अपना मुख उसकी ओर कर लिया है, जिसने आकाशों और धरती को पैदा किया। और मैं साझी ठहरानेवालों में से नहीं।"	x

Wahajjahu qawmuhu qala atuhajjoonnee fee Allahi waqad hadani wala akhafu ma tushrikoona bihi illa an yashaa rabbee shayan wasiAAa rabbee kulla shayin AAilman afala tatathakkaroona	x	And his people argued with him. He said, "Do you argue with me concerning Allah while He has guided me? And I fear not what you associate with Him [and will not be harmed] unless my Lord should will something. My Lord encompasses all things in knowledge; then will you not remember?	6:80	उसकी क़ौम के लोग उससे झगड़ने लगे। उसने कहा, "क्या तुम मुझसे अल्लाह के विषय में झगड़ते हो? जबकि उसने मुझे मार्ग दिखा दिया है। मैं उनसे नहीं डरता, जिन्हें तुम उसका सहभागी ठहराते हो, बल्कि मेरा रब जो कुछ चाहता है वही पूरा होकर रहता है। प्रत्येक वस्तु मेरे रब की ज्ञान-परिधि के भीतर है। फिर क्या तुम चेतोगे नहीं?	x
Wakayfa akhafu ma ashraktum wala takhafoona annakum ashraktum biAllahi ma lam yunazzil bihi AAalaykum sultanan faayyu alfareeqayni ahaqqu bialamni in kuntum taAAlamoona	x	And how should I fear what you associate while you do not fear that you have associated with Allah that for which He has not sent down to you any authority? So which of the two parties has more right to security, if you should know?	6:81	"और मैं तुम्हारे ठहराए हुए साझीदारों से कैसे डरूँ, जबकि तुम इस बात से नहीं डरते कि तुमने उसे अल्लाह का सहभागी उस चीज़ को ठहराया है, जिसका उसने तुमपर कोई प्रमाण अवतरित नहीं किया? अब दोनों फ़रीकों में से कौन अधिक निश्चिन्त रहने का अधिकारी है? बताओ यदि तुम जानते हो	x
Allatheena amanoo walam yalbisoo eemanahum bithulmin olaika lahumu alamnu wahum muhtadoona	x	They who believe and do not mix their belief with injustice - those will have security, and they are [rightly] guided.	6:82	"जो लोग ईमान लाए और अपने ईमान में किसी (शिर्क) जुल्म की मिलावट नहीं की, वही लोग है जो भय मुक्त है और वही सीधे मार्ग पर हैं।"	x

Watilka hujjatuna ataynaha ibraheema AAala qawmihi narfaAAu darajatin man nashao inna rabbaka hakeemun AAaleemun	**[Allah elevates whom He wishes.]**	And that was Our [conclusive] argument which We gave Abraham against his people. We raise by degrees whom We will. Indeed, your Lord is Wise and Knowing.	6:83	यह है हमारा वह तर्क जो हमने इबराहीम को उसकी अपनी क़ौम के मुक़ाबले में प्रदान किया था। हम जिसे चाहते है दर्जों (श्रेणियों) में ऊँचा कर देते हैं। निस्संदेह तुम्हारा रब तत्वदर्शी, सर्वज्ञ है	**[अल्लाह जिसे चाहें, उसे ऊँचा उठाते हैं।]**
Wawahabna lahu ishaqa wayaAAqooba kullan hadayna wanoohan hadayna min qablu wamin thurriyyatihi dawooda wasulaymana waayyooba wayoosufa wamoosa waharoona wakathalika najzee	x	And We gave to Abraham, Isaac and Jacob - all [of them] We guided. And Noah, We guided before; and among his descendants, David and Solomon and Job and Joseph and Moses and Aaron. Thus do We reward the doers of good.	6:84	और हमने उसे (इबराहीम को) इसहाक़ और याक़ूब दिए; हर एक को मार्ग दिखाया - और नूह को हमने इससे पहले मार्ग दिखाया था, और उसकी सन्तान में दाऊद, सुलैमान, अय्यूब, यूसुफ़, मूसा और हारून को भी - और इस प्रकार हम शुभ-सुन्दर कर्म करनेवालों को बदला देते है -	x
Wazakariyya wayahya waAAeesa wailyasa kullun mina alssaliheena	x	And Zechariah and John and Jesus and Elias - and all were of the righteous.	6:85	और ज़करिया, यह्या , ईसा और इलयास को भी (मार्ग दिखलाया) । इनमें का हर एक योग्य और नेक था	x
WaismaAAeela wailyasaAAa wayoonusa walootan wakullan faddalna AAala alAAalameena	**[Why would an Almighty God will prefer some over others; Also here only the prophets mentioned in bible are discussed, what about rest of world.]**	And Ishmael and Elisha and Jonah and Lot - and all [of them] We preferred over the worlds.	6:86	और इसमाईल, अलयसअ, यूनुस और लूत को भी। इनमें से हर एक को हमने संसार के मुक़ाबले में श्रेष्ठता प्रदान की	**[एक सर्वशक्तिमान अल्लाह कुछ लोगों को दूसरों पर क्यों प्राथमिकता देगा? साथ ही, यहाँ केवल बाइबिल के पैग़म्बरों का ही उल्लेख है, बाकी दुनिया के बारे में क्या?]**

Wamin abaihim wathurriyyatihim waikhwanihim waijtabaynahum wahadaynahum ila siratin mustaqeemin	x	And [some] among their fathers and their descendants and their brothers - and We chose them and We guided them to a straight path.	6:87	और उनके बाप-दादा और उनकी सन्तान और उनके भाई-बन्धुओं में भी कितने ही लोगों को (मार्ग दिखाया) । और हमने उन्हें चुन लिया और उन्हें सीधे मार्ग की ओर चलाया	x
Thalika huda Allahi yahdee bihi man yashao min AAibadihi walaw ashrakoo lahabita AAanhum ma kanoo yaAAmaloona	x	That is the guidance of Allah by which He guides whomever He wills of His servants. But if they had associated others with Allah, then worthless for them would be whatever they were doing.	6:88	यह अल्लाह का मार्गदर्शन है, जिसके द्वारा वह अपने बन्दों में से जिसको चाहता है मार्ग दिखाता है, और यदि उन लोगों ने कहीं अल्लाह का साझी ठहराया होता, तो उनका सब किया-धरा अकारथ हो जाता	x
Olaika allatheena ataynahumu alkitaba waalhukma waalnnubuwwata fain yakfur biha haolai faqad wakkalna biha qawman laysoo biha bikafireena	Mean, Allah has taken authority from Jews and Now given to Muslims, who do not disbelieve.	Those are the ones to whom We gave the Scripture and authority and prophethood. But if the disbelievers deny it, then We have entrusted it to a people who are not therein disbelievers.	6:89	वे ऐसे लोग है जिन्हें हमने किताब और निर्णय-शक्ति और पैग़म्बरी प्रदान की थी (उसी प्रकार हमने मुहम्मद को भी किताब, निर्णय-शक्ति और पैग़म्बरी दी है) । फिर यदि ये लोग इसे मानने से इनकार करें, तो अब हमने इसको ऐसे लोगों को सौंपा है जो इसका इनकार नहीं करते	अर्थात, अल्लाह ने यह अधिकार यहूदियों से ले लिया और अब मुसलमानों को दे दिया है, जो अविश्वास नहीं करते।

Olaika allatheena hada Allahu fabihudahumu iqtadih qul la asalukum AAalayhi ajran in huwa illa thikra lilAAalameena	**[However, Messenger (pbuh) used to take one fifth of war booty, see 8:41.]**	Those are the ones whom Allah has guided, so from their guidance take an example. Say, "I ask of you for this message no payment. It is not but a reminder for the worlds."	6:90	वे (पिछले पैग़म्बर) ऐसे लोग थे, जिन्हें अल्लाह ने मार्ग दिखाया था, तो तुम उन्हीं के मार्ग का अनुसरण करो। कह दो, "मैं तुमसे उसका कोई प्रतिदान नहीं माँगता। वह तो सम्पूर्ण संसार के लिए बस एक प्रबोध है।"	**[हालाँकि, पैग़म्बर (स.) युद्ध की लूट का पाँचवाँ हिस्सा लिया करते थे।]**
Wama qadaroo Allaha haqqa qadrihi ith qaloo ma anzala Allahu AAala basharin min shayin qul man anzala alkitaba allathee jaa bihi moosa nooran wahudan lilnnasi tajAAaloonahu qarateesa tubdoonaha watukhfoona katheeran waAAullimtum ma lam taAAlamoo antum wala abaokum quli Allahu thumma tharhum fee	This verse was revealed after Muhammad (pbuh) debated with a fat Jewish rabbi named Malik bin Sayf. Who got angry and said: By Allah, Allah has never sent anything to any human being. **[False allegation of Jew and christians. If they knew it, they would have been converted.]**	And they did not appraise Allah with true appraisal when they said, "Allah did not reveal to a human being anything." Say, "Who revealed the Scripture that Moses brought as light and guidance to the people? You [Jews] make it into pages, disclosing [some of] it and concealing much. And you were taught that which you knew not - neither you nor your fathers." Say, "Allah [revealed it]." Then leave them in their [empty] discourse, amusing themselves.	6:91	उन्होंने अल्लाह की क़द्र न जानी, जैसी उसकी क़द्र जाननी चाहिए थी, जबकि उन्होंने कहा, "अल्लाह ने किसी मनुष्य पर कुछ अवतरित ही नहीं किया है।" कहो, "फिर यह किताब किसने अवतरित की, जो मूसा लोगों के लिए प्रकाश और मार्गदर्शन के रूप में लाया था, जिसे तुम पन्ना-पन्ना करके रखते हो? उन्हें दिखाते भी हो, परन्तु बहुत-सा छिपा जाते हो। और तुम्हें वह ज्ञान दिया गया, जिसे न तुम जानते थे और न तुम्हारे बाप-दादा ही।" कह दो, "अल्लाह ही ने," फिर उन्हें छोड़ो कि वे अपनी नुक्ताचीनियों से खेलते रहें	यह आयत उस समय प्रकट हुई जब मुहम्मद (स.) ने मलिक बिन सैफ नामक एक यहूदी शिक्षक से बहस की। जो गुस्से में आया और कहा: अल्लाह की कसम, अल्लाह ने किसी भी मानव को कभी कुछ नहीं भेजा। **[यहूदी और ईसाइयों का झूठा आरोप, अगर उन्हें यह पता होता, तो वे धर्मांतरित हो जाते।]**

Wahatha kitabun anzalnahu mubarakun musaddiqu allathee bayna yadayhi walitunthira omma alqura waman hawlaha waallatheena yuminoona bialakhirati yuminoona bihi wahum AAala	**[In 6:92, 42:13, 41:43 Quran claims to confirm earlier revelation (Torah, Injeel). But there are many differences; Also, so many people believe in hereafter but don't belive in Quran.]**	And this is a Book which We have sent down, blessed and confirming what was before it, that you may warn the Mother of Cities and those around it. Those who believe in the Hereafter believe in it, and they are maintaining their prayers.	6:92	यह किताब है जिसे हमने उतारा है; बरकतवाली है; अपने से पहले की पुष्टि में है (ताकि तुम शुभ-सूचना दो) और ताकि तुम केन्द्रीय बस्ती (मक्का) और उसके चतुर्दिक बसनेवाले लोगों को सचेत करो और जो लोग आख़िरत पर ईमान रखते है, वे इसपर भी ईमान लाते है। और वे अपनी नमाज़ की रक्षा करते है	**[6:92, 42:13, 41:43 में कुरान प्रारंभिक किताबों (तौरा, इंजील) की पुष्टि करने का दावा करता है। लेकिन कई अंतर हैं। साथ ही, बहुत से लोग आख़िरत में विश्वास करते हैं लेकिन कुरान पर विश्वास नहीं करते।]**

Waman athlamu mimmani iftara AAala Allahi kathiban aw qala oohiya ilayya walam yooha ilayhi shayon waman qala saonzilu mithla ma anzala Allahu walaw tara ithi alththalimoona fee ghamarati almawti waalmalaikatu basitoo aydeehim akhrijoo anfusakumu alyawma tujzawna AAathaba alhooni bima kuntum taqooloona AAala Allahi ghayra alhaqqi wakuntum AAan ayatihi tastakbiroona	This verse is about Abdullah ibn Saad ibn Sarh, who defected from Islam after he grew suspicious regarding revelation of Quran. He was about to be killed after victory of Makkah but saved by Hazrat Uthmaan (Abi Dawud 2683). Some tradition say this was revealed about the liar, Musaylimah al-Hanafi. This man was a soothsayer who composed rhymed speech (verses) and claimed prophethood.	And who is more unjust than one who invents a lie about Allah or says, "It has been inspired to me," while nothing has been inspired to him, and one who says, "I will reveal [something] like what Allah revealed." And if you could but see when the wrongdoers are in the overwhelming pangs of death while the angels extend their hands, [saying], "Discharge your souls! Today you will be awarded the punishment of [extreme] humiliation for what you used to say against Allah other than the truth and [that] you were, toward His verses, being arrogant."	6:93	और उस व्यक्ति से बढ़कर अत्याचारी कौन होगा, जो अल्लाह पर मिथ्यारोपण करे या यह कहे कि "मेरी ओर प्रकाशना (वह्य,) की गई है," हालाँकि उसकी ओर भी प्रकाशना न की गई हो। और वह व्यक्ति से (बढ़कर अत्याचारी कौन होगा) जो यह कहे कि "मैं भी ऐसी चीज़ उतार दूँगा, जैसी अल्लाह ने उतारी है।" और यदि तुम देख सकते, तुम अत्याचारी मृत्यु-यातनाओं में होते है और फ़रिश्ते अपने हाथ बढ़ा रहे होते है कि "निकालो अपने प्राण! आज तुम्हें अपमानजनक यातना दी जाएगी, क्योंकि तुम अल्लाह के प्रति झूठ बका करते थे और उसकी आयतों के मुक़ाबले में अकड़ते थे।"	यह आयत अब्दुल्लाह इब्न साद इब्न सरह के बारे में है, जो कुरान के अवतरण के प्रति संदेह होने के बाद इस्लाम छोड़ गए। मक्का की विजय के बाद उन्हें मार देने का आदेश था, लेकिन हज़रत उस्मान (अबी दाऊद 2683) द्वारा बचाया गया। कुछ हदीसें कहती हैं कि यह झूठे मसीलिमा अल-हनाफ़ी के बारे में नाजिल हुई थी। यह आदमी एक झाड़-टोटके करने वाला (ज्योतिषी) था जो छंदबद्ध भाषण (कविता) बनाता और पैगम्बरी का दावा करता था।

Walaqad jitumoona furada kama khalaqnakum awwala marratin wataraktum ma khawwalnakum waraa thuhoorikum wama nara maAAakum shufaAAaakumu allatheena zaAAamtum annahum feekum shurakao laqad taqattaAAa baynakum wadalla AAankum ma kuntum	Means just as Allah has created mankind for the first time, He will bring them back to life on Day of Resurrection. **[Contradiction: No intercession accepted (2:48, 2:123, 6:51, 6:94, 23:101, 32:4, 39:43-44, 42:46). Intercession is accepted with Allah's permission (2:255, 4:64, 10:3, 19:87, 20:109, 21:28, 34:23, 53:26)]**	[It will be said to them], "And you have certainly come to Us alone as We created you the first time, and you have left whatever We bestowed upon you behind you. And We do not see with you your 'intercessors' which you claimed that they were among you associates [of Allah]. It has [all] been severed between you, and lost from you is what you used to claim."	6:94	और निश्चय ही तुम उसी प्रकार एक-एक करके हमारे पास आ गए, जिस प्रकार हमने तुम्हें पहली बार पैदा किया था। और जो कुछ हमने तुम्हें दे रखा था, उसे अपने पीछे छोड़ आए और हम तुम्हारे साथ तुम्हारे उन सिफ़ारिशियों को भी नहीं देख रहे हैं, जिनके विषय में तुम दावे से कहते थे, "वे तुम्हारे मामले में शरीक है।" तुम्हारे पारस्परिक सम्बन्ध टूट चुके है और वे सब तुमसे गुम होकर रह गए, जो दावे तुम किया करते थे	अर्थ: जैसे अल्लाह ने मानव को पहली बार पैदा किया, वैसे ही वह क़ियामत के दिन उन्हें दोबारा जीवित करेगा। **[विरोधाभास: कोई शफ़ाअत (सिफ़ारिश) स्वीकार नहीं की जाएगी (2:48, 2:123, 6:51, 6:94, 23:101, 32:4, 39:43-44, 42:46), जबकि शफ़ाअत केवल अल्लाह की अनुमति से स्वीकार की जाती है (2:255, 4:64, 10:3, 19:87, 20:109, 21:28, 34:23, 53:26)]**
Inna Allaha faliqu alhabbi waalnnawa yukhriju alhayya mina almayyiti wamukhriju almayyiti mina alhayyi thalikumu Allahu faanna	x	Indeed, Allah is the cleaver of grain and date seeds. He brings the living out of the dead and brings the dead out of the living. That is Allah; so how are you deluded?	6:95	निश्चय ही अल्लाह दाने और गुठली को फाड़ निकालता है, सजीव को निर्जीव से निकालता है और निर्जीव को सजीव से निकालनेवाला है। वही अल्लाह है - फिर तुम कहाँ औंधे हुए जाते हो? -	x

Faliqu alisbahi wajaAAala allayla sakanan waalshshamsa waalqamara husbanan thalika taqdeeru alAAazeezi alAAaleemi	**[Natural phenomena point to a creative force; however, any claim made on His behalf must reflect the highest morality, be free from contradictions, and hold universal validity; otherwise, countless individuals throughout history have claimed to be God's representatives.]**	[He is] the cleaver of daybreak and has made the night for rest and the sun and moon for calculation. That is the determination of the Exalted in Might, the Knowing.	6:96	पौ फाड़ता है, और उसी ने रात को आराम के लिए बनाया और सूर्य और चन्द्रमा को (समय के) हिसाब का साधन ठहराया। यह बड़े शक्तिमान, सर्वज्ञ का ठहराया हुआ परिणाम है	**[प्राकृतिक घटनाएँ एक रचनात्मक शक्ति की ओर इशारा करती हैं; हालांकि, उनके पक्ष से किया गया कोई भी दावा सबसे उच्च नैतिकता को दर्शाना चाहिए, विरोधाभास से मुक्त होना चाहिए, और सार्वभौमिक मान्यता रखनी चाहिए; अन्यथा, इतिहास भर में अनगिनत व्यक्तियों ने स्वयं को ईश्वर के प्रतिनिधि होने का दावा किया है।]**
Wahuwa allathee jaAAala lakumu alnnujooma litahtadoo biha fee thulumati albarri waalbahri qad fassalna alayati liqawmin yaAAlamoona	x	And it is He who placed for you the stars that you may be guided by them through the darknesses of the land and sea. We have detailed the signs for a people who know.	6:97	और वही है जिसने तुम्हारे लिए तारे बनाए, ताकि तुम उनके द्वारा स्थल और समुद्र के अंधकारों में मार्ग पा सको। जो लोग जानना चाहे उनके लिए हमने निशानियाँ खोल-खोलकर बयान कर दी है	x
Wahuwa allathee anshaakum min nafsin wahidatin famustaqarrun wamustawdaAAun qad fassalna alayati liqawmin yafqahoona	**[It is not possible to make human race from one male that is Adam; Human beings have evolved over time, as evidenced by the numerous fossils of early humans that have been discovered.]**	And it is He who produced you from one soul and [gave you] a place of dwelling and of storage. We have detailed the signs for a people who understand.	6:98	और वही तो है, जिसने तुम्हें अकेली जान पैदा किया। अतः एक अवधि तक ठहरना है और फिर सौंप देना है। उन लोगों के लिए, जो समझे हमने निशानियाँ खोल-खोलकर बयान कर दी है	**[एक पुरुष, जो आदम है, से मानव जाति बनाना संभव नहीं है; मानव समय के साथ विकसित हुए हैं, जैसा कि शुरुआती मानवों के कई जीवाश्मों द्वारा प्रमाणित होता है जो खोजे गए हैं।]**

Wahuwa allathee anzala mina alssamai maan faakhrajna bihi nabata kulli shayin faakhrajna minhu khadiran nukhriju minhu habban mutarakiban wamina alnnakhli min talAAiha qinwanun daniyatun wajannatin min aAAnabin waalzzaytoona waalrrummana mushtabihan waghayra mutashabihin onthuroo ila thamarihi itha athmara	Indeed these things points towards a creative force, but the name of God is often misused by those who claim divine authority and justify wrongdoing in His name for personal gains.	And it is He who sends down rain from the sky, and We produce thereby the growth of all things. We produce from it greenery from which We produce grains arranged in layers. And from the palm trees - of its emerging fruit are clusters hanging low. And [We produce] gardens of grapevines and olives and pomegranates, similar yet varied. Look at [each of] its fruit when it yields and [at] its ripening. Indeed in that are signs for a people who believe.	6:99	और वही है जिसने आकाश से पानी बरसाया, फिर हमने उसके द्वारा हर प्रकार की वनस्पति उगाई; फिर उससे हमने हरी-भरी पत्तियाँ निकाली और तने विकसित किए, जिससे हम तले-ऊपर चढ़े हुए दान निकालते है - और खजूर के गाभे से झुके पड़ते गुच्छे भी - और अंगूर, ज़ैतून और अनार के बाग़ लगाए, जो एक-दूसरे से भिन्न भी होते है। उसके फल को देखा, जब वह फलता है और उसके पकने को भी देखो! निस्संदेह ईमान लानेवाले लोगों को लिए इनमें बड़ी निशानियाँ है	वास्तव में ये चीजें एक रचनात्मक शक्ति की ओर इशारा करती हैं, लेकिन भगवान का नाम अक्सर उन लोगों द्वारा गलत तरीके से प्रयोग किया जाता है जो दिव्य अधिकार का दावा करते हैं और व्यक्तिगत लाभ के लिए उसके नाम पर गलत कामों को सही ठहराते हैं।

WajaAAaloo lillahi shurakaa aljinna wakhalaqahum wakharaqoo lahu baneena wabanatin bighayri AAilmin subhanahu wataAAala AAamma yasifoona	This verse was revealed about some people who claimed that Allah and Satan were two brothers; that Allah was the creator of human beings, beasts and cattle whereas Satan was the creator of vipers, predatory animals and scorpions. **[The jinn are spirit beings that Allah created from "smokeless fire" (55:15). Although they are invisble to humans, they are capable of performing physical activites.]**	But they have attributed to Allah partners - the jinn, while He has created them - and have fabricated for Him sons and daughters. Exalted is He and high above what they describe	6:100	और लोगों ने जिन्नों को अल्लाह का साझी ठहरा रखा है; हालाँकि उन्हें उसी ने पैदा किया है। और बेजाने-बूझे उनके लिए बेटे और बेटियाँ घड़ ली है। यह उसकी महिमा के प्रतिकूल है! यह उन बातों से उच्च है, जो वे बयान करते है!	यह आयत कुछ लोगों के बारे में प्रकट की गई थी जिन्होंने दावा किया कि अल्लाह और शैतान दो भाई हैं; कि अल्लाह इंसानों, जानवरों और पशुओं का निर्माता है जबकि शैतान साँपों, शिकारी जानवरों और बिच्छुओं का निर्माता है। **[जिन्न ऐसे आत्मा प्राणी हैं जिन्हें अल्लाह ने "धूम्ररहित आग" (55:15) से बनाया। यद्यपि वे मनुष्यों को दिखाई नहीं देते, वे शारीरिक गतिविधियाँ करने में सक्षम हैं।]**
BadeeAAu alssamawati waalardi anna yakoonu lahu waladun walam takun lahu sahibatun wakhalaqa kulla shayin wahuwa	**[Contradiction: Although Allah needs a companion to produce a son, Mary gave birth to Jesus without companion 3:47, 66:12]**	[He is] Originator of the heavens and the earth. How could He have a son when He does not have a companion and He created all things? And He is, of all things, Knowing.	6:101	वह आकाशों और धरती का सर्वप्रथम पैदा करनेवाला है। उसका कोई बेटा कैसे हो सकता है, जबकि उसकी पत्नी ही नहीं? और उसी ने हर चीज़ को पैदा किया है और उसे हर चीज़ का ज्ञान है	**[विरोधाभास: यद्यपि अल्लाह को पुत्र उत्पन्न करने के लिए साथी की आवश्यकता है, मरियम ने बिना साथी के यीशु को जन्म दिया 3:47, 66:12]**
Thalikumu Allahu rabbukum la ilaha illa huwa khaliqu kulli shayin faoAAbudoohu wahuwa AAala kulli shayin wakeelun	x	That is Allah, your Lord; there is no deity except Him, the Creator of all things, so worship Him. And He is Disposer of all things.	6:102	वही अल्लाह तुम्हारा रब; उसके सिवा कोई पूज्य नहीं; हर चीज़ का स्रष्टा है; अतः तुम उसी की बन्दगी करो। वही हर चीज़ का ज़िम्मेदार है	x

La tudrikuhu alabsaru wahuwa yudriku alabsara wahuwa allateefu alkhabeeru	But Muslims will see Him on Day of Judgment. **[Contradiciton: Whether Allah could be seen: No 6:103, Yes 68:42, 75:22-23]**	Vision perceives Him not, but He perceives [all] vision; and He is the Subtle, the Acquainted.	6:103	निगाहें उसे नहीं पा सकतीं, बल्कि वही निगाहों को पा लेता है। वह अत्यन्त सूक्ष्म (एवं सूक्ष्मदर्शी) ख़बर रखनेवाला है	लेकिन मुसलमान उसे क़यामत के दिन देखेंगे। **[विरोधाभास: क्या अल्लाह को देखा जा सकता है: नहीं 6:103, हाँ 68:42, 75:22-23]**
Qad jaakum basairu min rabbikum faman absara falinafsihi waman AAamiya faAAalayha wama ana AAalaykum bihafeethin	**[Say, not in arabic. Also contrary to this verse, prophet (pbuh) forcefully converted so many people. Believing in Quran is also a blind faith, as there is hardly any conclusive proof except for referring to the natural phenomenon.]**	There has come to you enlightenment from your Lord. So whoever will see does so for [the benefit of] his soul, and whoever is blind [does harm] against it. And [say], "I am not a guardian over you."	6:104	तुम्हारे पास तुम्हारे रब की ओर से आँख खोल देनेवाले प्रमाण आ चुके है; तो जिस किसी ने देखा, अपना ही भला किया और जो अंधा बना रहा, तो वह अपने ही को हानि पहुँचाएगा। और मैं तुमपर कोई नियुक्त रखवाला नहीं हूँ	**["और मैं तुमपर कोई नियुक्त रखवाला नहीं हूँ" कौन बोल रहा है; इसके अलावा इस आयत के विपरीत, पैगंबर (स.) ने कई लोगों को जबरदस्ती धर्मांतरित किया। कुरान में विश्वास करना भी अंधा विश्वास है, क्योंकि इसमें मुश्किल से ही कोई निर्णायक प्रमाण है, सिवाय प्राकृतिक घटनाओं का हवाला देने के।]**
Wakathalika nusarrifu alayati waliyaqooloo darasta walinubayyinahu liqawmin yaAAlamoona	**[See verse 3:7 and mysterious letters for this claim.]**	And thus do We diversify the verses so the disbelievers will say, "You have studied," and so We may make the Qur'an clear for a people who know.	6:105	और इसी प्रकार हम अपनी आयतें विभिन्न ढंग से बयान करते है (कि वे सुने) और इसलिए कि वे कह लें, "(ऐ मुहम्मद!) तुमनेकहीं से पढ़-पढ़ा लिया है।" और इसलिए भी कि हम उनके लिए जो जानना चाहें, सत्य को स्पष्ट कर दें	**[इस दावे के लिए आयत 3:7 और रहस्यमय अक्षर देखिए।]**
IttabiAA ma oohiya ilayka min rabbika la ilaha illa huwa waAArid AAani almushrikeena	**[Verse 6:106 says that turn away from polytheist; however, verse 6:148 is saying to demand them for proof.]**	Follow, [O Muhammad], what has been revealed to you from your Lord - there is no deity except Him - and turn away from those who associate others with Allah.	6:106	तुम्हारे रब की ओर से तुम्हारी तरफ़ जो वह्यो की गई है, उसी का अनुसरण किए जाओ, उसके सिवा कोई पूज्य नहीं और बहुदेववादियों (की कुनीति) पर ध्यान न दो	[आयत 6:106 कहती है कि मुशरिकों (बहुदेववादियों) पर ध्यान न दो; लेकिन आयत 6:148 कहती है कि उनसे प्रमाण माँगो।]

Walaw shaa Allahu ma ashrakoo wama jaAAalnaka AAalayhim hafeethan wama anta AAalayhim biwakeelin	**[So, there is no fault of idolators, everything is being done as per the will of Allah. Similar content in verse 6:148; Also later part is abrogated by Jihadi verses.]**	But if Allah had willed, they would not have associated. And We have not appointed you over them as a guardian, nor are you a manager over them.	6:107	यदि अल्लाह चाहता तो वे (उसका) साझी न ठहराते। तुम्हें हमने उनपर कोई नियुक्त संरक्षक तो नहीं बनाया है और न तुम उनके कोई ज़िम्मेदार ही हो	**[तो, मूर्तिपूजकों की कोई गलती नहीं है, सब कुछ अल्लाह की इच्छा के अनुसार हो रहा है। आयत 6:148 में समान सामग्री; बाद का भाग भी जिहादी आयतों द्वारा रद्द किया गया है।]**
Wala tasubboo allatheena yadAAoona min dooni Allahi fayasubboo Allaha AAadwan bighayri AAilmin kathalika zayyanna likulli ommatin AAamalahum thumma ila rabbihim marjiAAuhum fayunabbiohum bima kanoo yaAAmaloona	The idolaters said: 'O Muhammad, either you stop reviling our idols or we will revile your Lord'. And so Allah, warned against reviling their idols. **[Contradiction: Does Quran permit insulting others: Yes 47:12, 7:176, 111:1–5, No 49:11, 6:108; Prophet (pbuh) named Amr bin Hishaam as Abu Jahl (Father of ignorance); Here Allah says that He has made every person perceive their own deeds as good; for example, most people believe that their faith is perfect, then what is their fault.]**	And do not insult those they invoke other than Allah, lest they insult Allah in enmity without knowledge. Thus We have made pleasing to every community their deeds. Then to their Lord is their return, and He will inform them about what they used to do.	6:108	अल्लाह के सिवा जिन्हें ये पुकारते है, तुम उनके प्रति अपशब्द का प्रयोग न करो। ऐसा न हो कि वे हद से आगे बढ़कर अज्ञान वश अल्लाह के प्रति अपशब्द का प्रयोग करने लगें। इसी प्रकार हमने हर गिरोह के लिए उसके कर्म को सुहावना बना दिया है। फिर उन्हें अपने रब की ही ओर लौटना है। उस समय वह उन्हें बता देगा. जो कुछ वे करते रहे होंगे	मूर्तिपूजकों ने कहा: 'हे मुहम्मद, या तो तुम हमारी मूर्तियों का अपमान करना बंद करो या हम तुम्हारे अल्लाह का अपमान करेंगे।' और इसलिए अल्लाह ने उनकी मूर्तियों का अपमान करने के खिलाफ चेतावनी दी। **[विरोधाभास: क्या कुरआन दूसरों का अपमान करने की अनुमति देता है: हाँ 47:12, 7:176, 111:1–5, नहीं 49:11, 6:108; पैगंबर (स.) ने अम्र बिन हिशम का नाम अबू जहल (अज्ञान का पिता) रखा; यहाँ अल्लाह कहते हैं कि उसने हर व्यक्ति के लिए उसके कर्म को सुहावना बना दिया है; उदाहरण के लिए, अधिकांश लोग मानते हैं कि उनका विश्वास सही है, तो फिर उनकी गलती क्या है।]**

Waaqsamoo biAllahi jahda aymanihim lain jaathum ayatun layuminunna biha qul innama alayatu AAinda Allahi wama yushAAirukum annaha itha jaat la yuminoona	**[Allah says that the unbelievers wouldn't believe even if signs did come to them, a theme similar to 6:124, See verse 7:120 where even magicians believed in Moses after seeing his miracle; Hypothetical allegation, without presenting a sign; Also how so many idolaters of Arabia converted to Islam].**	And they swear by Allah their strongest oaths that if a sign came to them, they would surely believe in it. Say, "The signs are only with Allah." And what will make you perceive that even if a sign came, they would not believe.	6:109	वे लोग तो अल्लाह की कड़ी-कड़ी क़समें खाते है कि यदि उनके पास कोई निशानी आ जाए, तो उसपर वे अवश्य ईमान लाएँगे। कह दो, "निशानियाँ तो अल्लाह ही के पास है।" और तुम्हें क्या पता कि जब वे आ जाएँगी तो भी वे ईमान नहीं लाएँगे	**[अल्लाह कहते हैं कि अविश्वासी तब भी विश्वास नहीं करेंगे जब उनके पास चमत्कार आएंगे, विषय 6:124 के समान है, आयत 7:120 देखें जहाँ जादूगरों ने मूसा का चमत्कार देखने के बाद विश्वास किया; काल्पनिक आरोप, बिना किसी चमत्कार को प्रस्तुत किए; साथ ही कैसे अरब के इतने सारे मूर्तिपूजक इस्लाम में परिवर्तित हुए]**
Wanuqallibu afidatahum waabsarahum kama lam yuminoo bihi awwala marratin wanatharuhum fee tughyanihim yaAAmahoona	**[Allah's actions appear like human vengeance.]**	And We will turn away their hearts and their eyes just as they refused to believe in it the first time. And We will leave them in their transgression, wandering blindly.	6:110	और हम उनके दिलों और निगाहों को फेर देंगे, जिस प्रकार वे पहली बार ईमान नहीं लाए थे। और हम उन्हें छोड़ देंगे कि वे अपनी सरकशी में भटकते रहें	**[अल्लाह के कार्य मानव प्रतिशोध की तरह प्रतीत होते हैं।]**
Walaw annana nazzalna ilayhimu almalaikata wakallamahumu almawta wahasharna AAalayhim kulla shayin qubulan ma kanoo liyuminoo illa an yashaa Allahu walakinna aktharahum yajhaloona	The Quraysh spoke to the Messenger (pbuh) why do he not bring some signs so that they could believe in him? They asked him to turn [mount] al-Safa into gold. [Hypothetical allegation without giving them proof.]	And even if We had sent down to them the angels [with the message] and the dead spoke to them [of it] and We gathered together every [created] thing in front of them, they would not believe unless Allah should will. But most of them, [of that], are ignorant.	6:111	यदि हम उनकी ओर फ़रिश्ते भी उतार देते और मुर्दे भी उनसे बातें करने लगते और प्रत्येक चीज़ उनके सामने लाकर इकट्ठा कर देते, तो भी वे ईमान न लाते, बल्कि अल्लाह ही का चाहा क्रियान्वित है। परन्तु उनमें से अधिकतर लोग अज्ञानता से काम लेते है	**कुरैश ने रसूल (स.) से कहा कि वह कुछ सबूत क्यों नहीं लाता ताकि वे उस पर विश्वास कर सकें? उन्होंने उससे अल-साफ़ा पर्वत को सोना में बदलने के लिए कहा। [बिना उन्हें सबूत दिए काल्पनिक आरोप।]**

Wakathalika jaAAalna likulli nabiyyin AAaduwwan shayateena alinsi waaljinni yoohee baAAduhum ila baAAdin zukhrufa alqawli ghurooran walaw shaa rabbuka ma faAAaloohu fatharhum wama yaftaroona	**[So, there is no fault of disbeliever, everything is being done as per the will of Allah. Also later part is abrogated by Jihadi verses.]**	And thus We have made for every prophet an enemy - devils from mankind and jinn, inspiring to one another decorative speech in delusion. But if your Lord had willed, they would not have done it, so leave them and that which they invent.	6:112	और इसी प्रकार हमने मनुष्यों और जिन्नों में से शैतानों को प्रत्येक नबी का शत्रु बनाया, जो चिकनी-चुपड़ी बात एक-दूसरे के मन में डालकर धोखा देते थे - यदि तुम्हारा रब चाहता तो वे ऐसा न कर सकते। अब छोड़ो उन्हें और उनके मिथ्यारोपण को। -	**[तो, काफिर की कोई गलती नहीं है, सबकुछ अल्लाह की मर्जी के अनुसार हो रहा है। साथ ही बाद का हिस्सा जेहादी आयतों द्वारा रद्द किया गया है।]**
Walitasgha ilayhi afidatu allatheena la yuminoona bialakhirati waliyardawhu waliyaqtarifoo ma hum muqtarifoona	**[Allah makes the heart of disbeliever towards evil things, so that they could be punished later.]**	And [it is] so the hearts of those who disbelieve in the Hereafter will incline toward it and that they will be satisfied with it and that they will commit that which they are committing.	6:113	और ताकि जो लोग परलोक को नहीं मानते, उनके दिल उसकी ओर झुकें और ताकि वे उसे पसन्द कर लें, और ताकि जो कमाई उन्हें करनी है कर लें	**[अल्लाह काफ़िर के दिल को बुराई की ओर मोड़ देता है, ताकि उन्हें बाद में सज़ा दी जा सके।]**

Afaghayra Allahi abtaghee hakaman wahuwa allathee anzala ilaykumu alkitaba mufassalan waallatheena ataynahumu alkitaba yaAAlamoona annahu munazzalun min rabbika bialhaqqi fala takoonanna mina almumtareena	**[Word "Say" is not to be found in the original Arab text, it is added otherwise the impression goes that someone else speaking; How it is possible to explain everything is detail in a single book; This is a false allegation that the Jews and Christians know that Quran is truth.]**	[Say], "Then is it other than Allah I should seek as judge while it is He who has revealed to you the Book explained in detail?" And those to whom We [previously] gave the Scripture know that it is sent down from your Lord in truth, so never be among the doubters.	6:114	अब क्या मैं अल्लाह के सिवा कोई और निर्णायक ढूढूँ? हालाँकि वही है जिसने तुम्हारी ओर किताब अवतरित की है, जिसमें बातें खोल-खोलकर बता दी गई है और जिन लोगों को हमने किताब प्रदान की थी, वे भी जानते है कि यह तुम्हारे रब की ओर से हक़ के साथ अवतरित हुई है, तो तुम कदापि सन्देह में न पड़ना	**[शब्द "कहना" मूल अरबी पाठ में नहीं है, इसे जोड़ा गया है अन्यथा यह प्रभाव पैदा होता है कि कोई और बोल रहा है; एक ही किताब में सब कुछ विस्तार से समझाना कैसे संभव है; यह एक झूठा आरोप है कि यहूदी और ईसाई जानते हैं कि कुरान सत्य है।]**
Watammat kalimatu rabbika sidqan waAAadlan la mubaddila likalimatihi wahuwa alssameeAAu alAAaleemu	**[Verse 22:52 says that Satan tampers with Allah's words; Contradiction: God's word can't be changed 6:34, 6:115, 10:64; Yes could be changed: 2:75, 2:106, 16:101]**	And the word of your Lord has been fulfilled in truth and in justice. None can alter His words, and He is the Hearing, the Knowing.	6:115	तुम्हारे रब की बात सच्चाई और इनसाफ़ के साथ पूरी हुई, कोई नहीं जो उसकी बातों को बदल सकें, और वह सुनता, जानता है	**[22:52 कहती है कि शैतान अल्लाह के शब्दों में हस्तक्षेप करता है; विरोधाभास: ईश्वर का शब्द परिवर्तित नहीं किया जा सकता 6:34, 6:115, 10:64; हाँ, परिवर्तित किया जा सकता है: 2:75, 2:106, 16:101]**
Wain tutiAA akthara man fee alardi yudillooka AAan sabeeli Allahi in yattabiAAoona illa alththanna wain hum illa yakhrusoona	Yes most of people are like that, so one should analyze critically anything said on behalf of God.	And if you obey most of those upon the earth, they will mislead you from the way of Allah. They follow not except assumption, and they are not but falsifying.	6:116	और धरती में अधिकतर लोग ऐसे है, यदि तुम उनके कहने पर चले तो वे अल्लाह के मार्ग से तुम्हें भटका देंगे। वे तो केवल अटकल के पीछे चलते है और वे निरे अटकल ही दौड़ाते है	हाँ, ज्यादातर लोग ऐसे ही होते हैं, इसलिए किसी को भी भगवान की ओर से कही गई किसी भी बात का सावधानीपूर्वक विश्लेषण करना चाहिए।

Inna rabbaka huwa aAAlamu man yadillu AAan sabeelihi wahuwa aAAlamu	x	Indeed, your Lord is most knowing of who strays from His way, and He is most knowing of the [rightly] guided.	6:117	निस्संदेह तुम्हारा रब उसे भली-भाँति जानता है, जो उसके मार्ग से भटकता और वह उन्हें भी जानता है, जो सीधे मार्ग पर है	X
Fakuloo mimma thukira ismu Allahi AAalayhi in kuntum biayatihi mumineena	x	So eat of that [meat] upon which the name of Allah has been mentioned, if you are believers in His verses.	6:118	अतः जिसपर अल्लाह का नाम लिया गया हो, उसे खाओ; यदि तुम उसकी आयतों को मानते हो	X
Wama lakum alla takuloo mimma thukira ismu Allahi AAalayhi waqad fassala lakum ma harrama AAalaykum illa ma idturirtum ilayhi wainna katheeran layudilloona biahwaihim bighayri AAilmin inna rabbaka huwa aAAlamu bialmuAAtadeena	**[Quran has not explained everything in detail and has to be supplemented with many Hadiths to decide what is haram and what is halaal.]**	And why should you not eat of that upon which the name of Allah has been mentioned while He has explained in detail to you what He has forbidden you, excepting that to which you are compelled. And indeed do many lead [others] astray through their [own] inclinations without knowledge. Indeed, your Lord - He is most knowing of the transgressors.	6:119	और क्या आपत्ति है कि तुम उसे न खाओ, जिसपर अल्लाह का नाम लिया गया हो, बल्कि जो कुछ चीज़े उसने तुम्हारे लिए हराम कर दी है, उनको उसने विस्तारपूर्वक तुम्हे बता दिया है। यह और बात है कि उसके लिए कभी तुम्हें विवश होना पड़े। परन्तु अधिकतर लोग तो ज्ञान के बिना केवल अपनी इच्छाओं (ग़लत विचारों) के द्वारा पथभ्रष्टो करते रहते है। निस्सन्देह तुम्हारा रब मर्यादाहीन लोगों को भली-भाँति जानता है	**[कुरआन ने सब कुछ विस्तार से नहीं समझाया है और यह तय करने के लिए कि क्या हराम है और क्या हलाल है, इसे कई हदीसों के साथ पूरक करने की आवश्यकता है।]**
Watharoo thahira alithmi wabatinahu inna allatheena yaksiboona alithma sayujzawna bima kanoo yaqtarifoona	x	And leave what is apparent of sin and what is concealed thereof. Indeed, those who earn [blame for] sin will be recompensed for that which they used to	6:120	छोड़ो खुले गुनाह को भी और छिपे को भी। निश्चय ही गुनाह कमानेवालों को उसका बदला दिया जाएगा, जिस कमाई में वे लगे रहे होंगे	X

Wala takuloo mimma lam yuthkari ismu Allahi AAalayhi wainnahu lafisqun wainna alshshayateena layoohoona ila awliyaihim liyujadilookum wain ataAAtumoohum innakum lamushrikoona	When Allah revealed the unlawfulness of the meat of dead animal, the Magians from Persia wrote to the idolaters of Quraysh, that Muhammad (pbuh) claims that they follow the command of Allah but then say that what they slaughter is lawful and that which is slaughtered by Allah (animal died due to some cause) is unlawful. This caused doubt in the minds of some Muslims, and so came this verse. **[The Muslims would be "idolaters" if they obeyed the advice of unbelievers and ate food over which Allah's name has not been mentioned. But 5:5 says food of the People of the Book (Jews and Christians) is lawful. There is no command in the New Testament requiring a spoken invocation at the moment of slaughter or method of slaughter.]**	And do not eat of that upon which the name of Allah has not been mentioned, for indeed, it is grave disobedience. And indeed do the devils inspire their allies [among men] to dispute with you. And if you were to obey them, indeed, you would be associators [of others with Him].	6:121	और उसे न खाओं जिसपर अल्लाह का नाम न लिया गया हो। निश्चय ही वह तो आज्ञा का उल्लंघन है। शैतान तो अपने मित्रों के दिलों में डालते है कि वे तुमसे झगड़े। यदि तुमने उनकी बात मान ली तो निश्चय ही तुम बहुदेववादी होगे	जब अल्लाह ने मृत जानवर के मांस की अवैधता का खुलासा किया, तो फारस के मजूसियों ने क़ुरैश के मूर्तिपालकों को लिखा कि मुहम्मद (स.) दावा करते हैं कि वे अल्लाह का आदेश मानते हैं लेकिन फिर कहते हैं कि जो वे ज़बाह करते हैं वह वैध है और जो अल्लाह द्वारा ज़बाह किया गया है (जानवर किसी कारण से मर गया) वह अवैध है। इससे कुछ मुसलमानों के मन में संदेह पैदा हुआ, और इसलिए यह आयत आई। **[मुसलमान 'मूर्तिपालक' कहलाएंगे यदि वे अविश्वासियों की सलाह मानते और ऐसे भोजन खाते जिन पर अल्लाह का नाम नहीं लिया गया। लेकिन 5:5 कहता है कि किताबों के लोगों (यहूदी और ईसाई) का भोजन वैध है। नए नियम में ज़बाह के समय किसी उच्चारण को कहने या ज़बाह के तरीके की कोई आवश्यकता नहीं है।]**

Awa man kana maytan faahyaynahu wajaAAalna lahu nooran yamshee bihi fee alnnasi kaman mathaluhu fee alththulumati laysa bikharijin minha kathalika zuyyina lilkafireena ma kanoo yaAAmaloona	x	And is one who was dead and We gave him life and made for him light by which to walk among the people like one who is in darkness, never to emerge therefrom? Thus it has been made pleasing to the disbelievers that which they were doing.	6:122	क्या वह व्यक्ति जो पहले मुर्दा था, फिर उसे हमने जीवित किया और उसके लिए एक प्रकाश उपलब्ध किया जिसको लिए हुए वह लोगों के बीच चलता-फिरता है, उस व्यक्ति को तरह हो सकता है जो अँधेरों में पड़ा हुआ हो, उससे कदापि निकलनेवाला न हो? ऐसे ही इनकार करनेवालों के कर्म उनके लिए सुहाबने बनाए गए है	X
Wakathalika jaAAalna fee kulli qaryatin akabira mujrimeeha liyamkuroo feeha wama yamkuroona illa bianfusihim wama	**[Why would an Almighty God will do such things.]**	And thus We have placed within every city the greatest of its criminals to conspire therein. But they conspire not except against themselves, and they perceive [it] not.	6:123	और इसी प्रकार हमने प्रत्येक बस्ती में उसके बड़े-बड़े अपराधियों को लगा दिया है कि ले वहाँ चालें चले। वे अपने ही विरुद्ध चालें चलते है, किन्तु उन्हें इसका एहसास नहीं	**[एक सर्वशक्तिमान ईश्वर ऐसी चीजें क्यों करेगा।]**

Waitha jaathum ayatun qaloo lan numina hatta nuta mithla ma ootiya rusulu Allahi Allahu aAAlamu haythu yajAAalu risalatahu sayuseebu allatheena ajramoo sagharun AAinda Allahi waAAathabun shadeedun bima kanoo yamkuroona	The unbelievers were asking the Muhammad (pbuh) to produce miracles as the earlier prophets have performed.	And when a sign comes to them, they say, "Never will we believe until we are given like that which was given to the messengers of Allah." Allah is most knowing of where He places His message. There will afflict those who committed crimes debasement before Allah and severe punishment for what they used to conspire.	6:124	और जब उनके पास कोई आयत (निशानी) आता है, तो वे कहते है, "हम कदापि नहीं मानेंगे, जब तक कि वैसी ही चीज़ हमें न दी जाए जो अल्लाह के रसूलों को दी गई हैं।" अल्लाह भली-भाँति उस (के औचित्य) को जानता है, जिसमें वह अपनी पैग़म्बरी रखता है। अपराधियों को शीघ्र ही अल्लाह के यहाँ बड़े अपमान और कठोर यातना का सामना करना पड़ेगा, उस चाल के कारण जो वे चलते रहे है	अविश्वासी मुहम्मद (स.) से चमत्कार दिखाने के लिए कह रहे थे जैसे पहले के नबी करते थे।
Faman yuridi Allahu an yahdiyahu yashrah sadrahu lilislami waman yurid an yudillahu yajAAal sadrahu dayyiqan harajan kaannama yassaAAAAadu fee alssamai kathalika yajAAalu Allahu alrrijsa AAala allatheena la	[It is up to Allah whether or not one believes, and once again unexplained as to why the unbelievers are responsible for their lack of faith if Allah leads them astray.]	So whoever Allah wants to guide - He expands his breast to [contain] Islam; and whoever He wants to misguide - He makes his breast tight and constricted as though he were climbing into the sky. Thus does Allah place defilement upon those who do not believe.	6:125	अतः (वास्तविकता यह है कि) जिसे अल्लाह सीधे मार्ग पर लाना चाहता है, उसका सीना इस्लाम के लिए खोल देता है। और जिसे गुमराही में पड़ा रहने देता चाहता है, उसके सीने को तंग और भिंचा हुआ कर देता है; मानो वह आकाश में चढ़ रहा है। इस तरह अल्लाह उन लोगों पर गन्दगी डाल देता है, जो ईमान नहीं लाते	**[यह अल्लाह पर निर्भर करता है कि कोई विश्वास करता है या नहीं, और फिर से यह स्पष्ट नहीं है कि अगर अल्लाह उन्हें भटका देता है तो अविश्वासी अपनी आस्था की कमी के लिए जिम्मेदार क्यों हैं।]**

Wahatha siratu rabbika mustaqeeman qad fassalna alayati liqawmin yaththakkaroona	x	And this is the path of your Lord, [leading] straight. We have detailed the verses for a people who remember.	6:126	और यह तुम्हारे रब का रास्ता है, बिल्कुल सीधा। हमने निशानियाँ, ध्यान देनेवालों के लिए खोल-खोलकर बयान कर दी है	X
Lahum daru alssalami AAinda rabbihim wahuwa waliyyuhum bima kanoo yaAAmaloona	x	For them will be the Home of Peace with their Lord. And He will be their protecting friend because of what they used to do.	6:127	उनके लिए उनके रब के यहाँ सलामती का घर है और वह उनका संरक्षक मित्र है, उन कामों के कारण जो वे करते रहे है	X
Wayawma yahshuruhum jameeAAan ya maAAshara aljinni qadi istakthartum mina alinsi waqala awliyaohum mina alinsi rabbana istamtaAAa baAAduna bibaAAdin wabalaghna ajalana allathee ajjalta lana qala alnnaru mathwakum khalideena feeha illa ma shaa Allahu inna rabbaka hakeemun AAaleemun	Jinns as well as humans are warned of the coming judgment. **[Contradiction: How long the disbelievers dwell in hell, forever 6:128, 11:107, a long time 78:23]**	And [mention, O Muhammad], the Day when He will gather them together [and say], "O company of jinn, you have [misled] many of mankind." And their allies among mankind will say, "Our Lord, some of us made use of others, and we have [now] reached our term, which you appointed for us." He will say, "The Fire is your residence, wherein you will abide eternally, except for what Allah wills. Indeed, your Lord is Wise and Knowing."	6:128	और उस दिन को याद करो, जब वह उन सबको घेरकर इकट्ठा करेगा, (कहेगा), "ऐ जिन्नों के गिरोह! तुमने तो मनुष्यों पर ख़ूब हाथ साफ किया।" और मनुष्यों में से जो उनके साथी रहे होंगे, कहेंग, "ऐ हमारे रब! हमने आपस में एक-दूसरे से लाभ उठाया और अपने उस नियत समय को पहुँच गए, जो तूने हमारे लिए ठहराया था।" वह कहेगा, "आग (नरक) तुम्हारा ठिकाना है, उसमें तुम्हें सदैव रहना है।" अल्लाह का चाहा ही क्रियान्वित है। निश्चय ही तुम्हारा रब तत्वदर्शी, सर्वज्ञ है	जिन्नों और इंसानों दोनों को आने वाले न्याय के बारे में चेतावनी दी गई है। **[विरोधाभास: अविश्वासी नरक में रहेंगे: हमेशा 6:128, 11:106-107, लंबे समय तक 78:23]**

Wakathalika nuwallee baAAda alththalimeena baAAdan bima kanoo yaksiboona	x	And thus will We make some of the wrongdoers allies of others for what they used to earn.	6:129	इसी प्रकार हम अत्याचारियों को एक-दूसरे के लिए (नरक का) साथी बना देंगे, उस कमाई के कारण जो वे करते रहे थे	X
Ya maAAshara aljinni waalinsi alam yatikum rusulun minkum yaqussoona AAalaykum ayatee wayunthiroonakum liqaa yawmikum hatha qaloo shahidna AAala anfusina wagharrathumu alhayatu alddunya washahidoo AAala	**[Verse 6:130 implies that at least messengers were send to everyone including some messengers for Jinn also. But there is no messanger mentioned in Quran for Jinns. All messenger were men 21:7, 25:20.]**	"O company of jinn and mankind, did there not come to you messengers from among you, relating to you My verses and warning you of the meeting of this Day of yours?" They will say, "We bear witness against ourselves"; and the worldly life had deluded them, and they will bear witness against themselves that they were disbelievers.	6:130	"ऐ जिन्नों और मनुष्यों के गिरोह! क्या तुम्हारे पास तुम्हीं में से रसूल नहीं आए थे, जो तुम्हें मेरी आयतें सुनाते और इस दिन के पेश आने से तुम्हें डराते थे?" वे कहेंगे, "क्यों नहीं! (रसूल तो आए थे) हम स्वयं अपने विरुद्ध गवाह है।" उन्हें तो सांसारिक जीवन ने धोखे में रखा। मगर अब वे स्वयं अपने विरुद्ध गवाही देने लगे कि वे इनकार करनेवाले थे	**[आयत 6:130 का तात्पर्य है कि कम से कम जिन्नों के लिए भी कुछ रसूल थे। लेकिन क़ुरआन में जिन्नों के लिए कोई रसूल का ज़िक्र नहीं है। सभी रसूल मर्द थे 21:7, 25:20।]**
Thalika an lam yakun rabbuka muhlika alqura bithulmin waahluha ghafiloona	x	That is because your Lord would not destroy the cities for wrongdoing while their people were unaware.	6:131	यह जान लो कि तुम्हारा रब ज़ुल्म करके बस्तियों को विनष्ट करनेवाला न था, जबकि उनके निवासी बेसुध रहे हों	x
Walikullin darajatun mimma AAamiloo wama rabbuka bighafilin AAamma yaAAmaloona	x	And for all are degrees from what they have done. And your Lord is not unaware of what they do.	6:132	सभी के दर्जे उनके कर्मों के अनुसार है। और जो कुछ वे करते है, उससे तुम्हारा रब अनभिज्ञ नहीं है	x

Warabbuka alghaniyyu thoo alrrahmati in yasha yuthhibkum wayastakhlif min baAAdikum ma yashao kama anshaakum min thurriyyati qawmin akhareena	**[But Allah created mankind and angels for his worship.]**	And your Lord is the Free of need, the possessor of mercy. If He wills, he can do away with you and give succession after you to whomever He wills, just as He produced you from the descendants of another people.	6:133	तुम्हारा रब निस्पृह, दयावान है। यदि वह चाहे तो तुम्हें (दुनिया से) ले जाए और तुम्हारे स्थान पर जिसको चाहे तुम्हारे बाद ले आए, जिस प्रकार उसने तुम्हें कुछ और लोगों की सन्तति से उठाया है	निस्पृह = इच्छा-रहित **[लेकिन अल्लाह ने इंसानों और फ़रिश्तों को अपनी इबादत के लिए पैदा किया।]**
Inna ma tooAAadoona laatin wama antum bimuAAjizeena	x	Indeed, what you are promised is coming, and you will not cause failure [to Allah].	6:134	जिस चीज़ का तुमसे वादा किया जाता है, उसे अवश्य आना है और तुममें उसे मात करने की सामर्थ्य नहीं	x
Qul ya qawmi iAAmaloo AAala makanatikum innee AAamilun fasawfa taAAlamoona man takoonu lahu AAaqibatu alddari innahu la yuflihu alththalimoona	x	Say, "O my people, work according to your position; [for] indeed, I am working. And you are going to know who will have succession in the home. Indeed, the wrongdoers will not succeed.	6:135	कह दो, "ऐ मेरी क़ौम के लोगो! तुम अपनी जगह कर्म करते रहो, मैं भी अपनी जगह कर्मशील हूँ। शीघ्र ही तुम्हें मालूम हो जाएगा कि घर (लोक-परलोक) का परिणाम किसके हित में होता है। निश्चय ही अत्याचारी सफल नहीं होते।"	x

WajaAAaloo lillahi mimma tharaa mina alharthi waalanAAami naseeban faqaloo hatha lillahi bizaAAmihim wahatha lishurakaina fama kana lishurakaihim fala yasilu ila Allahi wama kana lillahi fahuwa yasilu ila shurakaihim saa ma yahkumoona	**[If Allah is free of need (6:133) then what's the cause of resentment; How the non-existent partner of Allah could receive something.]**	And the polytheists assign to Allah from that which He created of crops and livestock a share and say, "This is for Allah," by their claim, "and this is for our partners [associated with Him]." But what is for their "partners" does not reach Allah, while what is for Allah - this reaches their "partners." Evil is that which they rule.	6:136	उन्होंने अल्लाह के लिए स्वयं उसी की पैदा की हुई खेती और चौपायों में से एक भाग निश्चित किया है और अपने ख़याल से कहते है, "यह किस्सा अल्लाह का है और यह हमारे ठहराए हुए साझीदारों का है।" फिर जो उनके साझीदारों का (हिस्सा) है, वह अल्लाह को नहीं पहुँचता, परन्तु जो अल्लाह का है, वह उनके साझीदारों को पहुँच जाता है। कितना बुरा है, जो फ़ैसला वे करते है!	**[यदि अल्लाह किसी भी आवश्यकता से मुक्त है (6:133), तो फिर नाराज़गी का कारण क्या है?; अल्लाह के जो अस्तित्वहीन साझीदार है, वह किसी चीज़ को कैसे प्राप्त कर सकते है?]**
Wakathalika zayyana likatheerin mina almushrikeena qatla awladihim shurakaohum liyurdoohum waliyalbisoo AAalayhim deenahum walaw shaa Allahu ma faAAaloohu fatharhum wama yaftaroona	**[How a non-existent partner of Allah could do something. Again Allah wished to keep the idolators in disbelief.]**	And likewise, to many of the polytheists their partners have made [to seem] pleasing the killing of their children in order to bring about their destruction and to cover them with confusion in their religion. And if Allah had willed, they would not have done so. So leave them and that which they invent.	6:137	इसी प्रकार बहुत-से बहुदेववादियों के लिए उनके लिए साझीदारों ने उनकी अपनी सन्तान की हत्या को सुहाना बना दिया है, ताकि उन्हें विनष्ट कर दें और उनके लिए उनके धर्म को संदिग्ध बना दें। यदि अल्लाह चाहता तो वे ऐसा न करते; तो छोड़ दो उन्हें और उनके झूठ घड़ने को	x

Waqaloo hathihi anAAamun waharthun hijrun la yatAAamuha illa man nashao bizaAAmihim waanAAamun hurrimat thuhooruha waanAAamun la yathkuroona isma Allahi AAalayha iftiraan AAalayhi sayajzeehim bima kanoo yaftaroona	x	And they say, "These animals and crops are forbidden; no one may eat from them except whom we will," by their claim. And there are those [camels] whose backs are forbidden [by them] and those upon which the name of Allah is not mentioned - [all of this] an invention of untruth about Him. He will punish them for what they were inventing.	6:138	और वे कहते हैं, "ये जानवर और खेती वर्जित और सुरक्षित है। इन्हें तो केवल वही खा सकता है, जिसे हम चाहें।" - ऐसा वे स्वयं अपने ख़याल से कहते है - और कुछ चौपाए ऐसे है, जिनकी पीठों को (सवारी के लिए) हराम ठहरा लिया है और कुछ जानवर ऐसे है जिनपर अल्लाह का नाम नहीं लेते। यह यह उन्होंने अल्लाह पर झूठ घड़ा है, और वह शीघ्र ही उन्हें उनके झूठ घड़ने का बदला देगा	x
Waqaloo ma fee butooni hathihi alanAAami khalisatun lithukoorina wamuharramun AAala azwajina wain yakun maytatan fahum feehi shurakao sayajzeehim wasfahum innahu	This verse explains that the polytheists of Arabia used to say that whatever offspring is in the wombs of certain cattle is lawful only for their men and forbidden for their women. But if the offspring was born dead, then they would say that both men and women could partake of it.	And they say, "What is in the bellies of these animals is exclusively for our males and forbidden to our females. But if it is [born] dead, then all of them have shares therein." He will punish them for their description. Indeed, He is Wise and Knowing.	6:139	और वे कहते है, "जो कुछ इन जानवरों के पेट में है वह बिल्कुल हमारे पुरुषों ही के लिए है और वह हमारी पत्नियों के लिए वर्जित है। परन्तु यदि वह मुर्दा हो, तो वे सब उसमें शरीक है।" शीघ्र ही वह उन्हें उनके ऐसा कहने का बदला देगा। निस्संदेह वह तत्वदर्शी, सर्वज्ञ है	इस आयत में बताया गया है कि अरब के मुशरिक (बहुदेववादी) कहते थे कि कुछ मवेशियों के पेट में जो बच्चा (गर्भ) है वह केवल हमारे पुरुषों के लिए हलाल है और हमारी स्त्रियों के लिए हराम है। लेकिन यदि वह बच्चा मरा हुआ पैदा हो जाए, तो फिर वे कहते थे कि पुरुष और स्त्री दोनों उसे खा सकते हैं।

Qad khasira allatheena qataloo awladahum safahan bighayri AAilmin waharramoo ma razaqahumu Allahu iftiraan AAala Allahi qad dalloo wama kanoo muhtadeena	Before Islam, some Arab tribes practiced infanticide, especially killing daughters out of fear of poverty or shame.	Those will have lost who killed their children in foolishness without knowledge and prohibited what Allah had provided for them, inventing untruth about Allah. They have gone astray and were not [rightly] guided.	6:140	वे लोग कुछ जाने-बूझे बिना घाटे में रहे, जिन्होंने मूर्खता के कारण अपनी सन्तान की हत्या की और जो कुछ अल्लाह ने उन्हें प्रदान किया था, उसे अल्लाह पर झूठ घड़कर हराम ठहरा दिया। वास्तव में वे भटक गए और वे सीधा मार्ग पानेवाले न हुए	इस्लाम से पहले कुछ अरब क़बीलों में शिशु-हत्या की प्रथा थी, विशेषकर गरीबी के डर या शर्म के कारण बेटियों को मार दिया जाता था।
Wahuwa allathee anshaa jannatin maAArooshatin waghayra maAArooshatin waalnnakhla waalzzarAAa mukhtalifan okuluhu waalzzaytoona waalrrummana mutashabihan waghayra mutashabihin kuloo min thamarihi itha athmara waatoo haqqahu yawma hasadihi wala tusrifoo innahu la yuhibbu	“be not excessive” refers to over-enthusiasm in charity: “This Ayah was revealed concerning Thabit bin Qays bin Shammas, who plucked the fruits of his date palms. Then he said to himself, ‘This day, every person who comes to me, I will feed him from it.’ So he kept feeding (them) until the evening came and he ended up with no dates.”	And He it is who causes gardens to grow, [both] trellised and untrellised, and palm trees and crops of different [kinds of] food and olives and pomegranates, similar and dissimilar. Eat of [each of] its fruit when it yields and give its due [zakah] on the day of its harvest. And be not excessive. Indeed, He does not like those who commit excess.	6:141	और वही है जिसने बाग़ पैदा किए; कुछ जालियों पर चढ़ाए जाते है और कुछ नहीं चढ़ाए जाते और खजूर और खेती भी जिनकी पैदावार विभिन्न प्रकार की होती है, और ज़ैतून और अनार जो एक-दूसरे से मिलते-जुलते भी है और नहीं भी मिलते है। जब वह फल दे, तो उसका फल खाओ और उसका हक़ अदा करो जो उस (फ़सल) की कटाई के दिन वाजिब होता है। और हद से आगे न बढ़ो, क्योंकि वह हद से आगे बढ़नेवालों को पसन्द नहीं करता	“हद से आगे न बढ़ो” का अर्थ दान में अति-उत्साह से है। यह आयत थाबित बिन क़ैस बिन शम्मास के बारे में उतरी थी, जिन्होंने अपने खजूर के पेड़ों के फल तोड़ लिए। फिर उन्होंने अपने आप से कहा, “आज जो भी मेरे पास आएगा, मैं उसे इसमें से खिलाऊँगा।” इसलिए वे लोगों को खिलाते रहे, यहाँ तक कि शाम हो गई और अंत में उनके पास कोई खजूर नहीं बचा।

Wamina alanAAami hamoolatan wafarshan kuloo mimma razaqakumu Allahu wala tattabiAAoo khutuwati alshshaytani innahu lakum AAaduwwun mubeenun	x	And of the grazing livestock are carriers [of burdens] and those [too] small. Eat of what Allah has provided for you and do not follow the footsteps of Satan. Indeed, he is to you a clear enemy.	6:142	और चौपायों में से कुछ बोझ उठानेवाले बड़े और कुछ छोटे जानवर पैदा किए। अल्लाह ने जो कुछ तुम्हें दिया है, उसमें से खाओ और शैतान के क़दमों पर न चलो। निश्चय ही वह तुम्हारा खुला हुआ शत्रु है	x
Thamaniyata azwajin mina alddani ithnayni wamina almaAAzi ithnayni qul alththakarayni harrama ami alonthayayni amma ishtamalat AAalayhi arhamu alonthayayni nabbioonee	Quran in rebuking people who invent rules about halal and haram without divine authority.	[They are] eight mates - of the sheep, two and of the goats, two. Say, "Is it the two males He has forbidden or the two females or that which the wombs of the two females contain? Inform me with knowledge, if you should be truthful."	6:143	आठ नर-मादा पैदा किए - दो भेड़ की जाति से और दो बकरी की जाति से - कहो, "क्या उसने दोनों नर हराम किए है या दोनों मादा को? या उसको जो इन दोनों मादा के पेट में हो? किसी ज्ञान के आधार पर मुझे बताओ, यदि तुम सच्चे हो।"	क़ुरआन उन लोगों की निंदा करता है जो बिना किसी दिव्य अधिकार के हलाल और हराम के नियम स्वयं बना लेते हैं।

Wamina alibili ithnayni wamina albaqari ithnayni qul aliththakarayni harrama ami alonthayayni amma ishtamalat AAalayhi arhamu alonthayayni am kuntum shuhadaa ith wassakumu Allahu bihatha faman athlamu mimmani iftara AAala Allahi kathiban liyudilla alnnasa bighayri AAilmin inna Allaha la yahdee	**[Regarding "Allah does not guide the wrongdoing people" Who needs the guidance.]**	And of the camels, two and of the cattle, two. Say, "Is it the two males He has forbidden or the two females or that which the wombs of the two females contain? Or were you witnesses when Allah charged you with this? Then who is more unjust than one who invents a lie about Allah to mislead the people by [something] other than knowledge? Indeed, Allah does not guide the wrongdoing people."	6:144	और दो ऊँट की जाति से और दो गाय की जाति से, कहो, "क्या उसने दोनों नर हराम किए है या दोनों मादा को? या उसको जो इन दोनों मादा के पेट में हो? या, तुम उपस्थित थे, जब अल्लाह ने तुम्हें इसका आदेश दिया था? फिर उस व्यक्ति से बढ़कर अत्याचारी कौन होगा जो लोगों को पथभ्रष्ट करने के लिए अज्ञानता-पूर्वक अल्लाह पर झूठ घड़े? निश्चय ही, अल्लाह अत्याचारी लोगों को मार्ग नहीं दिखाता।"	**[“अल्लाह अत्याचारी लोगों को मार्ग नहीं दिखाता” — फिर हिदायत की आवश्यकता किसे है?]**

Qul la ajidu fee ma oohiya ilayya muharraman AAala taAAimin yatAAamuhu illa an yakoona maytatan aw daman masfoohan aw lahma khinzeerin fainnahu rijsun aw fisqan ohilla lighayri Allahi bihi famani idturra ghayra baghin wala AAadin fainna rabbaka ghafoorun raheemun	**[This verse was abrogated by Hadith to clarify the kind of meat which can be eaten. This is one of the cases where the Quran is abrogated by Hadith. At the occasion of Khyber Meat of donkey was prohibited. Same content repeated thrice: 2:173, 6:145, 16:115]**	Say, "I do not find within that which was revealed to me [anything] forbidden to one who would eat it unless it be a dead animal or blood spilled out or the flesh of swine - for indeed, it is impure - or it be [that slaughtered in] disobedience, dedicated to other than Allah. But whoever is forced [by necessity], neither desiring [it] nor transgressing [its limit], then indeed, your Lord is Forgiving and Merciful."	6:145	कह दो, "जो कुछ मेरी ओर प्रकाशना की गई है, उसमें तो मैं नहीं पाता कि किसी खानेवाले पर उसका कोई खाना हराम किया गया हो, सिवाय इसके लिए वह मुरदार हो, यह बहता हुआ रक्त हो या ,सुअर का मांस हो - कि वह निश्चय ही नापाक है - या वह चीज़ जो मर्यादा से हटी हुई हो, जिसपर अल्लाह के अतिरिक्त किसी और का नाम लिया गया हो। इसपर भी जो बहुत विवश और लाचार हो जाए; परन्तु वह अवज्ञाकारी न हो और न हद से आगे बढ़नेवाला हो, तो निश्चय ही तुम्हारा रब अत्यन्त क्षमाशील, दयाबान है।"	**[इस आयत की व्याख्या हदीस द्वारा की गई, जिससे यह स्पष्ट किया गया कि किस प्रकार का मांस खाया जा सकता है। यह उन मामलों में से एक माना जाता है जहाँ हदीस के माध्यम से स्पष्टीकरण दिया गया। ख़ैबर के अवसर पर गधे का मांस निषिद्ध किया गया था। यही विषय तीन स्थानों पर दोहराया गया है: 2:173, 6:145, 16:115.]**

WaAAala allatheena hadoo harramna kulla thee thufurin wamina albaqari waalghanami harramna AAalayhim shuhoomahuma illa ma hamalat thuhooruhuma awi alhawaya aw ma ikhtalata biAAathmin thalika jazaynahum	**[The last part should be: - - - "the fat of ox, sheep or goat" (Leviticus 7:23). Sahih International translated oxen as cattle to cover the missing goat.]**	And to those who are Jews We prohibited every animal of uncloven hoof; and of the cattle and the sheep We prohibited to them their fat, except what adheres to their backs or the entrails or what is joined with bone. [By] that We repaid them for their injustice. And indeed, We are truthful.	6:146	और उन लोगों के लिए जो यहूदी हुए हमने नाख़ूनवाला जानवर हराम किया और गाय और बकरी में से इन दोनों की चरबियाँ उनके लिए हराम कर दी थीं, सिवाय उस (चर्बी) के जो उन दोनों की पीठों या आँखों से लगी हुई या हड्डी से मिली हुई हो। यह बात ध्यान में रखो। हमने उन्हें उनकी सरकशी का बदला दिया था और निश्चय ही हम सच्चे है	[अंतिम भाग इस प्रकार होना चाहिए: — — — "बैल, भेड़ या बकरी की चर्बी" (लैव्यव्यवस्था 7:23)]
Fain kaththabooka faqul rabbukum thoo rahmatin wasiAAatin wala yuraddu basuhu AAani alqawmi almujrimeena	Jews are criminals.	So if they deny you, [O Muhammad], say, "Your Lord is the possessor of vast mercy; but His punishment cannot be repelled from the people who are criminals."	6:147	फिर यदि वे तुम्हें झुठलाएँ तो कह दो, "तुम्हारा रब व्यापक दयालुतावाला है और अपराधियों से उसकी यातना नहीं फिरती।"	यहूदी अपराधी हैं।

Sayaqoolu allatheena ashrakoo law shaa Allahu ma ashrakna wala abaona wala harramna min shayin kathalika kaththaba allatheena min qablihim hatta thaqoo basana qul hal AAindakum min AAilmin fatukhrijoohu lana in tattabiAAoona illa alththanna wain antum illa takhrusoona	**[Verse 6:106 says that turn away from polytheist; however, verse 6:148 is saying to demand them for proof.]**	Those who associated with Allah will say, "If Allah had willed, we would not have associated [anything] and neither would our fathers, nor would we have prohibited anything." Likewise did those before deny until they tasted Our punishment. Say, "Do you have any knowledge that you can produce for us? You follow not except assumption, and you are not but falsifying."	6:148	बहुदेववादी कहेंगे, "यदि अल्लाह चाहता तो न हम साझीदार ठहराते और न हमारे पूर्वज ही; और न हम किसी चीज़ को (बिना अल्लाह के आदेश के) हराम ठहराते।" ऐसे ही उनसे पहले के लोगों ने भी झुठलाया था, यहाँ तक की उन्हें हमारी यातना का मज़ा चखना पड़ा। कहो, "क्या तुम्हारे पास कोई ज्ञान है कि उसे हमारे पास पेश करो? तुम लोग केवल गुमान पर चलते हो और निरे अटकल से काम लेते हो।"	**[आयत 6:106 कहती है कि मुशरिकों (बहुदेववादियों) पर ध्यान न दो; लेकिन आयत 6:148 कहती है कि उनसे प्रमाण माँगो।]**
Qul falillahi alhujjatu albalighatu falaw shaa lahadakum ajmaAAeena	**[If everytthing happens by the will of Allah, then where is the freewill of mankind.]**	Say, "With Allah is the far-reaching argument. If He had willed, He would have guided you all."	6:149	कह दो, "पूर्ण तर्क तो अल्लाह ही का है। अतः यदि वह चाहता तो तुम सबको सीधा मार्ग दिखा देता।"	[यदि सब कुछ अल्लाह की इच्छा से ही होता है, तो फिर मनुष्य की स्वतंत्र इच्छा कहाँ है?]

Qul halumma shuhadaakumu allatheena yashhadoona anna Allaha harrama hatha fain shahidoo fala tashhad maAAahum wala tattabiAA ahwaa allatheena kaththaboo biayatina waallatheena la yuminoona bialakhirati wahum	x	Say, [O Muhammad], "Bring forward your witnesses who will testify that Allah has prohibited this." And if they testify, do not testify with them. And do not follow the desires of those who deny Our verses and those who do not believe in the Hereafter, while they equate [others] with their Lord.	6:150	कह दो, "अपने उन गवाहों को लाओ, जो इसकी गवाही दें कि अल्लाह ने इसे हराम किया है।" फिर यदि वे गवाही दें तो तुम उनके साथ गवाही न देना, औऱ उन लोगों की इच्छाओं का अनुसरण न करना जिन्होंने हमारी आयतों को झुठलाया और जो आख़िरत को नहीं मानते और (जिनका) हाल यह है कि वे दूसरो को अपने रब के समकक्ष ठहराते है	x

Qul taAAalaw atlu ma harrama rabbukum AAalaykum alla tushrikoo bihi shayan wabialwalidayni ihsanan wala taqtuloo awladakum min imlaqin nahnu narzuqukum waiyyahum wala taqraboo alfawahisha ma thahara minha wama batana wala taqtuloo alnnafsa allatee harrama Allahu illa bialhaqqi thalikum wassakum bihi laAAallakum taAAqiloona	**[Here the verse talks about prohibition, but what is prohibited in giving good treatment to parents. Contradiction: Give good care 2:83, 2:215, 4:36, 6:151, 17:23, 46:15, Dissociate with them if they reject Islam, 9:23, 58:22, 60:4]**	Say, "Come, I will recite what your Lord has prohibited to you. [He commands] that you not associate anything with Him, and to parents, good treatment, and do not kill your children out of poverty; We will provide for you and them. And do not approach immoralities - what is apparent of them and what is concealed. And do not kill the soul which Allah has forbidden [to be killed] except by [legal] right. This has He instructed you that you may use reason."	6:151	कह दो, "आओ, मैं तुम्हें सुनाऊँ कि तुम्हारे रब ने तुम्हारे ऊपर क्या पाबन्दियाँ लगाई है: यह कि किसी चीज़ को उसका साझीदार न ठहराओ और माँ-बाप के साथ सद्व वहार करो और निर्धनता के कारण अपनी सन्तान की हत्या न करो; हम तुम्हें भी रोज़ी देते है और उन्हें भी। और अश्लील बातों के निकट न जाओ, चाहे वे खुली हुई हों या छिपी हुई हो। और किसी जीव की, जिसे अल्लाह ने आदरणीय ठहराया है, हत्या न करो। यह और बात है कि हक़ के लिए ऐसा करना पड़े। ये बाते है, जिनकी ताकीद उसने तुम्हें की है, शायद कि तुम बुद्धि से काम लो।	**[यहाँ आयत पाबंदी की बात करती है, लेकिन माता-पिता के साथ अच्छा व्यवहार करने में क्या पाबंदी है? विरोधाभास: माता-पिता की अच्छी देखभाल करो (2:83, 2:215, 4:36, 6:151, 17:23, 46:15); लेकिन यदि वे इस्लाम को अस्वीकार करें तो उनसे संबंध तोड़ लो (9:23, 58:22, 60:4)]**

Wala taqraboo mala alyateemi illa biallatee hiya ahsanu hatta yablugha ashuddahu waawfoo alkayla waalmeezana bialqisti la nukallifu nafsan illa wusAAaha waitha qultum faiAAdiloo walaw kana tha qurba wabiAAahdi Allahi awfoo thalikum wassakum bihi laAAallakum tathakkaroona	Prophet (pbuh) himself was orphan, so there is lot of soft corner for orphans. Also see 90:15-16. **[We do not charge any soul except [with that within] its capacity - Why some people commit suicide.]**	And do not approach the orphan's property except in a way that is best until he reaches maturity. And give full measure and weight in justice. We do not charge any soul except [with that within] its capacity. And when you testify, be just, even if [it concerns] a near relative. And the covenant of Allah fulfill. This has He instructed you that you may remember.	6:152	"और अनाथ के धन को हाथ न लगाओ, किन्तु ऐसे तरीक़े से जो उत्तम हो, यहाँ तक कि वह अपनी युवावस्था को पहुँच जाए। और इनसाफ़ के साथ पूरा-पूरा नापो और तौलो। हम किसी व्यक्ति पर उसी काम की ज़िम्मेदारी का बोझ डालते हैं जो उसकी सामर्थ्य में हो। और जब बात कहो, तो न्याय की कहो, चाहे मामला अपने नातेदार ही का क्यों न हो, और अल्लाह की प्रतिज्ञा को पूरा करो। ये बातें हैं, जिनकी उसने तुम्हें ताकीद की है। आशा है तुम ध्यान रखोगे	पैग़म्बर मुहम्मद (स.) स्वयं अनाथ थे, इसलिए अनाथों के प्रति विशेष सहानुभूति दिखाई देती है। यह भी देखें 90:15–16 [“हम किसी व्यक्ति पर उसकी सामर्थ्य से अधिक बोझ नहीं डालते” — फिर कुछ लोग आत्महत्या क्यों करते हैं?]
Waanna hatha siratee mustaqeeman faittabiAAoohu wala tattabiAAoo alssubula fatafarraqa bikum AAan sabeelihi thalikum wassakum bihi laAAallakum tattaqoona	x	And, [moreover], this is My path, which is straight, so follow it; and do not follow [other] ways, for you will be separated from His way. This has He instructed you that you may become righteous.	6:153	और यह कि यही मेरा सीधा मार्ग है, तो तुम इसी पर चलो और दूसरे मार्गों पर न चलो कि वे तुम्हें उसके मार्ग से हटाकर इधर-उधर कर देंगे। यह वह बात है जिसकी उसने तुम्हें ताकीद की है, ताकि तुम (पथभ्रष्ट ता से) बचो	x

Thumma atayna moosa alkitaba tamaman AAala allathee ahsana watafseelan likulli shayin wahudan warahmatan laAAallahum biliqai rabbihim yuminoona	Moses was given 10 commandments, Torah was written later.	Then We gave Moses the Scripture, making complete [Our favor] upon the one who did good and as a detailed explanation of all things and as guidance and mercy that perhaps in [the matter of] the meeting with their Lord they would believe.	6:154	फिर (देखो) हमने मूसा को किताब दी थी, (धर्म को) पूर्णता प्रदान करने के लिए, जिसे उसने उत्तम रीति से ग्रहण किया था; और हर चीज़ को स्पष्ट रूप से बयान करने, मार्गदर्शन देने और दया करने के लिए, ताकि वे लोग अपने रब से मिलने पर ईमान लाएँ	मूसा को दस आज्ञाएँ दी गई थीं, जबकि तौरात बाद में लिखी गई।
Wahatha kitabun anzalnahu mubarakun faittabiAAoohu waittaqoo laAAallakum	**[Quran was not in a form of book when revealed.]**	And this [Qur'an] is a Book We have revealed [which is] blessed, so follow it and fear Allah that you may receive mercy.	6:155	और यह किताब भी हमने उतारी है, जो बरकतवाली है; तो तुम इसका अनुसरण करो और डर रखो, ताकि तुमपर दया की जाए,	[जब क़ुरआन अवतरित हुआ था, उस समय पुस्तक के रूप में नहीं था।]
An taqooloo innama onzila alkitabu AAala taifatayni min qablina wain kunna AAan dirasatihim laghafileena	**[Arabs were not unaware of Torah and Injeel; infact Khadija's relative Warakha Bin Noufal was a christian who used to write Gospel. There were picture of Jesus and Mary in Kabah; Also there were more than 1 lac prophets and what about their scriptures.]**	[We revealed it] lest you say, "The Scripture was only sent down to two groups before us, but we were of their study unaware,"	6:156	कि कहीं ऐसा न हो कि तुम कहने लगो, "किताब तो केवल हमसे पहले के दो गिरोहों पर उतारी गई थी और हमें तो उनके पढ़ने-पढ़ाने की ख़बर तक न थी।"	**[अरब लोग तौरात और इंजील से अनजान नहीं थे; वास्तव में ख़दीजा के रिश्तेदार वरक़ा बिन नौफ़ल एक ईसाई थे, जो इंजील लिखा करते थे। काबा में ईसा और मरियम की तस्वीरें भी थीं। इसके अलावा एक लाख से अधिक नबी बताए जाते हैं, तो उनके ग्रंथों का क्या हुआ?]**

Aw taqooloo law anna onzila AAalayna alkitabu lakunna ahda minhum faqad jaakum bayyinatun min rabbikum wahudan warahmatun faman athlamu mimman kaththaba biayati Allahi wasadafa AAanha sanajzee allatheena yasdifoona AAan ayatina sooa	x	Or lest you say, "If only the Scripture had been revealed to us, we would have been better guided than they." So there has [now] come to you a clear evidence from your Lord and a guidance and mercy. Then who is more unjust than one who denies the verses of Allah and turns away from them? We will recompense those who turn away from Our verses with the worst of punishment for their having turned	6:157	या यह कहने लगो, "यदि हमपर किताब उतारी गई होती तो हम उनसे बढकर सीधे मार्ग पर होते।" तो अब तुम्हारे पास रब की ओर से एक स्पष्ट प्रमाण, मार्गदर्शन और दयालुता आ चुकी है। अब उससे बढ़कर अत्याचारी कौन होगा जो अल्लाह की आयतों को झुठलाए और दूसरों को उनसे फेरे? जो लोग हमारी आयतों से रोकते हैं, उन्हें हम इस रोकने के कारण जल्द बुरी यातना देंगे	x
Hal yanthuroona illa an tatiyahumu almalaikatu aw yatiya rabbuka aw yatiya baAAdu ayati rabbika yawma yatee baAAdu ayati rabbika la yanfaAAu nafsan eemanuha lam takun amanat min qablu aw kasabat fee eemaniha khayran quli intathiroo inna muntathiroona	**[But verses of Quran are also claimed to be "signs"]**	Do they [then] wait for anything except that the angels should come to them or your Lord should come or that there come some of the signs of your Lord? The Day that some of the signs of your Lord will come no soul will benefit from its faith as long as it had not believed before or had earned through its faith some good. Say, "Wait. Indeed, we [also] are waiting."	6:158	क्या ये लोग केवल इसी की प्रतीक्षा कर रहे है कि उनके पास फ़रिश्ते आ जाएँ या स्वयं तुम्हारा रब की कोई निशानी आ जाएगी, फिर किसी ऐसे व्यक्ति को उसका ईमान कुछ लाभ न पहुँचाएगा जो पहले ईमान न लाया हो या जिसने अपने ईमान में कोई भलाई न कमाई हो। कह दो, ?"तुम भी प्रतीक्षा करो, हम भी प्रतीक्षा करते है।"	**[लेकिन क़ुरआन की आयतों को भी “निशानियाँ ” कहा जाता है।]**

Inna allatheena farraqoo deenahum wakanoo shiyaAAan lasta minhum fee shayin innama amruhum ila Allahi thumma yunabbiohum bima kanoo yafAAaloona	**[Very strongly contradicted by reality through the Islamic history where many sect have been killed each others; Means the prophet (pbuh) has nothing to do with Shia and Sunni's.]**	Indeed, those who have divided their religion and become sects - you, [O Muhammad], are not [associated] with them in anything. Their affair is only [left] to Allah; then He will inform them about what they used to do.	6:159	जिन लोगों ने अपने धर्म के टुकड़े-टुकड़े कर दिए और स्वयं गिरोहों में बँट गए, तुम्हारा उनसे कोई सम्बन्ध नहीं। उनका मामला तो बस अल्लाह के हवाले है। फिर वह उन्हें बता देगा जो कुछ वे किया करते थे	**[यह बात इस्लामी इतिहास की वास्तविकता से काफ़ी मज़बूती से विरोधाभास में दिखाई देती है, जहाँ अनेक फ़िरक़ों ने एक-दूसरे को मारा है; अर्थात पैग़म्बर मुहम्मद (स.) का शिया और सुन्नी से कोई संबंध नहीं]**
Man jaa bialhasanati falahu AAashru amthaliha waman jaa bialssayyiati fala yujza illa mithlaha wahum la yuthlamoona	x	Whoever comes [on the Day of Judgement] with a good deed will have ten times the like thereof [to his credit], and whoever comes with an evil deed will not be recompensed except the like thereof; and they will not be wronged.	6:160	जो कोई अच्छा चरित्र लेकर आएगा उसे उसका दस गुना बदला मिलेगा और जो व्यक्ति बुरा चरित्र लेकर आएगा, उसे उसका बस उतना ही बदला मिलेगा, उनके साथ कोई अन्याय न होगा	x
Qul innanee hadanee rabbee ila siratin mustaqeemin deenan qiyaman millata ibraheema haneefan wama kana mina almushrikeena	x	Say, "Indeed, my Lord has guided me to a straight path - a correct religion - the way of Abraham, inclining toward truth. And he was not among those who associated others with Allah."	6:161	कहो, "मेरे रब ने मुझे सीधा मार्ग दिखा दिया है, बिल्कुल ठीक धर्म, इबराहीम के पंथ की ओर जो सबसे कटकर एक (अल्लाह) का हो गया था और वह बहुदेववादियों में से न था।"	x
Qul inna salatee wanusukee wamahyaya wamamatee lillahi rabbi alAAalameena	x	Say, "Indeed, my prayer, my rites of sacrifice, my living and my dying are for Allah, Lord of the worlds.	6:162	कहो, "मेरी नमाज़ और मेरी क़ुरबानी और मेरा जीना और मेरा मरना सब अल्लाह के लिए है, जो सारे संसार का रब है	x

La shareeka lahu wabithalika omirtu waana awwalu almuslimeena	**[Here the "I" is for Prophet Muhammad (pbuh), then who is speaking, Allah or Messenger. Contradiction: Who was the first Muslim: Prophet Muhammad (pbuh) 6:14, 6:163, 39:12, Moses 7:143, Abraham 2:132, Jesus 3:52, 5:111]**	No partner has He. And this I have been commanded, and I am the first [among you] of the Muslims."	6:163	"उसका कोई साझी नहीं है। मुझे तो इसी का आदेश मिला है और सबसे पहला मुस्लिम (आज्ञाकारी) मैं हूँ।"	**[यहाँ "मैं" पैग़म्बर मुहम्मद (स.) के लिए है, तो फिर बोल कौन रहा है — अल्लाह या रसूल? विरोधाभास: सबसे पहला मुसलमान कौन था — पैग़म्बर मुहम्मद (स.) (6:14, 6:163, 39:12), मूसा (7:143), इब्राहीम (2:132), या ईसा (3:52, 5:111)?]**
Qul aghayra Allahi abghee rabban wahuwa rabbu kulli shayin wala taksibu kullu nafsin illa AAalayha wala taziru waziratun wizra okhra thumma ila rabbikum marjiAAukum fayunabbiokum bima kuntum feehi takhtalifoona	**[Contradiction: Each soul will bear its own burden 2:123, 6:164, 17:15, 35:18, Burden of others as well 16:25, 29:13, 37:33.]**	Say, "Is it other than Allah I should desire as a lord while He is the Lord of all things? And every soul earns not [blame] except against itself, and no bearer of burdens will bear the burden of another. Then to your Lord is your return, and He will inform you concerning that over which you used to differ."	6:164	कहो, "क्या मैं अल्लाह से भिन्न कोई और रब ढूढ़ूँ, जबकि हर चीज़ का रब वही है!" और यह कि प्रत्येक व्यक्ति जो कुछ कमाता है, उसका फल वही भोगेगा; कोई बोझ उठानेवाला किसी दूसरे का बोझ नहीं उठाएगा। फिर तुम्हें अपने रब की ओर लौटकर जाना है। उस समय वह तुम्हें बता देगा, जिसमें परस्पर तुम्हारा मतभेद और झगड़ा था	**[विरोधाभास: हर व्यक्ति अपने ही कर्मों का बोझ उठाएगा (2:123, 6:164, 17:15, 35:18); लेकिन दूसरों का बोझ भी उठाएगा (16:25, 29:13, 37:33)।]**

Wahuwa allathee jaAAalakum khalaifa alardi warafaAAa baAAdakum fawqa baAAdin darajatin liyabluwakum fee ma atakum inna rabbaka sareeAAu alAAiqabi wainnahu laghafoorun raheemun	**[Why would an Almighty God raise some above others.]**	And it is He who has made you successors upon the earth and has raised some of you above others in degrees [of rank] that He may try you through what He has given you. Indeed, your Lord is swift in penalty; but indeed, He is Forgiving and Merciful.	6:165	वही है जिसने तुम्हें धरती में धरती में ख़लीफ़ा (अधिकारी, उत्तराधिकारी) बनाया और तुममें से कुछ लोगों के दर्जे कुछ लोगों की अपेक्षा ऊँचे रखे, ताकि जो कुछ उसने तुमको दिया है उसमें वह तम्हारी ले। निस्संदेह तुम्हारा रब जल्द सज़ा देनेवाला है। और निश्चय ही वही बड़ा क्षमाशील, दयावान है	**[एक सर्वशक्तिमान ईश्वर कुछ लोगों को दूसरों से ऊपर क्यों उठाएगा?]**
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Al Araf (The heights)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**7:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अल-अराफ़ (ऊँचाइयाँ)**
Aliflammeemsad	**[Mysterious letters]**	Alif, Lam, Meem, Sad.	7:1	अलिफ़॰ लाम॰ मीम॰ साद॰	**[रहस्यमय अक्षर]**
Kitabun onzila ilayka fala yakun fee sadrika harajun minhu litunthira bihi wathikra lilmumineena	x	[This is] a Book revealed to you, [O Muhammad] - so let there not be in your breast distress therefrom - that you may warn thereby and as a reminder to the believers.	7:2	यह एक किताब है, जो तुम्हारी ओर उतारी गई है - अतः इससे तुम्हारे सीने में कोई तंगी न हो - ताकि तुम इसके द्वारा सचेत करो और यह ईमानवालों के लिए एक प्रबोधन है;	x
ittabiAAoo ma onzila ilaykum min rabbikum wala tattabiAAoo min doonihi awliyaa qaleelan ma tathakkaroona	**[Allah knows that mankind will not follow guidance.]**	Follow, [O mankind], what has been revealed to you from your Lord and do not follow other than Him any allies. Little do you remember.	7:3	जो कुछ तुम्हारे रब की ओर से तुम्हारी ओर अवतरित हुआ है, उस पर चलो और उसे छोड़कर दूसरे संरक्षक मित्रों का अनुसरण न करो। तुम लोग नसीहत थोड़े ही मानते हो	**[अल्लाह जानते हैं कि मानव मार्गदर्शन का पालन नहीं करेगा।]**

Wakam min qaryatin ahlaknaha fajaaha basuna bayatan aw hum qailoona	**[Allah punishes the disbelievers by surprise when they are sleeping or resting.]**	And how many cities have We destroyed, and Our punishment came to them at night or while they were sleeping at noon.	7:4	कितनी ही बस्तियाँ थीं, जिन्हें हमने विनष्टम कर दिया। उनपर हमारी यातना रात को सोते समय आ पहुँची या (दिन-दहाड़) आई, जबकि वे दोपहर में विश्राम कर रहे थे	**[अल्लाह अविश्वासियों को अचानक सज़ा देते हैं, जब वे सो रहे हों या विश्राम कर रहे हों।]**
Fama kana daAAwahum ith jaahum basuna illa an qaloo inna kunna thalimeena	x	And their declaration when Our punishment came to them was only that they said, "Indeed, we were wrongdoers!"	7:5	जब उनपर यातना आ गई तो इसके सिवा उनके मुँह से कुछ न निकला कि वे पुकार उठे, "वास्तव में हम अत्याचारी थे।"	x
Falanasalanna allatheena orsila ilayhim walanasalanna almursaleena	**[Why Allah will question, He already knows everything.]**	Then We will surely question those to whom [a message] was sent, and We will surely question the messengers.	7:6	अतः हम उन लोगों से अवश्य पूछेंगे, जिनके पास रसूल भेजे गए थे, और हम रसूलों से भी अवश्य पूछेंगे	**[अल्लाह क्यों सवाल करेंगे, जबकि उन्हें पहले से सब कुछ पता है?]**
Falanaqussanna AAalayhim biAAilmin wama kunna ghaibeena	x	Then We will surely relate [their deeds] to them with knowledge, and We were not [at all] absent.	7:7	फिर हम पूरे ज्ञान के साथ उनके सामने सब बयान कर देंगे। हम कही ग़ायब नहीं थे	x
Waalwaznu yawmaithini alhaqqu faman thaqulat mawazeenuhu faolaika humu	If one’s good deeds outweigh one’s bad deeds, the scale is “heavy” and one will enter paradise.	And the weighing [of deeds] that Day will be the truth. So those whose scales are heavy - it is they who will be the successful.	7:8	और बिल्कुल पक्का-सच्चा वज़न उसी दिन होगा। अतः जिनके कर्म वज़न में भारी होंगे, वही सफलता प्राप्त करेंगे	अगर किसी के अच्छे कर्म उसके बुरे कर्मों से अधिक हैं, तो तराज़ू “भारी” होगा और वह स्वर्ग में प्रवेश करेगा।

Waman khaffat mawazeenuhu faolaika allatheena khasiroo anfusahum bima kanoo biayatina yathlimoona	x	And those whose scales are light - they are the ones who will lose themselves for what injustice they were doing toward Our verses.	7:9	और वे लोग जिनके कर्म वज़न में हलके होंगे, तो वही वे लोग हैं, जिन्होंने अपने आपको घाटे में डाला, क्योंकि वे हमारी आयतों का इनकार औऱ अपने ऊपर अत्याचार करते रहे	x
Walaqad makkannakum fee alardi wajaAAalna lakum feeha maAAayisha qaleelan ma	x	And We have certainly established you upon the earth and made for you therein ways of livelihood. Little are you grateful.	7:10	और हमने धरती में तुम्हें अधिकार दिया और उसमें तुम्हारे लिए जीवन-सामग्री रखी। तुम कृतज्ञता थोड़े ही दिखाते हो	x
Walaqad khalaqnakum thumma sawwarnakum thumma qulna lilmalaikati osjudoo liadama fasajadoo illa ibleesa lam yakun mina alssajideena	**[If Iblees/Satan is an angel, then he can not disobey Allah as they don't have freewill. But if he is a jinn, why does Allah blame him for disobeying a command given the Angels. Also why God will ask Angels to commit shirk.]**	And We have certainly created you, [O Mankind], and given you [human] form. Then We said to the angels, "Prostrate to Adam"; so they prostrated, except for Iblees. He was not of those who prostrated.	7:11	हमने तुम्हें पैदा करने का निश्चय किया; फिर तुम्हारा रूप बनाया; फिर हमने फ़रिश्तों से कहो, "आदम को सजदा करो।" तो उन्होंने सजदा किया, सिवाय इबलीस के। वह (इबलीस) सदजा करनेवालों में से न हुआ	**[अगर इब्लीस/शैतान एक फ़रिश्ता है, तो वह अल्लाह की अवज्ञा नहीं कर सकता क्योंकि फ़रिश्तों के पास स्वतंत्र इच्छा नहीं होती। लेकिन अगर वह जिन्न है, तो अल्लाह उसे उस आदेश का उल्लंघन करने के लिए क्यों दोष दे रहे हैं जो फ़रिश्तों को दिया गया था? और अल्लाह फ़रिश्तों से शिर्क (किसी को साझी ठहराना) क्यों करने को कहेंगे?]**

Qala ma manaAAaka alla tasjuda ith amartuka qala ana khayrun minhu khalaqtanee min narin wakhalaqtahu min teenin	x	[Allah] said, "What prevented you from prostrating when I commanded you?" [Satan] said, "I am better than him. You created me from fire and created him from clay."	7:12	कहा, "तुझे किसने सजका करने से रोका, जबकि मैंने तुझे आदेश दिया था?" बोला, "मैं उससे अच्छा हूँ। तूने मुझे अग्नि से बनाया और उसे मिट्टी से बनाया।"	x
Qala faihbit minha fama yakoonu laka an tatakabbara feeha faokhruj innaka mina alssaghireena	Allah expels the Iblees out of Heaven.	[Allah] said, "Descend from Paradise, for it is not for you to be arrogant therein. So get out; indeed, you are of the debased.	7:13	कहा, "उतर जा यहाँ से! तुझे कोई हक़ नहीं है कि यहाँ घमंड करे, तो अब निकल जा; निश्चय ही तू अपमानित है।"	अल्लाह ने इब्लीस को स्वर्ग से निष्कासित कर दिया।
Qala anthirnee ila yawmi yubAAathoona	x	[Satan] said, "Reprieve me until the Day they are resurrected."	7:14	बोला, "मुझे एक दिन तक मुहल्लत दे, जबकि लोग उठाए जाएँगे।"	x
Qala innaka mina almunthareena	**[Allah gave permission to Iblees to misguide mankind till day of Judgement.]**	[Allah] said, "Indeed, you are of those reprieved."	7:15	कहा, "निस्संदेह तुझे मुहल्लत है।"	**[अल्लाह ने इब्लीस को मानवता को कयामत तक भटकाने की अनुमति दी।]**
Qala fabima aghwaytanee laaqAAudanna lahum sirataka almustaqeema	Satan, banished, says he will spend his time tempting the mankind away from the straight path.	[Satan] said, "Because You have put me in error, I will surely sit in wait for them on Your straight path.	7:16	बोला, "अच्छा, इस कारण कि तूने मुझे गुमराही में डाला है, मैं भी तेरे सीधे मार्ग पर उनके लिए घात में अवश्य बैठूँगा	शैतान, जिसे निष्कासित किया गया है, कहता है कि वह अपना समय मानवता को सीधे मार्ग से भटकाने में बिताएगा।

Thumma laatiyannahum min bayni aydeehim wamin khalfihim waAAan aymanihim waAAan shamailihim wala tajidu aktharahum shakireena	**[Iblees also knows the future.]**	Then I will come to them from before them and from behind them and on their right and on their left, and You will not find most of them grateful [to You]."	7:17	"फिर उनके आगे और उनके पीछे और उनके दाएँ और उनके बाएँ से उनके पास आऊँगा। और तू उनमें अधिकतर को कृतज्ञ न पाएगा।"	**[इब्लीस भी भविष्य जानता है।]**
Qala okhruj minha mathooman madhooran laman tabiAAaka minhum laamlaanna jahannama minkum ajmaAAeena	**[Allah gave permission to Iblees to misguide mankind till day of Judgement; however, He will punish those following him.]**	[Allah] said, "Get out of Paradise, reproached and expelled. Whoever follows you among them - I will surely fill Hell with you, all together."	7:18	कहा, "निकल जा यहाँ से! निन्दित ठुकराया हुआ। उनमें से जिस किसी ने भी तेरा अनुसरण किया, मैं अवश्य तुम सबसे जहन्नम को भर दूँगा।"	**[अल्लाह ने इब्लीस को मानवता को कयामत तक भटकाने की अनुमति दी; हालांकि, जो उसका अनुसरण करेंगे उन्हें सज़ा दी जाएगी।]**
Waya adamu oskun anta wazawjuka aljannata fakula min haythu shituma wala taqraba hathihi alshshajarata fatakoona mina alththalimeena	Biblical account (Genesis 2:15-3:19)	And "O Adam, dwell, you and your wife, in Paradise and eat from wherever you will but do not approach this tree, lest you be among the wrongdoers."	7:19	और "ऐ आदम! तुम और तुम्हारी पत्नी दोनों जन्नत में रहो-बसो, फिर जहाँ से चाहो खाओ, लेकिन इस वृक्ष के निकट न जाना, अन्यथा अत्याचारियों में से हो जाओगे।"	बाइबिल का विवरण (उत्पत्ति 2:15–3:19)

Fawaswasa lahuma alshshaytanu liyubdiya lahuma ma wooriya AAanhuma min sawatihima waqala ma nahakuma rabbukuma AAan hathihi alshshajarati illa an takoona malakayni aw takoona mina	**[How could Iblees stay in Paradise to misguide Adam and Even after being expelled 7:18]**	But Satan whispered to them to make apparent to them that which was concealed from them of their private parts. He said, "Your Lord did not forbid you this tree except that you become angels or become of the immortal."	7:20	फिर शैतान ने दोनों को बहकाया, ताकि उनकी शर्मगाहों को, जो उन दोनों से छिपी थीं, उन दोनों के सामने खोल दे। और उसने (इबलीस ने) कहा, "तुम्हारे रब ने तुम दोनों को जो इस वृक्ष से रोका है, तो केवल इसलिए कि ऐसा न हो कि तुम कहीं फ़रिश्ते हो जाओ या कही ऐसा न हो कि तुम्हें अमरता प्राप्त हो जाए।"	**[इब्लीस निष्कासित किए जाने के बाद (7:18) आदम और हव्वा को भटकाने के लिए स्वर्ग में कैसे जा सकता था?]**
Waqasamahuma innee lakuma lamina alnnasiheena	x	And he swore [by Allah] to them, "Indeed, I am to you from among the sincere advisors."	7:21	और उसने उन दोनों के आगे क़समें खाई कि "निश्चय ही मैं तुम दोनों का हितैषी हूँ।"	x
Fadallahuma bighuroorin falamma thaqa alshshajarata badat lahuma sawatuhuma watafiqa yakhsifani AAalayhima min waraqi aljannati wanadahuma rabbuhuma alam anhakuma AAan tilkuma alshshajarati waaqul lakuma inna alshshaytana lakuma AAaduwwun mubeenun	There were trees and leaves in Paradise like earth.	So he made them fall, through deception. And when they tasted of the tree, their private parts became apparent to them, and they began to fasten together over themselves from the leaves of Paradise. And their Lord called to them, "Did I not forbid you from that tree and tell you that Satan is to you a clear enemy?"	7:22	इस प्रकार धोखा देकर उसने उन दोनों को झुका लिया। अन्ततः जब उन्होंने उस वृक्ष का स्वाद लिया, तो उनकी शर्मगाहे एक-दूसरे के सामने खुल गए और वे अपने ऊपर बाग़ के पत्ते जोड़-जोड़कर रखने लगे। तब उनके रब ने उन्हें पुकारा, "क्या मैंने तुम दोनों को इस वृक्ष से रोका नहीं था और तुमसे कहा नहीं था कि शैतान तुम्हारा खुला शत्रु है?"	स्वर्ग में भी पृथ्वी की तरह पेड़ और पत्तियाँ थीं।

Qala rabbana thalamna anfusana wain lam taghfir lana watarhamna lanakoonanna mina alkhasireena	x	They said, "Our Lord, we have wronged ourselves, and if You do not forgive us and have mercy upon us, we will surely be among the losers."	7:23	दोनों बोले, "हमारे रब! हमने अपने आप पर अत्याचार किया। अब यदि तूने हमें क्षमा न किया और हम पर दया न दर्शाई, फिर तो हम घाटा उठानेवालों में से होंगे।"	x
Qala ihbitoo baAAdukum libaAAdin AAaduwwun walakum fee alardi mustaqarrun wamataAAun ila heenin	**[If Adam and Eve were enemies of each other how they lived togather.]**	[Allah] said, "Descend, being to one another enemies. And for you on the earth is a place of settlement and enjoyment for a time."	7:24	कहा, "उतर जाओ! तुम परस्पर एक-दूसरे के शत्रु हो और एक अवधि कर तुम्हारे लिए धरती में ठिकाना और जीवन-सामग्री है।"	**[अगर आदम और हव्वा एक-दूसरे के दुश्मन थे, तो वे साथ कैसे रहते थे?]**
Qala feeha tahyawna wafeeha tamootoona waminha	x	He said, "Therein you will live, and therein you will die, and from it you will be brought forth."	7:25	कहा, "वहीं तुम्हें जीना और वहीं तुम्हें मरना है और उसी में से तुमको निकाला जाएगा।"	x
Ya banee adama qad anzalna AAalaykum libasan yuwaree sawatikum wareeshan walibasu alttaqwa thalika khayrun thalika min ayati Allahi laAAallahum yaththakkaroona	x	O children of Adam, We have bestowed upon you clothing to conceal your private parts and as adornment. But the clothing of righteousness - that is best. That is from the signs of Allah that perhaps they will remember.	7:26	ऐ आदम की सन्तान! हमने तुम्हारे लिए वस्त्र उतारा है कि तुम्हारी शर्मगाहों को छुपाए और रक्षा और शोभा का साधन हो। और धर्मपरायणता का वस्त्र - वह तो सबसे उत्तम है, यह अल्लाह की निशानियों में से है, ताकि वे ध्यान दें	x

Ya banee adama la yaftinannakumu alshshaytanu kama akhraja abawaykum mina aljannati yanziAAu AAanhuma libasahuma liyuriyahuma sawatihima innahu yarakum huwa waqabeeluhu min haythu la tarawnahum inna jaAAalna alshshayateena awliyaa lillatheena	**[Contradiction: Who makes the devil allies of disbeliever, Allah 7:27, Disbeliever themself 7:30]**	O children of Adam, let not Satan tempt you as he removed your parents from Paradise, stripping them of their clothing to show them their private parts. Indeed, he sees you, he and his tribe, from where you do not see them. Indeed, We have made the devils allies to those who do not believe.	7:27	ऐ आदम की सन्तान! कहीं शैतान तुम्हें बहकावे में न डाल दे, जिस प्रकार उसने तुम्हारे माँ-बाप को जन्नत से निकलवा दिया था; उनके वस्त्र उनपर से उतरवा दिए थे, ताकि उनकी शर्मगाहें एक-दूसरे के सामने खोल दे। निस्सदेह वह और उसका गिरोह उस स्थान से तुम्हें देखता है, जहाँ से तुम उन्हें नहीं देखते। हमने तो शैतानों को उन लोगों का मित्र बना दिया है, जो ईमान नहीं रखते	**[विरोधाभास: कौन बनाता है शैतान को काफ़िरों का सहयोगी – अल्लाह (7:27) या काफ़िर स्वयं (7:30)]**
Waitha faAAaloo fahishatan qaloo wajadna AAalayha abaana waAllahu amarana biha qul inna Allaha la yamuru bialfahshai ataqooloona AAala Allahi ma la taAAlamoona	Yes, Almighty God should not allows killing, slavery, discrimination, sex with captives, child sex, plundering etc.	And when they commit an immorality, they say, "We found our fathers doing it, and Allah has ordered us to do it." Say, "Indeed, Allah does not order immorality. Do you say about Allah that which you do not know?"	7:28	और उनका हाल यह है कि जब वे लोग कोई अश्लील कर्म करते है तो कहते है कि "हमने अपने बाप-दादा को इसी तरीक़े पर पाया है और अल्लाह ही ने हमें इसका आदेश दिया है।" कह दो, "अल्लाह कभी अश्लील बातों का आदेश नहीं दिया करता। क्या अल्लाह पर थोपकर ऐसी बात कहते हो, जिसका तुम्हें ज्ञान नहीं?"	हाँ, सर्वशक्तिमान अल्लाह को हत्या, दासता, भेदभाव, बंदियों के साथ यौन संबंध, बाल यौन शोषण, लूटपाट आदि को अनुमति नहीं देनी चाहिए थी।

Qul amara rabbee bialqisti waaqeemoo wujoohakum AAinda kulli masjidin waodAAoohu mukhliseena lahu alddeena kama badaakum taAAoodoona	x	Say, [O Muhammad], "My Lord has ordered justice and that you maintain yourselves [in worship of Him] at every place [or time] of prostration, and invoke Him, sincere to Him in religion." Just as He originated you, you will return [to life] -	7:29	कह दो, "मेरे रब ने तो न्याय का आदेश दिया है और यह कि इबादत के प्रत्येक अवसर पर अपना रुख़ ठीक रखो और निरे उसी के भक्त एवं आज्ञाकारी बनकर उसे पुकारो। जैसे उसने तुम्हें पहली बार पैदा किया, वैसे ही तुम फिर पैदा होगे।"	x
Fareeqan hada wafareeqan haqqa AAalayhimu alddalalatu innahumu ittakhathoo alshshayateena awliyaa min dooni Allahi	**[Contradiction: Who makes the devil allies of disbeliever, Allah 7:27, Disbeliever themself 7:30]**	A group [of you] He guided, and a group deserved [to be in] error. Indeed, they had taken the devils as allies instead of Allah while they thought that they were guided.	7:30	एक गिरोह को उसने मार्ग दिखाया। परन्तु दूसरा गिरोह ऐसा है, जिसके लोगों पर गुमराही चिपककर रह गई। निश्चय ही उन्होंने अल्लाह को छोड़कर शैतानों को अपने मित्र बनाए और समझते यह है कि वे सीधे मार्ग पर हैं	**[विरोधाभास: कौन बनाता है शैतान को काफ़िरों का सहयोगी – अल्लाह (7:27) या काफ़िर स्वयं (7:30)]**
Ya banee adama khuthoo zeenatakum AAinda kulli masjidin wakuloo waishraboo wala tusrifoo innahu la yuhibbu	**[Pickthall translates "place of worship" instead of masjid.]** This verse was revealed as the pagan women used to circumbulate nude around Kabaah. See Sahih Bukhari 369, Sahih Muslim 3028	O children of Adam, take your adornment at every masjid, and eat and drink, but be not excessive. Indeed, He likes not those who commit excess.	7:31	ऐ आदम की सन्तान! इबादत के प्रत्येक अवसर पर शोभा धारण करो; खाओ और पियो, परन्तु हद से आगे न बढ़ो। निश्चय ही, वह हद से आगे बदनेवालों को पसन्द नहीं करता	**[पिकथॉल "मस्जिद" के बजाय "उपासना स्थल" का अनुवाद करते हैं।]** यह आयत उस समय नाज़िल हुई जब मुशरिक औरतें काबा के चारों ओर नग्न अवस्था में तवाफ़ करती थीं। देखें सहीह बुखारी 369, सहीह मुस्लिम 3028।

Qul man harrama zeenata Allahi allatee akhraja liAAibadihi waalttayyibati mina alrrizqi qul hiya lillatheena amanoo fee alhayati alddunya khalisatan yawma alqiyamati kathalika nufassilu alayati liqawmin yaAAlamoona	x	Say, "Who has forbidden the adornment of Allah which He has produced for His servants and the good [lawful] things of provision?" Say, "They are for those who believe during the worldly life [but] exclusively for them on the Day of Resurrection." Thus do We detail the verses for a people who know.	7:32	कहो, "अल्लाह की उस शोभा को जिसे उसने अपने बन्दों के लिए उत्पन्न किया है और आजीविका की पवित्र, अच्छी चीज़ो को किसने हराम कर दिया?" कह दो, "यह सांसारिक जीवन में भी ईमानवालों के लिए हैं; क़ियामत के दिन तो ये केवल उन्हीं के लिए होंगी। इसी प्रकार हम आयतों को उन लोगों के लिए सविस्तार बयान करते है, जो जानना चाहे।"	x
Qul innama harrama rabbiya alfawahisha ma thahara minha wama batana waalithma waalbaghya bighayri alhaqqi waan tushrikoo biAllahi ma lam yunazzil bihi sultanan waan taqooloo AAala Allahi ma la taAAlamoona	Don't discuss things which are not mentioned in Quran about Allah. Sahih Bukhari 343-349 **[Of course God should have forbidden immoralities like making sex slaves, plundering, killing etc.]**	Say, "My Lord has only forbidden immoralities - what is apparent of them and what is concealed - and sin, and oppression without right, and that you associate with Allah that for which He has not sent down authority, and that you say about Allah that which you do not know."	7:33	कह दो, "मेरे रब ने केवल अश्लील कर्मों को हराम किया है - जो उनमें से प्रकट हो उन्हें भी और जो छिपे हो उन्हें भी - और हक़ मारना, नाहक़ ज़्यादती और इस बात को कि तुम अल्लाह का साझीदार ठहराओ, जिसके लिए उसने कोई प्रमाण नहीं उतारा और इस बात को भी कि तुम अल्लाह पर थोपकर ऐसी बात कहो जिसका तुम्हें ज्ञान न हो।"	अल्लाह के बारे में वे बातें न चर्चा करें जो क़ुरआन में नहीं हैं। (सहीह बुख़ारी 343–349) [**बेशक, अल्लाह को अश्लीलताओं जैसे कि यौन दास बनाना, लूटपाट, हत्या आदि को मना करना चाहिए था।**]

Walikulli ommatin ajalun faitha jaa ajaluhum la yastakhiroona saAAatan wala yastaqdimoona	x	And for every nation is a [specified] term. So when their time has come, they will not remain behind an hour, nor will they precede [it].	7:34	प्रत्येक समुदाय के लिए एक नियत अवधि है। फिर जब उसका नियत समय आ जाता है, तो एक घड़ी भर न पीछे हट सकते है और न आगे बढ़ सकते है	x
Ya banee adama imma yatiyannakum rusulun minkum yaqussoona AAalaykum ayatee famani ittaqa waaslaha fala khawfun AAalayhim wala	**[What about self proclaimed false prophets.]**	O children of Adam, if there come to you messengers from among you relating to you My verses, then whoever fears Allah and reforms - there will be no fear concerning them, nor will they grieve.	7:35	ऐ आदम की सन्तान! यदि तुम्हारे पास तुम्हीं में से कोई रसूल आएँ; तुम्हें मेरी आयतें सुनाएँ, तो जिसने डर रखा और सुधार कर लिया तो ऐसे लोगों के लिए न कोई भय होगा और न वे शोकाकुल होंगे	**[स्वयं घोषित झूठे पैग़ंबरों का क्या होगा?]**
Waallatheena kaththaboo biayatina waistakbaroo AAanha olaika ashabu alnnari hum	x	But the ones who deny Our verses and are arrogant toward them - those are the companions of the Fire; they will abide therein eternally.	7:36	रहे वे लोग जिन्होंने हमारी आयतों को झुठलाया और उनके मुक़ाबले में अकड़ दिखाई; वही आगवाले हैं, जिसमें वे सदैव रहेंगे	x

Faman athlamu mimmani iftara AAala Allahi kathiban aw kaththaba biayatihi olaika yanaluhum naseebuhum mina alkitabi hatta itha jaathum rusuluna yatawaffawnahum qaloo ayna ma kuntum tadAAoona min dooni Allahi qaloo dalloo AAanna washahidoo AAala anfusihim annahum kanoo kafireena	**[Those who reject Quran are unjust.]**	And who is more unjust than one who invents about Allah a lie or denies His verses? Those will attain their portion of the decree until when Our messengers come to them to take them in death, they will say, "Where are those you used to invoke besides Allah?" They will say, "They have departed from us," and will bear witness against themselves that they were disbelievers.	7:37	अब उससे बढ़कर अत्याचारी कौन है, जिसने अल्लाह पर मिथ्यारोपण किया या उसकी आयतों को झुठलाया? ऐसे लोगों को उनके लिए लिखा हुआ हिस्सा पहुँचता रहेगा, यहाँ तक कि जब हमारे भेजे हुए (फ़रिश्ते) उनके प्राण ग्रस्त करने के लिए उनके पास आएँगे तो कहेंगे, "कहाँ हैं, वे जिन्हें तुम अल्लाह को छोड़कर पुकारते थे?" कहेंगे, "वे तो हमसे गुम हो गए।" और वे स्वयं अपने विरुद्ध गवाही देंगे कि वास्तव में वे इनकार करनेवाले थे	**[जो लोग क़ुरआन को नकारते हैं, वे अत्याचारी हैं।]**

Qala odkhuloo fee omamin qad khalat min qablikum mina aljinni waalinsi fee alnnari kullama dakhalat ommatun laAAanat okhtaha hatta itha iddarakoo feeha jameeAAan qalat okhrahum lioolahum rabbana haolai adalloona faatihim AAathaban diAAfan mina alnnari qala likullin diAAfun walakin la taAAlamoona	Every time a new nation (batch) will enter into the Hell it curses its sister nation (that went before).	[Allah] will say, "Enter among nations which had passed on before you of jinn and mankind into the Fire." Every time a nation enters, it will curse its sister until, when they have all overtaken one another therein, the last of them will say about the first of them "Our Lord, these had misled us, so give them a double punishment of the Fire. He will say, "For each is double, but you do not know."	7:38	वह कहेगा, "जिन्न और इनसान के जो गिरोह तुमसे पहले गुज़रे हैं, उन्हीं के साथ सम्मिलित होकर तुम भी आग में प्रवेश करो।" जब भी कोई जमाअत प्रवेश करेगी, तो वह अपनी बहन पर लानत करेगी, यहाँ तक कि जब सब उसमें रल-मिल जाएँगे तो उनमें से बाद में आनेवाले अपने से पहलेवाले के विषय में कहेंगे, "हमारे रब! हमें इन्हीं लोगों ने गुमराह किया था; तो तू इन्हें आग की दोहरी यातना दे।" वह कहेगा, "हरेक के लिए दोहरी ही है। किन्तु तुम नहीं जानते।"	हर बार जब कोई नई क़ौम (गिरोह) नरक में प्रवेश करेगी, तो वह अपनी बहन (उनके पहले नरक में प्रवेश करने वाले गिरोह) को शाप देगी।
Waqalat oolahum liokhrahum fama kana lakum AAalayna min fadlin fathooqoo alAAathaba bima kuntum taksiboona	People of the Hell will dispute and curse each other.	And the first of them will say to the last of them, "Then you had not any favor over us, so taste the punishment for what you used to earn."	7:39	और उनमें से पहले आनेवाले अपने से बाद में आनेवालों से कहेंगे, "फिर हमारे मुक़ावाले में तुम्हें कोई श्रेष्ठता प्राप्त नहीं, तो जैसी कुछ कमाई तुम करते रहे हो, उसके बदले में तुम यातना का मज़ा चखो!"	नरक के लोग आपस में झगड़ेंगे और एक-दूसरे को शाप देंगे।

Inna allatheena kaththaboo biayatina waistakbaroo AAanha la tufattahu lahum abwabu alssamai wala yadkhuloona aljannata hatta yalija aljamalu fee sammi alkhiyati	x	Indeed, those who deny Our verses and are arrogant toward them - the gates of Heaven will not be opened for them, nor will they enter Paradise until a camel enters into the eye of a needle. And thus do We recompense the criminals.	7:40	जिन लोगों ने हमारी आयतों को झुठलाया और उनके मुक़ाबले में अकड़ दिखाई, उनके लिए आकाश के द्वार नहीं खोले जाएँगे और न वे जन्नत में प्रवेश करेंग जब तक कि ऊँट सुई के नाके में से न गुज़र जाए। हम अपराधियों को ऐसा ही बदला देते है	x
Lahum min jahannama mihadun wamin fawqihim ghawashin wakathalika najzee alththalimeena	x	They will have from Hell a bed and over them coverings [of fire]. And thus do We recompense the wrongdoers.	7:41	उनके लिए बिछौना जहन्नम का होगा और ओढ़ना भी उसी का। अत्याचारियों को हम ऐसा ही बदला देते है	x
Waallatheena amanoo waAAamiloo alssalihati la nukallifu nafsan illa wusAAaha olaika ashabu aljannati hum feeha	**[Then why people commit suicide.]**	But those who believed and did righteous deeds - We charge no soul except [within] its capacity. Those are the companions of Paradise; they will abide therein eternally.	7:42	इसके विपरित जो लोग ईमान लाए और उन्होंने अच्छे कर्म किए - हम किसी पर उसकी सामर्थ्य से बढ़कर बोझ नहीं डालते - वही लोग जन्नतवाले है। वे उसमें सदैव रहेंगे	**[तो फ़िर लोग आत्महत्या क्यों करते हैं?]**

WanazaAAna ma fee sudoorihim min ghillin tajree min tahtihimu alanharu waqaloo alhamdu lillahi allathee hadana lihatha wama kunna linahtadiya lawla an hadana Allahu laqad jaat rusulu rabbina bialhaqqi wanoodoo an tilkumu aljannatu oorithtumooha bima kuntum taAAmaloona	x	And We will have removed whatever is within their breasts of resentment, [while] flowing beneath them are rivers. And they will say, "Praise to Allah, who has guided us to this; and we would never have been guided if Allah had not guided us. Certainly the messengers of our Lord had come with the truth." And they will be called, "This is Paradise, which you have been made to inherit for what you used to do."	7:43	उनके सीनों में एक-दूसरे के प्रति जो रंजिश होगी, उसे हम दूर कर देंगे; उनके नीचें नहरें बह रही होंगी और वे कहेंगे, "प्रशंसा अल्लाह के लिए है, जिसने इसकी ओर हमारा मार्गदर्शन किया। और यदि अल्लाह हमारा मार्गदर्शन न करतो तो हम कदापि मार्ग नहीं पा सकते थे। हमारे रब के रसूल निस्संदेह सत्य लेकर आए थे।" और उन्हें आवाज़ दी जाएगी, "यह जन्नत है, जिसके तुम वारिस बनाए गए। उन कर्मों के बदले में जो तुम करते रहे थे।"	x
Wanada ashabu aljannati ashaba alnnari an qad wajadna ma waAAadana rabbuna haqqan fahal wajadtum ma waAAada rabbukum haqqan qaloo naAAam faaththana muaththinun baynahum an laAAnatu Allahi AAala	**[Residents of Paradise and Hell will talk to each other; Also every thing is predestined as mentioned here; Contradiction: People of Heaven will not hear the sound of Hell 21:102, They will hear, 7:44, 7:50]**	And the companions of Paradise will call out to the companions of the Fire, "We have already found what our Lord promised us to be true. Have you found what your Lord promised to be true?" They will say, "Yes." Then an announcer will announce among them, "The curse of Allah shall be upon the wrongdoers."	7:44	जन्नतवाले आगवालों को पुकारेंगे, "हमसे हमारे रब ने जो वादा किया था, उसे हमने सच पाया। तो क्या तुमसे तुम्हारे रब ने जो वादा कर रखा था, तुमने भी उसे सच पाया?" वे कहेंगे, "हाँ।" इतने में एक पुकारनेवाला उनके बीच पुकारेगा, "अल्लाह की फिटकार है अत्याचारियों पर।"	**[स्वर्ग और नरक के निवासी एक-दूसरे से बात करेंगे; साथ ही यहाँ यह भी बताया गया है कि हर चीज़ पहले से तय है।]**

Allatheena yasuddoona AAan sabeeli Allahi wayabghoonaha AAiwajan wahum bialakhirati	x	Who averted [people] from the way of Allah and sought to make it [seem] deviant while they were, concerning the Hereafter, disbelievers.	7:45	जो अल्लाह के मार्ग से रोकते और उसे टेढ़ा करना चाहते है और जो आख़िरत का इनकार करते है,	x
Wabaynahuma hijabun waAAala alaAArafi rijalun yaAArifoona kullan biseemahum wanadaw ashaba aljannati an salamun AAalaykum lam yadkhulooha wahum yatmaAAoona	There will be a partition in between (verse 57:13 there will be a wall with gate. **Companions of elevations:** People whose good and bad deeds are equal. Therefore, they are stopped there on the wall until Allah judges them.	And between them will be a partition, and on [its] elevations are men who recognize all by their mark. And they call out to the companions of Paradise, "Peace be upon you." They have not [yet] entered it, but they long intensely.	7:46	और इन दोनों के मध्य एक ओट होगी। और ऊँचाइयों पर कुछ लोग होंगे जो प्रत्येक को उसके लक्षणों से पहचानते होंगे, और जन्नतवालों से पुकारकर कहेंगे, "तुम पर सलाम है।" वे अभी जन्नत में प्रविष्ट तो नहीं हुए होंगे, यद्यपि वे आस लगाए होंगे	बीच में एक अवरोध (पर्दा) होगा (आयत 57:13 के अनुसार वहाँ एक दीवार और द्वार होगा)। ऊँचाइयों के लोग: वे लोग जिनके अच्छे और बुरे कर्म बराबर हैं। इसलिए उन्हें उस दीवार पर रोक दिया जाएगा जब तक कि अल्लाह उनका न्याय न कर दें।
Waitha surifat absaruhum tilqaa ashabi alnnari qaloo rabbana la tajAAalna maAAa alqawmi	x	And when their eyes are turned toward the companions of the Fire, they say, "Our Lord, do not place us with the wrongdoing people."	7:47	और जब उनकी निगाहें आगवालों की ओर फिरेंगी, तो कहेंगे, "हमारे रब, हमें अत्याचारी लोगों में न सम्मिलित न करना।"	x
Wanada ashabu alaAArafi rijalan yaAArifoonahum biseemahum qaloo ma aghna AAankum jamAAukum wama kuntum tastakbiroona	x	And the companions of the Elevations will call to men [within Hell] whom they recognize by their mark, saying, "Of no avail to you was your gathering and [the fact] that you were arrogant."	7:48	और ये ऊँचाइयोंवाले कुछ ऐसे लोगों से, जिन्हें ये उनके लक्षणों से पहचानते हैं, कहेंगे, "तुम्हारे जत्थे तो तुम्हारे कुछ काम न आए और न तुम्हारा अकड़ते रहना ही।	x

Ahaolai allatheena aqsamtum la yanaluhumu Allahu birahmatin odkhuloo aljannata la khawfun AAalaykum wala antum tahzanoona	x	[Allah will say], "Are these the ones whom you [inhabitants of Hell] swore that Allah would never offer them mercy? Enter Paradise, [O People of the Elevations]. No fear will there be concerning you, nor will you grieve."	7:49	"क्या ये वही हैं ना, जिनके विषय में तुम क़समें खाते थे कि अल्लाह उनपर अपनी दया-दृष्टि न करेगा।" "जन्नत में प्रवेश करो, तुम्हारे लिए न कोई भय है और न तुम्हें कोई शोक होगा।"	x
Wanada ashabu alnari ashaba aljannati an afeedoo AAalayna mina almai aw mimma razaqakumu Allahu qaloo inna Allaha harramahuma AAala alkafireena	There will be clear communication between paradise and hell, a **[Most likely people will communicate in Arabic; Contradiction: People of Heaven will not hear the sound of Hell 21:102, They will hear, 7:44, 7:50.]**	And the companions of the Fire will call to the companions of Paradise, "Pour upon us some water or from whatever Allah has provided you." They will say, "Indeed, Allah has forbidden them both to the disbelievers."	7:50	आगवाले जन्नतवालों को पुकारेंगे कि ,"थोड़ा पानी हमपर बहा दो, या उन चीज़ों में से कुछ दे दो जो अल्लाह ने तुम्हें दी हैं।" वे कहेंगे, "अल्लाह ने तो ये दोनों चीज़ें इनकार करनेवालों के लिए वर्जित कर दी है।"	स्वर्ग और नरक के बीच स्पष्ट संवाद होगा, **[संभावना है कि लोग अरबी में संवाद करेंगे।]**
Allatheena ittakhathoo deenahum lahwan walaAAiban wagharrathumu alhayatu alddunya faalyawma nansahum kama nasoo liqaa yawmihim hatha wama kanoo	x	Who took their religion as distraction and amusement and whom the worldly life deluded." So today We will forget them just as they forgot the meeting of this Day of theirs and for having rejected Our verses.	7:51	उनके लिए जिन्होंने अपना धर्म खेल-तमाशा ठहराया और जिन्हें सांसारिक जीवन ने धोखे में डाल दिया, तो आज हम भी उन्हें भुला देंगे, जिस प्रकार वे अपने इस दिन की मुलाक़ात को भूले रहे और हमारी आयतों का इनकार करते रहे	x

Walaqad jinahum bikitabin fassalnahu AAala AAilmin hudan warahmatan liqawmin yuminoona	**[There are hardly any detailed knowledge, otherwise there would not have been so many opinions and interpretations amoung Muslims.]**	And We had certainly brought them a Book which We detailed by knowledge - as guidance and mercy to a people who believe.	7:52	और निश्चय ही हम उनके पास एक ऐसी किताब ले आए है, जिसे हमने ज्ञान के आधार पर विस्तृत किया है, जो ईमान लानेवालों के लिए मार्गदर्शन और दयालुता है	**[वास्तव में बहुत कम विस्तृत ज्ञान उपलब्ध है, अन्यथा मुसलमानों के बीच इतने सारे मत और व्याख्याएँ नहीं होतीं।]**
Hal yanthuroona illa taweelahu yawma yatee taweeluhu yaqoolu allatheena nasoohu min qablu qad jaat rusulu rabbina bialhaqqi fahal lana min shufaAAaa fayashfaAAoo lana aw nuraddu fanaAAmala ghayra allathee kunna naAAmalu qad khasiroo anfusahum wadalla AAanhum ma kanoo yaftaroona	x	Do they await except its result? The Day its result comes those who had ignored it before will say, "The messengers of our Lord had come with the truth, so are there [now] any intercessors to intercede for us or could we be sent back to do other than we used to do?" They will have lost themselves, and lost from them is what they used to invent.	7:53	क्या वे लोग केवल इसी की प्रतीक्षा में है कि उसकी वास्तविकता और परिणाम प्रकट हो जाए? जिस दिन उसकी वास्तविकता सामने आ जाएगी, तो वे लोग इससे पहले उसे भूले हुए थे, बोल उठेंगे, "वास्तव में, हमारे रब के रसूल सत्य लेकर आए थे। तो क्या हमारे कुछ सिफ़ारिशी है, जो हमारी सिफ़ारिश कर दें या हमें वापस भेज दिया जाए कि जो कुछ हम करते थे उससे भिन्न कर्म करें?" उन्होंने अपने आपको घाटे में डाल दिया और जो कुछ वे झूठ घढ़ते थे, वे सब उनसे गुम होकर रह गए	x

Inna rabbakumu Allahu allathee khalaqa alssamawati waalarda fee sittati ayyamin thumma istawa AAala alAAarshi yughshee allayla alnnahara yatlubuhu hatheethan waalshshamsa waalqamara waalnnujooma musakhkharatin biamrihi ala lahu alkhalqu waalamru tabaraka Allahu	**[Human character in Allah; Night can not cover day. Also there is continuous night and day all over earth. Allah here creates the universe in six days, as he does at 10:3, 11:7, 25:59, 32:4, and 50:38. However, at 41:9-12, he does it in eight days.]**	Indeed, your Lord is Allah, who created the heavens and earth in six days and then established Himself above the Throne. He covers the night with the day, [another night] chasing it rapidly; and [He created] the sun, the moon, and the stars, subjected by His command. Unquestionably, His is the creation and the command; blessed is Allah, Lord of the worlds.	7:54	निस्संदेह तुम्हारा रब वही अल्लाह है, जिसने आकाशों और धरती को छह दिनों में पैदा किया - फिर राजसिंहासन पर विराजमान हुआ। वह रात को दिन पर ढाँकता है जो तेज़ी से उसका पीछा करने में सक्रिय है। और सूर्य, चन्द्रमा और तारे भी बनाए, इस प्रकार कि वे उसके आदेश से काम में लगे हुए है। सावधान रहो, उसी की सृष्टि है और उसी का आदेश है। अल्लाह सारे संसार का रब, बड़ी बरकतवाला है	**[अल्लाह में मानवीय गुण दिखाए गए हैं; रात दिन को ढक नहीं सकती, और पृथ्वी पर लगातार कहीं न कहीं दिन और रात होते रहते हैं। यहाँ अल्लाह ब्रह्मांड को छह दिनों में बनाता है, जैसा कि 10:3, 11:7, 25:59, 32:4 और 50:38 में भी बताया गया है। लेकिन 41:9–12 में इसे आठ दिनों में बताया गया है।]**
OdAAoo rabbakum tadarruAAan wakhufyatan innahu la yuhibbu almuAAtadeena	x	Call upon your Lord in humility and privately; indeed, He does not like transgressors.	7:55	अपने रब को गिड़गिड़ाकर और चुपके-चुपके पुकारो। निश्चय ही वह हद से आगे बढ़नेवालों को पसन्द नहीं करता	x
Wala tufsidoo fee alardi baAAda islahiha waodAAoohu khawfan watamaAAan inna rahmata Allahi qareebun mina almuhsineena	**[Quran asserts that corruption is not believing in Allah while killing, raping and looting are nothing compared to that; Qaribun should be Qariba.]**	And cause not corruption upon the earth after its reformation. And invoke Him in fear and aspiration. Indeed, the mercy of Allah is near to the doers of good.	7:56	और धरती में उसके सुधार के पश्चात बिगाड़ न पैदा करो। भय और आशा के साथ उसे पुकारो। निश्चय ही, अल्लाह की दयालुता सत्कर्मी लोगों के निकट है	**[क़ुरआन यह बताता है कि असली भ्रष्टाचार अल्लाह पर ईमान न लाना है, और उसके मुकाबले हत्या, बलात्कार और लूटपाट कुछ भी नहीं माने जाते; "क़रीबुन" की जगह "क़रीबा" होना चाहिए।]**

Wahuwa allathee yursilu alrriyaha bushran bayna yaday rahmatihi hatta itha aqallat sahaban thiqalan suqnahu libaladin mayyitin faanzalna bihi almaa faakhrajna bihi min kulli alththamarati kathalika nukhriju almawta laAAallakum	**[Natural phenomena do not belong to any one religion; they exist on their own, independent of beliefs.]**	And it is He who sends the winds as good tidings before His mercy until, when they have carried heavy rainclouds, We drive them to a dead land and We send down rain therein and bring forth thereby [some] of all the fruits. Thus will We bring forth the dead; perhaps you may be reminded.	7:57	और वही है जो अपनी दयालुता से पहले शुभ सूचना देने को हवाएँ भेजता है, यहाँ तक कि जब वे बोझल बादल को उठा लेती है तो हम उसे किसी निर्जीव भूमि की ओर चला देते है, फिर उससे पानी बरसाते है, फिर उससे हर तरह के फल निकालते है। इसी प्रकार हम मुर्दों को मृत अवस्था से निकालेगे - ताकि तुम्हें ध्यान हो	**[प्राकृतिक घटनाएँ किसी एक धर्म की नहीं होतीं; वे अपने आप होती हैं और मान्यताओं से स्वतंत्र होती हैं।]**
Waalbaladu alttayyibu yakhruju nabatuhu biithni rabbihi waallathee khabutha la yakhruju illa nakidan kathalika nusarrifu alayati liqawmin yashkuroona	**[If vegetation emerges on good land by Allah's permission, then who is the caretaker of bad land.]**	And the good land - its vegetation emerges by permission of its Lord; but that which is bad - nothing emerges except sparsely, with difficulty. Thus do We diversify the signs for a people who are grateful.	7:58	और अच्छी भूमि के पेड़-पौधे उसके रब के आदेश से निकलते है और जो भूमि ख़राब हो गई है तो उससे निकम्मी पैदावार के अतिरिक्त कुछ नहीं निकलता। इसी प्रकार हम निशानियों को उन लोगों के लिए तरह-तरह से बयान करते है, जो कृतज्ञता दिखानेवाले है	**[यदि अच्छी ज़मीन पर अल्लाह की अनुमति से वनस्पति उगती है, तो बंजर ज़मीन की देखभाल कौन करता है?]**

Laqad arsalna noohan ila qawmihi faqala ya qawmi oAAbudoo Allaha ma lakum min ilahin ghayruhu innee akhafu AAalaykum AAathaba yawmin AAatheemin	x	We had certainly sent Noah to his people, and he said, "O my people, worship Allah; you have no deity other than Him. Indeed, I fear for you the punishment of a tremendous Day.	7:59	हमने नूह को उसकी क़ौम के लोगों की ओर भेजा, तो उसने कहा, "ऐ मेरी क़ौम के लोगो! अल्लाह की बन्दगी करो। उसके अतिरिक्त तुम्हारा कोई पूज्य नहीं। मैं तुम्हारे लिए एक बड़े दिन का यातना से डरता हूँ।"	x
Qala almalao min qawmihi inna lanaraka fee dalalin mubeenin	x	Said the eminent among his people, "Indeed, we see you in clear error."	7:60	उसकी क़ौम के सरदारों ने कहा, "हम तो तुम्हें खुली गुमराही में पड़ा देख रहे है।"	x
Qala ya qawmi laysa bee dalalatun walakinnee rasoolun min rabbi alAAalameena	x	[Noah] said, "O my people, there is not error in me, but I am a messenger from the Lord of the worlds."	7:61	उसने कहा, "ऐ मेरी क़ौम के लोगों! किसी गुमराही का मुझसे सम्बन्ध नहीं, बल्कि मैं सारे संसार के रब का एक रसूल हूँ। -	x
Oballighukum risalati rabbee waansahu lakum waAAlamu mina Allahi ma la	x	I convey to you the messages of my Lord and advise you; and I know from Allah what you do not know.	7:62	"अपने रब के सन्देश पहुँचता हूँ और तुम्हारा हित चाहता हूँ, और मैं अल्लाह की ओर से वह कुछ जानता हूँ, जो तुम नहीं जानते।"	x

AwaAAajibtum an jaakum thikrun min rabbikum AAala rajulin minkum liyunthirakum walitattaqoo walaAAallakum turhamoona	x	Then do you wonder that there has come to you a reminder from your Lord through a man from among you, that he may warn you and that you may fear Allah so you might receive mercy."	7:63	क्या (तुमने मुझे झूठा समझा) और तुम्हें इस पार आश्चर्य हुआ कि तुम्हारे पास तुम्हीं में से एक आदमी के द्वारा तुम्हारे रब की नसीहत आई? ताकि वह तुम्हें सचेत कर दे और ताकि तुम डर रखने लगो और शायद कि तुमपर दया की जाए	x
Fakaththaboohu faanjaynahu waallatheena maAAahu fee alfulki waaghraqna allatheena kaththaboo biayatina innahum kanoo qawman	x	But they denied him, so We saved him and those who were with him in the ship. And We drowned those who denied Our signs. Indeed, they were a blind people.	7:64	किन्तु उन्होंने झुठला दिया। अन्ततः हमने उसे और उन लोगों को जो उसके साथ एक नौका में थे, बचा लिया और जिन लोगों ने हमारी आयतों को ग़लत समझा, उन्हें हमने डूबो दिया। निश्चय ही वे अन्धे लोग थे	x
Waila AAadin akhahum hoodan qala ya qawmi oAAbudoo Allaha ma lakum min ilahin ghayruhu afala tattaqoona	x	And to the 'Aad [We sent] their brother Hud. He said, "O my people, worship Allah; you have no deity other than Him. Then will you not fear Him?"	7:65	और आद की ओर उनके भाई हूद को भेजा। उसने कहा, "ऐ मेरी क़ौम के लोगो! अल्लाह की बन्दगी करो, उसके अतिरिक्त तुम्हारा कोई पूज्य नहीं। तो क्या (इसे सोचकर) तुम डरते नहीं?"	x

Qala almalao allatheena kafaroo min qawmihi inna lanaraka fee safahatin wainna lanathunnuka mina	**[Why would the eminents always disbelieve their prophets, very similar to the nobles of the Quraysh.]**	Said the eminent ones who disbelieved among his people, "Indeed, we see you in foolishness, and indeed, we think you are of the liars."	7:66	उसकी क़ौम के इनकार करनेवाले सरदारों ने कहा, "वास्तव में, हम तो देखते है कि तुम बुद्धिहीनता में ग्रस्त हो और हम तो तुम्हें झूठा समझते है।"	**[सरदार लोग अक्सर अपने नबियों का इंकार क्यों करते थे? यह क़ुरैश के सरदारों जैसा ही लगता है।]**
Qala ya qawmi laysa bee safahatun walakinnee rasoolun min rabbi alAAalameena	x	[Hud] said, "O my people, there is not foolishness in me, but I am a messenger from the Lord of the worlds."	7:67	उसने कहा, "ऐ मेरी क़ौम के लोगो! मैं बुद्धिहीनता में कदापि ग्रस्त नहीं हूँ। परन्तु मैं सारे संसार के रब का रसूल हूँ।-	x
Oballighukum risalati rabbee waana lakum nasihun ameenun	x	I convey to you the messages of my Lord, and I am to you a trustworthy adviser.	7:68	"तुम्हें अपने रब के संदेश पहुँचता हूँ और मैं तुम्हारा विश्वस्त हितैषी हूँ	x
AwaAAajibtum an jaakum thikrun min rabbikum AAala rajulin minkum liyunthirakum waothkuroo ith jaAAalakum khulafaa min baAAdi qawmi noohin wazadakum fee alkhalqi bastatan faothkuroo alaa Allahi laAAallakum tuflihoona	**[Why would an Almighty God will favor one nation.]**	Then do you wonder that there has come to you a reminder from your Lord through a man from among you, that he may warn you? And remember when He made you successors after the people of Noah and increased you in stature extensively. So remember the favors of Allah that you might succeed.	7:69	"क्या (तुमने मुझे झूठा समझा) और तुम्हें इसपर आश्चर्य हुआ कि तुम्हारे पास तुम्हीं में से एक आदमी के द्वारा तुम्हारे रब की नसीहत आई, ताकि वह तुम्हें सचेत करे? और याद करो, जब उसने नूह की क़ौम के पश्चात तुम्हें उसका उत्तराधिकारी बनाया और शारीरिक दृष्टि से भी तुम्हें अधिक विशालता प्रदान की। अतः अल्लाह की सामर्थ्य के चमत्कारो को याद करो, ताकि तुम्हें सफलता प्राप्त हो।"	**[एक सर्वशक्तिमान ईश्वर किसी एक क़ौम को क्यों उत्तराधिकार देगा?]**

Qaloo ajitana linaAAbuda Allaha wahdahu wanathara ma kana yaAAbudu abaona fatina bima taAAiduna in kunta mina alssadiqeena	**[Isn't it striking that people in past stories also behaved much like the Quraysh?]**	They said, "Have you come to us that we should worship Allah alone and leave what our fathers have worshipped? Then bring us what you promise us, if you should be of the truthful."	7:70	वे बोले, "क्या तुम हमारे पास इसलिए आए हो कि अकेले अल्लाह की हम बन्दगी करें और जिनको हमारे बाप-दादा पूजते रहे है, उन्हें छोड़ दें? अच्छा, तो जिसकी तुम हमें धमकी देते हो, उसे हमपर ले आओ, यदि तुम सच्चे हो।"	**[क्या यह आश्चर्यजनक नहीं है कि पिछली कथाओं के लोग भी क़ुरैश की तरह ही व्यवहार करते थे?]**
Qala qad waqaAAa AAalaykum min rabbikum rijsun waghadabun atujadiloonanee fee asmain sammaytumooha antum waabaokum ma nazzala Allahu biha min sultanin faintathiroo innee maAAakum mina almuntathireena	x	[Hud] said, "Already have defilement and anger fallen upon you from your Lord. Do you dispute with me concerning [mere] names you have named them, you and your fathers, for which Allah has not sent down any authority? Then wait; indeed, I am with you among those who wait."	7:71	उसने कहा, "तुम पर तो तुम्हारे रब की ओर से नापाकी थोप दी गई है और प्रकोप टूट पड़ा है। क्या तुम मुझसे उन नामों के लिए झगड़ते हो जो तुमने और तुम्हारे बाप-दादा ने रख छोड़े है, जिनके लिए अल्लाह ने कोई प्रमाण नहीं उतारा? अच्छा, तो तुम भी प्रतीक्षा करो, मैं भी तुम्हारे साथ प्रतीक्षा करता हूँ।"	x
Faanjaynahu waallatheena maAAahu birahmatin minna waqataAAna dabira allatheena kaththaboo biayatina wama	**[Allah destroys those who worship idols and deny their messengers; however, still these practices are everywhere in world.]**	So We saved him and those with him by mercy from Us. And We eliminated those who denied Our signs, and they were not [at all] believers.	7:72	फिर हमने अपनी दयालुता से उसको और जो लोग उसके साथ थे उन्हें बचा लिया और उन लोगों की जड़ काट दी, जिन्होंने हमारी आयतों को झुठलाया था और ईमानवाले न थे	**[अल्लाह उन लोगों को नष्ट करता है जो मूर्तियों की पूजा करते हैं और उसके रसूलों को झुठलाते हैं; फिर भी ये प्रथाएँ आज भी दुनिया भर में मौजूद हैं।]**

Waila thamooda akhahum salihan qala ya qawmi oAAbudoo Allaha ma lakum min ilahin ghayruhu qad jaatkum bayyinatun min rabbikum hathihi naqatu Allahi lakum ayatan fatharooha takul fee ardi Allahi wala tamassooha bisooin fayakhuthakum AAathabun aleemun	**[In tribe Thamud, prophet Salih brought them a she-camel and told it was a proof from Allah. Probably the camel came out of a rock.]**	And to the Thamud [We sent] their brother Salih. He said, "O my people, worship Allah; you have no deity other than Him. There has come to you clear evidence from your Lord. This is the she-camel of Allah [sent] to you as a sign. So leave her to eat within Allah 's land and do not touch her with harm, lest there seize you a painful punishment.	7:73	और समूद की ओर उनके भाई सालेह को भेजा। उसने कहा, "ऐ मेरी क़ौम के लोगो! अल्लाह की बन्दगी करो। उसके अतिरिक्त तुम्हारा कोई पूज्य नहीं। तुम्हारे पास तुम्हारे रब की ओर से एक स्पष्ट प्रमाण आ चुका है। यह अल्लाह की ऊँटनी तुम्हारे लिए एक निशानी है। अतः इसे छोड़ दो कि अल्लाह की धरती में खाए। और तकलीफ़ पहुँचाने के लिए इसे हाथ न लगाना, अन्यथा तुम्हें एक दुखद यातना आ लेगी।-	**[क़ौम समूद में नबी सालेह उनके पास एक ऊँटनी लाए और कहा कि यह अल्लाह की ओर से एक निशानी है। संभवतः यह ऊँटनी चट्टान से निकली थी।]**
Waothkuroo ith jaAAalakum khulafaa min baAAdi AAadin wabawwaakum fee alardi tattakhithoona min suhooliha qusooran watanhitoona aljibala buyootan faothkuroo alaa Allahi wala taAAthaw fee alardi	x	And remember when He made you successors after the 'Aad and settled you in the land, [and] you take for yourselves palaces from its plains and carve from the mountains, homes. Then remember the favors of Allah and do not commit abuse on the earth, spreading corruption."	7:74	और याद करो जब अल्लाह ने आद के पश्चात तुम्हें उसका उत्तराधिकारी बनाया और धरती में तुम्हें ठिकाना प्रदान किया। तुम उसके समतल मैदानों में महल बनाते हो और पहाड़ो को काट-छाँट कर भवनों का रूप देते हो। अतः अल्लाह की सामर्थ्य के चमत्कारों को याद करो और धरती में बिगाड़ पैदा करते न फिरो।"	x

Qala almalao allatheena istakbaroo min qawmihi lillatheena istudAAifoo liman amana minhum ataAAlamoona anna salihan mursalun min rabbihi qaloo inna bima orsila bihi muminoona	**[Again the eminents are culprits. Also see 7:60, 7:66]**	Said the eminent ones who were arrogant among his people to those who were oppressed - to those who believed among them, "Do you [actually] know that Salih is sent from his Lord?" They said, "Indeed we, in that with which he was sent, are believers."	7:75	उसकी क़ौम के सरदार, जो बड़े बने हुए थे, उन कमज़ोर लोगों से, जो उनमें ईमान लाए थे, कहने लगे, "क्या तुम जानते हो कि सालेह अपने रब का भेजा हुआ (पैग़म्बर) है?" उन्होंने कहा, "निस्संदेह जिस चीज़ के साथ वह भेजा गया है, हम उसपर ईमान रखते है।"	**[फिर से सरदार लोग ही दोषी हैं; 7:60 और 7:66 भी देखें।]**
Qala allatheena istakbaroo inna biallathee amantum bihi kafiroona	x	Said those who were arrogant, "Indeed we, in that which you have believed, are disbelievers."	7:76	उन घमंड करनेवालों ने कहा, "जिस चीज़ पर तुम ईमान लाए हो, हम तो उसको नहीं मानते।"	x
FaAAaqaroo alnnaqata waAAataw AAan amri rabbihim waqaloo ya salihu itina bima taAAiduna in kunta mina almursaleena	hamstrung = cut the tendons.	So they hamstrung the she-camel and were insolent toward the command of their Lord and said, "O Salih, bring us what you promise us, if you should be of the messengers."	7:77	फिर उन्होंने उस ऊँटनी की कूचें काट दीं और अपने रब के आदेश की अवहेलना की और बोले, "ऐ सालेह! हमें तू जिस चीज़ की धमकी देता है, उसे हमपर ले आ, यदि तू वास्तव में रसूलों में से है।"	कूचें = मांसपेशियों को हड्डियों से जोड़ने वाली मजबूत रेशेदार नस
Faakhathathumu alrrajfatu faasbahoo fee darihim jathimeena	**[Contradiction: Thalmud were killed by: 7:78 earth-quake, 69:5 blast / lightening, 11:67 Awful cry ; Also earthquake never kills all inhabitants of one locality.]**	So the earthquake seized them, and they became within their home [corpses] fallen prone.	7:78	अन्ततः एक हिला मारनेवाली आपदा ने उन्हें आ लिया और वे अपने घरों में आँधे पड़े रह गए	**[विरोधाभास: समूद क़ौम को मारा गया: 7:78 में भूकंप, 69:5 में धमाका/बिजली, और 11:67 में भयानक चीख; साथ ही, भूकंप आम तौर पर किसी एक स्थान के सभी लोगों को पूरी तरह नहीं मारता।]**

Fatawalla AAanhum waqala ya qawmi laqad ablaghtukum risalata rabbee wanasahtu lakum walakin la tuhibboona alnnasiheena	**[To whom Saleh was taking, if everyone died.]**	And he turned away from them and said, "O my people, I had certainly conveyed to you the message of my Lord and advised you, but you do not like advisors."	7:79	फिर वह यह कहता हुआ उनके यहाँ से फिरा, "ऐ मेरी क़ौम के लोगों! मैं तो तुम्हें अपने रब का संदेश पहुँचा चुका और मैंने तुम्हारा हित चाहा। परन्तु तुम्हें अपने हितैषी पसन्द ही नहीं आते।"	**[अगर सब लोग मर गए थे, तो सालेह किससे बात कर रहे थे?]**
Walootan ith qala liqawmihi atatoona alfahishata ma sabaqakum biha min ahadin mina alAAalameena	**[Homosexuality has existed throughout human history, as seen in cave paintings, ancient scriptures, and historical records. Scientific studies have also documented homosexual behavior in more than 1,500 species, including dolphins, penguins, monkeys, and birds. Prophet Lot was a stranger in that land, having come from Ur in Chaldea, and the local people were not originally his own, Genesis 19:5.]**	And [We had sent] Lot when he said to his people, "Do you commit such immorality as no one has preceded you with from among the worlds?	7:80	और हमने लूत को भेजा। जब उसने अपनी क़ौम से कहा, "क्या तुम वह प्रत्यक्ष अश्लील कर्म करते हो, जिसे दुनिया में तुमसे पहले किसी ने नहीं किया?"	**[समलैंगिकता मानव इतिहास के आरंभ से ही मौजूद रही है, जैसा कि गुफा चित्रों, प्राचीन धर्मग्रंथों और ऐतिहासिक अभिलेखों में देखा जा सकता है। वैज्ञानिक अध्ययनों में भी 1500 से अधिक प्रजातियों में समलैंगिक व्यवहार दर्ज किया गया है, जैसे डॉल्फ़िन, पेंगुइन, बंदर और पक्षी। नबी लूत उस भूमि में एक अजनबी थे, जो उर (कल्दिया) से आए थे, और वहाँ के लोग मूल रूप से उनकी अपनी क़ौम के नहीं थे, उत्पत्ति, बाइबिल 19:5]**
Innakum latatoona alrrijala shahwatan min dooni alnnisai bal antum qawmun musrifoona	Prophet Muhammad (pbuh) said: “If you find anyone doing as Lot’s people did, kill the one who does it, and the one to whom it is done.”	Indeed, you approach men with desire, instead of women. Rather, you are a transgressing people."	7:81	तुम स्त्रियों को छोड़कर मर्दों से कामेच्छा पूरी करते हो, बल्कि तुम नितान्त मर्यादाहीन लोग हो	पैग़म्बर मुहम्मद (स.) ने कहा: “यदि तुम किसी को लूत की क़ौम जैसा काम करते हुए पाओ, तो करने वाले और जिसके साथ किया जा रहा है—दोनों को मार डालो।”

Wama kana jawaba qawmihi illa an qaloo akhrijoohum min qaryatikum innahum onasun yatatahharoona	**[Contradiction: What people did with Lot: 7:82, 26:167, 27:56: Only asked to drive him out of city, 29:29 Asked to bring wrath of Allah]**	But the answer of his people was only that they said, "Evict them from your city! Indeed, they are men who keep themselves pure."	7:82	उसकी क़ौम के लोगों का उत्तर इसके अतिरिक्त और कुछ न था कि वे बोले, "निकालो, उन लोगों को अपनी बस्ती से। ये ऐसे लोग है जो बड़े पाक-साफ़ है!"	**[विरोधाभास: लूत के साथ लोगों ने क्या किया—7:82, 26:167, 27:56: केवल उसे शहर से निकाल देने की बात कही; 29:29: अल्लाह के अज़ाब (क्रोध) को लाने की माँग की]**
Faanjaynahu waahlahu illa imraatahu kanat mina alghabireena	**[What's evil she did, as everyone was gay there.]**	So We saved him and his family, except for his wife; she was of those who remained [with the evildoers].	7:83	फिर हमने उसे और उसके लोगों को छुटकारा दिया, सिवाय उसकी स्त्री के कि वह पीछे रह जानेवालों में से थी	**[उसने ऐसा कौन-सा बुरा काम किया था, जबकि वहाँ के सभी लोग समलैंगिक बताए गए हैं?]**
Waamtarna AAalayhim mataran faonthur kayfa kana AAaqibatu almujrimeena	**[Raining of stone, no science can explain this.]**	And We rained upon them a rain [of stones]. Then see how was the end of the criminals.	7:84	और हमने उनपर एक बरसात बरसाई, तो देखो अपराधियों का कैसा परिणाम हुआ	**[पत्थरों की बारिश होना—इसे विज्ञान से समझाना कठिन है।]**

Waila madyana akhahum shuAAayban qala ya qawmi oAAbudoo Allaha ma lakum min ilahin ghayruhu qad jaatkum bayyinatun min rabbikum faawfoo alkayla waalmeezana wala tabkhasoo alnnasa ashyaahum wala tufsidoo fee alardi baAAda islahiha thalikum khayrun lakum in kuntum	x	And to [the people of] Madyan [We sent] their brother Shu'ayb. He said, "O my people, worship Allah; you have no deity other than Him. There has come to you clear evidence from your Lord. So fulfill the measure and weight and do not deprive people of their due and cause not corruption upon the earth after its reformation. That is better for you, if you should be believers.	7:85	और मदयनवालों की ओर हमने उनके भाई शुऐब को भेजा। उसने कहा, "ऐ मेरी क़ौम के लोगों! अल्लाह की बन्दगी करो। उसके अतिरिक्त तुम्हारा कोई पूज्य नहीं। तुम्हारे पास तुम्हारे रब की ओर से एक स्पष्ट प्रमाण आ चुका है। तो तुम नाप और तौल पूरी-पूरी करो, और लोगों को उनकी चीज़ों में घाटा न दो, और धरती में उसकी सुधार के पश्चात बिगाड़ पैदा न करो। यही तुम्हारे लिए अच्छा है, यदि तुम ईमानवाले हो	x
Wala taqAAudoo bikulli siratin tooAAidoona watasuddoona AAan sabeeli Allahi man amana bihi watabghoonaha AAiwajan waothkuroo ith kuntum qaleelan fakaththarakum waonthuroo kayfa kana AAaqibatu almufsideena	x	And do not sit on every path, threatening and averting from the way of Allah those who believe in Him, seeking to make it [seem] deviant. And remember when you were few and He increased you. And see how was the end of the corrupters.	7:86	"और प्रत्येक मार्ग पर इसलिए न बैठो कि धमकियाँ दो और उस व्यक्ति को अल्लाह के मार्ग से रोकने लगो जो उसपर ईमान रखता हो और न उस मार्ग को टेढ़ा करने में लग जाओ। याद करो, वह समय जब तुम थोड़े थे, फिर उसने तुम्हें अधिक कर दिया। और देखो, बिगाड़ पैदा करनेवालो का कैसा परिणाम हुआ	x

Wain kana taifatun minkum amanoo biallathee orsiltu bihi wataifatun lam yuminoo faisbiroo hatta yahkuma Allahu baynana wahuwa khayru alhakimeena	A striking similiarity with Meccan Islam.	And if there should be a group among you who has believed in that with which I have been sent and a group that has not believed, then be patient until Allah judges between us. And He is the best of judges."	7:87	"और यदि तुममें एक गिरोह ऐसा है, जो उसपर ईमान लाया है, जिसके साथ मैं भेजा गया हूँ और एक गिरोह ऐसा है, जो उसपर ईमान लाया है, जिसके साथ मैं भेजा गया हूँ और एक गिरोह ईमान नहीं लाया, तो धैर्य से काम लो, यहाँ तक कि अल्लाह हमारे बीच फ़ैसला कर दे। और वह सबसे अच्छा फ़ैसला करनेवाला है।"	मक्की इस्लाम के साथ एक उल्लेखनीय समानता।
Qala almalao allatheena istakbaroo min qawmihi lanukhrijannaka ya shuAAaybu waallatheena amanoo maAAaka min qaryatina aw lataAAoodunna fee millatina qala	**[Again the eminents are arrogant and culprits. Also see 7:60, 7:66, 7:88.]**	Said the eminent ones who were arrogant among his people, "We will surely evict you, O Shu'ayb, and those who have believed with you from our city, or you must return to our religion." He said, "Even if we were unwilling?"	7:88	उनकी क़ौम के सरदारों ने, जो घमंड में पड़े थे, कहा, "ऐ शुऐब! हम तुझे और तेरे साथ उन लोगों को, जो ईमान लाए है, अपनी बस्ती से निकालकर रहेंगे। या फिर तुम हमारे पन्थ में लौट आओ।" उसने कहा, "क्या (तुम यही चाहोगे) यद्यपि यह हमें अप्रिय हो जब भी?	**[फिर से सरदार लोग घमंडी और दोषी बताए गए हैं; 7:60, 7:66 और 7:88 भी देखें।]**

Qadi iftarayna AAala Allahi kathiban in AAudna fee millatikum baAAda ith najjana Allahu minha wama yakoonu lana an naAAooda feeha illa an yashaa Allahu rabbuna wasiAAa rabbuna kulla shayin AAilman AAala Allahi tawakkalna rabbana iftah baynana wabayna qawmina bialhaqqi waanta khayru alfatiheena	x	We would have invented against Allah a lie if we returned to your religion after Allah had saved us from it. And it is not for us to return to it except that Allah, our Lord, should will. Our Lord has encompassed all things in knowledge. Upon Allah we have relied. Our Lord, decide between us and our people in truth, and You are the best of those who give decision."	7:89	"हम अल्लाह पर झूठ घड़नेवाले ठहरेंगे, यदि तुम्हारे पन्थ में लौट आएँ, इसके बाद कि अल्लाह ने हमें उससे छुटकारा दे दिया है। यह हमसे तो होने का नहीं कि हम उसमें पलट कर जाएँ, बल्कि हमारे रब अल्लाह की इच्छा ही क्रियान्वित है। ज्ञान की स्पष्ट से हमारा रब हर चीज़ को अपने घेरे में लिए हुए है। हमने अल्लाह ही पर भरोसा किया है। हमारे रब, हमारे और हमारी क़ौम के बीच निश्चित अटल फ़ैसला कर दे। और तू सबसे अच्छा फ़ैसला करनेवाला है।"	x
Waqala almalao allatheena kafaroo min qawmihi laini ittabaAAtum shuAAayban innakum ithan lakhasiroona	x	Said the eminent ones who disbelieved among his people, "If you should follow Shu'ayb, indeed, you would then be losers."	7:90	और क़ौम के सरदार, जिन्होंने इनकार किया था, बोले, "यदि तुम शुऐब के अनुयायी बने तो तुम घाटे में पड़ जाओगे।"	x

Faakhathathumu alrrajfatu faasbahoo fee darihim jathimeena	**[Madyan people killed by earthquake very similar to Thalmud 7:78; An earthquake never kills all inhabitants of one locality; How people of Madyan died: 7:91, 29:37 Earthquake, 11:94, Shriek, 26:189, Black clouds]**	So the earthquake seized them, and they became within their home [corpses] fallen prone.	7:91	अन्ततः एक दहला देनेवाली आपदा ने उन्हें आ लिया। फिर वे अपने घर में औंधे पड़े रह गए,	**[मदयन (मद्यन) के लोग भूकंप से मारे गए—थमूद (समूद) के समान (7:78); किसी एक क्षेत्र के सभी निवासियों को भूकंप से मार देना संभव नहीं है; मदयन के लोगों की मृत्यु कैसे हुई: 7:91, 29:37 — भूकंप; 11:94 — चीख/प्रचंड ध्वनि; 26:189 — काले बादल]**
Allatheena kaththaboo shuAAayban kaan lam yaghnaw feeha allatheena kaththaboo shuAAayban kanoo humu alkhasireena	x	Those who denied Shu'ayb - it was as though they had never resided there. Those who denied Shu'ayb - it was they who were the losers.	7:92	शुऐब को झुठलानेवाले, मानो कभी वहाँ बसे ही न थे। शुऐब को झुठलानेवाले ही घाटे में रहे	x
Fatawalla AAanhum waqala ya qawmi laqad ablaghtukum risalati rabbee wanasahtu lakum fakayfa asa AAala qawmin kafireena	**[Here Shuayb did exactly the same as Saleh did in verse 7:79; also whom he is talking if everyone died.]**	And he turned away from them and said, "O my people, I had certainly conveyed to you the messages of my Lord and advised you, so how could I grieve for a disbelieving people?"	7:93	तब वह उनके यहाँ से यह कहता हुआ फिरा, "ऐ मेरी क़ौम के लोगो! मैंने अपने रब के सन्देश तुम्हें पहुँचा दिए और मैंने तुम्हारा हित चाहा। अब मैं इनकार करनेवाले लोगो पर कैसे अफ़सोस करूँ!"	**[यहाँ शुऐब ने वही किया जो सालेह ने 7:79 में किया था; और अगर सब लोग मर गए थे, तो वह किससे बात कर रहे थे?]**
Wama arsalna fee qaryatin min nabiyyin illa akhathna ahlaha bialbasai waalddarrai laAAallahum	x	And We sent to no city a prophet [who was denied] except that We seized its people with poverty and hardship that they might humble themselves [to Allah].	7:94	हमने जिस बस्ती में भी कभी कोई नबी भेजा, तो वहाँ के लोगों को तंगी और मुसीबत में डाला, ताकि वे (हमारे सामने) गिड़गिड़ाए	x

Thumma baddalna makana alssayyiati alhasanata hatta AAafaw waqaloo qad massa abaana alddarrao waalssarrao faakhathnahum baghtatan wahum la yashAAuroona	**[Allah plays game with disbelievers.]**	Then We exchanged in place of the bad [condition], good, until they increased [and prospered] and said, "Our fathers [also] were touched with hardship and ease." So We seized them suddenly while they did not perceive.	7:95	फिर हमने बदहाली को ख़ुशहाली में बदल दिया, यहाँ तक कि वे ख़ूब फले-फूले और कहने लगे, "ये दुख और सुख तो हमारे बाप-दादा को भी पहुँचे हैं।" अनततः जब वे बेख़बर थे, हमने अचानक उन्हें पकड़ लिया	**[अल्लाह अविश्वासियों के साथ खेल करता है।]**
Walaw anna ahla alqura amanoo waittaqaw lafatahna AAalayhim barakatin mina alssamai waalardi walakin kaththaboo faakhathnahum bima kanoo	x	And if only the people of the cities had believed and feared Allah, We would have opened upon them blessings from the heaven and the earth; but they denied [the messengers], so We seized them for what they were earning."	7:96	यदि बस्तियों के लोग ईमान लाते और डर रखते तो अवश्य ही हम उनपर आकाश और धरती की बरकतें खोल देते, परन्तु उन्होंने तो झुठलाया। तो जो कुछ कमाई वे करते थे, उसके बदले में हमने उन्हें पकड़ लिया	x
Afaamina ahlu alqura an yatiyahum basuna bayatan wahum naimoona	x	Then, did the people of the cities feel secure from Our punishment coming to them at night while they were asleep?	7:97	फिर क्या बस्तियों के लोगों को इस ओर से निश्चिन्त रहने का अवसर मिल सका कि रात में उनपर हमारी यातना आ जाए, जबकि वे सोए हुए हो?	x
Awa amina ahlu alqura an yatiyahum basuna duhan wahum yalAAaboona	x	Or did the people of the cities feel secure from Our punishment coming to them in the morning while they were at play?	7:98	और क्या बस्तियों के लोगो को इस ओर से निश्चिन्त रहने का अवसर मिल सका कि दिन चढ़े उनपर हमारी यातना आ जाए, जबकि वे खेल रहे हों?	x

Afaaminoo makra Allahi fala yamanu makra Allahi illa alqawmu alkhasiroona	**[Allah is depicted as a schemer or plotter at 3:54, 7:99, 8:30, and 10:21.]**	Then did they feel secure from the plan of Allah? But no one feels secure from the plan of Allah except the losing people.	7:99	आख़िर क्या वे अल्लाह की चाल से निश्चिन्त हो गए थे? तो (समझ लो उन्हें टोटे में पड़ना ही था, क्योंकि) अल्लाह की चाल से तो वही लोग निश्चित होते है, जो टोटे में पड़नेवाले होते है	**[अल्लाह को 3:54, 7:99, 8:30 और 10:21 में एक चाल चलने वाला बताया गया है।]**
Awalam yahdi lillatheena yarithoona alarda min baAAdi ahliha an law nashao asabnahum bithunoobihim wanatbaAAu AAala quloobihim fahum la yasmaAAoona	**[Contradiction: Allah seals the hearts – 2:7, 4:155, 7:100, 7:101, 9:87, 9:93, 10:74, 16:108, 30:59, 40:35, 45:23, 47:16, 63:3; Does not seals – 2:20, 42:24, 6:46]**	Has it not become clear to those who inherited the earth after its [previous] people that if We willed, We could afflict them for their sins? But We seal over their hearts so they do not hear.	7:100	क्या जो धरती के, उसके पूर्ववासियों के पश्चात उत्तराधिकारी हुए है, उनपर यह तथ्य प्रकट न हुआ कि यदि हम चाहें तो उनके गुनाहों पर उन्हें आ पकड़े? हम तो उनके दिलों पर मुहर लगा रहे हैं, क्योंकि वे कुछ भी नहीं सुनते	**[विरोधाभास: अल्लाह दिलों पर मुहर लगा देता है – 2:7, 4:155, 7:100, 7:101, 9:87, 9:93, 10:74, 16:108, 30:59, 40:35, 45:23, 47:16, 63:3; मुहर नहीं लगाता – 2:20, 42:24, 6:46]**
Tilka alqura naqussu AAalayka min anbaiha walaqad jaathum rusuluhum bialbayyinati fama kanoo liyuminoo bima kaththaboo min qablu kathalika yatbaAAu Allahu AAala quloobi alkafireena	"Those cities" refer to the destroyed civilizations.	Those cities - We relate to you, [O Muhammad], some of their news. And certainly did their messengers come to them with clear proofs, but they were not to believe in that which they had denied before. Thus does Allah seal over the hearts of the disbelievers.	7:101	ये है वे बस्तियाँ जिनके कुछ वृत्तान्त हम तुमको सुना रहे है। उनके पास उनके रसूल खुली-खुली निशानियाँ लेकर आए परन्तु वे ऐसे न हुए कि ईमान लाते। इसका कारण यह था कि वे पहले से झुठलाते रहे थे। इसी प्रकार अल्लाह इनकार करनेवालों के दिलों पर मुहर लगा देता है	"वे बस्तियाँ" नष्ट हुई सभ्यताओं की ओर इशारा करते हैं।

Wama wajadna liaktharihim min AAahdin wain wajadna aktharahum lafasiqeena	Exact translation is: “We found by them nothing that tied them to what is truth and right”. **[Contradiction: However, Quran also says that man has been given the capability to instinctively to see the difference between right and wrong.]**	And We did not find for most of them any covenant; but indeed, We found most of them defiantly disobedient.	7:102	हमने उनके अधिकतर लोगो में प्रतिज्ञा का निर्वाह न पाया, बल्कि उनके बहुतों को हमने उल्लंघनकारी ही पाया	सटीक अनुवाद है: “हमने उनके द्वारा कुछ भी ऐसा नहीं पाया जो उन्हें सत्य और धर्म से जोड़ता हो।” **[विरोधाभास: हालांकि, क़ुरआन यह भी कहता है कि मनुष्य में स्वाभाविक रूप से सही और गलत में अंतर देखने की क्षमता दी गई है।]**
Thumma baAAathna min baAAdihim moosa biayatina ila firAAawna wamalaihi fathalamoo biha faonuthur kayfa kana AAaqibatu almufsideena	According to Science the exodus happened (if it happened) around 1235 BC, during the reign of Ramses II. The drowing incidence should have been at the time fo Ramses II son (Merneptah). **[There is no historical proof that Ramses II or his son drown (Mummy of both available).]**	Then We sent after them Moses with Our signs to Pharaoh and his establishment, but they were unjust toward them. So see how was the end of the corrupters.	7:103	फिर उनके पश्चात हमने मूसा को अपनी निशानियों के साथ फ़िरऔन और उसके सरदारों के पास भेजा, परन्तु उन्होंने इनकार और स्वयं पर अत्याचार किया। तो देखो, इन बिगाड़ पैदा करनेवालों का कैसा परिणाम हुआ!	वैज्ञानिक दृष्टि से, यदि वास्तव में यह घटना हुई, तो प्रस्थान लगभग 1235 ईसा पूर्व में हुआ, रैम्सेस II के शासनकाल के दौरान। डूबने की घटना रैम्सेस II के पुत्र (मेर्नेप्ताह) के समय हुई होनी चाहिए थी। **[ऐतिहासिक प्रमाण नहीं हैं कि रैम्सेस II या उसके पुत्र डूबे थे (दोनों की मम्मियाँ उपलब्ध हैं)।]**
Waqala moosa ya firAAawnu innee rasoolun min rabbi alAAalameena	x	And Moses said, "O Pharaoh, I am a messenger from the Lord of the worlds	7:104	मूसा ने कहा, "ऐ फ़िरऔन! मैं सारे संसार के रब का रसूल हूँ	x
Haqeequn AAala an la aqoola AAala Allahi illa alhaqqa qad jitukum bibayyinatin min rabbikum faarsil maAAiya banee israeela	x	[Who is] obligated not to say about Allah except the truth. I have come to you with clear evidence from your Lord, so send with me the Children of Israel."	7:105	"मैं इसका अधिकारी हूँ कि अल्लाह से सम्बद्ध करके सत्य के अतिरिक्त कोई बात न कहूँ। मैं तुम्हारे पास तुम्हारे रब की ओर से स्पष्ट प्रमाण लेकर आ गया हूँ। अतः तुम इसराईल की सन्तान को मेरे साथ जाने दो।"	x

Qala in kunta jita biayatin fati biha in kunta mina alssadiqeena	x	[Pharaoh] said, "If you have come with a sign, then bring it forth, if you should be of the truthful."	7:106	बोला, "यदि तुम कोई निशानी लेकर आए हो तो उसे पेश करो, यदि तुम सच्चे हो।"	x
Faalqa AAasahu faitha hiya thuAAbanun mubeenun	Miracle performed by Moses.	So Moses threw his staff, and suddenly it was a serpent, manifest.	7:107	तब उसने अपनी लाठी डाल दी। क्या देखते है कि वह प्रत्यक्ष अजगर है	मूसा द्वारा किए गए चमत्कार
WanazaAAa yadahu faitha hiya baydao lilnnathireena	Ruhul Maani mentions that Moses's hand shone brighter than the Sun. **[Bible, Exodus 4:6 says that Moses hand became white due to leprosy; however, Islamic scholars say this was not because of leprosy.]**	And he drew out his hand; thereupon it was white [with radiance] for the observers.	7:108	और उसने अपना हाथ निकाला, तो क्या देखते है कि वह सब देखनेवालों के सामने चमक रहा है	रूहुल मानी में उल्लेख है कि मूसा का हाथ सूरज से भी अधिक चमकने लगा। **[बाइबिल, प्रस्थान 4:6 के अनुसार मूसा का हाथ कोढ़ के कारण सफ़ेद हुआ; हालांकि, इस्लामी विद्वानों का कहना है कि यह कोढ़ के कारण नहीं था।]**
Qala almalao min qawmi firAAawna inna hatha lasahirun AAaleemun	x	Said the eminent among the people of Pharaoh, "Indeed, this is a learned magician	7:109	फ़िरऔन की क़ौम के सरदार कहने लगे, "अरे, यह तो बडा कुशल जादूगर है!	x
Yureedu an yukhrijakum min ardikum famatha tamuroona	x	Who wants to expel you from your land [through magic], so what do you instruct?"	7:110	"तुम्हें तुम्हारी धरती से निकाल देना चाहता है। तो अब क्या कहते हो?"	x
Qaloo arjih waakhahu waarsil fee almadaini hashireena	x	They said, "Postpone [the matter of] him and his brother and send among the cities gatherers	7:111	उन्होंने कहा, "इसे और इसके भाई को प्रतीक्षा में रखो और नगरों में हरकारे भेज दो,	x
Yatooka bikulli sahirin AAaleemin	x	Who will bring you every learned magician."	7:112	"कि वे हर कुशल जादूगर को तुम्हारे पास ले आएँ।"	x

Wajaa alssaharatu firAAawna qaloo inna lana laajran in kunna nahnu alghalibeena	x	And the magicians came to Pharaoh. They said, "Indeed for us is a reward if we are the predominant."	7:113	अतएव जादूगर फ़िरऔन के पास आ गए। कहने लगे, "यदि हम विजयी हुए तो अवश्य ही हमें बड़ा बदला मिलेगा?"	x
Qala naAAam wainnakum lamina almuqarrabeena	x	He said, "Yes, and, [moreover], you will be among those made near [to me]."	7:114	उसने कहा, "हाँ, और बेशक तुम (मेरे) क़रीबियों में से हो जाओगे।"	x
Qaloo ya moosa imma an tulqiya waimma an nakoona nahnu almulqeena	x	They said, "O Moses, either you throw [your staff], or we will be the ones to throw [first]."	7:115	उन्होंने कहा, "ऐ मूसा! या तुम डालो या फिर हम डालते हैं?"	x
Qala alqoo falamma alqaw saharoo aAAyuna alnnasi waistarhaboohum wajaoo bisihrin AAatheemin	The Magicians convene and change their ropes into snakes before Musa. **[When the Messengers performed supernatural phenomenon, it was called a miracles. Where as acts performed by Magicians is magic which is satanic.]**	He said, "Throw," and when they threw, they bewitched the eyes of the people and struck terror into them, and they presented a great [feat of] magic.	7:116	उसने कहा, "तुम ही डालो।" फिर उन्होंने डाला तो लोगो की आँखों पर जादू कर दिया और उन्हें भयभीत कर दिया। उन्होंने एक बहुत बड़े जादू का प्रदर्शन किया	जादूगर इकट्ठे हुए और मूसा के सामने अपनी रस्सियों को सांप में बदल दिया। **[जब पैग़म्बरों ने अलौकिक घटनाएँ कीं, तो उसे चमत्कार कहा गया। जबकि जादूगरों द्वारा किए गए कार्य जादू हैं, जो शैतानी हैं।]**
Waawhayna ila moosa an alqi AAasaka faitha hiya talqafu ma yafikoona	Moses's stick swallowed all the ropes and sticks that the magicians threw.	And We inspired to Moses, "Throw your staff," and at once it devoured what they were falsifying.	7:117	हमने मूसा की ओर प्रकाशना कि कि "अपनी लाठी डाल दे।" फिर क्या देखते है कि वह उनके रचें हुए स्वांग को निगलती जा रही है	मूसा की छड़ी ने उन सभी रस्सियों को निगल लिया जो जादूगरों ने फेंकी थीं।
FawaqaAAa alhaqqu wabatala ma kanoo	x	So the truth was established, and abolished was what they were doing.	7:118	इस प्रकार सत्य प्रकट हो गया और जो कुछ वे कर रहे थे, मिथ्या होकर रहा	x

Faghuliboo hunalika wainqalaboo saghireena	x	And Pharaoh and his people were overcome right there and became	7:119	अतः वे पराभूत हो गए और अपमानित होकर रहे	x
Waolqiya alssaharatu sajideena	The magicians realized that this was from heaven and fell in prostration. **[Here Quran says that if a messenger shows miracles disbelivers could turn to Allah but prophet Muhammad (pbuh) showed none to convince disbelievers.]**	And the magicians fell down in prostration [to Allah].	7:120	और जादूगर सहसा सजदे में गिर पड़े	जादूगरों ने समझ लिया कि यह स्वर्ग से आया है और वे सज्दे में गिर पड़े। [यहाँ क़ुरआन कहता है कि यदि कोई पैग़म्बर चमत्कार दिखाए तो काफ़िर अल्लाह की ओर लौट सकते हैं, लेकिन पैग़म्बर मुहम्मद स. ने काफ़िरों को समझाने के लिए कोई चमत्कार नहीं दिखाया।]
Qaloo amanna birabbi alAAalameena	x	They said, "We have believed in the Lord of the worlds,	7:121	बोले, "हम सारे संसार के रब पर ईमान ले आए;	x
Rabbi moosa waharoona	x	The Lord of Moses and Aaron."	7:122	"मूसा और हारून के रब पर।"	x
Qala firAAawnu amantum bihi qabla an athana lakum inna hatha lamakrun makartumoohu fee almadeenati litukhrijoo minha ahlaha fasawfa taAAlamoona	Pharoah threatens the Magicians.	Said Pharaoh, "You believed in him before I gave you permission. Indeed, this is a conspiracy which you conspired in the city to expel therefrom its people. But you are going to know.	7:123	फ़िरऔन बोला, "इससे पहले कि मैं तुम्हें अनुमति दूँ, तं उसपर ईमान ले आए! यह तो एक चाल है, जो तुम लोग नगर में चले हो, ताकि उसके निवासियों को उससे निकाल दो। अच्छा, तो अब तुम्हें जल्द की मालूम हुआ जाता है!	फ़रौन ने जादूगरों को धमकी दी।
LaoqatiAAanna aydiyakum waarjulakum min khilafin thumma laosallibannakum ajmaAAeena	**[Neither crucifixtion nor cutting off hand and feet was the practice in Ancient Egypt.]**	I will surely cut off your hands and your feet on opposite sides; then I will surely crucify you all."	7:124	"मैं तुम्हारे हाथ और तुम्हारे पाँव विपरीत दिशाओं से काट दूँगा; फिर तुम सबको सूली पर चढ़ाकर रहूँगा।"	**[प्राचीन मिस्र में न तो सूली पर चढ़ाना और न ही हाथ-पाँव काटना आम प्रथा थी।]**

Qaloo inna ila rabbina	x	They said, "Indeed, to our Lord we will return.	7:125	उन्होंने कहा, "हम तो अपने रब ही की और लौटेंगे	x
Wama tanqimu minna illa an amanna biayati rabbina lamma jaatna rabbana afrigh AAalayna sabran watawaffana muslimeena	Mean they became Muslims.	And you do not resent us except because we believed in the signs of our Lord when they came to us. Our Lord, pour upon us patience and let us die as Muslims [in submission to You]."	7:126	"और तू केबल इस क्रोध से हमें कष्ट पहुँचाने के लिए पीछे पड़ गया है कि हम अपने रब की निशानियों पर ईमान ले आए। हमारे रब! हमपर धैर्य उड़ेल दे और हमें इस दशा में उठा कि हम मुस्लिम (आज्ञाकारी) हो।"	मतलब वे आज्ञाकारी मुसलमान बन गए।
Waqala almalao min qawmi firAAawna atatharu moosa waqawmahu liyufsidoo fee alardi wayatharaka waalihataka qala sanuqattilu abnaahum wanastahyee nisaahum wainna fawqahum qahiroona	**[But they were slaying the male children of the Jews when Moses was born – that was why the baby Moses had to be put on the Nile, 20:38–39, 28:7-9; Also what's the point of killing children, while the cause of corruption are adults.]**	And the eminent among the people of Pharaoh said," Will you leave Moses and his people to cause corruption in the land and abandon you and your gods?" [Pharaoh] said, "We will kill their sons and keep their women alive; and indeed, we are subjugators over them."	7:127	फ़िरऔन की क़ौम के सरदार कहने लगे, "क्या तुम मूसा और उसकी क़ौम को ऐसे ही छोड़ दोगे कि वे ज़मीन में बिगाड़ पैदा करें और वे तुम्हें और तुम्हारे उपास्यों को छोड़ बैठे?" उसने कहा, "हम उनके बेटों को बुरी तरह क़त्ल करेंगे और उनकी स्त्रियों को जीवित रखेंगे। निश्चय ही हमें उनपर पूर्ण अधिकार प्राप्त है।"	**[लेकिन मूसा के जन्म के समय वे यहूदियों के पुरुष बच्चों को मार रहे थे – इसलिए शिशु मूसा को नील नदी में रखा गया, 20:38–39, 28:7–9; साथ ही जबकि भ्रष्टाचार के लिए जिम्मेदार बड़े लोग हैं, बच्चों को मारने का क्या मतलब है।]**

Qala moosa liqawmihi istaAAeenoo biAllahi waisbiroo inna alarda lillahi yoorithuha man yashao min AAibadihi waalAAaqibatu	x	Said Moses to his people, "Seek help through Allah and be patient. Indeed, the earth belongs to Allah. He causes to inherit it whom He wills of His servants. And the [best] outcome is for the righteous."	7:128	मूसा ने अपनी क़ौम से कहा, "अल्लाह से सम्बद्ध होकर सहायता प्राप्त करो और धैर्य से काम लो। धरती अल्लाह की है। वह अपने बन्दों में से जिसे चाहता है, उसका वारिस बना देता है। और अंतिम परिणाम तो डर रखनेवालों ही के लिए है।"	x
Qaloo ootheena min qabli an tatiyana wamin baAAdi ma jitana qala AAasa rabbukum an yuhlika AAaduwwakum wayastakhlifakum fee alardi fayanthura kayfa taAAmaloona	**[Verse 5:21, 7:129 and 17:104 are often invoked today to show that, despite all the conflict over Israel, the Qur'an actually promises the land of Israel to the Jews. However, in 14:14, the Muslims are made to dwell in the land after the "wrongdoers" are expelled.]**	They said, "We have been harmed before you came to us and after you have come to us." He said, "Perhaps your Lord will destroy your enemy and grant you succession in the land and see how you will do."	7:129	उन्होंने कहा, "तुम्हारे आने से पहले भी हम सताए गए और तुम्हारे आने के बाद भी।" उसने कहा, "निकट है कि तुम्हारा रब तुम्हारे शत्रुओं को विनष्ट कर दे और तुम्हें धरती में ख़लीफ़ा बनाए, फिर यह देखे कि तुम कैसे कर्म करते हो।"	**[आयत 5:21, 7:129 और 17:104 का आज अक्सर यह दिखाने के लिए हवाला दिया जाता है कि इस्राइल को लेकर सारे संघर्षों के बावजूद, क़ुरआन वास्तव में इस भूमि का वादा यहूदियों से करता है। हालांकि, 14:14 में कहा गया है कि "ज़ालिमों" को निकाल दिए जाने के बाद मुसलमानों को उस भूमि में बसाया जाएगा।]**
Walaqad akhathna ala firAAawna bialssineena wanaqsin mina alththamarati laAAallahum yaththakkaroona	x	And We certainly seized the people of Pharaoh with years of famine and a deficiency in fruits that perhaps they would be reminded.	7:130	और हमने फ़िरऔनियों को कई वर्ष तक अकाल और पैदावार की कमी में ग्रस्त रखा कि वे चेतें	x

Faitha jaathumu alhasanatu qaloo lana hathihi wain tusibhum sayyiatun yattayyaroo bimoosa waman maAAahu ala innama tairuhum AAinda Allahi walakinna aktharahum la yaAAlamoona	x	But when good came to them, they said, "This is ours [by right]." And if a bad [condition] struck them, they saw an evil omen in Moses and those with him. Unquestionably, their fortune is with Allah, but most of them do not know.	7:131	फिर जब उन्हें अच्छी हालत पेश आती है तो कहते है, "यह तो है ही हमारे लिए।" और उन्हें बुरी हालत पेश आए तो वे उसे मूसा और उसके साथियों की नहूसत (अशकुन) ठहराएँ। सुन लो, उसकी नहूसत तो अल्लाह ही के पास है, परन्तु उनमें से अधिकतर लोग जानते नहीं	x
Waqaloo mahma tatina bihi min ayatin litasharana biha fama nahnu laka bimumineena	x	And they said, "No matter what sign you bring us with which to bewitch us, we will not be believers in you."	7:132	वे बोले, "तू हमपर जादू करने के लिए चाहे कोई भी निशानी हमारे पास ले आए, हम तुझपर ईमान लानेवाले नहीं।"	x
Faarsalna AAalayhimu alttoofana waaljarada waalqummala waalddafadiAAa waalddama ayatin mufassalatin faistakbaroo wakanoo qawman mujrimeena	**[According to the Bible he got his staff plus 10 plagues = 11 "signs". Quran 17:101 says Moses were given 9 signs. Quran 7:133 total 5 signs. If two more sign are considered staff:snake and his white hand (7:107-108), then also it becomes only seven.]**	So We sent upon them the flood and locusts and lice and frogs and blood as distinct signs, but they were arrogant and were a criminal people.	7:133	अन्ततः हमने उनपर तूफ़ान और टिड्डियों और छोटे कीड़े और मेंढक और रक्त, कितनी ही निशानियाँ अलग-अलग भेजी, किन्तु वे घमंड ही करते रहे। वे थे ही अपराधी लोग	**[बाइबिल के अनुसार, उन्हें अपनी लाठी (असा) के साथ 10 विपत्तियाँ मिलीं = कुल 11 "निशानियाँ"। क़ुरआन 17:101 में कहा गया है कि मूसा को 9 निशानियाँ दी गईं। क़ुरआन 7:133 में कुल 5 निशानियों का उल्लेख है। यदि दो और निशानियाँ — लाठी का साँप बन जाना और उनका चमकता हुआ हाथ (7:107-108) — भी शामिल कर ली जाएँ, तब भी कुल संख्या केवल सात ही बनती है।]**

Walamma waqaAAa AAalayhimu alrrijzu qaloo ya moosa odAAu lana rabbaka bima AAahida AAindaka lain kashafta AAanna alrrijza lanuminanna laka walanursilanna maAAaka banee israeela	x	And when the punishment descended upon them, they said, "O Moses, invoke for us your Lord by what He has promised you. If you [can] remove the punishment from us, we will surely believe you, and we will send with you the Children of Israel."	7:134	जब कभी उनपर यातना आ पड़ती, कहते है, "ऐ मूसा, हमारे लिए अपने रब से प्रार्थना करो, उस प्रतिज्ञा के आधार पर जो उसने तुमसे कर रखी है। तुमने यदि हमपर से यह यातना हटा दी, तो हम अवश्य ही तुमपर ईमान ले आएँगे और इसराईल की सन्तान को तुम्हारे साथ जाने देंगे।"	x
Falamma kashafna AAanhumu alrrijza ila ajalin hum balighoohu itha hum yankuthoona	x	But when We removed the punishment from them until a term which they were to reach, then at once they broke their word.	7:135	किन्तु जब हम उनपर से यातना को एक नियत समय के लिए जिस तक वे पहुँचनेवाले ही थे, हटा लेते तो क्या देखते कि वे वचन-भंग करने लग गए	x
Faintaqamna minhum faaghraqnahum fee alyammi biannahum kaththaboo biayatina wakanoo	x	So We took retribution from them, and We drowned them in the sea because they denied Our signs and were heedless of them.	7:136	फिर हमने उनसे बदला लिया और उन्हें गहरे पानी में डूबो दिया, क्योंकि उन्होंने हमारी निशानियों को ग़लत समझा और उनसे ग़ाफ़िल हो गए	x

Waawrathna alqawma allatheena kanoo yustadAAafoona mashariqa alardi wamagharibaha allatee barakna feeha watammat kalimatu rabbika alhusna AAala banee israeela bima sabaroo wadammarna ma kana yasnaAAu firAAawnu waqawmuhu wama	**[There is no trace neither in archaeology, nor in history, of such a catastrophe around the year 1235 BC. On the contrary; Ramses II was one of the strongest and most successful of the pharaohs, leaving many great buildings behind which are still there.]**	And We caused the people who had been oppressed to inherit the eastern regions of the land and the western ones, which We had blessed. And the good word of your Lord was fulfilled for the Children of Israel because of what they had patiently endured. And We destroyed [all] that Pharaoh and his people were producing and what they had been building.	7:137	और जो लोग कमज़ोर पाए जाते थे, उन्हें हमने उस भू-भाग के पूरब के हिस्सों और पश्चिम के हिस्सों का उत्तराधिकारी बना दिया, जिसे हमने बरकत दी थी। और तुम्हारे रब का अच्छा वादा इसराईल की सन्तान के हक़ में पूरा हुआ, क्योंकि उन्होंने धैर्य से काम लिया और फ़िरऔन और उसकी क़ौम का वह सब कुछ हमने विनष्ट कर दिया, जिसे वे बनाते और ऊँचा उठाते थे	**[1235 ईसा पूर्व के आसपास ऐसी किसी विनाशकारी घटना का न तो पुरातत्व में कोई प्रमाण मिलता है और न ही इतिहास में। इसके विपरीत, रामेसेस द्वितीय सबसे शक्तिशाली और सफल फ़िरऔनों में से एक था, जिसने अपने पीछे अनेक भव्य निर्माण छोड़े, जो आज भी मौजूद हैं।]**
Wajawazna bibanee israeela albahra faataw AAala qawmin yaAAkufoona AAala asnamin lahum qaloo ya moosa ijAAal lana ilahan kama lahum alihatun qala innakum qawmun	x	And We took the Children of Israel across the sea; then they came upon a people intent in devotion to [some] idols of theirs. They said, "O Moses, make for us a god just as they have gods." He said, "Indeed, you are a people behaving ignorantly.	7:138	और इसराईल की सन्तान को हमने सागर से पार करा दिया, फिर वे ऐसे लोगों को पास पहुँचे जो अपनी कुछ मूर्तियों से लगे बैठे थे। कहने लगे, "ऐ मूसा! हमारे लिए भी कोई ऐसा उपास्य ठहरा दे, जैसे इनके उपास्य है।" उसने कहा, "निश्चय ही तुम बड़े ही अज्ञानी लोग हो	x
Inna haolai mutabbarun ma hum feehi wabatilun ma kanoo yaAAmaloona	x	Indeed, those [worshippers] - destroyed is that in which they are [engaged], and worthless is whatever they were doing."	7:139	“निश्चय ही वह लोग लगे हुए है, बरबाद होकर रहेगा। और जो कुछ ये कर रहे है सर्वथा व्यर्थ है।"	x

Qala aghayra Allahi abgheekum ilahan wahuwa faddalakum AAala alAAalameena	x	He said, "Is it other than Allah I should desire for you as a god while He has preferred you over the worlds?"	7:140	उसने कहा, "क्या मैं अल्लाह के सिवा तुम्हारे लिए कोई और उपास्य ढूढ़ूँ, हालाँकि उसी ने सारे संसारवालों पर तुम्हें श्रेष्ठता प्रदान की?"	x
Waith anjaynakum min ali firAAawna yasoomoonakum sooa alAAathabi yuqattiloona abnaakum wayastahyoona nisaakum wafee thalikum balaon min rabbikum AAatheemun	As per Bible Moses was born in 1315 BCE which means that the Pharaoh was Ramses II.	And [recall, O Children of Israel], when We saved you from the people of Pharaoh, [who were] afflicting you with the worst torment - killing your sons and keeping your women alive. And in that was a great trial from your Lord.	7:141	और याद करो जब हमने तुम्हें फ़िरऔन के लोगों से छुटकारा दिया जो तुम्हें बुरी यातना में ग्रस्त रखते थे। तुम्हारे बेटों को मार डालते और तुम्हारी स्त्रियों को जीवित रहने देते थे। और वह (छुटकारा दिलाना) तुम्हारे रब की ओर से बड़ा अनुग्रह है	बाइबिल के अनुसार, मूसा का जन्म 1315 ईसा पूर्व में हुआ था, जिसका अर्थ यह लिया जाता है कि उस समय का फ़िरऔन रामेसेस द्वितीय था।
WawaAAadna moosa thalatheena laylatan waatmamnaha biAAashrin fatamma meeqatu rabbihi arbaAAeena laylatan waqala moosa liakheehi haroona okhlufnee fee qawmee waaslih wala tattabiAA sabeela almufsideena	Moses fasted in this period.	And We made an appointment with Moses for thirty nights and perfected them by [the addition of] ten; so the term of his Lord was completed as forty nights. And Moses said to his brother Aaron, "Take my place among my people, do right [by them], and do not follow the way of the corrupters."	7:142	और हमने मूसा से तीस रातों का वादा ठहराया, फिर हमने दस और बढ़ाकर उसे पूरा किया। इसी प्रकार उसके रब की ठहराई हुई अवधि चालीस रातों में पूरी हुई और मूसा ने अपने भाई हारून से कहा, "मेरे पीछे तुम मेरी क़ौम में मेरा प्रतिनिधित्व करना और सुधारना और बिगाड़ पैदा करनेवालों के मार्ग पर न चलना।"	मूसा ने इस अवधि में रोज़ा रखा।

Walamma jaa moosa limeeqatina wakallamahu rabbuhu qala rabbi arinee anthur ilayka qala lan taranee walakini onthur ila aljabali faini istaqarra makanahu fasawfa taranee falamma tajalla rabbuhu liljabali jaAAalahu dakkan wakharra moosa saAAiqan falamma afaqa qala subhanaka tubtu ilayka waana awwalu almumineena	The Hadiths of Mutawatir grade narrated from the Messenger of Allah, affirm that the believers will see Allah in the Hereafter. **[Contradiction: Who was the first Muslim: Prophet Muhammad (pbuh) 6:14, 6:163, 39:12, Moses 7:143, Abraham 2:132, Jesus 3:52, 5:111]**	And when Moses arrived at Our appointed time and his Lord spoke to him, he said, "My Lord, show me [Yourself] that I may look at You." [Allah] said, "You will not see Me, but look at the mountain; if it should remain in place, then you will see Me." But when his Lord appeared to the mountain, He rendered it level, and Moses fell unconscious. And when he awoke, he said, "Exalted are You! I have repented to You, and I am the first of the believers."	7:143	अब मूसा हमारे निश्चित किए हुए समय पर पहुँचा और उसके रब ने उससे बातें की, तो वह करने लगा, "मेरे रब! मुझे देखने की शक्ति प्रदान कर कि मैं तुझे देखूँ।" कहा, "तू मुझे कदापि न देख सकेगा। हाँ, पहाड़ की ओर देख। यदि वह अपने स्थान पर स्थिर पर स्थिर रह जाए तो फिर तू मुझे देख लेगा।" अतएव जब उसका रब पहाड़ पर प्रकट हुआ तो उसे चकनाचूर कर दिया और मूसा मूर्छित होकर गिर पड़ा। फिर जब होश में आया तो कहा, "महिमा है तेरी! मैं तेरे समझ तौबा करता हूँ और सबसे पहला ईमान लानेवाला मैं हूँ।"	अल्लाह के रसूल से मुतवातिर दर्जे की हदीसें बयान की गई हैं, जो इस बात की पुष्टि करती हैं कि मोमिन आख़िरत में अल्लाह को देखेंगे। [विरोधाभास: पहला मुसलमान कौन था—पैग़म्बर मुहम्मद स. (6:14, 6:163, 39:12), मूसा (7:143), इब्राहीम (2:132), ईसा (3:52, 5:111)]
Qala ya moosa innee istafaytuka AAala alnnasi birisalatee wabikalamee fakhuth ma ataytuka wakun mina alshshakireena	x	[Allah] said, "O Moses, I have chosen you over the people with My messages and My words [to you]. So take what I have given you and be among the grateful."	7:144	उसने कहा, "ऐ मूसा! मैंने दूसरे लोगों के मुक़ाबले में तुझे चुनकर अपने संदेशों और अपनी वाणी से तुझे उपकृत किया। अतः जो कुछ मैं तुझे दूँ उसे ले और कृतज्ञता दिखा।"	x

Wakatabna lahu fee alalwahi min kulli shayin mawAAithatan watafseelan likulli shayin fakhuthha biquwwatin wamur qawmaka yakhuthoo biahsaniha saoreekum dara alfasiqeena	**[It is not possible to write about all things on tablets.]**	And We wrote for him on the tablets [something] of all things - instruction and explanation for all things, [saying], "Take them with determination and order your people to take the best of it. I will show you the home of the defiantly disobedient."	7:145	और हमने उसके लिए तख़्तियों पर उपदेश के रूप में हर चीज़ और हर चीज़ का विस्तृत वर्णन लिख दिया। अतः उनको मज़बूती से पकड़। उनमें उत्तम बातें है। अपनी क़ौम के लोगों को हुक्म दे कि वे उनको अपनाएँ। मैं शीघ्र ही तुम्हें अवज्ञाकारियों का घर दिखाऊँगा	**[सभी चीज़ों को पट्टिकाओं (तख्तियों) पर लिखना संभव नहीं है।]**
Saasrifu AAan ayatiya allatheena yatakabbaroona fee alardi bighayri alhaqqi wain yaraw kulla ayatin la yuminoo biha wain yaraw sabeela alrrushdi la yattakhithoohu sabeelan wain yaraw sabeela alghayyi yattakhithoohu sabeelan thalika biannahum kaththaboo biayatina wakanoo AAanha ghafileena	Again hypothetical allegation without presenting any proof. Allah Says "I shall deprive the hearts of those who are too proud to obey Me".	I will turn away from My signs those who are arrogant upon the earth without right; and if they should see every sign, they will not believe in it. And if they see the way of consciousness, they will not adopt it as a way; but if they see the way of error, they will adopt it as a way. That is because they have denied Our signs and they were heedless of them.	7:146	जो लोग धरती में नाहक़ बड़े बनते है, मैं अपनी निशानियों की ओर से उन्हें फेर दूँगा। यदि वे प्रत्येक निशानी देख ले तब भी वे उस पर ईमान नहीं लाएँगे। यदि वे सीधा मार्ग देख लें तो भी वे उसे अपना मार्ग नहीं बनाएँगे। लेकिन यदि वे पथभ्रष्ट का मार्ग देख लें तो उसे अपना मार्ग ठहरा लेंगे। यह इसलिए की उन्होंने हमारी आयतों को झुठलाया और उनसे ग़ाफ़िल रहे	यह फिर एक काल्पनिक आरोप है, जिसके समर्थन में कोई प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया गया है। अल्लाह फ़रमाता है: “मैं उन लोगों के दिलों को (सत्य से) फेर दूँगा जो मेरे आदेश का पालन करने में घमंड करते हैं।”

Waallatheena kaththaboo biayatina waliqai alakhirati habitat aAAmaluhum hal yujzawna illa ma kanoo yaAAmaloona	Deeds are fruitless without faith.	Those who denied Our signs and the meeting of the Hereafter - their deeds have become worthless. Are they recompensed except for what they used to do?	7:147	जिन लोगों ने हमारी आयतों को और आख़िरत के मिलन को झूठा जाना, उनका तो सारा किया-धरा उनकी जान को लागू हुआ। जो कुछ वे करते रहे क्या उसके सिवा वे किसी और चीज़ का बदला पाएँगे?	ईमान के बिना कर्म निष्फल होते हैं।
Waittakhatha qawmu moosa min baAAdihi min huliyyihim AAijlan jasadan lahu khuwarun alam yaraw annahu la yukallimuhum wala yahdeehim sabeelan ittakhathoohu wakanoo thalimeena	**[How could a non-living statue producing a lowing sound (moo-moo).]**	And the people of Moses made, after [his departure], from their ornaments a calf - an image having a lowing sound. Did they not see that it could neither speak to them nor guide them to a way? They took it [for worship], and they were wrongdoers.	7:148	और मूसा के पीछे उसकी क़ौम ने अपने ज़ेवरों से अपने लिए एक बछड़ा बना दिया, जिसमें से बैल की-सी आवाज़ निकलती थी। क्या उन्होंने देखा नहीं कि वह न तो उनसे बातें करता है और न उन्हें कोई राह दिखाता है? उन्होंने उसे अपना उपास्य बना लिया, और वे बड़े अत्याचारी थे	**[एक निर्जीव मूर्ति कैसे रंभाने (मूँ-मूँ) जैसी आवाज़ पैदा कर सकती है?]**
Walamma suqita fee aydeehim waraaw annahum qad dalloo qaloo lain lam yarhamna rabbuna wayaghfir lana lanakoonanna mina alkhasireena	**[Both the Quran itself and the Bible tell that this did not happen until after Moses came down from mountain. 20:91 They kept worshipping calf till moses came; 7:149: the Jews realized they had sinned.]**	And when regret overcame them and they saw that they had gone astray, they said, "If our Lord does not have mercy upon us and forgive us, we will surely be among the losers."	7:149	और जब (चेताबनी से) उन्हें पश्चाताप हुआ और उन्होंने देख लिया कि वास्तव में वे भटक गए हैं तो कहने लगे, "यदि हमारे रब ने हमपर दया न की और उसने हमें क्षमा न किया तो हम घाटे में पड़ जाएँगे!"	**[ख़ुद क़ुरआन और बाइबिल दोनों यह बताते हैं कि यह घटना तब तक नहीं हुई जब तक मूसा पहाड़ से नीचे नहीं आए। 20:91 के अनुसार वे मूसा के लौटने तक बछड़े की पूजा करते रहे; 7:149 में है कि यहूदियों को एहसास हुआ कि उन्होंने पाप किया था।]**

Walamma rajaAAa moosa ila qawmihi ghadbana asifan qala bisama khalaftumoonee min baAAdee aAAajiltum amra rabbikum waalqa alalwaha waakhatha birasi akheehi yajurruhu ilayhi qala ibna omma inna alqawma istadAAafoonee wakadoo yaqtuloonanee fala tushmit biya alaAAdaa wala tajAAalnee maAAa alqawmi alththalimeena	**[Why would a Messenger disrespect Allah by throughing the tablets.]**	And when Moses returned to his people, angry and grieved, he said, "How wretched is that by which you have replaced me after [my departure]. Were you impatient over the matter of your Lord?" And he threw down the tablets and seized his brother by [the hair of] his head, pulling him toward him. [Aaron] said, "O son of my mother, indeed the people oppressed me and were about to kill me, so let not the enemies rejoice over me and do not place me among the wrongdoing people."	7:150	और जब मूसा क्रोध और दुख से भरा हुआ अपनी क़ौम की ओर लौटा तो उसने कहा, "तुम लोगों ने मेरे पीछे मेरी जगह बुरा किया। क्या तुम अपने रब के हुक्म से पहले ही जल्दी कर बैठे?" फिर उसने तख़्तियाँ डाल दी और अपने भाई का सिर पकड़कर उसे अपनी ओर खींचने लगा। वह बोला, "ऐ मेरी माँ के बेटे! लोगों ने मुझे कमज़ोर समझ लिया और निकट था कि मुझे मार डालते। अतः शत्रुओं को मुझपर हुलसने का अवसर न दे और अत्याचारी लोगों में मुझे सम्मिलित न कर।"	**[एक रसूल अल्लाह का अनादर करते हुए पट्टिकाओं (तख्तियों) को कैसे फेंक सकता है?]**
Qala rabbi ighfir lee waliakhee waadkhilna fee rahmatika waanta arhamu alrrahimeena	x	[Moses] said, "My Lord, forgive me and my brother and admit us into Your mercy, for You are the most merciful of the	7:151	उसने कहा, "मेरे रब! मुझे और मेरे भाई को क्षमा कर दे और हमें अपनी दयालुता में दाख़िल कर ले। तू तो सबसे बढ़कर दयावान हैं।"	x

Inna allatheena ittakhathoo alAAijla sayanaluhum ghadabun min rabbihim wathillatun fee alhayati alddunya wakathalika najzee	x	Indeed, those who took the calf [for worship] will obtain anger from their Lord and humiliation in the life of this world, and thus do We recompense the inventors [of falsehood].	7:152	जिन लोगों ने बछड़े को अपना उपास्य बनाया, वे अपने रब की ओर से प्रकोप और सांसारिक जीवन में अपमान से ग्रस्त होकर रहेंगे; और झूठ घड़नेवालों को हम ऐसा ही बदला देते है	x
Waallatheena AAamiloo alssayyiati thumma taboo min baAAdiha waamanoo inna rabbaka min baAAdiha	x	But those who committed misdeeds and then repented after them and believed - indeed your Lord, thereafter, is Forgiving and Merciful.	7:153	रहे वे लोग जिन्होंने बुरे कर्म किए फिर उसके पश्चात तौबा कर ली और ईमान ले आए, तो इसके बाद तो तुम्हारा रब बड़ा ही क्षमाशील, दयाशील है	x
Walamma sakata AAan moosa alghadabu akhatha alalwaha wafee nuskhatiha hudan warahmatun lillatheena hum lirabbihim	x	And when the anger subsided in Moses, he took up the tablets; and in their inscription was guidance and mercy for those who are fearful of their Lord.	7:154	और जब मूसा का क्रोध शान्त हुआ तो उसने तख़्तियों को उठा लिया। उनके लेख में उन लोगों के लिए मार्गदर्शन और दयालुता थी जो अपने रब से डरते है	x

Waikhtara moosa qawmahu sabAAeena rajulan limeeqatina falamma akhathathumu alrrajfatu qala rabbi law shita ahlaktahum min qablu waiyyaya atuhlikuna bima faAAala alssufahao minna in hiya illa fitnatuka tudillu biha man tashao watahdee man tashao anta waliyyuna faighfir lana wairhamna waanta khayru alghafireena	Seventy men from the Children of Israel go for the appointed meeting place that Allah designated, Allah later on destroys them by Earthquake. **[Again, it is Allah would sends people astray.]**	And Moses chose from his people seventy men for Our appointment. And when the earthquake seized them, he said, "My Lord, if You had willed, You could have destroyed them before and me [as well]. Would You destroy us for what the foolish among us have done? This is not but Your trial by which You send astray whom You will and guide whom You will. You are our Protector, so forgive us and have mercy upon us; and You are the best of forgivers.	7:155	मूसा ने अपनी क़ौम के सत्तर आदमियों को हमारे नियत किए हुए समय के लिए चुना। फिर जब उन लोगों को एक भूकम्प ने आ पकड़ा तो उसने कहा, "मेर रब! यदि तू चाहता तो पहले ही इनको और मुझको विनष्ट कर देता। जो कुछ हमारे नादानों ने किया है, क्या उसके कारण तू हमें विनष्ट करेगा? यह तो बस तेरी ओर से एक परीक्षा है। इसके द्वारा तू जिसको चाहे पथभ्रष्ट कर दे और जिसे चाहे मार्ग दिखा दे। तू ही हमारा संरक्षक है। अतः तू हमें क्षमा कर दे और हम पर दया कर, और तू ही सबसे बढ़कर क्षमा करनेवाला है	बनी इस्राईल में से सत्तर आदमी उस निर्धारित स्थान पर गए जिसे अल्लाह ने तय किया था। बाद में अल्लाह ने उन्हें भूकंप के द्वारा नष्ट कर दिया। **[फिर वही बात: ऐसा प्रतीत होता है कि अल्लाह ही लोगों को गुमराह करता है।]**

Waoktub lana fee hathihi alddunya hasanatan wafee alakhirati inna hudna ilayka qala AAathabee oseebu bihi man ashao warahmatee wasiAAat kulla shayin fasaaktubuha lillatheena yattaqoona wayutoona alzzakata waallatheena hum	x	And decree for us in this world [that which is] good and [also] in the Hereafter; indeed, we have turned back to You." [Allah] said, "My punishment - I afflict with it whom I will, but My mercy encompasses all things." So I will decree it [especially] for those who fear Me and give zakah and those who believe in Our verses -	7:156	"और हमारे लिए इस संसार में भलाई लिख दे और आख़िरत में भी। हम तेरी ही ओर उन्मुख हुए।" उसने कहा, "अपनी यातना में मैं तो उसी को ग्रस्त करता हूँ, जिसे चाहता हूँ, किन्तु मेरी दयालुता से हर चीज़ आच्छादित है। उसे तो मैं उन लोगों के हक़ में लिखूँगा जो डर रखते और ज़कात देते है और जो हमारी आयतों पर ईमान लाते है	x

Allatheena yattabiAAoona alrrasoola alnnabiyya alommiyya allathee yajidoonahu maktooban AAindahum fee alttawrati waalinjeeli yamuruhum bialmaAAroofi wayanhahum AAani almunkari wayuhillu lahumu alttayyibati wayuharrimu AAalayhimu alkhabaitha wayadaAAu AAanhum israhum waalaghlala allatee kanat AAalayhim faallatheena amanoo bihi waAAazzaroohu wanasaroohu	“The unlettered prophet” is an-nabiyya al-ommiyya. While Ommiyya is frequently translated as “illiterate,” “unlettered,” “unable to read and write,” and the like, in 62:2 it is said that Allah “sent among the unlettered ones a messenger of their own.” In light of verse 3:75 and 62:2, it is likely that 7:157 is saying that the messenger is not illiterate but that he is a Gentile. **[Also if Jews and Christians have changed their holy book why they left the prophecy about prophet Muhammad (pbuh) in their Books, See Q 7:157, 61:6]**	Those who follow the Messenger, the unlettered prophet, whom they find written in what they have of the Torah and the Gospel, who enjoins upon them what is right and forbids them what is wrong and makes lawful for them the good things and prohibits for them the evil and relieves them of their burden and the shackles which were upon them. So they who have believed in him, honored him, supported him and followed the light which was sent down with him - it is those who will be the successful.	7:157	"(तो आज इस दयालुता के अधिकारी वे लोग है) जो उस रसूल, उम्मी नबी का अनुसरण करते है, जिसे वे अपने यहाँ तौरात और इंजील में लिखा पाते है। और जो उन्हें भलाई का हुक्म देता और बुराई से रोकता है। उनके लिए अच्छी-स्वच्छ चीज़ों का हलाल और बुरी-अस्वच्छ चीज़ों का हराम ठहराता है और उनपर से उनके वह बोझ उतारता है, जो अब तक उनपर लदे हुए थे और उन बन्धनों को खोलता है, जिनमें वे जकड़े हुए थे। अतः जो लोग उसपर ईमान लाए, उसका सम्मान किया और उसकी सहायता की और उस प्रकाश के अनुगत हुए, जो उसके साथ अवतरित हुआ है, वही सफलता प्राप्त करनेवाले है।"	“अनपढ़ नबी” का अनुवाद “अन-नबिय्य अल-उम्मी” है। जहाँ “उम्मी” का अक्सर अर्थ “निरक्षर”, “अनपढ़”, या “पढ़ने-लिखने में असमर्थ” किया जाता है, वहीं 62:2 में कहा गया है कि अल्लाह ने “उम्मियों (अनपढ़ों/ग़ैर-यहूदियों) में से ही एक रसूल भेजा।” आयत 3:75 और 62:2 के संदर्भ में, यह संभव है कि 7:157 का अर्थ यह हो कि वह रसूल निरक्षर नहीं, बल्कि “ग़ैर-यहूदी” थे। [साथ ही, यदि यहूदी और ईसाइयों ने अपनी किताबों में परिवर्तन कर दिया था, तो उन्होंने पैग़म्बर मुहम्मद स. के बारे में भविष्यवाणी को अपनी किताबों में क्यों रहने दिया? देखें: क़ुरआन 7:157, 61:6]

Qul ya ayyuha alnnasu innee rasoolu Allahi ilaykum jameeAAan allathee lahu mulku alssamawati waalardi la ilaha illa huwa yuhyee wayumeetu faaminoo biAllahi warasoolihi alnnabiyyi alommiyyi allathee yuminu biAllahi wakalimatihi waittabiAAoohu laAAallakum	x	Say, [O Muhammad], "O mankind, indeed I am the Messenger of Allah to you all, [from Him] to whom belongs the dominion of the heavens and the earth. There is no deity except Him; He gives life and causes death." So believe in Allah and His Messenger, the unlettered prophet, who believes in Allah and His words, and follow him that you may be guided.	7:158	कहो, "ऐ लोगो! मैं तुम सबकी ओर उस अल्लाह का रसूल हूँ, जो आकाशों और धरती के राज्य का स्वामी है उसके सिवा कोई पूज्य नहीं, वही जीवन प्रदान करता और वही मृत्यु देता है। अतः जीवन प्रदान करता और वही मृत्यु देता है। अतः अल्लाह और उसके रसूल, उस उम्मी नबी, पर ईमान लाओ जो स्वयं अल्लाह पर और उसके शब्दों (वाणी) पर ईमान रखता है और उनका अनुसरण करो, ताकि तुम मार्ग पा लो।"	x
Wamin qawmi moosa ommatun yahdoona bialhaqqi wabihi yaAAdiloona	x	And among the people of Moses is a community which guides by truth and by it establishes justice.	7:159	मूसा की क़ौम में से एक गिरोह ऐसे लोगों का भी हुआ जो हक़ के अनुसार मार्ग दिखाते और उसी के अनुसार न्याय करते	x

WaqattaAAnahumu ithnatay AAashrata asbatan omaman waawhayna ila moosa ithi istasqahu qawmuhu ani idrib biAAasaka alhajara fainbajasat minhu ithnata AAashrata AAaynan qad AAalima kullu onasin mashrabahum wathallalna AAalayhimu alghamama waanzalna AAalayhimu almanna waalssalwa kuloo min tayyibati ma razaqnakum wama thalamoona walakin kanoo	**[They consisted of 12 tribes already since after Jacob (some 430 years earlier according to the Bible). Asbatan (feminine plural) should be sebtan (masculine - human plurals are male in Arab).]**	And We divided them into twelve descendant tribes [as distinct] nations. And We inspired to Moses when his people implored him for water, "Strike with your staff the stone," and there gushed forth from it twelve springs. Every people knew its watering place. And We shaded them with clouds and sent down upon them manna and quails, [saying], "Eat from the good things with which We have provided you." And they wronged Us not, but they were [only] wronging themselves.	7:160	और हमने उन्हें बारह ख़ानदानों में विभक्त करके अलग-अलग समुदाय बना दिया। जब उसकी क़ौम के लोगों ने पानी माँगा तो हमने मूसा की ओर प्रकाशना की, "अपनी लाठी अमुक चट्टान पर मारो।" अतएव उससे बारह स्रोत फूट निकले और हर गिरोह ने अपना-अपना घाट मालूम कर लिया। और हमने उनपर बादल की छाया की और उन पर 'मन्न' और 'सलवा' उतारा, "हमनें तुम्हें जो अच्छी-स्वच्छ चीज़े प्रदान की है, उन्हें खाओ।" उन्होंने हम पर कोई ज़ुल्म नहीं किया, बल्कि वास्तव में वे स्वयं अपने ऊपर ही ज़ुल्म करते रहे	**[वे पहले से ही 12 क़बीलों (जनजातियों) में विभाजित थे, जो कि याक़ूब के बाद से थे (बाइबिल के अनुसार लगभग 430 वर्ष पहले)। “असबातन” (स्त्रीलिंग बहुवचन) के बजाय “सब्तन” होना चाहिए, क्योंकि अरबी में मनुष्यों के बहुवचन के लिए पुल्लिंग रूप प्रयोग होता है।]**

Waith qeela lahumu oskunoo hathihi alqaryata wakuloo minha haythu shitum waqooloo hittatun waodkhuloo albaba sujjadan naghfir lakum khateeatikum sanazeedu almuhsineena	x	And [mention, O Muhammad], when it was said to them, "Dwell in this city and eat from it wherever you will and say, 'Relieve us of our burdens,' and enter the gate bowing humbly; We will [then] forgive you your sins. We will increase the doers of good [in goodness and reward]."	7:161	याद करो जब उनसे कहा गया, "इस बस्ती में रहो-बसो और इसमें जहाँ से चाहो खाओ और कहो - हित्ततुन। और द्वार में सजदा करते हुए प्रवेश करो। हम तुम्हारी ख़ताओं को क्षमा कर देंगे और हम सुकर्मी लोगों को अधिक भी देंगे।"	x
Fabaddala allatheena thalamoo minhum qawlan ghayra allathee qeela lahum faarsalna AAalayhim rijzan mina alssamai bima kanoo yathlimoona	x	But those who wronged among them changed [the words] to a statement other than that which had been said to them. So We sent upon them a punishment from the sky for the wrong that they were doing.	7:162	किन्तु उनमें से जो अत्याचारी थे उन्होंने, जो कुछ उनसे कहा गया था, उसको उससे भिन्न बात से बदल दिया। अतः जो अत्याचार वे कर रहे थे, उसके कारण हमने आकाश से उनपर यातना भेजी	x

Waisalhum AAani alqaryati allatee kanat hadirata albahri ith yaAAdoona fee alssabti ith tateehim heetanuhum yawma sabtihim shurraAAan wayawma la yasbitoona la tateehim kathalika nabloohum bima kanoo yafsuqoona	means, this is how Allah tested Jews by making the fish swim close to the surface of the water, on the day which they were prohibited to fish (sabbath). The fish would be hidden from them on the day when they were allowed to fish. Some people voilated Allah's prohibition.	And ask them about the town that was by the sea - when they transgressed in [the matter of] the sabbath - when their fish came to them openly on their sabbath day, and the day they had no sabbath they did not come to them. Thus did We give them trial because they were defiantly disobedient.	7:163	उनसे उस बस्ती के विषय में पूछो जो सागर-तट पर थी। जब वे सब्त के मामले में सीमा का उल्लंघन करते थे, जब उनके सब्त के दिन उनकी मछलियाँ खुले तौर पर पानी के ऊपर आ जाती थी और जो दिन उनके सब्त का न होता तो वे उनके पास न आती थी। इस प्रकार उनके अवज्ञाकारी होने के कारण हम उनको परीक्षा में डाल रहे थे	अर्थात, अल्लाह ने यहूदियों की इस तरह परीक्षा ली कि जिन दिनों उन्हें मछली पकड़ने से रोका गया था (सब्त के दिन), उन दिनों मछलियाँ पानी की सतह के क़रीब आ जाती थीं। और जिन दिनों उन्हें मछली पकड़ने की अनुमति थी, उन दिनों मछलियाँ उनसे छिपी रहती थीं। कुछ लोगों ने अल्लाह के इस निषेध का उल्लंघन किया।
Waith qalat ommatun minhum lima taAAithoona qawman Allahu muhlikuhum aw muAAaththibuhum AAathaban shadeedan qaloo maAAthiratan ila rabbikum walaAAallahum yattaqoona	x	And when a community among them said, "Why do you advise [or warn] a people whom Allah is [about] to destroy or to punish with a severe punishment?" they [the advisors] said, "To be absolved before your Lord and perhaps they may fear Him."	7:164	और जब उनके एक गिरोह ने कहा, "तुम ऐसे लोगों को क्यों नसीहत किए जा रहे हो, जिन्हें अल्लाह विनष्ट करनेवाला है या जिन्हें वह कठोर यातना देनेवाला है?" उन्होंने कहा, "तुम्हारे रब के समक्ष अपने को निरपराध सिद्ध करने के लिए, और कदाचित वे (अवज्ञा से) बचें।"	x

Falamma nasoo ma thukkiroo bihi anjayna allatheena yanhawna AAani alssooi waakhathna allatheena thalamoo biAAathabin baeesin bima kanoo yafsuqoona	x	And when they forgot that by which they had been reminded, We saved those who had forbidden evil and seized those who wronged, with a wretched punishment, because they were defiantly disobeying.	7:165	फिर जब वे उसे भूल गए जो नसीहत उन्हें दी गई थी तो हमने उन लोगों को बचा लिया, जो बुराई से रोकते थे और अत्याचारियों को उनकी अवज्ञा के कारण कठोर यातना में पकड़ लिया	x
Falamma AAataw AAan ma nuhoo AAanhu qulna lahum koonoo qiradatan khasieena	**[How a human can be converted into Apes and why the Ape are despised (2:65, 5:60, 7:166)]**	So when they were insolent about that which they had been forbidden, We said to them, "Be apes, despised."	7:166	फिर जब वे सरकशी के साथ वही कुछ करते रहे, जिससे उन्हें रोका गया था तो हमने उनसे कहा, "बन्दर हो जाओ, अपमानित और तिरस्कृत!"	**[एक इंसान को बंदरों में कैसे बदला जा सकता है, और बंदरों को तुच्छ क्यों माना गया है (2:65, 5:60, 7:166)?]**
Waith taaththana rabbuka layabAAathanna AAalayhim ila yawmi alqiyamati man yasoomuhum sooa alAAathabi inna rabbaka lasareeAAu alAAiqabi wainnahu	x	And [mention] when your Lord declared that He would surely [continue to] send upon them until the Day of Resurrection those who would afflict them with the worst torment. Indeed, your Lord is swift in penalty; but indeed, He is Forgiving and Merciful.	7:167	और याद करो जब तुम्हारे रब ने ख़बर कर दी थी कि वह क़ियामत के दिन तक उनके विरुद्ध ऐसे लोगों को उठाता रहेगा, जो उन्हें बुरी यातना देंगे। निश्चय ही तुम्हारा रब जल्द सज़ा देता है और वह बड़ा क्षमाशील, दावान भी है	x

WaqattaAAnahum fee alardi omaman minhumu alssalihoona waminhum doona thalika wabalawnahum bialhasanati waalssayyiati laAAallahum	x	And We divided them throughout the earth into nations. Of them some were righteous, and of them some were otherwise. And We tested them with good [times] and bad that perhaps they would return [to obedience].	7:168	और हमने उन्हें टुकड़े-टुकड़े करके धरती में अनेक गिरोहों में बिखेर दिया। कुछ उनमें से नेक है और कुछ उनमें इससे भिन्न हैं, और हमने उन्हें अच्छी और बुरी परिस्थितियों में डालकर उनकी परीक्षा ली, कदाचित वे पलट आएँ	x
Fakhalafa min baAAdihim khalfun warithoo alkitaba yakhuthoona AAarada hatha aladna wayaqooloona sayughfaru lana wain yatihim AAaradun mithluhu yakhuthoohu alam yukhath AAalayhim meethaqu alkitabi an la yaqooloo AAala Allahi illa alhaqqa wadarasoo ma feehi waalddaru alakhiratu khayrun lillatheena yattaqoona afala taAAqiloona	"offer" mean evil pleasures of this world.	And there followed them successors who inherited the Scripture [while] taking the commodities of this lower life and saying, "It will be forgiven for us." And if an offer like it comes to them, they will [again] take it. Was not the covenant of the Scripture taken from them that they would not say about Allah except the truth, and they studied what was in it? And the home of the Hereafter is better for those who fear Allah, so will you not use reason?	7:169	फिर उनके पीछे ऐसे अयोग्य लोगों ने उनकी जगह ली, जो किताब के उत्तराधिकारी होकर इसी तुच्छ संसार का सामान समेटते है और कहते है, "हमें अवश्य क्षमा कर दिया जाएगा।" और यदि इस जैसा और सामान भी उनके पास आ जाए तो वे उसे भी ले लेंगे। क्या उनसे किताब का यह वचन नहीं लिया गया था कि वे अल्लाह पर थोपकर हक़ के सिवा कोई और बात न कहें। और जो उसमें है उसे वे स्वयं पढ़ भी चुके है। और आख़िरत का घर तो उन लोगों के लिए उत्तम है, जो डर रखते है। तो क्या तुम बुद्धि से काम नहीं लेते?	“सामान” का अर्थ यहाँ दुनिया की बुरी/भ्रामक इच्छाएँ और सुख-लालसाएँ है।

Waallatheena yumassikoona bialkitabi waaqamoo alssalata inna la nudeeAAu ajra almusliheena	x	But those who hold fast to the Book and establish prayer - indeed, We will not allow to be lost the reward of the reformers.	7:170	और जो लोग किताब को मज़बूती से थामते है और जिन्होंने नमाज़ क़ायम कर रखी है, तो काम को ठीक रखनेवालों के प्रतिदान को हम कभी अकारथ नहीं करते	x
Waith nataqna aljabala fawqahum kaannahu thullatun wathannoo annahu waqiAAun bihim khuthoo ma ataynakum biquwwatin waothkuroo ma feehi laAAallakum tattaqoona	The angels raised the Mount over their heads. **[How a mountain can be raised as dark cloud.]**	And [mention] when We raised the mountain above them as if it was a dark cloud and they were certain that it would fall upon them, [and Allah said], "Take what We have given you with determination and remember what is in it that you might fear Allah."	7:171	और याद करो जब हमने पर्वत को हिलाया, जो उनके ऊपर था। मानो वह कोई छत्र हो और वे समझे कि बस वह उनपर गिरा ही चाहता है, "थामो मज़बूती से, जो कुछ हमने दिया है। और जो कुछ उसमें है उसे याद रखो, ताकि तुम बच सको।"	फ़रिश्तों ने उनके सिरों के ऊपर पर्वत को उठा दिया। **[एक पर्वत को काले बादल की तरह कैसे उठाया जा सकता है?]**
Waith akhatha rabbuka min banee adama min thuhoorihim thurriyyatahum waashhadahum AAala anfusihim alastu birabbikum qaloo bala shahidna an taqooloo yawma alqiyamati inna kunna AAan hatha ghafileena	Everyone on earth is born Muslim, as a hadith has Muhammad saying: “No child is born but has the Islamic Faith, but its parents turn it into a Jew or a Christian.”	And [mention] when your Lord took from the children of Adam - from their loins - their descendants and made them testify of themselves, [saying to them], "Am I not your Lord?" They said, "Yes, we have testified." [This] - lest you should say on the day of Resurrection, "Indeed, we were of this unaware."	7:172	और याद करो जब तुम्हारे रब ने आदम की सन्तान से (अर्थात उनकी पीठों से) उनकी सन्तति निकाली और उन्हें स्वयं उनके ऊपर गवाह बनाया कि "क्या मैं तुम्हारा रब नहीं हूँ?" बोले, "क्यों नहीं, हम गवाह है।" ऐसा इसलिए किया कि तुम क़ियामत के दिन कहीं यह न कहने लगो कि "हमें तो इसकी ख़बर ही न थी।"	हर इंसान धरती पर इस्लाम (फ़ितरत) पर पैदा होता है, जैसा कि एक हदीस में पैग़म्बर मुहम्मद स. ने फ़रमाया: “हर बच्चा इस्लामी फ़ितरत पर पैदा होता है, फिर उसके माता-पिता उसे यहूदी या ईसाई बना देते हैं।”

Aw taqooloo innama ashraka abaona min qablu wakunna thurriyyatan min baAAdihim afatuhlikuna bima faAAala almubtiloona	x	Or [lest] you say, "It was only that our fathers associated [others in worship] with Allah before, and we were but descendants after them. Then would You destroy us for what the falsifiers have done?"	7:173	या कहो कि "(अल्लाह के साथ) साझी तो पहले हमारे बाप-दादा ने किया। हम तो उसके पश्चात उनकी सन्तति में हुए है। तो क्या तू हमें उसपर विनष्ट करेगा जो कुछ मिथ्याचारियों ने किया है?"	x
Wakathalika nufassilu alayati walaAAallahum yarjiAAoona	x	And thus do We [explain in] detail the verses, and perhaps they will return.	7:174	इस प्रकार स्थिति के अनुकूल आयतें प्रस्तुत करते है। और शायद कि वे पलट आएँ	x
Waotlu AAalayhim nabaa allathee ataynahu ayatina fainsalakha minha faatbaAAahu alshshaytanu fakana mina alghaweena	One Islamic tradition holds that it was Balam bin Baura, “a man from Yemen whom Allah had given the knowledge of his Ayat, but he abandoned them.” Others say he was “one of the scholars of the "Children of Israel.”	And recite to them, [O Muhammad], the news of him to whom we gave [knowledge of] Our signs, but he detached himself from them; so Satan pursued him, and he became of the deviators.	7:175	और उन्हें उस व्यक्ति का हाल सुनाओ जिसे हमने अपनी आयतें प्रदान की किन्तु वह उनसे निकल भागा। फिर शैतान ने उसे अपने पीछे लगा लिया। अन्ततः वह पथभ्रष्ट और विनष्ट होकर रहा	एक इस्लामी परंपरा के अनुसार, वह बालम बिन बौरा था, “एक व्यक्ति यमन से जिसे अल्लाह ने अपनी आयतों का ज्ञान दिया था, लेकिन उसने उन्हें छोड़ दिया।” अन्य लोग कहते हैं कि वह “इज़राइल के बच्चों में से एक विद्वान था।”

Walaw shina larafaAAnahu biha walakinnahu akhlada ila alardi waittabaAAa hawahu famathaluhu kamathali alkalbi in tahmil AAalayhi yalhath aw tatrukhu yalhath thalika mathalu alqawmi allatheena kaththaboo biayatina faoqsusi alqasasa laAAallahum yatafakkaroona	**[Non-muslims who does not accept islam are like dog.]**	And if We had willed, we could have elevated him thereby, but he adhered [instead] to the earth and followed his own desire. So his example is like that of the dog: if you chase him, he pants, or if you leave him, he [still] pants. That is the example of the people who denied Our signs. So relate the stories that perhaps they will give thought.	7:176	यदि हम चाहते तो इन आयतों के द्वारा उसे उच्चता प्रदान करते, किन्तु वह तो धरती के साथ लग गया और अपनी इच्छा के पीछे चला। अतः उसकी मिसाल कुत्ते जैसी है कि यदि तुम उसपर आक्षेप करो तब भी वह ज़बान लटकाए रहे या यदि तुम उसे छोड़ दो तब भी वह ज़बान लटकाए ही रहे। यही मिसाल उन लोगों की है, जिन्होंने हमारी आयतों को झुठलाया, तो तुम वृत्तान्त सुनाते रहो, कदाचित वे सोच-विचार कर सकें	**[गैर-मुसलमान जो इस्लाम स्वीकार नहीं करते, वे कुत्ते के समान हैं।]**
Saa mathalan alqawmu allatheena kaththaboo biayatina waanfusahum kanoo	x	How evil an example [is that of] the people who denied Our signs and used to wrong themselves.	7:177	बुरे है मिसाल की दृष्टि से वे लोग, जिन्होंने हमारी आयतों को झुठलाया और वे स्वयं अपने ही ऊपर अत्याचार करते रहे	x
Man yahdi Allahu fahuwa almuhtadee waman yudlil faolaika humu alkhasiroona	**[It's upto Allah whom He wish to Guide.]**	Whoever Allah guides - he is the [rightly] guided; and whoever He sends astray - it is those who are the losers.	7:178	जिसे अल्लाह मार्ग दिखाए वही सीधा मार्ग पानेवाला है और जिसे वह मार्ग से वंचित रखे, तो ऐसे ही लोग घाटे में पड़नेवाले हैं	**[यह अल्लाह पर निर्भर है कि वह किसे मार्गदर्शन देना चाहता है।]**

Walaqad tharana lijahannama katheeran mina aljinni waalinsi lahum quloobun la yafqahoona biha walahum aAAyunun la yubsiroona biha walahum athanun la yasmaAAoona biha olaika kaalanAAami bal hum adallu olaika humu	Disbelievers are worse that cattle, who understand little. **[Contradiction 51:56: Allah created Jinn and men for serving Him, 7:179: Many are the Jinns and men created for hell.]**	And We have certainly created for Hell many of the jinn and mankind. They have hearts with which they do not understand, they have eyes with which they do not see, and they have ears with which they do not hear. Those are like livestock; rather, they are more astray. It is they who are the heedless.	7:179	निश्चय ही हमने बहुत-से जिन्नों और मनुष्यों को जहन्नम ही के लिए फैला रखा है। उनके पास दिल है जिनसे वे समझते नहीं, उनके पास आँखें है जिनसे वे देखते नहीं; उनके पास कान है जिनसे वे सुनते नहीं। वे पशुओं की तरह है, बल्कि वे उनसे भी अधिक पथभ्रष्ट है। वही लोग है जो ग़फ़लत में पड़े हुए है	काफ़िर पशुओं से भी बदतर हैं, क्योंकि वे बहुत कम समझते हैं। **[विरोधाभास 51:56: अल्लाह ने जिन्न और इंसानों को सिर्फ़ अपनी उपासना के लिए बनाया, 7:179: कई जिन्न और इंसान नर्क के लिए बनाए गए हैं।]**
Walillahi alasmao alhusna faodAAoohu biha watharoo allatheena yulhidoona fee asmaihi sayujzawna ma kanoo yaAAmaloona	x	And to Allah belong the best names, so invoke Him by them. And leave [the company of] those who practice deviation concerning His names. They will be recompensed for what they have been	7:180	अच्छे नाम अल्लाह ही के है। तो तुम उन्हीं के द्वारा उसे पुकारो और उन लोगों को छोड़ो जो उसके नामों के सम्बन्ध में कुटिलता ग्रहण करते है। जो कुछ वे करते है, उसका बदला वे पाकर रहेंगे	x
Wamimman khalaqna ommatun yahdoona bialhaqqi wabihi yaAAdiloona	The believers (Muslims) shall guide mankind with Allah's truth and establish justice by means of it. This is a foundation of Islam's moral critique of the non-Muslim world.	And among those We created is a community which guides by truth and thereby establishes justice.	7:181	हमारे पैदा किए प्राणियों में कुछ लोग ऐसे भी है जो हक़ के अनुसार मार्ग दिखाते और उसी के अनुसार न्याय करते है	विश्वासियों (मुसलमानों) को अल्लाह की सच्चाई के माध्यम से मानवता को मार्गदर्शन देना चाहिए और इसके द्वारा न्याय स्थापित करना चाहिए। यही इस्लाम की गैर-मुस्लिम दुनिया पर नैतिक आलोचना की नींव है।

Waallatheena kaththaboo biayatina sanastadrijuhum min haythu la	x	But those who deny Our signs - We will progressively lead them [to destruction] from where they do not know.	7:182	रहे वे लोग जिन्होंने हमारी आयतों को झुठलाया, हम उन्हें क्रमशः तबाही की ओर ले जाएँगे, ऐसे तरीक़े से जिसे वे जानते नहीं	x
Waomlee lahum inna kaydee mateenun	x	And I will give them time. Indeed, my plan is firm.	7:183	मैं तो उन्हें ढील दिए जा रहा हूँ। निश्चय ही मेरी चाल अत्यन्त सुदृढ़ है	x
Awalam yatafakkaroo ma bisahibihim min jinnatin in huwa illa natheerun mubeenun	x	Then do they not give thought? There is in their companion [Muhammad] no madness. He is not but a clear warner.	7:184	क्या उन लोगों ने विचार नहीं किया? उनके साथी को कोई उन्माद नहीं। वह तो बस एक साफ़-साफ़ सचेत करनेवाला है	x
Awalam yanthuroo fee malakooti alssamawati waalardi wama khalaqa Allahu min shayin waan AAasa an yakoona qadi iqtaraba ajaluhum fabiayyi hadeethin baAAdahu	x	Do they not look into the realm of the heavens and the earth and everything that Allah has created and [think] that perhaps their appointed time has come near? So in what statement hereafter will they believe?	7:185	या क्या उन्होंने आकाशों और धरती के राज्य पर और जो चीज़ भी अल्लाह ने पैदा की है उसपर दृष्टि नहीं डाली, और इस बात पर कि कदाचित उनकी अवधि निकट आ लगी हो? फिर आख़िर इसके बाद अब कौन-सी बात हो सकती है, जिसपर वे ईमान लाएँगे?	x
Man yudlili Allahu fala hadiya lahu wayatharuhum fee tughyanihim yaAAmahoona	**[Allah sends disbeliever into astray, and no one can guide them.]**	Whoever Allah sends astray - there is no guide for him. And He leaves them in their transgression, wandering blindly.	7:186	जिसे अल्लाह मार्ग से वंचित रखे उसके लिए कोई मार्गदर्शक नहीं। वह तो तो उन्हें उनकी सरकशी ही में भटकता हुआ छोड़ रहा है	**[अल्लाह काफ़िरों को गुमराह करता है, और कोई उन्हें मार्ग नहीं दिखा सकता।]**

Yasaloonaka AAani alssaAAati ayyana mursaha qul innama AAilmuha AAinda rabbee la yujalleeha liwaqtiha illa huwa thaqulat fee alssamawati waalardi la tateekum illa baghtatan yasaloonaka kaannaka hafiyyun AAanha qul innama AAilmuha AAinda Allahi walakinna akthara alnnasi la yaAAlamoona	Some Jews asked: 'O Muhammad, tell us when the last Hour will be, if you are really a prophet, for we know when it is going to be?' And so this verse came.	They ask you, [O Muhammad], about the Hour: when is its arrival? Say, "Its knowledge is only with my Lord. None will reveal its time except Him. It lays heavily upon the heavens and the earth. It will not come upon you except unexpectedly." They ask you as if you are familiar with it. Say, "Its knowledge is only with Allah, but most of the people do not know."	7:187	तुमसे उस घड़ी (क़ियामत) के विषय में पूछते है कि वह कब आएगी? कह दो, "उसका ज्ञान मेरे रब ही के पास है। अतः वही उसे उसके समय पर प्रकट करेगा। वह आकाशों और धरती में बोझिल हो गई है - बस अचानक ही वह तुमपर आ जाएगी।" वे तुमसे पूछते है मानो तुम उसके विषय में भली-भाँति जानते हो। कह दो, "उसका ज्ञान तो बस अल्लाह ही के पास है - किन्तु अधिकांश लोग नहीं जानते।"	कुछ यहूदियों ने पूछा: 'हे मुहम्मद स., यदि आप वास्तव में पैग़म्बर हैं, तो हमें बताइए कि कयामत की घड़ी कब आएगी, क्योंकि हम जानते हैं कि यह कब होने वाली है।' और फिर यह आयत उतरी।
Qul la amliku linafsee nafAAan wala darran illa ma shaa Allahu walaw kuntu aAAlamu alghayba laistakthartu mina alkhayri wama massaniya alssooo in ana illa natheerun wabasheerun liqawmin yuminoona	The people of Mecca said: 'O Muhammad, does not your Lord inform you about lower prices before they go up, and thus you buy and make profit? And does He not inform you about the land which is about to suffer drought and, thus, you travel to a land which is more fertile?' And this verse was revealed. **[Prophet had no knowledge of unseen.]**	Say, "I hold not for myself [the power of] benefit or harm, except what Allah has willed. And if I knew the unseen, I could have acquired much wealth, and no harm would have touched me. I am not except a warner and a bringer of good tidings to a people who believe."	7:188	कहो, "मैं अपने लिए न तो लाभ का अधिकार रखता हूँ और न हानि का,बल्कि अल्लाह ही की इच्छा क्रियान्वित है। यदि मुझे परोक्ष (ग़ैब) का ज्ञान होता तो बहुत-सी भलाई समेट लेता और मुझे कभी कोई हानि न पहुँचती। मैं तो बस सचेत करनेवाला हूँ, उन लोगों के लिए जो ईमान लाएँ।"	मक्का के लोगों ने कहा: 'हे मुहम्मद स., क्या तुम्हारा पालनहार तुम्हें पहले से कम कीमतों के बारे में नहीं बताता ताकि तुम खरीदो और लाभ कमाओ? और क्या वह तुम्हें उस भूमि के बारे में नहीं बताता जो सूखा झेलने वाली है, ताकि तुम किसी अधिक उपजाऊ भूमि की ओर चलो?' और फिर यह आयत उतरी। [पैग़म्बर स. को ग़ैब की जानकारी नहीं थी।]

Huwa allathee khalaqakum min nafsin wahidatin wajaAAala minha zawjaha liyaskuna ilayha falamma taghashshaha hamalat hamlan khafeefan famarrat bihi falamma athqalat daAAawa Allaha rabbahuma lain ataytana salihan lanakoonanna mina alshshakireena	Initially, all the children of Adam and Eve died in their infancy. And so, Satan whispered to them: 'If a boy is born to you, call him Abd al-Harith [the slave of al-Harith]. Al-Harith was the previous name of Satan (Iblees). Adam and Eve did as he asked them to do, then these words of Allah came.	It is He who created you from one soul and created from it its mate that he might dwell in security with her. And when he covers her, she carries a light burden and continues therein. And when it becomes heavy, they both invoke Allah, their Lord, "If You should give us a good [child], we will surely be among the grateful."	7:189	वही है जिसने तुम्हें अकेली जान पैदा किया और उसी की जाति से उसका जोड़ा बनाया, ताकि उसकी ओर प्रवृत्त होकर शान्ति और चैन प्राप्त करे। फिर जब उसने उसको ढाँक लिया तो उसने एक हल्का-सा बोझ उठा लिया; फिर वह उसे लिए हुए चलती-फिरती रही, फिर जब वह बोझिल हो गई तो दोनों ने अल्लाह - अपने रब को पुकारा, "यदि तूने हमें भला-चंगा बच्चा दिया, तो निश्चय ही हम तेरे कृतज्ञ होंगे।"	प्रारंभ में, आदम और हव्वा के सभी बच्चे अपनी शिशु अवस्था में ही मर गए। और तब शैतान ने उन्हें फुसफुसाया: 'यदि तुम्हारे यहाँ कोई पुत्र जन्म ले, तो उसका नाम अब्द अल-हारीथ रखो [अल-हारीथ का दास]।' अल-हारीथ शैतान (इब्लीस) का पूर्व नाम था। आदम और हव्वा ने वैसा ही किया जैसा उसने कहा, फिर अल्लाह के ये शब्द प्रकट हुए।
Falamma atahuma salihan jaAAala lahu shurakaa feema atahuma fataAAala Allahu AAamma yushrikoona	x	But when He gives them a good [child], they ascribe partners to Him concerning that which He has given them. Exalted is Allah above what they associate with Him.	7:190	किन्तु उसने जब उन्हें भला-चंगा (बच्चा) प्रदान किया तो जो उन्हें प्रदान किया उसमें वे दोनों उसका (अल्लाह का) साझी ठहराने लगे। किन्तु अल्लाह तो उच्च है उससे, जो साझी वे ठहराते है	x
Ayushrikoona ma la yakhluqu shayan wahum yukhlaqoona	x	Do they associate with Him those who create nothing and they are [themselves] created?	7:191	क्या वे उसको साझी ठहराते है जो कोई चीज़ भी पैदा नहीं करता, बल्कि ऐसे उनके ठहराए हुए साझीदार तो स्वयं पैदा किए जाते हैं	x

Wala yastateeAAoona lahum nasran wala anfusahum yansuroona	x	And the false deities are unable to [give] them help, nor can they help themselves.	7:192	और वे न तो उनकी सहायता करने की सामर्थ्य रखते है और न स्वयं अपनी ही सहायता कर सकते है?	x
Wain tadAAoohum ila alhuda la yattabiAAookum sawaon AAalaykum adaAAawtumoohum am antum samitoona	**[Contradiction: But Muslims have convert many disbelievers to Islam.]**	And if you [believers] invite them to guidance, they will not follow you. It is all the same for you whether you invite them or you are silent.	7:193	यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे तुम्हारे पीछे न आएँगे। तुम्हारे लिए बराबर है - उन्हें पुकारो या तुम चुप रहो	**[विरोधाभास: लेकिन मुसलमानों ने कई काफ़िरों को इस्लाम में परिवर्तित किया है।]**
Inna allatheena tadAAoona min dooni Allahi AAibadun amthalukum faodAAoohum falyastajeeboo lakum in kuntum	**[Contradiction: Does false dieties exist: Don't 10:18, 12:40, 17:42, 21:22, 53:23; Yes, 2:166, 7:194, 16:86, 18:51, 21:43, 21:99, 25:17]**	Indeed, those you [polytheists] call upon besides Allah are servants like you. So call upon them and let them respond to you, if you should be truthful.	7:194	तुम अल्लाह को छोड़कर जिन्हें पुकारते हो वे तो तुम्हारे ही जैसे बन्दे है, अतः पुकार लो उनको, यदि तुम सच्चे हो, तो उन्हें चाहिए कि वे तुम्हें उत्तर दे!	**[विरोधाभास: क्या झूठे देवता अस्तित्व में हैं—नहीं: 10:18, 12:40, 17:42, 21:22, 53:23; हाँ: 2:166, 7:194, 16:86, 18:51, 21:43, 21:99, 25:17]**
Alahum arjulun yamshoona biha am lahum aydin yabtishoona biha am lahum aAAyunun yubsiroona biha am lahum athanun yasmaAAoona biha quli odAAoo shurakaakum thumma keedooni fala tunthirooni	**[These false dieties have no body organs.]**	Do they have feet by which they walk? Or do they have hands by which they strike? Or do they have eyes by which they see? Or do they have ears by which they hear? Say, [O Muhammad], "Call your 'partners' and then conspire against me and give me no respite.	7:195	क्या उनके पाँव हैं जिनसे वे चलते हों या उनके हाथ हैं जिनसे वे पकड़ते हों या उनके पास आँखें हीं जिनसे वे देखते हों या उनके कान हैं जिनसे वे सुनते हों? कहों, "तुम अपने ठहराए हु सहभागियों को बुला लो, फिर मेरे विरुद्ध चालें न चलो, इस प्रकार कि मुझे मुहलत न दो	**[इन झूठे देवताओं के कोई शरीर के अंग नहीं हैं।]**

Inna waliyyiya Allahu allathee nazzala alkitaba wahuwa yatawalla alssaliheena	x	Indeed, my protector is Allah, who has sent down the Book; and He is an ally to the righteous.	7:196	निश्चय ही मेरा संरक्षक मित्र अल्लाह है, जिसने यह किताब उतारी और वह अच्छे लोगों का संरक्षण करता है	x
Waallatheena tadAAoona min doonihi la yastateeAAoona nasrakum wala anfusahum yansuroona	x	And those you call upon besides Him are unable to help you, nor can they help themselves."	7:197	रहे वे जिन्हें तुम उसको छोड़कर पुकारते हो, वे तो तुम्हारी, सहायता करने की सामर्थ्य रखते है और न स्वयं अपनी ही सहायता कर सकते है	x
Wain tadAAoohum ila alhuda la yasmaAAoo watarahum yanthuroona ilayka wahum la yubsiroona	x	And if you invite them to guidance, they do not hear; and you see them looking at you while they do not see.	7:198	और यदि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ तो वे न सुनेंगे। वे तुम्हें ऐसे दीख पड़ते हैं जैसे वे तुम्हारी ओर ताक रहे हैं, हालाँकि वे कुछ भी नहीं देखते	x
Khuthi alAAafwa wamur bialAAurfi waAArid AAani aljahileena	**[Abrogated by later Jihadi verse.]**	Take what is given freely, enjoin what is good, and turn away from the ignorant.	7:199	क्षमा की नीति अपनाओ और भलाई का हुक्म देते रहो और अज्ञानियों से किनारा खींचो	**[बाद की "जिहादी" आयत द्वारा रद्द कर दिया गया।]**
Waimma yanzaghannaka mina alshshaytani nazghun faistaAAith biAllahi innahu sameeAAun	x	And if an evil suggestion comes to you from Satan, then seek refuge in Allah. Indeed, He is Hearing and Knowing.	7:200	और यदि शैतान तुम्हें उकसाए तो अल्लाह की शरण माँगो। निश्चय ही, वह सब कुछ सुनता जानता है	x

Inna allatheena ittaqaw itha massahum taifun mina alshshaytani tathakkaroo faitha hum mubsiroona	x	Indeed, those who fear Allah - when an impulse touches them from Satan, they remember [Him] and at once they have insight.	7:201	जो डर रखते हैं, उन्हें जब शैतान की ओर से कोई ख़याल छू जाता है, तो वे चौंक उठते हैं। फिर वे साफ़ देखने लगते हैं	x
Waikhwanuhum yamuddoonahum fee alghayyi thumma la	Devils are brothers of disbelievers.	But their brothers - the devils increase them in error; then they do not stop short.	7:202	और उन (शैतानों) के भाई उन्हें गुमराही में खींचे लिए जाते हैं, फिर वे कोई कमी नहीं करते	शैतान, काफ़िरों के भाई हैं।
Waitha lam tatihim biayatin qaloo lawla ijtabaytaha qul innama attabiAAu ma yooha ilayya min rabbee hatha basairu min rabbikum wahudan warahmatun liqawmin yuminoona	Means, no signs were given to prophet Muhammad (pbuh) except for Quran **[Although Hadith describe many miracles.]**	And when you, [O Muhammad], do not bring them a sign, they say, "Why have you not contrived it?" Say, "I only follow what is revealed to me from my Lord. This [Qur'an] is enlightenment from your Lord and guidance and mercy for a people who believe."	7:203	और जब तुम उनके सामने कोई निशानी नहीं लाते तो वे कहते हैं, "तुम स्वयं कोई निशानी क्यों न छाँट लाए?" कह दो, "मैं तो केवल उसी का अनुसरण करता हूँ जो मेरे रब की ओर से प्रकाशना की जाती है। यह तुम्हारे रब की ओर से अन्तर्दृष्टियों का प्रकाश-पुंज है, और ईमान लानेवालों के लिए मार्गदर्शन और दयालुता है।"	मतलब यह है कि पैग़म्बर मुहम्मद स. को कोई चमत्कार नहीं दिए गए, सिवाय क़ुरआन के। [हालाँकि हदीस में कई चमत्कारों का वर्णन किया गया है।]
Waitha quria alquranu faistamiAAoo lahu waansitoo laAAallakum turhamoona	This was revealed about raising voices while in prayer behind the Messenger (pbuh).	So when the Qur'an is recited, then listen to it and pay attention that you may receive mercy.	7:204	जब क़ुरआन पढ़ा जाए तो उसे ध्यानपूर्वक सुनो और चुप रहो, ताकि तुमपर दया की जाए	नमाज़ पढ़ते समय आवाज़ ऊँची करने के बारे में।

Waothkur rabbaka fee nafsika tadarruAAan wakheefatan wadoona aljahri mina alqawli bialghuduwwi waalasali wala takun	x	And remember your Lord within yourself in humility and in fear without being apparent in speech - in the mornings and the evenings. And do not be among the heedless.	7:205	अपने रब को अपने मन में प्रातः और संध्या के समयों में विनम्रतापूर्वक, डरते हुए और हल्की आवाज़ के साथ याद किया करो। और उन लोगों में से न हो जाओ जो ग़फ़लत में पड़े हुए है	x
Inna allatheena AAinda rabbika la yastakbiroona AAan AAibadatihi wayusabbihoonahu walahu yasjudoona	x	Indeed, those who are near your Lord are not prevented by arrogance from His worship, and they exalt Him, and to Him they prostrate.	7:206	निस्संदेह जो तुम्हारे रब के पास है, वे उसकी बन्दगी के मुक़ाबले में अहंकार की नीति नहीं अपनाते; वे तो उसकी तसबीह (महिमागान) करते है और उसी को सजदा करते है	x
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Al-Anfal (The Spoils of War), Revealed shortly after battle of Badr**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**8:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अल-अनफ़ाल (युद्ध की लूट), जो बद्र की लड़ाई के तुरंत बाद नाज़िल हुई।**

Yasaloonaka AAani alanfali quli alanfalu lillahi waalrrasooli faittaqoo Allaha waaslihoo thata baynikum waateeAAoo Allaha warasoolahu in kuntum mumineena	When the enemy was defeated on the day of Badr, a group of men chased them, while one group protected the Messenger (pbuh) and another group seized the booty and spoils. Then they argued about who has more share in the booty. Then this verse was revealed and so the Messenger (pbuh) divided it on them in equal shares. **[Contradiction 8:41, 80% will be given to warriors. 8:1 prophet will decide.]**	They ask you, [O Muhammad], about the bounties [of war]. Say, "The [decision concerning] bounties is for Allah and the Messenger." So fear Allah and amend that which is between you and obey Allah and His Messenger, if you should be believers.	8:1	वे तुमसे ग़नीमतों के विषय में पूछते है। कहो, "ग़नीमतें अल्लाह और रसूल की है। अतः अल्लाह का डर रखों और आपस के सम्बन्धों को ठीक रखो। और, अल्लाह और उसके रसूल की आज्ञा का पालन करो, यदि तुम ईमानवाले हो	जब बद्र के दिन दुश्मन पराजित हो गया, तो एक समूह उनका पीछा करने लगा, जबकि एक समूह पैग़म्बर मुहम्मद स. की सुरक्षा में लगा रहा और दूसरा समूह माल-ए-ग़नीमत इकट्ठा करने लगा। फिर उनके बीच इस बात पर विवाद हो गया कि ग़नीमत में किसका हिस्सा अधिक होना चाहिए। तब यह आयत नाज़िल हुई, और पैग़म्बर मुहम्मद स. ने उसे उनके बीच बराबर बाँट दिया। [विरोधाभास: 8:41 में 80% लड़ने वालों को दिया जाना बताया गया है, जबकि 8:1 में कहा गया है कि पैग़म्बर ही इसका निर्णय करेंगे।]
Innama almuminoona allatheena itha thukira Allahu wajilat quloobuhum waitha tuliyat AAalayhim ayatuhu zadathum eemanan waAAala rabbihim yatawakkaloona	Faith increases when the Qur'an is recited.	The believers are only those who, when Allah is mentioned, their hearts become fearful, and when His verses are recited to them, it increases them in faith; and upon their Lord they rely -	8:2	ईमानवाले तो वही लोग है जिनके दिल उस समय काँप उठे जबकि अल्लाह को याद किया जाए। और जब उनके सामने उसकी आयतें पढ़ी जाएँ तो वे उनके ईमान को और अधिक बढ़ा दें और वे अपने रब पर भरोसा रखते हों	क़ुरआन की तिलावत होने पर ईमान में वृद्धि होती है।
Allatheena yuqeemoona alssalata wamimma razaqnahum yunfiqoona	x	The ones who establish prayer, and from what We have provided them, they spend.	8:3	ये वे लोग हैं जो नमाज़ क़ायम करते है और जो कुछ हमने दिया है उसमें से ख़र्च करते हैं	x

Olaika humu almuminoona haqqan lahum darajatun AAinda rabbihim wamaghfiratun	There will be different ranks among believers according to their steadfastness.	Those are the believers, truly. For them are degrees [of high position] with their Lord and forgiveness and noble provision.	8:4	वही लोग वास्तव में ईमानवाले है। उनके लिए रब के पास बड़े दर्जे है और क्षमा और सम्मानित उत्तम आजीविका भी	मोमिनों के बीच उनकी दृढ़ता (सब्र व इस्तिक़ामत) के अनुसार अलग-अलग दर्जे होंगे।
Kama akhrajaka rabbuka min baytika bialhaqqi wainna fareeqan mina almumineena lakarihoona	x	[It is] just as when your Lord brought you out of your home [for the battle of Badr] in truth, while indeed, a party among the believers were unwilling,	8:5	(यह बिल्कुल वैसी ही परिस्थित है) जैसे तुम्हारे ने तुम्हें तुम्हारे घर से एक उद्देश्य के साथ निकाला, किन्तु ईमानवालों में से एक गिरोह को यह अप्रिय लगा था	x
Yujadiloonaka fee alhaqqi baAAdama tabayyana kaannama yusaqoona ila almawti wahum yanthuroona	The prophet (pbuh) ordered Muslims to intercept the caravan of Abu Sufyan carrying the goods of Quraysh from Sham. Abu Sufiyan came to know about this and called Quraysh for help from Makkah. Then battle of Badr took place. Some Muslims argued when Prophet (pbuh) went out for the battle of Badr, saying, `You marched with us to confiscate the caravan. You did not inform us that there will be fighting and that we should prepare for it.'	Arguing with you concerning the truth after it had become clear, as if they were being driven toward death while they were looking on.	8:6	वे सत्य के विषय में उसके स्पष्ट हो जाने के पश्चात तुमसे झगड़ रहे थे। मानो वे आँखों देखी मृत्यु की ओर हाँके जा रहे हों	पैग़म्बर मुहम्मद स. ने मुसलमानों को शाम से क़ुरैश का माल लेकर आने वाले अबू सुफ़यान के काफिले को रोकने का आदेश दिया। अबू सुफ़यान को इसकी खबर हो गई और उसने क़ुरैश को मक्का से मदद के लिए बुला लिया। इसके बाद बद्र की लड़ाई हुई। जब पैग़म्बर मुहम्मद स. बद्र की लड़ाई के लिए निकले, तो कुछ मुसलमानों ने आपत्ति जताई और कहा: “आप हमें काफिले को ज़ब्त करने के लिए लेकर निकले थे। आपने हमें यह नहीं बताया था कि लड़ाई होगी और हमें उसके लिए तैयारी करनी चाहिए।”

Waith yaAAidukumu Allahu ihda alttaifatayni annaha lakum watawaddoona anna ghayra thati alshshawkati takoonu lakum wayureedu Allahu an yuhiqqa alhaqqa bikalimatihi	The two groups were the caravan lead by Abu Sufiyan (unarmed) and the Quraysh army (armed) came from Makkah to support him.	[Remember, O believers], when Allah promised you one of the two groups - that it would be yours - and you wished that the unarmed one would be yours. But Allah intended to establish the truth by His words and to eliminate the disbelievers	8:7	और याद करो जब अल्लाह तुमसे वादा कर रहा था कि दो गिरोहों में से एक तुम्हारे हाथ आएगा और तुम चाहते थे कि तुम्हें वह हाथ आए, जो निःशस्त्र था, हालाँकि अल्लाह चाहता था कि अपने वचनों से सत्य को सत्य कर दिखाए और इनकार करनेवालों की जड़ काट दे	दो समूह थे: एक अबू सुफ़यान के नेतृत्व वाला काफ़िला (निर्अस्त्र), और दूसरा क़ुरैश की सेना (सशस्त्र), जो उसकी सहायता के लिए मक्का से आई थी।
Liyuhiqqa alhaqqa wayubtila albatila walaw kariha almujrimoona	Criminals refers to Quraysh.	That He should establish the truth and abolish falsehood, even if the criminals disliked it.	8:8	ताकि सत्य को सत्य कर दिखाए और असत्य को असत्य, चाहे अपराधियों को कितना ही अप्रिय लगे	“अपराधी” से आशय क़ुरैश से है।
Ith tastagheethoona rabbakum faistajaba lakum annee mumiddukum bialfin mina almalaikati murdifeena	Muslims invoke Allah for help and Allah sends the Angels to help them. **[Contradiction: How many angels helped during battle of Badr: 8:9 one thousand, 3:123-125 three to five thousand.]**	[Remember] when you asked help of your Lord, and He answered you, "Indeed, I will reinforce you with a thousand from the angels, following one another."	8:9	याद करो जब तुम अपने रब से फ़रियाद कर रहे थे, तो उसने तुम्हारी पुकार सुन ली। (उसने कहा,) "मैं एक हजार फ़रिश्तों से तुम्हारी मदद करूँगा जो तुम्हारे साथी होंगे।"	मुसलमान अल्लाह से मदद माँगते हैं और अल्लाह उनकी सहायता के लिए फ़रिश्ते भेजता है। **[विरोधाभास: बद्र की लड़ाई में कितने फ़रिश्तों ने मदद की—8:9 में एक हज़ार, जबकि 3:123–125 में तीन से पाँच हज़ार का उल्लेख है।]**
Wama jaAAalahu Allahu illa bushra walitatmainna bihi quloobukum wama alnnasru illa min AAindi Allahi inna Allaha AAazeezun hakeemun	x	And Allah made it not but good tidings and so that your hearts would be assured thereby. And victory is not but from Allah. Indeed, Allah is Exalted in Might and Wise.	8:10	अल्लाह ने यह केवल इसलिए किया कि यह एक शुभ-सूचना हो और ताकि इससे तुम्हारे हृदय संतुष्ट हो जाएँ। सहायता अल्लाह ही के यहाँ से होती है। निस्संदेह अल्लाह अत्यन्त प्रभुत्वशाली, तत्वदर्शी है	x

Ith yughashsheekumu alnnuAAasa amanatan minhu wayunazzilu AAalaykum mina alssamai maan liyutahhirakum bihi wayuthhiba AAankum rijza alshshaytani waliyarbita AAala quloobikum wayuthabbita bihi	At Badr the water wells were near the idolator Quryash and Muslims felt weak. Then, Allah sent down heavy rain, allowing the Muslims to drink and use it for purity.	[Remember] when He overwhelmed you with drowsiness [giving] security from Him and sent down upon you from the sky, rain by which to purify you and remove from you the evil [suggestions] of Satan and to make steadfast your hearts and plant firmly thereby your feet.	8:11	यह करो जबकि वह अपनी ओर से चैन प्रदान कर तुम्हें ऊँघ से ढँक रहा था और वह आकाश से तुमपर पानी बरसा रहा था, ताकि उसके द्वारा तुम्हें अच्छी तरह पाक करे और शैतान की गन्दगी तुमसे दूर करे और तुम्हारे दिलों को मज़बूत करे और उसके द्वारा तुम्हारे क़दमों को जमा दे	बद्र में पानी के कुएँ मुशरिक क़ुरैश के पास थे और मुसलमानों ने स्वयं को कमज़ोर महसूस किया। फिर अल्लाह ने तेज़ बारिश भेजी, जिससे मुसलमानों को पीने के लिए पानी मिला और वे उससे पवित्रता भी हासिल कर सके।
Ith yoohee rabbuka ila almalaikati annee maAAakum fathabbitoo allatheena amanoo saolqee fee quloobi allatheena kafaroo alrruAAba faidriboo fawqa alaAAnaqi waidriboo minhum kulla bananin	**[This verse became one of the chief justifications for the Islamic practice of beheading and amputation during wars.]**	[Remember] when your Lord inspired to the angels, "I am with you, so strengthen those who have believed. I will cast terror into the hearts of those who disbelieved, so strike [them] upon the necks and strike from them every fingertip."	8:12	याद करो जब तुम्हारा रब फ़रिश्तों की ओर प्रकाशना (वह्य) कर रहा था कि "मैं तुम्हारे साथ हूँ। अतः तुम ईमानवालों को जमाए रखो। मैं इनकार करनेवालों के दिलों में रोब डाले देता हूँ। तो तुम उनकी गरदनें मारो और उनके पोर-पोर पर चोट लगाओ!"	**[यह आयत युद्धों के दौरान सिर काटने और अंग-भंग जैसी प्रथाओं के औचित्य के रूप में प्रस्तुत की जाती है।]**

Thalika biannahum shaqqoo Allaha warasoolahu waman yushaqiqi Allaha warasoolahu fainna Allaha shadeedu alAAiqabi	Allah makes it clear that he sent Angels because the Quraysh opposed Him and his Messenger (pbuh).	That is because they opposed Allah and His Messenger. And whoever opposes Allah and His Messenger - indeed, Allah is severe in penalty.	8:13	यह इसलिए कि उन्होंने अल्लाह और उसके रसूल का विरोध किया। और जो कोई अल्लाह और उसके रसूल का विरोध करे (उसे कठोर यातना मिलकर रहेगी) क्योंकि अल्लाह कड़ी यातना देनेवाला है	अल्लाह यह स्पष्ट करता है कि उसने फ़रिश्ते इसलिए भेजे क्योंकि क़ुरैश ने उसका और उसके रसूल पैग़म्बर मुहम्मद स. का विरोध किया था।
Thalikum fathooqoohu waanna lilkafireena AAathaba alnnari	Means taste the torment.	"That [is yours], so taste it." And indeed for the disbelievers is the punishment of the Fire.	8:14	यह तो तुम चखो! और यह कि इनकार करनेवालों के लिए आग की यातना है	अर्थ है: अज़ाब का स्वाद चखो।
Ya ayyuha allatheena amanoo itha laqeetumu allatheena kafaroo zahfan fala tuwalloohumu	The Muslims must always advance, never turning their backs on the enemy, unless they do so as a strategy of war.	O you who have believed, when you meet those who disbelieve advancing [for battle], do not turn to them your backs [in flight].	8:15	ऐ ईमान लानेवालो! जब एक सेना के रूप में तुम्हारा इनकार करनेवालों से मुक़ाबला हो तो पीठ न फेरो	मुसलमानों को हमेशा आगे बढ़ना चाहिए और दुश्मन के सामने से पीठ नहीं फेरनी चाहिए, सिवाय इसके कि यह युद्ध की रणनीति के तहत किया जाए।
Waman yuwallihim yawmaithin duburahu illa mutaharrifan liqitalin aw mutahayyizan ila fiatin faqad baa bighadabin mina Allahi wamawahu jahannamu wabisa	x	And whoever turns his back to them on such a day, unless swerving [as a strategy] for war or joining [another] company, has certainly returned with anger [upon him] from Allah, and his refuge is Hell - and wretched is the destination.	8:16	जिस किसी ने भी उस दिन उनसे अपनी पीठ फेरी - यह और बात है कि युद्ध-चाल के रूप में या दूसरी टुकड़ी से मिलने के लिए ऐसा करे - तो वह अल्लाह के प्रकोप का भागी हुआ और उसका ठिकाना जहन्नम है, और क्या ही बुरा जगह है वह पहुँचने की!	x

Falam taqtuloohum walakinna Allaha qatalahum wama ramayta ith ramayta walakinna Allaha rama waliyubliya almumineena minhu balaan hasanan inna Allaha sameeAAun AAaleemun	**[There is no sin on Muslims if they kill non-Muslims, as they are merely passive instruments of Allah.]**	And you did not kill them, but it was Allah who killed them. And you threw not, [O Muhammad], when you threw, but it was Allah who threw that He might test the believers with a good test. Indeed, Allah is Hearing and Knowing.	8:17	तुमने उसे क़त्ल नहीं किया बल्कि अल्लाह ही ने उन्हें क़त्ल किया और जब तुमने (उनकी ओर मिट्टी और कंकड़) फेंक, तो तुमने नहीं फेंका बल्कि अल्लाह ने फेंका (कि अल्लाह अपनी गुण-गरिमा दिखाए) और ताकि अपनी ओर से ईमानवालों के गुण प्रकट करे। निस्संदेह अल्लाह सुनता, जानता है	**[यदि मुसलमान ग़ैर-मुस्लिमों को क़त्ल करें, तो उन पर कोई गुनाह नहीं, क्योंकि वे केवल अल्लाह के साधन मात्र हैं।]**
Thalikum waanna Allaha moohinu kaydi alkafireena	x	That [is so], and [also] that Allah will weaken the plot of the disbelievers.	8:18	यह तो हुआ, और यह (जान लो) कि अल्लाह इनकार करनेवालों की चाल को कमज़ोर कर देनेवाला है	x
In tastaftihoo faqad jaakumu alfathu wain tantahoo fahuwa khayrun lakum wain taAAoodoo naAAud walan tughniya AAankum fiatukum shayan walaw kathurat waanna Allaha maAAa almumineena	When the two armies met, Abu Jahl said: O Allah, destroy this day whoever amongst us has severed ties of kinship (referring to Prophet) and brought that which we had never known!. Then this verse was revealed. **[However, Muslims were badly defeated in next battle of Uhud.]**	If you [disbelievers] seek the victory - the defeat has come to you. And if you desist [from hostilities], it is best for you; but if you return [to war], We will return, and never will you be availed by your [large] company at all, even if it should increase; and [that is] because Allah is with the believers.	8:19	यदि तुम फ़ैसला चाहते हो तो फ़ैसला तुम्हारे सामने आ चुका और यदि बाज़ आ जाओ तो यह तुम्हारे ही लिए अच्छा है। लेकिन यदि तुमने पलटकर फिर वही हरकत की तो हम भी पलटेंगे और तुम्हारा जत्था, चाहे वह कितना ही अधिक हो, तुम्हारे कुछ काम न आ सकेगा। और यह कि अल्लाह मोमिनों के साथ होता है	जब दोनों सेनाएँ आमने-सामने हुईं, तो अबू जहल ने कहा: "ऐ अल्लाह! आज के दिन हममें से उस व्यक्ति को नष्ट कर दे जिसने रिश्तों को तोड़ा है (पैग़म्बर मुहम्मद स. की ओर संकेत) और वह चीज़ लेकर आया है जिसे हमने पहले कभी नहीं जाना।" फिर यह आयत नाज़िल हुई। [हालाँकि, अगली उहुद की लड़ाई में मुसलमानों को भारी नुकसान उठाना पड़ा।]

Ya ayyuha allatheena amanoo ateeAAoo Allaha warasoolahu wala tawallaw AAanhu waantum	x	O you who have believed, obey Allah and His Messenger and do not turn from him while you hear [his order].	8:20	ऐ ईमान लानेवालो! अल्लाह और उसके रसूल का आज्ञापालन करो और उससे मुँह न फेरो जबकि तुम सुन रहे हो	x
Wala takoonoo kaallatheena qaloo samiAAna wahum la yasmaAAoona	x	And do not be like those who say, "We have heard," while they do not hear.	8:21	और उन लोगों की तरह न हो जाना जिन्होंने कहा था, "हमने सुना" हालाँकि वे सुनते नहीं	x
Inna sharra alddawabbi AAinda Allahi alssummu albukmu allatheena la yaAAqiloona	It refers to some of the pagans of Quraysh.	Indeed, the worst of living creatures in the sight of Allah are the deaf and dumb who do not use reason.	8:22	अल्लाह की स्पष्ट में तो निकृष्ट पशु वे बहरे-गूँगे लोग है, जो बुद्धि से काम नहीं लेते	यह क़ुरैश के कुछ मुशरिकों की ओर संकेत करता है।
Walaw AAalima Allahu feehim khayran laasmaAAahum walaw asmaAAahum latawallaw wahum	Means even if Allah will give them understanding, still they will disbelieve out of stubbornness.	Had Allah known any good in them, He would have made them hear. And if He had made them hear, they would [still] have turned away, while they were refusing.	8:23	यदि अल्लाह जानता कि उनमें कुछ भी भलाई है, तो वह उन्हें अवश्य सुनने का सौभाग्य प्रदान करता। और यदि वह उन्हें सुना देता तो भी वे कतराते हुए मुँह फेर लेते	अर्थात, यदि अल्लाह उन्हें समझ भी दे दे, तब भी वे अपनी ज़िद के कारण इंकार ही करेंगे।

Ya ayyuha allatheena amanoo istajeeboo lillahi walilrrasooli itha daAAakum lima yuhyeekum waiAAlamoo anna Allaha yahoolu bayna almari waqalbihi waannahu ilayhi tuhsharoona	x	O you who have believed, respond to Allah and to the Messenger when he calls you to that which gives you life. And know that Allah intervenes between a man and his heart and that to Him you will be gathered.	8:24	ऐ ईमान लानेवाले! अल्लाह और रसूल की बात मानो, जब वह तुम्हें उस चीज़ की ओर बुलाए जो तुम्हें जीवन प्रदान करनेवाली है, और जान रखो कि अल्लाह आदमी और उसके दिल के बीच आड़े आ जाता है और यह कि वही है जिसकी ओर (पलटकर) तुम एकत्र होगे	x
Waittaqoo fitnatan la tuseebanna allatheena thalamoo minkum khassatan waiAAlamoo anna Allaha shadeedu alAAiqabi	Allah commanded the believers to stop evil (Fitnah) from flourishing among them, so that Allah does not encompass them all in the torment. **[Social monitoring reinforces adherence to Islamic practices in Muslim societies.]**	And fear a trial which will not strike those who have wronged among you exclusively, and know that Allah is severe in penalty.	8:25	बचो उस फ़ितने से जो अपनी लपेट में विशेष रूप से केवल अत्याचारियों को ही नहीं लेगा, जान लो अल्लाह कठोर दंड देनेवाला है	अल्लाह ने मोमिनों को आदेश दिया कि वे अपने बीच बुराई (फ़ितना) को फैलने से रोकें, ताकि अल्लाह का अज़ाब सबको अपनी चपेट में न ले ले। **[सामाजिक निगरानी मुस्लिम समाजों में इस्लामी आचरण के पालन को मज़बूत करती है।]**
Waothkuroo ith antum qaleelun mustadAAafoona fee alardi takhafoona an yatakhattafakumu alnnasu faawakum waayyadakum binasrihi warazaqakum mina alttayyibati laAAallakum	x	And remember when you were few and oppressed in the land, fearing that people might abduct you, but He sheltered you, supported you with His victory, and provided you with good things - that you might be grateful.	8:26	और याद करो जब तुम थोड़े थे, धरती में निर्बल थे, डरे-सहमे रहते कि लोग कहीं तुम्हें उचक न ले जाएँ, फिर उसने तुम्हें ठिकाना दिया और अपनी सहायता से तुम्हें शक्ति प्रदान की और अच्छी-स्वच्छ चीज़ों की तुम्हें रोजी दी, ताकि तुम कृतज्ञता दिखलाओ	x

Ya ayyuha allatheena amanoo la takhoonoo Allaha waalrrasoola watakhoonoo amanatikum waantum taAAlamoona	Messenger (pbuh) besieged the Jews of Banu Qurayzah for 21 nights when they requested peace. But he refused to grant it to them and insisted that they submit to the judgment of Sa‘d ibn Mu‘adh. They refused to do so and said: “Send us Abu Lubabah, instead”. When the Messenger (pbuh) sent him to them, they said to him: “O Abu Lubabah, what do you think we should do? Should we accept the judgment of Sa‘d ibn Mu‘adh?” Abu Lubabah made a gesture to his throat, i.e. that they should not do it, for they will be slaughtered. However, later Abu Lubabah repented.	O you who have believed, do not betray Allah and the Messenger or betray your trusts while you know [the consequence].	8:27	ऐ ईमान लानेवालो! जानते-बुझते तुम अल्लाह और उसके रसूल के साथ विश्वासघात न करना और न अपनी अमानतों में ख़ियानत करना	पैग़म्बर मुहम्मद स. ने बनू क़ुरेज़ा के यहूदियों का 21 रातों तक घेराव किया, जब उन्होंने सुलह की माँग की। लेकिन आपने उन्हें सुलह नहीं दी और इस बात पर ज़ोर दिया कि वे सअद इब्न मुआज़ के फ़ैसले को मानें। उन्होंने इसे स्वीकार करने से इंकार कर दिया और कहा: “इसके बजाय हमारे पास अबू लुबाबा को भेजा जाए। जब पैग़म्बर मुहम्मद स. ने उन्हें उनके पास भेजा, तो उन्होंने कहा: “ऐ अबू लुबाबा! आप क्या राय देते हैं? क्या हमें सअद इब्न मुआज़ के फ़ैसले को स्वीकार कर लेना चाहिए?” अबू लुबाबा ने अपने गले की ओर इशारा किया, अर्थात् उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए, क्योंकि उन्हें क़त्ल कर दिया जाएगा। हालाँकि, बाद में अबू लुबाबा ने तौबा कर ली।
WaiAAlamoo annama amwalukum waawladukum fitnatun waanna Allaha AAindahu ajrun AAatheemun	Loving the Messenger (pbuh) and Islam comes before loving children, wealth and oneself.	And know that your properties and your children are but a trial and that Allah has with Him a great reward.	8:28	और जान रखो कि तुम्हारे माल और तुम्हारी संतान परीक्षा-सामग्री हैं और यह कि अल्लाह के पास बड़ा प्रतिदान है	पैग़म्बर मुहम्मद स. और इस्लाम से प्रेम करना, संतान, धन और स्वयं से प्रेम करने से पहले होना चाहिए।

Ya ayyuha allatheena amanoo in tattaqoo Allaha yajAAal lakum furqanan wayukaffir AAankum sayyiatikum wayaghfir lakum waAllahu thoo	x	O you who have believed, if you fear Allah, He will grant you a criterion and will remove from you your misdeeds and forgive you. And Allah is the possessor of great bounty.	8:29	ऐ ईमान लानेवालो! यदि तुम अल्लाह का डर रखोगे तो वह तुम्हें एक विशिष्टता प्रदान करेगा और तुमसे तुम्हारी बुराइयाँ दूर करेगा और तुम्हे क्षमा करेगा। अल्लाह बड़ा अनुग्राहक है	x
Waith yamkuru bika allatheena kafaroo liyuthbitooka aw yaqtulooka aw yukhrijooka wayamkuroona wayamkuru Allahu waAllahu khayru almakireena	Here again, the idea is reinforced that the battles of the Muslims are more than just earthly conflicts but elaborations of Allah's plan. **[Allah is depicted as a schemer or plotter at 3:54, 7:99, 8:30, and 10:21.]**	And [remember, O Muhammad], when those who disbelieved plotted against you to restrain you or kill you or evict you [from Makkah]. But they plan, and Allah plans. And Allah is the best of planners.	8:30	और याद करो जब इनकार करनेवाले तुम्हारे साथ चालें चल रहे थे कि तम्हें क़ैद रखें या तुम्हे क़त्ल कर दें या तुम्हे निकाल बाहर करे। वे अपनी चालें चल रहे थे और अल्लाह भी अपनी चाल चल रहा था। अल्लाह सबसे अच्छी चाल चलता है	यहाँ फिर इस बात पर ज़ोर दिया गया है कि मुसलमानों की लड़ाइयाँ केवल सांसारिक संघर्ष नहीं हैं, बल्कि अल्लाह की योजना का हिस्सा हैं। **[अल्लाह को 3:54, 7:99, 8:30 और 10:21 में योजना बनाने वाला (चाल चलने वाला) बताया गया है।]**
Waitha tutla AAalayhim ayatuna qaloo qad samiAAna law nashao laqulna mithla hatha in hatha illa asateeru	The rejection of the Messenger's preaching was one key reason why the Quraysh were defeated.	And when Our verses are recited to them, they say, "We have heard. If we willed, we could say [something] like this. This is not but legends of the former peoples."	8:31	जब उनके सामने हमारी आयतें पढ़ी जाती है, तो वे कहते है, "हम सुन चुके। यदि हम चाहें तो ऐसी बातें हम भी बना लें; ये तो बस पहले के लोगों की कहानियाँ हैं।"	पैग़म्बर मुहम्मद स. के संदेश को अस्वीकार करना क़ुरैश की पराजय का एक प्रमुख कारण था।

Waith qaloo allahumma in kana hatha huwa alhaqqa min AAindika faamtir AAalayna hijaratan mina alssamai awi itina biAAathabin aleemin	This was revealed about al-Nadr ibn al-Harith who said: '[O Allah!] If what Muhammad says is true, then rain down stones on us'.	And [remember] when they said, "O Allah, if this should be the truth from You, then rain down upon us stones from the sky or bring us a painful punishment."	8:32	और याद करो जब उन्होंने कहा, "ऐ अल्लाह! यदि यही तेरे यहाँ से सत्य हो तो हमपर आकाश से पत्थर बरसा दे, या हम पर कोई दुखद यातना ही ले आ	यह आयत नज़र इब्न हारिस के बारे में नाज़िल हुई थी, जिसने कहा: "(ऐ अल्लाह!) अगर मुहम्मद जो कहते हैं वह सत्य है, तो हम पर पत्थरों की बारिश कर दे।"
Wama kana Allahu liyuAAaththibahum waanta feehim wama kana Allahu muAAaththibahum wahum yastaghfiroona	The presence of the Prophet (pbuh) in Makkah and some Idolators' asking for forgiveness from Allah, were the shelters against receiving Allah's immediate Torment.	But Allah would not punish them while you, [O Muhammad], are among them, and Allah would not punish them while they seek forgiveness.	8:33	और अल्लाह ऐसा नहीं कि तुम उनके बीच उपस्थित हो और वह उन्हें यातना देने लग जाए, और न अल्लाह ऐसा है कि वे क्षमा-याचना कर रहे हो और वह उन्हें यातना से ग्रस्त कर दे	मक्का में पैग़म्बर मुहम्मद स. की मौजूदगी और कुछ मुशरिकों द्वारा अल्लाह से माफ़ी माँगना, अल्लाह के तत्काल अज़ाब से बचाव का कारण था।
Wama lahum alla yuAAaththibahumu Allahu wahum yasuddoona AAani almasjidi alharami wama kanoo awliyaahu in awliyaohu illa almuttaqoona walakinna aktharahum la yaAAlamoona	The idolator Quraysh were not legitimate guardians of Kabah.	But why should Allah not punish them while they obstruct [people] from al-Masjid al- Haram and they were not [fit to be] its guardians? Its [true] guardians are not but the righteous, but most of them do not know.	8:34	किन्तु अब क्या है उनके पास कि अल्लाह उन्हें यातना न दे, जबकि वे 'मस्जिदे हराम' (काबा) से रोकते है, हालाँकि वे उसके कोई व्यवस्थापक नहीं? उसके व्यवस्थापक तो केवल डर रखनेवाले ही है, परन्तु उनके अधिकतर लोग जानते नहीं	मुशरिक क़ुरैश काबा के वैध संरक्षक नहीं थे।

Wama kana salatuhum AAinda albayti illa mukaan watasdiyatan fathooqoo alAAathaba bima kuntum takfuroona	People in the pre-Islamic period used to go round the Kabah clapping and whistling. This verse was revealed about this.	And their prayer at the House was not except whistling and handclapping. So taste the punishment for what you disbelieved.	8:35	उनकी नमाज़ इस घर (काबा) के पास सीटियाँ बजाने और तालियाँ पीटने के अलावा कुछ भी नहीं होती। तो अब यातना का मज़ा चखो, उस इनकार के बदले में जो तुम करते रहे हो	इस्लाम से पहले के दौर में लोग काबा के चारों ओर ताली बजाते और सीटी बजाते हुए चक्कर लगाया करते थे। यह आयत इसी के बारे में नाज़िल हुई थी।
Inna allatheena kafaroo yunfiqoona amwalahum liyasuddoo AAan sabeeli Allahi fasayunfiqoonaha thumma takoonu AAalayhim hasratan thumma yughlaboona waallatheena kafaroo ila	This verse was revealed about Abu Sufyan ibn Harb who had collected money to prepare for battle of Uhud to fight against the Messenger (pbuh).	Indeed, those who disbelieve spend their wealth to avert [people] from the way of Allah. So they will spend it; then it will be for them a [source of] regret; then they will be overcome. And those who have disbelieved - unto Hell they will be gathered.	8:36	निश्चय ही इनकार करनेवाले अपने माल अल्लाह के मार्ग से रोकने के लिए ख़र्च करते रहेंगे, फिर यही उनके लिए पश्चाताप बनेगा। फिर वे पराभूत होंगे और इनकार करनेवाले जहन्नम की ओर समेट लाए जाएँगे	यह आयत अबू सुफ़यान इब्न हरब के बारे में उतरी थी, जिन्होंने पैग़म्बर मुहम्मद स. के विरुद्ध उहुद की लड़ाई की तैयारी के लिए धन इकट्ठा किया था।
Liyameeza Allahu alkhabeetha mina alttayyibi wayajAAala alkhabeetha baAAdahu AAala baAAdin fayarkumahu jameeAAan fayajAAalahu fee jahannama olaika humu alkhasiroona	x	[This is] so that Allah may distinguish the wicked from the good and place the wicked some of them upon others and heap them all together and put them into Hell. It is those who are the losers.	8:37	ताकि अल्लाह नापाक को पाक से छाँटकर अलग करे और नापाकों को आपस में एक-दूसरे पर रखकर ढेर बनाए, फिर उसे जहन्नम में डाल दे। यही लोग घाटे में पड़नेवाले है	x

Qul lillatheena kafaroo in yantahoo yughfar lahum ma qad salafa wain yaAAoodoo faqad madat sunnatu alawwaleena	x	Say to those who have disbelieved [that] if they cease, what has previously occurred will be forgiven for them. But if they return [to hostility] - then the precedent of the former [rebellious] peoples has already taken place.	8:38	उन इनकार करनेवालो से कह दो कि वे यदि बाज़ आ जाएँ तो जो कुछ हो चुका, उसे क्षमा कर दिया जाएगा, किन्तु यदि वे फिर भी वहीं करेंगे तो पूर्ववर्ती लोगों के सिलसिले में जो रीति अपनाई गई वह सामने से गुज़र चुकी है	x
Waqatiloohum hatta la takoona fitnatun wayakoona alddeenu kulluhu lillahi faini intahaw fainna Allaha bima yaAAmaloona baseerun	The Muslims must continue fighting until there is no more persecution (fitnah) and only Allah is worshipped. **[Non-Muslim's religious observance in itself constitutes "persecution" because shirk is the worst form of persecuation. For shirk, see 2:193, 4:31, and 6:21. Jihad should continue till whole world coverts to Islam. Also see 2:193, 9:33, and 61:9.]**	And fight them until there is no fitnah and [until] the religion, all of it, is for Allah. And if they cease - then indeed, Allah is Seeing of what they do.	8:39	उनसे युद्ध करो, यहाँ तक कि फ़ितना बाक़ी न रहे और दीन (धर्म) पूरा का पूरा अल्लाह ही के लिए हो जाए। फिर यदि वे बाज़ आ जाएँ तो अल्लाह उनके कर्म को देख रहा है	मुसलमानों को लड़ाई जारी रखनी चाहिए जब तक कि कोई अत्याचार (फ़ितना) न रहे और केवल अल्लाह की ही इबादत की जाए। **[ग़ैर-मुस्लिमों का धार्मिक आचरण स्वयं "अत्याचार" माना जाता है क्योंकि शिर्क सबसे बड़ा अत्याचार है। शिर्क के लिए 2:193, 4:31 और 6:21 देखें। जिहाद तब तक जारी रहना चाहिए जब तक पूरी दुनिया इस्लाम को स्वीकार न कर ले। 2:193, 9:33 और 61:9 भी देखें।]**
Wain tawallaw faiAAlamoo anna Allaha mawlakum niAAma almawla waniAAma alnnaseeru	x	But if they turn away - then know that Allah is your protector. Excellent is the protector, and Excellent is the helper.	8:40	किन्तु यदि वे मुँह मोड़े तो जान रखो कि अल्लाह संरक्षक है। क्या ही अच्छा संरक्षक है वह, और क्या ही अच्छा सहायक!	x

WaiAAlamoo annama ghanimtum min shayin faanna lillahi khumusahu walilrrasooli walithee alqurba waalyatama waalmasakeeni waibni alssabeeli in kuntum amantum biAllahi wama anzalna AAala AAabdina yawma alfurqani yawma iltaqa aljamAAani waAllahu AAala	Of the war booty 20% was given to Messenger which included goods, valuables, animals and war prisoners. Remaining 80% to fighters. Also see 8:69. **[Contradiction: verse 8:1, spoils to be distrubuted by Messenger; Why does Allah needs Spoils.]**	And know that anything you obtain of war booty - then indeed, for Allah is one fifth of it and for the Messenger and for [his] near relatives and the orphans, the needy, and the [stranded] traveler, if you have believed in Allah and in that which We sent down to Our Servant on the day of criterion - the day when the two armies met. And Allah, over all things, is competent.	8:41	और तुम्हें मालूम हो कि जो कुछ ग़नीमत के रूप में माल तुमने प्राप्त किया है, उसका पाँचवा भाग अल्लाग का, रसूल का, नातेदारों का, अनाथों का, मुहताजों और मुसाफ़िरों का है। यदि तुम अल्लाह पर और उस चीज़ पर ईमान रखते हो, जो हमने अपने बन्दे पर फ़ैसले के दिन उतारी, जिस दिन दोनों सेनाओं में मुठभेड़ हुई, और अल्लाह को हर चीज़ की पूर्ण सामर्थ्य प्राप्त है	युद्ध की लूट में से 20% हिस्सा पैग़म्बर मुहम्मद स. को दिया जाता था, जिसमें सामान, कीमती वस्तुएँ, जानवर और युद्धबंदी शामिल होते थे। शेष 80% लड़ने वालों को दिया जाता था। 8:69 भी देखें। [विरोधाभास: आयत 8:1 में लूट को पैग़म्बर द्वारा बाँटने की बात है; अल्लाह को लूट की आवश्यकता क्यों है?]

Ith antum bialAAudwati alddunya wahum bialAAudwati alquswa waalrrakbu asfala minkum walaw tawaAAadtum laikhtalaftum fee almeeAAadi walakin liyaqdiya Allahu amran kana mafAAoolan liyahlika man halaka AAan bayyinatin wayahya man hayya AAan bayyinatin wainna Allaha lasameeAAun AAaleemun	While the Messenger (pbuh) and the Muslims marched to intercept Abu Sufiyan's caravan, Allah made them meet their (armed) enemy without appointment.	[Remember] when you were on the near side of the valley, and they were on the farther side, and the caravan was lower [in position] than you. If you had made an appointment [to meet], you would have missed the appointment. But [it was] so that Allah might accomplish a matter already destined - that those who perished [through disbelief] would perish upon evidence and those who lived [in faith] would live upon evidence; and indeed, Allah is Hearing and Knowing.	8:42	याद करो जब तुम घाटी के निकटवर्ती छोर पर थे और वे घाटी के दूरस्थ छोर पर थे और क़ाफ़िला तुमसे नीचे की ओर था। यदि तुम परस्पर समय निश्चित किए होते तो अनिवार्यतः तुम निश्चित समय पर न पहुँचते। किन्तु जो कुछ हुआ वह इसलिए कि अल्लाह उस बात का फ़ैसला कर दे, जिसका पूरा होना निश्चित था, ताकि जिसे विनष्ट होना हो, वह स्पष्ट प्रमाण देखकर ही विनष्ट हो और जिसे जीवित रहना हो वह स्पष्ट प्रमाण देखकर जीवित रहे। निस्संदेह अल्लाह भली-भाँति जानता, सुनता है	जब पैग़म्बर मुहम्मद स. और मुसलमान अबू सुफ़यान के काफिले को रोकने के लिए निकले, तो अल्लाह ने उन्हें बिना किसी पूर्व निर्धारित समय के उनके (सशस्त्र) दुश्मन से आमना-सामना करा दिया।

Ith yureekahumu Allahu fee manamika qaleelan walaw arakahum katheeran lafashiltum walatanazaAAtum fee alamri walakinna Allaha sallama innahu AAaleemun bithati alssudoori	In a dream, Allah showed the Prophet the enemy as few. The Prophet conveyed this news to his Companions and their resolve strengthened.	[Remember, O Muhammad], when Allah showed them to you in your dream as few; and if He had shown them to you as many, you [believers] would have lost courage and would have disputed in the matter [of whether to fight], but Allah saved [you from that]. Indeed, He is Knowing of that within the breasts.	8:43	और याद करो जब अल्लाह उनको तुम्हारे स्वप्न में थोड़ा करके तुम्हें दिखा रहा था और यदि वह उन्हें ज़्यादा करके तुम्हें दिखा देता तो अवश्य ही तुम हिम्मत हार बैठते और असल मामले में झगड़ने लग जाते, किन्तु अल्लाह ने इससे बचा लिया। निश्चय ही वह तो जो कुछ दिलों में होता है उसे भी जानता है	एक स्वप्न में, अल्लाह ने पैग़म्बर मुहम्मद स. को दुश्मन को कम संख्या में दिखाया। पैग़म्बर ने यह बात अपने सहाबा को बताई, जिससे उनका संकल्प और मज़बूत हो गया।
Waith yureekumoohum ithi iltaqaytum fee aAAyunikum qaleelan wayuqallilukum fee aAAyunihim liyaqdiya Allahu amran kana mafAAoolan waila Allahi turjaAAu alomooru	It means Allah encouraged each group against the other and made them look few in each other's eyes, so that they were eager to fight.	And [remember] when He showed them to you, when you met, as few in your eyes, and He made you [appear] as few in their eyes so that Allah might accomplish a matter already destined. And to Allah are [all] matters returned.	8:44	याद करो जब तुम्हारी परस्पर मुठभेड़ हुई तो वह तुम्हारी निगाहों में उन्हें कम करके और तुम्हें उनकी निगाहों में कम करके दिखा रहा था, ताकि अल्लाह उस बात का फ़ैसला कर दे जिसका होना निश्चित था। और सारे मामले अल्लाह ही की ओर पलटते है	इसका अर्थ है कि अल्लाह ने हर समूह को दूसरे के विरुद्ध उत्साहित किया और उन्हें एक-दूसरे की नज़र में कम दिखाया, ताकि वे लड़ने के लिए उत्सुक हो जाएँ।

Ya ayyuha allatheena amanoo itha laqeetum fiatan faothbutoo waothkuroo Allaha katheeran laAAallakum tuflihoona	x	O you who have believed, when you encounter a company [from the enemy forces], stand firm and remember Allah much that you may be successful.	8:45	ऐ ईमान लानेवालो! जब तुम्हारा किसी गिरोह से मुक़ाबला हो जाए तो जमे रहो और अल्लाह को ज़्यादा याद करो, ताकि तुम्हें सफलता प्राप्त हो	x
WaateeAAoo Allaha warasoolahu wala tanazaAAoo fatafshaloo watathhaba reehukum waisbiroo inna Allaha maAAa alssabireena	x	And obey Allah and His Messenger, and do not dispute and [thus] lose courage and [then] your strength would depart; and be patient. Indeed, Allah is with the patient.	8:46	और अल्लाह और उसके रसूल की आज्ञा मानो और आपस में न झगड़ो, अन्यथा हिम्मत हार बैठोगे और तुम्हारी हवा उखड़ जाएगी। और धैर्य से काम लो। निश्चय ही, अल्लाह धैर्यवानों के साथ है	x
Wala takoonoo kaallatheena kharajoo min diyarihim bataran wariaa alnnasi wayasuddoona AAan sabeeli Allahi waAllahu bima yaAAmaloona muheetun	Referring to idolator Quraysh who came to war for showoff.	And do not be like those who came forth from their homes insolently and to be seen by people and avert [them] from the way of Allah. And Allah is encompassing of what they do.	8:47	और उन लोगों की तरह न हो जाना जो अपने घरों से इतराते और लोगों को दिखाते निकले थे और वे अल्लाह के मार्ग से रोकते है, हालाँकि जो कुछ वे करते है, अल्लाह उसे अपने घेरे में लिए हुए है	यह उन मुशरिक क़ुरैश की ओर संकेत है जो दिखावे के लिए युद्ध करने आए थे।

Waith zayyana lahumu alshshaytanu aAAmalahum waqala la ghaliba lakumu alyawma mina alnnasi wainnee jarun lakum falamma taraati alfiatani nakasa AAala AAaqibayhi waqala innee bareeon minkum innee ara ma la tarawna innee akhafu Allaha	Shaytan makes evil seem fair and deceives the Idolator. **[Shaytan fears Allah, but does everything opposite.]**	And [remember] when Satan made their deeds pleasing to them and said, "No one can overcome you today from among the people, and indeed, I am your protector." But when the two armies sighted each other, he turned on his heels and said, "Indeed, I am disassociated from you. Indeed, I see what you do not see; indeed I fear Allah. And Allah is severe in penalty."	8:48	और याद करो जब शैतान ने उनके कर्म उनके लिए सुन्दर बना दिए और कहा, "आज लोगों में से कोई भी तुमपर प्रभावी नहीं हो सकता। मैं तुम्हारे साथ हूँ।" किन्तु जब दोनों गिरोह आमने-सामने हुए तो वह उलटे पाँव फिर गया और कहने लगा, "मेरा तुमसे कोई सम्बन्ध नहीं। मैं वह कुछ देख रहा हूँ, जो तुम्हें नहीं दिखाई देता। मैं अल्लाह से डरता हूँ, और अल्लाह कठोर यातना देनेवाला है।"	शैतान बुराई को अच्छा दिखाता है और मुशरिक को धोखे में डाल देता है। **[शैतान अल्लाह से डरता है, लेकिन हर काम उसके विपरीत करता है।]**
Ith yaqoolu almunafiqoona waallatheena fee quloobihim maradun gharra haolai deenuhum waman yatawakkal AAala Allahi fainna Allaha AAazeezun	Some people from Makkah were considering embracing Islam, but when they went with the idolators to Badr and saw how few the Muslims were, they said, These Muslims are deceived by their religion.	[Remember] when the hypocrites and those in whose hearts was disease said, "Their religion has deluded those [Muslims]." But whoever relies upon Allah - then indeed, Allah is Exalted in Might and Wise.	8:49	याद करो जब कपटाचारी और वे लोग जिनके दिलों में रोग है, कह रहे थे, "इन लोगों को तो इनके धर्म ने धोखे में डाल रखा है।" हालाँकि जो अल्लाह पर भरोसा रखता है, तो निश्चय ही अल्लाह अत्यन्त प्रभुत्वशाली, तत्वदर्शी है	मक्का के कुछ लोग इस्लाम अपनाने पर विचार कर रहे थे, लेकिन जब वे मुशरिकों के साथ बद्र गए और उन्होंने देखा कि मुसलमान कितने कम हैं, तो उन्होंने कहा, “ये मुसलमान अपने धर्म के कारण धोखे में हैं।”

Walaw tara ith yatawaffa allatheena kafaroo almalaikatu yadriboona wujoohahum waadbarahum wathooqoo AAathaba alhareeqi	The Angels smite the disbelievers upon capturing their souls.	And if you could but see when the angels take the souls of those who disbelieved... They are striking their faces and their backs and [saying], "Taste the punishment of the Burning Fire.	8:50	क्या ही अच्छा होता कि तुम देखते जब फ़रिश्ते इनकार करनेवालों के प्राण ग्रस्त करते हैं! वे उनके चहरों और उनकी पीठों पर मारते जाते हैं कि "लो अब जलने की यातना मज़ा चखो।" (तो उनकी दुर्दशा का अन्दाजा कर सकते)	फ़रिश्ते काफ़िरों की रूहें क़ब्ज़ करते समय उन्हें मारते हैं।
Thalika bima qaddamat aydeekum waanna Allaha laysa bithallamin lilAAabeedi	**[Of course an Almighty God should not allow killing, slavery, plundering etc.]**	That is for what your hands have put forth [of evil] and because Allah is not ever unjust to His servants."	8:51	यह तो उसी का बदला है जो तुम्हारे हाथों ने आगे भेजा और यह कि अल्लाह अपने बन्दों पर तनिक भी अत्याचार नहीं करता	**[निस्संदेह, एक सर्वशक्तिमान ईश्वर को हत्या, गुलामी, लूटपाट आदि की अनुमति नहीं देनी चाहिए।]**
Kadabi ali firAAawna waallatheena min qablihim kafaroo biayati Allahi faakhathahumu Allahu bithunoobihim inna Allaha qawiyyun shadeedu alAAiqabi	Ancient civilizations also behaved in the way idolators of Makkah did.	[Theirs is] like the custom of the people of Pharaoh and of those before them. They disbelieved in the signs of Allah, so Allah seized them for their sins. Indeed, Allah is Powerful and severe in penalty.	8:52	इनके साथ वैसा ही मामला पेश आया जैसा फ़िरऔन के लोगों और उनसे पहले के लोगों के साथ पेश आया। उन्होंने अल्लाह की आयतों का इनकार किया तो अल्लाह ने उनके गुनाहों के कारण उन्हें पकड़ लिया। निस्संदेह अल्लाह शक्तिशाली, कठोर यातना देनेवाला है	प्राचीन सभ्यताएँ भी उसी तरह व्यवहार करती थीं जैसा मक्का के मूर्तिपूजकों ने किया।

Thalika bianna Allaha lam yaku mughayyiran niAAmatan anAAamaha AAala qawmin hatta yughayyiroo ma bianfusihim waanna Allaha sameeAAun AAaleemun	x	That is because Allah would not change a favor which He had bestowed upon a people until they change what is within themselves. And indeed, Allah is Hearing and Knowing.	8:53	यह इसलिए हुआ कि अल्लाह उस उदार अनुग्रह (नेमत) को, जो उसने किसी क़ौम पर किया हो, बदलनेवाला नहीं हैं, जब तक कि लोग उस चीज़ को न बदल डालें, जिसका सम्बन्ध स्वयं उनसे है। और यह कि अल्लाह सब कुछ सुनता, जानता है	x
Kadabi ali firAAawna waallatheena min qablihim kaththaboo biayati rabbihim faahlaknahum bithunoobihim waaghraqna ala firAAawna wakullun kanoo	x	[Theirs is] like the custom of the people of Pharaoh and of those before them. They denied the signs of their Lord, so We destroyed them for their sins, and We drowned the people of Pharaoh. And all [of them] were wrongdoers.	8:54	जैसे फ़िरऔनियों और उनसे पहले के लोगों का हाल हुआ। उन्होंने अपने रब की आयतों को झुठलाया तो हमने उन्हें उनके गुनाहों के बदले में विनष्ट कर दिया और फ़िरऔनियों को डूबो दिया। ये सभी अत्याचारी थे	x
Inna sharra alddawabbi AAinda Allahi allatheena kafaroo fahum la yuminoona	**[Non-muslims are worst of animals for not converting to Islam and they will never believe as well. See also 98:6. However, Muslims have sucessfully propogated Islam in democratic societies. Muslims even boast that Islam is the fastest growing religion.]**	Indeed, the worst of living creatures in the sight of Allah are those who have disbelieved, and they will not [ever] believe -	8:55	निश्चय ही, सबसे बुरे प्राणी अल्लाह की स्पष्ट में वे लोग है, जिन्होंने इनकार किया। फिर वे ईमान नहीं लाते	**[ग़ैर-मुस्लिम इस्लाम स्वीकार न करने के कारण सबसे बुरे प्राणियों के समान हैं और वे कभी ईमान नहीं लाएँगे। साथ ही 98:6 देखें। हालांकि, मुसलमानों ने लोकतांत्रिक समाजों में सफलतापूर्वक इस्लाम का प्रसार किया है। मुसलमान यह भी कहते हैं कि इस्लाम सबसे तेज़ी से बढ़ने वाला धर्म है।]**

Allatheena AAahadta minhum thumma yanqudoona AAahdahum fee kulli marratin	See verse 8:58.	The ones with whom you made a treaty but then they break their pledge every time, and they do not fear Allah.	8:56	जिनसे तुमने वचन लिया वे फिर हर बार अपने वचन को भंग कर देते है और वे डर नहीं रखते	आयत 8:58 देखें।
Faimma tathqafannahum fee alharbi fasharrid bihim man khalfahum laAAallahum yaththakkaroona	**[Pickthall translates "deal with them so as to strike fear in those who are behind them"; This verse justifies use of cruelty to terrorize after getting upper hand in war. Also see 8:67]**	So if you, [O Muhammad], gain dominance over them in war, disperse by [means of] them those behind them that perhaps they will be reminded.	8:57	अतः यदि युद्ध में तुम उनपर क़ाबू पाओ, तो उनके साथ इस तरह पेश आओ कि उनके पीछेवाले भी भाग खड़े हों, ताकि वे शिक्षा ग्रहण करें	**[पिकथॉल ने अनुवाद किया है: "उनके साथ ऐसा व्यवहार करो कि उनके पीछे वालों में भय उत्पन्न हो"; यह आयत युद्ध में बढ़त मिलने के बाद डर पैदा करने के लिए कठोरता के उपयोग को उचित ठहराती है। साथ ही 8:67 देखें।]**
Waimma takhafanna min qawmin khiyanatan fainbith ilayhim AAala sawain inna Allaha la yuhibbu alkhaineena	**[If the Muslims "fear treachery" from unbelievers with whom they have a treaty, they should simply break the treaty. No solid proof needed; "have reason to" is added.]**	If you [have reason to] fear from a people betrayal, throw [their treaty] back to them, [putting you] on equal terms. Indeed, Allah does not like traitors.	8:58	और यदि तुम्हें किसी क़ौम से विश्वासघात की आशंका हो, तो तुम भी उसी प्रकार ऐसे लोगों के साथ हुई संधि को खुल्लम-खुल्ला उनके आगे फेंक दो। निश्चय ही अल्लाह को विश्वासघात करनेवाले प्रिय नहीं	**[यदि मुसलमानों को उन अविश्वासियों से, जिनके साथ उनका कोई समझौता है, "विश्वासघात का भय" हो, तो उन्हें बस उस समझौते को तोड़ देना चाहिए। किसी ठोस प्रमाण की आवश्यकता नहीं।]**
Wala yahsabanna allatheena kafaroo sabaqoo innahum la yuAAjizoona	x	And let not those who disbelieve think they will escape. Indeed, they will not cause failure [to Allah].	8:59	इनकार करनेवाले यह न समझे कि वे आगे निकल गए। वे क़ाबू से बाहर नहीं जा सकते	x

WaaAAiddoo lahum ma istataAAtum min quwwatin wamin ribati alkhayli turhiboona bihi AAaduwwa Allahi waAAaduwwakum waakhareena min doonihim la taAAlamoonahumu Allahu yaAAlamuhum wama tunfiqoo min shayin fee sabeeli Allahi yuwaffa ilaykum waantum la tuthlamoona	steeds of wars = horses of war **[This is the Quran's third mention of striking terror in the unbelievers. See also 3:151 and 8:12. Basically terrorist are good muslims who are following their religion properly.]**	And prepare against them whatever you are able of power and of steeds of war by which you may terrify the enemy of Allah and your enemy and others besides them whom you do not know [but] whom Allah knows. And whatever you spend in the cause of Allah will be fully repaid to you, and you will not be wronged.	8:60	और जो भी तुमसे हो सके, उनके लिए बल और बँधे घोड़े तैयार रखो, ताकि इसके द्वारा अल्लाह के शत्रुओं और अपने शत्रुओं और इनके अतिरिक्त उन दूसरे लोगों को भी भयभीत कर दो जिन्हें तुम नहीं जानते। अल्लाह उनको जानता है और अल्लाह के मार्ग में तुम जो कुछ भी ख़र्च करोगे, वह तुम्हें पूरा-पूरा चुका दिया जाएगा और तुम्हारे साथ कदापि अन्याय न होगा	**[यह क़ुरआन में अविश्वासियों में भय उत्पन्न करने का तीसरा उल्लेख है। देखें 3:151 और 8:12 भी।]**
Wain janahoo lilssalmi faijnah laha watawakkal AAala Allahi innahu huwa alssameeAAu alAAaleemu	**[However, this verse was abrogated once Surah 9 was revealed, when dis-believers could only accept one of two alternatives: either they embraced Islam or paid jizyah [see 9:29]. Otherwise, the only alternative was war.]**	And if they incline to peace, then incline to it [also] and rely upon Allah. Indeed, it is He who is the Hearing, the Knowing.	8:61	और यदि वे संधि और सलामती की ओर झुकें तो तुम भी इसके लिए झुक जाओ और अल्लाह पर भरोसा रखो। निस्संदेह, वह सब कुछ सुनता, जानता है	**[हालाँकि, यह आयत सूरह 9 के अवतरण के बाद निरस्त कर दी गई, जब अविश्वासियों के सामने केवल दो विकल्प रह गए: या तो वे इस्लाम स्वीकार करें या जिज़्या अदा करें [देखें 9:29]। अन्यथा, एकमात्र विकल्प युद्ध था।]**
Wain yureedoo an yakhdaAAooka fainna hasbaka Allahu huwa allathee ayyadaka binasrihi wabialmumineena	x	But if they intend to deceive you - then sufficient for you is Allah. It is He who supported you with His help and with the believers	8:62	और यदि वे यह चाहें कि तुम्हें धोखा दें तो तुम्हारे लिए अल्लाह काफ़ी है। वही तो है जिसने तुम्हें अपनी सहायता से और मोमिनों के द्वारा शक्ति प्रदान की	x

Waallafa bayna quloobihim law anfaqta ma fee alardi jameeAAan ma allafta bayna quloobihim walakinna Allaha allafa baynahum innahu AAazeezun hakeemun	Allah united different tribes of Ansar.	And brought together their hearts. If you had spent all that is in the earth, you could not have brought their hearts together; but Allah brought them together. Indeed, He is Exalted in Might and Wise.	8:63	और उनके दिल आपस में एक-दूसरे से जोड़ दिए। यदि तुम धरती में जो कुछ है, सब खर्च कर डालते तो भी उनके दिलों को परस्पर जोड़ न सकते, किन्तु अल्लाह ने उन्हें परस्पर जोड़ दिया। निश्चय ही वह अत्यन्त प्रभुत्वशाली, तत्वदर्शी है	अल्लाह ने अंसार के विभिन्न क़बीलों को एकजुट कर दिया।
Ya ayyuha alnnabiyyu hasbuka Allahu wamani ittabaAAaka mina almumineena	First, there were thirty-nine people who had embraced Islam and then Umar embraced Islam and they became forty. Gabriel then brought down this verse.	O Prophet, sufficient for you is Allah and for whoever follows you of the believers.	8:64	ऐ नबी! तुम्हारे लिए अल्लाह और तुम्हारे ईमानवाले अनुयायी ही काफ़ी है	पहले उन्तालीस लोग थे जिन्होंने इस्लाम स्वीकार किया था, फिर उमर ने इस्लाम स्वीकार किया और वे चालीस हो गए। इसके बाद जिब्रील यह आयत लेकर उतरे।
Ya ayyuha alnnabiyyu harridi almumineena AAala alqitali in yakun minkum AAishroona sabiroona yaghliboo miatayni wain yakun minkum miatun yaghliboo alfan mina allatheena kafaroo biannahum	**[Here Allah said that Muslims will overcome infidels if the ratio is 1:10. In next verse Allah realized the weakness of Muslims.]**	O Prophet, urge the believers to battle. If there are among you twenty [who are] steadfast, they will overcome two hundred. And if there are among you one hundred [who are] steadfast, they will overcome a thousand of those who have disbelieved because they are a people who do not	8:65	ऐ नबी! मोमिनों को जिहाद पर उभारो। यदि तुम्हारे बीस आदमी जमे होंगे, तो वे दो सौ पर प्रभावी होंगे और यदि तुमसे से ऐसे सौ होंगे तो वे इनकार करनेवालों में से एक हज़ार पर प्रभावी होंगे, क्योंकि वे नासमझ लोग है	**[यहाँ अल्लाह ने कहा कि मुसलमान काफ़िरों पर विजय प्राप्त करेंगे यदि अनुपात 1:10 हो। अगली आयत में अल्लाह ने मुसलमानों की कमजोरी को ध्यान में रखा।]**

Alana khaffafa Allahu AAankum waAAalima anna feekum daAAfan fain yakun minkum miatun sabiratun yaghliboo miatayni wain yakun minkum alfun yaghliboo alfayni biithni Allahi waAllahu maAAa alssabireena	**[Then Allah realized that this ratio should be 1:2]**	Now, Allah has lightened [the hardship] for you, and He knows that among you is weakness. So if there are from you one hundred [who are] steadfast, they will overcome two hundred. And if there are among you a thousand, they will overcome two thousand by permission of Allah. And Allah is with	8:66	अब अल्लाह ने तुम्हारे बोझ हल्का कर दिया और उसे मालूम हुआ कि तुममें कुछ कमज़ोरी है। तो यदि तुम्हारे सौ आदमी जमे रहनेवाले होंगे, तो वे दो सौ पर प्रभावी रहेंगे और यदि तुममें से ऐसे हजार होंगे तो अल्लाह के हुक्म से वे दो हज़ार पर प्रभावी रहेंगे। अल्लाह तो उन्ही लोगों के साथ है जो जमे रहते है	**[फिर अल्लाह ने तय किया कि यह अनुपात 1:2 होना चाहिए।]**

Ma kana linabiyyin an yakoona lahu asra hatta yuthkhina fee alardi tureedoona AAarada alddunya waAllahu yureedu alakhirata waAllahu AAazeezun hakeemun	When the army of the believers met the army of the unbelievers at Badr and the idolaters were defeated (seventy killed and seventy captured). Abu Bakr said: 'O Prophet of Allah, these are our brothers, cousins and sons of our clan and my opinion is that you accept a ransom from them. However, Umar advised to behead them. In this way, Allah will know that there is no complaisance in our hearts toward the idolaters. However, the Messenger accepted a ransom from them. The following day the Prophet (pbuh) and Abu Bakr were crying. The Prophet (pbuh) said: “I am crying because your chastisement was closer to you than this tree. Allah had revealed me this verse." **[Legalizes killing even after getting victory over enemies.]**	It is not for a prophet to have captives [of war] until he inflicts a massacre [upon Allah 's enemies] in the land. Some Muslims desire the commodities of this world, but Allah desires [for you] the Hereafter. And Allah is Exalted in Might and Wise.	8:67	किसी नबी के लिए यह उचित नहीं कि उसके पास क़ैदी हो यहाँ तक की वह धरती में रक्तपात करे। तुम लोग संसार की सामग्री चाहते हो, जबकि अल्लाह आख़िरत चाहता है। अल्लाह अत्यन्त प्रभुत्वशाली, तत्वदर्शी है	जब मोमिनों की सेना बद्र में काफ़िरों की सेना से भिड़ी और मूर्तिपूजक पराजित हुए (सत्तर मारे गए और सत्तर क़ैद किए गए), तो अबू बक्र ने कहा: 'ऐ अल्लाह के नबी, ये हमारे भाई, चचेरे भाई और हमारे क़बीले के लोग हैं, मेरी राय है कि आप उनसे फ़िदया (फ़िरौती) ले लें।' जबकि उमर ने सलाह दी कि उन्हें क़त्ल कर दिया जाए। इस तरह अल्लाह जान लेगा कि हमारे दिलों में मूर्तिपूजकों के प्रति कोई नरमी नहीं है। लेकिन रसूल ने उनसे फ़िदया स्वीकार कर लिया। अगले दिन नबी (स.) और अबू बक्र रो रहे थे। नबी (स.) ने कहा: 'मैं इसलिए रो रहा हूँ क्योंकि तुम्हारी सज़ा इस पेड़ से भी ज़्यादा क़रीब थी। अल्लाह ने मुझ पर यह आयत नाज़िल की।' **[यह विजय प्राप्त करने के बाद भी दुश्मनों की हत्या को वैध ठहराता है।]**

Lawla kitabun mina Allahi sabaqa lamassakum feema akhaththum AAathabun AAatheemun	Allah gave the Muslims concession for the mistake of ransoming the captives, rather than killing them. **[Actually there were some blood relatives of prophet Muhammad (pbuh) in the captives including his son-in-law. Such relaxations were never given to others.]**	If not for a decree from Allah that preceded, you would have been touched for what you took by a great punishment.	8:68	यदि अल्लाह का लिखा पहले से मौजूद न होता, तो जो कुछ नीति तुमने अपनाई है उसपर तुम्हें कोई बड़ी यातना आ लेती	अल्लाह ने क़ैदियों को क़त्ल करने के बजाय उनसे फ़िरौती लेने की गलती पर मुसलमानों को रियायत दी। [वास्तव में क़ैदियों में पैग़म्बर मुहम्मद स. के कुछ रिश्तेदार भी थे, जिनमें उनके दामाद भी शामिल थे। ऐसी रियायतें दूसरों को कभी नहीं दी गईं।]
Fakuloo mimma ghanimtum halalan tayyiban waittaqoo Allaha inna Allaha ghafoorun raheemun	**[Legalizes taking war booty or loot, Also see 8:41, Sahih Bukhari 335, 3122]**	So consume what you have taken of war booty [as being] lawful and good, and fear Allah. Indeed, Allah is Forgiving and Merciful.	8:69	अतः जो कुछ ग़नीमत का माल तुमने प्राप्त किया है, उसे वैध-पवित्र समझकर खाओ और अल्लाह का डर रखो। निश्चय ही अल्लाह बड़ा क्षमाशील, अत्यन्त दयावान है	**[युद्ध की ग़नीमत या लूट को वैध ठहराता है। साथ ही 8:41, सहीह बुख़ारी 335, 3122 देखें।]**
Ya ayyuha alnnabiyyu qul liman fee aydeekum mina alasra in yaAAlami Allahu fee quloobikum khayran yutikum khayran mimma okhitha minkum wayaghfir lakum waAllahu ghafoorun	Idolator prisoners at Badr were told that Allah will give them something better than what they lost, if they become righteous in the future.	O Prophet, say to whoever is in your hands of the captives, "If Allah knows [any] good in your hearts, He will give you [something] better than what was taken from you, and He will forgive you; and Allah is Forgiving and Merciful."	8:70	ऐ नबी! जो क़ैदी तुम्हारे क़ब्ज़े में है, उनसे कह दो, "यदि अल्लाह ने यह जान लिया कि तुम्हारे दिलों में कुछ भलाई है तो वह तुम्हें उससे कहीं उत्तम प्रदान करेगा, जो तुम से छिन गया है और तुम्हें क्षमा कर देगा। और अल्लाह अत्यन्त क्षमाशील, दयावान है।"	बद्र में मूर्तिपूजक क़ैदियों से कहा गया कि यदि वे भविष्य में नेक बन जाएँ, तो अल्लाह उन्हें उससे बेहतर देगा जो उन्होंने खोया है।

Wain yureedoo khiyanataka faqad khanoo Allaha min qablu faamkana minhum waAllahu AAaleemun hakeemun	x	But if they intend to betray you - then they have already betrayed Allah before, and He empowered [you] over them. And Allah is Knowing and Wise.	8:71	किन्तुम यदि वे तुम्हारे साथ विश्वासघात करना चाहेंगे, तो इससे पहले वे अल्लाह के साथ विश्वासघात कर चुके है। तो उसने तुम्हें उनपर अधिकार दे दिया। अल्लाह सब कुछ जाननेवाला, बड़ा तत्वदर्शी है	x

Inna allatheena amanoo wahajaroo wajahadoo biamwalihim waanfusihim fee sabeeli Allahi waallatheena awaw wanasaroo olaika baAAduhum awliyao baAAdin waallatheena amanoo walam yuhajiroo ma lakum min walayatihim min shayin hatta yuhajiroo waini istansarookum fee alddeeni faAAalaykumu alnnasru illa AAala qawmin baynakum wabaynahum meethaqun waAllahu bima	Muhajirin were emigrants and Ansar gave shelter. **[Those Muslims who have not emigrated from Makkah could be helped only in matter of religion.]**	Indeed, those who have believed and emigrated and fought with their wealth and lives in the cause of Allah and those who gave shelter and aided - they are allies of one another. But those who believed and did not emigrate - for you there is no guardianship of them until they emigrate. And if they seek help of you for the religion, then you must help, except against a people between yourselves and whom is a treaty. And Allah is Seeing of what you do.	8:72	जो लोग ईमान लाए और उन्होंने हिजरत की और अल्लाह के मार्ग में अपने मालों और अपनी जानों के साथ जिहाद किया और जिन लोगों ने उन्हें शरण दी और सहायता की, वही लोग परस्पर एक-दूसरे के संरक्षक मित्र है। रहे वे लोग जो ईमान लाए, किन्तु उन्होंने हिजरत नहीं की, उनसे तुम्हारा संरक्षण और मित्रता का कोई सम्बन्ध नहीं है, जब तक कि वे हिजरत न करें, किन्तु यदि वे धर्म के मामले में तुमसे सहायता माँगे तो तुमपर अनिवार्य है कि सहायता करो, सिवाय इसके कि सहायता किसी ऐसी क़ौम के मुक़ाबले में हो जिससे तुम्हारी कोई संधि हो। तुम जो कुछ करते हो अल्लाह उसे देखता है	मुहाजिरीन प्रवासी थे और अंसार ने उन्हें शरण दी। **[जो मुसलमान मक्का से हिजरत नहीं कर पाए थे, उनकी सहायता केवल धर्म के मामलों में की जा सकती थी।]**
Waallatheena kafaroo baAAduhum awliyao baAAdin illa tafAAaloohu takun fitnatun fee	And those who disbelieve are supporters of one another, and if Muslims do not protect one another, there will be great corruption.	And those who disbelieved are allies of one another. If you do not do so, there will be fitnah on earth and great corruption.	8:73	जो इनकार करनेवाले लोग है, वे आपस में एक-दूसरे के मित्र और सहायक है। यदि तुम ऐसा नहीं करोगे तो धरती में फ़ितना और बड़ा फ़साद फैलेगा	और जो लोग काफ़िर हैं, वे एक-दूसरे के समर्थक हैं; और यदि मुसलमान एक-दूसरे की रक्षा नहीं करेंगे, तो बड़ी फ़साद (अराजकता) फैल जाएगी।

Waallatheena amanoo wahajaroo wajahadoo fee sabeeli Allahi waallatheena awaw wanasaroo olaika humu almuminoona haqqan lahum maghfiratun warizqun kareemun	x	But those who have believed and emigrated and fought in the cause of Allah and those who gave shelter and aided - it is they who are the believers, truly. For them is forgiveness and noble provision.	8:74	और जो लोग ईमान लाए और उन्होंने हिजरत की और अल्लाह के मार्ग में जिहाद किया और जिन लोगों ने उन्हें शरण दी और सहायता की वही सच्चे मोमिन हैं। उनके क्षमा और सम्मानित - उत्तम आजीविका है	x
Waallatheena amanoo min baAAdu wahajaroo wajahadoo maAAakum faolaika minkum waoloo alarhami baAAduhum awla bibaAAdin fee kitabi Allahi inna Allaha bikulli shayin AAaleemun	This verse abrogated inheriting from those with whom one had ties of treaties or brotherhood (between emigrants and Ansar), as was the case in the beginning of Islam. The relatives were given more entitlement for inheritence.	And those who believed after [the initial emigration] and emigrated and fought with you - they are of you. But those of [blood] relationship are more entitled [to inheritance] in the decree of Allah. Indeed, Allah is Knowing of all things.	8:75	और जो लोग बाद में ईमान लाए और उन्होंने हिजरत की और तुम्हारे साथ मिलकर जिहाद किया तो ऐसे लोग भी तुम में ही से हैं। किन्तु अल्लाह की किताब मे ख़ून के रिश्तेदार एक-दूसरे के ज़्यादा हक़दार है। निश्चय ही अल्लाह को हर चीज़ का ज्ञान है	यह आयत इस्लाम के प्रारंभिक दौर में प्रचलित उस व्यवस्था को निरस्त करती है, जिसमें संधि या भाईचारे (मुहाजिरीन और अंसार के बीच) के आधार पर विरासत मिलती थी। रिश्तेदारों को विरासत में अधिक अधिकार दिया गया।
0	**At-Taubah (The Repentance), Only surah which does not start with bismillah. Revealed after the expedition of Tabuk.**	**0**	**9:0**	**0**	**अत-तौबा (तौबा), वह एकमात्र सूरह है जो बिस्मिल्लाह से शुरू नहीं होती। यह तबूक के अभियान के बाद नाज़िल हुई।**

Baraatun mina Allahi warasoolihi ila allatheena AAahadtum mina almushrikeena	This is regarding breaking the peace treaty of Hudaibiyah with idolators of makkah before conquest of makkah. Also see 9:3. Muslims may break treaties with non-Muslims unilaterally; see 8:58.	[This is a declaration of] disassociation, from Allah and His Messenger, to those with whom you had made a treaty among the polytheists.	9:1	मुशरिकों (बहुदेववादियों) से जिनसे तुमने संधि की थी, विरक्ति (की उद्घोषणा) है अल्लाह और उसके रसूल की ओर से	यह मक्का के मूर्तिपूजकों के साथ हुदैबिया की संधि को, मक्का की विजय से पहले, तोड़ने से संबंधित है। साथ ही 9:3 देखें। मुसलमान गैर-मुसलमानों के साथ संधियों को एकतरफ़ा तोड़ सकते हैं; देखें 8:58।
Faseehoo fee alardi arbaAAata ashhurin waiAAlamoo annakum ghayru muAAjizee Allahi waanna Allaha mukhzee alkafireena	**[Warning to disbelievers that they are safe only for 4 months, either they flee or convert to Islam.]**	So travel freely, [O disbelievers], throughout the land [during] four months but know that you cannot cause failure to Allah and that Allah will disgrace the disbelievers.	9:2	"अतः इस धरती में चार महीने और चल-फिर लो और यह बात जान लो कि अल्लाह के क़ाबू से बाहर नहीं जा सकते और यह कि अल्लाह इनकार करनेवालों को अपमानित करता है।"	**[अविश्वासियों को चेतावनी दी गई है कि वे केवल 4 महीनों तक सुरक्षित हैं; या तो वे चले जाएँ या इस्लाम स्वीकार करें।]**
Waathanun mina Allahi warasoolihi ila alnnasi yawma alhajji alakbari anna Allaha bareeon mina almushrikeena warasooluhu fain tubtum fahuwa khayrun lakum wain tawallaytum faiAAlamoo annakum ghayru muAAjizee Allahi wabashshiri allatheena kafaroo biAAathabin aleemin	Continuation of Q 9:1	And [it is] an announcement from Allah and His Messenger to the people on the day of the greater pilgrimage that Allah is disassociated from the disbelievers, and [so is] His Messenger. So if you repent, that is best for you; but if you turn away - then know that you will not cause failure to Allah. And give tidings to those who disbelieve of a painful punishment.	9:3	सार्वजनिक उद्घोषणा है अल्लाह और उसके रसूल की ओर से, बड़े हज के दिन लोगों के लिए, कि "अल्लाह मुशरिकों के प्रति जिम्मेदार से बरी है और उसका रसूल भी। अब यदि तुम तौबा कर लो, तो यह तुम्हारे ही लिए अच्छा है, किन्तु यदि तुम मुह मोड़ते हो, तो जान लो कि तुम अल्लाह के क़ाबू से बाहर नहीं जा सकते।" और इनकार करनेवालों के लिए एक दुखद यातना की शुभ-सूचना दे दो	क़ुरआन 9:1 का आगे का भाग।

Illa allatheena AAahadtum mina almushrikeena thumma lam yanqusookum shayan walam yuthahiroo AAalaykum ahadan faatimmoo ilayhim AAahdahum ila muddatihim inna Allaha yuhibbu	x	Excepted are those with whom you made a treaty among the polytheists and then they have not been deficient toward you in anything or supported anyone against you; so complete for them their treaty until their term [has ended]. Indeed, Allah loves the righteous [who fear Him].	9:4	सिवाय उन मुशरिकों के जिनसे तुमने संधि-समझौते किए, फिर उन्होंने तुम्हारे साथ अपने वचन को पूर्ण करने में कोई कमी नही की और न तुम्हारे विरुद्ध किसी की सहायता ही की, तो उनके साथ उनकी संधि को उन लोगों के निर्धारित समय तक पूरा करो। निश्चय ही अल्लाह को डर रखनेवाले प्रिय है	x
Faitha insalakha alashhuru alhurumu faoqtuloo almushrikeena haythu wajadtumoohum wakhuthoohum waohsuroohum waoqAAudoo lahum kulla marsadin fain taboo waaqamoo alssalata waatawoo alzzakata fakhalloo sabeelahum inna Allaha ghafoorun	**[This is the verse of Sword which abrogates any form of pardon, truce and overlooking of disbelivers. Abu Bakr As-Siddiq used this and other verses as proof for fighting those who refrained from paying the Zakah. Even Muslims who do not fulfill Islamic obligations fall into the category of those who must be fought.]**	And when the sacred months have passed, then kill the polytheists wherever you find them and capture them and besiege them and sit in wait for them at every place of ambush. But if they should repent, establish prayer, and give zakah, let them [go] on their way. Indeed, Allah is Forgiving and Merciful.	9:5	फिर, जब हराम (प्रतिष्ठित) महीने बीत जाएँ तो मुशरिकों को जहाँ कहीं पाओ क़त्ल करो, उन्हें पकड़ो और उन्हें घेरो और हर घात की जगह उनकी ताक में बैठो। फिर यदि वे तौबा कर लें और नमाज़ क़ायम करें और ज़कात दें तो उनका मार्ग छोड़ दो, निश्चय ही अल्लाह बड़ा क्षमाशील, दयावान है	**[यह “आयत-ए-सैफ़ (तलवार की आयत)” है, जो अविश्वासियों के प्रति किसी भी प्रकार की माफी, संधि और नज़रअंदाज़ करने को निरस्त करती है। अबू बक्र अस-सिद्दीक़ ने इसका और अन्य आयतों का उपयोग उन लोगों से लड़ने के प्रमाण के रूप में किया, जो ज़कात देने से इंकार करते थे। जो मुसलमान इस्लामी कर्तव्यों को पूरा नहीं करते, वे भी उन लोगों की श्रेणी में आते हैं जिनसे लड़ना आवश्यक माना गया।]**

Wain ahadun mina almushrikeena istajaraka faajirhu hatta yasmaAAa kalama Allahi thumma ablighhu mamanahu thalika biannahum qawmun la yaAAlamoona	Refers to someone who comes to you to hear what you say and Quran, and then let him proceeds to the safe area where he came from.	And if any one of the polytheists seeks your protection, then grant him protection so that he may hear the words of Allah. Then deliver him to his place of safety. That is because they are a people who do not know.	9:6	और यदि मुशरिकों में से कोई तुमसे शरण माँगे, तो तुम उसे शरण दे दो, यहाँ तक कि वह अल्लाह की वाणी सुन ले। फिर उसे उसके सुरक्षित स्थान पर पहुँचा दो, क्योंकि वे ऐसे लोग हैं, जिन्हें ज्ञान नहीं	यह उस व्यक्ति के बारे में है जो तुम्हारे पास आता है ताकि वह तुम्हारी बात और क़ुरआन सुने, फिर उसे उसके सुरक्षित स्थान तक पहुँचने दो जहाँ से वह आया था।
Kayfa yakoonu lilmushrikeena AAahdun AAinda Allahi waAAinda rasoolihi illa allatheena AAahadtum AAinda almasjidi alharami fama istaqamoo lakum faistaqeemoo lahum inna Allaha yuhibbu almuttaqeena	This is about treaty of Hudaybiyyah. When the Muslims were in a stronger position militarily, Muhammad (pbuh) broke the treaty on a technicality (see 60:10 and 47:35).	How can there be for the polytheists a treaty in the sight of Allah and with His Messenger, except for those with whom you made a treaty at al-Masjid al-Haram? So as long as they are upright toward you, be upright toward them. Indeed, Allah loves the righteous [who fear Him].	9:7	इन मुशरिकों को किसी संधि की कोई ज़िम्मेदारी अल्लाह और उसके रसूल पर कैसे बाक़ी रह सकती है? - उन लोगों का मामला इससे अलग है, जिनसे तुमने मस्जिदे हराम (काबा) के पास संधि की थी, तो जब तक वे तुम्हारे साथ सीधे रहें, तब तक तुम भी उनके साथ सीधे रहो। निश्चय ही अल्लाह को डर रखनेवाले प्रिय है। -	यह हुदैबिया की संधि के बारे में है। जब मुसलमान सैन्य रूप से अधिक मज़बूत स्थिति में थे, तो पैग़म्बर मुहम्मद स. ने एक तकनीकी आधार पर इस संधि को तोड़ दिया (देखें 60:10 और 47:35)।

Kayfa wain yathharoo AAalaykum la yarquboo feekum illan wala thimmatan yurdoonakum biafwahihim wataba quloobuhum waaktharuhum fasiqoona	Referring to idolator Quraysh.	How [can there be a treaty] while, if they gain dominance over you, they do not observe concerning you any pact of kinship or covenant of protection? They satisfy you with their mouths, but their hearts refuse [compliance], and most of them are defiantly disobedient.	9:8	कैसे बाक़ी रह सकती है? जबकि उनका हाल यह है कि यदि वे तुम्हें दबा पाएँ तो वे न तुम्हारे विषय में किसी नाते-रिश्ते का ख़याल रखें और न किसी अभिवचन का। वे अपने मुँह ही से तुम्हें राज़ी करते है, किन्तु उनके दिल इनकार करते रहते है और उनमें अधिकतर अवज्ञाकारी है	मक्का के मूर्तिपूजक क़ुरैश की ओर संकेत है।
Ishtaraw biayati Allahi thamanan qaleelan fasaddoo AAan sabeelihi innahum saa ma kanoo yaAAmaloona	x	They have exchanged the signs of Allah for a small price and averted [people] from His way. Indeed, it was evil that they were doing.	9:9	उन्होंने अल्लाह की आयतों के बदले थोड़ा-सा मूल्य स्वीकार किया और इस प्रकार वे उसका मार्ग अपनाने से रूक गए। निश्चय ही बहुत बुरा है, जो कुछ वे कर रहे हैं	x
La yarquboona fee muminin illan wala thimmatan waolaika humu almuAAtadoona	**[Despite Muslims breaking the treaty, the disbelievers are transgressors.]**	They do not observe toward a believer any pact of kinship or covenant of protection. And it is they who are the transgressors.	9:10	किसी मोमिन के बारे में न तो नाते-रिश्ते का ख़याल रखते है और न किसी अभिवचन का। वही लोग है जिन्होंने सीमा का उल्लंघन किया	**[मुसलमानों द्वारा संधि तोड़े जाने के बावजूद, अविश्वासी ही उल्लंघन करने वाले (अत्याचारी) बताए गए हैं।]**
Fain taboo waaqamoo alssalata waatawoo alzzakata faikhwanukum fee alddeeni wanufassilu alayati liqawmin	Means if they convert to Islam.	But if they repent, establish prayer, and give zakah, then they are your brothers in religion; and We detail the verses for a people who know.	9:11	अतः यदि वे तौबा कर लें और नमाज़ क़ायम करें और ज़कात दें तो वे धर्म के भाई हैं। और हम उन लोगों के लिए आयतें खोल-खोलकर बयान करते हैं, जो जानना चाहें	अर्थ है: यदि वे इस्लाम स्वीकार कर लें।

Wain nakathoo aymanahum min baAAdi AAahdihim wataAAanoo fee deenikum faqatiloo aimmata alkufri innahum la aymana lahum laAAallahum yantahoona	x	And if they break their oaths after their treaty and defame your religion, then fight the leaders of disbelief, for indeed, there are no oaths [sacred] to them; [fight them that] they might cease.	9:12	और यदि अपने अभिवचन के पश्चात वे अपनी क़समों को तोड़ डालें और तुम्हारे दीन (धर्म) पर चोटें करने लगें, तो फिर कुफ़्र (अधर्म) के सरदारों से युद्ध करो, उनकी क़समें कुछ नहीं, ताकि वे बाज़ आ जाएँ।	x
Ala tuqatiloona qawman nakathoo aymanahum wahammoo biikhraji alrrasooli wahum badaookum awwala marratin atakhshawnahum faAllahu ahaqqu an takhshawhu in kuntum mumineena	Referring to idolator Quraysh.	Would you not fight a people who broke their oaths and determined to expel the Messenger, and they had begun [the attack upon] you the first time? Do you fear them? But Allah has more right that you should fear Him, if you are [truly] believers.	9:13	क्या तुम ऐसे लोगो से नहीं लड़ोगे जिन्होंने अपनी क़समों को तोड़ डालीं और रसूल को निकाल देना चाहा और वही हैं जिन्होंने तुमसे छेड़ में पहल की? क्या तुम उनसे डरते हो? यदि तुम मोमिन हो तो इसका ज़्यादा हक़दार अल्लाह है कि तुम उससे डरो	मूर्तिपूजक कुरैश की ओर संकेत है।
Qatiloohum yuAAaththibhumu Allahu biaydeekum wayukhzihim wayansurkum AAalayhim wayashfi sudoora qawmin mumineena	**[Muslims on earth are the executors of Allah's judgment and are charged with the responsibility of punishing the unbelievers by "killing and capture".]**	Fight them; Allah will punish them by your hands and will disgrace them and give you victory over them and satisfy the breasts of a believing people	9:14	उनसे लड़ो। अल्लाह तुम्हारे हाथों से उन्हें यातना देगा और उन्हें अपमानित करेगा और उनके मुक़ाबले में वह तुम्हारी सहायता करेगा। और ईमानवाले लोगों के दिलों का दुखमोचन करेगा;	**[धरती पर मुसलमान अल्लाह के फ़ैसले को लागू करने वाले माने गए हैं और उन्हें "क़त्ल और क़ैद" के माध्यम से अविश्वासियों को दंडित करने की ज़िम्मेदारी दी गई है।]**

Wayuthhib ghaytha quloobihim wayatoobu Allahu AAala man yashao waAllahu AAaleemun hakeemun	x	And remove the fury in the believers' hearts. And Allah turns in forgiveness to whom He wills; and Allah is Knowing and Wise.	9:15	उनके दिलों का क्रोध मिटाएगा, अल्लाह जिसे चाहेगा, उसपर दया-दृष्टि डालेगा। अल्लाह सर्वज्ञ, तत्वदर्शी है	x
Am hasibtum an tutrakoo walamma yaAAlami Allahu allatheena jahadoo minkum walam yattakhithoo min dooni Allahi wala rasoolihi wala almumineena waleejatan waAllahu khabeerun bima taAAmaloona	Allah will not leave Muslims without testing them with Jihad.	Do you think that you will be left [as you are] while Allah has not yet made evident those among you who strive [for His cause] and do not take other than Allah, His Messenger and the believers as intimates? And Allah is Acquainted with what you do.	9:16	क्या तुमने यह समझ रखा है कि तुम ऐसे ही छोड़ दिए जाओगे, हालाँकि अल्लाह ने अभी उन लोगों को छाँटा ही नहीं, जिन्होंने तुममें से जिहाद किया और अल्लाह और उसके रसूल और मोमिनों को छोड़कर किसी को घनिष्ठ मित्र नहीं बनाया? तुम जो कुछ भी करते हो, अल्लाह उसकी ख़बर रखता है	अल्लाह मुसलमानों को जिहाद के माध्यम से परखे बिना नहीं छोड़ेगा।
Ma kana lilmushrikeena an yaAAmuroo masajida Allahi shahideena AAala anfusihim bialkufri olaika habitat aAAmaluhum wafee alnnari hum khalidoona	Allah declares that the idolaters or polytheists (mushrikeena , from mushrik) are not worthy to take care of the sacred mosque (Kabah). **[Will Allah rewardthe good deeds of non-Muslims: No, 9:17, 14:18, Yes 99:7-8]**	It is not for the polytheists to maintain the mosques of Allah [while] witnessing against themselves with disbelief. [For] those, their deeds have become worthless, and in the Fire they will abide eternally.	9:17	यह मुशरिकों का काम नहीं कि वे अल्लाह की मस्जिदों को आबाद करें और उसके प्रबंधक हों, जबकि वे स्वयं अपने विरुद्ध कुफ़्र की गवाही दे रहे है। उन लोगों का सारा किया-धरा अकारथ गया और वे आग में सदैव रहेंगे	अल्लाह घोषित करता है कि मूर्तिपूजक या बहुदेववादी (मुशरिकीन, 'मुशरिक' से) पवित्र मस्जिद (काबा) की देखभाल के योग्य नहीं हैं। **[क्या अल्लाह गैर-मुसलमानों के अच्छे कर्मों का प्रतिफल देगा: नहीं (9:17, 14:18), हाँ (99:7–8)]**

Innama yaAAmuru masajida Allahi man amana biAllahi waalyawmi alakhiri waaqama alssalata waata alzzakata walam yakhsha illa Allaha faAAasa olaika an yakoonoo mina almuhtadeena	Place of worship should be maintained by Muslims only.	The mosques of Allah are only to be maintained by those who believe in Allah and the Last Day and establish prayer and give zakah and do not fear except Allah, for it is expected that those will be of the [rightly] guided.	9:18	अल्लाह की मस्जिदों का प्रबंधक और उसे आबाद करनेवाला वही हो सकता है जो अल्लाह और अंतिम दिन पर ईमान लाया, नमाज़ क़ायम की और ज़कात दी और अल्लाह के सिवा किसी से न डरा। अतः ऐसे ही लोग, आशा है कि सीधा मार्ग पानेवाले होंगे	इबादत का स्थान केवल मुसलमानों द्वारा ही देखभाल किए जाने चाहिए।
AjaAAaltum siqayata alhajji waAAimarata almasjidi alharami kaman amana biAllahi waalyawmi alakhiri wajahada fee sabeeli Allahi la yastawoona AAinda Allahi waAllahu la yahdee alqawma alththalimeena	Ali ibn Abi Talib said to al-Abbas: Are you not going to migrate to join the Prophet (pbuh)? al-Abbas said: Am I not doing something much better than migration? Do I not quench the thirst of the pilgrims to the House of Allah and tend to the Sacred Mosque?' And so, this verse was revealed. **[Active warriors are better than peaceful people.]**	Have you made the providing of water for the pilgrim and the maintenance of al-Masjid al-Haram equal to [the deeds of] one who believes in Allah and the Last Day and strives in the cause of Allah? They are not equal in the sight of Allah. And Allah does not guide the wrongdoing people.	9:19	क्या तुमने हाजियों को पानी पिलाने और मस्जिदे हराम (काबा) के प्रबंध को उस व्यक्ति के काम के बराबर ठहरा लिया है, जो अल्लाह और अंतिम दिन पर ईमान लाया और उसने अल्लाह के मार्ग में संघर्ष किया?अल्लाह की दृष्टि में वे बराबर नहीं। और अल्लाह अत्याचारी लोगों को मार्ग नहीं दिखाता	अली इब्न अबी तालिब ने अल-अब्बास से कहा: “क्या आप हिजरत करके पैग़म्बर मुहम्मद स. के साथ नहीं जुड़ेंगे?” अल-अब्बास ने कहा: “क्या मैं हिजरत से भी बेहतर काम नहीं कर रहा? क्या मैं अल्लाह के घर के तीर्थयात्रियों की प्यास नहीं बुझाता और पवित्र मस्जिद की देखभाल नहीं करता?” तब यह आयत नाज़िल हुई। [सक्रिय योद्धा शांतिपूर्ण लोगों से बेहतर हैं।]
Allatheena amanoo wahajaroo wajahadoo fee sabeeli Allahi biamwalihim waanfusihim aAAthamu darajatan AAinda Allahi waolaika humu alfaizoona	Warriers are greatest in sight of God.	The ones who have believed, emigrated and striven in the cause of Allah with their wealth and their lives are greater in rank in the sight of Allah. And it is those who are the attainers [of success].	9:20	जो लोग ईमान लाए और उन्होंने हिजरत की और अल्लाह के मार्ग में अपने मालों और अपनी जानों से जिहाद किया, अल्लाह के यहाँ दर्जे में वे बहुत बड़े है और वही सफल है	योद्धा अल्लाह की नज़र में सबसे महान हैं।

Yubashshiruhum rabbuhum birahmatin minhu waridwanin wajannatin lahum feeha naAAeemun	Promise of Paradise.	Their Lord gives them good tidings of mercy from Him and approval and of gardens for them wherein is enduring pleasure.	9:21	उन्हें उनका रब अपना दयालुता और प्रसन्नता और ऐसे बाग़ों की शुभ-सूचना देता है, जिनमें उनके लिए स्थायी सुख-सामग्री है	जन्नत का वादा।
Khalideena feeha abadan inna Allaha AAindahu ajrun AAatheemun	x	[They will be] abiding therein forever. Indeed, Allah has with Him a great reward.	9:22	उनमें वे सदैव रहेंगे। निस्संदेह अल्लाह के पास बड़ा बदला है	x
Ya ayyuha allatheena amanoo la tattakhithoo abaakum waikhwanakum awliyaa ini istahabboo alkufra AAala aleemani waman yatawallahum minkum faolaika humu alththalimoona	Allah commands shunning the disbelievers, even if they are one's parents or children, and prohibits taking them as supporters." See also 9:113, 29:8, 31:15, and 60:4. **[How one should deal with polytheist relatives: Nicely, 31:15; Don't make them friends 9:23, 26:216. Give good care to parents 17:23, 6:151; Don't care if they are disbelievers 9:23, 58:22, 26:216:. Also see Bukhari 15]**	O you who have believed, do not take your fathers or your brothers as allies if they have preferred disbelief over belief. And whoever does so among you - then it is those who are the wrongdoers.	9:23	ऐ ईमान लानेवालो! अपने बाप और अपने भाइयों को अपने मित्र न बनाओ यदि ईमान के मुक़ाबले में कुफ़्र उन्हें प्रिय हो। तुममें से जो कोई उन्हें अपना मित्र बनाएगा, तो ऐसे ही लोग अत्याचारी होंगे	अल्लाह आदेश देता है कि अविश्वासियों से दूरी बनाई जाए, भले ही वे माता-पिता या संतान ही क्यों न हों, और उन्हें सहयोगी बनाने से भी मना करता है। साथ ही 9:113, 29:8, 31:15, और 60:4 देखें। **[बहुदेववादी रिश्तेदारों के साथ कैसा व्यवहार किया जाए: अच्छे से (31:15); उन्हें मित्र न बनाएं (9:23, 26:216)। माता-पिता की अच्छी देखभाल करें (17:23, 6:151); यदि वे अविश्वासी हों तो उनकी परवाह न करें (9:23, 58:22, 26:216)। साथ ही बुख़ारी 15 देखें।]**

Qul in kana abaokum waabnaokum waikhwanukum waazwajukum waAAasheeratukum waamwalun iqtaraftumooha watijaratun takhshawna kasadaha wamasakinu tardawnaha ahabba ilaykum mina Allahi warasoolihi wajihadin fee sabeelihi fatarabbasoo hatta yatiya Allahu	When the Messenger of Allah (pbuh) was commanded to migrate to Medina, some men refrained from migrating due to the request of their families. This verse was then revealed to rebuke them. **[This verse is as warning to Muslims that they should value nothing in this life higher than Allah and His Messenger.]**	Say, [O Muhammad], "If your fathers, your sons, your brothers, your wives, your relatives, wealth which you have obtained, commerce wherein you fear decline, and dwellings with which you are pleased are more beloved to you than Allah and His Messenger and jihad in His cause, then wait until Allah executes His command. And Allah does not guide the defiantly disobedient people."	9:24	कह दो, "यदि तुम्हारे बाप, तुम्हारे बेटे, तुम्हारे भाई, तुम्हारी पत्नि यों और तुम्हारे रिश्ते-नातेवाले और माल, जो तुमने कमाए है और कारोबार जिसके मन्दा पड़ जाने का तुम्हें भय है और घर जिन्हें तुम पसन्द करते हो, तुम्हे अल्लाह और उसके रसूल और उसके मार्ग में जिहाद करने से अधिक प्रिय है तो प्रतीक्षा करो, यहाँ तक कि अल्लाह अपना फ़ैसला ले आए। और अल्लाह अवज्ञाकारियों को मार्ग नहीं दिखाता।"	जब अल्लाह के रसूल स. को मदीना की ओर हिजरत करने का आदेश दिया गया, तो कुछ लोग अपने परिवारों के कहने पर हिजरत से रुक गए। तब उन्हें डाँटने के लिए यह आयत नाज़िल हुई। [यह आयत मुसलमानों के लिए चेतावनी है कि वे इस दुनिया में किसी भी चीज़ को अल्लाह और उसके रसूल से बढ़कर महत्व न दें।]
Laqad nasarakumu Allahu fee mawatina katheeratin wayawma hunaynin ith aAAjabatkum kathratukum falam tughni AAankum shayan wadaqat AAalaykumu alardu bima rahubat thumma wallaytum	Islamic tradition holds that the Battle of Hunayn took place after Muhammad (pbuh) conquered Mecca and was once again won by supernatural help.	Allah has already given you victory in many regions and [even] on the day of Hunayn, when your great number pleased you, but it did not avail you at all, and the earth was confining for you with its vastness; then you turned back, fleeing.	9:25	अल्लाह बहुत-से अवसरों पर तुम्हारी सहायता कर चुका है और हुनैन (की लड़ाई) के दिन भी, जब तुम अपनी अधिकता पर फूल गए, तो वह तुम्हारे कुछ काम न आई और धरती अपनी विशालता के बावजूद तुम पर तंग हो गई। फिर तुम पीठ फेरकर भाग खड़े हुए	इस्लामी परंपरा के अनुसार, हुनैन की लड़ाई मक्का की विजय के बाद हुई और इसे एक बार फिर अलौकिक सहायता से जीता गया।

Thumma anzala Allahu sakeenatahu AAala rasoolihi waAAala almumineena waanzala junoodan lam tarawha waAAaththaba allatheena kafaroo wathalika jazao alkafireena	The Angels punished the disbelievers.	Then Allah sent down His tranquillity upon His Messenger and upon the believers and sent down soldiers angels whom you did not see and punished those who disbelieved. And that is the recompense of the disbelievers.	9:26	अन्ततः अल्लाह ने अपने रसूल पर और मोमिनों पर अपनी सकीनत (प्रशान्ति) उतारी और ऐसी सेनाएँ उतारी जिनको तुमने नहीं देखा। और इनकार करनेवालों को यातना दी, और यही इनकार करनेवालों का बदला है	सकीनत (फ़रिश्तों) ने अविश्वासियों को दंडित किया।
Thumma yatoobu Allahu min baAAdi thalika AAala man yashao waAllahu ghafoorun raheemun	According to Ibn Juzayy, the promise that "Allah will relent toward whomever he wills" means that "the tribe of Hawazin who had fought the Muslims at Hunayn became	Then Allah will accept repentance after that for whom He wills; and Allah is Forgiving and Merciful.	9:27	फिर इसके बाद अल्लाह जिसको चाहता है उसे तौबा नसीब करता है। अल्लाह बड़ा क्षमाशील, दयावान है	इब्न जुज़य्य के अनुसार, "अल्लाह जिस पर चाहे रहमत करेगा" का अर्थ यह है कि "हवाज़िन क़बीला, जिसने हुनैन में मुसलमानों से युद्ध किया था, मुसलमान बन गया।"
Ya ayyuha allatheena amanoo innama almushrikoona najasun fala yaqraboo almasjida alharama baAAda AAamihim hatha wain khiftum AAaylatan fasawfa yughneekumu Allahu min fadlihi in shaa inna Allaha AAaleemun	Non-muslims are unclean and don't allow them near Kabah in Makkah. Allah will compensate the loss income from pilgrimage. **[This was done by ordering Muslims to attack the neighbouring Christian lands and receiving Jiziya, see next verse 9:29.]**	O you who have believed, indeed the polytheists are unclean, so let them not approach al-Masjid al-Haram after this, their [final] year. And if you fear privation, Allah will enrich you from His bounty if He wills. Indeed, Allah is Knowing and Wise.	9:28	ऐ ईमान लानेवालो! मुशरिक तो बस अपवित्र ही है। अतः इस वर्ष के पश्चात वे मस्जिदे हराम के पास न आएँ। और यदि तुम्हें निर्धनता का भय हो तो आगे यदि अल्लाह चाहेगा तो तुम्हें अपने अनुग्रह से समृद्ध कर देगा। निश्चय ही अल्लाह सब कुछ जाननेवाला, अत्यन्त तत्वदर्शी है	ग़ैर-मुस्लिम अपवित्र हैं और उन्हें मक्का में काबा के पास आने की अनुमति नहीं है। अल्लाह तीर्थयात्रा से होने वाली आय के नुकसान की भरपाई करेगा। **[यह काम मुसलमानों को पड़ोसी ईसाई क्षेत्रों पर आक्रमण करने और जिज़्या लेने का आदेश देकर किया गया, अगली आयत 9:29 देखें।]**

Qatiloo allatheena la yuminoona biAllahi wala bialyawmi alakhiri wala yuharrimoona ma harrama Allahu warasooluhu wala yadeenoona deena alhaqqi mina allatheena ootoo alkitaba hatta yuAAtoo aljizyata AAan yadin wahum saghiroona	**[Correct Translation: until they pay jizya with their hands ('an yadin) while they are humiliated/belittled (Saghiroon). Several translators mistranslate 'an yadin as willingly and Saghiroon as humbled. See Sahih Bukhari 3162]**	Fight those who do not believe in Allah or in the Last Day and who do not consider unlawful what Allah and His Messenger have made unlawful and who do not adopt the religion of truth from those who were given the Scripture - [fight] until they give the jizyah willingly while they are humbled.	9:29	वे किताबवाले जो न अल्लाह पर ईमान रखते है और न अन्तिम दिन पर और न अल्लाह और उसके रसूल के हराम ठहराए हुए को हराम ठहराते है और न सत्यधर्म का अनुपालन करते है, उनसे लड़ो, यहाँ तक कि वे सत्ता से विलग होकर और छोटे (अधीनस्थ) बनकर जिज़्या देने लगे	x
Waqalati alyahoodu AAuzayrun ibnu Allahi waqalati alnnasara almaseehu ibnu Allahi thalika qawluhum biafwahihim yudahioona qawla allatheena kafaroo min qablu qatalahumu Allahu anna yufakoona	**[In contrast to Christian belief, Jews never claimed Ezra was son of Allah.]**	The Jews say, "Ezra is the son of Allah "; and the Christians say, "The Messiah is the son of Allah." That is their statement from their mouths; they imitate the saying of those who disbelieved [before them]. May Allah destroy them; how are they deluded?	9:30	यहूदी करते है, "उज़ैर अल्लाह का बेटा है।" और ईसाई कहते है, "मसीह अल्लाह का बेटा है।" ये उनकी अपने मुँह की बातें हैं। ये उन लोगों की-सी बातें कर रहे है जो इससे पहले इनकार कर चुके है। अल्लाह की मार इन पर! ये कहाँ से औधे हुए जा रहे हैं!	**[ईसाई मान्यता के विपरीत, यहूदियों ने कभी यह दावा नहीं किया कि एज्रा अल्लाह के पुत्र हैं।]**

Ittakhathoo ahbarahum waruhbanahum arbaban min dooni Allahi waalmaseeha ibna maryama wama omiroo illa liyaAAbudoo ilahan wahidan la ilaha illa huwa subhanahu AAamma yushrikoona	**[The Jews don't worship their Rabbi and Christians don't worship monks; however, they are regarded, and consulted regarding what is lawful or unlawful. Very similiarly, Muslims regard their religious scholars, in fact Mulims also refer to them regarding various issues or Fiqh.]**	They have taken their scholars and monks as lords besides Allah, and [also] the Messiah, the son of Mary. And they were not commanded except to worship one God; there is no deity except Him. Exalted is He above whatever they associate with Him.	9:31	उन्होंने अल्लाह से हटकर अपने धर्मज्ञाताओं और संसार-त्यागी संतों और मरयम के बेटे ईसा को अपने रब बना लिए है - हालाँकि उन्हें इसके सिवा और कोई आदेश नहीं दिया गया था कि अकेले इष्ट-पूज्य की वे बन्दगी करें, जिसक सिवा कोई और पूज्य नहीं। उसकी महिमा के प्रतिकूल है वह शिर्क जो ये लोग करते है। -	**[यहूदी अपने रब्बियों की इबादत नहीं करते और ईसाई अपने पादरियों की इबादत नहीं करते; लेकिन उन्हें सम्मान दिया जाता है और हलाल-हराम के मामलों में उनसे परामर्श लिया जाता है। बिल्कुल इसी तरह, मुसलमान भी अपने धार्मिक विद्वानों का सम्मान करते हैं; बल्कि विभिन्न मुद्दों या फ़िक़्ह के मामलों में उनसे मार्गदर्शन लेते हैं।]**
Yureedoona an yutfioo noora Allahi biafwahihim wayaba Allahu illa an yutimma noorahu walaw kariha alkafiroona	The “light of Allah” is Sharia and His signs.	They want to extinguish the light of Allah with their mouths, but Allah refuses except to perfect His light, although the disbelievers dislike it.	9:32	चाहते है कि अल्लाह के प्रकाश को अपने मुँह से बुझा दें, किन्तु अल्लाह अपने प्रकाश को पूर्ण किए बिना नहीं रहेगा, चाहे इनकार करनेवालों को अप्रिय ही लगे	अल्लाह का ‘नूर’ उसकी शरीअत और उसकी निशानियाँ हैं।
Huwa allathee arsala rasoolahu bialhuda wadeeni alhaqqi liyuthhirahu AAala alddeeni kullihi walaw kariha almushrikoona	Messenger refer to Prophet Muhammad (pbuh). Allah will put Islam “above all other religions”.	It is He who has sent His Messenger with guidance and the religion of truth to manifest it over all religion, although they who associate others with Allah dislike it.	9:33	वही है जिसने अपने रसूल को मार्गदर्शन और सत्यधर्म के साथ भेजा ताकि उसे तमाम दीन (धर्म) पर प्रभावी कर दे, चाहे मुशरिकों को बुरा लगे	रसूल से आशय पैग़म्बर मुहम्मद स. हैं। अल्लाह इस्लाम को “सभी अन्य धर्मों के ऊपर” स्थापित करेगा।

Ya ayyuha allatheena amanoo inna katheeran mina alahbari waalrruhbani layakuloona amwala alnnasi bialbatili wayasuddoona AAan sabeeli Allahi waallatheena yaknizoona alththahaba waalfiddata wala yunfiqoonaha fee sabeeli Allahi fabashshirhum	This was revealed about the scholars and doctors of the people of the Book. They used to accept bribes and gains from the common people. They stopped their people from following the true religion (means, Islam) just to keep their status and position. **[Same thing Muslims scholars also doing and divided Islam in various sects.]**	O you who have believed, indeed many of the scholars and the monks devour the wealth of people unjustly and avert [them] from the way of Allah. And those who hoard gold and silver and spend it not in the way of Allah - give them tidings of a painful punishment.	9:34	ऐ ईमान लानेवालो! अवश्य ही बहुत-से धर्मज्ञाता और संसार-त्यागी संत ऐसे है जो लोगो को माल नाहक़ खाते है और अल्लाह के मार्ग से रोकते है, और जो लोग सोना और चाँदी एकत्र करके रखते है और उन्हें अल्लाह के मार्ग में ख़र्च नहीं करते, उन्हें दुखद यातना की शुभ-सूचना दे दो	यह उन अहल-ए-किताब के विद्वानों और धर्मगुरुओं के बारे में नाज़िल हुआ था। वे आम लोगों से रिश्वत और लाभ लिया करते थे। उन्होंने अपने लोगों को सच्चे धर्म (अर्थात इस्लाम) का पालन करने से रोका, ताकि अपनी प्रतिष्ठा और पद को बनाए रख सकें। **[इसी तरह कुछ मुसलमान विद्वान भी ऐसा कर रहे हैं और उन्होंने इस्लाम को विभिन्न फिरकों में बाँट दिया है।]**
Yawma yuhma AAalayha fee nari jahannama fatukwa biha jibahuhum wajunoobuhum wathuhooruhum hatha ma kanaztum lianfusikum fathooqoo ma kuntum taknizoona	x	The Day when it will be heated in the fire of Hell and seared therewith will be their foreheads, their flanks, and their backs, [it will be said], "This is what you hoarded for yourselves, so taste what you used to hoard."	9:35	जिस दिन उनको जहन्नम की आग में तपाया जाएगा फिर उससे उनके ललाटो और उनके पहलुओ और उनकी पीठों को दाग़ा जाएगा (और कहा जाएगा), "यहीं है जो तुमने अपने लिए संचय किया, तो जो कुछ तुम संचित करते रहे हो, उसका मज़ा चखो!"	x

Inna AAiddata alshshuhoori AAinda Allahi ithna AAashara shahran fee kitabi Allahi yawma khalaqa alssamawati waalarda minha arbaAAatun hurumun thalika alddeenu alqayyimu fala tathlimoo feehinna anfusakum waqatiloo almushrikeena kaffatan kama yuqatiloonakum kaffatan waiAAlamoo anna Allaha maAAa almuttaqeena	The pre-Islamic Arabic calendar, like the Islamic calendar, was lunar, consisting of 354 days rather than the 365 days of the solar calendar. To make up this difference, Arabians added leap months (one every three solar years). This verse, which was supposed to have been revealed in the year 629, forbids adding leap months. The last portion includes permission for the believers to fight the idolators in the Sacred Month, if the idolators initiate hostilities therein. **[Contradiction: Number of sacred months in Islam: Four 9:36, one 5:2. Islam follow lunar calender which is about 11 day shorter**	Indeed, the number of months with Allah is twelve [lunar] months in the register of Allah [from] the day He created the heavens and the earth; of these, four are sacred. That is the correct religion, so do not wrong yourselves during them. And fight against the disbelievers collectively as they fight against you collectively. And know that Allah is with the righteous [who fear Him].	9:36	निस्संदेह महीनों की संख्या - अल्लाह के अध्यादेश में उस दिन से जब उसने आकाशों और धरती को पैदा किया - अल्लाह की दृष्टि में बारह महीने है। उनमें चार आदर के है, यही सीधा दीन (धर्म) है। अतः तुम उन (महीनों) में अपने ऊपर अत्याचार न करो। और मुशरिकों से तुम सबके सब लड़ो, जिस प्रकार वे सब मिलकर तुमसे लड़ते है। और जान लो कि अल्लाह डर रखनेवालों के साथ है	इस्लाम-पूर्व अरब का कैलेंडर, इस्लामी कैलेंडर की तरह, चंद्र (लूनर) था, जिसमें 365 दिनों के सौर वर्ष के बजाय 354 दिन होते थे। इस अंतर को पूरा करने के लिए अरब लोग अतिरिक्त महीना (हर तीन सौर वर्षों में एक) जोड़ते थे। यह आयत, जो कहा जाता है कि 629 ईस्वी में नाज़िल हुई, इस अतिरिक्त महीने को जोड़ने से मना करती है। इसके अंतिम हिस्से में यह अनुमति भी शामिल है कि यदि मुश्रिक पवित्र महीनों में लड़ाई की शुरुआत करें, तो ईमान वालों को भी उनसे लड़ने की अनुमति है। **[विरोधाभास: इस्लाम में पवित्र महीनों की संख्या—चार (9:36), एक (5:2)। इस्लाम चंद्र कैलेंडर का पालन करता है, जो सौर वर्ष से लगभग 11 दिन छोटा होता है।]**

Innama alnnaseeo ziyadatun fee alkufri yudallu bihi allatheena kafaroo yuhilloonahu AAaman wayuharrimoonahu AAaman liyuwatioo AAiddata ma harrama Allahu fayuhilloo ma harrama Allahu zuyyina lahum sooo aAAmalihim waAllahu la yahdee alqawma alkafireena	The idolators un-sanctified Muharram one year and made it sacred another year.	Indeed, the postponing [of restriction within sacred months] is an increase in disbelief by which those who have disbelieved are led [further] astray. They make it lawful one year and unlawful another year to correspond to the number made unlawful by Allah and [thus] make lawful what Allah has made unlawful. Made pleasing to them is the evil of their deeds; and Allah does not guide the disbelieving people.	9:37	(आदर के महीनों का) हटाना तो बस कुफ़्र में एक बृद्धि है, जिससे इनकार करनेवाले गुमराही में पड़ते है। किसी वर्ष वे उसे हलाल (वैध) ठहरा लेते है और किसी वर्ष उसको हराम ठहरा लेते है, ताकि अल्लाह के आदत (महीनों) की संख्या पूरी कर लें, और इस प्रकार अल्लाह के हराम किए हुए को वैध ठहरा ले। उनके अपने बुरे कर्म उनके लिए सुहाने हो गए है और अल्लाह इनकार करनेवाले लोगों को सीधा मार्ग नहीं दिखाता	मुश्रिक एक साल मुहर्रम को अपवित्र (ग़ैर-पवित्र) बना देते थे और दूसरे साल उसे पवित्र घोषित कर देते थे।
Ya ayyuha allatheena amanoo ma lakum itha qeela lakumu infiroo fee sabeeli Allahi iththaqaltum ila alardi aradeetum bialhayati alddunya mina alakhirati fama mataAAu alhayati alddunya fee alakhirati illa	This verse was revealed to prompt the believers to take part in the Battle of Tabuk. The circumstances were very difficult, the land was suffering from drought and it was very hot. When Allah knew people's slackness, He revealed this verse.	O you who have believed, what is [the matter] with you that, when you are told to go forth in the cause of Allah, you adhere heavily to the earth? Are you satisfied with the life of this world rather than the Hereafter? But what is the enjoyment of worldly life compared to the Hereafter except a [very] little.	9:38	ऐ ईमान लानेवालो! तुम्हें क्या हो गया है कि जब तुमसे कहा जाता है, "अल्लाह के मार्ग में निकलो" तो तुम धरती पर ढहे जाते हो? क्या तुम आख़िरत की अपेक्षा सांसारिक जीवन पर राज़ी हो गए? सांसारिक जीवन की सुख-सामग्री तो आख़िरत के हिसाब में है कुछ थोड़ी ही!	यह आयत ईमान वालों को तबूक की लड़ाई में भाग लेने के लिए प्रेरित करने हेतु नाज़िल हुई थी। उस समय परिस्थितियाँ बहुत कठिन थीं—ज़मीन सूखे से जूझ रही थी और अत्यधिक गर्मी थी। जब अल्लाह ने लोगों की सुस्ती देखी, तो यह आयत नाज़िल की।

Illa tanfiroo yuAAaththibkum AAathaban aleeman wayastabdil qawman ghayrakum wala tadurroohu shayan waAllahu AAala kulli shayin	Those who “incline away from jihad,” will face divine punishment and be replaced by another people.	If you do not go forth, He will punish you with a painful punishment and will replace you with another people, and you will not harm Him at all. And Allah is over all things competent.	9:39	यदि तुम निकालोगे तो वह तुम्हें दुखद यातना देगा और वह तुम्हारी जगह दूसरे गिरोह को ले आएगा और तुम उसका कुछ न बिगाड़ सकोगे। और अल्लाह हर चीज़ की सामर्थ्य रखता है	जो लोग “जिहाद से मुँह मोड़ते हैं,” वे ईश्वरीय दंड का सामना करेंगे और उनकी जगह किसी दूसरी क़ौम को ला दिया जाएगा।
Illa tansuroohu faqad nasarahu Allahu ith akhrajahu allatheena kafaroo thaniya ithnayni ith huma fee alghari ith yaqoolu lisahibihi la tahzan inna Allaha maAAana faanzala Allahu sakeenatahu AAalayhi waayyadahu bijunoodin lam tarawha wajaAAala kalimata allatheena kafaroo alssufla wakalimatu Allahi hiya alAAulya waAllahu AAazeezun hakeemun	"those who disbelieve driven him out” refers, to “the year of the Hijrah,” when the idolaters tried to kill, imprison or expel the Prophet.	If you do not aid the Prophet - Allah has already aided him when those who disbelieved had driven him out [of Makkah] as one of two, when they were in the cave and he said to his companion, "Do not grieve; indeed Allah is with us." And Allah sent down his tranquillity upon him and supported him with angels you did not see and made the word of those who disbelieved the lowest, while the word of Allah - that is the highest. And Allah is Exalted in Might and Wise.	9:40	यदि तुम उसकी सहायता न भी करो तो अल्लाह उसकी सहायता उस समय कर चुका है जब इनकार करनेवालों ने उसे इस स्थिति में निकाला कि वह केवल दो में का दूसरा था, जब वे दोनों गुफ़ा में थे। जबकि वह अपने साथी से कह रहा था, "शोकाकुल न हो। अवश्यमेव अल्लाह हमारे साथ है।" फिर अल्लाह ने उसपर अपनी ओर से सकीनत (प्रशान्ति) उतारी और उसकी सहायता ऐसी सेनाओं से की जिन्हें तुम देख न सके और इनकार करनेवालों का बोल नीचा कर दिया, बोल तो अल्लाह ही का ऊँचा रहता है। अल्लाह अत्यन्त प्रभुत्वशील, तत्वदर्शी है	"इनकार करनेवालों ने उसे इस स्थिति में निकाला” से आशय “हिजरत के वर्ष” से है, जब मुश्रिकों ने पैग़म्बर को मारने, क़ैद करने या निकाल देने की कोशिश की थी।

Infiroo khifafan wathiqalan wajahidoo biamwalikum waanfusikum fee sabeeli Allahi thalikum khayrun lakum in kuntum taAAlamoona	No one is exempted from Jihad. **[A fat man, went to the Messenger (pbuh) to complain to him (about his size) and to dispense him from taking part in Jihad according to this verse. Then Allah abrogated it and revealed instead 9:91.]**	Go forth, whether light or heavy, and strive with your wealth and your lives in the cause of Allah. That is better for you, if you only knew.	9:41	हलके और बोझिल निकल पड़ो और अल्लाह के मार्ग में अपने मालों और अपनी जानों के साथ जिहाद करो! यही तुम्हारे लिए उत्तम है, यदि तुम जानो	जिहाद से कोई भी मुक्त नहीं है। [एक मोटा व्यक्ति पैग़म्बर मुहम्मद स. के पास आया और अपनी शारीरिक स्थिति (मोटापे) की शिकायत करते हुए जिहाद में भाग लेने से छूट की मांग की। फिर अल्लाह ने इस हुक्म को बाद में बदल दिया और इसके स्थान पर 9:91 आयत नाज़िल की।]
Law kana AAaradan qareeban wasafaran qasidan laittabaAAooka walakin baAAudat AAalayhimu alshshuqqatu wasayahlifoona biAllahi lawi istataAAna lakharajna maAAakum yuhlikoona anfusahum waAllahu yaAAlamu innahum	Allah then revealed about those hypocrites who stayed behind and did not take part in the Battle of Tabuk. Those who prefer the easy life to a hard journey of jihad are sharply rebuked.	Had it been an easy gain and a moderate trip, the hypocrites would have followed you, but distant to them was the journey. And they will swear by Allah, "If we were able, we would have gone forth with you," destroying themselves [through false oaths], and Allah knows that indeed they are liars.	9:42	यदि निकट (भविष्य में) ही कुछ मिलनेवाला होता और सफ़र भी हलका होता तो वे अवश्य तुम्हारे पीछे चल पड़ते, किन्तु मार्ग की दूरी उन्हें कठिन और बहुत दीर्घ प्रतीत हुई। अब वे अल्लाह की क़समें खाएँगे कि, "यदि हममें इसकी सामर्थ्य होती तो हम अवश्य तुम्हारे साथ निकलते।" वे अपने आपको तबाही में डाल रहे है और अल्लाह भली-भाँति जानता है कि निश्चय ही वे झूठे है	फिर अल्लाह ने उन मुनाफ़िक़ों के बारे में आयत नाज़िल की, जो पीछे रह गए और तबूक की लड़ाई में हिस्सा नहीं लिया। जो लोग जिहाद की कठिन यात्रा के बजाय आसान ज़िंदगी को पसंद करते हैं, उनकी कड़ी निंदा की गई है।

AAafa Allahu AAanka lima athinta lahum hatta yatabayyana laka allatheena sadaqoo wataAAlama alkathibeena	This verse is moderately criticizing the Prophet for allowing the Hypocrites to stay behind.	May Allah pardon you, [O Muhammad]; why did you give them permission [to remain behind]? [You should not have] until it was evident to you who were truthful and you knew [who were] the liars.	9:43	अल्लाह ने तुम्हे क्षमा कर दिया! तुमने उन्हें क्यों अनुमति दे दी, यहाँ तक कि जो लोग सच्चे है वे तुम्हारे सामने प्रकट हो जाते और झूठों को भी तुम जान लेते?	यह आयत मुनाफ़िकों को पीछे रह जाने की अनुमति देने पर पैग़म्बर की मध्यम रूप से आलोचना करती है।
La yastathinuka allatheena yuminoona biAllahi waalyawmi alakhiri an yujahidoo biamwalihim waanfusihim waAllahu AAaleemun	True Muslims did not hesitate to wage jihad, even to the point of risking their property and their very lives. The ones who refused to do this were hypocrites.	Those who believe in Allah and the Last Day would not ask permission of you to be excused from striving with their wealth and their lives. And Allah is Knowing of those who fear Him.	9:44	जो लोग अल्लाह और अंतिम दिन पर ईमान रखते है, वे तुमसे कभी यह नहीं चाहेंगे कि उन्हें अपने मालों और अपनी जानों के साथ जिहाद करने से माफ़ रखा जाए। और अल्लाह डर रखनेवालों को भली-भाँति जानता है	सच्चे मुसलमान जिहाद करने में हिचकिचाते नहीं थे, यहाँ तक कि वे अपने माल और अपनी जान तक को जोखिम में डाल देते थे। जो लोग ऐसा करने से इंकार करते थे, वे मुनाफ़िक थे।
Innama yastathinuka allatheena la yuminoona biAllahi waalyawmi alakhiri wairtabat quloobuhum fahum fee raybihim yataraddadoona	Referring to those Mulsims who asked permission to remain behind, without a valid excuse.	Only those would ask permission of you who do not believe in Allah and the Last Day and whose hearts have doubted, and they, in their doubt, are hesitating.	9:45	तुमसे छुट्टी तो बस वही लोग माँगते है जो अल्लाह और अन्तिम दिन पर ईमान नहीं रखते, और जिनके दिल सन्देह में पड़े है, तो वे अपने सन्देह ही में डाँवाडोल हो रहे है	उन मुसलमानों की ओर संकेत है जिन्होंने बिना किसी उचित कारण के पीछे रह जाने की अनुमति मांगी।

Walaw aradoo alkhurooja laaAAaddoo lahu AAuddatan walakin kariha Allahu inbiAAathahum fathabbatahum waqeela oqAAudoo maAAa alqaAAideena	Allah didn’t want the slackers to go forth to Jihad.	And if they had intended to go forth, they would have prepared for it [some] preparation. But Allah disliked their being sent, so He kept them back, and they were told, "Remain [behind] with those who remain."	9:46	यदि वे निकलने का इरादा करते तो इसके लिए कुछ सामग्री जुटाते, किन्तु अल्लाह ने उनके उठने को नापसन्द किया तो उसने उन्हें रोक दिया। उनके कह दिया गया, "बैठनेवालों के साथ बैठ रहो।"	अल्लाह नहीं चाहता था कि सुस्त लोग जिहाद के लिए आगे बढ़ें।
Law kharajoo feekum ma zadookum illa khabalan walaawdaAAoo khilalakum yabghoonakumu alfitnata wafeekum sammaAAoona lahum waAllahu AAaleemun bialththalimeena	Those who sought permission to lag behind included some of the chiefs, such as Abdullah bin Ubayy bin Salul and Jadd bin Qays, who were masters of their people. Allah also made them lag behind because He knew that if they went along with the Messenger they would sow sedition in his army.	Had they gone forth with you, they would not have increased you except in confusion, and they would have been active among you, seeking [to cause] you fitnah. And among you are avid listeners to them. And Allah is Knowing of the wrongdoers.	9:47	यदि वे तुम्हारे साथ निकलते भी तो तुम्हारे अन्दर ख़राबी के सिवा किसी और चीज़ की अभिवृद्धि नहीं करते। और वे तुम्हारे बीच उपद्रव मचाने के लिए दौड़-धूप करते और तुममें उनकी सुननेवाले है। और अल्लाह अत्याचारियों को भली-भाँति जानता है	जिन लोगों ने पीछे रह जाने की अनुमति मांगी, उनमें कुछ सरदार भी शामिल थे, जैसे अब्दुल्लाह बिन उबय्य बिन सलूल और जद्द बिन क़ैस, जो अपनी क़ौम के अगुवा थे। अल्लाह ने भी उन्हें पीछे ही रहने दिया, क्योंकि वह जानता था कि यदि वे रसूल के साथ निकलते, तो उनकी सेना में फसाद फैलाते।
Laqadi ibtaghawoo alfitnata min qablu waqallaboo laka alomoora hatta jaa alhaqqu wathahara amru Allahi wahum karihoona	x	They had already desired dissension before and had upset matters for you until the truth came and the ordinance of Allah appeared, while they were averse.	9:48	उन्होंने तो इससे पहले भी उपद्रव मचाना चाहा था और वे तुम्हारे विरुद्ध घटनाओं और मामलों के उलटने-पलटने में लगे रहे, यहाँ तक कि हक़ आ गया और अल्लाह को आदेश प्रकट होकर रहा, यद्यपि उन्हें अप्रिय ही लगता रहा	x

Waminhum man yaqoolu ithan lee wala taftinnee ala fee alfitnati saqatoo wainna jahannama lamuheetatun bialkafireena	This was revealed about Jadd bin Qays the hypocrite. While Messenger (pbuh) was preparing for the Battle of Tabuk, prophet said to him: “Would you not like to have scores of Byzantine women and men as concubines and servants?” He said: “O Messenger, I am very fond of women. So do not tempt me by them, and allow me not to join and, instead, I will assist you with my wealth”. The Prophet (pbuh) said: “I allow you”, and so this verse was revealed. **[Allah is telling the Messenger that those who have asked to be excused have already fallen into temptation and hell**	And among them is he who says, "Permit me [to remain at home] and do not put me to trial." Unquestionably, into trial they have fallen. And indeed, Hell will encompass the disbelievers.	9:49	उनमें कोई है, जो कहता है, "मुझे इजाज़त दे दीजिए, मुझे फ़ितने में न डालिए।" जान लो कि वे फ़ितने में तो पड़ ही चुके है और निश्चय ही जहन्नम भी इनकार करनेवालों को घेर रही है	यह जद्द बिन क़ैस नामक एक मुनाफ़िक के बारे में नाज़िल हुई थी। जब रसूल स. तबूक की लड़ाई की तैयारी कर रहे थे, तो रसूल ने उससे कहा: “क्या तुम नहीं चाहोगे कि तुम्हें बाइज़ंटाइन औरतें और मर्द (लौंडियाँ और नौकर) मिलें?” उसने कहा: “ऐ रसूल, मुझे औरतों से बहुत लगाव है, इसलिए मुझे उनके द्वारा परीक्षा में न डालिए और मुझे न जाने की अनुमति दीजिए; इसके बजाय मैं अपने माल से आपकी सहायता करूँगा।” पैग़म्बर स. ने कहा: “मैं तुम्हें अनुमति देता हूँ,” और फिर यह आयत नाज़िल हुई। [अल्लाह रसूल से कह रहा है कि जिन लोगों ने छूट माँगी है, वे पहले ही फ़ितने में पड़ चुके हैं और उनके लिए जहन्नम तैयार है।]
In tusibka hasanatun tasuhum wain tusibka museebatun yaqooloo qad akhathna amrana min qablu wayatawallaw wahum farihoona	The Hypocrites	If good befalls you, it distresses them; but if disaster strikes you, they say, "We took our matter [in hand] before," and turn away while they are rejoicing.	9:50	यदि तुम्हें कोई अच्छी हालत पेश आती है, तो उन्हें बुरा लगता है और यदि तुम पर कोई मुसीबत आ जाती है, तो वे कहते है, "हमने तो अपना काम पहले ही सँभाल लिया था।" और वे ख़ुश होते हुए पलटते है	मुनाफ़िक़ (कपट करने वाले)

Qul lan yuseebana illa ma kataba Allahu lana huwa mawlana waAAala Allahi falyatawakkali almuminoona	x	Say, "Never will we be struck except by what Allah has decreed for us; He is our protector." And upon Allah let the believers rely.	9:51	कह दो, "हमें कुछ भी पेश नहीं आ सकता सिवाय उसके जो अल्लाह ने लिख दिया है। वही हमारा स्वामी है। और ईमानवालों को अल्लाह ही पर भरोसा करना चाहिए।"	x
Qul hal tarabbasoona bina illa ihda alhusnayayni wanahnu natarabbasu bikum an yuseebakumu Allahu biAAathabin min AAindihi aw biaydeena fatarabbasoo inna maAAakum	The two best things are martyrdom or victory. The Muslims will either defeat the enemy or be killed by them, in which case they will enter paradise, a win/win situation. **[Instigating Muslims to fight the non-muslims.]**	Say, "Do you await for us except one of the two best things while we await for you that Allah will afflict you with punishment from Himself or at our hands? So wait; indeed we, along with you, are waiting."	9:52	कहो, "तुम हमारे लिए दो भलाईयों में से किसी एक भलाई के सिवा किसकी प्रतीक्षा कर सकते है? जबकि हमें तुम्हारे हक़ में इसी की प्रतिक्षा है कि अल्लाह अपनी ओर से तुम्हें कोई यातना देता है या हमारे हाथों दिलाता है। अच्छा तो तुम भी प्रतीक्षा करो, हम भी तुम्हारे साथ प्रतीक्षा कर रहे है।"	दो सबसे बेहतरीन परिणाम हैं—शहादत या विजय। मुसलमान या तो दुश्मन पर जीत हासिल करेंगे या उनके द्वारा मारे जाएँगे, जिस स्थिति में वे जन्नत में प्रवेश करेंगे; यानी हर हाल में लाभ ही लाभ। **[ग़ैर-मुसलमानों के विरुद्ध लड़ाई के लिए मुसलमानों को प्रेरित करना।]**
Qul anfiqoo tawAAan aw karhan lan yutaqabbala minkum innakum kuntum qawman fasiqeena	This verse was revealed in reference to Jadd bin Qays. He was willing to donate money for expedition to Tabuk but not to join the caravan and fight himself. His hypocrisy, and that of others like him, renders their contributions unacceptable.	Say, "Spend willingly or unwillingly; never will it be accepted from you. Indeed, you have been a defiantly disobedient people."	9:53	कह दो, "तुम चाहे स्वेच्छापूर्वक ख़र्च करो या अनिच्छापूर्वक, तुमसे कुछ भी स्वीकार न किया जाएगा। निस्संदेह तुम अवज्ञाकारी लोग हो।"	यह आयत जद्द बिन क़ैस के संदर्भ में नाज़िल हुई थी। वह तबूक के अभियान के लिए धन देने को तैयार था, लेकिन स्वयं क़ाफ़िले में शामिल होकर लड़ाई करने के लिए तैयार नहीं था। उसकी मुनाफ़िक़त, और उसके जैसे अन्य लोगों की मुनाफ़िक़त, उनकी दी हुई सहायता को अस्वीकार्य बना देती है।

Wama manaAAahum an tuqbala minhum nafaqatuhum illa annahum kafaroo biAllahi wabirasoolihi wala yatoona alssalata illa wahum kusala wala yunfiqoona illa	Those who does not contribute willingly to Jihad has disbelieved in Allah and His Messenger (pbuh).	And what prevents their expenditures from being accepted from them but that they have disbelieved in Allah and in His Messenger and that they come not to prayer except while they are lazy and that they do not spend except while they are	9:54	उनके ख़र्च के स्वीकृत होने में इसके अतिरिक्त और कोई चीज़ बाधक नहीं कि उन्होंने अल्लाह और उसके रसूल के साथ कुफ़्र किया। नमाज़ को आते है तो बस हारे जी आते है और ख़र्च करते है, तो अनिच्छापूर्वक ही	जो लोग जिहाद में स्वेच्छा से योगदान नहीं देते, उन्होंने अल्लाह और उसके रसूल स. के साथ कुफ्र किया है।
Fala tuAAjibka amwaluhum wala awladuhum innama yureedu Allahu liyuAAaththibahum biha fee alhayati alddunya watazhaqa anfusuhum wahum kafiroona	The prosperity of the unbelievers is only a prelude to their punishment.	So let not their wealth or their children impress you. Allah only intends to punish them through them in worldly life and that their souls should depart [at death] while they are disbelievers.	9:55	अतः उनके माल तुम्हें मोहित न करें और न उनकी सन्तान ही। अल्लाह तो बस यह चाहता है कि उनके द्वारा उन्हें सांसारिक जीवन में यातना दे और उनके प्राण इस दशा में निकलें कि वे इनकार करनेवाले ही रहे	काफ़िरों की समृद्धि उनके दंड से पहले आने वाली एक भूमिका है।
Wayahlifoona biAllahi innahum laminkum wama hum minkum walakinnahum qawmun yafraqoona	Hypocrites are coward.	And they swear by Allah that they are from among you while they are not from among you; but they are a people who are afraid.	9:56	वे अल्लाह की क़समें खाते है कि वे तुम्हीं में से है, हालाँकि वे तुममें से नहीं है, बल्कि वे ऐसे लोग है जो त्रस्त रहते है	मुनाफ़िक कायर होते हैं।
Law yajidoona maljaan aw magharatin aw muddakhalan lawallaw ilayhi wahum yajmahoona	The Hypocrites	If they could find a refuge or some caves or any place to enter [and hide], they would turn to it while they run heedlessly.	9:57	यदि वे कोई शरण पा लें या कोई गुफा या घुस बैठने की जगह, तो अवश्य ही वे बगटुट उसकी ओर उल्टे भाग जाएँ	मुनाफ़िक़ (कपट करने वाले)

Waminhum man yalmizuka fee alssadaqati fain oAAtoo minha radoo wain lam yuAAtaw minha itha hum yaskhatoona	While the Messenger (pbuh) was dividing alms, a person came to him and said: 'Be fair with us, O Messenger of Allah!' The Prophet replied to him: 'Woe unto you, who is going to be fair if I am not?' And then the verse was revealed".	And among them are some who criticize you concerning the [distribution of] charities. If they are given from them, they approve; but if they are not given from them, at once they become	9:58	और उनमें से कुछ लोग सदक़ो के विषय में तुम पर चोटे करते है। किन्तु यदि उन्हें उसमें से दे दिया जाए तो प्रसन्न हो जाएँ और यदि उन्हें उसमें से न दिया गया तो क्या देखोगे कि वे क्रोधित होने लगते है	जब रसूल स. सदक़ात (दान) बाँट रहे थे, तो एक व्यक्ति उनके पास आया और कहा: "ऐ अल्लाह के रसूल! हमारे साथ न्याय कीजिए।" पैग़म्बर स. ने उत्तर दिया: "तुम पर अफ़सोस! यदि मैं न्याय न करूँ तो फिर कौन न्याय करेगा?" इसके बाद यह आयत नाज़िल हुई।
Walaw annahum radoo ma atahumu Allahu warasooluhu waqaloo hasbuna Allahu sayuteena Allahu min fadlihi warasooluhu inna ila Allahi raghiboona	x	If only they had been satisfied with what Allah and His Messenger gave them and said, "Sufficient for us is Allah; Allah will give us of His bounty, and [so will] His Messenger; indeed, we are desirous toward Allah," [it would have been better for them].	9:59	यदि अल्लाह और उसके रसूल ने जो कुछ उन्हें दिया था, उसपर वे राज़ी रहते और कहते कि "हमारे लिए अल्लाह काफ़ी है। अल्लाह हमें जल्द ही अपने अनुग्रह से देगा और उसका रसूल भी। हम तो अल्लाह ही की ओर उन्मुख है।" (तो यह उनके लिए अच्छा होता)	x

Innama alssadaqatu lilfuqarai waalmasakeeni waalAAamileena AAalayha waalmuallafati quloobuhum wafee alrriqabi waalgharimeena wafee sabeeli Allahi waibni alssabeeli fareedatan mina Allahi waAllahu AAaleemun hakeemun	"for the cause of Allah" is exclusive for the benefit of the fighters in Jihad. "for bringing hearts together" means helping those who may convert to Islam. This verse implements the Zakat or Poor tax (2.5 to 10%) on the property of Muslims.	Zakah expenditures are only for the poor and for the needy and for those employed to collect [zakah] and for bringing hearts together [for Islam] and for freeing captives [or slaves] and for those in debt and for the cause of Allah and for the [stranded] traveler - an obligation [imposed] by Allah. And Allah is Knowing and Wise.	9:60	सदक़े तो बस ग़रीबों, मुहताजों और उन लोगों के लिए है, जो काम पर नियुक्त हों और उनके लिए जिनके दिलों को आकृष्ट करना औऱ परचाना अभीष्ट हो और गर्दनों को छुड़ाने और क़र्ज़दारों और तावान भरनेवालों की सहायता करने में, अल्लाह के मार्ग में, मुसाफ़िरों की सहायता करने में लगाने के लिए है। यह अल्लाह की ओर से ठहराया हुआ हुक्म है। अल्लाह सब कुछ जाननेवाला, अत्यन्त तत्वदर्शी है	“अल्लाह के मार्ग में” का अर्थ जिहाद करने वालों के लाभ के लिए विशेष रूप से है। “दिलों को आकृष्ट करना” का मतलब उन लोगों की सहायता करना है जो इस्लाम स्वीकार कर सकते हैं। यह आयत मुसलमानों की संपत्ति पर ज़कात (गरीब कर) लागू करती है, जो लगभग 2.5% से 10% तक होती है।
Waminhumu allatheena yuthoona alnnabiyya wayaqooloona huwa othunun qul othunu khayrin lakum yuminu biAllahi wayuminu lilmumineena warahmatun lillatheena amanoo minkum waallatheena yuthoona rasoola Allahi lahum	This was revealed about a group of hypocrites who used to harm the Messenger (pbuh) by saying bad things about him. The prophet is taunted as “an ear,” which means that he is simply repeating “fables of the men of old” (6:25, 8:31).	And among them are those who abuse the Prophet and say, "He is an ear." Say, "[It is] an ear of goodness for you that believes in Allah and believes the believers and [is] a mercy to those who believe among you." And those who abuse the Messenger of Allah - for them is a painful punishment.	9:61	और उनमें कुछ लोग ऐसे हैं, जो नबी को दुख देते है और कहते है, "वह तो निरा कान है!" कह दो, "वह सर्वथा कान तुम्हारी भलाई के लिए है। वह अल्लाह पर ईमान रखता है और ईमानवालों पर भी विश्वास करता है। और उन लोगों के लिए सर्वथा दयालुता है जो तुममें से ईमान लाए है। रहे वे लोग जो अल्लाह के रसूल को दुख देते है, उनके लिए दुखद यातना है।"	यह उन मुनाफ़िकों के एक समूह के बारे में नाज़िल हुई थी, जो रसूल स. को बुरी बातें कहकर कष्ट पहुँचाते थे। वे पैग़म्बर को “कान” कहकर ताना देते थे, जिसका मतलब यह था कि वे केवल “पहले लोगों की कहानियाँ” (6:25, 8:31) दोहरा रहे हैं।

Yahlifoona biAllahi lakum liyurdookum waAllahu warasooluhu ahaqqu an yurdoohu in kanoo mumineena	The Hypocrites	They swear by Allah to you [Muslims] to satisfy you. But Allah and His Messenger are more worthy for them to satisfy, if they should be believers.	9:62	वे तुम लोगों के सामने अल्लाह की क़समें खाते है, ताकि तुम्हें राज़ी कर लें, हालाँकि यदि वे मोमिन है तो अल्लाह और उसका रसूल इसके ज़्यादा हक़दार है कि उनको राज़ी करें	मुनाफ़िक़ (कपट करने वाले)
Alam yaAAlamoo annahu man yuhadidi Allaha warasoolahu faanna lahu nara jahannama khalidan feeha thalika alkhizyu	x	Do they not know that whoever opposes Allah and His Messenger - that for him is the fire of Hell, wherein he will abide eternally? That is the great disgrace.	9:63	क्या उन्हें मालूम नहीं कि जो अल्लाह औऱ उसके रसूल का विरोध करता है, उसके लिए जहन्नम की आग है जिसमें वह सदैव रहेगा। यह बहुत बड़ी रुसवाई है	x
Yahtharu almunafiqoona an tunazzala AAalayhim sooratun tunabbiohum bima fee quloobihim quli istahzioo inna Allaha mukhrijun ma tahtharoona	They [the hypocrites] used to say things amongst themselves and then exclaim: ‘Haply, Allah will not reveal our secret!’ ”. Then they recognizes that the messenger tends to receive revelations about his enemies (see sura 111).	They hypocrites are apprehensive lest a surah be revealed about them, informing them of what is in their hearts. Say, "Mock [as you wish]; indeed, Allah will expose that which you fear."	9:64	मुनाफ़िक़ (कपटाचारी) डर रहे है कि कहीं उनके बारे में कोई ऐसी सूरा न अवतरित हो जाए जो वह सब कुछ उनपर खोल दे, जो उनके दिलों में है। कह दो, "मज़ाक़ उड़ा लो, अल्लाह तो उसे प्रकट करके रहेगा, जिसका तुम्हें डर है।"	वे (मुनाफ़िक) आपस में बातें किया करते थे और फिर कहते थे: “शायद अल्लाह हमारे राज़ को प्रकट नहीं करेगा!” फिर उन्हें यह एहसास हुआ कि रसूल को अपने विरोधियों के बारे में वह्य मिलती है (देखें सूरह 111)।

Walain saaltahum layaqoolunna innama kunna nakhoodu wanalAAabu qul abiAllahi waayatihi warasoolihi kuntum tastahzioona	As the Messenger (pbuh) was heading for the Battle of Tabuk, a hypocrite said: 'Does this man really hope to conquer the castles and fortresses of Syria, far be it! Far be it'. Then, Allah informed the Prophet about what they said, and he went to those hypocrites and informed them of what they said. They said to him in reply: 'We were just engaging in idle talk and jesting'. Then came this verse. **[“Mocking the signs of Allah,” is tantamount to kufr (disbelief). This is one reason why cartoons of Muhammad (pbuh) are such a hot-button issue among many Muslims**	And if you ask them, they will surely say, "We were only conversing and playing." Say, "Is it Allah and His verses and His Messenger that you were mocking?"	9:65	और यदि उनसे पूछो तो कह देंगे, "हम तो केवल बातें और हँसी-खेल कर रहे थे।" कहो, "क्या अल्लाह, उसकी आयतों और उसके रसूल के साथ हँसी-मज़ाक़ करते थे?	जब रसूल स. तबूक की लड़ाई की ओर जा रहे थे, तो एक मुनाफ़िक ने कहा: “क्या यह व्यक्ति सच में शाम (सीरिया) के किलों और क़िलाबंदियों को जीतने की उम्मीद रखता है? हरगिज़ नहीं! हरगिज़ नहीं!” फिर अल्लाह ने पैग़म्बर को उनकी बातों की सूचना दी। रसूल उनके पास गए और उन्हें उनकी कही हुई बात बता दी। उन्होंने जवाब में कहा: “हम तो बस यूँ ही बातों में लगे हुए थे और मज़ाक कर रहे थे।” इसके बाद यह आयत नाज़िल हुई। [“अल्लाह की निशानियों का मज़ाक उड़ाना” कुफ्र (अविश्वास) के समान है। इसी कारण पैग़म्बर मुहम्मद स. के कार्टून आज भी कई मुसलमानों के लिए अत्यंत संवेदनशील और विवादास्पद मुद्दा बने रहते हैं।]
La taAAtathiroo qad kafartum baAAda eemanikum in naAAfu AAan taifatin minkum nuAAaththib taifatan biannahum	Not all of you (those hypocrites who were mocking) will be forgiven, some will have to taste the torment.	Make no excuse; you have disbelieved after your belief. If We pardon one faction of you - We will punish another faction because they were criminals.	9:66	"बहाने न बनाओ, तुमने अपने ईमान के पश्चात इनकार किया। यदि हम तुम्हारे कुछ लोगों को क्षमा भी कर दें तो भी कुछ लोगों को यातना देकर ही रहेंगे, क्योंकि वे अपराधी हैं।"	तुम सब (जो मुनाफ़िक मज़ाक उड़ा रहे थे) माफ़ नहीं किए जाओगे; कुछ को यातना का स्वाद चखना होगा।

Almunafiqoona waalmunafiqatu baAAduhum min baAAdin yamuroona bialmunkari wayanhawna AAani almaAAroofi wayaqbidoona aydiyahum nasoo Allaha fanasiyahum inna almunafiqeena	x	The hypocrite men and hypocrite women are of one another. They enjoin what is wrong and forbid what is right and close their hands. They have forgotten Allah, so He has forgotten them [accordingly]. Indeed, the hypocrites - it is they who are the defiantly disobedient.	9:67	मुनाफ़िक़ पुरुष और मुनाफ़िक़ स्त्रियाँ सब एक ही थैली के चट्टे-बट्टे हैं। वे बुराई का हुक्म देते है और भलाई से रोकते है और हाथों को बन्द किए रहते है। वे अल्लाह को भूल बैठे तो उसने भी उन्हें भुला दिया। निश्चय ही मुनाफ़िक़ अवज्ञाकारी हैं	x
WaAAada Allahu almunafiqeena waalmunafiqati waalkuffara nara jahannama khalideena feeha hiya hasbuhum walaAAanahumu Allahu walahum AAathabun muqeemun	x	Allah has promised the hypocrite men and hypocrite women and the disbelievers the fire of Hell, wherein they will abide eternally. It is sufficient for them. And Allah has cursed them, and for them is an enduring punishment.	9:68	अल्लाह ने मुनाफ़िक़ पुरुषों और मुनाफ़िक़ स्त्रियों और इनकार करनेवालों से जहन्नम की आग का वादा किया है, जिसमें वे सदैव ही रहेंगे। वही उनके लिए काफ़ी है और अल्लाह ने उनपर लानत की, और उनके लिए स्थाई यातना है	x

Kaallatheena min qablikum kanoo ashadda minkum quwwatan waakthara amwalan waawladan faistamtaAAoo bikhalaqihim faistamtaAAtum bikhalaqikum kama istamtaAAa allatheena min qablikum bikhalaqihim wakhudtum kaallathee khadoo olaika habitat aAAmaluhum fee alddunya waalakhirati	The present disbelievers will taste the punishment as those nations destroyed by Allah in past (e.g Aad, Thamud).	[You disbelievers are] like those before you; they were stronger than you in power and more abundant in wealth and children. They enjoyed their portion [of worldly enjoyment], and you have enjoyed your portion as those before you enjoyed their portion, and you have engaged [in vanities] like that in which they engaged. [It is] those whose deeds have become worthless in this world and in the Hereafter, and it is they who are the losers.	9:69	उन लोगों की तरह, जो तुमसे पहले गुज़र चुके हैं, वे शक्ति में तुमसे बढ़-बढ़कर थे और माल और औलाद में भी बढ़े हुए थे। फिर उन्होंने अपने हिस्से का मज़ा उठाना चाहा और तुमने भी अपने हिस्से का मज़ा उठाना चाहा, जिस प्रकार कि तुमसे पहले के लोगों ने अपने हिस्से का मज़ा उठाना चाहा, और जिस वाद-विवाद में तुम पड़े थे तुम भी वाद-विवाद में पड़ गए। ये वही लोग है जिनका किया-धरा दुनिया और आख़िरत में अकारथ गया, और वही घाटे में है	वर्तमान काफ़िर भी उसी तरह दंड का स्वाद चखेंगे, जैसे पहले की वे क़ौमें जिन्हें अल्लाह ने नष्ट कर दिया था (जैसे 'आद और समूद)।

Alam yatihim nabao allatheena min qablihim qawmi noohin waAAadin wathamooda waqawmi ibraheema waashabi madyana waalmutafikati atathum rusuluhum bialbayyinati fama kana Allahu liyathlimahum walakin kanoo anfusahum yathlimoona	**[Contradiction: Who misguides the disbelievers: Allah 6:25, 28:56, 35:8, 10:100; Allah does not misguide 9:115, Shaytan misguides 15:39, 114:4-5, 4:119, Humans himself 6:12, 9:70, 30:9.]**	Has there not reached them the news of those before them - the people of Noah and [the tribes of] 'Aad and Thamud and the people of Abraham and the companions of Madyan and the towns overturned? Their messengers came to them with clear proofs. And Allah would never have wronged them, but they were wronging themselves.	9:70	क्या उन्हें उन लोगों का वृतान्त नहीं पहुँचा जो उनसे पहले गुज़रे - नूह के लोगो का, आद और समूद का, और इबराहीम की क़ौम का और मदयनवालों का और उन बस्तियों का जिन्हें उलट दिया गया? उसके रसूल उनके पास खुली निशानियाँ लेकर आए थे, फिर अल्लाह ऐसा न था कि वह उनपर अत्याचार करता, किन्तु वे स्वयं अपने-आप पर अत्याचार कर रहे थे	**[विरोधाभास: काफ़िरों को गुमराह कौन करता है—अल्लाह (6:25, 28:56, 35:8, 10:100); अल्लाह गुमराह नहीं करता (9:115); शैतान गुमराह करता है (15:39, 114:4-5, 4:119); और इंसान स्वयं (6:12, 9:70, 30:9)।]**
Waalmuminoona waalmuminatu baAAduhum awliyao baAAdin yamuroona bialmaAAroofi wayanhawna AAani almunkari wayuqeemoona alssalata wayutoona alzzakata wayuteeAAoona Allaha warasoolahu olaika sayarhamuhumu Allahu inna Allaha	x	The believing men and believing women are allies of one another. They enjoin what is right and forbid what is wrong and establish prayer and give zakah and obey Allah and His Messenger. Those - Allah will have mercy upon them. Indeed, Allah is Exalted in Might and Wise.	9:71	रहे मोमिन मर्द और मोमिन औरतें, वे सब परस्पर एक-दूसरे के मित्र है। भलाई का हुक्म देते है और बुराई से रोकते है। नमाज़ क़ायम करते हैं, ज़कात देते है और अल्लाह और उसके रसूल का आज्ञापालन करते हैं। ये वे लोग है, जिनकर शीघ्र ही अल्लाह दया करेगा। निस्सन्देह प्रभुत्वशाली, तत्वदर्शी है	x

WaAAada Allahu almumineena waalmuminati jannatin tajree min tahtiha alanharu khalideena feeha wamasakina tayyibatan fee jannati AAadnin waridwanun mina Allahi akbaru thalika huwa alfawzu	Paradise	Allah has promised the believing men and believing women gardens beneath which rivers flow, wherein they abide eternally, and pleasant dwellings in gardens of perpetual residence; but approval from Allah is greater. It is that which is the great attainment.	9:72	मोमिन मर्दों और मोमिन औरतों से अल्लाह ने ऐसे बाग़ों का वादा किया है जिनके नीचे नहरें बह रही होंगी, जिनमें वे सदैव रहेंगे और सदाबहार बाग़ों में पवित्र निवास गृहों का (भी वादा है) और, अल्लाह की प्रसन्नता और रज़ामन्दी का; जो सबसे बढ़कर है। यही सबसे बड़ी सफलता है	जन्नत
Ya ayyuha alnnabiyyu jahidi alkuffara waalmunafiqeena waoghluth AAalayhim wamawahum jahannamu wabisa almaseeru	Allah commanded the Prophet to fight the disbelievers with the sword, to strive against the hypocrites with the tongue and annulled lenient treatment of them.	O Prophet, fight against the disbelievers and the hypocrites and be harsh upon them. And their refuge is Hell, and wretched is the destination.	9:73	ऐ नबी! इनकार करनेवालों और मुनाफ़िक़ों से जिहाद करो और उनके साथ सख़्ती से पेश आओ। अन्ततः उनका ठिकाना जहन्नम है और वह जा पहुँचने की बहुत बुरी जगह है!	अल्लाह ने पैग़म्बर को आदेश दिया कि वे काफ़िरों से तलवार के साथ लड़ें, मुनाफ़िकों के विरुद्ध ज़ुबान से संघर्ष करें, और उनके साथ नरम व्यवहार को समाप्त कर दें।

Yahlifoona biAllahi ma qaloo walaqad qaloo kalimata alkufri wakafaroo baAAda islamihim wahammoo bima lam yanaloo wama naqamoo illa an aghnahumu Allahu warasooluhu min fadlihi fain yatooboo yaku khayran lahum wain yatawallaw yuAAaththibhumu Allahu AAathaban aleeman fee alddunya waalakhirati wama lahum fee alardi min waliyyin wala	One of the Muslims who refused to accompany Muhammad (pbuh) on the Tabuk expedition was Julas bin Suwayd, along with his brother Harith. When the verses about hypocrites were revealed Julas said about Prophet: “If this man is right we are worse than donkeys.” One of Julas’s relatives, Umayr bin Sad, told Muhammad what Julas had said. Julas and Harith, cornered, denied that Julas had spoken the offending words, whereupon Allah revealed this verse.	They swear by Allah that they did not say [anything against the Prophet] while they had said the word of disbelief and disbelieved after their [pretense of] Islam and planned that which they were not to attain. And they were not resentful except [for the fact] that Allah and His Messenger had enriched them of His bounty. So if they repent, it is better for them; but if they turn away, Allah will punish them with a painful punishment in this world and the Hereafter. And there will not be for them on earth any protector or	9:74	वे अल्लाह की क़समें खाते है कि उन्होंने नहीं कहा, हालाँकि उन्होंने अवश्य ही कुफ़्र की बात कही है और अपने इस्लाम स्वीकार करने के पश्चात इनकार किया, और वह चाहा जो वे न पा सके। उनके प्रतिशोध का कारण तो यह है कि अल्लाह और उसके रसूल ने अपने अनुग्रह से उन्हें समृद्ध कर दिया। अब यदि वे तौबा कर लें तो उन्हीं के लिए अच्छा है और यदि उन्होंने मुँह मोड़ा तो अल्लाह उन्हें दुनिया और आख़िरत में दुखद यातना देगा और धरती में उनका न कोई मित्र होगा और न सहायक	उन मुसलमानों में से एक, जिन्होंने पैग़म्बर मुहम्मद स. के साथ तबूक के अभियान में जाने से इनकार किया, जुलास बिन सुवैद था, उसके साथ उसका भाई हारिस भी था। जब मुनाफ़िकों के बारे में आयतें नाज़िल हुईं, तो जुलास ने पैग़म्बर के बारे में कहा: “यदि यह व्यक्ति सच है, तो हम गधों से भी बदतर हैं।” जुलास के एक रिश्तेदार, उमैर बिन सअद ने यह बात पैग़म्बर को बता दी। जब जुलास और हारिस को घेरा गया, तो उन्होंने इस बात से इनकार कर दिया कि जुलास ने ऐसा कुछ कहा था; तब अल्लाह ने यह आयत नाज़िल की।
Waminhum man AAahada Allaha lain atana min fadlihi lanassaddaqanna walanakoonanna mina alssaliheena	The Messenger (pbuh) sent two men to Thalabah and so-and-so from Banu Salim and collect their Zakah. When they reached Thalabah and ask him for Zakah, he said: 'This is nothing but the exemption tax (Jizyah)! This is nothing but the sister of the exemption tax! And refused to give Zakah. This was revealed about him.	And among them are those who made a covenant with Allah, [saying], "If He should give us from His bounty, we will surely spend in charity, and we will surely be among the righteous."	9:75	और उनमें से कुछ लोग ऐसे भी है जिन्होने अल्लाह को वचन दिया था कि "यदि उसने हमें अपने अनुग्रह से दिया तो हम अवश्य दान करेंगे और नेक होकर रहेंगे।"	रसूल स. ने दो व्यक्तियों को बनू सलीम के थालबा और एक अन्य व्यक्ति के पास ज़कात लेने के लिए भेजा। जब वे थालबा के पास पहुँचे और उससे ज़कात माँगी, तो उसने कहा: “यह तो बस जिज़्या (कर) ही है! यह तो जिज़्या का ही दूसरा रूप है!” और उसने ज़कात देने से इनकार कर दिया। यह आयत उसके बारे में नाज़िल हुई।

Falamma atahum min fadlihi bakhiloo bihi watawallaw wahum	Hypocrites seek wealth but are stingy with Alms.	But when he gave them from His bounty, they were stingy with it and turned away while they	9:76	किन्तु जब अल्लाह ने उन्हें अपने अनुग्रह से दिया तो वे उसमें कंजूसी करने लगे और पहलू बचाकर फिर गए	मुनाफ़िक धन चाहते हैं, लेकिन दान देने में कंजूसी करते हैं।
FaaAAqabahum nifaqan fee quloobihim ila yawmi yalqawnahu bima akhlafoo Allaha ma waAAadoohu wabima kanoo yakthiboona	Allah “placed hypocrisy in their hearts because they broke their promise and lied.” See 7:179, 10:99, 32:13.	So He penalized them with hypocrisy in their hearts until the Day they will meet Him - because they failed Allah in what they promised Him and because they [habitually] used to lie.	9:77	फिर परिणाम यह हुआ कि उसने उनके दिलों में उस दिन तक के लिए कपटाचार डाल दिया, जब वे उससे मिलेंगे, इसलिए कि उन्होंने अल्लाह से जो प्रतिज्ञा की थी उसे भंग कर दिया और इसलिए भी कि वे झूठ बोलते रहे	अल्लाह ने “उनके दिलों में मुनाफ़िक़त डाल दी, क्योंकि उन्होंने अपना वादा तोड़ा और झूठ बोला।” (देखें 7:179, 10:99, 32:13)
Alam yaAAlamoo anna Allaha yaAAlamu sirrahum wanajwahum waanna Allaha AAallamu alghuyoobi	x	Did they not know that Allah knows their secrets and their private conversations and that Allah is the Knower of the unseen?	9:78	क्या उन्हें खबर नहीं कि अल्लाह उनका भेद और उनकी कानाफुसियों को अच्छी तरह जानता है और यह कि अल्लाह परोक्ष की सारी बातों को भली-भाँति जानता है	x

Allatheena yalmizoona almuttawwiAAeena mina almumineena fee alssadaqati waallatheena la yajidoona illa juhdahum fayaskharoona minhum sakhira Allahu minhum walahum AAathabun aleemun	When the verses of Zakah were revealed, a man came and gave a lot for alms, some hypocrites commented: 'He is just showing off'. Another man came and gave a measure (sa') for alms, and they commented: 'Allah can do without the measure of this man', and so this verse was revealed.	Those who criticize the contributors among the believers concerning [their] charities and [criticize] the ones who find nothing [to spend] except their effort, so they ridicule them - Allah will ridicule them, and they will have a painful punishment.	9:79	जो लोग स्वेच्छापूर्वक देनेवाले मोमिनों पर उनके सदक़ो (दान) के विषय में चोटें करते है और उन लोगों का उपहास करते है, जिनके पास इसके सिवा कुछ नहीं जो वे मशक़्क़त उठाकर देते है, उन (उपहास करनेवालों) का उपहास अल्लाह ने किया और उनके लिए दुखद यातना है	जब ज़कात से संबंधित आयतें नाज़िल हुईं, तो एक व्यक्ति आया और उसने बहुत अधिक दान दिया। कुछ मुनाफ़िकों ने टिप्पणी की: “यह तो सिर्फ दिखावा कर रहा है।” फिर एक और व्यक्ति आया और उसने एक माप (सा’) के बराबर दान दिया, तो उन्होंने कहा: “अल्लाह को इस आदमी के इस माप की कोई ज़रूरत नहीं है।” इसके बाद यह आयत नाज़िल हुई।
Istaghfir lahum aw la tastaghfir lahum in tastaghfir lahum sabAAeena marratan falan yaghfira Allahu lahum thalika biannahum kafaroo biAllahi warasoolihi waAllahu la yahdee alqawma alfasiqeena	The prohibition of asking for forgiveness for Hypocrites.	Ask forgiveness for them, [O Muhammad], or do not ask forgiveness for them. If you should ask forgiveness for them seventy times - never will Allah forgive them. That is because they disbelieved in Allah and His Messenger, and Allah does not guide the defiantly disobedient people.	9:80	तुम उनके लिए क्षमा की प्रार्थना करो या उनके लिए क्षमा की प्रार्थना न करो। यदि तुम उनके लिए सत्तर बार भी क्षमा की प्रार्थना करोगे, तो भी अल्लाह उन्हें क्षमा नहीं करेगा, यह इसलिए कि उन्होंने अल्लाह और उसके रसूल के साथ कुफ़्र किया और अल्लाह अवज्ञाकारियों को सीधा मार्ग नहीं दिखाता	मुनाफ़िकों के लिए क्षमा (मग़फ़िरत) क

Fariha almukhallafoona bimaqAAadihim khilafa rasooli Allahi wakarihoo an yujahidoo biamwalihim waanfusihim fee sabeeli Allahi waqaloo la tanfiroo fee alharri qul naru jahannama ashaddu harran law kanoo yafqahoona	Here resumes the denunciation of those who did not go on jihad.	Those who remained behind rejoiced in their staying [at home] after [the departure of] the Messenger of Allah and disliked to strive with their wealth and their lives in the cause of Allah and said, "Do not go forth in the heat." Say, "The fire of Hell is more intensive in heat" - if they would but understand.	9:81	पीछे रह जानेवाले अल्लाह के रसूल के पीछे अपने बैठ रहने पर प्रसन्न हुए। उन्हें यह नापसन्द हुआ कि अल्लाह के मार्ग में अपने मालों और अपनी जानों के साथ जिहाद करें। और उन्होंने कहा, "इस गर्मी में न निकलो।" कह दो, "जहन्नम की आग इससे कहीं अधिक गर्म है," यदि वे समझ पाते (तो ऐसा न कहते)	यहाँ उन लोगों की निंदा फिर से शुरू होती है जिन्होंने जिहाद में हिस्सा नहीं लिया।
Falyadhakoo qaleelan walyabkoo katheeran jazaan bima kanoo yaksiboona	x	So let them laugh a little and [then] weep much as recompense for what they used to earn.	9:82	अब चाहिए कि जो कुछ वे कमाते रहे है, उसके बदले में हँसे कम और रोएँ अधिक	x

Fain rajaAAaka Allahu ila taifatin minhum faistathanooka lilkhurooji faqul lan takhrujoo maAAiya abadan walan tuqatiloo maAAiya AAaduwwan innakum radeetum bialquAAoodi awwala marratin faoqAAudoo maAAa alkhalifeena	Hypocrites are barred from participating in Jihad.	If Allah should return you to a faction of them [after the expedition] and then they ask your permission to go out [to battle], say, "You will not go out with me, ever, and you will never fight with me an enemy. Indeed, you were satisfied with sitting [at home] the first time, so sit [now] with those who stay behind."	9:83	अव यदि अल्लाह तुम्हें उनके किसी गिरोह की ओर रुजू कर दे और भविष्य में वे तुमसे साथ निकलने की अनुमति चाहें तो कह देना, "तुम मेरे साथ कभी भी नहीं निकल सकते और न मेरे साथ होकर किसी शत्रु से लड़ सकते हो। तुम पहली बार बैठ रहने पर ही राज़ी हुए, तो अब पीछे रहनेवालों के साथ बैठे रहो।"	मुनाफ़िकों को जिहाद में भाग लेने से रोक दिया गया है।
Wala tusalli AAala ahadin minhum mata abadan wala taqum AAala qabrihi innahum kafaroo biAllahi warasoolihi wamatoo wahum fasiqoona	The Muslims should not even pray for the hypocrites when they die; for them, there is to be no forgiveness.	And do not pray [the funeral prayer, O Muhammad], over any of them who has died - ever - or stand at his grave. Indeed, they disbelieved in Allah and His Messenger and died while they were defiantly disobedient.	9:84	और उनमें से जिस किसी व्यक्ति की मृत्यु हो उसकी जनाज़े की नमाज़ कभी न पढ़ना और न कभी उसकी क़ब्र पर खड़े होना। उन्होंने तो अल्लाह और उसके रसूल के साथ कुफ़्र किया और मरे इस दशा में कि अवज्ञाकारी थे	मुसलमानों को चाहिए कि वे मुनाफ़िकों के लिए उनके मरने पर भी दुआ न करें; उनके लिए कोई माफ़ी नहीं होगी।

Wala tuAAjibka amwaluhum waawladuhum innama yureedu Allahu an yuAAaththibahum biha fee alddunya watazhaqa anfusuhum wahum kafiroona	In reality Allah's plan is to punish them with these things in the life of this world. A repeat of 9:55,	And let not their wealth and their children impress you. Allah only intends to punish them through them in this world and that their souls should depart [at death] while they are disbelievers.	9:85	और उनके माल और उनकी औलाद तुम्हें मोहित न करें। अल्लाह तो बस यह चाहता है कि उनके द्वारा उन्हें संसार में यातना दे और उनके प्राण इस दशा में निकलें कि वे काफ़िर हों	असल में, अल्लाह का मक़सद उन्हें इस दुनिया की ज़िन्दगी में इन चीज़ों के द्वारा दंडित करना है। यह 9:55 का पुनरावृत्ति है।
Waitha onzilat sooratun an aminoo biAllahi wajahidoo maAAa rasoolihi istathanaka oloo alttawli minhum waqaloo tharna nakun maAAa alqaAAideena	Hypocrites	And when a surah was revealed [enjoining them] to believe in Allah and to fight with His Messenger, those of wealth among them asked your permission [to stay back] and said, "Leave us to be with them who sit [at	9:86	और जब कोई सूरा उतरती है कि "अल्लाह पर ईमान लाओ और उसके रसूल के साथ होकर जिहाद करो।" तो उनके सामर्थ्यवान लोग तुमसे छुट्टी माँगने लगते है और कहते है कि "हमें छोड़ दो कि हम बैठनेवालों के साथ रह जाएँ।"	मुनाफ़िक़ (कपट करने वाले)
Radoo bian yakoonoo maAAa alkhawalifi watubiAAa AAala quloobihim fahum la yafqahoona	**[Contradiction: Allah seals the hearts – 2:7, 4:155, 7:100, 7:101, 9:87, 9:93, 10:74, 16:108, 30:59, 40:35, 45:23, 47:16, 63:3; Does not seals – 2:20, 42:24, 6:46]**	They were satisfied to be with those who stay behind, and their hearts were sealed over, so they do not understand.	9:87	वे इसी पर राज़ी हुए कि पीछे रह जानेवाली स्त्रियों के साथ रह जाएँ और उनके दिलों पर तो मुहर लग गई है, अतः वे समझते नहीं	**[विरोधाभास: अल्लाह दिलों पर ठप्पा लगा देते हैं – 2:7, 4:155, 7:100, 7:101, 9:87, 9:93, 10:74, 16:108, 30:59, 40:35, 45:23, 47:16, 63:3; नहीं लगाते – 2:20, 42:24, 6:46]**

Lakini alrrasoolu waallatheena amanoo maAAahu jahadoo biamwalihim waanfusihim waolaika lahumu alkhayratu waolaika	x	But the Messenger and those who believed with him fought with their wealth and their lives. Those will have [all that is] good, and it is those who are the successful.	9:88	किन्तु, रसूल और उसके ईमानवाले साथियों ने अपने मालों और अपनी जानों के साथ जिहाद किया, और वही लोग है जिनके लिए भलाइयाँ है और वही लोग है जो सफल है	x
aAAadda Allahu lahum jannatin tajree min tahtiha alanharu khalideena feeha thalika alfawzu	x	Allah has prepared for them gardens beneath which rivers flow, wherein they will abide eternally. That is the great attainment.	9:89	अल्लाह ने उनके लिए ऐसे बाग़ तैयार कर रखे हैं, जिनके नीचे नहरें बह रह हैं, वे उनमें सदैव रहेंगे। यही बड़ी सफलता है	x
Wajaa almuAAaththiroona mina alaAArabi liyuthana lahum waqaAAada allatheena kathaboo Allaha warasoolahu sayuseebu allatheena kafaroo minhum AAathabun	Refusal of the Bedouin Arabs to wage jihad invalidated their claim to be Muslim.	And those with excuses among the bedouins came to be permitted [to remain], and they who had lied to Allah and His Messenger sat [at home]. There will strike those who disbelieved among them a painful punishment.	9:90	बहाने करनेवाले बद्दू भी आए कि उन्हें (बैठे रहने की) छुट्टी मिल जाए। और जो अल्लाह और उसके रसूल से झूठ बोले वे भी बैठे रहे। उनमें से जिन्होंने इनकार किया उन्हें शीघ्र ही एक दुखद यातना पहुँचकर रहेगी	जिहाद में भाग लेने से बेडुइन अरबों का इंकार उनके मुस्लिम होने के दावे को अमान्य कर देता है।

Laysa AAala aldduAAafai wala AAala almarda wala AAala allatheena la yajidoona ma yunfiqoona harajun itha nasahoo lillahi warasoolihi ma AAala almuhsineena min sabeelin waAllahu ghafoorun raheemun	Valid excuses that permit one to stay away from fighting, also see 48:17. **[This verse abrogates 9:41.]**	There is not upon the weak or upon the ill or upon those who do not find anything to spend any discomfort when they are sincere to Allah and His Messenger. There is not upon the doers of good any cause [for blame]. And Allah is Forgiving and Merciful.	9:91	न तो कमज़ोरों के लिए कोई दोष की बात है और न बीमारों के लिए और न उन लोगों के लिए जिन्हें ख़र्च करने के लिए कुछ प्राप्त नहीं, जबकि वे अल्लाह और उसके रसूल के प्रति निष्ठावान हों। उत्तमकारों पर इलज़ाम की कोई गुंजाइश नहीं है। अल्लाह तो बड़ा क्षमाशील, अत्यन्त दयावान है	वे वैध कारण जिनके कारण कोई लड़ाई से दूर रह सकता है। **[यह आयत 9:41 को रद्द कर देती है।]**
Wala AAala allatheena itha ma atawka litahmilahum qulta la ajidu ma ahmilukum AAalayhi tawallaw waAAyunuhum tafeedu mina alddamAAi hazanan alla yajidoo ma yunfiqoona	Some men went to the Messenger (pbuh) and said: “O Prophet, Allah has recommended that we go out [to fight for His sake], so carry us with you even though we wear mended slippers and sewed sandals so that we fight with you”. Prophet said to them: “I do not have any mounts on which to carry you”, upon which they withdrew crying.	Nor [is there blame] upon those who, when they came to you that you might give them mounts, you said, "I can find nothing for you to ride upon." They turned back while their eyes overflowed with tears out of grief that they could not find something to spend [for the cause of Allah].	9:92	और न उन लोगों पर आक्षेप करने की कोई गुंजाइश है जिनका हाल यह है कि जब वे तुम्हारे पास आते है, कि तुम उनके लिए सवारी का प्रबन्ध कर दो, तुम कहते हो, "मुझे ऐसा कुछ प्राप्त नहीं जिसपर तुम्हें सवार करूँ।" वे इस दशा में लौटते है कि इस ग़म में उनकी आँखे आँसू बहा रही होती है कि वे अपने पास ख़र्च करने को कुछ नहीं पाते	कुछ लोग पैग़म्बर मुहम्मद स. के पास आए और कहा: “ए पैग़म्बर, अल्लाह ने हमें यह सलाह दी है कि हम [उसके रास्ते में लड़ने] जाएँ, इसलिए हमें अपने साथ ले चलिए, भले ही हम पहने हुए जूते और सिलवाए हुए चप्पल पहनें ताकि हम आपके साथ लड़ सकें।” पैग़म्बर स. ने उन्हें कहा: “मेरे पास आपको ले जाने के लिए कोई सवारी नहीं है,” जिस पर वे रोते हुए चले गए।

Innama alssabeelu AAala allatheena yastathinoonaka wahum aghniyao radoo bian yakoonoo maAAa alkhawalifi watabaAAa Allahu AAala quloobihim fahum la	**[Contradiction: Allah seals the hearts – 2:7, 4:155, 7:100, 7:101, 9:87, 9:93, 10:74, 16:108, 30:59, 40:35, 45:23, 47:16, 63:3; Does not seals – 2:20, 42:24, 6:46]**	The cause [for blame] is only upon those who ask permission of you while they are rich. They are satisfied to be with those who stay behind, and Allah has sealed over their hearts, so they do not know.	9:93	इल्ज़ाम तो बस उनपर है जो धनवान होते हुए तुमसे छुट्टी माँगते है। वे इसपर राज़ी हुए कि पीछे डाले गए लोगों के साथ रह जाएँ। अल्लाह ने तो उनके दिलों पर मुहर लगा दी है, इसलिए वे जानते नहीं	**[विरोधाभास: अल्लाह दिलों पर ठप्पा लगा देते हैं – 2:7, 4:155, 7:100, 7:101, 9:87, 9:93, 10:74, 16:108, 30:59, 40:35, 45:23, 47:16, 63:3; नहीं लगाते – 2:20, 42:24, 6:46]**
YaAAtathiroona ilaykum itha rajaAAtum ilayhim qul la taAAtathiroo lan numina lakum qad nabbaana Allahu min akhbarikum wasayara Allahu AAamalakum warasooluhu thumma turaddoona ila AAalimi alghaybi waalshshahadati	Exposing the deceitful Ways of Hypocrites.	They will make excuses to you when you have returned to them. Say, "Make no excuse - never will we believe you. Allah has already informed us of your news. And Allah will observe your deeds, and [so will] His Messenger; then you will be taken back to the Knower of the unseen and the witnessed, and He will inform you of what you used to do."	9:94	जब तुम पलटकर उनके पास पहुँचोगे तो वे तुम्हारे सामने बहाने करेंगे। तुम कह देना, "बहाने न बनाओ। हम तुम्हारी बात कदापि नहीं मानेंगे। हमें अल्लाह ने तुम्हारे वृत्तांत बता दिए है। अभी अल्लाह और उसका रसूल तुम्हारे काम को देखेगा, फिर तुम उसकी ओर लौटोगे, जो छिपे और खुले का ज्ञान रखता है। फिर जो कुछ तुम करते रहे हो वह तुम्हे बता देगा।"	मुनाफ़िक़ों की कपटपूर्ण चालों को उजागर करना।

Sayahlifoona biAllahi lakum itha inqalabtum ilayhim lituAAridoo AAanhum faaAAridoo AAanhum innahum rijsun wamawahum jahannamu jazaan bima kanoo	So dissociate with those who do not want to wage Jihad.	They will swear by Allah to you when you return to them that you would leave them alone. So leave them alone; indeed they are evil; and their refuge is Hell as recompense for what they had been earning.	9:95	जब तुम पलटकर उनके पास जाओगे तो वे तुम्हारे सामने अल्लाह की क़समें खाएँगे, ताकि तुम उन्हें उनकी हालत पर छोड़ दो। तो तुम उन्हें छोड़ ही दो। निश्चय ही वे गन्दगी है और उनका ठिकाना जहन्नम है। जो कुछ वे कमाते रहे है, यह उसी का बदला है	जो लोग जिहाद (संघर्ष/प्रयास) में भाग लेना नहीं चाहते, उनसे अलग हो जाओ।
Yahlifoona lakum litardaw AAanhum fain tardaw AAanhum fainna Allaha la yarda AAani alqawmi alfasiqeena	Allah will not forgive the hypocrites even if that if the believers forgive them.	They swear to you so that you might be satisfied with them. But if you should be satisfied with them - indeed, Allah is not satisfied with a defiantly disobedient people.	9:96	वे तुम्हारे सामने क़समें खाएँगे ताकि तुम उनसे राज़ी हो जाओ, किन्तु यदि तुम उनसे राज़ी भी हो गए तो अल्लाह ऐसे लोगो से कदापि राज़ी न होगा, जो अवज्ञाकारी है	तो उन लोगों से अलग हो जाओ जो जिहाद में भाग लेने के इच्छुक नहीं हैं।
AlaAArabu ashaddu kufran wanifaqan waajdaru alla yaAAlamoo hudooda ma anzala Allahu AAala rasoolihi waAllahu AAaleemun hakeemun	Allah states that the disbelief and hypocrisy of the Bedouins (nomad arabs) is worse and deeper than the disbelief and hypocrisy of others.	The bedouins are stronger in disbelief and hypocrisy and more likely not to know the limits of what [laws] Allah has revealed to His Messenger. And Allah is Knowing and Wise.	9:97	वे बद्दू इनकार और कपटाचार में बहुत-ही बढ़े हुए है। और इसी के ज़्यादा योग्य है कि उनकी सीमाओं से अनभिज्ञ रहें, जिसे अल्लाह ने अपने रसूल पर अवतरित किया है। अल्लाह सर्वज्ञ, तत्वदर्शी है	अल्लाह बताता है कि बेडुइन (आदिवासी अरबों) का कुफ्र और मुनाफ़िकपन दूसरों के कुफ्र और मुनाफ़िकपन की तुलना में अधिक गंभीर और गहरा है।

Wamina alaAArabi man yattakhithu ma yunfiqu maghraman wayatarabbasu bikumu alddawaira AAalayhim dairatu alssawi waAllahu sameeAAun AAaleemun	x	And among the bedouins are some who consider what they spend as a loss and await for you turns of misfortune. Upon them will be a misfortune of evil. And Allah is Hearing and Knowing.	9:98	और कुछ बद्दू ऐसे है कि वे जो कुछ ख़र्च करते है, उसे तावान समझते है और तुम्हारे हक़ मं बुरी गर्दिशों (बुरे दिन) की प्रतीक्षा में हैं, बुरी गर्दिश में तो वही है। अल्लाह सब कुछ सुनता, जानता है	x
Wamina alaAArabi man yuminu biAllahi waalyawmi alakhiri wayattakhithu ma yunfiqu qurubatin AAinda Allahi wasalawati alrrasooli ala innaha qurbatun lahum sayudkhiluhumu Allahu fee rahmatihi inna Allaha ghafoorun raheemun	x	But among the bedouins are some who believe in Allah and the Last Day and consider what they spend as means of nearness to Allah and of [obtaining] invocations of the Messenger. Unquestionably, it is a means of nearness for them. Allah will admit them to His mercy. Indeed, Allah is Forgiving and Merciful.	9:99	और बद्दु,ओं में ऐसे भी लोग है जो अल्लाह और अन्तिम दिन को मानते है और जो कुछ ख़र्च करते है, उसे अल्लाह के यहाँ निकटताओं का और रसूल की दुआओं को प्राप्त करने का साधन बनाते है। हाँ! निस्संदेह वह उनके हक़ में निकटता ही है। अल्लाह उन्हें शीघ्र ही अपनी दयालुता में दाख़िल करेगा। निश्चय ही अल्लाह अत्यन्त क्षमाशील, दयावान है	x

Waalssabiqoona alawwaloona mina almuhajireena waalansari waallatheena ittabaAAoohum biihsanin radiya Allahu AAanhum waradoo AAanhu waaAAadda lahum jannatin tajree tahtaha alanharu khalideena feeha abadan thalika alfawzu	Emigrants from Mecca (Muhajiroun) and the helpers converts of Medina (Ansar).	And the first forerunners [in the faith] among the Muhajireen and the Ansar and those who followed them with good conduct - Allah is pleased with them and they are pleased with Him, and He has prepared for them gardens beneath which rivers flow, wherein they will abide forever. That is the great attainment.	9:100	सबसे पहले आगे बढ़नेवाले मुहाजिर और अनसार और जिन्होंने भली प्रकार उनका अनुसरण किया, अल्लाह उनसे राज़ी हुआ और वे उससे राज़ी हुए। और उसने उनके लिए ऐसे बाग़ तैयार कर रखे है, जिनके नीचे नहरें बह रही है, वे उनमें सदैव रहेंगे। यही बड़ी सफलता है	मक्का के प्रवासी (मुहाजिरून) और मदीना के मददगार या धर्मांतरण करने वाले लोग (अंसार)।
Wamimman hawlakum mina alaAArabi munafiqoona wamin ahli almadeenati maradoo AAala alnnifaqi la taAAlamuhum nahnu naAAlamuhum sanuAAaththibuhum marratayni thumma yuraddoona ila AAathabin	Allah informs His Messenger (pbuh) that among the Bedouins around Al-Madinah there are hypocrites and in Al-Madinah itself.	And among those around you of the bedouins are hypocrites, and [also] from the people of Madinah. They have become accustomed to hypocrisy. You, [O Muhammad], do not know them, [but] We know them. We will punish them twice [in this world]; then they will be returned to a great punishment.	9:101	और तुम्हारे आस-पास के बद्दुनओं में और मदीनावालों में कुछ ऐसे कपटाचारी है जो कपट-नीति पर जमें हुए है। उनको तुम नहीं जानते, हम उन्हें भली-भाँति जानते है। शीघ्र ही हम उन्हें दो बार यातना देंगे। फिर वे एक बड़ी यातना की ओर लौटाए जाएँगे	अल्लाह अपने पैग़म्बर मुहम्मद स. को सूचित करते हैं कि मदीना के आसपास के बेडुइनों में और मदीना के भीतर भी मुनाफ़िक लोग हैं।

Waakharoona iAAtarafoo bithunoobihim khalatoo AAamalan salihan waakhara sayyian AAasa Allahu an yatooba AAalayhim inna Allaha ghafoorun raheemun	This ayat was sent down about Abu Lubaba. His virtuous action was jihad and his bad action consisted of advising the Banu Qurayza. **[This Jewish tribe broke their covenant with the Muslims and was subsequently had massacred.]**	And [there are] others who have acknowledged their sins. They had mixed a righteous deed with another that was bad. Perhaps Allah will turn to them in forgiveness. Indeed, Allah is Forgiving and Merciful.	9:102	और दूसरे कुछ लोग है जिन्होंने अपने गुनाहों का इक़रार किया। उन्होंने मिले-जुले कर्म किए, कुछ अच्छे और कुछ बुरे। आशा है कि अल्लाह की कृपा-स्पष्ट उनपर हो। निस्संदेह अल्लाह अत्यन्त क्षमाशील, दयावान है	यह आयत अबू लुबाबा के बारे में उतारी गई थी। उनका पुण्य कार्य जिहाद था और उनका दोषपूर्ण कार्य बनू कुरैज़ा को सलाह देना था। **[यह यहूदी कबीला मुसलमानों के साथ अपना वाचा तोड़ गया था और बाद में उनका नरसंहार किया गया था।]**
Khuth min amwalihim sadaqatan tutahhiruhum watuzakkeehim biha wasalli AAalayhim inna salataka sakanun lahum waAllahu sameeAAun	Allah commanded His Messenger to take Sadaqah from the Muslims' money to purify and sanctify them with it.	Take, [O, Muhammad], from their wealth a charity by which you purify them and cause them increase, and invoke [Allah 's blessings] upon them. Indeed, your invocations are reassurance for them. And Allah is Hearing and Knowing.	9:103	तुम उनके माल में से दान लेकर उन्हें शुद्ध करो और उनके द्वारा उन (की आत्मा) को विकसित करो और उनके लिए दुआ करो। निस्संदेह तुम्हारी दुआ उनके लिए सर्वथा परितोष है। अल्लाह सब कुछ सुनता, जानता है	अल्लाह ने अपने पैग़म्बर स. को आदेश दिया कि वे मुसलमानों के धन से ज़कात लें ताकि उन्हें इससे शुद्ध और पवित्र बनाया जा सके।
Alam yaAAlamoo anna Allaha huwa yaqbalu alttawbata AAan AAibadihi wayakhuthu alssadaqati waanna Allaha huwa alttawwabu alrraheemu	x	Do they not know that it is Allah who accepts repentance from His servants and receives charities and that it is Allah who is the Accepting of repentance, the Merciful?	9:104	क्या वे जानते नहीं कि अल्लाह ही अपने बन्दों की तौबा क़बूल करता है और सदक़े लेता है और यह कि अल्लाह ही तौबा क़बूल करनेवाला, अत्यन्त दयावान है	x

Waquli iAAmaloo fasayara Allahu AAamalakum warasooluhu waalmuminoona wasaturaddoona ila AAalimi alghaybi waalshshahadati fayunabbiokum bima kuntum	Warning the disobedient Muslims.	And say, "Do [as you will], for Allah will see your deeds, and [so, will] His Messenger and the believers. And you will be returned to the Knower of the unseen and the witnessed, and He will inform you of what you used to do."	9:105	कह दो, "कर्म किए जाओ। अभी अल्लाह और उसका रसूल और ईमानवाले तुम्हारे कर्म को देखेंगे। फिर तुम उसकी ओर पलटोगे, जो छिपे और खुले को जानता है। फिर जो कुछ तम करते रहे हो, वह सब तुम्हें बता देगा।"	अवज्ञाकारी मुसलमानों को चेतावनी देना।
Waakharoona murjawna liamri Allahi imma yuAAaththibuhum waimma yatoobu AAalayhim waAllahu AAaleemun hakeemun	This is about three persons who failed join the Muslim army at the Battle of Tabuk due to laziness. They did not lag behind because of hypocrisy or doubts. They are the ones referred in verse 9:118. They were made to wait to know if their repentance was accepted or not.	And [there are] others deferred until the command of Allah - whether He will punish them or whether He will forgive them. And Allah is Knowing and Wise.	9:106	और कुछ दूसरे लोग भी है जिनका मामला अल्लाह का हुक्म आने तक स्थगित है, चाहे वह उन्हें यातना दे या उनकी तौबा क़बूल करे। अल्लाह सर्वज्ञ, तत्वदर्शी है	यह उन तीन व्यक्तियों के बारे में है जो आलस्य के कारण तबुक की लड़ाई में मुसलमानों की सेना में शामिल नहीं हो सके। वे मुनाफ़िकपन या संदेह के कारण पीछे नहीं रहे थे। इन्हीं का जिक्र आयत 9:118 में किया गया है। उन्हें यह जानने के लिए प्रतीक्षा करने को कहा गया कि उनका तौबा स्वीकार हुआ या नहीं।

Waallatheena ittakhathoo masjidan diraran wakufran watafreeqan bayna almumineena wairsadan liman haraba Allaha warasoolahu min qablu walayahlifunna in aradna illa alhusna waAllahu yashhadu innahum lakathiboona	The hypocrites built a mosque near the Quba mosque for grouping them. The Messenger (pbuh) called some companions and said: 'Go to this mosque whose builders have transgressed, destroy it and burn it down'. **[Muslims who have stopped following the prophet are hypocrites and their mosques should be destroyed. This is the basis of bombing of Shia Mosques and Sufi Shrines.]**	And [there are] those [hypocrites] who took for themselves a mosque for causing harm and disbelief and division among the believers and as a station for whoever had warred against Allah and His Messenger before. And they will surely swear, "We intended only the best." And Allah testifies that indeed they are liars.	9:107	और कुछ ऐसे लोग भी हैं , जिन्होंने मस्जिद बनाई इसलिए कि नुक़सान पहुँचाएँ और कुफ़्र करें और इसलिए कि ईमानवालों के बीच फूट डाले और उस व्यक्ति के घात लगाने का ठिकाना बनाएँ, जो इससे पहले अल्लाह और उसके रसूल से लड़ चुका है। वे निश्चय ही क़समें खाएँगे कि "हमने तो बस अच्छा ही चाहा था।" किन्तु अल्लाह गवाही देता है कि वे बिलकुल झूठे है	मुनाफ़िकों ने क़ुबा मस्जिद के पास अपने समूह के लिए एक मस्जिद बनाई। पैग़म्बर मुहम्मद स. ने कुछ अनुयायी को बुलाया और कहा: "जाओ उस मस्जिद में, जिसके निर्माता ने सीमा उल्लंघन किया है, इसे नष्ट करो और जला दो।" [जो मुसलमान पैग़म्बर का पालन करना बंद कर देते हैं, वे मुनाफ़िक कहलाते हैं और उनकी मस्जिदें नष्ट की जानी चाहिए। यह विचार शिया मस्जिदों और सूफ़ी मजारों पर हमलों का आधार माना गया है।]
La taqum feehi abadan lamasjidun ossisa AAala alttaqwa min awwali yawmin ahaqqu an taqooma feehi feehi rijalun yuhibboona an yatatahharoo waAllahu yuhibbu almuttahhireena	Don’t stand in mosques of hypocrites.	Do not stand [for prayer] within it - ever. A mosque founded on righteousness from the first day is more worthy for you to stand in. Within it are men who love to purify themselves; and Allah loves those who purify themselves.	9:108	तुम कभी भी उसमें खड़े न होना। वह मस्जिद जिसकी आधारशिला पहले दिन ही से ईशपरायणता पर रखी गई है, वह इसकी ज़्यादा हक़दार है कि तुम उसमें खड़े हो। उसमें ऐसे लोग पाए जाते हैं, जो अच्छी तरह स्वच्छ रहना पसन्द करते है, और अल्लाह भी पाक-साफ़ रहनेवालों को पसन्द करता है	मुनाफ़िकों की मस्जिदों में खड़े मत रहो।

Afaman assasa bunyanahu AAala taqwa mina Allahi waridwanin khayrun am man assasa bunyanahu AAala shafa jurufin harin fainhara bihi fee nari jahannama waAllahu la yahdee alqawma alththalimeena	Allah says that the Masjid that has been built on the basis of Taqwa of Allah and His pleasure is not the same as a Masjid that was been built by Hypocrites.	Then is one who laid the foundation of his building on righteousness [with fear] from Allah and [seeking] His approval better or one who laid the foundation of his building on the edge of a bank about to collapse, so it collapsed with him into the fire of Hell? And Allah does not guide the wrongdoing people.	9:109	फिर क्या वह अच्छा है जिसने अपने भवन की आधारशिला अल्लाह के भय और उसकी ख़ुशी पर रखी है या वह, जिसने अपने भवन की आधारशिला किसी खाई के खोखले कगार पर रखी, जो गिरने को है। फिर वह उसे लेकर जहन्नम की आग में जा गिरा? अल्लाह तो अत्याचारी लोगों को सीधा मार्ग नहीं दिखाता	अल्लाह कहते हैं कि वह मस्जिद जो अल्लाह के तकवा (भय और परोपकार) और उसकी ख़ुशी के आधार पर बनाई गई है, वह उस मस्जिद के समान नहीं है जो मुनाफ़िकों द्वारा बनाई गई हो।
La yazalu bunyanuhumu allathee banaw reebatan fee quloobihim illa an taqattaAAa quloobuhum waAllahu AAaleemun hakeemun	Mosque built by Hypocrites.	Their building which they built will not cease to be a [cause of] skepticism in their hearts until their hearts are stopped. And Allah is Knowing and Wise.	9:110	उनका यह भवन जो उन्होंने बनाया है, सदैव उनके दिलों में खटक बनकर रहेगा। हाँ, यदि उनके दिल ही टुकड़े-टुकड़े हो जाएँ तो दूसरी बात है। अल्लाह तो सब कुछ जाननेवाला, अत्यन्त तत्वदर्शी है	मुनाफ़िकों की मस्जिदों

Inna Allaha ishtara mina almumineena anfusahum waamwalahum bianna lahumu aljannata yuqatiloona fee sabeeli Allahi fayaqtuloona wayuqtaloona waAAdan AAalayhi haqqan fee alttawrati waalinjeeli waalqurani waman awfa biAAahdihi mina Allahi faistabshiroo bibayAAikumu allathee bayaAAtum	Umayr bin al-Humam flung away some dates that he had been eating, rushed into the the battle, and fought until he was killed. **[This verse asks Muslims to fight with their life and assets in exchange of paradise. Even suicide attacks are permissible, see Sahih Muslim 4913, 4916, Sahih Bukhari 2797, 2817.]**	Indeed, Allah has purchased from the believers their lives and their properties [in exchange] for that they will have Paradise. They fight in the cause of Allah, so they kill and are killed. [It is] a true promise [binding] upon Him in the Torah and the Gospel and the Qur'an. And who is truer to his covenant than Allah? So rejoice in your transaction which you have contracted. And it is that which is the great attainment.	9:111	निस्संदेह अल्लाह ने ईमानवालों से उनके प्राण और उनके माल इसके बदले में खरीद लिए है कि उनके लिए जन्नत है। वे अल्लाह के मार्ग में लड़ते है, तो वे मारते भी है और मारे भी जाते है। यह उनके ज़िम्मे तौरात, इनजील और क़ुरआन में (किया गया) एक पक्का वादा है। और अल्लाह से बढ़कर अपने वादे को पूरा करनेवाला हो भी कौन सकता है? अतः अपने उस सौदे पर ख़ुशियाँ मनाओ, जो सौदा तुमने उससे किया है। और यही सबसे बड़ी सफलता है	उमैर बिन अल-हुमाम ने कुछ खजूर फेंक दिए जिन्हें वह खा रहा था, युद्ध में भाग लिया और तब तक लड़े जब तक कि वह शहीद नहीं हो गया। **[यह आयत मुसलमानों से कहती है कि वे अपनी जान और संपत्ति को जन्नत के बदले में खर्च करें। यहाँ तक कि आत्मघाती हमले भी अनुमति प्राप्त हैं, देखें सहिह मुस्लिम 4913, 4916; सहिह बुख़ारी 2797, 2817।]**

Alttaiboona alAAabidoona alhamidoona alssaihoona alrrakiAAoona alssajidoona alamiroona bialmaAAroofi waalnnahoona AAani almunkari waalhafithoona lihudoodi Allahi wabashshiri almumineena	x	[Such believers are] the repentant, the worshippers, the praisers [of Allah], the travelers [for His cause], those who bow and prostrate [in prayer], those who enjoin what is right and forbid what is wrong, and those who observe the limits [set by] Allah. And give good tidings to the believers.	9:112	वे ऐसे हैं, जो तौबा करते हैं, बन्दगी करते है, स्तुति करते हैं, (अल्लाह के मार्ग में) भ्रमण करते हैं, (अल्लाह के आगे) झुकते है, सजदा करते हैं, भलाई का हुक्म देते है और बुराई से रोकते हैं और अल्लाह की निर्धारित सीमाओं की रक्षा करते हैं - और इन ईमानवालों को शुभ-सूचना दे दो	x
Ma kana lilnnabiyyi waallatheena amanoo an yastaghfiroo lilmushrikeena walaw kanoo olee qurba min baAAdi ma tabayyana lahum annahum ashabu aljaheemi	When Abu Talib was about to die, the Prophet (pbuh) said: 'O uncle, say with me, there is no god but Allah, so that I can plead with Allah in your favour'. Abu Jahl and Ibn Abi Umayyah said: 'O Abu Talib, will you shun the religion of 'Abd al-Muttalib?' Last thing he uttered was: 'I follow the religion of 'Abd al-Muttalib'. Then this verse was revealed. **[The Muslims should not pray for idolators, even relatives. See also 9:23, 9:84, 29:8, 31:15, and 60:4.]**	It is not for the Prophet and those who have believed to ask forgiveness for the polytheists, even if they were relatives, after it has become clear to them that they are companions of Hellfire.	9:113	नबी और ईमान लानेवालों के लिए उचित नहीं कि वे बहुदेववादियों के लिए क्षमा की प्रार्थना करें, यद्यपि वे उसके नातेदार ही क्यों न हो, जबकि उनपर यह बात खुल चुकी है कि वे भड़कती आगवाले हैं	जब अबू तालिब के मरने का समय आया, पैग़म्बर मुहम्मद स. ने कहा: “ए चाचा, मेरे साथ कहो: ‘अल्लाह के सिवा कोई ईश्वर नहीं’, ताकि मैं अल्लाह से तुम्हारे लिए दुआ कर सकूँ।” अबू जहल और इब्न अबी उम्मयाह ने कहा: “ए अबू तालिब, क्या तुम ‘अब्द अल-मुत्तलिब’ के धर्म को छोड़ दोगे?” उन्होंने आख़िरी शब्द में कहा: “मैं ‘अब्द अल-मुत्तलिब’ के धर्म का पालन करता हूँ।” फिर यह आयत उतारी गई। [मुसलमानों को मूर्तिपूजकों के लिए, चाहे रिश्तेदार ही क्यों न हों, दुआ नहीं करनी चाहिए। देखें 9:23, 9:84, 29:8, 31:15, और 60:4।]

Wama kana istighfaru ibraheema liabeehi illa AAan mawAAidatin waAAadaha iyyahu falamma tabayyana lahu annahu AAaduwwun lillahi tabarraa minhu inna ibraheema laawwahun	Abraham even dissociated himself from his father when he realized he was an “enemy of Allah.”	And the request of forgiveness of Abraham for his father was only because of a promise he had made to him. But when it became apparent to Abraham that his father was an enemy to Allah, he disassociated himself from him. Indeed was Abraham compassionate and patient.	9:114	इबराहीम ने अपने बाप के लिए जो क्षमा की प्रार्थना की थी, वह तो केवल एक वादे के कारण की थी, जो वादा वह उससे कर चुका था। फिर जब उसपर यह बात खुल गई कि वह अल्लाह का शत्रु है तो वह उससे विरक्त हो गया। वास्तव में, इबराहीम बड़ा ही कोमल हृदय, अत्यन्त सहनशील था	इब्राहीम ने यहां तक कि अपने पिता से भी अलग हो गए जब उन्हें एहसास हुआ कि वह अल्लाह के दुश्मन हैं।
Wama kana Allahu liyudilla qawman baAAda ith hadahum hatta yubayyina lahum ma yattaqoona inna Allaha bikulli shayin AAaleemun	This ayat was sent down about some Muslims who asked forgiveness for the idolaters without permission and then they feared for themselves on that account and so the ayat was sent down to console them, i.e. Allah would not take you to task for that before it was clear to you that it was forbidden.	And Allah would not let a people stray after He has guided them until He makes clear to them what they should avoid. Indeed, Allah is Knowing of all things.	9:115	अल्लाह ऐसा नहीं कि लोगों को पथभ्रष्ट ठहराए, जबकि वह उनको राह पर ला चुका हो, जब तक कि उन्हें साफ़-साफ़ वे बातें बता न दे, जिनसे उन्हें बचना है। निस्संदेह अल्लाह हर चीज़ को भली-भाँति जानता है	यह आयत कुछ मुसलमानों के बारे में उतारी गई थी जिन्होंने बिना अनुमति के मूर्तिपूजकों के लिए माफ़ी की दुआ की थी, और फिर इसके कारण अपने लिए डर महसूस किया। इसलिए यह आयत उन्हें सांत्वना देने के लिए उतारी गई, यानी अल्लाह उन पर कोई हिसाब नहीं लेंगे जब तक कि उनके लिए यह स्पष्ट न हो जाए कि यह मना है।
Inna Allaha lahu mulku alssamawati waalardi yuhyee wayumeetu wama lakum min dooni Allahi min waliyyin wala naseerin	x	Indeed, to Allah belongs the dominion of the heavens and the earth; He gives life and causes death. And you have not besides Allah any protector or any helper.	9:116	आकाशों और धरती का राज्य अल्लाह ही का है, वही जिलाता है और मारता है। अल्लाह से हटकर न तुम्हारा कोई मित्र है और न सहायक	x

Laqad taba Allahu AAala alnnabiyyi waalmuhajireena waalansari allatheena ittabaAAoohu fee saAAati alAAusrati min baAAdi ma kada yazeeghu quloobu fareeqin minhum thumma taba AAalayhim innahu bihim	Some Muslims falling prey to doubting the Messenger's religion because of the distress and hardships they suffered during the expedition of Tabuk.	Allah has already forgiven the Prophet and the Muhajireen and the Ansar who followed him in the hour of difficulty after the hearts of a party of them had almost inclined [to doubt], and then He forgave them. Indeed, He was to them Kind and Merciful.	9:117	अल्लाह नबी पर मेहरबान हो गया और मुहाजिरों और अनसार पर भी, जिन्होंने तंगी की घड़ी में उसका साथ दिया, इसके पश्चात कि उनमें से एक गिरोह के दिल कुटिलता की ओर झुक गए थे। फिर उसने उनपर दया-दृष्टि दर्शाई। निस्संदेह, वह उनके लिए अत्यन्त करुणामय, दयावान है	कुछ मुसलमान तबुक के अभियान के दौरान भुगते गए कष्टों और परेशानियों के कारण पैग़म्बर स. के धर्म पर संदेह का शिकार हो गए।
WaAAala alththalathati allatheena khullifoo hatta itha daqat AAalayhimu alardu bima rahubat wadaqat AAalayhim anfusuhum wathannoo an la maljaa mina Allahi illa ilayhi thumma taba AAalayhim liyatooboo inna Allaha huwa alttawwabu alrraheemu	The “three who were left behind” who are forgiven were three Muslims who stayed behind the Tabuk expedition due to lazyness.	And [He also forgave] the three who were left behind [and regretted their error] to the point that the earth closed in on them in spite of its vastness and their souls confined them and they were certain that there is no refuge from Allah except in Him. Then He turned to them so they could repent. Indeed, Allah is the Accepting of repentance, the Merciful.	9:118	और उन तीनों पर भी जो पीछे छोड़ दिए गए थे, यहाँ तक कि जब धरती विशाल होते हुए भी उनपर तंग हो गई और उनके प्राण उनपर दुभर हो गए और उन्होंने समझा कि अल्लाह से बचने के लिए कोई शरण नहीं मिल सकती है तो उसी के यहाँ। फिर उसने उनपर कृपा-दृष्टि की ताकि वे पलट आएँ। निस्संदेह अल्लाह ही तौबा क़बूल करनेवाला, अत्यन्त दयावान है	“तीन जो पीछे रह गए” और जिन्हें माफ़ी दी गई, वे तीन मुसलमान थे जो आलस्य के कारण तबुक के अभियान में शामिल नहीं हो सके थे।

Ya ayyuha allatheena amanoo ittaqoo Allaha wakoonoo maAAa	x	O you who have believed, fear Allah and be with those who are true.	9:119	ऐ ईमान लानेवालो! अल्लाह का डर रखों और सच्चे लोगों के साथ हो जाओ	x
Ma kana liahli almadeenati waman hawlahum mina alaAArabi an yatakhallafoo AAan rasooli Allahi wala yarghaboo bianfusihim AAan nafsihi thalika biannahum la yuseebuhum thamaon wala nasabun wala makhmasatun fee sabeeli Allahi wala yataoona mawtian yagheethu alkuffara wala yanaloona min AAaduwwin naylan illa kutiba lahum bihi AAamalun salihun inna Allaha la yudeeAAu ajra	Allah criticizes the people of Al-Madinah and the Bedouins around it, who did not participate in the battle of Tabuk.	It was not [proper] for the people of Madinah and those surrounding them of the bedouins that they remain behind after [the departure of] the Messenger of Allah or that they prefer themselves over his self. That is because they are not afflicted by thirst or fatigue or hunger in the cause of Allah, nor do they tread on any ground that enrages the disbelievers, nor do they inflict upon an enemy any infliction but that is registered for them as a righteous deed. Indeed, Allah does not allow to be lost the reward of the doers of good.	9:120	मदीनावालों और उसके आसपास के बद्दूहओं को ऐसा नहीं चाहिए था कि अल्लाह के रसूल को छोड़कर पीछे रह जाएँ और न यह कि उसकी जान के मुक़ाबले में उन्हें अपनी जान अधिक प्रिय हो, क्योंकि वह अल्लाह के मार्ग में प्यास या थकान या भूख की कोई भी तकलीफ़ उठाएँ या किसी ऐसी जगह क़दम रखें, जिससे काफ़िरों का क्रोध भड़के या जो चरका भी वे शत्रु को लगाएँ, उसपर उनके हक में अनिवार्यतः एक सुकर्म लिख लिया जाता है। निस्संदेह अल्लाह उत्तमकार का कर्मफल अकारथ नहीं जाने देता	अल्लाह अल-मदीना के लोगों और उसके आस-पास के बद्दुओं की निंदा करते हैं, जिन्होंने तबुक की लड़ाई में भाग नहीं लिया।

Wala yunfiqoona nafaqatan sagheeratan wala kabeeratan wala yaqtaAAoona wadiyan illa kutiba lahum liyajziyahumu Allahu ahsana ma	x	Nor do they spend an expenditure, small or large, or cross a valley but that it is registered for them that Allah may reward them for the best of what they were doing.	9:121	और वे थोड़ा या ज़्यादा जो कुछ भी ख़र्च करें या (अल्लाह के मार्ग में) कोई घाटी पार करें, उनके हक़ में अनिवार्यतः लिख लिया जाता है, ताकि अल्लाह उन्हें उनके अच्छे कर्मों का बदला प्रदान करे	x
Wama kana almuminoona liyanfiroo kaffatan falawla nafara min kulli firqatin minhum taifatun liyatafaqqahoo fee alddeeni waliyunthiroo qawmahum itha rajaAAoo ilayhim laAAallahum yahtharoona	Allah commanded a group of Muslims to go into battle, while another group remained with the Messenger of Allah to gain instructions in the religion. This is a foundation for the Islamic legal principle that Jihad is fard kifaya that is, a community obligation from which some are freed if others take it up. Jihad becomes fard ayn, or obligatory on every believer, when a Muslim land is attacked.	And it is not for the believers to go forth [to battle] all at once. For there should separate from every division of them a group [remaining] to obtain understanding in the religion and warn their people when they return to them that they might be cautious.	9:122	यह तो नहीं कि ईमानवाले सब के सब निकल खड़े हों, फिर ऐसा क्यों नहीं हुआ कि उनके हर गिरोह में से कुछ लोग निकलते, ताकि वे धर्म में समझ प्राप्ति करते और ताकि वे अपने लोगों को सचेत करते, जब वे उनकी ओर लौटते, ताकि वे (बुरे कर्मों से) बचते?	अल्लाह ने मुसलमानों के एक समूह को युद्ध में जाने का आदेश दिया, जबकि एक अन्य समूह, धर्म में निर्देश प्राप्त करने के लिए अल्लाह के रसूल के साथ रहा। यह इस्लामी कानूनी सिद्धांत के लिए एक आधार है कि जिहाद फर्द किफाया है, यानी एक सामुदायिक दायित्व जिससे कुछ लोग मुक्त हो जाते हैं यदि अन्य इसे अपनाते हैं। जब किसी मुस्लिम भूमि पर हमला किया जाता है, तो जिहाद फरद ऐन या हर आस्तिक के लिए अनिवार्य हो जाता है।
Ya ayyuha allatheena amanoo qatiloo allatheena yaloonakum mina alkuffari walyajidoo feekum ghilthatan waiAAlamoo anna Allaha maAAa almuttaqeena	Allah commands the believers to fight the disbelievers, the closest in area to the Islamic state, then the farthest. **[Instigating Muslims to graudally expand their territory. See Hadith Abi Dawud 4681, Tirmidhi 2521]**	O you who have believed, fight those adjacent to you of the disbelievers and let them find in you harshness. And know that Allah is with the righteous.	9:123	ऐ ईमान लानेवालो! उन इनकार करनेवालों से लड़ो जो तुम्हारे निकट है और चाहिए कि वे तुममें सख़्ती पाएँ, और जान रखो कि अल्लाह डर रखनेवालों के साथ है	अल्लाह विश्वासियों को काफिरों से लड़ने का आदेश देता है, जो इस्लामिक राज्य के क्षेत्र में सबसे नज़दीक, फिर सबसे दूर हैं। **[मुसलमानों को धीरे-धीरे अपने क्षेत्र का विस्तार करने के लिए उकसाना। देखें हदीस अबी दाऊद 4681, तिर्मिज़ी 2521]**

Waitha ma onzilat sooratun faminhum man yaqoolu ayyukum zadathu hathihi eemanan faamma allatheena amanoo fazadathum eemanan wahum yastabshiroona	Faith of the Believers increases, while Hypocrites increase in Doubts and Suspicion.	And whenever a surah is revealed, there are among the hypocrites those who say, "Which of you has this increased faith?" As for those who believed, it has increased them in faith, while they are rejoicing.	9:124	जब भी कोई सूरा अवतरित की गई, तो उनमें से कुछ लोग कहते है, "इसने तुममें से किसके ईमान को बढ़ाया?" हाँ, जो लोग ईमान लाए है इसने उनके ईमान को बढ़ाया है। और वे आनन्द मना रहे है	ईमान वालों का ईमान बढ़ता है, जबकि मुनाफ़िक लोग शक और संदेह में और बढ़ जाते हैं।
Waamma allatheena fee quloobihim maradun fazadathum rijsan ila rijsihim wamatoo wahum kafiroona	**[The verses increase the evil of Hypocrites.]**	But as for those in whose hearts is disease, it has [only] increased them in evil [in addition] to their evil. And they will have died while they are disbelievers.	9:125	रहे वे लोग जिनके दिलों में रोग है, उनकी गन्दगी में अभिवृद्धि करते हुए उसने उन्हें उनकी अपनी गन्दगी में और आगे बढ़ा दिया। और वे मरे तो इनकार की दशा ही में	**[आयतें मुनाफ़िकों की बुराई को बढ़ा देती हैं।]**
Awala yarawna annahum yuftanoona fee kulli AAamin marratan aw marratayni thumma la yatooboona wala	**[How could they repent if the verses are not positively affecting them and Allah has sealed their hearts.]**	Do they not see that they are tried every year once or twice but then they do not repent nor do they remember?	9:126	क्या वे देखते नहीं कि प्रत्येक वर्ष वे एक या दो बार आज़माईश में डाले जाते है ? फिर भी न तो वे तौबा करते हैं और न चेतते।	**[[वे तौबा कैसे कर सकते हैं, जबकि आयतें उन पर सकारात्मक प्रभाव नहीं डाल रहीं और अल्लाह ने उनके दिलों पर मुहर लगा दी है।]**

Waitha ma onzilat sooratun nathara baAAduhum ila baAAdin hal yarakum min ahadin thumma insarafoo sarafa Allahu quloobahum biannahum qawmun la yafqahoona	x	And whenever a surah is revealed, they look at each other, [saying], "Does anyone see you?" and then they dismiss themselves. Allah has dismissed their hearts because they are a people who do not understand.	9:127	और जब कोई सूरा अवतरित होती है, तो वे परस्पर एक-दूसरे को देखने लगते है कि "तुम्हें कोई देख तो नहीं रहा है।" फिर पलट जाते है। अल्लाह ने उनके दिल फेर दिए, क्योंकि वे ऐसे लोग है जो समझते नहीं है	x
Laqad jaakum rasoolun min anfusikum AAazeezun AAalayhi ma AAanittum hareesun AAalaykum bialmumineena	This verse and the following one could only be found with Khuzaima during complication of Quran. **[The prophet is full of pity, kind, and merciful for believers only; But he is called Mercy to entire Mankind.]**	There has certainly come to you a Messenger from among yourselves. Grievous to him is what you suffer; [he is] concerned over you and to the believers is kind and merciful.	9:128	तुम्हारे पास तुम्हीं में से एक रसूल आ गया है। तुम्हारा मुश्किल में पड़ना उसके लिए असह्य है। वह तुम्हारे लिए लालयित है। वह मोमिनों के प्रति अत्यन्त करुणामय, दयावान है	यह आयत और इसके बाद वाली आयत क़ुरआन के संकलन के दौरान केवल खुज़ैमा के पास ही पाई गई थीं। **[पैग़म्बर ईमान वालों के लिए अत्यंत दयालु, कृपालु और रहम करने वाले हैं; लेकिन उन्हें पूरी मानवता के लिए रहमत कहा गया है।]**
Fain tawallaw faqul hasbiya Allahu la ilaha illa huwa AAalayhi tawakkaltu wahuwa rabbu alAAarshi alAAatheemi	x	But if they turn away, [O Muhammad], say, "Sufficient for me is Allah; there is no deity except Him. On Him I have relied, and He is the Lord of the Great Throne."	9:129	अब यदि वे मुँह मोड़े तो कह दो, "मेरे लिए अल्लाह काफ़ी है, उसके अतिरिक्त कोई पूज्य-प्रभु नहीं! उसी पर मैंने भरोसा किया और वही बड़े सिंहासन का प्रभु है।"	x
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Yunus (Jonah)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**10:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	x
Aliflamra tilka ayatu alkitabi alhakeemi	Mysterious letters	Alif, Lam, Ra. These are the verses of the wise Book	10:1	अलिफ़॰ लाम॰ रा॰। ये तत्वदर्शितायुक्त किताब की आयतें हैं	x

Akana lilnnasi AAajaban an awhayna ila rajulin minhum an anthiri alnnasa wabashshiri allatheena amanoo anna lahum qadama sidqin AAinda rabbihim qala alkafiroona inna hatha lasahirun mubeenun	When Allah sent Muhammad (pbuh) as a messenger, the unbelievers criticised him, saying: 'Allah is too great to have a human like Muhammad as His messenger', then came this verse.	Have the people been amazed that We revealed [revelation] to a man from among them, [saying], "Warn mankind and give good tidings to those who believe that they will have a [firm] precedence of honor with their Lord"? [But] the disbelievers say, "Indeed, this is an obvious magician."	10:2	क्या लोगों को इस बात पर आश्चर्य हो रहा है कि हमने उन्ही में से एक आदमी की ओर प्रकाशना की कि लोगों को सचेत कर दो और जो लोग मान लें, उनको शुभ समाचार दे दो कि उनके लिए रब के पास शाश्वत सच्चा उन्नत स्थान है? इनकार करनेवाले कहने लगे, "निस्संदेह यह एक खुला जादूगर है।"	जब अल्लाह ने मुहम्मद (स.) को एक संदेशवाहक के रूप में भेजा तो अविश्वासियों ने उनकी आलोचना की, कहकर: 'अल्लाह बहुत महान है कि उसके पास मुहम्मद जैसे मानव को अपना संदेशवाहक हो', फिर यह आयत आई।
Inna rabbakumu Allahu allathee khalaqa alssamawati waalarda fee sittati ayyamin thumma istawa AAala alAAarshi yudabbiru alamra ma min shafeeAAin illa min baAAdi ithnihi thalikumu Allahu rabbukum faoAAbudoohu afala tathakkaroona	**[Allah made heaven and earth in how many days: 6 days 10:3, 11:7, 25:59, 32:4, 8 days 41:9-12. As per Science, it took millions of year in creation of Earth.]**	Indeed, your Lord is Allah, who created the heavens and the earth in six days and then established Himself above the Throne, arranging the matter [of His creation]. There is no intercessor except after His permission. That is Allah, your Lord, so worship Him. Then will you not remember?	10:3	निस्संदेह तुम्हारा रब वही अल्लाह है, जिसने आकाशों और धरती को छः दिनों में पैदा किया, फिर सिंहासन पर विराजमान होकर व्यवस्था चला रहा है। उसकी अनुज्ञा के बिना कोई सिफ़ारिश करनेवाला भी नहीं है। वह अल्लाह है तुम्हारा रब। अतः उसी की बन्दगी करो। तो क्या तुम ध्यान न दोगे?	**[अल्लाह ने आकाश और पृथ्वी कितने दिनों में बनाया: 6 दिन 10:3, 11:7, 25:59, 32:4, 8 दिन 41:9-12; विज्ञान के अनुसार, पृथ्वी के निर्माण में लाखों साल लगे।]**

Ilayhi marjiAAukum jameeAAan waAAda Allahi haqqan innahu yabdao alkhalqa thumma yuAAeeduhu liyajziya allatheena amanoo waAAamiloo alssalihati bialqisti waallatheena kafaroo lahum sharabun min hameemin	x	To Him is your return all together. [It is] the promise of Allah [which is] truth. Indeed, He begins the [process of] creation and then repeats it that He may reward those who have believed and done righteous deeds, in justice. But those who disbelieved will have a drink of scalding water and a painful punishment for what they used to deny.	10:4	उसी की ओर तुम सबको लौटना है। यह अल्लाह का पक्का वादा है। निस्संदेह वही पहली बार पैदा करता है। फिर दोबारा पैदा करेगा, ताकि जो लोग ईमान लाए और उन्होंने अच्छे कर्म किए उन्हें न्यायपूर्वक बदला दे। रहे वे लोग जिन्होंने इनकार किया उनके लिए खौलता पेय और दुखद यातना है, उस इनकार के बदले में जो वे करते रहे	x
Huwa allathee jaAAala alshshamsa diyaan waalqamara nooran waqaddarahu manazila litaAAlamoo AAadada alssineena waalhisaba ma khalaqa Allahu thalika illa bialhaqqi yufassilu alayati liqawmin	**[The Quran calls the moon a light. Here words like derived / reflected light added to make it look authentic.]**	It is He who made the sun a shining light and the moon a derived light and determined for it phases - that you may know the number of years and account [of time]. Allah has not created this except in truth. He details the signs for a people who know	10:5	वही है जिसने सूर्य को सर्वथा दीप्ति और चन्द्रमा का प्रकाश बनाया और उनके लिए मंज़िलें निश्चित की, ताकि तुम वर्षों की गिनती और हिसाब मालूम कर लिया करो। अल्लाह ने यह सब कुछ सोद्देश्य ही पैदा किया है। वह अपनी निशानियों को उन लोगों के लिए खोल-खोलकर बयान करता है, जो जानना चाहें	x

Inna fee ikhtilafi allayli waalnnahari wama khalaqa Allahu fee alssamawati waalardi laayatin	x	Indeed, in the alternation of the night and the day and [in] what Allah has created in the heavens and the earth are signs for a people who fear Allah	10:6	निस्संदेह रात और दिन के उलट-फेर में और जो कुछ अल्लाह ने आकाशों और धरती में पैदा किया उसमें डर रखनेवाले लोगों के लिए निशानियाँ है	x
Inna allatheena la yarjoona liqaana waradoo bialhayati alddunya waitmaannoo biha waallatheena hum AAan ayatina ghafiloona	Means, Disbelievers.	Indeed, those who do not expect the meeting with Us and are satisfied with the life of this world and feel secure therein and those who are heedless of Our signs	10:7	रहे वे लोग जो हमसे मिलने की आशा नहीं रखते और सांसारिक जीवन ही पर निहाल हो गए है और उसी पर संतुष्ट हो बैठे, और जो हमारी निशानियों की ओर से असावधान है;	अर्थात्, अविश्वासी।
Olaika mawahumu alnnaru bima kanoo yaksiboona	Hell	For those their refuge will be the Fire because of what they used to earn.	10:8	ऐसे लोगों का ठिकाना आग है, उसके बदले में जो वे कमाते रहे	नर्क
Inna allatheena amanoo waAAamiloo alssalihati yahdeehim rabbuhum bieemanihim tajree min tahtihimu alanharu fee jannati	x	Indeed, those who have believed and done righteous deeds - their Lord will guide them because of their faith. Beneath them rivers will flow in the Gardens of Pleasure	10:9	रहे वे लोग जो ईमान लाए और उन्होंने अच्छे कर्म किए, उनका रब उनके ईमान के कारण उनका मार्गदर्शन करेगा। उनके नेमत भरी जन्नतों में नहरें बह रही होगी	x

DaAAwahum feeha subhanaka allahumma watahiyyatuhum feeha salamun waakhiru daAAwahum ani alhamdu lillahi rabbi alAAalameena	x	Their call therein will be, "Exalted are You, O Allah," and their greeting therein will be, "Peace." And the last of their call will be, "Praise to Allah, Lord of the worlds!"	10:10	वहाँ उनकी पुकार यह होगी कि "महिमा है तेरी, ऐ अल्लाह!" और उनका पारस्परिक अभिवादन "सलाम" होगा। और उनकी पुकार का अन्त इसपर होगा कि "प्रशंसा अल्लाह ही के लिए है जो सारे संसार का रब है।"	x
Walaw yuAAajjilu Allahu lilnnasi alshsharra istiAAjalahum bialkhayri laqudiya ilayhim ajaluhum fanatharu allatheena la yarjoona liqaana fee tughyanihim yaAAmahoona	Allah gives times to disbeliever for a term.	And if Allah was to hasten for the people the evil [they invoke] as He hastens for them the good, their term would have been ended for them. But We leave the ones who do not expect the meeting with Us, in their transgression, wandering blindly	10:11	यदि अल्लाह लोगों के लिए उनके जल्दी मचाने के कारण भलाई की जगह बुराई को शीघ्र घटित कर दे तो उनकी ओर उनकी अवधि पूरी कर दी जाए, किन्तु हम उन लोगों को जो हमसे मिलने की आशा नहीं रखते उनकी अपनी सरकशी में भटकने के लिए छोड़ देते है	अल्लाह काफ़िर को एक निश्चित अवधि के लिए समय देता है।

Waitha massa alinsana alddurru daAAana lijanbihi aw qaAAidan aw qaiman falamma kashafna AAanhu durrahu marra kaan lam yadAAuna ila durrin massahu kathalika zuyyina lilmusrifeena ma kanoo yaAAmaloona	x	And when affliction touches man, he calls upon Us, whether lying on his side or sitting or standing; but when We remove from him his affliction, he continues [in disobedience] as if he had never called upon Us to [remove] an affliction that touched him. Thus is made pleasing to the transgressors that which	10:12	मनुष्य को जब कोई तकलीफ़ पहुँचती है, वह लेटे या बैठे या खड़े हमको पुकारने लग जाता है। किन्तु जब हम उसकी तकलीफ़ उससे दूर कर देते है तो वह इस तरह चल देता है मानो कभी कोई तकलीफ़ पहुँचने पर उसने हमें पुकारा ही न था। इसी प्रकार मर्यादाहीन लोगों के लिए जो कुछ वे कर रहे है सुहावना बना दिया गया है	x
Walaqad ahlakna alquroona min qablikum lamma thalamoo wajaathum rusuluhum bialbayyinati wama kanoo liyuminoo kathalika najzee alqawma almujrimeena	Those who don't believe in messengers are like criminals.	And We had already destroyed generations before you when they wronged, and their messengers had come to them with clear proofs, but they were not to believe. Thus do We recompense the criminal people	10:13	तुमसे पहले कितनी ही नस्लों को, जब उन्होंने अत्याचार किया, हम विनष्ट कर चुके है, हालाँकि उनके रसूल उनके पास खुली निशानियाँ लेकर आए थे। किन्तु वे ऐसे न थे कि उन्हें मानते। अपराधी लोगों को हम इसी प्रकार बदला दिया करते है	जो लोग संदेशवाहकों पर विश्वास नहीं करते वे अपराधियों जैसे हैं।
Thumma jaAAalnakum khalaifa fee alardi min baAAdihim linanthura kayfa	**[Allah has appointed the Messengers and their followers as sucessors (Caliph) in the Earth.]**	Then We made you successors in the land after them so that We may observe how you will do.	10:14	फिर उनके पश्चात हमने धरती में उनकी जगह तुम्हें रखा, ताकि हम देखें कि तुम कैसे कर्म करते हो	**[अल्लाह ने संदेशदाताओं और उनके अनुयायियों को पृथ्वी पर उत्तराधिकारी (खिलाफ़त) नियुक्त किया है।]**

Waitha tutla AAalayhim ayatuna bayyinatin qala allatheena la yarjoona liqaana iti biquranin ghayri hatha aw baddilhu qul ma yakoonu lee an obaddilahu min tilqai nafsee in attabiAAu illa ma yooha ilayya innee akhafu in AAasaytu rabbee AAathaba yawmin AAatheemin	Some idolators of Mecca said to the Prophet (pbuh): ‘Bring a Qur’an which does not enjoin leaving the worship of al-Lat and al-‘Uzza’ .	And when Our verses are recited to them as clear evidences, those who do not expect the meeting with Us say, "Bring us a Qur'an other than this or change it." Say, [O Muhammad], "It is not for me to change it on my own accord. I only follow what is revealed to me. Indeed I fear, if I should disobey my Lord, the punishment of a tremendous Day."	10:15	और जब उनके सामने हमारी खुली हुई आयतें पढ़ी जाती है तो वे लोग, जो हमसे मिलने की आशा नहीं रखते, कहते है, "इसके सिवा कोई और क़ुरआन ले आओ या इसमें कुछ परिवर्तन करो।" कह दो, "मुझसे यह नहीं हो सकता कि मैं अपनी ओर से इसमें कोई परिवर्तन करूँ। मैं तो बस उसका अनुपालन करता हूँ, जो प्रकाशना मेरी ओर अवतरित की जाती है। यदि मैं अपने प्रभु की अवज्ञा करूँस तो इसमें मुझे एक बड़े दिन की यातना का भय है।"	मक्का के कुछ मूर्तिपूजकों ने नबी (स.) से कहा: 'एक ऐसा कुरआन लाओ जो अल-लत और अल-अज्ज़ा की पूजा छोड़ने का आदेश न देता हो।'
Qul law shaa Allahu ma talawtuhu AAalaykum wala adrakum bihi faqad labithtu feekum AAumuran min qablihi afala taAAqiloona	x	Say, "If Allah had willed, I would not have recited it to you, nor would He have made it known to you, for I had remained among you a lifetime before it. Then will you not reason?"	10:16	कह दो, "यदि अल्लाह चाहता तो मैं तुम्हें यह पढ़कर न सुनाता और न वह तुम्हें इससे अवगत कराता। आख़िर इससे पहले मैं तुम्हारे बीच जीवन की पूरी अवधि व्यतीत कर चुका हूँ। फिर क्या तुम बुद्धि से काम नहीं लेते?"	x

Faman athlamu mimmani iftara AAala Allahi kathiban aw kaththaba biayatihi innahu la yuflihu almujrimoona	x	So who is more unjust than he who invents a lie about Allah or denies His signs? Indeed, the criminals will not succeed	10:17	फिर उस व्यक्ति से बढ़कर अत्याचारी कौन होगा जो अल्लाह पर थोपकर झूठ घड़े या उसकी आयतों को झुठलाए? निस्संदेह अपराधी कभी सफल नहीं होते	x
WayaAAbudoona min dooni Allahi ma la yadurruhum wala yanfaAAuhum wayaqooloona haolai shufaAAaona AAinda Allahi qul atunabbioona Allaha bima la yaAAlamu fee alssamawati wala fee alardi subhanahu wataAAala AAamma yushrikoona	Means the dieties don't exist otherwise Allah would knew them. **[Contradiction: Does false dieties exist: Don't 10:18, 12:40, 17:42, 21:22, 53:23; Yes, 2:166, 7:194, 16:86, 18:51 21:43, 21:99, 25:17]**	And they worship other than Allah that which neither harms them nor benefits them, and they say, "These are our intercessors with Allah " Say, "Do you inform Allah of something He does not know in the heavens or on the earth?" Exalted is He and high above what they associate with Him	10:18	वे लोग अल्लाह से हटकर उनको पूजते हैं, जो न उनका कुछ बिगाड़ सकें और न उनका कुछ भला कर सकें। और वे कहते है, "ये अल्लाह के यहाँ हमारे सिफ़ारिशी है।" कह दो, "क्या तुम अल्लाह को उसकी ख़बर देनेवाले? हो, जिसका अस्तित्व न उसे आकाशों में ज्ञात है न धरती में" महिमावान है वह और उसकी उच्चता के प्रतिकूल है वह शिर्क, जो वे कर रहे है	अर्थ: इसका मतलब है कि झूठे देवता वास्तव में अस्तित्व में नहीं हैं, अन्यथा अल्लाह उन्हें जानता होता। **[विरोधाभास: क्या झूठे देवता अस्तित्व में हैं—नहीं: 10:18, 12:40, 17:42, 21:22, 53:23; हाँ: 2:166, 7:194, 16:86, 18:51, 21:43, 21:99, 25:17]**
Wama kana alnnasu illa ommatan wahidatan faikhtalafoo walawla kalimatun sabaqat min rabbika laqudiya baynahum feema feehi yakhtalifoona	**[But there is no historical proof; Contradiction: Mankind was one nation (community / religion) 2:213, 10:19; Allah has not made mankind one nation but He can 5:48, 6:35, 11:118, 42:8]**	And mankind was not but one community [united in religion], but [then] they differed. And if not for a word that preceded from your Lord, it would have been judged between them [immediately] concerning that over which they differ.	10:19	सारे मनुष्य एक ही समुदाय थे। वे तो स्वयं अलग-अलग हो रहे। और यदि तेरे रब की ओर से पहले ही एक बात निश्चित न हो गई होती, तो उनके बीच का फ़ैसला कर दिया जाता जिसमें वे मतभेद कर रहे हैं	**[लेकिन कोई ऐतिहासिक प्रमाण नहीं है; विरोधाभास: मानव जाति एक ही राष्ट्र (समुदाय / धर्म) थी 2:213, 10:19; अल्लाह ने मानव जाति को एक ही राष्ट्र नहीं बनाया है लेकिन वह बना सकता है 5:48, 6:35, 11:118, 42:8]**

Wayaqooloona lawla onzila AAalayhi ayatun min rabbihi faqul innama alghaybu lillahi faintathiroo innee maAAakum mina	**[Another verse which say prophet Muhammad (pbuh) had been given no miracles.]**	And they say, "Why is a sign not sent down to him from his Lord?" So say, "The unseen is only for Allah [to administer], so wait; indeed, I am with you among those who wait."	10:20	वे कहते है, "उस पर उनके रब की ओर से कोई निशानी क्यों नहीं उतरी?" तो कह दो, "परोक्ष तो अल्लाह ही से सम्बन्ध रखता है। अच्छा, प्रतीक्षा करो, मैं भी तुम्हारे साथ प्रतीक्षा करता हूँ।"	**[एक और आयत जिसमें कहा गया है कि नबी मुहम्मद (स.) को कोई चमत्कार नहीं दिया गया था।]**
Waitha athaqna alnnasa rahmatan min baAAdi darraa massathum itha lahum makrun fee ayatina quli Allahu asraAAu makran inna rusulana yaktuboona ma tamkuroona	Allah grants the disbeliever concession of a delay until the they think that they would not be punished. But in reality they are in periods of respite, then they will be taken suddenly. **[Allah is depicted as a schemer or plotter at 3:54, 7:99, 8:30, and 10:21.]**	And when We give the people a taste of mercy after adversity has touched them, at once they conspire against Our verses. Say, "Allah is swifter in strategy." Indeed, Our messengers record that which you conspire	10:21	जब हम लोगों को उनके किसी तकलीफ़ में पड़ने के पश्चात दयालुता का रसास्वादन कराते है तो वे हमारी आयतों के विषय में चालबाज़ियाँ करने लग जाते है। कह दो, "अल्लाह की चाल ज़्यादा तेज़ है।" निस्संदेह, जो चालबाजियाँ तुम कर रहे हो, हमारे भेजे हुए (फ़रिश्ते) उनको लिखते जा रहे है	अल्लाह अविश्वासी को स्थगन की छूट देता है जब तक कि वे यह न सोचें कि उन्हें दंड नहीं दिया जाएगा। लेकिन वास्तविकता में वे राहत के समय में होते हैं, फिर उन्हें अचानक ले लिया जाएगा। **[अल्लाह को योजनाकार या साजिश रचने वाला के रूप में 3:54, 7:99, 8:30, और 10:21 में दर्शाया गया है।]**

Huwa allathee yusayyirukum fee albarri waalbahri hatta itha kuntum fee alfulki wajarayna bihim bireehin tayyibatin wafarihoo biha jaatha reehun AAasifun wajaahumu almawju min kulli makanin wathannoo annahum oheeta bihim daAAawoo Allaha mukhliseena lahu alddeena lain anjaytana min	Man changes when he receives mercy after times of distress.	It is He who enables you to travel on land and sea until, when you are in ships and they sail with them by a good wind and they rejoice therein, there comes a storm wind and the waves come upon them from everywhere and they assume that they are surrounded, supplicating Allah, sincere to Him in religion, "If You should save us from this, we will surely be among the thankful."	10:22	वही है जो तुम्हें थल और जल में चलाता है, यहाँ तक कि जब तुम नौका में होते हो और वह लोगो को लिए हुए अच्छी अनुकूल वायु के सहारे चलती है और वे उससे हर्षित होते है कि अकस्मात उनपर प्रचंड वायु का झोंका आता है, हर ओर से लहरें उनपर चली आती है और वे समझ लेते है कि बस अब वे घिर गए, उस समय वे अल्लाह ही को, निरी उसी पर आस्था रखकर पुकारने लगते है, "यदि तूने हमें इससे बचा लिया तो हम अवश्य आभारी होंगे।"	मनुष्य बदल जाता है जब उसे संकट के समय के बाद दया मिलती है।
Falamma anjahum itha hum yabghoona fee alardi bighayri alhaqqi ya ayyuha alnnasu innama baghyukum AAala anfusikum mataAAa alhayati alddunya thumma ilayna marjiAAukum fanunabbiokum bima kuntum	x	But when He saves them, at once they commit injustice upon the earth without right. O mankind, your injustice is only against yourselves, [being merely] the enjoyment of worldly life. Then to Us is your return, and We will inform you of what you used to do.	10:23	फिर जब वह उनको बचा लेता है, तो क्या देखते है कि वे नाहक़ धरती में सरकशी करने लग जाते है। ऐ लोगों! तुम्हारी सरकशी तुम्हारे अपने ही विरुद्ध है। सांसारिक जीवन का सुख ले लो। फिर तुम्हें हमारी ही ओर लौटकर आना है। फिर हम तुम्हें बता देंगे जो कुछ तुम करते रहे होगे	x

Innama mathalu alhayati alddunya kamain anzalnahu mina alssamai faikhtalata bihi nabatu alardi mimma yakulu alnnasu waalanAAamu hatta itha akhathati alardu zukhrufaha waizzayyanat wathanna ahluha annahum qadiroona AAalayha ataha amruna laylan aw naharan fajaAAalnaha haseedan kaan lam taghna bialamsi kathalika nufassilu alayati liqawmin	x	The example of [this] worldly life is but like rain which We have sent down from the sky that the plants of the earth absorb - [those] from which men and livestock eat - until, when the earth has taken on its adornment and is beautified and its people suppose that they have capability over it, there comes to it Our command by night or by day, and We make it as a harvest, as if it had not flourished yesterday. Thus do We explain in detail the signs for a people who give thought.	10:24	सांसारिक जीवन की उपमा तो बस ऐसी है जैसे हमने आकाश से पानी बरसाया, तो उसके कारण धरती से उगनेवाली चीज़े, जिनको मनुष्य और चौपाये सभी खाते है, घनी हो गई, यहाँ तक कि धरती ने अपना श्रृंगार कर लिया और सँवर गई और उसके मालिक समझने लगे कि उन्हें उसपर पूरा अधिकार प्राप्त है कि रात या दिन में हमारा आदेश आ पहुँचा। फिर हमने उसे कटी फ़सल की तरह कर दिया, मानो कल वहाँ कोई आबादी ही न थी। इसी तरह हम उन लोगों के लिए खोल-खोलकर निशानियाँ बयान करते है, जो सोच-विचार से काम लेना चाहें	x
WaAllahu yadAAoo ila dari alssalami wayahdee man yashao ila siratin mustaqeemin	Home of peace = Paradise	And Allah invites to the Home of Peace and guides whom He wills to a straight path	10:25	और अल्लाह तुम्हें सलामती के घर की ओर बुलाता है, और जिसे चाहता है सीधी राह चलाता है;	सलामती का घर = स्वर्ग

Lillatheena ahsanoo alhusna waziyadatun wala yarhaqu wujoohahum qatarun wala thillatun olaika ashabu aljannati hum feeha	The skins of the blessed will be white and that of the damned black.	For them who have done good is the best [reward] and extra. No darkness will cover their faces, nor humiliation. Those are companions of Paradise; they will abide therein eternally	10:26	अच्छे से अच्छा कर्म करनेवालों के लिए अच्छा बदला है और इसके अतिरिक्त और भी। और उनके चहरों पर न तो कलौस छाएगी और न ज़िल्लत। वही जन्नतवाले है; वे उसमें सदैव रहेंगे	धन्य लोगों की चमड़ी सफेद होगी और शापितों की काली।
Waallatheena kasaboo alssayyiati jazao sayyiatin bimithliha watarhaquhum thillatun ma lahum mina Allahi min AAasimin kaannama oghshiyat wujoohuhum qitaAAan mina allayli muthliman olaika ashabu alnnari hum feeha	x	But they who have earned [blame for] evil doings - the recompense of an evil deed is its equivalent, and humiliation will cover them. They will have from Allah no protector. It will be as if their faces are covered with pieces of the night - so dark [are they]. Those are the companions of the Fire; they will abide therein eternally.	10:27	रहे वे लोग जिन्होंने बुराइयाँ कमाई, तो एक बुराई का बदला भी उसी जैसा होगा; और ज़िल्लत उनपर छा रही होगी। उन्हें अल्लाह से बचानेवाला कोई न होगा। उनके चहरों पर मानो अँधेरी रात के टुकड़े ओढ़ा दिए गए हों। वही आगवाले हैं, उन्हें उसमें सदैव रहना है	x

Wayawma nahshuruhum jameeAAan thumma naqoolu lillatheena ashrakoo makanakum antum washurakaokum fazayyalna baynahum waqala shurakaohum ma kuntum iyyana taAAbudoona	The gods of the Idolators will claim Innocence from them on the Day of Resurrection. **[But how could lifeless idols ever come alive.]**	And [mention, O Muhammad], the Day We will gather them all together - then We will say to those who associated others with Allah, "[Remain in] your place, you and your 'partners.' " Then We will separate them, and their "partners" will say, "You did not used to worship us,	10:28	और जिस दिन हम उन सबको इकट्ठा करेंगे, फिर उन लोगों से, जिन्होंने शिर्क किया होगा, कहेंगे, "अपनी जगह ठहरे रहो तुम भी और तुम्हारे साझीदार भी।" फिर हम उनके बीच अलगाव पैदा कर देंगे, और उनके ठहराए हुए साझीदार कहेंगे, "तुम हमारी तो हमारी बन्दगी नहीं करते थे	मूर्तिपूजकों के देवता पुनरुत्थान के दिन निर्दोष होने का दावा करेंगे। **[लेकिन निर्जीव मूर्तियाँ कैसे कभी जीवित हो सकती हैं।]**
Fakafa biAllahi shaheedan baynana wabaynakum in kunna AAan AAibadatikum laghafileena	x	And sufficient is Allah as a witness between us and you that we were of your worship unaware."	10:29	"हमारे और तुम्हारे बीच अल्लाह ही एक गवाह काफ़ी है। हमें तो तुम्हारी बन्दगी की ख़बर तक न थी।"	x
Hunalika tabloo kullu nafsin ma aslafat waruddoo ila Allahi mawlahumu alhaqqi wadalla AAanhum ma kanoo yaftaroona	x	There, [on that Day], every soul will be put to trial for what it did previously, and they will be returned to Allah, their master, the Truth, and lost from them is whatever they used to invent.	10:30	वहाँ प्रत्येक व्यक्ति अपने पहले के किए हुए कर्मों को स्वयं जाँच लेगा और वह अल्लाह, अपने वास्तविक स्वामी की ओर फिरेंगे और जो कुछ झूठ वे घड़ते रहे थे, वह सब उनसे गुम होकर रह जाएगा	x

Qul man yarzuqukum mina alssamai waalardi amman yamliku alssamAAa waalabsara waman yukhriju alhayya mina almayyiti wayukhriju almayyita mina alhayyi waman yudabbiru alamra fasayaqooloona	**[Non-muslims attribute these very signs to their God or whatever they believe in. Again why fear the God, He is creater of mankind and merciful.]**	Say, "Who provides for you from the heaven and the earth? Or who controls hearing and sight and who brings the living out of the dead and brings the dead out of the living and who arranges [every] matter?" They will say, "Allah," so say, "Then will you not fear Him?"	10:31	कहो, "तुम्हें आकाश और धरती से रोज़ी कौन देता है, या ये कान और आँखें किसके अधिकार में है और कौन जीवन्त को निर्जीव से निकालता है और निर्जीव को जीवन्त से निकालता है और कौन यह सारा इन्तिज़ाम चला रहा है?" इसपर वे बोल पड़ेगे, "अल्लाह!" तो कहो, "फिर आख़िर तुम क्यों नहीं डर रखते?"	[गैर-मुसलमान इन ही संकेतों को अपने ईश्वर या जो कुछ भी वे मानते हैं, उससे जोड़ते हैं। फिर भगवान से क्यों डरें, वही मानवता का स्रष्टा है और दयालु है।]
Fathalikumu Allahu rabbukumu alhaqqu famatha baAAda alhaqqi illa alddalalu faanna tusrafoona	x	For that is Allah, your Lord, the Truth. And what can be beyond truth except error? So how are you averted?	10:32	फिर यही अल्लाह तो है तुम्हारा वास्तविक रब। फिर आख़िर सत्य के पश्चात पथभ्रष्टता के अतिरिक्त और क्या रह जाता है? फिर तुम कहाँ से फिरे जाते हो?	x
Kathalika haqqat kalimatu rabbika AAala allatheena fasaqoo annahum la yuminoona	x	Thus the word of your Lord has come into effect upon those who defiantly disobeyed - that they will not believe.	10:33	इसी तरह अवज्ञाकारी लोगों के प्रति तुम्हारे रब की बात सच्ची होकर रही कि वे मानेंगे नहीं	x

Qul hal min shurakaikum man yabdao alkhalqa thumma yuAAeeduhu quli Allahu yabdao alkhalqa thumma yuAAeeduhu faanna tufakoona	x	Say, "Are there of your 'partners' any who begins creation and then repeats it?" Say, "Allah begins creation and then repeats it, so how are you deluded?"	10:34	कहो, "क्या तुम्हारे ठहराए हुए साझीदारों में कोई है जो सृष्टि का आरम्भ भी करता हो, फिर उसकी पुनरावृत्ति भी करे?" कहो, "अल्लाह ही सृष्टि का आरम्भ करता है और वही उसकी पुनरावृति भी; आख़िर तुम कहाँ औधे हुए जाते हो?"	x
Qul hal min shurakaikum man yahdee ila alhaqqi quli Allahu yahdee lilhaqqi afaman yahdee ila alhaqqi ahaqqu an yuttabaAAa amman la yahiddee illa an yuhda fama lakum kayfa tahkumoona	**[Illogical discussion: If they are false deities, there is no point in debating whether they guide or not.]**	Say, "Are there of your 'partners' any who guides to the truth?" Say, "Allah guides to the truth. So is He who guides to the truth more worthy to be followed or he who guides not unless he is guided? Then what is [wrong] with you - how do you judge?"	10:35	कहो, "क्या तुम्हारे ठहराए साझीदारों में कोई है जो सत्य की ओर मार्गदर्शन करे?" कहो, "अल्लाह ही सत्य के मार्ग पर चलाता है। फिर जो सत्य की ओर मार्गदर्शन करता हो, वह इसका ज़्यादा हक़दार है कि उसका अनुसरण किया जाए या वह जो स्वयं ही मार्ग न पाए जब तक कि उसे मार्ग न दिखाया जाए? फिर यह तुम्हें क्या हो गया है, तुम कैसे फ़ैसले कर रहे हो?"	**[असंगत चर्चा: अगर वे झूठे देवता हैं, तो यह बहस करने का कोई मतलब नहीं है कि वे मार्गदर्शन करते हैं या नहीं।]**
Wama yattabiAAu aktharuhum illa thannan inna alththanna la yughnee mina alhaqqi shayan inna Allaha AAaleemun bima yafAAaloona	x	And most of them follow not except assumption. Indeed, assumption avails not against the truth at all. Indeed, Allah is Knowing of what they do.	10:36	और उनमें से अधिकतर तो बस अटकल पर चलते है। निश्चय ही अटकल सत्य को कुछ भी दूर नहीं कर सकती। वे जो कुछ कर रहे हैं अल्लाह उसको भली-भाँति जानता है	x

Wama kana hatha alquranu an yuftara min dooni Allahi walakin tasdeeqa allathee bayna yadayhi watafseela alkitabi la rayba feehi min rabbi alAAalameena	An excursus upon the excellence of the Qur'an, which could only have been produced by Allah, confirming the scriptures before it (see 3:3, 3:50). **[Quran says it is similar to earlier scripture but there many differences; also it is does not explain things in detail; Also Quran challanges that there are no doubts in**	And it was not [possible] for this Qur'an to be produced by other than Allah, but [it is] a confirmation of what was before it and a detailed explanation of the [former] Scripture, about which there is no doubt, from the Lord of the worlds.	10:37	यह क़ुरआन ऐसा नहीं है कि अल्लाह से हटकर घड लिया जाए, बल्कि यह तो जिसके समझ है, उसकी पुष्टि में है और किताब का विस्तार है, जिसमें किसी संदेह की गुंजाइश नहीं। यह सारे संसार के रब की ओर से है	कुरआन की उत्कृष्टता पर एक व्याख्यान, जिसे केवल अल्लाह द्वारा ही उत्पन्न किया जा सकता था, जो इसके पहले के ग्रंथों की पुष्टि करता है (देखें 3:3, 3:50)। **[कुरआन कहता है कि यह पिछले ग्रंथों के समान है लेकिन इसमें कई अंतर हैं; इसके अलावा यह चीजों की विस्तार से व्याख्या नहीं करता; साथ ही कुरान चुनौती देता है कि इस किताब में कोई संदेह नहीं है।]**
Am yaqooloona iftarahu qul fatoo bisooratin mithlihi waodAAoo mani istataAAtum min dooni Allahi in kuntum sadiqeena	**[Quran challenges to produced how many surah: 2:23 (One), 10:38 (one), 11:13 (ten), 17:88 (statement similiar to it)]**	Or do they say [about the Prophet], "He invented it?" Say, "Then bring forth a surah like it and call upon [for assistance] whomever you can besides Allah, if you should be truthful."	10:38	(क्या उन्हें कोई खटक है) या वे कहते है, "इस व्यक्ति (पैग़म्बर) ने उसे स्वयं ही घड़ लिया है?" कहो, "यदि तुम सच्चे हो, तो इस जैसी एक सुरा ले आओ और अल्लाह से हटकर उसे बुला लो, जिसपर तुम्हारा बस चले।"	**[क़ुरआन ने कितनी सुरहें पेश करने की चुनौती दी: 2:23 (एक), 10:38 (एक), 11:13 (दस), 17:88 (इससे मिलती-जुलती बात)]**
Bal kaththaboo bima lam yuheetoo biAAilmihi walamma yatihim taweeluhu kathalika kaththaba allatheena min qablihim faonthur kayfa kana AAaqibatu alththalimeena	x	Rather, they have denied that which they encompass not in knowledge and whose interpretation has not yet come to them. Thus did those before them deny. Then observe how was the end of the wrongdoers.	10:39	बल्कि बात यह है कि जिस चीज़ के ज्ञान पर वे हावी न हो सके, उसे उन्होंने झुठला दिया और अभी उसका परिणाम उनके सामने नहीं आया। इसी प्रकार उन लोगों ने भी झुठलाया था, जो इनसे पहले थे। फिर देख लो उन अत्याचारियों का कैसा परिणाम हुआ!	x

Waminhum man yuminu bihi waminhum man la yuminu bihi warabbuka aAAlamu bialmufsideena	Those who don't believe are corrupters.	And of them are those who believe in it, and of them are those who do not believe in it. And your Lord is most knowing of the corrupters	10:40	उनमें कुछ लोग उसपर ईमान रखनेवाले है और उनमें कुछ लोग उसपर ईमान लानेवाले नहीं है। और तुम्हारा रब बिगाड़ पैदा करनेवालों को भली-भाँति जानता है	जो लोग विश्वास नहीं करते वे भ्रष्ट हैं।
Wain kaththabooka faqul lee AAamalee walakum AAamalukum antum bareeoona mimma aAAmalu waana bareeon mimma taAAmaloona	**[Abrogated by Jihad verses.]**	And if they deny you, [O Muhammad], then say, "For me are my deeds, and for you are your deeds. You are disassociated from what I do, and I am disassociated from what you do."	10:41	और यदि वे तुझे झुठलाएँ तो कह दो, "मेरा कर्म मेरे लिए है और तुम्हारा कर्म तुम्हारे लिए। जो कुछ मैं करता हूँ उसकी ज़िम्मेदारी से तुम बरी हो और जो कुछ तुम करते हो उसकी ज़िम्मेदारी से मैं बरी हूँ।"	**[जिहाद आयतों द्वारा निरस्त।**
Waminhum man yastamiAAoona ilayka afaanta tusmiAAu alssumma walaw kanoo la	Disbeliever is like deaf person.	And among them are those who listen to you. But can you cause the deaf to hear, although they will not use reason?	10:42	और उनमें बहुत-से ऐसे लोग है जो तेरी ओर कान लगाते है। किन्तु क्या तू बहरों को सुनाएगा, चाहे वे समझ न रखते हों?	काफ़िर बहरे व्यक्ति की तरह होता है।
Waminhum man yanthuru ilayka afaanta tahdee alAAumya walaw kanoo la yubsiroona	Disbeliever is like blind person.	And among them are those who look at you. But can you guide the blind although they will not [attempt to] see?	10:43	और कुछ उनमें ऐसे हैं, जो तेरी ओर ताकते हैं, किन्तु क्या तू अंधों का मार्ग दिखाएगा, चाहे उन्हें कुछ सूझता न हो?	अविश्वासी अंधे व्यक्ति की तरह होता है।
Inna Allaha la yathlimu alnnasa shayan walakinna alnnasa anfusahum yathlimoona	x	Indeed, Allah does not wrong the people at all, but it is the people who are wronging themselves.	10:44	अल्लाह तो लोगों पर तनिक भी अत्याचार नहीं करता, किन्तु लोग स्वयं ही अपने ऊपर अत्याचार करते है	x

Wayawma yahshuruhum kaan lam yalbathoo illa saAAatan mina alnnahari yataAAarafoona baynahum qad khasira allatheena kaththaboo biliqai Allahi wama kanoo muhtadeena	The wordly life is short.	And on the Day when He will gather them, [it will be] as if they had not remained [in the world] but an hour of the day, [and] they will know each other. Those will have lost who denied the meeting with Allah and were not guided	10:45	जिस दिन वह उनको इकट्ठा करेगा तो ऐसा जान पड़ेगा जैसे वे दिन की एक घड़ी भर ठहरे थे। वे परस्पर एक-दूसरे को पहचानेंगे। वे लोग घाटे में पड़ गए, जिन्होंने अल्लाह से मिलने को झुठलाया और वे मार्ग न पा सके	संसारी जीवन छोटा है।
Waimma nuriyannaka baAAda allathee naAAiduhum aw natawaffayannaka failayna marjiAAuhum thumma Allahu shaheedun AAala	x	And whether We show you some of what We promise them, [O Muhammad], or We take you in death, to Us is their return; then, [either way], Allah is a witness concerning what they are doing	10:46	जिस चीज़ का हम उनसे वादा करते है उसमें से कुछ चाहे तुझे दिखा दें या हम तुझे (इससे पहले) उठा लें, उन्हें तो हमारी ओर लौटकर आना ही है। फिर जो कुछ वे कर रहे है उसपर अल्लाह गवाह है	x

Walikulli ommatin rasoolun faitha jaa rasooluhum qudiya baynahum bialqisti wahum la yuthlamoona	**[Contradiction: Whether any prophet was send to Mecca before Prophet Muhammad (pbuh), No 28:46, 34:44, Yes 2:125, 10:47; Hadith mention 124000 messengers or prophets. There are no traces from prophets teaching monotheism (except in Israel and a couple of other special cases); In India there was concept of "Avtar" means God used to appear in Human form.]**	And for every nation is a messenger. So when their messenger comes, it will be judged between them in justice, and they will not be wronged	10:47	प्रत्येक समुदाय के लिए एक रसूल है। फिर जब उनके पास उनका रसूल आ जाता है तो उनके बीच न्यायपूर्वक फ़ैसला कर दिया जाता है। उनपर कुछ भी अत्याचार नहीं किया जाता	**[विरोधाभास: क्या किसी नबी को पैग़ंबर मुहम्मद (स.) से पहले मक्का भेजा गया था, नहीं 28:46, 34:44, हाँ 2:125, 10:47; हदीस में 1,24,000 रसूल या नबी का उल्लेख है। नबियों के एकेश्वरवाद का उपदेश देने के कोई प्रमाण नहीं हैं (सिवाय इजराइल और कुछ विशेष मामलों के); भारत में 'अवतार' की अवधारणा थी, जिसका मतलब है कि भगवान मानव रूप में प्रकट होते थे।]**
Wayaqooloona mata hatha alwaAAdu in kuntum sadiqeena	means, when the Judgment day will come.	And they say, "When is [the fulfillment of] this promise, if you should be	10:48	वे कहते है, "यदि तुम सच्चे हो तो यह वादा कब पूरा होगा?"	मतलब, जब न्याय का दिन आएगा।
Qul la amliku linafsee darran wala nafAAan illa ma shaa Allahu likulli ommatin ajalun itha jaa ajaluhum fala yastakhiroona saAAatan wala yastaqdimoona	"I" refers to Prophet Muhammad (pbuh).	Say, "I possess not for myself any harm or benefit except what Allah should will. For every nation is a [specified] term. When their time has come, then they will not remain behind an hour, nor will they precede [it]."	10:49	कहो, "मुझे अपने लिए न तो किसी हानि का अधिकार प्राप्त है और न लाभ का, बल्कि अल्लाह जो चाहता है वही होता है। हर समुदाय के लिए एक नियत समय है, जब उनका नियत समय आ जाता है तो वे न घड़ी भर पीछे हट सकते है और न आगे बढ़ सकते है।"	“मुझे” का मतलब पैगंबर मुहम्मद (स.) है।

Qul araaytum in atakum AAathabuhu bayatan aw naharan matha yastaAAjilu minhu almujrimoona	Allah’s eternal punishments should move the sinners to repent (see 2:7, 2:10, 2:165, and so on). **[But at some place it is said, that sinners will repeat the same mistake if send back to earth.]**	Say, "Have you considered: if His punishment should come to you by night or by day - for which [aspect] of it would the criminals be impatient?"	10:50	कहो, "क्या तुमने यह भी सोचा कि यदि तुमपर उसकी यातना रातों रात या दिन को आ जाए तो (क्या तुम उसे टाल सकोगे?) वह आख़िर कौन-सी चीज़ होगी जिसके लिए अपराधियों को जल्दी पड़ी हुई है?	अल्लाह की शाश्वत सज़ाएँ पापियों को तौबा करने के लिए प्रेरित करनी चाहिए (देखें 2:7, 2:10, 2:165, आदि)। **[लेकिन कहीं कहा गया है कि यदि पापियों को पृथ्वी पर वापस भेजा जाए तो वे वही गलती फिर से दोहराएँगे।]**
Athumma itha ma waqaAAa amantum bihi alana waqad kuntum bihi tastaAAjiloona	The deniers of the day of Resurrection wish to hasten its coming and their response.	Then is it that when it has [actually] occurred you will believe in it? Now? And you were [once] for it impatient	10:51	क्या फिर जब वह घटित हो जाएगी तब तुम उसे मानोगे? - क्या अब! इसी के लिए तो तुम जल्दी मचा रहे थे!"	क़यामत के दिन को नकारने वाले लोग इसके आने और उनके प्रति प्रतिक्रिया को जल्दी लाना चाहते हैं।
Thumma qeela lillatheena thalamoo thooqoo AAathaba alkhuldi hal tujzawna illa bima kuntum taksiboona	**[Eternal punishment for a limited period of wrong-doing is not justice.]**	Then it will be said to those who had wronged, "Taste the punishment of eternity; are you being recompensed except for what you used to earn?"	10:52	"फिर अत्याचारी लोगों से कहा जाएगा, "स्थायी यातना का मज़ा चखो! जो कुछ तुम कमाते रहे हो, उसके सिवा तुम्हें और क्या बदला दिया जा सकता है?"	**[सीमित समय के पाप के लिए शाश्वत दंड न्याय नहीं है।]**
Wayastanbioonaka ahaqqun huwa qul ee warabbee innahu lahaqqun wama antum bimuAAjizeena	x	And they ask information of you, [O Muhammad], "Is it true?" Say, "Yes, by my Lord. Indeed, it is truth; and you will not cause failure [to Allah]."	10:53	वे तुम से चाहते है कि उन्हें ख़बर दो कि "क्या वह वास्तव में सत्य है?" कह दो, "हाँ, मेरे रब की क़सम! वह बिल्कुल सत्य है और तुम क़ाबू से बाहर निकल जानेवाले नहीं हो।"	x

Walaw anna likulli nafsin thalamat ma fee alardi laiftadat bihi waasarroo alnnadamata lamma raawoo alAAathaba waqudiya baynahum bialqisti wahum la yuthlamoona	x	And if each soul that wronged had everything on earth, it would offer it in ransom. And they will confide regret when they see the punishment; and they will be judged in justice, and they will not be wronged	10:54	यदि प्रत्येक अत्याचारी व्यक्ति के पास वह सब कुछ हो जो धरती में है, तो वह अर्थदंड के रूप में उसे दे डाले। जब वे यातना को देखेंगे तो मन ही मन में पछताएँगे। उनके बीच न्यायपूर्वक फ़ैसला कर दिया जाएगा और उनपर कोई अत्याचार न होगा	x
Ala inna lillahi ma fee alssamawati waalardi ala inna waAAda Allahi haqqun walakinna aktharahum la yaAAlamoona	x	Unquestionably, to Allah belongs whatever is in the heavens and the earth. Unquestionably, the promise of Allah is truth, but most of them do not know	10:55	सुन लो, जो कुछ आकाशों और धरती में है, अल्लाह ही का है। जान लो, निस्संदेह अल्लाह का वादा सच्चा है, किन्तु उनमें अधिकतर लोग जानते नहीं	x
Huwa yuhyee wayumeetu wailayhi turjaAAoona	**[Murderers should not be held accountable for someone's death.]**	He gives life and causes death, and to Him you will be returned	10:56	वही जिलाता है और मारता है और उसी की ओर तुम लौटाए जा रहे हो	**[कातिलों को किसी की मौत के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जाना चाहिए।]**
Ya ayyuha alnnasu qad jaatkum mawAAithatun min rabbikum washifaon lima fee alssudoori wahudan warahmatun lilmumineena	**[It is neither mercy for general Muslims nor non-Muslims; Muslims are incited to fight and harm each other uncecessorily, the only beneficiers are Ulema and Muslim rulers.]**	O mankind, there has to come to you instruction from your Lord and healing for what is in the breasts and guidance and mercy for the believers.	10:57	ऐ लोगो! तुम्हारे पास तुम्हारे रब की ओर से उपदेश और जो कुछ सीनों में (रोग) है, उसके लिए रोगमुक्ति और मोमिनों के लिए मार्गदर्शन और दयालुता आ चुकी है	**[यह न तो सामान्य मुसलमानों के लिए दया है और न ही गैर-मुसलमानों के लिए; मुसलमानों को लगातार एक-दूसरे से लड़ने और नुकसान पहुँचाने के लिए उकसाया जाता है, केवल लाभार्थी उलेमा और मुस्लिम शासक हैं।]**

Qul bifadli Allahi wabirahmatihi fabithalika falyafrahoo huwa khayrun mimma yajmaAAoona	x	Say, "In the bounty of Allah and in His mercy - in that let them rejoice; it is better than what they accumulate."	10:58	कह दो, "यह अल्लाह के अनुग्रह और उसकी दया से है, अतः इस पर प्रसन्न होना चाहिए। यह उन सब चीज़ों से उत्तम है, जिनको वे इकट्ठा करने में लगे हुए है।"	x
Qul araaytum ma anzala Allahu lakum min rizqin fajaAAaltum minhu haraman wahalalan qul allahu athina lakum am AAala Allahi taftaroona	None can make anything lawful or unlawful except Allah or those whom Allah has allowed to do so.	Say, "Have you seen what Allah has sent down to you of provision of which you have made [some] lawful and [some] unlawful?" Say, "Has Allah permitted you [to do so], or do you invent [something] about Allah?"	10:59	कह दो, "क्या तुम लोगों ने यह भी देखा कि जो रोज़ी अल्लाह ने तुम्हारे लिए उतारी है उसमें से तुमने स्वयं ही कुछ को हराम और हलाल ठहरा लिया?" कहो, "क्या अल्लाह ने तुम्हें इसकी अनुमति दी है या तुम अल्लाह पर झूठ घड़कर थोप रहे हो?"	कोई भी चीज़ को वैध या अवैध नहीं बना सकता सिवाय अल्लाह या उन लोगों के जिन्हें अल्लाह ने ऐसा करने की अनुमति दी हो।
Wama thannu allatheena yaftaroona AAala Allahi alkathiba yawma alqiyamati inna Allaha lathoo fadlin AAala alnnasi walakinna aktharahum la	x	And what will be the supposition of those who invent falsehood about Allah on the Day of Resurrection? Indeed, Allah is full of bounty to the people, but most of them are not grateful."	10:60	जो लोग झूठ घड़कर उसे अल्लाह पर थोंपते है, उन्होंने क़ियामत के दिन के विषय में क्या समझ रखा है? अल्लाह तो लोगों के लिए बड़ा अनुग्रहवाला है, किन्तु उनमें अधिकतर कृतज्ञता नहीं दिखलाते	x

Wama takoonu fee shanin wama tatloo minhu min quranin wala taAAmaloona min AAamalin illa kunna AAalaykum shuhoodan ith tufeedoona feehi wama yaAAzubu AAan rabbika min mithqali tharratin fee alardi wala fee alssamai wala asghara min thalika wala akbara illa fee kitabin mubeenun	Everything small or large is within the knowledge of Allah.	And, [O Muhammad], you are not [engaged] in any matter or recite any of the Qur'an and you [people] do not do any deed except that We are witness over you when you are involved in it. And not absent from your Lord is any [part] of an atom's weight within the earth or within the heaven or [anything] smaller than that or greater but that it is in a clear register.	10:61	तुम जिस दशा में भी होते हो और क़ुरआन से जो कुछ भी पढ़ते हो और तुम लोग जो काम भी करते हो हम तुम्हें देख रहे होते है, जब तुम उसमें लगे होते हो। और तुम्हारे रब से कण भर भी कोई चीज़ छिपी नहीं है, न धरती में न आकाश में और न उससे छोटी और न बड़ी कोई त चीज़ ऐसी है जो एक स्पष्ट किताब में मौजूद न हो	सब कुछ छोटा या बड़ा अल्लाह के ज्ञान में है।
Ala inna awliyaa Allahi la khawfun AAalayhim wala hum yahzanoona	True believers are Awliya (friends and allies) of Allah.	Unquestionably, [for] the allies of Allah there will be no fear concerning them, nor will they grieve	10:62	सुन लो, अल्लाह के मित्रों को न तो कोई डर है और न वे शोकाकुल ही होंगे	सच्चे आस्थावान अल्लाह के अवलिया (दोस्त और सहयोगी) हैं।
Allatheena amanoo wakanoo yattaqoona	x	Those who believed and were fearing Allah	10:63	ये वे लोग है जो ईमान लाए और डर कर रहे	x
Lahumu albushra fee alhayati alddunya wafee alakhirati la tabdeela likalimati Allahi thalika huwa	**[Contradiction: Allah's word can't be changed 6:34, 6:115, 10:64; Yes could be changed: 2:75, 2:106, 16:101]**	For them are good tidings in the worldly life and in the Hereafter. No change is there in the words of Allah. That is what is the great attainment.	10:64	उनके लिए सांसारिक जीवन में भी शुभ-सूचना है और आख़िरत में भी - अल्लाह के शब्द बदलते नहीं - यही बड़ी सफलता है	**[विरोधाभास: अल्लाह का शब्द बदला नहीं जा सकता 6:34, 6:115, 10:64; हाँ बदला जा सकता है: 2:75, 2:106, 16:101]**

Wala yahzunka qawluhum inna alAAizzata lillahi jameeAAan huwa alssameeAAu alAAaleemu	All power is Allah's, and He may confer it upon anyone He desires.	And let not their speech grieve you. Indeed, honor [due to power] belongs to Allah entirely. He is the Hearing, the Knowing.	10:65	उनकी बात तुम्हें दुखी न करे, सारा प्रभुत्व अल्लाह ही के लिए है, वह सुनता, जानता है	सारी शक्ति अल्लाह की है, और वह इसे किसी पर भी ला सकता है जिसे वह चाहे।
Ala inna lillahi man fee alssamawati waman fee alardi wama yattabiAAu allatheena yadAAoona min dooni Allahi shurakaa in yattabiAAoona illa alththanna wain	x	Unquestionably, to Allah belongs whoever is in the heavens and whoever is on the earth. And those who invoke other than Allah do not [actually] follow [His] "partners." They follow not except assumption, and they are not but falsifying	10:66	जान रखो! जो कोई भी आकाशों में है और जो कोई धरती में है, अल्लाह ही का है। जो लोग अल्लाह को छोड़कर दूसरे साझीदारों को पुकारते है, वे आखिर किसका अनुसरण करते है? वे तो केवल अटकल पर चलते है और वे निरे अटकले दौड़ाते है	x
Huwa allathee jaAAala lakumu allayla litaskunoo feehi waalnnahara mubsiran inna fee thalika laayatin liqawmin yasmaAAoona	x	It is He who made for you the night to rest therein and the day, giving sight. Indeed in that are signs for a people who listen.	10:67	वही है जिसने तुम्हारे लिए रात बनाई ताकि तुम उसमें चैन पाओ और दिन को प्रकाशमान बनाया (ताकि तुम उसमें दौड़-धूप कर सको); निस्संदेह इसमें उन लोगों के लिए निशानियाँ है, जो सुनते है	x

Qaloo ittakhatha Allahu waladan subhanahu huwa alghaniyyu lahu ma fee alssamawati wama fee alardi in AAindakum min sultanin bihatha ataqooloona AAala Allahi ma la taAAlamoona	Referring to Christians. Allah is self sufficient, free of want or need of anything. **[But He needs Angels, Messengers.]**	They have said, "Allah has taken a son." Exalted is He; He is the [one] Free of need. To Him belongs whatever is in the heavens and whatever is in the earth. You have no authority for this [claim]. Do you say about Allah that which you do not know?	10:68	वे कहते है, "अल्लाह औलाद रखता है।" महान और उच्च है वह! वह निरपेक्ष है, आकाशों और धरती में जो कुछ है उसी का है। तुम्हारे पास इसका कोई प्रमाण नहीं। क्या तुम अल्लाह से जोड़कर वह बाते कहते हो, जिसका तुम्हे ज्ञान नही?	ईसाइयों की ओर इशारा करते हुए। अल्लाह आत्मनिर्भर हैं, उन्हें किसी चीज़ की जरूरत या इच्छा नहीं है। **[लेकिन उन्हें फ़रिश्तों, रसूलों की आवश्यकता है।]**
Qul inna allatheena yaftaroona AAala Allahi alkathiba la yuflihoona	x	Say, "Indeed, those who invent falsehood about Allah will not succeed."	10:69	कह दो, "जो लोग अल्लाह पर थोपकर झूठ घड़ते है, वे सफल नहीं होते।"	x
MataAAun fee alddunya thumma ilayna marjiAAuhum thumma nutheequhumu alAAathaba alshshadeeda bima	x	[For them is brief] enjoyment in this world; then to Us is their return; then We will make them taste the severe punishment because they used to disbelieve	10:70	यह तो सांसारिक सुख है। फिर हमारी ओर ही उन्हें लौटना है, फिर जो इनकार वे करते रहे होगे उसके बदले में हम उन्हें कठोर यातना का मज़ा चखाएँगे	x

Waotlu AAalayhim nabaa noohin ith qala liqawmihi ya qawmi in kana kabura AAalaykum maqamee watathkeeree biayati Allahi faAAala Allahi tawakkaltu faajmiAAoo amrakum washurakaakum thumma la yakun amrukum AAalaykum ghummatan thumma iqdoo ilayya wala tunthirooni	x	And recite to them the news of Noah, when he said to his people, "O my people, if my residence and my reminding of the signs of Allah has become burdensome upon you - then I have relied upon Allah. So resolve upon your plan and [call upon] your associates. Then let not your plan be obscure to you. Then carry it out upon me and do not give me respite.	10:71	उन्हें नूह का वृत्तान्त सुनाओ। जब उसने अपनी क़ौम से कहा, "ऐ मेरी क़ौम के लोगो! यदि मेरा खड़ा होना और अल्लाह की आयतों के द्वारा नसीहत करना तुम्हें भारी हो गया है तो मेरा भरोसा अल्लाह पर है। तु अपना मामला ठहरा लो और अपने ठहराए हुए साझीदारों को भी साथ ले लो, फिर तुम्हारा मामला तुम पर कुछ संदिग्ध न रहे; फिर मेरे साथ जो कुछ करना है, कर डालों और मुझे मुहलत न दो।"	x
Fain tawallaytum fama saaltukum min ajrin in ajriya illa AAala Allahi waomirtu an akoona mina almuslimeena	x	And if you turn away [from my advice] then no payment have I asked of you. My reward is only from Allah, and I have been commanded to be of the Muslims."	10:72	फिर यदि तुम मुँह फेरोगे तो मैंने तुमसे कोई बदला नहीं माँगा। मेरा बदला (पारिश्रामिक) बस अल्लाह के ज़िम्मे है, और आदेश मुझे मुस्लिम (आज्ञाकारी) होने का हुआ है	x

Fakaththaboohu fanajjaynahu waman maAAahu fee alfulki wajaAAalnahum khalaifa waaghraqna allatheena kaththaboo biayatina faonthur kayfa kana AAaqibatu	x	And they denied him, so We saved him and those with him in the ship and made them successors, and We drowned those who denied Our signs. Then see how was the end of those who were warned.	10:73	किन्तु उन्होंने झूठला दिया, तो हमने उसे और उन लोगों को, जो उनके साथ नौका में थे, बचा लिया और उन्हें उतराधिकारी बनाया, और उन लोगो को डूबो दिया, जिन्होंने हमारी आयतों को झुठलाया था। अतः देख लो, जिन्हें सचेत किया गया था उनका क्या परिणाम हुआ!	x
Thumma baAAathna min baAAdihi rusulan ila qawmihim fajaoohum bialbayyinati fama kanoo liyuminoo bima kaththaboo bihi min qablu kathalika natbaAAu AAala quloobi	**[Contradiction: Allah seals the hearts – 2:7, 4:155, 7:100, 7:101, 9:87, 9:93, 10:74, 16:108, 30:59, 40:35, 45:23, 47:16, 63:3; Does not seals – 2:20, 42:24, 6:46]**	Then We sent after him messengers to their peoples, and they came to them with clear proofs. But they were not to believe in that which they had denied before. Thus We seal over the hearts of the transgressors.	10:74	फिर उसके बाद कितने ही रसूल हमने उनकी क़ौम की ओर भेजे और वे उनके पास स्पष्ट निशानियां लेकर आए, किन्तु वे ऐसे न थे कि जिसको पहले झुठला चुके हों, उसे मानते। इसी तरह अतिक्रमणकारियों के दिलों पर हम मुहर लगा देते हैं	**[विरोधाभास: अल्लाह दिलों पर ठप्पा लगा देते हैं – 2:7, 4:155, 7:100, 7:101, 9:87, 9:93, 10:74, 16:108, 30:59, 40:35, 45:23, 47:16, 63:3; नहीं लगाते – 2:20, 42:24, 6:46]**
Thumma baAAathna min baAAdihim moosa waharoona ila firAAawna wamalaihi biayatina faistakbaroo wakanoo qawman	x	Then We sent after them Moses and Aaron to Pharaoh and his establishment with Our signs, but they behaved arrogantly and were a criminal people	10:75	फिर उनके बाद हमने मूसा और हारून को अपनी आयतों के साथ फ़िरऔन और उसके सरदारों के पास भेजा। किन्तु उन्होंने घमंड किया, वे थे ही अपराधी लोग	x

Falamma jaahumu alhaqqu min AAindina qaloo inna hatha lasihrun mubeenun	x	So when there came to them the truth from Us, they said, "Indeed, this is obvious magic."	10:76	अतः जब हमारी ओर से सत्य उनके सामने आया तो वे कहने लगे, "यह तो खुला जादू है।"	x
Qala moosa ataqooloona lilhaqqi lamma jaakum asihrun hatha wala yuflihu alssahiroona	x	Moses said, "Do you say [thus] about the truth when it has come to you? Is this magic? But magicians will not succeed."	10:77	मूसा ने कहा, "क्या तुम सत्य के विषय में ऐसा कहते हो, जबकि यह तुम्हारे सामने आ गया है? क्या यह कोई जादू है? जादूगर तो सफल नहीं हुआ करते।"	x
Qaloo ajitana litalfitana AAamma wajadna AAalayhi abaana watakoona lakuma alkibriyao fee alardi wama nahnu lakuma bimumineena	x	They said, "Have you come to us to turn us away from that upon which we found our fathers and so that you two may have grandeur in the land? And we are not believers in you."	10:78	उन्होंने कहा, "क्या तू हमारे पास इसलिए आया है कि हमें उस चीज़ से फेर दे जिसपर हमने अपना बाप-दादा का पाया है और धरती में तुम दोनों की बड़ाई स्थापित हो जाए? हम तो तुम्हें माननेवाले नहीं।"	x
Waqala firAAawnu itoonee bikulli sahirin AAaleemin	x	And Pharaoh said, "Bring to me every learned magician."	10:79	फ़िरऔन ने कहा, "हर कुशल जादूगर को मेरे पास लाओ।"	x
Falamma jaa alssaharatu qala lahum moosa alqoo ma antum mulqoona	x	So when the magicians came, Moses said to them, "Throw down whatever you will throw."	10:80	फिर जब जादूगर आ गए तो मूसा ने उनसे कहा, "जो कुछ तुम डालते हो, डालो।"	x

Falamma alqaw qala moosa ma jitum bihi alssihru inna Allaha sayubtiluhu inna Allaha la yuslihu AAamala almufsideena	**[But why does Allah allows Magic at the first place.]**	And when they had thrown, Moses said, "What you have brought is [only] magic. Indeed, Allah will expose its worthlessness. Indeed, Allah does not amend the work of corrupters.	10:81	फिर जब उन्होंने डाला तो मूसा ने कहा, "तुम जो कुछ लाए हो, जादू है। अल्लाह अभी उसे मटियामेट किए देता है। निस्संदेह अल्लाह बिगाड़ पैदा करनेवालों के कर्म को फलीभूत नहीं होने देता	**[लेकिन अल्लाह सबसे पहले जादू की अनुमति क्यों देता है।]**
Wayuhiqqu Allahu alhaqqa bikalimatihi walaw kariha almujrimoona	x	And Allah will establish the truth by His words, even if the criminals dislike it."	10:82	"अल्लाह अपने शब्दों से सत्य को सत्य कर दिखाता है, चाहे अपराधी नापसन्द ही करें।"	x
Fama amana limoosa illa thurriyyatun min qawmihi AAala khawfin min firAAawna wamalaihim an yaftinahum wainna firAAawna laAAalin fee alardi	x	But no one believed Moses, except [some] youths among his people, for fear of Pharaoh and his establishment that they would persecute them. And indeed, Pharaoh was haughty within the land, and indeed, he was of the transgressors	10:83	फिर मूसा की बात उसकी क़ौम की संतति में से बस कुछ ही लोगों ने मानी; फ़िरऔन और उनके सरदारों के भय से कि कहीं उन्हें किसी फ़ितने में न डाल दें। फ़िरऔन था भी धरती में बहुत सिर उठाए हुए, और निश्चय ही वह हद से आगे बढ़ गया था	x
Waqala moosa ya qawmi in kuntum amantum biAllahi faAAalayhi tawakkaloo in kuntum muslimeena	**[Moses asked his people to become Muslims?]**	And Moses said, "O my people, if you have believed in Allah, then rely upon Him, if you should be Muslims."	10:84	मूसा ने कहा, "ऐ मेरी क़ौम के लोगो! यदि तुम अल्लाह पर ईमान रखते हो तो उसपर भरोसा करो, यदि तुम आज्ञाकारी हो।"	**[मूसा ने अपने लोगों से मुसलमान बनने को कहा?]**

Faqaloo AAala Allahi tawakkalna rabbana la tajAAalna fitnatan lilqawmi	x	So they said, "Upon Allah do we rely. Our Lord, make us not [objects of] trial for the wrongdoing people	10:85	इसपर वे बोले, "हमने अल्लाह पर भरोसा किया। ऐ हमारे रब! तू हमें अत्याचारी लोगों के हाथों आज़माइश में न डाल	x
Wanajjina birahmatika mina alqawmi alkafireena	x	And save us by Your mercy from the disbelieving people."	10:86	"और अपनी दयालुता से हमें इनकार करनेवालों से छुटकारा दिया।"	x
Waawhayna ila moosa waakheehi an tabawwaa liqawmikuma bimisra buyootan waijAAaloo buyootakum qiblatan waaqeemoo alssalata wabashshiri	x	And We inspired to Moses and his brother, "Settle your people in Egypt in houses and make your houses [facing the] qiblah and establish prayer and give good tidings to the believers."	10:87	हमने मूसा और उसके भाई की ओर प्रकाशना की कि "तुम दोनों अपने लोगों के लिए मिस्र में कुछ घर निश्चित कर लो और अपने घरों को क़िबला बना लो। और नमाज़ क़ायम करो और ईमानवालों को शुभसूचना दे दो।"	x
Waqala moosa rabbana innaka atayta firAAawna wamalaahu zeenatan waamwalan fee alhayati alddunya rabbana liyudilloo AAan sabeelika rabbana itmis AAala amwalihim waoshdud AAala quloobihim fala yuminoo hatta yarawoo	**[Moses supplicate Allah, that Pharoah may not believe until they see the painful torment.]**	And Moses said, "Our Lord, indeed You have given Pharaoh and his establishment splendor and wealth in the worldly life, our Lord, that they may lead [men] astray from Your way. Our Lord, obliterate their wealth and harden their hearts so that they will not believe until they see the painful punishment."	10:88	मूसा ने कहा, "हमारे रब! तूने फ़िरऔन और उसके सरदारों को सांसारिक जीवन में शोभा-सामग्री और धन दिए है, हमारे रब, इसलिए कि वे तेरे मार्ग से भटकाएँ! हमारे रब, उनके धन नष्ट कर दे और उनके हृदय कठोर कर दे कि वे ईमान न लाएँ, ताकि वे दुखद यातना देख लें।"	**[मूसा अल्लाह से प्रार्थना करते हैं कि फिरौन तब तक न माने जब तक वे कष्टदायी यातना न देख लें।]**

Qala qad ojeebat daAAwatukuma faistaqeema wala tattabiAAanni sabeela allatheena la yaAAlamoona	x	[Allah] said, "Your supplication has been answered." So remain on a right course and follow not the way of those who do not know."	10:89	कहा, "तुम दोनों की प्रार्थना स्वीकृत हो चुकी। अतः तुम दोनों जमें रहो और उन लोगों के मार्ग पर कदापि न चलना, जो जानते नहीं।"	x
Wajawazna bibanee israeela albahra faatbaAAahum firAAawnu wajunooduhu baghyan waAAadwan hatta itha adrakahu algharaqu qala amantu annahu la ilaha illa allathee amanat bihi banoo israeela waana mina almuslimeena	**[Pharoah repented and became a Muslim rather than Jew?; Contradiction: The body of Pharoah was thrown to a high place on the land so that the Children of Israel could confirm his death and destruction (10:90-92). However, in 28:40, 17:102-3, Pharaoh "is lost," that is, he does not repent, and is drowned; Also there in no proof of drowning of Ramses II or his son.]**	And We took the Children of Israel across the sea, and Pharaoh and his soldiers pursued them in tyranny and enmity until, when drowning overtook him, he said, "I believe that there is no deity except that in whom the Children of Israel believe, and I am of the Muslims."	10:90	और हमने इसराईलियों को समुद्र पार करा दिया। फिर फ़िरऔन और उसकी सेनाओं ने सरकशी और ज़्यादती के साथ उनका पीछा किया, यहाँ तक कि जब वह डूबने लगा तो पुकार उठा, "मैं ईमान ले आया कि उसके सिव कोई पूज्य-प्रभु नही, जिस पर इसराईल की सन्तान ईमान लाई। अब मैं आज्ञाकारी हूँ।"	**[फिरौन ने पश्चाताप किया और यहूदी बनने के बजाय मुस्लिम बन गए ? ; विरोधाभास: फिरौन की देह को भूमि पर एक ऊँची जगह पर फेंक दिया गया ताकि इस्राएल के बच्चे उनके मरने और विनाश की पुष्टि कर सकें (10:90-92)। हालांकि, 28:40, 17:102-3 में, फिरौन 'खो गया' कहा गया है, यानी उसने पश्चाताप नहीं किया और डूब गया; साथ ही, रामसेस द्वितीय या उसके पुत्र के डूबने का कोई प्रमाण नहीं है।]**
Alana waqad AAasayta qablu wakunta mina almufsideena	x	Now? And you had disobeyed [Him] before and were of the corrupters?	10:91	"क्या अब? हालाँकि इससे पहले तुने अवज्ञा की और बिगाड़ पैदा करनेवालों में से था	x
Faalyawma nunajjeeka bibadanika litakoona liman khalfaka ayatan wainna katheeran mina alnnasi AAan	see 10:90.	So today We will save you in body that you may be to those who succeed you a sign. And indeed, many among the people, of Our signs, are heedless	10:92	"अतः आज हम तेरे शरीर को बचा लेगें, ताकि तू अपने बादवालों के लिए एक निशानी हो जाए। निश्चय ही, बहुत-से लोग हमारी निशानियों के प्रति असावधान ही रहते है।"	देखें 10:90।

Walaqad bawwana banee israeela mubawwaa sidqin warazaqnahum mina alttayyibati fama ikhtalafoo hatta jaahumu alAAilmu inna rabbaka yaqdee baynahum yawma alqiyamati feema kanoo feehi yakhtalifoona	There should be no reason for Jews to have any disputes among them since Allah has sent them knowledge and explained different matters and issues to them.	And We had certainty settled the Children of Israel in an agreeable settlement and provided them with good things. And they did not differ until [after] knowledge had come to them. Indeed, your Lord will judge between them on the Day of Resurrection concerning that over which they used	10:93	और हमने इसराईल की सन्तान को अच्छा, सम्मानित ठिकाना दिया औ उन्हें अच्छी आजीविका प्रदान की। फिर उन्होंने उस समय विभेद किया, जबकि ज्ञान उनके पास आ चुका था। निश्चय ही तुम्हारा रब क़ियामत के दिन उनके बीच उस चीज़ का फ़ैसला कर देगा, जिसमें वे विभेद करते रहे है	यहूदियों के बीच किसी भी विवाद का कोई कारण नहीं होना चाहिए क्योंकि अल्लाह ने उन्हें ज्ञान भेजा है और विभिन्न मामलों और मुद्दों को उनके लिए स्पष्ट किया है।
Fain kunta fee shakkin mimma anzalnna ilayka faisali allatheena yaqraoona alkitaba min qablika laqad jaaka alhaqqu min rabbika fala takoonanna mina almumtareena	**[This assumes that uncorrupted versions of the Jewish (and Christian) Scriptures were available to the early Muslims, a contention that creates immense dificulties for the Islamic claim that they were corrupted at all; Verse 10:37, 32:2, there is no doubt in this book, then how a Messenger could have doubt.]**	So if you are in doubt, [O Muhammad], about that which We have revealed to you, then ask those who have been reading the Scripture before you. The truth has certainly come to you from your Lord, so never be among the doubters.	10:94	अतः यदि तुम्हें उस चीज़ के बारे में कोई संदेह हो, जो हमने तुम्हारी ओर अवतरित की है, तो उनसे पूछ लो जो तुमसे पहले से किताब पढ़ रहे है। तुम्हारे पास तो तुम्हारे रब की ओर से सत्य आ चुका। अतः तुम कदापि सन्देह करनेवाले न हो	**[यह मानता है कि प्रारंभिक मुसलमानों के लिए यहूदी (और ईसाई) शास्त्रों के भ्रष्ट न हुए संस्करण उपलब्ध थे, एक ऐसा दावा जो उस इस्लामी दावे के लिए बहुत मुश्किलें पैदा करता है कि वे पूरी तरह से भ्रष्ट हो गए थे; आयत 10:37, 32:2, इस किताब में कोई संदेह नहीं है, फिर कैसे एक नबी को संदेह हो सकता था।]**
Wala takoonanna mina allatheena kaththaboo biayati Allahi fatakoona mina alkhasireena	x	And never be of those who deny the signs of Allah and [thus] be among the losers.	10:95	और न उन लोगों में सम्मिलित होना जिन्होंन अल्लाह की आयतों को झुठलाया, अन्यथा तुम घाटे में पड़कर रहोगे	x

Inna allatheena haqqat AAalayhim kalimatu rabbika la yuminoona	**[Disbelievers are predestined not to believe.]**	Indeed, those upon whom the word of your Lord has come into effect will not believe,	10:96	निस्संदेह जिन लोगों के विषय में तुम्हारे रब की बात सच्ची होकर रही वे ईमान नहीं लाएँगे,	**[अविश्वासी पहले से ही अविश्वास करने के लिए नियत हैं।]**
Walaw jaathum kullu ayatin hatta yarawoo	**[Disbelievers are predestined not to believe.]**	Even if every sign should come to them, until they see the painful punishment.	10:97	जब तक के वे दुखद यातना न देख लें, चाहे प्रत्येक निशानी उनके पास आ जाए	**[अविश्वासी पहले से ही अविश्वास करने के लिए नियत हैं।]**
Falawla kanat qaryatun amanat fanafaAAaha eemanuha illa qawma yoonusa lamma amanoo kashafna AAanhum AAathaba alkhizyi fee alhayati alddunya wamattaAAnahum ila heenin	**[In addition to people of Jonas, So many people also believed in Prophet Muhammad (pbuh).]**	Then has there not been a [single] city that believed so its faith benefited it except the people of Jonah? When they believed, We removed from them the punishment of disgrace in worldly life and gave them enjoyment for a time.	10:98	फिर ऐसी कोई बस्ती क्यों न हुई कि वह ईमान लाती और उसका ईमान उसके लिए लाभप्रद सिद्ध होता? हाँ, यूनुस की क़ौम के लोग इसके लिए अपवाद है। जब वे ईमान लाए तो हमने सांसारिक जीवन में अपमानजनक यातना को उनपर से टाल दिया और उन्हें एक अवधि तक सुखोपभोग का अवसर प्रदान किया	**[यूनुस की क़ौम के लोगों के अलावा, बहुत से लोग पैगंबर मुहम्मद (स.) पर भी ईमान लाए।]**
Walaw shaa rabbuka laamana man fee alardi kulluhum jameeAAan afaanta tukrihu alnnasa hatta yakoonoo mumineena	**[If Allah wished He could have made everyone Muslim: 7:176, 10:99, 11:118, 12:31, 16:9, 16:35, 16:93, 17:54; Also it is clearly mentioned in Islamic history that many people were complelled into Islam by force e.g. Abu Sufiyaan.]**	And had your Lord willed, those on earth would have believed - all of them entirely. Then, [O Muhammad], would you compel the people in order that they become believers?	10:99	यदि तुम्हारा रब चाहता तो धरती में जितने लोग है वे सब के सब ईमान ले आते, फिर क्या तुम लोगों को विवश करोगे कि वे मोमिन हो जाएँ?	**[यदि अल्लाह चाहता तो वह सभी को मुसलमान बना सकता था: 7:176, 10:99, 11:118, 12:31, 16:9, 16:35, 16:93, 17:54; इसके अलावा यह इस्लामी इतिहास में स्पष्ट रूप से उल्लेखित है कि कई लोगों को जबरदस्ती इस्लाम में प्रवेश कराया गया था, उदाहरण के लिए, अबू सफ़ियान.]**

Wama kana linafsin an tumina illa biithni Allahi wayajAAalu alrrijsa AAala allatheena la yaAAqiloona	**[Allah sets uncleanness in those who does not believe; Contradiction: Who misguides the disbelievers: Allah 6:25, 28:56, 35:8, 10:100; Allah does not misguide 9:115, Shaytan misguides 15:39, 114:4-5, 4:119, Humans himself 9:70, 6:12, 30:9. Also see Man has Freewill 18:29, 76:3, 81:26-28; Everything is decided by Allah: Sahih Bukhari 3332, Sahih Muslim 2653, Q 2:255, 10:100, 18:74, 18:80–81, 57:22]**	And it is not for a soul to believe except by permission of Allah, and He will place defilement upon those who will not use reason.	10:100	हालाँकि किसी व्यक्ति के लिए यह सम्भव नहीं कि अल्लाह की अनुज्ञा के बिना कोई क्यक्ति ईमान लाए। वह तो उन लोगों पर गन्दगी डाल देता है, जो बुद्धि से काम नहीं लेते	**[अल्लाह उन लोगों में गन्दगी डालता है, जो विश्वास नहीं करते; विरोधाभास: जो काफ़िरों को गुमराह करता है: अल्लाह 6:25, 28:56, 35:8, 10:100; अल्लाह गुमराह नहीं करता 9:115, शैतान गुमराह करता है 15:39, 114:4-5, 4:119, इंसान स्वयं 9:70, 6:12, 30:9. देखें कि मनुष्य के पास स्वतंत्र इच्छा है 18:29, 76:3, 81:26-28; सब कुछ अल्लाह द्वारा तय किया जाता है: सहिह़ बुख़ारी 3332, सहिह़ मुस्लिम 2653, कुरआन 2:255, 10:100, 18:74, 18:80–81, 57:22]**
Quli onthuroo matha fee alssamawati waalardi wama tughnee alayatu waalnnuthuru AAan qawmin la	x	Say, "Observe what is in the heavens and earth." But of no avail will be signs or warners to a people who do not believe	10:101	कहो, "देख लो, आकाशों और धरती में क्या कुछ है!" किन्तु निशानियाँ और चेतावनियाँ उन लोगों के कुछ काम नहीं आती, जो ईमान न लाना चाहें	x
Fahal yantathiroona illa mithla ayyami allatheena khalaw min qablihim qul faintathiroo innee maAAakum mina almuntathireena	x	So do they wait except for like [what occurred in] the days of those who passed on before them? Say, "Then wait; indeed, I am with you among those who wait."	10:102	अतः वे तो उस तरह के दिन की प्रतीक्षा कर रहे हैं, जिस तरह के दिन वे लोग देख चुके है जो उनसे पहले गुज़रे है। कह दो, "अच्छा, प्रतीक्षा करो, मैं भी तुम्हारे साथ प्रतीक्षा करता हूँ।"	x

Thumma nunajjee rusulana waallatheena amanoo kathalika haqqan AAalayna nunjee almumineena	x	Then We will save our messengers and those who have believed. Thus, it is an obligation upon Us that We save the believers	10:103	फिर हम अपने रसूलों और उन लोगों को बचा लेते रहे हैं, जो ईमान ले आए। ऐसी ही हमारी रीति है, हमपर यह हक़ है कि ईमानवालों को बचा लें	x
Qul ya ayyuha alnnasu in kuntum fee shakkin min deenee fala aAAbudu allatheena taAAbudoona min dooni Allahi walakin aAAbudu Allaha allathee yatawaffakum waomirtu an akoona mina almumineena	x	Say, [O Muhammad], "O people, if you are in doubt as to my religion - then I do not worship those which you worship besides Allah; but I worship Allah, who causes your death. And I have been commanded to be of the believers	10:104	कह दो, "ऐ लोगों! यदि तुम मेरे धर्म के विषय में किसी सन्देह में हो तो मैं तो उनकी बन्दगी नहीं करता जिनकी तुम अल्लाह से हटकर बन्दगी करते हो, बल्कि मैं उस अल्लाह की बन्दगी करता हूँ जो तुम्हें मृत्यु देता है। और मुझे आदेश है कि मैं ईमानवालों में से होऊँ	x
Waan aqim wajhaka lilddeeni haneefan wala takoonanna mina almushrikeena	x	And [commanded], 'Direct your face toward the religion, inclining to truth, and never be of those who associate others with Allah;	10:105	और यह कि हर ओर से एकाग्र होकर अपना रुख़ इस धर्म की ओर कर लो और मुशरिक़ों में कदापि सम्मिलित न हो,	x
Wala tadAAu min dooni Allahi ma la yanfaAAuka wala yadurruka fain faAAalta fainnaka ithan mina alththalimeena	x	And do not invoke besides Allah that which neither benefits you nor harms you, for if you did, then indeed you would be of the wrongdoers.'"	10:106	और अल्लाह से हटकर उसे न पुकारो जो न तुम्हें लाभ पहुँचाए और न तुम्हें हानि पहुँचा सके और न तुम्हारा बुरा कर सके, क्योंकि यदि तुमने ऐसा किया तो उस समय तुम अत्याचारी होगे	x

Wain yamsaska Allahu bidurrin fala kashifa lahu illa huwa wain yuridka bikhayrin fala radda lifadlihi yuseebu bihi man yashao min AAibadihi wahuwa alghafooru alrraheemu	**[The drivers should not be be held for accidents.]**	And if Allah should touch you with adversity, there is no remover of it except Him; and if He intends for you good, then there is no repeller of His bounty. He causes it to reach whom He wills of His servants. And He is the Forgiving, the Merciful	10:107	यदि अल्लाह तुम्हें किसी तकलीफ़ में डाल दे तो उसके सिवा कोई उसे दूर करनेवाला नहीं। और यदि वह तुम्हारे लिए किसी भलाई का इरादा कर ले तो कोई उसके अनुग्रह को फेरनेवाला भी नहीं। वह इसे अपने बन्दों में से जिस तक चाहता है, पहुँचाता है और वह अत्यन्त क्षमाशील, दयावान है।"	[ड्राइवरों को दुर्घटनाओं के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जाना चाहिए।]
Qul ya ayyuha alnnasu qad jaakumu alhaqqu min rabbikum famani ihtada fainnama yahtadee linafsihi waman dalla fainnama yadillu AAalayha wama ana AAalaykum	Prophet is not a manager over people. **[However, after Islam became powerful, this tone changed.]**	Say, "O mankind, the truth has come to you from your Lord, so whoever is guided is only guided for [the benefit of] his soul, and whoever goes astray only goes astray [in violation] against it. And I am not over you a manager."	10:108	कह दो, "ऐ लोगों! तुम्हारे पास तुम्हारे रब की ओर से सत्य आ चुका है। अब जो कोई मार्ग पर आएगा, तो वह अपने ही लिए मार्ग पर आएगा, और जो कोई पथभ्रष्ट होगा तो वह अपने ही बुरे के लिए पथभ्रष्टि होगा। मैं तुम्हारे ऊपर कोई हवालेदार तो हूँ नहीं।"	नबी लोगों के ऊपर प्रबंधक नहीं हैं। **[हालाँकि, इस्लाम के सशक्त होने के बाद, यह स्वर बदल गया।]**
WaittabiAA ma yooha ilayka waisbir hatta yahkuma Allahu wahuwa khayru alhakimeena	x	And follow what is revealed to you, [O Muhammad], and be patient until Allah will judge. And He is the best of judges.	10:109	जो कुछ तुमपर प्रकाशना की जा रही है, उसका अनुसरण करो और धैर्य से काम लो, यहाँ तक कि अल्लाह फ़ैसला कर दे, और वह सबसे अच्छा फ़ैसला करनेवाला है	x

Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Hood (Hud)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**11:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**हूद**
Aliflamra kitabun ohkimat ayatuhu thumma fussilat min ladun hakeemin khabeerin	**[Most of things are not in detail, Even meaning of the these mysterious letters is unknown. Also many verses needed modification and abrogation, so how they can be perfect.See Sahih al-Bukhari: 2419, 4990, 4992, Sahih al-Bukhari 4944 and Q 92:3, Sunan Abi Dawud 2185, Sahih Muslim 1471s and Q 65:1]**	Alif, Lam, Ra. [This is] a Book whose verses are perfected and then presented in detail from [one who is] Wise and Acquainted.	11:1	अलिफ़॰ लाम॰ रा॰। यह एक किताब है जिसकी आयतें पक्की है, फिर सविस्तार बयान हुई हैं; उसकी ओर से जो अत्यन्त तत्वदर्शी, पूरी ख़बर रखनेवाला है	**[अधिकतर चीजें विस्तार में नहीं हैं, इन रहस्यमय अक्षरों का अर्थ भी अज्ञात है। साथ ही कई आयतों में सुधार और निरस्तीकरण की आवश्यकता थी, तो वे कैसे पक्की हो सकती हैं। देखें सहिह अल-बुखारी: 2419, 4990, 4992, सहिह अल-बुखारी 4944 और कुरआन 92:3, सुन्नान अबी दाउद 2185, सहिह मुस्लिम 1471 और कुरआन 65:1]**
Alla taAAbudoo illa Allaha innanee lakum minhu natheerun wabasheerun	**[Saying, added, otherwise it appears that Allah is not speaking.]**	[Through a messenger, saying], "Do not worship except Allah. Indeed, I am to you from Him a warner and a bringer of good tidings,"	11:2	कि "तुम अल्लाह के सिवा किसी की बन्दगी न करो। मैं तो उसकी ओर से तुम्हें सचेत करनेवाला और शुभ सूचना देनेवाला हूँ।"	**[ऐसा प्रतीत होता है कि अल्लाह नहीं बोल रहे हैं।]**

Waani istaghfiroo rabbakum thumma tooboo ilayhi yumattiAAkum mataAAan hasanan ila ajalin musamman wayuti kulla thee fadlin fadlahu wain tawallaw fainee akhafu AAalaykum AAathaba yawmin kabeerin	**[Saying, added, otherwise it appears that Allah is not speaking.]**	And [saying], "Seek forgiveness of your Lord and repent to Him, [and] He will let you enjoy a good provision for a specified term and give every doer of favor his favor. But if you turn away, then indeed, I fear for you the punishment of a great Day.	11:3	और यह कि "अपने रब से क्षमा माँगो, फिर उसकी ओर पलट आओ। वह तुम्हें एक निश्चित अवधि तक सुखोपभोग की उत्तम सामग्री प्रदान करेगा। और बढ़-बढ़कर कर्म करनेवालों पर वह तदधिक अपना अनुग्रह करेगा, किन्तु यदि तुम मुँह फेरते हो तो निश्चय ही मुझे तुम्हारे विषय में एक बड़े दिन की यातना का भय है	**[ऐसा प्रतीत होता है कि अल्लाह नहीं बोल रहे हैं।]**
Ila Allahi marjiAAukum wahuwa AAala kulli shayin qadeerun	x	To Allah is your return, and He is over all things competent."	11:4	तुम्हें अल्लाह ही की ओर पलटना है, और उसे हर चीज़ की सामर्थ्य प्राप्त है।"	x
Ala innahum yathnoona sudoorahum liyastakhfoo minhu ala heena yastaghshoona thiyabahum yaAAlamu ma yusirroona wama yuAAlinoona innahu AAaleemun bithati alssudoori	This verse was revealed about al-Akhnas ibn Shurayq who used to sit with the Prophet (pbuh) and display things that pleased the Prophet while hiding in his heart the opposite of what he displayed.	Unquestionably, they the disbelievers turn away their breasts to hide themselves from Him. Unquestionably, [even] when they cover themselves in their clothing, Allah knows what they conceal and what they declare. Indeed, He is Knowing of that within the breasts.	11:5	देखो! ये अपने सीनों को मोड़ते है, चाहिए कि उससे छिपें। देखों! जब ये अपने कपड़ों से स्वयं को ढाँकते है, वह जानता है जो कुछ वे छिपाते है और जो कुछ वे प्रकट करते है। निस्संदेह वह सीनों तक की बात को जानता है	यह आयत अल-अख़्नास इब्न शुरैक़ के बारे में उतरी थी जो पैगंबर (स.) के साथ बैठते और ऐसी चीज़ें दिखाते जो पैगंबर को पसंद आतीं, जबकि अपने दिल में जो कुछ दिखाते उसके विपरीत सोच रखते थे।

Wama min dabbatin fee alardi illa AAala Allahi rizquha wayaAAlamu mustaqarraha wamustawdaAAaha kullun fee kitabin mubeenin	x	And there is no creature on earth but that upon Allah is its provision, and He knows its place of dwelling and place of storage. All is in a clear register.	11:6	धरती में चलने-फिरनेवाला जो प्राणी भी है उसकी रोज़ी अल्लाह के ज़िम्मे है। वह जानता है जहाँ उसे ठहरना है और जहाँ उसे सौपा जाना है। सब कुछ एक स्पष्ट किताब में मौजूद है	x
Wahuwa allathee khalaqa alssamawati waalarda fee sittati ayyamin wakana AAarshuhu AAala almai liyabluwakum ayyukum ahsanu AAamalan walain qulta innakum mabAAoothoona min baAAdi almawti layaqoolanna allatheena kafaroo in hatha illa sihrun	**[Why Allah needs a throne on water; Contradiction: Allah made heaven and earth in how many days: 6 days 10:3, 11:7, 32:4, 25:59, 8 days 41:9-12; What is the purpose of creating humans: 11:7, 67:2, to see their deeds, 51:56 , for worshipping Him]**	And it is He who created the heavens and the earth in six days - and His Throne had been upon water - that He might test you as to which of you is best in deed. But if you say, "Indeed, you are resurrected after death," those who disbelieve will surely say, "This is not but obvious magic."	11:7	वही है जिसने आकाशों और धरती को छः दिनों में पैदा किया - उसका सिंहासन पानी पर था - ताकि वह तुम्हारी परीक्षा ले कि तुममें कर्म की स्पष्ट से कौन सबसे अच्छा है। और यदि तुम कहो कि "मरने के पश्चात तुम अवश्य उठोगे।" तो जिन्हें इनकार है, वे कहने लगेंगे, "यह तो खुला जादू है।"	**[अल्लाह को पानी पर सिंहासन की आवश्यकता क्यों है; विरोधाभास: अल्लाह ने आकाश और पृथ्वी कितने दिनों में बनाए: 6 दिन 10:3, 11:7, 32:4, 25:59, 8 दिन 41:9-12; मनुष्यों को बनाने का उद्देश्य क्या है: 11:7, 67:2, उनके कर्मों को देखने के लिए, 51:56, उसकी पूजा करने के लिए]**

Walain akhkharna AAanhumu alAAathaba ila ommatin maAAdoodatin layaqoolunna ma yahbisuhu ala yawma yateehim laysa masroofan AAanhum wahaqa bihim ma kanoo bihi yastahzioona	x	And if We hold back from them the punishment for a limited time, they will surely say, "What detains it?" Unquestionably, on the Day it comes to them, it will not be averted from them, and they will be enveloped by what they used to ridicule.	11:8	यदि हम एक निश्चित अवधि तक के लिए उनसे यातना को टाले रखें, तो वे कहने लगेंगे, "आख़िर किस चीज़ ने उसे रोक रखा है?" सुन लो! जिन दिन वह उनपर आ जाएगी तो फिर वह उनपर से टाली नहीं जाएगी। और वही चीज़ उन्हें घेर लेगी जिसका वे उपहास करते है	x
Walain athaqna alinsana minna rahmatan thumma nazaAAnaha minhu innahu layaoosun kafoorun	x	And if We give man a taste of mercy from Us and then We withdraw it from him, indeed, he is despairing and ungrateful.	11:9	यदि हम मनुष्य को अपनी दयालुता का रसास्वादन कराकर फिर उसको छीन लें, तो (वह दयालुता के लिए याचना नहीं करता) निश्चय ही वह निराशावादी, कृतघ्न है	x
Walain athaqnahu naAAmaa baAAda darraa massathu layaqoolanna thahaba alssayyiatu AAannee innahu lafarihun fakhoorun	x	But if We give him a taste of favor after hardship has touched him, he will surely say, "Bad times have left me." Indeed, he is exultant and boastful -	11:10	और यदि हम इसके पश्चात कि उसे तकलीफ़ पहुँची हो, उसे नेमत का रसास्वादन कराते है तो वह कहने लगता है, "मेरे तो सारे दुख दूर हो गए।" वह तो फूला नहीं समाता, डींगे मारने लगता है	x

Illa allatheena sabaroo waAAamiloo alssalihati olaika lahum maghfiratun waajrun kabeerun	x	Except for those who are patient and do righteous deeds; those will have forgiveness and great reward.	11:11	उनकी बात दूसरी है जिन्होंने धैर्य से काम लिया और सत्कर्म किए। वही है जिनके लिए क्षमा और बड़ा प्रतिदान है	x
FalaAAallaka tarikun baAAda ma yooha ilayka wadaiqun bihi sadruka an yaqooloo lawla onzila AAalayhi kanzun aw jaa maAAahu malakun innama anta natheerun waAllahu AAala kulli shayin	The Messenger grieving by the statements of the Polytheists, and Allah consoles him.	Then would you possibly leave [out] some of what is revealed to you, or is your breast constrained by it because they say, "Why has there not been sent down to him a treasure or come with him an angel?" But you are only a warner. And Allah is Disposer of all things.	11:12	तो शायद तुम उसमें से कुछ छोड़ बैठोगे, जो तुम्हारी ओर प्रकाशना रूप में भेजी जा रही है। और तुम इस बात पर तंगदिल हो रहे हो कि वे कहते है, "उसपर कोई ख़ज़ाना क्यों नहीं उतरा या उसके साथ कोई फ़रिश्ता क्यों नहीं आया?" तुम तो केवल सचेत करनेवाले हो। हर चीज़ अल्लाह ही के हवाले है	पैगम्बर बहुदेववादियों के बयानों से दुखी हैं, और अल्लाह उन्हें तसल्ली देता है।
Am yaqooloona iftarahu qul fatoo biAAashri suwarin mithlihi muftarayatin waodAAoo mani istataAAtum min dooni Allahi in kuntum sadiqeena	**[Here, the difficulty is increased significantly, as skeptics are challenged to produce not just one but ten suras like it; 2:23 (One sura), 10:38 (one sura), 11:13 (10 sura), 17:88 (similar to it)]**	Or do they say, "He invented it"? Say, "Then bring ten surahs like it that have been invented and call upon [for assistance] whomever you can besides Allah, if you should be truthful."	11:13	(उन्हें कोई शंका है) या वे कहते है कि "उसने इसे स्वयं घड़ लिया है?" कह दो, "अच्छा, यदि तुम सच्चे हो तो इस जैसी घड़ी हुई दस सूरतें ले आओ और अल्लाह से हटकर जिस किसी को बुला सकते हो बुला लो।"	**[यहाँ, कठिनाई काफ़ी बढ़ा दी गई है, क्योंकि शंकावादियों को चुनौती दी जाती है कि वे केवल एक ही नहीं बल्कि इससे मिलती-जुलती दस सुराएं प्रस्तुत करें; 2:23 (एक सूरत), 10:38 (एक सूरत), 11:13 (10 सूरतें), 17:88 (इससे मिलती-जुलती)]**

Fai llam yastajeeboo lakum faiAAlamoo annama onzila biAAilmi Allahi waan la ilaha illa huwa fahal antum muslimoona	**[But polytheist believed that their dieties responds to their call.]**	And if they do not respond to you - then know that the Qur'an was revealed with the knowledge of Allah and that there is no deity except Him. Then, would you [not] be Muslims?	11:14	फिर यदि वे तुम्हारी बातें न मानें तो जान लो, यह अल्लाह के ज्ञान ही के साथ अवतरित हुआ है। और यह कि उसके सिवा कोई पूज्य-प्रभु नहीं। तो अब क्या तुम मुस्लिम (आज्ञाकारी) होते हो?	**[लेकिन बहुदेववादी मानते थे कि उनके देवता उनकी पुकार का उत्तर देते हैं।]**
Man kana yureedu alhayata alddunya wazeenataha nuwaffi ilayhim aAAmalahum feeha wahum feeha la yubkhasoona	Whoever wants the worldly Life, then he will have no Share of the Hereafter. **[But Muslims pray for various worldly things from Allah.]**	Whoever desires the life of this world and its adornments - We fully repay them for their deeds therein, and they therein will not be deprived.	11:15	जो व्यक्ति सांसारिक जीवन और उसकी शोभा का इच्छुक हो तो ऐसे लोगों को उनके कर्मों का पूरा-पूरा बदला हम यहीं दे देते है और इसमें उनका कोई हक़ नहीं मारा जाता	जो कोई जीवन की इस दुनिया का चाहत रखता है, तो उसे आने वाले जीवन का कोई हिस्सा नहीं मिलेगा। **[लेकिन मुसलमान अल्लाह से विभिन्न सांसारिक चीजों की दुआ करते हैं।]**
Olaika allatheena laysa lahum fee alakhirati illa alnnaru wahabita ma sanaAAoo feeha wabatilun ma kanoo yaAAmaloona	x	Those are the ones for whom there is not in the Hereafter but the Fire. And lost is what they did therein, and worthless is what they used to do.	11:16	यही वे लोग है जिनके लिए आख़िरत में आग के सिवा और कुछ भी नहीं। उन्होंने जो कुछ बनाया, वह सब वहाँ उनकी जान को लागू हुआ और उनका सारा किया-धरा मिथ्या होकर रहा	x

Afaman kana AAala bayyinatin min rabbihi wayatloohu shahidun minhu wamin qablihi kitabu moosa imaman warahmatan olaika yuminoona bihi waman yakfur bihi mina alahzabi faalnnaru mawAAiduhu fala taku fee miryatin minhu innahu alhaqqu min rabbika walakinna akthara alnnasi la yuminoona	Witness is prophet Muhammad (pbuh).	So is one who [stands] upon a clear evidence from his Lord [like the aforementioned]? And a witness from Him follows it, and before it was the Scripture of Moses to lead and as mercy. Those [believers in the former revelations] believe in the Qur'an. But whoever disbelieves in it from the [various] factions - the Fire is his promised destination. So be not in doubt about it. Indeed, it is the truth from your Lord, but most of the people do not believe.	11:17	फिर क्या वह व्यक्ति जो अपने रब के एक स्पष्ट प्रमाण पर है और स्वयं उसके रूप में भी एक गवाह उसके साथ-साथ रहता है - और इससे पहले मूसा की किताब भी एक मार्गदर्शक और दयालुता के रूप में उपस्थित रही है- (और वह जो प्रकाश एवं मार्गदर्शन से वंचित है, दोनों बराबर हो सकते है) ऐसे ही लोग उसपर ईमान लाते है, किन्तु इन गिरोहों में से जो उसका इनकार करेगा तो उसके लिए जिस जगह का वादा है, वह तो आग है। अतः तुम्हें इसके विषय में कोई सन्देह न हो। यह तुम्हारे रब की ओर से सत्य है, किन्तु अधिकतर लोग मानते नहीं	गवाह पैगंबर मुहम्मद (स.) हैं।
Waman athlamu mimmani iftara AAala Allahi kathiban olaika yuAAradoona AAala rabbihim wayaqoolu alashhadu haolai allatheena kathaboo AAala rabbihim ala	x	And who is more unjust than he who invents a lie about Allah? Those will be presented before their Lord, and the witnesses will say, "These are the ones who lied against their Lord." Unquestionably, the curse of Allah is upon the wrongdoers.	11:18	उस व्यक्ति से बढ़कर अत्याचारी कौन होगा जो अल्लाह पर थोपकर झूठ घड़े। ऐसे लोग अपने रब के सामने पेश होंगे और गवाही देनेवाले कहेंगे, "यही लोग है जिन्होंने अपने रब पर झूठ घड़ा।" सुन लो! ऐसे अत्याचारियों पर अल्लाह की लानत है	x

Allatheena yasuddoona AAan sabeeli Allahi wayabghoonaha AAiwajan wahum bialakhirati hum kafiroona	Those who disbelieved and hinder (men) from the path of Allah, for them will be additional torment.	Who averted [people] from the way of Allah and sought to make it [seem] deviant while they, concerning the Hereafter, were disbelievers.	11:19	जो अल्लाह के मार्ग से रोकते है और उसमें टेढ़ पैदा करना चाहते है; और वही आख़िरत का इनकार करते है	जो लोग ईमान न लाए और लोगों को अल्लाह के मार्ग से रोकें, उनके लिए अतिरिक्त यातना होगी।
Olaika lam yakoonoo muAAjizeena fee alardi wama kana lahum min dooni Allahi min awliyaa yudaAAafu lahumu alAAathabu ma kanoo yastateeAAoona alssamAAa wama	x	Those were not causing failure [to Allah] on earth, nor did they have besides Allah any protectors. For them the punishment will be multiplied. They were not able to hear, nor did they see.	11:20	वे धरती में क़ाबू से बाहर नहीं जा सकते और न अल्लाह से हटकर उनका कोई समर्थक ही है। उन्हें दोहरी यातना दी जाएगी। वे न सुन ही सकते थे और न देख ही सकते थे	x
Olaika allatheena khasiroo anfusahum wadalla AAanhum ma kanoo yaftaroona	x	Those are the ones who will have lost themselves, and lost from them is what they used to invent.	11:21	ये वही लोग है जिन्होंने अपने आपको घाटे में डाला और जो कुछ वे घड़ा करते थे, वह सब उनमें गुम होकर रह गया	x
La jarama annahum fee alakhirati humu alakhsaroona	x	Assuredly, it is they in the Hereafter who will be the greatest losers.	11:22	निश्चय ही वही आख़िरत में सबसे बढ़कर घाटे में रहेंगे	x

Inna allatheena amanoo waAAamiloo alsalihati waakhbatoo ila rabbihim olaika ashabu aljannati	x	Indeed, they who have believed and done righteous deeds and humbled themselves to their Lord - those are the companions of Paradise; they will abide eternally	11:23	रहे वे लोग जो ईमान लाए और उन्होंने अच्छे कर्म किए और अपने रब की ओर झूक पड़े वही जन्नतवाले है, उसमें वे सदैव रहेंगे	x
Mathalu alfareeqayni kaalaAAma waalasammi waalbaseeri waalssameeAAi hal yastawiyani	The disbelievers are blind and deaf.	The example of the two parties is like the blind and deaf, and the seeing and hearing. Are they equal in comparison? Then, will you not remember?	11:24	दोनों पक्षों की उपमा ऐसी है जैसे एक अन्धा और बहरा हो और एक देखने और सुननेवाला। क्या इन दोनों की दशा समान हो सकती है? तो क्या तुम होश से काम नहीं लेते?	काफ़िर अंधे और बहरे हैं।
Walaqad arsalna noohan ila qawmihi innee lakum natheerun mubeenun	**[There is a significant difference from the Biblical story in Genesis 6-9. God tells him, “I have determined to make an end of all flesh; for the earth is filled with violence through them; behold, I will destroy them with the earth” (Genesis 6:13) and tells him to build the ark, but God doesn’t tell him to go warn the people about the**	And We had certainly sent Noah to his people, [saying], "Indeed, I am to you a clear warner	11:25	हमने नूह को उसकी क़ौम की ओर भेजा। (उसने कहा,) "मैं तुम्हें साफ़-साफ़ चेतावनी देता हूँ	**[उत्पत्ति 6-9 में बाइबिल की कहानी से एक महत्वपूर्ण अंतर है। भगवान उससे कहते हैं, “मैंने सभी प्राणियों को समाप्त करने का निर्णय लिया है; क्योंकि पृथ्वी उनके कारण अत्याचार से भरी हुई है; देखो, मैं उन्हें पृथ्वी के साथ नष्ट कर दूँगा” (उत्पत्ति 6:13) और उससे नाव बनाने को कहते हैं, लेकिन भगवान उससे बाढ़ के बारे में लोगों को चेताने को नहीं कहते।]**
An la taAAbudoo illa Allaha innee akhafu AAalaykum AAathaba yawmin aleemin	x	That you not worship except Allah. Indeed, I fear for you the punishment of a painful day."	11:26	यह कि तुम अल्लाह के सिवा किसी की बन्दगी न करो। मुझे तुम्हारे विषय में एक दुखद दिन की यातना का भय है।"	x

Faqala almalao allatheena kafaroo min qawmihi ma naraka illa basharan mithlana wama naraka ittabaAAaka illa allatheena hum arathiluna badiya alrrayi wama nara lakum AAalayna min fadlin bal nathunnukum kathibeena	Noah's people did the same thing, as the Meccan chieftains did with prophet Muhammd (pbuh).	So the eminent among those who disbelieved from his people said, "We do not see you but as a man like ourselves, and we do not see you followed except by those who are the lowest of us [and] at first suggestion. And we do not see in you over us any merit; rather, we think you are liars."	11:27	इसपर उसकी क़ौम के सरदार, जिन्होंने इनकार किया था, कहने लगे, "हमारी दृष्टि में तो तुम हमारे ही जैसे आदमी हो और हम देखते है कि बस कुछ ऐसे लोग ही तुम्हारे अनुयायी है जो पहली स्पष्ट में हमारे यहाँ के नीच है। हम अपने मुक़ाबले में तुममें कोई बड़ाई नहीं देखते, बल्कि हम तो तुम्हें झूठा समझते है।"	नूह के लोग वही काम कर रहे थे, जैसा कि मक्का के सरदारों ने पैगंबर मुहम्मद (स.) के साथ किया।
Qala ya qawmi araaytum in kuntu AAala bayyinatin min rabbee waatanee rahmatan min AAindihi faAAummiyat AAalaykum anulzimukumooha waantum laha karihoona	x	He said, "O my people have you considered: if I should be upon clear evidence from my Lord while He has given me mercy from Himself but it has been made unapparent to you, should we force it upon you while you are averse to it?	11:28	उसने कहा, "ऐ मेरी क़ौम के लोगो! तुम्हारा क्या विचार है? यदि मैं अपने रब के एक स्पष्ट प्रमाण पर हूँ और उसने मुझे अपने पास से दयालुता भी प्रदान की है, फिर वह तुम्हें न सूझे तो क्या हम हठात उसे तुमपर चिपका दें, जबकि वह तुम्हें अप्रिय है?	x

Waya qawmi la asalukum AAalayhi malan in ajriya illa AAala Allahi wama ana bitaridi allatheena amanoo innahum mulaqoo rabbihim walakinnee arakum qawman tajhaloona	x	And O my people, I ask not of you for it any wealth. My reward is not but from Allah. And I am not one to drive away those who have believed. Indeed, they will meet their Lord, but I see that you are a people behaving ignorantly.	11:29	और ऐ मेरी क़ौम के लोगो! मैं इस काम पर कोई धन नहीं माँगता। मेरा पारिश्रमिक तो बस अल्लाह के ज़िम्मे है। मैं ईमान लानेवालो को दूर करनेवाला भी नहीं। उन्हें तो अपने रब से मिलना ही है, किन्तु मैं तुम्हें देख रहा हूँ कि तुम अज्ञानी लोग हो	x
Waya qawmi man yansurunee mina Allahi in taradtuhum afala tathakkaroona	x	And O my people, who would protect me from Allah if I drove them away? Then will you not be reminded?	11:30	और ऐ मेरी क़ौम के लोगो! यदि मैं उन्हें धुत्कार दूँ तो अल्लाह के मुक़ाबले में कौन मेरी सहायता कर सकता है? फिर क्या तुम होश से काम नहीं लेते?	x
Wala aqoolu lakum AAindee khazainu Allahi wala aAAlamu alghayba wala aqoolu innee malakun wala aqoolu lillatheena tazdaree aAAyunukum lan yutiyahumu Allahu khayran Allahu aAAlamu bima fee anfusihim innee ithan lamina alththalimeena	**[In 6:50, Prophet Muhammad was commanded to say almost similar thing.]**	And I do not tell you that I have the depositories [containing the provision] of Allah or that I know the unseen, nor do I tell you that I am an angel, nor do I say of those upon whom your eyes look down that Allah will never grant them any good. Allah is most knowing of what is within their souls. Indeed, I would then be among the wrongdoers."	11:31	और मैं तुमसे यह नहीं कहता कि मेरे पास अल्लाह के ख़ज़ाने है और न मुझे परोक्ष का ज्ञान है और न मैं यह कहता हूँ कि मैं कोई फ़रिश्ता हूँ और न उन लोगों के विषय में, जो तुम्हारी दृष्टि में तुच्छ है, मैं यह कहता हूँ कि अल्लाह उन्हें कोई भलाई न देगा। जो कुछ उनके जी में है, अल्लाह उसे भली-भाँति जानता है। (यदि मैं ऐसा कहूँ) तब तो मैं अवश्य ही ज़ालिमों में से हूँगा।"	**[6:50 में, पैगंबर मुहम्मद से लगभग वही बात कहने का आदेश दिया गया था।]**

Qaloo ya noohu qad jadaltana faaktharta jidalana fatina bima taAAiduna in kunta mina alssadiqeena	Bible's story of Noah is very different from Quran's.	They said, "O Noah, you have disputed us and been frequent in dispute of us. So bring us what you threaten us, if you should be of the truthful."	11:32	उन्होंने कहा, "ऐ नूह! तुम हमसे झगड़ चुके और बहुत झगड़ चुके। यदि तुम सच्चे हो तो जिसकी तुम हमें धमकी देते हो, अब उसे हम पर ले ही आओ।"	बाइबिल की नूह की कहानी कुरआन से बहुत अलग है।
Qala innama yateekum bihi Allahu in shaa wama antum bimuAAjizeena	x	He said, "Allah will only bring it to you if He wills, and you will not cause [Him] failure.	11:33	उसने कहा, "वह तो अल्लाह ही यदि चाहेगा तो तुमपर लाएगा और तुम क़ाबू से बाहर नहीं जा सकते	x
Wala yanfaAAukum nushee in aradtu an ansaha lakum in kana Allahu yureedu an yughwiyakum huwa rabbukum wailayhi turjaAAoona	**[Noah affirms that preaching to the unbelievers is pointless if Allah has determined to prevent them from believing. See 7:179, 10:99, and 32:13.]**	And my advice will not benefit you - although I wished to advise you - If Allah should intend to put you in error. He is your Lord, and to Him you will be returned."	11:34	अब जबकि अल्लाह ही ने तुम्हें विनष्ट करने का निश्चय कर लिया हो, तो यदि मैं तुम्हारा भला भी चाहूँ, तो मेरा भला चाहना तुम्हें कुछ भी लाभ नहीं पहुँचा सकता। वही तुम्हारा रब है और उसी की ओर तुम्हें पलटना भी है।"	**[नोआ यह पुष्टि करते हैं कि अविश्वासियों को उपदेश देना व्यर्थ है यदि अल्लाह ने उन्हें विश्वास करने से रोकने का निर्णय लिया है। देखें 7:179, 10:99, और 32:13।]**
Am yaqooloona iftarahu qul ini iftaraytuhu faAAalayya ijramee waana bareeon mimma tujrimoona	Like prophet Muhammad (pbuh) (11:13), Noah is accused of fabricating the revelations he receives from Allah.	Or do they say [about Prophet Muhammad], "He invented it"? Say, "If I have invented it, then upon me is [the consequence of] my crime; but I am innocent of what [crimes] you commit."	11:35	(क्या उन्हें कोई खटक है) या वे कहते है, "उसने स्वयं इसे घड़ लिया है?" कह दो, "यदि मैंने इसे घड़ लिया है तो मेरे अपराध का दायित्व मुझपर ही है। और जो अपराध तुम कर रहे हो मैं उसके दायित्व से मुक्त हूँ।"	जैसे नबी मुहम्मद (स.) (11:13), नूह पर भी अल्लाह से मिली आयतें को बनावट करने का आरोप लगाया जाता है।

Waoohiya ila noohin annahu lan yumina min qawmika illa man qad amana fala tabtais bima kanoo yafAAaloona	x	And it was revealed to Noah that, "No one will believe from your people except those who have already believed, so do not be distressed by what they have been doing.	11:36	नूह की ओर प्रकाशना की गई कि "जो लोग ईमान ला चुके है, उनके सिवा अब तुम्हारी क़ौम में कोई ईमान लानेवाला नहीं। अतः जो कुछ वे कर रहे है उसपर तुम दुखी न हो	x
WaisnaAAi alfulka biaAAyunina wawahyina wala tukhatibnee fee allatheena thalamoo innahum mughraqoona	x	And construct the ship under Our observation and Our inspiration and do not address Me concerning those who have wronged; indeed, they are [to be] drowned."	11:37	तुम हमारे समक्ष और हमारी प्रकाशना के अनुसार नाव बनाओ और अत्याचारियों के विषय में मुझसे बात न करो। निश्चय ही वे डूबकर रहेंगे।"	x
WayasnaAAu alfulka wakullama marra AAalayhi malaon min qawmihi sakhiroo minhu qala in taskharoo minna fainna naskharu minkum kama	x	And he constructed the ship, and whenever an assembly of the eminent of his people passed by him, they ridiculed him. He said, "If you ridicule us, then we will ridicule you just as you ridicule.	11:38	जब नाव बनाने लगता है। उसकी क़ौम के सरदार जब भी उसके पास से गुज़रते तो उसका उपहास करते। उसने कहा, "यदि तुम हमारा उपहास करते हो तो हम भी तुम्हारा उपहास करेंगे, जैसे तुम हमारा उपहास करते हो	x
Fasawfa taAAlamoona man yateehi AAathabun yukhzeehi wayahillu AAalayhi AAathabun muqeemun	x	And you are going to know who will get a punishment that will disgrace him [on earth] and upon whom will descend an enduring punishment [in the Hereafter]."	11:39	अब शीघ्र ही तुम जान लोगे कि कौन है जिसपर ऐसी यातना आती है, जो उसे अपमानित कर देगी और जिसपर ऐसी स्थाई यातना टूट पड़ती है	x

Hatta itha jaa amruna wafara alttannooru qulna ihmil feeha min kullin zawjayni ithnayni waahlaka illa man sabaqa AAalayhi alqawlu waman amana wama amana maAAahu illa qaleelun	**[Oven overflowed does not make sense; All animal pairs can't be accomodated in one Ark. Also those creatures need food also; As per the laws of nature just one pair of each species would not be enough to establish that animal races.]**	[So it was], until when Our command came and the oven overflowed, We said, "Load upon the ship of each [creature] two mates and your family, except those about whom the word has preceded, and [include] whoever has believed." But none had believed with him, except	11:40	यहाँ तक कि जब हमारा आदेश आ गया और तंदूर उबल पड़ा तो हमने कहा, "हर जाति में से दो-दो के जोड़े चढ़ा लो और अपने घरवालों को भी - सिवाय ऐसे व्यक्ति के जिसके बारे में बात तय पा चुकी है - और जो ईमान लाया हो उसे भी।" किन्तु उसके साथ जो ईमान लाए थे वे थोड़े ही थे	**[तंदूर उबल पड़ना सही नहीं है; सभी जानवरों की जोड़ी एक ही नाव में नहीं रखी जा सकती हैं। इसके अलावा उन जीवों को भोजन भी चाहिए; प्रकृति के नियमों के अनुसार, प्रत्येक प्रजाति की केवल एक जोड़ी जानवरों की नस्ल स्थापित करने के लिए पर्याप्त नहीं होगी।]**
Waqala irkaboo feeha bismi Allahi majraha wamursaha inna rabbee laghafoorun raheemun	x	And [Noah] said, "Embark therein; in the name of Allah is its course and its anchorage. Indeed, my Lord is Forgiving and Merciful."	11:41	उसने कहा, "उसमें सवार हो जाओ। अल्लाह के नाम से इसका चलना भी है और इसका ठहरना भी। निस्संदेह मेरा रब अत्यन्त क्षमाशील, दयावान है।"	x

Wahiya tajree bihim fee mawjin kaaljibali wanada noohunu ibnahu wakana fee maAAzilin ya bunayya irkab maAAana wala takun maAAa alkafireena	**[Genesis 5:32, 6:10, Noah begat three sons, Shem, Ham, and Japheth. Genesis 7:13: In very of day, this, Noah entered, and Shem, and Ham, and Japheth, sons of Noah, and Noah's woman, and three of women of sons of him with them to the ark; So none of Noah's son died as per Bible; When a boat is floating among waves like mountains, the noise will make it impossible to communicate with anyone ashore; Also rains does not produce waves like mountain; Also if there is such a flood which will produce waves like mountain entire earth will be drowned; Verse 66:10, Noah's Wife was**	And it sailed with them through waves like mountains, and Noah called to his son who was apart [from them], "O my son, come aboard with us and be not with the disbelievers."	11:42	और वह (नाव) उन्हें लिए हुए पहाड़ों जैसी ऊँची लहर के बीच चल रही थी। नूह ने अपने बेटे को, जो उससे अलग था, पुकारा, "ऐ मेरे बेटे! हमारे साथ सवार हो जा। तू इनकार करनेवालों के साथ न रह।"	**[जीनिसिस 5:32, 6:10, नूह ने तीन बेटे पैदा किये, शेम, हाम, और याफेत। जीनिसिस 7:13: उस दिन, नूह और शेम, और हाम, और याफेत, नूह के पुत्र, और नूह की महिला, और उनके पुत्रों की तीन महिलाओं ने जहाज़ में प्रवेश किया; इसलिए बाइबिल के अनुसार नूह के किसी बेटे की मृत्यु नहीं हुई; जब कोई नाव पहाड़ जैसी लहरों के बीच तैर रही हो, तो आवाज़ किसी भी तट पर किसी से संवाद करना असंभव बना देगी; साथ ही बारिश से पहाड़ जैसी लहरें नहीं बनती; और यदि ऐसा बाढ़ होता जो पहाड़ जैसी लहरें उत्पन्न करे तो पूरी पृथ्वी डूब जाएगी; आयत 66:10, नूह की पत्नी एक अविश्वासी थी।]**
Qala saawee ila jabalin yaAAsimunee mina almai qala la AAasima alyawma min amri Allahi illa man rahima wahala baynahuma almawju fakana mina almughraqeena	**[In the flood, Entire family of Nuh survived 21:76; Son drowned 11:43, Wife should also have drowned 66:10]**	[But] he said, "I will take refuge on a mountain to protect me from the water." [Noah] said, "There is no protector today from the decree of Allah, except for whom He gives mercy." And the waves came between them, and he was among the	11:43	उसने कहा, "मैं किसी पहाड़ से जा लगूँगा, जो मुझे पानी से बचा लेगा।" कहा, "आज अल्लाह के आदेश (फ़ैसले) से कोई बचानेवाला नहीं है सिवाय उसके जिसपर वह दया करे।" इतने में दोनों के बीच लहर आ पड़ी और डूबनेवालों के साथ वह भी डूब गया	**[बाढ़ में, नूह का पूरा परिवार बच गया 21:76; बेटा डूब गया 11:43, wife 66:10]**

Waqeela ya ardu iblaAAee maaki waya samao aqliAAee wagheeda almao waqudiya alamru waistawat AAala aljoodiyyi waqeela buAAdan lilqawmi alththalimeena	**[With so much flood most of water should have gone into sea. Small amount may have been absorbed in earth; Again earth and sky hear and understand.]**	And it was said, "O earth, swallow your water, and O sky, withhold [your rain]." And the water subsided, and the matter was accomplished, and the ship came to rest on the [mountain of] Judiyy. And it was said, "Away with the wrongdoing people."	11:44	और कहा गया, "ऐ धरती! अपना पानी निगल जा और ऐ आकाश! तू थम जा।" अतएव पानी तह में बैठ गया और फ़ैसला चुका दिया गया और वह (नाव) जूदी पर्वत पर टिक गई औऱ कह दिया गया, "फिटकार हो अत्याचारी लोगों पर!"	**[इतनी बाढ़ के साथ अधिकांश पानी समुद्र में चला जाना चाहिए। थोड़ी मात्रा शायद जमीन में सोख ली गई हो; फिर भी जमीन और आकाश सुनते और समझते हैं।]**
Wanada noohun rabbahu faqala rabbi inna ibnee min ahlee wainna waAAdaka alhaqqu waanta ahkamu alhakimeena	x	And Noah called to his Lord and said, "My Lord, indeed my son is of my family; and indeed, Your promise is true; and You are the most just of	11:45	नूह ने अपने रब को पुकारा और कहा, "मेरे रब! मेरा बेटा मेरे घरवालों में से है और निस्संदेह तेरा वादा सच्चा है और तू सबसे बड़ा हाकिम भी है।"	x
Qala ya noohu innahu laysa min ahlika innahu AAamalun ghayru salihin fala tasalni ma laysa laka bihi AAilmun innee aAAithuka an takoona mina	Allah tells Noah, that his son was not a member of his family, because he was an unbeliever (11:46). Belief and unbelief in Islam are more important than even family ties.	He said, "O Noah, indeed he is not of your family; indeed, he is [one whose] work was other than righteous, so ask Me not for that about which you have no knowledge. Indeed, I advise you, lest you be among the	11:46	कहा, "ऐ नूह! वह तेरे घरवालों में से नहीं, वह तो सर्वथा एक बिगड़ा काम है। अतः जिसका तुझे ज्ञान नहीं, उसके विषय में मुझसे न पूछ, तेरे नादान हो जाने की आशंका से मैं तुझे नसीहत करता हूँ।"	अल्लाह नूह से कहते हैं कि उनका बेटा उनके परिवार का सदस्य नहीं था, क्योंकि वह अविश्वासी था (11:46)। इस्लाम में आस्था और अविश्वास परिवारिक संबंधों से भी अधिक महत्वपूर्ण हैं।

Qala rabbi innee aAAoothu bika an asalaka ma laysa lee bihi AAilmun wailla taghfir lee watarhamnee akun mina alkhasireena	x	[Noah] said, "My Lord, I seek refuge in You from asking that of which I have no knowledge. And unless You forgive me and have mercy upon me, I will be among the losers."	11:47	उसने कहा, "मेरे रब! मैं इससे तेरी पनाह माँगता हूँ कि तुझसे उस चीज़ का सवाल करूँ जिसका मुझे कोई ज्ञान न हो। अब यदि तूने मुझे क्षमा न किया और मुझपर दया न की, तो मैं घाटे में पड़कर रहूँगा।"	x
Qeela ya noohu ihbit bisalamin minna wabarakatin AAalayka waAAala omamin mimman maAAaka waomamun sanumattiAAuhum thumma yamassuhum minna AAathabun aleemun	**[Allah is saying that while there will be blessing on the lineage of Noah, other nations will be not be lucky.]**	It was said, "O Noah, disembark in security from Us and blessings upon you and upon nations [descending] from those with you. But other nations [of them] We will grant enjoyment; then there will touch them from Us a painful punishment."	11:48	कहा गया, "ऐ नूह! हमारी ओर से सलामती और उन बरकतों के साथ उतर, जो तुझपर और उन गिरोहों पर होगी, जो तेरे साथवालों में से होंगे। कुछ गिरोह ऐसे भी होंगे जिन्हें हम थोड़े दिनों का सुखोपभोग कराएँगे। फिर उन्हें हमारी ओर से दुखद यातना आ पहुँचेगी।"	**[अल्लाह कह रहे हैं कि नूह की संतान पर तो आशीर्वाद होगा, लेकिन अन्य जातियों पर सौभाग्य नहीं होगा।]**
Tilka min anbai alghaybi nooheeha ilayka ma kunta taAAlamuha anta wala qawmuka min qabli hatha faisbir inna alAAaqibata lilmuttaqeena	x	That is from the news of the unseen which We reveal to you, [O Muhammad]. You knew it not, neither you nor your people, before this. So be patient; indeed, the [best] outcome is for the righteous.	11:49	ये परोक्ष की ख़बरें हैं जिनकी हम तुम्हारी ओर प्रकाशना कर रहे है। इससे पहले तो न तुम्हें इनकी ख़बर थी और न तुम्हारी क़ौम को। अतः धैर्य से काम लो। निस्संदेह अन्तिम परिणाम डर रखनेवालो के पक्ष में है	x

Waila AAadin akhahum hoodan qala ya qawmi oAAbudoo Allaha ma lakum min ilahin ghayruhu in antum illa muftaroona	The story of the extrabiblical prophet Hud.	And to 'Aad [We sent] their brother Hud. He said, "O my people, worship Allah; you have no deity other than Him. You are not but inventors [of falsehood].	11:50	और 'आद' की ओर उनके भाई 'हूद' को भेजा। उसने कहा, "ऐ मेरी क़ौम के लोगो! अल्लाह की बन्दगी करो। उसके सिवा तुम्हारा कोई पूज्य प्रभु नहीं। तुमने तो बस झूठ घड़ रखा हैं	नबी हूद की कहानी बाइबल से बाहर की है।
Ya qawmi la asalukum AAalayhi ajran in ajriya illa AAala allathee fataranee afala taAAqiloona	x	O my people, I do not ask you for it any reward. My reward is only from the one who created me. Then will you not reason?	11:51	ऐ मेरी क़ौम के लोगो! मैं इसपर तुमसे कोई पारिश्रमिक नहीं माँगता। मेरा पारिश्रमिक तो बस उसके ज़िम्मे है जिसने मुझे पैदा किया। फिर क्या तुम बुद्धि से काम नहीं लेते?	x
Waya qawmi istaghfiroo rabbakum thumma tooboo ilayhi yursili alssamaa AAalaykum midraran wayazidkum quwwatan ila quwwatikum wala	x	And O my people, ask forgiveness of your Lord and then repent to Him. He will send [rain from] the sky upon you in showers and increase you in strength [added] to your strength. And do not turn away, [being] criminals."	11:52	ऐ मेरी क़ौम के लोगो! अपने रब से क्षमा याचना करो, फिर उसकी ओर पलट आओ। वह तुमपर आकाश को ख़ूब बरसता छोड़ेगा और तुममें शक्ति पर शक्ति की अभिवृद्धि करेगा। तुम अपराधी बनकर मुँह न फेरो।"	x
Qaloo ya hoodu ma jitana bibayyinatin wama nahnu bitarikee alihatina AAan qawlika wama nahnu laka bimumineena	x	They said, "O Hud, you have not brought us clear evidence, and we are not ones to leave our gods on your say-so. Nor are we believers in you.	11:53	उन्होंने कहा, "ऐ हूद! तू हमारे पास कोई स्पष्ट प्रमाण लेकर नहीं आया है। तेरे कहने से हम अपने इष्ट - पूज्यों को नहीं छोड़ सकते और न हम तुझपर ईमान लानेवाले है	x

In naqoolu illa iAAtaraka baAAdu alihatina bisooin qala innee oshhidu Allaha waishhadoo annee bareeon mimma tushrikoona	x	We only say that some of our gods have possessed you with evil." He said, "Indeed, I call Allah to witness, and witness [yourselves] that I am free from whatever you associate with Allah	11:54	हम तो केवल यही कहते है कि हमारे इष्ट-पूज्यों में से किसी की तुझपर मार पड़ गई है।" उसने कहा, "मैं तो अल्लाह को गवाह बनाता हूँ और तुम भी गवाह रहो कि उनसे मेरा कोई सम्बन्ध नहीं,	x
Min doonihi fakeedoonee jameeAAan thumma la tunthirooni	x	Other than Him. So plot against me all together; then do not give me respite.	11:55	जिनको तुम साझी ठहराकर उसके सिवा पूज्य मानते हो। अतः तुम सब मिलकर मेरे साथ दाँव-घात लगाकर देखो और मुझे मुहलत न दो	x
Innee tawakkaltu AAala Allahi rabbee warabbikum ma min dabbatin illa huwa akhithun binasiyatiha inna rabbee AAala siratin	x	Indeed, I have relied upon Allah, my Lord and your Lord. There is no creature but that He holds its forelock. Indeed, my Lord is on a path [that is] straight."	11:56	मेरा भरोसा तो अल्लाह, अपने रब और तुम्हारे रब, पर है। चलने-फिरनेवाला जो प्राणी भी है, उसकी चोटी तो उसी के हाथ में है। निस्संदेह मेरा रब सीधे मार्ग पर है	x
Fain tawallaw faqad ablaghtukum ma orsiltu bihi ilaykum wayastakhlifu rabbee qawman ghayrakum wala tadurroonahu shayan inna rabbee AAala kulli shayin hafeethun	x	But if they turn away, [say], "I have already conveyed that with which I was sent to you. My Lord will give succession to a people other than you, and you will not harm Him at all. Indeed my Lord is, over all things, Guardian."	11:57	किन्तु यदि तुम मुँह मोड़ते हो तो जो कुछ देकर मुझे तुम्हारी ओर भेजा गया था, वह तो मैं तुम्हें पहुँचा ही चुका। मेरा रब तुम्हारे स्थान पर दूसरी किसी क़ौम को लाएगा और तुम उसका कुछ न बिगाड़ सकोगे। निस्संदेह मेरा रब हर चीज़ की देख-भाल कर रहा है।"	x

Walamma jaa amruna najjayna hoodan waallatheena amanoo maAAahu birahmatin minna wanajjaynahum min	x	And when Our command came, We saved Hud and those who believed with him, by mercy from Us; and We saved them from a harsh punishment.	11:58	और जब हमारा आदेश आ पहुँचा तो हमने हूद और उसके साथ के ईमान लानेवालों को अपनी दयालुता से बचा लिया। और एक कठोर यातना से हमने उन्हें छुटकारा दिया	x
Watilka AAadun jahadoo biayati rabbihim waAAasaw rusulahu waittabaAAoo amra kulli jabbarin AAaneedin	x	And that was 'Aad, who rejected the signs of their Lord and disobeyed His messengers and followed the order of every obstinate tyrant.	11:59	ये आद है, जिन्होंने अपने रब की आयतों का इनकार किया; उसके रसूलों की अवज्ञा की और हर सरकश विरोधी के पीछे चलते रहे	x
WaotbiAAoo fee hathihi alddunya laAAnatan wayawma alqiyamati ala inna AAadan kafaroo rabbahum ala buAAdan liAAadin	x	And they were [therefore] followed in this world with a curse and [as well] on the Day of Resurrection. Unquestionably, 'Aad denied their Lord; then away with 'Aad, the people of Hud.	11:60	इस संसार में भी लानत ने उनका पीछा किया और क़ियामत के दिन भी, "सुन लो! निस्संदेह आद ने अपने रब के साथ कुफ़्र किया। सुनो! विनष्ट हो आद, हूद की क़ौम।"	x

Waila thamooda akhahum salihan qala ya qawmi oAAbudoo Allaha ma lakum min ilahin ghayruhu huwa anshaakum mina alardi waistaAAmarakum feeha faistaghfiroohu thumma tooboo ilayhi inna rabbee	x	And to Thamud [We sent] their brother Salih. He said, "O my people, worship Allah; you have no deity other than Him. He has produced you from the earth and settled you in it, so ask forgiveness of Him and then repent to Him. Indeed, my Lord is near and responsive."	11:61	समूद को और उसके भाई सालेह को भेजा। उसने कहा, "ऐ मेरी क़ौम के लोगों! अल्लाह की बन्दगी करो। उसके सिवा तुम्हारा कोई अन्य पूज्य-प्रभु नहीं। उसी ने तुम्हें धरती से पैदा किया और उसमें तुम्हें बसायाय़ अतः उससे क्षमा माँगो; फिर उसकी ओर पलट आओ। निस्संदेह मेरा रब निकट है, प्रार्थनाओं को स्वीकार करनेवाला भी।"	x
Qaloo ya salihu qad kunta feena marjuwwan qabla hatha atanhana an naAAbuda ma yaAAbudu abaona wainnana lafee shakkin mimma tadAAoona ilayhi mureebun	x	They said, "O Salih, you were among us a man of promise before this. Do you forbid us to worship what our fathers worshipped? And indeed we are, about that to which you invite us, in disquieting doubt."	11:62	उन्होंने कहा, "ऐ सालेह! इससे पहले तू हमारे बीच ऐसा व्यक्ति था जिससे बड़ी आशाएँ थीं। क्या तू हमें उनको पूजने से रोकता है जिनकी पूजा हमारे बाप-दादा करते रहे है? जिनकी ओर तू हमें बुला रहा है उसके विषय में तो हमें संदेह है जो हमें दुविधा में डाले हुए है।"	x

Qala ya qawmi araaytum in kuntu AAala bayyinatin min rabbee waatanee minhu rahmatan faman yansurunee mina Allahi in AAasaytuhu fama tazeedoonanee ghayra takhseerin	x	He said, "O my people, have you considered: if I should be upon clear evidence from my Lord and He has given me mercy from Himself, who would protect me from Allah if I disobeyed Him? So you would not increase me except in loss.	11:63	उसने कहा, "ऐ मेरी क़ौम के लोगों! क्या तुमने सोचा? यदि मैं अपने रब के एक स्पष्ट प्रमाण पर हूँ और उसने मुझे अपनी ओर से दयालुता प्रदान की है, तो यदि मैं उसकी अवज्ञा करूँ तो अल्लाह के मुक़ाबले में कौन मेरी सहायता करेगा? तुम तो और अधिक घाटे में डाल देने के अतिरिक्त मेरे हक़ में और कोई अभिवृद्धि नहीं करोगे	x
Waya qawmi hathihi naqatu Allahi lakum ayatan fatharooha takul fee ardi Allahi wala tamassooha bisooin fayakhuthakum AAathabun qareebun	x	And O my people, this is the she-camel of Allah - [she is] to you a sign. So let her feed upon Allah 's earth and do not touch her with harm, or you will be taken by an impending punishment."	11:64	ऐ मेरी क़ौम के लोगो! यह अल्लाह की ऊँटनी तुम्हारे लिए एक निशानी है। इसे छोड़ दो कि अल्लाह की धरती में खाए और इसे तकलीफ़ देने के लिए हाथ न लगाना अन्यथा समीपस्थ यातना तुम्हें आ लेगी।"	x
FaAAaqarooha faqala tamattaAAoo fee darikum thalathata ayyamin thalika waAAdun ghayru makthoobin	x	But they hamstrung her, so he said, "Enjoy yourselves in your homes for three days. That is a promise not to be denied."	11:65	किन्तु उन्होंने उसकी कूंचे काट डाली। इसपर उसने कहा, "अपने घरों में तीन दिन और मज़े ले लो। यह ऐसा वादा है, जो झूठा सिद्ध न होगा।"	x

Falamma jaa amruna najjayna salihan waallatheena amanoo maAAahu birahmatin minna wamin khizyi yawmiithin inna rabbaka huwa alqawiyyu	x	So when Our command came, We saved Salih and those who believed with him, by mercy from Us, and [saved them] from the disgrace of that day. Indeed, it is your Lord who is the Powerful, the Exalted in Might.	11:66	फिर जब हमारा आदेश आ पहुँचा, तो हमने अपनी दयालुता से सालेह को और उसके साथ के ईमान लानेवालों को बचा लिया, और उस दिन के अपमान से उन्हें सुरक्षित रखा। वास्तव में, तुम्हारा रब बड़ा शक्तिवान, प्रभुत्वशाली है	x
Waakhatha allatheena thalamoo alssayhatu faasbahoo fee diyarihim jathimeena	shriek = awful cry **[Contradiction: Thalmud were killed by: 7:78 earth-quake, 69:5 blast / lightening, 11:67 Awful cry.]**	And the shriek seized those who had wronged, and they became within their homes [corpses] fallen prone	11:67	और अत्याचार करनेवालों को एक भयंकर चिंघार ने आ लिया और वे अपने घरों में औंधे पड़े रह गए,	**[विरोधाभास: समूद मारे गए थे: 7:78 भूकंप, 69:5 विस्फोट / बिजली, 11:67 भयानक चीख।]**
Kaan lam yaghnaw feeha ala inna thamooda kafaroo rabbahum ala buAAdan	x	As if they had never prospered therein. Unquestionably, Thamud denied their Lord; then, away with Thamud.	11:68	मानो वे वहाँ कभी बसे ही न थे। "सुनो! समूद ने अपने रब के साथ कुफ़्र किया। सुन लो! फिटकार हो समूद पर!"	x
Walaqad jaat rusuluna ibraheema bialbushra qaloo salaman qala salamun fama labitha an jaa biAAijlin haneethin	Here messengers refer to three Angels.	And certainly did Our messengers come to Abraham with good tidings; they said, "Peace." He said, "Peace," and did not delay in bringing [them] a roasted calf.	11:69	और हमारे भेजे हुए (फ़रिश्ते) इबराहीम के पास शुभ सूचना लेकर पहुँचे। उन्होंने कहा, "सलाम हो!" उसने भी कहा, "सलाम हो।" फिर उसने कुछ विलम्भ न किया, एक भुना हुआ बछड़ा ले आया	x

Falamma raa aydiyahum la tasilu ilayhi nakirahum waawjasa minhum kheefatan qaloo la takhaf inna orsilna ila qawmi lootin	Probably Angels don’t eat food.	But when he saw their hands not reaching for it, he distrusted them and felt from them apprehension. They said, "Fear not. We have been sent to the people of Lot."	11:70	किन्तु जब देखा कि उनके हाथ उसकी ओर नहीं बढ़ रहे है तो उसने उन्हें अजनबी समझा और दिल में उनसे डरा। वे बोले, "डरो नहीं, हम तो लूत की क़ौम की ओर से भेजे गए है।"	संभवतः फ़रिश्ते खाना नहीं खाते।
Waimraatuhu qaimatun fadahikat fabashsharnaha biishaqa wamin warai ishaqa	x	And his Wife was standing, and she smiled. Then We gave her good tidings of Isaac and after Isaac, Jacob.	11:71	उसकी स्त्री भी खड़ी थी। वह इसपर हँस पड़ी। फिर हमने उसको इसहाक़ और इसहाक़ के बाद याक़ूब की शुभ सूचना दी	x
Qalat ya waylata aalidu waana AAajoozun wahatha baAAlee shaykhan inna hatha lashayon AAajeebun	x	She said, "Woe to me! Shall I give birth while I am an old woman and this, my husband, is an old man? Indeed, this is an amazing thing!"	11:72	वह बोली, "हाय मेरा हतभाग्य! क्या मैं बच्चे को जन्म दूँगी, जबकि मैं वृद्धा और ये मेरे पति है बूढ़ें? यह तो बड़ी ही अद्भुपत बात है!"	x
Qaloo ataAAjabeena min amri Allahi rahmatu Allahi wabarakatuhu AAalaykum ahla albayti innahu	x	They said, "Are you amazed at the decree of Allah? May the mercy of Allah and His blessings be upon you, people of the house. Indeed, He is Praiseworthy and	11:73	वे बोले, "क्या अल्लाह के आदेश पर तुम आश्चर्य करती हो? घरवालो! तुम लोगों पर तो अल्लाह की दयालुता और उसकी बरकतें है। वह निश्चय ही प्रशंसनीय, गौरववाला है।"	x
Falamma thahaba AAan ibraheema alrrawAAu wajaathu albushra yujadiluna fee qawmi lootin	"began to argue with Us" refers to started pleading to save people of Lot.	And when the fright had left Abraham and the good tidings had reached him, he began to argue with Us concerning the people of Lot.	11:74	फिर जब इबराहीम की घबराहट दूर हो गई और उसे शुभ सूचना भी मिली तो वह लूत की क़ौम के विषय में हम से झगड़ने लगा	“हम से झगड़ने लगा” का मतलब है लुत के लोगों को बचाने के लिए प्रार्थना करना शुरू कर दिया।

Inna ibraheema lahaleemun awwahun muneebun	x	Indeed, Abraham was forbearing, grieving and [frequently] returning [to Allah].	11:75	निस्संदेह इबराहीम बड़ा ही सहनशील, कोमल हृदय, हमारी ओर रुजू (प्रवृत्त) होनेवाला था	x
Ya ibraheemu aAArid AAan hatha innahu qad jaa amru rabbika wainnahum ateehim AAathabun ghayru mardoodin	x	[The angels said], "O Abraham, give up this [plea]. Indeed, the command of your Lord has come, and indeed, there will reach them a punishment that cannot be	11:76	"ऐ इबराहीम! इसे छोड़ दो। तुम्हारे रब का आदेश आ चुका है और निश्चय ही उनपर न टलनेवाली यातना आनेवाली है।"	x
Walamma jaat rusuluna lootan seea bihim wadaqa bihim tharAAan waqala hatha yawmun AAaseebun	x	And when Our messengers, [the angels], came to Lot, he was anguished for them and felt for them great discomfort and said, "This	11:77	और जब हमारे दूत लूत के पास पहुँचे तो वह उनके कारण अप्रसन्न हुआ और उनके मामले में दिल तंग पाया। कहने लगा, "यह तो बड़ा ही कठिन दिन है।"	x
Wajaahu qawmuhu yuhraAAoona ilayhi wamin qablu kanoo yaAAmaloona alssayyiati qala ya qawmi haolai banatee hunna atharu lakum faittaqoo Allaha wala tukhzooni fee dayfee alaysa minkum rajulun rasheedun	The people of Lot asked him for the young handsome men (in reality Angels). Lot offered them his daughters to spare the guests.	And his people came hastening to him, and before [this] they had been doing evil deeds. He said, "O my people, these are my daughters; they are purer for you. So fear Allah and do not disgrace me concerning my guests. Is there not among you a man of reason?"	11:78	उसकी क़ौम के लोग दौड़ते हुए उसके पास आ पहुँचे। वे पहले से ही दुष्कर्म किया करते थे। उसने कहा, "ऐ मेरी क़ौम के लोगो! ये मेरी (क़ौम की) बेटियाँ (विधिवत विवाह के लिए) मौजूड है। ये तुम्हारे लिए अधिक पवित्र है। अतः अल्लाह का डर रखो और मेरे अतिथियों के विषय में मुझे अपमानित न करो। क्या तुममें एक भी अच्छी समझ का आदमी नहीं?"	लूत के लोगों ने उससे युवा सुंदर पुरुषों (असल में फरिश्तों) के लिए पूछा। लूत ने अपने मेहमानों को बचाने के लिए उन्हें अपनी बेटियों की पेशकश की।

Qaloo laqad AAalimta ma lana fee banatika min haqqin wainnaka lataAAlamu ma nureedu	x	They said, "You have already known that we have not concerning your daughters any claim, and indeed, you know what we want."	11:79	उन्होंने कहा, "तुझे तो मालूम है कि तेरी बेटियों से हमें कोई मतलब नहीं। और हम जो चाहते है, उसे तू भली-भाँति जानता है।"	x
Qala law anna lee bikum quwwatan aw awee ila ruknin shadeedin	x	He said, "If only I had against you some power or could take refuge in a strong support."	11:80	उसने कहा, "क्या ही अच्छा होता मुझमें तुमसे मुक़ाबले की शक्ति होती या मैं किसी सुदृढ़ आश्रय की शरण ही ले सकता।"	x
Qaloo ya lootu inna rusulu rabbika lan yasiloo ilayka faasri biahlika biqitAAin mina allayli wala yaltafit minkum ahadun illa imraataka innahu museebuha ma asabahum inna mawAAidahumu alssubhu alaysa alssubhu biqareebin	There is various opinions about Lot's wife. One she stayed in her house and was destroyed. Others said that she looked back (during the travel) and was hit.	The angels said, "O Lot, indeed we are messengers of your Lord; [therefore], they will never reach you. So set out with your family during a portion of the night and let not any among you look back - except your wife; indeed, she will be struck by that which strikes them. Indeed, their appointment is [for] the morning. Is not the morning near?"	11:81	उन्होंने कहा, "ऐ लूत! हम तुम्हारे रब के भेजे हुए है। वे तुम तक कदापि नहीं पहुँच सकते। अतः तुम रात के किसी हिस्सेमें अपने घरवालों को लेकर निकल जाओ और तुममें से कोई पीछे पलटकर न देखे। हाँ, तुम्हारी स्त्री का मामला और है। उनपर भी वही कुछ बीतनेवाला है, जो उनपर बीतेगा। निर्धारित समय उनके लिए प्रातःकाल का है। तो क्या प्रातःकाल निकट नहीं?"	लूत की पत्नी के बारे में विभिन्न मत हैं। एक, वह अपने घर में रुकी और नष्ट हो गई। दूसरों ने कहा कि उसने पीछे देखा (यात्रा के दौरान) और उसे चोट लगी।
Falamma jaa amruna jaAAalna AAaliyaha safilaha waamtarna AAalayha hijaratan min sijjeelin	**[How there could be rain of stone.]**	So when Our command came, We made the highest part [of the city] its lowest and rained upon them stones of layered hard clay, [which were]	11:82	फिर जब हमारा आदेश आ पहुँचा तो हमने उसको तलपट कर दिया और उसपर ककरीले पत्थर ताबड़-तोड़ बरसाए,	**[पत्थर की बारिश कैसे हो सकती है।]**

Musawwamatan AAinda rabbika wama hiya mina alththalimeena bibaAAeedin	x	Marked from your Lord. And Allah 's punishment is not from the wrongdoers [very] far.	11:83	जो तुम्हारे रब के यहाँ चिन्हित थे। और वे अत्याचारियों से कुछ दूर भी नहीं	x
Waila madyana akhahum shuAAayban qala ya qawmi oAAbudoo Allaha ma lakum min ilahin ghayruhu wala tanqusoo almikyala waalmeezana innee arakum bikhayrin wainnee akhafu AAalaykum AAathaba yawmin	x	And to Madyan [We sent] their brother Shu'ayb. He said, "O my people, worship Allah; you have no deity other than Him. And do not decrease from the measure and the scale. Indeed, I see you in prosperity, but indeed, I fear for you the punishment of an all-encompassing Day.	11:84	मदयन की ओर उनके भाई शुऐब को भेजा। उसने कहा, "ऐ मेरी क़ौम के लोगो! अल्लाह की बन्दही करो, उनके सिवा तुम्हारा कोई पूज्य-प्रभु नहीं। और नाप और तौल में कमी न करो। मैं तो तुम्हें अच्छी दशा में देख रहा हूँ, किन्तु मुझे तुम्हारे विषय में एक घेर लेनेवाले दिन की यातना का भय है	x
Waya qawmi awfoo almikyala waalmeezana bialqisti wala tabkhasoo alnnasa ashyaahum wala taAAthaw fee alardi mufsideena	x	And O my people, give full measure and weight in justice and do not deprive the people of their due and do not commit abuse on the earth, spreading corruption.	11:85	ऐ मेरी क़ौम के लोगो! इनसाफ़ के साथ नाप और तौल को पूरा रखो। और लोगों को उनकी चीज़ों में घाटा न दो और धरती में बिगाड़ पैदा करनेवाले बनकर अपने मुँह को कुलषित न करो	x
Baqiyyatu Allahi khayrun lakum in kuntum mumineena wama ana AAalaykum bihafeethin	x	What remains [lawful] from Allah is best for you, if you would be believers. But I am not a guardian over you."	11:86	यदि तुम मोमिन हो तो जो अल्लाह के पास शेष रहता है वही तुम्हारे लिए उत्तम है। मैं तुम्हारे ऊपर कोई नियुक्त रखवाला नहीं हूँ।"	x

Qaloo ya shuAAaybu asalatuka tamuruka an natruka ma yaAAbudu abaona aw an nafAAala fee amwalina ma nashao innaka laanta alhaleemu alrrasheedu	x	They said, "O Shu'ayb, does your prayer command you that we should leave what our fathers worship or not do with our wealth what we please? Indeed, you are the forbearing, the discerning!"	11:87	वे बोले, "ऐ शुऐब! क्या तेरी नमाज़ तुझे यही सिखाती है कि उन्हें हम छोड़ दें जिन्हें हमारे बाप-दादा पूजते आए है या यह कि हम अपने माल का उपभोग अपनी इच्छानुसार न करें? बस एक तू ही तो बड़ा सहनशील, समझदार रह गया है!"	x
Qala ya qawmi araaytum in kuntu AAala bayyinatin min rabbee warazaqanee minhu rizqan hasanan wama oreedu an okhalifakum ila ma anhakum AAanhu in oreedu illa alislaha ma istataAAtu wama tawfeeqee illa biAllahi AAalayhi tawakkaltu wailayhi oneebu	x	He said, "O my people, have you considered: if I am upon clear evidence from my Lord and He has provided me with a good provision from Him...? And I do not intend to differ from you in that which I have forbidden you; I only intend reform as much as I am able. And my success is not but through Allah. Upon him I have relied, and to Him I return.	11:88	उसने कहा, "ऐ मेरी क़ौम के लोगो! तुम्हारा क्या विचार है? यदि मैं अपने रब के एक स्पष्ट प्रमाण पर हूँ और उसने मुझे अपनी ओर से अच्छी आजीविका भी प्रदान की (तो झुठलाना मेरे लिए कितना हानिकारक होगा!) और मैं नहीं चाहता कि जिन बातों से मैं तुम्हें रोकता हूँ स्वयं स्वयं तुम्हारे विपरीत उनको करने लगूँ। मैं तो अपने बस भर केवल सुधार चाहता हूँ। मेरा काम बनना तो अल्लाह ही की सहायता से सम्भव है। उसी पर मेरा भरोसा है और उसी की ओर मैं रुजू करता हूँ	x

Waya qawmi la yajrimannakum shiqaqee an yuseebakum mithlu ma asaba qawma noohin aw qawma hoodin aw qawma salihin wama qawmu lootin minkum	x	And O my people, let not [your] dissension from me cause you to be struck by that similar to what struck the people of Noah or the people of Hud or the people of Salih. And the people of Lot are not from you far away.	11:89	ऐ मेरी क़ौम के लोगो! मेरे प्रति तुम्हारा विरोध कहीं तुम्हें उस अपराध पर न उभारे कि तुमपर वही बीते जो नूह की क़ौम या हूद की क़ौम या सालेह की क़ौम पर बीत चुका है, और लूत की क़ौम तो तुमसे कुछ दूर भी नहीं।	x
Waistaghfiroo rabbakum thumma tooboo ilayhi inna rabbee raheemun wadoodun	x	And ask forgiveness of your Lord and then repent to Him. Indeed, my Lord is Merciful and Affectionate."	11:90	अपने रब से क्षमा माँगो और फिर उसकी ओर पलट आओ। मेरा रब तो बड़ा दयावन्त, बहुत प्रेम करनेवाला है।"	x
Qaloo ya shuAAaybu ma nafqahu katheeran mimma taqoolu wainna lanaraka feena daAAeefan walawla rahtuka larajamnaka wama anta AAalayna biAAazeezin	x	They said, "O Shu'ayb, we do not understand much of what you say, and indeed, we consider you among us as weak. And if not for your family, we would have stoned you [to death]; and you are not to us one respected."	11:91	उन्होंने कहा, "ऐ शुऐब! तेरी बहुत-सी बातों को समझने में तो हम असमर्थ है। और हम तो तुझे देखते है कि तू हमारे मध्य अत्यन्त निर्बल है। यदि तेरे भाई-बन्धु न होते तो हम पत्थर मार-मारकर कभी का तुझे समाप्त कर चुके होते। तू इतने बल-बूतेवाला तो नहीं कि हमपर भारी हो।"	x

Qala ya qawmi arahtee aAAazzu AAalaykum mina Allahi waittakhathtumoohu waraakum thihriyyan inna rabbee bima taAAmaloona	x	He said, "O my people, is my family more respected for power by you than Allah? But you put Him behind your backs [in neglect]. Indeed, my Lord is encompassing of what you do.	11:92	उसने कहा, "ऐ मेरी क़ौम के लोगो! क्या मेरे भाई-बन्धु तुमपर अल्लाह से भी ज़्यादा भारी है कि तुमने उसे अपने पीछे डाल दिया? तुम जो कुछ भी करते हो निश्चय ही मेरे रब ने उसे अपने घेरे में ले रखा है	x
Waya qawmi iAAmaloo AAala makanatikum innee AAamilun sawfa taAAlamoona man yateehi AAathabun yukhzeehi waman huwa kathibun wairtaqiboo inne maAAakum	x	And O my people, work according to your position; indeed, I am working. You are going to know to whom will come a punishment that will disgrace him and who is a liar. So watch; indeed, I am with you a watcher, [awaiting the outcome]."	11:93	ऐ मेरी क़ौम के लोगो! तुम अपनी जगह कर्म करते रहो, मैं भी कर रहा हूँ। शीघ्र ही तुमको ज्ञात हो जाएगा कि किसपर वह यातना आती है, जो उसे अपमानित करके रहेगी, और कौन है जो झूठा है! प्रतीक्षा करो, मैं भी तुम्हारे साथ प्रतीक्षा कर रहा हूँ।"	x
Walamma jaa amruna najjayna shuAAayban waallatheena amanoo maAAahu birahmatin minna waakhathati allatheena thalamoo alssayhatu faasbahoo fee	**[How people of Madyan died: 7:91, 29:37 Earthquake, 11:94, Shriek, 26:189, Black clouds.]**	And when Our command came, We saved Shu'ayb and those who believed with him, by mercy from Us. And the shriek seized those who had wronged, and they became within their homes [corpses] fallen prone	11:94	अन्ततः जब हमारा आदेश आ पहुँचा तो हमने अपनी दयालुता से शुऐब और उसके साथ के ईमान लानेवालों को बचा लिया। और अत्याचार करनेवालों को एक प्रचंड चिंघार ने आ लिया और वे अपने घरों में औंधे पड़े रह गए,	**[मदयन (मद्यन) के लोगों की मृत्यु कैसे हुई: 7:91, 29:37 — भूकंप; 11:94 — चीख/प्रचंड ध्वनि; 26:189 — काले बादल।]**

Kaan lam yaghnaw feeha ala buAAdan limadyana kama baAAidat thamoodu	x	As if they had never prospered therein. Then, away with Madyan as Thamud was taken away.	11:95	मानो वे वहाँ कभी बसे ही न थे। "सुन लो! फिटकार है मदयनवालों पर, जैसे समूद पर फिटकार हुई!"	x
Walaqad arsalna moosa biayatina wasultanin mubeenin	x	And We did certainly send Moses with Our signs and a clear authority	11:96	और हमने मूसा को अपनी निशानियाँ और स्पष्ट प्रमाण के साथ	x
Ila firAAawna wamalaihi faittabaAAoo amra firAAawna wama amru firAAawna birasheedin	x	To Pharaoh and his establishment, but they followed the command of Pharaoh, and the command of Pharaoh was not [at all] discerning.	11:97	फ़िरऔन और उसके सरदारों के पास भेजा, किन्तु वे फ़िरऔन ही के कहने पर चले, हालाँकि फ़िरऔन की बात कोई ठीक बात न थी।	x
Yaqdumu qawmahu yawma alqiyamati faawradahumu alnnara wabisa alwirdu almawroodu	x	He will precede his people on the Day of Resurrection and lead them into the Fire; and wretched is the place to which they are led.	11:98	क़ियामत के दिन वह अपनी क़ौम के लोगों के आगे होगा - और उसने उन्हें आग में जा उतारा, और बहुत ही बुरा घाट है वह उतरने का!	x
WaotbiAAoo fee hathihi laAAnatan wayawma alqiyamati bisa alrrifdu almarfoodu	x	And they were followed in this [world] with a curse and on the Day of Resurrection. And wretched is the gift which	11:99	यहाँ भी लानत ने उनका पीछा किया और क़ियामत के दिन भी - बहुत ही बुरा पुरस्कार है यह जो किसी को दिया जाए!	x
Thalika min anbai alqura naqussuhu AAalayka minha qaimun wahaseedun	x	That is from the news of the cities, which We relate to you; of them, some are [still] standing and some are [as] a harvest [mowed down].	11:100	ये बस्तियों के कुछ वृत्तान्त हैं, जो हम तुम्हें सुना रहे है। इनमें कुछ तो खड़ी है और कुछ की फ़सल कट चुकी है	x

Wama thalamnahum walakin thalamoo anfusahum fama aghnat AAanhum alihatuhumu allatee yadAAoona min dooni Allahi min shayin lamma jaa amru rabbika wama zadoohum ghayra tatbeebin	x	And We did not wrong them, but they wronged themselves. And they were not availed at all by their gods which they invoked other than Allah when there came the command of your Lord. And they did not increase them in other than ruin.	11:101	हमने उनपर अत्याचार नहीं किया, बल्कि उन्होंने स्वयं अपने आप पर अत्याचार किया। फिर जब तेरे रब का आदेश आ गया तो उसके वे पूज्य, जिन्हें वे अल्लाह से हटकर पुकारा करते थे, उनके कुछ भी काम न आ सके। उन्होंने विनाश के अतिरिक्त उनके लिए किसी और चीज़ में अभिवृद्धि नहीं की	x
Wakathalika akhthu rabbika itha akhatha alqura wahiya thalimatun inna akhthahu aleemun shadeedun	x	And thus is the seizure of your Lord when He seizes the cities while they are committing wrong. Indeed, His seizure is painful and severe.	11:102	तेरे रब की पकड़ ऐसी ही होती है, जब वह किसी ज़ालिम बस्ती को पकड़ता है। निस्संदेह उसकी पकड़ बड़ी दुखद, अत्यन्त कठोर होती है	x
Inna fee thalika laayatan liman khafa AAathaba alakhirati thalika yawmun majmooAAun lahu alnnasu wathalika yawmun mashhoodun	Both those who reject Allah and those who accept him will face a fearsome judgment, leading to hellfire for the unbelievers and Paradise for the believers.	Indeed in that is a sign for those who fear the punishment of the Hereafter. That is a Day for which the people will be collected, and that is a Day [which will be] witnessed.	11:103	निश्चय ही इसमें उस व्यक्ति के लिए एक निशानी है जो आख़िरत की यातना से डरता हो। वह एक ऐसा दिन होगा, जिसमें सारे ही लोग एकत्र किए जाएँगे और वह एक ऐसा दिन होगा, जिसमें सब कुछ आँखों के सामने होगा,	जो लोग अल्लाह को नकारते हैं और जो लोग उसे स्वीकार करते हैं, दोनों ही भयावह न्याय का सामना करेंगे, जिसके परिणामस्वरूप अविश्वासियों के लिए नरक और विश्वासियों के लिए स्वर्ग होगा।
Wama nuakhkhiruhu illa liajalin maAAdoodin	x	And We do not delay it except for a limited term.	11:104	हम उसे केवल थोड़ी अवधि के लिए ही लग रहे है;	x

Yawma yati la takallamu nafsun illa biithnihi faminhum shaqiyyun wasaAAeedin	x	The Day it comes no soul will speak except by His permission. And among them will be the wretched and the prosperous.	11:105	जिस दिन वह आएगा, तो उसकी अनुमति के बिना कोई व्यक्ति बात तक न कर सकेगा। फिर (मानवों में) कोई तो उनमें अभागा होगा और कोई भाग्यशाली	x
Faamma allatheena shaqoo fafee alnnari lahum feeha zafeerun washaheequn	x	As for those who were [destined to be] wretched, they will be in the Fire. For them therein is [violent] exhaling and	11:106	तो जो अभागे होंगे, वे आग में होंगे; जहाँ उन्हें आर्तनाद करना और फुँकार मारना है	x
Khalideena feeha ma damati alssamawatu waalardu illa ma shaa rabbuka inna rabbaka faAAAAalun lima	**[Contradiction: How long the disbelievers dwell in hell, forever 6:128, 11:107, a long time 78:23]**	[They will be] abiding therein as long as the heavens and the earth endure, except what your Lord should will. Indeed, your Lord is an effecter of what He intends.	11:107	वहाँ वे सदैव रहेंगे, जब तक आकाश और धरती स्थिर रहें, बात यह है कि तुम्हारे रब की इच्छा ही चलेगी। तुम्हारा रब जो चाहे करे	**[विरोधाभास: काफ़िर जीवित नरक में कितने समय रहते हैं, हमेशा 6:128, 11:107, बहुत समय 78:23]**
Waamma allatheena suAAidoo fafee aljannati khalideena feeha ma damati alssamawatu waalardu illa ma shaa rabbuka AAataan ghayra majthoothin	**[The meaning of "as long as heavens and the earth endure" is not clear; The same words are used about Hell in 11:107, and some Muslim thinkers say it may mean that perhaps Hell will not last forever.]**	And as for those who were [destined to be] prosperous, they will be in Paradise, abiding therein as long as the heavens and the earth endure, except what your Lord should will - a bestowal uninterrupted.	11:108	रहे वे जो भाग्यशाली होंगे तो वे जन्नत में होंगे, जहाँ वे सदैव रहेंगे जब तक आकाश और धरती स्थिर रहें। बात यह है कि तुम्हारे रब की इच्छा ही चलेगी। यह एक ऐसा उपहार है, जिसका सिलसिला कभी न टूटेगा	**[“जब तक आकाश और धरती स्थिर रहें” का मतलब स्पष्ट नहीं है; यही शब्द नर्क के बारे में 11:107 में उपयोग किए गए हैं, और कुछ मुस्लिम विचारक कहते हैं कि इसका मतलब यह हो सकता है कि शायद नर्क हमेशा तक नहीं रहेगा।]**

Fala taku fee miryatin mimma yaAAbudu haolai ma yaAAbudoona illa kama yaAAbudu abaohum min qablu wainna lamuwaffoohum naseebahum ghayra manqoosin	x	So do not be in doubt, [O Muhammad], as to what these [polytheists] are worshipping. They worship not except as their fathers worshipped before. And indeed, We will give them their share undiminished.	11:109	अतः जिनको ये पूज रहे है, उनके विषय में तुझे कोई संदेह न हो। ये तो बस उसी तरह पूजा किए जा रहे है, जिस तरह इससे पहले इनके बाप-दादा पूजा करते रहे हैं। हम तो इन्हें इनका हिस्सा बिना किसी कमी के पूरा-पूरा देनेवाले हैं	x
Walaqad atayna moosa alkitaba faikhtulifa feehi walawla kalimatun sabaqat min rabbika laqudiya baynahum wainnahum lafee shakkin minhu mureebun	x	And We had certainly given Moses the Scripture, but it came under disagreement. And if not for a word that preceded from your Lord, it would have been judged between them. And indeed they are, concerning the Qur'an, in disquieting doubt.	11:110	हम मूसा को भी किताब दे चुके है। फिर उसमें भी विभेद किया गया था। यदि तुम्हारे रब की ओर से एक बात पहले ही निश्चित न कर दी गई होती तो उनके बीच कभी का फ़ैसला कर दिया गया होता। ये उसकी ओर से असमंजस में डाल देनेवाले संदेह में पड़े हुए है	x
Wainna kullan lamma layuwaffiyannahum rabbuka aAAmalahum innahu bima yaAAmaloona	x	And indeed, each [of the believers and disbelievers] - your Lord will fully compensate them for their deeds. Indeed, He is Acquainted with what they do.	11:111	निश्चय ही समय आने पर एक-एक को, जितने भी है उनको तुम्हारा रब उनका किया पूरा-पूरा देकर रहेगा। वे जो कुछ कर रहे हैं, निस्संदेह उसे उसकी पूरी ख़बर है	x

Faistaqim kama omirta waman taba maAAaka wala tatghaw innahu bima taAAmaloona baseerun	x	So remain on a right course as you have been commanded, [you] and those who have turned back with you [to Allah], and do not transgress. Indeed, He is Seeing of what you do.	11:112	अतः जैसा तुम्हें आदेश हुआ है, जमें रहो और तुम्हारे साथ के तौबा करनेवाले भी जमें रहें, और सीमोल्लंघन न करना। जो कुछ भी तुम करते हो, निश्चय ही वह उसे देख रहा है	x
Wala tarkanoo ila allatheena thalamoo fatamassakumu alnnaru wama lakum min dooni Allahi min awliyaa thumma la tunsaroona	x	And do not incline toward those who do wrong, lest you be touched by the Fire, and you would not have other than Allah any protectors; then you would not be helped.	11:113	उन लोगों की ओर तनिक भी न झुकना, जिन्होंने अत्याचार की नीति अपनाई हैं, अन्यथा आग तुम्हें आ लिपटेगी - और अल्लाह से हटकर तुम्हारा कोई संरक्षक मित्र नहीं - फिर तुम्हें कोई सहायता भी न मिलेगी	x
Waaqimi alssalata tarafayi alnnahari wazulafan mina allayli inna alhasanati yuthhibna alssayyiati thalika thikra lilththakireena	Five daily prayers not mentioned in Quran.	And establish prayer at the two ends of the day and at the approach of the night. Indeed, good deeds do away with misdeeds. That is a reminder for those who remember.	11:114	और नमाज़ क़ायम करो दिन के दोनों सिरों पर और रात के कुछ हिस्से में। निस्संदेह नेकियाँ बुराइयों को दूर कर देती है। यह याद रखनेवालों के लिए एक अनुस्मरण है	कुरान में पाँच दैनिक नमाज़ का उल्लेख नहीं है।
Waisbir fainna Allaha la yudeeAAu ajra almuhsineena	x	And be patient, for indeed, Allah does not allow to be lost the reward of those who do good.	11:115	और धैर्य से काम लो, इसलिए कि अल्लाह सुकर्मियों को बदला अकारथ नहीं करता;	x

Falawla kana mina alqurooni min qablikum oloo baqiyyatin yanhawna AAani alfasadi fee alardi illa qaleelan mimman anjayna minhum waittabaAAa allatheena thalamoo ma otrifoo feehi	x	So why were there not among the generations before you those of enduring discrimination forbidding corruption on earth - except a few of those We saved from among them? But those who wronged pursued what luxury they were given therein, and they were criminals.	11:116	फिर तुमसे पहले जो नस्लें गुज़र चुकी है उनमें ऐसे भले-समझदार क्यों न हुए जो धरती में बिगाड़ से रोकते, उन थोड़े-से लोगों के सिवा जिनको उनमें से हमने बचा लिया। अत्याचारी लोग तो उसी सुख-सामग्री के पीछे पड़े रहे, जिसमें वे रखे गए थे। वे तो थे ही अपराधी	x
Wama kana rabbuka liyuhlika alqura bithulmin waahluha muslihoona	x	And your Lord would not have destroyed the cities unjustly while their people were reformers.	11:117	तुम्हारा रब तो ऐसा नहीं है कि बस्तियों को अकारण विनष्ट कर दे, जबकि वहाँ के निवासी बनाव और सुधार में लगे हों	x
Walaw shaa rabbuka lajaAAala alnnasa ommatan wahidatan wala yazaloona mukhtalifeena	**[Contradiction: Mankind was one nation (community / religion) 2:213, 10:19; Allah has not made mankind one nation but He can 5:48, 6:35, 11:118, 42:8]**	And if your Lord had willed, He could have made mankind one community; but they will not cease to differ.	11:118	और यदि तुम्हारा रब चाहता तो वह सारे मनुष्यों को एक समुदाय बना देता, किन्तु अब तो वे सदैव विभेद करते ही रहेंगे,	**[विरोधाभास: मानव जाति एक ही राष्ट्र (समुदाय / धर्म) थी 2:213, 10:19; अल्लाह ने मानव जाति को एक ही राष्ट्र नहीं बनाया है लेकिन वह बना सकता है 5:48, 6:35, 11:118, 42:8]**
Illa man rahima rabbuka walithalika khalaqahum watammat kalimatu rabbika laamlaanna jahannama mina aljinnati waalnnasi ajmaAAeena	**[If Allah has already decreed that Hell will be filled, then why do Muslims try to convert people, does that not seem like attempting to change Allah's decree.]**	Except whom your Lord has given mercy, and for that He created them. But the word of your Lord is to be fulfilled that, "I will surely fill Hell with jinn and men all together."	11:119	सिवाय उनके जिनपर तुम्हारा रब दया करे और इसी के लिए उसने उन्हें पैदा किया है, और तुम्हारे रब की यह बात पूरी होकर रही कि "मैं जहन्नम को अपराधी जिन्नों और मनुष्यों सबसे भरकर रहूँगा।"	**[यदि अल्लाह ने पहले ही तय कर दिया है कि जहन्नुम को भर दिया जाएगा, तो मुसलमान लोग दूसरों को धर्मांतरित करने की कोशिश क्यों करते हैं, क्या यह अल्लाह के नियम को बदलने का प्रयास नहीं लगता।]**

Wakullan naqussu AAalayka min anbai alrrusuli ma nuthabbitu bihi fuadaka wajaaka fee hathihi alhaqqu wamawAAithatun wathikra	x	And each [story] We relate to you from the news of the messengers is that by which We make firm your heart. And there has come to you, in this, the truth and an instruction and a reminder for the believers.	11:120	रसूलों के वृत्तान्तों में से हर वह कथा जो हम तुम्हें सुनाते है उसके द्वारा हम तुम्हारे हृदय को सुदृढ़ करते हैं। और इसमें तुम्हारे पास सत्य आ गया है और मोमिनों के लिए उपदेश और अनुस्मरण भी	x
Waqul lillatheena la yuminoona iAAmaloo AAala makanatikum inna AAamiloona	x	And say to those who do not believe, "Work according to your position; indeed, we are working.	11:121	जो लोग ईमान नहीं ला रहे हैं उनसे कह दो, "तुम अपनी जगह कर्म किए जाओ, हम भी कर्म कर रहे है	x
Waintathiroo inna muntathiroona	x	And wait, indeed, we are waiting."	11:122	तुम भी प्रतीक्षा करो, हम भी प्रतीक्षा कर रहे है।"	x
Walillahi ghaybu alssamawati waalardi wailayhi yurjaAAu alamru kulluhu faoAAbudhu watawakkal AAalayhi wama rabbuka bighafilin AAamma	x	And to Allah belong the unseen [aspects] of the heavens and the earth and to Him will be returned the matter, all of it, so worship Him and rely upon Him. And your Lord is not unaware of that which you do.	11:123	अल्लाह ही का है जो कुछ आकाशों और धरती में छिपा है, और हर मामला उसी की ओर पलटता है। अतः उसी की बन्दगी करो और उसी पर भरोसा रखो। जो कुछ तुम करते हो, उससे तुम्हारा रब बेख़बर नहीं है	x
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Yusuf (Joseph)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**12:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**यूसुफ़ (जोसेफ़)**

Aliflamra tilka ayatu alkitabi almubeenu	Mysterious letters. **[12:1, 16:89, 24:46, 26:2, 27:1, 41:3, 54:17, 54:32 says that verses are clear and easy. While 3:7, some are not easy.]**	Alif, Lam, Ra. These are the verses of the clear Book.	12:1	अलिफ़° लाम° रा°। ये स्पष्ट किताब की आयतें हैं	रहस्यमयी अक्षर। **[12:1, 16:89, 24:46, 26:2, 27:1, 41:3, 54:17, 54:32 आयतें साफ़ और आसान हैं। जबकि 3:7, कुछ आसान नहीं हैं।]**
Inna anzalnahu quranan AAarabiyyan laAAallakum taAAqiloona	Quran repeatedly proclaims its Arabic character; see also 13:37, 16:103, 20:113, 26:195, 39:28, 41:3, 42:7, 43:3, 46:12. **[Why would Allah emphasise on Arabic, if Quran is an universal message: See 12:2, 13:37, 16:103, 41:44; The old Arab alphabet did not have marks like full stop or comma due to which there are many differences in Hafs version and Warsh version (Africa) of Quran.]**	Indeed, We have sent it down as an Arabic Qur'an that you might understand.	12:2	हमने इसे अरबी क़ुरआन के रूप में उतारा है, ताकि तुम समझो	कुरान बार-बार अपने अरबी रूप का ऐलान करता है; 13:37, 16:103, 20:113, 26:195, 39:28, 41:3, 42:7, 43:3, 46:12 भी देखें। **[अगर कुरान एक यूनिवर्सल मैसेज है, तो अल्लाह अरबी पर ज़ोर क्यों देगा: 12:2, 13:37, 16:103, 41:44 देखें; पुराने अरबी अल्फाबेट में फुल स्टॉप या कॉमा जैसे निशान नहीं थे, जिसकी वजह से कुरान के हफ्स वर्जन और वारश वर्जन (अफ्रीका) में कई अंतर हैं।]**
Nahnu naqussu AAalayka ahsana alqasasi bima awhayna ilayka hatha alqurana wain kunta min qablihi lamina alghafileena	x	We relate to you, [O Muhammad], the best of stories in what We have revealed to you of this Qur'an although you were, before it, among the unaware.	12:3	इस क़ुरआन की तुम्हारी ओर प्रकाशना करके इसके द्वारा हम तुम्हें एक बहुत ही अच्छा बयान सुनाते है, यद्यपि इससे पहले तुम बेख़बर थे	x

Ith qala yoosufu liabeehi ya abati innee raaytu ahada AAashara kawkaban waalshshamsa waalqamara raaytuhum lee sajideena	**[How non-living things can prostrate and why they would do so to a Human rather than Allah.]**	[Of these stories mention] when Joseph said to his father, "O my father, indeed I have seen [in a dream] eleven stars and the sun and the moon; I saw them prostrating to me."	12:4	जब यूसुफ़ ने अपने बाप से कहा, "ऐ मेरे बाप! मैंने स्वप्न में ग्यारह सितारे देखे और सूर्य और चाँद। मैंने उन्हें देखा कि वे मुझे सजदा कर रहे है।"	**[कैसे बेजान चीज़ें सजदा कर सकती हैं और वे अल्लाह के बजाय इंसान के सामने ऐसा क्यों करेंगी।]**
Qala ya bunayya la taqsus ruyaka AAala ikhwatika fayakeedoo laka kaydan inna alshshaytana lilinsani AAaduwwun	x	He said, "O my son, do not relate your vision to your brothers or they will contrive against you a plan. Indeed Satan, to man, is a manifest enemy.	12:5	उसने कहा, "ऐ मेरे बेटे! अपना स्वप्न अपने भाइयों को मत बताना, अन्यथा वे तेरे विरुद्ध कोई चाल चलेंगे। शैतान तो मनुष्य का खुला हुआ शत्रु है	x
Wakathalika yajtabeeka rabbuka wayuAAallimuka min taweeli alahadeethi wayutimmu niAAmatahu AAalayka waAAala ali yaAAqooba kama atammaha AAala abawayka min qablu ibraheema waishaqa inna rabbaka	**[Jacob's prediction of Joseph's preeminence differs from the Biblical account in which Jacob rebukes Joseph after learning of his dream (Genesis 37:10).]**	And thus will your Lord choose you and teach you the interpretation of narratives and complete His favor upon you and upon the family of Jacob, as He completed it upon your fathers before, Abraham and Isaac. Indeed, your Lord is Knowing and Wise."	12:6	और ऐसा ही होगा, तेरा रब तुझे चुन लेगा और तुझे बातों की तथ्य तक पहुँचना सिखाएगा और अपना अनुग्रह तुझपर और याकूब के घरवालों पर उसी प्रकार पूरा करेगा, जिस प्रकार इससे पहले वह तेरे पूर्वज इबराहीम और इसहाक़ पर पूरा कर चुका है। निस्संदेह तेरा रब सर्वज्ञ, तत्वदर्शी है।"	**[जोसेफ के बड़े होने के बारे में जैकब की भविष्यवाणी बाइबिल की उस कहानी से अलग है जिसमें जैकब ने जोसेफ को उसके सपने के बारे में जानने के बाद डांटा था (जेनेसिस 37:10)।]**

Laqad kana fee yoosufa waikhwatihi ayatun lilssaileena	x	Certainly were there in Joseph and his brothers signs for those who ask,	12:7	निश्चय ही यूसुफ़ और उनके भाइयों में सवाल करनेवालों के लिए निशानियाँ है	x
Ith qaloo layoosufu waakhoohu ahabbu ila abeena minna wanahnu AAusbatun inna abana lafee dalalin mubeenin	x	When they said, "Joseph and his brother are more beloved to our father than we, while we are a clan. Indeed, our father is in clear error.	12:8	जबकि उन्होंने कहा, "यूसुफ़ और उसका भाई हमारे बाप को हमसे अधिक प्रिय है, हालाँकि हम एक पूरा जत्था है। वासत्व में हमारे बाप स्पष्ट तः बहक गए है	x
Oqtuloo yoosufa awi itrahoohu ardan yakhlu lakum wajhu abeekum watakoonoo min baAAdihi qawman saliheena	x	Kill Joseph or cast him out to [another] land; the countenance of your father will [then] be only for you, and you will be after that a righteous people."	12:9	यूसुफ़ को मार डालो या उसे किसी भूभाग में फेंक आओ, ताकि तुम्हारे बाप का ध्यान केवल तुम्हारी ही ओर हो जाए। इसके पश्चात तुम फिर नेक बन जाना।"	x
Qala qailun minhum la taqtuloo yoosufa waalqoohu fee ghayabati aljubbi yaltaqithu baAAdu alssayyarati in kuntum faAAileena	x	Said a speaker among them, "Do not kill Joseph but throw him into the bottom of the well; some travelers will pick him up - if you would do [something]."	12:10	उनमें से एक बोलनेवाला बोल पड़ा, "यूसुफ़ की हत्या न करो, यदि तुम्हें कुछ करना ही है तो उसे किसी कुएँ की तह में डाल दो। कोई राहगीर उसे उठा लेगा।"	x
Qaloo ya abana ma laka la tamanna AAala yoosufa wainna lahu lanasihoona	x	They said, "O our father, why do you not entrust us with Joseph while indeed, we are to him sincere counselors?	12:11	उन्होंने कहा, "ऐ हमारे बाप! आपको क्या हो गया है कि यूसुफ़ के मामले में आप हमपर भरोसा नहीं करते, हालाँकि हम तो उसके हितैषी है?	x

Arsilhu maAAana ghadan yartaAA wayalAAab wainna lahu lahafithoona	x	Send him with us tomorrow that he may eat well and play. And indeed, we will be his guardians.	12:12	हमारे साथ कल उसे भेज दीजिए कि वह कुछ चर-चुग और खेल ले। उसकी रक्षा के लिए तो हम हैं ही।"	x
Qala innee layahzununee an thathhaboo bihi waakhafu an yakulahu alththibu waantum AAanhu ghafiloona	x	[Jacob] said, "Indeed, it saddens me that you should take him, and I fear that a wolf would eat him while you are of him unaware."	12:13	उसने कहा, यह बात कि तुम उसे ले जाओ, मुझे दुखी कर देती है। कहीं ऐसा न हो कि तुम उसका ध्यान न रख सको और भेड़िया उसे खा जाए।"	x
Qaloo lain akalahu alththibu wanahnu AAusbatun inna ithan lakhasiroona	x	They said, "If a wolf should eat him while we are a [strong] clan, indeed, we would then be losers."	12:14	वे बोले, "हमारे एक जत्थे के होते हुए भी यदि उसे भेड़िए ने खा लिया, तब तो निश्चय ही हम सब कुछ गँवा बैठे।"	x
Falamma thahaboo bihi waajmaAAoo an yajAAaloohu fee ghayabati aljubbi waawhayna ilayhi latunabiannahum biamrihim hatha wahum la yashAAuroona	x	So when they took him [out] and agreed to put him into the bottom of the well... But We inspired to him, "You will surely inform them [someday] about this affair of theirs while they do not perceive [your identity]."	12:15	फिर जब वे उसे ले गए और सभी इस बात पर सहमत हो गए कि उसे एक कुएँ की गहराई में डाल दें (तो उन्होंने वह किया जो करना चाहते थे), और हमने उसकी ओर प्रकाशना का, "तू उन्हें उनके इस कर्म से अवगत कराएगा और वे जानते न होंगे।"	x
Wajaoo abahum AAishaan yabkoona	x	And they came to their father at night, weeping.	12:16	कुछ रात बीते वे रोते हुए अपने बाप के पास आए	x

Qaloo ya abana inna thahabna nastabiqu watarakna yoosufa AAinda mataAAina faakalahu alththibu wama anta bimuminin lana walaw kunna sadiqeena	x	They said, "O our father, indeed we went racing each other and left Joseph with our possessions, and a wolf ate him. But you would not believe us, even if we were truthful."	12:17	कहने लगे, "ऐ मेरे बाप! हम परस्पर दौड़ में मुक़ाबला करते हुए दूर चले गए और यूसफ़ को हमने अपने सामान के साथ छोड़ दिया था कि इतने में भेड़िया उसे खा गया। आप तो हमपर विश्वास करेंगे नहीं, यद्यपि हम सच्चे है।"	x
Wajaoo AAala qameesihi bidamin kathibin qala bal sawwalat lakum anfusukum amran fasabrun jameelun waAllahu almustaAAanu AAala ma tasifoona	**[In Bible, Jacob doesn't believe the brothers' claim that Joseph is dead.]**	And they brought upon his shirt false blood. [Jacob] said, "Rather, your souls have enticed you to something, so patience is most fitting. And Allah is the one sought for help against that which you describe."	12:18	वे उसके कुर्ते पर झूठमूठ का ख़ून लगा लाए थे। उसने कहा, "नहीं, बल्कि तुम्हारे जी ने बहकाकर तुम्हारे लिए एक बात बना दी है। अब धैर्य से काम लेना ही उत्तम है! जो बात तुम बता रहे हो उसमें अल्लाह ही सहायक हो सकता है।"	**[बाइबल में, याकूब, भाइयों के इस दावे पर विश्वास नहीं करते हैं कि यूसुफ मर चुके हैं।]**
Wajaat sayyaratun faarsaloo waridahum faadla dalwahu qala ya bushra hatha ghulamun waasarroohu bidaAAatan waAllahu AAaleemun bima yaAAmaloona	**[Bible, Joseph brother sold him to the travelers after pulling him out of pit.]**	And there came a company of travelers; then they sent their water drawer, and he let down his bucket. He said, "Good news! Here is a boy." And they concealed him, [taking him] as merchandise; and Allah was knowing of what they did.	12:19	एक क़ाफ़िला आया। फिर उसने पनिहारा को भेजा। उसने अपना डोल ज्यों ही डाला तो पुकार उठा, "अरे! कितनी ख़ुशी की बात है। यह तो एक लड़का है।" उन्होंने उसे व्यापार का माल समझकर छुपा लिया। किन्तु जो कुछ वे कर रहे थे, अल्लाह तो उसे जानता ही था	**[बाइबिल, यूसुफ के भाई ने उसे गड्ढे से निकालने के बाद यात्रियों को बेच दिया।]**

Washarawhu bithamanin bakhsin darahima maAAdoodatin wakanoo feehi mina alzzahideena	**[Dirham was not the currency at the time of Joseph. Coins were invented in 650-600 BCE, while Joseph lived in 1800 BCE.]**	And they sold him for a reduced price - a few dirhams - and they were, concerning him, of those content with little.	12:20	उन्होंने उसे सस्ते दाम, गिनती के कुछ दिरहमों में बेच दिया, क्योंकि वे उसके मामलें में बेपरवाह थे	**[जोसेफ के समय दिरहम करेंसी नहीं थी। सिक्कों का आविष्कार 650-600 BCE में हुआ था, जबकि जोसेफ 1800 BCE में रहते थे।]**
Waqala allathee ishtarahu min misra liimraatihi akrimee mathwahu AAasa an yanfaAAana aw nattakhithahu waladan wakathalika makkanna liyoosufa fee alardi walinuAAallimahu min taweeli alahadeethi waAllahu ghalibun AAala amrihi walakinna akthara	x	And the one from Egypt who bought him said to his wife, "Make his residence comfortable. Perhaps he will benefit us, or we will adopt him as a son." And thus, We established Joseph in the land that We might teach him the interpretation of events. And Allah is predominant over His affair, but most of the people do not know.	12:21	मिस्र के जिस व्यक्ति ने उसे ख़रीदा, उसने अपनी स्त्री से कहा, "इसको अच्छी तरह रखना। बहुत सम्भव है कि यह हमारे काम आए या हम इसे बेटा बना लें।" इस प्रकार हमने उस भूभाग में यूसुफ़ के क़दम जमाने की राह निकाली (ताकि उसे प्रतिष्ठा प्रदान करें) और ताकि मामलों और बातों के परिणाम से हम उसे अवगत कराएँ। अल्लाह तो अपना काम करके रहता है, किन्तु अधिकतर लोग जानते नहीं	x
Walamma balagha ashuddahu ataynahu hukman waAAilman wakathalika najzee almuhsineena	x	And when Joseph reached maturity, We gave him judgment and knowledge. And thus We reward the doers of good.	12:22	और जब वह अपनी जवानी को पहुँचा तो हमने उसे निर्णय-शक्ति और ज्ञान प्रदान किया। उत्तमकार लोगों को हम इसी प्रकार बदला देते है	x

Warawadathu allatee huwa fee baytiha AAan nafsihi waghallaqati alabwaba waqalat hayta laka qala maAAatha Allahi innahu rabbee ahsana mathwaya innahu la yuflihu	x	And she, in whose house he was, sought to seduce him. She closed the doors and said, "Come, you." He said, "[I seek] the refuge of Allah. Indeed, he is my master, who has made good my residence. Indeed, wrongdoers will not succeed."	12:23	जिस स्त्री के घर में वह रहता था, वह उस पर डोरे डालने लगी। उसने दरवाज़े बन्द कर दिए और कहने लगी, "लो, आ जाओ!" उसने कहा, "अल्लाह की पनाह! मेरे रब ने मुझे अच्छा स्थान दिया है। अत्याचारी कभी सफल नहीं होते।"	x
Walaqad hammat bihi wahamma biha lawla an raa burhana rabbihi kathalika linasrifa AAanhu alssooa waalfahshaa innahu min AAibadina almukhlaseena	**[It is not in Bible that Joseph would have gone for the Egyptian's wife except that Allah prevented him from doing evil.]**	And she certainly determined [to seduce] him, and he would have inclined to her had he not seen the proof of his Lord. And thus [it was] that We should avert from him evil and immorality. Indeed, he was of Our chosen servants.	12:24	उसने उसका इरादा कर लिया था। यदि वह अपने रब का स्पष्ट॥ प्रमाण न देख लेता तो वह भी उसका इरादा कर लेता। ऐसा इसलिए हुआ ताकि हम बुराई और अश्लीलता को उससे दूर रखें। निस्संदेह वह हमारे चुने हुए बन्दों में से था	**[बाइबल में ऐसा कहीं नहीं है कि यूसुफ मिस्री की पत्नी के पास जाते, सिवाय इसके कि अल्लाह ने उसे बुरा काम करने से रोक दिया।]**

Waistabaqa albaba waqaddat qameesahu min duburin waalfaya sayyidaha lada albabi qalat ma jazao man arada biahlika sooan illa an yusjana aw AAathabun aleemun	**[Genesis 39:12: He left his garment in her hand, and fled and got out of the house.]**	And they both raced to the door, and she tore his shirt from the back, and they found her husband at the door. She said, "What is the recompense of one who intended evil for your wife but that he be imprisoned or a painful punishment?"	12:25	वे दोनों दरवाज़े की ओर झपटे और उस स्त्री ने उसका कुर्ता पीछे से फाड़ डाला। दरवाज़े पर दोनों ने उस स्त्री के पति को उपस्थित पाया। वह बोली, "जो कोई तुम्हारी घरवाली के साथ बुरा इरादा करे, उसका बदला इसके सिवा और क्या होगा कि उसे बन्दी बनाया जाए या फिर कोई दुखद यातना दी जाए?"	**[उत्पत्ति 39:12: उसने अपना वस्त्र उसके हाथ में छोड़ दिया, और भागकर घर से बाहर निकल गया।]**
Qala hiya rawadatnee AAan nafsee washahida shahidun min ahliha in kana qameesuhu qudda min qubulin fasadaqat wahuwa mina alkathibeena	x	[Joseph] said, "It was she who sought to seduce me." And a witness from her family testified. "If his shirt is torn from the front, then she has told the truth, and he is of the liars.	12:26	उसने कहा, "यही मुझपर डोरे डाल रही थी।" उस स्त्री के लोगों में से एक गवाह ने गवाही दी, "यदि इसका कुर्ता आगे से फटा है तो यह सच्ची है और यह झूठा है,	x
Wain kana qameesuhu qudda min duburin fakathabat wahuwa mina alssadiqeena	x	But if his shirt is torn from the back, then she has lied, and he is of the truthful."	12:27	और यदि उसका कुर्ता पीछे से फटा है तो यह झूठी है और यह सच्चा है।"	x

Falamma raa qameesahu qudda min duburin qala innahu min kaydikunna inna kaydakunna AAatheemun	Her husband realized that the women was at fault. **[But Bible says, Azeez was not there and he send Joseph to prison after the allegation by his wife.]**	So when her husband saw his shirt torn from the back, he said, "Indeed, it is of the women's plan. Indeed, your plan is great.	12:28	फिर जब देखा कि उसका कुर्ता पीछे से फटा है तो उसने कहा, "यह तुम स्त्रियों की चाल है। निश्चय ही तुम्हारी चाल बड़े ग़ज़ब की होती है	उसके पति को एहसास हुआ कि महिला की गलती थी। **[लेकिन बाइबल कहती है, अज़ीज़ वहाँ नहीं था और उसने अपनी पत्नी के आरोप के बाद यूसुफ को जेल भेज दिया।]**
Yoosufu aAArid AAan hatha waistaghfiree lithanbiki innaki kunti mina	x	Joseph, ignore this. And, [my wife], ask forgiveness for your sin. Indeed, you were of the sinful."	12:29	यूसुफ़! इस मामले को जाने दे और स्त्री तू अपने गुनाह की माफ़ी माँग। निस्संदेह ख़ता तेरी ही है।"	x
Waqala niswatun fee almadeenati imraatu alAAazeezi turawidu fataha AAan nafsihi qad shaghafaha hubban inna lanaraha fee dalalin mubeenin	x	And women in the city said, "The wife of al-'Azeez is seeking to seduce her slave boy; he has impassioned her with love. Indeed, we see her [to be] in clear error."	12:30	नगर की स्त्रियाँ कहने लगीं, "अज़ीज़ की पत्नी अपने नवयुवक ग़ुलाम पर डोरे डालना चाहती है। वह प्रेम-प्रेरणा से उसके मन में घर कर गया है। हम तो उसे देख रहे हैं कि वह खुली ग़लती में पड़ गई है।"	x

Falamma samiAAat bimakrihinna arsalat ilayhinna waaAAtadat lahunna muttakaan waatat kulla wahidatin minhunna sikkeenan waqalati okhruj AAalayhinna falamma raaynahu akbarnahu waqattaAAna aydiyahunna waqulna hasha lillahi ma hatha basharan in hatha	**[How all of them could cuts there hands simultaneously; This story is of Egypt, so why they called "Allah"; Surprisingly, her husband has allowed Joseph to remain in house despite of knowing his wife's intentions.]**	So when she heard of their scheming, she sent for them and prepared for them a banquet and gave each one of them a knife and said [to Joseph], "Come out before them." And when they saw him, they greatly admired him and cut their hands and said, "Perfect is Allah! This is not a man; this is none but a noble angel."	12:31	उसने जब उनकी मक्करी की बातें सुनी तो उन्हें बुला भेजा और उनमें से हरेक के लिए आसन सुसज्जित किया और उनमें से हरेक को एक छुरी दी। उसने (यूसुफ़ से) कहा, "इनके सामने आ जाओ।" फिर जब स्त्रियों ने देखा तो वे उसकी बड़ाई से दंग रह गई। उन्होंने अपने हाथ घायल कर लिए और कहने लगी, "अल्लाह की पनाह! यह कोई मनुष्य नहीं। यह तो कोई प्रतिष्ठित फ़रिश्ता है।ो"	**[वे सब एक साथ अपने हाथ कैसे काट सकती थीं; यह कहानी मिस्र की है, तो उन्होंने "अल्लाह" को क्यों बुलाया; हैरानी की बात है कि उसके पति ने अपनी पत्नी के इरादे जानने के बावजूद यूसुफ को घर में रहने दिया।]**
Qalat fathalikunna allathee lumtunnanee feehi walaqad rawadtuhu AAan nafsihi faistAAsama walain lam yafAAal ma amuruhu layusjananna walayakoonan mina	**[When that lady committed in front of others about her desire and her husband knew everything (12:28), then why Joseph was imprisoned.]**	She said, "That is the one about whom you blamed me. And I certainly sought to seduce him, but he firmly refused; and if he will not do what I order him, he will surely be imprisoned and will be of those debased."	12:32	वह बोली, "यह वही है जिसके विषय में तुम मुझे मलामत कर रही थीं। हाँ, मैंने इसे रिझाना चाहा था, किन्तु यह बचा रहा। और यदि इसने न किया जो मैं इससे कहती तो यह अवश्य क़ैद किया जाएगा और अपमानित होगा।"	**[जब उस औरत ने दूसरों के सामने अपनी इच्छा ज़ाहिर की और उसके पति को सब पता था (12:28), तो फिर यूसुफ को जेल क्यों हुई?]**

Qala rabbi alssijnu ahabbu ilayya mimma yadAAoonanee ilayhi wailla tasrif AAannee kaydahunna asbu ilayhinna waakun mina aljahileena	**[How Joseph could be ignorant after he has already seen proof of God in 12:24 and God has given him knowledge Q12:22.]**	He said, "My Lord, prison is more to my liking than that to which they invite me. And if You do not avert from me their plan, I might incline toward them and [thus] be of the ignorant."	12:33	उसने कहा, "ऐ मेरे रब! जिसकी ओर ये सब मुझे बुला रही हैं, उससे अधिक तो मुझे क़ैद ही पसन्द है यदि तूने उनके दाँव-घात को मुझसे न टाला तो मैं उनकी ओर झुक जाऊँगा और निरे आवेग के वशीभूत हो जाऊँगा।"	**[यूसुफ कैसे वशीभूत हो सकते थे जबकि उसने पहले ही 12:24 में परमेश्वर का सबूत देख लिया था और परमेश्वर ने उसे ज्ञान दिया था Q12:22.]**
Faistajaba lahu rabbuhu fasarafa AAanhu kaydahunna innahu huwa alssameeAAu alAAaleemu	x	So his Lord responded to him and averted from him their plan. Indeed, He is the Hearing, the Knowing.	12:34	अतः उसने रब ने उसकी सुन ली और उसकी ओर से उन स्त्रियों के दाँव-घात को टाल दिया। निस्संदेह वह सब कुछ सुनता, जानता है	x
Thumma bada lahum min baAAdi ma raawoo alayati layasjununnahu hatta heenin	**[Joseph was imprisoned for which crime as people knew he was not guilty.]**	Then it appeared to them after they had seen the signs that al-'Azeez should surely imprison him for a time.	12:35	फिर उन्हें, इसके पश्चात कि वे निशानियाँ देख चुके थे, यह सूझा कि उसे एक अवधि के लिए क़ैद कर दें	**[यूसुफ को किस जुर्म के लिए जेल में डाल दिया गया था, क्योंकि लोग जानते थे कि वह दोषी नहीं था।]**

Wadakhala maAAahu alssijna fatayani qala ahaduhuma innee aranee aAAsiru khamran waqala alakharu innee aranee ahmilu fawqa rasee khubzan takulu alttayru minhu nabbina bitaweelihi inna naraka mina	x	And there entered the prison with him two young men. One of them said, "Indeed, I have seen myself [in a dream] pressing wine." The other said, "Indeed, I have seen myself carrying upon my head [some] bread, from which the birds were eating. Inform us of its interpretation; indeed, we see you to be of those who	12:36	कारागार में दो नव युवकों ने भी उसके साथ प्रवेश किया। उनमें से एक ने कहा, "मैंने स्वप्न देखा है कि मैं शराब निचोड़ रहा हूँ।" दूसरे ने कहा, "मैंने देखा कि मैं अपने सिर पर रोटियाँ उठाए हुए हूँ, जिनको पक्षी खा रहे है। हमें इसका अर्थ बता दीजिए। हमें तो आप बहुत ही नेक नज़र आते है।"	x
Qala la yateekuma taAAamun turzaqanihi illa nabbatukuma bitaweelihi qabla an yatiyakuma thalikuma mimma AAallamanee rabbee innee taraktu millata qawmin la yuminoona biAllahi wahum bialakhirati hum kafiroona	x	He said, "You will not receive food that is provided to you except that I will inform you of its interpretation before it comes to you. That is from what my Lord has taught me. Indeed, I have left the religion of a people who do not believe in Allah, and they, in the Hereafter, are disbelievers.	12:37	उसने कहा, "जो भोजन तुम्हें मिला करता है वह तुम्हारे पास नहीं आ पाएगा, उसके तुम्हारे पास आने से पहले ही मैं तुम्हें इसका अर्थ बता दूँगा। यह उन बातों में से है, जो मेरे रब ने मुझे सिखाई है। मैं तो उन लोगों का तरीक़ा छोड़कर, जो अल्लाह को नहीं मानते और जो आख़िरत (परलोक) का इनकार करते हैं,	x

WaittabaAAtu millata abaee ibraheema waishaqa wayaAAqooba ma kana lana an nushrika biAllahi min shayin thalika min fadli Allahi AAalayna waAAala alnnasi walakinna akthara alnnasi la yashkuroona	x	And I have followed the religion of my fathers, Abraham, Isaac and Jacob. And it was not for us to associate anything with Allah. That is from the favor of Allah upon us and upon the people, but most of the people are not grateful.	12:38	अपने पूर्वज इबराहीम, इसहाक़ और याक़ूब का तरीक़ा अपनाया है। इमसे यह नहीं हो सकता कि हम अल्लाह के साथ किसी चीज़ को साझी ठहराएँ। यह हमपर और लोगों पर अल्लाह का अनुग्रह है। किन्तु अधिकतर लोग आभार नहीं प्रकट करते	x
Ya sahibayi alssijni aarbabun mutafarriqoona khayrun ami Allahu alwahidu alqahharu	x	O [my] two companions of prison, are separate lords better or Allah, the One, the Prevailing?	12:39	ऐ कारागर के मेरे साथियों! क्या अलग-अलग बहुत-से रह अच्छे है या अकेला अल्लाह जिसका प्रभुत्व सबपर है?	x
Ma taAAbudoona min doonihi illa asmaan sammaytumooha antum waabaokum ma anzala Allahu biha min sultanin ini alhukmu illa lillahi amara alla taAAbudoo illa iyyahu thalika alddeenu alqayyimu walakinna akthara alnnasi la yaAAlamoona	The dieties are mere names.**[Contradiction: Does false dieties exist: Don't 10:18, 12:40, 17:42, 21:22, 53:23; Yes, 2:166, 7:194, 16:86, 18:51, 21:43, 21:99, 25:17].**	You worship not besides Him except [mere] names you have named them, you and your fathers, for which Allah has sent down no authority. Legislation is not but for Allah. He has commanded that you worship not except Him. That is the correct religion, but most of the people do not know.	12:40	तुम उसके सिवा जिनकी भी बन्दगी करते हो वे तो बस निरे नाम हैं जो तुमने रख छोड़े है और तुम्हारे बाप-दादा ने। उनके लिए अल्लाह ने कोई प्रमाण नहीं उतारा। सत्ता और अधिकार तो बस अल्लाह का है। उसने आदेश दिया है कि उसके सिवा किसी की बन्दगी न करो। यही सीधा, सच्चा दीन (धर्म) हैं, किन्तु अधिकतर लोग नहीं जानते	अर्थ: ये देवता केवल नाम मात्र हैं। **[विरोधाभास: क्या झूठे देवता अस्तित्व में हैं—नहीं: 10:18, 12:40, 17:42, 21:22, 53:23; हाँ: 2:166, 7:194, 16:86, 18:51, 21:43, 21:99, 25:17]**

Ya sahibayi alssijni amma ahadukuma fayasqee rabbahu khamran waamma alakharu fayuslabu fatakulu alttayru min rasihi qudiya alamru allathee feehi tastaftiyani	**[Egypt at the time of Joseph did not use execution by crucifixion; Prophet Joseph knew future; Bible, "hang you on a tree".]**	O two companions of prison, as for one of you, he will give drink to his master of wine; but as for the other, he will be crucified, and the birds will eat from his head. The matter has been decreed about which you both inquire."	12:41	ऐ कारागार के मेरे दोनों साथियों! तुममें से एक तो अपने स्वामी को मद्यपान कराएगा; रहा दूसरा तो उसे सूली पर चढ़ाया जाएगा और पक्षी उसका सिर खाएँगे। फ़ैसला हो चुका उस बात का जिसके विषय में तुम मुझसे पूछ रहे हो।"	**[यूसुफ के समय मिस्र में सूली पर चढ़ाकर मौत की सज़ा नहीं दी जाती थी; पैगंबर यूसुफ भविष्य जानते थे; बाइबिल में लिखा है, "तुम्हें पेड़ पर लटका दिया जाएगा"।]**
Waqala lillathee thanna annahu najin minhuma othkurnee AAinda rabbika faansahu alshshaytanu thikra rabbihi falabitha fee alssijni bidAAa sineena	x	And he said to the one whom he knew would go free, "Mention me before your master." But Satan made him forget the mention [to] his master, and Joseph remained in prison several years.	12:42	उन दोनों में से जिसके विषय में उसने समझा था कि वह रिहा हो जाएगा, उससे कहा, "अपने स्वामी से मेरी चर्चा करना।" किन्तु शैतान ने अपने स्वामी से उसकी चर्चा करना भुलवा दिया। अतः वह (यूसुफ़) कई वर्ष तक कारागार ही में रहा	x
Waqala almaliku innee ara sabAAa baqaratin simanin yakuluhunna sabAAun AAijafun wasabAAa sunbulatin khudrin waokhara yabisatin ya ayyuha almalao aftoonee fee ruyaya in kuntum lilrruya taAAburoona	x	And [subsequently] the king said, "Indeed, I have seen [in a dream] seven fat cows being eaten by seven [that were] lean, and seven green spikes [of grain] and others [that were] dry. O eminent ones, explain to me my vision, if you should interpret visions."	12:43	फिर ऐसा हुआ कि सम्राट ने कहा, "मैं एक स्वप्न देखा कि सात मोटी गायों को सात दुबली गायें खा रही है और सात बालें हरी है और दूसरी (सात सूखी) । ऐ सरदारों! यदि तुम स्वप्न का अर्थ बताते हो, तो मुझे मेरे इस स्वप्न के सम्बन्ध में बताओ।"	x

Qaloo adghathu ahlamin wama nahnu bitaweeli alahlami	x	They said, "[It is but] a mixture of false dreams, and we are not learned in the interpretation of	12:44	उन्होंने कहा, "ये तो सम्भ्रमित स्वप्न है। हम ऐसे स्वप्न का अर्थ नहीं जानते।"	x
Waqala allathee naja minhuma waiddakara baAAda ommatin ana onabbiokum bitaweelihi faarsilooni	x	But the one who was freed and remembered after a time said, "I will inform you of its interpretation, so send me forth."	12:45	इतने में दोनों में सो जो रिहा हो गया था और एक अर्से के बाद उसे याद आया तो वह बोला, "मैं इसका अर्थ तुम्हें बताता हूँ। ज़रा मुझे (यूसुफ़ के पास) भेज दीजिए।"	x
Yoosufu ayyuha alssiddeequ aftina fee sabAAi baqaratin simanin yakuluhunna sabAAun AAijafun wasabAAi sunbulatin khudrin waokhara yabisatin laAAallee arjiAAu ila alnnasi	x	[He said], "Joseph, O man of truth, explain to us about seven fat cows eaten by seven [that were] lean, and seven green spikes [of grain] and others [that were] dry - that I may return to the people; perhaps they will know [about you]."	12:46	"यूसुफ़, ऐ सत्यवान! हमें इसका अर्थ बता कि सात मोटी गायें है, जिन्हें सात दुबली गायें खा रही है और सात हरी बालें है और दूसरी (सात) सूखी, ताकि मैं लोगों के पास लौटकर जाऊँ कि वे जान लें।"	x
Qala tazraAAoona sabAAa sineena daaban fama hasadtum fatharoohu fee sunbulihi illa qaleelan mimma	x	[Joseph] said, "You will plant for seven years consecutively; and what you harvest leave in its spikes, except a little from which you will eat.	12:47	उसने कहा, "सात वर्ष तक तुम व्यवहारतः खेती करते रहोगे। फिर तुम जो फ़सल काटो तो थोड़े हिस्से के सिवा जो तुम्हारे खाने के काम आए शेष को उसकी बाली में रहने देना	x

Thumma yatee min baAAdi thalika sabAAun shidadun yakulna ma qaddamtum lahunna illa qaleelan mimma tuhsinoona	x	Then will come after that seven difficult [years] which will consume what you saved for them, except a little from which you will store.	12:48	फिर उसके पश्चात सात कठिन वर्ष आएँगे जो वे सब खा जाएँगे जो तुमने उनके लिए पहले से इकट्ठा कर रखा होगा, सिवाय उस थोड़े-से हिस्से के जो तुम सुरक्षित कर लोगे	x
Thumma yatee min baAAdi thalika AAamun feehi yughathu alnnasu wafeehi yaAAsiroona	Joseph then correctly foretold the pharaoh that there would come 7 years with good harvests, but they would be followed by 7 years with little harvests. **[Arab word that is used is "yughathu" or "yughath" which in mean "to be relieved by rain". While in Egypt there is hardly any**	Then will come after that a year in which the people will be given rain and in which they will press [olives and grapes]."	12:49	फिर उसके पश्चात एक वर्ष ऐसा आएगा, जिसमें वर्षा द्वारा लोगों की फ़रियाद सुन ली जाएगी और उसमें वे रस निचोड़ेंगे।"	फिर यूसुफ ने फिरौन को सही भविष्यवाणी की कि 7 साल अच्छी फसल के साथ आएंगे, लेकिन उसके बाद 7 साल कम फसल के साथ होंगे। **[इसमें इस्तेमाल होने वाला अरबी शब्द "युगाथु" या "युगाथ" है जिसका मतलब है "बारिश से राहत मिलना"। जबकि मिस्र में मुश्किल से ही बारिश होती है।]**
Waqala almaliku itoonee bihi falamma jaahu alrrasoolu qala irjiAA ila rabbika faisalhu ma balu alnniswati allatee qattaAAna aydiyahunna inna rabbee bikaydihinna AAaleemun	x	And the king said, "Bring him to me." But when the messenger came to him, [Joseph] said, "Return to your master and ask him what is the case of the women who cut their hands. Indeed, my Lord is Knowing of their plan."	12:50	सम्राट ने कहा, "उसे मेरे पास ले आओ।" किन्तु जब दूत उसके पास पहुँचा तो उसने कहा, "अपने स्वामी के पास वापस जाओ और उससे पूछो कि उन स्त्रियों का क्या मामला है, जिन्होंने अपने हाथ घायल कर लिए थे। निस्संदेह मेरा रब उनकी मक्कारी को भली-भाँति जानता है।"	x

Qala ma khatbukunna ith rawadtunna yoosufa AAan nafsihi qulna hasha lillahi ma AAalimna AAalayhi min sooin qalati imraatu alAAazeezi alana hashasa alhaqqu ana rawadtuhu AAan nafsihi wainnahu lamina alssadiqeena	**[According to 12:23 it was only the wife of the Aziz that tried to seduce him, not other ladies; This verse claims that women were praising Allah, while their gods were Osiris, Aton, Amon, and other ones.]**	Said [the king to the women], "What was your condition when you sought to seduce Joseph?" They said, "Perfect is Allah! We know about him no evil." The wife of al-'Azeez said, "Now the truth has become evident. It was I who sought to seduce him, and indeed, he is of the truthful.	12:51	उसने कहा, "तुम स्त्रियों का क्या हाल था, जब तुमने यूसुफ़ को रिझाने की चेष्टा की थी?" उन्होंने कहा, "पाक है अल्लाह! हम उसमें कोई बुराई नहीं जानते है।" अज़ीज़ की स्त्री बोल उठी, "अब तो सत्य प्रकट हो गया है। मैंने ही उसे रिझाना चाहा था। वह तो बिलकुल सच्चा है।"	**[12:23 के अनुसार, सिर्फ़ अज़ीज़ की पत्नी ने ही उसे बहकाने की कोशिश की थी, अन्य औरतों ने नहीं; इस आयत में दावा किया गया है कि औरतें अल्लाह की तारीफ़ कर रही थीं, जबकि उनके भगवान ओसिरिस, एटन, अमोन और दूसरे थे।]**
Thalika liyaAAlama annee lam akhunhu bialghaybi waanna Allaha la yahdee kayda alkhaineena	**[12:28: Azeez was there at the time of incidence and knew what has happened.]**	That is so al-'Azeez will know that I did not betray him in [his] absence and that Allah does not guide the plan of betrayers.	12:52	"यह इसलिए कि वह जान ले कि मैंने गुप्त रूप से उसके साथ विश्वासघात नहीं किया और यह कि अल्लाह विश्वासघातियों का चाल को चलने नहीं देता	**[12:28: अज़ीज़ घटना के समय वहीं मौजूद था और जानता था कि क्या हुआ था।]**
Wama obarrio nafsee inna alnnafsa laammaratun bialssooi illa ma rahima rabbee inna rabbee ghafoorun raheemun	x	And I do not acquit myself. Indeed, the soul is a persistent enjoiner of evil, except those upon which my Lord has mercy. Indeed, my Lord is Forgiving and Merciful."	12:53	मैं यह नहीं कहता कि मैं बुरा हूँ - जी तो बुराई पर उभारता ही है - यदि मेरा रब ही दया करे तो बात और है। निश्चय ही मेरा रब बहुत क्षमाशील, दयावान है।"	x

Waqala almaliku itoonee bihi astakhlishu linafsee falamma kallamahu qala innaka alyawma ladayna makeenun ameenun	x	And the king said, "Bring him to me; I will appoint him exclusively for myself." And when he spoke to him, he said, "Indeed, you are today established [in position] and trusted."	12:54	सम्राट ने कहा, "उसे मेरे पास ले आओ! मैं उसे अपने लिए ख़ास कर लूँगा।" जब उसने उससे बात-चीक करी तो उसने कहा, "निस्संदेह आज तुम हमारे यहाँ विश्व सनीय अधिकार प्राप्त व्यक्ति हो।"	x
Qala ijAAalnee AAala khazaini alardi innee hafeethun	x	[Joseph] said, "Appoint me over the storehouses of the land. Indeed, I will be a knowing guardian."	12:55	उसने कहा, "इस भू-भाग के ख़जानों पर मुझे नियुक्त कर दीजिए। निश्चय ही मैं रक्षक और ज्ञानवान हूँ।"	x
Wakathalika makanna liyoosufa fee alardi yatabawwao minha haythu yashao nuseebu birahmatina man nashao wala nudeeAAu ajra almuhsineena	x	And thus We established Joseph in the land to settle therein wherever he willed. We touch with Our mercy whom We will, and We do not allow to be lost the reward of those who do good.	12:56	इस प्रकार हमने यूसुफ़ को उस भू-भाग में अधिकार प्रदान किया कि वह उसमें जहाँ चाहे अपनी जगह बनाए। हम जिसे चाहते हैं उसे अपनी दया का पात्र बनाते है। उत्तमकारों का बदला हम अकारथ नहीं जाने देते	x
Walaajru alakhirati khayrun lillatheena amanoo wakanoo yattaqoona	x	And the reward of the Hereafter is better for those who believed and were fearing Allah.	12:57	और ईमान लानेवालों और डर रखनेवालों के लिए आख़िरत का बदला इससे कहीं उत्तम है	x
Wajaa ikhwatu yoosufa fadakhaloo AAalayhi faAAarafahum wahum lahu munkiroona	Joseph recognized his brothers but did not reveal.	And the brothers of Joseph came [seeking food], and they entered upon him; and he recognized them, but he was to them unknown.	12:58	फिर ऐसा हुआ कि यूसुफ़ के भाई आए और उसके सामने उपस्थित हुए, उसने तो उन्हें पहचान लिया, किन्तु वे उससे अपरिचित रहे	यूसुफ ने अपने भाइयों को पहचान लिया, लेकिन खुद को ज़ाहिर नहीं किया।

Walamma jahhazahum bijahazihim qala itoonee biakhin lakum min abeekum ala tarawna annee oofee alkayla waana khayru almunzileena	Joseph had many brothers but only Benjamin was his full brother (Mother Rachel). Rachel died during Benjamin's birth.	And when he had furnished them with their supplies, he said, "Bring me a brother of yours from your father. Do not you see that I give full measure and that I am the best of accommodators?	12:59	जब उसने उनके लिए उनका सामान तैयार करा दिया तो कहा, "बाप की ओर सो तुम्हारा भाई है, उसे मेरे पास लाना। क्या देखते नहीं कि मैं पूरी माप से देता हूँ और मैं अच्छा आतिशेय भी हूँ?"	जोसेफ़ के कई भाई थे, लेकिन केवल बेंजामिन ही उनका सगा भाई था (माँ राहेल)। बेंजामिन के जन्म के समय ही राहेल की मृत्यु हो गई थी।
Fain lam tatoonee bihi fala kayla lakum AAindee wala taqrabooni	x	But if you do not bring him to me, no measure will there be [hereafter] for you from me, nor will you approach me."	12:60	किन्तु यदि तुम उसे मेरे पास न लाए तो फिर तुम्हारे लिए मेरे यहाँ कोई माप (ग़ल्ला) नहीं और तुम मेरे पास आना भी मत।"	x
Qaloo sanurawidu AAanhu abahu wainna lafaAAiloona	x	They said, "We will attempt to dissuade his father from [keeping] him, and indeed, we will do	12:61	वे बोले, "हम उसके लिए उसके बाप को राज़ी करने की कोशिश करेंगे और हम यह काम अवश्य करेंगे।"	x
Waqala lifityanihi ijAAaloo bidaAAatahum fee rihalihim laAAallahum yaAArifoonaha itha inqalaboo ila ahlihim	x	And [Joseph] said to his servants, "Put their merchandise into their saddlebags so they might recognize it when they have gone back to their people that perhaps they will [again] return."	12:62	उसने अपने सेवकों से कहा, "इनका दिया हुआ माल इनके सामान में रख दो कि जब ये अपने घरवालों की ओर लौटें तो इसे पहचान लें, ताकि ये फिर लौटकर आएँ।"	x

Falamma rajaAAoo ila abeehim qaloo ya abana muniAAa minna alkaylu faarsil maAAana akhana naktal wainna lahu lahafithoona	x	So when they returned to their father, they said, "O our father, [further] measure has been denied to us, so send with us our brother [that] we will be given measure. And indeed, we will be his guardians."	12:63	फिर जब वे अपने बाप के पास लौटकर गए तो कहा, "ऐ मेरे बाप! (अनाज की) माप हमसे रोक दी गई है। अतः हमारे भाई को हमारे साथ भेज दीजिए, ताकि हम माप भर लाएँ; और हम उसकी रक्षा के लिए तो मौजूद ही हैं।"	x
Qala hal amanukum AAalayhi illa kama amintukum AAala akheehi min qablu faAllahu khayrun hafithan wahuwa arhamu alrrahimeena	x	He said, "Should I entrust you with him except [under coercion] as I entrusted you with his brother before? But Allah is the best guardian, and He is the most merciful of the merciful."	12:64	उसने कहा, "क्या मैं उसके मामले में तुमपर वैसा ही भरोसा करूँ जैसा इससे पहले उसके भाई के मामले में तुमपर भरोसा कर चुका हूँ? हाँ, अल्लाह ही सबसे अच्छ रक्षक है और वह सबसे बढ़कर दयावान है।"	x
Walamma fatahoo mataAAahum wajadoo bidaAAatahum ruddat ilayhim qaloo ya abana ma nabghee hathihi bidaAAatuna ruddat ilayna wanameeru ahlana wanahfathu akhana wanazdadu kayla baAAeerin thalika kaylun yaseerun	x	And when they opened their baggage, they found their merchandise returned to them. They said, "O our father, what [more] could we desire? This is our merchandise returned to us. And we will obtain supplies for our family and protect our brother and obtain an increase of a camel's load; that is an easy measurement."	12:65	जब उन्होंने अपना सामान खोला, तो उन्होंने अपने माल अपनी ओर वापस किया हुआ पाया। वे बोले, "ऐ मेरे बाप, हमें और क्या चाहिए! यह हमारा माल भी तो हमें लौटा दिया गया है। अब हम अपने घरवालों के लिए खाद्य-सामग्री लाएँगे और अपने भाई की रक्षा भी करेंगे। और एक ऊँट के बोझभर और अधिक लेंगे। इतना माप (ग़ल्ला) मिल जाना तो बिलकुल आसान है।"	x

Qala lan orsilahu maAAakum hatta tutooni mawthiqan mina Allahi latatunnanee bihi illa an yuhata bikum falamma atawhu mawthiqahum qala Allahu AAala ma naqoolu wakeelun	x	[Jacob] said, "Never will I send him with you until you give me a promise by Allah that you will bring him [back] to me, unless you should be surrounded by enemies." And when they had given their promise, he said, "Allah, over what we say, is Witness."	12:66	उसने कहा, "मैं उसे तुम्हारे साथ कदापि नहीं भेज सकता। जब तक कि तुम अल्लाह को गवाह बनाकर मुझे पक्का वचन न दो कि तुम उसे मेरे पास अवश्य लाओगे, यह और बात है कि तुम घिर जाओ।" फिर जब उन्होंने उसे अपना वचन दे दिया तो उसने कहा, "हम जो कुछ कर रहे है वह अल्लाह के हवाले है।"	x
Waqala ya baniyya la tadkhuloo min babin wahidin waodkhuloo min abwabin mutafarriqatin wama oghnee AAankum mina Allahi min shayin ini alhukmu illa lillahi AAalayhi tawakkaltu waAAalayhi falyatawakkali	Jacob told his sons to enter by different gates because “he feared the evil eye for them, because they were handsome and looked beautiful and graceful. He feared that people might direct the evil eye at them, because the evil eye truly harms	And he said, "O my sons, do not enter from one gate but enter from different gates; and I cannot avail you against [the decree of] Allah at all. The decision is only for Allah; upon Him I have relied, and upon Him let those who would rely [indeed] rely."	12:67	उसने यह भी कहा, "ऐ मेरे बेटो! एक द्वार से प्रवेश न करना, बल्कि विभिन्न द्वारों से प्रवेश करना यद्यपि मैं अल्लाह के मुक़ाबले में तुम्हारे काम नहीं आ सकता आदेश तो बस अल्लाह ही का चलता है। उसी पर मैंने भरोसा किया और भरोसा करनेवालों को उसी पर भरोसा करना चाहिए।"	जैकब ने अपने बेटों से अलग-अलग दरवाज़ों से अंदर जाने को कहा, क्योंकि "उन्हें उनके लिए बुरी नज़र का डर था; वे बहुत सुंदर, आकर्षक और सौम्य दिखते थे। उन्हें डर था कि लोग उन पर बुरी नज़र डाल सकते हैं, क्योंकि बुरी नज़र सचमुच नुकसान पहुँचाती है।"

Walamma dakhaloo min haythu amarahum aboohum ma kana yughnee AAanhum mina Allahi min shayin illa hajatan fee nafsi yaAAqooba qadaha wainnahu lathoo AAilmin lima AAallamnahu walakinna akthara alnnasi la	x	And when they entered from where their father had ordered them, it did not avail them against Allah at all except [it was] a need within the soul of Jacob, which he satisfied. And indeed, he was a possessor of knowledge because of what We had taught him, but most of the people do not know.	12:68	और जब उन्होंने प्रवेश किया जिस तरह से उनके बाप ने उन्हें आदेश दिया था - अल्लाह की ओर से होनेवाली किसी चीज़ को वह उनसे हटा नहीं सकता था। बस याक़ूब के जी की एक इच्छा थी, जो उसने पूरी कर ली। और निस्संदेह वह ज्ञानवान था, क्योंकि हमने उसे ज्ञान प्रदान किया था; किन्तु अधिकतर लोग जानते नहीं -	x
Walamma dakhaloo AAala yoosufa awa ilayhi akhahu qala innee ana akhooka fala tabtais bima kanoo yaAAmaloona	**[This has not happened in Bible.]**	And when they entered upon Joseph, he took his brother to himself; he said, "Indeed, I am your brother, so do not despair over what they used to do [to me]."	12:69	और जब उन्होंने यूसुफ़ के यहाँ प्रवेश किया तो उसने अपने भाई को अपने पास जगह दी और कहा, "मैं तेरा भाई हूँ। जो कुछ ये करते रहे हैं, अब तू उसपर दुखी न हो।"	**[बाइबल में ऐसा नहीं हुआ है।]**
Falamma jahhazahum bijahazihim jaAAala alssiqayata fee rahli akheehi thumma aththana muaththinun ayyatuha alAAeeru	x	So when he had furnished them with their supplies, he put the [gold measuring] bowl into the bag of his brother. Then an announcer called out, "O caravan, indeed you are thieves."	12:70	फिर जब उनका सामान तैयार कर दिया तो अपने भाई के सामान में पानी पीने का प्याला रख दिया। फिर एक पुकारनेवाले ने पुकारकर कहा, "ऐ क़ाफ़िलेवालो! निश्चय ही तुम चोर हो।"	x
Qaloo waaqbaloo AAalayhim matha tafqidoona	x	They said while approaching them, "What is it you are missing?"	12:71	वे उनकी ओर रुख़ करते हुए बोले, "तुम्हारी क्या चीज़ खो गई है?"	x

Qaloo nafqidu suwaAAa almaliki waliman jaa bihi himlu baAAeerin waana bihi zaAAeemun	x	They said, "We are missing the measure of the king. And for he who produces it is [the reward of] a camel's load, and I am responsible for it."	12:72	उन्होंने कहा, "शाही पैमाना हमें नहीं मिल रहा है। जो व्यक्ति उसे ला दे उसको एक ऊँट का बोझभर ग़ल्ला इनाम मिलेगा। मैं इसकी ज़िम्मेदारी लेता हूँ।"	x
Qaloo taAllahi laqad AAalimtum ma jina linufsida fee alardi wama kunna sariqeena	x	They said, "By Allah, you have certainly known that we did not come to cause corruption in the land, and we have not been thieves."	12:73	वे कहने लगे, "अल्लाह की क़सम! तुम लोग जानते ही हो कि हम इस भू-भाग में बिगाड़ पैदा करने नहीं आए है और न हम चोर है।"	x
Qaloo fama jazaohu in kuntum kathibeena	x	The accusers said, "Then what would be its recompense if you should be liars?"	12:74	उन्होंने कहा, "यदि तुम झूठे सिद्ध हुए तो फिर उसका दंड क्या है?"	x
Qaloo jazaohu man wujida fee rahlihi fahuwa jazaohu kathalika najzee alththalimeena	x	[The brothers] said, "Its recompense is that he in whose bag it is found - he [himself] will be its recompense. Thus do we recompense the wrongdoers."	12:75	वे बोले, "उसका दंड यह है कि जिसके सामान में वह मिले वही उसका बदला ठहराया जाए। हम अत्याचारियों को ऐसा ही दंड देते है।"	x

Fabadaa biawAAiyatihim qabla wiAAai akheehi thumma istakhrajaha min wiAAai akheehi kathalika kidna liyoosufa ma kana liyakhutha akhahu fee deeni almaliki illa an yashaa Allahu narfaAAu darajatin man nashao wafawqa kulli thee AAilmin	Allah orders all events, and none can thwart his will.	So he began [the search] with their bags before the bag of his brother; then he extracted it from the bag of his brother. Thus did We plan for Joseph. He could not have taken his brother within the religion of the king except that Allah willed. We raise in degrees whom We will, but over every possessor of knowledge is one [more] knowing.	12:76	फिर उसके भाई की खुरजी से पहले उनकी ख़ुरजियाँ देखनी शुरू की; फिर उसके भाई की ख़ुरजी से उसे बरामद कर लिया। इस प्रकार हमने यूसुफ़ का उपाय किया। वह शाही क़ानून के अनुसार अपने भाई को प्राप्त नहीं कर सकता था। बल्कि अल्लाह ही की इच्छा लागू है। हम जिसको चाहे उसके दर्जे ऊँचे कर दें। और प्रत्येक ज्ञानवान से ऊपर एक ज्ञानवान मौजूद है	अल्लाह सभी घटनाओं का विधान करता है, और कोई भी उसकी इच्छा को विफल नहीं कर सकता।
Qaloo in yasriq faqad saraqa akhun lahu min qablu faasarraha yoosufu fee nafsihi walam yubdiha lahum qala antum sharrun makanan waAllahu aAAlamu bima tasifoona	**[Here something is wrong: The child /youth Joseph was not accused of stealing.]**	They said, "If he steals - a brother of his has stolen before." But Joseph kept it within himself and did not reveal it to them. He said, "You are worse in position, and Allah is most knowing of what you describe."	12:77	उन्होंने कहा, "यदि यह चोरी करता है तो चोरी तो इससे पहले इसका एक भाई भी कर चुका है।" किन्तु यूसुफ़ ने इसे अपने जी ही में रखा और उनपर प्रकट नहीं किया। उसने कहा, "मक़ाम की दृष्टि से तुम अत्यन्त बुरे हो। जो कुछ तुम बताते हो, अल्लाह को उसका पूरा ज्ञान है।"	**[यहाँ कुछ गड़बड़ है: बच्चे/युवक जोसेफ़ पर चोरी का आरोप नहीं लगाया गया था।]**

Qaloo ya ayyuha alAAazeezu inna lahu aban shaykhan kabeeran fakhuth ahadana makanahu inna naraka mina almuhsineena	x	They said, "O 'Azeez, indeed he has a father [who is] an old man, so take one of us in place of him. Indeed, we see you as a doer of good."	12:78	उन्होंने कहा, "ऐ अज़ीज़! इसका बाप बहुत ही बूढ़ा है। इसलिए इसके स्थान पर हममें से किसी को रख लीजिए। हमारी स्पष्ट में तो आप बड़े ही सुकर्मी है।"	x
Qala maAAatha Allahi an nakhutha illa man wajadna mataAAana AAindahu inna ithan lathalimoona	x	He said, "[I seek] the refuge of Allah [to prevent] that we take except him with whom we found our possession. Indeed, we would then be unjust."	12:79	उसने कहा, "इस बात से अल्लाह पनाह में रखे कि जिसके पास हमने अपना माल पाया है, उसे छोड़कर हम किसी दूसरे को रखें। फिर तो हम अत्याचारी ठहगेंगे।"	x
Falamma istayasoo minhu khalasoo najiyyan qala kabeeruhum alam taAAlamoo anna abakum qad akhatha AAalaykum mawthiqan mina Allahi wamin qablu ma farrattum fee yoosufa falan abraha alarda hatta yathana lee abee aw yahkuma Allahu lee wahuwa khayru alhakimeena	x	So when they had despaired of him, they secluded themselves in private consultation. The eldest of them said, "Do you not know that your father has taken upon you an oath by Allah and [that] before you failed in [your duty to] Joseph? So I will never leave [this] land until my father permits me or Allah decides for me, and He is the best of judges.	12:80	तो जब से वे उससे निराश हो गए तो परामर्श करने के लिए अलग जा बैठे। उनमें जो बड़ा था, वह कहने लगा, "क्या तुम जानते नहीं कि तुम्हारा बाप अल्लाह के नाम पर तुमसे वचन ले चुका है और उसको जो इससे पहले यूसुफ़ के मामले में तुमसे क़सूर हो चुका है? मैं तो इस भू-भाग से कदापि टलने का नहीं जब तक कि मेरे बाप मुझे अनुमति न दें या अल्लाह ही मेरे हक़ में कोई फ़ैसला कर दे। और वही सबसे अच्छा फ़ैसला करनेवाला है	x

IrjiAAoo ila abeekum faqooloo ya abana inna ibnaka saraqa wama shahidna illa bima AAalimna wama kunna lilghaybi hafitheena	x	Return to your father and say, "O our father, indeed your son has stolen, and we did not testify except to what we knew. And we were not witnesses of the unseen,	12:81	तुम अपने बाप के पास लौटकर जाओ और कहो, "ऐ हमारे बाप! आपके बेटे ने चोरी की है। हमने तो वही कहा जो हमें मालूम हो सका, परोक्ष तो हमारी दृष्टि में था नहीं	x
Waisali alqaryata allatee kunna feeha waalAAeera allatee aqbalna feeha wainna lasadiqoona	**[Bible: the brothers returned to Jacob and told that Joseph is alive.]**	And ask the city in which we were and the caravan in which we came - and indeed, we are truthful,"	12:82	आप उस बस्ती से पूछ लीजिए जहाँ हम थे और उस क़ाफ़िलें से भी जिसके साथ होकर हम आए। निस्संदेह हम बिलकुल सच्चे है।"	**[बाइबल: भाई, याकूब के पास लौट आए और बताया कि यूसुफ जीवित है।]**
Qala bal sawwalat lakum anfusukum amran fasabrun jameelun AAasa Allahu an yatiyanee bihim jameeAAan innahu huwa alAAaleemu alhakeemu	x	[Jacob] said, "Rather, your souls have enticed you to something, so patience is most fitting. Perhaps Allah will bring them to me all together. Indeed it is He who is the Knowing, the Wise."	12:83	उसने कहा, "नहीं, बल्कि तुम्हारे जी ही ने तुम्हे पट्टी पढ़ाकर एक बात बना दी है। अब धैर्य से काम लेना ही उत्तम है! बहुत सम्भव है कि अल्लाह उन सबको मेरे पास ले आए। वह तो सर्वज्ञ, अत्यन्त तत्वदर्शी है।"	x
Watawalla AAanhum waqala ya asafa AAala yoosufa waibyaddat AAaynahu mina alhuzni fahuwa katheemun	**[Eyes cannot become white (and more or less blind) from sorrow.]**	And he turned away from them and said, "Oh, my sorrow over Joseph," and his eyes became white from grief, for he was [of that] a suppressor.	12:84	उसने उनकी ओर से मुख फेर लिया और कहने लगा, "हाय अफ़सोस, यूसुफ़ की जुदाई पर!" और ग़म के मारे उसकी आँखें सफ़ेद पड़ गई और वह घुटा जा रहा था	**[दुःख के कारण आँखें सफ़ेद (और कमोबेश अंधी) नहीं हो सकतीं।]**

Qaloo taAllahi taftao tathkuru yoosufa hatta takoona haradan aw takoona mina	x	They said, "By Allah, you will not cease remembering Joseph until you become fatally ill or become of those who	12:85	उन्होंने कहा, "अल्लाह की क़सम! आप तो यूसुफ़ ही की याद में लगे रहेंगे, यहाँ तक कि घुलकर रहेंगे या प्राण ही त्याग देंगे।"	x
Qala innama ashkoo baththee wahuznee ila Allahi waAAlamu mina Allahi ma la taAAlamoona	x	He said, "I only complain of my suffering and my grief to Allah, and I know from Allah that which you do not know.	12:86	उसने कहा, "मैं तो अपनी परेशानी और अपने ग़म की शिकायत अल्लाह ही से करता हूँ और अल्लाह की ओर से जो मैं जानता हूँ, तुम नही जानते	x
Ya baniyya ithhaboo fatahassasoo min yoosufa waakheehi wala tayasoo min rawhi Allahi innahu la yayasu min rawhi Allahi illa alqawmu alkafiroona	**[12:87 Jacob stayed home and send his sons to Egypt; Bible says, Jacob went to Egypt.]**	O my sons, go and find out about Joseph and his brother and despair not of relief from Allah. Indeed, no one despairs of relief from Allah except the disbelieving people."	12:87	ऐ मेरे बेटों! जाओ और यूसुफ़ और उसके भाई की टोह लगाओ और अल्लाह की सदयता से निराश न हो। अल्लाह की सदयता से तो केवल कुफ़्र करनेवाले ही निराश होते है।"	**[12:87 याकूब घर पर ही रहे और अपने बेटों को मिस्र भेज दिया; बाइबल कहती है कि याकूब मिस्र गए थे।]**
Falamma dakhaloo AAalayhi qaloo ya ayyuha alAAazeezu massana waahlana alddurru wajina bibidaAAatin muzjatin faawfi lana alkayla watasaddaq AAalayna inna Allaha yajzee almutasaddiqeena	x	So when they entered upon Joseph, they said, "O 'Azeez, adversity has touched us and our family, and we have come with goods poor in quality, but give us full measure and be charitable to us. Indeed, Allah rewards the charitable."	12:88	फिर जब वे उसके पास उपस्थित हुए तो कहा, "ऐ अज़ीज़! हमें और हमारे घरवालों को बहुत तकलीफ़ पहुँची हैं और हम कुछ तुच्छ-सी पूँजी लेकर आए है, किन्तु आप हमें पूरी-पूरी माप प्रदान करें। और हमें दान दें। निश्चय ही दान करनेवालों को बदला अल्लाह देता है।"	x

Qala hal AAalimtum ma faAAaltum biyoosufa waakheehi ith antum	x	He said, "Do you know what you did with Joseph and his brother when you were ignorant?"	12:89	उसने कहा, "क्या तुम्हें यह भी मालूम है कि जब तुम आवेग के वशीभूत थे तो यूसुफ़ और उसके भाई के साथ तुमने क्या किया था?"	x
Qaloo ainnaka laanta yoosufa qala ana yoosufu wahatha akhee qad manna Allahu AAalayna innahu man yattaqi wayasbir fainna Allaha la yudeeAAu ajra almuhsineena	x	They said, "Are you indeed Joseph?" He said "I am Joseph, and this is my brother. Allah has certainly favored us. Indeed, he who fears Allah and is patient, then indeed, Allah does not allow to be lost the reward of those who do good."	12:90	वे बोल पड़े, "क्या यूसुफ़ आप ही है?" उसने कहा, "मैं ही यूसुफ़ हूँ और यह मेरा भाई है। अल्लाह ने हमपर उपकार किया है। सच तो यह है कि जो कोई डर रखे और धैर्य से काम ले तो अल्लाह भी उत्तमकारों का बदला अकारथ नहीं करता।"	x
Qaloo taAllahi laqad atharaka Allahu AAalayna wain kunna lakhatieena	x	They said, "By Allah, certainly has Allah preferred you over us, and indeed, we have been sinners."	12:91	उन्होंने कहा, "अल्लाह की क़सम! आपको अल्लाह ने हमारे मुक़ाबले में पसन्द किया और निश्चय ही चूक तो हमसे हुई।"	x
Qala la tathreeba AAalaykumu alyawma yaghfiru Allahu lakum wahuwa arhamu alrrahimeena	x	He said, "No blame will there be upon you today. Allah will forgive you; and He is the most merciful of the merciful."	12:92	उसने कहा, "आज तुमपर कोई आरोप नहीं। अल्लाह तुम्हें क्षमा करे। वह सबसे बढ़कर दयावान है।	x
Ithhaboo biqameesee hatha faalqoohu AAala wajhi abee yati baseeran watoonee biahlikum	**[How casting the shirt will cure blindness.]**	Take this, my shirt, and cast it over the face of my father; he will become seeing. And bring me your family, all together."	12:93	मेरा यह कुर्ता ले जाओ और इसे मेरे बाप के मुख पर डाल दो। उनकी नेत्र-ज्योति लौट आएगी, फिर अपने सब घरवालों को मेरे यहाँ ले आओ।"	**[शर्ट डालने से अंधापन कैसे ठीक होगा।]**

Walamma fasalati alAAeeru qala aboohum innee laajidu reeha yoosufa lawla an tufannidooni	**[12:94: "When the caravan departed (from Egypt), their father (Jacob*) said". But 12:87, 12:93 Jacob stayed at home. How could he scent the smell from far away.]**	And when the caravan departed [from Egypt], their father said, "Indeed, I find the smell of Joseph [and would say that he was alive] if you did not think me weakened in mind."	12:94	इधर जब क़ाफ़िला चला तो उनके बाप ने कहा, "यदि तुम मुझे बहकी बातें करनेवाला न समझो तो मुझे तो यूसुफ़ की महक आ रही है।"	**[12:94: "जब क़ाफ़िला (मिस्र से) चला, तो उनके पिता (याकूब*) ने कहा". लेकिन 12:87, 12:93 याकूब घर पर ही थे, वह दूर से आने वाली खुशबू को कैसे सूंघ सकते थे]**
Qaloo taAllahi innaka lafee dalalika alqadeemi	x	They said, "By Allah, indeed you are in your [same] old error."	12:95	वे बोले, "अल्लाह की क़सम! आप तो अभी तक अपनी उसी पुरानी भ्रांति में पड़े हुए है।"	x
Falamma an jaa albasheeru alqahu AAala wajhihi fairtadda baseeran qala alam aqul lakum innee aAAlamu mina Allahi ma la taAAlamoona	x	And when the bearer of good tidings arrived, he cast it over his face, and he returned [once again] seeing. He said, "Did I not tell you that I know from Allah that which you do not know?"	12:96	फिर जब शुभ सूचना देनेवाला आया तो उसने उस (कुर्ते) को उसके मुँह पर डाल दिया और तत्क्षण उसकी नेत्र-ज्योति लौट आई। उसने कहा, "क्या मैंने तुमसे कहा नहीं था कि अल्लाह की ओर से जो मैं जानता हूँ, तुम नहीं जानते।"	x
Qaloo ya abana istaghfir lana thunoobana inna kunna khatieena	x	They said, "O our father, ask for us forgiveness of our sins; indeed, we have been sinners."	12:97	वे बोले, "ऐ मेरे बाप! आप हमारे गुनाहों की क्षमा के लिए प्रार्थना करें। वास्तव में चूक हमसे ही हुई।"	x
Qala sawfa astaghfiru lakum rabbee innahu huwa alghafooru alrraheemu	x	He said, "I will ask forgiveness for you from my Lord. Indeed, it is He who is the Forgiving, the Merciful."	12:98	उसने कहा, "मैं अपने रब से तुम्हारे लिए प्रार्थना करूँगा। वह बहुत क्षमाशील, दयावान है।"	x

Falamma dakhaloo AAala yoosufa awa ilayhi abawayhi waqala odkhuloo misra in shaa Allahu amineena	**[12:99: Joseph's mother (Rachel) died during birth of Benjamin. So, only his father and step mothers could be there; Also as Jacob married two real sisters simultaneouly, how he could be a devoted Muslim (Marrying two real sisters simultaenously is forbidden in Islam)]**	And when they entered upon Joseph, he took his parents to himself and said, "Enter Egypt, Allah willing, safe [and secure]."	12:99	फिर जब वे यूसुफ़ के पास पहुँचे तो उसने अपने माँ-बाप को ख़ास अपने पास जगह दी और कहा, "तुम सब नगर में प्रवेश करो। अल्लाह ने चाहा तो यह प्रवेश निश्चिन्तता के साथ होगा।"	**[12:99: यूसुफ की माँ (राहेल) की मौत बेंजामिन के जन्म के समय हो गई थी। इसलिए, वहाँ सिर्फ़ उसके पिता और सौतेली माँ ही रह सकते थे; और जैसे जैकब ने एक ही समय में दो सगी बहनों से शादी की, तो वह एक पक्के मुसलमान कैसे हो सकते थे (इस्लाम में एक ही समय में दो सगी बहनों से शादी करना मना है)]**
WarafaAAa abawayhi AAala alAArshi wakharroo lahu sujjadan waqala ya abati hatha taweelu ruyaya min qablu qad jaAAalaha rabbee haqqan waqad ahsana bee ith akhrajanee mina alssijni wajaa bikum mina albadwi min baAAdi an nazagha alshshaytanu baynee wabayna ikhwatee inna rabbee lateefun lima yashao innahu huwa alAAaleemu	**[Contradiction: Prostration is allowed for: Only Allah 22:18, For Adam also 2:34, Parents of Joseph (Yusuf), 12:100; wa-kharru lahu sudjdjadah" literally means "- - - and they fell down before him; According to Abd Allah ibn Abbas the "him" in "before him" must refer to Allah; however, it is not clear.]**	And he raised his parents upon the throne, and they bowed to him in prostration. And he said, "O my father, this is the explanation of my vision of before. My Lord has made it reality. And He was certainly good to me when He took me out of prison and brought you [here] from bedouin life after Satan had induced [estrangement] between me and my brothers. Indeed, my Lord is Subtle in what He wills. Indeed, it is He who is the Knowing, the Wise.	12:100	उसने अपने माँ-बाप को ऊँची जगह सिंहासन पर बिठाया और सब उसके आगे सजदे मे गिर पड़े। इस अवसर पर उसने कहा, "ऐ मेरे बाप! यह मेरे विगत स्वप्न का साकार रूप है। इसे मेरे रब ने सच बना दिया। और उसने मुझपर उपकार किया जब मुझे क़ैदख़ाने से निकाला और आप भाइयों के बीच फ़साद डलवा दिया था। निस्संदेह मेरा रब जो चाहता है उसके लिए सूक्ष्म उपाय करता है। वास्तव में वही सर्वज्ञ, अत्यन्त तत्वदर्शी है	**[विरोधाभास: सजदा करने की इजाज़त है: सिर्फ़ अल्लाह के लिए 22:18, आदम के लिए भी 2:34, यूसुफ़ के माता-पिता के लिए भी, 12:100; व-ख़रु लहू सुज्जदजादा" का मतलब है "- - - और वे उसके सामने गिर पड़े; अब्द अल्लाह इब्न अब्बास के अनुसार "उसके सामने" में "उसे" का मतलब अल्लाह ही होना चाहिए; हालाँकि, यह साफ़ नहीं है।]**

Rabbi qad ataytanee mina almulki waAAallamtanee min taweeli alahadeethi fatira alssamawati waalardi anta waliyyee fee alddunya waalakhirati tawaffanee musliman	x	My Lord, You have given me [something] of sovereignty and taught me of the interpretation of dreams. Creator of the heavens and earth, You are my protector in this world and in the Hereafter. Cause me to die a Muslim and join me with the righteous."	12:101	मेरे रब! तुने मुझे राज्य प्रदान किया और मुझे घटनाओं और बातों के निष्कर्ष तक पहुँचना सिखाया। आकाश और धरती के पैदा करनेवाले! दुनिया और आख़िरत में तू ही मेरा संरक्षक मित्र है। तू मुझे इस दशा से उठा कि मैं मुस्लिम (आज्ञाकारी) हूँ और मुझे अच्छे लोगों के साथ मिला।"	x
Thalika min anbai alghaybi nooheehi ilayka wama kunta ladayhim ith ajmaAAoo amrahum wahum yamkuroona	Allah states that he taught His Messenger the news of what occurred in the past.	That is from the news of the unseen which We reveal, [O Muhammad], to you. And you were not with them when they put together their plan while they conspired.	12:102	ये परोक्ष की ख़बरें हैं जिनकी हम तुम्हारी ओर प्रकाशना कर रहे है। तुम तो उनके पास नहीं थे, जब उन्होंने अपने मामले को पक्का करके षड्यंत्र किया था	अल्लाह कहता है कि उसने अपने रसूल को उन घटनाओं की ख़बर सिखाई, जो अतीत में घटित हुई थीं।
Wama aktharu alnnasi walaw harasta bimumineena	**[Again a predestination, that most of people will not believe.]**	And most of the people, although you strive [for it], are not believers.	12:103	किन्तु चाहे तुम कितना ही चाहो, अधिकतर लोग तो मानेंगे नहीं	**[फिर से एक पहले से तय बात, जिस पर ज़्यादातर लोग यकीन नहीं करेंगे।]**
Wama tasaluhum AAalayhi min ajrin in huwa illa thikrun lilAAalameena	**[Claims that prophet took no payment 12:104, 25:57, 34:47, 38:86, 42:23. Although he collected 20% from Ghanimat (8:41) and 100% of Fai. In addition Zakat and Jiziya was imposed.]**	And you do not ask of them for it any payment. It is not except a reminder to the worlds.	12:104	तुम उनसे इसका कोई बदला भी नहीं माँगते। यह तो सारे संसार के लिए बस एक अनुस्मरण है	**[दावा है कि पैगंबर ने कोई पेमेंट नहीं लिया 12:104, 25:57, 34:47, 38:86, 42:23. हालांकि उन्होंने गनीमत से 20% और 100% फ़ाई इकट्ठा किया। इसके अलावा ज़कात और जिज़िया लगाया गया था।]**

Wakaayyin min ayatin fee alssamawati waalardi yamurroona AAalayha wahum AAanha	x	And how many a sign within the heavens and earth do they pass over while they, therefrom, are turning away.	12:105	आकाशों और धरती में कितनी ही निशानियाँ हैं, जिनपर से वे इस तरह गुज़र जाते है कि उनकी ओर वे ध्यान ही नहीं देते	x
Wama yuminu aktharuhum biAllahi illa wahum mushrikoona	x	And most of them believe not in Allah except while they associate others with Him.	12:106	इनमें अधिकतर लोग अल्लाह को मानते भी है तो इस तरह कि वे साझी भी ठहराते है	x
Afaaminoo an tatiyahum ghashiyatun min AAathabi Allahi aw tatiyahumu alssaAAatu baghtatan wahum la yashAAuroona	x	Then do they feel secure that there will not come to them an overwhelming [aspect] of the punishment of Allah or that the Hour will not come upon them suddenly while they do not perceive?	12:107	क्या वे इस बात से निश्चिन्त है कि अल्लाह की कोई यातना उन्हें ढँक ले या सहसा वह घड़ी ही उनपर आ जाए, जबकि वे बिलकुल बेख़बर हों?	x
Qul hathihi sabeelee adAAoo ila Allahi AAala baseeratin ana wamani ittabaAAanee wasubhana Allahi wama ana mina almushrikeena	x	Say, "This is my way; I invite to Allah with insight, I and those who follow me. And exalted is Allah; and I am not of those who associate others with Him."	12:108	कह दो, "यही मेरा मार्ग है। मैं अल्लाह की ओर बुलाता हूँ। मैं स्वयं भी पूर्ण प्रकाश में हूँ और मेरे अनुयायी भी - महिमावान है अल्लाह! और मैं कदापि बहुदेववादी नहीं।"	x

Wama arsalna min qablika illa rijalan noohee ilayhim min ahli alqura afalam yaseeroo fee alardi fayanthuroo kayfa kana AAaqibatu allatheena min qablihim waladaru alakhirati khayrun lillatheena ittaqaw afala taAAqiloona	**[Contradiction: Who could be a Messenger: only men 12:109, 16:43, 21:7, 25:29, Angels also 22:75]**	And We sent not before you [as messengers] except men to whom We revealed from among the people of cities. So have they not traveled through the earth and observed how was the end of those before them? And the home of the Hereafter is best for those who fear Allah; then will you not reason?	12:109	तुमसे पहले भी हमने जिनको रसूल बनाकर भेजा, वे सब बस्तियों के रहनेवाले पुरुष ही थे। हम उनकी ओर प्रकाशना करते रहे - फिर क्या वे धरती में चले-फिरे नहीं कि देखते कि उनका कैसा परिणाम हुआ, जो उनसे पहले गुज़रे है? निश्चय ही आख़िरत का घर ही डर रखनेवालों के लिए सर्वोत्तम है। तो क्या तुम समझते नहीं? -	**[विरोधाभास: पैगंबर कौन हो सकता है: केवल पुरुष 12:109, 16:43, 21:7, 25:29, या फ़रिश्ते भी 22:75]**
Hatta itha istayasa alrrusulu wathannoo annahum qad kuthiboo jaahum nasruna fanujjiya man nashao wala yuraddu basuna AAani alqawmi almujrimeena	x	[They continued] until, when the messengers despaired and were certain that they had been denied, there came to them Our victory, and whoever We willed was saved. And Our punishment cannot be repelled from the people who are criminals.	12:110	यहाँ तक कि जब वे रसूल निराश होने लगे और वे समझने लगे कि उनसे झूठ कहा गया था कि सहसा उन्हें हमारी सहायता पहुँच गई। फिर हमने जिसे चाहा बचा लिया। किन्तु अपराधी लोगों पर से तो हमारी यातना टलती ही नहीं	x

Laqad kana fee qasasihim AAibratun liolee alalbabi ma kana hadeethan yuftara walakin tasdeeqa allathee bayna yadayhi watafseela kulli shayin wahudan warahmatan	**[But there is no solid proof of these stories and there are so many differences from Bible. Also there is no detailed explanation in Quran.]**	There was certainly in their stories a lesson for those of understanding. Never was the Qur'an a narration invented, but a confirmation of what was before it and a detailed explanation of all things and guidance and mercy for a people who believe.	12:111	निश्चय ही उनकी कथाओं में बुद्धि और समझ रखनेवालों के लिए एक शिक्षाप्रद सामग्री है। यह कोई घड़ी हुई बात नहीं है, बल्कि यह अपने से पूर्व की पुष्टि में है, और हर चीज़ का विस्तार और ईमान लानेवाले लोगों के लिए मार्ग-दर्शन और दयालुता है	**[लेकिन इन कहानियों का कोई पक्का सबूत नहीं है और बाइबिल से इनमें बहुत फ़र्क है। साथ ही कुरान में भी कोई जानकारी डिटेल में नहीं है।]**
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Ar-Rad (The Thunder)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**13:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अर-राद (गरज)**
Aliflammeemra tilka ayatu alkitabi waallathee onzila ilayka min rabbika alhaqqu walakinna akthara alnnasi la yuminoona	Mysterious letters. **[But there are 2 billion Muslims worldwide.]**	Alif, Lam, Meem, Ra. These are the verses of the Book; and what has been revealed to you from your Lord is the truth, but most of the people do not believe.	13:1	अलिफ़॰ लाम॰ मीम॰ रा॰। ये किताब की आयतें है और जो कुछ तुम्हारे रब की ओर से तुम्हारी ओर अवतरित हुआ है, वह सत्य है, किन्तु अधिकतर लोग मान नहीं रहे है	रहस्यमयी अक्षर. **[लेकिन दुनिया भर में 2 अरब मुसलमान हैं.]**

Allahu allathee rafaAAa alssamawati bighayri AAamadin tarawnaha thumma istawa AAala alAAarshi wasakhkhara alshshamsa waalqamara kullun yajree liajalin musamman yudabbiru alamra yufassilu alayati laAAallakum biliqai	**[Very illogical verse talking about pillars for sky.]**	It is Allah who erected the heavens without pillars that you [can] see; then He established Himself above the Throne and made subject the sun and the moon, each running [its course] for a specified term. He arranges [each] matter; He details the signs that you may, of the meeting with your Lord, be certain.	13:2	अल्लाह वह है जिसने आकाशों को बिना सहारे के ऊँचा बनाया जैसा कि तुम उन्हें देखते हो। फिर वह सिंहासन पर आसीन हुआ। उसने सूर्य और चन्द्रमा को काम पर लगाया। हरेक एक नियत समय तक के लिए चला जा रहा है। वह सारे काम का विधान कर रहा है; वह निशानियाँ खोल-खोलकर बयान करता है, ताकि तुम्हें अपने रब से मिलने का विश्वास हो	**[आसमान के लिए खंभों की बात करना बहुत ही बेतुका है।]**
Wahuwa allathee madda alarda wajaAAala feeha rawasiya waanharan wamin kulli alththamarati jaAAala feeha zawjayni ithnayni yughshee allayla alnnahara inna fee thalika laayatin liqawmin	**[Fruits don't have male and female, they are also not of two types only; Night does not covers the day.]**	And it is He who spread the earth and placed therein firmly set mountains and rivers; and from all of the fruits He made therein two mates; He causes the night to cover the day. Indeed in that are signs for a people who give thought.	13:3	और वही है जिसने धरती को फैलाया और उसमें जमे हुए पर्वत और नदियाँ बनाई और हरेक पैदावार की दो-दो क़िस्में बनाई। वही रात से दिन को छिपा देता है। निश्चय ही इसमें उन लोगों के लिए निशानियाँ है जो सोच-विचार से काम लेते है	**[फलों में नर और मादा नहीं होते, वे भी केवल दो प्रकार के नहीं होते; रात दिन को नहीं ढकती।]**

Wafee alardi qitaAAun mutajawiratun wajannatun min aAAnabin wazarAAun wanakheelun sinwanun waghayru sinwanin yusqa bimain wahidin wanufaddilu baAAdaha AAala baAAdin fee alokuli inna fee thalika laayatin liqawmin yaAAqiloona	x	And within the land are neighboring plots and gardens of grapevines and crops and palm trees, [growing] several from a root or otherwise, watered with one water; but We make some of them exceed others in [quality of] fruit. Indeed in that are signs for a people who reason.	13:4	और धरती में पास-पास भूभाग पाए जाते है जो परस्पर मिले हुए है, और अंगूरों के बाग़ है और खेतियाँ है औऱ खजूर के पेड़ है, इकहरे भी और दोहरे भी। सबको एक ही पानी से सिंचित करता है, फिर भी हम पैदावार और स्वाद में किसी को किसी के मुक़ाबले में बढ़ा देते है। निश्चय ही इसमें उन लोगों के लिए निशानियाँ हैं, जो बुद्धि से काम लेते है	x
Wain taAAjab faAAajabun qawluhum aitha kunna turaban ainna lafee khalqin jadeedin olaika allatheena kafaroo birabbihim waolaika alaghlalu fee aAAnaqihim waolaika ashabu alnnari hum feeha khalidoona	x	And if you are astonished, [O Muhammad] - then astonishing is their saying, "When we are dust, will we indeed be [brought] into a new creation?" Those are the ones who have disbelieved in their Lord, and those will have shackles upon their necks, and those are the companions of the Fire; they will abide therein	13:5	अब यदि तुम्हें आश्चर्य ही करना है तो आश्चर्य की बात तो उनका यह कहना है कि ,"क्या जब हम मिट्टी हो जाएँगे तो क्या हम नए सिरे से पैदा भी होंगे?" वही हैं जिन्होंने अपने रब के साथ इनकार की नीति अपनाई और वही है, जिनकी गर्दनों मे तौक़ पड़े हुए है और वही आग (में पड़ने) वाले है जिसमें उन्हें सदैव रहना है	x

WayastaAAjiloonaka bialssayyiati qabla alhasanati waqad khalat min qablihimu almathulatu wainna rabbaka lathoo maghfiratin lilnnasi AAala thulmihim wainna rabbaka lashadeedu	The disbelivers asked for the punishment to be hastened out of mockery. "already occurred before them" refers to early civilizations. **[Full of forgiveness and severe in penalty seems like a generous miser.]**	They impatiently urge you to bring about evil before good, while there has already occurred before them similar punishments [to what they demand]. And indeed, your Lord is full of forgiveness for the people despite their wrongdoing, and indeed, your Lord is severe in	13:6	वे भलाई से पहले बुराई के लिए तुमसे जल्दी मचा रहे हैं, हालाँकि उनसे पहले कितनी ही शिक्षाप्रद मिसालें गुज़र चुकी है। किन्तु तुम्हारा रब लोगों को उनके अत्याचार के बावजूद क्षमा कर देता है और वास्तव में तुम्हारा रब दंड देने में भी बहुत कठोर है	काफ़िरों ने मज़ाक में सज़ा जल्दी देने को कहा। "मिसालें गुज़र चुकी" का मतलब शुरुआती सभ्यताओं से है। **[माफ़ करने वाला और सज़ा में सख्त होना एक उदार कंजूस जैसा लगता है।]**
Wayaqoolu allatheena kafaroo lawla onzila AAalayhi ayatun min rabbihi innama anta munthirun walikulli qawmin hadin	The unbelievers demand signs when signs are all around them in nature (13:3) and in every verse of the Quran. **[Meccans were not atheists and already believing in Allah along with their dieties, they were asking signs for the legitimacy of the prophet.]**	And those who disbelieved say, "Why has a sign not been sent down to him from his Lord?" You are only a warner, and for every people is a guide.	13:7	जिन्होंने इनकार किया, वे कहते हैं, "उसपर उसके रब की ओर से कोई निशानी क्यों नहीं अवतरित हुई?" तुम तो बस एक चेतावनी देनेवाले हो और हर क़ौम के लिए एक मार्गदर्शक हुआ है	नास्तिक लोग निशानियाँ मांगते हैं, जबकि निशानियाँ कुदरत में उनके चारों ओर मौजूद हैं (13:3) और कुरान की हर आयत में भी। **[मक्का के लोग नास्तिक नहीं थे और पहले से ही अपने देवी-देवता के साथ अल्लाह पर भी विश्वास करते थे, वे पैगंबर के सही होने के लिए निशानियाँ मांग रहे थे।]**
Allahu yaAAlamu ma tahmilu kullu ontha wama tagheedu alarhamu wama tazdadu wakullu shayin AAindahu	**[If everthing is by due measure, then every child should be born at term.]**	Allah knows what every female carries and what the wombs lose [prematurely] or exceed. And everything with Him is by due measure.	13:8	किसी भी स्त्री-जाति को जो भी गर्भ रहता है अल्लाह उसे जान रहा होता है और उसे भी जो गर्भाशय में कमी-बेशी होती है। और उसके यहाँ हरेक चीज़ का एक निश्चित अन्दाज़ा है	**[अगर सब कुछ एक निश्चित अन्दाज़े से हो, तो हर बच्चा समय पर पैदा होना चाहिए।]**
AAalimu alghaybi waalshshahadati alkabeeru almutaAAali	x	[He is] Knower of the unseen and the witnessed, the Grand, the Exalted.	13:9	वह परोक्ष और प्रत्यक्ष का ज्ञाता है, महान है, अत्यन्त उच्च है	x

Sawaon minkum man asarra alqawla waman jahara bihi waman huwa mustakhfin biallayli wasaribun bialnnahari	x	It is the same [to Him] concerning you whether one conceals [his] speech or one publicizes it and whether one is hidden by night or conspicuous [among others] by day.	13:10	तुममें से कोई चुपके से बात करे और जो कोई ज़ोर से और जो कोई रात में छिपता हो और जो दिन में चलता-फिरता दीख पड़ता हो उसके लिए सब बराबर है	x
Lahu muAAaqqibatun min bayni yadayhi wamin khalfihi yahfathoonahu min amri Allahi inna Allaha la yughayyiru ma biqawmin hatta yughayyiroo ma bianfusihim waitha arada Allahu biqawmin sooan fala maradda lahu wama lahum min doonihi min walin	Each believer is guarded by angels who record their deeds. **["Allah will not change the condition of a people until they change what is in themselves" contradicts predestination.]**	For each one are successive [angels] before and behind him who protect him by the decree of Allah. Indeed, Allah will not change the condition of a people until they change what is in themselves. And when Allah intends for a people ill, there is no repelling it. And there is not for them besides Him any patron.	13:11	उसके रक्षक (पहरेदार) उसके अपने आगे और पीछे लगे होते हैं जो अल्लाह के आदेश से उसकी रक्षा करते है। किसी क़ौम के लोगों को जो कुछ प्राप्त होता है अल्लाह उसे बदलता नहीं, जब तक कि वे स्वयं अपने आपको न बदल डालें। और जब अल्लाह किसी क़ौम का अनिष्ट चाहता है तो फिर वह उससे टल नहीं सकता, और उससे हटकर उनका कोई समर्थक और संरक्षक भी नहीं	हर मानने वाले की सुरक्षा फ़रिश्ते करते हैं जो उनके कामों को रिकॉर्ड करते हैं। **["अल्लाह उसे बदलता नहीं, जब तक कि वे स्वयं अपने आपको न बदल डालें" यह पहले से तय की गई बात को गलत साबित करता है।]**
Huwa allathee yureekumu albarqa khawfan watamaAAan wayunshio alssahaba alththiqala	x	It is He who shows you lightening, [causing] fear and aspiration, and generates the heavy clouds.	13:12	वही है जो भय और आशा के निमित्त तुम्हें बिजली की चमक दिखाता है और बोझिल बादलों को उठाता है	x

Wayusabbihu alrraAAdu bihamdihi waalmalaikatu min kheefatihi wayursilu alssawaAAiqa fayuseebu biha man yashao wahum yujadiloona fee Allahi wahuwa shadeedu almihali	Once the Messenger (pbuh) sent a man to one of the Arab tyrants, saying: “Go and tell him to come and see me”. The tyrant retorted: “What is Allah? Is He made of gold, silver or copper?” The man went to him thrice and each time the tyrant repeated the same. Then, Allah sent above his head a cloud which thundered and a bolt of lightning struck him and removed his skull”. Then this verse was revealed. **[The thunder sings Allah's praise.]**	And the thunder exalts [Allah] with praise of Him - and the angels [as well] from fear of Him - and He sends thunderbolts and strikes therewith whom He wills while they dispute about Allah; and He is severe in assault.	13:13	बादल की गरज उसका गुणगान करती है और उसके भय से काँपते हुए फ़रिश्ते भी। वही कड़कती बिजलियाँ भेजता है, फिर जिसपर चाहता है उन्हें गिरा देता है, जबकि वे अल्लाह के विषय में झगड़ रहे होते है। निश्चय ही उसकी चाल बड़ी सख़्त है	"एक बार रसूल (स.) ने एक आदमी को अरब के एक ज़ालिम के पास यह कहकर भेजा: “जाओ और उससे कहो कि वह आकर मुझसे मिले।” ज़ालिम ने जवाब दिया: “अल्लाह क्या है? क्या वह सोने, चांदी या तांबे का बना है?” वह आदमी तीन बार उसके पास गया और हर बार ज़ालिम ने वही बात दोहराई। फिर, अल्लाह ने उसके सिर के ऊपर एक बादल भेजा जो गरजा और बिजली का एक बोल्ट उस पर गिरा और उसकी खोपड़ी उड़ गई।” फिर यह आयत उतरी। **[गरज अल्लाह की तारीफ़ करती है।]**
Lahu daAAwatu alhaqqi waallatheena yadAAoona min doonihi la yastajeeboona lahum bishayin illa kabasiti kaffayhi ila almai liyablugha fahu wama huwa bibalighihi wama duAAao alkafireena illa fee dalalin	**[Illogical argument: If something does not exist obviously it will not respond.]**	To Him [alone] is the supplication of truth. And those they call upon besides Him do not respond to them with a thing, except as one who stretches his hands toward water [from afar, calling it] to reach his mouth, but it will not reach it [thus]. And the supplication of the disbelievers is not but in error [i.e. futility].	13:14	उसी के लिए सच्ची पुकार है। उससे हटकर जिनको वे पुकारते है, वे उनकी पुकार का कुछ भी उत्तर नहीं देते। बस यह ऐसा ही होता है जैसे कोई अपने दोनों हाथ पानी की ओर इसलिए फैलाए कि वह उसके मुँह में पहुँच जाए, हालाँकि वह उसतक पहुँचनेवाला नहीं। कुफ़्र करनेवालों की पुकार तो बस भटकने ही के लिए होती है	**[बेतुका तर्क: अगर कोई चीज़ मौजूद नहीं है, तो ज़ाहिर है कि वह जवाब नहीं देगी।]**

Walillahi yasjudu man fee alssamawati waalardi tawAAan wakarhan wathilaluhum bialghuduwwi waalasali	**[Everything prostrate to Allah, all living things, birds, animals. Even shadows pray to Allah. But there are so many people who don't prostate.]**	And to Allah prostrates whoever is within the heavens and the earth, willingly or by compulsion, and their shadows [as well] in the mornings and the	13:15	आकाशों और धरती में जो भी है स्वेच्छापूर्वक या विवशतापूर्वक अल्लाह ही को सजदा कर रहे है और उनकी परछाइयाँ भी प्रातः और संध्या समय	**[सब कुछ अल्लाह को सजदा करता है, सभी जीवित चीजें, पक्षी, जानवर। यहां तक कि परछाईं भी अल्लाह को सजदा करती हैं। लेकिन बहुत से लोग ऐसे हैं जो सजदा नहीं करते।]**
Qul man rabbu alssamawati waalardi quli Allahu qul afaittakhathtum min doonihi awliyaa la yamlikoona lianfusihim nafAAan wala darran qul hal yastawee alaAAma waalbaseeru am hal tastawee alththulumatu waalnnooru am jaAAaloo lillahi shurakaa khalaqoo kakhalqihi fatashabaha alkhalqu AAalayhim quli Allahu khaliqu kulli shayin wahuwa alwahidu alqahharu	x	Say, "Who is Lord of the heavens and earth?" Say, "Allah." Say, "Have you then taken besides Him allies not possessing [even] for themselves any benefit or any harm?" Say, "Is the blind equivalent to the seeing? Or is darkness equivalent to light? Or have they attributed to Allah partners who created like His creation so that the creation [of each] seemed similar to them?" Say, "Allah is the Creator of all things, and He is the One, the Prevailing."	13:16	कहो, "आकाशों और धरती का रब कौन है?" कहो, "अल्लाह" कह दो, "फिर क्या तुमने उससे हटकर दूसरों को अपना संरक्षक बना रखा है, जिन्हें स्वयं अपने भी किसी लाभ का न अधिकार प्राप्त है और न किसी हानि का?" कहो, "क्या अंधा और आँखोंवाला दोनों बराबर होते है? या बराबर होते हो अँधेरे और प्रकाश? या जिनको अल्लाह का सहभागी ठहराया है, उन्होंने भी कुछ पैदा किया है, जैसा कि उसने पैदा किया है, जिसके कारण सृष्टि का मामला इनके लिए गड्डमड्ड हो गया है?" कहो, "हर चीज़ को पैदा करनेवाला अल्लाह है और वह अकेला है, सब पर प्रभावी!"	x

Anzala mina alssamai maan fasalat awdiyatun biqadariha faihtamala alssaylu zabadan rabiyan wamimma yooqidoona AAalayhi fee alnnari ibtighaa hilyatin aw mataAAin zabadun mithluhu kathalika yadribu Allahu alhaqqa waalbatila faamma alzzabadu fayathhabu jufaan waamma ma yanfaAAu alnnasa fayamkuthu fee	x	He sends down from the sky, rain, and valleys flow according to their capacity, and the torrent carries a rising foam. And from that [ore] which they heat in the fire, desiring adornments and utensils, is a foam like it. Thus Allah presents [the example of] truth and falsehood. As for the foam, it vanishes, [being] cast off; but as for that which benefits the people, it remains on the earth. Thus does Allah present examples.	13:17	उसने आकाश से पानी उतारा तो नदी-नाले अपनी-अपनी समाई के अनुसार बह निकले। फिर पानी के बहाव ने उभरे हुए झाग को उठा लिया और उसमें से भी, जिसे वे ज़ेवर या दूसरे सामान बनाने के लिए आग में तपाते हैं, ऐसा ही झाग उठता है। इस प्रकार अल्लाह सत्य और असत्य की मिसाल बयान करता है। फिर जो झाग है वह तो सूखकर नष्ट हो जाता है और जो कुछ लोगों को लाभ पहुँचानेवाला होता है, वह धरती में ठहर जाता है। इसी प्रकार अल्लाह दृष्टांत प्रस्तुत करता है	x

Lillatheena istajaboo lirabbihimu alhusna waallatheena lam yastajeeboo lahu law anna lahum ma fee alardi jameeAAan wamithlahu maAAahu laiftadaw bihi olaika lahum sooo alhisabi wamawahum jahannamu wabisa	x	For those who have responded to their Lord is the best [reward], but those who did not respond to Him - if they had all that is in the earth entirely and the like of it with it, they would [attempt to] ransom themselves thereby. Those will have the worst account, and their refuge is Hell, and wretched is the resting place.	13:18	जिन लोगों ने अपने रब का आमंत्रण स्वीकार कर लिया, उनके लिए अच्छा पुरस्कार है। रहे वे लोग जिन्होंने उसे स्वीकार नहीं किया यदि उनके पास वह सब कुछ हो जो धरती में हैं, बल्कि उसके साथ उतना और भी हो तो अपनी मुक्ति के लिए वे सब दे डालें। वही हैं, जिनका बुरा हिसाब होगा। उनका ठिकाना जहन्नम है और वह अत्यन्त बुरा विश्राम-स्थल है	x
Afaman yaAAlamu annama onzila ilayka min rabbika alhaqqu kaman huwa aAAma innama yatathakkaru oloo alalbabi	x	Then is he who knows that what has been revealed to you from your Lord is the truth like one who is blind? They will only be reminded who are people of understanding -	13:19	भला वह व्यक्ति जो जानता है कि जो कुछ तुम पर उतरा है तुम्हारे रब की ओर से सत्य है, कभी उस जैसा हो सकता है जो अंधा है? परन्तु समझते तो वही है जो बुद्धि और समझ रखते है,	x
Allatheena yoofoona biAAahdi Allahi wala yanqudoona	x	Those who fulfill the covenant of Allah and do not break the contract,	13:20	जो अल्लाह के साथ की हुई प्रतिज्ञा को पूरा करते है और अभिवचन को तोड़ते नहीं,	x

Waallatheena yasiloona ma amara Allahu bihi an yoosala wayakhshawna rabbahum wayakhafoona sooa alhisabi	x	And those who join that which Allah has ordered to be joined and fear their Lord and are afraid of the evil of [their] account,	13:21	और जो ऐसे हैं कि अल्लाह ने जिसे जोड़ने का आदेश दिया है उसे जोड़ते हैं और अपने रब से डरते रहते हैं और बुरे हिसाब का उन्हें डर लगा रहता है	x
Waallatheena sabaroo ibtighaa wajhi rabbihim waaqamoo alssalata waanfaqoo mimma razaqnahum sirran waAAalaniyatan wayadraoona bialhasanati alssayyiata olaika lahum AAuqba alddari	x	And those who are patient, seeking the countenance of their Lord, and establish prayer and spend from what We have provided for them secretly and publicly and prevent evil with good - those will have the good consequence of [this] home -	13:22	और जिन लोगों ने अपने रब की प्रसन्नता की चाह में धैर्य से काम लिया और नमाज़ क़ायम की और जो कुछ हमने उन्हें दिया है, उसमें से खुले और छिपे ख़र्च किया, और भलाई के द्वारा बुराई को दूर करते है। वही लोग है जिनके लिए आख़िरत के घर का अच्छा परिणाम है,	x
Jannatu AAadnin yadkhuloonaha waman salaha min abaihim waazwajihim wathurriyyatihim waalmalaikatu yadkhuloona AAalayhim min	x	Gardens of perpetual residence; they will enter them with whoever were righteous among their fathers, their spouses and their descendants. And the angels will enter upon them from every gate, [saying],	13:23	अर्थात सदैव रहने के बाग़ है जिनमें वे प्रवेश करेंगे और उनके बाप-दादा और उनकी पत्नियों और उनकी सन्तानों में से जो नेक होंगे वे भी और हर दरवाज़े से फ़रिश्ते उनके पास पहुँचेंगे	x

Salamun AAalaykum bima sabartum faniAAma AAuqba alddari	x	"Peace be upon you for what you patiently endured. And excellent is the final home."	13:24	(वे कहेंगे) "तुमपर सलाम है उसके बदले में जो तुमने धैर्य से काम लिया।" अतः क्या ही अच्छा परिणाम है आख़िरत के घर का!	x
Waallatheena yanqudoona AAahda Allahi min baAAdi meethaqihi wayaqtaAAoona ma amara Allahu bihi an yoosala wayufsidoona fee alardi olaika lahumu allaAAnatu walahum sooo	**[Most of Muslims are born in Muslim families and have not accepted Islam after understanding the terms and conditions.]**	But those who break the covenant of Allah after contracting it and sever that which Allah has ordered to be joined and spread corruption on earth - for them is the curse, and they will have the worst home.	13:25	रहे वे लोग जो अल्लाह की प्रतिज्ञा को उसे दृढ़ करने के पश्चात तोड़ डालते है और अल्लाह ने जिसे जोड़ने का आदेश दिया है, उसे काटते है और धरती में बिगाड़ पैदा करते है। वहीं है जिनके लिए फिटकार है और जिनके लिए आख़िरत का बुरा घर है	**[ज़्यादातर मुसलमान मुस्लिम परिवारों में पैदा हुए हैं और उन्होंने नियम और शर्तें समझने के बाद इस्लाम नहीं अपनाया है।]**
Allahu yabsutu alrrizqa liman yashao wayaqdiru wafarihoo bialhayati alddunya wama alhayatu alddunya fee alakhirati illa mataAAun	x	Allah extends provision for whom He wills and restricts [it]. And they rejoice in the worldly life, while the worldly life is not, compared to the Hereafter, except [brief] enjoyment.	13:26	अल्लाह जिसको चाहता है प्रचुर फैली हुई रोज़ी प्रदान करता है और इसी प्रकार नपी-तुली भी। और वे सांसारिक जीवन में मग्न हैं, हालाँकि सांसारिक जीवन आख़िरत के मुक़ाबले में तो बस अल्प सुख-सामग्री है	x

Wayaqoolu allatheena kafaroo lawla onzila AAalayhi ayatun min rabbihi qul inna Allaha yudillu man yashao wayahdee ilayhi man anaba	**[When the disbelivers asked for sign; Allah says that He will guide those whom He wishes. People have not rejected but asked for a convincing proof as earlier prophet showed many miracles, 13:27, 14:10, 17:90-93]**	And those who disbelieved say, "Why has a sign not been sent down to him from his Lord?" Say, [O Muhammad], "Indeed, Allah leaves astray whom He wills and guides to Himself whoever turns back [to Him] -	13:27	जिन लोगों ने इनकार किया वे कहते है, "उसपर उसके रब की ओर से कोई निशानी क्यों नहीं उतरी?" कहो, "अल्लाह जिसे चाहता है पथभ्रष्ट कर देता है। अपनी ओर से वह मार्गदर्शन उसी का करता है जो रुजू होता है।"	**[जब काफ़िरों ने निशानी माँगी; अल्लाह कहता है कि वह जिसे चाहेगा रास्ता दिखाएगा। लोगों ने मना नहीं किया बल्कि पक्का सबूत माँगा क्योंकि पहले के नबी ने कई चमत्कार दिखाए, 13:27, 14:10, 17:90-93]**
Allatheena amanoo watatmainnu quloobuhum bithikri Allahi ala bithikri Allahi tatmainnu alquloobu	x	Those who have believed and whose hearts are assured by the remembrance of Allah. Unquestionably, by the remembrance of Allah hearts are assured."	13:28	ऐसे ही लोग है जो ईमान लाए और जिनके दिलों को अल्लाह के स्मरण से आराम और चैन मिलता है। सुन लो, अल्लाह के स्मरण से ही दिलों को संतोष प्राप्त हुआ करता है	x
Allatheena amanoo waAAamiloo alssalihati tooba lahum wahusnu maabin	x	Those who have believed and done righteous deeds - a good state is theirs and a good return.	13:29	जो लोग ईमान लाए और उन्होंने अच्छे कर्म किए उनके लिए सुख-सौभाग्य है और लौटने का अच्छा ठिकाना है	x

Kathalika arsalnaka fee ommatin qad khalat min qabliha omamun litatluwa AAalayhimu allathee awhayna ilayka wahum yakfuroona bialrrahmani qul huwa rabbee la ilaha illa huwa AAalayhi tawakkaltu wailayhi matabi	This verse was revealed at the treaty of Hudaybiyyah when they were about to write the document of the treaty. The Messenger (pbuh) said to Ali: 'Write in the Name of Allah, the Beneficent (al-Rahman), the Merciful'. The idolaters said: 'We do not know anyone by the name al-Rahman, 'rather, write: in Your Name, O Allah!	Thus have We sent you to a community before which [other] communities have passed on so you might recite to them that which We revealed to you, while they disbelieve in the Most Merciful. Say, "He is my Lord; there is no deity except Him. Upon Him I rely, and to Him is my return."	13:30	अतएव हमने तुम्हें एक ऐसे समुदाय में भेजा है जिससे पहले कितने ही समुदाय गुज़र चुके है, ताकि हमने तुम्हारी ओर जो प्रकाशना की है, उसे उनको सुना दो, यद्यपि वे रहमान के साथ इनकार की नीति अपनाए हुए है। कह दो, "वही मेरा रब है। उसके सिवा कोई पूज्य-प्रभु नहीं। उसी पर मेरा भरोसा है और उसी की ओर मुझे पलटकर जाना है।"	यह आयत हुदैबिया की संधि के समय नाज़िल हुई थी, जब वे संधि का दस्तावेज़ लिखने वाले थे। अल्लाह के रसूल (स.) ने अली (र.) से फ़रमाया: 'लिखो: अल्लाह के नाम से, जो अत्यंत कृपाशील (अर-रहमान) और दयावान है।' मूर्तिपूजकों ने कहा: 'हम 'अर-रहमान' को नहीं जानते 'बल्कि, लिखो: ऐ अल्लाह! तेरे नाम से!'

Walaw anna quranan suyyirat bihi aljibalu aw quttiAAat bihi alardu aw kullima bihi almawta bal lillahi alamru jameeAAan afalam yayasi allatheena amanoo an law yashao Allahu lahada alnnasa jameeAAan wala yazalu allatheena kafaroo tuseebuhum bima sanaAAoo qariAAatun aw tahullu qareeban min darihim hatta yatiya waAAdu Allahi inna Allaha la yukhlifu almeeAAada	The Quraysh said to the Prophet (pbuh) to produce some miracle like move the mountains, or cause rivers to spring out. The unbelievers' demand for a miracle is dismissed; the Qur'an is better than a miracle. **[This is a hypothetical statement even before presenting a proof. Also so many times, people have burnt Quran without any harm. Even Caliph Uthman burnt many copies of Quran, Sahih Bukhari 4987.]**	And if there was any qur'an by which the mountains would be removed or the earth would be broken apart or the dead would be made to speak, [it would be this Qur'an], but to Allah belongs the affair entirely. Then have those who believed not accepted that had Allah willed, He would have guided the people, all of them? And those who disbelieve do not cease to be struck, for what they have done, by calamity - or it will descend near their home - until there comes the promise of Allah. Indeed, Allah does not fail in [His] promise.	13:31	और यदि कोई ऐसा क़ुरआन होता जिसके द्वारा पहाड़ चलने लगते या उससे धरती खंड-खंड हो जाती या उसके द्वारा मुर्दे बोलने लगते (तब भी वे लोग ईमान न लाते) । नहीं, बल्कि बात यह है कि सारे काम अल्लाह ही के अधिकार में है। फिर क्या जो लोग ईमान लाए है वे यह जानकर निराश नहीं हुए कि यदि अल्लाह चाहता तो सारे ही मनुष्यों को सीधे मार्ग पर लगा देता? और इनकार करनेवालों पर तो उनकी करतूतों के बदले में कोई न कोई आपदा निरंतर आती ही रहेगी, या उनके घर के निकट ही कहीं उतरती रहेगी, यहाँ तक कि अल्लाह का वादा आ पूरा होगा। निस्संदेह अल्लाह अपने वादे के विरुद्ध नहीं जाता।"	कुरैश ने पैगंबर (स.) से कहा कि कोई चमत्कार करो, जैसे पहाड़ हिला दो, या नदियाँ निकाल दो। काफ़िरों की चमत्कार की मांग खारिज कर दी गई; कुरान चमत्कार से बेहतर है। **[यह सबूत पेश किए बिना ही एक काल्पनिक बात है। इसके अलावा, कई बार लोगों ने बिना किसी नुकसान के कुरान को जलाया है। यहां तक कि खलीफा उस्मान ने भी कुरान की कई कॉपियां जलाई थीं, सहीह बुखारी 4987]**

Walaqadi istuhzia birusulin min qablika faamlaytu lillatheena kafaroo thumma akhathtuhum fakayfa kana	x	And already were [other] messengers ridiculed before you, and I extended the time of those who disbelieved; then I seized them, and how [terrible] was My penalty.	13:32	तुमसे पहले भी कितने ही रसूलों का उपहास किया जा चुका है, किन्तु मैंने इनकार करनेवालों को मुहलत दी। फिर अंततः मैंने उन्हें पकड़ लिया, फिर कैसी रही मेरी सज़ा?	x
Afaman huwa qaimun AAala kulli nafsin bima kasabat wajaAAaloo lillahi shurakaa qul sammoohum am tunabbioonahu bima la yaAAlamu fee alardi am bithahirin mina alqawli bal zuyyina lillatheena kafaroo makruhum wasuddoo AAani alssabeeli waman yudlili Allahu fama lahu min hadin	x	Then is He who is a maintainer of every soul, [knowing] what it has earned, [like any other]? But to Allah they have attributed partners. Say, "Name them. Or do you inform Him of that which He knows not upon the earth or of what is apparent of speech?" Rather, their [own] plan has been made attractive to those who disbelieve, and they have been averted from the way. And whomever Allah leaves astray - there will be for him no guide.	13:33	भला वह (अल्लाह) जो प्रत्येक व्यक्ति के सिर पर, उसकी कमाई पर निगाह रखते हुए खड़ा है (उसके समान कोई दूसरा हो सकता है)? फिर भी लोगों ने अल्लाह के सहभागी-ठहरा रखे है। कहो, "तनिक उनके नाम तो लो! (क्या तुम्हारे पास उनके पक्ष में कोई प्रमाण है?) या ऐसा है कि तुम उसे ऐसी बात की ख़बर दे रहे हो, जिसके अस्तित्व की उसे धरती भर में ख़बर नहीं? या यूँ ही यह एक ऊपरी बात ही बात है?" नहीं, बल्कि इनकार करनेवालों को उनकी मक्कारी ही सुहावनी लगती है और वे मार्ग से रुक गए है। जिसे अल्लाह ही गुमराही में छोड़ दे, उसे कोई मार्ग पर लानेवाला नहीं	x

Lahum AAathabun fee alhayati alddunya walaAAathabu alakhirati ashaqqu wama lahum mina	x	For them will be punishment in the life of [this] world, and the punishment of the Hereafter is more severe. And they will not have	13:34	उनके लिए सांसारिक जीवन में भी यातना, तो वह अत्यन्त कठोर है। और कोई भी तो नहीं जो उन्हें अल्लाह से बचानेवाला हो	x
Mathalu aljannati allatee wuAAida almuttaqoona tajree min tahtiha alanharu okuluha daimun wathilluha tilka AAuqba allatheena ittaqaw waAAuqba alkafireena alnnaru	x	The example of Paradise, which the righteous have been promised, is [that] beneath it rivers flow. Its fruit is lasting, and its shade. That is the consequence for the righteous, and the consequence for the disbelievers is the Fire.	13:35	डर रखनेवालों के लिए जिस जन्नत का वादा है उसकी शान यह है कि उसके नीचे नहरें बह रही है, उसके फल शाश्वत है और इसी प्रकार उसकी छाया भी। यह परिणाम है उनका जो डर रखते है, जबकि इनकार करनेवालों का परिणाम आग है	x
Waallatheena ataynahumu alkitaba yafrahoona bima onzila ilayka wamina alahzabi man yunkiru baAAdahu qul innama omirtu an aAAbuda Allaha wala oshrika bihi ilayhi adAAoo wailayhi maabi	Means, some people from Jews and Christians have accepted Islam while other have not.	And [the believers among] those to whom We have given the [previous] Scripture rejoice at what has been revealed to you, [O Muhammad], but among the [opposing] factions are those who deny part of it. Say, "I have only been commanded to worship Allah and not associate [anything] with Him. To Him I invite, and to Him is	13:36	जिन लोगों को हमने किताब प्रदान की है वे उससे, जो तुम्हारी ओर उतारा है, हर्षित होते है और विभिन्न गिरोहों के कुछ लोग ऐसे भी है जो उसकी कुछ बातों का इनकार करते है। कह दो, "मुझे पर बस यह आदेश हुआ है कि मैं अल्लाह की बन्दगी करूँ और उसका सहभागी न ठहराऊँ। मैं उसी की ओर बुलाता हूँ और उसी की ओर मुझे लौटकर जाना है।"	इसका मतलब है कि यहूदियों और ईसाइयों में से कुछ लोगों ने इस्लाम अपना लिया है, जबकि दूसरों ने नहीं।

Wakathalika anzalnahu hukman AAarabiyyan walaini ittabaAAta ahwaahum baAAda ma jaaka mina alAAilmi ma laka mina Allahi min waliyyin wala waqin	**[Why would Allah emphasise on Arabic, if Quran is an universal message: See 12:2, 13:37, 16:103, 41:44]**	And thus We have revealed it as an Arabic legislation. And if you should follow their inclinations after what has come to you of knowledge, you would not have against Allah any ally or any protector.	13:37	और इसी प्रकार हमने इस (क़ुरआन) को एक अरबी फ़रमान के रूप में उतारा है। अब यदि तुम उस ज्ञान के पश्चात भी, जो तुम्हारे पास आ चुका है, उनकी इच्छाओं के पीछे चले तो अल्लाह के मुक़ाबले में न तो तुम्हारा कोई सहायक मित्र होगा और न कोई बचानेवाला	**[अगर कुरान एक यूनिवर्सल मैसेज है, तो अल्लाह अरबी पर ज़ोर क्यों देगा: देखें 12:2, 13:37, 16:103, 41:44]**
Walaqad arsalna rusulan min qablika wajaAAalna lahum azwajan wathurriyyatan wama kana lirasoolin an yatiya biayatin illa biithni Allahi likulli ajalin kitabun	The Jews insulted the Messenger (pbuh) saying: This man has no aspiration except for women and marriage. And so this verse was revealed.	And We have already sent messengers before you and assigned to them wives and descendants. And it was not for a messenger to come with a sign except by permission of Allah. For every term is a decree.	13:38	तुमसे पहले भी हम, कितने ही रसूल भेज चुके है और हमने उन्हें पत्नियों और बच्चे भी दिए थे, और किसी रसूल को यह अधिकार नहीं था कि वह अल्लाह की अनुमति के बिना कोई निशानी स्वयं ला लेता। हर चीज़ के एक समय जो अटल लिखित है	"यहूदियों ने रसूल (स.) की बेइज्ज़ती करते हुए कहा: इस आदमी की ख्वाहिश औरतों और शादी के अलावा और कुछ नहीं है। और इसलिए यह आयत आई।"
Yamhoo Allahu ma yashao wayuthbitu waAAindahu ommu alkitabi	This verse supports the concept of Abrogation and Allah's response to supplications. **[If God erazed what he wished then how this is Loh-e-Mahfooz (Preserved Tablet), 85:21-22]**	Allah eliminates what He wills or confirms, and with Him is the Mother of the Book.	13:39	अल्लाह जो कुछ चाहता है मिटा देता है। इसी तरह वह क़ायम भी रखता है। मूल किताब तो स्वयं उसी के पास है	यह आयत रद्द करने के विचार और दुआओं पर अल्लाह के जवाब का समर्थन करती है। **[अगर अल्लाह ने जो चाहा उसे मिटा दिया तो यह लोह-ए-महफ़ूज़ (सुरक्षित तख्ती) कैसा है, 85:21-22]**

Wain ma nuriyannaka baAAda allathee naAAiduhum aw natawaffayannaka fainnama AAalayka albalaghu	**[Abrogated by later Jihadi verses.]**	And whether We show you part of what We promise them or take you in death, upon you is only the [duty of] notification, and upon Us is the account.	13:40	हम जो वादा उनसे कर रहे है चाहे उसमें से कुछ हम तुम्हें दिखा दें, या तुम्हें उठा लें। तुम्हारा दायित्व तो बस सन्देश का पहुँचा देना ही है, हिसाब लेना तो हमारे ज़िम्मे है	**[बाद की जिहादी आयतों द्वारा निरस्त।]**
Awalam yaraw anna natee alarda nanqusuha min atrafiha waAllahu yahkumu la muAAaqqiba lihukmihi wahuwa sareeAAu alhisabi	Means, Allah is granting land after land to His Messenger (pbuh), reducing the lands of disbelievers.	Have they not seen that We set upon the land, reducing it from its borders? And Allah decides; there is no adjuster of His decision. And He is swift in account.	13:41	क्या उन्होंने देखा नहीं कि हम धरती पर चले आ रहे है, उसे उसके किनारों से घटाते हुए? अल्लाह ही फ़ैसला करता है। कोई नहीं जो उसके फ़ैसले को पीछे डाल सके। वह हिसाब भी जल्द लेता है	इसका अर्थ यह है कि अल्लाह अपने रसूल (स.) को एक के बाद एक ज़मीनें अता फ़रमा रहे हैं, और काफ़िरों की ज़मीनों को कम कर रहे हैं।
Waqad makara allatheena min qablihim falillahi almakru jameeAAan yaAAlamu ma taksibu kullu nafsin wasayaAAlamu alkuffaru liman AAuqba alddari	x	And those before them had plotted, but to Allah belongs the plan entirely. He knows what every soul earns, and the disbelievers will know for whom is the final home.	13:42	उनसे पहले जो लोग गुज़रे है, वे भी चालें चल चुके है, किन्तु वास्तविक चाल तो पूरी की पूरी अल्लाह ही के हाथ में है। प्रत्येक व्यक्ति जो कमाई कर रहा है उसे वह जानता है। इनकार करनेवालों को शीघ्र ही ज्ञात हो जाएगा कि परलोक-गृह के शुभ परिणाम के अधिकारी कौन है	x

Wayaqoolu allatheena kafaroo lasta mursalan qul kafa biAllahi shaheedan baynee wabaynakum waman AAindahu AAilmu alkitabi	x	And those who have disbelieved say, "You are not a messenger." Say, [O Muhammad], "Sufficient is Allah as Witness between me and you, and [the witness of] whoever has knowledge of the	13:43	जिन लोगों ने इनकार की नीति अपनाई, वे कहते है, "तुम कोई रसूल नहीं हो।" कह दो, "मेरे और तुम्हारे बीच अल्लाह की और जिस किसी के पास किताब का ज्ञान है उसकी, गवाही काफ़ी है।"	x
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Ibrahim (Abraham)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**14:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**इब्राहिम (अब्राहम)**
Aliflamra kitabun anzalnahu ilayka litukhrija alnnasa mina alththulumati ila alnnoori biithni rabbihim ila sirati alAAazeezi alhameedi	**[Anybody who knows Islamic history may verify this statement.]**	Alif, Lam, Ra. [This is] a Book which We have revealed to you, [O Muhammad], that you might bring mankind out of darknesses into the light by permission of their Lord - to the path of the Exalted in Might, the Praiseworthy -	14:1	अलिफ़॰ लाम॰ रा॰। यह एक किताब है जिसे हमने तुम्हारी ओर अवतरित की है, ताकि तुम मनुष्यों को अँधेरों से निकालकर प्रकाश की ओर ले आओ, उनके रब की अनुमति से प्रभुत्वशाली, प्रशंस्य सत्ता, उस अल्लाह के मार्ग की ओर	**[जो कोई भी इस्लामी इतिहास जानता है, वह इस कथन की जांच कर सकता है।]**
Allahi allathee lahu ma fee alssamawati wama fee alardi wawaylun lilkafireena min AAathabin	x	Allah, to whom belongs whatever is in the heavens and whatever is on the earth. And woe to the disbelievers from a severe punishment	14:2	जिसका वह सब है जो कुछ आकाशों में है और जो कुछ धरती में है। इनकार करनेवालों के लिए तो एक कठोर यातना के कारण बड़ी तबाही है	x

Allatheena yastahibboona alhayata alddunya AAala alakhirati wayasuddoona AAan sabeeli Allahi wayabghoonaha AAiwajan olaika fee dalalin baAAeedin	x	The ones who prefer the worldly life over the Hereafter and avert [people] from the way of Allah, seeking to make it (seem) deviant. Those are in extreme error.	14:3	जो आख़िरत की अपेक्षा सांसारिक जीवन को प्राथमिकता देते है और अल्लाह के मार्ग से रोकते है और उसमें टेढ़ पैदा करना चाहते है, वही परले दरजे की गुमराही में पड़े है	x
Wama arsalna min rasoolin illa bilisani qawmihi liyubayyina lahum fayudillu Allahu man yashao wayahdee man yashao wahuwa alAAazeezu alhakeemu	Allah has sent messengers to people speaking in their own language so they can understand the message clearly. **[Then how an Arabic Quran is suitable for Muslims speaking non-arabic languages. Also problem of predestination.]**	And We did not send any messenger except [speaking] in the language of his people to state clearly for them, and Allah sends astray [thereby] whom He wills and guides whom He wills. And He is the Exalted in Might, the Wise.	14:4	हमने जो रसूल भी भेजा, उसकी अपनी क़ौम की भाषा के साथ ही भेजा, ताकि वह उनके लिए अच्छी तरह खोलकर बयान कर दे। फिर अल्लाह जिसे चाहता है पथभ्रष्ट रहने देता है और जिसे चाहता है सीधे मार्ग पर लगा देता है। वह है भी प्रभुत्वशाली, अत्यन्त तत्वदर्शी	अल्लाह ने लोगों के पास उनकी अपनी भाषा में बोलने वाले रसूल भेजे हैं ताकि वे भाषा को साफ-साफ समझ सकें। **[तो फिर अरबी कुरान गैर-अरबी भाषाएं बोलने वाले मुसलमानों के लिए कैसे सही है। साथ ही, पहले से तय होने की समस्या भी है।]**
Walaqad arsalna moosa biayatina an akhrij qawmaka mina alththulumati ila alnnoori wathakkirhum biayyami Allahi inna fee thalika laayatin likulli sabbarin shakoorin	x	And We certainly sent Moses with Our signs, [saying], "Bring out your people from darknesses into the light and remind them of the days of Allah." Indeed in that are signs for everyone patient and grateful.	14:5	हमने मूसा को अपनी निशानियों के साथ भेजा था कि "अपनी क़ौम के लोगों को अँधेरों से प्रकाश की ओर निकाल ला और उन्हें अल्लाह के दिवस याद दिला।" निश्चय ही इसमें प्रत्येक धैर्यवान, कृतज्ञ व्यक्ति के लिए कितनी ही निशानियाँ है	x

Waith qala moosa liqawmihi othkuroo niAAmata Allahi AAalaykum ith anjakum min ali firAAawna yasoomoonakum sooa alAAathabi wayuthabbihoona abnaakum wayastahyoona nisaakum wafee thalikum balaon min rabbikum AAatheemun	x	And [recall, O Children of Israel], when Moses said to His people, "Remember the favor of Allah upon you when He saved you from the people of Pharaoh, who were afflicting you with the worst torment and were slaughtering your [newborn] sons and keeping your females alive. And in that was a great trial from your Lord.	14:6	जब मूसा ने अपनी क़ौम के लोगों से कहा, "अल्लाह ही उस कृपादृष्टि को याद करो, जो तुमपर हुई। जब उसने तुम्हें फ़िरऔनियों से छुटकारा दिलाया जो तुम्हें बुरी यातना दे रहे थे, तुम्हारे बेटों का वध कर डालते थे और तुम्हारी औरतों को जीवित रखते थे, किन्तु इसमें तुम्हारे रब की ओर से बड़ी कृपा हुई।"	x
Waith taaththana rabbukum lain shakartum laazeedannakum walain kafartum inna AAathabee lashadeedun	x	And [remember] when your Lord proclaimed, 'If you are grateful, I will surely increase you [in favor]; but if you deny, indeed, My punishment is severe.' "	14:7	जब तुम्हारे रब ने सचेत कर दिया था कि 'यदि तुम कृतज्ञ हुए तो मैं तुम्हें और अधिक दूँगा, परन्तु यदि तुम अकृतज्ञ सिद्ध हुए तो निश्चय ही मेरी यातना भी अत्यन्त कठोर है।'	x
Waqala moosa in takfuroo antum waman fee alardi jameeAAan fainna Allaha laghaniyyun hameedun	x	And Moses said, "If you should disbelieve, you and whoever is on the earth entirely - indeed, Allah is Free of need and Praiseworthy."	14:8	और मूसा ने भी कहा था, "यदि तुम और वे जो भी धरती में हैं सब के सब अकृतज्ञ हो जाओ तो अल्लाह तो बड़ा निरपेक्ष, प्रशंस्य है।"	x

Alam yatikum nabao allatheena min qablikum qawmi noohin waAAadin wathamooda waallatheena min baAAdihim la yaAAlamuhum illa Allahu jaathum rusuluhum bialbayyinati faraddoo aydiyahum fee afwahihim waqaloo inna kafarna bima orsiltum bihi wainna lafee shakkin mimma tadAAoonana ilayhi	x	Has there not reached you the news of those before you - the people of Noah and 'Aad and Thamud and those after them? No one knows them but Allah. Their messengers brought them clear proofs, but they returned their hands to their mouths and said, "Indeed, we disbelieve in that with which you have been sent, and indeed we are, about that to which you invite us, in disquieting doubt."	14:9	क्या तुम्हें उन लोगों की खबर नहीं पहुँची जो तुमसे पहले गुज़रे हैं, नूह की क़ौम और आद और समूद और वे लोग जो उनके पश्चात हुए जिनको अल्लाह के अतिरिक्त कोई नहीं जानता? उनके पास उनके रसूल स्पष्टि प्रमाण लेकर आए थे, किन्तु उन्होंने उनके मुँह पर अपने हाथ रख दिए और कहने लगे, "जो कुछ देकर तुम्हें भेजा गया है, हम उसका इनकार करते है और जिसकी ओर तुम हमें बुला रहे हो, उसके विषय में तो हम अत्यन्त दुविधाजनक संदेह में ग्रस्त है।"	x

Qalat rusuluhum afee Allahi shakkun fatiri alssamawati waalardi yadAAookum liyaghfira lakum min thunoobikum wayuakhkhirakum ila ajalin musamman qaloo in antum illa basharun mithluna tureedoona an tasuddoona AAamma kana yaAAbudu abaona fatoona bisultanin	**[People have not rejected but asked for a convincing proof as earlier prophet showed miracles: 13:27, 14:10, 17:90-93]**	Their messengers said, "Can there be doubt about Allah, Creator of the heavens and earth? He invites you that He may forgive you of your sins, and He delays your death for a specified term." They said, "You are not but men like us who wish to avert us from what our fathers were worshipping. So bring us a clear authority."	14:10	उनके रसूलों ने कहो, "क्या अल्लाह के विषय में संदेह है, जो आकाशों और धरती का रचयिता है? वह तो तुम्हें इसलिए बुला रहा है, ताकि तुम्हारे गुनाहों को क्षमा कर दे और तुम्हें एक नियत समय तक मुहल्ल दे।" उन्होंने कहा, "तुम तो बस हमारे ही जैसे एक मनुष्य हो, चाहते हो कि हमें उनसे रोक दो जिनकी पूजा हमारे बाप-दादा करते आए है। अच्छा, तो अब हमारे सामने कोई स्पष्ट प्रमाण ले आओ।"	**[लोगों ने मना नहीं किया बल्कि पक्का सबूत मांगा है, जैसा कि पहले के पैगंबर ने चमत्कार दिखाए थे: 13:27, 14:10, 17:90-93]**
Qalat lahum rusuluhum in nahnu illa basharun mithlukum walakinna Allaha yamunnu AAala man yashao min AAibadihi wama kana lana an natiyakum bisultanin illa biithni Allahi waAAala Allahi	x	Their messengers said to them, "We are only men like you, but Allah confers favor upon whom He wills of His servants. It has never been for us to bring you evidence except by permission of Allah. And upon Allah let the believers rely.	14:11	उनके रसूलों ने उनसे कहा, "हम तो वास्तव में बस तुम्हारे ही जैसे मनुष्य है, किन्तु अल्लाह अपने बन्दों में से जिनपर चाहता है एहसान करता है और यह हमारा काम नहीं कि तुम्हारे सामने कोई प्रमाण ले आएँ। यह तो बस अल्लाह के आदेश के पश्चात ही सम्भव है; और अल्लाह ही पर ईमानवालों को भरोसा करना चाहिए	x

Wama lana alla natawakkala AAala Allahi waqad hadana subulana walanasbiranna AAala ma athaytumoona waAAala Allahi falyatawakkali almutawakkiloona	x	And why should we not rely upon Allah while He has guided us to our [good] ways. And we will surely be patient against whatever harm you should cause us. And upon Allah let those who would rely [indeed] rely."	14:12	आख़िर हमें क्या हुआ है कि हम अल्लाह पर भरोसा न करें, जबकि उसने हमें हमारे मार्ग दिखाए है? तुम हमें जो तकलीफ़ पहुँचा रहे हो उसके मुक़ाबले में हम धैर्य से काम लेंगे। भरोसा करनेवालों को तो अल्लाह ही पर भरोसा करना चाहिए।"	x
Waqala allatheena kafaroo lirusulihim lanukhrijannakum min ardina aw lataAAoodunna fee millatina faawha ilayhim rabbuhum lanuhlikanna alththalimeena	x	And those who disbelieved said to their messengers, "We will surely drive you out of our land, or you must return to our religion." So their Lord inspired to them, "We will surely destroy the wrongdoers.	14:13	अन्ततः इनकार करनेवालों ने अपने रसूलों से कहा, "हम तुम्हें अपने भू-भाग से निकालकर रहेंगे, या तो तुम्हें हमारे पंथ में लौट आना होगा।" तब उनके रब ने उनकी ओर प्रकाशना की, "हम अत्याचारियों को विनष्ट करके रहेंगे	x
Walanuskinannakum u alarda min baAAdihim thalika liman khafa maqamee wakhafa waAAeedi	**[Verse 5:21, 7:129 and 17:104 are often invoked today to show that, despite all the conflict over Israel, the Qur'an actually promises the land of Israel to the Jews. However, in 14:14, the Muslims are made to dwell in the land after the "wrongdoers" are expelled.]**	And We will surely cause you to dwell in the land after them. That is for he who fears My position and fears My threat."	14:14	और उनके पश्चात तुम्हें इस धरती में बसाएँगे। यह उसके लिए है, जिसे मेरे समक्ष खड़े होने का भय हो और जो मेरी चेतावनी से डरे।"	**[आजकल अक्सर आयत 5:21, 7:129 और 17:104 का हवाला यह दिखाने के लिए दिया जाता है कि, इज़राइल को लेकर तमाम विवादों के बावजूद, कुरान असल में इज़राइल की ज़मीन यहूदियों को देने का वादा करता है। हालाँकि, आयत 14:14 में, "गलत काम करने वालों" को निकाल दिए जाने के बाद मुसलमानों को उस ज़मीन पर बसाया जाता है।]**

Waistaftahoo wakhaba kullu jabbarin AAaneedin	Means every tyrant was defeated.	And they requested victory from Allah, and disappointed, [therefore], was every obstinate tyrant.	14:15	उन्होंने फ़ैसला चाहा और प्रत्येक सरकश-दुराग्रही असफल होकर रहा	इसका मतलब है कि हर ज़ालिम हार गया।
Min waraihi jahannamu wayusqa min main sadeedin	x	Before him is Hell, and he will be given a drink of purulent water.	14:16	वह जहन्नम से घिरा है और पीने को उसे कचलोहू का पानी दिया जाएगा,	x
YatajarraAAuhu wala yakadu yuseeghuhu wayateehi almawtu min kulli makanin wama huwa bimayyitin wamin waraihi AAathabun ghaleethun	x	He will gulp it but will hardly [be able to] swallow it. And death will come to him from everywhere, but he is not to die. And before him is a massive punishment.	14:17	जिसे वह कठिनाई से घूँट-घूँट करके पिएगा और ऐसा नहीं लगेगा कि वह आसानी से उसे उतार सकता है, और मृत्यु उसपर हर ओर से चली आती होगी, फिर भी वह मरेगा नहीं। और उसके सामने कठोर यातना होगी	x
Mathalu allatheena kafaroo birabbihim aAAmaluhum karamadin ishtaddat bihi alrreehu fee yawmin AAasifin la yaqdiroona mimma kasaboo AAala shayin thalika huwa alddalalu	**[Will God reward good deeds of non-Muslims: No, 9:17, 14:18, Yes 99:7-8. Also Allah has created men to test their deeds 67:2.]**	The example of those who disbelieve in their Lord is [that] their deeds are like ashes which the wind blows forcefully on a stormy day; they are unable [to keep] from what they earned a [single] thing. That is what is extreme error.	14:18	जिन लोगों ने अपने रब का इनकार किया उनकी मिसाल यह है कि उनके कर्म जैसे राख हों जिसपर आँधी के दिन प्रचंड हवा का झोंका चले। कुछ भी उन्हें अपनी कमाई में से हाथ न आ सकेगा। यही परले दर्जे की तबाही और गुमराही है	**[क्या अल्लाह गैर-मुसलमानों के अच्छे कामों का बदला देगा: नहीं, 9:17, 14:18, हाँ 99:7-8. और अल्लाह ने इंसानों को उनके कामों को परखने के लिए बनाया है 67:2.]**

Alam tara anna Allaha khalaqa alssamawati waalarda bialhaqqi in yasha yuthhibkum wayati bikhalqin jadeedin	x	Have you not seen that Allah created the heavens and the earth in truth? If He wills, He can do away with you and produce a new creation.	14:19	क्या तुमने देखा नहीं कि अल्लाह ने आकाशों और धरती को सोद्देश्य पैदा किया? यदि वह चाहे तो तुम सबको ले जाए और एक नवीन सृष्टा जनसमूह ले आए	x
Wama thalika AAala Allahi	x	And that is not difficult for Allah.	14:20	और यह अल्लाह के लिए कुछ भी कठिन नहीं है	x
Wabarazoo lillahi jameeAAan faqala aldduAAafao lillatheena istakbaroo inna kunna lakum tabaAAan fahal antum mughnoona AAanna min AAathabi Allahi min shayin qaloo law hadana Allahu lahadaynakum sawaon AAalayna ajaziAAna am sabarna ma lana min	**[Contradiction: Sinners on day of judgment: 27:85, 77:35: shall not be able to speak, 14:21, 69:25: shall be able to speak]**	And they will come out [for judgement] before Allah all together, and the weak will say to those who were arrogant, "Indeed, we were your followers, so can you avail us anything against the punishment of Allah?" They will say, "If Allah had guided us, we would have guided you. It is all the same for us whether we show intolerance or are patient: there is for us no place of escape."	14:21	सबके सब अल्लाह के सामने खुलकर आ जाएँगे तो कमज़ोर लोग, उन लोगों से जो बड़े बने हुए थे, कहेंगे, "हम तो तुम्हारे पीछे चलते थे। तो क्या तुम अल्लाह की यातना में से कुछ हमपर टाल सकते हो? वे कहेंगे, "यदि अल्लाह हमें मार्ग दिखाता तो हम तुम्हें भी दिखाते। अब यदि हम व्याकुल हों या धैर्य से काम लें, हमारे लिए बराबर है। हमारे लिए बचने का कोई उपाय नहीं।"	**[विरोधाभास: न्याय के दिन पापी: 27:85, 77:35: बोल नहीं पाएँगे; 14:21, 69:25: बोल पाएँगे]**

Waqala alshshaytanu lamma qudiya alamru inna Allaha waAAadakum waAAda alhaqqi wawaAAadtukum faakhlaftukum wama kana liya AAalaykum min sultanin illa an daAAawtukum faistajabtum lee fala taloomoonee waloomoo anfusakum ma ana bimusrikhikum wama antum bimusrikhiyya innee kafartu bima ashraktumooni min	Satan will tell the unbelievers at that point, when it's too late.	And Satan will say when the matter has been concluded, "Indeed, Allah had promised you the promise of truth. And I promised you, but I betrayed you. But I had no authority over you except that I invited you, and you responded to me. So do not blame me; but blame yourselves. I cannot be called to your aid, nor can you be called to my aid. Indeed, I deny your association of me [with Allah] before. Indeed, for the wrongdoers is a painful punishment."	14:22	जब मामले का फ़ैसला हो चुकेगा तब शैतान कहेगा, "अल्लाह ने तो तुमसे सच्चा वादा किया था और मैंने भी तुमसे वादा किया था, फिर मैंने तो तुमसे सत्य के प्रतिकूल कहा था। और मेरा तो तुमपर कोई अधिकार नहीं था, सिवाय इसके कि मैंने मान ली; बल्कि अपने आप ही को मलामत करो, न मैं तुम्हारी फ़रियाद सुन सकता हूँ और न तुम मेरी फ़रियाद सुन सकते हो। पहले जो तुमने सहभागी ठहराया था, मैं उससे विरक्त हूँ।" निश्चय ही अत्याचारियों के लिए दुखदायिनी यातना है	शैतान उस समय अविश्वासियों से कहेगा, जब बहुत देर हो चुकी होगी।
Waodkhila allatheena amanoo waAAamiloo alssalihati jannatin tajree min tahtiha alanharu khalideena feeha biithni rabbihim tahiyyatuhum feeha	x	And those who believed and did righteous deeds will be admitted to gardens beneath which rivers flow, abiding eternally therein by permission of their Lord; and their greeting therein will be, "Peace!"	14:23	इसके विपरीत जो लोग ईमान लाए और उन्होंने अच्छे कर्म किए वे ऐसे बाग़ों में प्रवेश करेंगे जिनके नीचे नहरें बह रही होंगी। उनमें वे अपने रब की अनुमति से सदैव रहेंगे। वहाँ उनका अभिवादन 'सलाम' से होगा	x

Alam tara kayfa daraba Allahu mathalan kalimatan tayyibatan kashajaratin tayyibatin asluha thabitun wafarAAuha fee	x	Have you not considered how Allah presents an example, [making] a good word like a good tree, whose root is firmly fixed and its branches [high] in the sky?	14:24	क्या तुमने देखा नहीं कि अल्लाह ने कैसी मिसाल पेश की? अच्छी उत्तम बात एक अच्छे शुभ वृक्ष के सदृश है, जिसकी जड़ गहरी जमी हुई हो और उसकी शाखाएँ आकाश में पहुँची हुई हों;	x
Tutee okulaha kulla heenin biithni rabbiha wayadribu Allahu alamthala lilnnasi laAAallahum	x	It produces its fruit all the time, by permission of its Lord. And Allah presents examples for the people that perhaps they will be reminded.	14:25	अपने रब की अनुमति से वह हर समय अपना फल दे रहा हो। अल्लाह तो लोगों के लिए मिशालें पेश करता है, ताकि वे जाग्रत हों	x
Wamathalu kalimatin khabeethatin kashajaratin khabeethatin ijtuththat min fawqi alardi ma laha min	x	And the example of a bad word is like a bad tree, uprooted from the surface of the earth, not having any stability.	14:26	और अशुभ एंव अशुद्ध बात की मिसाल एक अशुभ वृक्ष के सदृश है, जिसे धरती के ऊपर ही से उखाड़ लिया जाए और उसे कुछ भी स्थिरता प्राप्त न हो	x
Yuthabbitu Allahu allatheena amanoo bialqawli alththabiti fee alhayati alddunya wafee alakhirati wayudillu Allahu alththalimeena wayafAAalu Allahu	**[But we don't see change in natural laws on day to day basis.]**	Allah keeps firm those who believe, with the firm word, in worldly life and in the Hereafter. And Allah sends astray the wrongdoers. And Allah does what He wills.	14:27	ईमान लानेवालों को अल्लाह सुदृढ़ बात के द्वारा सांसारिक जीवन में भी परलोक में भी सुदृढ़ता प्रदान करता है और अत्याचारियों को अल्लाह विचलित कर देता है। और अल्लाह जो चाहता है, करता है	**[लेकिन हम दिन-प्रतिदिन प्राकृतिक नियमों में बदलाव नहीं देखते हैं।]**

Alam tara ila allatheena baddaloo niAAmata Allahi kufran waahalloo qawmahum dara albawari	these people are “the disbelieving pagans of Mecca".	Have you not considered those who exchanged the favor of Allah for disbelief and settled their people [in] the home of ruin?	14:28	क्या तुमने उन लोगों को नहीं देखा जिन्होंने अल्लाह की नेमत को कुफ़्र से बदल डाला और अपनी क़ौम को विनाश-गृह में उतार दिया;	ये लोग "मक्का के काफ़िर मूर्तिपूजक" हैं।
Jahannama yaslawnaha wabisa alqararu	x	[It is] Hell, which they will [enter to] burn, and wretched is the settlement.	14:29	जहन्नम में, जिसमें वे झोंके जाएँगे और वह अत्यन्त बुरा ठिकाना है!	x
WajaAAaloo lillahi andadan liyudilloo AAan sabeelihi qul tamattaAAoo fainna maseerakum ila alnnari	x	And they have attributed to Allah equals to mislead [people] from His way. Say, "Enjoy yourselves, for indeed, your destination is the Fire."	14:30	और उन्होंने अल्लाह के प्रतिद्वन्दी बना दिए, ताकि परिणामस्वरूप वे उन्हें उसके मार्ग से भटका दें। कह दो, "थोड़े दिन मज़े ले लो। अन्ततः तुम्हें आग ही की ओर जाना है।"	x
Qul liAAibadiya allatheena amanoo yuqeemoo alssalata wayunfiqoo mimma razaqnahum sirran waAAalaniyatan min qabli an yatiya yawmun la bayAAun feehi wala	x	[O Muhammad], tell My servants who have believed to establish prayer and spend from what We have provided them, secretly and publicly, before a Day comes in which there will be no exchange, nor any	14:31	मेरे जो बन्दे ईमान लाए है उनसे कह दो कि वे नमाज़ की पाबन्दी करें और हमने उन्हें जो कुछ दिया है उसमें से छुपे और खुले ख़र्च करें, इससे पहले कि वह दिन आ जाए जिनमें न कोई क्रय-विक्रय होगा और न मैत्री	

Allahu allathee khalaqa alssamawati waalarda waanzala mina alssamai maan faakhraja bihi mina alththamarati rizqan lakum wasakhkhara lakumu alfulka litajriya fee albahri biamrihi wasakhkhara lakumu alanhara	x	It is Allah who created the heavens and the earth and sent down rain from the sky and produced thereby some fruits as provision for you and subjected for you the ships to sail through the sea by His command and subjected for you the rivers.	14:32	वह अल्लाह ही है जिसने आकाशों और धरती की सृष्टि की और आकाश से पानी उतारा, फिर वह उसके द्वारा कितने ही पैदावार और फल तुम्हारी आजीविका के रूप में सामने लाया। और नौका को तुम्हारे काम में लगाया, ताकि समुद्र में उसके आदेश से चले और नदियों को भी तुम्हें लाभ पहुँचाने में लगाया	x
Wasakhkhara lakumu alshshamsa waalqamara daibayni wasakhkhara lakumu allayla waalnnahara	**[Nowhere does it mention the Earth's rotation because it is not visible; it speaks only of the sun and the moon that too along with day and night.]**	And He subjected for you the sun and the moon, continuous [in orbit], and subjected for you the night and the day.	14:33	और सूर्य और चन्द्रमा को तुम्हारे लिए कार्यरत किया और एक नियत विधान के अधीन निरंतर गतिशील है। और रात और दिन को भी तुम्हें लाभ पहुँचाने में लगा रखा है	**[इसमें कहीं भी पृथ्वी के घूमने का ज़िक्र नहीं है क्योंकि यह दिखाई नहीं देता; इसमें सिर्फ़ सूरज और चाँद की बात की गई है, वह भी दिन और रात के साथ।]**
Waatakum min kulli ma saaltumoohu wain taAAuddoo niAAmata Allahi la tuhsooha inna alinsana lathaloomun	**[Not everyone gets what they as**	And He gave you from all you asked of Him. And if you should count the favor of Allah, you could not enumerate them. Indeed, mankind is [generally] most unjust and ungrateful.	14:34	और हर उस चीज़ में से तुम्हें दिया जो तुमने उससे माँगा यदि तुम अल्लाह की नेमतों की गणना नहीं कर सकते। वास्तव में मनुष्य ही बड़ा ही अन्यायी, कृतघ्न है	**[हर किसी को वह नहीं मिलता जो वे मांगते हैं।]**

Waith qala ibraheemu rabbi ijAAal hatha albalada aminan waojnubnee wabaniyya an naAAbuda alasnama	Islamic tradition identifies “this territory” with Mecca. **[According to Islam, Abraham left Hagar in desert and she ran between Maount Safa and Marwah to find water as there was no one to help. Then how Abrahm addressed the place as a city at that time; As per Bible, Hagar was left in the wilderness of Beer-sheba and Ishmael settled in wilderness of Paran (near Egypt border), Genesis 21:15; One thing is for sure both Bible and Quran can't be from same source.]**	And [mention, O Muhammad], when Abraham said, "My Lord, make this city [Makkah] secure and keep me and my sons away from worshipping idols.	14:35	याद करो जब इबराहीम ने कहा था, "मेरे रब! इस भूभाग (मक्का) को शान्तिमय बना दे और मुझे और मेरी सन्तान को इससे बचा कि हम मूर्तियों को पूजने लग जाए	इस्लामी परंपरा “इस भूभाग” की पहचान मक्का से करती है। **[इस्लाम के अनुसार, अब्राहम ने हाजर को रेगिस्तान में छोड़ दिया और वह पानी ढूंढने के लिए माउंट सफा और मारवाह के बीच भागी क्योंकि मदद करने वाला कोई नहीं था। फिर अब्राहम ने उस समय उस जगह को शहर कैसे कहा; बाइबिल के अनुसार, हाजर को बीर-शेबा के जंगल में छोड़ दिया गया और इश्माएल पारान (मिस्र की सीमा के पास) के जंगल में बस गए, उत्पत्ति 21:15; एक बात तो पक्की है कि बाइबिल और कुरान दोनों एक ही स्रोत से नहीं हो सकते।]**
Rabbi innahunna adlalna katheeran mina alnnasi faman tabiAAanee fainnahu minnee waman AAasanee fainnaka ghafoorun raheemun	Genesis 17: God said to Abraham, As for you, you and your off spring after you through out their genera tions are to keep my covenant. Everyone of your males must be circumcised. You must circumcise the flesh of your fore skin to serve as a sign of the covenant between me and	My Lord, indeed they have led astray many among the people. So whoever follows me - then he is of me; and whoever disobeys me - indeed, You are [yet] Forgiving and Merciful.	14:36	मेरे रब! इन्होंने (इन मूर्तियों ने) बहुत से लोगों को पथभ्रष्ट किया है। अतः जिस किसी ने मेरा अनुसरण किया वह मेरा है और जिस ने मेरी अवज्ञा की तो निश्चय ही तू बड़ा क्षमाशील, अत्यन्त दयावान है	उत्पत्ति 17: परमेश्वर ने अब्राहम से कहा, "जहाँ तक तुम्हारी बात है, तुम्हें और तुम्हारे बाद तुम्हारी आने वाली पीढ़ियों को मेरी वाचा का पालन करना होगा। तुम्हारे यहाँ के हर पुरुष का खतना होना ज़रूरी है। तुम्हें अपनी चमड़ी का खतना करवाना होगा, ताकि यह मेरे और तुम्हारे बीच की वाचा का एक चिन्ह बन सके।"

Rabbana innee askantu min thurriyyatee biwadin ghayri thee zarAAin AAinda baytika almuharrami rabbana liyuqeemoo alssalata faijAAal afidatan mina alnnasi tahwee ilayhim waorzuqhum mina alththamarati	Islamic tradition identifies the "sacred house" as the Kabah in Mecca. **[However, as per Bible, Genesis 25, The descendents of Ishmael settled from Havilah to Shur, which is opposite Egypt as you go toward Asshur.]**	Our Lord, I have settled some of my descendants in an uncultivated valley near Your sacred House, our Lord, that they may establish prayer. So make hearts among the people incline toward them and provide for them from the fruits that they might be grateful.	14:37	मेरे रब! मैंने एक ऐसी घाटी में जहाँ कृषि-योग्य भूमि नहीं अपनी सन्तान के एक हिस्से को तेरे प्रतिष्ठित घर (काबा) के निकट बसा दिया है। हमारे रब! ताकि वे नमाज़ क़ायम करें। अतः तू लोगों के दिलों को उनकी ओर झुका दे और उन्हें फलों और पैदावार की आजीविका प्रदान कर, ताकि वे कृतज्ञ बने	इस्लामी परंपरा के अनुसार "पवित्र घर" मक्का में काबा है। **[लेकिन, बाइबिल, उत्पत्ति 25 के अनुसार, इश्माएल के वंशज हवीला से शूर में बस गए, जो मिस्र के सामने है जब आप अशूर की ओर जाते हैं।]**
Rabbana innaka taAAlamu ma nukhfee wama nuAAlinu wama yakhfa AAala Allahi min shayin fee alardi wala fee	x	Our Lord, indeed You know what we conceal and what we declare, and nothing is hidden from Allah on the earth or in the heaven.	14:38	हमारे रब! तू जानता ही है जो कुछ हम छिपाते है और जो कुछ प्रकट करते है। अल्लाह से तो कोई चीज़ न धरती में छिपी है और न आकाश में	x
Alhamdu lillahi allathee wahaba lee AAala alkibari ismaAAeela waishaqa inna rabbee lasameeAAu aldduAAai	x	Praise to Allah, who has granted to me in old age Ishmael and Isaac. Indeed, my Lord is the Hearer of supplication.	14:39	सारी प्रशंसा है उस अल्लाह की जिसने बुढ़ापे के होते हुए भी मुझे इसमाईल और इसहाक़ दिए। निस्संदेह मेरा रब प्रार्थना अवश्य सुनता है	x
Rabbi ijAAalnee muqeema alssalati wamin thurriyyatee rabbana wtaqabbal duAAai	x	My Lord, make me an establisher of prayer, and [many] from my descendants. Our Lord, and accept my supplication.	14:40	मेरे रब! मुझे और मेरी सन्तान को नमाज़ क़ायम करनेवाला बना। हमारे रब! और हमारी प्रार्थना स्वीकार कर	x

Rabbana ighfir lee waliwalidayya walilmumineena yawma yaqoomu alhisabu	Father of Abraham wasTerah (Genesis: 11:27)	Our Lord, forgive me and my parents and the believers the Day the account is established."	14:41	हमारे रब! मुझे और मेरे माँ-बाप को और मोमिनों को उस दिन क्षमाकर देना, जिस दिन हिसाब का मामला पेश आएगा।"	अब्राहम के पिता तेराह थे (उत्पत्ति 11:27)।
Wala tahsabanna Allaha ghafilan AAamma yaAAmalu alththalimoona innama yuakhkhiruhum liyawmin tashkhasu	x	And never think that Allah is unaware of what the wrongdoers do. He only delays them for a Day when eyes will stare [in horror].	14:42	अब ये अत्याचारी जो कुछ कर रहे है, उससे अल्लाह को असावधान न समझो। वह तो इन्हें बस उस दिन तक के लिए टाल रहा है जबकि आँखे फटी की फटी रह जाएँगी,	x
MuhtiAAeena muqniAAee ruoosihim la yartaddu ilayhim tarfuhum	x	Racing ahead, their heads raised up, their glance does not come back to them, and their hearts are void.	14:43	अपने सिर उठाए भागे चले जा रहे होंगे; उनकी निगाह स्वयं उनकी अपनी ओर भी न फिरेगी और उनके दिल उड़े जा रहे होंगे	x
Waanthiri alnnasa yawma yateehimu alAAathabu fayaqoolu allatheena thalamoo rabbana akhkhirna ila ajalin qareebin nujib daAAwataka wanattabiAAi alrrusula awalam takoonoo aqsamtum min qablu ma lakum min zawalin	Day of Judgement.	And, [O Muhammad], warn the people of a Day when the punishment will come to them and those who did wrong will say, "Our Lord, delay us for a short term; we will answer Your call and follow the messengers." [But it will be said], "Had you not sworn, before, that for you there would be no cessation?	14:44	लोगों को उस दिन से डराओ, जब यातना उन्हें आ लेगी। उस समय अत्याचारी लोग कहेंगे, "हमारे रब! हमें थोड़ी-सी मुहलत दे दे। हम तेरे आमंत्रण को स्वीकार करेंगे और रसूलों का अनुसरण करेंगे।" कहा जाएगा, "क्या तुम इससे पहले क़समें नहीं खाया करते थे कि हमारा तो पतन ही न होगा?"	न्याय का दिन

Wasakantum fee masakini allatheena thalamoo anfusahum watabayyana lakum kayfa faAAalna bihim wadarabna lakumu alamthala	x	And you lived among the dwellings of those who wronged themselves, and it had become clear to you how We dealt with them. And We presented for you [many] examples."	14:45	तुम लोगों की बस्तियों में रह-बस चुके थे, जिन्होंने अपने ऊपर अत्याचार किया था और तुमपर अच्छी तरह स्पष्ट हो चुका था कि उनके साथ हमने कैसा मामला किया और हमने तुम्हारे लिए कितनी ही मिशालें बयान की थी।"	x
Waqad makaroo makrahum waAAinda Allahi makruhum wain kana makruhum litazoola minhu	x	And they had planned their plan, but with Allah is [recorded] their plan, even if their plan had been [sufficient] to do away with the mountains.	14:46	वे अपनी चाल चल चुक हैं। अल्लाह के पास भी उनके लिए चाल मौजूद थी, यद्यपि उनकी चाल ऐसी ही क्यों न रही हो जिससे पर्वत भी अपने स्थान से टल जाएँ	x
Fala tahsabanna Allaha mukhlifa waAAdihi rusulahu inna Allaha AAazeezun thoo intiqamin	x	So never think that Allah will fail in His promise to His messengers. Indeed, Allah is Exalted in Might and Owner of Retribution.	14:47	अतः यह न समझना कि अल्लाह अपने रसूलों से किए हुए अपने वादे के विरुद्ध जाएगा। अल्लाह तो अपार शक्तिवाला, प्रतिशोधक है	x
Yawma tubaddalu alardu ghayra alardi waalssamawatu wabarazoo lillahi alwahidi alqahhari	On Qiyamat, earth will be changed to an earth other than this earth that we know and recognize.	[It will be] on the Day the earth will be replaced by another earth, and the heavens [as well], and all creatures will come out before Allah, the One, the Prevailing.	14:48	जिस दिन यह धरती दूसरी धरती से बदल दी जाएगी और आकाश भी। और वे सब के सब अल्लाह के सामने खुलकर आ जाएँगे, जो अकेला है, सबपर जिसका आधिपत्य है	क़यामत के दिन, यह धरती उस धरती से बदल जाएगी जिसे हम जानते और पहचानते हैं।
Watara almujrimeena yawmaithin muqarraneena fee	**[it is mentioned in 7:46 that there will be a veil between heaven and hell, then how one will see another throught that.]**	And you will see the criminals that Day bound together in shackles,	14:49	और उस दिन तुम अपराधियों को देखोगे कि ज़ंजीरों में जकड़े हुए है	**[7:46 में बताया गया है कि स्वर्ग और नरक के बीच एक पर्दा होगा, फिर कोई दूसरे को उसके ज़रिए कैसे देखेगा।]**

Sarabeeluhum min qatranin wataghsha wujoohahumu alnnaru	Garment of liquid pitch (Qatiran) - is something which is used to coat camels, and easily catches fire. Or it is	Their garments of liquid pitch and their faces covered by the Fire.	14:50	उनके परिधान तारकोल के होंगे और आग उनके चहरों पर छा रही होगी,	x
Liyajziya Allahu kulla nafsin ma kasabat inna Allaha sareeAAu alhisabi	x	So that Allah will recompense every soul for what it earned. Indeed, Allah is swift in account.	14:51	ताकि अल्लाह प्रत्येक जीव को उसकी कमाई का बदला दे। निश्चय ही अल्लाह जल्द हिसाब लेनेवाला है	x
Hatha balaghun lilnnasi waliyuntharoo bihi waliyaAAlamoo annama huwa ilahun wahidun waliyaththakkara oloo alalbabi	x	This [Qur'an] is notification for the people that they may be warned thereby and that they may know that He is but one God and that those of understanding will be reminded.	14:52	यह लोगों को सन्देश पहुँचा देना है (ताकि वे इसे ध्यानपूर्वक सुनें) और ताकि उन्हें इसके द्वारा सावधान कर दिया जाए और ताकि वे जान लें कि वही अकेला पूज्य है और ताकि वे सचेत हो जाएँ, तो बुद्धि और समझ रखते है	x
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Al-Hijr (The Rock), Thamud**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**15:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अल-हिज्र (चट्टान)**
Aliflamra tilka ayatu alkitabi waquranin mubeenin	Mysterious letters **[Most of the verses are not clear, they need explanation that's why tasfir are written.]**	Alif, Lam, Ra. These are the verses of the Book and a clear Qur'an.	15:1	अलिफ़॰ लाम॰ रा॰। यह किताब अर्थात स्पष्ट क़ुरआन की आयतें हैं	रहस्यमय अक्षर **[अधिकांश आयतें स्पष्ट नहीं हैं, उन्हें स्पष्टीकरण की आवश्यकता है इसीलिए तस्फ़ीर लिखी जाती हैं।]**

Rubama yawaddu allatheena kafaroo law kanoo muslimeena	The idolaters will tell the sinful Muslims in Hell that “what you used to worship on earth, has not helped you. Then Allah will be angry and will remove the sinful Muslims from Hell while leaving the unbelievers in Hell. They will wish they had accepted Islam. **[Hypothetical argument]**	Perhaps those who disbelieve will wish that they had been Muslims.	15:2	ऐसे समय आएँगे जब इनकार करनेवाले कामना करेंगे कि क्या ही अच्छा होता कि हम मुस्लिम (आज्ञाकारी) होते!	मूर्तिपूजक जहन्नम में पापी मुसलमानों से कहेंगे कि “जिसकी तुम धरती पर पूजा करते थे, उससे तुम्हें कोई मदद नहीं मिली। तब अल्लाह नाराज़ होगा और पापी मुसलमानों को जहन्नम से निकाल देगा, जबकि काफ़िरों को जहन्नम में ही छोड़ देगा। वे चाहेंगे कि काश उन्होंने इस्लाम कबूल कर लिया होता। **[काल्पनिक तर्क]**
Tharhum yakuloo wayatamattaAAoo wayulhihimu alamalu fasawfa yaAAlamoona	x	Let them eat and enjoy themselves and be diverted by [false] hope, for they are going to know.	15:3	छोड़ो उन्हें खाएँ और मज़े उड़ाएँ और (लम्बी) आशा उन्हें भुलावे में डाले रखे। उन्हें जल्द ही मालूम हो जाएगा!	x
Wama ahlakna min qaryatin illa walaha kitabun maAAloomun	x	And We did not destroy any city but that for it was a known decree.	15:4	हमने जिस बस्ती को भी विनष्ट किया है, उसके लिए अनिवार्यतः एक निश्चित फ़ैसला रहा है!	x
Ma tasbiqu min ommatin ajalaha wama yastakhiroona	x	No nation will precede its term, nor will they remain thereafter.	15:5	किसी समुदाय के लोग न अपने निश्चित समय से आगे बढ़ सकते है और न वे पीछे रह सकते है	x
Waqaloo ya ayyuha allathee nuzzila AAalayhi alththikru innaka lamajnoonun	x	And they say, "O you upon whom the message has been sent down, indeed you are mad.	15:6	वे कहते है, "ऐ व्यक्ति, जिसपर अनुस्मरण अवतरित हुआ, तुम निश्चय ही दीवाने हो!	x
Law ma tateena bialmalaikati in kunta mina alssadiqeena	**[When Angels were coming to Messenger in Human form, Some of them should have been shown to the disbeliever, so that they could believe.]**	Why do you not bring us the angels, if you should be among the truthful?"	15:7	यदि तुम सच्चे हो तो हमारे समक्ष फ़रिश्तों को क्यों नहीं ले आते?"	**[जब फ़रिश्ते इंसानी रूप में रसूल के पास आ रहे थे, तो उनमें से कुछ को काफ़िरों को दिखाना चाहिए था, ताकि वे ईमान ला सकें।]**

Ma nunazzilu almalaikata illa bialhaqqi wama kanoo ithan munthareena	x	We do not send down the angels except with truth; and the disbelievers would not then be reprieved.	15:8	फ़रिश्तों को हम केवल सत्य के प्रयोजन हेतु उतारते है और उस समय लोगों को मुहलत नहीं मिलेगी	x
Inna nahnu nazzalna alththikra wainna lahu lahafithoona	Allah will protect the Qur'an from alteration, distortion, additions, or deletions. **[But even in present time there are many textual variants of Quran; they seem to negate Allah's promise in this verse.]**	Indeed, it is We who sent down the Qur'an and indeed, We will be its guardian.	15:9	यह अनुसरण निश्चय ही हमने अवतरित किया है और हम स्वयं इसके रक्षक हैं	अल्लाह कुरान को बदलाव, तोड़-मरोड़, जोड़ने या हटाने से बचाएगा। **[लेकिन आज भी कुरान के कई अलग-अलग रूप हैं; वे इस आयत में अल्लाह के वादे को गलत साबित करते लगते हैं।]**
Walaqad arsalna min qablika fee shiyaAAi alawwaleena	x	And We had certainly sent [messengers] before you, [O Muhammad], among the sects of the former	15:10	तुमसे पहले कितने ही विगत गिरोंहों में हम रसूल भेज चुके है	x
Wama yateehim min rasoolin illa kanoo bihi yastahzioona	Allah comforts the Messenger (pbuh).	And no messenger would come to them except that they ridiculed him.	15:11	कोई भी रसूल उनके पास ऐसा नहीं आया, जिसका उन्होंने उपहास न किया हो	अल्लाह रसूल (स.) को दिलासा देते हैं।
Kathalika naslukuhu fee quloobi almujrimeena	**[Why would Allah do such things.]**	Thus do We insert denial into the hearts of the criminals.	15:12	इसी तरह हम अपराधियों के दिलों में इसे उतारते है	**[अल्लाह ऐसा क्यों करेगा?]**
La yuminoona bihi waqad khalat sunnatu alawwaleena	**[Then how so many people converted to Islam.]**	They will not believe in it, while there has already occurred the precedent of the former peoples.	15:13	वे इसे मानेंगे नहीं। पहले के लोगों की मिसालें गुज़र चुकी हैं	**[फिर इतने सारे लोग इस्लाम में कैसे परिवर्तित हो गए।]**
Walaw fatahna AAalayhim baban mina alssamai fathalloo feehi yaAArujoona	**[Hypothetical allegation without presenting any evidence.]**	And [even] if We opened to them a gate from the heaven and they continued therein to ascend,	15:14	यदि हम उनपर आकाश से कोई द्वार खोल दें और वे दिन-दहाड़े उसमें चढ़ने भी लगें,	**[बिना कोई सबूत पेश किए काल्पनिक आरोप।]**

Laqaloo innama sukkirat absaruna bal nahnu qawmun mashooroona	**[Hypothetical allegation without presenting any evidence.]**	They would say, "Our eyes have only been dazzled. Rather, we are a people affected by magic."	15:15	फिर भी वे यही कहेंगे, "हमारी आँखें मदमाती हैं, बल्कि हम लोगों पर जादू कर दिया गया है!"	**[बिना कोई सबूत पेश किए काल्पनिक आरोप।]**
Walaqad jaAAalna fee alssamai buroojan wazayyannaha	x	And We have placed within the heaven great stars and have beautified it for the observers.	15:16	हमने आकाश में बुर्ज (तारा-समूह) बनाए और हमने उसे देखनेवालों के लिए सुसज्जित भी किया	x
Wahafithnaha min kulli shaytanin rajeemin	[Stars and meteors are missile against Shaytan: 15:16–18, 41:12, 67:5, 37:6-10; But still Shaytan (Iblis) could reach heaven and misguided Eve. Also Saytaan hears the Angels discussion and leaks information to soothsayers.]	And We have protected it from every devil expelled [from the mercy of Allah]	15:17	और हर फिटकारे हुए शैतान से उसे सुरक्षित रखा -	**[तारे और उल्कापिंड शैतान के विरुद्ध मिसाइल का काम करते हैं: 15:16–18, 41:12, 67:5, 37:6-10; फिर भी शैतान (इब्लीस) स्वर्ग तक पहुँचने में सफल रहा और उसने हव्वा को गुमराह कर दिया। इसके अलावा, शैतान फ़रिश्तों की बातचीत सुन लेता है और वह जानकारी भविष्य बताने वालों तक पहुँचा देता है।]**
Illa mani istaraqa alssamAAa faatbaAAahu shihabun mubeenun	**[Again God's defence plan is not fulproof, which allows the devils to steals the hearing; On this eavesdropping, see 37:7-10.]**	Except one who steals a hearing and is pursued by a clear burning flame.	15:18	यह और बात है कि किसी ने चोरी-छिपे कुछ सुनगुन ले लिया तो एक प्रत्यक्ष अग्निशिखा ने भी झपटकर उसका पीछा किया -	**[फिर से परमेश्वर की बचाव योजना पूरी तरह पक्की नहीं है, जिससे शैतानों को सुनने की शक्ति चुराने का मौका मिलता है; इस छिपकर सुनने के बारे में, 37:7-10 देखें।]**
Waalarda madadnaha waalqayna feeha rawasiya waanbatna feeha min kulli shayin mawzoonin	**[Mountains are formed by movement of techtonic plates and it is a continous process.]**	And the earth - We have spread it and cast therein firmly set mountains and caused to grow therein [something] of every well-balanced thing.	15:19	और हमने धरती को फैलाया और उसमें अटल पहाड़ डाल दिए और उसमें हर चीज़ नपे-तुले अन्दाज़ में उगाई	**[पहाड़ टेक्टोनिक प्लेटों की हलचल से बनते हैं और यह एक लगातार चलने वाली प्रक्रिया है।]**

WajaAAalna lakum feeha maAAayisha waman lastum lahu biraziqeena	x	And We have made for you therein means of living and [for] those for whom you are not providers.	15:20	और उसमें तुम्हारे गुज़र-बसर के सामान निर्मित किए, और उनको भी जिनको रोज़ी देनेवाले तुम नहीं हो	x
Wain min shayin illa AAindana khazainuhu wama nunazziluhu illa biqadarin maAAloomin	x	And there is not a thing but that with Us are its depositories, and We do not send it down except according to a known measure.	15:21	कोई भी चीज़ तो ऐसी नहीं है जिसके भंडार हमारे पास न हों, फिर भी हम उसे एक ज्ञात (निश्चित) मात्रा के साथ उतारते है	x
Waarsalna alrriyaha lawaqiha faanzalna mina alssamai maan faasqaynakumoohu wama antum lahu bikhazineena	x	And We have sent the fertilizing winds and sent down water from the sky and given you drink from it. And you are not its retainers.	15:22	हम ही वर्षा लानेवाली हवाओं को भेजते है। फिर आकाश से पानी बरसाते है और उससे तुम्हें सिंचित करते है। उसके ख़जानादार तुम नहीं हो	x
Wainna lanahnu nuhyee wanumeetu wanahnu	“The Inheritor,” that is, the one who survives when all else perishes.	And indeed, it is We who give life and cause death, and We are the Inheritor.	15:23	हम ही जीवन और मृत्यु देते है और हम ही उत्तराधिकारी रह जाते है	“उत्तराधिकारी”—यानी वह, जो तब भी जीवित रहता है, जब बाकी सब कुछ नष्ट हो जाता है।
Walaqad AAalimna almustaqdimeena minkum walaqad AAalimna almustakhireena	x	And We have already known the preceding [generations] among you, and We have already known the later [ones to come].	15:24	हम तुम्हारे पहले के लोगों को भी जानते है और बाद के आनेवालों को भी हम जानते है	x
Wainna rabbaka huwa yahshuruhum innahu hakeemun AAaleemun	x	And indeed, your Lord will gather them; indeed, He is Wise and Knowing.	15:25	तुम्हारा रब ही है, जो उन्हें इकट्ठा करेगा। निस्संदेह वह तत्वदर्शी, सर्वज्ञ है	x

Walaqad khalaqna alinsana min salsalin min hamain masnoonin	**[Contradiction: Adam was created from clay: 6:2, 7:12, 17:61, 32:7, 38:71, 38:76, from sounding clay: 15:26, 15:28, 15:33, From ringing clay: 55:64, From sticky clay: 37:11, From dust: 3:59, 22:5, 35:11, 40:67, From earth: 20:55, From nothing: 19:9, 19:67, From water: 21:30, 24:45, 25:54, From base material: 70:39]**	And We did certainly create man out of clay from an altered black mud.	15:26	हमने मनुष्य को सड़े हुए गारे की खनखनाती हुई मिट्टी से बनाया है,	**[विरोधाभास: आदम को मिट्टी से बनाया गया: 6:2, 7:12, 17:61, 32:7, 38:71, 38:76; बजने वाली मिट्टी से: 15:26, 15:28, 15:33; खनकने वाली मिट्टी से: 55:64; चिपचिपी मिट्टी से: 37:11; धूल से: 3:59, 22:5, 35:11, 40:67; धरती से: 20:55; कुछ नहीं से: 19:9, 19:67; पानी से: 21:30, 24:45, 25:54; तुच्छ पदार्थ से: 70:39]**
Waaljanna khalaqnahu min qablu min nari	x	And the jinn We created before from scorching fire.	15:27	और उससे पहले हम जिन्नों को लू रूपी अग्नि से पैदा कर चुके थे	x
Waith qala rabbuka lilmalaikati innee khaliqun basharan min salsalin min hamain masnoonin	x	And [mention, O Muhammad], when your Lord said to the angels, "I will create a human being out of clay from an altered black mud.	15:28	याद करो जब तुम्हारे रब ने फ़रिश्तों से कहा, "मैं सड़े हुए गारे की खनखनाती हुई मिट्टी से एक मनुष्य पैदा करनेवाला हूँ	x
Faitha sawwaytuhu wanafakhtu feehi min roohee faqaAAoo lahu sajideena	**[Why Allah will breath His soul, He may just say "Kun"; A man with Allah's soul does so many mischeif of Earth]**	And when I have proportioned him and breathed into him of My [created] soul, then fall down to him in	15:29	तो जब मैं उसे पूरा बना चुकूँ और उसमें अपनी रूह फूँक दूँ तो तुम उसके आगे सजदे में गिर जाना!"	**[अल्लाह अपनी रूह क्यों फूँकेगा, वह बस "कुन" कह सकता है; अल्लाह की रूह वाला आदमी धरती पर बहुत सारी शरारतें करता है]**
Fasajada almalaikatu kulluhum	x	So the angels prostrated - all of them entirely,	15:30	अतएव सब के सब फ़रिश्तो ने सजदा किया,	x

Illa ibleesa aba an yakoona maAAa alssajideena	**[Ibless was a Jinn, While Allah commanded the Angels.]**	Except Iblees, he refused to be with those who prostrated.	15:31	सिवाय इबलीस के। उसने सजदा करनेवालों के साथ शामिल होने से इनकार कर दिया	**[इब्लेस एक जिन्न था, जबकि अल्लाह ने फ़रिश्तों को आदेश दिया।]**
Qala ya ibleesu ma laka alla takoona maAAa alssajideena	x	[Allah] said, O Iblees, what is [the matter] with you that you are not with those who prostrate?"	15:32	कहा, "ऐ इबलीस! तुझे क्या हुआ कि तू सजदा करनेवालों में शामिल नहीं हुआ?"	x
Qala lam akun liasjuda libasharin khalaqtahu min salsalin min hamain masnoonin	x	He said, "Never would I prostrate to a human whom You created out of clay from an altered black mud."	15:33	उसने कहा, "मैं ऐसा नहीं हूँ कि मैं उस मनुष्य को सजदा करूँ जिसको तू ने सड़े हुए गारे की खनखनाती हुए मिट्टी से बनाया।"	x
Qala faokhruj minha fainnaka rajeemun	x	[Allah] said, "Then get out of it, for indeed, you are expelled.	15:34	कहा, "अच्छा, तू निकल जा यहाँ से, क्योंकि तुझपर फिटकार है!	x
Wainna AAalayka allaAAnata ila yawmi alddeeni	x	And indeed, upon you is the curse until the Day of Recompense."	15:35	निश्चय ही बदले के दिन तक तुझ पर धिक्कार है।"	x
Qala rabbi faanthirnee ila yawmi yubAAathoona	x	He said, "My Lord, then reprieve me until the Day they are resurrected."	15:36	उसने कहा, "मेरे रब! फिर तू मुझे उस दिन तक के लिए मुहलत दे, जबकि सब उठाए जाएँगे।"	x
Qala fainnaka mina almunthareena	x	[Allah] said, "So indeed, you are of those reprieved	15:37	कहा, "अच्छा, तुझे मुहलत है,	x
Ila yawmi alwaqti almaAAloomi	x	Until the Day of the time well-known."	15:38	उस दिन तक के लिए जिसका समय ज्ञात एवं नियत है।"	x

Qala rabbi bima aghwaytanee laozayyinanna lahum fee alardi walaoghwiyannahum ajmaAAeena	**[But Allah has not put Iblees in Error; Contradiction: Who misguides the disbelievers: Allah Q6:25, Q28:56, Q35:8, Q10:100; Allah does not misguide Q9:115, Shaytan misguides Q 15:39, Q 114:4-5, Q 4:119, Humans himself Q9:70, Q6:12, Q30:9]**	[Iblees] said, "My Lord, because You have put me in error, I will surely make [disobedience] attractive to them on earth, and I will mislead them all	15:39	उसने कहा, "मेरे रब! इसलिए कि तूने मुझे सीधे मार्ग से विचलित कर दिया है, अतः मैं भी धरती में उनके लिए मनमोहकता पैदा करूँगा और उन सबको बहकाकर रहूँगा,	**[लेकिन अल्लाह ने इब्लीस को गुमराह नहीं किया है; विरोधाभास: काफ़िरों को कौन गुमराह करता है: अल्लाह Q6:25, Q28:56, Q35:8, Q10:100; अल्लाह गुमराह नहीं करता Q9:115, शैतान गुमराह करता है Q 15:39, Q 114:4-5, Q 4:119, इंसान खुद Q9:70, Q6:12, Q30:9]**
Illa AAibadaka minhumu almukhlaseena	**[Mean, only the people chosen by Allah will be protected by Devil, again a bias against disbelievers.]**	Except, among them, Your chosen servants."	15:40	सिवाय उनके जो तेरे चुने हुए बन्दे होंगे।"	**[मतलब, सिर्फ़ अल्लाह के चुने हुए लोगों को ही शैतान बचाएगा, यह भी काफ़िरों के खिलाफ़ एक भेदभाव है।]**
Qala hatha siratun AAalayya mustaqeemun	x	[Allah] said, "This is a path [of return] to Me [that is] straight.	15:41	कहा, "मुझ तक पहुँचने का यही सीधा मार्ग है,	x
Inna AAibadee laysa laka AAalayhim sultanun illa mani ittabaAAaka mina	**[There are only two groups in mankind : Believers and unbelievers.]**	Indeed, My servants - no authority will you have over them, except those who follow you of the deviators.	15:42	मेरे बन्दों पर तो तेरा कुछ ज़ोर न चलेगा, सिवाय उन बहके हुए लोगों को जो तेरे पीछे हो लें	**[इंसानियत में सिर्फ़ दो ग्रुप हैं: ईमान वाले और काफ़िर।]**
Wainna jahannama lamawAAiduhum ajmaAAeena	Hell is the abode designated for all those who follow Iblis. **[With permission from Allah, Iblees is doing all this.]**	And indeed, Hell is the promised place for them all.	15:43	निश्चय ही जहन्नम ही का ऐसे समस्त लोगों से वादा है	जहन्नम उन सभी लोगों के लिए तय की गई जगह है जो इब्लीस का अनुसरण करते हैं। **[अल्लाह की अनुमति से, इब्लीस यह सब कर रहा है।]**

Laha sabAAatu abwabin likulli babin minhum juzon maqsoomun	One door of Hell will be reserved for the entry of the sinful Muslims," and "another door will be for the Jews, another for the Christians, another for the Sabians, another for the fire worshippers, another for the Polytheists and the last will be for the hypocrites." **[What about Atheists, Hindus etc.]**	It has seven gates; for every gate is of them a portion designated."	15:44	उसके सात द्वार है। प्रत्येक द्वार के लिए एक ख़ास हिस्सा होगा।"	जहन्नम का एक दरवाज़ा गुनाहगार मुसलमानों के आने के लिए रखा जाएगा," और "दूसरा दरवाज़ा यहूदियों के लिए होगा, दूसरा ईसाइयों के लिए, तीसरा साबियों के लिए, तीसरा आग की पूजा करने वालों के लिए, तीसरा पॉलीथिस्ट के लिए और आखिरी दरवाज़ा मुनाफ़िकों के लिए होगा।" **[नास्तिकों, हिंदुओं वगैरह का क्या?]**
Inna almuttaqeena fee jannatin waAAuyoonin	x	Indeed, the righteous will be within gardens and springs.	15:45	निस्संदेह डर रखनेवाले बाग़ों और स्रोतों में होंगे,	x
Odkhulooha bisalamin amineena	x	[Having been told], "Enter it in peace, safe [and secure]."	15:46	"प्रवेश करो इनमें निर्भयतापूर्वक सलामती के साथ!"	x
WanazaAAna ma fee sudoorihim min ghillin ikhwanan AAala sururin mutaqabileena	x	And We will remove whatever is in their breasts of resentment, [so they will be] brothers, on thrones facing each other.	15:47	उनके सीनों में जो मन-मुटाव होगा उसे हम दूर कर देंगे। वे भाई-भाई बनकर आमने-सामने तख़्तों पर होंगे	x
La yamassuhum feeha nasabun wama hum minha bimukhrajeena	x	No fatigue will touch them therein, nor from it will they [ever] be removed.	15:48	उन्हें वहाँ न तो कोई थकान और तकलीफ़ पहुँचेगी और न वे वहाँ से कभी निकाले ही जाएँगे	x
Nabbi AAibadee annee ana alghafooru	x	[O Muhammad], inform My servants that it is I who am the Forgiving, the	15:49	मेरे बन्दों को सूचित कर दो कि मैं अत्यन्त क्षमाशील, दयावान हूँ;	x
Wa anna AAathabee huwa alAAathabu alaleemu	x	And that it is My punishment which is the painful punishment.	15:50	और यह कि मेरी यातना भी अत्यन्त दुखदायिनी यातना है	x

Wanabbihum AAan dayfi ibraheema	The Angels who destroyed Lot's people.	And inform them about the guests of Abraham,	15:51	और उन्हें इबराहीम के अतिथियों का वृत्तान्त सुनाओ,	वे फ़रिश्ते जिन्होंने लूत के लोगों को नष्ट कर दिया।
Ith dakhaloo AAalayhi faqaloo salaman qala inna minkum wajiloona	x	When they entered upon him and said, "Peace." [Abraham] said, "Indeed, we are fearful of you."	15:52	जब वे उसके यहाँ आए और उन्होंने सलाम किया तो उसने कहा, "हमें तो तुमसे डर लग रहा है।"	x
Qaloo la tawjal inna nubashshiruka bighulamin	x	[The angels] said, "Fear not. Indeed, we give you good tidings of a learned	15:53	वे बोले, "डरो नहीं, हम तुम्हें एक ज्ञानवान पुत्र की शुभ सूचना देते है।"	x
Qala abashshartumoonee AAala an massaniya alkibaru fabima tubashshirooni	x	He said, "Have you given me good tidings although old age has come upon me? Then of what [wonder] do you inform?"	15:54	उसने कहा, "क्या तुम मुझे शुभ सूचना दे रहे हो, इस अवस्था में कि मेरा बुढापा आ गया है? तो अब मुझे किस बात की शुभ सूचना दे रहे हो?"	x
Qaloo bashsharnaka bialhaqqi fala takun mina alqaniteena	x	They said, "We have given you good tidings in truth, so do not be of the	15:55	उन्होंने कहा, "हम तुम्हें सच्ची शुभ सूचना दे रहे हैं, तो तुम निराश न हो"	x
Qala waman yaqnatu min rahmati rabbihi illa alddalloona	x	He said, "And who despairs of the mercy of his Lord except for those astray?"	15:56	उसने कहा, "अपने रब की दयालुता से पथभ्रष्टों के सिवा और कौन निराश होगा?"	x
Qala fama khatbukum ayyuha almursaloona	x	[Abraham] said, "Then what is your business [here], O messengers?"	15:57	उसने कहा, "ऐ दूतो, तुम किस अभियान पर आए हो?"	x
Qaloo inna orsilna ila qawmin mujrimeena	x	They said, "Indeed, we have been sent to a people of criminals,	15:58	वे बोले, "हम तो एक अपराधी क़ौम की ओर भेजे गए है,	x
Illa ala lootin inna lamunajjoohum ajmaAAeena	x	Except the family of Lot; indeed, we will save them all	15:59	सिवाय लूत के घरवालों के। उन सबको तो हम बचा लेंगे,	x

Illa imraatahu qaddarna innaha lamina alghabireena	x	Except his wife." Allah decreed that she is of those who remain behind.	15:60	सिवाय उसकी पत्नी के - हमने निश्चित कर दिया है, वह तो पीछे रह जानेवालों में रहेंगी।"	x
Falamma jaa ala lootin almursaloona	x	And when the messengers came to the family of Lot,	15:61	फिर जब ये दूत लूत के यहाँ पहुँचे,	x
Qala innakum qawmun	x	He said, "Indeed, you are people unknown."	15:62	तो उसने कहा, "तुम तो अपरिचित लोग हो।"	x
Qaloo bal jinaka bima kanoo feehi yamtaroona	x	They said, "But we have come to you with that about which they were disputing,	15:63	उन्होंने कहा, "नहीं, बल्कि हम तो तुम्हारे पास वही चीज़ लेकर आए है, जिसके विषय में वे सन्देह कर रहे थे	x
Waataynaka bialhaqqi wainna lasadiqoona	x	And we have come to you with truth, and indeed, we are truthful.	15:64	और हम तुम्हारे पास यक़ीनी चीज़ लेकर आए है, और हम बिलकुल सच कह रहे है	x
Faasri biahlika biqitAAin mina allayli waittabiAA adbarahum wala yaltafit minkum ahadun waimdoo haythu tumaroona	x	So set out with your family during a portion of the night and follow behind them and let not anyone among you look back and continue on to where you are commanded."	15:65	अतएव अब तुम अपने घरवालों को लेकर रात्रि के किसी हिस्से में निकल जाओ, और स्वयं उन सबके पीछे-पीछे चलो। और तुममें से कोई भी पीछे मुड़कर न देखे। बस चले जाओ, जिधर का तुम्हे आदेश है।"	x
Waqadayna ilayhi thalika alamra anna dabira haolai maqtooAAun musbiheena	x	And We conveyed to him [the decree] of that matter: that those [sinners] would be eliminated by early morning.	15:66	हमने उसे अपना यह फ़ैसला पहुँचा दिया कि प्रातः होते-होते उनकी जड़ कट चुकी होगी	x

Wajaa ahlu almadeenati yastabshiroona	They were homosexuals.	And the people of the city came rejoicing.	15:67	इतने में नगर के लोग ख़ुश-ख़ुश आ पहुँचे	वे समलैंगिक थे।
Qala inna haolai dayfee fala tafdahooni	x	[Lot] said, "Indeed, these are my guests, so do not shame me.	15:68	उसने कहा, "ये मेरे अतिथि है। मेरी फ़ज़ीहत मत करना,	x
Waittaqoo Allaha wala tukhzooni	x	And fear Allah and do not disgrace me."	15:69	अल्लाह का डर ख़ो, मुझे रुसवा न करो।"	x
Qaloo awalam nanhaka AAani alAAalameena	x	They said, "Have we not forbidden you from [protecting] people?"	15:70	उन्होंने कहा, "क्या हमने तुम्हें दुनिया भर के लोगों का ज़िम्मा लेने से रोका नहीं था?"	x
Qala haolai banatee in kuntum faAAileena	**[How could a few daughters marry many men.]**	[Lot] said, "These are my daughters - if you would be doers [of lawful marriage]."	15:71	उसने कहा, "तुमको यदि कुछ करना है, तो ये मेरी (क़ौम की) बेटियाँ (विधितः विवाह के लिए) मौजूद है।"	**[कुछ बेटियां कई पुरुषों से कैसे शादी कर सकती हैं।]**
LaAAamruka innahum lafee sakratihim yaAAmahoona	x	By your life, [O Muhammad], indeed they were, in their intoxication, wandering blindly.	15:72	तुम्हारे जीवन की सौगन्ध, वे अपनी मस्ती में खोए हुए थे,	x
Faakhathathumu alssayhatu mushriqeena	x	So the shriek seized them at sunrise.	15:73	अन्ततः पौ फटते-फटते एक भयंकर आवाज़ ने उन्हें आ लिया,	x
FajaAAalna AAaliyaha safilaha waamtarna AAalayhim hijaratan min	x	And We made the highest part [of the city] its lowest and rained upon them stones of hard clay.	15:74	और हमने उस बस्ती को तलपट कर दिया, और उनपर कंकरीले पत्थर बरसाए	x
Inna fee thalika laayatin lilmutawassimeena	x	Indeed in that are signs for those who discern.	15:75	निश्चय ही इसमें भापनेवालों के लिए निशानियाँ है	x

Wainnaha labisabeelin muqeemin	x	And indeed, those cities are [situated] on an established road.	15:76	और वह (बस्ती) सार्वजनिक मार्ग पर है	x
Inna fee thalika laayatan	x	Indeed in that is a sign for the believers.	15:77	निश्चय ही इसमें मोमिनों के लिए एक बड़ी निशानी है	x
Wain kana ashabu alaykati lathalimeena	The “dwellers in the wood,” says Ibn Kathir, were the people of Shuaib (see 7:85, 11:84,	And the companions of the thicket were [also] wrongdoers.	15:78	और निश्चय ही ऐसा वाले भी अत्याचारी थे,	इब्न कसीर कहते हैं कि "जंगल में रहने वाले" लोग शुऐब की क़ौम के लोग थे (देखें: 7:85, 11:84, 26:176)।
Faintaqamna minhum wainnahuma labiimamin	x	So We took retribution from them, and indeed, both [cities] are on a clear highway.	15:79	फिर हमने उनसे भी बदला लिया, और ये दोनों (भू-भाग) खुले मार्ग पर स्थित है	x
Walaqad kaththaba ashabu alhijri almursaleena	“Al-Hijr = dwellers in the rock” were “the people of Thamud" who rejected their Prophet, Salih and killed the she-camel.	And certainly did the companions of Thamud deny the messengers.	15:80	हिज्रवाले भी रसूलों को झुठला चुके है	“अल-हिज्र = चट्टान में रहने वाले” वे “समूद के लोग” थे, जिन्होंने अपने पैगंबर सालेह को ठुकरा दिया था और ऊँटनी को मार डाला था।
Waataynahum ayatina fakanoo AAanha muAArideena	x	And We gave them Our signs, but from them they were turning away.	15:81	हमने तो उन्हें अपनी निशानियाँ प्रदान की थी, परन्तु वे उनकी उपेक्षा ही करते रहे	x
Wakanoo yanhitoona mina aljibali buyootan	x	And they used to carve from the mountains, houses, feeling secure.	15:82	वे बड़ी बेफ़िक्री से पहाड़ो को काट-काटकर घर बनाते थे	x
Faakhathathumu alssayhatu musbiheena	**shriek = awful cry [Contradiction: Thalmud were killed by: 7:78 earth-quake, 69:5 blast / lightening, 11:67, 15:83 Awful cry.]**	But the shriek seized them at early morning.	15:83	अन्ततः एक भयानक आवाज़ ने प्रातः होते- होते उन्हें आ लिया	**आवाज़ = भयानक चीख [विरोधाभास: थलमुद मारे गए: 7:78 भूकंप, 69:5 विस्फोट / बिजली, 11:67, 15:83 भयानक चीख।]**
Fama aghna AAanhum ma kanoo yaksiboona	x	So nothing availed them [from] what they used to earn.	15:84	फिर जो कुछ वे कमाते रहे, वह उनके कुछ काम न आ सका	x

Wama khalaqna alssamawati waalarda wama baynahuma illa bialhaqqi wainna alssaAAata laatiyatun faisfahi alssafha aljameela	x	And We have not created the heavens and earth and that between them except in truth. And indeed, the Hour is coming; so forgive with gracious forgiveness.	15:85	हमने तो आकाशों और धरती को और जो कुछ उनके मध्य है, सोद्देश्य पैदा किया है, और वह क़ियामत की घड़ी तो अनिवार्यतः आनेवाली है। अतः तुम भली प्रकार दरगुज़र (क्षमा) से काम लो	x
Inna rabbaka huwa alkhallaqu alAAaleemu	x	Indeed, your Lord - He is the Knowing Creator.	15:86	निश्चय ही तुम्हारा रब ही बड़ा पैदा करनेवाला, सब कुछ जाननेवाला है	x
Walaqad ataynaka sabAAan mina almathanee waalqurana alAAatheema	The “seven oft-repeated” are the seven verses of Surah 1, the Fatihah, the most often-repeated prayer in Islam.	And We have certainly given you, [O Muhammad], seven of the often repeated [verses] and the great Qur'an.	15:87	हमने तुम्हें सात 'मसानी' का समूह यानी महान क़ुरआन दिया-	"सात बार-बार दोहराई जाने वाली" आयतें सूरह 1, यानी 'अल-फ़ातिहा' की सात आयतें हैं—जो इस्लाम में सबसे अधिक बार दोहराई जाने वाली दुआ है।
La tamuddanna AAaynayka ila ma mattaAAna bihi azwajan minhum wala tahzan AAalayhim waikhfid janahaka lilmumineena	Muslims should be content with the Quran and should not long for the luxuries and transient delights.	Do not extend your eyes toward that by which We have given enjoyment to [certain] categories of the disbelievers, and do not grieve over them. And lower your wing to the believers	15:88	जो कुछ सुख-सामग्री हमने उनमें से विभिन्न प्रकार के लोगों को दी है, तुम उसपर अपनी आँखें न पसारो और न उनपर दुखी हो, तुम तो अपनी भुजाएँ मोमिनों के लिए झुकाए रखो,	मुसलमानों को कुरान से संतुष्ट रहना चाहिए और उन्हें विलासिता तथा क्षणभंगुर सुखों की लालसा नहीं करनी चाहिए।
Waqul innee ana alnnatheeru almubeenu	x	And say, "Indeed, I am the clear warner" -	15:89	और कह दो, "मैं तो साफ़-साफ़ चेतावनी देनेवाला हूँ।"	x
Kama anzalna AAala almuqtasimeena	x	Just as We had revealed [scriptures] to the separators	15:90	जिस प्रकार हमने हिस्सा-बख़रा करनेवालों पर उतारा था,	x

Allatheena jaAAaloo alqurana AAideena	Quraysh held a meeting on who they thought Muhammad really was, considering the possibility that he might be a soothsayer, or crazy, or a poet, or a sorcerer, before finally deciding on the latter and triggering the revelation of 15:94.	Who have made the Qur'an into portions.	15:91	जिन्होंने (अपने) क़ुरआन को टुकड़े-टुकड़े कर डाला	कुरैश ने एक बैठक की, जिसमें उन्होंने इस बात पर विचार किया कि उनकी नज़र में मुहम्मद असल में कौन थे—इस संभावना पर गौर करते हुए कि वे शायद कोई भविष्यवक्ता, या पागल, या कवि, या फिर कोई जादूगर हों; और अंततः उन्होंने उन्हें जादूगर मानने का फ़ैसला किया, जिसके परिणामस्वरूप सूरह 15:94 की आयत नाज़िल हुई।
Fawarabbika lanasalannahum ajmaAAeena	x	So by your Lord, We will surely question them all	15:92	अब तुम्हारे रब की क़सम! हम अवश्य ही उन सबसे उसके विषय में पूछेंगे	x
AAamma kanoo yaAAmaloona	x	About what they used to do.	15:93	जो कुछ वे करते रहे।	x
FaisdaAA bima tumaru waaAArid AAani almushrikeena	x	Then declare what you are commanded and turn away from the polytheists.	15:94	अतः तुम्हें जिस चीज़ का आदेश हुआ है, उसे हाँक-पुकारकर बयान कर दो, और मुशरिको की ओर ध्यान न दो	x
Inna kafaynaka almustahzieena	x	Indeed, We are sufficient for you against the mockers	15:95	उपहास करनेवालों के लिए हम तुम्हारी ओर से काफ़ी है	x
Allatheena yajAAaloona maAAa Allahi ilahan akhara fasawfa	x	Who make [equal] with Allah another deity. But they are going to know.	15:96	जो अल्लाह के साथ दूसरों को पूज्य-प्रभु ठहराते है, तो शीघ्र ही उन्हें मालूम हो जाएगा!	x
Walaqad naAAlamu annaka yadeequ sadruka bima yaqooloona	x	And We already know that your breast is constrained by what they say.	15:97	हम जानते है कि वे जो कुछ कहते है, उससे तुम्हारा दिल तंग होता है	x

Fasabbih bihamdi rabbika wakun mina alssajideena	x	So exalt [Allah] with praise of your Lord and be of those who prostrate [to Him].	15:98	तो तुम अपने रब का गुणगान करो और सजदा करनेवालों में सम्मिलित रहो	x
WaoAAbud rabbaka hatta yatiyaka alyaqeenu	x	And worship your Lord until there comes to you the certainty (death).	15:99	और अपने रब की बन्दगी में लगे रहो, यहाँ तक कि जो यक़ीनी है, वह तुम्हारे सामने आ जाए	x
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**An-Nahl (The Bee)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**16:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अन-नहल (मधुमक्खी)**
Ata amru Allahi fala tastaAAjiloohu subhanahu wataAAala AAamma yushrikoona	When verse 54:1 was revealed the unbelievers said to each other: 'He claims that the Day of Judgement is near, so refrain from some of the things you usually do until we see what happens'. When they saw that nothing happened, they said: 'Nothing happened', and so Allah revealed 21:1. They again became apprehensive and when a long time had passed [and nothing happened] they said: 'O Muhammad, nothing of that with which you have threatened us happened'. And then this verse came.	The command of Allah is coming, so be not impatient for it. Exalted is He and high above what they associate with Him.	16:1	आ गया आदेश अल्लाह का, तो अब उसके लिए जल्दी न मचाओ। वह महान और उच्च है उस शिर्क से जो व कर रहे है	जब सूरह 54:1 का वचन प्रकट हुआ, तो गैर-मोमिनों ने आपस में कहा: 'वह दावा करता है कि कयामत का दिन नज़दीक है, इसलिए जब तक हम नहीं देखते कि क्या होता है, अपनी सामान्य चीज़ों में से कुछ से परहेज़ करो।' जब उन्होंने देखा कि कुछ नहीं हुआ, तो उन्होंने कहा: 'कुछ भी नहीं हुआ', और इस पर अल्लाह ने सूरह 21:1 का वचन प्रकट किया। वे फिर से चिंतित हो गए और जब लंबा समय बीत गया [और कुछ नहीं हुआ], तो उन्होंने कहा: 'हे मुहम्मद, उस चीज़ का कुछ नहीं हुआ जिससे आप हमें डराने की धमकी दे रहे थे।' और तब यह वचन आया।

Yunazzilu almalaikata bialrroohi min amrihi AAala man yashao min AAibadihi an anthiroo annahu la	Ruh in arabic means spirit, not inspiration.	He sends down the angels, with the inspiration of His command, upon whom He wills of His servants, [telling them], "Warn that there is no deity except Me; so fear Me."	16:2	वह फ़रिश्तों को अपने हुक्म की रूह (वह्यल) के साथ अपने जिस बन्दे पर चाहता है उतारता है कि "सचेत कर दो, मेरे सिवा कोई पूज्य-प्रभु नहीं। अतः तुम मेरा ही डर रखो।"	x
Khalaqa alssamawati waalarda bialhaqqi taAAala AAamma	x	He created the heavens and earth in truth. High is He above what they associate with Him.	16:3	उसने आकाशों और धरती को सोद्देश्य पैदा किया। वह अत्यन्त उच्च है उस शिर्क से जो वे कर रहे है	x
Khalaqa alinsana min nutfatin faitha huwa khaseemun mubeenun	This verse was revealed about Ubayy ibn Khalaf al-Jumahi when he brought decaying bones to the Messenger (pbuh) and then said: “O Muhammad, do you think Allah will bring this to life after its decay?	He created man from a sperm-drop; then at once, he is a clear adversary.	16:4	उसने मनुष्यों को एक बूँद से पैदा किया। फिर क्या देखते है कि वह खुला झगड़नेवाला बन गया!	यह आयत उस उबैय इब्न खलाफ अल-जुमाही के बारे में उतारी गई थी जब वह सड़ी हुए हड्डियाँ पैगंबर (स.) के पास लाया और फिर कहा: “हे मुहम्मद, क्या तुम्हें लगता है कि अल्लाह इसे सड़ने के बाद पुनर्जीवित करेगा?
WaalanAAama khalaqaha lakum feeha difon wamanafiAAu waminha takuloona	**[Cattle and their progenitors existed for may be millions of years before the man evolved.]**	And the grazing livestock He has created for you; in them is warmth and [numerous] benefits, and from them you eat.	16:5	रहे पशु, उन्हें भी उसी ने पैदा किया, जिसमें तुम्हारे लिए ऊष्मा प्राप्त करने का सामान भी है और हैं अन्य कितने ही लाभ। उनमें से कुछ को तुम खाते भी हो	**[पशु और उनके पूर्वज शायद लाखों वर्षों तक मानव के विकसित होने से पहले मौजूद थे।]**
Walakum feeha jamalun heena tureehoona waheena tasrahoona	x	And for you in them is [the enjoyment of] beauty when you bring them in [for the evening] and when you send them out [to pasture].	16:6	उनमें तुम्हारे लिए सौन्दर्य भी है, जबकि तुम सायंकाल उन्हें लाते और जबकि तुम उन्हें चराने ले जाते हो	x

Watahmilu athqalakum ila baladin lam takoonoo baligheehi illa bishiqqi alanfusi inna rabbakum laraoofun raheemun	x	And they carry your loads to a land you could not have reached except with difficulty to yourselves. Indeed, your Lord is Kind and Merciful.	16:7	वे तुम्हारे बोझ ढोकर ऐसे भूभाग तक ले जाते हैं, जहाँ तुम जी-तोड़ परिश्रम के बिना नहीं पहुँच सकते थे। निस्संदेह तुम्हारा रब बड़ा ही करुणामय, दयावान है	x
Waalkhayla waalbighala waalhameera litarkabooha wazeenatan wayakhluqu ma la taAAlamoona	**[They were not created after humans but existed before evolution of humans. Of course humans later started using them.]**	And [He created] the horses, mules and donkeys for you to ride and [as] adornment. And He creates that which you do not know.	16:8	और घोड़े और खच्चर और गधे भी पैदा किए, ताकि तुम उनपर सवार हो और शोभा का कारण भी। और वह उसे भी पैदा करता है, जिसे तुम नहीं जानते	**[वे मनुष्यों के बाद नहीं बनाए गए थे, बल्कि मनुष्यों के विकास से पहले अस्तित्व में थे। बेशक बाद में इंसानों ने उनका इस्तेमाल करना शुरू कर दिया।**
WaAAala Allahi qasdu alssabeeli waminha jairun walaw shaa lahadakum ajmaAAeena	"various paths are those deviating" means from the straight path of Islam to other religion as Judaism, Christianity and Zoroastrianism."	And upon Allah is the direction of the [right] way, and among the various paths are those deviating. And if He willed, He could have	16:9	अल्लाह के लिए ज़रूरी है उचित एवं अनुकूल मार्ग दिखाना और कुछ मार्ग टेढ़े भी है। यदि वह चाहता तो तुम सबको अवश्य सीधा मार्ग दिखा देता	"कुछ मार्ग टेढ़े भी है" का मतलब इस्लाम के सीधे मार्ग से अन्य धर्मों जैसे यहूदी धर्म, ईसाई धर्म और ज़ोरोस्ट्रियनिज़्म की ओर भटकना है।
Huwa allathee anzala mina alssamai maan lakum minhu sharabun waminhu shajarun feehi	x	It is He who sends down rain from the sky; from it is drink and from it is foliage in which you pasture [animals].	16:10	वही है जिसने आकाश से तुम्हारे लिए पानी उतारा, जिसे तुम पीते हो और उसी से पेड़ और वनस्पतियाँ भी उगती है, जिनमें तुम जानवरों को चराते हो	x

Yunbitu lakum bihi alzzarAAa waalzzaytoona waalnnakheela waalaAAnaba wamin kulli alththamarati inna fee thalika laayatan liqawmin	**[No vegetable or fruit from non-arabic part of the world mentioned here.]**	He causes to grow for you thereby the crops, olives, palm trees, grapevines, and from all the fruits. Indeed in that is a sign for a people who give thought.	16:11	और उसी से वह तुम्हारे लिए खेतियाँ उगाता है और ज़ैतून, खजूर, अंगूर और हर प्रकार के फल पैदा करता है। निश्चय ही सोच-विचार करनेवालों के लिए इसमें एक निशानी है	**[यहाँ गैर-अरबी हिस्से की किसी भी सब्ज़ी या फल का उल्लेख नहीं किया गया है।]**
Wasakhkhara lakumu allayla waalnnahara waalshshamsa waalqamara waalnnujoomu musakhkharatun biamrihi inna fee thalika laayatin liqawmin yaAAqiloona	x	And He has subjected for you the night and day and the sun and moon, and the stars are subjected by His command. Indeed in that are signs for a people who reason.	16:12	और उसने तुम्हारे लिए रात और दिन को और सूर्य और चन्द्रमा को कार्यरत कर रखा है। और तारे भी उसी की आज्ञा से कार्यरत है - निश्चय ही इसमें उन लोगों के लिए निशानियाँ है जो बुद्धि से काम लेते है-	x
Wama tharaa lakum fee alardi mukhtalifan alwanuhu inna fee thalika laayatan liqawmin	x	And [He has subjected] whatever He multiplied for you on the earth of varying colors. Indeed in that is a sign for a people who remember.	16:13	और धरती में तुम्हारे लिए जो रंग-बिरंग की चीज़े बिखेर रखी है, उसमें भी उन लोगों के लिए बड़ी निशानी है जो शिक्षा लेनेवाले है	x

Wahuwa allathee sakhkhara albahra litakuloo minhu lahman tariyyan watastakhrijoo minhu hilyatan talbasoonaha watara alfulka mawakhira feehi walitabtaghoo min fadlihi walaAAallakum tashkuroona	x	And it is He who subjected the sea for you to eat from it tender meat and to extract from it ornaments which you wear. And you see the ships plowing through it, and [He subjected it] that you may seek of His bounty; and perhaps you will be grateful.	16:14	वही तो है जिसने समुद्र को वश में किया है, ताकि तुम उससे ताज़ा मांस लेकर खाओ और उससे आभूषण निकालो, जिसे तुम पहनते हो। तुम देखते ही हो कि नौकाएँ उसको चीरती हुई चलती हैं (ताकि तुम सफ़र कर सको) और ताकि तुम उसका अनुग्रह तलाश करो और ताकि तुम कृतज्ञता दिखलाओ	x
Waalqa fee alardi rawasiya an tameeda bikum waanharan wasubulan laAAallakum tahtadoona	**[Mountains does not prevent earth shaking. Allah does not make roads.]**	And He has cast into the earth firmly set mountains, lest it shift with you, and [made] rivers and roads, that you may be guided,	16:15	और उसने धरती में अटल पहाड़ डाल दिए, कि वह तुम्हें लेकर झुक न पड़े। और नदियाँ बनाई और प्राकृतिक मार्ग बनाए, ताकि तुम मार्ग पा सको	**[पर्वत पृथ्वी के काँपने को नहीं रोकते। अल्लाह मार्ग नहीं बनाते।]**
WaAAalamatin wabialnnajmi hum yahtadoona	x	And landmarks. And by the stars they are [also] guided.	16:16	और मार्ग चिन्ह भी बनाए और तारों के द्वारा भी लोग मार्ग पर लेते है	x
Afaman yakhluqu kaman la yakhluqu afala tathakkaroona	**[Illogical argument: A non-existent entity of course can not create.]**	Then is He who creates like one who does not create? So will you not be reminded?	16:17	फिर क्या जो पैदा करता है वह उस जैसा हो सकता है, जो पैदा नहीं करता? फिर क्या तुम्हें होश नहीं होता?	**[अतार्किक: एक अवास्तविक अस्तित्व निश्चित रूप से सृजन नहीं कर सकता।]**
Wain taAAuddoo niAAmata Allahi la tuhsooha inna Allaha laghafoorun raheemun	x	And if you should count the favors of Allah, you could not enumerate them. Indeed, Allah is Forgiving and Merciful.	16:18	और यदि तुम अल्लाह की नेमतों (कृपादानों) को गिनना चाहो तो उन्हें पूर्ण-रूप से गिन नहीं सकते। निस्संदेह अल्लाह बड़ा क्षमाशील, अत्यन्त दयावान है	x

WaAllahu yaAAlamu ma tusirroona wama	x	And Allah knows what you conceal and what you declare.	16:19	और अल्लाह जानता है जो कुछ तुम छिपाते हो और जो कुछ प्रकट करते हो	x
Waallatheena yadAAoona min dooni Allahi la yakhluqoona shayan wahum yukhlaqoona	x	And those they invoke other than Allah create nothing, and they [themselves] are created.	16:20	और जिन्हें वे अल्लाह से हटकर पुकारते है वे किसी चीज़ को भी पैदा नहीं करते, बल्कि वे स्वयं पैदा किए जाते है	x
Amwatun ghayru ahyain wama yashAAuroona ayyana yubAAathoona	**[How idols and stones will be resurrected.]**	They are, [in fact], dead, not alive, and they do not perceive when they will be resurrected.	16:21	मृत है, जिनमें प्राण नहीं। उन्हें मालूम नहीं कि वे कब उठाए जाएँगे	**[कैसे मूर्तियाँ और पत्थर पुनर्जीवित होंगे।]**
Ilahukum ilahun wahidun faallatheena la yuminoona bialakhirati quloobuhum munkiratun wahum	x	Your god is one God. But those who do not believe in the Hereafter - their hearts are disapproving, and they are arrogant.	16:22	तुम्हारा पूज्य-प्रभु अकेला प्रभु-पूज्य है। किन्तु जो आख़िरत में विश्वास नहीं रखते, उनके दिलों को इनकार है। वे अपने आपको बड़ा समझ रहे है	x
La jarama anna Allaha yaAAlamu ma yusirroona wama yuAAlinoona innahu la yuhibbu almustakbireena	x	Assuredly, Allah knows what they conceal and what they declare. Indeed, He does not like the arrogant.	16:23	निश्चय ही अल्लाह भली-भाँति जानता है, जो कुछ वे छिपाते है और जो कुछ प्रकट करते है। उसे ऐसे लोग प्रिय नहीं, जो अपने आपको बड़ा समझते हो	x
Waitha qeela lahum matha anzala rabbukum qaloo asateeru alawwaleena	The disbelievers say that the Qur'anic revelations are "Legends of former peoples".	And when it is said to them, "What has your Lord sent down?" They say, "Legends of the former peoples,"	16:24	और जब उनसे कहा जाता है कि "तुम्हारे रब ने क्या अवतरित किया है?" कहते है, "वे तो पहले लोगों की कहानियाँ है।"	काफ़िर कहते हैं कि कुरआनी अवतार "पहले लोगों की कहानियाँ" हैं।

Liyahmiloo awzarahum kamilatan yawma alqiyamati wamin awzari allatheena yudilloonahum bighayri AAilmin ala saa ma yaziroona	**[Contradiction: Each soul will bear its own burden 2:123, 6:164, 17:15, 35:18, Burden of others as well 16:25, 29:13, 37:33.]**	That they may bear their own burdens in full on the Day of Resurrection and some of the burdens of those whom they misguide without knowledge. Unquestionably, evil is that which they bear.	16:25	इसका परिणाम यह होगा कि वे क़ियामत के दिन अपने बोझ भी पूरे उठाएँगे और उनके बोझ में से भी जिन्हें वे अज्ञानता के कारण पथभ्रष्ट कर रहे है। सुन लो, बहुत ही बुरा है वह बोझ जो वे उठा रहे है!	**[विरोधाभास: प्रत्येक आत्मा अपनी ही जिम्मेदारी उठाएगी 2:123, 6:164, 17:15, 35:18, दूसरों का बोझ भी 16:25, 29:13.]**
Qad makara allatheena min qablihim faata Allahu bunyanahum mina alqawaAAidi fakharra AAalayhimu alssaqfu min fawqihim waatahumu alAAathabu min	x	Those before them had already plotted, but Allah came at their building from the foundations, so the roof fell upon them from above them, and the punishment came to them from where they did not perceive.	16:26	जो उनसे पहले गुज़र है वे भी मक्कारियाँ कर चुके है। फिर अल्लाह उनके भवन पर नीवों की ओर से आया और छत उनपर उनके ऊपर से आ गिरी और ऐसे रुख़ से उनपर यातना आई जिसका उन्हें एहसास तक न था	x
Thumma yawma alqiyamati yukhzeehim wayaqoolu ayna shurakaiya allatheena kuntum tushaqqoona feehim qala allatheena ootoo alAAilma inna alkhizya alyawma waalssooa AAala alkafireena	x	Then on the Day of Resurrection He will disgrace them and say, "Where are My 'partners' for whom you used to oppose [the believers]?" Those who were given knowledge will say, "Indeed disgrace, this Day, and evil are upon the disbelievers" -	16:27	फिर क़ियामत के दिन अल्लाह उन्हें अपमानित करेगा और कहेगा, "कहाँ है मेरे वे साझीदार, जिनके लिए तुम लड़ते-झगड़ते थे?" जिन्हें ज्ञान प्राप्त था वे कहेंगे, "निश्चय ही आज रुसवाई और ख़राबी है इनकार करनेवालों के लिए।"	x

Allatheena tatawaffahumu almalaikatu thalimee anfusihim faalqawoo alssalama ma kunna naAAmalu min sooin bala inna Allaha AAaleemun bima kuntum	x	The ones whom the angels take in death [while] wronging themselves, and [who] then offer submission, [saying], "We were not doing any evil." But, yes! Indeed, Allah is Knowing of what you used to do.	16:28	जिनकी रूहों को फ़रिश्ते इस दशा में ग्रस्त करते है कि वे अपने आप पर अत्याचार कर रहे होते है, तब आज्ञाकारी एवं वशीभूत होकर आ झुकते है कि "हम तो कोई बुराई नहीं करते थे।" "नहीं, बल्कि अल्लाह भली-भाँति जानता है जो कुछ तुम करते रहे हो	x
Faodkhuloo abwaba jahannama khalideena feeha falabisa mathwa almutakabbireena	x	So enter the gates of Hell to abide eternally therein, and how wretched is the residence of the arrogant.	16:29	तो अब जहन्नम के द्वारों में, उसमें सदैव रहने के लिए प्रवेश करो। अतः निश्चय ही बहुत ही बुरा ठिकाना है यह अहंकारियों का।"	x
Waqeela lillatheena ittaqaw matha anzala rabbukum qaloo khayran lillatheena ahsanoo fee hathihi alddunya hasanatun waladaru alakhirati khayrun walaniAAma daru almuttaqeena	x	And it will be said to those who feared Allah, "What did your Lord send down?" They will say, "[That which is] good." For those who do good in this world is good; and the home of the Hereafter is better. And how excellent is the home of the righteous -	16:30	दूसरी ओर जो डर रखनेवाले है उनसे कहा जाता है, "तुम्हारे रब ने क्या अवतरित किया?" वे कहते है, "जो सबसे उत्तम है।" जिन लोगों ने भलाई की उनकी इस दुनिया में भी अच्छी हालत है और आख़िरत का घर तो अच्छा है ही। और क्या ही अच्छा घर है डर रखनेवालों का!	x

Jannatu AAadnin yadkhuloonaha tajree min tahtiha alanharu lahum feeha ma yashaoona kathalika yajzee Allahu almuttaqeena	x	Gardens of perpetual residence, which they will enter, beneath which rivers flow. They will have therein whatever they wish. Thus does Allah reward the righteous -	16:31	सदैव रहने के बाग़ जिनमें वे प्रवेश करेंगे, उनके नीचे नहरें बह रहीं होंगी, उनके लिए वहाँ वह सब कुछ संचित होगा, जो वे चाहे। अल्लाह डर रखनेवालों को ऐसा ही प्रतिदान प्रदान करता है	x
Allatheena tatawaffahumu almalaikatu tayyibeena yaqooloona salamun AAalaykumu odkhuloo aljannata bima kuntum taAAmaloona	x	The ones whom the angels take in death, [being] good and pure; [the angels] will say, "Peace be upon you. Enter Paradise for what you used to do."	16:32	जिनकी रूहों को फ़रिश्ते इस दशा में ग्रस्त करते है कि वे पाक और नेक होते है, वे कहते है, "तुम पर सलाम हो! प्रवेश करो जन्नत में उसके बदले में जो कुछ तुम करते रहे हो।"	x
Hal yanthuroona illa an tatiyahumu almalaikatu aw yatiya amru rabbika kathalika faAAala allatheena min qablihim wama thalamahumu Allahu walakin kanoo anfusahum yathlimoona	x	Do the disbelievers await [anything] except that the angels should come to them or there comes the command of your Lord? Thus did those do before them. And Allah wronged them not, but they had been wronging themselves.	16:33	क्या अब वे इसी की प्रतीक्षा कर रहे है कि फ़रिश्ते उनके पास आ पहुँचे या तेरे रब का आदेश ही आ जाए? ऐसा ही उन लोगो ने भी किया, जो इनसे पहले थे। अल्लाह ने उनपर अत्याचार नहीं किया, किन्तु वे स्वयं अपने ऊपर अत्याचार करते रहे	x

Faasabahum sayyiatu ma AAamiloo wahaqa bihim ma kanoo bihi yastahzioona	x	So they were struck by the evil consequences of what they did and were enveloped by what they used to ridicule.	16:34	अन्ततः उनकी करतूतों की बुराइयाँ उनपर आ पड़ी, और जिसका उपहास वे कहते थे, उसी ने उन्हें आ घेरा	x
Waqala allatheena ashrakoo law shaa Allahu ma AAabadna min doonihi min shayin nahnu wala abaona wala harramna min doonihi min shayin kathalika faAAala allatheena min qablihim fahal AAala alrrusuli illa albalaghu almubeenu	The unbelievers make a reasonable complaint in light of the Qur'an's repeated statements about Allah leading people astray and having the ability to make everyone believers if he had desired (see 7:179, 10:99, and 32:13). But here this excuse is rejected, since Allah has sent messengers to every people, telling them to worship Allah alone (16:36).	And those who associate others with Allah say, "If Allah had willed, we would not have worshipped anything other than Him, neither we nor our fathers, nor would we have forbidden anything through other than Him." Thus did those do before them. So is there upon the messengers except [the duty of] clear notification?	16:35	शिर्क करनेवालों का कहना है, "यदि अल्लाह चाहता तो उससे हटकर किसी चीज़ की न हम बन्दगी करते और न हमारे बाप-दादा ही और न हम उसके बिना किसी चीज़ को अवैध ठहराते।" उनसे पहले के लोगों ने भी ऐसा ही किया। तो क्या साफ़-साफ़ सन्देश पहुँचा देने के सिवा रसूलों पर कोई और भी ज़िम्मेदारी है?	अविश्वासी कुरान के बार-बार कहे जाने वाले कथनों के आलोक में एक उचित शिकायत करते हैं कि अल्लाह लोगों को भटका देने का काम करते हैं और यदि उन्होंने चाहा तो सभी को आस्तिक बना सकते थे (देखें 7:179, 10:99, और 32:13)। लेकिन यहाँ यह बहाना खारिज कर दिया गया है, क्योंकि अल्लाह ने हर जाति में दूत भेजे हैं, उन्हें केवल अल्लाह की पूजा करने के लिए कहते हुए (16:36)।
Walaqad baAAathna fee kulli ommatin rasoolan ani oAAbudoo Allaha waijtaniboo alttaghoota faminhum man hada Allahu waminhum man haqqat AAalayhi alddalalatu faseeroo fee alardi faonthuroo kayfa kana AAaqibatu	**[The concept of sending messages through angels is unique in Israel and adjacent regions. In India, there is concept of God taking Avtar in Human form.]**	And We certainly sent into every nation a messenger, [saying], "Worship Allah and avoid Taghut." And among them were those whom Allah guided, and among them were those upon whom error was [deservedly] decreed. So proceed through the earth and observe how was the end of the deniers.	16:36	हमने हर समुदाय में कोई न कोई रसूल भेजा कि "अल्लाह की बन्दगी करो और ताग़ूत से बचो।" फिर उनमें से किसी को तो अल्लाह ने सीधे मार्ग पर लगाया और उनमें से किसी पर पथभ्रष्ट सिद्ध होकर रही। फिर तनिक धरती में चल-फिरकर तो देखो कि झुठलानेवालों का कैसा परिणाम हुआ	**[इज़राइल और आस-पास के क्षेत्रों में स्वर्गदूतों के माध्यम से संदेश भेजने की अवधारणा अनोखी है। भारत में, यह अवधारणा है कि भगवान मानव रूप में अवतार लेते हैं।]**

In tahris AAala hudahum fainna Allaha la yahdee man yudillu wama lahum min nasireena	“Allah does not guide those He sends astray? ” See 7:179, 10:99, and 32:13.	[Even] if you should strive for their guidance, [O Muhammad], indeed, Allah does not guide those He sends astray, and they will have no helpers.	16:37	यद्यपि इस बात का कि वे राह पर आ जाएँ तुम्हें लालच ही क्यों न हो, किन्तु अल्लाह जिसे भटका देता है, उसे वह मार्ग नहीं दिखाया करता और ऐसे लोगों का कोई सहायक भी नहीं होता	“अल्लाह उन लोगों का मार्गदर्शन नहीं करता जिन्हें वह भटका देता है?” देखें 7:179, 10:99, और 32:13।
Waaqsamoo biAllahi jahda aymanihim la yabAAathu Allahu man yamootu bala waAAdan AAalayhi haqqan walakinna akthara alnnasi la yaAAlamoona	This verse proves that the Meccans were believer in Allah; however, there concept of afterlife was different.	And they swear by Allah their strongest oaths [that] Allah will not resurrect one who dies. But yes - [it is] a true promise [binding] upon Him, but most of the people do not know.	16:38	उन्होंने अल्लाह की कड़ी-कड़ी क़समें खाकर कहा, "जो मर जाता है उसे अल्लाह नहीं उठाएगा।" क्यों नहीं? यह तो एक वादा है, जिसे पूरा करना उसके लिए अनिवार्य है - किन्तु अधिकतर लोग जानते नहीं। -	यह आयत साबित करती है कि मक्कन लोग अल्लाह में विश्वास करते थे; हालांकि, उनके परलोक का दृष्टिकोण अलग था।
Liyubayyina lahumu allathee yakhtalifoona feehi waliyaAAlama allatheena kafaroo annahum kanoo	**[If one is convinced then definitly he would belive. Here there is unjust allegation and demand on everyone.]**	[It is] so He will make clear to them [the truth of] that wherein they differ and so those who have disbelieved may know that they were liars.	16:39	ताकि वह उनपर उसको स्पष्ट। कर दे, जिसके विषय में वे विभेद करते है और इसलिए भी कि इनकार करनेवाले जान लें कि वे झूठे थे	**[अगर कोई आश्वस्त है तो निश्चित रूप से वह विश्वास करेगा। यहाँ हर किसी पर अनुचित आरोप और मांग है।]**
Innama qawluna lishayin itha aradnahu an naqoola lahu kun fayakoonu	Allah accomplishes everything he intends to do just by saying "Be".	Indeed, Our word to a thing when We intend it is but that We say to it, "Be," and it is.	16:40	किसी चीज़ के लिए जब हम उसका इरादा करते है तो हमारा कहना बस यही होता है कि उससे कहते है, "हो जा!" और वह हो जाती है	अल्लाह हर उस चीज़ को पूरा कर देता है जो वह करने का इरादा करता है, बस यह कहकर कि 'हो जा'।

Waallatheena hajaroo fee Allahi min baAAdi ma thulimoo lanubawwiannahum fee alddunya hasanatan walaajru alakhirati akbaru law kanoo yaAAlamoona	This verse was revealed about the Companions of the Prophet (pbuh) in Mecca: Bilal, Suhayb, Khabbab, ‘Ammar, and Abu Jandal ibn Suhayl. The idolaters seized them in Mecca, tortured and harmed them. Later, Allah made them settle down in Medina. On Emigration also see 4:100	And those who emigrated for [the cause of] Allah after they had been wronged - We will surely settle them in this world in a good place; but the reward of the Hereafter is greater, if only they could know.	16:41	और जिन लोगों ने इसके पश्चात कि उनपर ज़ुल्म ढाया गया था अल्लाह के लिए घर-बार छोड़ा उन्हें हम दुनिया में भी अच्छा ठिकाना देंगे और आख़िरत का प्रतिदान तो बहुत बड़ा है। क्या ही अच्छा होता कि वे जानते	यह आयत मक्का में पैगंबर (स.) के साथी: बिलाल, सुहैब, खब्बाब, अम्मार, और अबू जंदल इब्ने सुहैल के बारे में उतारी गई थी। मूर्तिपूजकों ने उन्हें मक्का में पकड़ लिया, यातनाएँ दीं और नुकसान पहुँचाया। बाद में, अल्लाह ने उन्हें मदीना में बसने की अनुमति दी। हिजरत के बारे में भी देखें 4:100
Allatheena sabaroo waAAala rabbihim yatawakkaloona	x	[They are] those who endured patiently and upon their Lord relied.	16:42	ये वे लोग है जो जमे रहे और वे अपने रब पर भरोसा रखते है	x
Wama arsalna min qablika illa rijalan noohee ilayhim faisaloo ahla alththikri in kuntum la taAAlamoona	This verse was revealed about the idolaters of Mecca who denied the prophethood of Muhammad, (pbuh). They said: “Allah is too great to have a human being as His messenger; could He not have sent an angel?” **[Contradiction: Who could be a Messenger: only men 12:109, 16:43, 21:7, 25:29, Angels also 22:75; Angel Gabriel came to Prophet House in form of Dihya-al-Qalbi and even his wife saw him, Sahih Bukhari 4980, Sahih Muslim 2451.]**	And We sent not before you except men to whom We revealed [Our message]. So ask the people of the message if you do not know.	16:43	हमने तुमसे पहले भी पुरुषों ही को रसूल बनाकर भेजा था - जिनकी ओर हम प्रकाशना करते रहे है। यदि तुम नहीं जानते तो अनुस्मृतिवालों से पूछ लो	यह आयत मक्का के मूर्तिपूजकों के बारे में उतारी गई थी जिन्होंने मुहम्मद (स.) के नबूवत को नकारा। उन्होंने कहा: “अल्लाह एक मानव ही को नबी बनाने से बहुत ज्यादा महान हैं; क्या वह कोई फ़रिश्ता नहीं भेज सकता था?” **[विरोधाभास: कौन संदेशवाहक हो सकता है: केवल आदमी 12:109, 16:43, 21:7, 25:29, फ़रिश्ते भी 22:75; फ़रिश्ता जिब्रील पैग़ंबर के घर आए दीह्या-अल-क़लबी के रूप में और उनकी पत्नी ने भी उन्हें देखा, सहीह बुखारी 4980, सहीह मुस्लिम 2451.]**

Bialbayyinati waalzzuburi waanzalna ilayka alththikra litubayyina lilnnasi ma nuzzila ilayhim walaAAallahum yatafakkaroona	x	[We sent them] with clear proofs and written ordinances. And We revealed to you the message that you may make clear to the people what was sent down to them and that they might give thought.	16:44	स्पष्ट प्रमाणों और ज़बूरों (किताबों) के साथ। और अब यह अनुस्मृति तुम्हारी ओर हमने अवतरित की, ताकि तुम लोगों के समक्ष खोल-खोलकर बयान कर दो जो कुछ उनकी ओर उतारा गया है और ताकि वे सोच-विचार करें	x
Afaamina allatheena makaroo alssayyiati an yakhsifa Allahu bihimu alarda aw yatiyahumu alAAathabu min haythu la yashAAuroona	x	Then, do those who have planned evil deeds feel secure that Allah will not cause the earth to swallow them or that the punishment will not come upon them from where they do not perceive?	16:45	फिर क्या वे लोग जो ऐसी बुरी-बुरी चालें चल रहे है, इस बात से निश्चिन्त हो गए है कि अल्लाह उन्हें धरती में धँसा दे या ऐसे मौके से उनपर यातना आ जाए जिसका उन्हें एहसास तक न हो?	x
Aw yakhuthahum fee taqallubihim fama hum bimuAAjizeena	x	Or that He would not seize them during their [usual] activity, and they could not cause failure?	16:46	या उन्हें चलते-फिरते ही पकड़ ले, वे क़ाबू से बाहर निकल जानेवाले तो है नहीं?	x
Aw yakhuthahum AAala takhawwufin fainna rabbakum laraoofun raheemun	x	Or that He would not seize them gradually [in a state of dread]? But indeed, your Lord is Kind and Merciful.	16:47	क्या अल्लाह की पैदा की हुई किसी चीज़ को उन्होंने देखा नहीं कि किस प्रकार उसकी परछाइयाँ अल्लाह को सजदा करती और विनम्रता दिखाती हुई दाएँ और बाएँ ढलती है?	x

Awa lam yaraw ila ma khalaqa Allahu min shayin yatafayyao thilaluhu AAani alyameeni waalshshamaili sujjadan lillahi wahum dakhiroona	**[Movement of shadow from right to left happens in the Northern hemisphere. In the southern hemisphere it is from left to right; Even shadows prostrate to Allah.]**	Have they not considered what things Allah has created? Their shadows incline to the right and to the left, prostrating to Allah, while they are humble.	16:48	या वह उन्हें त्रस्त अवस्था में पकड़ ले? किन्तु तुम्हारा रब तो बड़ा ही करुणामय, दयावान है	x
Walillahi yasjudu ma fee alssamawati wama fee alardi min dabbatin waalmalaikatu wahum la yastakbiroona	**[But the disbelivers also live in earth.]**	And to Allah prostrates whatever is in the heavens and whatever is on the earth of creatures, and the angels [as well], and they are not arrogant.	16:49	और आकाशों और धरती में जितने भी जीवधारी है वे सब अल्लाह ही को सजदा करते है और फ़रिश्ते भी और वे घमंड बिलकुल नहीं करते	**[लेकिन अविश्वासी भी पृथ्वी पर रहते हैं।]**
Yakhafoona rabbahum min fawqihim wayafAAaloona ma yumaroona	x	They fear their Lord above them, and they do what they are commanded.	16:50	अपने ऊपर से अपने रब का डर रखते है और जो उन्हें आदेश होता है, वही करते है	x
Waqala Allahu la tattakhithoo ilahayni ithnayni innama huwa ilahun wahidun faiyyaya	**["He is but one God, so fear Me" Allah is speaking is or someone else.]**	And Allah has said, "Do not take for yourselves two deities. He is but one God, so fear only Me."	16:51	अल्लाह का फ़रमान है, "दो-दो पूज्य-प्रभु न बनाओ, वह तो बस अकेला पूज्य-प्रभु है। अतः मुझी से डरो।"	**["वह तो बस अकेला पूज्य-प्रभु है। अतः मुझी से डरो" अल्लाह बात कर रहे हैं या कोई और]**
Walahu ma fee alssamawati waalardi walahu alddeenu wasiban afaghayra Allahi tattaqoona	x	And to Him belongs whatever is in the heavens and the earth, and to Him is [due] worship constantly. Then is it other than Allah that you fear?	16:52	जो कुछ आकाशों और धरती में है सब उसी का है। उसी का दीन (धर्म) स्थायी और अनिवार्य है। फिर क्या अल्लाह के सिवा तुम किसी और का डर रखोगे?	x

Wama bikum min niAAmatin famina Allahi thumma itha massakumu alddurru failayhi tajaroona	x	And whatever you have of favor - it is from Allah. Then when adversity touches you, to Him you cry for help.	16:53	तुम्हारे पास जो भी नेमत है वह अल्लाह ही की ओर से है। फिर जब तुम्हे कोई तकलीफ़ पहुँचती है, तो तुम उसी से फ़रियाद करते हो	x
Thumma itha kashafa alddurra AAankum itha fareequn minkum birabbihim yushrikoona	x	Then when He removes the adversity from you, at once a party of you associates others with their Lord	16:54	फिर जब वह उस तकलीफ़ को तुमसे टाल देता है, तो क्या देखते है कि तुममें से कुछ लोग अपने रब के साथ साझीदार ठहराने लगते है,	x
Liyakfuroo bima ataynahum fatamattaAAoo fasawfa taAAlamoona	x	So they will deny what We have given them. Then enjoy yourselves, for you are going to know.	16:55	कि परिणामस्वरूप जो कुछ हमने उन्हें दिया है उसके प्रति कृतघ्नता दिखलाएँ। अच्छा, कुछ मज़े ले लो, शीघ्र ही तुम्हें मालूम हो जाएगा	x
WayajAAaloona lima la yaAAlamoona naseeban mimma razaqnahum taAllahi latusalunna AAamma kuntum taftaroona	The idolators gave their idols a share of that which Allah had provided for them.	And they assign to what they do not know a portion of that which We have provided them. By Allah, you will surely be questioned about what you used to invent.	16:56	हमने उन्हें जो आजीविका प्रदान की है उसमें वे उसका हिस्सा लगाते है जिन्हें वे जानते भी नहीं। अल्लाह की सौगंध! तुम जो झूठ घड़ते हो उसके विषय में तुमसे अवश्य पूछा जाएगा	मूर्तिपूजकों ने मूर्तियों को वह हिस्सा दिया जो अल्लाह ने उनके लिए प्रदान किया था।
WayajAAaloona lillahi albanati subhanahu walahum ma yashtahoona	The Quraysh believed in three godesses as daughter of Allah.	And they attribute to Allah daughters - exalted is He - and for them is what they desire.	16:57	और वे अल्लाह के लिए बेटियाँ ठहराते है - महान और उच्च है वह - और अपने लिए वह, जो वे चाहें	कुरैश तीन देवियों को अल्लाह की तीन बेटियों के रूप में विश्वास करते थे।

Waitha bushshira ahaduhum bialontha thalla wajhuhu muswaddan wahuwa katheemun	**[This may be an arabic worldview but not a universal truth.]**	And when one of them is informed of [the birth of] a female, his face becomes dark, and he suppresses grief.	16:58	और जब उनमें से किसी को बेटी की शुभ सूचना मिलती है तो उसके चहरे पर कलौंस छा जाती है और वह घुटा-घुटा रहता है	**[यह शायद एक अरब दृष्टिकोण हो सकता है लेकिन सार्वभौमिक सत्य नहीं है।]**
Yatawara mina alqawmi min sooi ma bushshira bihi ayumsikuhu AAala hoonin am yadussuhu fee altturabi ala saa ma yahkumoona	Refers to female child.	He hides himself from the people because of the ill of which he has been informed. Should he keep it in humiliation or bury it in the ground? Unquestionably, evil is what they decide.	16:59	जो शुभ सूचना उसे दी गई वह (उसकी दृष्टि में) ऐसी बुराई की बात हुई जो उसके कारण वह लोगों से छिपता फिरता है कि अपमान सहन करके उसे रहने दे या उसे मिट्टी में दबा दे। देखो, कितना बुरा फ़ैसला है जो वे करते है!	महिला बच्चे को संदर्भित करता है।
Lillatheena la yuminoona bialakhirati mathalu alssawi walillahi almathalu alaAAla wahuwa alAAazeezu	x	For those who do not believe in the Hereafter is the description of evil; and for Allah is the highest attribute. And He is Exalted in Might, the Wise.	16:60	जो लोग आख़िरत को नहीं मानते बुरी मिसाल है उनकी। रहा अल्लाह, तो उसकी मिसाल अत्यन्त उच्च है। वह तो प्रभुत्वशाली, तत्वदर्शी है	x
Walaw yuakhithu Allahu alnnasa bithulmihim ma taraka AAalayha min dabbatin walakin yuakhkhiruhum ila ajalin musamman faitha jaa ajaluhum la yastakhiroona saAAatan wala	x	And if Allah were to impose blame on the people for their wrongdoing, He would not have left upon the earth any creature, but He defers them for a specified term. And when their term has come, they will not remain behind an hour, nor will they precede [it].	16:61	यदि अल्लाह लोगों को उनके अत्याचार पर पकड़ने ही लग जाता तो धरती पर किसी जीवधारी को न छोड़ता, किन्तु वह उन्हें एक निश्चित समय तक टाले जाता है। फिर जब उनका नियत समय आ जाता है तो वे न तो एक घड़ी पीछे हट सकते है और न आगे बढ़ सकते है	x

WayajAAaloona lillahi ma yakrahoona watasifu alsinatuhumu alkathiba anna lahumu alhusna la jarama anna lahumu alnnara waannahum	This is regarding the arabs dislike for daughters while making the female goddesses. **[But same not true in all cultures.]**	And they attribute to Allah that which they dislike, and their tongues assert the lie that they will have the best [from Him]. Assuredly, they will have the Fire, and they will be [therein] neglected.	16:62	वे अल्लाह के लिए वह कुछ ठहराते है, जिसे ख़ुद अपने लिए नापसन्द करते है और उनकी ज़बाने झूठ कहती है कि उनके लिए अच्छा परिणाम है। निस्संदेह उनके लिए आग है और वे उसी में पड़े छोड़ दिए जाएँगे	यह अरबों की बेटियों की नापसंदगी के बारे में है जबकि वे देवियों को महिला बनाते हैं। **[लेकिन यह सभी संस्कृतियों में सच नहीं है।]**
TaAllahi laqad arsalna ila omamin min qablika fazayyana lahumu alshshaytanu aAAmalahum fahuwa waliyyuhumu alyawma walahum	x	By Allah, We did certainly send [messengers] to nations before you, but Satan made their deeds attractive to them. And he is the disbelievers' ally today [as well], and they will have a painful punishment.	16:63	अल्लाह की सौगंध! हम तुमसे पहले भी कितने समुदायों की ओर रसूल भेज चुके है, किन्तु शैतान ने उनकी करतूतों को उनके लिए सुहावना बना दिया। तो वही आज भी उनका संरक्षक है। उनके लिए तो एक दुखद यातना है	x
Wama anzalna AAalayka alkitaba illa litubayyina lahumu allathee ikhtalafoo feehi wahudan warahmatan liqawmin yuminoona	**[Despite of Quran, different sects of muslims differ in their opinion on various topics.]**	And We have not revealed to you the Book, [O Muhammad], except for you to make clear to them that wherein they have differed and as guidance and mercy for a people who believe.	16:64	हमने यह किताब तुमपर इसीलिए अवतरित की है कि जिसमें वे विभेद कर रहे है उसे तुम उनपर स्पष्ट कर दो और यह मार्गदर्शन और दयालुता है उन लोगों के लिए जो ईमान लाएँ	**[क़ुरान के बावजूद, मुसलमानों के विभिन्न संप्रदाय विभिन्न विषयों पर अपनी राय में भिन्न होते हैं।]**
WaAllahu anzala mina alssamai maan faahya bihi alarda baAAda mawtiha inna fee thalika laayatan liqawmin yasmaAAoona	**[Its not lifelessness, but there are seed and roots inside, which grow. Its natural phenomenon.]**	And Allah has sent down rain from the sky and given life thereby to the earth after its lifelessness. Indeed in that is a sign for a people who listen.	16:65	और अल्लाह ही ने आकाश से पानी बरसाया। फिर उसके द्वारा धरती को उसके मृत हो जाने के पश्चात जीवित किया। निश्चय ही इसमें उन लोगों के लिए बड़ी निशानी है जो सुनते है	**[यह निर्जीवता नहीं है, बल्कि इसके अंदर बीज और जड़ें हैं, जो बढ़ती हैं। यह एक प्राकृतिक घटना है।]**

Wainna lakum fee alanAAami laAAibratan nusqeekum mimma fee butoonihi min bayni farthin wadamin labanan khalisan saighan lilshsharibeena	**[In past, people though that milk comes between blood and excreta; Also milk can be impure due to bacteria. That's why it is pasturized or boiled before consumption.]**	And indeed, for you in grazing livestock is a lesson. We give you drink from what is in their bellies - between excretion and blood - pure milk, palatable to drinkers.	16:66	और तुम्हारे लिए चौपायों में से एक बड़ी शिक्षा-सामग्री है, जो कुछ उनके पेटों में है उसमें से गोबर और रक्त से मध्य से हम तुम्हे विशुद्ध दूध पिलाते है, जो पीनेवालों के लिए अत्यन्त प्रिय है,	**[पहले, लोग सोचते थे कि दूध रक्त और गोबर के बीच से आता है; साथ ही दूध विषाणुओं के कारण अस्वच्छ हो सकता है। इसलिए इसे पीने से पहले पास्चुरीकृत या उबाल लिया जाता है।]**
Wamin thamarati alnnakheeli waalaAAnabi tattakhithoona minhu sakaran warizqan hasanan inna fee thalika laayatan liqawmin yaAAqiloona	**[Contradiction: 16:67: Alcohol is a sign from Allah, 2:219: Great sin but some benefits in Alcohol, 4:43: Don't approach the prayer in drunken state, 5:90: Work of Satan]**	And from the fruits of the palm trees and grapevines you take intoxicant and good provision. Indeed in that is a sign for a people who reason.	16:67	और खजूरों और अंगूरों के फलों से भी, जिससे तुम मादक चीज़ भी तैयार कर लेते हो और अच्छी रोज़ी भी। निश्चय ही इसमें बुद्धि से काम लेनेवाले लोगों के लिए एक बड़ी निशानी है	**[विरोधाभास: 16:67: शराब अल्लाह की निशानी है, 2:219: शराब में बड़ा पाप लेकिन कुछ लाभ भी हैं, 4:43: नशे की हालत में नमाज़ के पास न जाओ, 5:90: शैतान का काम]**
Waawha rabbuka ila alnnahli ani ittakhithee mina aljibali buyootan wamina alshshajari wamimma	Allah taught the bee to perform its distinctive functions.	And your Lord inspired to the bee, "Take for yourself among the mountains, houses, and among the trees and [in] that which they construct.	16:68	और तुम्हारे रब ने मुधमक्खी के जी में यह बात डाल दी कि "पहाड़ों में और वृक्षों में और लोगों के बनाए हुए छत्रों में घर बना	अल्लाह ने मधुमक्खी को उसके विशिष्ट कार्यों को करने के लिए सिखाया।

Thumma kulee min kulli aliththamarati faoslukee subula rabbiki thululan yakhruju min butooniha sharabun mukhtalifun alwanuhu feehi shifaon lilnnasi inna fee thalika laayatan liqawmin	x	Then eat from all the fruits and follow the ways of your Lord laid down [for you]." There emerges from their bellies a drink, varying in colors, in which there is healing for people. Indeed in that is a sign for a people who give thought.	16:69	फिर हर प्रकार के फल-फूलों से ख़ुराक ले और अपने रब के समतम मार्गों पर चलती रह।" उसके पेट से विभिन्न रंग का एक पेय निकलता है, जिसमें लोगों के लिए आरोग्य है। निश्चय ही सोच-विचार करनेवाले लोगों के लिए इसमें एक बड़ी निशानी है	x
WaAllahu khalaqakum thumma yatawaffakum waminkum man yuraddu ila arthali alAAumuri likay la yaAAlama baAAda AAilmin shayan inna Allaha AAaleemun	x	And Allah created you; then He will take you in death. And among you is he who is reversed to the most decrepit [old] age so that he will not know, after [having had] knowledge, a thing. Indeed, Allah is Knowing and Competent.	16:70	अल्लाह ने तुम्हें पैदा किया। फिर वह तुम्हारी आत्माओं को ग्रस्त कर लेता है और तुममें से कोई (बुढापे की) निकृष्ट तम अवस्था की ओर फिर जाता है, कि (परिणामस्वरूप) जानने के पश्चात फिर वह कुछ न जाने। निस्संदेह अल्लाह सर्वज्ञ, बड़ा सामर्थ्यवान है	x
WaAllahu faddala baAAdakum AAala baAAdin fee alrrizqi fama allatheena fuddiloo biraddee rizqihim AAala ma malakat aymanuhum fahum feehi sawaon afabiniAAmati Allahi yajhadoona	Allah is saying while the rich people don't equally share their wealth with their servants; how can He share His powers with wordly dieties.	And Allah has favored some of you over others in provision. But those who were favored would not hand over their provision to those whom their right hands possess so they would be equal to them therein. Then is it the favor of Allah they reject?	16:71	और अल्लाह ने तुममें से किसी को किसी पर रोज़ी में बड़ाई दी है। किन्तु जिनको बड़ाई दी गई है वे ऐसे नहीं है कि अपनी रोज़ी उनकी ओर फेर दिया करते हों, जो उनके क़ब्ज़े में है कि वे सब इसमें बराबर हो जाएँ। फिर क्या अल्लाह के अनुग्रह का उन्हें इनकार है?	अल्लाह कह रहे हैं कि जबकि अमीर लोग अपनी दौलत को अपने नौकरों के साथ बराबरी से नहीं बाँटते; वह अपनी शक्तियों को सांसारिक देवताओं के साथ कैसे बाँट सकता है।

WaAllahu jaAAala lakum min anfusikum azwajan wajaAAala lakum min azwajikum baneena wahafadatan warazaqakum mina alttayyibati afabialbatili yuminoona	**[Not all wives are good that's why divorce happen. Also everyone does not has son; Also Quran debates from men's point of view]**	And Allah has made for you from yourselves mates and has made for you from your mates sons and grandchildren and has provided for you from the good things. Then in falsehood do they believe and in the favor of Allah they disbelieve?	16:72	और अल्लाह ही ने तुम्हारे लिए तुम्हारी सहजाति पत्नियों बनाई और तुम्हारी पत्नियों से तुम्हारे लिए पुत्र और पौत्र पैदा किए और तुम्हे अच्छी पाक चीज़ों की रोज़ी प्रदान की; तो क्या वे मिथ्या को मानते है और अल्लाह के अनुग्रह ही का उन्हें इनकार है?	**सभी पत्नियाँ अच्छी नहीं होतीं, इसलिए तलाक होते हैं। सभी का बेटा नहीं होता; इसके अलावा कुरान पुरुषों के दृष्टिकोण से बहस करता है।**
WayaAAbudoona min dooni Allahi ma la yamliku lahum rizqan mina alssamawati waalardi shayan wala	x	And they worship besides Allah that which does not possess for them [the power of] provision from the heavens and the earth at all, and [in fact], they are unable.	16:73	और अल्लाह से हटकर उन्हें पूजते है, जिन्हें आकाशों और धरती से रोज़ी प्रदान करने का कुछ भी अधिकार प्राप्त नहीं है और न उन्हें कोई सामर्थ्य ही प्राप्त है	x
Fala tadriboo lillahi alamthala inna Allaha yaAAlamu waantum la	x	So do not assert similarities to Allah. Indeed, Allah knows and you do not know.	16:74	अतः अल्लाह के लिए मिसालें न घड़ो। जानता अल्लाह है, तुम नहीं जानते	x

Daraba Allahu mathalan AAabdan mamlookan la yaqdiru AAala shayin waman razaqnahu minna rizqan hasanan fahuwa yunfiqu minhu sirran wajahran hal yastawoona alhamdu lillahi bal aktharuhum la yaAAlamoona	Here the slave is the false diety (idol) who does not have any power, while Allah is the rich master who can spend the wealth.	Allah presents an example: a slave [who is] owned and unable to do a thing and he to whom We have provided from Us good provision, so he spends from it secretly and publicly. Can they be equal? Praise to Allah! But most of them do not know.	16:75	अल्लाह ने एक मिसाल पेश की है: एक ग़ुलाम है, जिसपर दूसरे का अधिकार है, उसे किसी चीज़ पर अधिकार प्राप्त नहीं। इसके विपरीत एक वह व्यक्ति है, जिसे हमने अपनी ओर से अच्छी रोज़ी प्रदान की है, फिर वह उसमें से खुले और छिपे ख़र्च करता है। तो क्या वे परस्पर समान है? प्रशंसा अल्लाह के लिए है! किन्तु उनमें अधिकतर लोग जानते नहीं	यहाँ ग़ुलाम झूठा देवता (मूर्ति) है जिसके पास कोई शक्ति नहीं है, जबकि अल्लाह अमीर मालिक है जो धन खर्च कर सकता है।
Wadaraba Allahu mathalan rajulayni ahaduhuma abkamu la yaqdiru AAala shayin wahuwa kallun AAala mawlahu aynama yuwajjihhu la yati bikhayrin hal yastawee huwa waman yamuru bialAAadli wahuwa AAala siratin	The parable between disbeliever and believer.	And Allah presents an example of two men, one of them dumb and unable to do a thing, while he is a burden to his guardian. Wherever he directs him, he brings no good. Is he equal to one who commands justice, while he is on a straight path?	16:76	अल्लाह ने एक और मिसाल पेश की है: दो व्यक्ति है। उनमें से एक गूँगा है। किसी चीज़ पर उसे अधिकार प्राप्त नहीं। वह अपने स्वामी पर एक बोझ है - उसे वह जहाँ भेजता है, कुछ भला करके नहीं लाता। क्या वह और जो न्याय का आदेश देता है और स्वयं भी सीधे मार्ग पर है वह, समान हो सकते है?	काफ़िर और मुमिन के बीच की उपमा।

Walillahi ghaybu alssamawati waalardi wama amru alssaAAati illa kalamhi albasari aw huwa aqrabu inna Allaha AAala kulli shayin qadeerun	**[When is the day of Judgement: Near 16:77, 21:1, 33:63, 54:1, 70:6–7, Don't know 21:109]**	And to Allah belongs the unseen [aspects] of the heavens and the earth. And the command for the Hour is not but as a glance of the eye or even nearer. Indeed, Allah is over all things competent.	16:77	आकाशों और धरती के रहस्यों का सम्बन्ध अल्लाह ही से है। और उस क़ियामत की घड़ी का मामला तो बस ऐसा है जैसे आँखों का झपकना या वह इससे भी अधिक निकट है। निश्चय ही अल्लाह को हर चीज़ की सामर्थ्य प्राप्ती है	x
WaAllahu akhrajakum min butooni ommahatikum la taAAlamoona shayan wajaAAala lakumu alssamAAa waalabsara waalafidata laAAallakum tashkuroona	**[But some children are born with congenital defects.]**	And Allah has extracted you from the wombs of your mothers not knowing a thing, and He made for you hearing and vision and intellect that perhaps you would be grateful.	16:78	अल्लाह ने तुम्हें तुम्हारी माँओ के पेट से इस दशा में निकाला कि तुम कुछ जानते न थे। उसने तुम्हें कान, आँखें और दिल दिए, ताकि तुम कृतज्ञता दिखलाओ	**[लेकिन कुछ बच्चे जन्मजात दोषों के साथ पैदा होते हैं।]**
Alam yaraw ila alttayri musakhkharatin fee jawwi alssamai ma yumsikuhunna illa Allahu inna fee thalika laayatin liqawmin yuminoona	**[Highjacking of natural phenomenon (aerodynamic laws). If Allah holds the birds, then who holds the missiles and bombar planes.]**	Do they not see the birds controlled in the atmosphere of the sky? None holds them up except Allah. Indeed in that are signs for a people who believe.	16:79	क्या उन्होंने पक्षियों को नभ मंडल में वशीभूत नहीं देखा? उन्हें तो बस अल्लाह ही थामें हुए होता है। निश्चय ही इसमें उन लोगों के लिए कितनी ही निशानियाँ है जो ईमान लाएँ	**[प्राकृतिक घटना (एयरोडायनामिक नियमों) का अपहरण। अगर अल्लाह पक्षियों को थामते हैं, तो फिर मिसाइलों और बमवर्षक विमानों को कौन थामता है।]**

WaAllahu jaAAala lakum min buyootikum sakanan wajaAAala lakum min juloodi alanAAami buyootan tastakhiffoonaha yawma thaAAnikum wayawma iqamatikum wamin aswafiha waawbariha waashAAariha athathan	x	And Allah has made for you from your homes a place of rest and made for you from the hides of the animals tents which you find light on your day of travel and your day of encampment; and from their wool, fur and hair is furnishing and enjoyment for a time.	16:80	और अल्लाह ने तुम्हारे घरों को तुम्हारे लिए टिकने की जगह बनाया है और जानवरों की खालों से भी तुम्हारे लिए घर बनाए - जिन्हें तुम अपनी यात्रा के दिन और अपने ठहरने के दिन हल्का-फुलका पाते हो - और एक अवधि के लिए उनके ऊन, उनके लोमचर्म और उनके बालों से कितने ही सामान और बरतने की चीज़े बनाई	x
WaAllahu jaAAala lakum mimma khalaqa thilalan wajaAAala lakum mina aljibali aknanan wajaAAala lakum sarabeela taqeekumu alharra wasarabeela taqeekum basakum kathalika yutimmu niAAmatahu AAalaykum laAAallakum	**[Garments are used mainly to protect from cold. This is only true in context of desert; Garments are man made things, early man had no garments.]**	And Allah has made for you, from that which He has created, shadows and has made for you from the mountains, shelters and has made for you garments which protect you from the heat and garments which protect you from your [enemy in] battle. Thus does He complete His favor upon you that you might submit [to Him].	16:81	और अल्लाह ने तुम्हारे लिए अपनी पैदा की हुई चीज़ों से छाँवों का प्रबन्ध किया और पहाड़ो में तुम्हारे लिए छिपने के स्थान बनाए और तुम्हें लिबास दिए जो गर्मी से बचाते है और कुछ अन्य वस्त्र भी दिए जो तुम्हारी लड़ाई में तुम्हारे लिए बचाव का काम करते है। इस प्रकार वह तुमपर अपनी नेमत पूरी करता है, ताकि तुम आज्ञाकारी बनो	**[कपड़े मुख्य रूप से ठंड से बचाव के लिए उपयोग किए जाते हैं। यह केवल रेगिस्तान के संदर्भ में सही है; कपड़े मानव द्वारा बनाए गए वस्त्र हैं, प्रारंभिक मानव के पास कोई कपड़े नहीं थे।]**

Fain tawallaw fainnama AAalayka albalaghu almubeenu	x	But if they turn away, [O Muhammad] - then only upon you is [responsibility for] clear notification.	16:82	फिर यदि वे मुँह मोड़ते है तो तुम्हारा दायित्व तो केवल साफ़-साफ़ सन्देश पहुँचा देना है	x
YaAArifoona niAAmata Allahi thumma yunkiroonaha waaktharuhumu alkafiroona	x	They recognize the favor of Allah; then they deny it. And most of them are disbelievers.	16:83	वे अल्लाह की नेमत को पहचानते है, फिर उसका इनकार करते है और उनमें अधिकतर तो अकृतज्ञ है	x
Wayawma nabAAathu min kulli ommatin shaheedan thumma la yuthanu lillatheena kafaroo wala hum yustaAAtaboona	x	And [mention] the Day when We will resurrect from every nation a witness. Then it will not be permitted to the disbelievers [to apologize or make excuses], nor will they be asked to appease	16:84	याद करो जिस दिन हम हर समुदाय में से एक गवाह खड़ा करेंगे, फिर जिन्होंने इनकार किया होगा उन्हें कोई अनुमति प्राप्त न होगी। और न उन्हें इसका अवसर ही दिया जाएगा वे उसे राज़ी कर लें	x
Waitha raa allatheena thalamoo alAAathaba fala yukhaffafu AAanhum wala hum yuntharoona	x	And when those who wronged see the punishment, it will not be lightened for them, nor will they be reprieved.	16:85	और जब वे लोग जिन्होंने अत्याचार किया, यातना देख लेंगे तो न वह उनके लिए हलकी की जाएगी और न उन्हें मुहलत ही मिलेगी	x

Waitha raa allatheena ashrakoo shurakaahum qaloo rabbana haolai shurakaona allatheena kunna nadAAoo min doonika faalqaw ilayhimu alqawla innakum lakathiboona	The gods of the Idolators will disown them at the time when they need them most. **[But how the false dieties, idols and stones will be resurrected; Contradiction: Does false dieties exist: Don't 10:18, 12:40, 17:42, 21:22, 53:23; Yes, 2:166, 7:194, 16:86, 18:51, 21:43, 21:99, 25:17].**	And when those who associated others with Allah see their "partners," they will say," Our Lord, these are our partners [to You] whom we used to invoke besides You." But they will throw at them the statement, "Indeed, you are liars."	16:86	और जब वे लोग जिन्होंने शिर्क किया अपने ठहराए हुए साझीदारों को देखेंगे तो कहेंगे, "हमारे रब! यही हमारे वे साझीदार है जिन्हें हम तुझसे हटकर पुकारते थे।" इसपर वे उनकी ओर बात फेंक मारेंगे कि "तुम बिलकुल झूठे हो।"	अर्थ: क़ियामत के समय मुश्रिकों के देवता उन्हें उसी समय छोड़ देंगे जब उन्हें उनकी सबसे अधिक आवश्यकता होगी। [**लेकिन प्रश्न यह है कि झूठे देवता, मूर्तियाँ और पत्थर कैसे पुनर्जीवित होंगे; विरोधाभास: क्या झूठे देवता अस्तित्व में हैं—नहीं: 10:18, 12:40, 17:42, 21:22, 53:23; हाँ: 2:166, 7:194, 16:86, 18:51, 21:43, 21:99, 25:17]**
Waalqaw ila Allahi yawmaithin alssalama wadalla AAanhum ma kanoo yaftaroona	x	And they will impart to Allah that Day [their] submission, and lost from them is what they used to invent.	16:87	उस दिन वे अल्लाह के आगे आज्ञाकारी एवं वशीभूत होकर आ पड़ेगे। और जो कुछ वे घड़ा करते थे वह सब उनसे खोकर रह जाएगा	x
Allatheena kafaroo wasaddoo AAan sabeeli Allahi zidnahum AAathaban fawqa alAAathabi bima kanoo yufsidoona	x	Those who disbelieved and averted [others] from the way of Allah - We will increase them in punishment over [their] punishment for what corruption they were	16:88	जिन लोगों ने इनकार किया और अल्लाह के मार्ग से रोका उनके लिए हम यातना पर यातना बढ़ाते रहेंगे, उस बिगाड़ के बदले में जो वे पैदा करते रहे	x

Wayawma nabAAathu fee kulli ommatin shaheedan AAalayhim min anfusihim wajina bika shaheedan AAala haolai wanazzalna AAalayka alkitaba tibyanan likulli shayin wahudan warahmatan wabushra lilmuslimeena	**[First of all everything could not be clarified in one book; In addition there are so many repetations in each chapter which occupy space.]**	And [mention] the Day when We will resurrect among every nation a witness over them from themselves. And We will bring you, [O Muhammad], as a witness over your nation. And We have sent down to you the Book as clarification for all things and as guidance and mercy and good tidings for the Muslims.	16:89	और उस समय को याद करो जब हम हर समुदाय में स्वयं उसके अपने लोगों में से एक गवाह उनपर नियुक्त करके भेज रहे थे और (इसी रीति के अनुसार) तुम्हें इन लोगों पर गवाह नियुक्त करके लाए। हमने तुमपर किताब अवतरित की हर चीज़ को खोलकर बयान करने के लिए और मुस्लिम (आज्ञाकारियों) के लिए मार्गदर्शन, दयालुता और शुभ सूचना के रूप में	**[सबसे पहले, सब कुछ एक किताब में स्पष्ट नहीं किया जा सकता; इसके अलावा, प्रत्येक अध्याय में बहुत सारी पुनरावृत्तियाँ हैं जो जगह घेरती हैं।**
Inna Allaha yamuru bialAAadli waalihsani waeetai thee alqurba wayanha AAani alfahshai waalmunkari waalbaghyi yaAAithukum laAAallakum tathakkaroona	A companion saw the prophet raising his eyes toward heaven, he looked down on his right, and then he moved away from me and moved his head as if trying to understand something which was being said to him'. The Prophet said: 'Did you catch all that?' the Prophet said: 'Gabriel came to me earlier on while you were sitting and brought this revelation.	Indeed, Allah orders justice and good conduct and giving to relatives and forbids immorality and bad conduct and oppression. He admonishes you that perhaps you will be reminded.	16:90	निश्चय ही अल्लाह न्याय का और भलाई का और नातेदारों को (उनके हक़) देने का आदेश देता है और अश्लीलता, बुराई और सरकशी से रोकता है। वह तुम्हें नसीहत करता है, ताकि तुम ध्यान दो	एक साथी ने पैगंबर को देखा कि वह अपनी आँखें आकाश की ओर उठाए हुए थे, उन्होंने अपने दाहिने तरफ देखा, और फिर वह मुझसे हट गए और अपना सिर हिला रहे थे जैसे कि वह कुछ समझने की कोशिश कर रहें हों जो उनसे कहा जा रहा था। पैगंबर ने कहा: 'क्या तुमने यह सब पकड़ा?' पैगंबर ने कहा: 'जिब्राइल पहले मुझसे मिले थे जब तुम बैठे थे और इस वाक्य को लाए थे।'

Waawfoo biAAahdi Allahi itha AAahadtum wala tanqudoo alaymana baAAda tawkeediha waqad jaAAaltumu Allaha AAalaykum kafeelan inna Allaha yaAAlamu ma tafAAaloona	x	And fulfill the covenant of Allah when you have taken it, [O believers], and do not break oaths after their confirmation while you have made Allah, over you, a witness. Indeed, Allah knows what you do.	16:91	अल्लाह के साथ की हुई प्रतिज्ञा को पूरा करो, जबकि तुमने प्रतिज्ञा की हो। और अपनी क़समों को उन्हें सुदृढ़ करने के पश्चात मत तोड़ो, जबकि तुम अपने ऊपर अल्लाह को अपना ज़ामिन बना चुके हो। निश्चय ही अल्लाह जानता है जो कुछ तुम करते हो	x
Wala takoonoo kaallatee naqadat ghazlaha min baAAdi quwwatin ankathan tattakhithoona aymanakum dakhalan baynakum an takoona ommatun hiya arba min ommatin innama yablookumu Allahu bihi walayubayyinanna lakum yawma alqiyamati ma kuntum feehi	Meaning, you swear an oath with some people if they are more in number than you, so that they can trust you, but when you are able to betray them you do so.	And do not be like she who untwisted her spun thread after it was strong [by] taking your oaths as [means of] deceit between you because one community is more plentiful [in number or wealth] than another community. Allah only tries you thereby. And He will surely make clear to you on the Day of Resurrection that over which you used to differ.	16:92	तुम उस स्त्री की भाँति न हो जाओ जिसने अपना सूत मेहनत से कातने के पश्चात टुकड़-टुकड़े करके रख दिया। तुम अपनी क़समों को परस्पर हस्तक्षेप करने का बहाना बनाने लगो इस ध्येय से कहीं ऐसा न हो कि एक गिरोह दूसरे गिरोह से बढ़ जाए। बात केवल यह है कि अल्लाह इस प्रतिज्ञा के द्वारा तुम्हारी परीक्षा लेता है और जिस बात में तुम विभेद करते हो उसकी वास्तविकता तो वह क़ियामत के दिन अवश्य ही तुम पर खोल देगा	मतलब, आप कुछ लोगों के साथ कसम खाते हैं अगर उनकी संख्या आपसे ज्यादा है, ताकि वे आप पर भरोसा कर सकें, लेकिन जब आप उन्हें धोखा देने में सक्षम होते हैं तो आप ऐसा करते हैं।

Walaw shaa Allahu lajaAAalakum ommatan wahidatan walakin yudillu man yashao wayahdee man yashao walatusalunna AAamma kuntum taAAmaloona	**[If Allah wished He could have made everyone Muslim: 7:176, 10:99, 11:118, 12:31, 16:9, 16:35, 16:93, 17:54, But Muslims forcefully converted many to Islam; Mankind was one nation (community / religion) 2:213, 10:19 ; Allah guides whom he wishes]**	And if Allah had willed, He could have made you [of] one religion, but He causes to stray whom He wills and guides whom He wills. And you will surely be questioned about what you used to do.	16:93	यदि अल्लाह चाहता तो तुम सबको एक ही समुदाय बना देता, परन्तु वह जिसे चाहता है गुमराही में छोड़ देता है और जिसे चाहता है सीधा मार्ग दिखाता है। तुम जो कुछ भी करते हो उसके विषय में तो तुमसे अवश्य पूछा जाएगा	**[अगर अल्लाह चाहता तो वह सभी को मुसलमान बना सकता था: 7:176, 10:99, 11:118, 12:31, 16:9, 16:35, 16:93, 17:54, लेकिन मुसलमानों ने कई लोगों को जबरदस्ती इस्लाम में परिवर्तित किया; मानव जाति एक ही समुदाय (धर्म) थी 2:213, 10:19; अल्लाह जिसे चाहता है मार्गदर्शन देता है]**
Wala tattakhithoo aymanakum dakhalan baynakum fatazilla qadamun baAAda thubootiha watathooqoo alssooa bima sadadtum AAan sabeeli Allahi walakum	x	And do not take your oaths as [means of] deceit between you, lest a foot slip after it was [once] firm, and you would taste evil [in this world] for what [people] you diverted from the way of Allah, and you would have [in the Hereafter] a great	16:94	तुम अपनी क़समों को परस्पर हस्तक्षेप करने का बहाना न बना लेना। कहीं ऐसा न हो कि कोई क़दम जमने के पश्चात उखड़ जाए और अल्लाह के मार्ग से तुम्हारे रोकने के बदले में तुम्हें तकलीफ़ का मज़ा चखना पड़े और तुम एक बड़ी यातना के भागी ठहरो	x
Wala tashtaroo biAAahdi Allahi thamanan qaleelan innama AAinda Allahi huwa khayrun lakum in kuntum	Do not break Oaths for the sake of Worldly Gain.	And do not exchange the covenant of Allah for a small price. Indeed, what is with Allah is best for you, if only you could know.	16:95	और तुच्छ मूल्य के लिए अल्लाह की प्रतिज्ञा का सौदा न करो। अल्लाह के पास जो कुछ है वह तुम्हारे लिए अधिक अच्छा है, यदि तुम जानो;	संसारी लाभ के लिए प्रतिज्ञाएँ मत तोड़ो।

Ma AAindakum yanfadu wama AAinda Allahi baqin walanajziyanna allatheena sabaroo ajrahum biahsani ma kanoo yaAAmaloona	x	Whatever you have will end, but what Allah has is lasting. And We will surely give those who were patient their reward according to the best of what they used to do.	16:96	तुम्हारे पास जो कुछ है वह तो समाप्त हो जाएगा, किन्तु अल्लाह के पास जो कुछ है वही बाक़ी रहनेवाला है। जिन लोगों ने धैर्य से काम लिया उन्हें तो, जो उत्तम कर्म वे करते रहे उसके बदले में, हम अवश्य उनका प्रतिदान प्रदान करेंगे	x
Man AAamila salihan min thakarin aw ontha wahuwa muminun falanuhyiyannahu hayatan tayyibatan walanajziyannahum ajrahum biahsani ma kanoo yaAAmaloona	x	Whoever does righteousness, whether male or female, while he is a believer - We will surely cause him to live a good life, and We will surely give them their reward [in the Hereafter] according to the best of what they used to do.	16:97	जिस किसी ने भी अच्छा कर्म किया, पुरुष हो या स्त्री, शर्त यह है कि वह ईमान पर हो, तो हम उसे अवश्य पवित्र जीवन-यापन कराएँगे। ऐसे लोग जो अच्छा कर्म करते रहे उसके बदले में हम उन्हें अवश्य उनका प्रतिदान प्रदान करेंगे	x
Faitha qarata alqurana faistaAAith biAllahi mina alshshaytani alrrajeemi	**[Because Shaytaan can mixed lie into that 22:52.]**	So when you recite the Qur'an, [first] seek refuge in Allah from Satan, the expelled [from His mercy].	16:98	अतः जब तुम क़ुरआन पढ़ने लगो तो फिटकारे हुए शैतान से बचने के लिए अल्लाह की पनाह माँग लिया करो	**[क्योंकि शैतान उसमें झूठ मिला सकता है 22:52.]**
Innahu laysa lahu sultanun AAala allatheena amanoo waAAala rabbihim yatawakkaloona	x	Indeed, there is for him no authority over those who have believed and rely upon their Lord.	16:99	उसका तो उन लोगों पर कोई ज़ोर नहीं चलता जो ईमान लाए और अपने रब पर भरोसा रखते है	x

Innama sultanuhu AAala allatheena yatawallawnahu waallatheena hum bihi mushrikoona	x	His authority is only over those who take him as an ally and those who through him associate others with Allah.	16:100	उसका ज़ोर तो बस उन्हीं लोगों पर चलता है जो उसे अपना मित्र बनाते है और उस (अल्लाह) के साथ साझी ठहराते है	x
Waitha baddalna ayatan makana ayatin waAllahu aAAlamu bima yunazzilu qaloo innama anta muftarin bal aktharuhum la yaAAlamoona	This verse was revealed when the idolaters said: “Muhammad is mocking his Companions; one day he commands them to do something and the next day he forbids them from doing it, or brings instead something which is easier. He is nothing but a slanderer who says things of his own invention. **[Another verse which legitimizes abrogation of previous commands; Contradiction: God’s word can’t be changed 6:34, 6:115, 10:64; Yes could be changed: 2:75, 2:106, 16:101. Obviously, if verses are frequently changed, people will grow suspicious.]**	And when We substitute a verse in place of a verse - and Allah is most knowing of what He sends down - they say, "You, [O Muhammad], are but an inventor [of lies]." But most of them do not know.	16:101	जब हम किसी आयत की जगह दूसरी आयत बदलकर लाते है - और अल्लाह भली-भाँति जानता है जो कुछ वह अवतरित करता है - तो वे कहते है, "तुम स्वयं ही घड़ लेते हो!" नहीं, बल्कि उनमें से अधिकतर लोग नहीं जानते	यह आयत तब उतरी जब मूर्तिपूजकों ने कहा: “मोहम्मद अपने साथियों का मज़ाक उड़ा रहे हैं; एक दिन वह उन्हें कुछ करने का आदेश देते हैं और अगले दिन उसे करने से रोक देते हैं, या उसके बजाय कुछ आसान ला देते हैं। वह केवल एक अपशकुन करने वाले है जो अपनी कल्पना की बातें कहता है। **[एक और आयत जो पिछले आदेशों को रद्द करने को वैध ठहराती है; विरोधाभास: ईश्वर का वचन नहीं बदल सकता 6:34, 6:115, 10:64; हाँ, इसे बदला जा सकता है: 2:75, 2:106, 16:101। स्पष्ट है, यदि आयतें बार-बार बदल दी जाती हैं, तो लोग संदेह करने लगेंगे।]**

Qul nazzalahu roohu alqudusi min rabbika bialhaqqi liyuthabbita allatheena amanoo wahudan wabushra lilmuslimeena	Arabic word “ruh al-qudus” (= the Holy Spirit) is used 3 times in the Quran (2:87, 5:110 both connected to Jesus), and here it means the angel Gabriel. **[If Quran guided the muslims, just study what they have done through out history.]**	Say, [O Muhammad], "The Pure Spirit has brought it down from your Lord in truth to make firm those who believe and as guidance and good tidings to the Muslims."	16:102	कह दो, "इसे ता पवित्र आत्मा ने तुम्हारे रब की ओर क्रमशः सत्य के साथ उतारा है, ताकि ईमान लानेवालों को जमाव प्रदान करे और आज्ञाकारियों के लिए मार्गदर्शन और शुभ सूचना हो	अरबी शब्द “रूह अल-कुदुस” (= पवित्र आत्मा) कुरान में 3 बार इस्तेमाल किया गया है (2:87, 5:110 दोनों ईसा से जुड़े हैं), और यहाँ इसका मतलब फरिश्ता जिब्राइल है। **[अगर कुरान मुसलमानों का मार्गदर्शन करता है, तो बस यह देखें कि उन्होंने पूरे इतिहास में क्या किया है।]**
Walaqad naAAlamu annahum yaqooloona innama yuAAallimuhu basharun lisanu allathee yulhidoona ilayhi aAAjamiyyun wahatha lisanun AAarabiyyun mubeenun	There were two Christian youths from the people of Ayn Tamr. Their trade was making swords but they also could read the Scriptures in their own tongue. The Messenger of Allah (pbuh) used to pass by them and listen to their reading. As a result, the idolaters used to say: ‘He is being taught by them!’ **[But there are many non-arabic words in Quran. e.g. 80:31 Abba, See Tafsir Ibn Kathir.]**	And We certainly know that they say, "It is only a human being who teaches the Prophet." The tongue of the one they refer to is foreign, and this Qur'an is [in] a clear Arabic language.	16:103	हमें मालूम है कि वे कहते है, "उसको तो बस एक आदमी सिखाता पढ़ाता है।" हालाँकि जिसकी ओर वे संकेत करते है उसकी भाषा विदेशी है और यह स्पष्ट अरबी भाषा है	ऐन तमर के लोगों में दो ईसाई युवक थे। उनका काम तलवारें बनाना था, लेकिन वे अपनी भाषा में शास्त्र पढ़ भी सकते थे। अल्लाह के रसूल (स.) उनसे गुज़रते और उनकी पढ़ाई सुनते थे। इसके परिणामस्वरूप, मूर्तिपूजक कहने लगे: ‘उसको वे पढ़ा रहे हैं!’ **[लेकिन कुरान में कई गैर-अरबी शब्द हैं। जैसे 80:31 अब्बा, देखिए तफसीर इब्न क़ाथिर।]**
Inna allatheena la yuminoona biayati Allahi la yahdeehimu Allahu walahum AAathabun aleemun	x	Indeed, those who do not believe in the verses of Allah - Allah will not guide them, and for them is a painful punishment.	16:104	सच्ची बात यह है कि जो लोग अल्लाह की आयतों को नहीं मानते, अल्लाह उनका मार्गदर्शन नहीं करता। उनके लिए तो एक दुखद यातना है	x

Innama yaftaree alkathiba allatheena la yuminoona biayati Allahi waolaika humu	The disbelievers are liars.	They only invent falsehood who do not believe in the verses of Allah, and it is those who are the liars.	16:105	झूठ तो बस वही लोग घड़ते है जो अल्लाह की आयतों को मानते नहीं और वही है जो झूठे है	अविश्वासी झूठे हैं।
Man kafara biAllahi min baAAdi eemanihi illa man okriha waqalbuhu mutmainnun bialeemani walakin man sharaha bialkufri sadran faAAalayhim ghadabun mina Allahi walahum AAathabun AAatheemun	Some Muslims left Mecca intending to migrate to Medina. The Quraysh caught up with them on the way and coerced them to renounce their faith. It is about them that this verse was revealed. **[Allah allows Muslims to deny their faith when forced to do so. This is another foundation for the idea of religious deception (Takaiya) in Islam. See also 3:28.]**	Whoever disbelieves in Allah after his belief... except for one who is forced [to renounce his religion] while his heart is secure in faith. But those who [willingly] open their breasts to disbelief, upon them is wrath from Allah, and for them is a great punishment;	16:106	जिस किसी ने अपने ईमान के पश्चात अल्लाह के साथ कुफ़्र किया -सिवाय उसके जो इसके लिए विवश कर दिया गया हो और दिल उसका ईमान पर सन्तुष्ट हो - बल्कि वह जिसने सीना कुफ़्र के लिए खोल दिया हो, तो ऐसे लोगो पर अल्लाह का प्रकोप है और उनके लिए बड़ी यातना है	कुछ मुसलमान मक्का छोड़कर मदीना जाने की योजना बना रहे थे। कुरैश ने रास्ते में उनका पीछा किया और उन्हें अपने विश्वास को त्यागने के लिए मजबूर किया। यह वही लोग हैं जिसके बारे में यह आयत नाज़िल हुई। **[अल्लाह मुसलमानों को मजबूरी में अपने विश्वास को अस्वीकार करने की अनुमति देता है। यह इस्लाम में धार्मिक छलकपट (तकिया) के विचार का एक और आधार है। देखिए 3:28 भी।]**
Thalika biannahumu istahabboo alhayata alddunya AAala alakhirati waanna Allaha la yahdee alqawma alkafireena	x	That is because they preferred the worldly life over the Hereafter and that Allah does not guide the disbelieving people.	16:107	यह इसलिए कि उन्होंने आख़िरत की अपेक्षा सांसारिक जीवन को पसन्द किया और यह कि अल्लाह कुफ़्र करनेवालो लोगों का मार्गदर्शन नहीं करता	x
Olaika allatheena tabaAAa Allahu AAala quloobihim wasamAAihim waabsarihim waolaika humu alghafiloona	**[Contradiction: Allah seals the hearts – 2:7, 4:155, 7:100, 7:101, 9:87, 9:93, 10:74, 16:108, 30:59, 40:35, 45:23, 47:16, 63:3; Does not seals – 2:20, 42:24, 6:46]**	Those are the ones over whose hearts and hearing and vision Allah has sealed, and it is those who are the heedless.	16:108	वही लोग है जिनके दिलों और जिनके कानों और जिनकी आँखों पर अल्लाह ने मुहर लगा दी है; और वही है जो ग़फ़लत में पड़े हुए है	**[विरोधाभास: अल्लाह दिलों पर ठप्पा लगा देते हैं – 2:7, 4:155, 7:100, 7:101, 9:87, 9:93, 10:74, 16:108, 30:59, 40:35, 45:23, 47:16, 63:3; नहीं लगाते – 2:20, 42:24, 6:46]**

La jarama annahum fee alakhirati humu alkhasiroona	x	Assuredly, it is they, in the Hereafter, who will be the losers.	16:109	निश्चय ही आख़िरत में वही घाटे में रहेंगे	x
Thumma inna rabbaka lillatheena hajaroo min baAAdi ma futinoo thumma jahadoo wasabaroo inna rabbaka min baAAdiha laghafoorun raheemun	Allah revealed this verse that the people of Mecca who had embraced Islam would not be considered Muslim until they migrated to Medina. When they received the message, they left Mecca but the idolaters caught up with them and took them back. Allah then revealed 29:1-2, and the Muslims of Medina wrote to them to inform them about it. The Muslims of Mecca vowed to fight the idolaters until they join Allah or escape to Medina. Some of them died fighting while others were able to flee.	Then, indeed your Lord, to those who emigrated after they had been compelled [to renounce their religion] and thereafter fought [for the cause of Allah] and were patient - indeed, your Lord, after that, is Forgiving and Merciful	16:110	फिर तुम्हारा रब उन लोगों के लिए जिन्होंने इसके उपरान्त कि वे आज़माइश में पड़ चुके थे घर-बार छोड़ा, फिर जिहाद (संघर्ष) किया और जमे रहे तो इन बातों के पश्चात तो निश्चय ही तुम्हारा रब बड़ा क्षमाशील, अत्यन्त दयावान है	अल्लाह ने यह आयत उतारी कि मक्का के लोग जिन्होंने इस्लाम स्वीकार किया था, उन्हें मुसलमान नहीं माना जाएगा जब तक कि वे मदीना हिजरत न करें। जब उन्होंने संदेश प्राप्त किया, तो वे मक्का छोड़ गए, लेकिन मूर्तिपूजक उन्हें पकड़कर वापस ले आए। फिर अल्लाह ने 29:1-2 का पाठ उतारा, और मदीना के मुसलमानों ने उन्हें इसके बारे में सूचित करने के लिए पत्र लिखा। मक्का के मुसलमानों ने कसम खाई कि वे मूर्तिपूजकों से लड़ेंगे जब तक वे अल्लाह से जुड़ जाएं या मदीना भाग जाएं। उनमें से कुछ लड़ते हुए मरे, जबकि अन्य भागने में सफल रहे।
Yawma tatee kullu nafsin tujadilu AAan nafsiha watuwaffa kullu nafsin ma AAamilat wahum la yuthlamoona	x	On the Day when every soul will come disputing for itself, and every soul will be fully compensated for what it did, and they will not be wronged.	16:111	जिस दिन प्रत्येक व्यक्ति अपनी और प्रत्येक व्यक्ति को जो कुछ उसने किया होगा, उसका पूरा-पूरा बदला चुका दिया जाएगा, और उनपर कुछ भी अत्याचार न होगा	x

Wadaraba Allahu mathalan qaryatan kanat aminatan mutmainnatan yateeha rizquha raghadan min kulli makanin fakafarat bianAAumi Allahi faathaqaha Allahu libasa aljooAAi waalkhawfi bima kanoo yasnaAAoona	x	And Allah presents an example: a city which was safe and secure, its provision coming to it in abundance from every location, but it denied the favors of Allah. So Allah made it taste the envelopment of hunger and fear for what they had been doing.	16:112	अल्लाह ने एक मिसाल बयान की है: एक बस्ती थी जो निश्चिन्त और सन्तुष्ट थी। हर जगह से उसकी रोज़ी प्रचुरता के साथ चली आ रही थी कि वह अल्लाह की नेमतों के प्रति अकृतज्ञता दिखाने लगी। तब अल्लाह ने उसके निवासियों को उनकी करतूतों के बदले में भूख का मज़ा चखाया और भय का वस्त्र पहनाया	x
Walaqad jaahum rasoolun minhum fakaththaboohu faakhathahumu alAAathabu wahum thalimoona	Those who denied Messengers will be punished by Allah.	And there had certainly come to them a Messenger from among themselves, but they denied him; so punishment overtook them while they were	16:113	उनके पास उन्हीं में से एक रसूल आया। किन्तु उन्होंने उसे झुठला दिया। अन्ततः यातना ने उन्हें इस दशा में आ लिया कि वे अत्याचारी थे	जो लोग रसूलों को नकारते हैं उन्हें अल्लाह द्वारा सजा दी जाएगी।
Fakuloo mimma razaqakumu Allahu halalan tayyiban waoshkuroo niAAmata Allahi in kuntum iyyahu taAAbudoona	x	Then eat of what Allah has provided for you [which is] lawful and good. And be grateful for the favor of Allah, if it is [indeed] Him that you worship.	16:114	अतः जो कुछ अल्लाह ने तुम्हें हलाल-पाक रोज़ी दी है उसे खाओ और अल्लाह की नेमत के प्रति कृतज्ञता दिखाओ, यदि तुम उसी को स्वामी मानते हो	x

Innama harrama AAalaykumu almaytata waalddama walahma alkhinzeeri wama ohilla lighayri Allahi bihi famani idturra ghayra baghin wala AAadin fainna Allaha ghafoorun raheemun	**[This verse was abrogated by Hadith to clarify the kind of meat which can be eaten. This is one of the cases where the Quran is abrogated by Hadith. At the occasion of Khyber Meat of donkey was prohibited. Same thing repeated thrice: 2:173, 6:145, 16:115]**	He has only forbidden to you dead animals, blood, the flesh of swine, and that which has been dedicated to other than Allah. But whoever is forced [by necessity], neither desiring [it] nor transgressing [its limit] - then indeed, Allah is Forgiving and Merciful.	16:115	उसने तो तुमपर केवल मुर्दार, रक्त, सुअर का मांस और जिसपर अल्लाह के सिवा किसी और का नाम लिया गया हो, हराम ठहराया है। फिर यदि कोई इस प्रकार विवश हो जाए कि न तो उसकी ललक हो और न वह हद से आगे बढ़नेवाला हो तो निश्चय ही अल्लाह बड़ा क्षमाशील, दयावान है	**[यह आयत यह स्पष्ट करने के लिए हदीस द्वारा समाप्त कर दी गई थी कि किस प्रकार का मांस खाया जा सकता है। यह उन मामलों में से एक है जहाँ कुरान को हदीस द्वारा समाप्त किया गया है। खैबर के अवसर पर गधे का मांस मना कर दिया गया था। वही बात तीन बार दोहराई गई: 2:173, 6:145, 16:115]**
Wala taqooloo lima tasifu alsinatukumu alkathiba hatha halalun wahatha haramun litaftaroo AAala Allahi alkathiba inna allatheena yaftaroona AAala Allahi alkathiba la	x	And do not say about what your tongues assert of untruth, "This is lawful and this is unlawful," to invent falsehood about Allah. Indeed, those who invent falsehood about Allah will not succeed.	16:116	और अपनी ज़बानों के बयान किए हुए झूठ के आधार पर यह न कहा करो, "यह हलाल है और यह हराम है," ताकि इस तरह अल्लाह पर झूठ आरोपित करो। जो लोग अल्लाह से सम्बद्ध करके झूठ घड़ते है, वे कदापि सफल होनेवाले नहीं	x
MataAAun qaleelun walahum AAathabun aleemun	x	[It is but] a brief enjoyment, and they will have a painful punishment.	16:117	यह उपभोग थोड़ा है, उनके लिए वास्तव में तो दुखद यातना है	x

WaAAala allatheena hadoo harramna ma qasasna AAalayka min qablu wama thalamnahum walakin kanoo anfusahum yathlimoona	Some good Things were forbidden for the Jews, see 4:160, 6:146.	And to those who are Jews We have prohibited that which We related to you before. And We did not wrong them [thereby], but they were wronging themselves.	16:118	जो यहूदी है उनपर हम पहले वे चीज़े हराम कर चुके है जिनका उल्लेख हमने तुमसे किया। उनपर तो अत्याचार हमने नहीं किया, बल्कि वे स्वयं ही अपने ऊपर अत्याचार करते रहे	कुछ अच्छी चीज़ें यहूदियों के लिए मना की गई थीं, देखें 4:160, 6:146।
Thumma inna rabbaka lillatheena AAamiloo alssooa bijahalatin thumma taboo min baAAdi thalika waaslahoo inna rabbaka min baAAdiha laghafoorun	x	Then, indeed your Lord, to those who have done wrong out of ignorance and then repent after that and correct themselves - indeed, your Lord, thereafter, is Forgiving and Merciful.	16:119	फिर तुम्हारा रब उनके लिए जिन्होंने अज्ञानवश बुरा कर्म किया, फिर इसके बाद तौबा करके सुधार कर लिया, तो निश्चय ही तुम्हारा रब इसके पश्चात बड़ा क्षमाशील, अत्यन्त दयावान है	x
Inna ibraheema kana ommatan qanitan lillahi haneefan walam yaku mina almushrikeena	**[Contradiction: Has ever Abrahan committed shirk: Never, 2:135, 16:120: For some time 6:76-79]**	Indeed, Abraham was a [comprehensive] leader, devoutly obedient to Allah, inclining toward truth, and he was not of those who associate others with Allah.	16:120	निश्चय ही इबराहीम की स्थिति एक समुदाय की थी। वह अल्लाह का आज्ञाकारी और उसकी ओर एकाग्र था। वह कोई बहुदेववादी न था	[विरोधाभास: क्या कभी इब्राहिम बहुदेववादी थे: कभी नहीं, 2:135, 16:120: कुछ समय के लिए 6:76-79]
Shakiran lianAAumihi ijtabahu wahadahu ila siratin mustaqeemin	x	[He was] grateful for His favors. Allah chose him and guided him to a straight path.	16:121	वह उसके (अल्लाह के) उदार अनुग्रहों के प्रति कृतज्ञता दिखलानेवाला था। अल्लाह ने उसे चुन लिया और उसे सीधे मार्ग पर चलाया	x

Waataynahu fee alddunya hasanatan wainnahu fee alakhirati lamina alssaliheena	x	And We gave him good in this world, and indeed, in the Hereafter he will be among the righteous.	16:122	और हमने उसे दुनिया में भी भलाई दी और आख़िरत में भी वह अच्छे पूर्णकाम लोगों मे से होगा	x
Thumma awhayna ilayka ani ittabiAA millata ibraheema haneefan wama kana mina almushrikeena	x	Then We revealed to you, [O Muhammad], to follow the religion of Abraham, inclining toward truth; and he was not of those who associate with Allah.	16:123	फिर अब हमने तुम्हारी ओर प्रकाशना की, "इबराहीम के तरीक़े पर चलो, जो बिलकुल एक ओर का हो गया था और बहुदेववादियों में से न था।"	x
Innama juAAila alssabtu AAala allatheena ikhtalafoo feehi wainna rabbaka layahkumu baynahum yawma alqiyamati feema	This verse is saying that Jews ignored Friday (prescribed by Allah) and observed the Sabbath on Saturday.	The sabbath was only appointed for those who differed over it. And indeed, your Lord will judge between them on the Day of Resurrection concerning that over which they used to differ.	16:124	'सब्त' तो केवल उन लोगों पर लागू हुआ था जिन्होंने उसके विषय में विभेद किया था। निश्चय ही तुम्हारा रब उनके बीच क़ियामत के दिन उसका फ़ैसला कर देगा, जिसमें वे विभेद करते रहे है	यह आयत कह रही है कि यहूदी लोगों ने शुक्रवार (जिसे अल्लाह ने निर्धारित किया था) को अनदेखा कर दिया और शनिवार को साबथ का पालन किया।
OdAAu ila sabeeli rabbika bialhikmati waalmawAAithati alhasanati wajadilhum biallatee hiya ahsanu inna rabbaka huwa aAAlamu biman dalla AAan sabeelihi wahuwa	**[This tone changed in later Jihadi verses.]**	Invite to the way of your Lord with wisdom and good instruction, and argue with them in a way that is best. Indeed, your Lord is most knowing of who has strayed from His way, and He is most knowing of who is [rightly] guided.	16:125	अपने रब के मार्ग की ओर तत्वदर्शिता और सदुपदेश के साथ बुलाओ और उनसे ऐसे ढंग से वाद विवाद करो जो उत्तम हो। तुम्हारा रब उसे भली-भाँति जानता है जो उसके मार्ग से भटक गया और वह उन्हें भी भली-भाँति जानता है जो मार्ग पर है	[इस स्वर ने बाद के जिहादी आयतों में बदलाव लिया।]

Wain AAaqabtum faAAaqiboo bimithli ma AAooqibtum bihi walain sabartum lahuwa khayrun lilssabireena	After the battle of Uhud, when the Prophet (pbuh) got closer to mutilated body of Hamzah, nothing that he ever saw was more painful to his heart than that sight. He said: “By Allah, I will kill seventy of them in return!” This verse was then revealed. One should respond to attacks by striking the attacker in the same way (2:194, 5:45), but patient endurance is better. **[Abrogated by later Jihadi verses, 8:39, 9:5, 9:29]**	And if you punish [an enemy, O believers], punish with an equivalent of that with which you were harmed. But if you are patient - it is better for those who are patient.	16:126	और यदि तुम बदला लो तो उतना ही जितना तुम्हें कष्ट पहुँचा हो, किन्तु यदि तुम सब्र करो तो निश्चय ही यह सब्र करनेवालों के लिए ज़्यादा अच्छा है	"उहुद की लड़ाई के बाद, जब पैगंबर (स.) हमजा के क्षत-विक्षत शरीर के करीब पहुंचे, तो उन्होंने कभी जो कुछ भी नहीं देखा वह उनके दिल के लिए उस दृश्य से अधिक दर्दनाक था। उसने कहा, "अल्लाह की कसम, मैं बदले में उनमें से सत्तर को मार दूँगा। " यह श्लोक तब प्रकट हुआ। हमलावर पर उसी तरह प्रहार करके हमलों का जवाब देना चाहिए (2:194, 5:45), लेकिन धैर्य सहनशक्ति बेहतर है। **[बाद के जिहादी आयतों द्वारा निरस्त, 8:39, 9:5, 9:29]** "
Waisbir wama sabruka illa biAllahi wala tahzan AAalayhim wala taku fee dayqin mimma yamkuroona	**[Abrogated by later Jihadi Surah.]**	And be patient, [O Muhammad], and your patience is not but through Allah. And do not grieve over them and do not be in distress over what they conspire.	16:127	सब्र से काम लो - और तुम्हारा सब्र अल्लाह ही से सम्बद्ध है - और उन पर दुखी न हो और न उससे दिल तंग हो जो चालें वे चलते है	**[बाद के जिहादी आयतों द्वारा निरस्त]**
Inna Allaha maAAa allatheena ittaqaw waallatheena hum muhsinoona	x	Indeed, Allah is with those who fear Him and those who are doers of good.	16:128	निश्चय ही, अल्लाह उनके साथ है जो डर रखते है और जो उत्तमकार है	x
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Al-Isra (The Night Journey) or Bani Israil (Children of Israel)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**17:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अल-इस्रा (रात्रि यात्रा) या बनी इस्राईल (इस्राईल की संतानें)**

Subhana allathee asra biAAabdihi laylan mina almasjidi alharami ila almasjidi alaqsa allathee barakna hawlahu linuriyahu min ayatina innahu huwa alssameeAAu albaseeru	This is about the Isra event. Pickthall translates "Inviolable Place of Worship to the Far distant place of worship". See Sahih Bukhari 3366, Ibn Majah 753 **[A Pahlavi book called Arta Viraf Namak contains an account of the sending of Arta Viraf up to heaven, with the view of bringing down tidings of what was going on there; But Masjid Aqsa (Dome of Rock) was built in 705AD by Caliph Al-Walid first. Before that there was temple.]**	Exalted is He who took His Servant by night from al-Masjid al-Haram to al-Masjid al-Aqsa, whose surroundings We have blessed, to show him of Our signs. Indeed, He is the Hearing, the Seeing.	17:1	क्या ही महिमावान है वह जो रातों-रात अपने बन्दे (मुहम्मद) को प्रतिष्ठित मस्जिद (काबा) से दूरवर्ती मस्जिद (अक़्सा) तक ले गया, जिसके चतुर्दिक को हमने बरकत दी, ताकि हम उसे अपनी कुछ निशानियाँ दिखाएँ। निस्संदेह वही सब कुछ सुनता, देखता है	यह इसरा घटना के बारे में है। पिक्थल का अनुवाद है "अभेद्य पूजा स्थल से दूरस्थ पूजा स्थल तक"। देखिए सहिह बुखारी 3366, इब्न माजा 753 **[एक पहलवी पुस्तक जिसे अर्ता विराफ नामक कहा जाता है, उसमें अर्ता विराफ को स्वर्ग तक भेजने का विवरण है, ताकि वहां क्या हो रहा है उसकी खबरें लायी जा सकें; लेकिन मस्जिद अल-अक्सा (डोम ऑफ़ रॉक) को 705 ईस्वी में खलीफा अल-वालिद ने पहले बनाया था। इसके पहले वहाँ मंदिर था।]**
Waatayna moosa alkitaba wajaAAalnahu hudan libanee israeela alla tattakhithoo min	x	And We gave Moses the Scripture and made it a guidance for the Children of Israel that you not take other than Me as Disposer of affairs,	17:2	हमने मूसा को किताब दी थी और उसे इसराईल की सन्तान के लिए मार्गदर्शन बनाया था कि "हमारे सिवा किसी को कार्य-साधक न ठहराना।"	x
Thurriyyata man hamalna maAAa noohin innahu kana AAabdan shakooran	x	O descendants of those We carried [in the ship] with Noah. Indeed, he was a grateful servant.	17:3	ऐ उनकी सन्तान, जिन्हें हमने नूह के साथ (नौका में) सवार किया था! निश्चय ही वह एक कृतज्ञ बन्दा था	x
Waqadayna ila banee israeela fee alkitabi latufsidunna fee alardi marratayni walataAAlunna AAuluwwan kabeeran	It was mentioned in the Tawrah that the Jews would spread mischief twice.	And We conveyed to the Children of Israel in the Scripture that, "You will surely cause corruption on the earth twice, and you will surely reach [a degree of] great haughtiness.	17:4	और हमने किताब में इसराईल की सन्तान को इस फ़ैसले की ख़बर दे दी थी, "तुम धरती में अवश्य दो बार बड़ा फ़साद मचाओगे और बड़ी सरकशी दिखाओगे।"	तौरा में यह उल्लेख किया गया था कि यहूदी दो बार दुष्कर्म फैलाएँगे।

Faitha jaa waAAdu oolahuma baAAathna AAalaykum AAibadan lana olee basin shadeedin fajasoo khilala alddiyari wakana waAAdan mafAAoolan	For the Jews' disobedience to Allah, "Their humiliation and subjugation was a befitting punishment". For first, Nebuchadnezzar killed their nobles and scholars.	So when the [time of] promise came for the first of them, We sent against you servants of Ours - those of great military might, and they probed [even] into the homes, and it was a promise fulfilled.	17:5	फिर जब उन दोनों में से पहले वादे का मौक़ा आ गया तो हमने तुम्हारे मुक़ाबले में अपने ऐसे बन्दों को उठाया जो युद्ध में बड़े बलशाली थे। तो वे बस्तियों में घुसकर हर ओर फैल गए और यह वादा पूरा होना ही था	यहूदियों की अल्लाह की अवज्ञा के लिए, 'उनका अपमान और अधीनता एक उपयुक्त सजा थी।' पहले, नेबुकद्नेज़र ने उनके महानुभावों और विद्वानों को मार डाला।
Thumma radadna lakumu alkarrata AAalayhim waamdadnakum biamwalin wabaneena wajaAAalnakum akthara nafeeran	x	Then We gave back to you a return victory over them. And We reinforced you with wealth and sons and made you more numerous in manpower	17:6	फिर हमने तुम्हारी बारी उनपर लौटाई कि उनपर प्रभावी हो सको। और धनों और पुत्रों से तुम्हारी सहायता की और तुम्हें बहुसंख्यक लोगों का एक जत्था बनाया	x
In ahsantum ahsantum lianfusikum wain asatum falaha faitha jaa waAAdu alakhirati liyasoooo wujoohakum waliyadkhuloo almasjida kama dakhaloohu awwala marratin waliyutabbiroo ma AAalaw tatbeeran	And for second time, Allah sent armies against them.	[And said], "If you do good, you do good for yourselves; and if you do evil, [you do it] to yourselves." Then when the final promise came, [We sent your enemies] to sadden your faces and to enter the temple in Jerusalem, as they entered it the first time, and to destroy what they had taken over with [total]	17:7	"यदि तुमने भलाई की तो अपने ही लिए भलाई की और यदि तुमने बुराई की तो अपने ही लिए की।" फिर जब दूसरे वादे का मौक़ा आ गया (तो हमने तुम्हारे मुक़ाबले में ऐसे प्रबल को उठाया) कि वे तुम्हारे चेहरे बिगाड़ दें और मस्जिद (बैतुलमक़दिस) में घुसे थे और ताकि जिस चीज़ पर भी उनका ज़ोर चले विनष्टि कर डालें	और दूसरी बार, अल्लाह ने उनके खिलाफ सेनाएँ भेजीं।

AAasa rabbukum an yarhamakum wain AAudtum AAudna wajaAAalna jahannama lilkafireena haseeran	x	[Then Allah said], "It is expected, [if you repent], that your Lord will have mercy upon you. But if you return [to sin], We will return [to punishment]. And We have made Hell, for the disbelievers, a	17:8	हो सकता है तुम्हारा रब तुमपर दया करे, किन्तु यदि तुम फिर उसी पूर्व नीति की ओर पलटे तो हम भी पलटेंगे, और हमने जहन्नम को इनकार करनेवालों के लिए कारागार बना रखा है	x
Inna hatha alqurana yahdee lillatee hiya aqwamu wayubashshiru almumineena allatheena yaAAmaloona alssalihati anna lahum ajran	x	Indeed, this Qur'an guides to that which is most suitable and gives good tidings to the believers who do righteous deeds that they will have a great reward.	17:9	वास्तव में यह क़ुरआन वह मार्ग दिखाता है जो सबसे सीधा है और उन मोमिनों को, जो अच्छे कर्म करते है, शूभ सूचना देता है कि उनके लिए बड़ा बदला है	x
Waanna allatheena la yuminoona bialakhirati aAAtadna lahum AAathaban aleeman	x	And that those who do not believe in the Hereafter - We have prepared for them a painful punishment.	17:10	और यह कि जो आख़िरत को नहीं मानते उनके लिए हमने दुखद यातना तैयार कर रखी है	x
WayadAAu alinsanu bialshsharri duAAaahu bialkhayri wakana alinsanu AAajoolan	x	And man supplicates for evil as he supplicates for good, and man is ever hasty.	17:11	मनुष्य उस प्रकार बुराई माँगता है जिस प्रकार उसकी प्रार्थना भलाई के लिए होनी चाहिए। मनुष्य है ही बड़ा उतावला!	x

WajaAAalna allayla waalnnahara ayatayni famahawna ayata allayli wajaAAalna ayata alnnahari mubsiratan litabtaghoo fadlan min rabbikum walitaAAlamoo AAadada alssineena waalhisaba wakulla shayin fassalnahu	**[Not everything is in detail in Quran.]**	And We have made the night and day two signs, and We erased the sign of the night and made the sign of the day visible that you may seek bounty from your Lord and may know the number of years and the account [of time]. And everything We have set out in detail.	17:12	हमने रात और दिन को दो निशानियाँ बनाई है। फिर रात की निशानी को हमने मिटी हुई (प्रकाशहीन) बनाया और दिन की निशानी को हमने प्रकाशमान बनाया, ताकि तुम अपने रब का अनुग्रह (रोज़ी) ढूँढो और ताकि तुम वर्षो की गणना और हिसाब मालूम कर सको, और हर चीज़ को हमने अलग-अलग स्पष्ट कर रखा है	**[कुरान में हर चीज विस्तार से नहीं है।]**
Wakulla insanin alzamnahu tairahu fee AAunuqihi wanukhriju lahu yawma alqiyamati kitaban yalqahu manshooran	x	And [for] every person We have imposed his fate upon his neck, and We will produce for him on the Day of Resurrection a record which he will encounter spread open.	17:13	हमने प्रत्येक मनुष्य का शकुन-अपशकुन उसकी अपनी गरदन से बाँध दिया है और क़ियामत के दिन हम उसके लिए एक किताब निकालेंगे, जिसको वह खुला हुआ पाएगा	x
Iqra kitabaka kafa binafsika alyawma AAalayka haseeban	x	[It will be said], "Read your record. Sufficient is yourself against you this Day as accountant."	17:14	"पढ़ ले अपनी किताब (कर्मपत्र)! आज तू स्वयं ही अपना हिसाब लेने के लिए काफ़ी है।"	x

Mani ihtada fainnama yahtadee linafsihi waman dalla fainnama yadillu AAalayha wala taziru waziratun wizra okhra wama kunna muAAaththibeena hatta nabAAatha rasoolan	**[Contradiction: Each soul will bear its own burden 2:123, 6:164, 17:15, 35:18, Burden of others as well 16:25, 29:13, 37:33.]**	Whoever is guided is only guided for [the benefit of] his soul. And whoever errs only errs against it. And no bearer of burdens will bear the burden of another. And never would We punish until We sent a messenger.	17:15	जो कोई सीधा मार्ग अपनाए तो उसने अपने ही लिए सीधा मार्ग अपनाया और जो पथभ्रष्टो हुआ, तो वह अपने ही बुरे के लिए भटका। और कोई भी बोझ उठानेवाला किसी दूसरे का बोझ नहीं उठाएगा। और हम लोगों को यातना नहीं देते जब तक कोई रसूल न भेज दें	**[विरोधाभास: प्रत्येक आत्मा अपनी ही जिम्मेदारी उठाएगी 2:123, 6:164, 17:15, 35:18, दूसरों का बोझ भी 16:25, 29:13, 37:33]**
Waitha aradna an nuhlika qaryatan amarna mutrafeeha fafasaqoo feeha fahaqqa AAalayha alqawlu fadammarnaha tadmeeran	**[Now a days, during tsunami and earthquakes, no messengers comes beforehand; Why God has to be vengenceful in this word, if he has created Hell.]**	And when We intend to destroy a city, We command its affluent but they defiantly disobey therein; so the word comes into effect upon it, and We destroy it with [complete] destruction.	17:16	और जब हम किसी बस्ती को विनष्ट करने का इरादा कर लेते है तो उसके सुखभोगी लोगों को आदेश देते है तो (आदेश मानने के बजाए) वे वहाँ अवज्ञा करने लग जाते है, तब उनपर बात पूरी हो जाती है, फिर हम उन्हें बिलकुल उखाड़ फेकते है	**[आजकल, सुनामी और भूकंप के दौरान, कोई संदेशवाहक पहले नहीं आता; अगर अल्लाह ने नर्क बनाया है, तो इस दुनिया में अल्लाह को प्रतिशोध क्यों लेना चाहिए।]**
Wakam ahlakna mina alqurooni min baAAdi noohin wakafa birabbika bithunoobi AAibadihi khabeeran baseeran	x	And how many have We destroyed from the generations after Noah. And sufficient is your Lord, concerning the sins of His servants, as Acquainted and Seeing.	17:17	हमने नूह के पश्चात कितनी ही नस्लों को विनष्ट कर दिया। तुम्हारा रब अपने बन्दों के गुनाहों की ख़बर रखने, देखने के लिए काफ़ी है	x

Man kana yureedu alAAajilata AAajjalna lahu feeha ma nashao liman nureedu thumma jaAAalna lahu jahannama yaslaha mathmooman madhooran	x	Whoever should desire the immediate - We hasten for him from it what We will to whom We intend. Then We have made for him Hell, which he will [enter to] burn, censured and banished.	17:18	जो कोई शीघ्र प्राप्त, होनेवाली को चाहता है उसके लिए हम उसी में जो कुछ किसी के लिए चाहते है शीघ्र प्रदान कर देते है। फिर उसके लिए हमने जहन्नम तैयार कर रखा है जिसमें वह अपयशग्रस्त और ठुकराया हुआ प्रवेश करेगा	x
Waman arada alakhirata wasaAAa laha saAAyaha wahuwa muminun faolaika kana saAAyuhum mashkooran	x	But whoever desires the Hereafter and exerts the effort due to it while he is a believer - it is those whose effort is ever appreciated [by Allah].	17:19	और जो आख़िरत चाहता हो और उसके लिए ऐसा प्रयास भी करे जैसा कि उसके लिए प्रयास करना चाहिए और वह हो मोमिन, तो ऐसे ही लोग है जिनके प्रयास की क़द्र की जाएगी	x
Kullan numiddu haolai wahaolai min AAatai rabbika wama kana AAatao rabbika mahthooran	x	To each [category] We extend - to these and to those - from the gift of your Lord. And never has the gift of your Lord been restricted.	17:20	इन्हें भी और इनको भी, प्रत्येक को हम तुम्हारे रब की देन में से सहायता पहुँचाए जा रहे है, और तुम्हारे रब की देन बन्द नहीं है	x
Onthur kayfa faddalna baAAdahum AAala baAAdin walalakhiratu akbaru darajatin waakbaru tafdeelan	x	Look how We have favored [in provision] some of them over others. But the Hereafter is greater in degrees [of difference] and greater in distinction.	17:21	देखो, कैसे हमने उनके कुछ लोगों को कुछ के मुक़ाबले में आगे रखा है! और आख़िरत दर्जों की दृष्टि से सबसे बढ़कर है और श्रेष्ठता की दृष्टि से भी वह सबसे बढ़-चढ़कर है	x

La tajAAal maAAa Allahi ilahan akhara fataqAAuda mathmooman makhthoolan	Here begins the elucidation of a specific moral code.	Do not make [as equal] with Allah another deity and [thereby] become censured and forsaken.	17:22	अल्लाह के साथ कोई दूसरा पूज्य-प्रभु न बनाओ अन्यथा निन्दित और असहाय होकर बैठे रह जाओगे	यहाँ एक विशिष्ट नैतिक संहिता की व्याख्या शुरू होती है।
Waqada rabbuka alla taAAbudoo illa iyyahu wabialwalidayni ihsanan imma yablughanna AAindaka alkibara ahaduhuma aw kilahuma fala taqul lahuma offin wala tanharhuma waqul lahuma qawlan kareeman	**[Contradiction: Give good care to parents 2:83, 2:215, 4:36, 6:151, 17:23, 46:15, Don't care for them if they reject Islam, 9:23, 58:22, 60:4]**	And your Lord has decreed that you not worship except Him, and to parents, good treatment. Whether one or both of them reach old age [while] with you, say not to them [so much as], "uff," and do not repel them but speak to them a noble word.	17:23	तुम्हारे रब ने फ़ैसला कर दिया है कि उसके सिवा किसी की बन्दगी न करो और माँ-बाप के साथ अच्छा व्यवहार करो। यदि उनमें से कोई एक या दोनों ही तुम्हारे सामने बुढ़ापे को पहुँच जाएँ तो उन्हें 'उँह' तक न कहो और न उन्हें झिझको, बल्कि उनसे शिष्टतापूर्वक बात करो	**[विरोधाभास: माता-पिता की अच्छी देखभाल करें 2:83, 2:215, 4:36, 6:151, 17:23, 46:15, यदि वे इस्लाम को अस्वीकार करें तो उनकी परवाह न करें, 9:23, 58:22, 60:4]**
Waikhfid lahuma janaha alththulli mina alrrahmati waqul rabbi irhamhuma kama rabbayanee	**[But don't ask for forgiveness if they died as disbeliever.]**	And lower to them the wing of humility out of mercy and say, "My Lord, have mercy upon them as they brought me up [when I was] small."	17:24	और उनके आगे दयालुता से नम्रता की भुजाएँ बिछाए रखो और कहो, "मेरे रब! जिस प्रकार उन्होंने बालकाल में मुझे पाला है, तू भी उनपर दया कर।"	**[लेकिन अगर वे काफ़िर के रूप में मर गए हैं तो क्षमा मांगना मत।]**
Rabbukum aAAlamu bima fee nufoosikum in takoonoo saliheena fainnahu kana lilawwabeena ghafooran	x	Your Lord is most knowing of what is within yourselves. If you should be righteous [in intention] - then indeed He is ever, to the often returning [to Him], Forgiving.	17:25	जो कुछ तुम्हारे जी में है उसे तुम्हारा रब भली-भाँति जानता है। यदि तुम सुयोग्य और अच्छे हुए तो निश्चय ही वह भी ऐसे रुजू करनेवालों के लिए बड़ा क्षमाशील है	x

Waati tha alqurba haqqahu waalmiskeena waibna alssabeeli wala tubaththir tabtheeran	x	And give the relative his right, and [also] the poor and the traveler, and do not spend wastefully.	17:26	और नातेदार को उसका हक़ दो मुहताज और मुसाफ़िर को भी - और फ़ुज़ूलख़र्ची न करो	x
Inna almubaththireena kanoo ikhwana alshshayateeni wakana alshshaytanu	x	Indeed, the wasteful are brothers of the devils, and ever has Satan been to his Lord ungrateful.	17:27	निश्चय ही फ़ुज़ूलख़र्ची करनेवाले शैतान के भाई है और शैतान अपने रब का बड़ा ही कृतघ्न है। -	x
Waimma tuAAridanna AAanhumu ibtighaa rahmatin min rabbika tarjooha faqul lahum qawlan	x	And if you [must] turn away from the needy awaiting mercy from your Lord which you expect, then speak to them a gentle word.	17:28	किन्तु यदि तुम्हें अपने रब की दयालुता की खोज में, जिसकी तुम आशा रखते हो, उनसे कतराना भी पड़े, तो इस दशा में तुम उनसें नर्म बात करो	x
Wala tajAAal yadaka maghloolatan ila AAunuqika wala tabsutha kulla albasti fataqAAuda	Moderation in spending neither be miser (hand chained to neck) not extravagant (extend it completely).	And do not make your hand [as] chained to your neck or extend it completely and [thereby] become blamed and insolvent.	17:29	और अपना हाथ न तो अपनी गरदन से बाँधे रखो और न उसे बिलकुल खुला छोड़ दो कि निन्दित और असहाय होकर बैठ जाओ	खर्च में संयम रखें, न कंजूस (गरदन से बाँधे) और न ही फिजूलखर्च (बिलकुल खुला छोड़ना)।
Inna rabbaka yabsutu alrrizqa liman yashao wayaqdiru innahu kana biAAibadihi khabeeran baseeran	Income comes from Allah.	Indeed, your Lord extends provision for whom He wills and restricts [it]. Indeed He is ever, concerning His servants, Acquainted and Seeing.	17:30	तुम्हारा रब जिसको चाहता है प्रचुर और फैली हुई रोज़ी प्रदान करता है और इसी प्रकार नपी-तुली भी। निस्संदेह वह अपने बन्दों की ख़बर और उनपर नज़र रखता है	आय अल्लाह से आती है।

Wala taqtuloo awladakum khashyata imlaqin nahnu narzuquhum waiyyakum inna qatlahum kana khitan kabeeran	x	And do not kill your children for fear of poverty. We provide for them and for you. Indeed, their killing is ever a great sin.	17:31	और निर्धनता के भय से अपनी सन्तान की हत्या न करो, हम उन्हें भी रोज़ी देंगे और तुम्हें भी। वास्तव में उनकी हत्या बहुत ही बड़ा अपराध है	x
Wala taqraboo alzzina innahu kana fahishatan wasaa sabeelan	**[Sex with slaves, war captives are permitted. Also temporary marriages were permitted during prophet's lifetime.]**	And do not approach unlawful sexual intercourse. Indeed, it is ever an immorality and is evil as a way.	17:32	और व्यभिचार के निकट न जाओ। वह एक अश्लील कर्म और बुरा मार्ग है	**[दासों और युद्ध में पकड़े गए व्यक्तियों के साथ यौन संबंध की अनुमति थी। पैगंबर के जीवनकाल में अस्थायी विवाह की भी अनुमति थी।]**
Wala taqtuloo alnnafsa allatee harrama Allahu illa bialhaqqi waman qutila mathlooman faqad jaAAalna liwaliyyihi sultanan fala yusrif fee alqatli innahu kana mansooran	**[However, this is only true while dealing with Muslims.]**	And do not kill the soul which Allah has forbidden, except by right. And whoever is killed unjustly - We have given his heir authority, but let him not exceed limits in [the matter of] taking life. Indeed, he has been supported [by the law].	17:33	किसी जीव की हत्या न करो, जिसे (मारना) अल्लाह ने हराम ठहराया है। यह और बात है कि हक़ (न्याय) का तक़ाज़ा यही हो। और जिसकी अन्यायपूर्वक हत्या की गई हो, उसके उत्तराधिकारी को हमने अधिकार दिया है (कि वह हत्यारे से बदला ले सकता है), किन्तु वह हत्या के विषय में सीमा का उल्लंघन न करे। निश्चय ही उसकी सहायता की जाएगी	**[हालाँकि, यह केवल मुसलमानों के साथ व्यवहार करते समय ही सत्य है।]**

Wala taqraboo mala alyateemi illa biallatee hiya ahsanu hatta yablugha ashuddahu waawfoo bialAAahdi inna alAAahda kana masoolan	x	And do not approach the property of an orphan, except in the way that is best, until he reaches maturity. And fulfill [every] commitment. Indeed, the commitment is ever [that about which one will be] questioned.	17:34	और अनाथ के माल को हाथ में लगाओ सिवाय उत्तम रीति के, यहाँ तक कि वह अपनी युवा अवस्था को पहुँच जाए, और प्रतिज्ञा पूरी करो। प्रतिज्ञा के विषय में अवश्य पूछा जाएगा	x
Waawfoo alkayla itha kiltum wazinoo bialqistasi almustaqeemi thalika khayrun waahsanu taweelan	x	And give full measure when you measure, and weigh with an even balance. That is the best [way] and best in result.	17:35	और जब नापकर दो तो, नाप पूरी रखो। और ठीक तराज़ू से तौलो, यही उत्तम और परिणाम की दृष्टि से भी अधिक अच्छा है	x
Wala taqfu ma laysa laka bihi AAilmun inna alssamAAa waalbasara waalfuada kullu olaika kana AAanhu masoolan	Do not accuse anyone of that of which you have no knowledge or be a false witness.	And do not pursue that of which you have no knowledge. Indeed, the hearing, the sight and the heart - about all those [one] will be questioned.	17:36	और जिस चीज़ का तुम्हें ज्ञान न हो उसके पीछे न लगो। निस्संदेह कान और आँख और दिल इनमें से प्रत्येक के विषय में पूछा जाएगा	जिसके बारे में तुम्हें कोई जानकारी न हो, उसके बारे में किसी पर आरोप न लगाओ और झूठा गवाह मत बनो।
Wala tamshi fee alardi marahan innaka lan takhriqa alarda walan tablugha aljibala toolan	x	And do not walk upon the earth exultantly. Indeed, you will never tear the earth [apart], and you will never reach the mountains in height.	17:37	और धरती में अकड़कर न चलो, न तो तुम धरती को फाड़ सकते हो और न लम्बे होकर पहाड़ो को पहुँच सकते हो	x
Kullu thalika kana sayyiohu AAinda rabbika makroohan	x	All that - its evil is ever, in the sight of your Lord, detested.	17:38	इनमें से प्रत्येक की बुराई तुम्हारे रब की स्पष्ट में अप्रिय ही है	x

Thalika mimma awha ilayka rabbuka mina alhikmati wala tajAAal maAAa Allahi ilahan akhara fatulqa fee jahannama malooman	x	That is from what your Lord has revealed to you, [O Muhammad], of wisdom. And, [O mankind], do not make [as equal] with Allah another deity, lest you be thrown into Hell, blamed and	17:39	ये तत्वदर्शिता की वे बातें है, जिनकी प्रकाशना तुम्हारे रब ने तुम्हारी ओर की है। और देखो, अल्लाह के साथ कोई दूसरा पूज्य-प्रभु न घड़ना, अन्यथा जहन्नम में डाल दिए जाओगे निन्दित, ठुकराए हुए!	x
Afaasfakum rabbukum bialbaneena waittakhatha mina almalaikati inathan innakum lataqooloona qawlan AAatheeman	Refers to Goddess of Quraysh.	Then, has your Lord chosen you for [having] sons and taken from among the angels daughters? Indeed, you say a grave saying.	17:40	क्या तुम्हारे रब ने तुम्हें तो बेटों के लिए ख़ास किया और स्वयं अपने लिए फ़रिश्तों को बेटियाँ बनाया? बहुत भारी बात है जो तुम कह रहे हो!	कुरैश की देवी को संदर्भित करता है।
Walaqad sarrafna fee hatha alqurani liyaththakkaroo wama yazeeduhum illa nufooran	x	And We have certainly diversified [the contents] in this Qur'an that mankind may be reminded, but it does not increase the disbelievers except in aversion.	17:41	हमने इस क़ुरआन में विभिन्न ढंग से बात का स्पष्टीकरण किया कि वे चेतें, किन्तु इसमें उनकी नफ़रत ही बढ़ती है	x
Qul law kana maAAahu alihatun kama yaqooloona ithan laibtaghaw ila thee alAAarshi sabeelan	**[A hypothetical discussion; Contradiction: Does false dieties exist: Don't 10:18, 12:40, 17:42, 21:22, 53:23; Yes, 2:166, 7:194, 16:86, 18:51, 21:43, 21:99, 25:17].**	Say, [O Muhammad], "If there had been with Him [other] gods, as they say, then they [each] would have sought to the Owner of the Throne a way."	17:42	कह दो, "यदि उसके साथ अन्य भी पूज्य-प्रभु होते, जैसा कि ये कहते हैं, तब तो वे सिंहासनवाले (के पद) तक पहुँचने का कोई मार्ग अवश्य तलाश करते"	**[एक काल्पनिक चर्चा; विरोधाभास: क्या झूठे देवता मौजूद हैं: नहीं 10:18, 12:40, 17:42, 21:22, 53:23; हाँ, 2:166, 7:194, 16:86, 18:51, 21:43, 21:99].**

Subhanahu wataAAala AAamma yaqooloona AAuluwwan	x	Exalted is He and high above what they say by great sublimity.	17:43	महिमावान है वह! और बहुत उच्च है उन बातों से जो वे कहते है!	x
Tusabbihu lahu alssamawatu alssabAAu waalardu waman feehinna wain min shayin illa yusabbihu bihamdihi walakin la tafqahoona tasbeehahum innahu kana haleeman ghafooran	**[There is no proof that everything prays to Allah. What about Atheists.]**	The seven heavens and the earth and whatever is in them exalt Him. And there is not a thing except that it exalts [Allah] by His praise, but you do not understand their [way of] exalting. Indeed, He is ever Forbearing and Forgiving.	17:44	सातों आकाश और धरती और जो कोई भी उनमें है सब उसकी तसबीह (महिमागान) करते है और ऐसी कोई चीज़ नहीं जो उसका गुणगान न करती हो। किन्तु तुम उनकी तसबीह को समझते नहीं। निश्चय ही वह अत्यन्त सहनशील, क्षमावान है	**[इस बात का कोई सबूत नहीं है कि सब कुछ अल्लाह की इबादत करता है। नास्तिकों का क्या?]**
Waitha qarata alqurana jaAAalna baynaka wabayna allatheena la yuminoona bialakhirati hijaban mastooran	**[Why would Allah do something like this.]**	And when you recite the Qur'an, We put between you and those who do not believe in the Hereafter a concealed partition.	17:45	जब तुम क़ुरआन पढ़ते हो तो हम तुम्हारे और उन लोगों के बीच, जो आख़िरत को नहीं मानते एक अदृश्य पर्दे की आड़ कर देते है	**[अल्लाह ऐसा क्यों करेगा।]**

WajaAAalna AAala quloobihim akinnatan an yafqahoohu wafee athanihim waqran waitha thakarta rabbaka fee alqurani wahdahu wallaw AAala adbarihim nufooran	**[Why would Allah do something like this.]**	And We have placed over their hearts coverings, lest they understand it, and in their ears deafness. And when you mention your Lord alone in the Qur'an, they turn back in aversion.	17:46	और उनके दिलों पर भी परदे डाल देते है कि वे समझ न सकें। और उनके कानों में बोझ (कि वे सुन न सकें) । और जब तुम क़ुरआन के माध्यम से अपने रब का वर्णन उसे अकेला बताते हुए करते हो तो वे नफ़रत से अपनी पीठ फेरकर चल देते है	**[अल्लाह ऐसा क्यों करेगा।]**
Nahnu aAAlamu bima yastamiAAoona bihi ith yastamiAAoona ilayka waith hum najwa ith yaqoolu alththalimoona in tattabiAAoona illa rajulan mashooran	x	We are most knowing of how they listen to it when they listen to you and [of] when they are in private conversation, when the wrongdoers say, "You follow not but a man affected by magic."	17:47	जब वे तुम्हारी ओर कान लगाते हैं तो हम भली-भाँति जानते है कि उनके कान लगाने का प्रयोजन क्या है और उसे भी जब वे आपस में कानाफूसियाँ करते है, जब वे ज़ालिम कहते है, "तुम लोग तो बस उस आदमी के पीछे चलते हो जो पक्का जादूगर है।"	x
Onthur kayfa daraboo laka alamthala fadalloo fala yastateeAAoona	x	Look how they strike for you comparisons; but they have strayed, so they cannot [find] a way.	17:48	देखो, वे कैसी मिसालें तुमपर चस्पाँ करते है! वे तो भटक गए है, अब कोई मार्ग नहीं पा सकते!	x
Waqaloo aitha kunna AAithaman warufatan ainna lamabAAoothoona khalqan jadeedan	x	And they say, "When we are bones and crumbled particles, will we [truly] be resurrected as a new creation?"	17:49	वे कहते है, "क्या जब हम हड्डियाँ और चूर्ण-विचूर्ण होकर रह जाएँगे, तो क्या हम फिर नए बनकर उठेंगे?"	x
Qul koonoo hijaratan aw	x	Say, "Be you stones or iron	17:50	कह दो, "तुम पत्थर या लोहो हो जाओ,	x

Aw khalqan mimma yakburu fee sudoorikum fasayaqooloona man yuAAeeduna quli allathee fatarakum awwala marratin fasayunghidoona ilayka ruoosahum wayaqooloona mata huwa qul AAasa an yakoona qareeban	Means, whatever you want to be, go ahead, Allah will still resurrect you after you die.	Or [any] creation of that which is great within your breasts." And they will say, "Who will restore us?" Say, "He who brought you forth the first time." Then they will nod their heads toward you and say, "When is that?" Say, "Perhaps it will be soon -	17:51	या कोई और चीज़ जो तुम्हारे जी में अत्यन्त विकट हो।" तब वे कहेंगे, "कौन हमें पलटाकर लाएगा?" कह दो, "वहीं जिसने तुम्हें पहली बार पैदा किया।" तब वे तुम्हारे आगे अपने सिरों को हिला-हिलाकर कहेंगे, "अच्छा तो वह कह होगा?" कह दो, "कदाचित कि वह निकट ही हो।"	मतलब, आप जो भी बनना चाहते हैं, बनें, अल्लाह आपको मरने के बाद भी जीवित करेगा।
Yawma yadAAookum fatastajeeboona bihamdihi watathunnoona in labithtum illa	x	On the Day He will call you and you will respond with praise of Him and think that you had not remained [in the world] except for a little."	17:52	जिस दिन वह तुम्हें पुकारेगा, तो तुम उसकी प्रशंसा करते हुए उसकी आज्ञा को स्वीकार करोगे और समझोगे कि तुम बस थोड़ी ही देर ठहरे रहे हो	x
Waqul liAAibadee yaqooloo allatee hiya ahsanu inna alshshaytana yanzaghu baynahum inna alshshaytana kana lilinsani AAaduwwan mubeenan	The idolaters were in the habit of harming the companions of the Messenger (pbuh), verbally and physically. When the latter complained to the Messenger (pbuh), this verse was revealed.	And tell My servants to say that which is best. Indeed, Satan induces [dissension] among them. Indeed Satan is ever, to mankind, a clear enemy.	17:53	मेरे बन्दों से कह दो कि "बात वहीं कहें जो उत्तम हो। शैतान तो उनके बीच उकसाकर फ़साद डालता रहता है। निस्संदेह शैतान मनुष्य का प्रत्यक्ष शत्रु है।"	मूर्तिपूजी पैगंबर के साथियों को मौखिक और शारीरिक रूप से नुकसान पहुंचाने की आदत में थे। जब उन्होंने पैगंबर (स.) से शिकायत की, तो यह आयत उतरी।

Rabbukum aAAlamu bikum in yasha yarhamkum aw in yasha yuAAaththibkum wama arsalnaka AAalayhim wakeelan	**[Abrogated by later Jihadi verses.]**	Your Lord is most knowing of you. If He wills, He will have mercy upon you; or if He wills, He will punish you. And We have not sent you, [O Muhammad], over them as a manager.	17:54	तुम्हारा रब तुमसे भली-भाँति परिचित है। वह चाहे तो तुमपर दया करे या चाहे तो तुम्हें यातना दे। हमने तुम्हें उनकी ज़िम्मेदारी लेनेवाला कोई क्यक्ति बनाकर नहीं भेजा है (कि उन्हें अनिवार्यतः संमार्ग पर ला ही दो)	**[बाद के जिहादी आयतों द्वारा निरस्त किया गया।]**
Warabbuka aAAlamu biman fee alssamawati waalardi walaqad faddalna baAAda alnnabiyyeena AAala baAAdin waatayna dawooda	**[Not all the psalms were given to King David; Contradiction: Are all prophets equal 2:285; no, they have grades 2:253, 17:55]**	And your Lord is most knowing of whoever is in the heavens and the earth. And We have made some of the prophets exceed others [in various ways], and to David We gave the book [of Psalms].	17:55	तुम्हारा रब उससे भी भली-भाँति परिचित है जो कोई आकाशों और धरती में है, और हमने कुछ नबियों को कुछ की अपेक्षा श्रेष्ठता दी और हमने ही दाऊद को ज़बूर प्रदान की थी	**[सभी भजन गीत दाऊद को नहीं दिए गए थे; विरोधाभास: क्या सभी नबी समान हैं 2:285; नहीं, उनके درجات हैं 2:253, 17:55]**
Quli odAAu allatheena zaAAamtum min doonihi fala yamlikoona kashfa alddurri AAankum wala tahweelan	x	Say, "Invoke those you have claimed [as gods] besides Him, for they do not possess the [ability for] removal of adversity from you or [for its] transfer [to someone else]."	17:56	कह दो, "तुम उससे इतर जिनको भी पूज्य-प्रभु समझते हो उन्हें पुकार कर देखो। वे न तुमसे कोई कष्ट दूर करने का अधिकार रखते है और न उसे बदलने का।"	x

Olaika allatheena yadAAoona yabtaghoona ila rabbihimu alwaseelata ayyuhum aqrabu wayarjoona rahmatahu wayakhafoona AAathabahu inna AAathaba rabbika	x	Those whom they invoke seek means of access to their Lord, [striving as to] which of them would be nearest, and they hope for His mercy and fear His punishment. Indeed, the punishment of your Lord is ever feared.	17:57	जिनको ये लोग पुकारते हैं वे तो स्वयं अपने रब का सामीप्य ढूँढते है कि कौन उनमें से सबसे अधिक निकटता प्राप्त कर ले। और वे उसकी दयालुता की आशा रखते है और उसकी यातना से डरते रहते है। तुम्हारे रब की यातना तो है ही डरने की चीज़!	x
Wain min qaryatin illa nahnu muhlikooha qabla yawmi alqiyamati aw muAAaththibooha AAathaban shadeedan kana thalika fee alkitabi	x	And there is no city but that We will destroy it before the Day of Resurrection or punish it with a severe punishment. That has ever been in the Register inscribed.	17:58	कोई भी (अवज्ञाकारी) बस्ती ऐसी नहीं जिसे हम क़ियामत के दिन से पहले विनष्टअ न कर दें या उसे कठोर यातना न दे। यह बात किताब में लिखी जा चुकी है	x

Wama manaAAana an nursila bialayati illa an kaththaba biha alawwaloona waatayna thamooda alnnaqata mubsiratan fathalamoo biha wama nursilu bialayati illa takhweefan	The people of Mecca were asking the prophet to present some miracle so that they could believe. This verse gives explanation why no sign was given to prophet muhammad (pbuh). **[Contradiction: 7:120, The Magicians became believers after seeing miracle of Moses. Also so many people believed in Jesus after seeing miracles and God gave Jesus Miracles even after former people denied their Messengers.]**	And nothing has prevented Us from sending signs except that the former peoples denied them. And We gave Thamud the she-camel as a visible sign, but they wronged her. And We send not the signs except as a warning.	17:59	हमें निशानियाँ (देकर नबी को) भेजने से इसके सिवा किसी चीज़ ने नहीं रोका कि पहले के लोग उनको झुठला चुके है। और (उदाहरणार्थ) हमने समूद को स्पष्ट प्रमाण के रूप में ऊँटनी दी, किन्तु उन्होंने ग़लत नीति अपनाकर स्वयं ही अपनी जानों पर ज़ुल्म किया। हम निशानियाँ तो डराने ही के लिए भेजते है	मक्का के लोग पैगंबर से किसी चमत्कार दिखाने की मांग कर रहे थे ताकि वे विश्वास कर सकें। यह आयत बताती है कि पैगंबर मोहम्मद (स.) को कोई निशानी क्यों नहीं दी गई। **[विरोधाभास: 7:120, जादूगर मूसा के चमत्कार देखने के बाद विश्वास करने लगे। इसके अलावा, इतने सारे ईसा के चमत्कार देखने के बाद विश्वास कर गए और ईश्वर ने ईसा को चमत्कार दिए, पुराने लोग के अपने पैगंबरों से इंकार करने के बाद भी।]**
Waith qulna laka inna rabbaka ahata bialnnasi wama jaAAalna alrruya allatee araynaka illa fitnatan lilnnasi waalshshajarata almalAAoonata fee alqurani wanukhawwifuhum fama yazeeduhum illa tughyanan kabeeran	When the tree of al-Zaqqum was mentioned in the Qur'an [37:62; 44:43 and 56:52], the Quraysh were threatened with it. Abu Jahl said: 'Zaqqum is like meat and broth with cream and we will devour it!' Then this verse was revealed.	And [remember, O Muhammad], when We told you, "Indeed, your Lord has encompassed the people." And We did not make the sight which We showed you except as a trial for the people, as was the accursed tree [mentioned] in the Qur'an. And We threaten them, but it increases them not except in great	17:60	जब हमने तुमसे कहा, "तुम्हारे रब ने लोगों को अपने घेरे में ले रखा है और जो अलौकिक दर्शन हमने तुम्हें कराया उसे तो हमने लोगों के लिए केवल एक आज़माइश बना दिया और उस वृक्ष को भी जिसे क़ुरआन में तिरस्कृत ठहराया गया है। हम उन्हें डराते है, किन्तु यह चीज़ उनकी बढ़ी हुई सरकशी ही को बढ़ा रही है।"	जब ज़क्कूम के पेड़ का जिक्र कुरआन में किया गया [37:62; 44:43 और 56:52], तो कुरैश को इसके साथ धमकाया गया। अबू जल ने कहा: 'ज़क्कूम मांस और मलाई वाली शोरबा की तरह है और हम इसे खा लेंगे!' फिर यह आयत प्रकट हुई।

Waith qulna lilmalaikati osjudoo liadama fasajadoo illa ibleesa qala aasjudu liman khalaqta teenan	**[Contradiction: Adam was made From clay 6:2, 7:12, 17:61, 18:76, 32:7, From sounding clay 15:26, 15:28, 15:33, From ringing clay 55:64, From sticky clay 37:11, From essence of clay 23:12, From mud 15:26, 15:28, 15:33, From dust 3:59, 22:5, 31:11, 40:67, Form earth 20:55, From nothing 19:9, 19:67, From water 21:30, 24:45, 25:54, From base material 70:39; Science says that man evolved from earlier**	And [mention] when We said to the angles, "Prostrate to Adam," and they prostrated, except for Iblees. He said, "Should I prostrate to one You created from clay?"	17:61	याद करो जब हमने फ़रिश्तों से कहा, "आदम को सजदा करो तो इबलीस को छोड़कर सबने सजदा किया।" उसने कहा, "क्या मैं उसे सजदा करूँ, जिसे तूने मिट्टी से बनाया है?"	**[विरोधाभास: आदम मिट्टी से बने थे 6:2, 7:12, 17:61, 18:76, 32:7, ध्वनि करने वाली मिट्टी से 15:26, 15:28, 15:33, गूंजने वाली मिट्टी से 55:64, चिपचिपी मिट्टी से 37:11, मिट्टी के सार से 23:12, कीचड़ से 15:26, 15:28, 15:33, धूल से 3:59, 22:5, 31:11, 40:67, पृथ्वी से 20:55, कुछ से नहीं 19:9, 19:67, पानी से 21:30, 24:45, 25:54, आधारभूत पदार्थ से 70:39; विज्ञान कहता है कि मनुष्य पहले के प्राइमेट्स से विकसित हुआ।]**
Qala araaytaka hatha allathee karramta AAalayya lain akhkhartani ila yawmi alqiyamati laahtanikanna thurriyyatahu illa qaleelan	**[Iblees also had knowledge of future / unseen.]**	[Iblees] said, "Do You see this one whom You have honored above me? If You delay me until the Day of Resurrection, I will surely destroy his descendants, except for a few."	17:62	कहने लगा, "देख तो सही, उसे जिसको तूने मेरे मुक़ाबले में श्रेष्ठ ता प्रदान की है, यदि तूने मुझे क़ियामत के दिन तक मुहलत दे दी, तो मैं अवश्य ही उसकी सन्तान को वश में करके उसका उन्मूलन कर डालूँगा। केवल थोड़े ही लोग बच सकेंगे।"	**[इब्लीस के पास भी भविष्य / अदृश्य चीजों का ज्ञान था।]**
Qala ithhab faman tabiAAaka minhum fainna jahannama jazaokum jazaan mawfooran	x	[Allah] said, "Go, for whoever of them follows you, indeed Hell will be the recompense of you - an ample recompense.	17:63	कहा, "जा, उनमें से जो भी तेरा अनुसरण करेगा, तो तुझ सहित ऐसे सभी लोगों का भरपूर बदला जहन्नम है	x

Waistafziz mani istataAAta minhum bisawtika waajlib AAalayhim bikhaylika warajlika washarikhum fee alamwali waalawladi waAAidhum wama yaAAiduhumu alshshaytanu illa ghurooran	x	And incite [to senselessness] whoever you can among them with your voice and assault them with your horses and foot soldiers and become a partner in their wealth and their children and promise them." But Satan does not promise them except delusion.	17:64	उनमें सो जिस किसी पर तेरा बस चले उसके क़दम अपनी आवाज़ से उखाड़ दे। और उनपर अपने सवार और अपने प्यादे (पैदल सेना) चढ़ा ला। और माल और सन्तान में भी उनके साथ साझा लगा। और उनसे वादे कर!" - किन्तु शैतान उनसे जो वादे करता है वह एक धोखे के सिवा और कुछ भी नहीं होता। -	x
Inna AAibadee laysa laka AAalayhim sultanun wakafa birabbika wakeelan	**[Then how Satan inserted words in the mouth of prophet and also black magic worked on him, verse 22:52, Sahih Bukhari 1071, 4862.]**	Indeed, over My [believing] servants there is for you no authority. And sufficient is your Lord as Disposer of affairs.	17:65	"निश्चय ही जो मेरे (सच्चे) बन्दे है उनपर तेरा कुछ भी ज़ोर नहीं चल सकता।" तुम्हारा रब इसके लिए काफ़ी है कि अपना मामला उसी को सौंप दिया जाए	**[फिर शैतान ने पैगंबर के मुंह में कैसे शब्द डाले और उस पर काला जादू भी कैसे असर करता रहा, सूरह 22:52, सहिह बुखारी 1071, 4862.]**
Rabbukumu allathee yuzjee lakumu alfulka fee albahri litabtaghoo min fadlihi innahu kana bikum raheeman	**[Why Allah is driving ships for disbelievers like USA, China, Russia.]**	It is your Lord who drives the ship for you through the sea that you may seek of His bounty. Indeed, He is ever, to you, Merciful.	17:66	तुम्हारा रब तो वह है जो तुम्हारे लिए समुद्र में नौका चलाता है, ताकि तुम उसका अनुग्रह (आजीविका) तलाश करो। वह तुम्हारे हाल पर अत्यन्त दयावान है	**[क्यों अल्लाह ऐसे अविश्वासियों के लिए जहाज चला रहे हैं जैसे कि अमेरिका, चीन, रूस।]**

Waitha massakumu alddurru fee albahri dalla man tadAAoona illa iyyahu falamma najjakum ila albarri aAAradtum wakana alinsanu kafooran	x	And when adversity touches you at sea, lost are [all] those you invoke except for Him. But when He delivers you to the land, you turn away [from Him]. And ever is man ungrateful.	17:67	जब समुद्र में तुम पर कोई आपदा आती है तो उसके सिवा वे सब जिन्हें तुम पुकारते हो, गुम होकर रह जाते है, किन्तु फिर जब वह तुम्हें बचाकर थल पर पहुँचा देता है तो तुम उससे मुँह मोड़ जाते हो। मानव बड़ा ही अकृतज्ञ है	x
Afaamintum an yakhsifa bikum janiba albarri aw yursila AAalaykum hasiban thumma la tajidoo lakum wakeelan	x	Then do you feel secure that [instead] He will not cause a part of the land to swallow you or send against you a storm of stones? Then you would not find for yourselves an	17:68	क्या तुम इससे निश्चिन्त हो कि वह कभी थल की ओर ले जाकर तुम्हें धँसा दे या तुमपर पथराव करनेवाली आँधी भेज दे; फिर अपना कोई कार्यसाधक न पाओ?	x
Am amintum an yuAAeedakum feehi taratan okhra fayursila AAalaykum qasifan mina alrreehi fayughriqakum bima kafartum thumma la tajidoo lakum AAalayna bihi	**[All Hurricane and drowing are caused by Allah.]**	Or do you feel secure that He will not send you back into the sea another time and send upon you a hurricane of wind and drown you for what you denied? Then you would not find for yourselves against Us an avenger.	17:69	या तुम इससे निश्चिन्त हो कि वह फिर तुम्हें उसमें दोबारा ले जाए और तुमपर प्रचंड तूफ़ानी हवा भेज दे और तुम्हें तुम्हारे इनकार के बदले में डूबो दे। फिर तुम किसी को ऐसा न पाओ जो तुम्हारे लिए इसपर हमारा पीछा करनेवाला हो?	**[सभी तूफ़ान और डूबने के कारण अल्लाह हैं।]**

Walaqad karramna banee adama wahamalnahum fee albarri waalbahri warazaqnahum mina alttayyibati wafaddalnahum AAala katheerin mimman khalaqna tafdeelan	**[Why would Allah prefer a particular nation over others.]**	And We have certainly honored the children of Adam and carried them on the land and sea and provided for them of the good things and preferred them over much of what We have created, with [definite] preference.	17:70	हमने आदम की सन्तान को श्रेष्ठता प्रदान की और उन्हें थल और जल में सवारी दी और अच्छी-पाक चीज़ों की उन्हें रोज़ी दी और अपने पैदा किए हुए बहुत-से प्राणियों की अपेक्षा उन्हें श्रेष्ठता प्रदान की	**[अल्लाह किसी विशेष जाति को दूसरों पर क्यों प्राथमिकता देगा।]**
Yawma nadAAoo kulla onasin biimamihim faman ootiya kitabahu biyameenihi faolaika yaqraoona kitabahum wala yuthlamoona fateelan	x	[Mention, O Muhammad], the Day We will call forth every people with their record [of deeds]. Then whoever is given his record in his right hand - those will read their records, and injustice will not be done to them, [even] as much as a thread	17:71	(उस दिन से डरो) जिस दिन हम मानव के प्रत्येक गिरोह को उसके अपने नायक के साथ बुलाएँगे। फिर जिसे उसका कर्मपत्र उसके दाहिने हाथ में दिया गया, तो ऐसे लोग अपना कर्मपत्र पढ़ेंगे और उनके साथ तनिक भी अन्याय न होगा	x
Waman kana fee hathihi aAAma fahuwa fee alakhirati aAAma waadallu sabeelan	x	And whoever is blind in this [life] will be blind in the Hereafter and more astray in way.	17:72	और जो यहाँ अंधा होकर रहा वह आख़िरत में भी अंधा ही रहेगा, बल्कि वह मार्ग से और भी अधिक दूर पड़ा होगा	x

Wain kadoo layaftinoonaka AAani allathee awhayna ilayka litaftariya AAalayna ghayrahu waithan laittakhathooka khaleelan	One night the Quraysh met the Messenger (pbuh) alone and their meeting lasted until morning. They treated him as if he was one of their greats and chiefs. They said: 'You have brought something that no human being has brought before; you are our master and the son of our master', and they kept talking to him until he almost agreed to some of the things they wanted. Then this verse was revealed. **[How a Messenger could be tempted without Allah's command.]**	And indeed, they were about to tempt you away from that which We revealed to you in order to [make] you invent about Us something else; and then they would have taken you as a friend.	17:73	और वे लगते थे कि तुम्हें फ़िले में डालकर उस चीज़ से हटा देने को है जिसकी प्रकाशना हमने तुम्हारी ओर की है, ताकि तुम उससे भिन्न चीज़ घड़कर हमपर थोपो, और तब वे तुम्हें अपना घनिष्ठ मित्र बना लेते	एक रात क़ुरैश ने रसूल (स.) से अकेले मुलाकात की और उनकी मुलाकात सुबह तक चली। उन्होंने उनसे ऐसे पेश आए जैसे वह उनके किसी महान और प्रमुख व्यक्ति हों। उन्होंने कहा: 'आपने ऐसा कुछ लाया है जो किसी इंसान ने पहले नहीं लाया; आप हमारे मालिक हैं और हमारे मालिक के बेटे हैं', और वे उनसे बातें करते रहे जब तक कि वह लगभग उनके कुछ इच्छाओं को मानने ही वाले थे। तब यह आयत प्रकट हुई। **[कैसे एक रसूल को अल्लाह की अनुमति के बिना प्रलोभन दिया जा सकता है।]**
Walawla an thabbatnaka laqad kidta tarkanu ilayhim shayan	x	And if We had not strengthened you, you would have almost inclined to them a little.	17:74	यदि हम तुम्हें जमाव प्रदान न करते तो तुम उनकी ओर थोड़ा झुकने के निकट जा पहुँचते	x
Ithan laathaqnaka diAAfa alhayati wadiAAfa almamati thumma la tajidu laka AAalayna naseeran	This is how the Prophet would have been punished if he had given in at all to the disbelievers' demands that he change some of the revelation. **[How a Messenger could be tempted without Allah's**	Then [if you had], We would have made you taste double [punishment in] life and double [after] death. Then you would not find for yourself against Us a helper.	17:75	उस समय हम तुम्हें जीवन में भी दोहरा मज़ा चखाते और मृत्यु के पश्चात भी दोहरा मज़ा चखाते। फिर तुम हमारे मुक़ाबले में अपना कोई सहायक न पाते	यदि पैगंबर ने किसी भी तरह से अविश्वासियों की उस मांग को मान लिया होता कि वह कुछ आयत (प्रकाशन) को बदल दें, तो उन्हें इसी तरह दंडित किया जाता। **[कैसे एक रसूल को अल्लाह के आदेश के बिना लुभाया जा सकता है।]**

Wain kadoo layastafizzoonaka mina alardi liyukhrijooka minha waithan la yalbathoona khilafaka illa	Allah issued a warning to Quraysh in this Ayah, telling them that if they expelled the Messenger (pbuh), they would not stay in Makkah for very long after that.	And indeed, they were about to drive you from the land to evict you therefrom. And then [when they do], they will not remain [there] after you, except for a little.	17:76	और निश्चय ही उन्होंने चाल चली कि इस भूभाग से तुम्हारे क़दम उखाड़ दें, ताकि तुम्हें यहाँ से निकालकर ही रहे। और ऐसा हुआ तो तुम्हारे पीछे ये भी रह थोड़े ही पाएँगे	अल्लाह ने इस आयत में कुरैश को चेतावनी दी, उन्हें बताया कि अगर उन्होंने रसूल (स.) को बाहर निकाल दिया, तो वे उसके बाद मक्का में अधिक समय तक नहीं टिकेंगे।
Sunnata man qad arsalna qablaka min rusulina wala tajidu lisunnatina tahweelan	**[Despite of this a lot of abrogations are needed in many verses; Peaceful Mecca Islam became violent in Medina.]**	[That is Our] established way for those We had sent before you of Our messengers; and you will not find in Our way any alteration.	17:77	यही कार्य-प्रणाली हमारे उन रसूलों के विषय में भी रही है, जिन्हें हमने तुमसे पहले भेजा था और तुम हमारी कार्य-प्रणाली में कोई अन्तर न पाओगे	**[फिर भी कई आयतों में बहुत सी निरस्तीकरण की आवश्यकता है; शांतिपूर्ण मक्का का इस्लाम मदीना में हिंसक हो गया।]**
Aqimi alssalata lidulooki alshshamsi ila ghasaqi allayli waqurana alfajri inna qurana alfajri kana mashhoodan	x	Establish prayer at the decline of the sun [from its meridian] until the darkness of the night and [also] the Qur'an of dawn. Indeed, the recitation of dawn is ever witnessed.	17:78	नमाज़ क़ायम करो सूर्य के ढलने से लेकर रात के छा जाने तक और फ़ज्र (प्रभात) के क़ुरआन (अर्थात फ़ज्र की नमाज़ः के पाबन्द रहो। निश्चय ही फ़ज्र का क़ुरआन पढ़ना हुज़ूरी की चीज़ है	x
Wamina allayli fatahajjad bihi nafilatan laka AAasa an yabAAathaka rabbuka maqaman mahmoodan	x	And from [part of] the night, pray with it as additional [worship] for you; it is expected that your Lord will resurrect you to a praised station.	17:79	और रात के कुछ हिस्से में उस (क़ुरआन) के द्वारा जागरण किया करो, यह तुम्हारे लिए तद्अधिक (नफ़्ल) है। आशा है कि तुम्हारा रब तुम्हें उठाए ऐसा उठाना जो प्रशंसित हो	x

Waqul rabbi adkhilnee mudkhala sidqin waakhrijnee mukhraja sidqin waijAAal lee min ladunka sultanan naseeran	When Allah commanded Muslims to migrate to Medina to save them from persecution.	And say, "My Lord, cause me to enter a sound entrance and to exit a sound exit and grant me from Yourself a supporting authority."	17:80	और कहो, "मेरे रब! तू मुझे ख़ूबी के साथ दाख़िल कर और ख़ूबी के साथ निकाल, और अपनी ओर से मुझे सहायक शक्ति प्रदान कर।"	जब अल्लाह ने मुसलमानों को उत्पीड़न से बचाने के लिए मदीना पलायन करने का आदेश दिया।
Waqul jaa alhaqqu wazahaqa albatilu inna albatila kana zahooqan	x	And say, "Truth has come, and falsehood has departed. Indeed is falsehood, [by nature], ever bound to depart."	17:81	कह दो, "सत्य आ गया और असत्य मिट गया; असत्य तो मिट जानेवाला ही होता है।"	x
Wanunazzilu mina alqurani ma huwa shifaon warahmatun lilmumineena wala yazeedu alththalimeena illa khasaran	The disbelievers do not benefit from it or understand it, for Allah has made this Quran a cure and a mercy for the believers only. **[Very discriminatory verse]**	And We send down of the Qur'an that which is healing and mercy for the believers, but it does not increase the wrongdoers except in loss.	17:82	हम क़ुरआन में से जो उतारते है वह मोमिनों के लिए शिफ़ा (आरोग्य) और दयालुता है, किन्तु ज़ालिमों के लिए तो वह बस घाटे ही में अभिवृद्धि करता है	काफ़िरों को इससे कोई फ़ायदा नहीं होता और न ही वे इसे समझते हैं, क्योंकि अल्लाह ने यह क़ुरान सिर्फ़ ईमान लाने वालों के लिए शिफ़ा और रहमत बनाया है। **[बहुत भेदभावपूर्ण आयत]**
Waitha anAAamna AAala alinsani aAArada wanaa bijanibihi waitha massahu alshsharru kana yaoosan	x	And when We bestow favor upon the disbeliever, he turns away and distances himself; and when evil touches him, he is ever despairing.	17:83	मानव पर जब हम सुखद कृपा करते है तो वह मुँह फेरता और अपना पहलू बचाता है। किन्तु जब उसे तकलीफ़ पहुँचती है, तो वह निराश होने लगता है	x
Qul kullun yaAAmalu AAala shakilatihi farabbukum aAAlamu biman	x	Say, "Each works according to his manner, but your Lord is most knowing of who is best guided in way."	17:84	कह दो, "हर एक अपने ढब पर काम कर रहा है, तो अब तुम्हारा रब ही भली-भाँति जानता है कि कौन अधिक सीधे मार्ग पर है।"	x

Wayasaloonaka AAani alrroohi quli alrroohu min amri rabbee wama ooteetum mina alAAilmi illa qaleelan	A group of Jews asked the prophet (pbuh): 'O Abu'l-Qasim, what do you say about the Spirit?' He kept quiet. He then stood up and held his forehead with his hand and as this revelation was coming.	And they ask you, [O Muhammad], about the soul. Say, "The soul is of the affair of my Lord. And mankind have not been given of knowledge except a little."	17:85	वे तुमसे रूह के विषय में पूछते है। कह दो, "रूह का संबंध तो मेरे रब के आदेश से है, किन्तु ज्ञान तुम्हें मिला थोड़ा ही है।"	कुछ यहूदियों के एक समूह ने पैगंबर (स.) से पूछा: 'हे अबू अल-कासिम, आप रूह के बारे में क्या कहते हैं?' वह चुप रहे। फिर वह खड़े हुए और अपने माथे को अपने हाथ से पकड़ लिया और यह आयत आ रही थी।
Walain shina lanathhabanna biallathee awhayna ilayka thumma la tajidu laka bihi AAalayna wakeelan	If Allah willed, He could take away the Quran. **[Hypothetical argument.]**	And if We willed, We could surely do away with that which We revealed to you. Then you would not find for yourself concerning it an advocate	17:86	यदि हम चाहें तो वह सब छीन लें जो हमने तुम्हारी ओर प्रकाशना की है, फिर इसके लिए हमारे मुक़ाबले में अपना कोई समर्थक न पाओगे	अगर अल्लाह चाहें, तो वह कुरआन को हटा सकते हैं। **[काल्पनिक तर्क।]**
Illa rahmatan min rabbika inna fadlahu kana AAalayka kabeeran	x	Except [We have left it with you] as a mercy from your Lord. Indeed, His favor upon you has ever been great.	17:87	यह तो बस तुम्हारे रब की दयालुता है। वास्तविकता यह है कि उसका तुमपर बड़ा अनुग्रह है	x
Qul laini ijtamaAAati alinsu waaljinnu AAala an yatoo bimithli hatha alqurani la yatoona bimithlihi walaw kana baAAduhum libaAAdin thaheeran	**[Contradiction: How many Surah to be produced, 2:23 (One surah), 10:38 (one surah), 11:13 (10 surah), 17:88 (similar to it); See satanic verse 22:52; When mankind can't see Jinn, how they could be assistant]**	Say, "If mankind and the jinn gathered in order to produce the like of this Qur'an, they could not produce the like of it, even if they were to each other assistants."	17:88	कह दो, "यदि मनुष्य और जिन्न इसके लिए इकट्ठे हो जाएँ कि क़ुरआन जैसी कोई चीज़ लाएँ, तो वे इस जैसी कोई चीज़ न ला सकेंगे, चाहे वे आपस में एक-दूसरे के सहायक ही क्यों न हों।"	**[विरोधाभास: कितनी सूरह बनाई जानी चाहिए, 2:23 (एक सूरह), 10:38 (एक सूरह), 11:13 (10 सूरह), 17:88 (इसके समान); देखें शैतानी आयत 22:52; जब मनुष्य जिन्न को नहीं देख सकते, तो वे सहायक कैसे हो सकते हैं]**

Walaqad sarrafna lilnnasi fee hatha alqurani min kulli mathalin faaba aktharu alnnasi illa kufooran	**[It is impossible to to include everykind of example in one book; for many issues the Islamic Scholars need reference of Hadiths and some time Ijma.]**	And We have certainly diversified for the people in this Qur'an from every [kind] of example, but most of the people refused [anything] except disbelief.	17:89	हमने इस क़ुरआन में लोगों के लिए प्रत्येक तत्वदर्शिता की बात फेर-फेरकर बयान की, फिर भी अधिकतर लोगों के लिए इनकार के सिवा हर चीज़ अस्वीकार्य ही रही	**[एक किताब में हर तरह के उदाहरण शामिल करना असंभव है; कई मुद्दों के लिए इस्लामी विद्वानों को हदीस का संदर्भ और कभी-कभी इज्मा की आवश्यकता होती है।]**
Waqaloo lan numina laka hatta tafjura lana mina alardi yanbooAAan	**[People have not rejected but asked for a convincing proof as earlier prophet showed many miracles: 13:27, 14:10, 17:90-93]**	And they say, "We will not believe you until you break open for us from the ground a spring.	17:90	और उन्होंने कहा, "हम तुम्हारी बात नहीं मानेंगे, जब तक कि तुम हमारे लिए धरती से एक स्रोत प्रवाहित न कर दो,	**[लोगों ने इंकार नहीं किया बल्कि एक ठोस प्रमाण मांगा जैसे पहले के पैग़म्बर ने कई चमत्कार दिखाए: 13:27, 14:10, 17:90-93]**
Aw takoona laka jannatun min nakheelin waAAinabin fatufajjira alanhara khilalaha tafjeeran	x	Or [until] you have a garden of palm tress and grapes and make rivers gush forth within them in force [and abundance]	17:91	या फिर तुम्हारे लिए खजूरों और अंगूरों का एक बाग़ हो और तुम उसके बीच बहती नहरें निकाल दो,	x
Aw tusqita alssamaa kama zaAAamta AAalayna kisafan aw tatiya biAllahi waalmalaikati qabeelan	x	Or you make the heaven fall upon us in fragments as you have claimed or you bring Allah and the angels before [us]	17:92	या आकाश को टुकड़े-टुकड़े करके हम पर गिरा दो जैसा कि तुम्हारा दावा है, या अल्लाह और फ़रिश्तों ही को हमारे समझ ले आओ,	x

Aw yakoona laka baytun min zukhrufin aw tarqa fee alssamai walan numina liruqiyyika hatta tunazzila AAalayna kitaban naqraohu qul subhana rabbee hal kuntu illa basharan rasoolan	**[Contradiction: Whether prophet (pbuh) was a common man or not: Common, 6:50, 18:110, 38:65, 41:6, 46:9, 17:93; Special status: 4:80, 21:107, 33:56, 94:4]**	Or you have a house of gold or you ascend into the sky. And [even then], we will not believe in your ascension until you bring down to us a book we may read." Say, "Exalted is my Lord! Was I ever but a human messenger?"	17:93	या तुम्हारे लिए स्वर्ण-निर्मित एक घर हो जाए या तुम आकाश में चढ़ जाओ, और हम तुम्हारे चढ़ने को भी कदापि न मानेंगे, जब तक कि तुम हम पर एक किताब न उतार लाओ, जिसे हम पढ़ सकें।" कह दो, "महिमावान है मेरा रब! क्या मैं एक संदेश लानेवाला मनुष्य के सिवा कुछ और भी हूँ?"	**[विरोधाभास: पैगंबर (स.) साधारण इंसान थे या नहीं: साधारण, 6:50, 18:110, 38:65, 41:6, 46:9, 17:93; विशेष: 4:80, 21:107, 33:56, 94:4]**
Wama manaAAa alnnasa an yuminoo ith jaahumu alhuda illa an qaloo abaAAatha Allahu basharan rasoolan	x	And what prevented the people from believing when guidance came to them except that they said, "Has Allah sent a human messenger?"	17:94	लोगों को जबकि उनके पास मार्गदर्शन आया तो उनको ईमान लाने से केवल यही चीज़ रुकावट बनी कि वे कहने लगे, "क्या अल्लाह ने एक मनुष्य को रसूल बनाकर भेज दिया?"	x
Qul law kana fee alardi malaikatun yamshoona mutmainneena lanazzalna AAalayhim mina alssamai malakan rasoolan	**But they do…..... [Contradiction: Does Angels walk on earth: No 17:95, Yes 2:102, 3:124, 8:9, 22:75, 26:193.]**	Say, "If there were upon the earth angels walking securely, We would have sent down to them from the heaven an angel [as a] messenger."	17:95	कह दो, "यदि धरती में फ़रिश्ते आबाद होकर चलते-फिरते होते तो हम उनके लिए अवश्य आकाश से किसी फ़रिश्ते ही को रसूल बनाकर भेजते।"	लेकिन वे चलते हैं…..... **[विरोधाभास: क्या फरिश्ते धरती पर चलते हैं: नहीं 17:95, हाँ 2:102, 3:124, 8:9, 22:75, 26:193.]**
Qul kafa biAllahi shaheedan baynee wabaynakum innahu kana biAAibadihi khabeeran baseeran	x	Say, "Sufficient is Allah as Witness between me and you. Indeed he is ever, concerning His servants, Acquainted and Seeing."	17:96	कह दो, "मेरे और तुम्हारे बीच अल्लाह ही एक गवाह काफ़ी है। निश्चय ही वह अपने बन्दों की पूरी ख़बर रखनेवाला, देखनेवाला है।"	x

Waman yahdi Allahu fahuwa almuhtadi waman yudlil falan tajida lahum awliyaa min doonihi wanahshuruhum yawma alqiyamati AAala wujoohihim AAumyan wabukman wasumman mawahum jahannamu kullama	x	And whoever Allah guides - he is the [rightly] guided; and whoever He sends astray - you will never find for them protectors besides Him, and We will gather them on the Day of Resurrection [fallen] on their faces - blind, dumb and deaf. Their refuge is Hell; every time it subsides We increase them in blazing fire.	17:97	जिसे अल्लाह ही मार्ग दिखाए वही मार्ग पानेवाला है और वह जिसे पथभ्रष्ट होने दे, तो ऐसे लोगों के लिए उससे इतर तुम सहायक न पाओगे। क़ियामत के दिन हम उन्हें औंधे मुँह इस दशा में इकट्ठा करेंगे कि वे अंधे गूँगे और बहरे होंगे। उनका ठिकाना जहन्नम है। जब भी उसकी आग धीमी पड़ने लगेगी तो हम उसे उनके लिए भड़का देंगे	x
Thalika jazaohum biannahum kafaroo biayatina waqaloo aitha kunna AAithaman warufatan ainna lamabAAoothoona khalqan jadeedan	x	That is their recompense because they disbelieved in Our verses and said, "When we are bones and crumbled particles, will we [truly] be resurrected [in] a new creation?"	17:98	यही उनका बदला है, इसलिए कि उन्होंने हमारी आयतों का इनकार किया और कहा, "क्या जब हम केवल हड्डियाँ और चूर्ण-विचूर्ण होकर रह जाएँगे, तो क्या हमें नए सिरे से पैदा करके उठा खड़ा किया जाएगा?"	x

Awalam yaraw anna Allaha allathee khalaqa alssamawati waalarda qadirun AAala an yakhluqa mithlahum wajaAAala lahum ajalan la rayba feehi faaba alththalimoona illa kufooran	x	Do they not see that Allah, who created the heavens and earth, is [the one] Able to create the likes of them? And He has appointed for them a term, about which there is no doubt. But the wrongdoers refuse [anything] except disbelief.	17:99	क्या उन्हें यह न सूझा कि जिस अल्लाह ने आकाशों और धरती को पैदा किया है उसे उन जैसों को भी पैदा करने की सामर्थ्य प्राप्त है? उसने तो उनके लिए एक समय निर्धारित कर रखा है, जिसमें कोई सन्देह नहीं है। फिर भी ज़ालिमों के लिए इनकार के सिवा हर चीज़ अस्वीकार्य ही रही	x
Qul law antum tamlikoona khazaina rahmati rabbee ithan laamsaktum khashyata alinfaqi wakana alinsanu qatooran	x	Say [to them], "If you possessed the depositories of the mercy of my Lord, then you would withhold out of fear of spending." And ever has man been stingy.	17:100	कहो, "यदि कहीं मेरे रब की दयालुता के ख़ज़ाने तुम्हारे अधिकार में होते हो ख़र्च हो जाने के भय से तुम रोके ही रखते। वास्तव में इनसान तो दिल का बड़ा ही तंग है	x
Walaqad atayna moosa tisAAa ayatin bayyinatin faisal banee israeela ith jaahum faqala lahu firAAawnu innee laathunnuka ya moosa mashooran	**[According to the Bible he got his staff plus 10 plagues = 11 "signs". Quran 17:101 says Moses were given 9 signs. Quran 7:133 total 5 signs. If two more sign are considered staff:snake and his white hand (7:107-108), then also it becomes only seven.]**	And We had certainly given Moses nine evident signs, so ask the Children of Israel [about] when he came to them and Pharaoh said to him, "Indeed I think, O Moses, that you are affected by magic."	17:101	हमने मूसा को नौ खुली निशानियाँ प्रदान की थी। अब इसराईल की सन्तान से पूछ लो कि जब वह उनके पास आया और फ़िरऔन ने उससे कहा, "ऐ मूसा! मैं तो तुम्हें बड़ा जादूगर समझता हूँ।"	**[बाइबिल के अनुसार उसे अपनी छड़ी के साथ 10 महामारियाँ = 11 "संकेत" मिले। कुरान 17:101 कहता है कि मूसा को 9 संकेत दिए गए। कुरान 7:133 में कुल 5 संकेत हैं। यदि दो और संकेतों को माना जाए: सर्प/छड़ी और सफेद हाथ (7:107-108), तो यह भी केवल सात ही बनते हैं।]**

Qala laqad AAalimta ma anzala haolai illa rabbu alssamawati waalardi basaira wainnee laathunnuka ya firAAawnu mathbooran	**[How Moses was so sure about Pharoah that he know these Miracles are from Allah; 10:92, Pharoah was saved, living or dead body not mentioned; Pharaoh Ramses II or his son was not doomed to destruction, at least not this time.]**	[Moses] said, "You have already known that none has sent down these [signs] except the Lord of the heavens and the earth as evidence, and indeed I think, O Pharaoh, that you are destroyed."	17:102	उसने कहा, "तू भली-भाँति जानता हैं कि आकाशों और धरती के रब के सिवा किसी और ने इन (निशानियों) को स्पष्ट प्रमाण बनाकर नहीं उतारा है। और ऐ फ़िरऔन! मैं तो समझता हूँ कि तू विनष्ट होने को है।"	**[मूसा फ़िरौन के बारे में इतना कैसे सुनिश्चित थे कि उन्हें पता था कि ये चमत्कार अल्लाह की ओर से हैं; 10:92, फ़िरौन बचा लिया गया, जीवित या मृत शरीर का उल्लेख नहीं है; फ़िरौन रामसेस द्वितीय या उनके बेटे को नाश नहीं किया गया, कम से कम इस समय नहीं।]**
Faarada an yastafizzahum mina alardi faaghraqnahu waman maAAahu jameeAAan	x	So he intended to drive them from the land, but We drowned him and those with him all together.	17:103	अन्ततः उसने चाहा कि उनको उस भूभाग से उखाड़ फेंके, किन्तु हमने उसे और जो उसके साथ थे सभी को डूबो दिया	x
Waqulna min baAAdihi libanee israeela oskunoo alarda faitha jaa waAAdu alakhirati jina bikum lafeefan	**x**	And We said after Pharaoh to the Children of Israel, "Dwell in the land, and when there comes the promise of the Hereafter, We will bring you forth in [one] gathering."	17:104	और हमने उसके बाद इसराईल की सन्तान से कहा, "तुम इस भूभाग में बसो। फिर जब आख़िरत का वादा आ पूरा होगा, तो हम तुम सबको इकट्ठा ला उपस्थित करेंगे।"	x
Wabialhaqqi anzalnahu wabialhaqqi nazala wama arsalnaka illa mubashshiran wanatheeran	**[Abrogated by later Jihadi verses.]**	And with the truth We have sent the Qur'an down, and with the truth it has descended. And We have not sent you, [O Muhammad], except as a bringer of good tidings and a warner.	17:105	सत्य के साथ हमने उसे अवतरित किया और सत्य के साथ वह अवतरित भी हुआ। और तुम्हें तो हमने केवल शुभ सूचना देनेवाला और सावधान करनेवाला बनाकर भेजा है	**[बाद के जिहादी आयतों द्वारा निरस्त किया गया।]**

Waquranan faraqnahu litaqraahu AAala alnnasi AAala mukthin wanazzalnahu tanzeelan	**[But verses always came after an incidence/ issue has happened, never in advance so that these could be avoided.]**	And [it is] a Qur'an which We have separated [by intervals] that you might recite it to the people over a prolonged period. And We have sent it down progressively.	17:106	और क़ुरआन को हमने थोड़ा-थोड़ा करके इसलिए अवतरित किया, ताकि तुम ठहर-ठहरकर उसे लोगों को सुनाओ, और हमने उसे उत्तम रीति से क्रमशः उतारा है	**[लेकिन शायरी हमेशा किसी घटना/मुद्दे के होने के बाद ही आती थी, कभी पहले नहीं ताकि इन्हें टाला जा सके।]**
Qul aminoo bihi aw la tuminoo inna allatheena ootoo alAAilma min qablihi itha yutla AAalayhim yakhirroona	**[Only a handful of Jews and Christians accepted Islam by choice, rest were forced. This is not true at all.]**	Say, "Believe in it or do not believe. Indeed, those who were given knowledge before it - when it is recited to them, they fall upon their faces in prostration,	17:107	कह दो, "तुम उसे मानो या न मानो, जिन लोगों को इससे पहले ज्ञान दिया गया है, उन्हें जब वह पढ़कर सुनाया जाता है, तो वे ठोड़ियों के बल सजदे में गिर पड़ते है	**[केवल कुछ यहूदी और ईसाई इस्लाम को अपनी इच्छा से स्वीकार कर पाए, बाकी को मजबूर किया गया। यह बिल्कुल सच नहीं है।]**
Wayaqooloona subhana rabbina in kana waAAdu rabbina lamafAAoolan	x	And they say, "Exalted is our Lord! Indeed, the promise of our Lord has been fulfilled."	17:108	और कहते है, "महान और उच्च है हमारा रब! हमारे रब का वादा तो पूरा होकर ही रहता है।"	x
Wayakhirroona lilathqani yabkoona wayazeeduhum khushooAAan	**[Jihad would not have needed, if the verses would have been so effective.]**	And they fall upon their faces weeping, and the Qur'an increases them in humble submission.	17:109	और वे रोते हुए ठोड़ियों के बल गिर जाते है और वह (क़ुरआन) उनकी विनम्रता को और बढ़ा देता है	**[जिहाद की आवश्यकता नहीं होती, अआयतें इतनी प्रभावशाली होतीं।]**

Quli odAAoo Allaha awi odAAoo alrrahmana ayyan ma tadAAoo falahu alasmao alhusna wala tajhar bisalatika wala tukhafit biha waibtaghi bayna thalika sabeelan	At the beginning of revelation, the Messenger (pbuh) used to write 'In Thy name, O Allah' until 27:30 verse was revealed, after which he always wrote 'In the name of Allah the Beneficent, the Merciful' = Ar-Rahman Ar-Rahim. The Arab idolaters then commented: 'We know this Merciful but who is the Beneficent?' As a response, this verse was revealed. There is even a hint of this in the Quran: see 38:5; Raḥmān / Raḥmānā / Rahmana were attributes of God in other part of Arabia (e.g. Yemen), also used by Christians; However, Meccan were not familiar with it.	Say, "Call upon Allah or call upon the Most Merciful. Whichever [name] you call - to Him belong the best names." And do not recite [too] loudly in your prayer or [too] quietly but seek between that an [intermediate] way.	17:110	कह दो, "तुम अल्लाह को पुकारो या रहमान को पुकारो या जिस नाम से भी पुकारो, उसके लिए सब अच्छे ही नाम है।" और अपनी नमाज़ न बहुत ऊँची आवाज़ से पढ़ो और न उसे बहुत चुपके से पढ़ो, बल्कि इन दोनों के बीच मध्य मार्ग अपनाओ	आरंभ में, रसूल (स.) 'तुम्हारे नाम से, हे अल्लाह' लिखा करते थे जब तक कि 27:30 आयत प्रकट नहीं हुई, उसके बाद वह हमेशा 'अल्लाह के नाम से, जो अत्यंत कृपालु अत्यंत दयालु है' = अर-रहमान अर-रहीम लिखते थे। अरब मूर्तिपूजकों ने तब टिप्पणी की: 'हम इस दयालु को जानते हैं लेकिन कृपालु कौन है?' इसके जवाब में यह आयत प्रकट हुई। कुरान में इसका संकेत भी है: देखें 38:5; रहमान / रहमाना / रहमना, अरब के अन्य हिस्सों (जैसे यमन) में ईश्वर के नाम थे, और ईसाई भी इसका उपयोग करते थे; हालांकि, मक्की लोग इससे परिचित नहीं थे।
Waquli alhamdu lillahi allathee lam yattakhith waladan walam yakun lahu shareekun fee almulki walam yakun lahu waliyyun mina alththulli wakabbirhu takbeeran	x	And say, "Praise to Allah, who has not taken a son and has had no partner in [His] dominion and has no [need of a] protector out of weakness; and glorify Him with [great] glorification."	17:111	और कहो, "प्रशंसा अल्लाह के लिए है, जिसने न तो अपना कोई बेटा बनाया और न बादशाही में उसका कोई सहभागी है और न ऐसा ही है कि वह दीन-हीन हो जिसके कारण बचाव के लिए उसका कोई सहायक मित्र हो।" और बड़ाई बयान करो उसकी, पूर्ण बड़ाई	x
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Al-Kahf (The Cave)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**18:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	अल-कहफ़ (गुफ़ा)

Alhamdu lillahi allathee anzala AAala AAabdihi alkitaba walam yajAAal lahu	Lack of “deviance” means that “there are neither iniquities nor muddling". **[But there are so many confusing things.]**	[All] praise is [due] to Allah, who has sent down upon His Servant the Book and has not made therein any deviance.	18:1	प्रशंसा अल्लाह के लिए है जिसने अपने बन्दे पर यह किताब अवतरित की और उसमें (अर्थात उस बन्दे में) कोई टेढ़ नहीं रखी,	“टेढ़” न रखने का मतलब है कि “न तो कोई अन्याय है और न ही कोई उलझन।” **[लेकिन बहुत सारी उलझन भरी चीजें हैं।]**
Qayyiman liyunthira basan shadeedan min ladunhu wayubashshira almumineena allatheena yaAAmaloona alssalihati anna lahum ajran hasanan	x	[He has made it] straight, to warn of severe punishment from Him and to give good tidings to the believers who do righteous deeds that they will have a good reward	18:2	ठीक और दुरुस्त, ताकि एक कठोर आपदा से सावधान कर दे जो उसकी और से आ पड़ेगी। और मोमिनों को, जो अच्छे कर्म करते है, शुभ सूचना दे दे कि उनके लिए अच्छा बदला है;	x
Makitheena feehi abadan	x	In which they will remain forever	18:3	जिसमें वे सदैव रहेंगे	x
Wayunthira allatheena qaloo ittakhatha Allahu waladan	Rebuking Christians.	And to warn those who say, "Allah has taken a son."	18:4	और उनको सावधान कर दे, जो कहते है, "अल्लाह सन्तानवाला है।"	ईसाइयों को फटकार।
Ma lahum bihi min AAilmin wala liabaihim kaburat kalimatan takhruju min afwahihim in yaqooloona illa kathiban	x	They have no knowledge of it, nor had their fathers. Grave is the word that comes out of their mouths; they speak not except a lie.	18:5	इसका न उन्हें कोई ज्ञान है और न उनके बाप-दादा ही को था। बड़ी बात है जो उनके मुँह से निकलती है। वे केवल झूठ बोलते है	x

FalaAAallaka bakhiAAun nafsaka AAala atharihim in lam yuminoo bihatha alhadeethi asafan	x	Then perhaps you would kill yourself through grief over them, [O Muhammad], if they do not believe in this message, [and] out of	18:6	अच्छा, शायद उनके पीछे, यदि उन्होंने यह बात न मानी तो तुम अफ़सोस के मारे अपने प्राण ही खो दोगे!	x
Inna jaAAalna ma AAala alardi zeenatan laha linabluwahum ayyuhum ahsanu AAamalan	**[Contradiction: What is the purpose of creating humans: 11:7, 18:7, 67:2, to see their deeds, 51:56 , for worshipping Allah]**	Indeed, We have made that which is on the earth adornment for it that We may test them [as to] which of them is best in deed.	18:7	धरती पर जो कुछ है उसे तो हमने उसकी शोभा बनाई है, ताकि हम उनकी परीक्षा लें कि उनमें कर्म की दृष्टि से कौन उत्तम है	**[विरोधाभास: इंसानों को बनाने का उद्देश्य क्या है: 11:7, 18:7, 67:2, उनके कर्मों को देखने के लिए, 51:56, अल्लाह की पूजा करने के लिए]**
Wainna lajaAAiloona ma AAalayha	x	And indeed, We will make that which is upon it [into] a barren ground.	18:8	और जो कुछ उसपर है उसे तो हम एक चटियल मैदान बना देनेवाले है	x
Am hasibta anna ashaba alkahfi waalrraqeemi kanoo min ayatina AAajaban	This story is about the seven Christians from Ephesus (now Turkey), that fled to a cave during a pogrom under “Cesar” Decius. Decius had the cave walled up to kill them. Instead, the seven fell asleep, and did not wake up until in the 30th year of the reign of the pious Theodosius. The sleepers also mentioned in 18:13, 18:22, 18:25. **[They had slept some 300 years without food or**	Or have you thought that the companions of the cave and the inscription were, among Our signs, a wonder?	18:9	क्या तुम समझते हो कि गुफा और रक़ीमवाले हमारी अद्भु त निशानियों में से थे?	यह कहानी एपेसस (अब तुर्की) के सात ईसाइयों के बारे में है, जो 'सेसार' डीसियस के तहत एक नरसंहार के दौरान एक गुफा में भाग गए थे। डीसियस ने उन्हें मारने के लिए गुफा की दीवारें बंद कर दीं। इसके बजाय, सातों सो गए, और पवित्र थियोडोसियस के शासन के 30वें वर्ष तक जागे नहीं। सोने वालों का उल्लेख 18:13, 18:22, 18:25 में भी किया गया है। [**वे लगभग 300 साल बिना भोजन और पानी के सोए रहे।**]

Ith awa alfityatu ila alkahfi faqaloo rabbana atina min ladunka rahmatan wahayyi lana min amrina rashadan	x	[Mention] when the youths retreated to the cave and said, "Our Lord, grant us from Yourself mercy and prepare for us from our affair right guidance."	18:10	जब उन नवयुवकों ने गुफ़ा में जाकर शरण ली तो कहा, "हमारे रब! हमें अपने यहाँ से दयालुता प्रदान कर और हमारे लिए हमारे अपने मामले को ठीक कर दे।"	x
Fadarabna AAala athanihim fee alkahfi sineena AAadadan	x	So We cast [a cover of sleep] over their ears within the cave for a number of years.	18:11	फिर हमने उस गुफा में कई वर्षों के लिए उनके कानों पर परदा डाल दिया	x
Thumma baAAathnahum linaAAlama ayyu alhizbayni ahsa lima labithoo amadan	x	Then We awakened them that We might show which of the two factions was most precise in calculating what [extent] they had remained in time.	18:12	फिर हमने उन्हें भेजा, ताकि मालूम करें कि दोनों गिरोहों में से किसने याद रखा है कि कितनी अवधि तक वे रहे	x
Nahnu naqussu AAalayka nabaahum bialhaqqi innahum fityatun amanoo birabbihim wazidnahum hudan	The young men acknowledged the oneness of Allah and reject the idols of their people; Allah protected them from the idolaters by sheltering them in the cave.	It is We who relate to you, [O Muhammad], their story in truth. Indeed, they were youths who believed in their Lord, and We increased them in guidance.	18:13	हम तुम्हें ठीक-ठीक उनका वृत्तान्त सुनाते है। वे कुछ नवयुवक थे जो अपने रब पर ईमान लाए थे, और हमने उन्हें मार्गदर्शन में बढ़ोत्तरी प्रदान की	युवकों ने अल्लाह की एकता को स्वीकार किया और अपने लोगों की मूर्तियों से इंकार कर दिया; अल्लाह ने उन्हें गुफा में आश्रय देकर मूर्तिपूजकों से सुरक्षित रखा।

Warabatna AAala quloobihim ith qamoo faqaloo rabbuna rabbu alssamawati waalardi lan nadAAuwa min doonihi ilahan laqad qulna ithan shatatan	x	And We made firm their hearts when they stood up and said, "Our Lord is the Lord of the heavens and the earth. Never will we invoke besides Him any deity. We would have certainly spoken, then, an excessive transgression.	18:14	और हमने उनके दिलों को सुदृढ़ कर दिया। जब वे उठे तो उन्होंने कहा, "हमारा रब तो वही है जो आकाशों और धरती का रब है। हम उससे इतर किसी अन्य पूज्य को कदापि न पुकारेंगे। यदि हमने ऐसा किया तब तो हमारी बात हक़ से बहुत हटी हुई होगी	x
Haolai qawmuna ittakhathoo min doonihi alihatan lawla yatoona AAalayhim bisultanin bayyinin faman athlamu mimmani iftara	x	These, our people, have taken besides Him deities. Why do they not bring for [worship of] them a clear authority? And who is more unjust than one who invents about Allah a lie?"	18:15	ये हमारी क़ौम के लोग है, जिन्होंने उससे इतर कुछ अन्य पूज्य-प्रभु बना लिए है। आख़िर ये उनके हक़ में कोई स्पष्ट, प्रमाण क्यों नहीं लाते! भला उससे बढ़कर ज़ालिम कौन होगा जो झूठ घड़कर अल्लाह पर थोपे?	x
Waithi iAAtazaltumoohum wama yaAAbudoona illa Allaha fawoo ila alkahfi yanshur lakum rabbukum min rahmatihi wayuhayyi lakum min amrikum mirfaqan	x	[The youths said to one another], "And when you have withdrawn from them and that which they worship other than Allah, retreat to the cave. Your Lord will spread out for you of His mercy and will prepare for you from your affair facility."	18:16	और जबकि इनसे तुम अलग हो गए हो और उनसे भी जिनको अल्लाह के सिवा ये पूजते है, तो गुफा में चलकर शरण लो। तुम्हारा रब तुम्हारे लिए अपनी दयालुता का दामन फैला देगा और तुम्हारे लिए तुम्हारे अपने काम से सम्बन्ध में सुगमता का उपकरण उपलब्ध कराएगा।"	x

Watara alshshamsa itha talaAAat tazawaru AAan kahfihim thata alyameeni waitha gharabat taqriduhum thata alshshimali wahum fee fajwatin minhu thalika min ayati Allahi man yahdi Allahu fahuwa almuhtadi waman yudlil falan tajida lahu waliyyan murshidan	This indicates that the entrance to the cave faced north, because verse tells us that when the sun was rising, sunlight entered the cave (the right).	And [had you been present], you would see the sun when it rose, inclining away from their cave on the right, and when it set, passing away from them on the left, while they were [laying] within an open space thereof. That was from the signs of Allah. He whom Allah guides is the [rightly] guided, but he whom He leaves astray - never will you find for him a protecting guide.	18:17	और तुम सूर्य को उसके उदित होते समय देखते तो दिखाई देता कि वह उनकी गुफा से दाहिनी ओर को बचकर निकल जाता है और जब अस्त होता है तो उनकी बाई ओर से कतराकर निकल जाता है। और वे है कि उस (गुफा) के एक विस्तृत स्थान में हैं। यह अल्लाह की निशानियों में से है। जिसे अल्लाह मार्ग दिखाए, वही मार्ग पानेवाला है और जिसे वह भटकता छोड़ दे उसका तुम कोई सहायक मार्गदर्शक कदापि न पाओगे	यह दर्शाता है कि गुफा का प्रवेश द्वार उत्तर की ओर था, क्योंकि छंद हमें बताता है कि जब सूरज उग रहा था, तो सूर्य का प्रकाश गुफा में प्रवेश कर रहा था (दाईं ओर)।
Watahsabuhum ayqathan wahum ruqoodun wanuqallibuhum thata alyameeni wathata alshshimali wakalbuhum basitun thiraAAayhi bialwaseedi lawi ittalaAAta AAalayhim lawallayta minhum firaran walamulita minhum ruAAban	Allah “turned them to the right and to the left” presumably to preserve their bodies from decay while they slept. Their dog, meanwhile, was “dog stretched his forelegs” indicating that he wasn’t precisely inside the cave, so that he wouldn’t keep angels from entering it. “He was sitting outside the door. **[Angels don't come near Dogs.]**	And you would think them awake, while they were asleep. And We turned them to the right and to the left, while their dog stretched his forelegs at the entrance. If you had looked at them, you would have turned from them in flight and been filled by them with terror.	18:18	और तुम समझते कि वे जाग रहे है, हालाँकि वे सोए हुए होते। हम उन्हें दाएँ और बाएँ फेरते और उनका कुत्ता ड्योढ़ी पर अपनी दोनों भुजाएँ फैलाए हुए होता। यदि तुम उन्हें कहीं झाँककर देखते तो उनके पास से उलटे पाँव भाग खड़े होते और तुममें उसका भय समा जाता	अल्लाह उन्हें 'दाएँ और बाएँ फेरते' संभवतः उनके शरीर को सोते समय सड़न से बचाने के लिए। उनका कुत्ता, इस बीच, 'दोनों भुजाएँ फैलाए' यह संकेत करता है कि वह बिल्कुल गुफा के अंदर नहीं था, ताकि वह फ़रिश्तों को उसमें प्रवेश करने से रोक न सके। 'वह दरवाजे के बाहर बैठा था। **|फ़रिश्ते कुत्तों के पास नहीं आते।|**

Wakathalika baAAathnahum liyatasaaloo baynahum qala qailun minhum kam labithtum qaloo labithna yawman aw baAAda yawmin qaloo rabbukum aAAlamu bima labithtum faibAAathoo ahadakum biwariqikum hathihi ila almadeenati falyanthur ayyuha azka taAAaman falyatikum birizqin minhu walyatalattaf wala yushAAiranna bikum ahadan	x	And similarly, We awakened them that they might question one another. Said a speaker from among them, "How long have you remained [here]?" They said, "We have remained a day or part of a day." They said, "Your Lord is most knowing of how long you remained. So send one of you with this silver coin of yours to the city and let him look to which is the best of food and bring you provision from it and let him be cautious. And let no one be aware of you.	18:19	और इसी तरह हमने उन्हें उठा खड़ा किया कि वे आपस में पूछताछ करें। उनमें एक कहनेवाले ने कहा, "तुम कितना ठहरे रहे?" वे बोले, "हम यही कोई एक दिन या एक दिन से भी कम ठहरें होंगे।" उन्होंने कहा, "जितना तुम यहाँ ठहरे हो उसे तुम्हारा रब ही भली-भाँति जानता है। अब अपने में से किसी को यह चाँदी का सिक्का देकर नगर की ओर भेजो। फिर वह देख ले कि उसमें सबसे अच्छा खाना किस जगह मिलता है। तो उसमें से वह तुम्हारे लिए कुछ खाने को ले आए और चाहिए की वह नरमी और होशियारी से काम ले और किसी को तुम्हारी ख़बर न होने दे	x
Innahum in yathharoo AAalaykum yarjumookum aw yuAAeedookum fee millatihim walan	x	Indeed, if they come to know of you, they will stone you or return you to their religion. And never would you succeed, then - ever."	18:20	यदि वे कहीं तुम्हारी ख़बर पा जाएँगे तो पथराव करके तुम्हें मार डालेंगे या तुम्हें अपने पंथ में लौटा ले जाएँगे और तब तो तुम कभी भी सफल न पो सकोगे।"	x

Wakathalika aAAtharna AAalayhim liyaAAlamoo anna waAAda Allahi haqqun waanna alsaAAata la rayba feeha ith yatanazaAAoona baynahum amrahum faqaloo ibnoo AAalayhim bunyanan rabbuhum aAAlamu bihim qala allatheena ghalaboo AAala amrihim lanattakhithanna	When the sleeper gave silver coin to shop owner, they thought that he has some treasure and took him to governor. After knowing the truth, the king greeted them and embraced them. They rejoiced at meeting him and spoke with him, then they bid farewell to him and went back to sleep, then Allah caused them to die. Some said let us build a place of worship over them. **[How they could make Majid, there were no Muslims at that time.]**	And similarly, We caused them to be found that they [who found them] would know that the promise of Allah is truth and that of the Hour there is no doubt. [That was] when they disputed among themselves about their affair and [then] said, "Construct over them a structure. Their Lord is most knowing about them." Said those who prevailed in the matter, "We will surely take [for ourselves] over them a masjid."	18:21	इस तरह हमने लोगों को उनकी सूचना दे दी, ताकि वे जान लें कि अल्लाह का वादा सच्चा है और यह कि क़ियामत की घड़ी में कोई सन्देह नहीं है। वह समय भी उल्लेखनीय है जब वे आपस में उनके मामले में छीन-झपट कर रहे थे। फिर उन्होंने कहा, "उनपर एक भवन बना दे। उनका रब उन्हें भली-भाँति जानता है।" और जो लोग उनके मामले में प्रभावी रहे उन्होंने कहा, "हम तो उनपर अवश्य एक उपासना गृह बनाएँगे।"	जब युवक ने दुकानदार को चाँदी का सिक्का दिया, उन्होंने सोचा कि उसके पास कुछ खजाना है और उसे गवर्नर के पास ले गए। सच जानने के बाद, राजा ने उनका स्वागत किया और उन्हें गले लगाया। वे उससे मिलने पर खुश हुए और उससे बात की, फिर उन्होंने उससे विदा ली और नींद में वापस चले गए, फिर अल्लाह ने उन्हें मरने का कारण बना दिया। कुछ लोगों ने कहा कि चलो उनके ऊपर एक इबादत स्थल बनाते हैं। **[वे कैसे मस्जिद बना सकते थे, उस समय वहाँ कोई मुसलमान नहीं थे।]**

Sayaqooloona thalathatun rabiAAuhum kalbuhum wayaqooloona khamsatun sadisuhum kalbuhum rajman bialghaybi wayaqooloona sabAAatun wathaminuhum kalbuhum qul rabbee aAAlamu biAAiddatihim ma yaAAlamuhum illa qaleelun fala tumari feehim illa miraan thahiran wala tastafti feehim	**[If it is Allah who is speaking, then at least He should have clarified the numbers.]**	They will say there were three, the fourth of them being their dog; and they will say there were five, the sixth of them being their dog - guessing at the unseen; and they will say there were seven, and the eighth of them was their dog. Say, [O Muhammad], "My Lord is most knowing of their number. None knows them except a few. So do not argue about them except with an obvious argument and do not inquire about them among [the speculators] from anyone."	18:22	अब वे कहेंगे, "वे तीन थे और उनमें चौथा कुत्ता था।" और वे यह भी कहेंगे, "वे पाँच थे और उनमें छठा उनका कुत्ता था।" यह बिना निशाना देखे पत्थर चलाना है। और वे यह भी कहेंगे, "वे सात थे और उनमें आठवाँ उनका कुत्ता था।" कह दो, "मेरा रब उनकी संख्या को भली-भाँति जानता है।" उनको तो थोड़े ही जानते है। तुम ज़ाहिरी बात के सिवा उनके सम्बन्ध में न झगड़ो और न उनमें से किसी से उनके विषय में कुछ पूछो	**[अगर यह अल्लाह बोल रहे हैं, तो कम से कम उन्हें संख्याओं को स्पष्ट कर देना चाहिए था।]**
Wala taqoolanna lishayin innee faAAilun thalika ghadan	x	And never say of anything, "Indeed, I will do that tomorrow,"	18:23	और न किसी चीज़ के विषय में कभी यह कहो, "मैं कल इसे कर दूँगा।"	x
Illa an yashaa Allahu waothkur rabbaka itha naseeta waqul AAasa an yahdiyani rabbee liaqraba min hatha rashadan	Saying "If Allah wills = Insha-Allah" when determining to do something in the future.	Except [when adding], "If Allah wills." And remember your Lord when you forget [it] and say, "Perhaps my Lord will guide me to what is nearer than this to right conduct."	18:24	बल्कि अल्लाह की इच्छा ही लागू होती है। और जब तुम भूल जाओ तो अपने रब को याद कर लो और कहो, "आशा है कि मेरा रब इससे भी क़रीब सही बात ही ओर मार्गदर्शन कर दे।"	किसी चीज़ को भविष्य में करने का निर्णय लेते समय 'यदि अल्लाह चाहता है = इंशा-अल्लाह' कहना।

Walabithoo fee kahfihim thalatha miatin sineena waizdadoo tisAAan	**[They lived in cave for 309 lunar years.]**	And they remained in their cave for three hundred years and exceeded by nine.	18:25	और वे अपनी गुफा में तीन सौ वर्ष रहे और नौ वर्ष उससे अधिक	**[वे 309 चंद्र वर्षों तक गुफा में रहे।]**
Quli Allahu aAAlamu bima labithoo lahu ghaybu alssamawati waalardi absir bihi waasmiAA ma lahum min doonihi min waliyyin wala yushriku fee hukmihi ahadan	**[Already Allah has revealed the duration of their stay in cave, now why He is saying that only He know this duration.]**	Say, "Allah is most knowing of how long they remained. He has [knowledge of] the unseen [aspects] of the heavens and the earth. How Seeing is He and how Hearing! They have not besides Him any protector, and He shares not His legislation with anyone."	18:26	कह दो, "अल्लाह भली-भाँति जानता है जितना वे ठहरे।" आकाशों और धरती की छिपी बात का सम्बन्ध उसी से है। वह क्या ही देखनेवाला और सुननेवाला है! उससे इतर न तो उनका कोई संरक्षक है और न वह अपने प्रभुत्व और सत्ता में किसी को साझीदार बनाता है	**[अल्लाह ने पहले ही उनके गुफा में रहने की अवधि प्रकट कर दी है, अब वह क्यों कह रहे हैं कि केवल वही इस अवधि को जानता है।]**
Waotlu ma oohiya ilayka min kitabi rabbika la mubaddila likalimatihi walan tajida min doonihi multahadan	**[Verse 22:52 says that Satan tampers with Allah's words; Contradiction: Allah's word can't be changed 6:34, 6:115, 10:64, 18:27; Yes could be changed: 2:75, 2:106, 16:101]**	And recite, [O Muhammad], what has been revealed to you of the Book of your Lord. There is no changer of His words, and never will you find in other than Him a	18:27	अपने रब की क़िताब, जो कुछ तुम्हारी ओर प्रकाशना (वह्यस) हुई, पढ़ो। कोई नहीं जो उनके बोलो को बदलनेवाला हो और न तुम उससे हटकर क शरण लेने की जगह पाओगे	**[आयत 22:52 कहती है कि शैतान अल्लाह के शब्दों में फेरबदल करता है; विरोधाभास: अल्लाह के शब्द बदल नहीं सकते 6:34, 6:115, 10:64, 18:27; हाँ, बदल सकते हैं: 2:75, 2:106, 16:101]**

Waisbir nafsaka maAAa allatheena yadAAoona rabbahum bialghadati waalAAashiyyi yureedoona wajhahu wala taAAdu AAaynaka AAanhum tureedu zeenata alhayati alddunya wala tutiAA man aghfalna qalbahu AAan thikrina waittabaAAa	Some people asked the Messenger (pbuh) to remove the poor Muslims from his assembly, then we could sit with you, talk to you and learn from you!' As a response this was revealed.	And keep yourself patient [by being] with those who call upon their Lord in the morning and the evening, seeking His countenance. And let not your eyes pass beyond them, desiring adornments of the worldly life, and do not obey one whose heart We have made heedless of Our remembrance and who follows his desire and whose affair is ever [in] neglect.	18:28	अपने आपको उन लोगों के साथ थाम रखो, जो प्रातःकाल और सायंकाल अपने रब को उसकी प्रसन्नता चाहते हुए पुकारते है और सांसारिक जीवन की शोभा की चाह में तुम्हारी आँखें उनसे न फिरें। और ऐसे व्यक्ति की बात न मानना जिसके दिल को हमने अपनी याद से ग़ाफ़िल पाया है और वह अपनी इच्छा और वासना के पीछे लगा हुआ है और उसका मामला हद से आगे बढ़ गया है	कुछ लोगों ने रसूल (स.) से कहा कि गरीब मुसलमानों को अपनी सभा से निकाल दें, फिर हम आपके साथ बैठ सकते हैं, आपसे बात कर सकते हैं और आपसे सीख सकते हैं!' इसका जवाब इस रूप में प्रकट हुआ।
Waquli alhaqqu min rabbikum faman shaa falyumin waman shaa falyakfur inna aAAtadna lilththalimeena naran ahata bihim suradiquha wain yastagheethoo yughathoo bimain kaalmuhli yashwee alwujooha bisa alshsharabu wasaat murtafaqan	**[Man has Freewill 18:29, 76:3, 81:26-28; Everything is decided by Allah: Sahih Bukhari 3332, Sahih Muslim 2653, Q 2:255, 10:100, 18:74, 18:80–81, 57:22; Also Allah will not accept any other religion, 3:19, 3:85.]**	And say, "The truth is from your Lord, so whoever wills - let him believe; and whoever wills - let him disbelieve." Indeed, We have prepared for the wrongdoers a fire whose walls will surround them. And if they call for relief, they will be relieved with water like murky oil, which scalds [their] faces. Wretched is the drink, and evil is the resting place.	18:29	कह दो, "वह सत्य है तुम्हारे रब की ओर से। तो अब जो कोई चाहे माने और जो चाहे इनकार कर दे।" हमने तो अत्याचारियों के लिए आग तैयार कर रखी है, जिसकी क़नातों ने उन्हें घेर लिया है। यदि वे फ़रियाद करेंगे तो फ़रियाद के प्रत्युत्तर में उन्हें ऐसा पानी मिलेगा जो तेल की तलछट जैसा होगा; वह उनके मुँह भून डालेगा। बहुत ही बुरा है वह पेय और बहुत ही बुरा है वह विश्रामस्थल!	**[मनुष्य के पास स्वतंत्र इच्छा है 18:29, 76:3, 81:26-28; सब कुछ अल्लाह द्वारा तय है: सहिह बुखारी 3332, सहिह मुस्लिम 2653, कुरआन 2:255, 10:100, 18:74, 18:80–81, 57:22; इसके अलावा अल्लाह किसी अन्य धर्म को स्वीकार नहीं करेंगे, 3:19, 3:85]**

Inna allatheena amanoo waAAamiloo alssalihati inna la nudeeAAu ajra man ahsana AAamalan	x	Indeed, those who have believed and done righteous deeds - indeed, We will not allow to be lost the reward of any who did well in deeds.	18:30	रहे वे लोग जो ईमान लाए और उन्होंने अच्छे कर्म किए, तो निश्चय ही किसी ऐसे व्यक्ति का प्रतिदान जिसने अच्छे कर्म किया हो, हम अकारथ नहीं करते	x
Olaika lahum jannatu AAadnin tajree min tahtihimu alanharu yuhallawna feeha min asawira min thahabin wayalbasoona thiyaban khudran min sundusin waistabraqin muttakieena feeha AAala alaraiki niAAma	**[Contradiction: 76:21 bracelets of silver, 18:31, bracelets of gold, 22:23, 35:33 Gold and pearl.]**	Those will have gardens of perpetual residence; beneath them rivers will flow. They will be adorned therein with bracelets of gold and will wear green garments of fine silk and brocade, reclining therein on adorned couches. Excellent is the reward, and good is the resting place.	18:31	ऐसे ही लोगों के लिए सदाबहार बाग़ है। उनके नीचे नहरें बह रही होंगी। वहाँ उन्हें सोने के कंगन पहनाए जाएँगे और वे हरे पतले और गाढ़े रेशमी कपड़े पहनेंगे और ऊँचे तख़्तों पर तकिया लगाए होंगे। क्या ही अच्छा बदला है और क्या ही अच्छा विश्रामस्थल!	**[विरोधाभास: 76:21 में चाँदी के कंगन, 18:31 में सोने के कंगन, 22:23 और 35:33 में सोना और मोती]**
Waidrib lahum mathalan rajulayni jaAAalna liahadihima jannatayni min aAAnabin wahafafnahuma binakhlin wajaAAalna	The example of the rich Idolators and the poor Muslims.	And present to them an example of two men: We granted to one of them two gardens of grapevines, and We bordered them with palm trees and placed between them [fields of] crops.	18:32	उनके समक्ष एक उपमा प्रस्तुत करो, दो व्यक्ति है। उनमें से एक को हमने अंगूरों के दो बाग़ दिए और उनके चारों ओर हमने खजूरो के वृक्षो की बाड़ लगाई और उन दोनों के बीच हमने खेती-बाड़ी रखी	अमीर मूर्तिपूजकों और गरीब मुसलमानों का उदाहरण।

Kilta aljannatayni atat okulaha walam tathlim minhu shayan wafajjarna khilalahuma naharan	x	Each of the two gardens produced its fruit and did not fall short thereof in anything. And We caused to gush forth within them a river.	18:33	दोनों में से प्रत्येक बाग़ अपने फल लाया और इसमें कोई कमी नहीं की। और उन दोनों के बीच हमने एक नहर भी प्रवाहित कर दी	x
Wakana lahu thamarun faqala lisahibihi wahuwa yuhawiruhu ana aktharu minka malan waAAazzu nafaran	x	And he had fruit, so he said to his companion while he was conversing with him, "I am greater than you in wealth and mightier in [numbers of] men."	18:34	उसे ख़ूब फल और पैदावार प्राप्त हुई। इसपर वह अपने साथी से, जबकि वह उससे बातचीत कर रहा था, कहने लगा, "मैं तुझसे माल और दौलत में बढ़कर हूँ और मुझे जनशक्ति भी अधिक प्राप्त है।"	x
Wadakhala jannatahu wahuwa thalimun linafsihi qala ma athunnu an tabeeda hathihi	x	And he entered his garden while he was unjust to himself. He said, "I do not think that this will perish - ever.	18:35	वह अपने हकड में ज़ालिम बनकर बाग़ में प्रविष्ट हुआ। कहने लगा, "मैं ऐसा नहीं समझता कि वह कभी विनष्ट होगा	x
Wama athunnu alssaAAata qaimatan walain ruditu ila rabbee laajidanna khayran minha munqalaban	x	And I do not think the Hour will occur. And even if I should be brought back to my Lord, I will surely find better than this as a return."	18:36	और मैं नहीं समझता कि वह (क़ियामत की) घड़ी कभी आएगी। और यदि मैं वास्तव में अपने रब के पास पलटा भी तो निश्चय ही पलटने की जगह इससे भी उत्तम पाऊँगा।"	x

Qala lahu sahibuhu wahuwa yuhawiruhu akafarta biallathee khalaqaka min turabin thumma min nutfatin thumma sawwaka rajulan	x	His companion said to him while he was conversing with him, "Have you disbelieved in He who created you from dust and then from a sperm-drop and then proportioned you [as] a man?	18:37	उसके साथी ने उससे बातचीत करते हुए कहा, "क्या तू उस सत्ता के साथ कुफ़्र करता है जिसने तुझे मिट्टी से, फिर वीर्य से पैदा किया, फिर तुझे एक पूरा आदमी बनाया?	x
Lakinna huwa Allahu rabbee wala oshriku birabbee ahadan	x	But as for me, He is Allah, my Lord, and I do not associate with my Lord anyone.	18:38	लेकिन मेरा रब तो वही अल्लाह है और मैं किसी को अपने रब के साथ साझीदार नहीं बनाता	x
Walawla ith dakhalta jannataka qulta ma shaa Allahu la quwwata illa biAllahi in tarani ana aqalla minka malan wawaladan	x	And why did you, when you entered your garden, not say, 'What Allah willed [has occurred]; there is no power except in Allah '? Although you see me less than you in wealth and children,	18:39	और ऐसा क्यों न हुआ कि जब तूने अपने बाग़ में प्रवेश किया तो कहता, 'जो अल्लाह चाहे, बिना अल्लाह के कोई शक्ति नहीं?' यदि तू देखता है कि मैं धन और संतति में तुझसे कम हूँ,	x
FaAAasa rabbee an yutiyani khayran min jannatika wayursila AAalayha husbanan mina alssamai fatusbiha saAAeedan zalaqan	The apparent meaning is that it is a mighty rain which would disrupt the rich person's garden and uproot its plants and trees.	It may be that my Lord will give me [something] better than your garden and will send upon it a calamity from the sky, and it will become a smooth, dusty ground,	18:40	तो आशा है कि मेरा रब मुझे तेरे बाग़ से अच्छा प्रदान करें और तेरे इस बाग़ पर आकाश से कोई क़ुर्क़ी (आपदा) भेज दे। फिर वह साफ़ मैदान होकर रह जाए	स्पष्ट अर्थ यह है कि यह एक शक्तिशाली बारिश है जो अमीर के बगीचे को नुकसान पहुँचा सकती है और इसके पौधों और पेड़ों को उखाड़ सकती है।
Aw yusbiha maoha ghawran falan tastateeAAa lahu talaban	x	Or its water will become sunken [into the earth], so you would never be able to seek it."	18:41	या उसका पानी बिलकुल नीचे उतर जाए। फिर तू उसे ढूँढ़कर न ला सके।"	x

Waoheeta bithamarihi faasbaha yuqallibu kaffayhi AAala ma anfaqa feeha wahiya khawiyatun AAala AAurooshiha wayaqoolu ya laytanee lam oshrik birabbee ahadan	x	And his fruits were encompassed [by ruin], so he began to turn his hands about [in dismay] over what he had spent on it, while it had collapsed upon its trellises, and said, "Oh, I wish I had not associated with my Lord anyone."	18:42	हुआ भी यही कि उसका सारा फल घिराव में आ गया। उसने उसमें जो कुछ लागत लगाई थी, उसपर वह अपनी हथेलियों को नचाता रह गया. और स्थिति यह थी कि बाग़ अपनी टट्टियों पर हा पड़ा था और वह कह रहा था, "क्या ही अच्छा होता कि मैंने अपने रब के साथ किसी को साझीदार न बनाया होता!"	x
Walam takun lahu fiatun yansuroonahu min dooni Allahi wama kana muntasiran	x	And there was for him no company to aid him other than Allah, nor could he defend himself.	18:43	उसका कोई जत्था न हुआ जो उसके और अल्लाह के बीच पड़कर उसकी सहायता करता और न उसे स्वयं बदला लेने की सामर्थ्य प्राप्त थी	x
Hunalika alwalayatu lillahi alhaqqi huwa khayrun thawaban wakhayrun AAuqban	x	There the authority is [completely] for Allah, the Truth. He is best in reward and best in outcome.	18:44	ऐसे अवसर पर काम बनाने का सारा अधिकार परम सत्य अल्लाह ही को प्राप्त है। वही बदला देने में सबसे अच्छा है और वही अच्छा परिणाम दिखाने की स्पष्ट से भी सर्वोत्तम है	x

Waidrib lahum mathala alhayati alddunya kamain anzalnahu mina alssamai faikhtalata bihi nabatu alardi faasbaha hasheeman tathroohu alrriyahu wakana Allahu AAala kulli shayin muqtadiran	x	And present to them the example of the life of this world, [its being] like rain which We send down from the sky, and the vegetation of the earth mingles with it and [then] it becomes dry remnants, scattered by the winds. And Allah is ever, over all things, Perfect in Ability.	18:45	और उनके समक्ष सांसारिक जीवन की उपमा प्रस्तुत करो, यह ऐसी है जैसे पानी हो, जिसे हमने आकाश से उतारा तो उससे धरती की पौध घनी होकर परस्पर गुँथ गई। फिर वह चूरा-चूरा होकर रह गई, जिसे हवाएँ उड़ाए लिए फिरती है। अल्लाह को तो हर चीज़ की सामर्थ्य प्राप्त है	x
Almalu waalbanoona zeenatu alhayati alddunya waalbaqiyatu alssalihatu khayrun AAinda rabbika thawaban	x	Wealth and children are [but] adornment of the worldly life. But the enduring good deeds are better to your Lord for reward and better for [one's] hope.	18:46	माल और बेटे तो केवल सांसारिक जीवन की शोभा है, जबकि बाक़ी रहनेवाली नेकियाँ ही तुम्हारे रब के यहाँ परिणाम की दृष्टि से भी उत्तम है और आशा की दृष्टि से भी वही उत्तम है	x
Wayawma nusayyiru aljibala watara alarda barizatan wahasharnahum falam nughadir minhum ahadan	x	And [warn of] the Day when We will remove the mountains and you will see the earth prominent, and We will gather them and not leave behind from them anyone.	18:47	जिस दिन हम पहाड़ों को चलाएँगे और तुम धरती को बिलकुल नग्न देखोगे और हम उन्हें इकट्ठा करेंगे तो उनमें से किसी एक को भी न छोड़ेंगे	x

WaAAuridoo AAala rabbika saffan laqad jitumoona kama khalaqnakum awwala marratin bal zaAAamtum allan najAAala lakum mawAAidan	x	And they will be presented before your Lord in rows, [and He will say], "You have certainly come to Us just as We created you the first time. But you claimed that We would never make for you an appointment."	18:48	वे तुम्हारे रब के सामने पंक्तिबद्ध उपस्थित किए जाएँगे - "तुम हमारे सामने आ पहुँचे, जैसा हमने तुम्हें पहली बार पैदा किया था। नहीं, बल्कि तुम्हारा तो यह दावा था कि हम तुम्हारे लिए वादा किया हुआ कोई समय लाएँगे ही नहीं।"	x
WawudiAAa alkitabu fatara almujrimeena mushfiqeena mimma feehi wayaqooloona ya waylatana ma lihatha alkitabi la yughadiru sagheeratan wala kabeeratan illa ahsaha wawajadoo ma AAamiloo hadiran wala	x	And the record [of deeds] will be placed [open], and you will see the criminals fearful of that within it, and they will say, "Oh, woe to us! What is this book that leaves nothing small or great except that it has enumerated it?" And they will find what they did present [before them]. And your Lord does injustice to no one.	18:49	किताब (कर्मपत्रिका) रखी जाएगी तो अपराधियों को देखोंगे कि जो कुछ उसमें होगा उससे डर रहे है और कह रहे है, "हाय, हमारा दुर्भाग्य! यह कैसी किताब है कि यह न कोई छोटी बात छोड़ती है न बड़ी, बल्कि सभी को इसने अपने अन्दर समाहित कर रखा है।" जो कुछ उन्होंने किया होगा सब मौजूद पाएँगे। तुम्हारा रब किसी पर ज़ुल्म न करेगा	x

Waith qulna lilmalaikati osjudoo liadama fasajadoo illa ibleesa kana mina aljinni fafasaqa AAan amri rabbihi afatattakhithoonahu wathurriyyatahu awliyaa min doonee wahum lakum AAaduwwun bisa liltthalimeena badalan	**[Here Satan is identified as one of the Jinns (18:50), as opposed to his identification as an angel at elsewhere (2:34, 7:11, 15:28-31, 20:116, 38:71-74).]**	And [mention] when We said to the angels, "Prostrate to Adam," and they prostrated, except for Iblees. He was of the jinn and departed from the command of his Lord. Then will you take him and his descendants as allies other than Me while they are enemies to you? Wretched it is for the wrongdoers as an exchange.	18:50	याद करो जब हमने फ़रिश्तों से कहा, "आदम को सजदा करो।" तो इबलीस के सिवा सबने सजदा किया। वह जिन्नों में से था। तो उसने अपने रब के आदेश का उल्लंघन किया। अब क्या तुम मुझसे इतर उसे और उसकी सन्तान को संरक्षक मित्र बनाते हो? हालाँकि वे तुम्हारे शत्रु है। क्या ही बुरा विकल्प है, जो ज़ालिमों के हाथ आया!	**[यहाँ शैतान को जिन्नों में से एक के रूप में पहचाना गया है (18:50), जबकि अन्य स्थानों पर उसे एक फरिश्ता के रूप में पहचाना गया है (2:34, 7:11, 15:28-31, 20:116, 38:71-74)।]**
Ma ashhadtuhum khalqa alssamawati waalardi wala khalqa anfusihim wama kuntu muttakhitha almudilleena AAadudan	The gods of the Idolators did not witness the creation of anything, not even themselves. **[Contradiction: Does false dieties exist: Don't 10:18, 12:40, 17:42, 21:22, 53:23; Yes, 2:166, 7:194, 16:86, 18:51, 21:43, 21:99, 25:17]**	I did not make them witness to the creation of the heavens and the earth or to the creation of themselves, and I would not have taken the misguiders as assistants.	18:51	मैंने न तो आकाशों और धरती को उन्हें दिखाकर पैदा किया और न स्वयं उनको बनाने और पैदा करने के समय ही उन्हें बुलाया। मैं ऐसा नहीं हूँ कि गुमराह करनेवालों को अपनी बाहु-भुजा बनाऊँ	मूर्तिपूजकों के देवताओं ने कुछ भी सृजन होते हुए नहीं देखा, यहां तक कि उन्होंने स्वयं का भी नहीं। **[विरोधाभास: क्या झूठे देवता मौजूद हैं: नहीं 10:18, 12:40, 17:42, 21:22, 53:23; हाँ, 2:166, 7:194, 16:86, 18:51, 21:43, 21:99]**
Wayawma yaqoolu nadoo shurakaiya allatheena zaAAamtum fadaAAawhum falam yastajeeboo lahum wajaAAalna baynahum mawbiqan	x	And [warn of] the Day when He will say, "Call 'My partners' whom you claimed," and they will invoke them, but they will not respond to them. And We will put between them [a valley of] destruction.	18:52	याद करो जिस दिन वह कहेगा, "बुलाओ मेरे साझीदारों को, जिनके साझीदार होने का तुम्हें दावा था।" तो वे उनको पुकारेंगे, किन्तु वे उन्हें कोई उत्तर न देंगे और हम उनके बीच सामूहिक विनाश-स्थल निर्धारित कर देंगे	x

Waraa almujrimoona alnnara fathannoo annahum muwaqiAAooha walam yajidoo	x	And the criminals will see the Fire and will be certain that they are to fall therein. And they will not find from it a way elsewhere.	18:53	अपराधी लोग आग को देखेंगे तो समझ लेंगे कि वे उसमें पड़नेवाले है और उससे बच निकलने की कोई जगह न पाएँगे	x
Walaqad sarrafna fee hatha alqurani lilnnasi min kulli mathalin wakana alinsanu akthara shayin jadalan	x	And We have certainly diversified in this Qur'an for the people from every [kind of] example; but man has ever been, most of anything, [prone to]	18:54	हमने लोगों के लिए इस क़ुरआन में हर प्रकार के उत्तम विषयों को तरह-तरह से बयान किया है, किन्तु मनुष्य सबसे बढ़कर झगड़ालू है	x
Wama manaAAa alnnasa an yuminoo ith jaahumu alhuda wayastaghfiroo rabbahum illa an tatiyahum sunnatu alawwaleena aw yatiyahumu alAAathabu qubulan	x	And nothing has prevented the people from believing when guidance came to them and from asking forgiveness of their Lord except that there [must] befall them the [accustomed] precedent of the former peoples or that the punishment should come [directly] before	18:55	आख़िर लोगों को, जबकि उनके पास मार्गदर्शन आ गया, तो इस बात से कि वे ईमान लाते और अपने रब से क्षमा चाहते, इसके सिवा किसी चीज़ ने नहीं रोका कि उनके लिए वही कुछ सामने आए जो पूर्व जनों के सामने आ चुका है, यहाँ तक कि यातना उनके सामने आ खड़ी हो	x

Wama nursilu almursaleena illa mubashshireena wamunthireena wayujadilu allatheena kafaroo bialbatili liyudhidoo bihi alhaqqa waittakhathoo ayatee wama onthiroo huzuwan	x	And We send not the messengers except as bringers of good tidings and warners. And those who disbelieve dispute by [using] falsehood to [attempt to] invalidate thereby the truth and have taken My verses, and that of which they are warned, in ridicule.	18:56	रसूलों को हम केवल शुभ सूचना देनेवाले और सचेतकर्त्ता बनाकर भेजते है। किन्तु इनकार करनेवाले लोग है कि असत्य के सहारे झगड़ते है, ताकि सत्य को डिगा दें। उन्होंने मेरी आयतों का और जो चेतावनी उन्हें दी गई उसका मज़ाक बना दिया है	x
Waman athlamu mimman thukkira biayati rabbihi faaAArada AAanha wanasiya ma qaddamat yadahu inna jaAAalna AAala quloobihim akinnatan an yafqahoohu wafee athanihim waqran wain tadAAuhum ila alhuda falan yahtadoo ithan abadan	**[Allah has covered the hearts of disbelievers and made them deaf.]**	And who is more unjust than one who is reminded of the verses of his Lord but turns away from them and forgets what his hands have put forth? Indeed, We have placed over their hearts coverings, lest they understand it, and in their ears deafness. And if you invite them to guidance - they will never be guided, then - ever.	18:57	उस व्यक्ति से बढ़कर ज़ालिम कौन होगा जिसे उसके रब की आयतों के द्वारा समझाया गया, तो उसने उनसे मुँह फेर लिया और उसे भूल गया, जो सामान उसके हाथ आगे बढ़ा चुके है? निश्चय ही हमने उनके दिलों पर परदे डाल दिए है कि कहीं वे उसे समझ न लें और उनके कानों में बोझ डाल दिया (कि कहीं वे सुन न ले) । यद्यपि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ, वे कभी भी मार्ग नहीं पा सकते	**[अल्लाह ने काफ़िरों के दिलों को ढक दिया है और उन्हें बहरा बना दिया है।]**

Warabbuka alghafooru thoo alrrahmati law yuakhithuhum bima kasaboo laAAajjala lahumu alAAathaba bal lahum mawAAidun lan yajidoo min doonihi mawilan	**[After doing all the things in 18:57, again He is forgiving.]**	And your Lord is the Forgiving, full of mercy. If He were to impose blame upon them for what they earned, He would have hastened for them the punishment. Rather, for them is an appointment from which they will never find an escape.	18:58	तुम्हारा रब अत्यन्त क्षमाशील और दयावान है। यदि वह उन्हें उसपर पकड़ता जो कुछ कि उन्होंने कमाया है तो उनपर शीघ्र ही यातना ला देता। नहीं, बल्कि उनके लिए तो वादे का एक समय निशिचत है। उससे हटकर वे बच निकलने का कोई मार्ग न पाएँगे	**[18:57 में सभी चीज़ें करने के बाद, फिर भी वह क्षमा कर रहा है।]**
Watilka alqura ahlaknahum lamma thalamoo wajaAAalna limahlikihim mawAAidan	x	And those cities - We destroyed them when they wronged, and We made for their destruction an appointed time.	18:59	और ये बस्तियाँ वे है कि जब उन्होंने अत्याचार किया तो हमने उन्हें विनष्ट कर दिया, और हमने उनके विनाश के लिए एक समय निश्चित कर रखा था	x
Waith qala moosa lifatahu la abrahu hatta ablugha majmaAAa albahrayni aw amdiya huquban	x	And [mention] when Moses said to his servant, "I will not cease [traveling] until I reach the junction of the two seas or continue for a long period."	18:60	याद करो, जब मूसा ने अपने युवक सेवक से कहा, "जब तक कि मैं दो दरियाओं के संगम तक न पहुँच जाऊँ चलना नहीं छोड़ूँगा, चाहे मैं यूँ ही दीर्घकाल तक सफ़र करता रहूँ।"	x

Falamma balagha majmaAAa baynihima nasiya hootahuma faittakhatha sabeelahu fee albahri saraban	Moses had been commanded to carry a salted fish with him, and it had been said to him, when you lose the fish, that will be a sign that you have reached the right place. So they set out and traveled until they reached the junction of the two seas, where there was a spring called Ayn Al-Hayat (the Spring of Life).	But when they reached the junction between them, they forgot their fish, and it took its course into the sea, slipping away.	18:61	फिर जब वे दोनों संगम पर पहुँचे तो वे अपनी मछली से ग़ाफ़िल हो गए और उस (मछली) ने दरिया में सुरंह बनाती अपनी राह ली	मूसा को आदेश दिया गया था कि वह अपने साथ एक नमकीन मछली ले जाए, और उन्हें कहा गया था कि जब आप उस मछली को खो देंगे, वह एक संकेत होगा कि आप सही स्थान पर पहुँच गए हैं। इसलिए वे निकल पड़े और यात्रा करते रहे जब तक कि वे दो समुद्रों के मोड़ तक नहीं पहुँच गए, जहाँ एक कुंड था जिसे 'आयन अल-हयात' (जीवन का कुंड) कहा जाता था।
Falamma jawaza qala lifatahu atina ghadaana laqad laqeena min safarina hatha nasaban	x	So when they had passed beyond it, [Moses] said to his boy, "Bring us our morning meal. We have certainly suffered in this, our journey, [much]	18:62	फिर जब वे वहाँ से आगे बढ़ गए तो उसने अपने सेवक से कहा, "लाओ, हमारा नाश्ता। अपने इस सफ़र में तो हमें बड़ी थकान पहुँची है।"	x
Qala araayta ith awayna ila alssakhrati fainnee naseetu alhoota wama ansaneehu illa alshshaytanu an athkurahu waittakhatha sabeelahu fee albahri AAajaban	x	He said, "Did you see when we retired to the rock? Indeed, I forgot [there] the fish. And none made me forget it except Satan - that I should mention it. And it took its course into the sea amazingly".	18:63	उसने कहा, "ज़रा देखिए तो सही, जब हम उस चट्टान के पास ठहरे हुए थे तो मैं मछली को भूल ही गया - और शैतान ही ने उसको याद रखने से मुझे ग़ाफ़िल कर दिया - और उसने आश्चर्य रूप से दरिया में अपनी राह ली।"	x
Qala thalika ma kunna nabghi fairtadda AAala atharihima qasasan	x	[Moses] said, "That is what we were seeking." So they returned, following their footprints.	18:64	(मूसा ने) कहा, "यही तो है जिसे हम तलाश कर रहे थे।" फिर वे दोनों अपने पदचिन्हों को देखते हुए वापस हुए	x

Fawajada AAabdan min AAibadina ataynahu rahmatan min AAindina waAAallamnahu min ladunna	Here Khidr (Prophet or saint) leads Moses through a series of incidents that are all designed to illustrate the point that one should trust in Allah in all circumstances.	And they found a servant from among Our servants to whom we had given mercy from us and had taught him from Us a [certain] knowledge.	18:65	फिर उन्होंने हमारे बन्दों में से एक बन्दे को पाया, जिसे हमने अपने पास से दयालुता प्रदान की थी और जिसे अपने पास से ज्ञान प्रदान किया था	यहाँ खिद्र (नबी या संत) मूसा को कई घटनाओं के माध्यम से मार्गदर्शन करते हैं, जो सभी यह दिखाने के लिए बनाई गई हैं कि हर परिस्थिति में अल्लाह पर भरोसा करना चाहिए।
Qala lahu moosa hal attabiAAuka AAala an tuAAallimani mimma AAullimta rushdan	x	Moses said to him, "May I follow you on [the condition] that you teach me from what you have been taught of sound	18:66	मूसा ने उससे कहा, "क्या मैं आपके पीछे चलूँ, ताकि आप मुझे उस ज्ञान औऱ विवेक की शिक्षा दें, जो आपको दी गई है?"	x
Qala innaka lan tastateeAAa maAAiya sabran	x	He said, "Indeed, with me you will never be able to have patience.	18:67	उसने कहा, "तुम मेरे साथ धैर्य न रख सकोगे,	x
Wakayfa tasbiru AAala ma lam tuhit bihi khubran	x	And how can you have patience for what you do not encompass in knowledge?"	18:68	और जो चीज़ तुम्हारे ज्ञान-परिधि से बाहर हो, उस पर तुम धैर्य कैसे रख सकते हो?"	x
Qala satajidunee in shaa Allahu sabiran wala aAAsee laka amran	x	[Moses] said, "You will find me, if Allah wills, patient, and I will not disobey you in [any] order."	18:69	(मूसा ने) कहा, "यदि अल्लाह ने चाहा तो आप मुझे धैर्यवान पाएँगे। और मैं किसी मामले में भी आपकी अवज्ञा नहीं करूँगा।"	x
Qala faini ittabaAAtanee fala tasalnee AAan shayin hatta ohditha laka minhu thikran	x	He said, "Then if you follow me, do not ask me about anything until I make to you about it mention."	18:70	उसने कहा, "अच्छा, यदि तुम मेरे साथ चलते हो तो मुझसे किसी चीज़ के विषय में न पूछना, यहाँ तक कि मैं स्वयं ही तुमसे उसकी चर्चा करूँ।"	x

Faintalaqa hatta itha rakiba fee alssafeenati kharaqaha qala akharaqtaha litughriqa ahlaha laqad jita shayan imran	x	So they set out, until when they had embarked on the ship, al-Khidhr tore it open. [Moses] said, "Have you torn it open to drown its people? You have certainly done a grave thing."	18:71	अन्ततः दोनों चले, यहाँ तक कि जब नौका में सवार हुए तो उसने उसमें दरार डाल दी। (मूसा ने) कहा, "आपने इसमें दरार डाल दी, ताकि उसके सवारों को डुबो दें? आपने तो एक अनोखी हरकत कर डाली।"	x
Qala alam aqul innaka lan tastateeAAa maAAiya sabran	x	[Al-Khidh r] said, "Did I not say that with me you would never be able to have patience?"	18:72	उसने कहा, "क्या मैंने कहा नहीं था कि तुम मेरे साथ धैर्य न रख सकोगे?"	x
Qala la tuakhithnee bima naseetu wala turhiqnee min amree AAusran	x	[Moses] said, "Do not blame me for what I forgot and do not cover me in my matter with difficulty."	18:73	कहा, "जो भूल-चूक मुझसे हो गई उसपर मुझे न पकड़िए और मेरे मामलें में मुझे तंगी में न डालिए।"	x
Faintalaqa hatta itha laqiya ghulaman faqatalahu qala aqatalta nafsan zakiyyatan bighayri nafsin laqad jita shayan nukran	**[Contradiction 1: Who has knowledge of unseen "Ghaib", only Allah 6:59; Allah and Prophets 18:74, 72:26-27, Angels also 2:30; Propohets don't have 6:50, 11:31, Iblis has 7:17, 17:62; Contradiction 2: Man has Free will 18:29, 76:3, 81:26-28; Everything is decided by Allah: Sahih Bukhari 3332, Sahih Muslim 2653, Q 2:255, 10:100, 18:74, 18:80–81, 57:22]**	So they set out, until when they met a boy, al-Khidhr killed him. [Moses] said, "Have you killed a pure soul for other than [having killed] a soul? You have certainly done a deplorable thing."	18:74	फिर वे दोनों चले, यहाँ तक कि जब वे एक लड़के से मिले तो उसने उसे मार डाला। कहा, "क्या आपने एक अच्छी-भली जान की हत्या कर दी, बिना इसके कि किसी की हत्या का बदला लेना अभीष्ट हो? यह तो आपने बहुत ही बुरा किया!"	**[विरोधाभास 1: ग़ैब (अदृश्य) का ज्ञान किसके पास है—केवल अल्लाह 6:59; अल्लाह और पैग़म्बरों के पास 18:74, 72:26-27; फ़रिश्तों के पास भी 2:30; पैग़म्बरों के पास नहीं 6:50, 11:31; इब्लीस के पास 7:17, 17:62। विरोधाभास 2: मनुष्य के पास स्वतंत्र इच्छा है 18:29, 76:3, 81:26-28; जबकि सब कुछ अल्लाह द्वारा निर्धारित है: सहीह बुखारी 3332, सहीह मुस्लिम 2653, 2:255, 10:100, 18:74, 18:80–81, 57:22]**

Qala alam aqul laka innaka lan tastateeAAa maAAiya sabran	x	[Al-Khidh r] said, "Did I not tell you that with me you would never be able to have patience?"	18:75	उसने कहा, "क्या मैंने तुमसे कहा नहीं था कि तुम मेरे साथ धैर्य न रख सकोगे?"	x
Qala in saaltuka AAan shayin baAAdaha fala tusahibnee qad balaghta min ladunnee AAuthran	x	[Moses] said, "If I should ask you about anything after this, then do not keep me as a companion. You have obtained from me an excuse."	18:76	कहा, "इसके बाद यदि मैं आपसे कुछ पूछूँ तो आप मुझे साथ न रखें। अब तो मेरी ओर से आप पूरी तरह उज़्र को पहुँच चुके है।"	x
Faintalaqa hatta itha ataya ahla qaryatin istatAAama ahlaha faabaw an yudayyifoohuma fawajada feeha jidaran yureedu an yanqadda faaqamahu qala law shita laittakhathta AAalayhi ajran	x	So they set out, until when they came to the people of a town, they asked its people for food, but they refused to offer them hospitality. And they found therein a wall about to collapse, so al-Khidh r restored it. [Moses] said, "If you wished, you could have taken for it a payment."	18:77	फिर वे दोनों चले, यहाँ तक कि जब वे एक बस्तीवालों के पास पहुँचे और उनसे भोजन माँगा, किन्तु उन्होंने उनके आतिथ्य से इनकार कर दिया। फिर वहाँ उन्हें एक दीवार मिली जो गिरा चाहती थी, तो उस व्यक्ति ने उसको खड़ा कर दिया। (मूसा ने) कहा, "यदि आप चाहते तो इसकी कुछ मज़दूरी ले सकते थे।"	x
Qala hatha firaqu baynee wabaynika saonabbioka bitaweeli ma lam tastatiAA AAalayhi sabran	x	[Al-Khidh r] said, "This is parting between me and you. I will inform you of the interpretation of that about which you could not have patience.	18:78	उसने कहा, "यह मेरे और तुम्हारे बीच जुदाई का अवसर है। अब मैं तुमको उसकी वास्तविकता बताए दे रहा हूँ, जिसपर तुम धैर्य से काम न ले सके।"	x

Amma alssafeenatu fakanat limasakeena yaAAmaloona fee albahri faaradtu an aAAeebaha wakana waraahum malikun yakhuthu kulla safeenatin ghasban	x	As for the ship, it belonged to poor people working at sea. So I intended to cause defect in it as there was after them a king who seized every [good] ship by force.	18:79	वह जो नौका थी, कुछ निर्धन लोगों की थी जो दरिया में काम करते थे, तो मैंने चाहा कि उसे ऐबदार कर दूँ, क्योंकि आगे उनके परे एक सम्राट था, जो प्रत्येक नौका को ज़बरदस्ती छीन लेता था	x
Waamma alghulamu fakana abawahu muminayni fakhasheena an yurhiqahuma tughyanan wakufran	**[It is justified to kill a child if one suspects disbelief.]**	And as for the boy, his parents were believers, and we feared that he would overburden them by transgression and disbelief.	18:80	और रहा वह लड़का, तो उसके माँ-बाप ईमान पर थे। हमें आशंका हुई कि वह सरकशी और कुफ़्र से उन्हें तंग करेगा	**[यदि किसी को अविश्वास का संदेह है तो बच्चे को मारना उचित है।**
Faaradna an yubdilahuma rabbuhuma khayran minhu zakatan waaqraba ruhman	x	So we intended that their Lord should substitute for them one better than him in purity and nearer to mercy.	18:81	इसलिए हमने चाहा कि उनका रब उन्हें इसके बदले दूसरी संतान दे, जो आत्मविकास में इससे अच्छा हो और दया-करूणा से अधिक निकट हो	x

Waamma aljidaru fakana lighulamayni yateemayni fee almadeenati wakana tahtahu kanzun lahuma wakana aboohuma salihan faarada rabbuka an yablugha ashuddahuma wayastakhrija kanzahuma rahmatan min rabbika wama faAAaltuhu AAan amree thalika taweelu ma lam	x	And as for the wall, it belonged to two orphan boys in the city, and there was beneath it a treasure for them, and their father had been righteous. So your Lord intended that they reach maturity and extract their treasure, as a mercy from your Lord. And I did it not of my own accord. That is the interpretation of that about which you could not have patience."	18:82	और रही यह दीवार तो यह दो अनाथ बालकों की है जो इस नगर में रहते है। और इसके नीचे उनका ख़जाना मौजूद है। और उनका बाप नेक था, इसलिए तुम्हारे रब ने चाहा कि वे अपनी युवावस्था को पहुँच जाएँ और अपना ख़जाना निकाल लें। यह तुम्हारे रब की दयालुता के कारण हुआ। मैंने तो अपने अधिकार से कुछ नहीं किया। यह है वास्तविकता उसकी जिसपर तुम धैर्य न रख सके।"	x
Wayasaloonaka AAan thee alqarnayni qul saatloo AAalaykum minhu thikran	The Jews asked the Prophet (pbuh) about Dhu'l-Qarnayn, and this verses came. Dhu'l Quarnayn - a name meaning "the Two Horned One", and it is an Arab "nickname" for the famous Macedonian king Alexander the Great	And they ask you, [O Muhammad], about Dhul-Qarnayn. Say, "I will recite to you about him a report."	18:83	वे तुमसे ज़ुलक़रनैन के विषय में पूछते हैं। कह दो, "मैं तुम्हें उसका कुछ वृतान्त सुनाता हूँ।"	यहूदियों ने पैगंबर (स.) से ज़ुल क़रनैन के बारे में पूछा, और यह आयतें आईं। ज़ुल क़रनैन - का अर्थ है "दो सिंग वाला", और यह प्रसिद्ध मकदूनिया राजा सिकंदर महान के लिए अरबी "उपनाम" है।
Inna makkanna lahu fee alardi waataynahu min kulli shayin sababan	**[But Alexander the Great was a polytheist.]**	Indeed We established him upon the earth, and We gave him to everything a way.	18:84	हमने उसे धरती में सत्ता प्रदान की थी और उसे हर प्रकार के संसाधन दिए थे	**ज़ुल क़रनैन (अलेक्ज़ेंडर) एक बहुदेववादी था।**
FaatbaAAa sababan	x	So he followed a way	18:85	अतएव उसने एक अभियान का आयोजन किया	x

Hatta itha balagha maghriba alshshamsi wajadaha taghrubu fee AAaynin hamiatin wawajada AAindaha qawman qulna ya tha alqarnayni imma an tuAAaththiba waimma an	**[The Saheeh International translation inserts [as if] which does not exist in the Arabic text. There can be no settling place of sun if we consider earth as sphere.]**	Until, when he reached the setting of the sun, he found it [as if] setting in a spring of dark mud, and he found near it a people. Allah said, "O Dhul-Qarnayn, either you punish [them] or else adopt among them [a way of] goodness."	18:86	यहाँ तक कि जब वह सूर्यास्त-स्थल तक पहुँचा तो उसे मटमैले काले पानी के एक स्रोत में डूबते हुए पाया और उसके निकट उसे एक क़ौम मिली। हमने कहा, "ऐ ज़ुलक़रनैन! तुझे अधिकार है कि चाहे तकलीफ़ पहुँचाए और चाहे उनके साथ अच्छा व्यवहार करे।"	x
Qala amma man thalama fasawfa nuAAaththibuhu thumma yuraddu ila rabbihi fayuAAaththibuhu AAathaban nukran	Quran clearly indicates that Dhul-Qarnayn (Alexander) was a pious monotheist but he came to India and no one knew about it. Alexander was a polytheist. **[Contrary to history.]**	He said, "As for one who wrongs, we will punish him. Then he will be returned to his Lord, and He will punish him with a terrible punishment.	18:87	उसने कहा, "जो कोई ज़ुल्म करेगा उसे तो हम दंड देंगे। फिर वह अपने रब की ओर पलटेगा और वह उसे कठोर यातना देगा	कुरान स्पष्ट रूप से सूचित करता है कि ज़ुल क़रनैन (अलेक्ज़ेंडर) एक धर्मपरायण एकेश्वरवादी थे लेकिन वह भारत आए और किसी को इसके बारे में पता नहीं चला। अलेक्ज़ेंडर एक बहुदेववादी था। **[इतिहास के विपरीत।]**
Waamma man amana waAAamila salihan falahu jazaan alhusna wasanaqoolu lahu min amrina yusran	x	But as for one who believes and does righteousness, he will have a reward of Paradise, and we will speak to him from our command with ease."	18:88	किन्तु जो कोई ईमान लाया और अच्छा कर्म किया, उसके लिए तो अच्छा बदला है और हम उसे अपना सहज एवं मृदुल आदेश देंगे।"	x
Thumma atbaAAa sababan	x	Then he followed a way	18:89	फिर उसने एक और अभियान का आयोजन किया	x

Hatta itha balagha matliAAa alshshamsi wajadaha tatluAAu AAala qawmin lam najAAal lahum min dooniha sitran	His Journey towards East. "Shield" meaning, they had no buildings or trees to cover them and shade them from the heat of the sun.**[There is no rising place of sun, if we consider earth as sphere.]**	Until, when he came to the rising of the sun, he found it rising on a people for whom We had not made against it any shield.	18:90	यहाँ तक कि जब वह सूर्योदय स्थल पर जा पहुँचा तो उसने उसे ऐसे लोगों पर उदित होते पाया जिनके लिए हमने सूर्य के मुक़ाबले में कोई ओट नहीं रखी थी	उसकी पूर्व की ओर यात्रा। "ओट" का मतलब, उनके पास उन्हें ढकने या सूर्य की गर्मी से उन्हें छांव देने के लिए कोई इमारत या पेड़ नहीं थे। **[अगर हम पृथ्वी को गोले के रूप में मानें तो सूरज का कोई उगने का स्थान नहीं है।]**
Kathalika waqad ahatna bima ladayhi khubran	x	Thus. And We had encompassed [all] that he had in knowledge.	18:91	ऐसा ही हमने किया था और जो कुछ उसके पास था, उसकी हमें पूरी ख़बर थी	x
Thumma atbaAAa sababan	x	Then he followed a way	18:92	उसने फिर एक अभियान का आयोजन किया,	x
Hatta itha balagha bayna alssaddayni wajada min doonihima qawman la yakadoona yafqahoona qawlan	**[Then how they communcated with Dhul Qarnayn.]**	Until, when he reached [a pass] between two mountains, he found beside them a people who could hardly understand [his] speech.	18:93	यहाँ तक कि जब वह दो पर्वतों के बीच पहुँचा तो उसे उनके इस किनारे कुछ पहुँचा तो उसे उनके इस किनारे कुछ लोग मिले, जो ऐसा लगाता नहीं था कि कोई बात समझ पाते हों	**[फिर वे ज़ुल क़रनैन के साथ कैसे संवाद करते थे।]**
Qaloo ya tha alqarnayni inna yajooja wamajooja mufsidoona fee alardi fahal najAAalu laka kharjan AAala an tajAAala baynana	**[In the Bible, Gog is king of country named Magog. In the Quran they are two bad peoples or tribes.]**	They said, "O Dhul-Qarnayn, indeed Gog and Magog are [great] corrupters in the land. So may we assign for you an expenditure that you might make between us and them a barrier?"	18:94	उन्होंने कहा, "ऐ ज़ुलक़रनैन! याजूज और माजूज इस भूभाग में उत्पात मचाते हैं। क्या हम तुम्हें कोई कर इस बात काम के लिए दें कि तुम हमारे और उनके बीच एक अवरोध निर्मित कर दो?"	**[बाइबल में, गोग उस देश का राजा है जिसका नाम मगोग है। कुरान में वे दो बुरी जातियाँ या कबीले हैं।]**

Qala ma makkannee feehi rabbee khayrun faaAAeenoonee biquwwatin ajAAal baynakum wabaynahum radman	Ya'juj and Ma'juj (Gog and Magog people)	He said, "That in which my Lord has established me is better [than what you offer], but assist me with strength; I will make between you and them a dam.	18:95	उसने कहा, "मेरे रब ने मुझे जो कुछ अधिकार एवं शक्ति दी है वह उत्तम है। तुम तो बस बल में मेरी सहायता करो। मैं तुम्हारे और उनके बीच एक सुदृढ़ दीवार बनाए देता हूँ	याजूज और माजूज (गोग और मगोग लोग)
Atoonee zubara alhadeedi hatta itha sawa bayna alsadafayni qala onfukhoo hatta itha jaAAalahu naran qala atoonee ofrigh AAalayhi qitran	Alexander in the Caucasus built a wall in order to protect his empire from the barbarians of the Northern regions, who were associated with Gog, Ezekiel 38-39. **[But there is no evidence of this wall in the World; It was not possible to carry molten copper to such a large scale at that point of time.]**	Bring me sheets of iron" - until, when he had leveled [them] between the two mountain walls, he said, "Blow [with bellows]," until when he had made it [like] fire, he said, "Bring me, that I may pour over it molten copper."	18:96	मुझे लोहे के टुकड़े ला दो।" यहाँ तक कि जब दोनों पर्वतों के बीच के रिक्त स्थान को पाटकर बराबर कर दिया तो कहा, "धौंको!" यहाँ तक कि जब उसे आग कर दिया तो कहा, "मुझे पिघला हुआ ताँबा ला दो, ताकि मैं उसपर उँड़ेल दूँ।"	काँकसस में अलेक्ज़ेंडर ने अपने साम्राज्य की रक्षा करने के लिए एक दीवार बनाई ताकि उत्तरी क्षेत्रों के बारबेरियनों से सुरक्षा की जा सके, जो गोग से जुड़े थे, एज़ेकियल 38-39। **[लेकिन इस दीवार के विश्व में कोई प्रमाण नहीं है; उस समय इतनी बड़े पैमाने पर पिघला हुआ तांबा ले जाना संभव नहीं था।]**
Fama istaAAoo an yathharoohu wama istataAAoo lahu naqban	**[By just making a wall in valley, how one could stop them coming from another way.]**	So Gog and Magog were unable to pass over it, nor were they able [to effect] in it any penetration.	18:97	तो न तो वे (याजूज, माजूज) उसपर चढ़कर आ सकते थे और न वे उसमें सेंध ही लगा सकते थे	**[केवल घाटी में दीवार बनाकर, कोई उन्हें दूसरी ओर से आने से कैसे रोक सकता है।]**
Qala hatha rahmatun min rabbee faitha jaa waAAdu rabbee jaAAalahu dakkaa wakana waAAdu rabbee haqqan	Means this wall will be levelled on Day of Judgement.	[Dhul-Qarnayn] said, "This is a mercy from my Lord; but when the promise of my Lord comes, He will make it level, and ever is the promise of my Lord true."	18:98	उसने कहा, "यह मेरे रब की दयालुता है, किन्तु जब मेरे रब के वादे का समय आ जाएगा तो वह उसे ढाकर बराबर कर देगा, और मेरे रब का वादा सच्चा है।"	इसका मतलब है कि यह दीवार क़ियामत के दिन समतल कर दी जाएगी।

Watarakna baAAdahum yawmaithin yamooju fee baAAdin wanufikha fee alssoori fajamaAAnahum jamAAan	x	And We will leave them that day surging over each other, and [then] the Horn will be blown, and We will assemble them in [one] assembly.	18:99	उस दिन हम उन्हें छोड़ देंगे कि वे एक-दूसरे से मौज़ों की तरह परस्पर गुत्थम-गुत्था हो जाएँगे। और "सूर" फूँका जाएगा। फिर हम उन सबको एक साथ इकट्ठा करेंगे	x
WaAAaradna jahannama yawmaithin lilkafireena AAardan	x	And We will present Hell that Day to the Disbelievers, on display -	18:100	और उस दिन जहन्नम को इनकार करनेवालों के सामने कर देंगे	x
Allatheena kanat aAAyunuhum fee ghitain AAan thikree wakanoo la yastateeAAoona samAAan	x	Those whose eyes had been within a cover [removed] from My remembrance, and they were not able to hear.	18:101	जिनके नेत्र मेरी अनुस्मृति की ओर से परदे में थे और जो कुछ सुन भी नहीं सकते थे	x
Afahasiba allatheena kafaroo an yattakhithoo AAibadee min doonee awliyaa inna aAAtadna jahannama	**[False dieties does not exist.]**	Then do those who disbelieve think that they can take My servants instead of Me as allies? Indeed, We have prepared Hell for the disbelievers as a lodging.	18:102	तो क्या इनकार करनेवाले इस ख़याल में हैं कि मुझसे हटकर मेरे बन्दों को अपना हिमायती बना लें? हमने ऐसे इनकार करनेवालों के आतिथ्य-सत्कार के लिए जहन्नम तैयार कर रखा है	**[झूठे देवता मौजूद नहीं हैं।]**
Qul hal nunabbiokum bialakhsareena aAAmalan	x	Say, [O Muhammad], "Shall we [believers] inform you of the greatest losers as to [their] deeds?	18:103	कहो, "क्या हम तुम्हें उन लोगों की ख़बर दें, जो अपने कर्मों की स्पष्ट से सबसे बढ़कर घाटा उठानेवाले हैं?	x

Allatheena dalla saAAyuhum fee alhayati alddunya wahum yahsaboona annahum yuhsinoona	x	[They are] those whose effort is lost in worldly life, while they think that they are doing well in work."	18:104	यो वे लोग है जिनका प्रयास सांसारिक जीवन में अकारथ गया और वे यही समझते है कि वे बहुत अच्छा कर्म कर रहे है	x
Olaika allatheena kafaroo biayati rabbihim waliqaihi fahabitat aAAmaluhum fala nuqeemu lahum yawma alqiyamati waznan	**[Deeds of disbelievers are worthless.]**	Those are the ones who disbelieve in the verses of their Lord and in [their] meeting Him, so their deeds have become worthless; and We will not assign to them on the Day of Resurrection any importance.	18:105	यही वे लोग है जिन्होंने अपने रब की आयतों का और उससे मिलन का इनकार किया। अतः उनके कर्म जान को लागू हुए, तो हम क़ियामत के दिन उन्हें कोई वज़न न देंगे	**[काफ़िरों के कर्म बेकार हैं।]**
Thalika jazaohum jahannamu bima kafaroo waittakhathoo ayatee warusulee	x	That is their recompense - Hell - for what they denied and [because] they took My signs and My messengers in ridicule.	18:106	उनका बदला वही जहन्नम है, इसलिए कि उन्होंने कुफ़्र की नीति अपनाई और मेरी आयतों और मेरे रसूलों का उपहास किया	x
Inna allatheena amanoo waAAamiloo alssalihati kanat lahum jannatu alfirdawsi nuzulan	x	Indeed, those who have believed and done righteous deeds - they will have the Gardens of Paradise as a lodging,	18:107	निश्चय ही जो लोग ईमान लाए और उन्होंने अच्छे कर्म किए उनके आतिथ्य के लिए फ़िरदौस के बाग़ होंगे,	x
Khalideena feeha la yabghoona AAanha hiwalan	x	Wherein they abide eternally. They will not desire from it any transfer.	18:108	जिनमें वे सदैव रहेंगे, वहाँ से हटना न चाहेंगे।"	x

Qul law kana albahru midadan likalimati rabbee lanafida albahru qabla an tanfada kalimatu rabbee walaw jina bimithlihi madadan	x	Say, "If the sea were ink for [writing] the words of my Lord, the sea would be exhausted before the words of my Lord were exhausted, even if We brought the like of it as a supplement."	18:109	कहो, "यदि समुद्र मेरे रब के बोल को लिखने के लिए रोशनाई हो जाए तो इससे पहले कि मेरे रब के बोल समाप्त हों, समुद्र ही समाप्त हो जाएगा। यद्यपि हम उसके सदृश्य एक और भी समुद्र उसके साथ ला मिलाएँ।"	x
Qul innama ana basharun mithlukum yooha ilayya annama ilahukum ilahun wahidun faman kana yarjoo liqaa rabbihi falyaAAmal AAamalan salihan wala yushrik biAAibadati rabbihi	**[Contradiction: Whether prophet (pbuh) was a common man or not: Common, 6:50, 18:110, 38:65, 41:6, 46:9, 17:93; Special status: 4:80, 21:107, 33:56, 94:4]**	Say, "I am only a man like you, to whom has been revealed that your god is one God. So whoever would hope for the meeting with his Lord - let him do righteous work and not associate in the worship of his Lord anyone."	18:110	कह दो, "मैं तो केवल तुम्हीं जैसा मनुष्य हूँ। मेरी ओर प्रकाशना की जाती है कि तुम्हारा पूज्य-प्रभु बस अकेला पूज्य-प्रभु है। अतः जो कोई अपने रब से मिलन की आशा रखता हो, उसे चाहिए कि अच्छा कर्म करे और अपने रब की बन्दगी में किसी को साझी न बनाए।"	**[विरोधाभास: पैगंबर (स.) साधारण इंसान थे या नहीं: साधारण, 6:50, 18:110, 38:65, 41:6, 46:9, 17:93; विशेष: 4:80, 21:107, 33:56, 94:4]**
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Maryam (Mary)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**19:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**मरियम (मैरी)**
KafhayaAAaynsad	Mysterious letters	Kaf, Ha, Ya, 'Ayn, Sad.	19:1	काफ़° हा° या° ऐन° साद°	रहस्यमय अक्षर

Thikru rahmati rabbika AAabdahu zakariyya	Zechariah, the father of John the Baptist, encountered an angel (Luke 1:11) who tells him he will become a father despite his old age and his wife's barrenness (19:8). **[In the Qur'an, unlike in the Gospel, this comes as an answer to his prayer for a son (19:4-6).]**	[This is] a mention of the mercy of your Lord to His servant Zechariah	19:2	वर्णन है तेरे रब की दयालुता का, जो उसने अपने बन्दे ज़करीया पर दर्शाई,	याह्या (जॉन) के पिता जकर्याह का एक स्वर्गदूत से सामना हुआ (लूका 1:11) जो उसे बताता है कि वह अपनी वृद्धावस्था और अपनी पत्नी की बांझपन के बावजूद पिता बनेंगे (19:8)। **[क़ुरआन में, गॉस्पेल की तुलना में, यह उनके पुत्र के लिए प्रार्थना का उत्तर के रूप में आता है (19:4-6)।]**
Ith nada rabbahu nidaan khafiyyan	x	When he called to his Lord a private supplication.	19:3	जबकि उसने अपने रब को चुपके से पुकारा	x
Qala rabbi innee wahana alAAathmu minnee waishtaAAala alrrasu shayban walam akun biduAAaika rabbi	x	He said, "My Lord, indeed my bones have weakened, and my head has filled with white, and never have I been in my supplication to You, my Lord, unhappy.	19:4	उसने कहा, "मेरे रब! मेरी हड्डियाँ कमज़ोर हो गई और सिर बुढापे से भड़क उठा। और मेरे रब! तुझे पुकारकर मैं कभी बेनसीब नहीं रहा	x
Wainnee khiftu almawaliya min waraee wakanati imraatee AAaqiran fahab lee min ladunka waliyyan	x	And indeed, I fear the successors after me, and my wife has been barren, so give me from Yourself an heir	19:5	मुझे अपने पीछे अपने भाई-बन्धुओं की ओर से भय है और मेरी पत्नी बाँझ है। अतः तू मुझे अपने पास से एक उत्तराधिकारी प्रदान कर,	x
Yarithunee wayarithu min ali yaAAqooba waijAAalhu rabbi radiyyan	x	Who will inherit me and inherit from the family of Jacob. And make him, my Lord, pleasing [to You]."	19:6	जो मेरा भी उत्तराधिकारी हो और याक़ूब के वशंज का भी उत्तराधिकारी हो। और उसे मेरे रब! वांछनीय बना।"	x

Ya zakariyya inna nubashshiruka bighulamin ismuhu yahya lam najAAal lahu min qablu samiyyan	**[The name John (Yahya) is mentioned many times in Old testament before John the Baptist.]**	[He was told], "O Zechariah, indeed We give you good tidings of a boy whose name will be John. We have not assigned to any before [this] name."	19:7	(उत्तर मिला,) "ऐ ज़करीया! हम तुझे एक लड़के की शुभ सूचना देते है, जिसका नाम यह्या होगा। हमने उससे पहले किसी को उसके जैसा नहीं बनाया।"	x
Qala rabbi anna yakoonu lee ghulamun wakanati imraatee AAaqiran waqad balaghtu mina alkibari	x	He said, "My Lord, how will I have a boy when my wife has been barren and I have reached extreme old age?"	19:8	उसने कहा, "मेरे रब! मेरे लड़का कहाँ से होगा, जबकि मेरी पत्नी बाँझ है और मैं बुढ़ापे की अन्तिम अवस्था को पहुँच चुका हूँ?"	x
Qala kathalika qala rabbuka huwa AAalayya hayyinun waqad khalaqtuka min qablu walam taku shayan	x	[An angel] said, "Thus [it will be]; your Lord says, 'It is easy for Me, for I created you before, while you were nothing.' "	19:9	कहा, "ऐसा ही होगा। तेरे रब ने कहा कि यह मेरे लिए सरल है। इससे पहले मैं तुझे पैदा कर चुका हूँ, जबकि तू कुछ भी न था।"	x
Qala rabbi ijAAal lee ayatan qala ayatuka alla tukallima alnnasa thalatha layalin sawiyyan	In both the Gospel (Luke 1:20) and this verse, Zechariah is unable to speak after this revelation. **[Although the Qur'an, unlike the Gospel, does not present this as punishment for his unbelief but only as a sign of Allah's power.]**	[Zechariah] said, "My Lord, make for me a sign." He said, "Your sign is that you will not speak to the people for three nights, [being] sound."	19:10	उसने कहा, "मेरे रब! मेरे लिए कोई निशानी निश्चित कर दे।" कहा, "तेरी निशानी यह है कि तू भला-चंगा रहकर भी तीन रात (और दिन) लोगों से बात न करे।"	दोनों गॉस्पेल (लूका 1:20) और इस आयत में, जकर्याह इस रहस्योद्घाटन के बाद बोलने में असमर्थ हैं। **[हालाँकि कुरआन, गॉस्पेल के विपरीत, इसे उनके अविश्वास के लिए सजा के रूप में नहीं प्रस्तुत करता बल्कि केवल अल्लाह की शक्ति के एक चिन्ह के रूप में प्रस्तुत करता है।]**

Fakharaja AAala qawmihi mina almihrabi faawha ilayhim an sabbihoo bukratan waAAashiyyan	There is nothing in the Quran paralleling the Gospel's connection of Zechariah's son, John, with Elijah (Luke 1:17), the prophet who was to return before the Lord's coming (Malachi 4:5-6).	So he came out to his people from the prayer chamber and signaled to them to exalt [Allah] in the morning and afternoon.	19:11	अतः वह मेहराब से निकलकर अपने लोगों के पास आया और उनसे संकेतों में कहा, "प्रातः काल और सन्ध्या समय तसबीह करते रहो।"	कुरआन में कुछ भी ऐसा नहीं है जो गॉस्पेल में जकर्याह के पुत्र जॉन (याह्या) को एलिय्या के साथ जोड़ने के समान हो (लूका 1:17), वह भविष्यद्वक्ता जो प्रभु के आने से पहले लौटना था (मलाकी 4:5-6)।
Ya yahya khuthi alkitaba biquwwatin waataynahu alhukma sabiyyan	x	[Allah] said, "O John, take the Scripture with determination." And We gave him judgement [while yet] a boy	19:12	"ऐ यह्याओ! किताब को मज़बूत थाम ले।" हमने उसे बचपन ही में निर्णय-शक्ति प्रदान की,	x
Wahananan min ladunna wazakatan wakana taqiyyan	x	And affection from Us and purity, and he was fearing of Allah	19:13	और अपने पास से नरमी और शौक़ और आत्मविश्वास। और वह बड़ा डरनेवाला था	x
Wabarran biwalidayhi walam yakun jabbaran AAasiyyan	x	And dutiful to his parents, and he was not a disobedient tyrant.	19:14	और अपने माँ-बाप का हक़ पहचानेवाला था। और वह सरकश अवज्ञाकारी न था	x
Wasalamun AAalayhi yawma wulida wayawma yamootu wayawma yubAAathu hayyan	Here begins the story of the birth of Jesus; like the account of the birth of John, it differs signiicantly from the Gospel account (see 19:19, 19:24).	And peace be upon him the day he was born and the day he dies and the day he is raised alive.	19:15	"सलाम उस पर, जिस दिन वह पैदा हुआ और जिस दिन उसकी मृत्यु हो और जिस दिन वह जीवित करके उठाया जाए!"	यहाँ यीशु के जन्म की कहानी शुरू होती है; योहन के जन्म की कथा की तरह, यह गॉस्पेल की कथा से महत्वपूर्ण रूप से भिन्न है (देखें 19:19, 19:24)।
Waothkur fee alkitabi maryama ithi intabathat min ahliha makanan sharqiyyan	x	And mention, [O Muhammad], in the Book [the story of] Mary, when she withdrew from her family to a place toward the east.	19:16	और इस किताब में मरयम की चर्चा करो, जबकि वह अपने घरवालों से अलग होकर एक पूर्वी स्थान पर चली गई	x

Faittakhathat min doonihim hijaban faarsalna ilayha roohana fatamaththala laha basharan sawiyyan	The messenger (19:17) to Mary is identified in the Quran, as "spirit" in the "likeness of a perfect man." This personage is identified as Gabriel in Islamic tradition. **[How many angels informed Mary about Jesus birth: Many 3:42, 3:45, One 19:17]**	And she took, in seclusion from them, a screen. Then We sent to her Our Angel, and he represented himself to her as a well-proportioned man.	19:17	फिर उसने उनसे परदा कर लिया। तब हमने उसके पास अपनी रूह (फ़रिश्तेप) को भेजा और वह उसके सामने एक पूर्ण मनुष्य के रूप में प्रकट हुआ	कुरान में मेरी (19:17) के प्रति संदेशवाहक को 'आत्मा' के रूप में 'पूर्ण पुरुष की तरह' बताया गया है। इस पात्र की पहचान इस्लामी परंपरा में जिब्राइल के रूप में की गई है। **[कितने फ़रिश्तों ने मरियम को ईसा के जन्म के बारे में जानकारी दी: कई 3:42, 3:45, एक 19:17]**
Qalat innee aAAoothu bialrrahmani minka in kunta taqiyyan	x	She said, "Indeed, I seek refuge in the Most Merciful from you, [so leave me], if you should be fearing of Allah."	19:18	वह बोल उठी, "मैं तुझसे बचने के लिए रहमान की पनाह माँगती हूँ; यदि तू (अल्लाह का) डर रखनेवाला है (तो यहाँ से हट जाएगा) ।"	x
Qala innama ana rasoolu rabbiki liahaba laki ghulaman zakiyyan	**[The spirit messenger tells Mary that she will be the mother of a "holy son"; there is nothing about his being "Son of the Most High" (Luke 1:32), a concept rejected again at 19:35.]**	He said, "I am only the messenger of your Lord to give you [news of] a pure boy."	19:19	उसने कहा, "मैं तो केवल तेरे रब का भेजा हुआ हूँ, ताकि तुझे नेकी और भलाई से बढ़ा हुआ लड़का दूँ।"	**[आत्मा का संदेशवाहक मेरी से कहता है कि वह एक 'पवित्र पुत्र' की माँ बनेगी; उसके 'परम उच्च का पुत्र' होने के बारे में कुछ भी नहीं है (लूका 1:32), एक विचार जिसे 19:35 में फिर से अस्वीकार कर दिया गया है.]**
Qalat anna yakoonu lee ghulamun walam yamsasnee basharun walam aku baghiyyan	**[Jesus is virginally conceived, as in Christianity. Many scholars believe she conceived by the breath of the angel Gabriel.]**	She said, "How can I have a boy while no man has touched me and I have not been unchaste?"	19:20	वह बोली, "मेरे कहाँ से लड़का होगा, जबकि मुझे किसी आदमी ने छुआ तक नही और न मैं कोई बदचलन हूँ?"	**[यीशु का कुँवारी से गर्भ धारण होना, जैसा कि ईसाई धर्म में है। कई विद्वान मानते हैं कि उसने स्वर्गदूत गेब्रियल की साँस से गर्भ धारण किया।]**

Qala kathaliki qala rabbuki huwa AAalayya hayyinun walinajAAalahu ayatan lilnnasi warahmatan minna wakana amran maqdiyyan	x	He said, "Thus [it will be]; your Lord says, 'It is easy for Me, and We will make him a sign to the people and a mercy from Us. And it is a matter [already] decreed.' "	19:21	उसने कहा, "ऐसा ही होगा। रब ने कहा है कि यह मेरे लिए सहज है। और ऐसा इसलिए होगा (ताकि हम तुझे) और ताकि हम उसे लोगों के लिए एक निशानी बनाएँ और अपनी ओर से एक दयालुता। यह तो ऐसी बात है जिसका निर्णय हो चुका है।"	x
Fahamalathu faintabathat bihi makanan qasiyyan	x	So she conceived him, and she withdrew with him to a remote place.	19:22	फिर उसे उस (बच्चे) का गर्भ रह गया और वह उसे लिए हुए एक दूर के स्थान पर अलग चली गई।	x
Faajaaha almakhadu ila jithAAi alnnakhlati qalat ya laytanee mittu qabla hatha wakuntu nasyan mansiyyan	x	And the pains of childbirth drove her to the trunk of a palm tree. She said, "Oh, I wish I had died before this and was in oblivion, forgotten."	19:23	अन्ततः प्रसव पीड़ा उसे एक खजूर के तने के पास ले आई। वह कहने लगी, "क्या ही अच्छा होता कि मैं इससे पहले ही मर जाती और भूली-बिसरी हो गई होती!"	x

Fanadaha min tahtiha alla tahzanee qad jaAAala rabbuki tahtaki sariyyan	**[Mary gives birth to Jesus under a palm tree, not in a manger as in Luke 2:7. It is unclear from the text what was the nature of the stream that Allah places beneath Mary is; Numerous Islamic authorities identify the voice that spoke from beneath Mary as Gabriel, while others agree it was the baby Jesus, who speaks soon enough anyway (19:30).]**	But he called her from below her, "Do not grieve; your Lord has provided beneath you a stream.	19:24	उस समय उसे उसके नीचे से पुकारा, "शोकाकुल न हो। तेरे रब ने तेरे नीचे एक स्रोत प्रवाहित कर रखा है।	**[मैरी खजूर के पेड़ के नीचे यीशु को जन्म देती हैं, नांद में नहीं जैसा कि लूक 2:7 में है। पाठ से यह स्पष्ट नहीं है कि वह धारा कैसी थी जिसे अल्लाह मैरी के नीचे रखता है; कई इस्लामी प्राधिकरण उस आवाज़ की पहचान करने में हैं जो मैरी के नीचे से बोलती है, उसे जिब्राइल के रूप में मानते हैं, जबकि अन्य सहमत हैं कि यह बच्चा यीशु था, जो वैसे ही थोड़े समय में बोलता है (19:30)।]**
Wahuzzee ilayki bijithAAi alnnakhlati tusaqit AAalayki rutaban janiyyan	**[Very difficult for a women to shake date tree.]**	And shake toward you the trunk of the palm tree; it will drop upon you ripe, fresh dates.	19:25	तू खजूर के उस वृक्ष के तने को पकड़कर अपनी ओर हिला। तेरे ऊपर ताज़ा पकी-पकी खजूरें टपक पड़ेगी	**[एक महिला के लिए खजूर के पेड़ को हिलाना बहुत मुश्किल है।]**
Fakulee waishrabee waqarree AAaynan faimma tarayinna mina albashari ahadan faqoolee innee nathartu lilrrahmani sawman falan okallima alyawma insiyyan	This is also a form of ritual where a person does not speak, interestingly the arabic word used is "sawman" similar to the fasting.	So eat and drink and be contented. And if you see from among humanity anyone, say, 'Indeed, I have vowed to the Most Merciful abstention, so I will not speak today to [any] man.' "	19:26	अतः तू उसे खा और पी और आँखें ठंडी कर। फिर यदि तू किसी आदमी को देखे तो कह देना, मैंने तो रहमान के लिए रोज़े की मन्नत मानी है। इसलिए मैं आज किसी मनुष्य से न बोलूँगी।"	यह भी एक प्रकार की रीति है जहाँ व्यक्ति बोलता नहीं है, दिलचस्प बात यह है कि इस्तेमाल किया गया अरबी शब्द 'सव्मान' है जो उपवास के समान है।
Faatat bihi qawmaha tahmiluhu qaloo ya maryamu laqad jiti shayan fariyyan	x	Then she brought him to her people, carrying him. They said, "O Mary, you have certainly done a thing unprecedented.	19:27	फिर वह उस बच्चे को लिए हुए अपनी क़ौम के लोगों के पास आई। वे बोले, "ऐ मरयम, तूने तो बड़ा ही आश्चर्य का काम कर डाला!	x

Ya okhta haroona ma kana abooki imraa sawin wama kanat ommuki baghiyyan	On “sister of Aaron,” see 3:35. **[Aaron sister Mirium was not the mother of Jesus. Mirium lived 1000 year before Mary; Actually arabic of both Mirium and Mary is Maryam, the root cause of confusion.]**	O sister of Aaron, your father was not a man of evil, nor was your mother unchaste."	19:28	हे हारून की बहन! न तो तेरा बाप ही कोई बुरा आदमी था और न तेरी माँ ही बदचलन थी।"	“आरोन की बहन” के लिए देखें 3:35। **[आरोन की बहन मिरीयम यीशु की मां नहीं थी। मिरीयम मैरी से 1000 साल पहले रहती थी; वास्तव में मिरीयम और मैरी दोनों का अरबी नाम मरयम है, जो भ्रम का मूल कारण है।]**
Faasharat ilayhi qaloo kayfa nukallimu man kana fee almahdi sabiyyan	**[A child can't speak in cradle.]**	So she pointed to him. They said, "How can we speak to one who is in the cradle a child?"	19:29	तब उसने उस (बच्चे) की ओर संकेत किया। वे कहने लगे, "हम उससे कैसे बात करें जो पालने में पड़ा हुआ एक बच्चा है?"	**[एक बच्चा पालने में बोल नहीं सकता।]**
Qala innee AAabdu Allahi ataniya alkitaba wajaAAalanee nabiyyan	x	[Jesus] said, "Indeed, I am the servant of Allah. He has given me the Scripture and made me a prophet.	19:30	उसने कहा, "मैं अल्लाह का बन्दा हूँ। उसने मुझे किताब दी और मुझे नबी बनाया	x
WajaAAalanee mubarakan ayna ma kuntu waawsanee bialssalati waalzzakati ma dumtu hayyan	**[Jesus Christ did not impose a formal “poor tax” like an obligatory system (Zakah). What Jesus actually taught about helping the poor voluntarily.]**	And He has made me blessed wherever I am and has enjoined upon me prayer and zakah as long as I remain alive	19:31	और मुझे बरकतवाला किया जहाँ भी मैं रहूँ, और मुझे नमाज़ और ज़कात की ताकीद की, जब तक कि मैं जीवित रहूँ	**[यीशु मसीह ने ज़कात जैसा कोई औपचारिक “गरीब टैक्स” नहीं लगाया। यीशु ने असल में गरीबों की अपनी मर्ज़ी से मदद करने के बारे में सिखाया।]**
Wabarran biwalidatee walam yajAAalnee jabbaran shaqiyyan	x	And [made me] dutiful to my mother, and He has not made me a wretched tyrant.	19:32	और अपनी माँ का हक़ अदा करनेवाला बनाया। और उसने मुझे सरकश और बेनसीब नहीं बनाया	x
Waalssalamu AAalayya yawma wulidtu wayawma amootu wayawma obAAathu hayyan	x	And peace is on me the day I was born and the day I will die and the day I am raised alive."	19:33	सलाम है मुझपर जिस दिन कि मैं पैदा हुआ और जिस दिन कि मैं मरूँ और जिस दिन कि जीवित करके उठाया जाऊँ!"	x

Thalika AAeesa ibnu maryama qawla alhaqqi allathee feehi yamtaroona	x	That is Jesus, the son of Mary - the word of truth about which they are in dispute.	19:34	सच्ची और पक्की बात की स्पष्ट से यह है कि मरयम का बेटा ईसा, जिसके विषय में वे सन्देह में पड़े हुए है	x
Ma kana lillahi an yattakhitha min waladin subhanahu itha qada amran fainnama yaqoolu lahu kun fayakoonu	Jesus is not the Son of God but the “slave of Allah,” for to have a son is not befitting Allah’s majesty (see 4:171).	It is not [befitting] for Allah to take a son; exalted is He! When He decrees an affair, He only says to it, "Be," and it is.	19:35	अल्लाह ऐसा नहीं कि वह किसी को अपना बेटा बनाए। महान और उच्च है, वह! जब वह किसी चीज़ का फ़ैसला करता है तो बस उसे कह देता है, "हो जा!" तो वह हो जाती है। -	यीशु परमेश्वर के पुत्र नहीं, बल्कि “अल्लाह के दास” हैं; क्योंकि पुत्र होना अल्लाह की महिमा के अनुरूप नहीं है (देखें 4:171)।
Wainna Allaha rabbee warabbukum faoAAbudoohu hatha siratun mustaqeemun	**[Word “say” added in 6:104, 6:114, 11:2-3, 19:36, 27:91, 42:10, 51:50-51, 6:116, 11:2-3, while it is not in Arabic. “Say” in Arabic is “Qul / Qala”. without adding "Say" it will appear that Allah is not speaking.]**	[Jesus said], "And indeed, Allah is my Lord and your Lord, so worship Him. That is a straight path."	19:36	"और निस्संदेह अल्लाह मेरा रब भी है और तुम्हारा रब भी। अतः तुम उसी की बन्दगी करो यही सीधा मार्ग है।"	**[6:104, 6:114, 11:2-3, 19:36, 27:91, 42:10, 51:50-51, 6:116, 11:2-3 आयतों में "कहो" शब्द जोड़ा गया है, जबकि अरबी मूल में यह शब्द मौजूद नहीं है। अरबी में "कहो" के लिए "कुल / काला" शब्द का प्रयोग होता है। यदि "कहो" शब्द न जोड़ा जाए, तो ऐसा प्रतीत होगा कि अल्लाह स्वयं बात नहीं कर रहे हैं।]**
Faikhtalafa alahzabu min baynihim fawaylun lillatheena kafaroo min mashhadi yawmin AAatheemin	x	Then the factions differed [concerning Jesus] from among them, so woe to those who disbelieved - from the scene of a tremendous Day.	19:37	किन्तु उनमें कितने ही गिरोहों ने पारस्परिक वैमनस्य के कारण विभेद किया, तो जिन लोगों ने इनकार किया उनके लिए बड़ी तबाही है एक बड़े दिन की उपस्थिति से	x

AsmiAA bihim waabsir yawma yatoonana lakini alththalimoona alyawma fee dalalin mubeenin	x	How [clearly] they will hear and see the Day they come to Us, but the wrongdoers today are in clear error.	19:38	भली-भाँति सुननेवाले और भली-भाँति देखनेवाले होंगे, जिस दिन वे हमारे समाने आएँगे! किन्तु आज ये ज़ालिम खुली गुमराही में पड़े हुए है	x
Waanthirhum yawma alhasrati ith qudiya alamru wahum fee ghaflatin wahum la yuminoona	x	And warn them, [O Muhammad], of the Day of Regret, when the matter will be concluded; and [yet], they are in [a state of] heedlessness, and they do not believe.	19:39	उन्हें पश्चाताप के दिन से डराओ, जबकि मामले का फ़ैसला कर दिया जाएगा, और उनका हाल यह है कि वे ग़फ़लत में पड़े हुए है और वे ईमान नहीं ला रहे है	x
Inna nahnu narithu alarda waman AAalayha wailayna yurjaAAoona	x	Indeed, it is We who will inherit the earth and whoever is on it, and to Us they will be returned.	19:40	धरती और जो भी उसके ऊपर है उसके वारिस हम ही रह जाएँगे और हमारी ही ओर उन्हें लौटना होगा	x
Waothkur fee alkitabi ibraheema innahu kana siddeeqan nabiyyan	Here the Qur'an returns to the story of Abraham, recounting his breach with his father when his father refused to give up his idol worship (as also in 9:114).	And mention in the Book [the story of] Abraham. Indeed, he was a man of truth and a prophet.	19:41	और इस किताब में इबराहीम की चर्चा करो। निस्संदेह वह एक सत्यवान नबी था	यहाँ कुरान फिर से इब्राहीम की कहानी पर लौटता है, और उनके पिता के साथ उनके अलगाव का वर्णन करता है—जब उनके पिता ने मूर्ति-पूजा छोड़ने से इनकार कर दिया था (जैसा कि 9:114 में भी बताया गया है)।
Ith qala liabeehi ya abati lima taAAbudu ma la yasmaAAu wala yubsiru wala yughnee AAanka	x	[Mention] when he said to his father, "O my father, why do you worship that which does not hear and does not see and will not benefit you at all?	19:42	जबकि उसने अपने बाप से कहा, "ऐ मेरे बाप! आप उस चीज़ को क्यों पूजते हो, जो न सुने और न देखे और न आपके कुछ काम आए?	x

Ya abati innee qad jaanee mina alAAilmi ma lam yatika faittabiAAnee ahdika siratan	x	O my father, indeed there has come to me of knowledge that which has not come to you, so follow me; I will guide you to an even path.	19:43	ऐ मेरे बाप! मेरे पास ज्ञान आ गया है जो आपके पास नहीं आया। अतः आप मेरा अनुसरण करें, मैं आपको सीधा मार्ग दिखाऊँगा	x
Ya abati la taAAbudi alshshaytana inna alshshaytana kana	x	O my father, do not worship Satan. Indeed Satan has ever been, to the Most Merciful, disobedient.	19:44	ऐ मेरे बाप! शैतान की बन्दगी न कीजिए। शैतान तो रहमान का अवज्ञाकारी है	x
Ya abati innee akhafu an yamassaka AAathabun mina alrrahmani fatakoona	x	O my father, indeed I fear that there will touch you a punishment from the Most Merciful so you would be to Satan a companion [in Hellfire]."	19:45	ऐ मेरे बाप! मैं डरता हूँ कि कहीं आपको रहमान की कोई यातना न आ पकड़े और आप शैतान के साथी होकर रह जाएँ।"	x
Qala araghibun anta AAan alihatee ya ibraheemu lain lam tantahi laarjumannaka waohjurnee	x	[His father] said, "Have you no desire for my gods, O Abraham? If you do not desist, I will surely stone you, so avoid me a prolonged time."	19:46	उसने कहा, "ऐ इबराहीम! क्या तू मेरे उपास्यों से फिर गया है? यदि तू बाज़ न आया तो मैं तुझपर पथराव कर दूँगा। तू अलग हो जा मुझसे मुद्दत के लिए!"	x
Qala salamun AAalayka saastaghfiru laka rabbee innahu kana bee hafiyyan	**[Here in 19:47 and 60:4, Abraham is asking for the forgiveness of his father, which is prohibited in Islam. How can Abraham be an example of good Muslim.]**	[Abraham] said, "Peace will be upon you. I will ask forgiveness for you of my Lord. Indeed, He is ever gracious to me.	19:47	कहा, "सलाम है आपको! मैं आपके लिए रब से क्षमा की प्रार्थना करूँगा। वह तो मुझपर बहुत मेहरबान है	**[यहाँ 19:47 और 60:4 में, इबराहीम अपने पिता के लिए माफ़ी मांग रहे हैं, जो इस्लाम में मना है। इबराहीम अच्छे मुसलमान का उदाहरण कैसे हो सकते हैं?]**

WaaAAtazilukum wama tadAAoona min dooni Allahi waadAAoo rabbee AAasa alla akoona biduAAai rabbee shaqiyyan	x	And I will leave you and those you invoke other than Allah and will invoke my Lord. I expect that I will not be in invocation to my Lord unhappy."	19:48	मैं आप लोगों को छोड़ता हूँ और उनको भी जिन्हें अल्लाह से हटकर आप लोग पुकारा करते है। मैं तो अपने रब को पुकारूँगा। आशा है कि मैं अपने रब को पुकारकर बेनसीब नहीं रहूँगा।"	x
Falamma iAAtazalahum wama yaAAbudoona min dooni Allahi wahabna lahu ishaqa wayaAAqooba wakullan jaAAalna	x	So when he had left them and those they worshipped other than Allah, We gave him Isaac and Jacob, and each [of them] We made a prophet.	19:49	फिर जब वह उन लोगों से और जिन्हें वे अल्लाह के सिवा पूजते थे उनसे अलग हो गया, तो हमने उसे इसहाक़ और याकूब प्रदान किए और हर एक को हमने नबी बनाया	x
Wawahabna lahum min rahmatina wajaAAalna lahum lisana sidqin AAaliyyan	x	And We gave them of Our mercy, and we made for them a reputation of high honor.	19:50	और उन्हें अपनी दयालुता से हिस्सा दिया। और उन्हें एक सच्ची उच्च ख्याति प्रदान की	x
Waothkur fee alkitabi moosa innahu kana mukhlasan wakana	x	And mention in the Book, Moses. Indeed, he was chosen, and he was a messenger and a prophet.	19:51	और इस किताब में मूसा की चर्चा करो। निस्संदेह वह चुना हुआ था और एक रसूल, नबी था	x
Wanadaynahu min janibi alttoori alaymani waqarrabnahu najiyyan	x	And We called him from the side of the mount at [his] right and brought him near, confiding [to him].	19:52	हमने उसे 'तूर' के मुबारक छोर से पुकारा और रहस्य की बातें करने के लिए हमने उसे समीप किया	x

Wawahabna lahu min rahmatina akhahu haroona	x	And We gave him out of Our mercy his brother Aaron as a prophet.	19:53	और अपनी दयालुता से अपने भाई हारून को नबी बनाकर उसे दिया	x
Waothkur fee alkitabi ismaAAeela innahu kana sadiqa alwaAAdi wakana rasoolan nabiyyan	x	And mention in the Book, Ishmael. Indeed, he was true to his promise, and he was a messenger and a prophet.	19:54	और इस किताब में इसमाईल की चर्चा करो। निस्संदेह वह वादे का सच्च, नबी था	x
Wakana yamuru ahlahu bialssalati waalzzakati wakana AAinda rabbihi mardiyyan	x	And he used to enjoin on his people prayer and zakah and was to his Lord pleasing.	19:55	और अपने लोगों को नमाज़ और ज़कात का हुक्म देता था। और वह अपने रब के यहाँ प्रीतिकर व्यक्ति था	x
Waothkur fee alkitabi idreesa innahu kana siddeeqan nabiyyan	Bibilical Name = Enoch.	And mention in the Book, Idrees. Indeed, he was a man of truth and a prophet.	19:56	और इस किताब में इदरीस की भी चर्चा करो। वह अत्यन्त सत्यवान, एक नबी था	बाइबिल का नाम = हनोक
WarafaAAnahu makanan AAaliyyan	x	And We raised him to a high station.	19:57	हमने उसे उच्च स्थान पर उठाया था	x

Olaika allatheena anAAama Allahu AAalayhim mina alnnabiyyeena min thurriyyati adama wamimman hamalna maAAa noohin wamin thurriyyati ibraheema waisraeela wamimman hadayna waijtabayna itha tutla AAalayhim ayatu alrrahmani	x	Those were the ones upon whom Allah bestowed favor from among the prophets of the descendants of Adam and of those We carried [in the ship] with Noah, and of the descendants of Abraham and Israel, and of those whom We guided and chose. When the verses of the Most Merciful were recited to them, they fell in prostration and weeping.	19:58	ये वे पैग़म्बर है जो अल्लाह के कृपापात्र हुए, आदम की सन्तान में से और उन लोगों के वंशज में से जिनको हमने नूह के साथ सवार किया, और इबराहीम और इसराईल के वंशज में से और उनमें से जिनको हमने सीधा मार्ग दिखाया और चुन लिया। जब उन्हें रहमान की आयतें सुनाई जातीं तो वे सजदा करते और रोते हुए गिर पड़ते थे	x
Fakhalafa min baAAdihim khalfun adaAAoo alssalata waittabaAAoo alshshahawati fasawfa yalqawna ghayyan	x	But there came after them successors who neglected prayer and pursued desires; so they are going to meet evil -	19:59	फिर उनके पश्चात ऐसे बुरे लोग उनके उत्तराधिकारी हुए, जिन्होंने नमाज़ को गँवाया और मन की इच्छाओं के पीछे पड़े। अतः जल्द ही वे गुमराही (के परिणाम) से दोचार होंगा	x
Illa man taba waamana waAAamila salihan faolaika yadkhuloona aljannata wala	x	Except those who repent, believe and do righteousness; for those will enter Paradise and will not be wronged at all.	19:60	किन्तु जो तौबा करे और ईमान लाए और अच्छा कर्म करे, तो ऐसे लोग जन्नत में प्रवेश करेंगे। उनपर कुछ भी ज़ुल्म न होगा। -	x

Jannati AAadnin allatee waAAada alrrahmanu AAibadahu bialghaybi innahu kana waAAduhu matiyyan	x	[Therein are] gardens of perpetual residence which the Most Merciful has promised His servants in the unseen. Indeed, His promise has ever been coming.	19:61	अदन (रहने) के बाग़ जिनका रहमान ने अपने बन्दों से परोक्ष में होते हुए वादा किया है। निश्चय ही उसके वादे पर उपस्थित हाना है। -	x
La yasmaAAoona feeha laghwan illa salaman walahum rizquhum feeha bukratan waAAashiyyan	x	They will not hear therein any ill speech - only [greetings of] peace - and they will have their provision therein, morning and afternoon.	19:62	वहाँ वे 'सलाम' के सिवा कोई व्यर्थ बात नहीं सुनेंगे। उनकी रोज़ी उन्हें वहाँ प्रातः और सन्ध्या समय प्राप्त होती रहेगी	x
Tilka aljannatu allatee noorithu min AAibadina man kana taqiyyan	x	That is Paradise, which We give as inheritance to those of Our servants who were fearing of Allah.	19:63	यह है वह जन्नत जिसका वारिस हम अपने बन्दों में से हर उस व्यक्ति को बनाएँगे, जो डर रखनेवाला हो	x

Wama natanazzalu illa biamri rabbika lahu ma bayna aydeena wama khalfana wama bayna thalika wama kana rabbuka nasiyyan	Gabriel failed to come to the Prophet (pbuh) when some people asked the prophet about the people of the Cave, Dhu'l-Qarnayn and the Spirit. When Gabriel finally came, the Prophet said to him: 'You delayed your coming so much that I had some misgivings, and I have missed you'. Gabriel said: 'I have missed you more but I am only a slave who obeys orders. When I am sent, I come; and when I am kept back, I remain where I am kept'. Then this verse was revealed.	[Gabriel said], "And we [angels] descend not except by the order of your Lord. To Him belongs that before us and that behind us and what is in between. And never is your Lord forgetful -	19:64	हम तुम्हारे रब की आज्ञा के बिना नहीं उतरते। जो कुछ हमारे आगे है और जो कुछ हमारे पीछे है और जो कुछ इसके मध्य है सब उसी का है, और तुम्हारा रब भूलनेवाला नहीं है	जब कुछ लोगों ने पैगंबर से गुफा के लोगों, ज़ुल-क़रनैन और रूह के बारे में पूछा, तो गैब्रियल पैगंबर के पास नहीं आ पाए। जब जिब्रिल आखिरकार आए, तो पैगंबर ने उनसे कहा: 'तुमने आने में इतनी देर कर दी कि मुझे कुछ शक हो गया, और मैं तुम्हें मिस कर रहा हूँ'। जिब्रिल ने कहा: 'मैंने तुम्हें और भी ज़्यादा मिस किया, लेकिन मैं तो बस एक गुलाम हूँ जो हुक्म मानता है। जब मुझे भेजा जाता है, तो मैं आता हूँ; और जब मुझे रोक लिया जाता है, तो मैं वहीं रहता हूँ जहाँ मुझे रखा जाता है'। तब यह आयत नाज़िल हुई।
Rabbu alssamawati waalardi wama baynahuma faoAAbudhu waistabir liAAibadatihi hal taAAlamu lahu samiyyan	x	Lord of the heavens and the earth and whatever is between them - so worship Him and have patience for His worship. Do you know of any similarity to Him?"	19:65	आकाशों और धरती का रब है और उसका भी जो इन दोनों के मध्य है। अतः तुम उसी की बन्दगी पर जमे रहो। क्या तुम्हारे ज्ञान में उस जैसा कोई है?	x
Wayaqoolu alinsanu aitha ma mittu lasawfa okhraju hayyan	x	And the disbeliever says, "When I have died, am I going to be brought forth alive?"	19:66	और मनुष्य कहता है, "क्या जब मैं मर गया तो फिर जीवित करके निकाला जाऊँगा?"	x
Awala yathkuru alinsanu anna khalaqnahu min qablu walam yaku	x	Does man not remember that We created him before, while he was nothing?	19:67	क्या मनुष्य याद नहीं करता कि हम उसे इससे पहले पैदा कर चुके है, जबकि वह कुछ भी न था?	x

Fawarabbika lanahshurannahum waalshshayateena thumma lanuhdirannahum hawla jahannama jithiyyan	x	So by your Lord, We will surely gather them and the devils; then We will bring them to be present around Hell upon their knees.	19:68	अतः तुम्हारे रब की क़सम! हम अवश्य उन्हें और शैतानों को भी इकट्ठा करेंगे। फिर हम उन्हें जहन्नम के चतुर्दिक इस दशा में ला उपस्थित करेंगे कि वे घुटनों के बल झुके होंगे	x
Thumma lananziAAanna min kulli sheeAAatin ayyuhum ashaddu AAala alrrahmani AAitiyyan	x	Then We will surely extract from every sect those of them who were worst against the Most Merciful in insolence.	19:69	फिर प्रत्येक गिरोह में से हम अवश्य ही उसे छाँटकर अलग करेंगे जो उनमें से रहमान (कृपाशील प्रभु) के मुक़ाबले में सबसे बढ़कर सरकश रहा होगा	x
Thumma lanahnu aAAlamu biallatheena hum awla biha siliyyan	x	Then, surely it is We who are most knowing of those most worthy of burning therein.	19:70	फिर हम उन्हें भली-भाँति जानते है जो उसमें झोंके जाने के सर्वाधिक योग्य है	x
Wain minkum illa wariduha kana AAala rabbika hatman maqdiyyan	The Muslims, like the unbelievers, will also experience hellfire, but only at a distance, and temporarily. The passing of the Muslims (over the Hellire) means their passing over a bridge that is over it. While the Muslims will cross it the non-muslims will fall. **[The bridge Siraat is very similar to Zoroastrian bridge named**	And there is none of you except he will come to it. This is upon your Lord an inevitability decreed.	19:71	तुममें से प्रत्येक को उसपर पहुँचना ही है। यह एक निश्चय पाई हुई बात है, जिसे पूरा करना तेरे रब के ज़िम्मे है।	काफ़िरों की तरह मुसलमान भी जहन्नम का अनुभव करेंगे, लेकिन थोड़ी दूरी पर और कुछ समय के लिए। मुसलमानों का (जहन्नम के ऊपर से) गुज़रने का मतलब है कि वे उस पुल के ऊपर से गुज़रेंगे जो उस पर बना है। जब मुसलमान उसे पार करेंगे तो गैर-मुस्लिम नीचे गिर जाएँगे। **[सिरात पुल चिनवाद नाम के ज़ोरोस्ट्रियन पुल से काफ़ी मिलता-जुलता है।]**

Thumma nunajjee allatheena ittaqaw wanatharu alththalimeena feeha jithiyyan	x	Then We will save those who feared Allah and leave the wrongdoers within it, on their knees.	19:72	फिर हम डर रखनेवालों को बचा लेंगे और ज़ालिमों को उसमें घुटनों के बल छोड़ देंगे	x
Waitha tutla AAalayhim ayatuna bayyinatin qala allatheena kafaroo lillatheena amanoo ayyu alfareeqayni khayrun maqaman waahsanu nadiyyan	The disbelievers are ready to determine which religion to follow based on the level of earthly prosperity of its adherents. The disbelievers were saying, ‘How can we be upon falsehood while we are in this manner of successful living?’ But this success is only temporary.	And when Our verses are recited to them as clear evidences, those who disbelieve say to those who believe, "Which of [our] two parties is best in position and best in association?"	19:73	जब उन्हें हमारी खुली हुई आयतें सुनाई जाती है तो जिन लोगों ने कुफ़्र किया, वे ईमान लानेवालों से कहते हैं, "दोनों गिरोहों में स्थान की स्पष्ट से कौन उत्तम है और कौन मजलिस की दृष्टि से अधिक अच्छा है?"	काफ़िर लोग इस बात का फ़ैसला करने के लिए तैयार हैं कि किस धर्म का पालन किया जाए, और वे यह फ़ैसला उस धर्म के मानने वालों की दुनियावी खुशहाली के स्तर के आधार पर करते हैं। काफ़िर कह रहे थे, ‘हम भला झूठ पर कैसे हो सकते हैं, जबकि हम इस तरह की सफल ज़िंदगी जी रहे हैं?’ लेकिन यह सफलता तो केवल अस्थायी है।
Wakam ahlakna qablahum min qarnin hum ahsanu athathan wariyan	x	And how many a generation have We destroyed before them who were better in possessions and [outward] appearance?	19:74	हालाँकि उनसे पहले हम कितनी ही नसलों को विनष्ट कर चुके है जो सामग्री और बाह्य भव्यता में इनसे कहीं अच्छी थीं!	x

Qul man kana fee alddalalati falyamdud lahu alrrahmanu maddan hatta itha raaw ma yooAAadoona imma alAAathaba waimma alssaAAata fasayaAAlamoona man huwa sharrun makanan waadAAafu jundan	The disbelievers will be punished in this life after a fixed term, otherwise, anyway Hell is their refuge.	Say, "Whoever is in error - let the Most Merciful extend for him an extension [in wealth and time] until, when they see that which they were promised - either punishment [in this world] or the Hour [of resurrection] - they will come to know who is worst in position and weaker in soldiers."	19:75	कह दो, "जो गुमराही में पड़ा हुआ है उसके प्रति तो यही चाहिए कि रहमान उसकी रस्सी ख़ूब ढीली छोड़ दे, यहाँ तक कि जब ऐसे लोग उस चीज़ को देख लेंगे जिसका उनसे वादा किया जाता है - चाहे यातना हो या क़ियामत की घड़ी - तो वे उस समय जान लेंगे कि अपने स्थान की स्पष्ट से कौन निकृष्ट और जत्थे की दृष्टि से अधिक कमजोर है।"	काफ़िरों को इस जीवन में एक निश्चित अवधि के बाद दंडित किया जाएगा; अन्यथा, वैसे भी नरक ही उनका ठिकाना है।
Wayazeedu Allahu allatheena ihtadaw hudan waalbaqiyatu alssalihatu khayrun AAinda rabbika thawaban wakhayrun maraddan	x	And Allah increases those who were guided, in guidance, and the enduring good deeds are better to your Lord for reward and better for recourse.	19:76	और जिन लोगों ने मार्ग पा लिया है, अल्लाह उनके मार्गदर्शन में अभिवृद्धि प्रदान करता है और शेष रहनेवाली नेकियाँ ही तुम्हारे रब के यहाँ बदले और अन्तिम परिणाम की स्पष्ट से उत्तम है	x
Afaraayta allathee kafara biayatina waqala laootayanna malan wawaladan	x	Then, have you seen he who disbelieved in Our verses and said, "I will surely be given wealth and children [in the next life]?"	19:77	फिर क्या तुमने उस व्यक्ति को देखा जिसने हमारी आयतों का इनकार किया और कहा, "मुझे तो अवश्य ही धन और सन्तान मिलने को है?"	x
AttalaAAa alghayba ami ittakhatha AAinda alrrahmani AAahdan	x	Has he looked into the unseen, or has he taken from the Most Merciful a promise?	19:78	क्या उसने परोक्ष को झाँककर देख लिया है, या रहमान से कोई वचन ले रखा है?	x

Kalla sanaktubu ma yaqoolu wanamuddu lahu mina alAAathabi maddan	x	No! We will record what he says and extend for him from the punishment extensively.	19:79	कदापि नहीं, हम लिखेंगे जो कुछ वह कहता है और उसके लिए हम यातना को दीर्घ करते चले जाएँगे।	x
Wanarithuhu ma yaqoolu wayateena fardan	x	And We will inherit him [in] what he mentions, and he will come to Us alone.	19:80	और जो कुछ वह बताता है उसके वारिस हम होंगे और वह अकेला ही हमारे पास आएगा	x
Waittakhathoo min dooni Allahi alihatan liyakoonoo lahum AAizzan	x	And they have taken besides Allah [false] deities that they would be for them [a source of]	19:81	और उन्होंने अल्लाह से इतर अपने कुछ पूज्य-प्रभु बना लिए है, ताकि वे उनके लिए शक्ति का कारण बनें।	x
Kalla sayakfuroona biAAibadatihim wayakoonoona AAalayhim diddan	**[How false dieties will be resurrected.]**	No! Those "gods" will deny their worship of them and will be against them opponents [on the Day of Judgement].	19:82	कुछ नहीं, ये उनकी बन्दगी का इनकार करेंगे और उनके विरोधी बन जाएँगे। -	**[झूठे देवता कैसे पुनर्जीवित होंगे।]**
Alam tara anna arsalna alshshayateena AAala alkafireena taozzuhum azzan	**[Allah has send devil upon disbelievers to incite then to evil.]**	Do you not see that We have sent the devils upon the disbelievers, inciting them to [evil] with [constant] incitement?	19:83	क्या तुमने देखा नहीं कि हमने शैतानों को छोड़ रखा है, जो इनकार करनेवालों पर नियुक्त है?	**[अल्लाह ने अविश्वासियों पर शैतान को भेजा है ताकि वह उन्हें बुराई की ओर उकसाए।]**
Fala taAAjal AAalayhim innama naAAuddu lahum AAaddan	**[Abrogated by later Jihadi verses.]**	So be not impatient over them. We only count out to them a [limited] number.	19:84	अतः तुम उनके लिए जल्दी न करो। हम तो बस उनके लिए (उनकी बातें) गिन रहे है	**[बाद की जिहादी आयतों द्वारा निरस्त।]**
Yawma nahshuru almuttaqeena ila alrrahmani wafdan	x	On the Day We will gather the righteous to the Most Merciful as a delegation	19:85	याद करो जिस दिन हम डर रखनेवालों के सम्मानित गिरोह के रूप में रहमान के पास इकट्ठा करेंगे।	x

Wanasooqu almujrimeena ila jahannama wirdan	x	And will drive the criminals to Hell in thirst	19:86	और अपराधियों को जहन्नम के घाट की ओर प्यासा हाँक ले जाएँगे।	x
La yamlikoona alshshafaAAata illa mani ittakhatha AAinda alrrahmani AAahdan	**[Contradiction: No intercession accepted (2:48, 2:123, 6:51, 6:94, 23:101, 32:4, 39:43-44, 42:46). Intercession is accepted with Allah's permission (2:255, 4:64, 10:3, 19:87, 20:109, 21:28, 34:23, 53:26)]**	None will have [power of] intercession except he who had taken from the Most Merciful a covenant.	19:87	उन्हें सिफ़ारिश का अधिकार प्राप्त न होगा। सिवाय उसके, जिसने रहमान के यहाँ से अनुमोदन प्राप्त कर लिया हो	**[विरोधाभास: कोई शफ़ाअत (सिफ़ारिश) स्वीकार नहीं की जाएगी (2:48, 2:123, 6:51, 6:94, 23:101, 32:4, 39:43-44, 42:46), जबकि शफ़ाअत केवल अल्लाह की अनुमति से स्वीकार की जाती है (2:255, 4:64, 10:3, 19:87, 20:109, 21:28, 34:23, 53:26)]**
Waqaloo ittakhatha alrrahmanu waladan	x	And they say, "The Most Merciful has taken [for Himself] a son."	19:88	वे कहते है, "रहमान ने किसी को अपना बेटा बनाया है।"	x
Laqad jitum shayan iddan	The idea that Allah has begotten a son (Jesus) is "an atrocious thing".	You have done an atrocious thing.	19:89	अत्यन्त भारी बात है, जो तुम घड़ लाए हो!	यह विचार कि अल्लाह ने एक बेटा (ईसा) पैदा किया है, "एक अत्यंत घिनौनी बात" है।
Takadu alssamawatu yatafattarna minhu watanshaqqu alardu watakhirru aljibalu haddan	**[Heavens is same as sky in Quran, and sky is just an optical illusion; Even today Christians believe Jesus is son of God and no devastation happen.]**	The heavens almost rupture therefrom and the earth splits open and the mountains collapse in devastation	19:90	निकट है कि आकाश इससे फट पड़े और धरती टुकड़े-टुकड़े हो जाए और पहाड़ धमाके के साथ गिर पड़े,	**[कुरान में स्वर्ग और आकाश एक ही हैं, और आकाश सिर्फ़ एक ऑप्टिकल इल्यूजन है; आज भी ईसाई मानते हैं कि जीसस ईश्वर के बेटे हैं और कोई तबाही नहीं होती।]**
An daAAaw lilrrahmani waladan	x	That they attribute to the Most Merciful a son.	19:91	इस बात पर कि उन्होंने रहमान के लिए बेटा होने का दावा किया!	x
Wama yanbaghee lilrrahmani an yattakhitha waladan	x	And it is not appropriate for the Most Merciful that He should take a son.	19:92	जबकि रहमान की प्रतिष्ठा के प्रतिकूल है कि वह किसी को अपना बेटा बनाए	x

In kullu man fee alssamawati waalardi illa atee alrrahmani AAabdan	x	There is no one in the heavens and earth but that he comes to the Most Merciful as a servant.	19:93	आकाशों और धरती में जो कोई भी है एक बन्दें के रूप में रहमान के पास आनेवाला है	x
Laqad ahsahum waAAaddahum AAaddan	**[Allah will take vengence against Christians.]**	He has enumerated them and counted them a [full] counting.	19:94	उसने उनका आकलन कर रखा है और उन्हें अच्छी तरह गिन रखा है	**[अल्लाह ईसाइयों से बदला लेगा।]**
Wakulluhum ateehi yawma alqiyamati fardan	x	And all of them are coming to Him on the Day of Resurrection alone.	19:95	और उनमें से प्रत्येक क़ियामत के दिन उस अकेले (रहमान) के सामने उपस्थित होगा	x
Inna allatheena amanoo waAAamiloo alssalihati sayajAAalu lahumu alrrahmanu wuddan	x	Indeed, those who have believed and done righteous deeds - the Most Merciful will appoint for them affection.	19:96	निस्संदेह जो लोग ईमान लाए और उन्होंने अच्छे कर्म किए शीघ्र ही रहमान उनके लिए प्रेम उत्पन्न कर देगा	x
Fainnama yassarnahu bilisanika litubashshira bihi almuttaqeena watunthira bihi qawman luddan	**[Not at all an easy book to understand.]**	So, [O Muhammad], We have only made Qur'an easy in the Arabic language that you may give good tidings thereby to the righteous and warn thereby a hostile people.	19:97	अतः हमने इस वाणी को तुम्हारी भाषा में इसी लिए सहज एवं उपयुक्त बनाया है, ताकि तुम इसके द्वारा डर रखनेवालों को शुभ सूचना दो और उन झगड़ालू लोगों को इसके द्वारा डराओ	**[समझने के लिए यह किताब बिल्कुल भी आसान नहीं है।]**
Wakam ahlakna qablahum min qarnin hal tuhissu minhum min ahadin aw tasmaAAu lahum rikzan	x	And how many have We destroyed before them of generations? Do you perceive of them anyone or hear from them a sound?	19:98	उनसे पहले कितनी ही नसलों को हम विनष्ट कर चुके है। क्या उनमें किसी की आहट तुम पाते हो या उनकी कोई भनक सुनते हो?	x

Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**TaHa, "ta ha" is a phrase from an ancient Arabic dialect, meaning “O man"**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**20:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**ताहा, "ता हा" प्राचीन अरबी बोली का एक वाक्यांश है, जिसका अर्थ है "हे मनुष्य"।**
Taha	Mysterious letters	Ta, Ha.	20:1	ता॰ हा॰।	रहस्यमयी अक्षर
Ma anzalna AAalayka alqurana litashqa	Abu Jahl and al-Nadr ibn al-Harith said to the Prophet (pbuh): You have become distressed because of leaving our religion. **[If war, atrocities and poverty are not distress then this verse makes sense.]**	We have not sent down to you the Qur'an that you be distressed	20:2	हमने तुमपर यह क़ुरआन इसलिए नहीं उतारा कि तुम मशक़्क़त में पड़ जाओ	अबू जहल और अल-नद्र इब्न अल-हारिथ ने पैगंबर (स.) से कहा: आप हमारे धर्म को छोड़ने की वजह से परेशान हो गए हैं। **[अगर युद्ध, अत्याचार और गरीबी परेशानी नहीं हैं तो यह आयत समझ में आती है।]**
Illa tathkiratan liman yakhsha	x	But only as a reminder for those who fear [Allah] -	20:3	यह तो बस एक अनुस्मृति है, उसके लिए जो डरे,	x
Tanzeelan mimman khalaqa alarda waalssamawati alAAula	x	A revelation from He who created the earth and highest heavens,	20:4	भली-भाँति अवतरित हुआ है उस सत्ता की ओर से, जिसने पैदा किया है धरती और उच्च आकाशों को	x
Alrrahmanu AAala alAAarshi istawa	x	The Most Merciful [who is] above the Throne established.	20:5	वह रहमान है, जो राजासन पर विराजमान हुआ	x
Lahu ma fee alssamawati wama fee alardi wama baynahuma wama tahta alththara	x	To Him belongs what is in the heavens and what is on the earth and what is between them and what is under the soil.	20:6	उसी का है जो कुछ आकाशों में है और जो कुछ धरती में है और जो कुछ इन दोनों के मध्य है और जो कुछ आर्द्र मिट्टी के नीचे है	x
Wain tajhar bialqawli fainnahu yaAAlamu alssirra waakhfa	x	And if you speak aloud - then indeed, He knows the secret and what is [even] more hidden.	20:7	तुम चाहे बात पुकार कर कहो (या चुपके से), वह तो छिपी हुई और अत्यन्त गुप्त बात को भी जानता है	x

Allahu la ilaha illa huwa lahu alasmao alhusna	x	Allah - there is no deity except Him. To Him belong the best names.	20:8	अल्लाह, कि उसके सिवा कोई पूज्य-प्रभू नहीं। उसके नाम बहुत ही अच्छे हैं।	x
Wahal ataka hadeethu moosa	x	And has the story of Moses reached you? -	20:9	क्या तुम्हें मूसा की भी ख़बर पहुँची?	x
Ith raa naran faqala liahlihi omkuthoo innee anastu naran laAAallee ateekum minha biqabasin aw ajidu AAala alnnari hudan	When Moses approached the Burning Bush and heard the voice of Allah, he attained the states of fana (absorption of the self into the deity) and baqaa (life in union with Allah). His shoes, they say, represented his separation from Allah, which Allah tells him to take off (20:12).	When he saw a fire and said to his family, "Stay here; indeed, I have perceived a fire; perhaps I can bring you a torch or find at the fire some guidance."	20:10	जबकि उसने एक आग देखी तो उसने अपने घरवालों से कहा, "ठहरो! मैंने एक आग देखी है। शायद कि तुम्हारे लिए उसमें से कोई अंगारा ले आऊँ या उस आग पर मैं मार्ग का पता पा लूँ।"	जब मूसा जलती हुई झाड़ी के पास पहुँचे और उन्होंने अल्लाह की आवाज़ सुनी, तो वे 'फ़ना' (स्वयं का ईश्वर में विलीन हो जाना) और 'बक़ा' (अल्लाह के साथ एकाकार होकर जीवन जीना) की अवस्थाओं को प्राप्त हुए। कहा जाता है कि उनके जूते अल्लाह से उनके अलगाव का प्रतीक थे, जिन्हें अल्लाह ने उन्हें उतार देने का आदेश दिया (20:12)।
Falamma ataha noodiya ya moosa	x	And when he came to it, he was called, "O Moses,	20:11	फिर जब वह वहाँ पहुँचा तो पुकारा गया, "ऐ मूसा!	x
Innee ana rabbuka faikhlaAA naAAlayka innaka bialwadi almuqaddasi tuwan	Tuwa either means “name of the valley” or ‘doubly sacred’ or repetitious blessings.	Indeed, I am your Lord, so remove your sandals. Indeed, you are in the sacred valley of Tuwa.	20:12	मैं ही तेरा रब हूँ। अपने जूते उतार दे। तू पवित्र घाटी 'तुवा' में है	तुवा' का अर्थ या तो 'घाटी का नाम' है, या 'दोहरा पवित्र', अथवा 'बार-बार मिलने वाला आशीर्वाद'।
Waana ikhtartuka faistamiAA lima yooha	x	And I have chosen you, so listen to what is revealed [to you].	20:13	मैंने तुझे चुन लिया है। अतः सुन, जो कुछ प्रकाशना की जाती है	x
Innanee ana Allahu la ilaha illa ana faoAAbudnee waaqimi alssalata lithikree	x	Indeed, I am Allah. There is no deity except Me, so worship Me and establish prayer for My remembrance.	20:14	निस्संदेह मैं ही अल्लाह हूँ। मेरे सिवा कोई पूज्य-प्रभु नहीं। अतः तू मेरी बन्दगी कर और मेरी याद के लिए नमाज़ क़ायम कर	x

Inna alssaAAata atiyatun akadu okhfeeha litujza kullu nafsin bima tasAAa	x	Indeed, the Hour is coming - I almost conceal it - so that every soul may be recompensed according to that for which it strives.	20:15	निश्चय ही वह (क़ियामत की) घड़ी आनेवाली है - शीघ्र ही उसे लाऊँगा, उसे छिपाए रखता हूँ - ताकि प्रत्येक व्यक्ति जो प्रयास वह करता है, उसका बदला पाए	x
Fala yasuddannaka AAanha man la yuminu biha waittabaAAa hawahu fatarda	x	So do not let one avert you from it who does not believe in it and follows his desire, for you [then] would perish.	20:16	अतः जो कोई उसपर ईमान नहीं लाता और अपनी वासना के पीछे पड़ा है, वह तुझे उससे रोक न दे, अन्यथा तू विनष्ट हो जाएगा	x
Wama tilka biyameenika ya moosa	x	And what is that in your right hand, O Moses?"	20:17	और ऐ मूसा! यह तेरे दाहिने हाथ में क्या है?"	x
Qala hiya AAasaya atawakkao AAalayha waahushshu biha AAala ghanamee waliya feeha maaribu okhra	x	He said, "It is my staff; I lean upon it, and I bring down leaves for my sheep and I have therein other uses."	20:18	उसने कहा, "यह मेरी लाठी है। मैं इसपर टेक लगाता हूँ और इससे अपनी बकरियों के लिए पत्ते झाड़ता हूँ और इससे मेरी दूसरी ज़रूरतें भी पूरी होती है।"	x
Qala alqiha ya moosa	x	[Allah] said, "Throw it down, O Moses."	20:19	कहा, "डाल दे उसे, ऐ मूसा!"	x
Faalqaha faitha hiya hayyatun tasAAa	**[Allah is teaching Miracle to Moses.]**	So he threw it down, and thereupon it was a snake, moving swiftly.	20:20	अतः उसने डाल दिया। सहसा क्या देखते है कि वह एक साँप है, जो दौड़ रहा है	**[अल्लाह मूसा को चमत्कार सिखा रहे हैं।]**
Qala khuthha wala takhaf sanuAAeeduha seerataha aloola	x	[Allah] said, "Seize it and fear not; We will return it to its former condition.	20:21	कहा, "इसे पकड़ ले और डर मत। हम इसे इसकी पहली हालत पर लौटा देंगे	x

Waodmum yadaka ila janahika takhruj baydaa min ghayri sooin ayatan okhra	**[But in bible the hand appears leprous (White) temporarily, then healed]**	And draw in your hand to your side; it will come out white without disease - another sign,	20:22	और अपने हाथ अपने बाज़ू की ओर समेट ले। वह बिना किसी ऐब के रौशन दूसरी निशानी के रूप में निकलेगा	**[लेकिन बाइबल में हाथ कुछ समय के लिए कोढ़ (सफेद) जैसा दिखता है, फिर ठीक हो जाता है]**
Linuriyaka min ayatina alkubra	x	That We may show you [some] of Our greater	20:23	इसलिए कि हम तुझे अपनी बड़ी निशानियाँ दिखाएँ	x
Ithhab ila firAAawna innahu tagha	x	Go to Pharaoh. Indeed, he has transgressed."	20:24	तू फ़िरऔन के पास जा। वह बहुत सरकश हो गया है।"	x
Qala rabbi ishrah lee sadree	x	[Moses] said, "My Lord, expand for me my breast [with assurance]	20:25	उसने निवेदन किया, "मेरे रब! मेरा सीना मेरे लिए खोल दे	x
Wayassir lee amree	x	And ease for me my task	20:26	और मेरे काम को मेरे लिए आसान कर दे	x
Waohlul AAuqdatan min lisanee	Ibn Kathir: Moses asked for removal of his stammering so the people would understand what he intended in his speech.	And untie the knot from my tongue	20:27	और मेरी ज़बान की गिरह खोल दे।	इब्न कसीर: मूसा ने अपनी हकलाहट दूर करने की दुआ की, ताकि लोग समझ सकें कि वे अपनी बात में क्या कहना चाहते हैं।
Yafqahoo qawlee	x	That they may understand my speech.	20:28	कि वे मेरी बात समझ सकें	x
WaijAAal lee wazeeran min ahlee	That was his request for the assistance of his brother, Harun.	And appoint for me a minister from my family -	20:29	और मेरे लिए अपने घरवालों में से एक सहायक नियुक्त कर दें,	यह उसके भाई हारून से सहायता के लिए उसका अनुरोध था।
Haroona akhee	x	Aaron, my brother.	20:30	हारून को, जो मेरा भाई है	x
Oshdud bihi azree	x	Increase through him my strength	20:31	उसके द्वारा मेरी कमर मज़बूत कर	x
Waashrikhu fee amree	x	And let him share my task	20:32	और उसे मेरे काम में शरीक कर दें,	x
Kay nusabbihaka katheeran	x	That we may exalt You much	20:33	कि हम अधिक से अधिक तेरी तसबीह करें	x
Wanathkuraka katheeran	x	And remember You much.	20:34	और तुझे ख़ूब याद करें	x

Innaka kunta bina baseeran	x	Indeed, You are of us ever Seeing."	20:35	निश्चय ही तू हमें खूब देख रहा है।"	x
Qala qad ooteeta sulaka ya moosa	x	[Allah] said, "You have been granted your request, O Moses.	20:36	कहा, "दिया गया तुझे जो तूने माँगा, ऐ मूसा!	x
Walaqad mananna AAalayka marratan okhra	x	And We had already conferred favor upon you another time,	20:37	हम तो तुझपर एक बार और भी उपकार कर चुके है	x
Ith awhayna ila ommika ma yooha	Pharoah was killing the male children of the Israelites for fear of Moses arrival. **[How he knew about it.]**	When We inspired to your mother what We inspired,	20:38	जब हमने तेरी माँ के दिल में यह बात डाली थी, जो अब प्रकाशना की जा रही है,	फिरौन मूसा के आने के डर से इस्राएलियों के लड़कों को मार रहा था। **[उसे इसके बारे में कैसे पता था।]**
Ani iqthifeehi fee alttabooti faiqthifeehi fee alyammi falyulqihi alyammu bialssahili yakhuthhu AAaduwwun lee waAAaduwwun lahu waalqaytu AAalayka mahabbatan minnee walitusnaAAa	Mose's mother put him in a box and flown in river to to save him from killing. **[When Pharoah order killing of boys: When Musa was a child 20:39 or When Musa became prophet 40:25; Allah is unlike creation 42:11 but could hear and see, Face 55:27, Loves 20:39, Hands 5:64, Two hands 38:74-75, Fist 39:67, Shin 68:42, sits on throne 69:17.]**	[Saying], 'Cast him into the chest and cast it into the river, and the river will throw it onto the bank; there will take him an enemy to Me and an enemy to him.' And I bestowed upon you love from Me that you would be brought up under My eye.	20:39	कि उसको सन्दूक में रख दे; फिर उसे दरिया में डाल दे; फिर दरिया उसे तट पर डाल दे कि उसे मेरा शत्रु और उसका शत्रु उठा ले। मैंने अपनी ओर से तुझपर अपना प्रेम डाला। (ताकि तू सुरक्षित रहे) और ताकि मेरी आँख के सामने तेरा पालन-पोषण हो	मूसा की माँ ने उसे एक बक्से में डालकर नदी में बहा दिया ताकि उसे मारे जाने से बचाया जा सके। **[कब फिरौन ने लड़कों को मारने का आदेश दिया: जब मूसा बच्चे थे 20:39 या जब मूसा पैगंबर बने 40:25; अल्लाह सृष्टि जैसा नहीं है 42:11 लेकिन सुन और देख सकता है, चेहरा 55:27, प्यार 20:39, हाथ 5:64, दो हाथ 38:74-75, मुट्ठी 39:67, पिंडली 68:42, सिंहासन पर बैठा 69:17.]**

Ith tamshee okhtuka fataqoolu hal adullukum AAala man yakfuluhu farajaAAnaka ila ommika kay taqarra AAaynuha wala tahzana waqatalta nafsan fanajjaynaka mina alghammi wafatannaka futoonan falabithta sineena fee ahli madyana thumma jita AAala qadarin ya moosa	Moses was accepted by Pharoah's wife. Then his sister went to Pharoah and suggested to take a lady (actually Moses mother) for suckling. This is how Allah So restored Moses to his mother. Then Moses killed a coptic person and fled from them until he came to the water of the people of Madyan.	[And We favored you] when your sister went and said, 'Shall I direct you to someone who will be responsible for him?' So We restored you to your mother that she might be content and not grieve. And you killed someone, but We saved you from retaliation and tried you with a [severe] trial. And you remained [some] years among the people of Madyan. Then you came [here] at the decreed time, O Moses.	20:40	याद कर जबकि तेरी बहन जाती और कहती थी, क्या मैं तुम्हें उसका पता बता दूँ जो इसका पालन-पोषण अपने ज़िम्मे ले ले? इस प्रकार हमने फिर तुझे तेरी माँ के पास पहुँचा दिया, ताकि उसकी आँख ठंड़ी हो और वह शोकाकुल न हो। और हमने तुझे भली-भाँति परखा। फिर तू कई वर्ष मदयन के लोगों में ठहरा रहा। फिर ऐ मूसा! तू ख़ास समय पर आ गया है	मूसा को फ़िरौन की पत्नी ने अपना लिया। फिर उनकी बहन फ़िरौन के पास गई और उन्हें एक महिला (जो असल में मूसा की माँ थीं) को दूध पिलाने के लिए रखने का सुझाव दिया। इस तरह अल्लाह ने मूसा को उनकी माँ के पास वापस पहुँचा दिया। फिर मूसा ने एक कॉप्टिक व्यक्ति को मार डाला और वहाँ से भाग निकले, जब तक कि वे मदयन के लोगों के जल-स्रोत तक नहीं पहुँच गए।
WaistanaAAtuka linafsee	x	And I produced you for Myself.	20:41	हमने तुझे अपने लिए तैयार किया है	x
Ithhab anta waakhooka biayatee wala taniya fee	x	Go, you and your brother, with My signs and do not slacken in My	20:42	जो, तू और तेरी भाई मेरी निशानियो के साथ; और मेरी याद में ढ़ीले मत पड़ना	x
Ithhaba ila firAAawna innahu tagha	Moses went to Pharoach as a Messenger of Allah now.	Go, both of you, to Pharaoh. Indeed, he has transgressed.	20:43	जाओ दोनों, फ़िरऔन के पास, वह सरकश हो गया है	अब मूसा अल्लाह के दूत के रूप में फ़िरौन के पास गए।
Faqoola lahu qawlan layyinan laAAallahu yatathakkaru aw yakhsha	x	And speak to him with gentle speech that perhaps he may be reminded or fear [Allah]."	20:44	उससे नर्म बात करना, कदाचित वह ध्यान दे या डरे।"	x

Qala rabbana innana nakhafu an yafruta AAalayna aw an yatgha	x	They said, "Our Lord, indeed we are afraid that he will hasten [punishment] against us or that he will transgress."	20:45	दोनों ने कहा, "ऐ हमारे रब! हमें इसका भय है कि वह हमपर ज़्यादती करे या सरकशी करने लग जाए।"	x
Qala la takhafa innanee maAAakuma	x	[Allah] said, "Fear not. Indeed, I am with you both; I hear and I see.	20:46	कहा, "डरो नहीं, मैं तुम्हारे साथ हूँ। सुनता और देखता हूँ	x
Fatiyahu faqoola inna rasoola rabbika faarsil maAAana banee israeela wala tuAAaththibhum qad jinaka biayatin min rabbika waalssalamu AAala mani ittabaAAa alhuda	x	So go to him and say, 'Indeed, we are messengers of your Lord, so send with us the Children of Israel and do not torment them. We have come to you with a sign from your Lord. And peace will be upon he who follows the guidance.	20:47	अतः जाओ, उसके पास और कहो, हम तेरे रब के रसूल है। इसराईल की सन्तान को हमारे साथ भेज दे। और उन्हें यातना न दे। हम तेरे पास तेरे रब की निशानी लेकर आए है। और सलामती है उसके लिए जो संमार्ग का अनुसरण करे!	x
Inna qad oohiya ilayna anna alAAathaba AAala man kaththaba watawalla	x	Indeed, it has been revealed to us that the punishment will be upon whoever denies and turns away.' "	20:48	निस्संदेह हमारी ओर प्रकाशना हुई है कि यातना उसके लिए है, जो झुठलाए और मुँह फेरे।"	x
Qala faman rabbukuma ya moosa	x	[Pharaoh] said, "So who is the Lord of you two, O Moses?"	20:49	उसने कहा, "अच्छा, तुम दोनों का रब कौन है, मूसा?"	x
Qala rabbuna allathee aAAta kulla shayin khalqahu thumma hada	x	He said, "Our Lord is He who gave each thing its form and then guided [it]."	20:50	कहा, "हमारा रब वह है जिसने हर चीज़ को उसकी आकृति दी, फिर तदनुकूव निर्देशन किया।"	x

Qala fama balu alqurooni aloola	Pharoach was referring to those people of old who did not worship Allah.	[Pharaoh] said, "Then what is the case of the former generations?"	20:51	उसने कहा, "अच्छा तो उन नस्लों का क्या हाल है, जो पहले थी?"	फ़िरौन उन पुराने लोगों का ज़िक्र कर रहा था, जिन्होंने अल्लाह की इबादत नहीं की थी।
Qala AAilmuha AAinda rabbee fee kitabin la yadillu rabbee wala yansa	x	[Moses] said, "The knowledge thereof is with my Lord in a record. My Lord neither errs nor forgets."	20:52	कहा, "उसका ज्ञान मेरे रब के पास एक किताब में सुरक्षित है। मेरा रब न चूकता है और न भूलता है।"	x
Allathee jaAAala lakumu alarda mahdan wasalaka lakum feeha subulan waanzala mina alssamai maan faakhrajna bihi azwajan min nabatin shatta	**[No where is Quran Earth is mentioned as sphere. 20:53 carpet, 43:10 cradle, 50: 7 spread, 51:48 spread, 79:27-32: spread]**	[It is He] who has made for you the earth as a bed [spread out] and inserted therein for you roadways and sent down from the sky, rain and produced thereby categories of various plants.	20:53	"वही है जिसने तुम्हारे लिए धरती को पालना (बिछौना) बनाया और उसने तुम्हारे लिए रास्ते निकाले और आकाश से पानी उतारा। फिर हमने उसके द्वारा विभिन्न प्रकार के पेड़-पौधे निकाले	**[कुरान में कहीं भी पृथ्वी को गोलाकार नहीं बताया गया है। 20:53 कालीन, 43:10 पालना, 50:7 बिछा हुआ, 51:48 बिछा हुआ, 79:27-32: बिछा हुआ]**
Kuloo wairAAaw anAAamakum inna fee thalika laayatin liolee alnnuha	x	Eat [therefrom] and pasture your livestock. Indeed, in that are signs for those of intelligence.	20:54	खाओ और अपने चौपायों को भी चराओ! निस्संदेह इसमें बुद्धिमानों के लिए बहुत-सी निशानियाँ है	x
Minha khalaqnakum wafeeha nuAAeedukum waminha nukhrijukum taratan okhra	x	From the earth We created you, and into it We will return you, and from it We will extract you another time.	20:55	उसी से हमने तुम्हें पैदा किया और उसी में हम तुम्हें लौटाते है और उसी से तुम्हें दूसरी बार निकालेंगे।"	x
Walaqad araynahu ayatina kullaha fakaththaba waaba	x	And We certainly showed Pharaoh Our signs - all of them - but he denied and refused.	20:56	और हमने फ़िरऔन को अपनी सब निशानियाँ दिखाई, किन्तु उसने झुठलाया और इनकार किया।-	x

Qala ajitana litukhrijana min ardina bisihrika ya moosa	x	He said, "Have you come to us to drive us out of our land with your magic, O Moses?	20:57	उसने कहा, "ऐ मूसा! क्या तू हमारे पास इसलिए आया है कि अपने जादू से हमको हमारे अपने भूभाग से निकाल दे?	x
Falanatiyannaka bisihrin mithlihi faijAAal baynana wabaynaka mawAAidan la nukhlifuhu nahnu wala anta makanan suwan	x	Then we will surely bring you magic like it, so make between us and you an appointment, which we will not fail to keep and neither will you, in a place assigned."	20:58	अच्छा, हम भी तेरे पास ऐसा ही जादू लाते है। अब हमारे और अपने बीच एक निश्चित स्थान ठहरा ले, कोई बीच की जगह, न हम इसके विरुद्ध जाएँ और न तू।"	x
Qala mawAAidukum yawmu alzzeenati waan yuhshara	x	[Moses] said, "Your appointment is on the day of the festival when the people assemble at mid-	20:59	कहा, "उत्सव का दिन तुम्हारे वादे का है और यह कि लोग दिन चढ़े इकट्ठे हो जाएँ।"	x
Fatawalla firAAawnu fajamaAAa kaydahu	x	So Pharaoh went away, put together his plan, and then came [to Moses].	20:60	तब फ़िरऔन ने पलटकर अपने सारे हथकंडे जुटाए। और आ गया	x
Qala lahum moosa waylakum la taftaroo AAala Allahi kathiban fayushitakum biAAathabin waqad khaba mani iftara	x	Moses said to the magicians summoned by Pharaoh, "Woe to you! Do not invent a lie against Allah or He will exterminate you with a punishment; and he has failed who invents [such	20:61	मूसा ने उन लोगों से कहा, "तबाही है तुम्हारी; झूठ घड़कर अल्लाह पर न थोपो कि वह तुम्हें एक यातना से विनष्ट कर दे और झूठ जिस किसी ने भी घड़कर थोपा, वह असफल रहा।"	x
FatanazaAAoo amrahum baynahum waasarroo alnnajwa	x	So they disputed over their affair among themselves and concealed their private conversation.	20:62	इसपर उन्होंने परस्पर बड़ा मतभेद किया और और चुपके-चुपके कानाफूसी की	x

Qaloo in hathani lasahirani yureedani an yukhrijakum min ardikum bisihrihima wayathhaba bitareeqatikumu almuthla	**[Hathani (haazaani) should be haazayn.]**	They said, "Indeed, these are two magicians who want to drive you out of your land with their magic and do away with your most exemplary way.	20:63	कहने लगे, "ये दोनों जादूगर है, चाहते है कि अपने जादू से तुम्हें तुम्हारे भूभाग से निकाल बाहर करें। और तुम्हारी उत्तम और उच्च प्रणाली को तहस-नहस करके रख दे।"	**[हथनी (हज़ानी) को हाज़ैन होना चाहिए।]**
FaajmiAAoo kaydakum thumma itoo saffan waqad aflaha alyawma mani istaAAla	x	So resolve upon your plan and then come [forward] in line. And he has succeeded today who overcomes."	20:64	अतः तुम सब मिलकर अपना उपाय जुटा लो, फिर पंक्तिबद्ध होकर आओ। आज तो प्रभावी रहा, वही सफल है।"	x
Qaloo ya moosa imma an tulqiya waimma an nakoona awwala man alqa	**[Here moses competes with magicians; while Allah has asked to avoid practicing magic in 113:4.]**	They said, "O Moses, either you throw or we will be the first to throw."	20:65	वे बोले, "ऐ मूसा! या तो तुम फेंको या फिर हम पहले फेंकते हैं।"	**[यहां मूसा जादूगरों से मुकाबला कर रहे हैं; जबकि अल्लाह ने 113:4 में जादू करने से बचने को कहा है।]**
Qala bal alqoo faitha hibaluhum waAAisiyyuhum yukhayyalu ilayhi min sihrihim annaha tasAAa	x	He said, "Rather, you throw." And suddenly their ropes and staffs seemed to him from their magic that they were moving [like snakes].	20:66	कहा, "नहीं, बल्कि तुम्हीं फेंको।" फिर अचानक क्या देखते है कि उनकी रस्सियाँ और लाठियाँ उनके जादू से उनके ख़याल में दौड़ती हुई प्रतीत हुई	x
Faawjasa fee nafsihi kheefatan moosa	x	And he sensed within himself apprehension, did Moses.	20:67	और मूसा अपने जी में डरा	x
Qulna la takhaf innaka anta alaAAla	x	Allah said, "Fear not. Indeed, it is you who are superior.	20:68	हमने कहा, "मत डर! निस्संदेह तू ही प्रभावी रहेगा।	x

Waalqi ma fee yameenika talqaf ma sanaAAoo innama sanaAAoo kaydu sahirin wala yuflihu alssahiru haythu ata	x	And throw what is in your right hand; it will swallow up what they have crafted. What they have crafted is but the trick of a magician, and the magician will not succeed wherever he is."	20:69	और डाल दे जो तेरे दाहिने हाथ में है। जो कुछ उन्होंने रचा है, वह उसे निगल जाएगा। जो कुछ उन्होंने रचा है, वह तो बस जादूगर का स्वांग है और जादूगर सफल नहीं होता, चाहे वह जैसे भी आए।"	x
Faolqiya alssaharatu sujjadan qaloo amanna birabbi haroona wamoosa	**[Here Quran says that when a messenger shows miracle, even magicians could turn to God, but elsewhere Quran says Disbelievers will not believe no matter what you do.]**	So the magicians fell down in prostration. They said, "We have believed in the Lord of Aaron and Moses."	20:70	अन्ततः जादूगर सजदे में गिर पड़े, बोले, "हम हारून और मूसा के रब पर ईमान ले आए।"	**[यहां कुरान कहता है कि जब कोई रसूल चमत्कार दिखाता है, तो जादूगर भी रब की ओर मुड़ सकते हैं, लेकिन कहीं और कुरान कहता है कि काफिर लोग विश्वास नहीं करेंगे, चाहे आप कुछ भी कर लें।]**
Qala amantum lahu qabla an athana lakum innahu lakabeerukumu allathee AAallamakumu alssihra falaoqattiAAanna aydiyakum waarjulakum min khilafin walaosallibannakum fee juthooAAi alnnakhli walataAAlamunna ayyuna ashaddu AAathaban waabqa	The amputation and crucifixation is also the punishment for people spreading corruption (Shirk), See 5:33.	[Pharaoh] said, "You believed him before I gave you permission. Indeed, he is your leader who has taught you magic. So I will surely cut off your hands and your feet on opposite sides, and I will crucify you on the trunks of palm trees, and you will surely know which of us is more severe in [giving] punishment and more enduring."	20:71	उसने कहा, "तुमने मान लिया उसको, इससे पहले कि मैं तुम्हें इसकी अनुज्ञा देता? निश्चय ही यह तुम सबका प्रमुख है, जिसने जादू सिखाया है। अच्छा, अब मैं तुम्हारा हाथ और पाँव विपरीत दिशाओं से कटवा दूँगा और खंजूर के तनों पर तुम्हें सूली दे दूँगा। तब तुम्हें अवश्य ही मालूम हो जाएगा कि हममें से किसकी यातना अधिक कठोर और स्थायी है!"	भ्रष्टाचार (शिर्क) फैलाने वालों के लिए अंग-भंग और सूली पर चढ़ाना भी एक दंड है; देखें 5:33.

Qaloo lan nuthiraka AAala ma jaana mina albayyinati waallathee fatarana faiqdi ma anta qadin innama taqdee hathihi alhayata alddunya	x	They said, "Never will we prefer you over what has come to us of clear proofs and [over] He who created us. So decree whatever you are to decree. You can only decree for this worldly life.	20:72	उन्होंने कहा, "जो स्पष्ट निशानियाँ हमारे सामने आ चुकी है उनके मुक़ाबले में सौगंध है उस सत्ता की, जिसने हमें पैदा किया है, हम कदापि तुझे प्राथमिकता नहीं दे सकते। तो जो कुछ तू फ़ैसला करनेवाला है, कर ले। तू बस इसी सांसारिक जीवन का फ़ैसला कर सकता है	x
Inna amanna birabbina liyaghfira lana khatayana wama akrahtana AAalayhi mina alssihri waAllahu khayrun waabqa	x	Indeed, we have believed in our Lord that He may forgive us our sins and what you compelled us [to do] of magic. And Allah is better and more enduring."	20:73	हम तो अपने रब पर ईमान ले आए, ताकि वह हमारी खताओं को माफ़ कर दे और इस जादू को भी जिसपर तूने हमें बाध्य किया। अल्लाह की उत्तम और शेष रहनेवाला है।" -	x
Innahu man yati rabbahu mujriman fainna lahu jahannama la yamootu feeha wala yahya	x	Indeed, whoever comes to his Lord as a criminal - indeed, for him is Hell; he will neither die therein nor live.	20:74	सत्य यह है कि जो कोई अपने रब के पास अपराधी बनकर आया उसके लिए जहन्नम है, जिसमें वह न मरेगा और न जिएगा	x
Waman yatihi muminan qad AAamila alssalihati faolaika lahumu alddarajatu alAAula	x	But whoever comes to Him as a believer having done righteous deeds - for those will be the highest degrees [in position]:	20:75	और जो कोई उसके पास मोमिन होकर आया, जिसने अच्छे कर्म किए होंगे, तो ऐसे लोगों के लिए तो ऊँचे दर्जे है	x

Jannatu AAadnin tajree min tahtiha alanharu khalideena feeha wathalika jazao man tazakka	x	Gardens of perpetual residence beneath which rivers flow, wherein they abide eternally. And that is the reward of one who purifies himself.	20:76	अदन के बाग़ है, जिनके नीचें नहरें बहती होंगी। उनमें वे सदैव रहेंगे। यह बदला है उसका जिसने स्वयं को विकसित किया--	x
Walaqad awhayna ila moosa an asri biAAibadee faidrib lahum tareeqan fee albahri yabasan la takhafu darakan wala takhsha	**[Miracle of splitting of sea.]**	And We had inspired to Moses, "Travel by night with My servants and strike for them a dry path through the sea; you will not fear being overtaken [by Pharaoh] nor be afraid [of drowning]."	20:77	और हमने मूसा की ओर प्रकाशना की, "रातों रात मेरे बन्दों को लेकर निकल पड़, और उनके लिए दरिया में सूखा मार्ग निकाल ले। न तो तुझे पीछा किए जाने औऱ न पकड़े जाने का भय हो और न किसी अन्य चीज़ से तुझे डर लगे।"	**[समुद्र के दो भागों में बँटने का चमत्कार।]**
FaatbaAAahum firAAawnu bijunoodihi faghashiyahum mina alyammi ma ghashiyahum	**[Ramses II or his son did not drown as per history.]**	So Pharaoh pursued them with his soldiers, and there covered them from the sea that which covered them,	20:78	फ़िरऔन ने अपनी सेना के साथ उनका पीछा किया। अन्ततः पानी उनपर छा गया, जैसाकि उसे उनपर छा जाना था	**[इतिहास के अनुसार रामसेस द्वितीय या उसका बेटा डूबा नहीं था।]**
Waadalla firAAawnu qawmahu wama	x	And Pharaoh led his people astray and did not guide [them].	20:79	फ़िरऔन ने अपनी क़ौम को पथभ्रष्ट किया और मार्ग न दिखाया	x
Ya banee israeela qad anjaynakum min AAaduwwikum wawaAAadnakum janiba alttoori alaymana wanazzalna AAalaykumu	Manna = bread, Quail= a bird were send from sky.	O Children of Israel, We delivered you from your enemy, and We made an appointment with you at the right side of the mount, and We sent down to you manna and quails,	20:80	ऐ इसराईल की सन्तान! हमने तुम्हें तुम्हारे शत्रु से छुटकारा दिया और तुमसे तूर के दाहिने छोर का वादा किया और तुमपर मन्न और सलवा उतारा,	मन्ना = रोटी, बटेर = एक पक्षी — ये आसमान से भेजे गए थे।

Kuloo min tayyibati ma razaqnakum wala tatghaw feehi fayahilla AAalaykum ghadabee waman yahlil AAalayhi ghadabee faqad hawa	x	[Saying], "Eat from the good things with which We have provided you and do not transgress [or oppress others] therein, lest My anger should descend upon you. And he upon whom My anger descends has certainly	20:81	"खाओ, जो कुछ पाक अच्छी चीज़े हमने तुम्हें प्रदान की है, किन्तु इसमें हद से आगे न बढ़ो कि तुमपर मेरा प्रकोप टूट पड़े और जिस किसी पर मेरा प्रकोप टूटा, वह तो गिरकर ही रहा	x
Wainnee laghaffarun liman taba waamana waAAamila salihan thumma ihtada	x	But indeed, I am the Perpetual Forgiver of whoever repents and believes and does righteousness and then continues in guidance.	20:82	और जो तौबा कर ले और ईमान लाए और अच्छा कर्म करे, फिर सीधे मार्ग पर चलता रहे, उसके लिए निश्चय ही मैं अत्यन्त क्षमाशील हूँ।" -	x
Wama aAAjalaka AAan qawmika ya moosa	x	[Allah] said, "And what made you hasten from your people, O Moses?"	20:83	"और अपनी क़ौम को छोड़कर तुझे शीघ्र आने पर किस चीज़ ने उभारा, ऐ मूसा?"	x
Qala hum olai AAala atharee waAAajiltu ilayka rabbi litarda	x	He said, "They are close upon my tracks, and I hastened to You, my Lord, that You be pleased."	20:84	उसने कहा, "वे मेरे पीछे ही और मैं जल्दी बढ़कर आया तेरी ओर, ऐ रब! ताकि तू राज़ी हो जाए।"	x
Qala fainna qad fatanna qawmaka min baAAdika waadallahumu alssamiriyyu	Ibn Kathir: As-Samiri was a man from the people of Bajarma, a people who worshipped cows. **[The name Samaria /Samarians was not coined until 722 BC, more than 500 years after the exodus that happened. Also see Q 20:87, 20:95.]**	[Allah] said, "But indeed, We have tried your people after you [departed], and the Samiri has led them astray."	20:85	कहा, "अच्छा, तो हमने तेरे पीछे तेरी क़ौम के लोगों को आज़माइश में डाल दिया है। और सामरी ने उन्हें पथभ्रष्ट कर डाला।"	इब्न कथिर: अस-समीरी बाजरमा के लोगों में से एक आदमी था, जो गायों की पूजा करते थे। **[सामरिया / सामरियन नाम 722 BC तक नहीं बना था, जो कि पलायन के 500 साल से भी ज़्यादा समय बाद हुआ था। Q 20:87, 20:95 भी देखें।]**

FarajaAAa moosa ila qawmihi ghadbana asifan qala ya qawmi alam yaAAidkum rabbukum waAAdan hasanan afatala AAalaykumu alAAahdu am aradtum an yahilla AAalaykum ghadabun min rabbikum	x	So Moses returned to his people, angry and grieved. He said, "O my people, did your Lord not make you a good promise? Then, was the time [of its fulfillment] too long for you, or did you wish that wrath from your Lord descend upon you, so you broke your promise [of obedience] to me?"	20:86	तब मूसा अत्यन्त क्रोध और खेद में डूबा हुआ अपनी क़ौम के लोगों की ओर पलटा। कहा, "ऐ मेरी क़ौम के लोगों! क्या तुमसे तुम्हारे रब ने अच्छा वादा नहीं किया था? क्या तुमपर लम्बी मुद्दत गुज़र गई या तुमने यही चाहा कि तुमपर तुम्हारे रब का प्रकोप ही टूटे कि तुमने मेरे वादे के विरुद्ध आचरण किया?"	x
Qaloo ma akhlafna mawAAidaka bimalkina walakinna hummilna awzaran min zeenati alqawmi faqathafnaha fakathalika alqa alssamiriyyu	x	They said, "We did not break our promise to you by our will, but we were made to carry burdens from the ornaments of the people [of Pharaoh], so we threw them [into the fire], and thus did the Samiri throw."	20:87	उन्होंने कहा, "हमने आपसे किए हुए वादे के विरुद्ध अपने अधिकार से कुछ नहीं किया, बल्कि लोगों के ज़ेवरों के बोझ हम उठाए हुए थे, फिर हमने उनको (आग में) फेंक दिया, सामरी ने इसी तरह प्रेरित किया था।"	x
Faakhraja lahum AAijlan jasadan lahu khuwarun faqaloo hatha ilahukum wailahu moosa fanasiya	**[This golden calf was speaking.]**	And he extracted for them [the statue of] a calf which had a lowing sound, and they said, "This is your god and the god of Moses, but he forgot."	20:88	और उसने उनके लिए एक बछड़ा ढालकर निकाला, एक धड़ जिसकी आवाज़ बैल की थी। फिर उन्होंने कहा, "यही तुम्हारा इष्ट-पूज्य है और मूसा का भी इष्ट -पूज्य है, किन्तु वह भूल गया है।"	**[यह सुनहरा बछड़ा बोल रहा था।]**

Afala yarawna alla yarjiAAu ilayhim qawlan wala yamliku lahum darran wala	x	Did they not see that it could not return to them any speech and that it did not possess for them any harm or benefit?	20:89	क्या वे देखते न थे कि न वह किसी बात का उत्तर देता है और न उसे उनकी हानि का कुछ अधिकार प्राप्त है और न लाभ का?	x
Walaqad qala lahum haroonu min qablu ya qawmi innama futintum bihi wainna rabbakumu alrrahmanu faittabiAAoonee waateeAAoo amree	x	And Aaron had already told them before [the return of Moses], "O my people, you are only being tested by it, and indeed, your Lord is the Most Merciful, so follow me and obey my order."	20:90	और हारून इससे पहले उनसे कह भी चुका था कि "मेरी क़ौम के लोगों! तुम इसके कारण बस फ़ितने में पड़ गए हो। तुम्हारा रब तो रहमान है। अतः तुम मेरा अनुसरण करो और मेरी बात मानो।"	x
Qaloo lan nabraha AAalayhi AAakifeena hatta yarjiAAa ilayna moosa	**[Contradiction: 20:91 kept worshipping calf till moses came: 7:149: the Jews found they had sinned before his arrival.]**	They said, "We will never cease being devoted to the calf until Moses returns to us."	20:91	उन्होंने कहा, "जब तक मूसा लौटकर हमारे पास न आ जाए, हम तो इससे ही लगे बैठे रहेंगे।"	**[विरोधाभास: 20:91 मूसा के आने तक बछड़े की पूजा करते रहे: 7:149: यहूदियों ने पाया कि उनके आने से पहले उन्होंने पाप किया था।]**
Qala ya haroonu ma manaAAaka ith raaytahum dalloo	**[In bible (Exodus 32:1-35) Aaron is the person who moulded the jewelleries in golden calf and started worship.]**	[Moses] said, "O Aaron, what prevented you, when you saw them going astray,	20:92	उसने कहा, "ऐ हारून! जब तुमने देखा कि ये पथभ्रष्ट हो गए है, तो किस चीज़ ने तुम्हें रोका	**[बाइबल में (एक्सोदुस 32:1-35) हारून वह व्यक्ति है जिसने सोने के बछड़े के आकार में आभूषण बनाया और पूजा शुरू की।]**
Alla tattabiAAani afaAAasayta amree	x	From following me? Then have you disobeyed my order?"	20:93	कि तुमने मेरा अनुसरण न किया? क्या तुमने मेरे आदेश की अवहेलना की?"	x

Qala ya bna omma la takhuth bilihyatee wala birasee innee khasheetu an taqoola farraqta bayna banee israeela walam tarqub qawlee	x	[Aaron] said, "O son of my mother, do not seize [me] by my beard or by my head. Indeed, I feared that you would say, 'You caused division among the Children of Israel, and you did not observe [or await] my word.' "	20:94	उसने कहा, "ऐ मेरी माँ के बेटे! मेरी दाढ़ी न पकड़ और न मेरा सिर! मैं डरा कि तू कहेंगा कि तूने इसराईल की सन्तान में फूट डाल दी और मेरी बात पर ध्यान न दिया।"	x
Qala fama khatbuka ya samiriyyu	**[There is no character named Samari. Saamri first lived 725 years after the golden calf event.]**	[Moses] said, "And what is your case, O Samiri?"	20:95	(मूसा ने) कहा, "ऐ सामरी! तेरा क्या मामला है?"	**[सामरी नाम का कोई किरदार नहीं है। सामरी सोने के बछड़े वाली घटना के 725 साल बाद पहली बार हुआ था।]**
Qala basurtu bima lam yabsuroo bihi faqabadtu qabdatan min athari alrrasooli fanabathtuha wakathalika sawwalat lee nafsee	The Tafsir al-Jalalayn states that the “handful” was earth “from the tracks left by the hooves of Jibril’s (Gabriel) horse”.	He said, "I saw what they did not see, so I took a handful [of dust] from the track of the messenger and threw it, and thus did my soul entice me."	20:96	उसने कहा, "मुझे उसकी सूझ प्राप्त हुई, जिसकी सूझ उन्हें प्राप्त॥ न हुई। फिर मैंने रसूल के पद-चिन्ह से एक मुट्ठी उठा ली। फिर उसे डाल दिया और मेरे जी ने मुझे कुछ ऐसा ही सुझाया।"	तफ़सीर अल-जलालेन में कहा गया है कि वह "मुट्ठी भर" चीज़ असल में वह मिट्टी थी, जो "जिब्रील (गैब्रियल) के घोड़े के खुरों के निशानों से ली गई थी।"

Qala faithhab fainna laka fee alhayati an taqoola la misasa wainna laka mawAAidan lan tukhlafahu waonthur ila ilahika allathee thalta AAalayhi AAakifan lanuharriqannahu thumma lanansifannahu fee alyammi nasfan	This means, "You will not touch the people and they will not touch you." **[How a golden calf will be burnt and blown into the sea.]**	[Moses] said, "Then go. And indeed, it is [decreed] for you in [this] life to say, 'No contact.' And indeed, you have an appointment [in the Hereafter] you will not fail to keep. And look at your 'god' to which you remained devoted. We will surely burn it and blow it into the sea with a blast.	20:97	कहा, "अच्छा, तू जा! अब इस जीवन में तेरे लिए यही है कि कहता रहे, कोई छुए नहीं! और निश्चित वादा है, जो तेरे लिए एक निश्चित वादा है, जो तुझपर से कदापि न टलेगा। और देख अपने इष्ट-पूज्य को जिसपर तू रीझा-जमा बैठा था! हम उसे जला डालेंगे, फिर उसे चूर्ण-विचूर्ण करके दरिया में बिखेर देंगे।"	इसका मतलब है, "तुम लोगों को नहीं छुओगे और वे तुम्हें नहीं छुएंगे।" **[कैसे एक सोने का बछड़ा जलाकर समुद्र में उड़ा दिया जाएगा।]"**
Innama ilahukumu Allahu allathee la ilaha illa huwa wasiAAa kulla shayin AAilman	x	Your god is only Allah, except for whom there is no deity. He has encompassed all things in knowledge."	20:98	"तुम्हारा पूज्य-प्रभु तो बस वही अल्लाह है, जिसके अतिरिक्त कोई पूज्य-प्रभु नहीं। वह अपने ज्ञान से हर चीज़ पर हावी है।"	x
Kathalika naqussu AAalayka min anbai ma qad sabaqa waqad ataynaka min ladunna thikran	x	Thus, [O Muhammad], We relate to you from the news of what has preceded. And We have certainly given you from Us the Qur'an.	20:99	इस प्रकार विगत वृत्तांत हम तुम्हें सुनाते है और हमने तुम्हें अपने पास से एक अनुस्मृति प्रदान की है	x
Man aAArada AAanhu fainnahu yahmilu yawma alqiyamati wizran	x	Whoever turns away from it - then indeed, he will bear on the Day of Resurrection a burden,	20:100	जिस किसी ने उससे मुँह मोड़ा, वह निश्चय ही क़ियामत के दिन एक बोझ उठाएगा	x
Khalideena feehi wasaa lahum yawma alqiyamati himlan	x	[Abiding] eternally therein, and evil it is for them on the Day of Resurrection as a load -	20:101	ऐसे दिन सदैव इसी वबाल में पड़े रहेंगे और क़ियामत के दिन उनके हक़ में यह बहुत ही बुरा बोझ सिद्ध होगा	x

Yawma yunfakhu fee alssoori wanahshuru almujrimeena yawmaithin zurqan	x	The Day the Horn will be blown. And We will gather the criminals, that Day, blue-eyed.	20:102	जिस दिन सूर फूँका जाएगा और हम अपराधियों को उस दिन इस दशा में इकट्ठा करेंगे कि उनकी आँखे नीली पड़ गई होंगी	x
Yatakhafatoona baynahum in labithtum illa AAashran	x	They will murmur among themselves, "You remained not but ten [days in the world]."	20:103	वे आपस में चुपके-चुपके कहेंगे कि "तुम बस दस ही दिन ठहरे हो।"	x
Nahnu aAAlamu bima yaqooloona ith yaqoolu amthaluhum tareeqatan in labithtum illa	x	We are most knowing of what they say when the best of them in manner will say, "You remained not but one day."	20:104	हम भली-भाँति जानते है जो कुछ वे कहेंगे, जबकि उनका सबसे अच्छी सम्मतिवाला कहेगा, "तुम तो बस एक ही दिन ठहरे हो।"	x
Wayasaloonaka AAani aljibali faqul yansifuha rabbee nasfan	x	And they ask you about the mountains, so say, "My Lord will blow them away with a blast.	20:105	वे तुमसे पर्वतों के विषय में पूछते है। कह दो, "मेरा रब उन्हें छूल की तरह उड़ा देगा,	x
Fayatharuha qaAAan safsafan	x	And He will leave the earth a level plain;	20:106	और धरती को एक समतल चटियल मैदान बनाकर छोड़ेगा	x
La tara feeha AAiwajan wala	x	You will not see therein a depression or an elevation."	20:107	तुम उसमें न कोई सिलवट देखोगे और न ऊँच-नीच।"	x
Yawmaithin yattabiAAoona alddaAAiya la AAiwaja lahu wakhashaAAati alaswatu lilrrahmani fala tasmaAAu illa hamsan	x	That Day, everyone will follow [the call of] the Caller [with] no deviation therefrom, and [all] voices will be stilled before the Most Merciful, so you will not hear except a whisper [of footsteps].	20:108	उस दिन वे पुकारनेवाले के पीछे चल पड़ेंगे और उसके सामने कोई अकड़ न दिखाई जा सकेगी। आवाज़े रहमान के सामने दब जाएँगी। एक हल्की मन्द आवाज़ के अतिरिक्त तुम कुछ न सुनोगे	x

Yawmaithin la tanfaAAu alshshafaAAatu illa man athina lahu alrrahmanu waradiya lahu qawlan	**[Contradiction: No intercession accepted (2:48, 2:123, 6:51, 6:94, 23:101, 32:4, 39:43-44, 42:46). Intercession is accepted with Allah's permission (2:255, 4:64, 10:3, 19:87, 20:109, 21:28, 34:23, 53:26)]**	That Day, no intercession will benefit except [that of] one to whom the Most Merciful has given permission and has accepted his word.	20:109	उस दिन सिफ़ारिश काम न आएगी। यह और बात है कि किसी के लिए रहमान अनुज्ञा दे और उसके लिए बात करने को पसन्द करे	**[विरोधाभास: कोई शफ़ाअत (सिफ़ारिश) स्वीकार नहीं की जाएगी (2:48, 2:123, 6:51, 6:94, 23:101, 32:4, 39:43-44, 42:46), जबकि शफ़ाअत केवल अल्लाह की अनुमति से स्वीकार की जाती है (2:255, 4:64, 10:3, 19:87, 20:109, 21:28, 34:23, 53:26)]**
YaAAlamu ma bayna aydeehim wama khalfahum wala yuheetoona bihi AAilman	Allah knows: What people have done and what they will do, What is apparent and hidden **[This verse challenges the concept of human freewill.]**	Allah knows what is [presently] before them and what will be after them, but they do not encompass it in knowledge.	20:110	वह जानता है जो कुछ उनके आगे है और जो कुछ उनके पीछे है, किन्तु वे अपने ज्ञान से उसपर हावी नहीं हो सकते	अल्लाह जानता है कि लोगों ने क्या किया है और क्या करेंगे, क्या ज़ाहिर है और क्या छिपा है। **[यह आयत इंसान की आज़ाद मर्ज़ी को चुनौती देती है।]**
WaAAanati alwujoohu lilhayyi alqayyoomi waqad khaba man hamala thulman		And [all] faces will be humbled before the Ever-Living, the Sustainer of existence. And he will have failed who carries	20:111	चेहरे उस जीवन्त, शाश्वत सत्ता के आगे झुकें होंगे। असफल हुआ वह जिसने ज़ुल्म का बोझ उठाया	x
Waman yaAAmal mina alssalihati wahuwa muminun fala yakhafu thulman wala		But he who does of righteous deeds while he is a believer - he will neither fear injustice nor deprivation.	20:112	किन्तु जो कोई अच्छे कर्म करे और हो वह मोमिन, तो उसे न तो किसी ज़ुल्म का भय होगा और न हक़ मारे जाने का	x
Wakathalika anzalnahu quranan AAarabiyyan wasarrafna feehi mina alwaAAeedi laAAallahum yattaqoona aw yuhdithu lahum	**[But it contains many non-arabic words.]**	And thus We have sent it down as an Arabic Qur'an and have diversified therein the warnings that perhaps they will avoid [sin] or it would cause them remembrance.	20:113	और इस प्रकार हमने इसे अरबी क़ुरआन के रूप में अवतरित किया है और हमने इसमें तरह-तरह से चेतावनी दी है, ताकि वे डर रखें या यह उन्हें होश दिलाए	**[लेकिन इसमें कई गैर-अरबी शब्द हैं।]**

FataAAala Allahu almaliku alhaqqu wala taAAjal bialqurani min qabli an yuqda ilayka wahyuhu waqul rabbi zidnee AAilman	**[Does it means higher above the non-existent gods.]**	So high [above all] is Allah, the Sovereign, the Truth. And, [O Muhammad], do not hasten with [recitation of] the Qur'an before its revelation is completed to you, and say, "My Lord, increase me in knowledge."	20:114	अतः सर्वोच्च है अल्लाह, सच्चा सम्राट! क़ुरआन के (फ़ैसले के) सिलसिले में जल्दी न करो, जब तक कि वह पूरा न हो जाए। तेरी ओर उसकी प्रकाशना हो रही है। और कहो, "मेरे रब, मुझे ज्ञान में अभिवृद्धि प्रदान कर।"	**[क्या इसका मतलब है कि जो देवता हैं ही नहीं, उनसे भी ऊपर।]**
Walaqad AAahidna ila adama min qablu fanasiya walam najid lahu AAazman	**[Allah must have knew the determination of Adam, so what was the point of taking promise.]**	And We had already taken a promise from Adam before, but he forgot; and We found not in him determination.	20:115	और हमने इससे पहले आदम से वचन लिया था, किन्तु वह भूल गया और हमने उसमें इरादे की मज़बूती न पाई	**[अल्लाह को आदम के इरादे का पता होगा, तो वचन लेने का क्या मतलब था।]**
Waith qulna lilmalaikati osjudoo liadama fasajadoo illa ibleesa aba	**[It is not permissible to prostate to any one except Allah. Why Allah will commanding such a thing.]**	And [mention] when We said to the angels, "Prostrate to Adam," and they prostrated, except Iblees; he refused.	20:116	और जब हमने फ़रिश्तों से कहा, "आदम को सजदा करो।" तो उन्होंने सजदा किया सिवाय इबलीस के, वह इनकार कर बैठा	**[अल्लाह के सिवा किसी और को सजदा करना जायज़ नहीं है। अल्लाह ऐसा करने का हुक्म क्यों देगा?]**
Faqulna ya adamu inna hatha AAaduwwun laka walizawjika fala yukhrijannakuma mina aljannati fatashqa	x	So We said, "O Adam, indeed this is an enemy to you and to your wife. Then let him not remove you from Paradise so you would suffer.	20:117	इसपर हमने कहा, "ऐ आदम! निश्चय ही यह तुम्हारा और तुम्हारी पत्नी का शत्रु है। ऐसा न हो कि तुम दोनों को जन्नत से निकलवा दे और तुम तकलीफ़ में पड़ जाओ	x
Inna laka alla tajooAAa feeha wala taAAra	x	Indeed, it is [promised] for you not to be hungry therein or be unclothed.	20:118	तुम्हारे लिए तो ऐसा है कि न तुम यहाँ भूखे रहोगे और न नंगे	x
Waannaka la tathmao feeha wala tadha	x	And indeed, you will not be thirsty therein or be hot from the sun."	20:119	और यह कि न यहाँ प्यासे रहोगे और न धूप की तकलीफ़ उठाओगे।"	x

Fawaswasa ilayhi alshshaytanu qala ya adamu hal adulluka AAala shajarati alkhuldi wamulkin la yabla	**[Satan tempts Adam to eat from the Tree of Eternity, not the tree of the knowledge of good and evil, as in Genesis 2:17; Also how saatan entered in heaven after being driven out.]**	Then Satan whispered to him; he said, "O Adam, shall I direct you to the tree of eternity and possession that will not deteriorate?"	20:120	फिर शैतान ने उसे उकसाया। कहने लगा, "ऐ आदम! क्या मैं तुझे शाश्वत जीवन के वृक्ष का पता दूँ और ऐसे राज्य का जो कभी जीर्ण न हो?"	**[शैतान ने आदम को अमर रहने वाले पेड़ से खाने के लिए लुभाया, न कि अच्छे और बुरे के ज्ञान के पेड़ से, जैसा कि उत्पत्ति 2:17 में है; और यह भी कि कैसे शैतान बाहर निकाले जाने के बाद स्वर्ग में घुसा।]**
Faakala minha fabadat lahuma sawatuhuma watafiqa yakhsifani AAalayhima min waraqi aljannati waAAasa adamu rabbahu faghawa	x	And Adam and his wife ate of it, and their private parts became apparent to them, and they began to fasten over themselves from the leaves of Paradise. And Adam disobeyed his Lord and erred.	20:121	अन्ततः उन दोनों ने उसमें से खा लिया, जिसके परिणामस्वरूप उनकी छिपाने की चीज़े उनके आगे खुल गई और वे दोनों अपने ऊपर जन्नत के पत्ते जोड-जोड़कर रखने लगे। और आदम ने अपने रब की अवज्ञा की, तो वह मार्ग से भटक गया	x
Thumma ijtabahu rabbuhu fataba AAalayhi wahada	x	Then his Lord chose him and turned to him in forgiveness and guided [him].	20:122	इसके पश्चात उसके रब ने उसे चुन लिया और दोबारा उसकी ओर ध्यान दिया और उसका मार्गदर्शन किया	x
Qala ihbita minha jameeAAan baAAdukum libaAAdin AAaduwwun faimma yatiyannakum minnee hudan famani ittabaAAa hudaya fala yadillu	**[They were only two; Who are all here.]**	[Allah] said, "Descend from Paradise - all, [your descendants] being enemies to one another. And if there should come to you guidance from Me - then whoever follows My guidance will neither go astray [in the world] nor suffer [in the Hereafter].	20:123	कहा, "तुम दोनों के दोनों यहाँ से उतरो! तुम्हारे कुछ लोग कुछ के शत्रु होंगे। फिर यदि मेरी ओर से तुम्हें मार्गदर्शन पहुँचे, तो जिस किसी ने मेरे मार्गदर्शन का अनुपालन किया, वह न तो पथभ्रष्ट होगा और न तकलीफ़ में पड़ेगा	x

Waman aAArada AAan thikree fainna lahu maAAeeshatan dankan wanahshuruhu yawma alqiyamati aAAman	x	And whoever turns away from My remembrance - indeed, he will have a depressed life, and We will gather him on the Day of Resurrection blind."	20:124	और जिस किसी ने मेरी स्मृति से मुँह मोड़ा तो उसका जीवन संकीर्ण होगा और क़ियामत के दिन हम उसे अंधा उठाएँगे।"	x
Qala rabbi lima hashartanee aAAma waqad kuntu baseeran	x	He will say, "My Lord, why have you raised me blind while I was [once] seeing?"	20:125	वह कहेगा, "ऐ मेरे रब! तूने मुझे अंधा क्यों उठाया, जबकि मैं आँखोंवाला था?"	x
Qala kathalika atatka ayatuna fanaseetaha wakathalika alyawma tunsa	x	[Allah] will say, "Thus did Our signs come to you, and you forgot them; and thus will you this Day be forgotten."	20:126	वह कहेगा, "इसी प्रकार (तू संसार में अंधा रहा था) । तेरे पास मेरी आयतें आई थी, तो तूने उन्हें भूला दिया था। उसी प्रकार आज तुझे भुलाया जा रहा है।"	x
Wakathalika najzee man asrafa walam yumin biayati rabbihi walaAAathabu alakhirati ashaddu waabqa	x	And thus do We recompense he who transgressed and did not believe in the signs of his Lord. And the punishment of the Hereafter is more severe and more enduring.	20:127	इसी प्रकार हम उसे बदला देते है जो मर्यादा का उल्लंघन करे और अपने रब की आयतों पर ईमान न लाए। और आख़िरत की यातना तो अत्यन्त कठोर और अधिक स्थायी है	x
Afalam yahdi lahum kam ahlakna qablahum mina alqurooni yamshoona fee masakinihim inna fee thalika laayatin liolee alnnuha	Refers to earlier civilizations destroyed by Allah.	Then, has it not become clear to them how many generations We destroyed before them as they walk among their dwellings? Indeed in that are signs for those of intelligence.	20:128	फिर क्या उनको इससे भी मार्ग न मिला कि हम उनसे पहले कितनी ही नस्लों को विनष्ट कर चुके है, जिनकी बस्तियों में वे चलते-फिरते है? निस्संदेह बुद्धिमानों के लिए इसमें बहुत-सी निशानियाँ है	यह उन पिछली सभ्यताओं को संदर्भित करता है जिन्हें अल्लाह ने नष्ट कर दिया था।

Walawla kalimatun sabaqat min rabbika lakana lizaman waajalun musamman	x	And if not for a word that preceded from your Lord, punishment would have been an obligation [due immediately], and [if not for] a specified term [decreed].	20:129	यदि तेरे रब की ओर से पहले ही एक बात निश्चित न हो गई होती और एक अवधि नियत न की जा चुकी होती, तो अवश्य ही उन्हें यातना आ पकड़ती	x
Faisbir AAala ma yaqooloona wasabbih bihamdi rabbika qabla tulooAAi alshshamsi waqabla ghuroobiha wamin anai allayli fasabbih waatrafa alnnahari laAAallaka tarda	x	So be patient over what they say and exalt [Allah] with praise of your Lord before the rising of the sun and before its setting; and during periods of the night [exalt Him] and at the ends of the day, that you may be satisfied.	20:130	अतः जो कुछ वे कहते है उसपर धैर्य से काम लो और अपने रब का गुणगान करो, सूर्योदय से पहले और उसके डूबने से पहले, और रात की घड़ियों में भी तसबीह करो, और दिन के किनारों पर भी, ताकि तुम राज़ी हो जाओ	x
Wala tamuddanna AAaynayka ila ma mattaAAna bihi azwajan minhum zahrata alhayati alddunya linaftinahum feehi warizqu rabbika khayrun waabqa	x	And do not extend your eyes toward that by which We have given enjoyment to [some] categories of them, [its being but] the splendor of worldly life by which We test them. And the provision of your Lord is better and more	20:131	और उसकी ओर आँख उठाकर न देखो, जो कुछ हमने उनमें से विभिन्न लोगों को उपभोग के लिए दे रखा है, ताकि हम उसके द्वारा उन्हें आज़माएँ। वह तो बस सांसारिक जीवन की शोभा है। तुम्हारे रब की रोज़ी उत्तम भी है और स्थायी भी	x

Wamur ahlaka bialssalati waistabir AAalayha la nasaluka rizqan nahnu narzuquka waalAAaqibatu lilttaqwa	x	And enjoin prayer upon your family [and people] and be steadfast therein. We ask you not for provision; We provide for you, and the [best] outcome is for [those of] righteousness.	20:132	और अपने लोगों को नमाज़ का आदेश करो और स्वयं भी उसपर जमे रहो। हम तुमसे कोई रोज़ी नहीं माँगते। रोज़ी हम ही तुम्हें देते है, और अच्छा परिणाम तो धर्मपरायणता ही के लिए निश्चित है	x
Waqaloo lawla yateena biayatin min rabbihi awalam tatihim bayyinatu ma fee alssuhufi aloola	**[The former scripture are signs. So no need for new signs.]**	And they say, "Why does he not bring us a sign from his Lord?" Has there not come to them evidence of what was in the former scriptures?	20:133	और वे कहते है कि "यह अपने रब की ओर से हमारे पास कोई निशानी क्यों नहीं लाता?" क्या उनके पास उसका स्पष्ट प्रमाण नहीं आ गया, जो कुछ कि पहले की पुस्तकों में उल्लिखित है?	**[पहले के शास्त्र संकेत हैं। इसलिए नए संकेतों की कोई ज़रूरत नहीं है।]**
Walaw anna ahlaknahum biAAathabin min qablihi laqaloo rabbana lawla arsalta ilayna rasoolan fanattabiAAa ayatika min qabli an	x	And if We had destroyed them with a punishment before him, they would have said, "Our Lord, why did You not send to us a messenger so we could have followed Your verses before we were humiliated and disgraced?"	20:134	यदि हम उसके पहले इन्हें किसी यातना से विनष्ट कर देते तो ये कहते कि "ऐ हमारे रब, तूने हमारे पास कोई रसूल क्यों न भेजा कि इससे पहले कि हम अपमानित और रुसवा होते, तेरी आयतों का अनुपालन करने लगते?"	x
Qul kullun mutarabbisun fatarabbasoo fasataAAlamoona man ashabu alssirati alssawiyyi wamani ihtada	x	Say, "Each [of us] is waiting; so wait. For you will know who are the companions of the sound path and who is guided."	20:135	कह दो, "हर एक प्रतीक्षा में है। अतः अब तुम भी प्रतीक्षा करो। शीघ्र ही तुम जान लोगे कि कौन सीधे मार्गवाला है और किनको मार्गदर्शन प्राप्त है।"	x

Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Al-Anbiyya (The Prophets), Late Meccan sura**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**21:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अल-अंबिया (पैगंबर)**
Iqtaraba lilnnasi hisabuhum wahum fee ghaflatin muAAridoona	In a passage extending to 21:47, Allah speaks generally of how the unbelievers always scorn the signs of his creative power and the messages of the prophets. **[When is the day of Judgement: Near 16:77, 21:1, 33:63, 54:1, 70:6–7, Don't know 21:109]**	[The time of] their account has approached for the people, while they are in heedlessness turning away.	21:1	निकट आ गया लोगों का हिसाब और वे है कि असावधान कतराते जा रहे है	21:47 तक फैले एक अंश में, अल्लाह आम तौर पर इस बारे में बात करते हैं कि किस तरह काफ़िर लोग हमेशा उनकी सृजनात्मक शक्ति के संकेतों और पैगंबरों के संदेशों का मज़ाक उड़ाते हैं। **[क़यामत का दिन कब है: करीब 16:77, 21:1, 33:63, 54:1, 70:6–7; पता नहीं 21:109]**
Ma yateehim min thikrin min rabbihim muhdathin illa istamaAAoohu wahum	x	No mention comes to them anew from their Lord except that they listen to it while they are at play	21:2	उनके पास जो ताज़ा अनुस्मृति भी उनके रब की ओर से आती है, उसे वे हँसी-खेल करते हुए ही सुनते है	x
Lahiyatan quloobuhum waasarroo alnnajwa allatheena thalamoo hal hatha illa basharun mithlukum afatatoona alssihra waantum tubsiroona	**['asarru should be 'assarra.]**	With their hearts distracted. And those who do wrong conceal their private conversation, [saying], "Is this [Prophet] except a human being like you? So would you approach magic while you are aware [of it]?"	21:3	उनके दिल दिलचस्पियों में खोए हुए होते है। उन्होंने चुपके-चुपके कानाफूसी की - अर्थात अत्याचार की नीति अपनानेवालों ने कि "यह तो बस तुम जैसा ही एक मनुष्य है। फिर क्या तुम देखते-बूझते जादू में फँस जाओगे?"	**[अस्सरू को अस्सारा होना चाहिए।]**
Qala rabbee yaAAlamu alqawla fee alssamai waalardi wahuwa alssameeAAu alAAaleemu	x	The Prophet said, "My Lord knows whatever is said throughout the heaven and earth, and He is the Hearing, the Knowing."	21:4	उसने कहा, "मेरा रब जानता है उस बात को जो आकाश और धरती में हो। और वह भली-भाँति सब कुछ सुनने, जाननेवाला है।"	x

Bal qaloo adghathu ahlamin bali iftarahu bal huwa shaAAirun falyatina biayatin kama orsila alawwaloona	Allah tells us of the stubbornness and heresy of the disbelievers, and the various things they said about the Quran. The disbelievers, meanwhile, demand a sign when every verse of the Qur'an is a sign in itseslf (see 6:35).	But they say, "[The revelation is but] a mixture of false dreams; rather, he has invented it; rather, he is a poet. So let him bring us a sign just as the previous [messengers] were sent [with miracles]."	21:5	नहीं, बल्कि वे कहते है, "ये तो संभ्रमित स्वप्न है, बल्कि उसने इसे स्वयं ही घड़ लिया है, बल्कि वह एक कवि है! उसे तो हमारे पास कोई निशानी लानी चाहिए, जैसे कि (निशानियाँ लेकर) पहले के रसूल भेजे गए थे।"	अल्लाह हमें काफ़िरों की ज़िद और गुमराहियों के बारे में बताता है, और उन अलग-अलग बातों के बारे में भी, जो उन्होंने कुरान के बारे में कही थीं। दूसरी ओर, काफ़िर लोग किसी निशानी की माँग करते हैं, जबकि कुरान की हर आयत अपने आप में एक निशानी है (देखें 6:35)।
Ma amanat qablahum min qaryatin ahlaknaha afahum yuminoona	x	Not a [single] city which We destroyed believed before them, so will they believe?	21:6	इनसे पहले कोई बस्ती भी, जिसको हमने विनष्ट किया, ईमान न लाई। फिर क्या ये ईमान लाएँगे?	x
Wama arsalna qablaka illa rijalan noohee ilayhim faisaloo ahla alththikri in kuntum la taAAlamoona	The "people of the message," are people of book such as Jews and Christians and other groups." See 10:94. **[Contradiction: Who could be a Messenger: only men 12:109, 16:43, 21:7, 25:29**	And We sent not before you, [O Muhammad], except men to whom We revealed [the message], so ask the people of the message if you do not know.	21:7	और तुमसे पहले भी हमने पुरुषों ही को रसूल बनाकर भेजा, जिनकी ओर हम प्रकाशना करते थे। - यदि तुम्हें मालूम न हो तो ज़िक्रवालों (किताबवालों) से पूछ लो। -	"ज़िक्रवालों" वे लोग हैं जिनके पास किताब है, जैसे कि यहूदी, ईसाई और अन्य समूह। देखें 10:94. **[विरोधाभास: संदेशवाहक कौन हो सकता है: केवल पुरुष 12:109, 16:43, 21:7, 25:29; या फ़रिश्ते भी 22:75]**
Wama jaAAalnahum jasadan la yakuloona	x	And We did not make the prophets forms not eating food, nor were they immortal [on earth].	21:8	उनको हमने कोई ऐसा शरीर नहीं दिया था कि वे भोजन न करते हों और न वे सदैव रहनेवाले ही थे	x
Thumma sadaqnahumu alwaAAda faanjaynahum waman nashao waahlakna almusrifeena	x	Then We fulfilled for them the promise, and We saved them and whom We willed and destroyed the transgressors.	21:9	फिर हमने उनके साथ वादे को सच्चा कर दिखाया और उन्हें हमने छुटकारा दिया, और जिसे हम चाहें उसे छुटकारा मिलता है। और मर्यादाहीनों को हमने विनष्ट कर दिया	x

Laqad anzalna ilaykum kitaban feehi thikrukum afala taAAqiloona	x	We have certainly sent down to you a Book in which is your mention. Then will you not reason?	21:10	लो, हमने तुम्हारी ओर एक किताब अवतरित कर दी है, जिसमें तुम्हारे लिए याददिहानी है। तो क्या तुम बुद्धि से काम नहीं लेते?	x
Wakam qasamna min qaryatin kanat thalimatan waanshana baAAdaha qawman	x	And how many a city which was unjust have We shattered and produced after it another people.	21:11	कितनी ही बस्तियों को, जो ज़ालिम थीं, हमने तोड़कर रख दिया और उनके बाद हमने दूसरे लोगों को उठाया	x
Falamma ahassoo basana itha hum minha yarkudoona	x	And when its inhabitants perceived Our punishment, at once they fled from it.	21:12	फिर जब उन्हें हमारी यातना का आभास हुआ तो लगे वहाँ से भागने	x
La tarkudoo wairjiAAoo ila ma otriftum feehi wamasakinikum laAAallakum tusaloona	x	[Some angels said], "Do not flee but return to where you were given luxury and to your homes - perhaps you will be questioned."	21:13	कहा गया, "भागो नहीं! लौट चलो, उसी भोग-विलास की ओर जो तुम्हें प्राप्त था और अपने घरों की ओर ताकि तुमसे पूछा जाए।"	x
Qaloo ya waylana inna kunna thalimeena	x	They said, "O woe to us! Indeed, we were wrongdoers."	21:14	कहने लगे, "हाय हमारा दुर्भाग्य! निस्संदेह हम ज़ालिम थे।"	x
Fama zalat tilka daAAwahum hatta jaAAalnahum haseedan khamideena	x	And that declaration of theirs did not cease until We made them [as] a harvest [mowed down], extinguished [like a fire].	21:15	फिर उनकी निरन्तर यही पुकार रही, यहाँ तक कि हमने उन्हें ऐसा कर दिया जैसे कटी हुई खेती, बुझी हुई आग हो	x
Wama khalaqna alssamaa waalarda wama baynahuma laAAibeena	x	And We did not create the heaven and earth and that between them in play.	21:16	और हमने आकाश और धरती को और जो कुछ उसके मध्य में है कुछ इस प्रकार नहीं बनाया कि हम कोई खेल करने वाले हो	x

Law aradna an nattakhitha lahwan laittakhathnahu min ladunna in kunna faAAileena	According to the Tafsir al-Jalalayn , If Allah had desired to have some amusement – in the form of a wife or child – He would have derived it from Our Presence (means from the houris or angels.) **[Illogical verse: Why would Allah desire like mankind.]**	Had We intended to take a diversion, We could have taken it from [what is] with Us - if [indeed] We were to do so.	21:17	यदि हम कोई खेल-तमाशा करना चाहते हो अपने ही पास से कर लेते, यदि हम ऐसा करने ही वाले होते	तफ़सीर अल-जलालैन के अनुसार, यदि अल्लाह को कोई मनोरंजन चाहिए होता - पत्नी या बच्चे के रूप में - तो वह इसे हमारी उपस्थिति से प्राप्त करता (अर्थात हूरों या फ़रिश्तों से।) **[अतार्किक आयत: अल्लाह मानव जैसी इच्छा क्यों करेगा।]**
Bal naqthifu bialhaqqi AAala albatili fayadmaghuhu faitha huwa zahiqun walakumu alwaylu mimma tasifoona	The Tafsir al-Jalalayn states that "the word used here means to strike a fatal blow which exposes the brain and removes it." **[The so called falsehood is yet to vanish from world.]**	Rather, We dash the truth upon falsehood, and it destroys it, and thereupon it departs. And for you is destruction from that which you describe.	21:18	नहीं, बल्कि हम तो असत्य पर सत्य की चोट लगाते है, तो वह उसका सिर तोड़ देता है। फिर क्या देखते है कि वह मिटकर रह जाता है और तुम्हारे लिए तबाही है उन बातों के कारण जो तुम बनाते हो!	तफ़सीर अल-जलालैन में कहा गया है कि "यहां इस्तेमाल किए गए शब्द का मतलब है एक जानलेवा वार करना जो दिमाग को बाहर निकाल देता है।" **[तथाकथित झूठ, अभी दुनिया से खत्म नहीं हुआ है।]**
Walahu man fee alssamawati waalardi waman AAindahu la yastakbiroona AAan AAibadatihi wala yastahsiroona	x	To Him belongs whoever is in the heavens and the earth. And those near Him are not prevented by arrogance from His worship, nor do they tire.	21:19	और आकाशों और धरती में जो कोई है उसी का है। और जो (फ़रिश्ते) उसके पास है वे न तो अपने को बड़ा समझकर उसकी बन्दगी से मुँह मोड़ते है औऱ न वे थकते है	x
Yusabbihoona allayla waalnnahara la yafturoona	x	They exalt [Him] night and day [and] do not slacken.	21:20	रात और दिन तसबीह करते रहते है, दम नहीं लेते	x
Ami ittakhathoo alihatan mina alardi hum yunshiroona	x	Or have men taken for themselves gods from the earth who resurrect [the dead]?	21:21	(क्या उन्होंने आकाश से कुछ पूज्य बना लिए है)... या उन्होंने धरती से ऐसे इष्ट - पूज्य बना लिए है, जो पुनर्जीवित करते हों?	x

Law kana feehima alihatun illa Allahu lafasadata fasubhana Allahi rabbi alAAarshi AAamma yasifoona	The disbelievers cannot be correct in claiming that their objects of worship are true gods alongside Allah. Such a multiplicity of deities would lead to disorder and confusion, not only in the heavens but also on the earth. The underlying reasoning is that multiple gods would issue conflicting commands, whereas Allah's will is presented as singular and consistent. **[Contradiction: Does false dieties exist: Don't 10:18, 12:40, 17:42, 21:22, 53:23; Yes, 2:166, 7:194, 16:86, 18:51, 21:43, 21:99, 25:17]**	Had there been within the heavens and earth gods besides Allah, they both would have been ruined. So exalted is Allah, Lord of the Throne, above what they describe.	21:22	यदि इन दोनों (आकाश और धरती) में अल्लाह के सिवा दूसरे इष्ट-पूज्य भी होते तो दोनों की व्यवस्था बिगड़ जाती। अतः महान और उच्च है अल्लाह, राजासन का स्वामी, उन बातों से जो ये बयान करते है	काफ़िरों का यह दावा सही नहीं हो सकता कि अल्लाह के साथ-साथ उनकी पूजनीय वस्तुएँ भी सच्चे देवता हैं। देवताओं की इतनी अधिक संख्या से न केवल आसमानों में, बल्कि ज़मीन पर भी अव्यवस्था और भ्रम फैल जाएगा। इसके पीछे मूल तर्क यह है कि कई देवता परस्पर विरोधी आदेश देंगे, जबकि अल्लाह की इच्छा को एक और सुसंगत बताया गया है। **[विरोधाभास: क्या झूठे देवता अस्तित्व में हैं? नहीं: 10:18, 12:40, 17:42, 21:22, 53:23; हाँ: 2:166, 7:194, 16:86, 18:51, 21:43, 21:99]**
La yusalu AAamma yafAAalu wahum yusaloona	Allah is the Ruler whose rule cannot be overturned and none can object to it.	He is not questioned about what He does, but they will be questioned.	21:23	जो कुछ वह करता है उससे उसकी कोई पूछ नहीं हो सकती, किन्तु इनसे पूछ होगी	अल्लाह वह शासक है जिसका शासन पलटा नहीं जा सकता और जिस पर कोई आपत्ति नहीं कर सकता।

Ami ittakhathoo min doonihi alihatan qul hatoo burhanakum hatha thikru man maAAiya wathikru man qablee bal aktharuhum la yaAAlamoona alhaqqa fahum muAAridoona	**[Unjust demand: Disbelievers are asked to give proof for their gods; While no sign has been shown by Allah in real time.]**	Or have they taken gods besides Him? Say, [O Muhammad], "Produce your proof. This [Qur'an] is the message for those with me and the message of those before me." But most of them do not know the truth, so they are turning away.	21:24	(क्या ये अल्लाह के हक़ को नहीं पहचानते) या उसे छोड़कर इन्होंने दूसरे इष्ट-पूज्य बना लिए है (जिसके लिए इनके पास कुछ प्रमाण है)? कह दो, "लाओ, अपना प्रमाण! यह अनुस्मृति है उनकी जो मेरे साथ है और अनुस्मृति है उनकी जो मुझसे पहले हुए है, किन्तु बात यह है कि इनमें अधिकतर सत्य को जानते नहीं, इसलिए कतरा रहे है	**[गलत मांग: काफ़िरों से उनके भगवानों के लिए सबूत देने को कहा जाता है; जबकि अल्लाह ने असल में कोई निशानी नहीं दिखाई है।]**
Wama arsalna min qablika min rasoolin illa noohee ilayhi annahu la ilaha illa ana faoAAbudooni	x	And We sent not before you any messenger except that We revealed to him that, "There is no deity except Me, so worship Me."	21:25	हमने तुमसे पहले जो रसूल भी भेजा, उसकी ओर यही प्रकाशना की कि " "मेरे सिवा कोई पूज्य-प्रभु नहीं। अतः तुम मेरी ही बन्दगी करो।"	x
Waqaloo ittakhatha alrrahmanu waladan subhanahu bal AAibadun mukramoona	Refuting Christians.	And they say, "The Most Merciful has taken a son." Exalted is He! Rather, they are [but] honored servants.	21:26	और वे कहते है कि "रहमान सन्तान रखता है।" महान हो वह! बल्कि वे तो प्रतिष्ठित बन्दे हैं	"ईसाइयों का खंडन करना।"
La yasbiqoonahu bialqawli wahum biamrihi yaAAmaloona	Means, the Messengers just follow Allah's commands.	They cannot precede Him in word, and they act by His command.	21:27	उससे आगे बढ़कर नहीं बोलते और उनके आदेश का पालन करते है	"मतलब, रसूल अल्लाह के हुक्म का पालन करते हैं।"

YaAAlamu ma bayna aydeehim wama khalfahum wala yashfaAAoona illa limani irtada wahum min khashyatihi mushfiqoona	**[Contradiction: No intercession accepted (2:48, 2:123, 6:51, 6:94, 23:101, 32:4, 39:43-44, 42:46). Intercession is accepted with Allah's permission (2:255, 4:64, 10:3, 19:87, 20:109, 21:28, 34:23, 53:26)]**	He knows what is [presently] before them and what will be after them, and they cannot intercede except on behalf of one whom He approves. And they, from fear of Him, are apprehensive.	21:28	वह जानता है जो कुछ उनके आगे है और जो कुछ उनके पीछे है, और वे किसी की सिफ़ारिश नहीं करते सिवाय उसके जिसके लिए अल्लाह पसन्द करे। और वे उसके भय से डरते रहते है	**[विरोधाभास: कोई शफ़ाअत (सिफ़ारिश) स्वीकार नहीं की जाएगी (2:48, 2:123, 6:51, 6:94, 23:101, 32:4, 39:43-44, 42:46), जबकि शफ़ाअत केवल अल्लाह की अनुमति से स्वीकार की जाती है (2:255, 4:64, 10:3, 19:87, 20:109, 21:28, 34:23, 53:26)]**
Waman yaqul minhum innee ilahun min doonihi fathalika najzeehi jahannama kathalika najzee alththalimeena	x	And whoever of them should say, "Indeed, I am a god besides Him"- that one We would recompense with Hell. Thus do We recompense the wrongdoers.	21:29	और जो उनमें से यह कहे कि "उनके सिवा मैं भी एक इष्ट -पूज्य हूँ।" तो हम उसे बदले में जहन्नम देंगे। ज़ालिमों को हम ऐसा ही बदला दिया करते है	x
Awalam yara allatheena kafaroo anna alssamawati waalarda kanata ratqan fafataqnahuma wajaAAalna mina almai kulla shayin hayyin afala yuminoona	**[Geo-centric concept and sky/heaven is thought to be a flat roof as mentioned in other verses; Seperation of earth from sun, moon and star does not describes Big Bang Theory. Earth came in existence more than 9.1 billions of years after Big bang; 21:30 and 24:45 says that all living beings are made from water (not in water, but from water) while 37:11 from sticky clay.]**	Have those who disbelieved not considered that the heavens and the earth were a joined entity, and We separated them and made from water every living thing? Then will they not believe?	21:30	क्या उन लोगों ने जिन्होंने इनकार किया, देखा नहीं कि ये आकाश और धरती बन्द थे। फिर हमने उन्हें खोल दिया। और हमने पानी से हर जीवित चीज़ बनाई, तो क्या वे मानते नहीं?	**[भू-केंद्रित अवधारणा और आकाश/स्वर्ग को एक चपटी छत माना जाता है जैसा कि दूसरी आयतों में बताया गया है; पृथ्वी का सूरज, चाँद और तारे से अलग होना बिग बैंग थ्योरी के बारे में नहीं बताता है। पृथ्वी बिग बैंग के 9.1 अरब साल बाद बनी थी; 21:30 और 24:45 कहते हैं कि सभी जीव पानी से बने हैं (पानी में नहीं, बल्कि पानी से) जबकि 37:11 चिपचिपी मिट्टी से।]**

WajaAAalna fee alardi rawasiya an tameeda bihim wajaAAalna feeha fijajan subulan laAAallahum yahtadoona	**[Mountains does not prevent earth quakes. Also mountain are not set on earth, they are formed by movement of techtonic plates. Also this was not one time event but a continuous process.]**	And We placed within the earth firmly set mountains, lest it should shift with them, and We made therein [mountain] passes [as] roads that they might be guided.	21:31	और हमने धरती में अटल पहाड़ रख दिए, ताकि कहीं ऐसा न हो कि वह उन्हें लेकर ढुलक जाए और हमने उसमें ऐसे दर्रे बनाए कि रास्तों का काम देते है, ताकि वे मार्ग पाएँ	**[पहाड़ भूकंप को नहीं रोकते। साथ ही, पहाड़ धरती पर नहीं बने हैं, वे टेक्टोनिक प्लेटों की हलचल से बनते हैं। साथ ही, यह एक बार की घटना नहीं थी, बल्कि एक लगातार चलने वाली प्रक्रिया थी।]**
WajaAAalna alssamaa saqfan mahfoothan wahum AAan ayatiha muAAridoona	**[Sky is a flat roof, 2:22, 21:32, 21:104, 22:65, 67:3]**	And We made the sky a protected ceiling, but they, from its signs, are turning away.	21:32	और हमने आकाश को एक सुरक्षित छत बनाया, किन्तु वे है कि उसकी निशानियों से कतरा जाते है	**[आकाश एक चपटी छत है, 2:22, 21:32, 21:104, 22:65, 67:3]**
Wahuwa allathee khalaqa allayla waalnnahara waalshshamsa waalqamara kullun fee falakin yasbahoona	**[Night has been created seperately from Day? ; Here sun's orbit is about rotation around earth, not the galactic rotation because it is in relation to night and day; 36:40 mentions that although Sun and Moon rotated around earth they don't caught each other.]**	And it is He who created the night and the day and the sun and the moon; all [heavenly bodies] in an orbit are swimming.	21:33	वही है जिसने रात और दिन बनाए और सूर्य और चन्द्र भी। प्रत्येक अपने-अपने कक्ष में तैर रहा है	**[रात को दिन से अलग बनाया गया है? ; यहाँ सूरज की कक्षा पृथ्वी के चारों ओर घूमने के बारे में है, न कि गैलेक्टिक रोटेशन के बारे में, क्योंकि यह रात और दिन के संबंध में है; 36:40 में बताया गया है कि हालाँकि सूरज और चाँद पृथ्वी के चारों ओर घूमते हैं, लेकिन वे एक-दूसरे को नहीं पकड़ते।]**
Wama jaAAalna libasharin min qablika alkhulda afain mitta fahumu alkhalidoona	**[Here "on earth" is added; otherwise, as per Islamic tradition, everyone will live forever in heaven and Hell.]**	And We did not grant to any man before you eternity [on earth]; so if you die - would they be eternal?	21:34	हमने तुमसे पहले भी किसी आदमी के लिए अमरता नहीं रखी। फिर क्या यदि तुम मर गए तो वे सदैव रहनेवाले है?	**[इस्लामी परंपरा के अनुसार, हर कोई हमेशा स्वर्ग और नर्क में रहेगा = अमर।]**

Kullu nafsin thaiqatu almawti wanablookum bialshsharri waalkhayri fitnatan wailayna turjaAAoona	x	Every soul will taste death. And We test you with evil and with good as trial; and to Us you will be returned.	21:35	हर जीव को मौत का मज़ा चखना है और हम अच्छी और बुरी परिस्थितियों में डालकर तुम सबकी परीक्षा करते है। अन्ततः तुम्हें हमारी ही ओर पलटकर आना है	x
Waitha raaka allatheena kafaroo in yattakhithoonaka illa huzuwan ahatha allathee yathkuru alihatakum wahum bithikri alrrahmani hum kafiroona	**[Quran itself ask not to insult any dieties, then prophet (pbuh) should not have done such things.]**	And when those who disbelieve see you, [O Muhammad], they take you not except in ridicule, [saying], "Is this the one who insults your gods?" And they are, at the mention of the Most Merciful, disbelievers.	21:36	जिन लोगों ने इनकार किया वे जब तुम्हें देखते है तो तुम्हारा उपहास ही करते है। (कहते है,) "क्या यही वह व्यक्ति है, जो तुम्हारे इष्ट -पूज्यों की बुराई के साथ चर्चा करता है?" और उनका अपना हाल यह है कि वे रहमान के ज़िक्र (स्मरण) से इनकार करते हैं	**[कुरान खुद कहता है कि किसी देवी-देवता का अपमान न करें, जबकि पैगंबर (स.) को ऐसा नहीं करना चाहिए था।]**
Khuliqa alinsanu min AAajalin saoreekum ayatee fala tastaAAjiloona	Of course by the will of Allah.	Man was created of haste. I will show you My signs, so do not impatiently urge Me.	21:37	मनुष्य उतावला पैदा किया गया है। मैं तुम्हें शीघ्र ही अपनी निशानियाँ दिखाए देता हूँ। अतः तुम मुझसे जल्दी मत मचाओ	बेशक, अल्लाह की मर्ज़ी से।
Wayaqooloona mata hatha alwaAAdu in kuntum sadiqeena	Asking the time of Judgement day.	And they say, "When is this promise, if you should be truthful?"	21:38	वे कहते है कि "यह वादा कब पूरा होगा, यदि तुम सच्चे हो?"	क़यामत के दिन का समय पूछना।

Law yaAAlamu allatheena kafaroo heena la yakuffoona AAan wujoohihimu alnnara wala AAan thuhoorihim wala hum yunsaroona	x	If those who disbelieved but knew the time when they will not avert the Fire from their faces or from their backs and they will not be aided...	21:39	अगर इनकार करनेवालें उस समय को जानते, जबकि वे न तो अपने चहरों की ओर आग को रोक सकेंगे और न अपनी पीठों की ओर से और न उन्हें कोई सहायता ही पहुँच सकेगी तो (यातना की जल्दी न मचाते)	x
Bal tateehim baghtatan fatabhatuhum fala yastateeAAoona raddaha wala hum yuntharoona	x	Rather, it will come to them unexpectedly and bewilder them, and they will not be able to repel it, nor will they be reprieved.	21:40	बल्कि वह अचानक उनपर आएगी और उन्हें स्तब्ध कर देगी। फिर न उसे वे फेर सकेंगे और न उन्हें मुहलत ही मिलेगी	x
Walaqadi istuhzia birusulin min qablika fahaqa biallatheena sakhiroo minhum ma kanoo bihi	x	And already were messengers ridiculed before you, but those who mocked them were enveloped by what they used to ridicule.	21:41	तुमसे पहले भी रसूलों की हँसी उड़ाई जा चुकी है, किन्तु उनमें से जिन लोगों ने उनकी हँसी उड़ाई थी उन्हें उसी चीज़ ने आ घेरा, जिसकी वे हँसी उड़ाते थे	x
Qul man yaklaokum biallayli waalnnahari mina alrrahmani bal hum AAan thikri rabbihim	**[There is no need to be afraid if Allah is Most Merciful.]**	Say, "Who can protect you at night or by day from the Most Merciful?" But they are, from the remembrance of their Lord, turning away.	21:42	कहो कि "कौन रहमान के मुक़ाबले में रात-दिन तुम्हारी रक्षा करेगा? बल्कि बात यह है कि वे अपने रब की याददिहानी से कतरा रहे है	**[यदि अल्लाह अत्यंत दयालु है तो डरने की कोई आवश्यकता नहीं है।]**

Am lahum alihatun tamnaAAuhum min doonina la yastateeAAoona nasra anfusihim wala hum minna yushaboona	**[Contradiction: Does false dieties exist: Don't 10:18, 12:40, 17:42, 21:22, 53:23; Yes, 2:166, 7:194, 16:86, 18:51, 21:43, 21:99, 25:17]**	Or do they have gods to defend them other than Us? They are unable [even] to help themselves, nor can they be protected from Us.	21:43	(क्या वे हमें नहीं जानते) या हमसे हटकर उनके और भी इष्ट-पूज्य है, जो उन्हें बचा ले? वे तो स्वयं अपनी ही सहायता नहीं कर सकते है और न हमारे मुक़ाबले में उनका कोई साथ ही दे सकता है	**[विरोधाभास: क्या झूठे देवता अस्तित्व में हैं? नहीं: 10:18, 12:40, 17:42, 21:22, 53:23; हाँ: 2:166, 7:194, 16:86, 18:51, 21:43, 21:99]**
Bal mattaAAna haolai waabaahum hatta tala AAalayhimu alAAumuru afala yarawna anna natee alarda nanqusuha min atrafiha afahumu alghaliboona	"land reducing" means, growth of Muslims around them reducing the land's of disbelievers.	But, [on the contrary], We have provided good things for these [disbelievers] and their fathers until life was prolonged for them. Then do they not see that We set upon the land, reducing it from its borders? So it is they who will overcome?	21:44	बल्कि बात यह है कि हमने उन्हें और उनके बाप-दादा को सुख-सुविधा प्रदान की, यहाँ तक कि इसी दशा में एक लम्बी मुद्दत उनपर गुज़र गई, तो क्या वे देखते नहीं कि हम इस भूभाग को उसके चतुर्दिक से घटाते हुए बढ़ रहे है? फिर क्या वे अभिमानी रहेंगे?	"भूभाग को उसके चतुर्दिक से घटाते" का अर्थ है—मुसलमानों की बढ़ती संख्या के कारण उनके आस-पास के काफ़िरों की भूमि का सिकुड़ना।
Qul innama onthirukum bialwahyi wala yasmaAAu alssummu aldduAAaa itha ma	**[Contradiction: Allah warns by, 21:45 only revelations, 23:76 Sending suffering and 25:39 examples also]**	Say, "I only warn you by revelation." But the deaf do not hear the call when they are warned.	21:45	कह दो, "मैं तो बस प्रकाशना के आधार पर तुम्हें सावधान करता हूँ।" किन्तु बहरे पुकार को नहीं सुनते, जबकि उन्हें सावधान किया जाए	**[विरोधाभास: अल्लाह चेतावनी देता है—21:45 में केवल वहियों के द्वारा; 23:76 में तकलीफ़ भेजकर; और 25:39 में उदाहरणों के द्वारा भी।]**
Walain massathum nafhatun min AAathabi rabbika layaqoolunna ya waylana inna kunna thalimeena	x	And if [as much as] a whiff of the punishment of your Lord should touch them, they would surely say, "O woe to us! Indeed, we have been wrongdoers."	21:46	और यदि तुम्हारे रब की यातना का कोई झोंका भी उन्हें छू जाए तो वे कहन लगे, "हाय, हमारा दुर्भाग्य! निस्संदेह हम ज़ालिम थे।"	x

WanadaAAu almawazeena alqista liyawmi alqiyamati fala tuthlamu nafsun shayan wain kana mithqala habbatin min khardalin atayna biha wakafa bina hasibeena	However, one may tip the scales decisively in one’s favor by waging jihad. Prophet (pbuh) was asked, “Instruct me as to such a deed as equals Jihad (in reward),” and he answered, “I do not find such a deed.”	And We place the scales of justice for the Day of Resurrection, so no soul will be treated unjustly at all. And if there is [even] the weight of a mustard seed, We will bring it forth. And sufficient are We as accountant.	21:47	और हम बज़नी, अच्छे न्यायपूर्ण कामों को क़ियामत के दिन के लिए रख रहे है। फिर किसी व्यक्ति पर कुछ भी जुल्म न होगा, यद्यपि वह (कर्म) राई के दाने के बराबर हो, हम उसे ला उपस्थित करेंगे। और हिसाब करने के लिए हम काफ़ी है	तथापि, जिहाद करके कोई भी व्यक्ति निर्णायक रूप से अपने पक्ष में पलड़ा भारी कर सकता है। पैगंबर (स.) से पूछा गया, "मुझे ऐसे किसी कार्य के बारे में बताएं जो (पुण्य के मामले में) जिहाद के बराबर हो," और उन्होंने उत्तर दिया, "मुझे ऐसा कोई कार्य नहीं मिलता।"
Walaqad atayna moosa waharoona alfurqana wadiyaan wathikran lilmuttaqeena	x	And We had already given Moses and Aaron the criterion and a light and a reminder for the righteous	21:48	और हम मूसा और हारून को कसौटी और रौशनी और याददिहानी प्रदान कर चुके हैं, उन डर रखनेवालों के लिए	x
Allatheena yakhshawna rabbahum bialghaybi wahum mina alssaAAati mushfiqoona	x	Who fear their Lord unseen, while they are of the Hour apprehensive.	21:49	जो परोक्ष में रहते हुए अपने रब से डरते है और उन्हें क़ियामत की घड़ी का भय लगा रहता है	x
Wahatha thikrun mubarakun anzalnahu afaantum lahu munkiroona	x	And this [Qur'an] is a blessed message which We have sent down. Then are you with it unacquainted?	21:50	और वह बरकतवाली अनुस्मृति है, जिसको हमने अवतरित किया है। तो क्या तुम्हें इससे इनकार है	x
Walaqad atayna ibraheema rushdahu min qablu wakunna bihi AAalimeena	x	And We had certainly given Abraham his sound judgement before, and We were of him well-Knowing	21:51	और इससे पहले हमने इबराहीम को उसकी हिदायत और समझ दी थी - और हम उसे भली-भाँति जानते थे। -	x

Ith qala liabeehi waqawmihi ma hathihi alttamatheelu allatee antum laha	x	When he said to his father and his people, "What are these statues to which you are devoted?"	21:52	जब उसने अपने बाप और अपनी क़ौम से कहा, "ये मूर्तियाँ क्या है, जिनसे तुम लगे बैठे हो?"	x
Qaloo wajadna abaana laha AAabideena	x	They said, "We found our fathers worshippers of them."	21:53	वे बोले, "हमने अपने बाप-दादा को इन्हीं की पूजा करते पाया है।"	x
Qala laqad kuntum antum waabaokum fee dalalin mubeenin	x	He said, "You were certainly, you and your fathers, in manifest error."	21:54	उसने कहा, "तुम भी और तुम्हारे बाप-दादा भी खुली गुमराही में हो।"	x
Qaloo ajitana bialhaqqi am anta mina allaAAibeena	x	They said, "Have you come to us with truth, or are you of those who jest?"	21:55	उन्होंने कहा, "क्या तू हमारे पास सत्य लेकर आया है या यूँ ही खेल कर रहा है?"	x
Qala bal rabbukum rabbu alssamawati waalardi allathee fatarahunna waana AAala thalikum mina alshshahideena	x	He said, "[No], rather, your Lord is the Lord of the heavens and the earth who created them, and I, to that, am of those who testify.	21:56	उसने कहा, "नहीं, बल्कि बात यह है कि तुम्हारा रब आकाशों और धरती का रब है, जिसने उनको पैदा किया है और मैं इसपर तुम्हारे सामने गवाही देता हूँ	x
WataAllahi laakeedanna asnamakum baAAda an tuwalloo mudbireena	x	And [I swear] by Allah, I will surely plan against your idols after you have turned and gone away."	21:57	और अल्लाह की क़सम! इसके पश्चात कि तुम पीठ फेरकर लौटो, मैं तुम्हारी मूर्तियों के साथ अवश्य् एक चाल चलूँगा।"	x
FajaAAalahum juthathan illa kabeeran lahum laAAallahum ilayhi yarjiAAoona	**[Quran says not to insult other's dieties, 6:108, So how a prophet like Abraham could do that.]**	So he made them into fragments, except a large one among them, that they might return to it [and question].	21:58	अतएव उसने उन्हें खंड-खंड कर दिया सिवाय उनकी एक बड़ी के, कदाचित वे उसकी ओर रुजू करें	**[कुरान कहता है कि दूसरों के देवताओं का अपमान न करें, 6:108, तो अब्राहम जैसा पैगंबर ऐसा कैसे कर सकता है।]**

Qaloo man faAAala hatha bialihatina innahu lamina alththalimeena	x	They said, "Who has done this to our gods? Indeed, he is of the wrongdoers."	21:59	वे कहने लगे, "किसने हमारे देवताओं के साथ यह हरकत की है? निश्चय ही वह कोई ज़ालिम है।"	x
Qaloo samiAAna fatan yathkuruhum yuqalu lahu ibraheemu	x	They said, "We heard a young man mention them who is called Abraham."	21:60	(कुछ लोग) बोले, "हमने एक नवयुवक को, जिसे इबराहीम कहते है, उसके विषय में कुछ कहते सुना है।"	x
Qaloo fatoo bihi AAala aAAyuni alnnasi laAAallahum	x	They said, "Then bring him before the eyes of the people that they may testify."	21:61	उन्होंने कहा, "तो उसे ले आओ लोगों की आँखों के सामने कि वे भी गवाह रहें।"	x
Qaloo aanta faAAalta hatha bialihatina ya ibraheemu	x	They said, "Have you done this to our gods, O Abraham?"	21:62	उन्होंने कहा, "क्या तूने हमारे देवों के साथ यह हरकत की है, ऐ इबराहीम!"	x
Qala bal faAAalahu kabeeruhum hatha faisaloohum in kanoo yantiqoona	x	He said, "Rather, this - the largest of them - did it, so ask them, if they should [be able to] speak."	21:63	उसने कहा, "नहीं, बल्कि उनके इस बड़े ने की होगी, उन्हीं से पूछ लो, यदि वे बोलते हों।"	x
FarajaAAoo ila anfusihim faqaloo innakum antumu alththalimoona	x	So they returned to [blaming] themselves and said [to each other], "Indeed, you are the wrongdoers."	21:64	तब वे उसकी ओर पलटे और कहने लगे, "वास्तव में, ज़ालिम तो तुम्हीं लोग हो।"	x
Thumma nukisoo AAala ruoosihim laqad AAalimta ma haolai yantiqoona	x	Then they reversed themselves, [saying], "You have already known that these do not speak!"	21:65	किन्तु फिर वे बिल्कुल औंधे हो रहे। (फिर बोले,) "तुझे तो मालूम है कि ये बोलते नहीं।"	x

Qala afataAAbudoona min dooni Allahi ma la yanfaAAukum shayan wala yadurrukum	**[Actually, in many traditions, an idol is a symbol or representation of a higher, invisible reality. The idol per se is just a symbol.]**	He said, "Then do you worship instead of Allah that which does not benefit you at all or harm you?	21:66	उसने कहा, "फिर क्या तुम अल्लाह से इतर उसे पूजते हो, जो न तुम्हें कुछ लाभ पहुँचा सके और न तुम्हें कोई हानि पहुँचा सके?	**[असल में, कई परंपराओं में, मूर्ति एक बडी, अनदेखी सच्चाई का प्रतीक या रूप होती है। मूर्ति अपने आप में सिर्फ़ एक प्रतीक है।]**
Offin lakum walima taAAbudoona min dooni Allahi afala taAAqiloona	x	Uff to you and to what you worship instead of Allah. Then will you not use reason?"	21:67	धिक्कार है तुमपर, और उनपर भी, जिनको तुम अल्लाह को छोड़कर पूजते हो! तो क्या तुम बुद्धि से काम नहीं लेते?"	x
Qaloo harriqoohu waonsuroo alihatakum in kuntum faAAileena	x	They said, "Burn him and support your gods - if you are to act."	21:68	उन्होंने कहा, "जला दो उसे, और सहायक हो अपने देवताओं के, यदि तुम्हें कुछ करना है।"	x
Qulna ya naru koonee bardan wasalaman AAala ibraheema	**[Allah made the fire cool for Abraham.]**	Allah said, "O fire, be coolness and safety upon Abraham."	21:69	हमने कहा, "ऐ आग! ठंड़ी हो जा और सलामती बन जा इबराहीम पर!"	**[अल्लाह ने इब्राहीम के लिए आग को ठंडा कर दिया।]**
Waaradoo bihi kaydan fajaAAalnahumu alakhsareena	x	And they intended for him harm, but We made them the greatest losers.	21:70	उन्होंने उसके साथ एक चाल चलनी चाही, किन्तु हमने उन्हीं को घाटे में डाल दिया	x
Wanajjaynahu walootan ila alardi allatee barakna feeha lilAAalameena	x	And We delivered him and Lot to the land which We had blessed for the worlds.	21:71	और हम उसे और लूत को बचाकर उस भूभाग की ओर निकाल ले गए, जिसमें हमने दुनियावालों के लिए बरकतें रखी थीं	x

Wawahabna lahu ishaqa wayaAAqooba nafilatan wakullan jaAAalna saliheena	x	And We gave him Isaac and Jacob in addition, and all [of them] We made righteous.	21:72	और हमने उसे इसहाक़ प्रदान किया और तदधिक याक़ूब भी। और प्रत्येक को हमने नेक बनाया	x
WajaAAalnahum aimmatan yahdoona biamrina waawhayna ilayhim fiAAla alkhayrati waiqama alssalati waeetaa alzzakati wakanoo lana AAabideena	x	And We made them leaders guiding by Our command. And We inspired to them the doing of good deeds, establishment of prayer, and giving of zakah; and they were worshippers of Us.	21:73	और हमने उन्हें नायक बनाया कि वे हमारे आदेश से मार्ग दिखाते थे और हमने उनकी ओर नेक कामों के करने और नमाज़ की पाबन्दी करने और ज़कात देने की प्रकाशना की, और वे हमारी बन्दगी में लगे हुए थे	x
Walootan ataynahu hukman waAAilman wanajjaynahu mina alqaryati allatee kanat taAAmalu alkhabaitha innahum kanoo qawma sawin fasiqeena	Here begins a quick succession of brief references to various earlier Messengers. **[All are assumed to be Muslims.]**	And to Lot We gave judgement and knowledge, and We saved him from the city that was committing wicked deeds. Indeed, they were a people of evil, defiantly disobedient.	21:74	और रहा लूत तो उसे हमने निर्णय-शक्ति और ज्ञान प्रदान किया और उसे उस बस्ती से छुटकारा दिया जो गन्दे कर्म करती थी। वास्तव में वह बहुत ही बुरी और अवज्ञाकारी क़ौम थी	यहाँ पहले के कई रसूलों के बारे में छोटी-छोटी बातें शुरू होती हैं। **[सभी को मुसलमान माना जाता है।]**
Waadkhalnahu fee rahmatina innahu mina alssaliheena	x	And We admitted him into Our mercy. Indeed, he was of the righteous.	21:75	और उसको हमने अपनी दयालुता में प्रवेश कराया। निस्संदेह वह अच्छे लोगों में से था	x
Wanoohan ith nada min qablu faistajabna lahu fanajjaynahu waahlahu mina alkarbi alAAatheemi	**[In the flood, Entire family of Noah survived 21:76; Son drowned 11:43; wife should also have drowned as she was disbeliever 66:10]**	And [mention] Noah, when he called [to Allah] before [that time], so We responded to him and saved him and his family from the great flood.	21:76	और नूह की भी चर्चा करो, जबकि उसने इससे पहले हमें पुकारा था, तो हमने उसकी सुन ली और हमने उसे और उसके लोगों को बड़े क्लेश से छुटकारा दिया	**[बाढ़ में, नूह का पूरा परिवार बच गया 21:76; बेटा डूब गया 11:43; पत्नी को भी डूब जाना चाहिए था क्योंकि वह अविश्वासी थी 66:10]**

Wanasarnahu mina alqawmi allatheena kaththaboo biayatina innahum kanoo qawma sawin faaghraqnahum ajmaAAeena	x	And We saved him from the people who denied Our signs. Indeed, they were a people of evil, so We drowned them, all together.	21:77	और उस क़ौम के मुक़ाबले में जिसने हमारी आयतों को झुठला दिया था, हमने उसकी सहायता की। वास्तव में वे बुरे लोग थे। अतः हमने उन सबको डूबो दिया	x
Wadawooda wasulaymana ith yahkumani fee alharthi ith nafashat feehi ghanamu alqawmi wakunna lihukmihim shahideena	x	And [mention] David and Solomon, when they judged concerning the field - when the sheep of a people overran it [at night], and We were witness to their judgement.	21:78	और दाऊद और सुलैमान पर भी हमने कृपा-स्पष्ट की। याद करो जबकि वे दोनों खेती के एक झगड़े का निबटारा कर रहे थे, जब रात को कुछ लोगों की बकरियाँ उसे रौंद गई थीं। और उनका (क़ौम के लोगों का) फ़ैसला हमारे सामने था	x
Fafahhamnaha sulaymana wakullan atayna hukman waAAilman wasakhkharna maAAa dawooda aljibala yusabbihna waalttayra wakunna faAAileena	**[Even hills are living beings.]**	And We gave understanding of the case to Solomon, and to each [of them] We gave judgement and knowledge. And We subjected the mountains to exalt [Us], along with David and [also] the birds. And We were doing [that].	21:79	तब हमने उसे सुलैमान को समझा दिया और यूँ तो हरेक को हमने निर्णय-शक्ति और ज्ञान प्रदान किया था। और दाऊद के साथ हमने पहाड़ों को वशीभूत कर दिया था, जो तसबीह करते थे, और पक्षियों को भी। और ऐसा करनेवाले हम भी थे	**[यहां तक कि पहाड़ भी जीवित प्राणी हैं.]**
WaAAallamnahu sanAAata laboosin lakum lituhsinakum min basikum fahal antum shakiroona	**[But coats of mail and similar are older than 950 - 1000 BC (the time of David)]**	And We taught him the fashioning of coats of armor to protect you from your [enemy in] battle. So will you then be grateful?	21:80	और हमने उसे तुम्हारे लिए एक परिधान (बनाने) की शिल्प-कला भी सिखाई थी, ताकि युद्ध में वह तुम्हारी रक्षा करे। फिर क्या तुम आभार मानते हो?	**[लेकिन कवच और इसी तरह की चीज़ें 950 - 1000 BC (दाऊद के समय) से भी पुरानी हैं]**

Walisulaymana alrreeha AAasifatan tajree biamrihi ila alardi allatee barakna feeha wakunna bikulli shayin AAalimeena	**[Solomon used to control wind and his carpet used to fly.]**	And to Solomon [We subjected] the wind, blowing forcefully, proceeding by his command toward the land which We had blessed. And We are ever, of all	21:81	और सुलैमान के लिए हमने तेज वायु को वशीभूत कर दिया था, जो उसके आदेश से उस भूभाग की ओर चलती थी जिसे हमने बरकत दी थी। हम तो हर चीज़ का ज्ञान रखते है	**[सुलैमान हवा को कंट्रोल करते थे और उनका कालीन उड़ जाता था।]**
Wamina alshshayateeni man yaghoosoona lahu wayaAAmaloona AAamalan doona thalika wakunna lahum hafitheena	**[The Devils worked for solomon.]**	And of the devils were those who dived for him and did work other than that. And We were of them a guardian.	21:82	और कितने ही शैतानों को भी अधीन किया था, जो उसके लिए गोते लगाते और इसके अतिरिक्त दूसरा काम भी करते थे। और हम ही उनको संभालनेवाले थे	**[शैतान सुलेमान के लिए काम करते थे।]**
Waayyooba ith nada rabbahu annee massaniya alddurru waanta arhamu alrrahimeena	x	And [mention] Job, when he called to his Lord, "Indeed, adversity has touched me, and you are the Most Merciful of the merciful."	21:83	और अय्यूब पर भी दया दर्शाई। याद करो जबकि उसने अपने रब को पुकारा कि "मुझे बहुत तकलीफ़ पहुँची है, और तू सबसे बढ़कर दयावान है।"	x
Faistajabna lahu fakashafna ma bihi min durrin waataynahu ahlahu wamithlahum maAAahum rahmatan min AAindina wathikra lilAAabideena	x	So We responded to him and removed what afflicted him of adversity. And We gave him [back] his family and the like thereof with them as mercy from Us and a reminder for the worshippers [of Allah].	21:84	अतः हमने उसकी सुन ली और जिस तकलीफ़ में वह पड़ा था उसको दूर कर दिया, और हमने उसे उसके परिवार के लोग दिए और उनके साथ उनके जैसे और भी दिए अपने यहाँ दयालुता के रूप में और एक याददिहानी के रूप में बन्दगी करनेवालों के लिए	x

WaismaAAeela waidreesa watha alkifli kullun mina alssabireena	x	And [mention] Ishmael and Idrees and Dhul-Kifl; all were of the patient.	21:85	और इसमाईल और इदरीस और ज़ुलकिफ़्ल पर भी कृपा-स्पष्ट की। इनमें से प्रत्येक धैर्यवानों में से था	x
Waadkhalnahum fee rahmatina innahum mina alssaliheena	x	And We admitted them into Our mercy. Indeed, they were of the righteous.	21:86	और उन्हें हमने अपनी दयालुता में प्रवेश कराया। निस्संदेह वे सब अच्छे लोगों में से थे	x
Watha alnnooni ith thahaba mughadiban fathanna an lan naqdira AAalayhi fanada fee alththulumati an la ilaha illa anta subhanaka innee kuntu mina alththalimeena	Dhu'n-Nun is "companion of the fish," a fitting name for Jonah.	And [mention] the man of the fish, when he went off in anger and thought that We would not decree [anything] upon him. And he called out within the darknesses, "There is no deity except You; exalted are You. Indeed, I have been of the wrongdoers."	21:87	और ज़ुन्नून (मछलीवाले) पर भी दया दर्शाई। याद करो जबकि वह अत्यन्त क्रुद्ध होकर चल दिया और समझा कि हम उसे तंगी में न डालेंगे। अन्त में उसनें अँधेरों में पुकारा, "तेरे सिवा कोई इष्ट-पूज्य नहीं, महिमावान है तू! निस्संदेह मैं दोषी हूँ।"	धु'न-नून का अर्थ है "मछली का साथी"—जो योना के लिए एक उपयुक्त नाम है।
Faistajabna lahu wanajjaynahu mina alghammi wakathalika nunjee almumineena	x	So We responded to him and saved him from the distress. And thus do We save the believers.	21:88	तब हमने उसकी प्रार्थना स्वीकार की और उसे ग़म से छुटकारा दिया। इसी प्रकार तो हम मोमिनों को छुटकारा दिया करते है	x
Wazakariyya ith nada rabbahu rabbi la tatharnee fardan waanta khayru alwaritheena	x	And [mention] Zechariah, when he called to his Lord, "My Lord, do not leave me alone [with no heir], while you are the best of inheritors."	21:89	और ज़करिया पर भी कृपा की। याद करो जबकि उसने अपने रब को पुकारा, "ऐ मेरे रब! मुझे अकेला न छोड़ यूँ, सबसे अच्छा वारिस तो तू ही है।"	x

Faistajabna lahu wawahabna lahu yahya waaslahna lahu zawjahu innahum kanoo yusariAAoona fee alkhayrati wayadAAoonana raghaban warahaban wakanoo lana khashiAAeena	x	So We responded to him, and We gave to him John, and amended for him his wife. Indeed, they used to hasten to good deeds and supplicate Us in hope and fear, and they were to Us humbly submissive.	21:90	अतः हमने उसकी प्रार्थना स्वीकार कर ली और उसे याह्या प्रदान किया और उसके लिए उसकी पत्नी को स्वस्थ कर दिया। निश्चय ही वे नेकी के कामों में एक-दूसरे के मुक़ाबले में जल्दी करते थे। और हमें ईप्सा (चाह) और भय के साथ पुकारते थे और हमारे आगे दबे रहते थे	x
Waallatee ahsanat farjaha fanafakhna feeha min roohina wajaAAalnaha waibnaha ayatan lilAAalameena	**[Why Allah need to Blew in the garment of Mary, He could just say "Be"]**	And [mention] the one who guarded her chastity, so We blew into her [garment] through Our angel [Gabriel], and We made her and her son a sign for the worlds.	21:91	और वह नारी जिसने अपने सतीत्व की रक्षा की थी, हमने उसके भीतर अपनी रूह फूँकी और उसे और उसके बेटे को सारे संसार के लिए एक निशानी बना दिया	**[अल्लाह को मरियम के कपड़े में फूँकने की ज़रूरत क्यों पड़ी, वह बस कह सकता था "हो जाओ"]**

Inna hathihi ommatukum ommatan wahidatan waana rabbukum faoAAbudooni	All these prophets and Mary shared a single religion, Islam, although those who followed after these prophets “have broken their religion among them” (21:93). The original religion of all the prophets was Islam, and when someone claims to follow one of those prophets (Abraham, Moses, Jesus, and so on) but rejects Islam, he is rejecting the true message of those prophets in favor of a later corrupted version that was devised not by the prophets themselves but by evildoers among their followers. Other verse that there should be one religion only, 21:92, 23:52. **[One relgion, One last prophet, On ruler, One rule for whole world.]**	Indeed this, your religion, is one religion, and I am your Lord, so worship Me.	21:92	"निश्चय ही यह तुम्हारा समुदाय एक ही समुदाय है और मैं तुम्हारा रब हूँ। अतः तुम मेरी बन्दगी करो।"	ये सभी पैगंबर और मरियम एक ही धर्म (इस्लाम) को मानते थे, हालाँकि इन पैगंबरों के बाद आने वाले लोगों ने “अपने धर्म को आपस में बाँट लिया” (21:93)। सभी पैगंबरों का मूल धर्म इस्लाम ही था, और जब कोई व्यक्ति यह दावा करता है कि वह इनमें से किसी एक पैगंबर (जैसे इब्राहीम, मूसा, ईसा, आदि) का अनुयायी है, लेकिन इस्लाम को अस्वीकार करता है, तो वह उन पैगंबरों के सच्चे संदेश को ठुकरा रहा होता है। इसके बजाय, वह उस बाद के विकृत रूप को अपना रहा होता है, जिसे स्वयं पैगंबरों ने नहीं, बल्कि उनके अनुयायियों में से ही कुछ दुष्ट लोगों ने गढ़ा था। अन्य आयतें जो यह बताती हैं कि धर्म केवल एक ही होना चाहिए, वे हैं: 21:92 और 23:52। **[एक धर्म, एक अंतिम पैगंबर, एक शासक, पूरे विश्व के लिए एक ही नियम।]**
WataqattaAAoo amrahum baynahum kullun ilayna rajiAAoona	x	And [yet] they divided their affair among themselves, [but] all to Us will return.	21:93	किन्तु उन्होंने आपस में अपने मामलों को टुकड़े-टुकड़े कर डाला। - प्रत्येक को हमारी ओर पलटना है। -	x

Faman yaAAmal mina alssalihati wahuwa muminun fala kufrana lisaAAyihi wainna lahu katiboona	x	So whoever does righteous deeds while he is a believer - no denial will there be for his effort, and indeed We, of it, are recorders.	21:94	फिर जो अच्छे कर्म करेगा, शर्त या कि वह मोमिन हो, तो उसके प्रयास की उपेक्षा न होगी। हम तो उसके लिए उसे लिख रहे है	x
Waharamun AAala qaryatin ahlaknaha annahum la yarjiAAoona	The people of destroyed nations will not return till Qiyamat.	And there is prohibition upon [the people of] a city which We have destroyed that they will [ever] return	21:95	और किसी बस्ती के लिए असम्भव है जिसे हमने विनष्ट कर दिया कि उसके लोग (क़ियामत के दिन दंड पाने हेतु) न लौटें	नष्ट हुए राष्ट्रों के लोग क़यामत तक वापस नहीं लौटेंगे।
Hatta itha futihat yajooju wamajooju wahum min kulli hadabin yansiloona	On Day of Qiyamat, the dam holding Gog and Magog will be broken, freeing them.	Until when [the dam of] Gog and Magog has been opened and they, from every elevation, descend	21:96	यहाँ तक कि वह समय आ जाए जब याजूज और माजूज खोल दिए जाएँगे। और वे हर ऊँची जगह से निकल पड़ेंगे	क़यामत के दिन, गोग और मगोग को रोकने वाला बाँध टूट जाएगा, जिससे वे आज़ाद हो जाएँगे।
Waiqtaraba alwaAAdu alhaqqu faitha hiya shakhisatun absaru allatheena kafaroo ya waylana qad kunna fee ghaflatin min hatha bal kunna thalimeena	x	And [when] the true promise has approached; then suddenly the eyes of those who disbelieved will be staring [in horror, while they say], "O woe to us; we had been unmindful of this; rather, we were wrongdoers."	21:97	और सच्चा वादा निकट आ लगेगा, तो क्या देखेंगे कि उन लोगों की आँखें फटी की फटी रह गई हैं, जिन्होंने इनकार किया था, "हाय, हमारा दुर्भाग्य! हम इसकी ओर से असावधान रहे, बल्कि हम ही अत्याचारी थे।"	x

Innakum wama taAAbudoona min dooni Allahi hasabu jahannama antum laha waridoona	**[Some worship stone, some worship people who have passed away. How they can be held responsible for others deeds. As per this verse Jesus could be held responsible for Christians.]**	Indeed, you [disbelievers] and what you worship other than Allah are the firewood of Hell. You will be coming to [enter] it.	21:98	"निश्चय ही तुम और वह कुछ जिनको तुम अल्लाह को छोड़कर पूजते हो सब जहन्नम के ईधन हो। तुम उसके घाट उतरोगे।"	**[कुछ लोग पत्थर की पूजा करते हैं, कुछ लोग गुज़र चुके लोगों की पूजा करते हैं। उन्हें दूसरों के कामों के लिए कैसे ज़िम्मेदार ठहराया जा सकता है। इस आयत के अनुसार जीसस को ईसाइयों के लिए ज़िम्मेदार ठहराया जा सकता है।]**
Law kana haolai alihatan ma waradooha wakullun feeha khalidoona	**[Contradiction: Does false dieties exist: Don't 10:18, 12:40, 17:42, 21:22, 53:23; Yes, 2:166, 7:194, 16:86, 18:51, 21:43, 21:99, 25:17]**	Had these [false deities] been [actual] gods, they would not have come to it, but all are eternal therein.	21:99	यदि वे पूज्य होते, तो उसमें न उतरते। और वे सब उसमें सदैव रहेंगे भी	**[विरोधाभास: क्या झूठे देवता अस्तित्व में हैं? नहीं: 10:18, 12:40, 17:42, 21:22, 53:23; हाँ: 2:166, 7:194, 16:86, 18:51, 21:43, 21:99]**
Lahum feeha zafeerun wahum feeha la yasmaAAoona	x	For them therein is heavy sighing, and they therein will not hear.	21:100	उनके लिए वहाँ शोर गुल होगा और वे वहाँ कुछ भी नहीं सुन सकेंगे	x
Inna allatheena sabaqat lahum minna alhusna olaika AAanha mubAAadoona	x	Indeed, those for whom the best [reward] has preceded from Us - they are from it far removed.	21:101	रहे वे लोग जिनके लिए पहले ही हमारी ओर से अच्छे इनाम का वादा हो चुका है, वे उससे दूर रहेंगे	x
La yasmaAAoona haseesaha wahum fee ma ishtahat anfusuhum	**[Contradiction: People of Heaven will not hear the sound of Hell 21:102, They will hear, 7:44, 7:50]**	They will not hear its sound, while they are, in that which their souls desire, abiding eternally.	21:102	वे उसकी आहट भी नहीं सुनेंगे और अपनी मनचाही चीज़ों के मध्य सदैव रहेंगे	**[विरोधाभास: जन्नत के लोग जहन्नम की आवाज़ नहीं सुनेंगे 21:102, वे सुनेंगे 7:44, 7:50]**

La yahzunuhumu alfazaAAu alakbaru watatalaqqahumu almalaikatu hatha yawmukumu allathee kuntum tooAAadoona	x	They will not be grieved by the greatest terror, and the angels will meet them, [saying], "This is your Day which you have been promised" -	21:103	वह सबसे बड़ी घबराहट उन्हें ग़म में न डालेगी। फ़रिश्ते उनका स्वागत करेगें, "यह तुम्हारा वही दिन है, जिसका तुमसे वादा किया जाता रहा है।"	x
Yawma natwee alssamaa katayyi alssijlli lilkutubi kama badana awwala khalqin nuAAeeduhu waAAdan AAalayna inna kunna faAAileena	Sijill is not an Arabic word at all but is derived from the Greek sigillon, meaning an "imperial edict." **[Sky/heaven is a flat roof. 22:65, 67:3, 21:32, 2:22, 21:104. Folding is only possible if something is flat.]**	The Day when We will fold the heaven like the folding of a [written] sheet for the records. As We began the first creation, We will repeat it. [That is] a promise binding upon Us. Indeed, We will do it.	21:104	जिस दिन हम आकाश को लपेट लेंगे, जैसे पंजी में पन्ने लपेटे जाते हैं, जिस प्रकार पहले हमने सृष्टि का आरम्भ किया था उसी प्रकार हम उसकी पुनरावृत्ति करेंगे। यह हमारे ज़िम्मे एक वादा है। निश्चय ही हमें यह करना है	**सिजिल अरबी शब्द नहीं है, बल्कि ग्रीक शब्द सिगिलॉन से लिया गया है, जिसका मतलब है "शाही आदेश।" [आसमान/स्वर्ग एक सपाट छत है। 22:65, 67:3, 21:32, 2:22, 21:104. मोड़ना तभी मुमकिन है जब कोई चीज़ सपाट हो।]**
Walaqad katabna fee alzzaboori min baAAdi alththikri anna alarda yarithuha AAibadiya	In one of the closest linguistic parallels between the Bible and the Qur'an, Psalm 37:29 says: "The righteous shall inherit the land, and dwell upon it forever." See also 3:184.	And We have already written in the book [of Psalms] after the [previous] mention that the land [of Paradise] is inherited by My righteous	21:105	और हम ज़बूर में याददिहानी के पश्चात लिए चुके है कि "धरती के वारिस मेरे अच्छे बन्दें होंगे।"	बाइबल और कुरान के बीच भाषाई समानता के सबसे करीबी उदाहरणों में से एक में, भजन 37:29 कहता है: "धर्मी लोग देश के वारिस होंगे, और उसमें सदा बसे रहेंगे।" 3:184 भी देखें।
Inna fee hatha labalaghan liqawmin AAabideena	x	Indeed, in this [Qur'an] is notification for a worshipping people.	21:106	इसमें बन्दगी करनेवालों लोगों के लिए एक संदेश है	x
Wama arsalnaka illa rahmatan lilAAalameena	**[For non-muslims, there was no mercy.]**	And We have not sent you, [O Muhammad], except as a mercy to the worlds.	21:107	हमने तुम्हें सारे संसार के लिए बस एक सर्वथा दयालुता बनाकर भेजा है	**[गैर-मुसलमानों के लिए कोई दया नहीं थी।]**

Qul innama yooha ilayya annama ilahukum ilahun wahidun fahal antum muslimoona	x	Say, "It is only revealed to me that your god is but one God; so will you be Muslims [in submission to Him]?"	21:108	कहो, "मेरे पास को बस यह प्रकाशना की जाती है कि तुम्हारा पूज्य-प्रभु अकेला पूज्य-प्रभु है। फिर क्या तुम आज्ञाकारी होते हो?"	x
Fain tawallaw faqul athantukum AAala sawain wain adree aqareebun am baAAeedun ma tooAAadoona	**[When is the day of Judgement: Near 16:77, 21:1, 33:63, 54:1, 70:6–7, Don't know 21:109]**	But if they turn away, then say, "I have announced to [all of] you equally. And I know not whether near or far is that which you are promised.	21:109	फिर यदि वे मुँह फेरें तो कह दो, "मैंने तुम्हें सामान्य रूप से सावधान कर दिया है। अब मैं यह नहीं जानता कि जिसका तुमसे वादा किया जा रहा है वह निकट है या दूर।"	**[न्याय का दिन कब है: करीब 16:77, 21:1, 33:63, 54:1, 70:6–7; पता नहीं 21:109]**
Innahu yaAAlamu aljahra mina alqawli wayaAAlamu ma taktumoona	x	Indeed, He knows what is declared of speech, and He knows what you conceal.	21:110	निश्चय ही वह ऊँची आवाज़ में कही हुई बात को जानता है और उसे भी जानता है जो तुम छिपाते हो	x
Wain adree laAAallahu fitnatun lakum wamataAAun ila heenin	**[Who is speaking: It's not Allah because He knows everything]**	And I know not; perhaps it is a trial for you and enjoyment for a time."	21:111	मुझे नहीं मालूम कि कदाचित यह तुम्हारे लिए एक परीक्षा हो और एक नियत समय तक के लिए जीवन-सुख	**[कौन बोल रहा है: यह अल्लाह नहीं है क्योंकि वह सब कुछ जानता है]**
Qala rabbi ohkum bialhaqqi warabbuna alrrahmanu almustaAAanu AAala ma tasifoona	x	[The Prophet] has said, "My Lord, judge [between us] in truth. And our Lord is the Most Merciful, the one whose help is sought against that which you describe."	21:112	उसने कहा, "ऐ मेरे रब, सत्य का फ़ैसला कर दे! और हमारा रब रहमान है। उसी से सहायता की प्रार्थना है, उन बातों के मुक़ाबले में जो तुम लोग बयान करते हो।"	x
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Al-Hajj (The Pilgrimage)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**22:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अल-हज्ज (तीर्थयात्रा)**

Ya ayyuha alnnasu ittaqoo rabbakum inna zalzalata alssaAAati shayon AAatheemun	Refers to Qiyamat.	O mankind, fear your Lord. Indeed, the convulsion of the [final] Hour is a terrible thing.	22:1	ऐ लोगो! अपने रब का डर रखो! निश्चय ही क़ियामत की घड़ी का भूकम्प बड़ी भयानक चीज़ है	क़यामत का संदर्भ देता है।
Yawma tarawnaha tathhalu kullu murdiAAatin AAamma ardaAAat watadaAAu kullu thati hamlin hamlaha watara alnnasa sukara wama hum bisukara walakinna AAathaba Allahi	**[This is all an All-migthy God is doing.]**	On the Day you see it every nursing mother will be distracted from that [child] she was nursing, and every pregnant woman will abort her pregnancy, and you will see the people [appearing] intoxicated while they are not intoxicated; but the punishment of Allah is	22:2	जिस जिन तुम उसे देखोगे, हाल यह होगा कि प्रत्येक दूध पिलानेवाली अपने दूध पीते बच्चे को भूल जाएगी और प्रत्येक गर्भवती अपना गर्भभार रख देगी। और लोगों को तुम नशे में देखोगे, हालाँकि वे नशे में न होंगे, बल्कि अल्लाह की यातना है ही बड़ी कठोर चीज़	**[यह सब सर्वशक्तिमान ईश्वर कर रहा है।]**
Wamina alnnasi man yujadilu fee Allahi bighayri AAilmin wayattabiAAu kulla	x	And of the people is he who disputes about Allah without knowledge and follows every rebellious devil.	22:3	लोगों में कोई ऐसा भी है, जो ज्ञान के बिना अल्लाह के विषय में झगड़ता है और प्रत्येक सरकश शैतान का अनुसरण करता है	x
Kutiba AAalayhi annahu man tawallahu faannahu yudilluhu wayahdeehi ila AAathabi alssaAAeeri	**[No one sees a Devil and no one make them friends.]**	It has been decreed for every devil that whoever turns to him - he will misguide him and will lead him to the punishment of the Blaze.	22:4	जबकि उसके लिए लिख दिया गया है कि जो उससे मित्रता का सम्बन्ध रखेगा उसे वह पथभ्रष्ट करके रहेगा और उसे दहकती अग्नि की यातना की ओर ले जाएगा	**[कोई भी शैतान को नहीं देखता और कोई भी उन्हें दोस्त नहीं बनाता।]**

Ya ayyuha alnnasu in kuntum fee raybin mina albaAAthi fainna khalaqnakum min turabin thumma min nutfatin thumma min AAalaqatin thumma min mudghatin mukhallaqatin waghayri mukhallaqatin linubayyina lakum wanuqirru fee alarhami ma nashao ila ajalin musamman thumma nukhrijukum tiflan thumma litablughoo ashuddakum waminkum man yutawaffa waminkum man yuraddu ila arthali alAAumuri likayla yaAAlama min	**[This verse discusses the prescientific knowledge about human gestation. The stages of gestation known today with the help of powerful microscopes are not mentioned in the Qur'an. Instead, only those major changes are mentioned with which people were familiar at that time; No mention of ovum. Also at no stage human embryo is clot; clinging word is added.]**	O People, if you should be in doubt about the Resurrection, then [consider that] indeed, We created you from dust, then from a sperm-drop, then from a clinging clot, and then from a lump of flesh, formed and unformed - that We may show you. And We settle in the wombs whom We will for a specified term, then We bring you out as a child, and then [We develop you] that you may reach your [time of] maturity. And among you is he who is taken in [early] death, and among you is he who is returned to the most decrepit [old] age so that he knows, after [once having] knowledge, nothing. And you see the earth barren, but when We	22:5	ऐ लोगो! यदि तुम्हें दोबारा जी उठने के विषय में कोई सन्देह हो तो देखो, हमने तुम्हें मिट्टी से पैदा किया, फिर वीर्य से, फिर लोथड़े से, फिर माँस की बोटी से जो बनावट में पूर्ण दशा में भी होती है और अपूर्ण दशा में भी, ताकि हम तुमपर स्पष्ट कर दें और हम जिसे चाहते है एक नियत समय तक गर्भाशयों में ठहराए रखते है। फिर तुम्हें एक बच्चे के रूप में निकाल लाते है। फिर (तुम्हारा पालन-पोषण होता है) ताकि तुम अपनी युवावस्था को प्राप्त हो और तुममें से कोई तो पहले मर जाता है और कोई बुढ़ापे की जीर्ण अवस्था की ओर फेर दिया जाता है जिसके परिणामस्वरूप, जानने के पश्चात वह कुछ भी नहीं जानता। और तुम भूमि को देखते हो कि सूखी पड़ी है। फिर जहाँ हमने उसपर	[यह आयत मानव गर्भधारण के पूर्ववैज्ञानिक ज्ञान के बारे में चर्चा करती है। आज के शक्तिशाली सूक्ष्मदर्शियों की मदद से ज्ञात गर्भधारण के चरणों का ज़िक्र क़ुरआन में नहीं किया गया है। इसके बजाय, केवल वही मुख्य परिवर्तन बताए गए हैं जिनसे उस समय लोग परिचित थे; अंडाणु का उल्लेख नहीं है। किसी भी चरण में मानव भ्रूण को 'लोथड़े' के रूप में नहीं बताया गया]
Thalika bianna Allaha huwa alhaqqu waannahu yuhyee almawta waannahu AAala kulli shayin	Yes, Many people belive that God is truth; but that does not proves Islam is a true religion. Islam does not have copyright of God.	That is because Allah is the Truth and because He gives life to the dead and because He is over all things competent	22:6	यह इसलिए कि अल्लाह ही सत्य है और वह मुर्दों को जीवित करता है और उसे हर चीज़ की सामर्थ्य प्राप्ती है	हाँ, कई लोग मानते हैं कि भगवान सत्य हैं; लेकिन इससे यह साबित नहीं होता कि इस्लाम ही सच्चा धर्म है। इस्लाम के पास भगवान का कॉपीराइट नहीं है।

Waanna alssaAAata atiyatun la rayba feeha waanna Allaha yabAAathu man fee alquboori	**[But Saheed remains alive 3:169; Doubt or no doubt will depend how convincing the book is, not by making claims.]**	And [that they may know] that the Hour is coming - no doubt about it - and that Allah will resurrect those in the graves.	22:7	और यह कि क़ियामत की घड़ी आनेवाली है, इसमें कोई सन्देह नहीं है। और यह कि अल्लाह उन्हें उठाएगा जो क़ब्रों में है	**[परंतु शहीद जीवित रहते हैं 3:169; संदेह हो या न हो, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि किताब कितनी विश्वसनीय है, दावे करने पर नहीं।]**
Wamina alnnasi man yujadilu fee Allahi bighayri AAilmin wala hudan wala kitabin muneerin	**[After reading this book in a neutral way, one may realized the impact of teachings.**	And of the people is he who disputes about Allah without knowledge or guidance or an enlightening book [from Him],	22:8	और लोगों मे कोई ऐसा है जो किसी ज्ञान, मार्गदर्शन और प्रकाशमान किताब के बिना अल्लाह के विषय में (घमंड से) अपने पहलू मोड़ते हुए झगड़ता है,	**[इस पुस्तक को तटस्थ तरीके से पढ़ने के बाद, कोई शिक्षाओं के प्रभाव का एहसास कर सकता है।]**
Thaniya AAitfihi liyudilla AAan sabeeli Allahi lahu fee alddunya khizyun wanutheequhu yawma alqiyamati AAathaba alhareeqi	x	Twisting his neck [in arrogance] to mislead [people] from the way of Allah. For him in the world is disgrace, and We will make him taste on the Day of Resurrection the punishment of the Burning Fire [while it is said],	22:9	ताकि अल्लाह के मार्ग से भटका दे। उसके लिए दुनिया में भी रुसवाई है और क़ियामत के दिन हम उसे जलने की यातना का मज़ा चखाएँगे	x
Thalika bima qaddamat yadaka waanna Allaha laysa bithallamin lilAAabeedi	x	"That is for what your hands have put forth and because Allah is not ever unjust to [His] servants."	22:10	(कहा जाएगा,) यह उसके कारण है जो तेरे हाथों ने आगे भेजा था और इसलिए कि अल्लाह बन्दों पर तनिक भी ज़ुल्म करनेवाला नहीं	x

Wamina alnnasi man yaAAbudu Allaha AAala harfin fain asabahu khayrun itmaanna bihi wain asabathu fitnatun inqalaba AAala wajhihi khasira alddunya waalakhirata thalika huwa alkhusranu almubeenu	A Jewish man who had embraced Islam lost his sight, wealth and children. He went to the Prophet (pbuh) and said: 'Discharge me!' The Prophet said: 'you do not get discharged from Islam'. The man said: 'I did not gain any good from this religion!' The Prophet said: 'O Jew, Islam smelts men as fire smelts the dross of iron, silver and gold'. Then the verse was revealed.	And of the people is he who worships Allah on an edge. If he is touched by good, he is reassured by it; but if he is struck by trial, he turns on his face [to the other direction]. He has lost [this] world and the Hereafter. That is what is the manifest loss.	22:11	और लोगों में कोई ऐसा है, जो एक किनारे पर रहकर अल्लाह की बन्दगी करता है। यदि उसे लाभ पहुँचा तो उससे सन्तुष्ट हो गया और यदि उसे कोई आज़माइश पेश आ गई तो औंधा होकर पलट गया। दुनिया भी खोई और आख़िरत भी। यही है खुला घाटा	एक यहूदी आदमी जिसने इस्लाम को अपनाया था, अपनी दृष्टि, धन और बच्चों को खो दिया। वह पैगंबर (स.) के पास गया और कहा: 'मुझे छुट्टी दे दें!' पैगंबर ने कहा: 'तुम इस्लाम से छुट्टी नहीं पा सकते।' आदमी ने कहा: 'मैंने इस धर्म से कोई भलाई नहीं पाई!' पैगंबर ने कहा: 'हे यहूदी, इस्लाम पुरुषों को उसी तरह पिघलाता है जैसे आग लोहा, चांदी और सोने की अशुद्धि को पिघलाती है।' तब यह आयत प्रकट हुई।
YadAAoo min dooni Allahi ma la yadurruhu wama la yanfaAAuhu thalika huwa alddalalu albaAAeedu	Refers to false dieties.	He invokes instead of Allah that which neither harms him nor benefits him. That is what is the extreme error.	22:12	वह अल्लाह को छोड़कर उसे पुकारता है, जो न उसे हानि पहुँचा सके और न उसे लाभ पहुँचा सके। यही हैं परले दर्जे की गुमराही	झूठे देवताओं को संदर्भित
YadAAoo laman darruhu aqrabu min nafAAihi labisa almawla walabisa alAAasheeru	x	He invokes one whose harm is closer than his benefit - how wretched the protector and how wretched the associate.	22:13	वह उसको पुकारता है जिससे पहुँचनेवाली हानि उससे अपेक्षित लाभ की अपेक्षा अधिक निकट है। बहुत ही बुरा संरक्षक है वह और बहुत ही बुरा साथी!	x
Inna Allaha yudkhilu allatheena amanoo waAAamiloo alssalihati jannatin tajree min tahtiha alanharu inna Allaha	x	Indeed, Allah will admit those who believe and do righteous deeds to gardens beneath which rivers flow. Indeed, Allah does what He intends.	22:14	निश्चय ही अल्लाह उन लोगों को, जो ईमान लाए और उन्होंने अच्छे कर्म किए, ऐसे बाग़ों में दाख़िल करेगा, जिनके नीचे नहरें बह रही होंगी। निस्संदेह अल्लाह जो चाहे करे	x

Man kana yathunnu an lan yansurahu Allahu fee alddunya waalakhirati falyamdud bisababin ila alssamai thumma liyaqtaAA falyanthur hal yuthhibanna kayduhu ma yagheethu	Those who doubt that Allah will help the messenger in this world and the next should hang themselves. **[Why would Allah ask people to commit suicide, when He has made this world for a trial and there will be a Judgment day. Why so much impatience.]**	Whoever should think that Allah will not support [Prophet Muhammad] in this world and the Hereafter - let him extend a rope to the ceiling, then cut off [his breath], and let him see: will his effort remove that which enrages [him]?	22:15	जो कोई यह समझता है कि अल्लाह दुनिया औऱ आख़िरत में उसकी (रसूल की) कदापि कोई सहायता न करेगा तो उसे चाहिए कि वह आकाश की ओर एक रस्सी ताने, फिर (अल्लाह की सहायता के सिलसिले को) काट दे। फिर देख ले कि क्या उसका उपाय उस चीज़ को दूर कर सकता है जो उसे क्रोध में डाले हुए है	जिन लोगों को संदेह है कि अल्लाह इस दुनिया और अगले में रसूल की मदद करेगा, उन्हें फांसी लगा लेनी चाहिए। **[अल्लाह लोगों को आत्महत्या करने के लिए क्यों कहेगा, जबकि उसने इस दुनिया को एक परीक्षण के लिए बनाया है और न्याय का दिन होगा। इतनी जल्दबाज़ी क्यों।]**
Wakathalika anzalnahu ayatin bayyinatin waanna Allaha yahdee man yureedu	**[Then there is no fault of dibelievers.]**	And thus have We sent the Qur'an down as verses of clear evidence and because Allah guides whom He intends.	22:16	इसी प्रकार हमने इस (क़ुरआन) को स्पष्ट आयतों के रूप में अवतरित किया। और बात यह है कि अल्लाह जिसे चाहता है मार्ग दिखाता है	**[फिर यह काफ़िरों की कोई गलती नहीं है।]**
Inna allatheena amanoo waallatheena hadoo waalssabieena waalnnasara waalmajoosa waallatheena ashrakoo inna Allaha yafsilu baynahum yawma alqiyamati inna Allaha AAala kulli	This is not as tolerant a statement as it may immediately appear to be. Although the disbelievers are divided into many different religions and creeds, they all share the common factor of disbeliefs. For this reason, Allah will decide on the Day of Judgement between them and disclose to them that only the Muslims were guided aright. See 2:62.	Indeed, those who have believed and those who were Jews and the Sabeans and the Christians and the Magians and those who associated with Allah - Allah will judge between them on the Day of Resurrection. Indeed Allah is, over all things, Witness.	22:17	जो लोग ईमान लाए और जो यहूदी हुए और साबिई और ईसाई और मजूस और जिन लोगों ने शिर्क किया - इस सबके बीच अल्लाह क़ियामत के दिन फ़ैसला कर देगा। निस्संदेह अल्लाह की दृष्टि में हर चीज़ है	यह उतना सहिष्णु वक्तव्य नहीं है जितना यह तुरंत प्रतीत हो सकता है। हालांकि अविश्वासी कई अलग-अलग धर्मों और संप्रदायों में विभाजित हैं, उनमें अविश्वास का सामान्य तत्व है। इसी कारण, अल्लाह क़यामत के दिन उनके बीच फ़ैसला करेगा और उन्हें यह बताएगा कि केवल मुसलमान ही सही मार्ग पर थे। देखें 2:62।

Alam tara anna Allaha yasjudu lahu man fee alssamawati waman fee alardi waalshshamsu waalqamaru waalnnujoomu waaljibalu waalshshajaru waalddawabbu wakatheerun mina alnnasi wakatheerun haqqa AAalayhi alAAathabu waman yuhini Allahu fama lahu min mukrimin inna Allaha yafAAalu ma yashao	**[Even the sun, moon, stars, and all created beings worship Allah. A hadith describes the sunset: "It goes (i.e. travels) till it prostrates itself underneath the Throne and takes the permission to rise again, and it is permitted." ; Prostration is allowed for: Only Allah 22:18, For Adam Also 2:34, Parents 12:100; Here it is said that everything prostrate to Allah but hadith (Sahih Muslim 1032) says that black dog is shaitaan. Also do we observe these objects doing this.]**	Do you not see that to Allah prostrates whoever is in the heavens and whoever is on the earth and the sun, the moon, the stars, the mountains, the trees, the moving creatures and many of the people? But upon many the punishment has been justified. And he whom Allah humiliates - for him there is no bestower of honor. Indeed, Allah does what He wills.	22:18	क्या तुमनें देखा नहीं कि अल्लाह ही को सजदा करते है वे सब जो आकाशों में है और जो धरती में है, और सूर्य, चन्द्रमा, तारे पहाड़, वृक्ष, जानवर और बहुत-से मनुष्य? और बहुत-से ऐसे है जिनपर यातना का औचित्य सिद्ध हो चुका है, और जिसे अल्लाह अपमानित करे उस सम्मानित करनेवाला कोई नहीं। निस्संदेह अल्लाह जो चाहे करता है	**[यहाँ तक कि सूरज, चाँद, तारे और सभी बनाए गए जीव अल्लाह की पूजा करते हैं। एक हदीस सूरज के अस्त होने का वर्णन करती है: "यह चलता है (यानी यात्रा करता है) जब तक कि यह सिंहासन के नीचे सजदा नहीं करता और फिर उठने की अनुमति लेता है, और इसे अनुमति दी जाती है।" ; सजदा केवल अल्लाह के लिए अनुमति है 22:18, आदम के लिए भी 2:34, माता-पिता के लिए 12:100; यहाँ कहा गया है कि हर चीज़ अल्लाह को सजदा करती है लेकिन हदीस (सहीह मुस्लिम 1032) कहती है कि काला कुत्ता शैतान है। साथ ही क्या हम इन वस्तुओं को ऐसा करते हुए देखते हैं।]**

Hathani khasmani ikhtasamoo fee rabbihim faallatheena kafaroo quttiAAat lahum thiyabun min narin yusabbu min fawqi ruoosihimu alhameemu	The people of the Book said to the believers: 'We have a better right to Allah than you; our Scripture is older than yours and our prophet came before your prophet'. The believers said: 'It is us who have a better right to Allah than you; we believe in Muhammad and in your prophet as we believe in all revealed Scriptures. You have recognized our prophet but refrained from believing in him. **['ikhtasamuu should be 'ikhtasamaa. A hadith says that 999 out of every thousand people will be sent to hell. Only one person saved would**	These are two adversaries who have disputed over their Lord. But those who disbelieved will have cut out for them garments of fire. Poured upon their heads will be scalding water	22:19	ये दो विवादी हैं, जो अपने रब के विषय में आपस में झगड़े। अतः जिन लोगों ने कुफ्र किया उनके लिए आग के वस्त्र काटे जा चुके है। उनके सिरों पर खौलता हुआ पानी डाला जाएगा	किताब के लोग मुमिनों से कहने लगे, हम अल्लाह के प्रति तुमसे ज़्यादा अधिकार रखते हैं; हमारी किताब तुम्हारी किताब से पुरानी है और हमारा पैगंबर तुम्हारे पैगंबर से पहले आया। मुमिनों ने कहा: असल में हम अल्लाह के प्रति तुमसे ज़्यादा अधिकार रखते हैं; हम मुहम्मद और तुम्हारे पैगंबर पर विश्वास करते हैं जैसे हम सभी अवतरित किताबों पर विश्वास करते हैं। तुमने हमारे पैगंबर को मान्यता दी लेकिन उस पर विश्वास करने से परहेज़ किया। **['इख्तसमू' को 'इख्तसमा' होना चाहिए। एक हदीस कहती है कि हर हज़ार में से 999 लोग जहन्नुम भेजे जाएंगे। केवल एक व्यक्ति बचाएगा, और वह मुस्लिम होगा।]**
Yusharu bihi ma fee butoonihim waaljuloodu	x	By which is melted that within their bellies and [their] skins.	22:20	इससे जो कुछ उनके पेटों में है, वह पिघल जाएगा और खालें भी	x
Walahum maqamiAAu min hadeedin	x	And for [striking] them are maces of iron.	22:21	और उनके लिए (दंड देने को) लोहे के गुर्ज़ होंगे	गुर्ज़ = गदा
Kullama aradoo an yakhrujoo minha min ghammin oAAeedoo feeha wathooqoo AAathaba alhareeqi	x	Every time they want to get out of Hellfire from anguish, they will be returned to it, and [it will be said], "Taste the punishment of the Burning	22:22	जब कभी भी घबराकर उससे निकलना चाहेंगे तो उसी में लौटा दिए जाएँगे और (कहा जाएगा,) "चखो दहकती आग की यातना का मज़ा!"	x

Inna Allaha yudkhilu allatheena amanoo waAAamiloo alssalihati jannatin tajree min tahtiha alanharu yuhallawna feeha min asawira min thahabin waluluan walibasuhum feeha	**[Contradiction: 76:21 bracelets of silver, 18:31, bracelets of gold, 22:23, 35:33 Gold and pearl.]**	Indeed, Allah will admit those who believe and do righteous deeds to gardens beneath which rivers flow. They will be adorned therein with bracelets of gold and pearl, and their garments therein will be silk.	22:23	निस्संदेह अल्लाह उन लोगों को, जो ईमान लाए और उन्होंने अच्छे कर्म किए, ऐसे बाग़ों में दाखिल करेगा जिनके नीचें नहरें बह रही होंगी। वहाँ वे सोने के कंगनों और मोती से आभूषित किए जाएँगे और वहाँ उनका परिधान रेशमी होगा	**[विरोधाभास: 76:21 चाँदी की कंगन, 18:31, सोने की कंगन, 22:23, 35:33 सोना और मोती।]**
Wahudoo ila alttayyibi mina alqawli wahudoo ila sirati alhameedi	x	And they had been guided [in worldly life] to good speech, and they were guided to the path of the Praiseworthy.	22:24	निर्देशित किया गया उन्हें अच्छे पाक बोल की ओर और उनको प्रशंसित अल्लाह का मार्ग दिखाया गया	x
Inna allatheena kafaroo wayasuddoona AAan sabeeli Allahi waalmasjidi alharami allathee jaAAalnahu lilnnasi sawaan alAAakifu feehi waalbadi waman yurid feehi biilhadin bithulmin nuthiqhu min AAathabin aleemin	Around the time of the Hajj (pilgrimage), the Muslims in Median were feeling homesick as Kabah was controlled by pagans.	Indeed, those who have disbelieved and avert [people] from the way of Allah and [from] al-Masjid al-Haram, which We made for the people - equal are the resident therein and one from outside; and [also] whoever intends [a deed] therein of deviation [in religion] or wrongdoing - We will make him taste of a painful punishment.	22:25	जिन लोगों ने इनकार किया और वे अल्लाह के मार्ग से रोकते हैं और प्रतिष्ठित मस्जिद (काबा) से, जिसे हमने सब लोगों के लिए ऐसा बनाया है कि उसमें बराबर है वहाँ का रहनेवाला और बाहर से आया हुआ। और जो व्यक्ति उस (प्रतिष्ठित मस्जिद) में कुटिलता अर्थात ज़ुल्म के साथ कुछ करना चाहेगा, उसे हम दुखद यातना का मज़ा चखाएँगे	हज (तीर्थयात्रा) के समय के आसपास, मेडीन में मुसलमान अपने घर की याद महसूस कर रहे थे क्योंकि काबा पर मूर्तिपूजकों का नियंत्रण था।

Waith bawwana liibraheema makana albayti an la tushrik bee shayan watahhir baytiya lilttaifeena waalqaimeena waalrrukkaAAi alssujoodi	**[Abraham lived far away from Mecca.]**	And [mention, O Muhammad], when We designated for Abraham the site of the House, [saying], "Do not associate anything with Me and purify My House for those who perform Tawaf and those who stand [in prayer] and those who bow and prostrate.	22:26	याद करो जब कि हमने इबराहीम के लिए अल्लाह के घर को ठिकाना बनाया, इस आदेश के साथ कि "मेरे साथ किसी चीज़ को साझी न ठहराना और मेरे घर को तवाफ़ (परिक्रमा) करनेवालों और खड़े होने और झुकने और सजदा करनेवालों के लिए पाक-साफ़ रखना।"	**[अब्राहम मक्का से बहुत दूर रहते थे।]**
Waaththin fee alnnasi bialhajji yatooka rijalan waAAala kulli damirin yateena min kulli fajjin	x	And proclaim to the people the Hajj [pilgrimage]; they will come to you on foot and on every lean camel; they will come from every distant pass -	22:27	और लोगों में हज के लिए उद्घोषणा कर दो कि "वे प्रत्येक गहरे मार्ग से, पैदल भी और दुबली-दुबली ऊँटनियों पर, तेरे पास आएँ	x
Liyashhadoo manafiAAa lahum wayathkuroo isma Allahi fee ayyamin maAAloomatin AAala ma razaqahum min baheemati alanAAami fakuloo minha waatAAimoo	x	That they may witness benefits for themselves and mention the name of Allah on known days over what He has provided for them of [sacrificial] animals. So eat of them and feed the miserable and poor.	22:28	ताकि वे उन लाभों को देखें जो वहाँ उनके लिए रखे गए है। और कुछ ज्ञात और निश्चित दिनों में उन चौपाए अर्थात मवेशियों पर अल्लाह का नाम लें, जो उसने उन्हें दिए है। फिर उसमें से स्वयं भी खाओ और तंगहाल मुहताज को भी खिलाओ।"	x

Thumma lyaqdoo tafathahum walyoofoo nuthoorahum walyattawwafoo bialbayti alAAateeqi	**[Hajj was practiced by pagans arabs as well; in fact most of rituals are similar.]**	Then let them end their untidiness and fulfill their vows and perform Tawaf around the ancient House."	22:29	फिर उन्हें चाहिए कि अपना मैल-कुचैल दूर करें और अपनी मन्नतें पूरी करें और इस पुरातन घर का तवाफ़ (परिक्रमा) करें	**[हज की प्रथा मूर्तिपूजक अरबों द्वारा भी की जाती थी; वास्तव में अधिकांश अनुष्ठान समान हैं।]**
Thalika waman yuAAaththim hurumati Allahi fahuwa khayrun lahu AAinda rabbihi waohillat lakumu alanAAamu illa ma yutla AAalaykum faijtaniboo alrrijsa mina alawthani waijtaniboo qawla alzzoori	**[Donkey was prohibited later on, at the occasion of Khyber.]**	That [has been commanded], and whoever honors the sacred ordinances of Allah - it is best for him in the sight of his Lord. And permitted to you are the grazing livestock, except what is recited to you. So avoid the uncleanliness of idols and avoid false statement,	22:30	इन बातों का ध्यान रखों और जो कोई अल्लाह द्वारा निर्धारित मर्यादाओं का आदर करे, तो यह उसके रब के यहाँ उसी के लिए अच्छा है। और तुम्हारे लिए चौपाए हलाल है, सिवाय उनके जो तुम्हें बताए गए हैं। तो मूर्तियों की गन्दगी से बचो और बचो झूठी बातों से	**[ख़ैबर के अवसर पर गधे पर बाद में प्रतिबंध लगा दिया गया।]**
Hunafaa lillahi ghayra mushrikeena bihi waman yushrik biAllahi fakaannama kharra mina alssamai fatakhtafuhu alttayru aw tahwee bihi alrreehu fee makanin saheeqin	x	Inclining [only] to Allah, not associating [anything] with Him. And he who associates with Allah - it is as though he had fallen from the sky and was snatched by the birds or the wind carried him down into a remote place.	22:31	इस तरह कि अल्लाह ही की ओर के होकर रहो। उसके साथ किसी को साझी न ठहराओ, क्योंकि जो कोई अल्लाह के साथ साझी ठहराता है तो मानो वह आकाश से गिर पड़ा। फिर चाहे उसे पक्षी उचक ले जाएँ या वायु उसे किसी दूरवर्ती स्थान पर फेंक दे	x

Thalika waman yuAAaththim shaAAaira Allahi fainnaha min taqwa alquloobi	x	That [is so]. And whoever honors the symbols of Allah - indeed, it is from the piety of hearts.	22:32	इन बातों का ख़याल रखो। और जो कोई अल्लाह के नाम लगी चीज़ों का आदर करे, तो निस्संदेह वे (चीज़ें) दिलों के तक़वा (धर्मपरायणता) से सम्बन्ध रखती है	x
Lakum feeha manafiAAu ila ajalin musamman thumma mahilluha ila albayti	**[But now-a-days sacrifice is performed at Mina, few kilometres from the Kabah.]**	For you the animals marked for sacrifice are benefits for a specified term; then their place of sacrifice is at the ancient	22:33	उनमें एक निश्चित समय तक तुम्हारे लिए फ़ायदे है। फिर उनको उस पुरातन घर तक (क़ुरबानी के लिए) पहुँचना है	**[लेकिन आजकल कुर्बानी मिना में की जाती है, जो काबा से कुछ किलोमीटर दूर है।]**
Walikulli ommatin jaAAalna mansakan liyathkuroo isma Allahi AAala ma razaqahum min baheemati alanAAami failahukum ilahun wahidun falahu aslimoo wabashshiri almukhbiteena	**[Sacrifice is not done in all relgions. Even Christians have not been ordered any kind of sacrifice.]**	And for all religion We have appointed a rite [of sacrifice] that they may mention the name of Allah over what He has provided for them of [sacrificial] animals. For your god is one God, so to Him submit. And, [O Muhammad], give good tidings to the humble [before their Lord]	22:34	और प्रत्येक समुदाय के लिए हमने क़ुरबानी का विधान किया, ताकि वे उन जानवरों अर्थात मवेशियों पर अल्लाह का नाम लें, जो उसने उन्हें प्रदान किए हैं। अतः तुम्हारा पूज्य-प्रभु अकेला पूज्य-प्रभु है। तो उसी के आज्ञाकारी बनकर रहो और विनम्रता अपनानेवालों को शुभ सूचना दे दो	**[पशुबलि सभी धर्मों में नहीं है। यहां तक कि ईसाइयों को भी किसी प्रकार का पशुबलि करने का आदेश नहीं दिया गया है।]**

Allatheena itha thukira Allahu wajilat quloobuhum waalssabireena AAala ma asabahum waalmuqeemee alssalati wamimma razaqnahum yunfiqoona	x	Who, when Allah is mentioned, their hearts are fearful, and [to] the patient over what has afflicted them, and the establishers of prayer and those who spend from what We have provided them.	22:35	ये वे लोग है कि जब अल्लाह को याद किया जाता है तो उनके दिल दहल जाते है और जो मुसीबत उनपर आती है उसपर धैर्य से काम लेते है और नमाज़ को क़ायम करते है, और जो कुछ हमने उन्हें दिया है उसमें से ख़र्च करते है	x
Waalbudna jaAAalnaha lakum min shaAAairi Allahi lakum feeha khayrun faothkuroo isma Allahi AAalayha sawaffa faitha wajabat junoobuha fakuloo minha waatAAimoo alqaniAAa waalmuAAtarra kathalika sakhkharnaha lakum laAAallakum tashkuroona	x	And the camels and cattle We have appointed for you as among the symbols of Allah; for you therein is good. So mention the name of Allah upon them when lined up [for sacrifice]; and when they are [lifeless] on their sides, then eat from them and feed the needy and the beggar. Thus have We subjected them to you that you may be grateful.	22:36	(क़ुरबानी के) ऊँटों को हमने तुम्हारे लिए अल्लाह की निशानियों में से बनाया है। तुम्हारे लिए उनमें भलाई है। अतः खड़ा करके उनपर अल्लाह का नाम लो। फिर जब उनके पहलू भूमि से आ लगें तो उनमें से स्वयं भी खाओ औऱ संतोष से बैठनेवालों को भी खिलाओ और माँगनेवालों को भी। ऐसी ही करो। हमने उनको तुम्हारे लिए वशीभूत कर दिया है, ताकि तुम कृतज्ञता दिखाओ	x

Lan yanala Allaha luhoomuha wala dimaoha walakin yanaluhu alttaqwa minkum kathalika sakhkharaha lakum litukabbiroo Allaha AAala ma hadakum wabashshiri almuhsineena	[How piety goes to Allah by killing animals.]	Their meat will not reach Allah, nor will their blood, but what reaches Him is piety from you. Thus have We subjected them to you that you may glorify Allah for that [to] which He has guided you; and give good tidings to the doers of good.	22:37	न उनके माँस अल्लाह को पहुँचते है और न उनके रक्त। किन्तु उसे तुम्हारा तक़वा (धर्मपरायणता) पहुँचता है। इस प्रकार उसने उन्हें तुम्हारे लिए वशीभूत किया है, ताकि तुम अल्लाह की बड़ाई बयान करो, इसपर कि उसने तुम्हारा मार्गदर्शन किया और सुकर्मियों को शुभ सूचना दे दो	[जानवरों को मारकर भक्ति अल्लाह तक कैसे जाता है।]
Inna Allaha yudafiAAu AAani allatheena amanoo inna Allaha la yuhibbu kulla khawwanin kafoorin	x	Indeed, Allah defends those who have believed. Indeed, Allah does not like everyone treacherous and ungrateful.	22:38	निश्चय ही अल्लाह उन लोगों की ओर से प्रतिरक्षा करता है, जो ईमान लाए। निस्संदेह अल्लाह किसी विश्वासघाती, अकृतज्ञ को पसन्द नहीं करता	x

Othina lillatheena yuqataloona biannahum thulimoo wainna Allaha AAala nasrihim laqadeerun	The companions complained to the Messenger (pbuh) about their ill-treatment by idolators and he persistently told them: 'Be steadfast, for I have not been commanded to fight'. This continued until the Messenger (pbuh) migrated to Medina, then this verse was revealed. This was the first verse which was revealed about Jihad. **[Osama bin Laden began his October 6, 2002, letter to the American people with two Qur'an quotations, this verse (22:39) and 4:76.]**	Permission [to fight] has been given to those who are being fought, because they were wronged. And indeed, Allah is competent to give them victory.	22:39	अनुमति दी गई उन लोगों को जिनके विरुद्ध युद्ध किया जा रहा है, क्योंकि उनपर ज़ुल्म किया गया - और निश्चय ही अल्लाह उनकी सहायता की पूरी सामर्थ्य रखता है। -	सहचारियों ने पैगंबर (स.) से मूर्तिपूजारियों द्वारा उनके साथ किए गए क्रूर व्यवहार की शिकायत की और उन्होंने लगातार उनसे कहा: 'स्थिर रहो, क्योंकि मुझे लड़ने का आदेश नहीं दिया गया है।' यह तब तक जारी रहा जब तक कि पैगंबर (स.) मदीना हिजरत नहीं कर गए, फिर यह आयत प्रकट हुई। यह जिहाद के बारे में प्रकट होने वाली पहली आयत थी। **[उसामा बिन लादेन ने अपने 6 अक्टूबर, 2002 के पत्र की शुरुआत अमेरिकी लोगों के लिए दो कुरआन की उद्धरणों से की, यह आयत (22:39) और 4:76]**

Allatheena okhrijoo min diyarihim bighayri haqqin illa an yaqooloo rabbuna Allahu walawla dafAAu Allahi alnnasa baAAdahum bibaAAdin lahuddimat sawamiAAu wabiyaAAun wasalawatun wamasajidu yuthkaru feeha ismu Allahi katheeran walayansuranna Allahu man yansuruhu inna Allaha laqawiyyun	**[Why Allah needs support of humans; Muslims have evicted so many jews from Arabia just because they have not accepted Islam; Allah checks Muslims by making them fight with non-muslims, Still Islam is religion of peace. Allah is not mentioned in churches and monasteries.]**	[They are] those who have been evicted from their homes without right - only because they say, "Our Lord is Allah." And were it not that Allah checks the people, some by means of others, there would have been demolished monasteries, churches, synagogues, and mosques in which the name of Allah is much mentioned. And Allah will surely support those who support Him. Indeed, Allah is Powerful and Exalted in Might.	22:40	ये वे लोग हैं जो अपने घरों से नाहक़ निकाले गए, केवल इसलिए कि वे कहते है कि "हमारा रब अल्लाह है।" यदि अल्लाह लोगों को एक-दूसरे के द्वारा हटाता न रहता तो मठ और गिरजा और यहूदी प्रार्थना भवन और मस्जिदें, जिनमें अल्लाह का अधिक नाम लिया जाता है, सब ढा दी जातीं। अल्लाह अवश्य उसकी सहायता करेगा, जो उसकी सहायता करेगा - निश्चय ही अल्लाह बड़ा बलवान, प्रभुत्वशाली है	**[अल्लाह को मानवों के समर्थन की आवश्यकता क्यों है; मुसलमानों ने अरब से इतने यहूदियों को निकाल दिया सिर्फ इसलिए कि उन्होंने इस्लाम स्वीकार नहीं किया; अल्लाह मुसलमानों का परीक्षण इस तरह करता है कि उन्हें गैर-मुसलमानों से लड़ना पड़ता है, फिर भी इस्लाम शांति का धर्म है। अल्लाह का चर्चों और मठों में उल्लेख नहीं होता।]**
Allatheena in makkannahum fee alardi aqamoo alssalata waatawoo alzzakata waamaroo bialmaAAroofi wanahaw AAani almunkari walillahi AAaqibatu alomoori	The “prayer” that is to be established by the ruler is Salat (Islamic prayer or Namaz), and the obligatory alms to be given are Zakat.	[And they are] those who, if We give them authority in the land, establish prayer and give zakah and enjoin what is right and forbid what is wrong. And to Allah belongs the outcome of [all] matters.	22:41	ये वे लोग हैं कि यदि धरती में हम उन्हें सत्ता प्रदान करें तो वे नमाज़ का आयोजन करेंगे और ज़कात देंगे और भलाई का आदेश करेंगे और बुराई से रोकेंगे। और सब मामलों का अन्तिम परिणाम अल्लाह ही के हाथ में है	जिस “प्रार्थना” की स्थापना शासक द्वारा की जानी है वह सलात (इस्लामी प्रार्थना या नमाज़) है, और जो ज़रूरी दान दिया जाना है वह जकात है।

Wain yukaththibooka faqad kaththabat qablahum qawmu noohin waAAadun wathamoodu	x	And if they deny you, [O Muhammad] - so, before them, did the people of Noah and 'Aad and Thamud deny [their prophets],	22:42	यदि वे तुम्हें झुठलाते है तो उनसे पहले नूह की क़ौम, आद और समूद	x
Waqawmu ibraheema waqawmu lootin	x	And the people of Abraham and the people of Lot	22:43	और इबराहीम की क़ौम और लूत की क़ौम	x
Waashabu madyana wakuththiba moosa faamlaytu lilkafireena thumma akhathtuhum fakayfa kana nakeeri	x	And the inhabitants of Madyan. And Moses was denied, so I prolonged enjoyment for the disbelievers; then I seized them, and how [terrible] was My reproach.	22:44	और मदयनवाले भी झुठला चुके है और मूसा को भी झूठलाया जा चुका है। किन्तु मैंने इनकार करनेवालों को मुहलत दी, फिर उन्हें पकड़ लिया। तो कैसी रही मेरी यंत्रणा!	x
Fakaayyin min qaryatin ahlaknaha wahiya thalimatun fahiya khawiyatun AAala AArooshiha wabirin muAAattalatin waqasrin masheedin	x	And how many a city did We destroy while it was committing wrong - so it is [now] fallen into ruin - and [how many] an abandoned well and [how many] a lofty palace.	22:45	कितनी ही बस्तियाँ है जिन्हें हमने विनष्ट कर दिया इस दशा में कि वे ज़ालिम थी, तो वे अपनी छतों के बल गिरी पड़ी है। और कितने ही परित्यक्त (उजाड़) कुएँ पड़े है और कितने ही पक्के महल भी!	x

Afalam yaseeroo fee alardi fatakoona lahum quloobun yaAAqiloona biha aw athanun yasmaAAoona biha fainnaha la taAAma alabsaru walakin taAAma alquloobu allatee fee alssudoori	x	So have they not traveled through the earth and have hearts by which to reason and ears by which to hear? For indeed, it is not eyes that are blinded, but blinded are the hearts which are within the breasts.	22:46	क्या वे धरती में चले फिरे नहीं है कि उनके दिल होते जिनसे वे समझते या (कम से कम) कान होते जिनसे वे सुनते? बात यह है कि आँखें अंधी नहीं हो जातीं, बल्कि वे दिल अंधे हो जाते है जो सीनों में होते है	x
WayastaAAjiloonaka bialAAathabi walan yukhlifa Allahu waAAdahu wainna yawman AAinda rabbika kaalfi sanatin mimma	**[Contradiction: 22:47, 32:5, For Allah, a day is as a thousand years (cf. 2 Peter 3:8), but in 70:4 a day for Allah is as fifty thousand years.]**	And they urge you to hasten the punishment. But Allah will never fail in His promise. And indeed, a day with your Lord is like a thousand years of those which you count.	22:47	और वे तुमसे यातना के लिए जल्दी मचा रहे है! अल्लाह कदापि अपने वादे के विरुद्ध न करेंगा। किन्तु तुम्हारे रब के यहाँ एक दिन, तुम्हारी गणना के अनुसार, एक हजार वर्ष जैसा है	**[विरोधाभास: 22:47, 32:5, अल्लाह के लिए, एक दिन हजार साल के समान है (तुलना करें, 2 पीटर 3:8), लेकिन 70:4 में अल्लाह के लिए एक दिन पचास हजार साल के समान है।]**
Wakaayyin min qaryatin amlaytu laha wahiya thalimatun thumma akhathtuha wailayya almaseeru	x	And for how many a city did I prolong enjoyment while it was committing wrong. Then I seized it, and to Me is the [final] destination.	22:48	कितनी ही बस्तियाँ है जिनको मैंने मुहलत दी इस दशा में कि वे ज़ालिम थीं। फिर मैंने उन्हें पकड़ लिया और अन्ततः आना तो मेरी ही ओर है	x
Qul ya ayyuha alnnasu innama ana lakum natheerun mubeenun	x	Say, "O people, I am only to you a clear warner."	22:49	कह दो, "ऐ लोगों! मैं तो तुम्हारे लिए बस एक साफ़-साफ़ सचेत करनेवाला हूँ।"	x

Faallatheena amanoo waAAamiloo alssalihati lahum maghfiratun	x	And those who have believed and done righteous deeds - for them is forgiveness and noble provision.	22:50	फिर जो लोग ईमान लाए और उन्होंने अच्छे कर्म किए उनके लिए क्षमादान और सम्मानपूर्वक आजीविका है	x
Waallatheena saAAaw fee ayatina muAAajizeena olaika ashabu aljaheemi	x	But the ones who strove against Our verses, [seeking] to cause failure - those are the companions of Hellfire.	22:51	किन्तु जिन लोगों ने हमारी आयतों को नीचा दिखाने की कोशिश की, वही भड़कती आगवाले है	x
Wama arsalna min qablika min rasoolin wala nabiyyin illa itha tamanna alqa alshshaytanu fee omniyyatihi fayansakhu Allahu ma yulqee alshshaytanu thumma yuhkimu Allahu ayatihi waAllahu AAaleemun hakeemun	Revealed after the event of Satanic Verses. The text literally says "when he recited Satan threw (something) into his recitation." See Tafsir Jalalayn, Wahidi, Maududi. This incidence occurred during relvelation of Surah An-Nazm 53:19-23. **[During this prophet praised the godesses of Quraysh. Sahih Bukhari 1071, 4862. Although Allah has promised to protect his book and no one can tamper with words of Allah, the system is not fullproof. Allah has to abrogate whatever falsehood Satan throws in (81:25 and 6:115).]**	And We did not send before you any messenger or prophet except that when he spoke [or recited], Satan threw into it [some misunderstanding]. But Allah abolishes that which Satan throws in; then Allah makes precise His verses. And Allah is Knowing and Wise.	22:52	तुमसे पहले जो रसूल और नबी भी हमने भेजा, तो जब भी उसने कोई कामना की तो शैतान ने उसकी कामना में विघ्न डालता है, अल्लाह उसे मिटा देता है। फिर अल्लाह अपनी आयतों को सुदृढ़ कर देता है। - अल्लाह सर्वज्ञ, बड़ा तत्वदर्शी है	शैतानी आयतों की घटना के बाद नाज़िल। पाठ में शाब्दिक रूप से लिखा है "जब उसने पाठ किया तो शैतान ने (कुछ) उसके पाठ में फेंक दिया।" देखिए तफसीर जलालायन, वहीदी, मौदुदी। यह घटना सूरह अन-नज़्म 53:19-23 के नाज़िल के दौरान हुई। **[इस दौरान इस पैगंबर ने क़ुरैश की देवियों की स्तुति की। सहिह बुखारी 1071, 4862। हालाँकि अल्लाह ने अपने किताब की सुरक्षा का वादा किया है और कोई भी अल्लाह के शब्दों में छेड़छाड़ नहीं कर सकता, सिस्टम पूरी तरह दोषरहित नहीं है। अल्लाह को वह सब झूठ जो शैतान फेंकता है, रद्द करना पड़ता है (81:25 और 6:115)।]**

LiyajAAala ma yulqee alshshaytanu fitnatan lillatheena fee quloobihim maradun waalqasiyati quloobuhum wainna alththalimeena lafee	**[There is wisdom in this act also, as Allah tries those people who have doubt in their heart regarding Islam.]**	[That is] so He may make what Satan throws in a trial for those within whose hearts is disease and those hard of heart. And indeed, the wrongdoers are in extreme dissension.	22:53	ताकि शैतान के डाले हुए विघ्न को उन लोगों के लिए आज़माइश बना दे जिनके दिलों में रोग है और जिनके दिल कठोर है। निस्संदेह ज़ालिम परले दर्ज के विरोध में ग्रस्त है। -	**[इस कार्य में भी बुद्धिमानी है, क्योंकि अल्लाह उन लोगों की परीक्षा लेते हैं जिनके दिल में इस्लाम को लेकर संदेह है।]**
WaliyaAAlama allatheena ootoo alAAilma annahu alhaqqu min rabbika fayuminoo bihi fatukhbita lahu quloobuhum wainna Allaha lahadi allatheena amanoo ila siratin	x	And so those who were given knowledge may know that it is the truth from your Lord and [therefore] believe in it, and their hearts humbly submit to it. And indeed is Allah the Guide of those who have believed to a straight path.	22:54	और ताकि वे लोग जिन्हें ज्ञान मिला है, जान लें कि यह तुम्हारे रब की ओर से सत्य है। अतः वे इसपर ईमान लाएँ और उसके सामने उनके दिल झुक जाएँ और निश्चय ही अल्लाह ईमान लानेवालों को अवश्य सीधा मार्ग दिखाता है	x
Wala yazalu allatheena kafaroo fee miryatin minhu hatta tatiyahumu alssaAAatu baghtatan aw yatiyahum AAathabu yawmin	**[Means if you are not convinced that Islam is truth, you will always remain in doubt.]**	But those who disbelieve will not cease to be in doubt of it until the Hour comes upon them unexpectedly or there comes to them the punishment of a barren Day.	22:55	जिन लोगों ने इनकार किया वे सदैव इसकी ओर से सन्देह में पड़े रहेंगे, यहाँ तक कि क़ियामत की घड़ी अचानक उनपर आ जाए या एक अशुभ दिन की यातना उनपर आ पहुँचे	**[अर्थात अगर आप यह विश्वास नहीं करते कि इस्लाम सच्चाई है, तो आप हमेशा संदेह में रहेंगे।]**

Almulku yawmaithin lillahi yahkumu baynahum faallatheena amanoo waAAamiloo alssalihati fee jannati alnnaAAeemi	x	[All] sovereignty that Day is for Allah; He will judge between them. So they who believed and did righteous deeds will be in the Gardens of Pleasure.	22:56	उस दिन बादशाही अल्लाह ही की होगी। वह उनके बीच फ़ैसला कर देगा। अतः जो लोग ईमान लाए और उन्होंने अच्छे कर्म किए, वे नेमत भरी जन्नतों में होंगे	x
Waallatheena kafaroo wakaththaboo biayatina faolaika lahum AAathabun muheenun	x	And they who disbelieved and denied Our signs - for those there will be a humiliating punishment.	22:57	और जिन लोगों ने इनकार किया और हमारी आयतों को झुठलाया, उनके लिए अपमानजनक यातना है	x
Waallatheena hajaroo fee sabeeli Allahi thumma qutiloo aw matoo layarzuqannahumu Allahu rizqan hasanan wainna Allaha lahuwa	The importance of emigration for the sake of Allah (see 4:100) and of Jihad warfare are highlighted and such people will have immense rewards.	And those who emigrated for the cause of Allah and then were killed or died - Allah will surely provide for them a good provision. And indeed, it is Allah who is the best of providers.	22:58	और जिन लोगों ने अल्लाह के मार्ग में घरबार छोड़ा, फिर मारे गए या मर गए, अल्लाह अवश्य उन्हें अच्छी आजीविका प्रदान करेगा। और निस्संदेह अल्लाह ही उत्तम आजीविका प्रदान करनेवाला है	अल्लाह के लिए उत्प्रवास (देखें 4:100) और जिहाद युद्ध के महत्व पर प्रकाश डाला गया है और ऐसे लोगों को अपार पुरस्कार मिलेंगे।
Layudkhilannahum mudkhalan yardawnahu wainna Allaha laAAaleemun	x	He will surely cause them to enter an entrance with which they will be pleased, and indeed, Allah is Knowing and Forbearing.	22:59	वह उन्हें ऐसी जगह प्रवेश कराएगा जिससे वे प्रसन्न हो जाएँगे। और निश्चय ही अल्लाह सर्वज्ञ, अत्यन्त सहनशील है	x

Thalika waman AAaqaba bimithli ma AAooqiba bihi thumma bughiya AAalayhi layansurannahu Allahu inna Allaha laAAafuwwun ghafoorun	x	That [is so]. And whoever responds [to injustice] with the equivalent of that with which he was harmed and then is tyrannized - Allah will surely aid him. Indeed, Allah is Pardoning and Forgiving.	22:60	यह बात तो सुन ली। और जो कोई बदला लें, वैसा ही जैसा उसके साथ किया गया और फिर उसपर ज़्यादती की गई, तो अल्लाह अवश्य उसकी सहायता करेगा। निश्चय ही अल्लाह दरगुज़र करनेवाला (छोड़ देनेवाला), बहुत क्षमाशील है	x
Thalika bianna Allaha yooliju allayla fee alnnahari wayooliju alnnahara fee allayli waanna Allaha sameeAAun baseerun	**[How can night enter the day.]**	That is because Allah causes the night to enter the day and causes the day to enter the night and because Allah is Hearing and Seeing.	22:61	यह इसलिए कि अल्लाह ही है जो रात को दिन में पिरोता हुआ ले आता है और दिन को रात में पिरोता हुआ ले आता है। और यह कि अल्लाह सुनता, देखता है	**[रात दिन में कैसे प्रवेश कर सकती है।]**
Thalika bianna Allaha huwa alhaqqu waanna ma yadAAoona min doonihi huwa albatilu waanna Allaha huwa	x	That is because Allah is the Truth, and that which they call upon other than Him is falsehood, and because Allah is the Most High, the Grand.	22:62	यह इसलिए कि अल्लाह ही सत्य है और जिसे वे उसको छोड़कर पुकारते है, वे सब असत्य है, और यह कि अल्लाह ही सर्वोच्च, महान है	x
Alam tara anna Allaha anzala mina alssamai maan fatusbihu alardu mukhdarratan inna Allaha lateefun khabeerun	x	Do you not see that Allah has sent down rain from the sky and the earth becomes green? Indeed, Allah is Subtle and Acquainted.	22:63	क्या तुमने देखा नहीं कि अल्लाह आकाश से पानी बरसाता है, तो धरती हरी-भरी हो जाती है? निस्संदेह अल्लाह सूक्ष्मदर्शी, ख़बर रखनेवाला है	x

Lahu ma fee alssamawati wama fee alardi wainna Allaha lahuwa alghaniyyu	x	To Him belongs what is in the heavens and what is on the earth. And indeed, Allah is the Free of need, the Praiseworthy.	22:64	उसी का है जो कुछ आकाशों में और जो कुछ धरती में है। निस्संदेह अल्लाह ही निस्पृह प्रशंसनीय है	x
Alam tara anna Allaha sakhkhara lakum ma fee alardi waalfulka tajree fee albahri biamrihi wayumsiku alssamaa an taqaAAa AAala alardi illa biithnihi inna Allaha bialnnasi laraoofun raheemun	**[The sky would fall upon the earth were it not for the fact that Allah holds it up. Sky is a flat roof. 22:65, 67:3, 21:32, 2:22, 21:104; All ships in sea are run by Allah's command including US Naval warships.]**	Do you not see that Allah has subjected to you whatever is on the earth and the ships which run through the sea by His command? And He restrains the sky from falling upon the earth, unless by His permission. Indeed Allah, to the people, is Kind and Merciful.	22:65	क्या तुमने देखा नहीं कि धरती में जो कुछ भी है उसे अल्लाह ने तुम्हारे लिए वशीभूत कर रखा है और नौका को भी कि उसके आदेश से दरिया में चलती है, और उसने आकाश को धरती पर गिरने से रोक रखा है। उसकी अनुज्ञा हो तो बात दूसरी है। निस्संदेह अल्लाह लोगों के हक़ में बड़ा करुणाशील, दयावान है	**[आकाश पृथ्वी पर गिर जाता अगर यह सच न होता कि अल्लाह इसे थामे हुए हैं। आकाश एक सपाट छत है 22:65, 67:3, 21:32, 2:22, 21:104; समुद्र में सभी जहाज अल्लाह के आदेश द्वारा चलते हैं, जिनमें अमेरिकी नौसैनिक युद्धपोत भी शामिल हैं।]**
Wahuwa allathee ahyakum thumma yumeetukum thumma yuhyeekum inna alinsana lakafoorun	**[The Murderers should not be charged for death of someone.]**	And He is the one who gave you life; then He causes you to die and then will [again] give you life. Indeed, mankind is ungrateful.	22:66	और वही है जिसने तुम्हें जीवन प्रदान किया। फिर वही तुम्हें मृत्यु देता है और फिर वही तुम्हें जीवित करनेवाला है। निस्संदेह मानव बड़ा ही अकृतज्ञ है	**[कातिलों को किसी की मौत के लिए आरोपित नहीं किया जाना चाहिए।]**

Likulli ommatin jaAAalna mansakan hum nasikoohu fala yunaziAAunnaka fee alamri waodAAu ila rabbika innaka laAAala hudan mustaqeemin	**[For Buddhism and Jainisms also, Who don't acknowlege God.]**	For every religion We have appointed rites which they perform. So, [O Muhammad], let the disbelievers not contend with you over the matter but invite them to your Lord. Indeed, you are upon straight guidance.	22:67	प्रत्येक समुदाय के लिए हमने बन्दगी की एक रीति निर्धारित कर दी है, जिसका पालन उसके लोग करते है। अतः इस मामले में वे तुमसे झगड़ने की राह न पाएँ। तुम तो अपने रब की ओर बुलाए जाओ। निस्संदेह तुम सीधे मार्ग पर हो	**[बौद्ध धर्म और जैन धर्म के लिए भी, जो ईश्वर को नहीं मानते।]**
Wain jadalooka faquli Allahu aAAlamu bima taAAmaloona	**[Abrogated by later Jihadi verses.]**	And if they dispute with you, then say, "Allah is most knowing of what you do.	22:68	और यदि वे तुमसे झगड़ा करें तो कह दो कि "तुम जो कुछ करते हो अल्लाह उसे भली-भाँति जानता है	**[बाद के जिहादी आयतों द्वारा निरस्त किया गया।]**
Allahu yahkumu baynakum yawma alqiyamati feema kuntum feehi takhtalifoona	x	Allah will judge between you on the Day of Resurrection concerning that over which you used to differ."	22:69	अल्लाह क़ियामत के दिन तुम्हारे बीच उस चीज़ का फ़ैसला कर देगा, जिसमें तुम विभेद करते हो।"	x
Alam taAAlam anna Allaha yaAAlamu ma fee alssamai waalardi inna thalika fee kitabin inna thalika AAala Allahi yaseerun	x	Do you not know that Allah knows what is in the heaven and earth? Indeed, that is in a Record. Indeed that, for Allah, is easy.	22:70	क्या तुम्हें नहीं मालूम कि अल्लाह जानता है जो कुछ आकाश और धरती मैं हैं? निश्चय ही वह (लोगों का कर्म) एक किताब में अंकित है। निस्संदेह वह (फ़ैसला करना) अल्लाह के लिए अत्यन्त सरल है	x

WayaAAbudoona min dooni Allahi ma lam yunazzil bihi sultanan wama laysa lahum bihi AAilmun wama liltthalimeena min naseerin	x	And they worship besides Allah that for which He has not sent down authority and that of which they have no knowledge. And there will not be for the wrongdoers any helper.	22:71	और वे अल्लाह से इतर उनकी बन्दगी करते है जिनके लिए न तो उसने कोई प्रमाण उतारा और न उन्हें उनके विषय में कोई ज्ञान ही है। और इन ज़ालिमों को कोई सहायक नहीं	x
Waitha tutla AAalayhim ayatuna bayyinatin taAArifu fee wujoohi allatheena kafaroo almunkara yakadoona yastoona biallatheena yatloona AAalayhim ayatina qul afaonabbiokum bisharrin min thalikum alnnaru waAAadaha Allahu allatheena kafaroo	The verses of Quran are clear evidences.	And when Our verses are recited to them as clear evidences, you recognize in the faces of those who disbelieve disapproval. They are almost on the verge of assaulting those who recite to them Our verses. Say, "Then shall I inform you of [what is] worse than that? [It is] the Fire which Allah has promised those who disbelieve, and wretched is the destination."	22:72	और जब उन्हें हमारी स्पष्ट आयतें सुनाई जाती है, तो इनकार करनेवालों के चेहरों पर तुम्हें नागवारी प्रतीत होती है। लगता है कि अभी वे उन लोगों पर टूट पड़ेगे जो उन्हें हमारी आयतें सुनाते है। कह दो, "क्या मैं तुम्हे इससे बुरी चीज़ की ख़बर दूँ? आग है वह - अल्लाह ने इनकार करनेवालों से उसी का वादा कर रखा है - और वह बहुत ही बुरा ठिकाना है।"	कुरान की आयतें स्पष्ट प्रमाण हैं।

Ya ayyuha alnnasu duriba mathalun faistamiAAoo lahu inna allatheena tadAAoona min dooni Allahi lan yakhluqoo thubaban walawi ijtamaAAoo lahu wain yaslubuhumu alththubabu shayan la yastanqithoohu minhu daAAufa alttalibu	**[The false dieties are very weak. Contradiction: Does false dieties exist: Don't 10:18, 12:40, 17:42, 21:22, 53:23; Yes, 2:166, 7:194, 16:86, 18:51, 21:43, 22:73, 25:17]**	O people, an example is presented, so listen to it. Indeed, those you invoke besides Allah will never create [as much as] a fly, even if they gathered together for that purpose. And if the fly should steal away from them a [tiny] thing, they could not recover it from him. Weak are the pursuer and pursued.	22:73	ऐ लोगों! एक मिसाल पेश की जाती है। उसे ध्यान से सुनो, अल्लाह से हटकर तुम जिन्हें पुकारते हो वे एक मक्खी भी पैदा नहीं कर सकते। यद्यपि इसके लिए वे सब इकट्ठे हो जाएँ और यदि मक्खी उनसे कोई चीज़ छीन ले जाए तो उससे वे उसको छुड़ा भी नहीं सकते। बेबस और असहाय रहा चाहनेवाला भी (उपासक) और उसका अभीष्ट (उपास्य) भी	**[झूठे देवता बहुत कमज़ोर हैं। और वे होते भी नहीं हैं।]**
Ma qadaroo Allaha haqqa qadrihi inna Allaha laqawiyyun AAazeezun	x	They have not appraised Allah with true appraisal. Indeed, Allah is Powerful and Exalted in Might.	22:74	उन्होंने अल्लाह की क़द्र ही नहीं पहचानी जैसी कि उसकी क़द्र पहचाननी चाहिए थी। निश्चय ही अल्लाह अत्यन्त बलवान, प्रभुत्वशाली है	x
Allahu yastafee mina almalaikati rusulan wamina alnnasi inna Allaha sameeAAun baseerun	**[Contradiction: Who could be a Messenger: only men 12:109, 16:43, 21:7, 25:29, Angels also 22:75; Does angels walk on earth: No 17:95, Yes 2:102, 3:124, 8:9, 22:75, 26:193.]**	Allah chooses from the angels messengers and from the people. Indeed, Allah is Hearing and Seeing.	22:75	अल्लाह फ़रिश्तों में से संदेशवाहक चुनता और मनुष्यों में से भी। निश्चय ही अल्लाह सब कुछ सुनता, देखता है	**[विरोधाभास: संदेशवाहक कौन हो सकता है: केवल पुरुष 12:109, 16:43, 21:7, 25:29; या फ़रिश्ते भी 22:75? क्या फ़रिश्ते धरती पर चलते हैं: नहीं 17:95; हाँ 2:102, 3:124, 8:9, 22:75, 26:193।]**
YaAAlamu ma bayna aydeehim wama khalfahum waila Allahi turjaAAu alomooru	Allah knows the past and future.	He knows what is [presently] before them and what will be after them. And to Allah will be returned [all] matters.	22:76	वह जानता है जो कुछ उनके आगे है और जो कुछ उनके पीछे है। और सारे मामले अल्लाह ही की ओर पलटते है	अल्लाह अतीत और भविष्य को जानता है।

Ya ayyuha allatheena amanoo irkaAAoo waosjudoo waoAAbudoo rabbakum waifAAaloo alkhayra	x	O you who have believed, bow and prostrate and worship your Lord and do good - that you may succeed.	22:77	ऐ ईमान लानेवालो! झुको और सजदा करो और अपने रब की बन्दही करो और भलाई करो, ताकि तुम्हें सफलता प्राप्त हो	x
Wajahidoo fee Allahi haqqa jihadihi huwa ijtabakum wama jaAAala AAalaykum fee alddeeni min harajin millata abeekum ibraheema huwa sammakumu almuslimeena min qablu wafee hatha liyakoona alrrasoolu shaheedan AAalaykum watakoonoo shuhadaa AAala alnnasi faaqeemoo alssalata waatoo alzzakata waiAAtasimoo biAllahi huwa mawlakum	**[Despite of Jihad, 5 times daily prayers, one month fasting, veil for women, Islam is an easy religion; Abraham may be father of Arabs and Jews, But what about other races; No where in history or ancient scritpture "Muslims" is mentioned before the advent of Islam.]**	And strive for Allah with the striving due to Him. He has chosen you and has not placed upon you in the religion any difficulty. [It is] the religion of your father, Abraham. Allah named you "Muslims" before [in former scriptures] and in this [revelation] that the Messenger may be a witness over you and you may be witnesses over the people. So establish prayer and give zakah and hold fast to Allah. He is your protector; and excellent is the protector, and excellent is the helper.	22:78	और परस्पर मिलकर जिहाद करो अल्लाह के मार्ग में, जैसा कि जिहाद का हक़ है। उसने तुम्हें चुन लिया है - और धर्म के मामले में तुमपर कोई तंगी और कठिनाई नहीं रखी। तुम्हारे बाप इबराहीम के पंथ को तुम्हारे लिए पसन्द किया। उसने इससे पहले तुम्हारा नाम मुस्लिम (आज्ञाकारी) रखा था और इस ध्येय से - ताकि रसूल तुमपर गवाह हो और तुम लोगों पर गवाह हो। अतः नमाज़ का आयोजन करो और ज़कात दो और अल्लाह को मज़बूती से पकड़े रहो। वही तुम्हारा संरक्षक है। तो क्या ही अच्छा संरक्षक है और क्या ही अच्छा सहायक!	**[जिहाद, रोज़ाना 5 बार की नमाज़, एक महीने का रोज़ा, औरतों के लिए पर्दा, इन सबके बावजूद इस्लाम एक आसान धर्म है; अब्राहम अरब और यहूदियों के पिता हो सकते हैं, लेकिन दूसरी जातियों का क्या; इतिहास या पुरानी किताबों में इस्लाम के आने से पहले कहीं भी "मुसलमानों" का ज़िक्र नहीं है।]**

Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Al-Muminun (The Believers)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**23:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अल-मुमिनून (ईमान वाले)**
Qad aflaha almuminoona	The observation that the believers are successful recalls the muezzin's call to prayer from the minaret, which says in part: "Hayya As-Salah, Hayya al-falah = Come to prayer, come to success," and the Quranic promise that the believers will prosper in this world as well as in the next (3:139, 3:148).	Certainly will the believers have succeeded:	23:1	सफल हो गए ईमानवाले,	यह बात कि ईमान वाले सफल होते हैं, हमें मीनार से मुअज़्ज़िन की नमाज़ के लिए दी जाने वाली उस पुकार की याद दिलाती है, जिसका एक हिस्सा कहता है: "हय्या अल-सलाह, हय्या अल-फलाह = नमाज़ के लिए आओ, सफलता के लिए आओ," और कुरान के उस वादे की भी, कि ईमान वाले इस दुनिया में भी और अगली दुनिया में भी कामयाब होंगे (3:139, 3:148)।
Allatheena hum fee salatihim khashiAAoona	x	They who are during their prayer humbly submissive	23:2	जो अपनी नमाज़ों में विनम्रता अपनाते है;	x
Waallatheena hum AAani allaghwi muAAridoona	x	And they who turn away from ill speech	23:3	और जो व्यर्थ बातों से पहलू बचाते है;	x
Waallatheena hum lilzzakati	x	And they who are observant of zakah	23:4	और जो ज़कात अदा करते है;	x
Waallatheena hum lifuroojihim	x	And they who guard their private parts	23:5	और जो अपने गुप्तांगों की रक्षा करते है-	x
Illa AAala azwajihim aw ma malakat aymanuhum fainnahum ghayru maloomeena	**[Right hand possess means slave girls. Also sex is permitted with women captives of war.]**	Except from their wives or those their right hands possess, for indeed, they will not be blamed -	23:6	सिवाय इस सूरत के कि अपनी पत्नियों या लौंडियों के पास जाएँ कि इसपर वे निन्दनीय नहीं है	**[दाहिने हाथ का मतलब है गुलाम लड़कियां। इसके अलावा, युद्ध में बंदी बनाई गई महिलाओं के साथ सेक्स की इजाज़त है।]**

Famani ibtagha waraa thalika faolaika humu alAAadoona	x	But whoever seeks beyond that, then those are the transgressors -	23:7	परन्तु जो कोई इसके अतिरिक्त कुछ और चाहे तो ऐसे ही लोग सीमा उल्लंघन करनेवाले है।-	x
Waallatheena hum liamanatihim waAAahdihim raAAoona	x	And they who are to their trusts and their promises attentive	23:8	और जो अपनी अमानतों और अपनी प्रतिज्ञा का ध्यान रखते है;	x
Waallatheena hum AAala salawatihim yuhafithoona	x	And they who carefully maintain their prayers -	23:9	और जो अपनी नमाज़ों की रक्षा करते हैं;	x
Olaika humu alwarithoona	x	Those are the inheritors	23:10	वही वारिस होने वाले है	x
Allatheena yarithoona alfirdawsa hum	Means Paradise	Who will inherit al-Firdaus. They will abide therein eternally.	23:11	जो फ़िरदौस की विरासत पाएँगे। वे उसमें सदैव रहेंगे	इसका अर्थ है स्वर्ग
Walaqad khalaqna alinsana min sulalatin min teenin	First man (Adam) was made from Earth juice.	And certainly did We create man from an extract of clay.	23:12	हमने मनुष्य को मिट्टी के सत से बनाया	पहला इंसान (आदम) मिट्टी के सत से बनाया गया था।
Thumma jaAAalnahu nutfatan fee qararin	**[No mention of ovum.]**	Then We placed him as a sperm-drop in a firm lodging.	23:13	फिर हमने उसे एक सुरक्षित ठहरने की जगह टपकी हुई बूँद बनाकर रखा	**[अंडाणु का कोई उल्लेख नहीं.]**

Thumma khalaqna alnnutfata AAalaqatan fakhalaqna alAAalaqata mudghatan fakhalaqna almudghata AAithaman fakasawna alAAithama lahman thumma anshanahu khalqan akhara fatabaraka Allahu ahsanu alkhaliqeena	Umar ibn al-Khattab said: My words agreed with those of my Lord in four instances. I said: 'O Messenger of Allah, why do we not pray behind the Maqam [Kabah], and Allah revealed 2:125. And I said: 'O Messenger of Allah, why do you not put a curtain [to protect your wives from the gaze of men]?' And so Allah, revealed 33:53. I also said to the wives of the Prophet: 'You had better take heed or Allah will give the Prophet instead of you wives who are better than you'. Verse 66:5 came. And when the verse 23:12-14 were revealed, I exclaimed: 'So blessed be Allah, the Best of creators!' and the end of the verse was revealed as: So blessed be Allah, the Best of creators!. [**The word "then" suggests another and separate phase of formation of bone and flesh**	Then We made the sperm-drop into a clinging clot, and We made the clot into a lump [of flesh], and We made [from] the lump, bones, and We covered the bones with flesh; then We developed him into another creation. So blessed is Allah, the best of creators.	23:14	फिर हमने उस बूँद को लोथड़े का रूप दिया; फिर हमने उस लोथड़े को बोटी का रूप दिया; फिर हमने उन हड्डियों पर मांस चढाया; फिर हमने उसे एक दूसरा ही सर्जन रूप देकर खड़ा किया। अतः बहुत ही बरकतवाला है अल्लाह, सबसे उत्तम स्रष्टा!	उमर इब्न अल-खत्ताब ने कहा: मेरी बातें चार बार मेरे रब की बातों से मिलती हैं। मैंने कहा: 'अल्लाह के रसूल, हम मक़ाम [काबा] के पीछे नमाज़ क्यों नहीं पढ़ते, और अल्लाह ने 2:125 उतारा। और मैंने कहा: 'अल्लाह के रसूल, तुम पर्दा क्यों नहीं डालते (अपनी पत्नियों को मर्दों की नज़र से बचाने के लिए)?' और अल्लाह ने 33:53 उतारा। मैंने पैगंबर की पत्नियों से भी कहा: 'तुम्हें ध्यान रखना चाहिए वरना अल्लाह पैगंबर को तुम्हारी जगह तुमसे बेहतर पत्नियाँ देगा'। आयत 66:5 आई। और जब आयत 23:12-14 निकली, तो मैंने कहा: 'अल्लाह मुबारक हो, सबसे अच्छा बनाने वाला!' और आयत का आखिर इस तरह उतारा गया: अल्लाह मुबारक हो, सबसे अच्छा बनाने वाला! [**"फिर" शब्द हड्डी और मांस बनने के एक और अलग फेज़ का इशारा करता है (जबकि असल में दोनों एक साथ बनते हैं; कुछ ट्रांसलेटर इस उलझन को सुलझाने के लिए "और" का इस्तेमाल करते हैं;**
Thumma innakum baAAda thalika lamayyitoona	x	Then indeed, after that you are to die.	23:15	फिर तुम अवश्य मरनेवाले हो	x
Thumma innakum yawma alqiyamati tubAAathoona	x	Then indeed you, on the Day of Resurrection, will be resurrected.	23:16	फिर क़ियामत के दिन तुम निश्चय ही उठाए जाओगे	x

Walaqad khalaqna fawqakum sabAAa taraiqa wama kunna AAani alkhalqi ghafileena	x	And We have created above you seven layered heavens, and never have We been of [Our] creation unaware.	23:17	और हमने तुम्हारे ऊपर सात रास्ते बनाए है। और हम सृष्टि-कार्य से ग़ाफ़िल नहीं	x
Waanzalna mina alssamai maan biqadarin faaskannahu fee alardi wainna AAala thahabin bihi laqadiroona	**[If rain comes in measured amount, then why drought and floods happen.]**	And We have sent down rain from the sky in a measured amount and settled it in the earth. And indeed, We are Able to take it away.	23:18	और हमने आकाश से एक अंदाज़े के साथ पानी उतारा। फिर हमने उसे धरती में ठहरा दिया, और उसे विलुप्त करने की सामर्थ्य भी हमें प्राप्त है	**[अगर बारिश नाप-तौलकर होती तो सूखा और बाढ़ क्यों आते।]**
Faanshana lakum bihi jannatin min nakheelin waAAnabin lakum feeha fawakihu katheeratun waminha takuloona	x	And We brought forth for you thereby gardens of palm trees and grapevines in which for you are abundant fruits and from which you eat.	23:19	फिर हमने उसके द्वारा तुम्हारे लिए खजूरो और अंगूरों के बाग़ पैदा किए। तुम्हारे लिए उनमें बहुत-से फल है (जिनमें तुम्हारे लिए कितने ही लाभ है) और उनमें से तुम खाते हो	x
Washajaratan takhruju min toori saynaa tanbutu bialdduhni wasibghin lilakileena	Olive	And [We brought forth] a tree issuing from Mount Sinai which produces oil and food for those who eat.	23:20	और वह वृक्ष भी जो सैना पर्वत से निकलता है, जो तेल और खानेवालों के लिए सालन लिए हुए उगता है	जैतून

Wainna lakum fee alanAAami laAAibratan nusqeekum mimma fee butooniha walakum feeha manafiAAu katheeratun waminha takuloona	**[Actually milk is produced in mammary glands not bellies.]**	And indeed, for you in livestock is a lesson. We give you drink from that which is in their bellies, and for you in them are numerous benefits, and from them you eat.	23:21	और निश्चय ही तुम्हारे लिए चौपायों में भी एक शिक्षा है। उनके पेटों में जो कुछ है उसमें से हम तुम्हें पिलाते है। औऱ तुम्हारे लिए उनमें बहुत-से फ़ायदे है और उन्हें तुम खाते भी हो	**[असल में दूध पेट में नहीं बल्कि मैमरी ग्लैंड्स में बनता है।]**
WaAAalayha waAAala alfulki tuhmaloona	x	And upon them and on ships you are carried.	23:22	और उनपर और नौकाओं पर तुम सवार होते हो	x
Walaqad arsalna noohan ila qawmihi faqala ya qawmi oAAbudoo Allaha ma lakum min ilahin ghayruhu afala tattaqoona	x	And We had certainly sent Noah to his people, and he said, "O my people, worship Allah; you have no deity other than Him; then will you not fear Him?"	23:23	हमने नूह को उसकी क़ौम की ओर भेजा तो उसने कहा, "ऐ मेरी क़ौम के लोगो! अल्लाह की बन्दगी करो। उसके सिवा तुम्हारा और कोई इष्ट-पूज्य नहीं है तो क्या तुम डर नहीं रखते?"	x
Faqala almalao allatheena kafaroo min qawmihi ma hatha illa basharun mithlukum yureedu an yatafaddala AAalaykum walaw shaa Allahu laanzala malaikatan ma samiAAna bihatha fee abaina alawwaleena	**[The enemies of the prophets of old civlizations are depicted as saying the same thing which the opponents of the Muslims said.]**	But the eminent among those who disbelieved from his people said, "This is not but a man like yourselves who wishes to take precedence over you; and if Allah had willed [to send a messenger], He would have sent down angels. We have not heard of this among our forefathers.	23:24	इसपर उनकी क़ौम के सरदार, जिन्होंने इनकार किया था, कहने लगे, "यह तो बस तुम्हीं जैसा एक मनुष्य है। चाहता है कि तुमपर श्रेष्ठता प्राप्त करे।""अल्लाह यदि चाहता तो फ़रिश्ते उतार देता। यह बात तो हमने अपने अगले बाप-दादा के समयों से सुनी ही नहीं	**[पुरानी सभ्यताओं के पैगंबरों के दुश्मनों को वही बात कहते हुए दिखाया गया है जो मुसलमानों के विरोधियों ने कही थी।]**

In huwa illa rajulun bihi jinnatun fatarabbasoo bihi hatta heenin	**[They say Noah is possessed, just as the Meccans say about the Prophet Muhammad (pbuh) (44:14).]**	He is not but a man possessed with madness, so wait concerning him for a time."	23:25	यह तो बस एक उन्मादग्रस्त व्यक्ति है। अतः एक समय तक इसकी प्रतीक्षा कर लो।"	**[वे कहते हैं कि नूह पर भूत सवार है, ठीक वैसे ही जैसे मक्का के लोग पैगंबर मुहम्मद (स.) के बारे में कहते हैं (44:14)।]**
Qala rabbi onsurnee bima kaththabooni	x	[Noah] said, "My Lord, support me because they have denied me."	23:26	उसने कहा, "ऐ मेरे रब! इन्होंने मुझे जो झुठलाया है, इसपर तू मेरी सहायता कर।"	x
Faawhayna ilayhi ani isnaAAi alfulka biaAAyunina wawahyina faitha jaa amruna wafara alttannooru faosluk feeha min kullin zawjayni ithnayni waahlaka illa man sabaqa AAalayhi alqawlu minhum wala tukhatibnee fee allatheena thalamoo innahum mughraqoona	**[Oven overflow - does not make sense here; Also it is not possible to carry pair of each creature in a Boat.]**	So We inspired to him, "Construct the ship under Our observation, and Our inspiration, and when Our command comes and the oven overflows, put into the ship from each [creature] two mates and your family, except those for whom the decree [of destruction] has proceeded. And do not address Me concerning those who have wronged; indeed, they are to be	23:27	तब हमने उसकी ओर प्रकाशना की कि "हमारी आँखों के सामने और हमारी प्रकाशना के अनुसार नौका बना और फिर जब हमारा आदेश आ जाए और तूफ़ान उमड़ पड़े तो प्रत्येक प्रजाति में से एक-एक जोड़ा उसमें रख ले और अपने लोगों को भी, सिवाय उनके जिनके विरुद्ध पहले फ़ैसला हो चुका है। और अत्याचारियों के विषय में मुझसे बात न करना। वे तो डूबकर रहेंगे	**[तूफ़ान उमड़ - इसका यहां कोई मतलब नहीं है; साथ ही, हर जीव के जोड़े को नाव में ले जाना मुमकिन नहीं है।]**
Faitha istawayta anta waman maAAaka AAala alfulki faquli alhamdu lillahi allathee najjana mina alqawmi	x	And when you have boarded the ship, you and those with you, then say, 'Praise to Allah who has saved us from the wrongdoing people.'	23:28	फिर जब तू नौका पर सवार हो जाए और तेरे साथी भी तो कह, प्रशंसा है अल्लाह की, जिसने हमें ज़ालिम लोगों से छुटकारा दिया	x

Waqul rabbi anzilnee munzalan mubarakan waanta khayru almunzileena	x	And say, 'My Lord, let me land at a blessed landing place, and You are the best to accommodate [us].' "	23:29	और कह, ऐ मेरे रब! मुझे बरकतवाली जगह उतार। और तू सबसे अच्छा मेज़बान है।"	x
Inna fee thalika laayatin wain kunna lamubtaleena	x	Indeed in that are signs, and indeed, We are ever testing [Our servants].	23:30	निस्संदेह इसमें कितनी ही निशानियाँ हैं और परीक्षा तो हम करते ही है	x
Thumma anshana min baAAdihim qarnan akhareena	x	Then We produced after them a generation of others.	23:31	फिर उनके पश्चात हमने एक दूसरी नस्ल को उठाया;	x
Faarsalna feehim rasoolan minhum ani oAAbudoo Allaha ma lakum min ilahin ghayruhu afala tattaqoona	x	And We sent among them a messenger from themselves, [saying], "Worship Allah; you have no deity other than Him; then will you not fear	23:32	और उनमें हमने स्वयं उन्हीं में से एक रसूल भेजा कि "अल्लाह की बन्दगी करो। उसके सिवा तुम्हारा कोई इष्ट-पूज्य नहीं। तो क्या तुम डर नहीं रखते?"	x
Waqala almalao min qawmihi allatheena kafaroo wakaththaboo biliqai alakhirati waatrafnahum fee alhayati alddunya ma hatha illa basharun mithlukum yakulu mimma takuloona minhu wayashrabu mimma	x	And the eminent among his people who disbelieved and denied the meeting of the Hereafter while We had given them luxury in the worldly life said, "This is not but a man like yourselves. He eats of that from which you eat and drinks of what you drink.	23:33	उसकी क़ौम के सरदार, जिन्होंने इनकार किया और आख़िरत के मिलन को झूठलाया और जिन्हें हमने सांसारिक जीवन में सुख प्रदान किया था, कहने लगे, "यह तो बस तुम्हीं जैसा एक मनुष्य है। जो कुछ तुम खाते हो, वही यह भी खाता है और जो कुछ तुम पीते हो, वही यह भी पीता है	x
Walain ataAAtum basharan mithlakum innakum ithan lakhasiroona	x	And if you should obey a man like yourselves, indeed, you would then be losers.	23:34	यदि तुम अपने ही जैसे एक मनुष्य के आज्ञाकारी हुए तो निश्चय ही तुम घाटे में पड़ गए	x

AyaAAidukum annakum itha mittum wakuntum turaban waAAithaman annakum	x	Does he promise you that when you have died and become dust and bones that you will be brought forth [once more]?	23:35	क्या यह तुमसे वादा करता है कि जब तुम मरकर मिट्टी और हड्डियाँ होकर रह जाओगे तो तुम निकाले जाओगे?	x
Hayhata hayhata lima tooAAadoona	x	How far, how far, is that which you are promised.	23:36	दूर की बात है, बहुत दूर की, जिसका तुमसे वादा किया जा रहा है!	x
In hiya illa hayatuna alddunya namootu wanahya wama nahnu bimabAAootheena	**[The unbelievers argued with to Noah that the dead will not be raised, just as Meccans did to the Muhmaad (pbuh), 19:66.]**	Life is not but our worldly life - we die and live, but we will not be resurrected.	23:37	वह तो बस हमारा सांसारिक जीवन ही है। (यहीं) हम मरते और जीते है। हम कोई दोबारा उठाए जानेवाले नहीं है	**[काफ़िरों ने नूह से कहा कि मुर्दे ज़िंदा नहीं किए जाएँगे, ठीक वैसे ही जैसे मक्का वालों ने मुहम्मद (स.) से कहा था, 19:66.]**
In huwa illa rajulun iftara AAala Allahi kathiban wama nahnu lahu	x	He is not but a man who has invented a lie about Allah, and we will not believe him."	23:38	वह तो बस एक ऐसा व्यक्ति है जिसने अल्लाह पर झूठ घड़ा है। हम उसे कदापि माननेवाले नहीं।"	x
Qala rabbi onsurnee bima kaththabooni	x	He said, "My Lord, support me because they have denied me."	23:39	उसने कहा, "ऐ मेरे रब! उन्होंने जो मुझे झुठलाया, उसपर तू मेरी सहायता कर।"	x
Qala AAamma qaleelin layusbihunna	x	[Allah] said, "After a little, they will surely become regretful."	23:40	कहा, "शीघ्र ही वे पछताकर रहेंगे।"	x
Faakhathathumu alssayhatu bialhaqqi fajaAAalnahum ghuthaan fabuAAdan lilqawmi alththalimeena	x	So the shriek seized them in truth, and We made them as [plant] stubble. Then away with the wrongdoing people.	23:41	फिर घटित होनेवाली बात के अनुसार उन्हें एक प्रचंड आवाज़ ने आ लिया और हमने उन्हें कूड़ा-कर्कट बनाकर रख दिया। अतः फिटकार है, ऐसे अत्याचारी लोगों पर!	x

Thumma anshana min baAAdihim quroonan akhareena	x	Then We produced after them other generations.	23:42	फिर हमने उनके पश्चात दूसरी नस्लों को उठाया	x
Ma tasbiqu min ommatin ajalaha wama yastakhiroona	x	No nation will precede its time [of termination], nor will they remain [thereafter].	23:43	कोई समुदाय न तो अपने निर्धारित समय से आगे बढ़ सकता है और न पीछे रह सकता है	x
Thumma arsalna rusulana tatra kulla ma jaa ommatan rasooluha kaththaboohu faatbaAAna baAAdahum baAAdan wajaAAalnahum ahadeetha fabuAAdan liqawmin la	x	Then We sent Our messengers in succession. Every time there came to a nation its messenger, they denied him, so We made them follow one another [to destruction], and We made them narrations. So away with a people who do not believe.	23:44	फिर हमने निरन्तर अपने रसूल भेजे। जब भी किसी समुदाय के पास उसका रसूल आया, तो उसके लोगों ने उसे झुठला दिया। अतः हम एक दूसरे के पीछे (विनाश के लिए) लगाते चले गए और हमने उन्हें ऐसा कर दिया कि वे कहानियाँ होकर रह गए। फिटकार हो उन लोगों पर जो ईमान न लाएँ	x
Thumma arsalna moosa waakhahu haroona biayatina wasultanin mubeenin	x	Then We sent Moses and his brother Aaron with Our signs and a clear authority	23:45	फिर हमने मूसा और उसके भाई हारून को अपनी निशानियों और खुले प्रमाण के साथ फ़िरऔन और उसके सरदारों की ओर भेजा।	x
Ila firAAawna wamalaihi faistakbaroo wakanoo qawman AAaleena	x	To Pharaoh and his establishment, but they were arrogant and were a haughty people.	23:46	किन्तु उन्होंने अहंकार किया। वे थे ही सरकश लोग	x

Faqaloo anuminu libasharayni mithlina waqawmuhuma lana AAabidoona	x	They said, "Should we believe two men like ourselves while their people are for us in servitude?"	23:47	तो व कहने लगे, "क्या हम अपने ही जैसे दो मनुष्यों की बात मान लें, जबकि उनकी क़ौम हमारी ग़ुलाम भी है?"	x
Fakaththaboohuma fakanoo mina almuhlakeena	x	So they denied them and were of those destroyed.	23:48	अतः उन्होंने उन दोनों को झुठला दिया और विनष्ट होनेवालों में सम्मिलित होकर रहे	x
Walaqad atayna moosa alkitaba laAAallahum yahtadoona	x	And We certainly gave Moses the Scripture that perhaps they would be guided.	23:49	और हमने मूसा को किताब प्रदान की, ताकि वे लोग मार्ग पा सकें	x
WajaAAalna ibna maryama waommahu ayatan waawaynahuma ila rabwatin thati qararin	x	And We made the son of Mary and his mother a sign and sheltered them within a high ground having level [areas] and flowing water.	23:50	और मरयम के बेटे और उसकी माँ को हमने एक निशानी बनाया। और हमने उन्हें रहने योग्य स्रोतबाली ऊँची जगह शरण दी,	x
Ya ayyuha alrrusulu kuloo mina alttayyibati waiAAmaloo salihan innee bima taAAmaloona AAaleemun	x	[Allah said], "O messengers, eat from the good foods and work righteousness. Indeed, I, of what you do, am Knowing.	23:51	"ऐ पैग़म्बरो! अच्छी पाक चीज़े खाओ और अच्छा कर्म करो। जो कुछ तुम करते हो उसे मैं जानता हूँ	x
Wainna hathihi ommatukum ommatan wahidatan waana rabbukum faittaqooni	**[There should be one religion only. 21:92, 23:52. One earth, one God, One religion, One ruler concept. All have to be under one governance.]**	And indeed this, your religion, is one religion, and I am your Lord, so fear Me."	23:52	और निश्चय ही यह तुम्हारा समुदाय, एक ही समुदाय है और मैं तुम्हारा रब हूँ। अतः मेरा डर रखो।"	**[धर्म सिर्फ़ एक होना चाहिए। 21:92, 23:52. एक धरती, एक भगवान, एक धर्म, एक शासक का कॉन्सेप्ट। सभी को एक ही सरकार के तहत होना चाहिए।]**

FataqattaAAoo amrahum baynahum zuburan kullu hizbin bima ladayhim farihoona	Same things Muslims have done.	But the people divided their religion among them into sects - each faction, in what it has, rejoicing.	23:53	किन्तु उन्होंने स्वयं अपने मामले (धर्म) को परस्पर टुकड़े-टुकड़े कर डाला। हर गिरोह उसी पर खुश है, जो कुछ उसके पास है	मुसलमानों ने भी यही किया है।
Fatharhum fee ghamratihim hatta heenin	x	So leave them in their confusion for a time.	23:54	अच्छा तो उन्हें उनकी अपनी बेहोशी में डूबे हुए ही एक समय तक छोड़ दो	x
Ayahsaboona annama numidduhum bihi min malin	x	Do they think that what We extend to them of wealth and children	23:55	क्या वे समझते है कि हम जो उनकी धन और सन्तान से सहायता किए जा रहे है,	x
NusariAAu lahum fee alkhayrati bal la yashAAuroona	x	Is [because] We hasten for them good things? Rather, they do not perceive.	23:56	तो यह उनके भलाइयों में कोई जल्दी कर रहे है?	x
Inna allatheena hum min khashyati rabbihim mushfiqoona	x	Indeed, they who are apprehensive from fear of their Lord	23:57	नहीं, बल्कि उन्हें इसका एहसास नहीं है। निश्चय ही जो लोग अपने रब के भय से काँपते रहते हैं;	x
Waallatheena hum biayati rabbihim yuminoona	x	And they who believe in the signs of their Lord	23:58	और जो लोग अपने रब की आयतों पर ईमान लाते है;	x
Waallatheena hum birabbihim la yushrikoona	x	And they who do not associate anything with their Lord	23:59	और जो लोग अपने रब के साथ किसी को साझी नहीं ठहराते;	x
Waallatheena yutoona ma ataw waquloobuhum wajilatun annahum ila rabbihim rajiAAoona	x	And they who give what they give while their hearts are fearful because they will be returning to their Lord -	23:60	और जो लोग देते है, जो कुछ देते है और हाल यह होता है कि दिल उनके काँप रहे होते है, इसलिए कि उन्हें अपने रब की ओर पलटना है;	x

Olaika yusariAAoona fee alkhayrati wahum laha sabiqoona	x	It is those who hasten to good deeds, and they outstrip [others] therein.	23:61	यही वे लोग है, जो भलाइयों में जल्दी करते है और यही उनके लिए अग्रसर रहनेवाले है।	x
Wala nukallifu nafsan illa wusAAaha waladayna kitabun yantiqu bialhaqqi wahum la yuthlamoona	**[Why does suicides happen.]**	And We charge no soul except [with that within] its capacity, and with Us is a record which speaks with truth; and they will not be wronged.	23:62	हम किसी व्यक्ति पर उसकी समाई (क्षमता) से बढ़कर ज़िम्मेदारी का बोझ नहीं डालते और हमारे पास एक किताब है, जो ठीक-ठीक बोलती है, और उनपर ज़ुल्म नहीं किया जाएगा	**[आत्महत्याएँ क्यों होती हैं?]**
Bal quloobuhum fee ghamratin min hatha walahum aAAmalun min dooni thalika hum laha AAamiloona	x	But their hearts are covered with confusion over this, and they have [evil] deeds besides disbelief which they are doing,	23:63	बल्कि उनके दिल इसकी (सत्य धर्म की) ओर से हटकर (वसवसों और गफ़लतों आदि के) भँवर में पडे हुए है और उससे (ईमानवालों की नीति से) हटकर उनके कुछ और ही काम है। वे उन्हीं को करते रहेंगे;	x
Hatta itha akhathna mutrafeehim bialAAathabi itha hum yajaroona	x	Until when We seize their affluent ones with punishment, at once they are crying [to Allah] for help.	23:64	यहाँ तक कि जब हम उनके खुशहाल लोगों को यातना में पकड़ेगे तो क्या देखते है कि वे विलाप और फ़रियाद कर रहे है	x
La tajaroo alyawma innakum minna la tunsaroona	x	Do not cry out today. Indeed, by Us you will not be helped.	23:65	(कहा जाएगा,) "आज चिल्लाओ मत, तुम्हें हमारी ओर से कोई सहायता मिलनेवाली नहीं	x

Qad kanat ayatee tutla AAalaykum fakuntum AAala aAAqabikum tankisoona	x	My verses had already been recited to you, but you were turning back on your heels	23:66	तुम्हें मेरी आयतें सुनाई जाती थीं, तो तुम अपनी एड़ियों के बल फिर जाते थे।	x
Mustakbireena bihi samiran tahjuroona	x	In arrogance regarding it, conversing by night, speaking evil.	23:67	हाल यह था कि इसके कारण स्वयं को बड़ा समझते थे, उसे एक कहानी कहनेवाला ठहराकर छोड़ चलते थे	x
Afalam yaddabbaroo alqawla am jaahum ma lam yati abaahumu	x	Then have they not reflected over the Qur'an, or has there come to them that which had not come to their forefathers?	23:68	क्या उन्होंने इस वाणी पर विचार नहीं किया या उनके पास वह चीज़ आ गई जो उनके पहले बाप-दादा के पास न आई थी?	x
Am lam yaAArifoo rasoolahum fahum lahu munkiroona	x	Or did they not know their Messenger, so they are toward him disacknowledging?	23:69	या उन्होंने अपने रसूल को पहचाना नहीं, इसलिए उसका इनकार कर रहे है?	x
Am yaqooloona bihi jinnatun bal jaahum bialhaqqi waaktharuhum lilhaqqi karihoona	**[Nobody is averse of truth; only thing is that everyone can not be convinced to follow one ideology.]**	Or do they say, "In him is madness?" Rather, he brought them the truth, but most of them, to the truth, are averse.	23:70	या वे कहते है, "उसे उन्माद हो गया है।" नहीं, बल्कि वह उनके पास सत्य लेकर आया है। किन्तु उनमें अधिकांश को सत्य अप्रिय है	**[सच से कोई भी मुंह नहीं मोड़ सकता; बस एक बात है कि हर किसी को एक ही सोच मानने के लिए राज़ी नहीं किया जा सकता।]**

Walawi ittabaAAa alhaqqu ahwaahum lafasadati alssamawatu waalardu waman feehinna bal ataynahum bithikrihim fahum AAan thikrihim muAAridoona	x	But if the Truth had followed their inclinations, the heavens and the earth and whoever is in them would have been ruined. Rather, We have brought them their message, but they, from their message, are turning away.	23:71	और यदि सत्य कहीं उनकी इच्छाओं के पीछे चलता तो समस्त आकाश और धरती और जो भी उनमें है, सबमें बिगाड़ पैदा हो जाता। नहीं, बल्कि हम उनके पास उनके हिस्से की अनुस्मृति लाए है। किन्तु वे अपनी अनुस्मृति से कतरा रहे है	x
Am tasaluhum kharjan fakharaju rabbika khayrun wahuwa khayru alrraziqeena	**[But, Prophet used to take one fifth of war booties and full of Fai.]**	Or do you, [O Muhammad], ask them for payment? But the reward of your Lord is best, and He is the best of providers.	23:72	या तुम उनसे कुथ शुल्क माँग रहे हो? तुम्हारे रब का दिया ही उत्तम है। और वह सबसे अच्छी रोज़ी देनेवाला है	**[लेकिन, पैगंबर युद्ध की लूट का पांचवां हिस्सा और पूरा फ़ई लेते थे।]**
Wainnaka latadAAoohum ila siratin mustaqeemin	x	And indeed, you invite them to a straight path.	23:73	और वास्तव में तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुला रहे हो	x
Wainna allatheena la yuminoona bialakhirati AAani alssirati lanakiboona	x	But indeed, those who do not believe in the Hereafter are deviating from the path.	23:74	किन्तु जो लोग आख़िरत पर ईमान नहीं रखते वे इस मार्ग से हटकर चलना चाहते है	x
Walaw rahimnahum wakashafna ma bihim min durrin lalajjoo fee tughyanihim yaAAmahoona	**x**	And even if We gave them mercy and removed what was upon them of affliction, they would persist in their transgression, wandering blindly.	23:75	यदि हम (किसी आज़माइश में डालने के पश्चात) उनपर दया करते और जिस तकलीफ़ में वे होते उसे दूर कर देते तो भी वे अपनी सरकशी में हठात बहकते रहते	x

Walaqad akhathnahum bialAAathabi fama istakanoo lirabbihim wama yatadarraAAoona	Abu Sufyan went to see the Messenger (pbuh) and said: 'I beseech you by Allah and our ties of kinship; do you not claim that you have been sent a mercy unto the worlds'. He said: 'Indeed!' Abu Sufyan said: 'But you have killed fathers with the sword and children with hunger', and so came this verse. **[Contradiction: Allah warns by, 21:45 only revelations, 23:76 Sending suffering and 25:39 examples also]**	And We had gripped them with suffering [as a warning], but they did not yield to their Lord, nor did they humbly supplicate, [and will continue thus]	23:76	यद्यपि हमने उन्हें यातना में पकड़ा, फिर भी वे अपने रब के आगे न तो झुके और न वे गिड़गिड़ाते ही थे	अबू सुफ़यान रसूल (स.) से मिलने गए और कहा: 'मैं अल्लाह और हमारे रिश्तेदारों की कसम खाकर तुमसे गुज़ारिश करता हूँ; क्या तुम यह दावा नहीं करते कि तुम्हें दुनिया के लिए रहमत भेजा गया है?' उन्होंने कहा: 'हाँ!' अबू सुफ़यान ने कहा: 'लेकिन तुमने पिताओं को तलवार से और बच्चों को भूख से मारा है', और इस तरह यह आयत आई। **[विरोधाभास: अल्लाह चेतावनी देता है, 21:45 सिर्फ़ खुलासे से, 23:76 दुख भेजकर और 25:39 उदाहरण भी]**
Hatta itha fatahna AAalayhim baban tha AAathabin shadeedin itha hum feehi mublisoona	x	Until when We have opened before them a door of severe punishment, immediately they will be therein in despair.	23:77	यहाँ तक कि जब हम उनपर कठोर यातना का द्वार खोल दें तो क्या देखेंगे कि वे उसमें निराश होकर रह गए है	x
Wahuwa allathee anshaa lakumu alssamAAa waalabsara waalafidata qaleelan ma tashkuroona	x	And it is He who produced for you hearing and vision and hearts; little are you grateful.	23:78	और वही है जिसने तुम्हारे लिए कान और आँखे और दिल बनाए। तुम कृतज्ञता थोड़े ही दिखाते हो!	x
Wahuwa allathee tharaakum fee alardi wailayhi tuhsharoona	x	And it is He who has multiplied you throughout the earth, and to Him you will be gathered.	23:79	वही है जिसने तुम्हें धरती में पैदा करके फैलाया और उसी की ओर तुम इकट्ठे होकर जाओगे	x

Wahuwa allathee yuhyee wayumeetu walahu ikhtilafu allayli waalnnahari afala taAAqiloona	x	And it is He who gives life and causes death, and His is the alternation of the night and the day. Then will you not reason?	23:80	और वही है जो जीवन प्रदान करता और मृत्यु देता है और रात और दिन का उलट-फेर उसी के अधिकार में है। फिर क्या तुम बुद्धि से काम नहीं लेते?	x
Bal qaloo mithla ma qala alawwaloona	x	Rather, they say like what the former peoples said.	23:81	नहीं, बल्कि वे लोग वहीं कुछ करते है जो उनके पहले के लोग कह चुके है	x
Qaloo aitha mitna wakunna turaban waAAithaman ainna lamabAAoothoona	x	They said, "When we have died and become dust and bones, are we indeed to be resurrected?	23:82	उन्होंने कहा, "क्या जब हम मरकर मिट्टी और हड्डियाँ होकर रह जाएँगे , तो क्या हमें दोबारा जीवित करके उठाया जाएगा?	x
Laqad wuAAidna nahnu waabaona hatha min qablu in hatha illa asateeru alawwaleena	x	We have been promised this, we and our forefathers, before; this is not but legends of the former peoples."	23:83	यह वादा तो हमसे और इससे पहले हमारे बाप-दादा से होता आ रहा है। कुछ नहीं, यह तो बस अगलों की कहानियाँ है।"	x
Qul limani alardu waman feeha in kuntum taAAlamoona	x	Say, [O Muhammad], "To whom belongs the earth and whoever is in it, if you should know?"	23:84	कहो, "यह धरती और जो भी इसमें आबाद है, वे किसके है, बताओ यदि तुम जानते हो?"	x
Sayaqooloona lillahi qul afala tathakkaroona	Not all non-muslims belive in God e.g. Buddhist, Atheist	They will say, "To Allah." Say, "Then will you not remember?"	23:85	वे बोल पड़ेगे, "अल्लाह के!" कहो, "फिर तुम होश में क्यों नहीं आते?"	सभी गैर-मुस्लिम ईश्वर में विश्वास नहीं रखते, जैसे कि बौद्ध और नास्तिक।
Qul man rabbu alssamawati alssabAAi warabbu alAAarshi alAAatheemi	First of all where are 7 heavens, no one knows. Also God is not like human king who sits on throne.	Say, "Who is Lord of the seven heavens and Lord of the Great Throne?"	23:86	कहो, "सातों आकाशों का मालिक और महान राजासन का स्वामीकौन है?"	सबसे पहले तो, 7 स्वर्ग कहाँ हैं—यह कोई नहीं जानता। साथ ही, ईश्वर किसी ऐसे इंसानी राजा की तरह नहीं है जो सिंहासन पर बैठता हो।

Sayaqooloona lillahi qul afala tattaqoona	**[Why fear, God is very merciful.]**	They will say, "[They belong] to Allah." Say, "Then will you not fear Him?"	23:87	वे कहेंगे, "सब अल्लाह के है।" कहो, "फिर डर क्यों नहीं रखते?"	**[क्यों डरो, भगवान बड़ा दयालु है।]**
Qul man biyadihi malakootu kulli shayin wahuwa yujeeru wala yujaru AAalayhi in kuntum taAAlamoona	x	Say, "In whose hand is the realm of all things - and He protects while none can protect against Him - if you should know?"	23:88	कहो, "हर चीज़ की बादशाही किसके हाथ में है, वह जो शरण देता है औऱ जिसके मुक़ाबले में कोई शरण नहीं मिल सकती, बताओ यजि तुम जानते हो?"	x
Sayaqooloona lillahi qul faanna tusharoona	x	They will say, "[All belongs] to Allah." Say, "Then how are you	23:89	वे बोल पड़ेगे, "अल्लाह की।" कहो, "फिर कहाँ से तुमपर जादू चल जाता है?"	x
Bal ataynahum bialhaqqi wainnahum	x	Rather, We have brought them the truth, and indeed they are liars.	23:90	नहीं, बल्कि हम उनके पास सत्य लेकर आए है और निश्चय ही वे झूठे है	x
Ma ittakhatha Allahu min waladin wama kana maAAahu min ilahin ithan lathahaba kullu ilahin bima khalaqa walaAAala baAAduhum AAala baAAdin subhana Allahi AAamma	If Allah would have given power to various deities, each of them would have claimed exclusive control over things leading to anarchy, so there would never be any order in the universe.	Allah has not taken any son, nor has there ever been with Him any deity. [If there had been], then each deity would have taken what it created, and some of them would have sought to overcome others. Exalted is Allah above what they describe [concerning Him].	23:91	अल्लाह ने अपना कोई बेटा नहीं बनाया और न उसके साथ कोई अन्य पूज्य-प्रभु है। ऐसा होता तो प्रत्येक पूज्य-प्रभु अपनी सृष्टि को लेकर अलग हो जाता और उनमें से एक-दूसरे पर चढ़ाई कर देता। महान और उच्च है अल्लाह उन बातों से, जो वे बयान करते है;	यदि अल्लाह ने विभिन्न देवी-देवताओं को शक्ति दी होती, तो उनमें से प्रत्येक चीज़ों पर अपना एकाधिकार जताता, जिससे अराजकता फैल जाती; अतः ब्रह्मांड में कभी कोई व्यवस्था स्थापित न हो पाती।
AAalimi alghaybi waalshshahadati fataAAala AAamma yushrikoona	**[When no dieties exist, what is the point of comparing.]**	[He is] Knower of the unseen and the witnessed, so high is He above what they associate [with Him].	23:92	जाननेवाला है छुपे और खुले का। सो वह उच्चतर है वह शिर्क से जो वे करते है!	**[जब कोई देवता नहीं है, तो तुलना करने का क्या मतलब है।]**

Qul rabbi imma turiyannee ma yooAAadoona	x	Say, [O Muhammad], "My Lord, if You should show me that which they are promised,	23:93	कहो, "ऐ मेरे रब! जिस चीज़ का वादा उनसे किया जा रहा है, वह यदि तू मुझे दिखाए	x
Rabbi fala tajAAalnee fee alqawmi alththalimeena	x	My Lord, then do not place me among the wrongdoing people."	23:94	तो मेरे रब! मुझे उन अत्याचारी लोगों में सम्मिलित न करना।"	x
Wainna AAala an nuriyaka ma naAAiduhum laqadiroona	x	And indeed, We are able to show you what We have promised them.	23:95	निश्चय ही हमें इसकी सामर्थ्य प्राप्त है कि हम उनसे जो वादा कर रहे है, वह तुम्हें दिखा दें।	x
IdfaAA biallatee hiya ahsanu alssayyiata nahnu aAAlamu bima	x	Repel, by [means of] what is best, [their] evil. We are most knowing of what they describe.	23:96	बुराई को उस ढंग से दूर करो, जो सबसे उत्तम हो। हम भली-भाँति जानते है जो कुछ बातें वे बनाते है	x
Waqul rabbi aAAoothu bika min hamazati alshshayateeni	**[But devil does not affect the chosen ones by Allah.]**	And say, "My Lord, I seek refuge in You from the incitements of the devils,	23:97	और कहो, "ऐ मेरे रब! मैं शैतान की उकसाहटों से तेरी शरण चाहता हूँ	**[लेकिन शैतान अल्लाह के चुने हुए लोगों को प्रभावित नहीं करता है।]**
WaaAAoothu bika rabbi an yahdurooni	x	And I seek refuge in You, my Lord, lest they be present with me."	23:98	और मेरे रब! मैं इससे भी तेरी शरण चाहता हूँ कि वे मेरे पास आएँ।" -	x
Hatta itha jaa ahadahumu almawtu qala rabbi irjiAAooni	x	[For such is the state of the disbelievers], until, when death comes to one of them, he says, "My Lord, send me back	23:99	यहाँ तक कि जब उनमें से किसी की मृत्यु आ गई तो वह कहेगा, "ऐ मेरे रब! मुझे लौटा दे। - ताकि जिस (संसार) को मैं छोड़ आया हूँ	x

LaAAallee aAAmalu salihan feema taraktu kalla innaha kalimatun huwa qailuha wamin waraihim barzakhun ila yawmi yubAAathoona	x	That I might do righteousness in that which I left behind." No! It is only a word he is saying; and behind them is a barrier until the Day they are resurrected.	23:100	उसमें अच्छा कर्म करूँ।" कुछ नहीं, यह तो बस एक (व्यर्थ) बात है जो वह कहेगा और उनके पीछे से लेकर उस दिन तक एक रोक लगी हुई है, जब वे दोबारा उठाए जाएँगे	x
Faitha nufikha fee alssoori fala ansaba baynahum yawmaithin wala yatasaaloona	On Judgment Day, the scoffers will have no one to help them. Everyone will stand alone before Allah.	So when the Horn is blown, no relationship will there be among them that Day, nor will they ask about one another.	23:101	फिर जब सूर (नरसिंघा) में फूँक मारी जाएगी तो उस दिन उनके बीच रिश्ते-नाते शेष न रहेंगे, और न वे एक-दूसरे को पूछेंगे	क़यामत के दिन, मज़ाक उड़ाने वालों की मदद करने वाला कोई नहीं होगा। हर कोई अल्लाह के सामने अकेला खड़ा होगा।
Faman thaqulat mawazeenuhu faolaika humu almuflihoona	x	And those whose scales are heavy [with good deeds] - it is they who are the successful.	23:102	फिर जिनके पलड़े भारी हुए तो वही हैं जो सफल।	x
Waman khaffat mawazeenuhu faolaika allatheena khasiroo anfusahum fee jahannama khalidoona	x	But those whose scales are light - those are the ones who have lost their souls, [being] in Hell, abiding eternally.	23:103	रहे वे लोग जिनके पलड़े हल्के हुए, तो वही है जिन्होंने अपने आपको घाटे में डाला। वे सदैव जहन्नम में रहेंगे	x
Talfahu wujoohahumu alnnaru wahum feeha kalihoona	The Tafsir al-Jalalayn says: “The Fire will sear their faces, making them grimace horribly in it, their lips drawn back from their teeth.	The Fire will sear their faces, and they therein will have taut smiles.	23:104	आग उनके चेहरों को झुलसा देगी और उसमें उनके मुँह विकृत हो रहे होंगे	तफ़सीर अल-जलालेन कहती है: “आग उनके चेहरों को झुलसा देगी, जिससे वे उसमें भयानक रूप से मुँह बिचकाएँगे, और उनके होंठ उनके दाँतों से पीछे हट जाएँगे।”

Alam takun ayatee tutla AAalaykum fakuntum biha tukaththiboona	**[If someone is not convineced, obvious he may deny. Also Quran says there is no compulsion in religion.]**	[It will be said]. "Were not My verses recited to you and you used to deny them?"	23:105	(कहा जाएगा,) "क्या तुम्हें मेरी आयातें सुनाई नहीं जाती थी, तो तुम उन्हें झुठलाते थे?"	**[अगर कोई यकीन नहीं करता, तो ज़ाहिर है कि वह इनकार कर सकता है। साथ ही कुरान कहता है कि धर्म में कोई ज़बरदस्ती नहीं है।]**
Qaloo rabbana ghalabat AAalayna shiqwatuna wakunna qawman	x	They will say, "Our Lord, our wretchedness overcame us, and we were a people astray.	23:106	वे कहेंगे, "ऐ हमारे रब! हमारा दुर्भाग्य हमपर प्रभावी हुआ और हम भटके हुए लोग थे	x
Rabbana akhrijna minha fain AAudna fainna thalimoona	x	Our Lord, remove us from it, and if we were to return [to evil], we would indeed be wrongdoers."	23:107	हमारे रब! हमें यहाँ से निकाल दे! फिर हम दोबारा ऐसा करें तो निश्चय ही हम अत्याचारी होंगे।"	x
Qala ikhsaoo feeha wala tukallimooni	x	He will say, "Remain despised therein and do not speak to Me.	23:108	वह कहेगा, "फिटकारे हुए तिरस्कृत, इसी में पड़े रहो और मुझसे बात न करो	x
Innahu kana fareequn min AAibadee yaqooloona rabbana amanna faighfir lana wairhamna waanta	x	Indeed, there was a party of My servants who said, 'Our Lord, we have believed, so forgive us and have mercy upon us, and You are the best of the	23:109	मेरे बन्दों में कुछ लोग थे, जो कहते थे, हमारे रब! हम ईमान ले आए। अतः तू हमें क्षमा कर दे और हमपर दया कर। तू सबसे अच्छा दया करनेवाला है	x
Faittakhathtumoohum sikhriyyan hatta ansawkum thikree wakuntum minhum tadhakoona	x	But you took them in mockery to the point that they made you forget My remembrance, and you used to laugh at them.	23:110	तो तुमने उनका उपहास किया, यहाँ तक कि उनके कारण तुम मेरी याद को भुला बैठे और तुम उनपर हँसते रहे	x
Innee jazaytuhumu alyawma bima sabaroo annahum humu alfaizoona	x	Indeed, I have rewarded them this Day for their patient endurance - that they are the attainers [of success]."	23:111	आज मैंने उनके धैर्य का यह बदला प्रदान किया कि वही है जो सफलता को प्राप्त हुए।"	x

Qala kam labithtum fee alardi AAadada sineena	x	[Allah] will say, "How long did you remain on earth in number of years?"	23:112	वह कहेगाः “तुम धरती में कितने वर्ष रहे”?	x
Qaloo labithna yawman aw baAAda yawmin faisali alAAaddeena	x	They will say, "We remained a day or part of a day; ask those who enumerate."	23:113	वे कहेंगेः , "एक दिन या एक दिन का कुछ भाग। गणना करनेवालों से पूछ लीजिए।?"	x
Qala in labithtum illa qaleelan law annakum kuntum taAAlamoona	x	He will say, "You stayed not but a little - if only you had known.	23:114	वह कहेगा, "तुम ठहरे थोड़े ही, क्या अच्छा होता तुम जानते होते!	x
Afahasibtum annama khalaqnakum AAabathan waannakum ilayna	x	Then did you think that We created you uselessly and that to Us you would not be returned?"	23:115	तो क्या तुमने यह समझा था कि हमने तुम्हें व्यर्थ पैदा किया है और यह कि तुम्हें हमारी और लौटना नहीं है?"	x
FataAAala Allahu almaliku alhaqqu la ilaha illa huwa rabbu alAAarshi	x	So exalted is Allah, the Sovereign, the Truth; there is no deity except Him, Lord of the Noble Throne.	23:116	तो सर्वोच्च है अल्लाह, सच्चा सम्राट! उसके सिवा कोई पूज्य-प्रभु नहीं, स्वामी है महिमाशाली सिंहासन का	x
Waman yadAAu maAAa Allahi ilahan akhara la burhana lahu bihi fainnama hisabuhu AAinda rabbihi innahu la yuflihu alkafiroona	x	And whoever invokes besides Allah another deity for which he has no proof - then his account is only with his Lord. Indeed, the disbelievers will not succeed.	23:117	और जो कोई अल्लाह के साथ किसी दूसरे पूज्य को पुकारे, जिसके लिए उसके पास कोई प्रमाम नहीं, तो बस उसका हिसाब उसके रब के पास है। निश्चय ही इनकार करनेवाले कभी सफल नहीं होगे	x
Waqul rabbi ighfir wairham waanta khayru alrrahimeena	x	And, [O Muhammad], say, "My Lord, forgive and have mercy, and You are the best of the merciful."	23:118	और कहो, "मेरे रब! मुझे क्षमा कर दे और दया कर। तू तो सबसे अच्छा दया करनेवाला है।"	x

Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**An-Nur (The Light)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**24:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अन-नूर (प्रकाश)**
Sooratun anzalnaha wafaradnaha waanzalna feeha ayatin bayyinatin laAAallakum tathakkaroona	This is a Medinan surah that was revealed after the Muslims' defeat of a pagan Arab tribe, the Banu al-Mustaliq.	[This is] a surah which We have sent down and made [that within it] obligatory and revealed therein verses of clear evidence that you might remember.	24:1	यह एक (महत्वपूर्ण) सूरा है, जिसे हमने उतारा है। और इसे हमने अनिवार्य किया है, और इसमें हमने स्पष्ट आयतें (आदेश) अवतरित की है। कदाचित तुम शिक्षा ग्रहण करो	यह एक मदीनी सूरह है जो मुसलमानों द्वारा एक अरब मूर्ति-पूजक कबीले, बनू अल-मुस्तलिक, पर विजय पाने के बाद प्रकट हुई थी।

Alzzaniyatu waalzzanee faijlidoo kulla wahidin minhuma miata jaldatin wala takhuthkum bihima rafatun fee deeni Allahi in kuntum tuminoona biAllahi waalyawmi alakhiri walyashhad AAathabahuma taifatun mina almumineena	**[In the verse "unmarried" is not mentioned in Arabic text; Women are mostly the victim in cases of sexual offence, as she can not produce 4 male witnesses and if gets pregnant, she has to confess; For married person the penalty is stoning till death, which is prescribed in Verse of Rajam (This verse is not present in Quran; however, the ruling is till in practice. see Sahih Bukhari 6829, 7323, Sahih Muslim 1691a, Sunan Abi Dawud 4418, Jami` at-Tirmidhi 1432, Sunan Ibn Majah 1944); For other missing verses, Sahih Muslim 1050, 1452a, 3598, An-Nasa'i 3309, Sahih Bukhari 4090, 4095, 4481, 5005, Sunan Abi Dawud 786, Tirmidhi 3086.]**	The [unmarried] woman or [unmarried] man found guilty of sexual intercourse - lash each one of them with a hundred lashes, and do not be taken by pity for them in the religion of Allah, if you should believe in Allah and the Last Day. And let a group of the believers witness their punishment.	24:2	व्यभिचारिणी और व्यभिचारी - इन दोनों में से प्रत्येक को सौ कोड़े मारो और अल्लाह के धर्म (क़ानून) के विषय में तुम्हें उनपर तरस न आए, यदि तुम अल्लाह औऱ अन्तिम दिन को मानते हो। और उन्हें दंड देते समय मोमिनों में से कुछ लोगों को उपस्थित रहना चाहिए	**[यौन अपराध के मामलों में महिलाएं अधिकतर पीड़ित होती हैं, क्योंकि वह 4 पुरुष गवाह नहीं दे सकतीं और अगर गर्भवती हो जाती है, तो उसे स्वीकार करना पड़ता है; विवाहित व्यक्ति के लिए सजा पत्थर मारकर मौत तक है, जो राजम की आयत में निर्धारित है (यह आयत क़ुरआन में मौजूद नहीं है; हालांकि, यह नियम अब भी प्रचलन में है। देखिए सहिह़ बुख़ारी 6829, 7323, सहिह़ मुस्लिम 1691a, सुन्नन अबी दाउद 4418, जामी़ अत-तिरमिधी 1432, सुन्नन इब्न माजाह 1944); अन्य गायब आयतों के लिए, सहिह़ मुस्लिम 1050, 1452a, 3598, अन-नसाई 3309, सहिह़ बुख़ारी 4090, 4095, 4481, 5005, सुन्नन अबी दाउद 786, तिरमिधी 3086.]**

Alzzanee la yankihu illa zaniyatan aw mushrikatan waalzzaniyatu la yankihuha illa zanin aw mushrikun wahurrima thalika AAala almumineena	When the Emigrants, some of whom without any means, arrived at Medina, they found prostitutes in Medina. These prostitutes were, at that time, amongst the most well-off people of Medina. Some poor Emigrants coveted their earnings, saying: 'Why do we not marry them and live with them until Allah suffices us from them?' They asked permission from the Messenger (pbuh) to marry them, but then this verse was revealed.	The fornicator does not marry except a [female] fornicator or polytheist, and none marries her except a fornicator or a polytheist, and that has been made unlawful to the believers.	24:3	व्यभिचारी किसी व्यभिचारिणी या बहुदेववादी स्त्री से ही निकाह करता है। और (इसी प्रकार) व्यभिचारिणी, किसी व्यभिचारी या बहुदेववादी से ही निकाह करते है। और यह मोमिनों पर हराम है	जब प्रवासी, जिनमें से कुछ के पास कोई साधन नहीं था, मदीना पहुँचे, तो उन्होंने मदीना में वेश्या पाए। उन वेश्याओं को उस समय मदीना के सबसे संपन्न लोगों में गिना जाता था। कुछ गरीब प्रवासियों ने उनकी कमाई की कामना की और कहा: 'हम उन्हें क्यों न शादी कर लें और उनके साथ रहें जब तक अल्लाह हमें उनसे पर्याप्त नहीं कर देता?' उन्होंने उनसे शादी करने की अनुमति के लिए पैगंबर (स.) से पूछा, लेकिन फिर यह आयत नाज़िल हुई।
Waallatheena yarmoona almuhsanati thumma lam yatoo biarbaAAati shuhadaa faijlidoohum thamaneena jaldatan wala taqbaloo lahum shahadatan abadan waolaika humu alfasiqoona	See 24:11, 24:13 to understand the context. On the need for four witnesses.**[It is also obligatory for a female to produce 4 witnesses to prove rape; Whether God will forgive those who put false allegation on chaste women: No 24:23, 24:4, Yes 24:5]**	And those who accuse chaste women and then do not produce four witnesses - lash them with eighty lashes and do not accept from them testimony ever after. And those are the defiantly disobedient,	24:4	और जो लोग शरीफ़ और पाकदामन स्त्री पर तोहमत लगाएँ, फिर चार गवाह न लाएँ, उन्हें अस्सी कोड़े मारो और उनकी गवाही कभी भी स्वीकार न करो - वही है जो अवज्ञाकारी है। -	संदर्भ को समझने के लिए 24:11, 24:13 देखें। चार गवाहों की आवश्यकता के बारे में। **[बलात्कार साबित करने के लिए महिला के लिए भी 4 गवाह पेश करना अनिवार्य है; क्या ईश्वर उन लोगों को माफ करेंगे जिन्होंने पवित्र महिलाओं पर झूठा आरोप लगाया: नहीं 24:23, 24:4, हाँ 24:5]**

Illa allatheena taboo min baAAdi thalika waaslahoo fainna Allaha ghafoorun raheemun	**[Abrogates the previous verse.]**	Except for those who repent thereafter and reform, for indeed, Allah is Forgiving and Merciful.	24:5	सिवाय उन लोगों के जो इसके पश्चात तौबा कर लें और सुधार कर लें। तो निश्चय ही अल्लाह बहुत क्षमाशील, अत्यन्त दयावान है	**[पिछले श्लोक को निरस्त करता है।]**
Waallatheena yarmoona azwajahum walam yakun lahum shuhadao illa anfusuhum fashahadatu ahadihim arbaAAu shahadatin biAllahi innahu lamina alssadiqeena	This verse was revealed when one of the prophet companion found his wife sleeping with someone else but he could not produce four witnesses; then Allah revealed the following verse to save him from flogging. This is procedure of Lian, when a man founds his wife committing adultry. **[Partial abrogation of 24:4]**	And those who accuse their wives [of adultery] and have no witnesses except themselves - then the witness of one of them [shall be] four testimonies [swearing] by Allah that indeed, he is of the truthful.	24:6	और जो लोग अपनी पत्नियों पर दोषारोपण करें और उनके पास स्वयं के सिवा गवाह मौजूद न हों, तो उनमें से एक (अर्थात पति) चार बार अल्लाह की क़सम खाकर यह गवाही दे कि वह बिलकुल सच्चा है	यह आयत तब उतारी गई जब एक नबी के साथी ने अपनी पत्नी को किसी और के साथ सोते हुए पाया लेकिन वह चार गवाह पेश नहीं कर सका; तब अल्लाह ने उसे कोड़े मारने से बचाने के लिए निम्नलिखित आयत अवतरित की। यह लियान की प्रक्रिया है, जब किसी आदमी को अपनी पत्नी को व्यभिचार करते हुए पाया जाता है। **[24:4 का आंशिक निरसन]**
Waalkhamisatu anna laAAnata Allahi AAalayhi in kana mina alkathibeena	x	And the fifth [oath will be] that the curse of Allah be upon him if he should be among the liars.	24:7	और पाँचवी बार यह गवाही दे कि यदि वह झूठा हो तो उसपर अल्लाह की फिटकार हो	x
Wayadrao AAanha alAAathaba an tashhada arbaAAa shahadatin biAllahi innahu lamina alkathibeena	x	But it will prevent punishment from her if she gives four testimonies [swearing] by Allah that indeed, he is of the liars.	24:8	पत्नी से भी सज़ा को यह बात टाल सकती है कि वह चार बार अल्लाह की क़सम खाकर गवाही दे कि वह बिलकुल झूठा है	x
Waalkhamisata anna ghadaba Allahi AAalayha in kana mina alssadiqeena	x	And the fifth [oath will be] that the wrath of Allah be upon her if he was of the truthful.	24:9	और पाँचवी बार यह कहें कि उसपर (उस स्त्री पर) अल्लाह का प्रकोप हो, यदि वह सच्चा हो	x

Walawla fadlu Allahi AAalaykum warahmatuhu waanna Allaha tawwabun hakeemun	**[A wise law should have taken into account all most of pros and cons.]**	And if not for the favor of Allah upon you and His mercy... and because Allah is Accepting of repentance and Wise.	24:10	यदि तुम अल्लाह की उदार कृपा और उसकी दया न होती (तो तुम संकट में पड़े जाते), और यह कि अल्लाह बड़ा तौबा क़बूल करनेवाला,अत्यन्त तत्वदर्शी है	**[एक समझदार कानून को अधिकांश फायदे और नुकसान को ध्यान में रखना चाहिए था।]**
Inna allatheena jaoo bialifki AAusbatun minkum la tahsaboohu sharran lakum bal huwa khayrun lakum likulli imriin minhum ma iktasaba mina alithmi waallathee tawalla kibrahu minhum lahu AAathabun AAatheemun	This is regaring allegation of adultry over prophets wife Aisha. Sahih Bukhari Sahih Bukhari 2661, Sahih Muslim 2770.	Indeed, those who came with falsehood are a group among you. Do not think it bad for you; rather it is good for you. For every person among them is what [punishment] he has earned from the sin, and he who took upon himself the greater portion thereof - for him is a great punishment.	24:11	जो लोग तोहमत घड़ लाए है वे तुम्हारे ही भीतर की एक टोली है। तुम उसे अपने लिए बुरा मत समझो, बल्कि वह भी तुम्हारे लिए अच्छा ही है। उनमें से प्रत्येक व्यक्ति के लिए उतना ही हिस्सा है जितना गुनाह उसने कमाया, और उनमें से जिस व्यक्ति ने उसकी ज़िम्मेदारी का एक बड़ा हिस्सा अपने सिर लिया उसके लिए बड़ा यातना है	यह पैगंबर की पत्नी आयशा के विरुद्ध व्यभिचार के आरोप से संबंधित है। सहिह बुखारी सहिह बुखारी 2661, सहिह मुस्लिम 2770।
Lawla ith samiAAtumoohu thanna almuminoona waalmuminatu bianfusihim khayran waqaloo hatha ifkun	x	Why, when you heard it, did not the believing men and believing women think good of one another and say, "This is an obvious falsehood"?	24:12	ऐसा क्यों न हुआ कि जब तुम लोगों ने उसे सुना था, तब मोमिन पुरुष और मोमिन स्त्रियाँ अपने आपसे अच्छा गुमान करते और कहते कि "यह तो खुली तोहमत है?"	x

Lawla jaoo AAalayhi biarbaAAati shuhadaa faith lam yatoo bialshshuhadai faolaika AAinda Allahi humu alkathiboona	Continuation of 24:11. Punishment is described in 24:4 and later provision of Lian is added. [**Those who are unable to produce 4 witness are liars. In a scenerio of rape, it is responsibility of the women to produce 4 witnesses other wise she will be penalized. See Hadith Abi Dawud 4452, 4413. However, if a married person accuses his wife for adultary the ruling of Lian applies (24:6-9). The verse of Lian was revelated after the following incidence Ibn Majah 2068, Bukhari 4747]**	Why did they [who slandered] not produce for it four witnesses? And when they do not produce the witnesses, then it is they, in the sight of Allah, who are the liars.	24:13	आख़िर वे इसपर चार गवाह क्यों न लाए? अब जबकि वे गवाह नहीं लाए, तो अल्लाह की स्पष्ट में वही झूठे है	24:11 का निरंतरता। दंड का वर्णन 24:4 में किया गया है और बाद में लिआन की प्रावधान जोड़ा गया। **[जो चार गवाह पेश करने में असमर्थ हैं वे झूठे हैं। बलात्कार के मामले में, महिलाओं की जिम्मेदारी है कि वे चार गवाह पेश करें अन्यथा उन्हें दंडित किया जाएगा। देखिए हदीस अबी दाऊद 4452, 4413। हालांकि, यदि कोई विवाहित व्यक्ति अपनी पत्नी पर व्यभिचार का आरोप लगाता है तो लिआन का निर्णय लागू होता है (24:6-9)। लिआन की आयत निम्नलिखित घटना के बाद प्रकट की गई थी इब्न माहाज 2068, बुखारी 4747]**
Walawla fadlu Allahi AAalaykum warahmatuhu fee alddunya waalakhirati lamassakum fee ma afadtum feehi AAathabun	x	And if it had not been for the favor of Allah upon you and His mercy in this world and the Hereafter, you would have been touched for that [lie] in which you were involved by a great punishment	24:14	यदि तुमपर दुनिया और आख़िरत में अल्लाह की उदार कृपा और उसकी दयालुता न होती तो जिस बात में तुम पड़ गए उसके कारण तुम्हें एक बड़ी यातना आ लेती	x

Ith talaqqawnahu bialsinatikum wataqooloona biafwahikum ma laysa lakum bihi AAilmun watahsaboonahu hayyinan wahuwa AAinda Allahi AAatheemun	x	When you received it with your tongues and said with your mouths that of which you had no knowledge and thought it was insignificant while it was, in the sight of Allah, tremendous.	24:15	सोचो, जब तुम एक-दूसरे से उस (झूठ) को अपनी ज़बानों पर लेते जा रहे थे और तुम अपने मुँह से वह कुछ कहे जो रहे थे, जिसके विषय में तुम्हें कोई ज्ञान न था और तुम उसे एक साधारण बात समझ रहे थे; हालाँकि अल्लाह के निकट वह एक भारी बात थी	x
Walawla ith samiAAtumoohu qultum ma yakoonu lana an natakallama bihatha subhanaka hatha buhtanun AAatheemun	Abu Ayyub al-Ansari was asked by his wife: Did you not hear about what people are saying? And what are they saying, he exclaimed. She informed him about the slander perpetuated by a group of people regarding Aishah, upon which he said: It is not for us to speak about this. Then this verse was revealed.	And why, when you heard it, did you not say, "It is not for us to speak of this. Exalted are You, [O Allah]; this is a great slander"?	24:16	और ऐसा क्यों न हुआ कि जब तुमने उसे सुना था तो कह देते, "हमारे लिए उचित नहीं कि हम ऐसी बात ज़बान पर लाएँ। महान और उच्च है तू (अल्लाह)! यह तो एक बड़ी तोहमत है?"	अब्द अल-अन्सारी से उनकी पत्नी ने पूछा: क्या तुमने लोगों की बातें नहीं सुनीं? और वे क्या कह रहे हैं, उन्होंने उत्सुकता से पूछा। उन्होंने उसे ऐशा के बारे में कुछ लोगों द्वारा फैलाई गई नफ़रत के बारे में बताया, जिस पर उन्होंने कहा: हमारे लिए इसके बारे में बोलना उचित नहीं है। फिर यह आयत प्रकट हुई।
YaAAithukumu Allahu an taAAoodoo limithlihi abadan in kuntum mumineena	x	Allah warns you against returning to the likes of this [conduct], ever, if you should be believers.	24:17	अल्लाह तुम्हें नसीहत करता है कि फिर कभी ऐसा न करना, यदि तुम मोमिन हो	x
Wayubayyinu Allahu lakumu alayati waAllahu AAaleemun hakeemun	x	And Allah makes clear to you the verses, and Allah is Knowing and Wise.	24:18	अल्लाह तो आयतों को तुम्हारे लिए खोल-खोलकर बयान करता है। अल्लाह तो सर्वज्ञ, तत्वदर्शी है	x

Inna allatheena yuhibboona an tasheeAAa alfahishatu fee allatheena amanoo lahum AAathabun aleemun fee alddunya waalakhirati waAllahu yaAAlamu waantum	x	Indeed, those who like that immorality should be spread [or publicized] among those who have believed will have a painful punishment in this world and the Hereafter. And Allah knows and you do not know.	24:19	जो लोग चाहते है कि उन लोगों में जो ईमान लाए है, अश्लीहलता फैले, उनके लिए दुनिया और आख़िरत (लोक-परलोक) में दुखद यातना है। और अल्लाह बड़ा करुणामय, अत्यन्त दयावान है	x
Walawla fadlu Allahi AAalaykum warahmatuhu waanna Allaha raoofun raheemun	x	And if it had not been for the favor of Allah upon you and His mercy... and because Allah is Kind and Merciful.	24:20	और यदि तुमपर अल्लाह का उदार अनुग्रह और उसकी दयालुता न होती (तो अवश्य ही तुमपर यातना आ जाती) और यह कि अल्लाह बड़ा करुणामय, अत्यन्त दयावान है।	x

Ya ayyuha allatheena amanoo la tattabiAAoo khutuwati alshshaytani waman yattabiAA khutuwati alshshaytani fainnahu yamuru bialfahshai waalmunkari walawla fadlu Allahi AAalaykum warahmatuhu ma zaka minkum min ahadin abadan walakinna Allaha yuzakkee man yashao waAllahu	x	O you who have believed, do not follow the footsteps of Satan. And whoever follows the footsteps of Satan - indeed, he enjoins immorality and wrongdoing. And if not for the favor of Allah upon you and His mercy, not one of you would have been pure, ever, but Allah purifies whom He wills, and Allah is Hearing and Knowing.	24:21	ऐ ईमान लानेवालो! शैतान के पद-चिन्हों पर न चलो। जो कोई शैतान के पद-चिन्हों पर चलेगा तो वह तो उसे अश्लीलता और बुराई का आदेश देगा। और यदि अल्लाह का उदार अनुग्रह और उसकी दयालुता तुमपर न होती तो तुममें से कोई भी आत्म-विश्वास को प्राप्त न कर सकता। किन्तु अल्लाह जिसे चाहता है, सँवारता-निखारता है। अल्लाह तो सब कुछ सुनता, जानता है	x
Wala yatali oloo alfadli minkum waalssaAAati an yutoo olee alqurba waalmasakeena waalmuhajireena fee sabeeli Allahi walyaAAfoo walyasfahoo ala tuhibboona an yaghfira Allahu lakum waAllahu ghafoorun raheemun	x	And let not those of virtue among you and wealth swear not to give [aid] to their relatives and the needy and the emigrants for the cause of Allah, and let them pardon and overlook. Would you not like that Allah should forgive you? And Allah is Forgiving and Merciful.	24:22	तुममें जो बड़ाईवाले और सामर्थ्यवान है, वे नातेदारों, मुहताजों और अल्लाह की राह में घरबार छोड़नेवालों को देने से बाज़ रहने की क़सम न खा बैठें। उन्हें चाहिए कि क्षमा कर दें और उनसे दरगुज़र करें। क्या तुम यह नहीं चाहते कि अल्लाह तुम्हें क्षमा करें? अल्लाह बहुत क्षमाशील,अत्यन्त दयावान है	x

Inna allatheena yarmoona almuhsanati alghafilati almuminati luAAinoo fee alddunya waalakhirati	**[Whether God will forgive those who put false allegation on chaste women: No 24:23, 24:4, Yes 24:5]**	Indeed, those who [falsely] accuse chaste, unaware and believing women are cursed in this world and the Hereafter; and they will have a great punishment	24:23	निस्संदेह जो लोग शरीफ़, पाकदामन, भोली-भाली बेख़बर ईमानवाली स्त्रियों पर तोहमत लगाते है उनपर दुनिया और आख़िरत में फिटकार है। और उनके लिए एक बड़ी यातना है	**[क्या ईश्वर उन लोगों को माफ करेंगे जिन्होंने पवित्र महिलाओं पर झूठा आरोप लगाया: नहीं 24:23, 24:4, हाँ 24:5]**
Yawma tashhadu AAalayhim alsinatuhum waaydeehim waarjuluhum bima kanoo yaAAmaloona	**[Body organs will speak.]**	On a Day when their tongues, their hands and their feet will bear witness against them as to what they used to do.	24:24	जिस दिन कि उनकी ज़बानें और उनके हाथ और उनके पाँव उनके विरुद्ध उसकी गवाही देंगे, जो कुछ वे करते रहे थे,	**[शरीर के अंग बोलेंगे।]**
Yawmaithin yuwaffeehimu Allahu deenahumu alhaqqa wayaAAlamoona anna Allaha huwa alhaqqu almubeenu	x	That Day, Allah will pay them in full their deserved recompense, and they will know that it is Allah who is the perfect in justice.	24:25	उस दिन अल्लाह उन्हें उनका ठीक बदला पूरी तरह दे देगा जिसके वे पात्र है। और वे जान लेंगे कि निस्संदेह अल्लाह ही सत्य है खुला हुआ, प्रकट कर देनेवाला	x

Alkhabeethatu lilkhabeetheena waalkhabeethoona lilkhabeethati waalttayyibatu lilttayyibeena waalttayyiboona lilttayyibati olaika mubarraoona mimma yaqooloona lahum maghfiratun warizqun kareemun	This is about the slander against Aisha: “Allah would not have made Aishah the wife of His Messenger unless she had been good, because he is the best of the best of mankind. If she had been evil, she would not have been a suitable partner either according to His Laws or His decree.” **[Pickthall "Vile women are for vile men, and vile men for vile women". See how beautifully the translation has been changed by Sahih International.]**	Evil words are for evil men, and evil men are [subjected] to evil words. And good words are for good men, and good men are [an object] of good words. Those [good people] are declared innocent of what the slanderers say. For them is forgiveness and noble provision.	24:26	गन्दी चीज़े गन्दें लोगों के लिए है और गन्दे लोग गन्दी चीज़ों के लिए, और अच्छी चीज़ें अच्छे लोगों के लिए है और अच्छे लोग अच्छी चीज़ों के लिए। वे लोग उन बातों से बरी है, जो वे कह रहे है। उनके लिए क्षमा और सम्मानित आजीविका है	यह आऐशा के खिलाफ बदनुमा गाली के बारे में है: “अल्लाह आऐशा को अपने संदेशवाहक की पत्नी नहीं बनाता अगर वह अच्छी न होती, क्योंकि वह सभी मनुष्यों में सबसे अच्छे हैं। यदि वह बुरी होती, तो वह न उनके कानूनों के अनुसार और न ही उनके फरमान के अनुसार एक उपयुक्त साथी होती।” **[पिकथाल: "भ्रष्ट स्त्रियाँ भ्रष्ट पुरुषों के लिए हैं, और भ्रष्ट पुरुष भ्रष्ट स्त्रियों के लिए हैं"। देखें कि सहिह इंटरनेशनल द्वारा अनुवाद कितनी खूबसूरती से बदल दिया गया है।]**
Ya ayyuha allatheena amanoo la tadkhuloo buyootan ghayra buyootikum hatta tastanisoo watusallimoo AAala ahliha thalikum khayrun lakum laAAallakum	A woman from the Ansar said to Prophet: ‘O Messenger of Allah, sometimes I am in my house in a state in which I do not like anyone to see me, neither father nor son. But then the father comes in or another man of the family comes in while I am in that state, what shall I do?’ [As a response this	O you who have believed, do not enter houses other than your own houses until you ascertain welcome and greet their inhabitants. That is best for you; perhaps you will be reminded.	24:27	ऐ ईमान लानेवालो! अपने घरों के सिवा दूसरे घरों में प्रवेश करो, जब तक कि रज़ामन्दी हासिल न कर लो और उन घरवालों को सलाम न कर लो। यही तुम्हारे लिए उत्तम है, कदाचित तुम ध्यान रखो	अंसार की एक औरत ने पैगंबर से कहा: 'हे अल्लाह के रसूल, कभी-कभी मैं अपने घर में उस हालत में होती हूँ जिसमें मैं नहीं चाहती कि कोई मुझे देखे, न पिता न पुत्र। लेकिन फिर पिता आते हैं या परिवार का कोई अन्य पुरुष उस समय आता है जब मैं उस हालत में हूँ, तो मुझे क्या करना चाहिए?' [इसके उत्तर में यह आयत प्रकट हुई]

Fain lam tajidoo feeha ahadan fala tadkhulooha hatta yuthana lakum wain qeela lakumu irjiAAoo fairjiAAoo huwa azka lakum waAllahu bima taAAmaloona AAaleemun	x	And if you do not find anyone therein, do not enter them until permission has been given you. And if it is said to you, "Go back," then go back; it is purer for you. And Allah is Knowing of what you do.	24:28	फिर यदि उनमें किसी को न पाओ, तो उनमें प्रवेश न करो जब तक कि तुम्हें अनुमति प्राप्त न हो। और यदि तुमसे कहा जाए कि वापस हो जाओ तो वापस हो जाओ, यही तुम्हारे लिए अधिक अच्छी बात है। अल्लाह भली-भाँति जानता है जो कुछ तुम करते हो	x
Laysa AAalaykum junahun an tadkhuloo buyootan ghayra maskoonatin feeha mataAAun lakum waAllahu yaAAlamu ma tubdoona wama	**[Enter not houses other than your own (24:28), then this was abrogated and an exception was made.]**	There is no blame upon you for entering houses not inhabited in which there is convenience for you. And Allah knows what you reveal and what you conceal.	24:29	इसमें तुम्हारे लिए कोई दोष नहीं है कि तुम ऐसे घरों में प्रवेश करो जिनमें कोई न रहता हो, जिनमें तुम्हारे फ़ायदे की कोई चीज़ हो। और अल्लाह जानता है जो कुछ तुम प्रकट करते हो और जो कुछ छिपाते हो	**[अपने घर के अलावा किसी और के घर में न प्रवेश करें (24:28), फिर इसे रद्द कर दिया गया और एक अपवाद बनाया गया।]**
Qul lilmumineena yaghuddoo min absarihum wayahfathoo furoojahum thalika azka lahum inna Allaha khabeerun bima yasnaAAoona	Men “should look only at what is permissible for them to look at, and lower their gaze from forbidden things (e.g. Women, handsome boys). If it so happens that a person’s gaze unintentionally falls upon something forbidden, he should quickly look away.”	Tell the believing men to reduce [some] of their vision and guard their private parts. That is purer for them. Indeed, Allah is Acquainted with what they do.	24:30	ईमानवाले पुरुषों से कह दो कि अपनी निगाहें बचाकर रखें और अपने गुप्तांगों की रक्षा करें। यही उनके लिए अधिक अच्छी बात है। अल्लाह को उसकी पूरी ख़बर रहती है, जो कुछ वे किया करते है	पुरुषों को केवल उस पर ही नज़र रखनी चाहिए जिस पर उन्हें देखने की अनुमति है, और निषिद्ध चीज़ों (जैसे महिलाएं, हैंडसम लड़के) से अपनी दृष्टि हटा लेनी चाहिए। यदि ऐसा हो कि किसी व्यक्ति की दृष्टि अनजाने में किसी निषिद्ध चीज़ पर पड़ जाए, तो उसे तुरंत अपनी नजर हटानी चाहिए।

Waqul lilmuminati yaghdudna min absarihinna wayahfathna furoojahunna wala yubdeena zeenatahunna illa ma thahara minha walyadribna bikhumurihinna AAala juyoobihinna wala yubdeena zeenatahunna illa libuAAoolatihinna aw abaihinna aw abai buAAoolatihinna aw abnaihinna aw abnai buAAoolatihinna aw ikhwanihinna aw banee ikhwanihinna aw banee akhawatihinna aw nisaihinna aw ma malakat	**[This is not a matter of choice, as is often claimed today, but a divine commandment. It is also to distinguish the believing women from the women of the Jahiliyyah (the society of unbelievers) and female slaves; Male attendents having no physical desires are castracted male slaves (Mukhannas). This is the verse of veil. There is no covering of face mentioned here, it talks about decent dressing; There is talk of a veil in 33:53, 33:59, but that only concerns the wives of prophet, and it is a veil used as a partition of a room, not a veil covering the face.]**	And tell the believing women to reduce [some] of their vision and guard their private parts and not expose their adornment except that which [necessarily] appears thereof and to wrap [a portion of] their headcovers over their chests and not expose their adornment except to their husbands, their fathers, their husbands' fathers, their sons, their husbands' sons, their brothers, their brothers' sons, their sisters' sons, their women, that which their right hands possess, or those male attendants having no physical desire, or children who are not yet aware of the private aspects of women. And let them not stamp their feet to make	24:31	और ईमानवाली स्त्रियों से कह दो कि वे भी अपनी निगाहें बचाकर रखें और अपने गुप्तांगों की रक्षा करें। और अपने शृंगार प्रकट न करें, सिवाय उसके जो उनमें खुला रहता है। और अपने सीनों (वक्षस्थल) पर अपने दुपट्टे डाल रहें और अपना शृंगार किसी पर ज़ाहिर न करें सिवाय अपने पतियों के या अपने बापों के या अपने पतियों के बापों के या अपने बेटों के या अपने पतियों के बेटों के या अपने भाइयों के या अपने भतीजों के या अपने भांजों के या मेल-जोल की स्त्रियों के या जो उनकी अपनी मिल्कियत में हो उनके, या उन अधीनस्थ पुरुषों के जो उस अवस्था को पार कर चुके हों जिससें स्त्री की ज़रूरत होती है, या उन बच्चों के जो स्त्रियों के परदे की बातों से परिचित न हों। और स्त्रियाँ	**[यह पसंद का मामला नहीं है, जैसा कि आज अक्सर दावा किया जाता है, बल्कि एक दिव्य आज्ञा है। यह विश्वास करने वाली महिलाओं को जाहिलियाह (अविश्वासियों का समाज) और महिला दासों की महिलाओं से अलग करने के लिए भी है; पुरुष परिचारक, जिनकी कोई शारीरिक इच्छा नहीं है, वे कैस्ट्रक्ट किए गए पुरुष दास (मुखन्ना) हैं। यह बधिया का श्लोक है। यहां चेहरे को ढकने का कोई उल्लेख नहीं है, यह सभ्य ड्रेसिंग के बारे में बात करता है; 33:53, 33:59 में एक घूंघट की बात है, लेकिन यह केवल पैगंबर की पत्नियों से संबंधित है, और यह एक घूंघट है जिसका उपयोग एक कमरे के विभाजन के रूप में किया जाता है, न कि चेहरे को ढकने वाला घूंघट।]**

Waankihoo alayama minkum waalssaliheena min AAibadikum waimaikum in yakoonoo fuqaraa yughnihimu Allahu min fadlihi waAllahu wasiAAun	x	And marry the unmarried among you and the righteous among your male slaves and female slaves. If they should be poor, Allah will enrich them from His bounty, and Allah is all-Encompassing and Knowing.	24:32	तुममें जो बेजोड़े के हों और तुम्हारे ग़ुलामों और तुम्हारी लौंडियों मे जो नेक और योग्य हों, उनका विवाह कर दो। यदि वे ग़रीब होंगे तो अल्लाह अपने उदार अनुग्रह से उन्हें समृद्ध कर देगा। अल्लाह बड़ी समाईवाला, सर्वज्ञ है	x

WalyastaAAfifi allatheena la yajidoona nikahan hatta yughniyahumu Allahu min fadlihi waallatheena yabtaghoona alkitaba mimma malakat aymanukum fakatiboohum in AAalimtum feehim khayran waatoohum min mali Allahi allathee atakum wala tukrihoo fatayatikum AAala albighai in aradna tahassunan litabtaghoo AAarada alhayati alddunya waman yukrihhunna fainna Allaha min baAAdi ikrahihinna ghafoorun raheemun	This verse was about Abdullah bin Ubay bin Salul, who used to ask his female slaves to do prostitution and earn money. Muslims should not force their slave girls to become prostitutes and live off the profits, if the slave girls want to remain chaste. This, however, does not abrogate the slave-owner's right to use them, as specified in 4:3, 4:24, 23:6, 33:50, and 70:30. **[Although earning through prostituion of slaves was discouraged, no punishment was prescribed.]** Muslims should help free their slaves upon their request, provided that the servant has some skill and means of earning so that he can pay his master the money that is stipulated in the contract.	But let them who find not [the means for] marriage abstain [from sexual relations] until Allah enriches them from His bounty. And those who seek a contract [for eventual emancipation] from among whom your right hands possess - then make a contract with them if you know there is within them goodness and give them from the wealth of Allah which He has given you. And do not compel your slave girls to prostitution, if they desire chastity, to seek [thereby] the temporary interests of worldly life. And if someone should compel them, then indeed, Allah is [to them], after their compulsion, Forgiving and Merciful.	24:33	और जो विवाह का अवसर न पा रहे हो उन्हें चाहिए कि पाकदामनी अपनाए रहें, यहाँ तक कि अल्लाह अपने उदार अनुग्रह से उन्हें समृद्ध कर दे। और जिन लोगों पर तुम्हें स्वामित्व का अधिकार प्राप्त हो उनमें से जो लोग लिखा-पढ़ी के इच्छुक हो उनसे लिखा-पढ़ी कर लो, यदि तुम्हें मालूम हो कि उनमें भलाई है। और उन्हें अल्लाह के माल में से दो, जो उसने तुम्हें प्रदान किया है। और अपनी लौंडियों को सांसारिक जीवन-सामग्री की चाह में व्यविचार के लिए बाध्य न करो, जबकि वे पाकदामन रहना भी चाहती हों। औऱ इसके लिए जो कोई उन्हें बाध्य करेगा, तो निश्चय ही अल्लाह उनके बाध्य किए जाने के पश्चात अत्यन्त क्षमाशील, दयावान है	यह श्लोक अब्दुल्लाह बिन उबय बिन सलूल के बारे में था, जो अपनी महिला गुलामों से वेश्यावृत्ति करने और पैसे कमाने के लिए कहते थे। मुसलमानों को अपनी गुलाम लड़कियों को वेश्या बनने के लिए मजबूर नहीं करना चाहिए और उनके लाभ से जीना नहीं चाहिए, अगर गुलाम लड़कियां पवित्र रहना चाहती हैं। हालांकि, यह गुलाम-मालिक के उन्हें उपयोग करने के अधिकार को समाप्त नहीं करता, जैसा कि 4:3, 4:24, 23:6, 33:50, और 70:30 में निर्दिष्ट है। **[हालांकि गुलामों की वेश्यावृत्ति से कमाई करना हतोत्साहित किया गया था, कोई सजा निर्धारित नहीं की गई थी।]** मुसलमानों को अपनी गुलामों को उनकी इच्छा पर मुक्त करने में मदद करनी चाहिए, बशर्ते कि सेवक के पास कुछ कौशल और कमाई का साधन हो ताकि वह अपने मालिक को उस पैसे का भुगतान कर सके जो अनुबंध में निर्धारित है।

Walaqad anzalna ilaykum ayatin mubayyinatin wamathalan mina allatheena khalaw min qablikum wamawAAithatan lilmuttaqeena	x	And We have certainly sent down to you distinct verses and examples from those who passed on before you and an admonition for those who fear Allah.	24:34	हमने तुम्हारी ओर खुली हुई आयतें उतार दी है और उन लोगों की मिशालें भी पेश कर दी हैं, जो तुमसे पहले गुज़रे है, और डर रखनेवालों के लिए नसीहत भी	x
Allahu nooru alssamawati waalardi mathalu noorihi kamishkatin feeha misbahun almisbahu fee zujajatin alzzujajatu kaannaha kawkabun durriyyun yooqadu min shajaratin mubarakatin zaytoonatin la sharqiyyatin wala gharbiyyatin yakadu zaytuha yudeeo walaw lam tamsashu narun noorun AAala noorin yahdee Allahu linoorihi man yashao wayadribu Allahu alamthala lilnnasi waAllahu bikulli	Allah is the light of the heavens and the earth; this is the verse that gives this surah its name.	Allah is the Light of the heavens and the earth. The example of His light is like a niche within which is a lamp, the lamp is within glass, the glass as if it were a pearly [white] star lit from [the oil of] a blessed olive tree, neither of the east nor of the west, whose oil would almost glow even if untouched by fire. Light upon light. Allah guides to His light whom He wills. And Allah presents examples for the people, and Allah is Knowing of all things.	24:35	अल्लाह आकाशों और धरती का प्रकाश है। (मोमिनों के दिल में) उसके प्रकाश की मिसाल ऐसी है जैसे एक ताक़ है, जिसमें एक चिराग़ है - वह चिराग़ एक फ़ानूस में है। वह फ़ानूस ऐसा है मानो चमकता हुआ कोई तारा है। - वह चिराग़ ज़ैतून के एक बरकतवाले वृक्ष के तेल से जलाया जाता है, जो न पूर्वी है न पश्चिमी। उसका तेल आप है आप भड़का पड़ता है, यद्यपि आग उसे न भी छुए। प्रकाश पर प्रकाश! - अल्लाह जिसे चाहता है अपने प्रकाश के प्राप्त होने का मार्ग दिखा देता है। अल्लाह लोगों के लिए मिशालें प्रस्तुत करता है। अल्लाह तो हर चीज़ जानता है।	अल्लाह आकाशों और पृथ्वी का प्रकाश है; यह आयत है जो इस सूरे का नाम देती है।

Fee buyootin athina Allahu an turfaAAa wayuthkara feeha ismuhu yusabbihu lahu feeha bialghuduwwi waalasali	x	[Such niches are] in mosques which Allah has ordered to be raised and that His name be mentioned therein; exalting Him within them in the morning and the	24:36	उन घरों में जिनको ऊँचा करने और जिनमें अपने नाम के याद करने का अल्लाह ने हुक्म दिया है,	x
Rijalun la tulheehim tijaratun wala bayAAun AAan thikri Allahi waiqami alssalati waeetai alzzakati yakhafoona yawman tataqallabu feehi alquloobu waalabsaru	x	[Are] men whom neither commerce nor sale distracts from the remembrance of Allah and performance of prayer and giving of zakah. They fear a Day in which the hearts and eyes will [fearfully] turn about -	24:37	उनमें ऐसे लोग प्रभात काल और संध्या समय उसकी तसबीह करते है जिन्हें अल्लाह की याद और नमाज क़ायम करने और ज़कात देने से न तो व्यापार ग़ाफ़िल करता है और न क्रय-विक्रय। वे उस दिन से डरते रहते है जिसमें दिल और आँखें विकल हो जाएँगी	x
Liyajziyahumu Allahu ahsana ma AAamiloo wayazeedahum min fadlihi waAllahu yarzuqu man yashao bighayri hisabin	x	That Allah may reward them [according to] the best of what they did and increase them from His bounty. And Allah gives provision to whom He wills without account.	24:38	ताकि अल्लाह उन्हें बदला प्रदान करे। उनके अच्छे से अच्छे कामों का, और अपने उदार अनुग्रह से उन्हें और अधिक प्रदान करें। अल्लाह जिसे चाहता है बेहिसाब देता है	x

Waallatheena kafaroo aAAmaluhum kasarabin biqeeAAatin yahsabuhu alththamanu maan hatta itha jaahu lam yajidhu shayan wawajada Allaha AAindahu fawaffahu hisabahu waAllahu sareeAAu	x	But those who disbelieved - their deeds are like a mirage in a lowland which a thirsty one thinks is water until, when he comes to it, he finds it is nothing but finds Allah before Him, and He will pay him in full his due; and Allah is swift in account.	24:39	रहे वे लोग जिन्होंने इनकार किया उनके कर्म चटियल मैदान में मरीचिका की तरह है कि प्यासा उसे पानी समझता है, यहाँ तक कि जब वह उसके पास पहुँचा तो उसे कुछ भी न पाया। अलबत्ता अल्लाह ही को उसके पास पाया, जिसने उसका हिसाब पूरा-पूरा चुका दिया। और अल्लाह बहुत जल्द हिसाब करता है	x
Aw kathulumatin fee bahrin lujjiyyin yaghshahu mawjun min fawqihi mawjun min fawqihi sahabun thulumatun baAAduha fawqa baAAdin itha akhraja yadahu lam yakad yaraha waman lam yajAAali Allahu lahu nooran fama	x	Or [they are] like darknesses within an unfathomable sea which is covered by waves, upon which are waves, over which are clouds - darknesses, some of them upon others. When one puts out his hand [therein], he can hardly see it. And he to whom Allah has not granted light - for him there is no light.	24:40	या फिर जैसे एक गहरे समुद्र में अँधेरे, लहर के ऊपर लहर छा रही हैं; उसके ऊपर बादल है, अँधेरे है एक पर एक। जब वह अपना हाथ निकाले तो उसे वह सुझाई देता प्रतीत न हो। जिसे अल्लाह ही प्रकाश न दे फिर उसके लिए कोई प्रकाश नहीं	x

Alam tara anna Allaha yusabbihu lahu man fee alssamawati waalardi waalttayru saffatin kullun qad AAalima salatahu watasbeehahu waAllahu AAaleemun bima	**[There is no proof of birds praying.]**	Do you not see that Allah is exalted by whomever is within the heavens and the earth and [by] the birds with wings spread [in flight]? Each [of them] has known his [means of] prayer and exalting [Him], and Allah is Knowing of what they do.	24:41	क्या तुमने नहीं देखा कि जो कोई भी आकाशों और धरती में है, अल्लाह की तसबीह (गुणगान) कर रहा है और पंख पसारे हुए पक्षी भी? हर एक अपनी नमाज़ और तसबीह से परिचित है। अल्लाह भली-भाँति जाना है जो कुछ वे करते है	**[पक्षियों के प्रार्थना करने का कोई सबूत नहीं है।]**
Walillahi mulku alssamawati waalardi waila Allahi almaseeru	x	And to Allah belongs the dominion of the heavens and the earth, and to Allah is the destination.	24:42	अल्लाह ही के लिए है आकाशों और धरती का राज्य। और अल्लाह ही की ओर लौटकर जाना है	x
Alam tara anna Allaha yuzjee sahaban thumma yuallifu baynahu thumma yajAAaluhu rukaman fatara alwadqa yakhruju min khilalihi wayunazzilu mina alssamai min jibalin feeha min baradin fayuseebu bihi man yashao wayasrifuhu AAan man yashao yakadu sana barqihi	x	Do you not see that Allah drives clouds? Then He brings them together, then He makes them into a mass, and you see the rain emerge from within it. And He sends down from the sky, mountains [of clouds] within which is hail, and He strikes with it whom He wills and averts it from whom He wills. The flash of its lightening almost takes away the eyesight.	24:43	क्या तुमने देखा नहीं कि अल्लाह बादल को चलाता है। फिर उनको परस्पर मिलाता है। फिर उसे तह पर तह कर देता है। फिर तुम देखते हो कि उसके बीच से मेह बरसता है? और आकाश से- उसमें जो पहाड़ है (बादल जो पहाड़ जैसे प्रतीत होते है उनसे) - ओले बरसाता है। फिर जिस पर चाहता है, उसे हटा देता है। ऐसा प्रतीत होता है कि बिजली की चमक निगाहों को उचक ले जाएगी	x

Yuqallibu Allahu allayla waalnnahara inna fee thalika laAAibratan liolee alabsari	**[No where in Quran earth rotation is mentioned. Also there is always night and day somewhere on earth.]**	Allah alternates the night and the day. Indeed in that is a lesson for those who have vision.	24:44	अल्लाह ही रात और दिन का उलट-फेर करता है। निश्चय ही आँखें रखनेवालों के लिए इसमें एक शिक्षा है	**[कुरआन में कहीं भी पृथ्वी के घूर्णन का उल्लेख नहीं है। इसके अलावा, पृथ्वी पर कहीं न कहीं हमेशा दिन और रात होती है।]**
WaAllahu khalaqa kulla dabbatin min main faminhum man yamshee AAala batnihi waminhum man yamshee AAala rijlayni waminhum man yamshee AAala arbaAAin yakhluqu Allahu ma yashao inna Allaha AAala kulli shayin	**[Life is created from 21:30, 24:45, From water, 37:11 from sticky clay; But Jinn have been created from Fire and they are living creatures. There is huge difference between "from" water and "in" water; cockroach 6 legs, Spider walks with 8 legs, also see centipede and millipede]**	Allah has created every [living] creature from water. And of them are those that move on their bellies, and of them are those that walk on two legs, and of them are those that walk on four. Allah creates what He wills. Indeed, Allah is over all things competent.	24:45	अल्लाह ने हर जीवधारी को पानी से पैदा किया, तो उनमें से कोई अपने पेट के बल चलता है और कोई उनमें दो टाँगों पर चलता है और कोई चार (टाँगों) पर चलता है। अल्लाह जो चाहता है, पैदा करता है। निस्संदेह अल्लाह को हर चीज़ की सामर्थ्य प्राप्त है	**[जीवन 21:30, 24:45 से बनाया गया है, पानी से, 37:11 चिपचिपी मिट्टी से; लेकिन जिन्न आग से बनाए गए हैं और वे जीवित प्राणी हैं। "पानी से" और "पानी में" में बड़ा अंतर है; तिलचट्टा के 6 पैर होते हैं, मकड़ी 8 पैरों से चलती है, मिलिपीड और सेंटिपीड भी देखें]**
Laqad anzalna ayatin mubayyinatin waAllahu yahdee man yashao ila siratin mustaqeemin	x	We have certainly sent down distinct verses. And Allah guides whom He wills to a straight path.	24:46	हमने सत्य को प्रकट कर देनेवाली आयतें उतार दी है। आगे अल्लाह जिसे चाहता है सीधे मार्ग की ओर लगा देता है	x
Wayaqooloona amanna biAllahi wabialrrasooli waataAAna thumma yatawalla fareequn minhum min baAAdi thalika wama olaika	x	But the hypocrites say, "We have believed in Allah and in the Messenger, and we obey"; then a party of them turns away after that. And those are not believers.	24:47	वे मुनाफ़िक लोग कहते है कि "हम अल्लाह और रसूल पर ईमान लाए और हमने आज्ञापालन स्वीकार किया।" फिर इसके पश्चात उनमें से एक गिरोह मुँह मोड़ जाता है। ऐसे लोग मोमिन नहीं है	x

Waitha duAAoo ila Allahi warasoolihi liyahkuma baynahum itha fareequn minhum muAAridoona	This verse and the verse after it were revealed about Bishr, the hypocrite, and his opponent, a Jewish person, regarding their dispute over a piece of land. The Jew kept dragging Bishr to the Messenger (pbuh) in order that he judges between them while the hypocrite kept dragging the Jew to Kab al-Ashraf, saying: 'Muhammad will be unfair with us!'	And when they are called to [the words of] Allah and His Messenger to judge between them, at once a party of them turns aside [in refusal].	24:48	जब उन्हें अल्लाह और उसके रसूल की ओर बुलाया जाता है, ताकि वह उनके बीच फ़ैसला करें तो क्या देखते है कि उनमें से एक गिरोह कतरा जाता है;	यह आयत और इसके बाद की आयत बिश्र, जो एक मुखौटी था, और उसके विरोधी, एक यहूदी व्यक्ति, के बारे में प्रकट हुई थी, जो एक जमीन के टुकड़े को लेकर उनके विवाद के संबंध में थी। यहूदी लगातार बिश्र को संदेशवाहक (स.) के पास ले जाता रहा ताकि वह उनके बीच फैसला करें जबकि मुखौटी यहूदी को कब अल-अशरफ के पास खींचता रहा, कहता हुआ: 'मुहम्मद हमारे साथ अन्याय करेंगे!'
Wain yakun lahumu alhaqqu yatoo ilayhi muthAAineena	x	But if the right is theirs, they come to him in prompt obedience.	24:49	किन्तु यदि हक़ उन्हें मिलनेवाला हो तो उसकी ओर बड़े आज्ञाकारी बनकर चले आएँ	x
Afee quloobihim maradun ami irtaboo am yakhafoona an yaheefa Allahu AAalayhim warasooluhu bal olaika humu alththalimoona	x	Is there disease in their hearts? Or have they doubted? Or do they fear that Allah will be unjust to them, or His Messenger? Rather, it is they who are the wrongdoers.	24:50	क्या उनके दिलों में रोग है या वे सन्देह में पड़े हुए है या उनको यह डर है कि अल्लाह औऱ उसका रसूल उनके साथ अन्याय करेंगे? नहीं, बल्कि बात यह है कि वही लोग अत्याचारी हैं	x

Innama kana qawla almumineena itha duAAoo ila Allahi warasoolihi liyahkuma baynahum an yaqooloo samiAAna waataAAna waolaika humu	**[Don't question the Messenger (pbuh), only follow him.]**	The only statement of the [true] believers when they are called to Allah and His Messenger to judge between them is that they say, "We hear and we obey." And those are the successful.	24:51	मोमिनों की बात तो बस यह होती है कि जब अल्लाह और उसके रसूल की ओर बुलाए जाएँ, ताकि वह उनके बीच फ़ैसला करे, तो वे कहें, "हमने सुना और आज्ञापालन किया।" और वही सफलता प्राप्त करनेवाले हैं	[नबी (स.) से प्रश्न मत कीजिए, केवल उनका पालन कीजिए।]
Waman yutiAAi Allaha warasoolahu wayakhsha Allaha wayattaqhi faolaika humu alfaizoona	Those who obey Allah and Muhammad (pbuh) will be victorious in the end, a conviction that has sustained many a jihadist throughout Islamic history through setbacks	And whoever obeys Allah and His Messenger and fears Allah and is conscious of Him - it is those who are the attainers.	24:52	और जो कोई अल्लाह और उसके रसूल का आज्ञा का पालन करे और अल्लाह से डरे और उसकी सीमाओं का ख़याल रखे, तो ऐसे ही लोग सफल है	जो लोग अल्लाह और मुहम्मद (स.) की आज्ञा का पालन करते हैं, वे अंत में विजय प्राप्त करेंगे, यह विश्वास कई जिहादियों को इस्लामी इतिहास में असफलताओं और पराजयों के बीच बनाए रखता रहा है।
Waaqsamoo biAllahi jahda aymanihim lain amartahum layakhrujunna qul la tuqsimoo taAAatun maAAroofatun inna Allaha khabeerun bima taAAmaloona	"Go forth," says the Tafsir al-Jalalayn , "to do jihad." See 2:218, 9:29.	And they swear by Allah their strongest oaths that if you ordered them, they would go forth [in Allah 's cause]. Say, "Do not swear. [Such] obedience is known. Indeed, Allah is Acquainted with that which you do."	24:53	वे अल्लाह की कड़ी-कड़ी क़समें खाते है कि यदि तुम उन्हें हुक्म दो तो वे अवश्य निकल खड़े होंगे। कह दो, "क़समें न खाओ। सामान्य नियम के अनुसार आज्ञापालन ही वास्तविव चीज़ है। तुम जो कुछ करते हो अल्लाह उसकी ख़बर रखता है।"	"आगे बढ़ो," तफ़सीर अल-जलालैन कहता है, "जिहाद करने के लिए। देखें 2:218, 9:29।

Qul ateeAAoo Allaha waateeAAoo alrrasoola fain tawallaw fainnama AAalayhi ma hummila waAAalaykum ma hummiltum wain tuteeAAoohu tahtadoo wama AAala alrrasooli illa albalaghu almubeena	**[Abrogated by verses of Apostasy.]**	Say, "Obey Allah and obey the Messenger; but if you turn away - then upon him is only that [duty] with which he has been charged, and upon you is that with which you have been charged. And if you obey him, you will be [rightly] guided. And there is not upon the Messenger except the [responsibility for] clear notification."	24:54	कहो, "अल्लाह का आज्ञापालन करो और उसके रसूल का कहा मानो। परन्तु यदि तुम मुँह मोड़ते हो तो उसपर तो बस वही ज़िम्मेदारी है जिसका बोझ उसपर डाला गया है, और तुम उसके ज़िम्मेदार हो जिसका बोझ तुमपर डाला गया है। और यदि तुम आज्ञा का पालन करोगे तो मार्ग पा लोगे। और रसूल पर तो बस साफ़-साफ़ (संदेश) पहुँचा देने ही की ज़िम्मेदारी है	**[धर्मत्यागी होने के आयतों द्वारा रद्द किया गया।]**

WaAAada Allahu allatheena amanoo minkum waAAamiloo alssalihati layastakhlifannahum fee alardi kama istakhlafa allatheena min qablihim walayumakkinanna lahum deenahumu allathee irtada lahum walayubaddilannahum min baAAdi khawfihim amnan yaAAbudoonanee la yushrikoona bee shayan waman kafara baAAda thalika faolaika humu alfasiqoona	When the Messenger (pbuh) and his Companions migrated to Medina and the Ansars sheltered them, all the Arabs united to destroy them, such that they were forced to sleep with their weapon. Some said: Do you think we will live to see the day when we go to sleep fearing no one but Allah? As a response this was revealed. **[This is a promise from Allah to His Messenger that He would cause Muslim Ummah (community) to become successors on earth, i.e., they would become the leaders and rulers of mankind, through whom He would reform the world and to whom people would submit.]**	Allah has promised those who have believed among you and done righteous deeds that He will surely grant them succession [to authority] upon the earth just as He granted it to those before them and that He will surely establish for them [therein] their religion which He has preferred for them and that He will surely substitute for them, after their fear, security, [for] they worship Me, not associating anything with Me. But whoever disbelieves after that - then those are the defiantly disobedient.	24:55	अल्लाह ने उन लोगों से जो तुममें से ईमान लाए और उन्होने अच्छे कर्म किए, वादा किया है कि वह उन्हें धरती में अवश्य सत्ताधिकार प्रदान करेगा, जैसे उसने उनसे पहले के लोगों को सत्ताधिकार प्रदान किया था। औऱ उनके लिए अवश्य उनके उस धर्म को जमाव प्रदान करेगा जिसे उसने उनके लिए पसन्द किया है। और निश्चय ही उनके वर्तमान भय के पश्चात उसे उनके लिए शान्ति और निश्चिन्तता में बदल देगा। वे मेरी बन्दगी करते है, मेरे साथ किसी चीज़ को साझी नहीं बनाते। और जो कोई इसके पश्चात इनकार करे, तो ऐसे ही लोग अवज्ञाकारी है	जब रसूल (स.) और उनके साथी मदीना की हिजरत कर गए और अनसार ने उन्हें आश्रय दिया, तो सभी अरब एकजुट होकर उन्हें नष्ट करने पर आमादा हो गए, ऐसा कि उन्हें अपने हथियार के साथ सोना पड़ा। कुछ ने कहा: क्या तुम्हें लगता है कि हम उस दिन को देखेंगे जब हम केवल अल्लाह से भयभीत होकर सोने के लिए स्वतंत्र होंगे? इसका उत्तर यह वचन नाज़िल किया गया। [यह अल्लाह का अपने रसूल से वादा है कि वह मुस्लिम उम्मा (समुदाय) को पृथ्वी पर उत्तराधिकारी बनाएगा, अर्थात् वे मानवता के नेता और शासक बनेंगे, जिनके माध्यम से वह दुनिया को सुधारेंगे और जिनके सामने लोग समर्पित होंगे।]
Waaqeemoo alssalata waatoo alzzakata waateeAAoo alrrasoola laAAallakum turhamoona	x	And establish prayer and give zakah and obey the Messenger - that you may receive mercy.	24:56	नमाज़ का आयोजन करो और ज़कात दो और रसूल की आज्ञा का पालन करो, ताकि तुमपर दया की जाए	x

La tahsabanna allatheena kafaroo muAAjizeena fee alardi wamawahumu alnnaru walabisa almaseeru	x	Never think that the disbelievers are causing failure [to Allah] upon the earth. Their refuge will be the Fire - and how wretched the destination.	24:57	यह कदापि न समझो कि इनकार की नीति अपनानेवाले धरती में क़ाबू से बाहर निकल जानेवाले है। उनका ठिकाना आग है, और वह बहुत ही बुरा ठिकाना है	x

Ya ayyuha allatheena amanoo liyastathinkumu allatheena malakat aymanukum waallatheena lam yablughoo alhuluma minkum thalatha marratin min qabli salati alfajri waheena tadaAAoona thiyabakum mina alththaheerati wamin baAAdi salati alAAishai thalathu AAawratin lakum laysa AAalaykum wala AAalayhim junahun baAAdahunna tawwafoona AAalaykum baAAdukum AAala baAAdin kathalika yubayyinu Allahu	The Messenger (pbuh) sent a boy to Umar ibn al-Khattab. When he entered in, he saw Umar in a state which the latter disliked to be seen in. And so he said to the Prophet: 'O Messenger, I wish that Allah give us some commands and prohibitions regarding asking permission before entering'. And so this verse was revealed. **[Right hand possess - slaves male or female.]**	O you who have believed, let those whom your right hands possess and those who have not [yet] reached puberty among you ask permission of you [before entering] at three times: before the dawn prayer and when you put aside your clothing [for rest] at noon and after the night prayer. [These are] three times of privacy for you. There is no blame upon you nor upon them beyond these [periods], for they continually circulate among you - some of you, among others. Thus does Allah make clear to you the verses; and Allah is Knowing and Wise.	24:58	ऐ ईमान लानेवालो! जो तुम्हारी मिल्कियत में हो और तुममें जो अभी युवावस्था को नहीं पहुँचे है, उनको चाहिए कि तीन समयों में तुमसे अनुमति लेकर तुम्हारे पास आएँ: प्रभात काल की नमाज़ से पहले और जब दोपहर को तुम (आराम के लिए) अपने कपड़े उतार रखते हो और रात्रि की नमाज़ के पश्चात - ये तीन समय तुम्हारे लिए परदे के हैं। इनके पश्चात न तो तुमपर कोई गुनाह है और न उनपर। वे तुम्हारे पास अधिक चक्कर लगाते है। तुम्हारे ही कुछ अंश परस्पर कुछ अंश के पास आकर मिलते है। इस प्रकार अल्लाह तुम्हारे लिए अपनी आयतों को स्पष्टप करता है। अल्लाह भली-भाँति जाननेवाला है, तत्वदर्शी है	रसूल (स.) ने उमर इब्न अल-खत्ताब के पास एक लड़का भेजा। जब वह अंदर गया, उसने उमर को एक ऐसी स्थिति में देखा जिसे उमर नहीं चाहते थे कि कोई देखे। और इसलिए उसने पैगंबर से कहा: 'हे रसूल, मैं चाहता हूँ कि अल्लाह हमें प्रवेश करने से पहले अनुमति माँगने के बारे में कुछ हिदायतें और मनाही दें।' और फिर यह आयत उतारी गई। **[दाहिना हाथ की संपत्ति, मिल्कियत - पुरुष या महिला गुलाम।]**

Waitha balagha alatfalu minkumu alhuluma falyastathinoo kama istathana allatheena min qablihim kathalika yubayyinu Allahu lakum ayatihi waAllahu AAaleemun hakeemun	x	And when the children among you reach puberty, let them ask permission [at all times] as those before them have done. Thus does Allah make clear to you His verses; and Allah is Knowing and Wise.	24:59	और जब तुममें से बच्चे युवावस्था को पहुँच जाएँ तो उन्हें चाहिए कि अनुमति ले लिया करें जैसे उनसे पहले लोग अनुमति लेते रहे है। इस प्रकार अल्लाह तुम्हारे लिए अपनी आयतों को स्पष्ट करता है। अल्लाह भली-भाँति जाननेवाला, तत्वदर्शी है	x
WaalqawAAidu mina alnnisai allatee la yarjoona nikahan falaysa AAalayhinna junahun an yadaAAna thiyabahunna ghayra mutabarrijatin bizeenatin waan yastaAAfifna khayrun lahunna waAllahu	**[Relaxation to put veil for elderly women.]**	And women of post-menstrual age who have no desire for marriage - there is no blame upon them for putting aside their outer garments [but] not displaying adornment. But to modestly refrain [from that] is better for them. And Allah is Hearing and Knowing.	24:60	जो स्त्रियाँ युवावस्था से गुज़रकर बैठ चुकी हों, जिन्हें विवाह की आशा न रह गई हो, उनपर कोई दोष नहीं कि वे अपने कपड़े (चादरें) उतारकर रख दें जबकि वे शृंगार का प्रदर्शन करनेवाली न हों। फिर भी वे इससे बचें तो उनके लिए अधिक अच्छा है। अल्लाह भली-भाँति सुनता, जानता है	**[बुज़ुर्ग महिलाओं के लिए पर्दा लगाने की राहत।]**

Laysa AAala alaAAma harajun wala AAala alaAAraji harajun wala AAala almareedi harajun wala AAala anfusikum an takuloo min buyootikum aw buyooti abaikum aw buyooti ommahatikum aw buyooti ikhwanikum aw buyooti akhawatikum aw buyooti aAAmamikum aw buyooti AAammatikum aw buyooti akhwalikum aw buyooti khalatikum aw ma malaktum mafatihahu aw sadeeqikum laysa	**[When Allah revealed 4:29, the Muslims felt vexed to eat with the sick, the old, the blind and the lame. They said: Food is the best part of one's wealth, and Allah has warned against squandering wealth in vanity. The blind cannot see where wholesome food is, the lame cannot compete over food and the sick cannot eat properly'. As a response, this verse was revealed.]**	There is not upon the blind [any] constraint nor upon the lame constraint nor upon the ill constraint nor upon yourselves when you eat from your [own] houses or the houses of your fathers or the houses of your mothers or the houses of your brothers or the houses of your sisters or the houses of your father's brothers or the houses of your father's sisters or the houses of your mother's brothers or the houses of your mother's sisters or [from houses] whose keys you possess or [from the house] of your friend. There is no blame upon you whether you eat together or separately. But when you enter houses, give greetings of peace	24:61	न अंधे के लिए कोई हरज है, न लँगड़े के लिए कोई हरज है और न रोगी के लिए कोई हरज है और न तुम्हारे अपने लिए इस बात में कि तुम अपने घरों में खाओ या अपने बापों के घरों से या अपनी माँओ के घरों से या अपने भाइयों के घरों से या अपनी बहनों के घरों से या अपने चाचाओं के घरों से या अपनी फूफियों (बुआओं) के घरों से या अपनी ख़ालाओं के घरों से या जिसकी कुंजियों के मालिक हुए हो या अपने मित्र के यहाँ। इसमें तुम्हारे लिए कोई हरज नहीं कि तुम मिलकर खाओ या अलग-अलग। हाँ, अलबत्ता जब घरों में जाया करो तो अपने लोगों को सलाम किया करो, अभिवादन अल्लाह की ओर से नियत किया हुए, बरकतवाला और अत्याधिक पाक। इस प्रकार अल्लाह	**[जब अल्लाह ने 4:29 का खुलासा किया, तो मुसलमान दुखी हुए कि बीमारों, बूढ़ों, अंधों और लंगड़ों के साथ खाना खाएं। उन्होंने कहा: भोजन किसी के धन का सबसे अच्छा हिस्सा है, और अल्लाह ने धन को व्यर्थ में बरबाद करने से मना किया है। अंधा यह नहीं देख सकता कि स्वास्थ्यवर्धक भोजन कहां है, लंगड़ा भोजन के लिए प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकता और बीमार ठीक से नहीं खा सकता।' इसके जवाब में, यह आयत प्रकट की गई।]**

Innama almuminoona allatheena amanoo biAllahi warasoolihi waitha kanoo maAAahu AAala amrin jamiAAin lam yathhaboo hatta yastathinoohu inna allatheena yastathinoonaka olaika allatheena yuminoona biAllahi warasoolihi faitha istathanooka libaAAdi shanihim fathan liman shita minhum waistaghfir lahumu Allaha inna Allaha ghafoorun raheemun	How to behave with Messenger: No one can be true believer in Allah without believing in Prophet Muhammad (pbuh) and following his orders.	The believers are only those who believe in Allah and His Messenger and, when they are [meeting] with him for a matter of common interest, do not depart until they have asked his permission. Indeed, those who ask your permission, [O Muhammad] - those are the ones who believe in Allah and His Messenger. So when they ask your permission for something of their affairs, then give permission to whom you will among them and ask forgiveness for them of Allah. Indeed, Allah is Forgiving and Merciful.	24:62	मोमिन तो बस वही है जो अल्लाह और उसके रसूल पर पक्का ईमान रखते है। और जब किसी सामूहिक मामले के लिए उसके साथ हो तो चले न जाएँ जब तक कि उससे अनुमति न प्राप्त कर लें। (ऐ नबी!) जो लोग (आवश्यकता पड़ने पर) तुमसे अनुमति ले लेते है, वही लोग अल्लाह और रसूल पर ईमान रखते है, तो जब वे किसी काम के लिए अनुमति चाहें तो उनमें से जिसको चाहो अनुमति दे दिया करो, और उन लोगों के लिए अल्लाह से क्षमा की प्रार्थना किया करो। निस्संदेह अल्लाह बहुत क्षमाशील, अत्यन्त दयावान है	नबी के साथ कैसे व्यवहार करना चाहिए: कोई भी अल्लाह में सच्चा इमानदार नहीं हो सकता अगर वह पैगंबर मुहम्मद (स.) में विश्वास नहीं करता और उनके आदेशों का पालन नहीं करता।

La tajAAaloo duAAaa alrrasooli baynakum kaduAAai baAAdikum baAAdan qad yaAAlamu Allahu allatheena yatasallaloona minkum liwathan falyahthari allatheena yukhalifoona AAan amrihi an tuseebahum fitnatun	How to behave with Messenger: There is no escape from following the orders of Messenger (pbuh).	Do not make [your] calling of the Messenger among yourselves as the call of one of you to another. Already Allah knows those of you who slip away, concealed by others. So let those beware who dissent from the Prophet's order, lest fitnah strike them or a painful punishment.	24:63	अपने बीच रसूल के बुलाने को तुम आपस में एक-दूसरे जैसा बुलाना न समझना। अल्लाह उन लोगों को भली-भाँति जानता है जो तुममें से ऐसे है कि (एक-दूसरे की) आड़ लेकर चुपके से खिसक जाते है। अतः उनको, जो उसके आदेश की अवहेलना करते है, डरना चाहिए कि कही ऐसा न हो कि उनपर कोई आज़माइश आ पड़े या उनपर कोई दुखद यातना आ जाए	नबी के साथ कैसे व्यवहार करना चाहिए: पैगंबर (स.) के आदेशों का पालन करने से कोई बच नहीं सकता।
Ala inna lillahi ma fee alssamawati waalardi qad yaAAlamu ma antum AAalayhi wayawma yurjaAAoona ilayhi fayunabbiohum bima AAamiloo waAllahu bikulli	x	Unquestionably, to Allah belongs whatever is in the heavens and earth. Already He knows that upon which you [stand] and [knows] the Day when they will be returned to Him and He will inform them of what they have done. And Allah is Knowing of all things.	24:64	सुन लो! आकाशों और धरती में जो कुछ भी है, अल्लाह का है। वह जानता है तुम जिस (नीति) पर हो। और जिस दिन वे उसकी ओर पलटेंगे, तो जो कुछ उन्होंने किया होगा, वह उन्हें बता देगा। अल्लाह तो हर चीज़ को जानता है	x
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Al-Furqan (The Criterion)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**25:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अल-फ़ुरकान (मापदंड / पैमाना)**

Tabaraka allathee nazzala alfurqana AAala AAabdihi liyakoona lilAAalameena natheeran	Quran is the criterion to Judge between right and wrong.	Blessed is He who sent down the Criterion upon His Servant that he may be to the worlds a warner -	25:1	बड़ी बरकतवाला है वह जिसने यह फ़ुरक़ान अपने बन्दे पर अवतरित किया, ताकि वह सारे संसार के लिए सावधान करनेवाला हो	क़ुरआन सही और गलत के बीच निर्णय करने का मापदंड है।
Allathee lahu mulku alssamawati waalardi walam yattakhith waladan walam yakun lahu shareekun fee almulki wakhalaqa kulla shayin faqaddarahu	x	He to whom belongs the dominion of the heavens and the earth and who has not taken a son and has not had a partner in dominion and has created each thing and determined it with [precise] determination.	25:2	वह जिसका राज्य है आकाशों और धरती पर, और उसने न तो किसी को अपना बेटा बनाया और न राज्य में उसका कोई साझी है। उसने हर चीज़ को पैदा किया; फिर उसे ठीक अन्दाजें पर रखा	x
Waittakhathoo min doonihi alihatan la yakhluqoona shayan wahum yukhlaqoona wala yamlikoona lianfusihim darran wala nafAAan wala yamlikoona mawtan wala hayatan wala nushooran	Reference to the pagan Arabs who worshiped Allah along with many other gods. **[False dieties are creations.]**	But they have taken besides Him gods which create nothing, while they are created, and possess not for themselves any harm or benefit and possess not [power to cause] death or life or resurrection.	25:3	फिर भी उन्होंने उससे हटकर ऐसे इष्ट -पूज्य बना लिए जो किसी चीज़ को पैदा नहीं करते, बल्कि वे स्वयं पैदा किए जाते है। उन्हें न तो अपनी हानि का अधिकार प्राप्त है और न लाभ का। और न उन्हें मृत्यु का अधिकार प्राप्त है और न जीवन का और न दोबारा जीवित होकर उठने का	उन मूर्तिपूजक अरबों का उल्लेख जो अल्लाह की पूजा कई अन्य देवताओं के साथ करते थे। **[झूठे देवता रचनाएँ हैं।]**

Waqala allatheena kafaroo in hatha illa ifkun iftarahu waaAAanahu AAalayhi qawmun akharoona faqad jaoo thulman wazooran	A Christian who embraced Islam and used to write (the revelations) for the Prophet. Later on he returned to Christianity again and he used to say: Muhammad (pbuh) knows nothing but what I have written for him.	And those who disbelieve say, "This [Qur'an] is not except a falsehood he invented, and another people assisted him in it." But they have committed an injustice and a lie.	25:4	जिन लोगों ने इनकार किया उनका कहना है, "यह तो बस मनघड़ंत है जो उसने स्वयं ही घड़ लिया है। और कुछ दूसरे लोगों ने इस काम में उसकी सहायता की है।" वे तो ज़ुल्म और झूठ ही के ध्येय से आए	एक ईसाई जिसने इस्लाम स्वीकार किया और पैगंबर के लिए (वह उद्घाटन) लिखता था। बाद में वह फिर से ईसाई धर्म में लौट आया और वह कहता था: मुहम्मद (स.) कुछ नहीं जानते सिवाय इसके जो मैंने उनके लिए लिखा है।
Waqaloo asateeru alawwaleena iktatabaha fahiya tumla AAalayhi bukratan waaseelan	x	And they say, "Legends of the former peoples which he has written down, and they are dictated to him morning and afternoon."	25:5	कहते है, "ये अगलों की कहानियाँ है, जिनको उसने लिख लिया है तो वही उसके पास प्रभात काल और सन्ध्या समय लिखाई जाती है।"	x
Qul anzalahu allathee yaAAlamu alssirra fee alssamawati waalardi innahu kana ghafooran	x	Say, [O Muhammad], "It has been revealed by He who knows [every] secret within the heavens and the earth. Indeed, He is ever Forgiving and Merciful."	25:6	कहो, "उसे अवतरित किया है उसने, जो आकाशों और धरती के रहस्य जानता है। निश्चय ही वह बहुत क्षमाशील, अत्यन्त दयावान है।"	x
Waqaloo mali hatha alrrasooli yakulu alttaAAama wayamshee fee alaswaqi lawla onzila ilayhi malakun fayakoona maAAahu natheeran	x	And they say, "What is this messenger that eats food and walks in the markets? Why was there not sent down to him an angel so he would be with him a warner?	25:7	उनका यह भी कहना है, "इस रसूल को क्या हुआ कि यह खाना खाता है और बाज़ारों में चलता-फिरता है? क्यों न इसकी ओर कोई फ़रिश्ता उतरा कि वह इसके साथ रहकर सावधान करता?	x

Aw yulqa ilayhi kanzun aw takoonu lahu jannatun yakulu minha waqala alththalimoona in tattabiAAoona illa rajulan mashooran	Man affected by Magic, refers to Prophet Muhammad (pbuh).	Or [why is not] a treasure presented to him [from heaven], or does he [not] have a garden from which he eats?" And the wrongdoers say, "You follow not but a man affected by magic."	25:8	या इसकी ओर कोई ख़ज़ाना ही डाल दिया जाता या इसके पास कोई बाग़ होता, जिससे यह खाता।" और इन ज़ालिमों का कहना है, "तुम लोग तो बस एक ऐसे व्यक्ति के पीछे चल रहे हो जो जादू का मारा हुआ है!"	जादू का मारा हुआ, पैगंबर मुहम्मद (स.) को संदर्भित करता है।
Onthur kayfa daraboo laka alamthala fadalloo fala yastateeAAoona	x	Look how they strike for you comparisons; but they have strayed, so they cannot [find] a way.	25:9	देखो, उन्होंने तुमपर कैसी-कैसी फब्तियाँ कसीं। तो वे बहक गए है। अब उनमें इसकी सामर्थ्य नहीं कि कोई मार्ग पा सकें!	x
Tabaraka allathee in shaa jaAAala laka khayran min thalika jannatin tajree min tahtiha alanharu wayajAAal laka qusooran	When the idolaters ridiculed the Messenger (pbuh) for his poverty (25:7), the Messenger (pbuh) felt sad. Gabriel came from Allah to console him and revealed 25:20. Gabriel said: 'O Muhammad, look up!' When he looked up, he saw the stations and rooms of all the prophets, and saw his station above that of all other prophets, as a special merit to him.	Blessed is He who, if He willed, could have made for you [something] better than that - gardens beneath which rivers flow - and could make for you palaces.	25:10	बरकतवाला है वह जो यदि चाहे तो तुम्हारे लिए इससे भी उत्तम प्रदान करे, बहत-से बाग़ जिनके नीचे नहरें बह रही हों, और तुम्हारे लिए बहुत-से महल तैया कर दे	जब मूर्तिपूजकों ने पैगंबर (स.) का उनके गरीबी के लिए मज़ाक उड़ाया (25:7), तो पैगंबर (स.) दुखी हो गए। जिब्राइल अल्लाह की ओर से उन्हें सांत्वना देने आए और 25:20 का खुलासा किया। जिब्राइल ने कहा: 'ऐ मुहम्मद, ऊपर देखो!' जब उन्होंने ऊपर देखा, तो उन्होंने सभी पैगंबरों के स्थान और कमरे देखे, और अपने स्थान को सभी अन्य पैगंबरों से ऊपर देखा, जो उनके लिए एक विशेष पुण्य के रूप में था।
Bal kaththaboo bialssaAAati waaAAtadna liman kaththaba bialssaAAati saAAeeran	x	But they have denied the Hour, and We have prepared for those who deny the Hour a Blaze.	25:11	नहीं, बल्कि बात यह है कि वे लोग क़ियामत की घड़ी को झुठला चुके है। और जो उस घड़ी को झुठला दे, उसके लिए दहकती आग तैयार कर रखी है	x

Itha raathum min makanin baAAeedin samiAAoo laha taghayyuthan wazafeeran	x	When the Hellfire sees them from a distant place, they will hear its fury and roaring.	25:12	जब वह उनको दूर से देखेगी तो वे उसके बिफरने और साँस खींचने की आवाज़ें सुनेंगे	x
Waitha olqoo minha makanan dayyiqan muqarraneena daAAaw hunalika thubooran	Hell	And when they are thrown into a narrow place therein bound in chains, they will cry out thereupon for destruction.	25:13	और जब वे उसकी किसी तंग जगह जकड़े हुए डाले जाएँगे, तो वहाँ विनाश को पुकारने लगेंगे	नरक
La tadAAoo alyawma thubooran wahidan waodAAoo thubooran katheeran	x	[They will be told], "Do not cry this Day for one destruction but cry for much destruction."	25:14	(कहा जाएगा,) "आज एक विनाश को मत पुकारो, बल्कि बहुत-से विनाशों को पुकारो!"	x
Qul athalika khayrun am jannatu alkhuldi allatee wuAAida almuttaqoona kanat lahum jazaan	x	Say, "Is that better or the Garden of Eternity which is promised to the righteous? It will be for them a reward and destination.	25:15	कहो, "यह अच्छा है या वह शाश्वत जन्नत, जिसका वादा डर रखनेवालों से किया गया है? यह उनका बदला और अन्तिम मंज़िल होगी।"	x
Lahum feeha ma yashaoona khalideena kana AAala rabbika waAAdan masoolan	x	For them therein is whatever they wish, [while] abiding eternally. It is ever upon your Lord a promise [worthy to be] requested.	25:16	उनके लिए उसमें वह सबकुछ होगा, जो वे चाहेंगे। उसमें वे सदैव रहेंगे। यह तुम्हारे रब के ज़िम्मे एक ऐसा वादा है जो प्रार्थनीय है	x

Wayawma yahshuruhum wama yaAAbudoona min dooni Allahi fayaqoolu aantum adlaltum AAibadee haolai am hum dalloo alssabeela	**[Contradiction: Does false dieties exist: Don't 10:18, 12:40, 17:42, 21:22, 53:23; Yes, 2:166, 7:194, 16:86, 18:51, 21:43, 22:73, 25:3, 25:17]**	And [mention] the Day He will gather them and that which they worship besides Allah and will say, "Did you mislead these, My servants, or did they [themselves] stray from the way?"	25:17	और जिस दिन उन्हें इकट्ठा किया जाएगा और उनको भी जिन्हें वे अल्लाह को छोड़कर पूजते है, फिर वह कहेगा, "क्या मेरे बन्दों को तुमने पथभ्रष्ट किया था या वे स्वयं मार्ग छोड़ बैठे थे?"	**[विरोधाभास: क्या झूठे देवता मौजूद हैं: नहीं 10:18, 12:40, 17:42, 21:22, 53:23; हाँ, 2:166, 7:194, 16:86, 18:51, 21:43, 22:73, 25:3, 25:17]**
Qaloo subhanaka ma kana yanbaghee lana an nattakhitha min doonika min awliyaa walakin mattaAAtahum waabaahum hatta nasoo alththikra wakanoo qawman booran	x	They will say, "Exalted are You! It was not for us to take besides You any allies. But You provided comforts for them and their fathers until they forgot the message and became a people ruined."	25:18	वे कहेंगे, "महान और उच्च है तू! यह हमसे नहीं हो सकता था कि तुझे छोड़कर दूसरे संरक्षक बनाएँ। किन्तु हुआ यह कि तूने उन्हें और उनके बाप-दादा को अत्यधिक सुख-सामग्री दी, यहाँ तक कि वे अनुस्मृति को भुला बैठे और विनष्ट होनेवाले लोग होकर रहे।"	x
Faqad kaththabookum bima taqooloona fama tastateeAAoona sarfan wala nasran waman yathlim minkum nuthiqhu AAathaban kabeeran	x	So they will deny you, [disbelievers], in what you say, and you cannot avert [punishment] or [find] help. And whoever commits injustice among you - We will make him taste a great punishment.	25:19	अतः इस प्रकार वे तुम्हें उस बात में, जो तुम कहते हो झूठा ठहराए हुए है। अब न तो तुम यातना को फेर सकते हो और न कोई सहायता ही पा सकते हो। जो कोई तुममें से ज़ुल्म करे उसे हम बड़ी यातना का मज़ा चखाएँगे	x

Wama arsalna qablaka mina almursaleena illa innahum layakuloona alttaAAama wayamshoona fee alaswaqi wajaAAalna baAAdakum libaAAdin fitnatan atasbiroona wakana	**[Contradiction: Who could be a Messenger: only men 12:109, 16:43, 21:7, 25:29, Angels also 22:75, 35:1]**	And We did not send before you, [O Muhammad], any of the messengers except that they ate food and walked in the markets. And We have made some of you [people] as trial for others - will you have patience? And ever is your Lord, Seeing.	25:20	और तुमसे पहले हमने जितने रसूल भी भेजे हैं, वे सब खाना खाते और बाज़ारों में चलते-फिरते थे। हमने तो तुम्हें परस्पर एक को दूसरे के लिए आज़माइश बना दिया है, "क्या तुम धैर्य दिखाते हो?" तुम्हारा रब तो सब कुछ देखता है	**[विरोधाभास: कौन संदेशवाहक हो सकता है: केवल पुरुष 12:109, 16:43, 21:7, 25:29, फ़रिश्तों भी 22:75, 35:1]**
Waqala allatheena la yarjoona liqaana lawla onzila AAalayna almalaikatu aw nara rabbana laqadi istakbaroo fee anfusihim waAAataw AAutuwwan	x	And those who do not expect the meeting with Us say, "Why were not angels sent down to us, or [why] do we [not] see our Lord?" They have certainly become arrogant within themselves and [become] insolent with great insolence.	25:21	जिन्हें हमसे मिलने की आशंका नहीं, वे कहते है, "क्यों न फ़रिश्ते हमपर उतरे या फिर हम अपने रब को देखते?" उन्होंने अपने जी में बड़ा घमंज किया और बड़ी सरकशी पर उतर आए	x
Yawma yarawna almalaikata la bushra yawmaithin lilmujrimeena wayaqooloona hijran mahjooran	x	The day they see the angels - no good tidings will there be that day for the criminals, and [the angels] will say, "Prevented and	25:22	जिस दिन वे फ़रिश्तों को देखेंगे उस दिन अपराधियों के लिए कोई ख़ुशख़बरी न होगी और वे पुकार उठेंगे, "पनाह! पनाह!!"	x

Waqadimna ila ma AAamiloo min AAamalin fajaAAalnahu habaan manthooran	x	And We will regard what they have done of deeds and make them as dust dispersed.	25:23	हम बढ़ेंगे उस कर्म की ओर जो उन्होंने किया होगा और उसे उड़ती धूल कर देंगे	x
Ashabu aljannati yawmaithin khayrun mustaqarran waahsanu maqeelan	x	The companions of Paradise, that Day, are [in] a better settlement and better resting place.	25:24	उस दिन जन्नतवाले ठिकाने की दृष्टि से अच्छे होगे और आरामगाह की दृष्टि से भी अच्छे होंगे	x
Wayawma tashaqqaqu alssamao bialghamami wanuzzila almalaikatu	**[Sky is not a flat layer which can be split.]**	And [mention] the Day when the heaven will split open with [emerging] clouds, and the angels will be sent down in successive descent.	25:25	उस दिन आकाश एक बादल के साथ फटेगा और फ़रिश्ते भली प्रकार उतारे जाएँगे	**[आसमान एक सपाट परत नहीं है जिसे विभाजित किया जा सके।]**
Almulku yawmaithin alhaqqu lilrrahmani wakana yawman AAala alkafireena	x	True sovereignty, that Day, is for the Most Merciful. And it will be upon the disbelievers a difficult Day.	25:26	उस दिन वास्तविक राज्य रहमान का होगा और वह दिन इनकार करनेवालों के लिए बड़ा ही मुश्किल होगा	x
Wayawma yaAAaddu alththalimu AAala yadayhi yaqoolu ya laytanee ittakhathtu maAAa alrrasooli sabeelan	**[Hypothetical argument]**	And the Day the wrongdoer will bite on his hands [in regret] he will say, "Oh, I wish I had taken with the Messenger a way.	25:27	उस दिन अत्याचारी अत्याचारी अपने हाथ चबाएगा। कहेंगा, "ऐ काश! मैंने रसूल के साथ मार्ग अपनाया होता!	[काल्पनिक बहस]
Ya waylata laytanee lam attakhith fulanan khaleelan	x	Oh, woe to me! I wish I had not taken that one as a friend.	25:28	हाय मेरा दुर्भाग्य! काश, मैंने अमुक व्यक्ति को मित्र न बनाया होता!	x

Laqad adallanee AAani alththikri baAAda ith jaanee wakana alshshaytanu lilinsani khathoolan	x	He led me away from the remembrance after it had come to me. And ever is Satan, to man, a deserter."	25:29	उसने मुझे भटकाकर अनुस्मृति से विमुख कर दिया, इसके पश्चात कि वह मेरे पास आ चुकी थी। शैतान तो समय पर मनुष्य का साथ छोड़ ही देता है।"	x
Waqala alrrasoolu ya rabbi inna qawmee ittakhathoo hatha alquranа mahjooran	x	And the Messenger has said, "O my Lord, indeed my people have taken this Qur'an as [a thing] abandoned."	25:30	रसूल कहेगा, "ऐ मेरे रब! निस्संदेह मेरी क़ौम के लोगों ने इस क़ुरआन को व्यर्थ बकवास की चीज़ ठहरा लिया था।"	x
Wakathalika jaAAalna likulli nabiyyin AAaduwwan mina almujrimeena wakafa birabbika hadiyan wanaseeran	**[Allah makes an enemy and them supports his messenger against him.]**	And thus have We made for every prophet an enemy from among the criminals. But sufficient is your Lord as a guide and a helper.	25:31	और इसी तरह हमने अपराधियों में से प्रत्येक नबी के लिये शत्रु बनाया। मार्गदर्शन और सहायता के लिए तो तुम्हारा रब ही काफ़ी है।	**[अल्लाह किसी को दुश्मन बनाता है और उनके खिलाफ अपने रसूल का समर्थन करता है।]**
Waqala allatheena kafaroo lawla nuzzila AAalayhi alquranu jumlatan wahidatan kathalika linuthabbita bihi fuadaka warattalnahu tarteelan	x	And those who disbelieve say, "Why was the Qur'an not revealed to him all at once?" Thus [it is] that We may strengthen thereby your heart. And We have spaced it distinctly.	25:32	और जिन लोगों ने इनकार किया उनका कहना है कि "उसपर पूरा क़ुरआन एक ही बार में क्यों नहीं उतारा?" ऐसा इसलिए किया गया ताकि हम इसके द्वारा तुम्हारे दिल को मज़बूत रखें और हमने इसे एक उचित क्रम में रखा	x

Wala yatoonaka bimathalin illa jinaka bialhaqqi waahsana tafseeran	**[If Quran is best explanation, why tafsirs are needed; Different sects of muslims interpret Quran in different ways.]**	And they do not come to you with an argument except that We bring you the truth and the best explanation.	25:33	और जब कभी भी वे तुम्हारे पास कोई आक्षेप की बात लेकर आएँगे तो हम तुम्हारे पास पक्की-सच्ची चीज़ लेकर आएँगे! इस दशा में कि वह स्पष्टीतकरण की स्पष्ट से उत्तम है	**[अगर कुरान सबसे अच्छी व्याख्या है, तो तफ़सीर की आवश्यकता क्यों है; मुसलमानों के विभिन्न संप्रदाय कुरान की व्याख्या अलग-अलग तरीकों से करते हैं।]**
Allatheena yuhsharoona AAala wujoohihim ila jahannama olaika sharrun makanan waadallu sabeelan	x	The ones who are gathered on their faces to Hell - those are the worst in position and farthest astray in [their] way.	25:34	जो लोग औंधे मुँह जहन्नम की ओर ले जाए जाएँगे वही स्थान की दृष्टि से बहुत बुरे है, और मार्ग की दृष्टि से भी बहुत भटके हुए है	x
Walaqad atayna moosa alkitaba wajaAAalna maAAahu akhahu haroona wazeeran	x	And We had certainly given Moses the Scripture and appointed with him his brother Aaron as an assistant.	25:35	हमने मूसा को किताब प्रदान की और उसके भाई हारून को सहायक के रूप में उसके साथ किया	x
Faqulna ithhaba ila alqawmi allatheena kaththaboo biayatina fadammarnahum tadmeeran	x	And We said, "Go both of you to the people who have denied Our signs." Then We destroyed them with [complete] destruction.	25:36	और कहा कि "तुम दोनों उन लोगों के पास जाओ जिन्होंने हमारी आयतों को झुठलाया है।" अन्ततः हमने उन लोगों को विनष्ट करके रख दिया	x

Waqawma noohin lamma kaththaboo alrrusula aghraqnahum wajaAAalnahum lilnnasi ayatan waaAAtadna liltthalimeena AAathaban aleeman	x	And the people of Noah - when they denied the messengers, We drowned them, and We made them for mankind a sign. And We have prepared for the wrongdoers a painful punishment.	25:37	और नूह की क़ौम को भी, जब उन्होंने रसूलों को झुठलाया तो हमने उन्हें डुबा दिया और लोगों के लिए उन्हें एक निशानी बना दिया, और उन ज़ालिमों के लिए हमने एक दुखद यातना तैयार कर रखी है	x
WaAAadan wathamooda waashaba alrrassi waquroonan bayna thalika katheeran	the “dwellers at Ar-Rass” were “the people of one of the villages of Thamud.”	And [We destroyed] 'Aad and Thamud and the companions of the well and many generations between them.	25:38	और आद और समूद और अर-रस्सवालों और उस बीच की बहुत-सी नस्लों को भी विनष्ट किया।	“अर-रास के निवासी” “समूद के एक गाँव के लोग थे।”
Wakullan darabna lahu alamthala wakullan tabbarna tatbeeran	**[Contradiction: Allah warns by, 21:45 only revelations, 23:76 Sending suffering and 25:39 examples also]**	And for each We presented examples [as warnings], and each We destroyed with [total] destruction.	25:39	प्रत्येक के लिए हमने मिसालें बयान कीं। अन्ततः प्रत्येक को हमने पूरी तरह विध्वस्त कर दिया	**[विरोधाभास: अल्लाह केवल 21:45 में खुलासों द्वारा चेतावनी देते हैं, 23:76 में कष्ट भेजते हैं और 25:39 में उदाहरण भी]**
Walaqad ataw AAala alqaryati allatee omtirat matara alssawi afalam yakoonoo yarawnaha bal kanoo la yarjoona	x	And they have already come upon the town which was showered with a rain of evil. So have they not seen it? But they are not expecting resurrection.	25:40	और उस बस्ती पर से तो वे हो आए है जिसपर बुरी वर्षा बरसी; तो क्या वे उसे देखते नहीं रहे हैं? नहीं, बल्कि वे दोबारा जीवित होकर उठने की आशा ही नहीं रखते रहे है	x
Waitha raawka in yattakhithoonaka illa huzuwan ahatha allathee baAAatha Allahu rasoolan	x	And when they see you, [O Muhammad], they take you not except in ridicule, [saying], "Is this the one whom Allah has sent as a messenger?	25:41	वे जब भी तुम्हें देखते हैं तो तुम्हारा मज़ाक़ बना लेते हैं कि "क्या यही, जिसे अल्लाह ने रसूल बनाकर भेजा है?	x

In kada layudilluna AAan alihatina lawla an sabarna AAalayha wasawfa yaAAlamoona heena yarawna alAAathaba man adallu sabeelan	x	He almost would have misled us from our gods had we not been steadfast in [worship of] them." But they are going to know, when they see the punishment, who is farthest astray in [his] way.	25:42	इसने तो हमें भटकाकर हमको हमारे प्रभु-पूज्यों से फेर ही दिया होता, यदि हम उनपर मज़बूती से जम न गए होते।"	x
Araayta mani ittakhatha ilahahu hawahu afaanta takoonu AAalayhi wakeelan	x	Have you seen the one who takes as his god his own desire? Then would you be responsible for him?	25:43	क्या तुमने उसको भी देखा, जिसने अपना प्रभु अपनी (तुच्छ) इच्छा को बना रखा है? तो क्या तुम उसका ज़िम्मा ले सकते हो	x
Am tahsabu anna aktharahum yasmaAAoona aw yaAAqiloona in hum illa kaalanAAami bal	Also see 8:55, 98:6. **[Dehumaniztion of disbelievers, they are worst that cattle.]**	Or do you think that most of them hear or reason? They are not except like livestock. Rather, they are [even] more astray in [their] way.	25:44	या तुम समझते हो कि उनमें अधिकतर सुनते और समझते है? वे तो बस चौपायों की तरह हैं, बल्कि उनसे भी अधिक पथभ्रष्ट!	यह भी देखें 8:55, 98:6। **[काफ़िरों का अमानवीयकरण, वे चौपायों से भी बदतर हैं।**
Alam tara ila rabbika kayfa madda alththilla walaw shaa lajaAAalahu sakinan thumma jaAAalna alshshamsa	**[Shadow is produced by movement of an object against light. How it could be made stationary. Also change in size of shadow is a natural phenomenon.]**	Have you not considered your Lord - how He extends the shadow, and if He willed, He could have made it stationary? Then We made the sun for it an indication.	25:45	क्या तुमने अपने रब को नहीं देखा कि कैसे फैलाई छाया? यदि चाहता तो उसे स्थिर रखता। फिर हमने सूर्य को उसका पता देनेवाला बनाया,	**[छाया वस्तु के प्रकाश के खिलाफ गति करने से उत्पन्न होती है। इसे स्थिर कैसे बनाया जा सकता है। छाया के आकार में परिवर्तन एक प्राकृतिक घटना है।]**
Thumma qabadnahu ilayna qabdan yaseeran	x	Then We hold it in hand for a brief grasp.	25:46	फिर हम उसको धीरे-धीरे अपनी ओर समेट लेते है	x

Wahuwa allathee jaAAala lakumu allayla libasan waalnnawma subatan wajaAAala alnnahara nushooran	x	And it is He who has made the night for you as clothing and sleep [a means for] rest and has made the day a resurrection.	25:47	वही है जिसने रात्रि को तुम्हारे लिए वस्त्र और निद्रा को सर्वथा विश्राम एवं शान्ति बनाया और दिन को जी उठने का समय बनाया	x
Wahuwa allathee arsala alrriyaha bushran bayna yaday rahmatihi waanzalna mina alssamai maan	x	And it is He who sends the winds as good tidings before His mercy, and We send down from the sky pure water	25:48	और वही है जिसने अपनी दयालुता (वर्षा) के आगे-आगे हवाओं को शुभ सूचना बनाकर भेजता है, और हम ही आकाश से स्वच्छ जल उतारते है	x
Linuhyiya bihi baldatan maytan wanusqiyahu mimma khalaqna anAAaman waanasiyya	x	That We may bring to life thereby a dead land and give it as drink to those We created of numerous livestock and men.	25:49	ताकि हम उसके द्वारा निर्जीव भू-भाग को जीवन प्रदान करें और उसे अपने पैदा किए हुए बहुत-से चौपायों और मनुष्यों को पिलाएँ	x
Walaqad sarrafnahu baynahum liyaththakkaroo faaba aktharu alnnasi illa kufooran	x	And We have certainly distributed it among them that they might be reminded, but most of the people refuse except disbelief.	25:50	उसे हमने उनके बीच विभिन्न ढ़ंग से पेश किया है, ताकि वे ध्यान दें। परन्तु अधिकतर लोगों ने इनकार और अकृतज्ञता के अतिरिक्त दूसरी नीति अपनाने से इनकार ही किया	x
Walaw shina labaAAathna fee kulli qaryatin natheeran	**[No warner for every city 25:52; But verse 6:130, 10:47, 16:36, 35:24 says, Messengers were send to every nation.]**	And if We had willed, We could have sent into every city a warner.	25:51	यदि हम चाहते तो हर बस्ती में एक डरानेवाला भेज देते	**[लेकिन 6:130, 10:47, 16:36, 35:24 कहती हैं, नबी हर क़ौम की ओर भेजे गए थे।]**

Fala tutiAAi alkafireena wajahidhum bihi jihadan kabeeran	See 2:218. According to the Tafsir Ibn Abbas , this should be done “by means of the Quran” and “by the sword.”	So do not obey the disbelievers, and strive against them with the Qur'an a great striving.	25:52	अतः इनकार करनेवालों की बात न मानता और इस (क़ुरआन) के द्वारा उनसे जिहाद करो, बड़ा जिहाद! (जी तोड़ कोशिश)	देखें 2:218। तफ़सीर इब्न अब्बास के अनुसार, यह “कुरआन के माध्यम से” और “तलवार द्वारा” किया जाना चाहिए।
Wahuwa allathee maraja albahrayni hatha AAathbun furatun wahatha milhun ojajun wajaAAala baynahuma barzakhan wahijran mahjooran	Wherever two bodies of water meet, whether both sea, or both freshwater, or one seawater and the other freshwater (Estuaries); different colour waters are observed separated by a visible boundary. This temporary boundary is commonly associated with a pycnocline, a layer in which water density changes rapidly. Less dense, sediment-rich or fresher water can temporarily float above denser, saltier water, slowing immediate mixing. **[Although waves, currents, and turbulence eventually cause the two waters to mix.]**	And it is He who has released [simultaneously] the two seas, one fresh and sweet and one salty and bitter, and He placed between them a barrier and prohibiting partition.	25:53	वही है जिसने दो समुद्रों को मिलाया। यह स्वादिष्ट और मीठा है और यह खारी और कड़ुआ। और दोनों के बीच उसने एक परदा डाल दिया है और एक पृथक करनेवाली रोक रख दी है	जहाँ भी दो जलाशयों का मिलन होता है, चाहे दोनों समुद्र हों, या दोनों मीठे पानी के हों, या एक खारा पानी और दूसरा मीठा पानी (एस्च्यूअरीज); वहाँ अलग-अलग रंग के पानी को एक दृश्यमान सीमा द्वारा अलग होते देखा जाता है। यह अस्थायी सीमा आमतौर पर एक पाइक्नोक्लाइन से जुड़ी होती है, एक ऐसी परत जिसमें पानी की घनत्व तेजी से बदलती है। कम घने, तलछट युक्त या मीठे पानी अस्थायी रूप से घने, नमकीन पानी के ऊपर तैर सकते हैं, जिससे तुरंत मिश्रण धीमा हो जाता है। **[हालांकि, अंततः लहरें, धाराएँ और उथल-पुथल दोनों जलमंडलों को मिलाने का कारण बनते हैं।]**

Wahuwa allathee khalaqa mina almai basharan fajaAAalahu nasaban wasihran wakana rabbuka qadeeran	**[Contradiction: Adam was made From clay 6:2, 7:12, 17:61, 18:76, 32:7, From sounding clay 15:26, 15:28, 15:33, From ringing clay 55:64, From sticky clay 37:11, From essence of clay 23:12, From mud 15:26, 15:28, 15:33, From dust 3:59, 22:5, 31:11, 40:67, Form earth 20:55, From nothing 19:9, 19:67, From water 21:30, 24:45, 25:54, From base material 70:39; Science says that man evolved from earlier**	And it is He who has created from water a human being and made him [a relative by] lineage and marriage. And ever is your Lord competent [concerning creation].	25:54	और वही है जिसने पानी से एक मनुष्य पैदा किया। फिर उसे वंशगत सम्बन्धों और ससुराली रिश्तेवाला बनाया। तुम्हारा रब बड़ा ही सामर्थ्यवान है	**[विरोधाभास: आदम मिट्टी से बने थे 6:2, 7:12, 17:61, 18:76, 32:7, ध्वनि करने वाली मिट्टी से 15:26, 15:28, 15:33, गूंजने वाली मिट्टी से 55:64, चिपचिपी मिट्टी से 37:11, मिट्टी के सार से 23:12, कीचड़ से 15:26, 15:28, 15:33, धूल से 3:59, 22:5, 31:11, 40:67, पृथ्वी से 20:55, कुछ से 19:9, 19:67, पानी से 21:30, 24:45, 25:54, मूल सामग्री से 70:39; विज्ञान कहता है कि मनुष्य पहले के प्राइमेट्स से विकसित हुआ था।]**
WayaAAbudoona min dooni Allahi ma la yanfaAAuhum wala yadurruhum wakana alkafiru AAala rabbihi thaheeran	**[Non-muslims are assistants of Satan.]**	But they worship rather than Allah that which does not benefit them or harm them, and the disbeliever is ever, against his Lord, an assistant [to Satan].	25:55	अल्लाह से इतर वे उनको पूजते है जो न उन्हें लाभ पहुँचा सकते है और न ही उन्हें हानि पहुँचा सकते है। और ऊपर से यह भी कि इनकार करनेवाला अपने रब का विरोधी और उसके मुक़ाबले में दूसरों का सहायक बना हुआ है	**[गैर-मुसलमान शैतान के सहायक हैं।]**
Wama arsalnaka illa mubashshiran wanatheeran	x	And We have not sent you, [O Muhammad], except as a bringer of good tidings and a warner.	25:56	और हमने तो तुमको शुभ-सूचना देनेवाला और सचेतकर्ता बनाकर भेजा है।	x

Qul ma asalukum AAalayhi min ajrin illa man shaa an yattakhitha ila rabbihi sabeelan	**[Verses that claims that prophet prophet (pbuh) has not taken any payment are 12:104, 25:57, 34:47, 38:86, 42:23. Although prophet took 20% from Ghanimat (Q 8:41) and 100% of Fai. Otherwise what was the source of earning to feed his family (nine wives, children, concubines, slaves).]**	Say, "I do not ask of you for it any payment - only that whoever wills might take to his Lord a way."	25:57	कह दो, "मैं इस काम पर तुमसे कोई बदला नहीं माँगता सिवाय इसके कि जो कोई चाहे अपने रब की ओर ले जानेवाला मार्ग अपना ले।"	**[वे आयतें जो दावा करती हैं कि पैगंबर ने कोई भुगतान नहीं लिया वह हैं 12:104, 25:57, 34:47, 38:86, 42:23। हालांकि पैगंबर ने घ़नीमत से 20% लिया (क़ुरआन 8:41) और फ़ै से 100% लिया। अन्यथा, अपने परिवार (नौ पत्नियां, बच्चे, कन्दर, दासी, गुलाम) को खिलाने के लिए आय का स्रोत क्या था।]**
Watawakkal AAala alhayyi allathee la yamootu wasabbih bihamdihi wakafa bihi bithunoobi AAibadihi khabeeran	Ever-Living is Allah.	And rely upon the Ever-Living who does not die, and exalt [Allah] with His praise. And sufficient is He to be, with the sins of His servants, Acquainted -	25:58	और उस अल्लाह पर भरोसा करो जो जीवन्त और अमर है और उसका गुणगान करो। वह अपने बन्दों के गुनाहों की ख़बर रखने के लिए काफ़ी है	जीवन्त (सदा जीवित) अल्लाह है।
Allathee khalaqa alssamawati waalarda wama baynahuma fee sittati ayyamin thumma istawa AAala alAAarshi alrrahmanu faisal	**[Allah made heaven and earth in how many days: 6 days 10:3, 11:7, 25:59, 32:4, 50:38, 8 days 41:9-12]**	He who created the heavens and the earth and what is between them in six days and then established Himself above the Throne - the Most Merciful, so ask about Him one well informed.	25:59	जिसने आकाशों और धरती को और जो कुछ उन दोनों के बीच है छह दिनों में पैदा किया, फिर सिंहासन पर विराजमान हुआ। रहमान है वह! अतः पूछो उससे जो उसकी ख़बर रखता है	**[अल्लाह ने स्वर्ग और पृथ्वी कितने दिनों में बनाया: 6 दिन 10:3, 11:7, 25:59, 32:4, 50:38, 8 दिन 41:9-12]**

Waitha qeela lahumu osjudoo lilrrahmani qaloo wama alrrahmanu anasjudu lima tamuruna wazadahum nufooran	This is one of several Qur'anic verses that are designated in Islamic tradition as verses of prostration: the believer is to make a prostration whenever the verse is recited. The disbeliever used to ask who is Ar-Rahman, as they only know Allah.	And when it is said to them, "Prostrate to the Most Merciful," they say, "And what is the Most Merciful? Should we prostrate to that which you order us?" And it increases them in aversion.	25:60	उन लोगों से जब कहा जाता है कि "रहमान को सजदा करो" तो वे कहते है, "और रहमान क्या होता है? क्या जिसे तू हमसे कह दे उसी को हम सजदा करने लगें?" और यह चीज़ उनकी घृणा को और बढ़ा देती है	इस्लाम से पहले अरब में "रहमान" शब्द का कुछ प्रयोग मिलता है, विशेषकर दक्षिणी अरब (यमन) में, जहाँ "रहमानन" एक सर्वोच्च ईश्वर के लिए प्रयुक्त होता था। कुछ लोग शुरुआत में पैग़म्बर मुहम्मद स. से पूछते थे कि "रहमान क्या है?"
Tabaraka allathee jaAAala fee alssamai buroojan wajaAAala feeha sirajan waqamaran	Pickthall translates "a great lamp and a moon giving light" **[Moon does not has its own light.]**	Blessed is He who has placed in the sky great stars and placed therein a [burning] lamp and luminous moon.	25:61	बड़ी बरकतवाला है वह, जिसने आकाश में बुर्ज (नक्षत्र) बनाए और उसमें एक चिराग़ और एक चमकता चाँद बनाया	पिकथल का अनुवाद है 'एक बड़ी दीपक और एक प्रकाश देने वाली चंद्रमा' **[चंद्रमा की अपनी रोशनी नहीं होती।]**
Wahuwa allathee jaAAala allayla waalnnahara khilfatan liman arada an yaththakkara aw	**[There is no succession of night and day, there are always night or Day somewhere on earth.]**	And it is He who has made the night and the day in succession for whoever desires to remember or desires gratitude.	25:62	और वही है जिसने रात और दिन को एक-दूसरे के पीछे आनेवाला बनाया, उस व्यक्ति के लिए (निशानी) जो चेतना चाहे या कृतज्ञ होना चाहे	**[रात और दिन का कोइ क्रम नहीं है, धरती पर कहीं न कहीं हमेशा रात या दिन होती है।]**
WaAAibadu alrrahmani allatheena yamshoona AAala alardi hawnan waitha khatabahumu aljahiloona qaloo	This is the answer to the disbelievers question "Who is Ar-Rahmaan". The answer is Salam, which means peace. It is also said to say Bye.	And the servants of the Most Merciful are those who walk upon the earth easily, and when the ignorant address them [harshly], they say [words of] peace,	25:63	रहमान के (प्रिय) बन्दें वहीं है जो धरती पर नम्रतापूर्वक चलते है और जब जाहिल उनके मुँह आएँ तो कह देते है, "तुमको सलाम!"	यह जवाब उन काफ़िरों के सवाल का है 'अर-रहमान कौन है'। जवाब है सलाम, जिसका मतलब है शांति। यह भी कहा जाता है कि यह विदाई कहने के लिए कहा जाता है।
Waallatheena yabeetoona lirabbihim sujjadan waqiyaman	x	And those who spend [part of] the night to their Lord prostrating and standing [in prayer]	25:64	जो अपने रब के आगे सजदे में और खड़े रातें गुज़ारते है;	x

Waallatheena yaqooloona rabbana isrif AAanna AAathaba jahannama inna AAathabaha kana	x	And those who say, "Our Lord, avert from us the punishment of Hell. Indeed, its punishment is ever adhering;	25:65	जो कहते हैं कि "ऐ हमारे रब! जहन्नम की यातना को हमसे हटा दे।" निश्चय ही उनकी यातना चिमटकर रहनेवाली है	x
Innaha saat mustaqarran wamuqaman	x	Indeed, it is evil as a settlement and residence."	25:66	निश्चय ही वह जगह ठहरने की दृष्टि! से भी बुरी है और स्थान की दृष्टि से भी	x
Waallatheena itha anfaqoo lam yusrifoo walam yaqturoo wakana bayna thalika	x	And [they are] those who, when they spend, do so not excessively or sparingly but are ever, between that, [justly] moderate	25:67	जो ख़र्च करते है तो न अपव्यय करते है और न ही तंगी से काम लेते है, बल्कि वे इनके बीच मध्यमार्ग पर रहते है	x
Waallatheena la yadAAoona maAAa Allahi ilahan akhara wala yaqtuloona alnnafsa allatee harrama Allahu illa bialhaqqi wala yaznoona waman yafAAal thalika yalqa athaman	x	And those who do not invoke with Allah another deity or kill the soul which Allah has forbidden [to be killed], except by right, and do not commit unlawful sexual intercourse. And whoever should do that will meet a penalty.	25:68	जो अल्लाह के साथ किसी दूसरे इष्ट-पूज्य को नहीं पुकारते और न नाहक़ किसी जीव को जिस (के क़त्ल) को अल्लाह ने हराम किया है, क़त्ल करते है। और न वे व्यभिचार करते है - जो कोई यह काम करे तो वह गुनाह के वबाल से दोचार होगा	x
YudaAAaf lahu alAAathabu yawma alqiyamati wayakhlud feehi muhanan	x	Multiplied for him is the punishment on the Day of Resurrection, and he will abide therein humiliated -	25:69	क़ियामत के दिन उसकी यातना बढ़ती चली जाएगी॥ और वह उसी में अपमानित होकर स्थायी रूप से पड़ा रहेगा	x

Illa man taba waamana waAAamila AAamalan salihan faolaika yubaddilu Allahu sayyiatihim hasanatin wakana Allahu ghafooran raheeman	x	Except for those who repent, believe and do righteous work. For them Allah will replace their evil deeds with good. And ever is Allah Forgiving and Merciful.	25:70	सिवाय उसके जो पलट आया और ईमान लाया और अच्छा कर्म किया, तो ऐसे लोगों की बुराइयों को अल्लाह भलाइयों से बदल देगा। और अल्लाह है भी अत्यन्त क्षमाशील, दयावान	x
Waman taba waAAamila salihan fainnahu yatoobu ila Allahi mataban	x	And he who repents and does righteousness does indeed turn to Allah with [accepted] repentance.	25:71	और जिसने तौबा की और अच्छा कर्म किया, तो निश्चय ही वह अल्लाह की ओर पलटता है, जैसा कि पलटने का हक़ है	x
Waallatheena la yashhadoona alzzoora waitha marroo biallaghwi marroo kiraman	x	And [they are] those who do not testify to falsehood, and when they pass near ill speech, they pass by with dignity.	25:72	जो किसी झूठ और असत्य में सम्मिलित नहीं होते और जब किसी व्यर्थ के कामों के पास से गुज़रते है, तो श्रेष्ठतापूर्वक गुज़र जाते है,	x
Waallatheena itha thukkiroo biayati rabbihim lam yakhirroo AAalayha summan waAAumyanan	x	And those who, when reminded of the verses of their Lord, do not fall upon them deaf and blind.	25:73	जो ऐसे हैं कि जब उनके रब की आयतों के द्वारा उन्हें याददिहानी कराई जाती है तो उन (आयतों) पर वे अंधे और बहरे होकर नहीं गिरते।	x

Waallatheena yaqooloona rabbana hab lana min azwajina wathurriyyatina qurrata aAAyunin waijAAalna lilmuttaqeena	**[Quran almost always debates from male's point of view.]**	And those who say, "Our Lord, grant us from among our wives and offspring comfort to our eyes and make us an example for the righteous."	25:74	और जो कहते है, "ऐ हमारे रब! हमें हमारी अपनी पत्नियों और हमारी संतान से आँखों की ठंडक प्रदान कर और हमें डर रखनेवालों का नायक बना दे।"	**[क़ुरान लगभग हमेशा पुरुष के दृष्टिकोण से बहस करता है।]**
Olaika yujzawna alghurfata bima sabaroo wayulaqqawna feeha tahiyyatan wasalaman	Chambers in Paradise.	Those will be awarded the Chamber for what they patiently endured, and they will be received therein with greetings and [words of] peace.	25:75	यही वे लोग है जिन्हें, इसके बदले में कि वे जमे रहे, उच्च भवन प्राप्त होगा, तथा ज़िन्दाबाद और सलाम से उनका वहाँ स्वागत होगा	स्वर्ग में भवन।
Khalideena feeha hasunat mustaqarran wamuqaman	x	Abiding eternally therein. Good is the settlement and residence.	25:76	वहाँ वे सदैव रहेंगे। बहुत ही अच्छी है वह ठहरने की जगह और स्थान;	x
Qul ma yaAAbao bikum rabbee lawla duAAaokum faqad kaththabtum fasawfa yakoonu lizaman	**[But Allah is so much concerned with disbelivers.]**	Say, "What would my Lord care for you if not for your supplication?" For you [disbelievers] have denied, so your denial is going to be adherent.	25:77	कह दो, "मेरे रब को तुम्हारी कोई परवाह नहीं अगर तुम (उसको) न पुकारो। अब जबकि तुम झुठला चुके हो, तो शीघ्र ही वह चीज़ चिमट जानेवाली होगी।"	**[लेकिन अल्लाह काफिरों के बारे में बहुत चिंतित हैं।]**
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Ash-Shu'ara (The Poets)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**26:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अश-शूअरा (कवि)**
Taseenmeem	Mysterious letters	Ta, Seen, Meem.	26:1	ता॰ सीन॰ मीम॰	रहस्यमय अक्षर
Tilka ayatu alkitabi almubeeni	**[We need to read Tafsir to understand most of verses.]**	These are the verses of the clear Book.	26:2	ये स्पष्ट किताब की आयतें है	**[हमें अधिकांश आयतों को समझने के लिए तफ़सीर पढ़नी चाहिए।]**

LaAAallaka bakhiAAun nafsaka alla yakoonoo mumineena	x	Perhaps, [O Muhammad], you would kill yourself with grief that they will not be believers.	26:3	शायद इसपर कि वे ईमान नहीं लाते, तुम अपने प्राण ही खो बैठोगे	x
In nasha nunazzil AAalayhim mina alssamai ayatan fathallat aAAnaquhum laha khadiAAeena	See 7:179, 10:99, and 32:13. **[Had Allah send some sign many of them believed and saved from Hell. Also, Hadith mentions various miracles of Prophet Muhammad.]**	If We willed, We could send down to them from the sky a sign for which their necks would remain humbled.	26:4	यदि हम चाहें तो उनपर आकाश से एक निशानी उतार दें। फिर उनकी गर्दनें उसके आगे झुकी रह जाएँ	देखें 7:179, 10:99, और 32:13। **[अगर अल्लाह कोई संकेत भेजते तो उनमें से कई विश्वास कर लेते और नरक से बच जाते। इसके अलावा, हदीस में पैगंबर मुहम्मद के विभिन्न चमत्कारों का उल्लेख है।]**
Wama yateehim min thikrin mina alrrahmani muhdathin illa kanoo AAanhu	The import of this Surah is that Qur'an not merely a poetical work but a divine revelation.	And no revelation comes to them anew from the Most Merciful except that they turn away from it.	26:5	उनके पास रहमान की ओर से जो नवीन अनुस्मृति भी आती है, वे उससे मुँह फेर ही लेते है	इस सूरह का अर्थ यह है कि कुरआन केवल एक काव्यात्मक कृति नहीं बल्कि एक दिव्य उद्घोषणा है।
Faqad kaththaboo fasayateehim anbao ma kanoo bihi yastahzioona	x	For they have already denied, but there will come to them the news of that which they used to ridicule.	26:6	अब जबकि वे झुठला चुके है, तो शीघ्र ही उन्हें उसकी हक़ीकत मालूम हो जाएगी, जिसका वे मज़ाक़ उड़ाते रहे है	x
Awalam yaraw ila alardi kam anbatna feeha min kulli zawjin kareemin	x	Did they not look at the earth - how much We have produced therein from every noble kind?	26:7	क्या उन्होंने धरती को नहीं देखा कि हमने उसमें कितने ही प्रकार की उमदा चीज़ें पैदा की है?	x
Inna fee thalika laayatan wama kana aktharuhum mumineena	x	Indeed in that is a sign, but most of them were not to be believers.	26:8	निश्चय ही इसमें एक बड़ी निशानी है, इसपर भी उनमें से अधिकतर माननेवाले नहीं	x
Wainna rabbaka lahuwa alAAazeezu alrraheemu	x	And indeed, your Lord - He is the Exalted in Might, the Merciful.	26:9	और निश्चय ही तुम्हारा रब ही है जो बड़ा प्रभुत्वशाली, अत्यन्त दयावान है	x

Waith nada rabbuka moosa ani iti alqawma alththalimeena	The comparisons to the Muhammad's (pbuh) story with messengers of past are frequent and unmistakable. When Allah tells him to go to preach to “the people of Pharaoh” (26:11), Moses says to Allah: “I do fear that they will charge me with falsehood” (26:12), just as they charged Muhammad (pbuh) (25:4). Moses is afraid the unbelievers will kill him (26:14), just as they plotted to kill the Muhammad (pbuh) (8:30). After Moses preaches to him, Pharaoh says Moses is a “veritable madman” (26:27), just as the pagan Arabs have said about the Muhammad (pbuh) (15:6). [**How people of all generations behave so**	And [mention] when your Lord called Moses, [saying], "Go to the wrongdoing people -	26:10	और जबकि तुम्हारे रह ने मूसा को पुकारा कि "ज़ालिम लोगों के पास जा -	मुहम्मद (स.) की कहानी की पिछले रसूलों के साथ तुलना अक्सर और स्पष्ट होती है। जब अल्लाह उन्हें कहता है कि वह 'फ़िरौन के लोगों' (26:11) को उपदेश देने जाएँ, तो मूसा अल्लाह से कहते हैं: 'मुझे डर है कि वे मुझे झूठा ठहराएँगे' (26:12), ठीक उसी तरह जैसे लोगों ने मुहम्मद (स.) को ठहराया (25:4)। मूसा को डर है कि अविश्वासी उन्हें मार देंगे (26:14), ठीक उसी तरह जैसे लोगों ने मुहम्मद (स.) को मारने की साजिश रची (8:30)। जब मूसा उपदेश देते हैं, फ़िरौन कहता है कि मूसा 'वास्तविक पागल' है (26:27), ठीक उसी तरह जैसे मूर्तिपूजक अरबों ने मुहम्मद (स.) के बारे में कहा (15:6)। **[सभी पीढ़ियों के लोग कैसे बहुत समान व्यवहार करते हैं।]**
Qawma firAAawna ala yattaqoona	x	The people of Pharaoh. Will they not fear Allah?"	26:11	फ़िरऔन की क़ौम के पास - क्या वे डर नहीं रखते?"	x
Qala rabbi innee akhafu an yukaththibooni	x	He said, "My Lord, indeed I fear that they will deny me	26:12	उसने कहा, "ऐ मेरे रब! मुझे डर है कि वे मुझे झुठला देंगे,	x
Wayadeequ sadree wala yantaliqu lisanee faarsil ila haroona	x	And that my breast will tighten and my tongue will not be fluent, so send for Aaron.	26:13	और मेरा सीना घुटता है और मेरी ज़बान नहीं चलती। इसलिए हारून की ओर भी संदेश भेज दे	x

Walahum AAalayya thanbun faakhafu an yaqtulooni	x	And they have upon me a [claim due to] sin, so I fear that they will kill me."	26:14	और मुझपर उनके यहाँ के एक गुनाह का बोझ भी है। इसलिए मैं डरता हूँ कि वे मुझे मार डालेंगे।"	x
Qala kalla faithhaba biayatina inna maAAakum mustamiAAoona	x	[Allah] said, "No. Go both of you with Our signs; indeed, We are with you, listening.	26:15	कहा, "कदापि नहीं, तुम दोनों हमारी निशानियाँ लेकर जाओ। हम तुम्हारे साथ है, सुनने को मौजूद है	x
Fatiya firAAawna faqoola inna rasoolu rabbi alAAalameena	x	Go to Pharaoh and say, 'We are the messengers of the Lord of the worlds,	26:16	अतः तुम दोनो फ़िरऔन को पास जाओ और कहो कि हम सारे संसार के रब के भेजे हुए है	x
An arsil maAAana banee israeela	x	[Commanded to say], "Send with us the Children of Israel."'"	26:17	कि तू इसराईल की सन्तान को हमारे साथ जाने दे।"	x
Qala alam nurabbika feena waleedan walabithta feena min AAumurika sineena	x	[Pharaoh] said, "Did we not raise you among us as a child, and you remained among us for years of your life?	26:18	(फ़िरऔन ने) कहा, "क्या हमने तुझे जबकि तू बच्चा था, अपने यहाँ पाला नहीं था? और तू अपनी अवस्था के कई वर्षों तक हमारे साथ रहा,	x
WafaAAalta faAAlataka allatee faAAalta waanta mina alkafireena	Moses murdered a person.	And [then] you did your deed which you did, and you were of the ungrateful."	26:19	और तूने अपना वह काम किया, जो किया। तू बड़ा ही कृतघ्न है।"	मूसा ने किसी व्यक्ति की हत्या की।
Qala faAAaltuha ithan waana mina alddalleena	x	[Moses] said, "I did it, then, while I was of those astray.	26:20	कहा, ऐसा तो मुझसे उस समय हुआ जबकि मैं चूक गया था	x

Fafarartu minkum lamma khiftukum fawahaba lee rabbee hukman wajaAAalanee mina almursaleena	x	So I fled from you when I feared you. Then my Lord granted me wisdom and prophethood and appointed me [as one] of the messengers.	26:21	फिर जब मुझे तुम्हारा भय हुआ तो मैं तुम्हारे यहाँ से भाग गया। फिर मेरे रब ने मुझे निर्णय-शक्ति प्रदान की और मुझे रसूलों में सम्मिलित किया	x
Watilka niAAmatun tamunnuha AAalayya an AAabbadta banee israeela	x	And is this a favor of which you remind me - that you have enslaved the Children of Israel?"	26:22	यही वह उदार अनुग्रह है जिसका रहमान तू मुझपर जताता है कि तूने इसराईल की सन्तान को ग़ुलाम बना रखा है।"	x
Qala firAAawnu wama rabbu alAAalameena	x	Said Pharaoh, "And what is the Lord of the worlds?"	26:23	फ़िरऔन ने कहा, "और यह सारे संसार का रब क्या होता है?"	x
Qala rabbu alssamawati waalardi wama baynahuma in kuntum mooqineena	x	[Moses] said, "The Lord of the heavens and earth and that between them, if you should be convinced."	26:24	उसने कहा, "आकाशों और धरती का रब और जो कुछ इन दोनों का मध्य है उसका भी, यदि तुम्हें यकीन हो।"	x
Qala liman hawlahu ala tastamiAAoona	x	[Pharaoh] said to those around him, "Do you not hear?"	26:25	उसने अपने आस-पासवालों से कहा, "क्या तुम सुनते नहीं हो?"	x
Qala rabbukum warabbu abaikumu alawwaleena		[Moses] said, "Your Lord and the Lord of your first forefathers."	26:26	कहा, "तुम्हारा रब और तुम्हारे अगले बाप-दादा का रब।"	x
Qala inna rasoolakumu allathee orsila ilaykum	x	[Pharaoh] said, "Indeed, your 'messenger' who has been sent to you is mad."	26:27	बोला, "निश्चय ही तुम्हारा यह रसूल, जो तुम्हारी ओर भेजा गया है, बिलकुल ही पागल है।"	x

Qala rabbu almashriqi waalmaghribi wama baynahuma in kuntum taAAqiloona	x	[Moses] said, "Lord of the east and the west and that between them, if you were to reason."	26:28	उसने कहा, "पूर्व और पश्चिम का रब और जो कुछ उनके बीच है उसका भी, यदि तुम कुछ बुद्धि रखते हो।"	x
Qala laini ittakhathta ilahan ghayree laajAAalannaka mina almasjooneena	**[Ancinet Egyptians believed in many gods and afterlife. Its very unlikley that a Pharoah claimed to be God.]**	[Pharaoh] said, "If you take a god other than me, I will surely place you among those imprisoned."	26:29	बोला, "यदि तूने मेरे सिवा किसी और को पूज्य एवं प्रभु बनाया, तो मैं तुझे बन्दी बनाकर रहूँगा।"	**[प्राचीन मिस्रवासी कई देवताओं और परलोक में विश्वास करते थे। यह बहुत असंभव है कि कोई फ़िरऔन खुद को भगवान घोषित करता।]**
Qala awalaw jituka bishayin mubeenin	x	[Moses] said, "Even if I brought you proof manifest?"	26:30	उसने कहा, "क्या यदि मैं तेरे पास एक स्पष्ट चीज़ ले आऊँ तब भी?"	x
Qala fati bihi in kunta mina alssadiqeena	x	[Pharaoh] said, "Then bring it, if you should be of the truthful."	26:31	बोलाः “अच्छा वह ले आ; यदि तू सच्चा है” ।	x
Faalqa AAasahu faitha hiya thuAAbanun mubeenun	x	So [Moses] threw his staff, and suddenly it was a serpent manifest.	26:32	फिर उसने अपनी लाठी डाल दी, तो अचानक क्या देखते है कि वह एक प्रत्यक्ष अज़गर है	x
WanazaAAa yadahu faitha hiya baydao lilnnathireena	x	And he drew out his hand; thereupon it was white for the observers.	26:33	और उसने अपना हाथ बाहर खींचा तो फिर क्या देखते है कि वह देखनेवालों के सामने चमक रहा है	x
Qala lilmalai hawlahu inna hatha lasahirun AAaleemun	x	[Pharaoh] said to the eminent ones around him, "Indeed, this is a learned magician.	26:34	उसने अपने आस-पास के सरदारों से कहा, "निश्चय ही यह एक बड़ा ही प्रवीण जादूगर है	x
Yureedu an yukhrijakum min ardikum bisihrihi famatha tamuroona	x	He wants to drive you out of your land by his magic, so what do you advise?"	26:35	चाहता है कि अपने जादू से तुम्हें तुम्हारी अपनी भूमि से निकाल बाहर करें; तो अब तुम क्या कहते हो?"	x

Qaloo arjih waakhahu waibAAath fee almadaini hashireena	x	They said, "Postpone [the matter of] him and his brother and send among the cities gatherers	26:36	उन्होंने कहा, "इसे और इसके भाई को अभी टाले रखिए, और एकत्र करनेवालों को नगरों में भेज दीजिए	x
Yatooka bikulli sahharin AAaleemin	x	Who will bring you every learned, skilled magician."	26:37	कि वे प्रत्येक प्रवीण जादूगर को आपके पास ले आएँ।"	x
FajumiAAa alssaharatu limeeqati yawmin maAAloomin	x	So the magicians were assembled for the appointment of a well-known day.	26:38	अतएव एक निश्चित दिन के नियत समय पर जादूगर एकत्र कर लिए गए	x
Waqeela lilnnasi hal antum mujtamiAAoona	x	And it was said to the people, "Will you congregate	26:39	और लोगों से कहा गया, "क्या तुम भी एकत्र होते हो?"	x
LaAAallana nattabiAAu alssaharata in kanoo humu alghalibeena	**[While Pharoah is not convinced by Moses, he is saying to follow the Magicians.]**	That we might follow the magicians if they are the predominant?"	26:40	कदाचित हम जादूगरों ही के अनुयायी रह जाएँ, यदि वे विजयी हुए	**[जबकि फराओ मूसा से प्रभावित नहीं है, वह जादूगरों की बात मानने के लिए कह रहा है।]**
Falamma jaa alssaharatu qaloo lifirAAawna ainna lana laajran in kunna nahnu	x	And when the magicians arrived, they said to Pharaoh, "Is there indeed for us a reward if we are the predominant?"	26:41	फिर जब जादूगर आए तो उन्होंने फ़िरऔन से कहा, "क्या हमारे लिए कोई प्रतिदान भी है, यदि हम प्रभावी रहे?"	x
Qala naAAam wainnakum ithan lamina almuqarrabeena	x	He said, "Yes, and indeed, you will then be of those near [to me]."	26:42	उसने कहा, "हाँ, और निश्चित ही तुम तो उस समय निकटतम लोगों में से हो जाओगे।"	x
Qala lahum moosa alqoo ma antum mulqoona	x	Moses said to them, "Throw whatever you will throw."	26:43	मूसा ने उनसे कहा, "डालो, जो कुछ तुम्हें डालना है।"	x

Faalqaw hibalahum waAAisiyyahum waqaloo biAAizzati firAAawna inna lanahnu alghaliboona	x	So they threw their ropes and their staffs and said, "By the might of Pharaoh, indeed it is we who are predominant."	26:44	तब उन्होंने अपनी रस्सियाँ और लाठियाँ डाल दी और बोले, "फ़िरऔन के प्रताप से हम ही विजयी रहेंगे।"	x
Faalqa moosa AAasahu faitha hiya talqafu ma yafikoona	x	Then Moses threw his staff, and at once it devoured what they falsified.	26:45	फिर मूसा ने अपनी लाठी फेकी तो क्या देखते है कि वह उसे स्वाँग को, जो वे रचाते है, निगलती जा रही है	x
Faolqiya alssaharatu sajideena	**[The Magicians immediately became devot Muslims.]**	So the magicians fell down in prostration [to Allah].	26:46	इसपर जादूगर सजदे में गिर पड़े	**[जादूगर तुरंत ही धर्मनिष्ठ मुसलमान बन गए।]**
Qaloo amanna birabbi alAAalameena	**[Quran proves that if miracles are shown, disbelivers could turn to Allah.]**	They said, "We have believed in the Lord of the worlds,	26:47	वे बोल उठे, "हम सारे संसार के रब पर ईमान ले आए -	**[कुरआन यह साबित करता है कि अगर चमत्कार दिखाए जाएँ, तो अविश्वासी अल्लाह की ओर लौट सकते हैं।]**
Rabbi moosa waharoona	x	The Lord of Moses and Aaron."	26:48	मूसा और हारून के रब पर!"	x
Qala amantum lahu qabla an athana lakum innahu lakabeerukumu allathee AAallamakumu alssihra falasawfa taAAlamoona laoqattiAAanna aydiyakum waarjulakum min khilafin walaosallibannakum ajmaAAeena	This is the same punishment that Allah commands for those who spread “corruption on the earth.” **[Ancient Egypt did not use crucifixion as punishment.]**	[Pharaoh] said, "You believed Moses before I gave you permission. Indeed, he is your leader who has taught you magic, but you are going to know. I will surely cut off your hands and your feet on opposite sides, and I will surely crucify you all."	26:49	उसने कहा, "तुमने उसको मान लिया, इससे पहले कि मैं तुम्हें अनुमति देता। निश्चय ही वह तुम सबका प्रमुख है, जिसने तुमको जादू सिखाया है। अच्छा, शीघ्र ही तुम्हें मालूम हुआ जाता है! मैं तुम्हारे हाथ और पाँव विपरीत दिशाओं से कटवा दूँगा और तुम सभी को सूली पर चढ़ा दूँगा।"	यह वही सजा है जो अल्लाह उन लोगों के लिए आदेश देता है जो 'धरती पर भ्रष्टाचार फैलाते हैं।' **[प्राचीन मिस्र सजा के रूप में क्रूस पर चढ़ाने का उपयोग नहीं करता था।]**

Qaloo la dayra inna ila rabbina munqaliboona	x	They said, "No harm. Indeed, to our Lord we will return.	26:50	उन्होंने कहा, "कुछ हरज नहीं; हम तो अपने रब ही की ओर पलटकर जानेवाले है	x
Inna natmaAAu an yaghfira lana rabbuna khatayana an kunna awwala almumineena	**[But there were already three people amoung Pharoah's people who were believers, 40:28]**	Indeed, we aspire that our Lord will forgive us our sins because we were the first of the believers."	26:51	हमें तो इसी की लालसा है कि हमारा रब हमारी ख़ताओं को क्षमा कर दें, क्योंकि हम सबसे पहले ईमान लाए।"	**[लेकिन फ़िरौन की क़ौम में पहले से ही तीन लोग ईमान वाले थे, 40:28]**
Waawhayna ila moosa an asri biAAibadee innakum muttabaAAoona	x	And We inspired to Moses, "Travel by night with My servants; indeed, you will be pursued."	26:52	हमने मूसा की ओर प्रकाशना की, "मेरे बन्दों को लेकर रातों-रात निकल जा। निश्चय ही तुम्हारा पीछा किया जाएगा।"	x
Faarsala firAAawnu fee almadaini hashireena	x	Then Pharaoh sent among the cities gatherers	26:53	इसपर फ़िरऔन ने एकत्र करनेवालों को नगर में भेजा	x
Inna haolai lashirthimatun qaleeloona	x	[And said], "Indeed, those are but a small band,	26:54	कि "यह गिरे-पड़े थोड़े लोगों का एक गिरोह है,	x
Wainnahum lana laghaithoona	x	And indeed, they are enraging us,	26:55	और ये हमें क्रुद्ध कर रहे है।	x
Wainna lajameeAAun hathiroona	x	And indeed, we are a cautious society... "	26:56	और हम चौकन्ना रहनेवाले लोग है।"	x
Faakhrajnahum min jannatin waAAuyoonin	Means, Allah removed Pharoah and his people.	So We removed them from gardens and springs	26:57	इस प्रकार हम उन्हें बाग़ों और स्रोतों	मतलब, अल्लाह ने फिरौन और उसके लोगों को हटा दिया।
Wakunoozin wamaqamin	x	And treasures and honorable station -	26:58	और ख़ज़ानों और अच्छे स्थान से निकाल लाए	x

Kathalika waawrathnaha banee israeela	x	Thus. And We caused to inherit it the Children of Israel.	26:59	ऐसा ही हम करते है और इनका वारिस हमने इसराईल की सन्तान को बना दिया	x
FaatbaAAoohum mushriqeena	x	So they pursued them at sunrise.	26:60	सुबह-तड़के उन्होंने उनका पीछा किया	x
Falamma taraa aljamAAani qala ashabu moosa inna lamudrakoona	x	And when the two companies saw one another, the companions of Moses said, "Indeed, we are to be overtaken!"	26:61	फिर जब दोनों गिरोहों ने एक-दूसरे को देख लिया तो मूसा के साथियों ने कहा, "हम तो पकड़े गए!"	x
Qala kalla inna maAAiya rabbee sayahdeeni	x	[Moses] said, "No! Indeed, with me is my Lord; He will guide me."	26:62	उसने कहा, "कदापि नहीं, मेरे साथ मेरा रब है। वह अवश्य मेरा मार्गदर्शन करेगा।"	x
Faawhayna ila moosa ani idrib biAAasaka albahra fainfalaqa fakana kullu firqin kaalttawdi	**[Sea could be parted by the strike of Staff.]**	Then We inspired to Moses, "Strike with your staff the sea," and it parted, and each portion was like a great towering mountain.	26:63	तब हमने मूसा की ओर प्रकाशना की, "अपनी लाठी सागर पर मार।"	**[छड़ी के प्रहार से समुद्र को अलग किया जा सकता है।]**
Waazlafna thamma alakhareena	x	And We advanced thereto the pursuers.	26:64	और हम दूसरों को भी निकट ले आए	x
Waanjayna moosa waman maAAahu ajmaAAeena	x	And We saved Moses and those with him, all together.	26:65	हमने मूसा को और उन सबको जो उसके साथ थे, बचा लिया	x
Thumma aghraqna alakhareena	x	Then We drowned the others.	26:66	और दूसरों को डूबो दिया	x
Inna fee thalika laayatan wama kana aktharuhum mumineena	x	Indeed in that is a sign, but most of them were not to be believers.	26:67	निस्संदेह इसमें एक बड़ी निशानी है। इसपर भी उनमें से अधिकतर माननेवाले नहीं	x

Wainna rabbaka lahuwa alAAazeezu alrraheemu	x	And indeed, your Lord - He is the Exalted in Might, the Merciful.	26:68	और निश्चय ही तुम्हारा रब ही है जो बड़ा प्रभुत्वशाली, अत्यन्त दयावान है	x
Waotlu AAalayhim nabaa ibraheema	x	And recite to them the news of Abraham,	26:69	और उन्हें इबराहीम का वृत्तान्त सुनाओ,	x
Ith qala liabeehi waqawmihi ma taAAbudoona	x	When he said to his father and his people, "What do you worship?"	26:70	जबकि उसने अपने बाप और अपनी क़ौम के लोगों से कहा, "तुम क्या पूजते हो?"	x
Qaloo naAAbudu asnaman fanathallu laha AAakifeena	x	They said, "We worship idols and remain to them devoted."	26:71	उन्होंने कहा, "हम बुतों की पूजा करते है, हम तो उन्हीं की सेवा में लगे रहेंगे।"	x
Qala hal yasmaAAoonakum ith tadAAoona	x	He said, "Do they hear you when you supplicate?	26:72	उसने कहा, "क्या ये तुम्हारी सुनते है, जब तुम पुकारते हो,	x
Aw yanfaAAoonakum aw yadurroona	x	Or do they benefit you, or do they harm?"	26:73	या ये तुम्हें कुछ लाभ या हानि पहुँचाते है?"	x
Qaloo bal wajadna abaana kathalika yafAAaloona	Although they knew that their idols could not do anything but they had seen their fathers doing this, so they made haste to follow in their footsteps. **[Although this verse highlights that ancient usage and precedence in time are no proof of (a concept's) soundness. But the Quran does not applies the logic on itself.]**	They said, "But we found our fathers doing thus."	26:74	उन्होंने कहा, "नहीं, बल्कि हमने तो अपने बाप-दादा को ऐसा ही करते पाया है।"	हालांकि उन्हें पता था कि उनकी मूर्ति कुछ भी नहीं कर सकती, लेकिन उन्होंने अपने पिता को ऐसा करते देखा था, इसलिए वे जल्दी में उनके पदचिह्नों का अनुसरण करने लगे। **[हालांकि यह आयत इस बात को उजागर करती है कि प्राचीन उपयोग और समय में प्रतिष्ठा किसी (सिद्धांत) की सहीता का प्रमाण नहीं हैं। लेकिन कुरान इस तर्क को अपने ऊपर लागू नहीं करता।]**

Qala afaraaytum ma kuntum taAAbudoona	x	He said, "Then do you see what you have been worshipping,	26:75	उसने कहा, "क्या तुमने उनपर विचार भी किया कि जिन्हें तुम पूजते हो,	x
Antum waabaokumu alaqdamoona	x	You and your ancient forefathers?	26:76	तुम और तुम्हारे पहले के बाप-दादा?	x
Fainnahum AAaduwwun lee illa rabba alAAalameena	x	Indeed, they are enemies to me, except the Lord of the worlds,	26:77	वे सब तो मेरे शत्रु है, सिवाय सारे संसार के रब के,	x
Allathee khalaqanee fahuwa yahdeeni	x	Who created me, and He [it is who] guides me.	26:78	जिसने मुझे पैदा किया और फिर वही मेरा मार्गदर्शन करता है	x
Waallathee huwa yutAAimunee wayasqeeni	x	And it is He who feeds me and gives me drink.	26:79	और वही है जो मुझे खिलाता और पिलाता है	x
Waitha maridtu fahuwa yashfeeni	x	And when I am ill, it is He who cures me	26:80	और जब मैं बीमार होता हूँ, तो वही मुझे अच्छा करता है	x
Waallathee yumeetunee thumma yuhyeeni	x	And who will cause me to die and then bring me to life	26:81	और वही है जो मुझे मारेगा, फिर मुझे जीवित करेगा	x
Waallathee atmaAAu an yaghfira lee khateeatee yawma	x	And who I aspire that He will forgive me my sin on the Day of Recompense."	26:82	और वही है जिससे मुझे इसकी आकांक्षा है कि बदला दिए जाने के दिन वह मेरी ख़ता माफ़ कर देगा	x
Rabbi hab lee hukman waalhiqnee bialssaliheena	x	[And he said], "My Lord, grant me authority and join me with the righteous.	26:83	ऐ मेरे रब! मुझे निर्णय-शक्ति प्रदान कर और मुझे योग्य लोगों के साथ मिला।	x
WaijAAal lee lisana sidqin fee alakhireena	x	And grant me a reputation of honor among later generations.	26:84	और बाद के आनेवालों में से मुझे सच्ची ख़्याति प्रदान कर	x
WaijAAalnee min warathati jannati alnnaAAeemi	x	And place me among the inheritors of the Garden of Pleasure.	26:85	और मुझे नेमत भरी जन्नत के वारिसों में सम्मिलित कर	x

Waighfir liabee innahu kana mina alddalleena	**[But Muslims are not permitted to pray for those doing Shirk and Quran claims Abraham was a Muslim.]**	And forgive my father. Indeed, he has been of those astray.	26:86	और मेरे बाप को क्षमा कर दे। निश्चय ही वह पथभ्रष्ट लोगों में से है	**[लेकिन मुसलमानों को शिर्क करने वालों के लिए दुआ करने की अनुमति नहीं है और कुरान दावा करती है कि इब्राहीम मुसलमान थे।]**
Wala tukhzinee yawma yubAAathoona	x	And do not disgrace me on the Day they are [all] resurrected -	26:87	और मुझे उस दिन रुसवा न कर, जब लोग जीवित करके उठाए जाएँगे।	x
Yawma la yanfaAAu malun wala banoona	x	The Day when there will not benefit [anyone] wealth or children	26:88	जिस दिन न माल काम आएगा और न औलाद,	x
Illa man ata Allaha biqalbin saleemin	x	But only one who comes to Allah with a sound heart."	26:89	सिवाय इसके कि कोई भला-चंगा दिल लिए हुए अल्लाह के पास आया हो।"	x
Waozlifati aljannatu lilmuttaqeena	**[Rather than taking the believers to paradise, it will be brought near.]**	And Paradise will be brought near [that Day] to the righteous.	26:90	और डर रखनेवालों के लिए जन्नत निकट लाई जाएगी	**[विश्वासियों को जन्नत में ले जाने के बजाय, इसे नजदीक लाया जाएगा।]**
Waburrizati aljaheemu lilghaweena	x	And Hellfire will be brought forth for the deviators,	26:91	और भडकती आग पथभ्रष्टि लोगों के लिए प्रकट कर दी जाएगी	x
Waqeela lahum ayna ma kuntum taAAbudoona	x	And it will be said to them, "Where are those you used to worship	26:92	और उनसे कहा जाएगा, "कहाँ है वे जिन्हें तुम अल्लाह को छोड़कर पूजते रहे हो?	x
Min dooni Allahi hal yansuroonakum aw yantasiroona	x	Other than Allah? Can they help you or help themselves?"	26:93	क्या वे तुम्हारी कुछ सहायता कर रहे है या अपना ही बचाव कर सकते है?"	x
Fakubkiboo feeha hum waalghawoona	x	So they will be overturned into Hellfire, they and the deviators	26:94	फिर वे उसमें औंधे झोक दिए जाएँगे, वे और बहके हुए लोग	x

Wajunoodu ibleesa ajmaAAoona	x	And the soldiers of Iblees, all together.	26:95	और इबलीस की सेनाएँ, सबके सब।	x
Qaloo wahum feeha yakhtasimoona	x	They will say while they dispute therein,	26:96	वे वहाँ आपस में झगड़ते हुए कहेंगे,	x
TaAllahi in kunna lafee dalalin	x	"By Allah, we were indeed in manifest error	26:97	"अल्लाह की क़सम! निश्चय ही हम खुली गुमराही में थे	x
Ith nusawweekum birabbi alAAalameena	The idolators will be complaining to their false dieites in Hell. **[Contradiction: Does false dieties exist: Don't 10:18, 12:40, 17:42, 21:22, 53:23; Yes, 2:166, 7:194, 16:86, 18:51, 21:43, 22:73, 25:3, 25:17, 26:98]**	When we equated you with the Lord of the worlds.	26:98	जबकि हम तुम्हें सारे संसार के रब के बराबर ठहरा रहे थे	मूर्तिपूजक अपने झूठे देवी-देवताओं से नर्क में शिकायत कर रहे होंगे। **[विरोधाभास: क्या झूठे देवी-देवता मौजूद हैं: नहीं 10:18, 12:40, 17:42, 21:22, 53:23; हाँ, 2:166, 7:194, 16:86, 18:51, 21:43, 22:73, 25:3, 25:17, 26:98]**
Wama adallana illa almujrimoona	x	And no one misguided us except the criminals.	26:99	और हमें तो बस उन अपराधियों ने ही पथभ्रष्ट किया	x
Fama lana min shafiAAeena	x	So now we have no intercessors	26:100	अब न हमारा कोई सिफ़ारिशी है,	x
Wala sadeeqin hameemin	x	And not a devoted friend.	26:101	और न घनिष्ट मित्र	x
Falaw anna lana karratan fanakoona mina almumineena		Then if we only had a return [to the world] and could be of the believers... "	26:102	क्या ही अच्छा होता कि हमें एक बार फिर पलटना होता, तो हम मोमिनों में से हो जाते!"	x
Inna fee thalika laayatan wama kana aktharuhum mumineena	**[Could anyone witness this hypothetical sign, read 26:91-100.]**	Indeed in that is a sign, but most of them were not to be believers.	26:103	निश्चय ही इसमें एक बड़ी निशानी है। इसपर भी उनमें से अधिकरतर माननेवाले नहीं	**[क्या कोई इस काल्पनिक संकेत को देख सकता है, 26:91-100 पढ़े।]**
Wainna rabbaka lahuwa alAAazeezu alrraheemu	x	And indeed, your Lord - He is the Exalted in Might, the Merciful.	26:104	और निस्संदेह तुम्हारा रब ही है जो बड़ा प्रभुत्वशाली, अत्यन्त दयावान है	x

Kaththabat qawmu noohin almursaleena	**[But Noah was the only messenger for his people; Who were the other messengers.]**	The people of Noah denied the messengers	26:105	नूह की क़ौम ने रसूलों को झुठलाया;	**[लेकिन नूह ही अपने लोगों के लिए एकमात्र संदेशवाहक थे; अन्य संदेशवाहक कौन थे।]**
Ith qala lahum akhoohum noohun ala tattaqoona	x	When their brother Noah said to them, "Will you not fear Allah?	26:106	जबकि उनसे उनके भाई नूह ने कहा, "क्या तुम डर नहीं रखते?	x
Innee lakum rasoolun ameenun	x	Indeed, I am to you a trustworthy messenger.	26:107	निस्संदेह मैं तुम्हारे लिए एक अमानतदार रसूल हूँ	x
Faittaqoo Allaha waateeAAooni	"Fear Allah but Obey me" Actually this is the most important priciple of Islam.	So fear Allah and obey me.	26:108	अतः अल्लाह का डर रखो और मेरा कहा मानो	“अल्लाह से डरिए लेकिन मेरी आज्ञा मानिए”। वास्तव में यह इस्लाम का सबसे महत्वपूर्ण सिद्धांत है।
Wama asalukum AAalayhi min ajrin in ajriya illa AAala rabbi alAAalameena	**[Similar to Prophet Muhammad (pbuh), Noah also said that I don’t take payment. But Prophet Muhammad (pbuh) actually took 20% of war booties and 100 % of Fai, also Zakat and Jiziya.]**	And I do not ask you for it any payment. My payment is only from the Lord of the worlds.	26:109	मैं इस काम के बदले तुमसे कोई बदला नहीं माँगता। मेरा बदला तो बस सारे संसार के रब के ज़िम्मे है	**[नबी मुहम्मद (स.) के समान, नूह ने भी कहा कि मैं किसी से भुगतान नहीं लेता।.ल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) ने वास्तव में युद्ध की लूट में से 20% और फै में 100% लिया, साथ ही जकात और जज़िया भी।]**
Faittaqoo Allaha waateeAAooni	x	So fear Allah and obey me."	26:110	अतः अल्लाह का डर रखो और मेरी आज्ञा का पालन करो।"	x
Qaloo anuminu laka waittabaAAaka alarthaloona	**[Noah was not followed by anybody except for some of his family members, who were righteous. However, this situation was with Prophet Muhammad in Mecca where mostly lower class people were his followers.]**	They said, "Should we believe you while you are followed by the lowest [class of people]?"	26:111	उन्होंने कहा, "क्या हम तेरी बात मान लें, जबकि तेरे पीछे तो अत्यन्त नीच लोग चल रहे है?"	**[नूह का अनुसरण किसी ने नहीं किया सिवाय उसके परिवार के कुछ सदस्यों के, जो धर्मात्मा थे। हालांकि, यह स्थिति पैगंबर मुहम्मद के साथ मक्का में थी, जहां ज्यादातर निम्न वर्ग के लोग उसके अनुयायी थे।]**

Qala wama AAilmee bima kanoo yaAAmaloona	It does not matter what they used to do in past, all I have to do is accept it if they believe in me and Allah.	He said, "And what is my knowledge of what they used to do?	26:112	उसने कहा, "मुझे क्या मालूम कि वे क्या करते रहे है?	इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे अतीत में क्या करते थे, मुझे बस इसे स्वीकार करना है अगर वे मुझ पर और अल्लाह पर विश्वास करते हैं।
In hisabuhum illa AAala rabbee law tashAAuroona	x	Their account is only upon my Lord, if you [could] perceive.	26:113	उनका हिसाब तो बस मेरे रब के ज़िम्मे है। क्या ही अच्छा होता कि तुममें चेतना होती।	x
Wama ana bitaridi almumineena	x	And I am not one to drive away the believers.	26:114	और मैं ईमानवालों को धुत्कारनेवाला नहीं हूँ।	x
In ana illa natheerun mubeenun	Noah tells the disbelievers that he is only a “plain warner,” like Prophet Muhammad (pbuh), 7:184	I am only a clear warner."	26:115	मैं तो बस स्पष्ट रूप से एक सावधान करनेवाला हूँ।"	नूह अविश्वासियों से कहते हैं कि वह केवल एक 'साधारण चेतावनी देने वाले' हैं, जैसे कि पैगंबर मुहम्मद (स.), 7:184
Qaloo lain lam tantahi ya noohu latakoonanna mina almarjoomeena	x	They said, "If you do not desist, O Noah, you will surely be of those who are stoned."	26:116	उन्होंने कहा, "यदि तू बाज़ न आया ऐ नूह, तो तू संगसार होकर रहेगा।"	x
Qala rabbi inna qawmee kaththabooni	x	He said, "My Lord, indeed my people have denied me.	26:117	उसने कहा, "ऐ मेरे रब! मेरी क़ौम के लोगों ने तो मुझे झुठला दिया	x
Faiftah baynee wabaynahum fathan wanajjinee waman maAAiya mina almumineena	**[Only some of his close family members were with Noah, there were no other believers as per Bible, Similar error in 11:40.]**	Then judge between me and them with decisive judgement and save me and those with me of the believers."	26:118	अब मेरे और उनके बीच दो टूक फ़ैसला कर दे और मुझे और जो ईमानवाले मेरे साथ है, उन्हें बचा ले!"	**[केवल उनके कुछ नज़दीकी परिवार के सदस्य नूह के साथ थे, बाइबल के अनुसार अन्य कोई ईमानवाले नहीं थे, 11:40 में समान त्रुटि।]**
Faanjaynahu waman maAAahu fee alfulki almashhooni	x	So We saved him and those with him in the laden ship.	26:119	अतः हमने उसे और जो उसके साथ भरी हुई नौका में थे बचा लिया	x
Thumma aghraqna baAAdu albaqeena	x	Then We drowned thereafter the remaining ones.	26:120	और उसके पश्चात शेष लोगों को डूबो दिया	x

Inna fee thalika laayatan wama kana aktharuhum mumineena	x	Indeed in that is a sign, but most of them were not to be believers.	26:121	निश्चय ही इसमें एक बड़ी निशानी है। इसपर भी उनमें से अधिकतर माननेवाले नहीं	x
Wainna rabbaka lahuwa alAAazeezu alrraheemu	x	And indeed, your Lord - He is the Exalted in Might, the Merciful.	26:122	और निस्संदेह तुम्हारा रब ही है जो बड़ा प्रभुत्वशाली, अत्यन्त दयावान है	x
Kaththabat AAadun almursaleena	x	'Aad denied the messengers	26:123	आद ने रसूलों को झूठलाया	x
Ith qala lahum akhoohum hoodun ala tattaqoona	x	When their brother Hud said to them, "Will you not fear Allah?	26:124	जबकि उनके भाई हूद ने उनसे कहा, "क्या तुम डर नहीं रखते?	x
Innee lakum rasoolun ameenun	x	Indeed, I am to you a trustworthy messenger.	26:125	मैं तो तुम्हारे लिए एक अमानतदार रसूल हूँ	x
Faittaqoo Allaha waateeAAooni	Aad also said the same things like Noah and Muhammad (pbuh). **[Striking resemblance]**	So fear Allah and obey me.	26:126	अतः तुम अल्लाह का डर रखो और मेरी आज्ञा मानो	आद ने भी वही बातें कहीं जो नूह और मुहम्मद (स.) ने कहीं। **[अद्भुत समानता]**
Wama asalukum AAalayhi min ajrin in ajriya illa AAala rabbi alAAalameena	Aad also said the same things like Noah and Muhammad (pbuh). **[Striking resemblance]**	And I do not ask you for it any payment. My payment is only from the Lord of the worlds.	26:127	मैं इस काम पर तुमसे कोई प्रतिदान नहीं माँगता। मेरा प्रतिदान तो बस सारे संसार के रब के ज़िम्मे है।	आद ने भी वही बातें कहीं जो नूह और मुहम्मद (स.) ने कहीं। **[अद्भुत समानता]**
Atabnoona bikulli reeAAin ayatan taAAbathoona	The scholars of Tafsir differed over the meaning of the word Ri`, it refers to an elevated location at a well-known crossroads, where they would build a huge, dazzling, sturdy structure.	Do you construct on every elevation a sign, amusing yourselves,	26:128	क्या तुम प्रत्येक उच्च स्थान पर व्यर्थ एक स्मारक का निर्माण करते रहोगे?	x
Watattakhithoona masaniAAa laAAallakum takhludoona	x	And take for yourselves palaces and fortresses that you might abide eternally?	26:129	और भव्य महल बनाते रहोगे, मानो तुम्हें सदैव रहना है?	x

Waitha batashtum batashtum jabbareena	They are described as being strong, violent and tyrannical. **[Muslims also did similar things while waging Jihad.]**	And when you strike, you strike as tyrants.	26:130	और जब किसी पर हाथ डालते हो तो बिलकुल निर्दय अत्याचारी बनकर हाथ डालते हो!	वर्णन किया गया है कि वे मजबूत, हिंसक और अत्याचारी हैं। **[मुसलमानों ने भी जिहाद करते समय समान बातें की थीं।]**
Faittaqoo Allaha waateeAAooni	x	So fear Allah and obey me.	26:131	अतः अल्लाह का डर रखो और मेरी आज्ञा का पालन करो	x
Waittaqoo allathee amaddakum bima taAAlamoona	x	And fear He who provided you with that which you know,	26:132	उसका डर रखो जिसने तुम्हें वे चीज़े पहुँचाई जिनको तुम जानते हो	x
Amaddakum bianAAamin wabaneena	Pickthall translates "sons" in place of children. **[Even Allah considers son as more valuable asset than daughter.]**	Provided you with grazing livestock and children	26:133	उसने तुम्हारी सहायता की चौपायों और बेटों से,	**[यहां तक कि अल्लाह पुत्र को पुत्री की तुलना में अधिक मूल्यवान संपत्ति मानते हैं।]**
Wajannatin waAAuyoonin	x	And gardens and springs.	26:134	और बाग़ो और स्रोतो से	x
Innee akhafu AAalaykum AAathaba yawmin AAatheemin	x	Indeed, I fear for you the punishment of a terrible day."	26:135	निश्चय ही मुझे तुम्हारे बारे में एक बड़े दिन की यातना का भय है।"	x
Qaloo sawaon AAalayna awaAAathta am lam takun mina alwaAAitheena	x	They said, "It is all the same to us whether you advise or are not of the advisors.	26:136	उन्होंने कहा, "हमारे लिए बराबर है चाहे तुम नसीहत करो या नसीहत करने वाले न बनो।	x
In hatha illa khuluqu alawwaleena	x	This is not but the custom of the former peoples,	26:137	यह तो बस पहले लोगों की पुरानी आदत है	x
Wama nahnu bimuAAaththabeena	x	And we are not to be punished."	26:138	और हमें कदापि यातना न दी जाएगी।"	x

Fakaththaboohu faahlaknahum inna fee thalika laayatan wama kana aktharuhum mumineena	x	And they denied him, so We destroyed them. Indeed in that is a sign, but most of them were not to be believers.	26:139	अन्ततः उन्होंने उन्हें झुठला दिया जो हमने उनको विनष्ट कर दिया। बेशक इसमें एक बड़ी निशानी है। इसपर भी उनमें से अधिकतर माननेवाले नहीं	x
Wainna rabbaka lahuwa alAAazeezu alrraheemu	x	And indeed, your Lord - He is the Exalted in Might, the Merciful.	26:140	और बेशक तुम्हारा रब ही है, जो बड़ा प्रभुत्वशाली, अत्यन्त दयावान है	x
Kaththabat thamoodu almursaleena	x	Thamud denied the messengers	26:141	समूद ने रसूलों को झुठलाया,	x
Ith qala lahum akhoohum salihun ala tattaqoona	x	When their brother Salih said to them, "Will you not fear Allah?	26:142	जबकि उसके भाई सालेह ने उससे कहा, "क्या तुम डर नहीं रखते?	x
Innee lakum rasoolun ameenun	x	Indeed, I am to you a trustworthy messenger.	26:143	निस्संदेह मैं तुम्हारे लिए एक अमानतदार रसूल हूँ	x
Faittaqoo Allaha waateeAAooni	**[Repetition of same message by all Messengers.]**	So fear Allah and obey me.	26:144	अतः तुम अल्लाह का डर रखो और मेरी बात मानो	**[सभी नबियों द्वारा वही संदेश दोहराया गया।]**
Wama asalukum AAalayhi min ajrin in ajriya illa AAala rabbi alAAalameena	**[Repetition of same message by all Messengers.]**	And I do not ask you for it any payment. My payment is only from the Lord of the worlds.	26:145	मैं इस काम पर तुमसे कोई बदला नहीं माँगता। मेरा बदला तो बस सारे संसार के रब के ज़िम्मे है	**[सभी नबियों द्वारा वही संदेश दोहराया गया।]**
Atutrakoona fee ma hahuna amineena	x	Will you be left in what is here, secure [from death],	26:146	क्या तुम यहाँ जो कुछ है उसके बीच, निश्चिन्त छोड़ दिए जाओगे,	x
Fee jannatin waAAuyoonin	x	Within gardens and springs	26:147	बाग़ों और स्रोतों	x
WazurooAAin wanakhlin talAAuha hadeemun	x	And fields of crops and palm trees with softened fruit?	26:148	और खेतों और उन खजूरों में जिनके गुच्छे तरो ताज़ा और गुँथे हुए है?	x

Watanhitoona mina aljibali buyootan fariheena	x	And you carve out of the mountains, homes, with skill.	26:149	तुम पहाड़ों को काट-काटकर इतराते हुए घर बनाते हो?	x
Faittaqoo Allaha waateeAAooni	x	So fear Allah and obey me.	26:150	अतः अल्लाह का डर रखो और मेरी आज्ञा का पालन करो	x
Wala tuteeAAoo amra almusrifeena	x	And do not obey the order of the transgressors,	26:151	और उन हद से गुज़र जानेवालों की आज्ञा का पालन न करो,	x
Allatheena yufsidoona fee alardi wala	x	Who cause corruption in the land and do not amend."	26:152	जो धरती में बिगाड़ पैदा करते है, और सुधार का काम नहीं करते।"	x
Qaloo innama anta mina	**[Repetition of same blame on all Messengers.]**	They said, "You are only of those affected by magic.	26:153	उन्होंने कहा, "तू तो बस जादू का मारा हुआ है।	**[सभी नबियों द्वारा वही संदेश दोहराया गया।]**
Ma anta illa basharun mithluna fati biayatin in kunta mina alssadiqeena	The story of the “camel of Allah,” a miraculous beast Salih brings forth in answer to the people’s demand for a sign (see 7:77, 11:64, and 91:11-14, as well as the introduction to surah	You are but a man like ourselves, so bring a sign, if you should be of the truthful."	26:154	तू बस हमारे ही जैसा एक आदमी है। यदि तू सच्चा है, तो कोई निशानी ले आ।"	“अल्लाह का ऊँट” की कहानी, एक चमत्कारिक जीव जिसे सालिह लोगों की निशानी मांगने पर लाते हैं (देखें 7:77, 11:64, और 91:11-14, साथ ही सूरह 11 की प्रस्तावना)।
Qala hathihi naqatun laha shirbun walakum shirbu yawmin maAAloomin	x	He said, "This is a she-camel. For her is a [time of] drink, and for you is a [time of] drink, [each] on a known day.	26:155	उसने कहा, "यह ऊँटनी है। एक दिन पानी पीने की बारी इसकी है और एक नियत दिन की बारी पानी लेने की तुम्हारी है	x
Wala tamassooha bisooin fayakhuthakum AAathabu yawmin AAatheemin	x	And do not touch her with harm, lest you be seized by the punishment of a terrible day."	26:156	तकलीफ़ पहुँचाने के लिए इसे हाथ न लगाना, अन्यथा एक बड़े दिन की यातना तुम्हें आ लेगी।"	x

FaAAaqarooha faasbahoo nadimeena	The Thamud are not described to be regretful at other places in Quran.	But they hamstrung her and so became regretful.	26:157	किन्तु उन्होंने उसकी कूचें काट दी। फिर पछताते रह गए	समुद को कुरान के अन्य स्थानों में पछतावे वाला नहीं बताया गया है।
Faakhathahumu alAAathabu inna fee thalika laayatan wama kana aktharuhum mumineena	x	And the punishment seized them. Indeed in that is a sign, but most of them were not to be believers.	26:158	अन्ततः यातना ने उन्हें आ दबोचा। निश्चय ही इसमें एक बड़ी निशानी है। इसपर भी उनमें से अधिकतर माननेवाले नहीं	x
Wainna rabbaka lahuwa alAAazeezu alrraheemu	x	And indeed, your Lord - He is the Exalted in Might, the Merciful.	26:159	और निस्संदेह तुम्हारा रब ही है जो बड़ा प्रभुत्वशाली, अत्यन्त दयाशील है	x
Kaththabat qawmu lootin almursaleena	x	The people of Lot denied the messengers	26:160	लूत की क़ौम के लोगों ने रसूलों को झठलाया;	x
Ith qala lahum akhoohum lootun ala tattaqoona	**[Lot was a stranger to the two towns, and it is very clear both from the Quran and the**	When their brother Lot said to them, "Will you not fear Allah?	26:161	जबकि उनके भाई लूत ने उनसे कहा, "क्या तुम डर नहीं रखते?	**[लूत दोनों नगरों के लिए अजनबी था, और यह कुरआन और बाइबिल दोनों से स्पष्ट है।]**
Innee lakum rasoolun ameenun	x	Indeed, I am to you a trustworthy messenger.	26:162	मैं तो तुम्हारे लिए एक अमानतदार रसूल हूँ	x
Faittaqoo Allaha waateeAAooni	x	So fear Allah and obey me.	26:163	अतः अल्लाह का डर रखो और मेरी आज्ञा का पालन करो	x
Wama asalukum AAalayhi min ajrin in ajriya illa AAala rabbi alAAalameena	**[Repetition of same message by all Messengers; If the messengers don't accept payment from their people from where they maintain multiple wives and family. No where their source of income is mentioned.]**	And I do not ask you for it any payment. My payment is only from the Lord of the worlds.	26:164	मैं इस काम पर तुमसे कोई प्रतिदान नहीं माँगता, मेरा प्रतिदान तो बस सारे संसार के रब के ज़िम्मे है	**[सभी पैग़म्बरों द्वारा एक ही संदेश की पुनरावृत्ति; अगर पैग़म्बरों ने अपनी क़ौम से भुगतान नहीं लिया तो वे कई पत्नियों और परिवार का पालन-पोषण कहाँ से करते हैं। कहीं भी उनके आय के स्रोत का उल्लेख नहीं है।]**

Atatoona alththukrana mina alAAalameena	Lot castigates the unbelievers for their homosexuality.	Do you approach males among the worlds	26:165	क्या सारे संसारवालों में से तुम ही ऐसे हो जो पुरुषों के पास जाते हो,	लूत अविश्वासियों को उनकी समलैंगिकता के लिए दोषी ठहराता है।
Watatharoona ma khalaqa lakum rabbukum min azwajikum bal antum qawmun AAadoona	**[First of all, the entire population can't be homosexual , but of course some people have such preferences naturally.]**	And leave what your Lord has created for you as mates? But you are a people transgressing."	26:166	और अपनी पत्नियों को, जिन्हें तुम्हारे रब ने तुम्हारे लिए पैदा किया, छोड़ देते हो? इतना ही नहीं, बल्कि तुम हद से आगे बढ़े हुए लोग हो।"	**[सबसे पहले, पूरी आबादी समलैंगिक नहीं हो सकती, लेकिन निश्चित रूप से कुछ लोगों की ऐसी प्रवृत्तियाँ स्वाभाविक रूप से होती हैं।]**
Qaloo lain lam tantahi ya lootu latakoonanna mina almukhrajeena	**[Contradiction: What people did with Lot: 7:82, 26:167, 27:56: Only asked to drive him out of city, 29:29 Asked to bring wrath of Allah]**	They said, "If you do not desist, O Lot, you will surely be of those evicted."	26:167	उन्होंने कहा, "यदि तू बाज़ न आया, ऐ लतू! तो तू अवश्य ही निकाल बाहर किया जाएगा।"	**[विरोधाभास: लोग लूत के साथ क्या करते थे: 7:82, 26:167, 27:56: केवल उसे शहर से निकालने के लिए कहा, 29:29 अल्लाह का क्रोध लाने के लिए कहा]**
Qala innee liAAamalikum mina alqaleena	x	He said, "Indeed, I am, toward your deed, of those who detest [it].	26:168	उसने कहा, "मैं तुम्हारे कर्म से अत्यन्त विरक्त हूँ।	x
Rabbi najjinee waahlee mimma yaAAmaloona	x	My Lord, save me and my family from [the consequence of] what they do."	26:169	ऐ मेरे रब! मुझे और मेरे लोगों को, जो कुछ ये करते है उसके परिणाम से, बचा ले।"	x
Fanajjaynahu waahlahu ajmaAAeena	**[Here Allah has saved all his family, While 11:81 mentions that his wife was not saved.]**	So We saved him and his family, all,	26:170	अन्ततः हमने उसे और उसके सारे लोगों को बचा लिया;	**[यहाँ अल्लाह ने अपने पूरे परिवार को बचाया, जबकि 11:81 में उल्लेख किया गया है कि उनकी पत्नी नहीं बची।]**
Illa AAajoozan fee alghabireena	**[In verse 11:81, this lady has been mentioned as wife of Lot.]**	Except an old woman among those who remained behind.	26:171	सिवाय एक बुढ़िया के जो पीछे रह जानेवालों में थी	**[आयत 11:81 में, इस महिला का उल्लेख लूत की पत्नी के रूप में किया गया है।]**
Thumma dammarna alakhareena	x	Then We destroyed the others.	26:172	फिर शेष दूसरे लोगों को हमने विनष्ट कर दिया।	x

Waamtarna AAalayhim mataran fasaa mataru almunthareena	x	And We rained upon them a rain [of stones], and evil was the rain of those who were warned.	26:173	और हमने उनपर एक बरसात बरसाई। और यह चेताए हुए लोगों की बहुत ही बुरी वर्षा थी	x
Inna fee thalika laayatan wama kana aktharuhum mumineena	x	Indeed in that is a sign, but most of them were not to be believers.	26:174	निश्चय ही इसमें एक बड़ी निशानी है। इसपर भी उनमें से अधिकतर माननेवाले नहीं	x
Wainna rabbaka lahuwa alAAazeezu alrraheemu	x	And indeed, your Lord - He is the Exalted in Might, the Merciful.	26:175	और निश्चय ही तुम्हारा रब बड़ा प्रभुत्वशाली, अत्यन्त दयावान है	x
Kaththaba ashabu alaykati almursaleena	People of Madyan	The companions of the thicket denied the messengers	26:176	अल-ऐकावालों ने रसूलों को झुठलाया	मदीयान के लोग
Ith qala lahum shuAAaybun ala tattaqoona	x	When Shu'ayb said to them, "Will you not fear Allah?	26:177	जबकि शुऐब ने उनसे कहा, "क्या तुम डर नहीं रखते?	x
Innee lakum rasoolun ameenun	x	Indeed, I am to you a trustworthy messenger.	26:178	मैं तुम्हारे लिए एक अमानतदार रसूल हूँ	x
Faittaqoo Allaha waateeAAooni	x	So fear Allah and obey me.	26:179	अतः अल्लाह का डर रखो और मेरी आज्ञा का पालन करो	x
Wama asalukum AAalayhi min ajrin in ajriya illa AAala rabbi alAAalameena	x	And I do not ask you for it any payment. My payment is only from the Lord of the worlds.	26:180	मैं इस काम पर तुमसे कोई प्रतिदान नहीं माँगता। मेरा प्रतिदान तो बस सारे संसार के रब के ज़िम्मे है	x
Awfoo alkayla wala takoonoo mina almukhsireena	x	Give full measure and do not be of those who cause loss.	26:181	तुम पूरा-पूरा पैमाना भरो और घाटा न दो	x
Wazinoo bialqistasi almustaqeemi	x	And weigh with an even balance.	26:182	और ठीक तराज़ू से तौलो	x

Wala tabkhasoo alnnasa ashyaahum wala taAAthaw fee alardi mufsideena	x	And do not deprive people of their due and do not commit abuse on earth, spreading corruption.	26:183	और लोगों को उनकी चीज़ों में घाटा न दो और धरती में बिगाड़ और फ़साद मचाते मत फिरो	x
Waittaqoo allathee khalaqakum waaljibillata alawwaleena	x	And fear He who created you and the former creation."	26:184	उसका डर रखो जिसने तुम्हें और पिछली नस्लों को पैदा किया हैं।"	x
Qaloo innama anta mina	x	They said, "You are only of those affected by magic.	26:185	उन्होंने कहा, "तू तो बस जादू का मारा हुआ है	x
Wama anta illa basharun mithluna wain nathunnuka lamina alkathibeena	The unbelievers blaimed Shuaib for being a mortal man like them, and a liar; again, just like the Meccan did with Prophet Muhammad (pbuh) (17:93, 25:4).	You are but a man like ourselves, and indeed, we think you are among the liars.	26:186	और तू बस हमारे ही जैसा एक आदमी है और हम तो तुझे झूठा समझते है	अविश्वासी शुअइब पर यह आरोप लगाते थे कि वह उनके समान केवल एक मनुष्य हैं, और झूठा हैं; फिर भी, जैसे मक्का वालों ने पैगंबर मुहम्मद (स.) के साथ किया था (17:93, 25:4)।
Faasqit AAalayna kisafan mina alssamai in kunta mina alssadiqeena	x	So cause to fall upon us fragments of the sky, if you should be of the truthful."	26:187	फिर तू हमपर आकाश को कोई टुकड़ा गिरा दे, यदि तू सच्चा है।"	x
Qala rabbee aAAlamu bima taAAmaloona	x	He said, "My Lord is most knowing of what you do."	26:188	उसने कहा, " मेरा रब भली-भाँति जानता है जो कुछ तुम कर रहे हो।"	x
Fakaththaboohu faakhathahum AAathabu yawmi alththullati innahu kana AAathaba yawmin AAatheemin	**[How people of Madyan died: 7:91, 29:37 Earthquake, 11:94, Shriek, 26:189, Black clouds.]**	And they denied him, so the punishment of the day of the black cloud seized them. Indeed, it was the punishment of a terrible day.	26:189	किन्तु उन्होंने उसे झुठला दिया। फिर छायावाले दिन की यातना ने आ लिया। निश्चय ही वह एक बड़े दिन की यातना थी	**[मदीयान के लोग कैसे मरे: 7:91, भूकंप, 11:94, चीख, 26:189, काले बादल।]**

Inna fee thalika laayatan wama kana aktharuhum mumineena	x	Indeed in that is a sign, but most of them were not to be believers.	26:190	निस्संदेह इसमें एक बड़ी निशानी है। इसपर भी उनमें से अधिकतर माननेवाले नहीं	x
Wainna rabbaka lahuwa alAAazeezu alrraheemu	x	And indeed, your Lord - He is the Exalted in Might, the Merciful.	26:191	और निश्चय ही तुम्हारा रब ही है, जो बड़ा प्रभुत्वशाली, अत्यन्त दयावान है	x
Wainnahu latanzeelu rabbi alAAalameena	x	And indeed, the Qur'an is the revelation of the Lord of the worlds.	26:192	निश्चय ही यह (क़ुरआन) सारे संसार के रब की अवतरित की हुई चीज़ है	x
Nazala bihi alrroohu alameenu	Trustworthy Spirit = Gabriel	The Trustworthy Spirit has brought it down	26:193	इसको लेकर तुम्हारे हृदय पर एक विश्वसनीय आत्मा उतरी है,	विश्वसनीय आत्मा = जिब्रील
AAala qalbika litakoona mina almunthireena	x	Upon your heart, [O Muhammad] - that you may be of the warners -	26:194	ताकि तुम सावधान करनेवाले हो	x
Bilisanin AAarabiyyin mubeenin	See 12:2, as well as 2:23, 2:120, 2:135, 3:4, 5:114, and 24:31. **[Not a clear and pure arabic language.]**	In a clear Arabic language.	26:195	स्पष्ट अरबी भाषा में	देखें 12:2, साथ ही 2:23, 2:120, 2:135, 3:4, 5:114, और 24:31। **[साफ़ और शुद्ध अरबी भाषा नहीं है।]**

Wainnahu lafee zuburi alawwaleena	Ibn Kathir asserts that “the fair-minded among people of book" admitted that the attributes of Muhammad and his mission and his Ummah were mentioned in their Books. These were the people among them who believed, such as Abdullah bin Salam, Salman Al-Farisi and some others.” **[The basic elements of the teachings of Quran are too different from Gospel (New Testament) and it also Quran is not announced in the Bible or in any Jewish scriptures; Quran also says that the earlier scripture is corrupeted, then how these people got the**	And indeed, it is [mentioned] in the scriptures of former peoples.	26:196	और निस्संदेह यह पिछले लोगों की किताबों में भी मौजूद है	इब्न क़थीर का कहना है कि “किताब़ वालों में जो निष्पक्ष थे" उन्होंने स्वीकार किया कि मोहम्मद के गुण, उनका मिशन और उनकी उम्मत का उल्लेख उनकी किताबों में किया गया था, इनमें से वे लोग थे जो ईमान लाए थे, जैसे अब्दुल्लाह बिन सलाम, सलमान अल-फारसी और कुछ अन्य। **[कुरान की शिक्षाओं के मूल तत्व सुसमाचार (नए नियम) से बहुत अलग हैं और कुरान, बाइबिल या किसी यहूदी ग्रंथ में घोषित नहीं किया गया है; कुरान यह भी कहता है कि पहले की किताब भ्रष्ट हो चुकी है, तो ये लोग सही-सलामत वाली किताब कैसे पाए?]**
Awalam yakun lahum ayatan an yaAAlamahu AAulamao banee israeela	**[Very few learned Jew(s) converted to Islam by choice. See Sahih Bukhari 3942.]**	And has it not been a sign to them that it is recognized by the scholars of the Children of Israel?	26:197	क्या यह उनके लिए कोई निशानी नहीं है कि इसे बनी इसराईल के विद्वान जानते है?	**[बहुत कम ज्ञानी यहूदी स्वेच्छा से इस्लाम में परिवर्तित हुए। देखें सहिह़ बुख़ारी 3942.]**
Walaw nazzalnahu AAala baAAdi alaAAjameena	**[Hypothetical argument]**	And even if We had revealed it to one among the foreigners	26:198	यदि हम इसे ग़ैर अरबी भाषी पर भी उतारते,	**[काल्पनिक बहस]**
Faqaraahu AAalayhim ma kanoo bihi mumineena	**[How one knows before doing.]**	And he had recited it to them [perfectly], they would [still] not have been believers in it.	26:199	और वह इसे उन्हें पढ़कर सुनाता तब भी वे इसे माननेवाले न होते	**[कोई करने से पहले कैसे जानता है।]**

Kathalika salaknahu fee quloobi almujrimeena	**[Allah's vengence]**	Thus have We inserted disbelief into the hearts of the criminals.	26:200	इसी प्रकार हमने इसे अपराधियों के दिलों में पैठाया है	**[अल्लाह का बदला]**
La yuminoona bihi hatta yarawoo alAAathaba alaleema	**[The verse says that disbelievers will not believe, but how so many people converted to Islam.]**	They will not believe in it until they see the painful punishment.	26:201	वे इसपर ईमान लाने को नहीं, जब तक कि दुखद यातना न देख लें	**[आयत कहती है कि काफ़िर विश्वास नहीं करेंगे, लेकिन इतने सारे लोग इस्लाम में क्यों परिवर्तित हुए।]**
Fayatiyahum baghtatan wahum la yashAAuroona	x	And it will come to them suddenly while they perceive [it] not.	26:202	फिर जब वह अचानक उनपर आ जाएगी और उन्हें ख़बर भी न होगी,	x
Fayaqooloo hal nahnu muntharoona	x	And they will say, "May we be reprieved?"	26:203	तब वे कहेंगे, "क्या हमें कुछ मुहलत मिल सकती है?"	x
AfabiAAathabina yastaAAjiloona	x	So for Our punishment are they impatient?	26:204	तो क्या वे लोग हमारी यातना के लिए जल्दी मचा रहे है?	x
Afaraayta in mattaAAnahum sineena	Explanation offered to Muslims why some non-muslims live a good life.	Then have you considered if We gave them enjoyment for years	26:205	क्या तुमने कुछ विचार किया? यदि हम उन्हें कुछ वर्षों तक सुख भोगने दें;	यह व्याख्या मुसलमानों को दी गई है कि कुछ गैर-मुसलमान अच्छा जीवन क्यों जीते हैं।
Thumma jaahum ma kanoo yooAAadoona	x	And then there came to them that which they were promised?	26:206	फिर उनपर वह चीज़ आ जाए, जिससे उन्हें डराया जाता रहा है;	x
Ma aghna AAanhum ma kanoo yumattaAAoona	x	They would not be availed by the enjoyment with which they were provided.	26:207	तो जो सुख उन्हें मिला होगा वह उनके कुछ काम न आएगा	x
Wama ahlakna min qaryatin illa laha munthiroona	x	And We did not destroy any city except that it had warners	26:208	हमने किसी बस्ती को भी इसके बिना विनष्ट नहीं किया कि उसके लिए सचेत करनेवाले याददिहानी के लिए मौजूद रहे हैं।	x

Thikra wama kunna thalimeena	**[God should not be unjust to anybody; but What Islam mentions as God's commandment can be seen in Sahih Muslim 4596. Also it is permitted in Islam to make slaves, sell them, have sex with them.]**	As a reminder; and never have We been unjust.	26:209	हम कोई ज़ालिम नहीं है	**[ईश्वर किसी के प्रति अन्याय नहीं करना चाहिए; लेकिन जो कुछ इस्लाम में ईश्वर की आज्ञा के रूप में उल्लेख किया गया है, उसे सहिह मुस्लिम 4596 में देखा जा सकता है। इसके अलावा, इस्लाम में यह अनुमति है कि गुलाम बनाया जाए, उन्हें बेचा जाए, और उनके साथ कामुक संबंध बनाए जाएं।]**
Wama tanazzalat bihi alshshayateenu	x	And the devils have not brought the revelation	26:210	इसे शैतान लेकर नहीं उतरे हैं।	x
Wama yanbaghee lahum wama yastateeAAoona	**[Contradiction: Could devil make revelations: Yes 22:52, No 26:210-211.]**	It is not allowable for them, nor would they be able.	26:211	न यह उन्हें फबता ही है और न ये उनके बस का ही है	**[विरोधाभास: क्या शैतान आयत उतार सकता है: हाँ 22:52, नहीं 26:210-211.]**
Innahum AAani alssamAAi lamaAAzooloona	x	Indeed they, from [its] hearing, are removed.	26:212	वे तो इसके सुनने से भी दूर रखे गए है	x
Fala tadAAu maAAa Allahi ilahan akhara fatakoona mina	x	So do not invoke with Allah another deity and [thus] be among the punished.	26:213	अतः अल्लाह के साथ दूसरे इष्ट-पूज्य को न पुकारना, अन्यथा तुम्हें भी यातना दी जाएगी	x
Waanthir AAasheerataka alaqrabeena	x	And warn, [O Muhammad], your closest kindred.	26:214	और अपने निकटतम नातेदारों को सचेत करो	x
Waikhfid janahaka limani ittabaAAaka mina almumineena	x	And lower your wing to those who follow you of the believers.	26:215	और जो ईमानवाले तुम्हारे अनुयायी हो गए है, उनके लिए अपनी भुजाएँ बिछाए रखो	x

Fain AAasawka faqul innee bareeon mimma taAAmaloona	**[How one should deal with polytheist relatives: Nicely, 31:15; Don't make them friends 9:23, 26:216. Give good care to parents 17:23, 6:151; Don't care if they are disbelievers 9:23, 58:22, 26:216:. Also see Bukhari 15]**	And if they disobey you, then say, "Indeed, I am disassociated from what you are doing."	26:216	किन्तु यदि वे तुम्हारी अवज्ञा करें तो कह दो, "जो कुछ तुम करते हो, उसकी ज़िम्मेदारी से मं1 बरी हूँ।"	**[एक अविश्वासी रिश्तेदारों के साथ कैसे व्यवहार करना चाहिए: अच्छे से, 31:15; उन्हें दोस्त न बनाएं 9:23, 26:216। माता-पिता की अच्छी देखभाल करें 17:23, 6:151; अगर वे अविश्वासी हैं तो परवाह न करें 9:23, 58:22, 26:216।: देखें बुखारी 15]**
Watawakkal AAala alAAazeezi alrraheemi	x	And rely upon the Exalted in Might, the Merciful,	26:217	और उस प्रभुत्वशाली और दया करनेवाले पर भरोसा रखो	x
Allathee yaraka heena taqoomu	x	Who sees you when you arise	26:218	जो तुम्हें देख रहा होता है, जब तुम खड़े होते हो	x
Wataqallubaka fee alssajideena	x	And your movement among those who prostrate.	26:219	और सजदा करनेवालों में तुम्हारे चलत-फिरत को भी वह देखता है	x
Innahu huwa alssameeAAu alAAaleemu	x	Indeed, He is the Hearing, the Knowing.	26:220	निस्संदेह वह भली-भाँति सुनता-जानता है	x
Hal onabbiokum AAala man tanazzalu	x	Shall I inform you upon whom the devils descend?	26:221	क्या मैं तुम्हें बताऊँ कि शैतान किसपर उतरते है?	x
Tanazzalu AAala kulli affakin	x	They descend upon every sinful liar.	26:222	वे प्रत्येक ढोंग रचनेवाले गुनाहगार पर उतरते है	x
Yulqoona alssamAAa waaktharuhum kathiboona	x	They pass on what is heard, and most of them are liars.	26:223	वे कान लगाते है और उनमें से अधिकतर झूठे होते है	x
WaalshshuAAarao yattabiAAuhumu alghawoona	**[Poets were generally considered to be under demonic influence and deranged as a result.]**	And the poets - [only] the deviators follow them;	26:224	रहे कवि, तो उनके पीछे बहके हुए लोग ही चला करते है।-	**[कवियों को आमतौर पर दैवीय प्रभाव में होने और इसके परिणामस्वरूप पागल माना जाता था।]**

Alam tara annahum fee kulli wadin yaheemoona	x	Do you not see that in every valley they roam	26:225	क्या तुमने देखा नहीं कि वे हर घाटी में बहके फिरते हैं,	x
Waannahum yaqooloona ma la yafAAaloona	They speak about every subject in their poetry and that they say what they do not do.	And that they say what they do not do? -	26:226	और कहते वह है जो करते नहीं? -	वे अपनी कविता में हर विषय के बारे में बोलते हैं और वे जो करते नहीं हैं वह वे कहते हैं।
Illa allatheena amanoo waAAamiloo alssalihati wathakaroo Allaha katheeran waintasaroo min baAAdi ma thulimoo wasayaAAlamu allatheena thalamoo ayya munqalabin	Then this verse exempts the poets who are Muslims.	Except those [poets] who believe and do righteous deeds and remember Allah often and defend [the Muslims] after they were wronged. And those who have wronged are going to know to what [kind of] return they will be returned.	26:227	वे नहीं जो ईमान लाए और उन्होंने अच्छे कर्म किए और अल्लाह को अधिक .याद किया। और इसके बाद कि उनपर जुल्म किया गया तो उन्होंने उसका प्रतिकार किया और जिन लोगों ने जुल्म किया, उन्हें जल्द ही मालूम हो जाएगा कि वे किस जगह पलटते हैं	फिर यह आयत उन कवियों को छूट देतीं है जो मुस्लिम हैं।
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**An-Naml (The Ant)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**27:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अन-नम्ल (चींटी)**
Taseen tilka ayatu alqurani wakitabin mubeenin	Mysterious letters **[First of all no one knows meaning of these letters, still it is a clear book.]**	Ta, Seen. These are the verses of the Qur'an and a clear Book	27:1	ता॰ सीन॰। ये आयतें है क़ुरआन और एक स्पष्ट किताब की	रहस्यमयी अक्षर **[सबसे पहले तो इन अक्षरों का मतलब कोई नहीं जानता, फिर भी यह एक स्पष्ट किताब है।]**
Hudan wabushra lilmumineena	x	As guidance and good tidings for the believers	27:2	मार्गदर्शन है और शुभ-सूचना उन ईमानवालों के लिए,	x

Allatheena yuqeemoona alssalata wayutoona alzzakata wahum bialakhirati hum yooqinoona	Sunan Abu Dawud 787: The prophet (pbuh) did not write 'In the name of Allah, the compassionate, the merciful' until Surah al-Naml was revealed. Bismillah was probably added to the sura headings at some time after the Qur'an, or parts of it, began	Who establish prayer and give zakah, and of the Hereafter they are certain [in faith].	27:3	जो नमाज़ का आयोजन करते है और ज़कात देते है और वही है जो आख़िरत पर विश्वास रखते है	सुनन अबू दाऊद 787: नबी (स.) ने तब तक 'अल्लाह के नाम से, जो अत्यंत दयालु और कृपावान है' नहीं लिखा, जब तक कि सूरह अल-नम्ल नाज़िल नहीं हो गई। संभवतः 'बिस्मिल्लाह' को सूरह के शीर्षकों में उस समय के कुछ बाद जोड़ा गया, जब कुरान—या उसके कुछ हिस्से—प्रसारित होने लगे थे।
Inna allatheena la yuminoona bialakhirati zayyanna lahum aAAmalahum	**[Allah makes deeds of disbelivers look pleasant to them to keep them in disbelief.]**	Indeed, for those who do not believe in the Hereafter, We have made pleasing to them their deeds, so they wander	27:4	रहे वे लोग जो आख़िरत को नहीं मानते, उनके लिए हमने उनकी करतूतों को शोभायमान बना दिया है। अतः वे भटकते फिरते है	**[अल्लाह अविश्वासियों के कर्मों को उनके लिए सुखद बना देता है ताकि वे अविश्वास में रहें।]**
Olaika allatheena lahum sooo alAAathabi wahum fee alakhirati humu alakhsaroona	x	Those are the ones for whom there will be the worst of punishment, and in the Hereafter they are the greatest losers.	27:5	वही लोग है, जिनके लिए बुरी यातना है और वही है जो आख़िरत में अत्यन्त घाटे में रहेंगे	x
Wainnaka latulaqqa alqurana min ladun hakeemin AAaleemin	x	And indeed, [O Muhammad], you receive the Qur'an from one Wise and Knowing.	27:6	निश्चय ही तुम यह क़ुरआन एक बड़े तत्वदर्शी, ज्ञानवान (प्रभु) की ओर से पा रहे हो	x
Ith qala moosa liahlihi innee anastu naran saateekum minha bikhabarin aw ateekum bishihabin qabasin laAAallakum tastaloona	This account of Moses encountering the burning bush is derived from Exodus 3:2ff, but there is no revelation of the Name of God (Exodus 3:14).	[Mention] when Moses said to his family, "Indeed, I have perceived a fire. I will bring you from there information or will bring you a burning torch that you may warm yourselves."	27:7	याद करो जब मूसा ने अपने घरवालों से कहा कि "मैंने एक आग-सी देखी है। मैं अभी वहाँ से तुम्हारे पास कोई ख़बर लेकर आता हूँ या तुम्हारे पास कोई दहकता अंगार लाता हूँ, ताकि तुम तापो।"	मूसा के जलती हुई झाड़ी के दर्शन का यह वृत्तांत निर्गमन 3:2ff से लिया गया है, परंतु इसमें ईश्वर के नाम का कोई प्रकाशन नहीं है (निर्गमन 3:14)।

Falamma jaaha noodiya an boorika man fee alnnari waman hawlaha wasubhana Allahi rabbi alAAalameena	x	But when he came to it, he was called, "Blessed is whoever is at the fire and whoever is around it. And exalted is Allah, Lord of the worlds.	27:8	फिर जब वह उसके पास पहुँचा तो उसे आवाज़ आई कि "मुबारक है वह जो इस आग में है और जो इसके आस-पास है। महान और उच्च है अल्लाह, सारे संसार का रब!	x
Ya moosa innahu ana Allahu alAAazeezu	x	O Moses, indeed it is I - Allah, the Exalted in Might, the Wise."	27:9	ऐ मूसा! वह तो मैं अल्लाह हूँ, अत्यन्त प्रभुत्वशाली, तत्वदर्शी!	x
Waalqi AAasaka falamma raaha tahtazzu kaannaha jannun walla mudbiran walam yuAAaqqib ya moosa la takhaf innee la yakhafu ladayya	**[But if messengers don't get afraid in presence of Allah, Why moses ran away.]**	And [he was told], "Throw down your staff." But when he saw it writhing as if it were a snake, he turned in flight and did not return. [Allah said], "O Moses, fear not. Indeed, in My presence the messengers do not fear.	27:10	तू अपनी लाठी डाल दे।" जब मूसा ने देखा कि वह बल खा रहा है जैसे वह कोई साँप हो, तो वह पीठ फेरकर भागा और पीछे मुड़कर न देखा। "ऐ मूसा! डर मत। निस्संदेह रसूल मेरे पास डरा नहीं करते,	**[लेकिन यदि रसूल अल्लाह के सामने नहीं डरते, तो मूसा क्यों भाग गये?]**
Illa man thalama thumma baddala husnan baAAda sooin fainnee ghafoorun raheemun	x	Otherwise, he who wrongs, then substitutes good after evil - indeed, I am Forgiving and Merciful.	27:11	सिवाय उसके जिसने कोई ज़्यादती की हो। फिर बुराई के पश्चात उसे भलाई से बदल दिया, तो मैं भी बड़ा क्षमाशील, अत्यन्त दयावान हूँ	x

Waadkhil yadaka fee jaybika takhruj baydaa min ghayri sooin fee tisAAi ayatin ila firAAawna waqawmihi innahum kanoo qawman fasiqeena	**[As per Bible, this hand became diseased with leprosy and healed later.]**	And put your hand into the opening of your garment [at the breast]; it will come out white without disease. [These are] among the nine signs [you will take] to Pharaoh and his people. Indeed, they have been a people defiantly disobedient."	27:12	अपना हाथ गिरेबान में डाल। वह बिना किसी ख़राबी के उज्जवल चमकता निकलेगा। ये नौ निशानियों में से है फ़िरऔन और उसकी क़ौम की ओर भेजने के लिए। निश्चय ही वे अवज्ञाकारी लोग है।"	**[बाइबिल के अनुसार, यह हाथ कोढ़ से बीमार हो गया था और बाद में ठीक हो गया था।]**
Falamma jaathum ayatuna mubsiratan qaloo hatha sihrun mubeenun	x	But when there came to them Our visible signs, they said, "This is obvious magic."	27:13	किन्तु जब आँखें खोल देनेवाली हमारी निशानियाँ उनके पास आई तो उन्होंने कहा, "यह तो खुला हुआ जादू है।"	x
Wajahadoo biha waistayqanatha anfusuhum thulman waAAuluwwan faonthur kayfa kana AAaqibatu almufsideena	x	And they rejected them, while their [inner] selves were convinced thereof, out of injustice and haughtiness. So see how was the end of the corrupters.	27:14	उन्होंने ज़ुल्म और सरकशी से उनका इनकार कर दिया, हालाँकि उनके जी को उनका विश्वास हो चुका था। अब देख लो इन बिगाड़ पैदा करनेवालों का क्या परिणाम हुआ?	x
Walaqad atayna dawooda wasulaymana AAilman waqala alhamdu lillahi allathee faddalana AAala katheerin min AAibadihi almumineena	The story of Solomon focuses primarily on his meeting with the Queen of Sheba (1 Kings 10:1-13).	And We had certainly given to David and Solomon knowledge, and they said, "Praise [is due] to Allah, who has favored us over many of His believing servants."	27:15	हमने दाऊद और सुलैमान को बड़ा ज्ञान प्रदान किया था, (उन्होंने उसके महत्व को जाना) और उन दोनों ने कहा, "सारी प्रशंसा अल्लाह के लिए है, जिसने हमें अपने बहुत-से ईमानवाले बन्दों के मुक़ाबले में श्रेष्ठता प्रदान की।"	सुलेमान की कहानी मुख्य रूप से शेबा की रानी के साथ उनकी मुलाक़ात पर केंद्रित है (1 राजा 10:1-13)।

Wawaritha sulaymanu dawooda waqala ya ayyuha alnnasu AAullimna mantiqa alttayri waooteena min kulli shayin inna hatha lahuwa alfadlu almubeenu	**[Solomon could communicate with ants, birds etc.]**	And Solomon inherited David. He said, "O people, we have been taught the language of birds, and we have been given from all things. Indeed, this is evident bounty."	27:16	दाऊद का उत्तराधिकारी सुलैमान हुआ और उसने कहा, "ऐ लोगों! हमें पक्षियों की बोली सिखाई गई है और हमें हर चीज़ दी गई है। निस्संदेह वह स्पष्ट बड़ाई है।"	**[सुलेमान चींटियों, पक्षियों आदि से संवाद कर सकते थे।]**
Wahushira lisulaymana junooduhu mina aljinni waalinsi waalttayri fahum yoozaAAoona	**[His soldiers were Jinn, Men and Birds; Birds were also marching.]**	And gathered for Solomon were his soldiers of the jinn and men and birds, and they were [marching] in rows.	27:17	सुलैमान के लिए जिन्न और मनुष्य और पक्षियों मे से उसकी सेनाएँ एकत्र कर गई फिर उनकी दर्जाबन्दी की जा रही थी	**[उसके सैनिक जिन्न, मनुष्य और पक्षी थे; पक्षी भी मार्च कर रहे थे।]**
Hatta itha ataw AAala wadi alnnamli qalat namlatun ya ayyuha alnnamlu odkhuloo masakinakum la yahtimannakum sulaymanu wajunooduhu wahum la	**[How could Ants knew Soloman's name and communicate with others in human language.]**	Until, when they came upon the valley of the ants, an ant said, "O ants, enter your dwellings that you not be crushed by Solomon and his soldiers while they perceive not."	27:18	यहाँ तक कि जब वे चींटियों की घाटी में पहुँचे तो एक चींटी ने कहा, "ऐ चींटियों! अपने घरों में प्रवेश कर जाओ। कहीं सुलैमान और उसकी सेनाएँ तुम्हें कुचल न डालें और उन्हें एहसास भी न हो।"	**[चींटियाँ सोलोमन का नाम कैसे जान सकती थीं और दूसरों से इंसानी भाषा में कैसे बात कर सकती थीं?]**

Fatabassama dahikan min qawliha waqala rabbi awziAAnee an ashkura niAAmataka allatee anAAamta AAalayya waAAala walidayya waan aAAmala salihan tardahu waadkhilnee birahmatika fee	x	So [Solomon] smiled, amused at her speech, and said, "My Lord, enable me to be grateful for Your favor which You have bestowed upon me and upon my parents and to do righteousness of which You approve. And admit me by Your mercy into [the ranks of] Your righteous servants."	27:19	तो वह उसकी बात पर प्रसन्न होकर मुस्कराया और कहा, "मेरे रब! मुझे संभाले रख कि मैं तेरी उस कृपा पर कृतज्ञता दिखाता रहूँ जो तूने मुझपर और मेरे माँ-बाप पर की है। और यह कि अच्छा कर्म करूँ जो तुझे पसन्द आए और अपनी दयालुता से मुझे अपने अच्छे बन्दों में दाखिल कर।"	x
Watafaqqada alttayra faqala ma liya la ara alhudhuda am kana mina alghaibeena	x	And he took attendance of the birds and said, "Why do I not see the hoopoe - or is he among the absent?	27:20	उसने पक्षियों की जाँच-पड़ताल की तो कहा, "क्या बात है कि मैं हुदहुद को नहीं देख रहा हूँ, (वह यहीं कहीं है) या ग़ायब हो गया है?	x
LaoAAaththibannahu AAathaban shadeedan aw laathbahannahu aw layatiyannee bisultanin mubeenin	**[Solomon got angry without enquiring about the cause of hoopoe's absence.]**	I will surely punish him with a severe punishment or slaughter him unless he brings me clear authorization."	27:21	मैं उसे कठोर दंड दूँगा या उसे ज़बह ही कर डालूँगा या फिर वह मेरे सामने कोई स्पष्ट॥ कारण प्रस्तुत करे।"	**[सुलैमान हुदहुद की अनुपस्थिति का कारण पूछे बिना ही क्रोधित हो गए।]**
Famakatha ghayra baAAeedin faqala ahattu bima lam tuhit bihi wajituka min sabain binabain yaqeenin	**[Birds could also understand human language, bring news and communicate with Solomon.]**	But the hoopoe stayed not long and said, "I have encompassed [in knowledge] that which you have not encompassed, and I have come to you from Sheba with certain news.	27:22	फिर कुछ अधिक देर नहीं ठहरा कि उसने आकर कहा, "मैंने वह जानकारी प्राप्त की है जो आपको मालूम नहीं है। मैं सबा से आपके पास एक विश्वसनीय सूचना लेकर आया हूँ	**[पक्षी भी इंसानी भाषा समझ सकते थे, खबरें ला सकते थे और सुलैमान से बातचीत कर सकते थे।]**

Innee wajadtu imraatan tamlikuhum waootiyat min kulli shayin walaha AAarshun	x	Indeed, I found [there] a woman ruling them, and she has been given of all things, and she has a great throne.	27:23	मैंने एक स्त्री को उनपर शासन करते पाया है। उसे हर चीज़ प्राप्त है औऱ उसका एक बड़ा सिंहासन है	x
Wajadtuha waqawmaha yasjudoona lilshshamsi min dooni Allahi wazayyana lahumu alshshaytanu aAAmalahum fasaddahum AAani alssabeeli fahum la	**[Saba was at the southern end of the Arabian Peninsula – approximately Yemen today. In the old times this whole peninsula had a moon religion.]**	I found her and her people prostrating to the sun instead of Allah, and Satan has made their deeds pleasing to them and averted them from [His] way, so they are not guided,	27:24	मैंने उसे और उसकी क़ौम के लोगों को अल्लाह से इतर सूर्य को सजदा करते हुए पाया। शैतान ने उनके कर्मों को उनके लिए शोभायमान बना दिया है और उन्हें मार्ग से रोक दिया है - अतः वे सीधा मार्ग नहीं पा रहे है। -	**[सबा अरब प्रायद्वीप के दक्षिणी छोर पर था – लगभग आज के यमन जैसा। पुराने समय में इस पूरे प्रायद्वीप में एक चाँद धर्म था।]**
Alla yasjudoo lillahi allathee yukhriju alkhabaa fee alssamawati waalardi wayaAAlamu ma tukhfoona wama	x	[And] so they do not prostrate to Allah, who brings forth what is hidden within the heavens and the earth and knows what you conceal and what you declare -	27:25	खि अल्लाह को सजदा न करें जो आकाशों और धरती की छिपी चीज़ें निकालता है, और जानता है जो कुछ भी तुम छिपाते हो और जो कुछ प्रकट करते हो	x
Allahu la ilaha illa huwa rabbu alAAarshi alAAatheemi	**[The hoopoe himself was a pious Muslim.]**	Allah - there is no deity except Him, Lord of the Great Throne."	27:26	अल्लाह कि उसके सिवा कोई इष्ट -पूज्य नहीं, वह महान सिंहासन का रब है।"	**[खुद हुदहुद एक पवित्र मुसलमान था।]**
Qala sananthuru asadaqta am kunta mina alkathibeena	x	[Solomon] said, "We will see whether you were truthful or were of the liars.	27:27	उसने कहा, "अभी हम देख लेते है कि तूने सच कहा या तू झूठा है	x

Ithhab bikitabee hatha faalqih ilayhim thumma tawalla AAanhum faonthur matha yarjiAAoona	x	Take this letter of mine and deliver it to them. Then leave them and see what [answer] they will return."	27:28	मेरा यह पत्र लेकर जा, और इसे उन लोगों की ओर डाल दे। फिर उनके पास से अलग हटकर देख कि वे क्या प्रतिक्रिया व्यक्त करते है।"	x
Qalat ya ayyuha almalao innee olqiya ilayya kitabun kareemun	x	She said, "O eminent ones, indeed, to me has been delivered a noble letter.	27:29	वह बोली, "ऐ सरदारों! मेरी ओर एक प्रतिष्ठित पत्र डाला गया है	x
Innahu min sulaymana wainnahu bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	The letter begins with the standard Islamic invocation Bismillah ar-Rahman ar-Rahim - In the name of Allah, the compassionate, the merciful — and calls upon the queen and her people to embrace Islam (27:31). On Solomon being a Muslim, see 3:67 on Abraham. **[Solomon used the same phrase as Prophet Muhammad did.]**	Indeed, it is from Solomon, and indeed, it reads: 'In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful,	27:30	वह सुलैमान की ओर से है और वह यह है कि अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपाशील, अत्यन्त दयावान है	पत्र की शुरुआत मानक इस्लामी आह्वान 'बिस्मिल्लाह अर-रहमान अर-रहीम' — यानी 'अल्लाह के नाम पर, जो अत्यंत दयालु और कृपालु है' — से होती है, और इसमें रानी तथा उनकी प्रजा को इस्लाम स्वीकार करने का आह्वान किया गया है (27:31)। सुलेमान के मुसलमान होने के संदर्भ में, इब्राहीम के विषय में आयत 3:67 देखें। **[सुलैमान ने वही वाक्य इस्तेमाल किया जो पैगंबर मुहम्मद ने किया था।]**
Alla taAAloo AAalayya watoonee muslimeena	Thus they knew that letter was from Allah's Prophet Solomon and that they could not match him.	Be not haughty with me but come to me in submission [as Muslims].' "	27:31	यह कि मेरे मुक़ाबले में सरकशी न करो और आज्ञाकारी बनकर मेरे पास आओ।"	इस प्रकार उन्हें ज्ञात हो गया कि वह पत्र अल्लाह के पैग़म्बर सुलेमान की ओर से था, और यह कि वे उनका मुक़ाबला नहीं कर सकते थे।

Qalat ya ayyuha almalao aftoonee fee amree ma kuntu qatiAAatan amran hatta tashhadoona	x	She said, "O eminent ones, advise me in my affair. I would not decide a matter until you witness [for] me."	27:32	उसने कहा, "ऐ सरदारों! मेरे मामलें में मुझे परामर्श दो। मैं किसी मामले का फ़ैसला नहीं करती, जब तक कि तुम मेरे पास मौजूद न हो।"	x
Qaloo nahnu oloo quwwatin waoloo basin shadeedin waalamru ilayki faonthuree matha tamureena	x	They said, "We are men of strength and of great military might, but the command is yours, so see what you will command."	27:33	उन्होंने कहा, "हम शक्तिशाली है और हमें बड़ी युद्ध-क्षमता प्राप्त है। आगे मामले का अधिकार आपको है, अतः आप देख लें कि आपको क्या आदेश देना है।"	x
Qalat inna almulooka itha dakhaloo qaryatan afsadooha wajaAAaloo aAAizzata ahliha athillatan	x	She said, "Indeed kings - when they enter a city, they ruin it and render the honored of its people humbled. And thus do they do.	27:34	उसने कहा, "सम्राट जब किसी बस्ती में प्रवेश करते है, तो उसे ख़राब कर देते है और वहाँ के प्रभावशाली लोगों को अपमानित करके रहते है। और वे ऐसा ही करेंगे	x
Wainnee mursilatun ilayhim bihadiyyatin fanathiratun bima yarjiAAu almursaloona	meaning, I will send him a gift befitting for one of his status, and will wait and see what his response will be. Perhaps he will accept that and leave us alone, or he will impose a tax which we can pay him every year, so that he will not fight us and wage war against us.	But indeed, I will send to them a gift and see with what [reply] the messengers will return."	27:35	मैं उनके पास एक उपहार भेजती हूँ; फिर देखती हूँ कि दूत क्या उत्तर लेकर लौटते है।"	यानी, मैं उसे उसके दर्जे के लायक एक तोहफ़ा भेजूँगा, और इंतज़ार करके देखूँगा कि उसका जवाब क्या होता है। शायद वह उसे मान ले और हमें अकेला छोड़ दे, या फिर वह कोई ऐसा टैक्स लगा दे जिसे हम हर साल उसे चुका सकें, ताकि वह हमसे न लड़े और न ही हम पर हमला करे।

Falamma jaa sulaymana qala atumiddoonani bimalin fama ataniya Allahu khayrun mimma atakum bal antum bihadiyyatikum tafrahoona	Solomon rejects the gifts, intent instead on converting the queen to Islam.	So when they came to Solomon, he said, "Do you provide me with wealth? But what Allah has given me is better than what He has given you. Rather, it is you who rejoice in your gift.	27:36	फिर जब वह सुलैमान के पास पहुँचा तो उसने (सुलैमान ने) कहा, "क्या तुम माल से मेरी सहायता करोगे, तो जो कुछ अल्लाह ने मुझे दिया है वह उससे कहीं उत्तम है, जो उसने तुम्हें दिया है? बल्कि तुम्ही लोग हो जो अपने उपहार से प्रसन्न होते हो!	सुलैमान उपहारों को अस्वीकार कर देते हैं, और इसके बजाय रानी को इस्लाम में परिवर्तित करने पर अपना ध्यान केंद्रित करते हैं।
IrjiAA ilayhim falanatiyannahum bijunoodin la qibala lahum biha walanukhrijannahum minha athillatan wahum saghiroona	Similar to concept of Islamic Jihad.	Return to them, for we will surely come to them with soldiers that they will be powerless to encounter, and we will surely expel them therefrom in humiliation, and they will	27:37	उनके पास वापस जाओ। हम उनपर ऐसी सेनाएँ लेकर आएँगे, जिनका मुक़ाबला वे न कर सकेंगे और हम उन्हें अपमानित करके वहाँ से निकाल देंगे कि वे पस्त होकर रहेंगे।"	इस्लामी जिहाद की अवधारणा के समान।
Qala ya ayyuha almalao ayyukum yateenee biAAarshiha qabla an yatoonee muslimeena	x	[Solomon] said, "O assembly [of jinn], which of you will bring me her throne before they come to me in submission?"	27:38	उसने (सुलैमान ने) कहा, "ऐ सरदारो! तुममें कौन उसका सिंहासन लेकर मेरे पास आता है, इससे पहले कि वे लोग आज्ञाकारी होकर मेरे पास आएँ?"	x
Qala AAifreetun mina aljinni ana ateeka bihi qabla an taqooma min maqamika wainne AAalayhi laqawiyyun ameenun	**["Ifrit" is probably Persian, Afrid = creature, Jinn are superquick and very powerful.]**	A powerful one from among the jinn said, "I will bring it to you before you rise from your place, and indeed, I am for this [task] strong and trustworthy."	27:39	जिन्नों में से एक बलिष्ठ निर्भीक ने कहा, "मैं उसे आपके पास ले आऊँगा। इससे पहले कि आप अपने स्थान से उठे। मुझे इसकी शक्ति प्राप्त है और मैं अमानतदार भी हूँ।"	**["इफ़रीत" शायद फ़ारसी है, अफ़रीद = जीव, जिन्न बहुत तेज़ और बहुत ताकतवर होते हैं।]**

Qala allathee AAindahu AAilmun mina alkitabi ana ateeka bihi qabla an yartadda ilayka tarfuka falamma raahu mustaqirran AAindahu qala hatha min fadli rabbee liyabluwanee aashkuru am akfuru waman shakara fainnama yashkuru linafsihi waman kafara fainna rabbee ghaniyyun kareemun	**[Jinns also have knowledge of scriptures; They fly with speed of light]**	Said one who had knowledge from the Scripture, "I will bring it to you before your glance returns to you." And when [Solomon] saw it placed before him, he said, "This is from the favor of my Lord to test me whether I will be grateful or ungrateful. And whoever is grateful - his gratitude is only for [the benefit of] himself. And whoever is ungrateful - then indeed, my Lord is Free of need and Generous."	27:40	जिस व्यक्ति के पास किताब का ज्ञान था, उसने कहा, "मैं आपकी पलक झपकने से पहले उसे आपके पास लाए देता हूँ।" फिर जब उसने उसे अपने पास रखा हुआ देखा तो कहा, "यह मेरे रब का उदार अनुग्रह है, ताकि वह मेरी परीक्षा करे कि मैं कृतज्ञता दिखाता हूँ या कृतघ्न बनता हूँ। जो कृतज्ञता दिखलाता है तो वह अपने लिए ही कृतज्ञता दिखलाता है और वह जिसने कृतघ्नता दिखाई, तो मेरा रब निश्चय ही निस्पृह, बड़ा उदार है।"	**[जिन्नों को भी धर्मग्रंथों का ज्ञान होता है; वे प्रकाश की गति से उड़ते हैं।]**
Qala nakkiroo laha AAarshaha nanthur atahtadee am takoonu mina allatheena la yahtadoona	x	He said, "Disguise for her her throne; we will see whether she will be guided [to truth] or will be of those who is not guided."	27:41	उसने कहा, "उसके पास उसके सिंहासन का रूप बदल दो। देंखे वह वास्तविकता को पा लेती है या उन लोगों में से होकर रह जाती है, जो वास्तविकता को नहीं पाते।"	x

Falamma jaat qeela ahakatha AAarshuki qalat kaannahu huwa waooteena alAAilma min qabliha wakunna muslimeena	The queen arrives at the palace of Solomen, and recognizes her throne even though it is disguised, this shows “the ultimate in intelligence and strong resolve.”	So when she arrived, it was said [to her], "Is your throne like this?" She said, "[It is] as though it was it." [Solomon said], "And we were given knowledge before her, and we have been Muslims [in submission to Allah].	27:42	जब वह आई तो कहा गया, "क्या तुम्हारा सिंहासन ऐसा ही है?" उसने कहा, "यह तो जैसे वही है, और हमें तो इससे पहले ही ज्ञान प्राप्त हो चुका था; और हम आज्ञाकारी हो गए थे।"	रानी सुलेमान के महल में पहुँचती है और अपने सिंहासन को पहचान लेती है, भले ही उसे छिपाकर रखा गया हो; यह "अत्यंत बुद्धिमत्ता और दृढ़ संकल्प" को दर्शाता है।
Wasaddaha ma kanat taAAbudu min dooni Allahi innaha kanat min qawmin kafireena	x	And that which she was worshipping other than Allah had averted her [from submission to Him]. Indeed, she was from a disbelieving people."	27:43	अल्लाह से हटकर वह दूसरे को पूजती थी। इसी चीज़ ने उसे रोक रखा था। निस्संदेह वह एक इनकार करनेवाली क़ौम में से थी	x
Qeela laha odkhulee alssarha falamma raathu hasibathu lujjatan wakashafat AAan saqayha qala innahu sarhun mumarradun min qawareera qalat rabbi innee thalamtu nafsee waaslamtu maAAa sulaymana lillahi rabbi alAAalameena	Refers to Solomon's palace. **[They did not have the technology to make that quality of glass in 900 - 1000 BC; They also did not have the technology to make big slabs; Contradiction in verse 34:16 Queen of saba refused to accept Islam.]**	She was told, "Enter the palace." But when she saw it, she thought it was a body of water and uncovered her shins [to wade through]. He said, "Indeed, it is a palace [whose floor is] made smooth with glass." She said, "My Lord, indeed I have wronged myself, and I submit with Solomon to Allah, Lord of the worlds."	27:44	उससे कहा गया कि "महल में प्रवेश करो।" तो जब उसने उसे देखा तो उसने उसको गहरा पानी समझा और उसने अपनी दोनों पिंडलियाँ खोल दी। उसने कहा, "यह तो शीशे से निर्मित महल है।" बोली, "ऐ मेरे रब! निश्चय ही मैंने अपने आपपर ज़ुल्म किया। अब मैंने सुलैमान के साथ अपने आपको अल्लाह के समर्पित कर दिया, जो सारे संसार का रब है।"	सुलेमान के महल का ज़िक्र है। **[उनके पास 900 - 1000 BC में उस क्वालिटी का ग्लास बनाने की टेक्नोलॉजी नहीं थी; उनके पास बड़े स्लैब बनाने की टेक्नोलॉजी भी नहीं थी; आयत 34:16 में विरोधाभास है कि सबा की रानी ने इस्लाम कबूल करने से मना कर दिया था।]**

Walaqad arsalna ila thamooda akhahum salihan ani oAAbudoo Allaha faitha hum fareeqani yakhtasimoona	x	And We had certainly sent to Thamud their brother Salih, [saying], "Worship Allah," and at once they were two parties conflicting.	27:45	और समूद की ओर हमने उनके भाई सालेह को भेजा कि "अल्लाह की बन्दगी करो।" तो क्या देखते है कि वे दो गिरोह होकर आपस में झगड़ने लगे	x
Qala ya qawmi lima tastaAAjiloona bialssayyiati qabla alhasanati lawla tastaghfiroona Allaha laAAallakum turhamoona	x	He said, "O my people, why are you impatient for evil instead of good? Why do you not seek forgiveness of Allah that you may receive mercy?"	27:46	उसने कहा, "ऐ मेरी क़ौम के लोगों, तुम भलाई से पहले बुराई के लिए क्यों जल्दी मचा रहे हो? तुम अल्लाह से क्षमा याचना क्यों नहीं करते? कदाचित तुमपर दया की जाए।"	x
Qaloo ittayyarna bika wabiman maAAaka qala tairukum AAinda Allahi bal antum qawmun tuftanoona	x	They said, "We consider you a bad omen, you and those with you." He said, "Your omen is with Allah. Rather, you are a people being tested."	27:47	उन्होंने कहा, "हमने तुम्हें और तुम्हारे साथवालों को अपशकुन पाया है।" उसने कहा, "तुम्हारा शकुन-अपशकुन तो अल्लाह के पास है, बल्कि बात यह है कि तुम लोग आज़माए जा रहे हो।"	x
Wakana fee almadeenati tisAAatu rahtin yufsidoona fee	Refers to Thamud	And there were in the city nine family heads causing corruption in the land and not amending [its affairs].	27:48	नगर में नौ जत्थेदार थे जो धरती में बिगाड़ पैदा करते थे, सुधार का काम नहीं करते थे	समूद का संदर्भ देता है।

Qaloo taqasamoo biAllahi lanubayyitannahu waahlahu thumma lanaqoolanna liwaliyyihi ma shahidna mahlika ahlihi wainna lasadiqoona	Plot to kill Salih and family. **[Elites of Thamud swore by Allah.]**	They said, "Take a mutual oath by Allah that we will kill him by night, he and his family. Then we will say to his executor, 'We did not witness the destruction of his family, and indeed, we are truthful.' "	27:49	वे आपस में अल्लाह की क़समें खाकर बोले, "हम अवश्य उसपर और उसके घरवालों पर रात को छापा मारेंगे। फिर उसके वली (परिजन) से कह देंगे कि हम उसके घरवालों के विनाश के अवसर पर मौजूद न थे। और हम बिलकुल सच्चे है।"	सालेह और उसके परिवार को मारने की साज़िश। **[समूद के अमीर लोगों ने अल्लाह की कसम खाई।]**
Wamakaroo makran wamakarna makran wahum la yashAAuroona	**[Allah plots against the disbelivers.]**	And they planned a plan, and We planned a plan, while they perceived not.	27:50	वे एक चाल चले और हमने भी एक चाल चली और उन्हें ख़बर तक न हुई	[अल्लाह अविश्वासियों के विरुद्ध षड्यंत्र रचता है।]
Faonthur kayfa kana AAaqibatu makrihim anna dammarnahum waqawmahum	x	Then look how was the outcome of their plan - that We destroyed them and their people, all.	27:51	अब देख लो, उनकी चाल का कैसा परिणाम हुआ! हमने उन्हें और उनकी क़ौम - सबको विनष्ट करके रख दिया	x
Fatilka buyootuhum khawiyatan bima thalamoo inna fee thalika laayatan liqawmin yaAAlamoona	x	So those are their houses, desolate because of the wrong they had done. Indeed in that is a sign for people who know.	27:52	अब ये उनके घर उनके ज़ुल्म के कारण उजड़ें पड़े हुए है। निश्चय ही इसमें एक बड़ी निशानी है उन लोगों के लिए जो जानना चाहें	x
Waanjayna allatheena amanoo wakanoo yattaqoona	x	And We saved those who believed and used to fear Allah.	27:53	और हमने उन लोगों को बचा लिया, जो ईमान लाए और डर रखते थे	x

Walootan ith qala liqawmihi atatoona alfahishata waantum tubsiroona	x	And [mention] Lot, when he said to his people, "Do you commit immorality while you are seeing?	27:54	और लूत को भी भेजा, जब उसने अपनी क़ौम के लोगों से कहा, "क्या तुम आँखों देखते हुए अश्लील कर्म करते हो?	x
Ainnakum latatoona alrrijala shahwatan min dooni alnnisai bal antum qawmun tajhaloona	x	Do you indeed approach men with desire instead of women? Rather, you are a people behaving ignorantly."	27:55	क्या तुम स्त्रियों को छोड़कर अपनी काम-तृप्ति के लिए पुरुषों के पास जाते हो? बल्कि बात यह है कि तुम बड़े ही जाहिल लोग हो।"	x
Fama kana jawaba qawmihi illa an qaloo akhrijoo ala lootin min qaryatikum innahum onasun yatatahharoona	**[Contradiction: What people did with Lot: 7:82, 26:167, 27:56: Only asked to drive him out of city, 29:29 Asked to bring wrath of Allah]**	But the answer of his people was not except that they said, "Expel the family of Lot from your city. Indeed, they are people who keep themselves pure."	27:56	परन्तु उसकी क़ौम के लोगों का उत्तर इसके सिवा कुछ न था कि उन्होंने कहा, "निकाल बाहर करो लूत के घरवालों को अपनी बस्ती से। ये लोग सुथराई को बहुत पसन्द करते है!"	**[विरोधाभास: लोगों ने लूत के साथ क्या किया: 7:82, 26:167, 27:56: केवल उसे शहर से बाहर निकालने को कहा; 29:29 अल्लाह का प्रकोप लाने को कहा]**
Faanjaynahu waahlahu illa imraatahu qaddarnaha mina alghabireena	x	So We saved him and his family, except for his wife; We destined her to be of those who remained behind.	27:57	अन्ततः हमने उसे और उसके घरवालों को बचा लिया सिवाय उसकी स्त्री के। उसके लिए हमने नियत कर दिया था कि वह पीछे रह जानेवालों में से होगी	x
Waamtarna AAalayhim mataran fasaa mataru almunthareena	**[How there could be a rain of stones.]**	And We rained upon them a rain [of stones], and evil was the rain of those who were warned.	27:58	और हमने उनपर एक बरसात बरसाई और वह बहुत ही बुरी बरसात था उन लोगों के हक़ में, जिन्हें सचेत किया जा चुका था	**[पत्थरों की बारिश कैसे हो सकती है।]**

Quli alhamdu lillahi wasalamun AAala AAibadihi allatheena istafa allahu khayrun amma yushrikoona	x	Say, [O Muhammad], "Praise be to Allah, and peace upon His servants whom He has chosen. Is Allah better or what they associate with Him?"	27:59	कहो, "प्रशंसा अल्लाह के लिए है और सलाम है उनके उन बन्दों पर जिन्हें उसने चुन लिया। क्या अल्लाह अच्छा है या वे जिन्हें वे साझी ठहरा रहे है?	x
Amman khalaqa alssamawati waalarda waanzala lakum mina alssamai maan faanbatna bihi hadaiqa thata bahjatin ma kana lakum an tunbitoo shajaraha ailahun maAAa Allahi bal hum qawmun yaAAdiloona	x	[More precisely], is He [not best] who created the heavens and the earth and sent down for you rain from the sky, causing to grow thereby gardens of joyful beauty which you could not [otherwise] have grown the trees thereof? Is there a deity with Allah? [No], but they are a people who ascribe equals [to Him].	27:60	(तुम्हारे पूज्य अच्छे है) या वह जिसने आकाशों और धरती को पैदा किया और तुम्हारे लिए आकाश से पानी बरसाया; उसके द्वारा हमने रमणीय उद्यान उगाए? तुम्हारे लिए सम्भव न था कि तुम उनके वृक्षों को उगाते। - क्या अल्लाह के साथ कोई और प्रभु-पूज्य है? नहीं, बल्कि वही लोग मार्ग से हटकर चले जा रहे है!	x
Amman jaAAala alarda qararan wajaAAala khilalaha anharan wajaAAala laha rawasiya wajaAAala bayna albahrayni hajizan ailahun maAAa Allahi bal aktharuhum la yaAAlamoona	x	Is He [not best] who made the earth a stable ground and placed within it rivers and made for it firmly set mountains and placed between the two seas a barrier? Is there a deity with Allah? [No], but most of them do not know.	27:61	या वह जिसने धरती को ठहरने का स्थान बनाया और उसके बीच-बीच में नदियाँ बहाई और उसके लिए मज़बूत पहाड़ बनाए और दो समुद्रों के बीच एक रोक लगा दी। क्या अल्लाह के साथ कोई और प्रभु पूज्य है? नहीं, उनमें से अधिकतर लोग जानते ही नही!	x

Amman yujeebu almudtarra itha daAAahu wayakshifu alssooa wayajAAalukum khulafaa alardi ailahun maAAa Allahi qaleelan ma tathakkaroona	x	Is He [not best] who responds to the desperate one when he calls upon Him and removes evil and makes you inheritors of the earth? Is there a deity with Allah? Little do you remember.	27:62	या वह जो व्यग्र की पुकार सुनता है, जब वह उसे पुकारे और तकलीफ़ दूर कर देता है और तुम्हें धरती में अधिकारी बनाता है? क्या अल्लाह के साथ कोई और पूज्य-प्रभु है? तुम ध्यान थोड़े ही देते हो	x
Amman yahdeekum fee thulumati albarri waalbahri waman yursilu alrriyaha bushran bayna yaday rahmatihi ailahun maAAa Allahi taAAala Allahu AAamma yushrikoona	x	Is He [not best] who guides you through the darknesses of the land and sea and who sends the winds as good tidings before His mercy? Is there a deity with Allah? High is Allah above whatever they associate with Him.	27:63	या वह जो थल और जल के अँधेरों में तुम्हारा मार्गदर्शन करता है और जो अपनी दयालुता के आगे हवाओं को शुभ-सूचना बनाकर भेजता है? क्या अल्लाह के साथ कोई और प्रभु पूज्य है? उच्च है अल्लाह, उस शिर्क से जो वे करते है	x
Amman yabdao alkhalqa thumma yuAAeeduhu waman yarzuqukum mina alssamai waalardi ailahun maAAa Allahi qul hatoo burhanakum in kuntum sadiqeena	**[Who are the other creaters.]**	Is He [not best] who begins creation and then repeats it and who provides for you from the heaven and earth? Is there a deity with Allah? Say, "Produce your proof, if you should be truthful."	27:64	या वह जो सृष्टि का आरम्भ करता है, फिर उसकी पुनरावृत्ति भी करता है, और जो तुमको आकाश और धरती से रोज़ी देता है? क्या अल्लाह के साथ कोई और प्रभ पूज्य है? कहो, "लाओ अपना प्रमाण, यदि तुम सच्चे हो।"	x

Qul la yaAAlamu man fee alssamawati waalardi alghayba illa Allahu wama yashAAuroona ayyana yubAAathoona	**[Contradiction: Who has knowledge of unseen "Ghaib", only Allah 6:59, 27:65; Allah and Prophets 18:74, 72:26-27, Angels also 2:30; Propohets don't have 6:50, 11:31, Iblis has 7:17, 17:62]**	Say, "None in the heavens and earth knows the unseen except Allah, and they do not perceive when they will be resurrected."	27:65	कहो, "आकाशों और धरती में जो भी है, अल्लाह के सिवा किसी को भी परोक्ष का ज्ञान नहीं है। और न उन्हें इसकी चेतना प्राप्त है कि वे कब उठाए जाएँगे।"	**[विरोधाभास: अनदेखे "ग़ैब" का ज्ञान किसे है? केवल अल्लाह को (6:59, 27:65); अल्लाह और पैगंबरों को (18:74, 72:26-27); फरिश्तों को भी (2:30); पैगंबरों को नहीं है (6:50, 11:31); इब्लीस को है (7:17, 17:62)]**
Bali iddaraka AAilmuhum fee alakhirati bal hum fee shakkin minha bal hum minha AAamoona	x	Rather, their knowledge is arrested concerning the Hereafter. Rather, they are in doubt about it. Rather, they are, concerning it, blind.	27:66	बल्कि आख़िरत के विषय में उनका ज्ञान पक्का हो गया है, बल्कि ये उसकी ओर से कुछ संदेह में है, बल्कि वे उससे अंधे है	x
Waqala allatheena kafaroo aitha kunna turaban waabaona ainna lamukhrajoona	x	And those who disbelieve say, "When we have become dust as well as our forefathers, will we indeed be brought out [of the graves]?	27:67	जिन लोगों ने इनकार किया वे कहते है कि "क्या जब हम मिट्टी हो जाएँगे और हमारे बाप-दादा भी, तो क्या वास्तव में हम (जीवित करके) निकाले जाएँगे?	x
Laqad wuAAidna hatha nahnu waabaona min qablu in hatha illa asateeru alawwaleena	x	We have been promised this, we and our forefathers, before. This is not but legends of the former peoples."	27:68	इसका वादा तो इससे पहले भी किया जा चुका है, हमसे भी और हमारे बाप-दादा से भी। ये तो बस पहले लोगो की कहानियाँ है।"	x
Qul seeroo fee alardi faonthuroo kayfa kana AAaqibatu	Criminals are people who reject Allah.	Say, [O Muhammad], "Travel through the land and observe how was the end of the criminals."	27:69	कहो कि "धरती में चलो-फिरो और देखो कि अपराधियों का कैसा परिणाम हुआ।"	अपराधी वे लोग हैं जो अल्लाह को नकारते हैं।

Wala tahzan AAalayhim wala takun fee dayqin mimma yamkuroona	x	And grieve not over them or be in distress from what they conspire.	27:70	उनके प्रति शोकाकुल न हो और न उस चाल से दिल तंग हो, जो वे चल रहे है।	x
Wayaqooloona mata hatha alwaAAdu in kuntum sadiqeena	x	And they say, "When is [the fulfillment of] this promise, if you should be	27:71	वे कहते है, "यह वादा कब पूरा होगा, यदि तुम सच्चे हो?"	x
Qul AAasa an yakoona radifa lakum baAAdu allathee	x	Say, "Perhaps it is close behind you - some of that for which you are impatient.	27:72	कहो, "जिसकी तुम जल्दी मचा रहे हो बहुत सम्भव है कि उसका कोई हिस्सा तुम्हारे पीछे ही लगा हो।"	x
Wainna rabbaka lathoo fadlin AAala alnnasi walakinna aktharahum la yashkuroona	x	And indeed, your Lord is full of bounty for the people, but most of them do not show gratitude."	27:73	निश्चय ही तुम्हारा रब तो लोगों पर उदार अनुग्रह करनेवाला है, किन्तु उनमें से अधिकतर लोग कृतज्ञता नहीं दिखाते	x
Wainna rabbaka layaAAlamu ma tukinnu sudooruhum wama yuAAlinoona	x	And indeed, your Lord knows what their breasts conceal and what they declare.	27:74	निश्चय ही तुम्हारा रह भली-भाँति जानता है, जो कुछ उनके सीने छिपाए हुए है और जो कुछ वे प्रकट करते है।	x
Wama min ghaibatin fee alssamai waalardi illa fee kitabin	x	And there is nothing concealed within the heaven and the earth except that it is in a clear	27:75	आकाश और धरती में छिपी कोई भी चीज़ ऐसी नहीं जो एक स्पष्ट किताब में मौजूद न हो	x
Inna hatha alqurana yaqussu AAala banee israeela akthara allathee hum feehi yakhtalifoona	**[Quran has many important differences from early scriptures for example son of Abraham who was going to be sacrficied for Allah was Isaac not Ishmael as per Bible.]**	Indeed, this Qur'an relates to the Children of Israel most of that over which they disagree.	27:76	निस्संदेह यह क़ुरआन इसराईल की सन्तान को अधिकतर ऐसी बाते खोलकर सुनाता है जिनके विषय में उनसे मतभेद है	**[कुरान में शुरुआती धर्मग्रंथों से कई ज़रूरी अंतर हैं, जैसे कि अब्राहम का बेटा जो अल्लाह के लिए कुर्बान होने वाला था, वह इसहाक था, बाइबिल के अनुसार इश्माएल नहीं।]**

Wainnahu lahudan warahmatun lilmumineena	**[Its demand for hate and war, and dominates over all aspects of life, and the suppression of half its members (the women). It is no mercy even to believers.]**	And indeed, it is guidance and mercy for the believers.	27:77	और निस्संदेह यह तो ईमानवालों के लिए मार्गदर्शन और दयालुता है	**[यह नफ़रत और जंग की मांग करता है, और ज़िंदगी के हर पहलू पर हावी है, और अपने आधे सदस्यों (औरतों) को दबाता है। यह मानने वालों पर भी कोई रहम नहीं करता।]**
Inna rabbaka yaqdee baynahum bihukmihi wahuwa alAAazeezu alAAaleemu	x	Indeed, your Lord will judge between them by His [wise] judgement. And He is the Exalted in Might, the Knowing.	27:78	निश्चय ही तुम्हारा रब उनके बीच अपने हुक्म से फ़ैसला कर देगा। वह अत्यन्त प्रभुत्वशाली, सर्वज्ञ है	x
Fatawakkal AAala Allahi innaka AAala alhaqqi almubeeni	x	So rely upon Allah; indeed, you are upon the clear truth.	27:79	अतः अल्लाह पर भरोसा रखो। निश्चय ही तुम स्पष्ट सत्य पर हो	x
Innaka la tusmiAAu almawta wala tusmiAAu alssumma aldduAAaa itha	The disbelievers are dead and deaf.	Indeed, you will not make the dead hear, nor will you make the deaf hear the call when they have turned their backs retreating.	27:80	तुम मुर्दों को नहीं सुना सकते और न बहरों को अपनी पुकार सुना सकते हो, जबकि वे पीठ देकर फिरे भी जा रहें हो।	काफ़िर मरे हुए और बहरे हैं।
Wama anta bihadee alAAumyi AAan dalalatihim in tusmiAAu illa man yuminu biayatina fahum muslimoona	**[Then how so many idolator Quraysh converted to Islam.]**	And you cannot guide the blind away from their error. You will only make hear those who believe in Our verses so they are Muslims [submitting to Allah].	27:81	और न तुम अंधों को उनकी गुमराही से हटाकर राह पर ला सकते हो। तुम तो बस उन्हीं को सुना सकते हो, जो हमारी आयतों पर ईमान लाना चाहें। अतः वही आज्ञाकारी होते है	**[तो फिर इतने सारे मूर्तिपूजक कुरैश कैसे इस्लाम में परिवर्तित हो गए।]**

Waitha waqaAAa alqawlu AAalayhim akhrajna lahum dabbatan mina alardi tukallimuhum anna alnnasa kanoo biayatina la yooqinoona	**[A creature (dragon like) will come out of earth and it will talk to people.]**	And when the word befalls them, We will bring forth for them a creature from the earth speaking to them, [saying] that the people were, of Our verses, not certain [in faith].	27:82	और जब उनपर बात पूरी हो जाएगी, तो हम उनके लिए धरती का प्राणी सामने लाएँगे जो उनसे बातें करेगा कि "लोग हमारी आयतों पर विश्वास नहीं करते थे"	**[एक जीव (ड्रैगन जैसा) धरती से बाहर आएगा और लोगों से बात करेगा।]**
Wayawma nahshuru min kulli ommatin fawjan mimman yukaththibu biayatina fahum yoozaAAoona	x	And [warn of] the Day when We will gather from every nation a company of those who deny Our signs, and they will be [driven] in rows	27:83	और जिस दिन हम प्रत्येक समुदाय में से एक गिरोह, ऐसे लोगों का जो हमारी आयतों को झुठलाते है, घेर लाएँगे। फिर उनकी दर्जाबन्दी की जाएगी	x
Hatta itha jaoo qala akaththabtum biayatee walam tuheetoo biha AAilman ammatha kuntum taAAmaloona	x	Until, when they arrive [at the place of Judgement], He will say, "Did you deny My signs while you encompassed them not in knowledge, or what [was it that] you were doing?"	27:84	यहाँ तक कि जब वे आ जाएँगे तो वह कहेगा, "क्या तुमने मेरी आयतों को झुठलाया, हालाँकि अपने ज्ञान से तुम उनपर हावी न थे या फिर तुम क्या करते थे?"	x
WawaqaAAa alqawlu AAalayhim bima thalamoo fahum la yantiqoona	**[Contradiction: Sinners on day of judgment: 27:85, 77:35: shall not be able to speak, 14:21, 69:25: Will be able to speak]**	And the decree will befall them for the wrong they did, and they will not [be able to] speak.	27:85	और बात उनपर पूरी होकर रहेगी, इसलिए कि उन्होंने ज़ुल्म किया। अतः वे कुछ बोल न सकेंगे	**[विरोधाभास: न्याय के दिन पापी: 27:85, 77:35: बोल नहीं पाएँगे; 14:21, 69:25: बोल पाएँगे]**

Alam yaraw anna jaAAalna allayla liyaskunoo feehi waalnnahara mubsiran inna fee thalika laayatin liqawmin yuminoona	**[In general true but some humans or animals are nocturnal also.]**	Do they not see that We made the night that they may rest therein and the day giving sight? Indeed in that are signs for a people who believe.	27:86	क्या उन्होंने देखा नहीं कि हमने रात को (अँधेरी) बनाया, ताकि वे उसमें शान्ति और चैन प्राप्त करें। और दिन को प्रकाशमान बनाया (कि उसमें काम करें)? निश्चय ही इसमें उन लोगों के लिए निशानियाँ है, जो ईमान ले आएँ	**[आम तौर पर यह सच है, लेकिन कुछ इंसान या जानवर रात में भी जागते हैं।]**
Wayawma yunfakhu fee alssoori fafaziAAa man fee alssamawati waman fee alardi illa man shaa Allahu wakullun atawhu dakhireena	x	And [warn of] the Day the Horn will be blown, and whoever is in the heavens and whoever is on the earth will be terrified except whom Allah wills. And all will come to Him humbled.	27:87	और ख़याल करो जिस दिन सूर (नरसिंघा) में फूँक मारी जाएगी और जो आकाशों और धरती में है, घबरा उठेंगे, सिवाय उनके जिन्हें अल्लाह चाहे - और सब कान दबाए उसके समक्ष उपस्थित हो जाएँगे	x
Watara aljibala tahsabuha jamidatan wahiya tamurru marra alssahabi sunAAa Allahi allathee atqana kulla shayin innahu khabeerun bima tafAAaloona	Refers to Day of Judgement.	And you see the mountains, thinking them rigid, while they will pass as the passing of clouds. [It is] the work of Allah, who perfected all things. Indeed, He is Acquainted with that which you do.	27:88	और तुम पहाड़ों को देखकर समझते हो कि वे जमे हुए है, हालाँकि वे चल रहे होंगे, जिस प्रकार बादल चलते है। यह अल्लाह की कारीगरी है, जिसने हर चीज़ को सुदृढ़ किया। निस्संदेह वह उसकी ख़बर रखता है, जो कुछ तुम करते हो	न्याय के दिन को संदर्भित करता है।
Man jaa bialhasanati falahu khayrun minha wahum min fazaAAin yawmaithin	x	Whoever comes [at Judgement] with a good deed will have better than it, and they, from the terror of that Day, will be safe.	27:89	जो कोई सुचरित लेकर आया उसको उससे भी अच्छा प्राप्त होगा; और ऐसे लोग घबराहट से उस दिन निश्चिन्त होंगे	x

Waman jaa bialssayyiati fakubbat wujoohuhum fee alnnari hal tujzawna illa ma kuntum taAAmaloona	x	And whoever comes with an evil deed - their faces will be overturned into the Fire, [and it will be said], "Are you recompensed except for what you used to do?"	27:90	और जो कुचरित लेकर आया तो ऐसे लोगों के मुँह आग में औधे होंगे। (और उनसे कहा जाएगा) "क्या तुम उसके सिवा किसी और चीज़ का बदला पा रहे हो, जो तुम करते रहे हो?"	x
Innama omirtu an aAAbuda rabba hathihi albaldati allathee harramaha walahu kullu shayin waomirtu an akoona mina almuslimeena	**[Say, added. No Qul word in arabic text.]**	[Say, O Muhammad], "I have only been commanded to worship the Lord of this city, who made it sacred and to whom [belongs] all things. And I am commanded to be of the Muslims [those who submit to Allah]	27:91	मुझे तो बस यही आदेश मिला है कि इस नगर (मक्का) के रब की बन्दगी करूँ, जिसने इस आदरणीय ठहराया और उसी की हर चीज़ है। और मुझे आदेश मिला है कि मैं आज्ञाकारी बनकर रहूँ	**[कहो, जोड़ा गया। अरबी टेक्स्ट में कोई "कुल" शब्द नहीं है।]**
Waan atluwa alqurana famani ihtada fainnama yahtadee linafsihi waman dalla faqul innama ana mina almunthireena	x	And to recite the Qur'an." And whoever is guided is only guided for [the benefit of] himself; and whoever strays - say, "I am only [one] of the warners."	27:92	और यह कि क़ुरआन पढ़कर सुनाऊँ। अब जिस किसी ने संमार्ग ग्रहण किया वह अपने ही लिए संमार्ग ग्रहण करेगा। और जो पथभ्रष्टि रहा तो कह दो, "मैं तो बस एक सचेत करनेवाला ही हूँ।"	x
Waquli alhamdu lillahi sayureekum ayatihi fataAArifoonaha wama rabbuka bighafilin AAamma taAAmaloona	x	And say, "[All] praise is [due] to Allah. He will show you His signs, and you will recognize them. And your Lord is not unaware of what you do."	27:93	और कहो, "सारी प्रशंसा अल्लाह के लिए है। जल्द ही वह तुम्हें अपनी निशानियाँ दिखा देगा और तुम उन्हें पहचान लोगे। और तेरा रब उससे बेख़बर नहीं है, जो कुछ तुम सब कर रहे हो।"	x

Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Al-Qasas (The Narration)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**28:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अल-क़सस (कथा)**
Taseenmeem	Mysterious letters	Ta, Seen, Meem.	28:1	ता॰ सीन॰ मीम॰	रहस्यमयी अक्षर
Tilka ayatu alkitabi almubeeni	x	These are the verses of the clear Book.	28:2	(जो आयतें अवतरित हो रही है) वे स्पष्ट। किताब की आयतें हैं	x
Natloo AAalayka min nabai moosa wafirAAawna bialhaqqi liqawmin yuminoona	**[The story about Moses differs as told in the Bible. It is a question, which one should be considered most reliable.]**	We recite to you from the news of Moses and Pharaoh in truth for a people who believe.	28:3	हम उन्हें मूसा और फ़िरऔन का कुछ वृत्तान्त ठीक-ठीक सुनाते है, उन लोगों के लिए जो ईमान लाना चाहें	**[बाइबिल में मूसा के बारे में बताई गई कहानी अलग-अलग है। यह एक सवाल है कि किसे सबसे ज़्यादा भरोसेमंद माना जाए।]**
Inna firAAawna AAala fee alardi wajaAAala ahlaha shiyaAAan yastadAAifu taifatan minhum yuthabbihu abnaahum wayastahyee nisaahum innahu kana mina	Refers to the Children of Israel.	Indeed, Pharaoh exalted himself in the land and made its people into factions, oppressing a sector among them, slaughtering their [newborn] sons and keeping their females alive. Indeed, he was of the corrupters.	28:4	निस्संदेह फ़िरऔन ने धरती में सरकशी की और उसके निवासियों को विभिन्न गिरोहों में विभक्त कर दिया। उनमें से एक गिरोह को कमज़ोर कर रखा था। वह उनके बेटों की हत्या करता और उनकी स्त्रियों को जीवित रहने देता। निश्चय ही वह बिगाड़ पैदा करनेवालों में से था	इसका संदर्भ इसराइल के संतानों से है।
Wanureedu an namunna AAala allatheena istudAAifoo fee alardi wanajAAalahum aimmatan wanajAAalahumu alwaritheena	x	And We wanted to confer favor upon those who were oppressed in the land and make them leaders and make them inheritors	28:5	और हम यह चाहते थे कि उन लोगों पर उपकार करें, जो धरती में कमज़ोर पड़े थे और उन्हें नायक बनाएँ और उन्हीं को वारिस बनाएँ	x

Wanumakkina lahum fee alardi wanuriya firAAawna wahamana wajunoodahuma minhum ma kanoo	**[According to the Bible, Haman was a powerful minister under the Persian king Xerxes (Hebrew: Ahasuerus) (486 - 465 BC).]**	And establish them in the land and show Pharaoh and [his minister] Haman and their soldiers through them that which they had feared.	28:6	और धरती में उन्हें सत्ताधिकार प्रदान करें और उनकी ओर से फ़िरऔन और हामान और उनकी सेनाओं को वह कुछ दिखाएँ, जिसकी उन्हें आशंका थी	**[बाइबिल के अनुसार, हामान फ़ारसी राजा ज़ेरक्सेस (हिब्रू: अहशवेरस) (486 - 465 BC) के अधीन एक शक्तिशाली मंत्री था।]**
Waawhayna ila ommi moosa an ardiAAeehi faitha khifti AAalayhi faalqeehi fee alyammi wala takhafee wala tahzanee inna raddoohu ilayki wajaAAiloohu mina	**[It was decided in the childhood itself that Moses will be a messenger.]**	And We inspired to the mother of Moses, "Suckle him; but when you fear for him, cast him into the river and do not fear and do not grieve. Indeed, We will return him to you and will make him [one] of the messengers."	28:7	हमने मूसा की माँ को संकेत किया कि "उसे दूध पिला फिर जब तुझे उसके विषय में भय हो, तो उसे दरिया में डाल दे और न तुझे कोई भय हो और न तू शोकाकुल हो। हम उसे तेरे पास लौटा लाएँगे और उसे रसूल बनाएँगे।"	**[बचपन में ही यह तय हो गया था कि मूसा एक रसूल होगे।]**
Failtaqatahu alu firAAawna liyakoona lahum AAaduwwan wahazanan inna firAAawna wahamana wajunoodahuma	**[Haman is imported from the Book of Esther to become Pharaoh's assistant.]**	And the family of Pharaoh picked him up [out of the river] so that he would become to them an enemy and a [cause of] grief. Indeed, Pharaoh and Haman and their soldiers were deliberate sinners.	28:8	अन्ततः फ़िरऔन के लोगों ने उसे उठा लिया, ताकि परिणामस्वरूप वह उनका शत्रु और उनके लिए दुख बने। निश्चय ही फ़िरऔन और हामान और उनकी सेनाओं से बड़ी चूक हुई	**[हामान को एस्तेर की किताब से फिरौन का सहायक बनने के लिए लाया गया है।]**

Waqalati imraatu firAAawna qurratu AAaynin lee walaka la taqtuloohu AAasa an yanfaAAana aw nattakhithahu waladan wahum la yashAAuroona	Baby Moses was adopted by Pharoah's Wife.	And the wife of Pharaoh said, "[He will be] a comfort of the eye for me and for you. Do not kill him; perhaps he may benefit us, or we may adopt him as a son." And they perceived not.	28:9	फ़िरऔन की स्त्री ने कहा, "यह मेरी और तुम्हारी आँखों की ठंडक है। इसकी हत्या न करो, कदाचित यह हमें लाभ पहुँचाए या हम इसे अपना बेटा ही बना लें।" और वे (परिणाम से) बेख़बर थे	शिशु मूसा को फ़िरौन की पत्नी ने गोद लिया था।
Waasbaha fuadu ommi moosa farighan in kadat latubdee bihi lawla an rabatna AAala qalbiha litakoona mina almumineena	**[How She knew that Pharoah wife has adopted him.]**	And the heart of Moses' mother became empty [of all else]. She was about to disclose [the matter concerning] him had We not bound fast her heart that she would be of the	28:10	और मूसा की माँ का हृदय विचलित हो गया। निकट था कि वह उसको प्रकट कर देती, यदि हम उसके दिल को इस ध्येय से न सँभालते कि वह मोमिनों में से हो	**[उसे कैसे पता चला कि फ़िरौन की पत्नी ने उसे गोद ले लिया है।]**
Waqalat liokhtihi qusseehi fabasurat bihi AAan junubin wahum la yashAAuroona	x	And she said to his sister, "Follow him"; so she watched him from a distance while they perceived not.	28:11	उसने उसकी बहन से कहा, "तू उसके पीछे-पीछे जा।" अतएव वह उसे दूर ही दूर से देखती रही और वे महसूस नहीं कर रहे थे	x
Waharramna AAalayhi almaradiAAa min qablu faqalat hal adullukum AAala ahli baytin yakfuloonahu lakum wahum lahu nasihoona	Allah has decreed that no one should be able to nurse him except his own mother, and He caused this to be the means reuniting him with his mother.	And We had prevented from him [all] wet nurses before, so she said, "Shall I direct you to a household that will be responsible for him for you while they are to him [for his upbringing] sincere?"	28:12	हमने पहले ही से दूध पिलानेवालियों को उसपर हराम कर दिया। अतः उसने (मूसा की बहन से) कहा कि "क्या मैं तुम्हें ऐसे घरवालों का पता बताऊँ जो तुम्हारे लिए इसके पालन-पोषण का ज़िम्मा लें और इसके शुभ-चिंतक हों?"	अल्लाह ने यह तय कर दिया था कि उसकी अपनी माँ के सिवा कोई और उसे दूध न पिला सके, और उसने इसी को उसकी माँ से उसके पुनर्मिलन का ज़रिया बना दिया।

Faradadnahu ila ommihi kay taqarra AAaynuha wala tahzana walitaAAlama anna waAAda Allahi haqqun walakinna aktharahum la yaAAlamoona	x	So We restored him to his mother that she might be content and not grieve and that she would know that the promise of Allah is true. But most of the people do not know.	28:13	इस प्रकार हम उसे उसकी माँ के पास लौटा लाए, ताकि उसकी आँख ठंड़ी हो और वह शोकाकुल न हो और ताकि वह जान ले कि अल्लाह का वादा सच्चा है, किन्तु उनमें से अधिकतर लोग जानते नहीं	x
Walamma balagha ashuddahu waistawa ataynahu hukman waAAilman wakathalika najzee almuhsineena	x	And when he attained his full strength and was [mentally] mature, We bestowed upon him judgement and knowledge. And thus do We reward the doers of good.	28:14	और जब वह अपनी जवानी को पहुँचा और भरपूर हो गया, तो हमने उसे निर्णय-शक्ति और ज्ञान प्रदान किया। और सुकर्मी लोगों को हम इसी प्रकार बदला देते है	x

Wadakhala almadeenata AAala heeni ghaflatin min ahliha fawajada feeha rajulayni yaqtatilani hatha min sheeAAatihi wahatha min AAaduwwihi faistaghathahu allathee min sheeAAatihi AAala allathee min AAaduwwihi fawakazahu moosa faqada AAalayhi qala hatha min AAamali alshshaytani innahu	Musa killed a Coptic Man while he was fighting an Israelite. Musa struck him with his fist and he died. Means, Moses said to Allah that Satan lead him astray.	And he entered the city at a time of inattention by its people and found therein two men fighting: one from his faction and one from among his enemy. And the one from his faction called for help to him against the one from his enemy, so Moses struck him and [unintentionally] killed him. [Moses] said, "This is from the work of Satan. Indeed, he is a manifest, misleading enemy."	28:15	उसने नगर में ऐसे समय प्रवेश किया जबकि वहाँ के लोग बेख़बर थे। उसने वहाँ दो आदमियों को लड़ते पाया। यह उसके अपने गिरोह का था और यह उसके शत्रुओं में से था। जो उसके गिरोह में से था उसने उसके मुक़ाबले में, जो उसके शत्रुओं में से था, सहायता के लिए उसे पुकारा। मूसा ने उसे घूँसा मारा और उसका काम तमाम कर दिया। कहा, "यह शैतान की कार्यवाई है। निश्चय ही वह खुला पथभ्रष्ट करनेवाला शत्रु है।"	मूसा ने एक काँप्टिक व्यक्ति को तब मार डाला, जब वह एक इस्राएली से लड़ रहा था। मूसा ने अल्लाह से कहा कि शैतान ने उसे गुमराह कर दिया था।
Qala rabbi innee thalamtu nafsee faighfir lee faghafara lahu innahu huwa alghafooru alrraheemu	Allah forgave him.	He said, "My Lord, indeed I have wronged myself, so forgive me," and He forgave him. Indeed, He is the Forgiving, the Merciful.	28:16	उसने कहा, "ऐ मेरे रब, मैंने अपने आपपर ज़ुल्म किया। अतः तू मुझे क्षमा कर दे।" अतएव उसने उसे क्षमा कर दिया। निश्चय ही वही बड़ी क्षमाशील, अत्यन्त दयावान है	अल्लाह ने उसे माफ़ कर दिया।
Qala rabbi bima anAAamta AAalayya falan akoona thaheeran lilmujrimeena	means, will never help disbelievers.	He said, "My Lord, for the favor You bestowed upon me, I will never be an assistant to the criminals."	28:17	उसने कहा, "ऐ मेरे रब! जैसे तूने मुझपर अनुकम्पा दर्शाई है, अब मैं भी कभी अपराधियों का सहायक नहीं बनूँगा।"	इसका अर्थ है कि वह कभी भी काफ़िरों की मदद नहीं करेगा।

Faasbaha fee almadeenati khaifan yataraqqabu faitha allathee istansarahu bialamsi yastasrikhuhu qala lahu moosa innaka laghawiyyun mubeenun	The same man who sought his help the day before was fighting with another Coptic. Moses moves to help again, intending to strike the oppressor (Egyptian). **[Despite of knowing that the Israelite man is habitually getting into conflicts, he chose to attack the Egyptian.]**	And he became inside the city fearful and anticipating [exposure], when suddenly the one who sought his help the previous day cried out to him [once again]. Moses said to him, "Indeed, you are an evident, [persistent] deviator."	28:18	फिर दूसरे दिन वह नगर में डरता, टोह लेता हुआ प्रविष्ट हुआ। इतने में अचानक क्या देखता है कि वही व्यक्ति जिसने कल उससे सहायता चाही थी, उसे पुकार रहा है। मूसा ने उससे कहा, "तू तो प्रत्यक्ष बहका हुआ व्यक्ति है।"	वही आदमी जिसने एक दिन पहले उससे मदद मांगी थी, एक दूसरे कॉप्टिक से लड़ रहा था। मूसा फिर से मदद के लिए आगे बढ़ता है, उसका इरादा ज़ालिम (मिस्र के) पर हमला करने का होता है। **[यह जानते हुए भी कि इज़राइली आदमी आदतन झगड़ों में पड़ता रहता है, उसने मिस्र के आदमी पर हमला करने का फैसला किया।]**
Falamma an arada an yabtisha biallathee huwa AAaduwwun lahuma qala ya moosa atureedu an taqtulanee kama qatalta nafsan bialamsi in tureedu illa an takoona jabbaran fee alardi wama tureedu an takoona mina	The Israelite misunderstood Moses intention and though that Moses will attack him. So he said, in self defence: O Musa! Is it your intention to kill me as you killed a man yesterday? This is how the secret was leaked.	And when he wanted to strike the one who was an enemy to both of them, he said, "O Moses, do you intend to kill me as you killed someone yesterday? You only want to be a tyrant in the land and do not want to be of the amenders."	28:19	फिर जब उसने वादा किया कि उस व्यक्ति को पकड़े, जो उन लोगों का शत्रु था, तो वह बोल उठा, "ऐ मूसा, क्या तू चाहता है कि मुझे मार डाले, जिस प्रकार तूने कल एक व्यक्ति को मार डाला? धरती में बस तू निर्दय अत्याचारी बनकर रहना चाहता है और यह नहीं चाहता कि सुधार करनेवाला हो।"	इस्राएली ने मूसा के इरादे को गलत समझा और सोचा कि मूसा उस पर हमला करेगा। इसलिए उसने अपनी आत्मरक्षा में कहा: "ऐ मूसा! क्या तुम्हारा इरादा मुझे भी वैसे ही मार डालने का है, जैसे तुमने कल एक आदमी को मारा था?" इस तरह यह राज़ खुल गया।

Wajaa rajulun min aqsa almadeenati yasAAa qala ya moosa inna almalaa yatamiroona bika liyaqtulooka faokhruj innee laka mina alnnasiheena	The chiefs are taking counsel together about Moses.	And a man came from the farthest end of the city, running. He said, "O Moses, indeed the eminent ones are conferring over you [intending] to kill you, so leave [the city]; indeed, I am to you of the sincere advisors."	28:20	इसके पश्चात एक आदमी नगर के परले सिरे से दौड़ता हुआ आया। उसने कहा, "ऐ मूसा, सरदार तेरे विषय में परामर्श कर रहे हैं कि तुझे मार डालें। अतः तू निकल जा! मैं तेरा हितैषी हूँ।"	x
Fakharaja minha khaifan yataraqqabu qala rabbi najjinee mina alqawmi alththalimeena	Moses escaped.	So he left it, fearful and anticipating [apprehension]. He said, "My Lord, save me from the wrongdoing people."	28:21	फिर वह वहाँ से डरता और ख़तरा भाँपता हुआ निकल खड़ा हुआ। उसने कहा, "ऐ मेरे रब! मुझे ज़ालिम लोगों से छुटकारा दे।"	x
Walamma tawajjaha tilqaa madyana qala AAasa rabbee an yahdiyanee sawaa alssabeeli	x	And when he directed himself toward Madyan, he said, "Perhaps my Lord will guide me to the sound way."	28:22	जब उसने मदयन का रुख़ किया तो कहा, "आशा है, मेरा रब मुझे ठीक रास्ते पर डाल देगा।"	x

Walamma warada maa madyana wajada AAalayhi ommatan mina alnnasi yasqoona wawajada min doonihimu imraatayni tathoodani qala ma khatbukuma qalata la nasqee hatta yusdira alrriAAao waaboona shaykhun kabeerun	means, the women were stopping their sheep from drinking with the sheep of those shepherds, lest some harm come to them.	And when he came to the well of Madyan, he found there a crowd of people watering [their flocks], and he found aside from them two women driving back [their flocks]. He said, "What is your circumstance?" They said, "We do not water until the shepherds dispatch [their flocks]; and our father is an old man."	28:23	और जब वह मदयन के पानी पर पहुँचा तो उसने उसपर पानी पिलाते लोगों को एक गिरोह पाया। और उनसे हटकर एक ओर दो स्त्रियों को पाया, जो अपन जानवरों को रोक रही थीं। उसने कहा, "तुम्हारा क्या मामला है?" उन्होंने कहा, "हम उस समय तक पानी नहीं पिला सकते, जब तक ये चरवाहे अपने जानवर निकाल न ले जाएँ, और हमारे बाप बहुत ही बूढ़े है।"	इसका मतलब यह था कि वे औरतें अपनी भेड़ों को उन चरवाहों की भेड़ों के साथ पानी पीने से रोक रही थीं, ताकि उन्हें कोई नुकसान न पहुँचे।
Fasaqa lahuma thumma tawalla ila alththilli faqala rabbi innee lima anzalta ilayya min khayrin faqeerun	x	So he watered [their flocks] for them; then he went back to the shade and said, "My Lord, indeed I am, for whatever good You would send down to	28:24	तब उसने उन दोनों के लिए पानी पिला दिया। फिर छाया की ओर पलट गया और कहा, "ऐ मेरे रब, जो भलाई भी तू मेरी उतार दे, मैं उसका ज़रूरतमंद हूँ।"	x

Fajaathu ihdahuma tamshee AAala istihyain qalat inna abee yadAAooka liyajziyaka ajra ma saqayta lana falamma jaahu waqassa AAalayhi alqasasa qala la takhaf najawta mina alqawmi alththalimeena	x	Then one of the two women came to him walking with shyness. She said, "Indeed, my father invites you that he may reward you for having watered for us." So when he came to him and related to him the story, he said, "Fear not. You have escaped from the wrongdoing people."	28:25	फिर उन दोनों में से एक लजाती हुई उसके पास आई। उसने कहा, "मेरे बाप आपको बुला रहे है, ताकि आपने हमारे लिए (जानवरों को) जो पानी पिलाया है, उसका बदला आपको दें।" फिर जब वह उसके पास पहुँचा और उसे अपने सारे वृत्तान्त सुनाए तो उसने कहा, "कुछ भय न करो। तुम ज़ालिम लोगों से छुटकारा पा गए हो।"	x
Qalat ihdahuma ya abati istajirhu inna khayra mani istajarta alqawiyyu alameenu	x	One of the women said, "O my father, hire him. Indeed, the best one you can hire is the strong and the trustworthy."	28:26	उन दोनों स्त्रियों में से एक ने कहा, "ऐ मेरे बाप! इसको मज़दूरी पर रख लीजिए। अच्छा व्यक्ति, जिसे आप मज़दूरी पर रखें, वही है जो बलवान, अमानतदार हो।"	x

Qala innee oreedu an onkihaka ihda ibnatayya hatayni AAala an tajuranee thamaniya hijajin fain atmamta AAashran famin AAindika wama oreedu an ashuqqa AAalayka satajidunee in shaa Allahu mina	x	He said, "Indeed, I wish to wed you one of these, my two daughters, on [the condition] that you serve me for eight years; but if you complete ten, it will be [as a favor] from you. And I do not wish to put you in difficulty. You will find me, if Allah wills, from among the righteous."	28:27	उसने कहा, "मैं चाहता हूँ कि अपनी इन दोनों बेटियों में से एक का विवाह तुम्हारे साथ इस शर्त पर कर दूँ कि तुम आठ वर्ष तक मेरे यहाँ नौकरी करो। और यदि तुम दस वर्ष पूरे कर दो, तो यह तुम्हारी ओर से होगा। मैं तुम्हें कठिनाई में डालना नहीं चाहता। यदि अल्लाह ने चाहा तो तुम मुझे नेक पाओगे।"	x
Qala thalika baynee wabaynaka ayyama alajalayni qadaytu fala AAudwana AAalayya waAllahu AAala ma naqoolu wakeelun	x	[Moses] said, "That is [established] between me and you. Whichever of the two terms I complete - there is no injustice to me, and Allah, over what we say, is Witness."	28:28	कहा, "यह मेरे और आपके बीच निश्चय हो चुका। इन दोनों अवधियों में से जो भी मैं पूरी कर दूँ, तो तुझपर कोई ज़्यादती नहीं होगी। और जो कुछ हम कह रहे है, उसके विषय में अल्लाह पर भरोसा काफ़ी है।"	x

Falamma qada moosaalajala wasara biahlihi anasa min janibi alttoori naran qala liahlihi omkuthoo innee anastu naran laAAallee ateekum minha bikhabarin aw jathwatin mina alnnari laAAallakum tastaloona	This was because they lost their way and it was cold.	And when Moses had completed the term and was traveling with his family, he perceived from the direction of the mount a fire. He said to his family, "Stay here; indeed, I have perceived a fire. Perhaps I will bring you from there [some] information or burning wood from the fire that you may warm yourselves."	28:29	फिर जब मूसा ने अवधि पूरी कर दी और अपने घरवालों को लेकर चला तो तूर की ओर उसने एक आग-सी देखी। उसने अपने घरवालों से कहा, "ठहरो, मैंने एक आग का अवलोकन किया है। कदाचित मैं वहाँ से तुम्हारे पास कोई ख़बर ले आऊँ या उस आग से कोई अंगारा ही, ताकि तुम ताप सको।"	ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि वे रास्ता भटक गए थे और ठंड थी।
Falamma ataha noodiya min shatii alwadi alaymani fee albuqAAati almubarakati mina alshshajarati an ya moosa innee ana Allahu rabbu alAAalameena	x	But when he came to it, he was called from the right side of the valley in a blessed spot - from the tree, "O Moses, indeed I am Allah, Lord of the worlds."	28:30	फिर जब वह वहाँ पहुँचा तो दाहिनी घाटी के किनारे से शुभ क्षेत्र में वृक्ष से आवाज़ आई, "ऐ मूसा! मैं ही अल्लाह हूँ, सारे संसार का रब!"	x
Waan alqi AAasaka falamma raaha tahtazzu kaannaha jannun walla mudbiran walam yuAAaqqib ya moosa aqbil wala takhaf innaka mina alamineena	**[If did not return, then how Allah asked him to insert his hand in the garment.]**	And [he was told], "Throw down your staff." But when he saw it writhing as if it was a snake, he turned in flight and did not return. [Allah said], "O Moses, approach and fear not. Indeed, you are of the secure.	28:31	और यह कि "डाल दे अपनी लाठी।" फिर जब उसने देखा कि वह बल खा रही है जैसे कोई साँप हो तो वह पीठ फेरकर भागा और पीछे मुड़कर भी न देखा। "ऐ मूसा! आगे आ और भय न कर। निस्संदेह तेरे लिए कोई भय की बात नहीं	**[यदि पीछे मुड़कर भी न देखा, तो अल्लाह ने उनसे कपड़े में हाथ डालने के लिए कैसे कहा।]**

Osluk yadaka fee jaybika takhruj baydaa min ghayri sooin waodmum ilayka janahaka mina alrrahbi fathanika burhanani min rabbika ila firAAawna wamalaihi innahum kanoo qawman fasiqeena	Musa was commanded, when he felt afraid of anything, to draw his hand close to his side to be free from the fear. If he did that, whatever fear he felt would be gone. **[A great technique to relieve fear.]**	Insert your hand into the opening of your garment; it will come out white, without disease. And draw in your arm close to you [as prevention] from fear, for those are two proofs from your Lord to Pharaoh and his establishment. Indeed, they have been a people defiantly disobedient."	28:32	अपना हाथ अपने गिरेबान में डाल। बिना किसी ख़राबी के चमकता हुआ निकलेगा। और भय के समय अपनी भुजा को अपने से मिलाए रख। ये दो निशानियाँ है तेरे रब की ओर से फ़िरऔन और उसके दरबारियों के पास लेकर जाने के लिए। निश्चय ही वे बड़े अवज्ञाकारी लोग है।"	मूसा को हुक्म दिया गया था कि जब भी उसे किसी चीज़ से डर लगे, तो वह अपना हाथ अपनी बगल के पास खींच ले ताकि वह डर से आज़ाद हो जाए। अगर वह ऐसा करता, तो उसे जो भी डर लगता था, वह चला जाता। **[डर दूर करने की एक बढ़िया टेक्निक।]**
Qala rabbi innee qataltu minhum nafsan faakhafu an yaqtulooni	x	He said, "My Lord, indeed, I killed from among them someone, and I fear they will kill me.	28:33	उसने कहा, "ऐ मेरे रब! मुझसे उनके एक आदमी की जान गई है। इसलिए मैं डरता हूँ कि वे मुझे मार डालेंगे	x
Waakhee haroonu huwa afsahu minnee lisanan faarsilhu maAAiya ridan yusaddiqunee innee akhafu an yukaththibooni	x	And my brother Aaron is more fluent than me in tongue, so send him with me as support, verifying me. Indeed, I fear that they will deny me."	28:34	मेरे भाई हारून की ज़बान मुझसे बढ़कर धाराप्रवाह है। अतः उसे मेरे साथ सहायक के रूप में भेज कि वह मेरी पुष्टि करे। मुझे भय है कि वे मुझे झुठलाएँगे।"	x

Qala sanashuddu AAadudaka biakheeka wanajAAalu lakuma sultanan fala yasiloona ilaykuma biayatina antuma wamani ittabaAAakuma alghaliboona	x	[Allah] said, "We will strengthen your arm through your brother and grant you both supremacy so they will not reach you. [It will be] through Our signs; you and those who follow you will be the predominant."	28:35	कहा, "हम तेरे भाई के द्वारा तेरी भुजा मज़बूत करेंगे, और तुम दोनों को एक ओज प्रदान करेंगे कि वे फिर तुम तक न पहुँच सकेंगे। हमारी निशानियों के कारण तुम दोनों और जो तुम्हारे अनुयायी होंगे वे ही प्रभावी होंगे।"	x
Falamma jaahum moosa biayatina bayyinatin qaloo ma hatha illa sihrun muftaran wama samiAAna bihatha fee abaina alawwaleena	Pharaoh dismisses Moses's preaching as "sorcery" just as the disbelievers of Mecca said about the Prophet Muhammad (11:7, 15:15). **[Striking resemblance]**	But when Moses came to them with Our signs as clear evidences, they said, "This is not except invented magic, and we have not heard of this [religion] among our forefathers."	28:36	फिर जब मूसा उनके पास हमारी खुली-खुली निशानियाँ लेकर आया तो उन्होंने कहा, "यह तो बस घड़ा हुआ जादू है। हमने तो यह बात अपने अगले बाप-दादा में कभी सुनी ही नहीं।"	फ़िरौन मूसा के उपदेश को "जादू-टोना" कहकर ख़ारिज कर देता है, ठीक वैसे ही जैसे मक्का के काफ़िरों ने पैगंबर मुहम्मद के बारे में कहा था (11:7, 15:15)। **[अद्भुत समानता]**
Waqala moosa rabbee aAAlamu biman jaa bialhuda min AAindihi waman takoonu lahu AAaqibatu alddari innahu la yuflihu alththalimoona	x	And Moses said, "My Lord is more knowing [than we or you] of who has come with guidance from Him and to whom will be succession in the home. Indeed, wrongdoers do not succeed."	28:37	मूसा ने कहा, "मेरा रब उस व्यक्ति को भली-भाँति जानता है जो उसके यहाँ से मार्गदर्शन लेकर आया है, और उसको भी जिसके लिए अंतिम घर है। निश्चय ही ज़ालिम सफल नहीं होते।"	x

Waqala firAAawnu ya ayyuha almalao ma AAalimtu lakum min ilahin ghayree faawqid lee ya hamanu AAala altteeni faijAAal lee sarhan laAAallee attaliAAu ila ilahi moosa wainnee laathunnuhu mina alkathibeena	**[In Bible, Hamaan is mentioned in Ester. He was an official of Persian king; Egypt at the time of Ramses II used to believe in a number of gods.]**	And Pharaoh said, "O eminent ones, I have not known you to have a god other than me. Then ignite for me, O Haman, [a fire] upon the clay and make for me a tower that I may look at the God of Moses. And indeed, I do think he is among the liars."	28:38	फ़िरऔन ने कहा, "ऐ दरबारवालो, मैं तो अपने सिवा तुम्हारे किसी प्रभु को नहीं जानता। अच्छा तो ऐ हामान! तू मेरे लिए ईंटें आग में पकवा। फिर मेरे लिए एक ऊँचा महल बना कि मैं मूसा के प्रभु को झाँक आऊँ। मैं तो उसे झूठा समझता हूँ।"	**[बाइबिल में, हामान का ज़िक्र एस्टर में किया गया है। वह फ़ारसी राजा का एक अधिकारी था; रामसेस II के समय मिस्र कई देवताओं में विश्वास करता था।]**
Waistakbara huwa wajunooduhu fee alardi bighayri alhaqqi wathannoo annahum ilayna la yurjaAAoona	x	And he was arrogant, he and his soldiers, in the land, without right, and they thought that they would not be returned to Us.	28:39	उसने और उसकी सेनाओं ने धरती में नाहक़ घमंड किया और समझा कि उन्हें हमारी ओर लौटना नहीं है	x
Faakhathnahu wajunoodahu fanabathnahum fee alyammi faonthur kayfa kana AAaqibatu alththalimeena	**[Pickthall translate as abandoned in sea; 28:40 Pharoah was thrown in sea, 10:92 His body was saved.]**	So We took him and his soldiers and threw them into the sea. So see how was the end of the wrongdoers.	28:40	अन्ततः हमने उसे और उसकी सेनाओं को पकड़ लिया और उन्हें गहरे पानी में फेंक दिया। अब देख लो कि ज़ालिमों का कैसा परिणाम हुआ	**[पिकथॉल का अनुवाद समुद्र में छोड़ दिया गया; 28:40 फिरौन को समुद्र में फेंक दिया गया, 10:92 उसका शरीर बच गया।]**
WajaAAalnahum aimmatan yadAAoona ila alnnari wayawma alqiyamati la yunsaroona	x	And We made them leaders inviting to the Fire, and on the Day of Resurrection they will not be helped.	28:41	और हमने उन्हें आग की ओर बुलानेवाले पेशवा बना दिया और क़ियामत के दिन उन्हें कोई सहायता प्राप्त न होगी	x

WaatbaAAnahum fee hathihi alddunya laAAnatan wayawma alqiyamati hum	x	And We caused to overtake them in this world a curse, and on the Day of Resurrection they will be of the despised.	28:42	और हमने इस दुनिया में उनके पीछे लानत लगा दी और क़ियामत दिन वही बदहाल होंगे	x
Walaqad atayna moosa alkitaba min baAAdi ma ahlakna alquroona aloola basaira lilnnasi wahudan warahmatan laAAallahum yatathakkaroona	x	And We gave Moses the Scripture, after We had destroyed the former generations, as enlightenment for the people and guidance and mercy that they might be reminded.	28:43	और अगली नस्लों को विनष्ट कर देने के पश्चात हमने मूसा को किताब प्रदान की, लोगों के लिए अन्तर्दृष्टियों की सामग्री, मार्गदर्शन और दयालुता बनाकर, ताकि वे ध्यान दें	x
Wama kunta bijanibi algharbiyyi ith qadayna ila moosa alamra wama kunta mina alshshahideena	Means, the fact that the Prophet Muhammad (pbuh) knows these details of Moses's life, when he wasn't there to witness them, is proof that he is a true prophet.	And you, [O Muhammad], were not on the western side [of the mount] when We revealed to Moses the command, and you were not among the witnesses [to that].	28:44	तुम तो (नगर के) पश्चिमी किनारे पर नहीं थे, जब हमने मूसा को बात की निर्णित सूचना दी थी, और न तुम गवाहों में से थे	इसका अर्थ यह है कि पैगंबर मुहम्मद (स.) को मूसा े जीवन की इन बारीकियों की जानकारी होना—जबकि वे उस समय वहाँ मौजूद नहीं थे कि उन्हें अपनी आँखों से देख सकें—इस बात का प्रमाण है कि वे एक सच्चे पैगंबर हैं।
Walakinna anshana quroonan fatatawala AAalayhimu alAAumuru wama kunta thawiyan fee ahli madyana tatloo AAalayhim ayatina walakinna kunna mursileena	x	But We produced [many] generations [after Moses], and prolonged was their duration. And you were not a resident among the people of Madyan, reciting to them Our verses, but We were senders [of this message].	28:45	लेकिन हमने बहुत-सी नस्लें उठाईं और उनपर बहुत समय बीत गया। और न तुम मदयनवालों में रहते थे कि उन्हें हमारी आयतें सुना रहे होते, किन्तु रसूलों को भेजनेवाले हम ही रहे है	x

Wama kunta bijanibi alttoori ith nadayna walakin rahmatan min rabbika litunthira qawman ma atahum min natheerin min qablika laAAallahum	**[Contradiction: Whether any prophet was send to Mecca before Prophet Muhammad (pbuh), No 28:46, 32:3, 34:44, Yes 2:125, 10:47]**	And you were not at the side of the mount when We called [Moses] but [were sent] as a mercy from your Lord to warn a people to whom no warner had come before you that they might be reminded.	28:46	और तुम तूर के अंचल में भी उपस्थित न थे जब हमने पुकारा था, किन्तु यह तुम्हारे रब की दयालुता है - ताकि तुम ऐसे लोगों को सचेत कर दो जिनके पास तुमसे पहले कोई सचेत करनेवाला नहीं आया, ताकि वे ध्यान दें	**[विरोधाभास: क्या पैगंबर मुहम्मद (स.) से पहले मक्का में कोई पैगंबर भेजा गया था? नहीं: 28:46, 34:44; हाँ: 2:125, 10:47]**
Walawla an tuseebahum museebatun bima qaddamat aydeehim fayaqooloo rabbana lawla arsalta ilayna rasoolan fanattabiAAa ayatika wanakoona mina almumineena	Refers to Jews.	And if not that a disaster should strike them for what their hands put forth [of sins] and they would say, "Our Lord, why did You not send us a messenger so we could have followed Your verses and been among the believers?"...	28:47	(हम रसूल बनाकर न भेजते) यदि यह बात न होती कि जो कुछ उनके हाथ आगे भेज चुके है उसके कारण जब उनपर कोई मुसीबत आए तो वे कहने लगें, "ऐ हमारे रब, तूने क्यों न हमारी ओर कोई रसूल भेजा कि हम तेरी आयतों का (अनुसरण) करते और मोमिन होते?"	यहूदियों को संदर्भित करता है।

Falamma jaahumu alhaqqu min AAindina qaloo lawla ootiya mithla ma ootiya moosa awalam yakfuroo bima ootiya moosa min qablu qaloo sihrani tathahara waqaloo inna bikullin kafiroona	The Jews said Why no miracles were given to Prophet Muhammad, while Moses was given Miracles. Two works of Magic refers to Moses and his brother.	But when the truth came to them from Us, they said, "Why was he not given like that which was given to Moses?" Did they not disbelieve in that which was given to Moses before? They said, "[They are but] two works of magic supporting each other, and indeed we are, in both, disbelievers."	28:48	फिर जब उनके पास हमारे यहाँ से सत्य आ गया तो वे कहने लगे कि "जो चीज़ मूसा को मिली थी उसी तरह की चीज़ इसे क्यों न मिली?" क्या वे उसका इनकार नहीं कर चुके है, जो इससे पहले मूसा को प्रदान किया गया था? उन्होंने कहा, "दोनों जादू है जो एक-दूसरे की सहायता करते है।" और कहा, "हम तो हरेक का इनकार करते है।"	यहूदियों ने पूछा कि पैगंबर मुहम्मद को कोई चमत्कार क्यों नहीं दिया गया, जबकि मूसा को चमत्कार दिए गए थे। दोनों जादू है, मूसा और उनके भाई से संबंधित हैं।
Qul fatoo bikitabin min AAindi Allahi huwa ahda minhuma attabiAAhu in kuntum sadiqeena	**[When prophet Muhammad (pbuh) himself could not produce any miracles, then how he is expecting the disbelievers to bring a book from Allah.]**	Say, "Then bring a scripture from Allah which is more guiding than either of them that I may follow it, if you should be truthful."	28:49	कहो, "अच्छा तो लाओ अल्लाह के यहाँ से कोई ऐसी किताब, जो इन दोनों से बढ़कर मार्गदर्शन करनेवाली हो कि मैं उसका अनुसरण करूँ, यदि तुम सच्चे हो?"	**[जब पैगंबर मुहम्मद (स.) खुद कोई चमत्कार नहीं कर सके, तो वह काफिरों से अल्लाह की तरफ से कोई किताब लाने की उम्मीद कैसे कर रहे हैं?]**
Fain lam yastajeeboo laka faiAAlam annama yattabiAAoona ahwaahum waman adallu mimmani ittabaAAa hawahu bighayri hudan mina Allahi inna Allaha la yahdee alqawma alththalimeena	x	But if they do not respond to you - then know that they only follow their [own] desires. And who is more astray than one who follows his desire without guidance from Allah? Indeed, Allah does not guide the wrongdoing people.	28:50	अब यदि वे तुम्हारी माँग पूरी न करें तो जान लो कि वे केवल अपनी इच्छाओं के पीछे चलते है। और उस व्यक्ति से बढ़कर भटका हुआ कौन होगा जो अल्लाह की ओर से किसी मार्गदर्शन के बिना अपनी इच्छा पर चले? निश्चय ही अल्लाह ज़ालिम लोगों को मार्ग नहीं दिखाता	x

Walaqad wassalna lahumu alqawla laAAallahum yatathakkaroona	x	And We have [repeatedly] conveyed to them the Qur'an that they might be reminded.	28:51	और हम उनके लिए वाणी बराबर अवतरित करते रहे, शायद वे ध्यान दें	x
Allatheena ataynahumu alkitaba min qablihi hum bihi yuminoona	Tafsir al-Jalalayn: This was about a group of the Jews who became Muslima and Christians who came from Abyssinia and from Syria.Those Christians also became Muslims. For those who did not, see 98:6.	Those to whom We gave the Scripture before it - they are believers in it.	28:52	जिन लोगों को हमने इससे पूर्व किताब दी थी, वे इसपर ईमान लाते है	तफ़सीर अल-जलालयन: यह यहूदियों के एक समूह के बारे में था जो मुसलमान बन गए, और उन ईसाइयों के बारे में था जो अबीसीनिया और सीरिया से आए थे। वे ईसाई भी मुसलमान बन गए। जो लोग मुसलमान नहीं बने, उनके लिए आयत 98:6 देखें।
Waitha yutla AAalayhim qaloo amanna bihi innahu alhaqqu min rabbina inna kunna min qablihi muslimeena	x	And when it is recited to them, they say, "We have believed in it; indeed, it is the truth from our Lord. Indeed we were, [even] before it, Muslims [submitting to Allah]."	28:53	और जब यह उनको पढ़कर सुनाया जाता है तो वे कहते है, "हम इसपर ईमान लाए। निश्चय ही यह सत्य है हमारे रब की ओर से। हम तो इससे पहले ही से मुस्लिम (आज्ञाकारी) हैं।"	x
Olaika yutawna ajrahum marratayni bima sabaroo wayadraoona bialhasanati alssayyiata wamimma razaqnahum	x	Those will be given their reward twice for what they patiently endured and [because] they avert evil through good, and from what We have provided them they spend.	28:54	ये वे लोग है जिन्हें उनका प्रतिदान दुगना दिया जाएगा, क्योंकि वे जमे रहे और भलाई के द्वारा बुराई को दूर करते है और जो कुछ रोज़ी हमने उन्हें दी हैं, उसमें से ख़र्च करते है	x

Waitha samiAAoo allaghwa aAAradoo AAanhu waqaloo lana aAAmaluna walakum aAAmalukum salamun AAalaykum la nabtaghee	**[Abrogated by later Jihadi verses.]**	And when they hear ill speech, they turn away from it and say, "For us are our deeds, and for you are your deeds. Peace will be upon you; we seek not the ignorant."	28:55	और जब वे व्यर्थ की बात सुनते है तो यह कहते हुए उससे किनारा खींच लेते है कि "हमारे लिए हमारे कर्म है और तुम्हारे लिए तुम्हारे कर्म है। तुमको सलाम है! ज़ाहिलों को हम नहीं चाहते।"	**[बाद की जिहादी आयतों द्वारा निरस्त।]**
Innaka la tahdee man ahbabta walakinna Allaha yahdee man yashao wahuwa aAAlamu bialmuhtadeena	When death was about to overtake Abu Talib, the Messenger (pbuh) went to see him. He addressed: 'O uncle, say, there is no deity save Allah. Abu Jahl said: 'O Abu Talib, would you shun the religion of 'Abd al-Muttalib?' The Messenger (pbuh) kept inviting him until the last thing that Abu Talib said was: 'I follow the religion of 'Abd al-Muttalib', and he refused to say, there is no deity save Allah. At that point the Messenger (pbuh) said: 'By Allah, I will ask Allah for your forgiveness for as long as I am not forbidden from doing so'. Then, the verse 9:113 was revealed. This was also revealed about Abu Talib.	Indeed, [O Muhammad], you do not guide whom you like, but Allah guides whom He wills. And He is most knowing of the [rightly] guided.	28:56	तुम जिसे चाहो राह पर नहीं ला सकते, किन्तु अल्लाह जिसे चाहता है राह दिखाता है, और वही राह पानेवालों को भली-भाँति जानता है	जब अबू तालिब की मृत्यु का समय निकट आ गया, तो पैगंबर (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) उनसे मिलने गए। उन्होंने कहा: 'ऐ चाचा, कहिए कि अल्लाह के सिवा कोई पूज्य नहीं है।' अबू जहल ने कहा: 'ऐ अबू तालिब, क्या आप 'अब्द अल-मुत्तलिब के धर्म को छोड़ देंगे?' पैगंबर (स.) उन्हें आमंत्रित करते रहे, यहाँ तक कि अबू तालिब के अंतिम शब्द ये थे: 'मैं 'अब्द अल-मुत्तलिब के धर्म का पालन करता हूँ', और उन्होंने यह कहने से इनकार कर दिया कि अल्लाह के सिवा कोई पूज्य नहीं है। उस समय पैगंबर (स.) ने कहा: 'अल्लाह की कसम, मैं अल्लाह से आपकी क्षमा के लिए तब तक प्रार्थना करता रहूँगा, जब तक मुझे ऐसा करने से मना न कर दिया जाए।' फिर, आयत 9:113 अवतरित हुई। यह आयत भी अबू तालिब के विषय में ही अवतरित हुई थी।

Waqaloo in nattabiAAi alhuda maAAaka nutakhattaf min ardina awalam numakkin lahum haraman aminan yujba ilayhi thamaratu kulli shayin rizqan min ladunna walakinna aktharahum la	This verse was revealed about al-Harith ibn Uthman, who said to prophet (pbuh): We know that what you say is the truth. However, what prevents us from following you is the fear that the Arabs will drive us out of our land, since they are unanimously against us and we have no power against them.	And they say, "If we were to follow the guidance with you, we would be swept from our land." Have we not established for them a safe sanctuary to which are brought the fruits of all things as provision from Us? But most of them do not know.	28:57	वे कहते है, "यदि हम तुम्हारे साथ इस मार्गदर्शन का अनुसरण करें तो अपने भू-भाग से उचक लिए जाएँगे।" क्या ख़तरों से सुरक्षित हरम में हमने ठिकाना नहीं दिया, जिसकी ओर हमारी ओर से रोज़ी के रूप में हर चीज़ की पैदावार खिंची चली आती है? किन्तु उनमें से अधिकतर जानते नहीं	यह आयत अल-हारिस इब्न उस्मान के बारे में नाज़िल हुई थी, जिन्होंने पैगंबर (स.) से कहा था: हम जानते हैं कि आप जो कहते हैं, वह सच है। लेकिन, जिस चीज़ की वजह से हम आपका अनुसरण नहीं कर पा रहे हैं, वह यह डर है कि अरब लोग हमें हमारी ज़मीन से निकाल बाहर करेंगे; क्योंकि वे सब एकमत होकर हमारे खिलाफ हैं और हमारे पास उनके मुकाबले कोई ताक़त नहीं है।
Wakam ahlakna min qaryatin batirat maAAeeshataha fatilka masakinuhum lam tuskan min baAAdihim illa qaleelan wakunna	x	And how many a city have We destroyed that was insolent in its [way of] living, and those are their dwellings which have not been inhabited after them except briefly. And it is We who were the	28:58	हमने कितनी ही बस्तियों को विनष्ट कर डाला, जिन्होंने अपनी गुज़र-बसर के संसाधन पर इतराते हुए अकृतज्ञता दिखाई। तो वे है उनके घर, जो उनके बाद आबाद थोड़े ही हुए। अन्ततः हम ही वारिस हुए	x
Wama kana rabbuka muhlika alqura hatta yabAAatha fee ommiha rasoolan yatloo AAalayhim ayatina wama kunna muhlikee alqura illa waahluha thalimoona	**[Why Allah has to be vengenceful in this world if He has created Hell.]**	And never would your Lord have destroyed the cities until He had sent to their mother a messenger reciting to them Our verses. And We would not destroy the cities except while their people were wrongdoers.	28:59	तेरा रब तो बस्तियों को विनष्ट करनेवाला नहीं जब तक कि उनकी केन्द्रीय बस्ती में कोई रसूल न भेज दे, जो हमारी आयतें सुनाए। और हम बस्तियों को विनष्ट करनेवाले नहीं सिवाय इस स्थिति के कि वहाँ के रहनेवाले ज़ालिम हों	**[अगर अल्लाह ने जहन्नम बनाया है तो उसे इस दुनिया में बदला क्यों लेना चाहिए?]**

Wama ooteetum min shayin famataAAu alhayati alddunya wazeenatuha wama AAinda Allahi khayrun waabqa afala taAAqiloona	x	And whatever thing you [people] have been given - it is [only for] the enjoyment of worldly life and its adornment. And what is with Allah is better and more lasting; so will you not use reason?	28:60	जो चीज़ भी तुम्हें प्रदान की गई है वह तो सांसारिक जीवन की सामग्री और उसकी शोभा है। और जो कुछ अल्लाह के पास है वह उत्तम और शेष रहनेवाला है, तो क्या तुम बुद्धि से काम नहीं लेते?	x
Afaman waAAadnahu waAAdan hasanan fahuwa laqeehi kaman mattaAAnahu mataAAa alhayati alddunya thumma huwa yawma alqiyamati mina	x	Then is he whom We have promised a good promise which he will obtain like he for whom We provided enjoyment of worldly life [but] then he is, on the Day of Resurrection, among those presented [for punishment in Hell]?	28:61	भला वह व्यक्ति जिससे हमने अच्छा वादा किया है और वह उसे पानेवाला भी हो, वह उस व्यक्ति की तरह हो सकता है जिसे हमने सांसारिक जीवन की सामग्री दे दी हो, फिर वह क़ियामत के दिन पकड़कर पेश किया जानेवाला हो?	x
Wayawma yunadeehim fayaqoolu ayna shurakaiya allatheena kuntum tazAAumoona	x	And [warn of] the Day He will call them and say, "Where are My 'partners' which you used to claim?"	28:62	ख़याल करो जिस दिन वह उन्हें पुकारेगा और कहेगा, "कहाँ है मेरे वे साझीदार जिनका तुम्हें दावा था?"	x

Qala allatheena haqqa AAalayhimu alqawlu rabbana haolai allatheena aghwayna aghwaynahum kama ghawayna tabarrana ilayka ma kanoo iyyana yaAAbudoona	x	Those upon whom the word will have come into effect will say, "Our Lord, these are the ones we led to error. We led them to error just as we were in error. We declare our disassociation [from them] to You. They did not used to worship us."	28:63	जिनपर बात पूरी हो चुकी होगी, वे कहेंगे, "ऐ हमारे रब! ये वे लोग है जिन्हें हमने बहका दिया था। जैसे हम स्वयं बहके थे, इन्हें भी बहकाया। हमने तेरे आगे स्पष्ट कर दिया कि इनसे हमारा कोई सम्बन्ध नहीं। ये हमारी बन्दगी तो करते नहीं थे?"	x
Waqeela odAAoo shurakaakum fadaAAawhum falam yastajeeboo lahum waraawoo alAAathaba law annahum kanoo yahtadoona	x	And it will be said, "Invoke your 'partners' " and they will invoke them; but they will not respond to them, and they will see the punishment. If only they had followed guidance!	28:64	कहा जाएगा, "पुकारो, अपने ठहराए हुए साझीदारों को!" तो वे उन्हें पुकारेंगे, किन्तु वे उनको कोई उत्तर न देंगे। और वे यातना देखकर रहेंगे। काश वे मार्ग पानेवाले होते!	x
Wayawma yunadeehim fayaqoolu matha ajabtumu almursaleena	x	And [mention] the Day He will call them and say, "What did you answer the messengers?"	28:65	और ख़याल करो, जिस दिन वह उन्हें पुकारेगा और कहेगा, "तुमने रसूलों को क्या उत्तर दिया था?"	x
FaAAamiyat AAalayhimu alanbao yawmaithin fahum la	x	But the information will be unapparent to them that Day, so they will not [be able to] ask one another.	28:66	उस दिन उन्हें बात न सूझेंगी, फिर वे आपस में भी पूछताछ न करेंगे	x
Faamma man taba waamana waAAamila salihan faAAasa an yakoona mina almufliheena	x	But as for one who had repented, believed, and done righteousness, it is promised by Allah that he will be among the	28:67	अलबत्ता जिस किसी ने तौबा कर ली और वह ईमान ले आया और अच्छा कर्म किया, तो आशा है वह सफल होनेवालों में से होगा	x

Warabbuka yakhluqu ma yashao wayakhtaru ma kana lahumu alkhiyaratu subhana Allahi wataAAala AAamma	This verse was revealed as an answer to al-Walid ibn al-Mughirah when he said, as mentioned in verse 43:31.	And your Lord creates what He wills and chooses; not for them was the choice. Exalted is Allah and high above what they associate with Him.	28:68	तेरा रब पैदा करता है जो कुछ चाहता है और ग्रहण करता है जो चाहता है। उन्हें कोई अधिकार प्राप्त नहीं। अल्लाह महान और उच्च है उस शिर्क से, जो वे करते है	यह आयत अल-वालिद इब्न अल-मुगीरा के जवाब में उतारी गई थी, जब उन्होंने कहा था, जैसा कि आयत 43:31 में बताया गया है।
Warabbuka yaAAlamu ma tukinnu sudooruhum wama yuAAlinoona	x	And your Lord knows what their breasts conceal and what they declare.	28:69	और तेरा रब जानता है जो कुछ उनके सीने छिपाते है और जो कुछ वे लोग व्यक्त करते है	x
Wahuwa Allahu la ilaha illa huwa lahu alhamdu fee aloola waalakhirati walahu alhukmu wailayhi turjaAAoona	x	And He is Allah; there is no deity except Him. To Him is [due all] praise in the first [life] and the Hereafter. And His is the [final] decision, and to Him you will be returned.	28:70	और वही अल्लाह है, उसके सिवा कोई इष्ट -पूज्य नहीं। सारी प्रशंसा उसी के लिए है पहले और पिछले जीवन में फ़ैसले का अधिकार उसी को है और उसी की ओर तुम लौटकर जाओगे	x
Qul araaytum in jaAAala Allahu AAalaykumu allayla sarmadan ila yawmi alqiyamati man ilahun ghayru Allahi yateekum bidiyain afala tasmaAAoona	**[Hypothetical discussion.]**	Say, "Have you considered: if Allah should make for you the night continuous until the Day of Resurrection, what deity other than Allah could bring you light? Then will you not hear?"	28:71	कहो, "क्या तुमने विचार किया कि यदि अल्लाह क़ियामत के दिन तक सदैव के लिए तुमपर रात कर दे तो अल्लाह के सिवा कौन इष्ट-प्रभु है जो तुम्हारे लिए प्रकाश लाए? तो क्या तुम देखते नहीं?"	**[काल्पनिक चर्चा]**

Qul araaytum in jaAAala Allahu AAalaykumu alnnahara sarmadan ila yawmi alqiyamati man ilahun ghayru Allahi yateekum bilaylin taskunoona feehi	[Hypothetical discussion.]	Say, "Have you considered: if Allah should make for you the day continuous until the Day of Resurrection, what deity other than Allah could bring you a night in which you may rest? Then will you not see?"	28:72	कहो, "क्या तुमने विचार किया? यदि अल्लाह क़ियामत के दिन तक सदैव के लिए तुमपर दिन कर दे तो अल्लाह के सिवा दूसरा कौन इष्ट-पूज्य है जो तुम्हारे लिए रात लाए जिसमें तुम आराम पाते हो? तो क्या तुम देखते नहीं?	[काल्पनिक चर्चा]
Wamin rahmatihi jaAAala lakumu allayla waalnnahara litaskunoo feehi walitabtaghoo min fadlihi walaAAallakum tashkuroona	x	And out of His mercy He made for you the night and the day that you may rest therein and [by day] seek from His bounty and [that] perhaps you will be grateful.	28:73	उसने अपनी दयालुता से तुम्हारे लिए रात और दिन बनाए, ताकि तुम उसमें (रात में) आराम पाओ और ताकि तुम (दिन में) उसका अनुग्रह (रोज़ी) तलाश करो और ताकि तुम कृतज्ञता दिखाओ।"	x
Wayawma yunadeehim fayaqoolu ayna shurakaiya allatheena kuntum tazAAumoona	x	And [warn of] the Day He will call them and say, "Where are my 'partners' which you used to claim?"	28:74	ख़याल करो, जिस दिन वह उन्हें पुकारेगा और कहेगा, "कहाँ है मेरे वे मेरे साझीदार, जिनका तुम्हे दावा था?"	x
WanazaAAna min kulli ommatin shaheedan faqulna hatoo burhanakum faAAalimoo anna alhaqqa lillahi wadalla AAanhum ma kanoo yaftaroona	x	And We will extract from every nation a witness and say, "Produce your proof," and they will know that the truth belongs to Allah, and lost from them is that which they used to invent.	28:75	और हम प्रत्येक समुदाय में से एक गवाह निकाल लाएँगे और कहेंगे, "लाओ अपना प्रमाण।" तब वे जान लेंगे कि सत्य अल्लाह की ओर से है और जो कुछ वे घड़ते थे, वह सब उनसे गुम होकर रह जाएगा	x

Inna qaroona kana min qawmi moosa fabagha AAalayhim waataynahu mina alkunoozi ma inna mafatihahu latanooo bialAAusbati olee alquwwati ith qala lahu qawmuhu la tafrah inna Allaha la yuhibbu alfariheena	Korah (Qarun) who rebels against Moses, is based on the account at Bible, Numbers 16:1-40.	Indeed, Qarun was from the people of Moses, but he tyrannized them. And We gave him of treasures whose keys would burden a band of strong men; thereupon his people said to him, "Do not exult. Indeed, Allah does not like the exultant.	28:76	निश्चय ही क़ारून मूसा की क़ौम में से था, फिर उसने उनके विरुद्ध सिर उठाया और हमने उसे इतने ख़जाने दे रखें थे कि उनकी कुंजियाँ एक बलशाली दल को भारी पड़ती थी। जब उससे उसकी क़ौम के लोगों ने कहा, "इतरा मत, अल्लाह इतरानेवालों के पसन्द नही करता	कोराह (क़ारून), जिसने मूसा के विरुद्ध विद्रोह किया था, की कथा बाइबल के 'गिनती' 16:1-40 में वर्णित वृत्तांत पर आधारित है।
Waibtaghi feema ataka Allahu alddara alakhirata wala tansa naseebaka mina alddunya waahsin kama ahsana Allahu ilayka wala tabghi alfasada fee alardi inna Allaha la yuhibbu	x	But seek, through that which Allah has given you, the home of the Hereafter; and [yet], do not forget your share of the world. And do good as Allah has done good to you. And desire not corruption in the land. Indeed, Allah does not like corrupters."	28:77	जो कुछ अल्लाह ने तुझे दिया है, उसमें आख़िरत के घर का निर्माण कर और दुनिया में से अपना हिस्सा न भूल, और भलाई कर, जैसा कि अल्लाह ने तेरे साथ भलाई की है, और धरती का बिगाड़ मत चाह। निश्चय ही अल्लाह बिगाड़ पैदा करनेवालों को पसन्द नहीं करता।"	x

Qala innama ooteetuhu AAala AAilmin AAindee awalam yaAAlam anna Allaha qad ahlaka min qablihi mina alqurooni man huwa ashaddu minhu quwwatan waaktharu jamAAan wala yusalu AAan thunoobihimu almujrimoona	x	He said, "I was only given it because of knowledge I have." Did he not know that Allah had destroyed before him of generations those who were greater than him in power and greater in accumulation [of wealth]? But the criminals, about their sins, will not be asked.	28:78	उसने कहा, "मुझे तो यह मेरे अपने व्यक्तिगत ज्ञान के कारण मिला है।" क्या उसने यह नहीं जाना कि अल्लाह उससे पहले कितनी ही नस्लों को विनष्ट कर चुका है जो शक्ति में उससे बढ़-चढ़कर और बाहुल्य में उससे अधिक थीं? अपराधियों से तो (उनकी तबाही के समय) उनके गुनाहों के विषय में पूछा भी नहीं जाता	x
Fakharaja AAala qawmihi fee zeenatihi qala allatheena yureedoona alhayata alddunya ya layta lana mithla ma ootiya qaroonu innahu lathoo	x	So he came out before his people in his adornment. Those who desired the worldly life said, "Oh, would that we had like what was given to Qarun. Indeed, he is one of great fortune."	28:79	फिर वह अपनी क़ौम के सामने अपने ठाठ-बाट में निकला। जो लोग सांसारिक जीवन के चाहनेवाले थे, उन्होंने कहा, "क्या ही अच्छा होता जैसा कुछ क़ारून को मिला है, हमें भी मिला होता! वह तो बड़ा ही भाग्यशाली है।"	x
Waqala allatheena ootoo alAAilma waylakum thawabu Allahi khayrun liman amana waAAamila salihan wala yulaqqaha illa alssabiroona	x	But those who had been given knowledge said, "Woe to you! The reward of Allah is better for he who believes and does righteousness. And none are granted it except the patient."	28:80	किन्तु जिनको ज्ञान प्राप्त था, उन्होंने कहा, "अफ़सोस तुमपर! अल्लाह का प्रतिदान उत्तम है, उस व्यक्ति के लिए जो ईमान लाए और अच्छा कर्म करे, और यह बात उन्हीम के दिलों में पड़ती है जो धैर्यवान होते है।"	x

Fakhasafna bihi wabidarihi alarda fama kana lahu min fiatin yansuroonahu min dooni Allahi wama kana mina almuntasireena	**[Earth has swallowed Qarun and his home.]**	And We caused the earth to swallow him and his home. And there was for him no company to aid him other than Allah, nor was he of those who [could] defend themselves.	28:81	अन्ततः हमने उसको और उसके घर को धरती में धँसा दिया। और कोई ऐसा गिरोह न हुआ जो अल्लाह के मुक़ाबले में उसकी सहायता करता, और न वह स्वयं अपना बचाव कर सका	**[पृथ्वी ने क़ारून और उसके घर को निगल लिया है।]**
Waasbaha allatheena tamannaw makanahu bialamsi yaqooloona waykaanna Allaha yabsutu alrrizqa liman yashao min AAibadihi wayaqdiru lawla an manna Allahu AAalayna lakhasafa bina waykaannahu la yuflihu	x	And those who had wished for his position the previous day began to say, "Oh, how Allah extends provision to whom He wills of His servants and restricts it! If not that Allah had conferred favor on us, He would have caused it to swallow us. Oh, how the disbelievers do not succeed!"	28:82	अब वही लोग, जो कल उसके पद की कामना कर रहे थे, कहने लगें, "अफ़सोस हम भूल गए थे कि अल्लाह अपने बन्दों में से जिसके लिए चाहता है रोज़ी कुशादा करता है और जिसे चाहता है नपी-तुली देता है। यदि अल्लाह ने हमपर उपकार न किया होता तो हमें भी धँसा देता। अफ़सोस हम भूल गए थे कि इनकार करनेवाले सफल नहीं हुआ करते।"	x
Tilka alddaru alakhiratu najAAaluha lillatheena la yureedoona AAuluwwan fee alardi wala fasadan waalAAaqibatu lilmuttaqeena	x	That home of the Hereafter We assign to those who do not desire exaltedness upon the earth or corruption. And the [best] outcome is for the righteous.	28:83	आख़िरत का घर हम उन लोगों के लिए ख़ास कर देंगे जो न धरती में अपनी बड़ाई चाहते है और न बिगाड़। परिणाम तो अन्ततः डर रखनेवालों के पक्ष में है	x

Man jaa bialhasanati falahu khayrun minha waman jaa bialssayyiati fala yujza allatheena AAamiloo alssayyiati illa ma kanoo yaAAmaloona	**[Punishment for eternity for a short duration sin is not justice.]**	Whoever comes [on the Day of Judgement] with a good deed will have better than it; and whoever comes with an evil deed - then those who did evil deeds will not be recompensed except [as much as] what they used to	28:84	जो कोई अच्छा आचारण लेकर आया उसे उससे उत्तम प्राप्त होगा, और जो बुरा आचरण लेकर आया तो बुराइयाँ करनेवालों को तो वस वही मिलेगा जो वे करते थे	**[थोड़े समय के पाप के लिए हमेशा की सज़ा न्याय नहीं है।]**
Inna allathee farada AAalayka alqurana laradduka ila maAAadin qul rabbee aAAlamu man jaa bialhuda waman huwa fee dalalin mubeenin	x	Indeed, [O Muhammad], He who imposed upon you the Qur'an will take you back to a place of return. Say, "My Lord is most knowing of who brings guidance and who is in clear error."	28:85	जिसने इस क़ुरआन की ज़िम्मेदारी तुमपर डाली है, वह तुम्हें उसके (अच्छे) अंजाम तक ज़रूर पहुँचाएगा। कहो, "मेरा रब उसे भली-भाँति जानता है जो मार्गदर्शन लेकर आया, और उसे भी जो खुली गुमराही में पड़ा है।"	x
Wama kunta tarjoo an yulqa ilayka alkitabu illa rahmatan min rabbika fala takoonanna thaheeran lilkafireena	The messenger should never be a helper to the disbelievers, but “rather separate from them, express your hostility towards them and oppose them.	And you were not expecting that the Book would be conveyed to you, but [it is] a mercy from your Lord. So do not be an assistant to the disbelievers.	28:86	तुम तो इसकी आशा नहीं रखते थे कि तुम्हारी ओर किताब उतारी जाएगी। इसकी संभावना तो केवल तुम्हारे रब की दयालुता के कारण हुई। अतः तुम इनकार करनेवालों के पृष्ठपोषक न बनो	नबी को कभी भी काफ़िरों का मददगार नहीं बनना चाहिए, बल्कि "उनसे अलग रहना चाहिए, उनके प्रति अपनी शत्रुता व्यक्त करनी चाहिए और उनका विरोध करना चाहिए।"

Wala yasuddunnaka AAan ayati Allahi baAAda ith onzilat ilayka waodAAu ila rabbika wala takoonanna mina almushrikeena	x	And never let them avert you from the verses of Allah after they have been revealed to you. And invite [people] to your Lord. And never be of those who associate others with Allah.	28:87	और वे तुम्हें अल्लाह की आयतों से रोक न पाएँ, इसके पश्चात कि वे तुमपर अवतरित हो चुकी है। और अपने रब की ओर बुलाओ और बहुदेववादियों में कदापि सम्मिलित न होना	x
Wala tadAAu maAAa Allahi ilahan akhara la ilaha illa huwa kullu shayin halikun illa wajhahu lahu alhukmu wailayhi turjaAAoona	All works that are for other than Allah's countenance will not be accepted. Countenance = approval	And do not invoke with Allah another deity. There is no deity except Him. Everything will be destroyed except His Face. His is the judgement, and to Him you will be returned.	28:88	और अल्लाह के साथ किसी और इष्ट-पूज्य को न पुकारना। उसके सिवा कोई इष्ट-पूज्य नहीं। हर चीज़ नाशवान है सिवास उसके स्वरूप के। फ़ैसला और आदेश का अधिकार उसी को प्राप्त है और उसी की ओर तुम सबको लौटकर जाना है	वे सभी कार्य जो अल्लाह की प्रसन्नता के अतिरिक्त किसी अन्य उद्देश्य से किए जाते हैं, स्वीकार नहीं किए जाएँगे। प्रसन्नता = मंज़ूरी
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Al-Ankabut (The Spider)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**29:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अल-अंकबुत (मकड़ी)**
Aliflammeem	Mysterious letters	Alif, Lam, Meem	29:1	अलिफ़° लाम° मीम°	रहस्यमय अक्षर

Ahasiba alnnasu an yutrakoo an yaqooloo amanna wahum la yuftanoona	The Companions of the Prophet (pbuh) in Medina wrote to some Muslim of Mecca, saying that their faith will not be accepted from them until they emigrate from Mecca. For this reason, they left Mecca with the intention of joining other Muslims in Medina. However, the idolaters caught up with them and harmed them. These verses were, therefore, revealed.	Do the people think that they will be left to say, "We believe" and they will not be tried?	29:2	क्या लोगों ने यह समझ रखा है कि वे इतना कह देने मात्र से छोड़ दिए जाएँगे कि "हम ईमान लाए" और उनकी परीक्षा न की जाएगी?	मदीना में पैग़म्बर मुहम्मद स. के साथियों ने मक्का के कुछ मुसलमानों को लिखा कि जब तक वे मक्का से हिजरत नहीं करेंगे, उनका ईमान स्वीकार नहीं किया जाएगा। इस कारण वे मक्का से निकलकर मदीना में अन्य मुसलमानों के साथ जुड़ने के इरादे से चले। लेकिन मुशरिकों ने उन्हें पकड़ लिया और उन्हें नुकसान पहुँचाया। इसलिए ये आयतें नाज़िल की गईं।
Walaqad fatanna allatheena min qablihim falayaAAlamanna Allahu allatheena sadaqoo walayaAAlamanna alkathibeena	x	But We have certainly tried those before them, and Allah will surely make evident those who are truthful, and He will surely make evident the liars.	29:3	हालाँकि हम उन लोगों की परीक्षा कर चुके है जो इनसे पहले गुज़र चुके है। अल्लाह तो उन लोगों को मालूम करके रहेगा, जो सच्चे है। और वह झूठों को भी मालूम करके रहेगा	x
Am hasiba allatheena yaAAmaloona alssayyiati an yasbiqoona saa ma	x	Or do those who do evil deeds think they can outrun Us? Evil is what they judge.	29:4	या उन लोगों ने, जो बुरे कर्म करते है, यह समझ रखा है कि वे हमारे क़ाबू से बाहर निकल जाएँगे? बहुत बुरा है जो फ़ैसला वे कर रहे है	x
Man kana yarjoo liqaa Allahi fainna ajala Allahi laatin wahuwa alssameeAAu alAAaleemu	x	Whoever should hope for the meeting with Allah - indeed, the term decreed by Allah is coming. And He is the Hearing, the Knowing.	29:5	जो व्यक्ति अल्लाह से मिलने का आशा रखता है तो अल्लाह का नियत समय तो आने ही वाला है। और वह सब कुछ सुनता, जानता है	x

Waman jahada fainnama yujahidu linafsihi inna Allaha laghaniyyun AAani alAAalameena	The word Jihad alone generally means struggle; however, “Jihad for the sake of Allah,” refers specifically to Armed warfare. **[Contradiction: Jihad is for Allah 61:4, 29:69; for own benefit 29:6; Allah is free of need but still wished to be worshipped by Angels and Humans.]**	And whoever strives only strives for [the benefit of] himself. Indeed, Allah is free from need of the worlds.	29:6	और जो व्यक्ति (अल्लाह के मार्ग में) संघर्ष करता है वह तो स्वयं अपने ही लिए संघर्ष करता है। निश्चय ही अल्लाह सारे संसार से निस्पृह है	“जिहाद” शब्द का सामान्य अर्थ संघर्ष होता है; लेकिन “अल्लाह के लिए जिहाद” विशेष रूप से सशस्त्र युद्ध को संदर्भित करता है। **[विरोधाभास: जिहाद अल्लाह के लिए है (61:4, 29:69); अपने लाभ के लिए (29:6); अल्लाह बेनियाज़ है, फिर भी चाहता है कि फ़रिश्ते और इंसान उसकी इबादत करें।]**
Waallatheena amanoo waAAamiloo alssalihati lanukaffiranna AAanhum sayyiatihim walanajziyannahum ahsana allathee	x	And those who believe and do righteous deeds - We will surely remove from them their misdeeds and will surely reward them according to the best of what they used to do.	29:7	और जो लोग ईमान लाए और उन्होंने अच्छा कर्म किए हम उनसे उनकी बुराइयों को दूर कर देंगे और उन्हें अवश्य ही उसका प्रतिदान प्रदान करेंगे, जो कुछ अच्छे कर्म वे करते रहे होंगे	x
Wawassayna alinsana biwalidayhi husnan wain jahadaka litushrika bee ma laysa laka bihi AAilmun fala tutiAAhuma ilayya marjiAAukum faonabbiokum bima kuntum taAAmaloona	This was revealed about Sad ibn Abi Waqqas who embraced Islam. His mother swore that she will never speak to him, eat or drink, until he leaves Islam. She did this for three days until she passed out from exhaustion.	And We have enjoined upon man goodness to parents. But if they endeavor to make you associate with Me that of which you have no knowledge, do not obey them. To Me is your return, and I will inform you about what you used to do.	29:8	और हमने मनुष्यों को अपने माँ-बाप के साथ अच्छा व्यवहार करने की ताकीद की है। किन्तु यदि वे तुमपर ज़ोर डालें कि तू किसी ऐसी चीज़ को मेरा साक्षी ठहराए, जिसका तुझे कोई ज्ञान नहीं, तो उनकी बात न मान। मेरी ही ओर तुम सबको पलटकर आना है, फिर मैं तुम्हें बता दूँगा जो कुछ कुम करते रहे होगे	यह सअद इब्न अबी वक़्क़ास के बारे में नाज़िल हुआ, जिन्होंने इस्लाम कबूल किया था। उनकी माँ ने कसम खाई कि जब तक वह इस्लाम नहीं छोड़ेंगे, वह उनसे बात नहीं करेंगी, न खाएँगी और न पिएँगी। उन्होंने ऐसा तीन दिनों तक किया, यहाँ तक कि वह थकान के कारण बेहोश हो गईं।

Waallatheena amanoo waAAamiloo alssalihati lanudkhilannahum fee alssaliheena	x	And those who believe and do righteous deeds - We will surely admit them among the righteous [into Paradise].	29:9	और जो लोग ईमान लाए और उन्होंने अच्छे कर्म किए हम उन्हें अवश्य अच्छे लोगों में सम्मिलित करेंगे	x
Wamina alnnasi man yaqoolu amanna biAllahi faitha oothiya fee Allahi jaAAala fitnata alnnasi kaAAathabi Allahi walain jaa nasrun min rabbika layaqoolunna inna kunna maAAakum awalaysa Allahu biaAAlama bima fee sudoori alAAalameena	This verse was revealed about some people who declared faith with their tongues. However, when Allah tested them with trials or calamities, they succumbed to idolatry.	And of the people are some who say, "We believe in Allah," but when one [of them] is harmed for [the cause of] Allah, they consider the trial of the people as [if it were] the punishment of Allah. But if victory comes from your Lord, they say, "Indeed, We were with you." Is not Allah most knowing of what is within the breasts of all creatures?	29:10	लोगों में ऐसे भी है जो कहते है कि "हम अल्लाह पर ईमान लाए," किन्तु जब अल्लाह के मामले में वे सताए गए तो उन्होंने लोगों की ओर से आई हुई आज़माइश को अल्लाह की यातना समझ लिया। अब यदि तेरे रब की ओर से सहायता पहुँच गई तो कहेंगे, "हम तो तुम्हारे साथ थे।" क्या जो कुछ दुनियावालों के सीनों में है उसे अल्लाह भली-भाँति नहीं जानता?	यह आयत उन कुछ लोगों के बारे में नाज़िल हुई, जिन्होंने अपनी ज़ुबान से ईमान का इज़हार किया। लेकिन जब अल्लाह ने उन्हें परीक्षाओं या मुसीबतों के ज़रिए आज़माया, तो वे शिर्क (मूर्तिपूजा) की ओर झुक गए।
WalayaAAlamanna Allahu allatheena amanoo walayaAAlamanna almunafiqeena	x	And Allah will surely make evident those who believe, and He will surely make evident the hypocrites.	29:11	और अल्लाह तो उन लोगों को मालूम करके रहेगा जो ईमान लाए, और वह कपटाचारियों को भी मालूम करके रहेगा	x

Waqala allatheena kafaroo lillatheena amanoo ittabiAAoo sabeelana walnahmil khatayakum wama hum bihamileena min khatayahum min shayin innahum	x	And those who disbelieve say to those who believe, "Follow our way, and we will carry your sins." But they will not carry anything of their sins. Indeed, they are liars.	29:12	और इनकार करनेवाले ईमान लानेवालों से कहते है, "तुम हमारे मार्ग पर चलो, हम तुम्हारी ख़ताओं का बोझ उठा लेंगे।" हालाँकि वे उनकी ख़ताओं में से कुछ भी उठानेवाले नहीं है। वे निश्चय ही झूठे है	x
Walayahmilunna athqalahum waathqalan maAAa athqalihim walayusalunna yawma alqiyamati AAamma kanoo yaftaroona	**[Contradiction: Each soul will bear its own burden 2:123, 6:164, 17:15, 35:18, Burden of others as well 16:25, 29:13, 37:33]**	But they will surely carry their [own] burdens and [other] burdens along with their burdens, and they will surely be questioned on the Day of Resurrection about what they used to invent.	29:13	हाँ, अवश्य ही वे अपने बोझ भी उठाएँगे और अपने बोझों के साथ और बहुत-से बोझ भी। और क़ियामत के दिन अवश्य उनसे उसके विषय में पूछा जाएगा जो कुछ झूठ वे घड़ते रहे होंगे	**[विरोधाभास: हर व्यक्ति अपना ही बोझ उठाएगा (2:123, 6:164, 17:15, 35:18), और दूसरों का बोझ भी उठाएगा (16:25, 29:13, 37:33)]**
Walaqad arsalna noohan ila qawmihi falabitha feehim alfa sanatin illa khamseena AAaman faakhathahumu alttoofanu wahum thalimoona	Noah lived for 950 years. **[There is no proof that life span of humans changed so much in last 10,000 years (from arrival of Adam).]**	And We certainly sent Noah to his people, and he remained among them a thousand years minus fifty years, and the flood seized them while they were wrongdoers.	29:14	हमने नूह को उसकी क़ौम की ओर भेजा। और वह पचास साल कम एक हजार वर्ष उनके बीच रहा। अन्ततः उनको तूफ़ान ने इस दशा में आ पकड़ा कि वे अत्याचारी था	नूह 950 वर्षों तक जीवित रहे। **[यह कोई प्रमाण नहीं है कि पिछले 10,000 वर्षों (आदम के आगमन से) में मनुष्यों की आयु इतनी अधिक बदल गई हो।]**
Faanjaynahu waashaba alssafeenati wajaAAalnaha ayatan	x	But We saved him and the companions of the ship, and We made it a sign for the worlds.	29:15	फिर उसको और नौकावालों को हमने बचा लिया और उसे सारे संसार के लिए एक निशानी बना दिया	x

Waibraheema ith qala liqawmihi oAAbudoo Allaha waittaqoohu thalikum khayrun lakum in kuntum taAAlamoona	x	And [We sent] Abraham, when he said to his people, "Worship Allah and fear Him. That is best for you, if you should know.	29:16	और इबराहीम को भी भेजा, जबकि उसने अपनी क़ौम के लोगों से कहा, "अल्लाह की बन्दगी करो और उसका डर रखो। यह तुम्हारे लिए अच्छा है, यदि तुम जानो	x
Innama taAAbudoona min dooni Allahi awthanan watakhluqoona ifkan inna allatheena taAAbudoona min dooni Allahi la yamlikoona lakum rizqan faibtaghoo AAinda Allahi alrrizqa waoAAbudoohu waoshkuroo lahu ilayhi turjaAAoona	x	You only worship, besides Allah, idols, and you produce a falsehood. Indeed, those you worship besides Allah do not possess for you [the power of] provision. So seek from Allah provision and worship Him and be grateful to Him. To Him you will be returned."	29:17	तुम तो अल्लाह से हटकर बस मूर्तियों को पूज रहे हो और झूठ घड़ रहे हो। तुम अल्लाह से हटकर जिनको पूजते हो वे तुम्हारे लिए रोज़ी का भी अधिकार नहीं रखते। अतः तुम अल्लाह ही के यहाँ रोज़ी तलाश करो और उसी की बन्दगी करो और उसके आभारी बनो। तुम्हें उसी की ओर लौटकर जाना है	x
Wain tukaththiboo faqad kaththaba omamun min qablikum wama AAala alrrasooli illa albalaghu almubeenu	**[Abrogated by later Jihadi verses.]**	And if you [people] deny [the message] - already nations before you have denied. And there is not upon the Messenger except [the duty of] clear notification.	29:18	और यदि तुम झुठलाते हो तो तुमसे पहले कितने ही समुदाय झुठला चुके है। रसूल पर तो बस केवल स्पष्ट रूप से (सत्य संदेश) पहुँचा देने की ज़िम्मेदारी है।"	**[बाद की जिहाद संबंधी आयतों द्वारा निरस्त (मंसूख) कर दिया गया।]**

Awalam yaraw kayfa yubdio Allahu alkhalqa thumma yuAAeeduhu inna thalika AAala Allahi yaseerun	x	Have they not considered how Allah begins creation and then repeats it? Indeed that, for Allah, is easy.	29:19	क्या उन्होंने देखा नहीं कि अल्लाह किस प्रकार पैदाइश का आरम्भ करता है और फिर उसकी पुनरावृत्ति करता है? निस्संदेह यह अल्लाह के लिए अत्यन्त सरल है	x
Qul seeroo fee alardi faonthuroo kayfa badaa alkhalqa thumma Allahu yunshio alnnashata alakhirata inna Allaha AAala kulli	x	Say, [O Muhammad], "Travel through the land and observe how He began creation. Then Allah will produce the final creation. Indeed Allah, over all things, is competent."	29:20	कहो कि, "धरती में चलो-फिरो और देखो कि उसने किस प्रकार पैदाइश का आरम्भ किया। फिर अल्लाह पश्चात्वर्ती उठान उठाएगा। निश्चय ही अल्लाह को हर चीज़ की सामर्थ्य प्राप्त है	x
YuAAaththibu man yashao wayarhamu man yashao wailayhi tuqlaboona	Allah is the Ruler who is in control, and does as He wishes and judges as He wants, and there is none who can put back His judgement.	He punishes whom He wills and has mercy upon whom He wills, and to Him you will be returned.	29:21	वह जिसे चाहे यातना दे और जिसपर चाहे दया करे। और उसी की ओर तुम्हें पलटकर जाना है।"	अल्लाह ही शासक है जो पूर्ण नियंत्रण में है, और वह जैसा चाहता है वैसा करता है तथा जैसा चाहता है वैसा फ़ैसला करता है, और कोई भी उसके फ़ैसले को टालने या बदलने वाला नहीं है।
Wama antum bimuAAjizeena fee alardi wala fee alssamai wama lakum min dooni Allahi min waliyyin	x	And you will not cause failure [to Allah] upon the earth or in the heaven. And you have not other than Allah any protector or any helper.	29:22	तुम न तो धरती में क़ाबू से बाहर निकल सकते हो और न आकाश में। और अल्लाह से हटकर न तो तुम्हारा कोई मित्र है और न सहायक	x

Waallatheena kafaroo biayati Allahi waliqaihi olaika yaisoo min rahmatee waolaika lahum AAathabun aleemun	x	And the ones who disbelieve in the signs of Allah and the meeting with Him - those have despaired of My mercy, and they will have a painful punishment.	29:23	और जिन लोगों ने अल्लाह की आयतों और उससे मिलने का इनकार किया, वही लोग है जो मेरी दयालुता से निराश हुए और वही है जिनके लिए दुखद यातना है। -	x
Fama kana jawaba qawmihi illa an qaloo oqtuloohu aw harriqoohu faanjahu Allahu mina alnnari inna fee thalika laayatin liqawmin yuminoona	x	And the answer of Abraham's people was not but that they said, "Kill him or burn him," but Allah saved him from the fire. Indeed in that are signs for a people who believe.	29:24	फिर उनकी क़ौम के लोगों का उत्तर इसके सिवा और कुछ न था कि उन्होंने कहा, "मार डालो उसे या जला दो उसे!" अंततः अल्लाह ने उसको आग से बचा लिया। निश्चय ही इसमें उन लोगों के लिए निशानियाँ है, जो ईमान लाएँ	x
Waqala innama ittakhathtum min dooni Allahi awthanan mawaddata baynikum fee alhayati alddunya thumma yawma alqiyamati yakfuru baAAdukum bibaAAdin wayalAAanu baAAdukum baAAdan wamawakumu alnnaru wama lakum	x	And [Abraham] said, "You have only taken, other than Allah, idols as [a bond of] affection among you in worldly life. Then on the Day of Resurrection you will deny one another and curse one another, and your refuge will be the Fire, and you will not have any helpers."	29:25	और उसने कहा, "अल्लाह से हटकर तुमने कुछ मूर्तियों को केवल सांसारिक जीवन में अपने पारस्परिक प्रेम के कारण पकड़ रखा है। फिर क़ियामत के दिन तुममें से एक-दूसरे का इनकार करेगा और तुममें से एक-दूसरे पर लानत करेगा। तुम्हारा ठौर-ठिकाना आग है और तुम्हारा कोई सहायक न होगा।"	x

Faamana lahu lootun waqala innee muhajirun ila rabbee innahu huwa alAAazeezu alhakeemu	x	And Lot believed him. [Abraham] said, "Indeed, I will emigrate to [the service of] my Lord. Indeed, He is the Exalted in Might, the Wise."	29:26	फिर लूत ने उसकी बात मानी और उसने कहा, "निस्संदेह मैं अपने रब की ओर हिजरत करता हूँ। निस्संदेह वह अत्यन्त प्रभुत्वशाली, तत्वदर्शी है।"	x
Wawahabna lahu ishaqa wayaAAqooba wajaAAalna fee thurriyyatihi alnnubuwwata waalkitaba waataynahu ajrahu fee alddunya wainnahu fee alakhirati lamina alssaliheena	**[Contradiction to 29:27: Allah refused leadership to Abraham descendents 2:124]**	And We gave to Him Isaac and Jacob and placed in his descendants prophethood and scripture. And We gave him his reward in this world, and indeed, he is in the Hereafter among the righteous.	29:27	और हमने उसे इसहाक़ और याक़ूब प्रदान किए और उसकी संतति में नुबूवत (पैग़म्बरी) और किताब का सिलसिला जारी किया और हमने उसे संसार में भी उसका अच्छा प्रतिदान प्रदान किया। और निश्चय ही वह आख़िरत में अच्छे लोगों में से होगा	**[विरोधाभास: 29:27 के विपरीत—अल्लाह ने इब्राहीम की संतानों को नेतृत्व देने से इनकार किया (2:124)]**
Walootan ith qala liqawmihi innakum latatoona alfahishata ma sabaqakum biha min ahadin mina alAAalameena	**[Homosexuality was nothing new – it even exists among some “higher” animals.]**	And [mention] Lot, when he said to his people, "Indeed, you commit such immorality as no one has preceded you with from among the worlds.	29:28	और हमने लूत को भेजा, जबकि उसने अपनी क़ौम के लोगों से कहा, "तुम जो वह अश्लील कर्म करते हो, जिसे तुमसे पहले सारे संसार में किसी ने नहीं किया	**[समलैंगिकता कोई नई चीज़ नहीं है—यह कुछ “उच्च” जानवरों में भी पाई जाती है।]**

Ainnakum latatoona alrrijala wataqtaAAoona alssabeela watatoona fee nadeekumu almunkara fama kana jawaba qawmihi illa an qaloo itina biAAathabi Allahi	**[Contradiction: What people did with Lot: 7:82, 26:167, 27:56: Only asked to drive him out of city, 29:29 Asked to bring wrath of Allah]**	Indeed, you approach men and obstruct the road and commit in your meetings [every] evil." And the answer of his people was not but they said, "Bring us the punishment of Allah, if you should be of the truthful."	29:29	क्या तुम पुरुषों के पास जाते हो और बटमारी करते हो और अपनी मजलिस में बुरा कर्म करते हो?" फिर उसकी क़ौम के लोगों का उत्तर बस यही था कि उन्होंने कहा, "ले आ हमपर अल्लाह की यातना, यदि तू सच्चा है।"	**[विरोधाभास: लूत के साथ लोगों ने क्या किया—7:82, 26:167, 27:56: केवल उन्हें शहर से निकालने की बात की; 29:29: अल्लाह के अज़ाब को लाने की चुनौती दी।]**
Qala rabbi onsurnee AAala alqawmi almufsideena	x	He said, "My Lord, support me against the corrupting people."	29:30	उसने कहास "ऐ मेरे रब! बिगाड़ पैदा करनेवाले लोगों के मुक़ावले में मेरी सहायता कर।"	x
Walamma jaat rusuluna ibraheema bialbushra qaloo inna muhlikoo ahli hathihi alqaryati inna ahlaha kanoo thalimeena	The three Angels came in human form.	And when Our messengers came to Abraham with the good tidings, they said, "Indeed, we will destroy the people of that Lot's city. Indeed, its people have been wrongdoers."	29:31	हमारे भेजे हुए जब इबराहीम के पास शुभ सूचना लेकर आए तो उन्होंने कहा, "हम इस बस्ती के लोगों को विनष्ट करनेवाले है। निस्संदेह इस बस्ती के लोग ज़ालिम है।"	तीन फ़रिश्ते इंसानी रूप में आए।
Qala inna feeha lootan qaloo nahnu aAAlamu biman feeha lanunajjiyannahu waahlahu illa imraatahu kanat mina alghabireena	x	[Abraham] said, "Indeed, within it is Lot." They said, "We are more knowing of who is within it. We will surely save him and his family, except his wife. She is to be of those who remain behind."	29:32	उसने कहाँ, "वहाँ तो लूत मौजूद है।" वे बोले, "जो कोई भी वहाँ है, हम भली-भाँति जानते है। हम उसको और उसके घरवालों को बचा लेंगे, सिवाय उसकी स्त्री के। वह पीछे रह जानेवालों में से है।"	x

Walamma an jaat rusuluna lootan seea bihim wadaqa bihim tharAAan waqaloo la takhaf wala tahzan inna munajjooka waahlaka illa imraataka kanat mina alghabireena	x	And when Our messengers came to Lot, he was distressed for them and felt for them great discomfort. They said, "Fear not, nor grieve. Indeed, we will save you and your family, except your wife; she is to be of those who remain behind.	29:33	जब यह हुआ कि हमारे भेजे हुए लूत के पास आए तो उनका आना उसे नागवार हुआ और उनके प्रति दिल को तंग पाया। किन्तु उन्होंने कहा, "डरो मत और न शोकाकुल हो। हम तुम्हें और तुम्हारे घरवालों को बचा लेंगे सिवाय तुम्हारी स्त्री के। वह पीछे रह जानेवालों में से है	x
Inna munziloona AAala ahli hathihi alqaryati rijzan mina alssamai bima kanoo yafsuqoona	x	Indeed, we will bring down on the people of this city punishment from the sky because they have been defiantly	29:34	निश्चय ही हम इस बस्ती के लोगों पर आकाश से एक यातना उतारनेवाले है, इस कारण कि वे बन्दगी की सीमा से निकलते रहे है।"	x
Walaqad tarakna minha ayatan bayyinatan liqawmin yaAAqiloona	x	And We have certainly left of it a sign as clear evidence for a people who use reason.	29:35	और हमने उस बस्ती से प्राप्त होनेवाली एक खुली निशानी उन लोगों के लिए छोड़ दी है, जो बुद्धि से काम लेना चाहे	x
Waila madyana akhahum shuAAayban faqala ya qawmi oAAbudoo Allaha waorjoo alyawma alakhira wala taAAthaw fee alardi mufsideena	x	And to Madyan [We sent] their brother Shu'ayb, and he said, "O my people, worship Allah and expect the Last Day and do not commit abuse on the earth, spreading corruption."	29:36	और मदयन की ओर उनके भाई शुऐब को भेजा। उसने कहा, "ऐ मेरी क़ौम के लोगो, अल्लाह की बन्दगी करो। और अंतिम दिन की आशा रखो और धरती में बिगाड़ फैलाते मत फिरो।"	x

Fakaththaboohu faakhathathumu alrrajfatu faasbahoo fee darihim jathimeena	**[An earthquake never kills all inhabitants of one locality; How people of Madyan died: 7:91, 29:37 Earthquake, 11:94, Shriek, 26:189, Black clouds.]]**	But they denied him, so the earthquake seized them, and they became within their home [corpses] fallen prone.	29:37	किन्तु उन्होंने उसे झुठला दिया। अन्ततः भूकम्प ने उन्हें आ लिया। और वे अपने घरों में औंधे पड़े रह गए	**[एक भूकंप कभी भी किसी एक स्थान के सभी निवासियों को पूरी तरह समाप्त नहीं करता; मदयन के लोगों की मृत्यु कैसे हुई: 7:91, 29:37—भूकंप; 11:94—भयंकर चीख; 26:189—काले बादल।]**
WaAAadan wathamooda waqad tabayyana lakum min masakinihim wazayyana lahumu alshshaytanu aAAmalahum fasaddahum AAani alssabeeli wakanoo mustabsireena	**[Who makes the the deeds of disbelievers pleasing to them: Satan 27:24, 29:38, Allah 6:108, 9:37, 10:12, 27:4.]**	And [We destroyed] 'Aad and Thamud, and it has become clear to you from their [ruined] dwellings. And Satan had made pleasing to them their deeds and averted them from the path, and they were endowed with perception.	29:38	और आद और समूद को भी हमने विनष्ट किया। और उनके घरों और बस्तियों के अवशेषों से तुमपर स्पष्ट हो चुका है। शैतान ने उनके कर्मों को उनके लिए सुहाना बना दिया और उन्हें संमार्ग से रोक दिया। यद्यपि वे बड़े तीक्ष्ण स्पष्ट वाले थे	**[विरोधाभास: काफ़िरों के कर्मों को उनके लिए आकर्षक कौन बनाता है—शैतान (27:24, 29:38), अल्लाह (6:108, 9:37, 10:12, 27:4)।]**
Waqaroona wafirAAawna wahamana walaqad jaahum moosa bialbayyinati faistakbaroo fee alardi wama kanoo sabiqeena	x	And [We destroyed] Qarun and Pharaoh and Haman. And Moses had already come to them with clear evidences, and they were arrogant in the land, but they were not outrunners [of Our punishment].	29:39	और क़ारून और फ़िरऔन और हामान को हमने विनष्ट किया। मूसा उनके पास खुली निशानियाँ लेकर आया। किन्तु उन्होंने धरती में घमंड किया, हालाँकि वे हमसे निकल जानेवाले न थे	x

Fakullan akhathna bithanbihi faminhum man arsalna AAalayhi hasiban waminhum man akhathathu alssayhatu waminhum man khasafna bihi alarda waminhum man aghraqna wama kana Allahu liyathlimahum walakin kanoo anfusahum	x	So each We seized for his sin; and among them were those upon whom We sent a storm of stones, and among them were those who were seized by the blast [from the sky], and among them were those whom We caused the earth to swallow, and among them were those whom We drowned. And Allah would not have wronged them, but it was they who were wronging themselves.	29:40	अन्ततः हमने हरेक को उसके अपने गुनाह के कारण पकड़ लिया। फिर उनमें से कुछ पर तो हमने पथराव करनेवाली वायु भेजी और उनमें से कुछ को एक प्रचंड चीत्कार न आ लिया। और उनमें से कुछ को हमने धरती में धँसा दिया। और उनमें से कुछ को हमने डूबो दिया। अल्लाह तो ऐसा न था कि उनपर ज़ुल्म करता, किन्तु वे स्वयं अपने आपपर ज़ुल्म कर रहे थे	x
Mathalu allatheena ittakhathoo min dooni Allahi awliyaa kamathali alAAankabooti ittakhathat baytan wainna awhana albuyooti labaytu alAAankabooti law kanoo yaAAlamoona	Comparsion of those who trust in anyone or anything besides Allah is to spiders, who labor to build webs that are “the flimsiest of houses.”	The example of those who take allies other than Allah is like that of the spider who takes a home. And indeed, the weakest of homes is the home of the spider, if they only knew.	29:41	जिन लोगों ने अल्लाह से हटकर अपने दूसरे संरक्षक बना लिए है उनकी मिसाल मकड़ी जैसी है, जिसने अपना एक घर बनाया, और यह सच है कि सब घरों से कमज़ोर घर मकड़ी का घर ही होता है। क्या ही अच्छा होता कि वे जानते!	मकड़ी के उदाहरण से समझाया गया है कि जो लोग अल्लाह के सिवा किसी और पर भरोसा करते हैं, उनकी मिसाल उन मकड़ियों जैसी है जो जाल बुनती हैं, जो “घरों में सबसे कमज़ोर घर” होता है।
Inna Allaha yaAAlamu ma yadAAoona min doonihi min shayin wahuwa alAAazeezu	x	Indeed, Allah knows whatever thing they call upon other than Him. And He is the Exalted in Might, the Wise.	29:42	निस्संदेह अल्लाह उन चीज़ों को भली-भाँति जानता है, जिन्हें ये उससे हटकर पुकारते है। वह तो अत्यन्त प्रभुत्वशाली, तत्वदर्शी है	x

Watilka alamthalu nadribuha lilnnasi wama yaAAqiluha illa alAAalimoona	Muslims charge that non-Muslims who speak about Islam do not understand Islamic texts and teachings; if they did understand them, they would become Muslims.	And these examples We present to the people, but none will understand them except those of knowledge.	29:43	ये मिसालें हम लोगों के लिए पेश करते है, परन्तु इनको ज्ञानवान ही समझते है	मुसलमान यह आरोप लगाते हैं कि जो गैर-मुसलमान इस्लाम के बारे में बात करते हैं, वे इस्लामी ग्रंथों और शिक्षाओं को समझते नहीं हैं; अगर वे उन्हें समझ लेते, तो मुसलमान बन जाते।
Khalaqa Allahu alssamawati waalarda bialhaqqi inna fee thalika laayatan	x	Allah created the heavens and the earth in truth. Indeed in that is a sign for the believers.	29:44	अल्लाह ने आकाशों और धरती को सत्य के साथ पैदा किया। निश्चय ही इसमें ईमानवालों के लिए एक बड़ी निशानी है	x
Otlu ma oohiya ilayka mina alkitabi waaqimi alssalata inna alssalata tanha AAani alfahshai waalmunkari walathikru Allahi akbaru waAllahu yaAAlamu ma tasnaAAoona	x	Recite, [O Muhammad], what has been revealed to you of the Book and establish prayer. Indeed, prayer prohibits immorality and wrongdoing, and the remembrance of Allah is greater. And Allah knows that which you do.	29:45	उस किताब को पढ़ो जो तुम्हारी ओर प्रकाशना के द्वारा भेजी गई है, और नमाज़ का आयोजन करो। निस्संदेह नमाज़ अश्लीलता और बुराई से रोकती है। और अल्लाह का याद करना तो बहुत बड़ी चीज़ है। अल्लाह जानता है जो कुछ तुम रचते और बनाते हो	x

Wala tujadiloo ahla alkitabi illa biallatee hiya ahsanu illa allatheena thalamoo minhum waqooloo amanna biallathee onzila ilayna waonzila ilaykum wailahuna wailahukum wahidun wanahnu lahu muslimoona	**[But Muslims don't believe in Bible and say it has been corrupted; It is impossible to believe in both scriptures as there are many contradictions.]**	And do not argue with the People of the Scripture except in a way that is best, except for those who commit injustice among them, and say, "We believe in that which has been revealed to us and revealed to you. And our God and your God is one; and we are Muslims [in submission] to Him."	29:46	और किताबवालों से बस उत्तम रीति ही से वाद-विवाद करो - रहे वे लोग जो उनमें ज़ालिम हैं, उनकी बात दूसरी है - और कहो - "हम ईमान लाए उस चीज़ पर जो अवतरित हुई और तुम्हारी ओर भी अवतरित हुई। और हमारा पूज्य और तुम्हारा पूज्य अकेला ही है और हम उसी के आज्ञाकारी है।"	**[लेकिन मुसलमान बाइबिल पर विश्वास नहीं करते और कहते हैं कि उसमें परिवर्तन (तहरीफ़) हो चुका है; दोनों ग्रंथों पर एक साथ विश्वास करना संभव नहीं है क्योंकि उनमें कई विरोधाभास बताए जाते हैं।]**
Wakathalika anzalna ilayka alkitaba faallatheena ataynahumu alkitaba yuminoona bihi wamin haolai man yuminu bihi wama yajhadu biayatina illa alkafiroona	"Those who deny Allah's signs" refers to the Jews who denied when it was clear to them that the Qur'an was the truth and the one who brought it was speaking the truth.	And thus We have sent down to you the Qur'an. And those to whom We [previously] gave the Scripture believe in it. And among these [people of Makkah] are those who believe in it. And none reject Our verses except the disbelievers.	29:47	इसी प्रकार हमने तुम्हारी ओर किताब अवतरित की है, तो जिन्हें हमने किताब प्रदान की है वे उसपर ईमान लाएँगे। उनमें से कुछ उसपर ईमान ला भी रहे है। हमारी आयतों का इनकार तो केवल न माननेवाले ही करते है	"जो लोग अल्लाह की निशानियों का इंकार करते हैं" से आशय उन यहूदियों से है, जिन्होंने उस समय इंकार किया जब उनके लिए यह स्पष्ट हो गया था कि क़ुरआन सत्य है और उसे लाने वाला सत्य बोल रहा है।
Wama kunta tatloo min qablihi min kitabin wala takhuttuhu biyameenika ithan lairtaba almubtiloona	The messenger is reminded that he never read or recited or written any scripture before the Qur'an.	And you did not recite before it any scripture, nor did you inscribe one with your right hand. Otherwise the falsifiers would have had [cause for] doubt.	29:48	इससे पहले तुम न कोई किताब पढ़ते थे और न उसे अपने हाथ से लिखते ही थे। ऐसा होता तो ये मिथ्यावादी सन्देह में पड़ सकते थे	रसूल को याद दिलाया गया है कि क़ुरआन से पहले उन्होंने कभी कोई किताब न पढ़ी, न उसका पाठ किया और न ही कुछ लिखा।

Bal huwa ayatun bayyinatun fee sudoori allatheena ootoo alAAilma wama yajhadu biayatina illa alththalimoona	It reiterates that the wrongdoers who deny Allah's signs are the Jews.	Rather, the Qur'an is distinct verses [preserved] within the breasts of those who have been given knowledge. And none reject Our verses except the wrongdoers.	29:49	नहीं, बल्कि वे तो उन लोगों के सीनों में विद्यमान खुली निशानियाँ है, जिन्हें ज्ञान प्राप्त हुआ है। हमारी आयतों का इनकार तो केवल ज़ालिम ही करते है	यह फिर से स्पष्ट करता है कि जो ज़ालिम अल्लाह की निशानियों का इंकार करते हैं, उनसे आशय यहूदी हैं।
Waqaloo lawla onzila AAalayhi ayatun min rabbihi qul innama alayatu AAinda Allahi wainnama ana natheerun mubeenun	Here sign means miracles. **[But there are so many hadith describing Miracles of Prophet.]**	But they say, "Why are not signs sent down to him from his Lord?" Say, "The signs are only with Allah, and I am only a clear warner."	29:50	उनका कहना है कि "उसपर उसके रब की ओर से निशानियाँ क्यों नहीं अवतरित हुई?" कह दो, "निशानियाँ तो अल्लाह ही के पास है। मैं तो केवल स्पष्ट रूप से सचेत करनेवाला हूँ।"	यहाँ "निशानी" से आशय "चमत्कार" है। **[लेकिन ऐसी कई हदीस मौजूद हैं जो पैग़म्बर के चमत्कारों का वर्णन करती हैं।]**
Awalam yakfihim anna anzalna AAalayka alkitaba yutla AAalayhim inna fee thalika larahmatan wathikra liqawmin yuminoona	Quran should be enough for Jews to believe in Prophet Muhammad (pbuh).	And is it not sufficient for them that We revealed to you the Book which is recited to them? Indeed in that is a mercy and reminder for a people who believe.	29:51	क्या उनके लिए यह पर्याप्त नहीं कि हमने तुमपर किताब अवतरित की, जो उन्हें पढ़कर सुनाई जाती है? निस्संदेह उसमें उन लोगों के लिए दयालुता है और अनुस्मृति है जो ईमान लाएँ	यह कहा गया है कि क़ुरआन यहूदियों के लिए पैग़म्बर मुहम्मद स. पर ईमान लाने के लिए पर्याप्त होना चाहिए।
Qul kafa biAllahi baynee wabaynakum shaheedan yaAAlamu ma fee alssamawati waalardi waallatheena amanoo bialbatili	x	Say, "Sufficient is Allah between me and you as Witness. He knows what is in the heavens and earth. And they who have believed in falsehood and disbelieved in Allah - it is those who are the losers."	29:52	कह दो, "मेरे और तुम्हारे बीच अल्लाह गवाह के रूप में काफ़ी है।" वह जानता है जो कुछ आकाशों और धरती में है। जो लोग असत्य पर ईमान लाए और अल्लाह का इनकार किया वही है जो घाटे में है	x

WayastaAAjiloonaka bialAAathabi walawla ajalun musamman lajaahumu alAAathabu walayatiyannahum baghtatan wahum la yashAAuroona	An explanation to Muslims why no punishement is being send to non-muslims from Allah.	And they urge you to hasten the punishment. And if not for [the decree of] a specified term, punishment would have reached them. But it will surely come to them suddenly while they perceive not.	29:53	वे तुमसे यातना के लिए जल्दी मचा रहे है। यदि इसका एक नियत समय न होता तो उनपर अवश्य ही यातना आ जाती। वह तो अचानक उनपर आकर रहेगी कि उन्हें ख़बर भी न होगी	मुसलमानों के लिए यह एक व्याख्या है कि अल्लाह की ओर से गैर-मुसलमानों पर कोई सज़ा क्यों नहीं भेजी जा रही है।
YastaAAjiloonaka bialAAathabi wainna jahannama lamuheetatun bialkafireena	All non-muslims will go to Hell irrespective of their deeds.	They urge you to hasten the punishment. And indeed, Hell will be encompassing of the disbelievers	29:54	वे तुमसे यातना के लिए जल्दी मचा रहे है, हालाँकि जहन्नम इनकार करनेवालों को अपने घेरे में लिए हुए है	सभी गैर-मुसलमान कर्मों की परवाह किए बिना जहन्नम में जाएंगे।
Yawma yaghshahumu alAAathabu min fawqihim wamin tahti arjulihim wayaqoolu thooqoo ma kuntum	x	On the Day the punishment will cover them from above them and from below their feet and it is said, "Taste [the result of] what you used to do."	29:55	जिस दिन यातना उन्हें उनके ऊपर से ढाँक लेगी और उनके पाँव के नीचे से भी, और वह कहेगा, "चखो उसका मज़ा जो कुछ तुम करते रहे हो!"	x
Ya AAibadiya allatheena amanoo inna ardee wasiAAatun faiyyaya	x	O My servants who have believed, indeed My earth is spacious, so worship only Me.	29:56	ऐ मेरे बन्दों, जो ईमान लाए हो! निस्संदेह मेरी धरती विशाल है। अतः तुम मेरी ही बन्दगी करो	x
Kullu nafsin thaiqatu almawti thumma ilayna	x	Every soul will taste death. Then to Us will you be returned.	29:57	प्रत्येक जीव को मृत्यु का स्वाद चखना है। फिर तुम हमारी ओर वापस लौटोगे	x

Waallatheena amanoo waAAamiloo alssalihati lanubawwiannahum mina aljannati ghurafan tajree min tahtiha alanharu khalideena feeha niAAma ajru alAAamileena	x	And those who have believed and done righteous deeds - We will surely assign to them of Paradise [elevated] chambers beneath which rivers flow, wherein they abide eternally. Excellent is the reward of the [righteous] workers	29:58	जो लोग ईमान लाए और उन्होंने अच्छे कर्म किए उन्हें हम जन्नत की ऊपरी मंज़िल के कक्षों में जगह देंगे, जिनके नीचे नहरें बह रही होंगी। वे उसमें सदैव रहेंगे। क्या ही अच्छा प्रतिदान है कर्म करनेवालों का!	x
Allatheena sabaroo waAAala rabbihim yatawakkaloona	x	Who have been patient and upon their Lord rely.	29:59	जिन्होंने धैर्य से काम लिया और जो अपने रब पर भरोसा रखते है	x
Wakaayyin min dabbatin la tahmilu rizqaha Allahu yarzuquha waiyyakum wahuwa alssameeAAu alAAaleemu	x	And how many a creature carries not its [own] provision. Allah provides for it and for you. And He is the Hearing, the Knowing.	29:60	कितने ही चलनेवाले जीवधारी है, जो अपनी रोज़ी उठाए नहीं फिरते। अल्लाह ही उन्हें रोज़ी देता है और तुम्हें भी! वह सब कुछ सुनता, जानता है	x
Walain saaltahum man khalaqa alssamawati waalarda wasakhkhara alshshamsa waalqamara layaqoolunna Allahu faanna	x	If you asked them, "Who created the heavens and earth and subjected the sun and the moon?" they would surely say, "Allah." Then how are they deluded?	29:61	और यदि तुम उनसे पूछो कि "किसने आकाशों और धरती को पैदा किया और सूर्य और चन्द्रमा को काम में लगाया?" तो वे बोल पड़ेगे, "अल्लाह ने!" फिर वे किधर उलटे फिरे जाते है?	x

Allahu yabsutu alrrizqa liman yashao min AAibadihi wayaqdiru lahu inna Allaha bikulli shayin AAaleemun	x	Allah extends provision for whom He wills of His servants and restricts for him. Indeed Allah is, of all things, Knowing.	29:62	अल्लाह अपने बन्दों में से जिसके लिए चाहता है आजीविका विस्तीर्ण कर देता है और जिसके लिए चाहता है नपी-तुली कर देता है। निस्संदेह अल्लाह हरेक चीज़ को भली-भाँति जानता है	x
Walain saaltahum man nazzala mina alssamai maan faahya bihi alarda min baAAdi mawtiha layaqoolunna Allahu quli alhamdu lillahi bal aktharuhum la yaAAqiloona	**[Of course so many religion belive in an Almighy, but it does not mean everyone should convert to Islam. Also they may say names of their God but not Allah.]**	And if you asked them, "Who sends down rain from the sky and gives life thereby to the earth after its lifelessness?" they would surely say " Allah." Say, "Praise to Allah "; but most of them do not reason.	29:63	और यदि तुम उनसे पूछो कि "किसने आकाश से पानी बरसाया; फिर उसके द्वारा धरती को उसके मुर्दा हो जाने के पश्चात जीवित किया?" तो वे बोल पड़ेंगे, "अल्लाह ने!" कहो, "सारी प्रशंसा अल्लाह ही के लिए है।" किन्तु उनमें से अधिकतर बुद्धि से काम नहीं लेते	**[निस्संदेह कई धर्म एक सर्वशक्तिमान ईश्वर में विश्वास करते हैं, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं है कि सभी को इस्लाम स्वीकार करना चाहिए। साथ ही वे अपने ईश्वर के लिए अलग-अलग नामों का प्रयोग करते हैं, न कि “अल्लाह” का।]**
Wama hathihi alhayatu alddunya illa lahwun walaAAibun wainna alddara alakhirata lahiya alhayawanu law kanoo	x	And this worldly life is not but diversion and amusement. And indeed, the home of the Hereafter - that is the [eternal] life, if only they knew.	29:64	और यह सांसारिक जीवन तो केवल दिल का बहलावा और खेल है। निस्संदेह पश्चात्वर्ती घर (का जीवन) ही वास्तविक जीवन है। क्या ही अच्छा होता कि वे जानते!	x

Faitha rakiboo fee alfulki daAAawoo Allaha mukhliseena lahu alddeena falamma najjahum ila albarri itha hum yushrikoona	x	And when they board a ship, they supplicate Allah, sincere to Him in religion. But when He delivers them to the land, at once they associate others with Him	29:65	जब वे नौका में सवार होते है तो वे अल्लाह को उसके दीन (आज्ञापालन) के लिए निष्ठा वान होकर पुकारते है। किन्तु जब वह उन्हें बचाकर शुष्क भूमि तक ले आता है तो क्या देखते है कि वे लगे (अल्लाह का साथ) साझी ठहराने	x
Liyakfuroo bima ataynahum waliyatamattaAAoo fasawfa yaAAlamoona	x	So that they will deny what We have granted them, and they will enjoy themselves. But they are going to know.	29:66	ताकि जो कुछ हमने उन्हें दिया है उसके प्रति वे इस तरह कृतघ्नता दिखाएँ, और ताकि इस तरह से मज़े उड़ा ले। अच्छा तो वे शीघ्र ही जान लेंगे	x
Awalam yaraw anna jaAAalna haraman aminan wayutakhattafu alnnasu min hawlihim afabialbatili yuminoona wabiniAAmati	x	Have they not seen that We made [Makkah] a safe sanctuary, while people are being taken away all around them? Then in falsehood do they believe, and in the favor of Allah they disbelieve?	29:67	क्या उन्होंने देखा नही कि हमने एक शान्तिमय हरम बनाया, हालाँकि उनके आसपास से लोग उचक लिए जाते है, तो क्या फिर भी वे असत्य पर ईमान रखते है और अल्लाह की अनुकम्पा के प्रति कृतघ्नता दिखलाते है?	x

Waman athlamu mimmani iftara AAala Allahi kathiban aw kaththaba bialhaqqi lamma jaahu alaysa fee jahannama mathwan lilkafireena	x	And who is more unjust than one who invents a lie about Allah or denies the truth when it has come to him? Is there not in Hell a [sufficient] residence for the disbelievers?	29:68	उस व्यक्ति से बढ़कर ज़ालिम कौन होगा जो अल्लाह पर थोपकर झूठ घड़े या सत्य को झुठलाए, जबकि वह उसके पास आ चुका हो? क्या इनकार करनेवालों का ठौर-ठिकाना जहन्नम नें नहीं होगा?	x
Waallatheena jahadoo feena lanahdiyannahum subulana wainna Allaha lamaAAa almuhsineena	**[Contradiction: Jihad is for Allah 29:69, 61:4; for own benefit 29:6.]**	And those who strive for Us - We will surely guide them to Our ways. And indeed, Allah is with the doers of good.	29:69	रहे वे लोग जिन्होंने हमारे मार्ग में मिलकर प्रयास किया, हम उन्हें अवश्य अपने मार्ग दिखाएँगे। निस्संदेह अल्लाह सुकर्मियों के साथ है	**[विरोधाभास: जिहाद अल्लाह के लिए है (29:69, 61:4); अपने लाभ के लिए (29:6)।]**
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Ar-Rum (The Romans)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**30:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अर-रूम (रोमवासी)**
Aliflammeem	Mysterious letters	Alif, Lam, Meem.	30:1	अलिफ़॰ लाम॰ मीम॰	रहस्यमय अक्षर
Ghulibati alrroomu	This surah was reveal in 615 AD when the Persians overpowerd the Romans (Byzantine) in territories adjacent to Arabia (Jordan,	The Byzantines have been defeated	30:2	रूमी निकटवर्ती क्षेत्र में पराभूत हो गए हैं।	यह सूरह 615 ईस्वी में प्रकट हुई थी जब फारसियों ने रोमियों (बिज़ेंटाइन) को अरब के आस-पास के क्षेत्रों (जॉर्डन, सीरिया और फ़िलिस्तीन) में पराजित किया।

Fee adna alardi wahum min baAAdi ghalabihim sayaghliboona	The unbelievers of Makka said to the Muslims, 'We will defeat you as Persian defeated the Romans.'" Muslims had wanted the Romans to be victorious over them, because they were the people of the Book. **[While many Islamic apologists present this verse as fulfilled prophecies of Quran, it is important to remember that the Quran was compiled long after the death of the Prophet (pbuh) and not a single original copies of early manuscripts exist today.]**	In the nearest land. But they, after their defeat, will overcome.	30:3	और वे अपने पराभव के पश्चात शीघ्र ही कुछ वर्षों में प्रभावी हो जाएँगे।	मक्का के अविश्वासियों ने मुसलमानों से कहा, 'हम तुम्हें वैसे ही हराएंगे जैसे फारसियों ने रोमन को हराया।' मुसलमान चाहते थे कि रोमन उन पर विजयी हों, क्योंकि वे किताब वाले लोग थे। **[हालाँकि कई इस्लामिक पक्षकार इस आयत को क़ुरान की पूरी हुई भविष्यवाणियों के रूप में प्रस्तुत करते हैं, यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि क़ुरान पैगंबर (स.) के निधन के काफी समय बाद संकलित किया गया था और आज शुरुआती पांडुलिपियों की कोई भी मूल प्रति मौजूद नहीं है।]**
Fee bidAAi sineena lillahi alamru min qablu wamin baAAdu wayawmaithin yafrahu almuminoona	Pickthall translates within 10 years, while Arabic text says "a few years" (bidaai sineena) **[Romans defeated Persia in 622-28 AD; however, they were soon defeated by Muslims 636-642 AD.]**	Within three to nine years. To Allah belongs the command before and after. And that day the believers will rejoice	30:4	हुक्म तो अल्लाह ही का है पहले भी और उसके बाद भी। और उस दिन ईमानवाले अल्लाह की सहायता से प्रसन्न होंगे।	पिक्थल 10 वर्षों के भीतर अनुवाद करता है, जबकि अरबी पाठ कहता है "कुछ साल" (बिदाई सिनीना) **[रोमन ने 622-28 ईस्वी में फारस को हराया; हालांकि, वे जल्द ही मुसलमानों द्वारा 636-642 ईस्वी में हराए गए।]**
Binasri Allahi yansuru man yashao wahuwa alAAazeezu	x	In the victory of Allah. He gives victory to whom He wills, and He is the Exalted in Might, the	30:5	वह जिसकी चाहता है, सहायता करता है। वह अत्यन्त प्रभुत्वशाली, दयावान है	x

WaAAda Allahi la yukhlifu Allahu waAAdahu walakinna akthara alnnasi la yaAAlamoona	x	[It is] the promise of Allah. Allah does not fail in His promise, but most of the people do not know.	30:6	यह अल्लाह का वादा है! अल्लाह अपने वादे का उल्लंघन नहीं करता। किन्तु अधिकतर लोग जानते नहीं	x
YaAAlamoona thahiran mina alhayati alddunya wahum AAani alakhirati hum	x	They know what is apparent of the worldly life, but they, of the Hereafter, are unaware.	30:7	वे सांसारिक जीवन के केवल वाह्य रूप को जानते है। किन्तु आख़िरत की ओर से वे बिलकुल असावधान है	x
Awalam yatafakkaroo fee anfusihim ma khalaqa Allahu alssamawati waalarda wama baynahuma illa bialhaqqi waajalin musamman wainna katheeran mina alnnasi biliqai	x	Do they not contemplate within themselves? Allah has not created the heavens and the earth and what is between them except in truth and for a specified term. And indeed, many of the people, in [the matter of] the meeting with their Lord, are disbelievers.	30:8	क्या उन्होंने अपने आप में सोच-विचार नहीं किया? अल्लाह ने आकाशों और धरती को और जो कुछ उनके बीच है सत्य के साथ और एक नियत अवधि ही के लिए पैदा किया है। किन्तु बहुत-से लोग अपने प्रभु के मिलन का इनकार करते है	x

Awalam yaseeroo fee alardi fayanthuroo kayfa kana AAaqibatu allatheena min qablihim kanoo ashadda minhum quwwatan waatharoo alarda waAAamarooha akthara mimma AAamarooha wajaathum rusuluhum bialbayyinati fama kana Allahu liyathlimahum	The destroyed civilizations. **[Who misguides the disbelievers: Allah 6:25, 10:100, 28:56, 35:8; Allah does not misguide 9:115, Shaytan misguides 4:119, 15:39, 114:4-5, Humans himself , 6:12, 9:70, 30:9]**	Have they not traveled through the earth and observed how was the end of those before them? They were greater than them in power, and they plowed the earth and built it up more than they have built it up, and their messengers came to them with clear evidences. And Allah would not ever have wronged them, but they were wronging themselves.	30:9	क्या वे धरती में चले-फिरे नहीं कि देखते कि उन लोगों का कैसा परिणाम हुआ जो उनसे पहले थे? वे शक्ति में उनसे अधिक बलवान थे और उन्होंने धरती को उपजाया और उससे कहीं अधिक उसे आबाद किया जितना उन्होंने आबाद किया था। और उनके पास उनके रसूल प्रत्यक्ष प्रमाण लेकर आए। फिर अल्लाह ऐसा न था कि उनपर ज़ुल्म करता। किन्तु वे स्वयं ही अपने आप पर ज़ुल्म करते थे	नष्ट सभ्यताएँ। **[काफ़िरों को गुमराह करता है: अल्लाह 6:25, 10:100, 28:56, 35:8; अल्लाह गुमराह नहीं करता 9:115, शैतान गुमराह करता है 4:119, 15:39, 114:4-5, इंसान स्वयं, 6:12, 9:70, 30:9]**
Thumma kana AAaqibata allatheena asaoo alssooa an kaththaboo biayati Allahi wakanoo biha	x	Then the end of those who did evil was the worst [consequence] because they denied the signs of Allah and used to ridicule them.	30:10	फिर जिन लोगों ने बुरा किया था उनका परिणाम बुरा हुआ, क्योंकि उन्होंने अल्लाह की आयतों को झुठलाया और उनका उपहास करते रहे	x
Allahu yabdao alkhalqa thumma yuAAeeduhu thumma ilayhi turjaAAoona	x	Allah begins creation; then He will repeat it; then to Him you will be returned.	30:11	अल्लाह की सृष्टि का आरम्भ करता है। फिर वही उसकी पुनरावृति करता है। फिर उसी की ओर तुम पलटोगे	x
Wayawma taqoomu alssaAAatu yublisu almujrimoona	Criminals means those who don't believe in Islam.	And the Day the Hour appears the criminals will be in despair.	30:12	जिस दिन वह घड़ी आ खड़ी होगी, उस दिन अपराधी एकदम निराश होकर रह जाएँगे	अपराधी वे होते हैं जो इस्लाम में विश्वास नहीं करते।

Walam yakun lahum min shurakaihim shufaAAao wakanoo bishurakaihim kafireena	x	And there will not be for them among their [alleged] partners any intercessors, and they will [then] be disbelievers in their partners.	30:13	उनके ठहराए हुए साझीदारों में से कोई उनका सिफ़ारिश करनेवाला न होगा और वे स्वयं भी अपने साझीदारों का इनकार करेंगे	x
Wayawma taqoomu alssaAAatu yawmaithin yatafarraqoona	x	And the Day the Hour appears - that Day they will become separated.	30:14	और जिस दिन वह घड़ी आ खड़ी होगी, उस दिन वे सब अलग-अलग हो जाएँगे	x
Faamma allatheena amanoo waAAamiloo alssalihati fahum fee rawdatin yuhbaroona	x	And as for those who had believed and done righteous deeds, they will be in a garden [of Paradise], delighted.	30:15	अतः जो लोग ईमान लाए और उन्होंने अच्छे कर्म किए, वे एक बाग़ में प्रसन्नतापूर्वक रखे जाएँगे	x
Waamma allatheena kafaroo wakaththaboo biayatina waliqai alakhirati faolaika fee alAAathabi muhdaroona	x	But as for those who disbelieved and denied Our verses and the meeting of the Hereafter, those will be brought into the punishment [to remain].	30:16	किन्तु जिन लोगों ने इनकार किया और हमारी आयतों और आख़िरत की मुलाक़ात को झुठलाया, वे लाकर यातनाग्रस्त किए जाएँगे	x
Fasubhana Allahi heena tumsoona waheena tusbihoona	x	So exalted is Allah when you reach the evening and when you reach the morning.	30:17	अतः अब अल्लाह की तसबीह करो, जबकि तुम शाम करो और जब सुबह करो।	x
Walahu alhamdu fee alssamawati waalardi waAAashiyyan waheena tuthhiroona	x	And to Him is [due all] praise throughout the heavens and the earth. And [exalted is He] at night and when you are at noon.	30:18	और उसी के लिए सारे आकाशों और धरती में प्रशंसा है। और रात में और दोपहर में उसे महिमामय करो।	x

Yukhriju alhayya mina almayyiti wayukhriju almayyita mina alhayyi wayuhyee alarda baAAda mawtiha wakathalika	x	He brings the living out of the dead and brings the dead out of the living and brings to life the earth after its lifelessness. And thus will you be brought out.	30:19	वह जीवित को मृत से निकालता है और मृत को जीवित से, और धरती को उसकी मृत्यु के पश्चात जीवन प्रदान करता है। इसी प्रकार तुम भी निकाले जाओगे	x
Wamin ayatihi an khalaqakum min turabin thumma itha antum basharun tantashiroona	**[There are many contradicting verses some say water, some clay.]**	And of His signs is that He created you from dust; then, suddenly you were human beings dispersing [throughout the earth].	30:20	और यह उसकी निशानियों में से है कि उसने तुम्हें मिट्टी से पैदा किया। फिर क्या देखते है कि तुम मानव हो, फैलते जा रहे हो	**[कई विरोधाभासी श्लोक हैं, कुछ कहते हैं पानी, कुछ मिट्टी।]**
Wamin ayatihi an khalaqa lakum min anfusikum azwajan litaskunoo ilayha wajaAAala baynakum mawaddatan warahmatan inna fee thalika laayatin liqawmin yatafakkaroona	**[But many marriages end up in divorce.]**	And of His signs is that He created for you from yourselves mates that you may find tranquillity in them; and He placed between you affection and mercy. Indeed in that are signs for a people who give thought.	30:21	और यह भी उसकी निशानियों में से है कि उसने तुम्हारी ही सहजाति से तुम्हारे लिए जोड़े पैदा किए, ताकि तुम उसके पास शान्ति प्राप्त करो। और उसने तुम्हारे बीच प्रेम और दयालुता पैदा की। और निश्चय ही इसमें बहुत-सी निशानियाँ है उन लोगों के लिए जो सोच-विचार करते है	**[लेकिन कई शादियां तलाक में खत्म हो जाती हैं।]**
Wamin ayatihi khalqu alssamawati waalardi waikhtilafu alsinatikum waalwanikum inna fee thalika laayatin lilAAalimeena	x	And of His signs is the creation of the heavens and the earth and the diversity of your languages and your colors. Indeed in that are signs for those of knowledge.	30:22	और उसकी निशानियों में से आकाशों और धरती का सृजन और तुम्हारी भाषाओं और तुम्हारे रंगों की विविधता भी है। निस्संदेह इसमें ज्ञानवानों के लिए बहुत-सी निशानियाँ है	x

Wamin ayatihi manamukum biallayli waalnnahari waibtighaokum min fadlihi inna fee thalika laayatin	x	And of His signs is your sleep by night and day and your seeking of His bounty. Indeed in that are signs for a people who listen.	30:23	और उसकी निशानियों में से तुम्हारा रात और दिन का सोना और तुम्हारा उसके अनुग्रह की तलाश करना भी है। निश्चय ही इसमें निशानियाँ है उन लोगों के लिए जो सुनते है	x
Wamin ayatihi yureekumu albarqa khawfan watamaAAan wayunazzilu mina alssamai maan fayuhyee bihi alarda baAAda mawtiha inna fee thalika laayatin liqawmin yaAAqiloona	x	And of His signs is [that] He shows you the lightning [causing] fear and aspiration, and He sends down rain from the sky by which He brings to life the earth after its lifelessness. Indeed in that are signs for a people who use reason.	30:24	और उसकी निशानियों में से यह भी है कि वह तुम्हें बिजली की चमक भय और आशा उत्पन्न करने के लिए दिखाता है। और वह आकाश से पानी बरसाता है। फिर उसके द्वारा धरती को उसके निर्जीव हो जाने के पश्चात जीवन प्रदान करता है। निस्संदेह इसमें बहुत-सी निशानियाँ है उन लोगों के लिए जो बुद्धि से काम लेते है	x
Wamin ayatihi an taqooma alssamao waalardu biamrihi thumma itha daAAakum daAAwatan mina alardi itha antum takhrujoona	x	And of His signs is that the heaven and earth remain by His command. Then when He calls you with a [single] call from the earth, immediately you will come forth.	30:25	और उसकी निशानियों में से यह भी है कि आकाश और धरती उसके आदेश से क़ायम है। फिर जब वह तुम्हे एक बार पुकारकर धरती में से बुलाएगा, तो क्या देखेंगे कि सहसा तुम निकल पड़े	x
Walahu man fee alssamawati waalardi kullun lahu qanitoona	**[There are disbelivers and Atheists as well on this earth.]**	And to Him belongs whoever is in the heavens and earth. All are to Him devoutly obedient.	30:26	आकाशों और धरती में जो कोई भी उसी का है। प्रत्येक उसी के निष्ठावान आज्ञाकारी है	**[इस धरती पर अविश्वासी और नास्तिक भी पाए जाते हैं।]**

Wahuwa allathee yabdao alkhalqa thumma yuAAeeduhu wahuwa ahwanu AAalayhi walahu almathalu alaAAla fee alssamawati waalardi wahuwa alAAazeezu	x	And it is He who begins creation; then He repeats it, and that is [even] easier for Him. To Him belongs the highest attribute in the heavens and earth. And He is the Exalted in Might, the Wise.	30:27	वही है जो सृष्टि का आरम्भ करता है। फिर वही उसकी पुनरावृत्ति करेगा। और यह उसके लिए अधिक सरल है। आकाशों और धरती में उसी मिसाल (गुण) सर्वोच्च है। और वह अत्यन्त प्रभुत्वशाली, तत्वदर्शी हैं	x
Daraba lakum mathalan min anfusikum hal lakum mi mma malakat aymanukum min shurakaa fee ma razaqnakum faantum feehi sawaon takhafoonahum kakheefatikum anfusakum kathalika nufassilu alayati liqawmin	Here the parable of Allah is with the owner of many slaves. As the owner does not treats any of his slaves as partners, how can Allah do similar thing.	He presents to you an example from yourselves. Do you have among those whom your right hands possess any partners in what We have provided for you so that you are equal therein [and] would fear them as your fear of one another [within a partnership]? Thus do We detail the verses for a people who use reason.	30:28	उसने तुम्हारे लिए स्वयं तुम्हीं में से एक मिसाल पेश की है। क्या जो रोज़ी हमने तुम्हें दी है, उसमें तुम्हारे अधीनस्थों में से, कुछ तुम्हारे साझीदार है कि तुम सब उसमें बराबर के हो, तुम उनका ऐसा डर रखते हो जैसा अपने लोगों का डर रखते हो? - इसप्रकार हम उन लोगों के लिए आयतें खोल-खोलकर प्रस्तुत करते है जो बुद्धि से काम लेते है। -	यहाँ अल्लाह का उदाहरण कई दासों वाले मालिक के साथ है। जैसे मालिक किसी भी दास को साझेदार के रूप में नहीं मानता, वैसे ही अल्लाह ऐसा कैसे कर सकते हैं।
Bali ittabaAAa allatheena thalamoo ahwaahum bighayri AAilmin faman yahdee man adalla Allahu wama lahum min nasireena	x	But those who wrong follow their [own] desires without knowledge. Then who can guide one whom Allah has sent astray? And for them there are no helpers.	30:29	नहीं, बल्कि ये ज़ालिम तो बिना ज्ञान के अपनी इच्छाओं के पीछे चल पड़े। तो अब कौन उसे मार्ग दिखाएगा जिसे अल्लाह ने भटका दिया हो? ऐसे लोगो का तो कोई सहायक नहीं	x

Faaqim wajhaka lilddeeni haneefan fitrata Allahi allatee fatara alnnasa AAalayha la tabdeela likhalqi Allahi thalika alddeenu alqayyimu walakinna akthara alnnasi la yaAAlamoona	Islam believes every child is born on monothiesm and their parents lead them into polytheism. See Sahih Muslim 2658; **[But why muslims do circumcision to alter Allah's creation.]**	So direct your face toward the religion, inclining to truth. [Adhere to] the fitrah of Allah upon which He has created [all] people. No change should there be in the creation of Allah. That is the correct religion, but most of the people do not know.	30:30	अतः एक ओर का होकर अपने रुख़ को 'दीन' (धर्म) की ओर जमा दो, अल्लाह की उस प्रकृति का अनुसरण करो जिसपर उसने लोगों को पैदा किया। अल्लाह की बनाई हुई संरचना बदली नहीं जा सकती। यही सीधा और ठीक धर्म है, किन्तु अधिकतर लोग जानते नहीं।	इस्लाम मानता है कि हर बच्चा एकेश्वरवाद पर जन्म लेता है और उसके माता-पिता उन्हें पॉलिथिएज़्म की ओर ले जाते हैं। देखें साहिह मुस्लिम 2658; **[लेकिन मुसलमान अल्लाह की सृजन को बदलने के लिए खतना क्यों करते हैं।]**
Muneebeena ilayhi waittaqoohu waaqeemoo alssalata wala takoonoo mina almushrikeena	x	[Adhere to it], turning in repentance to Him, and fear Him and establish prayer and do not be of those who associate others with Allah	30:31	उसकी ओर रुजू करनेवाले (प्रवृत्त होनेवाले) रहो। और उसका डर रखो और नमाज़ का आयोजन करो और (अल्लाह का) साझी ठहरानेवालों में से न होना,	x
Mina allatheena farraqoo deenahum wakanoo shiyaAAan kullu hizbin bima ladayhim farihoona	This refers to the sects of Jews, Christians, Zoroastrians, and idol worshippers. **[However, Muslims have also divided into various sects like them.]**	[Or] of those who have divided their religion and become sects, every faction rejoicing in what it has.	30:32	उन लोगों में से जिन्होंने अपनी दीन (धर्म) को टुकड़े-टुकड़े कर डाला और गिरोहों में बँट गए। हर गिरोह के पास जो कुछ है, उसी में मग्न है	यह यहूदियों, ईसाइयों, ज़ोरोस्ट्रियों और मूर्तिपूजकों के संप्रदायों को संदर्भित करता है। **[हालांकि, मुसलमान भी उनके समान विभिन्न संप्रदायों में विभाजित हो गए हैं।]**

Waitha massa alnnasa durrun daAAaw rabbahum muneebeena ilayhi thumma itha athaqahum minhu rahmatan itha fareequn minhum birabbihim yushrikoona	x	And when adversity touches the people, they call upon their Lord, turning in repentance to Him. Then when He lets them taste mercy from Him, at once a party of them associate others with their Lord,	30:33	और जब लोगों को कोई तकलीफ़ पहुँचती है तो वे अपने रब को, उसकी ओर रुजू (प्रवृत) होकर पुकारते है। फिर जब वह उन्हें अपनी दयालुता का रसास्वादन करा देता है, तो क्या देखते है कि उनमें से कुछ लोग अपने रब का साझी ठहराने लगे;	x
Liyakfuroo bima ataynahum fatamattaAAoo fasawfa taAAlamoona	x	So that they will deny what We have granted them. Then enjoy yourselves, for you are going to know.	30:34	ताकि इस प्रकार वे उसके प्रति अकृतज्ञता दिखलाएँ जो कुछ हमने उन्हें दिया है। "अच्छा तो मज़े उड़ा लो, शीघ्र ही तुम जान लोगे।"	x
Am anzalna AAalayhim sultanan fahuwa yatakallamu bima kanoo bihi yushrikoona	x	Or have We sent down to them an authority, and it speaks of what they were associating with Him?	30:35	(क्या उनके देवताओं ने उनकी सहायता की थी) या हमने उनपर ऐसा कोई प्रमाण उतारा है कि वह उसके हक़ में बोलता हो, जो वे उसके साथ साझी ठहराते है	x
Waitha athaqna alnnasa rahmatan farihoo biha wain tusibhum sayyiatun bima qaddamat aydeehim itha hum yaqnatoona	x	And when We let the people taste mercy, they rejoice therein, but if evil afflicts them for what their hands have put forth, immediately they despair.	30:36	और जब हम लोगों को दयालुता का रसास्वादन कराते है तो वे उसपर इतराने लगते है; परन्तु जो कुछ उनके हाथों ने आगे भेजा है यदि उसके कारण उनपर कोई विपत्ति आ जाए, तो क्या देखते है कि वे निराश हो रहे है	x

Awalam yaraw anna Allaha yabsutu alrrizqa liman yashao wayaqdiru inna fee thalika laayatin liqawmin yuminoona	x	Do they not see that Allah extends provision for whom He wills and restricts [it]? Indeed, in that are signs for a people who believe.	30:37	क्या उन्होंने विचार नहीं किया कि अल्लाह जिसके लिए चाहता है रोज़ी कुशादा कर देता है और जिसके लिए चाहता है नपी-तुली कर देता है? निस्संदेह इसमें उन लोगों के लिए निशानियाँ है, जो ईमान लाएँ	x
Faati tha alqurba haqqahu waalmiskeena waibna alssabeeli thalika khayrun lillatheena yureedoona wajha Allahi waolaika humu almuflihoona	x	So give the relative his right, as well as the needy and the traveler. That is best for those who desire the countenance of Allah, and it is they who will be the successful.	30:38	अतः नातेदार को उसका हक़ दो और मुहताज और मुसाफ़िर को भी। यह अच्छा है उनके लिए जो अल्लाह की प्रसन्नता के इच्छुक हों और वही सफल है	x
Wama ataytum min riban liyarbuwa fee amwali alnnasi fala yarboo AAinda Allahi wama ataytum min zakatin tureedoona wajha Allahi faolaika humu almudAAifoona	Refers to Usury.	And whatever you give for interest to increase within the wealth of people will not increase with Allah. But what you give in zakah, desiring the countenance of Allah - those are the multipliers.	30:39	तुम जो कुछ ब्याज पर देते हो, ताकि वह लोगों के मालों में सम्मिलित होकर बढ़ जाए, तो वह अल्लाह के यहाँ नहीं बढ़ता। किन्तु जो ज़कात तुमने अल्लाह की प्रसन्नता प्राप्त करने के लिए दी, तो ऐसे ही लोग (अल्लाह के यहाँ) अपना माल बढ़ाते है	सूदखोरी को संदर्भित करता है।

Allahu allathee khalaqakum thumma razaqakum thumma yumeetukum thumma yuhyeekum hal min shurakaikum man yafAAalu min thalikum min shayin subhanahu wataAAala	**[No one should be charged for the death of another person, as Allah causes death.]**	Allah is the one who created you, then provided for you, then will cause you to die, and then will give you life. Are there any of your "partners" who does anything of that? Exalted is He and high above what they associate with Him.	30:40	अल्लाह ही है जिसने तुम्हें पैदा किया, फिर तुम्हें रोज़ी दी; फिर वह तुम्हें मृत्यु देता है; फिर तुम्हें जीवित करेगा। क्या तुम्हारे ठहराए हुए साझीदारों में भी कोई है, जो इन कामों में से कुछ कर सके? महान और उच्च है वह उसमें जो साझी वे ठहराते है	**[किसी को भी दूसरे व्यक्ति की मौत के लिए दोषी नहीं ठहराया जाना चाहिए, क्योंकि मौत अल्लाह के द्वारा होती है।]**
Thahara alfasadu fee albarri waalbahri bima kasabat aydee alnnasi liyutheeqahum baAAda allathee AAamiloo laAAallahum yarjiAAoona	x	Corruption has appeared throughout the land and sea by [reason of] what the hands of people have earned so He may let them taste part of [the consequence of] what they have done that perhaps they will return [to	30:41	थल और जल में बिगाड़ फैल गया स्वयं लोगों ही के हाथों की कमाई के कारण, ताकि वह उन्हें उनकी कुछ करतूतों का मज़ा चखाए, कदाचित वे बाज़ आ जाएँ	x
Qul seeroo fee alardi faonthuroo kayfa kana AAaqibatu allatheena min qablu kana aktharuhum	x	Say, [O Muhammad], "Travel through the land and observe how was the end of those before. Most of them were associators [of others with Allah].	30:42	कहो, "धरती में चल-फिरकर देखो कि उन लोगों का कैसा परिणाम हुआ जो पहले गुज़रे है। उनमें अधिकतर बहुदेववादी ही थे।"	x

Faaqim wajhaka lilddeeni alqayyimi min qabli an yatiya yawmun la maradda lahu mina Allahi yawmaithin yassaddaAAoona	**[But killing, rape, telling lie (Takaiyya) is permitted in Islam.]**	So direct your face toward the correct religion before a Day comes from Allah of which there is no repelling. That Day, they will be divided.	30:43	अतः तुम अपना रुख़ सीधे व ठीक धर्म की ओर जमा दो, इससे पहले कि अल्लाह की ओर से वह दिन आ जाए जिसके लिए वापसी नहीं। उस दिन लोग अलग-अलग हो जाएँगे	**[लेकिन हत्या करना, बलात्कार करना, झूठ बोलना (तकैय्या) इस्लाम में अनुमति है।]**
Man kafara faAAalayhi kufruhu waman AAamila salihan falianfusihim yamhadoona	x	Whoever disbelieves - upon him is [the consequence of] his disbelief. And whoever does righteousness - they are for themselves preparing,	30:44	जिस किसी ने इनकार किया तो उसका इनकार उसी के लिए घातक सिद्ध होगा, और जिन लोगों ने अच्छा कर्म किया वे अपने ही लिए आराम का साधन जुटा रहे है	x
Liyajziya allatheena amanoo waAAamiloo alssalihati min fadlihi innahu la yuhibbu alkafireena	x	That He may reward those who have believed and done righteous deeds out of His bounty. Indeed, He does not like the disbelievers.	30:45	ताकि वह अपने उदार अनुग्रह से उन लोगों को बदला दे जो ईमान लाए और उन्होंने अच्छे कर्म किए। निश्चय ही वह इनकार करनेवालों को पसन्द नहीं करता। -	x

Wamin ayatihi an yursila alrriyaha mubashshiratin waliyutheeqakum min rahmatihi walitajriya alfulku biamrihi walitabtaghoo min fadlihi walaAAallakum tashkuroona	x	And of His signs is that He sends the winds as bringers of good tidings and to let you taste His mercy and so the ships may sail at His command and so you may seek of His bounty, and perhaps you will be grateful.	30:46	और उसकी निशानियों में से यह भी है कि शुभ सूचना देनेवाली हवाएँ भेजता है (ताकि उनके द्वारा तुम्हें वर्षा की शुभ सूचना मिले) और ताकि वह तुम्हें अपनी दयालुता का रसास्वादन कराए और ताकि उसके आदेश से नौकाएँ चलें और ताकि तुम उसका अनुग्रह (रोज़ी) तलाश करो और कदाचित तुम कृतज्ञता दिखलाओ	x
Walaqad arsalna min qablika rusulan ila qawmihim fajaoohum bialbayyinati faintaqamna mina allatheena ajramoo wakana haqqan AAalayna nasru almumineena	x	And We have already sent messengers before you to their peoples, and they came to them with clear evidences; then We took retribution from those who committed crimes, and incumbent upon Us was support of the believers.	30:47	हम तुमसे पहले कितने ही रसूलों को उनकी क़ौम की ओर भेज चुके है और वे उनके पास खुली निशानियाँ लेकर आए। फिर हम उन लोगों से बदला लेकर रहे जिन्होंने अपराध किया, और ईमानवालों की सहायता करना तो हमपर एक हक़ है	x

Allahu allathee yursilu alrriyaha fatutheeru sahaban fayabsutuhu fee alssamai kayfa yashao wayajAAaluhu kisafan fatara alwadqa yakhruju min khilalihi faitha asaba bihi man yashao min AAibadihi itha hum yastabshiroona	**[Here the concept is that clouds are broken into small drops. But actually the clouds are made up of tiny droplets which join to form rain drops.]**	It is Allah who sends the winds, and they stir the clouds and spread them in the sky however He wills, and He makes them fragments so you see the rain emerge from within them. And when He causes it to fall upon whom He wills of His servants, immediately they rejoice	30:48	अल्लाह ही है जो हवाओं को भेजता है। फिर वे बादलों को उठाती हैं; फिर जिस तरह चाहता है उन्हें आकाश में फैला देता है और उन्हें परतों और टुकड़ियों का रूप दे देता है। फिर तुम देखते हो कि उनके बीच से वर्षा की बूँदें टपकी चली आती है। फिर जब वह अपने बन्दों में से जिनपर चाहता है, उसे बरसाता है। तो क्या देखते है कि वे हर्षित हो उठे	**[यहां विचार यह है कि बादल छोटे बूंदों में टूट जाते हैं। लेकिन वास्तव में, बादल छोटे-छोटे कणों से बने होते हैं जो मिलकर बारिश की बूंदें बनाते हैं।]**
Wain kanoo min qabli an yunazzala AAalayhim min qablihi lamubliseena	x	Although they were, before it was sent down upon them - before that, in despair.	30:49	जबकि इससे पूर्व, इससे पहले कि वह उनपर उतरे, वे बिलकुल निराश थे	x
Faonthur ila athari rahmati Allahi kayfa yuhyee alarda baAAda mawtiha inna thalika lamuhyee almawta wahuwa AAala kulli shayin qadeerun	x	So observe the effects of the mercy of Allah - how He gives life to the earth after its lifelessness. Indeed, that [same one] will give life to the dead, and He is over all things competent.	30:50	अतः देखो अल्लाह की दयालुता के चिन्ह! वह किस प्रकार धरती को उसके मृत हो जाने के पश्चात जीवन प्रदान करता है। निश्चय ही वह मुर्दों को जीवत करनेवाला है, और उसे हर चीज़ का सामर्थ्य प्राप्ती है	x

Walain arsalna reehan faraawhu musfarran lathalloo min baAAdihi yakfuroona	x	But if We should send a [bad] wind and they saw [their crops] turned yellow, they would remain thereafter disbelievers.	30:51	किन्तु यदि हम एक दूसरी हवा भेज दें, जिसके प्रभाव से वे उस (खेती) को पीली पड़ी हुई देखें तो इसके पश्चात वे कुफ़्र करने लग जाएँ	x
Fainnaka la tusmiAAu almawta wala tusmiAAu alssumma aldduAAaa itha wallaw mudbireena	x	So indeed, you will not make the dead hear, nor will you make the deaf hear the call when they turn their backs, retreating.	30:52	अतः तुम मुर्दों को नहीं सुना सकते और न बहरों को अपनी पुकार सुना सकते हो, जबकि वे पीठ फेरे चले जो रहे हों	x
Wama anta bihadi alAAumyi AAan dalalatihim in tusmiAAu illa man yuminu biayatina fahum muslimoona	x	And you cannot guide the blind away from their error. You will only make hear those who believe in Our verses so they are Muslims [in submission to Allah].	30:53	और न तुम अंधों को उनकी गुमराही से फेरकर मार्ग पर ला सकते हो। तुम तो केवल उन्हीं को सुना सकते हो जो हमारी आयतों पर ईमान लाएँ। तो वही आज्ञाकारी हैं	x
Allahu allathee khalaqakum min daAAfin thumma jaAAala min baAAdi daAAfin quwwatan thumma jaAAala min baAAdi quwwatin daAAfan washaybatan yakhluqu ma yashao wahuwa	Refers to the journey from childhood to elderly.	Allah is the one who created you from weakness, then made after weakness strength, then made after strength weakness and white hair. He creates what He wills, and He is the Knowing, the Competent.	30:54	अल्लाह ही है जिसनें तुम्हें निर्बल पैदा किया, फिर निर्बलता के पश्चात शक्ति प्रदान की; फिर शक्ति के पश्चात निर्बलता और बुढापा दिया। वह जो कुछ चाहता है पैदा करता है। वह जाननेवाला, सामर्थ्यवान है	यह बचपन से वृद्धावस्था तक की यात्रा को दर्शाता है।

Wayawma taqoomu alssaAAatu yuqsimu almujrimoona ma labithoo ghayra saAAatin kathalika kanoo yufakoona	x	And the Day the Hour appears the criminals will swear they had remained but an hour. Thus they were deluded.	30:55	जिस दिन वह घड़ी आ खड़ी होगी अपराधी क़सम खाएँगे कि वे घड़ी भर से अधिक नहीं ठहरें। इसी प्रकार वे उलटे फिरे चले जाते थे	x
Waqala allatheena ootoo alAAilma waaleemana laqad labithtum fee kitabi Allahi ila yawmi albaAAthi fahatha yawmu albaAAthi walakinnakum kuntum la taAAlamoona	x	But those who were given knowledge and faith will say, "You remained the extent of Allah 's decree until the Day of Resurrection, and this is the Day of Resurrection, but you did not used to know."	30:56	किन्तु जिन लोगों को ज्ञान और ईमान प्रदान हुआ, वे कहते, "अल्लाह के लेख में तो तुम जीवित होकर उठने के दिन ठहरे रहे हो। तो यही जीवित हो उठाने का दिन है। किन्तु तुम जानते न थे।"	x
Fayawmaithin la yanfaAAu allatheena thalamoo maAAthiratuhum wala hum yustaAAtaboona	x	So that Day, their excuse will not benefit those who wronged, nor will they be asked to appease [Allah].	30:57	अतः उस दिन ज़ुल्म करनेवालों को उनका कोई उज़्र (सफाई पेश करना) काम न आएगा और न उनसे यह चाहा जाएगा कि वे किसी यत्न से (अल्लाह के) प्रकोप को टाल सकें	x
Walaqad darabna lilnnasi fee hatha alqurani min kulli mathalin walain jitahum biayatin layaqoolanna allatheena kafaroo in antum illa mubtiloona	**[But many idol-worshipers accepted Islam.]**	And We have certainly presented to the people in this Qur'an from every [kind of] example. But, [O Muhammad], if you should bring them a sign, the disbelievers will surely say, "You [believers] are but falsifiers."	30:58	हमने इस क़ुरआन में लोगों के लिए प्रत्येक मिसाल पेश कर दी है। यदि तुम कोई भी निशानी उनके पास ले आओ, जिन लोगों ने इनकार किया है, वे तो यही कहेंगे, "तुम तो बस झूठ घड़ते हो।"	**[लेकिन कई मूर्ति पूजा करने वालों ने इस्लाम स्वीकार किया।]**

Kathalika yatbaAAu Allahu AAala quloobi allatheena la yaAAlamoona	**[Contradiction: Allah seals the hearts – 2:7, 4:155, 7:100, 7:101, 9:87, 9:93, 10:74, 16:108, 30:59, 40:35, 45:23, 47:16, 63:3; Does not seals – 2:20, 42:24, 6:46]**	Thus does Allah seal the hearts of those who do not know.	30:59	इस प्रकार अल्लाह उन लोगों के दिलों पर ठप्पा लगा देता है जो अज्ञानी है	**[विरोधाभास: अल्लाह दिलों पर ठप्पा लगा देते हैं – 2:7, 4:155, 7:100, 7:101, 9:87, 9:93, 10:74, 16:108, 30:59, 40:35, 45:23, 47:16, 63:3; नहीं लगाते – 2:20, 42:24, 6:46]**
Faisbir inna waAAda Allahi haqqun wala yastakhiffannaka allatheena la	x	So be patient. Indeed, the promise of Allah is truth. And let them not disquiet you who are not certain [in faith].	30:60	अतः धैर्य से काम लो निश्चय ही अल्लाह का वादा सच्चा है और जिन्हें विश्वास नहीं, वे तुम्हें कदापि हल्का न पाएँ	x
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Luqman**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**31:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**लुक़मान**
Aliflammeem	Mysterious letters	Alif, Lam, Meem.	31:1	अलिफ़॰ लाम॰ मीम॰	**रहस्यमय अक्षर**
Tilka ayatu alkitabi alhakeemi	**[Wise book should produce wise individuals.]**	These are verses of the wise Book,	31:2	(जो आयतें उतर रही हैं) वे तत्वज्ञान से परिपूर्ण किताब की आयते हैं	**[एक बुद्धिमान पुस्तक से बुद्धिमान व्यक्तियों का निर्माण होना चाहिए।]**
Hudan warahmatan lilmuhsineena	x	As guidance and mercy for the doers of good	31:3	मार्गदर्शन और दयालुता उत्तमकारों के लिए	**x**
Allatheena yuqeemoona alssalata wayutoona alzzakata wahum bialakhirati hum yooqinoona	x	Who establish prayer and give zakah, and they, of the Hereafter, are certain [in faith].	31:4	जो नमाज़ का आयोजन करते है और ज़कात देते है और आख़िरत पर विश्वास रखते है	**x**
Olaika AAala hudan min rabbihim waolaika humu almuflihoona	x	Those are on [right] guidance from their Lord, and it is those who are the successful.	31:5	वही अपने रब की ओर से मार्ग पर हैं और वही सफल है	**x**

Wamina alnnasi man yashtaree lahwa alhadeethi liyudilla AAan sabeeli Allahi bighayri AAilmin wayattakhithaha huzuwan olaika lahum AAathabun	This verse was revealed about al-Nadr ibn al-Harith. He used to travel to Persia and bought interesting stories to the Quraysh. They found his tales more entertaining and they shunned listening to the Qur'an.	And of the people is he who buys the amusement of speech to mislead [others] from the way of Allah without knowledge and who takes it in ridicule. Those will have a humiliating punishment.	31:6	लोगों में से कोई ऐसा भी है जो दिल को लुभानेवाली बातों का ख़रीदार बनता है, ताकि बिना किसी ज्ञान के अल्लाह के मार्ग से (दूसरों को) भटकाए और उनका परिहास करे। वही है जिनके लिए अपमानजनक यातना है	**यह आयत नज़र इब्न अल-हारिस के बारे में नाज़िल हुई। वह फ़ारस की यात्रा किया करता था और वहाँ से दिलचस्प कहानियाँ लाकर क़ुरैश को सुनाता था। लोग उसकी कहानियों को अधिक मनोरंजक पाते थे और क़ुरआन को सुनने से कतराते थे।**
Waitha tutla AAalayhi ayatuna walla mustakbiran kaan lam yasmaAAha kaanna fee othunayhi waqran fabashshirhu biAAathabin aleemin	x	And when our verses are recited to him, he turns away arrogantly as if he had not heard them, as if there was in his ears deafness. So give him tidings of a painful punishment.	31:7	जब उसे हमारी आयतें सुनाई जाती हैं तो वह स्वयं को बड़ा समझता हुआ पीठ फेरकर चल देता है, मानो उसने उन्हें सुना ही नहीं, मानो उसके काम बहरे है। अच्छा तो उसे एक दुखद यातना की शुभ सूचना दे दो	**x**
Inna allatheena amanoo waAAamiloo alssalihati lahum jannatu	x	Indeed, those who believe and do righteous deeds - for them are the Gardens of Pleasure.	31:8	अलबत्ता जो लोग ईमान लाए और उन्होंने अच्छे कर्म किए उनके लिए नेमत भरी जन्नतें हैं,	**x**
Khalideena feeha waAAda Allahi haqqan wahuwa alAAazeezu alhakeemu	x	Wherein they abide eternally; [it is] the promise of Allah [which is] truth. And He is the Exalted in Might, the Wise.	31:9	जिनमें वे सदैव रहेंगे। यह अल्लाह का सच्चा वादा है और वह अत्यन्त प्रभुत्वशाली, तत्वदर्शी है	**x**

Khalaqa alssamawati bighayri AAamadin tarawnaha waalqa fee alardi rawasiya an tameeda bikum wabaththa feeha min kulli dabbatin waanzalna mina alssamai maan faanbatna feeha min kulli zawjin kareemin	**[Yes, there are no pillars which are holding sky. But science says its an optical illusion.]**	He created the heavens without pillars that you see and has cast into the earth firmly set mountains, lest it should shift with you, and dispersed therein from every creature. And We sent down rain from the sky and made grow therein [plants] of every noble kind.	31:10	उसने आकाशों को पैदा किया, (जो थमें हुए हैं) बिना ऐसे स्तम्भों के जो तुम्हें दिखाई दें। और उसने धरती में पहाड़ डाल दिए कि ऐसा न हो कि तुम्हें लेकर डाँवाडोल हो जाए और उसने उसमें हर प्रकार के जानवर फैला दिए। और हमने ही आकाश से पानी उतारा, फिर उसमें हर प्रकार की उत्तम चीज़े उगाई	**[हाँ, आकाश को थामने वाले कोई स्तंभ नहीं हैं; लेकिन विज्ञान के अनुसार यह एक दृष्टि-भ्रम है।]**
Hatha khalqu Allahi faaroonee matha khalaqa allatheena min doonihi bali aliththalimoona fee dalalin mubeenin	**[Everyone believes their God / Gods as creater. Everyone has different names.]**	This is the creation of Allah. So show Me what those other than Him have created. Rather, the wrongdoers are in clear error.	31:11	यह तो अल्लाह की संरचना है। अब तनिक मुझे दिखाओं कि उससे हटकर जो दूसरे हैं (तुम्हारे ठहराए हुए प्रुभ) उन्होंने क्या पैदा किया हैं! नहीं, बल्कि ज़ालिम तो एक खुली गुमराही में पड़े हुए है	**[हर व्यक्ति अपने ईश्वर/देवताओं को सृष्टिकर्ता मानता है। सबके अलग-अलग नाम होते हैं।]**
Walaqad atayna luqmana alhikmata ani oshkur lillahi waman yashkur fainnama yashkuru linafsihi waman kafara fainna Allaha ghaniyyun hameedun	A wise man from Ethopia.	And We had certainly given Luqman wisdom [and said], "Be grateful to Allah." And whoever is grateful is grateful for [the benefit of] himself. And whoever denies [His favor] - then indeed, Allah is Free of need and Praiseworthy.	31:12	निश्चय ही हमने लुकमान को तत्वदर्शिता प्रदान की थी कि अल्लाह के प्रति कृतज्ञता दिखलाओ और जो कोई कृतज्ञता दिखलाए, वह अपने ही भले के लिए कृतज्ञता दिखलाता है। और जिसने अकृतज्ञता दिखलाई तो अल्लाह वास्तव में निस्पृह, प्रशंसनीय है	इथियोपिया का एक बुद्धिमान व्यक्ति।

Waith qala luqmanu liibnihi wahuwa yaAAithuhu ya bunayya la tushrik biAllahi inna alshshirka lathulmun AAatheemun	x	And [mention, O Muhammad], when Luqman said to his son while he was instructing him, "O my son, do not associate [anything] with Allah. Indeed, association [with him] is great	31:13	याद करो जब लुकमान ने अपने बेटे से, उसे नसीहत करते हुए कहा, "ऐ मेरे बेटे! अल्लाह का साझी न ठहराना। निश्चय ही शिर्क (बहुदेववाद) बहुत बड़ा ज़ुल्म है।"	x
Wawassayna alinsana biwalidayhi hamalathu ommuhu wahnan AAala wahnin wafisaluhu fee AAamayni ani oshkur lee waliwalidayka ilayya almaseeru	x	And We have enjoined upon man [care] for his parents. His mother carried him, [increasing her] in weakness upon weakness, and his weaning is in two years. Be grateful to Me and to your parents; to Me is the [final] destination.	31:14	और हमने मनुष्य को उसके अपने माँ-बाप के मामले में ताकीद की है - उसकी माँ ने निढाल होकर उसे पेट में रखा और दो वर्ष उसके दूध छूटने में लगे - कि "मेरे प्रति कृतज्ञ हो और अपने माँ-बाप के प्रति भी। अंततः मेरी ही ओर आना है	x

Wain jahadaka AAala an tushrika bee ma laysa laka bihi AAilmun fala tutiAAhuma wasahibhuma fee alddunya maAAroofan waittabiAA sabeela man anaba ilayya thumma ilayya marjiAAukum faonabbiokum bima kuntum taAAmaloona	**[Contradiction: Give good care to parents 2:83, 2:215, 4:36, 6:151, 17:23, 31:15, 46:15, Don't care for them if they reject Islam, 9:23, 19:48, 58:22, 60:4] One's kindness toward one's parents should stops if they are trying to turn the believer away from Islam (29:8); Why would Luqman advice his sons about disbelieving parents, while he was a believing person.]**	But if they endeavor to make you associate with Me that of which you have no knowledge, do not obey them but accompany them in [this] world with appropriate kindness and follow the way of those who turn back to Me [in repentance]. Then to Me will be your return, and I will inform you about what you used to do.	31:15	किन्तु यदि वे तुझपर दबाव डाले कि तू किसी को मेरे साथ साझी ठहराए, जिसका तुझे ज्ञान नहीं, तो उसकी बात न मानना और दुनिया में उसके साथ भले तरीके से रहना। किन्तु अनुसरण उस व्यक्ति के मार्ग का करना जो मेरी ओर रुजू हो। फिर तुम सबको मेरी ही ओर पलटना है; फिर मैं तुम्हें बता दूँगा जो कुछ तुम करते रहे होगे।"-	**[विरोधाभास: माता-पिता के साथ अच्छा व्यवहार करने का आदेश (2:83, 2:215, 4:36, 6:151, 17:23, 31:15, 46:15), और यदि वे इस्लाम को अस्वीकार करें तो उनसे संबंध न रखने की बात (9:23, 19:48, 58:22, 60:4)। किसी व्यक्ति की अपने माता-पिता के प्रति भलाई उस स्थिति में रुक जानी चाहिए जब वे उसे इस्लाम से दूर करने की कोशिश करें (29:8); फिर लुक़मान अपने बेटे को अविश्वासी माता-पिता के बारे में क्यों सलाह देते हैं, जबकि वह स्वयं एक ईमान वाले व्यक्ति थे?]**
Ya bunayya innaha in taku mithqala habbatin min khardalin fatakun fee sakhratin aw fee alssamawati aw fee alardi yati biha Allahu inna Allaha lateefun khabeerun	x	[And Luqman said], "O my son, indeed if wrong should be the weight of a mustard seed and should be within a rock or [anywhere] in the heavens or in the earth, Allah will bring it forth. Indeed, Allah is Subtle and	31:16	"ऐ मेरे बेटे! इसमें सन्देह नहीं कि यदि वह राई के दाने के बराबर भी हो, फिर वह किसी चट्टान के बीच हो या आकाशों में हो या धरती में हो, अल्लाह उसे ला उपस्थित करेगा। निस्संदेह अल्लाह अत्यन्त सूक्ष्मदर्शी, ख़बर रखनेवाला है।	x

Ya bunayya aqimi alssalata wamur bialmaAAroofi wainha AAani almunkari waisbir AAala ma asabaka inna thalika min AAazmi alomoori	x	O my son, establish prayer, enjoin what is right, forbid what is wrong, and be patient over what befalls you. Indeed, [all] that is of the matters [requiring] determination.	31:17	"ऐ मेरे बेटे! नमाज़ का आयोजन कर और भलाई का हुक्म दे और बुराई से रोक और जो मुसीबत भी तुझपर पड़े उसपर धैर्य से काम ले। निस्संदेह ये उन कामों में से है जो अनिवार्य और दृढसंकल्प के काम है	x
Wala tusaAAAAir khaddaka lilnnasi wala tamshi fee alardi marahan inna Allaha la yuhibbu kulla mukhtalin fakhoorin	x	And do not turn your cheek [in contempt] toward people and do not walk through the earth exultantly. Indeed, Allah does not like everyone self-deluded and boastful.	31:18	"और लोगों से अपना रूख़ न फेर और न धरती में इतराकर चल। निश्चय ही अल्लाह किसी अहंकारी, डींग मारनेवाले को पसन्द नहीं करता	x
Waiqsid fee mashyika waoghdud min sawtika inna ankara alaswati lasawtu alhameeri	x	And be moderate in your pace and lower your voice; indeed, the most disagreeable of sounds is the voice of donkeys."	31:19	"और अपनी चाल में सहजता और संतुलन बनाए रख और अपनी आवाज़ धीमी रख। निस्संदेह आवाज़ों में सबसे बुरी आवाज़ गधों की आवाज़ होती है।"	x

Alam taraw anna Allaha sakhkhara lakum ma fee alssamawati wama fee alardi waasbagha AAalaykum niAAamahu thahiratan wabatinatan wamina alnnasi man yujadilu fee Allahi bighayri AAilmin wala hudan wala kitabin	x	Do you not see that Allah has made subject to you whatever is in the heavens and whatever is in the earth and amply bestowed upon you His favors, [both] apparent and unapparent? But of the people is he who disputes about Allah without knowledge or guidance or an enlightening Book [from Him].	31:20	क्या तुमने देखा नहीं कि अल्लाह ने, जो कुछ आकाशों में और जो कुछ धरती में है, सबको तुम्हारे काम में लगा रखा है और उसने तुमपर अपनी प्रकट और अप्रकट अनुकम्पाएँ पूर्ण कर दी है? इसपर भी कुछ लोग ऐसे है जो अल्लाह के विषय में बिना किसी ज्ञान, बिना किसी मार्गदर्शन और बिना किसी प्रकाशमान किताब के झगड़ते है	x
Waitha qeela lahumu ittabiAAoo ma anzala Allahu qaloo bal nattabiAAu ma wajadna AAalayhi abaana awalaw kana alshshaytanu yadAAoohum ila AAathabi alssaAAeeri	x	And when it is said to them, "Follow what Allah has revealed," they say, "Rather, we will follow that upon which we found our fathers." Even if Satan was inviting them to the punishment of the Blaze?	31:21	अब जब उनसे कहा जाता है कि "उस चीज़ का अनुसरण करो जो अल्लाह न उतारी है," तो कहते है, "नहीं, बल्कि हम तो उस चीज़ का अनुसरण करेंगे जिसपर हमने अपने बाप-दादा को पाया है।" क्या यद्यपि शैतान उनको भड़कती आग की यातना की ओर बुला रहा हो तो भी?	x
Waman yuslim wajhahu ila Allahi wahuwa muhsinun faqadi istamsaka bialAAurwati alwuthqa waila Allahi AAaqibatu	x	And whoever submits his face to Allah while he is a doer of good - then he has grasped the most trustworthy handhold. And to Allah will be the outcome of [all] matters.	31:22	जो कोई आज्ञाकारिता के साथ अपना रुख़ अल्लाह की ओर करे, और वह उत्तमकर भी हो तो उसने मज़बूत सहारा थाम लिया। सारे मामलों की परिणति अल्लाह ही की ओर है	x

Waman kafara fala yahzunka kufruhu ilayna marjiAAuhum fanunabbiohum bima AAamiloo inna Allaha AAaleemun bithati alssudoori	**[Abrogated by Apostasy law.]**	And whoever has disbelieved - let not his disbelief grieve you. To Us is their return, and We will inform them of what they did. Indeed, Allah is Knowing of that within the breasts.	31:23	और जिस किसी ने इनकार किया तो उसका इनकार तुम्हें शोकाकुल न करे। हमारी ही ओर तो उन्हें पलटकर आना है। फिर जो कुछ वे करते रहे होंगे, उससे हम उन्हें अवगत करा देंगे। निस्संदेह अल्लाह सीनों की बात तक जानता है	**[इसे बाद में इर्तिदाद (धर्मत्याग) के कानून द्वारा निरस्त (मंसूख) कर दिया गया।]**
NumattiAAuhum qaleelan thumma nadtarruhum ila AAathabin	x	We grant them enjoyment for a little; then We will force them to a massive punishment.	31:24	हम उन्हें थोड़ा मज़ा उड़ाने देंगे। फिर उन्हें विवश करके एक कठोर यातना की ओर खींच ले जाएँगे	**x**
Walain saaltahum man khalaqa alssamawati waalarda layaqoolunna Allahu quli alhamdu lillahi bal aktharuhum la	x	And if you asked them, "Who created the heavens and earth?" they would surely say, "Allah." Say, "[All] praise is [due] to Allah "; but most of them do not know.	31:25	यदि तुम उनसे पूछो कि "आकाशों और धरती को किसने पैदा किया?" तो वे अवश्य कहेंगे कि "अल्लाह ने।" कहो, "प्रशंसा भी अल्लाह के लिए है।" वरन उनमें से अधिकांश जानते नहीं	**x**
Lillahi ma fee alssamawati waalardi inna Allaha huwa alghaniyyu	x	To Allah belongs whatever is in the heavens and earth. Indeed, Allah is the Free of need, the Praiseworthy.	31:26	आकाशों और धरती में जो कुछ है अल्लाह ही का है। निस्संदेह अल्लाह ही निस्पृह, स्वतः प्रशंसित है	**x**

Walaw annama fee alardi min shajaratin aqlamun waalbahru yamudduhu min baAAdihi sabAAatu abhurin ma nafidat kalimatu Allahi inna Allaha AAazeezun hakeemun	When the Messenger of Allah (pbuh) migrated to Medina, Jewish doctors went to see him and said: 'O Muhammad, we have been informed that you said people have little knowledge. Are you referring, by this, to us or to your people? Then this verse was revealed.	And if whatever trees upon the earth were pens and the sea [was ink], replenished thereafter by seven [more] seas, the words of Allah would not be exhausted. Indeed, Allah is Exalted in Might and Wise.	31:27	धरती में जितने वृक्ष है, यदि वे क़लम हो जाएँ और समुद्र उसकी स्याही हो जाए, उसके बाद सात और समुद्र हों, तब भी अल्लाह के बोल समाप्त न हो सकेंगे। निस्संदेह अल्लाह अत्यन्त प्रभुत्वशाली, तत्वदर्शी है	जब पैग़म्बर मुहम्मद स. मदीना की ओर हिजरत करके आए, तो कुछ यहूदी विद्वान उनसे मिलने आए और कहा: "ऐ मुहम्मद, हमें बताया गया है कि आपने कहा है कि लोगों को बहुत कम ज्ञान दिया गया है। क्या आप इससे हमारा इशारा कर रहे हैं या अपनी क़ौम का?" तब यह आयत नाज़िल हुई।
Ma khalqukum wala baAAthukum illa kanafsin wahidatin inna Allaha sameeAAun baseerun	x	Your creation and your resurrection will not be but as that of a single soul. Indeed, Allah is Hearing and Seeing.	31:28	तुम सबका पैदा करना और तुम सबका जीवित करके पुनः उठाना तो बस ऐसा है, जैसे एक जीव का। अल्लाह तो सब कुछ सुनता, देखता है	x
Alam tara anna Allaha yooliju allayla fee alnnahari wayooliju alnnahara fee allayli wasakhkhara alshshamsa waalqamara kullun yajree ila ajalin musamman waanna Allaha bima taAAmaloona khabeerun	**[How night can enter day. Also there is no mention of movement of earth. Here sun comes with occurrence of day and night. It is not talking about galactic rotation which takes 225 million years.]**	Do you not see that Allah causes the night to enter the day and causes the day to enter the night and has subjected the sun and the moon, each running [its course] for a specified term, and that Allah, with whatever you do, is Acquainted?	31:29	क्या तुमने देखा नहीं कि अल्लाह रात को दिन में प्रविष्ट करता है और दिन को रात में प्रविष्ट करता है। उसने सूर्य और चन्द्रमा को काम में लगा रखा है? प्रत्येक एक नियत समय तक चला जा रहा है और इसके साथ यह कि जो कुछ भी तुम करते हो, अल्लाह उसकी पूरी ख़बर रखता है	**[रात दिन में कैसे प्रवेश कर सकती है? साथ ही यहाँ पृथ्वी के घूर्णन का कोई उल्लेख नहीं है। यहाँ सूर्य को दिन और रात के होने के साथ जोड़ा गया है। यह आकाशगंगा की परिक्रमा की बात नहीं कर रहा, जिसमें लगभग 225 मिलियन वर्ष लगते हैं।]**

Thalika bianna Allaha huwa alhaqqu waanna ma yadAAoona min doonihi albatilu waanna Allaha huwa alAAaliyyu	x	That is because Allah is the Truth, and that what they call upon other than Him is falsehood, and because Allah is the Most High, the Grand.	31:30	यह सब कुछ इस कारण से है कि अल्लाह ही सत्य है और यह कि उसे छोड़कर जिनको वे पुकारते है, वे असत्य है। और यह कि अल्लाह ही सर्वोच्च, महान है	x
Alam tara anna alfulka tajree fee albahri biniAAmati Allahi liyuriyakum min ayatihi inna fee thalika laayatin likulli sabbarin shakoorin	**[Ship sail by natural laws.]**	Do you not see that ships sail through the sea by the favor of Allah that He may show you of His signs? Indeed in that are signs for everyone patient and grateful.	31:31	क्या तुमने देखा नहीं कि नौका समुद्र में अल्लाह के अनुग्रह से चलती है, ताकि वह तुम्हें अपनी कुछ निशानियाँ दिखाए। निस्संदेह इसमें प्रत्येक धैर्यवान, कृतज्ञ के लिए निशानियाँ है	**[जहाज़ प्राकृतिक नियमों के अनुसार चलते हैं।]**
Waitha ghashiyahum mawjun kaalaththulali daAAawoo Allaha mukhliseena lahu alddeena falamma najjahum ila albarri faminhum muqtasidun wama yajhadu biayatina illa kullu khattarin kafoorin	x	And when waves come over them like canopies, they supplicate Allah, sincere to Him in religion. But when He delivers them to the land, there are [some] of them who are moderate [in faith]. And none rejects Our signs except everyone treacherous and ungrateful.	31:32	और जब कोई मौज छाया-छत्रों की तरह उन्हें ढाँक लेती है, तो वे अल्लाह को उसी के लिए अपने निष्ठाभाव के विशुद्ध करते हुए पुकारते है, फिर जब वह उन्हें बचाकर स्थल तक पहुँचा देता है, तो उनमें से कुछ लोग संतुलित मार्ग पर रहते है। (अधिकांश तो पुनः पथभ्रष्ट हो जाते है।) हमारी निशानियों का इनकार तो बस प्रत्येक वह व्यक्ति करता है जो विश्वासघाती, कृतघ्न हो	x

Ya ayyuha alnnasu ittaqoo rabbakum waikhshaw yawman la yajzee walidun AAan waladihi wala mawloodun huwa jazin AAan walidihi shayan inna waAAda Allahi haqqun fala taghurrannakumu alhayatu alddunya wala yaghurrannakum	x	O mankind, fear your Lord and fear a Day when no father will avail his son, nor will a son avail his father at all. Indeed, the promise of Allah is truth, so let not the worldly life delude you and be not deceived about Allah by the Deceiver.	31:33	ऐ लोगों! अपने रब का डर रखो और उस दिन से डरो जब न कोई बाप अपनी औलाद की ओर से बदला देगा और न कोई औलाद ही अपने बाप की ओर से बदला देनेवाली होगी। निश्चय ही अल्लाह का वादा सच्चा है। अतः सांसारिक जीवन कदापि तुम्हें धोखे में न डाले। और न अल्लाह के विषय में वह धोखेबाज़ तुम्हें धोखें में डाले	**x**
Inna Allaha AAindahu AAilmu alssaAAati wayunazzilu alghaytha wayaAAlamu ma fee alarhami wama tadree nafsun matha taksibu ghadan wama tadree nafsun biayyi ardin tamootu inna Allaha AAaleemun khabeerun	This verse was revealed about a man from the desert, who asked the Prophet (pbuh) about the Hour and its exact timing. He also asked: 'Our land has dried up, when is it going to rain? And I left my wife pregnant, when is she going to give birth? And I know in which land I was born, but in which land am I going to die?' And so this verse was revealed. **[But now we can see inside womb by ultrasound; What about people committing suicide and those being given capital punishment.]**	Indeed, Allah [alone] has knowledge of the Hour and sends down the rain and knows what is in the wombs. And no soul perceives what it will earn tomorrow, and no soul perceives in what land it will die. Indeed, Allah is Knowing and Acquainted.	31:34	निस्संदेह उस घड़ी का ज्ञान अल्लाह ही के पास है। वही मेंह बरसाता है और जानता है जो कुछ गर्भाशयों में होता है। कोई व्यक्ति नहीं जानता कि कल वह क्या कमाएगा और कोई व्यक्ति नहीं जानता है कि किस भूभाग में उसक मृत्यु होगी। निस्संदेह अल्लाह जाननेवाला, ख़बर रखनेवाला है	**यह आयत एक रेगिस्तान के व्यक्ति के बारे में नाज़िल हुई, जिसने पैग़म्बर मुहम्मद स. से क़ियामत और उसके निश्चित समय के बारे में पूछा। उसने यह भी पूछा: "हमारी ज़मीन सूख गई है, बारिश कब होगी? और मैं अपनी पत्नी को गर्भवती छोड़कर आया हूँ, वह कब जन्म देगी? और मैं जानता हूँ कि मैं किस ज़मीन में पैदा हुआ, लेकिन मैं किस ज़मीन में मरूँगा?" — तब यह आयत नाज़िल हुई। [लेकिन आज हम अल्ट्रासाउंड के माध्यम से गर्भ के अंदर देख सकते हैं; और जो लोग आत्महत्या करते हैं या जिन्हें सज़ा-ए-मौत दी जाती है, उनके बारे में क्या कहा जाएगा?]**

Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**As-Sajda (The Prostration)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**32:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अस-सज्दा (सज्दा)**
Aliflammeem	Mysterious letters	Alif, Lam, Meem.	32:1	अलिफ़° लाम° मीम°	x
Tanzeelu alkitabi la rayba feehi min rabbi alAAalameena	**[A Great claim despite of so many contradictions and scientific errors.]**	[This is] the revelation of the Book about which there is no doubt from the Lord of the worlds.	32:2	इस किताब का अवतरण - इसमें सन्देह नहीं - सारे संसार के रब की ओर से है	x
Am yaqooloona iftarahu bal huwa alhaqqu min rabbika litunthira qawman ma atahum min natheerin min qablika laAAallahum yahtadoona	**[Contradiction: Whether any prophet was send to Mecca before Prophet Muhammad (pbuh), No 28:46, 32:3, 34:44, Yes 2:125, 10:47]**	Or do they say, "He invented it"? Rather, it is the truth from your Lord, [O Muhammad], that you may warn a people to whom no warner has come before you [so] perhaps they will be guided.	32:3	(क्या वे इसपर विश्वास नहीं रखते) या वे कहते है कि "इस व्यक्ति ने इसे स्वयं ही घड़ लिया है?" नहीं, बल्कि वह सत्य है तेरे रब की ओर से, ताकि तू उन लोगों को सावधान कर दे जिनके पास तुझसे पहले कोई सावधान करनेवाला नहीं आया। कदाचित वे मार्ग पाएँ	**[विरोधाभास: क्या पैग़म्बर मुहम्मद (स.) से पहले मक्का में कोई नबी भेजा गया था—नहीं: 28:46, 32:3, 34:44; हाँ: 2:125, 10:47]**
Allahu allathee khalaqa alssamawati waalarda wama baynahuma fee sittati ayyamin thumma istawa AAala alAArshi ma lakum min doonihi min waliyyin wala shafeeAAin afala tatathakkaroona	**[Allah made heaven and earth in: 6 days 10:3, 11:7, 32:4, 25:59, 50:38, 8 days 41:9-12; Contradiction: No intercession accepted (2:48, 2:123, 6:51, 6:94, 23:101, 32:4, 39:43-44, 42:46). Intercession is accepted with Allah's permission (2:255, 4:64, 10:3, 19:87, 20:109, 21:28, 34:23, 53:26)]**	It is Allah who created the heavens and the earth and whatever is between them in six days; then He established Himself above the Throne. You have not besides Him any protector or any intercessor; so will you not be reminded?	32:4	अल्लाह ही है जिसने आकाशों और धरती को और जो कुछ दोनों के बीच है छह दिनों में पैदा किया। फिर सिंहासन पर विराजमान हुआ। उससे हटकर न तो तुम्हारा कोई संरक्षक मित्र है और न उसके मुक़ाबले में कोई सिफ़ारिस करनेवाला। फिर क्या तुम होश में न आओगे?	**[अल्लाह ने आकाश और पृथ्वी को बनाया: 6 दिनों में (10:3, 11:7, 32:4, 25:59, 50:38), और 8 दिनों में (41:9–12); विरोधाभास: कोई शफ़ाअत (सिफ़ारिश) स्वीकार नहीं की जाएगी (2:48, 2:123, 6:51, 6:94, 23:101, 32:4, 39:43-44, 42:46), जबकि शफ़ाअत केवल अल्लाह की अनुमति से स्वीकार की जाती है (2:255, 4:64, 10:3, 19:87, 20:109, 21:28, 34:23, 53:26)]**

Yudabbiru alamra mina alssamai ila alardi thumma yaAAruju ilayhi fee yawmin kana miqdaruhu alfa sanatin mimma taAAuddoona	**[Time for angels to travel to heaven 32:5, 22:47: 1000 years, 70:4: 50000 years]**	He arranges [each] matter from the heaven to the earth; then it will ascend to Him in a Day, the extent of which is a thousand years of those which you count.	32:5	वह कार्य की व्यवस्था करता है आकाश से धरती तक - फिर सारे मामले उसी की तरफ़ लौटते है - एक दिन में, जिसकी माप तुम्हारी गणना के अनुसार एक हज़ार वर्ष है	**[फ़रिश्तों को आसमान तक पहुँचने का समय: 32:5 और 22:47 में 1000 वर्ष, जबकि 70:4 में 50000 वर्ष]**
Thalika AAalimu alghaybi waalshshahadati alAAazeezu alrraheemu	x	That is the Knower of the unseen and the witnessed, the Exalted in Might, the Merciful,	32:6	वही है परोक्ष और प्रत्यक्ष का जाननेवाला अत्यन्त प्रभुत्वशाली, दयावान है	x
Allathee ahsana kulla shayin khalaqahu wabadaa khalqa alinsani min teenin	The statement that everything Allah created is good appears to contradict the idea that Allah created many jinns and men for hell (see 7:179, 10:99, and 32:13). **[There are congential diseases, genetic mutations as well.]**	Who perfected everything which He created and began the creation of man from clay.	32:7	जिसने हरेक चीज़, जो बनाई ख़ूब ही बनाई और उसने मनुष्य की संरचना का आरम्भ गारे से किया	यह कथन कि “अल्लाह ने जो कुछ पैदा किया वह सब अच्छा है” ऐसा प्रतीत होता है कि इससे यह विचार विरोधाभासी हो जाता है कि अल्लाह ने बहुत से जिन्नों और मनुष्यों को जहन्नम के लिए पैदा किया (देखें 7:179, 10:99, 32:13)। **[साथ ही जन्मजात रोग और आनुवंशिक उत्परिवर्तन भी मौजूद हैं।]**
Thumma jaAAala naslahu min sulalatin min main	x	Then He made his posterity out of the extract of a liquid disdained.	32:8	फिर उसकी सन्तति एक तुच्छ पानी के सत से चलाई	x
Thumma sawwahu wanafakha feehi min roohihi wajaAAala lakumu alssamAAa waalabsara waalafidata qaleelan	x	Then He proportioned him and breathed into him from His [created] soul and made for you hearing and vision and hearts; little are you grateful.	32:9	फिर उसे ठीक-ठीक किया और उसमें अपनी रूह (आत्मा) फूँकी। और तुम्हें कान और आँखें और दिल दिए। तुम आभारी थोड़े ही होते हो	x

Waqaloo aitha dalalna fee alardi ainna lafee khalqin jadeedin bal hum biliqai rabbihim kafiroona	Allah will again brings humans alive in same bodies.	And they say, "When we are lost within the earth, will we indeed be [recreated] in a new creation?" Rather, they are, in [the matter of] the meeting with their Lord,	32:10	और उन्होंने कहा, "जब हम धरती में रल-मिल जाएँगे तो फिर क्या हम वास्तब में नवीन काय में जीवित होंगे?" नहीं, बल्कि उन्हें अपने रब से मिलने का इनकार है	अल्लाह मनुष्यों को फिर से उसी शरीर में जीवित करेगा।
Qul yatawaffakum malaku almawti allathee wukkila bikum thumma ila rabbikum turjaAAoona	**[Contradiction: Who will take the soul: 32:11 Single Angel, 39:42 Allah will take soul, Many Angels will take soul 4:97, 8:50, 47:27.]**	Say, "The angel of death will take you who has been entrusted with you. Then to your Lord you will be returned."	32:11	कहो, "मृत्यु का फ़रिश्ता जो तुमपर नियुक्त है, वह तुम्हें पूर्ण रूप से अपने क़ब्ज़े में ले लेता है। फिर तुम अपने रब की ओर वापस होंगे।"	**[विरोधाभास: आत्मा कौन निकालेगा—32:11 में एक फ़रिश्ता; 39:42 में अल्लाह आत्मा लेता है; 4:97, 8:50, 47:27 में कई फ़रिश्ते आत्मा निकालते हैं]**
Walaw tara ithi almujrimoona nakisoo ruoosihim AAinda rabbihim rabbana absarna wasamiAAna faarjiAAna naAAmal salihan inna mooqinoona	x	If you could but see when the criminals are hanging their heads before their Lord, [saying], "Our Lord, we have seen and heard, so return us [to the world]; we will work righteousness. Indeed, we are [now] certain."	32:12	और यदि कहीं तुम देखते जब वे अपराधी अपने रब के सामने अपने सिर झुकाए होंगे कि "हमारे रब! हमने देख लिया और सुन लिया। अब हमें वापस भेज दे, ताकि हम अच्छे कर्म करें। निस्संदेह अब हमें विश्वास हो गया।"	x
Walaw shina laatayna kulla nafsin hudaha walakin haqqa alqawlu minnee laamlaanna jahannama mina aljinnati waalnnasi ajmaAAeena	**[Then what is the purpose of sending prophets to all nations; Why prophets are trying to save people from Hell while Allah's plan is to fill the Hell.]**	And if We had willed, We could have given every soul its guidance, but the word from Me will come into effect [that] "I will surely fill Hell with jinn and people all together.	32:13	यदि हम चाहते तो प्रत्येक व्यक्ति को उसका अपना संमार्ग दिखा देते, तिन्तु मेरी ओर से बात सत्यापित हो चुकी है कि "मैं जहन्नम को जिन्नों और मनुष्यों, सबसे भरकर रहूँगा।"	**[सभी क़ौमों में पैग़म्बरों को भेजने का उद्देश्य क्या है; जबकि पैग़म्बर लोगों को जहन्नम से बचाने की कोशिश करते हैं, और अल्लाह की 'योजना' से ऐसा प्रतीत होता है कि वह जहन्नम को भरना चाहता है।]**

Fathooqoo bima naseetum liqaa yawmikum hatha inna naseenakum wathooqoo AAathaba alkhuldi bima kuntum taAAmaloona	x	So taste [punishment] because you forgot the meeting of this, your Day; indeed, We have [accordingly] forgotten you. And taste the punishment of eternity for what you used to do."	32:14	अतः अब चखो मज़ा, इसका कि तुमने अपने इस दिन के मिलन को भुलाए रखा। तो हमने भी तुम्हें भुला दिया। शाश्वत यातना का रसास्वादन करो, उसके बदले में जो तुम करते रहे हो	x
Innama yuminu biayatina allatheena itha thukkiroo biha kharroo sujjadan wasabbahoo bihamdi rabbihim wahum la	This is one of several Qur'anic verses that are designated in Islamic tradition as verses of prostration: the believer is to make a prostration whenever the verse is recited.	Only those believe in Our verses who, when they are reminded by them, fall down in prostration and exalt [Allah] with praise of their Lord, and they are not arrogant.	32:15	हमारी आयतों पर जो बस वही लोग ईमान लाते है, जिन्हें उनके द्वारा जब याद दिलाया जाता है तो सजदे में गिर पड़ते है और अपने रब का गुणगान करते है और घमंड नहीं करते	यह कुरआन की उन कई आयतों में से एक है जिन्हें इस्लामी परंपरा में "सज्दा-ए-तिलावत" (सजदे की आयतें) कहा जाता है: जब भी यह आयत तिलावत (पढ़ी) जाती है, तो ईमान वाले के लिए सज्दा करना सुन्नत/अनुशंसित माना जाता है।
Tatajafa junoobuhum AAani almadajiAAi yadAAoona rabbahum khawfan watamaAAan wamimma razaqnahum	x	They arise from [their] beds; they supplicate their Lord in fear and aspiration, and from what We have provided them, they spend.	32:16	उनके पहलू बिस्तरों से अलग रहते है कि वे अपने रब को भय और लालसा के साथ पुकारते है, और जो कुछ हमने उन्हें दिया है उसमें से ख़र्च करते है	x
Fala taAAlamu nafsun ma okhfiya lahum min qurrati aAAyunin jazaan bima kanoo yaAAmaloona	x	And no soul knows what has been hidden for them of comfort for eyes as reward for what they used to do.	32:17	फिर कोई प्राणी नहीं जानता आँखों की जो ठंडक उसके लिए छिपा रखी गई है उसके बदले में देने के ध्येय से जो वे करते रहे होंगे	x

Afaman kana muminan kaman kana fasiqan la yastawoona	The disbelievers are not equal to the believers, for the believers are the “best of people” (3:110) while the unbelievers are “the most vile of created beings” (98:6).	Then is one who was a believer like one who was defiantly disobedient? They are not equal.	32:18	भला जो व्यक्ति ईमानवाला हो वह उस व्यक्ति जैसा हो सकता है जो अवज्ञाकारी हो? वे बराबर नहीं हो सकते	अविश्वासी (काफ़िर) ईमान वालों के बराबर नहीं हैं, क्योंकि ईमान वाले “सबसे अच्छे लोग” हैं (3:110), जबकि अविश्वासी “सृष्टि में सबसे निकृष्ट/सबसे बुरे प्राणी” हैं (98:6)।
Amma allatheena amanoo waAAamiloo alssalihati falahum jannatu almawa nuzulan bima kanoo yaAAmaloona	x	As for those who believed and did righteous deeds, for them will be the Gardens of Refuge as accommodation for what they used to do.	32:19	रहे वे लोग जो ईमान लाए और उन्हें अच्छे कर्म किए, उनके लिए जो कर्म वे करते रहे उसके बदले में आतिथ्य स्वरूप रहने के बाग़ है	x
Waamma allatheena fasaqoo famawahumu alnnaru kullama aradoo an yakhrujoo minha oAAeedoo feeha waqeela lahum thooqoo AAathaba alnnari allathee kuntum bihi tukaththiboona	x	But as for those who defiantly disobeyed, their refuge is the Fire. Every time they wish to emerge from it, they will be returned to it while it is said to them, "Taste the punishment of the Fire which you used to deny."	32:20	रहे वे लोग जिन्होंने सीमा का उल्लंघन किया, उनका ठिकाना आग है। जब कभी भी वे चाहेंगे कि उससे निकल जाएँ तो उसी में लौटा दिए जाएँगे और उनसे कहा जाएगा, "चखो उस आग की यातना का मज़ा, जिसे तुम झूठ समझते थे।"	x
Walanutheeqannahum mina alAAathabi aladna doona alAAathabi alakbari laAAallahum yarjiAAoona	Ibn Kathir: “lesser punishment” refers to diseases and problems in this world, and the things that happen to its people as a test from Allah to His servants so that they will repent to Him. "Greater Punishment" is Hell.	And we will surely let them taste the nearer punishment short of the greater punishment that perhaps they will repent.	32:21	हम बड़ी यातना से इतर उन्हें छोटी यातना का मज़ा चखाएँगे, कदाचित वे पलट आएँ	इब्न कसीर: “छोटी यातना” से तात्पर्य इस दुनिया में बीमारियों और समस्याओं से है, और वे घटनाएँ जो अल्लाह की ओर से अपने बंदों की परीक्षा के रूप में होती हैं ताकि वे उसकी ओर तौबा करें। “बड़ा दंड” जहन्नम है।

Waman athlamu mimman thukkira biayati rabbihi thumma aAArada AAanha inna mina almujrimeena muntaqimoona	**[If someone is not convinced or does not wish to convert; why making them criminals.]**	And who is more unjust than one who is reminded of the verses of his Lord; then he turns away from them? Indeed We, from the criminals, will take retribution.	32:22	और उस व्यक्ति से बढ़कर अत्याचारी कौन होगा जिसे उसके रब की आयतों के द्वारा याद दिलाया जाए,फिर वह उनसे मुँह फेर ले? निश्चय ही हम अपराधियों से बदला लेकर रहेंगे	**[अगर कोई व्यक्ति आश्वस्त नहीं है या धर्म परिवर्तन नहीं करना चाहता, तो उसे अपराधी क्यों माना जाए?]**
Walaqad atayna moosa alkitaba fala takun fee miryatin min liqaihi wajaAAalnahu hudan libanee israeela	x	And We certainly gave Moses the Scripture, so do not be in doubt over his meeting. And we made the Torah guidance for the Children of Israel.	32:23	हमने मूसा को किताब प्रदान की थी - अतः उसके मिलने के प्रति तुम किसी सन्देह में न रहना और हमने इसराईल की सन्तान के लिए उस (किताब) को मार्गदर्शन बनाया था	x
WajaAAalna minhum aimmatan yahdoona biamrina lamma sabaroo wakanoo biayatina	x	And We made from among them leaders guiding by Our command when they were patient and [when] they were certain of Our	32:24	और जब वे जमे रहे और उन्हें हमारी आयतों पर विश्वास था, तो हमने उनमें ऐसे नायक बनाए जो हमारे आदेश से मार्ग दिखाते थे	x
Inna rabbaka huwa yafsilu baynahum yawma alqiyamati feema kanoo feehi yakhtalifoona	x	Indeed, your Lord will judge between them on the Day of Resurrection concerning that over which they used to differ.	32:25	निश्चय ही तेरा रब ही क़ियामत के दिन उनके बीच उन बातों का फ़ैसला करेगा, जिनमें वे मतभेद करते रहे है	x

Awalam yahdi lahum kam ahlakna min qablihim mina alqurooni yamshoona fee masakinihim inna fee thalika laayatin afala yasmaAAoona	x	Has it not become clear to them how many generations We destroyed before them, [as] they walk among their dwellings? Indeed in that are signs; then do they not hear?	32:26	क्या उनके लिए यह चीज़ भी मार्गदर्शक सिद्ध नहीं हुई कि उनसे पहले कितनी ही नस्लों को हम विनष्ट कर चुके है, जिनके रहने-बसने की जगहों में वे चलते-फिरते है? निस्संदेह इसमें बहुत-सी निशानियाँ है। फिर क्या वे सुनने नहीं?	x
Awalam yaraw anna nasooqu almaa ila alardi aljuruzi fanukhriju bihi zarAAan takulu minhu anAAamuhum waanfusuhum afala	x	Have they not seen that We drive the water [in clouds] to barren land and bring forth thereby crops from which their livestock eat and [they] themselves? Then do they not see?	32:27	क्या उन्होंने देखा नहीं कि हम सूखी पड़ी भूमि की ओर पानी ले जाते है। फिर उससे खेती उगाते है, जिसमें से उनके चौपाए भी खाते है और वे स्वयं भी? तो क्या उन्हें सूझता नहीं?	x
Wayaqooloona mata hatha alfathu in kuntum sadiqeena	Refers to Day of Judgement.	And they say, "When will be this conquest, if you should be truthful?"	32:28	वे कहते है कि "यह फ़ैसला कब होगा, यदि तुम सच्चे हो?"	इसका अर्थ क़ियामत (न्याय दिवस) से है।
Qul yawma alfathi la yanfaAAu allatheena kafaroo eemanuhum wala hum yuntharoona	x	Say, [O Muhammad], "On the Day of Conquest the belief of those who had disbelieved will not benefit them, nor will they be reprieved."	32:29	कह दो कि "फ़ैसले के दिन इनकार करनेवालों का ईमान उनके लिए कुछ लाभदायक न होगा और न उन्हें ठील ही दी जाएगी।"	x
FaAArid AAanhum waintathir innahum	x	So turn away from them and wait. Indeed, they are waiting.	32:30	अच्छा, उन्हें उनके हाल पर छोड़ दो और प्रतीक्षा करो। वे भी परीक्षारत है	x
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Al-Ahzab (The Allies)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**33:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अल-अहज़ाब (गठबंधन / संयुक्त सेनाएँ)**

Ya ayyuha alnnabiyyu ittaqi Allaha wala tutiAAi alkafireena waalmunafiqeena inna Allaha kana AAaleeman hakeeman	This surah contains message of Allah's solicitude for his prophet, further solidifying his central role. **[Tafsir Dur al-Manthur, Volume 6, p. 560, Tafsir Qurtubi, Volume 7, p. 113: this sura was originally 200 verses longer than it is in the canonical text, But still Quran is preserved.]**	O Prophet, fear Allah and do not obey the disbelievers and the hypocrites. Indeed, Allah is ever Knowing and Wise.	33:1	ऐ नबी! अल्लाह का डर रखना और इनकार करनेवालों और कपटाचारियों का कहना न मानना। वास्तब में अल्लाह सर्वज्ञ, तत्वदर्शी है	यह सूरह अल्लाह की अपने पैग़म्बर के प्रति देखभाल/अनुग्रह का संदेश देती है, जिससे उनके केंद्रीय स्थान को और अधिक मज़बूती मिलती है। **[तफ़सीर दुर्र अल-मंसूर, खंड 6, पृ. 560; तफ़सीर क़ुर्तुबी, खंड 7, पृ. 113: यह सूरह मूल रूप से वर्तमान मानक पाठ से 200 आयतें अधिक लंबी थी, लेकिन फिर भी क़ुरआन संरक्षित है।]**
WaittabiAA ma yooha ilayka min rabbika inna Allaha kana bima taAAmaloona khabeeran	x	And follow that which is revealed to you from your Lord. Indeed Allah is ever, with what you do, Acquainted.	33:2	और अनुकरण करना उस चीज़ का जो तुम्हारे रब की ओर से तुम्हें प्रकाशना की जा रही है। निश्चय ही अल्लाह उसकी ख़बर रखता है जो तुम करते हो	x
Watawakkal AAala Allahi wakafa biAllahi wakeelan	x	And rely upon Allah; and sufficient is Allah as Disposer of affairs.	33:3	और अल्लाह पर भरोसा रखो। और अल्लाह भरोसे के लिए काफी है	x

Ma jaAAala Allahu lirajulin min qalbayni fee jawfihi wama jaAAala azwajakumu allaee tuthahiroona minhunna ommahatikum wama jaAAala adAAiyaakum abnaakum thalikum qawlukum biafwahikum waAllahu yaqoolu alhaqqa wahuwa yahdee alssabeela	This verse asks to stop the practice of Zihar and adopting sons. **[There are so many muslim sects, eaching believing to follow right path; Also Men can have many wives despite having only one heart; Verse 33:37 was revealed in context of Prophet's marriage with Zainab bint Jaish: She was the wife of his adopted son Zaid. See Tirmidhi 3213, Sahih Bukhari 4787, 7420; Allah has declared this marriage as lawful and stopped the practice of adoption (33:4-5, 33-40).]**	Allah has not made for a man two hearts in his interior. And He has not made your wives whom you declare unlawful your mothers. And he has not made your adopted sons your [true] sons. That is [merely] your saying by your mouths, but Allah says the truth, and He guides to the [right] way.	33:4	अल्लाह ने किसी व्यक्ति के सीने में दो दिल नहीं रखे। और न उसने तुम्हारी उन पत्नियों को जिनसे तुम ज़िहार कर बैठते हो, वास्तव में तुम्हारी माँ बनाया, और न उसने तुम्हारे मुँह बोले बेटों को तुम्हारे वास्तविक बेटे बनाए। ये तो तुम्हारे मुँह की बातें है। किन्तु अल्लाह सच्ची बात कहता है और वही मार्ग दिखाता है	यह आयत ज़िहार (ज़िहार) और दत्तक पुत्र (गोद लेने की प्रथा) को रोकने का आदेश देती है। **[कई मुस्लिम सम्प्रदाय (सेक्ट) हैं, जिनमें प्रत्येक अपने-आप को सही मार्ग पर मानता है; साथ ही पुरुष कई पत्नियाँ रख सकते हैं, जबकि उनके पास केवल एक ही हृदय है; आयत 33:37 पैग़म्बर के ज़ैनब बिन्त जहश से विवाह के संदर्भ में उतरी थी—वे उनके दत्तक पुत्र ज़ैद की पत्नी थीं। देखें तिर्मिज़ी 3213, सहीह बुखारी 4787, 7420; अल्लाह ने इस विवाह को वैध घोषित किया और दत्तक पुत्र की प्रथा को समाप्त किया (33:4–5, 33:40)।]**

OdAAoohum liabaihim huwa aqsatu AAinda Allahi fain lam taAAlamoo abaahum faikhwanukum fee alddeeni wamawaleekum walaysa AAalaykum junahun feema akhtatum bihi walakin ma taAAammadat quloobukum wakana Allahu ghafooran	An adopted son should be known by the name of his natural father: he can never truly enter into his adoptive household. See 33:37.	Call them by [the names of] their fathers; it is more just in the sight of Allah. But if you do not know their fathers - then they are [still] your brothers in religion and those entrusted to you. And there is no blame upon you for that in which you have erred but [only for] what your hearts intended. And ever is Allah Forgiving and Merciful.	33:5	उन्हें उनके बापों का बेटा करकर पुकारो। अल्लाह के यहाँ यही अधिक न्यायसंगत बात है। और यदि तुम उनके बापों को न जानते हो, तो धर्म में वे तुम्हारे भाई तो है ही और तुम्हारे सहचर भी। इस सिलसिले में तुमसे जो ग़लती हुई हो उसमें तुमपर कोई गुनाह नहीं, किन्तु जिसका संकल्प तुम्हारे दिलों ने कर लिया, उसकी बात और है। वास्तव में अल्लाह अत्यन्त क्षमाशील, दयावान है	गोद लिए हुए पुत्र को उसके वास्तविक पिता के नाम से ही जाना जाना चाहिए; वह कभी पूरी तरह अपने दत्तक परिवार में वास्तविक रूप से शामिल नहीं माना जाएगा। देखें 33:37।
Alnnabiyyu awla bialmumineena min anfusihim waazwajuhu ommahatuhum waoloo alarhami baAAduhum awla bibaAAdin fee kitabi Allahi mina almumineena waalmuhajireena illa an tafAAaloo ila awliyaikum maAAroofan kana thalika fee alkitabi mastooran	Pickthall translates "The Prophet is closer to the believers than their selves" **[Contradiction: Whether only the lady given birth should be a mother: Yes 58:2, Not necessary 33:6. Word insertion in brackets are not in arabic.]**	The Prophet is more worthy of the believers than themselves, and his wives are [in the position of] their mothers. And those of [blood] relationship are more entitled [to inheritance] in the decree of Allah than the [other] believers and the emigrants, except that you may do to your close associates a kindness [through bequest]. That was in the Book inscribed.	33:6	नबी का हक़ ईमानवालों पर स्वयं उनके अपने प्राणों से बढ़कर है। और उसकी पत्नियों उनकी माएँ है। और अल्लाह के विधान के अनुसार सामान्य मोमिनों और मुहाजिरों की अपेक्षा नातेदार आपस में एक-दूसरे से अधिक निकट है। यह और बात है कि तुम अपने साथियों के साथ कोई भलाई करो। यह बात किताब में लिखी हुई है	पिकथॉल अनुवाद करता है: “पैग़म्बर ईमान वालों के लिए उनकी अपनी आत्माओं से भी अधिक निकट हैं।” **[विरोधाभास: क्या केवल जन्म देने वाली स्त्री ही माँ कहलाए—हाँ 58:2; नहीं आवश्यक नहीं 33:6। कोष्ठक में दिए गए शब्द अरबी मूल पाठ में नहीं हैं।]**

Waith akhathna mina alnnabiyyeena meethaqahum waminka wamin noohin waibraheema wamoosa waAAeesa ibni maryama waakhathna minhum meethaqan	x	And [mention, O Muhammad], when We took from the prophets their covenant and from you and from Noah and Abraham and Moses and Jesus, the son of Mary; and We took from them a solemn covenant.	33:7	और याद करो जब हमने नबियों से वचन लिया, तुमसे भी और नूह और इबराहीम और मूसा और मरयम के बेटे ईसा से भी। इन सबसे हमने दृढ़ वचन लिया,	x
Liyasala alssadiqeena AAan sidqihim waaAAadda lilkafireena AAathaban aleeman	The Quran pretends that the old scriptures of Israel were the same as Quran, but that bad Jews distorted them.	That He may question the truthful about their truth. And He has prepared for the disbelievers a painful punishment.	33:8	ताकि वह सच्चे लोगों से उनकी सच्चाई के बारे में पूछे। और इनकार करनेवालों के लिए तो उसने दुखद यातना तैयार कर रखी है	यह कथन यह दावा करता है कि कुरआन ऐसा दिखाता है मानो बनी इस्राईल के पुराने ग्रंथ मूलतः कुरआन के समान थे, लेकिन बाद में कुछ यहूदियों ने उन्हें बिगाड़ दिया।
Ya ayyuha allatheena amanoo othkuroo niAAmata Allahi AAalaykum ith jaatkum junoodun faarsalna AAalayhim reehan wajunoodan lam tarawha wakana Allahu bima taAAmaloona baseeran	Here begins the discussion of the Battle of the Trench, extending to 33:27. This was a battle against the Muslims by the confederates, the combined forces of the pagan Quraysh who were besieging the city (and held back by the trench dug by Muslims, and the Jewish Qurayzah, who had betrayed the Muslims and were working against them inside the city.	O you who have believed, remember the favor of Allah upon you when armies came to [attack] you and We sent upon them a wind and armies [of angels] you did not see. And ever is Allah, of what you do, Seeing.	33:9	ऐ ईमान लानेवालो! अल्लाह की उस अनुकम्पा को याद करो जो तुमपर हुई; जबकि सेनाएँ तुमपर चढ़ आई तो हमने उनपर एक हवा भेज दी और ऐसी सेनाएँ भी, जिनको तुमने देखा नहीं। और अल्लाह वह सब कुछ देखता है जो तुम करते हो	यहाँ से “खंदक की लड़ाई” का वर्णन शुरू होता है, जो 33:27 तक चलता है। यह मुसलमानों के खिलाफ गठबंधन की लड़ाई थी, जिसमें मक्का के क़ुरैश की संयुक्त सेनाएँ शामिल थीं, जो शहर का घेराव कर रही थीं (और मुसलमानों द्वारा खोदी गई खंदक के कारण रोकी गई थीं), तथा यहूदी क़बीला बनी क़ुरैज़ा, जिसने मुसलमानों से विश्वासघात किया था और शहर के भीतर उनके खिलाफ कार्य कर रहा था।

Ith jaookum min fawqikum wamin asfala minkum waith zaghati alabsaru wabalaghati alquloobu alhanajira watathunnoona biAllahi	x	[Remember] when they came at you from above you and from below you, and when eyes shifted [in fear], and hearts reached the throats and you assumed about Allah [various] assumptions.	33:10	याद करो जब वे तुम्हारे ऊपर की ओर से और तुम्हारे नीचे की ओर से भी तुमपर चढ़ आए, और जब निगाहें टेढ़ी-तिरछी हो गई और उर (हृदय) कंठ को आ लगे। और तुम अल्लाह के बारे में तरह-तरह के गुमान करने लगे थे	x
Hunalika ibtuliya almuminoona wazulziloo zilzalan shadeedan	x	There the believers were tested and shaken with a severe shaking.	33:11	उस समय ईमानवाले आज़माए गए और पूरी तरह हिला दिए गए	x
Waith yaqoolu almunafiqoona waallatheena fee quloobihim maradun ma waAAadana Allahu warasooluhu illa ghurooran	x	And [remember] when the hypocrites and those in whose hearts is disease said, "Allah and His Messenger did not promise us except delusion,"	33:12	और जब कपटाचारी और वे लोग जिनके दिलों में रोग है कहने लगे, "अल्लाह और उसके रसूल ने हमसे जो वादा किया था वह तो धोखा मात्र था।"	
Waith qalat taifatun minhum ya ahla yathriba la muqama lakum fairjiAAoo wayastathinu fareequn minhumu alnnabiyya yaqooloona inna buyootana AAawratun wama hiya biAAawratin in yureedoona illa	Some people asked permission to go back to their houses and claimed that they were lying open and had nothing to protect them from the enemy. But Allah said: And they lay not open. meaning, it is not as they claim but they just want to flee.	And when a faction of them said, "O people of Yathrib, there is no stability for you [here], so return [home]." And a party of them asked permission of the Prophet, saying, "Indeed, our houses are unprotected," while they were not exposed. They did not intend except to flee.	33:13	और जबकि उनमें से एक गिरोह ने कहा, "ऐ यसरिबवालो, तुम्हारे लिए ठहरने का कोई मौक़ा नहीं। अतः लौट चलो।" और उनका एक गिरोह नबी से यह कहकर (वापस जाने की) अनुमति चाह रहा था कि "हमारे घर असुरक्षित है।" यद्यपि वे असुरक्षित न थे। वे तो बस भागना चाहते थे	कुछ लोगों ने अपने घरों को वापस जाने की अनुमति माँगी और दावा किया कि उनके घर खुले पड़े हैं और उन्हें दुश्मन से बचाने के लिए कुछ भी नहीं है। लेकिन अल्लाह ने कहा: “और वे खुले हुए नहीं थे।” अर्थात, जैसा वे दावा कर रहे हैं वैसा नहीं है, बल्कि वे केवल वहाँ से भागना चाहते हैं।

Walaw dukhilat AAalayhim min aqtariha thumma suiloo alfitnata laatawha wama talabbathoo biha illa yaseeran	If the enemy had entered upon them from every side of Al-Madinah and then demanded that they become disbelievers, they would have promptly done so.	And if they had been entered upon from all its [surrounding] regions and fitnah had been demanded of them, they would have done it and not hesitated over it except briefly.	33:14	और यदि उसके चतुर्दिक से उनपर हमला हो जाता, फिर उस समय उनसे उपद्रव के लिए कहा जाता, तो वे ऐसा कर डालते और इसमें विलम्ब थोड़े ही करते!	यदि दुश्मन मदीना के हर ओर से उन पर आ जाते और उनसे मांग करते कि वे कुफ्र (अविश्वास) स्वीकार कर लें, तो वे तुरंत ऐसा कर लेते।
Walaqad kanoo AAahadoo Allaha min qablu la yuwalloona aladbara wakana AAahdu Allahi masoolan	means, Allah will inevitably ask them about that covenant.	And they had already promised Allah before not to turn their backs and flee. And ever is the promise to Allah [that about which one will be] questioned.	33:15	यद्यपि वे इससे पहले अल्लाह को वचन दे चुके थे कि वे पीठ न फेरेंगे, और अल्लाह से की गई प्रतिज्ञा के विषय में तो पूछा जाना ही है	इसका अर्थ है कि अल्लाह उनसे उस वचन (अहद/क़सम) के बारे में अवश्य पूछेगा।
Qul lan yanfaAAakumu alfiraru in farartum mina almawti awi alqatli waithan la tumattaAAoona illa qaleelan	Means escaping the battle field will not be beneficial. Predestination was good propaganda for getting more warriors and making them ferosious	Say, [O Muhammad], "Never will fleeing benefit you if you should flee from death or killing; and then [if you did], you would not be given enjoyment [of life] except for a little."	33:16	कह दो, "यदि तुम मृत्यु और मारे जाने से भागो भी तो यह भागना तुम्हारे लिए कदापि लाभप्रद न होगा। और इस हालत में भी तुम सुख थोड़े ही प्राप्त कर सकोगे।"	अर्थ: युद्ध के मैदान से भागना किसी भी तरह लाभकारी नहीं होगा। क़द्र (पूर्व-नियत/नियतिवाद) की अवधारणा को अक्सर अधिक योद्धाओं को प्रेरित करने और उन्हें अधिक साहसी/उग्र बनाने के लिए एक प्रभावशाली विचार के रूप में देखा जाता है।
Qul man tha allathee yaAAsimukum mina Allahi in arada bikum sooan aw arada bikum rahmatan wala yajidoona lahum min dooni Allahi waliyyan wala naseeran	x	Say, "Who is it that can protect you from Allah if He intends for you an ill or intends for you a mercy?" And they will not find for themselves besides Allah any protector or any helper.	33:17	कहो, "कहो है जो तुम्हें अल्लाह से बचा सकता है, यदि वह तुम्हारी कोई बुराई चाहे या वह तुम्हारे प्रति दयालुता का इरादा करे (तो कौन है जो उसकी दयालुता को रोक सके)?" वे अल्लाह के अल्लाह के अलावा न अपना कोई निकटवर्ती समर्थक पाएँगे और न (दूर का) सहायक	x

Qad yaAAlamu Allahu almuAAawwiqeena minkum waalqaileena liikhwanihim halumma ilayna	x	Already Allah knows the hinderers among you and those [hypocrites] who say to their brothers, "Come to us," and do not go to battle, except for a few,	33:18	अल्लाह तुममें से उन लोगों को भली-भाँति जानता है जो (युद्ध से) रोकते है और अपने भाइयों से कहते है, "हमारे पास आ जाओ।" और वे लड़ाई में थोड़े ही आते है, (क्योंकि वे)	x
Ashihhatan AAalaykum faitha jaa alkhawfu raaytahum yanthuroona ilayka tadooru aAAyunuhum kaallathee yughsha AAalayhi mina almawti faitha thahaba alkhawfu salaqookum bialsinatin hidadin ashihhatan AAala alkhayri olaika lam yuminoo faahbata Allahu aAAmalahum	means, when security is restored, the hypocrites will speak eloquently and nicely, claiming that they were the bravest and most chivalrous of men, but they are lying.	Indisposed toward you. And when fear comes, you see them looking at you, their eyes revolving like one being overcome by death. But when fear departs, they lash you with sharp tongues, indisposed toward [any] good. Those have not believed, so Allah has rendered their deeds worthless, and ever is that, for Allah, easy.	33:19	तुम्हारे साथ कृपणता से काम लेते है। अतः जब भय का समय आ जाता है, तो तुम उन्हें देखते हो कि वे तुम्हारी ओर इस प्रकार ताक रहे कि उनकी आँखें चक्कर खा रही है, जैसे किसी व्यक्ति पर मौत की बेहोशी छा रही हो। किन्तु जब भय जाता रहता है तो वे माल के लोभ में तेज़ ज़बाने तुमपर चलाते है। ऐसे लोग ईमान लाए ही नहीं। अतः अल्लाह ने उनके कर्म उनकी जान को लागू कर दिए। और यह अल्लाह के लिए बहुत सरल है	इसका अर्थ है कि जब सुरक्षा बहाल हो जाएगी, तो मुनाफ़िक (कपटी लोग) सुंदर और प्रभावशाली ढंग से बोलेंगे और दावा करेंगे कि वे सबसे बहादुर और सबसे शूरवीर पुरुष थे, लेकिन वे झूठ बोल रहे होंगे।

Yahsaboona alahzaba lam yathhaboo wain yati alahzabu yawaddoo law annahum badoona fee alaAArabi yasaloona AAan anbaikum walaw kanoo feekum ma qataloo illa qaleelan	The cowardice of hypocrites.	They think the companies have not [yet] withdrawn. And if the companies should come [again], they would wish they were in the desert among the bedouins, inquiring [from afar] about your news. And if they should be among you, they would not fight except for a little.	33:20	वे समझ रहे है कि (शत्रु के) सैन्य दल अभी गए नहीं हैं, और यदि वे गिरोह फिर आ जाएँ तो वे चाहेंगे कि किसी प्रकार बाहर (मरुस्थल में) बद्दु ओं के साथ हो रहें और वहीं से तुम्हारे बारे में समाचार पूछते रहे। और यदि वे तुम्हारे साथ होते भी तो लड़ाई में हिस्सा थोड़े ही लेते	कपटी लोगों की कायरता।
Laqad kana lakum fee rasooli Allahi oswatun hasanatun liman kana yarjoo Allaha waalyawma alakhira wathakara Allaha katheeran	The messenger being an "excellent example" is understood in an absolutist sense in Islamic tradition: if Muhammad (pbuh) did it, it is good, and if he didn't, it is not. **[One may read some hadith to understand this good example Sahih Muslim 4573, Sahih Bukhari 1846, 2468, 2541, 3482, Abi Dawud 4361.]**	There has certainly been for you in the Messenger of Allah an excellent pattern for anyone whose hope is in Allah and the Last Day and [who] remembers Allah often.	33:21	निस्संदेह तुम्हारे लिए अल्लाह के रसूल में एक उत्तम आदर्श है अर्थात उस व्यक्ति के लिए जो अल्लाह और अन्तिम दिन की आशा रखता हो और अल्लाह को अधिक याद करे	इस्लामी परंपरा में "उत्कृष्ट उदाहरण" (आदर्श) होने का अर्थ यह समझा जाता है कि यदि मुहम्मद (स.) ने कोई कार्य किया है तो वह अच्छा माना जाएगा, और यदि उन्होंने नहीं किया तो उसे अच्छा नहीं माना जाएगा। [इस "अच्छे उदाहरण" को समझने के लिए कुछ हदीसें देखी जा सकती हैं: सहीह मुस्लिम 4573, सहीह बुखारी 1846, 2468, 2541, 3482, अबू दाऊद 4361]

Walamma raa almuminoona alahzaba qaloo hatha ma waAAadana Allahu warasooluhu wasadaqa Allahu warasooluhu wama zadahum illa eemanan	x	And when the believers saw the companies, they said, "This is what Allah and His Messenger had promised us, and Allah and His Messenger spoke the truth." And it increased them only in faith and acceptance.	33:22	और जब ईमानवालों ने सैन्य दलों को देखा तो वे पुकार उठे, "यह तो वही चीज़ है, जिसका अल्लाह और उसके रसूल ने हमसे वादा किया था। और अल्लाह और उसके रसूल ने सच कहा था।" इस चीज़ ने उनके ईमान और आज्ञाकारिता ही को बढ़ाया	x
Mina almumineena rijalun sadaqoo ma AAahadoo Allaha AAalayhi faminhum man qada nahbahu waminhum man yantathiru wama baddaloo tabdeelan	This verse was revealed about Anas ibn al-Nadr and his fellow Muslims [who died fighting] in battle of Uhud.	Among the believers are men true to what they promised Allah. Among them is he who has fulfilled his vow [to the death], and among them is he who awaits [his chance]. And they did not alter [the terms of their commitment] by any	33:23	ईमानवालों के रूप में ऐसे पुरुष मौजूद है कि जो प्रतिज्ञा उन्होंने अल्लाह से की थी उसे उन्होंने सच्चा कर दिखाया। फिर उनमें से कुछ तो अपना प्रण पूरा कर चुके और उनमें से कुछ प्रतीक्षा में है। और उन्होंने अपनी बात तनिक भी नहीं बदली	यह आयत अनस इब्न अल-नज़र और उनके साथी मुसलमानों के बारे में उतरी थी, जिन्होंने उहुद की लड़ाई में लड़ते हुए शहादत पाई थी।
Liyajziya Allahu alssadiqeena bisidqihim wayuAAaththiba almunafiqeena in shaa aw yatooba AAalayhim inna Allaha kana ghafooran raheeman	x	That Allah may reward the truthful for their truth and punish the hypocrites if He wills or accept their repentance. Indeed, Allah is ever Forgiving and Merciful.	33:24	ताकि इसके परिणामस्वरूप अल्लाह सच्चों को उनकी सच्चाई का बदला दे और कपटाचारियों को चाहे तो यातना दे या उनकी तौबा क़बूल करे। निश्चय ही अल्लाह बड़ी क्षमाशील, दयावान है	x

Waradda Allahu allatheena kafaroo bighaythihim lam yanaloo khayran wakafa Allahu almumineena alqitala wakana Allahu qawiyyan	x	And Allah repelled those who disbelieved, in their rage, not having obtained any good. And sufficient was Allah for the believers in battle, and ever is Allah Powerful and Exalted in Might.	33:25	अल्लाह ने इनकार करनेवालों को उनके अपने क्रोध के साथ फेर दिया। वे कोई भलाई प्राप्त न कर सके। अल्लाह ने मोमिनों को युद्ध करने से बचा लिया। अल्लाह तो है ही बड़ा शक्तिवान, प्रभुत्वशाली	x
Waanzala allatheena thaharoohum min ahli alkitabi min sayaseehim waqathafa fee quloobihimu alrruAAba fareeqan taqtuloona watasiroona fareeqan	This has generally been taken as an oblique reference to the massacre of the Jews at Banu Qurayzah (see 33:9). **[It legitimizes use of terror. See Hadith See Massacre of Banu Qurayza: Sahih Bukhari 4028, 4117, Sahih Muslim 4596, Abi Dawud 2671, 4404]**	And He brought down those who supported them among the People of the Scripture from their fortresses and cast terror into their hearts [so that] a party you killed, and you took captive a party.	33:26	और किताबवालों में से जिन लोगों ने उसकी सहायता की थी, उन्हें उनकी गढ़ियों से उतार लाया। और उनके दिलों में धाक बिठा दी कि तुम एक गिरोह को जान से मारने लगे और एक गिरोह को बन्दी बनाने लगे	यह आम तौर पर बनी क़ुरैज़ा के यहूदियों के नरसंहार (देखें 33:9) के परोक्ष संदर्भ के रूप में समझा गया है। **[यह आतंक के प्रयोग को वैध ठहराता है। देखें हदीस: बनी क़ुरैज़ा का नरसंहार — सहीह बुखारी 4028, 4117; सहीह मुस्लिम 4596; अबू दाऊद 2671, 4404]**
Waawrathakum ardahum wadiyarahum waamwalahum waardan lam tataooha wakana Allahu AAala kulli shayin qadeeran	Refers to war booties left by Jews.	And He caused you to inherit their land and their homes and their properties and a land which you have not trodden. And ever is Allah, over all things, competent.	33:27	और उसने तुम्हें उनके भू-भाग और उनके घरों और उनके मालों का वारिस बना दिया और उस भू-भाग का भी जिसे तुमने पददलित नहीं किया। वास्तव में अल्लाह को हर चीज़ की सामर्थ्य प्राप्त है	यह यहूदियों द्वारा छोड़े गए युद्ध के माल (ग़नीमत/युद्ध-लूट) की ओर संकेत करता है।

Ya ayyuha alnnabiyyu qul liazwajika in kuntunna turidna alhayata alddunya wazeenataha fataAAalayna omattiAAkunna waosarrihkunna sarahan jameelan	Allah commands the Prophet to say to his wives: If they desire the life of this world then he set them free.	O Prophet, say to your wives, "If you should desire the worldly life and its adornment, then come, I will provide for you and give you a gracious release.	33:28	ऐ नबी! अपनी पत्नि यों से कह दो कि "यदि तुम सांसारिक जीवन और उसकी शोभा चाहती हो तो आओ, मैं तुम्हें कुछ दे-दिलाकर भली रीति से विदा कर दूँ	अल्लाह पैग़म्बर को आदेश देता है कि वे अपनी पत्नियों से कहें: यदि वे इस दुनिया की ज़िंदगी चाहती हैं, तो वह उन्हें मुक्त कर दें (तलाक दे दें)।
Wain kuntunna turidna Allaha warasoolahu waalddara alakhirata fainna Allaha aAAadda lilmuhsinati minkunna ajran	x	But if you should desire Allah and His Messenger and the home of the Hereafter - then indeed, Allah has prepared for the doers of good among you a great reward."	33:29	"किन्तु यदि तुम अल्लाह और उसके रसूल और आख़िरत के घर को चाहती हो तो निश्चय ही अल्लाह ने तुममे से उत्तमकार स्त्रियों के लिए बड़ा प्रतिदान रख छोड़ा है।"	x
Ya nisaa alnnabiyyi man yati minkunna bifahishatin mubayyinatin yudaAAaf laha alAAathabu diAAfayni wakana thalika AAala Allahi yaseeran	**[Why a personal matter has been documented in an proclaimed universal book; When the wives of Prophet (pbuh) were pios, why such a measure was needed.]**	O wives of the Prophet, whoever of you should commit a clear immorality - for her the punishment would be doubled two fold, and ever is that, for Allah, easy.	33:30	ऐ नबी की स्त्रियों! तुममें से जो कोई प्रत्यक्ष अनुचित कर्म करे तो उसके लिए दोहरी यातना होगी। और यह अल्लाह के लिए बहुत सरल है	**[यह प्रश्न उठाता है कि एक व्यक्तिगत/घरेलू मामला एक सार्वभौमिक घोषित पुस्तक में क्यों दर्ज किया गया; और जब पैग़म्बर (स.) की पत्नियाँ पवित्र थीं, तो ऐसी व्यवस्था की आवश्यकता क्यों पड़ी।]**

Waman yaqnut minkunna lillahi warasoolihi wataAAmal salihan nutiha ajraha marratayni waaAAtadna laha rizqan kareeman	**[Carrot and stick approach to resolve the personal family matters of prophet.]**	And whoever of you devoutly obeys Allah and His Messenger and does righteousness - We will give her her reward twice; and We have prepared for her a noble provision.	33:31	किन्तु तुममें से जो अल्लाह और उसके रसूल के प्रति निष्ठापूर्वक आज्ञाकारिता की नीति अपनाए और अच्छा कर्म करे, उसे हम दोहरा प्रतिदान प्रदान करेंगे और उसके लिए हमने सम्मानपूर्ण आजीविका तैयार कर रखी है	**[पैग़म्बर के पारिवारिक मामलों को सुलझाने के लिए "लालच और दंड" जैसी नीति का उपयोग।]**
Ya nisaa alnnabiyyi lastunna kaahadin mina alnnisai ini ittaqaytunna fala takhdaAAna bialqawli fayatmaAAa allathee fee qalbihi maradun waqulna qawlan maAAroofan	Extra pressure on his wives to make sure they "behave". this means, do not be gentle in speech when addressing men. Lest he in whose heart is a disease should be moved with desire.	O wives of the Prophet, you are not like anyone among women. If you fear Allah, then do not be soft in speech [to men], lest he in whose heart is disease should covet, but speak with appropriate speech.	33:32	ऐ नबी की स्त्रियों! तुम सामान्य स्त्रियों में से किसी की तरह नहीं हो, यदि तुम अल्लाह का डर रखो। अतः तुम्हारी बातों में लोच न हो कि वह व्यक्ति जिसके दिल में रोग है, वह लालच में पड़ जाए। तुम सामान्य रूप से बात करो	उनकी पत्नियों पर अतिरिक्त दबाव ताकि वे "उचित व्यवहार" करें। इसका अर्थ है कि पुरुषों से बात करते समय कोमल/नरम लहजे में बात न करें, ताकि जिस व्यक्ति के दिल में रोग है वह इच्छा/लोभ में न पड़ जाए।

Waqarna fee buyootikunna wala tabarrajna tabarruja aljahiliyyati aloola waaqimna alssalata waateena alzzakata waatiAAna Allaha warasoolahu innama yureedu Allahu liyuthhiba AAankumu alrrijsa ahla albayti wayutahhirakum tatheeran	This verse was revealed about the wives of the Prophet (pbuh). **[Almighty God speaks to solve personal family issues.]**	And abide in your houses and do not display yourselves as [was] the display of the former times of ignorance. And establish prayer and give zakah and obey Allah and His Messenger. Allah intends only to remove from you the impurity [of sin], O people of the [Prophet's] household, and to purify you with [extensive] purification.	33:33	अपने घरों में टिककर रहो और विगत अज्ञानकाल की-सी सज-धज न दिखाती फिरना। नमाज़ का आयोजन करो और ज़कात दो। और अल्लाह और उसके रसूल की आज्ञा का पालन करो। अल्लाह तो बस यही चाहता है कि ऐ नबी के घरवालो, तुमसे गन्दगी को दूर रखे और तुम्हें तरह पाक-साफ़ रखे	यह आयत पैग़म्बर (स.) की पत्नियों के बारे में उतरी थी। [सर्वशक्तिमान ईश्वर द्वारा व्यक्तिगत पारिवारिक मुद्दों के समाधान के लिए संबोधन किया गया।]
Waothkurna ma yutla fee buyootikunna min ayati Allahi waalhikmati inna Allaha kana lateefan khabeeran	x	And remember what is recited in your houses of the verses of Allah and wisdom. Indeed, Allah is ever Subtle and Acquainted [with all things].	33:34	तुम्हारे घरों में अल्लाह की जो आयतें और तत्वदर्शिता की बातें सुनाई जाती है उनकी चर्चा करती रहो। निश्चय ही अल्लाह अत्यन्त सूक्ष्मदर्शी, खबर रखनेवाला है	x

Inna almuslimeena waalmuslimati waalmumineena waalmuminati waalqaniteena waalqanitati waalssadiqeena waalssadiqati waalssabireena waalssabirati waalkhashiAAeena waalkhashiAAati waalmutasaddiqeena waalmutasaddiqati waalssaimeena waalssaimati waalhafitheena furoojahum waalhafithati waaltheakireena Allaha katheeran waaltheakirati aAAadda Allahu lahum maghfiratan waajran	Asma bint Umays said: 'O Messenger of Allah, women are disappointed and at a loss!' He said: 'How is that?' She said: 'They are not mentioned [in the Qur'an] in good as the men are. As a response this verse was revealed. **[Verses were revealed on demand.]**	Indeed, the Muslim men and Muslim women, the believing men and believing women, the obedient men and obedient women, the truthful men and truthful women, the patient men and patient women, the humble men and humble women, the charitable men and charitable women, the fasting men and fasting women, the men who guard their private parts and the women who do so, and the men who remember Allah often and the women who do so - for them Allah has prepared forgiveness and a great reward.	33:35	मुस्लिम पुरुष और मुस्लिम स्त्रियाँ, ईमानवाले पुरुष और ईमानवाली स्त्रियाँ, निष्ठापूर्वक आज्ञापालन करनेवाले पुरुष और निष्ठापूर्वक आज्ञापालन करनेवाली स्त्रियाँ, सत्यवादी पुरुष और सत्यवादी स्त्रियाँ, धैर्यवान पुरुष और धैर्य रखनेवाली स्त्रियाँ, विनम्रता दिखानेवाले पुरुष और विनम्रता दिखानेवाली स्त्रियाँ, सदक़ा (दान) देनेवाले पुरुष और सदक़ा देनेवाली स्त्रियाँ, रोज़ा रखनेवाले पुरुष और रोज़ा रखनेवाली स्त्रियाँ, अपने गुप्तांगों की रक्षा करनेवाले पुरुष और रक्षा करनेवाली स्त्रियाँ और अल्लाह को अधिक याद करनेवाले पुरुष और याद करनेवाली स्त्रियाँ - इनके लिए अल्लाह ने क्षमा और बड़ा प्रतिदान तैयार कर रखा है	अस्मा बिन्त उमैस ने कहा: “हे अल्लाह के रसूल, महिलाएँ निराश और असमंजस में हैं!” उन्होंने पूछा: “कैसे?” उन्होंने कहा: “क़ुरआन में उनका उल्लेख पुरुषों की तरह भलाई के साथ नहीं किया गया है।” इस पर उत्तरस्वरूप यह आयत नाज़िल हुई। **[आयतें माँग/प्रश्न के उत्तर में उतरीं।]**

Wama kana limuminin wala muminatin itha qada Allahu warasooluhu amran an yakoona lahumu alkhiyaratu min amrihim waman yaAAsi Allaha warasoolahu faqad dalla dalalan mubeenan	If Allah and His Messenger decreed a matter, no one has the right to go against that, and no one has any choice or room for personal opinion in this case. Prophet is the final authority in all disputes. Disobeying prophet is same as disobeying Allah.	It is not for a believing man or a believing woman, when Allah and His Messenger have decided a matter, that they should [thereafter] have any choice about their affair. And whoever disobeys Allah and His Messenger has certainly strayed into clear error.	33:36	न किसी ईमानवाले पुरुष और न किसी ईमानवाली स्त्री को यह अधिकार है कि जब अल्लाह और उसका रसूल किसी मामले का फ़ैसला कर दें, तो फिर उन्हें अपने मामले में कोई अधिकार शेष रहे। जो कोई अल्लाह और उसके रसूल की अवज्ञा करे तो वह खुली गुमराही में पड़ गया	यदि अल्लाह और उसके रसूल किसी मामले का निर्णय कर दें, तो किसी को उसके विरुद्ध जाने का अधिकार नहीं है, और उस स्थिति में किसी भी प्रकार की व्यक्तिगत राय या विकल्प की गुंजाइश नहीं रहती। पैग़म्बर सभी विवादों में अंतिम प्राधिकारी हैं। पैग़म्बर की अवज्ञा करना अल्लाह की अवज्ञा के समान है।

Waith taqoolu lillathee anAAama Allahu AAalayhi waanAAamta AAalayhi amsik AAalayka zawjaka waittaqi Allaha watukhfee fee nafsika ma Allahu mubdeehi watakhsha alnnasa waAllahu ahaqqu an takhshahu falamma qada zaydun minha wataran zawwajnakaha likay la yakoona AAala almumineena harajun fee azwaji adAAiyaihim itha qadaw minhunna wataran wakana amru Allahi mafAAoolan	Tafsir al-Jalalayn: When Prophet Muhammad (pbuh) “looked at” Zaynab and “felt love for her,” while Zayd “disliked her” and told Muhammad, “I want to divorce her.” Muhammad (pbuh) told him: “Keep your wife to yourself, and fear Allah.” However, Allah revealed what was hidden in his heart and ordered him to marry Zaynab bint Jaish. **[See Tirmidhi 3213, Sahih Bukhari 4787, 7420; Allah has declared this marriage as lawful and stopped the practice of adoption (33:4-5, 33-40)]**	And [remember, O Muhammad], when you said to the one on whom Allah bestowed favor and you bestowed favor, "Keep your wife and fear Allah," while you concealed within yourself that which Allah is to disclose. And you feared the people, while Allah has more right that you fear Him. So when Zayd had no longer any need for her, We married her to you in order that there not be upon the believers any discomfort concerning the wives of their adopted sons when they no longer have need of them. And ever is the command of Allah accomplished.	33:37	याद करो (ऐ नबी), जबकि तुम उस व्यक्ति से कह रहे थे जिसपर अल्लाह ने अनुकम्पा की, और तुमने भी जिसपर अनुकम्पा की कि "अपनी पत्नी को अपने पास रोक रखो और अल्लाह का डर रखो, और तुम अपने जी में उस बात को छिपा रहे हो जिसको अल्लाह प्रकट करनेवाला है। तुम लोगों से डरते हो, जबकि अल्लाह इसका ज़्यादा हक़ रखता है कि तुम उससे डरो।" अतः जब ज़ैद उससे अपनी ज़रूरत पूरी कर चुका तो हमने उसका तुमसे विवाह कर दिया, ताकि ईमानवालों पर अपने मुँह बोले बेटों की पत्नियों के मामले में कोई तंगी न रहे जबकि वे उनसे अपनी ज़रूरत पूरी कर लें। अल्लाह का फ़ैसला तो पूरा होकर ही रहता है	तफ़सीर अल-जलालैन: जब पैग़म्बर मुहम्मद (स.) ने ज़ैनब को देखा और उनके प्रति प्रेम महसूस किया, जबकि ज़ैद उन्हें नापसंद करते थे और उन्होंने मुहम्मद से कहा, “मैं उन्हें तलाक देना चाहता हूँ।” मुहम्मद (स.) ने उनसे कहा: “अपनी पत्नी को अपने पास रखो और अल्लाह से डरो।” लेकिन अल्लाह ने वह प्रकट किया जो उनके दिल में छिपा था और उन्हें ज़ैनब बिन्त जहश से विवाह करने का आदेश दिया। [देखें तिर्मिज़ी 3213, सहीह बुखारी 4787, 7420; अल्लाह ने इस विवाह को वैध घोषित किया और दत्तक पुत्र की प्रथा को समाप्त किया (33:4–5, 33:40)]

Ma kana AAala alnnabiyyi min harajin feema farada Allahu lahu sunnata Allahi fee allatheena khalaw min qablu wakana amru Allahi qadaran maqdooran	**[Allah makes things smooth for prophet.]**	There is not to be upon the Prophet any discomfort concerning that which Allah has imposed upon him. [This is] the established way of Allah with those [prophets] who have passed on before. And ever is the command of Allah a destiny decreed.	33:38	नबी पर उस काम में कोई तंगी नहीं जो अल्लाह ने उसके लिए ठहराया हो। यही अल्लाह का दस्तूर उन लोगों के मामले में भी रहा है जो पहले गुज़र चुके है - और अल्लाह का काम तो जँचा-तुला होता है। -	**[अल्लाह पैग़म्बर के लिए मामलों को आसान/सुगम बनाता है।]**
Allatheena yuballighoona risalati Allahi wayakhshawnahu wala yakhshawna ahadan illa Allaha wakafa biAllahi haseeban	x	[Allah praises] those who convey the messages of Allah and fear Him and do not fear anyone but Allah. And sufficient is Allah as Accountant.	33:39	जो अल्लाह के सन्देश पहुँचाते थे और उसी से डरते थे और अल्लाह के सिवा किसी से नहीं डरते थे। और हिसाब लेने के लिए अल्लाह काफ़ी है। -	x
Ma kana muhammadun aba ahadin min rijalikum walakin rasoola Allahi wakhatama alnnabiyyeena wakana Allahu bikulli shayin	Muhammad (mentioned by name here, as also at 3:144, 47:2, and 48:29) is the seal of the prophets, as he himself is made to explain in a hadith: “Messengership and Prophethood have come to an end, and there will be no more Messengers or Prophets.”	Muhammad is not the father of [any] one of your men, but [he is] the Messenger of Allah and last of the prophets. And ever is Allah, of all things, Knowing.	33:40	मुहम्मद तुम्हारे पुरुषों में से किसी के बाप नहीं है, बल्कि वे अल्लाह के रसूल और नबियों के समापक है। अल्लाह को हर चीज़ का पूरा ज्ञान है	मुहम्मद (यहाँ नाम सहित उल्लेखित, जैसे 3:144, 47:2 और 48:29 में भी) अंतिम पैग़म्बर (ख़ातम-उन-नबिय्यीन) हैं, जैसा कि एक हदीस में स्वयं उनके कथन के रूप में समझाया गया है: “रसूलत और नुबुव्वत समाप्त हो चुकी है, और अब न कोई रसूल आएगा और न कोई नबी।”
Ya ayyuha allatheena amanoo othkuroo Allaha thikran katheeran	x	O you who have believed, remember Allah with much remembrance	33:41	ऐ ईमान लानेवालो! अल्लाह को अधिक याद करो	x

Wasabbihoohu bukratan waaseelan	x	And exalt Him morning and afternoon.	33:42	और प्रातःकाल और सन्ध्या समय उसकी तसबीह करते रहो -	x
Huwa allathee yusallee AAalaykum wamalaikatuhu liyukhrijakum mina alththulumati ila alnnoori wakana bialmumineena	When the verse 33:56 was revealed, Abu Bakr said: 'Allah has not given you any good except that made us partake of it'. Then, this verse was revealed". **[On Allah sending blessing for the believers, see 2:157 and 33:56.]**	It is He who confers blessing upon you, and His angels [ask Him to do so] that He may bring you out from darknesses into the light. And ever is He, to the believers, Merciful.	33:43	वही है जो तुमपर रहमत भेजता है और उसके फ़रिश्ते भी (दुआएँ करते है) - ताकि वह तुम्हें अँधरों से प्रकाश की ओर निकाल लाए। वास्तव में, वह ईमानवालों पर बहुत दयालु है	जब आयत 33:56 नाज़िल हुई, तो अबू बक्र ने कहा: "अल्लाह ने आपको जो भी भलाई दी है, उसमें हमें भी शामिल किया है।" फिर इसके उत्तर में यह आयत नाज़िल हुई। **[अल्लाह का ईमान वालों पर दरूद/रहमत भेजने के संदर्भ में देखें 2:157 और 33:56]**
Tahiyyatuhum yawma yalqawnahu salamun waaAAadda lahum ajran kareeman	x	Their greeting the Day they meet Him will be, "Peace." And He has prepared for them a noble reward.	33:44	जिस दिन वे उससे मिलेंगे उनका अभिवादन होगा, सलाम और उनके लिए प्रतिष्ठामय प्रदान तैयार कर रखा है	x
Ya ayyuha alnnabiyyu inna arsalnaka shahidan wamubashshiran wanatheeran	**[Prophecies of a prohpet should come true but there are many unfulfilled ones e.g. Sahih Muslim 7410-12, 7403, 7313, Sahih Bukhari 7116.]**	O Prophet, indeed We have sent you as a witness and a bringer of good tidings and a warner.	33:45	ऐ नबी! हमने तुमको साक्षी और शुभ सूचना देनेवाला और सचेल करनेवाला बनाकर भेजा है;	**[नबी की भविष्यवाणियाँ पूरी होनी चाहिए, लेकिन कई अपूर्ण भविष्यवाणियाँ भी हैं, उदाहरण: सहीह मुस्लिम 7410–12, 7403, 7313, सहीह बुखारी 7116।]**
WadaAAiyan ila Allahi biithnihi wasirajan muneeran	One should read biography of prophet Muhammad (Sira Rasul-allah written by old islamic scholars). Newer one are sugar coated.	And one who invites to Allah, by His permission, and an illuminating lamp.	33:46	और अल्लाह की अनुज्ञा से उसकी ओर बुलानेवाला और प्रकाशमान प्रदीप बनाकर	किसी को पैग़म्बर मुहम्मद (स.) की जीवनी (सीरत-ए-रसूलुल्लाह), जो पुराने इस्लामी विद्वानों द्वारा लिखी गई है, पढ़नी चाहिए। नई किताबें अक्सर चीज़ों को नरम तरीके से प्रस्तुत करती हैं।
Wabashshiri almumineena bianna lahum mina Allahi fadlan kabeeran		And give good tidings to the believers that they will have from Allah great bounty.	33:47	ईमानवालों को शुभ सूचना दे दो कि उनके लिए अल्लाह को ओर से बहुत बड़ा उदार अनुग्रह है	

Wala tutiAAi alkafireena waalmunafiqeena wadaAA athahum watawakkal AAala Allahi wakafa biAllahi wakeelan	x	And do not obey the disbelievers and the hypocrites but do not harm them, and rely upon Allah. And sufficient is Allah as Disposer of affairs.	33:48	और इनकार करनेवालों और कपटाचारियों के कहने में न आना। उनकी पहुँचाई हुई तकलीफ़ का ख़याल न करो। और अल्लाह पर भरोसा रखो। अल्लाह इसके लिए काफ़ी है कि अपने मामले में उसपर भरोसा किया जाए	x
Ya ayyuha allatheena amanoo itha nakahtumu almuminati thumma tallaqtumoohunna min qabli an tamassoohunna fama lakum AAalayhinna min AAiddatin taAAtaddoonaha famattiAAoohunna wasarrihoohunna	More regulations concerning marriage, as in 4:24. **[Here there is no period of waiting (Iddat). So, basically waiting period is to ensure that man comes to know if the women gets pregnant.]**	O You who have believed, when you marry believing women and then divorce them before you have touched them, then there is not for you any waiting period to count concerning them. So provide for them and give them a gracious release.	33:49	ऐ ईमान लानेवालो! जब तुम ईमान लानेवाली स्त्रियों से विवाह करो और फिर उन्हें हाथ लगाने से पहले तलाक़ दे दो तो तुम्हारे लिए उनपर कोई इद्दत नहीं, जिसकी तुम गिनती करो। अतः उन्हें कुछ सामान दे दो और भली रीति से विदा कर दो	शादी से संबंधित और नियम, जैसा कि 4:24 में है। **[यहाँ कोई प्रतीक्षा अवधि (इद्दत) नहीं है। इसलिए मूल रूप से प्रतीक्षा अवधि इसलिए रखी गई है ताकि पुरुष को यह पता चल सके कि महिला गर्भवती है या नहीं।]**

Ya ayyuha alnnabiyyu inna ahlalna laka azwajaka allatee atayta ojoorahunna wama malakat yameenuka mimma afaa Allahu AAalayka wabanati AAammika wabanati AAammatika wabanati khalika wabanati khalatika allatee hajarna maAAaka waimraatan muminatan in wahabat nafsaha lilnnabiyyi in arada alnnabiyyu an yastankihaha khalisatan laka min dooni almumineena qad AAalimna ma faradna AAalayhim	This verse permitted prophet to keep more than 4 wives and also marrying women without dowery (Mehr). **[This provision in only for prophet not for other Muslims. In verse 33:52 further marriages of prophet were stopped by Allah; however, female slaves were still permitted; Also the practice of promoting consanguinous marriages leads to high congential anomalies in Muslim socieities. Also see An-Nisai 3207]**	O Prophet, indeed We have made lawful to you your wives to whom you have given their due compensation and those your right hand possesses from what Allah has returned to you [of captives] and the daughters of your paternal uncles and the daughters of your paternal aunts and the daughters of your maternal uncles and the daughters of your maternal aunts who emigrated with you and a believing woman if she gives herself to the Prophet [and] if the Prophet wishes to marry her, [this is] only for you, excluding the [other] believers. We certainly know what We have made obligatory upon them concerning their wives and those their right	33:50	ऐ नबी! हमने तुम्हारे लिए तुम्हारी वे पत्नियों वैध कर दी है जिनके महक तुम दे चुके हो, और उन स्त्रियों को भी जो तुम्हारी मिल्कियत में आई, जिन्हें अल्लाह ने ग़नीमत के रूप में तुम्हें दी और तुम्हारी चचा की बेटियाँ और तुम्हारी फूफियों की बेटियाँ और तुम्हारे मामुओं की बेटियाँ और तुम्हारी ख़ालाओं की बेटियाँ जिन्होंने तुम्हारे साथ हिजरत की है और वह ईमानवाली स्त्री जो अपने आपको नबी के लिए दे दे, यदि नबी उससे विवाह करना चाहे। ईमानवालों से हटकर यह केवल तुम्हारे ही लिए है, हमें मालूम है जो कुछ हमने उनकी पत्नियों और उनकी लौड़ियों के बारे में उनपर अनिवार्य किया है - ताकि तुमपर कोई तंगी न रहे। अल्लाह बहुत क्षमाशील, दयावान है	यह आयत पैग़म्बर को चार से अधिक पत्नियाँ रखने और बिना मेहर (विवाह-उपहार) के विवाह करने की अनुमति देती है। **[यह व्यवस्था केवल पैग़म्बर के लिए है, अन्य मुसलमानों के लिए नहीं। आयत 33:52 में अल्लाह ने पैग़म्बर के आगे विवाहों को रोक दिया; हालांकि दासियों के साथ संबंध की अनुमति बनी रही; साथ ही निकट संबंधी विवाह की प्रथा को बढ़ावा देने से मुस्लिम समाजों में जन्मजात विकृतियों की संभावना बढ़ती है। देखें: अन-नसाई 3207]**

Turjee man tashao minhunna watuwee ilayka man tashao wamani ibtaghayta mimman AAazalta fala junaha AAalayka thalika adna an taqarra aAAyunuhunna wala yahzanna wayardayna bima ataytahunna kulluhunna waAllahu yaAAlamu ma fee quloobikum wakana Allahu AAaleeman haleeman	This aayah facilitated prophet to divide days between his wives as per his convience. See Sahih Muslim 3453 **[In a hadith, Aisha is depicted as saying to Muhammad when this verse was revealed: "I feel that your Lord hastens in fulilling your wishes and desires."]**	You, [O Muhammad], may put aside whom you will of them or take to yourself whom you will. And any that you desire of those [wives] from whom you had [temporarily] separated - there is no blame upon you [in returning her]. That is more suitable that they should be content and not grieve and that they should be satisfied with what you have given them - all of them. And Allah knows what is in your hearts. And ever is Allah Knowing and	33:51	तुम उनमें से जिसे चाहो अपने से अलग रखो और जिसे चाहो अपने पास रखो, और जिनको तुमने अलग रखा हो, उनमें से किसी के इच्छुक हो तो इसमें तुमपर कोई दोष नहीं, इससे इस बात की अधिक सम्भावना है कि उनकी आँखें ठंड़ी रहें और वे शोकाकुल न हों और जो कुछ तुम उन्हें दो उसपर वे राज़ी रहें। अल्लाह जानता है जो कुछ तुम्हारे दिलों में है। अल्लाह सर्वज्ञ, बहुत सहनशील है	यह आयत पैग़म्बर को अपनी पत्नियों के बीच दिनों का बँटवारा अपनी सुविधा के अनुसार करने की अनुमति देती है। देखें: सहीह मुस्लिम 3453। [एक हदीस में आयशा (रज़ि.) के बारे में यह वर्णन मिलता है कि जब यह आयत नाज़िल हुई तो उन्होंने मुहम्मद (स.) से कहा: "मुझे लगता है कि आपका रब आपकी इच्छाओं और कामनाओं को पूरा करने में जल्दी करता है।"]
La yahillu laka alnnisao min baAAdu wala an tabaddala bihinna min azwajin walaw aAAjabaka husnuhunna illa ma malakat yameenuka wakana Allahu AAala kulli shayin raqeeban	This aayat prohibited prophet from further marriages and exchanging the wives.	Not lawful to you, [O Muhammad], are [any additional] women after [this], nor [is it] for you to exchange them for [other] wives, even if their beauty were to please you, except what your right hand possesses. And ever is Allah, over all things, an Observer.	33:52	इसके पश्चात तुम्हारे लिए दूसरी स्त्रियाँ वैध नहीं और न यह कि तुम उनकी जगह दूसरी पत्नियों ले आओ, यद्यपि उनका सौन्दर्य तुम्हें कितना ही भाए। उनकी बात औऱ है जो तुम्हारी लौंडियाँ हो। वास्तव में अल्लाह की स्पष्ट हर चीज़ पर है	यह आयत पैग़म्बर को आगे विवाह करने और पत्नियों के स्थानांतरण/ बदली से रोकती है।

Ya ayyuha allatheena amanoo la tadkhuloo buyoota alnnabiyyi illa an yuthana lakum ila taAAamin ghayra nathireena inahu walakin itha duAAeetum faodkhuloo faitha taAAimtum faintashiroo wala mustaniseena lihadeethin inna thalikum kana yuthee alnnabiyya fayastahyee minkum waAllahu la yastahyee mina alhaqqi waitha saaltumoohunna mataAAan faisaloohunna min warai hijabin thalikum atharu liquloobikum	Allah tells believers to be circumspect about barging into the messenger's house or staying there too long after dinner, for such behavior "annoys the Prophet"; they should also only speak to his wives from behind screens. **[Also the marriage of prophet's wives were prohibited after him; Due to this verse Aisha (RA) who was 18 year old the the time of prophet's death could not remarry. This could be evidence of the personal convenience of the revelations Muhammad received.]**	O you who have believed, do not enter the houses of the Prophet except when you are permitted for a meal, without awaiting its readiness. But when you are invited, then enter; and when you have eaten, disperse without seeking to remain for conversation. Indeed, that [behavior] was troubling the Prophet, and he is shy of [dismissing] you. But Allah is not shy of the truth. And when you ask [his wives] for something, ask them from behind a partition. That is purer for your hearts and their hearts. And it is not [conceivable or lawful] for you to harm the Messenger of Allah or to marry his wives after him, ever. Indeed, that would be in the sight of Allah an	33:53	ऐ ईमान लानेवालो! नबी के घरों में प्रवेश न करो, सिवाय इसके कि कभी तुम्हें खाने पर आने की अनुमति दी जाए। वह भी इस तरह कि उसकी (खाना पकने की) तैयारी की प्रतिक्षा में न रहो। अलबत्ता जब तुम्हें बुलाया जाए तो अन्दर जाओ, और जब तुम खा चुको तो उठकर चले जाओ, बातों में लगे न रहो। निश्चय ही यह हरकत नबी को तकलीफ़ देती है। किन्तु उन्हें तुमसे लज्जा आती है। किन्तु अल्लाह सच्ची बात कहने से लज्जा नहीं करता। और जब तुम उनसे कुछ माँगों तो उनसे परदे के पीछे से माँगो। यह अधिक शुद्धता की बात है तुम्हारे दिलों के लिए और उनके दिलों के लिए भी। तुम्हारे लिए वैध नहीं कि तुम अल्लाह के रसूल को तकलीफ़ पहुँचाओ और न यह कि	अल्लाह ईमान वालों को आदेश देता है कि वे रसूल के घर में बिना अनुमति प्रवेश न करें या भोजन के बाद अधिक देर तक वहाँ न रुकें, क्योंकि ऐसा व्यवहार "पैग़म्बर को कष्ट देता है"; साथ ही उन्हें पैग़म्बर की पत्नियों से पर्दे (हिजाब) के पीछे से ही बात करनी चाहिए। [इसके अलावा पैग़म्बर की मृत्यु के बाद उनकी पत्नियों का विवाह करना निषिद्ध कर दिया गया; इस आयत के कारण आयशा (रज़ि.)—जो पैग़म्बर की मृत्यु के समय लगभग 18 वर्ष की थीं—दुबारा विवाह नहीं कर सकीं। यह कथन इस बात के प्रमाण के रूप में प्रस्तुत किया जाता है कि मुहम्मद (स.) को मिलने वाले वह्य व्यक्तिगत सुविधा के अनुसार भी हो सकते हैं।]
In tubdoo shayan aw tukhfoohu fainna Allaha kana bikulli shayin AAaleeman	x	Whether you reveal a thing or conceal it, indeed Allah is ever, of all things, Knowing.	33:54	तुम चाहे किसी चीज़ को व्यक्त करो या उसे छिपाओ, अल्लाह को तो हर चीज़ का ज्ञान है	x

La junaha AAalayhinna fee abaihinna wala abnaihinna wala ikhwanihinna wala abnai ikhwanihinna wala abnai akhawatihinna wala nisaihinna wala ma malakat aymanuhunna waittaqeena Allaha inna Allaha kana AAala kulli shayin shaheedan	These are those before whom woman do not need to observe Hijab.	There is no blame upon women concerning their fathers or their sons or their brothers or their brothers' sons or their sisters' sons or their women or those their right hands possess. And fear Allah. Indeed Allah is ever, over all things, Witness.	33:55	न उनके लिए अपने बापों के सामने होने में कोई दोष है और न अपने बेटों, न अपने भाइयों, न अपने भतीजों, न अपने भांजो, न अपने मेल की स्त्रियों और न जिनपर उन्हें स्वामित्व का अधिकार प्राप्त हो उनके सामने होने में। अल्लाह का डर रखो, निश्चय ही अल्लाह हर चीज़ का साक्षी है	ये वे लोग हैं जिनके सामने महिलाओं को हिजाब (पर्दा) करने की आवश्यकता नहीं है।
Inna Allaha wamalaikatahu yusalloona AAala alnnabiyyi ya ayyuha allatheena amanoo salloo AAalayhi wasallimoo tasleeman	Yusalloona means salat or praying, but this idea creates obvious theological problems, resulting in the claim that the verb in question, yusalloona , means “blesses” rather than “prays.” However, there are traces in Islamic tradition of the idea that Allah does indeed pray. **[Whether prophet (pbuh) was a common man or not: Common, 6:50, 18:110, 38:65, 46:9; Special status: 4:80, 21:107, 33:56, 94:4]**	Indeed, Allah confers blessing upon the Prophet, and His angels [ask Him to do so]. O you who have believed, ask [Allah to confer] blessing upon him and ask [Allah to grant him] peace.	33:56	निस्संदेह अल्लाह और उसके फ़रिश्ते नबी पर रहमत भेजते है। ऐ ईमान लानेवालो, तुम भी उसपर रहमत भेजो और ख़ूब सलाम भेजो	“युसल्लूना” का अर्थ “सलात/प्रार्थना” होता है, लेकिन इस विचार से स्पष्ट धर्मवैज्ञानिक समस्याएँ उत्पन्न होती हैं, जिसके कारण यह दावा किया जाता है कि यहाँ इस क्रिया का अर्थ “प्रार्थना करना” नहीं बल्कि “आशीर्वाद देना” है। हालांकि इस्लामी परंपरा में ऐसे संकेत भी मिलते हैं कि अल्लाह “सलात” करता है। [क्या पैग़म्बर (स.) एक सामान्य मनुष्य थे या नहीं: सामान्य—6:50, 18:110, 38:65, 46:9; विशेष दर्जा—4:80, 21:107, 33:56, 94:4]

Inna allatheena yuthoona Allaha warasoolahu laAAanahumu Allahu fee alddunya waalakhirati waaAAadda lahum AAathaban	x	Indeed, those who abuse Allah and His Messenger - Allah has cursed them in this world and the Hereafter and prepared for them a humiliating punishment.	33:57	जो लोग अल्लाह और उसके रसूल को दुख पहुँचाते है, अल्लाह ने उनपर दुनिया और आख़िरत में लानत की है और उनके लिए अपमानजनक यातना तैयार कर रखी है	x
Waallatheena yuthoona almumineena waalmuminati bighayri ma iktasaboo faqadi ihtamaloo buhtanan waithman mubeenan	This verse was revealed about those adulterers who used to roam the streets of Medina and follow the women who come out at night to relieve themselves. Actually, these adulterers were only after slave girls. But at that time, freewomen were not	And those who harm believing men and believing women for [something] other than what they have earned have certainly born upon themselves a slander and manifest sin.	33:58	और जो लोग ईमानवाले पुरुषों और ईमानवाली स्त्रियों को, बिना इसके कि उन्होंने कुछ किया हो (आरोप लगाकर), दुख पहुँचाते है, उन्होंने तो बड़े मिथ्यारोपण और प्रत्यक्ष गुनाह का बोझ अपने ऊपर उठा लिया	यह आयत उन व्यभिचारियों के बारे में उतरी थी जो मदीना की गलियों में घूमते थे और रात के समय बाहर निकलने वाली महिलाओं का पीछा करते थे। वास्तव में, वे केवल दासी के पीछे रहते थे। लेकिन उस समय स्वतंत्र महिलाओं और दासियों के बीच स्पष्ट पहचान करना कठिन था।
Ya ayyuha alnnabiyyu qul liazwajika wabanatika wanisai almumineena yudneena AAalayhinna min jalabeebihinna thalika adna an yuAArafna fala yuthayna wakana Allahu ghafooran raheeman	The idea that women must cover themselves so that they may not be molested unfortunately implies that if they are not covered, they may lawfully be importuned. See 4:3. **[Verse regarding veil for women; however, covering face not mentioned. See Sahih Bukhari 146, 4795, 5239, 6240: Sahih Muslim 5671, Tirmidhi 377, Abi Dawud 641, Ibn Majah 655]**	O Prophet, tell your wives and your daughters and the women of the believers to bring down over themselves [part] of their outer garments. That is more suitable that they will be known and not be abused. And ever is Allah Forgiving and Merciful.	33:59	ऐ नबी! अपनी पत्नियों और अपनी बेटियों और ईमानवाली स्त्रियों से कह दो कि वे अपने ऊपर अपनी चादरों का कुछ हिस्सा लटका लिया करें। इससे इस बात की अधिक सम्भावना है कि वे पहचान ली जाएँ और सताई न जाएँ। अल्लाह बड़ा क्षमाशील, दयावान है	यह विचार कि महिलाओं को स्वयं को ढकना चाहिए ताकि उनके साथ छेड़छाड़ न हो, दुर्भाग्यवश यह संकेत देता है कि यदि वे ढकी न हों, तो उनके साथ छेड़छाड़ करना "कानूनी रूप से उचित" माना जा सकता है। देखें 4:3। **[महिलाओं के पर्दे/हिजाब से संबंधित आयत; हालांकि इसमें चेहरे को ढकने का स्पष्ट उल्लेख नहीं है। देखें: सहीह बुखारी 146, 4795, 5239, 6240; सहीह मुस्लिम 5671; तिर्मिज़ी 377; अबू दाऊद 641; इब्न माजह 655]**

Lain lam yantahi almunafiqoona waallatheena fee quloobihim maradun waalmurjifoona fee almadeenati lanughriyannaka bihim thumma la yujawiroonaka feeha illa qaleelan	Hypocrites have disease in their heart; means they don't have conviction in Islam. 33:60-61, 47:20-21, 4:145, 9:73-74, 66:9; **[Why Allah hates hypocrites is beyond understanding as it is said this life is a test and there will be Judgement.]**	If the hypocrites and those in whose hearts is disease and those who spread rumors in al-Madinah do not cease, We will surely incite you against them; then they will not remain your neighbors therein except for a little.	33:60	यदि कपटाचारी और वे लोग जिनके दिलों में रोग है और मदीना में खलबली पैदा करनेवाली अफ़वाहें फैलाने से बाज़ न आएँ तो हम तुम्हें उनके विरुद्ध उभार खड़ा करेंगे। फिर वे उसमें तुम्हारे साथ थोड़ा ही रहने पाएँगे,	कपटी लोगों के दिलों में रोग होता है; इसका अर्थ है कि उनमें इस्लाम के प्रति दृढ़ विश्वास नहीं होता। 33:60–61, 47:20–21, 4:145, 9:73–74, 66:9; **[अल्लाह कपटियों से क्यों घृणा करता है, यह समझ से परे प्रतीत होता है, जबकि कहा गया है कि यह जीवन एक परीक्षा है और अंत में न्याय (क़ियामत) होगा।]**
MalAAooneena aynama thuqifoo okhithoo waquttiloo taqteelan	**[It says if hypocrites persist in disbelief and say anything bad about Islam or Prophet Muhammad (pbuh), then believers should attack and kill them.]**	Accursed wherever they are found, [being] seized and massacred completely.	33:61	फिटकारे हुए होंगे। जहाँ कही पाए गए पकड़े जाएँगे और बुरी तरह जान से मारे जाएँगे	**[यह कहती है कि यदि पाखंडी अविश्वास में बने रहते हैं और इस्लाम या पैगंबर मुहम्मद (स.) के बारे में कुछ भी बुरा कहते हैं, तो विश्वासियों को उन पर हमला करना चाहिए और उन्हें मार देना चाहिए।]**
Sunnata Allahi fee allatheena khalaw min qablu walan tajida lisunnati Allahi tabdeelan	Such was the practice approved by Allah (kill disbelievers and hypocrites without mercy) in past and no change will happen in this practice. **[This may have been jewish pratices but Jesus never asked to follow such practices.]**	[This is] the established way of Allah with those who passed on before; and you will not find in the way of Allah any change.	33:62	यही अल्लाह की रीति रही है उन लोगों के विषय में भी जो पहले गुज़र चुके हैं। और तुम अल्लाह की रीति में कदापि परिवर्तन न पाओगे	ऐसा ही व्यवहार जो अल्लाह द्वारा मंजूर था (बिना दया के काफ़िरों और पाखंडियों को मारना) अतीत में और इस व्यवहार में कोई बदलाव नहीं होगा। **[यह यहूदी प्रथाएँ हो सकती हैं लेकिन यीशु ने कभी ऐसे व्यवहार का पालन करने को नहीं कहा।]**
Yasaluka alnnasu AAani alssaAAati qul innama AAilmuha AAinda Allahi wama yudreeka laAAalla alssaAAata takoonu	**[When is the day of Judgement: Near 16:77, 21:1, 33:63, 54:1, 70:6–7, Don't know 21:109]**	People ask you concerning the Hour. Say," Knowledge of it is only with Allah. And what may make you perceive? Perhaps the Hour is near."	33:63	लोग तुमसे क़ियामत की घड़ी के बारे में पूछते है। कह दो, "उसका ज्ञान तो बस अल्लाह ही के पास है। तुम्हें क्या मालूम? कदाचित वह घड़ी निकट ही हो।"	**[कियामत कब आएगी: करीब 16:77, 21:1, 33:63, 54:1, 70:6–7, नहीं जानते 21:109]**

Inna Allaha laAAana alkafireena waaAAadda lahum saAAeeran	x	Indeed, Allah has cursed the disbelievers and prepared for them a Blaze.	33:64	निश्चय ही अल्लाह ने इनकार करनेवालों पर लानत की है और उनके लिए भड़कती आग तैयार कर रखी है,	x
Khalideena feeha abadan la yajidoona waliyyan wala naseeran	x	Abiding therein forever, they will not find a protector or a helper.	33:65	जिसमें वे सदैव रहेंगे। न वे कोई निकटवर्ती समर्थक पाएँगे और न (दूर का) सहायक	x
Yawma tuqallabu wujoohuhum fee alnnari yaqooloona ya laytana ataAAna Allaha waataAAna alrrasoola	x	The Day their faces will be turned about in the Fire, they will say, "How we wish we had obeyed Allah and obeyed the Messenger."	33:66	जिस दिन उनके चहेरे आग में उलटे-पलटे जाएँगे, वे कहेंगे, "क्या ही अच्छा होता कि हमने अल्लाह का आज्ञापालन किया होता और रसूल का आज्ञापालन किया होता!"	x
Waqaloo rabbana inna ataAAna sadatana wakubaraana faadalloona alssabeela	x	And they will say, "Our Lord, indeed we obeyed our masters and our dignitaries, and they led us astray from the [right] way.	33:67	वे कहेंगे, "ऐ हमारे रब! वास्तव में हमने अपने सरदारों और अपने बड़ो का आज्ञा का पालन किया और उन्होंने हमें मार्ग से भटका दिया।	x
Rabbana atihim diAAfayni mina alAAathabi wailAAanhum laAAnan kabeeran	x	Our Lord, give them double the punishment and curse them with a great curse."	33:68	"ऐ हमारे रब! उन्हें दोहरी यातना दे और उनपर बड़ी लानत कर!"	x

Ya ayyuha allatheena amanoo la takoonoo kaallatheena athaw moosa fabarraahu Allahu mimma qaloo wakana AAinda Allahi wajeehan	Hadith: Moses was a shy and modest man who would never show anything of his skin because of his shyness," which led some Jews to claim: "He only keeps himself covered because of some defect in his skin, either leprosy or scrotal hernia or some other defect." So Allah, wanting to clear Moses, did so one day when Moses "was alone, so he took off his garment and put it on a rock, then he took a bath. When he had finished, he turned back to pick up his garment, but the rock moved away, taking his garment with it." Moses chased the rock "until he reached a group of the Children of Israel, who saw him naked and found that he was the best of those whom Allah had created. Thus he was cleared of what they had said about him."	O you who have believed, be not like those who abused Moses; then Allah cleared him of what they said. And he, in the sight of Allah, was distinguished.	33:69	ऐ ईमान लानेवालो! उन लोगों की तरह न हो जाना जिन्होंने मूसा को दुख पहुँचाया, तो अल्लाह ने उससे जो कुछ उन्होंने कहा था उसे बरी कर दिया। वह अल्लाह के यहाँ बड़ा गरिमावान था	हदीस: मूसा एक शर्मीले और विनम्र व्यक्ति थे जो अपनी शर्मिंदगी के कारण कभी भी अपनी त्वचा नहीं दिखाते थे," जिससे कुछ यहूदी यह दावा करने लगे: "वह केवल इसलिए अपने आप को ढकते हैं क्योंकि उनकी त्वचा में कोई दोष है, चाहे वह कुष्ठ रोग हो या अंडकोषीय हर्निया या कोई और दोष।" अतः अल्लाह, मूसा को साफ़ दिखाना चाहते हुए, ऐसा एक दिन किया जब मूसा "अकेला था, तो उसने अपना वस्त्र उतारकर एक चट्टान पर रख दिया, फिर स्नान किया। जब वह समाप्त कर चुका, तो वह अपने वस्त्र को लेने के लिए पलटा, लेकिन चट्टान हिली और उसके साथ उसका वस्त्र भी चली गई।" मूसा ने चट्टान का पीछा किया "जब तक कि वह इस्राइल के बच्चों के एक समूह तक नहीं पहुंचा, जिन्होंने उसे नग्न देखा और पाया कि वह उन लोगों में सबसे श्रेष्ठ है जिन्हें अल्लाह ने बनाया था। इस प्रकार उसे उनके कहने से साफ़ कर दिया गया।
Ya ayyuha allatheena amanoo ittaqoo Allaha waqooloo qawlan	x	O you who have believed, fear Allah and speak words of appropriate justice.	33:70	ऐ ईमान लानेवालो! अल्लाह का डर रखो और बात कहो ठीक सधी हुई	x

Yuslih lakum aAAmalakum wayaghfir lakum thunoobakum waman yutiAAi Allaha warasoolahu faqad faza fawzan AAatheeman	x	He will [then] amend for you your deeds and forgive you your sins. And whoever obeys Allah and His Messenger has certainly attained a great attainment.	33:71	वह तुम्हारे कर्मों को सँवार देगा और तुम्हारे गुनाहों को क्षमा कर देगा। और जो अल्लाह और उसके रसूल का आज्ञापालन करे, उसने बड़ी सफलता प्राप्त॥ कर ली है	x
Inna AAaradna alamanata AAala alssamawati waalardi waaljibali faabayna an yahmilnaha waashfaqna minha wahamalaha alinsanu innahu kana thalooman jahoolan	Allah offered the al-amanah, the obedience of created things, to the Heavens and the Earth and the Mountains, but they refused it. Man took it, but performed badly, so now Allah must punish the hypocrites and disbelievers. **[Heaven, Earth, Mountain all living being. Allah is correct here, he knows man are unjust and ignorant (predestination).]**	Indeed, we offered the Trust to the heavens and the earth and the mountains, and they declined to bear it and feared it; but man [undertook to] bear it. Indeed, he was unjust and ignorant.	33:72	हमने अमानत को आकाशों और धरती और पर्वतों के समक्ष प्रस्तुत किया, किन्तु उन्होंने उसके उठाने से इनकार कर दिया और उससे डर गए। लेकिन मनुष्य ने उसे उठा लिया। निश्चय ही वह बड़ी ज़ालिम, आवेश के वशीभूत हो जानेवाला है	अल्लाह ने अल-अमानाह, अर्थात् सृजित चीज़ों की आज्ञाकारिता, को आकाशों, धरती और पर्वतों के पास पेश किया, लेकिन उन्होंने इसे स्वीकार नहीं किया। इंसान ने इसे लिया, लेकिन बुरे ढंग से निभाया, इसलिए अब अल्लाह को पाखंडियों और अविश्वासियों को सज़ा देनी होगी। **[आकाश, धरती, पर्वत सभी जीवित प्राणी हैं। अल्लाह यहाँ सही है, वह जानता है कि इंसान अन्यायपूर्ण और अज्ञानी हैं (पूर्व निर्धारित)।]**
LiyuAAaththiba Allahu almunafiqeena waalmunafiqati waalmushrikeena waalmushrikati wayatooba Allahu AAala almumineena waalmuminati wakana Allahu	Allah will get this done by the hands of Muslims, as they work on behalf of Allah.	[It was] so that Allah may punish the hypocrite men and hypocrite women and the men and women who associate others with Him and that Allah may accept repentance from the believing men and believing women. And ever is Allah Forgiving and	33:73	ताकि अल्लाह कपटाचारी पुरुषों और कपटाचारी स्त्रियों और बहुदेववादी पुरुषों और बहुदेववादी स्त्रियों को यातना दे, और ईमानवाले पुरुषों और ईमानवाली स्त्रियों पर अल्लाह कृपा-स्पष्ट करे। वास्तव में अल्लाह बड़ा क्षमाशील, दयावान है	अल्लाह यह काम मुसलमानों के हाथों से पूरा करवाएगा, क्योंकि वे अल्लाह की ओर से कार्य करते हैं।

Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Saba (Sheba)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**34:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**सबा (शेबा)**
Alhamdu lillahi allathee lahu ma fee alssamawati wama fee alardi walahu alhamdu fee alakhirati wahuwa alhakeemu alkhabeeru	**[This is another verse that is difficult to reconcile with the Islamic claim that Allah is the sole speaker throughout the Qur'an (see 1:2)]**	[All] praise is [due] to Allah, to whom belongs whatever is in the heavens and whatever is in the earth, and to Him belongs [all] praise in the Hereafter. And He is the Wise, the Acquainted.	34:1	प्रशंसा अल्लाह ही के लिए है जिसका वह सब कुछ है जो आकाशों और धरती में है। और आख़िरत में भी उसी के लिए प्रशंसा है। और वही तत्वदर्शी, ख़बर रखनेवाला है	**[यह एक और आयत है जिसे इस्लामी दावे के साथ मेल बैठाना मुश्किल है कि पूरे कुरान में केवल अल्लाह ही बोलने वाला है (देखें 1:2)]**
YaAAlamu ma yaliju fee alardi wama yakhruju minha wama yanzilu mina alssamai wama yaAAruju feeha wahuwa alrraheemu alghafooru	What ascends : may be Angels.	He knows what penetrates into the earth and what emerges from it and what descends from the heaven and what ascends therein. And He is the Merciful, the Forgiving.	34:2	वह जानता है जो कुछ धरती में प्रविष्ट होता है और जो कुथ उससे निकलता है और जो कुछ आकाश से उतरता है और जो कुछ उसमें चढ़ता है। और वही अत्यन्त दयावान, क्षमाशील है	क्या ऊपर चढ़ता है: फ़रिश्ते हो सकते हैं।

Waqala allatheena kafaroo la tateena alssaAAatu qul bala warabbee latatiyannakum AAalimi alghaybi la yaAAzubu AAanhu mithqalu tharratin fee alssamawati wala fee alardi wala asgharu min thalika wala akbaru illa fee kitabin mubeenin	Here and at 34:7, 34:9, 34:31, and 34:43, objections to the Prophet's message are repeated, each introduced by the phrase “the unbelievers say,” and Allah at each point answers them.	But those who disbelieve say, "The Hour will not come to us." Say, "Yes, by my Lord, it will surely come to you. [Allah is] the Knower of the unseen." Not absent from Him is an atom's weight within the heavens or within the earth or [what is] smaller than that or greater, except that it is in a clear register -	34:3	जिन लोगों ने इनकार किया उनका कहना है कि "हमपर क़ियामत की घड़ी नहीं आएगी।" कह दो, "क्यों नहीं, मेरे परोक्ष ज्ञाता रब की क़सम! वह तो तुमपर आकर रहेगी - उससे कणभर भी कोई चीज़ न तो आकाशों में ओझल है और न धरती में, और न इससे छोटी कोई चीज़ और न बड़ी। किन्तु वह एक स्पष्ट किताब में अंकित है। -	यहाँ और 34:7, 34:9, 34:31, और 34:43 में, पैगंबर के संदेश के प्रति आपत्तियाँ दोहराई जाती हैं, हर बार 'अविश्वासी कहते हैं' वाक्यांश से शुरू होकर, और हर बार अल्लाह उनका उत्तर देता है।
Liyajziya allatheena amanoo waAAamiloo alssalihati olaika lahum maghfiratun warizqun kareemun	x	That He may reward those who believe and do righteous deeds. Those will have forgiveness and noble provision.	34:4	"ताकि वह उन लोगों को बदला दे, जो ईमान लाए और उन्होंने अच्छे कर्म किए। वहीं है जिनके लिए क्षमा और प्रतिष्ठामय आजीविका है	x
Waallatheena saAAaw fee ayatina muAAajizeena olaika lahum AAathabun min	x	But those who strive against Our verses [seeking] to cause failure - for them will be a painful punishment of foul nature.	34:5	"रहे वे लोग जिन्होंने हमारी आयतों को मात करने का प्रयास किया, वह है जिनके लिए बहुत ही बुरे प्रकार की दुखद यातना है।"	x

Wayara allatheena ootoo alAAilma allathee onzila ilayka min rabbika huwa alhaqqa wayahdee ila sirati alAAazeezi alhameedi	x	And those who have been given knowledge see that what is revealed to you from your Lord is the truth, and it guides to the path of the Exalted in Might, the Praiseworthy.	34:6	जिन लोगों को ज्ञान प्राप्त हुआ है वे स्वयं देखते है कि जो कुछ तुम्हारे रब की ओर से तुम्हारी ओर अवतरित हुआ है वही सत्य है, और वह उसका मार्ग दिखाता है जो प्रभुत्वशाली, प्रशंसा का अधिकारी है	x
Waqala allatheena kafaroo hal nadullukum AAala rajulin yunabbiokum itha muzziqtum kulla mumazzaqin innakum lafee khalqin jadeedin	means resurrected after death.	But those who disbelieve say, "Shall we direct you to a man who will inform you [that] when you have disintegrated in complete disintegration, you will [then] be [recreated] in a new creation?	34:7	जिन लोगों ने इनकार किया वे कहते है कि "क्या हम तुम्हें एक ऐसा आदमी बताएँ जो तुम्हें ख़बर देता है कि जब तुम बिलकुल चूर्ण-विचूर्ण हो जाओगे तो तुम नवीन काय में जीवित होगे?"	मृत्यु के बाद पुनर्जीवित होने का मतलब है।
Aftara AAala Allahi kathiban am bihi jinnatun bali allatheena la yuminoona bialakhirati fee alAAathabi waalddalali albaAAeedi	x	Has he invented about Allah a lie or is there in him madness?" Rather, they who do not believe in the Hereafter will be in the punishment and [are in] extreme error.	34:8	क्या उसने अल्लाह पर झूठ घड़कर थोपा है, या उसे कुछ उन्माद है? नहीं, बल्कि जो लोग आख़िरत पर ईमान नहीं रखते वे यातना और परले दरजे की गुमराही में हैं	x

Afalam yaraw ila ma bayna aydeehim wama khalfahum mina alssamai waalardi in nasha nakhsif bihimu alarda aw nusqit AAalayhim kisafan mina alssamai inna fee thalika laayatan likulli AAabdin	**[Sky can only fall if assumed to be a flat roof.]**	Then, do they not look at what is before them and what is behind them of the heaven and earth? If We should will, We could cause the earth to swallow them or [could] let fall upon them fragments from the sky. Indeed in that is a sign for every servant turning back [to Allah].	34:9	क्या उन्होंने आकाश और धरती को नहीं देखा, जो उनके आगे भी है और उनके पीछे भी? यदि हम चाहें तो उन्हें धरती में धँसा दें या उनपर आकाश से कुछ टुकड़े गिरा दें। निश्चय ही इसमें एक निशानी है हर उस बन्दे के लिए जो रुजू करनेवाला हो	**[आसमान केवल तभी गिर सकता है यदि इसे सपाट छत माना जाए]**
Walaqad atayna dawooda minna fadlan ya jibalu awwibee maAAahu waalttayra waalanna lahu alhadeeda	Allah had blessed David with a mighty voice. Such that when he glorified Allah, the firm, solid, high mountains joined him in glorifying Allah, and the free-roaming birds, who go out in the morning and come back in the evening, stopped for him, and he was able to speak all languages. **[No proof of these things exist.]**	And We certainly gave David from Us bounty. [We said], "O mountains, repeat [Our] praises with him, and the birds [as well]." And We made pliable for him iron,	34:10	हमने दाऊद को अपनी ओर से श्रेष्ठ ता प्रदान की, "ऐ पर्वतों! उसके साथ तसबीह को प्रतिध्वनित करो, और पक्षियों तुम भी!" और हमने उसके लिए लोहे को नर्म कर दिया	अल्लाह ने दाऊद को एक शक्तिशाली आवाज़ से नवाज़ा था। ऐसी कि जब वह अल्लाह की महिमा करने लगे, तो दृढ़, ठोस, ऊँचे पहाड़ भी उनके साथ अल्लाह की महिमा करने लगे, और स्वतंत्र उड़ने वाले पक्षी, जो सुबह बाहर जाते हैं और शाम को लौटते हैं, उनके लिए रुक गए, और वह सभी भाषाएँ बोलने में सक्षम थे। **[इन बातों का कोई प्रमाण मौजूद नहीं है।]**
Ani iAAmal sabighatin waqaddir fee alssardi waiAAmaloo salihan innee bima taAAmaloona baseerun	**[Coat of mail was made even before David.]**	[Commanding him], "Make full coats of mail and calculate [precisely] the links, and work [all of you] righteousness. Indeed I, of what you do, am Seeing."	34:11	कि "पूरी कवचें बना और कड़ियों को ठीक अंदाज़ें से जोड़।" - और तुम अच्छा कर्म करो। निस्संदेह जो कुछ तुम करते हो उसे मैं देखता हूँ	**[लौह कवच दाऊद से भी पहले बनाया गया था।]**

Walisulaymana alrreeha ghuduwwuha shahrun warawahuha shahrun waasalna lahu AAayna alqitri wamina aljinni man yaAAmalu bayna yadayhi biithni rabbihi waman yazigh minhum AAan amrina nuthiqhu min AAathabi alssaAAeeri	Solomon is discussed more fully in the passage starting at 27:15. **[Jinn worked for prophet Solomon and he could control the wind. His flying carpet used to carry everything. To keep fountain of molten brass running, was technical impossible at that time.]**	And to Solomon [We subjected] the wind - its morning [journey was that of] a month - and its afternoon [journey was that of] a month, and We made flow for him a spring of [liquid] copper. And among the jinn were those who worked for him by the permission of his Lord. And whoever deviated among them from Our command - We will make him taste of the punishment of the Blaze.	34:12	और सुलैमान के लिए वायु को वशीभुत कर दिया था। प्रातः समय उसका चलना एक महीने की राह तक और सायंकाल को उसका चलना एक महीने की राह तक - और हमने उसके लिए पिघले हुए ताँबे का स्रोत बहा दिया - और जिन्नों में से भी कुछ को (उसके वशीभूत कर दिया था,) जो अपने रब की अनुज्ञा से उसके आगे काम करते थे। (हमारा आदेशा था,) "उनमें से जो हमारे हुक्म से फिरेगा उसे हम भड़कती आग का मज़ा चखाएँगे।"	सुलैमान पर 27:15 से शुरू होने वाले अनुच्छेद में अधिक पूर्ण रूप से चर्चा की गई है। **[जिन्न पैगंबर सुलैमान के लिए काम करते थे और वह हवा को नियंत्रित कर सकते थे। उसका उड़ने वाला कालीन हर चीज को ले जाता था। पिघले हुए पीतल के फव्वारे को चालू रखना उस समय तकनीकी रूप से असंभव था।]**
YaAAmaloona lahu ma yashao min mahareeba watamatheela wajifanin kaaljawabi waqudoorin rasiyatin iAAmaloo ala dawooda shukran waqaleelun min AAibadiya	The Jinns made all these things.	They made for him what he willed of elevated chambers, statues, bowls like reservoirs, and stationary kettles. [We said], "Work, O family of David, in gratitude." And few of My servants are grateful.	34:13	वे उसके लिए बनाते, जो कुछ वह चाहता - बड़े-बड़े भवन, प्रतिमाएँ, बड़े हौज़ जैसे थाल और जमी रहनेवाली देगें - "ऐ दाऊद के लोगों! कर्म करो, कृतज्ञता दिखाने रूप में। मेरे बन्दों में कृतज्ञ थोड़े ही हैं।"	जिन्नों ने ये सब चीज़ें बनाई।

Falamma qadayna AAalayhi almawta ma dallahum AAala mawtihi illa dabbatu alardi takulu minsaatahu falamma kharra tabayyanati aljinnu an law kanoo yaAAlamoona alghayba ma labithoo fee	**[Means there was no body to notice the death of a king in the kingdom and he remained in standing position till his staff was eaten by termites.]**	And when We decreed for Solomon death, nothing indicated to the jinn his death except a creature of the earth eating his staff. But when he fell, it became clear to the jinn that if they had known the unseen, they would not have remained in humiliating punishment.	34:14	फिर जब हमने उसके लिए मौत का फ़ैसला लागू किया तो फिर उन जिन्नों को उसकी मौत का पता बस भूमि के उस कीड़े ने दिया जो उसकी लाठी को खा रहा था। फिर जब वह गिर पड़ा, तब जिन्नों पर प्रकट हुआ कि यदि वे परोक्ष के जाननेवाले होते तो इस अपमानजनक यातना में पड़े न रहते	**[इसका मतलब है कि राज्य में राजा की मृत्यु को कोई देख नहीं कर रहा था और वह खड़े रहने की स्थिति में रहा जब तक कि उसकी छड़ी दीमक द्वारा न खा ली गई।]**
Laqad kana lisabain fee maskanihim ayatun jannatani AAan yameenin washimalin kuloo min rizqi rabbikum waoshkuroo lahu baldatun tayyibatun warabbun ghafoorun	x	There was for [the tribe of] Saba' in their dwelling place a sign: two [fields of] gardens on the right and on the left. [They were told], "Eat from the provisions of your Lord and be grateful to Him. A good land [have you], and	34:15	सबा के लिए उनके निवास-स्थान ही में एक निशानी थी - दाएँ और बाएँ दो बाग, "खाओ अपने रब की रोज़ी, और उसके प्रति आभार प्रकट करो। भूमि भी अच्छी-सी और रब भी क्षमाशील।"	x
FaaAAradoo faarsalna AAalayhim sayla alAAarimi wabaddalnahum bijannatayhim jannatayni thawatay okulin khamtin waathlin washayin	**[Here Saba rejects Allah, but at 27:44, the Queen of Saba professes her Islamic faith.]**	But they turned away [refusing], so We sent upon them the flood of the dam, and We replaced their two [fields of] gardens with gardens of bitter fruit, tamarisks and something of sparse lote trees.	34:16	किन्तु वे ध्यान में न लाए तो हमने उनपर बँध-तोड़ बाढ़ भेज दी और उनके दोनों बाग़ों के बदले में उन्हें दो दूसरे बाग़ दिए, जिनमें कड़वे-कसैले फल और झाड़ थे, और कुछ थोड़ी-सी झड़-बेरियाँ	**[यहाँ सबा अल्लाह से इंकार करती है, लेकिन 27:44 में, सबा की रानी अपने इस्लामी धर्म का इज़हार करती है।]**

Thalika jazaynahum bima kafaroo wahal nujazee illa alkafoora	This verse strongly supports the commonly held idea that piety in Islam will equal earthly success, and rejecting Allah will bring disaster in this world as well as in the next.	[By] that We repaid them because they disbelieved. And do We [thus] repay except the ungrateful?	34:17	यह बदला हमने उन्हें इसलिए दिया कि उन्होंने कृतघ्नता दिखाई। ऐसा बदला तो हम कृतघ्न लोगों को ही देते है	यह आयत उस सामान्य विश्वास का जीवंत समर्थन करता है कि इस्लाम में पवित्रता पृथ्वी पर सफलता के बराबर होगी, और अल्लाह को अस्वीकार करना इस दुनिया में और भविष्य की दुनिया में आपदा लाएगा।
WajaAAalna baynahum wabayna alqura allatee barakna feeha quran thahiratan waqaddarna feeha alssayra seeroo feeha layaliya waayyaman	Allah placed towns between cities with good connectivity, trees, crops and fruits, when they traveled, they had no need to carry provisions or water with them.	And We placed between them and the cities which We had blessed [many] visible cities. And We determined between them the [distances of] journey, [saying], "Travel between them by night or day in safety."	34:18	और हमने उनके और उन बस्तियों के बीच जिनमें हमने बरकत रखी थी प्रत्यक्ष बस्तियाँ बसाई और उनमें सफ़र की मंज़िलें ख़ास अंदाज़े पर रखीं, "उनमें रात-दिन निश्चिन्त होकर चलो फिरो!"	अल्लाह ने नगरों के बीच ऐसे कस्बे बनाए जिनकी अच्छे रास्ते हो, पेड़-पौधे, फसलें और फल हों, जब वे यात्रा करते थे तो उन्हें अपने साथ भोजन या पानी ले जाने की आवश्यकता नहीं होती थी।
Faqaloo rabbana baAAid bayna asfarina wathalamoo anfusahum fajaAAalnahum ahadeetha wamazzaqnahum kulla mumazzaqin inna fee thalika laayatin likulli sabbarin shakoorin	x	But [insolently] they said, "Our Lord, lengthen the distance between our journeys," and wronged themselves, so We made them narrations and dispersed them in total dispersion. Indeed in that are signs for everyone patient and grateful.	34:19	किन्तु उन्होंने कहा, "ऐ हमारे रब! हमारी यात्राओं में दूरी कर दे।" उन्होंने स्वयं अपने ही ऊपर ज़ुल्म किया। अन्ततः हम उन्हें (अतीत की) कहानियाँ बनाकर रहे, और उन्हें बिल्कुल छिन्न-भिन्न कर डाला। निश्चय ही इसमें निशानियाँ है प्रत्येक बड़े धैर्यवान, कृतज्ञ के लिए	x
Walaqad saddaqa AAalayhim ibleesu thannahu faittabaAAoohu illa fareeqan mina almumineena	The Iblis' thought about the disbelievers proved true.	And Iblees had already confirmed through them his assumption, so they followed him, except for a party of believers.	34:20	इबलीस ने उनके विषय में अपना गुमान सत्य पाया और ईमानवालो के एक गिरोह के सिवा उन्होंने उसी का अनुसरण किया	इब्लिस का काफ़िरों के बारे में विचार सही साबित हुआ।

Wama kana lahu AAalayhim min sultanin illa linaAAlama man yuminu bialakhirati mimman huwa minha fee shakkin warabbuka AAala kulli shayin hafeethun	Allah tests who believes in the Hereafter and who is in doubt about it.	And he had over them no authority except [it was decreed] that We might make evident who believes in the Hereafter from who is thereof in doubt. And your Lord, over all things, is Guardian.	34:21	यद्यपि उसको उनपर कोई ज़ोर और अधिकार प्राप्त न था, किन्तु यह इसलिए कि हम उन लोगों को जो आख़िरत पर ईमान रखते है उन लोगों से अलग जान ले जो उसकी ओर से किसी सन्देह में पड़े हुए है। तुम्हारा रब हर चीज़ का अभिरक्षक है	अल्लाह यह परखते हैं कि कौन आने वाले जीवन में विश्वास करता है और कौन इसमें संदेह करता है।
Quli odAAoo allatheena zaAAamtum min dooni Allahi la yamlikoona mithqala tharratin fee alssamawati wala fee alardi wama lahum feehima min shirkin wama lahu minhum	x	Say, [O Muhammad], "Invoke those you claim [as deities] besides Allah." They do not possess an atom's weight [of ability] in the heavens or on the earth, and they do not have therein any partnership [with Him], nor is there for Him from among them any assistant.	34:22	कह दो, "अल्लाह को छोड़कर जिनका तुम्हें (उपास्य होने का) दावा है, उन्हें पुकार कर देखो। वे न अल्लाह में कणभर चीज़ के मालिक है और न धरती में और न उन दोनों में उनका कोई साझी है और न उनमें से कोई उसका सहायक है।"	x
Wala tanfaAAu alshshafaAAatu AAindahu illa liman athina lahu hatta itha fuzziAAa AAan quloobihim qaloo matha qala rabbukum qaloo alhaqqa wahuwa alAAaliyyu alkabeeru	**[Contradiction: No intercession accepted (2:48, 2:123, 6:51, 6:94, 23:101, 32:4, 39:43-44, 42:46). Intercession is accepted with Allah's permission (2:255, 4:64, 10:3, 19:87, 20:109, 21:28, 34:23, 53:26)]**	And intercession does not benefit with Him except for one whom He permits. [And those wait] until, when terror is removed from their hearts, they will say [to one another], "What has your Lord said?" They will say, "The truth." And He is the Most High, the Grand.	34:23	और उसके यहाँ कोई सिफ़ारिश काम नहीं आएगी, किन्तु उसी की जिसे उसने (सिफ़ारिश करने की) अनुमति दी हो। यहाँ तक कि जब उनके दिलों से घबराहट दूर हो जाएगी, तो वे कहेंगे, "तुम्हारे रब ने क्या कहा?" वे कहेंगे, "सर्वथा सत्य। और वह अत्यन्त उच्च, महान है।"	**[विरोधाभास: कोई मध्यस्थता स्वीकार नहीं की जाती (2:48, 2:123, 6:51, 6:94, 23:101, 32:4, 39:43-44, 42:46)। मध्यस्थता अल्लाह की अनुमति से स्वीकार की जाती है (2:255, 4:64, 10:3, 19:87, 20:109, 21:28, 34:23, 53:26)]**

Qul man yarzuqukum mina alssamawati waalardi quli Allahu wainna aw iyyakum laAAala hudan aw	x	Say, "Who provides for you from the heavens and the earth?" Say, "Allah. And indeed, we or you are either upon guidance or in clear error."	34:24	कहो, "कौन तुम्हें आकाशों और धरती में रोज़ी देता है?" कहो, "अल्लाह!" अब अवश्य ही हम है या तुम ही हो मार्ग पर, या खुली गुमराही में	x
Qul la tusaloona AAamma ajramna wala nusalu AAamma taAAmaloona	The messenger must disown the unbelievers because, they do not belong to us and we do not belong to them. Believer call people to Allah, to believe that He is the Only God and to worship Him alone. **[Abrogated by Jihad verses.]**	Say, "You will not be asked about what we committed, and we will not be asked about what you do."	34:25	कहो, "जो अपराध हमने किए, उसकी पूछ तुमसे न होगी और न उसकी पूछ हमसे होगी जो तुम कर रहे हो।"	दूत को अविश्वासियों को अस्वीकार करना चाहिए क्योंकि, वे हमारे नहीं हैं और हम उनके नहीं हैं। आस्तिक लोगों को अल्लाह के पास बुलाते हैं, यह विश्वास करने के लिए कि वह एकमात्र ईश्वर है और केवल उसकी पूजा करता है। **[जिहाद आयतों द्वारा निरस्त।**
Qul yajmaAAu baynana rabbuna thumma yaftahu baynana bialhaqqi wahuwa alfattahu alAAaleemu	x	Say, "Our Lord will bring us together; then He will judge between us in truth. And He is the Knowing Judge."	34:26	कह दो, "हमारा रब हम सबको इकट्ठा करेगा। फिर हमारे बीच ठीक-ठीक फ़ैसला कर देगा। वही ख़ूब फ़ैसला करनेवाला, अत्यन्त ज्ञानवान है।"	x
Qul arooniya allatheena alhaqtum bihi shurakaa kalla bal huwa Allahu alAAazeezu alhakeemu	Hadith: Who amongst the community of Jews or Christians hears about Prophet Muhammad (pbuh), but does not affirm his belief in him and Quran and dies in this state (of disbelief), he shall be but one of the denizens of Hell-Fire. Also	Say, "Show me those whom you have attached to Him as partners. No! Rather, He [alone] is Allah, the Exalted in Might, the Wise."	34:27	कहो, "मुझे उनको दिखाओ तो, जिनको तुमने साझीदार बनाकर उसके साथ जोड रखा है। कुछ नहीं, बल्कि बही अल्लाह अत्यन्त प्रभुत्वशाली, तत्वदर्शी है।"	हदीस: यहूदियों या ईसाइयों के समुदाय में से कौन पैगंबर मुहम्मद (स.) के बारे में सुनता है, लेकिन उन पर और कुरान में अपने विश्वास की पुष्टि नहीं करता है और इस अवस्था में (अविश्वास की) मर जाता है, वह नरक-अग्नि के निवासियों में से एक होगा। यह भी देखें 3:19, 3:85।

Wama arsalnaka illa kaffatan lilnnasi basheeran wanatheeran walakinna akthara alnnasi la yaAAlamoona	**[If Islam is an universal religion, then why is everything if from Arabs point of view.]**	And We have not sent you except comprehensively to mankind as a bringer of good tidings and a warner. But most of the people do not know.	34:28	हमने तो तुम्हें सारे ही मनुष्यों को शुभ-सूचना देनेवाला और सावधान करनेवाला बनाकर भेजा, किन्तु अधिकतर लोग जानते नहीं	**[अगर इस्लाम एक सार्वभौमिक धर्म है, तो फिर सब कुछ अरबी दृष्टिकोण से क्यों है।]**
Wayaqooloona mata hatha alwaAAdu in kuntum sadiqeena	x	And they say, "When is this promise, if you should be truthful?"	34:29	वे कहते है, "यह वादा कब पूरा होगा, यदि तुम सच्चे हो?"	x
Qul lakum meeAAadu yawmin la tastakhiroona AAanhu saAAatan wala tastaqdimoona	x	Say, "For you is the appointment of a Day [when] you will not remain thereafter an hour, nor will you precede [it]."	34:30	कह दो, "तुम्हारे लिए एक विशेष दिन की अवधि नियत है, जिससे न एक घड़ी भर पीछे हटोगे और न आगे बढ़ोगे।"	x
Waqala allatheena kafaroo lan numina bihatha alqurani wala biallathee bayna yadayhi walaw tara ithi alththalimoona mawqoofoona AAinda rabbihim yarjiAAu baAAduhum ila baAAdin alqawla yaqoolu allatheena istudAAifoo lillatheena istakbaroo lawla	**[Hypothetical discussion.]**	And those who disbelieve say, "We will never believe in this Qur'an nor in that before it." But if you could see when the wrongdoers are made to stand before their Lord, refuting each other's words... Those who were oppressed will say to those who were arrogant, "If not for you, we would have been believers."	34:31	जिन लोगों ने इनकार किया वे कहते है, "हम इस क़ुरआन को कदापि न मानेंगे और न उसको जो इसके आगे है।" और यदि तुम देख पाते जब ज़ालिम अपने रब के सामने खड़े कर दिए जाएँगे। वे आपस में एक-दूसरे पर इल्ज़ाम डाल रहे होंगे। जो लोग कमज़ोर समझे गए वे उन लोगों से जो बड़े बनते थे कहेंगे, "यदि तुम न होते तो हम अवश्य ही ईमानवाले होते।"	**[काल्पनिक चर्चा.]**

Qala allatheena istakbaroo lillatheena istudAAifoo anahnu sadadnakum AAani alhuda baAAda ith jaakum bal kuntum	x	Those who were arrogant will say to those who were oppressed, "Did we avert you from guidance after it had come to you? Rather, you were criminals."	34:32	वे लोग जो बड़े बनते थे उन लोगों से जो कमज़ोर समझे गए थे, कहेंगे, "क्या हमने तुम्हे उस मार्गदर्शन से रोका था, वह तुम्हारे पास आया था? नहीं, बल्कि तुम स्वयं ही अपराधी हो।"	x
Waqala allatheena istudAAifoo lillatheena istakbaroo bal makru allayli waalnnahari ith tamuroonana an nakfura biAllahi wanajAAala lahu andadan waasarroo alnnadamata lamma raawoo alAAathaba wajaAAalna alaghlala fee aAAnaqi allatheena kafaroo hal	x	Those who were oppressed will say to those who were arrogant, "Rather, [it was your] conspiracy of night and day when you were ordering us to disbelieve in Allah and attribute to Him equals." But they will [all] confide regret when they see the punishment; and We will put shackles on the necks of those who disbelieved. Will they be recompensed except for what they used to do?	34:33	वे लोग कमज़ोर समझे गए थे बड़े बननेवालों से कहेंगे, "नहीं, बल्कि रात-दिन की मक्कारी थी जब तुम हमसे कहते थे कि हम अल्लाह के साथ कुफ़्र करें और दूसरों को उसका समकक्ष ठहराएँ।" जब वे यातना देखेंगे तो मन ही मन पछताएँगे और हम उन लोगों की गरदनों में जिन्होंने कुफ़्र की नीति अपनाई, तौक़ डाल देंगे। वे वही तो बदले में पाएँगे, जो वे करते रहे थे?	x
Wama arsalna fee qaryatin min natheerin illa qala mutrafooha inna bima orsiltum bihi kafiroona	x	And We did not send into a city any warner except that its affluent said, "Indeed we, in that with which you were sent, are disbelievers."	34:34	हमने जिस बस्ती में भी कोई सचेतकर्ता भेजा तो वहाँ के सम्पन्न लोगों ने यही कहा कि "जो कुछ देकर तुम्हें भेजा गया है, हम तो उसको नहीं मानते।"	x

Waqaloo nahnu aktharu amwalan waawladan wama nahnu bimuAAaththabeena	x	And they said, "We are more [than the believers] in wealth and children, and we are not to be punished."	34:35	उन्होंने यह भी कहा कि "हम तो धन और संतान में तुमसे बढ़कर है और हम यातनाग्रस्त होनेवाले नहीं।"	x
Qul inna rabbee yabsutu alrrizqa liman yashao wayaqdiru walakinna akthara alnnasi la	x	Say, "Indeed, my Lord extends provision for whom He wills and restricts [it], but most of the people do not know."	34:36	कहो, "निस्संदेह मेरा रब जिसके लिए चाहता है रोज़ी कुशादा कर देता है और जिसे चाहता है नपी-तुली देता है। किन्तु अधिकांश लोग जानते नहीं।"	x
Wama amwalukum wala awladukum biallatee tuqarribukum AAindana zulfa illa man amana waAAamila salihan faolaika lahum jazao alddiAAfi bima AAamiloo wahum fee alghurufati aminoona	x	And it is not your wealth or your children that bring you nearer to Us in position, but it is [by being] one who has believed and done righteousness. For them there will be the double reward for what they did, and they will be in the upper chambers [of Paradise], safe [and	34:37	वह चीज़ न तुम्हारे धन है और न तुम्हारी सन्तान, जो तुम्हें हमसे निकट कर दे। अलबता, जो कोई ईमान लाया और उसने अच्छा कर्म किया, तो ऐसे ही लोग है जिनके लिए उसका कई गुना बदला है, जो उन्होंने किया। और वे ऊपरी मंजिल के कक्षों में निश्चिन्तता-पूर्वक रहेंगे	x
Waallatheena yasAAawna fee ayatina muAAajizeena olaika fee alAAathabi	x	And the ones who strive against Our verses to cause [them] failure - those will be brought into the punishment [to remain].	34:38	रहे वे लोग जो हमारी आयतों को मात करने के लिए प्रयासरत है, वे लाकर यातनाग्रस्त किए जाएँगे	x

Qul inna rabbee yabsutu alrrizqa liman yashao min AAibadihi wayaqdiru lahu wama anfaqtum min shayin fahuwa yukhlifuhu wahuwa khayru alrraziqeena	x	Say, "Indeed, my Lord extends provision for whom He wills of His servants and restricts [it] for him. But whatever thing you spend [in His cause] - He will compensate it; and He is the best of providers."	34:39	कह दो, "मेरा रब ही है जो अपने बन्दों में से जिसके लिए चाहता है रोज़ी कुशादा कर देता है और जिसके लिए चाहता है नपी-तुली कर देता है। और जो कुछ भी तुमने ख़र्च किया, उसकी जगह वह तुम्हें और देगा। वह सबसे अच्छा रोज़ी देनेवाला है।"	x
Wayawma yahshuruhum jameeAAan thumma yaqoolu lilmalaikati ahaolai iyyakum kanoo yaAAbudoona	x	And [mention] the Day when He will gather them all and then say to the angels, "Did these [people] used to worship you?"	34:40	याद करो जिस दिन वह उन सबको इकट्ठा करेगा, फिर फ़रिश्तों से कहेगा, "क्या तुम्ही को ये पूजते रहे है?"	x
Qaloo subhanaka anta waliyyuna min doonihim bal kanoo yaAAbudoona aljinna aktharuhum bihim muminoona	**[This may only be true for idolators of Arabia as Jinn is an arabic concept.]**	They will say, "Exalted are You! You, [O Allah], are our benefactor not them. Rather, they used to worship the jinn; most of them were believers in them."	34:41	वे कहेंगे, "महान है तू, हमारा निकटता का मधुर सम्बन्ध तो तुझी से है, उनसे नहीं; बल्कि बात यह है कि वे जिन्नों को पूजते थे। उनमें से अधिकतर उन्हीं पर ईमान रखते थे।"	**[यह केवल अरब के मूर्तिपूजकों के लिए सच हो सकता है क्योंकि जिन्न एक अरबी अवधारणा है।**
Faalyawma la yamliku baAAdukum libaAAdin nafAAan wala darran wanaqoolu lillatheena thalamoo thooqoo AAathaba alnnari allatee	x	But today you do not hold for one another [the power of] benefit or harm, and We will say to those who wronged, "Taste the punishment of the Fire, which you used to deny."	34:42	"अतः आज न तो तुम परस्पर एक-दूसरे के लाभ का अधिकार रखते हो और न हानि का।" और हम उन ज़ालिमों से कहेंगे, "अब उस आग की यातना का मज़ा चखो, जिसे तुम झुठलाते रहे हो।"	x

Waitha tutla AAalayhim ayatuna bayyinatin qaloo ma hatha illa rajulun yureedu an yasuddakum AAamma kana yaAAbudu abaokum waqaloo ma hatha illa ifkun muftaran waqala allatheena kafaroo lilhaqqi lamma jaahum in hatha illa sihrun mubeenun	x	And when our verses are recited to them as clear evidences, they say, "This is not but a man who wishes to avert you from that which your fathers were worshipping." And they say, "This is not except a lie invented." And those who disbelieve say of the truth when it has come to them, "This is not but obvious magic."	34:43	उन्हें जब हमारी स्पष्ट आयतें पढ़कर सुनाई जाती है तो वे कहते है, "यह तो बस ऐसा व्यक्ति है जो चाहता है कि तुम्हें उनसे रोक दें जिनको तुम्हारे बाप-दादा पूजते रहे है।" और कहते है, "यह तो एक घड़ा हुआ झूठ है।" जिन लोगों ने इनकार किया उन्होंने सत्य के विषय में, जबकि वह उनके पास आया, कह दिया, "यह तो बस एक प्रत्यक्ष जादू है।"	x
Wama ataynahum min kutubin yadrusoonaha wama arsalna ilayhim qablaka min natheerin	**[Contradiction: Whether any prophet was send to Mecca before Prophet Muhammad (pbuh), No 28:46, 32:3, 34:44, Yes 2:125, 10:47]**	And We had not given them any scriptures which they could study, and We had not sent to them before you, [O Muhammad], any warner.	34:44	हमने उन्हें न तो किताबे दी थीं, जिनको वे पढ़ते हों और न तुमसे पहले उनकी ओर कोई सावधान करनेवाला ही भेजा था	**[विरोधाभास: क्या किसी पैगंबर को पैगंबर मुहम्मद (स.) से पहले मक्का भेजा गया था, नहीं 28:46, 34:44, हाँ 2:125, 10:47]**
Wakaththaba allatheena min qablihim wama balaghoo miAAshara ma ataynahum fakaththaboo rusulee fakayfa kana	Means, people of Makkah have not gained even one tenth of the power, which was given to earlier generations.	And those before them denied, and the people of Makkah have not attained a tenth of what We had given them. But the former peoples denied My messengers, so how [terrible] was My reproach.	34:45	और झूठलाया उन लोगों ने भी जो उनसे पहले थे। और जो कुछ हमने उन्हें दिया था ये तो उसके दसवें भाग को भी नहीं पहुँचे है। तो उन्होंने मेरे रसूलों को झुठलाया। तो फिर कैसी रही मेरी यातना!	मतलब, मक्का के लोग उतनी शक्ति नहीं प्राप्त कर पाए हैं, जो पहले की पीढ़ियों को दी गई थी, उसका दसवां भी हिस्सा नहीं।

Qul innama aAAithukum biwahidatin an taqoomoo lillahi mathna wafurada thumma tatafakkaroo ma bisahibikum min jinnatin in huwa illa natheerun lakum bayna yaday	x	Say, "I only advise you of one [thing] - that you stand for Allah, [seeking truth] in pairs and individually, and then give thought." There is not in your companion any madness. He is only a warner to you before a severe punishment.	34:46	कहो, "मैं तुम्हें बस एक बात की नसीहत करता हूँ कि अल्लाह के लिए दो-दो और एक-एक करके उठ रखे हो; फिर विचार करो। तुम्हारे साथी को कोई उन्माद नहीं है। वह तो एक कठोर यातना से पहले तुम्हें सचेत करनेवाला ही है।"	x
Qul ma saaltukum min ajrin fahuwa lakum in ajriya illa AAala Allahi wahuwa AAala kulli shayin shaheedun	**[Claims that prophet has not taken any payment 12:104, 25:57, 34:47, 38:86, 42:23. Although prophet took 20% from Ghanimat (8:41) and 100% of Fai.]**	Say, "Whatever payment I might have asked of you - it is yours. My payment is only from Allah, and He is, over all things, Witness."	34:47	कहो, "मैं तुमसे कोई बदला नहीं माँगता वह तुम्हें ही मुबारक हो। मेरा बदला तो बस अल्लाह के ज़िम्मे है और वह हर चीज का साक्षी है।"	**[दावे कि पैगंबर ने कोई भुगतान नहीं लिया 12:104, 25:57, 34:47, 38:86, 42:23। हालांकि पैगंबर ने गनिमत से 20% लिया (8:41) और फ़ै से 100%।]**
Qul inna rabbee yaqthifu bialhaqqi AAallamu alghuyoobi	x	Say, "Indeed, my Lord projects the truth. Knower of the unseen."	34:48	कहो, "निश्चय ही मेरा रब सत्य को असत्य पर ग़ालिब करता है। वह परोक्ष की बातें भली-भाँथि जानता है।"	**x**
Qul jaa alhaqqu wama yubdio albatilu wama yuAAeedu	x	Say, "The truth has come, and falsehood can neither begin [anything] nor repeat [it]."	34:49	कह दो, "सत्य आ गया (असत्य मिट गया) और असत्य न तो आरम्भ करता है और न पुनरावृत्ति ही।"	**x**

Qul in dalaltu fainnama adillu AAala nafsee waini ihtadaytu fabima yoohee ilayya rabbee innahu sameeAAun qareebun	**[This is not possible; if a prophet is in err, the followers will also be in err.]**	Say, "If I should err, I would only err against myself. But if I am guided, it is by what my Lord reveals to me. Indeed, He is Hearing and near."	34:50	कहो, "यदि मैं पथभ्रष्ट॥ हो जाऊँ तो पथभ्रष्ट होकर मैं अपना ही बुरा करूँगा, और यदि मैं सीधे मार्ग पर हूँ, तो इसका कारण वह प्रकाशना है जो मेरा रब मेरी ओर करता है। निस्संदेह वह सब कुछ सुनता है, निकट है।"	**[यह संभव नहीं है; यदि कोई नबी गलती में है, तो अनुयायी भी गलती में होंगे।]**
Walaw tara ith faziAAoo fala fawta waokhithoo min makanin qareebin	x	And if you could see when they are terrified but there is no escape, and they will be seized from a place nearby.	34:51	और यदि तुम देख लेते जब वे घबराए हुए होंगे; फिर बचकर भाग न सकेंगे और निकट स्थान ही से पकड़ लिए जाएँगे	**x**
Waqaloo amanna bihi waanna lahumu alttanawushu min makanin baAAeedin	x	And they will [then] say, "We believe in it!" But how for them will be the taking [of faith] from a place far away?	34:52	और कहेंगे, "हम उसपर ईमान ले आए।" हालाँकि उनके लिए कहाँ सम्भव है कि इतने दूरस्थ स्थान से उसको पास सकें	**x**
Waqad kafaroo bihi min qablu wayaqthifoona bialghaybi min makanin baAAeedin	x	And they had already disbelieved in it before and would assault the unseen from a place far away.	34:53	इससे पहले तो उन्होंने उसका इनकार किया और दूरस्थ स्थान से बिन देखे तीर-तूक्के चलाते रहे	**x**
Waheela baynahum wabayna ma yashtahoona kama fuAAila biashyaAAihim min qablu innahum kanoo fee shakkin	This means faith. **[If we take the meaning as wordly desire then this verse will create confusion.]**	And prevention will be placed between them and what they desire, as was done with their kind before. Indeed, they were in disquieting denial.	34:54	उनके और उनकी चाहतों के बीच रोक लगा दी जाएगी; जिस प्रकार इससे पहले उनके सहमार्गी लोगों के साथ मामला किया गया। निश्चय ही वे डाँवाडोल कर देनेवाले संदेह में पड़े रहे हैं	इसका मतलब विश्वास है। **[सांसारिक इच्छाओं के अर्थ भ्रम पैदा करेंगे।]**

Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Al-Malaika (The Angels) or Surah Fatir "The Creator".**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**35:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अल-मलाइका (फरिश्ते) या सूरह फातिर (स्रष्टा)**
Alhamdu lillahi fatiri alssamawati waalardi jaAAili almalaikati rusulan olee ajnihatin mathna wathulatha warubaAAa yazeedu fee alkhalqi ma yashao inna Allaha AAala kulli shayin qadeerun	**[Bukhari 455: Gabriel has 600 wings; Contradiction: Who could be a Messenger: only men 12:109, 16:43, 21:7, 25:29, Angels also 22:75, 35:1]**	[All] praise is [due] to Allah, Creator of the heavens and the earth, [who] made the angels messengers having wings, two or three or four. He increases in creation what He wills. Indeed, Allah is over all things competent.	35:1	सब प्रशंसा अल्लाह के लिए है, जो आकाशों और धरती का पैदा करनेवाला है। दो-दो, तीन-तीन और चार-चार फ़रिश्तों को बाज़ुओंवालों सन्देशवाहक बनाकर नियुक्त करता है। वह संरचना में जैसी चाहता है, अभिवृद्धि करता है। निश्चय ही अल्लाह को हर चीज़ की सामर्थ्य प्राप्त है	**[बुखारी 455: जिब्राइल के 600 पंख हैं; विरोधाभास: कौन संदेशवाहक हो सकता है: केवल पुरुष 12:109, 16:43, 21:7, 25:29, फरिश्ते भी 22:75, 35:1]**
Ma yaftahi Allahu lilnnasi min rahmatin fala mumsika laha wama yumsik fala mursila lahu min baAAdihi wahuwa alAAazeezu	x	Whatever Allah grants to people of mercy - none can withhold it; and whatever He withholds - none can release it thereafter. And He is the Exalted in Might, the Wise.	35:2	अल्लाह जो दयालुता लोगों के लिए खोल दे उसे कोई रोकनेवाला नहीं और जिसे वह रोक ले तो उसके बाद उसे कोई जारी करनेवाला भी नहीं। वह अत्यन्त प्रभुत्वशाली, तत्वदर्शी है	**x**
Ya ayyuha alnnasu othkuroo niAAmata Allahi AAalaykum hal min khaliqin ghayru Allahi yarzuqukum mina alssamai waalardi la ilaha illa huwa faanna tufakoona	**[There is no existence of dieties other than Allah, but other verses acknowledge their existence.]**	O mankind, remember the favor of Allah upon you. Is there any creator other than Allah who provides for you from the heaven and earth? There is no deity except Him, so how are you deluded?	35:3	ऐ लोगो! अल्लाह की तुमपर जो अनुकम्पा है, उसे याद करो। क्या अल्लाह के सिवा कोई और पैदा करनेवाला है, जो तुम्हें आकाश और धरती से रोज़ी देता हो? उसके सिवा कोई पूज्य-प्रभु नहीं। तो तुम कहाँ से उलटे भटके चले जा रहे हो?	**[अल्लाह के अलावा कोई देवता का अस्तित्व नहीं है, लेकिन अन्य आयतें उनके अस्तित्व को स्वीकार करती हैं।]**

Wain yukaththibooka faqad kuththibat rusulun min qablika waila Allahi	x	And if they deny you, [O Muhammad] - already were messengers denied before you. And to Allah are returned [all] matters.	35:4	और यदि वे तुम्हें झुठलाते तो तुमसे पहले भी कितने ही रसूल झुठलाए जा चुके है। सारे मामले अल्लाह ही की ओर पलटते हैं	x
Ya ayyuha alnnasu inna waAAda Allahi haqqun fala taghurrannakumu alhayatu alddunya wala yaghurrannakum biAllahi algharooru	x	O mankind, indeed the promise of Allah is truth, so let not the worldly life delude you and be not deceived about Allah by the Deceiver.	35:5	ऐ लोगों! निश्चय ही अल्लाह का वादा सच्चा है। अतः सांसारिक जीवन तुम्हें धोखे में न डाले और न वह धोखेबाज़ अल्लाह के विषय में तुम्हें धोखा दे	x
Inna alshshaytana lakum AAaduwwun faittakhithoohu AAaduwwan innama yadAAoo hizbahu liyakoonoo min ashabi	**[Jinn are made up of Fire but they will be roast in Hell fire.]**	Indeed, Satan is an enemy to you; so take him as an enemy. He only invites his party to be among the companions of the Blaze.	35:6	निश्चय ही शैतान तुम्हारा शत्रु है। अतः तुम उसे शत्रु ही समझो। वह तो अपने गिरोह को केवल इसी लिए बुला रहा है कि वे दहकती आगवालों में सम्मिलित हो जाएँ	**[जिन्न आग से बने हैं लेकिन उन्हें नरक की आग में भून दिया जाएगा।]**
Allatheena kafaroo lahum AAathabun shadeedun waallatheena amanoo waAAamiloo alssalihati lahum maghfiratun	Allah’s declaration that he could have guided all people to the truth but chose not to do so. See 7:179, 10:99, and 32:13.	Those who disbelieve will have a severe punishment, and those who believe and do righteous deeds will have forgiveness and great reward.	35:7	वे लोग है कि जिन्होंने इनकार किया उनके लिए कठोर यातना है। किन्तु जो ईमान लाए और उन्होंने अच्छे कर्म किए उनके लिए क्षमा और बड़ा प्रतिदान है	अल्लाह का यह बयान कि वह सभी लोगों को सच्चाई की ओर मार्गदर्शन कर सकता था लेकिन उसने ऐसा नहीं करने का विकल्प चुना। देखें 7:179, 10:99, और 32:13।

Afaman zuyyina lahu sooo AAamalihi faraahu hasanan fainna Allaha yudillu man yashao wayahdee man yashao fala tathhab nafsuka AAalayhim hasaratin inna Allaha AAaleemun bima yasnaAAoona	This means “that Allah deprives, of the grace of guidance, those who don’t believe in prophet Muhammad (pbuh), and leaves them to wander aimlessly in the ways in which they themselves wish to remain lost. **[Who misguides the disbelievers: Allah 6:25, 28:56, 35:8, 10:100; Allah does not misguide 9:115, Shaytan misguides 15:39, 114:4-5, 4:119, Humans himself 9:70, 6:12, 30:9]**	Then is one to whom the evil of his deed has been made attractive so he considers it good [like one rightly guided]? For indeed, Allah sends astray whom He wills and guides whom He wills. So do not let yourself perish over them in regret. Indeed, Allah is Knowing of what they do.	35:8	फिर क्या वह व्यक्ति जिसके लिए उसका बुरा कर्म सुहाना बना दिया गया हो और वह उसे अच्छा दिख रहा हो (तो क्या वह बुराई को छोड़ेगा)? निश्चय ही अल्लाह जिसे चाहता है मार्ग से वंचित रखता है और जिसे चाहता है सीधा मार्ग दिखाता है। अतः उनपर अफ़सोस करते-करते तुम्हारी जान न जाती रहे। अल्लाह भली-भाँति जानता है जो कुछ वे रच रहे है	इसका अर्थ है कि “अल्लाह जिन लोगों पर पैगंबर मुहम्मद (स.) में विश्वास नहीं करते, उन्हें हिदायत की कृपा से वंचित कर देता है, और उन्हें उनके द्वारा खोये रहने की इच्छा वाले रास्तों में भटकने के लिए छोड़ देता है। **[काफ़िरों को भटका देता है: अल्लाह 6:25, 28:56, 35:8, 10:100; अल्लाह नहीं भटकाता 9:115, शैतान भटकाता है 15:39, 114:4-5, 4:119, इंसान खुद 9:70, 6:12, 30:9]**
WaAllahu allathee arsala alrriyaha fatutheeru sahaban fasuqnahu ila baladin mayyitin faahyayna bihi alarda baAAda mawtiha kathalika alnnushooru	"they" refers to winds.	And it is Allah who sends the winds, and they stir the clouds, and We drive them to a dead land and give life thereby to the earth after its lifelessness. Thus is the resurrection.	35:9	अल्लाह ही तो है जिसने हवाएँ चलाई फिर वह बादलों को उभारती है, फिर हम उसे किसी शुष्क और निर्जीव भूभाग की ओर ले गए, और उसके द्वारा हमने धरती को उसके मुर्दा हो जाने के पश्चात जीवित कर दिया। इसी प्रकार (लोगों का नए सिरे से) जीवित होकर उठना भी है	**x**

Man kana yureedu alAAizzata falillahi alAAizzatu jameeAAan ilayhi yasAAadu alkalimu alttayyibu waalAAamalu alssalihu yarfaAAuhu waallatheena yamkuroona alssayyiati lahum AAathabun shadeedun wamakru	Pickthall translates "Whoso desireth power"	Whoever desires honor [through power] - then to Allah belongs all honor. To Him ascends good speech, and righteous work raises it. But they who plot evil deeds will have a severe punishment, and the plotting of those - it will perish.	35:10	जो कोई प्रभुत्व चाहता हो तो प्रभुत्व तो सारा का सारा अल्लाह के लिए है। उसी की ओर अच्छा-पवित्र बोल चढ़ता है और अच्छा कर्म उसे ऊँचा उठाता है। रहे वे लोग जो बुरी चालें चलते है, उनके लिए कठोर यातना है और उनकी चालबाज़ी मटियामेट होकर रहेगी	x
WaAllahu khalaqakum min turabin thumma min nutfatin thumma jaAAalakum azwajan wama tahmilu min ontha wala tadaAAu illa biAAilmihi wama yuAAammaru min muAAammarin wala yunqasu min AAumurihi illa fee kitabin inna thalika AAala Allahi	**[Allah has decided how long you are to live. Also, infirtility is from Allah. Also doctors have no role to play in ICU and surrogacy clinics.]**	And Allah created you from dust, then from a sperm-drop; then He made you mates. And no female conceives nor does she give birth except with His knowledge. And no aged person is granted [additional] life nor is his lifespan lessened but that it is in a register. Indeed, that for Allah is easy.	35:11	अल्लाह ने तुम्हें मिट्टी से पैदा किया, फिर वीर्य से, फिर तुम्हें जोड़े-जोड़े बनाया। उसके ज्ञान के बिना न कोई स्त्री गर्भवती होती है और न जन्म देती है। और जो कोई आयु को प्राप्ति करनेवाला आयु को प्राप्त करता है और जो कुछ उसकी आयु में कमी होती है। अनिवार्यतः यह सब एक किताब में लिखा होता है। निश्चय ही यह सब अल्लाह के लिए अत्यन्त सरल है	**[अल्लाह ने तय किया है कि आप कितने समय तक जीवित रहेंगे। साथ ही, बांझपन भी अल्लाह की ओर से है। साथ ही आईसीयू और सरोगेसी क्लीनिक में डॉक्टरों का कोई भूमिका नहीं है।]**

Wama yastawee albahrani hatha AAathbun furatun saighun sharabuhu wahatha milhun ojajun wamin kullin takuloona lahman tariyyan watastakhrijoona hilyatan talbasoonaha watara alfulka feehi mawakhira litabtaghoo min fadlihi	Ibn Katir: The sea water and gound water.	And not alike are the two bodies of water. One is fresh and sweet, palatable for drinking, and one is salty and bitter. And from each you eat tender meat and extract ornaments which you wear, and you see the ships plowing through [them] that you might seek of His bounty; and perhaps you will be grateful.	35:12	दोनों सागर समान नहीं, यह मीठा सुस्वाद है जिससे प्यास जाती रहे, पीने में रुचिकर। और यह खारा-कड़ुवा है। और तुम प्रत्येक में से तरोताज़ा माँस खाते हो और आभूषण निकालते हो, जिसे तुम पहनते हो। और तुम नौकाओं को देखते हो कि चीरती हुई उसमें चली जा रही हैं, ताकि तुम उसका उदार अनुग्रह तलाश करो और कदाचित तुम आभारी बनो	इब्न कितीर: समुद्र का पानी और भूमिगत जल।
Yooliju allayla fee alnnahari wayooliju alnnahara fee allayli wasakhkhara alshshamsa waalqamara kullun yajree liajalin musamman thalikumu Allahu rabbukum lahu almulku waallatheena tadAAoona min doonihi ma yamlikoona min	**[How night can enter into day; Sun and moon's movement is in context of day and night; no where movement of earth is mentioned; there are various meanings of "specified term" some say it refers to their daily routine while others say it means till day of Judgement.]**	He causes the night to enter the day, and He causes the day to enter the night and has subjected the sun and the moon - each running [its course] for a specified term. That is Allah, your Lord; to Him belongs sovereignty. And those whom you invoke other than Him do not possess [as much as] the membrane of a date seed.	35:13	वह रात को दिन में प्रविष्ट करता है और दिन को रात में प्रविष्ट करता हैं। उसने सूर्य और चन्द्रमा को काम में लगा रखा है। प्रत्येक एक नियत समय पूरी करने के लिए चल रहा है। वही अल्लाह तुम्हारा रब है। उसी की बादशाही है। उससे हटकर जिनको तुम पुकारते हो वे एक तिनके के भी मालिक नहीं	**[रात दिन में कैसे प्रवेश कर सकती है; सूर्य और चंद्रमा की चाल दिन और रात के संदर्भ में है; पृथ्वी की गति का उल्लेख नहीं किया गया है; "नियत समय" के विभिन्न अर्थ हैं, कुछ कहते हैं कि यह उनकी दैनिक दिनचर्या को संदर्भित करता है जबकि अन्य कहते हैं कि इसका अर्थ न्याय के दिन तक है।]**

In tadAAoohum la yasmaAAoo duAAaakum walaw samiAAoo ma istajaboo lakum wayawma alqiyamati yakfuroona bishirkikum wala yunabbioka mithlu	**[They can only hear if they exist (false dieties). First of all this point needs clarification.]**	If you invoke them, they do not hear your supplication; and if they heard, they would not respond to you. And on the Day of Resurrection they will deny your association. And none can inform you like [one] Acquainted [with all matters].	35:14	यदि तुम उन्हें पुकारो तो वे तुम्हारी पुकार सुनेगे नहीं। और यदि वे सुनते तो भी तुम्हारी याचना स्वीकार न कर सकते और क़ियामत के दिन वे तुम्हारे साझी ठहराने का इनकार कर देंगे। पूरी ख़बर रखनेवाला (अल्लाह) की तरह तुम्हें कोई न बताएगा	**[वे केवल तभी सुन सकते हैं जब वे मौजूद हों (झूठे देवता)। सबसे पहले, इस बिंदु को स्पष्टीकरण की आवश्यकता है।**
Ya ayyuha alnnasu antumu alfuqarao ila Allahi waAllahu huwa alghaniyyu	x	O mankind, you are those in need of Allah, while Allah is the Free of need, the Praiseworthy.	35:15	ऐ लोगों! तुम्ही अल्लाह के मुहताज हो और अल्लाह तो निस्पृह, स्वप्रशंसित है	**x**
In yasha yuthhibkum wayati bikhalqin jadeedin	x	If He wills, He can do away with you and bring forth a new creation.	35:16	यदि वह चाहे तो तुम्हें हटा दे और एक नई संसृति ले आए	**x**
Wama thalika AAala Allahi	x	And that is for Allah not difficult.	35:17	और यह अल्लाह के लिए कुछ भी कठिन नहीं	**x**

Wala taziru waziratun wizra okhra wain tadAAu muthqalatun ila himliha la yuhmal minhu shayon walaw kana tha qurba innama tunthiru allatheena yakhshawna rabbahum bialghaybi waaqamoo alssalata waman tazakka fainnama yatazakka linafsihi waila Allahi almaseeru	**[Contradiction: Each soul will bear its own burden 2:123, 6:164, 17:15, 35:18; Burden of others as well 16:25, 29:13, 37:33]**	And no bearer of burdens will bear the burden of another. And if a heavily laden soul calls [another] to [carry some of] its load, nothing of it will be carried, even if he should be a close relative. You can only warn those who fear their Lord unseen and have established prayer. And whoever purifies himself only purifies himself for [the benefit of] his soul. And to Allah is the [final] destination.	35:18	कोई बोझ उठानेवाला किसी दूसरे का बोझ न उठाएगा। और यदि कोई कोई से दबा हुआ व्यक्ति अपना बोझ उठाने के लिए पुकारे तो उसमें से कुछ भी न उठाया, यद्यपि वह निकट का सम्बन्धी ही क्यों न हो। तुम तो केवल सावधान कर रहे हो। जो परोक्ष में रहते हुए अपने रब से डरते हैं और नमाज़ के पाबन्द हो चुके है (उनकी आत्मा का विकास हो गया) । और जिसने स्वयं को विकसित किया वह अपने ही भले के लिए अपने आपको विकसित करेगा। और पलटकर जाना तो अल्लाह ही की ओर है	**[विरोधाभास: प्रत्येक आत्मा अपने अपने बोझ को उठाएगी 2:123, 6:164, 17:15, 35:18; दूसरों के बोझ को भी 16:25, 29:13।]**
Wama yastawee alaAAma waalbaseeru	x	Not equal are the blind and the seeing,	35:19	अंधा और आँखोंवाला बराबर नहीं,	**x**
Wala alththulumatu wala alnnooru	x	Nor are the darknesses and the light,	35:20	और न अँधेरे और प्रकाश,	**x**
Wala alththillu wala alharooru	x	Nor are the shade and the heat,	35:21	और न छाया और धूप	**x**

Wama yastawee alahyao wala alamwatu inna Allaha yusmiAAu man yashao wama anta bimusmiAAin man fee alquboori	x	And not equal are the living and the dead. Indeed, Allah causes to hear whom He wills, but you cannot make hear those in the graves.	35:22	और न जीवित और मृत बराबर है। निश्चय ही अल्लाह जिसे चाहता है सुनाता है। तुम उन लोगों को नहीं सुना सकते, जो क़ब्रों में हों।	x
In anta illa natheerun	x	You, [O Muhammad], are not but a warner.	35:23	तुम तो बस एक सचेतकर्ता हो	x
Inna arsalnaka bialhaqqi basheeran wanatheeran wain min ommatin illa khala feeha natheerun	**[Neither in archaeology, nor in history we find that monotheism was in every nation; No warner for every city 25:52; But verse 6:130, 10:47, 16:36, 35:24 says, Messengers were send to every nation.]**	Indeed, We have sent you with the truth as a bringer of good tidings and a warner. And there was no nation but that there had passed within it a warner.	35:24	हमने तुम्हें सत्य के साथ भेजा है, शुभ-सूचना देनेवाला और सचेतकर्ता बनाकर। और जो भी समुदाय गुज़रा है, उसमें अनिवार्यतः एक सचेतकर्ता हुआ है	**[न तो पुरातत्त्व में, न ही इतिहास में हमें यह मिलता है कि एकेश्वरवाद हर राष्ट्र में था; हर नगर के लिए कोई सचेतकर्ता नहीं 25:52; लेकिन आयत 6:130, 10:47, 16:36, 35:24 कहती हैं कि रसूल हर राष्ट्र को भेजे गए।]**
Wain yukaththibooka faqad kaththaba allatheena min qablihim jaathum rusuluhum bialbayyinati wabialzzuburi	x	And if they deny you - then already have those before them denied. Their messengers came to them with clear proofs and written ordinances and with the enlightening Scripture.	35:25	यदि वे तुम्हें झुठलाते है तो जो उनसे पहले थे वे भी झुठला चुके है। उनके रसूल उनके पास स्पष्ट और ज़बूरें और प्रकाशमान किताब लेकर आए थे	x
Thumma akhathtu allatheena kafaroo fakayfa kana nakeeri	x	Then I seized the ones who disbelieved, and how [terrible] was My reproach.	35:26	फिर मैं उन लोगों को, जिन्होंने इनकार किया, पकड़ लिया (तो फिर कैसा रहा मेरा इनकार!)	x

Alam tara anna Allaha anzala mina alssamai maan faakhrajna bihi thamaratin mukhtalifan alwanuha wamina aljibali judadun beedun wahumrun mukhtalifun alwanuha wagharabeebu	x	Do you not see that Allah sends down rain from the sky, and We produce thereby fruits of varying colors? And in the mountains are tracts, white and red of varying shades and [some] extremely black.	35:27	क्या तुमने नहीं देखा कि अल्लाह ने आकाश से पानी बरसाया, फिर उसके द्वारा हमने फल निकाले, जिनके रंग विभिन्न प्रकार के होते है? और पहाड़ो में भी श्वेत और लाल विभिन्न रंगों की धारियाँ पाई जाती है, और भुजंग काली भी	x
Wamina alnnasi waalddawabbi waalanAAami mukhtalifun alwanuhu kathalika innama yakhsha Allaha min AAibadihi alAAulamao inna Allaha AAazeezun	x	And among people and moving creatures and grazing livestock are various colors similarly. Only those fear Allah, from among His servants, who have knowledge. Indeed, Allah is Exalted in Might and Forgiving.	35:28	और मनुष्यों और जानवरों और चौपायों के रंग भी इसी प्रकार भिन्न हैं। अल्लाह से डरते तो उसके वही बन्दे हैं, जो बाख़बर है। निश्चय ही अल्लाह अत्यन्त प्रभुत्वशाली, क्षमाशील है	x
Inna allatheena yatloona kitaba Allahi waaqamoo alssalata waanfaqoo mimma razaqnahum sirran waAAalaniyatan yarjoona tijaratan lan taboora	x	Indeed, those who recite the Book of Allah and establish prayer and spend [in His cause] out of what We have provided them, secretly and publicly, [can] expect a profit that will never perish -	35:29	निश्चय ही जो लोग अल्लाह की किताब पढ़ते हैं, इस हाल मे कि नमाज़ के पाबन्द हैं, और जो कुछ हमने उन्हें दिया है, उसमें से छिपे और खुले ख़र्च किया है, वे एक ऐसे व्यापार की आशा रखते है जो कभी तबाह न होगा	x

Liyuwaffiyahum ojoorahum wayazeedahum min fadlihi innahu ghafoorun shakoorun	x	That He may give them in full their rewards and increase for them of His bounty. Indeed, He is Forgiving and Appreciative.	35:30	परिणामस्वरूप वह उन्हें उनके प्रतिदान पूरे-पूरे दे और अपने उदार अनुग्रह से उन्हें और अधिक भी प्रदान करे। निस्संदेह वह बहुत क्षमाशील, अत्यन्त गुणग्राहक है	x
Waallathee awhayna ilayka mina alkitabi huwa alhaqqu musaddiqan lima bayna yadayhi inna Allaha biAAibadihi lakhabeerun baseerun	x	And that which We have revealed to you, [O Muhammad], of the Book is the truth, confirming what was before it. Indeed, Allah, of His servants, is Acquainted and Seeing.	35:31	जो किताब हमने तुम्हारी ओर प्रकाशना द्वारा भेजी है, वही सत्य है। अपने से पहले (की किताबों) की पुष्टि में है। निश्चय ही अल्लाह अपने बन्दों की ख़बर पूरी रखनेवाला, देखनेवाला है	x
Thumma awrathna alkitaba allatheena istafayna min AAibadina faminhum thalimun linafsihi waminhum muqtasidun waminhum sabiqun bialkhayrati biithni Allahi thalika huwa alfadlu alkabeeru	**[What will happen to moderates.]**	Then we caused to inherit the Book those We have chosen of Our servants; and among them is he who wrongs himself, and among them is he who is moderate, and among them is he who is foremost in good deeds by permission of Allah. That [inheritance] is what is the	35:32	फिर हमने इस किताब का उत्तराधिकारी उन लोगों को बनाया, जिन्हें हमने अपने बन्दो में से चुन लिया है। अब कोई तो उनमें से अपने आप पर ज़ुल्म करता है और कोई उनमें से मध्य श्रेणी का है और कोई उनमें से अल्लाह के कृपायोग से भलाइयों में अग्रसर है। यही है बड़ी श्रेष्ठता। -	**[मध्यमपंथियों के साथ क्या होगा।]**

Jannatu AAadnin yadkhuloonaha yuhallawna feeha min asawira min thahabin waluluan walibasuhum feeha hareerun	**[Contradiction: 76:21 bracelets of silver, 18:31, bracelets of gold, 22:23, 35:33 Gold and pearl.]**	[For them are] gardens of perpetual residence which they will enter. They will be adorned therein with bracelets of gold and pearls, and their garments therein will be silk.	35:33	सदैव रहने के बाग है, जिनमें वे प्रवेश करेंगे। वहाँ उन्हें सोने के कंगनों और मोती से आभूषित किया जाएगा। और वहाँ उनका वस्त्र रेशम होगा	**[विरोधाभास: 76:21 चाँदी की कंगन, 18:31, सोने की कंगन, 22:23, 35:33 सोना और मोती।]**
Waqaloo alhamdu lillahi allathee athhaba AAanna alhazana inna rabbana laghafoorun shakoorun	x	And they will say, "Praise to Allah, who has removed from us [all] sorrow. Indeed, our Lord is Forgiving and Appreciative -	35:34	और वे कहेंगे, "सब प्रशंसा अल्लाह के लिए है, जिसने हमसे ग़म दूर कर दिया। निश्चय ही हमारा रब अत्यन्त क्षमाशील, बड़ा गुणग्राहक है	**x**
Allathee ahallana dara almuqamati min fadlihi la yamassuna feeha nasabun wala yamassuna feeha	x	He who has settled us in the home of duration out of His bounty. There touches us not in it any fatigue, and there touches us not in it weariness [of mind]."	35:35	जिसने हमें अपने उदार अनुग्रह से रहने के ऐसे घर में उतारा जहाँ न हमें कोई मशक़्क़त उठानी पड़ती है और न हमें कोई थकान ही आती है।"	**x**
Waallatheena kafaroo lahum naru jahannama la yuqda AAalayhim fayamootoo wala yukhaffafu AAanhum min AAathabiha kathalika najzee	x	And for those who disbelieve will be the fire of Hell. [Death] is not decreed for them so they may die, nor will its torment be lightened for them. Thus do we recompense every ungrateful one.	35:36	रहे वे लोग जिन्होंने इनकार किया, उनके लिए जहन्नम की आग है, न उनका काम तमाम किया जाएगा कि मर जाएँ और न उनसे उसकी यातना ही कुछ हल्की की जाएगी। हम ऐसा ही बदला प्रत्येक अकृतज्ञ को देते है	**x**

Wahum yastarikhoona feeha rabbana akhrijna naAAmal salihan ghayra allathee kunna naAAmalu awalam nuAAammirkum ma yatathakkaru feehi man tathakkara wajaakumu alnnatheeru fathooqoo fama liltthalimeena min	x	And they will cry out therein, "Our Lord, remove us; we will do righteousness - other than what we were doing!" But did We not grant you life enough for whoever would remember therein to remember, and the warner had come to you? So taste [the punishment], for there is not for the wrongdoers any helper.	35:37	वे वहाँ चिल्लाएँगे कि "ऐ हमारे रब! हमें निकाल ले। हम अच्छा कर्म करेंगे, उससे भिन्न जो हम करते रहे।" "क्या हमने तुम्हें इतनी आयु नहीं दी कि जिसमें कोई होश में आना चाहता तो होश में आ जाता? और तुम्हारे पास सचेतकर्ता भी आया था, तो अब मज़ा चखते रहो! ज़ालिमों को कोई सहायक नहीं!"	x
Inna Allaha AAalimu ghaybi alssamawati waalardi innahu AAaleemun bithati	x	Indeed, Allah is Knower of the unseen [aspects] of the heavens and earth. Indeed, He is Knowing of that within the breasts.	35:38	निस्संदेह अल्लाह आकाशों और धरती की छिपी बात को जानता है। वह तो सीनो तक की बात जानता है	x
Huwa allathee jaAAalakum khalaifa fee alardi faman kafara faAAalayhi kufruhu wala yazeedu alkafireena kufruhum AAinda rabbihim illa maqtan wala yazeedu alkafireena kufruhum illa	x	It is He who has made you successors upon the earth. And whoever disbelieves - upon him will be [the consequence of] his disbelief. And the disbelief of the disbelievers does not increase them in the sight of their Lord except in hatred; and the disbelief of the disbelievers does not increase them except in	35:39	वही तो है जिसने तुम्हे धरती में ख़लीफ़ा बनाया। अब तो कोई इनकार करेगा, उसके इनकार का वबाल उसी पर है। इनकार करनेवालों का इनकार उनके रब के यहाँ केवल प्रकोप ही को बढ़ाता है, और इनकार करनेवालों का इनकार केवल घाटे में ही अभिवृद्धि करता है	x

Qul araaytum shurakaakumu allatheena tadAAoona min dooni Allahi aroonee matha khalaqoo mina alardi am lahum shirkun fee alssamawati am ataynahum kitaban fahum AAala bayyinatin minhu bal in yaAAidu alththalimoona baAAduhum baAAdan illa	x	Say, "Have you considered your 'partners' whom you invoke besides Allah? Show me what they have created from the earth, or have they partnership [with Him] in the heavens? Or have We given them a book so they are [standing] on evidence therefrom? [No], rather, the wrongdoers do not promise each other except delusion."	35:40	कहो, "क्या तुमने अपने ठहराए हुए साझीदारो का अवलोकन भी किया, जिन्हें तुम अल्लाह को छोड़कर पुकारते हो? मुझे दिखाओ उन्होंने धरती का कौन-सा भाग पैदा किया है या आकाशों में उनकी कोई भागीदारी है?" या हमने उन्हें कोई किताब ही है कि उसका कोई स्पष्ट प्रमाण उनके पक्ष में हो? नहीं, बल्कि वे ज़ालिम आपस में एक-दूसरे से केवल धोखे का वादा कर रहे है	x
Inna Allaha yumsiku alssamawati waalarda an tazoola walain zalata in amsakahuma min ahadin min baAAdihi innahu kana haleeman	x	Indeed, Allah holds the heavens and the earth, lest they cease. And if they should cease, no one could hold them [in place] after Him. Indeed, He is Forbearing and Forgiving.	35:41	अल्लाह ही आकाशों और धरती को थामे हुए है कि वे टल न जाएँ और यदि वे टल जाएँ तो उसके पश्चात कोई भी नहीं जो उन्हें थाम सके। निस्संदेह, वह बहुत सहनशील, क्षमा करनेवाला है	x

Waaqsamoo biAllahi jahda aymanihim lain jaahum natheerun layakoonunna ahda min ihda alomami falamma jaahum natheerun ma zadahum illa nufooran	**[Obviously they were not convinced to follow. The prophet died from the poisoned mutton eaten at Khaiber, while Jews believed that a prophet should not be harmed. See 69:44-46, Sahih Bukhari 3169, 4428, Abi Dawud 4512, 4513]**	And they swore by Allah their strongest oaths that if a warner came to them, they would be more guided than [any] one of the [previous] nations. But when a warner came to them, it did not increase them except in aversion.	35:42	उन्होंने अल्लाह की कड़ी-कड़ी क़समें खाई थी कि यदि उनके पास कोई सचेतकर्ता आए तो वे समुदायों में से प्रत्येक से बढ़कर सीधे मार्ग पर होंगे। किन्तु जब उनके पास एक सचेतकर्ता आ गया तो इस चीज़ ने धरती में उनके घमंड और बुरी चालों के कारण उनकी नफ़रत ही में अभिवृद्धि की,	**[जाहिर है कि वे अनुसरण करने के लिए आश्वस्त नहीं थे। पैगंबर की मृत्यु खैबर में खाए गए जहरीले मटन से हुई, जबकि यहूदियों का मानना था कि एक पैगंबर को नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए। देखें 69:44-46, सहीह बुखारी 3169, 4428, अबी दाऊद 4512, 4513]**
Istikbaran fee alardi wamakra alssayyii wala yaheequ almakru alssayyio illa biahlihi fahal yanthuroona illa sunnata alawwaleena falan tajida lisunnati Allahi tabdeelan walan tajida	**[But so many verses were abrogated to change the rules of Allah.]**	[Due to] arrogance in the land and plotting of evil; but the evil plot does not encompass except its own people. Then do they await except the way of the former peoples? But you will never find in the way of Allah any change, and you will never find in the way of Allah any alteration.	35:43	हालाँकि बुरी चाल अपने ही लोगों को घेर लेती है। तो अब क्या जो रीति अगलों के सिलसिले में रही है वे बस उसी रीति की प्रतिक्षा कर रहे है? तो तुम अल्लाह की रीति में कदापि कोई परिवर्तन न पाओगे और न तुम अल्लाह की रीति को कभी टलते ही पाओगे	**[लेकिन इतने सारे आयतों को रद्द कर दिया गया ताकि अल्लाह के नियम बदल दिए जा सकें।]**

Awalam yaseeroo fee alardi fayanthuroo kayfa kana AAaqibatu allatheena min qablihim wakanoo ashadda minhum quwwatan wama kana Allahu liyuAAjizahu min shayin fee alssamawati wala fee alardi innahu	x	Have they not traveled through the land and observed how was the end of those before them? And they were greater than them in power. But Allah is not to be caused failure by anything in the heavens or on the earth. Indeed, He is ever Knowing and Competent.	35:44	क्या वे धरती में चले-फिरे नहीं कि देखते कि उन लोगों का कैसा परिणाम हुआ है जो उनसे पहले गुज़रे हैं? हालाँकि वे शक्ति में उनसे कही बढ़-चढ़कर थे। अल्लाह ऐसा नहीं कि आकाशों में कोई चीज़ उसे मात कर सके और न धरती ही में। निस्संदेह वह सर्वज्ञ, सामर्थ्यमान है	x
Walaw yuakhithu Allahu alnnasa bima kasaboo ma taraka AAala thahriha min dabbatin walakin yuakhkhiruhum ila ajalin musamman faitha jaa ajaluhum fainna Allaha kana biAAibadihi baseeran	Allah has given specified time to all living creature. **[Then people should not be punished for murder /accident related deaths.]**	And if Allah were to impose blame on the people for what they have earned, He would not leave upon the earth any creature. But He defers them for a specified term. And when their time comes, then indeed Allah has ever been, of His servants, Seeing.	35:45	यदि अल्लाह लोगों को उनकी कमाई के कारण पकड़ने पर आ जाए तो इस धरती की पीठ पर किसी जीवधारी को भी न छोड़े। किन्तु वह उन्हें एक नियत समय तक ढील देता है, फिर जब उनका नियत समय आ जाता है तो निश्चय ही अल्लाह तो अपने बन्दों को देख ही रहा है	**अल्लाह ने सभी जीवित प्राणियों के लिए निश्चित समय दिया है। [तो लोगों को हत्या / दुर्घटना के लिए सजा नहीं दी जानी चाहिए।]**
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Ya Sin (Arabic Alphabets)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**36:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**या सीन (अरबी अक्षर)**
Yaseen	Mysterious letters	Ya, Seen.	36:1	या॰ सीन॰	रहस्यमय अक्षर

Waalqurani alhakeemi	**[Allah's swearing by the Qur'an is odd, as generally one swears by something greater than oneself. See also 34:3.]**	By the wise Qur'an.	36:2	गवाह है हिकमतवाला क़ुरआन	**[क़ुरआन की क़सम खाना अजीब है, क्योंकि आम तौर पर कोई अपनी तुलना में बड़े चीज की क़सम खाता है। देखें 34:3।]**
Innaka lamina almursaleena	x	Indeed you, [O Muhammad], are from among the messengers,	36:3	निश्चित ही आप, [हे मुहम्मद], संदेशवाहकों में से हैं,	**x**
AAala siratin mustaqeemin	x	On a straight path.	36:4	एक सीधे मार्ग पर	**x**
Tanzeela alAAazeezi alrraheemi	x	[This is] a revelation of the Exalted in Might, the Merciful,	36:5	- क्या ही ख़ूब है, प्रभुत्वशाली, अत्यन्त दयावाल का इसको अवतरित करना!	**x**
Litunthira qawman ma onthira abaohum fahum ghafiloona	Ibn Kathir, "the Arabs, for no warner had come to them before him." However, he adds, "the fact that they alone are mentioned does not mean that others are excluded," and "the mission of the Prophet is universal." **[But Abraham and Ismael established Kabah in Mecca, also so many jews and christians lived nearby, Meccans should have accepted their religion.]**	That you may warn a people whose forefathers were not warned, so they are unaware.	36:6	ताकि तुम ऐसे लोगों को सावधान करो, जिनके बाप-दादा को सावधान नहीं किया गया; इस कारण वे ग़फ़लत में पड़े हुए है	इब्न क़थीर, "अरबों के लिए कोई चेतावनी देने वाला उनके पहले नहीं आया था।" हालांकि, वह जोड़ते हैं, "सिर्फ़ उनका उल्लेख होने का यह मतलब नहीं कि बाकी लोग बाहर हैं," और "नबी का मिशन सार्वभौमिक है।" **[लेकिन ईब्राहिम और इसमाइल ने मक्का में काबा की स्थापना की, इसके अलावा बहुत सारे यहूदी और ईसाई आस-पास रहते थे, मक्कियों को उनका धर्म स्वीकार कर लेना चाहिए था।]**
Laqad haqqa alqawlu AAala aktharihim fahum la yuminoona	x	Already the word has come into effect upon most of them, so they do not believe.	36:7	उनमें से अधिकतर लोगों पर बात सत्यापित हो चुकी है। अतः वे ईमान नहीं लाएँगे।	**x**

Inna jaAAalna fee aAAnaqihim aghlalan fahiya ila alathqani fahum muqmahoona	x	Indeed, We have put shackles on their necks, and they are to their chins, so they are with heads [kept] aloft.	36:8	हमने उनकी गर्दनों में तौक़ डाल दिए है जो उनकी ठोड़ियों से लगे है। अतः उनके सिर ऊपर को उचके हुए है	**x**
WajaAAalna min bayni aydeehim saddan wamin khalfihim saddan faaghshaynahum fahum la yubsiroona	Allah has “covered the insight of their hearts (so that they see not) the Truth and guidance.” **[Allah has put a veil on the understanding of unbelivers.]**	And We have put before them a barrier and behind them a barrier and covered them, so they do not see.	36:9	और हमने उनके आगे एक दीवार खड़ी कर दी है और एक दीवार उनके पीछे भी। इस तरह हमने उन्हें ढाँक दिया है। अतः उन्हें कुछ सुझाई नहीं देता	अल्लाह ने उनके दिलों की सूझबूझ को ढक दिया है (ताकि वे सच्चाई और मार्गदर्शन को न देख सकें)। **[अल्लाह ने अविश्वासियों की समझ पर परदा डाल दिया है।]**
Wasawaon AAalayhim aanthartahum am lam tunthirhum la yuminoona	Allah has decreed that they will be misguided, so warning them will not help them and will not have any effect on them. Only believers will benefit from Quran. **[However, many idolaters converted to Islam like Khalid bin walid. How this has happened.]**	And it is all the same for them whether you warn them or do not warn them - they will not believe.	36:10	उनके लिए बराबर है तुमने सचेत किया या उन्हें सचेत नहीं किया, वे ईमान नहीं लाएँगे	अल्लाह ने यह ठहराया है कि वे भटकेंगे, इसलिए उन्हें चेतावनी देना उनकी मदद नहीं करेगा और उनका किसी पर कोई असर नहीं होगा। केवल ईमान वालों को कुरान से लाभ होगा। **[लेकिन कई मूर्तिपूजक इस्लाम में आए जैसे खालिद बिन वलीद। यह कैसे हुआ।]**
Innama tunthiru mani ittabaAAa alththikra wakhashiya alrrahmana bialghaybi fabashshirhu	Messenger is only a warner. **[However, when Muslims became strong they imposed Islam by force.]**	You can only warn one who follows the message and fears the Most Merciful unseen. So give him good tidings of forgiveness and noble reward.	36:11	तुम तो बस सावधान कर रहे हो। जो कोई अनुस्मृति का अनुसरण करे और परोक्ष में रहते हुए रहमान से डरे, अतः क्षमा और प्रतिष्ठामय बदले की शुभ सूचना दे दो	रसूल केवल चेतावनी देने वाले हैं। **[हालाँकि, जब मुसलमान ताकतवर हो गए तो उन्होंने बलपूर्वक इस्लाम थोप दिया।]**

Inna nahnu nuhyee almawta wanaktubu ma qaddamoo waatharahum wakulla shayin ahsaynahu fee imamin mubeenin	x	Indeed, it is We who bring the dead to life and record what they have put forth and what they left behind, and all things We have enumerated in a clear register.	36:12	निस्संदेह हम मुर्दों को जीवित करेंगे और हम लिखेंगे जो कुछ उन्होंने आगे के लिए भेजा और उनके चिन्हों को (जो पीछे रहा) । हर चीज़ हमने एक स्पष्ट किताब में गिन रखी है	**x**
Waidrib lahum mathalan ashaba alqaryati ith jaaha almursaloona	Here begins a recapitulation in the form of a parable of a story that is told many times in the Qur'an in connection with specific prophets: messengers come to a city (identiied as Antioch by many Muslim commentators), but the people reject them, saying they're only "men like us" (36:15), just as those who rejected Noah said about him (11:27, 23:24), and as the prophet Muhammad (pbuh) is also just an ordinary man (18:110).	And present to them an example: the people of the city, when the messengers came to it -	36:13	उनके लिए बस्तीवालों की एक मिसाल पेश करो, जबकि वहाँ भेजे हुए दूत आए	यहाँ एक कथा के रूप में एक पुनरावृत्ति शुरू होती है, जो कि कुरान में कई बार विशेष पैग़म्बरों के संदर्भ में बताई गई है: एक शहर में पैग़म्बर आते हैं (जिसे कई मुस्लिम व्याख्याकारों द्वारा एंटिओक के रूप में पहचाना गया है), लेकिन लोग उन्हें अस्वीकार कर देते हैं, और कहते हैं कि वे केवल "हमारे जैसे आदमी" हैं (36:15), जैसे नूह को अस्वीकार करने वालों ने उनके बारे में कहा था (11:27, 23:24), और जैसे पैग़म्बर मुहम्मद (स.) भी केवल एक सामान्य मनुष्य हैं (18:110)।
Ith arsalna ilayhimu ithnayni fakaththaboohuma faAAazzazna bithalithin faqaloo inna ilaykum mursaloona	The names of the first two Messengers were Shamun and Yuhanna, and the name of the third was Bulus, and the city was Antioch (Antakiyah).	When We sent to them two but they denied them, so We strengthened them with a third, and they said, "Indeed, we are messengers to you."	36:14	जबकि हमने उनकी ओर दो दूत भेजे, तो उन्होंने झुठला दिया। तब हमने तीसरे के द्वारा शक्ति पहुँचाई, तो उन्होंने कहा, "हम तुम्हारी ओर भेजे गए हैं।"	पहले दो पैग़म्बरों के नाम शमुन और युहन्ना थे, और तीसरे का नाम बुलुस था, और शहर एंटिओक (अंताकियाह) था।

Qaloo ma antum illa basharun mithluna wama anzala alrrahmanu min shayin in antum illa takthiboona	x	They said, "You are not but human beings like us, and the Most Merciful has not revealed a thing. You are only telling lies."	36:15	वे बोले, "तुम तो बस हमारे ही जैसे मनुष्य हो। रहमान ने तो कोई भी चीज़ अवतरित नहीं की है। तुम केवल झूठ बोलते हो।"	x
Qaloo rabbuna yaAAlamu inna ilaykum	x	They said, "Our Lord knows that we are messengers to you,	36:16	उन्होंने कहा, "हमारा रब जानता है कि हम निश्चय ही तुम्हारी ओर भेजे गए है	x
Wama AAalayna illa albalaghu almubeenu	The messengers respond by saying that their “duty is just clear conveyance,” as is the Prophet Muhammad (pbuh)	And we are not responsible except for clear notification."	36:17	और हमारी ज़िम्मेदारी तो केवल स्पष्ट रूप से संदेश पहुँचा देने की हैं।"	पैग़म्बर जवाब देते हैं कि उनका 'कर्तव्य केवल स्पष्ट संचार करना है,' जैसा कि पैगंबर मुहम्मद (स.) हैं (5:92, 5:99)।
Qaloo inna tatayyarna bikum lain lam tantahoo lanarjumannakum walayamassannakum minna AAathabun aleemun	x	They said, "Indeed, we consider you a bad omen. If you do not desist, we will surely stone you, and there will surely touch you, from us, a painful punishment."	36:18	वे बोले, "हम तो तुम्हें अपशकुन समझते है, यदि तुम बाज न आए तो हम तुम्हें पथराव करके मार डालेंगे और तुम्हें अवश्य हमारी ओर से दुखद यातना पहुँचेगी।"	x
Qaloo tairukum maAAakum ain thukkirtum bal antum qawmun musrifoona	x	They said, "Your omen is with yourselves. Is it because you were reminded? Rather, you are a transgressing people."	36:19	उन्होंने कहा, "तुम्हारा अवशकुन तो तुम्हारे अपने ही साथ है। क्या यदि तुम्हें याददिहानी कराई जाए (तो यह कोई क्रुद्ध होने की बात है)? नहीं, बल्कि तुम मर्यादाहीन लोग हो।"	x

Wajaa min aqsa almadeenati rajulun yasAAa qala ya qawmi ittabiAAoo almursaleena	x	And there came from the farthest end of the city a man, running. He said, "O my people, follow the messengers.	36:20	इतने में नगर के दूरवर्ती सिरे से एक व्यक्ति दौड़ता हुआ आया। उसने कहा, "ऐ मेरी क़ौम के लोगो! उनका अनुवर्तन करो, जो भेजे गए है।	x
IttabiAAoo man la yasalukum ajran wahum muhtadoona	**[But Prophet Muhammad took 20% of Ghanimat, full of Fai, and Zakat and Jiziya Money; From where else he would have fed his children, 9 wives, cocubines and slaves.]**	Follow those who do not ask of you [any] payment, and they are [rightly] guided.	36:21	उसका अनुवर्तन करो जो तुमसे कोई बदला नहीं माँगते और वे सीधे मार्ग पर है	**[लेकिन पैगंबर मुहम्मद ने 20% ग़निमत ली, फई, ज़कात और जिज़िया का पैसा शामिल था; और वह अपने बच्चों, 9 पत्नियों और दासों को कहां से खिलाते।]**
Wama liya la aAAbudu allathee fataranee wailayhi turjaAAoona	x	And why should I not worship He who created me and to whom you will be returned?	36:22	"और मुझे क्या हुआ है कि मैं उसकी बन्दगी न करूँ, जिसने मुझे पैदा किया और उसी की ओर तुम्हें लौटकर जाना है?	x
Aattakhithu min doonihi alihatan in yuridni alrrahmanu bidurrin la tughni AAannee shafaAAatuhum shayan wala yunqithooni	**[Quran mentions there is no existence of dieties; this verse present hypothetical argument.]**	Should I take other than Him [false] deities [while], if the Most Merciful intends for me some adversity, their intercession will not avail me at all, nor can they save me?	36:23	"क्या मैं उससे इतर दूसरे उपास्य बना लूँ? यदि रहमान मुझे कोई तकलीफ़ पहुँचाना चाहे तो उनकी सिफ़ारिश मेरे कुछ काम नहीं आ सकती और न वे मुझे छुडा ही सकते है	**[क़ुरान में उल्लेख है कि देवी-देवताओं का अस्तित्व नहीं है; यह आयत एक काल्पनिक तर्क प्रस्तुत करती है।]**
Innee ithan lafee dalalin mubeenin	x	Indeed, I would then be in manifest error.	36:24	"तब तो मैं अवश्य स्पष्ट गुमराही में पड़ जाऊँगा	x
Innee amantu birabbikum faismaAAooni	x	Indeed, I have believed in your Lord, so listen to me."	36:25	"मैं तो तुम्हारे रब पर ईमान ले आया, अतः मेरी सुनो!"	x

Qeela odkhuli aljannata qala ya layta qawmee yaAAlamoona	x	It was said, "Enter Paradise." He said, "I wish my people could know	36:26	कहा गया, "प्रवेश करो जन्नत में!" उसने कहा, "ऐ काश! मेरी क़ौम के लोग जानते	x
Bima ghafara lee rabbee wajaAAalanee mina almukrameena	x	Of how my Lord has forgiven me and placed me among the honored."	36:27	कि मेरे रब ने मुझे क्षमा कर दिया और मुझे प्रतिष्ठित लोगों में सम्मिलित कर दिया।"	x
Wama anzalna AAala qawmihi min baAAdihi min jundin mina alssamai wama	x	And We did not send down upon his people after him any soldiers from the heaven, nor would We have done so.	36:28	उसके पश्चात उसकी क़ौम पर हमने आकाश से कोई सेना नहीं उतारी और हम इस तरह उतारा नहीं करते	x
In kanat illa sayhatan wahidatan faitha hum khamidoona	x	It was not but one shout, and immediately they were extinguished.	36:29	वह तो केवल एक प्रचंड चीत्कार थी। तो सहसा क्या देखते है कि वे बुझकर रह गए	x
Ya hasratan AAala alAAibadi ma yateehim min rasoolin illa kanoo bihi yastahzioona	x	How regretful for the servants. There did not come to them any messenger except that they used to ridicule him.	36:30	ऐ अफ़सोस बन्दो पर! जो रसूल भी उनके पास आया, वे उसका परिहास ही करते रहे	x
Alam yaraw kam ahlakna qablahum mina alqurooni annahum ilayhim la yarjiAAoona	x	Have they not considered how many generations We destroyed before them - that they to them will not return?	36:31	क्या उन्होंने नहीं देखा कि उनसे पहले कितनी ही नस्लों को हमने विनष्ट किया कि वे उनकी ओर पलटकर नहीं आएँगे?	x
Wain kullun lamma jameeAAun ladayna muhdaroona	x	And indeed, all of them will yet be brought present before Us.	36:32	और जितने भी है, सबके सब हमारे ही सामने उपस्थित किए जाएँगे	x

Waayatun lahumu alardu almaytatu ahyaynaha waakhrajna minha habban faminhu yakuloona	x	And a sign for them is the dead earth. We have brought it to life and brought forth from it grain, and from it they eat.	36:33	और एक निशानी उनके लिए मृत भूमि है। हमने उसे जीवित किया और उससे अनाज निकाला, तो वे खाते है	x
WajaAAalna feeha jannatin min nakheelin waaAAnabin wafajjarna feeha mina alAAuyooni	x	And We placed therein gardens of palm trees and grapevines and caused to burst forth therefrom some springs -	36:34	और हमने उसमें खजूरों और अंगूरों के बाग लगाए और उसमें स्रोत प्रवाहित किए;	x
Liyakuloo min thamarihi wama AAamilathu aydeehim afala yashkuroona	x	That they may eat of His fruit. And their hands have not produced it, so will they not be grateful?	36:35	ताकि वे उसके फल खाएँ - हालाँकि यह सब कुछ उनके हाथों का बनाया हुआ नहीं है। - तो क्या वे आभार नहीं प्रकट करते?	x
Subhana allathee khalaqa alazwaja kullaha mimma tunbitu alardu wamin anfusihim wamimma la yaAAlamoona	**[Every living being was created in pairs contradicts science; as there are many monosexual organisms. 36:36, 43:12, 51:49]**	Exalted is He who created all pairs - from what the earth grows and from themselves and from that which they do not know.	36:36	महिमावान है वह जिसने सबके जोड़े पैदा किए धरती जो चीजें उगाती है उनमें से भी और स्वयं उनकी अपनी जाति में से भी और उन चीज़ो में से भी जिनको वे नहीं जानते	**[हर जीवित प्राणी जोड़े में बनाया गया था, यह विज्ञान के विपरीत है; क्योंकि कई एकलिंगी जीव हैं। 36:36, 43:12, 51:49]**
Waayatun lahumu allaylu naslakhu minhu alnnahara faitha hum muthlimoona	x	And a sign for them is the night. We remove from it [the light of] day, so they are [left] in darkness.	36:37	और एक निशानी उनके लिए रात है। हम उसपर से दिन को खींच लेते है। फिर क्या देखते है कि वे अँधेरे में रह गए	x

Waalshshamsu tajree limustaqarrin laha thalika taqdeeru alAAazeezi alAAaleemi	Pickthall translates "Sun runneth on unto a resting-place" Arabic “li-mustaqarrin laha” is “And the sun runs to its place of rest”. **[Once again, the Qur’an assumes a flat earth with the sun orbiting around it, and during night the sun goes to its resting place. This interpretation is well supported by Hadiths.]**	And the sun runs [on course] toward its stopping point. That is the determination of the Exalted in Might, the Knowing.	36:38	और सूर्य अपने नियत ठिकाने के लिए चला जा रहा है। यह बाँधा हुआ हिसाब है प्रभुत्वशाली, ज्ञानवान का	पिकथाल अनुवाद करता है "सूरज एक विश्राम स्थल की ओर बढ़ता है" अरबी ‘ली, मुस्तक़र्रिन, लहा’ का अर्थ है "और सूरज अपने विश्राम स्थल की ओर बढ़ता है"। **[एक बार फिर, कुरआन एक समतल पृथ्वी को मानता है जिसमें सूरज इसके चारों ओर परिक्रमा करता है, और रात के दौरान सूरज अपने विश्राम स्थल पर जाता है। इस व्याख्या का समर्थन हदीसों द्वारा अच्छी तरह से किया गया है।]**
Waalqamara qaddarnahu manazila hatta AAada kaalAAurjooni alqadeemi	**[There is no change in shape of moon, its only due to visible part of moon reflecting sun's light.]**	And the moon - We have determined for it phases, until it returns [appearing] like the old date stalk.	36:39	और रहा चन्द्रमा, तो उसकी नियति हमने मंज़िलों के क्रम में रखी, यहाँ तक कि वह फिर खजूर की पूरानी टेढ़ी टहनी के सदृश हो जाता है	**[चांद के आकार में कोई बदलाव नहीं है, यह केवल चांद के दृश्य भाग द्वारा सूर्य की रोशनी परावर्तित होने के कारण है।]**
La alshshamsu yanbaghee laha an tudrika alqamara wala allaylu sabiqu alnnahari wakullun fee falakin yasbahoona	**[Here sun is thought to spin around earth like moon without catching each other; Also night only means absence of light, so no point of overlapping.]**	It is not allowable for the sun to reach the moon, nor does the night overtake the day, but each, in an orbit, is swimming.	36:40	न सूर्य ही से हो सकता है कि चाँद को जा पकड़े और न रात दिन से आगे बढ़ सकती है। सब एक-एक कक्षा में तैर रहे हैं	**[यहां सूर्य को पृथ्वी के चारों ओर घूमते हुए माना जाता है जैसे कि चंद्रमा, बिना आपस में टकराए; साथ ही रात का मतलब केवल प्रकाश की अनुपस्थिति है, इसलिए मिलने होने का कोई मतलब नहीं।]**
Waayatun lahum anna hamalna thurriyyatahum fee alfulki almashhooni	Allah has subjugated the sea to carry ships, including -- most significantly -- the ship of Noah.	And a sign for them is that We carried their forefathers in a laden ship.	36:41	और एक निशानी उनके लिए यह है कि हमने उनके अनुवर्तियों को भरी हुई नौका में सवार किया	अल्लाह ने समुद्र को जहाजों को ले जाने के लिए अधीन कर दिया, जिसमें सबसे महत्वपूर्ण रूप से नूह का जहाज शामिल है।

Wakhalaqna lahum min mithlihi ma yarkaboona	This refers to the ships which were made after the ship of Noah.	And We created for them from the likes of it that which they ride.	36:42	और उनके लिए उसी के सदृश और भी ऐसी चीज़े पैदा की, जिनपर वे सवार होते है	यह उन जहाजों का उल्लेख करता है जो नूह के जहाज के बाद बनाए गए थे।
Wain nasha nughriqhum fala sareekha lahum wala hum yunqathoona	x	And if We should will, We could drown them; then no one responding to a cry would there be for them, nor would they be saved	36:43	और यदि हम चाहें तो उन्हें डूबो दें। फिर न तो उनकी कोई चीख-पुकार हो और न उन्हें बचाया जा सके	x
Illa rahmatan minna wamataAAan ila heenin	x	Except as a mercy from Us and provision for a time.	36:44	यह तो बस हमारी दयालुता और एक नियत समय तक की सुख-सामग्री है	x
Waitha qeela lahumu ittaqoo ma bayna aydeekum wama khalfakum laAAallakum turhamoona	x	But when it is said to them, "Beware of what is before you and what is behind you; perhaps you will receive mercy... "	36:45	और जब उनसे कहा जाता है कि उस चीज़ का डर रखो, जो तुम्हारे आगे है और जो तुम्हारे पीछे है, ताकि तुमपर दया कि जाए! (तो चुप्पी साझ लेते है)	x
Wama tateehim min ayatin min ayati rabbihim illa kanoo AAanha muAArideena	x	And no sign comes to them from the signs of their Lord except that they are from it turning away.	36:46	उनके पास उनके रब की आयतों में से जो आयत भी आती है, वे उससे कतराते ही है	x

Waitha qeela lahum anfiqoo mimma razaqakumu Allahu qala allatheena kafaroo lillatheena amanoo anutAAimu man law yashao Allahu atAAamahu in antum illa fee dalalin mubeenin	x	And when it is said to them, "Spend from that which Allah has provided for you," those who disbelieve say to those who believe, "Should we feed one whom, if Allah had willed, He would have fed? You are not but in clear error."	36:47	और जब उनसे कहा जाता है कि "अल्लाह ने जो कुछ रोज़ी तुम्हें दी है उनमें से ख़र्च करो।" तो जिन लोगों ने इनकार किया है, वे उन लोगों से, जो ईमान लाए है, कहते है, "क्या हम उसको खाना खिलाएँ जिसे .दि अल्लाह चाहता तो स्वयं खिला देता? तुम तो बस खुली गुमराही में पड़े हो।"	x
Wayaqooloona mata hatha alwaAAdu in kuntum sadiqeena	Refers to Judgement day.	And they say, "When is this promise, if you should be truthful?"	36:48	और वे कहते है कि "यह वादा कब पूरा होगा, यदि तुम सच्चे हो?"	निर्णय के दिन को संदर्भित
Ma yanthuroona illa sayhatan wahidatan takhuthuhum wahum	x	They do not await except one blast which will seize them while they are disputing.	36:49	वे तो बस एक प्रचंड चीत्कार की प्रतीक्षा में है, जो उन्हें आ पकड़ेगी, जबकि वे झगड़ते होंगे	x
Fala yastateeAAoona tawsiyatan wala ila ahlihim yarjiAAoona	x	And they will not be able [to give] any instruction, nor to their people can they return.	36:50	फिर न तो वे कोई वसीयत कर पाएँगे और न अपने घरवालों की ओर लौट ही सकेंगे	x
Wanufikha fee alssoori faitha hum mina alajdathi ila rabbihim yansiloona	x	And the Horn will be blown; and at once from the graves to their Lord they will hasten.	36:51	और नरसिंघा में फूँक मारी जाएगी। फिर क्या देखेंगे कि वे क़ब्रों से निकलकर अपने रब की ओर चल पड़े हैं	x

Qaloo ya waylana man baAAathana min marqadina hatha ma waAAada alrrahmanu wasadaqa almursaloona	**[Hypothetical discussion.]**	They will say, "O woe to us! Who has raised us up from our sleeping place?" [The reply will be], "This is what the Most Merciful had promised, and the messengers told the truth."	36:52	कहेंगे, "ऐ अफ़सोस हम पर! किसने हमें सोते से जगा दिया? यह वही चीज़ है जिसका रहमान ने वादा किया था और रसूलों ने सच कहा था।"	**[काल्पनिक चर्चा.]**
In kanat illa sayhatan wahidatan faitha hum jameeAAun ladayna	x	It will not be but one blast, and at once they are all brought present before Us.	36:53	बस एक ज़ोर की चिंघाड़ होगी। फिर क्या देखेंगे कि वे सबके-सब हमारे सामने उपस्थित कर दिए गए	**x**
Faalyawma la tuthlamu nafsun shayan wala tujzawna illa ma kuntum	x	So today no soul will be wronged at all, and you will not be recompensed except for what you used to do.	36:54	अब आज किसी जीव पर कुछ भी जुल्म न होगा और तुम्हें बदले में वही मिलेगा जो कुछ तुम करते रहे हो	**x**
Inna ashaba aljannati alyawma fee shughulin fakihoona	There are two opinions about the amusement of Paradise, one is iftidaad al-abkaar meaning deflowering virgins and other is samaa' al-awtaar meaning listening to stringed instruments.	Indeed the companions of Paradise, that Day, will be amused in [joyful] occupation -	36:55	निश्चय ही जन्नतवाले आज किसी न किसी काम नें व्यस्त आनन्द ले रहे है	स्वर्ग के आनन्द के बारे में दो मत हैं, एक इफ्तिदाद अल-अबकार है, जिसका अर्थ कुंवारी कन्याओं का कुंवारापन खोना है, और दूसरा समा अल-अवतार है, जिसका अर्थ तार वाली वाद्ययंत्रों को सुनना है।
Hum waazwajuhum fee thilalin AAala alaraiki muttakioona	**[Pickthal translates " Their wives", While Sahih writes spouses to look gender neutral.]**	They and their spouses - in shade, reclining on adorned couches.	36:56	वे और उनकी पत्नियाँ छायों में मसहरियों पर तकिया लगाए हुए है,	**x**
Lahum feeha fakihatun walahum ma yaddaAAoona	x	For them therein is fruit, and for them is whatever they request [or wish]	36:57	उनके लिए वहाँ मेवे है। और उनके लिए वह सब कुछ मौजूद है, जिसकी वे माँग करें	**x**
Salamun qawlan min rabbin raheemin	x	[And] "Peace," a word from a Merciful Lord.	36:58	(उनपर) सलाम है, दयामय रब का उच्चारित किया हुआ	**x**

Waimtazoo alyawma ayyuha almujrimoona	x	[Then He will say], "But stand apart today, you criminals.	36:59	"और ऐ अपराधियों! आज तुम छँटकर अलग हो जाओ	x
Alam aAAhad ilaykum ya banee adama an la taAAbudoo alshshaytana innahu lakum AAaduwwun mubeenun	x	Did I not enjoin upon you, O children of Adam, that you not worship Satan - [for] indeed, he is to you a clear enemy -	36:60	क्या मैंने तुम्हें ताकीद नहीं की थी, ऐ आदम के बेटो! कि शैतान की बन्दगी न करे। वास्तव में वह तुम्हारा खुला शत्रु है	x
Waani oAAbudoonee hatha siratun mustaqeemun	x	And that you worship [only] Me? This is a straight path.	36:61	और यह कि मेरी बन्दगी करो? यही सीधा मार्ग है	x
Walaqad adalla minkum jibillan katheeran afalam takoonoo taAAqiloona	x	And he had already led astray from among you much of creation, so did you not use reason?	36:62	उसने तो तुममें से बहुत-से गिरोहों को पथभ्रष्ट कर दिया। तो क्या तुम बुद्धि नहीं रखते थे?	x
Hathihi jahannamu allatee kuntum tooAAadoona	x	This is the Hellfire which you were promised.	36:63	यह वही जहन्नम है जिसकी तुम्हें धमकी दी जाती रही है	x
Islawha alyawma bima kuntum takfuroona	x	[Enter to] burn therein today for what you used to deny."	36:64	जो इनकार तुम करते रहे हो, उसके बदले में आज इसमें प्रविष्ट हो जाओ।"	x
Alyawma nakhtimu AAala afwahihim watukallimuna aydeehim watashhadu arjuluhum bima kanoo yaksiboona	**[Allah will seal the mouths of Hell-dwellers, but in other verses they are speaking; Body parts will be speaking.]**	That Day, We will seal over their mouths, and their hands will speak to Us, and their feet will testify about what they used to earn.	36:65	आज हम उनके मुँह पर मुहर लगा देंगे और उनके हाथ हमसे बोलेंगे और जो कुछ वे कमाते रहे है, उनके पाँव उसकी गवाही देंगे	**[अल्लाह नर्कवासियों के मुंह सील देंगे, लेकिन अन्य आयतों में वे बोल रहे हैं; शरीर के अंग बोलेंगे।]**

Walaw nashao latamasna AAala aAAyunihim faistabaqoo alssirata faanna yubsiroona	**[Hypothetical discussion.]**	And if We willed, We could have obliterated their eyes, and they would race to [find] the path, and how could they see?	36:66	यदि हम चाहें तो उनकी आँखें मेट दें क्योंकि वे (अपने रूढ़) मार्ग की ओर लपके हुए है। फिर उन्हें सुझाई कहाँ से देगा?	**[काल्पनिक चर्चा.]**
Walaw nashao lamasakhnahum AAala makanatihim fama istataAAoo mudiyyan wala yarjiAAoona	**[Hypothetical discussion.]**	And if We willed, We could have deformed them, [paralyzing them] in their places so they would not be able to proceed, nor could they return.	36:67	यदि हम चाहें तो उनकी जगह पर ही उनके रूप बिगाड़कर रख दें क्योंकि वे सत्य की ओर न चल सके और वे (गुमराही से) बाज़ नहीं आते।	**[काल्पनिक चर्चा.]**
Waman nuAAammirhu nunakkishu fee alkhalqi afala yaAAqiloona	We reverse him in creation (making him go back to weakness after strength in old age).	And he to whom We grant long life We reverse in creation; so will they not understand?	36:68	जिसको हम दीर्घायु देते है, उसको उसकी संरचना में उल्टा फेर देते है। तो क्या वे बुद्धि से काम नहीं लेते?	हम उसकी संरचना में उल्टा फेर देते है (बुढ़ापे में शक्ति के बाद उसे कमजोरी की ओर वापस ले जाते हैं)।
Wama AAallamnahu alshshiAAra wama yanbaghee lahu in huwa illa thikrun waquranun	**[Quran is not clear, anybody can read it and check.]**	And We did not give Prophet Muhammad, knowledge of poetry, nor is it befitting for him. It is not but a message and a clear Qur'an	36:69	हमने उस (नबी) को कविता नहीं सिखाई और न वह उसके लिए शोभनीय है। वह तो केवल अनुस्मृति और स्पष्ट क़ुरआन है;	**[कुरान स्पष्ट नहीं है, कोई भी इसे पढ़ सकता है और जाँच सकता है।]**
Liyunthira man kana hayyan wayahiqqa alqawlu AAala alkafireena	x	To warn whoever is alive and justify the word against the disbelievers.	36:70	ताकि वह उसे सचेत कर दे जो जीवन्त हो और इनकार करनेवालों पर (यातना की) बात स्थापित हो जाए	**x**
Awalam yaraw anna khalaqna lahum mimma AAamilat aydeena anAAaman fahum laha	**[Allah has hands.]**	Do they not see that We have created for them from what Our hands have made, grazing livestock, and [then] they are their	36:71	क्या उन्होंने देखा नहीं कि हमने उनके लिए अपने हाथों की बनाई हुई चीज़ों में से चौपाए पैदा किए और अब वे उनके मालिक है?	**[अल्लाह के हाथ हैं।]**

Wathallalnaha lahum faminha rakoobuhum waminha yakuloona	Allah has tamed the animals for humans. **[But animals evolved before humans and taming them was a gradual process done by Humans.]**	And We have tamed them for them, so some of them they ride, and some of them they eat.	36:72	और उन्हें उनके बस में कर दिया कि उनमें से कुछ तो उनकी सवारियाँ हैं और उनमें से कुछ को खाते है।	अल्लाह ने मनुष्यों के लिए जानवरों को वश में किया है। **[लेकिन जानवर मनुष्यों से पहले विकसित हुए और उन्हें वश में करना मनुष्यों द्वारा किया गया एक क्रमिक प्रक्रिया था।]**
Walahum feeha manafiAAu wamasharibu afala yashkuroona	x	And for them therein are [other] benefits and drinks, so will they not be grateful?	36:73	और उनके लिए उनमें कितने ही लाभ है और पेय भी है। तो क्या वे कृतज्ञता नहीं दिखलाते?	**x**
Waittakhathoo min dooni Allahi alihatan laAAallahum	x	But they have taken besides Allah [false] deities that perhaps they would be helped.	36:74	उन्होंने अल्लाह से इतर कितने ही उपास्य बना लिए है कि शायद उन्हें मदद पहुँचे।	**x**
La yastateeAAoona nasrahum wahum lahum jundun muhdaroona	Ibn Kathir: The false dieties will be brought forward as a troop on Day of Judgement (against those who worshipped them). **[Clarification is needed whether false dieties exist or not.]**	They are not able to help them, and they [themselves] are for them soldiers in attendance.	36:75	वे उनकी सहायता करने की सामर्थ्य नहीं रखते, हालाँकि वे (बहुदेववादियों की अपनी स्पष्ट में) उनके लिए उपस्थित सेनाएँ हैं	इब्न कसीर: झूठे देवताओं को कयामत के दिन (उनके खिलाफ जो उनकी पूजा करते थे) एक टोली के रूप में आगे लाया जाएगा। **[स्पष्टीकरण की आवश्यकता है कि झूठे देवता मौजूद हैं या नहीं।]**
Fala yahzunka qawluhum inna naAAlamu ma yusirroona wama yuAAlinoona	x	So let not their speech grieve you. Indeed, We know what they conceal and what they declare.	36:76	अतः उनकी बात तुम्हें शोकाकुल न करे। हम जानते है जो कुछ वे छिपाते और जो कुछ व्यक्त करते है	**x**
Awalam yara alinsanu anna khalaqnahu min nutfatin faitha huwa khaseemun mubeenun	x	Does man not consider that We created him from a [mere] sperm-drop - then at once he is a clear adversary?	36:77	क्या (इनकार करनेवाले) मनुष्य को नहीं देखा कि हमने उसे वीर्य से पैदा किया? फिर क्या देखते है कि वह प्रत्क्षय विरोधी झगड़ालू बन गया	**x**

Wadaraba lana mathalan wanasiya khalqahu qala man yuhyee alAAithama wahiya rameemun	Ubayy ibn Khalaf al-Jumahi went to the Messenger of Allah (pbuh) with a decayed bone which he crushed in his hand and then said: ‘O Muhammad, will Allah resurrect this now that it has become dust?’	And he presents for Us an example and forgets his [own] creation. He says, "Who will give life to bones while they are disintegrated?"	36:78	और उसने हमपर फबती कसी और अपनी पैदाइश को भूल गया। कहता है, "कौन हड्डियों में जान डालेगा, जबकि वे जीर्ण-शीर्ण हो चुकी होंगी?"	उबैय इब्न खलाफ़ अल-जुमाही पैगंबर अल्लाह (स.) के पास एक सड़ी हुई हड्डी लेकर गया, जिसे उसने अपने हाथ में कुचल लिया और फिर कहा: 'हे मुहम्मद, क्या अल्लाह इसे अब जीवित करेगा जबकि यह धूल बन गई है?'
Qul yuhyeeha allathee anshaaha awwala marratin wahuwa bikulli khalqin AAaleemun	x	Say, "He will give them life who produced them the first time; and He is, of all creation, Knowing."	36:79	कह दो, "उनमें वही जान डालेगा जिसने उनको पहली बार पैदा किया। वह तो प्रत्येक संसृति को भली-भाँति जानता है	x
Allathee jaAAala lakum mina alshshajari alakhdari naran faitha antum minhu tooqidoona	This refers to the Markh tree and the Afar tree. Two green branches from these trees are rubs one against the other, to produce fire. **[Dry or dead branches would be more suitable for producing fire.]**	[It is] He who made for you from the green tree, fire, and then from it you ignite.	36:80	वही है जिसने तुम्हारे लिए हरे-भरे वृक्ष से आग पैदा कर दी। तो लगे हो तुम उससे जलाने।"	यह मार्केह पेड़ और अफर पेड़ को संदर्भित करता है। इन पेड़ों की दो हरी शाखाओं को एक-दूसरे के खिलाफ रगड़ा जाता है, ताकि आग पैदा हो सके। **[आग पैदा करने के लिए सूखी या मृत शाखाएं अधिक उपयुक्त होंगी।]**
Awalaysa allathee khalaqa alssamawati waalarda biqadirin AAala an yakhluqa mithlahum bala wahuwa alkhallaqu alAAaleemu	x	Is not He who created the heavens and the earth Able to create the likes of them? Yes, [it is so]; and He is the Knowing Creator.	36:81	क्या जिसने आकाशों और धरती को पैदा किया उसे इसकी सामर्थ्य नहीं कि उन जैसों को पैदा कर दे? क्यों नहीं, जबकि वह महान स्रष्टा , अत्यन्त ज्ञानवान है	x
Innama amruhu itha arada shayan an yaqoola lahu kun fayakoonu	x	His command is only when He intends a thing that He says to it, "Be," and it is.	36:82	उसका मामला तो बस यह है कि जब वह किसी चीज़ (के पैदा करने) का इरादा करता है तो उससे कहता है, "हो जा!" और वह हो जाती है	x

Fasubhana allathee biyadihi malakootu kulli shayin wailayhi turjaAAoona	x	So exalted is He in whose hand is the realm of all things, and to Him you will be returned.	36:83	अतः महिमा है उसकी, जिसके हाथ में हर चीज़ का पूरा अधिकार है। और उसी की ओर तुम लौटकर जाओगे	**x**
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**As-Saffat (Those Ranged in Ranks)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**37:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अस-साफ़्फ़ात (पंक्तियों में व्यवस्थित)**
Waalssaffati saffan	"Those who set the ranks in battle order" are the angels in order to keep the rebellious demons from listening in to the exalted assembly.	By those [angels] lined up in rows	37:1	गवाह है परा जमाकर पंक्तिबद्ध होनेवाले;	"जो युद्ध-क्रम में पंक्तियाँ बनाते हैं," वे फ़रिश्ते हैं—ऐसा इसलिए, ताकि वे विद्रोही शैतानों को उस उच्च सभा की बातें सुनने से रोक सकें।
Faalzzajirati zajran	x	And those who drive [the clouds]	37:2	फिर डाँटनेवाले;	x
Faalttaliyati thikran	x	And those who recite the message,	37:3	फिर यह ज़िक्र करनेवाले	x
Inna ilahakum lawahidun	x	Indeed, your God is One,	37:4	कि तुम्हारा पूज्य-प्रभु अकेला है।	x
Rabbu alssamawati waalardi wama baynahuma warabbu almashariqi	x	Lord of the heavens and the earth and that between them and Lord of the sunrises.	37:5	वह आकाशों और धरती और जो कुछ उनके बीच है सबका रब है और पूर्व दिशाओं का भी रब है	x

Inna zayyanna alssamaa alddunya bizeenatin alkawakibi	The stars are in the nearest sky. Stars and meteors are missile against Shaytan: 15:16–18, 41:12, 67:5, 37:6-10; **[But still shaytaan (Iblis) could reach heaven and misguided Eve. According to the old Greek and Persian astronomy, the stars are in lowest heaven, the moon and the sun to one each, and the then known planets - Venus, Mars, Jupiter and Saturn - also to one each, making total 7 layer of heavens.]**	Indeed, We have adorned the nearest heaven with an adornment of stars	37:6	हमने दुनिया के आकाश को सजावट अर्थात तारों से सुसज्जित किया, (रात में मुसाफ़िरों को मार्ग दिखाने के लिए)	तारे सबसे पास के आसमान में हैं। तारे और उल्काएं शैतान के खिलाफ मिसाइल हैं: 15:16–18, 41:12, 67:5, 37:6-10; **[लेकिन फिर भी शैतान (इब्लीस) स्वर्ग तक पहुंच सकता था और हव्वा को गुमराह कर सकता था। पुरानी ग्रीक और फ़ारसी एस्ट्रोनॉमी के अनुसार, तारे सबसे नीचे वाले स्वर्ग में हैं, चांद और सूरज एक-एक करके, और उस समय के जाने-माने ग्रह - शुक्र, मंगल, बृहस्पति और शनि - भी एक-एक करके, कुल मिलाकर स्वर्ग की सात परतें हैं।]**
Wahifthan min kulli shaytanin maridin	x	And as protection against every rebellious devil	37:7	और प्रत्येक सरकश शैतान से सुरक्षित रखने के लिए	x
La yassammaAAoona ila almalai alaAAla wayuqthafoona min kulli janibin	Apparently the angels pelt the satans with the planets to prevent them from hearing the heavenly assembly. See 67:5.	[So] they may not listen to the exalted assembly [of angels] and are pelted from every side,	37:8	वे (शैतान) "मलए आला" की ओर कान नहीं लगा पाते और हर ओर से फेंक मारे जाते है भगाने-धुतकारने के लिए।	ऐसा प्रतीत होता है कि फ़रिश्ते शैतानों को स्वर्गीय सभा की बातें सुनने से रोकने के लिए उन पर ग्रहों से प्रहार करते हैं। देखें 67:5.
Duhooran walahum AAathabun wasibun	x	Repelled; and for them is a constant punishment,	37:9	और उनके लिए अनवरत यातना है	x

Illa man khatifa alkhatfata faatbaAAahu shihabun thaqibun	Some devils, however, do manage to hear and snatch away a bit of Allah's revelation. When they heard the revelation, they would come down to earth and tell to soothsayer and to every word they would add nine of their own."	Except one who snatches [some words] by theft, but they are pursued by a burning flame, piercing [in brightness].	37:10	किन्तु यह और बात है कि कोई कुछ उचक ले, इस दशा में एक तेज़ दहकती उल्का उसका पीछा करती है	लेकिन, कुछ शैतान अल्लाह के संदेश का कुछ हिस्सा सुनने और उसे चुरा लेने में कामयाब हो जाते हैं। जब वे उस संदेश को सुन लेते थे, तो वे धरती पर उतर आते और उसे किसी भविष्यवक्ता को बता देते; और उस संदेश के हर शब्द में वे अपनी तरफ से नौ शब्द और जोड़ देते थे।
Faistaftihim ahum ashaddu khalqan am man khalaqna inna khalaqnahum min teenin lazibin	**[Contradiction: Adam was created from clay: 6:2, 7:12, 17:61, 32:7, 38:71, 38:76, from sounding clay: 15:26, 15:28, 15:33, From ringing clay: 55:64, From sticky clay: 37:11, From dust: 3:59, 22:5, 35:11, 40:67, From earth: 20:55, From nothing: 19:9, 19:67, From water: 21:30, 24:45, 25:54, From base material: 70:39; Also man was created through evolution not at once e.g. Neanderthal man, cro-magnon whose bones are being discovered.]**	Then inquire of them, [O Muhammad], "Are they a stronger [or more difficult] creation or those [others] We have created?" Indeed, We created men from sticky clay.	37:11	अब उनके पूछो कि उनके पैदा करने का काम अधिक कठिन है या उन चीज़ों का, जो हमने पैदा कर रखी है। निस्संदेह हमने उनको लेसकर मिट्टी से पैदा किया।	**[विरोधाभास: आदम को मिट्टी से बनाया गया था: 6:2, 7:12, 17:61, 32:7, 38:71, 38:76; बजने वाली मिट्टी से: 15:26, 15:28, 15:33; खनकने वाली मिट्टी से: 55:64; चिपचिपी मिट्टी से: 37:11; धूल से: 3:59, 22:5, 35:11, 40:67; धरती से: 20:55; किसी चीज़ से नहीं (शून्य से): 19:9, 19:67; पानी से: 21:30, 24:45, 25:54; साधारण पदार्थ से: 70:39; इसके अलावा, इंसान को विकास की प्रक्रिया के ज़रिए बनाया गया था, न कि एक ही बार में—उदाहरण के लिए, निएंडरथल मानव और क्रो-मैग्नन, जिनकी हड्डियाँ मिल रही हैं।]**
Bal AAajibta wayaskharoona	x	But you wonder, while they mock,	37:12	बल्कि तुम तो आश्चर्य में हो और वे है कि परिहास कर रहे है	x
Waitha thukkiroo la yathkuroona	x	And when they are reminded, they remember not.	37:13	और जब उन्हें याद दिलाया जाता है, तो वे याद नहीं करते,	x

Waitha raaw ayatan yastaskhiroona	**[Which sign it is talking about, the natural phenomenon, Quranic aayat or some miracle.]**	And when they see a sign, they ridicule	37:14	और जब कोई निशानी देखते है तो हँसी उड़ाते है	**[यह किस संकेत की बात कर रहा है, प्राकृतिक घटना, कुरान की आयत या कोई चमत्कार।]**
Waqaloo in hatha illa sihrun mubeenun	x	And say, "This is not but obvious magic.	37:15	और कहते है, "यह तो बस एक प्रत्यक्ष जादू है	x
Aitha mitna wakunna turaban waAAithaman ainna lamabAAoothoona	x	When we have died and become dust and bones, are we indeed to be resurrected?	37:16	क्या जब हम मर चुके होंगे और मिट्टी और हड्डियाँ होकर रह जाएँगे, तो क्या फिर हम उठाए जाएँगे?	x
Awaabaona alawwaloona	x	And our forefathers [as well]?"	37:17	क्या और हमारे पहले के बाप-दादा भी?"	x
Qul naAAam waantum dakhiroona	x	Say, "Yes, and you will be [rendered] contemptible."	37:18	कह दो, "हाँ! और तुम अपमानित भी होंगे।"	x
Fainnama hiya zajratun wahidatun faitha hum yanthuroona	x	It will be only one shout, and at once they will be observing.	37:19	वह तो बस एक झिड़की होगी। फिर क्या देखेंगे कि वे ताकने लगे है	x
Waqaloo ya waylana hatha yawmu alddeeni	x	They will say, "O woe to us! This is the Day of Recompense."	37:20	और वे कहेंगे, "ऐ अफ़सोस हमपर! यह तो बदले का दिन है।"	x
Hatha yawmu alfasli allathee kuntum bihi tukaththiboona	x	[They will be told], "This is the Day of Judgement which you used to deny."	37:21	यह वही फ़ैसले का दिन है जिसे तुम झुठलाते रहे हो	x
Ohshuroo allatheena thalamoo waazwajahum wama kanoo yaAAbudoona	x	[The angels will be ordered], "Gather those who committed wrong, their kinds, and what they used to worship	37:22	(कहा जाएगा) "एकत्र करो उन लोगों को जिन्होंने जुल्म किया और उनके जोड़ीदारों को भी और उनको भी जिनकी अल्लाह से हटकर वे बन्दगी करते रहे है।	x

Min dooni Allahi faihdoohum ila sirati aljaheemi	x	Other than Allah, and guide them to the path of Hellfire	37:23	फिर उन सबको भड़कती हुई आग की राह दिखाओ!"	x
Waqifoohum innahum masooloona	x	And stop them; indeed, they are to be questioned."	37:24	और तनिक उन्हें ठहराओ, उनसे पूछना है,	x
Ma lakum la tanasaroona	x	[They will be asked], "What is [wrong] with you? Why do you not help	37:25	"तुम्हें क्या हो गया, जो तुम एक-दूसरे की सहायता नहीं कर रहे हो?"	x
Bal humu alyawma mustaslimoona	x	But they, that Day, are in surrender.	37:26	बल्कि वे तो आज बड़े आज्ञाकारी हो गए है	x
Waaqbala baAAduhum AAala baAAdin yatasaaloona	**[Hypothetical discussion.]**	And they will approach one another blaming each other.	37:27	वे एक-दूसरे की ओर रुख़ करके पूछते हुए कहेंगे,	**[काल्पनिक चर्चा.]**
Qaloo innakum kuntum tatoonana AAani alyameeni	x	They will say, "Indeed, you used to come at us from the right."	37:28	"तुम तो हमारे पास आते थे दाहिने से (और बाएँ से)"	x
Qaloo bal lam takoonoo mumineena	x	The oppressors will say, "Rather, you [yourselves] were not believers,	37:29	वे कहेंगे, "नहीं, बल्कि तुम स्वयं ही ईमानवाले न थे	x
Wama kana lana AAalaykum min sultanin bal kuntum qawman tagheena	x	And we had over you no authority, but you were a transgressing people.	37:30	और हमारा तो तुमपर कोई ज़ोर न था, बल्कि तुम स्वयं ही सरकश लोग थे	x
Fahaqqa AAalayna qawlu rabbina inna lathaiqoona	x	So the word of our Lord has come into effect upon us; indeed, we will taste [punishment].	37:31	अन्ततः हमपर हमारे रब की बात सत्यापित होकर रही। निस्संदेह हमें (अपनी करतूत का) मज़ा चखना ही होगा	x
Faaghwaynakum inna kunna ghaweena	x	And we led you to deviation; indeed, we were deviators."	37:32	सो हमने तुम्हे बहकाया। निश्चय ही हम स्वयं बहके हुए थे।"	x

Fainnahum yawmaithin fee alAAathabi mushtarikoona	**[Contradictions: Each soul will bear its own burden 2:123, 6:164, 17:15, 35:18, Burden of others as well 16:25, 29:13, 37:33]**	So indeed they, that Day, will be sharing in the punishment.	37:33	अतः वे सब उस दिन यातना में एक-दूसरे के सह-भागी होंगे	**[विरोधाभास: हर आत्मा अपना बोझ खुद उठाएगी 2:123, 6:164, 17:15, 35:18; दूसरों का बोझ भी 16:25, 29:13, 37:33]**
Inna kathalika nafAAalu bialmujrimeena	x	Indeed, that is how We deal with the criminals.	37:34	हम अपराधियों के साथ ऐसा ही किया करते है	x
Innahum kanoo itha qeela lahum la ilaha illa Allahu yastakbiroona	x	Indeed they, when it was said to them, "There is no deity but Allah," were arrogant	37:35	उनका हाल यह था कि जब उनसे कहा जाता कि "अल्लाह के सिवा कोई पूज्य-प्रभु नहीं हैं।" तो वे घमंड में आ जाते थे	x
Wayaqooloona ainna latarikoo alihatina	x	And were saying, "Are we to leave our gods for a mad poet?"	37:36	और कहते थे, "क्या हम एक उन्मादी कवि के लिए अपने उपास्यों को छोड़ दें?"	x
Bal jaa bialhaqqi wasaddaqa almursaleena	What the messenger says is true and confirms the messages of the earlier prophets (see 3:67, 21:74, 21:92).	Rather, the Prophet has come with the truth and confirmed the [previous] messengers.	37:37	"नहीं, बल्कि वह सत्य लेकर आया है और वह (पिछले) रसूलों की पुष्टि॥ में है।	संदेशवाहक जो कहता है, वह सत्य है और पिछले पैगम्बरों के संदेशों की पुष्टि करता है (देखें 3:67, 21:74, 21:92)।
Innakum lathaiqoo alAAathabi alaleemi	x	Indeed, you [disbelievers] will be tasters of the painful punishment,	37:38	निश्चय ही तुम दुखद यातना का मज़ा चखोगे। -	x
Wama tujzawna illa ma kuntum taAAmaloona	x	And you will not be recompensed except for what you used to do -	37:39	"तुम बदला वही तो पाओगे जो तुम करते हो।"	x
Illa AAibada Allahi almukhlaseena	x	But not the chosen servants of Allah.	37:40	अलबत्ता अल्लाह के उन बन्दों की बात और है, जिनको उसने चुन लिया है	x
Olaika lahum rizqun maAAloomun	Paradise	Those will have a provision determined -	37:41	वही लोग है जिनके लिए जानी-बूझी रोज़ी है,	स्वर्ग

Fawakihu wahum mukramoona	x	Fruits; and they will be honored	37:42	स्वादिष्ट फल।	x
Fee jannati alnnaAAeemi	x	In gardens of pleasure	37:43	और वे नेमत भरी जन्नतों	x
AAala sururin mutaqabileena	x	On thrones facing one another.	37:44	में सम्मानपूर्वक होंगे, तख़्तों पर आमने-सामने विराजमान होंगे;	x
Yutafu AAalayhim bikasin min maAAeenin	The “gushing spring” will be filled with “wine which flows on the surface.	There will be circulated among them a cup [of wine] from a flowing	37:45	उनके बीच विशुद्ध पेय का पात्र फिराया जाएगा,	"उफनता हुआ झरना" उस "शराब" से भरा जाएगा, जो सतह पर बहती है।
Baydaa laththatin lilshsharibeena	x	White and delicious to the drinkers;	37:46	बिलकुल साफ़, उज्जवल, पीनेवालों के लिए सर्वथा सुस्वादु	x
La feeha ghawlun wala hum AAanha yunzafoona	The wine will not be intoxicating.	No bad effect is there in it, nor from it will they be intoxicated.	37:47	न उसमें कोई ख़ुमार होगा और न वे उससे निढाल और मदहोश होंगे।	यह शराब नशीली नहीं होगी।
WaAAindahum qasiratu alttarfi AAeenun	These women “confine their eyes to their husbands” and “not look at anyone other than them.” **[These are the virgins of paradise, in search of whom young Jihadists have fought against disbelievers and sought death throughout history, knowing that paradise is guaranteed to those who “kill and are killed” for Allah (9:111). Also, Quran always debates from men’s point of view.]**	And with them will be women limiting [their] glances, with large, [beautiful] eyes,	37:48	और उनके पास निगाहें बचाए रखनेवाली, सुन्दर आँखोंवाली स्त्रियाँ होंगी,	ये औरतें “अपनी नज़रें अपने पतियों तक ही रखती हैं” और “उनके अलावा किसी और को नहीं देखतीं।” **[ये जन्नत की कुँवारियाँ हैं, जिनकी तलाश में युवा जिहादियों ने पूरे इतिहास में काफ़िरों के ख़िलाफ़ लड़ाई लड़ी है और मौत की तलाश की है, यह जानते हुए कि जन्नत उन लोगों के लिए पक्की है जो अल्लाह के लिए “मारते हैं और मारे जाते हैं” (9:111)। साथ ही, कुरान हमेशा मर्दों के नज़रिए से बहस करता है।]**

Kaannahunna baydun maknoonun	Extremely white virgins, some commentators say that since extremely white women disliked by many, the women of Heaven will vary according to the	As if they were [delicate] eggs, well-protected.	37:49	मानो वे सुरक्षित अंडे है	अत्यंत गोरी कुंवारी स्त्रियाँ—कुछ टीकाकारों का कहना है कि चूँकि बहुत-से लोग अत्यंत गोरी स्त्रियों को नापसंद करते हैं, इसलिए स्वर्ग की स्त्रियाँ लोगों की पसंद के अनुसार अलग-अलग तरह की होंगी।
Faaqbala baAAduhum AAala baAAdin yatasaaloona	x	And they will approach one another, inquiring of each other.	37:50	फिर वे एक-दूसरे की ओर रुख़ करके आपस में पूछेंगे	x
Qala qailun minhum innee kana lee qareenun	x	A speaker among them will say, "Indeed, I had a companion [on earth]	37:51	उनमें से एक कहनेवाला कहेगा, "मेरा एक साथी था;	x
Yaqoolu ainnaka lamina almusaddiqeena	x	Who would say, 'Are you indeed of those who believe	37:52	जो कहा करता था क्या तुम भी पुष्टि करनेवालों में से हो?	x
Aitha mitna wakunna turaban waAAithaman ainna lamadeenoona	x	That when we have died and become dust and bones, we will indeed be recompensed?'"	37:53	क्या जब हम मर चुके होंगे और मिट्टी और हड्डियाँ होकर रह जाएँगे, तो क्या हम वास्तव में बदला पाएँगे?"	x
Qala hal antum muttaliAAoona	x	He will say, "Would you [care to] look?"	37:54	वह कहेगा, "क्या तुम झाँककर देखोगे?"	x
FaittalaAAa faraahu fee sawai aljaheemi	The gathering of the People of Paradise, and the exchange between one of them and his counterpart in Hell, and his gratitude for the blessings of Allah. **[Hypothetical discussion.]**	And he will look and see him in the midst of the Hellfire.	37:55	फिर वह झाँकेगा तो उसे भड़कती हुई आग के बीच में देखेगा	जन्नत के लोगों का इकट्ठा होना, और उनमें से एक और जहन्नम में उसके साथी के बीच बातचीत, और अल्लाह की नेमतों के लिए उनका शुक्रिया। **[काल्पनिक चर्चा।]**

Qala taAllahi in kidta laturdeeni	x	He will say, "By Allah, you almost ruined me.	37:56	कहेगा, "अल्लाह की क़सम! तुम तो मुझे तबाह ही करने को थे	x
Walawla niAAmatu rabbee lakuntu mina almuhdareena	x	If not for the favor of my Lord, I would have been of those brought in [to Hell].	37:57	यदि मेरे रब की अनुकम्पा न होती तो अवश्य ही मैं भी पकड़कर हाज़िर किए गए लोगों में से होता	x
Afama nahnu bimayyiteena	x	Then, are we not to die	37:58	है ना अब ऐसा कि हम मरने के नहीं।	x
Illa mawtatana aloola wama nahnu bimuAAaththabeena	x	Except for our first death, and we will not be punished?"	37:59	हमें जो मृत्यु आनी थी वह बस पहले आ चुकी। और हमें कोई यातना ही दी जाएगी!"	x
Inna hatha lahuwa alfawzu	x	Indeed, this is the great attainment.	37:60	निश्चय ही यही बड़ी सफलता है	x
Limithli hatha falyaAAmali alAAamiloona	x	For the like of this let the workers [on earth] work.	37:61	ऐसी की चीज़ के लिए कर्म करनेवालों को कर्म करना चाहिए	x
Athalika khayrun nuzulan am shajaratu	x	Is Paradise a better accommodation or the tree of zaqqum?	37:62	क्या वह आतिथ्य अच्छा है या 'ज़क़्क़ूम' का वृक्ष?	x
Inna jaAAalnaha fitnatan lilththalimeena	x	Indeed, We have made it a torment for the wrongdoers.	37:63	निश्चय ही हमने उस (वृक्ष) को ज़ालिमों के लिए परीक्षा बना दिया है	x
Innaha shajaratun takhruju fee asli aljaheemi	x	Indeed, it is a tree issuing from the bottom of the Hellfire,	37:64	वह एक वृक्ष है जो भड़कती हुई आग की तह से निकलता है	x

TalAAuha kaannahu ruoosu alshshayateeni	Zaqqum is a fruit like devils head. **[Contradiction: Food for infidels in hell: Zaqqum 37:66, washing of wounds 69:36, Pus 38:57, bitter dari (a dry bush with needles)**	Its emerging fruit as if it was heads of the devils.	37:65	उसके गाभे मानो शैतानों के सिर (साँपों के फन) है	ज़क़्कुम शैतान के सिर जैसा फल है। **[विरोधाभास: नरक में काफ़िरों के लिए खाना: ज़क़्कुम 37:66, ज़ख्म धोना 69:36, पूस 38:57, कड़वी दरी (सुइयों वाली सूखी झाड़ी) 88:6.]**
Fainnahum laakiloona minha famalioona minha	**x**	And indeed, they will eat from it and fill with it their bellies.	37:66	तो वे उसे खाएँगे और उसी से पेट भरेंगे	x
Thumma inna lahum AAalayha lashawban min	Very sadistic description.	Then indeed, they will have after it a mixture of scalding water.	37:67	फिर उनके लिए उसपर खौलते हुए पानी का मिश्रण होगा	बहुत ही क्रूर वर्णन।
Thumma inna marjiAAahum laila aljaheemi	x	Then indeed, their return will be to the Hellfire.	37:68	फिर उनकी वापसी भड़कती हुई आग की ओर होगी	x
Innahum alfaw abaahum dalleena	x	Indeed they found their fathers astray.	37:69	निश्चय ही उन्होंने अपने बाप-दादा को पथभ्रष्ट॥ पाया।	x
Fahum AAala atharihim yuhraAAoona	Blind imitation ("taqlid") of the obviously absurd beliefs, valuations and customs of one's erring predecessors, and disregard of all evidence of the truth supplied by reason, is shown here; however, it goes for Muslims also.	So they hastened [to follow] in their footsteps.	37:70	फिर वे उन्हीं के पद-चिन्हों पर दौड़ते रहे	यहाँ अपने भटके हुए पूर्वजों की स्पष्ट रूप से बेतुकी मान्यताओं, मूल्यों और रीति-रिवाजों की आँख मूँदकर नक़ल (तक़लीद) करने, और तर्क-बुद्धि द्वारा प्रस्तुत सत्य के समस्त प्रमाणों की उपेक्षा करने का चित्रण किया गया है; हालाँकि, यह बात मुसलमानों पर भी लागू होती है।
Walaqad dalla qablahum aktharu alawwaleena	x	And there had already strayed before them most of the former peoples,	37:71	और उनसे पहले भी पूर्ववर्ती लोगों में अधिकांश पथभ्रष्ट हो चुके है,	x
Walaqad arsalna feehim munthireena	x	And We had already sent among them warners.	37:72	हमने उनमें सचेत करनेवाले भेजे थे।	x

Faonthur kayfa kana AAaqibatu almunthareena	x	Then look how was the end of those who were warned -	37:73	तो अब देख लो उन लोगों का कैसा परिणाम हुआ, जिन्हे सचेत किया गया था	x
Illa AAibada Allahi almukhlaseena	**[The disbelievers are not chosen.]**	But not the chosen servants of Allah.	37:74	अलबत्ता अल्लाह के बन्दों की बात और है, जिनको उसने चुन लिया है	**[अविश्वासियों को चुना नहीं जाता।]**
Walaqad nadana noohun falaniAAma almujeeboona	x	And Noah had certainly called Us, and [We are] the best of responders.	37:75	नूह ने हमको पुकारा था, तो हम कैसे अच्छे है निवेदन स्वीकार करनेवाले!	x
Wanajjaynahu waahlahu mina alkarbi alAAatheemi	**[Not the entire family of Noah was saved.]**	And We saved him and his family from the great affliction.	37:76	हमने उसे और उसके लोगों को बड़ी घुटन और बेचैनी से छुटकारा दिया	**[नूह का पूरा परिवार नहीं बचा।]**
WajaAAalna thurriyyatahu humu albaqeena	x	And We made his descendants those remaining [on the earth]	37:77	और हमने उसकी सतति (औलाद व अनुयायी) ही को बाक़ी रखा	x
Watarakna AAalayhi fee alakhireena	Allah caused the descendents of Noah to be praised constantly by others.	And left for him [favorable mention] among later generations:	37:78	और हमने पीछे आनेवाली नस्लों में उसका अच्छा ज़िक्र छोड़ा	अल्लाह ने नूह के वंशजों को दूसरों द्वारा निरंतर प्रशंसा करवाई।
Salamun AAala noohin fee alAAalameena	x	"Peace upon Noah among the worlds."	37:79	कि "सलाम है नूह पर सम्पूर्ण संसारवालों में!"	x
Inna kathalika najzee almuhsineena	x	Indeed, We thus reward the doers of good.	37:80	निस्संदेह हम उत्तमकारों को ऐसा बदला देते है	x
Innahu min AAibadina almumineena	x	Indeed, he was of Our believing servants.	37:81	निश्चय ही वह हमारे ईमानवाले बन्दों में से था	x
Thumma aghraqna alakhareena	x	Then We drowned the disbelievers.	37:82	फिर हमने दूसरो को डूबो दिया।	x
Wainna min sheeAAatihi laibraheema	x	And indeed, among his kind was Abraham,	37:83	और इबराहीम भी उसी के सहधर्मियों में से था।	x

Ith jaa rabbahu biqalbin saleemin	x	When he came to his Lord with a sound heart	37:84	याद करो, जब वह अपने रब के समक्ष भला-चंगा हृदय लेकर आया;	x
Ith qala liabeehi waqawmihi matha taAAbudoona	x	[And] when he said to his father and his people, "What do you worship?	37:85	जबकि उसने अपने बाप और अपनी क़ौम के लोगों से कहा, "तुम किस चीज़ की पूजा करते हो?	x
Aifkan alihatan doona Allahi tureedoona	x	Is it falsehood [as] gods other than Allah you desire?	37:86	क्या अल्लाह से हटकर मनघड़ंत उपास्यों को चाह रहे हो?	x
Fama thannukum birabbi alAAalameena	x	Then what is your thought about the Lord of the worlds?"	37:87	आख़िर सारे संसार के रब के विषय में तुम्हारा क्या गुमान है?"	x
Fanathara nathratan fee alnnujoomi	x	And he cast a look at the stars	37:88	फिर उसने एक दृष्टि तारों पर डाली	x
Faqala innee saqeemun	x	And said, "Indeed, I am [about to be] ill."	37:89	और कहा, "मैं तो निढाल हूँ।"	x
Fatawallaw AAanhu mudbireena	x	So they turned away from him, departing.	37:90	अतएव वे उसे छोड़कर चले गए पीठ फेरकर	x
Faragha ila alihatihim faqala ala takuloona	**[The idols are themselves not gods, but a symbol of them.]**	Then he turned to their gods and said, "Do you not eat?	37:91	फिर वह आँख बचाकर उनके देवताओं की ओर गया और कहा, "क्या तुम खाते नहीं?	**[मूर्तियाँ स्वयं देवता नहीं हैं, बल्कि उनका प्रतीक हैं।]**
Ma lakum la tantiqoona	x	What is [wrong] with you that you do not speak?"	37:92	तुम्हें क्या हुआ है कि तुम बोलते नहीं?"	x
Faragha AAalayhim darban bialyameeni	**[Quran asked not to insult dieites of other religions.]**	And he turned upon them a blow with [his] right hand.	37:93	फिर वह भरपूर हाथ मारते हुए उनपर पिल पड़ा	**[कुरान ने दूसरे धर्मों के मानने वालों का अपमान न करने को कहा है।]**
Faaqbaloo ilayhi yaziffoona	x	Then the people came toward him, hastening.	37:94	फिर वे लोग झपटते हुए उसकी ओर आए	x

Qala ataAAbudoona ma tanhitoona	x	He said, "Do you worship that which you [yourselves] carve,	37:95	उसने कहा, "क्या तुम उनको पूजते हो, जिन्हें स्वयं तराशते हो,	x
WaAllahu khalaqakum wama taAAmaloona	x	While Allah created you and that which you do?"	37:96	जबकि अल्लाह ने तुम्हे भी पैदा किया है और उनको भी, जिन्हें तुम बनाते हो?"	x
Qaloo ibnoo lahu bunyanan faalqoohu fee aljaheemi	This is about Abraham. **[No human can survive if thrown in a furnace. Nature does not changes its laws on daily basis.]**	They said, "Construct for him a furnace and throw him into the burning fire."	37:97	वे बोले, "उनके लिए एक मकान (अर्थात अग्नि-कुंड) तैयार करके उसे भड़कती आग में डाल दो!"	यह अब्राहम के बारे में है। **[कोई भी इंसान भट्टी में फेंके जाने पर ज़िंदा नहीं रह सकता। कुदरत रोज़ अपने नियम नहीं बदलती।]**
Faaradoo bihi kaydan fajaAAalnahumu alasfaleena	x	And they intended for him a plan, but We made them the most debased.	37:98	अतः उन्होंने उसके साथ एक चाल चलनी चाही, किन्तु हमने उन्हीं को नीचा दिखा दिया	x
Waqala innee thahibun ila rabbee sayahdeeni	x	And [then] he said, "Indeed, I will go to [where I am ordered by] my Lord; He will guide me.	37:99	उसने कहा, "मैं अपने रब की ओर जा रहा हूँ, वह मेरा मार्गदर्शन करेगा	x
Rabbi hab lee mina alssaliheena	x	My Lord, grant me [a child] from among the	37:100	ऐ मेरे रब! मुझे कोई नेक संतान प्रदान कर।"	x
Fabashsharnahu bighulamin haleemin	x	So We gave him good tidings of a forbearing boy.	37:101	तो हमने उसे एक सहनशील पुत्र की शुभ सूचना दी	x

Falamma balagha maAAahu alssaAAya qala ya bunayya innee ara fee almanami annee athbahuka faonthur matha tara qala ya abati ifAAal ma tumaru satajidunee in shaa Allahu mina alssabireena	Abraham saw in a dream in which Allah says that he must sacrifice his son. He succeded in this trail; however, Allah changes his son with a lamb. The son is not named in the Quranic text, according to Islamic scholars the sacrificial son was Ishmail. **[However, Bible mentions this son as Isaac. Muslims scholars explain this contradiction by saying that the Jews and Christians corrupted the text of their Scriptures and inserted the name of Ishaq because he is their ancestor, while Ismail is the ancestor of the Arabs. Also see 37:107]**	And when he reached with him [the age of] exertion, he said, "O my son, indeed I have seen in a dream that I [must] sacrifice you, so see what you think." He said, "O my father, do as you are commanded. You will find me, if Allah wills, of the steadfast."	37:102	फिर जब वह उसके साथ दौड़-धूप करने की अवस्था को पहुँचा तो उसने कहा, "ऐ मेरे प्रिय बेटे! मैं स्वप्न में देखता हूँ कि तुझे क़ुरबान कर रहा हूँ। तो अब देख, तेरा क्या विचार है?" उसने कहा, "ऐ मेरे बाप! जो कुछ आपको आदेश दिया जा रहा है उसे कर डालिए। अल्लाह ने चाहा तो आप मुझे धैर्यवान पाएँगे।"	अब्राहम ने एक सपने में देखा जिसमें अल्लाह ने कहा कि उसे अपने बेटे की कुर्बानी देनी होगी। वह इस कोशिश में कामयाब रहा; लेकिन, अल्लाह ने उसके बेटे की जगह एक मेमने को रख दिया। कुरान की किताब में बेटे का नाम नहीं है, इस्लामी जानकारों के अनुसार कुर्बानी वाला बेटा इस्माइल था। **[लेकिन, बाइबिल में इस बेटे का ज़िक्र इसहाक के तौर पर किया गया है। मुस्लिम जानकार इस उलटी बात को यह कहकर समझाते हैं कि यहूदियों और ईसाइयों ने अपने धर्मग्रंथों के मूलपाठ को बदल करके इसहाक का नाम डाल दिया क्योंकि वे उनके पूर्वज है, जबकि इस्माइल अरबों के पूर्वज है। 37:107 भी देखें]**
Falamma aslama watallahu liljabeeni	x	And when they had both submitted and he put him down upon his forehead,	37:103	अन्ततः जब दोनों ने अपने आपको (अल्लाह के आगे) झुका दिया और उसने (इबाराहीम ने) उसे कनपटी के बल लिटा दिया (तो उस समय क्या दृश्य रहा होगा, सोचो!)	x
Wanadaynahu an ya ibraheemu	x	We called to him, "O Abraham,	37:104	और हमने उसे पुकारा, "ऐ इबराहीम!	x

Qad saddaqta alrruya inna kathalika najzee almuhsineena	x	You have fulfilled the vision." Indeed, We thus reward the doers of good.	37:105	तूने स्वप्न को सच कर दिखाया। निस्संदेह हम उत्तमकारों को इसी प्रकार बदला देते है।"	x
Inna hatha lahuwa albalao almubeenu	x	Indeed, this was the clear trial.	37:106	निस्संदेह यह तो एक खुली हुई परीक्षा थी	x
Wafadaynahu bithibhin AAatheemin	Here Allah has placed a lamb in place of Abraham's son. Id-ul-Adha is celebrated to commemorate this event. Other verses regarding offering sacrifice 22:37, 108:2	And We ransomed him with a great sacrifice,	37:107	और हमने उसे (बेटे को) एक बड़ी क़ुरबानी के बदले में छुड़ा लिया	यहाँ अल्लाह ने इब्राहीम के बेटे की जगह एक मेमना रख दिया। इसी घटना की याद में ईद-उल-अज़हा मनाई जाती है। कुर्बानी देने से जुड़ी दूसरी आयतें हैं: 22:37, 108:2।
Watarakna AAalayhi fee alakhireena	x	And We left for him [favorable mention] among later generations:	37:108	और हमने पीछे आनेवाली नस्लों में उसका ज़िक्र छोड़ा,	x
Salamun AAala ibraheema	x	"Peace upon Abraham."	37:109	कि "सलाम है इबराहीम पर।"	x
Kathalika najzee almuhsineena	x	Indeed, We thus reward the doers of good.	37:110	उत्तमकारों को हम ऐसा ही बदला देते है	x
Innahu min AAibadina almumineena	x	Indeed, he was of Our believing servants.	37:111	निश्चय ही वह हमारे ईमानवाले बन्दों में से था	x
Wabashsharnahu biishaqa nabiyyan mina alssaliheena	x	And We gave him good tidings of Isaac, a prophet from among the righteous.	37:112	और हमने उसे इसहाक़ की शुभ सूचना दी, अच्छों में से एक नबी	x
Wabarakna AAalayhi waAAala ishaqa wamin thurriyyatihima muhsinun wathalimun linafsihi	The unjust are Jews.	And We blessed him and Isaac. But among their descendants is the doer of good and the clearly unjust to himself.	37:113	और हमने उसे और इसहाक़ को बरकत दी। और उन दोनों की संतति में कोई तो उत्तमकार है और कोई अपने आप पर खुला ज़ुल्म करनेवाला	यहूदी अन्यायी हैं।

Walaqad mananna AAala moosa waharoona	x	And We did certainly confer favor upon Moses and Aaron.	37:114	और हम मूसा और हारून पर भी उपकार कर चुके है	x
Wanajjaynahuma waqawmahuma mina alkarbi	x	And We saved them and their people from the great affliction,	37:115	और हमने उन्हें और उनकी क़ौम को बड़ी घुटन और बेचैनी से छुटकारा दिया	x
Wanasarnahum fakanoo humu alghalibeena	x	And We supported them so it was they who overcame.	37:116	हमने उनकी सहायता की, तो वही प्रभावी रहे	x
Waataynahuma alkitaba	x	And We gave them the explicit Scripture,	37:117	हमने उनको अत्यन्त स्पष्ट किताब प्रदान की।	x
Wahadaynahuma alssirata almustaqeema	x	And We guided them on the straight path.	37:118	और उन्हें सीधा मार्ग दिखाया	x
Watarakna AAalayhima fee alakhireena	x	And We left for them [favorable mention] among later generations:	37:119	और हमने पीछे आनेवाली नस्लों में उसका अच्छा ज़िक्र छोड़ा	x
Salamun AAala moosa waharoona	x	"Peace upon Moses and Aaron."	37:120	कि "सलाम है मूसा और हारून पर!"	x
Inna kathalika najzee almuhsineena	x	Indeed, We thus reward the doers of good.	37:121	निस्संदेह हम उत्तमकारों को ऐसा बदला देते है	x
Innahuma min AAibadina almumineena	x	Indeed, they were of Our believing servants.	37:122	निश्चय ही वे दोनों हमारे ईमानवाले बन्दों में से थे	x
Wainna ilyasa lamina almursaleena	Ilyas is another name for Prophet Idris. See 6:85.	And indeed, Elias was from among the	37:123	और निस्संदेह इलयास भी रसूलों में से था।	इल्यास, पैगंबर इदरीस का ही दूसरा नाम है। 6:85 देखें।
Ith qala liqawmihi ala tattaqoona	x	When he said to his people, "Will you not fear Allah?	37:124	याद करो, जब उसने अपनी क़ौम के लोगों से कहा, "क्या तुम डर नहीं रखते?	x

AtadAAoona baAAlan watatharoona ahsana alkhaliqeena	Baal was an idol which they used to worship.	Do you call upon Ba'l and leave the best of creators -	37:125	क्या तुम 'बअत' (देवता) को पुकारते हो और सर्वोत्तम सृष्टा। को छोड़ देते हो;	बाल एक मूर्ति थी, जिसकी वे पूजा करते थे।
Allaha rabbakum warabba abaikumu alawwaleena	x	Allah, your Lord and the Lord of your first forefathers?"	37:126	अपने रब और अपने अगले बाप-दादा के रब, अल्लाह को!"	x
Fakaththaboohu fainnahum lamuhdaroona	x	And they denied him, so indeed, they will be brought [for punishment],	37:127	किन्तु उन्होंने उसे झुठला दिया। सौ वे निश्चय ही पकड़कर हाज़िर किए जाएँगे	x
Illa AAibada Allahi almukhlaseena	x	Except the chosen servants of Allah.	37:128	अल्लाह के बन्दों की बात और है, जिनको उसने चुन लिया है	x
Watarakna AAalayhi fee alakhireena	x	And We left for him [favorable mention] among later generations:	37:129	और हमने पीछे आनेवाली नस्लों में उसका अच्छा ज़िक्र छोड़ा	x
Salamun AAala il yaseena	x	"Peace upon Elias."	37:130	कि "सलाम है इलयास पर!"	x
Inna kathalika najzee almuhsineena	x	Indeed, We thus reward the doers of good.	37:131	निस्संदेह हम उत्तमकारों को ऐसा ही बदला देते है	x
Innahu min AAibadina almumineena	x	Indeed, he was of Our believing servants.	37:132	निश्चय ही वह हमारे ईमानवाले बन्दों में से था	x
Wainna lootan lamina almursaleena	x	And indeed, Lot was among the messengers.	37:133	और निश्चय ही लूत भी रसूलों में से था	x
Ith najjaynahu waahlahu ajmaAAeena	x	[So mention] when We saved him and his family, all,	37:134	याद करो, जब हमने उसे और उसके सभी लोगों को बचा लिया,	x
Illa AAajoozan fee alghabireena	**[Bible: She just looked back, not stayed with disbelievers.]**	Except his wife among those who remained [with the evildoers].	37:135	सिवाय एक बुढ़िया के, जो पीछे रह जानेवालों में से थी	**[बाइबिल: उसने बस पीछे मुड़कर देखा, अविश्वासियों के साथ नहीं रही।]**

Thumma dammarna alakhareena	x	Then We destroyed the others.	37:136	फिर दूसरों को हमने तहस-नहस करके रख दिया	x
Wainnakum latamurroona AAalayhim musbiheena	x	And indeed, you pass by them in the morning	37:137	और निस्संदेह तुम उनपर (उनके क्षेत्र) से गुज़रते हो कभी प्रातः करते हुए	x
Wabiallayli afala taAAqiloona	x	And at night. Then will you not use reason?	37:138	और रात में भी। तो क्या तुम बुद्धि से काम नहीं लेते?	x
Wainna yoonusa lamina almursaleena	Jonah (Yunus) also appears at 21:87 and 68:48 as Dhu'n-Nun, the "companion of the fish,"	And indeed, Jonah was among the messengers.	37:139	और निस्संदेह यूनुस भी रसूलो में से था	योना (यूनुस) का ज़िक्र 21:87 और 68:48 में भी 'ज़ुन-नून' के रूप में मिलता है, जिसका अर्थ है—"मछली का साथी"।
Ith abaqa ila alfulki almashhooni	This was because the ship was at risk of drowning, so they drew lots, and whoever lost would be thrown overboard so as to lighten the load. Jonh lost the draw three times, but they did not want to throw him overboard. He took off his garment so that he could throw himself into the sea, and they tried to stop him.	[Mention] when he ran away to the laden ship.	37:140	याद करो, जब वह भरी नौका की ओर भाग निकला,	ऐसा इसलिए था क्योंकि जहाज़ के डूबने का खतरा था, इसलिए उन्होंने पर्चियां डालीं, और जो कोई भी हारता, उसे जहाज़ का बोझ हल्का करने के लिए समुद्र में फेंक दिया जाता। यूनुस तीन बार पर्ची में हारे, लेकिन वे उसे समुद्र में फेंकना नहीं चाहते थे। उसने अपने कपड़े उतार दिए ताकि वह खुद को समुद्र में फेंक सके, और उन्होंने उसे रोकने की कोशिश की।
Fasahama fakana mina almudhadeena	Then a (big) fish swallowed him as he had done an act worthy of blame.	And he drew lots and was among the losers.	37:141	फिर पर्ची डालने में शामिल हुआ और उसमें मात खाई	तब एक (बड़ी) मछली ने उसे निगल लिया, क्योंकि उसने एक निंदनीय कार्य किया था।

Failtaqamahu alhootu wahuwa muleemun	Big fish swallowed Jonah with out cutting him or breaking his bones. **[How one can live without oxygen and in the acid juices in the stomach of the "fish". Also see 37:44 about Jonah.]**	Then the fish swallowed him, while he was blameworthy.	37:142	फिर उसे मछली ने निगल लिया और वह निन्दनीय दशा में ग्रस्त हो गया था।	बड़ी मछली ने यूनुस को बिना काटे या उसकी हड्डियाँ तोड़े निगल लिया। **[कैसे कोई ऑक्सीजन के बिना और "मछली" के पेट में एसिड जूस में रह सकता है। यूनुस के बारे में 37:44 भी देखें।]**
Falawla annahu kana mina	x	And had he not been of those who exalt Allah,	37:143	अब यदि वह तसबीह करनेवाला न होता	x
Lalabitha fee batnihi ila yawmi yubAAathoona	**[How the fish would have survived till Day of resurrection along with Jonah in its belly.]**	He would have remained inside its belly until the Day they are resurrected.	37:144	तो उसी के भीतर उस दिन तक पड़ा रह जाता, जबकि लोग उठाए जाएँगे।	**[मछली अपने पेट में यूनुस के साथ पुनरुत्थान के दिन तक कैसे जीवित रही होगी।]**
Fanabathnahu bialAAarai wahuwa saqeemun	**[Contradiction: 37:145, He was cast on the naked shore, 68:49 Allah saved him from being cast off.]**	But We threw him onto the open shore while he was ill.	37:145	अन्ततः हमने उसे इस दशा में कि वह निढ़ाल था, साफ़ मैदान में डाल दिया।	**[विरोधाभास: 37:145, उन्हें एक वीरान किनारे पर फेंक दिया गया; 68:49 अल्लाह ने उन्हें फेंके जाने से बचा लिया।]**
Waanbatna AAalayhi shajaratan min yaqteenin	**[A fairy tale and illogical claim.]**	And We caused to grow over him a gourd vine.	37:146	हमने उसपर बेलदार वृक्ष उगाया था	**[एक परी कथा और अतार्किक दावा।]**
Waarsalnahu ila miati alfin aw yazeedoona	It is as if he was commanded, after he came forth from the fish, to go back to those to whom he had been sent in the first place, and they all believed in him.	And We sent him to [his people of] a hundred thousand or more.	37:147	और हमने उसे एक लाख या उससे अधिक (लोगों) की ओर भेजा	ऐसा लगता है मानो मछली के पेट से बाहर आने के बाद उन्हें यह आदेश दिया गया हो कि वे उन्हीं लोगों के पास वापस जाएँ, जिनके पास उन्हें शुरू में भेजा गया था; और उन सभी ने उन पर विश्वास कर लिया।
Faamanoo famattaAAnahum ila heenin	**[In the Bible, they repent (Jonah 3:5), but here, they believe, which is the all-important act in the Quran, that of accepting the message.]**	And they believed, so We gave them enjoyment [of life] for a time.	37:148	फिर वे ईमान लाए तो हमने उन्हें एक अवधि कर सुख भोगने का अवसर दिया।	**[बाइबिल में, वे तौबा करते हैं (यूनुस 3:5), लेकिन यहाँ, वे विश्वास करते हैं, जो कुरान में सबसे ज़रूरी काम है, यानी संदेश को मानना।]**

Faistaftihim alirabbika albanatu walahumu albanoona	Here begins a polemic against the pagan Arabs who worshiped daughters of Allah.	So inquire of them, [O Muhammad], "Does your Lord have daughters while they have sons?	37:149	अब उनसे पूछो, "क्या तुम्हारे रब के लिए तो बेटियाँ हों और उनके अपने लिए बेटे?	यहाँ उन मूर्तिपूजक अरबों के विरुद्ध एक तीखी आलोचना शुरू होती है, जो अल्लाह की बेटियों की पूजा करते थे।
Am khalaqna almalaikata inathan wahum shahidoona	x	Or did We create the angels as females while they were witnesses?"	37:150	क्या हमने फ़रिश्तों को औरतें बनाया और यह उनकी आँखों देखी बात हैं?"	x
Ala innahum min ifkihim layaqooloona	x	Unquestionably, it is out of their [invented] falsehood that they say,	37:151	सुन लो, निश्चय ही वे अपनी मनघड़ंत कहते है	x
Walada Allahu wainnahum lakathiboona	x	" Allah has begotten," and indeed, they are liars.	37:152	कि "अल्लाह के औलाद हुई है!" निश्चय ही वे झूठे है।	x
Astafa albanati AAala albaneena	**[Mean, Why would Allah choose daughters over sons, While Arabs disliked daughter]**	Has He chosen daughters over sons?	37:153	क्या उसने बेटों की अपेक्षा बेटियाँ चुन ली है?	**[मतलब, अल्लाह ने बेटों के बजाय बेटियों को क्यों चुना, जबकि अरबों को बेटियाँ पसंद नहीं थीं]**
Ma lakum kayfa tahkumoona	x	What is [wrong] with you? How do you make judgement?	37:154	तुम्हें क्या हो गया है? तुम कैसा फ़ैसला करते हो?	x
Afala tathakkaroona	x	Then will you not be reminded?	37:155	तो क्या तुम होश से काम नहीं लेते?	x
Am lakum sultanun mubeenun	x	Or do you have a clear authority?	37:156	क्या तुम्हारे पास कोई स्पष्ट प्रमाण है?	x
Fatoo bikitabikum in kuntum sadiqeena	x	Then produce your scripture, if you should be truthful.	37:157	तो लाओ अपनी किताब, यदि तुम सच्चे हो	x

WajaAAaloo baynahu wabayna aljinnati nasaban walaqad AAalimati aljinnatu innahum lamuhdaroona	The idolators said that the angels were the daughters of Allah. Abu Bakr said, Then who are their mothers? They said, The daughters of the leaders of the Jinn.	And they have claimed between Him and the jinn a lineage, but the jinn have already known that they [who made such claims] will be brought to [punishment].	37:158	उन्होंने अल्लाह और जिन्नों के बीच नाता जोड़ रखा है, हालाँकि जिन्नों को भली-भाँति मालूम है कि वे अवश्य पकड़कर हाज़िर किए जाएँगे-	मूर्ति-पूजकों ने कहा कि फ़रिश्ते अल्लाह की बेटियाँ हैं। अबू बक्र ने पूछा, "तो फिर उनकी माताएँ कौन हैं?" उन्होंने उत्तर दिया, "जिन्नों के सरदारों की बेटियाँ।"
Subhana Allahi AAamma yasifoona	x	Exalted is Allah above what they describe,	37:159	महान और उच्च है अल्लाह उससे, जो वे बयान करते है। -	x
Illa AAibada Allahi almukhlaseena	x	Except the chosen servants of Allah [who do not share in that sin].	37:160	अल्लाह के उन बन्दों की बात और है, जिन्हें उसने चुन लिया	x
Fainnakum wama taAAbudoona	x	So indeed, you [disbelievers] and whatever you worship,	37:161	अतः तुम और जिनको तुम पूजते हो वे,	x
Ma antum AAalayhi bifatineena	**[Some muslims leave Islam, that why apostasy law is needed to penalize such individuals. Blasphemy is a crime in many Islamic countries and anti-islamic websites are banned.]**	You cannot tempt [anyone] away from Him	37:162	तुम सब अल्लाह के विरुद्ध किसी को बहका नहीं सकते,	**[कुछ मुसलमान इस्लाम छोड़ देते हैं, इसलिए ऐसे लोगों को सज़ा देने के लिए धर्मत्याग कानून की ज़रूरत होती है। कई इस्लामिक देशों में ईशनिंदा एक जुर्म है और इस्लाम विरोधी वेबसाइट्स पर बैन है।]**
Illa man huwa sali aljaheemi	x	Except he who is to [enter and] burn in the Hellfire.	37:163	सिवाय उसके जो जहन्नम की भड़कती आग में पड़ने ही वाला हो	x

Wama minna illa lahu maqamun maAAloomun	meaning, each Angel has his own place in the heavens and in the places of worship, which he does not overstep. The disbelievers have told a lie that Angels are daughters of Allah. **[Here Angels are talking about error of Meccan, that at least means the Quran cannot have existed since eternity, as believed by Muslims to be preserved tablet in heaven.]**	[The angels say], "There is not among us any except that he has a known position.	37:164	और हमारी ओर से उसके लिए अनिवार्यतः एक ज्ञात और नियत स्थान है	मतलब, हर फ़रिश्ते की आसमान और इबादत की जगहों में अपनी जगह है, जिसे वह लांघ नहीं सकता। नास्तिकों ने झूठ बोला है कि फ़रिश्ते अल्लाह की बेटियां हैं। **[यहां फ़रिश्ते मक्कावासियों की गलती के बारे में बात कर रहे हैं, इसका कम से कम यह मतलब है कि कुरान हमेशा से मौजूद नहीं हो सकता, जैसा कि मुसलमान मानते हैं कि यह आसमान में रखी हुई तख्ती है।]**
Wainna lanahnu alssaffoona	x	And indeed, we are those who line up [for prayer].	37:165	और हम ही पंक्तिबद्ध करते है।	x
Wainna lanahnu almusabbihoona	x	And indeed, we are those who exalt Allah."	37:166	और हम ही महानता बयान करते है	x
Wain kanoo layaqooloona	x	And indeed, the disbelievers used to say,	37:167	वे तो कहा करते थे,	x
Law anna AAindana thikran mina alawwaleena	x	"If we had a message from [those of] the former peoples,	37:168	"यदि हमारे पास पिछलों की कोई शिक्षा होती	x
Lakunna AAibada Allahi	x	We would have been the chosen servants of Allah."	37:169	तो हम अल्लाह के चुने हुए बन्दे होते।"	x
Fakafaroo bihi fasawfa yaAAlamoona	x	But they disbelieved in it, so they are going to know.	37:170	किन्तु उन्होंने इनकार कर दिया, तो अब जल्द ही वे जान लेंगे	x
Walaqad sabaqat kalimatuna liAAibadina almursaleena	x	And Our word has already preceded for Our servants, the messengers,	37:171	और हमारे अपने उन बन्दों के हक़ में, जो रसूल बनाकर भेजे गए, हमारी बात पहले ही निश्चित हो चुकी है	x

Innahum lahumu almansooroona	x	[That] indeed, they would be those given victory	37:172	कि निश्चय ही उन्हीं की सहायता की जाएगी।	x
Wainna jundana lahumu alghaliboona	Allah’s forces (the believers) which will be victorious over the unbelievers in this world. If some of them are not victorious in this world, they will be in the Next World. See 9:14, 9:111.	And [that] indeed, Our soldiers will be those who overcome.	37:173	और निश्चय ही हमारी सेना ही प्रभावी रहेगी	अल्लाह की सेनाएँ (यानी मोमिन), जो इस दुनिया में काफ़िरों पर विजयी होंगी। यदि उनमें से कुछ इस दुनिया में विजयी नहीं होते, तो वे अगली दुनिया में अवश्य विजयी होंगे। देखें: 9:14, 9:111.
Fatawalla AAanhum hatta heenin	x	So, [O Muhammad], leave them for a time.	37:174	अतः एक अवधि तक के लिए उनसे रुख़ फेर लो	x
Waabsirhum fasawfa yubsiroona	x	And see [what will befall] them, for they are going to see.	37:175	और उन्हें देखते रहो। वे भी जल्द ही (अपना परिणाम) देख लेंगे	x
AfabiAAathabina yastaAAjiloona	x	Then for Our punishment are they impatient?	37:176	क्या वे हमारी यातना के लिए जल्दी मचा रहे हैं?	x
Faitha nazala bisahatihim fasaa sabahu almunthareena	This verse was revealed on occasion of siege of Khaybar. During this Safiya bint Huyy was capture and her husand Kinana was killed. Safiya's father was killed at seige of Banu Qurayza. The prophet then married her. Sahih Muslim 3500, 3501, Sahih Bukhari 371, 974, 2235, 2893; Abi Dawud 2995	But when it descends in their territory, then evil is the morning of those who were warned.	37:177	तो जब वह उनके आँगन में उतरेगी तो बड़ी ही बुरी सुबह होगी उन लोगों की, जिन्हें सचेत किया जा चुका है!	यह आयत खैबर के घेराव के अवसर पर नाज़िल हुई थी। इस दौरान सफ़िया बिंत हुय्य को बंदी बना लिया गया और उनके पति किनाना को मार दिया गया। सफ़िया के पिता बनू कुरैज़ा के घेराव के समय मारे गए थे। इसके बाद पैगंबर ने उनसे निकाह कर लिया। सहीह मुस्लिम 3500, 3501; सहीह बुखारी 371, 974, 2235, 2893; अबी दाऊद 2995।
Watawalla AAanhum hatta	x	And leave them for a time.	37:178	एक अवधि तक के लिए उनसे रुख़ फेर लो	x
Waabsir fasawfa yubsiroona	x	And see, for they are going to see.	37:179	और देखते रहो, वे जल्द ही देख लेंगे	x

Subhana rabbika rabbi alAAizzati AAamma yasifoona	**[Allah is boasting of Himself.]**	Exalted is your Lord, the Lord of might, above what they describe.	37:180	महान और उच्च है तुम्हारा रब, प्रताप का स्वामी, उन बातों से जो वे बताते है!	**[अल्लाह अपने बारे में डींगें मार रहा है।]**
Wasalamun AAala almursaleena	**[Allah is sending blessings on His Messenger.]**	And peace upon the messengers.	37:181	और सलाम है रसूलों पर;	**[अल्लाह अपने रसूल पर रहमतें भेज रहा है।]**
Waalhamdu lillahi rabbi alAAalameena	x	And praise to Allah, Lord of the worlds.	37:182	और सब प्रशंसा अल्लाह, सारे संसार के रब के लिए है	x
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Saad (Mysterious Arabic Letter)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**38:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**साअद (रहस्यमय अरबी अक्षर)**
Sad waalqurani thee alththikri	x	Sad. By the Qur'an containing reminder...	38:1	साद। क़सम है, याददेहानी-वाले क़ुरआन की (जिसमें कोई कमी नहीं कि धर्मविरोधी सत्य को न समझ सकें)	x
Bali allatheena kafaroo fee AAizzatin	**[Muslims are also very proud people, full of confidence.]**	But those who disbelieve are in pride and dissension.	38:2	बल्कि जिन्होंने इनकार किया वे गर्व और विरोध में पड़े हुए है	**[मुस्लिम भी बहुत गर्वीले लोग हैं, आत्मविश्वास से भरे हुए।]**
Kam ahlakna min qablihim min qarnin fanadaw walata heena manasin	Refers to destroyed civlizations.	How many a generation have We destroyed before them, and they [then] called out; but it was not a time for escape.	38:3	उनसे पहले हमने कितनी ही पीढ़ियों को विनष्ट किया, तो वे लगे पुकारने। किन्तु वह समय हटने-बचने का न था	नष्ट पीढ़ियों को संदर्भित करता है।

WaAAajiboo an jaahum munthirun minhum waqala alkafiroona hatha sahirun kaththabun	**[Another man named Musaylima from the tribe of Banu Hanifa claimed prophethood during the time of Prophet Muhammad (pbuh) and he referred to him as "al-Kadhdhab" (the liar); Basically the custodians of an established religion never accepts the claim of divinity by a new person.]**	And they wonder that there has come to them a warner from among themselves. And the disbelievers say, "This is a magician and a liar.	38:4	उन्होंने आश्चर्य किया इसपर कि उनके पास उन्हीं में से एक सचेतकर्ता आया और इनकार करनेवाले कहने लगे, "यह जादूगर है बड़ा झूठा	**[बनू हनीफा कबीले के एक और व्यक्ति मुसैलीमा ने पैगंबर मुहम्मद (स.) के समय में पैगंबर होने का दावा किया और उन्होंने उसे "अल-क़ज़्ज़ाब" (झूठा) कहा; मूलतः एक स्थापित धर्म के संरक्षक कभी भी एक नए व्यक्ति के दिव्यता के दावे को स्वीकार नहीं करते।]**
AjaAAala alalihata ilahan wahidan inna hatha lashayon AAujabun	The Quraysh complained to Abu Talib about the Prophet. Abu Talib said to the Prophet: 'Son of my brother, what is it that you want from your own people?' He said: 'O uncle, I want from them one word by means of which all the Arabs will surrender to them and all the non-Arabs will pay exemption tax to them'. 'What is this word?' he asked. He said: 'There is no deity except Allah'. The Quraysh exclaimed: 'Does he make the gods One God?' The verses were then revealed	Has he made the gods [only] one God? Indeed, this is a curious thing."	38:5	क्या उसने सारे उपास्यों को अकेला एक उपास्य ठहरा दिया? निस्संदेह यह तो बहुत अचम्भेवाली चीज़ है!"	कुरैश ने पैगंबर के बारे में अबू तालिब से शिकायत की। अबू तालिब ने पैगंबर से कहा: 'मेरे भाई के बेटे, तुम अपने ही लोगों से क्या चाहते हो?' उन्होंने कहा: 'अंकल, मैं उनसे एक शब्द चाहता हूँ जिसके माध्यम से सारी अरब जनता उन पर समर्पण कर दे और सारी गैर-अरब जनता उन्हें जकात (मुक्ति कर) दे।' उन्होंने पूछा: 'यह शब्द क्या है?' उन्होंने कहा: 'अल्लाह के सिवा कोई उपास्य नहीं।' कुरैश ने कहा: 'क्या वह देवताओं को एक ईश्वर बनाता है?' इसके बाद उनके बारे में आयतें 38:1-7 का खुलासा हुआ।

Waintalaqa almalao minhum ani imshoo waisbiroo AAala alihatikum inna hatha lashayon yuradu	x	And the eminent among them went forth, [saying], "Continue, and be patient over [the defense of] your gods. Indeed, this is a thing intended.	38:6	और उनके सरदार (यह कहते हुए) चल खड़े हुए कि "चलते रहो और अपने उपास्यों पर जमें रहो। निस्संदेह यह वांछिच चीज़ है	x
Ma samiAAna bihatha fee almillati alakhirati in hatha illa ikhtilaqun	Quraysh said: We have not heard of Quran from the lastest religion known to us (meaning Christianity).	We have not heard of this in the latest religion. This is not but a fabrication.	38:7	यह बात तो हमने पिछले धर्म में सुनी ही नहीं। यह तो बस मनघड़त है	कुरैश ने कहा: हमने हमें ज्ञात आखिरी धर्म (जिसका मतलब है ईसाई धर्म) से कुरान के बारे में नहीं सुना।
Aonzila AAalayhi alththikru min baynina bal hum fee shakkin min thikree bal lamma yathooqoo AAathabi	x	Has the message been revealed to him out of [all of] us?" Rather, they are in doubt about My message. Rather, they have not yet tasted My punishment.	38:8	क्या हम सबमें से (चुनकर) इसी पर अनुस्मृति अवतरित हुई है?" नहीं, बल्कि वे मेरी अनुस्मृति के विषय में संदेह में है, बल्कि उन्होंने अभी तक मेरी यातना का मज़ा चखा ही नहीं है	x
Am AAindahum khazainu rahmati rabbika alAAazeezi alwahhabi	x	Or do they have the depositories of the mercy of your Lord, the Exalted in Might, the Bestower?	38:9	या, तेरे प्रभुत्वशाली, बड़े दाता रब की दयालुता के ख़ज़ाने उनके पास है?	x
Am lahum mulku alssamawati waalardi wama baynahuma falyartaqoo fee alasbabi	**[Unjust demands on Non-Muslims, while prophet (pbuh) was unable to produce any Miracles to them.]**	Or is theirs the dominion of the heavens and the earth and what is between them? Then let them ascend through [any] ways of access.	38:10	या, आकाशों और धरती और जो कुछ उनके बीच है, उन सबकी बादशाही उन्हीं की है? फिर तो चाहिए कि वे रस्सियों द्वारा ऊपर चढ़ जाए	**[गैर-मुस्लिमों पर अन्यायपूर्ण मांगें, जबकि नबी (स.) उनके लिए कोई चमत्कार पेश करने में असमर्थ थे।]**

Jundun ma hunalika mahzoomun mina alahzabi	Allah says that the actual reason for people's denial is not any defect in the Quran but their own arrogance, jealousy and insistence on following the blind. See 2:18.	[They are but] soldiers [who will be] defeated there among the companies [of disbelievers].	38:11	वह एक साधारण सेना है (विनष्ट होनेवाले) दलों में से, वहाँ मात खाना जिसकी नियति है	अल्लाह कहते हैं कि लोगों के इनकार का वास्तविक कारण कुरआन में कोई कमी नहीं बल्कि उनकी अपनी अहंकार, ईर्ष्या और अंधों का पालन करने की जिद है। देखें 2:18।
Kaththabat qablahum qawmu noohin waAAadun wafirAAawnu thoo alawtadi	x	The people of Noah denied before them, and [the tribe of] 'Aad and Pharaoh, the owner of stakes,	38:12	उनसे पहले नूह की क़ौम और आद और मेखोंवाले फ़िरऔन ने झुठलाया	x
Wathamoodu waqawmu lootin waashabu alaykati olaika alahzabu	x	And [the tribe of] Thamud and the people of Lot and the companions of the thicket. Those are the companies.	38:13	और समूद और लूत की क़ौम और 'ऐकावाले' भी, ये है वे दल	x
In kullun illa kaththaba alrrusula fahaqqa AAiqabi	x	Each of them denied the messengers, so My penalty was justified.	38:14	उनमें से प्रत्येक ने रसूलों को झुठलाया, तो मेरी ओर से दंड अवश्यम्भावी होकर रहा	x
Wama yanthuru haolai illa sayhatan wahidatan ma laha min fawaqin	x	And these [disbelievers] await not but one blast [of the Horn]; for it there will be no delay.	38:15	इन्हें बस एक चीख की प्रतीक्षा है जिसमें तनिक भी अवकाश न होगा	x
Waqaloo rabbana AAajjil lana qittana qabla yawmi alhisabi	x	And they say, "Our Lord, hasten for us our share [of the punishment] before the Day of Account"	38:16	वे कहते है, "ऐ हमारे रब! हिसाब के दिन से पहले ही शीघ्र हमारा हिस्सा दे दे।"	x

Isbir AAala ma yaqooloona waothkur AAabdana dawooda tha alaydi innahu awwabun	x	Be patient over what they say and remember Our servant, David, the possessor of strength; indeed, he was one who repeatedly turned back [to Allah].	38:17	वे जो कुछ कहते है उसपर धैर्य से काम लो और ज़ोर व शक्तिवाले हमारे बन्दे दाऊद को याद करो। निश्चय ही वह (अल्लाह की ओर) बहुत रुजू करनेवाला था	x
Inna sakhkharna aljibala maAAahu yusabbihna bialAAashiyyi waalishraqi	**[The mountains praise Allah.]**	Indeed, We subjected the mountains [to praise] with him, exalting [Allah] in the [late] afternoon and [after] sunrise.	38:18	हमने पर्वतों को उसके साथ वशीभूत कर दिया था कि प्रातःकाल और सन्ध्य समय तसबीह करते रहे।	**[पहाड़ अल्लाह की स्तुति करते हैं।]**
Waalttayra mahshooratan kullun lahu awwabun	**[Even the birds assemble to sing praise of Allah.**	And the birds were assembled, all with him repeating [praises].	38:19	और पक्षियों को भी, जो एकत्र हो जाते थे। प्रत्येक उसके आगे रुजू रहता	**[यहाँ तक कि पक्षी भी अल्लाह की स्तुति करने के लिए इकट्ठा होते हैं।]**
Washadadna mulkahu waataynahu alhikmata wafasla alkhitabi	x	And We strengthened his kingdom and gave him wisdom and discernment in speech.	38:20	हमने उसका राज्य सुदृढ़ कर दिया था और उसे तत्वदर्शिता प्रदान की थी और निर्णायक बात कहने की क्षमता प्रदान की थी	x
Wahal ataka nabao alkhasmi ith tasawwaroo almihraba	x	And has there come to you the news of the adversaries, when they climbed over the wall of [his] prayer chamber -	38:21	और क्या तुम्हें उन विवादियों की ख़बर पहुँची है? जब वे दीवार पर चढ़कर मेहराब (एकान्त कक्ष) मे आ पहुँचे	x

Ith dakhaloo AAala dawooda fafaziAAa minhum qaloo la takhaf khasmani bagha baAAduna AAala baAAdin faohkum baynana bialhaqqi wala tushtit waihdina ila sawai alssirati	x	When they entered upon David and he was alarmed by them? They said, "Fear not. [We are] two adversaries, one of whom has wronged the other, so judge between us with truth and do not exceed [it] and guide us to the sound path.	38:22	जब वे दाऊद के पास पहुँचे तो वह उनसे सहम गया। वे बोले, "डरिए नहीं, हम दो विवादी हैं। हममें से एक ने दूसरे पर ज़्यादती की है; तो आप हमारे बीच ठीक-ठीक फ़ैसला कर दीजिए। और बात को दूर न डालिए और हमें ठीक मार्ग बता दीजिए	x
Inna hatha akhee lahu tisAAun watisAAoona naAAjatan waliya naAAjatun wahidatun faqala akfilneeha waAAazzanee fee	Ewe is a female sheep.	Indeed this, my brother, has ninety-nine ewes, and I have one ewe; so he said, 'Entrust her to me,' and he overpowered me in speech."	38:23	यह मेरा भाई है। इसके पास निन्यानबे दुंबियाँ है और मेरे पास एक दुंबी है। अब इसका कहना है कि इसे भी मुझे सौप दे और बातचीत में इसने मुझे दबा लिया।"	दुंबियाँ = भेड़ का एक प्रकार

Qala laqad thalamaka bisuali naAAjatika ila niAAajihi wainna katheeran mina alkhulatai layabghee baAAduhum AAala baAAdin illa allatheena amanoo waAAamiloo alssalihati waqaleelun ma hum wathanna dawoodu annama fatannahu faistaghfara rabbahu wakharra rakiAAan waanaba	David “realised with certainty that Allah had put him to the test meaning that he had fallen into affliction because of his love for a woman. He begged forgiveness from his Lord and fell down prone, prostrating, and repented.”	[David] said, "He has certainly wronged you in demanding your ewe [in addition] to his ewes. And indeed, many associates oppress one another, except for those who believe and do righteous deeds - and few are they." And David became certain that We had tried him, and he asked forgiveness of his Lord and fell down bowing [in prostration] and turned in repentance [to Allah].	38:24	उसने कहा, "इसने अपनी दुंबियों के साथ तेरी दुंबी को मिला लेने की माँग करके निश्चय ही तुझपर ज़ुल्म किया है। और निस्संदेह बहुत-से साथ मिलकर रहनेवाले एक-दूसरे पर ज़्यादती करते है, सिवाय उन लोगों के जो ईमान लाए और उन्होंने अच्छे कर्म किए। किन्तु ऐसे लोग थोड़े ही है।" अब दाऊद समझ गया कि यह तो हमने उसे परीक्षा में डाला है। अतः उसने अपने रब से क्षमा-याचना की और झुककर (सीधे सजदे में) गिर पड़ा और रुजू हुआ	डेविड ने सुनिश्चित रूप से महसूस किया कि अल्लाह ने उन्हें परखने के लिए परीक्षा में डाला है, इसका मतलब है कि वह किसी महिला के प्रति अपने प्रेम के कारण विपत्ति में पड़ गए थे। उन्होंने अपने पालनहार से क्षमा मांगिए और चादर पर गिर पड़े, सप्रसाद होकर सजदा किया और पश्चाताप किया।
Faghafarna lahu thalika wainna lahu AAindana lazulfa wahusna maabin	x	So We forgave him that; and indeed, for him is nearness to Us and a good place of return.	38:25	तो हमने उसका वह क़सूर माफ़ कर दिया। और निश्चय ही हमारे यहाँ उसके लिए अनिवार्यतः सामीप्य और उत्तम ठिकाना है	x

Ya dawoodu inna jaAAalnaka khaleefatan fee alardi faohkum bayna alnnasi bialhaqqi wala tattabiAAi alhawa fayudillaka AAan sabeeli Allahi inna allatheena yadilloona AAan sabeeli Allahi lahum AAathabun	x	[We said], "O David, indeed We have made you a successor upon the earth, so judge between the people in truth and do not follow [your own] desire, as it will lead you astray from the way of Allah." Indeed, those who go astray from the way of Allah will have a severe punishment for having forgotten the Day of	38:26	"ऐ दाऊद! हमने धरती में तुझे ख़लीफ़ा (उत्तराधिकारी) बनाया है। अतः तू लोगों के बीच हक़ के साथ फ़ैसला करना और अपनी इच्छा का अनुपालन न करना कि वह तुझे अल्लाह के मार्ग से भटका दे। जो लोग अल्लाह के मार्ग से भटकते है, निश्चय ही उनके लिए कठोर यातना है, क्योंकि वे हिसाब के दिन को भूले रहे।-	x
Wama khalaqna alssamaa waalarda wama baynahuma batilan thalika thannu allatheena kafaroo fawaylun lillatheena kafaroo mina alnnari	x	And We did not create the heaven and the earth and that between them aimlessly. That is the assumption of those who disbelieve, so woe to those who disbelieve from the Fire.	38:27	हमने आकाश और धरती को और जो कुछ उनके बीच है, व्यर्थ नहीं पैदा किया। यह तो उन लोगों का गुमान है जिन्होंने इनकार किया। अतः आग में झोंके जाने के कारण इनकार करनेवालों की बड़ी दुर्गति है	x

Am najAAalu allatheena amanoo waAAamiloo alssalihati kaalmufsideena fee alardi am najAAalu almuttaqeena kaalfujjari	**[The disbelievers are corrupters and wicked.]**	Or should we treat those who believe and do righteous deeds like corrupters in the land? Or should We treat those who fear Allah like the wicked?	38:28	(क्या हम उनको जो समझते है कि जगत की संरचना व्यर्थ नहीं है, उनके समान कर देंगे जो जगत को निरर्थक मानते है।) या हम उन लोगों को जो ईमान लाए और उन्होंने अच्छे कर्म किए, उनके समान कर देंगे जो धरती में बिगाड़ पैदा करते है; या डर रखनेवालों को हम दुराचारियों जैसा कर देंगे?	**[काफ़िर भ्रष्ट और दुष्ट हैं।]**
Kitabun anzalnahu ilayka mubarakun liyaddabbaroo ayatihi waliyatathakkara oloo alalbabi	x	[This is] a blessed Book which We have revealed to you, [O Muhammad], that they might reflect upon its verses and that those of understanding would be reminded.	38:29	यह एक इसकी आयतों पर सोच-विचार करें और ताकि बुद्धि और समझवाले इससे शिक्षा ग्रहण करें।-	x
Wawahabna lidawooda sulaymana niAAma alAAabdu innahu awwabun	x	And to David We gave Solomon. An excellent servant, indeed he was one repeatedly turning back [to Allah].	38:30	और हमने दाऊद को सुलैमान प्रदान किया। वह कितना अच्छा बन्दा था! निश्चय ही वह बहुत ही रुजू रहनेवाला था।	x
Ith AAurida AAalayhi bialAAashiyyi alssafinatu aljiyadu	Regarding Solomon's horses.	[Mention] when there were exhibited before him in the afternoon the poised [standing] racehorses.	38:31	याद करो, जबकि सन्ध्या समय उसके सामने सधे हुए द्रुतगामी घोड़े हाज़िर किए गए	सुलैमान के घोड़ों के बारे में।

Faqala innee ahbabtu hubba alkhayri AAan thikri rabbee hatta tawarat bialhijabi	Ibn Kathir: Solomon was so busy looking at the horses that he missed a prayer. Then he realized his mistake.	And he said, "Indeed, I gave preference to the love of good [things] over the remembrance of my Lord until the sun disappeared into the curtain [of darkness]."	38:32	तो उसने कहा, "मैंने इनके प्रति प्रेम अपने रब की याद के कारण अपनाया है।" यहाँ तक कि वे (घोड़े) ओट में छिप गए	इब्न क़थीर: सुलैमान घोड़ों को देखने में इतने व्यस्त थे कि उन्होंने एक नमाज़ से चूक गए। फिर उन्हें अपनी गलती का एहसास हुआ।
Ruddooha AAalayya fatafiqa mashan bialssooqi waalaAAnaqi	Then he took his sword and started slashing the legs and necks of horses.**[Why hurting the innocent animals for own mistake.]**	[He said], "Return them to me," and set about striking [their] legs and necks.	38:33	"उन्हें मेरे पास वापस लाओ!" फिर वह उनकी पिंडलियों और गरदनों पर हाथ फेरने लगा	असल में उसने अपनी तलवार ली और घोड़ों के पैरों और गर्दन को काट दिया। **[अपनी गलती के लिए निर्दोष जानवरों को चोट क्यों पहुँचाया जा रहा है।]**

Walaqad fatanna sulaymana waalqayna AAala kursiyyihi jasadan thumma anaba	That came about because he married a woman he was passionately in love with and she used to worship an idol secretly. The power over his kingdom resided in his signet ring. He removed it once when he went to the lavatory and left it with his wife. A jinn came in the form of Suleyman and took it from her. He sat on the throne of Suleyman and the birds and other creatures devoted themselves to him. Suleyman came out looking different from his normal appearance and saw him on his throne. He said to the people, ‘I am Suleyman,’ but they did not recognise him. Then he repented to Allah. Then after some days Suleyman was restored to his kingdom.	And We certainly tried Solomon and placed on his throne a body; then he returned.	38:34	निश्चय ही हमने सुलैमान को भी परीक्षा में डाला। और हमने उसके तख़्त पर एक धड़ डाल दिया। फिर वह रुजू हुआ	ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि उन्होंने उस महिला से शादी की जिससे वह जुनून की तरह प्यार करते थे और वह छिपकर एक मूर्ति की पूजा करती थी। उनके राज्य पर शक्ति उसकी अंगूठी में निहित थी। वह एक बार जब शौचालय गए तो उन्होंने इसे हटा दिया और अपनी पत्नी के पास छोड़ दिया। एक जिन्न सुलैमान के रूप में आया और इसे उससे ले लिया। वह सुलैमान के सिंहासन पर बैठ गया और पक्षी और अन्य जीव उससे समर्पित हो गए। सुलैमान अपने सामान्य रूप से अलग दिखते हुए बाहर आए और उन्हें अपने सिंहासन पर देखा। उन्होंने लोगों से कहा, 'मैं सुलैमान हूँ,' लेकिन उन्होंने उसे नहीं पहचाना। फिर उसने अल्लाह से तौबा की। कुछ दिनों बाद सुलैमान अपने राज्य में बहाल किए गए।
Qala rabbi ighfir lee wahab lee mulkan la yanbaghee liahadin min baAAdee innaka anta alwahhabu	x	He said, "My Lord, forgive me and grant me a kingdom such as will not belong to anyone after me. Indeed, You are the Bestower."	38:35	उसने कहा, "ऐ मेरे रब! मुझे क्षमा कर दे और मुझे वह राज्य प्रदान कर, जो मेरे पश्चात किसी के लिए शोभनीय न हो। निश्चय ही तू बड़ा दाता है।"	x

Fasakhkharna lahu alrreeha tajree biamrihi rukhaan haythu asaba	**[34:12, 38:36 King Solomon could control the wind.]**	So We subjected to him the wind blowing by his command, gently, wherever he directed,	38:36	तब हमने वायु को उसके लिए वशीभूत कर दिया, जो उसके आदेश से, जहाँ वह पहुँचना चाहता, सरलतापूर्वक चलती थी	**[34:12, 38:36 राजा सुलैमान हवा को नियंत्रित कर सकते थे।]**
Waalshshayateena kulla bannain waghawwasin	**[All Devils used to work for King Solomon; There it is no such mention anywhere in Bible. Similar claim in 21:82.]**	And [also] the devils [of jinn] - every builder and diver	38:37	और शैतानों को भी (वशीभुत कर दिया), प्रत्येक निर्माता और ग़ोताख़ोर को	**[सभी शैतान राजा सुलैमान के लिए काम करते थे; बाइबल में कहीं भी ऐसा उल्लेख नहीं है। 21:82 में समान दावा।]**
Waakhareena muqarraneena fee alasfadi	x	And others bound together in shackles.	38:38	और दूसरों को भी जो ज़ंजीरों में जकड़े हुए रहत	x
Hatha AAataona faomnun aw amsik bighayri hisabin	x	[We said], "This is Our gift, so grant or withhold without account."	38:39	"यह हमारी बेहिसाब देन है। अब एहसान करो या रोको।"	x
Wainna lahu AAindana lazulfa wahusna maabin	x	And indeed, for him is nearness to Us and a good place of return.	38:40	और निश्चय ही हमारे यहाँ उसके लिए अनिवार्यतः समीप्य और उत्तम ठिकाना है	x
Waothkur AAabdana ayyooba ith nada rabbahu annee massaniya alshshaytanu binusbin	**[How can satan cause hardship and torment.]**	And remember Our servant Job, when he called to his Lord, "Indeed, Satan has touched me with hardship and torment."	38:41	हमारे बन्दे अय्यूब को भी याद करो, जब उसने अपने रब को पुकारा कि "शैतान ने मुझे दुख और पीड़ा पहुँचा रखी है।"	**[शैतान किस प्रकार कठिनाई और पीड़ा पैदा कर सकता है।]**
Orkud birijlika hatha mughtasalun baridun washarabun	**[Water comes from earth just by hitting it.]**	[So he was told], "Strike [the ground] with your foot; this is a [spring for] a cool bath and drink."	38:42	"अपना पाँव (धरती पर) मार, यह है ठंडा (पानी) नहाने को और पीने को।"	**[पानी पाँव से मारने से धरती से आता है।]**

Wawahabna lahu ahlahu wamithlahum maAAahum rahmatan minna wathikra liolee alalbabi	Job “got angry with his wife and was upset about something she had done, so he swore an oath that if Allah healed him, he would strike her with one hundred blows. When Allah healed him, how could His mercy be repaid with a beating. So Allah showed him a way out, which was to take a bundle of thin grass, with one hundred stems, and hit her with it once. Thus he fulilled his oath and avoided breaking his vow.” On wife beating see 4:34.	And We granted him his family and a like [number] with them as mercy from Us and a reminder for those of understanding.	38:43	और हमने उसे उसके परिजन दिए और उनके साथ वैसे ही और भी; अपनी ओर से दयालुता के रूप में और बुद्धि और समझ रखनेवालों के लिए शिक्षा के रूप में।	अय्यूब अपनी पत्नी पर नाराज हुए और किसी काम को लेकर परेशान थे जो उसने किया था, इसलिए उन्होंने कसम खाई कि अगर अल्लाह उन्हें ठीक कर दे तो वह उसे एक सौ वार मारेंगे। जब अल्लाह ने उन्हें ठीक कर दिया, तो उसकी दया को मारपीट से कैसे चुकाया जा सकता था। इसलिए अल्लाह ने उन्हें एक रास्ता दिखाया, और वह था एक गुच्छा पतली घास का लेना, जिसमें एक सौ तने हों, और उसे केवल एक बार मारना। इस प्रकार उन्होंने अपनी कसम पूरी की और अपना वचन तोड़ने से बच गए। पत्नी को पीटने के बारे में देखें 4:34।
Wakhuth biyadika dighthan faidrib bihi wala tahnath inna wajadnahu sabiran niAAma alAAabdu innahu awwabun	**[Allah allows prophets to dilute their oath.]**	[We said], "And take in your hand a bunch [of grass] and strike with it and do not break your oath." Indeed, We found him patient, an excellent servant. Indeed, he was one repeatedly turning back [to Allah].	38:44	"और अपने हाथ में तिनकों का एक मुट्ठा ले और उससे मार और अपनी क़सम न तोड़।" निश्चय ही हमने उसे धैर्यवान पाया, क्या ही अच्छा बन्दा! निस्संदेह वह बड़ा ही रुजू रहनेवाला था	**[अल्लाह नबियों को उनके कसम को कमजोर करने की अनुमति देता है।]**
Waothkur AAibadana ibraheema waishaqa wayaAAqooba olee alaydee waalabsari	x	And remember Our servants, Abraham, Isaac and Jacob - those of strength and [religious] vision.	38:45	हमारे बन्दों, इबराहीम और इसहाक़ और याक़ूब को भी याद करो, जो हाथों (शक्ति) और निगाहोंवाले (ज्ञान-चक्षुवाले) थे	x

Inna akhlasnahum bikhalisatin thikra alddari	x	Indeed, We chose them for an exclusive quality: remembrance of the home [of the Hereafter].	38:46	निस्संदेह हमने उन्हें एक विशिष्ट बात के लिए चुन लिया था और वह वास्तविक घर (आख़िरत) की याद थी	x
Wainnahum AAindana lamina almustafayna alakhyari	x	And indeed they are, to Us, among the chosen and outstanding.	38:47	और निश्चय ही वे हमारे यहाँ चुने हुए नेक लोगों में से है	x
Waothkur ismaAAeela wailyasaAAa watha alkifli wakullun mina alakhyari	x	And remember Ishmael, Elisha and Dhul-Kifl, and all are among the outstanding.	38:48	इसमाईल और अल-यसअ और ज़ुलकिफ़्ल को भी याद करो। इनमें से प्रत्येक ही अच्छा रहा है	x
Hatha thikrun wainna lilmuttaqeena	x	This is a reminder. And indeed, for the righteous is a good place of return	38:49	यह एक अनुस्मृति है। और निश्चय ही डर रखनेवालों के लिए अच्छा ठिकाना है	x
Jannati AAadnin mufattahatan lahumu alabwabu	x	Gardens of perpetual residence, whose doors will be opened to them.	38:50	सदैव रहने के बाग़ है, जिनके द्वार उनके लिए खुले होंगे	x
Muttakieena feeha yadAAoona feeha bifakihatin katheeratin washarabin	x	Reclining within them, they will call therein for abundant fruit and drink.	38:51	उनमें वे तकिया लगाए हुए होंगे। वहाँ वे बहुत-से मेवे और पेय मँगवाते होंगे	x
WaAAindahum qasiratu alttarfi atrabun	The women of “modest gaze” in paradise will be of “equal age,” which the Tafsir al-Jalalayn explains as meaning that “they will have the same age: thirty-three years.”	And with them will be women limiting [their] glances and of equal age.	38:52	और उनके पास निगाहें बचाए रखनेवाली स्त्रियाँ होंगी, जो समान अवस्था की होंगी	स्वर्ग में “निगाहें बचाए रखनेवाली” वाली महिलाएँ “समान आयु” की होंगी, जिसे तफ़सीर अल-जलालैन इस प्रकार समझाता है कि “उनकी आयु समान होगी: तैंतीस साल।”

Hatha ma tooAAadoona liyawmi alhisabi	x	This is what you, [the righteous], are promised for the Day of Account.	38:53	यह है वह चीज़, जिसका हिसाब के दिन के लिए तुमसे वादा किया जाता है	x
Inna hatha larizquna ma lahu min nafadin	x	Indeed, this is Our provision; for it there is no depletion.	38:54	यह हमारा दिया है, जो कभी समाप्त न होगा	x
Hatha wainna lilttagheena lasharra maabin	x	This [is so]. But indeed, for the transgressors is an evil place of return -	38:55	एक और यह है, किन्तु सरकशों के लिए बहुत बुरा ठिकाना है;	x
Jahannama yaslawnaha fabisa almihadu	x	Hell, which they will [enter to] burn, and wretched is the resting	38:56	जहन्नम, जिसमें वे प्रवेश करेंगे। तो वह बहुत ही बुरा विश्राम-स्थल है!	x
Hatha falyathooqoohu hameemun waghassaqun	**[Contradiction: Food for infidels in hell: Zaqqum 37:66, washing of wounds 69:36, Pus 38:57, bitter dari (a dry bush with needles)**	This - so let them taste it - is scalding water and [foul] purulence.	38:57	यह है, अब उन्हें इसे चखना है - खौलता हुआ पानी और रक्तयुक्त पीप	**[विरोधाभास: नरक में काफिरों के लिए भोजन: ज़क़ुम 37:66, घावों की धुलाई 69:36, मवाद 38:57, कड़वी दारी (सुइयों के साथ एक सूखी झाड़ी) 88:6।**
Waakharu min shaklihi azwajun	x	And other [punishments] of its type [in various]	38:58	और इसी प्रकार की दूसरी और भी चीज़ें	x
Hatha fawjun muqtahimun maAAakum la marhaban bihim innahum saloo	x	[Its inhabitants will say], "This is a company bursting in with you. No welcome for them. Indeed, they will burn in the Fire."	38:59	"यह एक भीड़ है जो तुम्हारे साथ घुसी चली आ रही है। कोई आवभगत उनके लिए नहीं। वे तो आग में पड़नेवाले है।"	x
Qaloo bal antum la marhaban bikum antum qaddamtumoohu lana fabisa alqararu	x	They will say, "Nor you! No welcome for you. You, [our leaders], brought this upon us, and wretched is the settlement."	38:60	वे कहेंगे, "नहीं, तुम नहीं। तुम्हारे लिए कोई आवभगत नहीं। तुम्ही यह हमारे आगे लाए हो। तो बहुत ही बुरी है यह ठहरने की जगह!"	x

Qaloo rabbana man qaddama lana hatha fazidhu AAathaban diAAfan fee alnnari	x	They will say, "Our Lord, whoever brought this upon us - increase for him double punishment in the	38:61	वे कहेंगे, "ऐ हमारे रब! जो हमारे आगे यह (मुसीबत) लाया उसे आग में दोहरी यातना दे!"	x
Waqaloo ma lana la nara rijalan kunna naAAudduhum mina alashrari	Refers to Muslims, whom the disbelievers mocked.	And they will say, "Why do we not see men whom we used to count among the worst?	38:62	और वे कहेंगे, "क्या बात है कि हम उन लोगों को नहीं देखते जिनकी गणना हम बुरों में करते थे?	इसका मतलब उन मुसलमानों से है, जिनका मज़ाक काफ़िर उड़ाते थे।
Attakhathnahum sikhriyyan am zaghat AAanhumu alabsaru	x	Is it [because] we took them in ridicule, or has [our] vision turned away from them?"	38:63	क्या हमने यूँ ही उनका मज़ाक बनाया था, यह उनसे निगाहें चूक गई हैं?"	x
Inna thalika lahaqqun takhasumu ahli alnnari	x	Indeed, that is truth - the quarreling of the people of the Fire.	38:64	निस्संदेह आग में पड़नेवालों का यह आपस का झगड़ा तो अवश्य होना है	x
Qul innama ana munthirun wama min ilahin illa Allahu alwahidu alqahharu	x	Say, [O Muhammad], "I am only a warner, and there is not any deity except Allah, the One, the Prevailing.	38:65	कह दो, "मैं तो बस एक सचेत करनेवाला हूँ। कोई पूज्य-प्रभु नहीं सिवाय अल्लाह के, जो अकेला है, सबपर क़ाबू रखनेवाला;	x
Rabbu alssamawati waalardi wama baynahuma alAAazeezu alghaffaru	x	Lord of the heavens and the earth and whatever is between them, the Exalted in Might, the Perpetual Forgiver."	38:66	आकाशों और धरती का रब है, और जो कुछ इन दोनों के बीच है उसका भी, अत्यन्त प्रभुत्वशाली, बड़ा क्षमाशील।"	x
Qul huwa nabaon AAatheemun	The Quran.	Say, "It is great news	38:67	कह दो, "वह एक बड़ी ख़बर है, ‘	क़ुरआन।
Antum AAanhu muAAridoona	x	From which you turn away.	38:68	जिसे तुम ध्यान में नहीं ला रहे हो	x

Ma kana liya min AAilmin bialmalai alaAAla ith yakhtasimoona	The “highest chiefs” seems to be a reference to the exalted assembly of Allah and his angels (37:7-8). Dispute may be regarding the prostration of Adam by Angels. Meaning, were it not for the divine revelation, how could I have known about the dispute of the chiefs on high (the angels)?'	I had no knowledge of the exalted assembly [of angels] when they were disputing [the creation of Adam].	38:69	मुझे 'मलए आला' (ऊपरी लोक के फ़रिश्तों) का कोई ज्ञान नहीं था, जब वे वाद-विवाद कर रहे थे	“मलए आला” अल्लाह और उसके फ़रिश्तों की महान सभा का संदर्भ है (37:7-8)। विवाद शायद फ़रिश्तों द्वारा आदम के सज्दे के संबंध में है। अर्थ, अगर दिव्य प्रकाशन न होता, तो मैं कैसे जान पाता कि उच्चतम प्रमुखों (फ़रिश्तों) के बीच विवाद क्या था?
In yooha ilayya illa annama ana natheerun mubeenun	**[Abrogated by Later Jihadi verses.]**	It has not been revealed to me except that I am a clear warner."	38:70	मेरी ओर तो बस इसलिए प्रकाशना की जाती है कि मैं खुल्लम-खुल्ला सचेत करनेवाला हूँ।"	**[बाद के जिहादी आयतों द्वारा निरस्त किया गया।]**
Ith qala rabbuka lilmalaikati innee khaliqun basharan min teenin	The idea that the angels should bow down before a human being is a vestige of the Biblical idea that human beings are created in the image of God; however, this idea does not appear in the Quran.	[So mention] when your Lord said to the angels, "Indeed, I am going to create a human being from clay.	38:71	याद करो जब तुम्हारे रब ने फ़रिश्तों से कहा कि "मैं मिट्टी से एक मनुष्य पैदा करनेवाला हूँ	यह विचार कि फरिश्तों को एक मानव के सामने झुकना चाहिए, बाइबिल के उस विचार की एक अवशेष है कि मानव को ईश्वर की छवि में बनाया गया है; हालांकि, यह विचार कुरान में प्रकट नहीं होता।
Faitha sawwaytuhu wanafakhtu feehi min roohee faqaAAoo lahu sajideena	x	So when I have proportioned him and breathed into him of My [created] soul, then fall down to him in	38:72	तो जब मैं उसको ठीक-ठाक कर दूँ और उसमें अपनी रूह फूँक दूँ, तो तुम उसके आगे सजदे में गिर जाना।"	x
Fasajada almalaikatu kulluhum	x	So the angels prostrated - all of them entirely.	38:73	तो सभी फ़रिश्तों ने सजदा किया, सिवाय इबलीस के।	x
Illa ibleesa istakbara wakana mina alkafireena	**[Iblees was not Angel but a Jinn].**	Except Iblees; he was arrogant and became among the disbelievers.	38:74	उसने घमंड किया और इनकार करनेवालों में से हो गया	**[इब्लीस फरिश्ता नहीं बल्कि एक जिन्न था].**

Qala ya ibleesu ma manaAAaka an tasjuda lima khalaqtu biyadayya astakbarta am kunta mina alAAaleena	**[Allah is unlike creation 42:11 but could hear and see, Face 55:27, Loves 20:39, Hands 5:64, Two hands 38:74-75, Fist 39:67, Shin 68:42, sits on throne 69:17. See Nisai 5381, Muslim 6989, 6990.]**	[Allah] said, "O Iblees, what prevented you from prostrating to that which I created with My hands? Were you arrogant [then], or were you [already] among the haughty?"	38:75	कहा, "ऐ इबलीस! तूझे किस चीज़ ने उसको सजदा करने से रोका जिसे मैंने अपने दोनों हाथों से बनाया? क्या तूने घमंड किया, या तू कोई ऊँची हस्ती है?"	**[अल्लाह सृष्टी के समान नहीं है 42:11 लेकिन सुन सकता है और देख सकता है, शक्ल 55:27, प्रेम करता है 20:39, हाथ 5:64, दो हाथ 38:74-75, मुठ्ठी 39:67, पिंडली 68:42, सिंहासन पर बैठता है 69:17। देखें निसाई 5381, मुस्लिम 6989, 6990।]**
Qala ana khayrun minhu khalaqtanee min narin wakhalaqtahu min teenin	x	He said, "I am better than him. You created me from fire and created him from clay."	38:76	उसने कहा, "मैं उससे उत्तम हूँ। तूने मुझे आग से पैदा किया और उसे मिट्टी से पैदा किया।"	x
Qala faokhruj minha fainnaka rajeemun	x	[Allah] said, "Then get out of Paradise, for indeed, you are expelled.	38:77	कहा, "अच्छा, निकल जा यहाँ से, क्योंकि तू धुत्कारा हुआ है	x
Wainna AAalayka laAAnatee ila yawmi alddeeni	x	And indeed, upon you is My curse until the Day of Recompense."	38:78	और निश्चय ही बदला दिए जाने के दिन तक तुझपर मेरी लानत है।"	x
Qala rabbi faanthirnee ila yawmi yubAAathoona	x	He said, "My Lord, then reprieve me until the Day they are resurrected."	38:79	उसने कहा, "ऐ मेरे रब! फिर तू मुझे उस दिन तक के लिए मुहल्लत दे, जबकि लोग (जीवित करके) उठाए जाएँगे।"	x
Qala fainnaka mina almunthareena	x	[Allah] said, "So indeed, you are of those reprieved	38:80	कहा, "अच्छा, तुझे निश्चित एवं	x
Ila yawmi alwaqti almaAAloomi	x	Until the Day of the time well-known."	38:81	ज्ञात समय तक मुहलत है।"	x
Qala fabiAAizzatika laoghwiyannahum ajmaAAeena	x	[Iblees] said, "By your might, I will surely mislead them all	38:82	उसने कहा, "तेरे प्रताप की सौगन्ध! मैं अवश्य उन सबको बहकाकर रहूँगा,	x

Illa AAibadaka minhumu almukhlaseena	**[But Satan has mislead many Muslims even prophets, Adam, Muslims on battle on Uhad etc.]**	Except, among them, Your chosen servants."	38:83	सिवाय उनमें से तेरे उन बन्दों के, जो चुने हुए है।"	**[लेकिन शैतान ने कई मुसलमानों और यहाँ तक कि पैगंबरों, आदम, मुसलमानों को उहुद की लड़ाई आदि में भी भटका दिया।]**
Qala faalhaqqu waalhaqqa aqoolu	x	[Allah] said, "The truth [is My oath], and the truth I say -	38:84	कहा, "तो यह सत्य है और मैं सत्य ही कहता हूँ	x
Laamlaanna jahannama minka wamimman tabiAAaka minhum ajmaAAeena	x	[That] I will surely fill Hell with you and those of them that follow you all together."	38:85	कि मैं जहन्नम को तुझसे और उन सबसे भर दूँगा, जिन्होंने उनमें से तेरा अनुसरण किया होगा।"	x
Qul ma asalukum AAalayhi min ajrin wama ana mina almutakallifeena	**[Claims that prophet has not taken any payment Q 12:104, 25:57, 34:47, 38:86, 42:23. Although prophet took 20% from Ghanimat (Q 8:41) and 100% of Fai.]**	Say, [O Muhammad], "I do not ask you for the Qur'an any payment, and I am not of the pretentious	38:86	कह दो, "मैं इसपर तुमसे कोई पारिश्रमिक नहीं माँगता और न मैं बनावट करनेवालों में से हूँ।"	**[दावे कि पैगंबर ने कोई भुगतान नहीं लिया 12:104, 25:57, 34:47, 38:86, 42:23। हालांकि पैगंबर ने ग़निमत से 20% लिया (8:41) और फ़ै की 100%।]**
In huwa illa thikrun lilAAalameena	Quran is not only for this earth but 7 earths. See 65:12.	It is but a reminder to the worlds.	38:87	वह तो एक अनुस्मृति है सारे संसारवालों के लिए	कुरआन केवल इस पृथ्वी के लिए ही नहीं बल्कि 7 पृथ्वियों के लिए भी है। देखें 65:12।
WalataAAlamunna nabaahu baAAda heenin	x	And you will surely know [the truth of] its information after a time."	38:88	और थोड़ी ही अवधि के पश्चात उसकी दी हुई ख़बर तुम्हे मालूम हो जाएगी	x
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Az-Zumar (The Throngs)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**39:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान है।**	**अज़-ज़ुमर (भीड़ें)**
Tanzeelu alkitabi mina Allahi alAAazeezi alhakeemi	Early Meccan	The revelation of the Qur'an is from Allah, the Exalted in Might, the Wise.	39:1	इस किताब का अवतरण अल्लाह अत्यन्त प्रभुत्वशाली, तत्वदर्शी की ओर से है	प्रारंभिक मक्की

Inna anzalna ilayka alkitaba bialhaqqi faoAAbudi Allaha mukhlisan lahu alddeena	x	Indeed, We have sent down to you the Book, [O Muhammad], in truth. So worship Allah, [being] sincere to Him in religion.	39:2	निस्संदेह हमने यह किताब तुम्हारी ओर सत्य के साथ अवतरित की है	x
Ala lillahi alddeenu alkhalisu waallatheena ittakhathoo min doonihi awliyaa ma naAAbuduhum illa liyuqarriboona ila Allahi zulfa inna Allaha yahkumu baynahum fee ma hum feehi yakhtalifoona inna Allaha la yahdee man huwa kathibun kaffarun	This verse dismisses the core assumption involved in the intercession of the saints, that they bring one closer to Allah. **[In Arabic "say" is absent.]**	Unquestionably, for Allah is the pure religion. And those who take protectors besides Him [say], "We only worship them that they may bring us nearer to Allah in position." Indeed, Allah will judge between them concerning that over which they differ. Indeed, Allah does not guide he who is a liar and [confirmed] disbeliever.	39:3	जान रखो कि विशुद्ध धर्म अल्लाह ही के लिए है। रहे वे लोग जिन्होंने उससे हटकर दूसरे समर्थक औऱ संरक्षक बना रखे है (कहते है,) "हम तो उनकी बन्दगी इसी लिए करते है कि वे हमें अल्लाह का सामीप्य प्राप्त करा दें।" निश्चय ही अल्लाह उनके बीच उस बात का फ़ैसला कर देगा जिसमें वे विभेद कर रहे है। अल्लाह उसे मार्ग नहीं दिखाता जो झूठा और बड़ा अकृतज्ञ हो	यह आयत संतों की सिफ़ारिश से जुड़ी इस मुख्य सोच को खारिज करती है कि वे इंसान को अल्लाह के करीब लाते हैं। **[अरबी में "कहते है" नहीं है।]**
Law arada Allahu an yattakhitha waladan laistafa mimma yakhluqu ma yashao subhanahu huwa Allahu alwahidu alqahharu	**[How a chosen one could become Allah's son while the one born by blowing His spirit is not considered His son; In other verses, Allah also asserts that only real son could be called a son not an adopted one.]**	If Allah had intended to take a son, He could have chosen from what He creates whatever He willed. Exalted is He; He is Allah, the One, the Prevailing.	39:4	यदि अल्लाह अपनी कोई सन्तान बनाना चाहता तो वह उसमें से, जिन्हें पैदा कर रहा है, चुन लेता। महान और उच्च है वह! वह अल्लाह है अकेला, सब पर क़ाबू रखनेवाला	**[कैसे कोई चुना हुआ अल्लाह का बेटा बन सकता है जबकि उसकी रूह से पैदा हुआ बेटा उसका बेटा नहीं माना जाता; दूसरी आयतों में, अल्लाह यह भी कहते हैं कि सिर्फ़ असली बेटे को ही बेटा कहा जा सकता है, गोद लिए हुए को नहीं।]**

Khalaqa alssamawati waalarda bialhaqqi yukawwiru allayla AAala alnnahari wayukawwiru alnnahara AAala allayli wasakhkhara alshshamsa waalqamara kullun yajree liajalin musamman ala	**[There is no existence of night, so how it can be wrapped.]**	He created the heavens and earth in truth. He wraps the night over the day and wraps the day over the night and has subjected the sun and the moon, each running [its course] for a specified term. Unquestionably, He is the Exalted in Might, the Perpetual Forgiver.	39:5	उसने आकाशों और धरती को सत्य के साथ पैदा किया। रात को दिन पर लपेटता है और दिन को रात पर लपेटता है। और उसने सूर्य और चन्द्रमा को वशीभुत कर रखा है। प्रत्येक एक नियत समय को पूरा करने के लिए चल रहा है। जान रखो, वही प्रभुत्वशाली, बड़ा क्षमाशील है	**[रात का कोई अस्तित्व ही नहीं है, तो उसे कैसे लपेटा जा सकता है।]**
Khalaqakum min nafsin wahidatin thumma jaAAala minha zawjaha waanzala lakum mina alanAAami thamaniyata azwajin yakhluqukum fee butooni ommahatikum khalqan min baAAdi khalqin fee thulumatin thalathin thalikumu Allahu rabbukum lahu almulku la ilaha illa huwa faanna	**[But there are more than 8 types of cattles, e.g. cow, buffalo, goat, ass, sheep, camel, lama, alpaka, yaak, rendeer; There are more than 3 layers for fetus; Also creation of embryo is a continuos process; however, human define stages. According to old Greek medicine (Galen, Aristotle), the foetus developed in 4 stages.]**	He created you from one soul. Then He made from it its mate, and He produced for you from the grazing livestock eight mates. He creates you in the wombs of your mothers, creation after creation, within three darknesses. That is Allah, your Lord; to Him belongs dominion. There is no deity except Him, so how are you averted?	39:6	उसने तुम्हें अकेली जान पैदा किया; फिर उसी से उसका जोड़ा बनाया और तुम्हारे लिए चौपायों में से आठ नर-मादा उतारे। वह तुम्हारी माँओं के पेटों में तीन अँधेरों के भीतर तुम्हें एक सृजनरूप के पश्चात अन्य एक सृजनरूप देता चला जाता है। वही अल्लाह तुम्हारा रब है। बादशाही उसी की है, उसके अतिरिक्त कोई पूज्य-प्रभु नहीं। फिर तुम कहाँ फिरे जाते हो?	[लेकिन 8 से ज़्यादा तरह के मवेशी होते हैं, जैसे गाय, भैंस, बकरी, गधा, भेड़, ऊँट, लामा, अल्पाका, याक, रेंडियर; भ्रूण के लिए 3 से ज़्यादा परत होती हैं; साथ ही भ्रूण का बनना एक लगातार चलने वाली प्रक्रिया है; हालाँकि, इंसान चरण तय करते हैं। पुरानी ग्रीक चिकित्सा विज्ञान (गैलेन, अरस्तू) के अनुसार, भ्रूण 4 चरण में विकसित हुआ।]

In takfuroo fainna Allaha ghaniyyun AAankum wala yarda liAAibadihi alkufra wain tashkuroo yardahu lakum wala taziru waziratun wizra okhra thumma ila rabbikum marjiAAukum fayunabbiokum bima kuntum taAAmaloona innahu AAaleemun bithati alssudoori	**[But Allah has created humans and Jinn to worship Him. Also if He is free from need, why He is so bothered about His worship and obedience. Also many humans support others by bearing their burden.]**	If you disbelieve - indeed, Allah is Free from need of you. And He does not approve for His servants disbelief. And if you are grateful, He approves it for you; and no bearer of burdens will bear the burden of another. Then to your Lord is your return, and He will inform you about what you used to do. Indeed, He is Knowing of that within the breasts.	39:7	यदि तुम इनकार करोगे तो अल्लाह तुमसे निस्पृह है। यद्यपि वह अपने बन्दों के लिए इनकार को पसन्द नहीं करता, किन्तु यदि तुम कृतज्ञता दिखाओगे, तो उसे वह तुम्हारे लिए पसन्द करता है। कोई बोझ न उठाएगा। फिर तुम्हारी वापसी अपने रब ही की ओर है। और वह तुम्हे बता देगा, जो कुछ तुम करते रहे होगे। निश्चय ही वह सीनों तक की बातें जानता है	**[लेकिन अल्लाह ने इंसानों और जिन्न को अपनी इबादत करने के लिए बनाया है। और अगर उसे जरूरत नहीं है, तो अपनी इबादत और आज्ञाकारिता की इतनी परवाह क्यों है। और बहुत से इंसान दूसरों का बोझ उठाकर उनकी मदद करते हैं।]**
Waitha massa alinsana durrun daAAa rabbahu muneeban ilayhi thumma itha khawwalahu niAAmatan minhu nasiya ma kana yadAAoo ilayhi min qablu wajaAAala lillahi andadan liyudilla AAan sabeelihi qul tamattaAA bikufrika qaleelan innaka min ashabi alnnari	**[But disbelievers also call their dieties in adversity.]**	And when adversity touches man, he calls upon his Lord, turning to Him [alone]; then when He bestows on him a favor from Himself, he forgets Him whom he called upon before, and he attributes to Allah equals to mislead [people] from His way. Say, "Enjoy your disbelief for a little; indeed, you are of the companions of the Fire."	39:8	जब मनुष्य को कोई तकलीफ़ पहुँचती है तो वह अपने रब को उसी की ओर रुजू होकर पुकारने लगता है, फिर जब वह उसपर अपनी अनुकम्पा करता है, तो वह उस चीज़ को भूल जाता है जिसके लिए पहले पुकार रहा था और (दूसरो को) अल्लाह के समकक्ष ठहराने लगता है, ताकि इसके परिणामस्वरूप वह उसकी राह से भटका दे। कह दो, "अपने इनकार का थोड़ा मज़ा ले लो। निस्संदेह तुम आगवालों में से हो।"	**[लेकिन अविश्वासी विपत्ति में अपने देवताओं को भी पुकारते हैं।]**

Amman huwa qanitun anaa allayli sajidan waqaiman yahtharu alakhirata wayarjoo rahmata rabbihi qul hal yastawee allatheena yaAAlamoona waallatheena la yaAAlamoona innama yatathakkaru oloo alalbabi	There is no compatibility of this with the idea of the equality of dignity of all people as created by the same Allah. Instead, there is a sharp dichotomy between believer and disbeliever.	Is one who is devoutly obedient during periods of the night, prostrating and standing [in prayer], fearing the Hereafter and hoping for the mercy of his Lord, [like one who does not]? Say, "Are those who know equal to those who do not know?" Only they will remember [who are] people of understanding.	39:9	(क्या उक्त व्यक्ति अच्छा है) या वह व्यक्ति जो रात की घड़ियों में सजदा करता और खड़ा रहता है, आख़िरत से डरता है और अपने रब की दयालुता की आशा रखता हुआ विनयशीलता के साथ बन्दगी में लगा रहता है? कहो, "क्या वे लोग जो जानते है और वे लोग जो नहीं जानते दोनों समान होंगे? शिक्षा तो बुद्धि और समझवाले ही ग्रहण करते है।"	इसकी, एक ही अल्लाह द्वारा रचे गए सभी लोगों की गरिमा की समानता के विचार के साथ कोई संगति नहीं है। इसके विपरीत, मोमिन और काफिर के बीच एक तीखा विभाजन मौजूद है।
Qul ya AAibadi allatheena amanoo ittaqoo rabbakum lillatheena ahsanoo fee hathihi alddunya hasanatun waardu Allahi wasiAAatun innama yuwaffa alssabiroona ajrahum bighayri	x	Say, "O My servants who have believed, fear your Lord. For those who do good in this world is good, and the earth of Allah is spacious. Indeed, the patient will be given their reward without account."	39:10	कह दो कि "ऐ मेरे बन्दो, जो ईमान लाए हो! अपने रब का डर रखो। जिन लोगों ने अच्छा कर दिखाया उनके लिए इस संसार में अच्छाई है, और अल्लाह की धरती विस्तृत है। जमे रहनेवालों को तो उनका बदला बेहिसाब मिलकर रहेगा।"	x
Qul innee omirtu an aAAbuda Allaha mukhlisan lahu alddeena	x	Say, [O Muhammad], "Indeed, I have been commanded to worship Allah, [being] sincere to Him in religion.	39:11	कह दो, "मुझे तो आदेश दिया गया है कि मैं अल्लाह की बन्दगी करूँ, धर्म (भक्तिभाव एवं निष्ठान) को उसी के लिए विशुद्ध करते हुए	x

Waomirtu lian akoona awwala almuslimeena	**[Contradiction: Who was the first Muslim: Prophet Muhammad (pbuh) 6:14, 6:163, 39:12, Moses 7:143, Abraham 2:132, 3:67, Jesus 3:52, 5:111, All prophets were Muslim 6:84; "Among you" added to avoid confusion]** However, Islamic exegetes smooth over the contradiction by saying that this refers to Muhammad's community speciically, not to the earlier communities of	And I have been commanded to be the first [among you] of the Muslims."	39:12	और मुझे आदेश दिया गया है कि सबसे बढ़कर मैं स्वयं आज्ञाकारी बनूँ।"	**[विरोधाभास: पहला मुस्लिम कौन था: पैगंबर मुहम्मद (स.अ.व.) 6:14, 6:163, 39:12, मूसा 7:143, इब्राहीम 2:132, 3:67, ईसा 3:52, 5:111, सभी पैगंबर मुस्लिम थे 6:84]** हालाँकि, इस्लामी टीकाकार इस विरोधाभास को यह कहकर सुलझाते हैं कि यह विशेष रूप से मुहम्मद के समुदाय को संदर्भित करता है, न कि पहले के विश्वासी समुदायों को।
Qul innee akhafu in AAasaytu rabbee AAathaba yawmin AAatheemin	x	Say, "Indeed I fear, if I should disobey my Lord, the punishment of a tremendous Day."	39:13	कहो, "यदि मैं अपने रब की अवज्ञा करूँ तो मुझे एक बड़े दिन की यातना का भय है।"	x
Quli Allaha aAAbudu mukhlisan lahu deenee	x	Say, "Allah [alone] do I worship, sincere to Him in my religion,	39:14	कहो, "मैं तो अल्लाह ही की बन्दगी करता हूँ, अपने धर्म को उसी के लिए विशुद्ध करते हुए	x
FaoAAbudoo ma shitum min doonihi qul inna alkhasireena allatheena khasiroo anfusahum waahleehim yawma alqiyamati ala thalika huwa	x	So worship what you will besides Him." Say, "Indeed, the losers are the ones who will lose themselves and their families on the Day of Resurrection. Unquestionably, that is the manifest loss."	39:15	अब तुम उससे हटकर जिसकी चाहो बन्दगी करो।" कह दो, "वास्तव में घाटे में पड़नेवाले तो वही है, जिन्होंने अपने आपको और अपने लोगों को क़ियामत के दिन घाटे में डाल दिया। जान रखो, यही खुला घाटा है	x

Lahum min fawqihim thulalun mina alnnari wamin tahtihim thulalun thalika yukhawwifu Allahu bihi AAibadahu ya AAibadi faittaqooni	The “canopies of fire” of the damned are contrasted with the “chambers” of the blessed (39:20).	They will have canopies of fire above them and below them, canopies. By that Allah threatens His servants. O My servants, then fear Me.	39:16	उनके लिए उनके ऊपर से भी आग की छतरियाँ होंगी और उनके नीचे से भी छतरियाँ होंगी। यही वह चीज़ है, जिससे अल्लाह अपने बन्दों को डराता है, "ऐ मेरे बन्दो! अतः तुम मेरा डर रखो।"	दोषियों के "आग की छतरियों" की तुलना, धन्य लोगों के "कक्षों" से की गई है (39:20)।
Waallatheena ijtanaboo alttaghoota an yaAAbudooha waanaboo ila Allahi lahumu albushra	On taghut, see 2:256.	But those who have avoided Taghut, lest they worship it, and turned back to Allah - for them are good tidings. So give good tidings to My servants	39:17	रहे वे लोग जो इससे बचे कि वे तागूत (बढ़े हुए फ़सादी) की बन्दगी करते है और अल्लाह की ओर रुजू हुए, उनके लिए शुभ सूचना है।	तागूत के लिए, 2:256 देखें।
Allatheena yastamiAAoona alqawla fayattabiAAoona ahsanahu olaika allatheena hadahumu Allahu waolaika hum oloo	x	Who listen to speech and follow the best of it. Those are the ones Allah has guided, and those are people of understanding.	39:18	अतः मेरे उन बन्दों को शुभ सूचना दे दो जो बात को ध्यान से सुनते है; फिर उस अच्छी से अच्छी बात का अनुपालन करते है। वही हैं, जिन्हें अल्लाह ने मार्ग दिखाया है और वही बुद्धि और समझवाले है	x
Afaman haqqa AAalayhi kalimatu alAAathabi afaanta tunqithu man fee alnnari	x	Then, is one who has deserved the decree of punishment [to be guided]? Then, can you save one who is in the Fire?	39:19	तो क्या वह व्यक्ति जिसपर यातना की बात सत्यापित हो चुकी है (यातना से बच सकता है)? तो क्या तुम छुड़ा लोगे उसको जो आग में है	x

Lakini allatheena ittaqaw rabbahum lahum ghurafun min fawqiha ghurafun mabniyyatun tajree min tahtiha alanharu waAAda Allahi la yukhlifu Allahu almeeAAada	x	But those who have feared their Lord - for them are chambers, above them chambers built high, beneath which rivers flow. [This is] the promise of Allah. Allah does not fail in [His] promise.	39:20	अलबत्ता जो लोग अपने रब से डरकर रहे उनके लिए ऊपरी मंज़िल पर कक्ष होंगे, जिनके ऊपर भी निर्मित कक्ष होंगे। उनके नीचे नहरें बह रही होगी। यह अल्लाह का वादा है। अल्लाह अपने वादे का उल्लंघन नहीं करता	x
Alam tara anna Allaha anzala mina alssamai maan fasalakahu yanabeeAAa fee alardi thumma yukhriju bihi zarAAan mukhtalifan alwanuhu thumma yaheeju fatarahu musfarran thumma yajAAaluhu hutaman inna fee	x	Do you not see that Allah sends down rain from the sky and makes it flow as springs [and rivers] in the earth; then He produces thereby crops of varying colors; then they dry and you see them turned yellow; then He makes them [scattered] debris. Indeed in that is a reminder for those of understanding.	39:21	क्या तुमने नहीं देखा कि अल्लाह ने आकाश से पानी उतारा, फिर धरती में उसके स्रोत प्रवाहित कर दिए; फिर उसने द्वारा खेती निकालता है, जिसके विभिन्न रंग होते है; फिर वह सूखने लगती है; फिर तुम देखते हो कि वह पीली पड़ गई; फिर वह उसे चूर्ण-विचूर्ण कर देता है? निस्संदेह इसमें बुद्धि और समझवालों के लिए बड़ी याददिहानी है	x

Afaman sharaha Allahu sadrahu lilislami fahuwa AAala noorin min rabbihi fawaylun lilqasiyati quloobuhum min thikri Allahi olaika fee dalalin mubeenin	Ali and Hamzah are of those whose bosoms Allah had expanded for the religion of Islam while Abu Lahab and his sons were of those whose hearts were hardened against the remembrance of Allah. It is to the latter that the verse addressed.	So is one whose breast Allah has expanded to [accept] Islam and he is upon a light from his Lord [like one whose heart rejects it]? Then woe to those whose hearts are hardened against the remembrance of Allah. Those are in manifest error.	39:22	अब क्या वह व्यक्ति जिसका सीना (हृदय) अल्लाह ने इस्लाम के लिए खोल दिया, अतः वह अपने रब की ओर से प्रकाश पर है, (उस व्यक्ति के समान होगा जो कठोर हृदय और अल्लाह की याद से ग़ाफ़िल है)? अतः तबाही है उन लोगों के लिए जिनके दि कठोर हो चुके है, अल्लाह की याद से ख़ाली होकर! वही खुली गुमराही में पड़े हुए है	अली और हमज़ा उन लोगों में से थे जिनके सीनों को अल्लाह ने इस्लाम धर्म के लिए खोल दिया था, जबकि अबू लहब और उसके बेटे उन लोगों में से थे जिनके दिल अल्लाह की याद के प्रति कठोर हो गए थे। यह आयत इन्हीं बाद वाले लोगों को संबोधित है।

Allahu nazzala ahsana alhadeethi kitaban mutashabihan mathaniya taqshaAAirru minhu juloodu allatheena yakhshawna rabbahum thumma taleenu julooduhum waquloobuhum ila thikri Allahi thalika huda Allahi yahdee bihi man yashao waman yudlili Allahu fama lahu min hadin	Some of the companions said: 'O Messenger of Allah, why do you not relate to us statements', and so came this verse. **[What about contradictions and abrogations.]**	Allah has sent down the best statement: a consistent Book wherein is reiteration. The skins shiver therefrom of those who fear their Lord; then their skins and their hearts relax at the remembrance of Allah. That is the guidance of Allah by which He guides whom He wills. And one whom Allah leaves astray - for him there is no guide.	39:23	अल्लाह ने सर्वोत्तम वाणी अवतरित की, एक ऐसी किताब जिसके सभी भाग परस्पर मिलते-जुलते है, जो रुख़ फेर देनेवाली (क्रांतिकारी) है। उससे उन लोगों के रोंगटे खड़े हो जाते है जो अपने रब से डरते है। फिर उनकी खालें (शरीर) और उनके दिल नर्म होकर अल्लाह की याद की ओर झुक जाते है। वह अल्लाह का मार्गदर्शन है, उसके द्वारा वह सीधे मार्ग पर ले आता है, जिसे चाहता है। और जिसको अल्लाह पथभ्रष्ट रहने दे, फिर उसके लिए कोई मार्गदर्शक नहीं	कुछ साथियों ने कहा: 'अल्लाह के रसूल, आप हमें बातें क्यों नहीं सुनाते', और इस तरह यह आयत आई। **[विरोधाभासी और गलत बातों के बारे में क्या?]**
Afaman yattaqee biwajhihi sooa alAAathabi yawma alqiyamati waqeela lilththalimeena thooqoo ma kuntum taksiboona	x	Then is he who will shield with his face the worst of the punishment on the Day of Resurrection [like one secure from it]? And it will be said to the wrongdoers, "Taste what you used to earn."	39:24	अब क्या जो क़ियामत के दिन अपने चहरें को बुरी यातना (से बचने) की ढाल बनाएगा वह (यातना से सुरक्षित लोगों जैसा होगा)? और ज़ालिमों से कहा जाएगा, "चखों मज़ा उस कमाई का, जो तुम करते रहे थे!"	x

Kaththaba allatheena min qablihim faatahumu alAAathabu min haythu la yashAAuroona	x	Those before them denied, and punishment came upon them from where they did not perceive.	39:25	जो लोग उनसे पहले थे उन्होंने भी झूठलाया। अन्ततः उनपर वहाँ से यातना आ पहुँची, जिसका उन्हें कोई पता न था	x
Faathaqahumu Allahu alkhizya fee alhayati alddunya walaAAathabu alakhirati akbaru law kanoo	x	So Allah made them taste disgrace in worldly life. But the punishment of the Hereafter is greater, if they only knew.	39:26	फिर अल्लाह ने उन्हें सांसारिक जीवन में भी रुसवाई का मज़ा चखाया और आख़िरत की यातना तो इससे भी बड़ी है। काश! वे जानते	x
Walaqad darabna lilnnasi fee hatha alqurani min kulli mathalin laAAallahum	x	And We have certainly presented for the people in this Qur'an from every [kind of] example - that they might remember.	39:27	हमने इस क़ुरआन में लोगों के लिए हर प्रकार की मिसालें पेश कर दी हैं, ताकि वे शिक्षा ग्रहण करें	x
Quranan AAarabiyyan ghayra thee AAiwajin laAAallahum yattaqoona	“No crookedness,” means “no confusion or disagreement.”	[It is] an Arabic Qur'an, without any deviance that they might become righteous.	39:28	एक अरबी क़ुरआन के रूप में, जिसमें कोई टेढ़ नहीं, ताकि वे धर्मपरायणता अपनाएँ	“कोई टेढ़ापन नहीं” का अर्थ है, “कोई भ्रम या असहमति नहीं।”

Daraba Allahu mathalan rajulan feehi shurakao mutashakisoona warajulan salaman lirajulin hal yastawiyani mathalan alhamdu lillahi bal aktharuhum la yaAAlamoona	**[The false non-existent dieties quarrel with each other?]**	Allah presents an example: a slave owned by quarreling partners and another belonging exclusively to one man - are they equal in comparison? Praise be to Allah! But most of them do not know.	39:29	अल्लाह एक मिसाल पेश करता है कि एक व्यक्ति है, जिसके मालिक होने में कई क्यक्ति साक्षी है, आपस में खींचातानी करनेवाले, और एक क्यक्ति वह है जो पूरा का पूरा एक ही व्यक्ति का है। क्या दोनों का हाल एक जैसा होगा? सारी प्रशंसा अल्लाह ही के लिए है, किन्तु उनमें से अधिकांश लोग नहीं जानते	**[झूठे गैर-मौजूद देवता आपस में झगड़ते हैं?]**
Innaka mayyitun wainnahum mayyitoona	x	Indeed, you are to die, and indeed, they are to die.	39:30	तुम्हें भी मरना है और उन्हें भी मरना है	x
Thumma innakum yawma alqiyamati AAinda rabbikum takhtasimoona	x	Then indeed you, on the Day of Resurrection, before your Lord, will dispute.	39:31	फिर निश्चय ही तुम सब क़ियामत के दिन अपने रब के समक्ष झगड़ोगे	x
Faman athlamu mimman kathaba AAala Allahi wakaththaba bialssidqi ith jaahu alaysa fee jahannama mathwan lilkafireena	x	So who is more unjust than one who lies about Allah and denies the truth when it has come to him? Is there not in Hell a residence for the disbelievers?	39:32	फिर उस व्यक्ति से बढ़कर अत्याचारी कौन होगा, जिसने झूठ घड़कर अल्लाह पर थोपा और सत्य को झूठला दिया जब वह उसके पास आया। क्या जहन्नम में इनकार करनेवालों का ठिकाना नहीं हैं?	x
Waallathee jaa bialssidqi wasaddaqa bihi olaika humu	x	And the one who has brought the truth and [they who] believed in it - those are the righteous.	39:33	और जो व्यक्ति सच्चाई लेकर आया और उसने उसकी पुष्टि की, ऐसे ही लोग डर रखते है	x

Lahum ma yashaoona AAinda rabbihim thalika jazao almuhsineena	x	They will have whatever they desire with their Lord. That is the reward of the doers of good -	39:34	उनके लिए उनके रब के पास वह सब कुछ है, जो वे चाहेंगे। यह है उत्तमकारों का बदला	x
Liyukaffira Allahu AAanhum aswaa allathee AAamiloo wayajziyahum ajrahum biahsani allathee kanoo yaAAmaloona	Allah will forgive sins of believers.	That Allah may remove from them the worst of what they did and reward them their due for the best of what they used to do.	39:35	ताकि जो निकृष्टतम कर्म उन्होंने किए अल्लाह उन (के बुरे प्रभाव) को उनसे दूर कर दे। और जो उत्तम कर्म वे करते रहे उसका उन्हें बदला प्रदान करे	अल्लाह ईमान वालों के गुनाह माफ़ कर देगा।
Alaysa Allahu bikafin AAabdahu wayukhawwifoonaka biallatheena min doonihi waman yudlili Allahu fama lahu min hadin	x	Is not Allah sufficient for His Servant [Prophet Muhammad]? And [yet], they threaten you with those [they worship] other than Him. And whoever Allah leaves astray - for him there is no guide.	39:36	क्या अल्लाह अपने बन्दे के लिए काफ़ी नहीं है, यद्यपि वे तुम्हें उनसे डराते है, जो उसके सिवा (उन्होंने अपने सहायक बना रखे) है? अल्लाह जिसे गुमराही में डाल दे उसे मार्ग दिखानेवाला कोई नही	x
Waman yahdi Allahu fama lahu min mudillin alaysa Allahu biAAazeezin thee intiqamin	x	And whoever Allah guides - for him there is no misleader. Is not Allah Exalted in Might and Owner of Retribution?	39:37	और जिसे अल्लाह मार्ग दिखाए उसे गुमराह करनेवाला भी कोई नहीं। क्या अल्लाह प्रभुत्वशाली, बदला लेनेवाला नहीं है?	x

Walain saaltahum man khalaqa alssamawati waalarda layaqoolunna Allahu qul afaraaytum ma tadAAoona min dooni Allahi in aradaniya Allahu bidurrin hal hunna kashifatu durrihi aw aradanee birahmatin hal hunna mumsikatu rahmatihi qul hasbiya Allahu AAalayhi yatawakkalu	x	And if you asked them, "Who created the heavens and the earth?" they would surely say, "Allah." Say, "Then have you considered what you invoke besides Allah? If Allah intended me harm, are they removers of His harm; or if He intended me mercy, are they withholders of His mercy?" Say, "Sufficient for me is Allah; upon Him [alone] rely the [wise] reliers."	39:38	यदि तुम उनसे पूछो कि "आकाशों और धरती को किसने पैदा किया?" को वे अवश्य कहेंगे, "अल्लाह ने।" कहो, "तुम्हारा क्या विचार है? यदि अल्लाह मुझे कोई तकलीफ़ पहुँचानी चाहे तो क्या अल्लाह से हटकर जिनको तुम पुकारते हो वे उसकी पहुँचाई हुई तकलीफ़ को दूर कर सकते है? या वह मुझपर कोई दयालुता दर्शानी चाहे तो क्या वे उसकी दयालुता को रोक सकते है?" कह दो, "मेरे लिए अल्लाह काफ़ी है। भरोसा करनेवाले उसी पर भरोसा करते है।"	x
Qul ya qawmi iAAmaloo AAala makanatikum innee AAamilun fasawfa taAAlamoona	x	Say, "O my people, work according to your position, [for] indeed, I am working; and you are going to know	39:39	कह दो, "ऐ मेरी क़ौम के लोगो! तुम अपनी जगह काम करो। मैं (अपनी जगह) काम करता हूँ। तो शीघ्र ही तुम जान लोगे	x
Man yateehi AAathabun yukhzeehi wayahillu AAalayhi AAathabun	x	To whom will come a torment disgracing him and on whom will descend an enduring punishment."	39:40	कि किस पर वह यातना आती है जो उसे रुसवा कर देगी और किसपर अटल यातना उतरती है।"	x

Inna anzalna AAalayka alkitaba lilnnasi bialhaqqi famani ihtada falinafsihi waman dalla fainnama yadillu AAalayha wama anta AAalayhim	**[But so many people were forcefully converted to Islam.]**	Indeed, We sent down to you the Book for the people in truth. So whoever is guided - it is for [the benefit of] his soul; and whoever goes astray only goes astray to its detriment. And you are not a manager over them.	39:41	निश्चय ही हमने लोगों के लिए हक़ के साथ तुमपर किताब अवतरित की है। अतः जिसने सीधा मार्ग ग्रहण किया तो अपने ही लिए, और जो भटका, तो वह भटककर अपने ही को हानि पहुँचाता है। तुम उनके ज़िम्मेदार नहीं हो	**[लेकिन बहुत से लोगों को जबरदस्ती इस्लाम में परिवर्तित कर दिया गया।]**
Allahu yatawaffa alanfusa heena mawtiha waallatee lam tamut fee manamiha fayumsiku allatee qada AAalayha almawta wayursilu alokhra ila ajalin musamman inna fee thalika laayatin liqawmin yatafakkaroona	Sleep is a form of lesser death means Allah takes the soul in night and return on awakening. **[Contradiction: Who takes the soul 32:11 Single angel, 39:42 Allah will take soul, Many angels will take soul 4:97, 8:50, 47:27.]**	Allah takes the souls at the time of their death, and those that do not die [He takes] during their sleep. Then He keeps those for which He has decreed death and releases the others for a specified term. Indeed in that are signs for a people who give thought.	39:42	अल्लाह ही प्राणों को उनकी मृत्यु के समय ग्रस्त कर लेता है और जिसकी मृत्यु नहीं आई उसे उसकी निद्रा की अवस्था में (ग्रस्त कर लेता है) । फिर जिसकी मृत्यु का फ़ैसला कर दिया है उसे रोक रखता है। और दूसरों को एक नियत समय तक के लिए छोड़ देता है। निश्चय ही इसमें कितनी ही निशानियाँ है सोच-विचार करनेवालों के लिए	नींद छोटी मौत का एक रूप है, इसका मतलब है कि अल्लाह रात में रूह को ले जाता है और जागने पर वापस कर देता है। **[विरोधाभास: रूह कौन लेता है 32:11 एक फ़रिश्ता, 39:42 अल्लाह रूह लेगा, कई फ़रिश्ते रूह लेंगे 4:97, 8:50, 47:27.]**
Ami ittakhathoo min dooni Allahi shufaAAaa qul awalaw kanoo la yamlikoona shayan wala yaAAqiloona	**[Contradiction: No intercession accepted (2:48, 2:123, 6:51, 6:94, 23:101, 32:4, 39:43-44, 42:46). Intercession is accepted with Allah's permission (2:255, 4:64, 10:3, 19:87, 20:109, 21:28, 34:23, 53:26)]**	Or have they taken other than Allah as intercessors? Say, "Even though they do not possess [power over] anything, nor do they reason?"	39:43	(क्या उनके उपास्य प्रभुता में साझीदार है) या उन्होंने अल्लाह से हटकर दूसरों को सिफ़ारिशी बना रखा है? कहो, "क्या यद्यपि वे किसी चीज़ का अधिकार न रखते हों और न कुछ समझते ही हो तब भी?"	**[विरोधाभास: कोई मध्यस्थता स्वीकार नहीं की जाती (2:48, 2:123, 6:51, 6:94, 23:101, 32:4, 39:43-44, 42:46)। मध्यस्थता अल्लाह की अनुमति से स्वीकार की जाती है (2:255, 4:64, 10:3, 19:87, 20:109, 21:28, 34:23, 53:26)]**

Qul lillahi alshshafaAAatu jameeAAan lahu mulku alssamawati waalardi thumma ilayhi turjaAAoona	Pickthall: "unto Allah belongeth all intercession" **["the right to allow" added.]**	Say, "To Allah belongs [the right to allow] intercession entirely. To Him belongs the dominion of the heavens and the earth. Then to Him you	39:44	कहो, "सिफ़ारिश तो सारी की सारी अल्लाह के अधिकार में है। आकाशों और धरती की बादशाही उसी की है। फिर उसी की ओर तुम लौटाए जाओगे।"	x
Waitha thukira Allahu wahdahu ishmaazzat quloobu allatheena la yuminoona bialakhirati waitha thukira allatheena min doonihi itha	x	And when Allah is mentioned alone, the hearts of those who do not believe in the Hereafter shrink with aversion, but when those [worshipped] other than Him are mentioned, immediately	39:45	अकेले अल्लाह का ज़िक्र किया जाता है तो जो लोग आख़िरत पर ईमान नहीं रखते उनके दिल भिंचने लगते है, किन्तु जब उसके सिवा दूसरों का ज़िक्र होता है तो क्या देखते है कि वे खुशी से खिले जा रहे है	x
Quli allahumma fatira alssamawati waalardi AAalima alghaybi waalshshahadati anta tahkumu bayna AAibadika fee ma kanoo feehi	x	Say, "O Allah, Creator of the heavens and the earth, Knower of the unseen and the witnessed, You will judge between your servants concerning that over which they used to differ."	39:46	कहो, "ऐ अल्लाह, आकाशो और धरती को पैदा करनेवाले; परोक्ष और प्रत्यक्ष के जाननेवाले! तू ही अपने बन्दों के बीच उस चीज़ का फ़ैसला करेगा, जिसमें वे विभेद कर रहे है।"	

Walaw anna lillatheena thalamoo ma fee alardi jameeAAan wamithlahu maAAahu laiftadaw bihi min sooi alAAathabi yawma alqiyamati wabada lahum mina Allahi ma lam yakoonoo yahtasiboona	**[Why concept of ransom applied to God.]**	And if those who did wrong had all that is in the earth entirely and the like of it with it, they would [attempt to] ransom themselves thereby from the worst of the punishment on the Day of Resurrection. And there will appear to them from Allah that which they had not taken into account.	39:47	जिन लोगों ने ज़ुल्म किया यदि उनके पास वह सब कुछ हो जो धरती में है और उसके साथ उतना ही और भी, तो वे क़ियामत के दिन बुरी यातना से बचने के लिए वह सब फ़िदया (प्राण-मुक्ति के बदले) में दे डाले। बात यह है कि अल्लाह की ओर से उनके सामने वह कुछ आ जाएगा जिसका वे गुमान तक न करते थे	**[फिरौती का विचार भगवान पर क्यों लागू होता है?]**
Wabada lahum sayyiatu ma kasaboo wahaqa bihim ma kanoo bihi yastahzioona	x	And there will appear to them the evils they had earned, and they will be enveloped by what they used to ridicule.	39:48	और जो कुछ उन्होंने कमाया उसकी बुराइयाँ उनपर प्रकट हो जाएँगी। और वही चीज़ उन्हें घेर लेगी जिसकी वे हँसी उड़ाया करते थे	x
Faitha massa alinsana durrun daAAana thumma itha khawwalnahu niAAmatan minna qala innama ooteetuhu AAala AAilmin bal hiya fitnatun walakinna aktharahum la yaAAlamoona	x	And when adversity touches man, he calls upon Us; then when We bestow on him a favor from Us, he says, "I have only been given it because of [my] knowledge." Rather, it is a trial, but most of them do not know.	39:49	अतः जब मनुष्य को कोई तकलीफ़ पहुँचती है तो वह हमें पुकारने लगता है, फिर जब हमारी ओर से उसपर कोई अनुकम्पा होती है तो कहता है, "यह तो मुझे ज्ञान के कारण प्राप्त हुआ।" नहीं, बल्कि यह तो एक परीक्षा है, किन्तु उनमें से अधिकतर जानते नहीं	x

Qad qalaha allatheena min qablihim fama aghna AAanhum ma kanoo yaksiboona	x	Those before them had already said it, but they were not availed by what they used to earn.	39:50	यही बात वे लोग भी कह चुके है, जो उनसे पहले गुज़रे है। किन्तु जो कुछ कमाई वे करते है, वह उनके कुछ काम न आई	x
Faasabahum sayyiatu ma kasaboo waallatheena thalamoo min haolai sayuseebuhum sayyiatu ma kasaboo wama hum bimuAAjizeena	x	And the evil consequences of what they earned struck them. And those who have wronged of these [people] will be afflicted by the evil consequences of what they earned; and they will not cause failure.	39:51	फिर जो कुछ उन्होंने कमाया, उसकी बुराइयाँ उनपर आ पड़ी और इनमें से भी जिन लोगों ने जुल्म किया, उनपर भी जो कुछ उन्होंने कमाया उसकी बुराइयाँ जल्द ही आ पड़ेगी। और वे काबू से बाहर निकलनेवाले नहीं	x
Awalam yaAAlamoo anna Allaha yabsutu alrrizqa liman yashao wayaqdiru inna fee thalika laayatin liqawmin yuminoona	x	Do they not know that Allah extends provision for whom He wills and restricts [it]? Indeed in that are signs for a people who believe.	39:52	क्या उन्हें मालूम नहीं कि अल्लाह जिसके लिए चाहता है रोज़ी कुशादा कर देता है और जिसके लिए चाहता है नपी-तुली कर देता है? निस्संदेह इसमें उन लोगों के लिए बड़ी निशानियाँ है जो ईमान लाएँ	x

Qul ya AAibadiya allatheena asrafoo AAala anfusihim la taqnatoo min rahmati Allahi inna Allaha yaghfiru alththunooba jameeAAan innahu huwa alghafooru alrraheemu	Some people of Mecca said: ‘Muhammad claims that whoever has worshipped idols and killed souls will not be forgiven; how are we expected to embrace Islam and migrate when we have in the past done these things?’ So this verse was revealed. **[Shirk could not be pardoned Q 4:48, Q 4:116; could be pardoned 39:53, 4:153 : Islamic scholars say that if someone has repented before death then it could be pardoned.]**	Say, "O My servants who have transgressed against themselves [by sinning], do not despair of the mercy of Allah. Indeed, Allah forgives all sins. Indeed, it is He who is the Forgiving, the Merciful."	39:53	कह दो, "ऐ मेरे बन्दो, जिन्होंने अपने आप पर ज्यादती की है, अल्लाह की दयालुता से निराश न हो। निस्संदेह अल्लाह सारे ही गुनाहों का क्षमा कर देता है। निश्चय ही वह बड़ा क्षमाशील, अत्यन्त दयावान है	"मक्का के कुछ लोगों ने कहा: ‘मुहम्मद का दावा है कि जिसने भी मूर्तियों की पूजा की है और आत्माओं को मारा है, उसे माफ़ नहीं किया जाएगा; जब हमने पहले ये काम किए हैं तो हमसे इस्लाम अपनाने और हिजरत करने की उम्मीद कैसे की जा सकती है?’ तो यह आयत उतरी। **[शिर्क माफ़ नहीं किया जा सकता Q 4:48, Q 4:116; माफ़ किया जा सकता है Q 39:53, 4:153 : इस्लामी जानकार कहते हैं कि अगर किसी ने मौत से पहले तौबा कर ली है तो उसे माफ़ किया जा सकता है।]**
Waaneeboo ila rabbikum waaslimoo lahu min qabli an yatiyakumu alAAathabu thumma la tunsaroona	x	And return [in repentance] to your Lord and submit to Him before the punishment comes upon you; then you will not be helped.	39:54	रुजू हो अपने रब की ओर और उसके आज्ञाकारी बन जाओ, इससे पहले कि तुमपर यातना आ जाए। फिर तुम्हारी सहायता न की जाएगी	x
WaittabiAAoo ahsana ma onzila ilaykum min rabbikum min qabli an yatiyakumu alAAathabu baghtatan waantum la tashAAuroona	**[With the best guidance, one can study what Muslims did through out history.]**	And follow the best of what was revealed to you from your Lord before the punishment comes upon you suddenly while you do not perceive,	39:55	और अनुसरण करो उस सर्वोत्तम चीज़ का जो तुम्हारे रब की ओर से अवतरित हुई है, इससे पहले कि तुम पर अचानक यातना आ जाए और तुम्हें पता भी न हो।"	**[सर्वोत्तम मार्गदर्शन, कोई भी यह अध्ययन कर सकता है कि मुसलमानों ने पूरे इतिहास में क्या किया।]**

An taqoola nafsun ya hasrata AAala ma farrattu fee janbi Allahi wain kuntu lamina alssakhireena	x	Lest a soul should say, "Oh [how great is] my regret over what I neglected in regard to Allah and that I was among the mockers."	39:56	कहीं ऐसा न हो कि कोई व्यक्ति कहने लगे, "हाय, अफ़सोस उसपर! जो कोताही अल्लाह के हक़ में मैंने की। और मैं तो परिहास करनेवालों मं ही सम्मिलित रहा।"	x
Aw taqoola law anna Allaha hadanee lakuntu mina almuttaqeena	x	Or [lest] it say, "If only Allah had guided me, I would have been among the righteous."	39:57	या, कहने लगे कि "यदि अल्लाह मुझे मार्ग दिखाता तो अवश्य ही मैं डर रखनेवालों में से होता।"	x
Aw taqoola heena tara alAAathaba law anna lee karratan faakoona mina almuhsineena	x	Or [lest] it say when it sees the punishment, "If only I had another turn so I could be among the doers of good."	39:58	या, जब वह यातना देखे तो कहने लगे, "काश! मुझे एक बार फिर लौटकर जाना हो, तो मैं उत्तमकारों में सम्मिलित हो जाऊँ।"	x
Bala qad jaatka ayatee fakaththabta biha waistakbarta wakunta mina alkafireena		But yes, there had come to you My verses, but you denied them and were arrogant, and you were among the disbelievers.	39:59	"क्यों नहीं, मेरी आयतें तेरे पास आ चुकी थीं, किन्तु तूने उनको झूठलाया और घमंड किया और इनकार करनेवालों में सम्मिलित रहा	x
Wayawma alqiyamati tara allatheena kathaboo AAala Allahi wujoohuhum muswaddatun alaysa fee jahannama mathwan	**[Allah will blacken the faces of disbelivers, means he does not likes black faces. Also see 3:106-107.]**	And on the Day of Resurrection you will see those who lied about Allah [with] their faces blackened. Is there not in Hell a residence for the arrogant?	39:60	और क़ियामत के दिन तुम उन लोगों को देखोगे जिन्होंने अल्लाह पर झूठ घड़कर थोपा है कि उनके चेहरे स्याह है। क्या अहंकारियों का ठिकाना जहन्नम में नहीं हैं?"	**[अल्लाह काफ़िरों का मुँह काला कर देगा, इसका मतलब है कि उसे काले चेहरे पसंद नहीं हैं। 3:106-107 भी देखें।]**

Wayunajjee Allahu allatheena ittaqaw bimafazatihim la yamassuhumu alssooo wala hum yahzanoona	x	And Allah will save those who feared Him by their attainment; no evil will touch them, nor will they grieve.	39:61	इसके विपरीत अल्लाह उन लोगों को जिन्होंने डर रखा उन्हें उनकी सफलता के साथ मुक्ति प्रदान करेगा। न तो उन्हें कोई अनिष्ट छू सकेगा और न वे शोकाकुल होंगे	x
Allahu khaliqu kulli shayin wahuwa AAala kulli shayin wakeelun	**[Who is speaking.]**	Allah is the Creator of all things, and He is, over all things, Disposer of affairs.	39:62	अल्लाह हर चीज़ का स्रष्टा है और वही हर चीज़ का ज़िम्मा लेता है	x
Lahu maqaleedu alssamawati waalardi waallatheena kafaroo biayati	x	To Him belong the keys of the heavens and the earth. And they who disbelieve in the verses of Allah - it is those who are the losers.	39:63	उसी के पास आकाशों और धरती की कुँजियाँ है। और जिन लोगों ने हमारी आयतों का इनकार किया, वही है जो घाटे में है	x
Qul afaghayra Allahi tamuroonnee aAAbudu ayyuha aljahiloona	x	Say, [O Muhammad], "Is it other than Allah that you order me to worship, O ignorant ones?"	39:64	कहो, "क्या फिर भी तुम मुझसे कहते हो कि मैं अल्लाह के सिवा किसी और की बन्दगी करूँ, ऐ अज्ञानियों?"	x
Walaqad oohiya ilayka waila allatheena min qablika lain ashrakta layahbatanna AAamaluka walatakoonanna mina alkhasireena	x	And it was already revealed to you and to those before you that if you should associate [anything] with Allah, your work would surely become worthless, and you would surely be among the losers."	39:65	तुम्हारी ओर और जो तुमसे पहले गुज़र चुके हैं उनकी ओर भी वह्यस की जा चुकी है कि "यदि तुमने शिर्क किया तो तुम्हारा किया-धरा अनिवार्यतः अकारथ जाएगा और तुम अवश्य ही घाटे में पड़नेवालों में से हो जाओगे।"	x

Bali Allaha faoAAbud wakun mina alshshakireena	x	Rather, worship [only] Allah and be among the grateful.	39:66	नहीं, बल्कि अल्लाह ही की बन्दगी करो और कृतज्ञता दिखानेवालों में से हो जाओ	x
Wama qadaroo Allaha haqqa qadrihi waalardu jameeAAan qabdatuhu yawma alqiyamati waalssamawatu matwiyyatun biyameenihi subhanahu wataAAala AAamma	**[Allah is unlike creation 42:11 but could hear and see, Face 55:27, Loves 20:39, Hands 5:64, Two hands 38:74-75, Fist 39:67, Shin 68:42, sits on throne 69:17; Heaven or sky will be folded as if they are flat layers.]**	They have not appraised Allah with true appraisal, while the earth entirely will be [within] His grip on the Day of Resurrection, and the heavens will be folded in His right hand. Exalted is He and high above what they associate with Him.	39:67	उन्होंने अल्लाह की क़द्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी। हालाँकि क़ियामत के दिन सारी की सारी धरती उसकी मुट्ठी में होगी और आकाश उसके दाएँ हाथ में लिपटे हुए होंगे। महान और उच्च है वह उससे, जो वे साझी ठहराते है	**[अल्लाह अपनी बनाई हुई चीज़ों जैसा नहीं है (42:11), लेकिन वह सुन और देख सकता है; उसका चेहरा है (55:27); वह प्यार करता है (20:39); उसके हाथ हैं (5:64); उसके दो हाथ हैं (38:74-75); उसकी मुट्ठी है (39:67); उसकी पिंडली है (68:42); वह सिंहासन पर बैठता है (69:17); आसमान या स्वर्ग को इस तरह लपेट दिया जाएगा, जैसे वे चपटी परतें हों।]**
Wanufikha fee alssoori fasaAAiqa man fee alssamawati waman fee alardi illa man shaa Allahu thumma nufikha feehi okhra faitha hum qiyamun yanthuroona	Horns will be blown two times of Day of Judgement.	And the Horn will be blown, and whoever is in the heavens and whoever is on the earth will fall dead except whom Allah wills. Then it will be blown again, and at once they will be standing, looking on.	39:68	और सूर (नरसिंघा) फूँका जाएगा, तो जो कोई आकाशों और जो कोई धरती में होगा वह अचेत हो जाएगा सिवाय उसके जिसको अल्लाह चाहे। फिर उसे दूबारा फूँका जाएगा, तो क्या देखेगे कि सहसा वे खड़े देख रहे है	क़यामत के दिन दो बार नरसिंगा फूंका जाएगा।

Waashraqati alardu binoori rabbiha wawudiAAa alkitabu wajeea bialnnabiyyeena waalshshuhadai waqudiya baynahum bialhaqqi wahum la yuthlamoona	x	And the earth will shine with the light of its Lord, and the record [of deeds] will be placed, and the prophets and the witnesses will be brought, and it will be judged between them in truth, and they will not be wronged.	39:69	और धरती रब के प्रकाश से जगमगा उठेगी, और किताब रखी जाएगी और नबियों और गवाहों को लाया जाएगा और लोगों के बीच हक़ के साथ फ़ैसला कर दिया जाएगा, और उनपर कोई ज़ुल्म न होगा	x
Wawuffiyat kullu nafsin ma AAamilat wahuwa aAAlamu bima yafAAaloona	x	And every soul will be fully compensated [for] what it did; and He is most knowing of what they do.	39:70	और प्रत्येक व्यक्ति को उसका किया भरपूर दिया जाएगा। और वह भली-भाँति जानता है, जो कुछ वे करते है	x
Waseeqa allatheena kafaroo ila jahannama zumaran hatta itha jaooha futihat abwabuha waqala lahum khazanatuha alam yatikum rusulun minkum yatloona AAalaykum ayati rabbikum wayunthiroonakum liqaa yawmikum hatha qaloo bala walakin haqqat kalimatu alAAathabi AAala alkafireena	x	And those who disbelieved will be driven to Hell in groups until, when they reach it, its gates are opened and its keepers will say, "Did there not come to you messengers from yourselves, reciting to you the verses of your Lord and warning you of the meeting of this Day of yours?" They will say, "Yes, but the word of punishment has come into effect upon the disbelievers.	39:71	जिन लोगों ने इनकार किया, वे गिरोह के गिरोह जहन्नम की ओर ले जाए जाएँगे, यहाँ तक कि जब वे वहाँ पहुँचेगे तो उसके द्वार खोल दिए जाएँगे और उसके प्रहरी उनसे कहेंगे, "क्या तुम्हारे पास तुम्हीं में से रसूल नहीं आए थे जो तुम्हें तुम्हारे रब की आयतें सुनाते रहे हों और तुम्हें इस दिन की मुलाक़ात से सचेत करते रहे हों?" वे कहेंगे, "क्यों नहीं (वे तो आए थे) ।" किन्तु इनकार करनेवालों पर यातना की बात सत्यापित होकर रही	x

Qeela odkhuloo abwaba jahannama khalideena feeha fabisa mathwa almutakabbireena	x	[To them] it will be said, "Enter the gates of Hell to abide eternally therein, and wretched is the residence of the arrogant."	39:72	कहा जाएगा, "जहन्नम के द्वारों में प्रवेश करो। उसमें सदैव रहने के लिए।" तो बहुत ही बुरा ठिकाना है अहंकारियों का!	x
Waseeqa allatheena ittaqaw rabbahum ila aljannati zumaran hatta itha jaooha wafutihat abwabuha waqala lahum khazanatuha salamun AAalaykum tibtum faodkhulooha khalideena	x	But those who feared their Lord will be driven to Paradise in groups until, when they reach it while its gates have been opened and its keepers say, "Peace be upon you; you have become pure; so enter it to abide eternally therein," [they will enter].	39:73	और जो लोग अपने रब का डर रखते थे, वे गिरोह के गिरोह जन्नत की ओर ले जाएँगे, यहाँ तक कि जब वे वहाँ पहुँचेंगे इस हाल में कि उसके द्वार खुले होंगे। और उसके प्रहरी उनसे कहेंगे, "सलाम हो तुमपर! बहुत अच्छे रहे! अतः इसमें प्रवेश करो सदैव रहने के लिए तो (उनकी ख़ुशियों का क्या हाल होगा!)	x
Waqaloo alhamdu lillahi allathee sadaqana waAAdahu waawrathana alarda natabawwao mina aljannati haythu nashao faniAAma ajru alAAamileena	x	And they will say, "Praise to Allah, who has fulfilled for us His promise and made us inherit the earth [so] we may settle in Paradise wherever we will. And excellent is the reward of [righteous] workers."	39:74	और वे कहेंगे, "प्रशंसा अल्लाह के लिए, जिसने हमारे साथ अपना वादा सच कर दिखाया, और हमें इस भूमि का वारिस बनाया कि हम जन्नत में जहाँ चाहें वहाँ रहें-बसे।" अतः क्या ही अच्छा प्रतिदान है कर्म करनेवालों का!-	x

Watara almalaikata haffeena min hawli alAAarshi yusabbihoona bihamdi rabbihim waqudiya baynahum bialhaqqi waqeela alhamdu lillahi rabbi alAAalameena	x	And you will see the angels surrounding the Throne, exalting [Allah] with praise of their Lord. And it will be judged between them in truth, and it will be said, "[All] praise to Allah, Lord of the worlds."	39:75	और तुम फ़रिश्तों को देखोगे कि वे सिंहासन के गिर्द घेरा बाँधे हुए, अपने रब का गुणगान कर रहे है। और लोगों के बीच ठीक-ठीक फ़ैसला कर दिया जाएगा और कहा जाएगा, "सारी प्रशंसा अल्लाह, सारे संसार के रब, के लिए है।"	x
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Ghafir (The Forgiver)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**40:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**ग़ाफ़िर (क्षमा करने वाला)**
Hameem	Mysterious letters	Ha, Meem.	40:1	हा॰ मीम॰	रहस्यमयी अक्षर
Tanzeelu alkitabi mina Allahi alAAazeezi alAAaleemi	Meccan surah: denunciations of the disbelievers but none of the exhortations to warfare.	The revelation of the Book is from Allah, the Exalted in Might, the Knowing.	40:2	इस किताब का अवतरण प्रभुत्वशाली, सर्वज्ञ अल्लाह की ओर से है,	मक्की सूरह: इसमें काफ़िरों की निंदा तो है, लेकिन युद्ध के लिए कोई उपदेश नहीं है।
Ghafiri alththanbi waqabili alttawbi shadeedi alAAiqabi thee alttawli la ilaha illa huwa ilayhi almaseeru	x	The forgiver of sin, acceptor of repentance, severe in punishment, owner of abundance. There is no deity except Him; to Him is the destination.	40:3	जो गुनाह क्षमा करनेवाला, तौबा क़बूल करनेवाला, कठोर दंड देनेवाला, शक्तिमान है। उसके अतिरिक्त कोई पूज्य-प्रभु नहीं। अन्ततः उसी की ओर जाना है	x
Ma yujadilu fee ayati Allahi illa allatheena kafaroo fala yaghrurka taqallubuhum fee albiladi	**[Various Muslim sects argue regading interpretation of many Quran verses.]**	No one disputes concerning the signs of Allah except those who disbelieve, so be not deceived by their [uninhibited] movement	40:4	अल्लाह की आयतों के बारे में बस वही लोग झगड़ते हैं जिन्होंने इनकार किया, तो नगरों में उसकी चलत-फिरत तुम्हें धोखे में न डाले	**[मुस्लिमों के अलग-अलग ग्रुप कुरान की कई आयतों के मतलब को लेकर बहस करते हैं।]**

Kaththabat qablahum qawmu noohin waalahzabu min baAAdihim wahammat kullu ommatin birasoolihim liyakhuthoohu wajadaloo bialbatili liyudhidoo bihi alhaqqa faakhathtuhum	**[Not every nation conspired against their messengers.]**	The people of Noah denied before them and the [disbelieving] factions after them, and every nation intended [a plot] for their messenger to seize him, and they disputed by [using] falsehood to [attempt to] invalidate thereby the truth. So I seized them, and how [terrible] was My penalty.	40:5	उनसे पहले नूह की क़ौम ने और उनके पश्चात दूसरों गिरोहों ने भी झुठलाया और हर समुदाय के लोगों ने अपने रसूलों के बारे में इरादा किया कि उन्हें पकड़ लें और वे सत्य का सहारा लेकर झगडे, ताकि उसके द्वारा सत्य को उखाड़ दें। अन्ततः मैंने उन्हें पकड़ लिया। तौ कैसी रही मेरी सज़ा!	**[हर क़ौम ने अपने दूतों के लिए साज़िश नहीं रची।]**
Wakathalika haqqat kalimatu rabbika AAala allatheena kafaroo annahum ashabu alnnari	x	And thus has the word of your Lord come into effect upon those who disbelieved that they are companions of the Fire.	40:6	और (जैसे दुनिया में सज़ा मिली) उसी प्रकार तेरे रब की यह बात भी उन लोगों पर सत्यापित हो गई है, जिन्होंने इनकार किया कि वे आग में पड़नेवाले है;	x

Allatheena yahmiloona alAAarsha waman hawlahu yusabbihoona bihamdi rabbihim wayuminoona bihi wayastaghfiroona lillatheena amanoo rabbana wasiAAta kulla shayin rahmatan waAAilman faighfir lillatheena taboo waittabaAAoo sabeelaka waqihim	**[Angels carry the throne of Allah.]**	Those [angels] who carry the Throne and those around it exalt [Allah] with praise of their Lord and believe in Him and ask forgiveness for those who have believed, [saying], "Our Lord, You have encompassed all things in mercy and knowledge, so forgive those who have repented and followed Your way and protect them from the punishment of Hellfire.	40:7	जो सिंहासन को उठाए हुए है और जो उसके चतुर्दिक हैं, अपने रब का गुणगान करते है और उस पर ईमान रखते है और उन लोगों के लिए क्षमा की प्रार्थना करते है जो ईमान लाए कि "ऐ हमारे रब! तू हर चीज़ को व्याप्त है। अतः जिन लोगों ने तौबा की और तेरे मार्ग का अनुसरण किया, उन्हें क्षमा कर दे और भड़कती हुई आग की यातना से बचा लें	**[फ़रिश्ते अल्लाह का सिंहासन उठाते हैं।]**
Rabbana waadkhilhum jannati AAadnin allatee waAAadtahum waman salaha min abaihim waazwajihim wathurriyyatihim innaka anta	x	Our Lord, and admit them to gardens of perpetual residence which You have promised them and whoever was righteous among their fathers, their spouses and their offspring. Indeed, it is You who is the Exalted in Might, the Wise.	40:8	ऐ हमारे रब! और उन्हें सदैव रहने के बागों में दाख़िल कर जिनका तूने उनसे वादा किया है और उनके बाप-दादा और उनकी पत्नि यों और उनकी सन्ततियों में से जो योग्य हुए उन्हें भी। निस्संदेह तू प्रभुत्वशाली, अत्यन्त तत्वदर्शी है	x

Waqihimu alssayyiati waman taqi alssayyiati yawmaithin faqad rahimtahu wathalika huwa alfawzu alAAatheemu	x	And protect them from the evil consequences [of their deeds]. And he whom You protect from evil consequences that Day - You will have given him mercy. And that is the great attainment."	40:9	और उन्हें अनिष्टों से बचा। जिसे उस दिन तूने अनिष्टों से बचा लिया, तो निश्चय ही उसपर तूने दया की। और वही बड़ी सफलता है।"	x
Inna allatheena kafaroo yunadawna lamaqtu Allahi akbaru min maqtikum anfusakum ith tudAAawna ila aleemani fatakfuroona	**[Allah hates the unbelievers even more than they hate themselves on day of resurrection.]**	Indeed, those who disbelieve will be addressed, "The hatred of Allah for you was [even] greater than your hatred of yourselves [this Day in Hell] when you were invited to faith, but you refused."	40:10	निश्चय ही जिन लोगों ने इनकार किया उन्हें पुकारकर कहा जाएगा कि "अपने आपसे जो तुम्हें विद्वेष एवं क्रोध है, तुम्हारे प्रति अल्लाह का क्रोध एवं द्वेष उससे कहीं बढकर है कि जब तुम्हें ईमान की ओर बुलाया जाता था तो तुम इनकार करते थे।"	**[अल्लाह क़यामत के दिन अविश्वासियों से उससे भी ज़्यादा नफ़रत करेगा, जितनी वे खुद से करेंगे।]**
Qaloo rabbana amattana ithnatayni waahyaytana ithnatayni faiAAtarafna bithunoobina fahal ila khuroojin min	Two deaths and two lives: “They were dead sperm and then were brought to life. Then they were made to die and then brought to life for the Resurrection.”	They will say, "Our Lord, You made us lifeless twice and gave us life twice, and we have confessed our sins. So is there to an exit any way?"	40:11	वे कहेंगे, "ऐ हमारे रब! तूने हमें दो बार मृत रखा और दो बार जीवन प्रदान किया। अब हमने अपने गुनाहों को स्वीकार किया, तो क्या अब (यहाँ से) निकलने का भी कोई मार्ग है?"	दो बार मृत और दो जीवन: “वे मृत शुक्राणु थे और फिर उन्हें जीवित किया गया। फिर उन्हें मृत्यु दी गई और फिर ‘पुनरुत्थान’ के लिए उन्हें पुनः जीवित किया गया।”

Thalikum biannahu itha duAAiya Allahu wahdahu kafartum wain yushrak bihi tuminoo faalhukmu lillahi alAAaliyyi alkabeeri	x	[They will be told], "That is because, when Allah was called upon alone, you disbelieved; but if others were associated with Him, you believed. So the judgement is with Allah, the Most High, the Grand."	40:12	वह (बुरा परिणाम) तो इसलिए सामने आएगा कि जब अकेला अल्लाह को पुकारा जाता है तो तुम इनकार करते हो। किन्तु यदि उसके साथ साझी ठहराया जाए तो तुम मान लेते हो। तो अब फ़ैसला तो अल्लाह ही के हाथ में है, जो सर्वोच्च बड़ा महान है। -	x
Huwa allathee yureekum ayatihi wayunazzilu lakum mina alssamai rizqan wama yatathakkaru illa man yuneebu	x	It is He who shows you His signs and sends down to you from the sky, provision. But none will remember except he who turns back [in repentance].	40:13	वही है जो तुम्हें अपनी निशानियाँ दिखाता है और तुम्हारे लिए आकाश से रोज़ी उतारता है, किन्तु याददिहानी तो बस वही हासिल करता है जो (उसकी ओर) रुजू करे	x
FaodAAoo Allaha mukhliseena lahu alddeena walaw kariha alkafiroona	x	So invoke Allah, [being] sincere to Him in religion, although the disbelievers dislike it.	40:14	अतः तुम अल्लाह ही को, धर्म को उसी के लिए विशुद्ध करते हुए, पुकारो, यद्यपि इनकार करनेवालों को अप्रिय ही लगे। -	x
RafeeAAu alddarajati thoo alAArshi yulqee alrrooha min amrihi AAala man yashao min AAibadihi liyunthira yawma alttalaqi	x	[He is] the Exalted above [all] degrees, Owner of the Throne; He places the inspiration of His command upon whom He wills of His servants to warn of the Day of Meeting.	40:15	वह ऊँचे दर्जोवाला, सिंहासनवाला है, अपने बन्दों में से जिसपर चाहता है, अपने हुक्म में से जिसपर चाहता है, अपने हुक्म से रूह उतारता है, ताकि वह मुलाक़ात के दिन से सावधान कर दे	x

Yawma hum barizoona la yakhfa AAala Allahi minhum shayon limani almulku alyawma lillahi alwahidi alqahhari	x	The Day they come forth nothing concerning them will be concealed from Allah. To whom belongs [all] sovereignty this Day? To Allah, the One, the Prevailing.	40:16	जिस दिन वे खुले रूप में सामने उपस्थित होंगे, उनकी कोई चीज़ अल्लाह से छिपी न रहेगी, "आज किसकी बादशाही है?" "अल्लाह की, जो अकेला सबपर क़ाबू रखनेवाला है।"	x
Alyawma tujza kullu nafsin bima kasabat la thulma alyawma inna Allaha sareeAAu alhisabi	x	This Day every soul will be recompensed for what it earned. No injustice today! Indeed, Allah is swift in account.	40:17	आज प्रत्येक व्यक्ति को उसकी कमाई का बदला दिया जाएगा। आज कोई ज़ुल्म न होगा। निश्चय ही अल्लाह हिसाब लेने में बहुत तेज है	x
Waanthirhum yawma alazifati ithi alquloobu lada alhanajiri kathimeena ma lilththalimeena min hameemin wala shafeeAAin yutaAAu	x	And warn them, [O Muhammad], of the Approaching Day, when hearts are at the throats, filled [with distress]. For the wrongdoers there will be no devoted friend and no intercessor [who is] obeyed.	40:18	(उन्हें अल्लाह की ओर बुलाओ) और उन्हें निकट आ जानेवाले (क़ियामत के) दिन से सावधान कर दो, जबकि उर (हृदय) कंठ को आ लगे होंगे और वे दबा रहे होंगे। ज़ालिमों का न कोई घनिष्ट मित्र होगा और न ऐसा सिफ़ारिशी जिसकी बात मानी जाए	x
YaAAlamu khainata alaAAyuni wama tukhfee alssudooru	x	He knows that which deceives the eyes and what the breasts conceal.	40:19	वह निगाहों की चोरी तक को जानता है और उसे भी जो सीने छिपा रहे होते है	x

WaAllahu yaqdee bialhaqqi waallatheena yadAAoona min doonihi la yaqdoona bishayin inna Allaha huwa alssameeAAu albaseeru	x	And Allah judges with truth, while those they invoke besides Him judge not with anything. Indeed, Allah - He is the Hearing, the Seeing.	40:20	अल्लाह ठीक-ठीक फ़ैसला कर देगा। रहे वे लोग जिन्हें वे अल्लाह को छोड़कर पुकारते हैं, वे किसी चीज़ का भी फ़ैसला करनेवाले नहीं। निस्संदेह अल्लाह ही है जो सुनता, देखता है	x
Awa lam yaseeroo fee alardi fayanthuroo kayfa kana AAaqibatu allatheena kanoo min qablihim kanoo hum ashadda minhum quwwatan waatharan fee alardi faakhathahumu Allahu bithunoobihim	The destroyed nations.	Have they not traveled through the land and observed how was the end of those who were before them? They were greater than them in strength and in impression on the land, but Allah seized them for their sins. And they had not from Allah any protector.	40:21	क्या वे धरती में चले-फिरे नहीं कि देखते कि उन लोगों का कैसा परिणाम हुआ, जो उनसे पहले गुज़र चुके है? वे शक्ति और धरती में अपने चिन्हों की दृष्टि\ से उनसे कहीं बढ़-चढ़कर थे, फिर उनके गुनाहों के कारण अल्लाह ने उन्हें पकड़ लिया। और अल्लाह से उन्हें बचानेवाला कोई न हुआ	तबाह सभ्यताएँ
Thalika biannahum kanat tateehim rusuluhum bialbayyinati fakafaroo faakhathahumu Allahu innahu qawiyyun shadeedu alAAiqabi	x	That was because their messengers were coming to them with clear proofs, but they disbelieved, so Allah seized them. Indeed, He is Powerful and severe in punishment.	40:22	वह (बुरा परिणाम) तो इसलिए सामने आया कि उनके पास उनके रसूल स्पष्ट प्रमाण लेकर आते रहे, किन्तु उन्होंने इनकार किया। अन्ततः अल्लाह ने उन्हें पकड़ लिया। निश्चय ही वह बड़ी शक्तिवाला, सज़ा देने में अत्याधिक कठोर है	x
Walaqad arsalna moosa biayatina wasultanin mubeenin	x	And We did certainly send Moses with Our signs and a clear authority	40:23	और हमने मूसा को भी अपनी निशानियों और स्पष्ट प्रमाण के साथ	x

Ila firAAawna wahamana waqaroona faqaloo sahirun kaththabun	Pharoah (who was the king of the Copts of Egypt), Haman, (who was his adviser). And Qarun, (who was the richest trader among the people of his time). **[According to the Bible, Hman was a powerful minister under the Persian king Xerxes (Hebrew: Ahasuerus) (486 - 465 BC).]**	To Pharaoh, Haman and Qarun; but they said, "[He is] a magician and a liar."	40:24	फ़िरऔन और हामान और क़ारून की ओर भेजा था, किन्तु उन्होंने कहा, "यह तो जादूगर है, बड़ा झूठा!"	"फ़राओ (जो मिस्र के कॉप्ट्स का राजा था), हमान, (जो उसका सलाहकार था)। और करून, (जो अपने समय के लोगों में सबसे अमीर व्यापारी था)। **[बाइबिल के अनुसार, हमान फ़ारसी राजा ज़ेरक्सेस (हिब्रू: अहस्यूरस) (486 - 465 BC) के तहत एक शक्तिशाली मंत्री था।]"**
Falamma jaahum bialhaqqi min AAindina qaloo oqtuloo abnaa allatheena amanoo maAAahu waistahyoo nisaahum wama kaydu alkafireena illa fee dalalin	**[Contradiction: Pharoah order killing of boys: When Musa was a child 20:39, When Musa became prophet 40:25. Islamic apologists say this was the second command. But its logic does not make sense.]**	And when he brought them the truth from Us, they said, "Kill the sons of those who have believed with him and keep their women alive." But the plan of the disbelievers is not except in error.	40:25	फिर जब वह उनके सामने हमारे पास से सत्य लेकर आया तो उन्होंने कहा, "जो लोग ईमान लेकर उसके साथ है, उनके बेटों को मार डालो औऱ उनकी स्त्रियों को जीवित छोड़ दो।" किन्तु इनकार करनेवालों की चाल तो भटकने ही के लिए होती है	**[विरोधाभास: फिरौन ने लड़कों को मारने का आदेश दिया: जब मूसा बच्चे थे 20:39, जब मूसा पैगंबर बने 40:25. इस्लामी समर्थक कहते हैं कि यह दूसरा आदेश था। लेकिन इसका लॉजिक समझ में नहीं आता।]**
Waqala firAAawnu tharoonee aqtul moosa walyadAAu rabbahu innee akhafu an yubaddila deenakum aw an yuthhira fee alardi alfasada	x	And Pharaoh said, "Let me kill Moses and let him call upon his Lord. Indeed, I fear that he will change your religion or that he will cause corruption in the land."	40:26	फ़िरऔन ने कहा, "मुझे छोड़ो, मैं मूसा को मार डालूँ और उसे चाहिए कि वह अपने रब को (अपनी सहायता के लिए) पुकारे। मुझे डर है कि ऐसा न हो कि वह तुम्हारे धर्म को बदल डाले या यह कि वह देश में बिगाड़ पैदा करे।"	x

Waqala moosa innee AAuthtu birabbee warabbikum min kulli mutakabbirin la yuminu biyawmi alhisabi	x	But Moses said, "Indeed, I have sought refuge in my Lord and your Lord from every arrogant one who does not believe in the Day of Account."	40:27	मूसा ने कहा, "मैंने हर अहंकारी के मुक़ाबले में, जो हिसाब के दिन पर ईमान नहीं रखता, अपने रब और तुम्हारे रब की शरण ले ली है।"	x
Waqala rajulun muminun min ali firAAawna yaktumu eemanahu ataqtuloona rajulan an yaqoola rabbiyya Allahu waqad jaakum bialbayyinati min rabbikum wain yaku kathiban faAAalayhi kathibuhu wain yaku sadiqan yusibkum baAAdu allathee yaAAidukum inna Allaha la yahdee man huwa musrifun kaththabun	There was a believeing man in Pharoah family. In addition wife of Pharoah and the one who said, ("O Moses, indeed the eminent ones are conferring over you [intending] to kill you.") (28:20) were believers.	And a believing man from the family of Pharaoh who concealed his faith said, "Do you kill a man [merely] because he says, 'My Lord is Allah' while he has brought you clear proofs from your Lord? And if he should be lying, then upon him is [the consequence of] his lie; but if he should be truthful, there will strike you some of what he promises you. Indeed, Allah does not guide one who is a transgressor and a liar.	40:28	फ़िरऔन के लोगों में से एक ईमानवाले व्यक्ति ने, जो अपने ईमान को छिपा रहा था, कहा, "क्या तुम एक ऐसे व्यक्ति को इसलिए मार डालोगे कि वह कहता है कि मेरा रब अल्लाह है और वह तुम्हारे पास तुम्हारे रब की ओर से खुले प्रमाण भी लेकर आया है? यदि वह झूठा है तो उसके झूठ का वबाल उसी पर पड़ेगा। किन्तु यदि वह सच्चा है तो जिस चीज़ की वह तुम्हें धमकी दे रहा है, उसमें से कुछ न कुछ तो तुमपर पड़कर रहेगा। निश्चय ही अल्लाह उसको मार्ग नहीं दिखाता जो मर्यादाहीन, बड़ा झूठा हो	फ़िरौन के परिवार में एक ईमान वाला व्यक्ति था। इसके अलावा, फ़िरौन की पत्नी और वह व्यक्ति जिसने कहा था, ("ऐ मूसा! वास्तव में, बड़े लोग तुम्हारे बारे में सलाह-मशविरा कर रहे हैं [और उनका इरादा] तुम्हें मार डालने का है।") (28:20) — ये सभी ईमान वाले थे।

Ya qawmi lakumu almulku alyawma thahireena fee alardi faman yansuruna min basi Allahi in jaana qala firAAawnu ma oreekum illa ma ara wama ahdeekum illa sabeela alrrashadi	x	O my people, sovereignty is yours today, [your being] dominant in the land. But who would protect us from the punishment of Allah if it came to us?" Pharaoh said, "I do not show you except what I see, and I do not guide you except to the way of right conduct."	40:29	ऐ मेरी क़ौम के लोगो! आज तुम्हारी बादशाही है। धरती में प्रभावी हो। किन्तु अल्लाह की यातना के मुक़ाबले में कौन हमारी सहायता करेगा, यदि वह हम पर आ जाए?" फ़िरऔन ने कहा, "मैं तो तुम्हें बस वही दिखा रहा हूँ जो मैं स्वयं देख रहा हूँ और मैं तुम्हें बस ठीक रास्ता दिखा रहा हूँ, जो बुद्धिसंगत भी है।"	x
Waqala allathee amana ya qawmi innee akhafu AAalaykum mithla yawmi alahzabi	x	And he who believed said, "O my people, indeed I fear for you [a fate] like the day of the companies -	40:30	उस व्यक्ति ने, जो ईमान ला चुका था, कहा, "ऐ मेरी क़ौम के लोगो! मुझे भय है कि तुमपर (विनाश का) ऐसा दिन न आ पड़े, जैसा दूसरे विगत समुदायों पर आ पड़ा था।	x
Mithla dabi qawmi noohin waAAadin wathamooda waallatheena min baAAdihim wama Allahu yureedu thulman lilAAibadi	x	Like the custom of the people of Noah and of 'Aad and Thamud and those after them. And Allah wants no injustice for [His] servants.	40:31	जैसे नूह की क़ौम और आद और समूद और उनके पश्चात्वर्ती लोगों का हाल हुआ। अल्लाह तो ऐसा नहीं कि बन्दों पर कोई ज़ुल्म करना चाहे	x
Waya qawmi innee akhafu AAalaykum yawma alttanadi	Means Day of Judgement.	And O my people, indeed I fear for you the Day of Calling -	40:32	और ऐ मेरी क़ौम के लोगो! मुझे तुम्हारे बारे में चीख़-पुकार के दिन का भय है,	अर्थ — क़यामत का दिन।

Yawma tuwalloona mudbireena ma lakum mina Allahi min AAasimin waman yudlili Allahu fama lahu	Ibn Kathir explains that “whomever Allah sends astray will have no other guide except Him.” See 7:179, 10:99, and 32:13.	The Day you will turn your backs fleeing; there is not for you from Allah any protector. And whoever Allah leaves astray - there is not for him any guide.	40:33	जिस दिन तुम पीठ फेरकर भागोगे, तुम्हें अल्लाह से बचानेवाला कोई न होगा - और जिसे अल्लाह ही भटका दे उसे मार्ग दिखानेवाला कोई नहीं। -	इब्न कसीर बताते हैं कि “जिसे अल्लाह भटका दे, उसका उसके सिवा कोई और मार्गदर्शक नहीं होगा।” देखें 7:179, 10:99 और 32:13।
Walaqad jaakum yoosufu min qablu bialbayyinati fama ziltum fee shakkin mimma jaakum bihi hatta itha halaka qultum lan yabAAatha Allahu min baAAdihi rasoolan kathalika yudillu Allahu man huwa musrifun murtabun	x	And Joseph had already come to you before with clear proofs, but you remained in doubt of that which he brought to you, until when he died, you said, 'Never will Allah send a messenger after him.' Thus does Allah leave astray he who is a transgressor and skeptic."	40:34	हमने पहले भी तुम्हारे पास यूसुफ़ खुले प्रमाण लेकर आ चुके है, किन्तु जो कुछ वे लेकर तुम्हारे पास आए थे, उसके बारे में तुम बराबर सन्देह में पड़े रहे, यहाँ तक कि जब उनकी मृत्यु हो गई तो तुम कहने लगे, "अल्लाह उनके पश्चात कदापि कोई रसूल न भेजेगा।" इसी प्रकार अल्लाह उसे गुमराही में डाल देता है जो मर्यादाहीन, सन्देहों में पड़नेवाला हो। -	x
Allatheena yujadiloona fee ayati Allahi bighayri sultanin atahum kabura maqtan AAinda Allahi waAAinda allatheena amanoo kathalika yatbaAAu Allahu AAala kulli qalbi mutakabbirin jabbarin	**[Contradiction: Allah seals the hearts – 2:7, 4:155, 7:100, 7:101, 9:87, 9:93, 10:74, 16:108, 30:59, 40:35, 45:23, 47:16, 63:3; Does not seals – 2:20, 42:24, 6:46]**	Those who dispute concerning the signs of Allah without an authority having come to them - great is hatred [of them] in the sight of Allah and in the sight of those who have believed. Thus does Allah seal over every heart [belonging to] an arrogant tyrant.	40:35	ऐसे लोगो को (गुमराही में डालता है) जो अल्लाह की आयतों में झगड़ते है, बिना इसके कि उनके पास कोई प्रमाण आया हो, अल्लाह की दृष्टि) में और उन लोगों की दृष्टि में जो ईमान लाए यह (बात) अत्यन्त अप्रिय है। इसी प्रकार अल्लाह हर अहंकारी, निर्दय- अत्याचारी के दिल पर मुहर लगा देता है। -	**[विरोधाभास: अल्लाह दिलों पर मुहर लगा देता है – 2:7, 4:155, 7:100, 7:101, 9:87, 9:93, 10:74, 16:108, 30:59, 40:35, 45:23, 47:16, 63:3; मुहर नहीं लगाता – 2:20, 42:24, 6:46]**

Waqala firAAawnu ya hamanu ibni lee sarhan laAAallee ablughu alasbaba	x	And Pharaoh said, "O Haman, construct for me a tower that I might reach the ways -	40:36	फ़िरऔन ने कहा, "ऐ हामान! मेरे एक उच्च भवन बना, ताकि मैं साधनों तक पहुँच सकूँ,	x
Asbaba alssamawati faattaliAAa ila ilahi moosa wainnee laathunnuhu kathiban wakathalika zuyyina lifirAAawna sooo AAamalihi wasudda AAani alssabeeli wama kaydu firAAawna illa fee	**[Why Allah will make evil attractive to someone. Also, Ramses II did not die by drowning, and on top of that he did not die until several years after the possible exodus.]**	The ways into the heavens - so that I may look at the deity of Moses; but indeed, I think he is a liar." And thus was made attractive to Pharaoh the evil of his deed, and he was averted from the [right] way. And the plan of Pharaoh was not except in ruin.	40:37	आकाशों को साधनों (और क्षत्रों) तक। फिर मूसा के पूज्य को झाँककर देखूँ। मैं तो उसे झूठा ही समझता हूँ।" इस प्रकार फ़िरऔन को लिए उसका दुष्कर्म सुहाना बना दिया गया और उसे मार्ग से रोक दिया गया। फ़िरऔन की चाल तो बस तबाही के सिलसिले में रही	**[अल्लाह किसी के लिए बुराई को आकर्षक क्यों बनाएगा। इसके अलावा, रामसेस II डूबने से नहीं मरा था, और इसके अलावा वह संभावित पलायन के कई सालों बाद तक नहीं मरा था।]**
Waqala allathee amana ya qawmi ittabiAAooni ahdikum sabeela alrrashadi	x	And he who believed said, "O my people, follow me, I will guide you to the way of right conduct.	40:38	उस व्यक्ति ने, जो ईमान लाया था, कहा, "ऐ मेरी क़ौम के लोगो! मेरा अनुसरण करो, मैं तुम्हे भलाई का ठीक रास्ता दिखाऊँगा	x
Ya qawmi innama hathihi alhayatu alddunya mataAAun wainna alakhirata hiya daru alqarari	x	O my people, this worldly life is only [temporary] enjoyment, and indeed, the Hereafter - that is the home of [permanent] settlement.	40:39	ऐ मेरी क़ौम के लोगो! यह सांसारिक जीवन तो बस अस्थायी उपभोग है। निश्चय ही स्थायी रूप से ठहरनेका घर तो आख़िरत ही है	x

Man AAamila sayyiatan fala yujza illa mithlaha waman AAamila salihan min thakarin aw ontha wahuwa muminun faolaika yadkhuloona aljannata yurzaqoona feeha	x	Whoever does an evil deed will not be recompensed except by the like thereof; but whoever does righteousness, whether male or female, while he is a believer - those will enter Paradise, being given provision therein without account.	40:40	जिस किसी ने बुराई की तो उसे वैसा ही बदला मिलेगा, किन्तु जिस किसी ने अच्छा कर्म किया, चाहे वह पुरुष हो या स्त्री, किन्तु हो वह मोमिन, तो ऐसे लोग जन्नत में प्रवेश करेंगे। वहाँ उन्हें बेहिसाब दिया जाएगा	x
Waya qawmi ma lee adAAookum ila alnnajati watadAAoonanee ila alnnari	x	And O my people, how is it that I invite you to salvation while you invite me to the Fire?	40:41	ऐ मेरी क़ौम के लोगो! यह मेरे साथ क्या मामला है कि मैं तो तुम्हें मुक्ति की ओर बुलाता हूँ और तुम मुझे आग की ओर बुला रहे हो?	x
TadAAoonanee liakfura biAllahi waoshrika bihi ma laysa lee bihi AAilmun waana adAAookum ila alAAazeezi alghaffari	x	You invite me to disbelieve in Allah and associate with Him that of which I have no knowledge, and I invite you to the Exalted in Might, the Perpetual Forgiver.	40:42	तुम मुझे बुला रहे हो कि मैं अल्लाह के साथ कुफ़्र करूँ और उसके साथ उसे साझी ठहराऊँ जिसका मुझे कोई ज्ञान नहीं, जबकि मैं तुम्हें बुला रहा हूँ उसकी ओर जो प्रभुत्वशाली, अत्यन्त क्षमाशील है	x
La jarama annama tadAAoonanee ilayhi laysa lahu daAAwatun fee alddunya wala fee alakhirati waanna maraddana ila Allahi waanna almusrifeena hum	x	Assuredly, that to which you invite me has no [response to a] supplication in this world or in the Hereafter; and indeed, our return is to Allah, and indeed, the transgressors will be companions of the Fire.	40:43	निस्संदेह तुम मुझे जिसकी ओर बुलाते हो उसके लिए न संसार में आमंत्रण है और न आख़िरत (परलोक) में और यह की हमें लौटना भी अल्लाह ही की ओर है और यह कि जो मर्यादाही है, वही आग (में पड़नेवाले) वाले है	x

Fasatathkuroona ma aqoolu lakum waofawwidu amree ila Allahi inna Allaha baseerun bialAAibadi	x	And you will remember what I [now] say to you, and I entrust my affair to Allah. Indeed, Allah is Seeing of [His] servants."	40:44	अतः शीघ्र ही तुम याद करोगे, जो कुछ मैं तुमसे कह रहा हूँ। मैं तो अपना मामला अल्लाह को सौंपता हूँ। निस्संदेह अल्लाह की दृष्टि सब बन्दों पर है	x
Fawaqahu Allahu sayyiati ma makaroo wahaqa biali firAAawna sooo alAAathabi	x	So Allah protected him from the evils they plotted, and the people of Pharaoh were enveloped by the worst of punishment -	40:45	अन्ततः जो चाल वे चल रहे थे, उसकी बुराइयों से अल्लाह ने उसे बचा लिया और फ़िरऔनियों को बुरी यातना ने आ घेरा;	x
Alnnaru yuAAradoona AAalayha ghuduwwan waAAashiyyan wayawma taqoomu alssaAAatu adkhiloo ala firAAawna ashadda	x	The Fire, they are exposed to it morning and evening. And the Day the Hour appears [it will be said], "Make the people of Pharaoh enter the severest punishment."	40:46	अर्थात आग ने; जिसके सामने वे प्रातःकाल और सायंकाल पेश किए जाते है। और जिन दिन क़ियामत की घड़ी घटित होगी (कहा जाएगा), "फ़िरऔन के लोगों को निकृष्ट तम यातना में प्रविष्टी कराओ!"	x
Waith yatahajjoona fee alnnari fayaqoolu aldduAAafao lillatheena istakbaroo inna kunna lakum tabaAAan fahal antum mughnoona	x	And [mention] when they will argue within the Fire, and the weak will say to those who had been arrogant, "Indeed, we were [only] your followers, so will you relieve us of a share of the Fire?"	40:47	और सोचो जबकि वे आग के भीतर एक-दूसरे से झगड़ रहे होंगे, तो कमज़ोर लोग उन लोगों से, जो बड़े बनते थे, कहेंगे, "हम तो तुम्हारे पीछे चलनेवाले थे। अब क्या तुम हमपर से आग का कुछ भाग हटा सकते हो?"	x

Qala allatheena istakbaroo inna kullun feeha inna Allaha qad hakama bayna alAAibadi	x	Those who had been arrogant will say, "Indeed, all [of us] are in it. Indeed, Allah has judged between the servants."	40:48	वे लोग, जो बड़े बनते थे, कहेंगे, "हममें से प्रत्येक इसी में पड़ा है। निश्चय ही अल्लाह बन्दों के बीच फ़ैसला कर चुका।"	x
Waqala allatheena fee alnnari likhazanati jahannama odAAoo rabbakum yukhaffif AAanna yawman	x	And those in the Fire will say to the keepers of Hell, "Supplicate your Lord to lighten for us a day from the punishment."	40:49	जो लोग आग में होंगे वे जहन्नम के प्रहरियों से कहेंगे कि "अपने रब को पुकारो कि वह हमपर से एक दिन यातना कुछ हल्की कर दे!"	x
Qaloo awalam taku tateekum rusulukum bialbayyinati qaloo bala qaloo faodAAoo wama duAAao alkafireena illa fee dalalin	x	They will say, "Did there not come to you your messengers with clear proofs?" They will say, "Yes." They will reply, "Then supplicate [yourselves], but the supplication of the disbelievers is not except in error."	40:50	वे कहेंगे, "क्या तुम्हारे पास तुम्हारे रसूल खुले प्रमाण लेकर नहीं आते रहे?" कहेंगे, "क्यों नहीं!" वे कहेंगे, "फिर तो तुम्ही पुकारो।" किन्तु इनकार करनेवालों की पुकार तो बस भटककर ही रह जाती है	x
Inna lanansuru rusulana waallatheena amanoo fee alhayati alddunya wayawma yaqoomu alashhadu	Allah promises to make his messengers victorious.	Indeed, We will support Our messengers and those who believe during the life of this world and on the Day when the witnesses will stand -	40:51	निश्चय ही हम अपने रसूलों की और उन लोगों की जो ईमान लाए अवश्य सहायता करते है, सांसारिक जीवन में भी और उस दिन भी, जबकि गवाह खड़े होंगे	अल्लाह अपने रसूलों को विजयी बनाने का वादा करता है।

Yawma la yanfaAAu alththalimeena maAAthiratuhum walahumu allaAAnatu	x	The Day their excuse will not benefit the wrongdoers, and they will have the curse, and they will have the worst home.	40:52	जिस दिन ज़ालिमों को उनका उज्र (सफ़ाई पेश करना) कुछ भी लाभ न पहुँचाएगा, बल्कि उनके लिए तो लानत है और उनके लिए बुरा घर है	x
Walaqad atayna moosa alhuda waawrathna banee israeela alkitaba	x	And We had certainly given Moses guidance, and We caused the Children of Israel to inherit the	40:53	मूसा को भी हम मार्ग दिखा चुके है, और इसराईल की सन्तान को हमने किताब का उत्तराधिकारी बनाया,	x
Hudan wathikra liolee alalbabi	x	As guidance and a reminder for those of understanding.	40:54	जो बुद्धि और समझवालों के लिए मार्गदर्शन और अनुस्मृति थी	x
Faisbir inna waAAda Allahi haqqun waistaghfir lithanbika wasabbih bihamdi rabbika bialAAashiyyi waalibkari	**[Islamic faith asserts that prophet was sinless: But there are contradiction 40:55, 47:19, 48:2.]**	So be patient, [O Muhammad]. Indeed, the promise of Allah is truth. And ask forgiveness for your sin and exalt [Allah] with praise of your Lord in the evening and the	40:55	अतः धैर्य से काम लो। निश्चय ही अल्लाह का वादा सच्चा है और अपने क़सूर की क्षमा चाहो और संध्या समय और प्रातः की घड़ियों में अपने रब की प्रशंसा की तसबीह करो	**[इस्लामी धर्म का दावा है कि पैगंबर पाप रहित थे: लेकिन इसमें विरोधाभास है 40:55, 47:19, 48:2.]**
Inna allatheena yujadiloona fee ayati Allahi bighayri sultanin atahum in fee sudoorihim illa kibrun ma hum bibaligheehi faistaAAith biAllahi innahu huwa alssameeAAu	The disbelievers, who are motivated by nothing but pride, see 2:18.	Indeed, those who dispute concerning the signs of Allah without [any] authority having come to them - there is not within their breasts except pride, [the extent of] which they cannot reach. So seek refuge in Allah. Indeed, it is He who is the Hearing,	40:56	जो लोग बिना किसी ऐसे प्रमाण के जो उनके पास आया हो अल्लाह की आयतों में झगड़ते है उनके सीनों में केवल अहंकार है जिसतक वे पहुँचनेवाले नहीं। अतः अल्लाह की शरण लो। निश्चय ही वह सुनता, देखता है	वे अविश्वासी, जो केवल अहंकार से प्रेरित हैं—देखें 2:18।

Lakhalqu alssamawati waalardi akbaru min khalqi alnnasi walakinna akthara alnnasi la	x	The creation of the heavens and earth is greater than the creation of mankind, but most of the people do not know.	40:57	निस्संदेह, आकाशों और धरती को पैदा करना लोगों को पैदा करने की अपेक्षा अधिक बड़ा (कठिन) काम है। किन्तु अधिकतर लोग नहीं जानते	x
Wama yastawee alaAAma waalbaseeru waallatheena amanoo waAAamiloo alssalihati wala almuseeo qaleelan ma tatathakkaroona	x	And not equal are the blind and the seeing, nor are those who believe and do righteous deeds and the evildoer. Little do you remember.	40:58	अंधा और आँखोंवाला बराबर नहीं होते, और वे लोग भी परस्पर बराबर नहीं होते जिन्होंने ईमान लाकर अच्छे कर्म किए, और न बुरे कर्म करनेवाले ही परस्पर बराबर हो सकते है। तुम होश से काम थोड़े ही लेते हो!	x
Inna alssaAAata laatiyatun la rayba feeha walakinna akthara alnnasi la yuminoona	x	Indeed, the Hour is coming - no doubt about it - but most of the people do not believe.	40:59	निश्चय ही क़ियामत की घड़ी आनेवाली है, इसमें कोई सन्देह नहीं। किन्तु अधिकतर लोग मानते नही	x
Waqala rabbukumu odAAoonee astajib lakum inna allatheena yastakbiroona AAan AAibadatee sayadkhuloona jahannama	x	And your Lord says, "Call upon Me; I will respond to you." Indeed, those who disdain My worship will enter Hell [rendered] contemptible.	40:60	तुम्हारे रब ने कहा कि "तुम मुझे पुकारो, मैं तुम्हारी प्रार्थनाएँ स्वीकार करूँगा।" जो लोग मेरी बन्दगी के मामले में घमंड से काम लेते है निश्चय ही वे शीघ्र ही अपमानित होकर जहन्नम में प्रवेश करेंगे	x

Allahu allathee jaAAala lakumu allayla litaskunoo feehi waalnnahara mubsiran inna Allaha lathoo fadlin AAala alnnasi walakinna akthara alnnasi la yashkuroona	x	It is Allah who made for you the night that you may rest therein and the day giving sight. Indeed, Allah is full of bounty to the people, but most of the people are not grateful.	40:61	अल्लाह ही है जिसने तुम्हारे लिए रात (अंधकारमय) बनाई, तुम उसमें शान्ति प्राप्त करो और दिन को प्रकाशमान बनाया (ताकि उसमें दौड़-धूप करो) । निस्संदेह अल्लाह लोगों के लिए बड़ा उदार अनुग्रहवाला हैं, किन्तु अधिकतर लोग कृतज्ञता नहीं दिखाते	x
Thalikumu Allahu rabbukum khaliqu kulli shayin la ilaha illa huwa faanna tufakoona	x	That is Allah, your Lord, Creator of all things; there is no deity except Him, so how are you deluded?	40:62	वह है अल्लाह, तुम्हारा रब, हर चीज़ का पैदा करनेवाला! उसके सिवा कोई पूज्य-प्रभु नहीं। फिर तुम कहाँ उलटे फिरे जा रहे हो?	x
Kathalika yufaku allatheena kanoo biayati Allahi yajhadoona	x	Thus were those [before you] deluded who were rejecting the signs of Allah.	40:63	इसी प्रकार वे भी उलटे फिरे जाते थे जो अल्लाह की निशानियों का इनकार करते थे	x
Allahu allathee jaAAala lakumu alarda qararan waalssamaa binaan wasawwarakum faahsana suwarakum warazaqakum mina alttayyibati thalikumu Allahu rabbukum fatabaraka Allahu	**[Sky is not a ceiling.]**	It is Allah who made for you the earth a place of settlement and the sky a ceiling and formed you and perfected your forms and provided you with good things. That is Allah, your Lord; then blessed is Allah, Lord of the worlds.	40:64	अल्लाह ही है जिसने तुम्हारे लिए धरती को ठहरने का स्थान बनाया और आकाश को एक भवन के रूप में बनाया, और तुम्हें रूप दिए तो क्या ही अच्छे रूप दिए, और तुम्हें अच्छी पाक चीज़ों की रोज़ी दी। वह है अल्लाह, तुम्हारा रब। तो बड़ी बरकतवाला है अल्लाह, सारे संसार का रब	**[आसमान कोई छत नहीं है।]**

Huwa alhayyu la ilaha illa huwa faodAAoohu mukhliseena lahu alddeena alhamdu lillahi rabbi alAAalameena	x	He is the Ever-Living; there is no deity except Him, so call upon Him, [being] sincere to Him in religion. [All] praise is [due] to Allah, Lord of the worlds.	40:65	वह जीवन्त है। उसके सिवा कोई पूज्य-प्रभु नहीं। अतः उसी को पुकारो, धर्म को उसी के लिए विशुद्ध करके। सारी प्रशंसा अल्लाह ही के लिए है, जो सारे संसार का रब है	x
Qul innee nuheetu an aAAbuda allatheena tadAAoona min dooni Allahi lamma jaaniya albayyinatu min rabbee waomirtu an oslima lirabbi alAAalameena	x	Say, [O Muhammad], "Indeed, I have been forbidden to worship those you call upon besides Allah once the clear proofs have come to me from my Lord, and I have been commanded to submit to the Lord of the worlds."	40:66	कह दो, "मुझे इससे रोक दिया गया है कि मैं उनकी बन्दगी करूँ जिन्हें अल्लाह से हटकर पुकारते हो, जबकि मेरे पास मेरे रब की ओर से खुले प्रमाण आ चुके है। मुझे तो हुक्म हुआ है कि मैं सारे संसार के रब के आगे नतमस्तक हो जाऊँ।" -	x

Huwa allathee khalaqakum min turabin thumma min nutfatin thumma min AAalaqatin thumma yukhrijukum tiflan thumma litablughoo ashuddakum thumma litakoonoo shuyookhan waminkum man yutawaffa min qablu walitablughoo ajalan musamman walaAAallakum	**[If Allah decides the timing of death, then why people are charged for murder. Why suicide is condemened.]**	It is He who created you from dust, then from a sperm-drop, then from a clinging clot; then He brings you out as a child; then [He develops you] that you reach your [time of] maturity, then [further] that you become elders. And among you is he who is taken in death before [that], so that you reach a specified term; and perhaps you will use reason.	40:67	वही है जिसने तुम्हें मिट्टी से पैदा, फिर वीर्य से, फिर रक्त के लोथड़े से; फिर वह तुम्हें एक बच्चे के रूप में निकालता है, फिर (तुम्हें बढ़ाता है) ताकि अपनी प्रौढ़ता को प्राप्ति हो, फिर मुहलत देता है कि तुम बुढापे को पहुँचो - यद्यपि तुममें से कोई इससे पहले भी उठा लिया जाता है - और यह इसलिए करता है कि तुम एक नियत अवधि तक पहुँच जाओ और ऐसा इसलिए है कि तुम समझो	**[अगर अल्लाह मौत का समय तय करता है, तो लोगों पर हत्या का आरोप क्यों लगाया जाता है? आत्महत्या को गलत क्यों ठहराया जाता है?]**
Huwa allathee yuhyee wayumeetu faitha qada amran fainnama yaqoolu lahu kun fayakoonu	x	He it is who gives life and causes death; and when He decrees a matter, He but says to it, "Be," and it is.	40:68	वही है जो जीवन और मृत्यु देता है, और जब वह किसी काम का फ़ैसला करता है, तो उसके लिए बस कह देता है कि 'हो जा' तो वह हो जाता है	x
Alam tara ila allatheena yujadiloona fee ayati Allahi anna yusrafoona	x	Do you not consider those who dispute concerning the signs of Allah - how are they averted?	40:69	क्या तुमने उन लोगों को नहीं देखा जो अल्लाह की आयतों के बारे में झगड़ते है, वे कहाँ फिरे जाते हैं?	x

Allatheena kaththaboo bialkitabi wabima arsalna bihi rusulana fasawfa yaAAlamoona	x	Those who deny the Book and that with which We sent Our messengers - they are going to know,	40:70	जिन लोगों ने किताब को झुठलाया और उसे भी जिसके साथ हमने अपने रसूलों को भेजा था। तो शीघ्र ही उन्हें मालूम हो जाएगा	x
Ithi alaghlalu fee aAAnaqihim waalssalasilu yushaboona	**[Allah is very vengenceful.]**	When the shackles are around their necks and the chains; they will be dragged	40:71	जबकि तौक़ उनकी गरदनों में होंगे और ज़ंजीरें (उनके पैरों में)	**[अल्लाह बहुत बदला लेने वाला है।]**
Fee alhameemi thumma fee alnnari yusjaroona	x	In boiling water; then in the Fire they will be filled [with flame].	40:72	वे खौलते हुए पानी में घसीटे जाएँगे, फिर आग में झोंक दिए जाएँगे	x
Thumma qeela lahum ayna ma kuntum tushrikoona	x	Then it will be said to them, "Where is that which you used to associate [with Him in worship]	40:73	फिर उनसे कहा जाएगा, "कहाँ है वे जिन्हें प्रभुत्व में साझी ठहराकर तुम अल्लाह के सिवा पूजते थे?"	x
Min dooni Allahi qaloo dalloo AAanna bal lam nakun nadAAoo min qablu shayan kathalika yudillu Allahu alkafireena	**[Allah puts the disbelivers astray]**	Other than Allah?" They will say, "They have departed from us; rather, we did not used to invoke previously anything." Thus does Allah put astray the disbelievers.	40:74	वे कहेंगे, "वे हमसे गुम होकर रह गए, बल्कि हम इससे पहले किसी चीज़ को नहीं पुकारते थे।" इसी प्रकार अल्लाह इनकार करनेवालों को भटकता छोड़ देता है	**[अल्लाह काफ़िरों को गुमराह कर देता है]**
Thalikum bima kuntum tafrahoona fee alardi bighayri alhaqqi wabima kuntum tamrahoona	x	[The angels will say], "That was because you used to exult upon the earth without right and you used to behave insolently.	40:75	"यह इसलिए कि तुम धरती में नाहक़ मग्न थे और इसलिए कि तुम इतराते रहे हो	x

Odkhuloo abwaba jahannama khalideena feeha fabisa mathwa almutakabbireena	x	Enter the gates of Hell to abide eternally therein, and wretched is the residence of the arrogant."	40:76	प्रवेश करो जहन्नम के द्वारों में, उसमे सदैव रहने के लिए।" अतः बहुत ही बुरा ठिकाना है अहंकारियों का!	x
Faisbir inna waAAda Allahi haqqun faimma nuriyannaka baAAda allathee naAAiduhum aw natawaffayannaka failayna	x	So be patient, [O Muhammad]; indeed, the promise of Allah is truth. And whether We show you some of what We have promised them or We take you in death, it is to Us they will be returned.	40:77	अतः धैर्य से काम लो। निश्चय ही अल्लाह का वादा सच्चा है। तो जिस चीज़ की हम उन्हें धमकी दे रहे है उसमें से कुछ यदि हम तुम्हें दिखा दें या हम तुम्हे उठा लें, हर हाल में उन्हें लौटना तो हमारी ही ओर है	x
Walaqad arsalna rusulan min qablika minhum man qasasna AAalayka waminhum man lam naqsus AAalayka wama kana lirasoolin an yatiya biayatin illa biithni Allahi faitha jaa amru Allahi qudiya bialhaqqi wakhasira hunalika almubtiloona	x	And We have already sent messengers before you. Among them are those [whose stories] We have related to you, and among them are those [whose stories] We have not related to you. And it was not for any messenger to bring a sign [or verse] except by permission of Allah. So when the command of Allah comes, it will be concluded in truth, and the falsifiers will thereupon lose [all].	40:78	हम तुमसे पहले कितने ही रसूल भेज चुके है। उनमें से कुछ तो वे है जिनके वृत्तान्त का उल्लेख हमने तुमसे किया है और उनमें ऐसे भी है जिनके वृत्तान्त का उल्लेख हमने तुमसे नहीं किया। किसी रसूल को भी यह सामर्थ्य प्राप्त न थी कि वह अल्लाह की अनुज्ञा के बिना कोई निशानी ले आए। फिर जब अल्लाह का आदेश आ जाता है तो ठीक-ठीक फ़ैसला कर दिया जाता है। और उस समय झूठवाले घाटे में पड़ जाते है	x

Allahu allathee jaAAala lakumu alanAAama litarkaboo minha waminha takuloona	**[Animals evolved prior to human beings.]**	It is Allah who made for you the grazing animals upon which you ride, and some of them you eat.	40:79	अल्लाह ही है जिसने तुम्हारे लिए चौपाए बनाए ताकि उनमें से कुछ पर तुम सवारी करो और उनमें से कुछ को तुम खाते भी हो	**[जानवरों का विकास इंसानों से पहले हुआ।]**
Walakum feeha manafiAAu walitablughoo AAalayha hajatan fee sudoorikum waAAalayha waAAala alfulki tuhmaloona	x	And for you therein are [other] benefits and that you may realize upon them a need which is in your breasts; and upon them and upon ships you are carried.	40:80	उनमें तुम्हारे लिए और भी फ़ायदे है - और ताकि उनके द्वारा तुम उस आवश्यकता की पूर्ति कर सको जो तुम्हारे सीनों में हो, और उनपर भी और नौकाओं पर भी सवार होते हो	x
Wayureekum ayatihi faayya ayati Allahi tunkiroona	x	And He shows you His signs. So which of the signs of Allah do you deny?	40:81	और वह तुम्हें अपनी निशानियाँ दिखाता है। आख़िर तुम अल्लाह की कौन-सी निशानी को नहीं पहचानते?	x
Afalam yaseeroo fee alardi fayanthuroo kayfa kana AAaqibatu allatheena min qablihim kanoo akthara minhum waashadda quwwatan waatharan fee alardi fama aghna	The destroyed nations.	Have they not traveled through the land and observed how was the end of those before them? They were more numerous than themselves and greater in strength and in impression on the land, but they were not availed by what they used to earn.	40:82	फिर क्या वे धरती में चले-फिरे नहीं कि देखते कि उन लोगों का कैसा परिणाम हुआ, जो उनसे पहले गुज़र चुके है। वे उनसे अधिक थे और शक्ति और अपनी छोड़ी हुई निशानियों की दृष्टि से भी बढ़-चढ़कर थे। किन्तु जो कुछ वे कमाते थे, वह उनके कुछ भी काम न आया	तबाह सभ्यताएँ

Falamma jaathum rusuluhum bialbayyinati farihoo bima AAindahum mina alAAilmi wahaqa bihim ma kanoo bihi yastahzioona	x	And when their messengers came to them with clear proofs, they [merely] rejoiced in what they had of knowledge, but they were enveloped by what they used to ridicule.	40:83	फिर जब उनके रसूल उनके पास स्पष्ट प्रमाणों के साथ आए तो जो ज्ञान उनके अपने पास था वे उसी पर मग्न होते रहे और उनको उसी चीज़ ने आ घेरा जिसका वे परिहास करते थे	x
Falamma raaw basana qaloo amanna biAllahi wahdahu wakafarna bima kunna bihi mushrikeena	x	And when they saw Our punishment, they said," We believe in Allah alone and disbelieve in that which we used to associate with Him."	40:84	फिर जब उन्होंने हमारी यातना देखी तो कहने लगे, "हम ईमान लाए अल्लाह पर जो अकेला है और उसका इनकार किया जिसे हम उसका साझी ठहराते थे।"	x
Falam yaku yanfaAAuhum eemanuhum lamma raaw basana sunnata Allahi allatee qad khalat fee AAibadihi wakhasira hunalika alkafiroona	x	But never did their faith benefit them once they saw Our punishment. [It is] the established way of Allah which has preceded among His servants. And the disbelievers thereupon lost [all].	40:85	किन्तु उनका ईमान उनको कुछ भी लाभ नहीं पहुँचा सकता था जबकि उन्होंने हमारी यातना को देख लिया - यही अल्लाह की रीति है, जो उसके बन्दों में पहले से चली आई है - और उस समय इनकार करनेवाले घाटे में पड़कर रहे	x
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Fussilat (Explained in Detail)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**41:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**फ़ुस्सिलात (विस्तार से समझाया गया)**
Hameem	Mysterious letters	Ha, Meem.	41:1	हा॰ मीम॰	रहस्यमयी अक्षर

Tanzeelun mina alrrahmani alrraheemi	This Surah was revealed after Utba bin Rabia, a chieftain of the Quraysh, offered the prophet (pbuh) a series of proposals for giving him whatever he wants, and in return he will leave them in peace.	[This is] a revelation from the Entirely Merciful, the Especially Merciful -	41:2	यह अवतरण है बड़े कृपाशील, अत्यन्त दयावान की ओर से,	यह सूरह तब प्रकट हुई जब कुरैश के एक प्रमुख, उतबा बिन राबिया ने पैगंबर (स.) को कई प्रस्ताव दिए कि उन्हें जो कुछ भी चाहिए वह देगा, और इसके बदले में वह उन्हें शांति में छोड़ देंगे।
Kitabun fussilat ayatuhu quranan AAarabiyyan liqawmin yaAAlamoona	The “signs” are the verses of the Qur’an, as well as natural phenomena. **[There are many non-Arabic words. Also verses are not detailed as claimed.]**	A Book whose verses have been detailed, an Arabic Qur'an for a people who know,	41:3	एक किताब, जिसकी आयतें खोल-खोलकर बयान हुई है; अरबी कुरआन के रूप में, उन लोगों के लिए जो जानना चाहें;	“निशानियाँ” कुरआन की आयतें हैं, साथ ही प्राकृतिक घटनाएँ भी। **[कई गैर-अरबी शब्द हैं। इसके अलावा आयतें उतनी विस्तृत नहीं हैं जितना दावा किया गया है।]**
Basheeran wanatheeran faaAArada aktharuhum fahum la yasmaAAoona	x	As a giver of good tidings and a warner; but most of them turn away, so they do not hear.	41:4	शुभ सूचक एवं सचेतकर्त्ता किन्तु उनमें से अधिकतर कतरा गए तो वे सुनते ही नहीं	x
Waqaloo quloobuna fee akinnatin mimma tadAAoona ilayhi wafee athanina waqrun wamin baynina wabaynika hijabun faiAAmal innana AAamiloona	Refers to disbelievers.	And they say, "Our hearts are within coverings from that to which you invite us, and in our ears is deafness, and between us and you is a partition, so work; indeed, we are working."	41:5	और उनका कहना है कि "जिसकी ओर तुम हमें बुलाते हो उसके लिए तो हमारे दिल आवरणों में है। और हमारे कानों में बोझ है। और हमारे और तुम्हारे बीच एक ओट है; अतः तुम अपना काम करो, हम तो अपना काम करते है।"	अविश्वासियों का संदर्भ

Qul innama ana basharun mithlukum yooha ilayya annama ilahukum ilahun wahidun faistaqeemoo ilayhi waistaghfiroohu wawaylun lilmushrikeena	**[However, Prophet Muhammd (pbuh) is not considered to an ordinary man by Muslims.]**	Say, O [Muhammad], "I am only a man like you to whom it has been revealed that your god is but one God; so take a straight course to Him and seek His forgiveness." And woe to those who associate others with Allah -	41:6	कह दो, "मैं तो तुम्हीं जैसा मनुष्य हूँ। मेरी ओर प्रकाशना की जाती है कि तुम्हारा पूज्य-प्रभु बस अकेला पूज्य-प्रभु है। अतः तुम सीधे उसी का रुख करो और उसी से क्षमा-याचना करो - साझी ठहरानेवालों के लिए तो बड़ी तबाही है,	**[हालाँकि, मुसलमानों द्वारा पैगंबर मुहम्मद (स.) को एक सामान्य व्यक्ति नहीं माना जाता।]**
Allatheena la yutoona alzzakata wahum bialakhirati hum kafiroona	x	Those who do not give zakah, and in the Hereafter they are disbelievers.	41:7	जो ज़कात नहीं देते और वही है जो आख़िरत का इनकार करते है। -	x
Inna allatheena amanoo waAAamiloo alssalihati lahum ajrun ghayru	x	Indeed, those who believe and do righteous deeds - for them is a reward uninterrupted.	41:8	रहे वे लोग जो ईमान लाए और उन्होंने अच्छे कर्म किए, उनके लिए ऐसा बदला है जिसका क्रम टूटनेवाला नहीं।"	x
Qul ainnakum latakfuroona biallathee khalaqa alarda fee yawmayni watajAAaloona lahu andadan thalika rabbu alAAalameena	**[Allah created the universe in eight days 41:9-12, but in 7:54, 10:3, 11:7, 25:59, 32:4, and 50:38 say six days.]**	Say, "Do you indeed disbelieve in He who created the earth in two days and attribute to Him equals? That is the Lord of the worlds."	41:9	कहो, "क्या तुम उसका इनकार करते हो, जिसने धरती को दो दिनों (काल) में पैदा किया और तुम उसके समकक्ष ठहराते हो? वह तो सारे संसार का रब है	**[अल्लाह ने ब्रह्मांड को आठ दिनों में बनाया 41:9-12, लेकिन 7:54, 10:3, 11:7, 25:59, 32:4, और 50:38 में छह दिन कहा गया है।]**

WajaAAala feeha rawasiya min fawqiha wabaraka feeha waqaddara feeha aqwataha fee arbaAAati ayyamin sawaan lilssaileena	**x**	And He placed on the earth firmly set mountains over its surface, and He blessed it and determined therein its [creatures'] sustenance in four days without distinction - for [the information] of those who	41:10	और उसने उस (धरती) में उसके ऊपर से पहाड़ जमाए और उसमें बरकत रखी और उसमें उसकी ख़ुराकों को ठीक अंदाज़े से रखा। माँग करनेवालों के लिए समान रूप से यह सब चार दिन में हुआ	x
Thumma istawa ila alssamai wahiya dukhanun faqala laha walilardi itiya tawAAan aw karhan qalata atayna taiAAeena	Ibn Kathir: Heaven was made from steam coming out from earth. **[Creation of earth with animals and trees before moon/ sun / universe is problematic; Science: Earth was created much later than universe itself; Sky is an optical illusion; Also earth and sky speaking like living things; at'e'een should be at'e'atain.] .**	Then He directed Himself to the heaven while it was smoke and said to it and to the earth, "Come [into being], willingly or by compulsion." They said, "We have come willingly."	41:11	फिर उसने आकाश की ओर रुख़ किया, जबकि वह मात्र धुआँ था- और उसने उससे और धरती से कहा, 'आओ, स्वेच्छा के साथ या अनिच्छा के साथ।' उन्होंने कहा, 'हम स्वेच्छा के साथ आए।' -	इब्न क़थीर: स्वर्ग पृथ्वी से निकलने वाली भाप से बनाया गया था। **[पृथ्वी का निर्माण जानवरों और पेड़ों के साथ चंद्रमा/सूरज/ब्रह्मांड से पहले है यह समस्याग्रस्त है; विज्ञान: पृथ्वी का निर्माण स्वयं ब्रह्मांड के बाद हुआ; आकाश एक दृष्टि भ्रांति है; साथ ही पृथ्वी और आकाश जीवित चीज़ों की तरह बोल रहे हैं; 'आतीन' को 'आतीतैन' होना चाहिए।]**,

Faqadahunna sabAAa samawatin fee yawmayni waawha fee kulli samain amraha wazayyanna alssamaa alddunya bimasabeeha wahifthan thalika taqdeeru alAAazeezi alAAaleemi	**[The stars are in the nearest sky to hit the devils.]**	And He completed them as seven heavens within two days and inspired in each heaven its command. And We adorned the nearest heaven with lamps and as protection. That is the determination of the Exalted in Might, the Knowing.	41:12	फिर दो दिनों में उनको अर्थात सात आकाशों को बनाकर पूरा किया और प्रत्येक आकाश में उससे सम्बन्धित आदेश की प्रकाशना कर दी औऱ दुनिया के (निकटवर्ती) आकाश को हमने दीपों से सजाया (रात के यात्रियों के दिशा-निर्देश आदि के लिए) और सुरक्षित करने के उद्देश्य से। यह अत्.न्त प्रभुत्वशाली, सर्वज्ञ का ठहराया हुआ है।"	**[सितारे शैतानों को मारने के लिए सबसे नज़दीकी आकाश में हैं।]**
Fain aAAradoo fuqul anthartukum saAAiqatan mithla saAAiqati AAadin wathamooda	**[Contradiction: The people of Aad perished in 54:19 one day, 41:16 several days, 69:7 seven nights and eight days. People of Aad killed by: Wind 54:19, 41:16, 69:7, Thunderbold 41:13]; also there are different version about Thamud.]**	But if they turn away, then say, "I have warned you of a thunderbolt like the thunderbolt [that struck] 'Aad and Thamud.	41:13	अब यदि वे लोग ध्यान में न लाएँ तो कह दो, "मैं तुम्हें उसी तरह के कड़का (वज्रवात) से डराता हूँ, जैसा कड़का आद और समूद पर हुआ था।"	**[विरोधाभास: आद लोग 54:19 में एक दिन, 41:16 में कई दिन, 69:7 में सात रातें और आठ दिन में नष्ट हो गए। आद लोग किसके द्वारा मारे गए: हवा 54:19, 41:16, 69:7, बिजली 41:13]; समूद के बारे में भी अलग-अलग संस्करण हैं।**

Ith jaathumu alrrusulu min bayni aydeehim wamin khalfihim alla taAAbudoo illa Allaha qaloo law shaa rabbuna laanzala malaikatan fainna bima orsiltum bihi kafiroona	**[There demands for Angels was similar to idolators of Makkah.]**	[That occurred] when the messengers had come to them before them and after them, [saying], "Worship not except Allah." They said, "If our Lord had willed, He would have sent down the angels, so indeed we, in that with which you have been sent, are disbelievers."	41:14	जब उनके पास रसूल उनके आगे और उनके पीछे से आए कि "अल्लाह के सिवा किसी की बन्दगी न करो।" तो उन्होंने कहा, "यदि हमारा रब चाहता तो फ़रिश्तों को उतार देता। अतः जिस चीज़ के साथ तुम्हें भेजा गया है, हम उसे नहीं मानते।"	**[फरिश्तों के लिए उनकी फरमाइशें मक्का के मूर्तिपूजकों के समान थीं।]**
Faamma AAadun faistakbaroo fee alardi bighayri alhaqqi waqaloo man ashaddu minna quwwatan awalam yaraw anna Allaha allathee khalaqahum huwa ashaddu minhum quwwatan wakanoo biayatina yajhadoona	x	As for 'Aad, they were arrogant upon the earth without right and said, "Who is greater than us in strength?" Did they not consider that Allah who created them was greater than them in strength? But they were rejecting Our signs.	41:15	रहे आद, तो उन्होंने नाहक़ धरती में घमंड किया और कहा, "कौन हमसे शक्ति में बढ़कर है?" क्या उन्होंने नहीं देखा कि अल्लाह, जिसने उन्हें पैदा किया, वह उनसे शक्ति में बढ़कर है? वे तो हमारी आयतों का इनकार ही करते रहे	x

Faarsalna AAalayhim reehan sarsaran fee ayyamin nahisatin linutheeqahum AAathaba alkhizyi fee alhayati alddunya walaAAathabu alakhirati akhza wahum la	**[Contradiction: The people of Aad perished in 54:19 one day, 41:16 several days, 69:7 seven nights and eight days. People of Aad killed by: Wind 54:19, 41:16, 69:7, Thunderbold 41:13]**	So We sent upon them a screaming wind during days of misfortune to make them taste the punishment of disgrace in the worldly life; but the punishment of the Hereafter is more disgracing, and they will not be helped.	41:16	अन्ततः हमने कुछ अशुभ दिनों में उनपर एक शीत-झंझावात चलाई, ताकि हम उन्हें सांसारिक जीवन में अपमान और रुसवाई की यातना का मज़ा चखा दें। और आख़िरत की यातना तो इससे कहीं बढ़कर रुसवा करनेवाली है। और उनको कोई सहायता भी न मिल सकेगी	**[विरोधाभास: आद की जनता 54:19 में एक दिन, 41:16 में कई दिन, 69:7 में सात रातें और आठ दिन में नष्ट हुई। आद की जनता को मारने वाले: हवा 54:19, 41:16, 69:7, बिजली 41:13]**
Waamma thamoodu fahadaynahum faistahabboo alAAama AAala alhuda faakhathathum saAAiqatu alAAathabi alhooni bima kanoo yaksiboona	**[Contradiction: Thalmud were killed by: 7:78 earth-quake, 69:5 blast / lightening, 11:67 Awful cry.]**	And as for Thamud, We guided them, but they preferred blindness over guidance, so the thunderbolt of humiliating punishment seized them for what they used to earn.	41:17	और रहे समूद, तो हमने उनके सामने सीधा मार्ग दिखाया, किन्तु मार्गदर्शन के मुक़ाबले में उन्होंने अन्धा रहना ही पसन्द किया। परिणामतः जो कुछ वे कमाई करते रहे थे उसके बदले में अपमानजनक यातना के कड़के ने उन्हें आ पकड़ा	**[विरोधाभास: समूद की मौत हुई थी: 7:78 भूकंप, 69:5 विस्फोट / बिजली, 11:67 भयानक चीत्कार.]**
Wanajjayna allatheena amanoo wakanoo yattaqoona	x	And We saved those who believed and used to fear Allah.	41:18	और हमने उन लोगों को बचा लिया जो ईमान लाए थे और डर रखते थे	x
Wayawma yuhsharu aAAdao Allahi ila alnnari fahum yoozaAAoona	Disbelievers are enemies of Allah.	And [mention, O Muhammad], the Day when the enemies of Allah will be gathered to the Fire while they are [driven] assembled in rows,	41:19	और विचार करो जिस दिन अल्लाह के शत्रु आग की ओर एकत्र करके लाए जाएँगे, फिर उन्हें श्रेणियों में क्रमबद्ध किया जाएगा, यहाँ तक की जब वे उसके पास पहुँच जाएँगे	अविश्वासी अल्लाह के शत्रु हैं।

Hatta itha ma jaooha shahida AAalayhim samAAuhum waabsaruhum wajulooduhum bima kanoo yaAAmaloona	**[Body organs of disbelievers will speak against them.]**	Until, when they reach it, their hearing and their eyes and their skins will testify against them of what they used to do.	41:20	तो उनके कान और उनकी आँखें और उनकी खालें उनके विरुद्ध उन बातों की गवाही देंगी, जो कुछ वे करते रहे होंगे	**[काफिरों के शरीर के अंग उनके खिलाफ बोलेंगे।**
Waqaloo lijuloodihim lima shahidtum AAalayna qaloo antaqana Allahu allathee antaqa kulla shayin wahuwa khalaqakum awwala marratin wailayhi turjaAAoona	**[Disbelievers will also talk to their body organs.]**	And they will say to their skins, "Why have you testified against us?" They will say, "We were made to speak by Allah, who has made everything speak; and He created you the first time, and to Him you are returned.	41:21	वे अपनी खालों से कहेंगे, "तुमने हमारे विरुद्ध क्यों गवाही दी?" वे कहेंगी, "हमें उसी अल्लाह ने वाक्-शक्ति प्रदान की है, जिसने प्रत्येक चीज़ को वाक्-शक्ति प्रदान की।" - उसी ने तुम्हें पहली बार पैदा किया और उसी की ओर तुम्हें लौटना है	**[काफिर भी अपने शरीर के अंगों से बात करेंगे।]**
Wama kuntum tastatiroona an yashhada AAalaykum samAAukum wala absarukum wala juloodukum walakin thanantum anna Allaha la yaAAlamu katheeran mimma taAAmaloona	x	And you were not covering yourselves, lest your hearing testify against you or your sight or your skins, but you assumed that Allah does not know much of what you do.	41:22	तुम इस भय से छिपते न थे कि तुम्हारे कान तुम्हारे विरुद्ध गवाही देंगे, और न इसलिए कि तुम्हारी आँखें गवाही देंगी और न इस कारण से कि तुम्हारी खाले गवाही देंगी, बल्कि तुमने तो यह समझ रखा था कि अल्लाह तुम्हारे बहुत-से कामों को जानता ही नहीं	x

Wathalikum thannukumu allathee thanantum birabbikum ardakum faasbahtum mina alkhasireena	x	And that was your assumption which you assumed about your Lord. It has brought you to ruin, and you have become among the losers."	41:23	और तुम्हारे उस गुमान ने तुम्हे बरबाद किया जो तुमने अपने रब के साथ किया; अतः तुम घाटे में पड़कर रहे	x
Fain yasbiroo faalnnaru mathwan lahum wain yastaAAtiboo fama hum mina almuAAtabeena	Disbelievers will not be able to appease Allah.	So [even] if they are patient, the Fire is a residence for them; and if they ask to appease [Allah], they will not be of those who are allowed to appease.	41:24	अब यदि वे धैर्य दिखाएँ तब भी आग ही उनका ठिकाना है। और यदि वे किसी प्रकार (उसके) क्रोध को दूर करना चाहें, तब भी वे ऐसे नहीं कि वे राज़ी कर सकें	अविश्वासी अल्लाह को राज़ी नहीं कर पाएंगे।
Waqayyadna lahum quranaa fazayyanoo lahum ma bayna aydeehim wama khalfahum wahaqqa AAalayhimu alqawlu fee omamin qad khalat min qablihim mina aljinni waalinsi innahum kanoo khasireena	Here "companions" are people who promote disbelief.	And We appointed for them companions who made attractive to them what was before them and what was behind them [of sin], and the word has come into effect upon them among nations which had passed on before them of jinn and men. Indeed, they [all] were losers.	41:25	हमने उनके लिए कुछ साथी नियुक्त कर दिए थे। फिर उन्होंने उनके आगे और उनके पीछे जो कुछ था उसे सुहाना बनाकर उन्हें दिखाया। अन्ततः उनपर भी जिन्नों और मनुष्यों के उन गिरोहों के साथ फ़ैसला सत्यापित होकर रहा, जो उनसे पहले गुज़र चुके थे। निश्चय ही वे घाटा उठानेवाले थे	यहाँ "साथी" वे लोग हैं जो अविश्वास को बढ़ावा देते हैं।
Waqala allatheena kafaroo la tasmaAAoo lihatha alqurani wailghaw feehi laAAallakum taghliboona	x	And those who disbelieve say, "Do not listen to this Qur'an and speak noisily during [the recitation of] it that perhaps you will overcome."	41:26	जिन लोगों ने इनकार किया उन्होंने कहा, "इस क़ुरआन को सुनो ही मत और इसके बीच में शोर-गुल मचाओ, ताकि तुम प्रभावी रहो।"	x

Falanutheeqanna allatheena kafaroo AAathaban shadeedan walanajziyannahum aswaa allathee kanoo yaAAmaloona	x	But We will surely cause those who disbelieve to taste a severe punishment, and We will surely recompense them for the worst of what they had been doing.	41:27	अतः हम अवश्य ही उन लोगों को, जिन्होंने इनकार किया, कठोर यातना का मजा चखाएँगे, और हम अवश्य उन्हें उसका बदला देंगे, जो निकृष्टतम कर्म वे करते रहे है	x
Thalika jazao aAAdai Allahi alnnaru lahum feeha daru alkhuldi jazaan bima kanoo biayatina yajhadoona	x	That is the recompense of the enemies of Allah - the Fire. For them therein is the home of eternity as recompense for what they, of Our verses, were rejecting.	41:28	वह है अल्लाह के शत्रुओं का बदला - आग। उसी में उसका सदा का घर है, उसके बदले में जो वे हमारी आयतों का इनकार करते रहे	x
Waqala allatheena kafaroo rabbana arina allathayni adallana mina aljinni waalinsi najAAalhuma tahta aqdamina liyakoona mina alasfaleena	x	And those who disbelieved will [then] say, "Our Lord, show us those who misled us of the jinn and men [so] we may put them under our feet that they will be among the lowest."	41:29	और जिन लोगों ने इनकार किया वे कहेंगे, "ऐ हमारे रब! हमें दिखा दे उन जिन्नों और मनुष्यों को, जिन्होंने हमको पथभ्रष्ट किया कि हम उन्हें अपने पैरों तले डाल दे ताकि वे सबसे नीचे जा पड़े	x

Inna allatheena qaloo rabbuna Allahu thumma istaqamoo tatanazzalu AAalayhimu almalaikatu alla takhafoo wala tahzanoo waabshiroo bialjannati allatee	x	Indeed, those who have said, "Our Lord is Allah " and then remained on a right course - the angels will descend upon them, [saying], "Do not fear and do not grieve but receive good tidings of Paradise, which you were promised.	41:30	जिन लोगों ने कहा कि "हमारा रब अल्लाह है।" फिर इस पर दृढ़तापूर्वक जमें रहे, उनपर फ़रिश्ते उतरते है कि "न डरो और न शोकाकुल हो, और उस जन्नत की शुभ सूचना लो जिसका तुमसे वादा किया गया है	x
Nahnu awliyaokum fee alhayati alddunya wafee alakhirati walakum feeha ma tashtahee anfusukum walakum feeha ma taddaAAoona	Angels are allies of Muslims in this world and hereafter.	We [angels] were your allies in worldly life and [are so] in the Hereafter. And you will have therein whatever your souls desire, and you will have therein whatever you request [or wish]	41:31	हम सांसारिक जीवन में भी तुम्हारे सहचर मित्र है और आख़िरत में भी। और वहाँ तुम्हारे लिए वह सब कुछ है, जिसकी इच्छा तुम्हारे जी को होगी। और वहाँ तुम्हारे लिए वह सब कुछ होगा, जिसका तुम माँग करोगे	फरिश्ते इस दुनिया और आने वाले दिन में मुसलमानों के साथी हैं।
Nuzulan min ghafoorin raheemin	x	As accommodation from a [Lord who is] Forgiving and Merciful."	41:32	आतिथ्य के रूप में क्षमाशील, दयावान सत्ता की ओर से"	x
Waman ahsanu qawlan mimman daAAa ila Allahi waAAamila salihan waqala innanee mina almuslimeena	x	And who is better in speech than one who invites to Allah and does righteousness and says, "Indeed, I am of the Muslims."	41:33	और उस व्यक्ति से बात में अच्छा कौन हो सकता है जो अल्लाह की ओर बुलाए और अच्छे कर्म करे और कहे, "निस्संदेह मैं मुस्लिम (आज्ञाकारी) हूँ?"	x

Wala tastawee alhasanatu wala alssayyiatu idfaAA biallatee hiya ahsanu faitha allathee baynaka wabaynahu AAadawatun kaannahu waliyyun	**[Abrogated by later Jihadi verses as disbelievers can never be friends of Muslims.]**	And not equal are the good deed and the bad. Repel [evil] by that [deed] which is better; and thereupon the one whom between you and him is enmity [will become] as though he was a devoted friend.	41:34	भलाई और बुराई समान नहीं है। तुम (बुरे आचरण की बुराई को) अच्छे से अच्छे आचरण के द्वारा दूर करो। फिर क्या देखोगे कि वही व्यक्ति तुम्हारे और जिसके बीच वैर पड़ा हुआ था, जैसे वह कोई घनिष्ठ मित्र है	**[बाद के जिहादी आयतों द्वारा रद्द किया गया क्योंकि काफ़िर कभी मुसलमानों के दोस्त नहीं हो सकते।]**
Wama yulaqqaha illa allatheena sabaroo wama yulaqqaha illa thoo haththin AAatheemin	x	But none is granted it except those who are patient, and none is granted it except one having a great portion [of good].	41:35	किन्तु यह चीज़ केवल उन लोगों को प्राप्त होती है जो धैर्य से काम लेते है, और यह चीज़ केवल उसको प्राप्त होती है जो बड़ा भाग्यशाली होता है	x
Waimma yanzaghannaka mina alshshaytani nazghun faistaAAith biAllahi innahu huwa alssameeAAu alAAaleemu	x	And if there comes to you from Satan an evil suggestion, then seek refuge in Allah. Indeed, He is the Hearing, the Knowing.	41:36	और यदि शैतान की ओर से कोई उकसाहट तुम्हें चुभे तो अल्लाह की शरण माँग लो। निश्चय ही वह सबकुछ सुनता, जानता है	x
Wamin ayatihi allaylu waalnnaharu waalshshamsu waalqamaru la tasjudoo lilshshamsi wala lilqamari waosjudoo lillahi alathee khalaqahunna in kuntum iyyahu	x	And of His signs are the night and day and the sun and moon. Do not prostrate to the sun or to the moon, but prostate to Allah, who created them, if it should be Him that you worship.	41:37	रात और दिन और सूर्य और चन्द्रमा उसकी निशानियों में से है। तुम न तो सूर्य को सजदा करो और न चन्द्रमा को, बल्कि अल्लाह को सजदा करो जिसने उन्हें पैदा किया, यदि तुम उसी की बन्दगी करनेवाले हो	x

Faini istakbaroo faallatheena AAinda rabbika yusabbihoona lahu biallayli waalnnahari wahum la yasamoona	Means the Angels keep record of everything night and day.	But if they are arrogant - then those who are near your Lord exalt Him by night and by day, and they do not become weary.	41:38	लेकिन यदि वे घमंड करें (और अल्लाह को याद न करें), तो जो फ़रिश्ते तुम्हारे रब के पास है वे तो रात और दिन उसकी तसबीह करते ही रहते है और वे उकताते नहीं	इसका मतलब है कि फ़रिश्ते हर चीज़ का रिकॉर्ड दिन और रात रखते हैं।
Wamin ayatihi annaka tara alarda khashiAAatan faitha anzalna AAalayha almaa ihtazzat warabat inna allathee ahyaha lamuhyee almawta innahu AAala kulli shayin qadeerun	x	And of His signs is that you see the earth stilled, but when We send down upon it rain, it quivers and grows. Indeed, He who has given it life is the Giver of Life to the dead. Indeed, He is over all things competent.	41:39	और यह चीज़ भी उसकी निशानियों में से है कि तुम देखते हो कि धरती दबी पड़ी है; फिर ज्यों ही हमने उसपर पानी बरसाया कि वह फबक उठी और फूल गई। निश्चय ही जिसने उसे जीवित किया, वही मुर्दों को जीवित करनेवाला है। निस्संदेह उसे हर चीज़ की सामर्थ्य प्राप्त है	x
Inna allatheena yulhidoona fee ayatina la yakhfawna AAalayna afaman yulqa fee alnnari khayrun am man yatee aminan yawma alqiyamati iAAmaloo ma shitum innahu bima	those who blaspheme our verses.	Indeed, those who inject deviation into Our verses are not concealed from Us. So, is he who is cast into the Fire better or he who comes secure on the Day of Resurrection? Do whatever you will; indeed, He is Seeing of what you do.	41:40	जो लोग हमारी आयतों में कुटिलता की नीति अपनाते है वे हमसे छिपे हुए नहीं हैं, तो क्या जो व्यक्ति आग में डाला जाए वह अच्छा है या वह जो क़ियामत के दिन निश्चिन्त होकर आएगा? जो चाहो कर लो, तुम जो कुछ करते हो वह तो उसे देख ही रहा है	जो हमारे आयतों का अपमान करते हैं।

Inna allatheena kafaroo bialththikri lamma jaahum wainnahu lakitabun AAazeezun	Quran is a mighty book.	Indeed, those who disbelieve in the message after it has come to them... And indeed, it is a mighty Book.	41:41	जिन लोगों ने अनुस्मृति का इनकार किया, जबकि वह उनके पास आई, हालाँकि वह एक प्रभुत्वशाली किताब है, (तो न पूछो कि उनका कितना बुरा परिणाम होगा)	कुरान एक प्रभुत्वशाली किताब है।
La yateehi albatilu min bayni yadayhi wala min khalfihi tanzeelun min hakeemin hameedin	Challlange of Quran: There is nothing false in this book.	Falsehood cannot approach it from before it or from behind it; [it is] a revelation from a [Lord who is] Wise and Praiseworthy.	41:42	असत्य उस तक न उसके आगे से आ सकता है और न उसके पीछे से; अवतरण है उसकी ओर से जो अत्यन्त तत्वदर्शी, प्रशंसा के योग्य है	कुरान की चुनौती: इस किताब में कोई भी झूठ नहीं है।
Ma yuqalu laka illa ma qad qeela lilrrusuli min qablika inna rabbaka lathoo maghfiratin wathoo AAiqabin aleemin	**[But many new things were permitted to prophet, like taking plunders (Ghanimat).]**	Nothing is said to you, [O Muhammad], except what was already said to the messengers before you. Indeed, your Lord is a possessor of forgiveness and a possessor of painful penalty.	41:43	तुम्हें बस वही कहा जा रहा है, जो उन रसूलों को कहा जा चुका है, जो तुमसे पहले गुज़र चुके है। निस्संदेह तुम्हारा रब बड़ा क्षमाशील है और दुखद दंड देनेवाला भी	**[लेकिन पैग़ंबर को कई नई चीज़ों की अनुमति दी गई, जैसे कि लूट (घनीमत) लेना।]**

Walaw jaAAalnahu quranan aAAjamiyyan laqaloo lawla fussilat ayatuhu aaAAjamiyyun waAAarabiyyun qul huwa lillatheena amanoo hudan washifaon waallatheena la yuminoona fee athanihim waqrun wahuwa AAalayhim AAaman olaika yunadawna min makanin baAAeedin	The disbelievers said, How can one believe that the Arabic Quran that Prophet (pbuh) presents has not been forged by himself? The Qur'an could be believed to be the Revelation of Allah if the prophet had started speaking fluently in a foreign language unknown to him. **[For whom Quran was sent: Illiterate people 62:2, Only Arabs 41:44, all humans 4:174, Humans and Jinns 55:33; Also non-arab muslims face the same difficulty. It is not clear which language the Jinn speak. Why would Allah emphasise on Arabic, if Quran is an universal message: See 12:2, 13:37,**	And if We had made it a non-Arabic Qur'an, they would have said, "Why are its verses not explained in detail [in our language]? Is it a foreign [recitation] and an Arab [messenger]?" Say, "It is, for those who believe, a guidance and cure." And those who do not believe - in their ears is deafness, and it is upon them blindness. Those are being called from a distant place.	41:44	यदि हम उसे ग़ैर अरबी क़ुरआन बनाते तो वे कहते कि "उसकी आयतें क्यों नहीं (हमारी भाषा में) खोलकर बयान की गई? यह क्या कि वाणी तो ग़ैर अरबी है और व्यक्ति अरबी?" कहो, "वह उन लोगों के लिए जो ईमान लाए मार्गदर्शन और आरोग्य है, किन्तु जो लोग ईमान नहीं ला रहे है उनके कानों में बोझ है और वह (क़ुरआन) उनके लिए अन्धापन (सिद्ध हो रहा) है, वे ऐसे है जिनको किसी दूर के स्थान से पुकारा जा रहा हो।"	काफ़िरों ने कहा, कैसे यह माना जा सकता है कि जिस अरबी क़ुरआन को पैगंबर (स.) पेश करते हैं, उसे उन्होंने खुद नहीं रचा? क़ुरआन को अल्लाह की वचनावली माना जा सकता था यदि पैगंबर किसी अजनबी भाषा में धाराप्रवाह बोलने लगते जो उन्हें नहीं आती थी। **[जिसके लिए क़ुरआन भेजा गया: अनपढ़ लोग 62:2, केवल अरब 41:44, सभी मानव 4:174, इंसान और जिन 55:33; इसके अलावा गैर-अरब मुसलमानों को भी यही कठिनाई होती है। यह स्पष्ट नहीं है कि जिन कौन सी भाषा बोलते हैं। अगर क़ुरआन एक सार्वभौमिक संदेश है, तो अल्लाह अरबी पर जोर क्यों देंगे: देखें 12:2, 13:37, 16:103, 41:44]**
Walaqad atayna moosa alkitaba faikhtulifa feehi walawla kalimatun sabaqat min rabbika laqudiya baynahum wainnahum lafee shakkin minhu mureebin	The punishment would have been hastened for them from Allah, but they have an appointed time, beyond which they will find no escape.	And We had already given Moses the Scripture, but it came under disagreement. And if not for a word that preceded from your Lord, it would have been concluded between them. And indeed they are, concerning the Qur'an, in disquieting doubt.	41:45	हमने मूसा को भी किताब प्रदान की थी, फिर उसमें भी विभेद किया गया। यदि तुम्हारे रब की ओर से पहले ही से एक बात निश्चित न हो चुकी होती तो उनके बीत फ़ैसला चुका दिया जाता। हालाँकि वे उसकी ओर से उलझन में डाल देनेवाले सन्देह में पड़े हुए है	अल्लाह की ओर से उनके लिए सजा जल्दी कर दी जाती, लेकिन उनके लिए एक निश्चित समय है, जिसके बाद वे किसी भी तरह से बच नहीं पाएँगे।

Man AAamila salihan falinafsihi waman asaa faAAalayha wama rabbuka bithallamin lilAAabeedi	x	Whoever does righteousness - it is for his [own] soul; and whoever does evil [does so] against it. And your Lord is not ever unjust to [His] servants.	41:46	जिस किसी ने अच्छा कर्म किया तो अपने ही लिए और जिस किसी ने बुराई की, तो उसका वबाल भी उसी पर पड़ेगा। वास्तव में तुम्हारा रब अपने बन्दों पर तनिक भी ज़ुल्म नहीं करता	x
Ilayhi yuraddu AAilmu alssaAAati wama takhruju min thamaratin min akmamiha wama tahmilu min ontha wala tadaAAu illa biAAilmihi wayawma yunadeehim ayna shurakaee qaloo athannaka ma minna min shaheedin	x	To him [alone] is attributed knowledge of the Hour. And fruits emerge not from their coverings nor does a female conceive or give birth except with His knowledge. And the Day He will call to them, "Where are My 'partners'?" they will say, "We announce to You that there is [no longer] among us	41:47	उस घड़ी का ज्ञान अल्लाह की ओर फिरता है। जो फल भी अपने कोषों से निकलते है और जो मादा भी गर्भवती होती है और बच्चा जनती है, अनिवार्यतः उसे इन सबका ज्ञान होता है। जिस दिन वह उन्हें पुकारेगा, "कहाँ है मेरे साझीदार?" वे कहेंगे, "हम तेरे समक्ष खुल्लम-ख़ुल्ला कह चुके है कि हममें से कोई भी इसका गवाह नहीं।"	x
Wadalla AAanhum ma kanoo yadAAoona min qablu wathannoo ma lahum min maheesin	Means the dieties apart from Allah.	And lost from them will be those they were invoking before, and they will be certain that they have no place of escape.	41:48	और जिन्हें वे पहले पुकारा करते थे वे उनसे गुम हो जाएँगे। और वे समझ लेंगे कि उनके लिए कोई भी भागने की जगह नहीं है	अल्लाह के अलावा अन्य देवताओं का मतलब है।
La yasamu alinsanu min duAAai alkhayri wain massahu alshsharru fayaoosun qanootun	x	Man is not weary of supplication for good [things], but if evil touches him, he is hopeless and despairing.	41:49	मनुष्य भलाई माँगने से नहीं उकताता, किन्तु यदि उसे कोई तकलीफ़ छू जाती है तो वह निराश होकर आस छोड़ बैठता है	x

Walain athaqnahu rahmatan minna min baAAdi darraa massathu layaqoolanna hatha lee wama athunnu alssaAAata qaimatan walain rujiAAtu ila rabbee inna lee AAindahu lalhusna falanunabbianna allatheena kafaroo bima AAamiloo walanutheeqannahu m min AAathabin ghaleethin	x	And if We let him taste mercy from Us after an adversity which has touched him, he will surely say, "This is [due] to me, and I do not think the Hour will occur; and [even] if I should be returned to my Lord, indeed, for me there will be with Him the best." But We will surely inform those who disbelieved about what they did, and We will surely make them taste a massive punishment.	41:50	और यदि उस तकलीफ़ के बाद, जो उसे पहुँची, हम उसे अपनी दयालुता का आस्वादन करा दें तो वह निश्चय ही कहेंगा, "यह तो मेरा हक़ ही है। मैं तो यह नहीं समझता कि वह, क़ियामत की घड़ी, घटित होगी और यदि मैं अपने रब की ओर लौटाया भी गया तो अवश्य ही उसके पास मेरे लिए अच्छा पारितोषिक होगा।" फिर हम उन लोगों को जिन्होंने इनकार किया, अवश्य बताकर रहेंगे, जो कुछ उन्होंने किया होगा। और हम उन्हें अवश्य ही कठोर यातना का मज़ा चखाएँगे	x
Waitha anAAamna AAala alinsani aAArada wanaa bijanibihi waitha massahu alshsharru fathoo duAAain AAareedin	**[What man does when evil touches: 14:51: Extensive supplication. 14:4 becomes hopeless and despairing.]**	And when We bestow favor upon man, he turns away and distances himself; but when evil touches him, then he is full of extensive supplication.	41:51	जब हम मनुष्य पर अनुकम्पा करते है तो वह ध्यान में नहीं लाता और अपना पहलू फेर लेता है। किन्तु जब उसे तकलीफ़ छू जाती है, तो वह लम्बी-चौड़ी प्रार्थनाएँ करने लगता है	**[जब बुराई मानव को छूती है तो वह क्या करता है: 14:51: व्यापक प्रार्थना। 14:4 निराश और हतोत्साहित हो जाता है।]**

Qul araaytum in kana min AAindi Allahi thumma kafartum bihi man adallu mimman huwa fee shiqaqin baAAeedin	x	Say, "Have you considered: if the Qur'an is from Allah and you disbelieved in it, who would be more astray than one who is in extreme dissension?"	41:52	कह दो, "क्या तुमने विचार किया, यदि वह (क़ुरआन) अल्लाह की ओर सो ही हुआ और तुमने उसका इनकार किया तो उससे बढ़कर भटका हुआ और कौन होगा जो विरोध में बहुत दूर जा पड़ा हो?"	x
Sanureehim ayatina fee alafaqi wafee anfusihim hatta yatabayyana lahum annahu alhaqqu awalam yakfi birabbika annahu AAala kulli shayin shaheedun	x	We will show them Our signs in the horizons and within themselves until it becomes clear to them that it is the truth. But is it not sufficient concerning your Lord that He is, over all things, a Witness?	41:53	शीघ्र ही हम उन्हें अपनी निशानियाँ वाह्य क्षेत्रों में दिखाएँगे और स्वयं उनके अपने भीतर भी, यहाँ तक कि उनपर स्पष्ट हो जाएगा कि वह (क़ुरआन) सत्य है। क्या तुम्हारा रब इस दृष्टि, से काफ़ी नहीं कि वह हर चीज़ का साक्षी है	x
Ala innahum fee miryatin min liqai rabbihim ala innahu bikulli shayin muheetun	x	Unquestionably, they are in doubt about the meeting with their Lord. Unquestionably He is, of all things, encompassing.	41:54	जान लो कि वे लोग अपने रब से मिलन के बारे में संदेह में पड़े हुए है। जान लो कि निश्चय ही वह हर चीज़ को अपने घेरे में लिए हुए है	x
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Ash-Shura (The Consultation), Meccan**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**42:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अश-शुरा (परामर्श), मक्की**
Hameem	Mysterious letters	Ha, Meem.	42:1	हा॰ मीम॰	रहस्यमय अक्षर
AAaynseenqaf	Mysterious letters	'Ayn, Seen, Qaf.	42:2	ऐन॰ सीन॰ क़ाफ़॰	रहस्यमय अक्षर

Kathalika yoohee ilayka waila allatheena min qablika Allahu alAAazeezu alhakeemu	those before you = Earlier prophets	Thus has He revealed to you, [O Muhammad], and to those before you - Allah, the Exalted in Might, the Wise.	42:3	इसी प्रकार अल्लाह प्रभुत्वशाली, तत्वदर्शी तुम्हारी ओर और उन लोगों की ओर प्रकाशना (वह्यप) करता रहा है, जो तुमसे पहले गुज़र चुके है	पहले गुज़र चुके = पहले के नबी
Lahu ma fee alssamawati wama fee alardi wahuwa alAAaliyyu alAAatheemu	x	To Him belongs whatever is in the heavens and whatever is in the earth, and He is the Most High, the Most Great.	42:4	आकाशों और धरती में जो कुछ है उसी का है और वह सर्वोच्च महिमावान है	x
Takadu alssamawatu yatafattarna min fawqihinna waalmalaikatu yusabbihoona bihamdi rabbihim wayastaghfiroona liman fee alardi ala inna Allaha huwa alghafooru	**[Heaven or sky is not a flat layer.]**	The heavens almost break from above them, and the angels exalt [Allah] with praise of their Lord and ask forgiveness for those on earth. Unquestionably, it is Allah who is the Forgiving, the Merciful.	42:5	लगता है कि आकाश स्वयं अपने ऊपर से फट पड़े। हाल यह है कि फ़रिश्ते अपने रब का गुणगान कर रहे, और उन लोगों के लिए जो धरती में है, क्षमा की प्रार्थना करते रहते है। सुन लो! निश्चय ही अल्लाह ही क्षमाशील, अत्यन्त दयावान है	**[स्वर्ग या आकाश एक सपाट परत नहीं है।]**
Waallatheena ittakhathoo min doonihi awliyaa Allahu hafeethun AAalayhim wama anta AAalayhim biwakeelin	x	And those who take as allies other than Him - Allah is [yet] Guardian over them; and you, [O Muhammad], are not over them a manager.	42:6	और जिन लोगों ने उससे हटकर अपने कुछ दूसरे संरक्षक बना रखे हैं, अल्लाह उनपर निगरानी रखे हुए है। तुम उनके कोई ज़िम्मेदार नहीं हो	x

Wakathalika awhayna ilayka quranan AAarabiyyan litunthira omma alqura waman hawlaha watunthira yawma aljamAAi la rayba feehi fareequn fee aljannati wafareequn fee alssaAAeeri	On Arabic, see 12:2. On the mother of towns, see 6:92.	And thus We have revealed to you an Arabic Qur'an that you may warn the Mother of Cities [Makkah] and those around it and warn of the Day of Assembly, about which there is no doubt. A party will be in Paradise and a party in the Blaze.	42:7	और (जैसे हम स्पष्ट आयतें उतारते है) उसी प्रकार हमने तुम्हारी ओर एक अरबी क़ुरआन की प्रकाशना की है, ताकि तुम बस्तियों के केन्द्र (मक्का) को और जो लोग उसके चतुर्दिक है उनको सचेत कर दो और सचेत करो इकट्ठा होने के दिन से, जिसमें कोई सन्देह नहीं। एक गिरोह जन्नत में होगा और एक गिरोह भड़कती आग में	अरबी के लिए, देखें 12:2। बस्तियों के केन्द्र के लिए, देखें 6:92।
Walaw shaa Allahu lajaAAalahum ommatan wahidatan walakin yudkhilu man yashao fee rahmatihi waalththalimoona ma lahum min waliyyin wala naseerin	**[Allah made mankind one religion in past, 2:213, 10:19; Allah has not made mankind one nation but He can 5:48, 11:118, 42:8; Also this verse implies there is no fault of disbelievers as everything is being done by Allah's will (Predestination).]**	And if Allah willed, He could have made them [of] one religion, but He admits whom He wills into His mercy. And the wrongdoers have not any protector or helper.	42:8	यदि अल्लाह चाहता तो उन्हें एक ही समुदाय बना देता, किन्तु वह जिसे चाहता है अपनी दयालुता में दाख़िल करता है। रहे ज़ालिम, तो उनका न तो कोई निकटवर्ती मित्र है और न कोई (दूर का) सहायक	**[अल्लाह ने पहले मानवता को एक ही धर्म बनाया, 2:213, 10:19; अल्लाह ने मानवता को एक ही राष्ट्र नहीं बनाया लेकिन वह बना सकते हैं 5:48, 11:118, 42:8; यह आयत यह भी संकेत देती है कि काफिरों की कोई गलती नहीं है क्योंकि सब कुछ अल्लाह की इच्छा (निर्धारित भाग्य) से हो रहा है।]**
Ami ittakhathoo min doonihi awliyaa faAllahu huwa alwaliyyu wahuwa yuhyee almawta wahuwa AAala kulli shayin qadeerun	x	Or have they taken protectors [or allies] besides him? But Allah - He is the Protector, and He gives life to the dead, and He is over all things competent.	42:9	(क्या उन्होंने अल्लाह से हटकर दूसरे सहायक बना लिए है,) या उन्होंने उससे हटकर दूसरे संरक्षक बना रखे है? संरक्षक तो अल्लाह ही है। वही मुर्दों को जीवित करता है और उसे हर चीज़ की सामर्थ्य प्राप्त है	x

Wama ikhtalaftum feehi min shayin fahukmuhu ila Allahi thalikumu Allahu rabbee AAalayhi tawakkaltu wailayhi oneebu	The judgement concerning anything you differ with the unbelievers regarding matters of the deen [religion] is Allah's concern on the Day of Resurrection. **[Word "say" added, not in Arabic text; Who is speaking]**	And in anything over which you disagree - its ruling is [to be referred] to Allah. [Say], "That is Allah, my Lord; upon Him I have relied, and to Him I turn back."	42:10	(रसूल ने कहा,) "जिस चीज़ में तुमने विभेद किया है उसका फ़ैसला तो अल्लाह के हवाले है। वही अल्लाह मेरा रब है। उसी पर मैंने भरोसा किया है, और उसी की ओर में रुजू करता हूँ	जो किसी भी चीज़ में जिसे आप धर्म के मामलों में अविश्वासियों के साथ मतभेद करते हैं, उस पर निर्णय आख़िर दिन में अल्लाह की चिंता है। [शब्द "रसूल ने कहा" जोड़ा गया, अरबी में नहीं; कौन बोल रहा है]
Fatiru alssamawati waalardi jaAAala lakum min anfusikum azwajan wamina alanAAami azwajan yathraokum feehi laysa kamithlihi shayon wahuwa alssameeAAu	**[Contradiction: Allah is unlike creation 42:11 but could hear and see, Has Face 55:27, Loves 20:39, Hands 5:64, Two hands 38:74-75, Fist 39:67, Shin 68:42, sits on throne 69:17.]**	[He is] Creator of the heavens and the earth. He has made for you from yourselves, mates, and among the cattle, mates; He multiplies you thereby. There is nothing like unto Him, and He is the Hearing, the Seeing.	42:11	वह आकाशों और धरती का पैदा करनेवाला है। उसने तुम्हारे लिए तुम्हारी अपनी सहजाति से जोड़े बनाए और चौपायों के जोड़े भी। फैला रहा है वह तुमको अपने में। उसके सदृश कोई चीज़ नहीं। वही सबकुछ सुनता, देखता है	**[विरोधाभास: अल्लाह सृजन से अलग हैं 42:11 लेकिन सुन और देख सकते हैं, चेहरा है 55:27, प्रेम करते हैं 20:39, हाथ हैं 5:64, दो हाथ 38:74-75, मुठ्ठी 39:67, पिंडली 68:42, सिंहासन पर बैठे 69:17.]**
Lahu maqaleedu alssamawati waalardi yabsutu alrrizqa liman yashao wayaqdiru innahu bikulli shayin AAaleemun	x	To Him belong the keys of the heavens and the earth. He extends provision for whom He wills and restricts [it]. Indeed He is, of all things, Knowing.	42:12	आकाशों और धरती की कुंजियाँ उसी के पास हैं। वह जिसके लिए चाहता है रोज़ी कुशादा कर देता है और जिसके लिए चाहता है नपी-तुली कर देता है। निस्संदेह उसे हर चीज़ का ज्ञान है	x

SharaAAa lakum mina alddeeni ma wassa bihi noohan waallathee awhayna ilayka wama wassayna bihi ibraheema wamoosa waAAeesa an aqeemoo alddeena wala tatafarraqoo feehi kabura AAala almushrikeena ma tadAAoohum ilayhi Allahu yajtabee ilayhi man yashao wayahdee ilayhi man yuneebu	**[6:92, 41:43, 42:13: Quran claims to confirm earlier revelation. But there are many differences.]**	He has ordained for you of religion what He enjoined upon Noah and that which We have revealed to you, [O Muhammad], and what We enjoined upon Abraham and Moses and Jesus - to establish the religion and not be divided therein. Difficult for those who associate others with Allah is that to which you invite them. Allah chooses for Himself whom He wills and guides to Himself whoever turns back [to Him].	42:13	उसने तुम्हारे लिए वही धर्म निर्धारित किया जिसकी ताकीद उसने नूह को की थी।" और वह (जीवन्त आदेश) जिसकी प्रकाशना हमने तुम्हारी ओर की है और वह जिसकी ताकीद हमने इबराहीम और मूसा और ईसा को की थी यह है कि "धर्म को क़ायम करो और उसके विषय में अलग-अलग न हो जाओ।" बहुदेववादियों को वह चीज़ बहुत अप्रिय है, जिसकी ओर तुम उन्हें बुलाते हो। अल्लाह जिसे चाहता है अपनी ओर छाँट लेता है और अपनी ओर का मार्ग उसी को दिखाता है जो उसकी ओर रुजू करता है	**[6:92, 41:43, 42:13: कुरान दावा करता है कि यह पहले के रहस्योद्घाटन की पुष्टि करता है। लेकिन कई अंतर हैं।]**

Wama tafarraqoo illa min baAAdi ma jaahumu alAAilmu baghyan baynahum walawla kalimatun sabaqat min rabbika ila ajalin musamman laqudiya baynahum wainna allatheena oorithoo alkitaba min baAAdihim lafee shakkin minhu mureebin	This verse is a foundation of the Islamic idea that the prophets of Judaism and Jesus must have taught Islam, and their message was corrupted by their followers.	And they did not become divided until after knowledge had come to them - out of jealous animosity between themselves. And if not for a word that preceded from your Lord [postponing the penalty] until a specified time, it would have been concluded between them. And indeed, those who were granted inheritance of the Scripture after them are, concerning it, in disquieting doubt.	42:14	उन्होंने तो परस्पर एक-दूसरे पर ज़्यादती करने के उद्देश्य से इसके पश्चात विभेद किया कि उनके पास ज्ञान आ चुका था। और यदि तुम्हारे रब की ओर से एक नियत अवधि तक के लिए बात पहले निश्चित न हो चुकी होती तो उनके बीच फ़ैसला चुका दिया गया होता। किन्तु जो लोग उनके पश्चात किताब के वारिस हुए वे उसकी ओर से एक उलझन में डाल देनेवाले संदेह में पड़े हुए है	यह आयत इस इस्लामी विचार की नींव है कि यहूदी धर्म के नबी और ईसा ने अवश्य इस्लाम की शिक्षा दी होगी, और उनका संदेश उनके अनुयायियों द्वारा भ्रष्ट किया गया।

Falithalika faodAAu waistaqim kama omirta wala tattabiAA ahwaahum waqul amantu bima anzala Allahu min kitabin waomirtu liaAAdila baynakum Allahu rabbuna warabbukum lana aAAmaluna walakum aAAmalukum la hujjata baynana wabaynakumu Allahu yajmaAAu baynana wailayhi almaseeru	**[Abrogated by later Jihadi Verses.]**	So to that [religion of Allah] invite, [O Muhammad], and remain on a right course as you are commanded and do not follow their inclinations but say, "I have believed in what Allah has revealed of the Qur'an, and I have been commanded to do justice among you. Allah is our Lord and your Lord. For us are our deeds, and for you your deeds. There is no [need for] argument between us and you. Allah will bring us together, and to Him is the [final] destination."	42:15	अतः इसी लिए (उन्हें सत्य की ओर) बुलाओ, और जैसा कि तुम्हें हुक्म दिया गया है स्वयं क़ायम रहो, और उनकी इच्छाओं का पालन न करना और कह दो, "अल्लाह ने जो किताब अवतरित की है, मैं उसपर ईमान लाया। मुझे तो आदेश हुआ है कि मैं तुम्हारे बीच न्याय करूँ। अल्लाह ही हमारा भी रब है और तुम्हारा भी। हमारे लिए हमारे कर्म है और तुम्हारे लिए तुम्हारे कर्म। हममें और तुममें कोई झगड़ा नहीं। अल्लाह हम सबको इकट्ठा करेगा और अन्ततः उसी की ओर जाना है।"	**[बाद के जिहादी आयतों द्वारा रद्द किया गया।]**
Waallatheena yuhajjoona fee Allahi min baAAdi ma istujeeba lahu hujjatuhum dahidatun AAinda rabbihim waAAalayhim ghadabun walahum AAathabun	This threat of punishment for those who argue about Allah can be a hindrance for asking questions about the faith. See 5:101.	And those who argue concerning Allah after He has been responded to - their argument is invalid with their Lord, and upon them is [His] wrath, and for them is a severe punishment.	42:16	जो लोग अल्लाह के विषय में झगड़ते है, इसके पश्चात कि उसकी पुकार स्वीकार कर ली गई, उनका झगड़ना उनके रब की स्पष्ट में बिलकुल न ठहरनेवाला (असत्य) है। प्रकोप है उनपर और उनके लिए कड़ी यातना है	अल्लाह के बारे में बहस करने वालों के लिए सजा की यह धमकी धर्म के बारे में प्रश्न पूछने में बाधा बन सकती है। देखिए 5:101

Allahu allathee anzala alkitaba bialhaqqi waalmeezani wama yudreeka laAAalla alssaAAata qareebun	**[How one can say that if there are so many contradictory things and ambiguity in this in this book.]**	It is Allah who has sent down the Book in truth and [also] the balance. And what will make you perceive? Perhaps the Hour is near.	42:17	वह अल्लाह ही है जिसने हक़ के साथ किताब और तुला अवतरित की। और तुम्हें क्या मालूम कदाचित क़ियामत की घड़ी निकट ही आ लगी हो	**[एक व्यक्ति यह कैसे कह सकता है कि अगर इस किताब में इतनी सारी विरोधाभासी चीजें और अस्पष्टता हैं।]**
YastaAAjilu biha allatheena la yuminoona biha waallatheena amanoo mushfiqoona minha wayaAAlamoona annaha alhaqqu ala inna allatheena yumaroona fee alssaAAati lafee	Refuting argument against Day of Judgement.	Those who do not believe in it are impatient for it, but those who believe are fearful of it and know that it is the truth. Unquestionably, those who dispute concerning the Hour are in extreme error.	42:18	उसकी जल्दी वे लोग मचाते है जो उसपर ईमान नहीं रखते, किन्तु जो ईमान रखते है वे तो उससे डरते है और जानते है कि वह सत्य है। जान लो, जो लोग उस घड़ी के बारे में सन्देह डालनेवाली बहसें करते है, वे परले दरजे की गुमराही में पड़े हुए है	कयामत के दिन के खिलाफ तर्क का खंडन।
Allahu lateefun biAAibadihi yarzuqu man yashao wahuwa alqawiyyu alAAazeezu	x	Allah is Subtle with His servants; He gives provisions to whom He wills. And He is the Powerful, the Exalted in Might.	42:19	अल्लाह अपने बन्दों पर अत्यन्त दयालु है। वह जिसे चाहता है रोज़ी देता है। वह शक्तिमान, अत्यन्त प्रभुत्वशाली है	x
Man kana yureedu hartha alakhirati nazid lahu fee harthihi waman kana yureedu hartha alddunya nutihi minha wama lahu fee alakhirati min naseebin	Whoever desires the good things of this world, there will be no share for him in hereafter. **[But Muslims pray for many wordly things with Allah.]**	Whoever desires the harvest of the Hereafter - We increase for him in his harvest. And whoever desires the harvest of this world - We give him thereof, but there is not for him in the Hereafter any share.	42:20	जो कोई आख़िरत की खेती चाहता है, हम उसके लिए उसकी खेती में बढ़ोत्तरी प्रदान करेंगे और जो कोई दुनिया की खेती चाहता है, हम उसमें से उसे कुछ दे देते है, किन्तु आख़िरत में उसका कोई हिस्सा नहीं	जो कोई इस दुनिया की भलाइयों की कामना करता है, उसके लिए आने वाले कल में कोई हिस्सा नहीं होगा। **[लेकिन मुसलमान अल्लाह से कई सांसारिक चीजों के लिए प्रार्थना करते हैं।]**

Am lahum shurakao sharaAAoo lahum mina alddeeni ma lam yathan bihi Allahu walawla kalimatu alfasli laqudiya baynahum wainna alththalimeena lahum AAathabun aleemun	x	Or have they other deities who have ordained for them a religion to which Allah has not consented? But if not for the decisive word, it would have been concluded between them. And indeed, the wrongdoers will have a painful punishment.	42:21	(क्या उन्हें समझ नहीं) या उनके कुछ ऐसे (ठहराए हुए) साझीदार है, जिन्होंन उनके लिए कोई ऐसा धर्म निर्धारित कर दिया है जिसकी अनुज्ञा अल्लाह ने नहीं दी? यदि फ़ैसले की बात निश्चित न हो गई होती तो उनके बीच फ़ैसला हो चुका होता। निश्चय ही ज़ालिमों के लिए दुखद यातना है	x
Tara alththalimeena mushfiqeena mimma kasaboo wahuwa waqiAAun bihim waallatheena amanoo waAAamiloo alssalihati fee rawdati aljannati lahum ma yashaoona AAinda rabbihim thalika huwa alfadlu	x	You will see the wrongdoers fearful of what they have earned, and it will [certainly] befall them. And those who have believed and done righteous deeds will be in lush regions of the gardens [in Paradise] having whatever they will in the presence of their Lord. That is what is the great bounty.	42:22	तुम ज़ालिमों को देखोगे कि उन्होंने जो कुछ कमाया उससे डर रहे होंगे, किन्तु वह तो उनपर पड़कर रहेगा। किन्तु जो लोग ईमान लाए और उन्होंने अच्छे कर्म किए, वे जन्नतों की वाटिकाओं में होंगे। उनके लिए उनके रब के पास वह सब कुछ है जिसकी वे इच्छा करेंगे। वही तो बड़ा उदार अनुग्रह है	x

Thalika allathee yubashshiru Allahu AAibadahu allatheena amanoo waAAamiloo alssalihati qul la asalukum AAalayhi ajran illa almawaddata fee alqurba waman yaqtarif hasanatan nazid lahu feeha husnan inna Allaha ghafoorun shakoorun	These verses claim that prophet (pbuh) had not taken any payment 12:104, 25:57, 34:47, 38:86, 42:23. **[Although prophet took 20% from Ghanimat (8:41) and 100% of Fai. In addition Zakat was imposed on Muslims and Jiziya on non-Muslims.]**	It is that of which Allah gives good tidings to His servants who believe and do righteous deeds. Say, [O Muhammad], "I do not ask you for this message any payment [but] only good will through kinship." And whoever commits a good deed - We will increase for him good therein. Indeed, Allah is Forgiving and Appreciative.	42:23	उसी की शुभ सूचना अल्लाह अपने बन्दों को देता है जो ईमान लाए और उन्होंने अच्छे कर्म किए। कहो, "मैं इसका तुमसे कोई पारिश्रमिक नहीं माँगता, बस निकटता का प्रेम-भाव चाहता हूँ, जो कोई नेकी कमाएगा हम उसके लिए उसमें अच्छाई की अभिवृद्धि करेंगे। निश्चय ही अल्लाह अत्यन्त क्षमाशील, गुणग्राहक है।"	ये आयतें दावा करती हैं कि नबी (स.) ने कोई पारिश्रमिक नहीं लिया 12:104, 25:57, 34:47, 38:86, 42:23। **[हालांकि नबी ने गनीमत से 20% लिया (8:41) और फैय का 100% लिया। इसके अलावा मुसलमानों पर ज़कात और गैर-मुसलमानों पर जिज़िया लगाया गया।]**
Am yaqooloona iftara AAala Allahi kathiban fain yashai Allahu yakhtim AAala qalbika wayamhu Allahu albatila wayuhiqqu alhaqqa bikalimatihi innahu AAaleemun bithati alssudoori	**[Contradiction: Allah seals the hearts – 2:7, 4:155, 7:100, 7:101, 9:87, 9:93, 10:74, 16:108, 30:59, 40:35, 45:23, 47:16, 63:3; Does not seals – 2:20, 42:24, 6:46]**	Or do they say, "He has invented about Allah a lie"? But if Allah willed, He could seal over your heart. And Allah eliminates falsehood and establishes the truth by His words. Indeed, He is Knowing of that within the breasts.	42:24	(क्या वे ईमान नहीं लाएँगे) या उनका कहना है कि "इस व्यक्ति ने अल्लाह पर मिथ्यारोपण किया है?" यदि अल्लाह चाहे तो तुम्हारे दिल पर मुहर लगा दे (जिस प्रकार उसने इनकार करनेवालों के दिल पर मुहर लगा दी है) । अल्लाह तो असत्य को मिटा रहा है और सत्य को अपने बोलों से सिद्ध कर रहा है। निश्चय ही वह सीनों तक की बात को भी भली-भाँति जानता है	**[विरोधाभास: अल्लाह दिलों पर ठप्पा लगा देते हैं – 2:7, 4:155, 7:100, 7:101, 9:87, 9:93, 10:74, 16:108, 30:59, 40:35, 45:23, 47:16, 63:3; नहीं लगाते – 2:20, 42:24, 6:46]**

Wahuwa allathee yaqbalu alttawbata AAan AAibadihi wayaAAfoo AAani alssayyiati wayaAAlamu ma tafAAaloona	x	And it is He who accepts repentance from his servants and pardons misdeeds, and He knows what you do.	42:25	वही है जो अपने बन्दों की तौबा क़बूल करता है और बुराइयों को माफ़ करता है, हालाँकि वह जानता है, जो कुछ तुम करते हो	x
Wayastajeebu allatheena amanoo waAAamiloo alssalihati wayazeeduhum min fadlihi waalkafiroona lahum AAathabun shadeedun	x	And He answers [the supplication of] those who have believed and done righteous deeds and increases [for] them from His bounty. But the disbelievers will have a severe punishment.	42:26	और वह उन लोगों की प्रार्थनाएँ स्वीकार करता है जो ईमान लाए और उन्होंने अच्छे कर्म किए। और अपने उदार अनुग्रह से उन्हें और अधिक प्रदान करता है। रहे इनकार करनेवाले, तो उनके लिए कड़ा यातना है	x
Walaw basata Allahu alrrizqa liAAibadihi labaghaw fee alardi walakin yunazzilu biqadarin ma yashao innahu biAAibadihi khabeerun baseerun	This verse was revealed about some people amongst the folk of the Platform (ahl al-Suffah) who wished to have an expansion of this worldly life and riches.	And if Allah had extended [excessively] provision for His servants, they would have committed tyranny throughout the earth. But He sends [it] down in an amount which He wills. Indeed He is, of His servants, Acquainted and Seeing.	42:27	यदि अल्लाह अपने बन्दों के लिए रोज़ी कुशादा कर देता तो वे धरती में सरकशी करने लगते। किन्तु वह एक अंदाज़े के साथ जो चाहता है, उतारता है। निस्संदेह वह अपने बन्दों की ख़बर रखनेवाला है। वह उनपर निगाह रखता है	यह आयत मंच (अहल अल-सुफ़्फ़ा) के कुछ लोगों के बारे में प्रकट की गई थी जो इस सांसारिक जीवन और धन की वृद्धि की इच्छा रखते थे।
Wahuwa allathee yunazzilu alghaytha min baAAdi ma qanatoo wayanshuru rahmatahu wahuwa alwaliyyu alhameedu	x	And it is He who sends down the rain after they had despaired and spreads His mercy. And He is the Protector, the Praiseworthy.	42:28	वही है जो इसके पश्चात कि लोग निराश हो चुके होते है, मेंह बरसाता है और अपनी दयालुता को फैला देता है। और वही है संरक्षक मित्र, प्रशंसनीय!	x

Wamin ayatihi khalqu alssamawati waalardi wama baththa feehima min dabbatin wahuwa AAala jamAAihim itha yashao qadeerun	x	And of his signs is the creation of the heavens and earth and what He has dispersed throughout them of creatures. And He, for gathering them when He wills, is competent.	42:29	और उसकी निशानियों में से है आकाशों और धरती को पैदा करना, और वे जीवधारी भी जो उसने इन दोनों में फैला रखे है। वह जब चाहे उन्हें इकट्ठा करने की सामर्थ्य भी रखता है	x
Wama asabakum min museebatin fabima kasabat aydeekum wayaAAfoo AAan katheerin	Ibn Kathir explains that misfortune befalls one “because of sins that you have committed in the past.” **[But in 57:22 it is said that timing of disaster has already written in Book of decrees.]**	And whatever strikes you of disaster - it is for what your hands have earned; but He pardons much.	42:30	जो मुसीबत तुम्हें पहुँची वह तो तुम्हारे अपने हाथों की कमाई से पहुँची और बहुत कुछ तो वह माफ़ कर देता है	इब्न क़थीर बताते हैं कि कुप्रभा (बुरा भाग्य) इस लिए आती है “क्योंकि आपने अतीत में पाप किए हैं।” **[लेकिन 57:22 में कहा गया है कि आपदा का समय पहले ही किताब-ए-क़दीरात में लिखा जा चुका है।]**
Wama antum bimuAAjizeena fee alardi wama lakum min dooni Allahi min waliyyin wala	x	And you will not cause failure [to Allah] upon the earth. And you have not besides Allah any protector or helper.	42:31	तुम धरती में काबू से निकल जानेवाले नहीं हो, और न अल्लाह से हटकर तुम्हारा कोई संरक्षक मित्र है और न सहायक ही	x
Wamin ayatihi aljawari fee albahri kaalaAAlami	Use of natural phenomenon for self justification.	And of His signs are the ships in the sea, like mountains.	42:32	उसकी निशानियों में से समुद्र में पहाड़ो के सदृश चलते जहाज़ भी है	प्राकृतिक घटना का उपयोग।
In yasha yuskini alrreeha fayathlalna rawakida AAala thahrihi inna fee thalika laayatin likulli sabbarin shakoorin	**[Nature does not changes it rules arbitrarely. A Hypothetical claim.]**	If He willed, He could still the wind, and they would remain motionless on its surface. Indeed in that are signs for everyone patient and grateful.	42:33	यदि वह चाहे तो वायु को ठहरा दे, तो वे समुद्र की पीठ पर ठहरे रह जाएँ - निश्चय ही इसमें कितनी ही निशानियाँ है हर उस व्यक्ति के लिए जो अत्यन्त धैर्यवान, कृतज्ञ हो	**[प्रकृति अपने नियमों को मनमाने ढंग से नहीं बदलती; काल्पनिक दावा।]**

Aw yoobiqhunna bima kasaboo wayaAAfu AAan katheerin	x	Or He could destroy them for what they earned; but He pardons much.	42:34	या उनको उनकी कमाई के कारण विनष्ट कर दे और बहुतो को माफ़ भी कर दे	x
WayaAAlama allatheena yujadiloona fee ayatina ma lahum min maheesin	x	And [that is so] those who dispute concerning Our signs may know that for them there is no place of escape.	42:35	और परिणामतः वे लोग जान लें जो हमारी आयतों में झगड़ते है कि उनके लिए भागने की कोई जगह नहीं	x
Fama ooteetum min shayin famataAAu alhayati alddunya wama AAinda Allahi khayrun waabqa lillatheena amanoo waAAala rabbihim yatawakkaloona	x	So whatever thing you have been given - it is but [for] enjoyment of the worldly life. But what is with Allah is better and more lasting for those who have believed and upon their Lord rely	42:36	तुम्हें जो चीज़ भी मिली है वह तो सांसारिक जीवन की अस्थायी सुख-सामग्री है। किन्तु जो कुछ अल्लाह के पास है वह उत्तम है और शेष रहनेवाला भी, वह उन्ही के लिए है जो ईमान लाए और अपने रब पर भरोसा रखते है;	x
Waallatheena yajtaniboona kabaira alithmi waalfawahisha waitha ma ghadiboo	x	And those who avoid the major sins and immoralities, and when they are angry, they forgive,	42:37	जो बड़े-बड़े गुनाहों और अश्लील कर्मों से बचते है और जब उन्हे (किसी पर) क्रोध आता है तो वे क्षमा कर देते हैं;	x
Waallatheena istajaboo lirabbihim waaqamoo alssalata waamruhum shoora baynahum wamimma razaqnahum yunfiqoona	x	And those who have responded to their lord and established prayer and whose affair is [determined by] consultation among themselves, and from what We have provided them,	42:38	और जिन्होंने अपने रब का हुक्म माना और नमाज़ क़ायम की, और उनका मामला उनके पारस्परिक परामर्श से चलता है, और जो कुछ हमने उन्हें दिया है उसमें से ख़र्च करते है;	x

Waallatheena itha asabahumu albaghyu hum	x	And those who, when tyranny strikes them, they defend themselves,	42:39	और जो ऐसे है कि जब उनपर ज़्यादती होती है तो वे प्रतिशोध करते है	x
Wajazao sayyiatin sayyiatun mithluha faman AAafa waaslaha faajruhu AAala Allahi innahu la yuhibbu alththalimeena	Forgiveness is good, but revenge is permitted (42:41). **[Abrogated by later Jihadi verses.]**	And the retribution for an evil act is an evil one like it, but whoever pardons and makes reconciliation - his reward is [due] from Allah. Indeed, He does not like wrongdoers.	42:40	बुराई का बदला वैसी ही बुराई है किन्तु जो क्षमा कर दे और सुधार करे तो उसका बदला अल्लाह के ज़िम्मे है। निश्चय ही वह ज़ालिमों को पसन्द नहीं करता	क्षमा करना अच्छा है, लेकिन प्रतिशोध की अनुमति है (42:41)। **[बाद के जिहादी आयतों द्वारा निरस्त।]**
Walamani intasara baAAda thulmihi faolaika ma AAalayhim min sabeelin	x	And whoever avenges himself after having been wronged - those have not upon them any cause [for blame].	42:41	और जो कोई अपने ऊपर ज़ुल्म होने के पश्चात बदला ले ले, तो ऐसे लोगों पर कोई इलज़ाम नहीं	x
Innama alssabeelu AAala allatheena yathlimoona alnnasa wayabghoona fee alardi bighayri alhaqqi olaika lahum AAathabun	x	The cause is only against the ones who wrong the people and tyrannize upon the earth without right. Those will have a painful punishment.	42:42	इलज़ाम तो केवल उनपर आता है जो लोगों पर ज़ुल्म करते है और धरती में नाहक़ ज़्यादती करते है। ऐसे लोगों के लिए दुखद यातना है	x
Walaman sabara waghafara inna thalika lamin AAazmi alomoori	x	And whoever is patient and forgives - indeed, that is of the matters [requiring] determination.	42:43	किन्तु जिसने धैर्य से काम लिया और क्षमा कर दिया तो निश्चय ही वह उन कामों में से है जो (सफलता के लिए) आवश्यक ठहरा दिए गए है	x

Waman yudlili Allahu fama lahu min waliyyin min baAAdihi watara alththalimeena lamma raawoo alAAathaba yaqooloona hal ila maraddin min	**[Allah sends people astray.]**	And he whom Allah sends astray - for him there is no protector beyond Him. And you will see the wrongdoers, when they see the punishment, saying, "Is there for return [to the former world] any way?"	42:44	जिस व्यक्ति को अल्लाह गुमराही में डाल दे, तो उसके पश्चात उसे सम्भालनेवाला कोई भी नहीं। तुम ज़ालिमों को देखोगे कि जब वे यातना को देख लेंगे तो कह रहे होंगे, "क्या लौटने का भी कोई मार्ग है?"	**[अल्लाह लोगों को गुमराही में डाल देता है।]**
Watarahum yuAAradoona AAalayha khashiAAeena mina alththulli yanthuroona min tarfin khafiyyin waqala allatheena amanoo inna alkhasireena allatheena khasiroo anfusahum waahleehim yawma alqiyamati ala inna alththalimeena fee	x	And you will see them being exposed to the Fire, humbled from humiliation, looking from [behind] a covert glance. And those who had believed will say, "Indeed, the [true] losers are the ones who lost themselves and their families on the Day of Resurrection. Unquestionably, the wrongdoers are in an enduring punishment."	42:45	और तुम उन्हें देखोगे कि वे उस (जहन्नम) पर इस दशा में लाए जा रहे है कि बेबसी और अपमान के कारण दबे हुए है। कनखियों से देख रहे है। जो लोग ईमान लाए, वे उस समय कहेंगे कि "निश्चय ही घाटे में पड़नेवाले वही है जिन्होंने क़ियामत के दिन अपने आपको और अपने लोगों को घाटे में डाल दिया। सावधान! निश्चय ही ज़ालिम स्थिर रहनेवाली यातना में होंगे	x
Wama kana lahum min awliyaa yansuroonahum min dooni Allahi waman yudlili Allahu fama lahu min sabeelin	x	And there will not be for them any allies to aid them other than Allah. And whoever Allah sends astray - for him there is no way.	42:46	और उनके कुछ संरक्षक भी न होंगे, जो सहायता करके उन्हें अल्लाह से बचा सकें। जिसे अल्लाह गुमराही में डाल दे तो उसके लिए फिर कोई मार्ग नहीं।"	x

Istajeeboo lirabbikum min qabli an yatiya yawmun la maradda lahu mina Allahi ma lakum min maljain yawmaithin wama lakum min nakeerin	x	Respond to your Lord before a Day comes from Allah of which there is no repelling. No refuge will you have that day, nor for you will there be any denial.	42:47	अपने रब की बात मान लो इससे पहले कि अल्लाह की ओर से वह दिन आ जाए जो पलटने का नहीं। उस दिन तुम्हारे लिए न कोई शरण-स्थल होगा और न तुम किसी चीज़ को रद्द कर सकोगे	x
Fain aAAradoo fama arsalnaka AAalayhim hafeethan in AAalayka illa albalaghu wainna itha athaqna alinsana minna rahmatan fariha biha wain tusibhum sayyiatun bima qaddamat aydeehim fainna alinsana kafoorun	**[Abrogated by later Jihad verses.]**	But if they turn away - then We have not sent you, [O Muhammad], over them as a guardian; upon you is only [the duty of] notification. And indeed, when We let man taste mercy from us, he rejoices in it; but if evil afflicts him for what his hands have put forth, then indeed, man is ungrateful.	42:48	अब यदि वे ध्यान में न लाएँ तो हमने तो तुम्हें उनपर कोई रक्षक बनाकर तो भेजा नहीं है। तुमपर तो केवल (संदेश) पहुँचा देने की ज़िम्मेदारी है। हाल यह है कि जब हम मनुष्य को अपनी ओर से किसी दयालुता का आस्वादन कराते है तो वह उसपर इतराने लगता है, किन्तु ऐसे लोगों के हाथों ने जो कुछ आगे भेजा है उसके कारण यदि उन्हें कोई तकलीफ़ पहुँचती है तो निश्चय ही वही मनुष्य बड़ा कृतघ्न बन जाता है	**[बाद के जिहाद आयतों द्वारा रद्द कर दिया गया।]**
Lillahi mulku alssamawati waalardi yakhluqu ma yashao yahabu liman yashao inathan wayahabu liman yashao	x	To Allah belongs the dominion of the heavens and the earth; He creates what he wills. He gives to whom He wills female [children], and He gives to whom He wills males.	42:49	अल्लाह ही की है आकाशों और धरती की बादशाही। वह जो चाहता है पैदा करता है, जिसे चाहता है लड़कियाँ देता है और जिसे चाहता है लड़के देता है।	x

Aw yuzawwijuhum thukranan wainathan wayajAAalu man yashao AAaqeeman innahu AAaleemun	**[Muslims should not seek treatment for infirtility in obedience to Allah.]**	Or He makes them [both] males and females, and He renders whom He wills barren. Indeed, He is Knowing and Competent.	42:50	या उन्हें लड़के और लड़कियाँ मिला-जुलाकर देता है और जिसे चाहता है निस्संतान रखता है। निश्चय ही वह सर्वज्ञ, सामर्थ्यवान है	**[मुस्लिमों को अल्लाह की का आज्ञा पालन करते हुए बांझपन का इलाज नहीं कराना चाहिए।]**
Wama kana libasharin an yukallimahu Allahu illa wahyan aw min warai hijabin aw yursila rasoolan fayoohiya biithnihi ma yashao innahu AAaliyyun hakeemun	The Jews said to the Prophet, (pbuh): “Do you not speak [directly] with Allah and look at Him as did Moses? This is if you are really a Prophet. We will never believe in you until you do that”. He said: “Moses did not look at Allah”. Then, this verse was revealed.	And it is not for any human being that Allah should speak to him except by revelation or from behind a partition or that He sends a messenger to reveal, by His permission, what He wills. Indeed, He is Most High and Wise.	42:51	किसी मनुष्य की यह शान नहीं कि अल्लाह उससे बात करे, सिवाय इसके कि प्रकाशना के द्वारा या परदे के पीछे से (बात करे) । या यह कि वह एक रसूल (फ़रिश्ता) भेज दे, फिर वह उसकी अनुज्ञा से जो कुछ वह चाहता है प्रकाशना कर दे। निश्चय ही वह सर्वोच्च अत्यन्त तत्वदर्शी है	यहूदियों ने पैगंबर (स.) से कहा: “क्या आप अल्लाह से सीधे बात नहीं करते और उसे उस तरह नहीं देखते जैसे मूसा ने देखा? अगर आप वास्तव में पैगंबर हैं। जब तक आप ऐसा नहीं करेंगे, हम कभी भी आप पर ईमान नहीं लाएंगे।” उन्होंने कहा: “मुसा ने अल्लाह को नहीं देखा।” फिर, यह आयत प्रकट हुई।
Wakathalika awhayna ilayka roohan min amrina ma kunta tadree ma alkitabu wala aleemanu walakin jaAAalnahu nooran nahdee bihi man nashao min AAibadina wainnaka latahdee ila siratin mustaqeemin	**[Allah guides whom He wills, it implies that disbelievers have no fault.]**	And thus We have revealed to you an inspiration of Our command. You did not know what is the Book or [what is] faith, but We have made it a light by which We guide whom We will of Our servants. And indeed, [O Muhammad], you guide to a straight path -	42:52	और इसी प्रकार हमने अपने आदेश से एक रूह (क़ुरआन) की प्रकाशना तुम्हारी ओर की है। तुम नहीं जानते थे कि किताब क्या होती है और न ईमान को (जानते थे), किन्तु हमने इस (प्रकाशना) को एक प्रकाश बनाया, जिसके द्वारा हम अपने बन्दों में से जिसे चाहते है मार्ग दिखाते है। निश्चय ही तुम एक सीधे मार्ग की ओर पथप्रदर्शन कर रहे हो-	**[अल्लाह जिसे चाहते है मार्ग दिखाते है, इसका अर्थ है कि अविश्वासियों की कोई गलती नहीं है।]**

Sirati Allahi allathee lahu ma fee alssamawati wama fee alardi ala ila Allahi taseeru alomooru	x	The path of Allah, to whom belongs whatever is in the heavens and whatever is on the earth. Unquestionably, to Allah do [all] matters evolve.	42:53	उस अल्लाह के मार्ग की ओर जिसका वह सब कुछ है, जो आकाशों में है और जो धरती में है। सुन लो, सारे मामले अन्ततः अल्लाह ही की ओर पलटते हैं	x
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Az-Zukhruf (The Ornaments of Gold), Revealed when the Quraysh were plotting to kill Prophet.**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**43:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अज़-ज़ुख़रुफ़ (सोने के गहने), तब प्रकट हुआ जब कुरैश पैगंबर को मारने की साजिश रच रहे थे।**
Hameem	Mysterious letters	Ha, Meem.	43:1	हा॰ मीम॰	रहस्यमयी अक्षर
Waalkitabi	**[Not all the verses are clear.]**	By the clear Book,	43:2	गवाह है स्पष्ट किताब	**[सभी आयतें स्पष्ट नहीं हैं।]**
Inna jaAAalnahu quranan AAarabiyyan laAAallakum taAAqiloona	See 12:2. **[Not all words on Quran are Arabic; Also it will be unfair for non-Arabic Muslims.]**	Indeed, We have made it an Arabic Qur'an that you might understand.	43:3	हमने उसे अरबी क़ुरआन बनाया, ताकि तुम समझो	देखें 12:2। **[क़ुरआन के सभी शब्द अरबी नहीं हैं; इसके अलावा, यह गैर-अरबी मुस्लिमों के लिए अन्यायपूर्ण होगा।]**
Wainnahu fee ommi alkitabi ladayna laAAaliyyun hakeemun	Umm al-kitab (Preserved tablet) is, according to Islamic tradition, is a mother book that has existed for all eternity with Allah. **[If everything is written on mother of the book, why abrogation are needed and also how there is freewill to man.]**	And indeed it is, in the Mother of the Book with Us, exalted and full of wisdom.	43:4	और निश्चय ही वह मूल किताब में अंकित है, हमारे यहाँ बहुच उच्च कोटि की, तत्वदर्शिता से परिपूर्ण है	उम्म अल-किताब (संरक्षित तख्ती), इस्लामी परंपरा के अनुसार, एक मातृ पुस्तक है जो हमेशा से अल्लाह के साथ विद्यमान रही है। **[यदि सब कुछ मातृ पुस्तक पर लिखा हुआ है, तो फिर आयतों को रद्द करने की आवश्यकता क्यों है और मनुष्य की स्वतंत्र इच्छा कैसे संभव है।]**
Afanadribu AAankumu alththikra safhan an kuntum qawman	x	Then should We turn the message away, disregarding you, because you are a transgressing	43:5	क्या इसलिए कि तुम मर्यादाहीन लोग हो, हम तुमपर से बिलकुल ही नज़र फेर लेंगे?	x

Wakam arsalna min nabiyyin fee alawwaleena	x	And how many a prophet We sent among the former peoples,	43:6	हमने पहले के लोगों में कितने ही रसूल भेजे	x
Wama yateehim min nabiyyin illa kanoo bihi yastahzioona	**[All Prophets were ridiculed similar to Prophet Muhammad (pbuh), means this phenomenon is inbuilt in human psychology.]**	But there would not come to them a prophet except that they used to ridicule him.	43:7	किन्तु जो भी नबी उनके पास आया, वे उसका परिहास ही करते रहे	**[सभी पैगंबरों का मज़ाक उड़ाया गया, जैसे कि पैगंबर मुहम्मद (स.) का किया गया, इसका मतलब यह है कि यह घटना मानवीय मनोविज्ञान में अंतर्निहित है।]**
Faahlakna ashadda minhum batshan wamada mathalu alawwaleena	x	And We destroyed greater than them in [striking] power, and the example of the former peoples has preceded.	43:8	अन्ततः हमने उनको पकड़ में लेकर विनष्ट कर दिया जो उनसे कहीं अधिक बलशाली थे। और पहले के लोगों की मिसाल गुज़र-चुकी है	x
Walain saaltahum man khalaqa alssamawati waalarda layaqoolunna khalaqahunna alAAazeezu alAAaleemu	x	And if you should ask them, "Who has created the heavens and the earth?" they would surely say, "They were created by the Exalted in Might, the Knowing."	43:9	यदि तुम उनसे पूछो कि "आकाशों और धरती को किसने पैदा किया?" तो वे अवश्य कहेंगे, "उन्हें अत्यन्त प्रभुत्वशाली, सर्वज्ञ सत्ता ने पैदा किया।"	x
Allathee jaAAala lakumu alarda mahdan wajaAAala lakum feeha subulan laAAallakum tahtadoona	**[Nowhere Quran says that Earth is a sphere: 20:53 carpet, 43:10 cradle, 50:7 spread, 51:48 spread, 79:27-32 spread. Allah does not make roads.]**	[The one] who has made for you the earth a bed and made for you upon it roads that you might be guided	43:10	जिसने तुम्हारे लिए धरती को गहवारा बनाया औऱ उसमें तुम्हारे लिए मार्ग बना दिए. ताकि तुम्हें मार्गदर्शन प्राप्त हो	**[कुरान में कहीं भी यह नहीं कहा गया कि पृथ्वी गोल है: 20:53 कालीन, 43:10 पालना, 50:7 फैलाना, 51:48 फैलाना, 79:27-32 फैलाना। अल्लाह रास्ते नहीं बनाते।]**

Waallathee nazzala mina alssamai maan biqadarin faansharna bihi baldatan maytan kathalika tukhrajoona	**[But still drought and floods happen. Cloud burst is very common in hilly areas.]**	And who sends down rain from the sky in measured amounts, and We revive thereby a dead land - thus will you be brought forth -	43:11	और जिसने आकाश से एक अन्दाज़े से पानी उतारा। और हमने उसके द्वारा मृत भूमि को जीवित कर दिया। इसी तरह तुम भी (जीवित करके) निकाले जाओगे	**[लेकिन फिर भी सूखा और बाढ़ होते हैं। पहाड़ी इलाकों में बादल फटना बहुत आम है।]**
Waallathee khalaqa alazwaja kullaha wajaAAala lakum mina alfulki waalanAAami ma tarkaboona	Pickthall translate "all the pairs". Concept of species is very new. **[Every living being was created in pairs contradicts science. 36:36, 43:12, 51:49]**	And who created the species, all of them, and has made for you of ships and animals those which you mount.	43:12	और जिसने विभिन्न प्रकार की चीज़े पैदा कीं, और तुम्हारे लिए वे नौकाएँ और जानवर बनाए जिनपर तुम सवार होते हो	पिकथल अनुवाद 'सभी जोड़े'। **[हर जीवित प्राणी जोड़ों में बनाया गया है, यह विज्ञान के अंतर्विरोध में है। 36:36, 43:12, 51:49]**
Litastawoo AAala thuhoorihi thumma tathkuroo niAAmata rabbikum itha istawaytum AAalayhi wataqooloo subhana allathee sakhkhara lana hatha wama kunna lahu	**[Animals were not made for Human use, as they evolved before the Human species. Humans have domesticated and started using them later.]**	That you may settle yourselves upon their backs and then remember the favor of your Lord when you have settled upon them and say. "Exalted is He who has subjected this to us, and we could not have [otherwise] subdued it.	43:13	ताकि तुम उनकी पीठों पर जमकर बैठो, फिर याद करो अपने रब की अनुकम्पा को जब तुम उनपर बैठ जाओ और कहो, "कितना महिमावान है वह जिसने इसको हमारे वश में किया, अन्यथा हम तो इसे क़ाबू में कर सकनेवाले न थे	**[जानवर मानव उपयोग के लिए नहीं बनाए गए थे, क्योंकि वे मानव प्रजाति से पहले विकसित हुए थे। मनुष्यों ने उन्हें पालतू बनाया और बाद में उनका उपयोग करना शुरू किया।]**
Wainna ila rabbina lamunqaliboona	x	And indeed we, to our Lord, will [surely] return."	43:14	और निश्चय ही हम अपने रब की ओर लौटनेवाले है।"	x
WajaAAaloo lahu min AAibadihi juzan inna alinsana lakafoorun	Means associated some human beings with Allah as partners.	But they have attributed to Him from His servants a portion. Indeed, man is clearly ungrateful.	43:15	उन्होंने उसके बन्दों में से कुछ को उसका अंश ठहरा दिया! निश्चय ही मनुष्य खुला कृतघ्न है	मतलब कुछ मनुष्यों को अल्लाह के साथ साझेदार के रूप में जोड़ना है।

Ami ittakhatha mimma yakhluqu banatin waasfakum bialbaneena	**[See 16:57 and 53:19. "Women," are regarded as lacking something, so how can they be attributed to Allah.]**	Or has He taken, out of what He has created, daughters and chosen you for [having] sons?	43:16	(क्या किसी ने अल्लाह को इससे रोक दिया है कि वह अपने लिए बेटे चुनता) या जो कुछ वह पैदा करता है उसमें से उसने स्वयं ही अपने लिए तो बेटियाँ लीं और तुम्हें चुन लिया बेटों के लिए?	**[देखें 16:57 और 53:19। "महिलाओं" को किसी चीज़ की कमी के रूप में माना जाता है, तो उन्हें अल्लाह के लिए कैसे जिम्मेदार ठहराया जा सकता है।**
Waitha bushshira ahaduhum bima daraba lilrrahmani mathalan thalla wajhuhu muswaddan wahuwa katheemun	x	And when one of them is given good tidings of that which he attributes to the Most Merciful in comparison, his face becomes dark, and he suppresses grief.	43:17	और हाल यह है कि जब उनमें से किसी को उसकी मंगल सूचना दी जाती है, जो वह रहमान के लिए बयान करता है, तो उसके मुँह पर कलौंस छा जाती है और वह ग़म के मारे घुटा-घुटा रहने लगता है	x
Awaman yunashshao fee alhilyati wahuwa fee alkhisami ghayru mubeenin	Ibn Kathir, women are regarded as lacking something, which they make up for with jewelry and adornments from the time of childhood onwards, and when there is a dispute, they cannot speak up and defend themselves clearly, so how can this be attributed to Allah.	So is one brought up in ornaments while being during conflict unevident [attributed to Allah]?	43:18	और क्या वह जो आभूषणों में पले और वह जो वाद-विवाद और झगड़े में खुल न पाए (ऐसी अबला को अल्लाह की सन्तान घोषित करते हो)?	इब्न क़थीर के अनुसार, महिलाओं को किसी चीज़ की कमी माना जाता है, जिसे वे बचपन से गहनों और अलंकरणों से पूरा करती हैं, और जब कोई विवाद होता है, तो वे स्पष्ट रूप से अपनी बात नहीं कह पाती और अपनी रक्षा नहीं कर पाती, तो इसे अल्लाह के साथ कैसे जोड़ा जा सकता है।

WajaAAaloo almalaikata allatheena hum AAibadu alrrahmani inathan ashahidoo khalqahum satuktabu shahadatuhum	x	And they have made the angels, who are servants of the Most Merciful, females. Did they witness their creation? Their testimony will be recorded, and they will be questioned.	43:19	उन्होंने फ़रिश्तों को, जो रहमान के बन्दे है, स्त्रियाँ ठहरा ली है। क्या वे उनकी संरचना के समय मौजूद थे? उनकी गवाही लिख ली जाएगी और उनसे पूछ होगी	x
Waqaloo law shaa alrrahmanu ma AAabadnahum ma lahum bithalika min AAilmin in hum illa yakhrusoona	**[Actually many verses of Quran itself justify the statement of the disbelievers.]**	And they said, "If the Most Merciful had willed, we would not have worshipped them." They have of that no knowledge. They are not but falsifying.	43:20	वे कहते है कि "यदि रहमान चाहता तो हम उन्हें न पूजते।" उन्हें इसका कुछ ज्ञान नहीं। वे तो बस अटकल दौड़ाते है	**[वास्तव में, कुरान की कई आयतें खुद इनकार करने वालों के बयान को सही ठहराती हैं।]**
Am ataynahum kitaban min qablihi fahum bihi mustamsikoona	**[Quran does not even spare those who were given book by claiming that their books are corrupted; Also, so many things Islam taken from pagans like Hajj, animal sacrifice etc.]**	Or have We given them a book before the Qur'an to which they are adhering?	43:21	(क्या हमने इससे पहले उनके पास कोई रसूल भेजा है) या हमने इससे पहले उनको कोई किताब दी है तो वे उसे दृढ़तापूर्वक थामें हुए है?	**[कुरान उन लोगों को भी नहीं छोड़ता जिन्हें किताब दी गई थी, यह दावा करते हुए कि उनकी किताबें भ्रष्ट हो गई हैं; साथ ही, इस्लाम ने कई चीजें मूर्तिपूजकों से ली हैं जैसे हज, पशुबलि आदि।]**
Bal qaloo inna wajadna abaana AAala ommatin wainna AAala atharihim muhtadoona	x	Rather, they say, "Indeed, we found our fathers upon a religion, and we are in their footsteps [rightly] guided."	43:22	नहीं, बल्कि वे कहते है, "हमने तो अपने बाप-दादा को एक तरीक़े पर पाया और हम उन्हीं के पद-चिन्हों पर हैं, सीधे मार्ग पर चल रहे है।"	x

Wakathalika ma arsalna min qablika fee qaryatin min natheerin illa qala mutrafooha inna wajadna abaana AAala ommatin wainna AAala atharihim muqtadoona	**[However, Muslims believe that Kabah was built by Prophet Adam and Abraham, and Arabs are descendents of his son Ishmael.]**	And similarly, We did not send before you any warner into a city except that its affluent said, "Indeed, we found our fathers upon a religion, and we are, in their footsteps, following."	43:23	इसी प्रकार हमने जिस किसी बस्ती में तुमसे पहले कोई सावधान करनेवाला भेजा तो वहाँ के सम्पन्न लोगों ने बस यही कहा कि "हमने तो अपने बाप-दादा को एक तरीक़े पर पाया और हम उन्हीं के पद-चिन्हों पर है, उनका अनुसरण कर रहे है।"	**[हालाँकि मुसलमान मानते हैं कि काबा का निर्माण पैगंबर आदम और इब्राहीम ने किया था, और अरब उनके बेटे इश्माइल के वंशज हैं।]**
Qala awalaw jitukum biahda mimma wajadtum AAalayhi abaakum qaloo inna bima orsiltum bihi kafiroona	Each warner means every prophet.	[Each warner] said, "Even if I brought you better guidance than that [religion] upon which you found your fathers?" They said, "Indeed we, in that with which you were sent, are disbelievers."	43:24	उसने कहा, "क्या यदि मैं उससे उत्तम मार्गदर्शन लेकर आया हूँ, जिसपर तूने अपने बाप-दादा को पाया है, तब भी (तुम अपने बाप-दादा के पद-चिह्नों का ही अनुसरण करोगं)?" उन्होंने कहा, "तुम्हें जो कुछ देकर भेजा गया है, हम तो उसका इनकार करते है।"	x
Faintaqamna minhum faonthur kayfa kana AAaqibatu	x	So we took retribution from them; then see how was the end of the deniers.	43:25	अन्ततः हमने उनसे बदला लिया। तो देख लो कि झुठलानेवालों का कैसा परिणाम हुआ?	x
Waith qala ibraheemu liabeehi waqawmihi innanee baraon mimma taAAbudoona	x	And [mention, O Muhammad], when Abraham said to his father and his people, "Indeed, I am disassociated from that which you worship	43:26	याद करो, जबकि इबराहीम ने अपने बाप और अपनी क़ौम से कहा, "तुम जिनको पूजते हो उनसे मेरा कोई सम्बन्ध नहीं,	x

Illa allathee fataranee fainnahu sayahdeeni	x	Except for He who created me; and indeed, He will guide me."	43:27	सिवाय उसके जिसने मुझे पैदा किया। अतः निश्चय ही वह मुझे मार्ग दिखाएगा।"	x
WajaAAalaha kalimatan baqiyatan fee AAaqibihi laAAallahum yarjiAAoona	x	And he made it a word remaining among his descendants that they might return [to it].	43:28	और यही बात वह अपने पीछे (अपनी सन्तान में) बाक़ी छोड़ गया, ताकि वे रुजू करें	x
Bal mattaAAtu haolai waabaahum hatta jaahumu alhaqqu warasoolun mubeenun	x	However, I gave enjoyment to these [people of Makkah] and their fathers until there came to them the truth and a clear Messenger.	43:29	नहीं,बल्कि मैं उन्हें और उनके बाप-दादा को जीवन-सुख प्रदान करता रहा, यहाँ तक कि उनके पास सत्य और खोल-खोलकर बतानेवाला रसूल आ गया	x
Walamma jaahumu alhaqqu qaloo hatha sihrun wainna bihi kafiroona	x	But when the truth came to them, they said, "This is magic, and indeed we are, concerning it, disbelievers."	43:30	किन्तु जब वह हक़ लेकर उनके पास आया तो वे कहने लगे, "यह तो जादू है। और हम तो इसका इनकार करते है।"	x
Waqaloo lawla nuzzila hatha alquranu AAala rajulin mina alqaryatayni	meaning from the two cities, i.e., Makkah and At Ta'if.	And they said, "Why was this Qur'an not sent down upon a great man from [one of] the two cities?"	43:31	वे कहते है, "यह क़ुरआन इन दो बस्तियों के किसी बड़े आदमी पर क्यों नहीं अवतरित हुआ?"	दो बस्तियों, यानी मक्का और ताइफ़ से अर्थ।

Ahum yaqsimoona rahmata rabbika nahnu qasamna baynahum maAAeeshatahum fee alhayati alddunya warafaAAna baAAdahum fawqa baAAdin darajatin liyattakhitha baAAduhum baAAdan sukhriyyan warahmatu rabbika	x	Do they distribute the mercy of your Lord? It is We who have apportioned among them their livelihood in the life of this world and have raised some of them above others in degrees [of rank] that they may make use of one another for service. But the mercy of your Lord is better than whatever they accumulate.	43:32	क्या वे तुम्हारे रब की दयालुता को बाँटते है? सांसारिक जीवन में उनके जीवन-यापन के साधन हमने उनके बीच बाँटे है और हमने उनमें से कुछ लोगों को दूसरे कुछ लोगों से श्रेणियों की दृष्टि से उच्च रखा है, ताकि उनमें से वे एक-दूसरे से काम लें। और तुम्हारे रब की दयालुता उससे कहीं उत्तम है जिसे वे समेट रहे है	x
Walawla an yakoona alnnasu ommatan wahidatan lajaAAalna liman yakfuru bialrrahmani libuyootihim suqufan min fiddatin wamaAAarija AAalayha	x	And if it were not that the people would become one community [of disbelievers], We would have made for those who disbelieve in the Most Merciful - for their houses - ceilings and stairways of silver upon which to mount	43:33	यदि इस बात की सम्भावना न होती कि सब लोग एक ही समुदाय (अधर्मी) हो जाएँगे, तो जो लोग रहमान के साथ कुफ़्र करते है उनके लिए हम उनके घरों की छतें चाँदी की कर देते है और सीढ़ियाँ भी जिनपर वे चढ़ते।	x
Walibuyootihim abwaban wasururan AAalayha	x	And for their houses - doors and couches [of silver] upon which to	43:34	और उनके घरों के दरवाज़े भी और वे तख़्त भी जिनपर वे टेक लगाते	x

Wazukhrufan wain kullu thalika lamma mataAAu alhayati alddunya waalakhiratu AAinda rabbika lilmuttaqeena	x	And gold ornament. But all that is not but the enjoyment of worldly life. And the Hereafter with your Lord is for the righteous.	43:35	और सोने द्वारा सजावट का आयोजन भी कर देते। यह सब तो कुछ भी नहीं, बस सांसारिक जीवन की अस्थायी सुख-सामग्री है। और आख़िरत तुम्हारे रब के यहाँ डर रखनेवालों के लिए है	x
Waman yaAAshu AAan thikri alrrahmani nuqayyid lahu shaytanan fahuwa lahu	**[A Devil is appointed to every human being including believers. Sahih Muslim 7108, An-Nasai 3412]**	And whoever is blinded from remembrance of the Most Merciful - We appoint for him a devil, and he is to him a	43:36	जो रहमान के स्मरण की ओर से अंधा बना रहा है, हम उसपर एक शैतान नियुक्त कर देते है तो वही उसका साथी होता है	**[हर मानव के लिए, विश्वासियों समेत, एक शैतान नियुक्त किया गया है। सहिह मुस्लिम 7108, अन-नसाई 3412]**
Wainnahum layasuddoonahum AAani alssabeeli wayahsaboona annahum	x	And indeed, the devils avert them from the way [of guidance] while they think that they are [rightly] guided	43:37	और वे (शैतान) उन्हें मार्ग से रोकते है और वे (इनकार करनेवाले) यह समझते है कि वे मार्ग पर है	x
Hatta itha jaana qala ya layta baynee wabaynaka buAAda almashriqayni fabisa alqareenu	x	Until, when he comes to Us [at Judgement], he says [to his companion], "Oh, I wish there was between me and you the distance between the east and west - how wretched a	43:38	यहाँ तक कि जब वह हमारे पास आएगा तो (शैतान से) कहेगा, "ऐ काश, मेरे और तेरे बीच पूरब के दोनों किनारों की दूरी होती! तू तो बहुत ही बुरा साथी निकला!"	x
Walan yanfaAAakumu alyawma ith thalamtum annakum fee alAAathabi mushtarikoona	x	And never will it benefit you that Day, when you have wronged, that you are [all] sharing in the punishment.	43:39	और जबकि तुम ज़ालिम ठहरे तो आज यह बात तुम्हें कुछ लाभ न पहुँचा सकेगी कि यातना में तुम एक-दूसरे के साझी हो	x

Afaanta tusmiAAu alssumma aw tahdee alAAumya waman kana fee dalalin mubeenin	x	Then will you make the deaf hear, [O Muhammad], or guide the blind or he who is in clear error?	43:40	क्या तुम बहरों को सुनाओगे या अंधो को और जो खुली गुमराही में पड़ा हुआ हो उसको राह दिखाओगे?	x
Faimma nathhabanna bika fainna minhum muntaqimoona	Allah's vengeance upon the enemies of His Messenger will surely come to pass.	And whether [or not] We take you away [in death], indeed, We will take retribution upon them.	43:41	फिर यदि तुम्हें उठा भी लें तब भी हम उनसे बदला लेकर रहेंगे	अल्लाह का अपने पैग़ंबर के दुश्मनों पर प्रतिशोध निश्चित रूप से पूरा होगा।
Aw nuriyannaka allathee waAAadnahum fainna AAalayhim muqtadiroona	x	Or whether [or not] We show you that which We have promised them, indeed, We are Perfect in Ability.	43:42	या हम तुम्हें वह चीज़ दिखा देंगे जिसका हमने वादा किया है। निस्संदेह हमें उनपर पूरी सामर्थ्य प्राप्त है	x
Faistamsik biallathee oohiya ilayka innaka AAala siratin mustaqeemin	Encouragement to adhere to the Quran.	So adhere to that which is revealed to you. Indeed, you are on a straight path.	43:43	अतः तुम उस चीज़ को मज़बूती से थामे रहो जिसकी तुम्हारी ओर प्रकाशना की गई। निश्चय ही तु सीधे मार्ग पर हो	क़ुरान का पालन करने के लिए प्रोत्साहन।
Wainnahu lathikrun laka waliqawmika wasawfa tusaloona	x	And indeed, it is a remembrance for you and your people, and you [all] are going to be questioned.	43:44	निश्चय ही वह अनुस्मृति है तुम्हारे लिए और तुम्हारी क़ौम के लिए। शीघ्र ही तुम सबसे पूछा जाएगा	x
Waisal man arsalna min qablika min rusulina ajaAAalna min dooni alrrahmani alihatan yuAAbadoona	x	And ask those We sent before you of Our messengers; have We made besides the Most Merciful deities to be worshipped?	43:45	तुम हमारे रसूलों से, जिन्हें हमने तुमसे पहले भेजा, पूछ लो कि क्या हमने रहमान के सिवा भी कुछ उपास्य ठहराए थे, जिनकी बन्दगी की जाए?	x

Walaqad arsalna moosa biayatina ila firAAawna wamalaihi faqala innee rasoolu rabbi alAAalameena	x	And certainly did We send Moses with Our signs to Pharaoh and his establishment, and he said, "Indeed, I am the messenger of the Lord of the worlds."	43:46	और हमने मूसा को अपनी निशानियों के साथ फ़िरऔन और उसके सरदारों के पास भेजा तो उसने कहा, "मैं सारे संसार के रब का रसूल हूँ।"	x
Falamma jaahum biayatina itha hum minha yadhakoona	x	But when he brought them Our signs, at once they laughed at them.	43:47	लेकिन जब वह उनके पास हमारी निशानियाँ लेकर आया तो क्या देखते है कि वे लगे उनकी हँसी उड़ाने	x
Wama nureehim min ayatin illa hiya akbaru min okhtiha waakhathnahum bialAAathabi laAAallahum yarjiAAoona	greater than its sister = torments of increasing strength	And We showed them not a sign except that it was greater than its sister, and We seized them with affliction that perhaps they might return [to faith].	43:48	और हम उन्हें जो निशानी भी दिखाते वह अपने प्रकार की पहली निशानी से बढ़-चढ़कर होती और हमने उन्हें यातना से ग्रस्त कर लिया, ताकि वे रुजू करें	x
Waqaloo ya ayyuha alsahiru odAAu lana rabbaka bima AAahida AAindaka innana lamuhtadoona	x	And they said [to Moses], "O magician, invoke for us your Lord by what He has promised you. Indeed, we will be guided."	43:49	उनका कहना था, "ऐ जादूगर! अपने रब से हमारे लिए प्रार्थना कर, उस प्रतिज्ञा के आधार पर जो उसने तुझसे कर रखी है। निश्चय ही हम सीधे मार्ग पर चलेंगे।"	x
Falamma kashafna AAanhumu alAAathaba itha hum yankuthoona	x	But when We removed from them the affliction, at once they broke their word.	43:50	फिर जब भी हम उनपर ले यातना हटा देते है, तो क्या देखते है कि वे प्रतिज्ञा-भंग कर रहे है	x

Wanada firAAawnu fee qawmihi qala ya qawmi alaysa lee mulku misra wahathihi alanharu tajree min tahtee afala tubsiroona	x	And Pharaoh called out among his people; he said, "O my people, does not the kingdom of Egypt belong to me, and these rivers flowing beneath me; then do you not see?	43:51	फ़िरऔन ने अपनी क़ौम के बीच पुकारकर कहा, "ऐ मेरी क़ौम के लोगो! क्या मिस्र का राज्य मेरा नहीं और ये मेरे नीचे बहती नहरें? तो क्या तुम देखते नहीं?	x
Am ana khayrun min hatha allathee huwa maheenun wala yakadu	this one = Moses	Or am I [not] better than this one who is insignificant and hardly makes himself clear?	43:52	(यह अच्छा है) या मैं इससे अच्छा हूँ जो तुच्छ है, और साफ़ बोल भी नहीं पाता?	इससे = मूसा
Falawla olqiya AAalayhi aswiratun min thahabin aw jaa maAAahu almalaikatu muqtarineena	x	Then why have there not been placed upon him bracelets of gold or come with him the angels in conjunction?"	43:53	(यदि वह रसूल है तो) फिर ऐसा क्यों न हुआ कि उसके लिए ऊपर से सोने के कंगन डाले गए होते या उसके साथ पार्श्ववर्ती होकर फ़रिश्ते आए होते?"	x
Faistakhaffa qawmahu faataAAoohu innahum kanoo qawman fasiqeena	x	So he bluffed his people, and they obeyed him. Indeed, they were [themselves] a people defiantly disobedient [of Allah].	43:54	तो उसने अपनी क़ौम के लोगों को मूर्ख बनाया और उन्होंने उसकी बात मान ली। निश्चय ही वे अवज्ञाकारी लोग थे	x
Falamma asafoona intaqamna minhum faaghraqnahum ajmaAAeena	x	And when they angered Us, We took retribution from them and drowned them all.	43:55	अन्ततः जब उन्होंने हमें अप्रसन्न कर दिया तो हमने उनसे बदला लिया और हमने उन सबको डूबो दिया	x

FajaAAalnahum salafan wamathalan lilakhireena	Neither Ramses II nor the people of Egypt were destroyed in the year 1235 BC (possible exodus). That did not happen until much later and the final doom came in 659 AD when the Arabs under Muawiya conquered the country and took	And We made them a precedent and an example for the later peoples.	43:56	अतः हमने उन्हें अग्रगामी और बादवालों के लिए शिक्षाप्रद उदाहरण बना दिया	न तो रामसेस द्वितीय और न ही मिस्र के लोग ईसा पूर्व 1235 में (संभव निर्वासन) नष्ट हुए। यह बहुत बाद में हुआ और अंतिम विनाश 659 ईस्वी में आया जब मुअविया के तहत अरबों ने मिस्र पर विजय प्राप्त की।
Walamma duriba ibnu maryama mathalan itha qawmuka minhu yasiddoona	The contempt of the Quraysh for the son of Mary, and his true status with Allah.	And when the son of Mary was presented as an example, immediately your people laughed aloud.	43:57	और जब मरयम के बेटे की मिसाल दी गई तो क्या देखते है कि उसपर तुम्हारी क़ौम के लोग लगे चिल्लाने	मरियम के पुत्र के प्रति कुरैश की तिरस्कार और अल्लाह के साथ उसका सच्चा दर्जा।
Waqaloo aalihatuna khayrun am huwa ma daraboohu laka illa jadalan bal hum qawmun khasimoona	x	And they said, "Are your gods better, or is he?" They did not present the comparison except for [mere] argument. But, [in fact], they are a people prone to dispute.	43:58	और कहने लगे, "क्या हमारे उपास्य अच्छे नहीं या वह (मसीह)?" उन्होंने यह बात तुमसे केवल झगड़ने के लिए कही, बल्कि वे तो है ही झगड़ालू लोग	x
In huwa illa AAabdun anAAamna AAalayhi wajaAAalnahu mathalan libanee	x	Jesus was not but a servant upon whom We bestowed favor, and We made him an example for the Children of Israel.	43:59	वह (ईसा मसीह) तो बस एक बन्दा था, जिसपर हमने अनुकम्पा की और उसे हमने इसराईल की सन्तान के लिए एक आदर्श बनाया	x
Walaw nashao lajaAAalna minkum malaikatan fee alardi yakhlufoona	x	And if We willed, We could have made [instead] of you angels succeeding [one another] on the earth.	43:60	और यदि हम चाहते हो तुममें से फ़रिश्ते पैदा कर देते, जो धरती में उत्तराधिकारी होते	x

Wainnahu laAAilmun lilssaAAati fala tamtarunna biha waittabiAAooni hatha siratun mustaqeemun	x	And indeed, Jesus will be [a sign for] knowledge of the Hour, so be not in doubt of it, and follow Me. This is a straight path.	43:61	निश्चय ही वह उस घड़ी (जिसका वादा किया गया है) के ज्ञान का साधन है। अतः तुम उसके बारे में संदेह न करो और मेरा अनुसरण करो। यही सीधा मार्ग है	x
Wala yasuddannakumu alshshaytanu innahu lakum AAaduwwun mubeenun	x	And never let Satan avert you. Indeed, he is to you a clear enemy.	43:62	और शैतान तुम्हें रोक न दे, निश्चय ही वह तुम्हारा खुला शत्रु है	x
Walamma jaa AAeesa bialbayyinati qala qad jitukum bialhikmati waliobayyina lakum baAAda allathee takhtalifoona feehi faittaqoo Allaha waateeAAooni	**[Jesus was absolutely not interested in power on this Earth, so never emphasised on following him.]**	And when Jesus brought clear proofs, he said, "I have come to you with wisdom and to make clear to you some of that over which you differ, so fear Allah and obey me.	43:63	जब ईसा स्पष्ट प्रमाणों के साथ आया तो उसने कहा, "मैं तुम्हारे पास तत्वदर्शिता लेकर आया हूँ (ताकि उसकी शिक्षा तुम्हें दूँ) और ताकि कुछ ऐसी बातें तुमपर खोल दूँ, जिनमं तुम मतभेद करते हो। अतः अल्लाह का डर रखो और मेरी बात मानो	**[ईसा इस पृथ्वी पर सत्ता में बिल्कुल भी रुचि नहीं रखते थे, इसलिए उन्होंने कभी भी उनका पालन करने पर जोर नहीं दिया।]**
Inna Allaha huwa rabbee warabbukum faoAAbudoohu hatha siratun	x	Indeed, Allah is my Lord and your Lord, so worship Him. This is a straight path."	43:64	वास्तव में अल्लाह ही मेरा भी रब है और तुम्हारा भी रब है, तो उसी की बन्दगी करो। यही सीधा मार्ग है।"	x
Faikhtalafa alahzabu min baynihim fawaylun lillatheena thalamoo min AAathabi yawmin aleemin	Ibn Kathir explains that the followers of Jesus “differed and became parties and factions."	But the denominations from among them differed [and separated], so woe to those who have wronged from the punishment of a painful Day.	43:65	किन्तु उनमें के कितने ही गिरोहों ने आपस में विभेद किया। अतः तबाही है एक दुखद दिन की यातना से, उन लोगों के लिए जिन्होंने ज़ुल्म किया	इब्न क़तीर बताते हैं कि ईसा के अनुयायियों ने “भिन्न हो गए और पार्टियों और गुटों में विभाजित हो गए।

Hal yanthuroona illa alssaAAata an tatiyahum baghtatan wahum la yashAAuroona	x	Are they waiting except for the Hour to come upon them suddenly while they perceive not?	43:66	क्या वे बस उस (क़ियामत की) घड़ी की प्रतीक्षा कर रहे है कि वह सहसा उनपर आ पड़े और उन्हें ख़बर भी न हो	x
Alakhillao yawmaithin baAAduhum libaAAdin AAaduwwun illa almuttaqeena	x	Close friends, that Day, will be enemies to each other, except for the righteous	43:67	उस दिन सभी मित्र परस्पर एक-दूसरे के शत्रु होंगे सिवाय डर रखनेवालों के। -	x
Ya AAibadi la khawfun AAalaykumu alyawma wala antum tahzanoona	x	[To whom Allah will say], "O My servants, no fear will there be concerning you this Day, nor will you grieve,	43:68	"ऐ मेरे बन्दों! आज न तुम्हें कोई भय है और न तुम शोकाकुल होगे।" -	x
Allatheena amanoo biayatina wakanoo muslimeena	x	[You] who believed in Our verses and were Muslims.	43:69	वह जो हमारी आयतों पर ईमान लाए और आज्ञाकारी रहे;	x
Odkhuloo aljannata antum waazwajukum tuhbaroona	Pickthall translate "ye and your wives". **[Who will be companions in heaven: The earthly wives: 43:70, Hoors 52:20. What if either the husband or wife enters Hell. There is a hadith which says that most of residents of Hell will be women. Sahih Bukhari , 3241, 5197, 6449, 6546]**	Enter Paradise, you and your kinds, delighted."	43:70	"प्रवेश करो जन्नत में, तुम भी और तुम्हारे जोड़े भी, हर्षित होकर!"	पिकथल अनुवाद करता है "ये और तुम्हारी पत्नियाँ"। **[जो स्वर्ग में संगी होंगे: सांसारिक पत्नियाँ: 43:70, हूर्स 52:20. अगर पति या पत्नी में से कोई नरक में प्रवेश करता है तो क्या होगा। एक हदीस है जिसमें कहा गया है कि नरक के अधिकांश निवासी महिलाएँ होंगी। सहिह बुखारी, 3241, 5197, 6449, 6546]**

Yutafu AAalayhim bisihafin min thahabin waakwabin wafeeha ma tashtaheehi alanfusu watalaththu alaAAyunu	x	Circulated among them will be plates and vessels of gold. And therein is whatever the souls desire and [what] delights the eyes, and you will abide therein eternally.	43:71	उनके आगे सोने की तशतरियाँ और प्याले गर्दिश करेंगे और वहाँ वह सब कुछ होगा, जो दिलों को भाए और आँखे जिससे लज़्ज़त पाएँ। "और तुम उसमें सदैव रहोगे	x
Watilka aljannatu allatee oorithtumooha bima kuntum	x	And that is Paradise which you are made to inherit for what you used to do.	43:72	यह वह जन्नत है जिसके तुम वारिस उसके बदले में हुए जो कर्म तुम करते रहे।	x
Lakum feeha fakihatun katheeratun minha	x	For you therein is much fruit from which you will eat.	43:73	तुम्हारे लिए वहाँ बहुत-से स्वादिष्ट फल है जिन्हें तुम खाओगे।"	x
Inna almujrimeena fee AAathabi jahannama	x	Indeed, the criminals will be in the punishment of Hell, abiding eternally.	43:74	निस्संदेह अपराधी लोग सदैव जहन्नम की यातना में रहेंगे	x
La yufattaru AAanhum wahum feehi mublisoona	x	It will not be allowed to subside for them, and they, therein, are in despair.	43:75	वह (यातना) कभी उनपर से हल्की न होगी और वे उसी में निराश पड़े रहेंगे	x
Wama thalamnahum walakin kanoo humu alththalimeena	x	And We did not wrong them, but it was they who were the wrongdoers.	43:76	हमने उनपर कोई ज़ुल्म नहीं किया, परन्तु वे खुद ही ज़ालिम थे	x
Wanadaw ya maliku liyaqdi AAalayna rabbuka qala innakum makithoona	"O Malik..." (the keeper of Hell).	And they will call, "O Malik, let your Lord put an end to us!" He will say, "Indeed, you will remain."	43:77	वे पुकारेंगे, "ऐ मालिक! तुम्हारा रब हमारा काम ही तमाम कर दे!" वह कहेगा, "तुम्हें तो इसी दशा में रहना है।"	'ऐ मालिक..." (नरक का रखवाला)।

Laqad jinakum bialhaqqi walakinna aktharakum lilhaqqi karihoona	**[If one belived it to be truth, he would not be averse. But there are so many immoral and inhuman things which make people averse.]**	We had certainly brought you the truth, but most of you, to the truth, were averse.	43:78	"निश्चय ही हम तुम्हारे पास सत्य लेकर आए है, किन्तु तुममें से अधिकतर लोगों को सत्य प्रिय नहीं	**[यदि कोई इसे सत्य मानता, तो वह इससे विरोधी नहीं होता। लेकिन इतने सारे अनैतिक और अमानवीय कार्य हैं जो लोगों को इससे विरोधी बना देते हैं।]**
Am abramoo amran fainna mubrimoona	Allah makes a reference to Quraysh secret plots.	Or have they devised [some] affair? But indeed, We are devising [a plan].	43:79	(क्या उन्होंने कुछ निश्चय नहीं किया है) या उन्होंने किसी बात का निश्चय कर लिया है? अच्छा तो हमने भी निश्चय कर लिया है	अल्लाह कुरैश की गुप्त साजिशों का जिक्र करते हैं।
Am yahsaboona anna la nasmaAAu sirrahum wanajwahum bala warusuluna ladayhim yaktuboona	Means, Allah's angels are everywhere keeping all information.	Or do they think that We hear not their secrets and their private conversations? Yes, [We do], and Our messengers are with them recording.	43:80	या वे समझते हैं कि हम उनकी छिपी बात और उनकी कानाफूसी को सुनते नही? क्यों नहीं, और हमारे भेजे हुए (फ़रिश्ते) उनके समीप हैं, वे लिखते रहते है।"	अर्थात्, अल्लाह के फरिश्ते हर जगह मौजूद हैं और सभी जानकारी रख रहे हैं।
Qul in kana lilrrahmani waladun faana awwalu alAAabideena	**[Prophet did not do anything without Allah's permission, so how he could worship someone.]**	Say, [O Muhammad], "If the Most Merciful had a son, then I would be the first of [his] worshippers."	43:81	कहो, "यदि रहमान की कोई सन्तान होती तो सबसे पहले मैं (उसे) पूजता	**[नबी ने अल्लाह की अनुमति के बिना कुछ भी नहीं किया, तो वह किसी की पूजा कैसे कर सकते थे।]**
Subhana rabbi alssamawati waalardi rabbi alAAarshi AAamma	x	Exalted is the Lord of the heavens and the earth, Lord of the Throne, above what they describe.	43:82	आकाशों और धरती का रब, सिंहासन का स्वामी, उससे महान और उच्च है जो वे बयान करते है।"	x
Fatharhum yakhoodoo wayalAAaboo hatta yulaqoo yawmahumu allathee	**[Abrogated by later Jihadi verses.]**	So leave them to converse vainly and amuse themselves until they meet their Day which they are promised.	43:83	अच्छा, छोड़ो उन्हें कि वे व्यर्थ की बहस में पड़े रहे और खेलों में लगे रहें। यहाँ तक कि उनकी भेंट अपने उस दिन से हो जिसका वादा उनसे किया जाता है	**[बाद के जिहादी आयतों द्वारा निरस्त किया गया]**

Wahuwa allathee fee alssamai ilahun wafee alardi ilahun wahuwa alhakeemu alAAaleemu	x	And it is Allah who is [the only] deity in the heaven, and on the earth [the only] deity. And He is the Wise, the Knowing.	43:84	वही है जो आकाशों में भी पूज्य है और धरती में भी पूज्य है और वह तत्वदर्शी, सर्वज्ञ है	x
Watabaraka allathee lahu mulku alssamawati waalardi wama baynahuma waAAindahu AAilmu alssaAAati wailayhi	x	And blessed is He to whom belongs the dominion of the heavens and the earth and whatever is between them and with whom is knowledge of the Hour and to whom you will be returned.	43:85	बड़ी ही बरकतवाली है वह सत्ता, जिसके अधिकार में है आकाशों और धरती की बादशाही और जो कुछ उन दिनों के बीच है उसकी भी। और उसी के पास उस घड़ी का ज्ञान है, और उसी की ओर तुम लौटाए जाओगे।	x
Wala yamliku allatheena yadAAoona min doonihi alshshafaAAata illa man shahida bialhaqqi wahum yaAAlamoona	x	And those they invoke besides Him do not possess [power of] intercession; but only those who testify to the truth [can benefit], and they know.	43:86	और जिन्हें वे उसके और अपने बीच माध्यम ठहराकर पुकारते है, उन्हें सिफ़ारिश का कुछ भी अधिकार नहीं, बस उसे ही यह अधिकार प्राप्त, है जो हक की गवाही दे, और ऐसे लोग जानते है।-	x
Walain saaltahum man khalaqahum layaqoolunna Allahu faanna yufakoona	x	And if you asked them who created them, they would surely say, "Allah." So how are they deluded?	43:87	यदि तुम उनसे पूछो कि "उन्हें किसने पैदा किया?" तो वे अवश्य कहेंगे, "अल्लाह ने।" तो फिर वे कहाँ उलटे फिर जाते है?-	x
Waqeelihi yarabbi inna haolai qawmun la yuminoona	x	And [Allah acknowledges] his saying, "O my Lord, indeed these are a people who do not believe."	43:88	और उसका कहना हो कि "ऐ मेरे रब! निश्चय ही ये वे लोग है, जो ईमान नहीं रखते थे।"	x

Faisfah AAanhum waqul salamun fasawfa yaAAlamoona	Abrogated by later verses. **[Mulsims should not say Salam (Peace) to disbelievers.]**	So turn aside from them and say, "Peace." But they are going to know.	43:89	अच्छा तो उनसे नज़र फेर लो और कह दो, "सलाम है तुम्हें!" अन्ततः शीघ्र ही वे स्वयं जान लेंगे	बाद के आयतों द्वारा रद्द किया गया। [मुसलमानों को अविश्वासियों को सलाम (शांति) नहीं कहना चाहिए।]
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Ad-Dukhan (The Smoke)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**44:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अद-धुखन (धुआँ)**
Hameem	Mysterious letters	Ha, Meem.	44:1	हा॰ मीम॰	रहस्यमय अक्षर
Waalkitabi	x	By the clear Book,	44:2	गवाह है स्पष्ट किताब	x
Inna anzalnahu fee laylatin mubarakatin inna kunna munthireena	The “blessed night” is traditionally considered to be the “Night of Power” toward the end of Ramadan. See 2:185 and 97:1-5. **[However, Quran was revealed over 23 years gradually.]**	Indeed, We sent it down during a blessed night. Indeed, We were to warn [mankind].	44:3	निस्संदेह हमने उसे एक बरकत भरी रात में अवतरित किया है। - निश्चय ही हम सावधान करनेवाले है।-	“ बरकत भरी रात” को परंपरागत रूप से रमजान के अंत की ओर “लैलतुल क़द्र” माना जाता है। देखें 2:185 और 97:1-5। **[हालांकि, कुरआन 23 वर्षों में धीरे-धीरे प्रकट हुआ था।]**
Feeha yufraqu kullu amrin hakeemin	x	On that night is made distinct every precise matter -	44:4	उस (रात) में तमाम तत्वदर्शिता युक्त मामलों का फ़ैसला किया जाता है,	x
Amran min AAindina inna kunna mursileena	x	[Every] matter [proceeding] from Us. Indeed, We were to send [a	44:5	हमारे यहाँ से आदेश के रूप में। निस्संदेह रसूलों को भेजनेवाले हम ही है। -	x
Rahmatan min rabbika innahu huwa alssameeAAu alAAaleemu	x	As mercy from your Lord. Indeed, He is the Hearing, the Knowing.	44:6	तुम्हारे रब की दयालुता के कारण। निस्संदेह वही सब कुछ सुननेवाला, जाननेवाला है	x

Rabbi alssamawati waalardi wama baynahuma in kuntum mooqineena	x	Lord of the heavens and the earth and that between them, if you would be certain.	44:7	आकाशों और धरती का रब और जो कुछ उन दोनों के बीच है उसका भी, यदि तुम विश्वास रखनेवाले हो (तो विश्वास करो कि किताब का अवतरण अल्लाह की दयालुता है)	x
La ilaha illa huwa yuhyee wayumeetu rabbukum warabbu abaikumu alawwaleena	x	There is no deity except Him; He gives life and causes death. [He is] your Lord and the Lord of your first forefathers.	44:8	उसके अतिरिक्त कोई पूज्य-प्रभु नहीं; वही जीवित करता और मारता है; तुम्हारा रब और तुम्हारे अगले बाप-दादों का रब है	x
Bal hum fee shakkin yalAAaboona	x	But they are in doubt, amusing themselves.	44:9	बल्कि वे संदेह में पड़े रहे हैं	x
Fairtaqib yawma tatee alssamao bidukhanin	That is the smoke that will come on the Day of Resurrection.	Then watch for the Day when the sky will bring a visible smoke.	44:10	अच्छा तो तुम उस दिन की प्रतीक्षा करो, जब आकाश प्रत्यक्ष धुँआ लाएगा।	वह धुआँ वही है जो क़यामत के दिन आएगा।
Yaghsha alnnasa hatha AAathabun aleemun	x	Covering the people; this is a painful torment.	44:11	वह लोगों का ढाँक लेगा। यह है दुखद यातना!	x
Rabbana ikshif AAanna alAAathaba inna muminoona	x	[They will say], "Our Lord, remove from us the torment; indeed, we are	44:12	वे कहेंगे, "ऐ हमारे रब! हमपर से यातना हटा दे। हम ईमान लाते है।"	x
Anna lahumu alththikra waqad jaahum rasoolun mubeenun	x	How will there be for them a reminder [at that time]? And there had come to them a clear Messenger.	44:13	अब उनके होश में आने का मौक़ा कहाँ बाक़ी रहा। उनका हाल तो यह है कि उनके पास साफ़-साफ़ बतानेवाला एक रसूल आ चुका है।	x

Thumma tawallaw AAanhu waqaloo muAAallamun majnoonun	The disbelievers said so.	Then they turned away from him and said, "[He was] taught [and is] a madman."	44:14	फिर उन्होंने उसकी ओर से मुँह मोड़ लिया और कहने लगे, "यह तो एक सिखाया-पढ़ाया दीवाना है।"	काफ़िरों ने ऐसा कहा।
Inna kashifoo alAAathabi qaleelan innakum AAaidoona	x	Indeed, We will remove the torment for a little. Indeed, you [disbelievers] will return [to disbelief].	44:15	"हम यातना थोड़ा हटा देते है तो तुम पुनः फिर जाते हो।	x
Yawma nabtishu albatshata alkubra inna muntaqimoona	x	The Day We will strike with the greatest assault, indeed, We will take retribution.	44:16	याद रखो, जिस दिन हम बड़ी पकड़ पकड़ेंगे, तो निश्चय ही हम बदला लेकर रहेंगे	x
Walaqad fatanna qablahum qawma firAAawna wajaahum rasoolun kareemun	x	And We had already tried before them the people of Pharaoh, and there came to them a noble messenger,	44:17	उनसे पहले हम फ़िरऔन की क़ौम के लोगों को परीक्षा में डाल चुके हैं, जबकि उनके पास एक अत्यन्त सज्जन रसूल आया	x
An addoo ilayya AAibada Allahi innee lakum rasoolun ameenun	x	[Saying], "Render to me the servants of Allah. Indeed, I am to you a trustworthy messenger,"	44:18	कि "तुम अल्लाह के बन्दों को मेरे हवाले कर दो। निश्चय ही मै तुम्हारे लिए एक विश्वसनीय रसूल हूँ	x
Waan la taAAloo AAala Allahi innee ateekum bisultanin mubeenin	x	And [saying], "Be not haughty with Allah. Indeed, I have come to you with clear authority.	44:19	और अल्लाह के मुक़ाबले में सरकशी न करो, मैं तुम्हारे लिए एक स्पष्ट प्रमाण लेकर आया हूँ	x
Wainnee AAuthtu birabbee warabbikum an tarjumooni	Stone refers to a verbal assault, which means insults.	And indeed, I have sought refuge in my Lord and your Lord, lest you stone me.	44:20	और मैं इससे अपने रब और तुम्हारे रब की शरण ले चुका हूँ कि तुम मुझ पर पथराव करके मार डालो	पथराव शब्द एक मौखिक हमला को संदर्भित करता है, जिसका अर्थ है अपमान।
Wain lam tuminoo lee faiAAtazilooni	x	But if you do not believe me, then leave me alone."	44:21	किन्तु यदि तुम मेरी बात नहीं मानते तो मुझसे अलग हो जाओ!"	x

FadaAAa rabbahu anna haolai qawmun mujrimoona	x	And [finally] he called to his Lord that these were a criminal people.	44:22	अन्ततः उसने अपने रब को पुकारा कि "ये अपराधी लोग है।"	x
Faasri biAAibadee laylan innakum muttabaAAoona	Refers to Exodus.	[Allah said], "Then set out with My servants by night. Indeed, you are to be pursued.	44:23	"अच्छा तुम रातों रात मेरे बन्दों को लेकर चले जाओ। निश्चय ही तुम्हारा पीछा किया जाएगा	निगमन की ओर संकेत
Waotruki albahra rahwan innahum jundun mughraqoona	x	And leave the sea in stillness. Indeed, they are an army to be drowned."	44:24	और सागर को स्थिर छोड़ दो। वे तो एक सेना दल हैं, डूब जानेवाले।"	x
Kam tarakoo min jannatin waAAuyoonin	x	How much they left behind of gardens and springs	44:25	वे छोड़ गये कितने ही बाग़ और स्रोत	x
WazurooAAin wamaqamin	x	And crops and noble sites	44:26	और ख़ेतियां और उत्तम आवास-	x
WanaAAmatin kanoo feeha fakiheena	x	And comfort wherein they were amused.	44:27	और सुख सामग्री जिनमें वे मज़े कर रहे थे।	x
Kathalika waawrathnaha qawman akhareena	another people = Children of Israe	Thus. And We caused to inherit it another people.	44:28	हम ऐसा ही मामला करते है, और उन चीज़ों का वारिस हमने दूसरे लोगों को बनाया	दूसरे लोगों = इस्राएल के बच्चे
Fama bakat AAalayhimu alssamao waalardu wama kanoo munthareena	The people of Pharoah were not worth it.	And the heaven and earth wept not for them, nor were they reprieved.	44:29	फिर न तो आकाश और धरती ने उनपर विलाप किया और न उन्हें मुहलत ही मिली	फिरौन के लोग इसके लायक नहीं थे।
Walaqad najjayna banee israeela mina alAAathabi	x	And We certainly saved the Children of Israel from the humiliating torment -	44:30	इस प्रकार हमने इसराईल की सन्तान को अपमानजनक यातना से	x

Min firAAawna innahu kana AAaliyan mina almusrifeena	x	From Pharaoh. Indeed, he was a haughty one among the transgressors.	44:31	अर्थात फ़िरऔन से छुटकारा दिया। निश्चय ही वह मर्यादाहीन लोगों में से बड़ा ही सरकश था	x
Walaqadi ikhtarnahum AAala AAilmin AAala alAAalameena	Israelites were chosen above others “of their time".	And We certainly chose them by knowledge over [all] the worlds.	44:32	और हमने (उनकी स्थिति को) जानते हुए उन्हें सारे संसारवालों के मुक़ाबले मं चुन लिया	इसराइलियों को उनके समय के अन्य लोगों पर चुना गया था।
Waataynahum mina alayati ma feehi balaon mubeenun	x	And We gave them of signs that in which there was a clear trial.	44:33	और हमने उन्हें निशानियों के द्वारा वह चीज़ दी जिसमें स्पष्ट परीक्षा थी	x
Inna haolai layaqooloona	x	Indeed, these [disbelievers] are saying,	44:34	ये लोग बड़ी दृढ़तापूर्वक कहते है,	x
In hiya illa mawtatuna aloola wama nahnu	Here Allah denounces, the idolators for their denial of the Resurrection.	"There is not but our first death, and we will not be resurrected.	44:35	"बस यह हमारी पहली मृत्यु ही है, हम दोबारा उठाए जानेवाले नहीं हैं	यहाँ अल्लाह मूर्तिपूजकों की पुनरुत्थान को नकारने के कारण निंदा करता है।
Fatoo biabaina in kuntum sadiqeena	x	Then bring [back] our forefathers, if you should be truthful."	44:36	तो ले आओ हमारे बाप-दादा को, यदि तुम सच्चे हो!"	x
Ahum khayrun am qawmu tubbaAAin waallatheena min qablihim ahlaknahum innahum kanoo	People of Tubba are the “Himyarites of South Arabia,” but they “should not be confused with a king of Himyar by the same name".	Are they better or the people of Tubba' and those before them? We destroyed them, [for] indeed, they were criminals.	44:37	क्या वे अच्छे है या तुब्बा की क़ौम या वे लोग जो उनसे पहले गुज़र चुके है? हमने उन्हें विनष्ट कर दिया, निश्चय ही वे अपराधी थे	तुब्बा के लोग 'दक्षिण अरब का हिम्यारियों' हैं, लेकिन उन्हें उसी नाम के एक हिम्यार के राजा के साथ भ्रमित नहीं किया जाना चाहिए।
Wama khalaqna alssamawati waalarda wama baynahuma laAAibeena	This World was created for a Wisdom.	And We did not create the heavens and earth and that between them in play.	44:38	हमने आकाशों और धरती को और जो कुछ उनके बीच है उन्हें खेल नहीं बनाया	इस दुनिया को उद्देश्य के लिए बनाया गया।

Ma khalaqnahuma illa bialhaqqi walakinna aktharahum la yaAAlamoona	x	We did not create them except in truth, but most of them do not know.	44:39	हमने उन्हें हक़ के साथ पैदा किया, किन्तु उनमें से अधिककर लोग जानते नहीं	x
Inna yawma alfasli meeqatuhum ajmaAAeena	x	Indeed, the Day of Judgement is the appointed time for them all -	44:40	निश्चय ही फ़ैसले का दिन उन सबका नियत समय है,	x
Yawma la yughnee mawlan AAan mawlan shayan wala hum yunsaroona	x	The Day when no relation will avail a relation at all, nor will they be helped -	44:41	जिस दिन कोई अपना किसी अपने के कुछ काम न आएगा और न कोई सहायता पहुँचेगी,	x
Illa man rahima Allahu innahu huwa alAAazeezu alrraheemu	x	Except those [believers] on whom Allah has mercy. Indeed, He is the Exalted in Might, the Merciful.	44:42	सिवाय उस व्यक्ति के जिसपर अल्लाह दया करे। निश्चय ही वह प्रभुत्वशाली, अत्यन्त दयावान है	x
Inna shajarata alzzaqqoomi	x	Indeed, the tree of zaqqum	44:43	निस्संदेह ज़क़्क़ूम का वृक्ष	x
TaAAamu alatheemi	**[Contradiction: Food for infidels in hell: Zaqqum 37:66, washing of wounds 69:36, Pus 38:57, bitter dari (a dry bush with needles)**	Is food for the sinful.	44:44	गुनहगार का भोजन होगा,	**[विरोधाभास: नरक में काफिरों के लिए भोजन: ज़क़ुम 37:66, घावों की धुलाई 69:36, मवाद 38:57, कड़वी दारी (सुइयों के साथ एक सूखी झाड़ी) 88:6।**
Kaalmuhli yaghlee fee albutooni	x	Like murky oil, it boils within bellies	44:45	तेल की तलछट जैसा, वह पेटों में खौलता होगा,	x
Kaghalyi alhameemi	x	Like the boiling of scalding water.	44:46	जैसे गर्म पानी खौलता है	x
Khuthoohu faiAAtiloohu ila sawai aljaheemi	x	[It will be commanded], "Seize him and drag him into the midst of the	44:47	"पकड़ो उसे, और भड़कती हुई आग के बीच तक घसीट ले जाओ,	x

Thumma subboo fawqa rasihi min AAathabi alhameemi	x	Then pour over his head from the torment of scalding water."	44:48	फिर उसके सिर पर खौलते हुए पानी का यातना उंडेल दो!"	x
Thuq innaka anta alAAazeezu alkareemu	One day, Abu Jahl said to the Prophet (pbuh): 'You know that I am of the most powerful people on earth, and that I am the mighty, the noble!' He got killed him at the Battle of Badr. This verse was revealed about	[It will be said], "Taste! Indeed, you are the honored, the noble!	44:49	"मज़ा चख, तू तो बड़ा बलशाली, सज्जन और आदरणीय है!	एक दिन, अबू जहल ने पैगंबर (स.) से कहा: 'तुम जानते हो कि मैं धरती पर सबसे शक्तिशाली लोगों में से हूँ, और मैं महान, कुलीन हूँ!' वह बदर की लड़ाई में मारा गया। इस आयत की वज़ह उनके बारे में ही है।
Inna hatha ma kuntum bihi tamtaroona	x	Indeed, this is what you used to dispute."	44:50	यही तो है जिसके विषय में तुम संदेह करते थे।"	x
Inna almuttaqeena fee maqamin	x	Indeed, the righteous will be in a secure place;	44:51	निस्संदेह डर रखनेवाले निश्चिन्तता की जगह होंगे,	x
Fee jannatin waAAuyoonin	Paradise.	Within gardens and springs,	44:52	बाग़ों और स्रोतों में	स्वर्ग।
Yalbasoona min sundusin waistabraqin mutaqabileena	x	Wearing [garments of] fine silk and brocade, facing each other.	44:53	बारीक और गाढ़े रेशम के वस्त्र पहने हुए, एक-दूसरे के आमने-सामने उपस्थित होंगे	x
Kathalika wazawwajnahum bihoorin AAeenin	Description of Hourie's; Also see 37:48, 41:25, 44:54, 52:20, 55:56, 56:22, 56:35-37; **[Quran always debates from male's point of view. There is another mystery from where did the Houries come, see**	Thus. And We will marry them to fair women with large, [beautiful] eyes.	44:54	ऐसा ही उनके साथ मामला होगा। और हम साफ़ गोरी, बड़ी नेत्रोवाली स्त्रियों से उनका विवाह कर देंगे	हूर का विवरण; साथ ही देखें 37:48, 41:25, 44:54, 52:20, 55:56, 56:22, 56:35-37; [**कुरआन हमेशा पुरुष के दृष्टिकोण से बहस करता है। एक और रहस्य यह है कि हूर कहां से आईं, देखें 56:24।]**
YadAAoona feeha bikulli fakihatin amineena	x	They will call therein for every [kind of] fruit - safe and secure.	44:55	वे वहाँ निश्चिन्तता के साथ हर प्रकार के स्वादिष्ट फल मँगवाते होंगे	x

La yathooqoona feeha almawta illa almawtata aloola wawaqahum AAathaba aljaheemi	x	They will not taste death therein except the first death, and He will have protected them from the punishment of Hellfire	44:56	वहाँ वे मृत्यु का मज़ा कभी न चखेगे। बस पहली मृत्यु जो हुई, सो हुई। और उसने उन्हें भड़कती हुई आग की यातना से बचा लिया	x
Fadlan min rabbika thalika huwa alfawzu alAAatheemu	x	As bounty from your Lord. That is what is the great attainment.	44:57	यह सब तुम्हारे रब के विशेष उदार अनुग्रह के कारण होगा, वही बड़ी सफलता है	x
Fainnama yassarnahu bilisanika laAAallahum yatathakkaroona	See 19:97. **[But Quran is for the entire world, what about non-Arabic Muslims].**	And indeed, We have eased the Qur'an in your tongue that they might be reminded.	44:58	हमने तो इस (क़ुरआन) को बस तुम्हारी भाषा में सहज एवं सुगम बना दिया है ताकि वे याददिहानी प्राप्त (करें	देखें 19:97। **[लेकिन कुरान पूरे विश्व के लिए है, गैर-अरबी मुसलमानों का क्या]।**
Fairtaqib innahum murtaqiboona	x	So watch, [O Muhammad]; indeed, they are watching [for your end].	44:59	अच्छा तुम भी प्रतीक्षा करो, वे भी प्रतीक्षा में हैं	x
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Al-Jathiya (The Crouching)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**45:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अल-जाथिया (झुकी हुई)**
Hameem	Mysterious letters	Ha, Meem.	45:1	हा॰ मीम॰	रहस्यमय अक्षर
Tanzeelu alkitabi mina Allahi alAAazeezi alhakeemi	x	The revelation of the Book is from Allah, the Exalted in Might, the Wise.	45:2	इस किताब का अवतरण अल्लाह की ओर से है, जो अत्यन्त प्रभुत्वशाली, तत्वदर्शी है। -	x
Inna fee alssamawati waalardi laayatin	x	Indeed, within the heavens and earth are signs for the believers.	45:3	निस्संदेह आकाशों और धरती में ईमानवालों के लिए बहुत-सी निशानियाँ है	x

Wafee khalqikum wama yabuththu min dabbatin ayatun liqawmin yooqinoona	x	And in the creation of yourselves and what He disperses of moving creatures are signs for people who are certain [in faith].	45:4	और तुम्हारी संरचना में, और उनकी भी जो जानवर वह फैलाता रहता है, निशानियाँ है उन लोगों के लिए जो विश्वास करें	x
Waikhtilafi allayli waalnnahari wama anzala Allahu mina alssamai min rizqin faahya bihi alarda baAAda mawtiha watasreefi alrriyahi ayatun liqawmin yaAAqiloona	x	And [in] the alternation of night and day and [in] what Allah sends down from the sky of provision and gives life thereby to the earth after its lifelessness and [in His] directing of the winds are signs for a people who reason.	45:5	और रात और दिन के उलट-फेर में भी, और उस रोज़ी (पानी) में भी जिसे अल्लाह ने आकाश से उतारा, फिर उसके द्वारा धरती को उसके उन मुर्दा हो जाने के पश्चात जीवित किया और हवाओं की गर्दिश में भीलोगों के लिए बहुत-सी निशानियाँ है जो बुद्धि से काम लें	x
Tilka ayatu Allahi natlooha AAalayka bialhaqqi fabiayyi hadeethin baAAda Allahi waayatihi yuminoona	Who is "We". **[Allah should say that these are my verses which I recite to you.]**	These are the verses of Allah which We recite to you in truth. Then in what statement after Allah and His verses will they believe?	45:6	ये अल्लाह की आयतें हैं, हम उन्हें हक़ के साथ तुमको सुना रहे हैं। अब आख़िर अल्लाह और उसकी आयतों के पश्चात और कौन-सी बात है जिसपर वे ईमान लाएँगे?	"हम" कौन हैं। **[अल्लाह को कहना चाहिए कि ये मेरे वचनों में से हैं जिन्हें मैं तुम्हें सुनाता हूँ।]**
Waylun likulli affakin atheemin	x	Woe to every sinful liar	45:7	तबाही है हर झूठ घड़नेवाले गुनहगार के लिए,	x

YasmaAAu ayati Allahi tutla AAalayhi thumma yusirru mustakbiran kaan lam yasmaAAha fabashshirhu biAAathabin aleemin	x	Who hears the verses of Allah recited to him, then persists arrogantly as if he had not heard them. So give him tidings of a painful punishment.	45:8	जो अल्लाह की उन आयतों को सुनता है जो उसे पढ़कर सुनाई जाती है। फिर घमंड के साथ अपनी (इनकार की) नीति पर अड़ा रहता है मानो उसने उनको सुना ही नहीं। अतः उसको दुखद यातना की शुभ सूचना दे दो	x
Waitha AAalima min ayatina shayan ittakhathaha huzuwan olaika lahum AAathabun muheenun	Allah destroys the mockers; this may be by the hands of the believers, as per 9:14.	And when he knows anything of Our verses, he takes them in ridicule. Those will have a humiliating punishment.	45:9	जब हमारी आयतों में से कोई बात वह जान लेता है तो वह उनका परिहास करता है, ऐसे लोगों के लिए रुसवा कर देनेवाली यातना है	अल्लाह मज़ाक करने वालों को नष्ट कर देता है; यह शायद विश्वासियों के हाथों से किया जाए, जैसा कि 9:14 में कहा गया है।
Min waraihim jahannamu wala yughnee AAanhum ma kasaboo shayan wala ma ittakhathoo min dooni Allahi awliyaa walahum AAathabun AAatheemun	x	Before them is Hell, and what they had earned will not avail them at all nor what they had taken besides Allah as allies. And they will have a great punishment.	45:10	उनके आगे जहन्नम है, जो उन्होंने कमाया वह उनके कुछ काम न आएगा और न यही कि उन्होंने अल्लाह को छोड़कर अपने संरक्षक ठहरा रखे है। उनके लिए तो बड़ी यातना है	x
Hatha hudan waallatheena kafaroo biayati rabbihim lahum AAathabun min	x	This [Qur'an] is guidance. And those who have disbelieved in the verses of their Lord will have a painful punishment of foul	45:11	यह सर्वथा मार्गदर्शन है। और जिन लोगों ने अपने रब की आयतों को इनकार किया, उनके लिए हिला देनेवाली दुखद यातना है	x

Allahu allathee sakhkhara lakumu albahra litajriya alfulku feehi biamrihi walitabtaghoo min fadlihi walaAAallakum	x	It is Allah who subjected to you the sea so that ships may sail upon it by His command and that you may seek of His bounty; and perhaps you will be grateful.	45:12	वह अल्लाह ही है जिसने समुद्र को तुम्हारे लिए वशीभूत कर दिया है, ताकि उसके आदेश से नौकाएँ उसमें चलें; और ताकि तुम उसका उदार अनुग्रह तलाश करो; और इसलिए कि तुम कृतज्ञता दिखाओ	x
Wasakhkhara lakum ma fee alssamawati wama fee alardi jameeAAan minhu inna fee thalika laayatin liqawmin yatafakkaroona	x	And He has subjected to you whatever is in the heavens and whatever is on the earth - all from Him. Indeed in that are signs for a people who give thought.	45:13	जो चीज़ें आकाशों में है और जो धरती में हैं, उसने उन सबको अपनी ओर से तुम्हारे काम में लगा रखा है। निश्चय ही इसमें उन लोगों के लिए निशानियाँ है जो सोच-विचार से काम लेते है	x
Qul lillatheena amanoo yaghfiroo lillatheena la yarjoona ayyama Allahi liyajziya qawman bima kanoo yaksiboona	When the verse 57:11 was revealed, a Jewish man in Medina by the name of Finhas said: 'Muhammad's Lord is in need!' When Umar ibn al-Khattab heard this, he got his sword and went looking for him [to kill him]. Then this verse was revealed. **[The believers should forgive the unbelievers; however, Ibn Kathir explains that this was only a temporary provision. Abrogated by later Jihadi**	Say, [O Muhammad], to those who have believed that they [should] forgive those who expect not the days of Allah so that He may recompense a people for what they used to earn.	45:14	जो लोग ईमान लाए उनसे कह दो कि, "वे उन लोगों को क्षमा करें (उनकी करतूतों पर ध्यान न दे) अल्लाह के दिनों की आशा नहीं रखते, ताकि वह इसके परिणामस्वरूप उन लोगों को उनकी अपनी कमाई का बदला दे	जब सूरह 57:11 का वह आयत प्रकट हुआ, तब मदीना में फिन्हास नामक एक यहूदी आदमी ने कहा: 'मुहम्मद का पालनहार ज़रूरत में है!' जब 'उमर इब्न खत्ताब ने यह सुना, तो अपनी तलवार उठाई और उसे खोजने गए [मारने के लिए]. फिर यह आयत प्रकट हुई। **[ईमान वाले गैर-मुमिनों को क्षमा कर दें, इब्न कासिर बताते हैं कि यह केवल अस्थायी प्रावधान था। इसे बाद के जहादी आयतों द्वारा रद्द कर दिया गया।]**

Man AAamila salihan falinafsihi waman asaa faAAalayha thumma ila rabbikum turjaAAoona	x	Whoever does a good deed - it is for himself; and whoever does evil - it is against the self. Then to your Lord you will be returned.	45:15	जो कुछ अच्छा कर्म करता है तो अपने ही लिए करेगा और जो कोई बुरा कर्म करता है तो उसका वबाल उसी पर होगा। फिर तुम अपने रब की ओर लौटाये जाओगे	x
Walaqad atayna banee israeela alkitaba waalhukma waalnnubuwwata warazaqnahum mina alttayyibati wafaddalnahum AAala	**[Why God would prefer one nation over others.]**	And We did certainly give the Children of Israel the Scripture and judgement and prophethood, and We provided them with good things and preferred them over the worlds.	45:16	निश्चय ही हमने इसराईल की सन्तान को किताब और हुक्म और पैग़म्बरी प्रदान की थी। और हमने उन्हें पवित्र चीज़ो की रोज़ी दी और उन्हें सारे संसारवालों पर श्रेष्ठता प्रदान की	**[अल्लाह क्यों एक राष्ट्र को दूसरों पर वरीयता देंगे।]**
Waataynahum bayyinatin mina alamri fama ikhtalafoo illa min baAAdi ma jaahumu alAAilmu baghyan baynahum inna rabbaka yaqdee baynahum yawma alqiyamati feema kanoo feehi yakhtalifoona	Refers to Jews.	And We gave them clear proofs of the matter [of religion]. And they did not differ except after knowledge had come to them - out of jealous animosity between themselves. Indeed, your Lord will judge between them on the Day of Resurrection concerning that over which they used to differ.	45:17	और हमने उन्हें इस मामले के विषय में स्पष्ट निशानियाँ प्रदान कीं। फिर जो भी विभेद उन्होंने किया, वह इसके पश्चात ही किया कि उनके पास ज्ञान आ चुका था और इस कारण कि वे परस्पर एक-दूसरे पर ज़्यादती करना चाहते थे। निश्चय ही तुम्हारा रब क़ियामत के दिन उनके बीच उन चीज़ों के बारे में फ़ैसला कर देगा, जिनमें वे परस्पर विभेद करते रहे है	यह यहूदियों को संदर्भित करता है।

Thumma jaAAalnaka AAala shareeAAatin mina alamri faittabiAAha wala tattabiAA ahwaa allatheena la yaAAlamoona	Warning to Muslim ummah against following the ways of the disbelievers. Muslims should follow Sharia (Islamic law), derived from the Qur'an and Sunnah (words and deeds of Prophet Muhammad's (pbuh) documented in Hadiths).	Then We put you, [O Muhammad], on an ordained way concerning the matter [of religion]; so follow it and do not follow the inclinations of those who do not know.	45:18	फिर हमने तुम्हें इस मामलें में एक खुले मार्ग (शरीअत) पर कर दिया। अतः तुम उसी पर चलो और उन लोगों की इच्छाओं का अनुपालन न करना जो जानते नहीं	काफरों के रास्तों का अनुसरण करने के खिलाफ मुस्लिम उम्माह को चेतावनी। मुसलमानों को शरिया (इस्लामिक कानून) का पालन करना चाहिए, जो कुरान और सुन्नत (मुहम्मद (स.) के शब्दों और कार्यों) से निकाला गया है, जिनका दस्तावेजीकरण हदीसों में किया गया है।
Innahum lan yughnoo AAanka mina Allahi shayan wainna alththalimeena baAAduhum awliyao baAAdin	**[If Allah is protector of the righteous (i.e. Muslims), none of them should receive any harm.]**	Indeed, they will never avail you against Allah at all. And indeed, the wrongdoers are allies of one another; but Allah is the protector of the righteous.	45:19	वे अल्लाह के मुक़ाबले में तुम्हारे कदापि कुछ काम नहीं आ सकते। निश्चय ही ज़ालिम लोग एक-दूसरे के साथी है और डर रखनेवालों का साथी अल्लाह है	**[यदि अल्लाह धर्मनिष्ठों (अर्थात मुसलमानों) के रक्षक हैं, तो उनमें से किसी को भी कोई क्षति नहीं होनी चाहिए।]**
Hatha basairu lilnnasi wahudan warahmatun liqawmin yooqinoona	**[Most of World knows what kind of enlightenment it has given to mankind, be it ISIS, Al-Qaida, Taliban.]**	This [Qur'an] is enlightenment for mankind and guidance and mercy for a people who are certain [in faith].	45:20	वह लोगों के लिए सूझ के प्रकाशों का पुंज है, और मार्गदर्शन और दयालुता है उन लोगों के लिए जो विश्वास करें	**[दुनिया के अधिकांश लोग जानते हैं कि इसने मानव जाति को किस तरह का मार्गदर्शन दिया है, चाहे वह आईएसआईएस हो, अल-कायदा हो, तालिबान हो।**
Am hasiba allatheena ijtarahoo alssayyiati an najAAalahum kaallatheena amanoo waAAamiloo alssalihati sawaan mahyahum wamamatuhum saa ma yahkumoona	x	Or do those who commit evils think We will make them like those who have believed and done righteous deeds - [make them] equal in their life and their death? Evil is that which they judge.	45:21	(क्या मार्गदर्शन और पथभ्रष्टता समान है) या वे लोग, जिन्होंने बुराइयाँ कमाई है, यह समझ बैठे हैं कि हम उन्हें उन लोगों जैसा कर देंगे जो ईमान लाए और उन्होंने अच्छे कर्म किए कि उनका जीना और मरना समान हो जाए? बहुत ही बुरा है जो निर्णय वे करते है!	x

Wakhalaqa Allahu alssamawati waalarda bialhaqqi walitujza kullu nafsin bima kasabat wahum la yuthlamoona	x	And Allah created the heavens and earth in truth and so that every soul may be recompensed for what it has earned, and they will not be wronged.	45:22	अल्लाह ने आकाशों और धरती को हक़ के साथ पैदा किया और इसलिए कि प्रत्येक व्यक्ति को उसकी कमाई का बदला दिया जाए और उनपर ज़ुल्म न किया जाए	x
Afaraayta mani ittakhatha ilahahu hawahu waadallahu Allahu AAala AAilmin wakhatama AAala samAAihi waqalbihi wajaAAala AAala basarihi ghishawatan faman yahdeehi min baAAdi Allahi afala tathakkaroona	**[Contradiction: Allah seals the hearts – 2:7, 4:155, 7:100, 7:101, 9:87, 9:93, 10:74, 16:108, 30:59, 40:35, 45:23, 47:16, 63:3; Does not seals – 2:20, 42:24, 6:46]**	Have you seen he who has taken as his god his [own] desire, and Allah has sent him astray due to knowledge and has set a seal upon his hearing and his heart and put over his vision a veil? So who will guide him after Allah? Then will you not be reminded?	45:23	क्या तुमने उस व्यक्ति को नहीं देखा जिसने अपनी इच्छा ही को अपना उपास्य बना लिया? अल्लाह ने (उसकी स्थिति) जानते हुए उसे गुमराही में डाल दिया, और उसके कान और उसके दिल पर ठप्पा लगा दिया और उसकी आँखों पर परदा डाल दिया। फिर अब अल्लाह के पश्चात कौन उसे मार्ग पर ला सकता है? तो क्या तुम शिक्षा नहीं ग्रहण करते?	**[विरोधाभास: अल्लाह दिलों पर ठप्पा लगा देते हैं – 2:7, 4:155, 7:100, 7:101, 9:87, 9:93, 10:74, 16:108, 30:59, 40:35, 45:23, 47:16, 63:3; नहीं लगाते – 2:20, 42:24, 6:46]**
Waqaloo ma hiya illa hayatuna alddunya namootu wanahya wama yuhlikuna illa alddahru wama lahum bithalika min AAilmin in hum illa	Refutes that there is only this life, some people die while others are born to life, without Resurrection or Judgement.	And they say, "There is not but our worldly life; we die and live, and nothing destroys us except time." And they have of that no knowledge; they are only assuming.	45:24	वे कहते है, "वह तो बस हमारा सांसारिक जीवन ही है। हम मरते और जीते है। हमें तो बस काल (समय) ही विनष्ट करता है।" हालाँकि उनके पास इसका कोई ज्ञान नहीं। वे तो बस अटकलें ही दौड़ाते है	यह खारिज करता है कि केवल यही जीवन है, कुछ लोग मर जाते हैं जबकि अन्य लोग जीवन में जन्म लेते हैं, पुनरुत्थान या न्याय के बिना।

Waitha tutla AAalayhim ayatuna bayyinatin ma kana hujjatahum illa an qaloo itoo biabaina in kuntum sadiqeena	x	And when Our verses are recited to them as clear evidences, their argument is only that they say, "Bring [back] our forefathers, if you should be truthful."	45:25	और जब उनके सामने हमारी स्पष्ट आयतें पढ़ी जाती है, तो उनकी हुज्जत इसके सिवा कुछ और नहीं होती कि वे कहते है, "यदि तुम सच्चे हो तो हमारे बाप-दादा को ले आओ।"	x
Quli Allahu yuhyeekum thumma yumeetukum thumma yajmaAAukum ila yawmi alqiyamati la rayba feehi walakinna akthara	x	Say, "Allah causes you to live, then causes you to die; then He will assemble you for the Day of Resurrection, about which there is no doubt, but most of the people do not know."	45:26	कह दो, "अल्लाह ही तुम्हें जीवन प्रदान करता है। फिर वहीं तुम्हें मृत्यु देता है। फिर वही तुम्हें क़ियामत के दिन तक इकट्ठा कर रहा है, जिसमें कोई संदेह नहीं। किन्तु अधिकतर लोग जानते नहीं	x
Walillahi mulku alssamawati waalardi wayawma taqoomu alssaAAatu yawmaithin yakhsaru	x	And to Allah belongs the dominion of the heavens and the earth. And the Day the Hour appears - that Day the falsifiers will lose.	45:27	आकाशों और धरती की बादशाही अल्लाह ही की है। और जिस दिन वह घड़ी घटित होगी उस दिन झूठवाले घाटे में होंगे	x
Watara kulla ommatin jathiyatan kullu ommatin tudAAa ila kitabiha alyawma tujzawna ma kuntum taAAmaloona	Some of the conditions of the day of Resurrection and its horrors.	And you will see every nation kneeling [from fear]. Every nation will be called to its record [and told], "Today you will be recompensed for what you used to do.	45:28	और तुम प्रत्येक गिरोह को घुटनों के बल झुका हुआ देखोगे। प्रत्येक गिरोह अपनी किताब की ओर बुलाया जाएगा, "आज तुम्हें उसी का बदला दिया जाएगा, जो तुम करते थे	कयामत के दिन की कुछ परिस्थितियाँ और इसके भयंकर दृश्य।

Hatha kitabuna yantiqu AAalaykum bialhaqqi inna kunna nastansikhu ma kuntum	Angels record everything.	This, Our record, speaks about you in truth. Indeed, We were having transcribed whatever you used to do."	45:29	"यह हमारी किताब है, जो तुम्हारे मुक़ाबले में ठीक-ठीक बोल रही है। निश्चय ही हम लिखवाते रहे हैं जो कुछ तुम करते थे।"	फ़रिश्ते सब कुछ दर्ज करते हैं।
Faamma allatheena amanoo waAAamiloo alssalihati fayudkhiluhum rabbuhum fee rahmatihi thalika huwa alfawzu almubeenu	x	So as for those who believed and did righteous deeds, their Lord will admit them into His mercy. That is what is the clear attainment.	45:30	अतः जो लोग ईमान लाए और उन्होंने अच्छे कर्म किए उन्हें उनका रब अपनी दयालुता में दाख़िल करेगा, यही स्पष्ट सफलता है	x
Waamma allatheena kafaroo afalam takun ayatee tutla AAalaykum faistakbartum wakuntum qawman mujrimeena	x	But as for those who disbelieved, [it will be said], "Were not Our verses recited to you, but you were arrogant and became a people of criminals?	45:31	रहे वे लोग जिन्होंने इनकार किया (उनसे कहा जाएगा,) "क्या तुम्हें हमारी आयतें पढ़कर नहीं सुनाई जाती थीं? किन्तु तुमने घमंड किया और तुम थे ही अपराधी लोग	x
Waitha qeela inna waAAda Allahi haqqun waalssaAAatu la rayba feeha qultum ma nadree ma alssaAAatu in nathunnu illa thannan wama nahnu bimustayqineena	**[If someone is not convinced, why so much force and allegations.]**	And when it was said, 'Indeed, the promise of Allah is truth and the Hour [is coming] - no doubt about it,' you said, 'We know not what is the Hour. We assume only assumption, and we are not convinced.' "	45:32	और जब कहा जाता था कि अल्लाह का वादा सच्चा है और (क़ियामत की) घड़ी में कोई संदेह नहीं हैं। तो तुम कहते थे, "हम नहीं जानते कि वह घड़ी क्या हैं? तो तुम कहते थे, 'हम नहीं जानते कि वह घड़ी क्या है? हमें तो बस एक अनुमान-सा प्रतीत होता है और हमें विश्वास नहीं होता।'"	**[अगर कोई आश्वस्त नहीं है, तो इतनी जोर-जबरदस्ती और आरोप क्यों?]**

Wabada lahum sayyiatu ma AAamiloo wahaqa bihim ma kanoo bihi yastahzioona	x	And the evil consequences of what they did will appear to them, and they will be enveloped by what they used to ridicule.	45:33	और जो कुछ वे करते रहे उसकी बुराइयाँ उनपर प्रकट हो गई और जिस चीज़ का वे परिहास करते थे उसी ने उन्हें आ घेरा	x
Waqeela alyawma nansakum kama naseetum liqaa yawmikum hatha wamawakumu alnnaru wama lakum min nasireena	x	And it will be said, "Today We will forget you as you forgot the meeting of this Day of yours, and your refuge is the Fire, and for you there are no helpers.	45:34	और कह दिया जाएगा कि "आज हम तुम्हें भुला देते हैं जैसे तुमने इस दिन की भेंट को भुला रखा था। तुम्हारा ठिकाना अब आग है और तुम्हारा कोई सहायक नहीं	x
Thalikum biannakumu ittakhathtum ayati Allahi huzuwan wagharratkumu alhayatu alddunya faalyawma la yukhrajoona minha wala hum yustaAAataboona	x	That is because you took the verses of Allah in ridicule, and worldly life deluded you." So that Day they will not be removed from it, nor will they be asked to appease [Allah].	45:35	यह इस कारण कि तुमने अल्लाह की आयतों की हँसी उड़ाई थी और सांसारिक जीवन ने तुम्हें धोखे में डाले रखा।" अतः आज वे न तो उससे निकाले जाएँगे और न उनसे यह चाहा जाएगा कि वे किसी उपाय से (अल्लाह के) प्रकोप को दूर कर सकें	x
Falillahi alhamdu rabbi alssamawati warabbi alardi rabbi alAAalameena	x	Then, to Allah belongs [all] praise - Lord of the heavens and Lord of the earth, Lord of the worlds.	45:36	अतः सारी प्रशंसा अल्लाह ही के लिए है जो आकाशों का रब और घरती का रब, सारे संसार का रब है	x
Walahu alkibriyao fee alssamawati waalardi wahuwa alAAazeezu alhakeemu	x	And to Him belongs [all] grandeur within the heavens and the earth, and He is the Exalted in Might, the Wise.	45:37	आकाशों और धरती में बड़ाई उसी के लिए है, और वही प्रभुत्वशाली, अत्यन्त तत्वदर्शी है	x

Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Al-Ahkaf (The Dunes)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**46:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अल-अहक़ाफ़ (रेत के टीले)**
Hameem	Mysterious letters	Ha, Meem.	46:1	हा॰ मीम॰	रहस्यमय अक्षर
Tanzeelu alkitabi mina Allahi alAAazeezi alhakeemi	**[In Quran there are only things which were known to Arabs. No discription of remote places on earth, extinct animals, galaxies etc.]**	The revelation of the Book is from Allah, the Exalted in Might, the Wise.	46:2	इस किताब का अवतरण अल्लाह की ओर से है, जो प्रभुत्वशाली, अत्यन्त तत्वदर्शी है	**[कुरान में केवल वही बातें हैं जो अरबों को ज्ञात थीं। पृथ्वी पर दूर-दराज के स्थानों, विलुप्त जानवरों, आकाशगंगाओं आदि का कोई वर्णन नहीं है।]**
Ma khalaqna alssamawati waalarda wama baynahuma illa bialhaqqi waajalin musamman waallatheena kafaroo AAamma onthiroo muAAridoona	x	We did not create the heavens and earth and what is between them except in truth and [for] a specified term. But those who disbelieve, from that of which they are warned, are turning away.	46:3	हमने आकाशों और धरती को और जो कुछ उन दोनों के मध्य है उसे केवल हक़ के साथ और एक नियत अवधि तक के लिए पैदा किया है। किन्तु जिन लोगों ने इनकार किया है, वे उस चीज़ को ध्यान में नहीं लाते जिससे उन्हें सावधान किया गया है	x
Qul araaytum ma tadAAoona min dooni Allahi aroonee matha khalaqoo mina alardi am lahum shirkun fee alssamawati eetoonee bikitabin min qabli hatha aw atharatin min AAilmin in kuntum	The idolaters of Makkah had no scripture. **[But there are so many ancient religious scriptures e.g. Veda, Puranas.]**	Say, [O Muhammad], "Have you considered that which you invoke besides Allah? Show me what they have created of the earth; or did they have partnership in [creation of] the heavens? Bring me a scripture [revealed] before this or a [remaining] trace of knowledge, if you should be truthful."	46:4	कहो, "क्या तुमने उनको देखा भी, जिन्हें तुम अल्लाह को छोड़कर पुकारते हो? मुझे दिखाओ उन्होंने धरती की चीज़ों में से क्या पैदा किया है या आकाशों में उनकी कोई साझेदारी है? मेरे पास इससे पहले की कोई किताब ले आओ या ज्ञान की कोई अवशेष बात ही, यदि तुम सच्चे हो।"	मक्का के मूर्तिपूजकों के पास कोई पवित्र ग्रंथ नहीं था। **[लेकिन इतने सारे प्राचीन धार्मिक ग्रंथ हैं जैसे वेद, पुराण।]**

Waman adallu mimman yadAAoo min dooni Allahi man la yastajeebu lahu ila yawmi alqiyamati wahum AAan duAAaihim ghafiloona	x	And who is more astray than he who invokes besides Allah those who will not respond to him until the Day of Resurrection, and they, of their invocation, are unaware.	46:5	आख़िर उस व्यक्ति से बढ़कर पथभ्रष्ट और कौन होगा, जो अल्लाह से हटकर उन्हें पुकारता हो जो क़ियामत के दिन तक उसकी पुकार को स्वीकार नहीं कर सकते, बल्कि वे तो उनकी पुकार से भी बेख़बर है;	x
Waitha hushira alnnasu kanoo lahum aAAdaan wakanoo biAAibadatihim kafireena	**[How the fictitious characters and idols will become live.]**	And when the people are gathered [that Day], they [who were invoked] will be enemies to them, and they will be deniers of their worship.	46:6	और जब लोग इकट्ठे किए जाएँगे तो वे उनके शत्रु होंगे और उनकी बन्दगी का इनकार करेंगे	**[काल्पनिक पात्र और मूर्तियाँ कैसे जीवित हो जाएंगे।]**
Waitha tutla AAalayhim ayatuna bayyinatin qala allatheena kafaroo lilhaqqi lamma jaahum hatha sihrun mubeenun	**[On the clarity of the Quran, see 3:7.]**	And when Our verses are recited to them as clear evidences, those who disbelieve say of the truth when it has come to them, "This is obvious magic."	46:7	जब हमारी स्पष्ट आयतें उन्हें पढ़कर सुनाई जाती है तो वे लोग जिन्होंने इनकार किया, सत्य के विषय में, जबकि वह उनके पास आ गया, कहते है कि "यह तो खुला जादू है।"	**[कुरान की स्पष्टता के बारे में देखें, 3:7.]**

Am yaqooloona iftarahu qul ini iftaraytuhu fala tamlikoona lee mina Allahi shayan huwa aAAlamu bima tufeedoona feehi kafa bihi shaheedan baynee wabaynakum wahuwa alghafooru alrraheemu	x	Or do they say, "He has invented it?" Say, "If I have invented it, you will not possess for me [the power of protection] from Allah at all. He is most knowing of that in which you are involved. Sufficient is He as Witness between me and you, and He is the Forgiving the Merciful."	46:8	(क्या ईमान लाने से उन्हें कोई चीज़ रोक रही है) या वे कहते है, "उसने इसे स्वयं ही घड़ लिया है?" कहो, "यदि मैंने इसे स्वयं घड़ा है तो अल्लाह के विरुद्ध मेरे लिए तुम कुछ भी अधिकार नहीं रखते। जिसके विषय में तुम बातें बनाने में लगे हो, वह उसे भली-भाँति जानता है। और वह मेरे और तुम्हारे बीच गवाह की हैसियत से काफ़ी है। और वही बड़ा क्षमाशील, अत्यन्त दयावान है।"	x
Qul ma kuntu bidAAan mina alrrusuli wama adree ma yufAAalu bee wala bikum in attabiAAu illa ma yooha ilayya wama ana illa natheerun mubeenun	**[Whether Prophet will be tested on day of resurrection: Yes 46:9, Cleared of sin 48:1-2. Whether prophet (pbuh) was a common man or not: Common, 18:110, 38:65, 46:9, 6:50; Special status: 21:107, 94:4, 4:80, 33:56.]**	Say, "I am not something original among the messengers, nor do I know what will be done with me or with you. I only follow that which is revealed to me, and I am not but a clear warner."	46:9	कह दो, "मैं कोई पहला रसूल तो नहीं हूँ। और मैं नहीं जानता कि मेरे साथ क्या किया जाएगा और न यह कि तुम्हारे साथ क्या किया जाएगा। मैं तो बस उसी का अनुगामी हूँ, जिसकी प्रकाशना मेरी ओर की जाती है और मैं तो केवल एक स्पष्ट सावधान करनेवाला हूँ।"	**[क्या पैगंबर को पुनरुत्थान के दिन परखा जाएगा: हाँ 46:9, पाप से मुक्त 48:1-2। क्या पैगंबर (स) आम आदमी थे या नहीं: आम, 18:110, 38:65, 46:9, 6:50; विशेष: 21:107, 94:4, 4:80, 33:56.]**

Qul araaytum in kana min AAindi Allahi wakafartum bihi washahida shahidun min banee israeela AAala mithlihi faamana waistakbartum inna Allaha la yahdee alqawma aliththalimeena	“witness from among the Children of Israel” who “testified” to the Quran’s similarity to the Jewish scriptures was Abdullah bin Salam, a rabbi who was an early convert to Islam.	Say, "Have you considered: if the Qur'an was from Allah, and you disbelieved in it while a witness from the Children of Israel has testified to something similar and believed while you were arrogant...?" Indeed, Allah does not guide the wrongdoing people.	46:10	कहो, "क्या तुमने सोचा भी (कि तुम्हारा क्या परिणाम होगा)? यदि वह (क़ुरआन) अल्लाह के यहाँ से हुआ और तुमने उसका इनकार कर दिया, हालाँकि इसराईल की सन्तान में से एक गवाह ने उसके एक भाग की गवाही भी दी। सो वह ईमान ले आया और तुम घमंड में पड़े रहे। अल्लाह तो ज़ालिम लोगों को मार्ग नहीं दिखाता।"	“इस्राएल के सन्तान में से गवाह” जिसने कुरान की यहूदी धर्मग्रंथों से समानता की “गवाही” दी, वह अब्दुल्लाह बिन सलाम थे, एक रब्बी जो इस्लाम में जल्दी परिवर्तित हुए थे।
Waqala allatheena kafaroo lillatheena amanoo law kana khayran ma sabaqoona ilayhi waith lam yahtadoo bihi fasayaqooloona hatha ifkun qadeemun	x	And those who disbelieve say of those who believe, "If it had [truly] been good, they would not have preceded us to it." And when they are not guided by it, they will say, "This is an ancient falsehood."	46:11	जिन लोगों ने इनकार किया, वे ईमान लानेवालों के बारे में कहते है, "यदि वह अच्छा होता तो वे उसकी ओर (बढ़ने में) हमसे अग्रसर न रहते।" और जब उन्होंने उससे मार्ग ग्रहण नहीं किया तो अब अवश्य कहेंगे, "यह तो पुराना झूठ है!"	x
Wamin qablihi kitabu moosa imaman warahmatan wahatha kitabun musaddiqun lisanan AAarabiyyan liyunthira allatheena thalamoo wabushra lilmuhsineena	On confirming the book of Moses, see 2:4, 5:44. On Arabic, see 12:2. **[There are many non-arabic words in Quran.]**	And before it was the scripture of Moses to lead and as a mercy. And this is a confirming Book in an Arabic tongue to warn those who have wronged and as good tidings to the doers of good.	46:12	हालाँकि इससे पहले मूसा की किताब पथप्रदर्शक और दयालुता रही है। और यह किताब, जो अरबी भाषा में है, उसकी पुष्टि में है, ताकि उन लोगों को सचेत कर दे जिन्होंने ज़ुल्म किया और शुभ सूचना हो उत्तमकारों के लिए	मूसा की किताब की पुष्टि करने के लिए, देखें 2:4, 5:44। अरबी के लिए देखें 12:2। **[क़ुरआन में कई गैर-अरबी शब्द हैं।]**

Inna allatheena qaloo rabbuna Allahu thumma istaqamoo fala khawfun AAalayhim wala	x	Indeed, those who have said, "Our Lord is Allah," and then remained on a right course - there will be no fear concerning them, nor will they grieve.	46:13	निश्चय ही जिन लोगों ने कहा, "हमारा रब अल्लाह है।" फिर वे उसपर जमे रहे, तो उन्हें न तो कोई भय होगा और न वे शोकाकुल होगे	x
Olaika ashabu aljannati khalideena feeha jazaan bima kanoo yaAAmaloona	x	Those are the companions of Paradise, abiding eternally therein as reward for what they used to do.	46:14	वही जन्नतवाले है, वहाँ वे सदैव रहेंगे उसके बदले में जो वे करते रहे है	x

Wawassayna alinsana biwalidayhi ihsanan hamalathu ommuhu kurhan wawadaAAathu kurhan wahamluhu wafisaluhu thalathoona shahran hatta itha balagha ashuddahu wabalagha arbaAAeena sanatan qala rabbi awziAAnee an ashkura niAAmataka allatee anAAamta AAalayya waAAala walidayya waan aAAmala salihan tardahu waaslih lee fee thurriyyatee innee tubtu ilayka wainnee mina almuslimeena	**[Contradiction: Give good care to parents 2:83, 2:215, 4:36, 6:151, 17:23, 46:15, Don't care for them if they reject Islam, 9:23, 58:22, 60:4; Verses 2:233, 31:14 mentions the duration of breast feeding as 24 months and 46:15 total 30 months. So, the average gestation period comes to be 6 months.]**	And We have enjoined upon man, to his parents, good treatment. His mother carried him with hardship and gave birth to him with hardship, and his gestation and weaning [period] is thirty months. [He grows] until, when he reaches maturity and reaches [the age of] forty years, he says, "My Lord, enable me to be grateful for Your favor which You have bestowed upon me and upon my parents and to work righteousness of which You will approve and make righteous for me my offspring. Indeed, I have repented to You, and indeed, I am of the Muslims."	46:15	हमने मनुष्य को अपने माँ-बाप के साथ अच्छा व्यवहार करने की ताकीद की। उसकी माँ ने उसे (पेट में) तकलीफ़ के साथ उठाए रखा और उसे जना भी तकलीफ़ के साथ। और उसके गर्भ की अवस्था में रहने और दूध छुड़ाने की अवधि तीस माह है, यहाँ तक कि जब वह अपनी पूरी शक्ति को पहुँचा और चालीस वर्ष का हुआ तो उसने कहा, "ऐ मेरे रब! मुझे सम्भाल कि मैं तेरी उस अनुकम्पा के प्रति कृतज्ञता दिखाऊँ, जो तुने मुझपर और मेरे माँ-बाप पर की है। और यह कि मैं ऐसा अच्छा कर्म करूँ जो तुझे प्रिय हो और मेरे लिए मेरी संतति में भलाई रख दे। मैं तेरे आगे तौबा करता हूँ और मैं मुस्लिम (आज्ञाकारी) हूँ।"	**[विरोधाभास: माता-पिता की अच्छी देखभाल 2:83, 2:215, 4:36, 6:151, 17:23, 46:15, अगर वे इस्लाम को अस्वीकार करते हैं तो उनकी देखभाल न करें, 9:23, 58:22, 60:4; आयतें 2:233, 31:14 स्तनपान की अवधि 24 महीने बताती हैं और 46:15 में कुल 30 महीने है। इसलिए, औसत गर्भावधि 6 महीने आती है।]**

Olaika allatheena nataqabbalu AAanhum ahsana ma AAamiloo wanatajawazu AAan sayyiatihim fee ashabi aljannati waAAda alssidqi allathee kanoo	x	Those are the ones from whom We will accept the best of what they did and overlook their misdeeds, [their being] among the companions of Paradise. [That is] the promise of truth which they had been promised.	46:16	ऐसे ही लोग जिनसे हम अच्छे कर्म, जो उन्होंने किए होंगे, स्वीकार कर लेगें और उनकी बुराइयों को टाल जाएँगे। इस हाल में कि वे जन्नतवालों में होंगे, उस सच्चे वादे के अनुरूप जो उनसे किया जाता रहा है	x
Waallathee qala liwalidayhi offin lakuma ataAAidaninee an okhraja waqad khalati alquroonu min qablee wahuma yastagheethani Allaha waylaka amin inna waAAda Allahi haqqun fayaqoolu ma hatha illa asateeru alawwaleena	x	But one who says to his parents, "Uff to you; do you promise me that I will be brought forth [from the earth] when generations before me have already passed on [into oblivion]?" while they call to Allah for help [and to their son], "Woe to you! Believe! Indeed, the promise of Allah is truth." But he says, "This is not but legends of the former	46:17	किन्तु वह व्यक्ति जिसने अपने माँ-बाप से कहा, "धिक है तुम पर! क्या तुम मुझे डराते हो कि मैं (क़ब्र से) निकाला जाऊँगा, हालाँकि मुझसे पहले कितनी ही नस्लें गुज़र चुकी है?" और वे दोनों अल्लाह से फ़रियाद करते है - "अफ़सोस है तुमपर! मान जा। निस्संदेह अल्लाह का वादा सच्चा है।" किन्तु वह कहता है, "ये तो बस पहले के लोगों की कहानियाँ है।"	x
Olaika allatheena haqqa AAalayhimu alqawlu fee umamin qad khalat min qablihim mina aljinni waalinsi innahum kanoo	x	Those are the ones upon whom the word has come into effect, [who will be] among nations which had passed on before them of jinn and men. Indeed, they [all] were losers.	46:18	ऐसे ही लोग है जिनपर उन गिरोहों के साथ यातना की बात सत्यापित होकर रही जो जिन्नों और मनुष्यों में से उनसे पहले गुज़र चुके है। निश्चय ही वे घाटे में रहे	x

Walikullin darajatun mimma AAamiloo waliyuwaffiyahum aAAmalahum wahum la yuthlamoona	x	And for all there are degrees [of reward and punishment] for what they have done, and [it is] so that He may fully compensate them for their deeds, and they will not be wronged.	46:19	उनमें से प्रत्येक के दरजे उनके अपने किए हुए कर्मों के अनुसार होंगे (ताकि अल्लाह का वादा पूरा हो) और वह उन्हें उनके कर्मों का पूरा-पूरा बदला चुका दे और उनपर कदापि ज़ुल्म न होगा	x
Wayawma yuAAradu allatheena kafaroo AAala alnnari athhabtum tayyibatikum fee hayatikumu alddunya waistamtaAAtum biha faalyawma tujzawna AAathaba alhooni bima kuntum tastakbiroona fee alardi bighayri	x	And the Day those who disbelieved are exposed to the Fire [it will be said], "You exhausted your pleasures during your worldly life and enjoyed them, so this Day you will be awarded the punishment of [extreme] humiliation because you were arrogant upon the earth without right and because you were defiantly disobedient."	46:20	और याद करो जिस दिन वे लोग जिन्होंने इनकार किया, आग के सामने पेश किए जाएँगे। (कहा जाएगा), "तुम अपने सांसारिक जीवन में अच्छी रुचिकर चीज़े नष्ट कर बैठे और उनका मज़ा ले चुके। अतः आज तुम्हे अपमानजनक यातना दी जाएगी, क्योंकि तुम धरती में बिना किसी हक़ के घमंड करते रहे और इसलिए कि तुम आज्ञा का उल्लंघन करते रहे।"	x

Waothkur akha AAadin ith anthara qawmahu bialahqafi waqad khalati alnnuthuru min bayni yadayhi wamin khalfihi alla taAAbudoo illa Allaha innee akhafu AAalaykum AAathaba yawmin AAatheemin	x	And mention, [O Muhammad], the brother of 'Aad, when he warned his people in the [region of] al-Ahqaf - and warners had already passed on before him and after him - [saying], "Do not worship except Allah. Indeed, I fear for you the punishment of a terrible day."	46:21	आद के भाई को याद करो, जबकि उसने अपनी क़ौम के लोगों को अहक़ाफ़ में सावधान किया, और उसके आगे और पीछे भी सावधान करनेवाले गुज़र चुके थे - कि, "अल्लाह के सिवा किसी की बन्दगी न करो। मुझे तुम्हारे बारे में एक बड़े दिन की यातना का भय है।"	x
Qaloo ajitana litafikana AAan alihatina fatina bima taAAiduna in kunta mina alssadiqeena	x	They said, "Have you come to delude us away from our gods? Then bring us what you promise us, if you should be of the truthful."	46:22	उन्होंने कहा, "क्या तू हमारे पास इसलिए आया है कि झूठ बोलकर हमको अपने उपास्यों से विमुख कर दे? अच्छा, तो हमपर ले आ, जिसकी तू हमें धमकी देता है, यदि तू सच्चा है।"	x
Qala innama alAAilmu AAinda Allahi waoballighukum ma orsiltu bihi walakinnee arakum qawman tajhaloona	x	He said, "Knowledge [of its time] is only with Allah, and I convey to you that with which I was sent; but I see you [to be] a people behaving ignorantly."	46:23	उसने कहा, "ज्ञान तो अल्लाह ही के पास है (कि वह कब यातना लाएगा) । और मैं तो तुम्हें वह संदेश पहुँचा रहा हूँ जो मुझे देकर भेजा गया है। किन्तु मैं तुम्हें देख रहा हूँ कि तुम अज्ञानता से काम ले रहे हो।"	x

Falamma raawhu AAaridan mustaqbila awdiyatihim qaloo hatha AAaridun mumtiruna bal huwa ma istaAAjaltum bihi reehun feeha AAathabun aleemun	x	And when they saw it as a cloud approaching their valleys, they said, "This is a cloud bringing us rain!" Rather, it is that for which you were impatient: a wind, within it a painful punishment,	46:24	फिर जब उन्होंने उसे बादल के रूप में देखा, जिसका रुख़ उनकी घाटियों की ओर था, तो वे कहने लगे, "यह बादल है जो हमपर बरसनेवाला है!' "नहीं, बल्कि यह तो वही चीज़ है जिसके लिए तुमने जल्दी मचा रखी थी। - यह वायु है जिसमें दुखद यातना है	x
Tudammiru kulla shayin biamri rabbiha faasbahoo la yura illa masakinuhum kathalika najzee alqawma	x	Destroying everything by command of its Lord. And they became so that nothing was seen [of them] except their dwellings. Thus do We recompense the criminal people.	46:25	हर चीज़ को अपने रब के आदेश से विनष्ट- कर देगी।" अन्ततः वे ऐसे हो गए कि उनके रहने की जगहों के सिवा कुछ नज़र न आता था। अपराधी लोगों को हम इसी तरह बदला देते है	x

Walaqad makkannahum feema in makkannakum feehi wajaAAalna lahum samAAan waabsaran waafidatan fama aghna AAanhum samAAuhum wala absaruhum wala afidatuhum min shayin ith kanoo yajhadoona biayati Allahi wahaqa bihim ma kanoo bihi	x	And We had certainly established them in such as We have not established you, and We made for them hearing and vision and hearts. But their hearing and vision and hearts availed them not from anything [of the punishment] when they were [continually] rejecting the signs of Allah; and they were enveloped by what they used to ridicule.	46:26	हमने उन्हें उन चीज़ों में जमाव और सामर्थ्य प्रदान की थी, जिनमें तुम्हें जमाव और सामर्थ्य नहीं प्रदान की। औऱ हमने उन्हें कान, आँखें और दिल दिए थे। किन्तु न तो उनके कान उनके कुछ काम आए औऱ न उनकी आँखे और न उनके दिल ही। क्योंकि वे अल्लाह की आयतों का इनकार करते थे और जिस चीज़ की वे हँसी उड़ाते थे, उसी ने उन्हें आ घेरा	x
Walaqad ahlakna ma hawlakum mina alqura wasarrafna alayati laAAallahum yarjiAAoona	x	And We have already destroyed what surrounds you of [those] cities, and We have diversified the signs [or verses] that perhaps they might return [from disbelief].	46:27	हम तुम्हारे आस-पास की बस्तियों को विनष्ट कर चुके हैं, हालाँकि हमने तरह-तरह से आयते पेश की थीं, ताकि वे रुजू करें	x

Falawla nasarahumu allatheena ittakhathoo min dooni Allahi qurbanan alihatan bal dalloo AAanhum wathalika ifkuhum wama kanoo yaftaroona	x	Then why did those they took besides Allah as deities by which to approach [Him] not aid them? But they had strayed from them. And that was their falsehood and what they were inventing.	46:28	फिर क्यों न उन बस्तियों ने उसकी सहायता की जिनको उन्होंने अपने और अल्लाह का बीच माध्यम ठहराकर सामीप्य प्राप्त करने के लिए उपास्य बना लिया था? बल्कि वे उनसे गुम हो गए, और यह था उनका मिथ्यारोपण और वह कुछ जो वे घड़ते थे	x
Waith sarafna ilayka nafaran mina aljinni yastamiAAoona alqurana falamma hadaroohu qaloo ansitoo falamma qudiya wallaw ila qawmihim munthireena	When the Jinn heart recitation of Quran, they informed their people to believe in it. **[Jinn also became Muslim: 46:29-31, 72:1-2]**	And [mention, O Muhammad], when We directed to you a few of the jinn, listening to the Qur'an. And when they attended it, they said, "Listen quietly." And when it was concluded, they went back to their people as warners.	46:29	और याद करो (ऐ नबी) जब हमने कुछ जिन्नों को तुम्हारी ओर फेर दिया जो क़ुरआन सुनने लगे थे, तो जब वे वहाँ पहुँचे तो कहने लगे, "चुप हो जाओ!" फिर जब वह (क़ुरआन का पाठ) पूरा हुआ तो वे अपनी क़ौम की ओर सावधान करनेवाले होकर लौटे	जब जिन्न ने कुरान का दिल से पाठ किया, तो उन्होंने अपने लोगों को इसमें विश्वास करने के लिए सूचित किया। **[जिन्न भी मुस्लिम बन गए: 46:29-31, 72:1-2]**
Qaloo ya qawmana inna samiAAna kitaban onzila min baAAdi moosa musaddiqan lima bayna yadayhi yahdee ila alhaqqi waila tareeqin mustaqeemin	x	They said, "O our people, indeed we have heard a [recited] Book revealed after Moses confirming what was before it which guides to the truth and to a straight path.	46:30	उन्होंने कहा, "ऐ मेरी क़ौम के लोगो! हमने एक किताब सुनी है, जो मूसा के पश्चात अवतरित की गई है। उसकी पुष्टि में हैं जो उससे पहले से मौजूद है, सत्य की ओर और सीधे मार्ग की ओर मार्गदर्शन करती है	x

Ya qawmana ajeeboo daAAiya Allahi waaminoo bihi yaghfir lakum min thunoobikum wayujirkum min AAathabin aleemin	x	O our people, respond to the Messenger of Allah and believe in him; Allah will forgive for you your sins and protect you from a painful punishment.	46:31	ऐ हमारी क़ौम के लोगो! अल्लाह के आमंत्रणकर्त्ता का आमंत्रण स्वीकार करो और उसपर ईमान लाओ। अल्लाह तुम्हें क्षमा करके गुनाहों से तुम्हें पाक कर देगा और दुखद यातना से तुम्हें बचाएगा	x
Waman la yujib daAAiya Allahi falaysa bimuAAjizin fee alardi walaysa lahu min doonihi awliyaa olaika fee dalalin mubeenin	x	But he who does not respond to the Caller of Allah will not cause failure [to Him] upon earth, and he will not have besides Him any protectors. Those are in manifest error."	46:32	और जो कोई अल्लाह के आमंत्रणकर्त्ता का आमंत्रण स्वीकार नहीं करेगा तो वह धरती में क़ाबू से बच निकलनेवाला नहीं है और न अल्लाह से हटकर उसके संरक्षक होंगे। ऐसे ही लोग खुली गुमराही में हैं।"	x
Awalam yaraw anna Allaha allathee khalaqa alssamawati waalarda walam yaAAya bikhalqihinna biqadirin AAala an yuhyiya almawta bala innahu AAala kulli shayin	x	Do they not see that Allah, who created the heavens and earth and did not fail in their creation, is able to give life to the dead? Yes. Indeed, He is over all things competent.	46:33	क्या उन्होंने देखा नहीं कि जिस अल्लाह ने आकाशों और धरती को पैदा किया और उनके पैदा करने से थका नहीं; क्या ऐसा नहीं कि वह मुर्दों को जीवित कर दे? क्यों नहीं, निश्चय ही उसे हर चीज़ की सामर्थ्य प्राप्त है	x

Wayawma yuAAradu allatheena kafaroo AAala alnnari alaysa hatha bialhaqqi qaloo bala warabbina qala fathooqoo alAAathaba bima kuntum takfuroona	x	And the Day those who disbelieved are exposed to the Fire [it will be said], "Is this not the truth?" They will say, "Yes, by our Lord." He will say, "Then taste the punishment because you used to disbelieve."	46:34	और याद करो जिस दिन वे लोग, जिन्होंने इनकार किया, आग के सामने पेश किए जाएँगे, (कहा जाएगा) "क्या यह सत्य नहीं है?" वे कहेंगे, "नहीं, हमारे रब की क़सम!" वह कहेगा, "तो अब यातना का मज़ा चखो, उउस इनकार के बदले में जो तुम करते रहे थे।"	x
Faisbir kama sabara oloo alAAazmi mina alrrusuli wala tastaAAjil lahum kaannahum yawma yarawna ma yooAAadoona lam yalbathoo illa saAAatan min naharin balaghun fahal yuhlaku illa alqawmu alfasiqoona	**[Being patient part was abrogated by later Jihadi verses.]**	So be patient, [O Muhammad], as were those of determination among the messengers and do not be impatient for them. It will be - on the Day they see that which they are promised - as though they had not remained [in the world] except an hour of a day. [This is] notification. And will [any] be destroyed except the defiantly	46:35	अतः धैर्य से काम लो, जिस प्रकार संकल्पवान रसूलों ने धैर्य से काम लिया। और उनके लिए जल्दी न करो। जिस दिन वे लोग उस चीज़ को देख लेंगे जिसका उनसे वादा किया जाता है, तो वे महसूस करेंगे कि जैसे वे बस दिन की एक घड़ी भर ही ठहरे थे। यह (संदेश) साफ़-साफ़ पहुँचा देना है। अब क्या अवज्ञाकारी लोगों के अतिरिक्त कोई और विनष्ट होगा?	**[धैर्य रखने वाले हिस्से को बाद के जिहादी आयतों द्वारा समाप्त कर दिया गया।]**
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Muhammad (Muhammad), revealed after the Hijrah at Madinah.**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**47:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**मुहम्मद, हिज़रत के बाद मदीना में प्रकट हुई।**
Allatheena kafaroo wasaddoo AAan sabeeli Allahi adalla aAAmalahum	x	Those who disbelieve and avert [people] from the way of Allah - He will waste their deeds.	47:1	जिन लोगों ने इनकार किया और अल्लाह के मार्ग से रोका उनके कर्म उसने अकारथ कर दिए	x

Waallatheena amanoo waAAamiloo alssalihati waamanoo bima nuzzila AAala muhammadin wahuwa alhaqqu min rabbihim kaffara AAanhum	Allah will improve the condition of the believers, which is repeated in substance at 47:7 and 47:35.	And those who believe and do righteous deeds and believe in what has been sent down upon Muhammad - and it is the truth from their Lord - He will remove from them their misdeeds and amend their condition.	47:2	रहे वे लोग जो ईमान लाए और उन्होंने अच्छे कर्म किए और उस चीज़ पर ईमान लाए जो मुहम्मद पर अवतरित किया गया - और वही सत्य है उनके रब की ओर से - उसने उसकी बुराइयाँ उनसे दूर कर दीं और उनका हाल ठीक कर दिया	अल्लाह मुमिनों की हालत में सुधार करेगा, जो 47:7 और 47:35 में दोहराया गया है।
Thalika bianna allatheena kafaroo ittabaAAoo albatila waanna allatheena amanoo ittabaAAoo alhaqqa min rabbihim kathalika yadribu Allahu lilnnasi amthalahum	x	That is because those who disbelieve follow falsehood, and those who believe follow the truth from their Lord. Thus does Allah present to the people their comparisons.	47:3	यह इसलिए कि जिन लोगों ने इनकार किया उन्होंने असत्य का अनुसरण किया और यह कि जो लोग ईमान लाए उन्होंने सत्य का अनुसरण किया, जो उनके रब की ओर से है। इस प्रकार अल्लाह लोगों के लिए उनकी मिसालें बयान करता है	x

Faitha laqeetumu allatheena kafaroo fadarba alrriqabi hatta itha athkhantumoohum fashuddoo alwathaqa faimma mannan baAAdu waimma fidaan hatta tadaAAa alharbu awzaraha thalika walaw yashao Allahu laintasara minhum walakin liyabluwa baAAdakum bibaAAdin waallatheena qutiloo fee sabeeli Allahi falan yudilla	Allah test muslims by making them fight with non-muslims. **[Abrogated by Q 2:191 means kill them whereever you find them. Tirmidhi 1568; In Arabic text the words "in battle" is not written. It is added by translators, While this is a permanent order to be aggressive.]**	So when you meet those who disbelieve [in battle], strike [their] necks until, when you have inflicted slaughter upon them, then secure their bonds, and either [confer] favor afterwards or ransom [them] until the war lays down its burdens. That [is the command]. And if Allah had willed, He could have taken vengeance upon them [Himself], but [He ordered armed struggle] to test some of you by means of others. And those who are killed in the cause of Allah - never will He waste their	47:4	अतः जब इनकार करनेवालो से तुम्हारी मुठभेड़ हो तो (उनकी) गरदनें मारना है, यहाँ तक कि जब उन्हें अच्छी तरह कुचल दो तो बन्धनों में जकड़ो, फिर बाद में या तो एहसान करो या फ़िदया (अर्थ-दंड) का मामला करो, यहाँ तक कि युद्ध अपने बोझ उतारकर रख दे। यह भली-भाँति समझ लो, यदि अल्लाह चाहे तो स्वयं उनसे निपट ले। किन्तु (उसने या आदेश इसलिए दिया) ताकि तुम्हारी एक-दूसरे की परीक्षा ले। और जो लोग अल्लाह के मार्ग में मारे जाते है उनके कर्म वह कदापि अकारथ न करेगा	अल्लाह मुसलमानों को गैर-मुसलमानों से लड़वाकर उनकी परीक्षा लेता है। **[Q 2:191 द्वारा निरस्त करने का अर्थ है कि आप उन्हें जहां भी पाते हैं, उन्हें मार डालें। तिर्मिज़ी 1568; अरबी पाठ में "मुठभेड़" शब्द नहीं लिखे गए हैं। यह अनुवादकों द्वारा जोड़ा जाता है, जबकि यह आक्रामक होने का एक स्थायी आदेश है।]**
Sayahdeehim wayuslihu balahum	x	He will guide them and amend their condition	47:5	वह उनका मार्गदर्शन करेगा और उनका हाल ठीक कर देगा	x
Wayudkhiluhumu aljannata AAarrafaha lahum	x	And admit them to Paradise, which He has made known to them.	47:6	और उन्हें जन्नत में दाख़िल करेगा, जिससे वह उन्हें परिचित करा चुका है	x
Ya ayyuha allatheena amanoo in tansuroo Allaha yansurkum wayuthabbit	**[How one can support Allah.]**	O you who have believed, if you support Allah, He will support you and plant firmly your feet.	47:7	ऐ लोगों, जो ईमान लाए हो, यदि तुम अल्लाह की सहायता करोगे तो वह तुम्हारी सहायता करेगा और तुम्हारे क़दम जमा देगा	**[कोई अल्लाह की सहायता कैसे कर सकता है।]**

Waallatheena kafaroo fataAAsan lahum waadalla aAAmalahum	Even though the disbelievers may carry out many good deeds and render great services to mankind, these deeds will not be recognized on the Day of Judgment on account of their disbelief.	But those who disbelieve - for them is misery, and He will waste their deeds.	47:8	रहे वे लोग जिन्होंने इनकार किया, तो उनके लिए तबाही है। और उनके कर्मों को अल्लाह ने अकारथ कर दिया	हालांकि अविश्वासी लोग कई अच्छे काम कर सकते हैं और मानवता की बड़ी सेवाएं प्रदान कर सकते हैं, उनके इन कार्यों को उनकी अविश्वास के कारण क़ियामत के दिन स्वीकार नहीं किया जाएगा।
Thalika biannahum karihoo ma anzala Allahu faahbata aAAmalahum	x	That is because they disliked what Allah revealed, so He rendered worthless their deeds.	47:9	यह इसलिए कि उन्होंने उस चीज़ को नापसन्द किया जिसे अल्लाह ने अवतरित किया, तो उसने उनके कर्म अकारथ कर दिए	x
Afalam yaseeroo fee alardi fayanthuroo kayfa kana AAaqibatu allatheena min qablihim dammara Allahu AAalayhim walilkafireena amthaluha	The civilizations destroyed by Allah in past.	Have they not traveled through the land and seen how was the end of those before them? Allah destroyed [everything] over them, and for the disbelievers is something comparable.	47:10	क्या वे धरती में चले-फिरे नहीं कि देखते कि उन लोगों का कैसा परिणाम हुआ जो उनसे पहले गुज़र चुके है? अल्लाह ने उन्हें तहस-नहस कर दिया और इनकार करनेवालों के लिए ऐसे ही मामले होने है	अल्लाह द्वारा अतीत में नष्ट की गई सभ्यताएँ।
Thalika bianna Allaha mawla allatheena amanoo waanna alkafireena la mawla lahum	**[The disbelievers have no protector but still they are protecting many Muslim countries of Middle east.]**	That is because Allah is the protector of those who have believed and because the disbelievers have no protector.	47:11	यह इसलिए कि जो लोग ईमान लाए उनका संरक्षक अल्लाह है और यह कि इनकार करनेवालों को कोई संरक्षक नहीं	**[काफ़िरों के पास कोई संरक्षक नहीं है फिर भी वे मध्य पूर्व के कई मुस्लिम देशों की रक्षा कर रहे हैं।]**

Inna Allaha yudkhilu allatheena amanoo waAAamiloo alssalihati jannatin tajree min tahtiha alanharu waallatheena kafaroo yatamattaAAoona wayakuloona kama takulu alanAAamu	The disbelievers are like cattle. **[While Quran ask not to use bad words for others, 49:11.]**	Indeed, Allah will admit those who have believed and done righteous deeds to gardens beneath which rivers flow, but those who disbelieve enjoy themselves and eat as grazing livestock eat, and the Fire will be a residence for them.	47:12	निश्चय ही अल्लाह उन लोगों को जो ईमान लाए और उन्होंने अच्छे कर्म किए ऐसे बागों में दाख़िल करेगा जिनके नीचे नहरें बह रही होंगी। रहे वे लोग जिन्होंने इनकार किया, वे कुछ दिनों का सुख भोग रहे है और खा रहे है, जिसे चौपाए खाते है। और आग उनका ठिकाना है	काफ़िरों का हाल मवेशियों जैसा है। **[हालाँकि कुरआन दूसरों के लिए बुरे शब्द इस्तेमाल न करने को कहता है, 49:11।]**
Wakaayyin min qaryatin hiya ashaddu quwwatan min qaryatika allatee akhrajatka ahlaknahum fala nasira lahum	x	And how many a city was stronger than your city [Makkah] which drove you out? We destroyed them; and there was no helper for them.	47:13	कितनी ही बस्तियाँ थी जो शक्ति में तुम्हारी उस बस्ती से, जिसने तुम्हें निकाल दिया, बढ़-चढ़कर थीं। हमने उन्हे विनष्टम कर दिया! फिर कोई उनका सहायक न हुआ	x
Afaman kana AAala bayyinatin min rabbihi kaman zuyyina lahu sooo AAamalihi waittabaAAoo ahwaahum	The disbelievers.	So is he who is on clear evidence from his Lord like him to whom the evil of his work has been made attractive and they follow their [own] desires?	47:14	तो क्या जो व्यक्ति अपने रब की ओर से एक स्पष्ट प्रमाण पर हो वह उन लोगों जैसा हो सकता है, जिन्हें उनका बुरा कर्म ही सुहाना लगता हो और वे अपनी इच्छाओं के पीछे ही चलने लग गए हो?	अविश्वासी।

Mathalu aljannati allatee wuAAida almuttaqoona feeha anharun min main ghayri asinin waanharun min labanin lam yataghayyar taAAmuhu waanharun min khamrin laththatin lilshsharibeena waanharun min AAasalin musaffan walahum feeha min kulli alththamarati wamaghfiratun min rabbihim kaman huwa khalidun fee alnnari wasuqoo maan hameeman faqattaAAa amAAaahum	Rivers of wine, honey and milk in Paradise. **[Means there will be honeybees and cattle also.]**	Is the description of Paradise, which the righteous are promised, wherein are rivers of water unaltered, rivers of milk the taste of which never changes, rivers of wine delicious to those who drink, and rivers of purified honey, in which they will have from all [kinds of] fruits and forgiveness from their Lord, like [that of] those who abide eternally in the Fire and are given to drink scalding water that will sever their intestines?	47:15	उस जन्नत की शान, जिसका वादा डर रखनेवालों से किया गया है, यह है कि ऐसे पानी की नहरें होगी जो प्रदूषित नहीं होता। और ऐसे दूध की नहरें होंगी जिसके स्वाद में तनिक भी अन्तर न आया होगा, और ऐसे पेय की नहरें होंगी जो पीनेवालों के लिए मज़ा ही मज़ा होंगी, और साफ़-सुधरे शहद की नहरें भी होंगी। और उनके लिए वहाँ हर प्रकार के फल होंगे और क्षमा उनके अपने रब की ओर से - क्या वे उन जैसे हो सकते है, जो सदैव आग में रहनेवाले है और जिन्हें खौलता हुआ पानी पिलाया जाएगा, जो उनकी आँतों को टुकड़े-टुकड़े करके रख देगा?	जन्नत में शराब, शहद और दूध की नदियाँ। **[इसका मतलब है कि वहाँ मधुमक्खियाँ और मवेशी भी होंगे।]**

Waminhum man yastamiAAu ilayka hatta itha kharajoo min AAindika qaloo lillatheena ootoo alAAilma matha qala anifan olaika allatheena tabaAAa Allahu AAala quloobihim waittabaAAoo ahwaahum	Refers to Hypocrites. **[Contradiction: Allah seals the hearts – 2:7, 4:155, 7:100, 7:101, 9:87, 9:93, 10:74, 16:108, 30:59, 40:35, 45:23, 47:16, 63:3; Does not seals – 2:20, 42:24, 6:46]**	And among them, [O Muhammad], are those who listen to you, until when they depart from you, they say to those who were given knowledge, "What has he said just now?" Those are the ones of whom Allah has sealed over their hearts and who have followed their [own] desires.	47:16	और उनमें कुछ लोग ऐसे है जो तुम्हारी ओर कान लगाते है, यहाँ तक कि जब वे तुम्हारे पास से निकलते है तो उन लोगों से, जिन्हें ज्ञान प्रदान हुआ है कहते है, "उन्होंने अभी-अभी क्या कहा?" वही वे लोग है जिनके दिलों पर अल्लाह ने ठप्पा लगा दिया है और वे अपनी इच्छाओं के पीछे चले है	पाखंडियों को संदर्भित **[विरोधाभास: अल्लाह दिलों पर ठप्पा लगा देते हैं – 2:7, 4:155, 7:100, 7:101, 9:87, 9:93, 10:74, 16:108, 30:59, 40:35, 45:23, 47:16, 63:3; नहीं लगाते – 2:20, 42:24, 6:46]**
Waallatheena ihtadaw zadahum hudan waatahum taqwahum	x	And those who are guided - He increases them in guidance and gives them their righteousness.	47:17	रहे वे लोग जिन्होंने सीधा रास्ता अपनाया, (अल्लाह ने) उनके मार्गदर्शन में अभिवृद्धि कर दी और उन्हें उनकी परहेज़गारी प्रदान की	x
Fahal yanthuroona illa alssaAAata an tatiyahum baghtatan faqad jaa ashratuha faanna lahum itha jaathum thikrahum	Here it is said that already there are indications of Qiyamat (Day of Judgment). The Messenger (pbuh) brought his index and middle fingers together while he telling about Qiyamat. **[This was said 1400 years ago. Also see Sahih Muslim 7403, 7410-12, 7313]**	Then do they await except that the Hour should come upon them unexpectedly? But already there have come [some of] its indications. Then what good to them, when it has come, will be their remembrance?	47:18	अब क्या वे लोग बस उस घड़ी की प्रतीक्षा कर रहे है कि वह उनपर अचानक आ जाए? उसके लक्षण तो सामने आ चुके है, जब वह स्वयं भी उनपर आ जाएगी तो फिर उनके लिए होश में आने का अवसर कहाँ शेष रहेगा?	यहां कहा गया है कि पहले से ही क़ियामत (दिन-ए-हिसाब) के संकेत हैं। रसूल (स.) ने क़ियामत के बारे में बताते समय अपनी तर्जनी और मध्यमा उंगलियों को एक साथ मिलाया। **[यह 1400 साल पहले कहा गया था, साथ ही साहिह मुस्लिम 7403, 7410-12, 7313 देखें]**

FaiAAlam annahu la ilaha illa Allahu waistaghfir lithanbika walilmumineena waalmuminati waAllahu yaAAlamu mutaqallabakum	Islamic faith asserts that prophet was sinless. **[Contradiction: Allah is asking the prophet to ask forgiveness for his sins, 40:55, 47:19, 48:2. There are many hadith which proves that prophet was not sinless e.g. Bukhari 6307, 7385, Ibn Majah 305, 325]**	So know, [O Muhammad], that there is no deity except Allah and ask forgiveness for your sin and for the believing men and believing women. And Allah knows of your movement and your resting place.	47:19	अतः जान रखों कि अल्लाह के अतिरिक्त कोई पूज्य-प्रभु नहीं। और अपने गुनाहों के लिए क्षमा-याचना करो और मोमिन पुरुषों और मोमिन स्त्रियों के लिए भी। अल्लाह तुम्हारी चलत-फिरत को भी जानता है और तुम्हारे ठिकाने को भी	इस्लामी विश्वास का दावा है कि पैगंबर पापमुक्त थे। **[विरोधाभास: अल्लाह पैगंबर से उनके पापों के लिए क्षमा मांगने को कह रहे हैं, 40:55, 47:19, 48:2। कई हदीस हैं जो यह साबित करती हैं कि पैगंबर पापमुक्त नहीं थे, जैसे बुख़ारी 6307, 7385, इब्न माजा 305, 325]**
Wayaqoolu allatheena amanoo lawla nuzzilat sooratun faitha onzilat sooratun muhkamatun wathukira feeha alqitalu raayta allatheena fee quloobihim maradun yanthuroona ilayka nathara almaghshiyyi AAalayhi mina	Hypocrites are coward and don't want to participate in Jihad.	Those who believe say, "Why has a surah not been sent down? But when a precise surah is revealed and fighting is mentioned therein, you see those in whose hearts is hypocrisy looking at you with a look of one overcome by death. And more appropriate for them [would have been]	47:20	जो लोग ईमान लाए वे कहते है, "कोई सूरा क्यों नहीं उतरी?" किन्तु जब एक पक्की सूरा अवतरित की जाती है, जिसमें युद्ध का उल्लेख होता है, तो तुम उन लोगों को देखते हो जिनके दिलों में रोग है कि वे तुम्हारी ओर इस प्रकार देखते है जैसे किसी पर मृत्यु की बेहोशी छा गई हो। तो अफ़सोस है उनके हाल पर!	पाखंडी कायर होते हैं और जिहाद में भाग लेना नहीं चाहते।
TaAAatun waqawlun maAAroofun faitha AAazama alamru falaw sadaqoo Allaha lakana khayran lahum	x	Obedience and good words. And when the matter [of fighting] was determined, if they had been true to Allah, it would have been better for them.	47:21	उनके लिए उचित है आज्ञापालन और अच्छी-भली बात। फिर जब (युद्ध की) बात पक्की हो जाए (तो युद्ध करना चाहिए) तो यदि वे अल्लाह के लिए सच्चे साबित होते तो उनके लिए ही अच्छा होता	x

Fahal AAasaytum in tawallaytum an tufsidoo fee alardi watuqattiAAoo arhamakum	x	So would you perhaps, if you turned away, cause corruption on earth and sever your [ties of] relationship?	47:22	यदि तुम उल्टे फिर गए तो क्या तुम इससे निकट हो कि धरती में बिगाड़ पैदा करो और अपने नातों-रिश्तों को काट डालो?	x
Olaika allatheena laAAanahumu Allahu faasammahum	Allah has cursed the disbelievers and hypocrites.	Those [who do so] are the ones that Allah has cursed, so He deafened them and blinded their vision.	47:23	ये वे लोग है जिनपर अल्लाह ने लानत की और उन्हें बहरा और उनकी आँखों को अन्धा कर दिया	अल्लाह ने अविश्वासियों और पाखंडी लोगों को शापित किया है।
Afala yatadabbaroona alqurana am AAala quloobin aqfaluha	x	Then do they not reflect upon the Qur'an, or are there locks upon [their] hearts?	47:24	तो क्या वे क़ुरआन में सोच-विचार नहीं करते या उनके दिलों पर ताले लगे हैं?	x
Inna allatheena irtaddoo AAala adbarihim min baAAdi ma tabayyana lahumu alhuda alshshaytanu sawwala lahum waamla lahum	Condemning Apostasy (means leaving Islam).	Indeed, those who reverted back [to disbelief] after guidance had become clear to them - Satan enticed them and prolonged hope for them.	47:25	वे लोग जो पीठ-फेरकर पलट गए, इसके पश्चात कि उनपर मार्ग स्पष्ट॥ हो चुका था, उन्हें शैतान ने बहका दिया और उसने उन्हें ढील दे दी	धर्म त्याग की निंदा करना (मतलब इस्लाम छोड़ना)।
Thalika biannahum qaloo lillatheena karihoo ma nazzala Allahu sanuteeAAukum fee baAAdi alamri waAllahu yaAAlamu israrahum	Refers to Hypocrites.	That is because they said to those who disliked what Allah sent down, "We will obey you in part of the matter." And Allah knows what they conceal.	47:26	यह इसलिए कि उन्होंने उन लोगों से, जिन्होंने उस चीज़ को नापसन्द किया जो कुछ अल्लाह ने उतारा है, कहा कि "हम कुछ मामलों में तुम्हारी बात मान लेंगे।" अल्लाह उनकी गुप्त बातों को भली-भाँति जानता है	पाखंडी लोगों

Fakayfa itha tawaffathumu almalaikatu yadriboona wujoohahum waadbarahum	**[Contradiction: Who will take the soul: 32:11 Single Angel, 39:42 Allah will take soul, Many Angels will take soul 4:97, 8:50, 47:27.]**	Then how [will it be] when the angels take them in death, striking their faces and their backs?	47:27	फिर उस समय क्या हाल होगा जब फ़रिश्तें उनके चहरों और उनकी पीठों पर मारते हुए उनकी रूह क़ब्ज़ करेंगे?	**[विरोधाभास: आत्मा कौन लेगा: 32:11 एक अकेला फरिश्ता, 39:42 अल्लाह आत्मा लेंगे, कई फरिश्ते आत्मा लेंगे 4:97, 8:50, 47:27.]**
Thalika biannahumu ittabaAAoo ma askhata Allaha wakarihoo ridwanahu faahbata aAAmalahum	x	That is because they followed what angered Allah and disliked [what earns] His pleasure, so He rendered worthless their deeds.	47:28	यह इसलिए कि उन्होंने उस चीज़ का अनुसरण किया जो अल्लाह को अप्रसन्न करनेवाली थी और उन्होंने उसकी ख़ुशी को नापसन्द किया तो उसने उनके कर्मों को अकारथ कर दिया	x
Am hasiba allatheena fee quloobihim maradun an lan yukhrija Allahu adghanahum	Hypocrites	Or do those in whose hearts is disease think that Allah would never expose their [feelings of] hatred?	47:29	(क्या अल्लाह से कोई चीज़ छिपी है) या जिन लोगों के दिलों में रोग है वे समझ बैठे है कि अल्लाह उनके द्वेषों को कदापि प्रकट न करेगा?	पाखंडी लोग
Walaw nashao laaraynakahum falaAAaraftahum biseemahum walataAArifannahum fee lahni alqawli waAllahu yaAAlamu	x	And if We willed, We could show them to you, and you would know them by their mark; but you will surely know them by the tone of [their] speech. And Allah knows your deeds.	47:30	यदि हम चाहें तो उन्हें तुम्हें दिखा दें, फिर तुम उन्हें उनके लक्षणों से पहचान लो; किन्तु तुम उन्हें उनकी बातचीत के ढब से अवश्य पहचान लोगे। अल्लाह तो तुम्हारे कर्मों को जानता ही है	x

Walanabluwannakum hatta naAAlama almujahideena minkum waalssabireena wanabluwa akhbarakum	Allah will test Muslims with hardship and Jihad.	And We will surely test you until We make evident those who strive among you [for the cause of Allah] and the patient, and We will test your affairs.	47:31	हम अवश्य तुम्हारी परीक्षा करेंगे, यहाँ तक कि हम तुममें से जो जिहाद करनेवाले है और जो दृढ़तापूर्वक जमे रहनेवाले है उनको जान ले और तुम्हारी हालतों को जाँच लें	अल्लाह मुसलमानों की परीक्षा कठिनाइयों और जिहाद के माध्यम से लेंगे।
Inna allatheena kafaroo wasaddoo AAan sabeeli Allahi washaqqoo alrrasoola min baAAdi ma tabayyana lahumu alhuda lan yaduroo Allaha shayan wasayuhbitu aAAmalahum	x	Indeed, those who disbelieved and averted [people] from the path of Allah and opposed the Messenger after guidance had become clear to them - never will they harm Allah at all, and He will render worthless their deeds.	47:32	जिन लोगों ने इसके पश्चात कि मार्ग उनपर स्पष्ट हो चुका था, इनकार किया और अल्लाह के मार्ग से रोका और रसूल का विरोध किया, वे अल्लाह को कदापि कोई हानि नहीं पहुँचा सकेंगे, बल्कि वही उनका सब किया-कराया उनकी जान को लागू कर देगा	x
Ya ayyuha allatheena amanoo ateeAAoo Allaha waateeAAoo alrrasoola wala	x	O you who have believed, obey Allah and obey the Messenger and do not invalidate your deeds.	47:33	ऐ ईमान लानेवालों! अल्लाह का आज्ञापालन करो और रसूल का आज्ञापालन करो और अपने कर्मों को विनष्ट न करो	x
Inna allatheena kafaroo wasaddoo AAan sabeeli Allahi thumma matoo wahum kuffarun falan yaghfira	Those who died in disbelief will not be forgiven.	Indeed, those who disbelieved and averted [people] from the path of Allah and then died while they were disbelievers - never will Allah forgive	47:34	निश्चय ही जिन लोगों ने इनकार किया और अल्लाह के मार्ग से रोका और इनकार करनेवाले ही रहकर मर गए, अल्लाह उन्हें कदापि क्षमा न करेगा	जो लोग अविश्वास में मरे, उन्हें माफ नहीं किया जाएगा।

Fala tahinoo watadAAoo ila alssalmi waantumu alaAAlawna waAllahu maAAakum walan yatirakum aAAmalakum	**[Muslims should be not comprmise in war when they have upper hand.]**	So do not weaken and call for peace while you are superior; and Allah is with you and will never deprive you of [the reward of] your deeds.	47:35	अतः ऐसा न हो कि तुम हिम्मत हार जाओ और सुलह का निमंत्रण देने लगो, जबकि तुम ही प्रभावी हो। अल्लाह तुम्हारे साथ है और वह तुम्हारे कर्मों (के फल) में तुम्हें कदापि हानि न पहुँचाएगा	**[जब मुसलमानों के पास बढ़त हो, तो उन्हें युद्ध में समझौता नहीं करना चाहिए।]**
Innama alhayatu alddunya laAAibun walahwun wain tuminoo watattaqoo yutikum ojoorakum wala yasalkum amwalakum	Showing the triviality of the worldly life and encouraging spending.	[This] worldly life is only amusement and diversion. And if you believe and fear Allah, He will give you your rewards and not ask you for your properties.	47:36	सांसारिक जीवन तो बस एक खेल और तमाशा है। और यदि तुम ईमान लाओ और डर रखो तो वह तुम्हारे कर्मफल तुम्हें प्रदान करेगा और तुमसे धन नही माँगेगा। -	संसारिक जीवन की तुच्छता दिखाना और खर्च करने के लिए प्रोत्साहित करना।
In yasalkumooha fayuhfikum tabkhaloo wayukhrij adghanakum	meaning, Allah knows that extracting wealth (i.e., money from people) brings about ill-wills.	If He should ask you for them and press you, you would withhold, and He would expose your unwillingness.	47:37	और यदि वह उनको तुमसे माँगे और समेटकर तुमसे माँगे तो तुम कंजूसी करोगे। और वह तुम्हारे द्वेष को निकाल बाहर कर देगा	अर्थात, अल्लाह जानते हैं कि धन (पैसा) निकालने से बुरे इरादे उत्पन्न होते हैं।

Haantum haolai tudAAawna litunfiqoo fee sabeeli Allahi faminkum man yabkhalu waman yabkhal fainnama yabkhalu AAan nafsihi waAllahu alghaniyyu waantumu alfuqarao wain tatawallaw yastabdil qawman ghayrakum thumma	Here you are now invited to spend in Allah's cause; but among you are those who withhold (stingily).	Here you are - those invited to spend in the cause of Allah - but among you are those who withhold [out of greed]. And whoever withholds only withholds [benefit] from himself; and Allah is the Free of need, while you are the needy. And if you turn away, He will replace you with another people; then they will not be the likes of you.	47:38	सुनो! यह तुम्ही लोग हो कि तुम्हें आमंत्रण दिया जा रहा है कि "अल्लाह के मार्ग में ख़र्च करो।" फिर तुमसे कुछ लोग है जो कंजूसी करते है। हालाँकि जो कंजूसी करता है वह वास्तव में अपने आप ही से कंजूसी करता है। अल्लाह तो निस्पृह है, तुम्हीं मुहताज हो। और यदि तुम फिर जाओ तो वह तुम्हारी जगह अन्य लोगों को ले आएगा; फिर वे तुम जैसे न होंगे	अब आप यहाँ अल्लाह के मार्ग में खर्च करने का आमंत्रित किए गए हैं; लेकिन आपके बीच ऐसे लोग भी हैं जो कंजूसी करते हैं।
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Al-Fath (The Conquest), Revealed after the treaty of Hudaybiyyah**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**48:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अल-फ़तह (विजय), हुदैब्बीहा के समझौते के बाद प्रकट**
Inna fatahna laka fathan mubeenan	This conquest is generally referred to the Treaty of Hudaybiyyah, which was concluded on disadvantageous terms with the Quraysh before the actual conquest of Mecca (see 9:7). Allah declared the peace treaty a manifest victory.	Indeed, We have given you, [O Muhammad], a clear conquest	48:1	निश्चय ही हमने तुम्हारे लिए एक खुली विजय प्रकट की,	इस विजय को आमतौर पर हुदैबिय्याह की संधि से जोड़ा जाता है, जो क़ुरैश के साथ वास्तविक मक्का की विजय से पहले हानिकारक शर्तों पर पूरी हुई थी (देखें 9:7)। अल्लाह ने इस शांति संधि को एक स्पष्ट जीत घोषित किया।

Liyaghfira laka Allahu ma taqaddama min thanbika wama taakhkhara wayutimma niAAmatahu AAalayka wayahdiyaka siratan	"you" refers to Prophet Muhammad (pbuh) and Allah has forgiven all his sins. [Whether Prophet will be tested on day of resurrection: Yes 46:9, No, cleared of sin 48:1-2. There are contradiction 40:55, 47:19.	That Allah may forgive for you what preceded of your sin and what will follow and complete His favor upon you and guide you to a straight path	48:2	ताकि अल्लाह तुम्हारे अगले और पिछले गुनाहों को क्षमा कर दे और तुमपर अपनी अनुकम्पा पूर्ण कर दे और तुम्हें सीधे मार्ग पर चलाए,	“तुम्हारे” से तात्पर्य पैगंबर मुहम्मद (स.) है और अल्लाह ने उनके सभी पापों को माफ़ कर दिया है। [**क्या पैगंबर को यौमन-ए-क़ियामत में आज़माया जाएगा: हाँ 46:9, नहीं, पाप से मुक्त 48:1-2। विरोधाभास हैं 40:55, 47:19।**
Wayansuraka Allahu nasran AAazeezan	x	And [that] Allah may aid you with a mighty victory.	48:3	और अल्लाह तुम्हें प्रभावकारी सहायता प्रदान करे	x
Huwa allathee anzala alssakeenata fee quloobi almumineena liyazdadoo eemanan maAAa eemanihim walillahi junoodu alssamawati waalardi wakana Allahu AAaleeman	x	It is He who sent down tranquillity into the hearts of the believers that they would increase in faith along with their [present] faith. And to Allah belong the soldiers of the heavens and the earth, and ever is Allah Knowing and Wise.	48:4	वही है जिसने ईमानवालों के दिलों में सकीना (प्रशान्ति) उतारी, ताकि अपने ईमान के साथ वे और ईमान की अभिवृद्धि करें - आकाशों और धरती की सभी सेनाएँ अल्लाह ही की है, और अल्लाह सर्वज्ञ, तत्वदर्शी है। -	x

Liyudkhila almumineena waalmuminati jannatin tajree min tahtiha alanharu khalideena feeha wayukaffira AAanhum sayyiatihim wakana thalika AAinda Allahi fawzan	When the verse (48:2) was revealed, the Companions of the Messenger (pbuh) said: 'Congratulations, O Messenger of Allah, for what Allah has given you; but what do we get?' And so this was revealed. It also consoled the Muslims after the treaty of Hudaybiyyah.	[And] that He may admit the believing men and the believing women to gardens beneath which rivers flow to abide therein eternally and remove from them their misdeeds - and ever is that, in the sight of Allah, a great attainment -	48:5	ताकि वह मोमिन पुरुषों औप मोमिन स्त्रियों को ऐसे बाग़ों में दाख़िल करे जिनके नीचे नहरें बहती होंगी कि वे उनमें सदैव रहें और उनसे उनकी बुराईयाँ दूर कर दे - यह अल्लाह के यहाँ बड़ी सफलता है। -	जब यह आयत (48:2) प्रकट हुई, तो नबी (स.) के सहाबा ने कहा: 'बधाई हो, हे अल्लाह के नबी, जो कुछ अल्लाह ने आपको दिया; लेकिन हमें क्या मिलेगा?' और फिर यह प्रकट हुई। यह मुमिनों को हुदैबिय्याह की संधि के बाद भी सांत्वना देता था।
WayuAAaththiba almunafiqeena waalmunafiqati waalmushrikeena waalmushrikati alththanneena biAllahi thanna alssawi AAalayhim dairatu alssawi waghadiba Allahu AAalayhim walaAAanahum waaAAadda lahum jahannama wasaat	x	And [that] He may punish the hypocrite men and hypocrite women, and the polytheist men and polytheist women - those who assume about Allah an assumption of evil nature. Upon them is a misfortune of evil nature; and Allah has become angry with them and has cursed them and prepared for them Hell, and evil it is as a destination.	48:6	और कपटाचारी पुरुषों और कपटाचारी स्त्रियों और बहुदेववादी पुरुषों और बहुदेववादी स्त्रियों को, जो अल्लाह के बारे में बुरा गुमान रखते है, यातना दे। उन्हीं पर बुराई की गर्दिश है। उनपर अल्लाह का क्रोध हुआ और उसने उनपर लानत की, और उसने उनके लिए जहन्नम तैयार कर रखा है, और वह अत्यन्त बुरा ठिकाना है!	x
Walillahi junoodu alssamawati waalardi wakana Allahu AAazeezan	x	And to Allah belong the soldiers of the heavens and the earth. And ever is Allah Exalted in Might and	48:7	आकाशों और धरती की सब सेनाएँ अल्लाह ही की है। अल्लाह प्रभुत्वशाली, अत्यन्त तत्वदर्शी है	x

Inna arsalnaka shahidan wamubashshiran wanatheeran	Refers to Prophet Muhammad (pbuh).	Indeed, We have sent you as a witness and a bringer of good tidings and a warner	48:8	निश्चय ही हमने तुम्हें गवाही देनेवाला और शुभ सूचना देनेवाला और सचेतकर्त्ता बनाकर भेजा,	यह नबी मोहम्मद (स.) का उल्लेख करता है।
Lituminoo biAllahi warasoolihi watuAAazziroohu watuwaqqiroohu watusabbihoohu bukratan waaseelan	x	That you [people] may believe in Allah and His Messenger and honor him and respect the Prophet and exalt Allah morning and afternoon.	48:9	ताकि तुम अल्लाह और उसके रसूल पर ईमान लाओ, उसे सहायता पहुँचाओ और उसका आदर करो, और प्रातःकाल और संध्या समय उसकी तसबीह करते रहो	x
Inna allatheena yubayiAAoonaka innama yubayiAAoona Allaha yadu Allahi fawqa aydeehim faman nakatha fainnama yankuthu AAala nafsihi waman awfa bima AAahada AAalayhu Allaha fasayuteehi ajran AAatheeman	The pledge mentioned here is the pledge of Ar-Ridwan which was pledged under a tree near Al-Hudaybiyyah. The number of the Companions who gave their pledge to Messenger was around 1,400. **[Allah has hands like humans.]**	Indeed, those who pledge allegiance to you, [O Muhammad] - they are actually pledging allegiance to Allah. The hand of Allah is over their hands. So he who breaks his word only breaks it to the detriment of himself. And he who fulfills that which he has promised Allah - He will give him a great reward.	48:10	(ऐ नबी) वे लोग जो तुमसे बैअत करते है वे तो वास्तव में अल्लाह ही से बैअत करते है। उनके हाथों के ऊपर अल्लाह का हाथ होता है। फिर जिस किसी ने वचन भंग किया तो वह वचन भंग करके उसका बवाल अपने ही सिर लेता है, किन्तु जिसने उस प्रतिज्ञा को पूरा किया जो उसने अल्लाह से की है तो उसे वह बड़ा बदला प्रदान करेगा	यहाँ उल्लिखित प्रतिज्ञा (बैअत) अर-रिदवान की प्रतिज्ञा है जो अल-हुदयबिय्याह के पास एक पेड़ के नीचे की गई थी। उन साथियों की संख्या जिन्होंने रसूल को अपनी प्रतिज्ञा दी करीब 1,400 थी। **[अल्लाह के हाथ इंसानों जैसे हैं।]**

Sayaqoolu laka almukhallafoona mina alaAArabi shaghalatna amwaluna waahloona faistaghfir lana yaqooloona bialsinatihim ma laysa fee quloobihim qul faman yamliku lakum mina Allahi shayan in arada bikum darran aw arada bikum nafAAan bal kana Allahu bima	The fabricated excuse offered by those who lagged behind and did not participate in Al-Hudaybiyyah; Allah's warning for them; For Bedouins also see 9:90-91.	Those who remained behind of the bedouins will say to you, "Our properties and our families occupied us, so ask forgiveness for us." They say with their tongues what is not within their hearts. Say, "Then who could prevent Allah at all if He intended for you harm or intended for you benefit? Rather, ever is Allah, with what you do, Acquainted.	48:11	जो बद्दू पीछे रह गए थे, वे अब तुमसे कहेगे, "हमारे माल और हमारे घरवालों ने हमें व्यस्त कर रखा था; तो आप हमारे लिए क्षमा की प्रार्थना कीजिए।" वे अपनी ज़बानों से वे बातें कहते है जो उनके दिलों में नहीं। कहना कि, "कौन है जो अल्लाह के मुक़ाबले में तुम्हारे किए किसी चीज़ का अधिकार रखता है, यदि वह तुम्हें कोई हानि पहुँचानी चाहे या वह तुम्हें कोई लाभ पहुँचाने का इरादा करे? बल्कि जो कुछ तुम करते हो अल्लाह उसकी ख़बर रखता है। -	उन लोगों द्वारा दिया गया बनावटी बहाना जो पीछे रह गए और अल-हुदैबीयाह में भाग नहीं लिया; उनके लिए अल्लाह की चेतावनी; बद्दू के लिए देखें 9:90-91।
Bal thanantum an lan yanqaliba alrrasoolu waalmuminoona ila ahleehim abadan wazuyyina thalika fee quloobikum wathanantum thanna alssawi wakuntum	The hypocrites thought that Muslims will be killed.	But you thought that the Messenger and the believers would never return to their families, ever, and that was made pleasing in your hearts. And you assumed an assumption of evil and became a people ruined."	48:12	"नहीं, बल्कि तुमने यह समझा कि रसूल और ईमानवाले अपने घरवालों की ओर लौटकर कभी न आएँगे और यह तुम्हारे दिलों को अच्छा लगा। तुमने तो बहुत बुरे गुमान किए और तुम्हीं लोग हुए तबाही में पड़नेवाले।"	पाखंडी सोचते थे कि मुसलमानों को मार दिया जाएगा।
Waman lam yumin biAllahi warasoolihi fainna aAAtadna lilkafireena saAAeeran	x	And whoever has not believed in Allah and His Messenger - then indeed, We have prepared for the disbelievers a Blaze.	48:13	और अल्लाह और उसके रसूल पर ईमान न लाया, तो हमने भी इनकार करनेवालों के लिए भड़कती आग तैयार कर रखी है	x

Walillahi mulku alssamawati waalardi yaghfiru liman yashao wayuAAaththibu man yashao wakana Allahu ghafooran	x	And to Allah belongs the dominion of the heavens and the earth. He forgives whom He wills and punishes whom He wills. And ever is Allah Forgiving and Merciful.	48:14	अल्लाह ही की है आकाशों और धरती की बादशाही। वह जिसे चाहे क्षमा करे और जिसे चाहे यातना दे। और अल्लाह बड़ा क्षमाशील, अत्यन्त दयावान है	x
Sayaqoolu almukhallafoona itha intalaqtum ila maghanima litakhuthooha tharoona nattabiAAkum yureedoona an yubaddiloo kalama Allahi qul lan tattabiAAoona kathalikum qala Allahu min qablu fasayaqooloona bal tahsudoonana bal kanoo la yafqahoona illa qaleelan	Refers to Hypocrites.	Those who remained behind will say when you set out toward the war booty to take it, "Let us follow you." They wish to change the words of Allah. Say, "Never will you follow us. Thus did Allah say before." So they will say, "Rather, you envy us." But [in fact] they were not understanding except a little.	48:15	जब तुम ग़नीमतों को प्राप्त करने के लिए उनकी ओर चलोगे तो पीछे रहनेवाले कहेंगे, "हमें भी अनुमति दी जाए कि हम तुम्हारे साथ चले।" वे चाहते है कि अल्लाह का कथन को बदल दे। कह देना, "तुम हमारे साथ कदापि नहीं चल सकते। अल्लाह ने पहले ही ऐसा कह दिया है।" इसपर वे कहेंगे, "नहीं, बल्कि तुम हमसे ईर्ष्या कर रहे हो।" नहीं, बल्कि वे लोग समझते थोड़े ही है	मुनाफ़िक़ों को संदर्भित करता है।

Qul lilmukhallafeena mina alaAArabi satudAAawna ila qawmin olee basin shadeedin tuqatiloonahum aw yuslimoona fain tuteeAAoo yutikumu Allahu ajran hasanan wain tatawallaw kama tawallaytum min qablu	Powerful people refers to the Persians and/or Byzantines. **[But Allah forbids the hypocrites from participating in Jihad, 9:83.]**	Say to those who remained behind of the bedouins, "You will be called to [face] a people of great military might; you may fight them, or they will submit. So if you obey, Allah will give you a good reward; but if you turn away as you turned away before, He will punish you with a painful punishment."	48:16	पीछे रह जानेवाले बद्दूओं से कहना, "शीघ्र ही तुम्हें ऐसे लोगों की ओर बुलाया जाएगा जो बड़े युद्धवीर है कि तुम उनसे लड़ो या वे आज्ञाकारी हो जाएँ। तो यदि तुम आज्ञाकारी हो जाएँ। तो यदि तुम आज्ञापालन करोगे तो अल्लाह तुम्हें अच्छा बदला प्रदान करेगा। किन्तु यदि तुम फिर गए, जैसे पहले फिर गए थे, तो वह तुम्हें दुखद यातना देगा।"	शक्तिशाली लोग फारसियों और/या बीजान्टाइनियों को संदर्भित करते हैं। **[लेकिन अल्लाह मुनाफ़िक़ों को जिहाद में भाग लेने से मना करता है, 9:83।]**
Laysa AAala alaAAma harajun wala AAala alaAAraji harajun wala AAala almareedi harajun waman yutiAAi Allaha warasoolahu yudkhilhu jannatin tajree min tahtiha alanharu waman yatawalla yuAAaththibhu AAathaban aleeman	The blind, lame, and ill need not fight in jihad warfare, but those who do will go to paradise. See 9:90-91.	There is not upon the blind any guilt or upon the lame any guilt or upon the ill any guilt [for remaining behind]. And whoever obeys Allah and His Messenger - He will admit him to gardens beneath which rivers flow; but whoever turns away - He will punish him with a painful punishment.	48:17	न अन्धे के लिए कोई हरज है, न लँगडे के लिए कोई हरज है और न बीमार के लिए कोई हरज है। जो भी अल्लाह और उसके रसूल की आज्ञा का पालन करेगा, उसे वह ऐसे बाग़ों में दाख़िल करके, जिनके नीचे नहरे बह रही होगी, किन्तु जो मुँह फेरेगा उसे वह दुखद यातना देगा	अंधे, लंगड़े और बीमारों को जिहाद के युद्ध में लड़ने की जरूरत नहीं है, लेकिन जो लोग लड़ते हैं वे जन्नत जाएंगे। देखो 9:90-91।

Laqad radiya Allahu AAani almumineena ith yubayiAAoonaka tahta alshshajarati faAAalima ma fee quloobihim faanzala alsakeenata AAalayhim waathabahum fathan qareeban	Pledge of Ar-Ridwan	Certainly was Allah pleased with the believers when they pledged allegiance to you, [O Muhammad], under the tree, and He knew what was in their hearts, so He sent down tranquillity upon them and rewarded them with an imminent	48:18	निश्चय ही अल्लाह मोमिनों से प्रसन्न हुआ, जब वे वृक्ष के नीचे तुमसे बैअत कर रहे थे। उसने जान लिया जो कुछ उनके दिलों में था। अतः उनपर उसने सकीना (प्रशान्ति) उतारी और बदले में उन्हें मिलनेवाली विजय निश्चित कर दी;	अल-रिदवान की प्रतिज्ञा
Wamaghanima katheeratan yakhuthoonaha wakana Allahu AAazeezan	**[Allah will give believers a lot of war booty.]**	And much war booty which they will take. And ever is Allah Exalted in Might and Wise.	48:19	और बहुत-सी ग़नीमतें भी, जिन्हें वे प्राप्त करेंगे। अल्लाह प्रभुत्वशाली, तत्वदर्शी है	**[अल्लाह मुमिनों को बहुत सारा युद्ध लूट देंगे।]**
WaAAadakumu Allahu maghanima katheeratan takhuthoonaha faAAajjala lakum hathihi wakaffa aydiya alnnasi AAankum walitakoona ayatan lilmumineena wayahdiyakum siratan mustaqeeman	**[Allah promises of abundant spoils of war. The victories of Muslim armies are sign of Allah.]**	Allah has promised you much booty that you will take [in the future] and has hastened for you this [victory] and withheld the hands of people from you - that it may be a sign for the believers and [that] He may guide you to a straight path.	48:20	अल्लाह ने तुमसे बहुत-सी गंनीमतों का वादा किया हैं, जिन्हें तुम प्राप्त करोगे। यह विजय तो उसने तुम्हें तात्कालिक रूप से निश्चित कर दी। और लोगों के हाथ तुमसे रोक दिए (कि वे तुमपर आक्रमण करने का साहस न कर सकें) और ताकि ईमानवालों के लिए एक निशानी हो। और वह सीधे मार्ग की ओर तुम्हारा मार्गदर्शन करे	**[अल्लाह युद्ध की विजय से मिलने वाले प्रचुर लूट का वादा करता है। मुस्लिम सेनाओं की जीत अल्लाह का संकेत है।]**

Waokhra lam taqdiroo AAalayha qad ahata Allahu biha wakana Allahu AAala kulli shayin qadeeran	Good news of continuous Muslim victories until the Day of Resurrection.	And [He promises] other [victories] that you were [so far] unable to [realize] which Allah has already encompassed. And ever is Allah, over all things, competent.	48:21	इसके अतिरिक्त दूसरी और विजय का भी वादा है, जिसकी सामर्थ्य अभी तुम्हे प्राप्त नहीं, उन्हें अल्लाह ने घेर रखा है। अल्लाह को हर चीज़ की सामर्थ्य प्राप्त है	कयामत के दिन तक मुसलमानों की लगातार जीत की अच्छी खबर।
Walaw qatalakumu allatheena kafaroo lawallawoo aladbara thumma la yajidoona waliyyan wala naseeran	Had Makkah's disbelievers fought at Al-Hudaybiyyah, they would have retreated in Defeat. **[Hypothetical victory to boost morale.]**	And if those [Makkans] who disbelieve had fought you, they would have turned their backs [in flight]. Then they would not find a protector or a	48:22	यदि (मक्का के) इनकार करनेवाले तुमसे लड़ते तो अवश्य ही पीठ फेर जाते। फिर यह भी कि वे न तो कोई संरक्षक पाएँगे और न कोई सहायक	अगर मक्का के काफ़िर अल-हुदैबिय्याह में लड़ते, तो वे हारकर पीछे हट जाते। **[मनोबल बढ़ाने के लिए काल्पनिक विजय।]**
Sunnata Allahi allatee qad khalat min qablu walan tajida lisunnati Allahi tabdeelan	x	[This is] the established way of Allah which has occurred before. And never will you find in the way of Allah any change.	48:23	यह अल्लाह की उस रीति के अनुकूल है जो पहले से चली आई है, और तुम अल्लाह की रीति में कदापि कोई परिवर्तन न पाओगे	x
Wahuwa allathee kaffa aydiyahum AAankum waaydiyakum AAanhum bibatni makkata min baAAdi an athfarakum AAalayhim wakana Allahu bima taAAmaloona	The Companions were with the Messenger (pbuh) near al-Hudaybiyyah when thirty-armed youths suddenly charged on them. The Prophet (pbuh) prayed against them, and Allah took away their sight. They were then taken prisoner. The Prophet said: release them, so that they earn the burden of starting hostilities and its	And it is He who withheld their hands from you and your hands from them within [the area of] Makkah after He caused you to overcome them. And ever is Allah of what you do, Seeing.	48:24	वही है जिसने उसके हाथ तुमसे और तुम्हारे हाथ उनसे मक्के की घाटी में रोक दिए इसके पश्चात कि वह तुम्हें उनपर प्रभावी कर चुका था। अल्लाह उसे देख रहा था जो कुछ तुम कर रहे थे	साथी अल-हुदैबिय्या के पास पैगंबर (स.) के साथ थे जब तीस सशस्त्र नौजवान अचानक उन पर हमला करने आए। पैगंबर (स.) ने उनके खिलाफ दुआ की, और अल्लाह ने उनकी दृष्टि छीन ली। फिर उन्हें क़ैद कर लिया गया। पैगंबर ने कहा: उन्हें छोड़ दो, ताकि वे शत्रुता शुरू करने के बोझ और उसकी बदनामी को कमाई कर सकें।

Humu allatheena kafaroo wasaddookum AAani almasjidi alharami waalhadya maAAkoofan an yablugha mahillahu walawla rijalun muminoona wanisaon muminatun lam taAAlamoohum an tataoohum fatuseebakum minhum maAAarratun bighayri AAilmin liyudkhila Allahu fee rahmatihi man yashao law tazayyaloo laAAaththabna allatheena kafaroo minhum AAathaban aleeman	Allah delayed the punishment of the pagans of Makkah to save the Muslims who lived among them, and so that many of the idolators might embrace Islam.	They are the ones who disbelieved and obstructed you from al-Masjid al-Haram while the offering was prevented from reaching its place of sacrifice. And if not for believing men and believing women whom you did not know - that you might trample them and there would befall you because of them dishonor without [your] knowledge - [you would have been permitted to enter Makkah]. [This was so] that Allah might admit to His mercy whom He willed. If they had been apart [from them], We would have punished those who disbelieved among them with painful punishment	48:25	ये वही लोग तो है जिन्होंने इनकार किया और तुम्हें मस्जिदे हराम (काबा) से रोक दिया और क़ुरबानी के बँधे हुए जानवरों को भी इससे रोके रखा कि वे अपने ठिकाने पर पहुँचे। यदि यह ख़याल न होता कि बहुत-से मोमिन पुरुष और मोमिन स्त्रियाँ (मक्का में) मौजूद है, जिन्हें तुम नहीं जानते, उन्हें कुचल दोगे, फिर उनके सिलसिले में अनजाने तुमपर इल्ज़ाम आएगा (तो युद्ध की अनुमति दे दी जाती, अनुमति इसलिए नहीं दी गई) ताकि अल्लाह जिसे चाहे अपनी दयालुता में दाख़िल कर ले। यदि वे ईमानवाले अलग हो गए होते तो उनमें से जिन लोगों ने इनकार किया उनको हम अवश्य दुखद यातना देते	अल्लाह ने मक्का के उन काफिरों की सज़ा में देरी की ताकि मुसलमानों को जो उनके बीच रहते थे बचाया जा सके, और ताकि कई मूर्तिपूजक इस्लाम अपनाएँ।

Ith jaAAala allatheena kafaroo fee quloobihimu alhamiyyata hamiyyata aljahiliyyati faanzala Allahu sakeenatahu AAala rasoolihi waAAala almumineena waalzamahum kalimata alttaqwa wakanoo ahaqqa biha waahlaha wakana Allahu	x	When those who disbelieved had put into their hearts chauvinism - the chauvinism of the time of ignorance. But Allah sent down His tranquillity upon His Messenger and upon the believers and imposed upon them the word of righteousness, and they were more deserving of it and worthy of it. And ever is Allah, of all things, Knowing.	48:26	याद करो जब इनकार करनेवाले लोगों ने अपने दिलों में हठ को जगह दी, अज्ञानपूर्ण हठ को; तो अल्लाह ने अपने रसूल पर और ईमानवालो पर सकीना (प्रशान्ति) उतारी और उन्हें परहेज़गारी (धर्मपरायणता) की बात का पाबन्द रखा। वे इसके ज़्यादा हक़दार और इसके योग्य भी थे। अल्लाह तो हर चीज़ जानता है	x
Laqad sadaqa Allahu rasoolahu alrruya bialhaqqi latadkhulunna almasjida alharama in shaa Allahu amineena muhalliqeena ruoosakum wamuqassireena la takhafoona faAAalima ma lam taAAlamoo fajaAAala min dooni thalika fathan	The Messenger (pbuh) will triumph over his enemies and the rest of the people of the earth. **[While many Islamic apologists present these verses as fulfilled prophecies of Quran, it is important to remember that the Quran was compiled long after the death of the Prophet (pbuh) and not a single original copies of early manuscripts exist today.]**	Certainly has Allah showed to His Messenger the vision in truth. You will surely enter al-Masjid al-Haram, if Allah wills, in safety, with your heads shaved and [hair] shortened, not fearing [anyone]. He knew what you did not know and has arranged before that a conquest near [at hand].	48:27	निश्चय ही अल्लाह ने अपने रसूल को हक़ के साथ सच्चा स्वप्न दिखाया, "यदि अल्लाह ने चाहा तो तुम अवश्य मस्जिदे हराम (काबा) में प्रवेश करोगे बेखटके, अपने सिर के बाल मुड़ाते और कतरवाते हुए, तुम्हें कोई भय न होगा।" हुआ यह कि उसने वह बात जान ली जो तुमने नहीं जानी। अतः इससे पहले उसने शीघ्र प्राप्त होनेवाली विजय तुम्हारे लिए निश्चित कर दी	रसूल (स.) अपने दुश्मनों और पृथ्वी के बाकी लोगों पर विजय प्राप्त करेंगे। **[जबकि कई इस्लामी प्रशंसक इन आयतों को कुरआन की पूरी हुई भविष्यवाणियों के रूप में प्रस्तुत करते हैं, यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि कुरआन पैगंबर (स.) की मृत्यु के काफी समय बाद संकलित किया गया था और आज प्राचीन पांडुलिपियों की एक भी मूल प्रति मौजूद नहीं है।]**

Huwa allathee arsala rasoolahu bialhuda wadeeni alhaqqi liyuthhirahu AAala alddeeni kullihi wakafa biAllahi shaheedan	**[Islam is not supposed to co-exist but dominate over all other religions.]**	It is He who sent His Messenger with guidance and the religion of truth to manifest it over all religion. And sufficient is Allah as Witness.	48:28	वही है जिसने अपने रसूल को मार्गदर्शन और सत्यधर्म के साथ भेजा, ताकि उसे पूरे के पूरे धर्म पर प्रभुत्व प्रदान करे और गवाह की हैसियत से अल्लाह काफ़ी है	**[इस्लाम का उद्देश्य सह-अस्तित्व बनाना नहीं बल्कि सभी अन्य धर्मों पर प्रभुत्व रखना है।]**

Muhammadun rasoolu Allahi waallatheena maAAahu ashiddao AAala alkuffari ruhamao baynahum tarahum rukkaAAan sujjadan yabtaghoona fadlan mina Allahi waridwanan seemahum fee wujoohihim min athari alssujoodi thalika mathaluhum fee alttawrati wamathaluhum fee alinjeeli kazarAAin akhraja shatahu faazarahu faistaghlatha faistawa AAala sooqihi yuAAjibu alzzurraAAa liyagheetha bihimu alkuffara waAAada	**[Tafsir al-Jalalayn glosses this as saying that Muslims must "not show mercy" to unbelievers. Ruthlessness or harshness toward unbelievers is a sign of one's devotion to Allah.]**	Muhammad is the Messenger of Allah; and those with him are forceful against the disbelievers, merciful among themselves. You see them bowing and prostrating [in prayer], seeking bounty from Allah and [His] pleasure. Their mark is on their faces from the trace of prostration. That is their description in the Torah. And their description in the Gospel is as a plant which produces its offshoots and strengthens them so they grow firm and stand upon their stalks, delighting the sowers - so that Allah may enrage by them the disbelievers. Allah has promised those who believe and do righteous deeds among them forgiveness and a	48:29	अल्लाह के रसूल मुहम्मद और जो लोग उनके साथ हैं, वे इनकार करनेवालों पर भारी हैं, आपस में दयालु है। तुम उन्हें रुकू में, सजदे में, अल्लाह का उदार अनुग्रह और उसकी प्रसन्नता चाहते हुए देखोगे। वे अपने चहरों से पहचाने जाते हैं जिनपर सजदों का प्रभाव है। यही उनकी विशेषता तौरात में और उनकी विशेषता इंजील में उस खेती की तरह उल्लिखित है जिसने अपना अंकुर निकाला; फिर उसे शक्ति पहुँचाई तो वह मोटा हुआ और वह अपने तने पर सीधा खड़ा हो गया। खेती करनेवालों को भा रहा है, ताकि उनसे इनकार करनेवालों का भी जी जलाए। उनमें से जो लोग ईमान लाए और उन्होंने अच्छे कर्म किए उनसे अल्लाह ने क्षमा और बदले का वादा किया है	**[तफ़सीर अल-जलालाइन इसे इस प्रकार समझाता है कि मुसलमानों को 'काफिरों पर दया नहीं करनी चाहिए।' काफिरों के प्रति निर्दयता या कठोरता किसी के अल्लाह के प्रति भक्ति का संकेत है।]**
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Al-Hujurat (The Private Apartments)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**49:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अल-हिजुरात (निजी कमरे)**

Ya ayyuha allatheena amanoo la tuqaddimoo bayna yadayi Allahi warasoolihi waittaqoo Allaha inna Allaha sameeAAun	The sura begins with a series of instructions on how to behave in the presence of the Messenger (pbuh). **[Why an eternal book contains instruction that are only to people who lived in the first generation of Islam.]**	O you who have believed, do not put [yourselves] before Allah and His Messenger but fear Allah. Indeed, Allah is Hearing and Knowing.	49:1	ऐ ईमानवालो! अल्लाह और उसके रसूल से आगे न बढो और अल्लाह का डर रखो। निश्चय ही अल्लाह सुनता, जानता है	सूरा नबी (स.) की उपस्थिति में कैसे व्यवहार करना चाहिए, इस पर एक श्रृंखला के निर्देशों के साथ शुरू होती है। **[एक शाश्वत पुस्तक में केवल इस्लाम की पहली पीढ़ी के लोगों के लिए ही निर्देश क्यों शामिल हैं।]**
Ya ayyuha allatheena amanoo la tarfaAAoo aswatakum fawqa sawti alnnabiyyi wala tajharoo lahu bialqawli kajahri baAAdikum libaAAdin an tahbata aAAmalukum waantum la	In a matter of Banu Tamim, Umar and Abu Bakr argued to the extent that they raised their voices on each other. Then this verse was revealed.	O you who have believed, do not raise your voices above the voice of the Prophet or be loud to him in speech like the loudness of some of you to others, lest your deeds become worthless while you perceive not.	49:2	ऐ लोगो, जो ईमान लाए हो! तुम अपनी आवाज़ों को नबी की आवाज़ से ऊँची न करो। और जिस तरह तुम आपस में एक-दूसरे से ज़ोर से बोलते हो, उससे ऊँची आवाज़ में बात न करो। कहीं ऐसा न हो कि तुम्हारे कर्म अकारथ हो जाएँ और तुम्हें ख़बर भी न हो	बनू तमिम के मामले में, उमर और अबू बकर इस हद तक बहस कर बैठे कि उन्होंने एक दूसरे पर आवाज़ उठाई। फिर यह आयत उतरी।
Inna allatheena yaghuddoona aswatahum AAinda rasooli Allahi olaika allatheena imtahana Allahu quloobahum lilttaqwa lahum maghfiratun waajrun	When the previus verse was revealed, Abu Bakr said: 'I vowed not to address the Messenger (pbuh) except in whisper.	Indeed, those who lower their voices before the Messenger of Allah - they are the ones whose hearts Allah has tested for righteousness. For them is forgiveness and great reward.	49:3	वे लोग जो अल्लाह के रसूल के समक्ष अपनी आवाज़ों को दबी रखते है, वही लोग है जिनके दिलों को अल्लाह ने परहेज़गारी के लिए जाँचकर चुन लिया है। उनके लिए क्षमा और बड़ा बदला है	जब पिछली आयत प्रकट हुई, अबू बकर ने कहा: 'मैंने प्रतिज्ञा की है कि मैं सिर्फ फुसफुसाकर ही रसूल (स.) से बात करूंगा'।

Inna allatheena yunadoonaka min warai alhujurati aktharuhum la yaAAqiloona	This verse was revealed about a delegation of the Banu Tamim who went to see the Prophet (pbuh). They entered the mosque and called the Prophet (pbuh) who was in his private apartment: 'O Muhammad, come out to meet us, for our praise is nice while our censure is nasty'. Their shouting annoyed the Prophet (pbuh) and so he came out to see them. They said: 'O Muhammad, we	Indeed, those who call you, [O Muhammad], from behind the chambers - most of them do not use reason.	49:4	जो लोग (ऐ नबी) तुम्हें कमरों के बाहर से पुकारते है उनमें से अधिकतर बुद्धि से काम नहीं लेते	यह आयत उन बनू तमिम के एक दल के बारे में उतरी थी जो पैगम्बर (स.) से मिलने गए थे। वे मस्जिद में प्रवेश किए और पैगम्बर (स.) को बुलाया जो अपने निजी कमरे में थे: 'हे मुहम्मद, हमारे पास आओ, क्योंकि हमारी प्रशंसा अच्छी है और हमारी निंदा खराब है।' उनकी चीखने-चिल्लाने से पैगम्बर (स.) को नाराज़गी हुई और इसलिए वे उन्हें देखने के लिए बाहर आए। उन्होंने कहा: 'हे मुहम्मद, हम आपसे दिखावा करने आए हैं।'
Walaw annahum sabaroo hatta takhruja ilayhim lakana khayran lahum waAllahu ghafoorun raheemun	x	And if they had been patient until you [could] come out to them, it would have been better for them. But Allah is Forgiving and Merciful.	49:5	यदि वे धैर्य से काम लेते यहाँ तक कि तुम स्वयं निकलकर उनके पास आ जाते तो यह उनके लिए अच्छा होता। किन्तु अल्लाह बड़ा क्षमाशील, अत्यन्त दयावान है	x
Ya ayyuha allatheena amanoo in jaakum fasiqun binabain fatabayyanoo an tuseeboo qawman bijahalatin fatusbihoo AAala ma faAAaltum nadimeena	Investigating the reliability of the news conveyed by wicked people.	O you who have believed, if there comes to you a disobedient one with information, investigate, lest you harm a people out of ignorance and become, over what you have done, regretful.	49:6	ऐ लोगों, जो ईमान लाए हो! यदि कोई अवज्ञाकारी तुम्हारे पास कोई ख़बर लेकर आए तो उसकी छानबीन कर लिया करो। कहीं ऐसा न हो कि तुम किसी गिरोह को अनजाने में तकलीफ़ और नुक़सान पहुँचा बैठो, फिर अपने किए पर पछताओ	दुष्ट लोगों द्वारा दी गई खबर की विश्वसनीयता की जाँच करना।

WaiAAlamoo anna feekum rasoola Allahi law yuteeAAukum fee katheerin mina alamri laAAanittum walakinna Allaha habbaba ilaykumu aleemana wazayyanahu fee quloobikum wakarraha ilaykumu alkufra waalfusooqa waalAAisyana	The Prophet's decision is better. His opinions in any matter is more complete than your own.	And know that among you is the Messenger of Allah. If he were to obey you in much of the matter, you would be in difficulty, but Allah has endeared to you the faith and has made it pleasing in your hearts and has made hateful to you disbelief, defiance and disobedience. Those are the [rightly] guided.	49:7	जान लो कि तुम्हारे बीच अल्लाह का रसूल मौजूद है। बहुत-से मामलों में यदि वह तुम्हारी बात मान ले तो तुम कठिनाई में पड़ जाओ। किन्तु अल्लाह ने तुम्हारे लिए ईमान को प्रिय बना दिया और उसे तुम्हारे दिलों में सुन्दरता दे दी और इनकार, उल्लंघन और अवज्ञा को तुम्हारे लिए बहुत अप्रिय बना दिया।	नबी का निर्णय बेहतर है। किसी भी मामले में उनके विचार आपके अपने विचारों की तुलना में अधिक पूर्ण हैं।
Fadlan mina Allahi waniAAmatan waAllahu AAaleemun hakeemun	x	[It is] as bounty from Allah and favor. And Allah is Knowing and Wise.	49:8	ऐसे ही लोग अल्लाह के उदार अनुग्रह और अनुकम्पा से सूझबूझवाले है। और अल्लाह सब कुछ जाननेवाला, तत्वदर्शी है	x

Wain taifatani mina almumineena iqtataloo faaslihoo baynahuma fain baghat ihdahuma AAala alokhra faqatiloo allatee tabghee hatta tafeea ila amri Allahi fain faat faaslihoo baynahuma bialAAadli waaqsitoo inna Allaha yuhibbu almuqsiteena	Believers should not fight against one another, but they should join together to fight against a rebellious group until it returns to Allah's truth. **[Correction: 'eq-tatalu should be 'eqtatalata.]**	And if two factions among the believers should fight, then make settlement between the two. But if one of them oppresses the other, then fight against the one that oppresses until it returns to the ordinance of Allah. And if it returns, then make settlement between them in justice and act justly. Indeed, Allah loves those who act justly.	49:9	यदि मोमिनों में से दो गिरोह आपस में लड़ पड़े तो उनके बीच सुलह करा दो। फिर यदि उनमें से एक गिरोह दूसरे पर ज़्यादती करे, तो जो गिरोह ज़्यादती कर रहा हो उससे लड़ो, यहाँ तक कि वह अल्लाह के आदेश की ओर पलट आए। फिर यदि वह पलट आए तो उनके बीच न्याय के साथ सुलह करा दो, और इनसाफ़ करो। निश्चय ही अल्लाह इनसाफ़ करनेवालों को पसन्द करता है	विश्वासियों को एक-दूसरे से लड़ना नहीं चाहिए, बल्कि उन्हें विद्रोही समूह के खिलाफ लड़ने के लिए एकजुट होना चाहिए जब तक कि वह अल्लाह की सच्चाई की ओर न लौट जाए। [सुधार: 'इक-ततालु' को 'इक-ततलता' होना चाहिए।]
Innama almuminoona ikhwatun faaslihoo bayna akhawaykum waittaqoo Allaha laAAallakum	**[While the believers are brothers, there is no brotherhood with disbeliever even if of same nationality, race.]**	The believers are but brothers, so make settlement between your brothers. And fear Allah that you may receive mercy.	49:10	मोमिन तो भाई-भाई ही है। अतः अपने दो भाईयो के बीच सुलह करा दो और अल्लाह का डर रखो, ताकि तुमपर दया की जाए	**[जहाँ मुमिन भाई हैं, वहीं अविश्वासी के साथ कोई भाईचारा नहीं है, भले ही वे एक ही राष्ट्रीयता या जाति के हों।]**

Ya ayyuha allatheena amanoo la yaskhar qawmun min qawmin AAasa an yakoonoo khayran minhum wala nisaon min nisain AAasa an yakunna khayran minhunna wala talmizoo anfusakum wala tanabazoo bialalqabi bisa alismu alfusooqu baAAda aleemani waman lam yatub	The Prophet (pbuh) came to us and, when some men used nicknames to call others, it was said: 'O Messenger of Allah, those who are called by these nicknames do not like it'. This verse was then revealed. **[Does Quran permit insulting others: Yes 47:12, 7:176, 11:1–5, prophet named Amr bin Hishaam as Abu Jahl, No, 49:11, 6:108]**	O you who have believed, let not a people ridicule [another] people; perhaps they may be better than them; nor let women ridicule [other] women; perhaps they may be better than them. And do not insult one another and do not call each other by [offensive] nicknames. Wretched is the name of disobedience after [one's] faith. And whoever does not repent - then it is those who are the wrongdoers.	49:11	ऐ लोगो, जो ईमान लाए हो! न पुरुषों का कोई गिरोह दूसरे पुरुषों की हँसी उड़ाए, सम्भव है वे उनसे अच्छे हों और न स्त्रियाँ स्त्रियों की हँसी उड़ाए, सम्भव है वे उनसे अच्छी हों, और न अपनों पर ताने कसो और न आपस में एक-दूसरे को बुरी उपाधियों से पुकारो। ईमान के पश्चात अवज्ञाकारी का नाम जुडना बहुत ही बुरा है। और जो व्यक्ति बाज़ न आए, तो ऐसे ही व्यक्ति ज़ालिम है	नबी (स.) हमारे पास आए और जब कुछ लोग दूसरों को उपनाम से बुलाते थे, तो कहा गया: 'ऐ अल्लाह के रसूल, जिन्हें ये उपनाम से बुलाया जाता है, उन्हें यह पसंद नहीं है।' इसके बाद यह आयत उतरी। **[क्या कुरान दूसरों का अपमान करने की अनुमति देती है: हाँ 47:12, 7:176, 11:1–5, नबी ने अम्र बिन हिशाम का नाम अबू जहल रखा; नहीं 49:11, 6:108]**
Ya ayyuha allatheena amanoo ijtaniboo katheeran mina alththanni inna baAAda alththanni ithmun wala tajassasoo wala yaghtab baAAdukum baAAdan ayuhibbu ahadukum an yakula lahma akheehi maytan fakarihtumoohu waittaqoo Allaha inna Allaha	Al-Harith ibn Hisham said: 'Did Muhammad not find any other caller to prayer except this black raven (Bilal) ?' Gabriel went to the Prophet (pbuh) and informed him about what they said. Then came this verse. A Muslim should not spy on or gossip about another Muslim.	O you who have believed, avoid much [negative] assumption. Indeed, some assumption is sin. And do not spy or backbite each other. Would one of you like to eat the flesh of his brother when dead? You would detest it. And fear Allah; indeed, Allah is Accepting of repentance and Merciful.	49:12	ऐ ईमान लानेवालो! बहुत से गुमानों से बचो, क्योंकि कतिपय गुमान गुनाह होते है। और न टोह में पड़ो और न तुममें से कोई किसी की पीठ पीछे निन्दा करे - क्या तुममें से कोई इसको पसन्द करेगा कि वह मरे हुए भाई का मांस खाए? वह तो तुम्हें अप्रिय होगी ही। - और अल्लाह का डर रखो। निश्चय ही अल्लाह तौबा क़बूल करनेवाला, अत्यन्त दयावान है	अल-हारिथ इब्न हिशाम ने कहा: 'क्या मुहम्मद ने इस काले कौवे (बिलाल) के अलावा कोई अन्य ईमानी बुलाने वाला नहीं पाया?' जिब्रईल पैगंबर (स.) के पास गए और उन्होंने उन्हें यह बताया कि उन्होंने क्या कहा। फिर यह आयत आई। एक मुसलमान को दूसरे मुसलमान की जासूसी नहीं करनी चाहिए और न ही उसके बारे में गपशप करनी चाहिए।

Ya ayyuha alnnasu inna khalaqnakum min thakarin waontha wajaAAalnakum shuAAooban waqabaila litaAArafoo inna akramakum AAinda Allahi atqakum inna Allaha AAaleemun khabeerun	**[If everything had started with just one pair, the DNA-variety had been too small to make the group viable in the long run. Also there are many hadith which describe the superiority of Quraysh and Banu Hashim e.g. Sahih Muslim 2276, Sahih Bukhari 3501, 7140, Tirmidhi 3713.]**	O mankind, indeed We have created you from male and female and made you peoples and tribes that you may know one another. Indeed, the most noble of you in the sight of Allah is the most righteous of you. Indeed, Allah is Knowing and Acquainted.	49:13	ऐ लोगो! हमनें तुम्हें एक पुरुष और एक स्त्री से पैदा किया और तुम्हें बिरादरियों और क़बिलों का रूप दिया, ताकि तुम एक-दूसरे को पहचानो। वास्तव में अल्लाह के यहाँ तुममें सबसे अधिक प्रतिष्ठित वह है, जो तुममे सबसे अधिक डर रखता है। निश्चय ही अल्लाह सबकुछ जाननेवाला, ख़बर रखनेवाला है	[अगर सब कुछ सिर्फ एक जोड़े से शुरू हुआ होता, तो DNA की विविधता इतनी कम होती कि लंबे समय तक समूह जीवित नहीं रह सकता। इसके अलावा कई हदीस हैं जो कुरैश और बानू हाशिम की श्रेष्ठता का वर्णन करती हैं, जैसे कि सहिह मुस्लिम 2276, सहिह बुखारी 3501, 7140, तिर्मिज़ी 3713।]
Qalati alaAArabu amanna qul lam tuminoo walakin qooloo aslamna walamma yadkhuli aleemanu fee quloobikum wain tuteeAAoo Allaha warasoolahu la yalitkum min aAAmalikum shayan inna Allaha ghafoorun raheemun	This was revealed about some desert Arabs. They went to the Messenger (pbuh) in Medina because there was drought in that year. They declared themselves to be believers outwardly but disbelievers inwardly. They sullied the streets of Medina with excrement and caused a rise in its prices.	The bedouins say, "We have believed." Say, "You have not [yet] believed; but say [instead], 'We have submitted,' for faith has not yet entered your hearts. And if you obey Allah and His Messenger, He will not deprive you from your deeds of anything. Indeed, Allah is Forgiving and Merciful."	49:14	बद्दुओं ने कहा कि, "हम ईमान लाए।" कह दो, "तुम ईमान नहीं लाए। किन्तु यूँ कहो, 'हम तो आज्ञाकारी हुए' ईमान तो अभी तुम्हारे दिलों में दाख़िल ही नहीं हुआ। यदि तुम अल्लाह और उसके रसूल की आज्ञा का पालन करो तो वह तुम्हारे कर्मों में से तुम्हारे लिए कुछ कम न करेगा। निश्चय ही अल्लाह बड़ा क्षमाशील, अत्यन्त दयावान है।"	यह कुछ मरुस्थली अरबों के बारे में प्रकट किया गया था। वे उस साल अकाल होने के कारण रसूल (सल्ल.) के पास मदीना गए। उन्होंने बाहरी रूप से खुद को ईमानदार घोषित किया लेकिन अंदर से नास्तिक थे। उन्होंने मदीना की सड़कों को मल-मूत्र से गंदा कर दिया और इसकी कीमतों में वृद्धि कर दी।

Innama almuminoona allatheena amanoo biAllahi warasoolihi thumma lam yartaboo wajahadoo biamwalihim waanfusihim fee sabeeli Allahi olaika	The true muslims are those who fight with their lives and money to propagate Islam. See Sahih Bukhari 2965, 2966	The believers are only the ones who have believed in Allah and His Messenger and then doubt not but strive with their properties and their lives in the cause of Allah. It is those who are the truthful.	49:15	मोमिन तो बस वही लोग है जो अल्लाह और उसके रसूल पर ईमान लाए, फिर उन्होंने कोई सन्देह नहीं किया और अपने मालों और अपनी जानों से अल्लाह के मार्ग में जिहाद किया। वही लोग सच्चे है	सच्चे मुसलमान वे हैं जो इस्लाम को फैलाने के लिए अपनी जान और पैसे से लड़ते हैं। देखिए सहिह बुखारी 2965, 2966
Qul atuAAallimoona Allaha bideenikum waAllahu yaAAlamu ma fee alssamawati wama fee alardi waAllahu	x	Say, "Would you acquaint Allah with your religion while Allah knows whatever is in the heavens and whatever is on the earth, and Allah is Knowing of all things?"	49:16	कहो, "क्या तुम अल्लाह को अपने धर्म की सूचना दे रहे हो। हालाँकि जो कुछ आकाशों में और जो कुछ धरती में है, अल्लाह सब जानता है? अल्लाह को हर चीज़ का ज्ञान है।"	x
Yamunnoona AAalayka an aslamoo qul la tamunnoo AAalayya islamakum bali Allahu yamunnu AAalaykum an hadakum lileemani in kuntum sadiqeena	Do not count your Islam as a favor to Prophet Muhammad (pbuh).	They consider it a favor to you that they have accepted Islam. Say, "Do not consider your Islam a favor to me. Rather, Allah has conferred favor upon you that He has guided you to the faith, if you should be truthful."	49:17	वे तुमपर एहसान जताते है कि उन्होंने इस्लाम क़बूल कर लिया। कह दो, "मुझ पर अपने इस्लाम का एहसान न रखो, बल्कि यदि तुम सच्चे हो तो अल्लाह ही तुमपर एहसान रखता है कि उसने तुम्हें ईमान की राह दिखाई।-	अपने इस्लाम को पैग़ंबर मुहम्मद (स.) के प्रति कृपा न समझें।
Inna Allaha yaAAlamu ghayba alssamawati waalardi waAllahu baseerun bima	x	Indeed, Allah knows the unseen [aspects] of the heavens and the earth. And Allah is Seeing of what you do.	49:18	"निश्चय ही अल्लाह आकाशों और धरती के अदृष्ट को जानता है। और अल्लाह देख रहा है जो कुछ तुम करते हो।"	x

Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Qaf (An arabic alphabet)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**50:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	काफ़ (एक अरबी अक्षर)
Qaf waalqurani almajeedi	**[The “mysterious letters" and Who is doing the swearing is unclear.]**	Qaf. By the honored Qur'an...	50:1	क़ाफ़°; गवाह है क़ुरआन मजीद! -	**[“रहस्यमयी अक्षरों” और कौन कसम खा रहा है यह स्पष्ट नहीं है।]**
Bal AAajiboo an jaahum munthirun minhum faqala alkafiroona hatha shayon AAajeebun	x	But they wonder that there has come to them a warner from among themselves, and the disbelievers say, "This is an amazing thing.	50:2	बल्कि उन्हें तो इस बात पर आश्चर्य हुआ कि उनके पास उन्हीं में से एक सावधान करनेवाला आ गया। फिर इनकार करनेवाले कहने लगे, "यह तो आश्चर्य की बात है	x
Aitha mitna wakunna turaban thalika rajAAun baAAeedun	Similar claim in 37:16	When we have died and have become dust, [we will return to life]? That is a distant return."	50:3	"क्या जब हम मर जाएँगे और मिट्टी हो जाएँगे (तो फिर हम जीवि होकर पलटेंगे)? यह पलटना तो बहुत दूर की बात है!"	37:16 में समान दावा
Qad AAalimna ma tanqusu alardu minhum waAAindana kitabun hafeethun	x	We know what the earth diminishes of them, and with Us is a retaining record.	50:4	हम जानते है कि धरती उनमें जो कुछ कमी करती है और हमारे पास सुरक्षित रखनेवाली एक किताब भी है	x
Bal kaththaboo bialhaqqi lamma jaahum fahum fee amrin mareejin	**[The non-muslims does not belive Quran is truth. That why they reject it.]**	But they denied the truth when it came to them, so they are in a confused condition.	50:5	बल्कि उन्होंने सत्य को झुठला दिया जब वह उनके पास आया। अतः वे एक उलझन भी बात में पड़े हुए है	**[गैर-मुसलमान कुरान को सत्य नहीं मानते। इसलिए वे इसे अस्वीकार करते हैं।]**

Afalam yanthuroo ila alssamai fawqahum kayfa banaynaha wazayyannaha	**[How can a sky have rift. Its only possible if we assume it as a flat layer, but actually sky is an optical illusion.]**	Have they not looked at the heaven above them - how We structured it and adorned it and [how] it has no rifts?	50:6	अच्छा तो क्या उन्होंने अपने ऊपर आकाश को नहीं देखा, हमने उसे कैसा बनाया और उसे सजाया। और उसमें कोई दरार नहीं	**[आकाश में दरार कैसे हो सकती है। यह केवल तभी संभव है जब हम इसे एक सपाट परत मान लें, लेकिन वास्तव में आकाश एक दृष्टि भ्रम है।]**
Waalarda madadnaha waalqayna feeha rawasiya waanbatna feeha min kulli zawjin baheejin	**[No where in Quran, Earth is mentioned as sphere; 20:53: carpet, 43:10: cradle, 50:7: spread, 51:48: spread, 79:27-32: spread]**	And the earth - We spread it out and cast therein firmly set mountains and made grow therein [something] of every beautiful kind,	50:7	और धरती को हमने फैलाया और उसमे अटल पहाड़ डाल दिए। और हमने उसमें हर प्रकार की सुन्दर चीज़े उगाई,	**[कुरान में कहीं भी पृथ्वी को गोला के रूप में नहीं बताया गया है; 20:53: कालीन, 43:10: पालना, 50:7: फैला हुआ, 51:48: फैला हुआ, 79:27-32: फैला हुआ]**
Tabsiratan wathikra likulli AAabdin muneebin	x	Giving insight and a reminder for every servant who turns [to Allah].	50:8	आँखें खोलने और याद दिलाने के उद्देश्य से, हर बन्दे के लिए जो रुजू करनेवाला हो	x
Wanazzalna mina alssamai maan mubarakan faanbatna bihi jannatin wahabba	x	And We have sent down blessed rain from the sky and made grow thereby gardens and grain from the harvest	50:9	और हमने आकाश से बरकतवाला पानी उतारा, फिर उससे बाग़ और फ़सल के अनाज।	x
Waalnnakhla basiqatin laha talAAun nadeedun	x	And lofty palm trees having fruit arranged in layers -	50:10	और ऊँचे-ऊँचे खजूर के वृक्ष उगाए जिनके गुच्छे तह पर तह होते है,	x
Rizqan lilAAibadi waahyayna bihi baldatan maytan kathalika alkhurooju	x	As provision for the servants, and We have given life thereby to a dead land. Thus is the resurrection.	50:11	बन्दों की रोज़ी के लिए। और हमने उस (पानी) के द्वारा निर्जीव धरती को जीवन प्रदान किया। इसी प्रकार निकलना भी हैं	x
Kaththabat qablahum qawmu noohin waashabu alrrassi wathamoodu	x	The people of Noah denied before them, and the companions of the well and Thamud	50:12	उनसे पहले नूह की क़ौम, 'अर्-रस' वाले, समूद,	x

WaAAadun wafirAAawnu waikhwanu lootin	**[This refers to the people of Sodom and Gomorrah, but it is extremely clear that they were not his “brothers" as per Bible]**	And 'Aad and Pharaoh and the brothers of Lot	50:13	आद, फ़िरऔन , लूत के भाई,	**[यह सदोम और गोमोरा के लोगों को संदर्भित करता है, लेकिन यह बिल्कुल स्पष्ट है कि वे बाइबल के अनुसार उसके "भाई" नहीं थे]**
Waashabu alaykati waqawmu tubbaAAin kullun kaththaba alrrusula fahaqqa waAAeedi	People of Tubba also mentioned in See 44:37.	And the companions of the thicket and the people of Tubba'. All denied the messengers, so My threat was justly fulfilled.	50:14	'अल-ऐका' वाले और तुब्बा के लोग भी झुठला चुके है। प्रत्येक ने रसूलों को झुठलाया। अन्ततः मेरी धमकी सत्यापित होकर रही	टुब्बा के लोग 44:37 में भी उल्लेखित हैं।
AfaAAayeena bialkhalqi alawwali bal hum fee labsin min khalqin jadeedin	new creation means resurrection on Day of Judgment.	Did We fail in the first creation? But they are in confusion over a new creation.	50:15	क्या हम पहली बार पैदा करने से असमर्थ रहे? नहीं, बल्कि वे एक नई सृष्टि के विषय में सन्देह में पड़े है	नई सृष्टि का मतलब कयामत के दिन पुनरुत्थान है।
Walaqad khalaqna alinsana wanaAAlamu ma tuwaswisu bihi nafsuhu wanahnu aqrabu ilayhi min habli alwareedi	Allah has complete knowledge of all thoughts that cross the mind of man, be they good or evil. Means, His angels are nearer to man than his jugular vein.	And We have already created man and know what his soul whispers to him, and We are closer to him than [his] jugular vein	50:16	हमने मनुष्य को पैदा किया है और हम जानते है जो बातें उसके जी में आती है। और हम उससे उसकी गरदन की रग से भी अधिक निकट है	अल्लाह को मानव के मन में आने वाले सभी विचारों का पूरा ज्ञान है, चाहे वे अच्छे हों या बुरे। इसका मतलब है कि उसके फरिश्ते मानव के गले की नस से भी करीब हैं।
Ith yatalaqqa almutalaqqiyani AAani alyameeni waAAani alshshimali qaAAeedun	Each person is accompanied by two angels, one who records his deeds. During Islamic prayer, one turns to one’s right and one’s left to greet these two angels in turn.	When the two receivers receive, seated on the right and on the left.	50:17	जब दो प्राप्त करनेवाले (फ़रिशते) प्राप्त कर रहे होते है, दाएँ से और बाएँ से वे लगे बैठे होते है	प्रत्येक व्यक्ति के साथ दो फरिश्ते होते हैं, एक जो उसके कर्मों को दर्ज करता है। इस्लामी प्रार्थना के दौरान, व्यक्ति अपने दाहिने और बाएँ मुड़कर इन दो फरिश्तों को बारी-बारी से सलाम करता है।
Ma yalfithu min qawlin illa ladayhi raqeebun AAateedun	The Angels record each word.	Man does not utter any word except that with him is an observer prepared [to record].	50:18	कोई बात उसने कही नहीं कि उसके पास एक निरीक्षक तैयार रहता है	फ़रिश्ते हर शब्द को दर्ज करते हैं।

Wajaat sakratu almawti bialhaqqi thalika ma kunta minhu taheedu	x	And the intoxication of death will bring the truth; that is what you were trying to avoid.	50:19	और मौत की बेहोशी ले आई अविश्व नीय चीज़! यही वह चीज़ है जिससे तू कतराता था	x
Wanufikha fee alssoori thalika yawmu alwaAAeedi	Day of Judgment	And the Horn will be blown. That is the Day of [carrying out] the threat.	50:20	और नरसिंघा फूँक दिया गया। यही है वह दिन जिसकी धमकी दी गई थी	कयामत का दिन
Wajaat kullu nafsin maAAaha saiqun washaheedun	Meaning, an angel to drive him to the gathering place and an angel to bear witness against him with regards to his deeds.	And every soul will come, with it a driver and a witness.	50:21	हर व्यक्ति इस दशा में आ गया कि उसके साथ एक लानेवाला है और एक गवाही देनेवाला	अर्थात, उसे सभा स्थल तक ले जाने के लिए एक फरिश्ता और उसके कर्मों के संबंध में उसके खिलाफ गवाही देने के लिए एक फरिश्ता।
Laqad kunta fee ghaflatin min hatha fakashafna AAanka ghitaaka fabasaruka alyawma hadeedun	Everyone, including the disbelievers, will have clear sight on the Day of Resurrection.	[It will be said], "You were certainly in unmindfulness of this, and We have removed from you your cover, so your sight, this Day, is sharp."	50:22	तू इस चीज़ की ओर से ग़फ़लत में था। अब हमने तुझसे तेरा परदा हटा दिया, तो आज तेरी निगाह बड़ी तेज़ है	क़यामत के दिन, सभी लोगों को, यहाँ तक कि काफ़िरों को भी, स्पष्ट दृष्टि होगी।
Waqala qareenuhu hatha ma ladayya AAateedun	x	And his companion, [the angel], will say, "This [record] is what is with me, prepared."	50:23	उसके साथी ने कहा, "यह है (तेरी सजा)! मेरे पास कुछ (सहायता के लिए) मौजूद नहीं।"	x
Alqiya fee jahannama kulla kaffarin AAaneedin	x	[Allah will say], "Throw into Hell every obstinate disbeliever,	50:24	"डाल दो, डाल दो, जहन्नम में! हर अकृतज्ञ द्वेष रखने वाले,	x
MannaAAin lilkhayri muAAtadin mureebin	x	Preventer of good, aggressor, and doubter,	50:25	भलाई से रोकनेवाले, सीमा का अतिक्रमण करनेवाले, सन्देहग्रस्त को	x

Allathee jaAAala maAAa Allahi ilahan akhara faalqiyahu fee alAAathabi	x	Who made [as equal] with Allah another deity; then throw him into the severe punishment."	50:26	जिसने अल्लाह के साथ किसी दूसरे को पूज्य-प्रभु ठहराया। तो डाल दो उसे कठोर यातना में।"	x
Qala qareenuhu rabbana ma atghaytuhu walakin kana fee dalalin baAAeedin	Refers to the devil who is entrusted to every man, He will disown him, saying, Our Lord! I did not push him to transgression, but he was himself in error far astray.	His [devil] companion will say, "Our Lord, I did not make him transgress, but he [himself] was in extreme error."	50:27	उसका साथी बोला, "ऐ हमारे रब! मैंने उसे सरकश नहीं बनाया, बल्कि वह स्वयं ही परले दरजे की गुमराही में था।"	उस शैतान को दर्शाता है जिसे हर मनुष्य को सौंपा गया है, वह उसे खारिज कर देगा, कहते हुए, हमारे प्रभु! मैंने उसे पथभ्रष्ट करने के लिए नहीं धकेला, लेकिन वह स्वयं बहुत दूर भटक गया था।
Qala la takhtasimoo ladayya waqad qaddamtu ilaykum bialwaAAeedi	"warning" means proof by the words of the Messengers.	[Allah] will say, "Do not dispute before Me, while I had already presented to you the warning.	50:28	कहा, "मेरे सामने मत झगड़ो। मैं तो तुम्हें पहले ही अपनी धमकी से सावधान कर चुका था। -	" धमकी " का मतलब पैगम्बरों के शब्दों द्वारा।
Ma yubaddalu alqawlu ladayya wama ana bithallamin	x	The word will not be changed with Me, and never will I be unjust to the servants."	50:29	"मेरे यहाँ बात बदला नहीं करती और न मैं अपने बन्दों पर तनिक भी अत्याचार करता हूँ।"	x
Yawma naqoolu lijahannama hali imtalati wataqoolu hal min mazeedin	**[Hell will talk with Allah.]**	On the Day We will say to Hell, "Have you been filled?" and it will say, "Are there some more,"	50:30	जिस दिन हम जहन्नम से कहेंगे, "क्या तू भर गई?" और वह कहेगी, "क्या अभी और भी कुछ है?"	**[नरक अल्लाह से बात करेगी।]**
Waozlifati aljannatu lilmuttaqeena ghayra baAAeedin	**[Paradise will be brough near rather than people being taken there.]**	And Paradise will be brought near to the righteous, not far,	50:31	और जन्नत डर रखनेवालों के लिए निकट कर दी गई, कुछ भी दूर न रही	**[स्वर्ग, लोगों को वहां ले जाने के बजाय निकट लाया जाएगा।]**
Hatha ma tooAAadoona likulli awwabin hafeethin	x	[It will be said], "This is what you were promised - for every returner [to Allah] and keeper [of His covenant]	50:32	"यह है वह चीज़ जिसका तुमसे वादा किया जाता था हर रुजू करनेवाले, बड़ी निगरानी रखनेवाले के लिए; -	x

Man khashiya alrrahmana bialghaybi wajaa biqalbin muneebin	x	Who feared the Most Merciful unseen and came with a heart returning [in repentance].	50:33	"जो रहमान से डरा परोक्ष में और आया रुजू रहनेवाला हृदय लेकर -	x
Odkhulooha bisalamin thalika yawmu alkhuloodi	x	Enter it in peace. This is the Day of Eternity."	50:34	"प्रवेश करो उस (जन्नत) में सलामती के साथ" वह शाश्वत दिवस है	x
Lahum ma yashaoona feeha waladayna mazeedun	x	They will have whatever they wish therein, and with Us is more.	50:35	उनके लिए उसमें वह सब कुछ है जो वे चाहे और हमारे पास उससे अधिक भी है	x
Wakam ahlakna qablahum min qarnin hum ashaddu minhum batshan fanaqqaboo fee albiladi hal min maheesin	x	And how many a generation before them did We destroy who were greater than them in [striking] power and had explored throughout the lands. Is there any place of escape?	50:36	उनसे पहले हम कितनी ही नस्लों को विनष्ट कर चुके है। वे लोग शक्ति में उनसे कहीं बढ़-चढ़कर थे। (पनाह की तलाश में) उन्होंने नगरों को छान मारा, कोई है भागने को ठिकाना?	x
Inna fee thalika lathikra liman kana lahu qalbun aw alqa alssamAAa wahuwa shaheedun	x	Indeed in that is a reminder for whoever has a heart or who listens while he is present [in mind].	50:37	निश्चय ही इसमें उस व्यक्ति के लिए शिक्षा-सामग्री है जिसके पास दिल हो या वह (दिल से) हाजिर रहकर कान लगाए	x
Walaqad khalaqna alssamawati waalarda wama baynahuma fee sittati ayyamin wama massana min lughoobin	The Jews said: ‘Allah created the creation in six days and rested on the seventh, Saturday’, which they call the Sabbath, then this verse came.	And We did certainly create the heavens and earth and what is between them in six days, and there touched Us no weariness.	50:38	हमने आकाशों और धरती को और जो कुछ उनके बीच है छः दिनों में पैदा कर दिया और हमें कोई थकान न छू सकी	यहूदियों ने कहा: 'अल्लाह ने सृष्टी को छह दिनों में बनाया और सातवें दिन, शनिवार को विश्राम किया', जिसे वे सब्बाथ कहते हैं, फिर यह आयत आई।

Faisbir AAala ma yaqooloona wasabbih bihamdi rabbika qabla tulooAAi alshshamsi waqabla	x	So be patient, [O Muhammad], over what they say and exalt [Allah] with praise of your Lord before the rising of the sun and before its setting,	50:39	अतः जो कुछ वे कहते है उसपर धैर्य से काम लो और अपने रब की प्रशंसा की तसबीह करो; सूर्योदय से पूर्व और सूर्यास्त के पूर्व,	x
Wamina allayli fasabbihhu waadbara alssujoodi	x	And [in part] of the night exalt Him and after prostration.	50:40	और रात की घड़ियों में फिर उसकी तसबीह करो और सजदों के पश्चात भी	x
WaistamiAA yawma yunadi almunadi min makanin qareebin	Admonition from some scenes of the day of resurrection.	And listen on the Day when the Caller will call out from a place that is near -	50:41	और कान लगाकर सुन लेगा जिस दिन पुकारनेवाला अत्यन्त निकट के स्थान से पुकारेगा,	कयामत के दिन के कुछ दृश्यों से चेतावनी।
Yawma yasmaAAoona alssayhata bialhaqqi thalika yawmu alkhurooji	x	The Day they will hear the blast [of the Horn] in truth. That is the Day of Emergence [from the graves].	50:42	जिस दिन लोग भयंकर चीख़ को सत्यतः सुन रहे होंगे। वही दिन होगा निकलने का।-	x
Inna nahnu nuhyee wanumeetu wailayna almaseeru	x	Indeed, it is We who give life and cause death, and to Us is the destination	50:43	हम ही जीलन प्रदान करते और मृत्यु देते है और हमारी ही ओर अन्ततः आना है। -	x
Yawma tashaqqaqu alardu AAanhum siraAAan thalika hashrun AAalayna yaseerun	x	On the Day the earth breaks away from them [and they emerge] rapidly; that is a gathering easy for Us.	50:44	जिस दिन धरती उनपर से फट जाएगी और वे तेजी से निकल पड़ेंगे। यह इकट्ठा करना हमारे लिए अत्यन्त सरल है	x

Nahnu aAAlamu bima yaqooloona wama anta AAalayhim bijabbarin fathakkir bialqurani man yakhafu waAAeedi	**[Read Islamic history about how people and big nations like Persia, Egypt were compelled in Islam.]**	We are most knowing of what they say, and you are not over them a tyrant. But remind by the Qur'an whoever fears My threat.	50:45	हम जानते है जो कुछ वे कहते है, तुम उनपर कोई ज़बरदस्ती करनेवाले तो हो नहीं। अतः तुम क़ुरआन के द्वारा उसे नसीहत करो जो हमारी चेतावनी से डरे	**[इस्लामी इतिहास पढ़ें कि कैसे लोगों और बड़े देशों जैसे कि फारस, मिस्र को इस्लाम में ज़बरदस्ती शामिल किया गया।]**
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Adh-Dhariyat (The Winds), Makkan surah when persecution of Muslims not yet started.**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**51:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अध-धारियात (हवाएँ), मक्की सूरह जब मुसलमानों का उत्पीड़न अभी शुरू नहीं हुआ था।**
Waalththariyati tharwan	x	By those [winds] scattering [dust] dispersing	51:1	गवाह है (हवाएँ) जो गर्द-ग़ुबार उड़ाती फिरती है;	x
Faalhamilati wiqran	x	And those [clouds] carrying a load [of water]	51:2	फिर बोझ उठाती है;	x
Faaljariyati yusran	x	And those [ships] sailing with ease	51:3	फिर नरमी से चलती है;	x
Faalmuqassimati amran	x	And those [angels] apportioning [each] matter,	51:4	फिर मामले को अलग-अलग करती है;	x
Innama tooAAadoona lasadiqun	x	Indeed, what you are promised is true.	51:5	निश्चय ही तुमसे जिस चीज़ का वादा किया जाता है, वह सत्य है;	x
Wainna alddeena lawaqiAAun	Means Qiyamat	And indeed, the recompense is to occur.	51:6	और (कर्मों का) बदला अवश्य सामने आकर रहेगा	मतलब क़यामत
Waalssamai thati alhubuki	x	By the heaven containing pathways,	51:7	गवाह है धारियोंवाला आकाश।	x
Innakum lafee qawlin mukhtalifin	Means, people are having various opinion concerning the truth.	Indeed, you are in differing speech.	51:8	निश्चय ही तुम उस बात में पड़े हुए हो जिनमें कथन भिन्न-भिन्न है	इसका मतलब है कि लोगों की सत्य के बारे में अलग-अलग राय।
Yufaku AAanhu man ofika	x	Deluded away from the Qur'an is he who is	51:9	इसमें कोई सरफिरा ही विमुख होता है	x

Qutila alkharrasoona	Rebuking disbelievers.	Destroyed are the falsifiers	51:10	मारे जाएँ अटकल दौड़ानेवाले;	अविश्वासियों को फटकार।
Allatheena hum fee ghamratin sahoona	x	Who are within a flood [of confusion] and heedless.	51:11	जो ग़फ़लत में पड़े हुए हैं भूले हुए	x
Yasaloona ayyana yawmu alddeeni	x	They ask, "When is the Day of Recompense?"	51:12	पूछते है, "बदले का दिन कब आएगा?"	x
Yawma hum AAala alnnari yuftanoona	x	[It is] the Day they will be tormented over the Fire	51:13	जिस दिन वे आग पर तपाए जाएँगे,	x
Thooqoo fitnatakum hatha allathee kuntum bihi tastaAAjiloona	x	[And will be told], "Taste your torment. This is that for which you were impatient."	51:14	"चखो मज़ा. अपने फ़ितने (उपद्रव) का! यहीं है जिसके लिए तुम जल्दी मचा रहे थे।"	x
Inna almuttaqeena fee jannatin waAAuyoonin	Paradise	Indeed, the righteous will be among gardens and springs,	51:15	निश्चय ही डर रखनेवाले बाग़ों और स्रोतों में होंगे	स्वर्ग
Akhitheena ma atahum rabbuhum innahum kanoo qabla thalika	x	Accepting what their Lord has given them. Indeed, they were before that doers of good.	51:16	जो कुछ उनके रब ने उन्हें दिया, वे उसे ले रहे होंगे। निस्संदेह वे इससे पहले उत्तमकारों में से थे	x
Kanoo qaleelan mina allayli ma yahjaAAoona	Means the believers were praying.	They used to sleep but little of the night,	51:17	रातों को थोड़ा ही सोते थे,	यानी, विश्वासी प्रार्थना कर रहे थे।
Wabialashari hum yastaghfiroona	x	And in the hours before dawn they would ask forgiveness,	51:18	और वही प्रातः की घड़ियों में क्षमा की प्रार्थना करते थे	x
Wafee amwalihim haqqun lilssaili waalmahroomi	x	And from their properties was [given] the right of the [needy] petitioner and the deprived.	51:19	और उनके मालों में माँगनेवाले और धनहीन का हक़ था	x
Wafee alardi ayatun lilmooqineena	x	And on the earth are signs for the certain [in faith]	51:20	और धरती में विश्वास करनेवालों के लिए बहुत-सी निशानियाँ है,	x

Wafee anfusikum afala tubsiroona	x	And in yourselves. Then will you not see?	51:21	और ,स्वयं तुम्हारे अपने आप में भी। तो क्या तुम देखते नहीं?	x
Wafee alssamai rizqukum wama tooAAadoona	x	And in the heaven is your provision and whatever you are promised.	51:22	और आकाश मे ही तुम्हारी रोज़ी है और वह चीज़ भी जिसका तुमसे वादा किया जा रहा है	x
Fawarabbi alssamai waalardi innahu lahaqqun mithla ma annakum tantiqoona	**[Allah is swearing in His own name.]**	Then by the Lord of the heaven and earth, indeed, it is truth - just as [sure as] it is that you are speaking.	51:23	अतः सौगन्ध है आकाश और धरती के रब की। निश्चय ही वह सत्य बात है ऐसे ही जैसे तुम बोलते हो	**[अल्लाह अपने ही नाम की कसम खा रहे हैं।]**
Hal ataka hadeethu dayfi ibraheema almukrameena	This account of Abraham's "honored guests" is reminiscent of the visitation of the Lord and the "three men" to Abraham in Genesis 18.	Has there reached you the story of the honored guests of Abraham? -	51:24	क्या इबराईम के प्रतिष्ठित अतिथियों का वृतान्त तुम तक पहँचा?	अब्राहम के "सम्मानित अतिथियों" का यह विवरण उत्पत्ति 18 में अल्लाह और अब्राहम के पास आने वाले "तीन पुरुषों" की यात्रा की याद दिलाता है।
Ith dakhaloo AAalayhi faqaloo salaman qala salamun qawmun munkaroona	The three angels; Jibril, Mika'il and Israfil came to Ibrahim in the image of handsome young wonderfully graceful men.	When they entered upon him and said, "[We greet you with] peace." He answered, "[And upon you] peace, [you are] a people unknown.	51:25	जब वे उसके पास आए तो कहा, "सलाम है तुमपर!" उसने भी कहा, "सलाम है आप लोगों पर भी!" (और जी में कहा) "ये तो अपरिचित लोग हैं।"	तीन फरिश्ते; जिब्रील, मीकाइल और इस्राफ़ील इब्राहीम के पास सुंदर और अत्यंत आकर्षक जवान पुरुषों के रूप में आए।
Faragha ila ahlihi fajaa biAAijlin sameenin	x	Then he went to his family and came with a fat [roasted] calf	51:26	फिर वह चुपके से अपने घरवालों के पास गया और एक मोटा-ताज़ा बछड़ा (का भूना हुआ मांस) ले आया	x
Faqarrabahu ilayhim qala ala takuloona	x	And placed it near them; he said, "Will you not eat?"	51:27	और उसे उनके सामने पेश किया। कहा, "क्या आप खाते नहीं?"	x

Faawjasa minhum kheefatan qaloo la takhaf wabashsharoohu bighulamin	x	And he felt from them apprehension. They said, "Fear not," and gave him good tidings of a learned boy.	51:28	फिर उसने दिल में उनसे डर महसूस किया। उन्होंने कहा, "डरिए नहीं।" और उन्होंने उसे एक ज्ञानवान लड़के की मंगल-सूचना दी	x
Faaqbalati imraatuhu fee sarratin fasakkat wajhaha waqalat AAajoozun AAaqeemun	As in Genesis, the visitors tell Abraham that his wife (unnamed in the Qur'an), will give birth to a son, and she expresses skepticism.	And his wife approached with a cry [of alarm] and struck her face and said, "[I am] a barren old woman!"	51:29	इसपर उसकी स्त्री (चकित होकर) आगे बढ़ी और उसने अपना मुँह पीट लिया और कहने लगी, "एक बूढ़ी बाँझ (के यहाँ बच्चा पैदा होगा)!"	जैसा कि उत्पत्ति में है, आगंतुक अब्राहम से कहते हैं कि उसकी पत्नी (कुरान में नामित नहीं) को पुत्र होगा, और वह संशय व्यक्त करती है।
Qaloo kathaliki qala rabbuki innahu huwa alhakeemu alAAaleemu	x	They said, "Thus has said your Lord; indeed, He is the Wise, the Knowing."	51:30	उन्होंने कहा, "ऐसी ही तेरे रब ने कहा है। निश्चय ही वह बड़ा तत्वदर्शी, ज्ञानवान है।"	x
Qala fama khatbukum ayyuha almursaloona	x	[Abraham] said, "Then what is your business [here], O messengers?"	51:31	उसने कहा, "ऐ (अल्लाह के भेजे हुए) दूतों, तुम्हारे सामने क्या मुहिम है?"	x
Qaloo inna orsilna ila qawmin mujrimeena	Referring to Lot's people.	They said, "Indeed, we have been sent to a people of criminals	51:32	उन्होंने कहा, "हम एक अपराधी क़ौम की ओर भेजे गए है;	लूत की लोगों का उल्लेख करते हुए।
Linursila AAalayhim	The Angels were send by Allah to destroy these people.	To send down upon them stones of clay,	51:33	"ताकि उनके ऊपर मिट्टी के पत्थर (कंकड़) बरसाएँ,	फरिश्ते अल्लाह द्वारा इन लोगों को नष्ट करने के लिए भेजे गए थे।
Musawwamatan AAinda rabbika lilmusrifeena	x	Marked in the presence of your Lord for the transgressors."	51:34	जो आपके रब के यहाँ सीमा का अतिक्रमण करनेवालों के लिए चिन्हित है।"	x
Faakhrajna man kana feeha mina almumineena	x	So We brought out whoever was in the cities of the believers.	51:35	फिर वहाँ जो ईमानवाले थे, उन्हें हमने निकाल लिया;	x

Fama wajadna feeha ghayra baytin mina almuslimeena	No one was a Muslim in Sodom.	And We found not within them other than a [single] house of Muslims.	51:36	किन्तु हमने वहाँ एक घर के अतिरिक्त मुसलमानों (आज्ञाकारियों) का और कोई घर न पाया	सोडॉम में कोई मुस्लिम नहीं था।
Watarakna feeha ayatan lillatheena yakhafoona alAAathaba alaleema	x	And We left therein a sign for those who fear the painful punishment.	51:37	इसके पश्चात हमने वहाँ उन लोगों के लिए एक निशानी छोड़ दी, जो दुखद यातना से डरते है	x
Wafee moosa ith arsalnahu ila firAAawna bisultanin mubeenin	x	And in Moses [was a sign], when We sent him to Pharaoh with clear authority.	51:38	और मूसा के वृतान्त में भी (निशानी है) जब हमने फ़िरऔन के पास के स्पष्ट प्रमाण के साथ भेजा,	x
Fatawalla biruknihi waqala sahirun aw majnoonun	x	But he turned away with his supporters and said," A magician or a madman."	51:39	किन्तु उसने अपनी शक्ति के कारण मुँह फेर लिया और कहा, "जादूगर है या दीवाना।"	x
Faakhathnahu wajunoodahu fanabathnahum fee alyammi wahuwa muleemun	x	So We took him and his soldiers and cast them into the sea, and he was blameworthy.	51:40	अन्ततः हमने उसे और उसकी सेनाओं को पकड़ लिया और उन्हें गहरे पानी में फेंक दिया, इस दशा में कि वह निन्दनीय था	x
Wafee AAadin ith arsalna AAalayhimu alrreeha alAAaqeema	Fatal wind killed Aad.	And in 'Aad [was a sign], when We sent against them the barren wind.	51:41	और आद में भी (तुम्हारे लिए निशानी है) जबकि हमने उनपर अशुभ वायु चला दी	घातक हवा ने आद की मौत कर दी।
Ma tatharu min shayin atat AAalayhi illa jaAAalathu	x	It left nothing of what it came upon but that it made it like disintegrated ruins.	51:42	वह जिस चीज़ पर से गुज़री उसे उसने जीर्ण-शीर्ण करके रख दिया	x

Wafee thamooda ith qeela lahum tamattaAAoo hatta heenin	x	And in Thamud, when it was said to them, "Enjoy yourselves for a time."	51:43	और समुद्र में भी (तुम्हारे लिए निशानी है) जबकि उनसे कहा गया, "एक समय तक मज़े कर लो!"	x
FaAAataw AAan amri rabbihim faakhathathumu alssaAAiqatu wahum yanthuroona	x	But they were insolent toward the command of their Lord, so the thunderbolt seized them while they were looking on.	51:44	किन्तु उन्होंने अपने रब के आदेश की अवहेलना की; फिर कड़क ने उन्हें आ लिया और वे देखते रहे	x
Fama istataAAoo min qiyamin wama kanoo muntasireena	x	And they were unable to arise, nor could they defend themselves.	51:45	फिर वे न खड़े ही हो सके और न अपना बचाव ही कर सके	x
Waqawma noohin min qablu innahum kanoo qawman fasiqeena	x	And [We destroyed] the people of Noah before; indeed, they were a people defiantly disobedient.	51:46	और इससे पहले नूह की क़ौम को भी पकड़ा। निश्चय ही वे अवज्ञाकारी लोग थे	x
Waalssamaa banaynaha biaydin wainna lamoosiAAoona	The word used here is “samaa” means “sky”, whereas the Arab word for “universe” or “space” is “al-kawn”. **[Dr. Zakir Naik uses this verse to show the expanding nature of universe.]**	And the heaven We constructed with strength, and indeed, We are [its] expander.	51:47	आकाश को हमने अपने हाथ के बल से बनाया और हम बड़ी समाई रखनेवाले है	x
Waalarda farashnaha faniAAma almahidoona	**[Not single place the earth is described as sphere. 20:53: carpet, 43:10: cradle, 50: 7: spread, 51:48: spread, 79:27-32: spread]**	And the earth We have spread out, and excellent is the preparer.	51:48	और धरती को हमने बिछाया, तो हम क्या ही ख़ूब बिछानेवाले है	**[धरती को कहीं भी गोलाकार के रूप में वर्णित नहीं किया गया है। 20:53: कालीन, 43:10: पालना, 50:7: फैला हुआ, 51:48: फैला हुआ, 79:27-32: फैला हुआ]**
Wamin kulli shayin khalaqna zawjayni laAAallakum tathakkaroona	**[Every living being does not exist in pairs e.g. bacteria, fungi, earthworm, many lizards. 36:36, 43:12, 51:49]**	And of all things We created two mates; perhaps you will remember.	51:49	और हमने हर चीज़ के जोड़े बनाए, ताकि तुम ध्यान दो	**[हर जीवित प्राणी जोड़े में नहीं पाया जाता जैसे कि बैक्टीरिया, फंगी, केंचुआ, कई छिपकली। 36:36, 43:12, 51:49]**

Fafirroo ila Allahi innee lakum minhu natheerun mubeenun	**[Clealy here Prophet is speaking.]**	So flee to Allah. Indeed, I am to you from Him a clear warner.	51:50	अतः अल्लाह की ओर दौड़ो। मैं उसकी ओर से तुम्हारे लिए एक प्रत्यक्ष सावधान करनेवाला हूँ	**[स्पष्ट रूप से यहाँ पैगंबर बोल रहे हैं।]**
Wala tajAAaloo maAAa Allahi ilahan akhara innee lakum minhu natheerun mubeenun	**[Clealy here Prophet is speaking.]**	And do not make [as equal] with Allah another deity. Indeed, I am to you from Him a clear warner.	51:51	और अल्लाह के साथ कोई दूसरा पूज्य-प्रभु न ठहराओ। मैं उसकी ओर से तुम्हारे लिए एक प्रत्यक्ष सावधान करनेवाला हूँ	**[स्पष्ट रूप से यहाँ पैगंबर बोल रहे हैं।]**
Kathalika ma ata allatheena min qablihim min rasoolin illa qaloo sahirun aw majnoonun	Similar to Prophet Muhammad (pbuh), all other prophets were ridiculed.	Similarly, there came not to those before them any messenger except that they said, "A magician or a madman."	51:52	इसी तरह उन लोगों के पास भी, जो उनसे पहले गुज़र चुके है, जो भी रसूल आया तो उन्होंने बस यही कहा, "जादूगर है या दीवाना!"	मुहम्मद (स.) के समान, सभी अन्य नबीयों का मजाक उड़ाया गया।
Atawasaw bihi bal hum qawmun taghoona	x	Did they suggest it to them? Rather, they [themselves] are a transgressing people.	51:53	क्या उन्होंने एक-दूसरे को इसकी वसीयत कर रखी है? नहीं, बल्कि वे है ही सरकश लोग	x
Fatawalla AAanhum fama anta bimaloomin	Prophet (pbuh) will not be responsible for disbelievers.	So leave them, [O Muhammad], for you are not to be blamed.	51:54	अतः उनसे मुँह फेर लो अब तुमपर कोई मलामत नहीं	नबी (स.) गैर-मुमिनों के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।
Wathakkir fainna alththikra tanfaAAu almumineena	x	And remind, for indeed, the reminder benefits the believers.	51:55	और याद दिलाते रहो, क्योंकि याद दिलाना ईमानवालों को लाभ पहुँचाता है	x

Wama khalaqtu aljinna waalinsa illa liyaAAbudooni	**[Contradiction: What is the purpose of creating humans: 51:56 only for worship, For Good deed 67:2; Also Allah is Be-Niyaz, means does not need anything.]**	And I did not create the jinn and mankind except to worship Me.	51:56	मैंने तो जिन्नों और मनुष्यों को केवल इसलिए पैदा किया है कि वे मेरी बन्दगी करे	**[विरोधाभास: इंसानों को बनाने का उद्देश्य क्या है: 51:56 केवल अल्लाह की पूजा के लिए, अच्छे कर्म के लिए 67:2; साथ ही अल्लाह बे-नियाज़ है, यानी उन्हें किसी चीज़ की आवश्यकता नहीं है।]**
Ma oreedu minhum min rizqin wama oreedu an yutAAimooni	**[But Allah takes share in warbooty and takes loan.]**	I do not want from them any provision, nor do I want them to feed Me.	51:57	मैं उनसे कोई रोज़ी नहीं चाहता और न यह चाहता हूँ कि वे मुझे खिलाएँ	**[लेकिन अल्लाह युद्ध की लूट में हिस्सा लेते हैं और कर्ज लेते हैं।]**
Inna Allaha huwa alrrazzaqu thoo alquwwati almateenu	x	Indeed, it is Allah who is the [continual] Provider, the firm possessor of	51:58	निश्चय ही अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली, दृढ़	x
Fainna lillatheena thalamoo thanooban mithla thanoobi ashabihim fala yastaAAjiloona	x	And indeed, for those who have wronged is a portion [of punishment] like the portion of their predecessors, so let them not impatiently urge Me.	51:59	अतः जिन लोगों ने ज़ुल्म किया है उनके लिए एक नियत पैमाना है; जैसा उनके साथियों का नियत पैमाना था। अतः वे मुझसे जल्दी न मचाएँ!	x
Fawaylun lillatheena kafaroo min yawmihimu allathee	Means Qiyamat	And woe to those who have disbelieved from their Day which they are promised.	51:60	अतः इनकार करनेवालों के लिए बड़ी खराबी है, उनके उस दिन के कारण जिसकी उन्हें धमकी दी जा रही है	मतलब क़यामत
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**At-Tur (The Mountain), Revealed in Makkah**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**52:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	अत-तूर (पहाड़), मक्का में अवतरित
Waalttoori	x	By the mount	52:1	गवाह है तूर पर्वत,	x
Wakitabin mastoorin	It means Al-Lawh Al-Mahfuz, (the Preserved Tablet).	And [by] a Book inscribed	52:2	और लिखी हुई किताब;	इसका मतलब अल-लौह अल-महफ़ूज़ (संरक्षित स्लेट) है।

Fee raqqin manshoorin	x	In parchment spread open	52:3	फैले हुए झिल्ली के पन्ने में	x
Waalbayti almaAAmoori	Al-Bayt Al-Mamur is the Kabah of Angels who reside in the seventh heaven.	And [by] the frequented House	52:4	और बसा हुआ घर;	अल-बैत अल-मामूर सातवें आकाश में रहने वाले फरिश्तों का काबा है।
Waalssaqfi almarfooAAi	Means the Sky.	And [by] the heaven raised high	52:5	और ऊँची छत;	मतलब, आकाश।
Waalbahri almasjoori	Masjur, means, the sea will be kindled with fire on the Day of Resurrection.	And [by] the sea filled [with fire],	52:6	और उफनता समुद्र	मस्जुर का मतलब है कि कयामत के दिन समुद्र आग में जल उठेगा।
Inna AAathaba rabbika lawaqiAAun	x	Indeed, the punishment of your Lord will occur.	52:7	कि तेरे रब की यातना अवश्य घटित होकर रहेगी;	x
Ma lahu min	x	Of it there is no preventer.	52:8	जिसे टालनेवाला कोई नहीं;	x
Yawma tamooru alssamao mawran	**[Heaven will sway in circular motion.]**	On the Day the heaven will sway with circular motion	52:9	जिस दिन आकाश बुरी तरह डगमगाएगा;	x
Wataseeru aljibalu sayran	x	And the mountains will pass on, departing -	52:10	और पहाड़ चलते-फिरते होंगे;	x
Fawaylun yawmaithin	deniers mean disbelievers.	Then woe, that Day, to the deniers,	52:11	तो तबाही है उस दिन, झुठलानेवालों के लिए;	झुठलाने वाले का मतलब अविश्वासी
Allatheena hum fee khawdin yalAAaboona	x	Who are in [empty] discourse amusing themselves.	52:12	जो बात बनाने में लगे हुए खेल रहे है	x
Yawma yudaAAAAoona ila nari jahannama daAAAAan	x	The Day they are thrust toward the fire of Hell with a [violent] thrust, [its angels will say],	52:13	जिस दिन वे धक्के दे-देकर जहन्नम की ओर ढकेले जाएँगे	x
Hathihi alnnaru allatee kuntum biha tukaththiboona	x	"This is the Fire which you used to deny.	52:14	(कहा जाएगा), "यही है वह आग जिसे तुम झुठलाते थे	x
Afasihrun hatha am antum la tubsiroona	x	Then is this magic, or do you not see?	52:15	"अब भला (बताओ) यह कोई जादू है या तुम्हे सुझाई नहीं देता?	x

Islawha faisbiroo aw la tasbiroo sawaon AAalaykum innama tujzawna ma kuntum taAAmaloona	x	[Enter to] burn therein; then be patient or impatient - it is all the same for you. You are only being recompensed [for] what you used to do."	52:16	"जाओ, झुलसो उसमें! अब धैर्य से काम लो या धैर्य से काम न लो; तुम्हारे लिए बराबर है। तुम वही बदला पा रहे हो, जो तुम करते रहे थे।"	x
Inna almuttaqeena fee jannatin wanaAAeemin	x	Indeed, the righteous will be in gardens and pleasure,	52:17	निश्चय ही डर रखनेवाले बाग़ों और नेमतों में होंगे	x
Fakiheena bima atahum rabbuhum wawaqahum rabbuhum AAathaba aljaheemi	x	Enjoying what their Lord has given them, and their Lord protected them from the punishment of Hellfire.	52:18	जो कुछ उनके रब ने उन्हें दिया होगा, उसका आनन्द ले रहे होंगे और इस बात से कि उनके रब ने उन्हें भड़कती हुई आग से बचा लिया -	x
Kuloo waishraboo haneean bima kuntum	x	[They will be told], "Eat and drink in satisfaction for what you used to do."	52:19	"मज़े से खाओ और पियो उन कर्मों के बदले में जो तुम करते रहे हो।"	x
Muttakieena AAala sururin masfoofatin wazawwajnahum bihoorin AAeenin	Description of Hourie's; Also see Q 37:48, 41:25, 44:54, 52:20, 55:56, 56:22, 56:35-37. **[Contradiction: Who will be companions in heaven: The earthly wives 43:70, Hoors 52:20; Also, Quran always debates from men's point of view.]**	They will be reclining on thrones lined up, and We will marry them to fair women with large, [beautiful] eyes.	52:20	वे सिंहासनों पर उत्थित होकर बैठेंगे, और हम उन्हें सुंदर, बड़ी आँखों वाली महिलाओं से विवाह कराएँगे।	हूर का वर्णन; देखें 37:48, 41:25, 44:54, 52:20, 55:56, 56:22, 56:35-37। **[विरोधाभास: स्वर्ग में साथी कौन होंगे: सांसारिक पत्नियाँ 43:70, हूर 52:20; इसके अलावा, कुरान हमेशा पुरुषों के दृष्टिकोण से बहस करता है।]**

Waallatheena amanoo waittabaAAathum thurriyyatuhum bieemanin alhaqna bihim thurriyyatahum wama alatnahum min AAamalihim min shayin kullu	The believing children of pious people will be admitted to the levels their parents attained, even if they weren't as pious.	And those who believed and whose descendants followed them in faith - We will join with them their descendants, and We will not deprive them of anything of their deeds. Every person, for what he earned, is retained.	52:21	जो लोग ईमान लाए और उनकी सन्तान ने भी ईमान के साथ उसका अनुसरण किया, उनकी सन्तान को भी हम उनसे मिला देंगे, और उनके कर्म में से कुछ भी कम करके उन्हें नहीं देंगे। हर व्यक्ति अपनी कमाई के बदले में बन्धक है	धार्मिक लोगों के श्रद्धालु बच्चे उन स्तरों पर पहुँचाए जाएंगे जो उनके माता-पिता ने प्राप्त किए, भले ही वे उतने धार्मिक न हों।
Waamdadnahum bifakihatin walahmin mimma	All kind of food will be served in Paradise.	And We will provide them with fruit and meat from whatever they desire.	52:22	और हम उन्हें मेवे और मांस, जिसकी वे इच्छा करेंगे दिए चले जाएँगे	स्वर्ग में सभी प्रकार का खाना परोसा जाएगा।
YatanazaAAoona feeha kasan la laghwun feeha wala tatheemun	Good quality wine.	They will exchange with one another a cup [of wine] wherein [results] no ill speech or commission of sin.	52:23	वे वहाँ आपस में प्याले हाथोंहाथ ले रहे होंगे, जिसमें न कोई बेहूदगी होगी और न गुनाह पर उभारनेवाली कोई बात,	उच्च गुणवत्ता वाली शराब।
Wayatoofu AAalayhim ghilmanun lahum kaannahum luluon maknoonun	Not only women (Hoors) even young boys will be available in Paradise. They will be beautiful like pearls and call Ghilman. See Q 52:24, 56:17, 76:19.	There will circulate among them [servant] boys [especially] for them, as if they were pearls well-protected.	52:24	और उनकी सेवा में सुरक्षित मोतियों के सदृश किशोर दौड़ते फिरते होंगे, जो ख़ास उन्हीं (की सेवा) के लिए होंगे	सिर्फ़ औरतें (हूर) ही नहीं, बल्कि जवान लड़के भी जन्नत में उपलब्ध होंगे। वे मोतियों की तरह सुंदर होंगे और उन्हें ग़िल्मान कहते हैं। देखें क़ुरान 52:24, 56:17, 76:19।
Waaqbala baAAduhum AAala baAAdin yatasaaloona	x	And they will approach one another, inquiring of each other.	52:25	उनमें से कुछ व्यक्ति कुछ व्यक्तियों की ओर हाल पूछते हुए रुख़ करेंगे,	x
Qaloo inna kunna qablu fee ahlina mushfiqeena	x	They will say, "Indeed, we were previously among our people fearful [of displeasing Allah].	52:26	कहेंगे, "निश्चय ही हम पहले अपने घरवालों में डरते रहे है,	x

Famanna Allahu AAalayna wawaqana AAathaba	x	So Allah conferred favor upon us and protected us from the punishment of the Scorching Fire.	52:27	"अन्ततः अल्लाह ने हमपर एहसास किया और हमें गर्म विषैली वायु की यातना से बचा लिया	x
Inna kunna min qablu nadAAoohu innahu huwa albarru alrraheemu	x	Indeed, we used to supplicate Him before. Indeed, it is He who is the Beneficent, the Merciful."	52:28	"इससे पहले हम उसे पुकारते रहे है। निश्चय ही वह सदव्यवहार करनेवाला, अत्यन्त दयावान है।"	x
Fathakkir fama anta biniAAmati rabbika bikahin wala majnoonin	x	So remind [O Muhammad], for you are not, by the favor of your Lord, a soothsayer or a madman.	52:29	अतः तुम याद दिलाते रहो। अपने रब की अनुकम्पा से न तुम काहिन (ढोंगी भविष्यवक्ता) हो और न दीवाना	x
Am yaqooloona shaAAirun natarabbasu bihi rayba almanooni	x	Or do they say [of you], "A poet for whom we await a misfortune of time?"	52:30	या वे कहते है, "वह कवि है जिसके लिए हम काल-चक्र की प्रतीक्षा कर रहे है?"	x
Qul tarabbasoo fainnee maAAakum mina almutarabbiseena	x	Say, "Wait, for indeed I am, with you, among the waiters."	52:31	कह दो, "प्रतीक्षा करो! मैं भी तुम्हारे साथ प्रतीक्षा करता हूँ।"	x
Am tamuruhum ahlamuhum bihatha am hum qawmun taghoona	x	Or do their minds command them to [say] this, or are they a transgressing people?	52:32	या उनकी बुद्धियाँ यही आदेश दे रही है, या वे ही है सरकश लोग?	x
Am yaqooloona taqawwalahu bal la yuminoona	The disbelievers of Mecca used to put these blames of prophet (pbuh).	Or do they say, "He has made it up"? Rather, they do not believe.	52:33	या वे कहते है, "उसने उस (क़ुरआन) को स्वयं ही कह लिया है?" नहीं, बल्कि वे ईमान नहीं लाते	मक्का के अविश्वासी पैगंबर (स.) पर ये आरोप लगाते थे।

Falyatoo bihadeethin mithlihi in kanoo sadiqeena	**[Contradiction: How many Surah to be produced 2:23 (One surah), 10:38 (one surah), 11:13 (Ten sura), 17:88 (statemetn similar to it); Verse 22:52 says that Shaytan mixes words in revelation, which are corrected later.]**	Then let them produce a statement like it, if they should be truthful.	52:34	अच्छा यदि वे सच्चे है तो उन्हें उस जैसी वाणी ले आनी चाहिए	**[विरोधाभास: कितनी सूरहें बनाई जानी चाहिए 2:23 (एक सूरह), 10:38 (एक सूरह), 11:13 (दस सूरह), 17:88 (इसके जैसी वाणी); आयत 22:52 कहती है कि शैतान अल्लाह की वाणी में शब्द मिलाता है, जिन्हें बाद में सही किया जाता है।]**
Am khuliqoo min ghayri shayin am humu alkhaliqoona	x	Or were they created by nothing, or were they the creators [of themselves]?	52:35	या वे बिना किसी चीज़ के पैदा हो गए? या वे स्वयं ही अपने स्रष्टाँ है?	x
Am khalaqoo alssamawati waalarda bal la yooqinoona	x	Or did they create the heavens and the earth? Rather, they are not certain.	52:36	या उन्होंने आकाशों और धरती को पैदा किया?	x
Am AAindahum khazainu rabbika am humu almusaytiroona	x	Or have they the depositories [containing the provision] of your Lord? Or are they the controllers [of them]?	52:37	या उनके पास तुम्हारे रब के खज़ाने है? या वही उनके परिरक्षक है?	x
Am lahum sullamun yastamiAAoona feehi falyati mustamiAAuhum bisultanin mubeenin	Pickthall translates "they any stairway (unto heaven) by means of which they overhear (decrees)".	Or have they a stairway [into the heaven] upon which they listen? Then let their listener produce a clear authority.	52:38	या उनके पास कोई सीढ़ी है जिसपर चढ़कर वे (कान लगाकर) सुन लेते है? फिर उनमें से जिसने सुन लिया हो तो वह ले आए स्पष्ट प्रमाण	x
Am lahu albanatu walakumu albanoona	**[Illogical argument as Quran says God does not have offsprings. See 52:39, 53:21]**	Or has He daughters while you have sons?	52:39	या उस (अल्लाह) के लिए बेटियाँ है और तुम्हारे अपने लिए बेटे?	**[अतार्किक कथन क्योंकि क़ुरआन में कहा गया है कि ईश्वर की संतान नहीं है। देखें 52:39, 53:21]**

Am tasaluhum ajran fahum min maghramin muthqaloona	**[After Islam became powerful, Zakaat was collected from Muslims and Jiziya from non-muslims. Also prophet took share in war**	Or do you, [O Muhammad], ask of them a payment, so they are by debt burdened down?	52:40	या तुम उनसे कोई पारिश्रामिक माँगते हो कि वे तावान के बोझ से दबे जा रहे है?	**[इस्लाम के शक्तिशाली होने के बाद, मुसलमानों से ज़कात और गैर-मुसलमानों से जज़िया वसूली जाती थी। साथ ही पैगंबर युद्ध लूट में हिस्सा लेते थे।]**
Am AAindahumu alghaybu fahum yaktuboona	x	Or have they [knowledge of] the unseen, so they write [it] down?	52:41	या उनके पास परोक्ष (स्पष्ट) है जिसके आधार पर वे लिए रहे हो?	x
Am yureedoona kaydan faallatheena kafaroo humu almakeedoona	x	Or do they intend a plan? But those who disbelieve - they are the object of a plan.	52:42	या वे कोई चाल चलना चाहते है? तो जिन लोगों ने इनकार किया वही चाल की लपेट में आनेवाले है	x
Am lahum ilahun ghayru Allahi subhana Allahi AAamma yushrikoona	**[Why Allah is comparing Him with non-existent dieties.]**	Or have they a deity other than Allah? Exalted is Allah above whatever they associate with Him.	52:43	या अल्लाह के अतिरिक्त उनका कोई और पूज्य-प्रभु है? अल्लाह महान और उच्च है उससे जो वे साझी ठहराते है	**[अल्लाह, अवास्तविक देवताओं के साथ तुलना क्यों कर रहे हैं।]**
Wain yaraw kisfan mina alssamai saqitan yaqooloo sahabun markoomun	**[Sky is not a flat layer which can fall]**	And if they were to see a fragment from the sky falling, they would say, "[It is merely] clouds heaped up."	52:44	यदि वे आकाश का कोई टुकटा गिरता हुआ देखें तो कहेंगे, "यह तो परत पर परत बादल है!"	**[आसमान एक समतल परत नहीं है जो गिर सकती है]**
Fatharhum hatta yulaqoo yawmahumu allathee feehi	**[Abrogated by later Jihadi verses.]**	So leave them until they meet their Day in which they will be struck insensible -	52:45	अतः छोडो उन्हें, यहाँ तक कि वे अपने उस दिन का सामना करें जिसमें उनपर वज्रपात होगा;	**[बाद के जिहादी आयतों द्वारा निरस्त किया गया।]**
Yawma la yughnee AAanhum kayduhum shayan wala hum	x	The Day their plan will not avail them at all, nor will they be helped.	52:46	जिस दिन उनकी चाल उनके कुछ भी काम न आएगी और न उन्हें कोई सहायता ही मिलेगी;	x

Wainna lillatheena thalamoo AAathaban doona thalika walakinna aktharahum la yaAAlamoona	x	And indeed, for those who have wronged is a punishment before that, but most of them do not know.	52:47	और निश्चय ही जिन लोगों ने ज़ुल्म किया उनके लिए एक यातना है उससे हटकर भी, परन्तु उनमें से अधिकतर जानते नहीं	x
Waisbir lihukmi rabbika fainnaka biaAAyunina wasabbih bihamdi rabbika heena taqoomu	x	And be patient, [O Muhammad], for the decision of your Lord, for indeed, you are in Our eyes. And exalt [Allah] with praise of your Lord when you arise.	52:48	अपने रब का फ़ैसला आने तक धैर्य से काम लो, तुम तो हमारी आँखों में हो, और जब उठो तो अपने रब का गुणगान करो;	x
Wamina allayli fasabbihhu waidbara alnnujoomi	x	And in a part of the night exalt Him and after [the setting of] the stars.	52:49	रात की कुछ घड़ियों में भी उसकी तसबीह करो, और सितारों के पीठ फेरने के समय (प्रातःकाल) भी	x
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**An-Najm (The Star)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**53:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अन-नज्म (सितारा)**
Waalnnajmi itha hawa	This was the first Surah of the Quran, which the Prophet (pbuh) had publicly recited before an assembly of the Quraysh in Kabah.	By the star when it descends,	53:1	गवाह है तारा, जब वह नीचे को आए	यह क़ुरआन की पहली सूरह थी, जिसे नबी (स.) ने काबा में क़ुरैश की सभा के सामने सार्वजनिक रूप से पढ़ा था।
Ma dalla sahibukum wama ghawa	x	Your companion [Muhammad] has not strayed, nor has he erred,	53:2	तुम्हारी साथी (मुहम्मह सल्ल°) न गुमराह हुआ और न बहका;	x
Wama yantiqu AAani alhawa	**[But there are many revleations to favor the prophet (pbuh) in regards to his wives.]**	Nor does he speak from [his own] inclination.	53:3	और न वह अपनी इच्छा से बोलता है;	**[लेकिन उनकी पत्नियों के संदर्भ में पैगंबर (स.) के पक्ष में कई आयत हैं।]**

In huwa illa wahyun yooha	x	It is not but a revelation revealed,	53:4	वह तो बस एक प्रकाशना है, जो की जा रही है	x
AAallamahu shadeedu alquwa	"one intense in strength" is Allah.	Taught to him by one intense in strength -	53:5	उसे बड़ी शक्तियोंवाले ने सिखाया,	"बड़ी शक्तियोंवाले" = अल्लाह
Thoo mirratin faistawa	x	One of soundness. And he rose to [his] true form	53:6	स्थिर रीतिवाले ने।	x
Wahuwa bialofuqi alaAAla	meaning, Gabriel rose to the highest part of the horizon and prophet (pbuh) saw him.	While he was in the higher [part of the] horizon.	53:7	अतः वह भरपूर हुआ, इस हाल में कि वह क्षितिज के उच्चतम छोर पर है	अर्थात, जिब्रील अकाश की सबसे ऊँची जगह तक उठे और पैगंबर (स.) ने उन्हें देखा।
Thumma dana fatadalla	x	Then he approached and descended	53:8	फिर वह निकट हुआ और उतर गया	x
Fakana qaba qawsayni aw adna	Meanig Gabriel came closer to prophet.	And was at a distance of two bow lengths or nearer.	53:9	अब दो कमानों के बराबर या उससे भी अधिक निकट हो गया	जिब्रील पैगंबर (स.) के करीब आए।
Faawha ila AAabdihi ma awha	Mean the verses.	And he revealed to His Servant what he revealed.	53:10	तब उसने अपने बन्दे की ओर प्रकाशना की, जो कुछ प्रकाशना की।	प्रकाशना = आयतें
Ma kathaba alfuadu ma raa	There is lot of dispute whether Prophet (pbuh) saw Allah or just a light.	The heart did not lie [about] what it saw.	53:11	दिल ने कोई धोखा नहीं दिया, जो कुछ उसने देखा;	इस बात पर बहुत विवाद है कि नबी (स.) ने अल्लाह को देखा था या सिर्फ एक नूर।
Afatumaroonahu AAala ma yara	x	So will you dispute with him over what he saw?	53:12	अब क्या तुम उस चीज़ पर झगड़ते हो, जिसे वह देख रहा है? -	x
Walaqad raahu nazlatan okhra	**[This is about Meraj, the night journey to space. This story has striking resemblance with Arfa Viraf of Zoroastrian religion.]**	And he certainly saw him in another descent	53:13	और निश्चय ही वह उसे एक बार और	**[यह मेराज, अंतरिक्ष की रात की यात्रा के बारे में है। इस कहानी में ज़ोरोस्ट्रियन धर्म के अरफा विराफ़ के साथ चौंकाने वाली समानताएँ हैं।]**
AAinda sidrati almuntaha	Sidrat Al-Muntaha is above 7th heaven. This where is the throne of Allah.	At the Lote Tree of the Utmost Boundary -	53:14	सिदरतुल मुन्तहा' (परली सीमा के बेर) के पास उतरते देख चुका है	सिदरतुल मुन्तहा सातवे आकाश के ऊपर है। यहीं अल्लाह का सिंहासन है।

AAindaha jannatu almawa	x	Near it is the Garden of Refuge -	53:15	उसी के निकट 'जन्नतुल मावा' (ठिकानेवाली जन्नत) है। -	x
Ith yaghsha alssidrata ma yaghsha	The Angels, Allah's Light, and spectacular colors covered the Sidrah.	When there covered the Lote Tree that which covered [it].	53:16	जबकि छा रहा था उस बेर पर, जो कुछ छा रहा था	फरिश्तों, अल्लाह की रोशनी, और शानदार रंगों ने सिद्राह को ढक लिया।
Ma zagha albasaru wama tagha	x	The sight [of the Prophet] did not swerve, nor did it transgress [its limit].	53:17	निगाह न तो टेढ़ी हुइ और न हद से आगे बढ़ी	x
Laqad raa min ayati rabbihi alkubra	x	He certainly saw of the greatest signs of his Lord.	53:18	निश्चय ही उसने अपने रब की बड़ी-बड़ी निशानियाँ देखीं	x
Afaraaytumu allata waalAAuzza	x	So have you considered al-Lat and al-'Uzza?	53:19	तो क्या तुमने लात और उज़्ज़ा	x
Wamanata alththalithata alokhra	**[The incidence of "Satanic verses" happened after this verse, which was the inspiration for the novel by Salman Rushdie. See Sahih 22:52, Bukhari 1071, 4862.]**	And Manat, the third - the other one?	53:20	और तीसरी एक और (देवी) मनात पर विचार किया?	**[“शैतानी आयतों” की घटना इस आयत के बाद हुई, जो सलमान रुश्दी के उपन्यास के लिए प्रेरणा थी। देखें सहिह़ क़ुरआन 22:52, बुख़ारी 1071, 4862]**
Alakumu alththakaru walahu alontha	The pagan Quraysh belived in three godesses as daugthers of Allah (Al-Lat, Manat, Uzza).	Is the male for you and for Him the female?	53:21	क्या तुम्हारे लिए तो बेटे हैं उनके लिए बेटियाँ?	क़ुरैश अल्लाह की तीन बेटियों (अल-लात, मानत, उज़्ज़ा) को देवी मानते थे।
Tilka ithan qismatun deeza	**[Illogical argument as Quran says God does not have offsprings. See 52:39, 53:21]**	That, then, is an unjust division.	53:22	तब तो यह बहुत बेढ़ंगा और अन्यायपूर्ण बँटवारा हुआ!	**[अतार्किक बहस क्योंकि क़ुरआन में कहा गया है कि ईश्वर की संतान नहीं है। देखें 52:39, 53:21]**

In hiya illa asmaon sammaytumooha antum waabaokum ma anzala Allahu biha min sultanin in yattabiAAoona illa alththanna wama tahwa alanfusu walaqad jaahum min rabbihimu alhuda	Here Allah says that these false dieties are mere names. **[Contradiction: Does false dieties exist: Don't 10:18, 12:40, 17:42, 21:22, 53:23; Yes, 2:166, 7:194, 16:86, 18:51, 21:43, 22:73, 25:3, 25:17, 26:98]**	They are not but [mere] names you have named them - you and your forefathers - for which Allah has sent down no authority. They follow not except assumption and what [their] souls desire, and there has already come to them from their Lord guidance.	53:23	वे तो बस कुछ नाम है जो तुमने और तुम्हारे बाप-दादा ने रख लिए है। अल्लाह ने उनके लिए कोई सनद नहीं उतारी। वे तो केवल अटकल के पीछे चले रहे है और उनके पीछे जो उनके मन की इच्छा होती है। हालाँकि उनके पास उनके रब की ओर से मार्गदर्शन आ चुका है	यहाँ अल्लाह कहते हैं कि ये झूठे देव केवल नाम हैं। **[विरोधाभास: क्या झूठे देव मौजूद हैं: नहीं 10:18, 12:40, 17:42, 21:22, 53:23; हाँ, 2:166, 7:194, 16:86, 18:51, 21:43, 22:73, 25:3, 25:17, 26:98]**
Am lilinsani ma tamanna	x	Or is there for man whatever he wishes?	53:24	(क्या उनकी देवियाँ उन्हें लाभ पहुँचा सकती है) या मनुष्य वह कुछ पा लेगा, जिसकी वह कामना करता है?	x
Falillahi alakhiratu waaloola	x	Rather, to Allah belongs the Hereafter and the first	53:25	आख़िरत और दुनिया का मालिक तो अल्लाह ही है	x
Wakam min malakin fee alssamawati la tughnee shafaAAatuhum shayan illa min baAAdi an yathana Allahu liman yashao wayarda	If this is the case with the Angels who are close to Allah, how can the idolaters hope for Allah to grant intercession to their idols. **[Contradiction: No intercession accepted (2:48, 2:123, 6:51, 6:94, 23:101, 32:4, 39:43-44, 42:46). Intercession is accepted with Allah's permission (2:255, 4:64, 10:3, 19:87, 20:109, 21:28, 34:23, 53:26)]**	And how many angels there are in the heavens whose intercession will not avail at all except [only] after Allah has permitted [it] to whom He wills and approves.	53:26	आकाशों में कितने ही फ़रिश्ते है, उनकी सिफ़ारिश कुछ काम नहीं आएगी; यदि काम आ सकती है तो इसके पश्चात ही कि अल्लाह अनुमति दे, जिसे चाहे और पसन्द करे।	यदि यह उन फ़रिश्तों के साथ भी है जो अल्लाह के करीब हैं, तो मूर्तिपूजक किस प्रकार उम्मीद कर सकते हैं कि अल्लाह उनके मूर्तियों के लिए शफ़ा अदा करेंगे। **[विरोधाभास: कोई भी शफ़ा स्वीकार नहीं की जाती (2:48, 2:123, 6:51, 6:94, 23:101, 32:4, 39:43-44, 42:46)। शफ़ा अल्लाह की अनुमति से स्वीकार की जाती है (2:255, 4:64, 10:3, 19:87, 20:109, 21:28, 34:23, 53:26)]**

Inna allatheena la yuminoona bialakhirati layusammoona almalaikata tasmiyata alontha	Refuting the claim of the idolators that the Angels are Allah's daughters.	Indeed, those who do not believe in the Hereafter name the angels female names,	53:27	जो लोग आख़िरत को नहीं मानते, वे फ़रिश्तों के देवियों के नाम से अभिहित करते है,	मूर्तिपूजकों के उस दावे का खंडन करना कि फरिश्ते अल्लाह की बेटियाँ हैं।
Wama lahum bihi min AAilmin in yattabiAAoona illa alththanna wainna alththanna la yughnee mina	Disbelievers don't have true knowledge.	And they have thereof no knowledge. They follow not except assumption, and indeed, assumption avails not against the truth at all.	53:28	हालाँकि इस विषय में उन्हें कोई ज्ञान नहीं। वे केवल अटकल के पीछे चलते है, हालाँकि सत्य से जो लाभ पहुँचता है वह अटकल से कदापि नहीं पहुँच सकता।	अविश्वासी के पास असली ज्ञान नहीं है।
FaaAArid AAan man tawalla AAan thikrina walam yurid illa alhayata alddunya	x	So turn away from whoever turns his back on Our message and desires not except the worldly life.	53:29	अतः तुम उसको ध्यान में न लाओ जो हमारे ज़िक्र से मुँह मोड़ता है और सांसारिक जीवन के सिवा उसने कुछ नहीं चाहा	x
Thalika mablaghuhum mina alAAilmi inna rabbaka huwa aAAlamu biman dalla AAan sabeelihi wahuwa aAAlamu bimani	x	That is their sum of knowledge. Indeed, your Lord is most knowing of who strays from His way, and He is most knowing of who is guided.	53:30	ऐसे लोगों के ज्ञान की पहुँच बस यहीं तक है। निश्चय ही तुम्हारा रब ही उसे भली-भाँति जानता है जो उसके मार्ग से भटक गया और वही उसे भी भली-भाँति जानता है जिसने सीधा मार्ग अपनाया	x

Walillahi ma fee alssamawati wama fee alardi liyajziya allatheena asaoo bima AAamiloo wayajziya allatheena ahsanoo bialhusna	x	And to Allah belongs whatever is in the heavens and whatever is in the earth - that He may recompense those who do evil with [the penalty of] what they have done and recompense those who do good with the best	53:31	अल्लाह ही का है जो कुछ आकाशों में है और जो कुछ धरती में है, ताकि जिन लोगों ने बुराई की वह उन्हें उनके किए का बदला दे। और जिन लोगों ने भलाई की उन्हें अच्छा बदला दे;	x
Allatheena yajtaniboona kabaira alithmi waalfawahisha illa allamama inna rabbaka wasiAAu almaghfirati huwa aAAlamu bikum ith anshaakum mina alardi waith antum ajinnatun fee butooni ommahatikum fala tuzakkoo anfusakum huwa aAAlamu bimani ittaqa	Allah will forgive those who avoid great sins and Al-Fawahish (immoral sins) except small faults and minor errors.	Those who avoid the major sins and immoralities, only [committing] slight ones. Indeed, your Lord is vast in forgiveness. He was most knowing of you when He produced you from the earth and when you were fetuses in the wombs of your mothers. So do not claim yourselves to be pure; He is most knowing of who fears Him.	53:32	वे लोग जो बड़े गुनाहों और अश्लील कर्मों से बचते है, यह और बात है कि संयोगबश कोई छोटी बुराई उनसे हो जाए। निश्चय ही तुम्हारा रब क्षमाशीलता मे बड़ा व्यापक है। वह तुम्हें उस समय से भली-भाँति जानता है, जबकि उसने तुम्हें धरती से पैदा किया और जबकि तुम अपनी माँओ के पेटों में भ्रुण अवस्था में थे। अतः अपने मन की पवित्रता और निखार का दावा न करो। वह उस व्यक्ति को भली-भाँति जानता है, जिसने डर रखा	अल्लाह उन लोगों को माफ़ कर देगा जो बड़े पापों और अल-फ़वाहीश (अश्लील पापों) से बचते हैं सिवाय छोटे दोषों और मामूली गलतियों के।
Afaraayta allathee tawalla	Chastising those who disobey Allah and stop giving charity.	Have you seen the one who turned away	53:33	क्या तुमने उस व्यक्ति को देखा जिसने मुँह फेरा,	उन लोगों को डांटना जो अल्लाह की आज्ञा नहीं मानते और दान देना बंद कर देते हैं।
WaaAAta qaleelan waakda	x	And gave a little and [then] refrained?	53:34	और थोड़ा-सा देकर रुक गया;	x

aAAindahu AAilmu alghaybi fahuwa yara	x	Does he have knowledge of the unseen, so he sees?	53:35	क्या उसके पास परोक्ष का ज्ञान है कि वह देख रहा है;	x
Am lam yunabba bima fee suhufi moosa	x	Or has he not been informed of what was in the scriptures of Moses	53:36	या उसको उन बातों की ख़बर नहीं पहुँची, जो मूसा की किताबों में है	x
Waibraheema allathee waffa	Conveyed all that he was ordered to convey.	And [of] Abraham, who fulfilled [his obligations] -	53:37	और इबराहीम की (किताबों में है), जिसने अल्लाह की बन्दगी का) पूरा-पूरा हक़ अदा कर दिया?	सभी बातें जो उसे बताने के लिए कहा गया था, उसने बताई।
Alla taziru waziratun wizra okhra	**[Each soul will bear its own burden 2:123, 6:164, 17:15, 53:38, Burden of others as well 16:25, 29:13, 37:33.]**	That no bearer of burdens will bear the burden of another	53:38	यह कि कोई बोझ उठानेवाला किसी दूसरे का बोझ न उठाएगा;	**[हर आत्मा अपना स्वयं का बोझ उठाएगी 2:123, 6:164, 17:15, 53:38, दूसरों का बोझ भी 16:25, 29:13, 37:33]**
Waan laysa lilinsani illa ma saAAa	x	And that there is not for man except that [good] for which he strives	53:39	और यह कि मनुष्य के लिए बस वही है जिसके लिए उसने प्रयास किया;	x
Waanna saAAyahu sawfa yura	x	And that his effort is going to be seen -	53:40	और यह कि उसका प्रयास शीघ्र ही देखा जाएगा।	x
Thumma yujzahu aljazaa alawfa	x	Then he will be recompensed for it with the fullest recompense	53:41	फिर उसे पूरा बदला दिया जाएगा;	x
Waanna ila rabbika almuntaha	x	And that to your Lord is the finality	53:42	और यह कि अन्त में पहुँचना तुम्हारे रब ही की ओर है;	x
Waannahu huwa adhaka waabka	One day, the Messenger (pbuh) passed by a group of people who were laughing, so he said: ‘If you knew what I know, you would cry a lot and laugh very little'. Then this verse came.	And that it is He who makes [one] laugh and weep	53:43	और यह कि वही है जो हँसाता और रुलाता है;	एक दिन, पैगंबर (स.) कुछ लोगों के समूह के पास से गुज़र रहे थे जो हँस रहे थे, तो उन्होंने कहा: 'अगर तुम वही जानते जो मैं जानता हूँ, तो तुम बहुत रोते और बहुत कम हँसते।' फिर यह आयत आई।

Waannahu huwa amata waahya	x	And that it is He who causes death and gives life	53:44	और यह कि वही जो मारता और जिलाता है;	x
Waannahu khalaqa alzzawjayni alththakara waalontha	**[Also some intersex individuals are born. Not every one is either a male or female.]**	And that He creates the two mates - the male and female -	53:45	और यह कि वही है जिसने नर और मादा के जोड़े पैदा किए,	**[कुछ अंतरलिंगी व्यक्तियों का भी जन्म होता है। हर कोई या तो पुरुष या महिला नहीं होता।]**
Min nutfatin itha tumna	**[It's semen drop not sperm. Also there is no mention of ovum anywhere in Quran.]**	From a sperm-drop when it is emitted	53:46	एक बूँद से, जब वह टपकाई जाती है;	**[वीर्य; साथ ही क़ुरआन में कहीं भी अंडाणु का उल्लेख नहीं है।]**
Waanna AAalayhi alnnashata alokhra	x	And that [incumbent] upon Him is the next creation	53:47	और यह कि उसी के ज़िम्मे दोबारा उठाना भी है;	x
Waannahu huwa aghna waaqna	x	And that it is He who enriches and suffices	53:48	और यह कि वही है जिसने धनी और पूँजीपति बनाया;	x
Waannahu huwa rabbu alshshiAAra	Sirius is a bright star which a group of Arabs used to worship. Sirius is not a very mighty star as compared to giants like Aldebaran, Betelgeuse or the dangerous Eta Carinae. But they were not discovered during those days.	And that it is He who is the Lord of Sirius	53:49	और यह कि वही है जो शेअरा (नामक तारे) का रब है	शेअरा (सिरीयस) एक चमकीला तारा है जिसे अरबों का एक समूह पूजता था। सिरीयस बहुत शक्तिशाली तारा नहीं है, जैसे ऐल्डेबारन, बेटेलगेज़ या खतरनाक एटा कैरिने की तुलना में। लेकिन उन्हें उन दिनों में खोजा नहीं गया था।
Waannahu ahlaka AAadan aloola	x	And that He destroyed the first [people of] 'Aad	53:50	और यह कि वही है उसी ने प्राचीन आद को विनष्ट किया;	x
Wathamooda fama abqa	x	And Thamud - and He did not spare [them] -	53:51	और समूद को भी। फिर किसी को बाक़ी न छोड़ा।	x
Waqawma noohin min qablu innahum kanoo hum athlama waatgha	x	And the people of Noah before. Indeed, it was they who were [even] more unjust and oppressing.	53:52	और उससे पहले नूह की क़ौम को भी। बेशक वे ज़ालिम और सरकश थे	x
Waalmutafikata ahwa	x	And the overturned towns He hurled down	53:53	उलट जानेवाली बस्ती को भी फेंक दिया।	x

Faghashshaha ma ghashsha	x	And covered them by that which He covered.	53:54	तो ढँक लिया उसे जिस चीज़ ने ढँक लिया;	x
Fabiayyi alai rabbika tatamara	x	Then which of the favors of your Lord do you doubt?	53:55	फिर तू अपने रब के चमत्कारों में से किस-किस के विषय में संदेह करेगा?	x
Hatha natheerun mina alnnuthuri aloola	Claim that Prophet Muhammad (pbuh) is continuation of chain of prophethood from Allah.	This [Prophet] is a warner like the former warners.	53:56	यह पहले के सावधान-कर्ताओं के सदृश एक सावधान करनेवाला है	यह आयत दावा करती है कि पैगंबर मोहम्मद (स.) अल्लाह से पैगंबरी की श्रृंखला की निरंतरता हैं।
Azifati alazifatu	Day of Judgement.	The Approaching Day has approached.	53:57	निकट आनेवाली (क़ियामत की घड़ी) निकट आ गई	x
Laysa laha min dooni Allahi	x	Of it, [from those] besides Allah, there is no remover.	53:58	अल्लाह के सिवा कोई नहीं जो उसे प्रकट कर दे	x
Afamin hatha alhadeethi taAAjaboona	x	Then at this statement do you wonder?	53:59	अब क्या तुम इस वाणी पर आश्चर्य करते हो;	x
Watadhakoona wala tabkoona	x	And you laugh and do not weep	53:60	और हँसते हो और रोते नहीं?	x
Waantum samidoona	x	While you are proudly sporting?	53:61	जबकि तुम घमंडी और ग़ाफ़िल हो	x
Faosjudoo lillahi waoAAbudoo	x	So prostrate to Allah and worship [Him].	53:62	अतः अल्लाह को सजदा करो और बन्दगी करो	x
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Al-Qamar (The Moon)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**54:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	अल-क़मर (चाँद)

Iqtarabati alssaAAatu wainshaqqa alqamaru	This refers to the splitting of the moon that took place during the time of the Messenger (pbuh) so the Quraysh said: 'This is an act of sorcery from the son of Abu Kabshah. Ask, therefore, the travellers whether they saw the moon split'. They asked some travellers and they confirmed it. Sahih Bukhari 3869, 3870, 4865. **[But no such proof exists in history nor NASA confirms it; [When is the day of Judgement: Near 16:77, 21:1, 33:63, 54:1, 70:6–7, Don't know 21:109]**	The Hour has come near, and the moon has split [in two].	54:1	वह घड़ी निकट और लगी और चाँद फट गया;	यह उस चंद्रमा के विभाजन को संदर्भित करता है जो पैगंबर (स.) के समय हुआ था, इसलिए क़ुरैश ने कहा: 'यह अबू कब्शा के बेटे का जादू है। इसलिए यात्रियों से पूछो कि क्या उन्होंने चंद्रमा को विभाजित होते देखा।' उन्होंने कुछ यात्रियों से पूछा और उन्होंने इसकी पुष्टि की। सहिह बुख़ारी 3869, 3870, 4865। **[लेकिन इतिहास में ऐसा कोई प्रमाण मौजूद नहीं है और न ही नासा इसे प्रमाणित करता है; [कयामत का दिन कब है: करीब 16:77, 21:1, 33:63, 54:1, 70:6–7, पता नहीं 21:109]**
Wain yaraw ayatan yuAAridoo wayaqooloo sihrun mustamirrun	**[Quran also says no miracles were given to prophet Muhammad (pbuh) 6:37, 6:109, 10:20, 13:7]**	And if they see a miracle, they turn away and say, "Passing magic."	54:2	किन्तु हाल यह है कि यदि वे कोई निशानी देख भी लें तो टाल जाएँगे और कहेंगे, "यह तो जादू है, पहले से चला आ रहा है!"	**[क़ुरआन यह भी कहता है कि पैगंबर मुहम्मद (स.) को कोई चमत्कार नहीं दिए गए थे 6:37, 6:109, 10:20, 13:7]**
Wakaththaboo waittabaAAoo ahwaahum wakullu amrin mustaqirrun	Allah has decided time for everything.	And they denied and followed their inclinations. But for every matter is a [time of] settlement.	54:3	उन्होंने झुठलाया और अपनी इच्छाओं का अनुसरण किया; किन्तु हर मामले के लिए एक नियत अवधि है।	अल्लाह ने हर चीज़ के लिए समय तय किया है।
Walaqad jaahum mina alanbai ma feehi muzdajarun	x	And there has already come to them of information that in which there is deterrence -	54:4	उनके पास अतीत की ऐसी खबरें आ चुकी है, जिनमें ताड़ना अर्थात पूर्णतः तत्वदर्शीता है।	x

Hikmatun balighatun fama tughnee alnnuthuru	x	Extensive wisdom - but warning does not avail [them].	54:5	किन्तु चेतावनियाँ उनके कुछ काम नहीं आ रही है! -	x
Fatawalla AAanhum yawma yadAAu alddaAAi ila shayin nukurin	x	So leave them, [O Muhammad]. The Day the Caller calls to something forbidding,	54:6	अतः उनसे रुख़ फेर लो - जिस दिन पुकारनेवाला एक अत्यन्त अप्रिय चीज़ की ओर पुकारेगा;	x
KhushshaAAan absaruhum yakhrujoona mina alajdathi kaannahum jaradun muntashirun	People will emege from their graves as locusts on Qiyamat.	Their eyes humbled, they will emerge from the graves as if they were locusts spreading,	54:7	वे अपनी झुकी हुई निगाहों के साथ अपनी क़बों से निकल रहे होंगे, मानो वे बिखरी हुई टिड्डियाँ है;	लोग क़ियामत के दिन अपने कब्रों से टिड्डियों की तरह निकलेंगे।
MuhtiAAeena ila alddaAAi yaqoolu alkafiroona hatha yawmun AAasirun	x	Racing ahead toward the Caller. The disbelievers will say, "This is a difficult Day."	54:8	दौड़ पड़ने को पुकारनेवाले की ओर। इनकार करनेवाले कहेंगे, "यह तो एक कठिन दिन है!"	x
Kaththabat qablahum qawmu noohin fakaththaboo AAabdana waqaloo majnoonun waizdujira	People of Noah also said, he is a madman like prophet Muhammad (pbuh). **[How can people behave exactly the same way through different ages.]**	The people of Noah denied before them, and they denied Our servant and said, "A madman," and he was repelled.	54:9	उनसे पहले नूह की क़ौम ने भी झुठलाया। उन्होंने हमारे बन्दे को झूठा ठहराया और कहा, "यह तो दीवाना है!" और वह बुरी तरह झिड़का गया	नूह के लोग भी कहते थे, वह पैगंबर मुहम्मद (स.) की तरह पागल है। **[लोग विभिन्न युगों में बिल्कुल उसी तरह कैसे व्यवहार कर सकते हैं।]**
FadaAAa rabbahu annee maghloobun faintasir	x	So he invoked his Lord, "Indeed, I am overpowered, so help."	54:10	अन्त में उसने अपने रब को पुकारा कि "मैं दबा हुआ हूँ। अब तू बदला ले।"	x

Fafatahna abwaba alssamai bimain munhamirin	**[Humans have reached moon which is claimed to be located in lowest heaven, but there is no heaven. Rain comes from condensation of water vapour in atmosphere. Even while traveing on aeroplate, one can see clouds.]**	Then We opened the gates of the heaven with rain pouring down	54:11	तब हमने मूसलाधार बरसते हुए पानी से आकाश के द्वार खोल दिए;	**[मनुष्य चंद्रमा तक पहुँच चुके हैं जिसे सबसे निचले स्वर्ग में स्थित होने का दावा किया गया है, लेकिन कोई स्वर्ग नहीं है। वर्षा वायुमंडल में जलवाष्प के संक्षारण से आती है। हवाई जहाज में यात्रा करते समय भी, कोई बादलों को देख सकता है।]**
Wafajjarna alarda AAuyoonan failtaqa almao AAala amrin qad qudira	x	And caused the earth to burst with springs, and the waters met for a matter already predestined.	54:12	और धरती को प्रवाहित स्रोतों में परिवर्तित कर दिया, और सारा पानी उस काम के लिए मिल गया जो नियत हो चुका था	x
Wahamalnahu AAala thati alwahin wadusurin	Mean to made a ship (Ark).	And We carried him on a [construction of] planks and nails,	54:13	और हमने उसे एक तख़्तों और कीलोंवाली (नौका) पर सवार किया,	x
Tajree biaAAyunina jazaan liman kana kufira	x	Sailing under Our observation as reward for he who had been denied.	54:14	जो हमारी निगाहों के सामने चल रही थी - यह बदला था उस व्यक्ति के लिए जिसकी क़द्र नहीं की गई।	x
Walaqad taraknaha ayatan fahal min muddakirin	**[These stories have no documentation so that can be presented as a clear signs.]**	And We left it as a sign, so is there any who will remember?	54:15	हमने उसे एक निशानी बनाकर छोड़ दिया; फिर क्या कोई नसीहत हासिल करनेवाला?	**[इन कहानियों का कोई दस्तावेज़ीकरण नहीं है ताकि उन्हें स्पष्ट संकेतों के रूप में प्रस्तुत किया जा सके।]**
Fakayfa kana AAathabee	x	And how [severe] were My punishment and warning.	54:16	फिर कैसी रही मेरी यातना और मेरे डरावे?	x
Walaqad yassarna alqurana liliththikri fahal min muddakirin	**[It's not easy to understand without reading explanations.]**	And We have certainly made the Qur'an easy for remembrance, so is there any who will remember?	54:17	और हमने क़ुरआन को नसीहत के लिए अनुकूल और सहज बना दिया है। फिर क्या है कोई नसीहत करनेवाला?	**[बिना व्याख्या पढ़े इसे समझना आसान नहीं है।]**

Kaththabat AAadun fakayfa kana AAathabee	x	'Aad denied; and how [severe] were My punishment and warning.	54:18	आद ने भी झुठलाया, फिर कैसी रही मेरी यातना और मेरा डराना?	x
Inna arsalna AAalayhim reehan sarsaran fee yawmi nahsin mustamirrin	**[Contradiction: The people of Aad perished in 54:19 one day, 41:16 several days, 69:7 seven nights and eight days. People of Aad killed by: Wind 54:19, 41:16, 69:7, Thunderbold 41:13]**	Indeed, We sent upon them a screaming wind on a day of continuous misfortune,	54:19	निश्चय ही हमने एक निरन्तर अशुभ दिन में तेज़ प्रचंड ठंडी हवा भेजी, उसे उनपर मुसल्लत कर दिया, तो वह लोगों को उखाड़ फेंक रही थी	**[विरोधाभास: आद की जनता 54:19 में एक दिन, 41:16 में कई दिन, 69:7 में सात रातें और आठ दिन में नष्ट हो गई। आद की जनता किसने मारी: हवा 54:19, 41:16, 69:7, बिजली 41:13]**
TanziAAu alnnasa kaannahum aAAjazu nakhlin	x	Extracting the people as if they were trunks of palm trees uprooted.	54:20	मानो वे उखड़े खजूर के तने हो	x
Fakayfa kana AAathabee	x	And how [severe] were My punishment and warning.	54:21	फिर कैसी रही मेरी यातना और मेरे डरावे?	x
Walaqad yassarna alqurana lilththikri fahal min muddakirin	x	And We have certainly made the Qur'an easy for remembrance, so is there any who will remember?	54:22	और हमने क़ुरआन को नसीहत के लिए अनुकूल और सहज बना दिया है। फिर क्या है कोई नसीहत हासिल करनेवाला?	x
Kaththabat thamoodu	x	Thamud denied the warning	54:23	समूद ने चेतावनियों को झुठलाया;	x
Faqaloo abasharan minna wahidan nattabiAAuhu inna ithan lafee dalalin wasuAAurin	x	And said, "Is it one human being among us that we should follow? Indeed, we would then be in error and madness.	54:24	और कहने लगे, "एक अकेला आदमी, जो हम ही में से है, क्या हम उसके पीछे चलेंगे? तब तो वास्तव में हम गुमराही और दीवानापन में पड़ गए!	x

Aolqiya alththikru AAalayhi min baynina bal huwa kaththabun ashirun	x	Has the message been sent down upon him from among us? Rather, he is an insolent liar."	54:25	"क्या हमारे बीच उसी पर अनुस्मृति उतारी है? नहीं, बल्कि वह तो परले दरजे का झूठा, बड़ा आत्मश्लाघी है।"	x
SayaAAlamoona ghadan mani alkaththabu alashiru	x	They will know tomorrow who is the insolent liar.	54:26	"कल को ही वे जान लेंगे कि कौन परले दरजे का झूठा, बड़ा आत्मश्लाघी है।	x
Inna mursiloo alnnaqati fitnatan lahum fairtaqibhum waistabir	On the camel of Thamud, see 11:64, 26:155, and 91:11-14, as well as the introduction to sura 11.	Indeed, We are sending the she-camel as trial for them, so watch them and be patient.	54:27	हम ऊँटनी को उनके लिए परीक्षा के रूप में भेज रहे है। अतः तुम उन्हें देखते जाओ और धैर्य से काम लो	थमूद के ऊँट पर देखिए, 11:64, 26:155, और 91:11-14, साथ ही सूरा 11 की प्रस्तावना में भी।
Wanabbihum anna almaa qismatun baynahum kullu shirbin muhtadarun	x	And inform them that the water is shared between them, each [day of] drink attended [by turn].	54:28	"और उन्हें सूचित कर दो कि पानी उनके बीच बाँट दिया गया है। हर एक पीने की बारी पर बारीवाला उपस्थित होगा।"	x
Fanadaw sahibahum fataAAata faAAaqara	x	But they called their companion, and he dared and hamstrung [her].	54:29	अन्ततः उन्होंने अपने साथी को पुकारा, तो उसने ज़िम्मा लिया फिर उसने उसकी कूचें काट दी	x
Fakayfa kana AAathabee	x	And how [severe] were My punishment and warning.	54:30	फिर कैसी रही मेरी यातना और मेरे डरावे?	x
Inna arsalna AAalayhim sayhatan wahidatan fakanoo kahasheemi almuhtathiri	x	Indeed, We sent upon them one blast from the sky, and they became like the dry twig fragments of an [animal] pen.	54:31	हमने उनपर एक धमाका छोड़ा, फिर वे बाड़ लगानेवाले की रौंदी हुई बाड़ की तरह चूरा होकर रह गए	x

Walaqad yassarna alqurana liliththikri fahal min muddakirin	**[Generally memorization of whole Quran takes 2 to 3 years. Even strong memorizers cannot retain long without revision.]**	And We have certainly made the Qur'an easy for remembrance, so is there any who will remember?	54:32	हमने क़ुरआन को नसीहत के लिए अनुकूल और सहज बना दिया है। फिर क्या कोई नसीहत हासिल करनेवाला?	x
Kaththabat qawmu lootin bialnnuthuri	x	The people of Lot denied the warning.	54:33	लूत की क़ौम ने भी चेतावनियों को झुठलाया	x
Inna arsalna AAalayhim hasiban illa ala lootin najjaynahum	**[However, Lot's wife was not spared, 7:83.]**	Indeed, We sent upon them a storm of stones, except the family of Lot - We saved them before dawn	54:34	हमने लूत के घरवालों के सिवा उनपर पथराव करनेवाली तेज़ वायु भेजी।	**[हालाँकि, लूत की पत्नी को नहीं बख्शा गया, 7:83.]**
NiAAmatan min AAindina kathalika najzee man shakara	x	As favor from us. Thus do We reward he who is grateful.	54:35	हमने अपनी विशेष अनुकम्पा से प्रातःकाल उन्हें बचा लिया। हम इसी तरह उस व्यक्ति को बदला देते है जो कृतज्ञता दिखाए	x
Walaqad antharahum batshatana fatamaraw bialnnuthuri	x	And he had already warned them of Our assault, but they disputed the warning.	54:36	उसने जो उन्हें हमारी पकड़ से सावधान कर दिया था। किन्तु वे चेतावनियों के विषय में संदेह करते रहे	x
Walaqad rawadoohu AAan dayfihi fatamasna aAAyunahum fathooqoo AAathabee wanuthuri	When Angels came to Prophet Lut in human form, the people gathered intending abuse toward the guests.	And they had demanded from him his guests, but We obliterated their eyes, [saying], "Taste My punishment and warning."	54:37	उन्होंने उसे फुसलाकर उसके पास से उसके अतिथियों को बलाना चाहा। अन्ततः हमने उसकी आँखें मेट दीं, "लो, अब चखो मज़ा मेरी यातना और चेतावनियों का!"	जब फरिश्ते मानव रूप में पैगंबर लूत के पास आए, तो लोग मेहमानों के प्रति दुर्व्यवहार करने के इरादे से इकट्ठा हुए।
Walaqad sabbahahum bukratan AAathabun mustaqirrun	x	And there came upon them by morning an abiding punishment.	54:38	सुबह सवेरे ही एक अटल यातना उनपर आ पहुँची,	x

Fathooqoo AAathabee	x	So taste My punishment and warning.	54:39	"लो, अब चखो मज़ा मेरी यातना और चेतावनियों का!"	x
Walaqad yassarna alqurana lilththikri fahal min muddakirin	x	And We have certainly made the Qur'an easy for remembrance, so is there any who will remember?	54:40	और हमने क़ुरआन को नसीहत के लिए अनुकूल और सहज बना दिया है। फिर क्या है कोई नसीहत हासिल करनेवाला?	x
Walaqad jaa ala firAAawna alnnuthuru	x	And there certainly came to the people of Pharaoh warning.	54:41	और फ़िरऔनियों के पास चेतावनियाँ आई;	x
Kaththaboo biayatina kulliha faakhathnahum akhtha AAazeezin muqtadirin	x	They denied Our signs, all of them, so We seized them with a seizure of one Exalted in Might and Perfect in Ability.	54:42	उन्होंने हमारी सारी निशानियों को झुठला दिया। अन्ततः हमने उन्हें पकड़ लिया, जिस प्रकार एक ज़बरदस्त प्रभुत्वशाली पकड़ता है	x
Akuffarukum khayrun min olaikum am lakum baraatun fee	x	Are your disbelievers better than those [former ones], or have you immunity in the scripture?	54:43	क्या तुम्हारे काफ़िर कुछ उन लोगो से अच्छे है या किताबों में तुम्हारे लिए कोई छुटकारा लिखा हुआ है?	x
Am yaqooloona nahnu jameeAAun muntasirun	x	Or do they say, "We are an assembly supporting [each other]"?	54:44	या वे कहते है, "और हम मुक़ाबले की शक्ति रखनेवाले एक जत्था है?"	x
Sayuhzamu aljamAAu wayuwalloona alddubura	x	[Their] assembly will be defeated, and they will turn their backs [in retreat].	54:45	शीघ्र ही वह जत्था पराजित होकर रहेगा और वे पीठ दिखा जाएँगे	x
Bali alssaAAatu mawAAiduhum waalssaAAatu adha waamarru	x	But the Hour is their appointment [for due punishment], and the Hour is more disastrous and more bitter.	54:46	नहीं, बल्कि वह घड़ी है, जिसका समय उनके लिए नियत है और वह बड़ी आपदावाली और कटु घड़ी है!	x

Inna almujrimeena fee dalalin wasuAAurin	Disbelievers	Indeed, the criminals are in error and madness.	54:47	निस्संदेह, अपराधी लोग गुमराही और दीवानेपन में पड़े हुए है	अविश्वासी
Yawma yushaboona fee alnnari AAala wujoohihim thooqoo massa	Saqar is the level of Hell “for the Jews.”	The Day they are dragged into the Fire on their faces [it will be said], "Taste the touch of Saqar."	54:48	जिस दिन वे अपने मुँह के बल आग में घसीटे जाएँगे, "चखो मज़ा आग की लपट का!"	सक़र यहूदियों के लिए नरक का स्तर है।
Inna kulla shayin khalaqnahu biqadarin	The Quraysh came to dispute the question of Destiny and then this verse was revealed. **[It contradicts the concept of freewill.]**	Indeed, all things We created with predestination.	54:49	निश्चय ही हमने हर चीज़ एक अंदाज़े के साथ पैदा की है	कुरैश तक़दीर के सवाल पर बहस करने आए और फिर यह आयत प्रकट हुई। **[यह स्वतन्त्र इच्छा की अवधारणा के विरोध में है।]**
Wama amruna illa wahidatun kalamhin bialbasari	x	And Our command is but one, like a glance of the eye.	54:50	और हमारा आदेश (और काम) तो बस एक दम की बात होती है जैसे आँख का झपकना	x
Walaqad ahlakna ashyaAAakum fahal min muddakirin	x	And We have already destroyed your kinds, so is there any who will remember?	54:51	और हम तुम्हारे जैसे लोगों को विनष्ट कर चुके है। फिर क्या है कोई नसीहत हासिल करनेवाला?	x
Wakullu shayin faAAaloohu fee alzzuburi	x	And everything they did is in written records.	54:52	जो कुछ उन्होंने किया है, वह पन्नों में अंकित है	x
Wakullu sagheerin wakabeerin mustatarun	x	And every small and great [thing] is inscribed.	54:53	और हर छोटी और बड़ी चीज़ लिखित है	x
Inna almuttaqeena fee jannatin wanaharin	x	Indeed, the righteous will be among gardens and rivers,	54:54	निश्चय ही डर रखनेवाले बाग़ो और नहरों के बीच होंगे,	x
Fee maqAAadi sidqin AAinda maleekin muqtadirin	The believers will be with Allah on podiums of light.	In a seat of honor near a Sovereign, Perfect in Ability.	54:55	प्रतिष्ठित स्थान पर, प्रभुत्वशाली सम्राट के निकट	विश्वासी अल्लाह के साथ प्रकाश के मंचों पर होंगे।

Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Ar-Rahman (The Compassionate One)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**55:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अर-रहमान (दयालु)**
Alrrahmanu	Prophet (pbuh) said "I recited it to the Jinns, on the night of the Jinns and their response was better than yours (his companions)!"	The Most Merciful	55:1	रहमान ने	नबी (स.) ने कहा, "मैंने इसे जिन्नों को सुनाया, जिन्नों की रात में, और उनकी प्रतिक्रिया तुम्हारी (उनके साथियों की) तुलना में बेहतर थी!"
AAallama alqurana	x	Taught the Qur'an,	55:2	क़ुरआन सिखाया;	x
Khalaqa alinsana	x	Created man,	55:3	उसी ने मनुष्य को पैदा किया;	x
AAallamahu	x	[And] taught him	55:4	उसे बोलना सिखाया;	x
Alshshamsu waalqamaru bihusbanin	x	The sun and the moon [move] by precise calculation,	55:5	सूर्य और चन्द्रमा एक हिसाब के पाबन्द है;	x
Waalnnajmu waalshshajaru yasjudani	**[Even star and trees prostate to Allah.]**	And the stars and trees prostrate.	55:6	और तारे और वृक्ष सजदा करते है;	**[यहाँ तक कि तारे और पेड़ अल्लाह के सामने सर झुकाते हैं।]**
Waalssamaa rafaAAaha wawadaAAa almeezana	x	And the heaven He raised and imposed the balance	55:7	उसने आकाश को ऊँचा किया और संतुलन स्थापित किया -	x
Alla tatghaw fee almeezani	x	That you not transgress within the balance.	55:8	कि तुम भी तुला में सीमा का उल्लंघन न करो	x
Waaqeemoo alwazna bialqisti wala tukhsiroo	Meaning, do not cheat in the weights.	And establish weight in justice and do not make deficient the balance.	55:9	न्याय के साथ ठीक-ठीक तौलो और तौल में कमी न करो। -	x
Waalarda wadaAAaha lilanami	x	And the earth He laid [out] for the creatures.	55:10	और धरती को उसने सृष्टल प्राणियों के लिए बनाया;	x

Feeha fakihatun waalnnakhlu thatu alakmami	x	Therein is fruit and palm trees having sheaths [of dates]	55:11	उसमें स्वादिष्ट फल है और खजूर के वृक्ष है, जिनके फल आवरणों में लिपटे हुए है,	x
Waalhabbu thoo alAAasfi	x	And grain having husks and scented plants.	55:12	और भुसवाले अनाज भी और सुगंधित बेल-बूटा भी	x
Fabiayyi alai rabbikuma tukaththibani	Repeated 55:13, 55:16, 55:18, 55:21, 55:23, 55:25, 55:28, 55:30, 55:32, 55:34, 55:36, 55:38, 55:40, 55:42, 55:45, 55:53, 55:55, 55:59, 55:61, 55:65, 55:67, 55:69, and 55:77.	So which of the favors of your Lord would you deny?	55:13	तो तुम दोनों अपने रब की अनुकम्पाओं में से किस-किस को झुठलाओगे?	x
Khalaqa alinsana min salsalin kaalfakhkhari	**[Other verses mention dust, water etc.]**	He created man from clay like [that of] pottery.	55:14	उसने मनुष्य को ठीकरी जैसी खनखनाती हुए मिट्टी से पैदा किया;	**[अन्य आयतों में मिट्टी, पानी आदि का उल्लेख है।]**
Wakhalaqa aljanna min marijin min narin	x	And He created the jinn from a smokeless flame of fire.	55:15	और जिन्न को उसने आग की लपट से पैदा किया	x
Fabiayyi alai rabbikuma tukaththibani	Throughout history, rulers and false prophets have used nature to legitimize themselves.	So which of the favors of your Lord would you deny?	55:16	फिर तुम दोनों अपने रब की सामर्थ्यों में से किस-किस को झुठलाओगे?	इतिहास में, शासकों और झूठे भविष्यवक्ताओं ने स्वयं को वैध ठहराने के लिए प्रकृति का उपयोग किया है।
Rabbu almashriqayni warabbu almaghribayni	Ibn Kathir: “two easts and two wests” refers to “the sunrise of summer and winter and the sunset of summer and winter,”. **[A decidedly geocentric point of view. Also see sun's resting place 18:86.]**	[He is] Lord of the two sunrises and Lord of the two sunsets.	55:17	वह दो पूर्व का रब है और दो पश्चिम का रब भी।	इब्न क़थीर: “दो पूरब और दो पश्चिम” से आशय है “गर्मियों और सर्दियों का सूर्योदय और गर्मियों और सर्दियों का सूर्यास्त।” **[निश्चित रूप से एक भू-केंद्रित दृष्टिकोण। सूर्य के विश्राम स्थल 18:86 भी देखें।]**
Fabiayyi alai rabbikuma tukaththibani	x	So which of the favors of your Lord would you deny?	55:18	फिर तुम दोनों अपने रब की महानताओं में से किस-किस को झुठलाओगे?	x

Maraja albahrayni yaltaqiyani	Similar verses 25:53, 27:61	He released the two seas, meeting [side by side];	55:19	उसने दो समुद्रो को प्रवाहित कर दिया, जो आपस में मिल रहे होते है।	समान आयतें 25:53, 27:61
Baynahuma barzakhun la yabghiyani	Wherever two water bodies meet, whether seas or freshwater, different colour waters are observed separated by a visible boundary. This temporary boundary is commonly associated with a pycnocline, a layer in which water density changes rapidly. Less dense, sediment-rich or fresher water can temporarily float above denser, saltier water, slowing immediate mixing. Although waves, currents, and turbulence eventually cause the two waters to mix.	Between them is a barrier [so] neither of them transgresses.	55:20	उन दोनों के बीच एक परदा बाधक होता है, जिसका वे अतिक्रमण नहीं करते	जहाँ भी दो जलभूत मिलते हैं, चाहे वह समुद्र हों या मीठे पानी, अलग-अलग रंग के पानी एक स्पष्ट सीमा द्वारा अलग दिखाई देते हैं। यह अस्थायी सीमा सामान्यतः एक पाइक्नोक्लाइन होती है, ऐसी परत जिसमें जल घनत्व तेजी से बदलता है। कम घनत्व वाला, तलछट-युक्त या ताजे पानी अस्थायी रूप से घने, नमकीन पानी के ऊपर तैर सकता है, जिससे तत्काल मिश्रण धीमा हो जाता है। हालांकि, अंततः लहरें, धाराएँ और उथल-पुथल इन दोनों पानी को मिलाने का कारण बनती हैं।
Fabiayyi alai rabbikuma tukaththibani	x	So which of the favors of your Lord would you deny?	55:21	तो तुम दोनों अपने रब के चमत्कारों में से किस-किस को झुठलाओगे?	x
Yakhruju minhuma alluluo waalmarjanu	x	From both of them emerge pearl and coral.	55:22	उन (समुद्रों) से मोती और मूँगा निकलता है।	x
Fabiayyi alai rabbikuma tukaththibani	x	So which of the favors of your Lord would you deny?	55:23	अतः तुम दोनों अपने रब के चमत्कारों में से किस-किस को झुठलाओगे?	x
Walahu aljawari almunshaatu fee albahri kaalaAAlami	x	And to Him belong the ships [with sails] elevated in the sea like mountains.	55:24	उसी के बस में है समुद्र में पहाड़ो की तरह उठे हुए जहाज़	x

Fabiayyi alai rabbikuma tukaththibani	x	So which of the favors of your Lord would you deny?	55:25	तो तुम दोनों अपने रब की अनुकम्पाओं में से किस-किस को झुठलाओग?	x
Kullu man AAalayha fanin	x	Everyone upon the earth will perish,	55:26	प्रत्येक जो भी इस (धरती) पर है, नाशवान है	x
Wayabqa wajhu rabbika thoo aljalali waalikrami	**[Allah is unlike creation 42:11 but could hear and see, Face 55:27, Loves 20:39, Hands 5:64, Two hands 38:74-75, Fist 39:67, Shin 68: 42, sits on throne 69:17]**	And there will remain the Face of your Lord, Owner of Majesty and Honor.	55:27	किन्तु तुम्हारे रब का प्रतापवान और उदार स्वरूप शेष रहनेवाला है	**[अल्लाह सृष्टि के समान नहीं है 42:11 लेकिन सुन और देख सकते हैं, चेहरा 55:27, प्रेम करते हैं 20:39, हाथ 5:64, दो हाथ 38:74-75, मुट्ठी 39:67, पिंडली 68:42, सिंहासन पर बैठते हैं 69:17]**
Fabiayyi alai rabbikuma tukaththibani	x	So which of the favors of your Lord would you deny?	55:28	अतः तुम दोनों अपने रब के चमत्कारों में से किस-किस को झुठलाओगं?	x
Yasaluhu man fee alssamawati waalardi kulla yawmin huwa fee	x	Whoever is within the heavens and earth asks Him; every day He is bringing about a matter.	55:29	आकाशों और धरती में जो भी है उसी से माँगता है। उसकी नित्य नई शान है	x
Fabiayyi alai rabbikuma tukaththibani	x	So which of the favors of your Lord would you deny?	55:30	अतः तुम दोनों अपने रब की अनुकम्पाओं में से किस-किस को झुठलाओगे?	x
Sanafrughu lakum ayyuha alththaqalani	x	We will attend to you, O prominent beings.	55:31	ऐ दोनों बोझों! शीघ्र ही हम तुम्हारे लिए निवृत हुए जाते है	x
Fabiayyi alai rabbikuma tukaththibani	x	So which of the favors of your Lord would you deny?	55:32	तो तुम दोनों अपने रब की अनुकम्पाओं में से किस-किस को झुठलाओगे?	x

Ya maAAshara aljinni waalinsi ini istataAAtum an tanfuthoo min aqtari alssamawati waalardi faonfuthoo la tanfuthoona illa bisultanin	**[Could Jinns reach heaven: Yes in past 72:9, Can not 55:33. Also humans have reached moon which is located on lowest heaven.]**	O company of jinn and mankind, if you are able to pass beyond the regions of the heavens and the earth, then pass. You will not pass except by authority [from Allah].	55:33	ऐ जिन्नों और मनुष्यों के गिरोह! यदि तुममें हो सके कि आकाशों और धरती की सीमाओं को पार कर सको, तो पार कर जाओ; तुम कदापि पार नहीं कर सकते बिना अधिकार-शक्ति के	**[क्या जिन्न स्वर्ग पहुँच सकते हैं: हाँ, अतीत में 72:9 में, नहीं 55:33. साथ ही मनुष्य चंद्रमा तक पहुँच चुके हैं जो सबसे निचले स्वर्ग में स्थित है।]**
Fabiayyi alai rabbikuma tukaththibani	x	So which of the favors of your Lord would you deny?	55:34	अतः तुम दोनों अपने रब की सामर्थ्यों में से किस-किस को झुठलाओगे?	x
Yursalu AAalaykuma shuwathun min narin wanuhasun fala tantasirani	Hell	There will be sent upon you a flame of fire and smoke, and you will not defend yourselves.	55:35	अतः तुम दोनों पर अग्नि-ज्वाला और धुएँवाला अंगारा (पिघला ताँबा) छोड़ दिया जाएगा, फिर तुम मुक़ाबला न कर सकोगे।	नरक
Fabiayyi alai rabbikuma tukaththibani	x	So which of the favors of your Lord would you deny?	55:36	अतः तुम दोनों अपने रब की सामर्थ्यों में से किस-किस को झुठलाओगे?	x
Faitha inshaqqati alssamao fakanat wardatan kaalddihani	on the day of Judgement.	And when the heaven is split open and becomes rose-colored like oil -	55:37	फिर जब आकाश फट जाएगा और लाल चमड़े की तरह लाल हो जाएगा।	कयामत के दिन।
Fabiayyi alai rabbikuma tukaththibani	x	So which of the favors of your Lord would you deny? -	55:38	अतः तुम दोनों अपने रब की सामर्थ्यों में से किस-किस को झुठलाओगे?	x
Fayawmaithin la yusalu AAan thanbihi insun wala jannun	That will be a Day when they shall not speak, and they will not be permitted to put forth any excuse.	Then on that Day none will be asked about his sin among men or jinn.	55:39	फिर उस दिन न किसी मनुष्य से उसके गुनाह के विषय में पूछा जाएगा न किसी जिन्न से	वह एक दिन होगा जब वे बोलेंगे नहीं, और उन्हें कोई बहाना प्रस्तुत करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।
Fabiayyi alai rabbikuma tukaththibani	x	So which of the favors of your Lord would you deny?	55:40	अतः तुम दोनों अपने रब के चमत्कारों में से किस-किस को झुठलाओगे?	x

YuAArafu almujrimoona biseemahum fayukhathu bialnnawasee waalaqdami	The disbelievers will be identified by their dark faces and their blue eyes.	The criminals will be known by their marks, and they will be seized by the forelocks and the feet.	55:41	अपराधी अपने चहरों से पहचान लिए जाएँगे और उनके माथे के बालों और टाँगों द्वारा पकड़ लिया जाएगा	काफ़िरों की पहचान उनके काले चेहरे और नीली आँखों से की जाएगी।
Fabiayyi alai rabbikuma tukaththibani	x	So which of the favors of your Lord would you deny?	55:42	अतः तुम दोनों अपने रब की सामर्थ्यों में से किस-किस को झुठलाओगे?	x
Hathihi jahannamu allatee yukaththibu biha almujrimoona	x	This is Hell, which the criminals deny.	55:43	यही वह जहन्नम है जिसे अपराधी लोग झूठ ठहराते रहे है	x
Yatoofoona baynaha wabayna hameemin anin	x	They will go around between it and scalding water, heated [to the utmost degree].	55:44	वे उनके और खौलते हुए पानी के बीच चक्कर लगा रहें होंगे	x
Fabiayyi alai rabbikuma tukaththibani	x	So which of the favors of your Lord would you deny?	55:45	फिर तुम दोनों अपने रब के सामर्थ्यों में से किस-किस को झुठलाओगे?	x
Waliman khafa maqama rabbihi jannatani	This Ayah is general and applies to both humans and Jinns, providing proof that those among the Jinns who believe will enter Paradise.	But for he who has feared the position of his Lord are two gardens -	55:46	किन्तु जो अपने रब के सामने खड़े होने का डर रखता होगा, उसके लिए दो बाग़ है। -	यह आयत सामान्य है और इसका प्रभाव मानवों और जिन्नों दोनों पर होता है, और यह प्रमाण देती है कि जिन जिन्नों में ईमान है वे जन्नत में प्रवेश करेंगे।
Fabiayyi alai rabbikuma tukaththibani	x	So which of the favors of your Lord would you deny? -	55:47	तो तुम दोनों अपने रब की अनुकम्पाओं में से किस-किस को झुठलाओगे?	x
Thawata afnanin	These trees have beautiful young branches that hold every type of beautiful	Having [spreading] branches.	55:48	घनी डालियोंवाले;	इन पेड़ों की सुंदर युवा शाखाएँ हैं जो हर प्रकार के सुंदर फल थामे हुए हैं।

Fabiayyi alai rabbikuma tukaththibani	x	So which of the favors of your Lord would you deny?	55:49	अतः तुम दोनों अपने रब के उपकारों में से किस-किस को झुठलाओगे?	x
Feehima AAaynani tajriyani	One of these springs is called Tasnim, and the other called As-Salsabil. It is said that the water of one of these springs is from non-standing water and the other from wine.	In both of them are two springs, flowing.	55:50	उन दोनों (बाग़ों) में दो प्रवाहित स्रोत है।	इनमें से एक झरना तसनीम कहा जाता है, और दूसरा अस-सलसबील कहा जाता है। कहा जाता है कि इनमें से एक झरना पानी का है और दूसरा शराब का।
Fabiayyi alai rabbikuma tukaththibani	x	So which of the favors of your Lord would you deny?	55:51	अतः तुम दोनों अपने रब की अनुकम्पाओं में से किस-किस को झुठलाओगे?	x
Feehima min kulli fakihatin zawjani	There is two varities of every fruits in Paradise. **[But in this world there are many varities of each fruit.]**	In both of them are of every fruit, two kinds.	55:52	उन दोनों (बाग़ों) मे हर स्वादिष्ट फल की दो-दो किस्में हैं;	स्वर्ग में हर फल की दो किस्में हैं। **[लेकिन इस दुनिया में हर फल की कई किस्में हैं।]**
Fabiayyi alai rabbikuma tukaththibani	x	So which of the favors of your Lord would you deny?	55:53	अतः तुम दोनो रब के चमत्कारों में से किस-किस को झुठलाओगे?	x
Muttakieena AAala furushin batainuha min istabraqin wajana aljannatayni danin	Description of hoors in paradise. **[Quran always debates from male's point of view.]**	[They are] reclining on beds whose linings are of silk brocade, and the fruit of the two gardens is hanging low.	55:54	वे ऐसे बिछौनो पर तकिया लगाए हुए होंगे जिनके अस्तर गाढे रेशम के होंगे, और दोनों बाग़ो के फल झुके हुए निकट ही होंगे।	स्वर्ग में हूरों का वर्णन। **[कुरआन हमेशा पुरुष के दृष्टिकोण से बहस करता है।]**
Fabiayyi alai rabbikuma tukaththibani	x	So which of the favors of your Lord would you deny?	55:55	अतः तुम अपने रब के चमत्कारों में से किस-किस को झुठलाओगे?	x

Feehinna qasiratu alttarfi lam yatmithhunna insun qablahum wala jannun	These Hoors will be virgin.	In them are women limiting [their] glances, untouched before them by man or jinni -	55:56	उन (अनुकम्पाओं) में निगाह बचाए रखनेवाली (सुन्दर) स्त्रियाँ होंगी, जिन्हें उनसे पहले न किसी मनुष्य ने हाथ लगाया और न किसी जिन्न ने	ये हूर कुँवारी होंगी।
Fabiayyi alai rabbikuma tukaththibani	x	So which of the favors of your Lord would you deny? -	55:57	फिर तुम दोनों अपने रब की अनुकम्पाओं में से किस-किस को झुठलाओगे?	x
Kaannahunna alyaqootu waalmarjanu	The beauty of these Hoors.	As if they were rubies and coral.	55:58	मानो वे लाल (याकूत) और प्रवाल (मूँगा) है।	इन हूरों की सुंदरता।
Fabiayyi alai rabbikuma tukaththibani	x	So which of the favors of your Lord would you deny?	55:59	अतः तुम दोनों अपने रब की अनुकम्पाओं में से किस-किस को झुठलाओगे?	x
Hal jazao alihsani illa alihsanu	x	Is the reward for good [anything] but good?	55:60	अच्छाई का बदला अच्छाई के सिवा और क्या हो सकता है?	x
Fabiayyi alai rabbikuma tukaththibani	x	So which of the favors of your Lord would you deny?	55:61	अतः तुम दोनों अपने रब की अनुकम्पाओं में से किस-किस को झुठलाओगे?	x
Wamin doonihima jannatani	There are two gardens made of gold and two made of silver. The gold ones better in grade.	And below them both [in excellence] are two [other] gardens -	55:62	उन दोनों से हटकर दो और बाग़ है।	दो बाग़ हैं जो सोने के बने हैं और दो चांदी के बने हैं। सोने वाले बाग़ गुणवत्ता में बेहतर हैं।
Fabiayyi alai rabbikuma tukaththibani	x	So which of the favors of your Lord would you deny? -	55:63	फिर तुम दोनों अपने रब की अनुकम्पाओं में से किस-किस को झुठलाओगे?	x
Mudhammatani	Dark green due to foliage.	Dark green [in color].	55:64	गहरे हरित;	पत्तियों के कारण गहरा हरा।
Fabiayyi alai rabbikuma tukaththibani	x	So which of the favors of your Lord would you deny?	55:65	अतः तुम दोनों अपने रब की अनुकम्पाओं में से किस-किस को झुठलाओगे?	x

Feehima AAaynani naddakhatani	x	In both of them are two springs, spouting.	55:66	उन दोनों (बाग़ो) में दो स्रोत है जोश मारते हुए	x
Fabiayyi alai rabbikuma tukaththibani	x	So which of the favors of your Lord would you deny?	55:67	अतः तुम दोनों अपने रब के चमत्कारों में से किस-किस को झुठलाओगे?	x
Feehima fakihatun wanakhlun warummanun	x	In both of them are fruit and palm trees and pomegranates.	55:68	उनमें है स्वादिष्ट फल और खजूर और अनार;	x
Fabiayyi alai rabbikuma tukaththibani	x	So which of the favors of your Lord would you deny?	55:69	अतः तुम दोनों अपने रब की अनुकम्पाओं में से किस-किस को झुठलाओगे?	x
Feehinna khayratun hisanun	**[Male's point of view.]**	In them are good and beautiful women -	55:70	उनमें भली और सुन्दर स्त्रियाँ होंगी।	**[पुरुष के दृष्टिकोण से.]**
Fabiayyi alai rabbikuma tukaththibani	x	So which of the favors of your Lord would you deny? -	55:71	तो तुम दोनों अपने रब की अनुकम्पाओं में से किस-किस को झुठलाओगे?	x
Hoorun maqsooratun fee	Hoor (fair females) guarded in pavilions.	Fair ones reserved in pavilions -	55:72	हूरें (परम रूपवती स्त्रियाँ) ख़ेमों में रहनेवाली;	x
Fabiayyi alai rabbikuma tukaththibani	x	So which of the favors of your Lord would you deny? -	55:73	अतः तुम दोनों अपने रब के चमत्कारों में से किस-किस को झुठलाओगे?	x
Lam yatmithhunna insun qablahum wala jannun	Virgin	Untouched before them by man or jinni -	55:74	जिन्हें उससे पहले न किसी मनुष्य ने हाथ लगाया होगा और न किसी जिन्न ने।	कुवारी
Fabiayyi alai rabbikuma tukaththibani	x	So which of the favors of your Lord would you deny? -	55:75	अतः तुम दोनों अपने रब की अनुकम्पाओं में से किस-किस को झुठलाओगे?	x
Muttakieena AAala rafrafin khudrin waAAabqariyyin hisanin	Paradise	Reclining on green cushions and beautiful fine carpets.	55:76	वे हरे रेशमी गद्दो और उत्कृष्ट और असाधारण क़ालीनों पर तकिया लगाए होंगे;	स्वर्ग

Fabiayyi alai rabbikuma tukaththibani	x	So which of the favors of your Lord would you deny?	55:77	अतः तुम दोनों अपने रब की अनुकम्पाओं में से किस-किस को झुठलाओगे?	x
Tabaraka ismu rabbika thee aljalali waalikrami	**[Allah is sending blessing on Himself.]**	Blessed is the name of your Lord, Owner of Majesty and Honor.	55:78	बड़ा ही बरकतवाला नाम है तुम्हारे प्रतापवान और उदार रब का	**[अल्लाह अपने ऊपर आशीर्वाद भेज रहा है।]**
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Al-Waqia (The Inevitable Event)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**56:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अल-वाक़िआ (अटल घटना)**
Itha waqaAAati alwaqiAAatu	Means day of Judgement.	When the Occurrence occurs,	56:1	जब घटित होनेवाली (घड़ी) घटित हो जाएगी;	क़यामत / पुनरुत्थान का दिन
Laysa liwaqAAatiha kathibatun	x	There is, at its occurrence, no denial.	56:2	उसके घटित होने में कुछ भी झूठ नहीं;	x
Khafidatun rafiAAatun	x	It will bring down [some] and raise up [others].	56:3	पस्त करनेवाली होगी, ऊँचा करनेवाली थी;	x
Itha rujjati alardu rajjan	x	When the earth is shaken with convulsion	56:4	जब धरती थरथराकर काँप उठेगी;	x
Wabussati aljibalu bassan	x	And the mountains are broken down, crumbling	56:5	और पहाड़ टूटकर चूर्ण-विचुर्ण हो जाएँगे	x
Fakanat habaan munbaththan	x	And become dust dispersing.	56:6	कि वे बिखरे हुए धूल होकर रह जाएँगे	x
Wakuntum azwajan thalathatan	Allah divides people into these three groups upon their death.	And you become [of] three kinds:	56:7	और तुम लोग तीन प्रकार के हो जाओगे -	अल्लाह मृत्यु के समय लोगों को इन तीन समूहों में बाँटते हैं।
Faashabu almaymanati ma ashabu almaymanati	x	Then the companions of the right - what are the companions of the right?	56:8	तो दाहिने हाथ वाले (सौभाग्यशाली), कैसे होंगे दाहिने हाथ वाले!	x
Waashabu almashamati ma ashabu almashamati	x	And the companions of the left - what are the companions of the left?	56:9	और बाएँ हाथ वाले (दुर्भाग्यशाली), कैसे होंगे बाएँ हाथ वाले!	x
Waalssabiqoona alssabiqoona	And forerunners are the Prophets.	And the forerunners, the forerunners -	56:10	और आगे बढ़ जानेवाले तो आगे बढ़ जानेवाले ही है	आगे बढ़ जानेवाले, वे हैं जो पैग़ंबर हैं।

Olaika almuqarraboona	x	Those are the ones brought near [to Allah]	56:11	वही (अल्लाह के) निकटवर्ती है;	x
Fee jannati alnnaAAeemi	x	In the Gardens of Pleasure,	56:12	नेमत भरी जन्नतों में होंगे;	x
Thullatun mina alawwaleena	The Messenger (pbuh) said: 'From Adam to us a multitude of people, and from me to the Day of Judgement a multitude which will only be completed by black herdsmen who say, there is no deity except Allah'.	A [large] company of the former peoples	56:13	अगलों में से तो बहुत-से होंगे,	पैग़म्बर स. ने कहा: "आदम से लेकर हमारे समय तक बहुत से लोग आए, और मेरे समय से लेकर क़यामत के दिन तक भी बहुत से लोग आएँगे, जिन्हें केवल काले चरवाहों के लोग पूरा करेंगे, जो कहते हैं: 'अल्लाह के सिवाय कोई उपास्य नहीं।'"
Waqaleelun mina alakhireena	**[On hearing this verse Umar ibn Khattab wept and said: 'O Messenger of Allah, we believed in you and accepted your message and despite this only a few of us will be saved then verse 56:40 was revealed.]**	And a few of the later peoples,	56:14	किन्तु पिछलों में से कम ही	[इस आयत को सुनकर उमर इब्न अल-खत्ताब रो पड़े और कहा: "हे अल्लाह के पैग़म्बर स., हमने आप पर विश्वास किया और आपके संदेश को स्वीकार किया, फिर भी हमारे केवल कुछ ही लोग बचेंगे।" इसके बाद आयत 56:40 नाज़िल हुई।]
AAala sururin mawdoonatin	Paradise	On thrones woven [with ornament],	56:15	जड़ित तख़्तों पर;	जन्नत
Muttakieena AAalayha mutaqabileena	x	Reclining on them, facing each other.	56:16	तकिया लगाए आमने-सामने होंगे;	x
Yatoofu AAalayhim wildanun mukhalladoona	**[Beautiful young boys of Paradise (Gilmaa), See 52:24, 56:17, 76:19; From where they will come is not clear.]**	There will circulate among them young boys made eternal	56:17	उनके पास किशोर होंगे जो सदैव किशोरावस्था ही में रहेंगे,	**[जन्नत के सुंदर युवक (घिलमान), देखें 52:24, 56:17, 76:19; कि वे कहाँ से आएँगे, यह स्पष्ट नहीं है।]**
Biakwabin waabareeqa wakasin min maAAeenin	**[Alcohol will be served in Paradise; But in this world it is described as Satanic.]**	With vessels, pitchers and a cup [of wine] from a flowing spring -	56:18	प्याले और आफ़ताबे (जग) और विशुद्ध पेय से भरा हुआ पात्र लिए फिर रहे होंगे	**[जन्नत में शराब परोसी जाएगी; लेकिन इस दुनिया में इसे शैतानी बताया गया है।]**

La yusaddaAAoona AAanha wala yunzifoona	x	No headache will they have therefrom, nor will they be intoxicated -	56:19	#NAME?	x
Wafakihatin mimma yatakhayyaroona	x	And fruit of what they select	56:20	और स्वादिष्ट॥ फल जो वे पसन्द करें;	x
Walahmi tayrin mimma yashtahoona	x	And the meat of fowl, from whatever they desire.	56:21	और पक्षी का मांस जो वे चाह;	x
Wahoorun AAeenun	**[Description of Hourie's; Also see Q 37:48, 41:25, 44:54, 52:20, 55:56, 56:22, 56:35-37; Also, Quran always debates from male's point of view; There is another mystery from where did the Houries come, Some traditions say girls who died before marriage who had good deed will be made hourie's]**	And [for them are] fair women with large, [beautiful] eyes,	56:22	और बड़ी आँखोंवाली हूरें,	**[हूरियों का वर्णन; देखें 37:48, 41:25, 44:54, 52:20, 55:56, 56:22, 56:35-37। क़ुरआन हमेशा पुरुषों के दृष्टिकोण से बहस करता है। एक और रहस्य यह है कि हूरियाँ कहाँ से आएंगी। कुछ हदीसों में कहा गया है कि जो लड़कियाँ शादी से पहले मर गईं और उनके अच्छे कर्म थे, उन्हें हूर बनाया जाएगा।]**
Kaamthali allului almaknooni	**["Pearl" is also used to described Ghilman 52:24]**	The likenesses of pearls well-protected,	56:23	मानो छिपाए हुए मोती हो	**[“मोती” शब्द का उपयोग घिलमान का वर्णन करने के लिए भी किया गया है (52:24)।]**
Jazaan bima kanoo yaAAmaloona	x	As reward for what they used to do.	56:24	यह सब उसके बदले में उन्हें प्राप्त होगा जो कुछ वे करते रहे	x
La yasmaAAoona feeha laghwan wala tatheeman	x	They will not hear therein ill speech or commission of sin -	56:25	उसमें वे न कोई व्यर्थ बात सुनेंगे और न गुनाह की बात;	x
Illa qeelan salaman salaman	x	Only a saying: "Peace, peace."	56:26	सिवाय इस बात के कि "सलाम हो, सलाम हो!"	x
Waashabu alyameeni ma ashabu alyameeni	x	The companions of the right - what are the companions of the right?	56:27	रहे सौभाग्यशाली लोग, तो सौभाग्यशालियों का क्या कहना!	x

Fee sidrin makhdoodin	Once, Muslims looked at Wajj, a fertile valley in Taif, and admired its lote-trees. They said: 'If only we had something like this!' and this verse came in response.	[They will be] among lote trees with thorns removed	56:28	वे वहाँ होंगे जहाँ बिन काँटों के बेर होंगे;	एक बार मुसलमानों ने वेज्ज़, ताइफ़ में एक उपजाऊ घाटी, को देखा और उसके लोट के पेड़ों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा: "काश हमारे पास भी ऐसी कोई चीज़ होती!" इस पर प्रतिक्रिया स्वरूप यह आयत नाज़िल हुई।
Watalhin mandoodin	x	And [banana] trees layered [with fruit]	56:29	और गुच्छेदार केले;	x
Wathillin	x	And shade extended	56:30	दूर तक फैली हुई छाँव;	x
Wamain maskoobin	x	And water poured out	56:31	बहता हुआ पानी;	x
Wafakihatin katheeratin	x	And fruit, abundant [and varied],	56:32	बहुत-सा स्वादिष्ट; फल,	x
La maqtooAAatin wala mamnooAAatin	x	Neither limited [to season] nor forbidden,	56:33	जिसका सिलसिला टूटनेवाला न होगा और न उसपर कोई रोक-टोक होगी	x
Wafurushin marfooAAatin	x	And [upon] beds raised high.	56:34	उच्चकोटि के बिछौने होंगे;	x
Inna anshanahunna inshaan	x	Indeed, We have produced the women of Paradise in a [new] creation	56:35	(और वहाँ उनकी पत्नियों को) निश्चय ही हमने एक विशेष उठान पर उठान पर उठाया	x
FajaAAalnahunna abkaran	Description of Hourie's; Also, Quran always debates from men's point of view.	And made them virgins,	56:36	और हमने उन्हे कुँवारियाँ बनाया;	हूरियों का वर्णन; ध्यान दें कि क़ुरआन अक्सर पुरुषों के दृष्टिकोण से चर्चा करता है।
AAuruban atraban	Read Jami at-Tirmidhi , vol. 5, book 44, no. 3297.	Devoted [to their husbands] and of equal age,	56:37	प्रेम दर्शानेवाली और समायु;	पढ़ें जामी अति-तिरमिज़ी, खंड 5, किताब 44, हदीस संख्या 3297।
Liashabi alyameeni	x	For the companions of the right [who are]	56:38	सौभाग्यशाली लोगों के लिए;	x
Thullatun mina alawwaleena	See 56:13-14	A company of the former peoples	56:39	वे अगलों में से भी अधिक होंगे	देखें 56:13-14

Wathullatun mina alakhireena	**[Initially the verse (56:14) was revealed in different form then this was revealed.]**	And a company of the later peoples.	56:40	और पिछलों में से भी अधिक होंगे	**[प्रारंभ में यह आयत (56:14) अलग रूप में प्रकट हुई थी, फिर यह प्रकट हुई।]**
Waashabu alshshimali ma ashabu alshshimali	x	And the companions of the left - what are the companions of the left?	56:41	रहे दुर्भाग्यशाली लोग, तो कैसे होंगे दुर्भाग्यशाली लोग!	x
Fee samoomin wahameemin	Hell	[They will be] in scorching fire and scalding water	56:42	गर्म हवा और खौलते हुए पानी में होंगे;	नरक
Wathillin min yahmoomin	x	And a shade of black smoke,	56:43	और काले धुएँ की छाँव में,	x
La baridin wala kareemin	x	Neither cool nor beneficial.	56:44	जो न ठंडी होगी और न उत्तम और लाभप्रद	x
Innahum kanoo qabla thalika	x	Indeed they were, before that, indulging in affluence,	56:45	वे इससे पहले सुख-सम्पन्न थे;	x
Wakanoo yusirroona AAala alhinthi alAAatheemi	x	And they used to persist in the great violation,	56:46	और बड़े गुनाह पर अड़े रहते थे	x
Wakanoo yaqooloona aitha mitna wakunna turaban waAAithaman ainna lamabAAoothoona	x	And they used to say, "When we die and become dust and bones, are we indeed to be resurrected?	56:47	कहते थे, "क्या जब हम मर जाएँगे और मिट्टी और हड्डियाँ होकर रहे जाएँगे, तो क्या हम वास्तव में उठाए जाएँगे?	x
Awa abaona alawwaloona	x	And our forefathers [as well]?"	56:48	"और क्या हमारे पहले के बाप-दादा भी?"	x
Qul inna alawwaleena waalakhireena	x	Say, [O Muhammad], "Indeed, the former and the later peoples	56:49	कह दो, "निश्चय ही अगले और पिछले भी	x
LamajmooAAoona ila meeqati yawmin maAAloomin	Means day of Judgement.	Are to be gathered together for the appointment of a known Day."	56:50	एक नियत समय पर इकट्ठे कर दिए जाएँगे, जिसका दिन ज्ञात और नियत है	मतलब है दिन का न्याय।

Thumma innakum ayyuha alddalloona almukaththiboona	x	Then indeed you, O those astray [who are] deniers,	56:51	"फिर तुम ऐ गुमराहो, झुठलानेवालो!	x
Laakiloona min shajarin min zaqqoomin	**[Contradiction: Food for infidels in hell: Zaqqum 37:66, washing of wounds 69:36, bitter dari (a dry bush with needles) 88:6.]**	Will be eating from trees of zaqqum	56:52	ज़क्कूम के वृक्ष में से खाओंगे;	**[विरोधाभास: नरक में काफरों के लिए भोजन: ज़क्कूम 37:66, घावों की धुलाई 69:36, कड़वा दारी (सूखी काँटेदार झाड़ी) 88:6.]**
Famalioona minha albutoona	x	And filling with it your bellies	56:53	"और उसी से पेट भरोगे;	x
Fashariboona AAalayhi mina alhameemi	x	And drinking on top of it from scalding water	56:54	"और उसके ऊपर से खौलता हुआ पानी पीओगे;	x
Fashariboona shurba alheemi	x	And will drink as the drinking of thirsty camels.	56:55	"और तौस लगे ऊँट की तरह पीओगे।"	x
Hatha nuzuluhum yawma alddeeni	x	That is their accommodation on the Day of Recompense.	56:56	यह बदला दिए जाने के दिन उनका पहला सत्कार होगा	x
Nahnu khalaqnakum falawla tusaddiqoona	x	We have created you, so why do you not believe?	56:57	हमने तुम्हें पैदा किया; फिर तुम सच क्यों नहीं मानते?	x
Afaraaytum ma tumnoona	Referring to semen. **[Male's point of view]**	Have you seen that which you emit?	56:58	तो क्या तुमने विचार किया जो चीज़ तुम टपकाते हो?	वीर्य का उल्लेख करते हुए। **[पुरुष के दृष्टिकोण से]**
Aantum takhluqoonahu am nahnu alkhaliqoona	x	Is it you who creates it, or are We the Creator?	56:59	क्या तुम उसे आकार देते हो, या हम है आकार देनेवाले?	x
Nahnu qaddarna baynakumu almawta wama nahnu bimasbooqeena	x	We have decreed death among you, and We are not to be outdone	56:60	हमने तुम्हारे बीच मृत्यु को नियत किया है और हमारे बस से यह बाहर नहीं है	x

AAala an nubaddila amthalakum wanunshiakum fee ma la taAAlamoona	x	In that We will change your likenesses and produce you in that [form] which you do not know.	56:61	कि हम तुम्हारे जैसों को बदल दें और तुम्हें ऐसी हालत में उठा खड़ा करें जिसे तुम जानते नहीं	x
Walaqad AAalimtumu alnnashata aloola falawla	x	And you have already known the first creation, so will you not remember?	56:62	तुम तो पहली पैदाइश को जान चुके हो, फिर तुम ध्यान क्यों नहीं देते?	x
Afaraaytum ma tahruthoona	x	And have you seen that [seed] which you sow?	56:63	फिर क्या तुमने देखा तो कुछ तुम खेती करते हो?	x
Aantum tazraAAoonahu am nahnu	x	Is it you who makes it grow, or are We the grower?	56:64	क्या उसे तुम उगाते हो या हम उसे उगाते है?	x
Law nashao lajaAAalnahu hutaman fathaltum tafakkahoona	x	If We willed, We could make it [dry] debris, and you would remain in wonder,	56:65	यदि हम चाहें तो उसे चूर-चूर कर दें। फिर तुम बातें बनाते रह जाओ	x
Inna lamughramoona	x	[Saying], "Indeed, we are [now] in debt;	56:66	कि "हमपर उलटा डाँड पड़ गया,	x
Bal nahnu mahroomoona	x	Rather, we have been deprived."	56:67	बल्कि हम वंचित होकर रह गए!"	x
Afaraaytumu almaa allathee tashraboona	**[All Natural things points towards a Creator; however, a book claimed to be divine needs a tought scrutiny.]**	And have you seen the water that you drink?	56:68	फिर क्या तुमने उस पानी को देखा जिसे तुम पीते हो?	**[सभी प्राकृतिक वस्तुएं एक सृष्टिकर्ता की ओर इशारा करती हैं; हालांकि, एक पुस्तक जिसे दिव्य बताया जाता है, उसकी गंभीर जांच की आवश्यकता होती है।]**
Aantum anzaltumoohu mina almuzni am nahnu almunziloona	x	Is it you who brought it down from the clouds, or is it We who bring it down?	56:69	क्या उसे बादलों से तुमने पानी बरसाया या बरसानेवाले हम है?	x

Law nashao jaAAalnahu ojajan falawla tashkuroona	Means Allah could make the rain water bitter. **[Its not possible as there is hardly any salt in rainwater. Salts mostly does not evaporate.]**	If We willed, We could make it bitter, so why are you not grateful?	56:70	यदि हम चाहें तो उसे अत्यन्त खारा बनाकर रख दें। फिर तुम कृतज्ञता क्यों नहीं दिखाते?	मतलब अल्लाह बारिश के पानी को कड़वा बना सकते हैं। **[यह संभव नहीं है क्योंकि बारिश के पानी में शायद ही कोई नमक होता है। नमक सामान्यतः वाष्पित नहीं होते।]**
Afaraaytumu alnnara allatee tooroona	x	And have you seen the fire that you ignite?	56:71	फिर क्या तुमने उस आग को देखा जिसे तुम सुलगाते हो?	x
Aantum anshatum shajarataha am nahnu almunshioona	x	Is it you who produced its tree, or are We the producer?	56:72	क्या तुमने उसके वृक्ष को पैदा किया है या पैदा करनेवाले हम है?	x
Nahnu jaAAalnaha tathkiratan wamataAAan lilmuqweena	x	We have made it a reminder and provision for the travelers,	56:73	हमने उसे एक अनुस्मृति और मरुभुमि के मुसाफ़िरों और ज़रूरतमन्दों के लिए लाभप्रद बनाया	x
Fasabbih biismi rabbika alAAatheemi	x	So exalt the name of your Lord, the Most Great.	56:74	अतः तुम अपने महान रब के नाम की तसबीह करो	x
Fala oqsimu bimawaqiAAi alnnujoomi	x	Then I swear by the setting of the stars,	56:75	अतः नहीं! मैं क़समों खाता हूँ सितारों की स्थितियों की -	x
Wainnahu laqasamun law taAAlamoona	x	And indeed, it is an oath - if you could know - [most] great.	56:76	और यह बहुत बड़ी गवाही है, यदि तुम जानो -	x
Innahu laquranun kareemun	x	Indeed, it is a noble Qur'an	56:77	निश्चय ही यह प्रतिष्ठित क़ुरआन है	x
Fee kitabin maknoonin	x	In a Register well-protected;	56:78	एक सुरक्षित किताब में अंकित है।	x
La yamassuhu illa almutahharoona	Non-Muslims, because they are unclean (see 9:28), should not touch the Qur'an.	None touch it except the purified.	56:79	उसे केवल पाक-साफ़ व्यक्ति ही हाथ लगाते है	गैर-मुस्लिमों को, क्योंकि वे अशुद्ध हैं (देखें 9:28), कुरान को नहीं छूना चाहिए।

Tanzeelun min rabbi alAAalameena	x	[It is] a revelation from the Lord of the worlds.	56:80	उसका अवतरण सारे संसार के रब की ओर से है।	x
Afabihatha alhadeethi antum	x	Then is it to this statement that you are indifferent	56:81	फिर क्या तुम उस वाणी के प्रति उपेक्षा दर्शाते हो?	x
WatajAAaloona rizqakum annakum tukaththiboona	People were once blessed with rain at the time of the Messenger (pbuh) and so the he said: 'Some people have woken up this morning as grateful people while others have woken up as disbelievers. The former said: This is a blessing sent by Allah, while the latter said: the prediction based on such-and-such a star has been fulfilled'.	And make [the thanks for] your provision that you deny [the Provider]?	56:82	और तुम इसको अपनी वृत्ति बना रहे हो कि झुठलाते हो?	लोगों को एक समय पैगंबर (स.) के समय बारिश मिली थी और उन्होंने कहा: 'कुछ लोग आज सुबह कृतज्ञ होकर जागे हैं जबकि अन्य नास्तिक होकर जागे हैं। पहले वाले ने कहा: यह अल्लाह द्वारा भेजा गया आशीर्वाद है, जबकि बाद वाले ने कहा: इस और उस तारे के आधार पर की गई भविष्यवाणी पूरी हो गई है।'
Falawla itha balaghati alhulqooma	x	Then why, when the soul at death reaches the throat	56:83	फिर ऐसा क्यों नहीं होता, जबकि प्राण कंठ को आ लगते है	x
Waantum heenaithin tanthuroona	x	And you are at that time looking on -	56:84	और उस समय तुम देख रहे होते हो -	x
Wanahnu aqrabu ilayhi minkum walakin la	x	And Our angels are nearer to him than you, but you do not see -	56:85	और हम तुम्हारी अपेक्षा उससे अधिक निकट होते है। किन्तु तुम देखते नहीं –	x
Falawla in kuntum ghayra madeeneena	x	Then why do you not, if you are not to be	56:86	फिर ऐसा क्यों नहीं होता कि यदि तुम अधीन नहीं हो	x
TarjiAAoonaha in kuntum sadiqeena	x	Bring it back, if you should be truthful?	56:87	तो उसे (प्राण को) लौटा दो, यदि तुम सच्चे हो	x
Faamma in kana mina	x	And if the deceased was of those brought near to Allah,	56:88	फिर यदि वह (अल्लाह के) निकटवर्तियों में से है;	x

Farawhun warayhanun wajannatu naAAeemin	x	Then [for him is] rest and bounty and a garden of pleasure.	56:89	तो (उसके लिए) आराम, सुख-सामग्री और सुगंध है, और नेमतवाला बाग़ है	x
Waamma in kana min ashabi	x	And if he was of the companions of the right,	56:90	और यदि वह भाग्यशालियों में से है,	x
Fasalamun laka min ashabi alyameeni	x	Then [the angels will say], "Peace for you; [you are] from the companions of the right."	56:91	तो "सलाम है तुम्हें कि तुम सौभाग्यशाली में से हो।"	x
Waamma in kana mina almukaththibeena alddalleena	x	But if he was of the deniers [who were] astray,	56:92	किन्तु यदि वह झुठलानेवालों, गुमराहों में से है;	x
Fanuzulun min hameemin	x	Then [for him is] accommodation of scalding water	56:93	तो उसका पहला सत्कार खौलते हुए पानी से होगा	x
Watasliyatu jaheemin	x	And burning in Hellfire	56:94	फिर भड़कती हुई आग में उन्हें झोंका जाना है	x
Inna hatha lahuwa haqqu alyaqeeni	**[How one can be certain if there are so many errors in this book.]**	Indeed, this is the true certainty,	56:95	निस्संदेह यही विश्वसनीय सत्य है	**[यदि इस किताब में इतनी सारी गलतियाँ हैं तो कोई कैसे निश्चित हो सकता है।]**
Fasabbih biismi rabbika alAAatheemi	x	So exalt the name of your Lord, the Most Great.	56:96	अतः तुम अपने महान रब की तसबीह करो	x
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Al-Hadid (The Iron)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**57:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अल-हदीद (लोहा)**

Sabbaha lillahi ma fee alssamawati waalardi wahuwa alAAazeezu alhakeemu	This surah was probably sent down some time between the Battle of Uhud and the Truce of Hudaibiyah. This time there was need for the sacrifice of Life from its followers and monetary help and assistance.	Whatever is in the heavens and earth exalts Allah, and He is the Exalted in Might, the Wise.	57:1	अल्लाह की तसबीह की हर उस चीज़ ने जो आकाशों और धरती में है। वही प्रभुत्वशाली, तत्वशाली है	यह सूरह संभवतः उहुद की लड़ाई और हुदैबिया की संधि के बीच के किसी समय में नाज़िल हुई। उस समय अनुयायियों से जान की क़ुर्बानी देने और आर्थिक मदद व सहयोग की आवश्यकता थी।
Lahu mulku alssamawati waalardi yuhyee wayumeetu wahuwa AAala kulli shayin	x	His is the dominion of the heavens and earth. He gives life and causes death, and He is over all things competent.	57:2	आकाशों और धरती की बादशाही उसी की है। वही जीवन प्रदान करता है और मृत्यु देता है, और उसे हर चीज़ की सामर्थ्य प्राप्त है	x
Huwa alawwalu waalakhiru waalththahiru waalbatinu wahuwa bikulli shayin AAaleemun	x	He is the First and the Last, the Ascendant and the Intimate, and He is, of all things, Knowing.	57:3	वही आदि है और अन्त भी और वही व्यक्त है और अव्यक्त भी। और वह हर चीज़ को जानता है	x

Huwa allathee khalaqa alssamawati waalarda fee sittati ayyamin thumma istawa AAala alAAarshi yaAAlamu ma yaliju fee alardi wama yakhruju minha wama yanzilu mina alssamai wama yaAAruju feeha wahuwa maAAakum ayna ma kuntum waAllahu bima	**[Why God need a throne.]**	It is He who created the heavens and earth in six days and then established Himself above the Throne. He knows what penetrates into the earth and what emerges from it and what descends from the heaven and what ascends therein; and He is with you wherever you are. And Allah, of what you do, is Seeing.	57:4	वही है जिसने आकाशों और धरती को छह दिनों में पैदा किया; फिर सिंहासन पर विराजमान हुआ। वह जानता है जो कुछ धरती में प्रवेश करता है और जो कुछ उससे निकलता है और जो कुछ आकाश से उतरता है और जो कुछ उसमें चढ़ता है। और तुम जहाँ कहीं भी हो, वह तुम्हारे साथ है। और अल्लाह देखता है जो कुछ तुम करते हो	**[अल्लाह को 'अर्श (सिंहासन)' की क्या ज़रूरत है?]**
Lahu mulku alssamawati waalardi waila Allahi turjaAAu	x	His is the dominion of the heavens and earth. And to Allah are returned [all] matters.	57:5	आकाशों और धरती की बादशाही उसी की है और अल्लाह ही की है ओर सारे मामले पलटते है	x
Yooliju allayla fee alnnahari wayooliju alnnahara fee allayi wahuwa AAaleemun bithati	**[Night is just absence of light.]**	He causes the night to enter the day and causes the day to enter the night, and he is Knowing of that within the breasts.	57:6	वह रात को दिन में प्रविष्ट कराता है और दिन को रात में प्रविष्ट कराता है। वह सीनों में छिपी बात तक को जानता है	**[रात सिर्फ रोशनी की अनुपस्थिति है]**

Aminoo biAllahi warasoolihi waanfiqoo mimma jaAAalakum mustakhlafeena feehi faallatheena amanoo minkum waanfaqoo lahum	x	Believe in Allah and His Messenger and spend out of that in which He has made you successors. For those who have believed among you and spent, there will be a great reward.	57:7	ईमान लाओ अल्लाह और उसके रसूल पर और उसमें से ख़र्च करो जिसका उसने तुम्हें अधिकारी बनाया है। तो तुममें से जो लोग ईमान लाए और उन्होंने ख़र्च किया, उसने लिए बड़ा प्रतिदान है	x
Wama lakum la tuminoona biAllahi waalrrasoolu yadAAookum lituminoo birabbikum waqad akhatha meethaqakum in	Here again is the idea that one who reject Islam cannot be of sound mind and good intentions; see 26:74.	And why do you not believe in Allah while the Messenger invites you to believe in your Lord and He has taken your covenant, if you should [truly] be believers?	57:8	तुम्हें क्या हो गया है कि तुम अल्लाह पर ईमान नहीं लाते; जबकि रसूल तुम्हें निमंत्रण दे रहा है कि तुम अपने रब पर ईमान लाओ और वह तुमसे दृढ़ वचन भी ले चुका है, यदि तुम मोमिन हो	यहाँ फिर वही विचार प्रस्तुत किया गया है कि जो व्यक्ति इस्लाम को अस्वीकार करता है, वह न तो सही समझ वाला हो सकता है और न ही उसकी नीयत अच्छी हो सकती है; देखें 26:74
Huwa allathee yunazzilu AAala AAabdihi ayatin bayyinatin liyukhrijakum mina alththulumati ila alnnoori wainna Allaha bikum laraoofun raheemun	x	It is He who sends down upon His Servant [Muhammad] verses of clear evidence that He may bring you out from darknesses into the light. And indeed, Allah is to you Kind and Merciful.	57:9	वही है जो अपने बन्दों पर स्पष्ट आयतें उतार रहा है, ताकि वह तुम्हें अंधकारों से प्रकाश की ओर ले आए। और वास्तविकता यह है कि अल्लाह तुमपर अत्यन्त करुणामय, दयावान है	x

Wama lakum alla tunfiqoo fee sabeeli Allahi walillahi meerathu alssamawati waalardi la yastawee minkum man anfaqa min qabli alfathi waqatala olaika aAAthamu darajatan mina allatheena anfaqoo min baAAdu waqataloo wakullan waAAada Allahu alhusna waAllahu bima taAAmaloona	Those who sacrifice their lives and expend their wealth to further promote the cause of Islam when it is already strong cannot attain to the rank of those who struggled with their lives and their wealth to promote and uphold the cause of Islam when it was weak.	And why do you not spend in the cause of Allah while to Allah belongs the heritage of the heavens and the earth? Not equal among you are those who spent before the conquest [of Makkah] and fought [and those who did so after it]. Those are greater in degree than they who spent afterwards and fought. But to all Allah has promised the best [reward]. And Allah, with what you do, is Acquainted.	57:10	और तुम्हें क्यो हुआ है कि तुम अल्लाह के मार्ग में ख़र्च न करो, हालाँकि आकाशों और धरती की विरासत अल्लाह ही के लिए है? तुममें से जिन लोगों ने विजय से पूर्व ख़र्च किया और लड़े वे परस्पर एक-दूसरे के समान नहीं है। वे तो दरजे में उनसे बढ़कर है जिन्होंने बाद में ख़र्च किया और लड़े। यद्यपि अल्लाह ने प्रत्येक से अच्छा वादा किया है। अल्लाह उसकी ख़बर रखता है, जो कुछ तुम करते हो	जो लोग उस समय अपनी जान की क़ुर्बानी देते हैं और अपना धन खर्च करते हैं जब इस्लाम पहले से ही मज़बूत हो चुका हो, वे उन लोगों के दर्जे तक नहीं पहुँच सकते जिन्होंने उस समय अपनी जान और माल से संघर्ष किया जब इस्लाम कमज़ोर था और उसे स्थापित व मज़बूत करने की ज़रूरत थी।
Man tha allathee yuqridu Allaha qardan hasanan fayudaAAifahu lahu walahu ajrun kareemun	A good promise for attracting warriors and resources for waging war.	Who is it that would loan Allah a goodly loan so He will multiply it for him and he will have a noble reward?	57:11	कौन है जो अल्लाह को ऋण दे, अच्छा ऋण कि वह उसे उसके लिए कई गुना कर दे। और उसके लिए सम्मानित प्रतिदान है	युद्ध के लिए योद्धाओं और संसाधनों को आकर्षित करने हेतु एक अच्छा वादा।

Yawma tara almumineena waalmuminati yasAAa nooruhum bayna aydeehim wabiaymanihim bushrakumu alyawma jannatun tajree min tahtiha alanharu khalideena feeha thalika huwa alfawzu	x	On the Day you see the believing men and believing women, their light proceeding before them and on their right, [it will be said], "Your good tidings today are [of] gardens beneath which rivers flow, wherein you will abide eternally." That is what is the great attainment.	57:12	जिस दिन तुम मोमिन पुरुषों और मोमिन स्त्रियों को देखोगे कि उनका प्रकाश उनके आगे-आगे दौड़ रहा है और उनके दाएँ हाथ में है। (कहा जाएगा,) "आज शुभ सूचना है तुम्हारे लिए ऐसी जन्नतों की जिनके नीचे नहरें बह रही है, जिनमें सदैव रहना है। वही बड़ी सफलता है।"	x
Yawma yaqoolu almunafiqoona waalmunafiqatu lillatheena amanoo onthuroona naqtabis min noorikum qeela irjiAAoo waraakum failtamisoo nooran faduriba baynahum bisoorin lahu babun batinuhu feehi alrrahmatu wathahiruhu min qibalihi alAAathabu	The wall mentioned here is located between Paradise and Hellfire.	On the [same] Day the hypocrite men and hypocrite women will say to those who believed, "Wait for us that we may acquire some of your light." It will be said, "Go back behind you and seek light." And a wall will be placed between them with a door, its interior containing mercy, but on the outside of it is torment.	57:13	जिस दिन कपटाचारी पुरुष और कपटाचारी स्त्रियाँ मोमिनों से कहेंगी, "तनिक हमारी प्रतिक्षा करो। हम भी तुम्हारे प्रकाश मे से कुछ प्रकाश ले लें!" कहा जाएगा, "अपने पीछे लौट जाओ। फिर प्रकाश तलाश करो!" इतने में उनके बीच एक दीवार खड़ी कर दी जाएगी, जिसमें एक द्वार होगा। उसके भीतर का हाल यह होगा कि उसमें दयालुता होगी और उसके बाहर का यह कि उस ओर से यातना होगी	यहाँ जिस दीवार का उल्लेख किया गया है, वह जन्नत और जहन्नम के बीच स्थित है।

Yunadoonahum alam nakun maAAakum qaloo bala walakinnakum fatantum anfusakum watarabbastum wairtabtum wagharratkumu alamaniyyu hatta jaa amru Allahi wagharrakum biAllahi algharooru	`the deceiver' being Shaytan.	The hypocrites will call to the believers, "Were we not with you?" They will say, "Yes, but you afflicted yourselves and awaited [misfortune for us] and doubted, and wishful thinking deluded you until there came the command of Allah. And the Deceiver deceived you concerning Allah.	57:14	वे उन्हें पुकारकर कहेंगे, "क्या हम तुम्हारे साथी नहीं थे?" वे कहेंगे, "क्यों नहीं? किन्तु तुमने तो अपने आपको फ़ितने (गुमराही) में डाला और प्रतीक्षा करते रहे और सन्देह में पड़े रहे और कामनाओं ने तुम्हें धोखे में डाले रखा है	x
Faalyawma la yukhathu minkum fidyatun wala mina allatheena kafaroo mawakumu alnnaru hiya mawlakum wabisa almaseeru	x	So today no ransom will be taken from you or from those who disbelieved. Your refuge is the Fire. It is most worthy of you, and wretched is the destination.	57:15	"अब आज न तुमसे कोई फ़िदया (मुक्ति-प्रतिदान) लिया जाएगा और न उन लोगों से जिन्होंने इनकार किया। तुम्हारा ठिकाना आग है, और वही तुम्हारी संरक्षिका है। और बहुत ही बुरी जगह है अन्त में पहुँचने की!"	x

Alam yani lillatheena amanoo an takhshaAAa quloobuhum lithikri Allahi wama nazala mina alhaqqi wala yakoonoo kaallatheena ootoo alkitaba min qablu fatala AAalayhimu alamadu faqasat quloobuhum wakatheerun minhum fasiqoona	Don't become like those who received scripture, means don't follow their ways.	Has the time not come for those who have believed that their hearts should become humbly submissive at the remembrance of Allah and what has come down of the truth? And let them not be like those who were given the Scripture before, and a long period passed over them, so their hearts hardened; and many of them are defiantly	57:16	क्या उन लोगों के लिए, जो ईमान लाए, अभी वह समय नहीं आया कि उनके दिल अल्लाह की याद के लिए और जो सत्य अवतरित हुआ है उसके आगे झुक जाएँ? और वे उन लोगों की तरह न हो जाएँ, जिन्हें किताब दी गई थी, फिर उनपर दीर्घ समय बीत गया। अन्ततः उनके दिल कठोर हो गए और उनमें से अधिकांश अवज्ञाकारी रहे	जो किताब़ के लोग हैं, उनके समान मत बनो, अर्थात उनकी राहों का अनुसरण मत करो।
IAAlamoo anna Allaha yuhyee alarda baAAda mawtiha qad bayyanna lakumu alayati laAAallakum taAAqiloona	x	Know that Allah gives life to the earth after its lifelessness. We have made clear to you the signs; perhaps you will understand.	57:17	जान लो, अल्लाह धरती को उसकी मृत्यु के पश्चात जीवन प्रदान करता है। हमने तुम्हारे लिए आयतें खोल-खोलकर बयान कर दी है, ताकि तुम बुद्धि से काम लो	x
Inna almussaddiqeena waalmussaddiqati waaqradoo Allaha qardan hasanan yudaAAafu lahum walahum ajrun kareemun	x	Indeed, the men who practice charity and the women who practice charity and [they who] have loaned Allah a goodly loan - it will be multiplied for them, and they will have a noble reward.	57:18	निश्चय ही जो सदका देनेवाले पुरुष और सदका देनेवाली स्त्रियाँ है और उन्होंने अल्लाह को अच्छा ऋण दिया, उसे उसके लिए कई गुना कर दिया जाएगा। और उनके लिए सम्मानित प्रतिदान है	x

Waallatheena amanoo biAllahi warusulihi olaika humu alssiddeeqoona waalshshuhadao AAinda rabbihim lahum ajruhum wanooruhum waallatheena kafaroo wakaththaboo	x	And those who have believed in Allah and His messengers - those are [in the ranks of] the supporters of truth and the martyrs, with their Lord. For them is their reward and their light. But those who have disbelieved and denied Our verses - those are the companions of Hellfire.	57:19	जो लोग अल्लाह और उसके रसूल पर ईमान लाए, वही अपने रब के यहाण सिद्दीक और शहीद है। उनके लिए उनका प्रतिदान और उनका प्रकाश है। किन्तु जिन लोगों ने इनकार किया और हमारी आयतों को झुठलाया, वही भड़कती आगवाले हैं	x

IAAlamoo annama alhayatu alddunya laAAibun walahwun wazeenatun watafakhurun baynakum watakathurun fee alamwali waalawladi kamathali ghaythin aAAjaba alkuffara nabatuhu thumma yaheeju fatarahu musfarran thumma yakoonu hutaman wafee alakhirati AAathabun shadeedun wamaghfiratun mina Allahi waridwanun wama alhayatu alddunya illa	This Life of this world is fleeting enjoyment.	Know that the life of this world is but amusement and diversion and adornment and boasting to one another and competition in increase of wealth and children - like the example of a rain whose [resulting] plant growth pleases the tillers; then it dries and you see it turned yellow; then it becomes [scattered] debris. And in the Hereafter is severe punishment and forgiveness from Allah and approval. And what is the worldly life except the enjoyment of delusion.	57:20	जान लो, सांसारिक जीवन तो बस एक खेल और तमाशा है और एक साज-सज्जा, और तुम्हारा आपस में एक-दूसरे पर बड़ाई जताना, और धन और सन्तान में परस्पर एक-दूसरे से बढ़ा हुआ प्रदर्शित करना। वर्षा का मिसाल की तरह जिसकी वनस्पति ने किसान का दिल मोह लिया। फिर वह पक जाती है; फिर तुम उसे देखते हो कि वह पीली हो गई। फिर वह चूर्ण-विचूर्ण होकर रह जाती है, जबकि आख़िरत में कठोर यातना भी है और अल्लाह की क्षमा और प्रसन्नता भी। सांसारिक जीवन तो केवल धोखे की सुख-सामग्री है	इस दुनिया की यह ज़िन्दगी केवल क्षणिक आनंद है।

Sabiqoo ila maghfiratin min rabbikum wajannatin AAarduha kaAAardi alssamai waalardi oAAiddat lillatheena amanoo biAllahi warusulihi thalika fadlu Allahi yuteehi man yashao waAllahu thoo alfadli alAAatheemi	**[Contradiction: How wide is heaven: 3:133 Equals skies (pleural) and earth, 57:21 Sky (singular) and earth; SKY IS IN SINGULAR FORM HERE IN ARABIC; Also how can Paradise be larger than heavens itself.]**	Race toward forgiveness from your Lord and a Garden whose width is like the width of the heavens and earth, prepared for those who believed in Allah and His messengers. That is the bounty of Allah which He gives to whom He wills, and Allah is the possessor of great bounty.	57:21	अपने रब की क्षमा और उस जन्नत की ओर अग्रसर होने में एक-दूसरे से बाज़ी ले जाओ, जिसका विस्तार आकाश और धरती के विस्तार जैसा है, जो उन लोगों के लिए तैयार की गई है जो अल्लाह और उसके रसूलों पर ईमान लाए हों। यह अल्लाह का उदार अनुग्रह है, जिसे चाहता है प्रदान करता है। अल्लाह बड़े उदार अनुग्रह का मालिक है	**[विरोधाभास: जन्नत कितनी विस्तृत है—3:133 में कहा गया है कि वह आसमानों और ज़मीन के बराबर है (बहुवचन), और 57:21 में कहा गया है कि वह आसमान और ज़मीन के बराबर है (एकवचन)। साथ ही, जन्नत स्वयं आसमान से बड़ी कैसे हो सकती है?]**
Ma asaba min museebatin fee alardi wala fee anfusikum illa fee kitabin min qabli an nabraaha inna thalika AAala Allahi yaseerun	Nothing occurs, either in the earth, such as drought, or in yourself, such as illness and loss of children, without its being in a Book (the Preserved Tablet) before Allah make it happen. See 7:179, 10:99, and 32:13. **[If disasters are written in a Book of Decrees, then where is the freewill of civilizations destroyped by Allah. Also this concept favors predetermination over free will.]**	No disaster strikes upon the earth or among yourselves except that it is in a register before We bring it into being - indeed that, for Allah, is easy -	57:22	जो मुसीबतें भी धरती में आती है और तुम्हारे अपने ऊपर, वह अनिवार्यतः एक किताब में अंकित है, इससे पहले कि हम उसे अस्तित्व में लाएँ - निश्चय ही यह अल्लाह के लिए आसान है -	पृथ्वी पर होने वाली कोई भी घटना, जैसे सूखा, या आपके जीवन में होने वाली कोई भी परेशानी, जैसे बीमारी या बच्चों का नाश, ऐसी कोई चीज़ नहीं होती जो अल्लाह के पास एक किताब (लिखित तक़दीर – लौह अल-महफ़ूज़) में लिखी न हो।" देखें 7:179, 10:99, और 32:13 **[यदि सभी आपदाएँ अल्लाह की लिखी हुई तक़दीर में हैं, तो फिर उन सभ्यताओं की स्वतंत्र इच्छा कहाँ जाती है जिन्हें अल्लाह ने नष्ट किया? यह विचार पूर्वनियतिवाद को स्वतंत्र इच्छा पर प्राथमिकता देता है।]**

Likayla tasaw AAala ma fatakum wala tafrahoo bima atakum waAllahu la yuhibbu kulla mukhtalin fakhoorin	x	In order that you not despair over what has eluded you and not exult [in pride] over what He has given you. And Allah does not like everyone self-deluded and boastful -	57:23	(यह बात तुम्हें इसलिए बता दी गई) ताकि तुम उस चीज़ का अफ़सोस न करो जो तुम पर जाती रहे और न उसपर फूल जाओ जो उसने तुम्हें प्रदान की हो। अल्लाह किसी इतरानेवाले, बड़ाई जतानेवाले को पसन्द नहीं करता	x
Allatheena yabkhaloona wayamuroona alnnasa bialbukhli waman yatawalla fainna Allaha huwa alghaniyyu	**[Why Allah needs loan, verse 57:11.]**	[Those] who are stingy and enjoin upon people stinginess. And whoever turns away - then indeed, Allah is the Free of need, the Praiseworthy.	57:24	जो स्वयं कंजूसी करते है और लोगों को भी कंजूसी करने पर उकसाते है, और जो कोई मुँह मोड़े तो अल्लाह तो निस्पृह प्रशंसनीय है	**[यदि अल्लाह किसी चीज़ का मोहताज नहीं है, तो उसे ऋण की क्या ज़रूरत, 57:11]**
Laqad arsalna rusulana bialbayyinati waanzalna maAAahumu alkitaba waalmeezana liyaqooma alnnasu bialqisti waanzalna alhadeeda feehi basun shadeedun wamanafiAAu lilnnasi waliyaAAlama Allahu man yansuruhu	Iron was send from Allah to mankind, so that he can fight.	We have already sent Our messengers with clear evidences and sent down with them the Scripture and the balance that the people may maintain [their affairs] in justice. And We sent down iron, wherein is great military might and benefits for the people, and so that Allah may make evident those who support Him and His messengers unseen. Indeed, Allah is Powerful and Exalted in Might.	57:25	निश्चय ही हमने अपने रसूलों को स्पष्ट प्रमाणों के साथ भेजा और उनके लिए किताब और तुला उतारी, ताकि लोग इनसाफ़ पर क़ायम हों। और लोहा भी उतारा, जिसमें बड़ी दहशत है और लोगों के लिए कितने ही लाभ है., और (किताब एवं तुला इसलिए भी उतारी) ताकि अल्लाह जान ले कि कौन परोक्ष में रहते हुए उसकी और उसके रसूलों की सहायता करता है। निश्चय ही अल्लाह शक्तिशाली, प्रभुत्वशाली है	लोहा इंसानों की ओर अल्लाह द्वारा भेजा गया, ताकि वे उसका उपयोग करके लड़ सकें।

Walaqad arsalna noohan waibraheema wajaAAalna fee thurriyyatihima alnnubuwwata waalkitaba faminhum muhtadin wakatheerun	x	And We have already sent Noah and Abraham and placed in their descendants prophethood and scripture; and among them is he who is guided, but many of them are defiantly disobedient.	57:26	हमने नूह और इबराहीम को भेजा और उन दोनों की सन्तान में पैग़म्बरी और क़िताब रख दी। फिर उनमें से किसी ने तो संमार्ग अपनाया; किन्तु उनमें से अधिकतर अवज्ञाकारी थे	x

Thumma qaffayna AAala atharihim birusulina waqaffayna biAAeesa ibni maryama waataynahu alinjeela wajaAAalna fee quloobi allatheena ittabaAAoohu rafatan warahmatan warahbaniyyatan ibtadaAAooha ma katabnaha AAalayhim illa ibtighaa ridwani Allahi fama raAAawha haqqa riAAayatiha faatayna allatheena amanoo minhum ajrahum wakatheerun	monasticism = Monks, nuns; This Ayah criticizes Jews and Christians in two ways: - first, they invented in things in their religion (e.g. monasticism), things which Allah did not legislate for them. - The second is that they did not fulfill the requirements of what they themselves invented and which they claimed was a means of drawing near to Allah.	Then We sent following their footsteps Our messengers and followed [them] with Jesus, the son of Mary, and gave him the Gospel. And We placed in the hearts of those who followed him compassion and mercy and monasticism, which they innovated; We did not prescribe it for them except [that they did so] seeking the approval of Allah. But they did not observe it with due observance. So We gave the ones who believed among them their reward, but many of them are defiantly disobedient.	57:27	फिर उनके पीछे उन्हीं के पद-चिन्हों पर हमने अपने दूसरे रसूलों को भेजा और हमने उनके पीछे मरयम के बेटे ईसा को भेजा और उसे इंजील प्रदान की। और जिन लोगों ने उसका अनुसरण किया, उनके दिलों में हमने करुणा और दया रख दी। रहा संन्यास, तो उसे उन्होंने स्वयं घड़ा था। हमने उसे उनके लिए अनिवार्य नहीं किया था, यदि अनिवार्य किया था तो केवल अल्लाह की प्रसन्नता की चाहत। फिर वे उसका निर्वाह न कर सकें, जैसा कि उनका निर्वाह करना चाहिए था। अतः उन लोगों को, जो उनमें से वास्तव में ईमान लाए थे, उनका बदला हमने (उन्हें) प्रदान किया। किन्तु उनमें से अधिकतर अवज्ञाकारी ही है	संन्यास = भिक्षु और नन; यह आयत यहूदी और ईसाईयों की दो तरह आलोचना करती है: धर्म में उन्होंने नए नियम और प्रथाएँ बना लीं, जैसे मठवाद, जो अल्लाह ने उनके लिए निर्धारित नहीं की थी। जो नियम उन्होंने स्वयं बनाए, और जिन्हें अल्लाह के करीब आने का जरिया बताया, उनकी वे पूरी तरह पालन नहीं करते थे।

Ya ayyuha allatheena amanoo ittaqoo Allaha waaminoo birasoolihi yutikum kiflayni min rahmatihi wayajAAal lakum nooran tamshoona bihi wayaghfir lakum waAllahu	People of the Scriptures (Jews, Christians) who believe in Islam, and that they will earn double their reward if they do so.	O you who have believed, fear Allah and believe in His Messenger; He will [then] give you a double portion of His mercy and make for you a light by which you will walk and forgive you; and Allah is Forgiving and Merciful.	57:28	ऐ लोगों, जो ईमान लाए हो! अल्लाह का डर रखो और उसके रसूल पर ईमान लाओ। वह तुम्हें अपनी दयालुता का दोहरा हिस्सा प्रदान करेगा और तुम्हारे लिए एक प्रकाश कर देगा, जिसमें तुम चलोगे और तुम्हें क्षमा कर देगा। अल्लाह बड़ा क्षमाशील, अत्यन्त दयावान है	किताब वाले लोग (यहूदी, ईसाई) जो इस्लाम पर विश्वास करते हैं, उन्हें दोगुना इनाम मिलेगा यदि वे ऐसा करें।
Lialla yaAAlama ahlu alkitabi alla yaqdiroona AAala shayin min fadli Allahi waanna alfadla biyadi Allahi yuteehi man yashao waAllahu thoo alfadli alAAatheemi	This verse negates the claims of Jews and Christians “that they were the ones whom Allah loved and those with whom He was pleased.”	[This is] so that the People of the Scripture may know that they are not able [to obtain] anything from the bounty of Allah and that [all] bounty is in the hand of Allah; He gives it to whom He wills. And Allah is the possessor of great	57:29	ताकि किताबवाले यह न समझें कि अल्लाह के अनुग्रह में से वे किसी चीज़ पर अधिकार न प्राप्त कर सकेंगे और यह कि अनुग्रह अल्लाह के हाथ में है, जिसे चाहता है प्रदान करता है। अल्लाह बड़े अनुग्रह का मालिक है	यह आयत यहूदी और ईसाईयों के उन दावों को खारिज करती है कि वे वही लोग हैं जिन्हें अल्लाह पसंद करता है और जिनसे वह संतुष्ट है।
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Al-Mujadila (The Pleading Woman)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**58:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अल-मुजादिलह (विनती करने वाली महिला)**

Qad samiAAa Allahu qawla allatee tujadiluka fee zawjiha watashtakee ila Allahi waAllahu yasmaAAu tahawurakuma inna Allaha sameeAAun baseerun	A woman (Khawlah bint Thalabah) was pronounced Thihar (Zihar) by her husband by telling, “You are to me as my mother’s back.” A woman thus divorced could not remarry, and indeed had to remain in her ex-husband’s household as, effectively, a domestic servant.	Certainly has Allah heard the speech of the one who argues with you, [O Muhammad], concerning her husband and directs her complaint to Allah. And Allah hears your dialogue; indeed, Allah is Hearing and Seeing.	58:1	अल्लाह ने उस स्त्री की बात सुन ली जो अपने पति के विषय में तुमसे झगड़ रही है और अल्लाह से शिकायत किए जाती है। अल्लाह तुम दोनों की बातचीत सुन रहा है। निश्चय ही अल्लाह सब कुछ सुननेवाला, देखनेवाला है	एक महिला (ख़वला बिंत थलाबा) के साथ उसके पति ने ज़िहार की घोषणा की, कहकर: “तुम मेरे लिए वैसी हो जैसे मेरी माँ की पीठ।” इस तरह घोषित होने पर महिला तलाकशुदा नहीं होती थी, और उसे अपने पति के घर में एक घरेलू नौकरानी की तरह रहना पड़ता था, अर्थात वह पुनः शादी नहीं कर सकती थी।
Allatheena yuthahiroona minkum min nisaihim ma hunna ommahatihim in ommahatuhum illa allaee waladnahum wainnahum layaqooloona munkaran mina alqawli wazooran wainna Allaha laAAafuwwun	**[Contradiction: Whether only the lady given birth should be a mother: Yes 58:2, Not necessary 33:6.]**	Those who pronounce thihar among you [to separate] from their wives - they are not [consequently] their mothers. Their mothers are none but those who gave birth to them. And indeed, they are saying an objectionable statement and a falsehood. But indeed, Allah is Pardoning and Forgiving.	58:2	तुममें से जो लोग अपनी स्त्रियों से ज़िहार करते हैं, उनकी माएँ वे नहीं है, उनकी माएँ तो वही है जिन्होंने उनको जन्म दिया है। यह अवश्य है कि वे लोग एक अनुचित बात और झूठ कहते है। और निश्चय ही अल्लाह टाल जानेवाला अत्यन्त क्षमाशील है	**[विरोधाभास: क्या केवल वह महिला जो बच्चे को जन्म देती है, ही मां मानी जाएगी? हाँ – 58:2, ज़रूरी नहीं – 33:6]**

Waallatheena yuthahiroona min nisaihim thumma yaAAoodoona lima qaloo fatahreeru raqabatin min qabli an yatamassa thalikum tooAAathoona bihi waAllahu bima taAAmaloona khabeerun	Allah directs that such a divorce is not final but can be reversed if the husband frees a slave (58:3), fasts for two months, or feeds sixty poor people (58:4). Also see 33:4.	And those who pronounce thihar from their wives and then [wish to] go back on what they said - then [there must be] the freeing of a slave before they touch one another. That is what you are admonished thereby; and Allah is Acquainted with what you do.	58:3	जो लोग अपनी स्त्रियों से ज़िहार करते हैं; फिर जो बात उन्होंने कही थी उससे रुजू करते है, तो इससे पहले कि दोनों एक-दूसरे को हाथ लगाएँ एक गर्दन आज़ाद करनी होगी। यह वह बात है जिसकी तुम्हें नसीहत की जाती है, और तुम जो कुछ करते हो अल्लाह उसकी ख़बर रखता है	अल्लाह निर्देश देते हैं कि इस तरह का तलाक अंतिम नहीं है, बल्कि इसे पलटा जा सकता है यदि पति: एक गुलाम को मुक्त करे (58:3), दो महीने तक रोज़ा रखे, या साठ गरीबों को खाना खिलाए (58:4)। संदर्भ के लिए 33:4 भी देखें।
Faman lam yajid fasiyamu shahrayni mutatabiAAayni min qabli an yatamassa faman lam yastatiAA faitAAamu sitteena miskeenan thalika lituminoo biAllahi warasoolihi watilka hudoodu Allahi walilkafireena AAathabun aleemun	x	And he who does not find [a slave] - then a fast for two months consecutively before they touch one another; and he who is unable - then the feeding of sixty poor persons. That is for you to believe [completely] in Allah and His Messenger; and those are the limits [set by] Allah. And for the disbelievers is a painful punishment.	58:4	किन्तु जिस किसी को ग़ुलाम प्राप्त न हो तो वह निरन्तर दो माह रोज़े रखे, इससे पहले कि वे दोनों एक-दूसरे को हाथ लगाएँ और जिस किसी को इसकी भी सामर्थ्य न हो तो साठ मुहताजों को भोजन कराना होगा। यह इसलिए कि तुम अल्लाह और उसके रसूल पर ईमानवाले सिद्ध हो सको। ये अल्लाह की निर्धारित की हुई सीमाएँ है। और इनकार करनेवाले के लिए दुखद यातना है	x

Inna allatheena yuhaddoona Allaha warasoolahu kubitoo kama kubita allatheena min qablihim waqad anzalna ayatin bayyinatin walilkafireena AAathabun muheenun	x	Indeed, those who oppose Allah and His Messenger are abased as those before them were abased. And We have certainly sent down verses of clear evidence. And for the disbelievers is a humiliating punishment.	58:5	जो लोग अल्लाह और उसके रसूल का विरोध करते हैं, वे अपमानित और तिरस्कृत होकर रहेंगे, जैसे उनसे पहले के लोग अपमानित और तिरस्कृत हो चुके है। हमने स्पष्ट आयतें अवतरित कर दी है और इनकार करनेवालों के लिए अपमानजनक यातना है	x
Yawma yabAAathuhumu Allahu jameeAAan fayunabbiohum bima AAamiloo ahsahu Allahu wanasoohu waAllahu AAala kulli shayin	x	On the Day when Allah will resurrect them all and inform them of what they did. Allah had enumerated it, while they forgot it; and Allah is, over all things, Witness.	58:6	जिस दिन अल्लाह उन सबको उठा खड़ा करेगा और जो कुछ उन्होंने किया होगा, उससे उन्हें अवगत करा देगा। अल्लाह ने उसकी गणना कर रखी है, और वे उसे भूले हुए है, और अल्लाह हर चीज़ का साक्षी है	x

Alam tara anna Allaha yaAAlamu ma fee alssamawati wama fee alardi ma yakoonu min najwa thalathatin illa huwa rabiAAuhum wala khamsatin illa huwa sadisuhum wala adna min thalika wala akthara illa huwa maAAahum ayna ma kanoo thumma yunabbiohum bima AAamiloo yawma alqiyamati inna Allaha bikulli shayin AAaleemun	x	Have you not considered that Allah knows what is in the heavens and what is on the earth? There is in no private conversation three but that He is the fourth of them, nor are there five but that He is the sixth of them - and no less than that and no more except that He is with them [in knowledge] wherever they are. Then He will inform them of what they did, on the Day of Resurrection. Indeed Allah is, of all things, Knowing.	58:7	क्या तुमने इसको नहीं देखा कि अल्लाह जानता है जो कुछ आकाशों में है और जो कुछ धरती में है। कभी ऐसा नहीं होता कि तीन आदमियों की गुप्त वार्ता हो और उनके बीच चौथा वह (अल्लाह) न हो। और न पाँच आदमियों की होती है जिसमें छठा वह न होता हो। और न इससे कम की कोई होती है और न इससे अधिक की भी, किन्तु वह उनके साथ होता है, जहाँ कहीं भी वे हो; फिर जो कुछ भी उन्होंने किया होगा क़ियामत के दिन उससे वह उन्हें अवगत करा देगा। निश्चय ही अल्लाह को हर चीज़ का ज्ञान है	x

Alam tara ila allatheena nuhoo AAani alnnajwa thumma yaAAoodoona lima nuhoo AAanhu wayatanajawna bialithmi waalAAudwani wamaAAsiyati alrrasooli waitha jaooka hayyawka bima lam yuhayyika bihi Allahu wayaqooloona fee anfusihim lawla yuAAaththibuna Allahu bima naqoolu hasbuhum jahannamu yaslawnaha fabisa almaseeru	This verse was revealed about the Jews and the hypocrites. This is because the latter used to talk secretly amongst themselves to the exclusion of the believers and then look at the believers and wink at each other.	Have you not considered those who were forbidden from private conversation, then they return to that which they were forbidden and converse among themselves about sin and aggression and disobedience to the Messenger? And when they come to you, they greet you with that [word] by which Allah does not greet you and say among themselves, "Why does Allah not punish us for what we say?" Sufficient for them is Hell, which they will [enter to] burn, and wretched is the destination.	58:8	क्या तुमने नहीं देखा जिन्हें कानाफूसी से रोका गया था, फिर वे वही करते रहे जिससे उन्हें रोका गया था। वे आपस में गुनाह और ज़्यादती और रसूल की अवज्ञा की कानाफूसी करते है। और जब तुम्हारे पास आते है तो तुम्हारे प्रति अभिवादन के ऐसे शब्द प्रयोग में लाते है जो शब्द अल्लाह ने तुम्हारे लिए अभिवादन के लिए नहीं कहे। और अपने जी में कहते है, "जो कुछ हम कहते है उसपर अल्लाह हमें यातना क्यों नहीं देता?" उनके लिए जहन्नम ही काफ़ी है जिसमें वे प्रविष्ट होंगे। वह तो बहुत बुरी जगह है, अन्त में पहुँचने की!	यह आयत यहूदियों और मोमिनों के ढोंगी लोगों के बारे में नाज़िल हुई। इसका कारण यह था कि ये लोग अपने बीच गुप्त बातें किया करते थे, और विश्वासियों को छोड़कर अपने साथी से आंख मारते और संकेत करते थे।

Ya ayyuha allatheena amanoo itha tanajaytum fala tatanajaw bialithmi waalAAudwani wamaAAsiyati alrrasooli watanajaw bialbirri waalttaqwa waittaqoo Allaha allathee ilayhi tuhsharoona	x	O you who have believed, when you converse privately, do not converse about sin and aggression and disobedience to the Messenger but converse about righteousness and piety. And fear Allah, to whom you will be gathered.	58:9	ऐ ईमान लानेवालो! जब तुम आपस में गुप्त॥ वार्ता करो तो गुनाह और ज़्यादती और रसूल की अवज्ञा की गुप्त वार्ता न करो, बल्कि नेकी और परहेज़गारी के विषय में आपस में एकान्त वार्ता करो। और अल्लाह का डर रखो, जिसके पास तुम इकट्ठे होगे	x
Innama alnnajwa mina alshshaytani liyahzuna allatheena amanoo walaysa bidarrihim shayan illa biithni Allahi waAAala Allahi falyatawakkali almuminoona	x	Private conversation is only from Satan that he may grieve those who have believed, but he will not harm them at all except by permission of Allah. And upon Allah let the believers rely.	58:10	वह कानाफूसी तो केवल शैतान की ओर से है, ताकि वह उन्हें ग़म में डाले जो ईमान लाए है। हालाँकि अल्लाह की अवज्ञा के बिना उसे कुछ भी हानि पहुँचाने की सामर्थ्य प्राप्त नहीं। और ईमानवालों को तो अल्लाह ही पर भरोसा रखना चाहिए	x

Ya ayyuha allatheena amanoo itha qeela lakum tafassahoo fee almajalisi faifsahoo yafsahi Allahu lakum waitha qeela onshuzoo faonshuzoo yarfaAAi Allahu allatheena amanoo minkum waallatheena ootoo alAAilma darajatin waAllahu bima	Allah commanded the believers to spread out and make room if some one come to join in assemblies with the Messenger (pbuh).	O you who have believed, when you are told, "Space yourselves" in assemblies, then make space; Allah will make space for you. And when you are told, "Arise," then arise; Allah will raise those who have believed among you and those who were given knowledge, by degrees. And Allah is Acquainted with what you do.	58:11	ऐ ईमान लानेवालो! जब तुमसे कहा जाए कि मजलिसों में जगह कुशादा कर दे, तो कुशादगी पैदा कर दो। अल्लाह तुम्हारे लिए कुशादगी पैदा करेगा। और जब कहा जाए कि उठ जाओ, तो उठ जाया करो। तुममें से जो लोग ईमान लाए है और उन्हें ज्ञान प्रदान किया गया है, अल्लाह उनके दरजों को उच्चता प्रदान करेगा। जो कुछ तुम करते हो अल्लाह उसकी पूरी ख़बर रखता है	अल्लाह ने मुमिनों को आदेश दिया कि वे फैल जाएँ और जगह बनाएँ यदि कोई व्यक्ति पैग़म्बर मुहम्मद स. के साथ बैठकों में शामिल होने आए।
Ya ayyuha allatheena amanoo itha najaytumu alrrasoola faqaddimoo bayna yaday najwakum sadaqatan thalika khayrun lakum waatharu fain lam tajidoo fainna	The order to give charity before one speaks to the Prophet in private. (So it was distributed among needy Muslims.)	O you who have believed, when you [wish to] privately consult the Messenger, present before your consultation a charity. That is better for you and purer. But if you find not [the means] - then indeed, Allah is Forgiving and Merciful.	58:12	ऐ ईमान लानेवालो! जब तुम रसूल से अकेले में बात करो तो अपनी गुप्त वार्ता से पहले सदक़ा दो। यह तुम्हारे लिए अच्छा और अधिक पवित्र है। फिर यदि तुम अपने को इसमें असमर्थ पाओ, तो निश्चय ही अल्लाह बड़ा क्षमाशील, अत्यन्त दयावान है	व्यक्तिगत रूप से पैग़म्बर स. से बात करने से पहले चंदा देने का आदेश। (यह चंदा जरूरतमंद मुसलमानों में वितरित किया जाता था।)

Aashfaqtum an tuqaddimoo bayna yaday najwakum sadaqatin faith lam tafAAaloo wataba Allahu AAalaykum faaqeemoo alssalata waatoo alzzakata waateeAAoo Allaha warasoolahu waAllahu khabeerun bima taAAmaloona	Due to the previous verse the rich used to go to the Prophet (pbuh) and converse with him at length. In this fashion, they always beat the poor to the assemblies to the extent that the Messenger (pbuh) disliked their prolonged sitting and conference. **[In this verse (58:13), Allah lifted (abrogated) this requirement because many companions**	Have you feared to present before your consultation charities? Then when you do not and Allah has forgiven you, then [at least] establish prayer and give zakah and obey Allah and His Messenger. And Allah is Acquainted with what you do.	58:13	क्या तुम इससे डर गए कि अपनी गुप्त वार्ता से पहले सदक़े दो? जो जब तुमने यह न किया और अल्लाह ने तुम्हें क्षमा कर दिया. तो नमाज़ क़ायम करो, ज़कात देते रहो और अल्लाह और उसके रसूल की आज्ञा का पालन करो। और तुम जो कुछ भी करते हो अल्लाह उसकी पूरी ख़बर रखता है	पिछली आयत के कारण अमीर लोग पैग़म्बर स. के पास जाते और उनसे लंबी बातचीत करते थे। इस तरह वे हमेशा गरीबों को बैठकों में पहुँचने से पहले ही पीछे छोड़ देते थे, जिससे पैग़म्बर स. को उनकी लंबी बैठकों और चर्चाओं से अस्वस्थता होती थी। [इस आयत (58:13) में अल्लाह ने यह आवश्यकता हटा दी (रद्द कर दी) क्योंकि कई सहाबियों को इसे निभाना कठिन लग रहा था।]
Alam tara ila allatheena tawallaw qawman ghadiba Allahu AAalayhim ma hum minkum wala minhum wayahlifoona AAala alkathibi wahum yaAAlamoona	This was revealed about Abd Allah ibn Nabtal, the hypocrite who used to keep the company of the Prophet (pbuh) and then report what he heard from him to the Jews. The Messenger of Allah (pbuh) said to him: 'Why do you, and your friends, insult me?' He swore by Allah that he did not. Then revealed these verses (58:14-18).	Have you not considered those who make allies of a people with whom Allah has become angry? They are neither of you nor of them, and they swear to untruth while they know [they are lying].	58:14	क्या तुमने उन लोगों को नहीं देखा जिन्होंने ऐसे लोगों को मित्र बनाया जिनपर अल्लाह का प्रकोप हुआ है? वे न तुममें से है और न उनमें से। और वे जानते-बूझते झूठी बात पर क़सम खाते है	यह आयतें उस अब्दुल्लाह इब्न नबतल के बारे में नाज़िल हुईं, जो ढोंगी (munafiq) था और पैग़म्बर स. के साथ रहकर जो कुछ सुनता, उसे यहूदियों तक पहुँचाता था। पैग़म्बर स. ने उससे कहा: "तुम और तुम्हारे साथी मुझे क्यों अपमानित करते हो?" उसने अल्लाह की कसम खाई कि उसने ऐसा नहीं किया। इसके बाद ये आयतें (58:14–18) नाज़िल हुईं।
aAAadda Allahu lahum AAathaban shadeedan innahum saa ma kanoo yaAAmaloona	x	Allah has prepared for them a severe punishment. Indeed, it was evil that they were doing.	58:15	अल्लाह ने उनके लिए कठोर यातना तैयार कर रखी है। निश्चय ही बुरा है जो वे कर रहे है	x

Ittakhathoo aymanahum junnatan fasaddoo AAan sabeeli Allahi falahum AAathabun muheenun	x	They took their [false] oaths as a cover, so they averted [people] from the way of Allah, and for them is a humiliating punishment.	58:16	उन्होंने अपनी क़समों को ढाल बना रखा है। अतः वे अल्लाह के मार्ग से (लोगों को) रोकते है। तो उनके लिए रुसवा करनेवाली यातना है	x
Lan tughniya AAanhum amwaluhum wala awladuhum mina Allahi shayan olaika ashabu alnnari hum feeha khalidoona	x	Never will their wealth or their children avail them against Allah at all. Those are the companions of the Fire; they will abide therein eternally	58:17	अल्लाह से बचाने के लिए न उनके माल उनके कुछ काम आएँगे और न उनकी सन्तान। वे आगवाले हैं। उसी में वे सदैव रहेंगे	x
Yawma yabAAathuhumu Allahu jameeAAan fayahlifoona lahu kama yahlifoona lakum wayahsaboona annahum AAala shayin ala innahum	x	On the Day Allah will resurrect them all, and they will swear to Him as they swear to you and think that they are [standing] on something. Unquestionably, it is they who are the liars.	58:18	जिस दिन अल्लाह उन सबको उठाएगा तो वे उसके सामने भी इसी तरह क़समें खाएँगे, जिस तरह तुम्हारे सामने क़समें खाते है और समझते हैं कि वे किसी बुनियाद पर है। सावधान रहो, निश्चय ही वही झूठे है!	x
Istahwatha AAalayhimu alshshaytanu faansahum thikra Allahi olaika hizbu alshshaytani ala inna hizba alshshaytani humu alkhasiroona	**[Those who befriend Jews and Christians (who are accursed by Allah, 9:30) are the party of Satan.]**	Satan has overcome them and made them forget the remembrance of Allah. Those are the party of Satan. Unquestionably, the party of Satan - they will be the losers.	58:19	उनपर शैतान ने पूरी तरह अपना प्रभाव जमा लिया है। अतः उसने अल्लाह की याद को उनसे भुला दिया। वे शैतान की पार्टीवाले हैं। सावधान रहो शैतान की पार्टीवाले ही घाटे में रहनेवाले हैं!	**[जो लोग यहूदी और ईसाईयों के मित्र बनते हैं (जिन पर अल्लाह ने शाप दिया है, 9:30), वे शैतान की पार्टी के सदस्य हैं।]**

Inna allatheena yuhaddoona Allaha warasoolahu olaika fee alathalleena	x	Indeed, the ones who oppose Allah and His Messenger - those will be among the most humbled.	58:20	निश्चय ही जो लोग अल्लाह और उसके रसूल का विरोध करते है वे अत्यन्त अपमानित लोगों में से है	x
Kataba Allahu laaghlibanna ana warusulee inna Allaha qawiyyun AAazeezun	**[Allah is boasting to Himself.]**	Allah has written, "I will surely overcome, I and My messengers." Indeed, Allah is Powerful and Exalted in Might.	58:21	अल्लाह ने लिए दिया है, "मैं और मेरे रसूल ही विजयी होकर रहेंगे।" निस्संदेह अल्लाह शक्तिमान, प्रभुत्वशाली है	**[अल्लाह अपने आप से शान और महिमा प्रकट कर रहा है।]**

La tajidu qawman yuminoona biAllahi waalyawmi alakhiri yuwaddoona man hadda Allaha warasoolahu walaw kanoo abaahum aw abnaahum aw ikhwanahum aw AAasheeratahum olaika kataba fee quloobihimu aleemana waayyadahum biroohin minhu wayudkhiluhum jannatin tajree min tahtiha alanharu khalideena feeha radiya Allahu AAanhum waradoo AAanhu olaika hizbu Allahi ala inna hizba Allahi humu almuflihoona	This verse was revealed about Abu Ubaydah ibn al-Jarrah who killed his father Abd Allah at the Battle of Uhud. **[Contradiction: Give good care to parents 2:83, 2:215, 4:36, 6:151, 17:23, 46:15, Don't care for them if they reject Islam, 9:23, 58:22, 60:4]**	You will not find a people who believe in Allah and the Last Day having affection for those who oppose Allah and His Messenger, even if they were their fathers or their sons or their brothers or their kindred. Those - He has decreed within their hearts faith and supported them with spirit from Him. And We will admit them to gardens beneath which rivers flow, wherein they abide eternally. Allah is pleased with them, and they are pleased with Him - those are the party of Allah. Unquestionably, the party of Allah - they are the successful.	58:22	तुम उन लोगों को ऐसा कभी नहीं पाओगे जो अल्लाह और अन्तिम दि पर ईमान रखते है कि वे उन लोगों से प्रेम करते हो जिन्होंने अल्लाह और उसके रसूल का विरोध किया, यद्यपि वे उनके अपने बाप हों या उनके अपने बेटे हो या उनके अपने भाई या उनके अपने परिवारवाले ही हो। वही लोग हैं जिनके दिलों में अल्लाह ने ईमान को अंकित कर दिया है और अपनी ओर से एक आत्मा के द्वारा उन्हें शक्ति दी है। और उन्हें वह ऐसे बाग़ों में दाख़िल करेगा जिनके नीचे नहरें बह रही होंगी; जहाँ वे सदैव रहेंगे। अल्लाह उनसे राज़ी हुआ और वे भी उससे राज़ी हुए। वे अल्लाह की पार्टी के लोग है। सावधान रहो, निश्चय ही अल्लाह की पार्टीवाले ही सफल है	यह आयत अबू उबैदा इब्न अल-जराह के बारे में नाज़िल हुई, जिसने उहुद की लड़ाई में अपने पिता अब्दुल्लाह को मार दिया। **[विरोधाभास: माता-पिता की अच्छी देखभाल करने के आदेश – 2:83, 2:215, 4:36, 6:151, 17:23, 46:15; यदि वे इस्लाम को अस्वीकार करें तो उनकी परवाह न करने के आदेश – 9:23, 58:22, 60:4]**
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Al-Hashr (The Exile)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**59:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अल-हश्र (निर्वासन या विस्थापन)**

Sabbaha lillahi ma fee alssamawati wama fee alardi wahuwa alAAazeezu	This sura was revealed after prophet (pbuh) had the Jewish an-Nadir tribe exiled from Medina.	Whatever is in the heavens and whatever is on the earth exalts Allah, and He is the Exalted in Might, the Wise.	59:1	अल्लाह की तसबीह की है हर उस चीज़ ने जो आकाशों और धरती में है, और वही प्रभुत्वशाली, तत्वदर्शी है	यह सूरह उस समय नाज़िल हुई जब पैग़म्बर मुहम्मद स. ने यहूदी क़बीला अन-नादिर को मदीना से निर्वासित कर दिया था।
Huwa allathee akhraja allatheena kafaroo min ahli alkitabi min diyarihim liawwali alhashri ma thanantum an yakhrujoo wathannoo annahum maniAAatuhum husoonuhum mina Allahi faatahumu Allahu min haythu lam yahtasiboo waqathafa fee quloobihimu alrruAAba yukhriboona buyootahum biaydeehim waaydee almumineena	When the Messenger of Allah migrated to Al-Madinah, he made a peace treaty with the Jews (Banu Nadir) stipulating that he would not fight them and they would not fight him. They soon betrayed the treaty that they made with Messenger (pbuh). Therefore, Allah sent His torment down on them. **[Allah terrorizes the disbelievers.]**	It is He who expelled the ones who disbelieved among the People of the Scripture from their homes at the first gathering. You did not think they would leave, and they thought that their fortresses would protect them from Allah; but [the decree of] Allah came upon them from where they had not expected, and He cast terror into their hearts [so] they destroyed their houses by their [own] hands and the hands of the believers. So take warning, O people of vision.	59:2	वही है जिसने किताबवालों में से उन लोगों को जिन्होंने इनकार किया, उनके घरों से पहले ही जमावड़े में निकल बाहर किया। तुम्हें गुमान न था कि उनकी गढ़ियाँ अल्लाह से उन्हें बचा लेंगी। किन्तु अल्लाह उनपर वहाँ से आया जिसका उन्हें गुमान भी न था। और उसने उनके दिलों में रोब डाल दिया कि वे अपने घरों को स्वयं अपने हाथों और ईमानवालों के हाथों भी उजाड़ने लगे। अतः शिक्षा ग्रहण करो, ऐ दृष्टि रखनेवालो!	जब पैग़म्बर मुहम्मद स. मदीना हिजरत कर गए, तो उन्होंने यहूदियों (बनी नादिर) के साथ शांति संधि की, जिसमें यह तय था कि वे उनके साथ युद्ध नहीं करेंगे और वे भी उनके साथ युद्ध नहीं करेंगे। लेकिन उन्होंने जल्द ही उस संधि का उल्लंघन किया। इसलिए, अल्लाह ने उन पर अपने संकट और अज़ाब उतारा। [अल्लाह काफ़िरों में भय और आतंक पैदा करते हैं।]

Walawla an kataba Allahu AAalayhimu aljalaa laAAaththabahum fee alddunya walahum fee alakhirati AAathabu	x	And if not that Allah had decreed for them evacuation, He would have punished them in [this] world, and for them in the Hereafter is the punishment of the Fire.	59:3	यदि अल्लाह ने उनके लिए देश निकाला न लिख दिया होता तो दुनिया में ही वह उन्हें अवश्य यातना दे देता, और आख़िरत में तो उनके लिए आग की यातना है ही	x
Thalika biannahum shaqqoo Allaha warasoolahu waman yushaqqi Allaha fainna Allaha shadeedu alAAiqabi	x	That is because they opposed Allah and His Messenger. And whoever opposes Allah - then indeed, Allah is severe in penalty.	59:4	यह इसलिए कि उन्होंने अल्लाह और उसके रसूल का मुक़ाला करने की कोशिश की। और जो कोई अल्लाह का मुक़ाबला करता है तो निश्चय ही अल्लाह की यातना बहुत कठोर है	x
Ma qataAAtum min leenatin aw taraktumooha qaimatan AAala osooliha fabiithni Allahi waliyukhziya alfasiqeena	The Prophet cut down the date trees of the Jews by the leave of Allah during siege of Banu Nadir. **[This verse legalizes destroying the trees during war. Sahih Muslim 4552, Sahih Bukhari 2326, 4031]**	Whatever you have cut down of [their] palm trees or left standing on their trunks - it was by permission of Allah and so He would disgrace the defiantly disobedient.	59:5	तुमने खजूर के जो वृक्ष काटे या उन्हें उनकी जड़ों पर खड़ा छोड़ दिया तो यह अल्लाह ही की अनुज्ञा से हुआ (ताकि ईमानवालों के लिए आसानी पैदा करे) और इसलिए कि वह अवज्ञाकारियों को रुसवा करे	पैग़म्बर मुहम्मद स. ने बनी नादिर पर घेराबंदी के दौरान अल्लाह की अनुमति से यहूदियों के खजूर के पेड़ काट दिए। [यह आयत युद्ध के दौरान पेड़ नष्ट करने को वैध ठहराती है। संदर्भ: सहीह मुस्लिम 4552, सहीह बुख़ारी 2326, 4031]

Wama afaa Allahu AAala rasoolihi minhum fama awjaftum AAalayhi min khaylin wala rikabin walakinna Allaha yusallitu rusulahu AAala man yashao waAllahu AAala kulli shayin qadeerun	This verse describes "Fai" means the propery which the enemy leaves without fighting. **[This entire property is given to the Messenger by Allah, e.g. Gardens left by Jews of Fadak.]**	And what Allah restored [of property] to His Messenger from them - you did not spur for it [in an expedition] any horses or camels, but Allah gives His messengers power over whom He wills, and Allah is over all things competent.	59:6	और अल्लाह ने उनसे लेकर अपने रसूल की ओर जो कुछ पलटाया, उसके लिए न तो तुमने घोड़े दौड़ाए और न ऊँट। किन्तु अल्लाह अपने रसूलों को जिसपर चाहता है प्रभुत्व प्रदान कर देता है। अल्लाह को तो हर चीज़ की सामर्थ्य प्राप्ति है	यह आयत “फ़ै” को वर्णित करती है, अर्थात वह संपत्ति जो दुश्मन लड़ाई किए बिना छोड़ देता है। [इस पूरी संपत्ति को अल्लाह द्वारा पैग़म्बर स. को दिया जाता है, जैसे कि यहूदियों के फदक के बाग़]।
Ma afaa Allahu AAala rasoolihi min ahli alqura falillahi walilrrasooli walithee alqurba waalyatama waalmasakeeni waibni alssabeeli kay la yakoona doolatan bayna alaghniyai minkum wama atakumu alrrasoolu fakhuthoohu wama nahakum AAanhu faintahoo waittaqoo Allaha inna Allaha	This is dsitrubution of "Fai" obtained from the towns. The expenditures for the Fai' is like this, so that the wealth does not remain among the wealthy,	And what Allah restored to His Messenger from the people of the towns - it is for Allah and for the Messenger and for [his] near relatives and orphans and the [stranded] traveler - so that it will not be a perpetual distribution among the rich from among you. And whatever the Messenger has given you - take; and what he has forbidden you - refrain from. And fear Allah; indeed, Allah is severe in penalty.	59:7	जो कुछ अल्लाह ने अपने रसूल की ओर बस्तियोंवालों से लेकर पलटाया वह अल्लाह और रसूल और (मुहताज) नातेदार और अनाथों और मुहताजों और मुसाफ़िर के लिए है, ताकि वह (माल) तुम्हारे मालदारों ही के बीच चक्कर न लगाता रहे - रसूल जो कुछ तुम्हें दे उसे ले लो और जिस चीज़ से तुम्हें रोक दे उससे रुक जाओ, और अल्लाह का डर रखो। निश्चय ही अल्लाह की यातना बहुत कठोर है। -	यह शहरों से प्राप्त फ़ै का वितरण है। फ़ै के खर्च इस प्रकार किए जाते हैं, ताकि यह धन केवल अमीरों के पास न रहे।

Lilfuqarai almuhajireena allatheena okhrijoo min diyarihim waamwalihim yabtaghoona fadlan mina Allahi waridwanan wayansuroona Allaha warasoolahu olaika humu	The properties abandoned by Banu Nadir were the ones which Allah bestowed upon His Prophet. It was also given to Emigrants and Ansar.	For the poor emigrants who were expelled from their homes and their properties, seeking bounty from Allah and [His] approval and supporting Allah and His Messenger, [there is also a share]. Those are the truthful.	59:8	वह ग़रीब मुहाजिरों के लिए है, जो अपने घरों और अपने मालों से इस हालत में निकाल बाहर किए गए है कि वे अल्लाह का उदार अनुग्रह और उसकी प्रसन्नता की तलाश में है और अल्लाह और उसके रसूल की सहायता कर रहे है, और वही वास्तव में सच्चे है	बनी नादिर द्वारा छोड़ी गई संपत्तियाँ वे थीं जिन्हें अल्लाह ने अपने पैग़म्बर स. को प्रदान किया। इसे हिज़रत करने वालों और अंसार को भी दिया गया।
Waallatheena tabawwaoo alddara waaleemana min qablihim yuhibboona man hajara ilayhim wala yajidoona fee sudoorihim hajatan mimma ootoo wayuthiroona AAala anfusihim walaw kana bihim khasasatun waman yooqa shuhha nafsihi faolaika humu almuflihoona	The Ansar said: ‘O Messenger of Allah, divide the land into two equal halves between us and the Emigrants’. He said: ‘No, they will suffice you their livelihood. Instead, you will share the fruits of the land with them while keeping the land itself to yourselves’.	And [also for] those who were settled in al-Madinah and [adopted] the faith before them. They love those who emigrated to them and find not any want in their breasts of what the emigrants were given but give [them] preference over themselves, even though they are in privation. And whoever is protected from the stinginess of his soul - it is those who will be the successful.	59:9	और उनके लिए जो उनसे पहले ही से हिजरत के घर (मदीना) में ठिकाना बनाए हुए है और ईमान पर जमे हुए है, वे उनसे प्रेम करते है जो हिजरत करके उनके यहाँ आए है और जो कुछ भी उन्हें दिया गया उससे वे अपने सीनों में कोई खटक नहीं पाते और वे उन्हें अपने मुक़ाबले में प्राथमिकता देते है, यद्यपि अपनी जगह वे स्वयं मुहताज ही हों। और जो अपने मन के लोभ और कृपणता से बचा लिया जाए ऐसे लोग ही सफल है	अंसार ने कहा: “हे अल्लाह के पैग़म्बर स., भूमि को हमारे और हिज़रत करने वालों के बीच दो बराबर हिस्सों में बाँट दें। पैग़म्बर स. ने कहा: नहीं, वे आपको अपनी आजीविका से पर्याप्त सहायता देंगे। इसके बजाय, आप भूमि के फलों को उनके साथ साझा करेंगे, जबकि भूमि स्वयं आपके पास रहेगी।

Waallatheena jaoo min baAAdihim yaqooloona rabbana ighfir lana waliikhwanina allatheena sabaqoona bialeemani wala tajAAal fee quloobina ghillan lillatheena amanoo rabbana innaka	The third type of Muslims were those who followed the Emigrants and Ansar.	And [there is a share for] those who came after them, saying, "Our Lord, forgive us and our brothers who preceded us in faith and put not in our hearts [any] resentment toward those who have believed. Our Lord, indeed You are Kind and Merciful."	59:10	और (इस माल में उनका भी हिस्सा है) जो उनके बाद आए, वे कहते है, "ऐ हमारे रब! हमें क्षमा कर दे और हमारे उन भाइयों को भी जो ईमानलाने में हमसे अग्रसर रहे और हमारे दिलों में ईमानवालों के लिए कोई विद्वेष न रख। ऐ हमारे रब! तू निश्चय ही बड़ा करुणामय, अत्यन्त दयावान है।"	मुसलमानों का तीसरा प्रकार वे थे जो हिज़रत करने वालों और अंसार का अनुसरण करते थे।
Alam tara ila allatheena nafaqoo yaqooloona liikhwanihimu allatheena kafaroo min ahli alkitabi lain okhrijtum lanakhrujanna maAAakum wala nuteeAAu feekum ahadan abadan wain qootiltum lanansurannakum waAllahu yashhadu innahum lakathiboona	Here the “hypocrites” were some Muslims who urged the Banu Nadir not to go in exile and promised to come to their aid if attacked.	Have you not considered those who practice hypocrisy, saying to their brothers who have disbelieved among the People of the Scripture, "If you are expelled, we will surely leave with you, and we will not obey, in regard to you, anyone - ever; and if you are fought, we will surely aid you." But Allah testifies that they are liars.	59:11	क्या तुमने उन लोगों को नहीं देखा जिन्होंने कपटाचार की नीति अपनाई हैं, वे अपने किताबवाले उन भाइयों से, जो इनकार की नीति अपनाए हुए है, कहते है, "यदि तुम्हें निकाला गया तो हम भी अवश्य ही तुम्हारे साथ निकल जाएँगे और तुम्हारे मामले में किसी की बात कभी भी नहीं मानेंगे। और यदि तुमसे युद्ध किया गया तो हम अवश्य तुम्हारी सहायता करेंगे।" किन्तु अल्लाह गवाही देता है कि वे बिलकुल झूठे है	यहाँ "ढोंगी" कुछ ऐसे मुसलमान थे जिन्होंने बनी नादिर से कहा कि वे निर्वासित न हों और अगर उन पर हमला हुआ तो उनकी मदद करने का वादा किया।

Lain okhrijoo la yakhrujoona maAAahum walain qootiloo la yansuroonahum walain nasaroohum layuwallunna aladbara thumma la yunsaroona	The False Promise of Support the Hypocrites gave to the Jews.	If they are expelled, they will not leave with them, and if they are fought, they will not aid them. And [even] if they should aid them, they will surely turn their backs; then [thereafter] they will not be aided.	59:12	यदि वे निकाले गए तो वे उनके साथ नहीं निकलेंगे और यदि उनसे युद्ध हुआ तो वे उनकी सहायता कदापि न करेंगे और यदि उनकी सहायता करें भी तो पीठ फेंर जाएँगे। फिर उन्हें कोई सहायता प्राप्त न होगी	यहूदीयों को ढोंगियों द्वारा दिया गया मिथ्या समर्थन का वादा।
Laantum ashaddu rahbatan fee sudoorihim mina Allahi thalika biannahum qawmun la yafqahoona	Meaning, the hypocrites fear the true Muslims more than they fear Allah.	You [believers] are more fearful within their breasts than Allah. That is because they are a people who do not understand.	59:13	उनके दिलों में अल्लाह से बढ़कर तुम्हारा भय समाया हुआ है। यह इसलिए कि वे ऐसे लोग है जो समझते नहीं	अर्थात, ढोंगी, अल्लाह से अधिक, सच्चे मुसलमानों से डरते हैं।
La yuqatiloonakum jameeAAan illa fee quran muhassanatin aw min warai judurin basuhum baynahum shadeedun tahsabuhum jameeAAan waquloobuhum shatta thalika biannahum qawmun	The hypocrites are coward and even though one might see them harmonious, yet in reality, they are divided severely.	They will not fight you all except within fortified cities or from behind walls. Their violence among themselves is severe. You think they are together, but their hearts are diverse. That is because they are a people who do not reason.	59:14	वे इकट्ठे होकर भी तुमसे (खुले मैदान में) नहीं लड़ेगे, क़िलाबन्द बस्तियों या दीवारों के पीछ हों तो यह और बात है। उनकी आपस में सख़्त लड़ाई है। तुम उन्हें इकट्ठा समझते हो! हालाँकि उनके दिल फटे हुए है। यह इसलिए कि वे ऐसे लोग है जो बुद्धि से काम नहीं लेते	ढोंगी डरपोक होते हैं, और भले ही उन्हें सामंजस्यपूर्ण देखा जाए, लेकिन वास्तविकता में वे काफी बंटे हुए और अलग-थलग हैं।

Kamathali allatheena min qablihim qareeban thaqoo wabala amrihim walahum AAathabun aleemun	x	[Theirs is] like the example of those shortly before them: they tasted the bad consequence of their affair, and they will have a painful punishment.	59:15	उनकी हालत उन्हीं लोगों जैसी है जो उनसे पहले निकट काल में अपने किए के वबाल का मज़ा चख चुके है, और उनके लिए दुखद यातना भी है	x
Kamathali alshshaytani ith qala lilinsani okfur falamma kafara qala innee bareeon minka innee akhafu Allaha rabba alAAalameena	**[Satan fears Allah but does everything opposite.]**	[The hypocrites are] like the example of Satan when he says to man, "Disbelieve." But when he disbelieves, he says, "Indeed, I am disassociated from you. Indeed, I fear Allah, Lord of the worlds."	59:16	इनकी मिसाल शैतान जैसी है कि जब उसने मनुष्य से कहा, "कुफ़्र कर!" फिर जब वह कुफ़्र कर बैठा तो कहने लगा, "मैं तुम्हारी ज़िम्मेदारी से बरी हूँ। मैं तो सारे संसार के रब अल्लाह से डरता हूँ।"	**[शैतान अल्लाह से डरता है, लेकिन फिर भी सब कुछ उसके विपरीत करता है।]**
Fakana AAaqibatahuma annahuma fee alnnari khalidayni feeha wathalika jazao alththalimeena	x	So the outcome for both of them is that they will be in the Fire, abiding eternally therein. And that is the recompense of the wrong-doers.	59:17	फिर उन दोनों का परिणाम यह हुआ कि दोनों आग में गए, जहाँ सदैव रहेंगे। और ज़ालिमों का यही बदला है	x
Ya ayyuha allatheena amanoo ittaqoo Allaha waltanthur nafsun ma qaddamat lighadin waittaqoo Allaha inna Allaha khabeerun bima taAAmaloona	x	O you who have believed, fear Allah. And let every soul look to what it has put forth for tomorrow - and fear Allah. Indeed, Allah is Acquainted with what you do.	59:18	ऐ ईमान लानेवालो! अल्लाह का डर रखो। और प्रत्येक व्यक्ति को यह देखना चाहिए कि उसने कल के लिए क्या भेजा है। और अल्लाह का डर रखो। जो कुछ भी तुम करते हो निश्चय ही अल्लाह उसकी पूरी ख़बर रखता है	x

Wala takoonoo kaallatheena nasoo Allaha faansahum anfusahum olaika humu alfasiqoona	x	And be not like those who forgot Allah, so He made them forget themselves. Those are the defiantly disobedient.	59:19	और उन लोगों की तरह न हो जाना जिन्होंने अल्लाह को भुला दिया। तो उसने भी ऐसा किया कि वे स्वयं अपने आपको भूल बैठे। वही अवज्ञाकारी है	x
La yastawee ashabu alnnari waashabu aljannati ashabu aljannati humu alfaizoona	x	Not equal are the companions of the Fire and the companions of Paradise. The companions of Paradise - they are the attainers [of success].	59:20	आगवाले और बाग़वाले (जहन्नमवाले और जन्नतवाले) कभी समान नहीं हो सकते। बाग़वाले ही सफ़ल है	x
Law anzalna hatha alqurana AAala jabalin laraaytahu khashiAAan mutasaddiAAan min khashyati Allahi watilka alamthalu nadribuha lilnnasi laAAallahum yatafakkaroona	**[A hypothetical fact quoted without performing it; Even mountains fear God.]**	If We had sent down this Qur'an upon a mountain, you would have seen it humbled and coming apart from fear of Allah. And these examples We present to the people that perhaps they will give thought.	59:21	यदि हमने इस क़ुरआन को किसी पर्वत पर भी उतार दिया होता तो तुम अवश्य देखते कि अल्लाह के भय से वह दबा हुआ और फटा जाता है। ये मिशालें लोगों के लिए हम इसलिए पेश करते है कि वे सोच-विचार करें	**[एक काल्पनिक तथ्य जिसका उल्लेख बिना उसे किए किया गया; यहाँ तक कि पहाड़ भी अल्लाह से डरते हैं।]**
Huwa Allahu allathee la ilaha illa huwa AAalimu alghaybi waalshshahadati huwa alrrahmanu	**[Who is speaking]**	He is Allah, other than whom there is no deity, Knower of the unseen and the witnessed. He is the Entirely Merciful, the Especially Merciful.	59:22	वही अल्लाह है जिसके सिवा कोई पूज्य-प्रभु नहीं, परोक्ष और प्रत्यक्ष को जानता है। वह बड़ा कृपाशील, अत्यन्त दयावान है	**[कौन बोल रहा है]**

Huwa Allahu allathee la ilaha illa huwa almaliku alquddoosu alssalamu almuminu almuhayminu alAAazeezu aljabbaru almutakabbiru subhana Allahi AAamma	x	He is Allah, other than whom there is no deity, the Sovereign, the Pure, the Perfection, the Bestower of Faith, the Overseer, the Exalted in Might, the Compeller, the Superior. Exalted is Allah above whatever they associate with Him.	59:23	वही अल्लाह है जिसके सिवा कोई पूज्य नहीं। बादशाह है अत्यन्त पवित्र, सर्वथा सलामती, निश्चिन्तता प्रदान करनेवाला, संरक्षक, प्रभुत्वशाली, प्रभावशाली (टुटे हुए को जोड़नेवाला), अपनी बड़ाई प्रकट करनेवाला। महान और उच्च है अल्लाह उस शिर्क से जो वे करते है	x
Huwa Allahu alkhaliqu albario almusawwiru lahu alasmao alhusna yusabbihu lahu ma fee alssamawati waalardi wahuwa alAAazeezu alhakeemu	x	He is Allah, the Creator, the Inventor, the Fashioner; to Him belong the best names. Whatever is in the heavens and earth is exalting Him. And He is the Exalted in Might, the Wise.	59:24	वही अल्लाह है जो संरचना का प्रारूपक है, अस्तित्व प्रदान करनेवाला, रूप देनेवाला है। उसी के लिए अच्छे नाम है। जो चीज़ भी आकाशों और धरती में है, उसी की तसबीह कर रही है। और वह प्रभुत्वशाली, तत्वदर्शी है	x
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Al-Mumtahana (She Who Is to Be Examined)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**60:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अल-मुम्ताहना (वह जिसे परखा जाना है)**

Ya ayyuha allatheena amanoo la tattakhithoo AAaduwwee waAAaduwwakum awliyaa tulqoona ilayhim bialmawaddati waqad kafaroo bima jaakum mina alhaqqi yukhrijoona alrrasoola waiyyakum an tuminoo biAllahi rabbikum in kuntum kharajtum jihadan fee sabeelee waibtighaa mardatee tusirroona ilayhim bialmawaddati waana aAAlamu bima akhfaytum wama aAAlantum waman yafAAalhu minkum faqad dalla sawaa alssabeeli	This verse was revealed when Muhammad (pbuh) was planning to conquer the Mecca, and a Muslim named Hatib bin Abi Baltaah tried to notify the Meccans of the impending attack because he had relatives in Mecca. However, his letter was intercepted.	O you who have believed, do not take My enemies and your enemies as allies, extending to them affection while they have disbelieved in what came to you of the truth, having driven out the Prophet and yourselves [only] because you believe in Allah, your Lord. If you have come out for jihad in My cause and seeking means to My approval, [take them not as friends]. You confide to them affection, but I am most knowing of what you have concealed and what you have declared. And whoever does it among you has certainly strayed from the soundness of the way.	60:1	ऐ ईमान लानेवालो! यदि तुम मेरे मार्ग में जिहाद के लिए और मेरी प्रसन्नता की तलाश में निकले हो तो मेरे शत्रुओं और अपने शत्रुओं को मित्र न बनाओ कि उनके प्रति प्रेम दिखाओं, जबकि तुम्हारे पास जो सत्य आया है उसका वे इनकार कर चुके है। वे रसूल को और तुम्हें इसलिए निर्वासित करते है कि तुम अपने रब - अल्लाह पर ईमान लाए हो। तुम गुप्त रूप से उनसे मित्रता की बातें करते हो। हालाँकि मैं भली-भाँति जानता हूँ जो कुछ तुम छिपाते हो और व्यक्त करते हो। और जो कोई भी तुममें से भटक गया	यह आयत उस समय उतरी जब मुहम्मद (स.) मक्का पर विजय प्राप्त करने की योजना बना रहे थे, और हतीब बिन अबी बाल्ताह नामक एक मुसलमान ने मक्कियों को संभावित हमले की सूचना देने की कोशिश की क्योंकि उसके मक्का में रिश्तेदार थे। हालांकि, उसका पत्र पकड़ लिया गया।

In yathqafookum yakoonoo lakam aAAdaan wayabsutoo ilaykum aydiyahum waalsinatahum bialssooi wawaddoo law takfuroona	**[Actually Non-Muslims have no problem with Islamic faith, except they just wish the Muslims to live peacefully.]**	If they gain dominance over you, they would be to you as enemies and extend against you their hands and their tongues with evil, and they wish you would disbelieve.	60:2	यदि वे तुम्हें पा जाएँ तो तुम्हारे शत्रु हो जाएँ और कष्ट पहुँचाने के लिए तुमपर हाथ और ज़बान चलाएँ। वे तो चाहते है कि काश! तुम भी इनकार करनेवाले हो जाओ	**[असल में गैर-मुसलमानों को इस्लामी आस्था से कोई समस्या नहीं है, सिवाय इसके कि वे बस चाहते हैं कि मुसलमान शांतिपूर्वक रहें।]**
Lan tanfaAAakum arhamukum wala awladukum yawma alqiyamati yafsilu baynakum waAllahu bima taAAmaloona baseerun	Religion is above blood relations.	Never will your relatives or your children benefit you; the Day of Resurrection He will judge between you. And Allah, of what you do, is Seeing.	60:3	क़ियामत के दिन तुम्हारी नातेदारियाँ कदापि तुम्हें लाभ न पहुँचाएँगी और न तुम्हारी सन्तान ही। उस दिन वह (अल्लाह) तुम्हारे बीच जुदाई डाल देगा। जो कुछ भी तुम करते हो अल्लाह उसे देख रहा होता है	धर्म रक्त संबंधों से ऊपर है।

Qad kanat lakum oswatun hasanatun fee ibraheema waallatheena maAAahu ith qaloo liqawmihim inna buraao minkum wamimma taAAbudoona min dooni Allahi kafarna bikum wabada baynana wabaynakumu alAAadawatu waalbaghdao abadan hatta tuminoo biAllahi wahdahu illa qawla ibraheema liabeehi laastaghfiranna laka wama amliku laka mina Allahi min shayin rabbana AAalayka tawakkalna wailayka anabna	Muslims should emulated Abraham's hatred of his unbelieving relatives, and not ask for their forgiveness from Allah. **[There is no association between Muslims and non-Muslims. See Tirmidhi 2521, Abi Dawud 4599, 4681; [Contradiction: Give good care to parents 2:83, 2:215, 4:36, 6:151, 17:23, 31:15, 46:15, Don't care for them if they reject Islam, 9:23, 19:48, 58:22, 60:4, 26:216] One's kindness toward one's parents should stops if they are trying to turn the believer away from Islam (29:8)]**	There has already been for you an excellent pattern in Abraham and those with him, when they said to their people, "Indeed, we are disassociated from you and from whatever you worship other than Allah. We have denied you, and there has appeared between us and you animosity and hatred forever until you believe in Allah alone" except for the saying of Abraham to his father, "I will surely ask forgiveness for you, but I have not [power to do] for you anything against Allah. Our Lord, upon You we have relied, and to You we have returned, and to You is the destination.	60:4	तुम लोगों के लिए इबराहीम में और उन लोगों में जो उसके साथ थे अच्छा आदर्श है, जबकि उन्होंने अपनी क़ौम के लोगों से कह दिया कि "हम तुमसे और अल्लाह से हटकर जिन्हें तुम पूजते हो उनसे विरक्त है। हमने तुम्हारा इनकार किया और हमारे और तुम्हारे बीच सदैव के लिए वैर और विद्वेष प्रकट हो चुका जब तक अकेले अल्लाह पर तुम ईमान न लाओ।" इबराहीम का अपने बाप से यह कहना अपवाद है कि "मैं आपके लिए क्षमा की प्रार्थना अवश्य करूँगा, यद्यपि अल्लाह के मुक़ाबले में आपके लिए मैं किसी चीज़ पर अधिकार नहीं रखता।" "ऐ हमारे रब! हमने तुझी पर भरोसा किया और तेरी ही ओर रुजू हुए और तेरी ही ओर अन्त में लौटना हैं। -	मुसलमानों को अपने अविश्वासी रिश्तेदारों के प्रति इब्राहीम की नफरत का अनुकरण करना चाहिए, और अल्लाह से उनसे क्षमा नहीं मांगनी चाहिए। मुसलमानों और गैर-मुसलमानों के बीच कोई संबंध नहीं है। तिर्मिधी 2521, अबी दाऊद 4599, 4681 देखें; **[विरोधाभास: माता-पिता की अच्छी देखभाल करें 2:83, 2:215, 4:36, 6:151, 17:23, 31:15, 46:15, अगर वे इस्लाम को अस्वीकार करते हैं तो उनकी परवाह न करें, 9:23, 19:48, 58:22, 60:4, 26:216] अपने माता-पिता के प्रति किसी की दयालुता बंद हो जानी चाहिए यदि वे विश्वासी को इस्लाम से दूर करने की कोशिश कर रहे हैं (29:8)]**

Rabbana la tajAAalna fitnatan lillatheena kafaroo waighfir lana rabbana innaka anta alAAazeezu alhakeemu	x	Our Lord, make us not [objects of] torment for the disbelievers and forgive us, our Lord. Indeed, it is You who is the Exalted in Might, the Wise."	60:5	"ऐ हमारे रब! हमें इनकार करनेवालों के लिए फ़ितना न बना और ऐ हमारे रब! हमें क्षमा कर दे। निश्चय ही तू प्रभुत्वशाली, तत्वदर्शी है।"	x
Laqad kana lakum feehim oswatun hasanatun liman kana yarjoo Allaha waalyawma alakhira waman yatawalla fainna Allaha huwa alghanniyyu alhameedu	**[However, Allah made mankind for His worship.]**	There has certainly been for you in them an excellent pattern for anyone whose hope is in Allah and the Last Day. And whoever turns away - then indeed, Allah is the Free of need, the Praiseworthy.	60:6	निश्चय ही तुम्हारे लिए उनमें अच्छा आदर्श है और हर उस व्यक्ति के लिए जो अल्लाह और अंतिम दिन की आशा रखता हो। और जो कोई मुँह फेरे तो अल्लाह तो निस्पृह, अपने आप में स्वयं प्रशंसित है	**[हालाँकि, अल्लाह ने मनुष्यों को अपनी पूजा के लिए बनाया।]**
AAasa Allahu an yajAAala baynakum wabayna allatheena AAadaytum minhum mawaddatan waAllahu qadeerun waAllahu ghafoorun raheemun	**[When verse 60:4 was revealed, the believers declared their relatives who were idolaters to be their enemies. They showed this enmity to them and absolved themselves of all the things that they did or believed in. Then this verse was revealed.]**	Perhaps Allah will put, between you and those to whom you have been enemies among them, affection. And Allah is competent, and Allah is Forgiving and Merciful.	60:7	आशा है कि अल्लाह तुम्हारे और उनके बीच, जिनके बीच, जिनसे तुमने शत्रुता मोल ली है, प्रेम-भाव उत्पन्न कर दे। अल्लाह बड़ी सामर्थ्य रखता है और अल्लाह बहुत क्षमाशील, अत्यन्त दयावान है	**[जब आयत 60:4 प्रकट हुई, तो ईमान वालों ने अपने रिश्तेदारों जो मूर्तिपूजक थे, उन्हें अपना दुश्मन घोषित कर दिया। उन्होंने उनके प्रति इस शत्रुता को दिखाया और उन्होंने उनके द्वारा किए गए या जिन पर वे विश्वास करते थे, उन सब चीज़ों से स्वयं को अलग किया। फिर यह आयत प्रकट हुई।]**

La yanhakumu Allahu AAani allatheena lam yuqatilookum fee alddeeni walam yukhrijookum min diyarikum an tabarroohum watuqsitoo ilayhim inna Allaha yuhibbu	Allah does not forbid you from being kind to the disbelievers who do not fight you because of the religion, such as women and weak disbelievers. **[Modification of 60:4]**	Allah does not forbid you from those who do not fight you because of religion and do not expel you from your homes - from being righteous toward them and acting justly toward them. Indeed, Allah loves those who act justly.	60:8	अल्लाह तुम्हें इससे नहीं रोकता कि तुम उन लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करो और उनके साथ न्याय करो, जिन्होंने तुमसे धर्म के मामले में युद्ध नहीं किया और न तुम्हें तुम्हारे अपने घरों से निकाला। निस्संदेह अल्लाह न्याय करनेवालों को पसन्द करता है	अल्लाह तुम्हें उन काफ़िरों के प्रति दयालु होने से मना नहीं करता जो धर्म के कारण तुम्हारे साथ नहीं लड़ते, जैसे महिलाएँ और कमजोर काफ़िर। **[60:4 का संशोधन]**
Innama yanhakumu Allahu AAani allatheena qatalookum fee alddeeni waakhrajookum min diyarikum wathaharoo AAala ikhrajikum an tawallawhum waman yatawallahum faolaika humu	The Prohibition of being kind towards combatant disbelievers.	Allah only forbids you from those who fight you because of religion and expel you from your homes and aid in your expulsion - [forbids] that you make allies of them. And whoever makes allies of them, then it is those who are the wrongdoers.	60:9	अल्लाह तो तुम्हें केवल उन लोगों से मित्रता करने से रोकता है जिन्होंने धर्म के मामले में तुमसे युद्ध किया और तुम्हें तुम्हारे अपने घरों से निकाला और तुम्हारे निकाले जाने के सम्बन्ध में सहायता की। जो लोग उनसे मित्रता करें वही ज़ालिम है	युद्धरत अविश्वासियों के प्रति दयालु होने पर रोक।

Ya ayyuha allatheena amanoo itha jaakumu almuminatu muhajiratin faimtahinoohunna Allahu aAAlamu bieemanihinna fain AAalimtumoohunna muminatin fala tarjiAAoohunna ila alkuffari la hunna hillun lahum wala hum yahilloona lahunna waatoohum ma anfaqoo wala junaha AAalaykum an tankihoohunna itha ataytumoohunna ojoorahunna wala tumsikoo biAAisami alkawafiri waisaloo ma anfaqtum walyasaloo ma anfaqoo thalikum	A woman of the Quraysh, Umm Kulthum, joined the Muslims in Medina; her brothers asked her to be returned as per the treaty of Hudaybiya. Then this verse was revealed, basing the refusal to return Umm Kulthum on the fact that the Muslims had agreed to return any *man* who came to them, not any *woman* . Islamic jurists enunciated the principle that truces in only a temporary arrangement till Muslim forces gain strength. When treaties are no longer needed, they could be broken. **[When a married women is converted to Islam and her husband is disbeliever, that marriage is automatically nullified. She is free from her non-muslim husband; Also a believer should leave his wife if is she is a disbeliever. However, Muslim men can marry Jews and Christian**	O you who have believed, when the believing women come to you as emigrants, examine them. Allah is most knowing as to their faith. And if you know them to be believers, then do not return them to the disbelievers; they are not lawful [wives] for them, nor are they lawful [husbands] for them. But give the disbelievers what they have spent. And there is no blame upon you if you marry them when you have given them their due compensation. And hold not to marriage bonds with disbelieving women, but ask for what you have spent and let them ask for what they have spent. That is the judgement of Allah; He judges between you. And Allah is Knowing and	60:10	ऐ ईमान लानेवालो! जब तुम्हारे पास ईमान की दावेदार स्त्रियाँ हिजरत करके आएँ तो तुम उन्हें जाँच लिया करो। यूँ तो अल्लाह उनके ईमान से भली-भाँति परिचित है। फिर यदि वे तुम्हें ईमानवाली मालूम हो, तो उन्हें इनकार करनेवालों (अधर्मियों) की ओर न लौटाओ। न तो वे स्त्रियाँ उनके लिए वैध है और न वे उन स्त्रियों के लिए वैध है। और जो कुछ उन्होंने ख़र्च किया हो तुम उन्हें दे दो और इसमें तुम्हारे लिए कोई गुनाह नहीं कि तुम उनसे विवाह कर लो, जबकि तुम उन्हें महर अदा कर दो। और तुम स्वयं भी इनकार करनेवाली स्त्रियों के सतीत्व को अपने अधिकार में न रखो। और जो कुछ तुमने ख़र्च किया हो माँग लो। और उन्हें भी चाहिए कि जो कुछ उन्होंने	कुरैश की एक महिला, उम्म कुल्थुम, ने मदीना में मुसलमानों में शामिल हो गई; उसके भाइयों ने उसे हुदैबिया की संधि के अनुसार वापस लौटाने को कहा। फिर यह आयत प्रकट हुई, जिससे उम्म कुल्थुम को वापस लौटाने से इंकार किया गया क्योंकि मुसलमानों ने किसी भी पुरुष को लौटाने के लिए सहमति दी थी जो उनके पास आए, न कि किसी महिला को। इस्लामी विद्वानों ने यह सिद्धांत बताया कि संधियां केवल अस्थायी व्यवस्था होती हैं जब तक कि मुसलमानों की सेना मजबूती न पा ले। जब संधियों की आवश्यकता नहीं होती, तो उन्हें तोड़ा जा सकता है। **[जब कोई विवाहित महिला इस्लाम को अपनाती है और उसका पति अविश्वासी है, तो वह विवाह स्वतः ही रद्द हो जाता है। वह अपने गैर-मुस्लिम पति से स्वतंत्र हो जाती है; साथ ही यदि कोई पत्नी अविश्वासी है, तो विश्वासी को अपनी पत्नी को छोड़ देना चाहिए। हालांकि, मुसलमान पुरुष यहूदी और ईसाई महिलाओं से**

Wain fatakum shayon min azwajikum ila alkuffari faAAaqabtum faatoo allatheena thahabat azwajuhum mithla ma anfaqoo waittaqoo Allaha allathee antum bihi muminoona	If a Muslim woman reverts to a idolator, her Muslim husband loses money and wife. Ideally, the idolator should return their dowry to their Muslim ex-husbands. If this does not happen, he should be paid from the money of women who migrated to the Muslims (dowey recieved from their idolator husbands). Ideally, they were supposed to return this wealth to the idolator husbands of these emigrant women. If they still have anything they owed the idolators, then they should return it to idolators.	And if you have lost any of your wives to the disbelievers and you subsequently obtain [something], then give those whose wives have gone the equivalent of what they had spent. And fear Allah, in whom you are believers.	60:11	और यदि तुम्हारी पत्नि यो (के महों) में से कुछ तुम्हारे हाथ से निकल जाए और इनकार करनेवालों (अधर्मियों) की ओर रह जाए, फिर तुम्हारी नौबत आए, जो जिन लोगों की पत्नियों चली गई है, उन्हें जितना उन्होंने ख़र्च किया हो दे दो। और अल्लाह का डर रखो, जिसपर तुम ईमान रखते हो	यदि कोई मुस्लिम महिला मूर्तिपूजक पति को लौटती है, तो उसका मुस्लिम पति अपना पैसा और पत्नी दोनों खो देता है। आदर्श रूप से, मूर्तिपूजक को दहेज उनके मुस्लिम पूर्व पति को वापस करना चाहिए। यदि ऐसा नहीं होता है, तो उसे उन महिलाओं के पैसे से भुगतान किया जाना चाहिए, जो मुसलमानों के पास पलायन कर गईं (अपने मूर्तिपूजक पतियों से प्राप्त दहेज से)। आदर्श रूप से, उन्हें यह संपत्ति इन पलायन करने वाली महिलाओं के मूर्तिपूजक पतियों को वापस करनी चाहिए थी। यदि उनके पास अभी भी मूर्तिपूजक को कुछ देना बाकी है, तो उन्हें इसे मूर्तिपूजक को लौटाना चाहिए।

Ya ayyuha alnnabiyyu itha jaaka almuminatu yubayiAAnaka AAala an la yushrikna biAllahi shayan wala yasriqna wala yazneena wala yaqtulna awladahunna wala yateena bibuhtanin yaftareenahu bayna aydeehinna waarjulihinna wala yaAAseenaka fee maAAroofin fabayiAAhunna waistaghfir lahunna Allaha inna Allaha	"slander invented between their hands and their feet" means that they not to attribute to their husbands other than their legitimate children.	O Prophet, when the believing women come to you pledging to you that they will not associate anything with Allah, nor will they steal, nor will they commit unlawful sexual intercourse, nor will they kill their children, nor will they bring forth a slander they have invented between their arms and legs, nor will they disobey you in what is right - then accept their pledge and ask forgiveness for them of Allah. Indeed, Allah is Forgiving and Merciful.	60:12	ऐ नबी! जब तुम्हारे पास ईमानवाली स्त्रियाँ आकर तुमसे इसपर 'बैअत' करे कि वे अल्लाह के साथ किसी चीज़ को साझी नहीं ठहराएँगी और न चोरी करेंगी और न व्यभिचार करेंगी, और न अपनी औलाद की हत्या करेंगी और न अपने हाथों और पैरों को बीच कोई आरोप घड़कर लाएँगी. और न किसी भले काम में तुम्हारी अवज्ञा करेंगी, तो उनसे 'बैअत' ले लो और उनके लिए अल्लाह से क्षमा की प्रार्थना करो। निश्चय ही अत्यन्त बहुत क्षमाशील, अत्यन्त दयावान है	x
Ya ayyuha allatheena amanoo la tatawallaw qawman ghadiba Allahu AAalayhim qad yaisoo mina alakhirati kama yaisa alkuffaru min ashabi alquboori	This verse was revealed about some poor Muslims who used to inform the Jews of the news of Muslims and keep in touch with them. They got in exchange some of their fruits. People “with whom Allah is angry” are Jews.	O you who have believed, do not make allies of a people with whom Allah has become angry. They have despaired of [reward in] the Hereafter just as the disbelievers have despaired of [meeting] the inhabitants of the graves.	60:13	ऐ ईमान लानेवालो! ऐसे लोगों से मित्रता न करो जिनपर अल्लाह का प्रकोप हुआ, वे आख़िरत से निराश हो चुके है, जिस प्रकार इनकार करनेवाले क़ब्रवालों से निराश हो चुके है	x
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**As-Saff (The Battle Array)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**61:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अस-सफ़ (सैनिक पंक्ति)**

Sabbaha lillahi ma fee alssamawati wama fee alardi wahuwa alAAazeezu	x	Whatever is in the heavens and whatever is on the earth exalts Allah, and He is the Exalted in Might, the Wise.	61:1	अल्लाह की तसबीह की हर उस चीज़ ने जो आकाशों और धरती में है। वही प्रभुत्वशाली, तत्वदर्शी है	x
Ya ayyuha allatheena amanoo lima taqooloona ma la tafAAaloona	This verse was sent down to admonish some people who used to say that they killed, fought, stabbed during battle, even though they did not do any	O you who have believed, why do you say what you do not do?	61:2	ऐ ईमान लानेवालो! तुम वह बात क्यों कहते हो जो करते नहीं?	यह आयत कुछ लोगों को डांटने के लिए उतरी थी जो कहते थे कि उन्होंने हत्या की, युद्ध में लड़ाई की, भाला फेंका, जबकि उन्होंने इनमें से कोई काम नहीं किया था।
Kabura maqtan AAinda Allahi an taqooloo ma la tafAAaloona	x	Great is hatred in the sight of Allah that you say what you do not do.	61:3	अल्लाह के यहाँ यह अत्यन्त अप्रिय बात है कि तुम वह बात कहो, जो करो नहीं	x
Inna Allaha yuhibbu allatheena yuqatiloona fee sabeelihi saffan kaannahum bunyanun marsoosun	The Companions of prophet said: 'If only we knew the most beloved works to Allah, for we would then perform them'. Then verses 61:1-4 were revealed. **[Contradiction: Jihad is for, Muslims own benefit 29:6, for Allah 29:69, 61:4; Allah loves the Muslims who fight to propagate His relgion (Islam). See Sahih Muslim 277, 6222.]**	Indeed, Allah loves those who fight in His cause in a row as though they are a [single] structure joined firmly.	61:4	अल्लाह तो उन लोगों से प्रेम रखता है जो उसके मार्ग में पंक्तिबद्ध होकर लड़ते है मानो वे सीसा पिलाई हुए दीवार है	नबी के साथियों ने कहा: 'काश हमें अल्लाह के सबसे प्रिय कर्मों का पता होता, तो हम उन्हें करते।' फिर आयतें 61:1-4 नाज़िल हुईं। **[विरोधाभास: जिहाद किसके लिए है, मुसलमानों के अपने लाभ के लिए 29:6, अल्लाह के लिए 29:69, 61:4; अल्लाह उन मुसलमानों को पसंद करता है जो अपनी धर्म (इस्लाम) को फैलाने के लिए लड़ते हैं। देखें सहिह मुस्लिम 277, 6222।]**

Waith qala moosa liqawmihi ya qawmi lima tuthoonanee waqad taAAlamoona annee rasoolu Allahi ilaykum falamma zaghoo azagha Allahu quloobahum waAllahu la yahdee alqawma alfasiqeena	x	And [mention, O Muhammad], when Moses said to his people, "O my people, why do you harm me while you certainly know that I am the messenger of Allah to you?" And when they deviated, Allah caused their hearts to deviate. And Allah does not guide the defiantly disobedient	61:5	और याद करो जब मूसा ने अपनी क़ौम के लोगों से कहा, "ऐ मेरी क़ौम के लोगों! तुम मुझे क्यो दुख देते हो, हालाँकि तुम जानते हो कि मैं तुम्हारी ओर भेजा हुआ अल्लाह का रसूल हूँ?" फिर जब उन्होंने टेढ़ अपनाई तो अल्लाह ने भी उनके दिल टेढ़ कर दिए। अल्लाह अवज्ञाकारियों को सीधा मार्ग नहीं दिखाता	x
Waith qala AAeesa ibnu maryama ya banee israeela innee rasoolu Allahi ilaykum musaddiqan lima bayna yadayya mina alttawrati wamubashshiran birasoolin yatee min baAAdee ismuhu ahmadu falamma jaahum bialbayyinati qaloo hatha sihrun mubeenun	**[Quran mentions that Jesus prophecied about Muhammad (pbuh); Also, Jesus used to say "Yahweh" not Allah.]**	And [mention] when Jesus, the son of Mary, said, "O children of Israel, indeed I am the messenger of Allah to you confirming what came before me of the Torah and bringing good tidings of a messenger to come after me, whose name is Ahmad." But when he came to them with clear evidences, they said, "This is obvious magic."	61:6	और याद करो जबकि मरयम के बेटे ईसा ने कहा, "ऐ इसराईल की संतान! मैं तुम्हारी ओर भेजा हुआ अल्लाह का रसूल हूँ। मैं तौरात की (उस भविष्यवाणी की) पुष्टि करता हूँ जो मुझसे पहले से विद्यमान है और एक रसूल की शुभ सूचना देता हूँ जो मेरे बाद आएगा, उसका नाम अहमद होगा।" किन्तु वह जब उनके पास स्पट्जो प्रमाणों के साथ आया तो उन्होंने कहा, "यह तो जादू है।"	[कुरान में उल्लेख है कि ईसा ने मुहम्मद (स.) के बारे में भविष्यवाणी की पुष्टि की थी; साथ ही, ईसा कहते थे "याहवे" ना कि अल्लाह।]

Waman athlamu mimmani iftara AAala Allahi alkathiba wahuwa yudAAa ila alislami waAllahu la yahdee alqawma alththalimeena	x	And who is more unjust than one who invents about Allah untruth while he is being invited to Islam. And Allah does not guide the wrongdoing people.	61:7	अब उस व्यक्ति से बढ़कर ज़ालिम कौन होगा, जो अल्लाह पर थोपकर झूठ घड़े जबकि इस्लाम (अल्लाह के आगे समर्पण करने) का ओर बुलाया जा रहा हो? अल्लाह ज़ालिम लोगों को सीधा मार्ग नहीं दिखाया करता	x
Yureedoona liyutfioo noora Allahi biafwahihim waAllahu mutimmu noorihi walaw kariha alkafiroona	In the words of the Tafsir al-Jalalayn , the miscreants want to extinguish “the Law and proofs of Allah” by “saying it is magic, poetry and soothsaying.	They want to extinguish the light of Allah with their mouths, but Allah will perfect His light, although the disbelievers dislike it.	61:8	वे चाहते है कि अल्लाह के प्रकाश को अपने मुँह की फूँक से बुझा दे, किन्तु अल्लाह अपने प्रकाश को पूर्ण करके ही रहेगा, यद्यपि इनकार करनेवालों को अप्रिय ही लगे	तफ़सीर अल-जलालाइन के शब्दों में, दुष्ट लोग 'अल्लाह के कानून और सबूतों' को बुझाना चाहते हैं और कहते हैं कि यह 'जादू, कविता और भविष्यवाणी' है।
Huwa allathee arsala rasoolahu bialhuda wadeeni alhaqqi liyuthhirahu AAala alddeeni kullihi walaw kariha almushrikoona	**[Islam will prevail over all other religion as Allah dislikes other religion.]**	It is He who sent His Messenger with guidance and the religion of truth to manifest it over all religion, although those who associate others with Allah dislike it.	61:9	वही है जिसने अपने रसूल को मार्गदर्शन और सत्यधर्म के साथ भेजा, ताकि उसे पूरे के पूरे धर्म पर प्रभुत्व प्रदान कर दे, यद्यपि बहुदेवादियों को अप्रिय ही लगे	**[इस्लाम सभी अन्य धर्मों पर हावी होगा क्योंकि अल्लाह अन्य धर्मों को नापसंद करता है।]**
Ya ayyuha allatheena amanoo hal adullukum AAala tijaratin tunjeekum min AAathabin aleemin	x	O you who have believed, shall I guide you to a transaction that will save you from a painful punishment?	61:10	ऐ ईमान लानेवालो! क्या मैं तुम्हें एक ऐसा व्यापार बताऊँ जो तुम्हें दुखद यातना से बचा ले?	x

Tuminoona biAllahi warasoolihi watujahidoona fee sabeeli Allahi biamwalikum waanfusikum thalikum khayrun lakum in kuntum taAAlamoona	Basically Jihad is striving in the cause of Allah with one's wealth and lives.	[It is that] you believe in Allah and His Messenger and strive in the cause of Allah with your wealth and your lives. That is best for you, if you should know.	61:11	तुम्हें ईमान लाना है अल्लाह और उसके रसूल पर, और जिहाद करना है अल्लाह के मार्ग में अपने मालों और अपनी जानों से। यही तुम्हारे लिए उत्तम है, यदि तुम जानो	जिहाद करना है अल्लाह के मार्ग में अपने मालों और अपनी जानों से
Yaghfir lakum thunoobakum wayudkhilkum jannatin tajree min tahtiha alanharu wamasakina tayyibatan fee jannati AAadnin thalika alfawzu	In exchange Allah will grant paradise.	He will forgive for you your sins and admit you to gardens beneath which rivers flow and pleasant dwellings in gardens of perpetual residence. That is the great attainment.	61:12	वह तुम्हारे गुनाहों को क्षमा कर देगा और तुम्हें ऐसे बागों में दाखिल करेगा जिनके नीचे नहरें बह रही होगी और उन अच्छे घरों में भी जो सदाबहार बाग़ों में होंगे। यही बड़ी सफलता है	इसके एवज में अल्लाह जन्नत अता करेंगे।
Waokhra tuhibboonaha nasrun mina Allahi wafathun qarreebun wabashshiri almumineena	x	And [you will obtain] another [favor] that you love - victory from Allah and an imminent conquest; and give good tidings to the believers.	61:13	और दूसरी चीज़ भी जो तुम्हें प्रिय है (प्रदान करेगा), "अल्लाह की ओर से सहायता और निकट प्राप्त होनेवाली विजय," ईमानवालों को शुभसूचना दे दो!	x

Ya ayyuha allatheena amanoo koonoo ansara Allahi kama qala AAeesa ibnu maryama lilhawariyyeena man ansaree ila Allahi qala alhawariyyoona nahnu ansaru Allahi faamanat taifatun min banee israeela wakafarat taifatun faayyadna allatheena amanoo AAala AAaduwwihim	Allah helped Christians to become dominant over Jews. Believers should be supporters of Allah.	O you who have believed, be supporters of Allah, as when Jesus, the son of Mary, said to the disciples, "Who are my supporters for Allah?" The disciples said, "We are supporters of Allah." And a faction of the Children of Israel believed and a faction disbelieved. So We supported those who believed against their enemy, and they became dominant.	61:14	ऐ ईमान लानेवालों! अल्लाह के सहायक बनो, जैसा कि मरयम के बेटे ईसा ने हवारियों (साथियों) से कहा था, "कौन है अल्लाह की ओर (बुलाने में) मेरे सहायक?" हवारियों ने कहा, "हम है अल्लाह के सहायक।" फिर इसराईल की संतान में से एक गिरोह ईमान ले आया और एक गिरोह न इनकार किया। अतः हमने उन लोगों को, जो ईमान लाए थे, उनके अपने शत्रुओं के मुकाबले में शक्ति प्रदान की, तो वे छाकर रहे	अल्लाह ने ईसाइयों को यहूदियों पर प्रभुत्व प्राप्त करने में मदद की। विश्वासी अल्लाह के समर्थक होने चाहिए।
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Al-Jumua (The Friday Congregation)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**62:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अल-जुमआ (शुक्रवार की नमाज़)**
Yusabbihu lillahi ma fee alssamawati wama fee alardi almaliki alquddoosi alAAazeezi alhakeemi	**[Everything on earth and sky (living or non-living) glorifies God.]**	Whatever is in the heavens and whatever is on the earth is exalting Allah, the Sovereign, the Pure, the Exalted in Might, the Wise.	62:1	अल्लाह की तसबीह कर रही है हर वह चीज़ जो आकाशों में है और जो धरती में है, जो सम्राट है, अत्यन्त पवित्र, प्रभुत्वशाली तत्वदर्शी	**[धरती और आकाश पर सब कुछ (जीवित या निर्जीव) भगवान का महिमा गाता है।]**

Huwa allathee baAAatha fee alommiyyeena rasoolan minhum yatloo AAalayhim ayatihi wayuzakkeehim wayuAAallimuhumu alkitaba waalhikmata wain kanoo min qablu lafee dalalin	On the illiteracy of the messenger, see 7:157. Omeyeen means illiterate but also referred for gentiles (non-jews).	It is He who has sent among the unlettered a Messenger from themselves reciting to them His verses and purifying them and teaching them the Book and wisdom - although they were before in clear error -	62:2	वही है जिसने उम्मियों में उन्हीं में से एक रसूल उठाया जो उन्हें उसकी आयतें पढ़कर सुनाता है, उन्हें निखारता है और उन्हें किताब और हिकमत (तत्वदर्शिता) की शिक्षा देता है, यद्यपि इससे पहले तो वे खुली हुई गुमराही में पड़े हुए थे, -	संदेशवाहक की निरक्षरता के बारे में देखें 7:157। उमैय्यीन का मतलब निरक्षर होता है लेकिन यह गैर-यहूदियों (अयिहूदियों) के लिए भी संदर्भित किया गया है।
Waakhareena minhum lamma yalhaqoo bihim wahuwa alAAazeezu alhakeemu	This verse adds that Muhammad (pbuh) is the Messenger to Arabs and Non-Arabs alike.	And [to] others of them who have not yet joined them. And He is the Exalted in Might, the Wise.	62:3	और उन दूसरे लोगों को भी (किताब और हिकमत की शिक्षा दे) जो अभी उनसे मिले नहीं है, वे उन्हीं में से होंगे। और वही प्रभुत्वशाली, तत्वशाली है	यह आयत जोड़ती है कि मुहम्मद (स.) अरबों और गैर-अरबों दोनों के लिए संदेशवाहक हैं।
Thalika fadlu Allahi yuteehi man yashao waAllahu thoo alfadli alAAatheemi	x	That is the bounty of Allah, which He gives to whom He wills, and Allah is the possessor of great bounty.	62:4	यह अल्लाह का उदार अनुग्रह है, जिसको चाहता है उसे प्रदान करता है। अल्लाह बड़े अनुग्रह का मालिक है	x

Mathalu allatheena hummiloo alttawrata thumma lam yahmilooha kamathali alhimari yahmilu asfaran bisa mathalu alqawmi allatheena kaththaboo biayati Allahi waAllahu la yahdee alqawma	Referring to Jews.	The example of those who were entrusted with the Torah and then did not take it on is like that of a donkey who carries volumes [of books]. Wretched is the example of the people who deny the signs of Allah. And Allah does not guide the wrongdoing people.	62:5	जिन लोगों पर तारात का बोझ डाला गया, किन्तु उन्होंने उसे न उठाया, उनकी मिसाल उस गधे की-सी है जो किताबे लादे हुए हो। बहुत ही बुरी मिसाल है उन लोगों की जिन्होंने अल्लाह की आयतों को झुठला दिया। अल्लाह ज़ालिमों को सीधा मार्ग नहीं दिखाया करता	यहूदी लोगों का उल्लेख करते हुए।
Qul ya ayyuha allatheena hadoo in zaAAamtum annakum awliyao lillahi min dooni alnnasi fatamannawoo almawta in kuntum sadiqeena	**[Quran is making such impossible demands from others. Why don't all Muslims commit Jihad and reach heaven.]**	Say, "O you who are Jews, if you claim that you are allies of Allah, excluding the [other] people, then wish for death, if you should be truthful."	62:6	कह दो, "ऐ लोगों, जो यहूदी हुए हो! यदि तुम्हें यह गुमान है कि सारे मनुष्यों को छोड़कर तुम ही अल्लाह के प्रेमपात्र हो तो मृत्यु की कामना करो, यदि तुम सच्चे हो।"	**[कुरान दूसरों से ऐसी असंभव मांगें कर रहा है। क्यों नहीं सभी मुसलमान जिहाद करते हैं और स्वर्ग नहीं पहुंचते।**
Wala yatamannawnahu abadan bima qaddamat aydeehim waAllahu AAaleemun bialththalimeena	x	But they will not wish for it, ever, because of what their hands have put forth. And Allah is Knowing of the wrongdoers.	62:7	किन्तु वे कभी भी उसकी कामना करेंगे, उस (कर्म) के कारण जो उनके हाथों ने आगे भेजा है। अल्लाह ज़ालिमों को भली-भाँति जानता है	x

Qul inna almawta allathee tafirroona minhu fainnahu mulaqeekum thumma turaddoona ila AAalimi alghaybi waalshshahadati fayunabbiokum	x	Say, "Indeed, the death from which you flee - indeed, it will meet you. Then you will be returned to the Knower of the unseen and the witnessed, and He will inform you about what you used to do."	62:8	कह दो, "मृत्यु जिससे तुम भागते हो, वह तो तुम्हें मिलकर रहेगी, फिर तुम उसकी ओर लौटाए जाओगे जो छिपे और खुले का जाननेवाला है। और वह तुम्हें उससे अवगत करा देगा जो कुछ तुम करते रहे होगे।" -	x
Ya ayyuha allatheena amanoo itha noodiya lilssalati min yawmi aljumuAAati faisAAaw ila thikri Allahi watharoo albayAAa thalikum khayrun lakum in	x	O you who have believed, when [the adhan] is called for the prayer on the day of Jumu'ah [Friday], then proceed to the remembrance of Allah and leave trade. That is better for you, if you only knew.	62:9	ऐ ईमान लानेवालो, जब जुमा के दिन नमाज़ के लिए पुकारा जाए तो अल्लाह की याद की ओर दौड़ पड़ो और क्रय-विक्रय छोड़ दो। यह तुम्हारे लिए अच्छा है, यदि तुम जानो	x
Faitha qudiyati alssalatu faintashiroo fee alardi waibtaghoo min fadli Allahi waothkuroo Allaha katheeran laAAallakum	x	And when the prayer has been concluded, disperse within the land and seek from the bounty of Allah, and remember Allah often that you may succeed.	62:10	फिर जब नमाज़ पूरी हो जाए तो धरती में फैल जाओ और अल्लाह का उदार अनुग्रह (रोजी) तलाश करो, और अल्लाह को बहुत ज़्यादा याद करते रहो, ताकि तुम सफल हो। -	x

Waitha raaw tijaratan aw lahwan infaddoo ilayha watarakooka qaiman qul ma AAinda Allahi khayrun mina allahwi wamina alttijarati waAllahu khayru alrraziqeena	The Messenger (pbuh) was standing, delivering a sermon one Friday, when a caravan arrived from Syria. People left the mosque and went out to attend to it; only twelve people remained seated. Then this verse was revealed.	But when they saw a transaction or a diversion, [O Muhammad], they rushed to it and left you standing. Say, "What is with Allah is better than diversion and than a transaction, and Allah is the best of providers."	62:11	किन्तु जब वे व्यवहार और खेल-तमाशा देखते है तो उसकी ओर टूट पड़ते है और तुम्हें खड़ा छोड़ देते है। कह दो, "जो कुछ अल्लाह के पास है वह तमाशे और व्यापार से कहीं अच्छा है। और अल्लाह सबसे अच्छा आजीविका प्रदान करनेवाला है।"	रसूल (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) एक जुमे के दिन खड़े होकर उपदेश दे रहे थे, जब सीरिया से एक कारवाँ पहुँचा। लोग मस्जिद छोड़कर उसके पास चले गए; केवल बारह लोग ही बैठे रहे। फिर यह आयत उतरी।
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Al-Munafiqun (The Hypocrites)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**63:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अल-मुनाफिकून (कपटी लोग)**
Itha jaaka almunafiqoona qaloo nashhadu innaka larasoolu Allahi waAllahu yaAAlamu innaka larasooluhu waAllahu yashhadu inna almunafiqeena lakathiboona	When the Jewish Qaynuqa tribe surrendered to the Muslims, some of them had alliance with Abdullah bin Ubayy. He pressurized prophet to deal with them kindly. Then prophet agreed to spare the Qaynuqa provided they leave Medina. This surah was then revealed about the relationships that should prevail between Muslims and non-Muslims.	When the hypocrites come to you, [O Muhammad], they say, "We testify that you are the Messenger of Allah." And Allah knows that you are His Messenger, and Allah testifies that the hypocrites are liars.	63:1	जब मुनाफ़िक (कपटाचारी) तुम्हारे पास आते है तो कहते है, "हम गवाही देते है कि निश्चय ही आप अल्लाह के रसूल है।" अल्लाह जानता है कि निस्संदेह तुम उसके रसूल हो, किन्तु अल्लाह गवाही देता है कि ये मुनाफ़िक बिलकुल झूठे है	जब यहूदी क़ैनूका कबीला मुसलमानों के सामने समर्पण कर गया, तो उनमें से कुछ का गठबंधन अब्दुल्ला बिन उबैय के साथ था। उसने पैगम्बर पर दबाव डाला कि उनके साथ दयालुता से पेश आएं। फिर पैगम्बर ने क़ैनूका को छोड़ देने के लिए सहमति दी, बशर्ते वे मदिना छोड़ दें। इसके बाद यह सूरह प्रकट हुई, जो मुसलमानों और गैर-मुसलमानों के बीच स्थापित होने वाले संबंधों के बारे में थी।
Ittakhathoo aymanahum junnatan fasaddoo AAan sabeeli Allahi innahum saa ma kanoo yaAAmaloona	meaning, the hypocrites shield themselves from Muslims when they falsely and sinfully swear.	They have taken their oaths as a cover, so they averted [people] from the way of Allah. Indeed, it was evil that they were doing.	63:2	उन्होंने अपनी क़समों को ढाल बना रखा है, इस प्रकार वे अल्लाह के मार्ग से रोकते है। निश्चय ही बुरा है जो वे कर रहे है	अर्थात, पाखंडी खुद को मुसलमानों से ढकते हैं जब वे झूठी और पापपूर्ण कसम खाते हैं।

Thalika biannahum amanoo thumma kafaroo fatubiAAa AAala quloobihim fahum la yafqahoona	**[Contradiction: Allah seals the hearts – 2:7, 4:155, 7:100, 7:101, 9:87, 9:93, 10:74, 16:108, 30:59, 40:35, 45:23, 47:16, 63:3; Does not seals – 2:20, 42:24, 6:46]**	That is because they believed, and then they disbelieved; so their hearts were sealed over, and they do not understand.	63:3	यह इस कारण कि वे ईमान लाए, फिर इनकार किया, अतः उनके दिलों पर मुहर लगा दी गई, अब वे कुछ नहीं समझते	**[विरोधाभास: अल्लाह दिलों पर ठप्पा लगा देते हैं – 2:7, 4:155, 7:100, 7:101, 9:87, 9:93, 10:74, 16:108, 30:59, 40:35, 45:23, 47:16, 63:3; नहीं लगाते – 2:20, 42:24, 6:46]**
Waitha raaytahum tuAAjibuka ajsamuhum wain yaqooloo tasmaAA liqawlihim kaannahum khushubun musannadatun yahsaboona kulla sayhatin AAalayhim humu alAAaduwwu faihtharhum qatalahumu Allahu anna yufakoona	Hypocrites are like block of woods. It means, they are shapes that do not have much substance. "that every cry is against them" means, every time an incident occurs or something frightening happens, they think that it is headed their way. This is indicative of their cowardice. **[Who is speaking here; if Allah wishes ofcourse he could destroy them.]**	And when you see them, their forms please you, and if they speak, you listen to their speech. [They are] as if they were pieces of wood propped up - they think that every shout is against them. They are the enemy, so beware of them. May Allah destroy them; how are they deluded?	63:4	तुम उन्हें देखते हो तो उनके शरीर (बाह्य रूप) तुम्हें अच्छे लगते है, औरयदि वे बात करें तो उनकी बात तुम सुनते रह जाओ। किन्तु यह ऐसा ही है मानो वे लकड़ी के कुंदे है, जिन्हें (दीवार के सहारे) खड़ा कर दिया गया हो। हर ज़ोर की आवाज़ को वे अपने ही विरुद्ध समझते है। वही वास्तविक शत्रु हैं, अतः उनसे बचकर रहो। अल्लाह की मार उनपर। वे कहाँ उल्टे फिरे जा रहे है!	पाखंडी लकड़ी के टुकड़ों जैसे होते हैं। इसका मतलब है, वे ऐसे रूप हैं जिनमें कोई खास सामग्री नहीं होती। "आवाज़ को वे अपने ही विरुद्ध समझते" का मतलब है, हर बार कोई घटना घटती है या कोई डरावनी चीज़ होती है, वे सोचते हैं कि यह सीधे उनकी ओर है। यह उनके कायरपन का संकेत है। **[यहाँ कौन बोल रहा है; यदि अल्लाह चाहे तो वह निश्चित रूप से उन्हें नष्ट कर सकता है।]**
Waitha qeela lahum taAAalaw yastaghfir lakum rasoolu Allahi lawwaw ruoosahum waraaytahum yasuddoona wahum	x	And when it is said to them, "Come, the Messenger of Allah will ask forgiveness for you," they turn their heads aside and you see them evading while they are arrogant.	63:5	और जब उनसे कहा जाता है, "आओ, अल्लाह का रसूल तुम्हारे लिए क्षमा की प्रार्थना करे।" तो वे अपने सिर मटकाते है और तुम देखते हो कि घमंड के साथ खिंचे रहते है	x

Sawaon AAalayhim astaghfarta lahum am lam tastaghfir lahum lan yaghfira Allahu lahum inna Allaha la yahdee alqawma alfasiqeena	Allah will neither forgive nor guide the hypocrites.	It is all the same for them whether you ask forgiveness for them or do not ask forgiveness for them; never will Allah forgive them. Indeed, Allah does not guide the defiantly disobedient people.	63:6	उनके लिए बराबर है चाहे तुम उनके किए क्षमा की प्रार्थना करो या उनके लिए क्षमा की प्रार्थना न करो। अल्लाह उन्हें कदापि क्षमा न करेगा। निश्चय ही अल्लाह अवज्ञाकारियों को सीधा मार्ग नहीं दिखाया करता	अल्लाह पाखंडियों को न माफ करेगा और न ही मार्गदर्शन देगा।
Humu allatheena yaqooloona la tunfiqoo AAala man AAinda rasooli Allahi hatta yanfaddoo walillahi khazainu alssamawati waalardi walakinna almunafiqeena la yafqahoona	On a military expedition with Messenger (pbuh), there was fight between one of the Ansar and a desert Arab. The Ansar went to Abd Allah ibn Ubayy, the leader of the hypocrites, and informed him of the incident. Abd Allah ibn Ubayy got very angry and said: 'Do not spend on those who are with the Messenger of Allah, until they [i.e. the desert Arabs] disperse'.	They are the ones who say, "Do not spend on those who are with the Messenger of Allah until they disband." And to Allah belongs the depositories of the heavens and the earth, but the hypocrites do not understand.	63:7	वे वहीं लोग है जो कहते है, "उन लोगों पर ख़र्च न करो जो अल्लाह के रसूल के पास रहनेवाले है, ताकि वे तितर-बितर हो जाएँ।" हालाँकि आकाशों और धरती के ख़जाने अल्लाह ही के है, किन्तु वे मुनाफ़िक़ समझते नहीं	रसूल (स.) के साथ एक सैन्य अभियान पर, अंसार और एक रेगिस्तानी अरब के बीच लड़ाई हुई। एक अंसार अब्द अल्लाह इब्न उबैय, पाखंडियों के नेता के पास गया और उसे इस घटना की सूचना दी। अब्द अल्लाह इब्न उबैय बहुत गुस्सा हुए और उन्होंने कहा: 'अल्लाह के रसूल के साथ मौजूद लोगों पर खर्च न करो, जब तक कि वे [यानी रेगिस्तानी अरब] अलग न हो जाएँ'।

Yaqooloona lain rajaAAna ila almadeenati layukhrijanna alaAAazzu minha alathalla walillahi alAAizzatu walirasoolihi walilmumineena walakinna almunafiqeena la yaAAlamoona	This verse is refutation of what Abdullah bin Ubay bin Salul said "If we …. More humble".	They say, "If we return to al-Madinah, the more honored [for power] will surely expel therefrom the more humble." And to Allah belongs [all] honor, and to His Messenger, and to the believers, but the hypocrites do not know.	63:8	वे कहते है, "यदि हम मदीना लौटकर गए तो जो अधिक शक्तिवाला है, वह हीनतर (व्यक्तियों) को वहाँ से निकाल बाहर करेगा।" हालाँकि शक्ति अल्लाह और उसके रसूल और मोमिनों के लिए है, किन्तु वे मुनाफ़िक़ जानते नहीं	यह आयत उस बात का खंडन है जो अब्दुल्लाह बिन उबाय बिन सलूल ने कहा था "अगर हम... बाहर करेगा"।
Ya ayyuha allatheena amanoo la tulhikum amwalukum wala awladukum AAan thikri Allahi waman yafAAal thalika faolaika humu	x	O you who have believed, let not your wealth and your children divert you from remembrance of Allah. And whoever does that - then those are the losers.	63:9	ऐ ईमान लानेवालो! तुम्हारे माल तुम्हें अल्लाह की याद से ग़ाफ़िल न कर दें और न तुम्हारी सन्तान ही। जो कोई ऐसा करे तो ऐसे ही लोग घाटे में रहनेवाले है	x
Waanfiqoo min ma razaqnakum min qabli an yatiya ahadakumu almawtu fayaqoola rabbi lawla akhkhartanee ila ajalin qareebin faassaddaqa waakun mina alssaliheena	**[faassaddaqa wa-akun mina alssaliheena, 'akun should be 'akuuna.]**	And spend [in the way of Allah] from what We have provided you before death approaches one of you and he says, "My Lord, if only You would delay me for a brief term so I would give charity and be among the righteous."	63:10	हमने तुम्हें जो कुछ दिया है उसमें से ख़र्च करो इससे पहले कि तुममें से किसी की मृत्यु आ जाए और उस समय वह करने लगे, "ऐ मेरे रब! तूने मुझे कुछ थोड़े समय तक और मुहलत क्यों न दी कि मैं सदक़ा (दान) करता (मुझे मुहलत दे कि मैं सदक़ा करूँ) और अच्छे लोगों में सम्मिलित हो जाऊँ।"	**[फस्सददक व-आकुन मिना अलस्सालिहीना, 'आकुन' होना चाहिए 'आकूना।']**

Walan yuakhkhira Allahu nafsan itha jaa ajaluha waAllahu khabeerun bima taAAmaloona	x	But never will Allah delay a soul when its time has come. And Allah is Acquainted with what you do.	63:11	किन्तु अल्लाह, किसी व्यक्ति को जब तक उसका नियत समय आ जाता है, कदापि मुहलत नहीं देता। और जो कुछ तुम करते हो अल्लाह उसकी पूरी ख़बर रखता है	x
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**At-Taghabun (The Mutual Disillusion)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**64:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अत-तग़ाबुन (आपसी विमति)**
Yusabbihu lillahi ma fee alssamawati wama fee alardi lahu almulku walahu alhamdu wahuwa AAala kulli shayin qadeerun	This is the fifth and last of Al-Musabbihat, that is, suras that begin by glorifying Allah. The others are 57, 59, 61, and 62. **[Everything on earth and sky (Living or non-living) glorifies God.]**	Whatever is in the heavens and whatever is on the earth is exalting Allah. To Him belongs dominion, and to Him belongs [all] praise, and He is over all things competent.	64:1	अल्लाह की तसबीह कर रही है हर वह चीज़ जो आकाशों में है और जो धरती में है। उसी की बादशाही है और उसी के लिए प्रशंसा है और उसे हर चीज़ की सामर्थ्य प्राप्त है	यह अल-मुसाब्बिहात में पाँचवां और अंतिम है, अर्थात् ऐसी सूराएं जो अल्लाह की महिमा का उद्घाटन करती हैं। अन्य सूराएं 57, 59, 61, और 62 हैं। **[धरती और आकाश पर सब कुछ (जीवित या निर्जीव) अल्लाह की महिमा करता है।]**
Huwa allathee khalaqakum faminkum kafirun waminkum muminun waAllahu bima taAAmaloona baseerun	x	It is He who created you, and among you is the disbeliever, and among you is the believer. And Allah, of what you do, is Seeing.	64:2	वही है जिसने तुम्हें पैदा किया, फिर तुममें से कोई तो इनकार करनेवाला है और तुममें से कोई ईमानवाला है, और तुम जो कुछ भी करते हो अल्लाह उसे देख रहा होता है	x
Khalaqa alssamawati waalarda bialhaqqi wasawwarakum faahsana suwarakum wailayhi almaseeru	**[Who is speaking]**	He created the heavens and earth in truth and formed you and perfected your forms; and to Him is the [final] destination.	64:3	उसने आकाशों और धरती को हक़ के साथ पैदा किया और तुम्हारा रूप बनाया, तो बहुत ही अच्छे बनाए तुम्हारे रूप और उसी की ओर अन्ततः जाना है	**[कौन बोल रहा है]**

YaAAlamu ma fee alssamawati waalardi wayaAAlamu ma tusirroona wama tuAAlinoona waAllahu AAaleemun bithati	x	He knows what is within the heavens and earth and knows what you conceal and what you declare. And Allah is Knowing of that within the breasts.	64:4	वह जानता है जो कुछ आकाशों और धरती में है और उसे भी जानता है जो कुछ तुम छिपाते हो और जो कुछ तुम प्रकट करते हो। अल्लाह तो सीनों में छिपी बात तक को जानता है	x
Alam yatikum nabao allatheena kafaroo min qablu fathaqoo wabala amrihim walahum AAathabun aleemun	Referring to nations destroyed in past.	Has there not come to you the news of those who disbelieved before? So they tasted the bad consequence of their affair, and they will have a painful punishment.	64:5	क्या तुम्हें उन लोगों की ख़बर नहीं पहुँची जिन्होंने इससे पहले इनकार किया था, फिर उन्होंने अपने कर्म के वबाल का मज़ा चखा और उनके लिए एक दुखद यातना भी है	अतीत में नष्ट हुए देशों का उल्लेख करते हुए।
Thalika biannahu kanat tateehim rusuluhum bialbayyinati faqaloo abasharun yahdoonana fakafaroo watawallaw waistaghna Allahu waAllahu ghaniyyun hameedun	x	That is because their messengers used to come to them with clear evidences, but they said, "Shall human beings guide us?" and disbelieved and turned away. And Allah dispensed [with them]; and Allah is Free of need and Praiseworthy.	64:6	यह इस कारण कि उनके पास उनके रसूल स्पष्ट प्रमाण लेकर आते रहे, किन्तु उन्होंने कहा, "क्या मनुष्य हमें मार्ग दिखाएँगे?" इस प्रकार उन्होंने इनकार किया और मुँह फेर लिया, तब अल्लाह भी उनसे बेपरवाह हो गया। अल्लाह तो है ही निस्पृह, अपने आप में स्वयं प्रशंसित	x

ZaAAama allatheena kafaroo an lan yubAAathoo qul bala warabbee latubAAathunna thumma latunabbaonna bima AAamiltum wathalika AAala Allahi yaseerun	**[Not all disbelivers think that they will not be resurrected. Some believe in afterlife for example Christians.]**	Those who disbelieve have claimed that they will never be resurrected. Say, "Yes, by my Lord, you will surely be resurrected; then you will surely be informed of what you did. And that, for Allah, is easy."	64:7	जिन लोगों ने इनकार किया उन्होंने दावा किया वे मरने के पश्चात कदापि न उठाए जाएँगे। कह दो, "क्यों नहीं, मेरे रब की क़सम! तुम अवश्य उठाए जाओगे, फिर जो कुछ तुमने किया है उससे तुम्हें अवगत करा दिया जाएगा। और अल्लाह के लिए यह अत्यन्त सरल है।"	**[सभी अविश्वासी यह नहीं सोचते कि उन्हें पुनर्जीवित नहीं किया जाएगा। कुछ लोग परलोक में विश्वास करते हैं, उदाहरण के लिए ईसाई।]**
Faaminoo biAllahi warasoolihi waalnnoori allathee anzalna waAllahu bima taAAmaloona khabeerun	**[Of course there is a possiblity of a Creator but what about so many errors in this book.]**	So believe in Allah and His Messenger and the Qur'an which We have sent down. And Allah is Acquainted with what you do.	64:8	अतः ईमान लाओ, अल्लाह पर और उसके रसूल पर और उस प्रकाश पर जिसे हमने अवतरित किया है। तुम जो कुछ भी करते हो अल्लाह उसकी पूरी ख़बर रखता है	**[बेशक एक रचयिता होने की संभावना है, लेकिन इस किताब में इतनी सारी गलतियों के बारे में क्या?]**
Yawma yajmaAAukum liyawmi aljamAAi thalika yawmu alttaghabuni waman yumin biAllahi wayaAAmal salihan yukaffir AAanhu sayyiatihi wayudkhilhu jannatin tajree min tahtiha alanharu khalideena feeha abadan thalika	x	The Day He will assemble you for the Day of Assembly - that is the Day of Deprivation. And whoever believes in Allah and does righteousness - He will remove from him his misdeeds and admit him to gardens beneath which rivers flow, wherein they will abide forever. That is the great attainment.	64:9	इकट्ठा होने के दिन वह तुम्हें इकट्ठा करेगा, वह परस्पर लाभ-हानि का दिन होगा। जो भी अल्लाह पर ईमान लाए और अच्छा कर्म करे उसकी बुराईयाँ अल्लाह उससे दूर कर देगा और उसे ऐसे बाग़ों में दाख़िल करेगा जिनके नीचे नहरें बह रही होंगी, उनमें वे सदैव रहेंगे। यही बड़ी सफलता है	x

Waallatheena kafaroo wakaththaboo biayatina olaika ashabu alnnari khalideena feeha wabisa almaseeru	x	But the ones who disbelieved and denied Our verses - those are the companions of the Fire, abiding eternally therein; and wretched is the destination.	64:10	रहे वे लोग जिन्होंने इनकार किया और हमारी आयतों को झुठलाया, वही आगवाले है जिसमें वे सदैव रहेंगे। अन्ततः लौटकर पहुँचने की वह बहुत ही बुरी जगह है	x
Ma asaba min museebatin illa biithni Allahi waman yumin biAllahi yahdi qalbahu waAllahu bikulli shayin AAaleemun	Nothing happens except "'By the command of Allah,' meaning from His decree and will. **[Then drivers should not be held responsible for accidents.]**	No disaster strikes except by permission of Allah. And whoever believes in Allah - He will guide his heart. And Allah is Knowing of all things.	64:11	अल्लाह की अनुज्ञा के बिना कोई भी मुसीबत नहीं आती। जो अल्लाह पर ईमान ले आए अल्लाह उसके दिल को मार्ग दिखाता है, और अल्लाह हर चीज को भली-भाँति जानता है	कुछ नहीं होता सिवाय इसके कि 'अल्लाह के आदेश से,' अर्थात् उसके इरादे और इच्छा से। **[फिर चालकों को दुर्घटनाओं के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जाना चाहिए।]**
WaateeAAoo Allaha waateeAAoo alrrasoola fain tawallaytum fainnama AAala rasoolina albalaghu almubeenu	**[Abrogated by later Jihadi verses.]**	And obey Allah and obey the Messenger; but if you turn away - then upon Our Messenger is only [the duty of] clear notification.	64:12	अल्लाह की आज्ञा का पालन करो और रसूल की आज्ञा का पालन करो, किन्तु यदि तुम मुँह मोड़ते हो तो हमारे रसूल पर बस स्पष्ट रूप से (संदेश) पहुँचा देने की ज़िम्मेदारी है	[बाद के जिहादी आयतों द्वारा निरस्त।
Allahu la ilaha illa huwa waAAala Allahi falyatawakkali almuminoona	x	Allah - there is no deity except Him. And upon Allah let the believers rely.	64:13	अल्लाह वह है जिसके सिवा कोई पूज्य-प्रभु नहीं। अतः अल्लाह ही पर ईमानवालों को भरोसा करना चाहिए	x

Ya ayyuha allatheena amanoo inna min azwajikum waawladikum AAaduwwan lakum faihtharoohum wain taAAfoo watasfahoo wataghfiroo fainna Allaha ghafoorun raheemun	Some men used to embrace Islam but were prevented from migrating to Medina by their families and children. Some of these men took pity on their family and children and stayed back. **[This verse suggests that all Muslims did not leave Mecca due to persecution, but were actually moblilized to Medina.]**	O you who have believed, indeed, among your wives and your children are enemies to you, so beware of them. But if you pardon and overlook and forgive - then indeed, Allah is Forgiving and Merciful.	64:14	ऐ ईमान लानेवालो, तुम्हारी पत्नियों और तुम्हारी सन्तान में से कुछ ऐसे भी है जो तुम्हारे शत्रु है। अतः उनसे होशियार रहो। और यदि तुम माफ़ कर दो और टाल जाओ और क्षमा कर दो निश्चय ही अल्लाह बड़ा क्षमाशील, अत्यन्त दयावान है	कुछ लोग इस्लाम अपनाते थे लेकिन उनके परिवार और बच्चे उन्हें मदीना हिजरत करने से रोकते थे। उन कुछ लोगों ने अपने परिवार और बच्चों पर दया दिखाई और वहीं रह गए। **[यह आयत संकेत देती है कि सभी मुसलमान लोग अत्याचार के कारण मक्का नहीं छोड़े थे, बल्कि वास्तव में मदीना संगठित किए गए थे।]**
Innama amwalukum waawladukum fitnatun waAllahu AAindahu ajrun AAatheemun	x	Your wealth and your children are but a trial, and Allah has with Him a great reward.	64:15	तुम्हारे माल और तुम्हारी सन्तान तो केवल एक आज़माइश है, और अल्लाह ही है जिसके पास बड़ा प्रतिदान है	x
Faittaqoo Allaha ma istataAAtum waismaAAoo waateeAAoo waanfiqoo khayran lianfusikum waman yooqa shuhha nafsihi faolaika humu almuflihoona	x	So fear Allah as much as you are able and listen and obey and spend [in the way of Allah]; it is better for your selves. And whoever is protected from the stinginess of his soul - it is those who will be the successful.	64:16	अतः जहाँ तक तुम्हारे बस में हो अल्लाह का डर रखो और सुनो और आज्ञापालन करो और ख़र्च करो अपनी भलाई के लिए। और जो अपने मन के लोभ एवं कृपणता से सुरक्षित रहा तो ऐसे ही लोग सफल है	x
In tuqridoo Allaha qardan hasanan yudaAAifhu lakum wayaghfir lakum waAllahu shakoorun haleemun	Spend in way of Allah, which includes helping poor, propogating Islam, waging Jihad.	If you loan Allah a goodly loan, He will multiply it for you and forgive you. And Allah is Most Appreciative and Forbearing.	64:17	यदि तुम अल्लाह को अच्छा ऋण दो तो वह उसे तुम्हारे लिए कई गुना बढ़ा देगा और तुम्हें क्षमा कर देगा। अल्लाह बड़ा गुणग्राहक और सहनशील है,	अल्लाह के रास्ते में खर्च करें, जिसमें गरीबों की मदद करना, इस्लाम का प्रचार करना, जिहाद छेड़ना शामिल है।

AAalimu alghaybi waalshshahadati alAAazeezu alhakeemu	x	Knower of the unseen and the witnessed, the Exalted in Might, the Wise.	64:18	परोक्ष और प्रत्यक्ष को जानता है, प्रभुत्वशाली, तत्वदर्शी है	x
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**At-Talaq (The Divorce), When the people started making errors in understanding the divorce from Surah Al-Baqarah [2:227–241], this surah was revealed for clarification.**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**65:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अत-तलाक (तलाक), जब लोग सूरह अल-बकरा [2:227–241] से तलाक को समझने में गलतियाँ करने लगे, तो यह सूरह स्पष्टता के लिए प्रकट की गई।**
Ya ayyuha alnnabiyyu itha tallaqtumu alnnisaa fatalliqoohunna liAAiddatihinna waahsoo alAAiddata waittaqoo Allaha rabbakum la tukhrijoohunna min buyootihinna wala yakhrujna illa an yateena bifahishatin mubayyinatin watilka hudoodu Allahi waman yataAAadda hudooda Allahi faqad thalama nafsahu la tadree laAAalla Allaha	**[Not on account of the wellfare of the woman, but to make sure that if the person father a child, he gets the child.]**	O Prophet, when you [Muslims] divorce women, divorce them for [the commencement of] their waiting period and keep count of the waiting period, and fear Allah, your Lord. Do not turn them out of their [husbands'] houses, nor should they [themselves] leave [during that period] unless they are committing a clear immorality. And those are the limits [set by] Allah. And whoever transgresses the limits of Allah has certainly wronged himself. You know not; perhaps Allah will bring about after that a	65:1	ऐ नबी! जब तुम लोग स्त्रियों को तलाक़ दो तो उन्हें तलाक़ उनकी इद्दत के हिसाब से दो। और इद्दत की गणना करो और अल्लाह का डर रखो, जो तुम्हारा रब है। उन्हें उनके घरों से न निकालो और न वे स्वयं निकलें, सिवाय इसके कि वे कोई स्पष्ट। अशोभनीय कर्म कर बैठें। ये अल्लाह की नियत की हुई सीमाएँ है - और जो अल्लाह की सीमाओं का उल्लंघन करे तो उसने स्वयं अपने आप पर ज़ुल्म किया - तुम नहीं जानते, कदाचित इस (तलाक़) के पश्चात अल्लाह कोई सूरत पैदा कर दे	**[महिला के कल्याण के कारण नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करने के लिए कि अगर व्यक्ति का बच्चा होता है, तो वह बच्चा उसके पास जाए।]**

Faitha balaghna ajalahunna faamsikoohunna bimaAAroofin aw fariqoohunna bimaAAroofin waashhidoo thaway AAadlin minkum waaqeemoo alshshahadata lillahi thalikum yooAAathu bihi man kana yuminu biAllahi waalyawmi alakhiri waman yattaqi Allaha yajAAal lahu	Ibn Umar who divorced his wife one single divorce while she was still in her menses. The Messenger (pbuh) commanded him to keep her until the period of her menses was over. He had then to wait until she was in her period, and if he was still determined to divorce, he had to wait until her period was over, provided that he did not sleep with her before divorcing her. (Verse 2:228, the waiting period is three menstrual cycles)	And when they have [nearly] fulfilled their term, either retain them according to acceptable terms or part with them according to acceptable terms. And bring to witness two just men from among you and establish the testimony for [the acceptance of] Allah. That is instructed to whoever should believe in Allah and the Last day. And whoever fears Allah - He will make for him a way out	65:2	फिर जब वे अपनी नियत इद्दत को पहुँचे तो या तो उन्हें भली रीति से रोक लो या भली रीति से अलग कर दो। और अपने में से दो न्यायप्रिय आदमियों को गवाह बना दो और अल्लाह के लिए गवाही को दुरुस्त रखो। इसकी नसीहत उस व्यक्ति को की जाती है जो अल्लाह और अन्तिम दिन पर ईमान रखेगा उसके लिए वह (परेशानी से) निकलने का राह पैदा कर देगा	इब्न उमर ने अपनी पत्नी को केवल एक बार तलाक दिया जबकि वह अभी भी माहवारी में थी। रसूल (स.) ने उन्हें आदेश दिया कि वे उसे तब तक रखें जब तक उसकी माहवारी का समय खत्म न हो जाए। उसके बाद उन्हें इंतजार करना था जब तक कि वह अपनी अवधि में हो, और यदि वह फिर भी तलाक देने के लिए दृढ़ था, तो उसे अपनी अवधि समाप्त होने तक इंतजार करना था, बशर्ते कि वह तलाक देने से पहले उसके साथ सोए नहीं। (आयत 2:228, इंतज़ार की अवधि तीन मासिक चक्र हैं)
Wayarzuqhu min haythu la yahtasibu waman yatawakkal AAala Allahi fahuwa hasbuhu inna Allaha balighu amrihi qad jaAAala Allahu likulli shayin qadran	This verse was revealed about Awf ibn Malik whose son was imprisoned by the idolaters. He went to the Messenger (pbuh) asked his advice" The Prophet (pbuh) commanded him and his wife to often repeat 'there is no strength or might except by Allah'. And they both started saying it straightaway. It happened that the enemy became distracted from their son and the latter led their sheep away and fled.	And will provide for him from where he does not expect. And whoever relies upon Allah - then He is sufficient for him. Indeed, Allah will accomplish His purpose. Allah has already set for everything a [decreed] extent.	65:3	और उसे वहाँ से रोज़ी देगा जिसका उसे गुमान भी न होगा। जो अल्लाह पर भरोसा करे तो वह उसके लिए काफ़ी है। निश्चय ही अल्लाह अपना काम पूरा करके रहता है। अल्लाह ने हर चीज़ का एक अन्दाजा नियत कर रखा है	यह आयत औफ़ इब्न मलिक के बारे में उतरी थी जिनके पुत्र को मूर्तिपूजकों ने कैद कर लिया था। वह रसूल (स.) के पास गए और अपनी सलाह मांगी। पैगंबर (स.) ने उन्हें और उनकी पत्नी को यह कहने का आदेश दिया कि 'लौ है क़ुदरत और ताकत सिवाय अल्लाह के नहीं' और वे दोनों तुरंत इसे कहने लगे। ऐसा हुआ कि दुश्मन उनके पुत्र से ध्यान हट गया और बाद में उसने उनके भेड़ों को लेकर भाग गया।

Waallaee yaisna mina almaheedi min nisaikum ini irtabtum faAAiddatuhunna thalathatu ashhurin waallaee lam yahidna waolatu alahmali ajaluhunna an yadaAAna hamlahunna waman yattaqi Allaha yajAAal lahu min	[This verse prescribes period of waiting for girls who have not yet menstruated means the muslims are permitted to marry and divorce them; However, Quran says that responsibility should not be assigned till full understanding develops Q 4:6]	And those who no longer expect menstruation among your women - if you doubt, then their period is three months, and [also for] those who have not menstruated. And for those who are pregnant, their term is until they give birth. And whoever fears Allah - He will make for him of his matter ease.	65:4	और तुम्हारी स्त्रियों में से जो मासिक धर्म से निराश हो चुकी हों, यदि तुम्हें संदेह हो तो उनकी इद्दत तीन मास है और इसी प्रकार उनकी भी जो अभी रजस्वला नहीं हुई। और जो गर्भवती स्त्रियाँ हो उनकी इद्दत उनके शिशु-प्रसव तक है। जो कोई अल्लाह का डर रखेगा उसके मामले में वह आसानी पैदा कर देगा	**[यह आयत उन लड़कियों के लिए इंतजार की अवधि निर्धारित करती है जिनको अभी माहवारी नहीं आई हैं, इसका मतलब है कि मुसलमानों को उनके साथ विवाह करने और तलाक देने की अनुमति है; हालांकि, कुरान कहता है कि जिम्मेदारी तब तक नहीं सौंपनी चाहिए जब तक पूर्ण समझ विकसित न हो जाए Q 4:6]**
Thalika amru Allahi anzalahu ilaykum waman yattaqi Allaha yukaffir AAanhu sayyiatihi wayuAAthim lahu ajran	x	That is the command of Allah, which He has sent down to you; and whoever fears Allah - He will remove for him his misdeeds and make great for him his reward.	65:5	यह अल्लाह का आदेश है जो उसने तुम्हारी ओर उतारा है। और जो कोई अल्लाह का डर रखेगा उससे वह उसकी बुराईयाँ दूर कर देगा और उसके प्रतिदान को बड़ा कर देगा	x

Askinoohunna min haythu sakantum min wujdikum wala tudarroohunna litudayyiqoo AAalayhinna wain kunna olati hamlin faanfiqoo AAalayhinna hatta yadaAAna hamlahunna fain ardaAAna lakum faatoohunna ojoorahunna watamiroo baynakum bimaAAroofin wain taAAasartum fasaturdiAAu lahu	**[Father has more right on their children especially the male child. He may give the child to another women for suckling.]**	Lodge them [in a section] of where you dwell out of your means and do not harm them in order to oppress them. And if they should be pregnant, then spend on them until they give birth. And if they breastfeed for you, then give them their payment and confer among yourselves in the acceptable way; but if you are in discord, then there may breastfeed for the father another woman.	65:6	अपनी हैसियत के अनुसार यहाँ तुम स्वयं रहते हो उन्हें भी उसी जगह रखो। और उन्हें तंग करने के लिए उन्हें हानि न पहुँचाओ। और यदि वे गर्भवती हो तो उनपर ख़र्च करते रहो जब तक कि उनका शिशु-प्रसव न हो जाए। फिर यदि वे तुम्हारे लिए (शिशु को) दूध पिलाएँ तो तुम उन्हें उनका पारिश्रामिक दो और आपस में भली रीति से परस्पर बातचीत के द्वार कोई बात तय कर लो। और यदि तुम दोनों में कोई कठिनाई हो तो फिर कोई दूसरी स्त्री उसके लिए दूध पिला देगी	**[पिता का अपने बच्चों विशेष रूप से पुत्र पर अधिक अधिकार होता है। वह बच्चे को दूध पिलाने के लिए किसी अन्य महिला को दे सकता है।]**

Liyunfiq thoo saAAatin min saAAatihi waman qudira AAalayhi rizquhu falyunfiq mimma atahu Allahu la yukallifu Allahu nafsan illa ma ataha sayajAAalu Allahu baAAda AAusrin yusran	x	Let a man of wealth spend from his wealth, and he whose provision is restricted - let him spend from what Allah has given him. Allah does not charge a soul except [according to] what He has given it. Allah will bring about, after hardship, ease.	65:7	चाहिए कि समाई (सामर्थ्य) वाला अपनी समाई के अनुसार ख़र्च करे और जिसे उसकी रोज़ी नपी-तुली मिली हो तो उसे चाहिए कि अल्लाह ने उसे जो कुछ भी दिया है उसी में से वह ख़र्च करे। जितना कुछ दिया है उससे बढ़कर अल्लाह किसी व्यक्ति पर ज़िम्मेदारी का बोझ नहीं डालता। जल्द ही अल्लाह कठिनाई के बाद आसानी पैदा कर देगा	x
Wakaayyin min qaryatin AAatat AAan amri rabbiha warusulihi fahasabnaha hisaban shadeedan waAAaththabnaha AAathaban nukran	x	And how many a city was insolent toward the command of its Lord and His messengers, so We took it to severe account and punished it with a terrible punishment.	65:8	कितनी ही बस्तियाँ हैं जिन्होंने रब और उसके रसूलों के आदेश के मुक़ाबले में सरकशी की, तो हमने उनकी सख़्त पकड़ की और उन्हें बुरी यातना दी	x
Fathaqat wabala amriha wakana AAaqibatu amriha khusran	x	And it tasted the bad consequence of its affair, and the outcome of its affair was loss.	65:9	अतः उन्होंने अपने किए के वबाल का मज़ा चख लिया और उनकी कार्य-नीति का परिणाम घाटा ही रहा	x

aAAadda Allahu lahum AAathaban shadeedan faittaqoo Allaha ya olee alalbabi allatheena amanoo qad anzala Allahu ilaykum	x	Allah has prepared for them a severe punishment; so fear Allah, O you of understanding who have believed. Allah has sent down to you the Qur'an.	65:10	अल्लाह ने उनके लिए कठोर यातना तैयार कर रखी है। अतः ऐ बुद्धि और समझवालो जो ईमान लाए हो! अल्लाह का डर रखो। अल्लाह ने तुम्हारी ओर एक याददिहानी उतार दी है	x
Rasoolan yatloo AAalaykum ayati Allahi mubayyinatin liyukhrija allatheena amanoo waAAamiloo alssalihati mina alththulumati ila alnnoori waman yumin biAllahi wayaAAmal salihan yudkhilhu jannatin tajree min tahtiha alanharu khalideena feeha abadan qad ahsana Allahu lahu rizqan	Islam brings people to light from darkness.	[He sent] a Messenger [Muhammad] reciting to you the distinct verses of Allah that He may bring out those who believe and do righteous deeds from darknesses into the light. And whoever believes in Allah and does righteousness - He will admit him into gardens beneath which rivers flow to abide therein forever. Allah will have perfected for him a provision.	65:11	(अर्थात) एक रसूल जो तुम्हें अल्लाह की स्पष्ट आयतें पढ़कर सुनाता है, ताकि वह उन लोगों को, जो ईमान लाए और उन्होंने अच्छे कर्म किए, अँधेरों से निकालकर प्रकाश की ओर ले आए। जो कोई अल्लाह पर ईमान लाए और अच्छा कर्म करे, उसे वह ऐसे बाग़ों में दाख़िल करेगा जिनके नीचे नहरें बह रही होगी - ऐसे लोग उनमें सदैव रहेंगे - अल्लाह ने उनके लिए उत्तम रोज़ी रखी है	इस्लाम लोगों को अंधकार से प्रकाश की ओर लाता है।

Allahu allathee khalaqa sabAAa samawatin wamina alardi mithlahunna yatanazzalu alamru baynahunna litaAAlamoo anna Allaha AAala kulli shayin qadeerun waanna Allaha qad ahata bikulli shayin AAilman	Ibn Kathir states that this means, “He created seven earths" like seven heavens. **[Not only sky but earth also has 7 layers. Hadiths also mention the names of the 7 “Earths” from top and down are: Ramaka, Khalada, Arqa, Haraba, Maltham, Sijjin, Ajiba.]**	It is Allah who has created seven heavens and of the earth, the like of them. [His] command descends among them so you may know that Allah is over all things competent and that Allah has encompassed all things in knowledge.	65:12	अल्लाह ही है जिसने सात आकाश बनाए और उन्ही के सदृश धरती से भी। उनके बीच (उसका) आदेश उतरता रहता है ताकि तुम जान लो कि अल्लाह को हर चीज़ का सामर्थ्य प्राप्त है और यह कि अल्लाह हर चीज़ को अपनी ज्ञान-परिधि में लिए हुए है	इब्न क़थीर ने कहा कि इसका अर्थ है, “उसने सात धरती बनाई” सात आसमान के जैसे। **[केवल आकाश ही नहीं बल्कि धरती में भी 7 परतें हैं। हदीसों में भी ऊपर से नीचे तक सात “धरती” के नाम बताए गए हैं: रमक, खलदा, अर्खा, हारबा, माल्थम, सिज्जिन, अजूबा।]**
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**At-Tahrim (The Prohibition)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**66:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अत-तहरीम (प्रतिबंध)**
Ya ayyuha alnnabiyyu lima tuharrimu ma ahalla Allahu laka tabtaghee mardata azwajika waAllahu ghafoorun raheemun	This verse was revealed in context of Prophet's concubine Mariya Qibtia, when some of prophet's wives turn rebellious. Prophet has a son named Ibraheem from Mariya Qibtia; however, he died in childhood.See Sahih Bukhari 402, 2468, An-Nisai 3411, Tafsir of Al-wahidi 66:1. **[However, Sahih Bukhari tried to cover this incident by quoting a funny hadith about honey, Sahih Bukhari 5267.]**	O Prophet, why do you prohibit [yourself from] what Allah has made lawful for you, seeking the approval of your wives? And Allah is Forgiving and Merciful.	66:1	ऐ नबी! जिस चीज़ को अल्लाह ने तुम्हारे लिए वैध ठहराया है उसे तुम अपनी पत्नियों की प्रसन्नता प्राप्त करने के लिए क्यो अवैध करते हो? अल्लाह बड़ा क्षमाशील, अत्यन्त दयावान है	यह आयत पैगम्बर की दासी मारिया किब्तिया के संदर्भ में नाजी हुई थी, जब पैगम्बर की कुछ पत्नियां विद्रोही हो गईं। मारिया किब्तिया से पैगम्बर का एक बेटा इब्राहीम हुआ; हालांकि, वह बचपन में देहांत हो गया। देखें सहिह बुखारी 402, 2468, अन-निसाई 3411, अल-वाहिती की तफ़सीर 66:1। **[सहिह बुखारी ने इस घटना को छुपाने की कोशिश की और शहद के बारे में एक मजेदार हदीस का हवाला दिया, सहिह बुखारी 5267।]**

Qad farada Allahu lakum tahillata aymanikum waAllahu mawlakum wahuwa alAAaleemu alhakeemu	**[Allah has permitted Muslims to break their oath.]**	Allah has already ordained for you [Muslims] the dissolution of your oaths. And Allah is your protector, and He is the Knowing, the Wise.	66:2	अल्लाह ने तुम लोगों के लिए तुम्हारी अपनी क़समों की पाबंदी से निकलने का उपाय निश्चित कर दिया है। अल्लाह तुम्हारा संरक्षक है और वही सर्वज्ञ, अत्यन्त तत्वदर्शी है	**[अल्लाह ने मुसलमानों को अपना कसम तोड़ने की अनुमति दी है।]**
Waith asarra alnnabiyyu ila baAAdi azwajihi hadeethan falamma nabbaat bihi waathharahu Allahu AAalayhi AArrafa baAAdahu waAArada AAan baAAdin falamma nabbaaha bihi qalat man anbaaka hatha qala nabbaaniya alAAaleemu alkhabeeru	The Prophet did not go to his wives for one month because of the secret which Hafsa had disclosed to Aisha. Allah admonished him for the oath that he would not approach Maria. When twenty-nine days had passed, the Prophet went to Aisha first of all.	And [remember] when the Prophet confided to one of his wives a statement; and when she informed [another] of it and Allah showed it to him, he made known part of it and ignored a part. And when he informed her about it, she said, "Who told you this?" He said, "I was informed by the Knowing, the Acquainted."	66:3	जब नबी ने अपनी पत्नियों में से किसी से एक गोपनीय बात कही, फिर जब उसने उसकी ख़बर कर दी और अल्लाह ने उसे उसपर ज़ाहिर कर दिया, तो उसने उसे किसी हद तक बता दिया और किसी हद तक टाल गया। फिर जब उसने उसकी उसे ख़बर की तो वह बोली, "आपको इसकी ख़बर किसने दी?" उसने कहा, "मुझे उसने ख़बर दी जो सब कुछ जाननेवाला, ख़बर रखनेवाला है।"	नबी एक महीने तक अपनी पत्नियों के पास नहीं गए क्योंकि हफ़्सा ने आयशा को रहस्य बताया था। अल्लाह ने उनकी कसम के लिए फटकार लगाई कि वह मारिया के पास नहीं जाएंगे। जब उन्तीस दिन बीत गए, तो नबी पहले सबसे पहले आयशा के पास गए।

In tatooba ila Allahi faqad saghat quloobukuma wain tathahara AAalayhi fainna Allaha huwa mawlahu wajibreelu wasalihu almumineena waalmalaikatu baAAda thalika thaheerun	This story may have been formulated in order to emphasize Allah's solicitude for Muhammad and the futility of opposing him; also see 2:144	If you two [wives] repent to Allah, [it is best], for your hearts have deviated. But if you cooperate against him - then indeed Allah is his protector, and Gabriel and the righteous of the believers and the angels, moreover, are [his] assistants.	66:4	यदि तुम दोनों अल्लाह की ओर रुजू हो तो तुम्हारे दिल तो झुक ही चुके हैं, किन्तु यदि तुम उसके विरुद्ध एक-दूसरे की सहायता करोगी तो अल्लाह उसकी संरक्षक है, और जिबरील और नेक ईमानवाले भी, और इसके बाद फ़रिश्ते भी उसके सहायक है	यह कहानी इस लिए बनाई गई होगी ताकि अल्लाह की मुहम्मद के प्रति चिंता और उनके खिलाफ विरोध करने की व्यर्थता को जोर दिया जा सके; देखिए 2:144
AAasa rabbuhu in tallaqakunna an yubdilahu azwajan khayran minkunna muslimatin muminatin qanitatin taibatin AAabidatin saihatin thayyibatin waabkaran	Allah is warning to change all the wives of prophet (pbuh). **[Why would Allah discuss personal matters of prophet in an Eternal book.]**	Perhaps his Lord, if he divorced you [all], would substitute for him wives better than you - submitting [to Allah], believing, devoutly obedient, repentant, worshipping, and traveling - [ones] previously married and virgins.	66:5	इसकी बहुत सम्भावना है कि यदि वह तुम्हें तलाक़ दे दे तो उसका रब तुम्हारे बदले में तुमसे अच्छी पत्नियाँ उसे प्रदान करे - मुस्लिम, ईमानवाली, आज्ञाकारिणी, तौबा करनेवाली, इबादत करनेवाली, (अल्लाह के मार्ग में) सफ़र करनेवाली, विवाहिता और कुँवारियाँ भी	अल्लाह पैगंबर (स.) की सभी पत्नियों को बदलने की चेतावनी दे रहे हैं। **[अल्लाह अनंत पुस्तक में पैगंबर के व्यक्तिगत मामलों पर चर्चा क्यों करेंगे।]**

Ya ayyuha allatheena amanoo qoo anfusakum waahleekum naran waqooduha alnnasu waalhijaratu AAalayha malaikatun ghilathun shidadun la yaAAsoona Allaha ma amarahum	**[What is the point of putting stones in fire.]**	O you who have believed, protect yourselves and your families from a Fire whose fuel is people and stones, over which are [appointed] angels, harsh and severe; they do not disobey Allah in what He commands them but do what they are commanded.	66:6	ऐ ईमान लानेवालो! अपने आपको और अपने घरवालों को उस आग से बचाओ जिसका ईधन मनुष्य और पत्थर होंगे, जिसपर कठोर स्वभाव के ऐसे बलशाली फ़रिश्ते नियुक्त होंगे जो अल्लाह की अवज्ञा उसमें नहीं करेंगे जो आदेश भी वह उन्हें देगा, और वे वही करेंगे जिसका उन्हें आदेश दिया जाएगा	**[आग में पत्थर डालने का क्या मतलब है।]**
Ya ayyuha allatheena kafaroo la taAAtathiroo alyawma innama tujzawna ma kuntum taAAmaloona	x	O you who have disbelieved, make no excuses that Day. You will only be recompensed for what you used to do.	66:7	ऐ इनकार करनेवालो! आज उज़्र पेश न करो। तुम्हें बदले में वही तो दिया जा रहा है जो कुछ तुम करते रहे हो	x

Ya ayyuha allatheena amanoo tooboo ila Allahi tawbatan nasoohan AAasa rabbukum an yukaffira AAankum sayyiatikum wayudkhilakum jannatin tajree min tahtiha alanharu yawma la yukhzee Allahu alnnabiyya waallatheena amanoo maAAahu nooruhum yasAAa bayna aydeehim wabiaymanihim yaqooloona rabbana atmim lana noorana waighfir lana innaka AAala kulli shayin qadeerun	x	O you who have believed, repent to Allah with sincere repentance. Perhaps your Lord will remove from you your misdeeds and admit you into gardens beneath which rivers flow [on] the Day when Allah will not disgrace the Prophet and those who believed with him. Their light will proceed before them and on their right; they will say, "Our Lord, perfect for us our light and forgive us. Indeed, You are over all things competent."	66:8	ऐ ईमान लानेवाले! अल्लाह के आगे तौबा करो, विशुद्ध तौबा। बहुत सम्भव है कि तुम्हारा रब तुम्हारी बुराइयाँ तुमसे दूर कर दे और तुम्हें ऐसे बाग़ों में दाख़िल करे जिनके नीचे नहरे बह रही होंगी, जिस दिन अल्लाह नबी को और उनको जो ईमान लाकर उसके साथ हुए, रुसवा न करेगा। उनका प्रकाश उनके आगे-आगे दौड़ रहा होगा और उनके दाहिने हाथ मे होगा। वे कह रहे होंगे, "ऐ हमारे रब! हमारे लिए हमारे प्रकाश को पूर्ण कर दे और हमें क्षमा कर। निश्चय ही तू हर चीज़ की सामर्थ्य रखता है।"	x
Ya ayyuha alnnabiyyu jahidi alkuffara waalmunafiqeena waoghluth AAalayhim wamawahum jahannamu wabisa almaseeru	**[On “wage jihad,” see 2:218. Ibn Kathir explains: Allah orders His Messenger to perform Jihad against the disbelievers and hypocrites]**	O Prophet, strive against the disbelievers and the hypocrites and be harsh upon them. And their refuge is Hell, and wretched is the destination.	66:9	ऐ नबी! इनकार करनेवालों और कपटाचारियों से जिहाद करो और उनके साथ सख़्ती से पेश आओ। उनका ठिकाना जहन्नम है और वह अन्ततः पहुँचने की बहुत बुरी जगह है	**["जिहाद" पर, देखें 2:218, इब्ने कथिर बताते हैं: अल्लाह अपने रसूल को काफिरों और पाखंडियों के खिलाफ जिहाद करने का आदेश देता है]**

Daraba Allahu mathalan lillatheena kafaroo imraata noohin waimraata lootin kanata tahta AAabdayni min AAibadina salihayni fakhanatahuma falam yughniya AAanhuma mina Allahi shayan waqeela odkhula alnnara maAAa alddakhileena	**[Genesis 7:13 In very of day, this, Noah entered, and Shem, and Ham, and Japheth, sons of Noah, and Noah's woman, and three of women of sons of him with them to the ark, So neither Noah's sons or wife died as per bible; Quran 21:76: Entire family of Nuh survived the flood as all were believers; Only one of his son drowned 11:43]**	Allah presents an example of those who disbelieved: the wife of Noah and the wife of Lot. They were under two of Our righteous servants but betrayed them, so those prophets did not avail them from Allah at all, and it was said, "Enter the Fire with those who enter."	66:10	अल्लाह ने इनकार करनेवालों के लिए नूह की स्त्री और लूत की स्त्री की मिसाल पेश की है। वे हमारे बन्दों में से दो नेक बन्दों के अधीन थीं। किन्तु उन दोनों स्त्रियों ने उनसे विश्वासघात किया तो अल्लाह के मुक़ाबले में उनके कुछ काम न आ सके और कह दिया गया, "प्रवेश करनेवालों के साथ दोनों आग में प्रविष्ट हो जाओ।"	**[उत्पत्ति 7:13 उसी दिन, नूह ने प्रवेश किया, और शेम, हाम, याफ़ेत, नूह के पुत्र, और नूह की पत्नी, और उनके पुत्रों की तीन महिलाएं उसके साथ में गईं, इसलिए बाइबल के अनुसार नूह के पुत्रों या पत्नी की मृत्यु नहीं हुई; कुरआन 21:76: नूह का पूरा परिवार बाढ़ से बच गया क्योंकि सभी विश्वासी थे; केवल एक पुत्र डूब गया 11:43]**
Wadaraba Allahu mathalan lillatheena amanoo imraata firAAawna ith qalat rabbi ibni lee AAindaka baytan fee aljannati wanajjinee min firAAawna waAAamalihi wanajjinee mina alqawmi	**[The wife of the Pharaoh (Ramses II) is indicated to be a believing Muslim.]**	And Allah presents an example of those who believed: the wife of Pharaoh, when she said, "My Lord, build for me near You a house in Paradise and save me from Pharaoh and his deeds and save me from the wrongdoing people."	66:11	और ईमान लानेवालों के लिए अल्लाह ने फ़िरऔन की स्त्री की मिसाल पेश की है, जबकि उसने कहा, "ऐ मेरे रब! तू मेरे लिए अपने पास जन्नत में एक घर बना और मुझे फ़िरऔन और उसके कर्म से छुटकारा दे, और छुटकारा दे मुझे ज़ालिम लोगों से।"	**[फ़रोह (रामसेस द्वितीय) की पत्नी को आस्तिक मुसलमान होने के रूप में बताया गया है।]**

Wamaryama ibnata AAimrana allatee ahsanat farjaha fanafakhna feehi min roohina wasaddaqat bikalimati rabbiha wakutubihi wakanat mina alqaniteena	**[Miriyam was daughter of Imran (not Mary), also see 3:35, 19:28; Contradiction: Could Allah can give birth to a son to someone without spouse Yes 3:47, 66:12; No 6:101; Also how Mary concieved, 66:12, Angel blew into her garment, 3:47 Allah just said "be"]**	And [the example of] Mary, the daughter of 'Imran, who guarded her chastity, so We blew into [her garment] through Our angel, and she believed in the words of her Lord and His scriptures and was of the devoutly obedient.	66:12	और इमरान की बेटी मरयम की मिसाल पेश ही है जिसने अपने सतीत्व की रक्षा की थी, फिर हमने उस स्त्री के भीतर अपनी रूह फूँक दी और उसने अपने रब के बोलों और उसकी किताबों की पुष्टि की और वह भक्ति-प्रवृत्त आज्ञाकारियों में से थी	**[इमरान की बेटी मिरियम थीं (मरयम/मैरी नहीं), देखें 3:35, 19:28; विरोधाभास: क्या अल्लाह किसी के लिए बिना जीवनसाथी के बेटे को जन्म दे सकते हैं? हां 3:47, 66:12; नहीं 6:101; इसके अलावा, मैरी ने कैसे गर्भ धारण किया, 66:12, फरिश्ते ने उसके वस्त्र में फूँका, 3:47 अल्लाह ने बस कहा 'हो जा']**
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Al-Mulk (The Sovereignty)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**67:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अल-मुल्क (सर्वशक्तिमत्ता)**
Tabaraka allathee biyadihi almulku wahuwa AAala kulli shayin qadeerun	x	Blessed is He in whose hand is dominion, and He is over all things competent -	67:1	बड़ा बरकतवाला है वह जिसके हाथ में सारी बादशाही है और वह हर चीज़ की सामर्थ्य रखता है। -	x
Allathee khalaqa almawta waalhayata liyabluwakum ayyukum ahsanu AAamalan wahuwa alAAazeezu alghafooru	**[Contradiction: What is the purpose of creating humans: 51:56 only for worship, for testing of deeds 67:2. Also Allah says if men don't believe in Him, He will cancel all deeds (14:18).]**	[He] who created death and life to test you [as to] which of you is best in deed - and He is the Exalted in Might, the Forgiving -	67:2	जिसने पैदा किया मृत्यु और जीवन को, ताकि तुम्हारी परीक्षा करे कि तुममें कर्म की दृष्टि से कौन सबसे अच्छा है। वह प्रभुत्वशाली, बड़ा क्षमाशील है। -	**[विरोधाभास: मनुष्यों को बनाने का उद्देश्य क्या है: केवल पूजा के लिए 51:56, या कर्मों की परीक्षा के लिए 67:2। साथ ही अल्लाह कहते हैं कि यदि मनुष्य उस पर विश्वास नहीं करते हैं, तो वह सभी कार्यों को रद्द कर देगा (14:18)।]**

Allathee khalaqa sabAAa samawatin tibaqan ma tara fee khalqi alrrahmani min tafawutin fairjiAAi albasara hal tara min futoorin	**[Sky can not have rift or breaks until it is assumed to be a flat layer. Also see 2:22, 21:32, , 21:104, 22:65, 67:3]**	[And] who created seven heavens in layers. You do not see in the creation of the Most Merciful any inconsistency. So return [your] vision [to the sky]; do you see any breaks?	67:3	जिसने ऊपर-तले सात आकाश बनाए। तुम रहमान की रचना में कोई असंगति और विषमता न देखोगे। फिर नज़र डालो, "क्या तुम्हें कोई बिगाड़ दिखाई देता है?"	कुरआन में रहमान अल्लाह का नाम है। हालांकि, यह कुछ पुराने देवताओं के लिए भी इस्तेमाल किया गया था। **[आसमान में दरार नहीं हो सकती जब तक इसे एक समतल परत न माना जाए। 2:22, 21:32, 21:104, 22:65, 67:3 भी देखें]**
Thumma irjiAAi albasara karratayni yanqalib ilayka albasaru khasian wahuwa haseerun	x	Then return [your] vision twice again. [Your] vision will return to you humbled while it is fatigued.	67:4	फिर दोबारा नज़र डालो। निगाह रद्द होकर और थक-हारकर तुम्हारी ओर पलट आएगी	x
Walaqad zayyanna alssamaa alddunya bimasabeeha wajaAAalnaha rujooman lilshshayateeni waAAtadna lahum AAathaba alssaAAeeri	Stars and meteors are missile against Shaytan: 15:17–18, 41:12, 37:7, 67:5. **[At this verse there is an abrupt change from Allah as third person (He, 67:1-4) to a first-person as "We"; The idea of the stars as missiles hurled at the satans manifests a decidedly prescientific world view; However, still shaytan (Iblis) could reach heaven and misguided Eve. Also Saytaan leaked information to soothsayers.]**	And We have certainly beautified the nearest heaven with stars and have made [from] them what is thrown at the devils and have prepared for them the punishment of the Blaze.	67:5	हमने निकटवर्ती आकाश को दीपों से सजाया और उन्हें शैतानों के मार भगाने का साधन बनाया और उनके लिए हमने भड़कती आग की यातना तैयार कर रखी है	सितारे और उल्कापिंड शैतान के खिलाफ मिसाइल हैं: 15:17–18, 41:12, 37:7, 67:5। **[इस आयत से अचानक अल्लाह तीसरे पुरुष (वह, 67:1-4) से पहले व्यक्ति 'हम' में बदल जाता है; सितारों को शैतानों पर फेंके जाने का विचार पूर्व-वैज्ञानिक विश्व दृष्टिकोण को दर्शाता है; फिर भी, शैतान (इब्लिस) स्वर्ग तक पहुँच जाता था और हव्वा को भटका सकता था। इसके अलावा शैतान ने जादूगरों को जानकारी लीक कर दी।]**
Walillatheena kafaroo birabbihim AAathabu jahannama wabisa	x	And for those who disbelieved in their Lord is the punishment of Hell, and wretched is the	67:6	जिन लोगों ने अपने रब के साथ कुफ़्र किया उनके लिए जहन्नम की यातना है और वह बहुत ही बुरा ठिकाना है	x

Itha olqoo feeha samiAAoo laha shaheeqan wahiya tafooru	Hell	When they are thrown into it, they hear from it a [dreadful] inhaling while it boils up.	67:7	जब वे उसमें डाले जाएँगे तो उसकी दहाड़ने की भयानक आवाज़ सुनेंगे और वह प्रकोप से बिफर रही होगी।	नरक
Takadu tamayyazu mina alghaythi kullama olqiya feeha fawjun saalahum khazanatuha alam yatikum natheerun	The Angels of Hell	It almost bursts with rage. Every time a company is thrown into it, its keepers ask them, "Did there not come to you a warner?"	67:8	ऐसा प्रतीत होगा कि प्रकोप के कारण अभी फट पड़ेगी। हर बार जब भी कोई समूह उसमें डाला जाएगा तो उसके कार्यकर्ता उनसे पूछेंगे, "क्या तुम्हारे पास कोई सावधान करनेवाला नहीं आया?"	नरक के फरिश्ते
Qaloo bala qad jaana natheerun fakaththabna waqulna ma nazzala Allahu min shayin in antum illa fee dalalin kabeerin	x	They will say," Yes, a warner had come to us, but we denied and said, 'Allah has not sent down anything. You are not but in great error.'"	67:9	वे कहेंगे, "क्यों नहीं, अवश्य हमारे पास आया था, किन्तु हमने झुठला दिया और कहा कि अल्लाह ने कुछ भी नहीं अवतरित किया। तुम तो बस एक बड़ी गुमराही में पड़े हुए हो।"	x
Waqaloo law kunna nasmaAAu aw naAAqilu ma kunna fee ashabi alssaAAeeri	**[While Islam asks non-muslims to use intelligence and reasoning; it discourge Muslims to think and question.]**	And they will say, "If only we had been listening or reasoning, we would not be among the companions of the Blaze."	67:10	और वे कहेंगे, "यदि हम सुनते या बुद्धि से काम लेते तो हम दहकती आग में पड़नेवालों में सम्मिलित न होते।"	**[जबकि इस्लाम गैर-मुस्लिमों से बुद्धि और तर्क का उपयोग करने के लिए कहता है; यह मुसलमानों को सोचने और सवाल करने से हतोत्साहित करता है।]**
FaiAAtarafoo bithanbihim fasuhqan liashabi alssaAAeeri	x	And they will admit their sin, so [it is] alienation for the companions of the Blaze.	67:11	इस प्रकार वे अपने गुनाहों को स्वीकार करेंगे, तो धिक्कार हो दहकती आगवालों पर!	x

Inna allatheena yakhshawna rabbahum bialghaybi lahum maghfiratun	x	Indeed, those who fear their Lord unseen will have forgiveness and great reward.	67:12	जो लोग परोक्ष में रहते हुए अपने रब से डरते है, उनके लिए क्षमा और बड़ा बदला है	x
Waasirroo qawlakum awi ijharoo bihi innahu AAaleemun bithati alssudoori	This was revealed about the idolaters who used to slander the Messenger (pbuh); however, Gabriel, informed him about what they said.	And conceal your speech or publicize it; indeed, He is Knowing of that within the breasts.	67:13	तुम अपनी बात छिपाओ या उसे व्यक्त करो, वह तो सीनों में छिपी बातों तक को जानता है	यह उन मूर्तिपूजकों के बारे में प्रकट हुआ जिन्होंने रसूल (स.) का बदनाम किया; हालांकि, जिब्रील ने उन्हें यह बताया कि उन्होंने क्या कहा।
Ala yaAAlamu man khalaqa wahuwa allateefu alkhabeeru	Means the Creator (Allah) knows everything even concealed.	Does He who created not know, while He is the Subtle, the Acquainted?	67:14	क्या वह नहीं जानेगा जिसने पैदा किया? वह सूक्ष्मदर्शी, ख़बर रखनेवाला है	इसका मतलब है कि स्रष्टा (अल्लाह) सब कुछ जानता है, यहाँ तक कि छिपी हुई बातें भी।
Huwa allathee jaAAala lakumu alarda thaloolan faimshoo fee manakibiha wakuloo min rizqihi wailayhi alnnushooru	x	It is He who made the earth tame for you - so walk among its slopes and eat of His provision - and to Him is the resurrection.	67:15	वही तो है जिसने तुम्हारे लिए धरती को वशीभूत किया। अतः तुम उसके (धरती के) कन्धों पर चलो और उसकी रोज़ी में से खाओ, उसी की ओर दोबारा उठकर (जीवित होकर) जाना है	x
Aamintum man fee alssamai an yakhsifa bikumu alarda faitha hiya tamooru	**[Allah prevents the earth from swallowing mankind.]**	Do you feel secure that He who [holds authority] in the heaven would not cause the earth to swallow you and suddenly it would	67:16	क्या तुम उससे निश्चिन्त हो जो आकाश में है कि तुम्हें धरती में धँसा दे, फिर क्या देखोगे कि वह डाँवाडोल हो रही है?	**[अल्लाह पृथ्वी को मनुष्य को निगलने से रोकते हैं।]**

Am amintum man fee alssamai an yursila AAalaykum hasiban fasataAAlamoona kayfa natheeri	**[Storm of stones.]**	Or do you feel secure that He who [holds authority] in the heaven would not send against you a storm of stones? Then you would know how [severe] was My warning.	67:17	या तुम उससे निश्चिन्त हो जो आकाश में है कि वह तुमपर पथराव करनेवाली वायु भेज दे? फिर तुम जान लोगे कि मेरी चेतावनी कैसी होती है	**[पत्थरों का तूफ़ान]**
Walaqad kaththaba allatheena min qablihim fakayfa kana nakeeri	Means the nations destroyed by Allah.	And already had those before them denied, and how [terrible] was My reproach.	67:18	उन लोगों ने भी झुठलाया जो उनसे पहले थे, फिर कैसा रहा मेरा इनकार!	अर्थ है वे राष्ट्र जिन्हें अल्लाह ने नष्ट कर दिया।
Awalam yaraw ila alttayri fawqahum saffatin wayaqbidna ma yumsikuhunna illa alrrahmanu innahu bikulli shayin baseerun	**[Natural forces work on set rules, otherwise how killer missiles and drones flew in air.]**	Do they not see the birds above them with wings outspread and [sometimes] folded in? None holds them [aloft] except the Most Merciful. Indeed He is, of all things, Seeing.	67:19	क्या उन्होंने अपने ऊपर पक्षियों को पंक्तबन्द्ध पंख फैलाए और उन्हें समेटते नहीं देखा? उन्हें रहमान के सिवा कोई और नहीं थामें रहता। निश्चय ही वह हर चीज़ को देखता है	**[प्राकृतिक ताकतें निर्धारित नियमों पर काम करती हैं, अन्यथा हत्यारे मिसाइलें और ड्रोन हवा में कैसे उड़ते।]**
Amman hatha allathee huwa jundun lakum yansurukum min dooni alrrahmani ini alkafiroona illa fee	There is no protector but Allah.	Or who is it that could be an army for you to aid you other than the Most Merciful? The disbelievers are not but in delusion.	67:20	या वह कौन है जो तुम्हारी सेना बनकर रहमान के मुक़ाबले में तुम्हारी सहायता करे। इनकार करनेवाले तो बस धोखे में पड़े हुए है	अल्लाह के अलावा कोई रक्षक नहीं है।
Amman hatha allathee yarzuqukum in amsaka rizqahu bal lajjoo fee AAutuwwin wanufoorin	x	Or who is it that could provide for you if He withheld His provision? But they have persisted in insolence and aversion.	67:21	या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वह अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है	x

Afaman yamshee mukibban AAala wajhihi ahda amman yamshee sawiyyan AAala siratin mustaqeemin	So the condition of the disbeliever is like one walking with his head down and not knowing where he is going. **[However, all the reasoning is for disbelievers, Muslims are not suppose to apply brain.]**	Then is one who walks fallen on his face better guided or one who walks erect on a straight path?	67:22	तो क्या वह व्यक्ति जो अपने मुँह के बल औंधा चलता हो वह अधिक सीधे मार्ग पर ह या वह जो सीधा होकर सीधे मार्ग पर चल रहा है?	इस प्रकार काफ़िर की हालत उस व्यक्ति जैसी है जो सिर झुकाए चल रहा हो और न जाने कि वह कहाँ जा रहा है। **[हालाँकि, सभी तर्क केवल काफ़िरों के लिए हैं, मुसलमानों को दिमाग़ का इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं है।]**
Qul huwa allathee anshaakum wajaAAala lakumu alssamAAa waalabsara waalafidata qaleelan ma tashkuroona	x	Say, "It is He who has produced you and made for you hearing and vision and hearts; little are you grateful."	67:23	कह दो, "वही है जिसने तुम्हें पैदा किया और तुम्हारे लिए कान और आँखे और दिल बनाए। तुम कृतज्ञता थोड़े ही दिखाते हो।"	x
Qul huwa allathee tharaakum fee alardi wailayhi tuhsharoona	x	Say, "It is He who has multiplied you throughout the earth, and to Him you will be gathered."	67:24	कह दो, "वही है जिसने तुम्हें धरती में फैलाया और उसी की ओर तुम एकत्र किए जा रहे हो।"	x
Wayaqooloona mata hatha alwaAAdu in kuntum sadiqeena	Mean disbelievers are asking when the day of Judgment will come.	And they say, "When is this promise, if you should be truthful?"	67:25	वे कहते है, "यदि तुम सच्चे हो तो यह वादा कब पूरा होगा?"	मतलबी अविश्वासी पूछ रहे हैं कि कयामत का दिन कब आएगा।
Qul innama alAAilmu AAinda Allahi wainnama ana natheerun	x	Say, "The knowledge is only with Allah, and I am only a clear warner."	67:26	कह दो, "इसका ज्ञान तो बस अल्लाह ही के पास है और मैं तो एक स्पष्ट॥ सचेत करनेवाला हूँ।"	x
Falamma raawhu zulfatan seeat wujoohu allatheena kafaroo waqeela hatha allathee kuntum bihi taddaAAoona	**[Hypothetical assertions]**	But when they see it approaching, the faces of those who disbelieve will be distressed, and it will be said, "This is that for which you used to call."	67:27	फिर जब वे उसे निकट देखेंगे तो उन लोगों के चेहरे बिगड़ जाएँगे जिन्होंने इनकार की नीति अपनाई; और कहा जाएगा, "यही है वह चीज़ जिसकी तुम माँग कर रहे थे।"	**[काल्पनिक दावे]**

Qul araaytum in ahlakaniya Allahu waman maAAiya aw rahimana faman yujeeru alkafireena min AAathabin aleemin	x	Say, [O Muhammad], "Have you considered: whether Allah should cause my death and those with me or have mercy upon us, who can protect the disbelievers from a painful punishment?"	67:28	कहो, "क्या तुमने यह भी सोचा कि यदि अल्लाह मुझे और उन्हें भी, जो मेरे साथ है, विनष्ट ही कर दे या वह हम पर दया करे, आख़िर इनकार करनेवालों को दुखद यातना से कौन पनाह देगा?"	x
Qul huwa alrrahmanu amanna bihi waAAalayhi tawakkalna fasataAAlamoona man huwa fee dalalin mubeenin	x	Say, "He is the Most Merciful; we have believed in Him, and upon Him we have relied. And you will [come to] know who it is that is in clear error."	67:29	कह दो, "वह रहमान है। उसी पर हम ईमान लाए है और उसी पर हमने भरोसा किया। तो शीघ्र ही तुम्हें मालूम हो जाएगा कि खुली गुमराही में कौन पड़ा हुआ है।"	x
Qul araaytum in asbaha maokum ghawran faman yateekum bimain maAAeenin	**[Again highjacking the natural phenomenon for self justification.]**	Say, "Have you considered: if your water was to become sunken [into the earth], then who could bring you flowing	67:30	कहो, "क्या तुमने यह भी सोचा कि यदि तुम्हारा पानी (धरती में) नीचे उतर जाए तो फिर कौन तुम्हें लाकर देगा निर्मल प्रवाहित जल?"	**[फिर से स्वयं का औचित्य साबित करने के लिए प्राकृतिक घटना का इस्तेमाल करना।]**
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Al-Qalam (The Pen)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**68:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अल-कलम (कलम)**
Noon waalqalami wama yasturoona	Nun is the “mysterious letter"	Nun. By the pen and what they inscribe,	68:1	नून°। गवाह है क़लम और वह चीज़ जो वे लिखते है,	नून 'रहस्यमय अक्षर' है
Ma anta biniAAmati rabbika bimajnoonin	Allah is consoling and reassuring the Messenger. Similar things Noah's people also told about Noah.	You are not, [O Muhammad], by the favor of your Lord, a madman.	68:2	तुम अपने रब की अनुकम्पा से कोई दीवाने नहीं हो	अल्लाह पैगंबर को सांत्वना और आश्वासन दे रहा है। नूह की क़ौम ने भी नूह के बारे में इसी तरह की बातें कही।
Wainna laka laajran ghayra mamnoonin	x	And indeed, for you is a reward uninterrupted.	68:3	निश्चय ही तुम्हारे लिए ऐसा प्रतिदान है जिसका क्रम कभी टूटनेवाला नहीं	x

Wainnaka laAAala khuluqin	This is about the character of Prophet Muhammad (pbuh).	And indeed, you are of a great moral character.	68:4	निस्संदेह तुम एक महान नैतिकता के शिखर पर हो	यह पैगंबर मुहम्मद (स.) के चरित्र के बारे में है।
Fasatubsiru wayubsiroona	x	So you will see and they will see	68:5	अतः शीघ्र ही तुम भी देख लोगे और वे भी देख लेंगे	x
Biayyikumu almaftoonu	**[However, Prophet (pbuh) was also afflicted by Black Magic for about 6 months.]**	Which of you is the afflicted [by a devil].	68:6	कि तुममें से कौन विभ्रमित है	x
Inna rabbaka huwa aAAlamu biman dalla AAan sabeelihi wahuwa aAAlamu bialmuhtadeena	x	Indeed, your Lord is most knowing of who has gone astray from His way, and He is most knowing of the [rightly] guided.	68:7	निस्संदेह तुम्हारा रब उसे भली-भाँति जानता है जो उसके मार्ग से भटक गया है, और वही उन लोगों को भी जानता है जो सीधे मार्ग पर हैं	x
Fala tutiAAi almukaththibeena	x	Then do not obey the deniers.	68:8	अतः तुम झुठलानेवालों को कहना न मानना	x
Waddoo law tudhinu fayudhinoona	The disbelievers wanted to compromise.	They wish that you would soften [in your position], so they would soften [toward you].	68:9	वे चाहते है कि तुम ढीले पड़ो, इस कारण वे चिकनी-चुपड़ी बातें करते है	काफ़िर समझौता करना चाहते थे।
Wala tutiAA kulla hallafin maheenin	x	And do not obey every worthless habitual swearer	68:10	तुम किसी भी ऐसे व्यक्ति की बात न मानना जो बहुत क़समें खानेवाला, हीन है,	x
Hammazin mashshain	x	[And] scorner, going about with malicious gossip -	68:11	कचोके लगाता, चुग़लियाँ खाता फिरता हैं,	x
MannaAAin lilkhayri muAAtadin atheemin	x	A preventer of good, transgressing and sinful,	68:12	भलाई से रोकता है, सीमा का उल्लंघन करनेवाला, हक़ मारनेवाला है,	x
AAutullin baAAda thalika zaneemin	The disbelievers are illegitimate owner of place of worship.	Cruel, moreover, and an illegitimate pretender.	68:13	क्रूर है फिर अधम भी।	अविश्वासी पूजा स्थल के अवैध स्वामी हैं।
An kana tha malin wabaneena	x	Because he is a possessor of wealth and children,	68:14	इस कारण कि वह धन और बेटोंवाला है	x

Itha tutla AAalayhi ayatuna qala asateeru alawwaleena	x	When Our verses are recited to him, he says, "Legends of the former peoples."	68:15	जब उसे हमारी आयतें सुनाई जाती है तो कहता है, "ये तो पहले लोगों की कहानियाँ हैं!"	x
Sanasimuhu AAala alkhurtoomi	Snout = Nose. This is regarding a cruel slanderer (al-Walid bin al-Mughira) and his nose was cut by a sword during the Battle of Badr.	We will brand him upon the snout.	68:16	शीघ्र ही हम उसकी सूँड पर दाग़ लगाएँगे	सूँड = नाक। यह एक क्रूर बदनाम करने वाले (अल-वालिद बिन अल-मुगीरा) के बारे में है और उसकी नाक बदर के युद्ध के दौरान तलवार से काट दी गई थी।
Inna balawnahum kama balawna ashaba aljannati ith aqsamoo layasrimunnaha musbiheena	some people used to pluck the fruits in night and kept it for themselves and not giving any of it in charity.	Indeed, We have tried them as We tried the companions of the garden, when they swore to cut its fruit in the [early] morning	68:17	हमने उन्हें परीक्षा में डाला है जैसे बाग़वालों को परीक्षा में डाला था, जबकि उन्होंने क़सम खाई कि वे प्रातःकाल अवश्य उस (बाग़) के फल तोड़ लेंगे	कुछ लोग फल रात में तोड़ लिया करते थे और अपने लिए रख लेते थे और इसमें से किसी को भी दान नहीं करते थे।
Wala yastathnoona	x	Without making exception.	68:18	और वे इसमें छूट की कोई गुंजाइश नहीं रख रहे थे	x
Fatafa AAalayha taifun min rabbika wahum naimoona	x	So there came upon the garden an affliction from your Lord while they were asleep.	68:19	अभी वे सो ही रहे थे कि तुम्हारे रब की ओर से गर्दिश का एक झोंका आया	x
Faasbahat kaalssareemi	x	And it became as though reaped.	68:20	और वह ऐसा हो गया जैसे कटी हुई फ़सल	x
Fatanadaw musbiheena	x	And they called one another at morning,	68:21	फिर प्रातःकाल होते ही उन्होंने एक-दूसरे को आवाज़ दी	x
Ani ighdoo AAala harthikum in kuntum sarimeena	x	[Saying], "Go early to your crop if you would cut the fruit."	68:22	कि "यदि तुम्हें फल तोड़ना है तो अपनी खेती पर सवेरे ही पहुँचो।"	x
Faintalaqoo wahum yatakhafatoona	x	So they set out, while lowering their voices,	68:23	अतएव वे चुपके-चुपके बातें करते हुए चल पड़े	x

An la yadkhulannaha alyawma	x	[Saying], "There will surely not enter it today upon you [any] poor	68:24	कि आज वहाँ कोई मुहताज तुम्हारे पास न पहुँचने पाए	x
Waghadaw AAala hardin qadireena	x	And they went early in determination, [assuming themselves] able.	68:25	और वे आज तेज़ी के साथ चले मानो (मुहताजों को) रोक देने की उन्हें सामर्थ्य प्राप्त है	x
Falamma raawha qaloo inna ladalloona	Allah destroyed their garden.	But when they saw it, they said, "Indeed, we are lost;	68:26	किन्तु जब उन्होंने उसको देखा, कहने लगे, "निश्चय ही हम भटक गए है।	अल्लाह ने उनका बगीचा नष्ट कर दिया।
Bal nahnu mahroomoona	x	Rather, we have been deprived."	68:27	नहीं, बल्कि हम वंचित होकर रह गए।"	x
Qala awsatuhum alam aqul lakum lawla tusabbihoona	x	The most moderate of them said, "Did I not say to you, 'Why do you not exalt [Allah]?' "	68:28	उनमें जो सबसे अच्छा था कहने लगा, "क्या मैंने तुमसे कहा नहीं था? तुम तसबीह क्यों नहीं करते?"	x
Qaloo subhana rabbina inna kunna thalimeena	x	They said, "Exalted is our Lord! Indeed, we were wrongdoers."	68:29	वे पुकार उठे, "महान और उच्च है हमारा रब! निश्चय ही हम ज़ालिम थे।"	x
Faaqbala baAAduhum AAala baAAdin yatalawamoona	x	Then they approached one another, blaming each other.	68:30	फिर वे परस्पर एक-दूसरे की ओर रुख़ करके लगे एक-दूसरे को मलामत करने।	x
Qaloo ya waylana inna kunna tagheena	x	They said, "O woe to us; indeed we were transgressors.	68:31	उन्होंने कहा, "अफ़सोस हम पर! निश्चय ही हम सरकश थे।	x
AAasa rabbuna an yubdilana khayran minha inna ila rabbina raghiboona	x	Perhaps our Lord will substitute for us [one] better than it. Indeed, we are toward our Lord	68:32	"आशा है कि हमारा रब बदले में हमें इससे अच्छा प्रदान करे। हम अपने रब की ओर उन्मुख है।"	x

Kathalika alAAathabu walaAAathabu alakhirati akbaru law kanoo	Failure to heed the messenger's words will lead to ruin in both this life and the hereafter (see 2:217, 3:173, 3:200, 9:14).	Such is the punishment [of this world]. And the punishment of the Hereafter is greater, if they only knew.	68:33	यातना ऐसी ही होती है, और आख़िरत की यातना तो निश्चय ही इससे भी बड़ी है, काश वे जानते!	रसूल के शब्दों की अनदेखी करना इस दुनिया और आने वाले जीवन दोनों में विनाश का कारण बनेगा (देखें 2:217, 3:173, 3:200, 9:14)।
Inna lilmuttaqeena AAinda rabbihim jannati alnnaAAeemi	x	Indeed, for the righteous with their Lord are the Gardens of Pleasure.	68:34	निश्चय ही डर रखनेवालों के लिए उनके रब के यहाँ नेमत भरी जन्नतें है	x
AfanajAAalu almuslimeena kaalmujrimeena	mean Allah will not treat Muslims like criminals.	Then will We treat the Muslims like the criminals?	68:35	तो क्या हम मुस्लिमों (आज्ञाकारियों) को अपराधियों जैसा कर देंगे?	मतलबी कि अल्लाह मुसलमानों के साथ अपराधियों जैसी बर्ताव नहीं करेंगे।
Ma lakum kayfa tahkumoona	x	What is [the matter] with you? How do you judge?	68:36	तुम्हें क्या हो गया है, कैसा फ़ैसला करते हो?	x
Am lakum kitabun feehi tadrusoona	x	Or do you have a scripture in which you learn	68:37	क्या तुम्हारे पास कोई किताब है जिसमें तुम पढ़ते हो	x
Inna lakum feehi lama takhayyaroona	x	That indeed for you is whatever you choose?	68:38	कि उसमें तुम्हारे लिए वह कुछ है जो तुम पसन्द करो?	x
Am lakum aymanun AAalayna balighatun ila yawmi alqiyamati inna lakum lama tahkumoona	x	Or do you have oaths [binding] upon Us, extending until the Day of Resurrection, that indeed for you is whatever you judge?	68:39	या तुमने हमसे क़समें ले रखी है जो क़ियामत के दिन तक बाक़ी रहनेवाली है कि तुम्हारे लिए वही कुछ है जो तुम फ़ैसला करो!	x
Salhum ayyuhum bithalika zaAAeemun	x	Ask them which of them, for that [claim], is responsible.	68:40	उनसे पूछो, "उनमें से कौन इसकी ज़मानत लेता है!	x

Am lahum shurakao falyatoo bishurakaihim in kanoo sadiqeena	partners means other gods. [**Quran demands the disbelievers to bring their gods; However, at the same time asks them to believe in Allah without seeing or even without seeing any miracles.]**	Or do they have partners? Then let them bring their partners, if they should be truthful.	68:41	या उनके ठहराए हुए कुछ साझीदार है? फिर तो यह चाहिए कि वे अपने साझीदारों को ले आएँ, यदि वे सच्चे है	साझेदारों का मतलब अन्य देवता है। **[कुरआन अविश्वासियों से अपने देवताओं को लाने की मांग करता है; हालाँकि, साथ ही उन्हें बिना अल्लाह को देखे या बिना किसी चमत्कार देखे विश्वास करने के लिए कहता है।]**
Yawma yukshafu AAan saqin wayudAAawna ila alssujoodi fala yastateeAAoona	Disbeliever will not be able to prostate because their backs will be made stiff. **[Contradiction: Allah is unlike the creation 42:11, Has Face 55:27, Loves Q 20:39, has Hands 5:64, 38:74-75, Fist 39:67, Shin 68:42, sits on throne 69:17 ; Can God be seen: No one can see 6:103, Yes can be seen 68:42, 75:22-23. See Sahih Bukhari 7439 for details. Allah also has foot Sahih Bukari 4848, 4850, 7384.]**	The Day the shin will be uncovered and they are invited to prostration but the disbelievers will not be able,	68:42	जिस दिन पिंडली खुल जाएगी और वे सजदे के लिए बुलाए जाएँगे, तो वे (सजदा) न कर सकेंगे	अविश्वासी सिज्दा नहीं कर पाएंगे क्योंकि उनकी पीठें कठोर कर दी जाएँगी। **[विरोधाभास: अल्लाह सृष्टि से अलग है 42:11, चेहरा रखता है 55:27, प्रेम करता है 20:39, हाथ हैं 5:64, 38:74-75, मुट्ठी 39:67, पिंडली 68:42, सिंहासन पर बैठते हैं 69:17; क्या परमेश्वर को देखा जा सकता है: कोई नहीं देख सकता 6:103, हाँ देखा जा सकता है 68:42, 75:22-23। विवरण के लिए सहिह बुख़ारी 7439 देखें। अल्लाह के पैर भी हैं सहिह बुख़ारी 4848, 4850, 7384।]**
KhashiAAatan absaruhum tarhaquhum thillatun waqad kanoo yudAAawna ila alssujoodi wahum salimoona	x	Their eyes humbled, humiliation will cover them. And they used to be invited to prostration while they were sound.	68:43	उनकी निगाहें झुकी हुई होंगी, ज़िल्लत (अपमान) उनपर छा रही होगी। उन्हें उस समय भी सजदा करने के लिए बुलाया जाता था जब वे भले-चंगे थे	x

Fatharnee waman yukaththibu bihatha alhadeethi sanastadrijuhum min haythu la yaAAlamoona	**[Abrogated by later Jihadi verses.]**	So leave Me, [O Muhammad], with [the matter of] whoever denies the Qur'an. We will progressively lead them [to punishment] from where they do not know.	68:44	अतः तुम मुझे छोड़ दो और उसको जो इस वाणी को झुठलाता है। हम ऐसों को क्रमशः (विनाश की ओर) ले जाएँगे, ऐसे तरीक़े से कि वे नहीं जानते	**[बाद के जिहादी आयतों द्वारा निरस्त किया गया।]**
Waomlee lahum inna kaydee mateenun	means disbelievers will be given some time. **[Allah is schemer.]**	And I will give them time. Indeed, My plan is firm.	68:45	मैं उन्हें ढील दे रहा हूँ। निश्चय ही मेरी चाल बड़ी मज़बूत है	अर्थात, काफ़िरों (अविश्वासियों) को कुछ समय (ढील) दिया जाएगा। **[अल्लाह साजिशकर्ता है।]**
Am tasaluhum ajran fahum min maghramin muthqaloona	**[However, when Islam became powerful, Zakat (poor tax) was applied on Muslims and Jiziya on Non-muslims.]**	Or do you ask of them a payment, so they are by debt burdened down?	68:46	(क्या वे यातना ही चाहते हैं) या तुम उनसे कोई बदला माँग रहे हो कि वे तावान के बोझ से दबे जाते हों?	**[हालाँकि, जब इस्लाम शक्तिशाली हुआ, तो मुसलमानों पर ज़कात (ग़रीबों के लिए कर) लागू की गई और ग़ैर-मुसलमानों पर जिज़्या लगाया गया।]**
Am AAindahumu alghaybu fahum yaktuboona	x	Or have they [knowledge of] the unseen, so they write [it] down?	68:47	या उनके पास परोक्ष का ज्ञान है तो वे लिख रहे हैं?	x
Faisbir lihukmi rabbika wala takun kasahibi alhooti ith nada wahuwa makthoomun	The Command to be Patient and to refrain from being Hasty like Yunus the “companion of the fish”. Bibilical name is Jonah; see 10:87.	Then be patient for the decision of your Lord, [O Muhammad], and be not like the companion of the fish when he called out while he was distressed.	68:48	तो अपने रब के आदेश हेतु धैर्य से काम लो और मछलीवाले (यूनुस अलै॰) की तरह न हो जाना, जबकि उसने पुकारा था इस दशा में कि वह ग़म में घुट रहा था।	सब्र करने और जल्दबाज़ी से बचने का आदेश—यूनुस, जिन्हें “मछली वाले साथी” कहा गया है, की तरह जल्दबाज़ी न करें। बाइबिल में उनका नाम योना है; देखें 10:87।
Lawla an tadarakahu niAAmatun min rabbihi lanubitha bialAAarai wahuwa mathmoomun	**[Contradiction: 37:145: He was cast on the naked shore, 68:49 Allah saved him from being cast off.]**	If not that a favor from his Lord overtook him, he would have been thrown onto the naked shore while he was censured.	68:49	यदि उसके रब की अनुकम्पा उसके साथ न हो जाती तो वह अवश्य ही चटियल मैदान में बुरे हाल में डाल दिया जाता।	**[विरोधाभास: 37:145—उन्हें नंगे किनारे पर डाल दिया गया; 68:49—अल्लाह ने उन्हें फेंके जाने से बचा लिया।]**

Faijtabahu rabbuhu fajaAAalahu mina alssaliheena	x	And his Lord chose him and made him of the righteous.	68:50	अन्ततः उसके रब ने उसे चुन लिया और उसे अच्छे लोगों में सम्मिलित कर दिया	x
Wain yakadu allatheena kafaroo layuzliqoonaka biabsarihim lamma samiAAoo aliththikra wayaqooloona	This aayat is about the effect of evil eyes. Surah Falaq is recited to remove such effects. Also see Bukhari 5740. **[Supersitition]**	And indeed, those who disbelieve would almost make you slip with their eyes when they hear the message, and they say, "Indeed, he is mad."	68:51	जब वे लोग, जिन्होंने इनकार किया, ज़िक्र (क़ुरआन) सुनते है और कहते है, "वह तो दीवाना है!" तो ऐसा लगता है कि वे अपनी निगाहों के ज़ोर से तुम्हें फिसला देंगे	यह आयत बुरी नज़र (नज़र-ए-बद) के प्रभाव के बारे में है। ऐसे प्रभावों को दूर करने के लिए सूरह अल-फ़लक पढ़ी जाती है। साथ ही सहीह बुख़ारी 5740 भी देखें। **[अंधविश्वास]**
Wama huwa illa thikrun	x	But it is not except a reminder to the worlds.	68:52	हालाँकि वह सारे संसार के लिए एक अनुस्मृति है	x
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Al-Haqqa (The Inevitable)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**69:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अल-हक्क (निश्चय ही घटने वाली घटना)**
Alhaqqatu	Refer to Day of Judgement.	The Inevitable Reality -	69:1	होकर रहनेवाली!	क़यामत के दिन का संदर्भ देता है।
Ma alhaqqatu	x	What is the Inevitable Reality?	69:2	क्या है वह होकर रहनेवाली?	x
Wama adraka ma alhaqqatu	x	And what can make you know what is the Inevitable Reality?	69:3	और तुम क्या जानो कि क्या है वह होकर रहनेवाली?	x
Kaththabat thamoodu waAAadun bialqariAAati	Early nations destroyed by Allah.	Thamud and 'Aad denied the Striking Calamity.	69:4	समूद और आद ने उस खड़खड़ा देनेवाली (घटना) को झुठलाया,	प्रारंभिक सभ्यताएँ जिन्हें अल्लाह ने नष्ट किया।

Faamma thamoodu faohlikoo bialttaghiyati	**Pickthall translate as "lightening" in place of "blast". [Contradiction: Thalmud were killed by: 7:78 earth-quake, 69:5 blast / lightening, 11:67 Awful cry ; Also earthquake never kills all inhabitants of one locality.]**	So as for Thamud, they were destroyed by the overpowering [blast].	69:5	फिर समूद तो एक हद से बढ़ जानेवाली आपदा से विनष्ट किए गए	"पिक्थल अनुवाद में 'धमाका' की जगह 'बिजली की चमक' लिखा है। **[विरोधाभास: समूद को कैसे नष्ट किया: 7:78 ज़मीन का भूकंप, 69:5 धमाका/ बिजली, 11:67 भयानक चिल्लाहट; साथ ही, भूकंप कभी किसी एक क्षेत्र के सभी निवासियों को नहीं मारता।]"**
Waamma AAadun faohlikoo bireehin sarsarin AAatiyatin	x	And as for 'Aad, they were destroyed by a screaming, violent wind	69:6	और रहे आद, तो वे एक अनियंत्रित प्रचंड वायु से विनष्ट कर दिए गए	x
Sakhkharaha AAalayhim sabAAa layalin wathamaniyata ayyamin husooman fatara alqawma feeha sarAAa kaannahum	**[Contradiction: The people of Aad perished in 54:19 one day, 41:16 several days, 69:7 seven nights and eight days. People of Aad killed by: Wind 54:19, 41:16, 69:7, Thunderbold 41:13]**	Which Allah imposed upon them for seven nights and eight days in succession, so you would see the people therein fallen as if they were hollow trunks of palm trees.	69:7	अल्लाह ने उसको सात रात और आठ दिन तक उन्मूलन के उद्देश्य से उनपर लगाए रखा। तो लोगों को तुम देखते कि वे उसमें पछाड़े हुए ऐसे पड़े है मानो वे खजूर के जर्जर तने हों	**[विरोधाभास: आद की जनता 54:19 में एक दिन, 41:16 में कई दिन, 69:7 में सात रातें और आठ दिन में नष्ट हो गई। आद की जनता किसने मारी: हवा 54:19, 41:16, 69:7, बिजली 41:13]**
Fahal tara lahum min baqiyatin	x	Then do you see of them any remains?	69:8	अब क्या तुम्हें उनमें से कोई शेष दिखाई देता है?	x
Wajaa firAAawnu waman qablahu waalmutafikatu bialkhatiati	x	And there came Pharaoh and those before him and the overturned cities with sin.	69:9	और फ़िरऔन ने और उससे पहले के लोगों ने और तलपट हो जानेवाली बस्तियों ने यह ख़ता की	x
FaAAasaw rasoola rabbihim faakhathahum akhthatan rabiyatan	x	And they disobeyed the messenger of their Lord, so He seized them with a seizure exceeding [in severity].	69:10	उन्होंने अपने रब के रसूल की अवज्ञा की तो उसने उन्हें ऐसी पकड़ में ले लिया जो बड़ी कठोर थी	x

Inna lamma tagha almao hamalnakum fee aljariyati	Refer to Noah.	Indeed, when the water overflowed, We carried your ancestors in the sailing ship	69:11	जब पानी उमड़ आया तो हमने तुम्हें प्रवाहित नौका में सवार किया;	नूह का संदर्भ देता है।
LinajAAalaha lakum tathkiratan wataAAiyaha othunun	x	That We might make it for you a reminder and [that] a conscious ear would be conscious of it.	69:12	ताकि उसे तुम्हारे लिए हम शिक्षाप्रद यादगार बनाएँ और याद रखनेवाले कान उसे सुरक्षित रखें	x
Faitha nufikha fee alssoori nafkhatun wahidatun	Day of Judgement.	Then when the Horn is blown with one blast	69:13	तो याद रखो जब सूर (नरसिंघा) में एक फूँक मारी जाएगी,	क़यामत के दिन का संदर्भ
Wahumilati alardu waaljibalu fadukkata dakkatan wahidatan	x	And the earth and the mountains are lifted and leveled with one blow -	69:14	और धरती और पहाड़ों को उठाकर एक ही बार में चूर्ण-विचूर्ण कर दिया जाएगा	x
Fayawmaithin waqaAAati alwaqiAAatu	x	Then on that Day, the Resurrection will occur,	69:15	तो उस दिन घटित होनेवाली घटना घटित हो जाएगी,	x
Wainshaqqati alssamao fahiya yawmaithin wahiyatun	**[The sky could only be split if it's a solid layer. Also see 69:16, 73:18, 82:1, 84:1]**	And the heaven will split [open], for that Day it is infirm.	69:16	और आकाश फट जाएगा और उस दिन उसका बन्धन ढीला पड़ जाएगा,	**[आकाश केवल तभी फटा जा सकता है अगर वह ठोस परत हो। साथ ही देखें 69:16, 73:18, 82:1, 84:1]**
Waalmalaku AAala arjaiha wayahmilu AAarsha rabbika fawqahum yawmaithin thamaniyatun	**[Allah is unlike creation 42:11, Has Face 55:27, Loves 20:39, Has Hands 5:64, 38:74-75, Fist 39:67, Shin 68: 42, Sits on throne 69:17 and carried by 8 Angels. See Abi Dawud 4727.]**	And the angels are at its edges. And there will bear the Throne of your Lord above them, that Day, eight [of them].	69:17	और फ़रिश्ते उसके किनारों पर होंगे और उस दिन तुम्हारे रब के सिंहासन को आठ अपने ऊपर उठाए हुए होंगे	**[अल्लाह सृष्टि के समान नहीं हैं 42:11, उनका चेहरा है 55:27, वे प्रेम करते हैं 20:39, उनके हाथ हैं 5:64, 38:74-75, मुट्ठी 39:67, पैर 68:42, सिंहासन पर बैठे हैं 69:17 और 8 फ़रिश्तों द्वारा उठाए जाते हैं। देखें अबी दाऊद 4727।]**

Yawmaithin tuAAradoona la takhfa minkum khafiyatun	x	That Day, you will be exhibited [for judgement]; not hidden among you is anything concealed.	69:18	उस दिन तुम लोग पेश किए जाओगे, तुम्हारी कोई छिपी बात छिपी न रहेगी	x
Faamma man ootiya kitabahu biyameenihi fayaqoolu haomu iqraoo kitabiyah	True Believers	So as for he who is given his record in his right hand, he will say, "Here, read my record!	69:19	फिर जिस किसी को उसका कर्म-पत्र उसके दाहिने हाथ में दिया गया, तो वह कहेगा, "लो पढ़ो, मेरा कर्म-पत्र!	सच्चे मोमिन
Innee thanantu annee mulaqin hisabiyah	x	Indeed, I was certain that I would be meeting my account."	69:20	"मैं तो समझता ही था कि मुझे अपना हिसाब मिलनेवाला है।"	x
Fahuwa fee AAeeshatin radiyatin	x	So he will be in a pleasant life -	69:21	अतः वह सुख और आनन्दमय जीवन में होगा;	x
Fee jannatin AAaliyatin	Paradise	In an elevated garden,	69:22	उच्च जन्नत में,	x
Qutoofuha daniyatun	x	Its [fruit] to be picked hanging near.	69:23	जिसके फलों के गुच्छे झुके होंगे	x
Kuloo waishraboo haneean bima aslaftum fee alayyami alkhaliyati	x	[They will be told], "Eat and drink in satisfaction for what you put forth in the days past."	69:24	मज़े से खाओ और पियो उन कर्मों के बदले में जो तुमने बीते दिनों में किए है	x
Waamma man ootiya kitabahu bishimalihi fayaqoolu ya laytanee lam oota kitabiyah	**[Contradiction: Disbelievers on day of judgment: 27:85, 77:35: shall not be able to speak, 14:21, 69:25: be able to speak; Disbeliever will get their record of deeds 84:10 from back, in left hand 69:25 |**	But as for he who is given his record in his left hand, he will say, "Oh, I wish I had not been given my record	69:25	और रहा वह व्यक्ति जिसका कर्म-पत्र उसके बाएँ हाथ में दिया गया, वह कहेगा, "काश, मेरा कर्म-पत्र मुझे न दिया जाता	**[विरोधाभास: क़यामत के दिन काफ़िर लोग: 27:85, 77:35 – बोलने में असमर्थ होंगे; 14:21, 69:25 – बोलने में सक्षम होंगे; काफ़िर अपना कर्मपुस्तक 84:10 में पीछे से पाएंगे, 69:25 में बाएँ हाथ में]"**
Walam adri ma hisabiyah	x	And had not known what is my account.	69:26	और मैं न जानता कि मेरा हिसाब क्या है!	x

Ya laytaha kanati alqadiyatu	x	I wish my death had been the decisive one.	69:27	"ऐ काश, वह (मृत्यु) समाप्त करनेवाली होती!	x
Ma aghna AAannee maliyah	x	My wealth has not availed me.	69:28	"मेरा माल मेरे कुछ काम न आया,	x
Halaka AAannee sultaniyah	x	Gone from me is my authority."	69:29	"मेरा ज़ोर (सत्ता) मुझसे जाता रहा!"	x
Khuthoohu faghulloohu	**[Allah will Speak with mankind, most probably in Arabic language.]**	[Allah will say], "Seize him and shackle him.	69:30	"पकड़ो उसे और उसकी गरदन में तौक़ डाल दो,	**[अल्लाह इंसानों से बात करेंगे, संभवतः अरबी भाषा में।]**
Thumma aljaheema salloohu	x	Then into Hellfire drive him.	69:31	"फिर उसे भड़कती हुई आग में झोंक दो,	x
Thumma fee silsilatin tharAAuha sabAAoona thiraAAan faoslukoohu	This is about punishement of disbelievers in afterlife.	Then into a chain whose length is seventy cubits insert him."	69:32	"फिर उसे एक ऐसी जंजीर में जकड़ दो जिसकी माप सत्तर हाथ है	यह परलोक में काफ़िरों की सज़ा के बारे में है।
Innahu kana la yuminu biAllahi alAAatheemi	x	Indeed, he did not used to believe in Allah, the Most Great,	69:33	"वह न तो महिमावान अल्लाह पर ईमान रखता था	x
Wala yahuddu AAala taAAami	x	Nor did he encourage the feeding of the poor.	69:34	और न मुहताज को खाना खिलाने पर उभारता था	x
Falaysa lahu alyawma hahuna hameemun	x	So there is not for him here this Day any devoted friend	69:35	"अतः आज उसका यहाँ कोई घनिष्ट मित्र नहीं,	x

Wala taAAamun illa min ghisleenin	Some scholars believe ghislin is a foreign word. It “will be the blood and fluid that will flow from their flesh,” or “pus,” there is also the conjecture that “it is a tree in Hell.” **[Food for infidels in hell: Zaqqum 37:66, washing of wounds 69:36, Pus 38:57, bitter dari (a dry bush with needles) 88:6; Its impossible that anything will remain liquid in**	Nor any food except from the discharge of wounds;	69:36	और न ही धोवन के सिवा कोई भोजन है,	कुछ विद्वानों का मानना है कि ‘घिस्लिन’ एक विदेशी शब्द है। इसका अर्थ हो सकता है: ‘मांस से बहने वाला रक्त और तरल पदार्थ’, या ‘मवाद’। एक अनुमान यह भी है कि ‘यह नरक में एक पेड़ है’। **[नरक में काफ़िरों के लिए भोजन: ज़क्कूम 37:66, घावों की धोई 69:36, कड़वा दरी (सुइयों वाला सूखा झाड़) 88:6; नरक की आग में कुछ भी तरल रूप में बने रहना असंभव है।]**
La yakuluhu illa alkhatioona	x	None will eat it except the sinners.	69:37	"उसे ख़ताकारों (अपराधियों) के अतिरिक्त कोई नहीं खाता।"	x
Fala oqsimu bima tubsiroona	x	So I swear by what you see	69:38	अतः कुछ नहीं! मैं क़सम खाता हूँ उन चीज़ों की जो तुम देखते	x
Wama la tubsiroona	x	And what you do not see	69:39	हो और उन चीज़ों को भी जो तुम नहीं देखते,	x
Innahu laqawlu rasoolin kareemin	Should be word of Allah.	[That] indeed, the Qur'an is the word of a noble Messenger.	69:40	निश्चय ही वह एक प्रतिष्ठित रसूल की लाई हुई वाणी है	यह अल्लाह का शब्द होना चाहिए।
Wama huwa biqawli shaAAirin qaleelan ma tuminoona	x	And it is not the word of a poet; little do you believe.	69:41	वह किसी कवि की वाणी नहीं। तुम ईमान थोड़े ही लाते हो	x
Wala biqawli kahinin qaleelan ma tathakkaroona	x	Nor the word of a soothsayer; little do you remember.	69:42	और न वह किसी काहिन का वाणी है। तुम होश से थोड़े ही काम लेते हो	x
Tanzeelun min rabbi alAAalameena	x	[It is] a revelation from the Lord of the worlds.	69:43	अवतरण है सारे संसार के रब की ओर से,	x

Walaw taqawwala AAalayna baAAda alaqaweeli	x	And if Muhammad had made up about Us some [false] sayings,	69:44	यदि वह (नबी) हमपर थोपकर कुछ बातें घड़ता,	x
Laakhathna minhu bialyameeni	Mean Allah will punish.	We would have seized him by the right hand;	69:45	तो अवश्य हम उसका दाहिना हाथ पकड़ लेते,	अर्थात् अल्लाह सज़ा देंगे।
Thumma laqataAAna minhu alwateena	If the messenger had inventd Quran, Allah would sever his aorta. **[To know about fulfilment of this verse read, Hadith Sahih Bukhari 3169, 4165, 4428, 5714, Abi Dawud 4512, 4513, Sahih Muslim 5705]**	Then We would have cut from him the aorta.	69:46	फिर उसकी गर्दन की रग काट देते,	यदि रसूल स. ने कुरआन का निर्माण किया होता, तो अल्लाह उनके एओर्टा (मुख्य धमनियों) को काट देते। [इस आयत की पूर्ति के बारे में जानने के लिए देखें: सहिह़ बुख़ारी 3169, 4165, 4428, 5714; अबी दाऊद 4512, 4513; सहिह़ मुस्लिम 5705]
Fama minkum min ahadin AAanhu hajizeena	x	And there is no one of you who could prevent [Us] from him.	69:47	और तुममें से कोई भी इससे रोकनेवाला न होता	x
Wainnahu latathkiratun lilmuttaqeena	x	And indeed, the Qur'an is a reminder for the righteous.	69:48	और निश्चय ही वह एक अनुस्मृति है डर रखनेवालों के लिए	x
Wainna lanaAAlamu anna minkum	x	And indeed, We know that among you are deniers.	69:49	और निश्चय ही हम जानते है कि तुममें कितने ही ऐसे है जो झुठलाते है	x
Wainnahu lahasratun AAala alkafireena	x	And indeed, it will be [a cause of] regret upon the disbelievers.	69:50	निश्चय ही वह इनकार करनेवालों के लिए सर्वथा पछतावा है,	x
Wainnahu lahaqqu alyaqeeni	**[Truth need not to assert itself.]**	And indeed, it is the truth of certainty.	69:51	और वह बिल्कुल विश्वसनीय सत्य है।	**[सत्य को स्वयं को साबित करने की आवश्यकता नहीं है।]**
Fasabbih biismi rabbika alAAatheemi	x	So exalt the name of your Lord, the Most Great.	69:52	अतः तुम अपने महिमावान रब के नाम की तसबीह (गुणगान) करो	x

Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Al-Ma'arij (The Ascending Stairways)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**70:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अल-मआरिज (ऊर्ध्वगामी सीढ़ियाँ)**
Saala sailun biAAathabin waqiAAin	This verse was revealed about al-Nadr ibn al-Harith when he said [O Allah! if this be indeed the truth from Thee, then rain down stones on us …) (8:32). At the Battle of Badr he was killed in captivity.	A supplicant asked for a punishment bound to happen	70:1	एक माँगनेवाले ने घटित होनेवाली यातना माँगी,	यह आयत अल-नदर इब्न अल-हरीथ के बारे में उतारी गई थी, जब उन्होंने कहा: [हे अल्लाह! यदि यह वास्तव में तुझसे सत्य है, तो हम पर पत्थर बरसाओ …] (8:32)। बदर की लड़ाई में उन्हें बंदी बनाकर मारा गया।
Lilkafireena laysa lahu dafiAAun	x	To the disbelievers; of it there is no preventer.	70:2	जो इनकार करनेवालो के लिए होगी, उसे कोई टालनेवाला नहीं,	x
Mina Allahi thee almaAAariji	The "ascend," according to the Tafsir al-Jalalayn , means the ascending staiways "by which the angels go up to heavens". Jesus is a "spirit from Allah" in 4:171 and ascends to paradise at	[It is] from Allah, owner of the ways of ascent.	70:3	वह अल्लाह की ओर से होगी, जो चढ़ाव के सोपानों का स्वामी है	तफ़सीर अल-जलालय्न के अनुसार, 'चढ़ाव' का अर्थ है वह सीढ़ियाँ जिनसे फ़रिश्ते स्वर्ग की ओर चढ़ते हैं। ईसा (ईसा मसीह) 4:171 में 'अल्लाह की रूह' हैं और 3:55 में वे जन्नत की ओर आरोहण करते हैं।
TaAAruju almalaikatu waalrroohu ilayhi fee yawmin kana miqdaruhu khamseena alfa sanatin	**[Time taken by Angels to travel to heaven 22:47, 32:5 1000 years, 70:4: 50000 years]**	The angels and the Spirit will ascend to Him during a Day the extent of which is fifty thousand years.	70:4	फ़रिश्ते और रूह (जिबरील) उसकी ओर चढ़ते है, उस दिन में जिसकी अवधि पचास हज़ार वर्ष है	**[फ़रिश्तों को स्वर्ग तक पहुँचने में लगने वाला समय: 22:47, 32:5 – 1000 साल, 70:4 – 50,000 साल]**
Faisbir sabran jameelan	x	So be patient with gracious patience.	70:5	अतः धैर्य से काम लो, उत्तम धैर्य	x
Innahum yarawnahu baAAeedan	Means the disbelievers think that day of Qiyamat is far.	Indeed, they see it [as] distant,	70:6	वे उसे बहुत दूर देख रहे है,	अर्थात्, काफ़िर समझते हैं कि क़यामत का दिन दूर है।

Wanarahu qareeban	**[When is the day of Judgement: Near 16:77, 21:1, 33:63, 54:1, 70:6–7, Don't know 21:109]**	But We see it [as] near.	70:7	किन्तु हम उसे निकट देख रहे है	x
Yawma takoonu alssamao kaalmuhli	Pickthall translate it as "molten copper".	On the Day the sky will be like murky oil,	70:8	जिस दिन आकाश तेल की तलछट जैसा काला हो जाएगा,	पिक्थल ने इसे 'पिघला हुआ तांबा' के रूप में अनुवादित किया है।
Watakoonu aljibalu kaalAAihni	x	And the mountains will be like wool,	70:9	और पर्वत रंग-बिरंगे ऊन के सदृश हो जाएँगे	x
Wala yasalu hameemun	x	And no friend will ask [anything of] a friend,	70:10	कोई मित्र किसी मित्र को न पूछेगा,	x
Yubassaroonahum yawaddu almujrimu law yaftadee min AAathabi yawmiithin	Means a person will wish to ransom their family for their own freedom.	They will be shown each other. The criminal will wish that he could be ransomed from the punishment of that Day by	70:11	हालाँकि वे एक-दूसरे को दिखाए जाएँगे। अपराधी चाहेगा कि किसी प्रकार वह उस दिन की यातना से छूटने के लिए अपने बेटों,	अर्थात, कोई व्यक्ति अपनी स्वतंत्रता के लिए अपने परिवार को फिरौती देने की इच्छा करेगा।
Wasahibatihi waakheehi	**[Quran always debates from Male's point of view.]**	And his wife and his brother	70:12	अपनी पत्नी , अपने भाई	**[कुरआन हमेशा पुरुष के दृष्टिकोण से बहस करता है।]**
Wafaseelatihi allatee tuweehi	x	And his nearest kindred who shelter him	70:13	और अपने उस परिवार को जो उसको आश्रय देता है,	x
Waman fee alardi jameeAAan thumma yunjeehi	x	And whoever is on earth entirely [so] then it could save him.	70:14	और उन सभी लोगों को जो धरती में रहते है, फ़िदया (मुक्ति-प्रतिदान) के रूप में दे डाले फिर वह उसको छुटकारा दिला दे	x
Kalla innaha latha	x	No! Indeed, it is the Flame [of Hell],	70:15	कदापि नहीं! वह लपट मारती हुई आग है,	x
NazzaAAatan lilshshawa	Pickthall translates "Eager to roast"	A remover of exteriors.	70:16	जो मांस और त्वचा को चाट जाएगी,	x
TadAAoo man adbara watawalla	x	It invites he who turned his back [on truth] and went away [from obedience]	70:17	उस व्यक्ति को बुलाती है जिसने पीठ फेरी और मुँह मोड़ा,	x

WajamaAAa faawAAa	x	And collected [wealth] and hoarded.	70:18	और (धन) एकत्र किया और सैंत कर रखा	x
Inna alinsana khuliqa halooAAan	x	Indeed, mankind was created anxious:	70:19	निस्संदेह मनुष्य अधीर पैदा हुआ है	x
Itha massahu alshsharru	x	When evil touches him, impatient,	70:20	जि उसे तकलीफ़ पहुँचती है तो घबरा उठता है,	x
Waitha massahu alkhayru manooAAan	x	And when good touches him, withholding [of it],	70:21	किन्तु जब उसे सम्पन्नता प्राप्त होती ही तो वह कृपणता दिखाता है	x
Illa almusalleena	x	Except the observers of prayer -	70:22	किन्तु नमाज़ अदा करनेवालों की बात और है,	x
Allatheena hum AAala salatihim daimoona	x	Those who are constant in their prayer	70:23	जो अपनी नमाज़ पर सदैव जमें रहते है,	x
Waallatheena fee amwalihim haqqun maAAloomun	x	And those within whose wealth is a known right	70:24	और जिनके मालों में	x
Lilssaili waalmahroomi	For the beggar and the destitute.	For the petitioner and the deprived -	70:25	माँगनेवालों और वंचित का एक ज्ञात और निश्चित हक़ होता है,	x
Waallatheena yusaddiqoona biyawmi alddeeni	x	And those who believe in the Day of Recompense	70:26	जो बदले के दिन को सत्य मानते है,	x
Waallatheena hum min AAathabi rabbihim	x	And those who are fearful of the punishment of their Lord -	70:27	जो अपने रब की यातना से डरते है -	x
Inna AAathaba rabbihim ghayru mamoonin	x	Indeed, the punishment of their Lord is not that from which one is safe -	70:28	उनके रब की यातना है ही ऐसी जिससे निश्चिन्त न रहा जाए -	x
Waallatheena hum lifuroojihim	[Quran always debates from Male's point of view.]	And those who guard their private parts	70:29	जो अपने गुप्तांगों की रक्षा करते है।	**[कुरआन हमेशा पुरुष के दृष्टिकोण से बहस करता है।]**

Illa AAala azwajihim aw ma malakat aymanuhum fainnahum ghayru maloomeena	"Right hand posses" means captive women or slave women, also see 4:3, 4:24, 23:6, 33:50. **[Consensual sex is punishable, while it is permissible to have sex with slaves and war captives. Also rich men have choice of 4 wives and female slaves, while women have no choice. Similiary poor man can't afford. Male slaves have no choice for sex.]**	Except from their wives or those their right hands possess, for indeed, they are not to be blamed -	70:30	अपनी पत्नि यों या जो उनकी मिल्क में हो उनके अतिरिक्त दूसरों से तो इस बात पर उनकी कोई भर्त्सना नही। -	"'दाएँ हाथ में रखने वाले' का अर्थ है बंदी स्त्रियाँ या दासी स्त्रियाँ, साथ ही देखें 4:3, 4:24, 23:6, 33:50। **[सहमति से किया गया सेक्स दंडनीय है, जबकि दासों और युद्ध बंदियों के साथ सेक्स करना अनुमेय है। इसके अलावा अमीर पुरुष के पास चार पत्नियों और दासी स्त्रियों का विकल्प होता है, जबकि महिलाओं के पास कोई विकल्प नहीं होता। इसी तरह, गरीब पुरुष इसका खर्च नहीं उठा सकता। पुरुष दासों के पास सेक्स का कोई विकल्प नहीं है।]"**
Famani ibtagha waraa thalika faolaika humu alAAadoona	x	But whoever seeks beyond that, then they are the transgressors -	70:31	किन्तु जिस किसी ने इसके अतिरिक्त कुछ और चाहा तो ऐसे ही लोग सीमा का उल्लंघन करनेवाले है।-	x
Waallatheena hum liamanatihim waAAahdihim raAAoona	Those who keep their pledges and covenant, See 8:58, 9:1-5.	And those who are to their trusts and promises attentive	70:32	जो अपने पास रखी गई अमानतों और अपनी प्रतिज्ञा का निर्वाह करते है,	वे जो अपने वादों और संधियों का पालन करते हैं, देखें 8:58, 9:1-5।
Waallatheena hum bishahadatihim qaimoona	x	And those who are in their testimonies upright	70:33	जो अपनी गवाहियों पर क़ायम रहते है,	x
Waallatheena hum AAala salatihim yuhafithoona	x	And those who [carefully] maintain their prayer:	70:34	और जो अपनी नमाज़ की रक्षा करते है	x
Olaika fee jannatin mukramoona	x	They will be in gardens, honored.	70:35	वही लोग जन्नतों में सम्मानपूर्वक रहेंगे	x

Famali allatheena kafaroo qibalaka muhtiAAeena	x	So what is [the matter] with those who disbelieve, hastening [from] before you, [O Muhammad],	70:36	फिर उन इनकार करनेवालो को क्या हुआ है कि वे तुम्हारी ओर दौड़े चले आ रहे है?	x
AAani alyameeni waAAani alshshimali	Believers and disbelievers will be in separate groups.	[To sit] on [your] right and [your] left in separate groups?	70:37	दाएँ और बाएँ से गिरोह के गिरोह	मुमिन और काफ़िर अलग-अलग समूहों में होंगे।
AyatmaAAu kullu imriin minhum an yudkhala jannata naAAeemin	The idolaters used to gather round the Prophet (pbuh) to listen to him but did not benefit from him. Instead, they gave him the lie and mocked him. They said: 'If these were to enter Paradise, we shall certainly enter it before them, and we will have more wealth therein than they will ever have'	Does every person among them aspire to enter a garden of pleasure?	70:38	क्या उनमें से प्रत्येक व्यक्ति इसकी लालसा रखता है कि वह अनुकम्पा से परिपूर्ण जन्नत में प्रविष्ट हो?	मूर्तिपूजक पैग़म्बर मुहम्मद स. के चारों ओर इकट्ठा होते थे ताकि उन्हें सुन सकें, लेकिन उनसे कोई लाभ नहीं उठाते थे। इसके बजाय, वे उन्हें झूठा ठहराते और उनका मज़ाक उड़ाते। उन्होंने कहा: 'अगर ये लोग जन्नत में प्रवेश करेंगे, तो हम निश्चित रूप से उनसे पहले उसमें प्रवेश करेंगे, और हमारे पास वहाँ उनकी तुलना में अधिक दौलत होगी।'
Kalla inna khalaqnahum mimma	x	No! Indeed, We have created them from that which they know.	70:39	कदापि नहीं, हमने उन्हें उस चीज़ से पैदा किया है, जिसे वे भली-भाँति जानते है	x
Fala oqsimu birabbi almashariqi waalmagharibi inna laqadiroona	Pickthall translates "Lord of the rising-places and the setting-places of the planets" **[Who is speaking.]**	So I swear by the Lord of [all] risings and settings that indeed We are able	70:40	अतः कुछ नहीं, मैं क़सम खाता हूँ पूर्वों और पश्चिमों के रब की, हमे इसकी सामर्थ्य प्राप्त है	**[यह कौन बोल रहा है?]**
AAala an nubaddila khayran minhum wama nahnu bimasbooqeena	"We are not to be outdone" referes to Muslims.	To replace them with better than them; and We are not to be outdone.	70:41	कि उनकी उनसे अच्छे ले आएँ और हम पिछड़ जानेवाले नहीं है	'हम पिछड़ जानेवाले नहीं' का संदर्भ मुसलमानों के लिए है।

Fatharhum yakhoodoo wayalAAaboo hatta yulaqoo yawmahumu allathee	**[Abrogated by later Jihadi verses.]**	So leave them to converse vainly and amuse themselves until they meet their Day which they are promised -	70:42	अतः उन्हें छोड़ो कि वे व्यर्थ बातों में पड़े रहें और खेलते रहे, यहाँ तक कि वे अपने उस दिन से मिलें, जिसका उनसे वादा किया जा रहा है,	[बाद की जिहादी आयतों द्वारा रद्द किया गया।]
Yawma yakhrujoona mina alajdathi siraAAan kaannahum ila	x	The Day they will emerge from the graves rapidly as if they were, toward an erected idol, hastening.	70:43	जिस दिन वे क़ब्रों से तेज़ी के साथ निकलेंगे जैसे किसी निशान की ओर दौड़े जा रहे है,	x
KhashiAAatan absaruhum tarhaquhum thillatun thalika alyawmu allathee kanoo yooAAadoona	x	Their eyes humbled, humiliation will cover them. That is the Day which they had been promised.	70:44	उनकी निगाहें झुकी होंगी, ज़िल्लत उनपर छा रही होगी। यह है वह दिन जिससे वह डराए जाते रहे है	x
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Nuh (Noah), Meccan**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**71:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**नूह, मक्की सूरह**
Inna arsalna noohan ila qawmihi an anthir qawmaka min qabli an yatiyahum AAathabun aleemun	x	Indeed, We sent Noah to his people, [saying], "Warn your people before there comes to them a painful punishment."	71:1	हमने नूह को उसकी क़ौम की ओर भेजा कि "अपनी क़ौम के लोगों को सावधान कर दो, इससे पहले कि उनपर कोई दुखद यातना आ जाए।"	x
Qala ya qawmi innee lakum natheerun mubeenun	In verse 11:25, 26:115, 71:2, Noah is a “plain warner,” similar to prophet Muhammad (pbuh). see 15:89, 22:49, 29:50, 38:70, 46:9, 51:50-51, 67:26.	He said, "O my people, indeed I am to you a clear warner,	71:2	उसने कहा, "ऐ मेरी क़ौम के लोगो! मैं तुम्हारे लिए एक स्पष्ट सचेतकर्ता हूँ	आयत 11:25, 26:115, 71:2 में नूह को “स्पष्ट चेतावनी देने वाला” बताया गया है, जो पैग़म्बर मुहम्मद स. के समान है। देखें: 15:89, 22:49, 29:50, 38:70, 46:9, 51:50-51, 67:26।

Ani oAAbudoo Allaha waittaqoohu waateeAAooni	Obey the Noah what he commands or forbid.	[Saying], 'Worship Allah, fear Him and obey me.	71:3	कि अल्लाह की बन्दगी करो और उसका डर रखो और मेरी आज्ञा मानो।-	नूह की आज्ञा का पालन करो, जो वे आदेश दें या जिससे वे रोकें।
Yaghfir lakum min thunoobikum wayuakhkhirkum ila ajalin musamman inna ajala Allahi itha jaa la yuakhkharu law kuntum	x	Allah will forgive you of your sins and delay you for a specified term. Indeed, the time [set by] Allah, when it comes, will not be delayed, if you only knew.' "	71:4	"वह तुम्हें क्षमा करके तुम्हारे गुनाहों से तुम्हें पाक कर देगा और एक निश्चित समय तक तुम्हे मुहल्लत देगा। निश्चय ही जब अल्लाह का निश्चित समय आ जाता है तो वह टलता नहीं, काश कि तुम जानते!"	x
Qala rabbi innee daAAawtu qawmee laylan wanaharan	x	He said, "My Lord, indeed I invited my people [to truth] night and day.	71:5	उसने कहा, "ऐ मेरे रब! मैंने अपनी क़ौम के लोगों को रात और दिन बुलाया	x
Falam yazidhum duAAaee illa firaran	x	But my invitation increased them not except	71:6	"किन्तु मेरी पुकार ने उनके पलायन को ही बढ़ाया	x
Wainnee kullama daAAawtuhum litaghfira lahum jaAAaloo asabiAAahum fee athanihim waistaghshaw thiyabahum waasarroo waistakbaroo istikbaran	"I" refer to Noah, "You" refer to Allah.	And indeed, every time I invited them that You may forgive them, they put their fingers in their ears, covered themselves with their garments, persisted, and were arrogant with [great] arrogance.	71:7	"और जब भी मैंने उन्हें बुलाया, ताकि तू उन्हें क्षमा कर दे, तो उन्होंने अपने कानों में अपनी उँगलियाँ दे लीं और अपने कपड़ो से स्वयं को ढाँक लिया और अपनी हठ पर अड़ गए और बड़ा ही घमंड किया	x
Thumma innee daAAawtuhum jiharan	x	Then I invited them publicly.	71:8	"फिर मैंने उन्हें खुल्लमखुल्ला बुलाया,	x

Thumma innee aAAlantu lahum waasrartu lahum israran	x	Then I announced to them and [also] confided to them secretly	71:9	"फिर मैंने उनसे खुले तौर पर भी बातें की और उनसे चुपके-चुपके भी बातें की	x
Faqultu istaghfiroo rabbakum innahu kana ghaffaran	x	And said, 'Ask forgiveness of your Lord. Indeed, He is ever a Perpetual Forgiver.	71:10	"और मैंने कहा, अपने रब से क्षमा की प्रार्थना करो। निश्चय ही वह बड़ा क्षमाशील है,	x
Yursili alssamaa AAalaykum midraran	x	He will send [rain from] the sky upon you in [continuing] showers	71:11	"वह बादल भेजेगा तुमपर ख़ूब बरसनेवाला,	x
Wayumdidkum biamwalin wabaneena wayajAAal lakum jannatin wayajAAal lakum anharan	Allah will also reward the believers in this world (verse 3:139, 71:12).	And give you increase in wealth and children and provide for you gardens and provide for you rivers.	71:12	"और वह माल और बेटों से तुम्हें बढ़ोतरी प्रदान करेगा, और तुम्हारे लिए बाग़ पैदा करेगा और तुम्हारे लिए नहरें प्रवाहित करेगा	अल्लाह इस दुनिया में भी ईमान वालों को बदला देगा (आयत 3:139, 71:12)।
Ma lakum la tarjoona lillahi waqaran	x	What is [the matter] with you that you do not attribute to Allah [due] grandeur	71:13	"तुम्हें क्या हो गया है कि तुम (अपने दिलों में) अल्लाह के लिए किसी गौरव की आशा नहीं रखते?	x
Waqad khalaqakum atwaran	Means in womb.	While He has created you in stages?	71:14	"हालाँकि उसने तुम्हें विभिन्न अवस्थाओं से गुज़ारते हुए पैदा किया	अर्थ: गर्भ में।
Alam taraw kayfa khalaqa Allahu sabAAa samawatin tibaqan	**[There no proof of seven layer in sky and it's not a layer but optical illusion; Also how human can know aobut it.]**	Do you not consider how Allah has created seven heavens in layers	71:15	"क्या तुमने देखा नहीं कि अल्लाह ने किस प्रकार ऊपर तले सात आकाश बनाए,	**[आसमान के सात परतों (स्तरों) का कोई प्रमाण नहीं है; यह परतें नहीं बल्कि एक दृष्टि-भ्रम हो सकता है। साथ ही, इंसान इसके बारे में कैसे जान सकता है?]**

WajaAAala alqamara feehinna nooran wajaAAala alshshamsa sirajan	**[There is no mention of word reflected in Arabic text; Ibn Kathir states that it means moon has light which is different from Sun. Also moon in very close to earth compared to Sun and stars, However, they are all said to be in the lowest sky / heaven.]**	And made the moon therein a [reflected] light and made the sun a burning lamp?	71:16	"और उनमें चन्द्रमा को प्रकाश और सूर्य का प्रदीप बनाया?	**[इब्न कसीर के अनुसार इसका अर्थ है कि चाँद की रोशनी सूरज से भिन्न है। साथ ही, चाँद पृथ्वी के बहुत क़रीब है, जबकि सूरज और सितारे उससे कहीं दूर हैं, फिर भी इन सभी को सबसे निचले आसमान में बताया गया है।]**
WaAllahu anbatakum mina alardi nabatan	Ibn Kathir, Allah has brought you forth from the (dust of) earth.	And Allah has caused you to grow from the earth a [progressive] growth.	71:17	"और अल्लाह ने तुम्हें धरती से विशिष्ट प्रकार से विकसित किया,	इब्न कसीर: “अल्लाह ने तुम्हें (मिट्टी) धरती से पैदा किया है।”
Thumma yuAAeedukum feeha wayukhrijukum	Mean mankind will die and then again resurrected.	Then He will return you into it and extract you [another] extraction.	71:18	"फिर वह तुम्हें उसमें लौटाता है और तुम्हें बाहर निकालेगा भी	मानव जाति मृत्यु को प्राप्त होगी और फिर दोबारा जीवित (पुनर्जीवित) की जाएगी।
WaAllahu jaAAala lakumu alarda bisatan	**[The Quran describes the Earth flat. Similar description in 15:19, 20:53, 43:10, 79:30, 88:70.]**	And Allah has made for you the earth an expanse	71:19	"और अल्लाह ने तुम्हारे लिए धरती को बिछौना बनाया,	**[क़ुरआन में पृथ्वी को समतल (चपटी) बताया गया है। इसी प्रकार का वर्णन 15:19, 20:53, 43:10, 79:30, 88:20 में भी मिलता है।]**
Litaslukoo minha subulan fijajan	Refer to Valley-ways.	That you may follow therein roads of passage.' "	71:20	"ताकि तुम उसके विस्तृत मार्गों पर चलो।"	अर्थ: घाटियों के रास्तों (मार्गों) की ओर संकेत।
Qala noohun rabbi innahum AAasawnee waittabaAAoo man lam yazidhu maluhu wawaladuhu illa	x	Noah said, "My Lord, indeed they have disobeyed me and followed him whose wealth and children will not increase him except in	71:21	नूह ने कहा, "ऐ मेरे रब! उन्होंने मेरी अवज्ञा की, और उसका अनुसरण किया जिसके धन और जिसकी सन्तान ने उसके घाटे ही मे अभिवृद्धि की	x
Wamakaroo makran kubbaran	Conspiracy refers to tricking the mankind into believing false religions.	And they conspired an immense conspiracy.	71:22	"और वे बहुत बड़ी चाल चले,	चाल से अभिप्राय है लोगों को झूठे धर्मों पर विश्वास करने के लिए धोखा देना।

Waqaloo la tatharunna alihatakum wala tatharunna waddan wala suwaAAan wala yaghootha wayaAAooqa wanasran	**[This verse implies that people of Noah worshipped the same idols as the Arabs.]**	And said, 'Never leave your gods and never leave Wadd or Suwa' or Yaghuth and Ya'uq and Nasr.	71:23	"और उन्होंने कहा, अपने इष्ट-पूज्यों के कदापि न छोड़ो और न वह वद्द को छोड़ो और न सुवा को और न यग़ूस और न यऊक़ और नस्र को	**[यह आयत संकेत देती है कि नूह की क़ौम के लोग उन्हीं मूर्तियों की पूजा करते थे जिनकी पूजा अरब के लोग करते थे।]**
Waqad adalloo katheeran wala tazidi aliththalimeena illa dalalan	Noah supplicated Allah to increase the error of disbelievers.	And already they have misled many. And, [my Lord], do not increase the wrongdoers except in error."	71:24	"और उन्होंने बहुत-से लोगों को पथभ्रष्ट॥ किया है (तो तू उन्हें मार्ग न दिया) अब, तू भी ज़ालिमों की पथभ्रष्टता ही में अभिवृद्धि कर।"	नूह ने अल्लाह से दुआ की कि काफ़िरों की गुमराही में और बढ़ोतरी हो।
Mimma khateeatihim oghriqoo faodkhiloo naran falam yajidoo lahum min dooni Allahi ansaran	x	Because of their sins they were drowned and put into the Fire, and they found not for themselves besides Allah [any] helpers.	71:25	वे अपनी बड़ी ख़ताओं के कारण पानी में डूबो दिए गए, फिर आग में दाख़िल कर दिए गए, फिर वे अपने और अल्लाह के बीच आड़ बननेवाले सहायक न पा सके	x
Waqala noohun rabbi la tathar AAala alardi mina alkafireena dayyaran	Noah asks Allah to destroy all disbelievers from Earth.	And Noah said, "My Lord, do not leave upon the earth from among the disbelievers an inhabitant.	71:26	और नूह ने कहा, "ऐ मेरे रब! धरती पर इनकार करनेवालों में से किसी बसनेवाले को न छोड	नूह ने अल्लाह से प्रार्थना की कि वह धरती से सभी काफ़िरों का विनाश कर दे।
Innaka in tatharhum yudilloo AAibadaka wala yalidoo illa fajiran kaffaran	The unbelievers do not deserve to live, for they will mislead the believers.	Indeed, if You leave them, they will mislead Your servants and not beget except [every] wicked one and [confirmed]	71:27	"यदि तू उन्हें छोड़ देगा तो वे तेरे बन्दों को पथभ्रष्ट कर देंगे और वे दुराचारियों और बड़े अधर्मियों को ही जन्म देंगे	काफ़िर जीवित रहने के योग्य नहीं हैं, क्योंकि वे ईमान वालों को गुमराह कर देंगे।

Rabbi ighfir lee waliwalidayya waliman dakhala baytiya muminan walilmumineena waalmuminati wala tazidi alththalimeena illa tabaran	**[All Muslims should supplicate like Noah.]**	My Lord, forgive me and my parents and whoever enters my house a believer and the believing men and believing women. And do not increase the wrongdoers except in destruction."	71:28	"ऐ मेरे रब! मुझे क्षमा कर दे और मेरे माँ-बाप को भी और हर उस व्यक्ति को भी जो मेरे घर में ईमानवाला बन कर दाख़िल हुआ और (सामान्य) ईमानवाले पुरुषों और ईमानवाली स्त्रियों को भी (क्षमा कर दे), और ज़ालिमों के विनाश को ही बढ़ा।"	**[सभी मुसलमानों को नूह की तरह दुआ करनी चाहिए।]**
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Al-Jinn (The Jinn), Jinn are created from fire, and given free will like Humans; They can fly; however, they invisible.**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**72:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अल-जिन्न (जिन्न): जिन्नों को आग से पैदा किया गया है और उन्हें इंसानों की तरह स्वतंत्र इच्छा (इख़्तियार) दी गई है; वे उड़ सकते हैं, लेकिन वे अदृश्य होते हैं।**
Qul oohiya ilayya annahu istamaAAa nafarun mina aljinni faqaloo inna samiAAna quranan AAajaban	Jinn also became Muslim: 46:29-31, 72:1-2.	Say, [O Muhammad], "It has been revealed to me that a group of the jinn listened and said, 'Indeed, we have heard an amazing Qur'an.	72:1	कह दो, "मेरी ओर प्रकाशना की गई है कि जिन्नों के एक गिरोह ने सुना, फिर उन्होंने कहा कि हमने एक मनभाता क़ुरआन सुना,	जिन्नों में से कुछ मुसलमान भी बने: 46:29–31, 72:1–2।
Yahdee ila alrrushdi faamanna bihi walan nushrika birabbina ahadan	x	It guides to the right course, and we have believed in it. And we will never associate with our Lord anyone.	72:2	"जो भलाई और सूझ-बूझ का मार्ग दिखाता है, अतः हम उसपर ईमान ले आए, और अब हम कदापि किसी को अपने रब का साझी नहीं ठहराएँगे	x
Waannahu taAAala jaddu rabbina ma ittakhatha sahibatan wala waladan	x	And [it teaches] that exalted is the nobleness of our Lord; He has not taken a wife or a son	72:3	"और यह कि हमारे रब का गौरब अत्यन्त उच्च है। उसने अपने लिए न तो कोई पत्नी बनाई और न सन्तान	x

Waannahu kana yaqoolu safeehuna AAala Allahi shatatan	Whosoever is saying that Allah has a son is uttering atrocious lie. Referring to Christians.	And that our foolish one has been saying about Allah an excessive transgression.	72:4	"और यह कि हममें का मूर्ख व्यक्ति अल्लाह के विषय में सत्य से बिल्कुल हटी हुई बातें कहता रहा है	जो कोई यह कहता है कि अल्लाह का कोई बेटा है, वह अत्यंत बड़ा झूठ बोल रहा है। यह बात ईसाइयों की ओर संकेत करती है।
Waanna thananna an lan taqoola alinsu waaljinnu AAala Allahi kathiban	Jinns thought that mankind and Jinn will not speak a lie against Allah.	And we had thought that mankind and the jinn would never speak about Allah a lie.	72:5	"और यह कि हमने समझ रखा था कि मनुष्य और जिन्न अल्लाह के विषय में कभी झूठ नहीं बोलते	जिन्नों का यह विचार था कि इंसान और जिन्न, अल्लाह के बारे में झूठ नहीं बोलेंगे।
Waannahu kana rijalun mina alinsi yaAAoothoona birijalin mina aljinni fazadoohum rahaqan	This was the custom of the Arabs in the pre Islamic days to seek refuge with the greatest Jinn of a particular place so that no harm or evil would afflict them. So, the Jinns made people more afraid of them so they seek refuge with them even more.	And there were men from mankind who sought refuge in men from the jinn, so they [only] increased them in burden.	72:6	"और यह कि मनुष्यों में से कितने ही पुरुष ऐसे थे, जो जिन्नों में से कितने ही पुरूषों की शरण माँगा करते थे। इसप्रकार उन्होंने उन्हें (जिन्नों को) और चढ़ा दिया	यह इस्लाम-पूर्व काल में अरबों की प्रथा थी कि वे किसी विशेष स्थान के सबसे बड़े जिन्न की शरण लेते थे, ताकि उन्हें कोई नुकसान या बुराई न पहुँचे। इस प्रकार जिन्नों ने लोगों में अपना डर और बढ़ा दिया, जिससे लोग और अधिक उनकी शरण लेने लगे।
Waannahum thannoo kama thanantum an lan yabAAatha Allahu ahadan	x	And they had thought, as you thought, that Allah would never send anyone [as a messenger].	72:7	"और यह कि उन्होंने गुमान किया जैसे कि तुमने गुमान किया कि अल्लाह किसी (नबी) को कदापि न उठाएगा	x
Waanna lamasna alssamaa fawajadnaha muliat harasan shadeedan washuhuban	Stars and meteors are fired at Jinns.	And we have sought [to reach] the heaven but found it filled with powerful guards and burning flames.	72:8	"और यह कि हमने आकाश को टटोला तो उसे सख़्त पहरेदारों और उल्काओं से भरा हुआ पाया	सितारे और उल्काएँ (टूटते तारे) जिन्नों पर फेंके जाते हैं।

Waanna kunna naqAAudu minha maqaAAida lilssamAAi faman yastamiAAi alana yajid lahu shihaban rasadan	**[Contradiction: Could Jinns reach heaven: Yes in past 72:9, Can't not 55:33]**	And we used to sit therein in positions for hearing, but whoever listens now will find a burning flame lying in wait for him.	72:9	"और यह कि हम उसमें बैठने के स्थानों में सुनने के लिए बैठा करते थे, किन्तु अब कोई सुनना चाहे तो वह अपने लिए घात में लगा एक उल्का पाएगा	**[विरोधाभास: क्या जिन्न आसमान तक पहुँच सकते थे? पहले हाँ (72:9), अब नहीं (55:33)।]**
Waanna la nadree asharrun oreeda biman fee alardi am arada bihim rabbuhum rashadan	x	And we do not know [therefore] whether evil is intended for those on earth or whether their Lord intends for them a right course.	72:10	"और यह कि हम नहीं जानते कि उन लोगों के साथ जो धरती में है बुराई का इरादा किया गया है या उनके रब ने उनके लिए भलाई और मार्गदर्शन का इरादा किय है	x
Waanna minna alssalihoona waminna doona thalika kunna	Jinns also have believers and disbelievers.	And among us are the righteous, and among us are [others] not so; we were [of] divided ways.	72:11	"और यह कि हममें से कुछ लोग अच्छे है और कुछ लोग उससे निम्नतर है, हम विभिन्न मार्गों पर है	जिन्नों में भी ईमान वाले और काफ़िर दोनों होते हैं।
Wanna thananna an lan nuAAjiza Allaha fee alardi walan nuAAjizahu haraban	x	And we have become certain that we will never cause failure to Allah upon earth, nor can we escape Him by flight.	72:12	"और यह कि हमने समझ लिया कि हम न धरती में कही जाकर अल्लाह के क़ाबू से निकल सकते है, और न आकाश में कहीं भागकर उसके क़ाबू से निकल सकते है	x

Waanna lamma samiAAna alhuda amanna bihi faman yumin birabbihi fala yakhafu bakhsan wala rahaqan	x	And when we heard the guidance, we believed in it. And whoever believes in his Lord will not fear deprivation or burden.	72:13	"और यह कि जब हमने मार्गदर्शन की बात सुनी तो उसपर ईमान ले आए। अब तो कोई अपने रब पर ईमान लाएगा, उसे न तो किसी हक़ के मारे जाने का भय होगा और न किसी ज़ुल्म-ज़्यादती का	x
Waanna minna almuslimoona waminna alqasitoona faman aslama faolaika taharraw rashadan	Jinns are also Muslims like Humans.	And among us are Muslims [in submission to Allah], and among us are the unjust. And whoever has become Muslim - those have sought out the right course.	72:14	"और यह कि हममें से कुछ मुस्लिम (आज्ञाकारी) है और हममें से कुछ हक़ से हटे हुए है। तो जिन्होंने आज्ञापालन का मार्ग ग्रहण कर लिया उन्होंने भलाई और सूझ-बूझ की राह ढूँढ़ ली	जिन्न भी इंसानों की तरह मुसलमान हो सकते हैं।
Waama alqasitoona fakanoo lijahannama hataban	x	But as for the unjust, they will be, for Hell, firewood.'	72:15	"रहे वे लोग जो हक़ से हटे हुए है, तो वे जहन्नम का ईंधन होकर रहे।"	x
Waallawi istaqamoo AAala alttareeqati laasqaynahum maan ghadaqan	**[If the disbeliever would have been on right path, then Allah would have given abundant provision; Once again that obedience to Allah brings earthly prosperity.]**	And [Allah revealed] that if they had remained straight on the way, We would have given them abundant provision	72:16	और वह प्रकाशना की गई है कि यदि वे सीधे मार्ग पर धैर्यपूर्वक चलते तो हम उन्हें पर्याप्त जल से अभिषिक्त करते,	**[यदि काफ़िर सही मार्ग पर होते, तो अल्लाह उन्हें प्रचुर रोज़ी देता; एक बार फिर यह दर्शाया गया है कि अल्लाह की आज्ञाकारिता सांसारिक समृद्धि लाती है।]**
Linaftinahum feehi waman yuAArid AAan thikri rabbihi yaslukhu AAathaban saAAadan	x	So We might test them therein. And whoever turns away from the remembrance of his Lord He will put into arduous punishment.	72:17	ताकि हम उसमें उनकी परीक्षा करें। और जो कोई अपने रब की याद से कतराएगा, तो वह उसे कठोर यातना में डाल देगा	x

Waanna almasajida lillahi fala tadAAoo maAAa Allahi ahadan	Pickthall translates "places of worship" in place of Masjid.	And [He revealed] that the masjids are for Allah, so do not invoke with Allah anyone.	72:18	और यह कि मस्जिदें अल्लाह के लिए है। अतः अल्लाह के साथ किसी और को न पुकारो	पिकथॉल ने “मस्जिद” के स्थान पर “इबादत की जगहें” का अनुवाद किया है।
Waannahu lamma qama AAabdu Allahi yadAAoohu kadoo yakoonoona AAalayhi libadan	When the Jinn heard the Prophet reciting the Qur'an they formed dense crowd due to their zeal.	And that when the Servant of Allah stood up supplicating Him, they almost became about him a compacted mass."	72:19	और यह कि "जब अल्लाह का बन्दा उसे पुकारता हुआ खड़ा हुआ तो वे ऐसे लगते है कि उसपर जत्थे बनकर टूट पड़ेगे।"	जब जिन्नों ने पैग़म्बर मुहम्मद स. को क़ुरआन पढ़ते हुए सुना, तो वे उत्साह के कारण घनी भीड़ में इकट्ठा हो गए।
Qul innama adAAoo rabbee wala oshriku bihi ahadan	**[The concept of God coming in human form "Avtar" was not popular in Arabia, hence we don’t find its condemnation in Quran.]**	Say, [O Muhammad], "I only invoke my Lord and do not associate with Him anyone."	72:20	कह दो, "मैं तो बस अपने रब ही को पुकारता हूँ, और उसके साथ किसी को साझी नहीं ठहराता।"	**[ईश्वर के मानव रूप में आने (अवतार) की अवधारणा अरब में प्रचलित नहीं थी, इसलिए क़ुरआन में इसका स्पष्ट खंडन नहीं मिलता।]**
Qul innee la amliku lakum darran wala rashadan	The Messenger does not have power to harm or give guidance. **[But still Quran orders to follow the Messengers command in addition to following Allah's Commands.]**	Say, "Indeed, I do not possess for you [the power of] harm or right direction."	72:21	कह दो, "मैं तो तुम्हारे लिए न किसी हानि का अधिकार रखता हूँ और न किसी भलाई का।"	संदेशवाहक (पैग़म्बर) के पास न किसी को हानि पहुँचाने की शक्ति है और न ही मार्गदर्शन देने की। **[फिर भी क़ुरआन में अल्लाह के आदेशों के साथ-साथ पैग़म्बर के आदेशों का पालन करने का निर्देश दिया गया है।]**
Qul innee lan yujeeranee mina Allahi ahadun walan ajida min doonihi multahadan	x	Say, "Indeed, there will never protect me from Allah anyone [if I should disobey], nor will I find in other than Him a refuge.	72:22	कहो, "अल्लाह के मुक़ाबले में मुझे कोई पनाह नहीं दे सकता और न मैं उससे बचकर कतराने की कोई जगह पा सकता हूँ। -	x

Illa balaghan mina Allahi warisalatihi waman yaAAsi Allaha warasoolahu fainna lahu nara jahannama khalideena feeha abadan	x	But [I have for you] only notification from Allah, and His messages." And whoever disobeys Allah and His Messenger - then indeed, for him is the fire of Hell; they will abide therein forever.	72:23	"सिवाय अल्लाह की ओर से पहुँचने और उसके संदेश देने के। और जो कोई अल्लाह और उसके रसूल की अवज्ञा करेगा तो उसके लिए जहन्नम की आग है, जिसमें ऐसे लोग सदैव रहेंगे।"	x
Hatta itha raaw ma yooAAadoona fasayaAAlamoona man adAAafu nasiran waaqallu AAadadan	x	[The disbelievers continue] until, when they see that which they are promised, then they will know who is weaker in helpers and less in number.	72:24	यहाँ तक कि जब वे उस चीज़ को देख लेंगे जिसका उनसे वादा किया जाता है तो वे जान लेंगे कि कौन अपने सहायक की दृष्टि से कमज़ोर और संख्या में न्यूतर है	x
Qul in adree aqareebun ma tooAAadoona am yajAAalu lahu rabbee amadan	referring to Day of Judgment.	Say, "I do not know if what you are promised is near or if my Lord will grant for it a [long] period."	72:25	कह दो, "मैं नहीं जानता कि जिस चीज़ का तुमसे वादा किया जाता है वह निकट है या मेरा रब उसके लिए लम्बी अवधि ठहराता है	अर्थ: क़ियामत के दिन (प्रलय के दिन) की ओर संकेत।
AAalimu alghaybi fala yuthhiru AAala ghaybihi ahadan	x	[He is] Knower of the unseen, and He does not disclose His [knowledge of the] unseen to anyone	72:26	"परोक्ष का जाननेवाला वही है और वह अपने परोक्ष को किसी पर प्रकट नहीं करता,	x

Illa mani irtada min rasoolin fainnahu yasluku min bayni yadayhi wamin khalfihi rasadan	Meaning, Allah gives additional angels who observe the Messengers. **[Contradiction: Who has knowledge of unseen "Ghaib", only Allah 6:59; Allah and Prophets 18:74, 72:26-27, Angels also 2:30; Propohets don't have 6:50, 11:31, Iblis has 7:17, 17:62]**	Except whom He has approved of messengers, and indeed, He sends before each messenger and behind him observers	72:27	सिवाय उस व्यक्ति के जिसे उसने रसूल की हैसियत से पसन्द कर लिया हो तो उसके आगे से और उसके पीछे से निगरानी की पूर्ण व्यवस्था कर देता है,	अर्थात, अल्लाह अतिरिक्त फ़रिश्तों को भेजता है जो पैग़म्बरों की निगरानी करते हैं। **[विरोधाभास: जिसे ग़ैब का ज्ञान है, केवल अल्लाह 6:59; अल्लाह और पैग़ंबर 18:74, 72:26-27, फ़रिश्ते भी 2:30; पैग़ंबरों के पास नहीं 6:50, 11:31, इब्लिस के पास है 7:17, 17:62]**
LiyaAAlama an qad ablaghoo risalati rabbihim waahata bima ladayhim waahsa kulla shayin AAadadan	**[Allah keeps the angels to make sure that the Messenegers are complying.]**	That He may know that they have conveyed the messages of their Lord; and He has encompassed whatever is with them and has enumerated all things in number.	72:28	ताकि वह यक़ीनी बना दे कि उन्होंने अपने रब के सन्देश पहुँचा दिए और जो कुछ उनके पास है उसे वह घेरे हुए है और हर चीज़ को उसने गिन रखा है।"	**[अल्लाह फ़रिश्तों को नियुक्त करता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि रसूल आदेशों का पालन कर रहे हैं।]**
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Al-Muzzammil (The Covered One)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**73:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अल-मुज़्ज़म्मिल (लिपटनेवाला)**
Ya ayyuha almuzzammilu	Tafsir al-Jalalayn explains: This is a reference to the Prophet (pbuh), meaning the one wrapped up in his garment when Revelation came to him, out of fear.	O you who wraps himself [in clothing],	73:1	ऐ कपड़े में लिपटनेवाले!	तफ़सीर अल-जलालैन के अनुसार: यह पैग़म्बर मुहम्मद स. की ओर संकेत है, अर्थात वह वह्य (प्रकाशना) आने पर भय के कारण अपने वस्त्र में लिपट गए थे।
Qumi allayla illa qaleelan	The Prophet prayed by standing for prayer at night, as coammanded by Allah. **[Sahih Bukhari , 268, 284, 5068, 5215; aN-Nasai 3200: Prophet (pbuh) used to visits all his wives each night.]**	Arise [to pray] the night, except for a little -	73:2	रात को उठकर (नमाज़ में) खड़े रहा करो - सिवाय थोड़ा हिस्सा -	पैग़म्बर मुहम्मद स. रात में खड़े होकर नमाज़ पढ़ते थे, जैसा कि अल्लाह ने फ़रमाया। [सहीह बुख़ारी 268, 284, 5068, 5215; सुनन नसाई 3200: पैग़म्बर मुहम्मद स. हर रात अपनी सभी पत्नियों के पास जाते थे।]

Nisfahu awi onqus minhu qaleelan	meaning, stand in prayer for half of the night, either a little more than it or a little less.	Half of it - or subtract from it a little	73:3	आधी रात	अर्थ: रात के आधे हिस्से तक नमाज़ के लिए खड़े रहो, या उससे थोड़ा कम या थोड़ा अधिक।
Aw zid AAalayhi warattili alqurana tarteelan	meaning, recite it slowly.	Or add to it, and recite the Qur'an with measured recitation.	73:4	या उससे कुछ थोड़ा कम कर लो या उससे कुछ अधिक बढ़ा लो और कुरआन को भली-भाँति ठहर-ठहरकर पढ़ो। -	x
Inna sanulqee AAalayka qawlan thaqeelan	means verses will be heavy at the time of its revelation due to its magnificence.	Indeed, We will cast upon you a heavy word.	73:5	निश्चय ही हम तुमपर एक भारी बात डालनेवाले है	अर्थ: अपनी महानता के कारण अवतरण के समय यह बहुत भारी (गंभीर) होगा।
Inna nashiata allayli hiya ashaddu watan waaqwamu qeelan	Night is more suitable for recitation.	Indeed, the hours of the night are more effective for concurrence [of heart and tongue] and more suitable for words.	73:6	निस्संदेह रात का उठना अत्यन्त अनुकूलता रखता है और बात भी उसमें अत्यन्त सधी हुई होती है	अर्थ: रात का समय तिलावत (पाठ) के लिए अधिक उपयुक्त है।
Inna laka fee alnnahari sabhan taweelan	Day is for leisure time and sleep. **[Suitable for Desert life where days are very hot.]**	Indeed, for you by day is prolonged occupation.	73:7	निश्चय ही तुम्हार लिए दिन में भी (तसबीह की) बड़ी गुंजाइश है। -	x
Waothkuri isma rabbika watabattal ilayhi tabteelan	x	And remember the name of your Lord and devote yourself to Him with [complete] devotion.	73:8	और अपने रब के नाम का ज़िक्र किया करो और सबसे कटकर उसी के हो रहो।	x
Rabbu almashriqi waalmaghribi la ilaha illa huwa faittakhithhu wakeelan	x	[He is] the Lord of the East and the West; there is no deity except Him, so take Him as Disposer of [your] affairs.	73:9	वह पूर्व और पश्चिम का रब है, उसके सिवा कोई इष्ट-पूज्य नहीं, अतः तुम उसी को अपना कार्यसाधक बना लो	x
Waisbir AAala ma yaqooloona waohjurhum hajran jameelan	About disbelievers. **[Abrogated by later Jihadi verses.]**	And be patient over what they say and avoid them with gracious avoidance.	73:10	और जो कुछ वे कहते है उसपर धैर्य से काम लो और भली रीति से उनसे अलग हो जाओ	काफ़िरों के बारे में। **[बाद की जिहाद से संबंधित आयतों द्वारा इसे निरस्त (मंसूख) कर दिया गया है।]**

Watharnee waalmukaththibeena olee alnnaAAmati wamahhilhum	Allah has given some time to the disbelievers.	And leave Me with [the matter of] the deniers, those of ease [in life], and allow them respite a little.	73:11	और तुम मुझे और झूठलानेवाले सुख-सम्पन्न लोगों को छोड़ दो और उन्हें थोड़ी मुहलत दो	अल्लाह ने काफ़िरों को कुछ समय की मोहलत दी है।
Inna ladayna ankalan wajaheeman	x	Indeed, with Us [for them] are shackles and burning fire	73:12	निश्चय ही हमारे पास बेड़ियाँ है और भड़कती हुई आग	x
WataAAaman tha ghussatin waAAathaban aleeman	x	And food that chokes and a painful punishment -	73:13	और गले में अटकनेवाला भोजन है और दुखद यातना,	x
Yawma tarjufu alardu waaljibalu wakanati aljibalu katheeban maheelan	On Day of Judgment.	On the Day the earth and the mountains will convulse and the mountains will become a heap of sand pouring down.	73:14	जिस दिन धरती और पहाड़ काँप उठेंगे, और पहाड़ रेत के ऐसे ढेर होकर रह जाएगे जो बिखरे जा रहे होंगे	क़ियामत के दिन।
Inna arsalna ilaykum rasoolan shahidan AAalaykum kama arsalna ila firAAawna rasoolan	x	Indeed, We have sent to you a Messenger as a witness upon you just as We sent to Pharaoh a messenger.	73:15	निश्चय ही हुमने तुम्हारी ओर एक रसूल तुमपर गवाह बनाकर भेजा है, जिस प्रकार हमने फ़िरऔन की ओर एक रसूल भेजा था	x
FaAAasa firAAawnu alrrasoola faakhathnahu	x	But Pharaoh disobeyed the messenger, so We seized him with a ruinous seizure.	73:16	किन्तु फ़िरऔन ने रसूल की अवज्ञा कि, तो हमने उसे पकड़ लिया और यह पकड़ सख़्त वबाल थी	x
Fakayfa tattaqoona in kafartum yawman yajAAalu alwildana sheeban	**[On a Day that will make the children gray-headed, is that this will happen due to the severity of its horrors.]**	Then how can you fear, if you disbelieve, a Day that will make the children white- haired?	73:17	यदि तुमने इनकार किया तो उस दिन से कैसे बचोगे जो बच्चों को बूढा कर देगा?	**[उस दिन की भयावहता और कठोरता के कारण बच्चे भी सफ़ेद बालों वाले (बूढ़ों जैसे) हो जाएंगे।]**
Alssamao munfatirun bihi kana waAAduhu	**[The sky could only be broken if it's a solid layer. Also see 69:16, 73:18, 82:1, 84:1]**	The heaven will break apart therefrom; ever is His promise fulfilled.	73:18	आकाश उसके कारण फटा पड़ रहा है, उसका वादा तो पूरा ही होना है	**[आसमान तभी फट सकता है जब वह कोई ठोस परत हो; देखें 69:16, 73:18, 82:1, 84:1।]**

Inna hathihi tathkiratun faman shaa ittakhatha ila rabbihi sabeelan	x	Indeed, this is a reminder, so whoever wills may take to his Lord a way.	73:19	निश्चय ही यह एक अनुस्मृति है। अब जो चाहे अपने रब की ओर मार्ग ग्रहण कर ले	x
Inna rabbaka yaAAlamu annaka taqoomu adna min thuluthayi allayli wanisfahu wathuluthahu wataifatun mina allatheena maAAaka waAllahu yuqaddiru allayla waalnnahara AAalima an lan tuhsoohu fataba AAalaykum faiqraoo ma tayassara mina alqurani AAalima an sayakoonu minkum marda waakharoona yadriboona fee alardi yabtaghoona min fadli Allahi waakharoona yuqatiloona fee sabeeli Allahi faiqraoo ma	Abrogation of the obligation to offer the night prayer (Witr, Tahajjud, 73:3) and a mention of its valid excuses. Also, this Ayah abrogated the standing for prayer at night. **[Allah realized that Muslims can not worship all night, so he removed this obligation.]**	Indeed, your Lord knows, [O Muhammad], that you stand [in prayer] almost two thirds of the night or half of it or a third of it, and [so do] a group of those with you. And Allah determines [the extent of] the night and the day. He has known that you [Muslims] will not be able to do it and has turned to you in forgiveness, so recite what is easy [for you] of the Qur'an. He has known that there will be among you those who are ill and others traveling throughout the land seeking [something] of the bounty of Allah and others fighting for the cause of Allah. So recite what is easy from it and establish prayer and give zakah and loan Allah a goodly loan.	73:20	निस्संदेह तुम्हारा रब जानता है कि तुम लगभग दो तिहाई रात, आधी रात और एक तिहाई रात तक (नमाज़ में) खड़े रहते हो, और एक गिरोंह उन लोगों में से भी जो तुम्हारे साथ है, खड़ा होता है। और अल्लाह रात और दिन की घट-बढ़ नियत करता है। उसे मालूम है कि तुम सब उसका निर्वाह न कर सकोगे, अतः उसने तुमपर दया-दृष्टि की। अब जितना क़ुरआन आसानी से हो सके पढ़ लिया करो। उसे मालूम है कि तुममे से कुछ बीमार भी होंगे, और कुछ दूसरे लोग अल्लाह के उदार अनुग्रह (रोज़ी) को ढूँढ़ते हुए धरती में यात्रा करेंगे, कुछ दूसरे लोग अल्लाह के मार्ग में युद्ध करेंगे। अतः उसमें से जितना आसानी से हो सके पढ़ लिया करो, और नमाज़ क़ायम करो और ज़कात	रात की नमाज़ (वित्र, तहज्जुद, 73:3) की अनिवार्यता का निरस्तीकरण (नस्ख) और इसके वैध कारणों का उल्लेख। साथ ही, इस आयत ने रात में खड़े होकर नमाज़ पढ़ने के आदेश को भी निरस्त कर दिया। **[अल्लाह ने जान लिया कि मुसलमान पूरी रात इबादत नहीं कर सकते, इसलिए इस अनिवार्यता को हटा दिया गया।]**

Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Al-Muddaththir (The Cloaked One), The first seven verses of sura 74 are the very earliest verses; however, Islamic scholars agree that the first revelation was 96:1–5.**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**74:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अल-मुद्दस्सिर (चादर ओढ़ने वाला): सूरह 74 की पहली सात आयतें सबसे प्रारम्भिक आयतों में मानी जाती हैं; हालांकि इस्लामी विद्वान इस बात पर सहमत हैं कि पहली वह्य 96:1–5 थी।**
Ya ayyuha almuddaththiru	The Quraysh said about prophet that he is suffering from magic. When this news reached the Prophet, he became grieved, covered his head and wrapped himself up. Then this verse was revealed. Another tradition says that Prophet saw the same angle sitting on chair between earth and sky (which came in cave of Hira), so he fled and asked his wife to wrap him in a cloth.	O you who covers himself [with a garment],	74:1	ऐ ओढ़ने लपेटनेवाले!	क़ुरैश ने पैग़म्बर मुहम्मद स. के बारे में कहा कि उन पर जादू का असर है। जब यह बात पैग़म्बर स. तक पहुँची, तो वे दुखी हो गए, अपना सिर ढक लिया और स्वयं को कपड़े में लपेट लिया। फिर यह आयत नाज़िल हुई। एक अन्य रिवायत के अनुसार, पैग़म्बर स. ने उसी फ़रिश्ते (जो ग़ार-ए-हिरा में आए थे) को धरती और आसमान के बीच एक कुर्सी पर बैठे देखा। यह देखकर वे घबरा गए, घर लौटे और अपनी पत्नी से कहा कि उन्हें कपड़े में लपेट दें।
Qum faanthir	x	Arise and warn	74:2	उठो, और सावधान करने में लग जाओ	x
Warabbaka fakabbir	x	And your Lord glorify	74:3	और अपने रब की बड़ाई ही करो	x
Wathiyabaka	x	And your clothing purify	74:4	अपने दामन को पाक रखो	x
Waalrrujza faohjur	Uncleanliess means Idol-	And uncleanliness avoid	74:5	और गन्दगी से दूर ही रहो	गन्दगी का मतलब मूर्तिपूजा है।
Wala tamnun tastakthiru	**[One should not to seek "worldly gain," but the spoils of war are not considered to be such. See 8:41.]**	And do not confer favor to acquire more	74:6	अपनी कोशिशों को अधिक समझकर उसके क्रम को भंग न करो	**[किसी को 'सांसारिक लाभ' की तलाश नहीं करनी चाहिए, लेकिन युद्ध के लूट को ऐसा नहीं माना जाता। देखिए 8:41]**
Walirabbika faisbir	x	But for your Lord be patient.	74:7	और अपने रब के लिए धैर्य ही से काम लो	x

Faitha nuqira fee alnnaqoori	Means the day of Qiyamah	And when the trumpet is blown,	74:8	जब सूर में फूँक मारी जाएगी	क़यामत का दिन
Fathalika yawmaithin yawmun AAaseerun	A Threat for Whoever claims that the Qur'an is Magic	That Day will be a difficult day	74:9	तो जिस दिन ऐसा होगा, वह दिन बड़ा ही कठोर होगा,	जो भी कहता है कि कुरआन जादू है, उसके लिए एक चेतावनी
AAala alkafireena ghayru yaseerin	x	For the disbelievers - not easy.	74:10	इनकार करनेवालो पर आसान न होगा	x
Tharnee waman khalaqtu waheedan	Abrogated by later Jihadi verses; Also read Sira Rasul-Allah	Leave Me with the one I created alone	74:11	छोड़ दो मुझे और उसको जिसे मैंने अकेला पैदा किया,	बाद के जिहादी आयतों द्वारा रद्द किया गया; साथ ही पैग़म्बर मुहम्मद स. की जीवनी (सिरा) भी पढ़ें।
WajaAAaltu lahu malan mamdoodan	x	And to whom I granted extensive wealth	74:12	और उसे माल दिया दूर तक फैला हुआ,	x
Wabaneena shuhoodan	x	And children present [with him]	74:13	और उसके पास उपस्थित रहनेवाले बेटे दिए,	x
Wamahhadtu lahu tamheedan	x	And spread [everything] before him, easing [his life].	74:14	और मैंने उसके लिए अच्छी तरह जीवन-मार्ग समतल किया	x
Thumma yatmaAAu an azeeda	x	Then he desires that I should add more.	74:15	फिर वह लोभ रखता है कि मैं उसके लिए और अधिक दूँगा	x
Kalla innahu kana liayatina AAaneedan	refers to the ungratefulness of disbelievers.	No! Indeed, he has been toward Our verses obstinate.	74:16	कदापि नहीं, वह हमारी आयतों का दुश्मन है,	यह काफ़िरों की कृतघ्नता को दर्शाता है
Saorhiquhu saAAoodan	fearful doom.	I will cover him with arduous torment.	74:17	शीघ्र ही मैं उसे घेरकर कठिन चढ़ाई चढ़वाऊँगा	x
Innahu fakkara waqaddara	x	Indeed, he thought and deliberated.	74:18	उसने सोचा और अटकल से एक बात बनाई	x
Faqutila kayfa qaddara	x	So may he be destroyed [for] how he deliberated.	74:19	तो विनष्ट हो, कैसी बात बनाई!	x
Thumma qutila kayfa qaddara	x	Then may he be destroyed [for] how he deliberated.	74:20	फिर विनष्ट हो, कैसी बात बनाई!	x
Thumma nathara	x	Then he considered [again];	74:21	फिर नज़र दौड़ाई,	x

Thumma AAabasa wabasara	x	Then he frowned and scowled;	74:22	फिर त्योरी चढ़ाई और मुँह बनाया,	x
Thumma adbara waistakbara	x	Then he turned back and was arrogant	74:23	फिर पीठ फेरी और घमंड किया	x
Faqala in hatha illa sihrun yutharu	Quraysh argued a lot with Al-Walid ibn al-Mughirah about Prophet (pbuh). Finally, he said: 'He is nothing but a sorcerer'.	And said, "This is not but magic imitated [from others].	74:24	अन्ततः बोला, "यह तो बस एक जादू है, जो पहले से चला आ रहा है	कुरैश ने पैग़म्बर मुहम्मद स. के बारे में अल-वालिद इब्न अल-मुघीरा से काफी बहस की। अंततः उसने कहा: 'वह कुछ नहीं बल्कि एक जादूगर है।
In hatha illa qawlu albashari	Disbeliever say it is not the Words of Allah.	This is not but the word of a human being."	74:25	"यह तो मात्र मनुष्य की वाणी है।"	काफ़िर कहते हैं कि यह अल्लाह के शब्द नहीं हैं।
Saosleehi saqara	Saqar = Level of hell, see also 54:48	I will drive him into Saqar.	74:26	मैं शीघ्र ही उसे 'सक़र' (जहन्नम की आग) में झोंक दूँगा	x
Wama adraka ma saqaru	x	And what can make you know what is Saqar?	74:27	और तुम्हें क्या पता की सक़र क्या है?	x
La tubqee wala tatharu	x	It lets nothing remain and leaves nothing [unburned],	74:28	वह न तरस खाएगी और न छोड़ेगी,	x
Lawwahatun	x	Blackening the skins.	74:29	खाल को झुलसा देनेवाली है,	x
AAalayha tisAAata AAashara	Ibn Kathir says that nineteen are "the first of the guardians of Hell. **[There are various attempts to show the miraculous character of number 19 in Quran. Also, number of hijackers were chosen for the September 11,**	Over it are nineteen [angels].	74:30	उसपर उन्नीस (कार्यकर्ता) नियुक्त है	"इब्न काथिर कहते हैं कि उन्नीस 'जन्नत के पहले रक्षक हैं'। **[कुरआन में संख्या 19 के चमत्कारिक स्वरूप को दिखाने के विभिन्न प्रयास हैं। साथ ही, 11 सितंबर के हमले के लिए चुने गए अपहरणकर्ताओं की संख्या भी 19 थी।]"**

Wama jaAAalna ashaba alnnari illa malaikatan wama jaAAalna AAiddatahum illa fitnatan lillatheena kafaroo liyastayqina allatheena ootoo alkitaba wayazdada allatheena amanoo eemanan wala yartaba allatheena ootoo alkitaba waalmuminoona waliyaqoola allatheena fee quloobihim maradun waalkafiroona matha arada Allahu bihatha mathalan kathalika yudillu Allahu man yashao wayahdee man yashao wama yaAAlamu junooda rabbika illa huwa	**[This verse challenges concept of Free-will.]**	And We have not made the keepers of the Fire except angels. And We have not made their number except as a trial for those who disbelieve - that those who were given the Scripture will be convinced and those who have believed will increase in faith and those who were given the Scripture and the believers will not doubt and that those in whose hearts is hypocrisy and the disbelievers will say, "What does Allah intend by this as an example?" Thus does Allah leave astray whom He wills and guides whom He wills. And none knows the soldiers of your Lord except Him. And mention of the Fire is not but a reminder to humanity.	74:31	और हमने उस आग पर नियुक्त रहनेवालों को फ़रिश्ते ही बनाया है, और हमने उनकी संख्या को इनकार करनेवालों के लिए मुसीबत और आज़माइश ही बनाकर रखा है। ताकि वे लोग जिन्हें किताब प्रदान की गई थी पूर्ण विश्वास प्राप्त करें, और वे लोग जो ईमान ले आए वे ईमान में और आगे बढ़ जाएँ। और जिन लोगों को किताब प्रदान की गई वे और ईमानवाले किसी संशय मे न पड़े, और ताकि जिनके दिलों मे रोग है वे और इनकार करनेवाले कहें, "इस वर्णन से अल्लाह का क्या अभिप्राय है?" इस प्रकार अल्लाह जिसे चाहता है पथभ्रष्ट कर देता है और जिसे चाहता हैं संमार्ग प्रदान करता है। और तुम्हारे रब की सेनाओं को स्वयं उसके सिवा कोई नहीं जानता, और यह तो मनुष्य के लिए	**[यह आयत स्वतंत्र इच्छा (फ्री-विल) की धारणा को चुनौती देती है।]**
Kalla waalqamari	x	No! By the moon	74:32	कुछ नहीं, साक्षी है चाँद	x
Waallayli ith adbara	x	And [by] the night when it departs	74:33	और साक्षी है रात जबकि वह पीठ फेर चुकी,	x
Waalssubhi itha asfara	x	And [by] the morning when it brightens,	74:34	और प्रातःकाल जबकि वह पूर्णरूपेण प्रकाशित हो जाए।	x

Innaha laihda alkubari	x	Indeed, the Fire is of the greatest [afflictions]	74:35	निश्चय ही वह भारी (भयंकर) चीज़ों में से एक है,	x
Natheeran lilbashari	x	As a warning to humanity -	74:36	मनुष्यों के लिए सावधानकर्ता के रूप में,	x
Liman shaa minkum an yataqaddama aw yataakhkhara	x	To whoever wills among you to proceed or stay behind.	74:37	तुममें से उस व्यक्ति के लिए जो आगे बढ़ना या पीछे हटना चाहे	x
Kullu nafsin bima kasabat raheenatun	x	Every soul, for what it has earned, will be retained	74:38	प्रत्येक व्यक्ति जो कुछ उसने कमाया उसके बदले रेहन (गिरवी) है,	x
Illa ashaba alyameeni	True believers.	Except the companions of the right,	74:39	सिवाय दाएँवालों के	सच्चे मोमिन
Fee jannatin yatasaaloona	x	[Who will be] in gardens, questioning each other	74:40	वे बाग़ों में होंगे, पूछ-ताछ कर रहे होंगे	x
AAani almujrimeena	The disbelievers.	About the criminals,	74:41	अपराधियों के विषय में	काफ़िर
Ma salakakum fee saqara	Means there will be communication between Paradise and Hell. Saqar is Hell	[And asking them], "What put you into Saqar?"	74:42	"तुम्हे क्या चीज़ सक़र (जहन्नम) में ले आई?"	x
Qaloo lam naku mina almusalleena	x	They will say, "We were not of those who prayed,	74:43	वे कहेंगे, "हम नमाज़ अदा करनेवालों में से न थे।	x
Walam naku nutAAimu	x	Nor did we used to feed the poor.	74:44	और न हम मुहताज को खाना खिलाते थे	x
Wakunna nakhoodu maAAa alkhaideena	x	And we used to enter into vain discourse with those who engaged [in it],	74:45	"और व्यर्थ बात और कठ-हुज्जती में पड़े रहनेवालों के साथ हम भी उसी में लगे रहते थे।	x
Wakunna nukaththibu biyawmi alddeeni	x	And we used to deny the Day of Recompense	74:46	और हम बदला दिए जाने के दिन को झुठलाते थे,	x
Hatta atana alyaqeenu	x	Until there came to us the certainty."	74:47	"यहाँ तक कि विश्वसनीय चीज़ (प्रलय-दिवस) में हमें आ लिया।"	x

Fama tanfaAAuhum shafaAAatu alshshafiAAeena	**[Contradiction: No intercession accepted (2:48, 2:123, 6:51, 6:94, 23:101, 32:4, 39:43-44, 42:46). Intercession is accepted with Allah's permission (2:255, 4:64, 10:3, 19:87, 20:109, 21:28, 34:23, 53:26)]**	So there will not benefit them the intercession of [any] intercessors.	74:48	अतः सिफ़ारिश करनेवालों को कोई सिफ़ारिश उनको कुछ लाभ न पहुँचा सकेगी	**[विरोधाभास: कोई मध्यस्थता स्वीकार नहीं की जाती (2:48, 2:123, 6:51, 6:94, 23:101, 32:4, 39:43-44, 42:46)। मध्यस्थता अल्लाह की अनुमति से स्वीकार की जाती है (2:255, 4:64, 10:3, 19:87, 20:109, 21:28, 34:23, 53:26)]**
Fama lahum AAani alttathkirati muAArideena	x	Then what is [the matter] with them that they are, from the reminder, turning away	74:49	आख़िर उन्हें क्या हुआ है कि वे नसीहत से कतराते है,	x
Kaannahum humurun	Referring to disbelievers.	As if they were alarmed donkeys	74:50	मानो वे बिदके हुए जंगली गधे है	काफ़िर
Farrat min	x	Fleeing from a lion?	74:51	जो शेर से (डरकर) भागे है?	x
Bal yureedu kullu imriin minhum an yuta suhufan munashsharatan	meaning, each one of these idolators wants to have a book revealed to him as Allah revealed to the Prophet.	Rather, every person among them desires that he would be given scriptures spread about.	74:52	नहीं, बल्कि उनमें से प्रत्येक व्यक्ति चाहता है कि उसे खुली किताबें दी जाएँ	अर्थात्, इन प्रत्येक मूर्तिपूजकों में से हर एक चाहता है कि उसके लिए वही किताब उतारी जाए जैसी अल्लाह ने पैग़म्बर मुहम्मद स. पर उतारी।
Kalla bal la yakhafoona	x	No! But they do not fear the Hereafter.	74:53	कदापि नहीं, बल्कि ले आख़िरत से डरते नहीं	x
Kalla innahu tathkiratun	x	No! Indeed, the Qur'an is a reminder	74:54	कुछ नहीं, वह तो एक अनुस्मति है	x
Faman shaa thakarahu	x	Then whoever wills will remember it.	74:55	अब जो कोई चाहे इससे नसीहत हासिल करे,	x
Wama yathkuroona illa an yashaa Allahu huwa ahlu alttaqwa waahlu almaghfirati	**[Again this verse contradicts Free will.]**	And they will not remember except that Allah wills. He is worthy of fear and adequate for [granting] forgiveness.	74:56	और वे नसीहत हासिल नहीं करेंगे। यह और बात है कि अल्लाह ही ऐसा चाहे। वही इस योग्य है कि उसका डर रखा जाए और इस योग्य भी कि क्षमा करे	**[फिर से, यह आयत स्वतंत्र इच्छा (फ्री-विल) के सिद्धांत का विरोध करती है।]**

Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Al-Qiyama (The Resurrection)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**75:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अल-क़ियामह (पुनरुत्थान)**
La oqsimu biyawmi alqiyamati	x	I swear by the Day of Resurrection	75:1	नहीं, मैं क़सम खाता हूँ क़ियामत के दिन की,	x
Wala oqsimu bialnnafsi allawwamati	x	And I swear by the reproaching soul [to the certainty of resurrection].	75:2	और नहीं! मैं कसम खाता हूँ मलामत करनेवाली आत्मा की	x
Ayahsabu alinsanu allan najmaAAa AAithamahu	This verse was revealed about Adiyy ibn Rabiah. Who said, will Allah really assemble these bones.	Does man think that We will not assemble his bones?	75:3	क्या मनुष्य यह समझता है कि हम कदापि उसकी हड्डियों को एकत्र न करेंगे?	यह आयत अदिय्य इब्न रबीअ के बारे में उतारी गई थी, जिन्होंने कहा था, 'क्या अल्लाह वास्तव में इन हड्डियों को फिर से जोड़ देगा?'
Bala qadireena AAala an nusawwiya bananahu	Dr. Zakir Naik quotes that this verse says about fingerprint, while it says finger tips.	Yes. [We are] Able [even] to proportion his fingertips.	75:4	क्यों नहीं, हम उसकी पोरों को ठीक-ठाक करने की सामर्थ्य रखते है	डॉ. जाकिर नाइक का कथन है कि यह आयत फिंगरप्रिंट के बारे में कहती है, जबकि इसमें वास्तव में 'आंगुलियों की नोक' का उल्लेख है।
Bal yureedu alinsanu liyafjura amamahu	x	But man desires to continue in sin.	75:5	बल्कि मनुष्य चाहता है कि अपने आगे ढिठाई करता रहे	x
Yasalu ayyana yawmu alqiyamati	x	He asks, "When is the Day of Resurrection?"	75:6	पूछता है, "आख़िर क़ियामत का दिन कब आएगा?"	x
Faitha bariqa albasaru	x	So when vision is dazzled	75:7	तो जब निगाह चौंधिया जाएगी,	x
Wakhasafa alqamaru	**[Moon does not have its own light.]**	And the moon darkens	75:8	और चन्द्रमा को ग्रहण लग जाएगा,	**[चाँद की अपनी कोई रोशनी नहीं है।]**
WajumiAAa alshshamsu waalqamaru	**[Sun and moon are thought to be moving around earth and somewhat similar size.]**	And the sun and the moon are joined,	75:9	और सूर्य और चन्द्रमा इकट्ठे कर दिए जाएँगे,	**[सूर्य और चाँद को पृथ्वी के चारों ओर घूमते हुए और लगभग समान आकार का माना जाता है।]**

Yaqoolu alinsanu yawmaithin ayna almafarru	**[Science tells that after some 5 billion years the Earth either will go inside the giant swollen, red sun, or just above the then giant star (very hot) means no darkness and nothing will survive.]**	Man will say on that Day, "Where is the [place of] escape?"	75:10	उस दिन मनुष्य कहेगा, "कहाँ जाऊँ भागकर?"	**[विज्ञान कहता है कि लगभग 5 अरब वर्षों के बाद पृथ्वी या तो विशाल, फूले हुए लाल सूरज के अंदर चले जाएगी, या उस समय के विशाल तारे के ठीक ऊपर होगी (बहुत गर्म), जिसका अर्थ है कि कोई अंधेरा नहीं होगा और कुछ भी जीवित नहीं बचेगा।]**
Kalla la wazara	x	No! There is no refuge.	75:11	कुछ नहीं, कोई शरण-स्थल नहीं!	x
Ila rabbika yawmaithin almustaqarru	x	To your Lord, that Day, is the [place of] permanence.	75:12	उस दिन तुम्हारे रब ही ओर जाकर ठहरना है	x
Yunabbao alinsanu yawmaithin bima qaddama	x	Man will be informed that Day of what he sent ahead and kept back.	75:13	उस दिन मनुष्य को बता दिया जाएगा जो कुछ उसने आगे बढाया और पीछे टाला	x
Bali alinsanu AAala nafsihi baseeratun	Man will witness against himself.	Rather, man, against himself, will be a witness,	75:14	नहीं, बल्कि मनुष्य स्वयं अपने हाल पर निगाह रखता है,	इंसान अपने खिलाफ गवाही देगा।
Walaw alqa maAAatheerahu	x	Even if he presents his excuses.	75:15	यद्यपि उसने अपने कितने ही बहाने पेश किए हो	x
La tuharrik bihi lisanaka litaAAjala bihi	Allah would make sure to collect Quran in the prophet's chest, and He would make it easy for him to recite it in the same way that it was revealed to him. **[Allah causes some verse to be forgotten 2:106, Prophet (pbuh) forgot a verse see Sahih Bukhari 5037, 5038; Allah will not cause to forget 87:6-7]**	Move not your tongue with it, [O Muhammad], to hasten with recitation of the Qur'an.	75:16	तू उसे शीघ्र पाने के लिए उसके प्रति अपनी ज़बान को न चला	अल्लाह यह सुनिश्चित करेंगे कि कुरआन पैग़म्बर मुहम्मद स. के सीने में संकलित रहे, और उसे उसी तरह पढ़ना उनके लिए आसान बनाया जाएगा जैसी वह उन पर उतरी थी। [अल्लाह कुछ आयतों को भूलाते हैं 2:106, पैग़म्बर स. ने एक आयत भूला दी थी देखें सहिह़ बुख़ारी 5037, 5038; अल्लाह भूलने नहीं देते 87:6-7]

Inna AAalayna jamAAahu waquranahu	x	Indeed, upon Us is its collection [in your heart] and [to make possible] its recitation.	75:17	हमारे ज़िम्मे है उसे एकत्र करना और उसका पढ़ना,	x
Faitha qaranahu faittabiAA quranahu	x	So when We have recited it [through Gabriel], then follow its recitation.	75:18	अतः जब हम उसे पढ़े तो उसके पठन का अनुसरण कर,	x
Thumma inna AAalayna bayanahu	Allah will clarify His verses. **[However, many Tafsirs are needed for this.]**	Then upon Us is its clarification [to you].	75:19	फिर हमारे ज़िम्मे है उसका स्पष्टीकरण करना	अल्लाह अपनी आयतों को स्पष्ट करेंगे। **[हालाँकि, इसके लिए कई तफ़सीरें आवश्यक हैं।]**
Kalla bal tuhibboona alAAajilata	But people love worldly life.	No! But you love the immediate	75:20	कुछ नहीं, बल्कि तुम लोग शीघ्र मिलनेवाली चीज़ (दुनिया) से प्रेम रखते हो,	x
Watatharoona alakhirata	means, neglecting it.	And leave the Hereafter.	75:21	और आख़िरत को छोड़ रहे हो	अनदेखा करना
Wujoohun yawmaithin nadiratun	Faces of true believers.	[Some] faces, that Day, will be radiant,	75:22	कितने ही चहरे उस दिन तरो ताज़ा और प्रफुल्लित होंगे,	सच्चे मोमिनों के चेहरे
Ila rabbiha nathiratun	**[Can Allah be seen: No one can see 6:103, Yes can be seen 68:42, 75:22-23]**	Looking at their Lord.	75:23	अपने रब की ओर देख रहे होंगे।	**[क्या अल्लाह को देखा जा सकता है: कोई नहीं देख सकता 6:103, हाँ देखा जा सकता है 68:42, 75:22-23]**
Wawujoohun yawmaithin basiratun	Faces of disbeliever will be gloomy.	And [some] faces, that Day, will be contorted,	75:24	और कितने ही चेहरे उस दिन उदास और बिगड़े हुए होंगे,	काफ़िरों के चेहरे उदास/मायूस होंगे।
Tathunnu an yufAAala biha faqiratun	x	Expecting that there will be done to them [something] backbreaking.	75:25	समझ रहे होंगे कि उनके साथ कमर तोड़ देनेवाला मामला किया जाएगा	x
Kalla itha balaghati alttaraqiya	x	No! When the soul has reached the collar bones	75:26	कुछ नहीं, जब प्राण कंठ को आ लगेंगे,	x
Waqeela man raqin	Meaning, who is the person who recites prayers of healing.	And it is said, "Who will cure [him]?"	75:27	और कहा जाएगा, "कौन है झाड़-फूँक करनेवाला?"	x

Wathanna annahu alfiraqu	x	And the dying one is certain that it is the [time of] separation	75:28	और वह समझ लेगा कि वह जुदाई (का समय) है	x
Wailtaffati alssaqu bialssaqi	**[Various interpretations possible],** one is "hardships that will meet (more) hardships".	And the leg is wound about the leg,	75:29	और पिंडली से पिंडली लिपट जाएगी,	**[विभिन्न व्याख्याएँ संभव हैं],** उनमें से एक है 'कठिनाइयाँ जो और अधिक कठिनाइयों से मिलेंगी'।"
Ila rabbika yawmaithin	meaning, the place of return and the destination.	To your Lord, that Day, will be the procession.	75:30	तुम्हारे रब की ओर उस दिन प्रस्थान होगा	x
Fala saddaqa wala salla	x	And the disbeliever had not believed, nor had he prayed.	75:31	किन्तु उसने न तो सत्य माना और न नमाज़ अदा की,	x
Walakin kaththaba watawalla	x	But [instead], he denied and turned away.	75:32	लेकिन झुठलाया और मुँह मोड़ा,	x
Thumma thahaba ila ahlihi yatamatta	x	And then he went to his people, swaggering [in pride].	75:33	फिर अकड़ता हुआ अपने लोगों की ओर चल दिया	x
Awla laka faawla	Cursing to disbeliever.	Woe to you, and woe!	75:34	अफ़सोस है तुझपर और अफ़सोस है!	काफ़िरों पर लानत
Thumma awla laka faawla	x	Then woe to you, and woe!	75:35	फिर अफ़सोस है तुझपर और अफ़सोस है!	x
Ayahsabu alinsanu an yutraka sudan	x	Does man think that he will be left neglected?	75:36	क्या मनुष्य समझता है कि वह यूँ ही स्वतंत्र छोड़ दिया जाएगा?	x
Alam yaku nutfatan min manayyin yumna	Pickthall "not a drop of fluid". [Sperm and ovum were unknown at that time, only people knew of male and female	Had he not been a sperm from semen emitted?	75:37	क्या वह केवल टपकाए हुए वीर्य की एक बूँद न था?	x
Thumma kana AAalaqatan fakhalaqa fasawwa	It's only clot, not clinging clot.	Then he was a clinging clot, and [Allah] created [his form] and proportioned [him]	75:38	फिर वह रक्त की एक फुटकी हुआ, फिर अल्लाह ने उसे रूप दिया और उसके अंग-प्रत्यंग ठीक-ठाक किए	x

FajaAAala minhu alzzawjayni alththakara	**[What about intersex people and those with gender identity disorders.]**	And made of him two mates, the male and the female.	75:39	और उसकी दो जातियाँ बनाई - पुरुष और स्त्री	**[नपुंसक, ट्रांसजेंडर और जिनमें जेंडर आइडेंटिटी विकार हैं, उनके बारे में क्या कहा जाता है।]**
Alaysa thalika biqadirin AAala an yuhyiya almawta	x	Is not that [Creator] Able to give life to the dead?	75:40	क्या उसे वह सामर्थ्य प्राप्त- नहीं कि वह मुर्दों को जीवित कर दे?	x
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Al-Insan (The Man) or Al-Dahr**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**76:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अल-इंसान (मनुष्य) / अल-दहर (काल)**
Hal ata AAala alinsani heenun mina alddahri lam yakun shayan mathkooran	Allah brought man into existence after he was not even a thing worth mentioning.	Has there [not] come upon man a period of time when he was not a thing [even] mentioned?	76:1	क्या मनुष्य पर काल-खंड का ऐसा समय भी बीता है कि वह कोई ऐसी चीज़ न था जिसका उल्लेख किया जाता?	अल्लाह इंसान को अस्तित्व में लाया, जबकि वह पहले कुछ भी नहीं था जिसे गिनती में लिया जा सके।
Inna khalaqna alinsana min nutfatin amshajin nabtaleehi fajaAAalnahu	It's semen drop. **[Sperm were not known at that time.]**	Indeed, We created man from a sperm-drop mixture that We may try him; and We made him hearing and seeing.	76:2	हमने मनुष्य को एक मिश्रित वीर्य से पैदा किया, उसे उलटते-पलटते रहे, फिर हमने उसे सुनने और देखनेवाला बना दिया	x
Inna hadaynahu alssabeela imma shakiran waimma kafooran	**[Man has Free will 18:29, 76:3, 81:26-28; Everything is decided by Allah: 2:255, 10:100, 18:74, 18:80–81, 57:22, Sahih Bukhari 3332, Sahih Muslim 2653]**	Indeed, We guided him to the way, be he grateful or be he ungrateful.	76:3	हमने उसे मार्ग दिखाया, अब चाहे वह कृतज्ञ बने या अकृतज्ञ	**[मनुष्य के पास स्वतंत्र इच्छा है: 18:29, 76:3, 81:26-28; सभी चीज़ें अल्लाह द्वारा तय की गई हैं: 2:255, 10:100, 18:74, 18:80–81, 57:22, सहीह बुख़ारी 3332, सहीह मुस्लिम 2653]**
Inna aAAtadna lilkafireena salasila waaghlalan wasaAAeeran	Iron collars will be rounded their necks and they will be dragged by chains in the Hell.	Indeed, We have prepared for the disbelievers chains and shackles and a blaze.	76:4	हमने इनकार करनेवालों के लिए ज़जीरें और तौक़ और भड़कती हुई आग तैयार कर रखी है	लोह की पाटियाँ उनके गले में डाल दी जाएँगी और वे जंजीरों से नर्क में खींचे जाएँगे।

Inna alabrara yashraboona min kasin kana mizajuha kafooran	Kafur (camphor)	Indeed, the righteous will drink from a cup [of wine] whose mixture is of Kafur,	76:5	निश्चय ही वफ़ादार लोग ऐसे जाम से पिएँगे जिसमें काफ़ूर का मिश्रण होगा,	काफूर = कपूर
AAaynan yashrabu biha AAibadu Allahi yufajjiroonaha tafjeeran	x	A spring of which the [righteous] servants of Allah will drink; they will make it gush forth in force [and abundance].	76:6	उस स्रोत का क्या कहना! जिस पर बैठकर अल्लाह के बन्दे पिएँगे, इस तरह कि उसे बहा-बहाकर (जहाँ चाहेंगे) ले जाएँगे	x
Yoofoona bialnnathri wayakhafoona yawman kana		They [are those who] fulfill [their] vows and fear a Day whose evil will be widespread.	76:7	वे नज़र (मन्नत) पूरी करते है और उस दिन से डरते है जिसकी आपदा व्यापक होगी,	x
WayutAAimona alttaAAama AAala hubbihi miskeenan wayateeman waaseeran	x	And they give food in spite of love for it to the needy, the orphan, and the captive,	76:8	और वे मुहताज, अनाथ और क़ैदी को खाना उसकी चाहत रखते हुए खिलाते है,	x
Innama nutAAimukum liwajhi Allahi la nureedu minkum jazaan wala	**[However, Muslims wish for reward from Allah.]**	[Saying], "We feed you only for the countenance of Allah. We wish not from you reward or gratitude.	76:9	"हम तो केवल अल्लाह की प्रसन्नता के लिए तुम्हें खिलाते है, तुमसे न कोई बदला चाहते है और न कृतज्ञता ज्ञापन	**[हालाँकि, मुसलमान अल्लाह से पुरस्कार की आशा रखते हैं।]**
Inna nakhafu min rabbina yawman AAaboosan qamtareeran	x	Indeed, We fear from our Lord a Day austere and distressful."	76:10	"हमें तो अपने रब की ओर से एक ऐसे दिन का भय है जो त्योरी पर बल डाले हुए अत्यन्त क्रूर होगा।"	x
Fawaqahumu Allahu sharra thalika alyawmi walaqqahum	The believers.	So Allah will protect them from the evil of that Day and give them radiance and happiness	76:11	अतः अल्लाह ने उस दिन की बुराई से बचा लिया और उन्हें ताज़गी और ख़ुशी प्रदान की,	विश्वासियों

Wajazahum bima sabaroo jannatan wahareeran	The paradise.	And will reward them for what they patiently endured [with] a garden [in Paradise] and silk [garments].	76:12	और जो उन्होंने धैर्य से काम लिया, उसके बदले में उन्हें जन्नत और रेशमी वस्त्र प्रदान किया	x
Muttakieena feeha AAala alaraiki la yarawna feeha shamsan wala zamhareeran	x	[They will be] reclining therein on adorned couches. They will not see therein any [burning] sun or [freezing] cold.	76:13	उसमें वे तख़्तों पर टेक लगाए होंगे, वे उसमें न तो सख़्त धूप देखेंगे औ न सख़्त ठंड़	x
Wadaniyatan AAalayhim thilaluha wathullilat qutoofuha tathleelan	x	And near above them are its shades, and its [fruit] to be picked will be lowered in compliance.	76:14	और उस (बाग़) के साए उनपर झुके होंगे और उसके फलों के गुच्छे बिलकुल उनके वश में होंगे	x
Wayutafu AAalayhim bianiyatin min fiddatin waakwabin	x	And there will be circulated among them vessels of silver and cups having been [created] clear	76:15	और उनके पास चाँदी के बरतन ग़र्दिश में होंगे और प्याले	x
Qawareera min fiddatin qaddarooha taqdeeran	**[Something made from silver cannot be clear transparent.]**	Clear glasses [made] from silver of which they have determined the measure.	76:16	जो बिल्कुल शीशे हो रहे होंगे, शीशे भी चाँदी के जो ठीक अन्दाज़े करके रखे गए होंगे	**[चाँदी से बनी कोई चीज़ पूरी तरह पारदर्शी नहीं हो सकती।]**
Wayusqawna feeha kasan kana mizajuha zanjabeelan	**[Wine will be permissible in heaven, although it is satanic in this world.]**	And they will be given to drink a cup [of wine] whose mixture is of ginger	76:17	और वहाँ वे एक और जाम़ पिएँगे जिसमें सोंठ का मिश्रण होगा	**[स्वर्ग में शराब की अनुमति होगी, हालांकि यह इस दुनिया में शैतानी है।]**
AAaynan feeha tusamma salsabeelan	"Salsabil" does not appear to be Arabic, unclear word. Salsabil is probably the name of a spring in Paradise.	[From] a fountain within Paradise named Salsabeel.	76:18	क्या कहना उस स्रोत का जो उसमें होगा, जिसका नाम सल-सबील है	"सलसाबिल" अरबी शब्द प्रतीत नहीं होता, यह अस्पष्ट शब्द है। संभवतः सलसाबिल स्वर्ग में किसी स्रोत/झरने का नाम है।

Wayatoofu AAalayhim wildanun mukhalladoona itha raaytahum hasibtahum luluan	**[Not only women (Hoors) even young boys will be available in Paradise. They will be beautiful like pearls and call Gilmaan. See 52:24, 56:17, 76:19.]**	There will circulate among them young boys made eternal. When you see them, you would think them [as beautiful as] scattered pearls.	76:19	उनकी सेवा में ऐसे किशोर दौड़ते रहे होंगे जो सदैव किशोर ही रहेंगे। जब तुम उन्हें देखोगे तो समझोगे कि बिखरे हुए मोती है	**[केवल महिलाएँ (हूरें) ही नहीं, बल्कि युवा लड़के भी स्वर्ग में उपलब्ध होंगे। वे मोतियों की तरह सुंदर होंगे और उन्हें गिलमान कहा जाएगा। देखें 52:24, 56:17, 76:19।]**
Waitha raayta thamma raayta naAAeeman wamulkan kabeeran	x	And when you look there [in Paradise], you will see pleasure and great dominion.	76:20	जब तुम वहाँ देखोगे तो तुम्हें बड़ी नेमत और विशाल राज्य दिखाई देगा	x
AAaliyahum thiyabu sundusin khudrun waistabraqun wahulloo asawira min fiddatin wasaqahum	**[Contradiction: 76:21 bracelets of silver, 18:31, bracelets of gold, 22:23, 35:33 Gold and pearl.]**	Upon the inhabitants will be green garments of fine silk and brocade. And they will be adorned with bracelets of silver, and their Lord will give them a purifying drink.	76:21	उनके ऊपर हरे बारीक हरे बारीक रेशमी वस्त्र और गाढ़े रेशमी कपड़े होंगे, और उन्हें चाँदी के कंगन पहनाए जाएँगे और उनका रब उन्हें पवित्र पेय पिलाएगा	**[विरोधाभास: 76:21 चाँदी की कंगन, 18:31, सोने की कंगन, 22:23, 35:33 सोना और मोती।]**
Inna hatha kana lakum jazaan wakana saAAyukum mashkooran	x	[And it will be said], "Indeed, this is for you a reward, and your effort has been appreciated."	76:22	"यह है तुम्हारा बदला और तुम्हारा प्रयास क़द्र करने के योग्य है।"	x
Inna nahnu nazzalna AAalayka alqurana tanzeelan	x	Indeed, it is We who have sent down to you, [O Muhammad], the Qur'an progressively.	76:23	निश्चय ही हमने अत्यन्त व्यवस्थित ढंग से तुमपर क़ुरआन अवतरित किया है;	x
Faisbir lihukmi rabbika wala tutiAA minhum athiman aw kafooran	x	So be patient for the decision of your Lord and do not obey from among them a sinner or ungrateful [disbeliever].	76:24	अतः अपने रब के हुक्म और फ़ैसले के लिए धैर्य से काम लो और उनमें से किसी पापी या कृतघ्न का आज्ञापालन न करना	x

Waothkuri isma rabbika bukratan waaseelan	**[From the verse 76:25-26, there should have been 3 prayers in a day.]**	And mention the name of your Lord [in prayer] morning and evening	76:25	और प्रातःकाल और संध्या समय अपने रब के नाम का स्मरण करो	**[आयत 76:25-26 से पता चलता है कि दिन में तीन नमाज़ें होनी चाहिए।]**
Wamina allayli faosjud lahu wasabbihhu laylan taweelan	x	And during the night prostrate to Him and exalt Him a long [part of the] night.	76:26	और रात के कुछ हिस्से में भी उसे सजदा करो, लम्बी-लम्बी रात तक उसकी तसबीह करते रहो	x
Inna haolai yuhibboona alAAajilata wayatharoona waraahum yawman thaqeelan	immediate means present life.	Indeed, these [disbelievers] love the immediate and leave behind them a grave Day.	76:27	निस्संदेह ये लोग शीघ्र प्राप्त होनेवाली चीज़ (संसार) से प्रेम रखते है और एक भारी दिन को अपने परे छोड़ रह है	x
Nahnu khalaqnahum washadadna asrahum waitha shina baddalna amthalahum	meaning, Allah will resurrect them on the Day of Judgement and change them, repeating their creation in a new form.	We have created them and strengthened their forms, and when We will, We can change their likenesses with [complete] alteration.	76:28	हमने उन्हें पैदा किया और उनके जोड़-बन्द मज़बूत किए और हम जब चाहे उन जैसों को पूर्णतः बदल दें	अर्थ: अल्लाह उन्हें क़ियामत के दिन जिंदा करेंगे और उन्हें बदल देंगे, उनकी सृष्टि को एक नई रूप में दोहराएंगे।
Inna hathihi tathkiratun faman shaa ittakhatha ila rabbihi sabeelan	x	Indeed, this is a reminder, so he who wills may take to his Lord a way.	76:29	निश्चय ही यह एक अनुस्मृति है, अब जो चाहे अपने रब की ओर मार्ग ग्रहण कर ले	x
Wama tashaoona illa an yashaa Allahu inna Allaha kana AAaleeman hakeeman	**[One becomes believer only if Allah wills, No role of freewill.]**	And you do not will except that Allah wills. Indeed, Allah is ever Knowing and Wise.	76:30	और तुम नहीं चाह सकते सिवाय इसके कि अल्लाह चाहे। निस्संदेह अल्लाह सर्वज्ञ, तत्वदर्शी है	**[कोई भी व्यक्ति तभी विश्वास करने वाला बनता है जब अल्लाह की इच्छा हो; स्वतंत्र इच्छा की कोई भूमिका नहीं है।]**
Yudkhilu man yashao fee rahmatihi waalththalimeena aAAadda lahum AAathaban aleeman	x	He admits whom He wills into His mercy; but the wrongdoers - He has prepared for them a painful punishment.	76:31	वह जिसे चाहता है अपनी दयालुता में दाख़िल करता है। रहे ज़ालिम, तो उनके लिए उसने दुखद यातना तैयार कर रखी है	x

Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Al-Mursalat (Those That Are Sent)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**77:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अल-मुर्सलात (जो भेजे गए)**
Waalmursalati AAurfan	It means either "winds" or “the angels” . **[How clear these verses are.]**	By those [winds] sent forth in gusts	77:1	साक्षी है वे (हवाएँ) जिनकी चोटी छोड़ दी जाती है	इसका अर्थ या तो “हवाएँ” या “फ़रिश्ते” है। **[देखिए, ये आयतें कितनी स्पष्ट हैं।]**
FaalAAasifati AAasfan	x	And the winds that blow violently	77:2	फिर ख़ूब तेज़ हो जाती है,	x
Waalnnashirati nashran	x	And [by] the winds that spread [clouds]	77:3	और (बादलों को) उठाकर फैलाती है,	x
Faalfariqati farqan	Criterion means Allah's command to the Messengers.	And those [angels] who bring criterion	77:4	फिर मामला करती है अलग-अलग,	अर्थ है पैग़म्बरों के लिए अल्लाह का आदेश।
Faalmulqiyati thikran	x	And those [angels] who deliver a message	77:5	फिर पेश करती है याददिहानी	x
AAuthran aw nuthran	x	As justification or warning,	77:6	इल्ज़ाम उतारने या चेतावनी देने के लिए,	x
Innama tooAAadoona lawaqiAAun	concerning Judgement Day (77:7-10)	Indeed, what you are promised is to occur.	77:7	निस्संदेह जिसका वादा तुमसे किया जा रहा है वह निश्चित ही घटित होकर रहेगा	क़ियामत के संबंध में (77:7-10)
Faitha alnnujoomu tumisat	x	So when the stars are obliterated	77:8	अतः जब तारे विलुप्त (प्रकाशहीन) हो जाएँगे,	x
Waitha alssamao furijat	**[Not possible unless sky is a flat layer.]**	And when the heaven is opened	77:9	और जब आकाश फट जाएगा	**[संभव नहीं जब तक आकाश एक समतल परत न हो।]**
Waitha aljibalu nusifat	x	And when the mountains are blown away	77:10	और पहाड़ चूर्ण-विचूर्ण होकर बिखर जाएँगे;	x
Waitha alrrusulu oqqitat	On that day Allah will gather all the Messengers together.	And when the messengers' time has come...	77:11	और जब रसूलों का हाल यह होगा कि उन का समय नियत कर दिया गया होगा -	उस दिन अल्लाह सभी पैग़म्बरों को एक साथ इकट्ठा करेंगे।
Liayyi yawmin ojjilat	x	For what Day was it postponed?	77:12	किस दिन के लिए वे टाले गए है?	x
Liyawmi alfasli	x	For the Day of Judgement.	77:13	फ़ैसले के दिन के लिए	x

Wama adraka ma yawmu alfasli	x	And what can make you know what is the Day of Judgement?	77:14	और तुम्हें क्या मालूम कि वह फ़ैसले का दिन क्या है? -	x
Waylun yawmaithin lilmukaththibeena	x	Woe, that Day, to the deniers.	77:15	तबाही है उस दिन झूठलाने-वालों की!	x
Alam nuhliki alawwaleena	Referring to old civilizations destroyed by Allah.	Did We not destroy the former peoples?	77:16	क्या ऐसा नहीं हुआ कि हमने पहलों को विनष्ट किया?	अर्थ: उन प्राचीन सभ्यताओं की ओर इशारा जो अल्लाह द्वारा नष्ट कर दी गई थीं।
Thumma nutbiAAuhumu alakhireena	meaning, from those who are similar to them. **[Why would Allah allow newer generation to follow the wrong doing earlier generations.]**	Then We will follow them with the later ones.	77:17	फिर उन्हीं के पीछे बादवालों को भी लगाते रहे?	अर्थ: उन लोगों से जो उनके जैसे हैं। **[अल्लाह नए पीढ़ियों को पहले की पीढ़ियों की गलतियों का पालन क्यों करने देंगे?]**
Kathalika nafAAalu bialmujrimeena	x	Thus do We deal with the criminals.	77:18	अपराधियों के साथ हम ऐसा ही करते है	x
Waylun yawmaithin lilmukaththibeena	Means disbelievers.	Woe, that Day, to the deniers.	77:19	तबाही है उस दिन झुठलानेवालो की!	काफ़िर
Alam nakhluqkum min main maheenin	Means Semen.	Did We not create you from a liquid disdained?	77:20	क्या ऐस नहीं है कि हमने तुम्हे तुच्छ जल से पैदा किया,	वीर्य
FajaAAalnahu fee qararin makeenin	Means womb.	And We placed it in a firm lodging	77:21	फिर हमने उसे एक सुरक्षित टिकने की जगह रखा,	अर्थ: गर्भ।
Ila qadarin maAAloomin	Means for the gestation period or term.	For a known extent.	77:22	एक ज्ञात और निश्चित अवधि तक?	अर्थ: गर्भधारण अवधि के लिए।
Faqadarna faniAAma alqadiroona	x	And We determined [it], and excellent [are We] to determine.	77:23	फिर हमने अन्दाजा ठहराया, तो हम क्या ही अच्छा अन्दाज़ा ठहरानेवाले है	x
Waylun yawmaithin lilmukaththibeena	x	Woe, that Day, to the deniers.	77:24	तबाही है उस दिन झूठलानेवालों की!	x

Alam najAAali alarda kifatan	x	Have We not made the earth a container	77:25	क्या ऐसा नहीं है कि हमने धरती को समेट रखनेवाली बनाया,	x
Ahyaan waamwatan	x	Of the living and the dead?	77:26	ज़िन्दों को भी और मुर्दों को भी,	x
WajaAAalna feeha rawasiya shamikhatin waasqaynakum	x	And We placed therein lofty, firmly set mountains and have given you to drink sweet water.	77:27	और उसमें ऊँचे-ऊँचे पहाड़ जमाए और तुम्हें मीठा पानी पिलाया?	x
Waylun yawmaithin lilmukaththibeena	x	Woe, that Day, to the deniers.	77:28	तबाही है उस दिन झुठलानेवालों की!	x
Intaliqoo ila ma kuntum bihi tukaththiboona	The driving of the Criminals to their Final Abode in Hell and how it will be done. **[Here criminals mean the disbelievers.]**	[They will be told], "Proceed to that which you used to deny.	77:29	चलो उस चीज़ की ओर जिसे तुम झुठलाते रहे हो!	अपराधियों को उनके अंतिम स्थान नर्क में पहुँचाने और यह कैसे किया जाएगा। **[यहाँ अपराधियों का अर्थ काफ़िरों से है।]**
Intaliqoo ila thillin thee thalathi shuAAabin	meaning, a flame of fire when it rises and ascends with smoke, it will have three columns.	Proceed to a shadow [of smoke] having three columns	77:30	चलो तीन शाखाओंवाली छाया की ओर,	अर्थ: आग की लपट जब उठती है और धुएँ के साथ ऊपर जाती है, तो उसमें तीन स्तंभ होंगे।
La thaleelin wala yughnee mina allahabi	x	[But having] no cool shade and availing not against the flame."	77:31	जिसमें न छाँव है और न वह अग्नि-ज्वाला से बचा सकती है	x
Innaha tarmee bishararin kaalqasri	x	Indeed, it throws sparks [as huge] as a fortress,	77:32	निस्संदेह वे (ज्वालाएँ) महल जैसी (ऊँची) चिंगारियाँ फेंकती है	x
Kaannahu jimalatun sufrun	x	As if they were yellowish [black] camels.	77:33	मानो वे पीले ऊँट हैं!	x
Waylun yawmaithin lilmukaththibeena	x	Woe, that Day, to the deniers.	77:34	तबाही है उस झुठलानेवालों की!	x

Hatha yawmu la yantiqoona	**[Contradiction: Sinners on day of judgment: 27:85, 77:35: shall not be able to speak, 14:21, 69:25: Will be able to speak]**	This is a Day they will not speak,	77:35	यह वह दिन है कि वे कुछ बोल नहीं रहे है,	**[विरोधाभास: क़ियामत के दिन काफ़िर – 27:85, 77:35: बोलने में असमर्थ होंगे; 14:21, 69:25: बोलने में सक्षम होंगे।]**
Wala yuthanu lahum fayaAAtathiroona	x	Nor will it be permitted for them to make an excuse.	77:36	तो कोई उज़्र पेश करें, (बात यह है कि) उन्हें बोलने की अनुमति नहीं दी जा रही है	x
Waylun yawmaithin lilmukaththibeena	x	Woe, that Day, to the deniers.	77:37	तबाही है उस दिन झुठलानेवालों की	x
Hatha yawmu alfasli jamaAAnakum waalawwaleena	x	This is the Day of Judgement; We will have assembled you and the former peoples.	77:38	"यह फ़ैसले का दिन है, हमने तुम्हें भी और पहलों को भी इकट्ठा कर दिया	x
Fain kana lakum kaydun fakeedooni	x	So if you have a plan, then plan against Me.	77:39	"अब यदि तुम्हारे पास कोई चाल है तो मेरे विरुद्ध चलो।"	x
Waylun yawmaithin lilmukaththibeena	x	Woe, that Day, to the deniers.	77:40	तबाही है उस दिन झुठलानेवालो की!	x
Inna almuttaqeena fee thilalin waAAuyoonin	x	Indeed, the righteous will be among shades and springs	77:41	निस्संदेह डर रखनेवाले छाँवों और स्रोतों में है,	x
Wafawakiha mimma yashtahoona	x	And fruits from whatever they desire,	77:42	और उन फलों के बीच जो वे चाहे	x
Kuloo waishraboo haneean bima kuntum	x	[Being told], "Eat and drink in satisfaction for what you used to do."	77:43	"खाओ-पियो मज़े से, उस कर्मों के बदले में जो तुम करते रहे हो।"	x
Inna kathalika najzee almuhsineena	x	Indeed, We thus reward the doers of good.	77:44	निश्चय ही उत्तमकारों को हम ऐसा ही बदला देते है	x
Waylun yawmaithin lilmukaththibeena	x	Woe, that Day, to the deniers.	77:45	तबाही है उस दिन झुठलानेवालों की!	x

Kuloo watamattaAAoo qaleelan innakum mujrimoona	Here it means on earth.	[O disbelievers], eat and enjoy yourselves a little; indeed, you are criminals.	77:46	"खा लो और मज़े कर लो थोड़ा-सा, वास्तव में तुम अपराधी हो!"	यहाँ इसका अर्थ है “धरती पर।”
Waylun yawmaithin lilmukaththibeena	x	Woe, that Day, to the deniers.	77:47	तबाही है उस दिन झुठलानेवालों की!	x
Waitha qeela lahumu irkaAAoo la yarkaAAoona	x	And when it is said to them, "Bow [in prayer]," they do not bow.	77:48	जब उनसे कहा जाता है कि "झुको! तो नहीं झुकते।"	x
Waylun yawmaithin lilmukaththibeena	x	Woe, that Day, to the deniers.	77:49	तबाही है उस दिन झुठलानेवालों की!	x
Fabiayyi hadeethin baAAdahu yuminoona	meaning, if the disbelievers do not believe in the Qur'an, then what talk will they believe in.	Then in what statement after the Qur'an will they believe?	77:50	अब आख़िर इसके पश्चात किस वाणी पर वे ईमान लाएँगे?	अर्थ: यदि काफ़िर कुरआन पर विश्वास नहीं करते, तो वे किस बात पर विश्वास करेंगे।
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**An-Naba (The News), revealed at earliest period at Makkah**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**78:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अन-नबा (समाचार), मक्का के प्रारंभिक काल में अवतरित**
AAamma yatasaaloona	Refutation against the Idolators' denial of the occurrence of the Day of Judgement	About what are they asking one another?	78:1	किस चीज़ के विषय में वे आपस में पूछ-गच्छ कर रहे है?	मूर्तिपूजकों द्वारा क़ियामत (न्याय के दिन) के होने से इनकार का खंडन।
AAani alnnabai alAAatheemi	x	About the great news -	78:2	उस बड़ी ख़बर के सम्बन्ध में,	x
Allathee hum feehi mukhtalifoona	x	That over which they are in disagreement.	78:3	जिसमें वे मतभेद रखते है	x
Kalla sayaAAlamoona	x	No! They are going to know.	78:4	कदापि नहीं, शीघ्र ही वे जान लेंगे।	x
Thumma kalla sayaAAlamoona	x	Then, no! They are going to know.	78:5	फिर कदापि नहीं, शीघ्र ही वे जान लेंगे।	x
Alam najAAali alarda mihadan	x	Have We not made the earth a resting place?	78:6	क्या ऐसा नहीं है कि हमने धरती को बिछौना बनाया	x
Waaljibala awtadan	The mountains are like pegs.	And the mountains as stakes?	78:7	और पहाड़ों को मेख़े?	पहाड़ खूंटियों (खूँटों) की तरह हैं।

Wakhalaqnakum azwajan	**[Every things on earth is not in pairs e.g. Neutron, unicellular organisms.]**	And We created you in pairs	78:8	और हमने तुम्हें जोड़-जोड़े पैदा किया,	**[पृथ्वी पर हर चीज़ जोड़ों में नहीं होती, जैसे—न्यूट्रॉन, एककोशिकीय जीव।]**
WajaAAalna nawmakum subatan	x	And made your sleep [a means for] rest	78:9	और तुम्हारी नींद को थकन दूर करनेवाली बनाया,	x
WajaAAalna allayla libasan	x	And made the night as clothing	78:10	रात को आवरण बनाया,	x
WajaAAalna alnnahara maAAashan	x	And made the day for livelihood	78:11	और दिन को जीवन-वृति के लिए बनाया	x
Wabanayna fawqakum sabAAan shidadan	**[There is no scientific proof of 7 heavens / skies.]**	And constructed above you seven strong [heavens]	78:12	और तुम्हारे ऊपर सात सुदृढ़ आकाश निर्मित किए,	**[सात आसमानों का कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है।]**
WajaAAalna sirajan wahhajan	Referring to Sun.	And made [therein] a burning lamp	78:13	और एक तप्त और प्रकाशमान प्रदीप बनाया,	सूर्य के संदर्भ में।
Waanzalna mina almuAAsirati maan thajjajan	x	And sent down, from the rain clouds, pouring water	78:14	और बरस पड़नेवाली घटाओं से हमने मूसलाधार पानी उतारा,	x
Linukhrija bihi habban wanabatan	x	That We may bring forth thereby grain and vegetation	78:15	ताकि हम उसके द्वारा अनाज और वनस्पति उत्पादित करें	x
Wajannatin alfafan	x	And gardens of entwined growth.	78:16	और सघन बाग़ भी।	x
Inna yawma alfasli kana meeqatan	x	Indeed, the Day of Judgement is an appointed time -	78:17	निस्संदेह फ़ैसले का दिन एक नियत समय है,	x
Yawma yunfakhu fee alssoori fatatoona afwajan	Horn will be blown by an Angel on Day of Judgment.	The Day the Horn is blown and you will come forth in multitudes	78:18	जिस दिन नरसिंघा में फूँक मारी जाएगी, तो तुम गिरोह को गिरोह चले आओगे।	क़ियामत के दिन एक फ़रिश्ता नरसिंगा फूँकेगा।
Wafutihati alssamao fakanat abwaban	**[There is nothing to open in an open space.]**	And the heaven is opened and will become gateways	78:19	और आकाश खोल दिया जाएगा तो द्वार ही द्वार हो जाएँगे;	**[खुले स्थान में खोलने के लिए कुछ भी नहीं होता।]**

Wasuyyirati aljibalu fakanat saraban	x	And the mountains are removed and will be [but] a mirage.	78:20	और पहाड़ चलाए जाएँगे, तो वे बिल्कुल मरीचिका होकर रह जाएँगे	x
Inna jahannama kanat mirsadan	for the disbelievers.	Indeed, Hell has been lying in wait	78:21	वास्तव में जहन्नम एक घात-स्थल है;	काफ़िरों के लिए।
Lilttagheena maaban	x	For the transgressors, a place of return,	78:22	सरकशों का ठिकाना है	x
Labitheena feeha ahqaban	**[Unending word is added; Contradiction: How long the disbelievers dwell in hell, forever 6:128, 11:107, a long time 78:23]**	In which they will remain for ages [unending].	78:23	वस्तुस्थिति यह है कि वे उसमें मुद्दत पर मुद्दत बिताते रहेंगे	**[विरोधाभास: काफ़िर जहन्नम में कितने समय तक रहेंगे—हमेशा (6:128, 11:107) या लंबे समय तक (78:23)?]**
La yathooqoona feeha bardan wala sharaban	x	They will not taste therein [any] coolness or drink	78:24	वे उसमे न किसी शीतलता का मज़ा चखेगे और न किसी पेय का,	x
Illa hameeman waghassaqan	**[Contradiction: Food for infidels in hell: Zaqqum 37:66, washing of wounds 69:36, Pus 38:57, bitter dari (a dry bush with needles)**	Except scalding water and [foul] purulence -	78:25	सिवाय खौलते पानी और बहती पीप-रक्त के	**[विरोधाभास: नरक में काफ़िरों के लिए भोजन: ज़क़ुम 37:66, घावों की धुलाई 69:36, मवाद 38:57, कड़वी दारी (सुइयों के साथ एक सूखी झाड़ी) 88:6।**
Jazaan wifaqan	x	An appropriate recompense.	78:26	यह बदले के रूप में उनके कर्मों के ठीक अनुकूल होगा	x
Innahum kanoo la yarjoona hisaban	x	Indeed, they were not expecting an account	78:27	वास्तव में किसी हिसाब की आशा न रखते थे,	x
Wakaththaboo biayatina kiththaban	x	And denied Our verses with [emphatic] denial.	78:28	और उन्होंने हमारी आयतों को ख़ूब झुठलाया,	x
Wakulla shayin ahsaynahu kitaban	x	But all things We have enumerated in writing.	78:29	और हमने हर चीज़ लिखकर गिन रखी है	x
Fathooqoo falan nazeedakum illa AAathaban	x	"So taste [the penalty], and never will We increase you except in torment."	78:30	"अब चखो मज़ा कि यातना के अतिरिक्त हम तुम्हारे लिए किसी और चीज़ में बढ़ोत्तरी नहीं करेंगे। "	x

Inna lilmuttaqeena mafazan	x	Indeed, for the righteous is attainment -	78:31	निस्सदेह डर रखनेवालों के लिए एक बड़ी सफलता है,	x
Hadaiqa waaAAnaban	Description of Heaven.	Gardens and grapevines	78:32	बाग़ है और अंगूर,	जन्नत का वर्णन।
WakawaAAiba atraban	**[The breasts of these virgins of Heaven will be fully rounded and not sagging; Also see Tirmidhi 1663, 2536, Bukhari 3254, 4879, 4880]**	And full-breasted [companions] of equal age	78:33	और नवयौवना समान उम्रवाली,	**[जन्नत की इन हूरों के स्तन पूर्ण रूप से गोल और ढीले नहीं होंगे; साथ ही देखें: तिर्मिधि 1663, 2536, बुख़ारी 3254, 4879, 4880]**
Wakasan dihaqan	of Wine. **[Quran always debates from male's perspective.]**	And a full cup.	78:34	और छलक़ता जाम	शराब का। **[क़ुरआन हमेशा पुरुष के दृष्टिकोण से बात करता है।]**
La yasmaAAoona feeha laghwan wala kiththaban	x	No ill speech will they hear therein or any falsehood -	78:35	वे उसमें न तो कोई व्यर्थ बात सुनेंगे और न कोई झुठलाने की बात	x
Jazaan min rabbika AAataan hisaban	x	[As] reward from your Lord, [a generous] gift [made due by] account,	78:36	यह तुम्हारे रब की ओर से बदला होगा, हिसाब के अनुसार प्रदत्त	x
Rabbi alssamawati waalardi wama baynahuma alrrahmani la yamlikoona minhu khitaban	No one can dare to speak to Allah except for His permission.	[From] the Lord of the heavens and the earth and whatever is between them, the Most Merciful. They possess not from Him [authority for] speech.	78:37	वह आकाशों और धरती का और जो कुछ उनके बीच है सबका रब है, अत्यन्त कृपाशील है, उसके सामने बात करना उनके बस में नहीं होगा	कोई भी अल्लाह से उसकी अनुमति के बिना बात करने की हिम्मत नहीं कर सकता।
Yawma yaqoomu alrroohu waalmalaikatu saffan la yatakallamoona illa man athina lahu alrrahmanu waqala	The word spirit "Ruh" here is referring to the angel Gabriel. **[In Christianity, Holy spirits are different from Angels; where as in Quran Ruh-ul-Quddus is Angel Gabriel.]**	The Day that the Spirit and the angels will stand in rows, they will not speak except for one whom the Most Merciful permits, and he will say what is correct.	78:38	जिस दिन रूह और फ़रिश्ते पक्तिबद्ध खड़े होंगे, वे बोलेंगे नहीं, सिवाय उस व्यक्ति के जिसे रहमान अनुमति दे और जो ठीक बात कहे	यहाँ “रूह” शब्द से फ़रिश्ता जिब्रील का संकेत है। **[ईसाई धर्म में पवित्र आत्मा, फ़रिश्तों से अलग होती है, जबकि क़ुरआन में रूह-उल-क़ुदुस को फ़रिश्ता जिब्रील माना जाता है।]**

Thalika alyawmu alhaqqu faman shaa ittakhatha ila rabbihi maaban	x	That is the True Day; so he who wills may take to his Lord a [way of] return.	78:39	वह दिन सत्य है। अब जो कोई चाहे अपने रब की ओर रुज करे	x
Inna antharnakum AAathaban qareeban yawma yanthuru almaro ma qaddamat yadahu wayaqoolu alkafiru ya laytanee kuntu turaban	The Day of Judgement is Near **[However, it has not come in last 1400 years]**; "What his hands put forth" means all of his deeds.	Indeed, We have warned you of a near punishment on the Day when a man will observe what his hands have put forth and the disbeliever will say, "Oh, I wish that I were dust!"	78:40	हमने तुम्हें निकट आ लगी यातना से सावधान कर दिया है। जिस दिन मनुष्य देख लेगा जो कुछ उसके हाथों ने आगे भेजा, और इनकार करनेवाला कहेगा, "ऐ काश! कि मैं मिट्टी होता!"	क़ियामत का दिन क़रीब है **[हालाँकि यह पिछले 1400 वर्षों में नहीं आया]**; “उसके हाथों ने जो आगे भेजा” से अभिप्राय उसके सभी कर्मों से है।
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**An-Naziat (Those Who Drag Forth), Early Meccan surah**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**79:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अन-नाज़िआत (जो खींचकर निकालने वाले हैं), प्रारंभिक मक्की सूरह।**
WaalnnaziAAati gharqan	Means extraction the soul of man; The souls of disbelievers are removed by the angels with difficulty, as if he is being drowned during its removal.	By those [angels] who extract with violence	79:1	गवाह है वे जो ज़ोर से उखाड़ फैंके,	अर्थ है मनुष्य की रूह को निकालना; काफ़िरों की रूह फ़रिश्तों द्वारा कठिनाई से निकाली जाती है, मानो उसे निकालते समय वह डूब रहा हो।
Waalnnashitati nashtan	While the soul of believers is removed with ease.	And [by] those who remove with ease	79:2	और गवाह है वे जो नर्मी के साथ चलें,	जबकि मोमिनों की रूह आसानी से निकाली जाती है।
Waalssabihati sabhan	79:3-5 refers to Angels.	And [by] those who glide [as if] swimming	79:3	और गवाह है वे जो वायुमंडल में तैरें,	79:3-5 फ़रिश्तों की ओर संकेत करता है।
Faalssabiqati sabqan	x	And those who race each other in a race	79:4	फिर एक-दूसरे से अग्रसर हों,	x
Faalmudabbirati amran	x	And those who arrange [each] matter,	79:5	और मामले की तदबीर करें	x
Yawma tarjufu alrrajifatu	x	On the Day the blast [of the Horn] will convulse [creation],	79:6	जिस दिन हिला डालेगी हिला डालनेवाले घटना,	x

TatbaAAuha alrradifatu	x	There will follow it the subsequent [one].	79:7	उसके पीछे घटित होगी दूसरी (घटना)	x
Quloobun yawmaithin	x	Hearts, that Day, will tremble,	79:8	कितने ही दिल उस दिन काँप रहे होंगे,	x
Absaruha khashiAAatun	x	Their eyes humbled.	79:9	उनकी निगाहें झुकी होंगी	x
Yaqooloona ainna lamardoodoona fee alhafirati	x	They are [presently] saying, "Will we indeed be returned to [our] former state [of life]?	79:10	वे कहते है, "क्या वास्तव में हम पहली हालत में फिर लौटाए जाएँगे?	x
Aitha kunna AAithaman	x	Even if we should be decayed bones?	79:11	क्या जब हम खोखली गलित हड्डियाँ हो चुके होंगे?"	x
Qaloo tilka ithan karratun khasiratun	x	They say, "That, then, would be a losing return."	79:12	वे कहते है, "तब तो लौटना बड़े ही घाटे का होगा।"	x
Fainnama hiya zajratun wahidatun	Referring to deafening sound of Horn.	Indeed, it will be but one shout,	79:13	वह तो बस एक ही झिड़की होगी,	नरसिंगा की बहरा कर देने वाली आवाज़ के संदर्भ में।
Faitha hum bialssahirati	x	And suddenly they will be [alert] upon the earth's surface.	79:14	फिर क्या देखेंगे कि वे एक समतल मैदान में उपस्थित है	x
Hal ataka hadeethu moosa	x	Has there reached you the story of Moses? -	79:15	क्या तुम्हें मूसा की ख़बर पहुँची है?	x
Ith nadahu rabbuhu bialwadi almuqaddasi tuwan	Tuwa either means “name of the valley” or ‘doubly sacred’ or repetitious blessings. See also 20:12	When his Lord called to him in the sacred valley of Tuwa,	79:16	जबकि उसके रब ने पवित्र घाटी 'तुवा' में उसे पुकारा था	“तुवा” का अर्थ या तो “घाटी का नाम” है या “दोगुना पवित्र” या “बार-बार मिलने वाली बरकतें”। साथ ही देखें: 20:12।
Ithhab ila firAAawna innahu tagha	x	"Go to Pharaoh. Indeed, he has transgressed.	79:17	कि "फ़िरऔन के पास जाओ, उसने बहुत सिर उठा रखा है	x
Faqul hal laka ila an tazakka	x	And say to him, 'Would you [be willing to] purify yourself	79:18	"और कहो, क्या तू यह चाहता है कि स्वयं को पाक-साफ़ कर ले,	x

Waahdiyaka ila rabbika fatakhsha	x	And let me guide you to your Lord so you would fear [Him]?'"	79:19	"और मैं तेरे रब की ओर तेरा मार्गदर्शन करूँ कि तु (उससे) डरे?"	x
Faarahu alayata alkubra	x	And he showed him the greatest sign,	79:20	फिर उसने (मूसा ने) उसको बड़ी निशानी दिखाई,	x
Fakaththaba waAAasa	x	But Pharaoh denied and disobeyed.	79:21	किन्तु उसने झुठला दिया और कहा न माना,	x
Thumma adbara yasAAa	x	Then he turned his back, striving.	79:22	फिर सक्रियता दिखाते हुए पलटा,	x
Fahashara fanada	x	And he gathered [his people] and called out	79:23	फिर (लोगों को) एकत्र किया और पुकारकर कहा,	x
Faqala ana rabbukumu alaAAla	Pharoah claimed to be God. **[However, there were many gods worshipped in Ancient Egypt.]**	And said, "I am your most exalted lord."	79:24	"मैं तुम्हारा उच्चकोटि का स्वामी हूँ!"	फ़िरऔन ने अपने आप को ख़ुदा होने का दावा किया। **[हालाँकि प्राचीन मिस्र में कई देवताओं की पूजा होती थी।]**
Faakhathahu Allahu nakala alakhirati waaloola	meaning, Allah avenged Himself against him with a severe vengeance. **[However, there is no historical proof of such event.]**	So Allah seized him in exemplary punishment for the last and the first [transgression].	79:25	अन्ततः अल्लाह ने उसे आख़िरत और दुनिया की शिक्षाप्रद यातना में पकड़ लिया	अर्थात, अल्लाह ने उससे कड़ी सज़ा लेकर बदला लिया। **[हालाँकि ऐसे किसी घटना का ऐतिहासिक प्रमाण नहीं है।]**
Inna fee thalika laAAibratan liman yakhsha	x	Indeed in that is a warning for whoever would fear [Allah].	79:26	निस्संदेह इसमें उस व्यक्ति के लिए बड़ी शिक्षा है जो डरे!	x
Aantum ashaddu khalqan ami alssamao banaha	x	Are you a more difficult creation or is the heaven? Allah constructed it.	79:27	क्या तुम्हें पैदा करना अधिक कठिन कार्य है या आकाश को? अल्लाह ने उसे बनाया,	x
RafaAAa samkaha fasawwaha	Means Allah has created the sky and raised it. **[Sky is not a ceiling.]**	He raised its ceiling and proportioned it.	79:28	उसकी ऊँचाई को ख़ूब ऊँचा करके उसे ठीक-ठाक किया;	अर्थ है कि अल्लाह ने आकाश को पैदा किया और उसे ऊँचा उठाया। **[आकाश कोई छत नहीं है।]**

Waaghtasha laylaha waakhraja duhaha	x	And He darkened its night and extracted its brightness.	79:29	और उसकी रात को अन्धकारमय बनाया और उसका दिवस-प्रकाश प्रकट किया	x
Waalarda baAAda thalika dahaha	**[Contradiction: Verse 2:29 says earth was created first and then heaven, Verse 79:30 says heaven created first then earth was spread; Earth is nowhere said to be a sphere in Quran: 20:53 carpet, 43:10 cradle, 50:7 spread, 51:48 spread, 79:30: spread.]**	And after that He spread the earth.	79:30	और धरती को देखो! इसके पश्चात उसे फैलाया;	**[विरोधाभास: आयत 2:29 में कहा गया है कि पहले पृथ्वी बनाई गई, फिर आकाश; जबकि 79:30 में कहा गया है कि पहले आकाश बनाया गया, फिर पृथ्वी को फैलाया गया। क़ुरआन में कहीं भी पृथ्वी को गोलाकार नहीं कहा गया; 20:53 में "बिछौना", 43:10 में "पालना", 50:7 में "फैलाया हुआ", 51:48 में "फैलाया", 79:30 में "फैलाया" कहा गया है।]**
Akhraja minha maaha wamarAAaha	x	He extracted from it its water and its pasture,	79:31	उसमें से उसका पानी और उसका चारा निकाला	x
Waaljibala arsaha	x	And the mountains He set firmly	79:32	और पहाड़ो को देखो! उन्हें उस (धरती) में जमा दिया,	x
MataAAan lakum walianAAamikum	x	As provision for you and your grazing livestock.	79:33	तुम्हारे लिए और तुम्हारे मवेशियों के लिए जीवन-सामग्री के रूप में	x
Faitha jaati alttammatu alkubra	Means day of Judgment.	But when there comes the greatest Overwhelming Calamity -	79:34	फिर जब वह महाविपदा आएगी,	अर्थ है क़ियामत का दिन।
Yawma yatathakkaru alinsanu ma saAAa	x	The Day when man will remember that for which he strove,	79:35	उस दिन मनुष्य जो कुछ भी उसने प्रयास किया होगा उसे याद करेगा	x
Waburrizati aljaheemu liman yara	x	And Hellfire will be exposed for [all] those who see -	79:36	और भड़कती आग (जहन्नम) देखने वालों के लिए खोल दी जाएगी	x

Faamma man tagha	x	So as for he who transgressed	79:37	तो जिस किसी ने सरकशी की	x
Waathara alhayata alddunya	x	And preferred the life of the world,	79:38	और सांसारिक जीवन को प्राथमिकता दो होगी,	x
Fainna aljaheema hiya almawa	x	Then indeed, Hellfire will be [his] refuge.	79:39	तो निस्संदेह भड़कती आग ही उसका ठिकाना है	x
Waama man khafa maqama rabbihi wanaha alnnafsa AAani alhawa	x	But as for he who feared the position of his Lord and prevented the soul from [unlawful] inclination,	79:40	और रहा वह व्यक्ति जिसने अपने रब के सामने खड़े होने का भय रखा और अपने जी को बुरी इच्छा से रोका,	x
Fainna aljannata hiya almawa	x	Then indeed, Paradise will be [his] refuge.	79:41	तो जन्नत ही उसका ठिकाना है	x
Yasaloonaka AAani alssaAAati ayyana mursaha	Hour means Day of Judgment.	They ask you, [O Muhammad], about the Hour: when is its arrival?	79:42	वे तुमसे उस घड़ी के विषय में पूछते है कि वह कब आकर ठहरेगी?	"घड़ी" से अभिप्राय क़ियामत के दिन से है।
Feema anta min thikraha	x	In what [position] are you that you should mention it?	79:43	उसके बयान करने से तुम्हारा क्या सम्बन्ध?	x
Ila rabbika muntahaha	x	To your Lord is its finality.	79:44	उसकी अन्तिम पहुँच तो तेरे से ही सम्बन्ध रखती है	x
Innama anta munthiru man yakhshaha	**[Abrogated by later Jihadi verses.]**	You are only a warner for those who fear it.	79:45	तुम तो बस उस व्यक्ति को सावधान करनेवाले हो जो उससे डरे	**[बाद की जिहादी आयतों द्वारा निरस्त कर दिया गया।]**
Kaannahum yawma yarawnaha lam yalbathoo illa AAashiyyatan aw duhaha	They will feel that the period of the worldly life was short.	It will be, on the Day they see it, as though they had not remained [in the world] except for an afternoon or a morning	79:46	जिस दिन वे उसे देखेंगे तो (ऐसा लगेगा) मानो वे (दुनिया में) बस एक शाम या उसकी सुबह ही ठहरे है	उन्हें महसूस होगा कि दुनियावी जीवन की अवधि बहुत कम थी।
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Abasa (He Frowned)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**80:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अबसा (उसने त्योरी चढ़ाई)**

AAabasa watawalla	**[This verse is speaking of the prophet (pbuh) as the third person, although mostly in the Qur'an Allah usually addresses the him directly.]**	The Prophet frowned and turned away	80:1	उसने त्योरी चढ़ाई और मुँह फेर लिया,	**[इस आयत में पैग़म्बर (स.) का उल्लेख तीसरे पुरुष में किया गया है, जबकि क़ुरआन में आम तौर पर अल्लाह उनसे सीधे संबोधित करता है।]**
An jaahu alaAAma	Ibn Umm Maktum (blind companion) asked Prophet (pbuh) to teach what Allah has taught the him, while the prophet was in a meeting with Quraysh. He kept on repeating his request, not knowing that he was busy. Signs of annoyance appeared on the face of the prophet (pbuh). Prophet (pbuh) disliked his interruption and ignored him. This surah was then revealed.	Because there came to him the blind man, [interrupting].	80:2	इस कारण कि उसके पास अन्धा आ गया।	इब्न उम्म मक्तूम (एक अंधे सहाबी) ने पैग़म्बर (स.) से वह ज्ञान सिखाने के लिए कहा जो अल्लाह ने उन्हें सिखाया था, जबकि पैग़म्बर (स.) कुरैश के साथ एक बैठक में व्यस्त थे। वह अपनी बात बार-बार दोहराते रहे, उन्हें यह पता नहीं था कि पैग़म्बर (स.) व्यस्त हैं। इससे पैग़म्बर (स.) के चेहरे पर कुछ नाराज़गी के भाव दिखाई दिए। पैग़म्बर (स.) को उनका यह व्यवधान पसंद नहीं आया और उन्होंने उन्हें अनदेखा कर दिया। इसके बाद यह सूरह नाज़िल हुई।
Wama yudreeka laAAallahu yazzakka	meaning, he may attain purification and cleanliness in his soul.	But what would make you perceive, [O Muhammad], that perhaps he might be purified	80:3	और तुझे क्या मालूम शायद वह स्वयं को सँवारता-निखारता हो	अर्थात, वह अपनी आत्मा में पवित्रता और शुद्धता प्राप्त कर सकता है।
Aw yaththakkaru fatanfaAAahu alththikra	x	Or be reminded and the remembrance would benefit him?	80:4	या नसीहत हासिल करता हो तो नसीहत उसके लिए लाभदायक हो?	x
Amma mani istaghna	meaning the rich person.	As for he who thinks himself without need,	80:5	रहा वह व्यक्ति जो धनी हो गया है	x
Faanta lahu tasadda	x	To him you give attention.	80:6	तू उसके पीछे पड़ा है -	x
Wama AAalayka alla yazzakka	The prophet (pbuh) is not responsible for him if he does not attain purification.	And not upon you [is any blame] if he will not be purified.	80:7	हालाँकि वह अपने को न निखारे तो तुझपर कोई ज़िम्मेदारी नहीं आती -	x

Waamma man jaaka yasAAa	The one seeking knowledge, here refers to Ibn Muktum.	But as for he who came to you striving [for knowledge]	80:8	और रहा वह व्यक्ति जो स्वयं ही तेरे पास दौड़ता हुआ आया,	ज्ञान की तलाश करने वाला—यहाँ इब्न उम्म मक्तूम की ओर संकेत है।
Wahuwa yakhsha	x	While he fears [Allah],	80:9	और वह डरता भी है,	x
Faanta AAanhu talahha	x	From him you are distracted.	80:10	तो तू उससे बेपरवाई करता है	x
Kalla innaha tathkiratun	x	No! Indeed, these verses are a reminder;	80:11	कदापि नहीं, वे (आयतें) तो महत्वपूर्ण नसीहत है -	x
Faman shaa thakarahu	x	So whoever wills may remember it.	80:12	तो जो चाहे उसे याद कर ले -	x
Fee suhufin mukarramatin	Mean Quran.	[It is recorded] in honored sheets,	80:13	पवित्र पन्नों में अंकित है,	अर्थ है क़ुरआन।
MarfooAAatin mutahharatin	x	Exalted and purified,	80:14	प्रतिष्ठित, उच्च,	x
Biaydee safaratin	Mean Quran comes through Angels.	[Carried] by the hands of messenger-angels,	80:15	ऐसे कातिबों के हाथों में रहा करते है	अर्थ है कि क़ुरआन फ़रिश्तों के माध्यम से आता है।
Kiramin bararatin	x	Noble and dutiful.	80:16	जो प्रतिष्ठित और नेक है	x
Qutila alinsanu ma akfarahu	**[Allah is cursing the disbelievers.]**	Cursed is man; how disbelieving is he.	80:17	विनष्ट हुआ मनुष्य! कैसा अकृतज्ञ है!	**[अल्लाह काफ़िरों पर लानत कर रहा है।]**
Min ayyi shayin khalaqahu	x	From what substance did He create him?	80:18	उसको किस चीज़ से पैदा किया?	x
Min nutfatin khalaqahu faqaddarahu	[It is semen drop not sperm.]	From a sperm-drop He created him and destined for him;	80:19	तनिक-सी बूँद से उसको पैदा किया, तो उसके लिए एक अंदाजा ठहराया,	x
Thumma alssabeela yassarahu	Many interpretations possible.	Then He eased the way for him;	80:20	फिर मार्ग को देखो, उसे सुगम कर दिया,	कई व्याख्याएँ संभव हैं।
Thumma amatahu faaqbarahu	**[But in many cultures cremation is performed.]**	Then He causes his death and provides a grave for him.	80:21	फिर उसे मृत्यु दी और क़ब्र में उसे रखवाया,	**[लेकिन कई संस्कृतियों में दाह-संस्कार किया जाता है।]**
Thumma itha shaa ansharahu	x	Then when He wills, He will resurrect him.	80:22	फिर जब चाहेगा उसे (जीवित करके) उठा खड़ा करेगा। -	x

Kalla lamma yaqdi ma amarahu	Allah is saying that man has not fulfilled for his Lord the obligations that were imposed upon him. **[However, many men in past were righteous.]**	No! Man has not yet accomplished what He commanded him.	80:23	कदापि नहीं, उसने उसको पूरा नहीं किया जिसका आदेश अल्लाह ने उसे दिया है	अल्लाह कहता है कि मनुष्य ने अपने पालनहार के प्रति लगाए गए कर्तव्यों को पूरा नहीं किया। **[हालाँकि अतीत में कई लोग धर्मपरायण (सज्जन) रहे हैं।]**
Falyanthuri alinsanu ila taAAamihi	Mean, How Food comes out of seed.	Then let mankind look at his food -	80:24	अतः मनुष्य को चाहिए कि अपने भोजन को देखे,	अर्थ है कि बीज से भोजन कैसे निकलता है।
Anna sababna almaa sabban	Allah sends water from Sky.	How We poured down water in torrents,	80:25	कि हमने ख़ूब पानी बरसाया,	अल्लाह आकाश से पानी भेजता है।
Thumma shaqaqna alarda shaqqan	x	Then We broke open the earth, splitting [it with sprouts],	80:26	फिर धरती को विशेष रूप से फाड़ा,	x
Faanbatna feeha habban	x	And caused to grow within it grain	80:27	फिर हमने उसमें उगाए अनाज,	x
WaAAinaban waqadban	**[Qadb is a word of uncertain meaning; it denotes "probably 'green herbs' of some kind".]**	And grapes and herbage	80:28	और अंगूर और तरकारी,	["क़द्ब" एक अनिश्चित अर्थ वाला शब्द है; यह संभवतः किसी प्रकार की "हरी जड़ी-बूटियों" को दर्शाता है।]
Wazaytoonan wanakhlan	x	And olive and palm trees	80:29	और ज़ैतून और खजूर,	x
Wahadaiqa ghulban	x	And gardens of dense shrubbery	80:30	और घने बाग़,	x
Wafakihatan waabban	**[abb , another word of uncertain meaning. Translated as fodder / grasses. Ibn Kathir mentions that Abu Bakr did not know meaning of this word]**	And fruit and grass -	80:31	और मेवे और घास-चारा,	**I'अब्ब' शब्द का अर्थ निश्चित नहीं है; इसे आमतौर पर 'चारा' या 'घास' के रूप में समझा जाता है। इब्न कसीर कहते हैं कि अबू बक्रको इस शब्द का अर्थ पता नहीं था।]**
MataAAan lakum walianAAamikum	x	[As] enjoyment for you and your grazing livestock.	80:32	तुम्हारे लिए और तुम्हारे चौपायों के लिए जीवन-सामग्री के रूप में	x

Faitha jaati alssakhkhatu	Uncertainty about exact meaning of as-sakhkhah. Most likely meanings are names of the Day of Judgement, or name for the blowing into Trumpet, or thunderous shout of the Day of Judgement.	But when there comes the Deafening Blast	80:33	फिर जब वह बहरा कर देनेवाली प्रचंड आवाज़ आएगी,	अस-सख्खाह के सही अर्थ के बारे में अनिश्चितता है। सबसे संभावित अर्थ हैं: कयामत के दिन का नाम, सूर का फूँकना, या कयामत के दिन की गर्जन जैसी पुकार।
Yawma yafirru almaro min akheehi	x	On the Day a man will flee from his brother	80:34	जिस दिन आदमी भागेगा अपने भाई से,	x
Waommihi waabeehi	x	And his mother and his father	80:35	और अपनी माँ और अपने बाप से,	x
Wasahibatihi wabaneehi	x	And his wife and his children,	80:36	और अपनी पत्नी और अपने बेटों से	x
Likulli imriin minhum yawmaithin shanun yughneehi	Everyone on that day will bother only about him and heedless of others.	For every man, that Day, will be a matter adequate for him.	80:37	उनमें से प्रत्येक व्यक्ति को उस दिन ऐसी पड़ी होगी जो उसे दूसरों से बेपरवाह कर देगी	x
Wujoohun yawmaithin musfiratun	Referring to the true believers; Aishah asked the Prophet (pbuh): “Will we be gathered naked?” He said: “Yes!” She said: “Shame!”	[Some] faces, that Day, will be bright -	80:38	कितने ही चेहरे उस दिन रौशन होंगे,	“सच्चे मोमिनों का उल्लेख; आएशा ने पैग़म्बर मुहम्मद स. से पूछा: ‘क्या हमें नग्न अवस्था में इकठ्ठा किया जाएगा?’ उन्होंने कहा: ‘हाँ!’ आएशा ने कहा: ‘शर्म आती है!’”
Dahikatun mustabshiratun	x	Laughing, rejoicing at good news.	80:39	हँसते, प्रफुल्लित	x
Wawujoohun yawmaithin AAalayha	The disbelievers.	And [other] faces, that Day, will have upon them dust.	80:40	और कितने ही चेहरे होंगे जिनपर उस दिन धूल पड़ी होगी,	“काफ़िर”
Tarhaquha qataratun	x	Blackness will cover them.	80:41	उनपर कलौंस छा रही होगी	x
Olaika humu alkafaratu alfajaratu	x	Those are the disbelievers, the wicked ones.	80:42	वही होंगे इनकार करनेवाले दुराचारी लोग!	x

Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**At-Takwir (The Folding Up)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**81:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अत-तक़वीर (लपेट दिया जाना)**
Itha alshshamsu kuwwirat	In a hadith by Ubayy bin Kab six signs will take place before the Day of Judgement: Sun's light will go away, stars will be scattered, mountains will fall down, earth will quake, Jinns and Humans will flee in fright to each other. The domestic beasts, birds and wild animals will mix together. **[Sun can only be wrapped if it is a flat disc.]**	When the sun is wrapped up [in darkness]	81:1	जब सूर्य लपेट दिया जाएगा,	उबय्य बिन काब (रज़ि.) की एक हदीस में बताया गया है कि क़ियामत (प्रलय) से पहले छह निशानियाँ प्रकट होंगी: सूरज की रोशनी खत्म हो जाएगी, तारे बिखर जाएंगे, पहाड़ गिर पड़ेंगे, ज़मीन कांप उठेगी, जिन्न और इंसान डर के मारे एक-दूसरे की ओर भागेंगे। पालतू जानवर, पक्षी और जंगली जानवर आपस में मिल-जुल जाएंगे। **[सूरज को केवल तभी लपेटा जा सकता है जब वह एक समतल चक्र (डिस्क) हो।]**
Waitha alnnujoomu inkadarat	**[Stars are too huge to fall on earth and far away.]**	And when the stars fall, dispersing,	81:2	सारे तारे मैले हो जाएँगे,	सहीह इंटरनेशनल में इसका अनुवाद इस प्रकार किया गया है: "और जब तारे गिरकर बिखर जाएंगे।"**[तारे इतने विशाल होते हैं कि उनका पृथ्वी पर गिरना संभव नहीं है, और वे बहुत दूर स्थित हैं।]**
Waitha aljibalu suyyirat	x	And when the mountains are removed	81:3	जब पहाड़ चलाए जाएँगे,	x
Waitha alAAisharu AAuttilat	Means, there will be no one to take care of she-camel. **[This example makes sense for arabs only, not all over world.]**	And when full-term she-camels are neglected	81:4	जब दस मास की गाभिन ऊँटनियाँ आज़ाद छोड़ दी जाएँगी,	जब अत्यंत मूल्यवान गर्भवती ऊँटनियाँ भी छोड़ दी जाएँगी यानि क़ियामत के भय से लोग अपनी सबसे कीमती संपत्ति तक की परवाह नहीं करेंगे। **[यह उदाहरण मूल रूप से अरब समाज के संदर्भ में दिया गया है, इसका संदेश सार्वभौमिक नहीं है।]**

Waitha alwuhooshu hushirat	x	And when the wild beasts are gathered	81:5	जब जंगली जानवर एकत्र किए जाएँगे,	x
Waitha albiharu sujjirat	**[How sea will be filled with flames.]**	And when the seas are filled with flame	81:6	जब समुद्र भड़का दिया जाएँगे,	x
Waitha alnnufoosu zuwwijat	Means, every man will be with group of people who performed the same kind of deeds.	And when the souls are paired	81:7	जब लोग क़िस्म-क़िस्म कर दिए जाएँगे,	अर्थ: हर व्यक्ति उन लोगों के साथ होगा जिन्होंने उसी प्रकार के कर्म किए होंगे।
Waitha almawoodatu suilat	On the Day of Judgment, the female infant will be asked what sin she committed that caused her to be murdered.	And when the girl [who was] buried alive is asked	81:8	और जब जीवित गाड़ी गई लड़की से पूछा जाएगा,	और जब ज़िंदा दफ़्न की गई बच्ची से पूछा जाएगा कि उसे किस अपराध के कारण मारा गया।
Biayyi thanbin qutilat	x	For what sin she was killed	81:9	कि उसकी हत्या किस गुनाह के कारण की गई,	x
Waitha alssuhufu nushirat	Every person will be given his paper (deeds) in his right hand or in his left hand.	And when the pages are made public	81:10	और जब कर्म-पत्र फैला दिए जाएँगे,	हर व्यक्ति को उसके कर्मों का लेखा-जोखा (अमलनामा) उसके दाहिने हाथ में या उसके बाएँ हाथ में दिया जाएगा।
Waitha alssamao kushitat	**[How sky can be stripped.]**	And when the sky is stripped away	81:11	और जब आकाश की खाल उतार दी जाएगी,	**[आसमान को कैसे उधेड़ दिया जा सकता है।]**
Waitha aljaheemu suAAAAirat	x	And when Hellfire is set ablaze	81:12	जब जहन्नम को दहकाया जाएगा,	x
Waitha aljannatu ozlifat	x	And when Paradise is brought near,	81:13	और जब जन्नत निकट कर दी जाएगी,	x
AAalimat nafsun ma ahdarat	x	A soul will [then] know what it has brought [with it].	81:14	तो कोई भी व्यक्ति जान लेगा कि उसने क्या उपस्थित किया है	x
Fala oqsimu bialkhunnasi	The five planets: Saturn, Jupiter, Mars, Venus, and Mercury will move backwards and become invisible. **[Could anybody guess without explanation what this verse is**	So I swear by the retreating stars -	81:15	अतः नहीं! मैं क़सम खाता हूँ पीछे हटनेवालों की,	पाँच ग्रह—शनि, बृहस्पति, मंगल, शुक्र और बुध—पीछे की ओर चलेंगे और अदृश्य हो जाएंगे। **[बिना व्याख्या के क्या कोई अनुमान लगा सकता है कि यह आयत किस बारे में है?]**

Aljawari alkunnasi	x	Those that run [their courses] and disappear -	81:16	चलनेवालों, छिपने-दुबकने-वालों की	x
Waallayli itha AAasAAasa	x	And by the night as it closes in	81:17	साक्षी है रात्रि जब वह प्रस्थान करे,	x
Waalssubhi itha tanaffasa	x	And by the dawn when it breathes	81:18	और साक्षी है प्रातः जब वह साँस ले	x
Innahu laqawlu rasoolin kareemin	Read Life history of prophet Muhammad (Seera) example, Banu Qurayza execution, Maria al-Qiptia	[That] indeed, the Qur'an is a word [conveyed by] a noble messenger	81:19	निश्चय ही वह एक आदरणीय संदेशवाहक की लाई हुई वाणी है,	पैग़ंबर मुहम्मद (स.) का जीवन-इतिहास (सीरात) पढ़ें, उदाहरण के लिए, बनू क़ुरैज़ा का दंड और मरिया अल-क़िब्तिया।
Thee quwwatin AAinda thee alAAarshi makeenin	Owner of Throne = Allah	[Who is] possessed of power and with the Owner of the Throne, secure [in position],	81:20	जो शक्तिवाला है, सिंहासनवाले के यहाँ जिसकी पैठ है	सिंहासनवाले = अल्लाह
MutaAAin thamma ameenin	x	Obeyed there [in the heavens] and trustworthy.	81:21	उसका आदेश माना जाता है, वहाँ वह विश्वासपात्र है	x
Wama sahibukum bimajnoonin	This refers to Muhammad (pbuh).	And your companion is not [at all] mad.	81:22	तुम्हारा साथी कोई दीवाना नहीं,	यह पैग़ंबर मुहम्मद (स.) की ओर इशारा करता है।
Walaqad raahu bialofuqi almubeeni	x	And he has already seen Gabriel in the clear horizon.	81:23	उसने तो (पराकाष्ठान के) प्रत्यक्ष क्षितिज पर होकर उस (फ़रिश्ते) को देखा है	x
Wama huwa AAala alghaybi bidaneenin	Means, The Qur'an was unseen but Muhammad (pbuh) did not withhold it from the people.	And Muhammad is not a withholder of [knowledge of] the unseen.	81:24	और वह परोक्ष के मामले में कृपण नहीं है,	अर्थ: क़ुरआन अदृश्य था, लेकिन पैग़ंबर मुहम्मद (स.) ने इसे लोगों से नहीं छिपाया।
Wama huwa biqawli shaytanin rajeemin	**[Then why people following Quran commit heinous crimes against humarity.]**	And the Qur'an is not the word of a devil, expelled [from the heavens].	81:25	और वह (क़ुरआन) किसी धुतकारे हुए शैतान की लाई हुई वाणी नहीं है	**[तो फिर जो लोग क़ुरआन का पालन करते हैं, वे मानवता के खिलाफ भयानक अपराध क्यों करते हैं?]**
Faayna tathhaboona	x	So where are you going?	81:26	फिर तुम किधर जा रहे हो?	x
In huwa illa thikrun lilAAalameena	x	It is not except a reminder to the worlds	81:27	वह तो सारे संसार के लिए बस एक अनुस्मृति है,	x

Liman shaa minkum an yastaqeema	x	For whoever wills among you to take a right course.	81:28	उसके लिए तो तुममे से सीधे मार्ग पर चलना चाहे	x
Wama tashaoona illa an yashaa Allahu rabbu alAAalameena	Abu Jahl commented on verse 81:28 by saying 'It is up to us; if we wish we walk straight, and if we do not wish, we will not walk straight'. This verse was then revealed. **[Man has Free will 18:29, 76:3, 81:26-28; Everything is decided by Allah: 2:255, 10:100, 18:74, 18:80–81, 57:22, Sahih Bukhari 3332, Sahih Muslim 2653]**	And you do not will except that Allah wills - Lord of the worlds.	81:29	और तुम नहीं चाह सकते सिवाय इसके कि सारे जहान का रब अल्लाह चाहे	अबू जहल ने आयत 81:28 पर टिप्पणी करते हुए कहा, 'यह हमारे हाथ में है; अगर हम चाहें तो सही मार्ग पर चलेंगे, और अगर न चाहें तो नहीं चलेंगे।' इसके बाद यह आयत उतरी। **[इंसान की स्वतंत्र इच्छा है: 18:29, 76:3, 81:26-28; सब कुछ अल्लाह द्वारा तय किया गया: 2:255, 10:100, 18:74, 18:80–81, 57:22, सहिह बुख़ारी 3332, सहिह मुस्लिम 2653]**
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Al-Infitar (The Cleaving)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**82:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अल-इन्फ़ितार (फटना)**
Itha alssamao infatarat	**[The sky could only be split if it's a solid layer. Also see 69:16, 73:18, 82:1, 84:1]**	When the sky breaks apart	82:1	जबकि आकाश फट जाएगा	**[आसमान केवल तभी फट सकता है जब वह एक ठोस परत हो। इसके संदर्भ देखें: 69:16, 73:18, 82:1, 84:1]**
Waitha alkawakibu intatharat	**[Stars are too huge to fall on earth and far away.]**	And when the stars fall, scattering,	82:2	और जबकि तारे बिखर जाएँगे	**[तारे इतने विशाल हैं कि वे पृथ्वी पर गिर नहीं सकते और वे बहुत दूर स्थित हैं।]**
Waitha albiharu fujjirat	**[Several interpretations, e.g. some parts of sea to burst forth over other parts of it,or fresh water will mix with its salt water.]**	And when the seas are erupted	82:3	और जबकि समुद्र बह पड़ेंगे	**[कई व्याख्याएँ हैं, जैसे—समुद्र के कुछ हिस्से दूसरे हिस्सों पर फूट पड़ेंगे, या मीठा पानी अपने खारे पानी के साथ मिल जाएगा।]**
Waitha alqubooru buAAthirat	x	And when the [contents of] graves are scattered,	82:4	और जबकि क़ब्रें उखेड़ दी जाएँगी	x

AAalimat nafsun ma qaddamat waakhkharat	x	A soul will [then] know what it has put forth and kept back.	82:5	तब हर व्यक्ति जान लेगा जिसे उसने प्राथमिकता दी और पीछे डाला	x
Ya ayyuha alinsanu ma gharraka birabbika alkareemi	x	O mankind, what has deceived you concerning your Lord, the Generous,	82:6	ऐ मनुष्य! किस चीज़ ने तुझे अपने उदार प्रभु के विषय में धोखे में डाल रखा हैं?	x
Allathee khalaqaka fasawwaka faAAadalaka	Mean Allah.	Who created you, proportioned you, and balanced you?	82:7	जिसने तेरा प्रारूप बनाया, फिर नख-शिख से तुझे दुरुस्त किया और तुझे संतुलन प्रदान किया	अर्थ: अल्लाह।
Fee ayyi sooratin ma shaa rakkabaka	x	In whatever form He willed has He assembled	82:8	जिस रूप में चाहा उसने तुझे जोड़कर तैयार किया	x
Kalla bal tukaththiboona bialddeeni	x	No! But you deny the Recompense.	82:9	कुछ नहीं, बल्कि तुम बदला दिए जाने का झुठलाते हो	x
Wainna AAalaykum lahafitheena	This is about two angels appointed for each individual to record the deeds.	And indeed, [appointed] over you are keepers,	82:10	जबकि तुमपर निगरानी करनेवाले नियुक्त हैं	यह प्रत्येक व्यक्ति के लिए नियुक्त दो फरिश्तों के बारे में है, जो उसके कर्मों को दर्ज करते हैं।
Kiraman katibeena	x	Noble and recording;	82:11	प्रतिष्ठित लिपिक	x
YaAAlamoona ma tafAAaloona	x	They know whatever you do.	82:12	वे जान रहे होते है जो कुछ भी तुम लोग करते हो	x
Inna alabrara lafee naAAeemin	x	Indeed, the righteous will be in pleasure,	82:13	निस्संदेह वफ़ादार लोग नेमतों में होंगे	x
Wainna alfujjara lafee jaheemin	x	And indeed, the wicked will be in Hellfire.	82:14	और निश्चय ही दुराचारी भड़कती हुई आग में	x
Yaslawnaha yawma alddeeni	x	They will [enter to] burn therein on the Day of Recompense,	82:15	जिसमें वे बदले के दिन प्रवेश करेंगे	x
Wama hum AAanha bighaibeena	x	And never therefrom will they be absent.	82:16	और उससे वे ओझल नहीं होंगे	x

Wama adraka ma yawmu alddeeni	x	And what can make you know what is the Day of Recompense?	82:17	और तुम्हें क्या मालूम कि बदले का दिन क्या है?	x
Thumma ma adraka ma yawmu alddeeni	x	Then, what can make you know what is the Day of Recompense?	82:18	फिर तुम्हें क्या मालूम कि बदले का दिन क्या है?	x
Yawma la tamliku nafsun linafsin shayan waalamru yawmaithin lillahi	x	It is the Day when a soul will not possess for another soul [power to do] a thing; and the command, that Day, is [entirely] with	82:19	जिस दिन कोई व्यक्ति किसी व्यक्ति के लिए किसी चीज़ का अधिकारी न होगा, मामला उस दिन अल्लाह ही के हाथ में होगा	x
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Al-Mutaffifin (The Defrauders)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**83:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अल-मुतफ़्फ़िफ़ीन (धोखेबाज)**
Waylun lilmutaffifeena	When the Prophet (pbuh) first moved to Medina, some of its inhabitants were the worst kind of defrauders. After the revelation of this verse, they became honest in their weighing.	Woe to those who give less [than due],	83:1	तबाही है घटानेवालों के लिए,	जब पैग़ंबर मुहम्मद (स.) सबसे पहले मदीना गए, तो वहाँ के कुछ निवासी सबसे बड़े धोखेबाज थे। इस आयत के नाज़िल होने के बाद, वे अपने तराजू में ईमानदार हो गए।
Allatheena itha iktaloo AAala alnnasi yastawfoona	x	Who, when they take a measure from people, take in full.	83:2	जो नापकर लोगों पर नज़र जमाए हुए लेते हैं तो पूरा-पूरा लेते हैं,	x
Waitha kaloohum aw wazanoohum yukhsiroona	x	But if they give by measure or by weight to them, they cause loss.	83:3	किन्तु जब उन्हें नापकर या तौलकर देते हैं तो घटाकर देते हैं	x
Ala yathunnu olaika annahum mabAAoothoona	x	Do they not think that they will be resurrected	83:4	क्या वे समझते नहीं कि उन्हें (जीवित होकर) उठना है,	x
Liyawmin AAatheemin	x	For a tremendous Day -	83:5	एक भारी दिन के लिए,	x

Yawma yaqoomu alnnasu lirabbi alAAalameena	x	The Day when mankind will stand before the Lord of the worlds?	83:6	जिस दिन लोग सारे संसार के रब के सामने खड़े होंगे?	x
Kalla inna kitaba alfujjari lafee sijjeenin	Sijjin is not an Arabic word. Sijjin is “a written record” probably for vile or a level of Hell.	No! Indeed, the record of the wicked is in sijjeen.	83:7	कुछ नहीं, निश्चय ही दुराचारियों का काग़ज 'सिज्जीन' में है	सिज्ज़ीन कोई अरबी शब्द नहीं है। सिज्ज़ीन का अर्थ है ‘एक लिखित रिकॉर्ड’, सम्भवतः बुरे कर्मों का या नरक के किसी स्तर का रिकॉर्ड।
Wama adraka ma sijjeenun	x	And what can make you know what is sijjeen?	83:8	तुम्हें क्या मालूम कि 'सिज्जीन' क्या हैं?	x
Kitabun marqoomun	x	It is [their destination recorded in] a register inscribed.	83:9	मुहर लगा हुआ काग़ज	x
Waylun yawmaithin lilmukaththibeena	x	Woe, that Day, to the deniers,	83:10	तबाही है उस दिन झुठलाने-वालों की,	x
Allatheena yukaththiboona biyawmi alddeeni	x	Who deny the Day of Recompense.	83:11	जो बदले के दिन को झुठलाते है	x
Wama yukaththibu bihi illa kullu muAAtadin atheemin	x	And none deny it except every sinful transgressor.	83:12	और उसे तो बस प्रत्येक वह क्यक्ति ही झूठलाता है जो सीमा का उल्लंघन करनेवाला, पापी है	x
Itha tutla AAalayhi ayatuna qala asateeru alawwaleena	x	When Our verses are recited to him, he says, "Legends of the former peoples."	83:13	जब हमारी आयतें उसे सुनाई जाती है तो कहता है, "ये तो पहले की कहानियाँ है।"	x
Kalla bal rana AAala quloobihim ma kanoo	x	No! Rather, the stain has covered their hearts of that which they were earning.	83:14	कुछ नहीं, बल्कि जो कुछ वे कमाते रहे है वह उनके दिलों पर चढ़ गया है	x
Kalla innahum AAan rabbihim yawmaithin	x	No! Indeed, from their Lord, that Day, they will be partitioned.	83:15	कुछ नहीं, अवश्य ही वे उस दिन अपने रब से ओट में होंगे,	x

Thumma innahum lasaloo aljaheemi	x	Then indeed, they will [enter and] burn in Hellfire.	83:16	फिर वे भड़कती आग में जा पड़ेंगे	x
Thumma yuqalu hatha allathee kuntum bihi	x	Then it will be said [to them], "This is what you used to deny."	83:17	फिर कहा जाएगा, "यह वही है जिस तुम झुठलाते थे"	x
Kalla inna kitaba alabrari lafee AAilliyyeena	Illiyyin is the seventh heaven for the souls of the believers.	No! Indeed, the record of the righteous is in 'illiyyun.	83:18	कुछ नहीं, निस्संदेह वफ़ादार लोगों का काग़ज़ 'इल्लीयीन' (उच्च श्रेणी के लोगों) में है।-	इल्लीयीन विश्वासियों की आत्माओं के लिए सातवाँ स्वर्ग है।
Wama adraka ma AAilliyyoona	x	And what can make you know what is 'illiyyun?	83:19	और तुम क्या जानो कि 'इल्लीयीन' क्या है? -	x
Kitabun marqoomun	x	It is [their destination recorded in] a register inscribed	83:20	लिखा हुआ रजिस्टर	x
Yashhaduhu almuqarraboona	x	Which is witnessed by those brought near [to Allah].	83:21	जिसे देखने के लिए सामीप्य प्राप्त लोग उपस्थित होंगे,	x
Inna alabrara lafee naAAeemin	x	Indeed, the righteous will be in pleasure	83:22	निस्संदेह अच्छे लोग नेमतों में होंगे,	x
AAala alaraiki yanthuroona	Means, Heaven	On adorned couches, observing.	83:23	ऊँची मसनदों पर से देख रहे होंगे	अर्थ: स्वर्ग / जन्नत।
TaAArifu fee wujoohihim nadrata alnnaAAeemi	x	You will recognize in their faces the radiance of pleasure.	83:24	उनके चहरों से तुम्हें नेमतों की ताज़गी और आभा को बोध हो रहा होगा,	x
Yusqawna min raheeqin makhtoomin	Ar-Rahiq is one of the names of the wine (in Paradise). **[Wine will be served in heaven, although it is satanic in this world.]**	They will be given to drink [pure] wine [which was] sealed.	83:25	उन्हें मुहरबंद विशुद्ध पेय पिलाया जाएगा,	अल-रहीक स्वर्ग में परोसे जाने वाले शराब के नामों में से एक है। **[हालाँकि इस दुनिया में शराब शैतानी है, लेकिन स्वर्ग में इसे परोसा जाएगा।]**

Khitamuhu miskun wafee thalika falyatanafasi almutanafisoona	Allah will make the wine have a pleasant aroma of musk.	The last of it is musk. So for this let the competitors compete.	83:26	मुहर उसकी मुश्क ही होगी - जो लोग दूसरी पर बाज़ी ले जाना चाहते हो वे इस चीज़ को प्राप्त करने में बाज़ी ले जाने का प्रयास करे -	अल्लाह उस शराब को कस्तूरी (मस्क) जैसी सुखद खुशबू वाला बनाएंगे।
Wamizajuhu min tasneemin	Tasnim is the most excellent and exalted drink of the people of Paradise	And its mixture is of Tasneem,	83:27	और उसमें 'तसनीम' का मिश्रण होगा,	तसनीम स्वर्गवासियों के लिए सबसे उत्कृष्ट और महान पेय है।
AAaynan yashrabu biha almuqarraboona	x	A spring from which those near [to Allah] drink.	83:28	हाल यह है कि वह एक स्रोत है, जिसपर बैठकर सामीप्य प्राप्त लोग पिएँगे	x
Inna allatheena ajramoo kanoo mina allatheena amanoo yadhakoona	x	Indeed, those who committed crimes used to laugh at those who believed.	83:29	जो अपराधी है वे ईमान लानेवालों पर हँसते थे,	x
Waitha marroo bihim yataghamazoona	derisive glances = wink one to another	And when they passed by them, they would exchange derisive glances.	83:30	और जब उनके पास से गुज़रते तो आपस में आँखों और भौंहों से इशारे करते थे,	एक-दूसरे को आंख मारना / इशारा करना
Waitha inqalaboo ila ahlihimu inqalaboo fakiheena	Mean, they go back pleased.	And when they returned to their people, they would return jesting.	83:31	और जब अपने लोगों की ओर पलटते है तो चहकते, इतराते हुए पलटते थे,	अर्थ: वे प्रसन्न होकर वापस जाते हैं।
Waitha raawhum qaloo inna haolai ladalloona	x	And when they saw them, they would say, "Indeed, those are truly lost."	83:32	और जब उन्हें देखते तो कहते, "ये तो भटके हुए है।"	x
Wama orsiloo AAalayhim hafitheena	x	But they had not been sent as guardians over them.	83:33	हालाँकि वे उनपर कोई निगरानी करनेवाले बनाकर नहीं भेजे गए थे	x

Faalyawma allatheena amanoo mina alkuffari yadhakoona	x	So Today those who believed are laughing at the disbelievers,	83:34	तो आज ईमान लानेवाले, इनकार करनेवालों पर हँस रहे हैं,	x
AAala alaraiki yanthuroona	Heaven	On adorned couches, observing.	83:35	ऊँची मसनदों पर से देख रहे है	स्वर्ग / जन्नत।
Hal thuwwiba alkuffaru ma kanoo yafAAaloona	x	Have the disbelievers [not] been rewarded [this Day] for what they used to do?	83:36	क्या मिल गया बदला इनकार करनेवालों को उसका जो कुछ वे करते रहे है?	x
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Al-Inshiqaq (The Splitting Asunder), Early Meccan Sura**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**84:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अल-इंशिक़ाक़ (फट जाना), प्रारंभिक मक्की सूरह**
Itha alssamao inshaqqat	**[Not possible until it is a flat layer.]**	When the sky has split [open]	84:1	जबकि आकाश फट जाएगा,	**[यह तब तक संभव नहीं है जब तक कि यह एक समतल परत न हो।]**
Waathinat lirabbiha wahuqqat	The sky obeys Allah's command.	And has responded to its Lord and was obligated [to do so]	84:2	और वह अपने रब की सुनेगा, और उसे यही चाहिए भी	आसमान अल्लाह के आदेश का पालन करता है।
Waitha alardu muddat	x	And when the earth has been extended	84:3	जब धरती फैला दी जाएगी	x
Waalqat ma feeha watakhallat	meaning, it throws out the dead inside of it, and it empties itself of them.	And has cast out that within it and relinquished [it]	84:4	और जो कुछ उसके भीतर है उसे बाहर डालकर खाली हो जाएगी	अर्थ: यह अपने भीतर मौजूद मृतकाओं को बाहर फेंक देगी और खाली कर देगी।
Waathinat lirabbiha wahuqqat	The earth obeys Allah's command.	And has responded to its Lord and was obligated [to do so] -	84:5	और वह अपने रब की सुनेगी, और उसे यही चाहिए भी	पृथ्वी अल्लाह के आदेश का पालन करती है।
Ya ayyuha alinsanu innaka kadihun ila rabbika kadhan famulaqeehi	x	O mankind, indeed you are laboring toward your Lord with [great] exertion and will meet it.	84:6	ऐ मनुष्य! तू मशक़्क़त करता हुआ अपने रब ही की ओर खिंचा चला जा रहा है और अन्ततः उससे मिलने वाला है	x

Faama man ootiya kitabahu biyameenihi	Means believers will get record in right hand.	Then as for he who is given his record in his right hand,	84:7	फिर जिस किसी को उसका कर्म-पत्र उसके दाहिने हाथ में दिया गया,	अर्थ: विश्वासियों को उनका लेखा-जोखा दाहिने हाथ में दिया जाएगा।
Fasawfa yuhasabu hisaban yaseeran	x	He will be judged with an easy account	84:8	तो उससे आसान, सरसरी हिसाब लिया जाएगा	x
Wayanqalibu ila ahlihi masrooran	x	And return to his people in happiness.	84:9	और वह अपने लोगों की ओर ख़ुश-ख़ुश पलटेगा	x
Waamma man ootiya kitabahu waraa thahrihi	**Referring to disbelievers. [Contradiction: How disbeliever will get their record, 84:10 from back, 69:25 Left hand.]**	But as for he who is given his record behind his back,	84:10	और रह वह व्यक्ति जिसका कर्म-पत्र (उसके बाएँ हाथ में) उसकी पीठ के पीछे से दिया गया,	अविश्वासियों की ओर संकेत करता है। **[विरोधाभास: अविश्वासी को उनका लेखा-जोखा कैसे मिलेगा—84:10 के अनुसार पीछे से, 69:25 में बाएँ हाथ में बताया गया है (स्पष्टीकरण के लिए ब्रैकेट में जोड़ा गया)]**
Fasawfa yadAAoo thubooran	x	He will cry out for destruction	84:11	तो वह विनाश (मृत्यु) को पुकारेगा,	x
Wayasla saAAeeran	Means Hell	And [enter to] burn in a Blaze.	84:12	और दहकती आग में जा पड़ेगा	अर्थ: नरक / जहन्नम।
Innahu kana fee ahlihi masrooran	x	Indeed, he had [once] been among his people in happiness;	84:13	वह अपने लोगों में मग्न था,	x
Innahu thanna an lan yahoora	x	Indeed, he had thought he would never return [to Allah].	84:14	उसने यह समझ रखा था कि उसे कभी पलटना नहीं है	x
Bala inna rabbahu kana bihi baseeran	x	But yes! Indeed, his Lord was ever of him, Seeing.	84:15	क्यों नहीं, निश्चय ही उसका रब तो उसे देख रहा था!	x
Fala oqsimu bialshshafaqi	x	So I swear by the twilight glow	84:16	अतः कुछ नहीं, मैं क़सम खाता हूँ सांध्य-लालिमा की,	x
Waallayli wama wasaqa	x	And [by] the night and what it envelops	84:17	और रात की और उसके समेट लेने की,	x
Waalqamari itha ittasaqa	x	And [by] the moon when it becomes full	84:18	और चन्द्रमा की जबकि वह पूर्ण हो जाता है,	x

Latarkabunna tabaqan AAan tabaqin	The meaning is uncertain; the phrase is usually interpreted as, experience one state after another	[That] you will surely experience state after state.	84:19	निश्चय ही तुम्हें मंजिल पर मंजिल चढ़ना है	अर्थ निश्चित नहीं है; इस वाक्यांश की सामान्य व्याख्या यह है कि व्यक्ति एक स्थिति के बाद दूसरी स्थिति का अनुभव करता है।
Fama lahum la yuminoona	x	So what is [the matter] with them [that] they do not believe,	84:20	फिर उन्हें क्या हो गया है कि ईमान नहीं लाते?	x
Waitha quria AAalayhimu alquranu la	x	And when the Qur'an is recited to them, they do not prostrate [to Allah]?	84:21	और जब उन्हें कुरआन पढ़कर सुनाया जाता है तो सजदे में नहीं गिर पड़ते?	x
Bali allatheena kafaroo yukaththiboona	x	But those who have disbelieved deny,	84:22	नहीं, बल्कि इनकार करनेवाले तो झुठलाते है,	x
WaAllahu aAAlamu bima yooAAoona	x	And Allah is most knowing of what they keep within themselves.	84:23	हालाँकि जो कुछ वे अपने अन्दर एकत्र कर रहे है, अल्लाह उसे भली-भाँति जानता है	x
Fabashshirhum biAAathabin aleemin	x	So give them tidings of a painful punishment,	84:24	अतः उन्हें दुखद यातना की मंगल सूचना दे दो	x
Illa allatheena amanoo waAAamiloo alssalihati lahum ajrun ghayru	x	Except for those who believe and do righteous deeds. For them is a reward uninterrupted.	84:25	अलबत्ता जो लोग ईमान लाए और उन्होंने अच्छे कर्म किए उनके लिए कभी न समाप्त॥ होनेवाला प्रतिदान है	x
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Al-Buruj (The Constellations), This surah was sent down at Makkah in the period when persecution of the Muslims was at its climax**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**85:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अल-बुरूज (नक्षत्र), यह सूरह मक्का में उतरी थी उस समय जब मुसलमानों के प्रति अत्याचार अपने चरम पर था।**
Waalssamai thati alburooji	**[The heaven or sky is holding the stars.]**	By the sky containing great stars	85:1	साक्षी है बुर्जोंवाला आकाश,	**[आसमान या आकाश तारों को थामे हुए है।]**

Waalyawmi almawAAoodi	Means day of Judgement.	And [by] the promised Day	85:2	और वह दिन जिसका वादा किया गया है,	अर्थ: क़ियामत का दिन / न्याय का दिन।
Washahidin wamashhoodin	And by the Witness, this refers to Friday	And [by] the witness and what is witnessed,	85:3	और देखनेवाला, और जो देखा गया	और 'देखनेवाला' यह शुक्रवार का दिन दर्शाता है।
Qutila ashabu alukhdoodi	Some disbeliever tried to convince a group of believers to leave Islam, but they refused. Then they threw them into fire into a ditch.	Cursed were the companions of the trench	85:4	विनष्ट हों खाईवाले,	कुछ अविश्वासियों ने एक समूह मुसलमानों को इस्लाम छोड़ने के लिए मनाने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया। इसके बाद उन्हें एक गड्ढे में आग में फेंक दिया गया।
Alnnari thati alwaqoodi	x	[Containing] the fire full of fuel,	85:5	ईंधन भरी आगवाले,	x
Ith hum AAalayha quAAoodun	x	When they were sitting near it	85:6	जबकि वे वहाँ बैठे होंगे	x
Wahum AAala ma yafAAaloona bialmumineena shuhoodun	**[Islam does similar things with Muslims who change their religion.]**	And they, to what they were doing against the believers, were witnesses.	85:7	और वे जो कुछ ईमानवालों के साथ करते रहे, उसे देखेंगे	**[इस्लाम ऐसे ही कार्य उन मुसलमानों के साथ करता है जो अपना धर्म बदल लेते हैं।]**
Wama naqamoo minhum illa an yuminoo biAllahi alAAazeezi alhameedi	x	And they resented them not except because they believed in Allah, the Exalted in Might, the Praiseworthy,	85:8	उन्होंने उन (ईमानवालों) से केवल इस कारण बदला लिया और शत्रुता की कि वे उस अल्लाह पर ईमान रखते थे जो अत्यन्त प्रभुत्वशाली, प्रशंसनीय है,	x
Allathee lahu mulku alssamawati waalardi waAllahu AAala kulli shayin	x	To whom belongs the dominion of the heavens and the earth. And Allah, over all things, is Witness.	85:9	जिसके लिए आकाशों और धरती की बादशाही है। और अल्लाह हर चीज़ का साक्षी है	x

Inna allatheena fatanoo almumineena waalmuminati thumma lam yatooboo falahum AAathabu jahannama walahum	x	Indeed, those who have tortured the believing men and believing women and then have not repented will have the punishment of Hell, and they will have the punishment of the Burning Fire.	85:10	जिन लोगों ने ईमानवाले पुरुषों और ईमानवाली स्त्रियों को सताया और आज़माईश में डाला, फिर तौबा न की, निश्चय ही उनके लिए जहन्नम की यातना है और उनके लिए जलने की यातना है	x
Inna allatheena amanoo waAAamiloo alssalihati lahum jannatun tajree min tahtiha alanharu thalika alfawzu alkabeeru	x	Indeed, those who have believed and done righteous deeds will have gardens beneath which rivers flow. That is the great attainment.	85:11	निश्चय ही जो लोग ईमान लाए और उन्होंने अच्छे कर्म किए उनके लिए बाग़ है, जिनके नीचे नहरें बह रही होगी। वही है बड़ी सफलता	x
Inna batsha rabbika lashadeedun	**[Vengeance is a human nature.]**	Indeed, the vengeance of your Lord is severe.	85:12	वास्तव में तुम्हारे रब की पकड़ बड़ी ही सख़्त है	**[प्रतिशोध मानव स्वभाव है।]**
Innahu huwa yubdio wayuAAeedu	x	Indeed, it is He who originates [creation] and repeats.	85:13	वही आरम्भ करता है और वही पुनरावृत्ति करता है,	x
Wahuwa alghafooru alwadoodu	x	And He is the Forgiving, the Affectionate,	85:14	वह बड़ा क्षमाशील, बहुत प्रेम करनेवाला है,	x
Thoo alAAarshi almajeedi	x	Honorable Owner of the Throne,	85:15	सिंहासन का स्वामी है, बडा गौरवशाली,	x
FaAAAAalun lima yureedu	x	Effecter of what He intends.	85:16	जो चाहे उसे कर डालनेवाला	x
Hal ataka hadeethu aljunoodi	Pharaoh's soldiers were drowned in sea.	Has there reached you the story of the soldiers -	85:17	क्या तुम्हें उन सेनाओं की भी ख़बर पहुँची हैं,	फिरौन की सेनाएँ समुद्र में डूब गईं।
FirAAawna wathamooda	x	[Those of] Pharaoh and Thamud?	85:18	फ़िरऔन और समूद की?	x

Bali allatheena kafaroo fee taktheebin	x	But they who disbelieve are in [persistent] denial,	85:19	नहीं, बल्कि जिन लोगों ने इनकार किया है, वे झुठलाने में लगे हुए है;	x
WaAllahu min waraihim muheetun	x	While Allah encompasses them from behind.	85:20	हालाँकि अल्लाह उन्हें घेरे हुए है, उनके आगे-पीछे से	x
Bal huwa quranun majeedun	x	But this is an honored Qur'an	85:21	नहीं, बल्कि वह तो गौरव क़ुरआन है,	x
Fee lawhin mahfoothin	Preserved tablet is guarded from any increase, decrease, or change.**[Contradiction: In 13:39 It is said that Allah eliminates what He wills or confirms from this tablet]**	[Inscribed] in a Preserved Slate.	85:22	सुरक्षित पट्टिका में अंकित है	संरक्षित स्लेट किसी भी प्रकार की वृद्धि, कमी या परिवर्तन से सुरक्षित रखा गया है। **[विरोधाभास: आयत 13:39 में कहा गया है कि अल्लाह इस स्लेट से जो चाहे मिटा देता है या पुष्टि करता है।]**
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**At-Tariq (The Morning Star)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**86:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अत-तारिक (प्रातःकाल का तारा)**
Waalssamai waalttariqi	x	By the sky and the night comer -	86:1	साक्षी है आकाश, और रात में प्रकट होनेवाला -	x
Wama adraka ma alttariqu	"Night comer" is morning star	And what can make you know what is the night comer?	86:2	और तुम क्या जानो कि रात में प्रकट होनेवाला क्या है?	“रात में प्रकट होने वाला" (प्रातःकाल का तारा)
Alnnajmu alththaqibu	Prophet’s (pbuh) uncle Abu Talib was sitting and eating, then a meteor fell, filling everything with fire. He asked: “What on earth can this be?” The Prophet (pbuh) said: “This is a meteor that was thrown and it is one of the signs of Allah”.	It is the piercing star -	86:3	दमकता हुआ तारा! -	पैग़म्बर मुहम्मद (स.) के चाचा अबू तालिब बैठे हुए खाना खा रहे थे, तभी एक उल्का (टूटता तारा) गिरा, जिसने चारों ओर आग भर दी। उन्होंने पूछा: “यह आखिर क्या है?” पैग़म्बर मुहम्मद (स.) ने फरमाया: “यह एक उल्का है जिसे फेंका गया है, और यह अल्लाह की निशानियों में से एक है।”

In kullu nafsin lamma AAalayha hafithun	x	There is no soul but that it has over it a protector.	86:4	कि हर एक व्यक्ति पर एक निगरानी करनेवाला नियुक्त है	x
Falyanthuri alinsanu mimma khuliqa	x	So let man observe from what he was created.	86:5	अतः मनुष्य को चाहिए कि देखे कि वह किस चीज़ से पैदा किया गया है	x
Khuliqa min main dafiqin	x	He was created from a fluid, ejected,	86:6	एक उछलते पानी से पैदा किया गया है,	x
Yakhruju min bayni alssulbi waalttaraibi	Some scholars translate “backbone” (sulb) as “loins.” **[States that semen originates from an area between the breastbone and the backbone.]**	Emerging from between the backbone and the ribs.	86:7	जो पीठ और पसलियों के मध्य से निकलता है	**[इसमें कहा गया है कि वीर्य छाती की हड्डी और रीढ़ की हड्डी के बीच के क्षेत्र से उत्पन्न होता है।]**
Innahu AAala rajAAihi laqadirun	x	Indeed, Allah, to return him [to life], is Able.	86:8	निश्चय ही वह उसके लौटा देने की सामर्थ्य रखता है	x
Yawma tubla alssarairu	x	The Day when secrets will be put on trial,	86:9	जिस दिन छिपी चीज़ें परखी जाएँगी,	x
Fama lahu min quwwatin wala nasirin	x	Then man will have no power or any helper.	86:10	तो उस समय उसके पास न तो अपनी कोई शक्ति होगी और न कोई सहायक	x
Waalssamai thati alrrajAAi	x	By the sky which returns [rain]	86:11	साक्षी है आवर्तन (उलट-फेर) वाला आकाश,	x
Waalardi thati alssadAAi	Earth which cracks (with the growth of trees and plants).	And [by] the earth which cracks open,	86:12	और फट जानेवाली धरती	धरती जो (पेड़ों और पौधों की वृद्धि के साथ) फटती है।
Innahu laqawlun faslun	x	Indeed, the Qur'an is a decisive statement,	86:13	वह दो-टूक बात है,	x
Wama huwa bialhazli	x	And it is not amusement.	86:14	वह कोई हँसी-मज़ाक नहीं है	x
Innahum yakeedoona kaydan	Means the disbelievers.	Indeed, they are planning a plan,	86:15	वे एक चाल चल रहे है,	काफ़िर (अविश्वासी लोग)
Waakeedu kaydan	**[Allah is planning against disbelievers.]**	But I am planning a plan.	86:16	और मैं भी एक चाल चल रहा हूँ	**[अल्लाह काफ़िरों (अविश्वासियों) के विरुद्ध योजना बना रहा है।]**

Famahhili alkafireena amhilhum ruwaydan	Means that torment will not fail to materialize, and it only matter of time.	So allow time for the disbelievers. Leave them awhile.	86:17	अत मुहलत दे दो उन इनकार करनेवालों को; मुहलत दे दो उन्हें थोड़ी-सी	इसका अर्थ है कि अज़ाब (यातना) अवश्य घटित होगा, यह केवल समय की बात है।
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Al-Ala (The Most High)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**87:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अल-आला (सबसे उच्च / सर्वोच्च)**
Sabbihi isma rabbika alaAAla	x	Exalt the name of your Lord, the Most High,	87:1	तसबीह करो, अपने सर्वोच्च रब के नाम की,	x
Allathee khalaqa fasawwa	Meaning, He created and fashioned every creation in the best of forms.	Who created and proportioned	87:2	जिसने पैदा किया, फिर ठीक-ठाक किया,	अर्थ: उसने हर सृष्टि को पैदा किया और उसे बेहतरीन रूप में बनाया।
Waallathee qaddara fahada	Who gave to each thing its form and nature, then guided it aright.	And who destined and [then] guided	87:3	जिसने निर्धारित किया, फिर मार्ग दिखाया,	अर्थ: जिसने हर चीज़ को उसका रूप और स्वभाव दिया, फिर उसे सही राह दिखाई।
Waallathee akhraja almarAAa	x	And who brings out the pasture	87:4	जिसने वनस्पति उगाई,	x
FajaAAalahu ghuthaan ahwa	x	And [then] makes it black stubble.	87:5	फिर उसे ख़ूब घना और हरा-भरा कर दिया	x
Sanuqrioka fala tansa	**[Contradiction: Allah causes some verse to be forgotten 2:106, Prophet (pbuh) forgot a verse see Sahih Bukhari 5037, 5038; Allah will not cause to forget 87:6-7]**	We will make you recite, [O Muhammad], and you will not forget,	87:6	हम तुम्हें पढ़ा देंगे, फिर तुम भूलोगे नहीं	**[विरोधाभास: अल्लाह कुछ आयतों को भुला देता है (2:106), पैग़म्बर मुहम्मद (स.) कुछ आयतें भूल गए (सहीह बुख़ारी 5037, 5038); जबकि कहा गया है कि अल्लाह नहीं भुलाएगा (2:106, 87:6–7)]**
Illa ma shaa Allahu innahu yaAAlamu aljahra wama yakhfa	x	Except what Allah should will. Indeed, He knows what is declared and what is hidden.	87:7	बात यह है कि अल्लाह की इच्छा ही क्रियान्वित है। निश्चय ही वह जानता है खुले को भी और उसे भी जो छिपा रहे	x

Wanuyassiruka lilyusra	x	And We will ease you toward ease.	87:8	हम तुम्हें सहज ढंग से उस चीज़ की पात्र बना देंगे जो सहज एवं मृदुल (आरामदायक) है	x
Fathakkir in nafaAAati alththikra	x	So remind, if the reminder should benefit;	87:9	अतः नसीहत करो, यदि नसीहत लाभप्रद हो!	x
Sayaththakkaru man yakhsha	x	He who fears [Allah] will be reminded.	87:10	नसीहत हासिल कर लेगा जिसको डर होगा,	x
Wayatajannabuha alashqa	x	But the wretched one will avoid it -	87:11	किन्तु उससे कतराएगा वह अत्यन्त दुर्भाग्यवाला,	x
Allathee yasla alnnara alkubra	Referring to Hell.	[He] who will [enter and] burn in the greatest Fire,	87:12	जो बड़ी आग में पड़ेगा,	नरक (जहन्नम) की ओर संकेत है।
Thumma la yamootu feeha wala yahya	x	Neither dying therein nor living.	87:13	फिर वह उसमें न मरेगा न जिएगा	x
Qad aflaha man tazakka	x	He has certainly succeeded who purifies himself	87:14	सफल हो गया वह जिसने अपने आपको निखार लिया,	x
Wathakara isma rabbihi fasalla	x	And mentions the name of his Lord and prays.	87:15	और अपने रब के नाम का स्मरण किया, अतः नमाज़ अदा की	x
Bal tuthiroona alhayata alddunya	x	But you prefer the worldly life,	87:16	नहीं, बल्कि तुम तो सांसारिक जीवन को प्राथमिकता देते हो,	x
Waalakhiratu khayrun waabqa	x	While the Hereafter is better and more enduring.	87:17	हालाँकि आख़िरत अधिक उत्तम और शेष रहनेवाली है	x
Inna hatha lafee alssuhufi aloola	x	Indeed, this is in the former scriptures,	87:18	निस्संदेह यही बात पहले की किताबों में भी है;	x
Suhufi ibraheema wamoosa	**[The Qur'an assumes that Abraham must have been given a book as well. However, there is no historical record of books of Abraham.]**	The scriptures of Abraham and Moses.	87:19	इबराईम और मूसा की किताबों में	**[क़ुरआन यह मानता है कि इब्राहीम को भी एक किताब दी गई थी। हालांकि, इब्राहीम की किसी किताब का कोई ऐतिहासिक रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है।]**

Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Al-Ghashiya (The Overwhelming Event)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**88:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अल-गाशिया (छा जाने वाली घटना)**
Hal ataka hadeethu alghashiyati	This Surah was revealed when Prophet (pbuh) had started preaching publicly, while the people of Makkah were ignoring it.	Has there reached you the report of the Overwhelming [event]?	88:1	क्या तुम्हें उस छा जानेवाली की ख़बर पहुँची है?	यह सूरह उस समय नाज़िल हुई जब पैग़म्बर मुहम्मद (स.) ने खुलेआम दावत (प्रचार) शुरू कर दी थी, जबकि मक्का के लोग इसे अनदेखा कर रहे थे।
Wujoohun yawmaithin khashiAAatun	Referring to punishment of Hell.	[Some] faces, that Day, will be humbled,	88:2	उस दिन कितने ही चेहरे गिरे हुए होंगे,	अर्थ: जहन्नम की सज़ा (अज़ाब) की ओर संकेत है।
AAamilatun nasibatun	x	Working [hard] and exhausted.	88:3	कठिन परिश्रम में पड़े, थके-हारे	x
Tasla naran hamiyatan	x	They will [enter to] burn in an intensely hot Fire.	88:4	दहकती आग में प्रवेश करेंगे	x
Tusqa min AAaynin aniyatin	Drink served in Hell.	They will be given drink from a boiling spring.	88:5	खौलते हुए स्रोत से पिएँगे,	जहन्नम में दिया जाने वाला पेय
Laysa lahum taAAamun illa min dareeAAin	**[Contradiction: Food for infidels in hell: Zaqqum 37:66, washing of wounds 69:36, Pus 38:57, bitter dari (a dry bush with needles)**	For them there will be no food except from a poisonous, thorny plant	88:6	उनके लिए कोई खाना न होगा सिवाय एक प्रकार के ज़री के,	**[विरोधाभास: नरक में काफिरों के लिए भोजन: ज़क़ुम 37:66, घावों की धुलाई 69:36, मवाद 38:57, कड़वी दारी (सुइयों के साथ एक सूखी झाड़ी) 88:6]**
La yusminu wala yughnee min	x	Which neither nourishes nor avails against hunger.	88:7	जो न पुष्ट करे और न भूख मिटाए	x
Wujoohun yawmaithin naAAimatun	Referring to those going in Paradise.	[Other] faces, that Day, will show pleasure.	88:8	उस दिन कितने ही चेहरे प्रफुल्लित और सौम्य होंगे,	अर्थ: स्वर्ग में जाने वालों की ओर संकेत है।
LisaAAyiha radiyatun	x	With their effort [they are] satisfied	88:9	अपने प्रयास पर प्रसन्न,	x
Fee jannatin AAaliyatin	x	In an elevated garden,	88:10	उच्च जन्नत में,	x

La tasmaAAu feeha laghiyatan	x	Wherein they will hear no unsuitable speech.	88:11	जिसमें कोई व्यर्थ बात न सुनेंगे	x
Feeha AAaynun jariyatun	x	Within it is a flowing spring.	88:12	उसमें स्रोत प्रवाहित होगा,	x
Feeha sururun marfooAAatun	x	Within it are couches raised high	88:13	उसमें ऊँची-ऊँची मसनदें होगी,	x
Waakwabun mawdooAAatun	Description of Physical heaven.	And cups put in place	88:14	प्याले ढंग से रखे होंगे,	भौतिक स्वर्ग का वर्णन
Wanamariqu masfoofatun	x	And cushions lined up	88:15	क्रम से गाव तकिए लगे होंगे,	x
Wazarabiyyu mabthoothatun	x	And carpets spread around.	88:16	और हर ओर क़ालीने बिछी होंगी	x
Afala yanthuroona ila alibili kayfa khuliqat	x	Then do they not look at the camels - how they are created?	88:17	फिर क्या वे ऊँट की ओर नहीं देखते कि कैसा बनाया गया?	x
Waila alssamai kayfa rufiAAat	**[Sky is a raised layer.]**	And at the sky - how it is raised?	88:18	और आकाश की ओर कि कैसा ऊँचा किया गया?	**[आकाश एक उठी हुई परत है।]**
Waila aljibali kayfa nusibat	x	And at the mountains - how they are erected?	88:19	और पहाड़ो की ओर कि कैसे खड़े किए गए?	x
Waila alardi kayfa sutihat	**[No idea that earth is actually a sphere.]**	And at the earth - how it is spread out?	88:20	और धरती की ओर कि कैसी बिछाई गई?	**[यह कोई विचार नहीं देता कि धरती वास्तव में गोला है।]**
Fathakkir innama anta muthakkirun	x	So remind, [O Muhammad]; you are only a reminder.	88:21	अच्छा तो नसीहत करो! तुम तो बस एक नसीहत करनेवाले हो	x
Lasta AAalayhim bimusaytirin	**[Abrogated by later Jihadi verses, When Prophet (pbuh) started controlling everyone.]**	You are not over them a controller.	88:22	तुम उनपर कोई दरोग़ा नही हो	**[बाद के "जिहादी" आयतों द्वारा रद्द किया गया, जब पैग़म्बर मुहम्मद (स.) ने सभी पर नियंत्रण स्थापित करना शुरू किया।]**
Illa man tawalla wakafara	x	However, he who turns away and disbelieves -	88:23	किन्तु जिस किसी ने मुँह फेरा और इनकार किया,	x

FayuAAaththibuhu Allahu alAAathaba alakbara	x	Then Allah will punish him with the greatest punishment.	88:24	तो अल्लाह उसे बड़ी यातना देगा	x
Inna ilayna iyabahum	x	Indeed, to Us is their return.	88:25	निस्संदेह हमारी ओर ही है उनका लौटना,	x
Thumma inna AAalayna	x	Then indeed, upon Us is their account.	88:26	फिर हमारे ही ज़िम्मे है उनका हिसाब लेना	x
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Al-Fajr (The Dawn), This was revealed when persecution of the new converts to Islam had begun in Makkah.**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**89:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान है।**	**अल-फज्र (भोर), यह सूरह उस समय नाज़िल हुई जब मक्का में इस्लाम अपनाने वाले नए लोगों पर उत्पीड़न शुरू हो गया था।**
Waalfajri	x	By the dawn	89:1	साक्षी है उषाकाल,	x
Walayalin AAashrin	The ten nights' refers to the (first) ten days of Dhul-Hijjah.	And [by] ten nights	89:2	साक्षी है दस रातें,	“दस रातें” से तात्पर्य धुल-हिज्ज़ा के (पहले) दस दिनों से है।
WaalshshafAAi waalwatri	**[Not clear.]**	And [by] the even [number] and the odd	89:3	साक्षी है युग्म और अयुग्म,	**[स्पष्ट नहीं है।]**
Waallayli itha yasri	x	And [by] the night when it passes,	89:4	साक्षी है रात जब वह विदा हो रही हो	x
Hal fee thalika qasamun lithee hijrin	He who possesses intellect, sound reasoning,	Is there [not] in [all] that an oath [sufficient] for one of perception?	89:5	क्या इसमें बुद्धिमान के लिए बड़ी गवाही है?	x
Alam tara kayfa faAAala rabbuka biAAadin	Aad's people were destroyed by Allah.	Have you not considered how your Lord dealt with 'Aad -	89:6	क्या तुमने देखा नहीं कि तुम्हारे रब ने क्या किया आद के साथ,	आद की कौम को अल्लाह द्वारा नष्ट कर दिया गया।
Irama thati alAAimadi	Iram are people to whom Allah sent His Messenger Hud.	[With] Iram - who had lofty pillars,	89:7	स्तम्भों वाले 'इरम' के साथ?	इरम वे लोग थे जिनके पास अल्लाह ने अपने रसूल हूद को भेजा।
Allatee lam yukhlaq mithluha fee albiladi	They were the strongest people of their time.	The likes of whom had never been created in the land?	89:8	वे ऐसे थे जिनके सदृश बस्तियों में पैदा नहीं हुए	वे अपने समय के सबसे ताक़तवर लोग थे।
Wathamooda allatheena jaboo alssakhra bialwadi	These people cut the rocks in the valley and carved them.	And [with] Thamud, who carved out the rocks in the valley?	89:9	और समूद के साथ, जिन्होंने घाटी में चट्टाने तराशी थी,	x

WafirAAawna thee alawtadi	x	And [with] Pharaoh, owner of the stakes? -	89:10	और मेखोंवाले फ़िरऔन के साथ?	x
Allatheena taghaw fee albiladi	x	[All of] whom oppressed within the lands	89:11	वे लोग कि जिन्होंने देशों में सरकशी की,	x
Faaktharoo feeha alfasada	x	And increased therein the corruption.	89:12	और उनमें बहुत बिगाड़ पैदा किया	x
Fasabba AAalayhim rabbuka sawta AAathabin	"scourge" may be, "Ethiopic", meaning 'flood.'	So your Lord poured upon them a scourge of punishment.	89:13	अततः तुम्हारे रब ने उनपर यातना का कोड़ा बरसा दिया	x
Inna rabbaka labialmirsadi	Allah watches over His creation i	Indeed, your Lord is in observation.	89:14	निस्संदेह तुम्हारा रब घात में रहता है	अल्लाह अपनी सृष्टि पर नज़र रखता है कि वे क्या करते हैं।
Faamma alinsanu itha ma ibtalahu rabbuhu faakramahu wanaAAAAamahu fayaqoolu rabbee akramani	x	And as for man, when his Lord tries him and [thus] is generous to him and favors him, he says, "My Lord has honored me."	89:15	किन्तु मनुष्य का हाल यह है कि जब उसका रब इस प्रकार उसकी परीक्षा करता है कि उसे प्रतिष्ठा और नेमत प्रदान करता है, तो वह कहता है, "मेरे रब ने मुझे प्रतिष्ठित किया।"	x
Waamma itha ma ibtalahu faqadara AAalayhi rizqahu fayaqoolu rabbee ahanani	x	But when He tries him and restricts his provision, he says, "My Lord has humiliated me."	89:16	किन्तु जब कभी वह उसकी परीक्षा इस प्रकार करता है कि उसकी रोज़ी नपी-तुली कर देता है, तो वह कहता है, "मेरे रब ने मेरा अपमान किया।"	x
Kalla bal la tukrimoona alyateema	x	No! But you do not honor the orphan	89:17	कदापि नहीं, बल्कि तुम अनाथ का सम्मान नहीं करते,	x
Wala tahaddoona AAala taAAami almiskeeni	x	And you do not encourage one another to feed the poor.	89:18	और न मुहताज को खिलाने पर एक-दूसरे को उभारते हो,	x

Watakuloona altturatha aklan lamman	x	And you consume inheritance, devouring [it] altogether,	89:19	और सारी मीरास समेटकर खा जाते हो,	x
Watuhibboona almala hubban jamman	x	And you love wealth with immense love.	89:20	और धन से उत्कट प्रेम रखते हो	x
Kalla itha dukkati alardu dakkan dakkan	Day of Judgement will be of the great horrors.	No! When the earth has been leveled - pounded and crushed -	89:21	कुछ नहीं, जब धरती कूट-कूटकर चुर्ण-विचुर्ण कर दी जाएगी,	कयामत का दिन बहुत भयानक होगा।
Wajaa rabbuka waalmalaku saffan saffan	x	And your Lord has come and the angels, rank upon rank,	89:22	और तुम्हारा रब और फ़रिश्ता (बन्दों की) एक-एक पंक्ति के पास आएगा,	x
Wajeea yawmaithin bijahannama yawmaithin yatathakkaru alinsanu waanna	**[Hell will be brought on near that Day and it will have seventy thousand leashes, and each leash will have seventy thousand angels pulling it.]**	And brought [within view], that Day, is Hell - that Day, man will remember, but what good to him will be the	89:23	और जहन्नम को उस दिन लाया जाएगा, उस दिन मनुष्य चेतेगा, किन्तु कहाँ है उसके लिए लाभप्रद उस समय का चेतना?	**[उस दिन के करीब नरक लाया जाएगा, और उसके पास सत्तर हज़ार रसियाँ होंगी, और हर रस्सी को सत्तर हज़ार फ़रिश्ते खींचेंगे।]**
Yaqoolu ya laytanee qaddamtu lihayatee	The disobedient person will regret for his acts.	He will say, "Oh, I wish I had sent ahead [some good] for my life."	89:24	वह कहेगा, "ऐ काश! मैंने अपने जीवन के लिए कुछ करके आगे भेजा होता।"	अवज्ञाकारी व्यक्ति अपने कृत्यों पर पछताएगा।
Fayawmaithin la yuAAaththibu AAathabahu ahadun	Those who disobeyed Allah will be punished severely.	So on that Day, none will punish [as severely] as His punishment,	89:25	फिर उस दिन कोई नहीं जो उसकी जैसी यातना दे,	जो लोग अल्लाह की अवज्ञा करेंगे उन्हें कठोर सज़ा दी जाएगी।
Wala yoothiqu wathaqahu ahadun	x	And none will bind [as severely] as His binding [of the evildoers].	89:26	और कोई नहीं जो उसकी जकड़बन्द की तरह बाँधे	x
Ya ayyatuha alnnafsu almutmainnatu	**[What will enter heaven /Hell: Only soul 89:27, Body and soul 37:66, 56:52-54, 75:3, 88:6-7]**	[To the righteous it will be said], "O reassured soul,	89:27	"ऐ संतुष्ट आत्मा!	**[स्वर्ग/नरक में क्या प्रवेश करेगा: केवल आत्मा (89:27), शरीर और आत्मा दोनों (37:66, 56:52–54, 75:3, 88:6–7)]**

IrjiAAee ila rabbiki radiyatan mardiyyatan	x	Return to your Lord, well-pleased and pleasing [to Him],	89:28	लौट अपने रब की ओर, इस तरह कि तू उससे राज़ी है वह तुझसे राज़ी है। अतः मेरे बन्दों में सम्मिलित हो जा। -	x
Faodkhulee fee AAibadee	x	And enter among My [righteous] servants	89:29	अतः मेरे बन्दों में सम्मिलित हो जा	x
Waodkhulee jannatee	x	And enter My Paradise."	89:30	और प्रवेश कर मेरी जन्नत में।"	x
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Al-Balad (The City), This surah was sent down in the period when the disbelievers of Makkah had resolved to oppose the Holy Prophet.**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**90:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अल-बलद (शहर), यह सूरह उस समय भेजी गई थी जब मक्का के मूर्तिपूजकों ने पवित्र पैगंबर का विरोध करने का फैसला कर लिया था।**
La oqsimu bihatha albaladi	**[Makkah is not written in arabic, city is written; Why would Allah swear.]**	I swear by this city, Makkah -	90:1	सुनो! मैं क़सम खाता हूँ इस नगर (मक्का) की -	**[मक्का अरबी में नहीं लिखा गया है, नगर लिखा है; अल्लाह क्यों कसम खाएंगे।]**
Waanta hillun bihatha albaladi	This means: “O Muhammad! It is permissible for you to fight” in this city.	And you, [O Muhammad], are free of restriction in this city -	90:2	हाल यह है कि तुम इसी नगर में रह रहे हो -	इसका मतलब है: “हे मुहम्मद! इस शहर में तुम्हारे लिए लड़ना जायज़ है।”
Wawalidin wama walada	This means “by the father, is Adam, and that which he begot is his children. Some says this refers to Ibrahim or any father and his progeny. **[Obviously this verse is not very clear.]**	And [by] the father and that which was born [of him],	90:3	और बाप और उसकी सन्तान की,	इसका मतलब है “बाप, आदम हैं। कुछ कहते हैं कि यह इब्राहीम या किसी पिता और उसके वंश का उल्लेख करता है। **[स्पष्ट रूप से यह आयत बहुत स्पष्ट नहीं है।]**
Laqad khalaqna alinsana fee kabadin	x	We have certainly created man into hardship.	90:4	निस्संदेह हमने मनुष्य को पूर्ण मशक़्क़त (अनुकूलता और सन्तुलन) के साथ पैदा किया	x

Ayahsabu an lan yaqdira AAalayhi ahadun	Meaning that "no one is able to take his wealth."	Does he think that never will anyone overcome him?	90:5	क्या वह समझता है कि उसपर किसी का बस न चलेगा?	इसका अर्थ है कि 'कोई भी उसका धन लेने में सक्षम नहीं है।'
Yaqoolu ahlaktu malan lubadan	x	He says, "I have spent wealth in abundance."	90:6	कहता है कि "मैंने ढेरो माल उड़ा दिया।"	x
Ayahsabu an lam yarahu ahadun	Does he think that Allah does not see him.	Does he think that no one has seen him?	90:7	क्या वह समझता है कि किसी ने उसे देखा नहीं?	क्या वह सोचता है कि अल्लाह उसे नहीं देखता।
Alam najAAal lahu AAaynayni	x	Have We not made for him two eyes?	90:8	क्या हमने उसे नहीं दी दो आँखें,	x
Walisanan washafatayni	x	And a tongue and two lips?	90:9	और एक ज़बान और दो होंठ?	x
Wahadaynahu alnnajdayni	Means the ability to distinguish between good and evil.	And have shown him the two ways?	90:10	और क्या ऐसा नहीं है कि हमने दिखाई उसे दो ऊँचाइयाँ?	अच्छाई और बुराई के बीच भेद करने की क्षमता को दर्शाता है।
Fala iqtahama alAAaqabata	This means will he not traverse upon the path which contains salvation and good.	But he has not broken through the difficult pass.	90:11	किन्तु वह तो हुमककर घाटी में से गुज़रा ही नहीं और (न उसने मुक्ति का मार्ग पाया)	इसका मतलब है कि क्या वह उस मार्ग पर नहीं चलेगा जिसमें मोक्ष और भलाई है।
Wama adraka ma alAAaqabatu	x	And what can make you know what is [breaking through] the difficult pass?	90:12	और तुम्हें क्या मालूम कि वह घाटी क्या है!	x
Fakku raqabatin	x	It is the freeing of a slave	90:13	किसी गरदन का छुड़ाना	x
Aw itAAamun fee yawmin thee masghabatin	x	Or feeding on a day of severe hunger	90:14	या भूख के दिन खाना खिलाना	x
Yateeman tha maqrabatin	x	An orphan of near relationship	90:15	किसी निकटवर्ती अनाथ को,	x
Aw miskeenan tha matrabatin	x	Or a needy person in misery	90:16	या धूल-धूसरित मुहताज को;	x

Thumma kana mina allatheena amanoo watawasaw bialssabri watawasaw bialmarhamati	x	And then being among those who believed and advised one another to patience and advised one another to compassion.	90:17	फिर यह कि वह उन लोगों में से हो जो ईमान लाए और जिन्होंने एक-दूसरे को धैर्य की ताकीद की , और एक-दूसरे को दया की ताकीद की	x
Olaika ashabu almaymanati	Those going to Paradise.	Those are the companions of the right.	90:18	वही लोग है सौभाग्यशाली	जो लोग स्वर्ग जा रहे हैं।
Waallatheena kafaroo biayatina hum ashabu almashamati	Those going to Hell.	But they who disbelieved in Our signs - those are the companions of the left.	90:19	रहे वे लोग जिन्होंने हमारी आयातों का इनकार किया, वे दुर्भाग्यशाली लोग है	जो लोग नरक जा रहे हैं।
AAalayhim narun musadatun	x	Over them will be fire closed in.	90:20	उनपर आग होगी, जिसे बन्द कर दिया गया होगा	x
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Ash-Shams (The Sun), This was revealed in the earliest period at Makkah at a stage when opposition to the Holy Prophet was strong.**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**91:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अश-शम्स (सूरज), यह मैक़्का में प्रारंभिक अवधि में प्रकट हुआ था, जब पवित्र नबी के खिलाफ विरोध मजबूत था।**
Waalshshamsi waduhaha	**[Allah swears by the sun in this verse, and then the moon (91:2), the day (91:3), the night (91:4), heaven (91:5), earth (91:6), and the soul (91:7). See 34:3 and 54:1.]**	By the sun and its brightness	91:1	साक्षी है सूर्य और उसकी प्रभा,	[इस आयत में अल्लाह सूरज की कसम खाता है, और फिर चाँद (91:2), दिन (91:3), रात (91:4), आकाश (91:5), धरती (91:6), और आत्मा (91:7) की। देखें 34:3 और 54:1]
Waalqamari itha talaha	**[Moon does not follows the Sun.]**	And [by] the moon when it follows it	91:2	और चन्द्रमा जबकि वह उनके पीछे आए,	**[चाँद सूर्य का पीछा नहीं करता।]**
Waalnnahari itha jallaha	x	And [by] the day when it displays it	91:3	और दिन, जबकि वह उसे प्रकट कर दे,	x
Waallayli itha yaghshaha	**[Night does not cover the day.]**	And [by] the night when it covers it	91:4	और रात, जबकि वह उसको ढाँक ले	**[रात दिन को ढकती नहीं है।]**

Waalssamai wama banaha	**"ma" should be "man" in arabic.**	And [by] the sky and He who constructed it	91:5	और आकाश और जैसा कुछ उसे उठाया,	**[अरबी में "मा" को "मन" होना चाहिए]**
Waalardi wama tahaha	**[Earth is a wide, flat expanse; no where it is mentioned that it is a sphere.]**	And [by] the earth and He who spread it	91:6	और धरती और जैसा कुछ उसे बिछाया	**[पृथ्वी एक समतल विस्तार है; कहीं नहीं लिखा कि यह एक गोला है।]**
Wanafsin wama sawwaha	x	And [by] the soul and He who proportioned it	91:7	और आत्मा और जैसा कुछ उसे सँवारा	x
Faalhamaha fujooraha wataqwaha	Inside the soul the Creator has placed in it tendencies to both good and evil.	And inspired it [with discernment of] its wickedness and its righteousness,	91:8	फिर उसके दिल में डाली उसकी बुराई और उसकी परहेज़गारी	आत्मा के अंदर सृजनहार ने उसमें अच्छे और बुरे दोनों रुझान रखे हैं।
Qad aflaha man zakkaha	x	He has succeeded who purifies it,	91:9	सफल हो गया जिसने उसे विकसित किया	x
Waqad khaba man dassaha	x	And he has failed who instills it [with corruption].	91:10	और असफल हुआ जिसने उसे दबा दिया	x
Kaththabat thamoodu bitaghwaha	On Thamud and the camel of Allah, see 11:64, 26:155, 91:11-14.	Thamud denied [their prophet] by reason of their transgression,	91:11	समूद ने अपनी सरकशी से झुठलाया,	समूद और अल्लाह के ऊँट के बारे में देखें, 11:64, 26:155, 91:11-14।
Ithi inbaAAatha ashqaha	Meaning, the most wicked person of the tribe, the one who killed the she camel.	When the most wretched of them was sent forth.	91:12	जब उनमें का सबसे बड़ा दुर्भाग्यशाली उठ खड़ा हुआ,	अर्थात्, कबीले का सबसे दुष्ट व्यक्ति, वह जिसने मादा ऊँट को मार डाला।
Faqala lahum rasoolu Allahi naqata Allahi wasuqyaha	x	And the messenger of Allah [Salih] said to them, "[Do not harm] the she-camel of Allah or [prevent her from] her drink."	91:13	तो अल्लाह के रसूल ने उनसे कहा, "सावधान, अल्लाह की ऊँटनी और उसके पिलाने (की बारी) से।"	x

Fakaththaboohu faAAaqarooha fadamdama AAalayhim rabbuhum bithanbihim fasawwaha	They killed the she-camel that Allah had brought out of the rock as a sign for them. Allah destroyed them all with the punishment.	But they denied him and hamstrung her. So their Lord brought down upon them destruction for their sin and made it equal [upon all of them].	91:14	किन्तु उन्होंने उसे झुठलाया और उस ऊँटनी की कूचें काट डाली। अन्ततः उनके रब ने उनके गुनाह के कारण उनपर तबाही डाल दी और उन्हें बराबर कर दिया	उन्होंने उस ऊंट को मार डाला जिसे अल्लाह ने उनके लिए एक संकेत के रूप में चट्टान से बाहर लाया था। अल्लाह ने उन सभी को सजा के साथ नष्ट कर दिया।
Wala yakhafu AAuqbaha	Allah does not fear any consequences from anyone else.	And He does not fear the consequence thereof.	91:15	और उसे उसके परिणाम का कोई भय नहीं	अल्लाह किसी और से, किसी भी परिणाम से नहीं डरते।
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Al-Layl (The Night)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**92:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अल-ल़ैल (रात)**
Waallayli itha yaghsha	**[How night can cover the day.]**	By the night when it covers	92:1	साक्षी है रात जबकि वह छा जाए,	**[रात कैसे दिन को ढक सकती है।]**
Waalnnahari itha tajalla	x	And [by] the day when it appears	92:2	और दिन जबकि वह प्रकाशमान हो,	x
Wama khalaqa alththakara waalontha	According to Hadith if the woman climaxes first, it becomes a girl, but if the man was first, it becomes a boy. Hadith an-Nasa'i 200	And [by] He who created the male and female,	92:3	और नर और मादा का पैदा करना,	हदीस के अनुसार अगर महिला पहले चरमोत्कर्ष तक पहुँचती है, तो संतान लड़की होती है, लेकिन अगर पुरुष पहले पहुँचता है, तो संतान लड़का होती है। हदीस: अन-नसाई 200।
Inna saAAyakum lashatta	Some Humans do good and some do evil.	Indeed, your efforts are diverse.	92:4	कि तुम्हारा प्रयास भिन्न-भिन्न है	कुछ इंसान अच्छे काम करते हैं और कुछ बुरे।
Faamma man aAAta waittaqa	x	As for he who gives and fears Allah	92:5	तो जिस किसी ने दिया और डर रखा,	x
Wasaddaqa bialhusna	x	And believes in the best [reward],	92:6	और अच्छी चीज़ की पुष्टि की,	x

Fasanuyassiruhu lilyusra	x	We will ease him toward ease.	92:7	हम उस सहज ढंग से उस चीज का पात्र बना देंगे, जो सहज और मृदुल (सुख-साध्य) है	x
Waamma man bakhila waistaghna	Means, a person who thinks himself as self sufficient.	But as for he who withholds and considers himself free of need	92:8	रहा वह व्यक्ति जिसने कंजूसी की और बेपरवाही बरती,	मतलब, एक ऐसा व्यक्ति जो खुद को आत्मनिर्भर समझता है।
Wakaththaba bialhusna	x	And denies the best [reward],	92:9	और अच्छी चीज़ को झुठला दिया,	x
Fasanuyassiruhu lilAAusra	**[Allah will guide such person towards Hell.]**	We will ease him toward difficulty.	92:10	हम उसे सहज ढंग से उस चीज़ का पात्र बना देंगे, जो कठिन चीज़ (कष्ट-साध्य) है	**[अल्लाह ऐसे व्यक्ति को नरक की ओर मार्गदर्शन करेंगे।]**
Wama yughnee AAanhu maluhu itha taradda	Means his wealth will be of no use when he die.	And what will his wealth avail him when he falls?	92:11	और उसका माल उसके कुछ काम न आएगा, जब वह (सिर के बल) खड्ड में गिरेगा	अर्थात उसकी संपत्ति उसकी मृत्यु के समय किसी काम की नहीं होगी।
Inna AAalayna lalhuda	All the matter of guidance is in hands of Allah.	Indeed, [incumbent] upon Us is guidance.	92:12	निस्संदेह हमारे ज़िम्मे है मार्ग दिखाना	सभी मार्गदर्शन का मामला अल्लाह के हाथ में है।
Wainna lana lalakhirata waaloola	“the last” with “the hereafter” and “the first” with “this world.”	And indeed, to Us belongs the Hereafter and the first [life].	92:13	और वास्तव में हमारे अधिकार में है आख़िरत और दुनिया भी	x
Faanthartukum naran talaththa	Fire means Hell. **[Here there is sudden change from We to I. Who is speaking here Allah or Prophet.]**	So I have warned you of a Fire which is blazing.	92:14	अतः मैंने तुम्हें दहकती आग से सावधान कर दिया	आग का मतलब नरक है। **[यहाँ 'हम' से 'मैं' में अचानक बदलाव हो रहा है। यहाँ कौन बोल रहा है, अल्लाह या पैगंबर।]**
La yaslaha illa alashqa	**[However, Quran also says that majority of mankind will land in Hell.]**	None will [enter to] burn therein except the most wretched one.	92:15	इसमें बस वही पड़ेगा जो बड़ा ही अभागा होगा,	**[हालाँकि, क़ुरआन यह भी कहता है कि मानव जाति का बहुमत नरक में जाएगा।]**
Allathee kaththaba watawalla	x	Who had denied and turned away.	92:16	जिसने झुठलाया और मुँह फेरा	x
Wasayujannabuha alatqa	x	But the righteous one will avoid it -	92:17	और उससे बच जाएगा वह अत्यन्त परहेज़गार व्यक्ति,	x

Allathee yutee malahu yatazakka	Mean, spends in the way of Allah.	[He] who gives [from] his wealth to purify himself	92:18	जो अपना माल देकर अपने आपको निखारता है	मतलब, अल्लाह के मार्ग में खर्च करता है।
Wama liahadin AAindahu min niAAmatin tujza	Upon embracing Islam, Bilal (ra) desacrated the idols [of the Kabah]. The idolaters took Bilal and tortured him in the desert. Abu Bakr took with him a pound of gold and went and bought Bilal. The idolaters said: 'Abu Bakr did this only because he is obliged to Bilal for a favour. Then these verses (92:19-21) were revealed.	And not [giving] for anyone who has [done him] a favor to be rewarded	92:19	और हाल यह है कि किसी का उसपर उपकार नहीं कि उसका बदला दिया जा रहा हो,	इस्लाम स्वीकार करने के बाद, बिलाल (रअ) ने मूरतों [काबा की] का अपमान किया। मूर्तिपूजकों ने बिलाल को पकड़ लिया और उसे रेगिस्तान में कष्ट दिया। अबू बकर एक पाउंड सोना साथ लेकर गए और बिलाल को खरीद लिया। मूर्तिपूजकों ने कहा: 'अबू बकर ने यह केवल इसलिए किया क्योंकि वह बिलाल के प्रति ऋणी हैं।' फिर ये आयतें (92:19-21) प्रकट हुईं।
Illa ibtighaa wajhi rabbihi alaAAla	It means wealth should not given to gain some favor from someone, but to seek blessing from Allah.	But only seeking the countenance of his Lord, Most High.	92:20	बल्कि इससे अभीष्ट केवल उसके अपने उच्च रब के मुख (प्रसन्नता) की चाह है	इसका मतलब है कि धन किसी से कृपा पाने के लिए नहीं देना चाहिए, बल्कि अल्लाह की आशीर्वाद पाने के लिए देना चाहिए।
Walasawfa yarda	x	And he is going to be satisfied.	92:21	और वह शीघ्र ही राज़ी हो जाएगा	x
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Ad-Duha (The Morning)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**93:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अल-दुहाः (सुबह)**
Waaldduha	x	By the morning brightness	93:1	साक्षी है चढ़ता दिन,	x
Waallayli itha saja	x	And [by] the night when it covers with darkness,	93:2	और रात जबकि उसका सन्नाटा छा जाए	x

Ma waddaAAaka rabbuka wama qala	This verse was revealed when revelations stopped coming from sometimes after the death of Waraqa Bin Noufal and people started saying that Allah has left muhammad (pbuh), which caused the him to be deeply distressed and grieved.	Your Lord has not taken leave of you, [O Muhammad], nor has He detested [you].	93:3	तुम्हारे रब ने तुम्हें न तो विदा किया और न वह बेज़ार (अप्रसन्न) हुआ	यह आयत तब प्रकट हुई जब कुछ समय के लिए ज्ञानवचन समाप्त हो गए थे, वाराक़ा बिन नुफाल की मृत्यु के बाद, और लोगों ने कहना शुरू कर दिया कि अल्लाह ने मुहम्मद (स.) को छोड़ दिया है, जिससे वे गहरे दुख और पीड़ा में पड़ गए। देखें बुख़ारी 3, 1125
Walalakhiratu khayrun laka mina aloola	The Prophet (pbuh) was shown what was going to be bestowed upon him and his community after him, and he was delighted.	And the Hereafter is better for you than the first [life].	93:4	और निश्चय ही बाद में आनेवाली (अवधि) तुम्हारे लिए पहलेवाली से उत्तम है	नबी (स.) को दिखाया गया कि उनके और उनके बाद की उनकी समुदाय पर क्या अनुग्रह किया जाएगा, और वह खुश हुए।
Walasawfa yuAAteeka rabbuka fatarda	Allah gave him one thousand castles of pearls whose floors are made of musk which contain everything he requires of spouses and servants.	And your Lord is going to give you, and you will be satisfied.	93:5	और शीघ्र ही तुम्हारा रब तुम्हें प्रदान करेगा कि तुम प्रसन्न हो जाओगे	अल्लाह ने उसे एक हज़ार मोती के महल दिए जिनके फर्श कस्तूरी से बने हैं और जिनमें उसे जो कुछ भी पत्नियों और नौकरों के रूप में चाहिए सब कुछ है।
Alam yajidka yateeman faawa	Messenger (pbuh) said: “I have asked my Lord for something, I wish I had not asked for (reminding Him about the miracles of earlier prophets).” Allah responded by sending this verse.	Did He not find you an orphan and give [you] refuge?	93:6	क्या ऐसा नहीं कि उसने तुम्हें अनाथ पाया तो ठिकाना दिया?	रसूल (स.) ने कहा: “मैंने अपने रब से कुछ माँगा था , जिसको मुझे माँगना नहीं चाहिए था (पहले के नबी के चमत्कारों की याद दिलाते हुए)।” अल्लाह ने इस आयत को भेजकर उत्तर दिया।
Wawajadaka dallan fahada	x	And He found you lost and guided [you],	93:7	और तुम्हें मार्ग से अपरिचित पाया तो मार्ग दिखाया?	x

Wawajadaka AAailan faaghna	This refers to the fact that prophet's father died while his mother was still pregnant, and his mother, Aminah bint Wahb died when he was only six years old.	And He found you poor and made [you] self-sufficient.	93:8	और तुम्हें निधन पाया तो समृद्ध कर दिया?	इसका मतलब है कि पैगंबर के पिता का निधन तब हो गया जब उनकी माता अभी भी गर्भवती थीं, और उनकी माता, आमिनाह बिंत वहब, का निधन तब हो गया जब वे केवल छह साल के थे।
Faamma alyateema fala taqhar	x	So as for the orphan, do not oppress [him].	93:9	अतः जो अनाथ हो उसे मत दबाना,	x
Waamma alssaila fala tanhar	Means don't drive the beggar away.	And as for the petitioner, do not repel [him].	93:10	और जो माँगता हो उसे न झिझकना,	मतलबी यह है कि भिखारी को भगा मत दो ।
Waamma biniAAmati rabbika fahaddith	One should be thankful to Allah.	But as for the favor of your Lord, report [it].	93:11	और जो तुम्हें रब की अनुकम्पा है, उसे बयान करते रहो	इन्सान को अल्लाह का शुकरगुजार होना चाहिए।
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Al-Inshira (The Expansion), Subject matter closely resembles that of Surah Ad-Duha (surah 93)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**94:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अल-इंशिराह (विस्तार) – इसका विषय सूरह अल-दुहा (सूरह 93) के विषय से बहुत मिलता-जुलता है।**
Alam nashrah laka sadraka	This means, Allah illuminated his breast and made it spacious.	Did We not expand for you, [O Muhammad], your breast?	94:1	क्या ऐसा नहीं कि हमने तुम्हारा सीना तुम्हारे लिए खोल दिया?	इसका अर्थ है कि अल्लाह ने उनके सीने को रोशन किया और उसे विशाल बना दिया।
WawadaAAna AAanka wizraka	That Allah forgiven past sins of prophet and the future sins.	And We removed from you your burden	94:2	और तुमपर से तुम्हारा बोझ उतार दिया,	इसका अर्थ है कि अल्लाह ने पैग़म्बर मुहम्मद (स.) के पिछले पापों को भी माफ़ किया और भविष्य के पापों को भी।
Allathee anqada thahraka	means the sins.	Which had weighed upon your back	94:3	जो तुम्हारी कमर तोड़े डाल रहा था?	इसका अर्थ है पाप।

WarafaAAna laka thikraka	Allah elevated the remembrance of the Prophet Muhammad both in this world as well as in the hereafter. **[Whether prophet (pbuh) was a common man or not: Common, 18:110, 38:65, 46:9, 6:50; Special status: 21:107, 94:4, 4:80, 33:56]**	And raised high for you your repute.	94:4	और तुम्हारे लिए तुम्हारे ज़िक्र को ऊँचा कर दिया?	अर्थ है कि अल्लाह ने पैग़म्बर मुहम्मद (स.) की याद को इस दुनिया और आने वाले जीवन दोनों में ऊँचा किया। [पैग़म्बर (स.) आम इंसान थे या नहीं: आम इंसान, 18:110, 38:65, 46:9, 6:50; विशेष स्थान: 21:107, 94:4, 4:80, 33:56]
Fainna maAAa alAAusri yusran	Tafsir al-Jalalayn explains that the prophet "experienced harshness from the unbelievers but then had ease when he was given victory over them."	For indeed, with hardship [will be] ease.	94:5	अतः निस्संदेह कठिनाई के साथ आसानी भी है	तफ़सीर अल-जालालैन में बताया गया है कि पैग़म्बर (स.) "काफ़िरों से कठिनाई का सामना करते रहे, लेकिन जब उन्हें उनकी विजय दी गई तो उन्हें सहजता और राहत प्राप्त हुई।"
Inna maAAa alAAusri yusran	x	Indeed, with hardship [will be] ease.	94:6	निस्संदेह कठिनाई के साथ आसानी भी है	x
Faitha faraghta fainsab	x	So when you have finished [your duties], then stand up [for worship].	94:7	अतः जब निवृत हो तो परिश्रम में लग जाओ,	x
Waila rabbika fairghab	He devoted himself to Allah's worship.	And to your Lord direct [your] longing.	94:8	और अपने रब से लौ लगाओ	उन्होंने पूरी तरह से अल्लाह की उपासना में अपना समर्पण कर दिया।
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**At-Tin (The Fig)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**95:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अत-तीन (अंजीर)**

Waaltteeni waalzzaytooni	According to Ibn Kathir, “the fig” refers to the mosque of Noah “that was built upon Mount Al-Judi” in Turkey, where Noah’s ark is said to have come to rest. “The olive,” is the Al-Aqsa Mosque in Jerusalem. Also see 17:1.	By the fig and the olive	95:1	साक्षी है तीन और ज़ैतून	इब्न क़थीर के अनुसार, “अंजीर” उस मस्जिद का संकेत है जो नूह की थी और जिसे तुर्की के अल-जुडी पर्वत पर बनाया गया था, जहाँ कहा जाता है कि नूह की जहाज़ (क़िब्त) ठहरी थी। “ज़ैतून” का मतलब है यरूशलेम की अल-अक़्सा मस्जिद। इसी संदर्भ में सूरह 17:1 को भी देखें।
Watoori seeneena	Mount Sinai where Allah spoke to Prophet Moses.	And [by] Mount Sinai	95:2	और तूर सीनीन,	सीनाई पर्वत, जहाँ अल्लाह ने पैग़म्बर मूसा (स.) से बात की थी।
Wahatha albaladi alameeni	x	And [by] this secure city [Makkah],	95:3	और यह शान्तिपूर्ण भूमि (मक्का)	x
Laqad khalaqna alinsana fee ahsani taqweemin	x	We have certainly created man in the best of stature;	95:4	निस्संदेह हमने मनुष्य को सर्वोत्तम संरचना के साथ पैदा किया	x
Thumma radadnahu asfala safileena	It is Allah who raised man high and then reduced him to the lowest of the low, except for the believers. See 7:179, 10:99, and 32:13.	Then We return him to the lowest of the low,	95:5	फिर हमने उसे निकृष्टतम दशा की ओर लौटा दिया, जबकि वह स्वयं गिरनेवाला बना	यह अल्लाह ही है जिसने इंसान को ऊँचा उठाया और फिर उसे सबसे नीचों में गिरा दिया, सिवाय उन लोगों के जो ईमान वाले हैं। देखें: 7:179, 10:99, और 32:13।
Illa allatheena amanoo waAAamiloo alssalihati falahum ajrun ghayru mamnoonin	x	Except for those who believe and do righteous deeds, for they will have a reward uninterrupted.	95:6	सिवाय उन लोगों के जो ईमान लाए और जिन्होंने अच्छे कर्म किए, तो उनके लिए कभी न समाप्त होनेवाला बदला है	x
Fama yukaththibuka baAAdu bialddeeni	x	So what yet causes you to deny the Recompense?	95:7	अब इसके बाद क्या है, जो बदले के विषय में तुम्हें झुठलाए?	x
Alaysa Allahu biahkami	x	Is not Allah the most just of judges?	95:8	क्या अल्लाह सब हाकिमों से बड़ा हाकिम नहीं हैं?	x

Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Al-Alaq (The Clot)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**96:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अल-अलक़ (रक्त का लोथड़ा)**
Iqra biismi rabbika allathee khalaqa	Most scholars agree that this is first revelation of Quran. Some say first revelation was Bismillah Rahman Rahim. Some say "O thou enveloped in thy cloak, arise and warn [74:1-2]" was first. See Sahih Bukhari 6982	Recite in the name of your Lord who created -	96:1	पढ़ो, अपने रब के नाम के साथ जिसने पैदा किया,	अधिकांश विद्वानों का मत है कि यह क़ुरआन की पहली वह्री (प्रकाशना) थी। कुछ लोग कहते हैं कि पहली वह्री "बिस्मिल्लाहिर-रहमानिर-रहीम" थी। कुछ का कहना है कि "ऐ चादर ओढ़ने वाले! उठो और चेतावनी दो" (74:1-2) पहली वह्री थी। देखें: सहीह बुख़ारी 6982।
Khalaqa alinsana min AAalaqin	Alaqa meaning blood clot; new translations mention it as clinging substance. **[Nowhere ovum or zygote mentioned in Quran and Hadith. In hadith the creation of embryo is described to be due to mixing of male and female fluid.]**	Created man from a clinging substance.	96:2	पैदा किया मनुष्य को जमे हुए ख़ून के एक लोथड़े से	अलक़ा का अर्थ "ख़ून का लोथड़ा" बताया गया है; जबकि कुछ नई अनुवादों में इसे "चिपकने वाली वस्तु" कहा गया है। **[क़ुरआन और हदीस में कहीं भी "ओवम (अंडाणु)" या " ज़ाइगोट" का उल्लेख नहीं मिलता। हदीस में भ्रूण की उत्पत्ति को पुरुष और स्त्री के द्रव के मिश्रण से बताया गया है।]**
Iqra warabbuka alakramu	x	Recite, and your Lord is the most Generous -	96:3	पढ़ो, हाल यह है कि तुम्हारा रब बड़ा ही उदार है,	x
Allathee AAallama bialqalami	x	Who taught by the pen -	96:4	जिसने क़लम के द्वारा शिक्षा दी,	x
AAallama alinsana ma lam yaAAlam	x	Taught man that which he knew not.	96:5	मनुष्य को वह ज्ञान प्रदान किया जिस वह न जानता था	x
Kalla inna alinsana layatgha	Man is most evil and transgressive when he considers himself self-sufficient and having an abundance of wealth.	No! [But] indeed, man transgresses	96:6	कदापि नहीं, मनुष्य सरकशी करता है,	मनुष्य सबसे अधिक बुरा और सीमा लांघने वाला तब हो जाता है, जब वह अपने आपको आत्मनिर्भर समझता है और अपने पास धन की बहुतायत मानता है।

An raahu istaghna	x	Because he sees himself self-sufficient.	96:7	इसलिए कि वह अपने आपको आत्मनिर्भर देखता है	x
Inna ila rabbika alrrujAAa	Meaning unto Allah is the final destination and return.	Indeed, to your Lord is the return.	96:8	निश्चय ही तुम्हारे रब ही की ओर पलटना है	अर्थात अंतिम ठिकाना और वापसी अल्लाह ही की ओर है।
Araayta allathee yanha	This refers to Abu Jahl who threatened the Prophet (pbuh) for performing Salah (Islamic prayer) at the Kabah.	Have you seen the one who forbids	96:9	क्या तुमने देखा उस व्यक्ति को	यह अबू जहल के बारे में है, जिसने काबा में नमाज़ (सला) अदा करने पर पैग़म्बर मुहम्मद (स.) को धमकी दी थी।
AAabdan itha salla	"A servant when he prays" refers to Prophet (pbuh).	A servant when he prays?	96:10	जो एक बन्दे को रोकता है, जब वह नमाज़ अदा करता है? -	“एक बन्दे” से आशय पैग़म्बर मुहम्मद (स.) से है।
Araayta in kana AAala alhuda	x	Have you seen if he is upon guidance	96:11	तुम्हारा क्या विचार है? यदि वह सीधे मार्ग पर हो,	x
Aw amara bialttaqwa	x	Or enjoins righteousness?	96:12	या परहेज़गारी का हुक्म दे (उसके अच्छा होने में क्या संदेह है)	x
Araayta in kaththaba watawalla	x	Have you seen if he denies and turns away -	96:13	तुम्हारा क्या विचार है? यदि उस (रोकनेवाले) ने झुठलाया और मुँह मोड़ा (तो उसके बुरा होने में क्या संदेह है) -	x
Alam yaAAlam bianna Allaha yara	x	Does he not know that Allah sees?	96:14	क्या उसने नहीं जाना कि अल्लाह देख रहा है?	x
Kalla lain lam yantahi lanasfaAAan	Meaning, if Abu Jahl does not recant from his discord and obstinacy,	No! If he does not desist, We will surely drag him by the forelock -	96:15	कदापि नहीं, यदि वह बाज़ न आया तो हम चोटी पकड़कर घसीटेंगे,	अर्थात, यदि अबू जहल अपनी विरोधता और हठधर्मिता से बाज़ नहीं आता
Nasiyatin kathibatin khatiatin	x	A lying, sinning forelock.	96:16	झूठी, ख़ताकार चोटी	x

FalyadAAu nadiyahu	The Prophet (pbuh) was praying when Abu Jahl came to him and said: 'Did we not warn you against this?' The Prophet (pbuh) went to him and spoke to him harshly. Abu Jahl retaliated by saying: 'Indeed, you know very well that there is no one in Mecca who has more guards than me.	Then let him call his associates;	96:17	अब बुला ले वह अपनी मजलिस को!	पैग़म्बर मुहम्मद (स.) नमाज़ पढ़ रहे थे, तभी अबू जहल उनके पास आया और कहा: "क्या हमने तुम्हें इससे मना नहीं किया था?" तब पैग़म्बर मुहम्मद (स.) उसके पास गए और उससे कड़े शब्दों में बात की। इस पर अबू जहल ने जवाब दिया: "तुम अच्छी तरह जानते हो कि मक्का में मुझसे अधिक रक्षक (साथी) किसी के पास नहीं हैं।"
SanadAAu alzzabaniyata	Allah will ask him to call his people on Day of Judgment and He will call the guards of Hell.	We will call the angels of Hell.	96:18	हम भी बुलाए लेते है सिपाहियों को	क़ियामत के दिन अल्लाह उससे कहेंगे कि वह अपने लोगों को बुलाए, और अल्लाह जहन्नम के पहरेदारों को बुलाएँगे।
Kalla la tutiAAhu waosjud waiqtarib	x	No! Do not obey him. But prostrate and draw near [to Allah].	96:19	कदापि नहीं, उसकी बात न मानो और सजदे करते और क़रीब होते रहो	x
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Al-Qadr (The Power)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**97:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अल-क़द्र (शक्ति / ताक़त)**

Inna anzalnahu fee laylati alqadri	Pickthall translates it as Night of Predestination. The night on which Muhammad received the first revelation of the Qur'an (96:1-5) is observed on the 27th night of Ramadan among Sunnis, and the 23rd night of Ramadan among Shiites. Allah magnified the status of the Night of Al-Qadr. The angels descend in abundance during the Night of Al-Qadr with the descending of blessings and	Indeed, We sent the Qur'an down during the Night of Decree.	97:1	हमने इसे क़द्र की रात में अवतरित किया	पिकथॉल ने इसका अनुवाद "तक़दीर की रात" किया है। जिस रात पैग़म्बर मुहम्मद (स.) को क़ुरआन की पहली वह्ही (96:1-5) प्राप्त हुई, उसे सुन्नियों के अनुसार रमज़ान की 27वीं रात और शियाओं के अनुसार रमज़ान की 23वीं रात को माना जाता है। अल्लाह ने लैलतुल-क़द्र के दर्जे को बहुत महान बनाया है। लैलतुल-क़द्र की रात फ़रिश्ते बड़ी संख्या में उतरते हैं और उनके साथ बरकत और रहमत भी उतरती है।
Wama adraka ma laylatu alqadri	x	And what can make you know what is the Night of Decree?	97:2	और तुम्हें क्या मालूम कि क़द्र की रात क्या है?	x
Laylatu alqadri khayrun min alfi shahrin	The Prophet (pbuh) mentioned an Israelite who fought for the sake of Allah for a thousand months. Then he said, the Night of Power is better than the months in which that man fought.	The Night of Decree is better than a thousand months.	97:3	क़द्र की रात उत्तम है हज़ार महीनों से,	पैग़म्बर मुहम्मद (स.) ने एक इस्राइली व्यक्ति का उल्लेख किया जो अल्लाह की राह में एक हज़ार महीनों तक लड़ता रहा। फिर उन्होंने कहा कि लैलतुल-क़द्र उस अवधि से भी बेहतर है जिन महीनों में वह व्यक्ति लड़ता रहा।
Tanazzalu almalaikatu waalrroohu feeha biithni rabbihim min	x	The angels and the Spirit descend therein by permission of their Lord for every matter.	97:4	उसमें फ़रिश्तें और रूह हर महत्वपूर्ण मामलें में अपने रब की अनुमति से उतरते है	x
Salamun hiya hatta matlaAAi alfajri	x	Peace it is until the emergence of dawn.	97:5	वह रात पूर्णतः शान्ति और सलामती है, उषाकाल के उदय होने तक	x

Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Al-Bayyina (The Clear Proof)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**98:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अल-बय्यिनह (स्पष्ट प्रमाण)**
Lam yakuni allatheena kafaroo min ahli alkitabi waalmushrikeena munfakkeena hatta tatiyahumu albayyinatu	The Jews and Christians aren't going to forsake their falsehoods without clear proof. The unbelievers among the people of the book are the Jews and Christians who reject the messenger and do not become Muslims. See 2:62 and 57:27.	Those who disbelieved among the People of the Scripture and the polytheists were not to be parted [from misbelief] until there came to them clear evidence -	98:1	किताबवालों और मुशरिकों (बहुदेववादियों) में से जिन लोगों ने इनकार किया वे कुफ़्र (इनकार) से अलग होनेवाले नहीं जब तक कि उनके पास स्पष्ट प्रमाण न आ जाए;	यहूदियों और ईसाइयों के लिए स्पष्ट प्रमाण के बिना अपने असत्य विश्वासों को छोड़ना संभव नहीं था। अहले-किताब में जो अविश्वासी हैं, वे वे यहूदी और ईसाई हैं जो रसूल को अस्वीकार करते हैं और मुसलमान नहीं बनते। देखें: 2:62 और 57:27।
Rasoolun mina Allahi yatloo suhufan	The clear proof is the Messenger (pbuh) and the Qur'an.	A Messenger from Allah, reciting purified scriptures	98:2	अल्लाह की ओर से एक रसूल पवित्र पृष्ठों को पढ़ता हुआ;	स्पष्ट प्रमाण पैग़म्बर मुहम्मद (स.) और क़ुरआन हैं।
Feeha kutubun qayyimatun	Means Quran.	Within which are correct writings.	98:3	जिनमें ठोस और ठीक आदेश अंकित हों,	अर्थ: क़ुरआन।
Wama tafarraqa allatheena ootoo alkitaba illa min baAAdi ma jaathumu albayyinatu	The Tafsir al-Jalalayn claims that before Muhammad (pbuh) came, the people of the book used to agree that they would believe in him when he came. Those of them who rejected him envied him.	Nor did those who were given the Scripture become divided until after there had come to them clear evidence.	98:4	हालाँकि जिन्हें किताब दी गई थी। वे इसके पश्चात फूट में पड़े कि उनके पास स्पष्ट प्रमाण आ चुका था	तफ़्सीर अल-जलालैन के अनुसार, पैग़म्बर मुहम्मद (स.) के आने से पहले अहले-किताब कहा करते थे कि जब वह आएँगे तो वे उन पर ईमान लाएँगे। लेकिन उनमें से जिन लोगों ने उन्हें अस्वीकार किया, उन्होंने उनसे ईर्ष्या की।
Wama omiroo illa liyaAAbudoo Allaha mukhliseena lahu alddeena hunafaa wayuqeemoo alssalata wayutoo alzzakata wathalika deenu alqayyimati	x	And they were not commanded except to worship Allah, [being] sincere to Him in religion, inclining to truth, and to establish prayer and to give zakah. And that is the correct religion.	98:5	और उन्हें आदेश भी बस यही दिया गया था कि वे अल्लाह की बन्दगी करे निष्ठा एवं विनयशीलता को उसके लिए विशिष्ट करके, बिलकुल एकाग्र होकर, और नमाज़ की पाबन्दी करें और ज़कात दे। और यही है सत्यवादी समुदाय का धर्म	x

Inna allatheena kafaroo min ahli alkitabi waalmushrikeena fee nari jahannama khalideena feeha olaika hum sharru albariyyati	**[Qur'an's dehumanization of unbelievers. Also see 8:55]**	Indeed, they who disbelieved among the People of the Scripture and the polytheists will be in the fire of Hell, abiding eternally therein. Those are the worst of creatures.	98:6	निस्संदेह किताबवालों और मुशरिकों (बहुदेववादियों) में से जिन लोगों ने इनकार किया है, वे जहन्नम की आग में पड़ेगे; उसमें सदैव रहने के लिए। वही पैदा किए गए प्राणियों में सबसे बुरे है	[क़ुरआन में अविश्वासियों को अमानवीय रूप में प्रस्तुत करना। यह भी देखें: 8:55]
Inna allatheena amanoo waAAamiloo alssalihati olaika hum khayru	x	Indeed, they who have believed and done righteous deeds - those are the best of creatures.	98:7	किन्तु निश्चय ही वे लोग, जो ईमान लाए और उन्होंने अच्छे कर्म किए पैदा किए गए प्राणियों में सबसे अच्छे है	x
Jazaohum AAinda rabbihim jannatu AAadnin tajree min tahtiha alanharu khalideena feeha abadan radiya Allahu AAanhum waradoo AAanhu thalika liman	x	Their reward with Allah will be gardens of perpetual residence beneath which rivers flow, wherein they will abide forever, Allah being pleased with them and they with Him. That is for whoever has feared his	98:8	उनका बदला उनके अपने रब के पास सदाबहार बाग़ है, जिनके नीचे नहरें बह रही होंगी। उनमें वे सदैव रहेंगे। अल्लाह उनसे राज़ी हुआ और वे उससे राज़ी हुए। यह कुछ उसके लिए है, जो अपने रब से डरा	x
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Al-Zalzala (The Earthquake)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**99:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अज़-ज़लज़ला (भूकंप)**
Itha zulzilati alardu zilzalaha	The earth will shake on Day of Judgment.	When the earth is shaken with its [final] earthquake	99:1	जब धरती इस प्रकार हिला डाली जाएगी जैसा उसे हिलाया जाना है,	क़ियामत के दिन धरती हिलेगी।
Waakhrajati alardu athqalaha	Earth will throw out gold and silver. Thiefs and Murderers will come out committing their	And the earth discharges its burdens	99:2	और धरती अपने बोझ बाहर निकाल देगी,	धरती सोना और चाँदी बाहर फेंकेगी। चोर और हत्यारे अपने अपराधों के साथ बाहर आएँगे।

Waqala alinsanu ma laha	x	And man says, "What is [wrong] with it?" -	99:3	और मनुष्य कहेगा, "उसे क्या हो गया है?"	x
Yawmaithin tuhaddithu akhbaraha	The earth will testify against every person, male and female, to all that they did while on its surface. **[Earth will speak to**	That Day, it will report its news	99:4	उस दिन वह अपना वृत्तांत सुनाएगी,	धरती हर व्यक्ति, पुरुष और स्त्री, के खिलाफ गवाही देगी कि उन्होंने इसकी सतह पर रहते हुए क्या-क्या किया। **[धरती अल्लाह से बोलेगी।]**
Bianna rabbaka awha laha	x	Because your Lord has commanded it.	99:5	इस कारण कि तुम्हारे रब ने उसे यही संकेत किया होगा	x
Yawmaithin yasduru alnnasu ashtatan liyuraw aAAmalahum	Some will go to the right to the Paradise and some to the left to the Hell.	That Day, the people will depart separated [into categories] to be shown [the result of] their deeds.	99:6	उस दिन लोग अलग-अलग निकलेंगे, ताकि उन्हें कर्म दिखाए जाएँ	कुछ लोग दाहिनी ओर जाएंगे और जन्नत में प्रवेश करेंगे, और कुछ बाईं ओर जाएंगे और जहन्नम में।
Faman yaAAmal mithqala tharratin khayran yarahu	These two verses were revealed about two men. One of them deemed it unworthy to give beggars one date, a small piece of bread or one walnut, saying to himself: 'Such things are nothing. We only get rewarded when we give away something that we love'. The other man used to belittle minor sins such as small lies, backbiting and looking at that which is unlawful, saying to himself: 'No onus is on me because of engaging in this, for Allah threatens with hellfire only those who commit enormities'. **[Will Allah reward good deeds of non-Muslims: No,**	So whoever does an atom's weight of good will see it,	99:7	अतः जो कोई कणभर भी नेकी करेगा, वह उसे देख लेगा,	ये दो आयतें दो व्यक्तियों के बारे में नाज़िल हुईं। उनमें से एक ने भिखारियों को एक खजूर, एक छोटा सा रोटी का टुकड़ा या एक अखरोट देने को तुच्छ समझा और अपने आप से कहा: "ऐसी चीज़ें कुछ नहीं हैं। हमें केवल वही चीज़ें देने पर इनाम मिलता है जो हमें प्रिय हों।" दूसरा व्यक्ति छोटे-छोटे पापों जैसे छोटे झूठ, पीछे-पीठ बात करना और जो गैर-क़ानूनी है उसे देखना, को हल्के में लेता था और अपने आप से कहता: "इन चीज़ों में संलग्न होने का मुझ पर कोई बोझ नहीं, क्योंकि अल्लाह केवल बड़े पाप करने वालों को ही नरक की धमकी देता है।" **[गैर-मुसलमानों के अच्छे कामों का इनाम: नहीं – 9:17, 14:18; हाँ – 99:7-8]**

Waman yaAAmal mithqala tharratin sharran yarahu	x	And whoever does an atom's weight of evil will see it.	99:8	और जो कोई कणभर भी बुराई करेगा, वह भी उसे देख लेगा	x
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Al-Adiyat (The Snorting Horses), The Messenger (pbuh) sent a military expedition to a clan of Banu Kinanah. When their news was late to come, the hypocrites said: 'They have all been killed', and so this surah was revealed.**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**100:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अल-अदियात (हांफते हुए घोड़े), पैग़म्बर मुहम्मद (स.) ने बनू किनाना के एक क़बीले पर सैन्य अभियान भेजा। जब उनकी खबर देर से आई, तो मुनाफ़िक़ों ने कहा: "वे सभी मारे जा चुके हैं।" इसी कारण यह सूरह नाज़िल हुई।**
WaalAAadiyati dabhan	Allah swears by the horses when they are made to gallop into battle in His path (i.e., Jihad), and thus they run and pant, which is the sound that is heard from the horse when it	By the racers, panting,	100:1	साक्षी है जो हाँफते-फुँकार मारते हुए दौड़ते है,	अल्लाह उस समय के घोड़ों की क़सम खाते हैं जब उन्हें उसकी राह (जिहाद) में युद्ध के लिए दौड़ाया जाता है। इस प्रकार वे दौड़ते और हांफते हैं, और यही ध्वनि है जो घोड़े के दौड़ने पर सुनाई देती है।
Faalmooriyati qadhan	The striking of their hooves on the rocks, which causes sparks of fire to fly from them.	And the producers of sparks [when] striking	100:2	फिर ठोकरों से चिनगारियाँ निकालते है,	उनके खुरों का चट्टानों पर पड़ना, जिससे उनमें से आग की चिंगारियाँ उड़ती हैं।

Faalmugheerati subhan	As the Messenger of Allah used to perform raids in the early morning. He would wait to see if he heard the Adhan (call to prayer) from the people. If he heard it he would leave them alone, and if he didn't hear it he would attack. **[The decision of whether or not to attack was based on whether the people in question were Muslim or not.]**	And the chargers at dawn,	100:3	फिर सुबह सवेरे धावा मारते होते हैं,	जैसा कि अल्लाह के रसूल (स.) सुबह के समय छापेमारी किया करते थे। वे यह देखने के लिए रुकते थे कि क्या लोगों से अज़ान (नमाज़ के लिए बुलावा) सुनाई देती है। यदि उन्हें अज़ान सुनाई देती, तो वे उन्हें छोड़ देते; और यदि नहीं सुनाई देती, तो वे हमला करते। [हमले का निर्णय इस बात पर निर्भर करता था कि संबंधित लोग मुसलमान हैं या नहीं।]
Faatharna bihi naqAAan	Dust at the place of the battle with the horses.	Stirring up thereby [clouds of] dust,	100:4	उसमें उठाया उन्होंने गर्द-गुबार	घोड़ों के साथ युद्ध स्थल पर उड़ता धूल का बादल।
Fawasatna bihi jamAAan	This means into the midst of the disbelieving enemy.	Arriving thereby in the center collectively,	100:5	और इसी हाल में वे दल में जा घुसे	इसका अर्थ है कि अविश्वासी दुश्मनों के बीच में।
Inna alinsana lirabbihi lakanoodun	x	Indeed mankind, to his Lord, is ungrateful.	100:6	निस्संदेह मनुष्य अपने रब का बड़ा अकृतज्ञ है,	x
Wainnahu AAala thalika lashaheedun	x	And indeed, he is to that a witness.	100:7	और निश्चय ही वह स्वयं इसपर गवाह है!	x
Wainnahu lihubbi alkhayri lashadeedun	x	And indeed he is, in love of wealth, intense.	100:8	और निश्चय ही वह धन के मोह में बड़ा दृढ़ है	x
Afala yaAAlamu itha buAAthira ma fee alquboori	Meaning, the dead that are in it will be brought out.	But does he not know that when the contents of the graves are scattered	100:9	तो क्या वह जानता नहीं जब उगवला लिया जाएगा तो क़ब्रों में है	अर्थात, जो मृत लोग उसमें हैं, उन्हें बाहर निकाल दिया जाएगा।
Wahussila ma fee alssudoori	This means what was in their souls would be exposed and made apparent.	And that within the breasts is obtained,	100:10	और स्पष्ट अनावृत्त कर दिया जाएगा तो कुछ सीनों में है	इसका अर्थ है कि जो कुछ उनके दिलों में था, वह उजागर कर दिया जाएगा और प्रकट हो जाएगा।

Inna rabbahum bihim yawmaithin lakhabeerun	x	Indeed, their Lord with them, that Day, is [fully] Acquainted.	100:11	निस्संदेह उनका रब उस दिन उनकी पूरी ख़बर रखता होगा	x
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Al-Qariah (The Disaster)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**101:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अल-क़ारिआह (भयंकर आपदा)**
AlqariAAatu	Al-Qariah is one of the names of the Day of Judgement.	The Striking Calamity -	101:1	वह खड़खड़ानेवाली!	अल-क़ारिआह क़ियामत के दिन के नामों में से एक नाम है।
Ma alqariAAatu	x	What is the Striking Calamity?	101:2	क्या है वह खड़खड़ानेवाली?	x
Wama adraka ma alqariAAatu	x	And what can make you know what is the Striking Calamity?	101:3	और तुम्हें क्या मालूम कि क्या है वह खड़खड़ानेवाली?	x
Yawma yakoonu alnnasu kaalfarashi almabthoothi	x	It is the Day when people will be like moths, dispersed,	101:4	जिस दिन लोग बिखरे हुए पतंगों के सदृश हो जाएँगें,	x
Watakoonu aljibalu kaalAAihni almanfooshi	x	And the mountains will be like wool, fluffed up.	101:5	और पहाड़ धुन के हुए रंग-बिरंग के ऊन जैसे हो जाएँगे	x
Faamma man thaqulat mawazeenuhu	Then as for one whose scales are heavy, meaning, his good deeds are more than his bad deeds. See 7:8, 21:47.	Then as for one whose scales are heavy [with good deeds],	101:6	फिर जिस किसी के वज़न भारी होंगे,	फिर वह व्यक्ति जिसकी तराज़ू (अमल की) भारी होगी, अर्थात् जिसके नेक काम उसके बुरे कामों से अधिक होंगे। देखें: 7:8, 21:47।
Fahuwa fee AAeeshatin radiyatin	x	He will be in a pleasant life.	101:7	वह मनभाते जीवन में रहेगा	x
Waamma man khaffat	x	But as for one whose scales are light,	101:8	और रहा वह व्यक्ति जिसके वज़न हलके होंगे,	x
Faommuhu hawiyatun	Hawiya is “childless.” (Hawiya is one of the different levels of hell.)	His refuge will be an abyss.	101:9	उसकी माँ होगी गहरा खड्ड	हाविया का अर्थ है “निःसंतान”। (हाविया जहन्नम के विभिन्न स्तरों में से एक स्तर है।)

Wama adraka ma hiyah	x	And what can make you know what that is?	101:10	और तुम्हें क्या मालूम कि वह क्या है?	x
Narun hamiyatun	x	It is a Fire, intensely hot.	101:11	आग है दहकती हुई	x
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**At-Takathur (The Mutual Rivalry)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**102:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अत-तकासुर (आपसी प्रतिस्पर्धा)**
Alhakumu alttakathuru	This Surah was revealed about two clans of Quraysh: Banu Abd Manaf and Banu Sahm. The two clans heaped abuses on each other and this led them to count the respective chiefs and leaders of each clan in order to see which one of them had more.	Competition in [worldly] increase diverts you	102:1	तुम्हें एक-दूसरे के मुक़ाबले में बहुतायत के प्रदर्शन और घमंड ने ग़फ़लत में डाल रखा है,	यह सूरह क़ुरैश के दो क़बीलों—बनू अब्द मनाफ़ और बनू सह्म—के बारे में नाज़िल हुई। इन दोनों क़बीलों ने एक-दूसरे पर ताने और गालियाँ कसनी शुरू कर दीं। फिर उन्होंने अपने-अपने क़बीले के सरदारों और नेताओं को गिनना शुरू किया, ताकि यह देखा जा सके कि किसके पास ज़्यादा लोग हैं।
Hatta zurtumu almaqabira	Even they visited the graveyards and counted the dead ones as well.	Until you visit the graveyards.	102:2	यहाँ तक कि तुम क़ब्रिस्तानों में पहुँच गए	यहाँ तक कि उन्होंने क़ब्रिस्तानों में जाकर मृत लोगों को भी गिना।
Kalla sawfa taAAlamoona	x	No! You are going to know.	102:3	कुछ नहीं, तुम शीघ्र ही जान लोगे	x
Thumma kalla sawfa taAAlamoona	Allah says that all are preoccupied by love of the world, its delights and its adornments, and this distracts you from seeking the Hereafter and desiring it.	Then no! You are going to know.	102:4	फिर, कुछ नहीं, तुम्हें शीघ्र ही मालूम हो जाएगा -	अल्लाह कहते हैं कि सभी लोग दुनिया की मोहब्बत, उसकी लज़्ज़तों और उसकी सजावटों में उलझे हुए हैं, और यह चीज़ें तुम्हें आख़िरत को तलाश करने और उसकी इच्छा रखने से गाफ़िल कर देती हैं।
Kalla law taAAlamoona AAilma alyaqeeni	x	No! If you only knew with knowledge of certainty...	102:5	कुछ नहीं, अगर तुम विश्वसनीय ज्ञान के रूप में जान लो! (तो तुम धन-दौलत के पुजारी न बनो) -	x
Latarawunna aljaheema	x	You will surely see the Hellfire.	102:6	अवश्य ही तुम भड़कती आग से दो-चार होगे	x

Thumma latarawunnaha AAayna alyaqeeni	x	Then you will surely see it with the eye of certainty.	102:7	फिर सुनो, उसे अवश्य देखोगे इस दशा में कि वह यथावत विश्वास होगा	x
Thumma latusalunna yawmaithin AAani alnnaAAeemi	Allah will say on the Day of Judgement, "O Son of Adam! made you ride upon the horses and camels, I gave you women to marry, and I made you reside and rule (in the earth). So where is the thanks for that" **[Quran often debates from a Men's point of view.]**	Then you will surely be asked that Day about pleasure.	102:8	फिर निश्चय ही उस दिन तुमसे नेमतों के बारे में पूछा जाएगा	क़ियामत के दिन अल्लाह कहेंगे: "ऐ आदम के बेटे! मैंने तुम्हें घोड़ों और ऊँटों पर सवारी कराई, तुम्हें विवाह के लिए स्त्रियाँ दीं, और तुम्हें धरती में रहने और शासन करने का अवसर दिया। फिर इन सब के लिए तुम्हारा शुक्र कहाँ है?" **[क़ुरआन में अक्सर संबोधन पुरुष के दृष्टिकोण से किया गया है।]**
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Al-Asr (The Declining Day)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**103:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अल-असर (ढलता हुआ दिन)**
WaalAAasri	x	By time,	103:1	गवाह है गुज़रता समय,	x
Inna alinsana lafee khusrin	Allah swears by this, that man is in' (Khusr), which means in loss and destruction. Except those who believe and do righteous good deeds.	Indeed, mankind is in loss,	103:2	कि वास्तव में मनुष्य घाटे में है,	अल्लाह इसकी क़सम खाकर कहते हैं कि इंसान "ख़ुस्र" में है, जिसका अर्थ है नुकसान और विनाश में होना। सिवाय उन लोगों के जो ईमान लाते हैं और अच्छे तथा नेक काम करते हैं।
Illa allatheena amanoo waAAamiloo alssalihati watawasaw bialhaqqi	x	Except for those who have believed and done righteous deeds and advised each other to truth and advised each other to patience.	103:3	सिवाय उन लोगों के जो ईमान लाए और अच्छे कर्म किए और एक-दूसरे को हक़ की ताकीद की, और एक-दूसरे को धैर्य की ताकीद की	x
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Al-Humaza (The Slanderer)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**104:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अल-हुमज़ा (बदनाम करने वाला / घिनौना व्यवहार करने वाला)**

Waylun likulli humazatin lumazatin	x	Woe to every scorner and mocker	104:1	तबाही है हर कचो के लगानेवाले, ऐब निकालनेवाले के लिए,	x
Allathee jamaAAa malan waAAaddadahu	x	Who collects wealth and [continuously] counts it.	104:2	जो माल इकट्ठा करता और उसे गिनता रहा	x
Yahsabu anna malahu akhladahu	x	He thinks that his wealth will make him immortal.	104:3	समझता है कि उसके माल ने उसे अमर कर दिया	x
Kalla layunbathanna fee alhutamati	The word hutama is something which crushes everything that is thrown into it or a level of the Hellfire.	No! He will surely be thrown into the Crusher.	104:4	कदापि नहीं, वह चूर-चूर कर देनेवाली में फेंक दिया जाएगा,	"हुतमा" शब्द उस चीज़ को कहा जाता है जो जिसमें फेंका जाए, सबकुछ कुचल देती है, या यह नर्क की एक अवस्था को दर्शाता है।
Wama adraka ma alhutamatu	x	And what can make you know what is the Crusher?	104:5	और तुम्हें क्या मालूम कि वह चूर-चूर कर देनेवाली क्या है?	x
Naru Allahi almooqadatu	x	It is the fire of Allah, [eternally] fueled,	104:6	वह अल्लाह की दहकाई हुई आग है,	x
Allatee tattaliAAu AAala alafidati	x	Which mounts directed at the hearts.	104:7	जो झाँक लेती है दिलों को	x
lnnaha AAalayhim musadatun	x	Indeed, Hellfire will be closed down upon them	104:8	वह उनपर ढाँककर बन्द कर दी गई होगी,	x
Fee AAamadin mumaddadatin	x	In extended columns.	104:9	लम्बे-लम्बे स्तम्भों में	x
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Al-Fil (The Elephant)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**105:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान है।**	**सूरह अल-फ़िल (हाथी)**

Alam tara kayfa faAAala rabbuka biashabi alfeeli	A Christian ruler Abrahah led a force (that included elephants) to destroy the Kabah in Mecca. The guardians of the Kabah could offer no defense, but Allah sent flocks of birds who struck the invaders with stones. God has destroyed them in order to gather the Quraysh.	Have you not considered, [O Muhammad], how your Lord dealt with the companions of the elephant?	105:1	क्या तुमने देखा नहीं कि तुम्हारे रब ने हाथीवालों के साथ कैसा बरताव किया?	एक ईसाई शासक अब्राहाह ने मक्का में काबा को नष्ट करने के लिए एक सेना (जिसमें हाथी भी शामिल थे) का नेतृत्व किया। काबा के रक्षक किसी प्रकार की रक्षा नहीं कर सके, लेकिन अल्लाह ने पक्षियों के झुंड भेजे जिन्होंने आक्रमणकारियों पर पत्थर बरसाए। अल्लाह ने उन्हें नष्ट कर दिया ताकि कुरैश एकत्रित हो सकें।
Alam yajAAal kaydahum fee tadleelin	**[But Kaaba has been attacked by Yazid bin Muawiah, besiged in 1979 by Juhmaani al-Otaibi.. But nothing happened to them from heaven. Abu Tahir al-Jannabi took away the black stone of Kabah.]**	Did He not make their plan into misguidance?	105:2	क्या उसने उनकी चाल को अकारथ नहीं कर दिया?	**[लेकिन काबा पर हमला यज़ीद इब्न मुआविया ने किया, और 1979 में जुह्मानी अल-ओतैबी ने इसे घेर लिया। फिर भी स्वर्ग से कोई प्रतिशोध नहीं हुआ। अबू ताहीर अल-जनाबी ने काबा का काला पत्थर उठा लिया।]**
Waarsala AAalayhim tayran ababeela	**[Why would Allah protect Kabah, as at that time 360 idols were worshipped inside it.]**	And He sent against them birds in flocks,	105:3	और उनपर नियुक्त होने को झुंड के झुंड पक्षी भेजे,	**[अल्लाह काबा की रक्षा क्यों करेंगे, जबकि उस समय उसके अंदर 360 मूर्तियों की पूजा की जाती थी?]**
Tarmeehim bihijaratin min sijjeelin	**[How could small stones dropped by birds killed the elephants, and how so many elephants came in desert. Some historical sources say that his army was struck by small pox and returned home without attacking Mecca.]**	Striking them with stones of hard clay,	105:4	उनपर कंकरीले पत्थर मार रहे थे	**[कैसे छोटे-छोटे पत्थरों से पक्षियों ने हाथियों को मार डाला, और इतने सारे हाथी रेगिस्तान में कैसे आए? कुछ ऐतिहासिक स्रोतों के अनुसार, उनकी सेना पर चेचक का प्रकोप पड़ा और वे मक्का पर हमला किए बिना ही घर लौट गए।]**
FajaAAalahum kaAAasfin makoolin	x	And He made them like eaten straw.	105:5	अन्ततः उन्हें ऐसा कर दिया, जैसे खाने का भूसा हो	x

Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**The Quraysh**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**106:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**कुरैश**
Lieelafi qurayshin	Allah has favored the Quraysh with characteristics never given to anyone: The post of Caliph, the custody of the Sacred House, giving water to the pilgrims during Hajj, prophethood, victory over the army of elephants. **[Why would Allah favor one nation / race so much.]**	For the accustomed security of the Quraysh -	106:1	कितना है क़ुरैश को लगाए और परचाए रखना,	अल्लाह ने कुरैश को ऐसे विशेष गुणों से नवाज़ा जो किसी और को नहीं मिले: खलीफा का पद, पवित्र घर (काबा) की सुरक्षा, हज के दौरान तीर्थयात्रियों को पानी देना, पैग़म्बरी (नुबुव्वत), और हाथियों की सेना पर विजय। **[लेकिन सवाल उठता है: अल्लाह किसी एक क़ौम / जाति को इतना विशेष अधिकार क्यों देंगे?]**
Eelafihim rihlata alshshitai waalssayfi	x	Their accustomed security [in] the caravan of winter and summer -	106:2	लगाए और परचाए रखना उन्हें जाड़े और गर्मी की यात्रा से	x
FalyaAAbudoo rabba hatha albayti	Refer to the Kabah in Mecca, also called House of Allah.	Let them worship the Lord of this House,	106:3	अतः उन्हें चाहिए कि इस घर (काबा) के रब की बन्दगी करे,	मक्का में स्थित काबा, जिसे अल्लाह का घर भी कहा जाता है।
Allathee atAAamahum min jooAAin waamanahum min khawfin	x	Who has fed them, [saving them] from hunger and made them safe, [saving them] from fear.	106:4	जिसने उन्हें खिलाकर भूख से बचाया और निश्चिन्तता प्रदान करके भय से बचाया	x
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Al-Maun (Acts of Kindness)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**107:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अल-माउन (कृपालुता के काम)**
Araayta allathee yukaththibu	x	Have you seen the one who denies the	107:1	क्या तुमने उसे देखा जो दीन को झुठलाता है?	x

Fathalika allathee yaduAAAAu alyateema	This verse was revealed when an orphan came to Abu Sufyan asking him for something. He responded by hitting him with a stick. **[The same man was given a high post after he accepted Islam.]**	For that is the one who drives away the orphan	107:2	वही तो है जो अनाथ को धक्के देता है,	यह आयत तब नाज़िल हुई जब एक अनाथ बच्चा अबू सुफ़यान के पास कुछ माँगने आया। उसने उस बच्चे को छड़ी से मार दिया। **[वही व्यक्ति, जब उसने इस्लाम कबूल किया, तो उसे उच्च पद/सम्मान दिया गया।]**
Wala yahuddu AAala taAAami	x	And does not encourage the feeding of the poor.	107:3	और मुहताज के खिलाने पर नहीं उकसाता	x
Fawaylun lilmusalleena	x	So woe to those who pray	107:4	अतः तबाही है उन नमाज़ियों के लिए,	x
Allatheena hum AAan salatihim sahoona	x	[But] who are heedless of their prayer -	107:5	जो अपनी नमाज़ से ग़ाफिल (असावधान) हैं,	x
Allatheena hum yuraoona	x	Those who make show [of their deeds]	107:6	जो दिखावे के लिए कार्य करते हैं,	x
WayamnaAAoona almaAAoona	x	And withhold [simple] assistance.	107:7	और साधारण बरतने की चीज़ भी किसी को नहीं देते	x
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Al-Kawthar (The Abundance); Tafsir al-Jalalayn explains that "Kawthar" is a river in the**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**108:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**सूरह अल-कौथर (अत्यधिक बहुतायत / प्रचुरता) तफ़सीर अल-जालालैन के अनुसार, "कौथर" जन्नत का एक नदी है।**
Inna aAAtaynaka alkawthara	x	Indeed, We have granted you, [O Muhammad], al-Kawthar.	108:1	निश्चय ही हमने तुम्हें कौसर प्रदान किया,	x
Fasalli lirabbika wainhar	x	So pray to your Lord and sacrifice [to Him alone].	108:2	अतः तुम अपने रब ही के लिए नमाज़ पढ़ो और (उसी के दिन) क़ुरबानी करो	x

Inna shaniaka huwa alabtaru	This was revealed about al-As ibn Wail, who called the Prophet abtar (cut off) when his son al-Qasim died.	Indeed, your enemy is the one cut off.	108:3	निस्संदेह तुम्हारा जो वैरी है वही जड़कटा है	यह आयत अल-अस इब्न वाइल के बारे में नाज़िल हुई, जिसने पैग़म्बर मुहम्मद (स.) को "अबतर" (कट गया/विरामित)" कहा, जब उनके पुत्र अल-क़ासिम का निधन हुआ।
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Al-Kafirun (The Unbelievers)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**109:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**सूरह अल-काफ़िरून (अविश्वासी / इस्लाम से इंकार करने वाले)**
Qul ya ayyuha alkafiroona	x	Say, "O disbelievers,	109:1	कह दो, "ऐ इनकार करनेवालो!"	x
La aAAbudu ma taAAbudoona	This sura was a rejection of an invitation from the pagan Quraysh "Come You worship our idols for a year and we worship your Allah the following year. In this way, if what you have brought us is better than what we have, we would partake of it and take our share of goodness from it; and if what we have is better than what you have brought, you would partake of it and take your share of goodness from it."	I do not worship what you worship.	109:2	मैं वैसी बन्दगी नहीं करूँगा जैसी बन्दगी तुम करते हो,	यह सूरह उस प्रस्ताव के जवाब में नाज़िल हुई थी जो मूर्तिपूजक कुरैश ने दिया था: "आओ, तुम एक साल हमारे देवताओं की पूजा करो और अगले साल हम तुम्हारे अल्लाह की पूजा करेंगे। इस तरह अगर जो तुम हमारे पास लाए हो वह हमारी चीज़ों से बेहतर हुआ, तो हम उसमें हिस्सा लेंगे और उसकी भलाई का लाभ उठाएँगे; और अगर जो हमारे पास है वह तुम्हारी लाई हुई चीज़ से बेहतर हुआ, तो तुम उसमें हिस्सा लोगे और उसकी भलाई का लाभ उठाओगे।"
Wala antum AAabidoona ma aAAbudu	x	Nor are you worshippers of what I worship.	109:3	और न तुम वैसी बन्दगी करनेवाले हो जैसी बन्दगी में करता हूँ	x
Wala ana AAabidun ma AAabadtum	x	Nor will I be a worshipper of what you worship.	109:4	और न मैं वैसी बन्दगी करनेवाला हूँ जैसी बन्दगी तुमने की है	x

Wala antum AAabidoona ma aAAbudu	x	Nor will you be worshippers of what I worship.	109:5	और न तुम वैसी बन्दगी करनेवाला हुए जैसी बन्दगी मैं करता हूँ	x
Lakum deenukum waliya deeni	**[This verse has been abrogated by later Jihadi verses.]**	For you is your religion, and for me is my religion."	109:6	तुम्हारे लिए तूम्हारा धर्म है और मेरे लिए मेरा धर्म!"	**[इस आयत को बाद की जिहाद से संबंधित आयतों द्वारा निरस्त कर दिया गया]**
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**An-Nasr (The Help)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**110:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**सूरह अन-नस्र (मदद / सहायता)**
Itha jaa nasru Allahi waalfathu	When the Messenger (pbuh) returned from the Battle of Hunayn, Allah revealed in this surah about people entering in troops in the religion of Islam.	When the victory of Allah has come and the conquest,	110:1	जब अल्लाह की सहायता आ जाए और विजय प्राप्त हो,	जब अल्लाह के रसूल (स.) हुनैन की लड़ाई से लौटे, तब अल्लाह ने इस सूरह में यह प्रकट किया कि लोग झुंड के झुंड में इस्लाम के धर्म में प्रवेश करेंगे।
Waraayta alnnasa yadkhuloona fee deeni Allahi afwajan	When Mecca was conquered by Muslims, all of the neighbouring people rushed to the Messenger (pbuh) to profess Islam. The various regions were delaying their acceptance of Islam until Mecca was conquered. **[Here worldly success was unquestioningly equated with divine favor. So when Muslims gain in war, it is help from Allah and when they loose it is either their trial from Allah or their weakness of faith.]**	And you see the people entering into the religion of Allah in multitudes,	110:2	और तुम लोगों को देखो कि वे अल्लाह के दीन (धर्म) में गिरोह के गिरोह प्रवेश कर रहे है,	जब मुसलमानों ने मक्का पर विजय प्राप्त की, तो आसपास के सभी लोग इस्लाम स्वीकार करने के लिए अल्लाह के रसूल (स.) के पास आने लगे। विभिन्न क्षेत्रों के लोग इस्लाम को स्वीकार करने में तब तक प्रतीक्षा कर रहे थे जब तक मक्का विजय नहीं हो गया। [यहाँ सांसारिक सफलता को बिना किसी प्रश्न के ईश्वरीय कृपा के रूप में देखा गया। इसलिए जब मुसलमान युद्ध में जीतते हैं, तो उसे अल्लाह की सहायता माना जाता है, और जब वे हारते हैं, तो उसे या तो अल्लाह की परीक्षा या फिर उनके विश्वास की कमजोरी माना जाता है।]

Fasabbih bihamdi rabbika waistaghfirhu innahu kana tawwaban	x	Then exalt [Him] with praise of your Lord and ask forgiveness of Him. Indeed, He is ever Accepting of repentance.	110:3	तो अपने रब की प्रशंसा करो और उससे क्षमा चाहो। निस्संदेह वह बड़ा तौबा क़बूल करनेवाला है	x
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Al-Lahab (The Flame)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**111:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**सूरह अल-लहब (आग की लपट)**
Tabbat yada abee lahabin watabba	This surah is cursing prophet muhammad's (pbuh) uncle Abu Lahab and his wife. **[What is the point of including things which does not have an eternal message.]**	May the hands of Abu Lahab be ruined, and ruined is he.	111:1	टूट गए अबू लहब के दोनों हाथ और वह स्वयं भी विनष्ट हो गया!	यह सूरह पैग़म्बर मुहम्मद (स.) के चाचा अबू लहब और उनकी पत्नी को शाप देने के बारे में है। [ऐसी बातों को शामिल करने का क्या उद्देश्य है जिनमें कोई शाश्वत (सदैव रहने वाला) संदेश नहीं दिखाई देता?]
Ma aghna AAanhu maluhu wama kasaba	x	His wealth will not avail him or that which he gained.	111:2	न उसका माल उसके काम आया और न वह कुछ जो उसने कमाया	x
Sayasla naran thata lahabin	x	He will [enter to] burn in a Fire of [blazing] flame	111:3	वह शीघ्र ही प्रज्वलित भड़कती आग में पड़ेगा,	x
Waimraatuhu hammalata alhatabi	His wife carried wood and thorns and threw them in the path of the Prophet.	And his wife [as well] - the carrier of firewood.	111:4	और उसकी स्त्री भी इंधन लादनेवाली,	उसकी पत्नी लकड़ियाँ और काँटे उठाकर पैग़म्बर के रास्ते में फेंक देती थी।
Fee jeediha hablun min masadin	Means around the neck of his uncle's wife.	Around her neck is a rope of [twisted] fiber.	111:5	उसकी गरदन में खजूर के रेसों की बटी हुई रस्सी पड़ी है	इसका अर्थ है पैग़म्बर के चाचा की पत्नी के गले के चारों ओर।
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Al-Ikhlas (The Sincerity)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**112:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**सूरह अल-इख़लास (निष्ठा)**
Qul huwa Allahu ahadun	The Prophet (pbuh) was asked to tell about the lineage or discritption of Allah, and so this Surah was revealed.	Say, "He is Allah, [who is] One,	112:1	कहो, "वह अल्लाह यकता है,	पैग़म्बर मुहम्मद (स.) से अल्लाह की वंशावली या वर्णन के बारे में पूछा गया, तब यह सूरह नाज़िल हुई।

Allahu alssamadu	x	Allah, the Eternal Refuge.	112:2	अल्लाह निरपेक्ष (और सर्वाधार) है,	x
Lam yalid walam yooladu	This is a repudiation not only of Christianity but also of the “daughters of Allah” worshiped by the Quraysh.	He neither begets nor is born,	112:3	न वह जनिता है और न जन्य,	यह केवल ईसाई धर्म का ही खंडन नहीं है, बल्कि कुरैश द्वारा पूजी जाने वाली “अल्लाह की बेटियों” की धारणा का भी खंडन है।
Walam yakun lahu kufuwan ahadun	**[However, there are so many verses who talk about human features and characters in Allah.]**	Nor is there to Him any equivalent."	112:4	और न कोई उसका समकक्ष है।"	**[हालाँकि, ऐसी बहुत-सी आयतें हैं जो अल्लाह के बारे में मानवीय विशेषताओं और गुणों का वर्णन करती हैं।]**
Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**Al-Falaq (The Daybreak)**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**113:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अल-फलक (प्रात:काल / दिन की शुरुआत)**
Qul aAAoothu birabbi alfalaqi	Verse 113:1-5 is about the black magic cast on prophet (pbuh). see Sahih Bukhari 3175, 5766, 5767, 6063	Say, "I seek refuge in the Lord of daybreak	113:1	कहो, "मैं शरण लेता हूँ, प्रकट करनेवाले रब की,	आयत सूरह अल-फलक़ (113:1-5) उस काले जादू की घटना का संदर्भ देती है जो पैग़म्बर मुहम्मद (स.) पर किया गया था। हदीस सहीह बुखारी: 3175, 5766, 5767, 6063
Min sharri ma khalaqa	**[Allah has created evil.]**	From the evil of that which He created	113:2	जो कुछ भी उसने पैदा किया उसकी बुराई से,	**[अल्लाह ने बुराई को भी पैदा किया है।]**
Wamin sharri ghasiqin itha waqaba	**[Darkness contains the evil.]**	And from the evil of darkness when it settles	113:3	और अँधेरे की बुराई से जबकि वह घुस आए,	**[अंधकार में बुराई मौजूद है।]**
Wamin sharri alnnaffathati fee alAAuqadi	This refers to Malignant witchcraft. **[God has asked to avoid magic contradict 20:65-69, where Moses produce magic.]**	And from the evil of the blowers in knots	113:4	और गाँठों में फूँक मारने-वालों की बुराई से,	यह नुकसान पहुँचाने वाले जादू की ओर इशारा करता है। **[अल्लाह ने जादू से बचने का आदेश दिया है, जो 20:65-69 के साथ विरोधाभास प्रतीत होता है, क्योंकि वहाँ मूसा जादू दिखाते हैं।]**
Wamin sharri hasidin itha hasada	x	And from the evil of an envier when he envies."	113:5	और ईर्ष्यालु की बुराई से, जब वह ईर्ष्या करे।"	x

Bismi Allahi alrrahmani alrraheemi	**An-Nas (The Mankind); [Ibn Masud did not record the Muawwidhatayn (suras 113, 114) in his Mushaf (copy of the Qur'an).]**	**In the name of Allah, the Entirely Merciful, the Especially Merciful.**	**114:0**	**अल्लाह के नाम से जो बड़ा कृपालु और अत्यन्त दयावान हैं।**	**अन-नास (मनुष्य); [इब्न मसूद ने अपने मुस्हफ़ (क़ुरआन की प्रति) में मुअव्विधतैन [सूरह 113, 114] को शामिल नहीं किया।]**
Qul aAAoothu birabbi alnnasi	This surah is also regarding the black magic which was cast on prophet's hair and comb by a Jew named Labid ibn al-Asam. **[Magic is a superstition.]**	Say, "I seek refuge in the Lord of mankind,	114:1	कहो, "मैं शरण लेता हूँ मनुष्यों के रब की	यह सूरह भी उस काले जादू के बारे में है, जो पैग़म्बर (स.) के बाल और कंघी पर एक यहूदी नामक लबीद इब्न अल-आसाम द्वारा किया गया था। [जादू एक अंधविश्वास है।]
Maliki alnnasi	x	The Sovereign of mankind.	114:2	मनुष्यों के सम्राट की	x
Ilahi alnnasi	x	The God of mankind,	114:3	मनुष्यों के उपास्य की	x
Min sharri alwaswasi alkhannasi	The whisperer is Satan, who "whispers" and then when he is obeyed, he withdraws. **[Contradiction: Who misguides mankind: Allah 6:25, 28:56, 35:8, 10:100; Allah does not misguide 9:115, Shaytan misguides 4:119, 15:39, 114:4-5, Humans themself 6:12, 9:70, 30:9]**	From the evil of the retreating whisperer -	114:4	वसवसा डालनेवाले, खिसक जानेवाले की बुराई से	फुसफुसाने वाला शैतान है, जो "फुसफुसाता" है और जब उसका पालन किया जाता है, तो वह पीछे हट जाता है। **[विरोधाभास: भटकाव: अल्लाह मानवों को भटका देता है: 6:25, 28:56, 35:8, 10:100, अल्लाह नहीं भटकाता : 9:115, शैतान मानवों को भटकाता है 4:119, 15:39, 114:4-5, मानव स्वयं 6:12, 9:70, 30:9]**
Allathee yuwaswisu fee sudoori alnnasi	**[The brain is located in breast.]**	Who whispers [evil] into the breasts of mankind -	114:5	जो मनुष्यों के सीनों में वसवसा डालता हैं	**[मस्तिष्क छाती में स्थित होता है।]**
Mina aljinnati wa alnnasi	Mean Shaytan could be a Human or Jinn.	From among the jinn and mankind."	114:6	जो जिन्नों में से भी होता हैं और मनुष्यों में से भी	इसका अर्थ है कि शैतान मानव या जिन्न में से हो सकता है।